(म्यक्रीक्रीक्री

३३ **१० %**∫,ं

" प्रवत्तनां प्रकृतिहिताय पार्थियः सम्बनी अतिमहती न हीयतां।"

মূল্যে টাকা ত এম ব' ক' ১' } 'সন ১২৭৫। ২ রা বৈশাধা। ১৮৬৮। ১৩ ই এপ্রেল (মাফালে মাফালেম করিম বাবি অঞানি বাশ্যসিক ৫৯ টাবা।)

বিজ্ঞাপন।

ব জনাতন্ত্র ও ধার্ত্রীবিদ্ধী 🖡 उस क्षेत्र मुना र इहे छे कि। "

ই পুষ্ণকথানি ২০ যয়ও• **পৰিসাৰে এব**য়ন[া] हेशाएक वर्षिक कारक । क्षेत्रिय नीकियाँ मार्कित हे कार्य स्वद्धा एहर दे क रवस्य लिखिक श्रेशार है क्यों । । बिख्दकाउँवीय कास उ मिस्त विवर्धनी क्ष विश्वकारदेश विवेद ११०। अस्य प्य **ख**रिक स्मनरमां स्वरंग विवयन । शे**र्म्** ৯ জুসৰণীয় পীড়াও জাতাৰ হিকিৎসা। उद्यम्भक नाकामा क्राजी सम्हिता বলকণ ও স্থিতিটি লক সুভাই কৰ ना । १०। क्रींबिय अपेडी . १। शहनरेडी - काञ्चासिक "कार्ड। उर्देश क्रिकेश विष्

বাল প্ৰসৰ, এবং ত সুৰকীয় চু কংসা। স্তব্যের আবস্থে বিহুত কিটীপত্র ও স্কারে ভনীর ইংবাজী ও কটাব বা **অচলিভ শি**দ , এব॰ স্থানে স্থানে খোণিড 🚁 👺 । গিয়াছে। এই পুড়ক, কলিক হয়। গাবদাবত বৰ্গে বা ক'লেঞ্জীটুড়েব দুক্রা वरम दं । कि रात् कर्मान व महल मिलिए के . अवश्व म तम्ह कामाव निकंप श्री दृष्ट्

, १६५ माञ्चल । कार्ना ५८७ स्ट्रेट्स्स् হৈত্ৰ ৷ শ্ৰীকালনাচৰণ বাস্তণি ব कर 🕽 , गरिक विदित्ति व कि दि

क्षेत्रहास्याम स्मत्रहा ুকলিকাড়ায় পুলিন্দা ও গাটার मुक्त (मक्स संवस क्ष्येद्र मा ।

য়ান বেলওয়ে কোম্পান আগানী তল যে क्षविष के लुका छात्र साहित छ पुनिनन मकर मन प्यानाम अक्षानकार्य, इट्टिंड विव्रक क्रेट्रिंग।

সহলাঁচৰ বৈৰূপ হটবা থাকে, আৰমা - বাংটৰ क्षेत्रस्य म्यवर्ग शक्षां त्र नाहरित अञ्चलिकाः। स दत्र असार । जामुनिक वर्षान्य भन अस्या हरूरव । एवन केरबा मिला किर्देश नाम कारन्य नवाविक के मल क द्विक रमिया कि दिकाना स्विव के स्वता छाव श्रीतना है।

रविभिष्ठरंग (जिल्ला विरम्पान

বাৰীপাঞ্চ পট ব'কো श्विद्याद्वाद्व

्माद्यप्रा करिया विकास क्षेत्र मधुन । ৰ বিবৰণ ও পুতুৰ্বাঞ্চণ । ১৪। গভণাত । এই কৈ তথান্ত মিসন্তেই ইড ন ই আৰ্থিনে डेलार नमुनो त**र्विट्ड अन्**डेश्र[ी] साम्न चवर येकि। বাংহাব শ্রারেগুজন হয় 🚵 আধিদেন অন্ত্রাতপত্র

कृति। स्टब्स् क्रिक्रिक्षे कार्यामान के कार्या कर करें कि विद्राला कर कि किक भूब अध्यारिम क्षेत्र में इके मध करिया । नक्षेत्र भाविष्टियान श्रका**द्व प्राप्त क**रेष्ट्र'राइ । ५८ अक वर्टर द^{*} .तम स्विमानक व्यनी कि ग्रा । इंशा उन्मन सही र् केंच श्रूबार्ने छ छे अध्यान वा गान प्रध्य भगरन अध् अपिक कि विशेष के हान। कारकः ११ सम २० विशेष - र শ্বুধার**্লভ্রা**দ ও জীধরকোতানিকত **জ**ব**্**সনে ১ मुद्धिक श्रेटक्टक , ब्यांबाजी ३ ना देवनाथ दिखन भारत हैर्टि । विभि हेर्नि व्यक्ति विकित्त स्थाप থী হ্ম ডিনি কলিকাড়া সংস্কৃত বিদ্যাও য় ব গ্ধান্ধকী, আনু করা বাইভেছে ইইইভি মার নিকট শস্ত্র ডাক্মাওল ও প্রণভবতের মূল।

ক্রিমাণ অস্ট খনা ক্রিয়া পাঠাই যাঁ হা বা নিশ্মিত গ্রাহক্তপ্রতী কুজ নছেন, . भ । भिक्ते शहाकाक वाल प्रशंस ८ **अव** १८५ जिल्हा करा शहरवा

æ45 ‡ n•

े 🖺 स्रशासास्य 🦮

म् ऋ ७ (म्र्सिन टकाय अन्तर मेट्स) সমেত উএম নালবাক্ষবে বরপুর্মীক মুদ্ ভেছে। যিনি আহিক হটাভে ইন্ডা ববেন, हाका कारमस्यतं मन्यु उ व्यवसायक जीग्य *লেমিনাথ মুৰোপাধ্যায় মহালয়েব নিকট ক লক্ষ্মতা সংক্ৰেড বিদ্যালয়ে বা কাৰ্য गरक क्यांबाद विक्र श्रे श्रे भागित्वत्व । **अभगत्याञ्च** भ म अर् उ विकासिय ।

दिम्हर्यक्षा

বৈ৷বুটুলিয়া ধন্মসভা হইতে আগামী মাসাবধি উক্ত ন মে একথানি সাপ্তাহিক প্রচাবিত হইতে থাকিবে। ভাষা किन्धु मशा देखह किना जा महानुस् व्याक्षा प्रदेश प्रकार नीत्र १ व स्थान दिन वार्थिक वार्थिक

> অভ পুৰবা সনী ৮ শ ,लक्द, १ दें १

्रक्र व'क्शक च्या ं । अ ^ - 1.48 (mr + 4 없는지 » -(मक्ष्मकी निद्धार्थः

(म्यक्रीक्रीक्री

३३ **१० %**∫,ं

" प्रवत्तनां प्रकृतिहिताय पार्थियः सम्बनी अतिमहती न हीयतां।"

মূল্যে টাকা ত এম ব' ক' ১' } 'সন ১২৭৫। ২ রা বৈশাধা। ১৮৬৮। ১৩ ই এপ্রেল (মাফালে মাফালেম করিম বাবি অঞানি বাশ্যসিক ৫৯ টাবা।)

বিজ্ঞাপন।

ব জনাতন্ত্র ও ধার্ত্রীবিদ্ধী 🖡 उस क्षेत्र मुना र इहे छे कि। "

ই পুষ্ণকথানি ২০ যয়ও• **পৰিসাৰে এব**য়ন[া] हेशाएक वर्षिक कारक । क्षेत्रिय नीकियाँ मार्कित हे कार्य स्वद्धा एहर दे क रवस्य लिखिक श्रेशार है क्यों । । बिख्दकाउँवीय कास उ मिस्त विवर्धनी क्ष विश्वकारदेश विवेद ११०। अस्य प्य **ख**रिक स्मनरमां स्वरंग विवयन । शे**र्म्** ৯ জুসৰণীয় পীড়াও জাতাৰ হিকিৎসা। वस्त्रक नाकामा क्राजीसन है।। বলকণ ও স্থিতিটি লক সুভাই কৰ ना । १०। क्रींबिय अपेडी . १। शहनरेडी - काञ्चासिक "कार्ड। उर्देश क्रिकेश विष्

বাল প্ৰসৰ, এবং ত সুৰকীয় চু কংসা। স্তব্যের আবস্থে বিহুত কিটীপত্র ও স্কারে ভনীর ইংবাজী ও কটাব বা **অচলিভ শি**দ , এব॰ স্থানে স্থানে খোণিড 🚁 👺 । গিয়াছে। এই পুড়ক, কলিক হয়। গাবদাবত বৰ্গে বা ক'লেঞ্জীটুড়েব দুক্রা वरम दं । कि रात् कर्मान व महल मिलिए के . अवश्व म तम्ह कामाव निकंप श्री दृष्ट्

, १६५ माञ्चल । कार्ना ५८७ स्ट्रेट्स्स् হৈত্ৰ ৷ শ্ৰীকালনাচৰণ বাস্তণি ব कर 🕽 , गरिक विदित्ति व कि दि

क्षेत्रहास्याम स्मत्रहा ুকলিকাড়ায় পুলিন্দা ও গাটার मुक्त (मक्स संवस क्ष्येद्र मा ।

য়ান বেলওয়ে কোম্পান আগানী তল যে क्षविष के लुका छात्र साहित छ पुनिनन मकर मन प्यानाम अक्षानकार्य, इट्टिंड विव्रक क्रेट्रिंग।

সহলাঁচৰ বৈৰূপ হটবা থাকে, আৰমা - বাংটৰ क्षेत्रस्य म्यवर्ग शक्षां त्र नाहरित अञ्चलिकाः। स दत्र असार । जामुनिक वर्षान्य भन अस्या हरूत । एवन केरबा मिन किरिन नाम कारन्य नवाविक के मल क द्विक रमिया कि दिकाना स्विव के स्वता छाव श्रीतना है।

रविभिष्ठरंग (जिल्ला विरम्पान

বাৰীপাঞ্চ পট ব'কো श्विद्याद्वाद्व

्माद्यप्रा करिया विकास क्षेत्र मधुन । ৰ বিবৰণ ও পুতুৰ্বাঞ্চণ । ১৪। গভণাত । এই কৈ তথান্ত মিসন্তেই ইড ন ই আৰ্থিনে डेलार नमुनो त**र्विट्ड अन्**डेश्र[ी] साम्न चवर येकि। বাংহাব শ্রারেগুজন হয় 🚵 আধিদেন অন্ত্রাতপত্র

कृति। स्टब्स् क्रिक्रिक्षे कार्यामान के कार्या कर करें कि विद्राला कर कि किक भूब अध्यारिम क्षेत्र में इके मध करिया । नक्षेत्र भाविष्टियान श्रका**द्व प्राप्त क**रेष्ट्र'राइ । ५८ अक वर्टर द^{*} .तम स्विमानक व्यनी कि ग्रा । इंशा उन्मन सही र् केंच श्रूबार्ने छ छे अध्यान वा गान प्रध्य भगरन अध् अपिक कि विशेष के हान। कारकः ११ सम २० विशेष - र শ্বুধার**্লভ্রা**দ ও জীধরকোতানিকত **জ**ব**্**সনে ১ मुद्धिक श्रेटक्टक , ब्यांबाजी ३ ना देवनाथ दिखन भारत हैर्टि । विभि हेर्नि व्यक्ति विकित्त स्थाप থী হ্ম ডিনি কলিকাড়া সংস্কৃত বিদ্যাও য় ব গ্ধান্ধকী, আনু করা বাইভেছে ইইইভি মার নিকট শস্ত্র ডাক্মাওল ও প্রণভবতের মূল।

ক্রিমাণ অস্ট খনা ক্রিয়া পাঠাই যাঁ হা বা নিশ্মিত গ্রাহক্তপ্রতী কুজ নছেন, . भ । भिक्ते शहाकाक वाल प्रशंस ८ **अव** १८५ जिल्हा करा शहरवा

æ45 ‡ n•

े 🖺 स्रशासास्य 🦮

म् ऋ ७ (म्र्सिन टकाय अन्तर मेट्स) সমেত উএম নালবাক্ষবে বরপুর্মীক মুদ্ ভেছে। যিনি আহিক হটাভে ইন্ডা ববেন, हाका कारमस्यतं मन्यु उ व्यवसायक जीग्र *লেমিনাথ মুৰোপাধ্যায় মহালয়েব নিকট ক লক্ষ্মতা সংক্ৰেড বিদ্যালয়ে বা কাৰ্য गरक क्यांबाद विक्र श्रे श्रे भागित्वत्व । **अभगत्याञ्च** भ म अर् उ विकासिय ।

दिम्हर्यक्षा

বৈ৷বুটুলিয়া ধন্মসভা হইতে আগামী মাসাবধি উক্ত ন মে একথানি সাপ্তাহিক প্রচাবিত হইতে থাকিবে। ভাষা किन्धु मशा देखह किना जा महानुस् व्याक्षा प्रदेश प्रकार नीत्र १ व स्थान दिन वार्थिक वार्थिक

> অভ পুৰবা সনী ৮ শ ,लक्द, १ दें १

्रक्र व'क्शक च्या ं । अ ^ - 1.48 (mr + 4 없는지 » -(मक्ष्मकी निद्धार्थः

ার। বছৰাজ্ঞার ১২৩ নং ভীৰত্র রবসন-रावत नश्वनिभेनीत **्रिक्ष** चारवसम् कति । राजाना उदेश्यामी नाहिना अवर शर्या-। (मनारमन कन्य निकी कहान रहा। া বেত্তমীর মিয়ম।

ভাবে প্রক্রার শিক্ষাদিতে হটলে शिक्षिमारम व পাঁচ টাকা। **চই বার শিক্ষ: দিতে হ**ইলে विकिमात्त्र ৮ काउँ होका। जिम बाव भिकाभिएक इहेरल **প্রেমানে : ১**> বার টাকা। कि इस्टेस भिक्साओं अद सारम हुई मुन्ते। ম'ধক দূর হইলে ভাষা অপেকা কিঞিং ोल शाकिर न देखि।

গ্রামাদিলের যন্ত্রালয় কলিকারা মুক্তাপুরু ष्टे कि रहे २२ मण्या वानीत्य देशिया.आसी

জীবছগোপাল চট্টোপাগ,ায় এবং কোর :

বিকাতা সংস্কৃত লাইজেরী এ 🐙 লেছ ১১ সাখ্যক ভবনে ঐ্যুক্ত ব্রুদাপ্রসাধ एरन पुणकासारम, किंग्यूक साबु (PCASE ণ চেপ্টিএলডে "তত্ত্ব**কাৰণ** क्षेत्रहरू ।

PE 191 C5 4

1

<u>ভীবাফানো≉# বস্তু</u> 414

अनीवाशीवनिष्य माहकः

par a ap biat i

नुष्यक अध्यक्त दिया दर्शन ্রিরাকর প্রে: শিংক লাক । শতিয়া বার (মূল্র ১) - জন্তি। स्टात शुक्रकामा विकास र व्या

বিজ্ঞা নি**ল্ল অন্ই**নের কাইচার ঘ

ส ค**พ** ...

ইইদারণ্যু**র্ক** উপনিষ্ রাজগারাস মোহন রায়কুত ৭ খানি ইং এছ 🍇 বেণীসংহার নাটক

বেণীসংহার নাটকের অবভর্গিকাও শুদ্ধি পত্র জাপা ক্ইয়াছে, ঘাহারা ক্রেও মা ও সমূ थ छ नहेग्राटइन, साँहाता व्यामाटक अध्यान मिटन আমিইছা পাঠাইয়া দিব, পঠাইবার খরচ ভাঁহ'দের লাগিবে না।) শ্রীকেদারনাথ বঙ্গেরাপাধ্যয়, পুস্তকব্রিক্রেণ্ডা।

ভক্ত বিস্যা।

প্রথম গাল্প এক টাকা প্রতিষ্ঠ হয় আনাতি জভীয় খও,ছয় আনোগ একতা এবলৈন একটোকা, খাট কানা। কলিকাতা আদি বাসা मुद्रांड कुछन नहसू विक्रमुख्न अपन नहर ।

অতিয়াই কৰ্ষীৰ ধনি গ

काम्भ हेश्राट महास्थित हेन दिनाधानक दिनाध गक्रम भक्ताम अक्षा व्हेम्सक । मूला आर्रेका कवि কাতা প্ৰাক্ষান মাৰ্কে, সংস্কৃত লাইক্ৰেকিটি এবং वर्षमादन स्वीमात विकटणे श्री छन्ना याहरन। 👉 वर्केगान । श्रीत होमध्यभाग स्वीत्र निधि 🕊

ুচ রিচেমজরী।

্র ক্ষাও ভারতুবর্দের কভিসার্গীপ্রসিদ্ধ গ্রের্নি? '(समहत्तित " क्रीचनक्रकात्रमधीक्ष , मर्शक्र ই (তথ্য । ইইাতে পিউটিনির ক্রার্ক স্থিতির, व कि इरियादका, अरे अ कि के मेर्र मिया और अह क ाइत श्रुप्तकातिकः अवर अद्यापात्र दिक्क ७४ 1° २५४ : (द्वाकृति **श्रीक्षांत्रश्यक्त्र शहरत तिकट**े ।

सलक्ष्मग्राक्षी साहक यादा **ष्ट्रीनर्दश्**न याह्य বিক্য়াণ এক্সত, भूतः अकिता (কলিকাতা (মাড়াস্ট্রা ৬৪ নং জীপ্রভাপ*চন্দ্র রা*ই'ু

নান প্রকার দেবনাগব অকর বিজ্ঞার্থ আছে টিজে দেকারের নিয় জিখিত মুলাবান ক্র ৫০০ 🔻 হাছার প্রয়োজন হয়, তিনি কলিবাভা সংস্কৃত্ব সম্পত্তি জেলা চরিন পরগুলার 🕸 যুক্ত জল স্থা e कारमारण क्रीयुक्त चातकामाथ विम्याक्ष्यर श्री (देश विद्यातामार क्रायक) रक्षेत्र कर्महाती विश्

১১ নিকটে জন্মসকান করিলে 'বিশ্রেষ জানিতে পারিবেন ৷

> ঠন**ঠনিয়া সংজ্**ত পুশুকালরে ভ ভাজা ৰাভূঁষে; এলোর কোম্পানির কোঁকা প্রথাত ও মংপ্রচারিত নিয়**লিগ্রিত পুরু** বিক্রেয় ইইন্ডেক্ছে:---St. of Page এ°সই ডিহান রোমই,ডহাস ভূষণসার ব্যাকরণ

নীডিগায় () মভাগ) 🟲

নীজ্ঞিার (২য় ভাগ)

शहरं 👺 🗷 ।

মুজবোদ কাক্রৰ উ. ছারকানাথ শর্মা

্ ভূমিবিক্রয়।

भू अके साह्य **आवा**त्रा । दिश्व स्टांट कराः व द्र**क्ट** स्व च अम इक्की छ न! ट्रिन — 22 पि প্ৰবাৰ ট্যানুদ পেটে কোম্পানী লিমিটেড माककिमात्र शहरकाहि विहालानरसत ১৮ ক্রীদের : ১ ডিসেম্বর দিবলীর ভিক্রী জা উজা দি**লানা**রর নিয়লিখিত মূলবোন **হা**ংর ङ रीवलो किंदिय में भवत्रानात है, युक्त रूका गाइर বৰ্চারশিল্য উক্লেডঃ কোন কথ্নতারীর হ মাগ্রেমী ১৫ ই এখেলু, বুধবার দিবা ছ. घ हो । भेते मुकारणका अधिक मुसामाउ ষিএীত হইটো ইভি।

ুড়ি **ংশান্ত লালে বিজা** বৰ্জিবিজানুকে নং হোলডিং ভুক আঠ টুকে: বুজেব বুজেন ১১।৮/৭॥ বিহালদী ভ**ন্ন**পরি স্কিট্র ইনারত জাদিতে উক্ত দেনদার: ্ৰী অন্ত ভি লভ্য অংছে ।

এফ ব্যক্ষাই

ভূমিবিক্রয়।

এত ছারা সর্ক্রসাধারণকে জ্ঞাত করা যাই ভেঁছে যেশকালীপ্ৰসাদ দাস-প্ৰতিপক্ষ গ্ৰি শীশচন্দ্রায় এই মকক্ষায় এ জেলার 🖼ত সোমপ্রকাশবল্প করে ও কেন ও কেন সভিত্ব প্রধান সভরামিনী বিচারালয়ের किनो आहि। - 19.—

আগামী ১৬ ই এপ্রেল বৃংস্পতিবার দিব। দাদশ মাটার পর সর্বাপেকা অধিক মূল, লাডাকে বিক্রীত হটবে ইভি।

ি পঞ্চ প্রামের জান নগন বেলেপুগুব আমে চ আও ডিবিজান বিং সব চিবিজ্ঞান ৬২। ৬৮ নং হোলডিং ভুজ ৫২। ১৮ টাকা ডালেপ মুক্ত ২৬/ বিদ্যা জমীর মধ্যে আপুসানিক ৬/ বিশা জনীতে উক্ত দেনদানের যে ব্যাপ্ত লাভ্য

কেলা চ্ছিশপ্রগণার জন্ম আনালিত সম ১৮৯৮ সাল ভাব ৯ ই এট্রলী

এক, ব্ৰুক্টি **অঞ**

এতদ্বারা সক্ষাণারণকৈ জ্ঞাত করা যাই
তেতে, যে ইম্রচন্দ্র ছগড়— প্রতিপক্ষ ভারাচাণ

ক. কোড়া মল হলড় দৌলতচান হলড় এই
গোকদ্মণর কেলা মুরদীদাবাদের জ্ঞাল সাকে
কের বিচারালয়ের ১৮৩৭ সালের ২০ সেপ্টেম্বর
নিবদীয় ডি ক্রী জারিতে উজ্জালেনারের নিয়
লিখিত চুলবেন স্থাবর স্পাতিতে উজ্জালেনারের নিয়
লিখিত চুলবেন স্থাবর স্পাতিতে উজ্জাদেনার বিদ্
রানের যে অহ ও লাভা ভাঙে, জ্ঞাচ চরিক্ষ পর
গান্য ক্রিয়ুক্ত জ্ঞান্তেবের বিচাবালয়ে স্ক্রেড।
কোন ক্রিয়ালীর দ্বারা আগানী ১৭ এপ্রেল

--- 0 :---

ুনং লাট। ডিড পঞ্চার প্রাণের চিংপুর পুর্বানে ১ আন্ত ডিবিজান র পর ডজান ১৮৬ নং ছোল উদ্বের অন্তর্গত ১৮ টাকা ভাষাযুক্ত নং কঠি। জমীর নৌর্দী জমা ভ ইমারত কালি।

শুক্রবার দিরা ছাদশ ঘটার পর স্থিপেন।

অধিক মূল্যোভাকে বিস্কৃতি হইবে ইতি।

২ মংলাট। উক্ত তাংমের উক্ত তাও ও স্বভিক্তান ১৮৩:১ মং হোলাভিক্তের অন্তর্গত ৭॥ টাকা জমাযুক্ত ॥৪ কাটা জমীর মৌরসী তামঃ ত ইমায়ত আদি।

্ডেলা ২৪ প্রগণীর হড়ে অ'দোলত সম ১৮৬৮ সাল ডাং ৯ এড্রেল

এক, বাক, ই ভাঙা

- - व्याप्ति ।

भूत प्रेक्षण भेरते । भाई भागा १६० व्हेरण २३ व अम्ब्र कोशियशीन नेतृ गर्भ दशाह

- 🕶 লেব সংখ্যাই হ বিশেষ্টি।

ু আহ্বানের নান কুটা ব

মহানার উপর প্রান্তিতে 📑 🤌

"সহানায়

प्रथा ब्हेर्फ समित्र (१७॥ महिल)मास २०००० ४

কাটয়: হইতে নদীয়া পৰ্যক্ত (৪৩ মাইলেব মধ্যে

গন ১৮ ৮৮ এলেল সালেব ৪ সৈ ভারিখেব বছর মপুর ১জ সাটের জালেব সাপ "ফিট ইজি

সি**চ** হপুৰ ৪ ∭ - পিংল ১৮৬৮ :

এক হৈ চিট্টেটিৰ উলিখন মাধ্যন মপুৰ ডিবিখন

সোনপ্রকাশ।

২ রং বৈশাখ সোমবার।

১২৭৪ **অন্দের সংক্রিপ্ত বিবরণ** ৷

্বেশ্বকে ধন বাদ দিয়া ও প্রাচকগণের নিকটে ক্রচজনে প্রকাশ করিয়া নুতন বনে প্রেরত হইলাম। প্রাচকগণ সর্ক্রমান ধারণের সহিত বর্তিমান বর্ষ স্থের জাতি-বাহিত ক্রেন, আমাদিপের এই অক-প্ট প্রার্থনা।

১:৭৩ অফ টা অতি ভয়ানক বংসর।
ছড়িলনিবল্ল অসংখ্যা লোক প্রাণ্ডার্যার
করিয়াছেল। গতব্বে গবর্গনেন্ট ছড়িক্ষের প্রকৃত কারণ অনুসন্ধান করিয়া
ভবিদ্যতে যাহাতে এপ্রবাব ঘটনা না
ঘটে, সেই উপায় অবলম্বনের ইচ্ছা করেন;
কিন্তু এ পর্যান্ত ভদনুসারী কার্যা কোপাও
আয়িক হয় নাই। অতএব ২২৭৪ অন্ধকে
একা শে উদ্যোগের ও অন্যাংশে উদ্যান্তির বংগর বলিয়া গ্রনা করিছে
হয়।

গত বংশন দর শিশিল বীজন থার
গর নাই নিন্দিত, ধিক্রত ও তিরক্ত

ইইয়া এদেশ ভাগে করিয়াছেন এবং
মহামতি উইলিয়ম গ্রে শাহেব লেপ্টন্ট
গ্রের পদে অধিষ্ঠিত হট্যাতেন ।
ইনি শাসনকর্তা হইবার অব্বেহিত পরে
ক্ষেত্র আসাম দর্শন করিতে গনন
করেন এবং কোন কাজই এগা স্কুচ্কে

়না দেখিয়া করেন নাু। সর বি वीष्ठरमञ् समस्य कवाकाञ्चित्रमान বিষয়ে যে বিশ্বালা ছিল, তো তাহার অনেক উৎক্য সাধন করিয় ফলতঃ এক জন স্পার্থ ভনু লোক দিগের শাসনকর্ত্তপদে অধিক্তিত (इन,, मक्रवत कड़े आहात म क्याबाद्धाः । উত্তর । निष्याकृत्वतः । নতী গৰণৰ ভূষও সংহেৰ পদ করাজে দর উইলিরম মুর মান্ডের স भारेशार्टन । छ त्रख मारह्य ८ क्वल অভিবাহিত করিয়া গিলাছেন मधा ভाরতবর্ধের প্রধান ক্মিদার কারেল সংখ্যে পাঁড়িত হ্ইয়া लहेश हेल्लार अभाग करिकारहरा। শহকে খানা কোন পরিবঠ হয় কিন্তু গৰবর জেনরল একটা অন্যাত্ত য়াছেন। উচ্চার অধীন প্রধান শকল নিয়ম**ৰ হিডু**' 5 পঞাৰী কয मिश्रदक (में 38) म्हेंब्र्रिक । ब्रा**क्य**य ণেকেটাবির পদভির আ**ে সক**ল वल्लानीय गिवितियापिक्ता क्य লওয়া চইয়াছে। ইহাতে শেষে ই চারিগণ অধস্থ के ४३वा(४० ।

 র আবেশ্যকত। স্বীকার এবং দট সাংহৰ মহা**সভা**য় এ বিস– প্রস্তাব করিয়া**ছেন**় সিধিল বস ভিন্ন আনর এক**টা ও ফু**তব বিসহৈর াব ইইয়াছে। প্রতিবহসর এ দেসেব

য় রুক্তি **হই:ভেছে, তথ**াপি অকু । যাইতে**ছে না। ধর্তমা**ন গ্রণ্র জেন রে আগমনা**ৰ্ধি বিত**র ব্যের্দ্ধি লাছে বি**শেষভঃ দে**নাদলের বায়ের া নাই। **সকলে উ**হাতে অনস্থাট া এতিনিধি প্রণালী ডাপন করিবার

গাণ্র জেনরল গত বংগর অচিs কর্মচারীদিগের ঞাতি একটা স্থাবি-করিয়াছেন। নিয়মণ্ডির্ভু ত প্রদেশের চন্ত্রিত কথচারিপণ সঙ্কারী ক্ষিমনর

ভ্রার প্রকাশ করিতেছেন।

। ছ হইতে পারিবেন। কিন্তু এমন उटमन हो अ वाश्वाह अविद्यहतः সেকলিয়পত হ্ইয়া:ভাভিনি আবাজডা **गट्या, त्य कारन हे**क्टबालीश क्रिन ধান অধিক হইবে, তপায়ে এতকে শীয়

কারী কমিণনরগণ নিযুক্ত থাকিতে রিবেন না।রাজনীতি গমুকো এপ্রকার তিভেবের ফুলা শোচনীয় বিষয় আর .च्याट्ड > रवश्षीतले शःर्वत ८थ मःर≢व ্মাফিটেট্টনিয়েগের পর্বাকা **াঁলী প্রবভিত** করিয়াভেন। এ প্রতি

निशासम्भाष्ट्रमाद्व । निरमाश १३ - 🔐 तिक प्रकारत हो। (सार्तक आर्व व मुक्क स्वेद्र फट्ट । अ बाह्य याँ क्लान्टन व क्तिक दिल्ल के विकास कि कि कि व्यक्ति व्यक्ति विकास कि विकास कि कि विकास कि कि विकास कि कि विकास कि कि कि कि क

ারণই কে**বল পত্নীকা দিতে** পারি-ব এবং কভকতালি পদ ইউরোগীয় গর জনা সভন্ত রাখ। হইবে।

প্তবংশঃ যুদ্ধাদি ঘটনার মধো মাজ হয়, 🦠 গবের শীমান্থিত বাজ্টী ভিরি**টিশ** ^মীুম। অভিক্রম করাজে াকুশ্ত **বৈন্**তি ছোদিলের পণচাসা-ন হয়। কিন্তু হৈন্যগণ প্ৰক্ত প্ৰবিষ্ট

হওয়াতে টুলনাগণ অক্লতকার্যা হয়। এক कन चांकिमत ७ ३३ कन रेमनिक थान ত্যাগ করিয়াছেন। বনেরা অস্যাপি অশানিত রহিয়াছে।

गवर्ग**रम्ट**ने विद्याली इस्मिनी डि ঘটিত কার্যোর মধো মহীকুর প্রভাপণি প্রধান। রদ্ধ রাজ। সম্প্রতি প্রাণত্যাগ করিয়াছেন। তিনি দশ বংসর পূর্বের আনেত্যার করিলে ঐ রাজ্য বিটাশ সাভাকাভুক ইইত সন্দেহ্নাই। কিন্তু গ্ৰণ্র জেনরল ঘোষণা করিয়াদিলা ছেন, মৃত রাজার নতক পুর এবধবাব হার হইলেই ভাঁহার হজে শাদনের ভার দেওয়া হইবে । টক্ষের নবাৰ মহমুদ भानी अम्बीनम् लाउनात क्रीकृत्रक दश করাতে গবর্গ জেনরল ভাষাকে পদচুতে করিয়া ভণীয় পুত্রকে সিংখাসন প্রদান করিয়াছেন। এতদ্বারাও এই প্রতিপন্ন করা হইয়াছে যে, গ্রণ্মেন্ট আর এত. দেশীয়রাজাঞাহণ করিবেন না। জয়পু রের রাজা শাসনগয়:কা অনেক উন্নতি সাধন করিয়াছেন: ভারতব্রীয় ব্যবস্থা পক্ষভার নাায় এক ষভা হইয়াছে: সভোৱা ব্যবস্থাপ্রনাও শাসনকার্য্য कतिया थाटकन। त्राक्रम, विमान्धिका েড়েভি সকল বিষয়েই ঐ রাজ্যের উন্নতি नद्रमर्भाष्ट्र व्हेरङर्हा व्ययुश्ह्रत नः।य ত্রিবাঙ্গুরের **অবস্থাও প্রীতি**কর। রাজা **७ डलीस (मंख्यारमह यट्यु मक्ल विस्ता**म् शात क्रिद्रीक्ष इंडेटल्ट्ड। मार्फ निशित्त স**স্প্রি এই রাজ**েদর্শন করিতে গিয়া প্রীতিলাভ করিয়া আদিয়াছেন। গোরা লক্ষিত ইইতেছে না। নবাব সালারজন্ধ নিজামের রাজ্য শাসনবিষয়ে সম্প্রতি কতকগুলি সহুপায় অবলম্ব ক্রিয়াছেন।

ভিনি ক্লভবিদ্য লোকদিশের হস্তে বিচার

ও শাসনের ভার দিয়াছেন। আংগীল

ভাবণের নিমিত একটা প্রধান বিচারালয়

সোমপ্রকাশ। ক ২ রা বৈশাধ ১২,৭৫।

কর্মতে ক্রিনাগণ অক্তকার্যা হয়। এক হইয়াছে এবং রাজস্বসংক্রাস্ত কর্ম দিশের বেতনর্দ্ধি করিয়া রাজস্ব লীর উৎকর্ষনাধন করা **হইয়াছে।** तिहार्ड **डिम्लान एवं करत्रक म**ि ए ডেণ্ট ছিলেন, তাহার মধ্যেই অধিব উন্নতি হয়। ভিনি যে **অনেকগুলি**র ^ট বন করিয়াছিলেন তাহাবলা থার ওজারটের র:জা আগবায় ও শাং विশृश्रन। निवक्तन विश्वी छ इहेशारहन নিকোধ রাজজুমার স্ভ্রুতি ৪০ টাকা ধায় করিয়া মকায় এক চন্দ্র েরণ করিবার মান্স করিয়াছে ঠাহার রাজ্যনের সকলই বিশ্ সুবিচার নাই। আক্ষেপের বিষয় গ্রণ্মেন্ট সতুপদেশ এদান ও ङ. मर्भागिषिषाता हे शाँदक मर প্রবৃত্তি করিছেছেন না। অযো রাজা ধূর ও ংশভয়শূন্য চাটুক গের দাং৷ বেউডিড হইয়া অভিশং এন্ত হন। কিন্তু কর্ণেল স্থারবার্ট ও আমীর আলীর যত্নে ভাঁহার ৫৬ টাকা ঝণ পরিশোপ €ইয়া ৮ ठेकित प्राकृत्दिशाटक। ब्राहेन म ব্যবস্থাপক মভায় এই প্রস্তাব কা एक, हाजारक विन वर्क्क निर्देश, অদোলতে নালীশ করিতে পারি a1 ,

> ১২৭৪ অন্দৈর অর্জপর্যান্ত উং ছ্ভিক ছিল। গ্ৰণ্মেণ্ট তথায় **বি** চাউল প্রেরণ এবং বিশেষ কমি মলোনি সাহেব বথোচিত পরি করিয়া অনুহীন লোকদিগকে অ क्षमान करतन। व्यक्ति थाना कांत्रिवा ক্ষ এত ক্ম হয় যে, সেপ্টেম্ম ম শেষে অধিকাংশ অন্নছতে বন্ধ করা গবর্ণমেন্ট প্রথমে যেমন ঔদাসীন অনব্ধানতা প্রদর্শন করেন, শেষে বে বজু পাইয়াছিলেন। এও চাউল প্রে হয় বে, এখনও তথায় অনেক চ

াছে। মান্ত্রজের ছর্ভিক পীড়িত ভনবধানতাদোবে পদচুতে হইয়াছেন কগণ কোন করই দেন না ু ইউরে গাকের। তত্ত্রতা 'শাসনকপ্তার চেটার পোচিত দাহায় পাইয়াছেন।

অবা-পামের চা-করেরা সর্কারা**স হ**ইয়া হন। অনেক চা.করকে আপেন **অ**;প্ন শভাবিক্র করিতে ≉ইয়াছে। 2পায়

চলেই ঝাগ্রস্থ চইলাছেন। এক কৈলে ধিক পরিমাণে ভূমিলইয়া আবাদ রিয়া রাভারাতি বড়মারুষ হইবার छोइ डाँशपिएभन्न मस्तिरभन्न कात्रगः।

হারা এতদ্দেশীয়দিগুকে চার চাদে ঞ্চকরিতে পিয়া সকলই হারাইলেন। ÷টিহু∶েধর বিষয়এই যে, গ**চবরে** কেত্রে মজুরদিগের প্রতি ভত অভ্যা র হয় নাই; কিজা গ্রণ্মেণ্ট কাছা-

র কুলিরক্ক মার্শলি সাহেবকৈ পদ চকরিবার আভেজ। দিয়া একটী অবিবে ার কাজা করিয়াছেন। কুলিদিগের

ক্ষোর যে কিছু উৎকর্ষ সাধিত হয়, হা মার্শল সাহেবের ছারাই হইয়া

।। বঙ্গদেশের নীলকরগণের ত উচ্ছেদ াছে। গত বৎসর ত্রিভ্তের নীলক

া অভ্যাচার করাতে ক্ষকেরা প্রতি কতা করিতে আরম্ভ করে। এক জন hiती **मांकि**रकेु हे किছू किन क्रयकः

ার মারা কারামার পরিপূর্ণ কলিয়া ান ; কিন্তু গ্ৰণ্মেণ্ট হস্তক্ষেপ

তে এবং নীলকরের৷ যথাসময়ে

मण्यानी क्षां खं इन्ट्रेट्ड. किंख हिन्तारह।

हर्**ए अर्**ग क्रिय़ांट्सन । शक्षांट्यत ्**रहेग्राह्टिनन ; किन्न दे**र्हेट्ड देनकमेडा रित्र अटक के कर्णन अनिकिन कोन कार्य अपना अपने अकारत है। विन-

এবং উল্লার অধীনক ছুই জন ইউরোল গণ এক প্রকার সর্বপ্রকার কর । পীর কথচারী চুরিও জাল করিয়া দও পাইয়াছেন। পেদোয়ারপর্মান্য একটা মূতন রেলওয়ে হইবে। যাহা হউক, গভ বর্ষে রেলওয়ের অনেক জীকুদ্ধি ক্লইয়াছে। ভিন্ন ভিন্ন কোম্পানি ব্যৱবাদে প্রায় আড়াই কে,টি টাকালাভ করিলভেন।

গত নবেরর মানে সর জন লরেন্স । महामनार्वाद् कतिया लर्ष्को ० ० क पत्र . বার করিয়াছিলেন । রাজা মান্দিং হ প্রভৃতি কয়েক জন ঐ সময়ে ভারতবর্গীয় ৪৮.৫৮.৬৯,০০০ টাকা আয় ও ৪৮, फोत थोश्ड इन। (य नम्दा नतकन नटरका व्यवस्थात अहरून क्रिया प्रत्यात করিবার উদ্দোগ করিতেছিলেন, ভং কালে বজদেশের অধিকাংশ ভান ভয়া নক কাড়ে উৎসল হইরাযায়। ২০এ আশিনের কড়েরকট দূর ২ইতেনা হইতের ১১৬ ই কার্ভিক রাক্রিতে পুন্রার व्यवन या इ हहेन। यहे साइ ता दिए हैं ह য়াতে বিশুর লোক প্রাণ্ডাগ কবেন। কলিকাতা ও উপনগরে প্রায় ১১০০ লোকের সভাহয়। বলদেশের লেপটনাত গ্রব্র গ্রেষ্ট্রের যাত্র চালি: ১৮ল बबर अवर्गरमणे हीमात कुला है।का **पिरलन। मर्फयरलत प्रांति दारन महा** ও চাঁদা হইতে লগেল। অনেক দলিদ্ লোক তদ্বারা নাহার্ষ্য প্রাপ্ত হয়। মৃতেড় দিপের লাভর্দ্ধি করিয়া দেওয়াতে ∣গড়ে প্রায় ছয় আনা শ্যানেই ইটা স্থান; এেব এটিড সন্দেহ হওয়াতে ভাই ণে পোলযোগের অনেক শান্তি হ≷ কিছুদিন সকল দ্ৰ∋ই দুনুলা হ∛ৱাং অনুষ্ঠানাৰ ক্ষিদন নিযুক্ত হ । ছিল ; কিন্তু প্ৰবিদ্যালয় শালা অনু∕্ৰন্ন হাট্ডা এলানে আগোৱা ব্যাক্ত একব

চাংশ সেতু ভল কইলা যাত; এ জনা : বাজের হিনাবৈ এদান করেন, তাকাতে : ক্রিলাছেন : নিগার সাংখ্য কোপানি ার ৰয়ে হইবে। সাতলা রেলওয়ে [।] শৃধারণে সমুক্ত হন নাই। লাইমেন্তা টাকায় সম্পতি ক্লা ব্যিকা আলোর বে ধানি ক্ষতিপ্রস্ত হওয়াতে গ্রণ্মেন্ট টাক্স ছাপিত করাতে অনেটক অসমুক্ত

मुक्ता नाहरमञ्चल करत अहे हहे 🖼 न्नार्थ कित्रिखा । मामि मार्थ्य करें क्रेटिक ए० लक्ष होका आध्र क्रेट्र মান করেন : কিন্তু প্রায় ৭০ লক্ষ্ উঠিাছে। অধ্যিকনে বিস্তব লাভ সংক্রে এবং সর অংশা**ই অক্লান** সি গত ১৫ ই মার্চ শনিবার রাজস্বদং মন্ত্ৰী আয় ৰাজের যে হিলাব দিয়া क्तांत काना जिलाएक, वर्जनान ৩১,০০০ টাকা বায় নির্দ্ধারিত হইরী এ বার লাইনেফাটালে আইনের আ স্দাসত পাৰিবাৰ্ত ছইয়াছে। কিন্তু विद्वहराश्रुक्तं ह वाग्र करा इश, लाहर करवत त्राम शास्त्राक्षन इस मा ; वर्ड গবর্ণ*েণ্ট ভাষ্বহয় সম্পূর্ণ* অসম हेर्देश बाग्न किंद्रिक खोरनन, किंद्र वाब्र कमा≩८ छ छात्नन ना। हे॰्न र বায় ও দেনাদল আমাদিলের যাবং অকুলানের কারণ। যত দিন এই ব্য উপর ভারতব্দীগদিগের **ক্ষমতা** না ভ গ্রাম কিছুতেই **এ অনিফ দুর** হই না: গতবংশর অ**র্ফ ক নিবন্ধন ব**াণি অনেক কমিয়া গিয়াছে এবং দভক্ত ৰায় দেউলিয়া **হইয়াছে** ুৰেখি ব্যাকের ভূতপুনর ভিরে**ন্ট**রনি**র্দির চা** अस्मरणात त्वण उत्तम व्या वाकाटक अवादि भुनक्तात मुनक्तात मुनक्ता विकास विकास विकास विकास विकास विकास के য়াছেন। পেটেগ্রি কোন্ধানির অব দপের বিষয় এই, বোধাই রেলওয়ের • মাদি সাছের পাত বলেঁ যে ভায়ে , ক্লগুণ্লিলার মাতেবের বিরুদ্ধে অভিযে:

মুক্তি কেলোনি নিক্ট অধিক্ত

Non fame afestien, Girls nic

- **बहे ब**लवान (१७३) **ह**ैं ी(७) **वल्**य

শভা হটক, আৰ **মিথ**া হটক, এই টালারা অনেতক ইউরেগীপীয় বণিক ा प्रतिरुद्धत **व्यक्ति म, प्रहान ह**हेद्र।

। ত বংসা বা**ণিক্ষাসংক্রান্ত ক**য়েকটি ः। ७५३१.६। भौतनभव्यकः ८०१न ট বাবস্থা প্রণীত হয় নাই। উলর খাজালের মিউনিদিশাল আইনেব ্বপ্রিক কার কোন ভাল আই াওুলেখ্য হয় নাই। তাঁতা আইন েড দ্রিফ্রনিগের প্রতি স্থ্রিচারের क्ष कता कहेता है। माधातरण भाग केतारक भवर्ग (स्मनतन अह নের ফলাফল অসুনক্ষান ক্রিডে চ **ভ্**ইরা**ছেন। বি**শ্ত কুল্লেকরের নিদ্রা **र्टेट्ड र्टेट्ड लक्षा छे**रमञ्जू ह्हेर्य।

२ नत वक्तः, सभा इहेर छ छ छ छ व । व ক লওয়া হইয়াছে। কিন্তু এক জন পীড়িতও নিস্তেজ ; মার এক জন ৷ **ग घटभक्षः।** विक्रिक्षेष्ठ छ। त्रुरक्षत्। गक्त भाक वावदां भक्त कर कड़ी a ও জভিপ্রেতনতে। য[া]হার। বথার্থ ৰয় যোগ, ভাষাদিগকে শওয়াই শিক। কিহ জুরিংই নায়ি কাকস্থাপক त गड पर अक्षम का शहर्मा (यह विभि.

মনোনী চহবীয়া থাকেন। ষ্ঠিত বংগর বিচারপ্রশালীয় কোন ্উইক্র্লাধিত হয় নাই। মফস্বলের त्रोनरः। भूक्षंपर ७२८काहरञ्जाङ হিত্হইতেছে। প্রধানতম বিচারা-র ্ক্সাজ্ঞাত বিহুছে সেই বেলা ার সময়ে কাছ 🔏 করা হইতেছে। रालव शांकरमया सम्हे स्मरकरण ऋ बाबकारता अञ्चनतेन कतिया कार्या তেছেন। সা ২ পেন পি**কক মফস্ব**

বিচারলেষসমূতের উল্লাভ সাধন করি

दिनिहा वर्षा तरः ता व्यामा कतिमाहि-

, তাহা সফাৰ হইল না \ প্ৰধানতম

লিটোর বিঠাব্দীতিগণু রীতিমভ

मैकश्राल गम्न करत्रम मा। य कि हु श्रुव চার অপেনিতম বিচারালয়ে ও নূতন মুজ্যেকদিগের নিকটে হয় ৷ কিন্তু,যাঁ হারা কৌদনারি ও ১০ আইনের বিচার करतन, छाशांमरभत कथा बिलाङ नाहे। ভূমিসংক্রায় আংইন অভিশয় জটিল। এই সকল আহিন একতা করিয়। যত দিন শিক্ষিত বিচারপতিদিপের হত্তে বিচারের ভার দেওয়া না ছইতেছে, ভ ভ पित **मक्र ए**वत मञ्जादना नाहे। जामना मिश्र कारन कारन वन्नी कहा इहे ভেছে; কিন্তু সাধারণে; কাহাকেও ভিন বংসারের অধিক এক স্থানে থাকিছে দেওরা উচিত নচেঃ আক্ষেপের বিষয় এই, রু চ্বিদ্য লোক্দিগ্রে বভ্লপ্রিমানে অমেলাকরা 🕬 তৈছে না।

গভৰ্থসর অপেকা এ বার শিকাৰি ভ গের কিঞ্চিং উর্ভি দেখা যাইতেছে কিন্তু কর্ত্তিপক্ষের যত্ন অংপক। সম: চের উন্নতিবারাই উচা সাধিত হট্যাছে। সর জন লরেম ও উলোর নিয়মবহিভুতি সহচরগণ ইংরাহীতে না দিয়া দে≭ীয় ভাষার ইতিহাস ও বিজ্ঞানের শিকা ্দবরে প্রস্তাব করিয়,ছেন। কিন্তু সর্ব্ত সাধারে। ইহার বিরুদ্ধে মত প্রকাশ করি যাতেন। শাসন ও বঢ়ার ইংরজীতে হইবে: এ অবস্থায় লোকের শিক্ষা দশীয় **छ।यात इहेरल छैं।इ। क्रिशक अक्रकाव ऋरत्** উচ্চর সঃভু ∉ইচে ব∫ঞ্চ করা হইবে বিশ্ববিদ্যালয়গুলির ক্রমশঃ উন্নতি দেখা যাইতেছে; কিন্তু যে প্রকার কঠত করিবার প্রণালী প্রবর্ত্তিত হইয়াছে, ভাহার পরিবর্ত্ত হয়, সর্স্যধারণে এই ইচ্ছা প্রকাশ করিয়াছেন। শিক্ষাকার্যোর ভত্ত্বধারণের ভার গবর্ণমেটের এক জন স্বতন্ত্র সেকেটা,রির ংস্তে থাকে এমত প্রস্তাব इहेश्राइ । रञ्ज हः मिका मश्का ख वकी সভা এবং ঐ সভার উপরে এক জন গব :

র্নেক্টের সেক্টেটারিকে কর্ত্তান, করি প্রকৃত কাজ হইবে না, এতক্ষেশীর কগণের বেতন ইন্ধিনা ইওয়**তে অ** শিকা বৈভাগ তাগে করিতেছেন। 🧳

दर्स दर्स (यसम विकाशिकात रै হইতেছে, সেই সজে সজে তেমনি ঞেরও উল্লভি চ্ছতেছে। নানা্স্থানে প্রকার উন্নতিচেফী আরম্ভ হইয়া শামাজিক উন্নতির উদ্দেশে কয়েক ব তৈর মেলা আরম্ভ করিয়া**ছেন। ধর্ম** যাও বিশেষ আনেদালন আরম্ভ হইয়া সানাজিক বিজ্ঞানসভা ও ফিয়ার সা এ বিখনে স্বিশো উৎসাহ প্রদর্শন তেছেন [

আংবিসিনিয়ার র.জ:ইংরাজে ক ও আর কণেক জন ব্রিটশ প্রসাকে করাতে গাচ অক্টোবর মাদে উ विकारक युक्तस्य वर्गा इहेशार**छ ।** 💩 হ*টতে ৪০০০ ইউরোপীৰ ও ৮০০০* এ শীর দৈন্য গমন করিয়াছে। বোষাই ≏ধান সেবাপ∂ত সর রবা**ট** নেবি অধাক হইণাগমন্ করিলাছেন ; এপ্য। ন্তু একটাও যুক্ত হয় নাই। এবং যে সুজের শেষ হয় এরপে বেংধ হয় না यूक्त এटनम इहेटड (य टेनना अक्ष তইরাছে, ইংলগ্রীয় গ্রণ্টেম্ট ভাহাটি বেতন আমাদিণের কলে নিং করতে সাধায়ণে অসম্ভবী হইয়াছে: অন্যাপ করুনের গোলনে

শ্যে হয় নাই। সন্ধার আছেল রহম তুকি ্যনপৰ্যন্ত করিয়াত क्र श হিরাট মাত্র সিয়ারজালির অধীনে জ ্ব্রিটিশ গ্রথমেণ্ট আজিম খাঁকে বলিলা স্বীকার করিলাছেন। রু ক্রমশঃ অপ্রসর হইতেছে:এত বি পর গবর্ণমেণ্ট ভারতব্বী য় চর্দিগবে অ:সিয়াতে প্রেরণ করিয়া সংবাদ (स्ट्रम् ।

ভারতবর্ণীয় সভা ১ ৭৪ অক্টে

দার কাজ করিয়াছেন, চারি সরের মধ্যে সেরপ করিছে পারেন বিভারে আইনের বিভারে বিভারে আবেদন করিছেছেন, আনেক য়ে উলোদিগের অনুরোধও রক্ষা হই । ভালারা লাইদেল টাক্স বিলের বিগরে আবেদন করেন, ভল্লিনিত গব জেনরল ভালাদিগকে ধনাবাদ দিরা গে একবে সভার যে প্রকার সন্ত্রম কমভার্দ্ধি হইয়াছে, চালাতে ভালা গর বাযাপ্রণালী প্রশস্ত ও বিস্তৃত উচিত।

সামাজিক বিজ্ঞান সভার দিঙীয় কাষ্যবিবরণ।

বঙ্গদেশীয় সামাজিক বিজ্ঞানগভার

াবিবরণের দ্বিতীয় খণ্ড প্রকাশিত

াছে। এই পুস্তকথানিতে কতকণ্ডলি कुछे विवटक्षत्र व्यारम्मालन (मर्थायाई) ছ। ইহার দর্কেঞাপমে সভার অংথাক ারপতি ফিয়ারের প্রারম্ভবিষয়ক তারহিয়া**ছে।**বিচারপতি **ফিয়ারের** হইতে যাহা ধহিগত হয়, তাহাই । লাগে। গভ ২৯এ ব্যাসুয়ারিভেএই ত। হইয়াছিল। ইহার নিমিত সর্ব রেণে সভাপতির নিকটে ক্রডজতা ার করিয়াছেন। আইনঘটিক ছুই । পত্ৰ পঠিত হয়। এথমধানি ी कारमस्य अधिरनत अक्षां भक्षां दायू শাক্যনাথ মিত্র এম, এ, পঠি করেন। नि अ एएटम् ते जूति व्यथात विवदय কালেন্টরেরা তে হইয়াছে। किছूह न। कतिया भागनानिरगत র যে জুরিনিকর্চিনের ভার দেন नाक्ति अञ्चलाकिम्रिशत निक्रि किছू लहेश डीहा पिशदक मुक्त कतिश লোকদিগকে জুরির নিমিষ্ঠ যে ন করেন, তাহা স্পাটরূপে লিখিত

ছে। তৈলোক্য বাবুর এই মত সর্বা

বাধারণের অনুমোদিত। ক্রির দেন্তিই বিলাভ বিদ্ধান হলে দোরী বাজিই মুক্তিলাভ বাদ্ধান হলে দোরী বাজিই মুক্তিলাভ বাদ্ধান হলে দোরী বাজিই মুক্তিলাভ বাদ্ধান হলে দোরা বাজিই মুক্তিলাভ বাদ্ধান হলে কালা বাজি করেন। আমান কলে আনেই কেতিবলা লোক বাকি পাঠ করেন। আমান নাই। আভএব মোক্তারদিশকে বংকারের বলীভূত হইরা শ্রেণিকি জুনিশ্রেণী হইতে যে বহিক্ষ্ত করা বের নিমিত্ত বালিকাবিদ্যালয় আউচিত, একথা বারু রৈলোকানাথ মিজের করিতে বলিয়াছেন। আন্তর্পরিকাহি সহিত সকলেই স্থীকার করিবেন। কিন্তু বিদ্যো তিনি যাহা বলিয়াছেন, আবশাহতি দেওলা উচিত হয় না; আক্রা স্থাকির স্থাকির স্থাকির করিবের করিবের আনুমোননীয় হ আব্যাহতি দেওলা উচিত হয় না; আক্রা স্থাকির পাইলে আনা জ্রের আহ্বানি উত্তম পার পাইলে আনা জ্রের আহ্বানি উত্তম পার পাই করেন:

পের প্রােজন করেনা যে মহকুনায় মক দ্বনা হইবে, ভালার দশ ক্রেশি পরিধি পর্যায়ের ক্রভবিদ্য লোক দগকে জুবর করা করিব। প্রভিবং দর জুরির ভালিকার দংশোগন আবশাক। খিতীয় পত্র বারু শামাচরণ সরকার কর্তৃক পঠিত হয়। এখানি বিনাম বিনাম গ্রেশিয় শোরাবভার আপ্রক্ষার্থ বিনাম প্রথার স্থিত হয়। এখানি বিনাম বিনাম ক্রিশির শোরাবভার আপ্রক্ষার্থ বিনাম প্রথার স্থিত হয়। এশানে ইহা দাঁড়াই

য়াছে। অভএব এরণ একটা আইন করা টাকা জনা দিবে। যদি এমন প্রথ উচিত, অভঃপর যদি কেছ কোন বিষয় যে, নিদিন্টদংখা কতকণ্ডলি ট বিনান করেন, 'আর নেই বিষয় লইয়া জনা দিলে জনাকারী ও ভালার আদালতে মকজনা উপজ্জিত হয়, ঐ পর্যান্ত বাহদরিক এক টাকা রুতি প্র বিষয় বিনান এরুপ প্রমাণ পাইলে ভালা হইলে কুবকেরা টাকা ট্র আদালত মকজনা অপ্রাহ্য করিবেন বার শ্যামাচরণ সরকার আইন বিষয়ে প্রায়ে বাহদরিক ইতির (আস্টির) সচরাচর যে প্রকার পাতিভাহদর্শন প্রথা উন্ত্যাব হ করেন, ভালা এ দেকরিয়া থাকেন, এই প্রধানিতেও ভালা করা করা করিয়া কিয়া সামাজিক বিছ বিলক্ষণ প্রকাশিত ইইয়াছে।

নৌলবী আবহল অভিন তৃতীয়
পত্রথানি লিখিনাছেন। এখানি মুদল
মানদিগের বিদ্যালিকাবিবরৈ লিগিত
হইয়াছে। তিনি ইহাতে, বিশেষ যোগ্যতা
ও স্ক্র অসুসন্ধান প্রকাশ করিয়াছেন।
কিন্ত ওরারেগ হেনিউওসের মিনেট অবল
হন করিয়া আর্থির যে প্রশংসা করিয়া

সমত হইবৈন না। বারু চল্রনাণ बम, ब, ब (मर्मात खीमिकारि ুক্ষান প্রপাঠ করেন। ছ क्शियं ड क्हेलाम, (लशक तिह (मा সংকারের বলীভূত হইয়া তেলিবি বের নিমিত বাণিকাবিদ্যালয় স कतिएक विनियादहर। अञ्चल्युतिकारि विषया डिनियाहा विशिधादहर, ध्य नाइ नामात्ररणद अञ्चलामनीय ह ফারকে; হার ডা ক্র স্বাস্থ্যসং अक्षानि डेडम পज शांठ करबन ; ভাঁহার প্রদত্তা,লিহাগুলির উপরে विश्वाम हम ना अवर अपनक शहत वि বিশেষ কারণপ্রথশনি না করিয়া বর্ প্রণালীকে পূর্বতন প্রণালীর আ **टा**र्छ विविद्याहरून । एक सम्र छेडेल मन বের পরিমিত বায় ও বাণিক,সং অবস্বাটী মধাবিধ চইয়াছে।মফ্র चारन ছारन . सिविष्ठ वाक्ति कहा द कर्नुबा; किन्छ अक्टल स्ट्रास्त्र स्व निक्षिष्ठ इडेशाइ, जाहाट ज्याल क् টাক। जमा निर्दा यनि असन अर्थ त्व, निक्षिष्ठेमः था कडक्छनि জনা দিলে জনাকারীও ভালার প্ৰায় কাৰ্মৱিক এক টাকা হুন্তি প্ৰ कोला कहेटल कुनटकता हैकि। ही পারে। গাডটোন **সাহের যা**বজ্জ প্রথা উত্তাবত করেন, ভাহা এ সে করা কর্ত্তনা কিনা সামাজিক বিভ সভার ভাষা জি:করা উচিত 🖰 किट्योशीक मित्र क्लिक्सिट्शत व বিৰয়ে যে প্ৰথম্বটী পাঠ কবিয়াল छम्बारा इडि:राभीवर्गन यहनकत्रकत

শিক্ষা কৰিতে পারিলে স্থাসালি

স্মাজ্যটিত স্কল প্রি অবগ্র

र रेटन विठात शक्ति किय हात नाम ह

ারাও ধংগাচিত কাল করিতে পা

বে ইহার উর্তি হয়, তাহারও সর

वन मा। वातु शिही न एक रचारवह शक्त व्ही देशनी मध्य मध्य स्टाउ त्रंक्स গর যে বর্ণন করিয়াছেন, ভাষা উল্লো ন্ত স্ক্রণ বর্ণন নছে। **চুই এ**কটা ধনিবং " ্যুনি আন্নালাগর উ**স্কতর** ভোগিত জ্ঞীলোক না এটা নিজ্ঞান্ত বাক্য। ভাৰণ

্ল হ্লেন করেন এবং হাত থাকিতে: নিশ্চরই অনভিজ্ঞ বলিতে হুইবে। ফলকেটি**দগের উপরে স**কল বিগ্রে ি বারিয়া পাকেন। এর গা এদাইর গ

চেট্টেপে নাই । হাবলিয়াকি ः त्रानात औरनाकमारक्र मृत्रवीत ্যেন : বেলা আটটার সমলে উঠিয়া ন প্লাকরিয়াই জাপার মিঠাই জাল

গ : তাহার পরকণেই অপ্যাপ্ত থোহার ; ভংপরে/ বেলা ৺াচ ঘটি প্রাস্থিয়া: প্রে গান্চক্র ও ोवादा ८५ भविमानमापन अव॰ প্রেডাদ খেলা এই ধনিকামিনী

अंत्र भाषांत्रण निष्य गटहा छहे दक রদ্ধানবেবের ভূতীয় প্রক্রেক্টা এর প্ তে প্ৰেন ; কিন্তু ভাষা কলিয়া ধনি षीत शेरमाक्याजरक्षे अन्य 🤋

ামি প্রিয়ন্ত। জিলুচিত । বারু গিরিশ (धाः । वात ध्युमारमत छेपद

াকাংকো - তুক্তিয়া <mark>এ কথা ব</mark>লি 🎮 । १९०१ — ११ मार्गित समित् १ ८ मो स ध्राक प्रदेशत भागा १ (य. चार्यक छार्य िकार्गाट स्टब्स्ट स्ट्रीब अटल

ाक्षत इपि नुहो। इ.सा.मी ड क्हें। हास

-6-ानि मक्तारणकः कत्ना श्रेशार्छ। डिनि केर्तिमण्यार्ड महिल् श्राड्ट मौत करकेत োনংনিগের উক্তম শ্রেণির জীলোকদি এলচিও উছের বিশোব দৃষ্টি আনছে।এ धकार कृति इति इसक्ति थाकिछ्छ

ার জৌকোক কেবল আছার ও নিলায় । দিগের নিন্দা করেন, উংহারে ঐ বিষয়ে

শেব প্রথান লঙ **मार्ट्**वह লিখিত। এ বেলে যত প্ৰবাদ বাকা পদ্য আছে, আমাদিগের পরম হিতৈনী বস্থা তথ্যসূদাল সংগৃদীত করিয়াছেন। এই সংগ্রহ অভিশয় প্রশং সনীয়। তিনি बिलहार्द्धम, हेल्हां काल्ट्याद विषय वाजः লীদের প্রধান বাক, তিনি কোপায়ও भावन कर्यन काहे। वश्वकः <u>वे</u> खालित ন খা অব্ধানটো, তথালি অনুস্থান कडिट्लाम (१६) (सन फ्रांक्टर टक्स्यून म •विति व तिकाको छ (४८० - १८५१ वर्षक थ ইভাগি অনেক্ডলি প্ৰাৰ পাৰেই: মাৰ :

સંે.જજા (

भागिता २५ ७७ ७१ भारक है। का মংক্রা, ড কিলেটের যে সহ্দংগ্রহ eतिहा शांशेक्शरणत शांकत यहिला छ. ভারতে বারকদিলের শিক্ষার ইল্লাভর বিলর ভারতি গর জানত্রম ১ইলাছে : ভাষাতে স্টাৰ্থাবিদাটা অসুলিখিত আছে, অসা ওঠ্যোধে প্রয়ন্ত হওয়া কাই ধীরালাল দা, নাম মাডা অভিগি তিতে : িেটে লিগিত হইয়াছে, বিষয়ে প্রেয়জন হয় ; কিন্তু এ দেখে াণী পাকিতে আহার বরেন না, একণে প্রকাশাও অপ্রকাশা উভয়বিধ অধিকংশে প্রবের এরপে অবস্থানয় স ুবর সকল বাক্তির আহারের প্রতি জীবিদ্যালয় সমুদায়ে ২৮১ টা হইয়াছে। তাহার, জীলোকদিগকে পর্যাপ্ত অবস ৰ সমান দুতে এবং প্ৰাভেঃকাল পুৰ্বেৰণেৰ অহাকা গত এগার মানে দিলা ডংখাঁদিগোর কর্ত্তব্য কার্যা, অন্যত্তা ताजि पिष गरमाटात मक्टलत । ७३ मि विनाशना तक्षि इहेशाटक । भूटरत मण्यानम क्रिया लग। তা ও নিজের প্রমার্থনাধন পাঠাথিনীর সংখা ৫৫৫৯ ছিল, গত তৃতীয়, এদেশীয় স্তালোকদিগে

িন চাডান জ্পাই আছেন; কিন্তু যেরপ ইউক, জীশিকাষে সামান্তরপ ইইয়াব ডিব্তে ইইয়া পড়েন; পড়

(नथा गाहेर डएइ मा। ५८न । छनि অন্তরায় আছে। প্রথম, আবশাকত নাজ্মিলে বোন বিষয়ের উন্তি জ্ঞান জন্মিবার আবার হটী ল আছে। প্রথম, সার্থনাভ্ছান, দি অবশা কউবাভাজান। জীশিকা বস্থা পারিমাণে একেশীয়দিকোর ই অন্তর কেনে ভানেই জ্লোনাই। हटना करमनी तम्हान कर्यान कर् किमिश्रक निथाईटन कि इडेरव १ डिंग কিছু অর্থ চপার্জন করিতে ষাইবেন ক্রীলোকেরা শিক্ষেত হইলে বে সং प्थना इस. ८म छहान माराहर्यं न থাঁহাদিজের ঐ জ্ঞান क जिल्हा তালা,দংগ্ৰ সংখ্যা অধিক নয়। ে कर, এक खार्मित छिड्टत हुई। वार्ति ने उद्धान कांगा। एक, डीक्टा क्रीविका রের উদ্যোগ কবিলেন; দিয়া আনু भौ। (४०६ वर्षकाता वा विकास कैगार्थत्वाचार। छेश्त भः स्था क লেন না। হতেরা: ডদ্নোগকানীরার কার্ব্য হইতে পারিকেন না। প্রায় যা

লি কিছে চইনা পাকে। ছিত্যা, এ কেলের অধি চাংশ জ্ঞানে মূহকণ্মাপাদন করিয়াপাকেন। সেং পাড়ার চঠা করিতে গেলে জ্বিক্র

তীয় গলী থামে এই সচরাচর এই স্ব

হি উংহা.,জীবন অভিবাহিত হই অগালমাণে ৬৫৩১ হইলছে। অপে বয়সে বিবাহ হয় ও সন্থান অনে । বারু শ্লাব্রির নালে। বিদ্যালয় ও পাঠাথিনীর সংখ্যা স্তরাং তাহার। অংশ বয়দে সংসার া প্রাবণ করিবীটিছি বে, জ্রাইর শুণ- হইতেছে, ভলিবয়ে সংশায় নাই। শীঘ্র শুনার স্বশ্র পান না। এ দেশ যেরগ এব ্ৰু দেশে অপ্ৰয়নে বেরপ াদির উম্মের হর, ভাহাতে অপপ जीटनाकमिरशत विवाह ना मिरन ত অন্থ উৎপন্ন ইইবার সম্ভাবনা। চল[ু]ন্ত অসুগোর**গ**ালি অতিক্রম া কুডার্থতাল,ভ সঞ্জ ব্যাপার ।উপরে যেকপ বর্ণিত ≉ই্রংছে, া স্পাট প্রেতীয়মান হইতেছে, পুরু ণকা ও অবস্ব উপরেই প্রশিকায় োভ সম্ধা নিজর করিতেছে। া বহুব'র এতিপল্ল করিয়াছি ৰও **অ**ধিকাংশ **পুরু**ণ **সু**শিক্ষিত ও ষ্টে অবস্থাসম্পন্ন হন নাই। এবে

পরীফাতেই অধিকংশে লোকের কিংয়ে প্রাব্সিত হয় উত্রংং ণ ব্যক্তিদিগের হইতে কোন মহৎ ও ক যা সপাল হইবার সম্ভাবনা নাই। ৰে খ্ৰীশিকাবিদয়ে কুতিকান্ট হইধার া জলিলে ভাতা অধিকাংশ পুরুষকে ফিড:রিল:উৎকৃষ্ট অবভাস**ম্পর** া ভুলাই কৰ্ত্বৰা। একাম্টি করিছে

ৰ আৰে কভকগুলি নুত্ৰ ছাতের্ভি বিশ্বনিদ্যালয়ের পরীফানিয়ম ে ২ছেব প্রমাণে সভিডিচ্চচার রবিধান করিতে হয়। গুপর, এফাণে বীশিক। হইতেছে, সেঠা নামনত্র া বৈশ্ব কালে। পিতানটো বাণিকা ার যে যথ কিঞিছ শিক্ষা হয়, সংশ্র'-

গনন করিয়া সে সমুদ্ধে িমুভ ত হব । তথ্য একন(ই । গৃহক্ষী ভ(ছ, ার সমুদায় সময় ও চিত্তকে এ/স या किटल। अ**हे मकल** काর राय अथन

ণকঃ হইতেছে, তন্ত্রা শিকার মুখা ন্পা সাধিত হ্ইতেছে ন'। সমাজ এই বালক ও বালিকাদিগের এক এক

রে শিক্ষ:বিধি আছে। যেশিকা

অন্তঃকরণ এশস্ত, আশার উদার এবং হিংস:দি অসং প্রবৃত্তি সকল দুরী-

হয়, সেই শিকাই শিকা। অধিক

क्षत करिवात मञ्जावना नाई। व्योवत कार्ने विकासना প্যান্ত শিক্ষা পুংশিক্ষকরারাস পাদিত হওয়া সন্তাবিত নহে ; জ্রীশিক্ষয়ি-একাশ্ব ट ह्याहर । স্থানে স্থানে যে জীনশাল বিদ্যালয় मुक्ते इय, जाहा क<u>ार्या भरयां</u> भ सह। त्य कत्न उन्न होता शिशा व्यथासन करत्रन, একপ একটা নীনখাল বিদ্যালয় আব শ্যক। তারা করিতে গেলে খ্রানোকদি-গের গমনাগমনের বায় এবং জীহাদিগের প্রস্থাভনার উচ্চতর রুভিবিধান আব শ্যক করে ৷

যাবহ এগুলি লা চইতেছে, ভাবহ श्री निका विगरत । या तात इहे एकर छ। छ। বিফল হুইভেছে বলিলে অজ্যুক্ত হয় না। অমেরা সচরাচর কেবিতে পাইতেছ, এক স্থানে একটা জীবিদ্যালয় ব্যিল, কিছু দিন পরে তালা উ য়া গেল, আবার আর এক স্কলে বসিল। কিন্তু কেন श्वारमञ्ज काम विभागतको भागमुगनत कर्ण भिका इंड्रेट्ड्इ मा। यथन धक्ष इहेर उरफ, उथन क विनास स्य वात इहे হেছে, ভাষা কি নিকল ছইচেছে না -

বিবিদ্যাণ্ডাদ।

२४ च हेरूज़ (भागदान् र

ন্ধ্যীপ্ৰজন গোলানাৰ ভাত যুদ্ধ আছে। **হয়, ত'**হা রহিত করবার উপেলে আংগীন ছয়িয়াছে । আন্নেমী কলঃ এতান বিচাৰপতি, ডিলেন। হড়ারণ ভিন•ম°ন ও বছাবপাতি লাও ব উছার। পুনলিচার করিবেন।

একটা এডি মনোহর উপদেশ দিয়াছেন। ভিনি বলিরাছেন, ধর্মের উল্লাভ না কটলে বাঞ্চনীতি সংক্রান্ত উর্ভিত সভাবনা অল্পটি মুকেন ভিনি আরও বলিয়াকেন, যাঁহার। ক্রমণঃ উর্ভিসাধন करियात व्यक्तिमाम १९३४, किलि केंद्रिशास्त्र प्रमा ভুক্ত নতেন। তিনি আমালের বামটিলক গংস্থা রের শাখাজেদ করিয়। সম্ভত্ত নহেন স্টেহার ফট্যা প্রতিভ থাকে। গত এনি**ং**রে ক मूलवर्गाञ्च छिरवाहिन कतिरदम । कमव बाबूत

ব্যুস প্রয়াস্ত শিক্ষা না হইলে এ সকল । সংস্পৃত্য সাধাৰণের মততে দের এই সহ

বে। যে নিবস দিলীতে শিকাসংক্রী हरा, (नई मिवन करसक्छन अफरमानीय (कर गृहिक करमुक्छन हाहेन खारवर क्रक . न । अभीका इहेग्राहिल । देनमिएकहा हुई व भोड़िशाहिल । কি शृह् वा**कि তেই** সিপ ভয় লাভ করে। এখম বাজির পুরস্কার ১০১ বিভীল বাজিব পুরস্কাব ২০১ টাকান, রিক কট ও মলগুছে সিপাহীরা প্রায় **ইউ**রো কৈনিকলিগকে পরাজিত করিছে পারে।

कामहा कामग्री काल्लामिक स्टेलाम, ভারভহ্যের এক জ্ন সহকারী কমিসনর আম अभिन्न এउटमर्नाम कम्प्रातीनिगरक प ক্রিয়াড়েন, ভাষার্য যদি বাইপ্রভৃতির স্ एका मा करतन, 'दाना इंडेटन डीशामिकारक इ.च्ड कता इट्रेंट्र : आश्राह्मद्र **मट्ड को** আজ্ঞা সাই ব্ৰাহান কণ্ট উচ্চত। নাগপু সক্ষোটের প্রকাশরেরপে যে সকল কুর্যস্তিত হয়, কলিকাভায় কোন স্থানে ভা**হা**র আ দেখা যায় না।

অল্যেচনার্থ খালকাটাইয়ার নিমিত্ত ভ ব্যত্তি গ্ৰাণ্ড্ৰেন্ট ইংলাও হুইতে তুল আন নেয়ৰ জনেটেবার প্রস্থাৰ ক*িল কিংলা*ন 📑 .লগের মধ্যে ২০ জান আনি _{লাখেন}ু **ই**ছ দি नी⁹ प्र क्यारम क्यारम (ब्दतन कहा) **ब्हेर**न । 🖼 (वाश कति, बाक्षारण इंट्रोनिट्शन **मिल्**ड वि भीश के कि नियत्ति (शत विवास मा **रय** अवर्ग ्भवेत्रभ नरमाचा के कहिरवन १

গত ভ্রেলার লাভ বিশ্ব, মিস্মি इंट्रा भारत्व लड भारत्व 🗷 (त्वर्त्त 🕾 ্ম্যান্স বলেরপাস্থার উত্তর পাড়ার বিদ্যার িপুস্তক লাৱপ্রাস্থাতি দর্শন করিতে লিয়াছিলে বার জনকৃষ্ণ মুখোপাধনায় ইছ্লিলিরক আনি সমাদরে গ্রন্থ্রিক একটা ভোল বি

এক জন আংমাদিগকে জিজোলা ক ' ছেন, গ্ৰাব জেনবল শুকুৰার কাথিছুল (ব'বু কেশবস্থা সম বে'ধাইট্যের জৌনহালো কালেছের পারিভোষিকবিভর্বের সময়ে স্থিত ভিলেন । কিন্তু প্রথমেন্ট বিদ্যাধ ্ছাত্র লগের পুরস্কারণি তর্বের সমধ্যে উপ भारकम मा (कम ? व्य'मरा} छिश्त ≲डें कतिरुक्तिः चार्रिकमन मार्ट्युत्यक वार् প্ৰথৰ জেন্ত্ৰ আসিতে প্ৰে

> সম্প্রতি চাপাতলায় একী দ্বীলোক ভাহার মৃত্রের কারণ অঞ্সভান কৈ(রয়া

-20-

· F. F

ৰ্গস্ত কোন বাজিন এই হডভাগায়ৰভীকে ংবাহও বংসর কইয়াছিল, দেখিতে প্রম ী ; ভাষার হস্ত দেখিলে বোর হয় সে এত য় প্রায়ান ছিল। একথানি-ইর্নিকা ভাতার এক কর্ম আব্ধি অংশর কর্ম প্রাক্ত কটো হয়। ছুরিকাখানি শবের নিকটে ठ किल। स्य राज्जि च्हाइ'रक हिनिद्यमः কে পুরস্থার দিবার ঘোষণা কইয়াতে া মুক্ত ছভগোটীর কারণ, ভাষা সম্ভেল এলা , 3 4 64 1 ন্ত্র সংক্রেষ পর্মির প্রভানিবারণের অপুণ করিয়াছেন। সিলেক্ট কমিটি এক **८**इत २८% अदियहस्त (तर्भाष्टे कविरतमा টীয় ছুটা বেশর এই ভাইনের অধীন াভাষরা শুনিয়া ছথিত হ্≷লাম, যে । বেশ্য বংক্তিবিশেষ কর্ত্তি র'ক্ট

ग स्ट्रिय ना। **মেজর লিজ ভিনম**িদের কিলায় লওয়াতে র সেকট আবর্জ উল্লেখ্য প্রাভান্ধি ব্রয়াছেন किंग्रित मरमा अहे पूर्वे स्थ्य यथाय ल ५७७। পরবাতে কোন্ सिद्धन পুনি করিবেন, ভাছা এ,মরা বলৈতে পারি |

ব, ভাষাদিধের শ্বীর পরীকাকরা হইবে

क कृष्टी तिभाग वर्षाकविद्यद्यत त्रांध्यः ।

ष्ठा **जान भाकेरन, ऋ**कतार प्याटरनत केरकम

ভারতব্রের পুগ্র যেনাদল য়াতে অন্দিৰ্বগণ আৰু আসীয় ভাষার শা**অসু**ৰীলৰ কৰেন নাং সরুজার মলেকম, अक्षा १६ ५ त । वार्ष**त**, कारकः ল, সর ভেলার অবেসপ্রক্রীভির নরায় জোক

পেনাদলে লেখ আইভেছে না। ১৮৬৬ অচনর ৫ আইন অনুসাংধে গ্রাথ

রেল ত্রিটিল এজো। রেকভারদিগকে প্রধান বিচার লয়ের সম্ভাপ্রদান করিয়াছেন: गुल्कि निष्य काष्ट्र शहेब्राह्म। अहे कामछ। কাতে অনেক স্থলে অধী প্রক্তর্থী দিগকে কষ্ট পাইতে হয়।

শনিবারের ভারতব্যীয় গেডেটে গভ র এক বিষয়ণ একাশিত হইয়াছে। এই

ভ সর ষ্টাফোড ন~ােণ্টের নিকটে প্রেরিড ৄ াতে ডিনি মডিমান্ত গুলা প্রকাশ করিয়া

য়াছেন, ক্ষানুলীয় গ্ৰণ্ডেড ব্ৰাভ্যাপীড়িভ 🖟 क्षिरमञ्जासम्बद्धाः स्टब्स्य व्यवसम्बद्धाः

য়াড়িলেন, ও হা তাঁহার সম্পূর্ণ অনুমেট্রেড[্]

1601

তে পারেন নাই । প্রীলোকটির বর্ম শৈক্ষেকার্ডার অন্তর্গত ইটালির বিদ্যালয়ে পাঠ পাইতেরেন না। অধিক উছোর নিনিত। করিয়াছিলেন। বিবি লুগান্সনামী এক জন মিস ় চেট্র. প'ইডেছেন, কিন্তু লেকেবলিডেছে, নরির বিধবা জী ভাঁহার উল্লভিদর্শন করিয়া ভাঁহা : ডিনি স্তুলিকিড সিপাহীদিগকে লইয়াও বি কে প্রমতঃ ইউরোপে পরে ভথা হইতে আছে। নাম অক্সার্থ প্রাচীরারত নগর বিক্ষান্ত तिक!त लहेशा यान । भाष्यु कुहेर्रा विश्वविद्याः सहस्य , भारत्य नाह, खबन किनि करस्य नाक शत्र এল এ এবং ওবিওর চিকিৎসাবিদ্যালয়ে এম. ভি উপাধি পাইয়াছেন। ভাঁহার বয়ঃক্রম ১৮ 🖟 বংগর। আমেরিকা ভগ্রগকরিবার পুর্মে ডিনি গভাপতি জনদনের স্থিত সাক্ষাৎ করাতে সভা পতি উ.হারনিমিত ফুপারের করিয়া ব্রহ্মদেশের রাজাকে এক পত্র লিখিয়াছেন ৷ ডিনি সম্প্রতি পেনিনপ্লার কোম্পানির নিউবিয়া জাহাজে ভারতবর্ষে প্রত্যাগমন করিয়াছেন। ঐ আহা-ভের কাথেন ও ভারে:হিগণ টাদা কর্য়: হার্কে ২০০ টাকা ও এক প্রশংসা পত্র দিয়: প্রার্থনা করিয়াছেন ভিনি যেমন সভা ও বিশ্বান হইয়াছেন, সেই এপ ভাঁহার সভতে। ও নিল্ডা এ नियमणी अञ्चित्र कहेर्ज्य । देश कहेर्ल অদেশের উন্নতির নিমিত বিনিয়োজত করি ্বন। এটা মথাপ ইপর'লের দখন। ইংবাজ- [†] রাল প্রের সংখ্যা পূর্বাশেক। অনিক ১ইয় দেগের আবাব যে দোধ থাকুক না কেন, হিংলা : এক এক করিয়া পুনর্মার জাহাজ ক্রয় ্লপ্যাত্র নাজ

> য়খন কোন আপীল প্রাবন কবিবেন, তথন দিন 🚶 श्रेष्ट्रा कातिया कालना निर्मात क.ये ते नर्य अन्य कि । সমর ও কালেউরের কাছারিতে ভারার এক এক এস্থাগার দিবেম।

लहेदा विश्वतं कारामस्यम् लिथारक कामशुर्दर বেনিয়ান ভাষার চারি বংগা মেয়াল ও ৪০০০ हे (इ.स.च्यांस्थान) **१**ईश्वर्ट ।

ছোল নিট্ন বলেন, সংগ্রন্তি উন্পর কালেই ্লুম্ম অসৰণ নভানিবশ্বন আনেকভাল স্থান্থ উই ধার্য়া নাই ক্ইয়াতে: রেবেনিউ এক্ষরে আজা দিয়াদেন, ভবিষাতে ইহার মুলেরে নিমিত্ত কালেইরকে দারী হইতে ভ্তপুর্প ছিরেটরদিগের চরিত্র ও কার্যন **२३(व**ा

আবিদিনিয়া হইতে সংবাদ আদিয়াতে, সর কিমিন্নসঞ্প নিযুক্ত হইয়াছেন। বছত রবাট নেিংগ্র আল্টালো হইতে যাত্রা সিবিলিয়ান জি, কারেল, এ, রোট, कविशारिकन । अर्थन मार्टनव श्रावरण माधनानाव । ए क्षेत्रमारहत अनः मार्ट्सरक्त श्राप উপনীত হওয়া উট্টার ইচ্ছা। অভএব যদিও বিচারালয়ের সিবিলিয়ান জল হলওয়ে সং রাজ্ঞা মন্দ, তথাপি তিনি ফ্রুফাতি কয়েক সহত্র কলিকাভার পে ডিপাট্মেন্টের মেজুর। বৈনা ক্রিয়া অএগর হইভেছেন। রাজা থিয়ো সন ও মাত্রাজ ব্যক্তিক মাকইবর সা ভোরও রাজধানী রকার্থ আসিতেছেন। २७ এ टेड्ड मक्नबात्र।

व्यामत्रा मश्याम भावेलाम, विलीवश्यीत हाल । भाव विषय पढि । किन्न भाव व्यवहरूक, स ্কুমার ফিরোজ শ'হ যথাধই সোয়াড়ে জাসিয়া- য়ের সকলে যে প্রকার ব্যবহার

াক এক জন ব্রহ্মদেশীয় কিছুদ্ধ ছেন। ডিল ব্যাদ্ধের প্রতিট সা হিন্দুস্থানী ও জঘনঃ অস্ত্রণায়ী পর্মতীয়দি লটয়া কি ব্ৰিটিশ গংলীয়েটের সহিত্যুদ্ধ ক পারিবেন ? কিলোল পাছ এই স্থান স্থাপ ব পার্সের গমন কহিবেন, প্রাচের এই প্রকার আফ.ত : এই সকল লোককে ক্ষমাৰ ভারতবর্ধে আ'ধ্তে ,⊬ওয়াই সংশ্রাস্শা ষ্থন কিনলে কল্পন ব্রিয়া সে

property of the property of th

ও পাখাওলালাদিগের অন মারিভেডি .मই मगरम গ্ৰহণিক আপনাদিগের সকলগুলি বাক্ষ্যি জাহাজ বিক্রয় কং खरकारल मर्गमाभावर्ग व्याह्मा**इ**रलम् निर्मिक्ति ते काला इहेर उरहा (भड़े खार्स्य এক্তে সকল হইডেছে। কেল্ৰী ও প্ क्ट्रेट्टिक । मध्य हरः होका क्या বেৰে এটি বোড আজে৷ সিয়'ছেন, ভী.হারা : নামণ এক খানি বোঝাই জাহাজ ব্ৰুয়

নেটে বিভাগের কার্যপ্রয়ের নিমিত্র মেট বর্তমান অপেরাব্যাক্ষরটো সংচ্ছে লক্ষ টাকায় ক্রয় করিয়'ছেন। আগরা ক হ্বার মুক্ষেক মন্ত্রাক্স মহত্যস ল'৷ উৎকোচ বিশ্বভাগে যে বারীটা ১টছেলে, জানুমী व्यतीन क्यांच्र काला हिल्ला महरता ।

मध्यानाहेड प्रतम, अभारत्य (मण्डेमाहे অন্তিশয় পরিভ্ত হয়য়। জলকরে আনা ডোনালড মাকলিরড মক্ষল দর্শন ক গমন কবিয়াভিলেন। ভিনি আংরোগ करान, हेशं भारत्वत्रहे श्रार्थना ।

বোষাই গেলেট বলেন, ভব্ৰতা ব্য লীর অরুদকানার্প নিম্নলিখিত ভদ্রলো

আমরা দেখিতেছি বোধাইরের কোন বা ্ কমিসনর মধ্যে লওয়া হয় নাই। এটা 22-

कि:कृष्टिक कें क्रानिटशत मृद्ध के क्रिक्टिक रा कथ्ना युक्तिनिश्च, काञ्चरे व्हेस्टर । ভে বিশ্প, বাবু ধারকানাথ মিক্স ৬,ক্সগ भूरकाशाधारत्वत वर्ष खवानीश्रुदत अंकी भ (वे. निक्त क्हें किए) ।

টরোপীর ভ্রাচোরের সংখ্যা ক্রমশই। ইতেতে। সংখ্রত এক জন বৃদ্ধ জুয়াচেরে ! ৰ স্ট্ৰিটের জ্বান। সেবিভ বনায়ের গ্রমন করিয়া। ম। নিব'র ভান করে। অধাক্ষ করে সাহেব খনুৰ ক্ষত থাকাতে তাঁহার স্ত্রী ক্ষম। বানসভ যেমন বাদ খুলিলেন, অংমনি চার ২৫ টাকা পূব একসীথলিয়ালইয়া म कहिल : वि.व कात्र ७५कमार भूलिए। দিলেন, কিন্তু ঐ গুফুঁ তখন আবৃশ্য इतः । এই সকল खुश्राट्ठायटक হর্ম ১ইডে ব্যক্ত কঃ কেইবা। এই কউকলিগের হাবা যে কভ

८७ वसा याष्ट्र की। ভিয়ান ডেলিনিউস আবন করিবাছেন, স काक : जिल्ला विद्यास कार्यशासनदक ! গে গমন করিয়া যে ব্যুগ্ন ক্ষিবেন, ভাছা ক্রিবার নি মতু গ্রণ্মেট ভাইংকে ১০০০ धनाम कं ब्रायम ।

क পত्र अनुभाष इहेश्रार्ट्स, जाइस्ट्रिय । ৰল পত্নীক। করিবার করেণ মাক কেরার ং'নুফুর ≱ইডেডেন ই'ন শ³র ভংর**ভব**শে বন, এএকার এক জন কম্সারীর এতিশয় खरा। ए। छत्र अनुस्था अत्यक्ष कार्यन : এই কাজ করিছে অগমধা

क्रमञ्जू बहुत्रमः, बङ्गालामीय अवश्वित हेत्र : 411

ন ছই জন সংকারী ইঞিনিয়র নিযুক্ত ময় ফিটকারলড ात्र का का निवार्द्धन। **का**र्य चाल चनरनत ह्रःचित्र क्≷रतन । । জোগাড় করিয়া কর্ম্মচায়ী মিযুক্ত করিলে। हत हहेख ना ह

ामण नीव शमन कांत्रता अरकाक रेत्रदक्ष है (त्रवामन वर्शनरम् त स्त्रादक। आनी शु সহক:রী সেক্তেগরী • টাকা ভাতা পাই दिन। व्यामदा श्रान्थाय कहिए छक्ति, अहे होका '' ভারভবর্ষের গ্রামির জেনরলের নিজের স্তুর্থেরী নিমিত বায় " বলিয়া খাডায় লেখা কৰ্মনা ।

२१ अ टेइट बुभवात । সি, এচ. এফ. মার্শাল নঃমক এক জন ইটি-রোপীয় অ'পনাকে উত্তরপশ্চিমাঞ্চলের জন প্রধান নীলকর বলিয়া পার্চয় প্রদান পুর্কাক লিন্দ্রীর অনেক লোককে ঠকাইর। টাকা কর্ম্ভ করে। সে এফলে :দৌজদারিতে অপিত হই য়াছে। এই সকল লোকের ধুর্জ্তায় এছফেশীয় বণিকেরা গ্রেগ্মেটের কম্মচাবিধাতীত আর শকল ইংরাজকেই ধারে দ্রব্য নিতে শক্ষিত

(য সকল দৈনিক দলত): গ্ৰা জ্বন কোন গুরুতার লোঘ করিছে, তাহাটোরকে অয়চাক বাঞ্চাইতে বাজাইতে শিবির হুটতে ধারা। দিয়া বাহির করা হইও। নিলী গ্রেমট বলেন, সম্প্রতি এই নিয়ম বৃহিত হইয়'ছে। উক্ত পত্ৰ খলেন, ১৮१৮ अटम निश्न इहेश्राडित. :काम हेडेट्रापीश (म अप्रामी कन्प्राप्ती आश्वम मान्य ह अष्टरम्भीश क्तिर्कि विक्षु क्रिएड भारित्य मा। এड नि वक्त कारन कारन करनक कनतात्र बहेगारह भटन्यत्र साहे: अकर्ण अवर्गाम के अहे निव्रम किहे। ইয়ালিবার মানস করিয়াছেন। এটা অংবলা कर्द्धतः। विष्टाश्चित्का य कष्ठकश्चल ज्यमञ्ज ; ও নিও র নিয়ম হয় এ । ভাহার অন্ডেম ।

বেংখাইরের ভোটলালালেরের এক জন েৰে মুঞ্জের ও ময়গন সংহের মিউনি কারিষ্ট্র জলে অস্থিমিক প্রিএমিনিকলন ৰ পুলিবলে কনটাবুলরী পুলিবের মতুর্গত । পীতিত চইয়া ইংলতে সমন কবেন। তিনি টেতেছে। কিছু কামরা ঐ উভয়ের বার : স্ত্রুতি প্রতাগমন করিয়া আবেদন করিয়া-বাখিতে বলিভেডি। ক্রমণঃ ।মউনি (চন, ভিনি সাধারণকার্য অপরিমিত পরিপ্রান লি টার উপরে সমুসায় পুলিষের বায় চার কিরিয়ালীভিত ভটয়াছিলেন। অভেএব শহাকে দন করা ইইরাছে । কিন্ত শির্থ সাছের করা গ্রব্মেটের ইস্থাণ্টিয় টাই। বিদার কালের সম্পূর্ণ বেতন দেওছা উচিত। মালের মণে কোন প্রভুত্তের দিতেছেন ৰ মিউনিসিপাল আইনের প্রধান উলেশ। গ্রধর জেনরল এই আবেদন গ্রাহ্য ন। করিয়া এই সকল ইবে , পুলিবের নিমন্ত এখণে কোন বিলয়াচেন, কাহাকে আর্দ্ধকের অধিক বেভন পারী ১ ই রাস্তা এভুক্তিতে ব্যয় হইতে পারি দেওয়াবাইতে পারেনা।উত্তম বিধেচনা হই 到に奉 !

ক্র পত্র আরও বলেন, বাজপুতনায় খাল ্বোধাইয়ে জনরব উঠিরাছে, সর সাইমর ফিট ার ভালঃ পাবর্ণ ১৫০০ টাকা আলায়লড আপনার পদত₁াম করিবেন। সরু সাই भन्दान क्रिक क्रिक

আমরাছ:খিত হইয়া প্রকাশ করিতেছি, [†] বি**ব্যাত ৬০ গণিত র'ই চল দলের ক্ষকগুলি হইলাম,** গ্রণ্মেটেৰ অনুযাদক রবিকান : জ্ঞ পত্র আবণ করিয়াছেন, গ্রণর ছেনরল্ বৈধনিক ওলাউঠায় প্রাণ্ড্যাগ করিয়াছে। এই 'মুডন পুস্ত চসংগ্রণ করিব'ণ বিবিজ

२० के का अ अटक क मीन अ निभारी माम के कार्य क सामका मान कार्य য়াছে। এবার ওলাউঠা, হাম ও বসভ यरम्ह् अरलका कांधक श्हेत्राट्य ।

श्वाधारात स्कटमनोत्र वतारक्षत्र अकनि স্থাপিত ২ এয়াতে দা ক্লাত্ত্যে যাৰতীয় ছ্তিপ্ৰকৃতি তথা হইতে বাছির এবং ' फान्नान २३८४ । कहा हिट्ड (वाषादे ब्राटकात ধ্যাক্ষের নিমিত্ত একটা সূত্রন বাটী ক্রেম্ব ক व्याकः। २३ ग्राट्डः।

कर्रक हात्रवांहे विनास नखन्नारक लार्थ াস, জেন ক্লক টেপুৰংশীয়দিশের ও অংহ ताकात श्राजितिय ज्ञावशायक स्हेग्राटस्न ভব্দের টেলিগ্রাফসমূহের **ডেপুটা** ডি জেনরল মেজর মায়ু তিন মাসের বিশায়া (541

উত্তর পশ্চিমাঞ্চলের গবর্গ**মেন্টের অঞ্** ভারতব্দীয় গ্রগ্মেন্ট আফ্রেরের হাই ব পারবর্ত্তে তথায় একটা কালেজ স্থাপিত

সম্প্রতি আমরা আর এক বিশ্বাদার অবলও হট্য়াছি। সর্বাত্ত (জল দারগাগণ भिन्दात वाता अक्षक अद्देश केल्द्र व পাইয়া থাকেন। তারারা উৎসাক্ পাইয় व्राप्त कतिर्वन विश्वता शवर्गस्य के कियन पूर्व व त्रांत्रक **८** २८ भारतभा**त छारत**्र भूभक शांकिक। केक्टन **क्रे इहे प्**टनत একত হওয়াট্টে অভিনয় গোলখোগ হই চারিবৎসরাবীধ বারাসভের দারোগা পগুসাক্ষিসৰ পান নাই । আছিনি এই । আবেদন করাতে আকাউ-টান্ট জেনরস प्राट्डन, कं.स्तन (तक्षा क्रेब्राटक्क मार भाग माहे कालग्राह्म। भतित्व**रम अहे** वि भिन्य ४ १ शत्रभात कारल है दब्द निकटन লার নিমিত কোন

মাত্রাজ টাইমস বলেন, ২৯ গণিত মা निनारी निगटक इक्षक एक न देशा बाहे एक अ के का वास के इंद्रेश के वास किन (ब्रंडिश) इंहेट्च ? शवर्यक्षे देव्याणिक ব্যয়ের হিষাব প্রকাশ করিবার যে অর্থ कतिश्रीहित्सन, जांद्रा कि दिन्यु उ व्हेसारहः

আময়া ডেলিনিউস দুর্গন কাংয়া আঙ

রবিভানের পরিভাগের উপগুক্ত পুরস্কার ाई।

চলকাশ বলেন, ''আলি ক¦লি বুড়ীর**ল**'র জি পরবস্থা। ভার এই এক বংসর এই রূপ रिल जनस्यके देवान हत्रमामभा छिप**ंकु उ दहै,त**ा শে*ত হাৰ* মধ্য**ভানে হ**ীটিয়া যাণ্ডাযায় অধ্যাপর্বেকশার্থ নাই জনিয়র নিযুক্ত 137.90 3 A

উক্ত পর বলেন, ''নবাবগঞ্চ ঔেদনের भाष्ट्री कुटात भाष्ट्रा निवर्शी चारश्य भिक-র আধী অামীরগকে জাষ্টা করিবার আভি মোলীকাণ নিবাসী সেক মালারিপ্রভৃতি জি গড়ঃ৭ই মাজ রাজুতে ভাহার ঘরে শ করিয় ছিল। ঐ জ্ঞাতিক আক্রমণ করিলে ।রুপায় হইয়। আক্রমনকারীদিগের উপতে ছারে দা'বাঘাত করিতে আরম্ভ করে, ভার্ ভাষার ভাষাকে ছাভিয়া চলিয়া যায় ! ৰব্য দেখা গিয়া**ছে**, ম'দারিব বাম বা⊕তে 🖒 ছাই কারি অবখন হট্যাছে। সংস্কোল ্ছম্পিন বলে প্রেরিত ইইয়াড়ে ; যেমন কব্দ 4 1 15 15 P

আমাষ্ট্ৰ পাছ বাবে প্ৰকাশ করিয়া ড. হ'র ন

র্কের (শেকের। ক্ষাক্রাক) কি.**ক্ষা**র্দালেরের শ্বেদিক নিক্ষক ও ছাত্ৰগণকে এই ই ও **সুপ গা**লাগাল কার্য়াছে। রাজা সূত্রের ক এই দিবয়ের আভিযোগ করিয়াছিলেন। ণ **শুনিয়** চমংকাত ইইলাম, বিচারপাতি ল'লাকে: মাজন\টার অবস্থা ভালরতে ও মাহইন 'হ ভেদ্মিদ করিয়াছেন। অভেড. গণৰর গানবন্দী আপুনিয়া তাহার বিচার सि को रे:हड हिनाय ति ति किर् त िक्किकरक भतिया श्रहीत कविरलङ িব্যার হট্রেনা, ইয়া অংশেকা কাবে াা কি হইতে পারে? আমরালায়েল কে অনুযোগ করি, তিনি এই মকসমাসীর চার করুন। "

২৮ চৈত্র রহম্প ভবার।

জীলোটী সভাতি চীপাচলায় হত িসরাছিল। সে আহতে জুপরী ছিল। সিপাহীর। আপন।দিনের

পরিশ্রেম করিয়াছেন, পদর্মেণ্ট ত**রিমিন্ত ক্রি**ম্নু<u>ই সং</u>শি থাকাতে সে বহিজ্যে হয়। অসু ক্র বেভনর্জি করিয়া/এন। এ পর্ব*ভি রে*ব মাণ করা হট্টাছে, ভাহার কোন উপপ্তি ভাহ'কে শকটের মধ্যে বধ করিয়া রাস্তান্ত ক্ষেপণ করিয়া প্রাচে।

> · চাস:প্রকারের এক জন সংবাদদাতা বলেন ''(योडकोन करनम **क्हेरफ (य স**कत दृष्टि थ ন্যান্য সভাগে বংগর বংগর প্রেরিড হয় সে রুড়ি ध त ५ देशपुरू भारत मा ७ वस्ता। व्यामतः জ্ঞানে ইন স্পেক্র মতোদয়গণ প্রায় জ্বীনস্থ ভিপ্ টী বাবুদের হস্তেই উজ রুস্তি বন্টনের ভারংপ্র করেন। ভিপুটি বাব্যা তেখন বঙ্গ বাহাছর , য। ইঞ্ ভাই ক্রেন। হয়ত অনুবোধণত্তের বাদ্য হুইয়া অপারে এ র ন্তি জনান করেন গ অথবা আপ নার পাচকাদি অধীনস্থ বা জ্ঞানিগকে এ কভি দান করেন স্কিংবা অংশ অংশ্বীর অন্ন্যোপায় ব,জ্ঞিকে ঐ র,স্ত প্রদান করতঃ মোডকেল ক্রেছে পেৰণ করেন। এই ভিন উপায়েই পায় ঐ র'ভ ও ল বিল কৰা হয়। এই নিমিত উপযুক্ত ব্যক্তি आयों सहरताल काहारक आयुष्टे इताबाम बहरक হয়। এটী সামান ছঃখের বিষয় নয়। আছেএব আমর ইন স্পেট্র মধাশয় দিলকে তত্ত্বাধ করি डें(३)वा त्यन पर का लग्नेया डेल क्रिक राष्ट्रिक हा इल्लाम कर्तमा काश अहेरलहे हा दिला .নব উদ্দেশ্য সকল হইবে। ভিপুটী বারুরা যে সকল কাজিলিগাকে সুত্র প্রদান করেন, ভাছাদের রুত্তি প্রায়ই স্থায়ী হয় না। এমন কি সভে সঙ্গে রারণারীকেও অচিরাৎ কলেজ ভলের কারতে হয়। শতএক এমন অপাত্রে রুতিপ্রদানের ফল কি ? বিশেষতঃ এতজারা বিশেষ অভিষ্ঠ সংগ টিও হয়। উপযুক্ত পরেরে আশংভল্প করা হয় ও উন্নতর পরে কাট। দেওয়া হয় আমের। ডিপুটা বাবুদের নিকট প্রাপন্য করে উটোরা যেন ন্যায়ুপ রাজা অবস্থন করেন। ভারিষ্টেড ধেন আবার আমরা অপ'রে র তথদান'করিতে না দেখি।" রাথকীয় রণভরিদলের কাপ্তেম পাসলিং

বংগ্ৰকথানি পত্ৰ টাইমণ হৰ ই'ভয়াতে প্ৰকা-শিত **ংইয়াছে**। ভিনি বলেন, গত বংসৰ ফেঞ্ য়ারি মানে ভাক্তর লিবিভটোন টে লিখেন এবং যেওলি পাইবার মিমিড স্কা: বাস্ত্র হইয়াছিলেন, ভাষা এত দিনের প্রজান क्षितरंत . भी किहारक। के मभरह का कहा लिए प প্রিত থাকে, এড দিনের পর ্নশেষ্ট্র । ঐাম বেয়াতে ডিলেন। তিনি বলেন, সিপানীকা চেষ্টার ভাষার বিষ্ণানা হইয়াছে ৷ যে ভাগাকে বলপুর্মক প্রভাগানন করাইবার চেট্টার শীয় খু ষ্টীয়ান সহ ভিক্ষিবখন কলিকা বিকাজে ডিনি ভাষাদিগকে দিবাইয়া দেন। **উ**प्रभागायानार्थ ে পোষ থাকিলে জীলোকের সেল্লেই। উত্তিভিকি বধ করিয়াছিল। যাবভী ছাতির ল অপ্ৰশ্ব প্ৰকালে মন্ত্ৰাৰ হেছু ভয়ে কোহানীয় বল্যের ভাঁহাকে ভাগি করিয়া

প্ৰায়ন কৰিয়া ছল। এই সকল লক্ষ্ৰ দৈনি (वात व्हेर्ण्यात्र, निविक्**ट्डे**रन कामाणि की.

বোৰাই পাডিয়ানৈ এক জান জানি সিটি हरें (उ लि अवार्षत, अल्य क क्राक्क के स स्थ कार अस का का का अस्ति कर आहे. व कर कार अस यानात (कंश्वी अक अन मारकिटेक छ। করাতে সাম রক বিচ দলের জাহালিগের জা ারক দও বিচান করেন। প্রপ্রেরক এই প্র ৰভের আভিবাদ ক'রয়া (জাবপ্রকাশ ব য়াভেন: ল'বভবনীয়গণ '' বেইজ্ঞাকে ৯ মু अ(लक्षा कड़ेकत काम (क्षान, एथा)ल अस भावेतेत्वक मा उपाल्या विष्यादित किन्नु भा টেটগৰ হউরোপায় ৮০ের পুঠ রক্ষা করি म्ख (मन क लग्ना अभारत औं क्षियर्थन तक है ব।১, হয় না।

বাবিষ্টর ইও রাম সাংগ্রের কেরাণী যহন চটোপাধার সঞ্চাত কাহার জে,ও জাও র ब्राटनव व्यवतास्य स्वीष्टमाः एक नाले व नरस् বিবর্ণ জ্ঞাসাক্রাতে কথী বলিলেন, বাং জে,ও লাজা উভার নাম করিয়া ভিকেৎসাল ংইতে উষ্ধ তানিয়াছিলেন। তিনি এক ২ ইপার মূল। দিলে চাংক্রে নাই, পুন্রায় বি আসাতে তেনি অগত, নালীৰ ক্সুল'ছেন মা.জেটেট বৰাইন সাহেৰ এই নালীশ অঞা:

ংক এই১আ শ্রেকার।

লক্ষেত্র ডাজের স্থাকাৰ ও কলিকাত ভান্তর কেধার গোখুরা ও কেউটে সংপ্র fa নিবারণনিমিত সংখ্যাত কত্তপতাল পরীকা ক য়াছেন। (বর্জা যে সংপ্রে অবন্য নতে, ইংল অংক দিন প্রকাশ ক্রয়াছে ৷ বেলির চতুরভাপ্রভাগ সপ উহাকে স্পূৰ্ণ ক'তে পাৱে না। কি करमान कात्रदल कारमा है हिस्त अक्कर रहा। (m) সপাও লাড়ায় একুডি বিষ্টীন স্পল্পত বিষ ধর সাক্ষা হংশিত হইলে প্রাণ্ডালি করে কেবল নিয়ার সপাগন প্রস্পারের বিধে মার याप्त्र मा । मध्यम्बर्यटमम् अभन (काम छेष्य मा পত্র। থাং। দেনৰ করিবামাত্র বিধের প্রভাব ভিরোকি হয় ভাজের ফুলিস বলেন, শ্রীরের কৃত্র শীর छ। त याशारक अवस मा क्या अवर विवास्क ला

> প্রকার চিকিৎসাব,ভাতে উহার জন, কোন টুপ व (तथा वाहरणहरू मा। आदि अभीका कर फेक्किक । भारत कारभाई केयम वा इत क्**ट्रे**त : ভবলিউ, এ, টিভ সাহেব পাটনার এক জা উকীল। ইনি স<u>ংখ্</u>ৰিত কংয়কখানি নোট জেল द्राचित्र निश्चिक इत्तम, अमन नगरर विश् পেটার নষ্ট:রনামী এক্টা জীলোক এ নোটক ট

াণ্ড জন্তঃকর্ণে সঞ্চারিত হইতে না পারে, এ

इतिया कार्यद्रकःमःका (ङ, এइ, दिर**प्**त े क निका डाम्न (थादन करता अहे हहे समहे हरेखोड्ड _।

বণিকসমাজের আবেদন'সুসারে গ্রামিক শ্ৰোৰ হেঁগটু আনালতের কাৰ্য্য প্ৰৰালীর কয়ে পরি উ করিয়াছেন। খত ও চুক্তি বিষয়ে ালালাত ২০০০ টাকা পর্যন্তের । श्रेष्ठार्थी यनि कनिकाष्ट्राय ना शास्त्रन র বিজ্ঞে এখানে নলীশ **ζ**4 ₹1 ι

ৰ র অন্তর্গত হরিহরপুর গ্রামে এক ভয়ানক ই ভি ২ইরা গিয়ার্টছ। যে বালীতে ভাকাইভি তাহার স্বামী রুক্ত। ভিনি করপুটে দিগকে **সকল लहेग्रा य**े**हेटल निरं**यं केत्रारक রা উট্টেকে গও খণ্ড করিয়া ফেলিয়াছে। এক বাজির হস্ত ছিল হইয়াছে এবং করেক ওকতর সংঘাত প্রাপু হইয়াছেন। এ প্রকার রতাসংকৃত ভ'কাইতি একণে প্রায় ধনা त! । श्रुरथत्न विषयु ८ इं. म ॐ छ्ताच्यारम्ब ক জন ধরাপজিয়াতে :

७ - এ रेठळ न नवाद !

াত্রতি প্রিংকোপল একটা ওকতব্যক ানিপাতিক্রিয়াছেন। বেহাবের অস্তর্গত ুরে রাজার ভাষেক জমীলারি ছিল। ১৭৩৫ যখন কোম্পানির দেওয়ানী হয়, তথন উটো দিলের স্ভিত যুদ্ধর হত কোম্পানি র ডান্ডে গ্রাঞা ছত্রবানী সিংছ্কে द्वित अतिकाती करत्रमा अह २९८मत् कूला ছবারে ভেও পুন সম্পাত্র অন্যকারী ন গভাবে আনরে লকতে ''বালুয়ানঃ ' বলিয়া ^{হং কি}ঞিং খোৱাকী পাইভেন⊹ ১৮৭৮ ভেতৰণারী হিংহ চারি পৌতার্থিয়া প্রাণ াকবেনামুদ্√কালে ভিনি নিদশনপত वान्। (बाहे भूर बन (बाहे भूस नारक्षण প শাহিকে সম্পাত্ত দিয়া যান। তৎপৰে র অংনঃ অংনঃ পৌত্র এই বলিয়া গ্রণ্মেটেট শ কবেন, যখন আমদিম রাজ্ঞবংশকে পদ করা হয়, তখন জালাদিপের সভিত াধিকার সিয়েতে। আনতএর ছত্রণারী त मैल्लिख दुल कि.ए९ विष्ठक्त व्हेर्द। कि.स ात अञ्चल वरल स. ''वर्गरू ल्ले यथन अपनी हात्रि হলপত করিয়াছিলেন, ভখন কুলাচার করা হাঁছাদিসের উলেন। এই া ডিনি রাজেন্দ্র প্রতাপকে সমুদায় সপ্র

অব্ধিকারী বলিয়া অন্য অন্যুদ্দলকে

বাবুরানার ছিসাবে মাসিক ২০০০ টাকা দিবার / পুরের সাধারণ বিদ্যাশিকাসভার এক জ অজ্ঞা দেন। প্রধানভ্য বিচারালয় আকীল ইইবেন। এই আছবা প্রবল রাখেন ই, কিন্তু বাবুরানার টাকা কমাইয়া ১০০০ টাকা নির্দায়িত করিয়া দেন। অবিগণ প্রিবিকৌ লালে আপীল করাতে লাভ চালেলর কেরদ এই আজা বলবতী করিবেন। রাখিছাছেন।

हीन स्ट्रेटड गरवान काशियाटक, विद्वाशीया ঃটী যুদ্ধে সম্ভাটের বৈন্যদিগকে প্রাক্তিত করিয়াছে। তাহার। টিয়েনখিনের ২৫ ফ্রেন্সের মধ্যে উপনীত হইয়াছে, ভুপ্লে নামক জাহাজের ১১ জান ফারাশী নাবিক ও এক জান আনফিস্র (জাপানের অভর্গত) হিয়াগোনপরে নামি করাশীগণ ভল্লিমিড বাতে হত হইয়াছে। ৪০ জন লোক ও কতকতলি ভাহাজ ফদীভুড कतियाद्य। भिकाद्यांच अवर्गमाने अर्थे अरून লোকের দণ্ড বিধান করিতে সক্ষত হইয়াছেন।

দেও অব ইভিয়া কাশীরের রাজার বিরুদ্ধে যে থকল প্রস্তাব লিখিয়াছেম, উক্ত বাজা গ্রহণই ্য ভাছার প্রধান উক্ষেশ্য এক্থা সকলেই সীকার করিয়াছেন। আজিকার ডেল নিউদে এই উপলক্ষে এক উৎকৃষ্ট প্ৰস্তাব লিখিত হই মুংছে। রাজা রণবীরসিংহের দোষ আছে, বটে কিছু দেশুও যে সকল দোষ দেন, ভাছ। ন'ই। কাশ্মীর এখন করিয়া তথায় বাসস্থান নিন্মান করা व्यक्तिक देखेरतालीरमृत देखा। भाष्मीत **सहरत** का সিমলার কুজ্বাটকাপূর্ণ শিপরে বাইবার প্রয়ো-হন হয় না।

গ্ৰণ্মেণ্ট বিজ্ঞাপন। वक्रमानीय त्नल्डेनले भवर्गदत्र **चारम** भाश्रमाती निर्माग ।

২০ এ মার্চ। মেদনীপুরের অন্তর্গত গড় বেভায় সম্প্রতি যে দাতব্য চিকিৎসালয় স্থাপিত

হইয়াছে, ভাছা চালাইখার নিমিত নিমলিখিত ভদ্র লোকেয়া সভাপতি ইইবেন।

মেন্নীপুরের সিবিল সার্জন, গড়বেডাব মুলেফ, ভত্তেতা বিভাগীয় প্রধান কাইচারী বাবু যদেব রাম চট্টোপাধ্যায় ও বাবু জ্ঞালাধ্সিংছ

২৭ এম চ। উট্রাহাডির হাডিনিধি সিবিল ও সেনিয়ন জ্বজ্ঞ, লিবেন সাহেব পড়িত ভুমির প্রতিদাওয়ার বিধেচনার্থ কমিটির এক জন मञ्हर्दे ।

o> a बाठ स्थानवी जागीत हाटनन (महनी

রেবরেশু এফ, ভুবলিউ রাবাটস এপ্রেল অবধি হাজারিবালৈর চাপ্তেন হর के मिल्लाविध स्वयद्वास कहा, स्थान पर

১ লা এপ্রেল। সহকারী মাজিক্টেট ও ইর টি, ই, কক্সত্তে সাহেব মাগুরা উপ ষের ভার পাইয়া প্রথম তোলির অংধীন টেট ও ভেপুটা কালেইবের ক্ষমতা পাই ভিনি আরও গেসিয়নে ও প্রধানভম চি লয়ে সমর্পণ করিবার মকক্ষার প্রথম করিতে পরিবেন।

ডেপুটি মাজিটে*, ও* ডেপুটি কালেটর যে ক্রেবণ সাংহ্ব মেহেরপুর উপবিভাগের পাইয়া প্রথম প্রেণির অধীন মাজিক্টেটের গ পাইবেন : ডিনি জারও দেসিয়নে অর্প বার মকলমার প্রথম বিচার করিতে পারিটে

যত দিন সি. এস, বেলাই লাছেব लहेबा अबद्वा विष्ठ शाकित्वन, एउ दिन है গাংহৰ বাজসাহীৰ প্ৰতিনিধি সিবিল ও युन *सास्त्र* इ**हेर्**यन ।

সি, সি, কুইন সংহেব জীবামপুর ও পাড়ার মিউনিদিপাল কমিসনর ও ভ্রেড মিসিশালিটির সহকারী সভাপতি হটবেন।

यङ निम कारश्चम किए. ति. ति, फ्लेडे, वि বিদায় লইয়া কল্পস্থিত থাকিষেন ডার্ড এচ মনরো সাহেব শাহাবাদে প্রভিনিধি : ञ्चलविष्टिए एक क्ट्रेट्स

সি. ক্রেণ্ড উড সাহেব পাটনা ৭ জা न्लीरले विरम्भ मन (ब्र**क्टिका स्ट्रियम**।

एप्पुरिमान्द्रिके ७ एउपुष्टि कारमहरू गष्ट्रमाथ रञ्जान, अ. जानाचा क्रिक्रमुनि छाटना পাইয়া মাজেটেটের ক্ষমনার করিবেন

प्रकाती बाजिएके विकास है (क. i বেভিয়া উপবিভাগের ভার পাইয়া চ ন্মে মাজিটেট ও ডেপুটি কালেইরের খ भाडेहदम् ।

১৭ মার্চের গেডেটের আফা পরিবর্ভার विकाशन (मर्खेशी गरिएक्टक, वांबू अस्म বন্দ্যোপাধ্যায় জীরামপুরের ছেপুটি মাঞি ও ডেপুটি কালেইর হইয়া বিভীয় প্রেণীর ব याक्षि कि हिंद क्षत्र छ। भ्र देशका।

জীরামপুরের ভেপুটি মালিটেটও ৫ कारलहेंद्र बादु हत्स्माताग्रन तिश्व अम, अ. मिन्द्र रहती बहेबा माखिद्युद्धेत क्रम (ৰন

বাৰু কালী প্ৰসন্ন সরকার পুলিয়া ও কু

বিভাগের দলীলের বিলেদ দব বেজিটার্ ব্যবহার ! ধর্মজনেবিহীন জীবন কি ভয়মক ! আমাদিগের কোরহাতি ই সং বনা

গ্রুমতেশচলে ব‡্বত্যাধালীর দ**নীলের** ষে রে জ টাব কটবেন।

১ই এলেশ । ভাক্তর এচ. সি. **করে**টিল গুরে সংধারণ্থি-গোশিকাসভার সেঞ্টোরে न्न ≀

उ हिस ति, वि. शांदर्के माद्द्व मारावन াধলকে স্থানাস্তরে থাকিবেন, ছত দেন সি. हेर्टका मार्ट्य बाहाबारमत अभिविति छ।३ हे ক্টেট ও ছেপুটি কালেক্টর থা: কবেন।

াইফারী মাজিটেটে ও কালেইয়াপ, হলি व किङ्किरनत स्थनः ३० शत्रभगात् शाकिता শ্রেণীর অধীন মাজিকেট ও দেপুট কালে র ক্ষমতা পাইবেন।

চুবলৈট এম, নিমুখ সাহেব ভূমকার সহকারী স্নর হইবেন।

ষার, পি, ভোক্ষিক সাংহ্র বাখ্যগভোৱ ল ও দেদিয়ন জল হইবেন গ কিন্তু আপো-পাটনার প্রতিনিধি ক্মিসনর থাকিবেন। থার, জে, রিচাডসন সাহেব শাহাবাদের ল ও সেগিয়ন জ্জু হইবেন।

োদ, ভাইরে সাহের গ্যায় সিবিশ ও লেসি

ब्रुध इंडेर्न्स ।

यक िन अम. हेकाव भारतन विश्व ্ভয়েনায়েও থাকিবেন, ভড দিন জ, এ লয়ট দাকেব দিনাজ পুরের প্রতিনিধি ল ও দেশিয়ন জড় থাকিবেন।

আমাদিগের শান্তিপুরক্ সংবাদ া লিখিয়াছেন।

এখানে থাজি কালি ওলাউঠা রোগের টাৰ দেখা যাই**ভেড**়ে রৌ**দ্র অভিশয় প্রথ**র ডেভ লোকেব বড় কণ্ঠ হইডেছে। কিঞ্ াবিষয় এই অনেকে রোমের হজ্তে পার্কাণ তছেন।

। अभारत यरम्ब (मोकान करनक वे क ছে।ইহাতে বোধ হয়, মাতালের সংখ্যা उत्तरमञ्जि स्हेरजरहा व्यरमक द्वाजिया সুরাপানে মাপনাদের পরমায়ুক্য করি न। এখানে ও লখে। রের সংখ্যাও অল অনেক ভদ্যভানকে গুলির আনাড্ডার যায়া আম্পিক ছুলের বিষয় এই যে, বিদ্যা ছই এক জন শৈশককেও আড্ডায়

গিয়া **থাকে**। যে শিক্ষণের উ**পথে**শে

গণ সাতুও সক্ষরিত্র হইবে, ভাহার এই

🌭 ১। আমরা শুনিয়া নিজাত ছঃখিত হই । দাতা লিখিয়াছেনঃ— শ্ব নদীয়ার ক্ষ্মন্ত্র চেপ্যান সাহেব ম গেল্য শান্তিপুরের ছোট আলালত ও মুন- ছিরবস্থা দর্শন করিয়া আমাদিগের ছাল্য (

্ফ রাণাঘটে স্থানাস্থরিত করিবার মানসে कर्नरमरके तिरुपाउँ कतिहारक्रम । यनि अकथा ণ্ডা হল, তবে এ কাজাট ন্যায়সকত হয় নাই : ना छत्रद आय १०। ৮० इन्हांत लादकत বস্ভিঃ শান্তিপুরের লোকরই অন্দিকাংশ .মাকক্ষা হুইয়া থাকে। কেবল রেলওয়ের স্টে নের নিকট বলিয়া রাংগ্য'টে কাছারি ২ইতে

পারে না : সাহেরদের প্রনাগ্যনের ফুরিপার

ধার ক্লমাই আদালতের গুটি এইয়াতে

৪। অনুভারেটি আনালভের জল মহোদয় সোমপ্রকাশে ছোট আলোলতের ও মুনস্ফি আলালভের কোন কোন আমল'র উৎকোচ ব্রহণ অপবাদ পাঠ কবিয়া আপন আদালতের खामलानिकटक मावताम करिया निष्ठाटकन ।

আমাদিগের কাশীত সংবাদদাতা লিখিয়াছেন।

---. e '----

এখানকার পোষ্ট আ দিয়ে গুলে কোনগোলযোগ শুনাষ্টেডনা, কিলু আছে কালি বিলক্ষণ বিশৃঞ্জালা অ'রম্ভ হটয়াছে। সক্ততি একটা বৃদ্ধা ন্ত্ৰী একটা কুয়াতে জল ভুলিভেছিল, ভাষা ভোলের সংক্ত হঠাব এক ভাড়ে (প্রায় ১২০ খান:) চিঠি উঠিয়া আইসে পরে অন্ত্রস্কান ছারা বোণ ♦ইল.য. পোষ্ট আনিংমের কোন কোন মহাআয়া ঐ চিঠি গুলির টিকিট ভুলিয়া লইয়া চিঠির ভাড়াটী ঐ কুপে মিকেশ করিরা-ছিলেন। কিন্তু কাহার দ্বারা এই হইয়াছিল, ভাষার বিলেষ অনুসকান না পাও-য়াতে পোষ্ট আফিলের এক অন বাবুকে সন্দেহ করিয়া উটাহাকে পদসুতি করা হইয়াছে।

প্রতিবংগর দোলগাতার পর মদলবার অনুষ্ঠি 💖 ক্রেব'র পর্য,জ্ঞ এখানে বৃড়া নজল भारम क्रकेंग्रिकर (मला स्टेग्रा थोटक। देशरफ এঞ্চনের রাজপুত্র মহারাজ ও জানামে: ধনী ব্যক্তিয়া বড় বড় পানসিও নেকালি উভয রূপে সফিডত করিয়া গঙ্গার উপরে তিন চারি 🎚 অ!্যাদ वशानवादः । एव করিয়া থাকেন (অন্যান) বংসর অপেকা এ বার আপেমান বোগ করে নাই, আর্কি কোন ব যেলার বিলেধ আছেবর কইয়াছিল

ा अधिक काल विद्यम्भभूत्वा उन्हें

मक अधकाष्ट्रिक हरे अध्या स्थाप (वर्ग'रन छला डेर्रा १ रवन मा कहिएएछ। যার উয়ারি গোলঘর চড়াইন দানিহাটী, ১ গাঁ প্রকৃতি ক'ননিচয়ে ইহার প্রবল্ডর প্ লক্ষিত ধ্ইতেছে। ওলাউঠার কি চম রিনী শক্তি : উহা যে গ্রেছ একবার এ लाञ करत उथा इहें, उ व्यक्तान १ ৫ र নালইয়াএতিনির্ভ হয়না। এই ওল নিবন্ধন বিক্রমপুর একণে কেবল রো জন, বিচারালয় স্থাপিত হয় নাই : প্রজার সূ বি-আলয় হইয়া উঠিয়াছে । নগর অনু পলীসমূহে এবার এই রোগের छात वर्णन कड़िया क्यांकि कोलि कामरकहे **6** শরে জলাঞ্জি প্রধান করিতেছে। ভ ানভাস্ত কাভরচিন্তে প্রাপনা করিভেচি প্র मन गव (रम हे अहे इत्रख अना छेरे त एमनि করুন। জ **म्यान**ः दशान নগরের ন্যায় পলীবমূহে চিকিংসাবিষ্যের b क .मो कर्या मुल्लामन करिया। मिलेन।

২। অনেক দিন ভাৰণি বিক্ৰমপুৰে বে कात छ पार्टिमी किटलत माम लईहा (देवान) তেকে। এত কাল কোরকারগণ পাটুনীদি .कोबी कविद्याजवर (भार्यारक्रवाड वि ক্ষৌরকার রুক্ষের কংখ্য (হাহাদিলের পারতি করিয়া আসিতেছিল। ইহাতে ভাষানেনে নের অনুচিত ক্ষতিবোর জিলানা। কিন্তু কা কি বিচিত্রগতি ! এখন পাটুনীগান চঠাং আ নাদিগকৈ অপমানিত মনে করিয়া বলিয়া য়াছে যে, ভাছারা আব কোরকারদিগের করিবে নামহাশয় ! ইহারা কেবল মুখে ব निद्रस्त बग्न नाहै। व्यक्तिक कृति हेश्दा ना मन्द्रनिर्गत्र भादकार्यः वक्ष कदिशास्त्रः। এই इस्त द्वारम क्योनारश्रक्तित निक्रवे क्योत्र গের পক্ষ হইতে অভিযোগ উপস্থিত হইতে নাপিতগণ বলে যে, ধনি জাঁছালা (ভানী গণ) ইহার স্থিচার না করেন তবে তাং করিবে না। জমী উ'হাদিগেরও কাজ

দিগকে ভাপেকাকুত দোষী বলিয়া অনু হইভেছে। বছকালাব্ধি ইহারা যে কাজ ক ভমুসারে ভাহারা এরণ বাড়াবাড়ি ক উঠিল বুঝিতে পারিতেছি না। যাহা হউক ই

অপরাপর

म**उ (यज्ञ शहे (कम इंडिक मा** , क्षेत्राहाता , कह

কেন বিচার করন না, জামাদিগের মতে পা

ଥ୍ୟ'ନ ମ୍ଲିଞ୍ଚ

র নিশ্বহি করা সাধারণের একাস্ত

। বৈক্রমপুর যারণ আয়ত বান তে তাহার শাভিস্থাপনের উপায়বাঞ্লী নন একান্ত প্ৰাৰ্থনীয় ও কইবা স**ন্দে**হ কি ছ উক্ত অভিপ্ৰেড সম্পাদনাৰ্থ যে কয়চী িউশন সংস্থাপিত আছে, তম্বারা দেখের রুপ শ**র্ক্তিরক্ষা হটতেতে** না। আমরা গবর্ণ র নিকট নির্বাভাতিশয়সহকারে প্রার্থনা তহি, তাঁহারা স্থানীয় কর্তুপক্ষের রিপোট र्शिक विज्ञामशुरुद्रद्र विरम्ब बिरम्ब श्वारम লেষ্টে (পুলিশের ফাজি) সংস্থানিত াদিন। **এরপ ইইলে শান্তির**কার মহান্ র্ণঃ ল**ক্ষিত হইবে সংশয় নাই**।

। বিগত ২২ চৈত্র শুক্রবার চাকা মডেল র বিজ্ঞানসঞ্চারিণীসভার অন্টম বাবিক বশন হইয়া গিয়াছে। সভাব ক্রাণ নিদ্যাক্তি ধ্রয়া পিয়াছে।

প্রেরিত।

¹³বর <u>শী</u>যুক্ত দোমপ্রকাশনভাদক महाभग्न मभीरभव्।

বিনয়ং নিবেদনমিদং—

যুজ্বধি ইংরাজমহাত্মারা এই ফেলেশে ণ করিয়াড়েন, সেই অব্বি বিদ্যালয়, সংলয় প্রভৃতি ভূরি ভূরি ধন্দ **ধ্**ওয়াতে প্রজাপুদ্ধের যাধুশ **সুখ** সূজ্য হইয়াছে, ভাষা বর্ণন করেয়। শেষ কর লে:কের সাধ্যাতীত।

ामगान मञ्जानिरभद द्रास्थाक:रसः विकास ৰ উন্নতি না ধাকাতে তদানীস্তন লোকেয়। ংশই আহল। কিন্তু লিটিশ ভবনিধের ভড়ভাগমন অবধি বেদ্যাগে ল্যভঃ জাতিদিগের ম্ধেতি জাদুত ছে**ট ইইারা নানাবি**ণ উপায় উভাবন িন্দিন বিদ্যার কতই উর্ভিসাধন চছেন। পুরের যে দেশ আমঞানভিনিরে ম ছিল, এক্ষণে তাধাই জাবার বিদ্যা-দেশীপ্যমান হইভেছে।

ভাগলপুর জেলায় রাজমহলনামে একটী ছে নগর আংচে। ইংতে অনেকভয় । জনতি বাস করে। উহার অভঃপাতী লসন্মিক্ত পলীসকলে সা'ওভাল প্রস্তৃতি বিমুচ আবাতির বাস। উহাদিগের সভাত। क्राप्तरकरे कृष्डत्रश्कल स्टेब्राहिस्सन ह

किन्छ किन्हें क्रून्डकार्या इंहेरेन्ड भारतम नाहे। ब्राह्ममध्मा वाध्यत्रकरण या काकाहेन्छ । खधूना विविधक्षणमण्डम (पश्टियो 🕮 🕫 বাবু মহানদাসিংহ যৎপরেমাজির পার্থান **मह्कारत ब्राह्ममहरण अवज्ञी देशाकी वान**ला अ व्यनहामा शास्त कडकथनि हिन्दि कड़ा ---স্থাপিত স্বারিয়া এতংপ্রদৈশীয় লোকের সভাতাসাধনের সোপান করিয়াছেন, জগদী-चत्र हेर् । एक मीर्घ और वे करून। রাক্ষমহল

১২৭৪ ৷ ২১ টৈচতা ∫ জীরাম্যাদ্ব সিংহ

ভাহানাবাদ উপৰিভাগ বিখাতে ভয়কর क्षान । इंशरिक प्रभूष फाकाइंड (लर्फेन ७ व्यान-কারীর আবাবর বলিলেও অভুড্ডিজ হয়ন।।

পূর্ফো এখানে বাবু কিশোরীচান মিত্র, বাবু ঈশুরচন্দ্র ষৌষাল, আবছল লডিফ খাঁ বাঙাছর প্রকৃতি কতিপয় সর্মপ্রধান শান্তিরকাবের শাসনে তুর্সন্ত দল শাসিত হইয়াছিল : একণে हेइ।दा विक्रमूर्डि भादन कतिया ल्यारकत मन्त्रभा পহরণ করিভেছে। কুন্যাধিক ছই মাস কাল মধ্যে চুরির ত কথাই নাই নিমুলিখিত হয় স্থানে ভাকাইভি হইয়া গিয়াছে 🗥 আশ্চরের বিষয় এই যে, কোন স্থানের ডাকাইতগল ধৃত হয় ना है।

সম্পাদক মহাশয় । এই ছংগের উপর একটা রহস্ভানক কথা-সাবণ হইল। কোন গৃহত্তের বাটীতে ভাকাইতি হটয়া গেলে গুহুসামিনী রোদন করিতে করিতে ছাররকক হিচ্ছানীকে ক্তিলেন 'বাছা তুমি ধাকিতে আমাৰ সৰ্ক াণ্হ≷ল ? গুৱারবান উভের করিল ° মায়ি ! হাম কঃ! করে, এক হাতমে চাল, এক হাতমে তলবার, দোনো হাত বক্ষ, কিস্তরেগে ডাক। ইত পাক্ ড়ে "।

আমাদিলের '' যুদ্ধবিশারদ " কনটাযুলবি পুলিৰ কাৰ্য্যতঃ ঠিক এইপ্ৰকাৰ বীতিই প্ৰকাশ ক্রিতেট্ড। ছ্টুদিগের দমন না হওয়াতে ভাহা বের সাহস বুদ্ধি হইডেছে। আরেভা ধনাতগেল ধন প্রাণ বিনাশশক্ষায় শক্ষিত্টিতে কালচ্রণ कतिएएएक अवर मकरमरे औष्ठ ने बत्रहत्त যোষাল মহাখায়ের সুশাসন সমরণ করিয়া উটোর আগমনের বাঞ্গ করিতেছেন। এক্তে म्यायान शवर्रायानेत निक्रे सार्थना এक या, শীত্র ঈশ্ব বাবু কিথা ভারশ জনেক উপযুক্ত उन्ती माक्टिकेटक कार्शनावाटन (श्रदन किया) कामानिभरक निदायन करतन।

গভনাৰ মালের শেষ হইছে ৪া৫ ফোশ

গিয়াছে, ভাহর ভালিব। সাত তেতুলে এ'মে 🕽 খাশ বাড়ে দর্গপতি পুরে কোরাধে

🕈 इंदित

শন্ধিত প্রজাগ

---:0:---

সম্পাদক মহাশয় ! আপনি শুনিয়া জ काळाळ बाइनोभिड इहेरदम (४, १७ वर नाम अवस्परवंद विकास जीपूर्क अहेर रे मरहाल्टब्रुत अञ्चरत्रारथ माथात्रनविमराधि ডিরেইর মধোদয় ১২৬৮ টাকা কলিকাডা মেট পাঠশালার পুণ্ডিতবর্গকে পারিতে প্রদান কবিয়াভেন। ভাহার। সকলে ম আপন বেডনের চারিত্রণ টাকা পাইয়ার এই টাকা প সশালার উদ্ভ টাকা হয় अन्छ **र्हेशारकः राहा रु**डेक, यथन व्यवस्थन कांकरशत खाने विभाग नीज इहेर उर्फ ना, এই রূপে উভূত টাকাঁ ২ইডে পারিডে मान कतिया भिक्तकांनरभत छेरभाइ वर्षम কর্ত্রপক্ষের পক্ষে উচিত কর্মাই হইয়াছে ব হইবে ৷

9 RID SPEP 1

अकट्य आगतिहरात (म्**ट्रम अञ अधिक** (ইংরাজিঞ্জতি বছবিধ বিদ্যায় পারদর্শ ভেছেন যে, ভাছানিগের অন্যস্তনবিধ প্রকাশ কলা আবশাক হইয়াছে। আমানি भीव वर्षक्रियनमामाध्यकात कार्यः सियुक्तः व्यापन व्यापन कर्खना कर्षात्र मुनाव क्रुष्टात সম্পাদন করিভেচেন: কিন্তু আত্যস্ত আ বিষয় এই যে. ভাঁহারা অপ্রপোভবাহকর रनरवात्र करदन मा । कात्रव, भ'द्रम्ध দেশস্থ লোকসকল ভারত সমুদ্রের নান। ভ व्यर्गवराम हामना कतिया व्यवसार वर्ष क्यन कतिएक्टइन । कामानिरशत (ननीम्न । গণ কেন সেইরূপ করিয়া অবর্ষ পার্ক্ষন : ৰায় চেত্ৰী মা কঁরেন 🖯 এই উপায়ধারা 🗷 দিমের দেশের বাণিজ্যকর্ম বিজ্ত অনায়াসে অধিক পরিমাণে অর্থোপার্জন হ পারে। আমাদিগের অজাতীয়ের মধ্যে আ विश्वा शास्त्रम, य जिल्ल माजिम्स्वत सी

The state of the same of the s নোগমন করিলে আমাদিগ6ক জাড্জের ক্রিরে যে. বে না একাদ্ণীতে **বাহে ভার** थ शमनाशमन ও अधिकश्वितार्ग धरनाशाकित शिर्वत व्यादमरका बाहे। ক্তে সক্ষত্ন; একলে দেশ্হিতেথী মহো शर्वत निक्र व्यामाधिरात्र अर्ड क्षार्यमां मू, ধারা আমাদিলের দেশে অব্বাহকবিদ্যা র করিডে বিশেষ মনবোগী **ইইয়া খনে**

র ১২৭৪ রিখ ২১ এ চৈক্র জীর মধ্যে পাল वद्ग्नग्राभार्यभाग्र -:0:--

- अ.क्रान्त्री।

। উদ্ভিদাধনে ঘৰবান হন।

বিধ্বাগণের পক্ষে এক।দশী যে কিরুপ কষ্ট ক, তাহা পাঠকমাত্রেই অবগত কাড়েন: বামাত্রেই একাদশী করিতে কিছুনাত্র অভি **নহেনঃ কেবল** দেশাচারভাগে অগভা পালনে সমত হন। জোমি অসং স্থানাধ ভীরে যাইয়া দেখিলাম, এতলগরীর কাত বিধবারান ঠিন্য়া সমধানপূর্কক নিজানিজ দেবভার পূঞ্জণ করিতে করিতে নানা প্রকার , । भक्षत क द्वार उद्धन । किष्टुक्र न भरत करा সের ক্লেশের কথা উত্থা পত হইল। এক জন । किश्तम, '' शिङ्ग अकामनीख ब्रीड़ হাড়কালীকরে। **শীড়কালটাড মানে** (करहे (शल, अचन कि करत स्य अहे की क গ কাটবে কিছুই বুঝিডে পারি ন।। রাড়দের কি কট ! আমরা বুড়েড়া মাগী আমাদেরই ভূকায় ছাভি কেটে যায় ভখন র ড কথাই নাই"। আগন এক জন কছি এথানে থেমন নিয়ম, এমন নিয়ম আর ও দেখিলাম না। অংমি ড কালী, প্রয়াগ র ও আর আর জারগ[্] যুরে এলেম[্] কিন্ত জ'র কোথাও নাই। কোথাও একাদশীতে চিনির পানা, আৰু খাচে; কোথাও অুরি খাচ্চে ; কোথাও ক্লারও কোচে। " কহিলেন '' বেখানকার যে ধারা। नत अथारन अहे तक्य थात्रा, अवारनं यनि san কিছু করি তা হলে অসমি বলিৰে क्षेत्रक अहे (कारत्रिक व्यामारक्य (मरह्र)

है। च्हर यान माहराटवन्ना छ्ट्रम

एक रहा। जिल्ल सनि एरामानियोत स्टब्स्ट पन 'कके छाका जिल्लामा कार जात व बाका नारन, व (एन इटेड्से बहार श्रात श्रात वाका वर्तत्वात छोरत (वन रह, का किनाव माई। बाब क विद्या किनोब वालक किनारक आदि श्रीम स्टब्स के के विद्यान महानर के ना विनास गा गक्त निकातम, जोश करेल के तर कार्य के व रूप ना । विकामानव व गुरुत दूर निष्ठ ায়ালে নিবারিত হটতে পারে ক্রিক্টে বিশ্বতেন : কিন্তু এ কার্টা আর্টি পালেন शत चारमणी रशता शृथियोत जाना चरित्र नेश्वास हो। यनि अप्ति करत्न छ। रामि समिता छोत्र

> মংশির ! ইহা শুনিছা কোন ব্যক্তির মনে করণরদের সংখ্যার না হয়। এই কুপ্রথা থাকাতে যে অবলাগণের কড কেল হইডেছে ডাহা ওাহা-রাই জানেন। একলে জাধুনিক কুসভা কুতবি-मागर्गत निकार जामात कर्त्रु वार्थना कहे त्य উাহারা যেমন অংশেষ বিষয়ে দেশের উর্ভি সাধন করিভেছেন তজপ এ বিগয়ে একটু মনোযোগী ২ইয়া অবলাকুলের হিতসাধন **マグラ**(

মূল্য প্রাপ্তি।

🖄 যুক্ত ব'বুকালী দাস ঘোষ কানপুর क्षाम देश काउड़ विधाय चर पर 1010 সীতাপুর » ভুবনগোহন বস্তু ১৯१৫ रेवनाच बहेट जावाड़ ઉષ ৯ ভূবনচন্দ্ৰ কুণ্ড श्रदेशना ১২৭৪ টাচত্র হটতে ৭৫ কাল্ওন ۶. " हक्षनाथ होधूनी আসাম ১२९४ देवलाच **स्ट्र**क देवज د د শ শিবচন্ত্ৰ দেব কোনগর **১२१६ रेबमाथ एईए**ख रेज्ज ১৩ জনপাইওড়ি » চক্ৰকাস্ত বেন ১२१८ टेइज इहेटड १० मःन छन » মধুরেশচক্র দেব রায় চান্দাড়া ১२१७ टेवनाच **स्ट्र**७ टेह क्र ৯ রমুরাম হাজারা পাব্রসার **১२१७ टेक्साच इ**टेंट हे ज , 0 শ্**জী**নাথ চক্রবর্তী ময়না**ও** দি 10 **শ কৃষ্ণনাথ ভাল** চৌধুরী বহরণপুর ১৩ ^৯ চ**ভ্ৰমানৰ বোৰ ভবা**মীপুর ्र मर्ट्स्प्रमान्ध् मृत्रकात শ^{্বিধ}রিটো**লা** · . .) 如心中:調達·浸養物 項刊會 e#• a dramma natta দে:লভগঞ 324¢ देवणा श्रेक्ट्रिक व्यक्तिक 0K.

क मार्क्ष्मभातिक महित्क देवनाशूद ১०

সোমপ্রকাশসংয

विटलंग निष्मा

অবিষ মূলতে ডাক্ষাস্থল কা পাইলে অলে বোমপ্রকাশ থেরণ করা বার নী।

ইহার অভিনে মূল্য বার্ষিক ১০ টাকা বাণ্যাসিক ৫॥- টাকা : মুক্ৰুকে ভাক্ম गरमञ्ज्ञ वार्षिक ১৩, वान्यानिक क्रिकेट সিক ৩৭ । তিন মাসের স্থানে আছিল এছণ করা যায় না। ত্তি, ব্রাতি অড'র, নোট্ ও সাম্প্রিকিট, ইইটা याशास्त्र योशात अविधा स्त्र.: विमि मि ধারা মূল্য প্রেরণ্ করিবেন।

বাঁহার। স্থাপটিকিট পাঠাইবেন, ও ধেন এক অথবা আলাধ আনার অধিক মু ও রসীদের টিকিট প্রেরণ না করেন।

ষ্থন ধিনি মফল্বল হইতে সোমপ্রকা মূল্য পাঠাইবেন, তাহা যেন বেজিপ্টরি কা <u>জীয়ক দারকামার বিদ্যাভূষণের নামে পা</u> हेब्रा (क्या

म । हाहित्यात मृत्यु हिस्तात ममञ्जू आखीक ह व्यानित्व, अक मानशूटर्स केलामिनाइक লিখিয়া জানান বাইবে, কাল্ অভীত ল সেলেও এক বার চিটি লেখা ক্ইবে, ভার্বর একমানকাল প্রতীক্ষা করিয়া কাগজ বহ বাইবে। শেষ বারের পত্র বেয়ারিং পা रहेर्द ।

মাজলা রেলওয়ের সোণাপুর ষ্টেসনের ড ষরে চিটি আইলে আমরা শীল্ল পাইব।

ৰ'াহারা মাজুল না দিয়া পজাদি প্রেরণ ব বেন, ভাঁহাদিপের সেই পত্রাদি গ্রহণ ক वाहेट्य मा। 🕟 🐑

কেই সৌমপ্রকাল্ম বিজ্ঞাপন নিডে ইন कतित कांशिक क्षथम जिन बात क्षित्रशक्ति । काना कारांत भद्र /> काना मिए रहेरव विभि काशिक काम विकाशन दिवान हेका करि বেম, জাঁহার সঞ্জি অভশ্র বন্দোবস্ত হইতে

🐲 🕸 পত্র কলিকানোর দক্ষিণ পুস মাডলা রেলঔয়ের সোণাপুর ষ্টেসনের দক্ষি ^क हाक्किट्रेश्राकां है, जीवुक बातकानाथ दिवस ৰ অন্য কিছু করিতেও পারিনা, জার । » ১ হরভুমার জর্জার রাম্পুর বোয়ানিরা ৮৬ ভূষণের রামিতে প্রতি সোমবার প্রাতংকারে

थकानिक रहा।

(माश्रका

३ म खाना

२७ मध्या।

" प्रवक्ततां प्रकृतिहिताय पार्थियः सरस्वती अतिमहती न हीयतां।" -29=

तिक মূলঃ ১ টাকা, অংশিষ বাৰিক ১০ । বা অংশিষ বাশ্যানিক ৫॥ টাকাঃ সন ১২৭৫। ৯ই বৈশাখ। ১৮৬৮। ২০ এ এপ্রেল

) মজস্বলে মাক্রলসমেড অগ্রিম বাধি টাকা নাণ্যাসিক ৭, ও ত্রৈমাসিক

বিজ্ঞাপনা

নিবজনাত্র ও ধাত্রীবিদা

১ ম খণ্ড মূল্য ২ হুই টাকা। এই পুস্তক্ধানি বছ যম্ভ পরিআমে প্রণয়ন 'গিয়াছে। আগ্ৰিক বছদশী ও সুবিজ্ঞ সাভাদের নবাবিকৃত মক্ত ও চিকিৎসা প্রণা-ও ইহাতে বৰ্ণিড আছে। এই খণ্ডে নীচের

য়ক বিষয় লিখিত হইয়াছে যথা। ১। বস্তিকোইরীয় অস্টি ও সন্ধির বিবরণ। বিক্লুক্ত বল্ডিকোটরের বিবরণ। ৩। ৰাহ্য ও স্তারিক জননে ক্রিয়ের বিবরণ। ৪। ঋতু। ঋতুসহন্দীয় পীড়াও ভাহার চিকিৎসা। **खिब्रामित्यक । १ । अन्ताग्नुटक शक्तिपादन** । ৮ । র্চর লক্ষণ ও স্থায়িত্ব। ১। বন্ধাত্ব ও ভাহার ৎসা। ১০। কুত্রিম গর্ভ। ১১। গর্ভসত্ত্রে ।১২। আহোনিক গৰ্ডা ১৩। জঠরাৰত্ব ণর বিবরণ ও মৃত্যুলক্ষণ।১৪ : গর্ভপাত

অকা লপ্ৰস্ব, এবং তৎসৰ্কীয় চিকিৎসা। ভিকের আরছে বির্ড স্থচীপত্র ও অক্টে াজনীয় ইংরাজনীও কুটার্থ বা অচলিত শব্দ l, এবং স্থানে স্থানে খোদিত আকুতি । পিয়াছে। এই পুস্তক, কলিকাতা नविम्यादेष यस्त्र, वा कारमसम्बद्धि होद्र ৮८ বেনে জীযুক্ত বাবু গুরুচরণ মহলানবিদের , ज्यथ्या मानपरह जामात निकटे शाउसा

। বহি ডাকে পাঠাইতে হইলে ক্রেভাকে तेक राष्ट्रम ! • जाना मिटक इरेटवक ! 5**ত্র) জ্রীঅন্নদা**চরণ কাস্তরি 'হ 🕽 সিবিল মেডিকেল আফিসার

্ইউইতিয়ান রেলওয়ে লাধারণকে জ্ঞাত করা যা**ই**তেছে, যে

পাত্রন্থিত বিয়ার, ওয়াইন 🔅 স্পিরিট, অয়েল কাব্যপ্রকাশ যত্ত্বে পুরাণপ্রকাশনামক মান্য প্রেস, গ্রোপকরণ এবং ঐ রূপ আছার য়িক পত্র প্রতিমাসে এক বা এই খণ্ড ক व्यात शतका प्रवा देष्टे हे खिल्ला (तम छाप्न काल्ला । श्राकाण क्रेस काल्ला क्रेस काल्ला क्रेस काल्ला क्रेस काल्ला क्र নির মাল গাড়িতে পাঠাইতে হইলে তাহা উক্ত পরিমাণ ৮০ অশীতি পূধ। ইহাতে ক্রমশং কেম্পিনি আগামী ২০ এতেল অবধি হাবড়ার দল পুরাণ ও উপপুরাণ বাজালা অপুরাদস व्यापका प्रदे कामा क्षिक शाद कादमानि शाउ (ष्टेगरन कहन कड़िया दिन पिट्रन)

रहेर्ड क्वनरवन ७५म है।किरकद कर्य कावड **२९३१ भर्गाष्ट अहे नियम श्राम श्राम अ**

বোড অব এক্লেনী रेष्ट्रेड विद्या (तनश्रव (फुलकाफेनी (कांग्रात े निनित्त किरमन বোর্ড অব १४-१४ । १९ हे ब्राप्टाचा अ एक नि

অভিধান।

| २∦० |
|--------|
| ٠ |
| 2 |
| 7 |
| ¢ |
| 9 |
| ¢ |
| |
| ь |
| ۰ # ۰ |
| 8 • |
| · ce |
| 340 |
| 114(1म |
| 111 |
| |

পুরাণপ্রকাশ।

প্রকটিত করিবার কল্পনা আছে ! প্রথমতঃ বি পুৰাৰ অপুৰাদ ও জীধরগোপানিকৃত দীকা স মুভন জেটি শেষ হওয়া এবং কলিকাতা, মুদ্রিত হইজেছে; আগামী ১ লা বৈশাধ বি ष्यारुख रहेर्द । विभि हेरात बाह्क रहेर्छ ' जाबी हम, खिनि कलिकाछ। मश्यू छ विद्यार আমার নিকট পত্র ডাকমাগুল ও প্রতিখা মূল্য অগ্রিম ॥ তাট আনা করিয়া পাঠাইবে গাঁহারা নিয়মিত আহকল্পেণীভুক্ত নহেন, ও (मत निकरे श्राप्टाक चल नगर) এक है মূল্যে বিভ্রুয় করা যাইবে।

2 दे देख 🕽 জনমোহন শৰ্মা।

সংস্কৃত মেদিনীকোষ প্রক্ শব্দের সমেত উত্তম নাগরাক্ষরে যমপূর্মক মুদ্রিত। ভেছে। যিনি এছেক হইছে ইক্ষা করেন, ভি **हाका कारलरक्त्रं म**ेस्ट्र अवशायक आधिष्क द শোষনাথ মুপোপাধ্যায় ম**হাশ্**য়ের নিকট জন্ कलिकाणः गरक्ष विमानतम् वा कावाशकाः गत्त आमातं निक्रे शंज शांश्रीहरवन।

3 € \$ \$ \$5**3** 3 ₹ 9 8 সংস্কৃত বিদ্যালয়। जीवगरशास्त्रं नर्छ।

> देष्टे हैं छियान द्वराखर्य। কলিকাভায় পুলিক্ষা ও গাঁটরি नकन (पंख्या नख्या इंदेरव ना ।

म भित्र वर्ष काल क्या गाहेर छ है। কলিকাতা মূলাপুর আমহাউদের দক্ষির রান রেলওয়ে কোম্পানি আগানী ১লা যে কলিক ভায় গাটরি 🖋 পুলিন্দাসকলের (श्रामान ग्रंट इडेएड |यहाउ व्हेर्यम । 'চর প্রেপ হইলাগুকি, জারমাণিখাটের ব্যাহারত বীট্রি ওপুলিন্দা লভয়া अञ्चलक विकास किल्ला नाम দেখিয়া কলিকাডার পুলিন্দাও

हे के इहे (क्षेत्राम (ए हर्स) इहें(व) গ ধোড় ' ওয়া রেলওয়ে 🕻 সিগিল ফিন্সেক্সন ৰ নিকাজ। 7:13 1 30 3b 1

अरक्षित्र (वि

 রাণীগঞ্পটির কোং मिशिटबंक ।

মেজিয়া করিবাব স্থৃতিকণ টাইল। কাম্পানির মিসমরো স্তত ৪ নং আদিলে মুনা,দেখিতে পাওয়া যায় একং যদি প্রাজন হয় এ জাফ**েল অনু**স্তিপক য়া দিবেন।

আত্মোৎকর্ষবিধান।

নিছের সেল ফ কল চর এই পুস্তাকের। । ইহাতে মন্ত্রেরে উন্নতিসংগ্রের উপায় কোন করা হইয়াছে। মূলং ১ং√∘ । কলি बीक्समभार*ण, गः स*्छ लाहेर तत्राउ এव॰ न व्यामाव भिकटणे भारता माहेद्य। ৰ্কমান) জীলারদাপ্রবাদ জ্ঞাননিংগ।

वाब्रहाह ।

লহময় ঐ নাটক যাকা ষ্টানছেল যনে বিঞ্চাপ এক্সেট धुला 3 होका। ทั่เรา ๒๑ ค่ะ 🕽 জীলতাপচত্র রায়

保護の合わり

'য়'লিয়া বশানভা হটতে আগেনী কৈৰাখ 🖔 উক্ত ন'মে একখানি সাপ্তাহিক পঞ্জিকা ৰ্ছে ইন্ডে থাকিবে। ভাহাতে হিল্লখনী সংবাদপক্রোপযোগী াবধয় লৈখিত হইবে। আয়েতন ৬ , মূল্য বা নিহু ৫ টাকাং এড়ছাভীত প্রদে গ্রাহ্বপ্রক্র ব্র্ষিক ভাক্ষাস্থল ও টাকা হইবে: এত্রেচ্প্র নিম্মাক্রকারীর পত্র লিভিন্ন পত্রিকা পাইতে পারি-

<u>শ্রীশ্রীশার্থ সিংছ রায়</u> शिष्ठा . 1 c \$ 2 A

অক্ত:পুরবাদিনীদিগের শিক্ষার উপায়।

যেৰকৰ বালালি ভদ্ৰোক আপন আপন পরিবারের শিক্ষার স্থানিকিত। ইউরোশীয় শিক্ষুন্তী,নয়োগ কর্থার অভিলাব করেন, ভাঁহার: বছ্বাজার ১২০ নং ভাবনে র্বস मारहरवत महश्रार्थभीत निकड आरवनन कति বেন।

वाभाना ७ इरमाक्षी माहिकः अवर श्राप्ता-ক্রীয় সেলায়ের কন্ম শিক্ষা করান ২গ্ন।

বেভনের নিয়ম।

এক বার শিক্ষা দিতে ইইলে क्रिकारम ६ शह होता।

ছুই বার শিক্ষাদিতে ইইলে श्राष्ट्रमाहम ৮ व्यक्ति होता।

ভিন্বার শিক্ষাদিতে হইলে প্রতিমাধে ১২ বারটাকা।

নিষ্ট হইলে শিক্ষতী এক স্থানে ছট ঘট-এবং জানক দূর ২ইলো ভাহা অংশকা কিঞিৎ অলুকাল থাকিবেন ইন্ড।

আমাদিগের যাত্রালয় কলিকাতা মূল্যপুর कामकार्ट के रहे ३३ मध्या द निएक देविया व्यानि-

श्राहरू के रहर्ताल'त करहेलात है। ⊬ हें दंऽज ो 4 7 18 J 5 6 2 1 5046

ক্রিকাডা সংস্তুত লাইবেরীও কালেড কিটে ১১ সংখ্যক ভবনে জীযুক্ত ব্য়দালসংঘ भक्षभगरिकत श्रुष्टकाल एवं, क्लियुक्त कोतु (१९८७ स ত্যু গ্ৰাকাশ " কুমৰে রাধ চৌধুরীপ্রণীত নিক্ৰীত হইতেতে:

বারুইপুর ঞ্জীরুণজ্পমাহন বস্তু **喝(4) 幣** 1 . € हे रेंह क ३२१८ ।

সোমপ্রকাশ্যর বারে কেসাও ফ্রেমসছিত নানাপ্রকার দেবনাগর অক্সর বিক্রয়াথ আছে, বাঁছার প্রয়োজন হয়, তিনি কলিকাতা সংস্কৃত कारणटक जीगुळ बादकानांथ दिनगङ्गरगँद নিকটে অনুসন্ধান করিলে বিশেষ রুত্তাক জানিতে পারিবেন ৷

১ন) নিয়া সংস্কৃত পুস্তকালয়েও পটোল ভালা বাড়ুয়ে বাদার কোম্পানির গোকানে মং প্রণীত ও মংপ্রচারিত নিম্লিখিত পুত্তক্তলি क्किम रहेरज्यहः---

्यू नह প্রশীত এ সইতিহাত্র <u>রোমইজিরাস</u> ভূষণসার ব্যাকরণ নীতিসার (১ ম ভাগ) নীতিসার (২ য় ভাগ) প্রচারিত। মুক্তবাধ ব্যাকরণ

জী ভারকানাথ শর্মা

নদিয়ার নদী।

मन ১৮%৮ मार्टित अर्थन भारतः ৯ मा ३३८७ ৭ ই পর্যার ভাগীরখীনদীর সর্পাকম্তি অলের সাপ্তাহিক রিপোট।

স্থানের নাম कुछ है छ ঘহানার উপর প্রামনীতে ነ ዓ মহানায় তথা হইতে জলিপুর (১৩% মাইল)মধেং -- --- ৬ অজিপুর শ্ইতে বহরমপুর (৪৬ মাইল) মধেং বহর্মপুর হইতে কাটওয়া (৫০ মাইল) মধ্যে कार्रेया इहेट्ड मधीया शर्यक्र (१७ माहेटल स्मार्थ)

ভারিখের বছরমপুর 'ন ১৮৬৮৯ই *এ*রপ্রেল গজ ঘাডের জ্লের মাপ 🍍

दह 'शश्रुंद এক জানিউটিৰ हे कि 'स्युत्दहत ৯ই এ প্রেল মপুর ডিবিমন

সোন্থকাণ।

৯ ই বৈশাখ গোমবার। ন্ত্ৰী ভাকাইড।

মফসলে পুলিষ আছে, বিচারপতি আছেন, অন্য অন্য রাজহঙ্গামাও অনেক আছে: কিন্তু মফস্বলবাদীনিগকে দক্ষ্য ভক্ষরাদির অসুঞাংক উপরে নির্ভর করিয়া কালবাপন করিতে হয়। এক একটী ঘটনা উপস্থিত হইলে আমরা সধ্যে মধ্যে মফস্বলের এই অর্কিড অব-ছার বিষয়টা পাঠকগণের সহিত রাজার গোচর করিয়াথাকি ; কিন্ত আমাদিগের অরণ্যে রোধন হয়। সম্প্রতি একটা । এটাও পাঠকগণের শশ্তি রাজার

র করা উচিত হইতেছে।

আমাদিগের এক মিত্র সমাচার ান, গত**্চ এ চৈত্ৰ রহ**ম্পাতিৰার

। ৩ টার সময় কতক**গুলি জ্রীলো**ক কুল কুঞ্চনপরের বারু রামদাস

ষের বাটীতে প্রবিষ্ট হইয়া ডাকাইতি য়াছে। আজিও স্ত্রীলোকে ব্রিটিশ

কারে ডাকাইতি করে, শুনিয়া

কগণ আমাদিগের ন্যায় বিকিছেও হুকরদে আংশ্ভ হইবেন সম্পেছ

। দে স্ত্রীলোকগুলি কৈ ভাষা প্রবন

আমাদিগের সংখাদদ;তা মিত্র বলি-, करहर मिद्रम इंडेल, এक मन

ে খানাকুল কুঞ্চনগরের সন্মিকটে

স্থত হ**ই**রাছে। স্থ্রী ও পুরুবে প্রায় লোক তাহার অন্তনিবিষ্ট। তাহা-

ার সহিত ঘোড়া, লাঠি, বরষা,

৽প্ৰভৃতি আহি। তাহারা কে ?∫

া হইতে আলিয়াছে ? কোথায় বা ব ? ক্সিড্ডাসাক্রিলে এই পরিচয়

ভালারা ব্যবসায়ী; ছিরাট হইতে

ায়াছে; বিষ্ণুপুরে যাইবে। আমা-

র সংবাদৰাতা মিত্র বলিলেন, তিনি

দিগের ব্যবসায়ের মধ্যে এই ত দেখি নে, তাহার। সুযোগক্রমে আমমধ্যে

ট হইয়া লোকের দ্রোদি হরণ

। আনিতেছে। তাহাদিগের সম্ভি রে যে জীলোকগুলি আছে, তাহারা

≀কে বজনে≁ীয় ছইজান পুরুবের

ারণ করে। উহার মধ্যে কয়েকটা

াক ২৮-এ চৈত্র ভিকার ছল া রামদাস ভোবের বাটীতে যায়।

ালে বাটীতে কোন পুরুষ ছিল না।

া বাটীস্থ স্ত্রীলোকদিগের সহিত

बङ्खा (नञ्जूता श्राय श्रवरम क्रेज्ञन া থাকে) আরম্ভ করিয়া বলপুর্বক

হুককৰ দুমাভাকাও উপস্থিত হই- গুৰ্মধ্যে প্ৰবিষ্ট হইল এবং গৃহ নধাস্থ खोटनाकन्तित्रत काहात एएक श्रृतिनृत्

নিকেপ, কাহার পূঠে চপেটাবাত, প্রভাৱ কিল প্রাক্স আরম্ভ কিলি। সূত্র হাত্

शृहमधाष्ट्र खोलात्कता खोठ उदाठि बार्छ इहेश शृश्हत वाहित इहेटलन। 🔄

অবদরে ঐ দয়ে জ্রীরা বাজ্যগুড়িত

ভাঙ্গিরা অবেকারাদি লইয়া প্রস্থান করিল। পলীক্রামে দিবাভাগে এায়

পুরুষেরা গৃছে থাকেন না; নানা জন নানা

কর্মে বান; সে সময়ে যাহার কিছু পরা.

ক্ৰম আছে, এমন যে দেব্যক্তি গ্ৰাম मत्था शिया यां हा देवहां उठा है कतिया व्यागिए उ

পারে৷ দিবারকী তেমন প্রহরীনাই যে উপদ্রা নিবারণ করিবে। এক্লণ

অবস্থায় উলিথিত জীলোকেরা দসুতো

क्रिया (य निर्दिश्य हालया याहरत, छ।ह।

আশ্চরের বিষয় নচে ৷ মকস্পোর বেরুপ অর্ফিক্ত অবস্থা,

তাহাতে দক্ষতার অনুষ্ঠানকালে ভাহার নিবারণে: ত সম্ভাবন: নাই। আবার আজি

कालि भूतित्वत य खाव इहेंग्राह्म, मन्त्रा তার পর তাহার যে এতীকর হইবে,

তাহারও সম্ভাবনা অল্প। আমাদিরের

শংবাদদাতা বলিলেন, উলিখিত ঘটনার পর পুলিষ দংবাদ পাইয়া ঘটনা ছলে

উপস্থিত হইলেন এবং ধূনধাম (সচরা-

চর যেরূপ করিয়া থাকেন) আরেড করি লেন। কিন্তু দস্থাদিগের নিকটে অপহৃত

জব্যের একটাও পান নাই বলিয়া কিছুই করিতে পারিতেছেন না। যথন কলিকা-

তার ভিতরেই মধে: মধে: হতা৷ চ্ই-

তেছে; एकाकातीता अनातातम अवता-হতি পাইতেছে; কিছুই হইতেছেনা,

তথন মকস্বলের পুলিম যে কিছু করিতে

পারিবেন, আমাদিগের দে আশা নাই। উচ্চারা যাহা করুন, এ ছলে টুপরিস্থ

कर्कुशरक्तक निक्रिक चामानिश्वत कर्यक्री বক্তবা উপস্থিত হইতেছে। ঐপ্রকার বায় করা হয়। এই করের হার

मलवा लाट्कता यथा तथा १ পায় কেন ? , ভাহারা মুখন গ্রামের স্লিহিড হয়, নিক্টছ পুরি *रशादकवा* छाहानिभट्क बांत्र कटह কারণ কি ? ভাল যেন বারণই নাব লেন, ভাহারা বাহাতে আমমধ্যে (প্রাংর উপদ্র করিভেনা পারে বিসয়ে অবহিত হন নাকেন 🤊 🖘

গে দলের প্রদক্ষ উপস্থিত করিয়াছি मन कहिए उटह, विक्षु श्रुद्ध याहेव:

আমামরা শুনিলাম, কলিকাডা হ विश्व श्रुरत याहर क इहेरल थाना कूल

নগরে যাইকার প্রয়োজন হয়ন।। তা বলে ব্যবসায়ী; ভাহাদিগের নিং

মোহর, দোণার তাল ও রূপার আছে। সোণার তাল ও রূপার ।

দক্তো ও তক্ষরতা গোপনের উৎকৃষ্ঠ উপায়নয় 🤊 ডাহারা আম প

শোণারূপার 541 যদি অবি

গলাইয়া ফেলে, ভালাদিগের নি গোপ্ৰ পাইবার সম্ভাবনা কি ? ফ

चामता मर्सा मर्सा खनिएठ পाई, क्षकात त्यांक इंशेट कारन श्वारन पर

স্করতাদি হইয়া থাকে। অতএব উহাদিগকে অস্ত্রাদিব্যবহারের গ

(मञ्जा देशेत, स्मेरे ममस्य क्रेमिस যথেকু বাবহারনিবারণের একটা উ

করা আবিশাক।

क्षानीत कत्र श्रद र फा≓ात

এ দেশে চুই প্রকার কর ফাগ উহার একটা স্থানীয় ও অপ সামান্তঃ সরকারী বলিয়া নির্দেটি इंडेग्रांथाटक। महकाती कह अक हाटत म व्यानात इत। अतिक्वर्यंव (स व्याः हे। कात अध्यक्त हत. म काती है। हा थातिहे दाशिक इहेशा शात्क । किछ का कत व्यथात्म व्यामात्र इत, त्महेना र २८६। देधेद्वापु भारमविका अधिकार्य अधिकार्यं करे अभीत क्र अक्ति 5 क्या : ∱त्यु मतल **(नरम**हे ল কৰ জ্≹ল আভলচার হই র : কালীর কর আগোরের ভার **প্রায়** ্রত্রিগের হক্তে নিচিত থাকে। া গকল স্থানেই বথেঞ্ ব্যবহার নালে দিবস কলিকাভার উপৰি ার মিউনিদিপালিটির হিদাবে যে র জন্ম গোলনোগ লক্ষিত হইয়া-অন:ান্য দকল প্রদেশেই ভাষা ত হইয়া থাকে। ইংলতের আয়ে ৭১ টটাকা; কিন্তু আহানীয় কর ২০ हे हो का व्यक्तिय क्या है श्लास्य अक ট টাকা সরকারী কর আলায় করিতে া কত ভৰ্ক বিভৰ্ক হয় ; কিন্তু স্থানী} াত আদায় ইউক, উহাতে কোন वोछ। इत्र मा । लखरम अहे श्रकारत তুই বোটি টাকা আনাধ ক্টয়া । ভারতবর্ষে প্রায় ৪ কোটি টাকা য় কর ভাবিয়ে হয়। কিন্তু এখানে চার অংশেফারুত অংধক হট্যা । এখানকার মকলেই চোকীদারী , ৰাটীর কৰ ও ব্যেষায়ের করঞাভূ নিমিত আকেশ করেন। তবে এক য় আমেদিলের অবস্থা ইংলভীয় চৰিংগর অবস্থা অংগেশা উৎকৃষ্ট :5 १६८४। তাহা এইঃ --्नद्र राष्ट्रिय कद खाङ्गाविशानिरशद লিহিত হয়। ইহাতে ধনিগণ কাৰাহতি , मश्चिम् १९८ कहे 'कछे छ। भ कति उठ কথু কলিকা ভার মিউনিনিপাল আইন ারে সম্পতির উপরে কর গৃহীত

থাকে: সূত্রাং ধনীদি**গকেই ক**র

বহন করিতে হয়। মফ **স্বতে**।র মি ৳ নিসি

व्याहेत्नत अ शहे तभ व्यव छा। (ह) की

होक्र क्वल अधिकारण महित्स्त

র**ই** প্রজিয়াছে। তবে এক বিষয়ে

व्यवस्थ कर्विश मुद्धे हरे (ल्राष्ट्र) करे केन्द्र व्यापर नहिम इमिनिभाषा निष्टिन गृह यर अक् কর আদায় করেন; প্রতিবাদ করিলে ভারা ভারণ করেন না; যথার্থ হিতকর विषया है कि वाशिक इस ना अवर हिमा বের বিলক্ষা গোলবোগ হইয়া থাকে। কলিকাভায় বেমন নগরের দরিড্রাদিয়ের দক টাকা চৌরজির শোভার নিমিত ব্যয় করা হয়, লওনেও দেইরূপ হইয়া থাকে। এই বিষয় লইয়া ভারতব্দের ন্যায় ইংল-धि ३ ष्यानातक ष्यभाष्यांत अकांक करतन। **कर्मा (कड़ाम) इंट्राइट्स, ज्ञानीय ए** সরকারী কর বলিয়া রাজদের প্রভেদ রাখা डेंहिड कि ना ? भामनकर्छीता दलन, ভাঁহারা ভাষীয় করের এক পয়সাও श्रद्ध कर्यस्य नाः, अहे क्यं राष्ट्रीरन चानाम्र हत. (भई थारनई क्षिड इंदेग থাকে। ভানার ক**েও যত** টাকা থাকুক না কেন, যথন উলা সরকারী ধলাগারে গৃহীত হয় না, তখন ভল্লিবক্সন কটা क्ट्रेटल डाँकामिर्शत शक्ति (मायारताश क्दा अनु, हेन्छ। शकायत्न, शकाशन यतनन, পরকারী কর বলিয়া হওক, আরে স্থানীর কর বলিয়া হউক, ভাঁহাদিগকে ত টাকা मिट्ड इस। ऋग्नीय कत अ गतकाती क**्**तत টাকা, মূলগেত বৈলকণ্ নাই । অনেকে বলেন, স্থানীর কর ও সরকারী কর বলিয়া এতেদ না করিয়া দমুদায় টাকা দরকারী কর বলিরা আদায় করা কর্ত্র। ইহা আমানিগের অনুমেদিত নতে। স্থানীয় কর বলিয়া একটি পুধক কর রাখা আবশ্যক। যে টাকা কলিকা-ভার বাটীর অধিকারী ও গাড়োয়ানেরা প্রদান করিভেছেন, ভাষা লইয়া কদায়া পর্বতের একটা ঞানের নর্দামার নিমিত ব্যয় করা অসুচিত। আমাদের মতে क्षात्रकत्रव कानीय करवत्र अस्माराष्ट्रमारव

काक कता इंडेटइट ना ; च उ वर योश्टि

जाहा इह, जिल्लाहा मरनार्यां कहा

— ২০— । একবিধ দৃট হইকেছে। এই উভর কর্তব্য। ছানীর করভাব প্রায় হ্রা হয় এবং প্রোকে ভারা অদান করিতে অত্যকৃ∕িঅনিজ্ছাপ্রকাশ করেন। কর প্রদান স্থাকর হয়, এমন উপায় পুরি বীর হৃটি অব ধ এ পর্যান্ত কোন রাজাহ বেভা উদ্ভাবন করিতে সমর্থ হন নাই কিন্তু একটা কাজ করিয়া লোকছিগোর মনে প্রবোধ দিতে পারিলে অভিশয় কউও তাঁহাদের সহা হইয়া যায় লোকে বে টাকা দেন, ভাছাতে রাস্তা, নদাম, ঘাট, আলোকপ্রভূমি হইলে ভাঁচারা তত আকেপ করেন না তদ্বারা নগরের শোভা ও যাংখ্যেরও **₹**घ | すなれたり সভাৰতঃ বাসস্থানের সৌন্দর্য, দর্শন করিতে অভি লাব করেন; কিন্তু ছ্রভাগ্যক্রমে আমাদি গের দেশে কর্তৃপক্ষের রাস্তাপ্রভৃতিতে विद्यात महनाह्यान नाहै।

কোন আমে দস্মার্ভি বা ভক্করের্ভি অধিক হইলে গ্ৰণ্মেন্ট তথায় অভিরিত পুলিব প্রহরী রাধেন। গ্রামবাদীদিগকে দণ্ডবরূপ ইহাবিশের বেতন দিতে হ্য এটা চি বিশুক্ত রাজনীতি গুগবর্ণমেল প্রকাশ:রূপে বলিয়াছেন, যে যে স্থাতে যত পুলিষ প্ৰহ্রী আবেশকে, তত্তং **স্থানের লোকদিগকে ভাঙার ব্যয় দি**তে হইবে। একণে যে কিছু টাকা পুলিষের নিমিত দরকারী ধনাগার হইতে দেওয় **হইতেছে, তাহাও ক্রনশঃ বন্ধ করিয়** স্থানীর টাকার উপরে সমুদার পুলিবের ব্যয় নির্ভর করা তাঁহাদিগের অভি প্ৰেত হইয়াছে। এই রাজনীতি বি অ:ৰিমূলক নহে ? **শান্তিরক্ষা যাৰতী**? গ্রণ্মেন্টের অক্তিত্বের একমাত্র কারণ অভ এব যে গবর্ণনেন্ট প্রজাদিগের নিক্ট

बः दर्शान ट्यांभी कर ना ना हेटन ना स्थि

बक्ताब मटनारवात्री न। इन. डीकाटकः

অপেকা নির্কোধ আর কে আছে ? বটি

ক্যায়া পর্বড়ের লোকেরা অধিকতঃ

Ot.

रती के उद्देश भवन्दिमनी कि वृद्धि द्रिन, ''द्रशमहा यदि कार्यक छेत्रका बिट्ड র তবে আমরা অধিক প্রভ্রী নিতে রি " ? শাইরকা নর্বাতো ক্রিতে বে ৷ ২৪ পরগণা ও ভ্রনিডেঁ এক नामानः रशक्षामा এक क्रम क्रमीशाहरक িকরিয়া আনিতে পারে, কিন্তু माबादवव भी यात्र ६० व्यव देशनिदक्त ন্ত ঐরপ কার্যের ভার দেওয়া হয়। গ্রসিয়া কি পেলেয়াকের লোক-গর নিঞ্ট হইডে সমধিক কর এছেণ তে হইৰে ? একণে আময়া ৰলি हे, रेमिक बारबन नाम पूलिएन्द সরকারী ধনাগার হইতে প্রধান করা ধা। স্থানীয় কর ২২তে পুলিবের নিপ্ৰদান মূল, নিয়ম ও প্ৰণ্মেক্টের ৰাকৰ্মের বিরুদ্ধ। এক্ষণে ভানীয় हिरेट श्रीलट्यत वात विशे याहा ভ পাকিতেছে, ঙাহাই রাস্তাংভ্-ত ব্যয়িত হয় । পুলিষের দংখ্যা যে ার দিন দিন রুদ্ধি হইতেছে, ভাষাতে র ব্যয় সমাধান করিয়া খন্য কার্টেয়ে র নিমিত প্রায় কিছুই অংশিউ ক না ; সুভয়াং হাস্তাপ্ৰভৃতি অভ্তে ন। ছানীয় কর এই নিমিতই কর এত কফটকর হইয়াছে। কোন তে একটী নৃত্ন গৃহ এক্তত হইলে নিসিপালিটি অসনি করর্দ্ধি করিয়া

ন। এই কর লইয়া যদি আহার এক র ব্যের বাঁচান হয়, ভাহা হইলেও क लाख्यकान क्टबन । विविक कुल्क धारीन करत्रनः এই निमिष्ठ मान्छेत तनकदिम्बल् मकाना ममुदर्भः পূर्वक डाँशमिश्याः जवा तका া **পাকে। যদি প্ৰত্**ডাক **জা**হা व्यशक्त क क्षेत्रक धरान कहियां अ ষ্টিয়াদলের নিমিন্ত দৈন্য রাখিতে , তাহা হুইলে ভাহাদের কি লাভ

स्रेफ १ शवर्गायक मान्त्रियका कटेवन बिनिश समूनात्र सतकाती कत अप्रक्ष **रहेश था**का महकाही करवंद्र सीह कि अधान है किया चारह ? कानीत कतवाता लाटकत चाकातका ও ছातीत সুবিধাবিধান করাই উচিত। তাহা না कतिशा श्रीवारमत बारबहे माम के कत পৰ্যবিশিত হয়, ভালা হইলে লোকে निखां वे व्यवस्थे इहेर्टन म्रायह नाहै। ष्यायको ताथकति, भवर्गरमणे बाङ्ग्यत অক্ত উপায় অবলয়ন করিয়া স্থানীয় कंत्रदक भूमिटवत आम इहेटक तका क्तिदिन ।

टेड अध्यक्ता ।

-:•.

গত ৩০ এ চৈত্ৰ শনিবার মৃত বাবু আভিতোৰ দেবের বেলগাছিয়ার বাগানে महानमारतार्ड रेठखरमला इङ्का शिशार्ड । वर्मातत भाव पिर्मा (मर्भात मक्रम এক ভাবে সমবেত হইয়া পারক্সারের সহিত সাকাৎ, আলাপ ও আমোদ করেন, এই উদেশে এই মেলাটার সৃষ্টি इदेशाएए। পूर्व्ह बर्मत करत्रक कर कुछ বিদ্য একপ্রামনী হইয়া ইহার সংস্থাপন करतन । उँ। हामिरशत सम्हे रहको मण्यूर्गः त्राट्य निकल हरेग्राट्य ।

भुक्त वरमत व्यटभका व वात रेहज মেলার অধিকভর সমারেরাহ হয়। উদ্যান প্রবেশ ভারে নছবৎ বসিয়াছিল। তথা হইতে মেলার তান এায় ২৫ বিঘা দূর হইবে । এপর্যান্ত রাস্তার উভয় भार्य नव शहरात्र विकासकात्र বেড়া দেওয়া হয়। মেলায় প্রবেশমারে, এথমতঃ একটা দীঘ হোগলার চালা দেখিতে পাওয়া যায়। এই চালার মধ্যে এতকেশীয় জীলোকগণের স্চীনির্মিত लिल्लेक्स रार्थिक्स अम्बिक इशा चामता के चाटन नाना क्षकात चानन,

कु डा. चिनिहा, महाभागशक्छि করিয়া চমংকৃত, হইয়াছিলমি। 💣 । ाव मध्या कानवोक्षादित वात विश मटलत जो अभिको इन्क्यानिन। मानी निमुलियात वांत्र कामी श्रमि (च ৰাটীর জীগণের ক্ষত কাজগুলি দৌ मर्भाग्या मर्भाषक व्याम्हर्यः (दाध कट এই চালার পূর্বে দিগের চালায় কত কং অগকারও হ তাদ যের পুতলিকা এছ হয়। তারের ও হ**ি**স্তরস্থের,উপরে শি कार्या छात्र ठवशीव्यक्तित श्रुषिवीत म श्रीशाना चार्छ। कार्य वर्णान न क्तिया (य मंक्रल, विट्यंवड: इंडेर्डा मर्भा∗भव, **भारता**निङ इहेग्राहिट তাহা ৰল: বাজ্লা। উক্ত চালার স থেই আর এক চালাছিল। ইহার ম थानिशृत्वत स्मर्गत करम्मिनरगतः কতকঞ্লি উংকৃট তোয়ালে, ঝা প্ৰভৃতি প্ৰদ শিচ হয়। এণ্ডলি দেখি বেমন স্থানর ভেমনি শাক্ত। অনেকে उक्ता कतिवार्ष्ट्य । (छथी। कतिहरू य (मर्भ वरञ्ज कन डेन्डमक्रर्भ हिन পারে এগুলি ভাষার সাক্ষাঞ্চান ক **उट्छ। এই** हाभात भूक्षिर्श स्रात টালায় কতকগুলি ফল ও শাক প্রদৃষ্টি इत्र। आमहा सम्बोद्य दानाम ७ कः। শুলি বেল দর্শন করিয়া আপানন্দিত হা Enin 1

বৈঠকখানা বাটিটা পুরেরাক্ত চা দকলের মধ্য ছলে অবস্থিত। ুহর শের দারে এতদেশীয় শিশ্পিগ্রুক भारितकक्त्य निधिष्ठ व्यक्ति,वक्ट्र ধারিণী ইংলডেশাংীর এতিয়ুতি সা হিত ছিল। এই প্রতিমৃত্তির পালে ন चीर्श्व कृषात्रम्थित हाता निश्चिक क्ष তালি উত্তম পুতলিকা প্রদাসি 🛊 क्षरकारकेंत्र अन्तर्भाष्ठंद वदर स्वत्र কার যে শিরা ও° যে উচ্চতা ভ শরীরে বিদ্যমান থাকে তাহা, ঐ পু াওলিতে লকিত হইয়াছিল। প্রাচীন লের থ্রীক প্রতিমূর্তিও লিকে আদর্শ য়া ঐ সমুদায় নিশ্মিত হয়। আর এক হ এদেশীয় শিশিপাসণে কৃত কতক ল চিত্র দেখা গেল। অয়পুরের প্রতি

্ থাবগণের সাকাৎকার ও আরান বোরগণের সাকাৎকার ও আরান বিব দর্শন করিয়া ক্ষেত্র কালীমূর্ত্তি ল, এই পটগুলি সকলের প্রশংসনীয় লাছিল। কিন্তু কলিকাতার শিশ্প গোলারের কতকগুলি ছাত্র প্রকৃতিকে শ করিয়া বে ক্ষকগুলি চিত্র করিয়া-ল, তদ্দনি আমরা অভান্ত পুলকিত লাছি। একণে শিশ্পবিদ্যালয়ে যে

র শিকা হইতেছে, তদলুসারে লোকের

তে প্রবৃতি হয়, ইহা একান্ত প্রার্থ

বৈঠকথানার উত্তর দার দিয়া প্রবেশ
রা দেখিলান, নহান্দোপাধার পণ্ডিত
নরায়ণ তর্কপঞ্চানন, ভারানাথ তর্ক
ক্পাতি, ভবশস্কর বিদ্যারত্বস্থিতি যে
ল অধ্যাপক সর্কাশাধারণের প্রক্রত
ক্পান্ত, ভালার পাহিতা ও দর্শনিশাস্ত্র
দেশক গোকপাঠ ও কথোপকথন
ভেছিলেন। যথন প্রথমতঃ ইংরা
প্রাক্তির হয়, তথন মুবকেরা অধ্যা
দ্যাকে স্বস্ত্র ক্রিছেন, কিন্তু এ কণে
ভাব পরিবর্ত্ত ইয়াছে। যাঁহারা সংক্ষ্

উপার ভাজিনিবস্থন এত কট পাইয়া,
করিয়াও সংস্তের অসুশীলন ভাগে
ন নাই, ভাঁহাদি গের উপরে লোকের
নার আদুরিক অসুরাগ জ্মিয়াছে।
এক গৃহে পুরাণসংক্রান্ত ক্পক্তা
ছিল। পুইংদিগের গৃহে ক্তক্তলি

ছিল। পুইং দিনের সূচ্ কতকগুলি আনিকীকী দাৰ্জন আনক পরিশ্রম র করিয়ার দায়ন বিদ্যাসংক্রাক্ত বিষয়

র কাররা রস্বেম্ব বিদ্যাপ্র করে। প্রদর্শন করিতে ছিলেন। পশিচমের

একটা দাদশ বাঁয় বালক আন্তি-ও মিলটনের কতকতালি পদ্য পাঠ করিভৈছিল। এটা আমাদের ভাল আশ্চর্ধা বৌধ করিরাছিলেন। এক ব লাগিল না। এ বিষয়ের উন্নতিনিমিত হইতে জনা ক্ষেত্র চৈকি লইরা ভ বদি আমর। চেটা পাই, তাহাতে কেবল অন্যাগত ঘূর্ণিত করা হয়। কিছু প

भागता डेलकाताल्लान क्**रे**व ।

->>-

रेवठक शानात मन्त्रिन शूर्व, मन्त्रिन পশ্চিম ও উত্তর পশ্চিমে ডিনটী ৰাটী আছে। এই তিনটি বাটীতে ঝামাপুকুর কোড়ানাকো ও শ্যামপুকুরের শকের সমবেত বাদঃ বাদিত হইয়াছিল। জোড়া সাঁকোর দল সচরাচর যেরূপ প্রাধান্য প্রদ র্মান করেন, তঃহা এখানেও প্রদর্শিত হইয়াছিল। ইউরোপীয় শ্রোতার। ইহাঁ-দিগের বাদঃপ্রবণে বিসায়াম্বিত চ্ইয়া-ছিলেন। **भ**कत्ला**३ य**ङ्न∜**थ प**छ ७ व्यमद नाथ ठाउँ भाषारशह (बहाला, नील माध्य পালের পিগ্লুও তুর্গাদাদের চোলক প্রবণ করিয়া তৃত্তিলাভ করিয়াছিলেন। ষহ্নাথ পাল যে গত্তলি করিয়াছেন, তাহাতে ইংরাজীর গজা থাকাতে উহা ইউরোপীয় ও এতকেশীয় **উভ**য়প**কী**য় ভোরা ভাদিলেরই মধ্র বোধ হইয়াছিল। चात हरे मन এट पूत ना इडेक, चानक

এদেশীয় মলনিগেব কৌশল অতি মনো
হর হুইয়াছিল। যদিও একণে ইউরোপীয়
বায়ামের প্রাহ্রতাব হুইয়াছে, তথাপি
আমরা মুক্ত কঠে স্বীকার করিতেছি,
যথন জগসাপে বাদোর সহিত লাঠি হক্তে
করিয়া মলগণ নৃত্য করিতে করিতে আখ
ডার প্রবেশ করিল, তথন আমাদের মনে
গর্কের সঞ্চার হুইয়াছিল। ইহারা যে
সকল কৌশল প্রদর্শন করে, তাহা ভারত
বর্ষীয়দিগেরই স্টে; এনিমিত আমরা
অন্য কাহারও নিকটে খণী নহি। প্রথ
মতঃ লাঠি খেলা; পরে লাঠিতে ভর
করিয়া লম্প দিয়া পাডিত হওয়া; ড০
পরে কুল্ডিকরা হয়। দর্শক্ষণ বিশেষতঃ
ইউরোপীয়গণ তেঁকি মুয়ান দেখিয়া

বিষয়ে সকলের মনোরঞ্জন করিয়াছি

লেন †

আশ্চরা বোধ কাররাছেলেন এক ব হইতে অন্য ক্ষেত্র তি কি লইরা অ ক্রমাপত ঘূর্ণিত করা হয়। কিন্তু পা লিখিত করেকটা কৌশলদর্শনে নর অধিকতর তৃপ্তিলাভ করেন। এক অন এক চেঁকিতে বস্ত্র বাধিয়া ভাষা ঘারা, ধারণপূর্বক মন্তক ঘুরা পশ্চাতে নিক্ষেপ করে। আর এক শয়ন করিলে প্রথমতঃ ভাষার ব এবং তথপরে ভাষার পূঠে উ উপর চারিখানি ইট রাখা এক জন মল এক চেঁকির মোনা ল এক জন মল করিলে ভাষাকে স্বিকার হ শারন করিলে ভাষাকে স্বিকার হ হায়ছিল।

ইউরোপীয় প্রণালী অসুসারে ব গুলি যুবক ব্যায়াম প্রদর্শন করেন। এ ইহার আরম্ভমাত হইয়াছে; তথাপি দ গণ ইহা দর্শন করিয়া আক্র্যা বোধ ব য়াছিলেন। এক জন যুবক অখারে পূর্বক বেড়াল্ডনন করিয়া নশোল ক্রিয়াছিলেন। পরিশেবে নৌকার ধোলাহয়; কিন্তু ইহা ত হ ভ,ল হয় ন

এই মেলা উপলক্ষে কলিকাতা উপনগরের প্রায় যাবতীয় সভ্রান্ত বিদ্যালোক আগমন করেন। কয়েক ইউরোপীর কামিনী ও পুরুষ এই স্ আগমন করিয়াছিলেন; কিন্তু আ এই স্থলে ভূটী কমনীর মূর্ত্তি দর্শন করি পাই নাই। লঙ্গাহেব ও বিচারপ কিয়ার এই স্থানে উপস্থিত হন না উহাঁদের অদর্শনে অনেকেই ভ্রা ইয়াছিলেন। মেলাটী প্রীয়াকালে এবং এই ইহার সূত্তন আরম্ভ বি বোধ হয়, অনেক ইউরোপীয় এখা

अक्टल बाम्रता वशक्तिगटक ब

षा ३८मन ना है।

-210-

निक पानिएक भाति (वन। पानायी 'व्यवधि निम्छत्रहे स्मृटिनतः ऋतिथात মন্ত উপৰেশনের স্থায় হইবে। ভীজের येख व्यानारक केव्हा मुझेश मर्भन करिएड दिन नाहे। अहे स्माणि स्व मर्मान्त्र যুক্ত তাহা সকলেরই হৃদয়ক্ষ হই-ছে। অভএৰ আগামীৰৰ অৰ্ধি তেঃ চারি আনা করিয়া টিকেট হইতে রিবে। এ বার এই মেলায় কভকগুলি শ্যা আসিয়াছিল। ভবিষ্যতে ইহাদি क প্রবেশ করিতে না দেওয়াই উচিত। সকল এতদেশীয় জীলোক দর্শবার্থ গমন করিবেন, ভাঁহারা উত্তমরূপে क्याञ्चापिक कतिया आहित्यमः, अ মিটি আগানী বৰ্ষ অব্যি করা কর্তব্য। রশেষে আমরা ক্লতজ্ঞচিত্তে এই মেলা স্ফিক্ডা বাবু নৰলোপাল মিত্ৰকে বোদপ্রদান করিয়া প্রস্তাবের উপ-

> সিবিল সর্নিস পরীকা ও উদ্ভে। সাহেব।

প্রায় আট বৎসর অতীত হইল, হজ

ছার করিলাম।

প্রাটিও উড়ে! সাহেব এই প্রস্থাব বিহাছন, এতদেশীয় সিবিল সর্বিদে বশার্থ কিছু মুসধন সংগ্রহ করা কর্তবা। বিরা পরীকার্থীদিপোর বায় নির্বাহিত বে, ভারতব্দী মদিপোর কয়েক জন বয়া সিবিলিয়ান হন, উড়ে! সাহেব বর এই ইচ্ছাপ্রকাশ করিয়া আসি-ছেন। বহুকাল অব্ধি ভিনি এ দেশের কাকান্যো নিযুক্ত আছেন। বিদ্যাশি-স্থারা এদেশীয়দিগের কত দূর পরি-রুক্ত মানসিক উৎকর্ষ,ও সভ্যতার কত ক হইয়াছে, উড়ে। সাহেব যেমন

त्वन, व्यत्नाद रमक्षेत्र कानियात्र मूर्विधा

ধি প্রতিছে, তাঁহারা আগামী বর্ষ নই। যথন আমরা শুনিলাম, উছো ধি প্রতিঃকাল হইতে সজ্ঞার শেষ নাহেব সিবিল সর্থিন পরীক্ষাসয় জ্ব গ্রন্থ যেন মেলা করেন। ভাষা হইলে বেখুন সোমাইটি সভায় বস্তৃতা করিবেন, নকে আসিতে পারিবেন। আগামী তথন আমরা ভাবিয়াছিলাম, কি কি অব্যি নিশ্চরই দর্শনের প্রিথার উপায় অবলয়ন করিনে ভারত্ববীহিরা মন্ত উপবেশনের শুলু হইবে। ভীজের এই ছ্র্যনিধ্যে প্রবেশ কনিতে পারেন, মন্ত অনেকে ইচ্ছানুল্লপ দর্শন করিতে উদ্বো সাহেব ত হ রই উদ্বাটি করিবিরেন নাই। এই মেলাটি যে দর্শনের

ক্মিসনর দিগের নামে সচর:চর ভিন্টা म्पारवत व्यास्टरगांश इरेतायोरक। अथम ভাঁহারা পরীকাথী দিলের ব্যঃক্রন কমা-ইয়া২১ বৎসর কর:তে ভারতব্যীয়,দ গের সিবিল সর্বিসের পরীক্ষা দেওয়া ष्मार्था रहेशा डेडिलाट्ड । विकीश, कमि সনরের। সংকৃত ও আরেবির নম্ব কমা ইয়ালাটন ও জীকের নম্বর্দ্ধি করি য়াছেন। ভৃতীয়, ভাঁহারা পরীক্ষার পূর্বে (कान मध्याम ना निः। भारत मभुनाग्र विय-য়েরই ১২৫ করিয়া নম্বর কমান। এই কারণে বারু মনোমোকন ছোল ক্লেক,বা इट्टें भारतने न है। क्यिमनवृत्तिकात जात अकरी मात्र अहे, यति कपाहिर अक क्रम সভা্ত ভারতব্যীর সিবিল সর্ভিদে व्यादम करतम, छाहार्ड कमिमनद्रमिरात অপিতি নাই ; কিন্তু অধিকৃসংখ্যক ভার ভৰবীয় সিবিলিয়ান হন, ক্ষিসনয়দি-

গের এটা অভিপ্রেড নছে।

উন্তা সাহেব বছ পা রপ্তাম ক কভগুলি আন সংগ্রাহ করিয়া ছেই এই মনে মনে ছিল, ছৈছি সেই আছা আপনার অভীক থিক্য সুসিদ্ধ করিছে কিছ ভারা ঘটিয়া উঠে নাই। তি ন বে এক অন্ত উপায় অবলয়ৰ করিয়া ব সমর্থন করিয়াছেন।

তিনি বলেন ২১ বৎসরপ্যায়ে এ कठरमगोतिमरभन्न दुष्मन क्षावेगा व ভ**ৎপরে ত, ফ্ল'চা কমি**য়া যায় ৷ **জ**া কমিসনরগণ২১ রৎসর ব্য়ক্তেম 🏾 করিয়া ইংরাজ পরীক্ষার্থী দেগের পরে ভারতাধী মদিগের অধিকতর উপব করিয়াছেন। এ কি প্রকার উপক একবারে চিরকালের নিমিত্ত সি সর্স্থিমে হবেশপথ রোধ করা কি উপকার : উড্রো সাহেবকে আ জিজাসা করিতেছি, ২১ বংসরে এদে দিগের বুকির্ভির যে লুগে হয়, ি कि ध्यमारन करूपा बलिएन । १ হইতে তাঁহার এ সংকার জমিল: হেটি जारहर वालएकन, अ स्परभंत रकाम दा **केळ अम ≗:श्र रहेटम कें हात्र यटमगी**। হিংসাকরেন। উাছার সংক্ষার বে इहेट छे भेड इस, छेटजुामादर সংস্কারও কি সেই মূল হট্তে উ इहेशारह । छेरजाभारहव (य २) वदः পর এদেশী । দিগের বুজির ভীয়া পরিচয় পান না তাহার একটা বি কারণ আহিছা সে কারণ জন**্** (मध्य २८६; श्वाञाविक আল নছে। যত দিন যৌবনসুলভ ব ভরলতা থাকে, তচ দিন বিদ্যাল উচ্চতম পুরস্কার লাভের আশায় এনে ছাত্রগণ যার পর নাই পরিজ্ঞাম কে किन्दु महमादत कादबन कतिहा जामणी চতুৰিক্ পুন.ময় দৰ্শন করেন: বি

শাসন, দৌতাকায়াও সেনাদল ইহা

मिटक निज्ञान करवन मिटकर्

ন্থিতে পান। এক জন হলে বাজিবিশেষের স্থিধা অসুবিধা বিশ্বী মাজিকেট টি যদি আইনসাক্তি ভাইন কথান্য, সমুদায় দেশের মঙ্গল

ल्हेशा तथा। অপর, উ.ডা সাহেব বলেন, গ্রীক ও লাটন সংস্কৃত আপেকা অনেক গুণে শ্রেষ্ঠ। বালুমীকীও বালি দাস প্রধান কবিদিগের সহিত পরিগণিত ঃন বটে ; কিন্তু সংস্কৃতে কি ডি**ম**স থিনিস ও থিউসিডিভিসের সদৃশ এক ফনও গ্রন্থকার দৃষ্ট হন > অভএব সংকৃত ও আর্থির অপেকা ত্রীক ও লাটনের ≘াপ'না দেওয়। অবশাকর্তবা।উভোুা সাহেব যে এরপ অভিপ্রায় একাশ করি য়াভেন, ভাছাতে আমরা তত ছু,খিত নহি, অধিক হর জ পের বিষয় এই যে, রেব-রেও রুক্তনেছেন বন্দ্যোপধায়েও এই ভ্ৰমে পতিত হইয়াছেন । সভ্য বটে সংস্তে ও আরবিতে ডিমস্থিনিস ও ধিউ সভিডিসের সদৃশ রাজনীতিজ্ঞ ও ইডিল,সজঃ দুট হন না। ইভিচাস ও রাক্ষনীতি সম্বন্ধ এীক ওলাটিনের ধোধান্য আছে সত্য; কিন্তু এত্বলে রাজনীতি ও ইতিহাসভতে তালইয়াকধা উল্লিখিত হয় নাই। লংটিন ও গ্রীক অপেকা ইংরাজীও অন্য অনা ইদানীতন ভাষায় সহস্রগুণে উৎক্রট ইতিহাস ও রাজনীতি সংক্রান্ত প্রান্থ দৃষ্ট হয়। এডমগু বর্ক, পিট, মিরানো, টিরাস, প্লাডারীন ও ডিসরে-লিয় স্টিভ কি ডিম থিনিস ও সিসি-রোর রাজনীতিসংক্রান্ত বিদ্যার ভুলনা হয় ? গিবন ও নাইবারের ন্যায় কি প্রাচীন কালের কেচ ইতিহাস বিবয়ে কমেতা প্রকাশ করিয়াছেন : যাদি বথার্থ ইতিহাস ও বিজ্ঞানাদি শিখিতে হয়, লাটন ও গ্রীক অপেকা ইদানিস্থন কালের ভাষা শিক্ষা করা অবেশ্যক। পক্ষাস্তুরে গ্রিক ও লাটিন কেবল ভাষামাত্র বুলিয়া পঠিত হইলা থাকে; সংস্ত ও আরে ব

রও সেই **अ**द्याजन। जल केट्या मादहर

বলুন দেখি, ভারতবর্ষের শ্রাসুন্ত গ কাৰ্যো ত্ৰীক ও লাটিন, না সংস্ আরবির শিক্ষা অধিক আৰশ ক : যে. এইট এীক লাটিন এভূচি প্রাচীন ইদানীতন ইউরোপীয় ভাষাই ৫ कारमन, कि न अथारन चातिशा कि व ৰূপে বিচারকার্যা নির্বাহ করিতে হন : সিবিল সর্বিস কমিসনরেরা: প্ৰথম আপনাৱাই প্ৰৰাশ্যৰূপে বলি লেন, সংক্তের অধিক চর্চাহর তঁহোদিগের চেম্টা। এ চেম্টার এই, এই ভাষা . না জানিলে ভারত ভাষাসকল জানা কঠিন হয়। আ উড়েুুুুু সাহেৰ বিবেচনা করিয়া ৫ দেখি, সংস্কৃত ও আর্রির নম্র য অন্যায় হইয়াছে কিনা : ভারত দিগকে প্রকারা তার সিবিল স্কিস বঞ্জিত করা ভিন্ন ইহার অন্য কি উ হইতে পারে 🤌 উড্ডো সাহের সকল য়ের সুখ্যা কমান কার্যটির যে ঔ প্ৰতিপাদৰচেক্ট। পাইয়াছেন সেটি বি र्शामक्त । **१८० घटकत स्र**४. हेट्ट গ্ৰহণ ও ৩৭৫ হইতে ১২৫ গ্ৰহণ ফলাংশে জুলায়ে, তাহা হুইলে অ বলিতে পারি, উড়ো সাহের এয আকবিদ্যার যে চর্চো করিলেন, ফলোপধারী হয় নাই ৷ অপর, উ সাক্টেবের প্রস্তাবিত দিবসের উদ্দেশ প্রশংসনীয় নয়। বারু মনোচা ঘোষকে অপদস্করাই তাহার উদ্ অধিকতর জ্বংধের বিষয় এই, ইহ:তে রীত কল ক,লিল; ভিনি সংগংই আং **হইলেন তাঁহার। বস্তৃতা ভোভ**াটি व्यात काश्तर क्षमत्याहिनी इस ना ঘিনি যাহা বলুন, যেৰূপ বক্তৃতা বেৰপ অভিপ্ৰাষ প্ৰকাশ কৰুর, সিবিল সর্বিস পরীক্ষাগ্রহণপ্রথা ণ্ডের ন্যায় ভারতবর্ষে প্রবর্তিত না ছ তাৰৎ সিৰিল সর্বিসহার ভারতব্যীয়টি

খানি মুকেলিংছে পারেন ভ হ। নুনিঃ সংশ্ল'তাহার উলিত হয়। क कन एउपुष्टि माकित्से ने नहः अ া গুণ প্রদর্শন করিলেও সেই ডেপু জি **হৌটই থাকিবেন। কা**ৰ্য্য ভার ্ডিলে লোকে কর্মাঠ ও বুন্দির ভীয়া পরিচয়দানে সমর্থ হন না। কাউটে বর মৃত্যুর পর ইটালীয় মহাসভা পেক্ট অধিক্তর পরিশ্রম ও স্হি । সহকারে কাজ করাতে এক জন জ বিশার একা**শ করেন। তা**হাতে জন ইটালীয় এ:তিনিধি বলেন, বর থংকিতে আমারা সহায বিপাদ ৰও ভা<mark>ৰিভান না, কেধর আ</mark>ছেন, যে রে হয় আংমাদিগকৈ রক্ষাকরিবেন ৷ এক্ষণে অংপনাদিগের উপরে ভাব তে সকল কাঁহা আপনাদিগেরই ठ हर्ड्एड्राइ । " এদেশীয়দিগের **ऋছ्य**

পে কাষ্যভার ক্ষেপণ করিলে

াতে প.ইবে ২১বৎসরের পর ইহাঁরা

ভূোস,ছেব বয়স কমাইবার আরে এক

। প্রদর্শন করিয়াছেন। তিনি বলেন,

ব্হুসরের অধিক ব্যুসে যেসকল

জা ভারতবংশ আইসেন**, ভ**ঁহাৰা

কপে স্বাস্থ্যালয় করিছে পারেন

ইছার কোন এমণে নাই; বরং অনু

েকরিলে ইছার বছসংখ্য নিরুয়

ই লফিড ছর। আরে যদি এই

ইস্ডাহ∴, কা∷েকজন কৰ্মচা∙

ংকোর অনুরোধে এক জাতির স্বাভ:

গ্রেছর লে:প করা ইইতে পারে ন:।

.দেশের মঙ্গল **অপেক্ষা কর্ম**চ:রৌ

র স্থা অধিন আলেরণীর হইক,

क्ष्ट्रेटल मेत्र क्रम लट्डिक मिमलात

🖯 (अप्रसुक्ती: इड्रेटडरना। अप्रकल

। খাট্মাস অলিসো কেপণ করাতে,

👣 হইয়াপড়েন কি না।

मध्य वास्त्रीत अधिक स्ट्रेट्ट्स मा। ু,বার অশন্তৰূপে উহাতিত না চ্ই লও এ দেশের প্রকৃত মতলের সম্ভাবনা াই। বাঁহরো এদেশীযদিগকে সিবিল ह्याटकेंद्र अमनामधियदेव দশুনি করিতেছেন, তাঁহারা এক বার নিয় লাইছ বাকাওলির প্রতি দৃষ্টিপাত করুন, ' বাজিনিষ্ঠ স্থাধীনভার বিষষ (১) াণনাবসরে দৈনিক ও **দৈনিকেত**র াজপদলাভ ব্যবস্থাকে গণনা 9চিত। ইহ∤ই যধাধ স্থাধীনতা,কিন্ত ম অংশে পৃথিবীর অধান প্রধান রাজাদি গর রাগনীতি অভি অনুসার সংকীর্ণ ও অসহত ছিল। রোম বহু শতাকী চাল মিবিয়দলের প্রতিভা ও সাহস দশন ব্যক্তিদিগকে যোগা পুরকার :ইতে ব্থিক করিয়া রাখিয়াছিলেন। দানীস্তনকালের ফরাশিরাজ্যেও অভি নত দল ভিন্ন অন্য ব্যক্তি সৈনিক সম্বজ্বে কৈপদ প্ৰাপ্ত হন নাই। বিনিস পেট্ৰি সর্দ্*নকে* **কাহাজের** অধ্যক্ষত্রপদ uae विरमभी ब्रमिशहक रेमिनक श्रम প্রদান করেন। কিন্তু ইংলাও এ প্রকার দাতি ও শ্রেণাঘটিত ইতর্বিশেষ করিবার বৈধয়ে অবভঃ। প্রদর্শন করেন। ক্লবক পুত रेश्लर ७ ते का इरकात ७ (मन मरले ते व्यथ) क्डांशरम, ल.र्ड इाहे हारणलरतत अम .বং কাণ্টের্ররির লাডবিশপের পদে ৭:েরাছ্ণ করিতে পারে। ইংলত্তে সকলের ধতি যে এই বিজয়েলনৈচিত ন্যায়ানুগত চুল্য ব্যবহার করা হইয়া থাকে, এচুর গ্রিমাণে ভাহার ফললাভও হইতেছে। । वावऋ। ना थाकिटल हें श्लट ७ त तुष्टिमान ্যক্তিরাঅ*ভ*াত ও অপরিচিত হইরা শ্বন যাপন করিয়া যা^হতেন সন্েচ্ছ dই।ইংগণ্ড ঐব:বস্থাকারিয়া **কেবল**

য বুকিমান ৰাজিক দিগের

दन्द्र। अङ्ग २६।

() अन कर्न तमन धर् उ हैशनम भर्न

লাভ করিতেছেন এক্স নয়, সমাজেও পরস্পর প্রতিবদ্দী অভিজ্ঞাত ও প্রাকুত मटलत मृष्टि मा इहेग्रा छेखत मल क्रेका छन সম্পদ্ধ হইয়াছেন ৷ " বে' সমব্যবহার ইংলত্তের উন্নতির মূল, তাহা ভারতবর্ষে প্রবর্ত্তিত করিয়া ভারতবর্ষের উন্নতিস্যুধন কি উদারাশয় পক্ষপাতহীন ইংলঞীয় शवर्गम्बद्धेत कर्खना नग्नः अक्रम वावसात বিনা ভারতবর্ষের কি যথার্থ উন্নতিলাভ मञ्जादना चारह ? यावर दाक्शमधमान বিষয়ে জুলা বাবহার করা না হইবে, তাবৎ কি ভারতবর্ষ ইউরোপীয় ও ভারতব্যীর উভয়ের অকপট সৌহার্দ্দ জন্মিবার সম্ভাবনা আহছ 🤉

-:0:-

विविधमः वाम।

२ इ: देवनाच (मःसवातः ।

আনামী মঙ্গলধার রাত্রি ৮ টার সময় প্রেসি ডেকি ক্রব নামক সভার দ্বিতীয় বংসরের প্রথম ম্পিবেশন হইবে। লাড বিশ্প সভাপতির व्यापन अर्ग कतिर्वन अवर श्रारक्षमत हैनि नारहर ना छ अकरना अटन विषय के भरनम **क्टिन** ।

আমরা শুনিয়া আছোদিত হইলাম, বস্ত (मन, উত্তর পশ্চিমাঞ্চল, **आ**रमाभड़ा ও মধ্য ভারতবর্ষের মধ্যে যে চারি অসম ছাত্র সর্বাপেকা উত্তৰত্বপ এবেশিকা পরীক্ষা দিবেন, তাহাদিগকে পুরকার দিবার নিমিত্ত সর স্থাকোত নর্থ কোট २००० होका ध्यत्न कत्त्रियारहम । अहे है।का রেজিন্তার সটক্লিফের হস্তে অপিত হইয়াছে: (वाश हे । बाद्यारक अहे शकात २००० कतिया টাকা প্রেরিড ইইয়াছে। সর স্থাকোড নর্ব কোট চ'াদনির চিকিৎসালয়ের উল্ভির নিমিত্ত ১০০০ টাকার এক চেক প্রেরণ করিয়াছেন। অনিয়া এই কার্যনারা অভ্যন্ত কুভজা চ্ট্লাম। মত্রিগণ এই প্রকারে এ দেশের প্রতি মনোযোগী দিলের পেন্সনের নিমিত্ত এক কণ্ড ক হন, এটা অভিশয় সুংখর বিষয়।

कक हि विनिद्यान नारस्य नव्यक्ति शक्ति व्यव 🎒 इक्ति इहेरकरह, काशरक अध्यकात र কমলে সংবাদ দিয়াছেন, ভারতবর্ষীয় কর্মচারি शन छे भयुक्त रहेरल का शक्तिशतक विवास ती का म সিবিল সর্বিদে প্রবেশ করিতে দেওরা হয় 🖯 কের বাসীতে বে সভা হয়, ভারতে লাভ এ বিষয়ে ডিনি প্রস্তাব করিবেন। ট্রিবিলিয়ান রোমক, স্মাট জুলিয়ারের জীবনর गार्ट्यरक व्यापका धनावीम श्रमान कति । कि विक्रिक क्षेत्र छेलरम्भश्रमान करत्न । कहे

भरीकाश्चनानी केर्राह्मा सन्दर्भा कामग्रस थिए सरह। नशरमंत्र म्हान कात्रखनर**र** न रय जामान्टिशत अहे टार्स्य ।

সম্রতি ভাবুলে ভরামত ভূমিকলা হব करत्रकर्णि हाशि चन्न स्हेत्रारङ.।

বাবু কেশবচন্ত্ৰ সেন বোধাইতে আ यमानाञ्च कतिहारहर । जिमि त्यथारम 🕏 निध्यन, त्रथात अठ लाक छेनन्दि हा যে দাঁড়াইবার স্থান হইত না। উপদেশের সকলেই ভাঁহাকে দর্শন করিতে ও ভাঁহার इरे अक्षी कथा कहिएक हेम्हाश्रकान ভেন। কলিকাভার উন্নতিশীল আক্রা কের জন্য বোধাইয়ে কডক চাঁদা **উ**ঠি श्वर (वाषा हेरम आका गर्ट्यत और कि स्टेरच ভত্রত্য অনেক সোকের অনুরোধে ভিনি (मार्ग तारम्ब अञ्चलक इंट्रामी अ मर পুন মুদ্রিত করিতেছেন।

চা-ক্রিস্নের কার্ব্রে শেব চইয় डाँशता विभाजापुष्टत जातक उञ्चलकान অনেক বিষয় অবগত হইয়'ছেন। আমরা লাম, কুলিদিগের প্রতি যে অভ্যাচার হয় व्यानक मिश्रमर हिई ७ कर्मा हात्री । शानास ह करतम वित्रा । य हेशत श्रक्ति मरनारवाली না, ক্ষিসন ভাহার প্রমাণ পাইয়াছেন। ওঁ শীত্র কলিকাভার প্রস্তাগমন করিবেন।

मञ्जिष्टि निकारिक करहरू स्मा कर्न लारहारत अक भन्नामग्र काभन कतिवात ब करतन, किन्न नद (डामानक माकनियुष्ट क ভার দৃষ্ঠান্তদশনে সভক হইয়া এই ৫ क्रमाहा कृतिप्राटक्ना

विकाय बारमत त्राका ल धनक हारेड • নিমিত একটা ফোয়ারা প্রদান করিয়া इंशाएक ১४٠٠० छ। का विशेष व्हेश्वादक । न महाममाद्वारह अञ् (थाना रग्न) वास्त्रातः ভার প্রশংসা করিন্তে হইবে; কিন্তু ই व्यामानिकात निकटि अ अकात माहाय না। আমরা অদেশের নিমিত এগকল কাজ लाहे हेरलक याबहे खेलकात काम करतन।

বোৰাইয়ের কাউল্লাস্তি আহাঙ্গির সু ८६ हो यु च्यारकन्। अक्टल मुसाबरखरा व থাকা আৰশ্যক।

সক্রতি বড়বাজারের বাবুরামমোংক

া ভাছারা কি উপদেশের কিছু বুরিতে পারি ুলন : নাকেবল ভয় ভালিবরে নিমিত প্রিকে সভার জ্ঞানহন করা ইইয়াছিল ? कारहा आदन कतिया काल्लांक्ष स्हेलाम. চুদিলের দোকানের পাবে শে গোপনীয় মাছে, ভাষাতে সন্ধার পর এক এক ভালা .ন হয় এবং ভাষার চারি পুলিদের হত্তে ১। হল সংক্রে এই বন্দেরেস্ত করিয়াভেন। ুপ গোপনে সুরা বিক্রীত হইতেছে। াহেৰ ধদি ইহার বাথাপ জানিতে চাহেন, ্রইলে আমর। উচ্চাকে সঙ্গে করিয়া লইয়া াইতে পারি।

প্রনা যাইভেছে, কলিকাডার কডকওলি ন জেণির বেশনা ভারতেক্যীয় ব্যবস্থাপক য় আন্বেদন করিয়া প্রমির পীড়ার তাই র এ:ভিবাদ করিবার মান্স করিয়াজে। াব। ক্রথদশন করিয়া বলিভেচে যে, এই নি হইলে ' গাহারা কলিকাণা ভাগে করিবে : अभन रिनाक क्षेत्र !!!

৮৬৯ অন্দের মধোই লক্ষীসরাইপথ্যক্ত রু**ইল-ওয়ে এখ্যত হইবে। ভারত**্বধীয় ংয়ে ভিন্নভিন্ন স্থানের বাণিজেলে অবস্থা াৰ্ণ • • টাকা বেডনে এক এন জনস্কারী শেক নিযুক্ত করিবার মানস করিয়াছেন র রি**শো**ট অসুসারে কোম্পানি ভাড়ার[া] হমকেরিবেন। এই উপায় কাবলয়ন করিয়া কেলিম প্রেষ্টেজ সাহেব এড লাভ করিছে

ামরা অবগত হইলাম, পুজ বাজালার পেল কোম্পানি সম্প্রতি যে ভাড়ার্জি করি লন, গ্ৰণ্মেট ভাষা ক্ষাইবার আছে। ছেন। এই ভোড়া অবিলয়ে কমান কইবং। कोन इंट्रेंग काना याईत्य. व्यत्नक रेमनिक াঠী এডলিবলন নৌকায় গ্ৰনাগ্ৰন করি

মৈবা আরও জনরতে প্রবণ করিলাম, বৰ্ষীয় প্ৰধ্যেন্ট যাবভীয় ্রোনির ভাড়া একবিণ করিয়া হুডি র ভাড়ার ড্ডীয়াংশ কমাইবার ম'নস ছেন। ইহাতে স্প্রাধারণের ও কোম্পা ভয়প্লেরই লাভ **হইবে**।'

রা এপ্রেল কাশীতে কাড়ও শিলার্টি **७ ७ ७ जन (मार्कित मृद्ध इर्हेग्नर्ह**।

রলি অভি রহুৎ হইয়াছিল।

চ্ কতকণ্ডলি এডকেনীয় জীলোক উপস্থিত | ছেন, যেসকল এতকেনীয় অফিনক ও সৈনিক পীড়ানিবন্ধন বিদায় লইয়া বাটী ঘাইবেন, ভাঁহারা গবর্ণমেটের রাস্টীয় জাহ'জে 😮 রেল ওয়েতে বিনাভাড়ায় যাইতে পারিবেন। এটি

> নিভ কাজ হইয়াছে। আমরা এক হার ভুগান হইতে প্রত্যাগত কতকগুলি নিরাজার প্ৰীজ্ঞ শীক বৈদ্যার অবস্থাদশনে বিব্ৰক্তি প্রকাশ করিয়াছিলাম।

পিয়নিয়ৰ বলেন, সৰু ডোনালড মাকলিয়ড অ(গোলাভ করিয়াভেন)

উজ পত্র বলেন, সম্প্রতি গ্রেমির জেনেরলের কে কিনের এক জন ভূতপূর্দ্দ সভা হর প্রাকোড নার্থ কোট কে দর্শন করিয়া ভিজ্ঞাসা করেন সর স্থাকোড ! তবে ভারভবর্ষীয় সংবাদপত্রসমূহ আপনাকে ভারত্য ভাষী গ্রথণ জেনরল করিয়া ছেন ^৯। সর স্থাকোড নার্পকোট উত্তর করিলেন, অমি মহাশয়কে ধন্বোদ দিভেক্তি কিন্তু আমি এখানেই এড গালি প্রাপ্ত ফইডেছি যে, ভারত বর্ধে যাইবার আবশ্যকতা নঃই। গ

উক্ত পত্র প্রবণ করিয়াছেন, এ দেশের জ্বল বায়ুৰ:রা সর সাইমর ফিটআরলভ এত ছুর্দল ও য়ান হইয়াতেন, যে আবিসিনিয়ার যুদ্ধানা থাকিলে তিনি অবিলয়ে পদত্যাগ করিতেন।

উজ্পত্র অবগত হইরাকেন, ফিরোক শাহ বোয়াছের আখুদের বিরুদ্ধে এক দল করাতে আখুন্দ গাঁহাকে তথা হইতে দূরীভূত করিয়া-

বেরলির ভাক্তর হেল প্রব্রেছ কলিকাভায় व्यानिएउएइन। छिनि (काम हेश्ताओं) हाएँ। न না থাকিয়া এতদেশীয় সরাইয়ে অংক্সিডি করিয়া আগমন করিতেছেন।

ইভিয়ান প্রলিক ওপিনিয়ন বলেন, সম্প্রতি শিয়ালকোট বিভাগের এক জন জীলোক চারিটীপুত্র প্রদাব করিয়াছেন। মাত।ও শিশু গণ সূত্ৰ আছেন। এরপ ক্লে ইংলভেশ্বরী -প্রস্তুতিদিগকে কভক টাকা দিয়া থাকেন। ভাষা বোগ করি, সর জন লরেক সেই দৃষ্টাক্টের জন্মস রণ কারতেম।

উজ্জপত্র অবেণ করিয়াছেন, কর্পর্জলার রাজ। আনবেদন করিয়াতেন, উট্ছার রাজ্য তদীয় आणाजित्यत भर्या विख्ल कतियात शुर्त्त जिल्ल এক বার প্রধানতম প্রব্যেক্টের নিকট আম্পীল ক রবাণ মানদ করেন, এই নিমিন্ত ভাগীনভাল তিনি এক লক্ষ্ টাকা ক্রমা দিতে স্থীকার করি श्रारङ्ग । ताला विकक्ष कवा व्यविधि इहेटकट्टा वालात जाकामिशक किছ किছ होका मिश्रा तका করিবার চেষ্টা করা কর্মধা। নচেৎ ক্পুরভলার প্রতি ইংল গ্রীর সাব[্]মেট আক্ষা দিয়া | কডকগুলি সিকুর **আমীরের ই**টি **ই**ট্রেট

সক্রতি চাপাতলার যে জীলেক ত্ইয়া পতিত থাকে, ভার্ফে-বিষয়ে আর नकाम स्रेशांक । त्र विकिष्ठा छाट्छ र या করিয়াভিল। ত্রেণনামক এক জন হোচেল ভাছাকে বিবাহ কৰে। ঐ বংক্তিব মৃত্যুর এক জন রেলগুয়ে কর্ম্মচারীর অধীন ছিল क्षिम इहेन नाजवाखाद्रत अक खम (मान তাহ'কে উপপত্নী কবিয়া রাখে। এই হুৰ হাপতে দেওয়া হইয়াছে। জীলে কটার ৮০০ টাকার অসলক্ষর ছিলঃ ভাছা হইডেছে ! ভাহার উপপতিকে জিঞ্**ঞ**্ল; ব দে বলিল মৃত্যুর রাজিতে দে কাছাকে ও নাবলিয়াবাটী হুইতে চলিয়াবার ৷ সে ব মূচার সংবাদ ভাবণ করিয়াছিল দিয়ে হল ভারে কোন উচ্চ বাচ্য করে নাই: বেশ্যার प्रभारक इस किका नरहर व्यथम राज कुर् त्र कार्ड ।

৩ রা টেকশাখ মঞ্লবার।

আমেরাশ্রবণ করিয়া আংসোটিত চই माञ्चाल भवर्गरमञ्जेत खङ्गातार १५३८मा व ভত্রত, মংনম করে রক্ষাকরিতে স্থাত য়াছেন। এই মানমন্দির হ**ইতে প্**গদন স थारनक्ष्ण स्टब्स अहनकदा व्यादिक्छ ब्राहिटलन। किङ्गिन इट्टेल अप्रि छेर्राहेशा वि প্রস্থার হয়। ভারতবর্ষীয় গ্রন্থনেট বি विषरमञ्जाकि काइंहे भाहासः करत्नः , अ वे विवर्ष माह! किथिए माहाया कता ह्यू.

किएमं अर्थभाषात्रापत श्राप्त कि অমবিচার হইবে।

সম্প্রতি মহারা রণবার সংহ যে করিয়াছেন, ভুর্নিস্থান হটতে যত বালিজ্ঞ্য লাডক ও কাশ্মীবে আসিবে, ১৮৬৮ আ প্রারস্ক অবধি তাহাতে কেবল শতকরা ব ष्टोक। सः क्क शृङ्खि इ**हेर्त**ा अ विषयः ता**ख**ः ভবৰীয় গ্ৰণ্মেটেটৰ স্বায় শুক্ত স্থাপিত (लन। वद्ध, नःनाविभ अष्य, टेडन, हि, বির বস্তানি শুলক লাগিবে না। পদমের শুল টাক। হট:তে ৬ টাকা ও প্ৰমী বস্তের শুক টাকা ছইতে ৩॥- টাকা ১ইয়াছে। রাজা যোষণা করিয়া আলাপ্রকাশ করিয়াছেন, এ व्यवनि वनिदक्षां श्रष्टुत प्रदर सहेवा कामीदित र মন করিবেন। রব্বীর সিংহ ঘথাপ উপায় ভ ৰ্ম করিয়াছেন : কিন্তু যত দিন তাঁহার কর্ম্ম

এই যোষণার বড় ফলু इইবে না ! ব্রিটিস ব্রক্ষে পুস্তক পাওয়া নিভাস্থ কঠি তথায় একটাও সাধালে পুক্তফালয় ন সম্প্রতি কৃতকণ্ডলি ইউনোপীয় কয় লোক এ

গণ ভদ্ত। অধলধন না করিভেছেন তত

20-20-14

। এ বলে এক পুজকালর স্থাপিত করিয়া কৌজদারি ও কেওয়ানী । विवास ए विक्रिके नाइब बिहरणेत्र श्रीष्ठ े पूछक अहे भुखाकानात श्रमान कवि-**5 7** 1

মান্ত্রাছের নিকটকু সেউটমাস পর্কতের টে এক মৃতন তীর্থ হইয়াছে। প্রায় চারি दर्गेत क्रेन राष्ट्रन जानीनायक अस अस র্কী মৌলা প্রাণভগ্রাস করেন। মৃত্রার পর কে তাহাকে পীর বলিয়াসন্মান করিতেন ! িত কৰ্ণাট রাজ্ঞবংশীয় এক ব্যক্তি কাশরো ত্ত হন। তিনি কোন প্রকারে আরোগ্যলাভ তে পারেন নাই। কিছুদিন ইইল ডিনি কে ব্ৰপ্নে দেখিয়াছিলেন। পীর জাঁহাকে ন অমুদ স্থানের বালুকাভকণ করিলে পীড়া ঃ হইবে । কাসিম আলি ভদমুসায়ে সেই का ख्रक्षण कदिया चार्याभः नाख करतमः হাখনন করাভে পীরের কবর বহিগভি ट्राउथाय बकर्ष मह्द्य मह्द्य *(नार*क পর নিমিত্ত গমন করিছেছেন। ক'সিম দরগার ফ,কিরু স্ট,1,ছন। এ প্রকার द्विरण्ड लः छ व्यार्ट । कामानिरंशद नास्त्रिर्हः

াবুকালীপ্রসন্ধ সিংচ কলিকাভার চারিটী ারাদিবার অসমঃ ১০,০০০ টাকা প্রদান য়াছিলেন: কোয়ারা গুলি অনেক দিন হইল য়:চেট্ কিছু আমারা অবগত হইলাম সে গাস কোম্পানির উঠানে গড়াগড়ি যাই ্টেপরে যে বাচগুল ভিল ভাহা ভগ গিয়াছে । কিছুদিনপর্যান্ত জ্ঞাষ্ট্রিয়া ারংবসংইবার স্থান স্থির করিছে পারেন अक्टन अड्डायनीय विज्ञाति वनान स्ट्रेड, **ংইয়াছে** ৷ কি**ন্ত আ**বার এক আপত্তি হত হইয়াছে ধে প**রঃপ্র**ণালীনা হইলে i ারা বসান হইবে না।

র (১) ভার্র রঞ্জীজন।

অবিয়াছিলেন চীনের সভাট তাহাকে র আগাপনার দৃত্ত করিয়া क व्याद्या । এक क्या हेश्वाम अक स्थम িক এক জন কৰীয় এই মূতের সংকারী ছেন।কংয়ক জান সভাতে যুবক চীনে কার্যাশি শিবার জান্য সুতের সহিত পান্ন ছচেন। বুঝিরা কাজ করিছে পারিলে द्रा व्यानक मक्त रहेरव ।

বলিওলেদ দ'হেব আলামেরিকার দুভ হইয়া

8 की देवनाथ बूधवातः । लात वक्त जिल्लाहरू व्यक्तक (क्रमाङ्ग कक्ष 🖰

मकम् या স্থিত থাকে। জজের। এখানতম বিচারালয়ের পত্র গুলির খানেজুগুতর দেন নাই। ইহাতে আনক মসুবিধা ঘটনা হওয়াতে প্রধান তম বিচারালয় वाका विवादहर, १৮८৮ कर्का २० क बार्टात নিক্সামত আদালতের সরকুলর অনুসারে প্রকা কাঞ্জ করিতে হইবে। রবিবারবাকীত আর কোন দিবস ফৌজনারী আদালত বছ ধাকিতে শারে না। দেওয়ানী মকদ্দমার সর্কদা বিচার নাহউক এরপ অংনেক অভিরিক্ত কাল আছে বাহা স্থাত রাখিলে অনিষ্ট হইবার সম্ভাবনা এই विरवहना कांत्रश सम्मनिगरक वना स्टेग्राट्ड है। राजा এই नकन वरकत निन (यस , व्यालनानि-সের মহকুমা ভাগে না করেন এবং পৌজদারি मकद्भवा (यन कृतिक नः इता को क्रमादि विकाश वन्त्र वीकारक व्यक्त व्यक्त स्वत्रानि करग्रनित ব্যাপিল রুখা হয়। মেয়াল খাটিয়া বহিগত হটলে জ্জা শেষে ''মুক্তন" করিবার আনাজগাদেন।

চাপাত্লার হত জীলোকটার মৃত্যুর কার ণের অসুস্বান আর্ভ হইয়াছে। জীলোকটীর জনস্থান মাজোজ গ কিন্তু সে বাল্যকালাৰণি কলিকভার ছিল। টো নামক এক জন (शाटनेल व्यथ,क फाशास्त्र विवोह करत, কিওসলি নামক একজন রেলণয়ে কর্মগারী ভাহার **উ**পপ**্তি হয়। স**ত্রতি मांभवत्या मञ्जामक अक स्ना (पःकामनाव ভাহাকে উপপন্থীর ন্যান্ন রাখিরাছিল। মাধ্ব-চন্দ্র দত স্বীকার করিয়াঙে যে রাজিতে স্ত্রীলো-কটী হন্ত হয়, সেই হাত্রিকে একটা পর্যান্ত সে তাহার সহিত হিল। কিন্তু তৎপরে কিন্তুসলি জাসিয়া ভাহাকে লইয়া যায়, কিঙ সলি স্বীকার कतिशास्त्र (य स्म खीरनाकन्नीतक व्यक्तिमञ्जू सुक्ति है জ্ঞান করিও এবং ভাগর অনুস্থান করিয়া व्यक्तिक कारन अभन करत्र रे कि ह नेचरत्रत्र नाम शार्व করিয়া বলিয়াছে হত্যার ৭।৮ দিন পুর্বা ২ইডে সে কলিকাভায় আইসে নাই। পুলিস যদি বুদ্ধি মান হন, তবে প্রকৃত হত্যাকারীকে ধুও করিছে পারিবেন : কিন্তু রবটন সাংহ্রের অনুসন্ধানে किष्ट्रहे श्हेरव ना।

বোৰাইরের কডকগুলি ইউরোপীয় ও এড দেশীয় ভন্ন লোক ১৮৬৯ অব্দে তথায় এক রুহ্ৎ প্রদর্শন করিবার নিমিত্ত সর সাইমর ফিট ख दलए इत निकारि चार्यम्म करत्रम, खम्मूमार्य গত স্কৃত্যাৱের পূর্ম স্কৃত্ত্ব সাত্র শাস্ত্রকর্ত্ত্য একএক कतिया नकनरक विनद्रारहन, (हेंहे निक्किनेहित আপন আদালত এক কালে বয় করাতে নিকট জাবেদন করিলে ডিনি আবশ্যই লাহায়া ডোবিকপ্রদান উপলক্ষে যে ৰজ্জা ব

করিবেন এবং টিকেট বিক্রম্ন করিয়া কন্তক देवितः किञ्च करङ्गक समस्य आहरक कहारत कामीन इडेटफ इडेटर व यात्र काम व चक्नान वय छात्रा बहेट्न छोहान्न होना व (नरे गिका मिर्दम । करब्रक स्थमः हेशाएक अ रहेबारहन, कनिका छात्र भूनकी ब क्रिकी क्ष वावनाक स्ट्रेडिड

জীরামপুরের ছোট মাদলেতে অনেক म्हमा समारक भवर्रमन्त्रे आका हिद्रा নিয় মত দিবসবঃজীত হুগলীর ছোট জ তের জন্তকে জুনপর্যন্ত প্রত্তেকে সে मननवात्र जीतामभुद्धः मकस्मा कतिए७. इर् एशनित अध्य के उद्ग दार्तत् में कल्लमात नि क्षिया थारकन ।

সকলেই অৰগতভাছেন ভারতং **र** अग्रहरू ्त्रज्ञ स्ट्र **प**रनाक ভাগ विकाय कतिया वाष्ट्र माञ्चल क्षेप्राट्या २० हाकात वानेटफ ३०,००० १२० • नेका (म ৎইয়াছে। সঞ্চাত হাওড়ায় ... সূতন। ইইয়াছে , ভান্নিত কতক**্**ং ্টী ক্র रुत्र । अक्टर्स (नकु **अक्ट** र उत्तारक (नक्षा) राष्ट्रियात्रम अद्भाष्ट्रमाधिक कृष्य लहेसाहि। গৰণ্যেণ্ট ভাষ্মত এই আভিবিজ্ঞ ভূমিস भूनकात विक्रंत्र कात्र उद्दिन । (वक्षांन ১ · , • টাকায় ক্রু করা হইয়াহে ভাষা ২০০০ ৷ ২৫ টাকায় বিক্ৰীত হইতেছে। অনেক স্থলে পূৰ্ব কারগণই আবার ক্রেডা হইডেছেন। भः जुना य किছू नाज हाहा निरात्रहे हहेन। ড়ার অনেকে এই প্রকার এক বার জ্বপরি মূলে ভূমাবক্রম পূর্বক ভারা আবার সাং ধূলে। ক্রম করিয়াধনবান হইয়াছেন। কোন্ঃ এই সকল অপব্যয়ের নিমিত লাগী ? প্র ওয়াক বিভাগের সংশোধন কি কিছুভেই (4 41 1

কলকাভার বলিক সম্প্রদায় ইংলঞীয় বমুহের মান্ত্রবৃদ্ধির প্রতিধাদ করিয়া ((मरक्रोहित निक्रमे **कार्यमन क**रिप्रार्टकन ।

বোৰাইন্ডেড ফি চৰ্চ মেশন বাটী প্ৰস্থ कतिवात स्थाना कात्रकवरीत शवर्गधानी २०,० होका अनान कतियादहर !! आधवा चूं कीयश নিমন্ত এই সকল ব্যায়ের প্রতিবাদ করিছে अक्टन मर्समाराबटनब अक्योकः स्टेब्रा शक्तिः कमरकात्र निकर्षे अ विवर्तत्र स्थारवस्य व । হ'বীঠ

निष्टेनकात नाट्य विश्वविद्यान्यस्य १

ৰ প্রকাশ করিয়াছেন । একখানি সংবাদ লেন, ভিনি ভারতবধে জান্ময়। জার াকরিলেও এই বজুভাতে ভারার নাম রণীয় ইইড়া

৫ ই নৈশ:খ সুহস্পতিবার। মিবা ছাখিও হ**ইয়া প্রকাশ করি**ভেছি, স বেমারীভয় হয়, ভাহাসম⊩ন রহি গও কেব্ৰয়ারি মাসে ২,২১৯ জন জ্বার াস করিয়াছে। এখন 'ক্রেফ্রায় কিছুদিন ন রসদে কুলি প্রেরণ বন্ধ করাউ চিড। প্রেচের বিশ্বিদ্যালয় শীল প্রেক্ত হই এবৎসবের শেষে এই বাটীটী সম্পূর্ণ ্**হট্রে। কলিকাভার হিম্মরিদ্যালয়ে**র তল ভাওেখারে নায়ে প্রভাই ডিল ডিল । ब्राज्य इंड

খনিয়ঃদেশশ্লি বলেন, কলিকাভায় পয়ঃ ন শীস্ত্রগতি হইছেছে। দ দ্বিহৈ যে চৌৰাক্ষা হইতেছে, ভাহার িশ একাড হইয়াছে। এই চৌৰাক্ছার াঙলি স্থায়ী হয় কিনা, তাহাপরীকা क्षेत्रमाका व्यक्तिक हैकिसियुद ब्राजन, इस्क ই দেয়াল ৰসিয়া যাইৰে

- ४२ व्यक्तित अध्यन व्यविष ७५ अ छित् ক্রে সমুদায় ভারতবর্ষে ৩১,১৭৮৬, টাকা আংখার ও ২৮৯৬,৩৯,৩১০ টাকা हेप्र.८७। शूर्का वरमटत अहे समस्यय भट्या ৮,७১,১३. । विका जाम ७ ३७,२०,৮०. की बाग्न इहेग्राहिल।

হোরাজ সি:কিয়া হরিছাবে গমন করিতে ভরতপুরের রাজা কলিকাভার আসি-

র নিয়ারআনলি খার খতার আমীবের পুল জাকুষ্মী গির্শিক অভিনে খাঁর দেনাপতি আজিক খাঁকে রূপে পরাঞ্জিক করিয়াছেন। আভিজ ান্দাহ'র ভাগে ক্রিয়া শলায়ন ক্রিয়া এবং উক্তনগর সিয়ার আংলির হস্তগত ছে। আনবছ্ল রংমন খা আনন্তাপি সমুলায় ছান শাসন করিতে সমধ হন नाहै। ষে খীরে অংড,।১,র ১,মান রহিয়াছে। বেগণের জায়গীর ও আয়ে কমান হওয়াতে কে বিরক্ত ৭ইয়াছেন । ভিনি সম্প্রভি মুরাদের আতার জায়গার কাড়িয়া লও-

ইংরে সাইসাধারণে তথ্ঞতি অভিশয় কাঠুলে থাকিবেননা।⊸আবছল রহমন থাঁও যাভার মতে মত দিয়াছেন। বিবি মুরাদের ৰুক্তিই প্ৰথমতঃ আফকুল খা পরে আজিম ৰ'। সিংহাসন প্ৰাপ্ত হন। ডিনি চটিলেই আজিম খার সহিত আবছল রহমনের প্রকাশ্যবিক্রেদ ०हेट्रा व्यावहत त्रहमटनत छ:८गाई नि'स्निम নৃত্য করিভেছে।

> এঘন জনজ্ঞতি, নেপালের সহকারী রেসিডে ल्डेत भन छेठिता गाईदा। स्मार्थित ग्रहिङ खिक्ति अधर्गरमान्त्रेय असम त्यान विद्याप मोटा সম্পূর্ণ নাই যে, তথায় এক জন সহকারী রেসি ডেক্টের আবশ্কতা ১ছ।

প্রবিক্তপিনিয়ন বলেন, সম্প্রতি সোয়াড় স্থিত হিন্দুস্থানীগণ পঞ্চাব গ্ৰণ্মেণ্টের নিক্টে আবেদন করে, ভাহ:দিগকে ক্ষমক্রিলে ভাহার্য यहम्हरू श्राप्तां सम्बद्धाः । (भरतासाहतत कि সনর ঐ আদেনপঞ্বাহককে কারারুত্ত করিয়া (इस। এই नकल भना उक रेम्सिक्सिएग्र भर्य, श्रि प्रश्रहेष्ठारङ । वित्यारह क'ड द्वर काहा हेहाता বৈলকণ ক্লানিয়াছে। অভঃপর আমাদের মতে हेड्। भिशास्य क्याः क्याहे दर्धकः। खाहा इहेटल हेश्या (य (कवल विश्वल श्रमा बहेर्द अक्ष्म नर्द, ইহাদিলের দৃষ্টান্তে আরও অনেকে সভর্ক ইইবে

বোষাইয়ের মামলাভদার্দিগের বেতন্তু 🕏 कता रहेग्राट्ड। व्यक्तः वटन विलग्नः कुछ दिन्। भन এইসকল পদ এছেণ করিতেন না বলিয়া সর সাই মর ফিটভাবলড বার্ডিড বেডন দিবার প্রস্তাব क देशा हरन ।

ই ভিয়ান ডেলিনিউস অবগত হইয়াছেন মফবলের ভূঙীয় জেবির লোকদিগকে বাজালা ভাষায় উত্তৰঃপে শিক্ষা দিবাব নিমিত্ত প্ৰস্তাব করা হয়। এ বিষয়োভি েইরের মত জিজাসা कहार्ड जाहिकियान मारहर, हैनर्ल्लेहें छ াবুল হইতে সংখাদ আসিয়াছে, সম্প্রতি ্রেপুটি ইনজ্পেটর দিয়ের উপরে সম্পূর্ণকপে আকজুল বিভার করেন। কয়েক জন ভেপুটা ইনস্পেটর প্রস্থাব করিয়াভিলেন, যে স্থানে পাঠশালা इहेरन, ख्याच्च क्रमश्यम उ পश्चित्रभेन मिना দিবেন। ৫ । ৬ টাকা বেতন দিয়া গুরুমধাশয় वाचित्र निका छे दुम इहेरव । एक महामञ्जूषितात বেতন ওল্ল ধ্ইবে বটেঃ কিন্তু ভাঁধারা ছাত্র मिर्गद निक्रि अरनक वः छ आनात्र कतिएड लादिएका अहे श्रञ्जात्वत नगरम त्वाय एव. **ইং**ারা বিশাৃত হইয়াছিলেন, ঐ স**চ**ল बाटक क्यामारतत नाम हूर्त । अक्रमहासञ्चल काळा उथालि बुनन का भौरतत जुना नरहा দিগকৈ বাটার ভমাক এবং প্রভিবেশিদিগের অন করাশী বণিক কাশারে কুঠি স্থাপন নারিকেল ও আয়ে চুরি করিতে ক্রিজা দেন। সাল প্রস্তুত করিয়া ইউরোপে লইয়া য উক্ত রাজী বলিয়াছেন, ভিনি আর সুধের বিষয় এই যে, রাবু ভূনেব মুখোপাধ্যায় ছেন। কান্দীর সাল একণে পারিয় ও উ

এই প্রস্তাব করা । করিয়া প্রতিত্রিগের निका विवाद श्राय क्रिक्टिंग-।

় গতকল্য কলিকাভার অফিনদিগেরুক निक व्यथित्नम ब्हेम् शियार्क । (व्रावर्ड ও ভালভদ'র মিরোমী পুরুবের নিকটস্থ मकल विक्रम कता स्ट्रेटडट्ट । ककिरमता नि महत्त्विक वनदेखन विकिथना नरवा चाह्र अमर গর্মির পীড়া চিকিংসার নিমিত , বৈ া সালয় হইভেছে, জাইসেরা ভারার ও मिट्टर्डन। **क्रनाथ** हित्रियमालस्य अ গ্রহার কিন্তুর করিবার নিমিত ভার্কিসেরা (महेटक व्यष्ट्रताथ कतिशाद्यम । भार्ष কানোকর চিকিংসালয়ের রোগীর স ৩৫ - নিজারিত হ্যা আমবা আলো इड्लाम এই विषय लहेश छष्टिम निर्मत म ভাক্তর চিবসের যে বিবাদ হয় ডাক্তর ি ভাহ'তে মাত্মধোধে স্বীকার করিয়াছেন

প্রধানতম বিচারালয় আছে। দিয়া অংমনে জার কখন নিজের নাম করিয়া স मद्दल गालीन कांद्र एक भारत्म मः। य হাহার কৈছু সাথ আছে, সেখানে ভিনি সা मबरक कथीं क्हें के भारतम किया छाड़ा थांकित्व मृत्र द्याञ्च अभागे मिटक स्ट्रेटर ।

সর জন সংক্রেম এডদেশীয় রাজা ও 🗊 अदर्गरमान्द्रेत भागरनत विषया य माठ लहेता त्म्भ स्टिउत उद्धलनाक वालम. **अ**विषात्र দেনীয়নিশোর মত এছেন করা উটিত বি কিন্তু স্পেকটেটর একটী মহাভ্রমে পতিত য়াছেন। তিনি বলেন ত্রিটার গর্গমেউ শৈকাপ্রভৃতিষ্ঠা যে উৎকর্ষসামে ক ছেন, ভার ভবর্ষীয়ল প ভাছাতে অ'তে রক नरहना अवः भद्रा दिलाएक कि अवस्था म অমূলক।

৬ ই বৈশাধ হঃক্রোর ৷ আমরা আহ্বাদেও হইলাম, ইংগ্রাম निष्टेन वीकात कार्याटकन खात्रक्रवरीय রারা ইউরোপীয় ও এতদেশীর দিগের উ ংইতেছে। সভা প্রায় ধাবতীয় বিলের আপনাদিধের নত প্রকাশ করিয়া অপরি ব্যবস্থা প্রথম্পার প্রতিবন্ধক ছওয়াতে (तामीध्रशन (य कुछ का स्म, देश क्रूर्यत वि क्रांटम पांत्रम, कांश्रम अ नाहेब एम

চাগলের প্রমে শাল এক্তর কিন্ত স্থানী আদশগুলি ি যায় মাত্র। অমৃতস্ব ও কুথিয়ানার ভারতবর্তি হয় ব্যংহার করেন। একবে ভারতবর্তি ও লক্ষ্য টাকা সালের ইইতেভো বাজা বন্ধীর সিংহ যদি হামণালুসারে কাজ করেন, ভাহা হইলে আইসে।

ব্বে রাউলপিতির অধ্যেলীয় বিস্তর ক্রিয়াছিল। গ্রন্থেন্ট অব্যরোহি নিমিন্ত ২০,০০০ টাকা্য় ২০০ অধ্যক্ষ ক্রেম্

ামাদিলের দেশে চীননিলের কারিকরির ভাষা হ্বা গল্প আছে। একটা গল্পে শুকা যায় া ফলের মান্ত্র ক্লবিডে পারিড, ঐ মান্ত্র াকথা ক**হিতে পণরিত মাু, আর**াসকল করিত। লাডকডেডিক**নামক এক জ**ন রিকান এই গল্পের যাথার্গ্য সপ্রমাণ করিয়া ।ভিনি । ফুট ৯'ইজিল উচ্চ এক বাস্পীয় করিয়াকেন। ইহার উদর্মধের ডিন ৰ ক্ষমতাগুক্ত একটি কল আছে। ইহা মানুষরী প্রতি মিনিটে এক ক্রোশ ঘাইতে । উহরে জাজ প্রাক্ত কে সকলই মালুবের › কিন্তু উহার এত বল যে অমনায়া**লে বৃহ**ৎ है। निवा नहेवा याहेट भारता के श्रकात ্র ০০ ডলার মূলের বিক্রীত ধ্ইতেছে। এটা কি:ক:বলৈ বিষয় এবং ট্রাকারা সাধা াস্তায় রেলওয়ের ন্যায় আক্তগতি বাইবার

য় ২ইল
প্রিনারে বাংস্থীয় আলোক দেওরাইবার
ও সুনার হরেন্দ্র কুঞ্চ বস্থানীয় বরস্থা
নভায় এক বিল অপান করেছেছেন । উপা
র অগিকাংশ লোক দরিদ্র অভ্যান্ত দিলের আশিকাং হইডেছে গাস কোম্পানিক পোধান ভার হইবে।

৭ ই দৈশাখ শনিবার।

ই গুরান ভোলনিউপ অবপত ইইয়াছেন।
বির প্রধানতম বিচারালয় ও রেকড়ারের
লাভ স্থাপন অবাধ ১৮৬৭ অব্দের শেষ
ভুকত দেওৱানী ও ফৌজনারি মকদ্মা।
তি ইইয়াছে এবং প্রতাক বিচারপতি
মকদ্মার মীমাংশা করিয়াছেন, ভারতব
গ্রেগ্রেক হিসাব চাহিয়াছেন।

উক্ত পত্র কোন বিশ্বস্ত লোধের নিকটে অব হুইয়াছেন, ষ্ঠাম্প ও নোটপ্রচলনের বিভাগ ব্যক্ত হুইয়া এক জন উপযুক্ত অচিক্লিড চারীর অধীন থাকিবে। কালেইর মেকে

श्रित मनोत्र (कार्कत स्टब्स (यम मा श्राटक । छोड़ा वहेरन द्वीरण्य यात्रा इक्षेक, (मार्केत विवरत द्वारिया वहेरन मा । अहे वर्षणावरस्य स्थानक मत्रकाति वास्र वाक्षित ।

निक्लिथिख ब्र्सः शवर्गस्यत्वेत्र काशस्य विद्वेष्टिक्ट्रक्टकः—

--:0:--

ইউরোপীয় সমাচার।

লগুন ২৭ এ মার্চ। গত রাত্রিতে হাউদ কব কমকো ১৫২ জনের মতে ১২৭ জানের অমতে দেনান্দের শারীরিক দণ্ডের আইন উটিয়া গিয়াছে। সর জন পাকিডটন অনেক প্রতিবাদ করিয়াও কৃতকার্য্য হইতে পাবেন মাই।

ভিসরেলি সাহেব এক পত্র প্রকাশিত করিয়া বলিয়াছেন, শাসনকার্য ও ধর্মের সহিত যে পবিত্র সময় আছে, ভাষা ভেদন করিবার নিমিত এক দল সচেষ্ঠ আছেন। কিন্তু তিনি বলেন ইয়াতে আগু অভিশয় অমলন ও বিপদ হইবে।

ওরিএণটল ব্যাক্ষের অধ্যক্ষণণ গড় স্থয়া সের নিমিন্ত অংশীদিগকে তক্ষণ ৬ টাকা লাভ দিয়াছেন।

গ্ৰণ্মেণ্ট বিজ্ঞাপন। বঙ্গদেশীয় লেপ্টন্ট গ্ৰণ্নের আদেশাসুসারী

निरशांश ।

म हे अध्यक्ष । भूवित्रभावादम्य कहा एक्ष्यी भूद्रिय (प्रभृष्टि भाद्रभावेषे छ (प्रभृष्टिकादमहेत वाट्र क्ष्मम्य मात्र काश्वर्याकात्म देशविकादमञ्ज्ञ भाद्र भाद्रेदम ।

বাউসির ডেপুট বাজিকেট ও ডেপুট কালে ইর বাবু হরিচরণ ঘোষ মুরসিদাবাদে বদলী হটয়া তথার মাজিকেটের ক্ষমতা পাইবেন।
- ডেপুটি মাজিটেট ও ডেপুটি কালেটর মৌ-লবী আলি হোসেন বাউসি উপবিভাগের ভার পাইরা ভাগলপুরে মাজিকেটের ক্ষমতা পাই-

ডেপুটি মাজিকেট ও ডেপুটি কালেটর মোলবী আবছল কবর (যিনি কিছু দিনের জন্য সিরা
জন্ম উপবিভাগের ভার প্রাপ্তরীয় মুক্তরে
তিনি) জন্ম উপবিভাগের ভার পাইরা মুক্তরে
মাজিটেটর ক্ষড়া পাইবেন

८वन ।

विष्यात्र सहिता अञ्चलिक शक्टिया, ७७ जाकात जात, कि, माथु वाश्वतभटका, श्री जिवित जानिका के नाम्बन स्ट्रिया।

या किन कर, एवंत्रिक जारनका गार्व विशेष ग्रेषा जास्य ज्ञित शक्तिया किन शि. क. इकि गार्व गारहर्गत श्रीप माजिएके व कार्लके इस्ट्रिन।

à है अध्यक्ष डाफ्ड डिविश्ड. मस्याचानित हिकिश्याकर्षहाती हहेरवन।

मामायत श्रथान विहातभिष्ठ श्रथान्य म तामर्थत व्यक्तिम स्वत्रामी विकारशत भि. फि.फिरक्स मार्थ्यक भावनिविश्यत (१त त्रिकिकोत नियुक्त भविद्यारहम्।

শাহাবাদের ডেপুটি মাজিটেট ও (কালেইর এল, ডি, আক্র সাহের চল বংলী হইয়া প্রথম গ্রেণির অধীন মাজিটে কমডা পাইবেন। ডিনি আরও সেসিয়টে প্রবিধার মকদমার প্রথম বিচার ক

ভে জে, লাইবস সাহেব ঢাকার সহ মাজিটেট ও কালেটর হইয়া তথার তেপীর অধীন মাজিটেট ও কেল্টে কালে ক্ষতা পাইবেন।

हिंद्रे वारमत शर्माकी प्रक्षा है नर भूतिय द्वर्शित के रिक्ट के मि, कि, के कि र माहतर्ग वस्ती हहेरको ।

ন ওয়াখালির সহকারী পুলিষ প্রপরিত বিএ, রাট্রে সাংহ্ব চট্টগ্রামের পর্কভীয় ব বংলী হইবেন।

यातु स्वत्रभीननः च द्रायः न श्राचानितः । द्वर्णतिक्तिरक्षेत्र स्ट्रियमः

ভাগলপুবের সংকারী পুলিষ সুপরিত বারু ঈশ্বরীপ্রসাদ নওয়াখালিতে বদলী বেন।

১০ ই এপ্রেল । ৬ ই মার্চ অব্ধি আর, সাংহ্য শিক্ষাবিভাগের চতুর্থ গ্রেণিডে । হইয়াছেন।

চম্পারণের ভেপুট মাজিটেট ও ব কালেটর মৌলবী মহম্মদ সাহরণে বদলী প্রথম ছোণির অধীন মাজিটেটের গ পাইবেনঃ

সাহরণের তেপুটে মাজিকেট ও ডেপ্টের টর মোলবী ওয়ালিয়ড ছোফেন ক বদলী হইয়া তথার মাজিকেটের গ্যাডা বেন।

১৮৬৭ অন্দের ৬ ই মার্চ নতগাঁর সংক্ষিসনর লেপ্টনন্ট টি, বি, মিচেলকে বিরু নিমিত্র মালিকেটের বে ক্ষমতা বে ক্ষমতা বিরু তাহা রহিত হইল। তিনি একণ প্রথমপ্রেণির অধীন মালিকেটের ক্ষমতা করিবেন।

18 हे अद्राम । या प्रिन हि, छेहेलभन : विभाग महेगा अञ्चलिखा शक्तियम, छ। अ, अह, हेतलबून मार्ट्य कांब्रीय श्रावित (छशूहि अहिरक्त अर्खन्डे हहेर्युन ! যত দিন এ, এচ, টরণবুল থাকেব সরকারী। গর্ষোপলকে স্থানাত্তর থাকিবেন, উত দিন সি ম, মেওহাম সাধেব কানপুরের প্রতিনিধি সং ছপুটি অহিফেন একেন্ট ইইবেন।

--- 3 • 2---

আমাদিগের ঢাকাস্দংবাদ দাত। পথিয়া**ছেন**।

্য কাশী পুরের দাঙ্গাঘটিত মকদ্যার

অভি হইয়ালিয়াছে। এক স্প্রাটেরও অধি চাল 🗗 মকক্ষার বিচার হয়। জুরিগণ জাগ থ বাবুর ১০০০ দশ হাজনার টাকা জ্রিমানা াং অন্য আসামীদিশের পাঁচ পাঁচ বংসর রাবাদের আদেশ করিয়াছেন। জগলাথ বাবু সলচকু ও বাভবরাধিএস্ত বলিয়াকারাগার ন করিলেন নাঃ নচেৎ ভাছাকেও কারাবা-ক্ষেত্র কেশপরক্ষর। সহ্য করিতে হইও। ২। ২২ এ চৈত্র শুক্রবার ঢাকা বিভান ।রিণীন^{কে ক}াংসরিক অধিবেশন কাই; শেষারে . ⊶পাদিত হইয়া গিয়াছে ৷ অংশ স্প্রন্^{তিকাৰ} সময় স্ভাকার্ভ হয়।) সীইনস্পেটর বাবুজনমুকুমার গেনসভা **इत कामन बहन करत्न। अहे छेलन(क द!न**क কয়েকটী রচনা পাঠ করে। বালকদিগের নিভাকা মধুৰ, হুভরাং রচনাগুলি খ্রোড় র নিরভিশয় জীতিকর হইয়াছিল। তৎ ।কভিপয়সভাদতায়মান হইয়া ব্রুডা ন। চাকা কালেজের অন্তের সংক্ষে ক জীবুক বাবু প্রসাচন্দ্রকবন্তী এবং ান•মাল আঙুলের প্রধান লিকক জোএরাটুন **ং**বের বজ**ৃতা নর্কো**∢কৃষ্ট হইয়াছিল⊹ বোৰু আমাজি কালি আমার অমপারিচিত বক্তা।

াছেন।

াগত শনিবার আমাদের ঢাকান্থ প্রসিদ্ধ

গণি মিঞা সাহেব ব্যবস্থাপক সমাজ হইতে

নগরে প্রভাগত হইয়াছিলেন। ভাঁহার

নান উপলক্ষে নানা প্রকার বাদ্য ও বস্থাকের

শনিবার প্রাভঃকাল বিলক্ষণ শন্ধায়মান

হিল : অনেক দর্শক্ত উপস্থিত হইয়াছি

। আন্মশঃ ভাহরে বস্তাশক্তির রুদ্ধি

হছে। এই সভায় ডিনি এক ঘটা কাল

ল এরপ বস্তাকরিয়াছিলেন যে সভা

र किमार्ट्स डाँशिक भाष्रवाप श्रमान

। গত কলা এখানে প্রায় সমস্ত দিন বৃষ্টি। ছ। এই বৃষ্টি অক্তা ওলাউঠা-নিবার। মেষি উষ্থ হইল। আমাদিদের গোরালিরারস্থ সংবাদ দাতা লিখিয়াছেনঃ—

গত পত্রে নাধুরামনামে যে উপনেব ভার কথা ও এখানকার জীলোকদিগের আমীর সহ বাসের পূর্ম ভাহার সহিত আলিমনের যে কুংসিভ প্রথার কথা লিখিরাছিলাম, সেটা সাধা রণ ব্যবহার নহে। সরাওগী নামে এখানে যে ব্রিকস্প্রদায় আছে, ভাহাদের মধ্যেই এই ঘুণাকর প্রথাটী প্রচলিত আছে।

শুনিয়াছি. পঞ্চাব অঞ্লের কোন কোন প্রদে महिक्षीरमारकता कान मरतावरत्व। नमेर् লান করিবার সময় উপরে বক্সাদি পরিভ্যাগ পূর্মক সম্পূর্ণ উলঙ্গ হইয়া অকুঠিভটিতে অব গাहनामि करत्। এখানেও ननीयर्था हेखत् अख्य मारमञ्जूषीत्नाकमिनातक छेलकुरम रख शति खात्रशूर्तक अवशास्त्रामि कहिएक (मधा शाहा: শুনিলাম এখানে কোন দ্রীলোক ব্যক্তি চারিণী হইলে বা অংমী পরিভাগে অন্য পুরুষের আগ্রেম্মারণ করিলে ভারার সামী রাজধারে তঃহার নামে অভিযোগ করিয় তাহাকে কারারেজ করায়, যে কোন ব্যক্তি ভাহার বামীকে ভাহার বিবাহের ও জ্ঞীর ক্তরণ পোষণের নিমিত্ত যে বায় হইয়াছে ভাহা দিতে পারে সেই ব্যক্তিই ঐ জ্রীকে কারামুক্ত করিয়া গ্রহণ করিছে পারে।

অনেকের মুখে শুনিতে পাই, অহতা জীলো কদিগের মধ্যে সভীত্বের ভাতৃৰ গৌরব নাই। জ্রীলোকের অনুচিত সাধীনতা হউক বা অত্রভালোকের অভ্যয়ে ও অসভাত। ইউক এই জ্বন ভাবের দারণ। অক্রভ্য কোন কোন পাহাড়ে লৌহের, চুৰকপ্রস্তরের ও আক্রীয় लवरनत थनि व्यारह। ইहात हातिरकांग मृत्त লোহ উভোলিত হইতেছে। গোবালিয়ারের নিকটস্থ সিপ্সিনগরে যে লৌহের কারখানা बाह्य जारा वाथ कति शाठकवर्णतं चारनत्क অৰগত আছেন। পৰ্মত প্ৰদেশে অনেক প্ৰকার आफर्यः आकडीय भनाशं मृक्टिताहत स्या। সম্প্রতি অব্রত্য দুর্গে এক প্রকার প্রস্তুর পাওয়া গিয়াছে। ভাষাতে রুক্ষ লভাদির ন্যায় নানাপ্রকার চিত্র বিচিত্র রেখা আছে। পরীকা षात्रा पृष्टे रहेल, हेहा कान मञ्चरवात बाता চিত্রিত হুরুনাই.। এসকল চিত্র সভাবসিদ। कर्नम (छाने नारहर अहे धरादत करत्रकथर বোৰে মিউজিয়মে (চিক্রশালিকার) পাঠাই তেছেন।

क्षारम हिम हिम औरबाह श्राह्मां व क्रिक

स्टेरफरम, किन्न उक्षतः त्यान श्रकातः व्यक्ति इत्र माहै। यतः श्रीतिक शाहै नीक कात्मत व्यक्ति अधारम वीच त्यात्मत श्रीमिक्य इत्र। निक्कित्यः य श्रीमात श्राह्मीय हिल, अथन छाहात स्टेग्नारह।

र । मनामनि ७ व्यानक छात । न मिर्गित अक्षी श्रथान (द्वामा । अ म मन् क वामानित मरथा। यम, उपानि मन हेशानित मरथा। वित्राक्षिण त्रिष्ठाः हुः भागेना कि अनाश्वाम कि व्याक्षा मर्माख्ये मन (मथा। (गन । हेशामित भागा मर्गित्रते हिश्मा (व्य श्रव्यक्ति नायमा कार्यते वि श्रक्षात (मथा। यात्रा। अथाया अव्यक्तिते व्यक्षात (मथा) यात्रा। अथाया अव्यक्तिते व्यक्षात (मथा) यात्रा। अथाया अव्यक्तित हुः मर्था मनामनित स्रम्म भागि व्यक्ति, किन्न हे मर्था मनामनित स्रम भागि व्यक्ति, किन्न हे मर्था मनामनित स्रम भागि व्यक्ति। हैश् मणाप्र वाक् विज्ञा । हेशांक व्यक्ति भ्रथम कतित्राह्मा। हेशांक हेश्ताक मधनीरण छ तर्था (य हाम्यान्यत हेर्ड हेर्दि, छाहा। (कत्र विद्वामा नाहे।

সংপ্রতি এখানে চৌর্য্যে বছ প্রয় रहेग्राइका कशकनिम हरेन थानात विक ছাগের এক ব্যক্তির কা**টিতে** রাজি কা **এট প্রহার সময় একটা চোর প্রবেশ ক** ছিল। দেই সময়ে গৃহসামীর জ্ঞাজাগ ছিল, সে কৌশলক্রমে ভাহার স্বামীকে জ हेट्टा मर्डक् क्रिल, खर्चन क्रे ब्रह्कि ह ভাবে চোরের পশ্চাদিকে যাইয়া বলপু ভাষাকে ধরিল এরং টীংকার করাতে পু কর্মচারী ও অন্যান্য অনেক লোক উপ্র চাপরাসওয়ালা ভায়ারা সর্গ করিয়া চোরকে ধরিয়া লইয়া চেলেন। प এक निम अक अध्यक्त वाष्ट्री क्ट्रेंट उत्तर का ख्दाकि क्रम्बद्दन कविया लहेशा शियादक। दे ব,তীত দিনকছেক চোরের এরপ প্রাছ্ **१हेएक कात्रक इहेत्र'एक व्य, त्राद्धिएक श्रह**र নিদ্রা হয় না ৷ এখান কার চোর আমাদের দে ভাকাইতের নাগ্য তরবারাদি ব্যবহার ক প্রতাৎ ইহারা সামানঃ চোরের অংশকা ভ नक ।

সংপ্রতি এক দরজী এক জন পুলিয় কর্মচার কর্ম করিয়া দিতে কিছু বিলয় করিয়াছিল বলি কর্মচারী বমদভের নাায় লগুড় হারা ভাষা এমন প্রহার করিয়াছিল যে ভাষার মন্তক ফাটি রক্তপ্রবাহ প্রবাহিত হয়। সে প্রসময় বেমন স্ক্রেমা মালিক্টেটের নিকট খাইবে, অমনি এ৪ ব বের মহাস্থারা জাহাকে ধরিয়া রাখিলেন।
কক সেই জকক। শুনিতে পাই এখানে
হইতে চোর জাসিতৈ হয় না। পুলিবই
বিভান।

। কয়েক দিন হইল অত্ততা ইউগোপীর
ক পুরুষেরা মহারাজের কুলবাগে মহাসমা
কিনক (বন্দোজন) করিয়াছেন।
কনিক ক্রিকেইবেলা নাচপ্রভৃতি
সাহেবেরা বড় মলায় থাকেন। দিলীগৈজে
নানা স্থানের সংবাদদাভারা ঐ সকল
বিবর কথা লিখিরা কাগজে পুরণ কগেন।

আমাদিকের বীরভূমের সংবাদ-।লিখিয়াছেনঃ—

--:0:--

। একলে করেকটা শুগাল কেপিয়াছে। আমবাদীয়া নিভান্ত শক্ষিত হইয়াছেন।
বিদ্যালিদংশন অভি ভয়ন্তর।
এক বার একটা কিন্তা শুগাল ৭ ৮ জনকে
ব করিয়াছিল। দষ্ট কাজিদের মধ্যে সক একে একে গভান্ত হইয়াছিল। সে দিন
কার রাজসংসারের একজন দেওয়ান
হ বারুরামলাল সরকার মহাশ্রের কনিও
শ্রালক ভূঁক দষ্ট ইইয়াছেন। যথাকালে
ব্রোগবিষ্যে জাটি ইইডেছে না। ভিনে
ব আরোগালাভ করেন ইম্বারের নিকট
ব্রাগালাভ করেন ইম্বারের নিকট

কভিপয় দিবস অভীত হইল, এখানকার ছীর দেবলের হইতে অনুন ভিন সহত্র লে,র আস.সোটা তৈতসক্রভাত অপ য়ো গিয়াছে। চারি নিকে প্রহয়ী থাকিতে বে এট চুরি হইয়া পেল, বুঝিতে পারা । ইনস্পেটর ও সাইন্সেটর আদিয়া ব ধামের সহিত অনুস্থান আরম্ভ করি নে, কিন্ত কোন কাল করিয়া ঘাইতে নাই।

ভাল দিন চইল এখানকার জনভিদ্র রে এক ভালাক ভালাইটি হইয়া ই। ভালার জন্মলানে পুলিষ বড় বাহা ইয়া গিয়াছেন। শুনিলান, এক জন রে প্রহারে মৃতপ্রায় হইয়া ইল। লিখের আর কোন ওগ থাকুক জার না প্রহার বিদ্যাল বিশেষ নৈপুণা আছে। জীয়াক বাবু রমাপ্রদার সিংহ বি, এ, য়ের প্রহাত প্রয়ে রাইপুরে একটা শাখা । আফিস সংস্থাপিত ইইয়াছে। শাসাদিসের তমোলুকছ সংখাদ-দাতা লিখিরাছেনঃ—

১। এখানে ওলাউঠা রোগের বেরূপ দীয়া কালবাপী পরাক্ষণের উনর হইরাছিল, ভারার বুলি হইবার উপত্রেল হইয়াছে।

২। অত্তা বৃদ্ধবিদ্যালয়ের প্রধান পণ্ডিত স্থানাত্রিত ইওয়াতে উছার পদে হুগলী নন্মাল স্কুল হইতে এক শক্তি নিযুক্ত হইয়া আসিয়াছেন।

৩ : লাইসেল টাক স্থাপনের প্রথমবিস্থাতে
গ্রহদেশের আসেশর জীয়ুক্ত বাবু অর্নাপ্রসাদ
ঘোষ যেশকল অনুপণুক্ত দরিস্র যাজির উপর
করভার নিক্ষেপ করিয়া টাক্ত সংগ্রহ করিয়া
ছিলেন, ভাঁহারা সেই সময়ে ভাঁহার নিকট বিচা
রের প্রাথনায়, আবেদন করিয়াছিলেন। ভিনি
এত দীঘালাল পরে মেদনীপুর হইতে সেই
সকল আবেদনকারীকে শ্রমন্থারা আদেশ
করিয়াছেন যে, ভাঁহারা স্ব আবেদনের প্রমাণ
দিবার ক্রনা সাক্ষিস্থিত তথার উপস্থিত হইলে
বিচার হইবে।

ে। শুনিভেছি, এ প্রদেশের প্রবিক্ত ওয়ার্ক বিভাগের অনেক পরিবর্ক হইভেছে। এই ওমো কুকবিভাগের যুক্ত পাকার কায় ভোহা মেদিনী পুর বিভাগের অন্তর্ক ভ হইবে এবং মেদিনী পুরের যুক্ত মাটিব কার্য। ভাহা এই বিভাগে আসিবে। ২৪ গরগনার অন্তর্ক ভ মওল্যাট পরগ্রান্ত বোধ হয় ভ্যোজ্যাবিভাগের অন্তর্ক গভি হইবে। ইহারারা কার্যের অন্তর্কার

প্রেরিত।

মান্যবর প্রীযুক্ত সোমপ্রকাশসন্পাদক

महानम् नमीद्यवु ।

রেলওরৈ ক'পানির নিয়ম এই যে, রেলওয়ে
কর্মচারিগণ আরে। ইন্দিগের প্রতি সরল ভাষ
প্রকাশ করিবে এবং তাহাদের যাহাতে কণ্ঠ
না হয় তাহা করিবার চেপ্তা করিবে; কিন্তু কর্ম
চারিগণ উহার বিপরীত আচরণ করিয়া থাকে।
যদি তৃতীয় প্রেণীর আরোহীরা অমবশতঃ বা
অভাক্ত জনভাপ্রকুল ছিন্তীয় কিয়া প্রথম
প্রোণীর চিকিট দিবার মরের হ'রের নিক্ট
যায়, ভাহা হইলে চিকিট্ কলেইর এব্
প্রাটক্রমএসিপ্তাক তংকণাৎ ভাহাদিগকে

ড়াম্ রাখেল বুডি মেটিভ বলিয়া আ यां कि ग्रमां शर हता श्राम करत ধাকা খাইলা বছ কটে তৃতীর তেনীতি গঁম केटत अवर वाष्ट्रीत मरध्य ग्रम्स कतिया मा वितिर পারে, না माञाहरक भारत, ना आड़ी कहरा व्यरजीर्व इहेटक शास्त्र । द्वांत क्रिका खाशास्त्र श्राव नाय। भरत श्लावेक्य्र अभिनेति আনিয়া, ভাছাদের গোল না থামাইরা, না বস रेग्रा निम्रा, डाइनिगरक गरबोडिक इसीका परम ও বেত্রাঘাত করে। এই করিতে করিতে গায়ী ছাড়িয়া দেয়া, যেমন গোল এবং বেমন কট সেট जालहे थारक। यहि छरावेश्वरम् अस्तक व्यारतारी र उद्यादक काधिक शांल किया किन्तु रहा. अराहेश রম এসিষ্টাণ্ট আগিয়া গোল নিবারণ করা দুরে থাকুক, আরোধীদিগকে প্রহার করিতে আরত कटव । हेहाटड प्यानकै दर्शकः (गाहात्रा कथन :त्रम भाष्ट्रिक जारन करत मादे कि**दा हुई** अक বার করিরাচে) প্রহারের ভা<u>ষে গোল মালে,</u> धर कालमत्र जिर्फ हिकि প্রবাং গাড়ীতে আতোহন বিকর সময় কোন রেলওয়ে কর্মচারী (যাহার টিকিট দেখি थात क्या क'रह) हिकिट सिथिएड हाहिस्त ভাৰারা দেখাইভে না পারিয়া দেখানেও অর্জ

हमा शुत्रवस्थात आ अहम् । होता निम्ना कि कहें ! আমর: এক দিন জামালপুর ষ্টেসনে দেখি লাম, এক পীড়িত এবং ক্লিষ্ট ব্যক্তি ভূজীয় প্রেণীতে বসিয়াছেন। তাঁগার পরিধেয় কিছু মলিন ৷ পরিচরভারে জানিলাম, ভিনি এক জন বল দেশীয় কায়স্থ, জীর্ব বাজান্ত আসিয়াভি लन। এक सन दिल अरह भवर्गयाने श्रीत्र समा দার ভাঁহার নিকট আসিয়া হঠাৎ কহিল, ''ভোষার নিকট আফিও আছে: ভুমি আফিঙ লইয়া কোথায় যাইতেছ ? যদি খুব কম পরিমাণ থাকে আমি ডোমায় কিছু বলিব না। " ওখন (ग वाकि अगर्हे ताश क्षकान कति<u>या कि</u>ल्लन " आ में कथम अधिक दारे नारे, नामी काह ক্রাফিও নাই : যদি আমি খাইডাম আমার নিকট থাকিব'ৰ সম্ভাবন। থাকিত।ভূই আমায় আর বিরক্ত করিস্না আমি শীডিড ব্রক্তি, ভোর সহিত থাক,বার করিছে পারি না^ম। ছমানার কহিল " ডুমি ভাল মান্ত্র এবং আমিও ভাল মাকুষ ুবাদ কিছু থাকে আমায (तथाकः फुमिकानिरत, आत आपि कानिवः। कामि (कामाञ्च बाहाबुजा निवः किन्त भारश्व श्वितिम (कामात दक्ष मुक्तिन क्रेरव। अ कथन अ वाक्षि कहिरलन, रहात्र मारहवरक बलिया पिर्गः -মার কিছুমাত্র ভর নাই। এমালার এই : ধা শুনিয়া ভাষার কাপড় ঝাড়া দিবার উপ ম করিতে লাগিল। আমাদের আর অন্যায় । হইল না। আমরা কহিলাম, ভোর সাচেষ্কে কিয়া আন, সে কাসিয়া দেখুক, উনি লালিও র কি ভাল লোক। জনঃদার আমাদেব কথা নিয়া আনড়ো সড়ো হইয়া সেইখানে এই চাপরাসি রাখিয়। সাকেবের কাড়ে ব।পরে সাঙ্কে অংসিয়া আনাদিওকে थितामाञ्च क्रमानांत्रक उपनमा कतिया कहि ন, উনিনিজেনিৰ বংকিন। আমরা বলিলান, া নিৰ্দেষ যথাৰ্গঃ কিন্তু আপনাৰে নিজে গিয়া ার কাপড় উত্তম করিয়া দেখিতে হটতে। কি নি আমাদের গনবের পর ঐছই জমানার উহার কাপড়ে আফিঙ দেয় এবং চোর नमा পुनिरय (मम्र, जाशा (६३८न कि इडेरव ? কথা পুনঃ পুনঃ বলাতে সহেব ভাঁহার কাপড়

ভিয়া ভাষাৰে টিৰ্ফোৰ বলিয়া কীকাব

ম, ঐ ছেই জনাদার ভাহাকে অনোয়াকে

भन कष्टे 14 उ। এই সফল ছक् दुर्खन कड बिटन

দন হইবে? রেলওয়ে কর্তৃপক্ষ মনোযোগ

রলে অনেক ছষ্ট লোকের শাসন করিছে

<য়. আমরা হদিনা থাকি

রেন। কের ই এপ্রেল

.....

লে 🔰 🛎 কালী প্ৰসন্ন বন্দে পোধ্যায়

---°c°---

লৈ একটি ক্ষুদ্র রাজ্যবিশেষ। যে ক্লণ রাজ্যর রৈ রাজ্যের মক্লামক্ষল নির্ভর করে সেইক্লণ ক্ষের উপরেই স্কলের শুভাশুভ নির্ভর রয়া থাকে। পুঞ্বীর প্রধান প্রধান পতিও গর জন্ম ভূমি, বিজ্ঞান শাস্ত্রের উৎপত্তিস্থান ং এক কালে সকল রাজ্যের প্রেণ্ড রাজ্য রতব্ধ, প্রীস, রোমপ্রভৃতির রাজ্যার গুণেই ভি ত প্রাল্ভার দোখেই জ্বয়ংপত্তন হয়। ক্লপ ক্ষুলেন্ত জীর্ছি বা জীগীনতা প্রধান ক্লের জ্বীন। জ্বভন্ন ঘাহার। স্ক্রিক্লারে যুক্তা, ভাহাদেরই হস্তে বিদ্যালয়সকলের যুক্তার করা উচিত। উহ্য না করিলে যে ত অপকার ঘটে, ভাহা এই মহানগ্রের একটি নি ক্লের অবস্থারারা প্রভীয়মান হই-ছো ঐ বিদ্যালয়টির এবরে অভ্যান্ত হর্মালা

ক্ষিত। উহার সৌজাগ্যপ্রথ্য বোধ হয় এবার :

मर में उपलाहिना यस की १हेन । इः रचत विवन्न

বে উহা দীঘনাল সৌভাগ্য ভোগ করিছে

রিশ না। উক্ত বিদ্যালয়ের আপুনিক প্রধান 🎚

শিক্ষ মহাশয় বিশ্বদালয়ের উক্ত উপাধি
প্রাপ্ত হইয়াছেন সত্য বটে, কিন্ত উহা কোন
কার্যকর নহে, কারণ তিনি ছাত্রগণকে শিক্ষা
প্রদান করিতে সমাক্ প্রকারে সক্ষম নহেন।
অধিক কি তিনি স্থীয় মনোগত ভাব বিশুদ্ধ
ইংরাজী ভাষায় ব্যক্ত করিতে পারেন না।
স্কুলশাসনবিষয়েও যে ইনি নিলক্ষণ অপটুতা
প্রকাশ করিয়াছেন, ত'হা ছই একটি সৃষ্ঠান্ত
দিলেই বিশেষ রূপে অবগত হইতে পারিবেন।

সপ্রাত একটি ছাত্র, উজ্জ শিক্ষকমহাশয়ের সহিত বাগ বিভঙা করিতে করিতে ভাঁহার প্রতি « ডামি, " ' রাশকেল" প্রভৃতি কটুক্তি প্রয়োগ श्रुतीक मत्कार्य ও निर्कित्य हिन्सा श्रम, भिक्क गरानम् ठकु व्हित कविद्या मखास्रम'न तहिरलन। ইহার কারণ কি ় ভিনি রাজনশাসনের প্রধান নিয়ম ছুটের দমন ও শিষ্টের পালন অবলয়ন পূর্নাক কাজ করিতে পারেন না। ফুডরাং এরপে যে ঘটিবে ভাহা বড় আন্চরের বিষয় नरह। मण्यापक মচাশ্য शदर्शक कि ইছার প্রতি এক ব'রও দৃক্টিকেপ করিবেন ना, उँ,श्रामित्रात কাণের ずだる ঘটতে লাগিল, অংখচ ইছার প্রতিবিধানের .क:न छ्टोहे रहेल ना, मूर्त हहेरल ख खात কথাই নাই। উঁহোরাত কর আংগাড়ের সময় ! সবিশেষ ধরবান হন, তবে দেশেরভির প্রধান উপায় विकाशिकात विषय अन्तर अनानी ना लम्भन करदन क्वन ? (म साहा इंडेक, विम्राल য়ের এরপ ছরবস্থা আরে কিছুকাল থাকিলে আমাদিগের বালকদিগকে স্থানাস্ত,রও করিতে : हेर्द्व मरम्म् इन हे ।

কলিব।তা) আপনকার নিভান্ত ভ সুগত ক্তিপয় ভ ই বৈদাৰ সভ্যানেক

मूना व्याखि।

বেড়বল্লভ পুর ব্রীযুক্ত বাবু সরূপচন্দ্র পাত্র ১২৭৫ বৈশাখ হইডে চৈত্ৰ 7.0 দিনাজপুর " ৶সরকুমাব মুখোপাধাায় ১२१६ देवनाच स्ट्रेट देवज ১৩ " " যতুনাথ রায় রামপুর হাট १२१८ टेड्य इंहेट्ड १६ फास " " দ্বামাচরণ দাস চাইবাসা ১২৭৫ বৈশাৰ হইতে আহিন্. শ ৯ ভরতচন্দ্র (যাধাল ক্তেপুর ১२१६ देवनाथ बहेटफ देइज ३७ 🏲 » চন্দ্রকুমার মিক্র কুকগঞ

८ ८ श्रमक्रमात मिज्ञ
 ५ १ ६ देवमाच इहेट्ड व्यक्तिय
 ८ ८ श्रममनाथ माहा
 ८ ८ श्रममनाथ माहा

সোমপ্রকাশসংক্রান্ত করেকটা বিশেষ নিয়ম।

অবিষ মূল্য ও ডাক্ষাসূল না পাইকু বলে সোমপ্রকাশ প্রেরণ করা যায়

ইংার অগ্রিম মূল্য বার্ষিক ১০ টাকা বাণ্যালিক ৫॥০ টাকা । মফললে ভাক্য সমেত বার্ষিক ১৩, বাণ্যালিক ৭ এবং ট লিক ৩০০। তিন মাসের ম্যুনে অগ্রিম গ্রহণ করা যায় না। ছন্তি, বরাতি চিঠি, অভার, নোট ও স্থান্স টিকিট, ইহার আ বাহাতে বাঁহার স্থাবিধা হয়, তিনি সেই বিধা মূল্য প্রেরণ করিবেন।

যাঁহার। স্থাম্পটিকিট পাঠাইবেন, ও যেন এক অথবা আধ আনার অধিক মু ও রসীদের টিকিট প্রেরণ না করেন।

যখন যিনি মফখল হইতে সোমপ্রব মূল্য পাঠাইবেন, ভাহা যেন রেজিষ্টরি ব শ্রীযুক্ত ঘারকানাথ বিদ্যাভূষণের নামে গ ইয়া দেন।

के शिक्तित मून्य निवास ममस्र क्रिकोड क्रामित्व, अक मामभूत्य है है हिन्दिश्य निविद्या खामान शहेत्व, कान क्रिकेड जिल्ला अमान शहेत्व, कान क्रिकेड जिल्ला अक वास किंकि लिक्षा स्टेट्स, खारा अक्सामकान क्रिकेश क्रिका कामस्र वस गहेर्द । त्यस वारसस्र शक्क विद्यासित श्र

মাতলা রেলওয়ের সোণাপুর ষ্টেসনের ঘরে চিঠি আইলে আমরা শীল্প পাইবঃ

ধাহারা মাজুল না দিরা পত্রাদি প্রেরণ বেন, তাহাদিগের সেই প্রাদি এহণ টিবে না।

কৈই সোমপ্রকাশে বিজ্ঞাপন দিতে
করিলে তাঁহাকে প্রথম তিন বার প্রতিপংতি
আনা তাহার পর /১০ আনা দিতে হই
বিনি অবিক কাল বিজ্ঞাপন দিবার ইক্ষা
বেন, তাহার সঞ্জি বতন্ত্র বন্দোবস্ত হইতে

ক্রেএই পত্র কলিকান্ডার দক্ষিণ মাতলা রেলওরের সোণাপুর স্টেসনের দ চাল্ডিশোভার জীগুক্ত বারকানাথ বি ভূমণের বাটীতে প্রতি সোমবার প্রাক্তার প্রকাশিত হয়।

(माश्का

२८ प्रश्री।

प्रवक्तनां प्रक्रितिक्ताय पार्थिवः सरस्ति श्रितमक्ती न कीयतां।

ক মূল্য ১ টাকা, অবিষ বাৰ্ষিক ১০ া অনুবিদ ধাৰ্যাসিক ৫॥ টাকা।

मन ५२१६ । ५७६ रिक्नांच । ५४७४ । २१ व वर्यन

মক**বলে মাজুলসমেত** জাল্লম ব'ি जाका बाब्राजिक १. ७ देखमाजिक

বিজ্ঞাপন৷

াবজন্মতন্ত্র ও ধাত্রীবিদ্যা। ১ ম থও মূল্য ২ ছই টাকা।

ই পুস্তকথানি বছু বছও পরিজ্ঞামে প্রবয়ন গিয়াছে। আধুনিক বহুদ্শী ও প্রবিজ্ঞ ভাদের নবাবিচ্ছ ত মত ও চিকিৎসা প্রণা-

ু ইহাতে বৰ্ণিত আছে। এই খণ্ডে নীচের

ক বিষয় লিখিত হইয়াছে ৰখা। । বস্তিকোটরীয় অস্থি ও সন্ধির বিবরণ। বকুত বস্তিকোটরের বিবরণ। ৩। বাহ্য ও । 🐯 त्रिक क्रमस्मिटिक रहात्र विवत्न । ४ । ३ । ३ 🕸 🧝 । ঋতুসৰকীর পীড়াও ভাহার চিকিৎসা। छेबनि**र्यक । १ । अ**त्रात्रुष्ठ श**र्क्रधा**त्र गा ৮। র লক্ষণ ও স্থায়িত্ব। ৯। বন্ধ্যাত্ম ও ভারার ংস'।১°। কুত্রিম গর্ড। ১১। গর্ডসভে ১२। प्राक्षांभिक शक्छ। ১७) क्रिकावक বিবরণ ও মৃত্যুলক্ষণ।১৪-। গর্ভপাত কোলপ্ৰসৰ, এবং তৎসম্বন্ধীয় চিকিৎসা। স্তকের আরছে বিরুত স্কটীপত্র ও অস্তে

জনীয় ইংরাজীও কুটার্ধ বা আচলিত শক্ , এবং স্থানে স্থানে খোদিত আফুতি । গিয়াছে। এই পুস্তক, কলিকাতা गविकातिक यस्त्रः, वा कारमञ्जूषित ৮८ वरन अध्यक्क वांबु छङ्ग्डबर्ग महलानविरुगत , অথবা মালদহে আমার নিকট পাওয়া । বহি ডাকে পাঠাইতে হইলে ক্রেডাকে देखा माञ्जाः चाना मिट्ड स्ट्रिकः।

চক্ত) শ্রীক্ষদাচরণ কাস্তগিরি সিবিল মেডিকেল আফিনার

नुरावधकान ।

নকাতা মৃত্যাপুর আমহাউদের দক্ষিণ

কাব্যপ্রকাশ যন্ত্রে পুরাণপ্রকাশনামক সাম দ্বিক পত্র প্রতিমাসে এক বা ছই থও করিয়া श्रकान इहेटड आद्रष्ठ इहेश्लाइ । श्रद्धिक श्रद्धिक পরিমাণ ৮০ জনীতি পুধা। ইহাতে ক্রমণঃ অই: দশ পুরাণ ও উপপুরাণ বাঙ্গালা অনুবলিসমেত श्रक्तिक कवितात कल्लना आहा । श्रथमणः निकः -পুরাণ অসুবাদ ও জীগরগোঝামিকুড চীকা সমেত মুদ্রিত হইতেছেঃ আগামী ১ লা বৈশাশ বিতরণ कार्क इद्देश विभि देशत आहम देशक अञ्च नावी इन, छिनि कनिकाछ। मश्कुछ विभागरम আমার নিকট পরে ডাকমাশুল ও প্রতিখণ্ডেব মূল্য অভিয়ে॥ • জোট আনা করিয়া পাঠ;ইবেন। याँ हाता नियमिष्ठ बाहक (आ नी कुछ नट्टन, नाहा (मह निक्रे श्राप्त)क थल नगर अक्रेका मृत्ना विद्धाप्त कता गाईरव।

८६ हे रेहज

🕽 🕮 জগমোহন শর্মা।

সংস্কৃত মেদিনীকোষ ছক্সছ শদের চীকা-দমেত উত্তম নাগরাক্ষরে যমপুর্বাক মুদ্রিত হই ভেছে। যিনি গ্রাহক হইতে ইক্ষা করেন, তিনি हाका कारमरङ्ग्र मरस् ७ व्यथानक खीवुक रात् লোমনাথ মুখোপাধ্যার মহাশ্রের নিকট অথবা कनिकाडी मरस्रुष्ठ विष्ठांनस्य वा कावःश्वकः भ যন্তে আমার নিকট পত্র পাঠাইবেন।

३६ हे रेव्ज ५२५८ मरश्कुष विन्धानम् । } **बिजग**द्याह्म नक्षी

रेक्टेकिश (त्रमक्रता

चारवाहीय भाषी हानवात नगरवत

পরিবর্তন ।

সর্ব্য সাধারণকে জানান বাইভেট্টেবে, গে

আরে:হীব গাড়ী প্রতংহ কলিকান। হইট রাত্র ৪ খন্টা ও মিনিটে এবং হাবড়া হটটো রাহ্ন ৪ ঘটা ১৮ মিনিটে ছাভেয়া প পর্যাইড, ভাহা আসান ল ন वक्त इटेरव ।

এ গাড়ীর পরিবর্জে ২০০ এক গাড়ী কলিকাডা হইডে পুর্কাফ ৫ ঘণ্টা ২৮ বি এবং হারড়া হইতে ৫ ঘণ্টা ৪১ মিনিটে ছ इनि विषय याहेर्य । अहे नाष्ट्री अ ষ্টেসনে পামিবে।

যে আবোহীর গাড়ী পাড় য়া হইতে গ ७ घड़े। २० मिनिट्डे क्वांक्या कनियं আইনে, ভাহা বন্ধ হইবে এবং ভাহার পরি পূৰ্মাক ৭ ঘটা ১৩ মিনিটে জ্পলি হইয়ে शाकी क्रांकित्य अवर अक्रमकात नाम ? ষ্টেদনে থা**নিবে** ৷

ইট্ইভিয়া রেলওয়ে হাউদ) দিদিল ডেল হাউনী কোয়ার সন (1 45 46 BBJB B 55

অব এং

--- 2 • 5----रेकेहे खिक्षा (तल अरम् । বিজ্ঞাপন।

বিজ্ঞাপুর ষ্টেশম খুলিবার বিষয়। অংগামী ১ লানে অবৃদি আরোহী ল নিমিত বিজ্ঞাপুরে এক সূত্র ষ্টেশ্ন খুলি ঐ স্থান হারভার ১৭৭ মাইল দূর এবং পারে ও বাহাওয়ার মধ্বিত।

इंडेइल्झा (बल बरब (होन) निनिक्तिरमनव ভ্যালভোগী স্বোগার এ:জুল বোড कलिकाछा २२ अ

*अ*रथन ३४१*५*

অভিধান ৷

मद्भाग धि শব্দাৰ্শপ্ৰকাশিকা

े प्रकारित हो। भाषा । भाषा । भाषा । भाषा । भाषा । भाषा ।

্নি থিত সংস্কৃত পুসংক্ৰম কেইনাগৰা লি সহাভিছাৰ ্ত ত ত ক্ৰানিত হইলে। ম'স ইয়মনে, । ৰোচিছ ভাছাস কুৰু ক্ৰীলৈ মাছ বুলো লোপু হইবেল। 'ছুমাং না'ৰ ব্যা লাখ্যকৈ কুমাৰসমূৰ ন বৰ প্ৰসম্পূন ন' ভাগৰ (১ বুলাবাদ্যকৈ কুমাৰসমূৰ ন বৰ প্ৰসম্পূন ন' ভাগৰ (১

ব বাং বিশ্ব : জুন য়ে বস্পূমিল মাজে। সং 'ব চ। • আন্ট ল'ল ।

লক বোশ বিদ্যাল বিধ্যাল বিষ্টাল বিধ্যাল নাম জলা স্পুণ কা ভাবনা

ত বৈশাখ । বিশা কুবনচন্দ্ৰ বিদাক।

िकाउट। भाष्यु ७ लाइट वर्षी व क'लाइट १८ मान्याक करान उ. क बद्धाध्यम्म १८२म लक्षकामस्य केल्युक वार्च (वर्ष्ट्य

दाम् राज्यान " क्षेत्ररान्"

५ ६१७७८५ ।

ूर्ण क्षितः स्टामारम **र**क्ष

- (,;---

্ প্রাশ্যস্থাস্থা কেন ও ক্রেন কড কার দেবনাগর অক্ষর বিক্রাপ সাচিছ পেশ্র চন হয়, তিনি ক্রিকাড়া সংস্কৃত শ্রেম্বিক ছান্ত্রশ্য ব্দিন্ত্র-ব্র শ্রেম্বিক ক্রিলে বিশেষ সূত্তি শ্রেম্বন

ব না, স পানর কোণ বি মটেছ । মেজিলা ক ববাব স্থাচিকণ টাইল,। কান্দি, মর মহন্ধি স্থিত ৪ নণ আফিলে ।

हें। विश्वना क्षिएक भारता राष्ट्र अवर यान कार्केन १८६१ छन क्षेत्र क्षायर म ब्रह्म ३५ ज १५ हें। १८नन।

নলন্ময় জীলাটক যাতা স্থানকোপ সম্ভে শশ্বিছ বিক্য়াৰ প্ৰস্তুত , সূল্য ১ টাকার কলিকাত। শোড়াল কো ৬৪ নং টি, মধান্তকুত বায়

্রিক্র হই হৈছে ---

কনিত মূল'

কীসইডিহান ১টাকা

বোসহাত্যাস

দুসং নাম ব্যাববৰ ।

না ভগাব (১ ম ভাগা)

গৈতিনাৰে (২ ম ভাগা)

গোতিনাৰে (২ ম ভাগা)

গোতিনাৰ (২ ম ভাগা)

यमितात समी ।

সন ১৮ ৮৮ ন'লেব ওপেল মাসে ৮ ই এইছে ১৪ ই পথ্য ভাগীবধীনদীস দক্তিন তি অংলন সাপাহিক না শই।

স্ত নেব নাম ্যু ট ক কি থহান' ও টপর পলাননীতে ১০ ছ মহ'নায় ১১ ছ জপা ফটালে জ জপুব (: ।।। মাইন সারে: ১ --- ৬ ম জপুব ফটালে বহুবাপুর (১৬ মাইল) মরে: ১ --- ৬ বহুবাপুর হুটালে কার্ম্যা (বং মাইনা ; মরে: ১ --- ৩

ুকাটয়। **১ই**ছে নকীয়া প্ৰ্যুক্ত (০৩ মাইলেব মধে। ু

দন ১৮৬৮ ১৭ ই এপ্রেল ভাবিখে বছবমপুর গঞ্জঘাটের জালেন মাপ "ফিট ইঞ্চি

বংবহপুর ১৭ ই এপেল } ই:হু নয়-বহন ১৮৬৮। মপুর ডিবিখন

সোন প্রক্রিশ।
১৬ ই বৈশাখনে মবংব।
বিচারপতি কির'ব ও এতকেশীর
জীলোগকণ।
এতকেশীয় জীলোকদিগের উন্নতি

বিষয়ক প্রস্তাব লইয়া বিচারপ 🕫 ফিয়াং সহিত কোন কোন বাজির মতভেদ হ য়াছে, তদ্বিয়ে আমাদিণের মত কি ত জানিবার নিমিত অ:নকে ইক্ষাপ্রকা क्तिशार्धन। के विवर्ध कान कथा বলাই আমাদিলের অভিপ্রেত ছি অনেকের অসুবোধ বশতঃ উহাতে হ কেপ করিতে হইতেছে। হিল্পুপেটির विচারণতি ফিলানকে যে প্রকাব ভৎস করা হয়, তিনি বস্তুত ভাষার প নহেন। আম্বর ডক্ত প্রস্তুবি পাঠ ব বাৰ সময় ধাহার পৰ নাই জুঃখিত : রাছি। বিচা-পাতি ফিয়ারের এবাং ज्ञ रहेशां इ एथार्थ **४८**३ : विकृत थ्यामि मार्ट र इं इह्ट गार्ट ; **अ**ङ ভাঁহারে গ নাগালী দেওয়া নিত অকর্ত্তব্য। ইডব্রোপীবদিরের মধ্যে বি রপতি ফিয়ারের সদৃশ আমাদিগের অচিবিরল। ঐ অংশে লঙ্সাং ব,তীত আৰু কাং।কেও ভাঁহার স্থি সমান আসন প্রদান করা যাইতে প मा। जिनियथन योहा वटलन, आभानिट হিত্যাধনর তারার গ্রান ওদের অভএব দোন স্পো ভাষার আম হই হুঃপি হ'চেক্তে আমাদের বথো স্থানপ্রদর্শনপুর্বক সেইভাম প্রদ করার কর্ত্র: কিন্তু কোন মতে এ কার অক্রিন বন্ধুব প্রতি আফোশ মুণা প্রকাশ করা বিধেন নচে।

প্রকার আনাদিগকে অবশ্ তল্ল শীকার করিতে হইবে, বিচারপ বহরমপুর কি ইঞ্জি কিয়ার এদেশীয় জীলোকদিগের যত কি ইঞ্জি ক্রার এদেশীয় জীলোকদিগের যত ক্লি ক্রার অসমান করিয়াছেন, বস্তুতঃ আ নহে। প্রায়তিন বংশর হইল প্রেসিডে কালেজের একটা অকালপক ছাত্র ই কালেজের একটা অকালপক ছাত্র ই ক্ষাহলে সম্রেম লইবার মান্সে স্থেদেশ দিগের স্কল্পে পৃথিবীর যাবতীয় গে বিশ্বেপ করিয়াছিলেন। অনেক রুগে উন্নতি স্কার্ও ঐবালকের ন্যায় স্বাছে। ইহঁ

. The same of the শূপুনিক সদেশহিতৈষিতাপ্রদর্শনার্ধ ারাপীয় ভদ্র লোকদিগের নিকটে স্বদে नंत च्यानिविध निमावान कतिहा नीर्घ নিমাদ ভগাপ করেন। ইহঁগি। বলেন, वागिरिशत ऊर्दिलाटकता ্স; তাঁহাদিগকে গো মহিবের নাায় াটিতে হয় । এতদেশীয় স্বামিগণ ীলোকদিগতেক সমকক জ্ঞান ন। করিয়া ক্বল নিক্নষ্ট প্রনৃতি চরিতার্থ করিবার পায়মাত্র জ্ঞান করেন। আমাদিগের স্তঃপুর বেডেন-বেডেনের ভূমধ্য**ন্থ** কারা রে অপেকাও ভয়ানক ভানও সকল াপের আকর। "বিচারপতি ফিয়ার বিড়াতে যে ৰক্তা করেন, ভাহাতে াহারও যে কডক ঐ প্রকার সংকার াছে, তাহা স্পাউ প্ৰকাশিত ছইয়াছে। দিও আমাদিপের দেশে ক্রীশিক্ষার াহুর্ভাব হইয়াছে, তথাপি আমাদিগের रिलाकनिरभंत व्यक्षिकारं महे मामाना খন পঠন ও স্তীর কাজমাত্র জানেন। পরিমাণে বিদ্যা হইলে সাহিত্য, নি, বিজ্ঞান ও রাজানীতিদংজনায় ায় লইয়া তর্ক বিতর্ক করা যায়, দেরূপ না যে এপর্যান্ত আমাদিগের শিক্ষিত লোকদিপের কাহারও হয় নাই ; হা সকলকেই স্বীকার করিতে হইবে। ৰিষয়ে বিচারপতি ফিয়ার বাহা ৰলিয়া , তাহা সম্পূৰ্ণ সতা, কিন্তু তিনি বিসাত াছেন যে, জৌলোক ও পুরুষের মধ্যে

নিয়মঘটিত যেপ্রকার সমকক্ষতা

কুৰা কেন, সকল বিষয়েই জীলো-

গকে পুরুষের অসুগও হইয়া চলিতে

ব। অথ্যে আডিসনের ন্যায়পুরুষ

ইলে কথনই লেডি নেপিয়রের নাায়

লাক হইবার সভাবনানাই ৷ আনমা

ात (न**्म) अक्तर**ा श्रेक्टरमिरशत कि

দূর শিকা হইয়াছে ? এটা যত দিন

তৈছে, ভাত দিন বিচারপতি ফিয়ার

াকদিগের ষেক্লপ উনুভিদর্শন করিভে

অভিনাৰ করেন, তাহা কখনই সভাবিত তিণ আমরা প্রশংসনীয় জান

व्यामानित्यत छोटनाकनियत श्रीना বস্থ ও অকর্মণা বলিয়া বিচারণাতি কিয়ারের যে সংকার আছে, ভাছাও অনেকাংশে অমূলক। ইউরোপীয় স্ত্রী लाकिप्रियत नहार याम। दिश्वत जीटना কেই†ও সৃহস্থেমের অসকারস্কাণ। এতদেশীর জ্রীলোকেরা দং দারিক স্বচ্ছ ম্বতাও মিত্রায়িতার নিদান। ইউবো शीव खीत्नाकितिरभव व्यरभक्ता (य के दावा **দহস্রতে মিত্রায়ী তাহাতে অ**ণুমাজ সম্ভেছ নাই। আমরা কেবল উপা<u>র্জ</u>ন इतिश चानि ; किन्द्र चार्मान्दिशत ञ्जीदना কেরা সংসারের আরে সকল কাজ করেন। मरमारतत भरधा (अथम अथम ना इडेक, সন্তানাদি হইলে) স্থী ও পুরুষের সমান ক্ষতা পাকে। সম্পতিসয়ংক আমাদি গের জ্রীলোকেরা ইউরোপীয় জ্রীলোক দিগের অপেকা সম ধক স্বস্ত ভোগ করেন। আমাদিগের অন্তঃপুর ইউরোপীয় দিগের অন্তঃপুর অপেক। অনেকাংকো পৰিত্ৰ। আমাদিগের স্ত্রীগণ পাতিব্রত্য বিবয়ে পৃথিবীর সকল জ্বাতীয় কামিনী मिर्गत भीर्यरमा विवासिक क्रेटिक्स। এ বিষয়ে বিচারপতি ফিয়ারের যে কুনং স্কার আছে ভাহা তিনি অচিরা২ পরিত াগ করুন। বিচারপতি কিয়ার বলেন, " আমা **क्तिशत जीत्वाकिमिश्यक द्यकामा भन्नामि** च्टन ना चानिया चामहा এक श्रकांत चर्य করিতেছি। স্ত্রীকোকেরা অভ্যতাপ্রভাবে षाभनारमत क्रम्ब ध्यवशास्त्र कछेकत स्त्रान करतन ना; किन्छ व्यामता क्यानिया अनिया দেই অভ্যানতিমির নাশ নাকরিয়া মন্দ কাজ করিভেছি। " এ বিষয়ে বিচার প্তির সহিত আমাদিগের মতভেদ হইতেছে। ইউরোপীয় স্ত্রীলোকগণকে পৃথিবীর আদর্শ বলিয়া আমাদিগের

भः कात्र **रत्र नारे।** डीश्रास्टिशत्र व्यटनक

किन्द्र व्यक्तिक विषयः प्राप्तातः 🚚 **डाॅं हा** निर्देशन अनुगति নিতাত অসুচিত বিধেচনা করিয়াং ইউরোপীয় জীলোকেরা যে পরি সাধীনত। ভোগ করেনও ক চাহেন, ডাহা অনেকে অনভি मानाजिक काटमाटनत खब्दताटम ः नांद्र सिन्ध मयागटक धाओं त खना ह উপরে নির্ভর করাইয়া স্বয়ং वार्षे । अन्योगाया नावामालायः করা কি মাভ্বাৎশল্যের সম্চিত ক পরিশ্রমদহিষ্টু পুরুষের। বা গিয়া শ্ৰমণাধা কাৰ্নো ব্যাপৃত হই এবং ক্রীলোকেরা গৃহে ধঃবিরা সাং দিগের কোমলস্বতাশস্থভ ব मण्याननपूर्वक श्वामिशरवत ও म বের স্থেদ ছড়ির করিবেন বলি স্ফ হইয়াছেন। কিন্তু ইউরোপে কর্ত্তব্য কর্মের বিলক্ষণ অন্যথাভাব ১ নাইভেছে। ভত্ততা জীলোকেরা এ সমিতবায়ী যে অপবালের ভয়ে অং পুরুষ বিধাহ করেন না। ঐ কামিনাগ বস্ত্র শক্ট প্রভৃতিতে অপব্যয়নিব ভাঁছাদের স্বামিগণুকে অচিরাৎ ঋণঃ ও বিজ্ঞত হইয়া পজিতে হয়। ইউরো कनारिका नारे बटने, किछ कारी তাহার প্রতিনিধি রহিয়াছে। উচ্চ ণির জালেতেবরা বিবাহের অয়ে দে আাংনাদিধের বিলাস্ভোগের ইছে। তার্থ করিবার উপযুক্ত অর্থ স্বা আছে কি লা গ জীলোকদিগের স্বার্থ তার সচিত এইরূপ বিলাদের ইং অভিশয় বলৰতী থাকাতে অনেকে ভ বিবাহ করিতেছেন না ; ইহা কি শামা इ: थक्त, दांगाकत उ लच्चाकत वांशात আবার এই অসঙ্গত স্বাধীনতানি হ্মন যে অনেক চরিত্রদোষ ঘটিতে তাहात व्यथनाथ कता काहातल माधाः। - 66-

বংলালীলিগের চার্ত্রথটিত। কভগুলি দোন।

যাঁহারা দামান্য বিষয় লইয়া আহলাদে নূ হ্য করেন, ভাঁহাদিগের অন্তঃকরণ অভি-भाग लघु विलाग। विद्विष्ठि इहेगा थाटक। এরপ লঘুচিন্ত লোকেরা এায়ই প্রগাড় दुक्तिकी श्री अ मृष्ट्र शिष्ठक इन्टिन शास्त्र न না। ভাদশবরীয় বালিকারা সামান্য বিষয় লইয়া আংমোদ করিতে ভাস বাদে। যাঁহারা২৫ ৩০ বংশর ব্যুদ্ধ ১১।১২ বংসরের বালিকাকে বিবাহ করিয়াছেন, ভাঁহারা নিশ্চয়ই বুঝিতে পারেন যে, ভাঁহাদিপের গন্ধীর ভাব নব বিবাহিতা স্থীর পঞ্চে নিতাম অপ্রতি-কর হয়। কিন্তু নীধারা বোচ্দবর্ষে ঐরণ वाक्षिकात भागिभो इन वादन छाहानि গ্রের চপল স্বভাব বালিকাগণের পক্ষে অ তশ্য চিত্ত হারী হইগাবাকে। সামান। বিষয়ে আমোদ, সামান্য কথার আন্দো লন ও দামান্য বিষয় লট্যা বাগ্যুক্ত এই পুলি প্রথম যৌবনের হভাবসিদ্ধ ধ্যা। কিন্ধ ব্যোর্ছির সন্থিত এই রুচির পরি হত হইয়া থাকে। গাঁহাদিগের এই পরি বর্ত্ত না হয়, ভাঁহারা চির কালই শিশুবং থাকেন। উহারা দামন্ত্রম,ত লোক্দি (शद हिन्द्र ने कदिएक शादिन वर्षे ; কিন্তুবে স্থলে দুঢ় প্রতিজ্ঞাও অধ্যবসাল-প্রভৃতি গুণের প্রয়োজন সেখানে ইহঁচ দিগের নিতাম অদামর্থা প্রদর্শিত হইয়া शांदक। छे(लांश क स्मान्त्री का जिल्लिका বের ন্যায় জ্বাভিদাখান্ত্যে দুউ হয়। ইটা नीयमिरशत बङ्कालभ्यां खे प्राय दिल, এক্ষরেও কন্তক আছে। যথন কডিন্ট কেবর ক্রিমিয়া ও লম্বাডির রণক্ষেত্রে ইটালীয়দিগকে শোণিত্যমুদ্র প্রদর্শন करतन, रमध् भयत व्यवधि छीहारमत अह সভাবের পরিবর্ত হইতে আরম্ভ হয়। इटे लोशिक्टिश्व नाश वश्रदमवाभीकिट्श-রও শামান্যবিষয় প্রিয়তা বোষ বিলক্ষণ

আছে। যে কাৰ্য্যে দামান্য প আবিশাক, আমরা তাহা আহল কারে সমাধান করিতে পারি :ু ক্মাগত মনোয়েপের সহিত পা করিয়া যে কার্যা সাধন করিতে হয় मण्योपन क्या आभाविद्या म् নহে।এ পর্যান্ত আমাদিগের বৈ ভানায় একথানিও প্রকৃত ইতিহাস গভিত্ইলনা। যে কয়েক**থা**নি ব হ্ইলছে, ভাষা কয়েকখানি বিচ গ্রন্থ অবলম্ন করিয়া লিখিত হট্ এই মাজ ৷ কিন্তু গিবন, অ সন্টিয়াস, নেপিয়রপ্রভৃতি যে এ ২০ : ২৫ বংশর পরিভামদহকারে ন বিধ পুস্তক ও পত্রপাঠ এবং নানা য়ের অনুসন্ধান করিয়া এন্ড লিখিলা এ দেশের কেইে সেরুপ করিছে প নাই। গণ্ডোর পুস্তক ও নাটক লি ঐপ্রকার কটেনাই; স্তরাং খান (मनीय जाताय जगः था नाहेक अ প্রকাশিত ২ইতেছে।

পুর্বোলিগিত দোষনিবদ্ধন অ দিগের একটা মহু অনিউ হুইতে म्थानभएम के स्मान्दक निर्माल ना क পরিশেষে উহা বিশেষ অন্ভলের ব হইয়। উঠিবে। আমরা দর্জদা গর্বে ব থাকি যে, ভারতবর্ষের সকল এ कारशका यक्षरमाम देश्लाको लि ফল অধিক হইয়াছে। এক বিশয়ে ভ দিগের এ গর্ক অমূলক নছে; কিন্তু এক বিষয় বিবেচনা করিলে বোগ আসরা ঐ কথা বলিয়া র্থা আহে: করিতেছি। ইংরাকেরা আপন আপনাদের বর্তমান উরতি ও মে গোর কারণ। এই উন্তি ও সৌগ এक निर्म वा अक वांख्यिदाता इस न সমুদায় জাতি বহুকাল অনবরত অ সায়সহকারে পরিশ্রম করিয়া ইহা করিয়াছেন। ইংরাজেরা সহসা কোন বি

ছে। সংময়। ফুলা কৰিলাম**, ইহা কেবল** 🏻 মেটিংগেট নিজের সিক্ষাভান**ে**, ফু**াজা** ভংগতের অনেক চিন্তাশীল লোক ং ঠী দার করিয়া**ধাকেন। অভএব** জানে মাহল বিষয়ে ইছরোপীয় **জীলো** লাকে আদর্শ জোন করিতে পারি না। ার বাহার বিষয়ের পরি**বর্ত্ত করা হিল্**ড 🕒 : হভাব ও গাভা া নিদ্ধান 💘 ; হুহে ∞ংখরা জনমশঃ অগ্নয়র হ≷তে ভিনাল করি। থৌলোকা**দগতেক কভদু**র বানতা এদান করা উচিত, তাহা মলাবাহ্নমাৰ ভাৰস্থায় ঠিক বুলিতে िन। किंद्र अक कथा क्रहे वलिएड दि ए।, १ की नकाटल आभामिरना োকগণ যেঞাকার স্বামীর সহিত र्धा उ इकेटकेन, जानाहे जीकामिर्धा বীন হার প্রাকাঠা। এ বিদ্যে আমা পের ভাষ হইডে পারে। কিন্তু আমো প্র টোলোকদিগের সহিত ইউরেশ া খীলোকদিগের ব্যুমান অবস্থা হারীন্তার ভ্লনা করিয়া **দেখিলে** (অপুপ্_য: অধিক ডস্ড আ**শাক্র**: তিল্পাবেনা। একতিজীলোক্ও लितिहात भाजीतिक ७ मानमिक इट रचल १९ **८५८ क** किया विद्यार्थका. লতে পুরুষের করিত জীলেতেকর क्ष्यकः सहावित्र म**्ह**ाञ्चीदनाक ্গুড়বের স্≢িত স্মান পরিভান एड शारदम १ कथनडे भटहा दिहात গ্ৰিয়াবের **মহিত স∛লে**াধার**ে**পর क्ति **अहे अक्षांग** कालन्। अक्तन् ারা উলোকে অলুচোধ করিতেছি, न ३५३१अपिटशत भरश स्मार्यन ্বার) ভাছেন, আমাদিলের মধ্যে প্রকার কভকগুলি লোক দেখা । विश्वास मर्वाष्ट्रे वाटकन : विश्व र श्रीकृतिराज क्या आहा करान ः हिन्छि फितात स्मान अहेगकन

(२८ क्या % निशा **कोन मिश्राफ ना**

ন ৷

इस्डार्शि करतन ना ; दाहबात हिया ও বর্তমানের সহিত 🏃 ভূতকালের ভুলনা করিয়া পুর্বের একটা কার্যাঞ্চলালী স্থির করিয়া কার্য্য করেন। কিন্তু আমরা কাষ্যের পুর্বের প্রায়ই কোনপ্রণালী স্থির कृष्टिना यथीनमरात्र योही मरन काहिरन ভাছাই বলি ও তদনুদারে কাজা করি আমাদিগের বর্তমান সমাঞ্চিক ব্যবহার ও ধর্মদারা উহা স্পেক্ট প্রেকাশ পাই-**एउट्टा अक्टल खाकाश्यारे नदानिराश**त অবলমনীয় হইয়াছে; কিন্তু হুই বংসরান্তর ইহার মূল নিয়ম ও অসুস্তানের পরিবর্ত্ত চইতেছে। ঈশ্বরবাতীত আর কিছুই নাই; উাহারা উপাসনা করিবার নিমিত্ত স্থান ও সমর নির্দ্ধার বের প্রারোজন নাই, এই মত কিছু দিন চলিল। আবার কিছু দিনপরেই ত্রাক্ষমতে বিবাহ, আদ্ধ ও অনুপ্রাশনপ্রভৃতির প্রথা প্রবর্তিত হইল; সম্প্রতি আবার চৈতন্যপ্রবর্তিত প্রথার ন্যায় একটা নূতন প্রথার প্রান্ত্রাব হ ইয়াছে। সমাজসহক্ষেও এই প্রকার वावकात मुख्ये कहेता थाएक । नवात्रण আজি এক প্রকার প্রথা প্রবর্তিত করি-, তেছেন; কল্য তাহার কিছুই নাই ৷ 'ইহাযে অভিরচিতভার কার্যা ভদ্বিয়ে সম্পেহ্নাই ৷ স্মাট ভূতীয় নেপলিয়ন বেদ वारकात नामा विलियारहन, " स्थापता (य প্রথার পরিবর্ত্তে কোন স্থায়ী প্রথা,প্রব-ব্রিত করিতে না পারি, তাহার ধংশ করা আমাদের সাধ্যায়ত নতে। " আমরা এই নিমিত্ত দেখিতেছি এত "উন্তি '' প্রদর্শন ওধুমধামের পরে ভাঙ্গণগণ সেই সেকেলে (গুরুই সভ্য) পথ অৰ লয়ন কয়িতেছেন। যদি প্ৰথমে ভূত ভবি মতে এবর্ত্তমান বিবেচনা করিয়া কাঙ্ক ্রেরা হয় ভাষা হইলে এপ্রকার গোলক ধাঁধাঁয় ভ্রমণ করিতে হয় না। আমেরা সর্বদা দেখিতেছি রাজনীতি অথবা সমাজ, সাহিত্য, বিজ্ঞানসংক্রায় কোন

मछ। रहेटल वाकाली युवकशन छथात। शाहितल शहीककशन रामन भारमान দলে দলে গমন করেন ; কিন্তু প্রস্তাবিত विषया कि वला इहेंद्र जाना कि इहे शूर्र्स ছির কৰিয়াযান না। বজুভাব সমলে যাঁহার যাহা মনে আইলে তিনি তাহাট বলেন। আরিও আমিটা প্রায় সকল সভা তেই দেখিতে পাই বেব্যক্তি ছুই চারি'. বিদ্রুণ করিতে পারেন, তিনিই এতদে-শীয় ভোডোদিংগর নিকট প্রশংসালাভ করেন। উাধার প্রকৃত কথার অর্থকি ভাছা কেছই বিবেচনা করেন না। রসি-কভাদহকারে পদাঘাত করিলেও এত-দেশীয় শ্রোতারা আহলাদপ্রকাশ করেন। ইহাতে যে কত অনিট ঘটে डोश बल्य लाटकहे विटवहना कटवन। এই দোৰ থাকাতে অনেক বিদেশীঃ আমাদিপের দোবপদর্শনে কিছুমাত সঙ্গুচিত হন না; প্রভুতি আমাদের যে (य मात्र नाहे छाहाद अ आद्वाभ कतिया भानी मिहा वाटकन। अ:सहा यमि वथा-নময়ে যুক্তিনিদ্ধ কারণ প্রদর্শন করিয়া নিন্দাকারীদিগকে জহ'ননা করিতে পারি, তাহা হইলে ভাঁহারা দাবধান হইয়া কথা वर्णन , , किन्नु व्यामता क्षेत्रप्त विक्तः भ মোহিত হই এবং সম্পূৰ্ণ অপ্ৰান্তভ হইয়া কোন যুক্তিসিদ্ধ কথা, ৰলিতে পারি না। ফলতঃ সকল বিষয়েই যথোচিত विर्वेष्ठनार्श्विक इन्डरक्षण कहा वर्न्डवा। কোন কাজ করিবার পুর্বের ভাষার অনু কুল ও প্রতিকূল উভয় দিকে দৃষ্টিপাত নাকরিলে অনিট্রভীত আবে কিছুই হইবাব সম্ভাবনা নাই। পুর্কের্ব সভাত্রলে এতদেশীয় ক্তবিদাগণ বজ্তাশক্তি **७ माह्म अन्ध्रन । क**ित्र ल हे डेट्बा भी बगन य बाद्याम ध्रकान करिएडम, कोहा अ.स. শীর্দাণের সুতর্ক ও যুক্তির নিমিত নহে এ দেশের লোকের এত ক্ষমতা হইয়াছে, এই মনে করিয়াই ভাঁহারা আহ্লাদিত ইই েন ৷ শিশুপণ উত্তমরূপে বানান করিতে

প্রকাশ করেন, তৎকালে ইউরোপীরগণ **करन भी वितरशत मारूमनर्भाव दर्श दाका**? 'অংহর'দপ্রকাশ' করিতেন। কিন্তু একণে আমরা টংরাজদিগের দহিত সমকক इंटर अखिनारी इंदेशिছ। এই देव्हा **চরিতার্থ করিবার পুর্কো আমাদিগৌর** हे ताक नित्भन नाम श्रीत आमी अ हिन्दो শীল হওয়া উচিত ৷ কেবল বাকাব্যয় ভারা ক্র চকার্যা হইবার কিছুমাত্র সন্তা वना नाहै।

যাঁহাদিগের দৃঢ় সংস্কার আনহে যে. ভারতব্যীয়দিগকে কেব**ল** ব্ৰস্থারা শা সভারাধা কর্ত্তবা, ভঁ, হারা এক বার হ.উদ অব কম্পের বর্তনান অ ধ্বেশনের कर्कनकल प्राप्त कदिर्दिक । এएम्मी शक्ति-গকে অনুরক্ত করিয়া শাসন করাই ইংল-(धत्र श्रधान लाकपिरशत हेक्।; किन्र ভারতব্ধ স্থিত অনেক ইংরাজের এ মত নহে। এই দকল লোক এই বলিয়া গর্ব করেন যে ভঁচারা স্বচক্ষে ভারতব্যের অবস্থা দর্শন করিতেছেন, অতএব ইংল গুলি মহাশয়গণ ভারতব্যীয়দিগের প্রক্রি (य व्यमूत्र स्त्रह श्रमणीन कर्तन, हेर्हां क्रुं তংহার উপযুক্ত পাত্র নহেন। এইসকল লে:কের এই একার কুসংক্ষ:রের প্রধান কারণ এই যে, মনুষা হক্ত বতঃ প্রভুত্ব প্রদ শ্ন করিতে ভাল বংসেন। যাঁহাদিগের প্রতিনিক্টভর জীবের ন্যায় বছকাল ব্যবহার করা অভ্যাস হইয়াছে, ভাঁহাদি-গকে সহজে সমকক করিয়া জুলা ইহাঁ-मिर**গর পদ্দে নিভাস্ত কন্ট**ার বোধ হয়। এই নিমিত্ত আমরা দেখিতেছি, ভারতব-বিভিত ইংরাজেরা আমাদিগের উচ্চতর **ব্যর্থা,প্রির ঘেরতর অ**ধ্রায় <u>হ</u>ইয়া উঠিতেছেন। ওঁছোরা ইংলগ্রীস্থ দিগকে অনভিচ্চবোধে বিজ্ঞপ করেন এবং

. '' **খ**াস্টা এ দেশে পা,কিয়া সকল , ্র একে বরিতছি। ভারত বীং পণ ল ওগন **য**ে অভিশ্ল **হানাবস্** ্লে; অভএল ইচ°্দেগ্রেই উচ∶র (अमान करा कात क्व**्या**ई विद्या गँ द्वारी वेर लट्छ दंभक्त अटमभीप র প্রতিন নামকশে বিরেস, ভাঁছারা र्राशा नात **मकल विस्थानभ**िन া খার ভাষা করিবেন না। "উট্ল ট তর্জ সংপতেতঃ মুক্তি, <mark>সদ্ধ বলি</mark>য়া इस बट्डे ; हिन्छ विद्रम्य विद्युचना া দেখিলে উহা যে নিহাস্ত অলীক विज्ञास्त्र प्रथमान इहेरता यनि के যুক্তিনসভ হ', ড'ছা হইলে বঁ∶হার। লৈ এ দেশে থাকিয়া ইংলাজে যান, ता क्यांटन गाहा कटतन हेर्=एख जि.त র বিপরীত ব্যবহার এদর্শন করেন ঃ নিয়মবহিন্তুতি কমচারিগণ, বিশো পঞ্জীবিগণবলচেই শাসনের অপধান त्र विष्यत्रमा कराना अप्टेनिकि छाट् জন লয়েল শিক্ষক্ষিণের বেভন প্রেম্ভ'র ম্বরাহ্য করিলা জন্মাগত চে যায়রলি বিহিছভেন কিছে সর ্ট শ্ভারণাড্র ইংলতে থাকিয়া তব্দীয়দিলের পদেন বিশুরেছকাপে লস্বাধিনা ঘল উ টেডি ক্রিভে হেছেনাইংলডে। কৰ বাবুৰ কি চনংকার ক্ষনতা ভাছে ৷ পঞ্চাবের 🕽 াুর্ব লেপ্টন ট গ্রেশ্ব সর রুব 🗗 মাউ ্সংগ্রহি ফেটে গেজেটারির নিংটেট প্র লিখিমা বনিয়াছেন, শাসন কে ভারতব্যায়িদিগকে উত্তর পদ ন না করিলে সাধারণের অনেয়ে,ব इरेट्न! अत क्रम न्द्रिण প्रश्लाब র গোন। ভিনি এখানে বুসং। : ठ८ है ने, (यथ रन हे **के** द्वा भी भा मरशद া অধিক, দেই স্থানে এদেশীয়দি-

অভিনামান বিচারপ্তির পদও

ন করাউচিত নহে। কিন্তু আতাহার

সহচরগণ ইংলণ্ডে গমন করিয়া ভিন্ন প্রকার মত একাশ করিছেছেন। যাদ ভারতব্যীরগণ যথার্থই উচ্চত্র ক্ষমতা লাভের অনুপযুক্ত হইতেন, তাহা হইলে ইংলণ্ডে সে কণা বলিতে সাহস হয় না কেন? বস্তুত এখানে শাসনকর্জ্রা জোণি বিশেশের তথ্য পক্ষপাতী হইয়া কাজ করেন; কিন্তু ইংলণ্ডে যিনি ইহা করেন, তিনি সভাসমাজে প্রাবেশ করিছে পারেন না। এই কারণেই ইংলণ্ডের লোকদি। গর সহিত ভারতবর্গ হিত ইংরাজিদিগের ভুননা করিলে এখানকরে অনেককেই নিতান্ত বিন্তুট বলিয়া বোধ হয়।

সর জন লরেশ ব্রিটিশ ও ভারতব র্যার রাজ্যদিগের শাসমপ্রণালীর বিষয়ে ্য নভ দং প্রহ্ করিয়া ইংলতেও 🕮 রণ ক,রিগাছেন, ভাষা লাইরা মহাসভায় অভি শ্র তর্ক ইইয়াছে। লাড**ি উইলিয়ম হে** এই তর্ফ আরম্ভ করেন, তৎপরে কালেট দ্রেব, লাড ফোণ্রোরণ ও সর হটা-*ष*रः, ড`नर्थरका है हें हैं इं, इं च'रन्नालन किति র.চেছন। ভারভিবনীয়ের। যে **নভঞ**াশ করিয়াছেন, ইংলডের ম**হাত্মা,দগেরও** সেই মত ই ারাবলেন, ব্রিটিশ শাসন প্রণালী দোবহীন নহে। **ইহাতে যে** লে দের শরীর ও সম্পত্তি বহুলপরি**মা**ে। নিরাপদ রহিয়.তে তবিঘরে কাছারও সংক্ষম হাই। বা, ৭জা, বিদ্যাশিকাঞ্জ ভির উল্লভির ও অবগলাপ করা যায়না বিস্ত থেমন কোন বৃহৎ রুক্ত সমীপছ মুদ্র রুক্তালিকে অভ্নত্তেরকাকরে, ্কিন্ত ভাহাদিগকৈ বৰ্দ্ধিত হইতেদেয় এই भामबद्भवाली । जात्रक्षी व দিগের পক্ষে ডজেপ ক্রিভেছে। কলভঃ যেখানে ব্রিটিশ সাম্রাক্ষ্য, সেই খানেই এত দেশীয়দিগের উজ্ভর সত্র লোপ হ**ই**-शार्ष । आमद्रा∙विन्दिक है, यमिश्र आबद्रा শাস্তি ও পদার্থ কলে ও উন্নতির মিমিস্ত

ব্রিটিশ গবর্ণমেণ্টের নিকট ক্রভজ্ঞ রহি-

शकि, कथां शि भागारमद भागमण्ड উচতর সত্বোপে, কচিপুরণ কিছুর इड्रेट्स्ट्रह्मा। সর জন লরেক ও তা छ। त्रक्षवर्ष द्विक महहत्रभग र स्मान, स्म এতদেশীয় রাজা,দধের বর্তমান শ প্রধালী অপেকা ব্রিটিশ গ্রণটো শাসন ভাল বলেন। আমরা উহাতে মেদন করিতে পারিনা। কারণ য क्ट्रेटल **८क्ट**ी घटनक क्रुडिवना का বাদ, জনপুর, আমোরামূভ্তি স্থানে । করিতেন না। লাড উইলিয়ন হে ত্রি শাসনপ্রণালীর পুরেরিক্ত দেবে স্বী कतिशा बिलियारहम, हेश्लर छत्र भामम লীতে যেমন প্রজাদিগের স্বাধীনয ক্ষমতা আছে, ভারতব্বেরি শাসনঃ লীতে সেই প্রকার থাকা উ.চিত। সর लाद्रिक ७७० फरनीय दाङानिकात সকল দ্যেষ নিক্ষেপ করিবার চেষ্ট্রী য়াতে ক্মলেট সাহেব তঁ,হার এতি যে রোপ করিরা**ছেন।** লাভ ক্রিণবৌরণ য়া**ছেন, দেশী**র শাসনত গালী যে ডি শাসন্থ্ৰণালী অপেকা সৰ্ব্যা উৎকৃষ্ট, ভাছা ডিনি বলেন নাই क्रम लद्भक्त केंद्रांत वारकार ५ क्रक বুকিতে পারেন নাই। তিনি এইমাত্র शाहिदतन (य, अञ्चलकोत ताकारि শাসনপ্রধালীযে এক ক.লে মন্দ এ কথার সন্মত হইতে পারেন না। গ্রবর্ণর ক্ষেন্ত্রলকে অধিক ক্ষমতা গ্ করা লাভ ক্র:গবোরণের অভি:ে তিনি এদেশের লোক,দগকে অধি অধীনত। এদান করিয়া উহা ক চাছেন । ভারতথর্যে আরও কিছু যথেচ্ছাচার থাকিবে ; কিন্তু ভাপ व्य गुक्तः त्रा क्षत्र महत्वा भवर्गरमत्केतं है श्रक्षां किर्तित कम् का अनाम मा क গবর্ণর জেনরলের জনতার্ভি নি কেবল অনিষ্ট স্বটিবারই সম্ভাবনা घारकार्ज नर्थ रकार्छ विलक्षार इन, वि

The state of the s

विश्ववानी **डेश्क्रके व**लिया <u>क्राक्र</u>णीय ্ এহণ করা নিত্র অন্যার। উল্ বিনা বাহাতে ভারতবদীর ভূপতিগণ কতর স্বাধীন হারী আপুন আপুন শাসন কুরিতে পারেন, ভাতাই করা ा । बुद्धे ठः अटनमीत जाकामभूनादत ৰ ক'জ ই রেসিডেণ্টগণ করেন এবং ाता**रे कटनक कटन अटम**मीस द्वाटकात নসংক্রান্ত বি**শৃখালার নিদান হ**ইয়া কন। রাজাদিসের হস্তপদ বন্ধার ইয়াছে য়া ঠোঁহারা যথার্থ সংক্ষোর্ তে পারিতেছেন না। সর ফাকোড কোট ভাঁহ:দিপকে এক্স স্বাধীনতা নি করি**তে অভিলাব করেন। ত**ঁহোর রাজাদিগকে রাজ্ঞীর অধীনতা স্বীকার ८ ङ हरेटव वट**े ; किन्द फ**ँहा**टम**ब्र াশাসনবিবরে **ত্রিটিশ গবর্ণমেণ্ট** ক্ষপ করিতে পারিবেন না। উক্কের अ ग्राप्तात इरे**टल शवर्गरमण्डे** ার প্রতিবিধান করিবেন; কিন্ত ণ জীহারা যেম**ন সকলবিষ**য়ে **হস্তক্ষেপ**

পোর মুদিহত্যার ও সে দিনের ইন্থ হিডার অ**প্রস্থানের যে ফল হ**ইয়া , কলিকাতা চাঁপাতলা (এম হরেঞ টর) জ্রীহত্যার অসুসন্ধানেরও সেই হইল। বন্দীভূত ব্যক্তিরা অব্যাহতি রা**ছে। করণারের জুরি এই অভি**-ব্যক্ত করিয়াছেন, কোন এক ব্যক্তি বা ক্ষেক বাজি অভিসন্ধি**পূ**ৰ্বক শাকটি হতা৷ করিয়াছে, কিন্তু তাহারা খাহার বিশ্য হইল না। জুরির এই ত্বকা প্রবণ করিয়া আনুমরাও ক্রিড়েত পারি**ডেছি না যে আম**রা लभानी के कात बारका व्यवन बाक इर्काइ दान क्रिट्डिश विन এ€. গ্নায়ানে সমুবাছতা হয় ও হতা

ভেছেন, ভঃহা ত্যাগ করা অন্বশ্য

চীপাতলার স্ত্রীহত্যা।

ग्रा

কারীরা অব্যাহতি পায়, রাজয়কিত | পাওয়াতে উহাদিনকৈ অব্যাহতি हारका बाम कतिहा, कि कत इडेम १ छटेब बिक्टब, निवाखारश ८क्ट् काहारत दिहू ৰলিতে পাৰে না। স্নত আব্দের নৰাব কান ঘটিত কাও, বেধিয়া যে ভরসভি व्यात नाहै।

চাঁপান্তসায় যে জ্রীলোকটা হত হয়, त्म कड्टनम्बद्धांड श्रेक्शांवलयी। जाडेन নামে এক ব্যক্তি ভাষাকে বিরাহ করে। ব্রাটণের সৃভার পরে কিন্তুদলি নামে এক ব্যক্তি উহাকে রাখিয়াছিল। মাধ্ব দত্তনামে এক ব্যক্তি এই সাক্ষানান করে, হত জীলোকটা কিন্তু দলির দৌরাত্ম্যে তাহার নিকট হইতে পলাইয়া আইনে। পাছে কিঙ্দলি ভাহাকে দেখিতে পায়, এই শক্ষায় দে সর্হদা পাবধানে থাকিত; মধ্যে মধ্যে বাদকান পরিবর্ত্ত করিত এবং সর্কেদা এই কথা কহিত, কিঙ্মলে দেখিতে পাইলে **डाशटक रुडा। क**तिरुव । के जीटलां करित সহিত মাধ্বদত্তের স্বিশেষ পরিচয় ছিল:বে দিন জীলোকটি হত হয়, त्म किन तम माध्यतक चटल, तम क्य किन প্ৰায় গৃহ হইতে বাহির হয় নাই, অতএ ব তাহার বেড়াইবার ইচ্ছা হইয়াছে। মাধ বৰলে দে সদি খুটানের পরিচ্ছদ পরি ধান করে তাহ্তে সক্তে করিয়া লইয়া বা ইতে পারিবে না। শেবে মাধ্ব একথানি শাটী কিনিয়া আনিয়া দিগ। জীলো কটা সেই শাটা পরিয়া মাধ্বের সহত বাছির হইল। পথিমধ্যে কিওনলে সহস। আদিয়া পশ্চাৎ হইতে জ্রীনোকটার পুরে একটী চাণড় মারিল। জীলোকটী " বাবারে" এই শক্ষ করিয়া উঠিল। মাধ্ব किंडमरकरक (पश्चित्र) छात्र भनाग्रन করিল। ভাহার পর কি হইল দে তাহা विनिष्ठ शारत नाः भाषत ও किछमरन উভারেই বন্দীকৃত হইয়াছিল; কিন্ত উহারা যে দোষী এরূপ কোন প্রমাণ না

रहे । एक । कृति উश्वामित्यत व्यापत्राद्यत वि প্রমাণ পান নাই, অব্যাহতি দিয়া ভাষাতে আমরা অসমুট নহি, অন্নেকাছারও প্রাণদ্ধ বিধান हहेट ज भारत ना। "त्य भवर्गरमणी न জ্বনে এজার প্রাণ**নতে প্র**র্ভ ভালার তুলা মথেক্লালারী আর আছেন ? আমাদিণের এই অস জ্মিতেছে, যদি হত্যার অস্ঠানৰ হতাকারী ধুত না হইল, পশ্চাৎ বের অসুসন্ধানদারা প্রকৃত হতাবি গ্তহ্ইয়া ভাহার মধেচিত দ इन्हेज, १, कांत्र धन श्रीरंग चांचा কুটেরাত এপ্রায় পাইতে চলিল একটুকোৰসমূহণ করিয়া দাবধান হত্যাদিকার্য্য সম্পাদন করিতে পার্ দেই ভ অব্যাহ্তি পাইবে। এ দু দর্শন করিয়ালোন্ছটাতা উৎস নাহইবে এব্ং জুবোগ অংহেমণ ক আপেনার অসদভীউ সাধন নাকরি ভল্লিত জীলোকটার ইতাকার क्छेक, ८म ८व का पनात महनत हो। लाक्षीत निक्रे उदकारण ला লাখিলা এবং মিষ্টবাকো ভাগ মোবিত করিয়া ভাষ্ঠের রাস্তার হা লইয়া কেড়ালে, কেটেৰ টীপাভিগালৈ **উ**প इरेक्ष शृक्तितात व्यवस्थामण्डाकाल **र**ह भारेका जालनात अ**ोधे** हुम्भानन र ত্রিতে অনুমাঞ্দংশয় নাই। পুরি (मार्टन स्था का का छो। च**ि**. १८६, ५ षाभना मुक्त बर्फ कहिएड लाजि। বাতে পুলিবকেই ছভার নিনিক গ कत्रः कर्डवा । अवन्ति हर्दे अव রাস্তার মধে। হ'ডা। ২ইয়া রেল, পু किছू कतिएड शाहित्यम ना, हेरात

বিষয় ও কোভের বিষয় আর কি আ

(म मम्द्र शाहाता श्वाला काथाय !

विरुष्ट करो। ८०० कलिया जीवीमीता क्रिक **१३८वन मटम्बर नारे।** খেল দিমিতে কি কিছু দেন মাণু प्रदेशीयोगे कि **घटेत्र थाहित।** ं ठ,उ तकाह,यी सच्यान्य केटबन পত হত্যাকাওটা অধিক রাজিতে লিত হ**ই**য়াছিল সন্দেহ নাই। বথন ্্্রিলোকটাকে লইয়া রাস্ত্র লেজসণ করে, তথন কি ভাহারা এছরার নেতাপোচর হয় নাই? রাকি শুনাপথে আদিয়াছিল? ः, ८६, ८६ थ। इंडेटड घाडेल, াে যাইছেছে, কিকাাণে ভত তে, রাস্থায়ে রাস্থায়ে ≔মণ্করি⊹ , अहरीता उद्दर्शिताक अगल्ल জিজাদাকরিল নংকেন ? জিজাবা ল হতঃকারীর আনার প্রকার র না কাহার দুটেগোচর হইছে ধ্নাই। দু:ফিলোচর ছইলে কঃ।। অনুস্থান নালে ক্রেড অপ্রাধীর স্থান হটবার সভাবনা থাকিত। ৰ আহ্নীঃ৷ কি চক্ষু মুদ্রিত করিয়া का मन्यापन करत १ व्यापूर्णिय वामण्याप्रविवरता अन्त छेमाम.स র উদরপুজার নিমির প্রজার বৃত্ত**েশাবণ ক**িয়া অর্থনাচন কলা **४५८म: केत कड़ेवा २ यामा। उपन**र राज श्रुनदात्र वर्गहरक छ। अस्तरक छ থ তথ্যকার হ জাদির নিমিত পুলি विभिक्तेब्रार्थ मार्थिकत्व. काग्रथः जा: महे इन्छा निवादन किट्राड বেন না। চঁপোতলার হকটোকাওটী া আমাদিপের মনে এই হইতেছে. িব কর্মচারীরা **স্বকর্ত**রা **উপে**কা 1 निचात कोल**्किश कर्**तन, सिह ভজাবধান করেন লা, নতুরা

्यात महिन्छ (बाक्य व्यक्ति, इटकेका

ए पूजा मिता मञ्चल वाकी है

रमत दात्रमः एक भार्थ कि भवाश्व नायम करिता नय। यादा इडेक, शवर्म मिक जिम मन्य करिया व माजि माजिएक কৈ প্রাহরীরাখা হল না ? এমন জঘনা। যদি এরপ পুলিষকে প্রাতায় দেন, কল-

নুৰ্ম পুত্ৰ ও পত্ৰ।

১। ঋজুব্যাখ্যা। শ্রীরামগতি ন্যায়রত্ব ইহার প্রণেতা। এই পুস্তক্ষানি দ্বিতীয় বার প্রচারিত হইরছে। এবার ইহা দেবন:গর অবফরে মুদ্রিত হইয়াছে। এল, এ, পরীকা এদানথী ছাত্রগণের সি শেব উপকার লাতের সন্তাবনা।

২। প্রয়াগদূত। এখানি পাঞ্চিক পতা। জীযুক বরু শশিভূষণ মিত্রধারা এতি মানের ১ লা ও ১৬ ই এই পত্রিকা প্রচা-্তি হটবে। অপ্তেতঃ ইহার প্রথম থপ্ত ্রকাশিত হইয়াছে। এই খতে মলনাচরণ, ভূমিকা, মৃতন বংসর, মুডাংবজ্রবিষয়ক র জকীয় স্বংধীনতা ও সংবংদাদি লিখিত ह≷सार्ट् । (अथा सम्बद्धा ना≷। नक्दरम এরপ সংবাদপত্তের যত সংখ্যা হৃদ্ধি হয়, তত্তই মললের বিশয়।

----308----

विविधगर्वाम्।

क हे देवलाच (भागवाह)

গাছ শনিৰাণ শিকপুৱেব উট্টিক বাবুলোক 🖡 মাণ চত্টা শন্তালেৰ বাটাতে কৃষ্ণকুমারী নাটকা-ভেন্য হইয়া গিলাছে। গত বং**দর অংশেক**: এ राव क छि- भूगै चाइछ 'छे-दूक्के' , रहेशांहरू प्रकाश के के अवस्था अक्षापन कापन कर्वरा मन्त्रा দন করেন। বির্ণধারঃ সাভ বংশরের কৃষ্ণকুমার তংপেক্ষা এ বাংরের কুঞ্চুমারীর অভিনয় অনেক ওৰে উত্তম হইয়াভিল।

সম্রতি ভাক্তর মাক্তে পঞ্চাবে গমন করিয়া ছিলেন। তথার ভাষ্য কতকগুলি নোট ও नगर डेका अवक्र इउद्राट्ड श्रुलिय नश्यान भिन्न किकांचान्न काट्रमा। इंटिमर्या वीवार अक्र चानि e · हाकात (माहे अक खातत निकाहे পাওয়াতে পঞাবের পুলিষ বাঁহাকে ভথার शिया भक्षमं। हालाईएक वरतन । कि कि ুবলিয়া পাঠান, কোন ব্যক্তি চোর ভাহা

वीश्रकारमः शकार्य गमन गर्क म কার্যাকতিনিবন্ধন ভাছার যে বাস डांगटक ५०० के .. है। को शाहरम देखाँद रहेटर मा । अहै निमिष्ठ जिल्ले संकल्पी हात व्यक्तिक करतम । किछ शक्कारवद कर विवादवत्र अञ्चरवादम औष्ट्रांक व्याखात क লইয়া বাইবার নিমিত্ত কলিকাভারত क मनगरत्व निकटने अक खताता है (अन्न याद्याः उपादादादेव भूदर्भ काक्ष्य मार অওড একবার সত্তর্ক করা উচিত ছিল।

राष्ट्रधादारम धक्ती काञ्चलालय आणिष বার নিনিত্ত বলিক কেয়িন্দ্র জাহ ৫৬, ১০০ টাকা প্রদান করিয়াছেন।

ইভিয়ান প্রবিক ওপি:নয়ন ি ब्लाटकत निकटके व्यवन कतियादहन, मह छै। নাৰ কোট সর জন লরেন্সের পর এ দে ध्यवास भागसकर्छ। इहेरवस ।

ভিনরেলি নাত্র টোরেদিগোর প্রধান तास्त्री किमबदक स्रेगां परणत मकात्र आफ নাহেবের প্রতিযোগী। কিন্তু সম্প্রতি প্লাডটোন এক ভোজ দেওয়াতে ডিসা াংকেব তথায় সন্তাক উপাস্থত হুইয়াছিল অথচ অনাভবুকো ভিনি ও সাভটোন স হাউস অব ক্**মলে পরম্প**ুকে মৃচত্রক্রপে গ मन कार्यशाक्रीका वाजना उपर काल ভেদ্ধা জেওযে সামাঞাক ব্যুত্থানি नःदत इहा काशत अवनी पृष्टेक्ष ।

ध्यान शाह्यादछ, (वाबाईट्स अक .लारकत्रभरतः अक अरमेत कुट होता **य**ः এরোগটী সংক্রাক্ষ ও কুল্রন্দাগত নত্তে ১ अदनक केल्युकः । हाक्यंत्रकः क १ शाहरून, यक्ष उपा नाहे। **डाक्टन डाइइ.स्न**े स শাবিষ্ণ করিয়াজেন, তংহার পরীকার व्यानद्वादक। वजरम्हन कुळे ८ाज प যাহারা আধিকপরিনাবে গোমাংস্ভক্ত ব डाहाताहे बाब बह (तांमधक र्य ।

कार्त शहर अश्दान आतिहारह, व्य সিয়ার আমলি খা কানদাহার আবিকার ক ছেন। অবৈছল রহমন বারে সহিত অভিনে ৰিবাদ আৰম্ভ **ক্ষরাচে।** এমন জনজাতি ৮। সিল্লার আলি খার সহিত আবদ্যারহ क्षानिक्षेत्रिक स्हैप्राट्मः व्याप्तिक बात् र कीं बुटलंब नकटलंडे विजया । यह किया था रक्षम व्यामीत सा स्टेटकहारू, ७३० विन औ डोक्षर (क्ट्र<u>न्य-प्रत्ये ह</u>ा है।

ত্রিতি ব্রক্ষাণেৰের প্রধান কমিগনর ভারত त्रवर्ग्यकेटक-विकास का कात्रम, बीमाणक्रिक विशिष्टक महकाती काम कार्या मिनुक न निकांतिक (वहम (न उन्नी क्रेंदिक कि ना ह त स्थानतम विमार्गाट्यन, (वर्डमें निवात कार्डा संदेः किन्न करप्रमितिरात्र याद्या व्यावनाक ব গ্রেণ্ডমাউ ভাষা দিবেন । আমারা 🗢 ोगिटक अंडरे इंडेजाम ना। करमक करवर्ति ণীনিরি কাজ করিতে পারে। এ সকল ংকে বেডন দিলে ইহারা অক্স্যেন্থাকিডে । এই সকল কয়েনিকে কিঞ্ছিৎ বেডন দিয়া ন আপন ভরণপোষণের ভার ভাইনিকের রর উপরে ক্রেপ্র করা উচ্চিত।

 $A_{i,j}^{*}(Y,Y)$

গ্রপুরের অনেক্রিদ্যালয়[া] মিসমরিদিগের (मध्या रहेग्राट्म। सक्ति कार्यम नार्ट्स । যথের অংম ত প্রকাশ করিয়া ইংবার পরিবর্জ বায় চেষ্টা পান ৷ কিন্তু ছন্ডাগ্যক্ষমে ডিনি ছত **ংট্রাহংলভে গমন করাতে বর্তমান** নিধি কমিংনর পুনসার বিশ্নরিদিগেং বিদ্যাশিকার ভার দিয়াছেন। এডরিবজন ক ছাত্র অধ্যুদ বৰ করিয়াছে।

বর্জনান ব্যে সাধারণ কার্ষে,র নিমিত ৭,৪৫

a. हाका वृद्ध कता स्ट्रेटन। हेराह ६२,8 •, • •, • • • होको देवनिक वार्तिदक्त তে, ১,৪০,০০,০ থাল প্ৰভূতি ও কৃষিকা নিমিন্ত, ৩,২৪০০,০০০ সাধৰ্ণমেটের ৰাজী অভাপ্রভাতর নিমিও এবং ৪১,৪০৯০০ যেল রে নি:মত ব্যয় কর। ছইবে। পুর্ব বংসর পক্ষা এ বার ৮০৭এ৯০০ টাকা অধিক स्ट्रेट्डिइ। এই (मा**छे का**र्युद क २०,००० होका द्वाझच रहेर७ वाध হুইবে। ১১৯২০৯০০ অ,ভিরিক্ত রায়ের প্রসাণ্ড ইইডেচে। খালের ও বারি র টাকা কর্ম্ম করা হইছে। এক্রে খাল তি হইতে ৪৯.৫৮,১১০ টাকা আয় হই-**Ş**!

নিমিত্ত কৈ কি উপায় অবৈলয়ন করা क. क विषद्ध श्रम्भिके क्छ प्रभीय नर्मनित ভদ্রলোক্ষিণ্ডের মত ভিজ্ঞাদা করিয়া-লের'। ভাষাবিধের মভানুসারে নিয় খত উৎকর্ষণ্ড ল ২ইডেচে। ইউরোপীয়দি র ম্যায় এতাল্কেশ্'র পুরুষ ও গ্রীলোকদিগের হুত্রভাগের পুথক্ ছান হইবে। জনিলা **মূগের নিষিত্ত পুথক শক্ট হইডেছে: হিন্**ছ মুসলমান ভূডাগণ আরোহীদিসকে বিনা

भक्षारवत (अन्त क्षाप्त कारत है। विरुगत सुवि

भूरता सन विशेष निम्छ छिन्दनत श्रीशाहक । अञ्चलिकाका सकटन सक्तित हैति। केश किछ वाक्ति । कृष्टीय (कानित भक्टो थक) प्राट्ट । भारतरक भामका कहिरकदूर्वन, चीक स्ट्रेटन अवर खबारमा जारमान स्वत्या अक नीज वृष्टि स्ट्रेन, कथन नमस्त्र मन ना रहेरव। भक्टवेद चाजाक अक्षिता अक्रिसाहेटन क्षीकृष्टि शाहे (क्षात्रे शहिद्या कामा हिनाव कतिहा) धत्रा स्टेब्राटङ ।

सामत्। हिन्द्र (भिष्ठे कर्णन कतिया प्रतिष्ठ हरे । कट्यक भिष्य काळाड ताचा क्या अखे कना ८ नाय, यरनाहरत्त्र साहे हे मालिएके विकास गार्ट्य अक स्वत हानतानीरक हा एवरेन्ना (नन्छ ग्राट्ड के वाल्कि कशिमसञ्जूत निकार वालीन केट्र । कार्ड हे माणिएकेटे जाराए क क रहेश চাপরাসীকে অপনার বাটাতে ডাকিয়া ঘুদিলাবি लक्षिवाता कांचा क करतम। अविवरण नामीन रुउद्वारक माख्यि को है मन्द्रा नार्ट्य की रूप ३ क विका **क**रियामा कविद्यार्द्यन विवाद कविरम यर्थक्ष मध ब्रेगार्ड । अरु नकल कर्मानाती -करव अञ्चल भिका कब्रिट्य ? यटणाश्ट्यत क्रम यायुक्त लाय काइड ना कि? कामना मरना मरना छथा इहेए अहे ऋल (भाइनीय गश्दान लाहे।

ं ১०३ देवणाथ महनवात ।

निह्यीरगरक्षे बर्गन, भण्य क वितित्र निक-इंकु-এक **नहीं ध! ए**वत स्माकनिरगत म**्लि** कखक ভলি ইউরোপীয় সৈনেরে দাখা হওয়াতে উভয় मरमञ्जू के क्रक छ भिरक इस्मर क स्मरक स्वता इस । अहे দাসায় দৈনিকগণ এক জন এতক্ষেশীয়কে ব্য করিয়াছিল। একণে বিচারপতিগণ সৈনি क्रमिश्रदक मुंख्य कहिता आगवानी भिर्वात छात्रि অবণি সাত্তবংসর পর্যুক্ত মেয়াল দিয়াকেন : বিচার কি স্তখা।

আমরাউজেপত্র পাঠ করিয়া আছে।দিত इहेलाम. फूलारल वालिकाविष्ठालस्त्रव आविष्क **रहेर्टर्ड । क्षत्रमङः । भागिरिक्स अरम**ने भिष्ट्यात अवजी विश्वासम् द्वालन करान। एकः ষ্টাম্মে বেগান কুপালে কার এবটী বিশানর স্থাপন করিবার কাজ্ঞা দেন। একানে সর্বাপ্ত क्तिकी विष्ठालय स्ट्याट्स पुनीट्नत्र विमालट्स প্রায় ৮ • টা বালিকা আছে। ইয়ারা প্রাতঃকালে लिया भठेन ७ कक्ष निका अर्थ देवकारन स्टीव কাজ শিক্ষা করে। আলোয়ারের রাজাও বালিক विन्तानम् जानमार्वं यहवान स्टेमारकेन ।

ডাক্তর লিটনার ওকালতি পরীক্ষা দিয়া-(इन । ইशास्त कुछ कार्य। इ**रेटन फिनि नकार**वत श्रधाम विहातामदम अकामणि केन्रिट्यम। भर्म (मन्द्रे निक्कतिशस्य (व **छे**रताव के निक्कतिम् ভাষাতে চিরকাল শিক্ষতা করিয়া জীবন যাপন করা অল্ল লোকেরই অভিপ্রেড।

यां है दिव मा।

कु किन कि अनिक मार्थक हैव है। कि है कताञ्च एक (यम।शिक्ष क्राचित्राक्रिया, का প্রেছাম ১+, -- টাকা আমীন লটয়া ভাষ মুক্ত করিয়ারেন। আমরা দেখিতে পুলিয় কর্ম চারিলণ এ হত্যালীরও কিছু করি পারিকেন না।

(दर्भ वालिका दिन्। जारबाद (भाषकभा क्षिक इड्राट्ड। जनर्याष्ट्र व विम्यानप्राप्ती সূভা হইতে চলিত। সভা সাক্ষাৎ সহকে গব केटक अकल विषयं। खामाहेर खें। अ भिन निगरेनेष्ठि जानद्यान निवसन जिल्ह शवर्गत विकासमूजीतक जिल्लाकेत आहिक नाटग्टवत्र इटल नियादहन । मजादक किरंबले स्थीन इंडेब्रा काञ्च कतिएक इंडेर्टर । व्यासना व कतिलाम किंगिकारण मन्त्र हेशएक भन प कतिहार्डन। विशामाभरतत्र मन्न (मार्ट्स्त আটকিন্সনের সদৃশ লোকের অধীনতা স্বী क ब्रिट्ड भारतम ? अभिरक अवर्गमन्हे हैं डेर्ड লক্ষয়ত্রীকে এতকেশীয় সভার ক্ষয়ত করিতে চাথেন না। কেবল জাড়াভিম অনুনোধে একটি হিডধর বিদ্যালয়কে উ করা খ্ইডেডে 🛊 🖡

রঙ্গপুৰে এক হতার বিচারের স अप दिनात मास्टिक्टिके निकले अक ও গেসিয়ন ভাছের নিকটে আর এক ৰসাতে সেসিয়ন জন্ম তাহাকে মিখাৰ श्रमाह्मत अभवाद्य हो जमाहित्य अर्थन क দও দেন। বেশর প্রধানতম বিচার অংশীল করাতে বিচারপতি ই, সা বলিয়াছেন '' জল যেএকারে অপরা ক্ষেত্রদারিতে অর্থণ করিয়াছেন, ভাষা স নিয়মিত প্রথাবিক্স।

इंग्लाइटबढ़ कुषकपिट्राइ म दिख श्रीनक्द्र विवास हिका भिद्राहरू। मीलकरत्रदा खेखि ১२ টাका विदारहरू । अवस्थता आहेर करि कुनका है हो एक अंक ना क स्वाम क्रिक्रारा क्षत्रां क्षत्र व छेठारेया (क्येन सीगरे चनन (छट्ड। बीनकत्रदात्र आमनाशन (व क्रिय महिट्यम काहा वस कमा स्हेग्राटक अवर व मीलक्य कृष्यि क्य ७ मीरमय रिमाय والمراج والمستعود والمستعدد والمترون والمتراج وا —8<u>}</u> — ______

कतिराज्यका । अपि स्थापत विषया किष्ठ मार्च हा की छ आत विकूष्ट 'स्ट्राव ना। अट्टे विभाग एक कित्र वा स्थापत स्थापत দিন অক্তঃ কহিফেনের ম্যার নীলে লাভ না ংয় ডড দিন কুষকেয়া একুভ≇েশে সঙ্∂ষ্ট श्रेरत को ।

১ ल. (म अवर्शत एक बदल मिनलायाद्धा कति तन। १८वंड (क्रमहत्त अकाकी **शमन क**हिएस कि -!स इ.स. ना २ 'ठाड़ा इ**डे (ल माननकार्यः (क**) जिन লর সভাপতি দায়। চ**লিতে পারে**।

্ডালান্ট্র অবেণ ক্রিয়াছেন, আলামী নের আরতে লেপ্টন্ট গ্রহ্র আসাম দুর্শ া গমন করিবেন।

উक्त भन्न करभछ इदेशास्त्रम्, भिवकृथवरम्मा গণায়ের মুক্তির নিমিত্ত সম্প্রতি যে জ্বাবেদন া ৬য়-লেপটনাট গ্ৰগর ভাষা অগ্রাহ্য করি ্যেন। অল লোকেই এনিমিত ছ: খিত ১ই-**4** (

উজ পত্র সংবাদ পাইয়াচেন, ভার্মও वर'द्वर भिकटो अक्ती मतिका कविया काउक ল কানাৰ বাধা হইবে। কোন শানাৰ জাহাজ । अ. व्यायन क तिएक मा भारत, जर्भरम हे अहे দেশে ইছা করিভেছেন। এক শত দশ বংগ ৰ মধ্যে এক বার ওলন্দাজগণ এই চেই। করি ছল। ফরাশী বিল্লব্যটিত বিংশাত বদের মুক্তে ও কোন শত্রা গ্রহায় এবেশ করে নাই। ভবে েভরে মরিচা হইতেছে ? মহিচা হইলে কভক লৈ সৈনিক সাখিতে হইবে , ভলিমিত একটী দু ছুৰ্স ও বাহিকের প্রয়োজন ২ইবে। আম্রা খতে ছৈ, সর জাম লারেন্স পদত্যাগ করিবার বিআর ৫০ লক টাকা সমুম্রে কেপণ করি ।। লাভ এলেনবরাও এমন দৈনিক অপব;য় (मर्यन नाई।

३३ हे टेक्सीच दुशवांत ।

বোষাই ও বরদারেল ওয়ে কোম্পানি আহাগ গুজাপনাদিগোম রেল**ও**য়ের সাহত ভারতব-(अम अरवत मरस्थान कतिर्वत । डीहातः । দেলীতে উধা সংযুক্ত করিবার ইচ্ছা শ করি**রাছিলেন**। আগরাতে সংযোগ া কলিকাডা হইডে বোৰাই যাইডে ১৫০ ণ পথ কম হইবে।

পিয়নিয়র বলেন, সম্প্রতি ইংলঞীয় গবণ এ দেশেববসভাক্রণভা গরুর বীজালইয়া ও দিকা দিতে চাহিয়াছেন। এই নিমিভ । तथान रहेट कील झांरस शांठार सार्वा বক্ষালনের চিকিৎসালয়ের প্রধান পরিদ-া - বিল ধলিয়াকেন, ইংলগুলি গ্ৰৰ लक् कार्रिमारहर, देशह अभिक्षे

তিনিছিনীয় আনজার প্রতীকা করিয়া আনগা **७७: ब्रचानकात शावनएडत वील मिएक व्यक्ती** কার করিয়াছেন।

সম্প্রতি দর উইলিয়ম মান্স কিল্ড কোছাটে পঞ্চাবের দীলাস্থিত দৈনাদিগকে দর্শন করিয়া আহলাদ প্ৰকাশপূৰ্ণক ব'লয়াছেন, ভাছারা যে কাজ করিয়াছে, ভাগতে গবর্ণমেন্ট কুডজ কাছেন। কিন্তু শান্তিক্;পনই যুদ্ধের উদ্দেশ;। সর্মানা সীমান্তিত বন্যনিগকে মন্ত করিলে কাজ হইবে না। ভাষাদিগকে সভ, পাশে বন্ধ করিয়া হস্কুকরা কর্ত্তর। দেওয়ানী কর্মচারিলণ ও देश नक्षार्थं अजि विद्युष्टमा कड़ा छ हि छ, (करन रम धकाम कर्द्राल काख इहेर्त ना।

পিয়নিমূর বলেন, পার্চনার সিবিল সার্জ্জন ডাক্তর হচিন্সন বেহাবের উঞ্চপ্রশ্রবণ সকলের পরীক্ষা করিয়া গ্রাধেন্টের নিকট এক রিপোট করিয়াছেন। ঐক্যেন সর্মশুদ্ধ ১৪টা উঞ্ প্रस्तर्भ कार्ष्ट्र । खर्मत्र देक्षका शर्ष्ट्र ১०१ ভগরি। স্বাপেকা देकार्धक लोक প্ৰিক্ত জ্ঞান কৰেন। ডাক্তর হৃচিকান এই প্রত্র বৰ পদক্ৰজে পার হইয়াভিলেন। তথ্যধ্যে প্রায় ভিন হাত অংশ হইবে'। হাচিতান অভি কঠে উহার মধ্যে কর্দ্ধে পদ রাখিতে পারিয়াছি লেন। পুর্বের লোকের সংস্থার ছিল এই কুতে জীব থাকিতে পারে না। কিন্তু ডাক্তর হাচিলন সকলের সমুখে উহাতে কডকগুলি ভেক নিক্ষেপ করেন। ভেকেরা অভিস্থার তথার की ए। कहिएक मालिन। এই नकन शब्दावरणत জন অভিনয় বিশুদ্ধ। এই জলে খাস্থের পক্ষে কত দুর উপকার ২ইডে পারে বঙ্গদেশীয় গবর্ণ মেণ্ট ভাছা আঃনতে চাহিয়াছেন।

কলিকাতা হইতে জাগায়ে প্রেরিক্ত ১৫ ই এপ্রেলের ডাক ও বালি পুলিন্দা সকল একা-পুত্রে নৌকা ডুবি হইয়া নষ্ট হইয়াছে।

১২ ই বৈশাধ বৃহস্পা, ভবার।

ষে ফেনিয়ান ডিউক অৰ এডিনবরাকে অত্তেলিয়াত বধ করেবার চেষ্টা পায়, ভাহার योभी रहेश्रास्त्र ।

আলভিরিয়াতে ছডিকনিবকন ভয়ানক क्षे स्ट्रेट्ड्इ स्मार्क्षित्व निक्रवर्शी এक এটেম একটী জ্রীলোক আপেন দাদশবরীয় এক বনাকে বৰ করিয়া ভাষার মংংস অন্য জন্য गढान निगरक धानान ও यहर उक्त के ब्रिहार्ट्ः। কর্তুপক্ষ এই সমাচার পাইয়া তথায় ক্ষমন করিয়া দেখিলেন জীলোকটা কংপিও ও দেটিল

मदनाक कदिएक इन सनीयात क्रम्य इशिक्ष करे भारेषा छुन्छ भारता असू क করিতেছে।

১৪ ই এত্রেল সর উইলিয়ম মুব क्ष्यमात्।ग्रद्धतं कारबरचा इन्छ नगरक व বিতেরণ করিয়াছেন। ঐ নিব্দ এক দর্ব: কাশীর রাজা রাজাদেরনারায়ণ (৭০৮ ১ অনেক এতদ্দেশীয় সম্ভান্ত লোক এখানে श्चित्र हिट्सन

ভরতপুরের রাজ'র একটা পুর হও ১৪ ই এপ্রেল আগিরার টুউরোপীয় ভার দিগের এক ভোজ দেওয়া ইইয়াছে। জ বর্থেরাজা প্রাপ্তব্যবহার হট্য়া শাস্ত **प्रकट्छ बहर क**िट्रकम । फ्रांक्टियुद्ध स সুপ্থলার মিমিত সকলে পোলিটিকাল ত কাপ্তেন ওয়ালটাসকে ধনবেন প্রদান করি ा**का** त्य निका शाहेशाद्वन, एन**ग्**राद्व कट्रन हेशहै मक्टलत क्षार्थना।

লংখী টাইমদ বলেন, মুলি নেউল ে প্ৰভৃতি কয়েক জনভদ্ৰ লোক লক্ষ্ণেয়ে সাহিত্যসভা করিভেছেন। এটি সময়ের তির লক্ষণ।

উক্ত পত্র অবণ করিয়াছেন, বিদ্রোহ ব মৌলবীসর করাজ আলিনামক যে ব্যক্তি ব গুলি গাভিকে লইয়া বিদোধী হন, জিনি গে পুৰে ধুও হইয়াছেন। এই ব্যক্তি আনেক নি ব্যবহার করিয়াছিলেন বলিয়া জনরব আয়া এই বকল লোককে এক কালে ক্ষা করিলে ভাল হল না ? যাকা হইবার হইয়া গিয়াট এক্দে প্রভেকে ভূতপুর্ক বিদ্রোহীর বিচ ভাহাদিগকে পূর্ক কথা সমর্ণকরাইয়াদেও হয় মাত্র।

ইভিয়ান ছেলি নিউসের এক জন 🕫 প্রেরক বলেন, গত শনিবার কাবলিক অ বিশণ ডাগুর ন্টিপ কতকগুলি পুরোহিতা লইয়া হুৰ্গমধ্যে। উপদেশ দিভে গমন করিয়া লেন। এক জন যুবক আফিসর পুরোহিতদিগা क्तियान व्यान करिया व्याप्त करिक मश्दान (एन অনুস্কান্ধারা আফিসারের এম প্রকাশ পাইর সেনাপতি গৈনিক দিগকে সময়োচৰ **ব** পরিধান করিয়া আসিতে দেন নাহ। কা निक शुरुवास्किष्टिशत माशास्त्राई काम्राद्रमः व्यक्तांति नाथात्र विष्ट्राह रुवनाहै। कथा অনেক অবিবেচক লোকে ভাঁহাদিলের প্রতি व्यविश्वात करत्रन।

and the same

कि शृज्य दर्शन, शक्त मश्चारम अक सन । इर्नरमञ्जू अक देखा अवस आविक क कहिशारहन । আত্মহত্য করিছে অভিলাষী চ্ইক্লা ^{*क्र†}शोत (त**ंगवरप्ररफ**ं सम्बद्ध कृतिमः **१८**कः। ^{্র}সময়ে ক্ল'ভ বেগে ব**'ইডেছিল। স্থত**রাৎ रय काहात मृद्धा हहेब्र'रङ् ।

🖾 ডি রিসড়ার বাঙ্গালি ও বালিকা াবের পুরস্কারপ্রদান উপলক্ষে কডক উদ্যোপীর ভদ্রনোক ওক্রীলোক উপস্থিত ে একণে ইউরোপীর ভরলোকেরা ্রই রূপ ব্যবহার করিতেভেন। ইহাতে ভয় জাতির সৌহাদি আনর ও দৃড়বদাহই ভাহাবলা**ব'ছ**ল।ে

<u> लाष्ट्रे काकिएमत श्रमान काम मन्हिंच</u> া গবর্ণর জেনরদের দৃষ্ঠান্ডাতুসারে আপ মেচারিগণকে লইয়াসিফলায় এীবাকাল হিত করিবার নিমিত্ত ঘাইতেকে।

िनकाडा ও निकर्वेवर्शे करम्रक्ली आरम ঠার প্রাছর্ভাব হইয়াছে। কিন্তু এ বৎসর मः थेता क्या स्था साहे एक एक । क्या महा ভদ্ধি, অনেক স্বলে গোনিওপেথি চিকিৎ অংগোগ্যাধনে কুভকাৰ: হইভে

থেবেনিট বোর্ড প্রডেকে কালেইরিডে জন নকল নবিস রাখিবার আংআকাদিয়া हेर्दात्। निर्शास्त्रत्र प्रमण भाहरतम अवश : বডৌড আর কেছ কোন দলীলের নকল হ পারিবেননা। প্রভাকে ছোট আড়ার ং ও বড় আড়ার ষ্টান্সে ৩২ প্রিক্ত छ इहेर्यः नकलं नविरुप्तः। ১०० 1 কথ∵য় /1. WIRT & 1 ... ী কথায় 🗸১ • আৰো পাইবেন । ক মকলনবিস ২০ টাকা পানকালেট্র মন বন্দোবস্ত করিবেন। অব্য বুঞ্জিয়া বিদের সংখণের হাস বা রক্ষি করা : এক্ষৰে যত মকক্ষা শ্লু, ভাইাতে জবি র্বগণ পরস্পরে সকল দলীলের খসড়া নইয়া থাকেন। ইহাতে ভাঁহাদিগের ক্ষণ্ডি केन्द्र अधर्गस्य होते वास्त्र मान्य मान्य अध्यक्त র নিকল এক অংনা মুলেরে স্থানে भिश्रम रहेरल लारकब्रह माफ रुब्न, ब्राब्स ब्रं•हर्गा।

এনার হরিছারের মেলায় প্রায় ৩০,০০০ গিয়াছিলেন । পুলিধ আহুদেংক্লান্ত াক্ত গুলি ইউ রমরূপ করাতে লোকের পীড়া।

नकरमत्र मरकाञ्च प्याटक, अहे मरनमनिवर्शन উম্মন্ততা হইলে আরে রকা নাই ৷ কিন্তু এই व्यवद्वां सु खांख्यत वार्ट्शन अक वाख्यित बारताना क्तिब्राइम । : तागीरक अक क्रिक्टिक वसन করিয়া ভাষার সর্বাজ কর্মনারা উত্তময়ণে আরুড করা হয়। কেবল মন্তক্ষী বাহিরে ছিল। ভাহার মন্তকে ভাবরা লাগিতে পারে এমন श्राम अक शांकि देश सत ताथा श्रा शरव একখানি ভাগ চাইতে সমানাংশে পারা ও গলক মিজিভ করিয়া ভাগা সেই চাইতে উত্তমরূপে मार्थाम रहा। এই हार्डे खेक जातात निकटि कार्रित উপরে রাখাতে ভাহার বাম্প রোগীর মস্তকে লাগিতে লাগিল। প্রথমতঃ ১৫ মেণ্ এবং ভৎ পরে প্রতি ষ্টিকায় ৫ প্রেণ করিয়া কালমেল রোগীকে দেওয়া হয়। এই প্রক র বাস্পর নিতে लाशिएक हाक्रियकिकात मध्या (ताशी व्हित हहेन । भारत मूर्च **प्यामाएड** (त्रांश এककारन मि: भिष्ठि । रहेन।

১১ ই বৈশাৰ শুক্তবার।

कनिकाषात्र विद्विभिनानिष्ठि कृनिवासाद একটা অভিশয় অভ্যাচার করিভেছেন। ঐ স্থানে যত বাটী আছে তাহা প্রায় গবর্ণনেটের খাদের ভূমির উপরে স্থিত। গ্রণ্নেটের ष्ट्रिये कहत्वि माहे विलिश व्यानतक हेगावड शकृष्ठि शक्षक कति। १६व। अकरन अहे कृषि সকল অভিস্থিগতৈ প্রদান করাতে ভাঁহারা ৮:১০ তার করবৃদ্ধি করিভেছেন। এটা অভিনয় অন্যায়। বেদকল স্থানে বাদীপ্রভৃতি প্রস্তুত হয় ভাহার করবৃদ্ধি করিলে বালীর মূল্য থাকে না क्रिंगान अ विष्रुष्त करमक समीमात्रक छ भवा জন্ম করিয়াছেন।

रेखियान (छलिमिछेग वर्तम, क्षात्रक्रवर्धीय अवर्गस्य केत्र **कहरताधाङ्गारत कालीय अव**र्गता के সমূহ যাবভীয় সিবিল সার্জনকে ওলাউঠ। কমতা সমান রহিল। অঞ্চলিগকে ১০,০০০ জনিত মৃত্যুর এক তালিকা রাখিতে বলিয়াছেন। স্থায়ত আপীল আগণের যে ক্ষমতা দিসার व्ययास्य व्यथिक खात्र स्ट्रेट्ट त्रवर्गस्य हे रम्बार्स অভিরিক্ত সৰ আসিষ্টাণ্ট সাৰ্ক্তন প্রেরণ করি (वन ।

नाताकशुरत्तत कृष्ठभू सं कार हो मध्य है माजि ক্রেট কাপ্রেন ওয়ালকট পালিহাটির শাখা ভার ভবরীয় সভার অধ্যক হটরা অনেক উপ্কার সাধন করিয়াছিলেন। ভিনি এক্তবে হাজারি बारत बन्नि इंडब्रोर्फ मर्फी साहारक अक किन्द्र किया है। एक किन है नियन हम म ওয়ান প্ৰতিক ওপিনিয়ন বলেন, ছঁসি নিক্ষন প্ৰপ্ৰধান করিয়া ধলিয়াছেন আপুনি বের - চিকিৎসক ভাক্তর বার্থের কুকুর অভি নহান ও সদানর। খুড়ীর দর্মের বেপ্রকার টিকা বেভনে জাঁহার প্রতিনিধি ইইয়াছেন

माराष्ट्राः चार्षः चानतात खारा तथा परिए काशनात परमणीरम्या अहे मुद्रीरकत के করিলে ভাল হয়। কাপ্তেম ওয়ালকট উপযুক্ত এদান করিয়াছেন ৷ কিন্তু ব্যক্তিবিশেবের বি विष्या मञ्जादक मञ्जर्क कविद्यादकमः। य এ প্রকার পরের কাল্পেন ওয়ালকটের স্বাদে দিগকে ভংগনা করা বছ বুদ্ধির কাম ইয় কাপ্তেন ওরালকট সাধারণ আন্দাব পাতা য নাই !

গতকল্পেক্স ফিব্লিলী জীলোক বার্থোনামক আর এক জন কিরিলির নাটে विनया मालीन करत (य अकार्यी 'शूर्मता অর্থীর কন্যার সহিত কুব্যবহার করিতে আ করিয়াছিল। কিন্তু বালিকাটির অদাপি বংগর বয়:ক্রন হয় নাই। এ.৬(পী আ দোৰ স্বীকার করাতে মাজিতেট বানসন ঘ কঠিন পরিপ্রেম্ব সহিত ছই মাস মেয়াদ (इस। कलिकाक'त कितिक्रिक्रिशत भ**र्**ष অভিশয় জ্বন েইহা দিন দিন আরুও **ক্ইভেন্নে । সন্ধ্যা**ৰ পৰা যিনি মেরিভি**ধ**া ভিতরে প্রবেশ করিয়াছেন ভিনিই এই যে ধর্মনীভির সাক্ষা দিতে পারেন।

38 इं देवलाच समिवात।

গত কল। মুদ্দেক ও সদ্ধামীনদিগের বিধিবন্ধ হইয়াছে। আমরা হব হাউদ সাহ विरामत धिर्धि रा आपस्थि कतिशाहिलाये ভারতবর্ষীয় সভা আপনাদিগের আবেদন (यश्वनि ध्रम् कर्त्रम, वायशायक मणा च যৌজকতা খীকার করিয়াক্ষমন্ত্রপ ব করিয়াছেন। যাঁহারা আইনের পরীকা ি हाशहार क्वन पूजायशङ्ख्य अन भारे मनताभीत्मद भार डेकिया ताल । भूतनत्क्या ३ টাকা পর্য,স্তের মকক্ষা করিছে পারিছ প্রধান সদরামীন্দিগকে আবশ্ব জাজাব डिएमच करा बहेर्य, डीश्किरभव ও अन्तर्भावि রয় ভাবা জ্যাপ কর: ব্রম্পার্টে। নিমুত্তর বি পতিগণ দোষ করিলে প্রধানতম বিচার डाहामिट्रात (मायारस्यन कतिर्छ भातिर का म दिर्भाष भूरमक ও अभः इ सक् मिश्राक जामायदात कमजा (मध्या हहेरव: अहे जा যথার্থ উল্লভির কারণ হটল।

शक्ष कमा कमिकात अष्टिमिन्द्रितत क्रिक विनाम शांक्यांट डाउन्त माटक मानिक । স্বাস্থ্যসংক্রান্ত ওন্তরসিয়ার দিবেই সাহেব[†] ল কাজ কৰিয়া বাৰ্জক নিব্জন অসমৰ্থ टक अफ़्रियात्रा खँकार्क २००० हे:के। शुत्र-নিয়াছেন: লিকাডি সাহেব কনসলটিঙ যুর হইয়াচেন। শেষোক্ত প্রতীর প্রয়োচন

ত মঙ্গলবার প্রেনিডেলি কালেকোর চাত্র । সভার সাহৎস্রিক অম্বিকেশন হয়। লাড অন্যক্ষতা করিতে চাইয়া ইলেন > কিন্তু অ'নবার্কশন্নিবলন ডিনি আসিতে না ত বিচারপতি,নশ্মাণ'সভাপতির আংসন এছণ । (धिनिएक कि कोर्निएक इ व्यवस्था নি সংক্রে মেকলের বিষয়ে এক দীঘ পাঠ করিয়াছিলেন। তিন বংগরাবণি ारहव अहे विषय्री निश्चिष्डिक्टिन ३ कि छ প্রেব্রুটী অংশামুরপেংয় নাই।

ামুলিবিভ মূলে; গ্রথমেন্টের কালজ ७ इंट्रेड्ड ह াকার সিকা 2310-23110

(神te à≥11--à≥n• 3000-1-30010 ৯ প্রলিকওরার্ক 3.344-7.20 কোং \$

>>====>>u.

---:0:---

ইউরোপীর সমাচার।

ভ্রত • মাচ। সব রবাট মন্ট্রমরি এক পত্র इश्मञीत्र भवनंदमरन्देव निकार विस्मि दाक প্রতি ভারতবর্ষীয়দিগের অসম্ভোবের কারণ শ করিয়া প্রস্তাব করিয়'ছেন, শাদনপ্রধ্যে দিগকে উচ্চত্তর পদ দেওয়া উচিত। .

পালাভের নিমিত য পুথক শাসনপ্রবালী ভাহা উঠিয়া গিয়াছে।

বলজিয়মের অনেকগুলি কয়লার ধনিতে ভর দাঙ্গা হইয়া গিয়াছে। দাঙ্গাকারীদিগকে ক্রিবার নিমিত্ত দৈনাদিগকে আসিতে किल। व्यरनरक भागरगरिश एउ इहे

বারল অব কাডিগানের মৃত্যু হইয়াছে। **ট এপ্রেল। রাজকীয় ভূগোলসভা**র পতিসর রডারিক মার্কসন আসানজিবারস্থ द्र कार्क्त निक्रे स्ट्रेस्ड ४ ठे। स्थ्युयार्तित भद्र क्षांश्व इहेब्राइडम । एएक्टब कार्क ন্:য আনারব হরকরাকে ভাতকর লিবিঙ-त कार्यया अधिन ने कहा इसे, त्र का कि রুপত্র লইয়। উপস্থিত ২ইয়াছে। ইংগর

মতে এক বংগর বিলম্ব হইয়াছে। এই পত্রে जारक, मक्तिको क्रमद्र काद्यश्च खेळाळ नगरत निविश्वरक्षान छेलनीक स्हेब्रारहर।

--88-

म हे अर शन नि हे हे ग्रक के एक नश्वान का नि ग्राट्ड, क्राक्रिक्टित श्राफिनिधि मरनानीक क्रि ं वाह नमस्त्र बीहळ्ळा खित्रमरलं क्रमां करहे सारक्।

এক বঃতিক ভারসি মাকলি সাহেবকে হতঃ৷ করিয়াছে। হত্যাকারী ধৃত হয় নাই।

অব্যালির হইতে মেইল-

যে নৈ আগভাগ

১२ मार्क । इन्होरक आर्म क्यादिनमामक अक জন ফেনিয়ান এডিনবরার ডিউক্কে এক বিবল বার্দার। বণ করিবার চেষ্টা কবে। ঐ বং জ্ঞ ডিউকের পশ্চাৎ হইডে গুলি করে ; গুলিসী পुर्छ अतम करतः कि अ हरे मिवन परत हेहा বাহির করা হইয়াছে। ডিউকের বড় অধিক কঠ इय नाहे। जिनि कारतागा श्राप्त इहेता शुनर्तात নিজ কর্ত্তব্য কর্ম্মের ভারগ্রহণ করিয়াছেন। হত । কারী দিটীয়বর গুলি করে। ঐ প্রেল थ्रवनामक अक् राज्यित शर्म श्राटम क्रिया ष्ट्रम । देनि ও আরোগালাভ করিয়াছেন। একণে रकाकातीरक मित्रस्य मगर्यन कता रहेबारह। ৩॰ এ মার্চ ভাষার বিচার কইবার কথা ছিল। লওন ৩১ এ মার্চ। গত রাত্রিতে হাউদ

व्यव कमरम भाष्ट्रहोन नारहर श्रञ्जाव कतिया (इन, काञ्चादनरकत धर्ममञ्जूषारयत महिक शवर्न ্মপ্টের সংখ্যাব বন্ধা করে। কর্ত্তব্য 🕠 😘র্বে যেদকল স্থান ধর্মনায়ের নিমিত্র টাকা ও ভূ.মিএড়ডি লাম কর৷ ইইয়াছে ভাহ'তে श्चरक्य करा बहेरव मा। लाउ होनली अक প্রস্থাব করিয়া বলিয়াছেন, আগামী মহা সভার নিমিত এবিধয়ের মীমাংসার ভার রাখা कर्डिया । लाम क्रांगरवातम अविवरम् अक वर्कुका করিত্বা গবর্ণমোন্টের এতৎসংক্রোক্ত কয়টি রাজ মীতির প্রতি বিশেষ দোষার্পণ করিয়াছেন। তর্ক স্থ:নিত রহিয়'ছে।

আবিদিনিয়া হইতে আগভ।

अना १ के अध्यन । (वाशंहे २) अ এপ্রেল। একথানি গোপনীয় পত্রে প্রকাশ করে, রাজা থিওডোর সেনাপতি নেপিয়– উপচে কন রকে গ্রহ 😙 📢 প্রদান করিয়া আবিসিনিয়ার আগমনের নি:মন্ত উ:হাকে অভিথি বলিয়া প্রিয় সম্ভাষণ করিয়া ভেন । টাইমস অব ইণ্ডিয়ার বিশেষ প**র্ভে**রক বলেন, সেনাপতি নেপিয়র মাগদালার ২৪ ক্রোনের মধ্যে উপনীত হইয়াছেন। এই পথ

ভিনি আর চারি কুচে গমন করের। ২ मार्क माश्रमात्र छिन्दी ७ स्ट्रांत्र व्यवि करतमा ब्राह्मकान ज्यारमञ्ज अवन्तुः देनमान कुष्णाद्धा त्राका विश्वतः त मानाय উপনীত हहेबा हेमलानि हर्भवश्च क (इस । (मण्यः निशन अधर 'अष्टिन (मनानट्सर्वे कार्रमद अहे मःक त . (य शिवर पात्र वानि রাস্তা অব্রোধ করিয়া যুদ্ধ করিবেন

मधम २৮ এ योक्स विद्वित । अङ्ग শাসনপ্ৰণালীয়টিড যে প্ৰভুলি সংগ্ स्ट्रेशास्त्र, कविष्युत्त आत्मनामननिभिन्न রাত্রিতে লাভ উইলিয়ম হে প্রস্তাব করিয়া বজুতাকালে তিনি ত্রিটিশ শাসনপ্র म्मारबन फेल्लच कतिया दलिएनन, स्वर व्यवानी हेरलए खाएड, जनस्मार कार् শাসন করা কর্ত্তব্য। স্মলেট সাহেব এক বং করিয়া সর জন লবেকেব প্রতি দোষা कतियः एवन। भत्र कम लातुः भ (य ज्याम १ ২ন ভাহার সংশোধন করিয়ালাত কাল্ क्लिटलम, जात्याचार्य ग्राथाकः हात्र প্রশানী হইতেছে; সহিষ্ণুত। ইহার মাত্র দীমা। এমন ক্লোবভাগবিদে(ষ্ স্পারের প্রতি ঈধঃ সুণ করিয়া কাঁহারা ভার থাকিয়া শাসন কবেন, উঃহাদিপের হস্তে ভর ক্ষতা দেওয়া কর্বর। ছ্ইাভে মধ্যে অম হইলেও শাসনের বল ও বুদ্ধিরারা ব প্রতিবিধান ইইবে। সর স্থাকোডনার্য বলিলেন, ব্রিটিশ শাসনপ্রণালী ভারত পক্ষে ক্লুবিধাকর : কিন্তু ড ন্নিন্ত ভারত রাজাতেলি আত্মসাং করা ও রাজানিগকে বিধয়ে আধীন্ত না দেওয়া অফুচিত। বলিলেন, ভারভবর্ষীয়গণ যাহাতে আত্ম कदिए प्रात्न, उतिभिष्ठ डाइमिश्रक र উপযুক্ত করা হংলণ্ডের কর্ত্তর কর্ম।

मिकन पार्ट्य, पत्र स्मिति त्रविभम 😎 আপনের প্রমান্ত্রণারে সর স্থাফোড নার্য (द:बाह् कारकत विषया के के कीच बक्रू रा বাছেন। লাভ স্টানলী প্রাচ্চেন সাং श्राप्तक मश्रामाभन कविद्या व नियारहरू, রলত্তের ধর্মসম্প্রদায়ের বিষয়ের তর্ক আ মহাসভার অপেকায় স্থাত থাকা উ

) मा अध्यम । भण कना नाफ राष्ट्रिय প্রস্তার বিধিবন্ধ হইয়াছে যে, সভ্যগণ প্রথি बाहा जाजायजशकारन ममर्भ स्हेरक ना

গত রাজিতে কমল হাউদে আয়ার ধর্ম ক্রেনায়দংক্রান্ত তর্ক পুনর্মার উপস্থিত शक्ति प्राटस्य चीकात कतिबाद्यन, आंबाद প্ৰদাৱের সংশোধন করা আৰশ্যক, কিন্তু এক কালে উঠাইবার বিষয়ে গবর্ণমেন্ট সীম সূহইবেল না। গ্রথমেন্টের ভিন্ন ভিন্ন य नकले विक्रांचा करतम, आहे हैं नारहर তি দোষারোপ করিয়া বলিলেন, আয়া রাজকীর ধর্মসম্প্রদায় করাতে কোন ফল ই। ওর্কটী পুনর্কার স্থুণিত রহিয়াছে। লে তাখর কিনাড জলসেচনের বিষধ্নে স্থাৰ কৰেন, তগঘটিত তৰ্ক স্থাপিত রা**বি**-প্রার্থনাকরিলেন। এই ভর্ক ছিডীয় বার ্ হওয়াতে তিনি ছংগপ্রকাশ করিলেন। ারতবর্ধ অস্ত্রেশিয়া তু চীনের চাটাড ব্যাক্ষ রা ৫ টাকা লাভপ্রদান করিয়াছেন।

গবৰ্ণ দেল্ট বিজ্ঞাপন লেপ টুনান্ট প্রগ্রের আদেশাস্থসারী নিয়োগ |

৭ ই এপ্রেল। জিবিটি লাহেব প্রণীয়ার ভন মিউনিসিপাল ক**ন্সিনর হইবেন**। ना अद्भान अवधि अ, ज्यात, हेमनम नारहत বার ঘিতীয় ভোণির মা**জিটেটও কালে** চট্বেন। কিন্তু আপাতভঃ প্ৰতিনিধি লি রিনেগুলিব **থাকিবেন।**

জ, এফ, এৌণ সাহেব কিছু দিনের নিমিত লপুরের অভিবি**ক্ত ভজ হইবেন।**

৪ পরগণার ডপুটি মাজিটেট ও ডেপুটি শ্টর বারু কালীচরণ **ঘোষ মুর্**সীদাবা**লে** | ¢ইয়া তথ্য সাজিকেটের ক্ষমতাপাই

হৈ এপ্রেল অন্ধি পশ্চালিখিত নিয়ক্তর ন কাথেনির কবাচারিখন উল্ভ হইবেন 1 য় হইতে বিভীয় শ্রেণিতে বাবুওকচরণ । চতুৰ্থ হইতে তৃতীয় শ্ৰেণিতে ভৰ'লউ,কে, ক্রিন সাতের প্রক্ষ হইতে চতুর্গ ণতে ভবলিউ, এম, সিম্থ সাহেব।

৮ই এপ্রেল। যতদিন বাবু গোপীকৃষ্ ্যধ্যের বিসায় লইয়া অস্ত্রপস্থিত থাকিবেন। मिन (गोलवी अ:वहल म:क्रम गत्रमनि राहत সুৰুষু আমীন চনিধি "মডিবিজ প্রশান वन ।

বেডদিন মৌশবী আমাবছল মঞিক সরকারী র্ব্যাপলকে স্থানাপ্তর থাকিবেনা ওওঁদিম

নাবু গুরুপ্রসাদ সেন রঙ্গপুরের প্রতিনিধি সদর । এক জন মানবলীলা সহরণ করিয়াছেন। নিয আমীন ও সদর মুলেফ হইবেম

২০ এ এপ্রেল। নিয়লি খিত ভার লোকেরা | কারণ মন্নমনসিংক্রে মিউনি-সিপাল কমিসনর হইবেনঃ-अक्ट मन्त्राष्ट्र शाहर थ. अत्र, श्लोक शाहर्य, বাবু হ্রমোহন বসু :

বভাদন ডাক্তর সি, ৩০, উডফোচ যিদায় লইয়া অনুপঞ্জি থাকিবেন তত ফিন ডাক্তর ফে. এ, পি, কলিদ কলিকাতার श्रुविधि भूजिय त्रार्क्षम रहेरदम ।

8 है। अध्यालव देवकाल व्यवभि व्याव, हि, হিম সাহের কিছু দিনের নিমিত্ত ভাগলপুরের প্রতিনিধি মাজিটেট ও কালেটর চইয়াছেন।

রেবরেও এচ মোল কিছু দিনের নিমিত্ত হারজার প্রতিনিধি চাপ্রেন হইবেন।

১७ है এপ্রেল জ। पि द्वनर्रन्थ क्रि এक शि বুটিথ বারাকপুরের চাপলেন হইয়াছেন।

বেবরেশু এচ, ছে, মাথু ফোট উইলিয়ম ছর্গের চাপ লেন ছইবেন।

২১ এ এপ্রেল। বাধরগঞ্জের সহকারী পুলিষ स्थात्रहरू के लाग है के जान कि मार्ट्य कर ने प्रवाशीय यमनी इहेरवन।

• যভদিন ক'জেন এচ, ১'উ বিদায় লইয়। অনুপঞ্জি থাকিবেন , ডজদিন কাপ্তেন এচ, হাতি ১৮৫১ অন্নের ১২ জাইন জনুসারে তাড় কাদীদিলের বিচার করিবেন।

व्यामानिकात वामूलिहाइ मन्त्राम-দাভা লিখিয়াছেনঃ

১। এখানকার সঙ্গবিদ্যালয় ও ডাক্ষরণী সুক্ষররূপ চলিতেছে। স্থাতি শুনিয়া আজনা বিষেচনাপুর্বক বায় করা না হইবে, তাত দিত হইলাম যে, ভাকণর স্থায়ী হওয়ার লিছুদিন | সুদ্ধি eইতে থাকিবে। হাসপুকুর ও **কু**ত পরেই উহার প্রয়োজনীয় ও দ্রবাদির নিমিত अवर्गमन्द्रेहरू २० हे का स्थान्त इहेग्राह्य । कि अ व्यारकरभन विषय अहे भ शृङ्क का कि । বার বিষয়ে গ্রাহ্মট কর্মাও করিভেক্তেন না।

২ ! আমাদিগের রাণাঘাটের ডিপুটী মাজি টেট বাবু মহিমচন্দ্ৰ পাল মহাশয় বন্ধাম মহকুমান্ন স্থানান্তরিত হওয়াতে,ভাঁহার পদে 🕮 যুক্ত বাবু বছনাথ বজু বি, এ, নিযুক্ত হইয়াছেন। हिन व्यमहाति जानाचाटि अमार्थन करत्रम माहै।

७। किছू पित श्टेम, अथारन अञ्जाह अङ् ও শিলাবৃষ্টি হইয়া গিয়াছে। ঐ দিন রাণাঘাটে ষ্ট্রাজ্ঞি দেওয়াল চাপা পড়েন। উহাদের মধ্যে

श्वरथद्र विषय ! **अगावशामणाहे हेरीह**्र

8। शक २৮ क देइटब्राइ অমূ বাজার পত্রিকার শেষাংশে গোয়াড়ী স ত্বিত এক ব্যক্তি তপাকার বারইয়ারি পুষ বিষয় যাবা লিখিয়াছেন, ভাষা সভঃ ৰঙি অভুঞ্জি হয় না। আমি ও পুরার দিব**স ড**ং উপাস্ত ছিলাম। মিরপেক হইরা বলি शिटन श्रीष्ट्राष्ट्रिय कार्यामधिय स्थान, फ नकरमाई श्रीकात कतिरवम । এथारन मंदक অপেকা অসৎ কার্যেই অধিক অপবার য मशतक क्यांनिकिक कम्रात्मिकनिर्शत मर्गा व कहे क्रीक कार्यामध्यम् । अथारन "या পাঁচালি, চপপ্রভৃতির বিরাম নাই। এং দর্কাপেকা যাত্রারই প্রান্তর্ভাব অধিক।

৫। সম্প্রতি পুসা বাঙ্গা রেলং काम्लानि मकल (आनी क कारताशीकरभात वि চ্ইতে পূর্দ্যাপেকা অধিক পরিমাণে ভাঙা তেছেন। এই কাগাটি নিতাক্ত অন্যায়। 😢 লাম ইহার নিমিত কানেক আবেদন পত্র প্রে ইইয়াছে। উক্ত রেলওয়ের কর্তৃপক্ষীয়ের। निग्नमंत्री नियाग्रत्व आरम्ब রাৎ এই कर्दर ।

আমাদিগের কালনাস্থ সংবাদদ লিখিয়াছেন।

कृष्यं वर्ष (प्रताभ क्षेत्रा भारकः स्मई सि প্রসারে সম্প্রতি এখানকার চৌকীদারী টা बटकायस इंडरलरङ। এवादात कि के छोका कत्रियात कारमण रहेशास्त्रः। यन्त्र भिन आ প্রান্থে ১৪॥ টাকা টারু আদার হয়, কিন্তু বে कात 8 हावि छन होकोभारतत (नाइन २०) লাগিতেয়ে : সম্প্রতি আবার ২৪ টাকা ক लाजित्य। अञ्चलित ठीक जामारमूद आधि বেতন আছে। ইহার উপরে ভাষার এব বারে তথাকার রাস্তাদিতে অধিক টাকা হইর। যায়। গভ ১৮৬৬ সালে অক্তর ऋ त्यत्र निक्रे ब्रेट्ड द्वानशुक्तक भित्र नार বাটাপর্যান্ত যে পাকা রাস্তাটী প্রস্তান্ত ক म्राटक, फार्टिक शांध १२० होका वाम एम

সকল অভিব্রিক্ত ব্যয় কালনার চৌকীদারী

स्ट्रेटिक (मञ्जा स्ट्रेशाथारक। यसन ध्र

A CONTROL OF THE PARTY OF THE P ইতে আবশ্যক ব্যয় নিৰ্দাহের টাকাও না, তখন তথায় টাক্ল করা কি যুক্তিসিস্ক ? বকও ঐসকল আমের অবস্থা ভাল নছে : होक क्षथा क्रिकेट्स मिरनहे मकरलड হয়। আর একটা বিষয়ে আ**মাদে**র বিল ।শিক্ষা ইইভেড়ে। ভাছা এই:—সবর্ণনেণ্টের ণক্র**মে এখানকার চৌকীদারে**র বেভন ।সিপাল নিয়মা**ধুসারে কভক** ৫ ও কভক কা করিয়া হইবে শ্বির হইয়াছে। কালনার । এমন কালনায় ১৫ জন চৌকীদার নিযুক্ত । ভা**হাদের বেভনের** এইরূপ ব**ন্দোবস্ত** যে, ভাহারা ওক্রতঃ ১২৪ বিঘা চাকরান ত্মানিক ১৯:• ওটাক্ল হইতে ৫৫৬• া থাকে। (পুর্দো ঐ ১২৪ বিঘা জমিতেই দের মমস্ত (ৰহন পাত্যা হইত ৷) একণে ন মিউনিসিপাল আনাইন প্রচলিড হইলে হয়, গ্ৰ-মেট এই চাক্রান জনি বাজে করিবেন। ভাগ ছইলে ঐ টাকা কি রূপে হইবে ? ঐ স্থানে টাক্ল ক্রিলে**ও** তুজনগায় করে।ছইবে। বোধ হয়, প্রৰ্ণ এই ক্ষুদ্র লামের অবেশিষ্ট ব্যয়ভার এছণ ত পাবেন। আনায়রা অবেগ্ড হইলাম মহা লেপ্টেনাল্ট গ্ৰাব বাহাছর পত্রছারা র করিয়াছেন, যেখানক'র টালের টাকা ধানেই ব্যয় করা উচিত। এমন স্থলে কাল চীকিদারী ফণ্ড হইতে আর যে অন্য স্থানের ান পুরণ করা হইবে এমন বোপ হয় না। নাট প্রণির বাংগছর আরে একটা নিয়ম ল বড় মঙ্গলের বিষয় হয় । টাক্লের পঞ্চায় জনগের অভিমতে ব্যয় করিবার **হ্টলে প্রজাগণের পক্ষে অধিক ফুবি**গা

की नाती हो (क्र.त कथा क अहे, क्यांचात्र साहे টাক্লেরও হসমা উপস্থিত। গত বর্ষে ক্ষমতা ए**ड ७ क**ान दाख्कि এই ग्रिक्स यनिना निम्ना , ভাষার ওদন্ত করিবার জনঃ বর্জমানের ীকা**লেটর বাবুহরচন্দ** ঘোষ এখানে আগ রিয়া**ছিলেন। গ্র4মেন্টের বেরূপ প্র**ভাপ তে ২০০ শত টাকা আয়ে থাকিকেও ह এই টাক (एम्.साह, देश क्यनरे गडा ন্তে: ববং যাছার বা∢সরিক∙১৫∙ টাকা নাই, এমন লোকও ইহা হইছে দ্ব্যাহতি নাই ৷ নিয় জেলীর **ক-ম্চারিল**ের 🏻

ত্রাম কালনাপ্রভৃতি স্থানে চৌকীদারের

া কম করিলেও চলিতে পারে।

र्जिकाविदक्षकारक अभावम (महम्राह्म) আমর। অনুরোধ করিডেছি, বিজ্ঞবর হরচজ্র বাবু কুণাপরবশ ক্টয়৷ উপযুক্ত লোকের প্রতিই যেন টাক্লের ভার অপণি করেন।

এই সব ভিবিএনের অধীন কোঁয়ার লাম নিবাদী শশিভূষণনামক এক ব্যক্তি একটি | विर्निष श्रमेश्मात कांक कतिहारहन। श्रष्ठ टेहज মানে ভাঁহার বাসীতে ডাকাইভি হয়। যখন ডাকাইভগণ ভাঁছার (শশীর-) বাদীতে প্রবেশ করে, তখন তিনি বার্টতে ছিলেন না। দ্রন্তুনি গের বিকট শব্দপ্রাণ্ডে তিনি আপিয়া দেখেন, | ভাঁহারই বাটীভে বিপদ উপস্থিত। ডিনি সেই বিপৎকালে সাহসহীন না হইয়া কোন প্রতিবাসীর গৃহ হইতে একথানা খড়ল লইয়া প্রথমত: ধার্ঞ্ভি দ**স্থ**াকৈ এমন আঘাত করেন বে, সে তৎক্ষণাৎ ভূতবে পতিত হয়। তাহাকে পাতিত করিয়া তিনি ভাপন দার দেশের এক নিভূত স্থানে থা কিয়া ছবাআদের আগমনপ্রতীক্ষা করিতে লাগি লেন। ডাকাইডগণ অমঙললক্ষণ কেথিয়া যেমন বাহিবে আসিবে. তিনি অসনি অলক্ষ্যাপ আ'ঘাতকরিতেলাগিলেন। তখন দস্থারা কে কোথায় পালাইবে ভাহারই চেষ্টা পাইতে লাগিল। ঐ সময় এক ছুরাত্মা শশী বাবুকে অংঘাত করিতে উদ্যত হওয়াতে তিনি পলায়ন করেন। ক্রমে পুলিষে সহাদ দেওয়া হইলে অত্রভাপুলিষ ইনস্পেটর বারুরামরেণু,ঘোষ মহাশয় তথায় যাইয়া কতাক ছুই জন ডাকাই ভকে ধৃত করেন এবং মস্তেধরের সব ইনস্পেটর বাৰুও আৰ ছই জন ঐ ক্লপ ক্তাঞ্দকু;কে ধৃত ক্রিয়াছেন। ৫ জনকৈ চালান দেওয়া হইয়াছে। মপজ্য দ্রবার কতক পাররা গিয়াছে। জাসি ष्ट्री हे माजिए कि है (रहा के मर्शन स कि अप विष्ठां व कर्द्रम, खानिया क्षकान कवा याहरू ।

আমরা অত্ততা বিচারপতি জে আর, ছেলে মহোদায়ের একটি -সদাশয়তার কার্য্য দেখিয়া বিশেষ প্রীতিলাভ করিয়াছি। উৎপীড়িত ব্যক্তিদিগের সাহায্য দিবার অন্য ভাঁহার নিকট ১৫০০ শত টাকামজ্ভ হয়। রীভিম্ভ বিভরণ করিয়াও ১৫০ শভটাকা উজুত হইয়াছিল । ১৮৬৩ সালে যেসকল লোকের গৃহ ভগ হইয়া গিরাছে এবং এ পর্যাভ যাইরো সেই গৃহ প্রস্তুত করিতে পারেন নাই; হেলেট মহোদয় সেই উদ্তে টাকাধারা ঐ সকল লোকের সাহায় করিবার মানরে কলিকাতা েয়া অনেক সামানা লোককে বিশেষ∫সাইফোন রিলিফফ্ও কমিটিকে,এই বিষয় "ছন সহা করিতে হইতেছে। এক জন লেখেন। কমিটী তাহাতে অসুমোদন কৈরিয়া

क्ता कार्यन वक् छेक्त इहेग्राइ। अ বিচারপতি মহায়শকে ধন্বাদ দেওয়া উটা

আমাদিগের গোরালিয়ারছ সং দাতা লিখিয়াছেনঃ—

১। অভিশয় অংনকের সহিত প্রকংশ एक है, क्रक भिरम कामीरमंत्र हेरतार्थि । প্রস্থুত উরাও এইবার উপক্রম হইয়াছে। ৩০ এ তৈত্র ঐ সভার কাঠ্য আহতিসমা পূৰ্মক নিৰ্মাহ হইয়াছে। ঐ দিবলৈ সভা ব্রিংগভিয়ার (চের্রজেন সাহেব) পালটি श्रक के कर⁴न एड नि मार्ट्र व्यानिहों हे मति (समातन (मण्डेमने कार्नन वार्शाकात म প্রকৃতি অব্রত্য বড় বড় সাংখ্য উপ ছিলেন। সভাপতি সহকারী সভ সম্পাদক সভঃ ও অন্যান্য অনেক স্ব আসনে উপবেশন করিলে পর সভ গভ সভার কার্য্যবিবরণ পাঠ করিলেন। পরে সহকারী সভাপতি 🕲 বুক্ত বারু নচপ্রকারতী ওভর্গিয়ার প্রীযুক্ত বছনাথ চৌধুয়ী ও উটাযুক্ত সীভানাথ এই তিন জন ভারতবর্ষের বর্ত্তনান স্থার সঞ্জি পুরাতন আগবস্থার তুলনারি তিনটি হুণীয় বজুভা করিলেন। পেক্ষা জীয়ুক্ত বাবু নবীনচক্ষ্ৰ চক্ৰবন্তী : য়ের বক্তাটি অধিক হন্যুলাহিণীও ম রিণী ইইয়াছিল। তিন জাতিতেদের ব ও আৰশ্যকভাপ্ৰভৃতি অভি সংক্ষেপে র্রপে বর্ণন ক্রিয়াছিলেন। সীভানাথ বজুভাতে রাজনীতি, ধৰ্মনীতি, নিয়মপ্রভূতি উলিখিত ংইয়া বজ্ঞাসমাশ্তির পব मडाभरन्त्र क ভৰ্ক বিভৰ্ক হইল। অবলেমে সভাপতি ম কিঞ্চিং বলিলেন। প্রায় তিন ঘটা। কার্য: চলিয়াছিল। সাহেব মহোদদের। রক্ত চিত্তে স্থির হইয়। বসিয়াছিলেন। উ সভার কার্যবিবরণ বিশেষতঃ ভিনদী বং জ্রবণে যার পর নাই প্রীভিভাব প্রকাশ म्राष्ट्रिम अवर राज्यभीता त्य कातज्वत्यंत বুদ্ধি ও গভাডাতে সকল জাভি অ শ্রেষ্ঠত্ব লাভ করি ভেছেন ইহা মুক্তকঠে ব করিয়াছিলেন।

भानिक्रेरकल अरङ्ग देवीन वातुत्र महिल ধর্মদংক্রান্ত ও স্ভার উদ্দেশ্যসংক্রান্ত ও कथा करियाहित्यन । छिनि करित्यन, हो (क।म कर्ण्यत नरहः ईंशता (प्रचिट्ट हर्मा छातृभाषक ও आदि नौहै। करनल मार्टेड्ड मर्फ माक्तिनाका श्रद्धमंत्रि াণ অনেকাংশে গভঃ ও বুদ্ধিমান। ইনি कीश्रमिरशत व्यर्भका माकिनाअर्थःतीनि বশেষ সুখ্যাতি করি**লে**ন।

বিবেড়িয়ার জেনরেল, কর্ণেল ভেলি ত এত বড়বড়.সাংহেবেরাযে একপ वर व्यामारम्बर महाब्र जामामह (मारक्त মিঞিত হইতে বুঠিত হয়েন না, আমর: পুরের জানিতাম না। মক্ষলইছ দিগের নিক্ট প্রার্থনা যে, যদি ভাঁছারা । মিলিয়া বিদ্যালোচনাও অন্যান্য সদা াবরেন, ভত্রভা এধান এধান সাছে ভাছাদিগকে উৎসাহশানে বির্ত হই না এবং বাঙ্গালী নামের গৌরব রুদ্ধিবও অপেকা থাকিৰে না। এস্থান অপেকা দেশের অন্যান্য স্থানে অনেক অধিক ী আছেনা কিন্তু একানের ন্যায় আন্যান্য র বাজালীদিগের মধ্যে এরূপ সদস্থানের 🖈ত হয় না। সভার দিন (জনারেল সাংহ্ব শেগর্ভ ও উৎসাহপূর্ণ গুটি কভ কথ। া আমাদিগকে উৎসাহিত করিয়াছিলেন ভাঁহারাসকলেই মধ্যে মধ্যে আসিবার

ा गण्ड । ना देवनार्थ नववर्रद्र छैरमधार्थ দের প্রিয় বন্ধু নবীন বাবু একটা মনোছর 'न সকল বাঙ্গ'লীকে লইয়া ভোজ বি৯১ লন। উক্ত দিবস সমস্ত দিন উদ্যানস্থ লে বলিয়া মনের উল্লাসে ন,নাবিধ কোমোদে অভিবাহিত হইয়াছিল এবং ার মধ্যে ভাতৃভাবের ও অকুব্রিম প্রীন্তির চপ্রবল বেগে প্রবাহিত হইয়াছে গভ ্যে দলাদলিভাবের কথা লিখিয়াছিলাম বাবুর অমায়ক ও উদার ভাবের প্রভাবে র কোন চিহ্ন লক্ষিত হয় নাই।

প্রকাশ করেলেন।

। একাসে আর একটা ইঞ্নিয়'র আফিস রকথা যে পুর্কেরি লিখিয়াছিলাম, এই ৰমাসংইতি ভাহার কার্য আনুরত হুট্ া এখন এখানে ভিনটী ইঞ্লিয়র অফিস্ । भवर्गमन्हे स्वन अञ्चलक छेलव विष्मग्रकाल াবেন। প্রজাদিগের শোণিত ধেন কেবল ল কুণ্ডের পানীয়ানাহয়

চ পত্রে যে চোরধরার কথা লিখিয়াছিলাম, লাম শেই চোরের কঠিন পরিশ্রমের সহিত

e वर्गातंत्र स्मा कातावात्मत मध क्हेबाटह অসভ্য, বুদ্ধি সেইরপ, ইহাদের বিদ্যাশি । এবং পুলিবের উপর কাকীনমেণ্ট মাজিকেটের विद्यान पृष्टि अक्तिशाह्य माकिएके आहर যেরূপ উপযুক্ত ও বিচক্ষণ ভাষতে বোধ হয় এখান শীন্তাই লাস্তি সংস্থাপিত ইইবে ।

> e भागितिकन अस्त्रके कर्नन (फिलि সাহেব भी खर कवकाभ लहेशा अधान स्टेट याजा ক রবেন। ইইবে সহিত আলোপ হইয়া অবধি ইখার ৪০ে আমরা এরপ ধশীভূত হইয়াছি যে इंडाटक हास्प्रिक इंग्हा इंडेटल्टड मा ।

७ ! अचारन अधन औरवात श्राप्ता विश्वकृत অসুভুত হইতেছে। মধ্যে মধ্যে দিবাবসানে কাটিকাউ, বত হইয়া ধূলিরাশিখারা গগন মণ্ডল এরপ আমাস্ত্র হট্য়া হায় যে, রাস্তাচলা कात रहता छेरते। अरहरण। लाएक इहारक व्याधिकत्र।

আমাদিগের দোরত সংবাদনাতা লিখিয়াছেন।

১।গত চৈত্রমানে মহিষাদলাভূপতি বড় दाकिनामक बाह्म खंदनक मिम्नकादक कान গৃহক্ষের বাটীতে চৌধরেতি করিতে আসিয়া স্কিংননসময়ে ধৃত হয়। গৃহত্ত ছোকে **रक्तनभाग वाचिता वाज्याम अःडिम्ट**ाट्ट সমাচার দেয়। ওদত্পারে থানা সুভাহাটীর সব ইনস্পেটর মহাশয় উহার অলুস্কানজন গ্রন कविया (पश्चित्वन, म्यूर প्रकाश शांख इदेशी है। এক্ষণে উক্ত অপহারকের পুত্রকলত্রাণি এই বলিয়া অভিযোগ করিয়াছে যে, গুৰুত্বের সহিত কোন কারণবশতঃ মৃত ব্যক্তির শুজুভাব ছিল उद्धना छारारक अभीकार्य। निकार्यर प्रत বীর বাটীতে আনমনপুর্দক লওড়ায়াতে নিহত করিয়াছে। গৃহস্ত তৎপ্রতিবাসিগণ कहिएछ।इ य मञ्जू वक्षमावऋ।एउই विष्ठ চিকা রোগাক্রাভ হইয়া স্ব ইনিস্পেট্র মহাশয় না উপস্থিত হইতেই কালগ্রাসে কব-लिक इहेशारेकः छिक्त विष्टवत व्याप्त्रकान अन्। তমোলুকের সব ইমস্পেটর মহাশয়ও আমগন क्षियाहित्सम्। किमि कि क्षिया গিয়াছেন এ পর্যান্ত জানিতে পারি নাই।

২ ৷ গভ ২৩ এ৯ টৈচত্র শ্নিবার দিন্মণি অভাচলচুড়াবলধী হইলে পর এখানে ঘোর ভর বৃক্তি হইয়া গিয়াছে। সেই সময় কুঞ্চনগরত্ব অবৈক গৃহত্তের বাসভ্তন বজুাপ্লিলারা এক বারে ভক্ষীভূত হইল্লাছে। সৌভাগ্যের বিষয় এই (व काराजु अभीवम नाम एव नाहे।

৩। গভ ২ রা বৈশাখ রবিবার বি খালীনিবাদী বসিরাদিননামক কোন মুসুল उथाकात हरूक्षणा वर्षनामञ्जल क्षेत्रात ক:লে আপন আবাদণতেই নিকটে আ বজাঘাতে মানবলীলা সম্বৰণ করিয়াছে।

প্রেরিত।

মান্ত্র 🗿 যুক্ত দোমপ্রকাশসম্পাদ মহাশয় সমীপের।

নদিয়া জেলার অন্তর্গত শাল্পিপুনের দক্ষিণ স্থিত মালিপোডো নিভাস্ত অধানক আম ন একানে ও ইহার স.ই.ইড কয়েক এ:মে বি क्ट्रातारकत वनाक। अहे अन्यन्त्रम्ट কালে বল্লাল প্রতিষ্ঠিত কুলের পতাকা উচ হইয়াছিল। অরতঃ সমা**ল নব্**ষীপা**ত্র্গত** ''' সমাজ্ঞ বলিয়া বিখ্যাত। কিন্তু একংশে বংশপরক্ষারান্ত্রায়ামী হওয়াতে প্রকৃত : সে ্রপ্ত হইয়া পড়িয়াছে ৷ স্কুতরাং ইহার आमत्र माहे , এখন উशु नाना मास्यत्रहे ज इहेश्रा **উर्दिश्रारङ् । व्यास्त अव व्याद्य ए** । व्यादिर গের আর পুর্দাগৌরবে গর্দিত হওয়া দেখালুনা ৷ এখন ধ'হাডে জনাত্রকে বর্ সভ্যজনপ্ৰয়ধ্যে পরিগণিত করিতে পা যাহাতে ইহার মুখ পুনরুঞ্জ হয়, তাহিষয়ে এ চেষ্টা করা অধিবাদীদিধের অভীব কর্ত্তর। আন্তরিক আড়ানিগ্র্গারে প্রকাশ করিছ স্প্রতি এখানকার শুবকস্থানায় এই হি রতে দুদ্রের রাজী ২ইয়াছেন।

हेर् १८६व अथम हिमादम मा नरभाकांत्र कारकत वाक आंशक इहेबारक। अ এইরূপ সুবিধা পুরের না থাকাডে ঔ যে কত কই হইত, ভাগে বৰ্ণমাজীভা। 🔊 আসিলে শান্তিপুরের ভাক্ষর স্ইতে কার্য। নির্মাহ হইত। শান্তিপুর এখান ৫।৬ মাইল অস্তরে স্বিত। যখন গ্রামে ভ থাকিলেওকোন কোন স্থানে প্রাদি প বিষম গোলগোগ উপস্থিত হয়, তথম এং ব্যবধান হইতে প্র পাইয়ার যে কি বিশ্ ঘটে, ভাহা সংজ্ঞেই অসুভব করা যায়। দিনের পত্র একতা না হইলে ভাক ঘর হরকরা আগিত না এবং প্রতি মাত্তল ু পত্রে 🗸 আনা ও বেলাবিও হইলে 🥒 कतिया पश्चिमा ना मिल्म भद्र भाहेगी **रुहेफ ना । ञ्**छतार **हेहारफ कफ** दि

क उपाञ्चिमा करेफ, छाशा मकालाई व

রেন। আবার পত্রাদি ভাকঘরে। দতে হই
ও যাভায়তে ১০।১২ মাইল না হাটিলে
ইয় সম্প্র হইত না। এইসকল কারণ দশা
। মালপোভায় একটা ভাকঘর সংস্থাপনেব
বৈদন করা হয়। ভদুসুসারে ইনস্পেটর পোষ্ট
রৈর জীয়ুজ বাবু দীনবস্থুনিত্র মহাশয় এখান
র অবস্থা পরিজ্ঞাত হইয়া একটা ভাকবার
রবের ব্যবস্থা কবিয়াছেন। ভাচনা জমরা
লকে ধন্যবাদ প্রদান করি, নিস্ত ভিনে একট্ট
য মনোযোগী হইলে ঐ স্থানে একটা শ্রামী
হার স্থাপিত হইতে পারিত। ভালবার দ্বামী
বাসাদিলের আনামুদ্ধাপ ভূচি অসে নাই।
প্রে আমাদের অসুরোধ এই গে, ইনস্পেটর
ইমাইর মহাশয় আনুসুনিক ভদস্থ করিয়া
মেন্টে এ বিষয়ের বিজ্ঞাপন করিলে একটা
স্থামী ভাকঘর হইতে পারে। গ্রামী ভাকঘর হইতে পারে।
গ্রামী ভাকঘর হইতে পারে। গ্রামী হান হই
ভিন্ন বায় চলিতে পারিবে।

দ্ভীয়, মালিপোতার কতিপর যুবকের াহ ও উৎসাহে অবতঃল দিবস হইল একটা জি বাঙ্গাল। বিদালেয় সংস্থাপিত **হট**য়াছে দেয়ে যুৱক দিগকে ছই একটা কথা বলিয়া য়া আমাৰণ;ক: যাহাতে অনুলটীজায়ীহয়. ৰয়ে একান্ত মনোদোগী ছওয়া উচিত দের বেতনের ২'র রুদ্ধি করিয়া এবং গব 😽 সাহায় লেইয়াঐ উভয় টাকাইই ৰাহাতে জ্ল চলে ভাগা করা বিদেয় . য় চীদার উপর অধিক নির্ভর করিতে গেলে লয়ের অংবস্থাযে পরিণানে কিরপে দাঁড়ায় कारतरहे काउ काइन अदर कामता उ গার্যের জী থাকিয়া বিশেষ অংবগত হট । এই স্থানে গ্রণ্মেন্টের আরে একটি । দৃষ্টিনিকেপ আবশ্ক হইয়'লে। এ কেলাশয়গুলির প্রতিনেরপাত করিলে 🛢 কষ্ট হয়। প্রবল মংরী ভয়ের সময় যধন দে **ইংরাজ** ভাক্তর ইহার কারণা**ন্ত্র** কংক্ত এখানে আগমন ১করেন, তখন জালের বর্ণ

পরেই উহা নির্ভর করি**ভেছে।** ভবদীয় বশরন ১১ই বৈশাখ মালপোভা বানিন

৷ আগাপন অখ্যেত্ত এখানকার কোন পুক

ফলপান করিতে দেন নাই। কিন্তু

ঃছর্ভাগঃ অধিবাসীরা ভাহাই পান ও

ভট্ স্নানলি করিয়া থাকেন। এখানে

কোন অপশালী লোক নাই যে ঐ

পুষ্ধরিশীর রীভিমত সংস্কার করিয়া

भारतमा कुलहार अकावरमन भवर्गम

রেন। আবার পত্রাদি ভাকষরে। দতে হই । মহাশয়। গবর্গমেন্টের কভয়গুল অলস,
ও যাতায়াতে ১০০২ মাইল না হাটিলে নির্নোধ, ও কর্ত্তবিষুধ কর্মচারীর দোষে দরিদ্র
গ্রাসকলে কারণ দশা প্রদানিগকে যে অকারণ সময়ে সময়ে কন্ত ও
া মালিপোভায় একটা ভাকষর সংস্থাপনেব ক্তি সহা করিতে হয়, ভরিবারণ চেন্তাই আদ্য
বেদন করা হয়। ভদমুসারে ইনকেণ্টের পোষ্ট কার প্রস্তাব অবভারণার মূল।

চৌকীদারি টাক্র আদ্ধরের নিয়ম এই, প্রথমতঃ বিল আইসে, তখন টাকা দিতে না পারিলে একটী দিন অবধারিত হয়। উক্ত দিবদে আদার নাত্ইলে উহার পর আরেও এক বার তাগাদা করা হয়, পার্ণেষে সমন আইংসা, কিন্তু আমরা ইধার সম্পূর্ণ বিপরীত কার্য় দেখি তেছি। সে দিন রাজপুর গাজীপুরপ্রভৃতি গ্রামেং व्यक्षिकाश्म व्यक्तिक अक सुख्याचित विश्ववासू नाटः টাক্র দিতে হইয়'ছে। ইহাদিগের নিকট বিল পর্যান্ত আইসে নাই; কিন্তু এক বারে ওয়ারেন্ট আংসিয়াউপস্থিত হয়, যিনি বিল আনায় করেন. ভিনি খীয় বাদীভে যাইবার সময় (ভাঁহার বাদী এই অঞ্চলে) পথিমধ্যে যাহার সহিত সাকাৎ **হইয়াছিল ভাচাকে এক ব'র চফুলফ্লায়** টাকারকথা বলিয়াছিলেন ম!ত। কেছ কেছ ' অনুক দিন আইস " বলিয়া কড়ার করিলেন किन्छ विस आमान्नकाती महान्त्रा अव्हरम वानीएड গিয়া নিছা গেলেন। কিছু দিনপরে আফিদে গিয়া কউব্দোধন ক্ইল বলিয়া বিল্ঞলি প্রস্থা করিলেন मिरक असामिरगत নিকটে একবারে ওয়ারেণ্ট আসিয়া উপ হত হইল। ই হারা কিছুই জানিলেন না। কৈন্তু এক্দৰে ভাঁহাদিগকে কাৰ্য্যক্ষতি করিয়া শ্বয়ং গিয়াবাপয়সাদিয়া অংন; লোকদারাটাকের টাকা আফিলে ভ্ৰমা দিয়া আসিতে ইইল। কি আশ্চর্য: গ্রেব্নেন্ট কি আর ভাল লোক পান না ?

১৮৩৮ ১৮৯৫লন } ভাই:—

—: •:-মূল্যপ্রাপ্তি i

গ্ৰীযুক্ত বাৰু নৰীনকৃষ্ণ পালিত মেটিকীপুর ১২৭৫ জৈটে হইতে ৭৬ বৈশাখ ১৩ ৯ প্রাণকুঞ্চ কেশ চোরৰাগান ১२१¢ टेवमांच रहेटड टे5<u>ज</u> ١. " শিবচন্দ্র সবকার - কীৰ্ণহার ১२१६ कावाह इहेटल १७ टेकाई 33 " ধনপতি সিংহ রায়বাহাছর জিল্লাগঞ ১২৭৫ বৈশাৰ হইতে চৈত্ৰ ১৩ প্যারীমোহন সেন क्रेंक ১২৭৫ বৈশাৰ হইতে আৰাচ Oh

बी कि नातू कक्टर हिन शरकान स वि खर

"मूज उट्डात काली जाली हुन जीमकी दानी भरामाझ कही (सरी जी ১२१४ देशमांच इहेटल देहता

भामश्रकामगरकास करव्रक्छ।

विरमन निव्रम।

--- ;0;---

व्यविष मृतः ও ভাকমান্ত্র না পাইলে বলে গোমপ্রকাশ প্রেরণ করা যায় না।

ইবার জাগ্রিম মূল্য বার্থিক ১০ টাকা যাণ্যাসিক ৫০০ টাকা । মফসলে ডাক্ষ সমেত বার্থিক ১৩, যাণ্যাসিক ৭ এবং ট সিক ৩০০। তিন মাসের সূর্যন জাগ্রিম গ্রহণ করা যায় না। ছান্তি, বরাতি চিটি, অভার, নোট ও স্থাপ্প টিকিট, ইবার জার যাহাতে যাহার স্থাবিধা হয়, তিনি সেই ই বারা মূল্য প্রেরণ করিবেন।

যাঁহার। স্থাস্পটিকিট পাঠাইবেন, ও যেন এক অথবা আগ আনার অধিক মু ওরসীদের টিকিট প্রেরণ না করেন।

ষধন যিনি মফকল হইতে সোমপ্রক মূল্য পাঠাইবেন, ভাছা যেন রেজিষ্টরি ক ক্রীযুক্ত ছারকানাথ বিদ্যাভূষণের নামে পা ইয়া দেন।

বাঁহাদিগের মুল্য দিবার সময় অতীত ই আসিবে, এক মাসপুর্নো তাঁহাদিগকে লিখিয়া জানান বাইবে, কাল অতীত হ গেলেও এক বার চিঠি লেখা হইবে, ভাহার একমাসকাল প্রতীক্ষা করিয়া ক্ষাপ্তল বন্ধ যাইবে। শেষ বারের পত্র বেশ্বারিং পা হইবে।

মাতলা রেলওরের সোণাপুর ষ্টেসনের ছ ঘরে চিঠি আইলে আমরা শীজ পাইব।

ৰী হারা মাজুল না দিয়া প্রাদি প্রেরণ । বেন, ভাহাদিপের সেই প্রাদি এইণ । ধাইবে না।

কেই সোমপ্রকাশে বিজ্ঞাপন দিতে ই করিলে তাঁহাকে প্রথম তিন বার প্রক্রিপংক্তি আনা তাহার পর /১০ আনা দিতে হইবে যিনি অধিক কাল বিজ্ঞাপন দিবার ইক্ষা কা বেন, তাঁহার সমিত অতম্র বন্দোবস্ত হইবে

ব্র এই পত্র কলিকাকার দক্ষিণ পু মাতলা রেলওয়ের সোণাপুর স্তেসনের দক্ষি চাক্তিপোতার শ্রীয়ক্ত ভারকানাথ বিদ্য ভূষণের বাদীতে প্রতি সোমবার প্রাক্তঃকারে প্রকাশিক হয়।

त्राश्का

ষ ভাগ।

-82-

२७ मर्थाः।

" प्रवक्ततां प्रक्रतिविताय पार्थियः सरस्वती श्रुतिमक्ती न कीयतां।"

মূল্য টাকা, অন্তিম বাৰ্ষিক ১°) সন ১২৭৫ ২৩ এ বৈশাখ। ১৮৬৮ ৪ ঠা মে { টাকা যাণ্যাসিক ৭, ও ত্রৈমানিক অন্তিম যান্যাসিক ৭, ও ত্রেমানিক

বিজ্ঞাপন ৷

বিক্ৰয়াৰ্থ।

ারতেলন রীচ ২৪ নং **বাটী ওলামসহ ১৯ ন**ং ণ ৰাগান।

ভাড়া দেওয়ার নিমিতা 1 ারতেনরীচ২৪ নং বাটী।

উপরিউক্ত বাগান ও বাটী যাঁহারাক্রয় s অথবা ভাড়া লইডে ইচ্ছা করেন, নিয় রত ব্যক্তির নিকট জানাইবেন।

গিলেণ্ডারস্ আরবোথনট এবং*কো*ং

পুরাণপ্রকাশ।

লিকাতা মৃত্যাপুর আমহাউদের দক্ষিণ প্রকাশ যদ্ভে পুরাণপ্রকাশনামক সাম পত্ৰ প্ৰতিমাসে এক বা ছই খণ্ড করিয়া শ হইতে আরম্ভ হইস্লাচে। প্রত্যেক খণ্ডের াণ ৮০ অশীতি পৃষ্ঠা। ইহাতে ক্ৰমশঃ অষ্টা পুরাণ ও উপপুরাণ বাঙ্গালা অন্তবাদসমেত ত্তি করিবার কল্পনা আছে। প্রথমতঃ বিষ্ণু-অনুবাদ ও জ্রীধরুগোস্বামিকৃত চীকা সমেত চ হইতেছে ; আগামী ১ লা বৈশাখ বিভরণ স্ত হইবে। যিনি ইহার গ্রাহক ইইতে অভি হন, ভিনি কলিকাভা সংস্কৃত বিদ্যালয়ে ার নিকট পত্র ডাকমাশুল ও প্রতিখণ্ডের অবিষয়া আটি আসানা করিয়া পাঠাইবেন। ারা নির্মিত আহকশ্রেণীভূক্ত নহেন, কাঁহা নিকট প্রভেক্ত খণ্ড নগদ ১ এক টাকা ্য বিক্রন্থ করা ধাইবে।

हरे हैं 18 1-

সংস্তমেদিনীকোৰ ছক্ত শব্দের জীকা-তে উত্তম নাগরাকরে যুদ্ধপূস্কি মুদ্রিত হই

তেছে। যিনি প্রাহক হছতে হক্ষা করেন, তেল চাকা কালেজের সংস্কৃত অধ্যাপক জীয়ক্ত বাবু সোমনাথ মুখোপাধ্যায় মহাশ্যের নিকট অথবা কলিকাতা সংস্কৃত বিদ্যালয়ে বা কাবপ্রেকাশ যন্ত্রে জামার নিকট পত্র পাঠাইবেন।

১৫ ই চৈত্র ১০৭৪ সংস্কৃত বিদ্যালয়। } জীজগমোহন শন্ম।

অভিধান।

| -41 + 11 · · | |
|--------------------------------------|-----------|
| अक्तासू धि | ₹∥• |
| শকাৰ্থপ্ৰকাশিকা | 9 |
| শব্দ সিকু | ર |
| শকাৰ্থমুক্তাৰলী | ٩ |
| শক্ধিরম্মালা | Œ. |
| শব্দার্থ প্রচারিকা | ø |
| প্রকৃতিবাদ | ¢ |
| সংস্ত পুস্তক | |
| রঘুবংশ সচীক | ٢ |
| উত্তর নৈষ্ণচরিত | ÷∦ • |
| ভটিকাব্য | 8 • |
| অষ্টাবিংশতি তম | 01 |
| 异构质对布 | 340) |
| कल्किकारका) द्वीरकमाञ्ज्ञात्र वर्णम | †পাণ্যায় |
| कर्व अधामित्र में हे ३११ ने १ | |
| Ç | |

নিমুলিখিত সংস্কৃত পুত্রক্ষ্য দেবনাগর! করে মুদ্রিত, ও,প্রকাশিত হইল। মাগ্রস্মণ্ডে এহৰ করিলে নিমুলিখিত মুল্যে প্রাপ্ত হইবে। কালিদাসকৃত কুমারসম্ভব উত্তর থও সম্পূর্ণ মুলমাত্র মূল্য। তথাট আনা।

ভারবিকৃত কিরাতার্জ্নীয় সম্পূর্ণ মুল্নাত্র মূল্য ॥ তথাট আনা।

কলিকাতা সংবাদ জ্ঞানরহাকর যন্ত্র নিম ষ্ট্রি ৩২ সংখ্যক ভবন।

১৪ ই বৈশাধ

🖣 जूबनहद्भ यगः

কলিকাতা সংস্কৃত লাইত্রেরী ও কা कि । अश्याक कवरम अपूक्त वनमा মকুমদাবের পুস্তকালয়ে, জীয়ক বাবু দে কুমার রায় চৌধুরীপ্রণীত " ভব্রপ্রব ৰিক্ৰীত হইতেকে।

বারুইপুর গ্রীরাজমোহন ব े हर्देह अ **১२**१४ ।

----°0°---

সোমপ্রকাশ্যন্ত্রালয়ে কেস ও ক্রেম নানাপ্রকার দেবনাগর অক্সর বিজ্ঞাপ ৰ বিহার প্রয়োজন হয়, তিনি কলিক:ভা সং কালেজে এীয়ুক্ত ছাবকানাথ বিদ্যাসূ নিকটে অসুসন্ধান করিলে বিশেষ জানিতে পারিবেন ৷

বানীগঞ্চ পটরি বো[°] লিমিটেড।

নেজিয়া কবিবাস স্লুচিকণ টাইল। উ কোম্পানির বিসমরে স্থিত ও সং ভ উকার নমুগা দেখিতে পাওয়া হায় এবং কাহার প্রয়োজন হয় ঐ আফিসে অসুম প:ঠাইয়া দিবেন।

हे;नह≢⁺ নল্পময়্তীনাটক যাহা 2 17 3 ধ্সিত বিক্রাপ প্রস্তুতঃ বোড়াসাকো ৬৪ নং । এ প্রভা ক টেমিয়া সংস্কৃত পুস্তকালয়েও পটোল 🛭 ধা দ[ু] যে: আমার কোম্পানির দোকানে মৎ ভি ১৭৫চ নিত নিম্বিখিত পুস্তকভলি : \$\${\\$\\$\--

युरु: 19519 ५ हे भूग 3017 uर न∏क्रम ! 0 '' (১ ম ভাগ) z) ে (- য় ভাগি) 3 1 14 do**rag**q

क्षिकारकायाय अस्त्री ।

াণাৰ্বপ্ৰচায়িকানামে একবাৰ্ন স্থাবিস্তীন ান, যাহাতে প্রাকৃত ও সংখ্যক শব্দ কেল শকেরই লিঙ্গভেদ তাগাড়ার উত্তর গুশকের উত্তর তাজিত এক উল্লে ≑ংডেন¦নাবিধ প্রভংগু'নস্তর প্রায় ৭৫. হাজার শদ সংগ্রহগুর্ক ৮৬৮ পুথায় एडेसाटफ, योशानिरभद श्रासाणन रहेर्व, । बढे इत्। २३४ वर श्रुष्टकालाम छ (छ। ५) ৬৪ নং জ্রীপ্রভাপচন্দ্র রায়ের নিকট n'ন ক[্]ৰেল প্ৰাপ্ত হ**ই**বেন। মূল্য ভ ভাকমাপ্রলাল আনা। বনি কের একে ৫কাপী লন ভবে ভাগকে ১৫ ট্রে ব ক্ষিদ্ৰ দেওয়া যাইবে ।

बि.क अ औहत्मका: 'सन (मान)

विभिन्नात नहीं ।

be be मार्जन कर्शन भौत्मन ४३ हे ४३८० ্ এ প্রাপ্ত ভাগীর্থীননীর স্ক্রন ড करमत माञ्चारक स्ट्रापिति।

क्षार्मत सम कुछ है छ র উপর পদানশীয়ে इन्द्रक **क** किनुच (१०॥ भ.केकाभक्तः ००----- " ुत रहेर ≅ २०.. मधुन (८७ म¦ईल) भरता, পু চহুতে কটেওয়া (৫-মাইস্) মধ্যে

🕽 ःबेट्री सर्वे 🔄 लाईक्षण (६७ भाई टलाब भट्य)

৮৬ বিভান এলেল ভারিখে বছরদপুর

সজ্বতির জালের মাপ "ফিট ইঞ্চি

এক জকিউটিব ইঞ্নিয়ংবছর মপুর ডিবিসন ২৪ জ*্*জ**্জোল**

সোমগ্রকাশ।

२० अ देवलाच : म'मयात्र । **छक्राह**िष इंगरक हेन्द्र पर गत वाधीनकालाभरवरे।।

সচরাচর মাসুবের এই স্বভাব দেখিতে পাওয়া বায়, যাঁহার যে গুণ থাকে, তিনি যদি অনা ব্যক্তিতে সেই গুণ দেখিতে পান, যার পার নাই আহ্লাদিত হন এবং মেট গুণের উল্ভিনাধনবিষয়ে স্বি-শেষ যতুবান হইয়া থাকেন। কিন্তু ভারত वगन्त्र हेः तास्त्रात অধিকাং শের ইহার বিপরীত অভাব দুট হইতেছে। তাঁহারা স্বাধীন দেশকাত ও স্বাধীনতা প্রিয় হইয়াও অন্য ব্যক্তিতে স্বাধীনভাব দেখিতে পারেন না। এদেশীয় রাজা-দিনের স্বাধীনতা তাঁহাদিগের চক্কু; भूत इहेशार्छ। अरमभीरशता यमि निवित्त সর্বাণ্ট পদ প্রাপ্ত হন, ত হোদিগকে অনেক ঞাজ স্বাধীনভাবে করিতে দিতে হইবে : এই ভয়ে উক্ত মহাপুরুবেরা প্রাণগণে मिविल मर्कितमत दारत्यात्यत त्रको लाहे তেছেন। य इंदे এक ही शाम **अरम**ीश দিলের কিথিত স্বাধীনতাগন্ধ আছে, তালারও সোপচেন্টা আরম্ভ হইয়াছে। আমিরাভনিয়া ছংখিতও বিঝিত হই লাম, বাঙ্গলা ভাষার উন্নতিদাধনার্থ যে ছই জন গুরুটে নিড ইনস্পেক্টর নিয়ো জিত হইয়াছেন, যাঁহারা এত দিন সাধীন ভাবে ও সুন্দররূপে কাজ করিয়া আদি তেছেন, আজি কালি তাঁহাদিগকে इर्त्राक इनस्लक्टिनिएगत अधीन कति বার প্রস্তাব চলিয়াছে। এটি অন্ত ত श्राद। हेराचाता ता**क शनगद्य वा**धी

न डोलि भ्य वाकालि निशंदक दक्वन व

ज्यांदमाह कता इहेर्द अक्रम नम्, ভূদেব মুখোপাধায় ও কাশীকান্ত য পাধ্যায় হইতে ভরতে বিও কুলের কিছু কাজ হইতেছিল, তাহার ও বল किंगित । गोरहरवता मर्कछ दिलता प মান করেন; কিন্তু আমাদিগের দে অভিমানের প্রকৃত কারণ নাই। বেরা বাঙ্গলা ভাষায় অনভিজ্ঞ, এদে লোকের মনের ভাবপ্রভৃতিও আ নছেন। অতএব তাঁহারা বে এ দে অবস্থাক্ত ও ভাষাজ্ঞ, ব্যক্তিদি অপেক। উৎকৃষ্টরণে কার্য্য সম্প করিতে পারিবেন, তাহা কোন ক্রমে বিতনহে। আমরা জানি, অনেক মি বাজলাবিদ্যালয় কেবল মিসনরি বন্দোবস্তের দোবে শ্রীভ্রন্ট হইয়া অং হইয়া আছে, কোন কোনটা বা উ গিয়াছে। গুরুটে বিস্ত ইনস্পেক্টদি ইংরাজ ইনস্পেক্টরদিগের অধীন ব রাথিলে গুরুট্রেণিও পাঠশালাও উন্নতিপথ কৃদ্ধ হইবে। স্পামরা যে এই কহিতেছি, ভাহার আর একটা কারণ অনেকের এরপ সভাব আছে, উা স্থাধীন অবস্থায় কার্ফো দেরূপ দ এবং বুদ্ধিও ক্ষমতার পরিচয় পারেন, পরাধীন ছইলে দেরূপ প ना। भताधीन इहेटन त्वाध इय त्यन দিগের বুদ্ধিবিদ্যাপ্রভৃতি সমুদায় বি হইয়া যায়। ভূদেব ও কাশী বুার तिहे मटलत इन, जीकाता अफेट ক্ষতাপ্রদর্শন করিতেছেন, গ হুইলে কোন ক্রমেই তাহা দেখা পারিবেন না।

কি নিমিতই বা এরপ প্রস্তাব ভাহাও ভাজামরা বুঝিতে পারিং खकरहे निद्धः না। শুনিলাম, এক্ৰে যেরপ ব্যয় হইতেছে, ত महेजून इंडेर्ट अधन यज्जन कोड তেছে, তথ্ম ও দেই রূপে চলিবে। ____C>_____

উপদৰ্গ কেন্ যে কিছুকাজ হইতে নাই, তথায় প্ৰায় জ্বামান্য বুদ্ধি বিদ্যা া, তাহার ব্যায়াত করা কেন 🤈 ারা কি অসক্ত ও অপরিমিত কায় নে ০ তাহার ত একটী নিয়ম করিয়া শই চলিতে পারে। ডিরেক্টরও ত মিয় শাস্তা ভাছেন। তবে এ কাও হইতেছে কারণ কি ?

७ क्रिक लार्फ विमान उल्फ मार्ह्द তি বাঙ্গলা ভাষার উন্নতিচেষ্টা তেছেন, এ দিকে বাঙ্গালিছেণী মহো ता दोक्रांनिनिरात स्य किছू **स्वा**थी-আছে, তাহার বিলোপচেক্টা পাই ছন ; কিজ, এ উভয়চেটীপরস্পর-। किती। याँ होता वाञ्चा जिमिर भत स्वाधी লোপচেন্টা করিতেছেন, ভাঁহারা বুঝিতে পারিতেছেন না যে, লাভাবার যত উন্নতিচেটা করা , উন্ভির যত পথ আবিক্ত করা , যত সহুপায় সংবিধান করা হউক, २ वलপরিমাণে বাঙ্গালিদিগকে নতা প্ৰদত্ত নাহইবে, তাবৎ দে য়ে চেঊা কলোপধায়িনী হইবে না। হাস যদি প্রমাণ হয়, স্পাটাক্ষরে তে পারা যায়, কোন জাতিরই পরা বস্থায় ভাষার সম্যক্উন্নতি হয় নাই। ত ইহাই প্রতীয়মান হইবে, যে র স্বাধীন কালে ভাষার যে চহয়াছিল, পরাধীনতাকালে ভাহা (ত হইলাগিলাছে। বিজ্ঞ ব্যক্তিৰা ায়ে যে অভিপ্রায় ধাক্ত করিয়াছেন,

এ মূলে উদ্ধৃত করিয়াদেওয়াবাই প্রীনভাদারা কি কি ফল উৎ ত হঃ, সহাতো জাহা বণিত ছে। '' স্বাধীনতা বাণিজ্ঞার 5; ধনের প্রস্থৃতি; জ্ঞানের প্রস্থৃতি ও ক সদগুণের প্রস্তি।(১)" যে র লোকের কোন বিষয়ে স্বাধীন ভাব

) সর জেম্স মঃকিউসের স্পীচ।

ও क्रमाजामन्त्रम् त्याक क्रमाध्य करतन না। তাদুগ অধিক সংখ্যাক লোকের জন্ম পরিগ্রহ বাজিরেবেও ভাষার উর্ভি लाख मखाबिक निर्देश कर बन इंडिश्न लाशक किह्यार्ड्स, " औक्तिर्भव अक्डी কথা আছে, (২) মানুষের ভাষা मान्रापत की बरनत मन्ता এই वाकाणी রোমের ইতিহাদ্যার। নুমর্পিত হ্ইয়াড়ে। লাটিন ভাষার যে বিকার উপভিত হঃ তাল ঐ জাতিযে আলমা ও অনুসালে মগ্ল হয়, তাহার অবশান্তাৰী ফল। সামাজের প্রথম আরতের ঐ জাতির মাতৃভাবার অসুশীলন উপেক্ষিত হেং একিভাবা বিলাদী ব্যক্তিদিগের আদৃত হয়। উহঁারা এয়ীক শিক্ষকদিলের দ্বারা নিজ নিজ সম্ভানের শিক্ষাকার্য্য সম্পাদন करतन। नाना निश्रमण इहेर उरा अधि কসংখ্যালাস ও বিদেশীয় ব্যক্তি রোমে আগমন করে, তাহারা এই ভাষাবিকারের প্রতি অস্প সাহ্যে করে নাই। ভাষার যে প্রসাদ গুণ ছিল, তাহা আন্তহিতি **হইয়া যায় এবং লোককে সমুত্ত জিচ ক**রি বার আশয়ে লিখিবার ও বক্তা করি বার ইন্ছা জ্ঞাবাতে কেবল ক্তক্ণুলি আড় प्रतिपूर्व अभात भेटकत स्वीट इत्। व्यायता निर्देशात मगरत के मकल भरकत স্ফ দেখিতে পাই।"

শ অগতদের রাজস্কালে লোক দিগের সাহিত্য বিদ্যাব উন্নতির পরা থৈ সক্ষোধারণে মুখুণ্ট নহেন, ব কাঠা হয়; কিন্তু উচ্চার সভার পুরেই বাংংবার প্রকাশিত ইইয়াছে। উহার চুাস হইতে আরেও হয়। সাম্জ্যে নিমিপালিটীসমূহের কার্যা ও কর সংস্থাপিত হওয়াতে স্বাধীন প্রকার গালী কিছুতেই লোকের সম্বোদন বক্তাশক্তির শেষ হইয়া যাত, তদৰণি বাগ্মি চা কেবল অত্যেষ্টি জিয়া ও প্রাশং সা দিতে পর্যাবশিত হয়। টাইবিরিয়দের निश्हानत्न कारताहरवत भरक मरक সাহিত্যশাস্ত্রের উন্নতির অবস্থা হুঁান (২) লেয়নাড় স্মিলপ্রণীত রোন ইতিহাস: অংখে না; কিন্তু করস্থাপন, খা

रहेश आहेटम। ऋहिविभर्याश प হয়; এ দিকে শাসনকর্তার অভ ওদিকে প্রফাদিগের ধর্মনীতি নুদ্ধিরভির উদর পথ রুদ্ধ করিয়া পুস্ত দালয় ও বিদ্যালয় ভাগন ও ৫ ভুক্লিককনিয়োগদারা উহার সং ধন হইল না৷ "

্রেমে যথন সাধারণ চন্ত্র প্রা ছিল, তথ্য লাটিন ভাষার বি উন্নতি চইযাছিল। অন্মর সা তেন্ত্রে যেমন লোপ হ্টল, অমনি স রও কাঃদশা উপস্থিত হইল। এত স্পাটপ্রজীরনান হইতেছে, বাঙ্গলাভ ইর**িত বাজালিলিগের স্বাধীন** তাসাঁট আমাদিগের বস্তুক্র **অ**ত্রব যাঁহার বাঙ্গলা ভানার উন্নতি नित्र चाकाष्ट्रका करतन, उँकालि कर्डवा, वांचालिपिरगत राय वार्रम কিছু স্বাধীনতা আছে, তাহার ৫ চেফী না করিয়া বত দূর **সম্ভব স্বাধী** व्यमारन रञ्जरान इन । राज्ञानित्र দীঘা কালের পরাধীনতাই কি ইং গেরআলস্য ও অবসাদের অন প্রধান করেণ নয় পু

---:00:---

কুনীয় কৰ ১ইছে পুনাৰের বংয় कता देडिक कि गा।

এ দেশে যাত প্রকার সিউনিনিং আইন হটায়েছ, তাহার এবটার করিছে পারিভেছেনা। এই অন্ত যের যুক্তিমিদ্ধ করেণ আছে। স্থা কর যে প্রয়োজনীয়, ভাহা সং (कहे श्रोकात कतिएड हरेएव। ঐ প্রদান করিতেও লোকের ভাত খনত াদায়ের পর বায়ের প্রণাশীই কর নিভার অসুথকর ছইভেছে। ব্ৰিলালিটিশ**মূহ ভানীয় কথচা**ী া ধানাধরামাত্র উবিহাদিগকে িত টাকা **সংগ্রহ ক**রিতে বলা ভাষা করিলেই উচ্চাদিগের াব শৌৰ হয়। ডাহ্যীরা ম্পেচছা-হুইয়া **সক্ষতি অসঙ্**তি বিবেচনা त**ाहे कत्रश्राधन कर**तन । अ**हे कत** ের সময়ের আবাং অভিনয় অভ্যা হয়। মিউনিদিগাল করে যত টাকা য় হয়, দরিজ্ঞগতক পুক্সং আহেকদি ভাহার ভুল্যপরিমাণ ঢাক। দিতে হয়। র্ঘিপালকরের বংগ্রন্থক্রই লোকের পেক্ষা অধিক অনুষ্ঠোগ হইটেছে। ক বে **টাকা দেন, ভা**হার সং দেখিলে ভত হুংখিত হন না। মিটনিদিপাল করের ব্যয় দেরণ ∋ডেনা। খেমন ইংল�ীয় গৰণ্মেলী ডিজে দৈনিকদিলের ব্যম্ভার ভার র্যার ক্ষয়ের নিক্ষেপ করিয়া ইংলডের बार्यात मगल। इका बरदन, (मह র ভারতবরীয় গ্রণ্মেন্ট পুলিবের স্থানীয় করদাতার স্কন্ধে নিক্ষেপ করি ন। সকল স্থানেই স্থানীয় কর পুলিবে ণ্রিত হইতেতে। এইটা সাধার धम८-त्रार्यत कादा कादा इकेटार्ड ি**দেশীর শত**ের আক্রেমণ নিবারণ ভ যে প্রকার দৈন্য আবশ্যক, দেই র অভারতীণ শাহিবকার নিমিত্ত নের ঐধ্যোজন হইতেছে। লোকে নিরা অপেন আমপন জনীবন ও সম্পতি करिएड शास्त्रम अवः (कांग वर्षकः কোক ভালাদিগকৈ ভাহা হইভে ভ করিতের সমর্থ না হয়, এই নিমি পুলিষের ফা**ট হইয়াছে। বিদেশী**র া ব্যালম্পের ন্যায় চোর, ভাকাইভ

प्राह्मार्थित इहेट्ड एम्प्राधीम

े इप्तः कडा वाव शिक्ष भाग्रीम**्क**ा

व्यवं मा कर्छवा कर्या। किन्ह त्यमन रेमनिक ব্যয় ভানীয় কর হইতে করা সভত হর না, ভজনে পুলিষের ব্যয়ও স্থানীয় कत श्रेटिक कता विषय नरहा स्य कत ছারা লোকের মূল ধন ক্ষয় হয়, ভাছা পরিভাগে করাই কর্ত্রা। ভারতবর্গীয় গ্রবর্থেন্ট দ্রথন জনীদার ও গ্রব্থেন্টের कांशरकत अधिकादी मिश्ररक लाहरमञ्ज केंद्र इहेर्ड यू छा कर्द्रम, उथान कहे भूग নিয়ম জীকার করিয়াছেন। বণিক্সণ যেমন লাইদেভা কর দিতেছেন, তেমন তাঁহাদিগের জাহাজ ও দ্ব্যাদি রক্ষার্থ চতুদিলে প্রধীও সমুদ্রে রণতরি রহি য়াছে। তদর্থ ভাঁহাদিধের নিজের বায় क्ट्रेट्डर्ड मा। हेल्ल्ड प्रतिस्पित নিহিত সভান্ত্র কর আদায় হয়। আপা ভতঃ ইহাকে এক প্রকার বলিয়া বোধ হয়; কিন্তু বিশেষ বিবেচনা ক্ষিয়া লোখালে ইহাতে নাভ আছে। अञ्ज्ञह ७ । २ का गर्क क्लिका पिरां व व्हेरल অনেক গাড়িয়া যায় : কিন্তু এক বার কর পিলে আর সেই অভিতিক্তি বায় করিতে হয় না : অনাথগণ ছাবে ছাবে না কিরিয়া আন্ত আভিথিশালাভেই গমন करत अह अवनेत एक केत्र विशा आसीत লাভ হর, ভাহাই বথার্থ বুজিনিদ্ধ কর। কিন্তু যাহাতে লাভ নাই, সেরপে কর का तम राज्यल स्वाहिक श्री व्याप्त क्या. ইলাউটোদিগকে দরিজ করা হয় মাত্র। উত্তরাধিকারের করও এই শ্রেণিভুক্ত। এক বংক্তি পি ভার মৃত্যুর পর এক লক টাকা পাইলেন। গার্ণমেণ্ট ভাহার শক্ত করা পাঁচ টাকা কর লওগতে উহা ইইতে ৫০০০ টাকা কমিয়া গেল। আবার কয়েক মাদের পর ভাঁহার মৃত্যু হওয়াতে ভদীয় পুত্র উত্তরাধিকারী হংলেন, তাঁহাকেও ঐ প্রকার কর দিতে হইল। এইরপে करवक कर डेल्डा विकाशी रहेट ने मण्यालि

ছাতে পুলিষের কর প্রদানও ঐ প্রক স্থানীয় করের অধিকাংশই ৰাটী হই আদায় হয়। সকলেই অবগত আছে কয়েকটা এধান নগরভিন্ন এ দে প্রায় কোন স্থানের লোকেই বাটী ভ দিয়া দিনাতিপাত করেন না। ভার**্** যীয়িমাতেট সর্বাথে নিজের একং বাটী করেন। ইংলত্তের অধিকা লোকে যেমন ভাড়াটিরা থাকেন, এ ৫ দেরপ প্রথা নাই। মফস্বলে প্রতে ব্যক্তির পূথক ভদ্রাদন আছে। যাঁ। ইহানাই, লোকে ভাঁহাকে লক্ষীছ বলিয়া ঘূণা করে। এইসকল বা বাৎসরিক ভাড়া ধরিয়া কর আদায় এই করের অর্থ এই হইতেছে, যে প্র ৰ্যাক্তি বাটীর মুল্যের কিয়দংশ সাং ণের উপকারার্থ প্রদান করেন। ইহ কোন আপরি হইতে পারে क्छियामता यथन 🗗 कत किए তথ্য তাহার সঙ্গে সঙ্গে আমাদিং লাভ প্রদর্শন করা কর্ত্তব্য। শাস্তি দে লাভ নছে। কোন দফ্লো বা গুহের হার বা ইট মস্তকে করিয়াল यात्र ना। उद्य कित्म नाउ इदेटि ला যদি এই কর এগাম ও নগরের 🕻 র্দ্ধি ও নর্দম। পরিকার্থভৃতি সাধাৰণ স্বাস্ত্রকার্থ ব্যক্তি হয়, স **इहेटल ल्लाटक लाउडान** क्राना । व পীড়া হইলে চিকিৎসার নিমিত্ত অ ব্যয় হয়। বদি করপ্রদাননিবন্ধন প ক্মিয়া যায়, ভাহা ছইলে এক বিষয়ে বাঁচিয়া গেল , ফলভঃ আমেও নগ শোভার্দ্ধি ও স্বাস্থ্যরকাই স্ স্থানীয় করের প্রধান উদ্দেশ্য। বের জান্য স্থানীয় কর ব্যয় কা কি এ উদ্দেশ্য সাধিত হয়. ৭ গৰণ लाहेरमञ्ज कत लहेरञ्जूहन, नानाविध লইতেছেন ; সম্পত্তির মকদ্মার নি ় নিঃশেষিত হইয়া গেল। হানীয় কর 🏻 ঊাম্প কর লইতেছেন, চিরস্থায়ীব -Co-

বজ্ঞের সময়ে পুলিখের অসঃ পৃথক শত করা এক টাকা কর লইভেছেন, তথাশি স্থানীয় কর হইতে পুলিষের বায় নির্কাহ চেন্টা পাওয়া কেন প

मव क्षीरका फ्रांचर्य (कांग्रेख अन्ट्य.

শীয় কর্মচারিগণ। গত ১৯ এ আগত গ্রণ্র জেনেরল এতদেশীয়দিগকে শাসনসমূ**রে উ**ক্তর াদ দিবার যে প্রস্তাব করেন, সম্প্রতি র ফীফোড নর্থ কোট তাদিষয়ে এক खिथियाट्या मत अपन लट्यम यथन ই প্রস্তাব করেন, তথন সর্বে সাধারণে া হ'তে জুটী দোষ দর্শন ক্রিয়াছিলেন। থম, তিনি কেবল নিয়মবহিভূতি প্ৰদে ার কর্মচারীদিগের প্রতিই দৃষ্টিপাত করি ছিলেন। দ্বিতীয়, তিনি বলিয়াছিলেন, ধৌন ইউরোপীঃদিগের দহিত ব্যবহার গা ভারতবর্ষীয়দিগের প**েক সহজ নতে**। তএব যেদকল স্থানে ইউরোপীয় অংখি. मी वा जमनकादीद मश्या अधिक, থানে যেন এতদেশীয় কর্মচারীনা । স্পষ্ঠ প্রভীয়নান হইতেছে যে, मलकरम अरमभीशिवशरक উচ্চণদ ভ বঞ্চিত রাখাই ভাঁহার অভিপ্রেড। দ**েশ** বাণিকার্দ্ধির সহিত্রনেশঃ রাপীয়দিগের সংখ্যার্ছির ইইবে; রাং যেমন ইউরোপীয়েরা অংঞাদর ত থাকিবেন, এতদেশীয় কর্মচারি ক তেমনি ক্রনশঃ বন্যও প্রতীয় শে **পম**ন করিতে হইযে। পরিশেষে দিগের আর কোন উচ্চপদলাভের ৰে। থাহিবে না। রাজনীতি য় ইউরোপীরদিগের সহিত এত য়িদিপের সমান ক্ষমতা হয়, জার য় গৰণ্মেণ্ট প্ৰায় ২৫ বংসরকাল

চেঊা পা≷য়া আদিতেছিলেন;

किन्नु अक्षान नह कर नदान मानसक्तः हरेश जासात विश्लावत्य डेन: क इडेग्राट्स्य। यांश इडेक, क्ष्मरन डें। इंद करे महल व्यमक क व्यक्ति क्षा एवं निका स्टेब ना, তা্হার লক্ষণ লক্ষিত হইতেছে। গ্রণ্র (**अ**नश्रम्ब ३०० चांश:खेत श्रास्त्रीव সম্বেষ্ণের ফাফোড নর্থ কোট যে পত্ত লিখিয়াছেন, তদ্বারা উহার প্রতি এক অংশে নাকাংশয়য়ে অণর অংশে ইন্সিতে দোবারোপ করা হ্টরাছে। উপ যুক্ত ভারতবর্গীয়দিগকে উচ্চতর পদ প্রদান করা উচিত বলিয়া দর জনন লবেন্দ্র স্বীকার করিয়াছেন, ভাহাতে সর ঊাফোড'নর্থ কোট আহলাদিত **হ**ইয়া ছেন। তিনি বলেন, " এই প্রস্তাব টী দারা डे०क्टर्बत मिटक व्यागत इत्या क्ट्रेसाटक ; কিন্তু আনর মতে কেবল নিয়মবহিছুতি প্ৰদেশে ভারতবদী িদিগকে উচ্চ পদ क्षनात्मत्र नित्रम कहित्स हे गर्याखि इहेर व না; নিয়মান্তর্গত প্রদেশেও এতদত্দারে কাজ করিবার অনেক পথ আছে। আইনে নির্দারিত হইয়াছে, যাঁহার৷ প্রতিবোগি ভা র পরীকাদিয়া উত্তীর্হন, উচ্চারাই শাস নের গুরুতর কার্য;ভার পাইবেন ; কিন্তু কাৰ্ষ্যভঃ ভাহা হইভেছে না। ফেদকল পদ কেবল দিবিলিয়ানদিগের নিমিত বহিয়াছে, ভাইার সমান বেভনের কভক গুলি অচিহ্নিত পদ আছে। এ গুলির উপরে ইউরোপীয়দিগের অপেক্ষা ভারত বর্ষীয়দিগের অধিকতর সত্র আছে; তবে বিচারপতির নিষ্টে বিচার হয় এপর্যান্ত এই শেষোক্ত পদগুলি কেবল এ ইচ্ছ। নাই। যদি সমুধানন করিয় इंडेटबालीयमिशटक इंटडाइ কেন ? ইউরোপীয়েরা যতই উপযুক্ত **হউননা কেন, উাহারাত রীতিমত** পরীকাদিয়া ঐ দকল কাজ প্রাপ্ত হন নাই। এ গুলিতে ভারতব্যীয়দিগের,ন্যায় ইউরোপীয়নিগের যে স্বাভাবিক স্ব[ং] নাই, তাহা অৰশ্যই স্থীকার করিতে

হইবে ; স্মতরাং তাঁহারা কোন ক্রমেই।

वानीमिश्रास्क सम्हे अञ्च इंहेरङ করিতে সমর্থ নহেন। একংনে বে इडेटबाभीय अहेमकल डेफडाव वा धार अविद्यादहन, काँकामित्रात आ বৰোচিত অসুগ্ৰহ প্ৰদৰ্শন করা ত্ৰিবয়ে সন্দেহ নাই, কিন্তু উপযু সকরিত ভারতব্যীরগণ যে ভবি কেন এইনকল পদ পাইবেন না, ভাষার কোন যুক্তিদিয়া কারণ কঃতেছি না। অভএব আমি আশা মহাশ্র নিয়মবহিভূতি অংকেশ্যে নিয়মান্তৰ্গত এদেশেও ভারতৰ मिग्रांक डेक छत्र शम श्रामा कति (वर मत छोटकार्ज नर्थ कारहेत कहे ८ দারা হটী অভি প্রায় প্রকাশ করা शर्षाः थ्रथम, मत्र कन सर्तत्रम् कार्डित् क्तिया (य कार्या अन्ती व्यवसद्भन कर

তাহা পরিভাগে করিতে বলা হইয়াে দিতীয়, তিনি নিয়মামুগতি প্রে সমুছের এতদেশীয় বিচারপতিছি কিঞ্চিং বেভনর্দ্ধি করাই যে উন্নতি পরাকাঠ। ভিরকরেন, ভাহা স্প রূপে অধিচার বলিয়া উলেখ ব হইনাছে। ধোষাইয়ের ভূ**তপূর্ব** প্রধ বিচারপতি দর আার্ফিকন পেরি এব ভূতপূৰ্বে শাসনকৰ্তাসর রবাট ফিনুয়া ও গবর্ণর কেনরলের উক্ত রাজনীতি প্রতি দোষারোপ করিয়াছেন। ভার বর্ষত ইউরোপীয়লিগের এতদেশী দেখা যায় এই আনিজ্যাটা কুদংকা ও আহতিবৈদ্যক প্ৰতীয়মান হইবে

मट्जिह नाहे। व्यञ्ज्य मामनकर्त्रा এই কুদংস্কারের উত্তেজনার্থ রাজ

নীতিপরিবর্ত্করা নিতাম্ভ জানার : यिन छात्रक वर्ष करतक छन इक्टिरता रेश

बावमात्री अ हेरहाक कर्यानाहीत रेलक् ধান ভালুক হইভ; যদি ভাঁহাদিলে ব জেনই এদেশশাসনের এক মাত্র। সমূ:হর রে**জি**ন্টরের পদে যেসক**ল** চ হই ড; ভাহাহ বৈশে সর জান লরে ় প্ৰস্থাৰ যুক্তিমঙ্গত হইত সন্দেহ শেষকল **ইংরাজ ফ্রান** ভাব: हेट्डेंड क्टेंटि थाकिहा दलगा ৷ উাহারা কি বলিতে গাটেন -নে ভাঁহাদিগের দংখা অবিক নে ফরাশীও আঃ বিচরে থাকিতে পারিবেন না ভারতবর্ষ তের অধীন বটে ; কিন্তুশাসন ও त्र**मश्रदक्त (पनक**ल देश्तर्शक श स्मर् দবেন, ভাঁহাদিগকে এদেশের কথি लीत व्यक्षीन इडेट्ड इडेट्र किनीय**क्तिरक भा**मन ও विष्ठाह স্বাপ্তান পদ প্রদান করাই গ্রণ্মে া উচিত রাজানীতি। যেদকল ইউ পীয়ের এতদেশীয় বিচারপতির টে অপরাধের বিচার হইবার অনিক্। ভাঁছার। অচিরাং ভারতবর্য পরি গে করুন। ঐ সকল অবদার্থ ব্যক্তির **्ऋा**त,ंनवञ्चन कि यागिनिर्धत তিদাধারণ স্বত্বের লোগ হটবে 🤉 দ্যাশিকা ৪ ডাক ঘরএভ্ডিতে ভক্ঞালি করিব[,] উচ্চ বেডনের পদ ছে; কিন্তু প্ৰায় কোন এডকেশী কই তাহাতে নিয়ত করা হটতেতে । কোন**্এতদেশী**য় এপ্যান্ত্ৰিলাৰ র ডিগ্রেক্টর হইয়াছেন গুএক জন সামান্য ভরোগীয় সাজ্জেল্ট অনায়ানে একজি क्छें हिंद इक्षि, नेशत इंटेट्ड्र्ट्स । किस्र : শ, শিক্ষা, ভদ্ৰতঃগ্ৰন্থতি সকল বিষয়ে েক্লেট হইয়াও এক জন এডদেশীয় সে লাইতেছেননা। এক জন এতদেশীয় চান র গ্রগ্মেটের পোই মাইর জেন বল ২ৃ∵া ছুই মাদের **মধ্যে প**ত্রচুরি बक्क रह । विक्र क्वियन अवन्तिर्वेत कूनः क्र. द्रानवस्थान क्यांन जिल्लामी अहे जहें क्रम् शाहेर टरहन गाः अवर्गरमण्डेत व्यक्तिम

कतिक ७ इडेरबालीय नियुक्त थारकन. উলোৱা প্রায়ই অশিকিড সাকী গোপাল মাত্র; ঐদকল আফিদের যে কিছুই কাজ ভাছা এতনেশীয় কেরাণীদিশের भौताई मण्यापि इ हा। उथापि अपनीय দিগকে রেজিটারের পাদে নিযুক্ত করা চটাতেছেন। পুলিবের স্পরিকেওান ও ডেপুটি ইনস্পেটার জেনরলের পদে অনেক অচিহ্নিত ইউবোপীয় আছেন; किन्द्र जिनकत्र शरम खनाहारम अञ्चल শীব্দিরকৈ নিযুক্ত করা যাইতে পারে। উরে পশ্চিমাঞ্জাব লেপ্টনান্ট গ্র र्वत भत छेडेलियम मूट, भत फीटकाफ নর্বেটের পূর্বেক্তি প্রের উল্লেখ ক্রয়া বলিয়াছেন, কয়েকটা পদবাতীত জার সকল পদই এডকেনীয়দিগের পক্ষে আংপার হিলাছে। সর ভইলিয়ম মুর, সর জন লারেনের শ্রেণীস্থল ; অসম্ব चिक्ति म ५ (स मर क्रम लाइटकार महाइर সনান কইবে ভাকা আশক্রেনির বিষয় নতে। যে দক্ল পদ কেবল ইউরোপীয় দিপের প্রাপার্ভিয়তে, তৎসমুদায় এক চেটিরা করিয়া রাখিবাব আবশাকেন্ডা কি গুজার যেদকল পদ এদেশীয়দিগের [•] আইন **অনু**গারে " প্রাণ্ড বলিয়া ভান কর, হয়, ভংগমুধ য় কি কার্যাতঃ ভাঁহাদি ' গকে ৰেওয়া হইতেছে ? নামে ত শিবিল শকিনের দালাও উদ্বাটিত রহিয়াছে: কিন্দু কাৰা হঃ কি ছইতেছে। ইউরোপীর (অসুতঃকিরিজি) পাইলে গ্রণ্মেন্ট ा तम शरमं व व अक्टाममी शनिशतक नियुक्त करतन ना, अ कथा कोन् वाक्ति यशीकात वितिद्यम ? अहे निमिष्ठ मत টাফোড নর্থ কোট প্রামশ্রদান ष्ट्रल ६ (मर्भत मामनकर्खानिगरक (म ভংগনা করিয়াছেন, তাঁহারা ভাহার मण्यूर्ग छेलयुक्त । देश्कर अब लाक्त्रण विरामकेटर कारलकेटवर मण्यूर्ग वा

এ দেশকৈ যথাৰ্থ সুখী ও সম্ভট দেখিতে চাহেন ; তাঁহাদিনের নিকটে জাতিভেদ ও বর্ণভেদ নাই। তাঁহাদি:গর ১৫৩ দেশবাদীদিগের স্বত্বের অপলাপ কবিয়া কয়েক জন স্বাগণর অচিরস্থায়ী বিদেশী য়ের কথার শাগন করা নিভান্ত অধর্মা ভাঁছাদের অভিপ্রানুরূপ কাব্স করিলে (मर्भ बात कि हुई अभरकात **पारक** ना আমরা বোধ করি, অতঃপর দেশীয় শা नकर्द्धभक्त हेर्लखीत भवन्त्रार्खेत स्था অভিপ্রায়নুরপ কান্স করিবেন।

লাইসেল করসংগ্রের 👻

নিয়মাৰণি : গত ২৫এ এক্সেল ভারত্রধীয় গ্রণ্ডম ভারতব্যাশি গেছেটে লাইনেশ ব অন্দানের বিষয়ে যে নিয়মাবলি প্রক করিয়াছেন, ত.হাতে স্পষ্ট প্রকাশ প তেছে, এই কর্মিংস্ক্য কোন প্রকার আ চার না হর ইহা গবর্ণনেক্টের সম্পূর্ণ আ েত । গ্রণর জেনরল কালেক্টর ক্ষিসন্র্দিগের ক্ষমতা নির্দারিত করি কোন_কোন্বঃস্কির নিকটে কর লই হইবে, কোন্ কোন্ ব্যক্তির **নি** লহতে হইবেনা ও কি প্ৰকারে লই হটবে, ভাষা নির্ণয় করিয়া বি ছেন। যে যে বাস্ত করণ্ডদান বেন ত:হা হির করা; স.টফি এদান ; করপ্রদান বিশ্যে আপ**ত্তি**গ যাঁচ: 1 কর না দিতেন, ভাঁহাদিগকে নিস্ত সংখাদঞ্জান ও পরিশেষে দের নামে মাজিমেটুটের নি⊲টে ন এবং বাকী রাজস্বের ন্যায় কর আ করা কালেক্টর,দিগের ক্ষমতায়ত য়াছে।কমিসনরগণ আপীলতাবণ বেন। স্থানীয় গবর্ণমেণ্ট ইচ্ছ। করিলে ক্টব্লকে কমিসনরের এবং কোন স চমতা এবং আর এক জন ডেপুটী কালে

বৈকে অংশিষ্ট ক্ষমতঃ নিচে পারিবেন। গ্রমাদের মতে কালেক্টরকে কমিসমরের চমতাঞ্চলনে অনুচিত। আমরা বরাবর দবিয়া অঃসিতেছি, কাঁহারা প্রায় ভেপুটী ালেক্টর দিগের আন্ডেরে কোন পরিবর্ত্ত रतम् ना। करलक्केत्र निरंक रव माजिएकी টুটের স্বৰূপ কাছার দণ্ড করিছে পারি নে না, এ নিরমটি **অভিউত্তম হই**য়া**ছে**। বর্ণর জেনরল স্পর্টাভিধানে বলিয়াছেন, ক্রেট্রেটর নিকটে অপণি করিবার र्द्ध कारलक्षेत्र कत्रथमात्री**रक व्यथमणः** জে হত্তে পরয়ানা দিবেন, কেবল বাটীতে মন রাথিয়া আসিলেই চলিবে না।কিন্ত ক বিষয়ে আজ্ঞা অভি ব ঠিন হইয়াছে। জিন্টেটকে সকল স্থলেই করের দ্বিশুণ রিমানা করিতে ইইবে , ইহাতে তাঁহার জের কোন বিবেচনা করিবার ক্ষমতা কিবে না। অবস্থাবিশেৰে ছিগুণ রিমানা অভিশয় কন্টকর হইবে। এ অংশে জিষ্টেটকে অনুগ্রহ্থকাশের ক্ষমতা দান না করা অনুচিত হইয়াছে। এ বার ভান্ত প্রয়োজন না **হইলে আ**সেসর যুক্ত করা হইবে না। ১০ আনইনের দ্দমার ভার শীঘ্রই কালেক্টরদিগের ঃ হইতে যাইবে। অতএব বৃতন আসে রর প্রয়োজনও দে**ধা যাইতেছে** না।

দ করা হইয়াছে। क्त्रहालनमम्द्रः काटलञ्चेत्र ८ व्यल মলাদিগের উপরে নির্ভর করিতে রবেন না ; তিনি স্থানীয় এধান লোক ।।বসায়ী,দিগকে সাকট ম:নিবেন। धनात्री अप्तर जवानवन्त्री निर्धा

বৎসর সংগ্রাছক,দগকে শত করা

টাকা কমিসন দেওয়া হইয়াছিল.

বার তাহা রহিত করিয়া অংতি উল্লেম

করএদায়ীদিগকে কোন প্রকার বৃটিন প্রশ্ন করা হইবে না। এটা অভিশয় যুক্তি সিন্ধ নিয়ণ হই নছে। যেসকল কর্মচারী আনুটি কণ্ডপ্রভৃতিতে টাকা দেন, ভাঁছা मिर्भव मिर्ड होता यारम विख्यात छैलरत কর ধার্য ইইবে। যাঁচারা আপেনার অথবা স্ত্রীর জীবন ইন্সিউর করিয়াছেন, তঁ.হাদি-গেরও ঐ টাকা বাদে কর নির্দ্ধারিত হইবে; কিন্তু এ স্থান কথন শতক্রা > • छोकात अधिक वाम मिख्या हरेरव ना। ব বসায়ীদিগের কর্মচারীর বেভন, বাটীর ভ:ড়াপ্রভৃতি বাদ দিয়া কর ধ:যা হইবে। এও লি যুক্তি দক্ষত হই গাছে। গবর্ণর জেনরল্ স্থানীয় গ্রথমেণ্টসমূহকে অতিরিক্ত নিয়ম ক,রতে বলিয়া অভ্যাচারনিবারণের আরও সতুপায় করিয়া দিয়াছেন। धकरण नकल विषयहे कारलक्केद्रिपरशद উপরে নির্ভর ক্রিভেছে। অভএব কালেক্টরগণ স্হিক্তু হইয়া কাজ করেন रेरारे मकटलत्र व्यार्थनीय । य काटलक्वेटत्रत नारम अधिकमःश्रंक नाजीम हहेरत. তাঁহাকে কোন প্রকার শিকাথ দান করা

উপসংহারকালে আমরা विषरगत উল্লেখ না করিয়া ক্ষ:ম্ব থাকিতে পরিলাম না। লভে ভেলহা-উসি সকল বিষয়ে এ দেশের ইউরোপীয় দিগের মনোরঞ্জন করিবার চেষ্টা করি-ভেন। সর জন লরেলও সেইকপ করিতে ছেন। তিনি যে আজভাদেন, ভাছাতেই পর দিবস যাবভীয় বর্দাকে মুক্ত য প্রার এদেশীয় ও ইউ রাপায় বলিয়া হ ভেদ । ইইয়াছে। পিওডোরের নিকটে ৬১ স করা হয়। বর্ত্তমান নিয়মাবলিভারাও এদে শীন্তদিশের অপেকা ইউরেপীন্নণের ध्य व्यक्षिक मुविधारयवन कर्ता इहेशार इ. তাহা আনুটি ফল ও ইলিউরাকাঃভূতি वाम (मञ्जाटक क्षकाम शाहरकटक् । उथानि পত্তি করিতে পারিবেন । কালে আমরা এবিবরে অনুমোদন করি না; यथारन विक्रम श्रमान ना शाहरवन, अरमभीरशता अ कीवन इक्तिक कहिएन ানে সেই কথাতেই বিশ্বাস করিবেন। 'ঐ প্রকার স্বত্তালী হইবেন। কর | ছিত ইয়াও শক্রর নিকটে মস্তক শব্

যেন গ্রণমেক্টের রাজনীতি হল।

আদায় হইলে এক তালিকাতে এটে করপ্রদায়ী ও অপর তালিক:তে ই পীর ও কির্দি করপ্রদায়ীর নাম কেন থাকিৰে, আমরা তাহা বুঝিতে লমে না। কলিকাত র ছোট আনে। মকদমার ন্যায় কালেক্টর ইউরোপী গের অঃপত্তি অত্যে প্রবণ করিয়া ভারতবর্ধী রিদিগের আহেবদন যথ। कारल व्यवन कविरयन ; अहे छैएफर পৃথক্ খাতাকরা হইতেছে 🤉

অ:বিসিনিয়ার যুদ্ধৰেয়।

অাবিসি,নয়ার যুদ্ধের ফললাভ য়াছে। গত রুহম্পতিবার বোষাই হ টেলিপ্রাম আসিয়াছে। ৬ ই এ সর রব:ট নেপিরর মাগদালয়ে **উ**প हन। ঐ দিবস তঁ, हाর সকল সৈন্য হিত হইতে পারে নাই বলিয়া, বি ৯ই পৰ্যস্ত যুদ্ধে এইত হইতে পা নাই। ঐ দিব্দ দৈনাগণ উপ, হত য়াতে পর দিবস যুদ্ধ আরম্ভ হয়। গি ডে.র বনঃ বটেন; কিন্তু যত দুর স স: হসসহকারে যুদ্ধ করিয়া ছিলেন। ব তঁ,হার সৈন্যগণ সেহ,কার ছিল সুতরাং ভাহারা অজতা শোণিতপা পর পরাজিত হইয়াছে । তাহাদিং ৫০০ ছত ও ১৫০০ আহত চইয়া ব্রিটিশ দৈনাগনের মধ্যে কাপ্তেম রবা ও ১৫ জন দৈনিক নাত্র আহত হ

रेडेटतालीय वन्ती क्टिलन: रेहानिश ব্রিটিশ শিবিরে 😉 রণ করা হয়। রাহ অধিকংশ দৈনা এই পরাজনের

অতিশয় জীত ও নিরুৎসাহ হইয়া ভ ভাগে করিয়াছিল। ভাঁহার অংশক স রও ঐ দৃষ্টানের অনুসরণ কার্মাছের

কিন্তু প্রাণ্ড পিওডোর সন্মুখ্যুক্ত প

নাট। তিনি প্রাজিত হুইয়ামাগ ্তুগ্রফা করিবার মানস করি ভিখন সর রব[•]ইনিপিয়র **ভঁ**হাকে িলা সংবাদ দিলেন যে, ভিনি '৪ ঘটিক∷র মধ্যে আংজ্সমর্পণ্না় ৷ তঃহা**হ≷লে ভূৰ্গ** অনুজ ৭ করা া থিলোডের ভাঁমার বাকা নুখারে প্রপাণ **না করাতে,** ১৩ ই দিব্য কু 🥞 দৈনা সমজিবালেরে কামান নভারারা আমাক্রমণ নরিবাতুর্গ করেন। থিয়োজের স্বস্থ একটা ।ক করিতে করিতে উপুসুলভানের। হত ক্ইয়াছেন।

্লকা**রে আবিদিনি** লার যুক্তার শেষ ছে। যে **উদেশো** যুক্ষাতা করা হয় র কলে হইয়।ছে। একাণে কথা হই . দৈনাগণ ভারতববে গ্রহালেমন ব কিলী সমুদায় আবিসিনিল া তাটিশ গাবৰ্নেটের পদানত হুই া কিন্তু ব্রিটশনর সেখানে স্থারি অ স্থান করিলে এই বর্ণাভূততা িকি না। আবিসিনিরা লেকের धी मस्मद्र नाडें; विस्तृत देश्ताल ७ হৰ**ৰ**লৈ তথাল **বা**িলা অনায়⊾সে

ভগ:পি

. બદ્યત્નામમાં ભાગમાં છે

রা ঘলিতেছি*, এই লোক ভাগে* করিয়া

জারানুষাটো এ জান তথ্যে আগমন

পাত করতে পাত্রন

বিটিল গ্রব্নেটের শ্লেন্ড্রালী কি প্রেম্বীয় রাজগণের শাসেনপ্রণালী 🖟 লেন চলিতেছিল, ভ হার যে ২িদ্ধান্ত াট্টতবা সেহিষ্যে পঞ্চতের ভূত শাসিত বাজিকদিলের সহিত তাঁহাদিগের করা হয় এবং তাহা তাঁহাদিগের হয

কটী থিলের জঃতবা বিষয়, পাত এব তাহার সংক্রিপ্ত বিবরণ পাঠ গণের গোচর করা য ইতেছে। ব্রিটিশ গ্রণ্মেটের শাসন প্রধানীর অনুকূলো নিম্লিখিত কয়টী विषय अम र्मेक इडे शहरू ।

১। হজ্ঞ,রণ সমধিক সৌভাগাশালী। ২। লোকের জীবন ও সম্পত্তি সন ধিক নির্নিয়ে জাছে

৩ ধর্মসময়ের স্থানীনতা আছে। ৪: শক্লোও সংস্পক তুদিন্যা করে'র হস্ত হ'তে রকা: অপেক:কৃত উৎকৃত উপায় করা হইয়াছে।

ে। রঞ্জেখাণালী অপেকারুত উৎক্লয় ।

৬ ৷ গবর্ণমেণ্ট একার নিকট হইতে অনিংনিত অর্থ জেইণ করেন না।

বনিক ও পোদ্ধরের! সমধিক (भोज शामानी

৮। क्रगरकतः उँ२क्रके अवदामम्लन्न। ৯।বাণিজ্যের স্বাধীনতা ও বাণিজ্য কংয়ে; র অনেক স্থানিধা ভাছে।

নিমুলিখিত ব্যক্তিরা ব্রিটিশ গ্রণ रमरलेत विस्ताधी।

১। অভিন্তার ও র্জাসভ্সাদ

২ ৷ সক্রিগ্র

৩ । ভদ্রলোকসকল।

प्र। ज क्षः ध्र**ा**

લા અવ€ા ≅લાં છા

দাবসাট্ন-টনন-বভ ক্ষেত্ৰীয় সাজ 💡 🤟 ১। রাজনীতিজ্ঞ ও জুরাকাভিকা। গ্ৰন্থ প্ৰসংগ্ৰ

৭। স্বৰ্করে ছিতি দিপিগ্ৰ।

বে যে কারণে লেংকে ব্রিটিশ শাসন ে 🕖 বিষয় লইয়া দীঘকলে যে এণালার হতি অননুগ্রন্থ সেগুলি এই। ত্রটিশ রাজপুরুবেরা বিদেশীয়

/ুলিপটনালী গ্ৰেণ্র সর রবাট লকী গম(র) ঘ্নিষ্ঠতা নাই ।

গুলিও এবি এক, শাক্রিলাছেন, সেটা এ । বিচার এগালী প্রশার নিভান্ত **নিশ্চিত আছে।**

অপ্রিয়। কারণ উটা অভিশয় ফটি উহাতে অনেক বার ও বিলম্ম হয়। উ এরপ অসাময়িক উৎকর্ষাধন কদ, য়ाद्य या, छहा इंछद्राभी अमिदशबंहे ८ हरेग़ारह ; এरमनी:कित्रात्र डेन्टरीकी नारे । এদেশীঃদিগের **সু**বিচারের সং এই যে, উহা শীল্ল ও স্বস্থাব্যয়ে স हरेत, अर्थें करलाशंषात्रक हरेता।

৩। ভরহবধীরেরা আইন ও স্থার সদা পরিবর্তন দর্শন করের। বুজি হন। সামানা লোকে ব্যবস্থার শীঘ্র পরিবর্ত্তন ও উহার আবেশ্য বুঝিতে পারে না। ভাহারা এই সা করে যে, জাহাদিগের আচার বাব ও ধর্মের উটিছেদদকশে কর: হইতে:

৪ ভারতব্যীরেরা বাকি রাজ নিমিক্ত ভূমিবিক্রা, ঋণের নিমিক্ত রোধ, ইংরাজনিধের করতেত্নপ্র द्धोरनाकमिश्ररक व्यक्तिगरत्न म ७ इ অব্যাহতিদান এবং ঠ:হানিগের কাৰ্য্যে নিভা হস্তক্ষেপ এগুলি वारमञ्ज्ञा । विरमयकः लाकमार्था এবং স্বাস্থ্যসংক্রান্ত বনের্বিস্তের নি উৎকোচগ্রাহী ,গর্বিত দেশীর কন্মচ যে ঠ:হ:দিজের নি টে সর্বদ। গমন করেন, সেটি ভঁ.হাদিগের ভাল লাগে

৫ প্রজার বিরাগ জ্মিবার গ কারণ এই সাক্ষা দিবার মিমিজা তঁ। ধোর দূরত্ব সূহ হইতে ত হাদিগকে স আহ্বান করা হয়, একদর্থ তাঁহাটি যথোচিত ক্ষতিপুরণ হরনা; এ অনেক বিলয় হয়!

৬। ব্রক্ষেক্তরাদি প্রহণ ক ৫.কারা অভিশয় বিরক্ত হইয়াছেন সামান্য বস্তারও ফুকন ও দৃঢ় অনু चके हहेगा याहेरव, अपि अक The second section is a second section of the second section of the second section is a second section of the second section of the second section is a second section of the second section of the second section is a second section of the sec ।। এই জারাদেশীয় সর্দার ও রাজ-**ারুত জ**নক জনক ও দ**তা পু**রকার বাসেন। ব্রিটিশ গ্রণ্মেণ্টে উচার ইনাই। প্রভাত ব্রিটিশগবর্ণমেণ্ট ারদ:নে অনুৎসাহ দেন।যে পুর দেওয়াহয়, তাহা অতি অপেমাত্র **िठ करके (म** ७३१ **३३** ।

যথন অন্য রাজ্য অধিকার করিয়া া হয়, পদস্ব্ ব্যক্তিদিগকে কর্মচ্যুত হইয়াধাকে৷ অভিজাতদল সন্তুম ভিকর পদ প্রাপ্ত হন না। দেশের Iন ও সমুাত ব্যক্তিরাদরি<u>কা</u> হইযা ন। সৎকুলজাত যুবা ব্যক্তিরা থে কোন লেভেনীয় পদ দেখিতে না ; ব্রিটিশ কর্মচারীরা প্রায় জঁকো-ার ছঃখে স্থাপ্রকাশ অথবা তাঁহা-র বিষয়ে বিবেচনা করেন না; ইহাতে রা অ:ডান্ডিক ছুংখিত হ্ইয়াধাকেন। ৯। প্রজার সহিত রাজপুরুষদি. भञ्चकुः चेत्रु थर विष्ठा नः है। भवर्गस्य প্রজাদিগের বৃদ্ধি বিদ্রেচনাও রুচির

ণর রবার্ট মণ্টগমরি এইকাপে অনি াকরেণ গণনাকরিয়া ভারতব্যীয় মেণ্টকে প্রজাপ্রিয় করিবার যে যে ায় নিজেশ করিয়াছেন, সেগুলিও র বহুদ্শিতা, একাহিটেডযিতাও ভে**ৰতার পরিচয়প্রদান করিতেছে**। **ঙলি এই** :---

अह ।

১। বেসকল রাজাকমচারী নিয়ো আছেন, ভাঁহারা অস্পদংখ্য ও কানে ছড়াইয়া কাছেন, তাঁহারা জ্ঞ ও নং হন। ভীহাদিপের ক্ষরের যে ভারে নিকেণ করা হইয়াছে, ভাছাতে ারা দিবা রাতিরে মধ্যে অবসর পান স্ক্রাং, লোকের সহিত মিদিয়া টাহাদিগের বিশাদভাজন হন এবং f**দিগের কু**দংকার দুর করিয়া যে

(नोमधकोष) — **(०)** — ত্রিটিশ গ্রণমেন্টের সং ও উদার উদ্দেশ্য **डॅं। हामिटशंत रशास्त्र कट्तन ज्वर डॅं। हा**. দিগের মনের ভাব অবগত হন, কর্মচারী मिर्गत अक्रुश कारकांचा नाहे। कर्यहा-बीता रव के कांक छालि करवन, देशह সর মণ্টগমরির উদ্দেশ্য। তিনি বলেন, ता**क शूक्र र**गता यनि श्राक्षात इ: रच इ: च अध्यक्तात पूर्ण प्रशिका श्रमम्म करत्न. তাহাতে উৎকৃষ্ট ফললাভ হয়।

২। প্রজাদিগকে বহুলপরিমাণে ताककार्या निरशाकिक क्या कर्खना।

ত। এক এক প্রামেশে এক এক ব্যব স্থাপক সভা করিয়া তত্তা লোকদিগকে তাহাতে লইয়া ব্যবস্থাঞ্চরন করা কর্ত্তি। এখন ব্যবস্থাপক সভায় এদে-শীয়দিগের গ্রহণের যে নিয়ম আছে তদ্বারা সর মন্টগমরির অভীন্টসিদ্ধি হই তেছে না।

8। अपनिभीशंतिशतक यनि भौगन কাথ্যের অংশগ্রহণে অসুমতি দেওয়া ना इश, अरमभीशिमिशटक या विमालिका দেওয়া হইতেছে, তাছার ফলোপধায়ি-তাৰ সম্ভাৰনা নাই।

ে।ব্রিটিশ শাসন প্রণালীর যে ষে অংশ প্রজাদিগের মনের মত নয় দে গুলিকে ভাহাদিগের মনের মত করিবার সর্কতোভাবে চেফী পাওয়া কর্ত্তব্য এবং এই চেন্টা করা উচিত বে প্রজারা স্থানীয় অফিনরদিপের প্রতি অসুরক্ত হয় এবং প্রজার উন্নতির বাদনা পথে যে বাধা আ'ছে, ভাছা দুর করিয়া তাহাদিপের দিবিল ও নিলিটরি পদে প্রবেশপথ সুগম করিয়া দেওয়া হয়। যেদকল ইংরাজা উচ্চ পদে অধিরঢ় আছেন, ভাঁহা দেগের ক্ষমতাও মান সভ্ মের ছাদ করিয়া দিবার চেন্ডা পাইলে বে এ অভীউনিদ্ধি হইবে, তাহা নন্তা-বিভ নছে। এদেশীরদিপের মধ্যে যাঁহারা

ক্ষমতাৰ পায়, তাহাৰিগতে উচ্চ পা করিয়া দিরা এ অভীষ্ট সাধন করি চেন্টা পাওয়াই উচিত।

আমরা শুনিয়া ছুঃখিত হইলাম, জাং ক্ষিনর কোম্পানির হাউদের মুঘ বারু ঈশানচন্দ্র বস্ন হৃড্যোগে দেহত করিয়াছেন। শুনা গেল, তিনি মৃত্যু নিজ বাদগ্রামে একটা বিদাব **बक्री हिक्टिमाल**धं बदः बक्**री** १ রাস্তা করিবার কথা উইলে লি গিয়াছেন।

ন্তন পুস্তক।

১। ভামাদি আইন, এখানি 🗟 বাবু তৈলোকানাথ মিত্রকর্তি সঙ্ক হইয়াছে। ইহাতে ১৮৫৯ সালে: षाहेन এवर छरमरकां ह वर्डमान পর্য্যন্ত উক্ত আইনের উপর হাইকো যে সকল নজীর হইয়াছে তংস্ সংগৃহীত হইয়াছে। এই পুস্তকদার হারাজীব ও মকদ্যাকারীদিপের কারলাভের বিশেব সম্ভাবনা।

২।অপরোকান্তভুতি। মহাম পাধ্যার শঙ্করাচার্য্য ইতার প্রবে অধুনা এই পুস্তক জীকেদারেশর ব্য পাধাায়কর্ত্ক পদে; অমুবাদিত : **মুলের দহিত মুদ্রিত ছইরাছে**। অ মক্দ হয় নাই।

৩। ব্রতমালা। এখানি 🛎 नक्षकुमात कविहल्लकर्ज्क मर्व रुरेशारह। **रे**शारा भाराज्यालिका ক্রীপঃস্পানা প্রচলিতে বহুতর আ অসুষ্ঠান ও কথা এবং ব্ৰতপ্ৰতিষ্ঠা সংগৃহীত হইয়াছে। ইহাছারা कर्म बादमात्री यक्षमारनार्शकीयीत দ্বিশেষ উপকারলাভের সম্ভাব্না

man or a second ১ গামে অবধি ভবানীপুর সাপ্তাহিক **সংবাদ্য**ञ्ज इंटेर्ड প্ৰকাশিত হইতে আরম্ভ ইংলাছে। **প্রতি সপ্তাহে ই**হার এক এক খণ্ড প্রচারিত হইবে। আমরা ইহার প্রথম **থও প্রাপ্ত হই**রাছি। এই যতে ভূমিকা, **বঙ্গদেশী**র খ্রীষ্টাল্রিভ জনগণের পেন্সন্ফও, বিবাহ ভঙ্গের গাইন ও আদালতের আবশ্যকতা এবং শংব'দাদি লিখিত হইয়াছে। এখানিতে দ**ম্পাদকের নাম নাই; কিন্তু ই**ছার লখন ভদীবারা ইহা যে এ দেশীয় খুটা ান কর্তৃক প্রচারিত ভাহা সপ্রত বোধ

विविधमः वाम ।

हिर्डेट्ड ।

১७ हे देवनाथ (मामवात ।

২৪ এ এপ্রেল জব্ধি সিটনকার সাহেব প্রধা

ক্তম বিচারালয়ের বিচারপতিব পদ ত্যাগ ।রিয়াছেন। শুনা হাইতেছে, ভিনি ভারতব রি গ্রেণ্ডের প্রবার্টাবভাগের সেক্রে नीलम्यनघडेड जानस्थान পরি হইবেন। বৈশ্বন লাভ কানিং আছে: দিয়াছিলেন, সিটন রি সাহেব আর কথন সেক্টোরের পদ পাই ৰনা। অভেএৰ এ জনরব অমূলক বে)ধ ইডেছে। মিঞিন সাহেব ভারতব্বীয় ব্যব-পিক সভার সভ্যের পদস্তাপে। করিয়াছেন। ষ্টেট্সেফ্টোরির অনুমতি অনুসারে গবর্ণন লনরল আংকঃ দিল্লছেন, যেবকল আংকিস্র পিনাদিগের দোকনিবক্ষন পদভূতে হইবেম বা মারক বিচারালয়ে দ্রার্থনে চইতে অনিক্ ইয়াপনতাগ করিবেন, ভাঁহারা অভ্যন্ত দৈনা শাক্রান্ত হইলে ভাঁহাদিগের সঞ্জি ভাঁহাদি রে পরিবারগণও ইংলতে যাইবার নিমিত্ত াথেয় প্রাপ্ত হইবেন। ভারতবর্ণের সমুদায় **अन्य रेम**िक्षिंगरक वःहेन कविद्रा निरम्हे ৎপা**ত চুকরা য**ায়।

পাও শনিবারের ইংলিসমানে জনরবমূলক এই °বাণ প্রকাশিত হ্ইয়াছে, যে আনাজামখী ত্রতি হটী যুক্তে পরাজিত হওয়াতে রুশীয় বাপটির নিকটে এই ধলিয়া সাহাধঃ চাকিয়া ংলেন, ব্যাম পারস্যাধিপতি সিয়ার্**জালি খাকে এখানে জনায়াদে বাস'ক্রিতে পারেন** । ्।यः हिटल्डाइन, उथन जिनि समीयहिटशत

যে আফগানস্থানের উত্তর মুদ্ধার্থী ছলের সভিত : ধারা অচেতন করিরা ভাঁহানিগের এবংাদি ব य प्रवेद के तर्ज हि जा शांक माना माहे। कि কাবুলে রুশীয় বৈদ্যগণ প্রবেশ কার্লেও ব্রিটিশ गवर्गस्ति किहूर वामायन मा , अप्री ভानकार আনিবার পুরে ভাহারা কোন অবলম্ম করিতে পারিতেছে না ৷

এমন জনজ্ঞতি, পঞ্চাবের লেপ্টনা ট গবর্গর সর ভে:নালত মাকলিয়ত পীড়ানবলন পদ ভাগে কার্বেন।

বেংশ ইয়ের কভকত লি লোকের অসুরোদে व्याभाषी मारलेखे सारतायम कारण हेराव पून-কার ভারতবর্ধে আগমন করিবার কথা श्हेरफर्ट्। व्याचाहरमञ्ज खीनन्यान विकासामग्र উল্লভিসাধন ভাঁহার আগমনের কারণ।

फिनदर्शन नारहर स मिन श्रथम महान ভায় প্রবেশ করিয়া বক্তা করেন, সে দিবস তাঁহার লা হাউস অব কমঙ্গে উপস্থিত ছিলেন। ঐ দিবস ভাঁহার ৰক্ত। কোন কাজের হয় নাই, প্রসুতে উচ্চে প্রিক্ত ও অপমানিত হইতে হয়। ইহাতে বিবি ডিগরেলি এত মুঃবিত হন যে তিনি প্রতিজ্ঞা কর্মাছিলেন, ষত দিন ভাষার স্বামী ইংলত্তের প্রধান মন্ত্রা না হইডেছেন, ওতাদন তিনি আর মাসভাগ্ছে श्चर्यन कर्तिरवन ना । अक्ररन छ।शत अरे हेन्छ। স্ফল হইয়াছে ৷ যে দিবস ডিসরেলি সাংহ্র এশান মন্ত্রী ংইয়া প্রথমতঃ হাউস অব কমসে প্রবেশ কবেন, বিবি ডিসরেলি এড কালের প্র সেই দিন হাউস অব কমসে উপস্থিত হইয়া ছবেন

শুক্রবার জাটিসনিগের যে সভা হয়, ভারাতে ভাক্তর মৌএট স্পৃষ্টা ভধানে বলিয়াছেন, স্লার্ক गारश्रवत (पुर्व क्वयन व्यथवारग्रव कावनमाञ्च क्इयारक । इंड्राटक कात होका वास कता केतिक কি না, ভিনি ভাষা বিবেচনা করবেন বলিয়া আপাততঃ ইছা বন্ধ করিতে বলিলেন। হগ সাছের এখনও প্রত্যাশা করিতেছেন, প্লার্ক সাহেৰ এভ্যাগমন করিয়া স্থীয় কার্য্য সম্পূর্ণ ! कः द्विद्वन ।

পিছনিয়র বলেন, একজন জার্মণীয় জমণ কারী নেটালের নিকট এক বিজ্ঞ অর্থনি আবিকুত করিয়াছেন। ঐ খাতে কালিফা:প্রা ও অক্টেলিয়া অপেক্ষা অধিক অর্থপাওয়া য:ইবে। এস্থানটা সাস্থ্যকর, অভএবাধননকারীরা

উক্ত পত্ৰ আৰও বলেন, মধ্যভারতবর্ষের

৪। সাপ্তাহিক সংবাদ। এখানি কিকটে আশ্রপ্ত প্রথম করিছে পারেন। কশীয়গণ এক স্থানে কডকগুলি ঠক করেক ব্যক্তিকে বি হরণ করিয়া হল। উহরে। সম্প্রতি কাসী थु छ इहेशार इ। ठरकता व्यक्ति निर्दर्शक, का को उपा आपिया भूग कतिया हुते कतिस्ल है অব্যাহ'ত পাইত।

> বাবু প্রারীচাল মিত্র পশুলিকের প্র নিপ্রভা নিবারণাথ ব.বস্থাপক সভায় ব विन कार्यन क देशारहम। अहे विर्म शतः উত্তম বাদা দিয়াম্বংবিধ পরিঞ্জম নাকরাই পালক, দিগোৰ দণ্ড হইবার প্রস্তাব হইয়ায়ে

গত বৃহস্পতিবার মেডিকাল কালেচ পরীকোত্তীর্গ ছাত্রদিগকে পুরস্কার ও প্রশংসা প্রদানের সময় অব্যক্ষ ডাওচর চিবাস আর্ করিয়াছেন, অনেক ছাত্র ইংরাজী ভাষ অন্ভিক্ত ভিনিকেবল ৰাবুকানাইলাল্ডে প্রশংসা করিয়াছেন । ডাক্তর চিবসের आरक्तभ अधूलक भएह।

অসুত্রাজ্ঞার পত্রিকার একজনগ (श्रुकं रहत्व, " खामानिरंशत शामाना (वार এইমাত্র বিদ্ধান্ত হইতে পারে, বে হাজত ভ किছू नयु, (कदल এक मै चढ़, (यथारन अस्टि ব্যক্তিদিগকে ভাহাদিশের অপরাধের সপ্রম হওয়ানা হওয়া পর্যন্ত এক প্রকার আব ক্রিয়া রাখা হয়, যে অপ্রাধ সপ্রমাণিত হয় দ্ও'জ্ঞার সময় ভাহারাপলায়ন করিয়াআন निख्त विदेख मा करतः यभि अहे हाङ्गर প্ৰকৃত অৰ্থ হয় ভাহা হইলে হাজতে আৰু वः विक्रिक्षिशास्क कल्ले विवाद कः त्रशकि? ज्या जाशक्तिरात कर्ष्ट्रेत विभग्न मरन छेनग्र इहे পাধালবং হাদরও বোধ হয় বিদীর্ণ ইয়া যা কিন্তু আবার এত কষ্ট পোড়া বাসালীদি পক্ষেই হয়, শ্বেডাঙ্গ পুরুষদিধের পঞ্চের দৃষ্ট হয় না। যদি কোন বাজালী হাজতে আ इडेटलन, ভाष्टा इकेटल **डिंका**त পরিবারের ম প্রায় সমাধিক্রদন উঠে, কারণ স্বামানিত विश्वान आहर, इक्टल करम् कवन्या इहेर অধিক কষ্ট। কিন্তু কোন প্রেডাক পুরুষ অ বোরতর মহা পাপে বেটিত ইট্যা অভিয হইলেও তাহার হাজতের পদ্ধতি ভিন্ন প্রহার

२० এ रेरमाच सप्रवर्गता

আমরা হিচ্ছপেটি য়টে দর্শন করিলাম, গ শ্নিবার প্রধানতম বিচারাল্যের আপীল বি পের উকীলসণ আধানতের পুস্তকালয়ে এ मछ। करत्न। सिहेन मार्ट्स मत् এए उदाए द नक्त भन्न निथिया (य वनिशाहितनम, छात বংশীর্গণ উদ্দীল অংশক। বা.২ছর্দিগকে ভ ক্তর ভল্ল মনে করিয়া হক্ষ্মা দিতে য বাসেন ভাহার প্রতিবাদ করিবার নিমিক হয়। বাবু কৃঞ্জিশোর ঘোৰ অধ্যক্ত । উক্তপা

হয়। বাবু কৃথ-কিশোর ঘোৰ অধ্যক্ত ।
ন! মেইন সাংহ্বের এটি বে এম. ভাহা
ইঠার নিমিত উপীলগণ কাইটিক এক পত্র
থবেন। ভাহাতে মেইন সাংহ্বের কি মত
ধর্ম হইবে? বারিস্তরাদগদে সোকে ফৌজা
মকদ্মা দিতে চাংগন ভাহার প্রকৃত
গ এই যে, কারিস্ত,গণ মক্ত্রেনা বেখানে
কোলের আইন সাইয়া কাজ করেনা বেখানে
বেলার আইন সাইয়া ক্রম আইন ও ব্রেছা
তর্ম হয় দেখানে সোকে উবীলগণের হস্তেই
দুলা দেন। মেইন সাংহ্বিকে এটী ক্রাই বলা
ব্য়।

দির্লাগেরেট বজেন, কান্সাহার সিরার লর হত্তগত হওয়াতে আজিম হ'ং অভিশয় ধত হইয়াহেন। পাঁহার সৈনগেণ পরাজ্ঞারের সিয়াব আলিব দলে নিজিত হইয়াছে। গে আজিম হ'ব সৈনগ্রা অগ কিছুই নাই। কান উপাধে ছই লক টাকা কর্ত করিবার তে ভিনি অভিশয় বাস্ত আছেন। সিয়াব গর পুদ্ধ আকুব হা কার্ল আক্রমণাপ অল হইত্তেন । আফ্রান্সিগের এই গ্রুম্থ

उक्ति भाक आता वालान, सिर्झा मार ।

प्राप्त करें के मुश्लिक क्षेत्र विनिधित ।

प्राप्त करास्ट्रिंग स्वार्त्त विन्दि ।

प्राप्त करास्ट्रिंग स्वार्त्त सिर्मा ।

प्राप्त करास । स्वार्त्त सिर्मा करा स्वार्त्त सिर्मा ।

स्वार्त करास है सिर्मा करा सिर्मा ।

स्वार्त करास है सिर्मा सिर्मा ।

स्वार्त करास है सिर्मा सिर्मा विन्द्र सिर्मा ।

स्वार्त करास है सिर्मा करा भाव सिर्मा ।

स्वार्त करास सिर्मा करा भाव सिर्मा ।

स्वार्त करास है सिर्मा करा भाव सिर्मा ।

स्वार्त करास है सिर्मा करा भाव सिर्मा ।

स्वार्ति करास है सिर्मा करा करा सिर्मा ।

स्वार्ति करास है सिर्मा करा करा सिर्मा ।

स्वार्ति करास है सिर्मा करा करा सिर्मा ।

ার নেটে প্রেষিত হইতেতে এবং পঞ্চাবের প্রিত সেনাদালের কোন আফিসর বিশায়পান । ইহাতে মুদ্ধের লক্ষ্য প্রকাশ পাইতেছে। বিমন্ত এক বার বাজাটিদিসকে শাসন করি এবং যদ পাবেন ত ফিরেকে সাহকেও বার চেষ্টা পাইবেন বোধ হইতেতে।

क्षमाञ्चे राजन, मञ्चिष्ठि मार्श्टर ४० मक

পর্বলিক ওপিনিয়ন বলৈন, আজিন খাঁ মর সিয়ার আলীর আত্মীয়দিগকে কারারুজ তে কাবুলৈর লোকেরা বিদ্রোগী হইয়াছে। স্তমহম্মদের অন্যুক্তর পৌত্র আবছলা এই লুনিপুর কার্যা দর্শন কবিয়া পেদোয়ারে। গুরুন ক্রিয়াছেন। উক্ত পত্র বলেন, নিম্নার পুলিষ এক জান ককিয়কে ধৃত করিয়াছেন। এই বাজির জাক তি ও কথায় ইংকে প্রধানবংশীয় বলিয়া বোধ হয়। পুলিষ সন্দেহ করেন, ইন দিলীর একঙন বিদ্যোহী রাজকুমার। ফকির বলেন, জিনি অযোধ্যার রাজবংশীর মহন্মন জালীয় পুত্র মাজবুলুন্দোলা। বিশ্লোহের সময়ে জিনি কোন দেখি কয়েন নাই, তথাপি পাছে সন্দেহ ক্রিম শিংক দণ্ড দেওরা হয় এই ভয়ে তিনি চল্পোণনে জমন করিতেছেন। এ ব্যাক্ত বাস্তবিক কে ভাহার অস্কান হইতেছে। এখনও অনেক সন্ত্রান্ত ব্যক্তি এ প্রকার স্যাদীর বেশে বনে বনে পর্কিতে পর্যন্ত জমন করেন, ইহা অভিনয় আক্রেপের বিষয়।

উক্ত পত্র জন আংতিতে প্রবণ করিয়াছেন, কাশ্মীরের বিরুদ্ধে সংবাদপত্রে অনেক বিষয় লিখিত হওয়াতে ইংলণ্ডীয় গবন্দেন উক্ত রাজেরে সাশনপ্রালীর অসুনন্ধানার্থ এক কমিসন নিয়ুক্ত করিয়াছেন। সভা হইলে এটা অভি স্থাের সংবাদ সম্পেহ নাই। রাজা আত্ম সমর্থন করিছে ক্রাট করেন না, তথালে সন্দাই হার একটা শীমাংসা করা করিছে। এই সঙ্গে বর্নার গুই কুনারের কার্যের অসুনন্ধান করাও অপ্রশা্ক।

১৮ हे देवनाथ बुधवात ।

ডাক্ষরসমুকের ডিরেন্টর জেনরল আজা দিয়াছেন, বেদকল স্থান দিয়া রেলওয়ে গিয়াছে ডব্রছা ডাক্ষরসমূহ যতন্য সভব রেলওয়ের নিকটে আনমুন কবিডে হইটো। এই রূপ বন্দোবস্ত করিলে অনেক উপকার হইবে।

পিয়নিয়র বলেন, সম্প্রতি মধ্য ভারতবর্ণন কর্মাত মাউনগবে কানপুরের এক জন প্রাল্প পর মৃত্যু হয়। তাহার জীর নিকটে তেনীর বস্ত্র গুলি প্রেরণ করাতে। তানি স্বেক্টাপুর্মিকই হউক লার আগ্রীয়দিগের উত্তেজনাতেই হউক সহ্যুতালন। বহুদিন ইহার উদ্যোগ হইয়াছিল। পুলিষ ও কানপুরের জাইন্ট মাজিটেট এই সংবাদ পাইয়াও কিছু বলেন নাই বলিশা উত্তরপদ্যিঞ্চলের গর্বদেন্ট জাইন্ট মাজিটেটের উপরে অভিশয় অসজোবপ্রকাশ করিয়াছেন : ঐ কার্যোর জাইন্ট মাজিটেটের উপরে অভিশয় অসজোবপ্রকাশ করিয়াছেন : ঐ কার্যোর উদ্যোগীদিগের, ১৭ জন কারাক্ষ আছে। কানপুরের জাইন্ট মাজিটেট জানিয়া শুনিয়া যেপ্রকার কর্ম্বর কর্মাক্রের কর্মাকরেন নাই, কোন এড় কেন্দীর রাজা ঐ ক্লপ করিলে উল্লেক্টিটের স্কান্ত্র পদ্যুত্ত করিবার কর্মা হইছে।

উক্ত পত্র প্রস্তাব করিরাছেন, গবর্ণর জেনরল 🖨 প্রাহিতে যে পরীক্ষা হয়, তাহাতে চা

ও বেকেটারিগণ সিমলায় গমন করিলে
দিগের ভাতা গ্রহণ করা অস্টত । যে
অতিরিক্ত কস্তও অসুবিধা হয় সেই স্থলেই
দেওয়া উচিত। অনেকে বিদায় লইয়া অ বৈতনে ও সিমলাতে গ্রীম্মকালে অভিবাহিণ সংখ্যা বিষয় জ্ঞান করেন। অভগ্র গবর্ণর রল্ ও সেকেটারিগণ সম্পূর্ণ বেতন পাই পর্যাপ্ত হলল। কেরানীগণেরই অসু হয়, ভাহারা কভিত আর কেইই ভাতা বার উপযুক্ত নহেন।

উক্ত পত্র ক্ষমরুবে প্রবণ করিয়াছেন, বি য়ের বন্দরের উন্ধান্তর নিমিত্ত (প্রটিদেরে এক কোটি টাকা বায় করিবার আজা বি টেন। তথারা ডক ও কভকগুলি জেটি ইইবে। বড় বড় জাহাজ হইতে এক কালে দ্রবানামান যায় এপ্রকার বন্দোবার ইইডে ইহা করা অবশ্য কর্তব্য।

প্রনিক ওপিনিয়ন প্রবণ করিয়াছেন, প্রবীয় গ্রেগ্রেইর অরাউবিভাগের সেত্রেই, াস, বেলি সাহেব পর: ক্রিবিভাগের পাইবেন;

নচংমের নিমিত্ত প্রধানতম বিচারা
আপীল বিভাগ আগামী কল অবনি ৪ ই
পর্যাক্ত বন্ধ থাকিবে। নিমুত্তর দেওয়ানী
শতসমূহ পূর্ল হইছে বন্ধ হইগাছে। ত
এই প্রভেদ ও বিশ্বধলার কারণ বুঝিতে,
না। দেওয়ানী আদালতসকল এক দিনে
করিয়া এক দিনেই খোলা উচিত।

লক্ষে টাইমদ বলেন, ৯০ মণিত হাইব দিসের আগকে কর্ণেল বসোদ লক্ষেণিয়ের বি কালীন অবস্থান সহিতে বর্জনান অবস্থার করিতে অভিলাধী হইয়া ভব্রভা মন্ত্রনা ম চ ভার উঠিতে চাহেন। মদিদের দারগা উ নিধেন করাতে কর্ণেল ভাঁচাকে প্রহার ব ইহাতে দারগা ও কয়েকজন হীরদি উ প্রহার করিয়াছেন। এবিষয়ের নিমিত্ত ন হয়াছে। নিয়নব হছুত প্রদেশের প্রশালী অস্থারে দারগার ঘেদও হইবে নলা বাজ্যা। কিন্তু হাইনওার কর্ণেলের চনা করা উচিতে চিল ঘে, মদিদের উপরে কোন গুলীয়ান গমন করিলে মু নেরা ভাগা অপবিক্র জ্ঞান করেন। জা গণের এই সকল সামান্য বৃদ্ধি নাই কেন?

অন্যকার গেজেটে পরীক্ষোত্তীর বৃধি মোজারদিগের নাম প্রকাশিত হইয়ানের স্বায়ারিতে যে পরীকা হয়, তাহাতে চা প্রথম প্রেশিরও ৮ জন দিওীয় ক্রেশির উকীল।

ইয়াছেন : ১৯৭ জন মোজনরী প্রীক্ষায় উত্তীর্ণ

ইয়াছেন।

১৯ এ বৈশাখ বৃহস্পতিবার।

(लल्डेनाके भवर्षत डिकील ও মোজनावनिर्भव अर्दीकांत्र स्टब नियमावनी श्रकाम कदिवार्धन । धदर्शस**े करमुक्छन शतीकक नियुक्त क**हिर्द्यम । हर है। अब अञ्चल कार्यस स्थापन स्थापन (१००)न .৯বিত হইবে। স্থানীয় পরীক্ষকস্কুপ জড় शास्त्रिक । अधान मनत् आगीनशन महाः 🗣 🥫 ্বন। ইহাদিগের হত্তে বাচনিক পরীকার ভার पाकित्व। योगात्रा इंश्ताकी खात्मम मा, ॐागता প্রথম জেণীর পরীক্ষাদিতে পারিবেন না। গ্রাক্তকে প্রথম প্রোণর পরীক্ষার্থীকে গড়েশত ক্রা ৬২॥ সংখ্যা রাধিতে হইবে। যাঁহারা কোন বিবয়ে পূৰ্ণ নয়বের ভূঙীয়াংশ ন রাখিতে পারিবেন, তাহারা উত্তর্গ হইতে পারিবেন না। বাচনিক পরীক্ষায় উংহাদিগের অস্ততঃ ৩০ সংখ্যানা থাকলে উছেদিগের লিখিত উত্তরগুলি পরীক্ষকনিদের নিকটে প্রেরিড হইবে না। দ্বিতীয় জেনীর পর কায় শত করা ৫০ সংখ্যা রাখিতে হইবে বাচনিক প্রীক্ষায় ২০ সংখ্যানা থাকিলে ভাঁহাদিগের লি.এড উত্তরগুলি দর্শন ক: ঘাইৰে না : ধিতীয় প্ৰোণর উকীলগণ ইংরাঞ্চ বাঙ্গালার যে ভাষায় হউক, পরীক্ষা দিতে পারি. বেন। মোজারদিলের পক্ষেও এই নিয়ম কমটি একাল্ডি পরীক্ষার প্রয়োজন কি ? যখন বিশ্বিদ্যালয়ের এল এল গণ প্রথম তেনির উকীল্ডিলের নাম অর পান, তথন উভয়বিধ পরীকাই বিশ্ববিদ্যালয়ের হস্তে প্রদান কঃ।

কাপ্তেন জার, ডি. বোরবেল ভারতব্যীয় अवर्गाम छेटक अस्ति। इयारहर, অখ্যে লিয়ার কয়লা ইংলণ্ডের নিউকাদলের উত্তম কয়লার ডুলঃ। ইহা সংএহ করিতে কল অব বয়ে ভারতবর্ধে আমেলানী इया এই क्ष्रणा করা ভাঁহার ইচ্ছা। রাণীগঞ্জ মধ্য ভারত বর্ষের কর্লার ধনি ধ্থারীতি খনিত ছইলে সমুলায় পৃথিবীকে কয়লা যোগাইতে পারে। এদেশে क्षानः कांत्रे हुन्ता १९० ह्वग्राटः व्यक्तिः अष्टः (क्ष्मीय क्यूलाबावा तक्कम आत्य कतियाद्यमः কলিকাভাব প্রায় বাকভীয় ময়রা ইয়াব্যব-ছার করিং ভাছে। এমন অবস্থায় বিদেশীয় কয় 'লাতে াজ চলিতে না। যাহাতে *দেশে*র কমুলা ভূগত ভাতে উথিত হয় সেই চেষ্টা **भाव**हरू, अवस्मरनेत कर्डकः।

়লিওন:ড সাচ্ছেব দার্জিলিঙের রাজার প্রশংসা করিয়াছেন গ কিন্তু অমণকার্গিণ এই বাজাসিকে ডাড ভাল বলেন না

লাংগর অংশিকেল বলেন, ভাক্তর লিটনার প্রকালতি পরীকায় উতীর্থ হইয়াছেন, ভাঁছার হ'ড়ে বাভার লাগিয়াছে। নিকাবিভাগ হইতে গুনি প্লায়ন কাছিত পারেন ডিনিই সুখী।

ইভিয়ান ডেলিউন বলেন, খিনিরপুরের চাপ লেনের নাগায় দেউ আঞ্র চাপলেনের শক-টের কায়ের নিমিত্ত গবর্ণর জেনরল মাদিক ১০০ টাকা অভিরিক্ত দিবার আজ্ঞা করিয়াছেন সর জন লাংক এই সকল কাজ করিয়া যে কভ জনিউসাধন করিছেছেন ভাহা বল যায় না

२० এ देवनाच अक्रवाद ।

আনর। অনুত্রাজার পাত্রকায় একটা প্রবন্ধ পাঠ করিয়া চমংকৃত হইপান, যে লোকে অন্যাপ প্রেড ভাষ্কের উপরে বিশ্বাস ও উহা সইয়া আন্দোলন করতেছে। অনুত্রাজারে মধ্যে মধ্যে চরু করিয়া উহার আন্দোলন হই ভেছে। যে প্রবন্ধানী পাস করিয়া আম্বরা উহা অবগত হইগান, পাঠক্রিগোর গোচরার্থ ভাহন

,, এপ্রি হারে। ছ তান । জ

''আমারা একনা কয়েক জান অনিজিক্তা ত্র লোক লইয়া একটি চক্র করি। কিছু ক্ষণ াত্বা ভাবে উপনিষ্ট থাকিয়া ভন্মধন্ত কুনোধিক পঞ্চাশ বংসর বয়কোজানৈক মহিলা আমংআয়াবি-কুত হইলেন এব° ভাঁহার হস্ত ও সর্বাশ্রীর কল্পিত হইটে লাগিল। ক্রমে মিডিয়ামের হস্ত সঞ্চালনের ভাবে স্পাই বোধ হইতে লাগিল ষেডিনি লিখিতে ইছক ক্ট্য়'ছেন। এই জীলোকটি কাঁথার জন্মাবনি কথন কালি কলম একব্রিত করেন নাই, বিশেষতঃ ইংগার বুদ্ধি निভাত इन देश कर्ज़ तथा इहेरव, हेश আমরা কোন মডেই মনে ধারণ করিছে পরি-লামনা। কিন্তু পাঠক গণ, অনুভব করুন, आगारमञ्ज मरनामरभः कड विचारमञ्ज छेनम् इहेन যখন স্পষ্টাক্ষরে ভিনি ''রাম লোচন ছোষ্ট নামটী চুন: পুন: ১০ ১২ বার লিখিলেন ৷ আমেটা ইহা দেখিয়া চমকিত হইলাম। রামলোচন যোগ আমানের কোন আত্মীয় ব্যক্তি ছিলেন। ভদস্তর আমরা এই আত্মাকে ভাঁহার আভার নামটি লিখিতে অলুবোধ করিলাম। ভাহাতে মিডি য়াম ''পদ্ম " এবং তার পর কি অসম্পট্ট করিয়া लिचिटलम काश পिंक्एक भारा भागमा। देश তেও আমরা কম আশুর্যাছিত হইয়াছিলাম না

কারণ আমরা বাহার হিষয় জিজনাস। ক রলান ভাহার ন ম 'পজ্লোচন। ৯

অমৃত বাজার পাঞ্জনা বলেন, ৈতিলা যশোধরের অভঃপাতী চোমপাড়া পলীতে এক ক্ষির আসিয়া উপন্তিত ১ইয়াছেন। ইনি বস্থা লাওয়ান নামে অভিহিত। হাঁপ বাশ ও যথা প্রভৃতি চরারোগ্য ব্যাসি সকল গাঁহার আয়াস সাধ্য বলিয়া প্রচার করায় নানা খান হরতে শত শত পীড়িত ব্যক্ত আসিয়া উপস্থিত হই ভেছে। তিনি ভাহাদিগকৈ নামা ক্ষত করল ও বিশ্বনার মৃতিকা প্রদান করিভেছেন, ব্যাগিত দিশ্যের অনেকেরই না কি পীড়া উপন্য হই য়া ছে

উক্ত পত্রে যশোহর হইতে এক বংক্তি লিখি য়াছেনঃ-

'' यर्नाहरत्त्व छेल्द्र म द्वा भाषा अ'रम शाह ६.७ शाख इहेन, ताख याता मिलिक वालि निगर्त किरम म खाचाल क्रिक्ट । लाहात्व निगर किरम म खाचाल क्रिक्ट । लाहात्व निगर कर कि क्रिक्ट क्रिक्ट भावित्त हिन मा श्राम कर्न क्रियाम क्रिक्ट हिन क्रिक्ट लाहा नृगान क्रिक मण्यिक इहेरल्ट क्रिक्ट लिख लाहा हहेरन गुगान निर्म (मथा माहेल। दिवान क्रिक्ट ६. दमस कर्नु भकीस वाकाश्रुक्ष्य निर्मात क्रिक्ट । ६. दमस कर्नु भकीस वाकाश्रुक्ष्य निरम्ह क्रिक्ट ।

উজ পত্রে বারাক পুর ১ইডে কোন ভা লোক লিখিয়াছেনঃ-

'' এখানে একটা চাগলে ছটি মৃত শাবক প্রসং করিয়াতে। ভর্মধ্যে একটির শ্রীর, বর্ণ ও নাসি কা মনুষ্টের ন্যায় এবং ভ'হার নাসিকার উপর একটিমাত্র চক্ষু আছে। ১

'গত ২০ এ চৈত্র রাত্র হুগলি, চুচুড় নৈহাটি ও নিকটবর্তী গ্রামে ভারি কড় হই রা গিয়াছে। নৈহাটির যাটে যে কয়েকখানি নৌক ছিল, ভাষা সমুদ্র অলমগ্ন হইয়াছে। অনেব ঘর দরজাও পাড়য়া গিয়াছে। এই কটীকা প্র কার্ডিক মাণের মহা কটি চাবই অনুস্কাপ, প্রভো এই যে উহা অভি অল্পাশ্য ছিল। এ

২১ এ বৈশাখ শনিবার ৷

প্রায়'। দুত বলেন, তল্প দিন ছইল, বারা প্রীর মহারাজার আমুকুলে, তথাকার কারতবি ভল্লাসপ্তান ''বেনরেস এসেম্বি রুল্স" গ্রে ''অ'নকীমজল "নামক একখানি হিন্দি নাই কের অভিনর করিরাছিলেন। ধল স্থিতে প্রায় পঞ্চাশ জন সাহের ও বিবি এবং প্রায় চারিশ ব রাজা ও মহাজন দর্শক উপস্থিত হইয়াছিলেন এই নাইকখানি ''বেনরেস, কুইকাকালেজের ত শিবপ্রসাদ তেওয়ারি রচন। করিয়াছেন। ভে রামের বিবাহ ও শিবধয়ভূজির লিখিত হইয়াছে। যদিত অভিনেতাগণ ষ্টকাপ অভিনয় কার্য্য সম্পাদন করিতে ন নাই, তথাপি দশকগণের যথোচিত সালাভ করিয়াছিলেন। উত্তর পশ্চমাঞ্চ লোকদিগের ফটি যে এতদুর পরি **হ**ইরা আসিতেছে, ইংগ অত্য**ন্ত সুখে**র

বিগত ৩ রা এপ্রেল দিবসে মধুবা হইতে বাইবার পথে একটী ডাকাইভি হইয়াগি-. হবদেৰ নামে এক ব্যক্তি ভাগার জীর কালকাসী নঃমক একটি স্থানে মেলা . ज याहेर जड़िल, कांत्रमावारम्त्र मिक्डे अक ১২ জন দল্প আসিয়া ভাহাদের সঙ্গে যাহা বহুমূল্য দ্রবংক্ষি ছিল, সমুশ্য কাড়িয়া সেই সময়ে পুলিষের কয়েক জন চৌকিদার ানে হঠাৎ আদিয়া উপস্থেত হওয়াতে াণ প্লায়ন করে, াকগ্রভন্নধ্যে ভান हेश्राट्ड এवः व्यानक अन्तामित भाउस। (百) y

ইউরোপীয় স্মাচার।

রা এপ্রেল : গবংমেন্ট টোলগ্রাফসংক্রাস্ত ষ্টেস অব কমপে অপণ বঞ্চিটেন। प्रवर्गः कर्छ्यः सरहा

ললবেস হইতে টোলগ্রাম আসিয়াছে হট মহাসভা শস্প্রভাত ভাগিবার যঞ্জের কর ্রারেড কার্রা ফেনাদল ওর্ণ वारामरकाल कांद्रवात (वार क्रियार) ক্লেয়ারে কয়লার খাণতে জমায়তব্ভি J (T)

রেন্দের নিক্টবন্ধী প্রেণোবল নগরে জমা-छ २६ष्ट्राट्ट। ' भारतीलम (६२ " नायक व ग्रहक) जान गा अम्रा क्हेम्राटङ।

অন্যুরলভের ধর্মসম্প্রদায়সংক্রাস্ত শেষ হইয়াছে। ডিসবেলি সাহেব এক বক্তৃতা করিলে পর সভাদিগের এক রিয়াহত লওছ হয়। লাড স্থানলী ঐ চতক স্থগিত করিব'র যে প্রস্তাব করেন ২৭ জানের মতে ও ১০ জানের **অব্যাহ**় হ**ই**য়াচেছ।

ভিষ্টোন সাহেব প্রস্তাব করেন, আয়ার ধর্মসম্প্রদায়সংক্রাস্ত যত আইন হই ভাছার বিবেচনার্থ এক কমিটি করা উচিতঃ বিহু আভাবিক অত্ব ইউরোপীয়গণ

७३४ करनव मण्ड ७ २१२ करनत कामर उ है। वाहा इहेसार्छ।

२१ अ (क्षम कशिष्टित अविदियमन इहेरतः

ডিসরেলি সংহেব এই বলিয়া আত্মত প্রকাশ করিলেন এ প্রস্তাবের তিনি প্রকাশ্য প্রতিবন্ধকতা করিখেন।

ডিম্স ডেল সাহেবের প্রস্নের উত্তর্গরূপ मत्र क्षेरिकार्क्ड सर्व *(कार्ड दिनारलस, छात्र*क्टर-यीं श्र किल्फ व्याकिमद्रशास्त्र भन्छ। श्र केत्रियात নিমিত্ত তিনি আনার আনধিক ফুরিখা প্রদান কর বেন না ৷

भाष्टित नगरम्र देननिकिस्टिशत भार्तीतिक দণ্ড না হয় এ বিষয়ে ডিউক অথব কেগি,জ > শ্বতি দিয়াছেন।

ইষ্টার পর্কোপলকে মহাসভা বন্ধ হইয়াছে। স্পষ্ট বিজ্ঞান শিখিবার নিমিত সর উই লিয়ম ভূইট ওয়ার্থ ১০০০ টাকা করিয়া ৩০টী ছাত্রবৃত্তি স্থাপিত করিয়াছেন।

কেম্ব্রিক ও অকস ফোডের নৌকার গে বাং স্থিক বাইচ্ছয় ভাষাতে অক্স কোডের লয় লাভ হইয়াছে।

ত রা এপ্রেলের ওয়শিওটনের টেলিগ্রাফে প্রকাশ করে, সভাপতি জনসনের বিচার জল্পে অল্লেচলিতেচে।

অভ্যক্তরেক্ত শিল্পজ্ঞাত বস্তার উপনে ্য কর ছিল আমেরিকার মহাসভঃ ভাহা উঠ। ইয়া দিয়াছেন।

ত্রেজিলের রণক্ষেত্র হইতে শেষে যে সংবাদ আদিয়াছে, ভাছাতে প্রকাশ করে, বেজীলীয় গণ হামেটার পথ ভেন করিয়া অনুস্ব হট য়াছে। কিন্তু হুর্গটা লইতে পারে নাই। ভাগার: পারাগোরা রাজধানী হস্তগত করিয়াছে।

ভারতব্যীধুদিগকে শাসনসংক্ষান্থ উচ্চত্তব প্রপ্রদানের নিমিত্ত সর স্টাফোড নার্থ কোট এক পত্র প্রকাশ করিয়াছেন ঠা এপ্রেল : গভ রা এতে ২:উদ অব 🛱 ত প্রদেশসমূহে যেদকল পদ এ পর্যান্ত কেবল ইউরোপীর্দিগের প্রাপ: ছিল, ভাষা গুণবিশিষ্ট এডদেশীয়দিগের প্রাণ্য বরুতে সর ষ্টাফোড নর্শ কোট গ্রবর্ণর জেনরলের উপরে সভোষপ্রকাশ করিয়াছেন। কিছ ভিনি বলিয়াছেন, নিয়মাত্ত্ৰতি প্ৰদেশসমূহে অংনেক জড়িজিভ পদ আন্তে বাহাতে এ পর্যন্ত কেবল ইউরোপীয়দিগকেই নিযুক্ত করা ইই-তেছে। এ সকল পদে এতক্ষেণীয় গণের সর্পা (भक्का अभिक माखद्रा ज्यारहा अक्टममी द्वे मिरशुद्र

ক্রিবেন, এটা সর স্থানোড নর্থ কোটের व्यवनाम् । উপসংহারকালে সর স্থাকো কোট আশা প্রকাশ কবিয়াছেন, ক্রি গ্ৰ প্ৰদেশে এতক্ষেশীয়দিগকে উচ্চত व्यक्तान कता इहेर्द ।

৩১ এ জাতুয়ারি ভারতব্যীয় কৌরি পত্র গ্রাহ্য কবেন, তৎপ্রতি সর আরম্ভিন, ও সর বাটল ফ্রিয়ার আপে স্তি করিয়াছেন

সর আর্থারিকন পোরি বলেন গবর্ণর বে লের মত অসম্পূর্ণ। নির্মবহিত্তত । সমূহ অনেক দুৱে আহছে এবং সেদ সভ্তাত শাসমপ্রবাধী অনেক নিকুষ্ট। এব যেদকল ভারতবধীয় ঐদ্বল স্থানে পদ পাইতে পারেন, ভাঁহারা নিয়মাতুর্গ ড ভেন্সিয়েও উচ পদ পাইবার উপযুক্ত বাটল ফি.য়ারের ও এই মত।

১৬ ই এপ্রেল । ইউবোভার টেলিগ্রাফ কোম্পানির উদ্যোগপত্র প্রক ংইয়াছে : এই টেলিপ্রাদ নতর্ণীতে রি কোম্পানির টেলি এাকের সহিত্ত সংযুক্ত প্রেমিয়ার শিয়াও পরিসা দিয়া এক खात्र इत्राचे **याहे** (त अहे क्षान्त्र ! त कहा हहे ह কোপোনের ৪৫ লক টাকা মূলধন ১ मर्गा हेशत करकत गरश्रीक श्रेगारह।

প্রিকা অব ওয়েলস ও ভাঁহার জৌ জ লণ্ডে উপনীত হইয়াছেন। ভবলিনে ভাঁহ গকে আনতিশয় সুমাদরে এইণ করা হইয় মজুরগণ কর্মভ্যাগ করাতে বলাগনা ও ব লোনাতে গোলগোগ হইয়াছে ৷

११६ अटलन । नाक्र ब्रामन अक কীৰ সভাৰ অধ্যক্ত। করেন। ইহাতে । প্রস্থার করিয়াড়েন, আয়ারলভের ধর্মণ নার সহিত গ্র**ৰ্মেটের সংত্রৰ বন্ধ করি**ব মন্ত গ্রাডক্টোন সাহেব যে প্রস্তাব করিয়া ভাহাতে সকলের অনুমোদন করা কর্ত্*বা* ।

ওয়েষ্ঠমিথের ডেপুটি কালেন্টরকে এক গোপনে হতর করিয়াছে।

১৮ हे अट्टान । त्यात रुप्त. यज्ञ व्याटन প্রার কাউ এডিনবরার বিশ্ববিদ্যালয়ের স इहेर्द्यम् ।

মাসি সাহেবের ভারতবর্ষীয় আছে ব श्राप्त हेश्लाकीय (लाएक मएस्रायश्रकाम

ভারতবর্ণের প্রথেরণের ডাক্ম इंडेड्डियान व्यामार्थिय इ किनश्रक करत्रकवन প্রতিনিধিকে গ্রহণ করিছে ষ্টাফোড নর্গ কোট স্বীকার করিয়াছেন।

গবৰ্ণ মেণ্ট বিজ্ঞাপন লেপ্টনেন্টগবর্ণরের **जारमभाज्ञा**ती मिट्यांग ।

২ এ এপ্ৰেল। **যত দিন** *তি,* **এ**স. দেগান াবিদায় লাইয়া অংশুপস্থিত থাঃকাবেন, ওও এল, এচ, টমসন স'হেব কালকাডার আদালতের প্রতিনিধি প্রধান ভাল কইবেন। ার, সি, পেরি সাছের বসপুরের স্ব টার হইবেন ৷

পটনা**ক এম**, ও. বট্চ গৌখাটির স্ব টার হহবেন।

বু কুলদানক মুখোপ্যেন্যু কাললপের সুদ্র আনীন ইইবেন।

০ এ এপ্রেল। নিয়লিখিত ভদ্ন লোকেরা র মিউনিসিপাল কমিসমর ছইবেন। ভ্ৰাল্ড, কংগ্ৰুপ স'ছেৰ , এ, বেড্ফোডি ,

মাহিনীমোহন ২%। বি, এল।

মুলিখিত ভদ্র লোকেরা মালদকের সাধা ব্দাঃশিক্ষাসভার সভঃ হইবেনঃ ফেজব এল, মাইলস্, বারু অস্থিকাচঃগ্রায়

মুলিখিত ভদ্রলোকের। বালেশ্বের সাধা-দ,া¦শকা সভার সভ, ₹ইবেন।

ৰু বুক্দাখনচন্দ্ৰ মণ্ডল।

ণছনাথ শীল।

স, ভবলিউ গেরাড সাহের।

।বু কানীপ্রসাদ দক্ত ।

দার নৌকাবাছনকার্যেনর ভত্তাবধায়ক চ, হকলিসাহের পাটনাক্তে দিতীয় জেনির মাজিটের ক্ষতা পাইবেন এবং : त्र ७ कोलोहोवास्ति भरतः ५৮७१ कर्पन्त ক্রিতে পারিবেন :

পালামাউ এর প্রতিনিধি সহনারী তুপ-**७ ल्डे ३३ ए**वन ।

। এ এক্রেল : নিম্লিখিড ভেদ্র লোকের। কালেক্র ১ইবেন।

র সাধারণ বিদ্যাশকাসভার সভয়

5, তিয়ার স্তেব।

় গাডেন ।

र्द्शाकीलान्।

। মহামিন আলো।

তদিন কাণ্ডেন কিউচ, ডি, পানীন্স্!

- 4 विभाग महेशा अञ्चल दिए वर्षाकर्यन, एउ किम লেপ্টনান্ট এচ, এম, রামদে, বঙ্গদেশীয় লেপ্ট নাউ গবর্ণরের সীমাক্ষিত ভারতব্যীর রেইল ওয়ের প্রতিনিধি সহকারী পুলিয ইনম্পেটর জেনরল হইবেন।

২৭ এ এপ্রেল। যত দিন কাপ্তেন ভবলি ট এস, এল, নিধেট বিদায় লইয়া অনুস্পিছিড থাকিবেন ভভদিন জার, এচ. জি, আর্বিণ সাহের মুচ্চিলাবাদের প্রতিনিধি পুলির সুপর-**इ. १५८ १** ६३ १ वस ।

যভ দিন ভো, এম, ই, গোলভ দ্বরি সাকের বিদায় লইয়া অনুপ.স্কুত গাকিবেন ভঙ্গ দিন ভবলউ, কার্ণ সাংহ্র চল্পরাপের প্রতি । निध श्रुलिय क्रुश्रित हेर छः हे इहेरवन ।

গয়ার আন্তর্গত অবাঞ্কাদের সহকারী নাজি ক্টেট এ ইয়াডলি সাহেব ১৮৬৭ জকের ২১ আইন অনুসারে কালেউরের ক্ষতা পাইবেন।

ভবলিউ, এচ, ভিয়ইলি পাছেব ভাগলপু ্রের প্রাক্তনিধি মাজিকেট ও কালেটর চই-:यम ।

গয়ার ডেপুটি মাজিটেট ও ছেপুটি কালেইর মৌলবী হামিছুলিন সহম্মৰ আরোকাবাদের ভার পাইয়া দেসিয়নে সম্পণ করিবার মকদ্দার প্রথান বিচাব করিতে পা:রবেন।

लिल्डेंब हे है, हिं, तिलि इंडेंब किছू मिरबत জন্য লোহারডগার প্রতিনিংগ ডেপুটি কমিস नद इहेरतम ।

২৮ এ এপ্রেল। যভ দিন জে, এক, বুম হাত সাহের বিদায়াতে প্রত্যাগমন না করিতে ছেন ডভ দিন মৌলবী থোদেন আলি পাকুড়ের প্রতিনিধি সহকারী কমিসনর ছইবেন।

ই.জে, বাটন সাহেব ২৪ পর্গণার প্রকি নিধি জাইট মাজিটেট ও ছেপুটি কালেইর : इङ्केरवन ।

চলিন আলে, এম, সি, লার্ণিন সাহের বিদার 🍧 জো, বঙ্গ কেনেল সাহেব পুরীর প্রতিনিধি অসুপস্থিত থাকিবেন, তত দিন আরু লাওঁ জাইও মাজেটেট ও ডেপুটি কালেইর ইইবেন।

> अक. उवलिडे. वि. शिवेशन जारहत जीह ট্রের প্রতিনিধি আইন্ট মাজিকেট ও ডেপ্টি

मक्कादी शक्ति छ कारलहेद है, as, মাডক সাহেব দ্বারভাল: উপাবভাগের ভার পাইরা প্রথম শ্রেণির ফাধীন মাজিটেটের ক্ষমতা পাইবেন। ভিনি আবুরও প্রধান্তম বিচারালয় ও দেখিয়নে সমর্পণ করিবার মক फ्रमात अथम विहात कतिएक भा तिर्देश।

व्यामानिश्वत कात्रहाँ श्रेष्ट मर्वान লিখিয়াছেন ৷

১।পুলিবের অভ্যাচার। ধন্টাবুলরি ষের হৃষ্টি হওয়া অব্ধি কত স্থানে যে কড দৌরাব্য ইইয়। সিয়ারে ও হইতেছে, ইয়তানাই। আমগাও পুলিবের যারা এ লের অনেক অভ্যাচারের বিষয়, সংবা প্রকাশ করিয়াছি । কি শ্র আকেপের বিখ ভাষা পাত্ৰকাতে প্ৰকাশিত হট্যা গ্ৰণ্ গোচর হইলেও উচ্চারা ভংগ্রশমনে বিংশ যোগ করিছেছেন না। করে যে হত প্রজাগণ এইবকল পৌরাহা হইতে মুবি করিবে বলিতে পারি না। শুনা যাইভেছে, (मन्हे वर्खमान अलिएसत मर्स्मापन कतिश्र) কারুত উভ্যরণ বন্দোবস্ত করবার করিয়াছেন। কিন্তু আমরা পূর্বাক্ষণেই রাখি; ডিচি যে, পুবাতন পুলিষের হি সংশোধন করিয়া যেমন ভূতন পু স্দি কল হইয়াছে, ভজপ যেন নাহয় মূডন পুলিধকুত একটি অভাগারের (में छ्या बाइटाइट्डा । । १ किन हरेल ख গের নিকটস্থ কোন স্টেদনের কয়েক জন ব वल (कान कार्यराभनएक विक्रमभूवय अक বন্দরের নিকট দিয়া যাইডেছিল। এমন ভাষাদের পুরাপানের ইক্ষা হওয়াভে ভ ঐ বৰুরে সুরার দোকান অংহ্যণ ক করিতে এক দোকান পাইয়া তথায় উ হয়। উহারা সুরাবিজেভাব নিকট কি ক্রয়ের অভিলাষপ্রক'শ করাতে বিভেডা যথোচিত মূলা চায়। ইচাতে ভাছার। (ব বলগণ) সপ্তই নাহইয়া অনুচিত মূলং (কোন মতেই ঐ মদের দাম হইতে পাবে করে। ইন্ন শুনিয়া বিক্লেন্ত। কিঞ্চিং ক্রো বশ হইয়া ভাহাদিগকে (কন্তাবলাদিগ একটী কটু বাক্য কৰে। তথ্য কন্তাৰ ক্রেটেশ অংলি শামার নগায় হইয়া ই এবং হতভাগ্ন দোকানদারকে হস্ত স্থিত ও পদাঘাতদারা ওকতর প্রহার স্পিয়া কাছিয়া লইয়া প্রস্থান করিল। শুনিলাম,

২। কোরহাউতে ভাক্ষরের প্রয়ো পত্রিকাবিংশেখণাঠে অবগত হইলাম, ऋल हेश्द्रकी विम्हानय ऋषिक काद्र, সেই স্থানে সাম'ন্তঃ এক একটি পোষ্ট আ স্থাপনের উদ্দেশে পোষ্ট নাষ্টার জেনরল यामनात देवरण्याहेत ७ (छपूत्री देवरण्याहे শয় দগকে ভাঁহাাদগের ওস্থাবধানাধীন

নদার নাকি ফৌজদারিতে অভিযোগ

------র, সেই সেই স্থান মনোনীত করিয়া সবিশেষ লাপন করিতে অহুরোধ করিয়াছেন। আমরা নিনিও পোষ্ট মাষ্টার জেনরল মহোদ ১কে ক্তি:কর্পে ধন্যবাদ প্রদান করিছেছি। বস্তুতঃ • ঘরের বাছস; দেশে**লভির জন**্ডম

পান সক্ষেত্নাই। আমারা কোরহাটী কি. হকটবন্তী কোন স্থানে ভাক ঘর স্থাপনের অ s প্রয়েজীনীয়তা প্রদর্শন করিয়া অনেক বার ত্রকায় স্থানীয় সম্ভান্ত ব্যক্তি ও গ্রণ্মেন্টকে (রোধ করিথাছি 🗦 কিন্তু ছুর্ভাগ্রেশকঃ জিও আমাদিগো প্রার্থনা কার্য্যে পরিণ্ড য়। উঠিতেছে না। যাহা হউক, আসরা পোষ্ঠ টার জেনেরলের সাধু আদেশে আখাসিড

য়া এখনও আমাদের প্রার্থনা জানাইতেছি। য় ডিন বংসরপ্যাস্ত এ স্থানে একটি ইংরেজী ধ্'লয় ও ইহার চতুস্পাশ্বরত্তী কভিপয় গ্রামে য়কটীৰাঙ্গলাক্দ প্ৰভিষ্ঠিত আন্তে। এই ল স্থানে ভদ্র লোকের বাসও কম নছে। क्ष हः रथेत् विषय এই या, अहंगकल ऋरिनेत्र ্রপ্রেণ এবং পত্রিকাও বিদ্যালয়ের বি দিপ্ৰাপ্তিবিষয়ে আনেক অনুস্বিধা ইইয়া কে ৷ সুভরাং এভ**লিবে**ষন **অত্রভ্য লোকদি**

র্ধার পর নাই অনিষ্ট ইইতেছেঃ একংণে মরা নিরতিশয় বিনীওভাবে অসুরোধ ও র্থন। করিতে ছি.ম, এড**ছিভাগের** *ইন***স্পেই**র

ছেপুরী ইমপেসাটন মহাশয়দিয়ের নিকট পোষ্ট <u>টার থেনেরতের ঘোষণাপর উপায়ত</u> লে ভাষার, বেন এ স্থানের প্রতি অনুকুল দৃষ্টি

ত ক্রিয়া এখানে একটী পে! ই সালিদ স্থাপন

চ মনেংছে:গী হন ৷

আমাদিধের মেদিনীপুরস্থ সংবাদ ত। লিখিরাছেন।

ে৯ প্রতিমানে এক বার ইহার কার্য হইয়া কে: গত বারে আলি দশকরণে সভাত্ব হই- 🕆 ডিলান <u>সভে ব</u>∕সংখ∂ অভি অল এব∘ মধ্যে উক্তেপ্ত এক কেশীয় প্লোক প্রায় ই। রাজকাট্যোপলজে এখানে **অনে**কগুলি দ্র লোক বাদ করেন > কিন্তু আক্রেদপের বিষয় ই যে তাঁহাদিলের মধ্যে অধিকাংশেরই এ উন্নতিসাধনবিষয়ে উদাসীন্য দেখা ভার स्र ।

অত্ত বাকাৰমাজ ভূতপূর্ক হেড্যাটর : যুক্ত ৰাৰু রাজনারায়ণ বহু মহাশ্যের বিরহে : গবর্ণমেণ্টের অভিপ্রায়ান্ত্সারে বাণ ফুঁড়া নিবি**ছ**িকাথায় ভাহা কেইই জানিতে পারে নাই

ন স্থ'নে পোষ্ট আফিস সংস্থাপিত হইতে ∤িদন দিন হীনাবস্থ হইতেছে। এখানকার আসি ¦ বলিয়া কয়েক বংসর এখানে ভাহার বড় क्षी के मास्त्रिक अधिक करेन सारहर भरहा দর সঞ্জি এই সভার আদিতেছেন। ইন हिस्पिक त्रका नर्दन ; मर्गकभादाः हेर्गत মন উচ্চ এবং চরিক্ত অভি পবিত্র বলিয়া বোধ हरः। वानामिनिगरक स्वा कवा देशबाकिरिशाव যে একটা জাভীয় সভাব, এই মহাসাতে তাহা লক্ষিত হয় না। ইনি অংডি অংল দিন হইল এখানে আনিয়াছেন

> अज्ञाह्य भवर्गरमन्त्रे हेश्याकी विद्यालयात्र कार्क অলকালমধ্যে বার্থার শিক্ষকের (মাষ্ট্রের) পরিবর্তন হটয়া গিয়াছে। মুক্তন সুজন শিক্ষকের আগমন, বোধ হয় বালক্দিগের পক্ষে শুভ জনক নহে। বর্ত্তমান প্রথম দ্বিতীয় এবং, চতুর্প শিক্ষক বাবু গলাধর আচার্য, বাবু হরিবছভ মৈত্র এবং বাবু অভয়চরণ বস্তু অভি অল কাল হইল এখানে আনিয়াছেন। বালকদিগের শিক্ষাদানবিষয়ে ইহঁ:দিনেগর যেরপে যত ও পরি প্রাম দেখা যাইভেছে, ভাষাতে সহসা ইইারা क्षानाखित्रिक इहेरल व्यवसहे वालक्षित्रक ক্তিগ্ৰস্ত ইইতে হইবে, তাহাতে অণুমাত্ৰ সন্দেহ নাই : অনামর । শুনিয়া আনহলাদি ভ হইলাম থে দয়ালু ইনস্পাইর জীয়ুক্ত মাটিন সাহেব মহো-দয় স্থল ফণ্ডের উত্ত সাতশতাধিক টাবা শিক্ষক ও পত্তিত মহাশয়টো নকে পারিতোষিক অরপ বিভরণ করিয়াছেন। এইরূপে সময়ে শময়ে সকল বিভাগীর ক্লের মাষ্টাবও পণ্ডিডদিলের উৎসাহ্বদ্ধন করা করুপ্রকর অবশ্য কর্ত্তব্য সন্দেহ নাই।

अञ्चल माना भाषा तृष्टि व्हेट्स्ट्र কিছ জীব্দের প্রাচ্টাবের খাগিল দেবা यात्र का । भनाइक ५०० कियो शवास्त्र পারা উঠিতেছে। সক্রতি এখানে ওলা উঠা রোগের আবিভাব হ্রয়াছে ৷ বেংশ গুৰানে একটা সুৰাপাননিবাহিনী সভা **ইয় বৃষ্টিবার। দং**সা উত্তাপ ও বাসুর পরিবর্তন केक द्वारभव कावन । अकरन अर्थ महरद्रव एकि ণাংশস্থ লোকসকল এই ভয়ানক রোগাঞাত **इहेट उट्टन अवर करमक वा छन** कुला समस्य छ **५.यम कविद्यारङ्ग**।

~ૄ૾ૺ૰ૢ૾---

মেদিনীপুর ছইতে আর এক জন

লিখিয়াছেনঃ

১। চড়ক পার্মণটী এখানকার প্রসিদ্ধ পূর্ম।

ভাব নাই। সহরের মধ্যে অনেক স্থানে গ হয় বটে ; কিন্তু কেছ বাণ কুঁজিতে ৰ। " ঘুরিতে পারে নাইঃ কিন্তুমফরণে ঐ ক রহিত হয় নাই। সম্প্রতি মালঞ্চল এইটি গা २ छन ও উটপাঘরের একটি গাল্পনে ১০ চড়ক গাছে যুরিয়াছে। পুলিবের এক জন म। म कम द्वितन खेलात्र हेल विक शाकिया দকিলা পাইয়াই গাচাকাদিয়া বসিয়া अष्ट्रकण (भरष्रवेशास्त्र अवगठ क्हेलाम, জেলায়ত ৪ জন গাছে মুবিয়াছে। কেবল ও কার মহরের লোকেরাই এই চড়কে ব इहे(सम्।

২। সহর্তি মালয়ঞ, পাথরা, নওয়া ভেলিপুকুরনামক কল্লেক স্থানে • উপ্যু কয়েকটি ডাকাইণ্ডি হইয়াগিয়াছে। আৰু স্থানের ডাকাইডগুলি হয় নাই। কে:ন কোন স্থানে ২:১টি ধুত হইয়াছে। কিয় ভাখাতে কোন ফল नारे। मानकात (नाइनीय घटनाहिएक . বজ্ঞবিক্রেতার মৃত্যু, হইয়াছেঃ বিদ্বু অ তথায় একটা ডাকাইডও গৃত হয় নাই। লাম, কেলিপুকুরে একটী ভাক ও লোক নিয়াসে। দেখা ঘাউক, পুলিষের সূত্র স্কানে কি হয়।

৩ ২০ এথেলের সোমপ্রকাশে স্ত্রী ইত বলিয়া যেসকল বিনেশী**য় জ**ীলে কথা লিখিত হইয়াছে, সেইরূপ কভত ল শীয় / মুসলমান) জীলোক এখানে আসিং ইহাদের সাহত পুরুষও আছে। ইহার। সং প্রায় ১৫০। ইহারা নানাবিধ প্রস্তার ও भागः आमि विकास कवियाशास्त 🚁 🚓 भक्ति श्री हो, सार्वि १८५६ अया व्यवस्था तकक अन्तर अक्षेत्र काराव का व्हेटा ব্যবহ'তে পাশ ক'ল্পা আনিয়াছে। সহরে অ.শ। অবধি অনেকেই জীত হুইয়া ইহাদের লীপুরুষ সকলেই বলবান্ও স শুনিবাম ইহার। সহরের নিকটকন্ত্রী পরি জ্বিভাক্তমে ধার যাহা পায় হরণ করিয়া ব ইয়রে। ভাকাইভিও করে। বোধ করি, জীলোকেরাই খানাকুল কুঞ্নগরের দাস বাবুর বাটীতে জ্বাকাইডি করিয়াছিল হউক, যে কয়েক দিবন ইহারা এখানে থা সেই কয়েক দিবস পুলিষের **বিশেষ ডেন্** शाकित्वरे छात रस । हेरात्मत शखरा (

ব্যান

3

পটায

টে নিড য

প্রেরিত।

। বর জীযুক্ত সোমপ্রকাশসম্পাদক মহাশন্ন সমীপেরু।

পাদক মহাশয় ! আপনকার ২ রা বৈশা ত্রিকায় কোন মহাবুর। একাদশী রভচা-বিধবা ললনাগণের কষ্টদর্শনে অঙ্জে চ্ইয়া নব্য দলের নিকট উহার প্রতি-। প্রাথনা করিয়াছেন। ড:হার ।লখ ⊁***েন তাঁহারে এক জন** যপ:∜ সদা য়ালু ও পরছংথে ছঃখীবলিয়া বোদ ছে। কিন্তু ভিনি যে, কভিপয়মাত্র বিধৰ। । একাদশীতে বৈরাগ্য দেখিয়া সম্ম র ঐরপ অভিলাধের সম্পূর্ণ সভাবনা িরয়াছেন এটি ভাঁহার সদাশয়ভার উপ ।জ হয় নাই । ইহাতে উটাবার অনেক ধর্মপরায়ণা, অভেচারিণী সাধনীর প্রতি চ দোষারোপ করা হইয়াছে । এখনও অনেক বিধৰা দুষ্ট হন, যাংহারাপতি গে এই সংসার ও শরীরকে নিভাও অকি র বিবেচনা করেন। ইং জ্ঞানের সাংসারিক কে পূর্ণজনমকুত অংপরাধের দশুব্লিয়া রেন ও এডাদি অনুঠানকে ভাবী ফুখের বলিয়া জ্ঞান করেন।

সম্পাদক মহাশয়! এরপ ধর্ম নিঠা এত
বা সাধাদিলের সহিত কএকটি এহিক
হলাবিনী রমণীর ভুলনা করা কি যুক্তি
যথন ভাঁহার। হিচ্ছুকুলজাত, হিচ্ছু
ধাসক হিচ্ছু ধর্মকেই সনাতন ধর্ম বলিয়া
করেন , তখন যে ভাঁহাদের ঐ ধর্মোপ
ও ঐ ধর্মসকত নিয়মাদি প্রতিপালন
নির্মাণি সন্দেহ নাই। অভএব
করেন ভাগরি ক্রিনারীন্য
সকলের ভিত্তির কাল ভাগরি উনাসীন্য
সকলের ভাঁহ

এ বৈশাৰ }

ক্ষ্যচিৎ পঠক্ষ্য

বুনা ভারতবর্ধের মহিলাগণের বিদ্যালি ব্যয় লইয়া সভাজনসমাজেও সংবাদ চুহে সর্কাদা বাদাস্থাদ হওয়াতে বোধ হে, জীলিকার আবশ্যকতা এদেশীয় ব্যক্তিমাজেরই ক্রয়ক্ষম হইয়াছে এবং যের সংসাধনার্থ ভারারা বিশেষ যরও হরেন। এ মহাক্ষারা জীকিগকে শিক্ষা- चार्त डिज्ञ क्षियात निभिन्न विश्वकात कांग्रह स কাশ কারতেছেন স্থপালী ও সম্পায় অবলয়ন कांत्रल अञ्चितिमार्था डाँशामित अभनकामना সিন্ধ হইতে পারিবে। বর্তমান শিক্ষার্ক্তীবিশের আন্তরিক আত্রহ না থাকায় শিক্ষাকার্য্য উৎকৃষ্ট পত্নতিক্রমে সক্ষয় হইডেছে না। কর্মসারীর বিলেষ মনোবোগ ও আগ্রহ না থাকিলে কোন কার্য্যাই স্থাসন্পন্ন হইতে পারে না। এতদেশীয় স্ত্রীগণকে লিক্ষা দিবার একটা সছপায় আছে। নন্তৰণাৎ কাথলিক ধৰ্মাকাত সল্পাদিনী দিগকে বড় বড় ছাত্রীগণের শিক্ষিত্রীপদে নিযুক্ত করিলে শিক্ষাকার্য্য উৎকৃষ্ট পদ্ধতি ক্রমে সপর হইতে পারে। মহ সূত্র ধীশক্তিসপর দেশ হিতৈ বী মান্ত্ৰর শ্রীয়ক্ত বিকায় নগরস্থ রাজা নন্দিলের প্রতি শিকাকার্যের ভারাপণ করিয়া অধুনাকনাপন রাজ্যের জীগণের বিশেষ হিড সাধন করিতেছেন । শিক্ষাকার্য্যে নন্দিকের নিপুণতা দেখিরা স্পষ্ট প্রতীয়মান হইভেছে যে, কাহারাই এডকেশীর বালিকালিগকে শিক্ষা लतात्वत यथार्थ छिभगुन्छ। अप्टिष्टान्डे मडावनशी মহাসংয়র আপনাদিগের ছাইডাদিগের উত্থ রূপ শিক্ষার নিমিত্ত নন দিগের নিকট প্রেরণ করিয়া থাকেন। কলিকাতা দান্ধিলিওপ্রভৃতি ভারতবর্ধের যে যে অংশে আশ্রম আছে, তথায় অধিকাংশ প্রটেষ্টান্ট মতা वलही वालिकाशन मिका श्राप्त रहेग्राथीटकना हेहार्ड (वाथ हरू, मन् मिर्लंब बादा वालिका গণের উত্তমরূপ শিক্ষাহয়, নতুবা প্রটেষ্টাণ্ট মতালয়ী মডোদয়গণ কাথলিকদিগের বিরুদ্ধ মভাবলধী হইয়াও কি নিমিত্ত আপনাদের ছুহ্ভাদিগকে শিক্ষাব নিমিত্ত কাথলিক ধৰ্মা-ক্রান্ত নন দিগের নিকট প্রেরণ করেন। অভএব এভদেশীয় বালিকাগণের শিক্ষার্প নন্দিগকে নিগ্রক্ত কর। দেশহিতৈষীও বিদ্যোৎসাহী মহো দয়গণের অস্বশ্য কছিবয়ে। যাঁহারা অঞ্চন ধন সম্পত্তি ও সাংসারিক স্থুখ পরিভাগে ক্রিয়া কেবল বালিকাদিগকে শিক্ষা প্রদান कताई कीवरमत श्रधाम উष्ट्रिमा विनिष्ठा व्हित করিয়াড়েম, সেই নন্দিগের ঘ'রা যে এই কার্য্য সম্পন্ন হইবে ইহাতে সন্দেরে লেশমাত্র চইতে পারে না।

.

অনুগত

ত্ৰীকা

मृनाशांचि।.

জীয়ুক্ত বাবু ইক্সনারায়ণ প্রধান দেভোগ ১২৭৫ বৈশাধ হইডে চৈক্র ১৩ জীপুক বাবু মৰোহর মুখোপাধ্যায় নিং

১২৭৫ ট্রেশাখ হ্**ইতে আরিন** ৯ শনরসিংহ দক্ত

১২৭৫ বৈশাধ **হইজে** হৈ**ত্র** * শুরিনাশচন্দ্র বন্দ্রোপাধার ভাষানী

১২৭৪ চৈত্ৰ হইছে ৭৫ ফাল্**ডন** শ শ কয়গোপ ল চক্ৰকভী

'১২'৭৫ বৈশাখ হইজে আনায়চ শ শ রাম্যান্য বঞ্

১৮৬৮ (ম হইডে ৬৯ এপ্রেল ১ ১ ৬ সংগ্রের রাম

ऽ२१ e देवनाच **रहे**एक देह**ज**

সোমপ্রকাশসংক্রান্ত কয়েকটা বিশেষ নিয়ম।

অঞাম মূল্য ও ডাকমাসুল না পাইলে বলে সোমপ্রকাশ প্রেরণ করা ধায় না।

ইহার অপ্রিম মূল্য বার্ষিক ১০ টাকা বাণ্যাসিক ৫॥০ টাকা; মহন্দলে ডাকম সমেত বার্ষিক ১৩, বাণ্যাসিক ৭ এবং তৈ সিক ৩৬০। তিন মাসের স্থানে অপ্রিম গ্রহণ করা বায় না। ভণ্ডি, বরাতি চিটি, হ অড র, নোট ও স্থাম্প টিকিট, ইহার অন বাহাতে বাঁহার স্থাবিধা হয়, তিনি সেই উ ঘারা মূল্য প্রেরণ করিবেন।

যাঁচার। স্থাম্পটিকিট পাঠাইবেন, গাঁ ষেন এক অথবা আধ আনার অধিক মু ওরসীদের টিকিট প্রেরণ না করেন।

ৰখন খিনি মফলল হইতে সোমপ্রক মূল্য পাঠাইবেন, ভাছা যেন রেজিপ্ররি ক শ্রীযুক্ত ধারকানাথ বিদ্যাভূষণের নামে প্র

यं। हामिरगत मृन्य मिनात नमन खडी छ ।
व्यानिरन, এक मानश्रुर्ता डाहो मिनारक
लिखिन्न। खानान साहरन, कान खडी छ ।
गरम ९ এक नात हिठि लिथा हहरन, छाहात
अकमानकान श्राडीका कतिन्न। कानल नस
साहरन। स्वय नारतंत्र श्राह्म स्वन्नाति १ श्राह्म

মাতলা রেলওয়ের সোণাপুর ষ্টেসবের । ঘরে চিঠি আইলে আমরা শীতা পাইব।

যাহার। মাক্রল না দিয়া প্রাদি প্রেরণ বেন, তাহাদিগের সেই প্রাদি এছণ যাইবেন।

কেই সোমপ্রকাশে বিন্দপন নিতে ই করিলে ভাঁহাকে প্রথম জিন বার প্রতিপং জি আনা ভাহার পর /১০ জানা দিতে হই। বিনি জগিক কাল বিজ্ঞাপন দিবার ইক্ষা ব বেন, ভাঁহার সহিত শ্বতন্ত্র বন্দোবস্ত হইবে

প্রে এই পত্র কলিকান্ডার দক্ষিণ মাজলা রেলওয়ের সোণাপুর ষ্টেসনের দ চাঙ্গভিপোতায় জীয়ুক্ত ঘারকানাথ বি ভূখণের বাটীতে প্রতি সোমবার প্রাভঃব প্রকাশিত হয়।

(माश्का

• ম ভাগঃ

२१ मर्थरा।

" प्रवत्तनां प्रक्रतिहिनाय पार्थिवः सगस्त्रती श्रुतिमहती न हीयतां।"

ক মূল্য এক অপ্রেম বার্ষিক ১০ দশ } ম ধাণ্যাসিক ৫॥ সাজে পাঁচ টাকা। } সন ১২৭৫ ৩০। এ বৈশাখ। ১৮৬৮। ১১ ই মে { ধাণ্যাসিক ৭, ও ক্রৈমাসিক ৩৮০

বিজ্ঞাপন। বিক্ৰয়াৰ্থ।

ারভেন রীচংঃ নংবাটী তলামসহ ১৯ নং ড়া ৰাগান ।

ভাড়া দেওয়ার নিমিতা ারডেনরীচ২৪ বং বাটী। উপরি উজে বাগান ও বাটী ঘাঁহারাকণয় তে অথবা ভাড়া লইতে ইক্ছা করেন, নিয় ति**ण रा**क्तित निकृष्टे **कानाहर**्यन ।

> গিলেণ্ডারস্ আরবো-থনট এবং কোং

পুরাণপ্রকাশ।

লিকাতা মূলাপুর আনামহাউদের দক্ষিণ প্রকাশ যন্তে পুরাণপ্রকাশনামক নুসাম পত্র প্রতিমাসে এক বাছই খণ্ড করিয়া শ হইতে আরম্ভ হইসাছে। প্রত্যেক খণ্ডের াণ ৮০ অশীতি পূঠা। ইহাতে ক্ৰমশঃ অষ্টা বুরাণ ও উপপ্রাণ বাজালা অনুবাদসমেড উত করিবার কল্পনা আছে । প্রথমতঃ বিঞ্-অস্থবাদ ও জীধরগোত্মামিকুড দীকা সমেত হইভেছে: ১ লা বৈশাখ বিভয়ৰ র **হই**য়াছে। যিনি ইহার গ্রাহক **২ইতে অভি र्न, जिने कलिकांछ। मश्कुछ विमानस्य** নিকটপত্র ডাক্যাশুল ও প্রতিখণ্ডের षঞ্জিম॥• আট আনা করিয়া পাঠ'ইবেন। ৰা নিয়মিত আহকতেখণীভূক্তনহেন, ভাঁহা নকট প্রভাকে খণ্ড সগদ ১ এক টাকা विक्रम्न कन्ना याहे(व। हरें हें

. অপসোহন শৰ্মা।

ংস্কৃত মেদিনীকোষ প্রহ শব্দের চীকা-

উত্থ নাগরাক্তরে ব্যুপুর্কক মুদ্রিত হই

ভেছে। যিনি আহক হইতে ইচ্ছা করেন, তিনি চাকা কালেঞ্রের সংস্কৃত অধ্যাপক ঞীয়ক্ত বাবু সোমনাথ মুখোপাধ্যায় মহাশ্যের িকট অথবা কলিকাডা সংস্কৃত বিদ্যালয়ে বা কাৰ্প্ৰকাশ যত্তে আমার নিকট পত্র পাঠাইবেন।

३५ हे रेहज ५२१८

সংস্ত বিদ্যালয় জীজগ্ৰোহন শ্ব।

অভিগান।

| শব্দায়ু ধি | 2110 |
|--|----------|
| শব্দার্থ প্রকাশিকা | · 😼 |
| শব্দ সিস্কু | 2 |
| শবার্থসূজাবলী | • |
| मक्रीर्वत्रप्रामा । | ¢ |
| শব্দার্থপ্রচারিকা | 9 |
| প্রকৃ তিবাদ | ¢ |
| সংস্কৃত পুস্তক | |
| রঘুবংশ সচীক | ۳ |
| উত্তর নৈষধচরিত | • 11 • |
| ७ डिका वर | 8 •. |
| অষ্টাবিংশতি তত্ত্ব | ७० |
| ドギ菜が存 | 340 |
| লিকাতা <u>)</u> জ্রীকেদারনাথ বন্দ্যো | পাধ্যায় |
| ৰ্থিয়ালিস ট ১৭৭ নং পুস্তকবিক্লেডা। | |

কলিকাডা সংস্কৃত লাইত্রেরী ও কালেজ টিট ১১ সংখ্যক ভবনে জীয়ুক্ত ব্রদাপ্রসাদ মঞ্মদারের পুস্তকালয়ে, জীযুক্ত বাবু দেবেজ কুমার রায় চৌধুরীপ্রণীত " তত্তপ্রকাশ " বিক্ৰীত হইতেছে।

বারুইপুর क्र हैं हे क ऽदेश ।

জীরাজমোহন বস্তু, व्यथ्यकः ।

রাণীগঞ্চ পটরি কোং निभिटिंड।

মেজিয়া করিবার স্কুচিক্ষণ টাইল। ঐ কোম্পানির মিসনরোক্তিত ৪ নং আ উহাব নমুনা দেখিতে পাওয়া যায় এবং কাহার প্রয়োজন হয় ঐ আফিসে অসুমর্থি পাঠাইয়া দিবেন।

बलपश्रश्वी नांहेक, ष्ट्रीनरहाल यख ग भृत्यु ১ हो বিরুয়ার্থ প্রস্তুত্ত ; কলিক†ভা কালকুত। যোড়াস কো ৬৪ ন ু প্রীপ্রভাপচন্দ্র

ঠনঠনিয়া সংস্কৃত পুস্তকালয়ে ও পঁ ভালা বাড় যেঃ আদার কোম্পানির দোকারে প্রণীত ও সংপ্রচারিত নিয়লিখিত পুস্তক বিক্ৰয় হইতেছে:— প্রণীত মূল > 1 **গ্রীসই**ভিহাস রোমই:তিহাস ভূষণদার ব্যাক্রণ মীতিদাৰ (১ম ভাগ) নীতিসার (২য় ভাগ) প্রচারিত। মুক্ষবোধ ব্যাক্রণ

জীবারকানাথ শক্ষা

मकाधळठाक्रियांनास এक्थांनि 🛛 🛪 विष् নবাভিধান, যাহাতে প্রাকৃত ও বাবনিক ভিন্নকল শদেরই শিশক্তেদ ও ধাতুর উ কুদাদিও শব্দের উত্তর তদ্ধিত এবং উ র্ত্তি হই তে নানাবিধ প্রতঃয়ানভঃ প্রায় ••• হাজার শদ সংগ্রহপূর্কক ৮৬৮ প্ तर वज्ञ रुक्ता व्यवस्था **अञ्चलालस्य छ ।का**का ार १९ की श्रेष्ठा **१५ जा १५ क**हे পুনক এনে প্রা**প্রটাইনেন। মূল্য ১** টাকা ्राचा । इंडिया । याम (क्रम् अटक » द भें अस खात है। हारक se होका বৰ মিগন দেওয়া মাইবে। .

विक्षा अधिका अधिकार ।

গোলপ্রকাশ।

७ - এ देवभाच (माभवाद। শিলার **मारह्दरक** • लहेशा (পার্ট ্ড ক্রেম্পানির যে কাণ্ড চলিয়াছে, বিত সহার নিকোণি হয়, ততই আন বিষয়। উহার অভিনয়তের অনেক প্রানিকর জুগুপ্সিত ব্যাপার १। ७६१३ याज व्यास्मालन इरेट उटह, লেতেকর ইউরোপীরদিবেগর ধর্ম-নিঠত৷ ও নায়াসুগামিতার প্রতি ক্ত ও অবিশাস জন্মিতেছে। সে ঐ কোম্পানির অংশগ্রাহিদিগের কটা সভা হয়, তাহার কর্মে প্রণালী , পূর্বের লোকের যে সংক্ষার জনিয়া ভাহা আবো দৃচভররণে ব্যামূল ८६। (म निस जङ निर्धात व्यक्तिक । া গকিতভাব প্রদর্শন করিয়াছেন, র বিতীয় উদাহরণ দশনি ছণভি।

कामाना दिन्दा है • 🔞 विशेष देशाली ।

অৰুংদশিত:সুচত আজ্ঞার সমা ন্দ্ময়ে আপনার মিনিটের উপ ার ব্লিয়াছেনে " সম্প্রতি ভাবত ২০৬ শেষকল সরকারী পত্র আসি ভারতে দেখা যাইতেছে**. এফ**ণে বান্দ্ৰাজ (•), আইনশিকা : ভুঃ: হঃ বিষয়ের বিচারকার্য্যে এ**র**প ्छ ≠ा ८८७०, रग (গবর্গর **জে**ন **েন**্) দিবিলিয়ানদিগকে পৃথক ই তত্র খাইন শিকা না দিলে

দর আগারকিরন পোরি সর ভান লারে

- 66-ट क्टेग्रारक, विक्रामित्यतः अरक्षासम्म इकेरव, । उँशिक्षा स्विक्राम्ह मर्द्यमाधादरवद निक्छे ভারতবর্ষীয়দিগের অপেকানিক্সটবলিয়া বিবেচিত ইইবেন, তথাপি বৰ্তমান আইন অনুধারে কোন উপযুক্ত ভারত বাীয় বা ইংরাজ ব্রেছারাজীব নিয়মান্তর্যত প্রদেশের কোন কোন জেলায় ক্রের পদ প্রাপ্ত হইতে পারেন না। ভারতব বীয় গবর্ণমেন্ট যথা**র্থ রাজনীতিভে**র ন্যায় প্রশাস্ত চিত্তে সকল বিষয় বিবেচনা कतिशा विषादकात्मा प्यना त्लाकपिरात প্রবেশ করিবার এবং ভাঁহাদিনের বেতন ও বিদায় এভৃতির নিঃমের পরি-বর্ত করিবার প্রস্তাব করিলে অতিশয় আহলাদের বিষয় হইত।" এদেশীয় বিচারপত্তিগন যে ইউরোপীয় বিচার-পাতিদিগের অপেক। সম্থিক যোগাতা প্রকাশ করিতেছেন, ভাহা অপ্প লোকেই অস্বীকার করিবেন। প্রধানতম বিচারা লয়কেও ইহা স্বীকার করিতে হইয়াছে। धार्मान्द्रात त्यनात कक, माक्टिड्रेंग, ও কালেক্টবগণের সন্থিত মুক্ষেফদিগের जुलना कटिएल या मिविलियान विठाउ-পতিদিগের উপরে অপ্রদা জ্ঞানে, তাহা মুক্তকণ্ঠে বাক্ত করা ঘা**ইতে পা**রে। অংমাদিগের আদালতসমূছের উকীলেরা বে বিচারপতিদিধের অপেকা সকল बिहर्स नक्षा छ। ध्वकामा क**र**हन, **हेहा गर्**न (भेषे अकामाक्ररण मा **इडेक, धार्का**काः भारत श्रीकान कविशाहिम। **विश्व ध्वरान** ক্ষমতাকেল অদাণি ইংরাজবিচার পভিদি । शत करख दे अहिशादि । अव कन মুদ্দেক বা প্রধান সদর্ভামীন ধবি েশন অনুস্থানপূর্বক যত্নহকারে যে विष्ठाह करहन, अक कन कक व्यवाहारम সামানঃ কারণে তাহঃ রহিত করিয়া থাকেন। সঃ বার্ণেন পিকক খাস আপীলের পথে বেদকল কতীক নিক্ষেপ করিয়াছেন, ভাষাতে প্রধানতম বিচারালয়েও সকল मगरश क्षिणांत लाज इस ना । असि य

নিডায় শোচনীয় অবস্থা ভাহা স স্বীকার করিবেন।

শাসনক রাদিণের সময়ের অসুসারে কাজ করা ফর্ডবা। বিধ গবর্ণমেন্টকে সকল বিষয়ে পরা কাতির অপেক; শ্রেষ্ঠতা 🕿 করিতে হউবে। ভারতব্যীয় গবৰ যত দিন ইহা করিতে পারিয়াছি তত দিন ভাঁহাদিগের কার্যো লে এত অসংস্থাৰ জ্ঞানাই। কিন্তু এ তাহার বহুবঃতিক্রন ঘটিরাছে। র শাসন, বিচারপ্রভৃতি যে যে (গ্রণ্মেন্ট এদেশীয়দিগের মত আ क्तियाकां का कादान, महे महे वि ঠকিয়া যান। সকল বিষয় অপেকা দিলোর দেশে বিচারকার্যাই আং বিশৃগ্লভাবে সপান্ন হইতে অবভা ইউরোপীয় বিচারপা যে প্রজাদিগের সভ্যতা র্দ্ধির শারী কাজ করিতে পারিতেছেন ইহা সকলেই স্বীকার ক্রিয়া থাত আইন শিকাও উহার ভাবজভা বি ভারতবর্ষীয়দিগের স্বাভাবিক কৈ আছে। একণে ভাঁহার। উহা বি कहिएक मुनिएनाव मरनारवाशी इहेशा স্তরাং ভাঁহারা যে বিভিনান লিয়ান বিচারপতি দিলের বিচার দ হান্য করিবেন, ভাহা বিচিত্র क्र अनिकेनिवातरगत डेलाव कि ? জন লয়েংজন্ব মতে দিবিলিয়ান অন্য লোকের হস্তে উ্ততর বি রের ভার প্রদান করিলে পূ তলে যাইবে। এই নিমিত্ত তিনি मन निर्वितिशानदक शृथक वितिशा व প্ৰস্থাৰ করিয়াত শিকা দিবার ইহাতে কতক অনিষ্ট নিবারণ হ

বটে; কিন্ত ইহাতেও বিচারপরি

के की शिवरित्र का निवास का देव विवास

मर्भिका अनर्भन कतिएक लाहिर्दन

ত্রণীয় এমন ভানে উত্তম্রপে করিবার উপযুক্ত বলিয়া বিবেচিত চচে: ২ইলে তিনি বে অন্তঃ আপ : १६ मर छ। ज्यार छ छ अस आहे बाह ক তাহতে সন্দেহনাই। শসর এম পেরির **এ বাক্যের ভা**ংপর্যা এই থানে নিয়ম্ভানাই, আবার বেপাংনে ছাজাব করিলেও চলে, দেখানে জিবৰাৰ যোগতোপ্ৰদৰ্শন বুকলি करतन, डिनि य निध्यासर्घ শে সাধারণ মতের মুমুকে অন্যায় া কাজ করিবেন, ইহা কথনই সঞা न्द्र। এ छम्ब्रीदा गत्रं कान लार्द्रास्त्रत দ্শনিষ্মু খিতে এ,ধান ভৰ্ক ক(ড়িত হই ह। यह द्वान शहरुक्त दहन न, ''काइन ারে উচ্চতর পদসকল কেবল সিবি निर्मिद्ध है । भागा, क्ष्रेट्ट एक । किस्न মার্ক্ষিন পৌর ভাঁহাকে এই বলিয়; না করিয়াছেন যে, ব্যবহারাজীবের ष्याहेंग लहेरा फर्क करा, पाशास्त्र **চনকে। আইনে কি বলে ভা**হার চনা করা অপেকানথ:ধ্রাজনীতি तिहर कियन्त्र। हेरिक, क्षेत्रिक विद्व कहा हे प्रायासम्बद्ध कर्जिया । भड़ प्राप्त পেত্রির এই ধাকাটা নিতান্ত যুক্তি চৰইডেছে , বিচারপ্তিগণ আটানের हर्राष्ट्र (स्थान भागाम निवादन कहिराड ারি**লে ব**লিয়া পার্কন দ আমিরা করিব ? আনা ভালন হজাক নকটা **ইহা বলিতে** পাবেন না।্ নে কোন দোৰ থাকিলে ভাষার ্ধের করা ভাঁহার ভাইশ্য কত্রর। ন শে পাজনীতির অধীন হইয়া েৰ, ভাৰা ভাৰতব্যীয় শা**দনকর্ত্তা**খা জনৰ প্ৰায়ণ্ড পাৰেন নাই _ই আবিহন পোরি ব্যোন, ভারতবদীয় रिक्षकारुद्ध शाम श्रमारमह आ**ह**न कहा প্ৰপ্র জেনরবোর উদ্দেশ্য হয়, নহা

সভাকে অভুযোধ করিয়া ঐ প্রকার আছিন ক্রিয়া দিবেন। অতঃপর ভারতবর্ষীয়দি গকে উক্তর পদ দেওয়া উচিত কি না, ডঃ খার নী না**্সার ভার লবর্ণর জেনরলের** উপারেই নি**হিত হইতেছে। একণে ভাঁ**হার মত কি ? আমাদিগের দেশের কা্নন कर्ता करेश कि शङ्करलां के क्रार्थांव বিশিষ্ট ইউরোপীয়দিগের ভবে আমা: দিগের স্বাভাবিক স্বস্থাভের গথে क्छे । निर्माल करिएक १

সর বাটন কিছার সর আরক্ষিন পেরির বাক্তের অসুমোদন করিয়া বলি-शार्ष्ट्र, अ याँ वालिएगत इटल निर्शार्थत ভার আছে, ভাঁহার। দদি যথার্থ ভদতা ও আগ্রহ্মরকারে ভারতবরীয়দিগকে উন্নত কলিবংর চেন্টা পান, ভাগা হইলে ভারতব মীলদিগের উপ্লতি হইতে পারে। বর্ত্ত-মান আইনে ভাষার স্বিশেষ প্রতিব্যু কতা ব্যাতি পারে না। "ভারতথর্যের गामनकर्त्वानिश्चत के खर्मना बाकाणी স্থাবন করা উচিত। এদেশীরদিপের নিখোগ বিদয়ে যে প্রতিবন্ধ কতাচরণ করা হল, সর বার্টল ক্রিলেরের মতে আইন জ (अक्षा भागतक के किर्शत कुमर का तरमा नहें क्षांत क्षांत कारण। मत क्रम लाउका আপনার দ্যার কছেণ্ডলি লোকের অভি প্রায় এছণ করিয়া এই প্রতিপল্ল করিবার एकी पाइकारकम या अरमभीरकता अन्त्र টাকাল হাথে কাল যাপন করিতে াকাজ করিছে পারি নাশ কিন্তু পারেন; কিন্তু ইউরোপীরগণ ভাষা বলিডেইপারেন না। সর্বার্টন ফ্রি-য়ার গবর্ণর জেনরলের এই বাকাটী অমু লক বলিয়া নিজেশ করিয়াছেন। শকট, বস্ত্র প্রাণানে मिर्गित् **उड व**ाः इस न। यथार्थ **वर्**छे ; কিন্তু ইউরোপীয়ের। যেমন অবিচলিত চিত্তে আত্মীরদিগের ক্লেশ দেখিতে शारतनः, अरमभी प्रतः छाहा शारतन ना।

नामाज्यिक वावहाराञ्चनादव आमापिरंशव

বেব্যয় হয়, ইউরোপীয়েরা তাং विटलेवळ बरंहरा। मन करा करतस्य তাঁহার সহচরগণ কয়েকটা সামান্য এদেশীয়দিগের নিমিত রাখিয়া षास्ताम अवाभ क्रियाट्य, मत वा ফ্রিরে ভাহাতে অভিশর অসমুট হই ছেন। উাহার মঠে এই সকল ''ইউরোপীরদিগের উচ্ছিন্টমাতা। এদেশী দিগকে উচ্চতর পদ প্রদান করিলে দে ক্রমশ; উন্থাদিগের অ ष्यमद्यान इडेटन सत्र वार्टिश क्लियोज ए স্বীকার করিয়া উপদংশারকালে বৃদ্ ছেন, ভারতব্যীয় কমচারীদিলের কে বস্থ ও ভাষা ইংরাজদিরোর নাায় ক্রিয়া ভাঁছাদিগের সংস্থার ইংরা গের ন্যায় ক,রয়া দিলেই যথাথ ম হইবে। ঐ সংকার কিনে **জ**িমবে ্ভ বৰ্ষীয়দিগকে উচ্চ পদ প্ৰদান উহার মাত্ৰ উপায় ৷ তাহা হইলে ভারতবর্ষী আগনারা শাসন কার্যে, থাকিয়া ব্রি গ্রন্ত্রক্তকে আপ্রাদিধের প্রক্র বলিয়াজনে করিবেন। স্থা কথা হইতেতে ভারতবদীন্রনাবলকণ সুবি भारिहार्ट्स, हेर्ना और भवन्ति है है দিগকৈ উক্তর স্ত্রদান ক্রি প্রস্তিম : (ক্রল এখানকার স কর্ত্তারা নানা কৌশ্লে দেই উ:নদা; করিতে তছেন। এক্সেন ইংলগুরৈ গ্রণ্মে কর্ত্রতা এই হইতেছে ে. তাঁহারা এ কার বর্তমান শাধনকর্তা(দলের অঞাহ্য করিয়া হলাদিপের অ ও অভিপ্রায়র্কণ স্বত্র প্রদাশকারে

পুর্বি বাজনা রেল ওরের ছ্ঘটনা 🕡 বিহাৎপাত বন্যা ও বাভাগ্র দৈৰ ঘটনার উপরে মার্সের প্রভুত্ত তথাপি মাত্ৰ নাৰ্ধান ক্ষুয়া ্ঞ উপদ্ৰৰ ইইতে আত্মরক্ষা সম্পাদন কিন্তু আমরা একটা আশ্চর্য দেখি ওয়ে হইতে আছোরকা ছ্রুহ হইয়া ছে। রেলওয়ে দৈৰকাও নয়, মাসু-কাণ্ড; উহার উপরে মাহুবের পি প্রভূত আছে। কর্মচারীরা যদি ০২ সাবধান হইয়া কাজ করেন, প্রেকার হৃষ্টিনা হইবার সভাবনা না। কিন্তু উহঁাদিগের অনবধানতা ৰ প্ৰবল যে, কোন ক্ৰ**েমই** ভাহার রণ হইতেছে না। রেলওয়ে দেশের গাপাওে সুখ সচ্ছদভার মূল ছইয়াও ারীদিগের এক অনবধানতাদোবে ত্তির হেতুহইয়াউঠিয়াছে। আনা-র এক আমুীয় পূর্ববা**দলারেলও**-একটা শোচনীয় ত্র্টনার বিবয় য়েয়া পাঠাইয়াছেন, পাঠকগণ ভাবণ

াতঙই বৈশাখ বুহস্পতিবার রাতি ৭॥ ঘটিকার সময় পূর্ব্যাললা রেলওয়ের নগর ভেসনে (যাহাকে মুলাজোড় একটাভয়ানক অভূতপুৰ্ব ভূঘটিনা গিরাছে : আমি এক জন আরোহী, ৫০ মিনিটের শ্লাড়িতে টনহাটীতে গমন তভিলাম বারাক্ওুরে পঁছছিয়া ভনি শ্যামনগর ও নৈহাটীর মধ্যস্থানে এক-মালের গাড়ি লাইনের বাহিরে পড়াভে eক হট্য়া আনহে। এশায় আর্ক ঘটিকার ায়ামনগর হট্তে ভারহোগে সংবাদ লে পর আমাদিগের গাড়ি শ্যামনগরে করিল। তথায় গমন করিয়া দেখিলাম, ছুই প্রহরের মালগাড় তথার আছে কিঞিৎ পূর্কো পরিষ্ঠ হইয়াছে পাঁচটার 🗤 শাড়ি দে পর্য্যন্ত ঐ খানে ভূংবাভ কঞিৎ পূর্বে নৈহাটীতে গমন ছে। টেগনমাঙীরের মুখে আংগ

াম, যে আমাদিগের গ.ড়েছই ঘটি

মুনে নৈহাটীতে গমন করিতে পারিবে

দামাদিগের গাড়ি অপ:। পার্যস্থ

ন রাথা হইল ইতিমধ্যে একধানি

গাড়ি নৈহাটী ৰইতে আনিয়া কলিকা-

মুখে চলিয়া গেল। ফ্রমে রাত্রি হইতে

ন।যে মেল ৈণ কুষ্টিরা ছইতে

আদিতেছিল, তাহা টেদনে উপনীত হইল ; কিন্ত টেদনে না থানিয়া ফ্রতবেলে কলিকা-তার দিকে যাইতে লাগিল। পাইন্টের নিকট আসিয়াকলখানি প্রধান লাইনে গেল আর সক্ল গাড়িবে লাইনে আমাদিগের গাড়ি ছিল, এককালে আসিয়া তাহার কলের উপর পজিল। মহাশয় ! পড়িবার সময় বঞুাঘাতের ন্যায় ভয়ানক এক শব্দ হইল। ভামি সর্বা শেষের গাড়িতে ছিলাম। বসিয়া িলাম, অধোমুথে শুইয়া পড়িলাম, এইকপ আকি আফি ব্যাপার দেখিয়া ইহার পরে **আবার কি হ**য় এই ভয়ে গাড়িহইতে লক্ষ দিয়া বাহিরে পতিত হইল†ম। অনস্তর ফ্রেড্রেগে কলের নিকটে গিয়া যাকা দেখিলাম, ভাহা সম্যক ২তোবর্ণন করিতে পারি না। চারিখানি ভূতীয় ও চতুর্ণ ক্লান গাড়ি একবারে ছিল ভিন হইয়া গিয়াছে এবং আনাদিশের সাভির কলখানিরও ঐ দশা হইয়াছে। ঐ চারিখানি গাড়িতে ছুই শতেরও অংধিক পুর্ব্বদেশীয় বাত্রী ছিল। তথায় বাইয়া দেখি লাম, প্রায় ৫০। ৬০ জন শকট হইতে ঠিক রিয়া পড়িরাছে, কতক মরিয়, গিরাছে, আর কতক ব্যক্তির শাস হইয়াছে। গাড়ি চাপাও অনেকে রহিয়াছে । সেখানে এমনি ক্রান্সনের কোলাহল উচিয়াছে যে শুনিলে পাযাণ জ্ৰৱ ছইয়া যায় . প্রেসন হইতে লোক জান আসিয়া শক্ট চাপা ব্যক্তিদিনের উদ্ধার করিবার উপান করিতে খারম্ভ করিলেন। কতদুর কুতকার্য্য হইয়াছিলেন, বলিতে পারিলাম ন।। কিন্তু অকুমান হয় চধিকাংশ লোকের মৃত্যু ছইয়াছে এবং ধাহাদিগের প্রাণ নপ্ত হয় নাই, ভাঁহারা অফগান হইয়াছেন। পর দিবদ আমি বংকালে গুই প্রহরের গাড়িভে কলিকাভার প্রভাগমন করি, তখন দেখি. লাম, প্টেসনের এক ঘরে মৃতদেহ উপর্য্য পরি পড়িয়া আছে এবং রাস্তার ধারে গাছের তলায় ও অন্যান্য স্থানে শব পভিত রহি য়াছে। এপ্রকার, ভয়ানক ঘটনা পূর্সাবাঞ্ল; রেলওয়ে হইরা অবধি হয় নাই। ইহার প্রকৃত কারণের অনুসন্ধান করা গ্রণনেটের । পক্ষে একান্ত কর্ত্তব্য : ভবদীয় একান্ত বশ্বহদ কলিকাতা ২৭ এ বৈশাখ }

करेनक आर्द्राही।

३२१७ ।

(तन्त्रहार व धाकाकरवत व হেজু হইয়া উঠিল, গবর্ণমেণ্ট ুকি ই নিৰারণ বিষয়ে যত্নান্ ছইৰেন সচরাচর শক্টচালক, রাস্তার তত্তা য়ক ও পইন্টবারীর দোধে ভূঘটিনা থাকে। যাঁহাদিগের উপরে রেলগ কার্যোর প্রধানকর্জুত্বভার অ উহিারা যদি মত অলমপ্রকৃতি ও বৃশ্বিত শক্টচালককে শক্ট চালা न। (हन, व्यथनार्थ भ्रहेलेशाही(क কার্যে নিয়োজিত না করেন এবং অং ইঞ্জিনিয়রকে রাস্তার তত্ত্বাবধানে বি হইতে নুম দেন, তাহা হইলে ত্ৰ হইবার সন্তবিদা কি ? আমরা ব বলিতেছি, রেলওয়ের হুঘটনায रेनवका ७ किছू है नाहै। दिल ७ एश তিত বৃদ্ধিমান্ব্যক্তির বুদ্ধির ক' প্রকৃতিছ ব্যক্তি যদি উহার কার্য্য দন করেন, ছুছ্ টনা ঘটিবার কোনত সম্ভাবনা থাকে না।

আমাদিগের মতে মত ও অব भक्षेत्रामकाषित्र निर्धाशक खाषिश्र व ও দেওনীয় করাকর্ব্য। কেবল স চালকাদির দওবিধান ব্যবস্থাদার টনার নিবারণ সাধ্যায়ত নছে।

উপসংহারকালে আমরা ভ ৰাক্তিদিগকে এ1ং হত বাকিণ পরিবারগণকে অসুনোধ করি উচ্চারা রেলওয়ে কোম্পানির ক্তিপুরণের অভিযোগ করুন, किছू बरलन ना विलयाहे दिल কোম্পানি ও ভাঁহালি:গণ কথাচা সাৰধান হইতেছেন না। লেন্টনান্ট গ ত্রে মহোদঃকেও আমাদিগের সবি बहुद्राध अहे, वामहा व्यक्तित গুনিলাম, হত বাজিলিগের অনে গোণানে পান্ধায় ভাষাইয়া দেওয়া য়াছে, এ জনরবটি সভাকিনা, ব রূপে তাহার নিগুড় অহুমন্তান বর সেশ্মপ্রকাশ।

∘ং **ব**ংশ-নিয়া ।

আবিধিনিয়ার যুদ্ধের ভ **শেব হইল,**

<u>ছেরও ভনুহালে করিলেন, বারও</u> নোজন ন ই (এই যুক্তের নিমিত্ত ্লেটি টাৰা বায়, অনুমান কৰা হয়, ্র কভ বায় **হটয়াছে, আ**মেরা ভ্রের চার পাই নাই**) উভাদা**ল । তকভালি ীও হত হইরাছে, ইছরে পরিণুম যে ≥টবে একটেণ ইছাই চিড¦য় বিষয় হট ∌: য^{াঁহ'}রা পারাজাগ্রহণ্টায়ক, অর্থার ও কেশের প্র ঐ রচের নি গেছে:ড়িট্লেডিলা হর, সেটেভি"হো গর ভোল হালিবে ন'। কেল কেল ঐ ম একটি আছেদ। কটিপার এফার করি ১ন। কিন্তু আমালিগ্রের বিবেচনয়ে ণেই ইউক আর পরেই উক্যাহাতে ''রের েতি লোভ জমিবার সভাবন। ক, এরূপ কেনে বন্দোবস্ত করাই উচিত । বনদীলিধের উদ্লেগে এই যুক্তের ষ্ঠান কর! হা, সে উ∷ফ⊭া সংধিত ছে। ব্ৰিটিশ প্ৰণ্ডেন্ট্র যে এই বাত্র উদ্দেশ্য, ভাষাও জগতে বিদিত टह । अकर्ष यनि छेल्ल्मा खुत मध (5 की) इत. क्वान भा जिल्लेम शवन्त्र অনৌৰাষ্ট অভদ্ৰ: প্ৰকাশ চইবে প নয়, ব্রিটিশ গ্রণ্নেন্ট আছিও প্র গ্রহণলোভ প্রহাগ করিছেপ রেন , **সকলের এই সংস্ক**রে ফলিবে। ভবে **গবর্ণমেণ্ট** ঐ রাজ্যের হিত্রসাধনের নাকরেন, নিস্বার্থ ও রুক্ত হইট। উচা দেন করা <mark>কর্ত্তব্য ৭ আবি সি</mark>নিয়ার কোন कि मन्द्रेश्वरक थिडएडारवर शरम কুকরিয়। প্রেজার হিতার্থ ভাঁহার ষ্ট্রী। ক'হাপ্রণালীর <mark>কভকগুলির</mark>

ম করিণা দেওয়া উচিত । **ভাবী রাজা**

টশ গ্র-েন্টের প্রাম্পলিইয়া স**যু**

ক্ষেত্ৰত্বন, এইকুপ ব্ৰহণ করা

্য। ই রাজা ব্রিউশাগনর্গমেটের কার্য্য

सीटक वास्त्री हते. विष्ट्र ठ शक्तात

ন প্রবিদ্যাশিকা ও পুলিধের উৎকর্ষ সাধন
প্রভৃতি কার্যা করেন, সে বিষয়েও যত্ন
বিধান আবেশাক।

ক্তীনৰ্মাল বিদ্যালয়।

ভারতবরীয় গ্রন্মেন্ট মাদ্রাজ, বোদাই ও বাঙ্গলা এই তিন প্রেসিডে-সী: তিন প্রধান নগরে এক একটী স্ত্রী নআলে বিদ্যাল্য স্থাপনার্থ পাচ বংসারের নিমিড বার্ষিক ১২০০০ করিয়া টাকা দিবেন, এই অভিপ্রায় ব্যক্ত করিয়াছেন। মিদ কাণে টর মাক্রাজে যে একটা স্ত্রী নম্বাল বিদ্যালয় প্রতিষ্ঠ। করিবার এস্তাব করেন, তাহা হইতেই এই প্রায় ভণিতে **ংই**াছে। মা**ন্দাজের গ্**বর্ণর ও শিকাকার্যের ডিংক্টেরপ্রভৃতি যাঁহোরা মিদ কংপেন্টিরের দপক্ষতা করেন, ভাঁছা দিগের সকলেরই মত এই, গ্রণমেন্ট निक्क उद्दीनभाग विकास सा करिएन ঐ বিদ্যালয় হইয়। উঠা ভার। কিন্তু গ্র ণ্র জেনরলের দেরপা মত নছে। তিনি बरलन, प्रभीय वास्तिनिःशत निकटि माध्यायाद्यम्य ना कहित्य दौष्ट्राप्तिरशत ষ্তু হাইৰে না।

গ্রপ্র জেনরল এদেশের অবভাত্ত अञ्चिक्तिका, सम्राक्ति अदल्दाना विकास হৃদঃগতভাৰজ্ঞ বলিয়া উক্ত অভিশায় ব্যক্ত করিয়াছেন, ভাহা নহে। সামান্যতঃ শিকাণয়কো যে গীতি প্রবর্তিত ও যে যুক্তি অরুফাত হইলা থাকে, ভিনি তদৰ লহুন করিয়া**ট সমস্ত বাস্তু**ল ক্রি ্রাছেন। আমরা দেশের অবস্থা স্কু কেরপ দর্শন করিতেছি। এবং লোকের মনের ভাব বেরূপ জানিতে পারিতেছি, ভাষাকে স্পান্টাক্ষরে बिटर्क**भ** कहिएक भाहि, श्वर्गत स्क्रमहल বাহাত্র যে যুক্তির আত্মরণ করিয়া কার্ষ্টে প্রবৃত্ত হইতেছেন, তাহাতে কুচা-র্যভালাভ করিতে পারিবেন না। বালক

দিগের শিকা সম্বাজ অবলম্বিত যু জীশিকা সম্বাজ কলোপথায়িতার বনা নাই।

व्यक्तिं अस्ति। व्यक्तिमः লোকে জ্ঞানের নিমিত্ত বালকদিগকে শিক্ষাদেননা। পুত্র পণ্ডিভ অর্থ উপার্জন করিবে, এই শেই পুত্ৰকে লেখপড়া শিখা কন্যাসভানেরা পুত্রদিপের ন্যায় ব পার্জন করিবে, দে আশা ন জ্ঞনোপার্জনের নিমিত্ত লেখা শিখান সাবশাক, এ জ্ঞান অধিকাং নাই । যথন এরপে চ্ইল, তথন ক স্তানের শিক্ষাদানার্থ অর্থব্য়ে করি এর্ভি জ্মিবার স্থাবনা কি ? দ্রির আরো অনেক ছনিবার এতি আছে। বলেকদিগের বিষয়ে সে প্রতিব্যাক নাই। জীশিক্ষিত্রী ত, খো একটি প্রধান। পুরুষ শিষ নিকটে বালিকাদিগের, অধিক বয় প্রত্তিকালাভ সভাবিত নয়; কাহারে। অনুমোদিত নহে। এই বি যাঁহারা বিবাহের পূর্বের কন্যাটি विकाशनर्य अध्यक्ष करत्रन, विवादहर जाहामिशटक विकासित या*हे* एक एक কিন্তু ক্রীশিক্ষয়িত্রীর নিকটে এরপ थारक ना। अडवरं मर्कारक द्वी রিত্রী প্রস্তুত করাই কর্ত্র। কিছু গ জেনরল বাহাছ্র এদেশীরদিপের দ লইয়া ঐ অভীক সিদ্ধ করিবা মান্দ করিয়াছেন, ভাহা সফল হ मञ्जादना नाइ। उপत्त आपर्मि ह 🖓 এদেশের অধিকাংশ লোকের ক শিকাদানে প্রতি নাই। তাঁহার শিকার্থ শিক ८म्हे व्यनात প্রস্তুত করিবার নিনিস্তু অর্থহারা স করিবেন, ভাছা কোনক্রমেই সম্ভ নহে ৷

अक्रा वामानियात वक्रवा

टिम एक इस्टिस् क्रिक इस्ली भटन 🖘 াদানে আমাস্তরিক ইলছা ও বজু ক, তাহা হইলে অন্ততঃ .৫ বৎসরের ণত তাঁহারাকি জ্বীনম্মাল বিদ্যালয় বালিকাবিদ্যালয় যাবভীয় জীবিদ্যা র যাবতীয় ব্যয়ন্তারও কার্য্যস্পাদ ভিরি ভারং এছেণ করুন।যে বিষয়ে শীয়দিগের চিরকালের বিপরীত **চার ও অনভ্যাদনিবন্ধন বি**হেষ ছ-এবং যে বিদ্যাকে ইছারা অবর্থ বলিয়া জ্ঞান করেন না, তাহার শিকা ার প্রথম আরম্ভদময়ে গ্রণ্মেন্টকে

. সমুদায় ভার এছেণ করিতে হই

ছ। মেডিকালকালেজ ও সংস্কৃত

'' এঁরাই আনবার বড়লোক। 🌣 অম ভিনয়।

লব্দ তাহার প্রমাণ।

আমাদিগের এক মিত্র উ,ল্লিখিত নাট য ভনয় দেখিতে গিয়াছিলেন, তিনি েকোন্ত যে প্রস্তাবটা লিখিয়া পাঠা ছেন, তাহা পাঠকগণের গোচরার্থ স্থলে সাদরে গৃহীত ও প্রচারিত

ৰা বন্ধবাদীনিগের সন্দীতবিষয়িণী 🖟 চির র্ণ পরিবর্ত্ত দেখা যাইতেছে। আর যাতা, পাঁচালিতে তাঁহাদিগের প্রবুদ্ধি ও 5 নাই । অবকাশকালে সজীভদার। বিনোদন করিবার ইচ্ছা জলিমলে ভাঁহারা কৌচৰ্যৰসঃয়া সেদানার বাজাও কবি লার শরণ লন না, আনাপনারা নাটকের নয়ও এক তান বাদ্যের ছারা অভিলাব করেন। ফলতঃ এই রুটিবিপর্যায় ভাভাবে কল্যাণকর, ইহাতে চিত্তরঞ্জন ত্তের উৎকর্ষবিধান যুগপৎ ভূই অভ সিদ্ধ হয়। অপর এতন্তারা আত্যন্তিক

দক্ষতি ঠনঠ নিয়াতে একটা নাট্যালয় হই

काटक।

ভবিদ্যানত উয়তি সাধিত হুইবার সন্তা

য়াছে। গত শ্নিবার তথার " এ রাই আবার ! বড়লোক ১ নামে এক নাটকের অভিনয় হইরা গিয়াছে। অভিনয়ের সলে একডান বাদ্য ও গাতক হইয়াছিল।

বার্য র র্জ ভূমিতে উপনীত হইতে नाष्ठिक्शमित উদ্দেশ্য অতি প্রশংসার । প্রতিবারেই অনেক কণ ধরিয়া ভ্রোভূবা স্থ্রাপানের দোষোলেখ করিয়া ভাহা হইতে চিন্তরঞ্ন করিতে হইয়াছিল।ভাঁহার প লোককে পরাও মুখ করা ও স্থরাপান গড়তি ক্তিপয় কুক্রিয়ায় আস্ত হওয়াতেই নব্য ৰাকালিরা যে স্বদেশের রীতি পদ্ধতির সংক রণে প্রাবৃত্ত হইয়াও বিফলপ্রবৃত্ন ও পরি ণামে হাস্যাসপদ হইতেছেন, তাহা প্রমাণ করা এই নাটকের উদ্দেশ্য । বজুতাবা লি,বিত উপদেশ অপেকা নাটকাভিনরের কুপ্ৰথা ও কুকৰ্ম স শোধৰে বিশেষ ফলোপ ধায়কতা আছে। কারণ রক্ষ্টুমিতে উক্ত কুঞ্জাসকল ও তাহার অবশ্যস্তাবী ফলসমূহকে মুর্তিমান করিয়া প্রদর্শন করা হয়। ভা**হাতে** ভদ**ন্তগ**িল নীতি লোকের বিশিষ্টকপে জ্নয়ক্ষ হয়। কিন্তু কতক গুলি কুকর্মকে মূর্তিমান্ করিতে গেলে অভোতব্য কথা ও অন্তইব্য দর্শন দেখাইতে ও শুনাইতে হয় স্ত্রংং দেই সমস্ত কুকর্মেন রঞ্জুমিতে আন্দোলন সৃক্ত হয় না। "এঁরাই আবার ৰড়লোক " এই নাটকথানিতে সকল দোবের বহল পরিমাণে উরো আছে, **অতএৰ উহা বে সমাকৰূপে** ভনয়ধোগ্য একথা আমরানির্দেশ ক>ি :বি •1। গ্রন্থের বে ে 🤏 🗥 স্পতি স্থানর ও যাৰতীয় 🕾 💢 ও য়ে প্ৰাহী হইয়া ছিল। অফ্ডান্ট, সার্ভিনাদ, রোদন, ভাহত হুইরাভূতলে পতন ও মৃতকল্ল হুইরাশয়ন এবং সুধ্যান্ত বিস্তাৎ মেঘ গৰ্জন ও বজা যাত প্রস্তৃতি অতি ফুন্দর ও একুতির অফু প হইয়াছিল। 'মা**ঠার কে**ণ্টোকিশোর চ অতি চনৎকার অভিনয় করিয়াছিলেন। কিন্তু বার স্বার কৌতুকাবহ কথা ও ভঙ্গীদারা শ্রোভূব গের হাস্য উৎপাদন করিয়া তিনি নিজেও এক একবার বহাস্তাবেদ্য ভাষাদিলের প্রতি দৃষ্টিশাত করিয়া,িলেন। যাহা হউক,

অভিনয়ের গুণই অধিকাংশ, দোষু অভি অল

অতএব সেই অতি অল মাত্র দোষের কথা

উল্লেখ করিলেই পাঠকবর্গ বুঝিতে পারি

विम य एडिज अखिनस्त्रत जात नमछ अ প্রাপংসনীয় হইয়াছে।

রাজা বাবুই প্রধান অভিনেতা। ভাঁচ

নয় কাৰ্য্যে বিলক্ষণ নৈপণ্য আছে সামাজিকদিগেরও চিত্তরঞ্চনে কুত इडेग्राছित्तमः किन्छ य एव ऋत्त् । কণা ক'ছতে হয়, সেই সেই স্থলে ল বিভাৱ হইরাছে । ফলতঃ কেবল বি বলিয়ানন, যিনি যিনি আহাগত কথা ব ছেন, ভাঁহারই সেই দোষ দেখা গিয় আগ্রগত কথা ধীরে ধীরে কহিতে হয় ত মধ্যে মধ্যে বিরাম চাই, ভাব 🔻 👽 আকার ইঙ্গিতের তারতমা করিতে এব এমন সং: কথা কহিতে হয় তালা উচ্চ হইবে না, অব্যচ কণা সকলে স্পষ্ট শুনিত্তে পাইবে। কিন্তু হ ষে অভিনেত্গণের কথা কহিচ তাহাঁদিগের ঐ সমস্ত বিষয়ে দৃষ্টি ছিল ভাঁহারা যেন পুস্তক দেনিয়া পাঠ তেছেন এমনি বোধ হইয়াছিল। '্ড বাবুর ৽ উচ্চারণ ্লি আনতি আঞ্তিৰ তিনি যখন ' ৽ ই অন্ধকারে অংক ইত্যাদি বচন গুলি কহিতে আরম্ভ ক ভখন যেন কাণে বজুাযাত হইল বলিয়া হইয়াছিল। আবা, স্ত্রীলোকে শুব্ধ ও স কণাক হিলেও সেইকপ কঠোর 😎 শ-িমালা "হ বিধাতঃ!" বলিয়া খে माकतियायनि 'द्र विस्थान वर्षि তাহা হইলে ভাগ লাগিত। একডান বাদ্যও ডানলয়শুদ্ধ ও

অঞ্চিশ্ন) পাকিলে অিনয় আন্দ্রো ক্রি হটয়া শুনা অতি কঠোর ব্রস্ত উঠে। য:বভীয় যপ্তের ঐক্য থাকা তান বাদ্যের প্রধান প্রশং**দার বিষয়**। রার একতান বাদা সম্প্রদারের বস্ত্র সং বিলক্ষণ ঐক্য ছিল কেবল টোলের কিছু **উচ্চতর হইরাছিল**। ফলত**ঃ** যিনি ৰাজাইয়াছিলেন, তিনি সে বিষয়ে

इटेश्च हिं^च। हेश अञ्चलतस्त्र अक्षी उ

ান হয় : কেন না, চোলের বোলগুলি লাও তেমনি ভাষানিগের লালিতা কিন্তু পেটেলর বোল ও অপর যয়ের ্ণুথক লাগিলে একত ন বাদ্যের प्रकर्न त्य डेशन कि इस सा आया বিবেচনায় একভান বাব্যে গোল বাজ ্ৰেষ পাণ্ডিত্য নাদেখাইয়াকেবল য়ানিয়া গেলেই পৰ্য্যৰ্গিত হউতে

मुक्तः श्रुष्ठकः (

। वाविकानलेन। धर्यान ১१৮७ ্রেয়ার এসে:সিংসনের বিজ্ঞা-স.বে আহিযুক্ত ভগনীশ কঠলেকার ্বর চ্ছ। ইছাতে কি নিমিত্ত জন কুবাণিজ্য প্ৰথা প্ৰেস্থি**ত চ**ইল, রেণে মুদ্রার সৃষ্টি হইল, ব্যাসায়ে কে:ব এবং কোন ুকোন দেনে কি বা অধিক প্রিনিংশে প্রাপ্ত কর্মা हेळालि ≗टडाक्रमीश क्र'च्या विनश ্বিশেষকাপে লি'বড ভটয়াছে। ণুর বছদত্ত্ব এই ক্রন্থ্যানি প্রণয়ন-ত হ'র অন্যান্য সহযোগী অপেফা ক উৎকৰ্মতে করিয়া পূর্বেকি মিএসনের নিক্ট ভাছ দের প্র ত াপ ২৫০ টা হা ও **গুরুর**স্ ।তের । ভি.ষং মঞ্চ । নটি । ই, হা সমাজের ভারেক উপকার লাভেরও का थाटहा

विविधम्याम

३२.६ टेनम्। स (मामवान

৯ এ এং এল আবোরার ইউবোপীয় বিনা ; বা রক্ষক হট্টাছে। ঐ কাছিকটী ভূগা ८:इन । भारकारन धवल नाष्ट्र धवाहिक टा प्रभाग ज प्रमार इन्द्री भिद्राटक। ৰ সূত্ৰে সুবি ও সিংদেৰ বিশেষ প্ৰাদ ভাষ

काना गुण इत्रेशास्त्र। माक्षिरहेते छेशांक्षण्यः दिवेश अरम्भ व्हेन्नास्त्र । मार्ट्सन ह বেলিয়নে অপান করিয়াছেন।

वक्रतम्योत शवर्गस्य खाळा नियाद्भन, कलि । কাভাৰ পুলিৰে আইনঅপুসাৱে যত টাকা আদায় হুছাং, ড হা পুলিৰ কণ্ডে জন্মাকঃখ্ৰা জ্বিস-भर्भात इञ्चल इंट्रेंग अई होको उ जुलिय বর এক 🖫 😇 হু ক.রয়া জ্ঞাতিস ও পর্বাংমকের भ लातव वाहा भग विश्वादि**छ ३३८व**।

মহীপুৰাৰ ভূতপুৰ্ব ৰাজ্যৰ প্ৰিজন ও ७५:४४८४४ श्राष्ट्रभावनार्थ ७८ वक है।कः নূল । নথর প । বিবে। পরিবারবর্গ রুভি প্রের পারেন । কিয় রাজার ভাড়ে, সায়ক খাস্থাতবর্তিপাইবার কি সত্মাছে ভালা আমরা ত্রিতে পারিলাম না।

कलिकाछात्र आर्क । एकम क्षाप्त भी खहे अह ভাগে করিবেন। বেবনেও কেব আটিণ ও (वनार ६ वर्षक १६ भएन । खार्थी इहेबाएकन।

এবার বাসালোর ও নীলগিরিতে এমন ত্রীবা ১ইয়াছে, যে অভশন্ন প্রাচীন লোকও বলিডে ্রন ভি:হারা কথন এমন কট্টভোগ করেন নাই। शुक्त हिमी कुल अस समीयकल अक क्षेत्रकाल । জাল পাওয়া ভ'ব হইয়া উঠিয়াছে।

माने अप्रदेश अनाली अप्रज्ञास क्खार्फ नवर्ग ! (म हे आंख्या क्यारहत यान अंडींब आधिनत्युह ্রপ্রের উপরে ও ও কাটিডে পারিকেন। बर महल बालिएनर मध्यात **७ छ**्छित **প**्रिमा (९३ द्रीक्ष केश कर्म्बरा

মগলবাৰ এক বাজিকে কলিকাভার পুলিয়ে क्षांचर्च नवः भ्राः शृक्षे । प्रवत्र भन्न स्वयं सार्व्यक्रिय यकत्त्व भगाय वाभी अहेराक विक्रियनकारण ণ ব্যাক তীহার শক্ষাবোজিত অব্ধের র আন, রংগুজাক শক্ষা স্থানিত করিবার চেই। कर्रा अकेरेके लग सरक्षार व्यवस्थरिक व्यवस দিহোলইয়ালেল, এবা ঐ ব্যক্তি শুক্ত হইল। ১'২'কে এই কমি করিবার কারণ ভিজ্ঞাসা क्याहरू म व लल लाहे मिक है। ह्वा विकास ভাবেদন করা ভাহ'র আভিপ্রেড ছেল। একাণে মাজিটেট ভাষাকে বঠিন পরিজ্ঞামের সহিত কারাধানের আমাজা দিয়াছেন। কাজ্টীভাল इब्र साइ । शूर्धकृति च्याटिनायामा दाव्हि छ न'कार नद्दक बाळाव इटल्ड कारवण्य पिटक भाविएकम । लाउँ एउन्होनि अ श्रकात जारबहर গ্রহণ করিছেন। কিন্তু সর জন লরেশ ঐ ব্যক্তির ছাং শুক্তন পুলিষ কিছুই করিছে পরিছল দিওদানে স্থাত **হইয়াছেন। এ প্রকার আ**বে ি এই ভানে অনেক ছণ্টাইতে লোকে দমগ্রহণে গাবর্ণর জেলতকের যে গৌরব আছে 🖯 খার গাব ভান করে, কিন্তু চুরিই ভাষ্টেন । ভাষা জাঁহার বিধেছনা করা উচিত ছিল।

গ্রাহার বাবসায় : সামাতি উধাদের চারি । লক্ষেতির ক্রিসনর স্বোপক্তি আবি পঞ্জি

কেল বলেন পঞ্চাবের রেলওয়েকোম্পানি প্র রাপে কর্ণেল এলফিট্টোনকে পদচুত ক নাই। ডিনি যক্ত দিন কংমি স্থলিত ভিটে ভাঁথাকে সে সময়ের বেডন ও ডাইর আর মানের বেডন পুরস্কার দেওরা হট্টাছে।

ইংলিস্মানের কাবুলক্ষিত সংবাদদ বংলন, এক জান রুশীয় দুভ শিয়ার , আছে: শি বরে উপস্থিত হইয়াছে। চারি রে লি জনীয় বৈনা বাকের **অভ**গতি মাইছুৰ আন্সরাজে: আজিম খা কান্সাহারে সম দ্যত ভ্ৰছ বেজিমেট সৈন্**ত্ৰে প্ৰ**ভাগ कशिक्षा सन्द्रः कश्चित्राद्वन । छोड्डि ४००० व রৈগন আছে। ডিনি শ্ব্য ও টকো। লেই বলপুর্বিক গ্রহণ করেন বলিয়া লো অভিশয় কষ্ট 🕫 অসম্ভোধ হইয়াছে। সি আলীর পুত্রগণ কাবুল চইতে পলায়ন ব য়াছেন : কেবল স্ত্রীলোকেরা তথায় আচ करयकञ्चन मधीय ७ काबुरलय भू छिकि काव ধ্ইয়াট্রন। সিয়ার আলি খাঁ। নিজে কাকা আনিয়াকেন গাংধার পুর কাবুল আ করিবার নিমিত অঞ্জনর ইইডেছেন বার জাংহল রছমন থাঁ আহলিম খার সা कहिराहर्द्धन मा । आह. ध्वर व्यक्तियाक व्यव প্রা, জন্ত হয়। ত হয়বে।

३७ ४० मरना प्रदेश शकीशवाहे १ कर्छ :वन ७१३ % ऋग ६३१५।

গৰাৰ ফেমবল সিমলাকে উপস্থিত ব ভারতব্যীয় ব বহুপক সভার পুনর্গাতে শন कहेरत । ये भगश भन्नः द्वत स्वभीनात छ। मर्द्धा ४ विश लहेश उर्क इंट्रेंग । এই वि পঞ্চাবের কেল্টেন্ট গৰণ্য সা ডোল शकिशापुरक का छा। न ना इहेश्राहा।

গত শ্নিবাবের গেঞ্জেটে গিটনকার সাং পররাষ্ট্র বভাগের সেক্টেরির পরে িয়ে विकाभ सहसारह । कि.न या किन अनुभ थाकित्वम, अध्य किम मि, 🐫, अंडम म উভার প্রতিনিধি ছটবেন।

আলাসীজুন মাণে সিকুর সুড়জ স ছইবে। মার্চ মাসের খেয়ে ৮৭০৭৫ ফুট ছিল। প্রফালের এই সংশটী একটী পর্দাকে षिद्रा कविटा इंडेट्ड्र हा इंक्लिनियुद्धां । এক হস্তথাত্রপরিমাণ স্থান করিছে: (भरतामाव शर्याच्य (य दाल अरम् इहेर्त, **এই इर क्रांक्ट्र यथा मिन्ना दाहरत**।

भावमार्ड व्यक्तित्र अनार्डिश इहर তত্ৰত্য সিধিল ও সুৰ আসিষ্টাৰ্ট সাক্ষ and the second s द्विध्यम कंद्रप्रा विश्वय लाह्न्द्र माराहर ডছেন। কিন্তু আবু ছুই জিন জন চিকিৎ । र्हेटल नक्टलत् माहार, **र**७हा व्यम**ख**यः। १ व्यवशंक क्हेलांम, পावनात मास्टिकिं ন স্ব জাণিষ্ঠান্ট সাক্ষ্যন ও কয়েক জন দশীয় চিকিৎসককে প্রেরণ করিবার নিমিস্ত য়াভেন। এ বার সক্রেই ওলাউঠা ২ই-় এই সময়ে জগরাথক্ষেত্রের পাণ্ডাগণ १९ वह कर्वट उट्टा अयामता स्वीय कति, চ'র ডই বংস্রের ন₁:য় গ্র**ণ্মেণ্ট** এবা এক বিজ্ঞাপন দিয়া যাত্রীদিগকে সভর্ক করি

সম্প্রতি আগ্রার প্রধানভ্য বিচারালয়ে हेडेरतालीरप्रत मकम्ममा **डेलनरक डेहा**इ ল এত্তমনীয় জারিদিগকে বহিষ্ত কার প্রস্তাব করেন। কিন্তুপ্রশান বিচারপতি জ্ঞাহ্য করিয়াছেন।

স্থালকে:টের ঘোড়দৌড়ের পুরস্কারের ভুকাশীরের রাজা ১৫০ ভারের এক রুংখ াত্র প্রহান করিয়াছেম। ইহার মূল্য ১৫৫০ । রাজা বাড়দৌড়ের নগায় বাণিজ্যের চ্যোগিডায় উংসাহ প্রদান করিলে যথাপ গ্র্য করা হয়।

গুড়গু, টেডেডে বোধাইয়ের লোকের: এলি টাবপর্যত গছররত্ত মানদর দর্শন করিছেত কেরিয়া খাকেন। ঐ দিবস পাছে সকলে [†]যুগন্ম'নুসংধ্যে আরংধনা করিতে ক্রটি করেন আশস্কায় বোধাইয়ের সক্ষেত্র চাপলেন রেও ভবলিউ, বি, দিয়ার সেই গহরে গিয়া ৷ तिमा क दिश (इ.स.) এই উপাসমার कल कि ? প্রধান কমিবনৰ লেজন কাৰেল মধ্যভারত র মিউ নামপালি উপমূহকে খেক্সামভ সাধা व्हिज्यक कार्य। डिक्ष छ होक। नाम्र कविवाद क्का निमाहित्सन। फन्यूनात्त विक्रमधार्षेत् মতেন ৷ এসকল স্থানে কিছুদিন বিদ্যাশি র প্রায়ভাব না কইলে একপ আধীনভা ান করা অপুটিত। কিন্তু বঙ্গালে স্বাধীনতা ানের সময় আসিয়াছে।

রুঞ্মগরের ছোট আদালতের ক্লক আর , টাউয়াস সাহেব সংক্তে উভমরূপে ীকা বেওয়াতে ২০০০ টাকা পুরস্কার পাই ह्मा कत्रकावारम्द्र प्रस्काती सिक्ट छे हे া, হোয়ালি সাহেব উদ্বতে উত্তম পরীক্ষা हिन्हें माखिएकें हैं (का, अरु विक अ काननात का केहिक

नक्कांत्री मामिटकेट एक, कात शत्मे मास्य বাঙ্গালার উন্তম পরীক্ষা দিয়াকেন বলিয়া ১০০০ होका शाक्ष, इहेश्राटकन । हेर्डाद्रो हार्त्व अन≷ तिविनियान ।

-4-90-

कर्मिन वत्रत लाक्कीरयत यथूना मनकिरन ঘাইবার চেষ্টা করাতে যে দারগার সহিত উংহার क्राक्त। इष्न, 'कॅरहाटत (को ह्णुअटल वक्क क.व्रग्ना কঠিন পরিজ্ঞামের সহিত এক মাস মেয়াদ খাটি बाद च्यारम्थ करा ६हेग्राटक करवेल बद्रम रय डाभिया स्थमिया अक मध्येत्र आतात्यव भव्येमिनस्य অপবিত্র করিতে গিয়াহিলেন, ভরিমিত্ত ভাঁধার कि कि हुई स्टेर्ड ना ?

সম্প্রতি ভারতবর্ষীয় রেলওয়ে কোম্পানি मालिएकेनेबिरगत विकास এই बलिया अधियोग করিয়াচেন, কোন কোন বণিক স্তব্যপার্মাণ विष्णु श्रकात्रना कवित्व माख्यिकेटेनन मध्यि দির ৪১৫ ধারাস্থ্যারে জাঁহাদিগকে দণ্ড ন। দিয়া কেবল রেলএয়ে আইন ক্রন্সারে উদ্ধাংখ্য ৫০ টাকা জরিমানা করেন : কিন্তু ইহাতে প্রতি। নিবাভিত হইতেছে না। জারিমানার পাইমাণ আরও কিছু কুদ্ধি করিলে ভাল হয় গ জ্বেল দেওয়া উচিত নঙ্গে আমরা বোধ করি গ্রন্মেন্ট এই অভিযোগ অগ্রাহ্য করিবেন:

স্প্রতি অক্রেলিয়াতে এক জন ফেনিয়ান कतिकात (हरी এডিনবরার ডিউককে বণ পাইয়া অকুতকার্য্য হওয়াতে অধ্যোধনীর ভালুক লাবলণ আহ্নাদ প্রকাশ করিয়া রাজ্জীকে এক জ্ঞানদ্দপত্র প্রদান করিবেন।

গ্রণ্মেক আপাড্ড: মাড্লা রেলওয়ে ক্ষ!পনারা চালাইবেন। পোটকানিও কোল্পানির वृष्ट् विवास प्रक्रिया (भटन এই রেল-এয়ে উ।हा मिन्दक श्रमान कहा (लक्ष्टेन हे भवर्गदेवत हैक्स्)। আমেরা ইছার প্রতিবাদ করিতেটি । পে:টকানিও কোম্পানির যে সকল কা ও প্রকাশিত চইয়াছে. ট্রিসিপালিটি এক মন্দির করিবার আক্ষা। ভাছাতে একটি বেলওয়ে ভাছালিগের হতে श्रमान कतिरम कनिष्ठे वाष्ट्रीक देहेंनारखद मधा बना नाहे। भूकी बाकालात ख़ल उस काम्भा निरक देश श्रमान कहाई यथार्थ ताकनी जि

সম্প্রতি শিলার সাহেবের ব্স্তুগণ এক সভ। করিয়া পোটকানিও কোম্পানির অংশীদিগকে व्याख्यान कत्रियाहित्ननः कर्यक्रमनमाळ व्यथ्नी আসমন করেন। এই সভায় পরস্পরকে গালা গালি ও হোরের। প্রকৃতি লক্ষাকর ব্যবহার হ্র। কলিকাভার কোন সভার এমত কাও দেখা র বলিয়া১০০ ইটাকা এবং ২৪ প্রগণার যায় নাই। শিলার স'হেবের বুকিয়া কাজ

২৩ এ রৈশা**র মঙ্গর**ার।

क्षरको बद्र कारनटक अकरन केंद्र का सा च्यारङ्गः। हेर्डे हिट्यत् मर्तरः खालूकनावनिरः পুত্র ও আবাট্যের সংখ্যা ২৪ জন মাত্র ৷ দিবস ছাত্রদিগকে পুৰস্কার প্রদান করিবার সম এধান ক্ষিপ্ৰর ডেবিস সাঙ্বে এ নিমিড বিজে कारकश क(ब्रहारक्रम ।

২৪ এ এডেল কুঞ্নগরে বৃক্তির সময় এ কাউগাছে বঙাপাত হয়। ইহাতে রুঞ্রে সং শাখাঙলি প্ৰঞ্লিত হইয়াশত ৰঙ মধাং নায় প্রদীপ্ত হইয়াছিল। অনেক লোক ঐসম উপস্থিত ছিলেন। বৃশ্চিতেও ঐ অগি নির্ব করিতে পারে নাই। ইহাতে সকলে আশ্চর্য বিত হইয়াছিলেন।

উপনগরের মিউনিদিপালিটী উপনগ বাস্পীয় আলোক দিবার প্রস্তাব অন্নাহ্য করি ছেন : সভাপতি শ্মিথ ও সহকারী সভাপতি ডেন সাহেৰ এই আলোক দিবার প্রস্তাব প্র করাইবার নিমিত্ত অনেক চেষ্টাপান। কিন্ত উ शद्यत्र व्यक्षिकारण लाक महिन्न विजया हेड्। ब হয় নাই। উপনগরের মিউনিসিপালিটির বু কত দৌড়, ভাৰ্৷ ধাঁহারা ছড়াগ্রনিবন্ধন উ भिरागत अभीरम आरहम, डीहाताहे सारमम

(क्लि निष्ठेन खायन कतिय रहन, खुन मा ১৫ : ১৬ ই লেপট াস্ট গবর্গর আনামে স করিবেন

উক্ত পত্ৰ অবগত হইয়াটেন, ে বন্দর ২ইতে যে ব্রহ্মদেশীয় রাজকুমারকৈ ভ পুরে আমামুন করা হইয়াছে, ভাঁহাকে মা ट॰॰ होका द्वांख निवास का आपा क्**रे**ब्राटक ।

গত কল্য (গাঁরারা মাটিদিবার সময়ে মা তলার নিকটে এক জন মাডাল ফিরিন্সি ক প্রন গৌয়ারাবাহককে প্রহার করে। এতঃ কাওশয় গোলখোগ হয়। এক জন ইউরে পুলিষ কর্মহারী তংক্ষণাৎ ভ্রণায় অ সাতে মানগণ এই মাভালের প্রহার হইডে রক্ষা কি ৪ আহামার আন্তেখন বিত হইলাম, পু কশ্বচারী এ ব্যক্তিকে কেবল সভর্কনাত্র ক ছাভিয়াদেন। এক জান মুসলমান যদি। গিরজায় এপ্রকার কারত, ভাষা ইইটে হইত ? অথবা পুলিষ কর্মাচারীর দেখে

করিতে সাহস হয় ? वाषाई (शरक) कार्न इहेट्ड जर्बा

যুখন কর্ণেল বোরসকে নিবারণ করিয়া লয়ে

मःगिरमञ्ज मात्रशा कातात्रक स्टेशार्ट्स, जन

জন অনিকিড পুলিবপ্রহরীর কি ওরং

ম খার পুতাহয় হতনদেৎ বন্দীভূত হইয়া কাবুল আক্রমণের সভাবনা হওয়াতে মর্খী ব্যয়ং যুক্তার্থ অন্সার ছইডেচেন। ল অভিশয় গোলখোগ ২ইতেছে। জাব হ্মন খা সাহায্য দিজে অংশীকার করিয়া ় তারে কয়েক জন সন্দারকে কারার দ্ব করা (5)

স্থ পেটি মুটের এক জন পত্রপ্রেরক বলেন, ণ অংকের ১২ই মাচ প্রধান বিচারপাতে. লেভিটেবর, সক, কেম্প ও্যাকলাশন হের এক আমাণীল আহবণ করেনঃ কিওয় ।,৩৪ ভাঙার পোন আমতাদেন নাই।

উক্ত পত্র ক্ষমগর হইতে সংবাদ পাইয়া সম্প্রতি উত্তান্ত্য সিবিল সার্চ্ছন ভাঁহার এক pcर्डात नारम এই বলিয়া नानीभ करतन _{प्}यः ভিজ ভাঁহার কভকগুলি মসল। চুরি করি । ভেপুটি মাজিক্টেট বিশেষ প্রমাণবিরহে লীশ অমগ্রাহা করেন। কিন্তু আন্সচর্য্যের । এই যে, ভত্ৰভ। জাইণ্ট মাজিটেট নিজে নির বিচার করিয়া এ ব্যক্তির কঠিন পরিজ্ঞ াহিত ছই মাস মেয়াল দিরাছেন। করেল

२६ अ देश्याच बुधवान्न ।

লৈ অবশাই মুক্ত ইইবে। এই সকল লোক

দিগের বিচারপ্রণালীর কলক্ষ শ্রন্ত ।

পদেশীয় গ্ৰণ্মেণ্টের একজন অংভিবিক্ত •টারি নিয়োগের বিষয়ে সর স্থাফোড নথ অসম্বিত প্রকাশ করিয়াছেন। তি.ন ৰ আরও বিশেষ প্রমাণ না পাইলে ভিনি াস্তাব আহা করিতে পারিবেন না। ভারভ विषये हिन्दे स्थानक वृद्धिक दिस् अधिक स्थाप क्षिरम (ङ्रेष्टिमस्क्रिकोद्भित अञ्जल स्मर्था रुष्ट्र ना ।

🖭 তি আড়কাটির দোষে এথেল ও আগা ন আহাজে পরস্পর ধাকালাগিয়া উভয় জ নষ্ট হইয়াছিল বলিয়া আড়কাটিকে দ্রক বিচারালয়ে অবর্গন, করা ধ্য়। জুরি । एक विस्तिष कतिशास्त्रमः। अहेनकन কেও সামুদ্রিক বিচারালয় উঠাইয়া हि कर्छवा इंडेएडरङ् । वर्खमान ऋला य বিচার হয় নাই, ভাগ সকলে বলিভে

পশ্লনিয়র বলেন, সম্প্রতি কভকগুলি চৌর হাবাদের গ্রথমেন্ট বাদী হইতে ৩০০ টাকা করিয়া∌ে ৷ইহারা আংদ্যাপি ধৃত হয়

-98-ন জাতুৰ খা খেলাভ পৰ্যান্ত আসিয়াছেন। হইলে পুলেংর সম্পূৰ্ণ দক্ষতা প্ৰকাশ পাইছেছে। করিভেছেন। ইহার নাম 🕮 যুক্ত বাবু উমে

অলোহাবাদের অন্তর্গত শাংপুরে সম্প্রতি लिक्ष व हेरनद क्षञ्चाती अक विवास स्टेसप्ट। অধোন্যা ও আলভাবাদে পাসিনামক এক জ্ঞাতি মেধর আছে, ভাষালা প্রায়ই চুরি ও দক্ষাতা করে। এক জান পাসি শাহপুরে সর্বাদা চুরি করিত। সে সম্প্রতি ধৃত ছওয়াতে আমিয় (लारकता को जनाति जानाल**्**डत मूथार्शका না করিয়া ভাষাকে প্রহার করিয়া ভৎক্ষণাৎ निक्ठेवडों এक वृक्ष्म ठामा**ই**म्ना वथ कहिमा**र** खाबीय कर्लनक बरलन, हूर्तत बना हैश रह नाहे, একটা স্ত্রীলোককে লইয়া এ কাণ্ড হইয়াছে। ১২ জন লোককে এই কারণে হাজতে দেওয়া হই য়াছে। বিচারপজিদিলের নিকটে যে সুবিচার হয় না এটী ভাহারই প্রমাণ।

রাজপুতনাও উত্তর পশ্চিমাঞ্লের কোন কোন স্থানে কুঠবোগদিগীকে জীবিত সমাহিত করা হইয়া থাকে। শিবোহির পোলিউকাল একেট স্প্রতি ইহা গ্রাণ্ডের কেরি

ইভিয়ান ডেলিনিউস বলেন, পারস্যে অহি ্ফনেরচাৰ এত হইতেছে যে কভকগুলি বৰিক পিলাপুবপ্রভৃতি স্থানে ইহার ব্যবসায় কবিবার নিমিস্ত এক শ্রেনি বাস্পীয় জাহাজা নিযুক্ত করি 🤄 য়াছেন।

গতকল্য এক জন গড়েগ্যান বিবি বিজেস নামে এক জন ইউরোপীয় জীলোকের নামে এই বলিয়ানালীশ করে যে সে ভাহার গাড়ী ভাড়া দেয় নাই। সংক্রারা ভারার দাবি সপ্রমাণ হওয়াতে ভাহাকে কাড়াও গ'ড়োয়া নকে ক্তিপুৰণ স্থাপ ছই টাকা দিবার আহচা হয় ৷ বিবি ত্রিজেস ইহাতে অসম্ভ ই হইয়া মাজি টেট রাজনকে ব**িল ভ**িবিচারালয়ে সুবিচার নাই: " এই অপরাদে জীলোকটার বিনাপরি অর্মে তিন দিবস মেয়াদ হইয়াছে। আমাদালত ই অব্যাপ্ত প্রের এরপ ধৃষ্টতাপ্রদর্শনের কারণ হইয়াছেন। ইউবোপীয় অপরাধীদিগের অপ রাধাসুরূপ দও হয়নাবলিয়া নিয়কের ইউরো পীয়াদগেৰ কখন দণ্ড হইলে ভাহারা বিরক্ত হয় : একণে নিমুখেলির ইউরোপীয়দিগের ! সংখ্যার্ছির সহিত তাহাদিগের পাপেরও রুছি বিচারপতিদিগের বুঝা হইতেছে। অতএব উচিত অভঃপর অপুগ্রহ করিলে কেবল বিষময় कन कनिद्य।

্চাকাপ্রকাশ বলেম " সংপ্রতি বারিষ্টার হওয়ার কলিকাভার গ্রণ্মেন্ট বাটাভে চুরি না নিমিন্ত এভদকলের এক ব্যক্তি ইংলভে গ্রন্থ অপৰ্যয়ের একটী প্রধান-কার্ন্

मञ्चनातः महमन्ति १ दश्यः भाषः भाषी ८० छ। ষ্টেশনের শরীন ঠাকুরা কোনা নামক আম উ বাবুর জন্ম স্থান। ইহঁরে বয়ঃক্রম ২৬ মাজা। ইহাঁকে মামরা বিলক্ষরপে हैनि अक्षान विज्ञक्ष (स्ट्रांश्याही) प्रश् ও খারীনচি 🤊 ব্যক্তিন ইনি প্রথমে - ময়ুম গবর্গমেন্ট স্কুলে ভংপরে কলিকাভার লং मनति ऋहम এवर अवस्मस्य क्रान्तवन बुर्डिनिकालाङ करतम। हेनि गण्धु किञ्चाचः बलद्वनबादाहे यःहा किছू উद्याः করিয়াছেন।কলিকাত। হাইকোটে ইনি ক্ষেরজের মো*র*ার কার্ব্যে নিযুক্ত হিং কিন্তু তদৰ্মায় থাকিয়াও ইনি উন্নতি অধ্যয়ন পরিভাগে করেন নাই। এপর্যান্ত বাবু কেবল ভবিষ হলভিসাধনার্থই অর্থোণ করিয়ছেন। এক্ষণে ইল্ডে গমন ও তথা ञ्चान উপযোগী अर्थ मरश्री उ इंबबाट उ এখনেকার কার্য। পরিভাগের করিয়া চির **बिक পরে দ্রার্মান চইয়াছেন।** प শুনিয়া আহলানিত হইলাম, সুসুসের চাকার মূডজমীলার মৌলবী আবছলালী: আমীর্লেশ খাডুন এবং বালিয়'লীর জ क्षीयुक्त वायू शिति गठक बाग्न कें शिलिए गय কাউলে লর মক্দম্ চালাইবার নিমিত বাবুর উপর ভারাপণি করিয়াছেন।"

২৬ এ বৈশাখ সৃহস্প,ভিনাব।

দিলীর প্রাচীর অংবশং ভূমিসাং য সঞ্জিকাবুল ও কাশ্দীর ফটকের মং (मञ्जान ख्य कतिया दात्र न शकाना में বিক্রম্ম করা হইয়াছে। পাছে পুনবায় বিদ্রোহী এস্থানে থাকিয়া প্রতিশ্বকত। করে व्यानकाम् (मञ्जान क्या कत्। इंड्रेटक्ट्रहा কথা হটুভেছে এই কার্য্য করাতে নগ काळ्यनकाती किल्लीय लङ्ग स्थान अ इहेन कि ना ? शूर्त की छ नष्टे इडेक, त्र কথা।

इंश्लिममान वर्तन, क्षत्रान (प्रनापिड পুরের রর্জমান বারিক উঠ:ইয়: স্থানাস্করে স্থাপনের প্রস্তাব ক্রেন। এটি করা कि माँ हेश विद्युष्टमा कतिय व निभिन्न प्रव मदिन छक्त द्वारन अक दिवन वाविश्वा বারিক দর্শন করিয়াছিলেন ৷ আমরা আহ क्रेनाम, भवर्षत्र (क्रमत्रन वातिक शतिवर्छ क क्लाम कांत्रभ प्रभान करत्रन नाहे। वादिक

8

বার অংযোদ্যার নবাবের বালীতে মহা াহে মহরম হইয়াগিরাছে।বিকার দরিজ জোহার পাইরাছে। কিন্তু মুজির আমানীর ভন্তাবধ্যয়ক থাকাতে পুন্দ পুর্ন্দ বংশরের ष्पवत्य स्टेट्ड शास्त्र मार्ट ।

বুল হ্ইডে সংবাদ আসিয়াজে, আমবছল খার হস্ত হইতে শাসন ভার লইবার াখাজিন ধা ইননাইল থাকে প্রেরণ করি त्रहम्य थ। विश्वप्राद्यस्य, া আমাবছল করিয়া সিয়ার আলিকে বন্ধ 7,7ई३ । (४७३१ कर्ड्य) । স্থির নিষ্ভ ভিনি নি**লে** সি িলর নিকটে গমন করিবেন। যদি সিয়ার উ. হাঙ্গে কারা> 🐒 অথবা বধ **করেন, ভাহা** अ खोम भाषाहा हेक्का कब्रिएक शावि**रवन**। খদিস্ক্রয় ড হা চইলে উহোকে রুতি নিমিক অমি[†]রকে অ**পুরে**র ক**রিবেন।** ন খাইছার প্রস্তুতের দিয়া এক পত্র লিখি ন ঃ কি ৪ ইহাৰ মন্ম প্ৰকাশিত হয়। নাই । হবিদেহদের সার একটী শাখা হইল। ধ্বংই সইন্ডে রি.বিউ পত্রের অভিযকাল

हिंद्या हिला ভিয়ান মিরার বলেন, বাবু প্রলোচন গুপ্ত াতার মেডিকাল কালেজের পরীকায় ি ইয়া ইংলড়ে চিকিৎসাবিলালিকার্থ ক্ৰিভেছেন।

লড হইয়াজে : এখানি বে!ছাই**রের** ফুেণ্ড

হারাজ রণবীয় সিংহ পুনকার পীড়িভ ছেন : গভ বার শিয়াল কোটেব সিবিল ম উটোকে নীলোগ করেম। কিছা জী চিকিৎসায় কিছুদিনের নিমিত রোগ भारक बड़े नरकात एखबाएक अवात किलीत ম আম[া]ল্লা খাকে আহ্বান করা হইলা**ছে**। ত্রতিমহব্যের সংয়ে আবারার হিন্দুদি সহিত মুগলমাননিগের দাকা হইয়াগিয়াতে ার উৎসংবর এক দিনস এক জন হিল্ডুর বি য় বয়ৰাত্ৰিগণ <u>স্মা</u>রোহ করিয়া যাইতেছেন मग्रह मूनमभारमहा डेक्सिकारक आक्रमन processia হানকে আছেত করে। এ বিষয় ভৌটের গোচন হইলে ভিনি অনলে মুসল पेश्वरक थार*्ड पिश्च। श्रद्ध हिन्*युप्तिश**्क ভ বলিভেন: সেমাপতি ফেরিয়র মধ্য** য়োয় অমংব্ৰালমধ্যে লিখিয়াছেন, পার करुर्भ के अरु श्राम्य स्मारकता वाक्रकीय

रकारक 🦓 क वन्ना विद्यारी रून, तामात

र अधी व्यागर करहे विद्याह नमन कतिएक

नमर्थ रम । नकरन भावित्मन, शालीवित्मारीमि গকে দণ্ড দিবেন ? কিন্তু উঁহোরা শেগে প্রানিয়া विश्विष्ठ हहेरलमं बिट्टारी नगरतत लाकतिकरक এक कारल बाध्यकंत रहेरा अपूक्त करा व्हेपारह I केक माजिक्किर्डेड विहात् अहे धकात एसा যাইতেছে।

कानभूरतत बाहे है माजिए छेडे छव लिए, जात, बत्रकिष्ठे ब्यानिया श्वित्राञ्ज महमत्र वहन कट्त নাই বলিয়া ভাঁচাকে সহকারী মাজিটেটার भरम सम्बद्धाः इहेशास्त्र। अहे मर्छत्र सिख्डि কেহই ছঃথিত হইবেন না।

२१ ब देनमाथ श्रक्तकात ।

উত্তরপশ্চিমাঞ্চলের ডিব্রেক্টরের প্রস্তাবান্থ সাবে আগিরা কালেজের অধ্যক্ত অধ্যাপক मिश्रातक इशाली अ हाका कारलास्त्र स्र अशास्त्र अ व्यथ्राशकनिर्वत स्थात्र (वज्य निर्वात काञ्यः) रहेब्राएड १

গুজরাটের একখানি সংবাদপত্র বলেন, গুই কুমার মকায় চন্দ্রভূপ দিবার নিমিত্ত ধনাগারের যাবভীয় টাকা বয়ে করিয়া একণে এমন বিরভ इ**हेग्राट्डन, (य य्य (म अकोर्**त केक्नि) **म**ेश्रह করিয়া ব্যয় নির্মান করিতেছেন : সম্প্রতি তিনি বিনা অপরাধে এক জন বলিক্কে কারাগারে প্রেরন করেন। ১৩.০০০ টাকা দিলে পর এই হতভাগ্য ব্যক্তিকে কার্যমুক্ত করা হয়। এই প্রকার সর্ব্যক্ত অভ্যাচার ইইভেচে। গবর্ণমেণ্টের এই উন্নত্ত রাজকুমারকে এক ডিস্ফু হইবার ভয় श्रममंत्राक्त जिल्लाम (मञ्जूषा कर्रहरा।

बकारमरम भूगतीय श्रमुद र्हेरात मछ: বনা দেখা যাইতেছে। মেগুণ মিঙ্চা রাজকুমার পুনর্কার নান্দালাই আন্তেমণ করিবর নিমিত দৈন্দংগ্রহ করিভেছেন।

জ্ঞাপান হইতে সংবাদ অ'গিয়াছে, ইংরাঞ ও করাণী দুত্রগণের উত্তেজনায় এক জন ফরাশী আফিসরের হত্যার বিনেষয়ে এক জন জনিগোর অভ্যেষ্টিভিয়োকালে ও এরপ জাপানীয় আমীরকৈ বধ কবাতে তথায় অভিনয় বলেন না। গোলঘোগ হইভেচে। এই প্রকার গর্মপূর্ণ ব্যব হারনিবন্ধনই আসিয়ার ঝাগীন রাজাসকল इक्टिরোপীয়দিগকে সহজে আপনাদিগের দেখে। প্রবেশ করিতে দিতে সম্মত হন না।

সম্প্রতি মেদিনীপুরের নিকটে গ্রন্থমেণ্টের [†] বিলক্ষণ সম্ভাবনা। ভাক লুঠ হইয়াছে । স্পুগেণ ধৃত হয় নাই।। লেপ্টন-ট গ্ৰণর কিছু দিনের জন্য ব কলিকাভার মধ্যে যথম হত। করিয়া লোক ্পুরে বাস করিবেন। কিন্তু প্রতি সপ্তাহের পার পাইতেছে, তখন মফসলে ডাকাইডি স্পিডি, ওফ ও শনিবার বেলবিডিয়র ব হইবে, এটা বড় আশ্চর্যের কথা নহে। 🔭 🍦 অবস্থান করিবেন। বেলবিডিয়র বাচীর

निक्तिन बर्मन, निकृत भूकारकरत जास | दिव निभिष्ठ धरे बरमा बच्छ हरेएउएह।

ना रवशारक (कहरे जारात रैसादा नरेरका ন। অকালে বিস্তর মুক্তা উত্তোলন করা একণে উত্মমূজা পার্যা যায় না প্রভ ভঙ্গাভ হয় না। বাছাহর কাষ্টের নায়ে মুব বিষয়ে কোন নিয়ম করিলে ভাল হয়।

২৮ এ এপ্রেল ব্রিণালের নিকটে পিয়তি মাসক বাস্পীয় জাছাজের বাস্পাধার আ হইয়াচারি জানের মৃত্যু হইয়াছে। লয়েনী জ জকে এই জাহাজের সাহায়ের নিমিত বে করা হইয়াছে।

हेन्द्र अवान बरलम, बद्रमादं (त्रिमारक के বার সংখ্রতি গুইকুমারের কারারুদ্ধ ভাগ निकटण भिन्ना क्षांशिक महर्क करियाद्वन, वि যেন ক্পরামশীলিলের কথার বিমোহিত হ রাজার প্রাত বিরুদ্ধাচরণ না করেন। আমর '' সংগ্রামর্শের " কোন কারণ বুঝিতে পারি

পঞ্াবে কডকগুলি জল্পেটক খাল

আমরা মাংলাদিত হইবাম বেবিনিউ ৫ এত দিনের পর উপনিভাগের আমলাদি বললী করিতে আরম্ভ করিয়াছেন। এটা স दर्ग करा छे छ। जामनाप्रिस्त्र (वज्र करा ७ कर्खना इंडेएडएड । मरहर ১०।১२ বেতনভোগী লোকদিগকে এক স্থ:ন ছ व्यमञ्ज्ञ बन्धी कतिया डाङ्ग्लिशक क्वन (দওয়া হয় মাজা:

२४ এ देवलाथ ल विवःद ।

মাস্ত্রালে এক জন ইউরোপীয় অপরি মুবংপান করিয়া প্রাণভাগে করাজে ভঃ পারতা তাৎ'র সমাধির সমরে মন্ত্রপাঠ কা অসমত হন। যদি সকল পাদরীই এ ক্রেন, অনেকের গতি হওয়া ভার:: উঠিবে। देक व्यामानिकात भुरताहित्छता

দক্ষিণ কু:পর প্রাচীন মন্দির্গকল করিবার জাতে। দেওয়া হইয়াছে। মহীর কমিসনয়ের অনুরোগে এই হিডকৰ আ हिन्द्राह्या चार्यक रहभूना दह उद्योगी

কাব বিকা ৯২।•—৯ * কোম্পানির ৯২॥•—৯

" भवनिक उग्रार्क ১·৫। d. — ১·৫॥

" :本1? > * トリ・ー・ > * トリット

٠٠٠٥ اله: الاحتاد العالم الاحتاد الاحد الاحتاد الاحتاد الاحتاد الاحتاد الاحتاد الاحتاد الاحتاد الاحتا

-: •:--

ইউরোপীয় সনাচার ৷

৫ ই এত্রেল। ফরাশী গবর্গমেন্টের বিচার
ত্রে মন্ত্রী মসুর বারোক সম্প্রতি এক
তা করিয়া বলিয়াছেন, শান্তিরক্ষাই সরাট লিয়নের "আন্তরিক ইচ্ছা গুরুবিষয়ক রব হইয়াছে তাহা বিশ্বাস্থান্য নহে। উত্ত লোকেরাই এই জনরব করিতেছে। ত কল্যের গেজেটে প্রকাশিত হইয়াছে, ন ওয়ালস সর ক্রেক, ব্রিজেস স্থা জন

য়েলসের রা**জকু**মার ও রাজকুমারী। নেউপনীত হ**ই**য়াছেন।

এ এপ্রেল। গত কলা ওয়েলসের রাজ কেসেট পেটিক চিছের নাইট বলিয়। ইক্ত করা হইয়াছে। মহাসনারোহে

ষককার্য নির্দ্ধাহ হয়। গুন ২৩ এ এপ্রেল ৮ রাক্সবসংক্রাস্ত নদ্রী

ব্যয়ের হিসাব প্রদান করিয়াছেন। গত ৬৯ কোটি টাকা জায় হয়। অভিরিক্ত ন টাকে যে টাকা পাইবার জালা ছিল অভিক্রণাত্র জালায় হইরাছে। ২৯ কো মাত্র উছ্তে রহিয়াছে। জাবিসিনি-কের ব্যয়ের নিমিন্ত ৫ কোটি টাকা হিসাব ইয়াছে, ইহার মধ্যে ২ কোটি জালায় হই । ইন্কম টাক প্রতিপাউত্তে ৬ পেনি হইবে, ইহাতে ১৮০ লক্ষ্টাকা জালায় কির হইয়াছে। এক কোটি টাকার র খত বাহির করা হইবে। ভাহা হইলে ক্টাক উজ্ভ থাকিবে। ইউরোপ মহা-ছবের বে জনরব হয়, ভাহা ক্রম্পনঃ ভিবো ইতেছে।

ভাষাকে নির্দ্ধেষ করিয়াছেন।

এ এপ্রেল। গভারাত্রির গেজেটে প্রকাইয়াছে, সর রাবাট নেপিয়র বাথ চিয়ের
জন্স নাইট হইয়াছেন।

र्कन **करत्रम (करम क्विशान** विरश्न स्रोता

নাহায় করিয়াছে বলিয়াভানজ-

मी या धीरनाकरक क्रम कहा इस विठा-

নুধিকাট ভারভবর্ষের শাসমপ্রধালী পরিস্থি করিবার নিমিত্ত ছই খানি বিল অর্পণর করিয়া-ছেন।

ष्टेः काञ्ज नर्यक्रिके वित्नत खेरमभा वृक्षिक्षि व जिर्नर, भागरमञ्ज्ञ क्रमे छ। श्राप्तमी मुभागमक है। দিগের উপরে বিভরণ না করিয়া প্রধান কর্তৃ পক্ষের হল্তে থাকিবে এবং এই ক্ষমতা অধিক হ্ইবে। কিন্তু ইহা ভারতবর্ষের শাসনকর্ত্ পক্ষের পরিবর্ত্তে ষ্টেট্সেন্টোরির হল্ডে থাকিবে : প্রস্তাব হইয়াছিল যে গবর্গর জেনরল আপনার মন্ত্রীদিগকে মনোনীত করিতে পারি-বেন , কিন্তু ইছাতে অসুবিধা হইবে এমন তর্ক र्वप्राटक अन्द्रात रहेग्राट्ट (केन्टिमटक्रकोतित পরামশ্রসারে রাজী হইলন মন্ত্রীকে মনোনীও করিবেন। গ্রণর জেনরলের বেতন আরে দশ সহত্র টাকা অধিক হইবার প্রস্তাব হইয়াছে। ভারতব্ধীয় গ্রন্মেন্ট সাক্ষাংসহজে যে ৰয়ে করেন, ভাষাৰ প্রণাদী পরিবর্জের কোন প্রস্তাব হয় নাই; কিন্তু যেখানে গ্ৰ**ণ্র জেনর**কের সহিত ভদীয় মন্ত্রিকর্গের মততেদ হইবে তথায় তিনি আপিকতর ক্ষতা চালনকবেন এই প্রস্তাব হইয়াছে। স্থির ইইয়াছে যে, যে मकल द्वारन त्लकोनां हे अवर्थत कथ्या कन्। বিগশাসন বর্ডার ব্যবস্থাপক সভা নাই, সেখানে ভাছার৷ কোন আইন করিতে চাহিলে গ্ৰন্থ ফেন্থলকে ভাগ জানা है(बनः ७९পরে इंक्डाइहेटन গ্ৰ4র (ङनज्ञ সেগুলি আহ্যকরিতে পারিবেন।

মাজ্রাক্স ও বোষাইয়ের ন্যায় বসংহশে শাসন প্রণালী স্থাপিত করিবার ক্ষমতা টেট সেকে টারির হইবে। শাসনকর্তার মন্ত্রী থাকিকে কিনা, ভাহা ঔেটসেকেটারি স্থির করিবেন। প্রস্থোগী পরীক্ষার হারা জারজবর্ষীয়-

প্রতিযোগী পরীক্ষার ছারা ভারতবর্ষীয়দিগকে সিবিল সার্কিসে প্রশেশ করিতে দিবার
প্রস্তাব ভারতবর্ষের বর্তমান অবস্থাসকত বোধ
হয় নাই । অভঞ্জব সর স্থাক্ষোড নর্থকোট
প্রস্তাব করিয়াছেন গবর্গর জেনরল, মধ্যে মধ্যে
এতক্ষেশীয়দিগকে আপনার নিয়মালুগারে
চিহ্নিত কার্যে নিযুক্ত করিতে পারিবেন।

২৬ এ এপ্রেল। এই মাত্র সংবাদ আসিয়াছে

যে ১৩ ই এপ্রেল ব্রিটিশ সৈন্যান চতুদি ক

হইতে আক্রমণ করিয়া মাগদালা গ্রহণ
করিয়াছে। বন্দিগণ মুক্ত ও রাজা থিওডোর

হত হইয়াছেন, ১৪০০০ লোক অল্ল

ভিটাগ করিয়াছে। ব্রিটিশ সেনাদলে এক

জন আফিসর ও ১৪ জন সৈনিক আহত হ ছেন। আবিসিনীয় দিলের ৫০০ টে মৃত্যু হইয়াছে: ভাহাদিদের আহত সংখ্যা ১৫০০।

২৭ এ এপ্রেল। আবিসিনিরার যুদ্ধে ক্ হওয়াতে সকলে আহ্বাদিত হইরা বাবতীয় স্থাদপত্রে বলিভেছেন কৈন্য অবিলয়ে উক্ত দেশ হইতে প্রস্তানয় কর্তব্য।

ৈ ভারতবর্ধের শাসনপ্রণালীসংক্রান্ত। বিলে প্রস্থাব হইরাছে, ষ্টেট (সেক্রে ক্রেন্সিলের সভ্যগণ ১২০ বংসর কাজ করিভে পারিবেন।

ভারতবর্ষের সহিত ইংল্পের সংক্রাপ্ত সহজের বিষয়বিবেচনার্থ এক কীয় কমিসন নিয়োগের প্রার্থনা ক নিমিত্ত কভকগুলি লোক সর স্থাফো কোটের সহিত সাক্ষাৎ করেন। ভিনি প্রত্ বালিয়াছেন এ বিষয় এরপ বিস্তৃত (কমিসন্থানে ইহার মীমাৎসা হইতে পারে ওয়েলসের রাজকুমার ও রাজকুমারী ব

লও দশন করিয়া প্রভাগেমন করিয়া প্রকাশিত হইয়াছে, প্রশীয় সেন সংখ্যা কমান হইবে। মালটা ও আলেকষ স্থার মধ্যক্তিত সমুদ্রগঠক্তি টেলিগ্রাফ স্থার মধ্যক্তিত সমুদ্রগঠক্তিত টেলিগ্রাফ স্থার্মধ্যক্তি।

২৮ এ এপ্রেল। সম্প্রতি রাজকুমার ও ক্রেডকে বধ করিবার বে চেটা হয়, ত ক্রেডকে বধ করিবার বে চেটা হয়, ত করিয়া হাউস অব লাডস এক অভিনন্দন করিয়াছেন। মুডন ইউরোভারতীয় গ্রাফ কোম্পানির মূল ধন সংগৃহীত হই। ক্লাকেন ওয়েল কারাগারের অভ্যাচারে টনামক এক অন কেনিয়ানের দোব স হওয়াতে ভাহার কানীর আজ্ঞা হইয়াছে। কয়েদিগণ মুক্তিলাত করিয়াছে।

গবণ নেন্ট বিজ্ঞাপন লেপ্টনেন্টগবর্ণরের আদেশাসুদারী নিয়োগ।

্ ২৯ এ এপ্রেল। নিম্নলিখিত ভদ্রলে পূর্ণীয়ার ফেরিকও কমিটির সভ্য হইবেন। জি, ডবলিউ, শিলিওফোড সাহেব।

জার, এস, পায়ার ৯ আর, ওয়াকার ৯

৩০ এ এপ্রেল। এ মাক্রিন সংহেব । এক জন মিউনিসিপাল ক্মিস্নুর হহুবেন

২ রা মে। মিয়লিখিত ভরলোকেরা

দর ৩৬ জাইনের ২ ধার'সুগারে দশশার ভিগোর উল্ভিক্র উভিত, এই বিষয়ে একটী মালিক ৫০০ টাকা শেনস্ন পাইতেন। ১ নালয়ের পরিদর্শক হইবেনঃ-

ৰ, এচ, এ. ভাকান সাচেব।

রে (জ্ঞা, ফবস।

বুদিগদ্র মিক্র।

मोत इर्ट्डक्क्स ताच्च वाहाइतः

ঠামে। মুজি আমীর আলি খাঁ বাহাছর েগণোর এক জান হিভীয় আচনির কাবীন উটের কমডাপ্রাপ্ত অবৈত্নিক মাজি ইয়া উপনগরে ক্ষতা চালন করিবেন। ায়াড়ের প্রতিনিধি ডেপুট কমিসনর 🖙 উ. এড়গ'র সাহেব তথায় দেওয়ানী । কমত। পাইবেন ,

ক্তর সি, কোলে মণ্ডিহারির চিকিৎসা बी इहेरवग (

इদিন এচ, এল, অলিকা-উসাহেব বিনায় অনুপশ্বিত থাকিবেন, তঙ্গিন কাপ্তেন সি. মণি লো≱ারডকার প্রতিনিধি ডেপুসী वर इंडेट्ट्रेस ।

র্দির কাপ্তেম মুখি সবকারী কার্য্যে প্রকে ৰু থাকিবেন, ভভদিন এ, এল, ফে সাছেব মের প্রতিনিধি ছেপুটি ক মধনৰ হইবেন। চ, বেল সাহেব মণীয়ার প্রতিনিধি মাজিল 3 कारकाङेत इंहेर्यम ।

ৰু গিয়ীশচকুদেশেৰ মজিহারির ছোট পতের প্রতিনিধি জঞ্চ ইইবেন।

r, ওয়েষ্টলাও সাচের নদীয়ার প্রতিনিধি র মাজিটেট ও ভেপুটি कारमञ्जू

ক, ডবলিউ, আর, কাউলি স'কেব ১উট প্রেডিনার জাইট মাজিটেট ও ডেপুটি টুর ১ইবেন

আমাদিগের কাশীস্থ সংবাদ দাতা রাছেনঃ---

a প্রদেশের ফুডন লেপ্টনান্ট গ্রব্য **সাহে** pisa কর্মা দেখয়া বোধ হইভেচে (য, नकात्रकांख कार्यः विस्नवक्रत्ये मस्मा क्टिन । ১১ हे £ुक्षन मिय्रत नारहर ন আগমন করেন। তিনি সেই দিব**সই** অরভঃ ওয়াডাদ ইন্টিটিউদনে গমন । রাজকুমারদিগকে পরীকা কবেন এবং দুণের ব্যায়ামচ্চাতে পারগভা প্রভাক ।পরন আংজাদিত হন: অপরা**ছে** (ঐ) রাবানদী ইনজিটিউটের সভা হয় 🎼 লাম। মিয়ুর সাধ্যের উপস্থিত হইয়া সভাপতির

वक्त का करत्व। शह मिरत छिनि कुईक कारतरक পুরস্কারবিভরণ করিয়া তথার একটি বক্তা करतन। किनि विकासन, अविन्तानरपूर ऐसं छ ইংরাজি ছাত্রনিগের উন্নতির উপনে নির্ভিব কৰে ना। यश्कारम (১৮৪৪ कार्य) जनसियुत (ইহার জাতা) ও টমণনীগাহের ইংরাজি ও गश्कु ड विमानिय अकिञ्च कविया अहे कारमञ्च নংস্থাপন করেন, তথন উচ্চাদিগের এই প্রধান फुरफ्रमा क्रिन रय. এই विन्सालध्वाता मरक्रुक ভাষার উন্নতি হয় এবং এদেশীয়ের। নীতিশালে উত্যরতেপ শিকাপ্রাপ্ত হন। অনেজব মিয়ুর সাঙ্কের আক্ষেপ করিয়া কছিলেন, উহার অন্যতর কিছ্ই হয় নাই। ডিনি অ'বও বলিলেন কেবল वि. এ. এম. এ পরীক্ষার উত্তীর্গ হইলেই ব 🛪 বিক উপকার হইতে পারে না; ''অন্তরস্থ মনু (ব্রেণ (আমার) উপকারদান যাছাতে হয়, ভাল করাই মন্থারে প্রধান কওঁবা। অর্থাৎ (খিয়ব সাংক্রের অভিপ্ৰায় এই) হে বার ৭ টি কালেজের ছাত্রেরা। ভোষরা বাইবল পড়, ভালা না হইলে ভোমাদিলের '' অক্তরত্ব মন্ত্রুষ, ম শুদ্ধ হটবে না।

ঐ দিবস (১১ ই.এপ্রেস) লেপ্টন কৈ গ্রুপ্র সাহেবের সম্মানার্থ একটা দরবার হয়। পর দিবস জয়নারায়ণ কালেজে পারিভোষিক বিভরণ উপলক্ষে একটা সভা হয়। তথায় মিয়া সাহেব সহস্তে বালকদিগকে পুস্তক ওটাকা পুরস্কার দিয়া মিদেদ শ্মিথের বালিকা বিদ্যালয় ও সিগরার আংল দর্শন করেন। পর দিন অন্তর্ভ্ কুতন নশ্মালক ল নহাসমাবোচে প্রতিধা করেন। পশ্চাৰ এখানকার রাজানিগের স্কিত সাক্ষ্য क्रिया अलाहाबान शमन क्रियार्ट्स ।

এত দিন পরে হিকুত্বানীরা বাইয়ের নাচের অপেকানটিকের জেইতারু ঝতে পারিয়ারেন। বারাণসী কালেজের এক জন পঞ্জিত স্ত্রতি জানকীমলল নামে এক খানি সূত্ৰ নাটক हिम्मि काराटि बहुना कतिशाद्या । हेरा शक् ईक ও সীভার বিৰাহ বিষয়ে লিখিত হট্নাছে। এখানকার মহারাজ সিকরোইলের ইংরাজি নাট্য শালাতে ইবার অভিনয় করেন। যদাপি ভড়ি नम्र अ नावेक सामित तहना श्रामण्यानीय हम नाहे. उथाणि क्ष्य्यानीकिरशत मर्गा अ विवरम् अहे প্রথম চেষ্টা বলিয়া আমরা উহার প্রশংসা করি

। এহণ কংক্রে এবং এদেশীয়দিগের স্ব সাধ্যকাল ছইয়াছে । ইনি গ্রাণ্ডেকের নিকটি বাস্থপরিক বাসাধ্যাপেলকে সাবু প্রভ

(अनमनर्यादात क्ल का बीएड क्यानक, हे সংখ্যা যক্ত কম হয় ভত্তই ভাল।

দেখিতেছি আপনাব এক জন স আপনার 图布 বস্থার করিভেছেন। যে বংক্তি (कान ट নীয় কর্ম করেন, সংব'নবাভাদিলের উ প্রশংসা করাউটিড বটেটকিয়া প্রতিব কোন না কোন প্রকারে এক ব্যক্তির নাম ক্রিয়া ভাষার প্রশংসা ক্রিলে সলেহ করে, স্থান্তরাৎ প্রশংসাও র্থা কোন বাবু আংপনার আমাজীয় বস্থাপের বাগানে আমোদ প্রমোদ করিলেন কি না, প্রকালের পাঠকবর্গ এরূপ সংবাদ 😎 हेम्डी करत्व ना

আ'ভ কালি এধানে অত্যন্ত এ'ম হইকেছে, কিন্তু ওলাউঠা ও বসস্ত রে প্রকোপ অনেক হাস হইয়াছে।

শান্তিপুরের সংবাদ।

১। জামরা অভিশয় ছঃবিতচিত্তে প্রবাশ एड इ, रव शक रेड ज मारन अंकि खे আপন বামীর সহিত বিবাদ করিয়া উষ প্রাণভাগে করিয়াছেন। পবিত্র দম্পতী भ थाकः जकनश्रकात् जर्दनारमत् कात्रगः। दहे अहे क्षडाक करा।

২ : শাজিপুরস্লকীত লাপ:ড়ার বা বিদ,শিল্যের নির্দি গুড্না থাকাটে একার অস্থাবিদা ঘটতেছিল। সম্প্রতি 💌 हिटेडवी अध्यक्त विलयूक्त शायामी हैं९ विकासिक श्रीत स्थानीत करवरणी वास সঙ্গে লাইয়া শান্তিপুরের প্রতি**গৃহক্টে**র **ষ:রে এক একটী পয়সা ভিন্দা নইয়া** বিদেশ ইইতেভিকা করিয়া প্রায় ৩০০ টাকা সংগ্রহ করিয়া একটা গ্রহ এক্তে ক ছেন : জামরা ভাছ্র অংগ্রসায়ের জ্না ধন্যবাদ প্রদান করিতেছি :

ৰু মারপ ৩ ৷ মত্রেডি শালিপুরস্থ অভিশয় ধুমণাম সংকারে বারইয়ার **২ইয়া গিয়াছে। যাত্রা গান প্রভৃতিতে ব** অব্লোভ ইয়াছে এই পূজার এবান এक स्न (मणकः अहे भूसाः उपनास्क প্রায়ু এক সপ্তাহের বিদায় গ্রহণ করিয়া ব উপভোগ कशिश्राह्म। इंश्रीहाई 📽 क्लमाहेत्।

সম্প্রকি ভাইমুর বংশল মির জালাল সাছে ৪ গত ১১ ই বৈশাখ শান্তিপুরস্থ

ার ও অন্যান। কয়েকটি আক্ষা কলিকাতা।
তাগ্যমন করিয়াছিলেন। বাবু প্রতাপ
মান্নদার উপাসনাস্তে একটি উপদেশ
করেন: উপদেশপ্রাবণে অনেকে তৃথি
করিয়াছেলেন এবং অনেক প্রোভা উপ

শান্তিপুরে গলালান ঘাইবার পথের ধাবে।

ত একটি আছড়। ইইয়াছে। তথায় প্রায়ই।

গান ও কথা বার্ডা চলিয়া থাকে,

ত ভদুক্লোভর মাহলাগণ ঐ পথ দিয়া

নিভান্ত কুঠিভ হন। আমারা কুতন

গেলে দেখিয়াছি, এক জন পুলিধকর্ম
ভাজো জনঃ ছই টাকার মংল ক্রেয়

ক টাকা চারি আনার অধিক দিলেন

য ন রক্ষক তিনিই ভক্ষক, আম্রা কাহার
ই দিব।

আমাদিগের কোরহাটিছ সংবাদ। । গিথিয়াছেনঃ—

১। আহাহতা। কিয়দিবস গত হইল ধালানামক স্থানে একটী আব্মেহত 1 হইয়া ছ।উক্ত পদীনিবাসী এক কাক্তি প্রায় নয় ভই তাহার যোড়শবর্ণবয়ক পুত্রকে ক ভেরকার করিও। একদা ঐবিপুর ঘটন) ভাছাদের একটা গোক হারায়। ভাহাব গোরুটার অসুসন্ধান করিতে প্রবৃত্ত হইল ালক গৃহাগত হইব মাত্র ভাহার জননী য়ানীর ভালুৰ কোপন অংহার জানিয়া ''অরে ! আজা আরে ভোর রক্ষা নাই। এই ধে তোর পিতা ভোকে কি রাখিবে? " একে ড গোরু হারাইখ়া, নিভান্ত অস্থির কুল ছিল, ডাহাতে জাবার মাতার ঈদুশ রিভ বচন শুনিয়াযায় পর নাই খির **ইল। সে নিঃশদে ভাহাদের গোগুহে** গমন **া আন্হার সজে** রহজুবজনপুর্ণকি আনপ-ভোরস্পাদন করিয়াছে।

চুরি। ও দিন হালদার বন্দবে এক মুগল দেওপ অবলয়ন করিয়া এক ব্যুবসায়ীর দেড়পত টাকা মুলোর বন্ধ লইয়া গিয়াছে।
নিম মুগলনান স্থানর বেল ধারণপূর্বাক গেজন সমাভিবাধারে ঐ বন্ধবসায়ীর
তে উপ হত হয়। বিপানকর্তার সমীপে
নান নিকটবভী প্রধান কোন ঘরনপরি
নাম লইয়া বলিল, " অমুক আমার শ্রুর বুচিয়ামরা গ্রামে আমার ব্যুক্তি

আমার কোন আত্মীয়ের বিবাহোপলকে কভক গুলি বন্ধ ক্রব করিতে হইবে। এই নিমিত্ত আমি আপনার দোকানে উপস্থিত হইয়াছি। ধনি আপনি আমাকে কাপড় দেন, তাহা হইলে আমি প্রায়দেড্ণত টাকার কাপড় লই। বিপণি খামী উহার কথায় বিশ্বাস করিয়া নানা প্রকার উত্তম উত্তম বন্ধ দেখাইতে লাগিল উলি থিড ব্রাক্রণ যাত প্রকার ভাল বস্ত্র বাছিয়া বাছিয়া মুৰলমানকে গাটি বাঁধিয়া দিতে ना गेरनग । बद्धविदक्क छ। छ। हादक (विकास) ঐ যবনের সংক্র আগত বলিয়া জানিত না। ই ভগগে একো-সি মুসলমানের মন্ত্রণা ক্রমেই হ'টক অথব। কারণাত্তর প্রযুক্ত হ'টক অপর এক দোকানে যান চতুর মুবলমান গমন সময় বলিল 'মহাশয় কামি কাপড় নিয়া যাই। ঐ আক্রাণ এখানে র**িল, আনমি ঘাইয়া**ই টাকা পাঠাইয়া দিব।" বস্ত্র বিক্রেড। ইহাতে বিশাসাশন হইয়া তাহাকে ছা'ছয়া দিল।পরে ব্রাহ্মণ আসি বামাত্র বস্ত্রিক্তো বলিল 'মিহাশর জাপ নাকে সেই মুদলমান এ ব'নে র:খিয়া গিয়াচে।" র:কাণ বলিল " আমি কেন ভাছার জন্য থাকিব, আমার নক্তে ভাহার সম্পর্ক কি? "দোকানী বিন্যিত ইইয়া ভাবিতে লাগিল, একি। পরে ঈষং জ্রেছ হইয়া ব্রাহ্মণকে আটক করিবার औरनम मिल। आक्ता कि करान। छाडारक বন্ধ থাকিতে হইল । ধৃত মুসলম নের জন। লোক প্রেরিড ছইল। কিছু উদ্দেশ পাওয়া (भनन्। भरत छ। ना (भन त्य तम अक्सन रेश। ব্ৰাহ্মণকে কই দেওয়া উচিত নয়, বলিয়া ছাড়িয়া দেওয়া হট্ল। মহাশয় বৃত্তিদিগের বিছুই অনপাধ্য নাই!

ত। প্রীন্ধর ষ্টেশনের অন্তর্গত স্থানবা সীদিগকে নারায়ণ গঞ্জ মন সেকী আদা লভে যাইয়া মকদ্দমা করিতে হয় বলিয়া অনেক কট্ট ভাগে করিতে হয়। ভয়য়র লীতল লক্ষ্যাও ধবলেধনী অভিক্রম এবং অনল্লম্বতা নিবন্ধন সাধারণের অনেক অস্কৃবিধা ও আয়াস উপস্থিত হইয়া থাকে। আমরা নির্মান্তাভিশয়ে প্রস্থাবংসল গবর্ণমেটের সমীপে প্রার্থনা করিন্ ভেছি যে উল্লেখিনের অন্তর্গত লোকদিগকে বহর মুগোলী আদালতে মকদ্মা করিতে অংকেশ বিধান করেন। এয়প হইলে লোকের কট্ট মুর হইবে সন্দেহ নাই

৪। মুন শী গঞ্জের ডিপুটী মাজিটেট ও ডিপুটী কালেইর বাবু বিফলাচরণ ভটাচার্গ মহোদর প্রায় দেড় মান অতীত হইল মালারি-পুর মহকুমায় পরিবর্তিত হন। ইইার পর ভাল क्ष स्वत लोक अधारत साहेरतन कि नी, वित्र साम साहित्य हिनाम। किस नि साइनोन्नरकारत श्रकाण करिए हिन्स, निम रहेन अवर्गमार्थेत स्वार्ण्य विभवा भूगतीत मून् भी शक्ष सामित्र (हन। हेर् । त रेनपुर्वा स्वत्र स्वीड स्वरहम।

কিছু দিন গত হইল, ভিরিজনার বা হলগর নামক এক শোকানদারের গৃহ । নগন আনী টাকা অপজত হইয়াছে। তা পাই, ছই জন আগান্তক্ শঠতাপ্রকাশ কতিথিরপে ভাহার গৃহে প্রবেশ করিয়া হক্ষ সাধন, করিয়ালে। ধর্তগণ পুর্ চোধে ধ্লি দিয়া নিজ ছরভিস্কিগ্রু

ভ। নিতান্ত বিশ্বিত্তিতে প্রকাশ করিব আ জিও আত্রতঃ ইংরাজী বিদ্যালয়ের উঠিল না। সত্য বটে, গৃহের চালাগুলি, আ দিন আনীত হইয়াছে কিন্তু কার্য্য ক ইয়ানা উঠাইলে ভাষাতে ফল কি? ইরি মহোদয় যে এবিষরে মনোযোগ ব কেনেনা আশ্চর্যের বিষয়। বিদ্যালয়ের ক্রেমেই বাভিতেতে, সুভরাং গৃহ প্রস্তুত্ত ন র'তে আনক অনুন্ধ। হইতেছে। সের মহাশয়ের যন্ত্র ক্রাডি আবিশ্যক।

আমাদিগের তমোলুকক্ সং

দাতা লিখিয়াছেনঃ---

-:.:-

এ অঞ্চল বানিধৰ যে করেক বারিধারাদ্বার এইমোক্ত পৃথিবীকে ধ কবিয়াছেন, সেই কয়েক বার আনুষ্তিক পাত দ্বা প্রায়ে ১৮৬ টি গৃহ (কোনটী অ কোনটী সম্পূর্ণ) ভাষাবাৎ ইট্যাছে।

মকথলৈ সিদ চুরির প্রাছর্ভ ব লক্ষিত তেছে। গোকচুরও বড় কম নয়। নিমিত কি জাগরিত? এ বংসর সুকৃষ্টি রাতে কৃষিকার্টোর আরত্তে স্থাকন যাইতেছে। জগনীধা পরিগামে ক্রিলেই প্রকৃত মহল হয়।

खनिएडडि, महियामनाधिशिक नृशिक जित्र मिक्सार केटकरम अ ने इरेटबकी या खून खाशन करियाद मानम कतियादहन खुक्ता अकृषि खायी धूक्त निर्माण इहेर काम शिक्षिण माजीयमूर्थ अतिरमय ख इहेनाम, अकृष्णन (शृंक्तांत्र क्षश्ंन निष् ष्ट्रिया य ने अवित श्रामार फूपाछित উপ্রায় কার্যে, পরিণত হয়, ভাষ্য হইলে 🕆 সহত্র সহত্র ধন,বাদের যোগ্য হইবেন । নাই।

বংসর এখানকার ইং বছবিদ্যালয়ের ছাত্র র বার্ফিক পুরস্কার নামের নামগন্ধ-ও स य हेटल्ट इन्हा इंशांत का ब्रुग कि ? क्षांत्र ৬ বংশীর হইল ছাত্রেরা কথনই ইলা ইইডে চহয়নাই। এবংসর যদিবঞ্চত হয় ভাহা कड,ख कप्र्रशः (६३ विषत्र ६≷ष्ट्रां পড়িবে।

---:0:---প্রেরিত।

্যবর শ্রীযুক্ত দোমপ্রকাশসম্পাদক মহাশয় দমীপের।

হাশয় ! আমরা স্ক্রীজাতি একথা ১কলকেই করিতে হইবে। যদিও (বেশ্যার্ডি) চু দিত কৰ্মে প্রবৃত হইয়াছি, যদিও কুলে গল দিয় জি যদিও পংপুবের সহিত দে প্রমোদ করিডেছি, তথাপি এমন লেখ করিবেন লা যে পর**মেশ্ব**দত এক্বাবেই আমাদিগকৈ,পারভাগে কঃ : এতদেশীর বেশ্যদিমের রোগ পরীক্ষার ভদ্রলোকদিলের পীড়া নিবারণার্য প্রচ कहेरवा काल मश्रमश्र! (व क्यार्लाक ার প্রিয়ভনার সহিত বিশুদ্ধ আমোদ লুগকরিয়া বেশ্যাদিগের **িকুট এে**ডে **টেয়া ডাছাদিগের সহ্বাদে হ**র্গা पूर्वरवात करतम, रमझे भवन २,क्कि ডভ বরুপ্দীড়া হইলে ব;বঞ্চপক মহ; গের ক্ষতিকি ?

খাবোমক হইবার সম্ভাবনা। যাংগদিলের लग्न गमरनद्र विलक्षन हैक्टा व्याट्ट, (क्रवल व ७८५ साम मा। उँ। शक्तिश्रव विज्ञक्त া ১ইবে। জ্ঞার একটি কথা আপনাকে াস করিতেছি, এই আইনটিকিপক্ষ-অহিন হয় নাই নমহাশয় বিবেচনা াদেখুন খেমন জ্রীলোকদিগের পীড়া লে পুরুষের হয়, দেইক্সপ পুরুষের পীড়াতেও हिस्टिशत रुहेग्रा थ!टक । व्यक्त यथम द्रेष्ट्रय রর পীড়ার কারণ, তথম উভয়েরি পরীকা

ার ! ইরাতে হিত্য খন হওয়া দুরে থ'কুক,

দ্যালয়ের উক্ত উপাধিধারীয়া নিয়ভর বিহারা গিয়াছে ভাহানের ভ কোন কথাই बारे) बाहाता खेला आहु, छ।इ:बिशदक ছট রোগাক্রান্ত পুরুষ আসিয়া নষ্ট করিবে i অব্ভএৰ যদি ব্যাহ প্ৰজাৱ হিত্যাদন ও রোগনিবারণের বাঞ্গ থাকে, ভাহা হইলে এই আইন টি যেন প্রচার হয় যে '' যে পুরুষ বেশ্যায় সহবাস বাঞ্চা করিবেন, উহোকে ভাক্তার সাহেত্বের নিকট পরীকা দিয়া ব্যেস্থাপক মহা नग्रमिरशय (काम हिस्स सहस्र। य हेर्ड इहेर्य। " শশ্পাদক মহাশয় ৷ ছঃবের কথা আর অধিক কি विजिन ? व ब्रांभिक महाना होता अकाल हे शुक्रस. এই নিমিত উ'হারা কেবল আপনানের দিকেই हे नियार्ट्डन। किन्ह यनि क्लान खेरलांक वाव-স্থাপকদলে থাকিছেন, ভাহা হইলে এ প্রস্থাবস্থ করিতে ছাড়িতেন না।

> প্রজার হিত সাধন রাজার কর্ত্র কর্ম, আমরানির্প্টরুভি অবলয়ন করিয়াছি বলিয়া কি রাজার অনুগ্রহপ:ক্রী হইব না? না, এমন হইবে কেন ? বাপের কংগাটিও যেমন্ ভালটিও ভেমন, বরং কালাটির উপর অধিক স্লেছ হয়।

১১ এ বৈশাধ ३०१४ भारत সোনাগাড়ি লেন ৫ নং ব'টা ডড়া লার উপর ঘর }

ভাগনার অসুএহা কাজিদুরীয়নুন্মো हिनी नामी।

महानद्र ! हननि (खनाद क्षांत्र कार्या की छन्ति । শ'ড়া একটি গওলাম, উহাতে অস্ততঃ ১৫০০ ঘর লোকের বদতি, ভরধের ভদ্রলোকই অধিক ; कि हु माबाबः प्यारक्रिश निमय देश हो, अक्रिश সমসমা দীর্ণ স্থানে কোন প্রকার উন্নতির লক্ষণ লক্ষিত হয় না। ইহার অপেকা অনেক কুত্র কুত্র विन्हालम् माख्या छेरधालम् । ७ (भाक्षे প্ৰকৃতি ৰ'বা অলক্ষুত ফইরাডে এবং ডক্রভঃ লোকদিগের হৃদয়ে আমনদরস প্রবা হিত হইতেছে। মহাশয়। গুলিপাড়া নিবাসী লোকদিশের কি সে দিন উপস্থিত হইবে না? হইতেই ৰা কেন ? গুলিপাড়া প্রস্পর বিরোধ দলাদলি ও বারইয়ারিক প্রধান আকর। এই विषय । असिं (य व्हार्टनेत प्रशासकात स्टेस, ভাহার যে কন্ত সুর উন্নতি স্বইতে পারে, ভাহা সহজেই বোধনাম্য হইতেছে। উক্ত আম ৩। ৪ জন জমিদাবের বাসস্থান। উচ্চিরা যদি পরস্প্র জিগীবা জাগে করিয়া আমের হিতসাধনে যত্র-বান্হইডেন, ভাষা হইলে গুপ্রিণাড়া এডদিনে । উটিড কি 📲 ? আরো দেখুন যদি কেবল আনেক স্থানের আদর্শ হই ত : কিন্তু গ্রামস্থদিলের দিগের নিমিত্রী আইন হয়, তাহা হইলে চুছাগ্য বৃশতঃ উচ্চারা দেরণ ননঃ অন্যক্ষী

দুবে থাকুক, কিঞ্ছিৎ যদ পাইলে যে একটি ভির কার্য সম্পাদিত হয়, সেবিষয়েও ব मत्मार्वात नाहे। विवय्ति এहे, श्राञ्जा माक्टिंकेट्र∃त व्यवीरन व्याटका धनि कान মাজিটেটিডে জানাইবার আবশ্য কতা ভূগলিতে বাইতে হয়। ভূগলি ওপ্রিপ!ড়া २८ महिन मूद्र अवर अन स्मान कहाल करन वात इशिन बाइ८७ इट्टन १। १ होका व ও অভিনয় প্রক্লেন স্ব্যুক্ত হয় এবং জন বৈনিক আমোপজীবীকে ঘাইতে ভাহার ছই দিনেৰ সংসার নিৰ্কৃতির উপা নিজের কিঞ্চিং পাথেয় সংগ্রহ করিয়া য হয়। সূত্রাং এরুণ অব্ধব্যে ও কেশ সহ অপেকা মৌনাবলধন জোয়ঃ এই বিবেচনা অনেকে বিরক্ত হইরা থাকে। আভএব গাঞ হতু গ্রহ করিয়া গুল্পিপাঞ্টিকে কাল্পনার মা টের অধীন করিয়া দিন, ইছাতে প্রজানি স্ক্রিবায়ে প্রয়োলাভ হইবে সংক্র গুপ্তিপাড়া কালনার ৪ মাইল দুরস্থ। কা স্বভিবিছনে এক জন সিবিলিয়ান আং एঁ!হার অনীনে ভিন্সীয়াত্র সামানং থান। আ গুলি পাড়াকে উল্লেখনীয়ে আংনিলে গ েটর ভক্তনে কে'ন বিষয়ে জাভিরিভ हड़ेरन मा। माजिएकेरहेत भागन कार्यात কষ্ট হইবে মা, অধ্যত গুপ্তিপাড়ার মধল है। छ।

> जन ३२१४ माल এक छन हिरेख **५५ व देवनाय।**

५७ ई देवल'एभव (मामधकाएन ज का প্রতি যে ছই একটা কথা লিখিয়াছেন ব প্রতিবাদ করিতে প্রবৃত্ত হইতেছি আ श्रमिक উपादका करन लामधकरिय द्वान ক রবেন।

ভালোরা মূর্ণেও যেমন একনার জা बेब्रह्म हिलामना करिएडन अकरना र করিয়া পাকেন, একমাত্র ঈশ্বর ভিন্ন প্রাক্ষা खना ऐलामा नाइ, ऐलामनात छना व সময় নিদ্দিষ্ট ও বিধি বাছ নাই, সকল স্থানে গময়েই সর্সাধ্যাণী উপ্তের উপাসনা ৷ পারে, ভবে ত্রাহ্ম সমাজ এবং মিয়মিত ট উপাপন। । ए: मिनई 'श्रहां न ख द्रश्यात् ह, ह किছ পরিবর্জন হল নাই, যত দিন ব্রা বিশ্বাস মতে কার্য্য না করিয়া অসভ পৌত্লিকভার দাস ছিলেন, ভভ দিন মতে গ্ৰহণ সম্পন্ন হইত না। একণে
ধর্মের অনুষ্ঠান হইতেছে, এটি উন্নতি
চিন্ত এটি সামান্য বালক দ্রীড়া নহে।
নার যে ভক্তিতে পাষাণত বিগলিত হইয়া
ভাষার অনুষ্ঠাণ করা মন্ত্র মাত্রেই
ত্রেষ্টার অনুষ্ঠান করা অপেকা যে এক জন
ভক্ত প্রেষ্টার ভাগিতে সম্পেহ নাই। অভ্যান
ভক্ত প্রেষ্টার ভাগিতে সম্পেহ নাই। অভ্যান
ভক্ত প্রেষ্টার ভাগিতে স্থান
বিরোধাননারই জন্য ইউভেন্তের ভাগিতে
বাক্রের্যা ভ্রমেন করি
ত্রেক্রের্যা ভ্রম্মের ভাগিত বাল্লের্যার
ত্রেক্রের্যা ভ্রম্মের ভাগিত বাল্লের্যার
ত্রেষ্টার করা সম্পূর্ণ মিখনা। কোন করা
বাল্লানিয়া কেবল বিধেষ ভাগিত হিন্তার্থ
ভল্লেচিত কার্য্য নহে।

দপিচ, পরিবর্তনই উল্ভির মূল (১) পরি ভন :কান বিষয়ের উন্নতি কইতে পারে না । বাহ্মগণ অসভঃ জানিয়া কোন বিদয় করেন এবং সভঃ জানিয়া কোন বিষয় নে করেন, ভাহাই একুড উন্নতি। আপনার কার জন, জগড়ে বুদ্ধিমান চিন্তালীল . পরিচিত হইবার জন্য চির্দিন অস্ত্যকে ণ করা ধা**র্মিকের কা**র্য্য নহে; ব্রাহ্মগণ ান কাথ্য করেন ভাহার পুর্দের কোন চিক্তা না, আপনার এ সিদ্ধান্ত অমূলক মাত্র। া বোধহয় জনজিও জনপুনি রাক্ষাধর্ম া অসম আই-এক আনামার ন আপনি নিয়মিতরূপে বাকাসমাজে া, ত্রীক্ষাধর্ম আনোচন। করুন, নিয়মিত দিনিক উপাসনা আরম্ভ কর্মন, রাক্ষা অভ্যন্তরে প্রবেশ করিবেন, তখন যাহা वन खाइ। यथार्थ अवर विटक्षयभूनः, इहेटव । ষেয়ে অপিনার ধাহা ব্যক্তব্য সোম প্রকাশ প্রকাশ করিবেন।

ক্স্যটিৎ পাঠক্স্যা

--:-:--

ভম একটা প্রসিদ্ধ চটা, রাজপথের ছই-

, লোকের বসতি প্রায় ছই মাইল হইবে :

ন জনেক গুলি ধনাত্য মহাজনের বাস কিছে ছঃখের বিষয় এই য়ে একটাও বিদ্যা ই । এখানকায় বালকেরা দিবানিশ করিয়া কাল কাটাইডেছে। এই দাতনে কেগুলি-ধনাত্য মহাজনের বাস আছে,) পরিবর্তন উন্নতির মূল বটে কিছ যদি বিতল গৃহ ভালিয়া পর্ণকৃতীর করেন, সে র্ভন উন্নতি, উন্নতির মূল অথবা উন্নতির লিয়া পরিগণিত হয় না। সা আমি বোধ করি উট্লিলের যর ছারা অনা-য়াসে এবানে একটী স্কুল হ'তে পারে।

এখানে একটা মুকেনী কাছারি আছে। মগামতি মৌলবী দাদার রখন এখানকার মুকেদ। ইনি অতি ভদ্রগোক এবং বিচারক্ষ। ইহার সন্বিচারে অক্রডা প্রস্লাবা বিলক্ষণ সম্ভষ্ট इंडेग्राट्ड। इंडात विरमय ग्**रथन अहे (य है**सि সীয় অধীনস্থ কৰ্মচারিলণ এবং অংথী প্রভাগী প্রভৃতি দক্ষেরইপ্রতি সাধু ব্যেকার করিয় পাকেন : ই ডি পুর্দে মেনিনীপুরের একটীং জ্ঞাল জী কি লেক স'হেব মহো"স এখানকার মুন-শেফী কাছারি চেথিতে জাসিয়াছিলেন। মুন সেকের কার্যে; ডি.নি অসপ্ত ইছন নাই। অভি শর ছুঃখের বিষয় এই যে লাভনের মুকোফি কাছারি ঘর্টা অতি জঘন্য। ঘর্টা দেখিলে রাক বিচারালয় বলিয়া কখনই বোধ হইবে না বরং গোশালা বলিয়া অম ছইলেও হইজে পাৰে. মুজেদ মহাশয় সুত্ম ঘরের নিমিত্ত রিপোট করিয়াছেন, কি হয়, বলিতে পারি না ঃ হিপো টিটী মঞ্জুর করাকওবা।

কাক ডিভিন্সনের ইনপেটন পেটে মাষ্টর বাবু শ্রীধর রায়েব যরাতিশয়ে ১৮৬৭ সালের ১০ ক্ষেত্রয়ারি অবদি এখানে একটা সূত্রন পোষ্ট আফিস হইয়াছে । হন্যুকুফ সরকার দাতনের ডিপুটী পোষ্ট মাষ্টর। ইনি অভি স্করিত্রের মাসুষ, ষথানিয়মে পোষ্ট আফি সের কার্য, চালাইভেছেন।

এই নাডনে বিদ্যাধর নামক একটা অভিবৃহৎ
সরোবর আছে। উহার আয়তন ২৫ বিঘা হইবে
সরোবর দেখিলে এটা নে বহু কালের' ভাষা
সহজেই অনুমান করা যাইতে পারে। এই সরোবরের পূর্মানিগ্ভাগে ছই মাইলা ছুরে সরশক্ষা
নামক একটা জলাশয় আছে। সেটা বিদ্যাধরের
চারি গুণ বড় হইবে।

কএক দিন হইল বৃষ্টিনা হওয়াতে এখানে এীথের অভিশয় প্রায়ন্তাব হইয়াছে। দিবা এক প্রহরের পর কাহার সাধ্য ঘরের বাহির হয়। বেলার আধিকঃ সহকারে রৌদ্রের ভয়ানক উত্তাপ বৃদ্ধি হয় এবং অগ্নির ন্যায় বাভাস বহিতে থাকে।

১৮৬৮ ১লামে জন জিবরচন্দ্র সরকার। মোংদাতন

মূল্য প্রাপ্তি। জীয়ুজ বাবু রমণীমোহন চৌধুরী ুরজপুর ১২৭৫ বৈশাধ হইজে চৈত্র জ্ঞীয়ক্ত বাৰু বিশিনবিহায়ী মুখোপ ময়নাত জি ১৮৬৮ মে হইতে ৩১ এপ্ৰেন

--:0:--

मामश्रकानमः जान क्राइक्ड

ৰিশেব নিয়ম।

অবিম মূল্য ও ডাক্মাস্থল না পাইতে সলে সোমপ্রকাশ প্রেরণ করা যায় না।

ইংার অগ্রিম মূল্য বার্ষিক ১০ টাকা বাণ্যাসিক ৫॥০ টাকা । মফস্বলে ভাক সমেত বার্ষিক ১৩, বাণ্যাসিক ৭ এবং । সিক ৩০০। তিন মাসের স্থানে অগ্রিম গহণ করা বার না। ছণ্ডি, বরাতি চিঠি, অভার, নোটা ও স্থান্স টিকিট, ইহার ভ বাহাতে বাঁহার স্থাবিধা হয়, ভিনি সেই ধারা মূল্য প্রেরণ করিবেন।

ষাহার। স্থাম্পটিকিট পাঠাইবেন, গ্ বেন এক অথবা আধি আনার অধিক ও রসীদের টিকিট প্রেরণ না করেন।

ষধন ধিনি মকস্বল হইতে সোমপ্র মূলপোঠাইবেন, ভাহা যেন রেঞ্জিষ্টরি শ্রীযুক্ত ধারকানাথ বিদ্যাভূষণের নামে ইয়া দেন।

ষ হাদিগের মূল্য দিবার সময় অভীত আসিবে, এক মাসপুর্নে ভাহাদিগকে লিখিয়া জানান বাইবে, কাল অভীত গেলেও এক বার চিটি লেখা হইবে, ভাহ একমাসকাল প্রভীকা করিয়া কামজ বং বাইবে। শেব বারের পত্র বেয়ারিং হইবে।

মাতলা রেলওরের সোণাপুর স্টেসনের ঘরে চিঠি আইলে আমরা শীতা পাইব।

যাহার। মাহ্মল না দিয়া প্রাদি প্রের বেন, ভাহাদিগের সেই প্রাদি এই যাইবে না।

কেই সোমপ্রকাশে বিজ্ঞাপন দিতে
করিলে ভাঁহাকে প্রথম তিন বার প্রতিপংগি
আনা ভাহার পর ৴১০ আনা দিতে হ বিনি অধিক কাল বিজ্ঞাপন দিবার ইক্ষা বেন, ভাহার সহিত স্তন্ত বন্দোবস্ত হই

ক্রেএই পত্র কলিকাতার দক্ষিণ মাজনা রেলওয়ের সোণাপুর ষ্টেসনের চালডিপোতায় জীযুক্ত ধারকানাথ ভূষণের বাটীতে প্রতি সোনবার প্রাতঃ প্রকাশিত হয়।

۰ د (TE : 17) ৎ প্রেস 'স্টেপ 1. r , / y R 1919() ণুং (চর্ভাগে) া বা করণ

জীলারকানাথ শর্মা।

- প্রচাতিকানামে এ**কথানি সু**বিভাঁণ গনে, যাহাতে প্রাকৃত ও যাবনিক শক ণুল **শংকরই লিল্ডে**জ ও ধারুর উৎর ্ শংক্ষের উত্তর ড ক্ষিত এবং উল্লি চড়েড নানাবিধ প্রভায়ানতার প্রায় ৭৫, ∌াজার শ**ন সংগ্রহগুর্মক** ৮৩৮ পুঠায় ক্টয়াছে, ইটিচ্চিলের প্রয়োজন ক্ইবে, : ষ্টতনা ১৪৫ নং পুস্তকালয়ে ও জোড়ো ১৫ নং জ্রীপ্রভাপচন্দ্র রায়ের নিকট ান ক ংলে প্রাপ্ত ইইবেন। মূল্য ৩ টাকা পুল_{ু শ}্ৰ জোনাঃ যদি কেছ একে क्ष्मांभ लग उद्द क्षेत्रहरूक ५० होका

ৰ ক্ষিদ্ৰ দেওয়া যাইৰে। शिक्क डा डि:हेस्समातार्थे (श्राम ।

বিবিধ দ্রব্যাদি বিক্রার্থ প্রস্তুত।

---} • :----

eরাজী বাছলা পুস্তক কাগজ কল্ম নান: यहानि भाउक्क याद्यः मक्च दल, घड़ी बन्द्र ति দি পাঠাইয়া থ'কি এবং পুস্তকাদিতে এক । হিসাবে কমিসন দি। যাল কেহ অবিক । দ্রধ্যদি লম পাইকেড়ী দরে পাইবেন :

ক্ষম উসিত্ত থম গড় Š হিতীয় খণ্ড মুদ্ধবৈদ্দীতা কাও বাসালা সমূলত 🥤

দ্সিস্থ सारमी **प्रार्थ श्र**का भिका সাৰ্গবছ্যালা

হার্থ প্রচারিকা क्री करा है .প. বাশভিভৱ তং

isz মতে বিদ্যা**ন্তব্যস্থ প্রকৃতি সীকা** ্ ্ ভঃ৮ ধানি প্রতিমূহি সংহয়

শিলা চলাও ভারতবর্ধের **রেলওয়ে 计图形图 化污染剂堆**

নলচরিত কাব্য প্রস্থা Ø ١ ্বেলাস্তদর্শন জানিক বৰ্মালা ্রিভ*্*জেবিল**া**স প্ৰকল্পতক ৬ মেটার্য়া মেডিকা 19 हरमधीय असनक्षावनी ર∦^ **ब्यः**ष्ट्र(क्षंत्रभर्णन ৩ যে জিলারি গাইড ۰! د নিদ'নাপ্চজিকা ₹ \$ স্ট্রীক লিদান ۵ নিদান ম'লভীমাধ্য পঞ্চাব ইন্ডিহাস 211 চীনের ইতিহাস হুত্য পৌচার মরু (১।২) 7# সমুজ্জনমাধি নাটন বেশবসজিনবর্ত্তক নটেক মনোকৃতি বিধায়ক की हरू वध नार्धिक **n**• ইংরাজী বান্ধালা ডিক্লনারি :H• কলিকাতা ছোড়া-ব্রিপ্রতাপচক্র রায় সাকো ৬৪ নং

বিগত ২৬ এ বৈশাধ কুম্পে তথার রা এতে ইট্রারন বেল্প রেলওয়ের অস্তর্গত শর্মনগর নষ্টেৰনে মেল ও পেয়েলাৰ ট্ৰেৰে ধাৰণ লাগিয়া যে ভয়ানক চুঘ দিন। উপ ওড হয়, তাহাতে এই রূপ জনক্রতি হট্যাচে যে ভদ্মারা বছসংখ্যক লোক বিমণ্ঠ ও আহত হর্মাছে। ইয়ার পাছ।)-সভাতো নিৰ্বয় পূৰ্মক প্ৰতিকাৰের উপায় দেখা ্পদেঞ্চর সোধাইটীর শ কর্ত্তর বিবেচনা হওয়'তে সাধারণকে আহ্লান করা ধাইতেছে ्य व' हात्रक्षित्रदक के ध्य उसर प्रश् कतिए**ण २३**-রাছে অথবা যাহার। ত'ছা প্রত্যক করিয়াছেন अथवा वीशास्त्र आधीश यक्षन विनष्टे स्हेसाह, रेहिति यःश कात्मन दाहा विक्रशत कार्राप्त ইন্ধিনার কোম্পানির বাটীতে শ্রীযুক্ত নীলকমল ব্দেন্যপাধ্যায় মহাশয়ের নিকট অবিলয়ে জ্ঞাত करत्रम ।

কাস্ত দেব বাহাছরের ত। উত্তমকপে এদেশীয়দিগের এতি সেই গুনা এট

সোণা দিয়া সূতন বাঁধান মূল্য ২৫০ ট তত্ত্বো ধিনী পত্রিকা-প্রথম কল্প, ৫ - छोका ।

জ্ঞানন্দচন্দ্ৰ বেদান্ত বাগী

নদিয়ার নদী।

त्रम ১৮७৮ मोरले अरक्षम मोर्यत २२ <u>२</u> ह ৩- এ পর্যান্ত ভাগীরখীনদীর সর্দাকম্। হলের সাপ্তাহিক রিপোর্ট।

ङ्कारमञ्जाम -হহানার উপর প্রান্দীতে মহানার তথা হইতে জ জপুর পার্যন্ত (১৩॥ মাইল মধ্যে) অভিপুর চইতে বহরমপুর পর্যাত্ত (৪৬ মাইল মধ্যে) ₹হরমপুর হইতে কাউওয়: পর্যন্ত (৫০ মাইল মধ্যে) কাটোয়া হইতে নদীয়া পর্যন্ত (४७ माङ्ग्लित मर्दर्) ধন ১৮৬৮ মে মাহার ৫ তারিখে বহর গজাঘাটের জালের মাণ " যি ট

এক জিকিউটিব বহবসপুর ইলি:নয়≺বছর e 🕏 🗐 মপুর ভিবিমন

সোমপ্রকাশ।

७ इ टेझ; ई (जामबादा

বিজ্ঞাপন ছলে "পূর্ব বাদালা ওয়ে তুর্ঘ টনা " সংক্রান্ত একটা বিজ এচারিত হইল। পাঠকগণ দেখি জানিতে পারিবেন, " পাসেঞ্র সে ইটা " সভা এ বিষয়ে স্বিশেষ মনো হইয়াছেন। এটি আমাদিগের অ আহল:দের থিবর। সভাযদি এ বি উদাসীনা অবলয়ন করিছেন, আমা হৃদয়ে যার পর নাই কে:ভ ও রে সঞ্জার হুইত । পূর্বে বাদলা রেন कर्षा । विकित्भव (पाटम (यक्राभ (भी घटना इडेसारइ, डेडार्टफ काराज्य व শক্ষরজন অভিধান। সর রাজারাধা- বলস্বন করিয়া **ধাকা বি**ধয় হয় ী ইউরোপীয়েরা ইহঁ(দিগের জীবন भि: देश कि व विश्व की देश कर शका कर करें ন করেন। এই নিমিত্ত ইহাঁদিগের বন রক্ষা বিষয়ে যথে।চিত বজু করেন । তাহাতেই সচরাচর জুর্টিনা ঘটি⊦। ক। ইউরোপীয় কর্মচারিদিগের নি*ছ*ে হানিবন্ধা *হেলিডে* **হীপে** যেতুর্থ । হয়, আংজিও তালাকালার সমৃতি ধ জাগৰক হইলানার হিলাছে ১ এদে াদিলের **জীবন** শিয়াল, **কুরু**রঞাভৃতির নে অপেফা অপুরুষ্টনয়, এদেশীয় | ইউরোপীফের: যাহাতে ইফা জানিতে রন, সকলের একবংকা ≇ইয়া ত:ছা কর্ত্তব্য । তঃহানাকরিলে নিস্তার । এদেশীয়দিগের জীবন শিয়াল ,রাদির ন্যায় উ:পেকিত হইণে সচরা নিহত ^{হই}বে। আমেরা প¦সেঞ্ার गः≷ष्ठी সভাকে ছু⊅ বিশয়ে বিশেষ া অনুরোধ করিতেছি। প্রথম, আমরা शहि, भूर्व व करा (बल ७८ व कर्महादि র মধ্যে একপ কেহ কেহ আ'ছেন, ারা বন্দলিদিগের অত্যন্ত বিদ্বেষ ন, উহাদিগের হক্তে প্রাণ সমর্পণ কোন ক্রমেই বিধেয় হইতে পারে মতএব যাহ.চে তাঁহারা ঐস্থানে তে নাপ:রেন, সভা তাহা করেন 🖯 ণ, যে সকল ব্যক্তি হত ও আ; হত হেন, ত:হাদিগের পরিবার্গণ ও সেই ব্যক্তি থাছাতে পূৰ্ব বাদলা ওরে কোম্পানির নামে **ক্তি** পুরণের শ করেন, সভা উদ্যোগীহটয়া র সংঘটন করিয়া দেন। যদি কাহার পু করিবার বায় দানে সামর্থানা , সভার চাঁদাকরিয়া সেটাকা হ করিয়া দেওয়া উচিত। উপসংহার বিজ্ঞাপনদাতাদিগের ন্যায় সাধা-নিক**টে** আমাদিগের অনুরোধ যিনি পূর্ব রাজলা রেলওয়ে ছুঘটিনা

ার যে কিছু প্রকৃত বৃজ্ঞান্ত জানেন,

তিনি যেন স্থাবিলয়ে ক্লাডেন হিনার কেম্পোনির হাউসে ক্রীযুক্ত বারু নীলক নল বন্দোপি ধানের নিকটে উপস্থিত হইনে সংবাদ দেন। তথায় যাইতে কোন বাধা নাই, ভয় ক্ষে:ভও নাই।

ক্রগের বিক্র

" জগন্না**থ**কেত্রের পথ ও তাহার প্রকৃত ইতিহান " এই শীর্ম ক্যুক্ত এক-থানি প্রেরিত পরে স্থানাম্বরে প্রেকটিত হৈইল আমরা হিন্দু পাঠকগণকে বিশেষ করিয়া অসুরোধ করিতেছি, ভাঁহারা একবার ভাহার প্রতি দুটিপাত করিয়া কর্ত্তব্য অবধারণ করিবেন। জগন্নাথকেত্ত্রের প্রথের কইট ও অন্যান্য র্ভান্ত যেরূপ বর্ণিত হইয়াছে, ভাষাতে স্পঞ্চ বোধ হই েচছে দেখানে গমন করিলে শরীর প্রাণ ও চরিত্রপ্রভৃতি সমুদায়ই সংশয়ার্চ হয়। যাঁহাদিগের পরিবারের এতি মায়া এবং উাঁহাদিগের চরিত্তের প্রতি আছা আছে, তাঁহাদিগের কোনক্রমেই উচিত নয় যে নিজ নিজ পরিজনকৈ कश्रापटकद्व शोठांदेश तमा लाहक ধর্মোপার্জনার্থ জগরাথকেত্রে যায়; किस्ड পरिथ यक्ति व्यक्षी मक्षिठ इंडेल. শরীর প্রাণ ও চরিত্র প্রভৃতি সমুদায় সংশ্রার্চ হইল, সে ধর্মে কি ইউলাভ **रहेरत** १ के मकल तका कतिहा **धर**कालाः র্জন আবশাক। ঐ সকলের নির্বিত্যে র**ক্ষার্থই ধর্মের স্থাটি হ**ইয়াছে ৷ যে ধর্ম व्यक्तनार्थके मकल उरमञ्जू इत, म्मर्स धर्मारे नटर । हिन्छुमोखकोट्डा स्रशसाथ मर्नरनत य कल विशिशास्त्रन, शृह विभिन्ना कशकीश्वरतत आताधना कतिरत कि रम कल लाख इस ना १ महारति অজ্রের তপদ্যার জীত হইয়া দর্শন 'দিলে পর পার্থ এই বলিয়া ভাঁহার স্তব ক্রেন,

" প্রাপ্তে যদিহ দূরমগতা যৎ কলতঃমরলোকগভার। তীর্থমস্তিন ভ্রাণ্ববাহাৎ
পার্কানিকসতে ভ্রতস্তৃত। প
দূরে গমন না করিলে অন্য
পার্কা যায় না. কিন্তু অনুসাধ তীর্থ
বার জন্য দূরগমনের প্রয়োজন হয়
নিকটে বনিলাই তোমাকে প
যায়। অন্য অন্য ভীর্থের ফল বি
আছে। গে তীর্থ দর্শনের ফল স্বর্গ
নিশীত হুইয়াছে, তাহ্য স্বর্গ ভিন্ন
ফলদানে সমর্থ হয় না, কিন্তু অনুপা
স্বর্গাত ব্যক্তিকেও ফল দান ব
ফলতঃ ভোমা ব্যতিরেকে ভ্রনাশঃ
স্ব্রকামপ্রদ তীর্থ আর নাই।

বখন ঘরেই পরকালে সকাতিলা নান। পথ রহিয়াছে, তথন শরীর ব আশেতিও ধর্মাসমুদায় উৎসল্ল করি নিমিত্ত দুরে যাইবার প্রয়োজন 🤅 क्रियल **क ब्रह्माथटक** ब विद्या नय, স্থানমাত্রেই বহুদোবের সাকর। হাত যত অলম অপদার্থ ও অকর্মাণ্য বে সচরাচর ভীর্থ ভান আবায় কৃ থাকে। যেখানে তাদুশ লোকের জন **मिश्रीरन एवं वर्ज्यमारनत आविर्जात हो** তাহা বিশ্বয়ের বিষয় নহে। এরপ দোষাকর ছানে অপেব্যক্ষ ভরলা স্ত্রী পরিজনদিগকে প্রেরণ করিয়া নিশি পাকা কি বিজ্ঞ ওবিবেচক পিতাম প্রভৃতি রক্ষণণের করব্য গৃইহার বি রণ ছুরুহবাবহার নয়। পাওাদিগ वाणित मरका घारराज्ञ ना मिरल उ কিঞ্চিত দুচ্প্রতিজ্ঞ হইয়া গননোং यारेट ना मिट পরিজনদিগদে ভরিবারণ নহজে সম্পন্ন হইতে পারে যাঁহারা লেখা পড়া শিথিয়া করিব কর্ত্তবা বুবিয়াছেন এবং দোষ্ঠাণ हेक्टोनिक विद्वहना कतिया कार्या करि निश्विशाद्यम, उद्गिता यमि अहे म উপায় অবলম্ন করিয়া উলিখিত আ नियात्रण ना करतन, जाहामिरणत के म

खरनत व्यर्कन विकन मरम र नाहे।

একেবীয় দলের সিবিল সর্ল্যান্টের পাপ; পদলাভ । ালভবসীয় গ্ৰণ্ডেন্ট আমাদিগের শিক্ষাৰ্প ৮২ লক্ষ টাকা দান কৰি-া বোধ হয়, ভারতবার্ষ কগন কোন রা**জা ও গবর্ণ**মেণ্ট চন নাই জোর **বিদ্যাশিকার্থ এত** টাকা করে ত **ও শিকা**র এরণ সুণুগ্লা ত স**ন্ধ হইয়াছিলেন।** ভব্ৰ আনেৱা ম**ন্টের নিকটে স**্তিশ্য কুতজা আছি।কৈন্ত ইহা প্রাপ্ত জ্ঞান '**আমেরাতৃপ্র ক্ই**নাই। তরিমিত ক আমাদিগকে অকুত্ত জান ।ভানকরন, ভাহাতে আমলা নহি। ভাঁহার। যদি অসুধারন করিয়া। ন দেখিতে পাইবেন, এই অস ব কেবল আমাদিগের দেশের কর নয়, গ্রণ্মেণ্টে ও স্টেপকারশত রে সন্তারনা আছে। গ্রণ্মেণ্ট এদে। দগের বিদ্যাশিকার্থ যত অধিক করিবেন, যাত সুন্দররূপ বন্দোবস্ত वन, ७७३ लाखवान इहेदवन। দিগের এাকের তাহণয় সুস্পাঞ হৃদয়ত্বন করিয়া দিবার নিমিত্ত রাবাঙ্গলা দেশ ও উত্তরপশ্চিমা-ক উদাহরণ তকে আহণ করিলাম। না দেশের স্শিক্ষিত লোকের: ল সর্কিদে প্রবেশলাভ করিছে তেছেন না বলিয়া স্কলা অন্ত্রাব শ করিভেছেন। সেই অসংখার আবন করিয়া ইংলওছ কর্তৃপক

বা বাজলা দেশ ও ডভরপাশ্চমানক উদাহরণসলে গ্রহণ করিলাম।

বা দেশের স্থাশিকত লোকেরা

ল সর্কিদে প্রবেশলাভ করিছে
তেছেন না বলিয়া সর্কেদা অন্যোব

শ করিতেছেন। দেই অসংখার

শ্বেণ করিয়া ইংলওছ কর্তৃপক্ষ
তৈতঃ এই দিদ্ধান্ত করিয়াছেন,
লিয়ানদিগের প্রাপা পদ ওণ ও

কাল (৭ বংসর রাজকার্যা সম্পান্
পর) বিবেচনা, করিয়া এদেশীয়

ক দেওয়া হইবে। এখন স্থাশিকিত

শিক্তি ডভয়ের কত অন্তর ভাহা
বার বিবেচনা করিয়া দেখা উত্তর
মাঞ্চলের লোকেরা অশিকিত

ভাহাদিগের যে যে ব্যক্তির মনে অন ব্যোগ কমিলাছিল, তাহারা বিজোহ উপস্থিত ক্রিল। কিন্তু সুশিক্তিত বাঙ্গা লিলা দেই অসং পথে পদার্পণ না করিয়া মতুপায়দারা আপনাদিগের অভীউ নাধন চেটা পাইভেছেন ; কতক অংশে क्र इकार्या ७ इहेट इट्टाइन । समूचा स खात्र छ । বর্ষ বলি বাঞ্চলা দেখের নায় স্থানিকিত হয়, গ্রণ্মেটের কি বার্ষিক ১৫ ৷ ১৬ কোটি টাক। দৈন্যার্থ ব্যয় করিতে হয় ? যাহা হউক, প্রক্রান্ত বিষয়ে বক্রব্য এই, কর্ত্রপক্ষ আপাততঃ যে বন্দোবস্ত করি তেছেন, "নাই মামা অপেকা কাণা মামা ভাল " এই প্রবাদ বাকা অবলম্বন করিয়া আমরা ভাষাই পর্যাপ্ত জ্ঞান করি লাম : কিন্তু কর্ত্তুপক্ষ নিশ্চর জানিবেন, ইহাতে আমিরাসপ্ত ইলান না। এ বন্দোবস্তটা প্রধানদিগের অনুগ্রহাণেকী हर्हेशास्त्र। व्यक्तव जातम्भीरवृता (व শস্ত্লেঐ পদ পাইবেন তাহার স**ভা** 'বনা অস্পাদেখা বাইতেছে। **আমাদি** গোর বিবেচনায় ইংলত্তের নায়ে ভারত. वर्ष मिवित्र मिक्सिम भड़ीका श्रीया श्रीवः র্ত্তিকর টে শ্রেইংক পো। ভাষা হইলে মার অনুগ্রহ ও নিগ্রহের কথা থাকিবে না। বিশেষ্তঃ এদেশীয়েরা পরীকা मिता (य शम श्राहरण मगर्थ इहेर्यन, **जा**हा সম্পিক স্লামার বিষয় ভরান করিবেন সম্দেহ নাই।

যাহা হউক, সর ঊাফোর্ড নর্থকোটের ভারতবর্ধের উন্নতিসাধনের প্রস্তাবশুলি শরৎকালের জলধরের ন্যায় অংশবর্ধী ও গর্জনসার দৃত হইতেছে। ইউইণ্ডিয়া সভা যান আবেদন করেন, তেতিসেকে-টারি তৎকালে এমন ভঙ্গীতে কথা কহিয়াছিলেন, যেন সুযোগ পাইবামাত্র তিনি সিবিল সর্বিসের দ্বার এদেশীয় দিগের সম্বাধ্য উদ্যাতিত করিয়া দিবেন। ভারতবর্যের স্কলেইইহাজে আজ্লাদিত

इहेशां ছिल्लन। मक्टलहे मत्न कतिश লেন, বর্ত্তমান ভারত্বধীয় দেকে क (नरभात हेः । प्रचाक्वत एहरणन। কার্য্যে আকব্যের শত:ংশের একাং ঔদার্ঘা এদিশিত হইল না। এদে নিগের সম্বয়ে দিবিল দর্কিদের উদ্যাটন করিবার বিষয়ে সর ফীবে नर्थरकां वर्यन, अकर्ण अधिर পরীকার দারা ভারতবর্ষীয়দিগকে লিয়ান হ্ইতে দেওবা ভারতব্বেরি আ মঞ্চ হইতেছে না। আমাদিগের 🏗 চনার এই বাকটো ভারতবেলীলিদি বঞ্দা করিবার ছলমাতা।ভারত দে অবস্থা হয় নাই, কি যে প্রশক্ত য়তানাহইলেম-ব্রিগণ এ স্বত্তা দমর্খ হন না, ভাঁহাদিগের দে প্রশ ভতাহল নাই ? কিলুপ হইলে দে খ ছইবে, সর স্কাফোড নর্থকোটের ত একটী নির্দিষ্ট লক্ষণ করিয়া টে উচিত ছিল। বিচারকার্য্যে ভারতঃ कर्महातिभग माधारत्या हे डेरजाशीय हादीन्दिशंद व्यट्पका त्य ममिक है। প্রদর্শন করিতেছেন, কে ভাহার অং ক্রিভে পারেন ? সর ফাফোড নর্থ ও ভাঁচার মন্ত্রিগণ ইহা স্পটাভি স্বীকার ক্রিয়াছেন কোন্বিবয়ে ভৰ্মীয়েরা ভার পাইনা অযো প্রকাশ করিয়াছেন ? একণে আ (शब क्रिड्ड!मा धहे, कर्जुलक द করিয়া আর কত কাল ভারতবর্ণীয়া মুখ বহুর করিয়ারাখিবেন ? ভারত নিবিল পরীকা প্রবর্তিত হইলে কাংশ ভারতবরীয় সিবিলিয়ান হয় তাহা হইলে ইউরোপীয়েরা অ হইবেন, কর্তুপক্ষ কি এই শক্ষাক। ভারতবর্বাঁহাদিগের বিদেশ, ব দিগের অভিমান চরিতার্থ ক নিমিত্ত কি ভারতব্বের অভিয সং काजीशिकादक विभिन्न औ जामसुखे विषय इम्र ?

স্থানীয় রাভা। ইঞ্নিয়র লিওনার্ড সাহেব যুখন দেশীয় **গ্ৰণ্মেণ্টে**র প্ৰতিনিধি প্ৰ কওয়ার্ক ডিপা**র্টমেন্টের মে**র্ট্রেটারি লৈন, তংকালে বজনেশের রাস্তাস্থ दक शाखाव लिथिशाहित्सन। वज्राम । পরিমাণ্ডল ২,১২,২৬৫, বর্গনাইল। ানে দক্তিত্ব ৪৯৮ মাইল পাকাও ৮৭৯ মাইল ভানীয় কাঁচা রাভা ছে। স্থানীয় আয় হইতে এওলির কার হয়। এতস্তির ৩৪৪৮ মাইল প্রেমণ্টের রাস্তামা**ছে, গব**ণ্নেণ্টের ষার ১৩৭১ মাইল মাত্র পাকা। 👌 ল রাস্তার সংকারনিমিক বর্ষে বর্ষে

লিখিত বায় হয়ঃ---গবর্ণমেন্টের রাস্তার ৩৪৪৮ মাই নিমিত্ত ৪২.৮৫৬৬১ টাকা।

স্থানীয় রাস্তার ১৩,৩৭৭ মাইলের । কোৰ্য ১৪০,০০,০৩ ভা

গ্রণ্মেণ্ট রাস্তার নিমিক্ত যে ব্যয় চু, তাহা রাজকোব ছইতে দেওয়া ভানীয়রাভার সংকার ও সূতন ার ব্যয় স্থানীয় কিওঃ হইতে হইয়া হ। ভানীয় আহায় পর্যাপ্ত নহে। াণী ঘাটের উপার্জ্জন স্থানীয় ফণ্ডের ন আয়। ইহাতে গড়ে নাজে তিন টাকার অধিক সংআহে হয়না।

র কেলের শিপের লাভ ছানীয় বলিয়া পরিগণিত হইয়াপাকে। ঐ আয় ক্রমশঃ ক্রিভেছে। ক্য়ে क्टिल विभिन्न (य मक्त ज्ञवा श्रञ्ज তাহার আয় অন্য প্রকারে ব্যয়িত 5ছে। রাভার ধেকর লওয়াহয়.

হইতে প্রায় ৮৫০০০ টাকা: জল हेट ४०,००० होका उ धानावानी

য়কর হইতে ২৫,০০০ টাকাআয়ে থাকে। ১৮৫৪ অফ অৰ্ধি নদীয়া পার খালের মাতৃল স্থানীয় রাস্তার

দেওয়া হইয়া আসিতেছে। ইহাতে

ৰায়বাদে গড়ে তিন লক্ষ টাকা আয় हरेट हिन , किस अयंत्व यातक वाविङा स्रा ८४ ल ७१.१८ ७ भगन कतार छ अह আল ক্ষণঃ ক্ষিয়া আদিতেছে স্থানীয় ফতে প্রচুব টাকা নাই; এমন কি টাকার অকুলান হওয়াতে সরকারী ধনাবার হইতে সাহায্য করা হইতেছে। এই হেডু

রাস্তার ও পারাণী ঘাটের মাসুল তাগে

করিয়াকোন প্রকার স্থানীর কর স্থাপন

করাই কর্ত্তব্য 1

(म क्रांनीय कत कि ? व्यक्टिकनरमवीता शवन्त्यत्केत त्य व्यक्तीकात व्यादह, रि েমন যাৰতীয় পীড়ায় আহিকেন ব্ৰেন্থা তেম,ন আংইব্যয়সংক্রায় যাবভীয় বিব য়েই প্রায় মৃতন করস্থাপন প্রস্তাব করিয়া বদেন এবং জ্মীদাবেরাই স্কাত্রে ভাঁহা দিগের দৃ_{ষ্}টিপথে প**্ততহ্ন। এফ্**ণে करशक अपन मृदसभी भागनकर्छ। दाखि तिरक धांत्र मक लाहे बक्र एमर मित्र हाती বন্দোবস্ত আছে বলিয়া কোভ প্রকাশ করিয়া থাকেন। নাগপুর, পঞাব এভ্ডি নিয়মবহিভূত ছানের শাসনকর্তারা ভূমির উপরেই নিদ্যাশিকা ওরাস্তঃ প্রভৃতি **প্রস্তুত** করিবার ব্যয়ন্তার নিক্লেপ क्रियार्ट्स । दल्पार्भात र्यमूतमभी तांकः স্ববিদ্দিগের এ দেশের ভূমি দর্শন করিয়া নিয়তকাল জিহ্বা লোল হয়।কিন্ত লাড কর্ণওয়ালিদের বন্দোবস্ত অন্তরায় স্বরূপ হওয়াতে ভাঁহারা ইউসিদ্ধি অমীদারের কর দিবার নিমিত রুমক করিতে পারেন না। কিন্তু লিওনাড সামান্যাতে দুব্য বিক্রু করে। সাহেব ইঞ্জিনিয়র; তাঁহার ইউরোপাত্ত খানে রাস্তার সম্পূর্ণ আবিধা আ ভাতৃপণ ধর্ষন এত বড় আ, পেশ পর্কতে । শেখানেও ক্লেনিজে দ্রবা লইয়া বে ভেদ করিয়া রেওলয়ে করিভেছেন, তথ্ন। বৃদ্ধে বিক্রা করিয়া আইদে না। যথ লিওনাড সাহেব 🗡ৰ দামান্য কৰ্ণভন্ন লাভ ব্লিকেরই হয়; সভ্এব কেবল 🗷

(छन। डिनि बटलन, भारेनाविकारभ ছয়বৰ্গ মাইলে এক মাইল রাস্তা অ দেই হিদাবে বঙ্গদেশে ২৯০০০ মাইল রাস্তা করা উচিত এবং রাস্তা गाँशानिरभद्र मर्कार्यभा अधिक उत कांत्रभाष्टित महाबना घाष्ट, उं /গেরই ইসা প্রস্তুত করিবার ব্যয় বে লিওনার্ড নাছের প্রস্তার করিয়াছেন, কর্ত্তরা তিনি অর্থাং গ্রহের উপ নিরমও বলিয়া দিয়াছেন। তিনি এ করিয়াছেন, প্রতি বিদায় কিছু কিছু লইতে হইবে। ভূমির বন্দোবস্ত বি তিম্নিয়ে অনভিজ্ঞ নহেন। তথ এক আশ্চর্যা ভর্কপ্রণালী অব করিয়া এই অভিপ্রায় ব্যক্ত করি ছেন, যথন রাস্তা হইলেই জামীনা উন্তি হইবার সম্ভাবনা আছে, ও क्रमीनाद्वत्र निक्रिके अर्थ न उग्नाट प নাই। এ ছেলে আম¦দিকের জিজ্ঞান রাস্তার উপকারভোগী বলিয়া বি (यमन अभीतात ও क्रवरकत ऋएक कत নিকেপ করিতে উর্ভে হইয়াছেন, ব গণের উপরে তেমনি ভার দিলেন दक्त ? त्राच्छ। ज्वारिह लहेका याहे সুবিধার নিমিত্র হয়। ইহাতে কুবা लांड यातक, ठाहा आमता अयो

করিনা; কিন্তুরুণক অপেকা বণি ला इंडे व्यक्तिक। मक्टलई कार्तन वर्ग ্ৰেয়ে মহজেনের টাকাও কুদ ও

লিসের ক্ত বন্দোবস্ত ভেদ করিতে দার ও রুণ্করণ কর দিবেন, আর ব সমর্থ হইবেন না, ইহা সম্ভাবিত নুছে। কলণ অব্যাহতি পাইবেন, আমরা ই

তিনি সেই অন্তরায় ভেদ করিয়া জমীদার ় কারণ বৃদ্ধিতে পারিতেছি না। জ্পর, ব मिर्गत करका कांत्ररकरूप डेमाक रहेशा मात्रमिर्गत मयरका गवर्गरमर्थेत ककी व हरूड़ा हुई।। ब्रिलिश यकि स्वीकात कहा া, ভাগতিবালও আন একটা ছোভি-ৰ অনুগাৰি উপ**হিত হয়।** বি लाटर अर्ड कत व्यामात **इडेट्व** ? अस्त ভুজারি**ব উপারে যদি কর ল**ওন। अनी**राट**बंद **या**त क्या कहेटन, नट्छ

क्टक वार्फाङ कत मिटङ इक्ट्रेस ভাই অন্যায়। এতি বিশ্বায় কৰু প্ৰভা জন জোনয়। 24 ডি বিঘার উৎপাদিক।

জ বিৰেচনা করিয়া কর স্বার্থ্য ক্রিচে ল মং গ্রের ব্যয়ে আয় নি,শেষিত

ং যাইবে। সকল ভূমিতে এক প্রকার ধার্ম্য ইইবার মন্তাবন লাই।২৪ প্রগ

অনুগতি প্ৰণান্ধ আন্মেৰ এক বিদাতে াভ ১য়, ক্লায়াতে কি সেই লাভ

ड भारत ? लिखनाड मारङ्ग भारता ज নি অবলয়ন করিব র নগাই কহি

নে; কিন্তু ইহার নাটালুগামিত। ादा कामराभग करिका एंडिएड शहर

। না। যদি ভতুধবেন করিয়া দেখা প্রভীলমান ভ্রবে, বলিকদিলোলই

দেওয়া নসভ হয়। কিন্তু রপ্তানী করিলে বাণিজেনে ভ্গতি ক্টবে:

প্রকিড বিজ্ঞার কর করাও র্গত হইতে ধারেনা। ভবে।

টিধানদ খা রা**ন্তা** প্রসূত করিবলে প্রিভাগে করা হউত্ব সু আমেনা

াভ সংক্রের महिन स्रोकात তহি এনেশে শ্ৰাঞ্জ প্ৰিমা:ৰ

न,है। ६ पाजार मूर कहा कर्छना। ামারও বলিতেছি ভানীরবাস্তার

ওয়। ে বল অভ,চিত্রের কারণ হয়। ত ব্যবিজের পক্ষে বিলক্ষণ অনিষ্ট

ইংতে সরক্তেরেও বড়লাভ নাই : া কর ইজাবা ক্রিয়া জন, ভাঁছো

ে বে কিছু লাভ চলীভেছে। একৰো

উটাইষা দেওৱা উচিত। কিন্তু পার র ইকাবা রহিত করা আমাদি:গ্র पण नरहा भवर्ष ६ ने से ब लो हा

নিওনাড দাছেব বার্ষিক অভিনিক্ত ২৫ लक्ष होका व्यार्थना कतिर उट्टन। क् उक ভার সরকারী ধনাগারের উপরে আর

निएउएक। किन्छ हेकाः मात हो। न काटन

ক্টরপ্রভার হস্ত দিয়া আসাতে অর্দ্ধেক

हे। हा अनुकार का का का का का विकास की विकास का विकास का विकास की विकास का विकास का विकास की किया कि का विकास क

-----রাখিতা বিনা বারে পার করিতে দিবেন विवनां के शादश्यत व शास्त्रां व व्यक्ति विव কর। আমিরা উপেরে ভূমির করর্দ্ধির প্ৰতিখাদ করিলাম। তবে কি কেবল এক ালেণী ঘাটে প্রস্তাবিত লাস্তার বায় ি গ্রহটবে গুইহার উত্তরভূলে আমা দিলোর বক্তবা এই পুলিবের বার সর-ফালী ধনংগারের উপরে নিক্ষেপ করিয়া বিউনিদিবাল আর হালা কেবল রাস্তা প্রভৃতির বাচনিকার করা উচিত। যেসকল কান্তা ১২ ক্রোমের অধিক हरेद फोश्य दास राखादकांस स्टेटफ প্রদান করা কর্ত্তবা। চির কাল কিছু টুমনি কামালিক হউৰে না যে ভাষাতে সবল টাৰা নিঃগোড়ত হট্যা যা**ইবে। যেন্য স্ত** আর নিদিক আছে, তাল বিবেচনা পুর্বেক বার করিলে অনাংংবে চলিতে পারে। প্রনিক্তরাক্তর্মচারিপণ স্থানীয় রাস্তার বারের নিমিক্ত মিছনিসিপাটির अधीम इहेटल अलवादाव लाजक निका রণ হইবে। প্রেণীঘটের হায় জনশ; अधि इंडेट उट्ट । किथिन मटनाट्यांश मिटन থালেৰ মাজুল হইতে বিশ্বে আয়ে কই বার সন্তাবনা আছে। এমনে গালিফ নাচেৰ ও ভাঁছাৰ অসীন কৰ্মচাহিপন বিধন লইয়াভিনলফ টাকামার প্রদান ক্রিতেছেন। কিয়ু ধাণাপ্রভৃতি হানে বে চনভুক এক জন ডেপুটি কালেক্ট রকে নিয়োজিত করিয়া মাজ্ল আবার किर्ित ३० लक्ष छे। छ। आग इहेटड পারিবে। স্থানীর আংগের বিবরে আমা দিগের অবস্থা কাশ্মীরের অবস্থার তুল্য हरेश दक्षिशांट । लाटक यरथके हाका

কতক নিউনিসিপালিটির উপরে ১ করিলে, মাত্র বুঝিয়া আদায় ক भारतिहत, धवः भविक्छशाके विष চৌइनिर्गत मूथ वक्त कतिहा করিতে পারিল মূতন করের প্রে **হইবেনা; অথচ অবভিলবণী**র কা শম্পন্ন হইয়া উঠি(ব।

पूर्वाद'कता (दल ब्राप्ट्र इच्छेन)।

পুর্ববাঙ্গণা বেলওয়ের ছ্ঘ্টিনা স্থান স্ক্রাধারণে অভিশয় চঞ্চল উঠিঃ িছেন। সকল স্থানেই এই কথ! मक्रमहेरानाच्यानित এक्टलीत छे অভিশয় বির্ক্তি প্রকাশ করিছেছ দেবল দে ভারত ধর্মীয়েরাই অসপ্তয় हा**र्डिन इजाल नय, दिमकल हे**र्ज्ञा**क** र ভ ज : याँ भारत हे एता भी शांक दशत এদেনী চিন্তেৰ জীবনও মুন্তবান : क्टरनः, याँकाता अत्राह्म उपित्रामि নিকটে আপনানিগের মহামনং রকার নিমিষ হাদেশীঃদিগের (গোপনে রাথেন না, ভাঁছারা **স্পা**ঞ্ ধানে ঘুণা ও ছুখে থকাশ করিতেয়ে

ত্র্টনার পর দিবদ কলিনা চার পু কমিদনর ফীয়াট হগ সাহেব ও রিচার্টেক্সল বারাক্পুরের আড্ উপস্থিত ছিলেন। তাঁহারা সচ্চেক্ত शाहन, करेंगे जीलांक ও वक्षी शू সাংঘাতিক আঘাত প্রাপ্ত ইয়াছি*লে* किश्व दिल्खरत कर्यहारीता जाशांकित

ताइरिक किना दाविहा हिल्लम । उँ নিগের শগুনের নিমিত্ত একখানি ক দেওয়া হুইরাছিল। হগ সাহেব এই নি

রতার কারণ জিজ্ঞানা করাতে ভত্ত कर जन क्यां होती बिलालन, " जा कर বলিয়াছেন, ইহারা বাঁচিবে না। অত

ইহাদিগের নিমিত চেকা পাওয়া রুং ইহা প্রবৎ করিয়া অভিশয় বিরক্ত হয়

इत्र वारहर अटबले ट्याप्टेंबरक बहे नि

য়াছিলেন।

রি কথা বলিলেন। প্রেটেজ সাহেব রীতি কাজ না ক্রিয়া হল সাহেবকে গাইয়া বলিলেন, তাঁহার এ বিষয়ে । কহিবার কোন ক্ষমতা নাই। দর । তিপাল তথন উপস্থিত ছিলেন। ন এ বিষয় গার্থমেণ্টের গোচর তে উদ্যত হন, পরে হল সাহেবের । ইহা জানান হইয়াছে। ফুকিলিন উজ সাহেবের ধৃষ্টতার সম্ধিক ংসা ক্রিডে হয়। তিনি ছুই জন হুণেকের পত্রসংবাদপত্রে প্রাণিত রা এই প্রতিপন্ন ক্রিবার চেটা রৈছেন, তিনি য্পাদাধ্য সাহায়

দুঘ্টিনার অন্ডিগরে একেণ্টক্ত লিআহত লোককে পল পাতিয়া কথানি আচ্ছাদনহীন শকটে বারক অানয়ন করেন এখানে সমস্ত র ভাহাদিগকে দেই পলের উপরে ংতে হয়। প্রাভঃকালে কভকগুলিকে ৎ্দালয়ে প্রেরণ করা হয়; কতক-একেটের ব্যবহার দেখিয়া অভ্যস্ত স্বীকার করিয়াও কলিকাভায় আই । (श्राप्तेक मार्ट्य निष्क हेहा ার করিয়াছেন। যথাৰিধি যে তাহা র সাহায্য করা হয় নাই, তভিষয়ে য় নাই। যাব তীয় বিষয়ের নিগুড় হ্রানার্থ সত্তর এক কমিদন নিয়ো. করা কর্ত্তব্য। ইছার মধ্যে এদেশীয় হন সভঃ রাখা উচিত; কেবল কয়েক ইঞ্জিনিয়ঃকে প্রেরণ করিলে কাজ না।ইহার অসুস্ফানকালে অংধি-ণ এদেশীয়ের সহিত ব্যবহার ত হইবে। অতএব কমিণনমংখ্য ণীয় সজের সস্তাৰ একান্ত আবeপদংহারকালে আমেরা জো মহো

পুন: পুন: অ**সু**রোধ করিতেছি,

(यन व विषय अधीमत न) इन।

রেলওমের কর্মচারীদিগের প্রতি লোকের অতিশয় অবিশাস ক্ষিয়াছে। নিগ্রু অনুসক্ষান ও অপরাধীদেগের মুগাবিধি দওবিধানদার। পুনরায় বিশ্বাসভাপন করুন।

সহয়ত লিব ৷মউনি মপান্সী:

অন্নর সচর চর দেখিতে পাই, ইউ রোপীর অবরাধীদিগের অপরাধ প্রমাণ করাও যথে,চিত দণ্ড করাছা নাঃ ইং,তেএক মহথ অনিক্ৰীল অলুনত ছইতেছে। লোকের বিশম বিরুক্ত সংখার জ্মিতেছে। আমরা নিয়েযে থে.িড প্রধানি প্রকাশু করিছেছি, প্রধান পুরু যেরা ইছা পাঠ করিলেই এই সংস্থারের বিষয় এবং সহরতলির মিউনিসিপালটীর অত্যাচারের বিষয় অনুগত হুইতে পারি-বেন। আন্তরিক যত্নসহকারে সম্ভব ঐ উভয়ের এতীকার চেষ্ঠা পাওনা উচিত। ইউরে:পিটেয়রা কর্ত্তব্য কর্মের चतुर्छ सकाटल পक्षभाठ करतन ना . এवः ধর্মনীতির অনুগত হইরা যাবতীয় কর্ম সম্পাদন করেন বলিয়া পুরে লোকের যে সংকার ছিল, দিন দিন ভাচার অনাধ¦ভ∷ৰ হইতেছে। এত দিন এদেশীয় দিগের চেখে কণে কুটে নাই, ইউরে:পী য়েরা বাহা করিয়াছেন, শোভা পাইয়াছে, এখন আর অন্যায় কর্ম করিয়া ভাঁহাদি গের অব্যাহতি পাইবার যো নাই, এখন এ দেশের শিক্ষিক লোকেরাতল তল করি য়া উঁহে ছিলের কার্য্য দর্শন করিতেছেন। এখন এ দেশের অনেক শিক্ষিত ব্যক্তির চরিত্র ও ধর্মনীভিজ্ঞান অনেক ইউরো পীদের অপেকা উৎকৃষ্ট হইরাছে। সূত্র. রাং ভাঁহারা অন্যায়দর্শন সহ্য করিতে পারেননা। ধর্মনীভির বিরুদ্ধ আচরণ करत्रन विलिहा व्यटनक हेडिएतः शीव करण-শীর সমাজের অত্যে হতএতিঠ হত্বাদর ও হের হইতেছেন। একংণ ভারাদিলের कर्खरा, मरियान इहेशा हटलन । फेक्क्फाइ है

সম্পন্ন বলিয়া এতদিন ভাঁহাদিগের প্রতিষ্ঠাছিল, উঠও বিশুদ্ধ কর্ম ব সেই প্রতিষ্ঠা অব্যাহত র:বিবার कद्भाः। এटमभी प्रतिरंतित अटलका दे ी∷ मिरशंत वल ও विक्रम অধিক, অ তঁ,হাদিগের প্রাধান্য কে খণ্ডন ক পারেন, যদি কাছার মনে এগর তঃহা পরিত্যাগ করাই উ.চিড। বলের পতের কাল আরে নাই এখন ধর্মানী অংধিপতোৰ কাল উপস্থিত হট্যাছে এন এখন উহারারাই প্রাধান্য এদর্শন বেলাগবর্ণমেন্টেরও কর্ত্তব্য, যাঁহারা নাদিবের বিশুদ্ধ কাষ্য্রারা আপ গের বিশুদ্ধতার পরিচয় দিতে না বেন, কোন ক্রমে উ:हामिशक পদ ब्राट्सन । शवर्गरमन्द्रेटक हे कर्म हाती पि গুণ দোষের ফলভাগী হ**ইতে** হয়। গৈ দিগের জ**াপর:জ**া রজ:রই য थाटक ।

মহাশর ! বোধ হয়, আপেনকার 🕏 গণের কেইছ অনবগত নহেন যে, ইং জাতির কেহ আইন বি, জ কার্য্য ক তাহার দণ্ড হওয়া দুরে থাকুক কেই পাইস করিয়া ভলিপকে অভি করেন, ভাহা হইলে ভাঁহার আদাল হাত হইতে অব্যাহতি পাওয়া কষ্টকর হ পড়ে। শেতিক মহা কুষ্ণণ এমনি স্বয প্রিয়বে, ভাঁহাদিপের বিপক্ষে নালিশ গোলযোগ ছটলে পরেই ভাঁহারা ছ গা শোঁকাশোঁকি করিয়া মিটাইয়া (মিটাইয়া দেওয়াই বা কেমন করিয়া ব ভাঁহারা বিচার করেন, তাঁহারাই ভজ (हे हैं ; आहेन ७ डाँका भिरणत दूरक , यून বিচার ভদসুক্ষণ হয় ভাঁহার। ওলির্ খুন করিলে গণ্ড ভ্রমে নীকার করা, কশ খারা প্রহার করিলে শিক্ষা দেওয়া চুরি অপহরণ করিলে ভ্রম হওয়া ইত্যাদি ব পার পাইয়াগা কন। কিন্তু এক জন বা यकि शोभोना स्तिय करत्रन, छाष्ट्र, हरूति লাজত দেওয়া তৎপরে বিচার হয়।

একণে ২৪ পর্গণায় যে মাণি

ভার: রটলে সহরতলির মিউনিসিপল (রিগণের অভ্যাচারের বিষয় অবগত িনি যে নিত্তক্ষ আছেন, তাহার কারণ অ:বার বিবেচনা হয় ধর্মপরায়ণ চেয়ার भ दश्य ला**ट्ड व्यनवधान** हाटलाट्स ८ थि। এই ভরে **মিটনাটের চেঠা** পাইতেছেন . রেগনার অধীন শহরতভির লোককে াপ পর অথম জ্রান করিয়াছেন চুনা ৮গকে চট*া*বামের বাখাল অপেকা ितान करतम २ जिमि निष्य यादा दिस्य চরুন, বড়তঃ আমের তিহান হ। আমেবা ন,নিপল ক মঁচারিগণের অত্যাচারে কর্জে স হ'ইয়াছি, এমন কি আনে সহাকরিতে িন!। ক্রিস্নর্গণ ১লা ন্বেস্বরের ঝড়ের পর কমিটিডে স্থির করিয়া কাঁচা ঘারর বকেয়া টারু ছাড়িয়া । কর্মচারী মহামার। তাঁকাদিলের ইচ্ছা-কতক পরিত্যাগ করিলেন, আনর কতক টে লারিছার পরচাদমেত আলায় করিয়া লন ৷ সাইনে দৃষ্ট হয়,ওয়াে টে জারিভার। মোল একাক হইয়াপেয়াদার ভিন্মায় ধেল জাতিদিন প্রত্যেক পেরাদার ১০ आना त्वाक लात्य। किन्द्र हेश्मित्यव ট সমুদায়ই বিপরীত। ইহারা বিল য়ে করিতে আইংগেন; সমন জারি করে কেৰন ওয়ানেট জারি করিয়াটাকা। (গক) হয় এক বিলি ৺ুই ব†র ভা¦লয়, বরচছ্বার লেখা, আমার পীড়াগীভ়ে ল উপরিয়া দেওয়া, ভ্রুবিলে ৫০০ ার আহতিবিজ লা রাজিবার বিশেষ দশ থাকিলেও প্রভাষ ১০ ! ১৫ হা নার । তহবিলে মজুভ রাখা, ব্যাক্ষেটাক। ভুগা চেক কাটা, শীড়াপীড়ি দেখিলে চেক পুনরায় জন। ধরত করা, কর্ট্রাক্টর ে নিৰুটে এগ্ৰীমেন্ট লা লইয়া, আবহুমান े डार्शनिंदभत चांत्रा कार्या लक्ष्मी, स्मरक

अक्त का उटले नेटक आकित्मत कार्यात

াপড়াবেডন দিয়াও কমিদনরদিকোর

ারে আফিন কলেকসনের উপরে শত

০ (১ন রাক: কমিদন েওয়া, এপ্রসী

----ন, কালিবারা কিচুতেই এমন বোধ হয় | একৰে কমিমনর মহাশয়দিশের নিকটে বিশেষ ভিজে সম্প ও প্রনেশীর দাঙ্বা সভার হা অসুরোধ করিভেছি, ভাঁহারা বেন কাহার চট্ট বাক্যে প্রতারিত না হন। ইহার অসু স্কানে করেন।

विविधगः वाम ।

৩ - এ বৈশাখ'লোমৰার।

গাত বাবে প্রাক্তনংশোধকের অনবধানভায় ৪০৫ পৃথার এবেৰ কলমের ১৭ পড়জিকতে · ৷ ৷ ৬ ব বৈশাৰ " হলে ৬ ই বৈশাৰ এব ৷ রং৭ পু^{ঠা}র ভূষীয় কলমের **৯ প**ংক্তিতে ''বগ্ড" স্থানে সম্ভ হ্ইয়াছে।

क अरम कालीया मध्या । अ कमारिक ह এথা প্রবল থাকাতে নিজুলটিলের বিবাহ হত রা ভারা তাহারা যার ভার মেয়ে পাইলেই বিবংহ করে, ভাল মদদ বড় হিবেচনা করে নাঃ शकारकता अहे द्वतिया शाहेगा अक कम्मारक ত্ই তিন স্থলে বিভায় করে। এপ্রকার ভূরি রষ্টাপ্ত আছে। দোবরা কন্যার পশ্চিদিগকে সমাজে কিছু হেয় থাকিটে হয় । কিন্তু ভারারা সমাজে এক কালে ঐচলিত থ'কেনা। অমূত বাহার প একায় एष्टे क्रेज. डेक्क्य এक्की लादवा কন্যাবিৰ'ছকে দিপৰা বৰাচ আচন করিয়া অব্যাপকের নিকটে ব্যুস্থা অইয়া বিবাহকভাকে সমাজে চলত করা চইয়াতে; এপী লুভম কাও বটে গাক্স একজারা বিশ্ববিষয়ের যে কৈছু কান্তুকুলয় হটবে কানাটোবেগৰ একৰা বোধ হয়না। যাঁহ'র। দোবল কন্যাপভিকে উদ্ধার কাইয়াছেম, ভালালিগকে একটা আভে বিধবার পাণিগ্রহণকারীকে উদ্ধান করিছে বলিলেই ইহাব পরিকা হ্টাবে ৷

व्यापक्ष भूर्त्त हैनामहत्त्व रहात मृङ्गारकान यांक धकान क नेवां जिलाय र दिर्मय करिया किङ् বল হয় নাটা এ ২াজিন দরিল্লসভান ৷ ইংটা ভালরপ লেখা পড়াশিখাও হয় নটে; ইনি কেবল স্বাভাবিক সুদ্ধির বণিক্তাডিন জিনার কোম্পানির বাসীব মুস্কুকি হইয়া বিস্তর অর্থ উপার্ক্তন করিয়া নগরের এক জন গণ্নীয় भनी इत्रेशकित्नमः धीरमकात्न बनायम् मुख्य इक्ष हिर्मा । मृङ्काताल । देनि नावातर वत हि-ভার্থ ২০০০ টাকা দিয়া গিয়াছেন। ইহার ১২, টাকা উছার প্রায় খাই মেডের এক রাজ্যায় ব্যয়িত হইবে। অপর ১০,০০০ টাকা প্রেসিডেন্সি কালেজের ছাত্রবুজির নিমিত্ত গব र्गरान्द्रेत करला थाकिर्द। म्रेनानकराज्यत खी यनि ? ইহার অনুস্থান একান্ত আবশ্যক। । গভক্ষৰণ না করেন, ভাষা চ্টুলে ভাষার

क्ट्रेर । ज्ञेनातहास रक्षुत्र अ मान क्षान्य সংশাহ নাই । ইনি মৃতুকোলে এই বলা প্রদর্শন করিয়া যেরূপ বশোলাভ করি জীবিভকালে সেরণ করিতে পারেন ন ইনি অংডিপয় হুমাপালী ভিলেনঃ ভ আনুঃসিট ছই এচট গোবেও বিঃ আসক্ত ছিলেন। আনরং লোকের দেয়ে ও রুলারূপে বাজে করি, ইহাতে কেহ কেছ ভ हर । कि है है। हावा योने अञ्चातन कतिया (व्किर्ड भः दिर्वन, काकिनिरमस्य साथ বংতিরেকে স্বাঞ্জের দৌষ্পংশোধনসহ म'₹ .

शवर्गत (डामवन कोड्या नियादिम, (य ষ্টাম্পে লোহিত ও কুঞ্চ রেখা আছে, সাদালতে আবেদনপ্রভৃতিতে ব্যবহৃত হ নীলও কৃষণ রেখাযুক্ত স্থান্সে দলীল বি **≉हेर्द। फांम**ता এ श्रास्त्रं कातन दु **भातिनाम ना । मक्याल मकल ममर्**ष প্রকার স্থাস্থা পাওয়া যায় না বেনেকের প্রভেদনিবন্ধন দাবী ত্যাদি চইবার সভাব भर्ते प्रत्येत साम्रक्षां नि शक्षीयः एव प्रश्

ख्र केटेट स्हार्थ का कर हो क লগলী বা শেষপ্রভারতে উৎসম করি: মনীসূরেও ঐ প্রবার প্রবাহরে। ওলা मनाव प्रश्कासक स्वाप्तव स्मान मिनी ४, इह না, এটা আবংর ছঃখের বিষয়।

ष्य न । ताल का (त छेलकशाब्र 📆 অমুক বাজে ২ানে মাণিক পাইয়া, ভ ভারে ভাং। ঊক বিদীর্ণ করিয়া ভান্সবে; রা সঞ্জ এই কথার যাখাপ্য সংখ্যাণ হট্য আন্মানের ডাজার হার, এচ কয়ান্ স এক জন ক',শী প্রাপ্ত প্রক্ষাদেশীয়ের শরীর করিতে গি 1 ত হাঃ ছই বাঞ্র মধ্যে ২৪ ও রৌপংমুলা পাইরাচেন : বাহিব ১৯৮৮ बर्ता किছू जारह. अबन :वात्र रहेड मा। यसूत्रकारम कानिशाहन, त्यात । विशन রকার নিমিত্ত ব্রহ্মদেশীয়েরা এপ্রকার সকল শরীরমধ্যে রাখিয়া থাকে।

সর স্টালোড নর্জাট ভারত গবর্গির জেনরল হইরা অর্দিবেন, ভাঁহার ব হেতু করিয়া সকলে ইংজিলুমান করিতে विश्वतिमानम् उ हिकिरमान्यम् मान श्रथम তিনি সম্রতি এক ভোজনিয়া লণ্ডনস্থিত क्षन खरत्रख्यों प्ररक निमञ्जन कत्रिवाहितन কৰেল আগুৰেন গুইতুমারের ক্র আতা গার দর্শন করিতে বা ওয়াতে সংবাদপত্রে ণ গালি দেওয়া হইয়াছিল। দাদা নাহেবকে

ার গহে অভিশয় কপ্টে রাখা হয়, এপ্রকার

সংবাদপত্রে প্রকাশিত হওয়াতে রাজার

রেনিজেও ভায়ার সভ্যাসভাতা জানিবার

গমন করেন। ইম্প্রকাশ বলেন, দাদা
ভিত্রম বালীতে আছেন। জাঁহার সক্ষ্ণনিমিত্র যাহা আবশ্যক সে সমুদায় ভাঁহাকে

হইতেছে । এ বিষয়ে ভিনি নিজেও

যাগ করেন নাই। কারাগারে কভ থাকা

ইর কারণ নয় ? ওয়েল্সের রাজকুমান
সন প্রাপ্ত হইয়া এভিনবরার ডিউকপ্রভৃতি

দিগকে যাবভীয় বিলাস্তব্য দিয়া ধদি
নর কাসলো রুজ রাখেন, ভায়া হইলে

। সম্ভষ্ট থাকিতে পারেন কি না ? বোধাইগেজেট আবন করিয়াছেন, কাবুলে অেনিয়াছে, স্মাটের আজাপুসারে এক দীয় রাজ্যকুমারু মুখ্য অংসিয়াদশনার্থ আবাগ রিয়াছেন ৷ যাবভীয় লোক ও সর্দার আভি হসহকারে রাজকুমারকে অভার্থনা করিয়া অন্তিম খার করেকজন দৃত্রশীর র গমন করাতে সেনাপতি ভারতব্যীয় মন্টের সহিত কাবুলের প্রকাপর সন্ধিশক্র ে খিতে চাইরাছেন। এ প্রতিভাষা জিম দ্হিতর-শীয়দিগের কোনস্ফি-হ্যুনাই। সই সন্ধির পূর্মিককণ বোধ হইভেছে। স্বিচ্যু, তাহা হইলে ভারতব্যীয় ও নীয় উভয় সংৰ্মেক্টেরই চৈত্র হেইবে। বিশ্র জেনবল আবজা দিয়াছেন, সণ্নেন্ট ল ভূমিপ্রভৃতি দানকরিবেন, ভাষার ইরির নিঃমত এক আনা করিয়া ফী

٦ ١

কার অফিসসকল গৈ মধারে বন্ধ হইবে।
ব বিচাত টেপেল এক জন পঞ্চাবী এবং
বধীয়দিলের রাজনী তিনংক্রান্ত উচ্চ ভর বহ
র শক্রঃ ব জালীদিগের বর্তমান স্বাধীন
র উহার চক্ষুঃগূল। তথাপি আমরা এক
র উহার প্রশংসা না করিয়া থাকিতে পারি
র ৷ সর জন লয়েল সেকেটারি ও মন্ত্রিস
পইয়া আপনার কর্তব্যক্তিয়ান ভগ্গা
ন পলায়ন করিয়াছেন । কিন্তু সর বিচাত্ত ল রাজস্থপ্রালীর বিষয় সুমারূপে জানি
নিমিত্ত কলিকাভায় রিধিয়াছেন । তিনি
ন শাবতীয় আফিসের সেকেটারি ও রেজি

বার ২৪ এ মেরবিবার হওয়াতে রাজীর

প্ৰির উৎসৰ ২০এমে শনিবার হইবে।

এতদেশীয় কেরাণীদিগের ধারা হয়। অভএব কয়েক দিবসাবধি তিনি কয়েক জন এতদেশীয় কেরাণীকে আহ্বান করিয়া সকল বিষয় অবগত হইতেহেন। হঃখের বিষয় এই, এইসকল উপ মুক্ত লোক যথার্থ বিষয় জানিয়াও এক কুসংস্কারের বশীস্তুত হইয়া এদেশীয় দগেও উন্নতির পথে কাইকনিক্ষেপ করেন।

সর এডওয়াড রায়ানের নিকটে পত্র লিখি বার সময়ে মেইন সাংহ্র <u>একেশীয়</u> উকীল निगरक वाबिष्टेवमिरगद अरलका मिक्टें अ अन्य বলাতে বে প্রতিবাদ হয়, ভাগার কল ফলি-शास्त्र । मञ्चिष्ठि अधानक्रम विष्ठातालस्त्रत अक জন উকীলের সহিত সাক্ষাৎ হওয়াতে মেইন 'স'হেৰ বলিয়াছেন, তিনি তাঁছার শ্রেণির লোক मिशरक लंबा, कविया शक्त निर्धन नाहे; मर्क्य ्लव छेकीलिशिवार सिम्हा कहिन्ना इति । ইছাতে আমাদিগের এক গল্প মনে হইল। একদা এক স্থানে এক প্ৰটন আগিয়া উপস্থিত হয়। জ্ঞমীলারের গমস্তা সমস্ত দিনের পর রসণ লিতে আসাতে কয়েক জন দৈনিক ভাষাকে এহার করে। গম স্তার ক্ষেতি ভাতো দূব চ্ইতে অনুজের কই দেখিয়া গালি দিয়া বলিল থাক * * * এখনই ভোমাদিগকে দেখাইব। এখানে কি माजिएके हे नाहे. ना काहेन नाहे? हुई छन দৈনিক তৎক্ষণাৎ দৌড়িয়া হিয়া আহার ছই शक ध्वारक 🗗 वाध्वि विलय, 🕻 (कामभिनाक | कि इतरम काशत वारभव नागः आरह : जे भाकितक अहे कातर शालि निष्डिक्तिम ए। मिश्रीमिश्रक दमक निष्ड विलय कविन (कम ? श्चनहे मालिएकेरे मारहव प्रश्व पिरवन ! » मिला হীরা চলিয়া গেলে ভাহার ভাভা আসিয়া ন্ত্ৰ'ংইয়া বলিল, ,, তুমি ভাইকে * * * বল ় :बार्ड हेरा श्वनिया वितत्र, खामारक कि शानि नियाकि ? अकथा ना चिन्दल छेहाता हाटड़ देव । মফ বলের উকীলগণ প্রতিবাদ করিলে মেইন সাহেব কি বলেন ভাষা শুনিবার নিমিত্ত আমা দিগের অতিশয় কৌতুক **জয়িতেছে**।

এন্দিনবরার ডিউক সম্প্রতি হত্যাকারীর হাত হইতে রক্ষা পাইরাছেন বলিয়া ভারত বধীয় সভা আফাদপ্রকাশ করিয়া রাজীকে। এক অভিনদ্দ প্রদান করিবেন।

া পলারন করিয়াছেন। কিন্তু সর রিচাড হিন্দুপেটিরেট বলেন, নিমতলার শবদাহের ল রাজঅপ্রধানীর বিষয় স্থারপে জানি কল অকন্দ্রণ্য হুইয়াছে। শবদাহনের সময় চাক নিমত্ত কলিকাতায় রহিয়াছেন। তিনি নীর অনেক স্থান দিয়া ধুম ষহিগতি হয় ও স্টোন মারতীয় আফিসের সেক্রেটারি ও রেজি এত উষ্ণ হয়, যে কিছুক্ষণপরে আর স্পর্শ করি । পুষ্ট বেঠন পান মাত্র কাল যাহা বার যো থাকে না শব্দ ও ভাল দ্য হয় না।

মিউনিদিপালিটির টাকা এই প্রকারেই । থাকে।

৩১ এ বৈশাধ মঙ্গন বার।

হিন্দুপেটি রট বলেন, বৈদ আবছ্লা মা ৩০০ টাকা বেডনে কানিং কালেজের এক অথাপক হইয়াছেন। বৈদ আবছলা হ বিশ্বন্যালয়ে উর্দ্ধ ভাষার অধ্যাপক ছিল কেহ কেহ বলেন, তিনি ভারতব্যীয় কোলি এক জন মন্ত্রীর পদ প্রার্থনা করিয়াছিলেন।

সম্প্রতি ভিছতে যে করেকটা ভাকাইতি ভাকার মূল নেপালে পাওয়া নিয়াছে।

কেজন দক্ষা একজ ইইয়া লুঠ করে। ই পুর্মে ব্রিষ্টিশ প্রজা ছিল, একণে নেপালে য়ন করিয়াছে। ব্রিটিশ সীমাতে দক্ষার্তি নেপালে গেলেই আর ভাবনা থাকে না।
কলিকাভাগুড়িতি স্থানে কুকর্ম করিয়া র করাসভাজায় পলাইত। ছ্ট্রিদিগের সে বা যেন ভা জ্য়া দেওয়া হইয়াছে, নেপালের তিও তেমন ভাজিয়া দেওয়া ইইয়াছে, নেপালের তিও তেমন ভাজিয়া দেওয়া উচিত।

আসংমের কমিদনর কর্ণেল হপরি
সম্প্রতি গবর্ণমেন্টের নিকটে আক্রেপ ব
লিখিয়াজেন, অন্য অন্য প্রদেশের ন্যায়
মের কর্মচারিগণ প্রতিবংসর যে এক
বিদায় পান, তাহা কোন কান্দের হয়
আসাম হইতে কলিকাতার গমন ও
হইতে প্রত্যাগমন করিতে ৪০ দিবস্থা
কর্মেন হপকিশন ভরিমিত প্রস্তাব ক
হেন, এইসকল কর্মচারীর গমনের বি
অভিরিক্ত এক মাস বিদায় দেওয়া করে
কিন্ত লেপটনা-ট গবর্মির এই প্রস্তাব ব
করিয়াছেন। গ্রাহ্য করিলে এইরসেপ ব
অন্তর্যাধে পড়িতে হইত।

এ বার সর্দ্ধান্ত অসময়ে অধিক বৃষ্টি হইটে সিক্ষুর জল এত বৃদ্ধি হইয়াছে যে, সক্ নিকটে জলপ্লাবনের আশক্ষ। হইয়াছে। দেশীয় গ্রহণমেন্ট এই বেলা দামোদর ও দীর অবস্থার প্রতি দ্বিগাত কর্ম।

গত গুক্র-বার বৈকালে কড়ের সময়ে
পুরের নিকটে ১৩ জন আরোহীর সহিত
থানি নৌকা জলমম হয়। সৌভাগের
রয়াল আডিলেডনামক জাহাজের স
কাপ্তেন ও নাবিকগন তৎক্ষণাৎ এক লে
লইয়া আরোহীদিগকে রক্ষা করিয়াছেন। ও
হিগণ কুভজ্ঞভাপ্রকাশের নিমিত্ত এক পত্র
নিউসে মুদ্রিত করিয়াছেন। চাঁদা করিয়া

সাহসী ব্যক্তিদিগকৈ এক ভোক দেওয়া ক ভেলিনিউন বলেন, খনদা হইয়া ইন্দো

নী হইবে, মহারাজ হোলকর ভাষার ভাক ইয়াছেন। ভাছার ক্ভিপুর্বের নিমিড মেণ্ট ভাঁহাকে চির কালের আসন্য এক ধানি न। अनान कतिशास्त्रन।

রে রিচাউ টিম্পল সম্প্রতি হাবড়ার কানি টিউটে মহাভারতের কিয়দণ্শ পাঠ করিয়া ন, ভাঁহার মতে এই কাব্যখানি ইউরোপের - উৎকৃষ্ট बीतदमक्षधान कारवाद जुला। ন কালে হিন্দুরা রাজনীতি, বাবস্থা, ত্য, বিজ্ঞানপ্রভৃতি বিষয়ের কড উন্নতি াছিলেন, ইহাতে তাহার এমাণু পাওয়া । প্রোত্বর্গ অভিশয় আনম্পর্কারে এই দশ <u>প্রাবণ করেন। পরিশে</u>যে সভাপতি র মৌএট এতকেশীয়দিগের পুর্বতিন ার সহিত বর্তমান অবস্থার ভারতণ্য **া উপদেশককে ধন।বাদ দিলেন।** ডাক্তর ট যথার্থ বলিয়াছেন, এতদেশীয়দিণের ত: নাথাকাতেই ইহানিগের ঘাভাবিক

ভীক্ষতা থাকিলেও কাজ হইডেছে না। ১ ना टेकार्छ बुधवात ।

বুয়ানের ফুডন শাসনকর্তা পোণ হেনেসি ব ইছার মধ্যে তত্তেড়ে লোকদিগের এমন ষ্টয়াছেন যে, সম্প্রতিভাষার বিবাহ হও চীনেরা আপনারা আসিরা বর্ষাক্রী **অনেক আমোদ ক**রিয়াছে : - ২েনেসি ৰ কাডিডেদ নাকরিয়া সকলকে নিমন্ত্রণ াছিলেন। ইংলগু হইডে যেসকল শাসন এक कारन छेपिनिर्दरन काहरतम, धाँहात्रा র কুসংস্কারবিশি**ত শাসনক**র্তাদিগের গ অনেক ওণে প্রচি।

শহ্রতি আগরার নিকটে একটা জীলোক নের ভবে এক তৃতীয় শ্রেণির রেলওয়ে **হইতে লক্ষ্**য়িয়া পতিত হন। তিনি ভ হইয়াছিলেন ; কিন্তু অনংকোন ক্ষতি াই। রেলওয়ে কোম্পানিসমূহের যে প্রকার রী ও ডব্রাবধায়ক, ভাহাতে এসকল र ७ द्वा च्या भहर्य) त्र विषय नरह।

ঞাব রেলওয়ে কোম্পানি বক্তার সিংহ বেবল রাণ্ডলফ স্টুয়াটের নামে যে নালীশ ভাহাতে বক্কার সিংহকে ৩০,০০০ টাকা হইয়াছে। কর্ণেল এলফিন ষ্টোনের অ্ধীনে

চাজি ও ইুয়াট কটাইর হিলেন। িবিংচ প্ররেষ্ঠিকের্থের সেরেস্তাদার না সাক্ষরিবা প্রকাশিত ইইয়াছে, এই

পদ্ৰব্য বোষাই রেইলওয়েতে আমদানী ও এবং কার্যতঃ এটি বিনামী ব্যবসায় মাত্র ছিল। যাহারা এডদেশীয় কর্মচারীদিগের অসা-রভাদর্শনে চীৎকার করেন, ভাছার। একংশ কে:খায় ?

> সর অন লরেকা সে দিবস বোধাইয়ের कि व्यक्त भिष्ठनित्र विकास स्थान করিয়ারেন। সম্প্রতি দিলীর বাপটিষ্ট মিসনরি গণ ভব্ৰত্য ইউরোপীর সৈন্যদিগকে ধর্মশিক। **रियाक्टितन विषयः) भवर्गत (स्मन्दन डाँहामिश्रास्क** কল্পেক সহত্র টাকা প্রদান করিয়াছেন। তলবাব ভারতবর্ধশাসনের একম:ক্র উপায়, এ সংস্কার যে শাসনকর্তার আছে, তিনি যে এইসকল আইন বিজয় কর্ম করিবেন, ভারা বিচিত্র নতে। কিন্তু সর জান লারেকা লানিবেন ভারতব ইতিহাদলেখকের এসকল গৃহিত कार्स्य, ब्रज्जुब्रहात मिरवन ।

লাহোর ক্রনিকেল বলেন, সত্রতি অমৃত সবের নিকটস্থ জানদিঘীয়াস্থিত মুসলমানেরা গোব্ধ করিয়া ভাগার মাংস ভক্ষণ করাতে ভক্তের হিন্দুরা বিরক্ত হইয়। মুসলমানদিগেব জনপানের স্থাপ ও মসজিদে প্রকর কাটির। क्लिया नियाहित्नन। এই निभिन्त उच्य मण्ड দায়ের অভিশয় বিবাদ চলিতেছে। হিস্তুগণ আগাপনাদিগের অনায় কাল বু.কাতে পারিয়া মসজিদ ও কুপের মুল্যদিতে চাহিয়াছেন। কিছু মুসলমানেরা মকদ্দমা করিবার নিসিত দৃচ প্রতিকর **হট্রাছেন । ধর্মাক্ষতাবন্ত** কনিষ্টের

মালির কোটার রাজার নামে ৩,৩:1চারের অভিযোগ হওয়াতে গবর্ণর কোনরণ এ বিষয়ের অসুসন্ধান করিবার আহাত দিয়াছেন। পঞাব भवर्गरमन्हे हेर्। कदिर्वन ।

नव क्षेरकाञ्च नर्थ काठ नर्समाहे जात्रकवरीय ও ভারতবর্ষীয় ইংরাজ কর্মচারীদিগকে ভোজ দিয়া থাকেন। সকলে অনুমান করিয়াছিলেন, এ টাকা সরকারী ধনাগার হইতে দেওয়া হয় ১ किन्त अकामिल ब्हेबाएक, यत क्षारकाल वर्षरकाहे নিজের ব্যয়ে ভোজ দিয়াথাকেন। সুলভানের বিষয়ে যে কাজ হইয়াছে ভালাভে যদি সর ষ্টাকোডের চৈডন্য মা হয়, কিসে হইবে। ডেলি নিউস হলেন, সম্প্রতি নেপালের গ্র্ব

মেউ প্রস্থাব করিভেছেন যেসকল বিটিশ প্রকা নেপালে মহুষ্য জন্ম বিক্রায় করিবে, ভাছাদিংগর দও নেপালে হইলে ভাল হয়। গবর্গর জেনরল ইহাতে সমত হইয়াছেনঃ নেপালের বিচারপতি ও রাজ্যেখরের ক্রীত দাস আছে কি না জানিয়া টবের সহিত এল কটোনের অংশ ছিল বিজাতি দিলে ভাল হইত।

উক্ত পত্র বলেন, ধিবার খার সহিত দিসের বিধাদ আরম্ভ ছইয়াছে। রুশীয় সেঃ काळात्राच्या समस्य ब्रह्म क्रमीय देनना हो। প্রস্তাব করাতে খাঁ ভাষতে অ रम । देशए७ (यमाभक्ति विलग्नारकम, यसि সহজে সক্ষত নাহন, তাহা হট্তে বল উक्त नगत्र व्यक्षिकाते कता इहेरच। श्रदन छ বিরোধ হইলে ছর্মলের পক্তে এক্লপ প্রবণ বিক্ষয়কর নছে।

গেডেলটে দেখা গেল, নিয়ত্তৰ কৰ্মা প্রায় অনেক আইনের বিষয়ে আজ্মত ঃ करिष्ठ। माक्कार मध्यक्त भवर्गत (कामत्रास्त्र । ব্যবস্থাপক সন্ধার সভ্যবিশেষের নিকটে কবেন, ভাহাতে অনেক অফ্রবিধা হয়। ভ গ্রণর জেনরল আজ্ঞা দিয়াছেন, ভবিষ্যু সকল পঞ্জ স্থানীয় গ্ৰগ্নেস্ট্রে হলু আদিবে : রীতিই এই।

পিয়নিয়র বলেন, বাঁদাতে গোমড়ব রাতে ছটী প্রগণায় ৯০০ গরু প্রাণ্ড;াগ ब्राहि। श्रथमा अध्या अध्या अध्या क्ष्मा ह्या छ ক্ষাগত ভেদ হইয়া পশুগুলি প্রাণ करत्र ।

১১ ই মে সর জনে লরেক সিমলায় উপ ছইয়ারেন। উজ জানের পূর্মতন ভগ ও ।ব'শস্ত কামানগুলির পরিবর্তে সুভন ব আসিয়াডে : কিছ বারদ না থ:কাতে ব **ख्यनतर्गत रुपामार्थ कामान इस नाहै। ভ**ন পত্রপ্রেক বিদ্রপ করিয়া বলিয়াছেন, দের অসুসার থাকাতে গ্রাবর জেনরল গে নিম বাটিতে প্রবেশ করেন : কিন্তু ভাঁহার মন্ত্রী অবধ্বাংসংক্রেটারি যদি বংটা বাটী য वाक्रम जिक्का कतिए हम, खाश हहेरल कर তোপ হইতে পারিত।

২ বা জ্যৈ হুহম্পতিবার (

এপর্যান্ত বেদকল কর্মচারী কৌছ मक्षामाम नाकः पिट्ड याहेट्डन, राहानि ভরিমিত যে ব্যয় পড়িত ভাহা আপন ব বিভাগের ব্যন্ন বলিয়া পরিগণিত হইত। তি বল্পদেশীর গ্রথমেন্ট প্রস্তাব করিয়াছি এই ব্যয় বিচারসংক্রান্ত ব্যয়ের মধ্যে कदा छिक्ति । भवर्गत (स्नेमहत्स हेशास्त्र । ब्राट्डन ।

মাধ্বচন্দ্র দস্তকে রোজ ভৌগের হত্যা

विनियां भूनियम्भर्गन करा स्हेब्राटकः। (य माधी कर्नारय मगर्फ खवानवन्ती ভাঁহার। আবার এখানে ও জবানবদ্দী দি ছেন। এবাজি যে মুজিলাভ করিবে ড नरमहलाहै। श्रु निय यथार्थ (नायीरक इा नित्रभताधीक धतिश्वा होना हानि कत्रिएहर माध्यम्य मरखन एका कतिबान कान्। কাহার হন্ত্যা করিবার যথার্থ কারণ ছিল, বের কি ভরিব্যেরও ক্ষমড়া নাই ? পু রাজ্যের নিম্ন জ্ঞেশির ইউরোপীয় প্রবেশ (फरे উरात अञ्चल इक्ला रहेताहा

माक्तिरभव कमान्त्र विवाद मिर्फ इंडेरन াং-টি গরুদান করেছে হইড: একাস্ত करनत ना पागरङ करनक छोरलाक कविवा তা রহিয়াছেন, এবং তল্পেবন্ধন ব্যাক্তচাবেরও লকণ রন্ধি হইয়াছে। সমগ্রতি ছোট গপুরের গমিসনর কর্নেল ভালটন কেলে।দ-র প্রশান লোফ দিগকে আছেরান করেয়া এক গ করেন। এই সভায় সকলে কন্যানানের পণ भवाषी शक्त व लिया व्हित का दशा दहन। सवाषी श (व मिर्फ क्टेरव अक्रम नरह ; मात्रेश गन हेश्ट बर्ख १ हे।का मधन मिट्ड पादिद्य । कारनदा নাদিদোধ সূত্র্বর্তিক ও কায়স্থলিগের অপেকং বিশয়ে সমধিক বুদ্ধিমন্তা প্রকাশ কবিল। তুই শ্রেণির কন। র বিবাহ দেওয়া আত্রান্ত সোধ; হইয়া উঠিয়াছে। যিনি যাবজনী পহিতাম কাৰ্যা ২০,০০০ টাকা জানান, া:কচারিটী কনৰ, শার কণিতে এক কালে ध करें एक इस्रा वेश्य कि नः रंगापन करा

বেণর এবং ল মীমাংসা করিয়াছেন, ১৮৬৮

দ্ব ১১ এইন অন্তনাবে কেবল বংগাছুর

হঠন উপাবে কল্ফ লক্ষা হইবে না ক'ই

মত য বভিন্ন তা ভক্ত দিছে ইইবে ।

উক্ত পত্র জ্ঞানন কার্য়াছেন, বাশ্মীর ও
ভগারেন খেলকল শাল বিদেশীয় মানকগণ

শার হা বক্তর শুলক গ্রহণ কার্যার নিমাও উল্য় করিবেন
পার হা বক্তর শুলক গ্রহণ কার্যার নিমাও

ব গাংমানীর উপাবে আজ্ঞা ইইয়াছে।

হ কি লাগ প্রিমানে শাল প্রস্তুত্ত

5 43F 87

প্রক্রিক ক্রিনিয়ন জীকার করিয়াছেন, বের আদশ পুলিয় জন্য জন্য জানের পুলি-ন্যায় অপ্রাথনিগকে হরিছে পাবেন না। নো কেংল বিপোট পাছ্যা যুক্তনা হন, রো অনেক দিন পুর্মে ভারা জির করিয়া।

পেত্রত্বর বাংশ ৩০০ অবধি ১০০০ বিশ্বরত্বর বাংশ ৩০০ অবধি ১০০০ মান্ত ব্যুত নাজাতে একটা জীমন্মাল লয় ্ণপিত করেবার অভিনাৰ করিয়াতেন জেন্বংনেট ভাল্মিত হাঁহাকে ধন্যবাদ ডেন।

ভেন।
ভারত দিয় গ্রাংসিট কথু র তলার রাজার
ক সংগ্রি বিভজ করিবার আজা দেওরোগা প্রিবিকৌ কিলে আগীল করিতে
। এ জন্য তাঁহাকে ছয় সপ্তাহের সময়
সাহইয়াছে বিজ্ঞা কথা অপব্যয় করিখেন,

ডে.ল নিউন বনেন, ।সংগ্ৰহণে বন, রাজনীতিস্বক্ষে ভারতব্বীয় গ্রণ্ডিই হাহা স্থান্তেন। এই পত্র দিলীর ভূতপূর্ম কোটা দিগের কন্যার বিবাহ দিতে হইলে করিয়াছেন, প্রিবি কৌলল ভাইতে কোন স্থানির বিচার উপলক্ষে বলিয়াছেন এ এটি গ্রুদ্ধনি করিছে হইত। এশাক্ত ভ্রেমে হস্তার্পন করিখেন না।
দল বংসর নির্বাসিত ভিলেন। ইচাই প্

মার্শমান সাহেব ফেণ্ড অব ই গুরাতে লিখি
রাহেন সর জন লংকে ইউরোপীয় সৈন্দির্বার
উপাসনার ও ধর্ম নিকার যে বন্দোবস্ত (ভারার
নাম কয়েক লক্ষ রাজকিকর) করিবার আজ্ঞান
দিরাছেন, ভারতে ইংলণ্ডের সমুদার লোক
ভারার উপা সম্ভেই ইইয়াছেন। যে সকল চিন্তা
শীল লোক আয়রলভের গর্মকার্য্য হইতে গাবল
মেউকে কচন্ত্র থাকিতে বলিভেরেন ভারার
ক এই দলভূক? যাহা সর কন লবেনের সুখ্যা
ভব ভাষা ভারতবর্ষের হুর্গভির বারণ হইন
ভব

৩ বা কৈছে গুক্রেবার

कांत्रस्याम् अक अक्टाइनीय भश्यामश्ज बाह्य एकार्या कार्यन कालिशक इंस्फिक्टिक (भर्ड र लग्नार ३४, असमीय्रीक्षात्र फेक्ट इत শাসনকার্যের ভাব দেওয়া অস্কৃতিত। ইংল ভীয় সৰ্বংমে-ট যে উন্নত পদ দিবার সামস করিয়াছেন, গেল্ডেটের মটে ভাষা অবয়স্'ই সকভার কাধ্যা ইহাতে আমানিগের পর্ম मेज (') कुछ अन हेल्छिया ब्राह्म '' इनकिएडिट (अरम्बाह साथ लिसिक इर्हेश्वाह लाहा छेवर) বশচনাঞ্চলর যে ঘৰাপ দাধারণ মত ভাঙা আমরা স্বীকার করিতে ছি। বে স্বাই ও কলি চ ভাষ ইংরাজি ও দেলীয় ভাষায় যেসকল এডকে নীয় সংবাদপত্র প্রকাশিত হয় ভদপেকা এই প ত্রের ফথায় অবিক গৌরব করা আবশ্যা ভারার बाब (काम महत्त्व नाई। " महत्त्व (नवप्र कि ह ines, গদ্ধিত ও শুগাল ভিনে মুগায়া করিছে গিয়া যে মাংস পায়, ভাইা গট্ট এ ম্মান অংশ বিভক্ত করাতে নিংহ কুপিত চইয়া ভংকণাং जोहारक वय कहिल এवर मुंगानरक विजाय করিতে বলিল। শুগাল তংক্ষণাৎ আপ্নার জনং কিঞ্ছিং রাখিয়া আমার সমুলায় সিংহকে প্রদান করাতে দিংহ অভিশয় আনন্দিত হইয়া বলিল, ''ভাইশুগাল! ভোমাকে এমন সুক্র ভাগ कतिएक (क निचाहेश्राह्ह? " मृशान दनिन ' 🗳 মৃত গদিভ। " দৈদ, আং হম্ম দের রাজনীভির মূল্য সকলেই বুলিডে পারিবেন। কিন্তু শাসন কর্ত্ত। मिर्गत हार्ने हिं कतिहा चरमणी प्रमिर्गत चरक क्षत्राक्ष जि निवाद क्रिष्टे! अभर्यत्य भूषियीत कान স্থানই সফল হয় নাই। মানলিয়ম বেলকে इक्षेत्रिक जानवन करतः किन्न त्यस्य कामि, লিয়ম রক ভূমিতে উপস্থিত হইয়াছিলেন।

এডদিন পরে ক্রেও অব ইতিয়াপথে আসি

রাজেন। এই পত্র নিলীর ভূতপূর্ব কোটার স্থানের বিচাব উপলক্ষে বলিয়ার্ছেন এ দশ বংগর নির্নাসিত ভিলেন; ইং'ই প দশু হইয়াছে। মতঃপর কোন বিস্তোহী শ্ব জীবনের অবশিষ্ট যাপন করিতে অ গাঁহার দশু দেওয়াতে কোন ফল হয় না; পুকাকার বৈর মনে আইসে। আমরুও সর কথা বলিভোছ। ৫০০ লোক সীভানা কষ্ট পাইতেছে।

৪ ঠা জৈয়ে গ শনিবার।

त्य नकल लावजीतमात उनकीत शिका शिल महत्व मण्या खित खिलकाती इहेरवन, मिन्नक भव (मन्हेरक कान नक्षताना मिट्न त्व मा । एत्व त्यचान मिनात क्षया ए त्यचान मिट्ड इहेरव । खाळूल्य ख ख्यवा कान व्याचीत छेड्याभिकाती इहेरल कावजी क्षम वस्त्रतत्व खार्यत खार्कक निर्देश हहें महत्व शुद्धक क्षम वस्त्रत्व खार्यत्व खार्यत्व क्ष्य हेरव । महत्कत्र खेलात्व खार्यत्व क्ष्य भिन्न हे

আবিসিনিয়ার বন্দীগণ বখন সঃ রবাট রবের নিবের আইসেন তখন তাঁথাদিগের স্বরার ও বিস্তব ভূতা আইসে। তাঁথারা বন্দি ছিলেন বটে কিন্তু থিওড়োর উথাদি কিন্তু থিওড়োর উথাদি কিন্তু থিওড়োর উথাদি কিন্তু থিওড়োর উথাদি কিন্তু থিওড়োর কিন্তু থিওড়োর কিন্তু থিওড়োর কিন্তু আবিসিনীয় কয়েনিকে বণ করিয়াছিলে তাঁথাকে জীবিত অবস্থায় কমিসনর লের বিভাবের আন্যান করিবার জন্য সর র মেপিয়রের আত্যা দেওয়া হয় কিন্তু থিওছার বিশ্ব ভাগো এ অপ্যান ছিল না।

----602----

হ উরোপীর সমাচার।

লওন হয়। নে। গত কলা ছাউস অব কর মাড়েটোন সাহেব এই কথা বলেন, যে পর্ব আরারলতের ধর্মসংগ্রেলায়সংক্রাক্ত ভা মীমাংসা না হইবে, সেপর্য,ক্ত গ্রেণ্ডান বালের টাকা না দেওয়া হয়, এ বিষয়ে বি ৪ঠা যে সোমবার প্রস্তাব করিবেন।

তি ইল প্লান্টহান, দক্ষিণ লাক্ষেনির লয়নিনস্তর, ককারমৌপএবং পূর্ম কেন্টের সূ প্রতিনিধিগণ টোবিশ্লস্থ বলিয়া মনোনীও হ ডেন।

সিরাপিস ও ক্রকোডাইলনামক সৈরি বোঝাই জাধালকে আলেকজান্তি, য়াতে তে করা হইয়াছে। আবিসি নিয়া হইতে প্রভাক ১ গণিত রে**জিমেণ্ট এই আহাজে ইংলণ্ডে** করিবে ৷

অংবিনিনিয়া হইতে আগত। (बाबाहे के है स्वा व्यक्तिनिया कहें." দ আসিয়াছে, মুক্ত বন্দীরণ ইহার মধ্যে ল প্রহরী দৈনা লইয়া উপকূলের দিকে করি**ছাছেন। বৈন্**গোণ গাত কল্যে যাত্র: ৰ ৷ সূরুর**বাট নেপিয়**র ওয়াগনাম গোৰা-মাগ্যালা প্রদান করিতে চাহিয়াচেলেন, প্ৰধান পোডা (কামান) গুলি নষ্ট হও-ডিনি এই নগর লইডে অসমত হই

ন। ভরিমিত সর রবংট নেপিয়ব পালার

কে উহা দিয়া আসিবেন।

াগদালাতে থিওডোরের মৃত দেহ সমাহিত ছে।বশগীগণ অভি অবপকৃষ্ট স্থানে কৰু ন বলিয়াআবাশকা করা হইয়াছিল । কিছ বিক তাহা নহে। ভাহার। উত্ন স্থানে ন এবং উ'হাদিগকৈ পর্যাপ্তরণ খাদ্য দওয়া ইইয়াছিল। মাগদাল্যোগীরা ব্রিটিশ দিগকে সমাদরে এছণ করিয়াছেন।

গুন ১৮ ই এপ্রেল। ভারতবর্ষীয় দৈন। ক উপনিবেশে প্রেরণ করা উচিত্ত কি না, বিবেচনার্থ যে সিলেট ক্রমিট নিযুক্ত ভাঁহারা রিপোট প্রদান করিয়াছেন। ারু**ছ** সৈনিক মত প্রকাশিত এবং ইহাতে

व । कि व व अधिष्य अध्यक्ष श्वार বলিয়াছেন, এক বাবে অধিকভর পরি भरामभगिष नरह। (यथारन चाक्र दा्घाउ বোষাই, কমিটি সেখানে ভারভবয়ীয় প্রেরণের প্রাম্শ দিয়াছেন। ভাঁছারা , हीन छ मतिप्ररंग अहे रेयना ध्यतन कति (ज বায় বাচিবে। সিংহল ও সিশাপুরের যে ভোল বায়ু, ভাষ্তি মধে; মধে; এক দল র পরিবর্ত কলিয়া ভার এক লে। এই ব ষু নৈমাধোরণে লাভ আছে। ভাঁছার।

দেওয়া ছইয়াজে ভাষাতে বিবেচনা ছে কোন বিশেষ উপনেবেশরকার্য স্থানীয় °এহ নাকরিয়াভ:রতবধীর সৈন;রাখিয়া∂ विश्व देशनामित्रात नाम्य खाशामिश्राकः मान्य वक्ती कता कर्खवः। शावजीय छेल- ! छेल्दत व्यायः ताल कतियादहन। শ ভারতবধীর সৈল্প থেরণকরা উচিতে ,

্ ধইয়াতে।

ওল মে। গভ রাজিতে ভিদরেলি সাহেব হাউস অব কমঙ্গে বলিয়াছেন, যে একার মত ভেদ হইয়াছে ভাহাতে গবর্ণমেন্টের সক্ষর্পরি বর্ত্ত হইবে। সেটী ফি ছইবে, ভাহা ঞ্চির করিবার নিনিত্ত ঠা মে সোমবারপর্য্যন্ত মহাসভা স্থগিত থাকিবে

রোগার সাংহ্রের প্রশের প্রভাতরে সর ष्ट्रारकाञ्चनथरकार बिलग्रारहन, लावजनवींश চিহ্নিত কর্মচারীদিলের বিদায়ের নিয়মাবলৈ কে সিলের এক কমিটিখারা নির্দারিত হইয়াছে ভাঁহারা যাহা বলিয়াছেন সকলেই ভাহার মূল নিয়ম বীকরে করিয়াছেন সভবে কেবল কডক সামান তেওলের পরিবর্ত করিবার প্রজ্ঞাব ১ই-য়াছে। এই সকল প্রস্থাব লিখিয়া সর জন লয়ে ন্দে এক পত্র লেখা হ্ইয়াছে। এই নিয়ম গুলির যে কিছু পরিবর্ত্ত করা আবেশ্যক ভাষ। করিয়া উট্টেক ইয়া সাধারণের গোচ্যার্থ প্রকাশ করিবার ক্ষমত। দেওয়া হইয়াছে।

ফেনিয়ন বর্ক ও কাশীর দোষ স্প্রমাণ ছঙ্ য়াতে প্রথম ব্যক্তির কঠিন পরিশ্রমের সহিত ১৫ বংসর এবং ছিমীয় ব্যক্তির ৭ বংসর মেয়াদ হইয়াছে।

৫ ই মে। গত রাত্রিতে ভিসরেলি সাহেব বলিলেন, ভিনি রাজীর নিকটে নিজ প্রস্থান করিবার প্রস্তাব করেন , কিন্তু রাজ্ঞী ভাছাতে অসমত হইয়া ভাঁহাকে মহাস্ভা ভঙ্গ করিবার क्षम् । दिश्वारहम । जिलि विलियन, এकर्ण य সকল বিষয় বিবেচিত হইতেছে ভাষার মীমাং সা হইলে তিনি নবেশ্রে মহাসভা ভঞ করিয়া সূত্র মহাসভঃ আহ্বান করিবেন।

মাডপ্টেনে, আইট ও লে: সাহেব গ্রেপ্টের এই নিয়মবহিত্ত কার্ধেরে প্রতিবাদ করিয়া-(इ.स.) (छिन्दुर्शन नार्दश्य भवर्ग**रमर्ल्डे अ अक** नन-র্থন ক বিলা বলিলেন, যাজ্ঞী ভাঁচাকে মহাসভ অসুচিত এবং এ তলি ভারত ধরির দিক তল করিবার নিমিত সম্পূর্ণক্ষত। দিয়াছেন। ওয়াতে ধাহার। বংশন এই চুই স্থানে ভার ভিনি আরও বংশন, গভ রুইস্পতিবার লাভ ্রেন সাহেব যে প্রকার ভর্ক করেন, ভারাতে বলিয়াছেন, উ:ছাদিগের নিকটে যে বোপ ২ইতেছে মহাসভার মঞ্জীদিগের উপরে विद्याम नाहै।

> হাউদ অব কমল আয় ব্যুদের বিষয়ে মন্ত দিয়াছেন এবং পাড়প্টোন সাহের গ্রন্থেটের অসমত ব্যায়র নিমিত গ্রণটের কার্যপ্রণালীর

৬ ই মে। মহাসভাজকের বিষয়ে মঞ্জিগণ েমধাৰ আসন যে প্ৰসংৰ কাৰেন, ভাৰ্গ হাউস অব লাভে ও কম্পে ভিন্ন ভিন্ন প্ৰকার কথাবলাতে ভাষা লইয়াগত রাজিতে হাউস

অব কমকে অভেশয় ভাঠ হইয়া গিয় ডিসরেলি সাহেব যেপ্রকারে বুঝাইয়া দেন शास्त्र नकरल कनर्डाय श्रकाम कतिशारा

বৈদনিক বিদ্যাশিকার নিষিত্ত বিধে ব'হারা আফিসর হইবেন ভাঁহাদিলের শি নিমিত্ত এক রাজকীয় কমিসম নিযুক্ত উচিত বলিয়া লাড সিদিল এক প্রস্তাব ক ছন। সরজন পাকিঙীন সমত হইয় এবং মহাসভা ইহা আহ্য করিয়াছেন।

লওনের ন্যায় কলিকাডা বেংগ মান্দ্রাজে দিবিলদর্শ্বিদ পরীকা করা লদেট সাহেব এই প্রস্থাব করিয়াছেন। স ন্স টি(বিলিয়ন এক সংশোধনপ্রস্তাব ব ধলিলেন, অচিহ্নিত কার্ষ্যে থেসকল ভারত উপযুক্ত। अमर्भन कतिर्वन उँ।इक्षिम्भरक र् কার্য্যে নিযুক্ত করা কর্ত্তব্য।

সর চালদ টি বিলিয়ান যে প্রস্তাব ক ছেন, গ্ৰথমেন্ট ভাষার কভক অংশ গ্রাহ য়াছেন। অর্থাৎ প্রতিষ্ঠোগী পরীক্ষার পরি তাঁহার। উপযুক্ত লোককে মনোনীত বেন। এই কথা বলাতে মূল প্রস্ত সংশে(ধন এস্তাব পরিস্তাক্ত হইল।

গবৰ্ণ মেণ্ট বিজ্ঞাপন *(लफी*(मन्छेशवर्गहत्त्रत व्याटमभा जू माती

निद्योग ।

৬ ই মে। নিমুলিখিত ভারেলাকেরা **খালির স্**ধারণ বিদ্যাশিকা সভার সং বেন:---

বাবুজগদীশনাথ রায়।

" मह्बन्ध्य रञ्जू ।

নিম্লিখিত ভন্ন লোকেরা কুমিনার (নিপাল কমেসমর হইবেমঃ

বি, আর উইন সংহেব।

ই. ডিলে ন

নিজ্ঞানত বিদ্যালয় চালাইবার নিমিং गनञ्ज कालि थी। भूतिमहाबादमत भाषात्र । শিক্ষা সভার সভা ইইবেন।

(छ, छि, काउरकाशानीस ग'रहत पूर् ভাগলপুরের বিশেষ সব রেজি ট্রার ১ইরেন

৭ ই মে। অযোগার রাজার নিকটার र्वत्र (कानहरानव्र व्यक्तिमिष अटमान्डे कर्न দি, তাক উক্ত রাজার বাটর মধ্যের ম (Hogary 224)

র জন্য ২৪ শরগণার মাজিক্টেটের ক্ষমতা। নি।

ই্ম। যত দিন বাবু গুরুপ্রসাদ সেন বিকার্থেদিককে স্থানাস্তর থাকিবেন নিবাবুধাদবচন্দ্রকর্তীকালনার প্রতি ক্ষেক হইবেন।

5. এ. কর্ফেল সংহেব জিছ্তের মাজিজেট লেটর হহুদেন।

জে. এলিয়ট সাহেব গয়ার মাজিটেট ও | ই: হইবেন , কিন্তু আপাততঃ দিনাজ প্রতিনিধি সিবিল ও সেসিয়ন জ্ঞাতাকি

ত দিন লেণ্টনান্ট ডবলিউ ই, চেম্বর্ম রী কার্যোপলকে স্থানাস্তর থাফিবেন, দিন জে, লাম্বাটি গাচেব পাটনার প্রতিনিধি সুপরিন্টেণ্ডান্ট,ংইবেন।

ই, আই, শটল ওয়ার্ধ সাহের গয়ার পুলিষ বল্টেগুলিট হইবেন।

কাপ্তেন জি. এম. বাট্ই ধৰ্ণোহরের পুলিষ | বটেগুটি চইবেন > কিন্তু আপোডাডঃ য় চক্রবাড়ে প্রতিনিধি ডেপুট ইনস্পেটর লে থাকিবেন।

ত দিন কাণ্ডেন জে, সি. সি. ডেন্ট, বি. সি, য়ু লইয়া ভসুপাস্থত থাকিবেন তত দিন বউ, ডি. প্রাট সাহেব সাহাবাদেব প্রতি পুলিষ স্থাবাদেউ গুকি হইবেন।

এ. আনলী সাছের যশোষ্ট্রের এতিনিধি

म स्वितिहरू छ । हे इंट्रेय र

নিয়লিখিত সংকারী পুলিষ স্থারটেওাও কে বদলা করা হইলঃ—

এ. এল. ডেবলিউ. জাচন সাহেব সাহংগ ভিত্যপণীতে।

এ, বেলেয়ার সাংহৰ ব্রিছ্ড হইতে পয়াতে। এচ, বি, এচ. বহাউস সাংহেব ভাকা হইতে প্রগ্রান্তে।

১ ই নে : সব আসিষ্টান্ট সার্ক্তন রাজমোহন গ্রাপাধ্যায় কলিকান্ডার মেডিকাল কালেজের হুংসালয়ের প্রথম চিকিৎসকের অনর সম্ব চিকিৎসক ২ইবেন :

বাকুড়ার ডেপুটি মাজিটেট ও ডেপুটী কালে বাবু গোপালচন্দ্র সেন বর্দ্ধমানে বদলী হইয়। ভাটেটের ক্ষমতা পাইবেন।

১২ই মে। ডবলিউ, এক মিয়াস সাহেব নেসিংহের সহকারী মাজিকেটেট ও কালেটর। অসমস্থান উপবিজ্ঞানের জার পাইয়া।

া আমালপুর উপবিভাগের ভার পাইয়া অটেট ও ডেপুটী কালেইরের মনতা পাই

1

লেপ্টনান্ট কর্ণেল জ্ঞে, ভগন বর্জ্মানের এক বিশা যায় এ সকল প্রদেশের অনেক হিন্দু জন মিউনিসিপাল কমিদনর হইবেন। ভাজিয়া (গোঁয়ারা) করিয়া মুসলমামদিগে

নদীয়ার ডেপুট মাজিকটেট ও ছেপুটা কালে উর্থানু দিননাথ আচা মেছেরপুর উপবিভাগের ভার পাইবেন

নদীয়ার ভেপুটী মাজিটেট ও ডেপুটী কালে টুর বার এক্সনাথ সেন কিছু দিনের জান্য বন্ধাম উপবিভাগের ভার পাইবেন।

মেহেনপুর উপরিভাগের ডেপুট মাজিটেট ও ডেপুট ক লেটর কুমার অভেজের মারায়ণ দেব সদর মহকুম: মদীয়াতে বদলী হইবেন।

শিব সাগরের সহকারী কমিগনর লেপ্টনান্ট ডবলিউ ই, রুখারফোডে ছবলে বদলী হইবেন। ছরপের সহকারী কমিসনর লেপ্টনান্ট এফ এল, ডি, লাট্চ কমিরুপে বদলী হইবেন।

আমাদিশের গোয়ালিয়ারস্থ সংবা-দদাতা লিখিয়াছেন।

--:-:--

। মহারাজ দিন্ধিয়া হরিদারপ্রভৃতি ।
তীর্থ দর্শন করিয়া মহরমের পূর্কেই এখানে ।
আদিয়া পৌছিয়াছেন। পূর্কে শুনিয়াছিলাম
ভিনি কানীতে ঘাইবৈন। দিলিগেজেটে দেখিলাম
ভিনি দিলিপ্রভৃতি প্রধান প্রধান নগর হইরা
হরিদ্ধ রৈ গিয়াছিলেন।

১। পলিটিকেল এজেন্ট কর্ণেল ডেলি

মাহো এখান হইতে ইংলণ্ডে যাত্রা করিয়াছেন
কর্ণেল সাভয়ার সাহেব আসিয়া পলিটিকেল
গজেন্টের কর্মজার গ্রহণ করিয়াছেন। কর্ণেল
ডেলি সাহেবের গমনে অম্মরা যেমন ছংখিছ
ইয়াছি, কর্ণেল সাভয়ার সাহেবের আগমনে
ডেমনি আনন্দিত ইইয়াছি। ইনিও যেরপ ভয়
ও অমায়িক এবং আমাদের সঙ্গে মিলিভে উও
ফুক ভালতে ইইয়ার নিকট ইইডে আমাদিগের
অনেক ইউলাছ সন্তাবনা আছে।

ত। গত ভ্রুপফের দাদশী তিথিতে মুসলনা নদিগের প্রধান পর্বা "মহরমের" মন্তা তাজি যার মাটির সহিত শেষ হইয়াছে। শুরুপফের দ্বিতীয়া তিথি অবধি ১১ দিন মুসলমানদিগের কর্মিটেদী বাদ্যেতে দিবারাত্রি ক্রুছির হইবার যোছিল না। হাসন হোসেনের মৃত্যুর জন্য ক্রিম শোকপ্রকাশক বক্ষঃস্থলে করাঘ্যত হা হতাম্মি প্রভৃতি শব্দে নগরের প্রলয় অবস্থায় উপনীত হবার উপক্রম ইইয়াছিল। ক্লেদেশ অপেকা এ সকল এদেশে মুসলমান অধিক এবং মুসলমান সমুটেদিগের প্রভাবত এই সকল

ভাজিয়া (গেঁয়োরা) করিয়ামুস্**লমাম**দিগে সহিত আনোদ করে। জিয়াজী মহারাজনিকি হিন্দু হইয়াও সহাসমারোচে রুহ্ব ডাঞি মহরমোর্থীব न <या করিয়াছেন। যে স্থানে গোঁয়ারা ম **১ইয়াছিল আম্**য়া কৌ**ত্**হলাক্রান্ত হট ঐ স্থানে মধ্যক্রকালের মার্ভিভাপে ভাপি হুইয়াও গমন করিরাছিলান। তথায় দেখিল व्यक्तना खी भूकन अकता इहेग्रा व्यक्तितर स्टब्स তপ দেবন কৰিতেছে। স্থানে স্থানে লগুড় ভরবারি খেলা হইভেছে। স্থানে স্থানে মল হইতেছে স্থানে স্থানে লড়ায়ে মেষের স্থি থেলা হইভেছে: জানে স্থানে বিষম মুকার স জনায়াদে মুরাণ হই ছেছে। এই সকল দেখি এ দেশের মধ্যে বিশ্বা ও চাইদের বিলং পরিচয় প্রাথ হওয়া গেল। এই মেলা কে মহারাজের পেলে, পুরেও অসন্ধান্য সভা অবাবোহী দৈন: এবং বছয়ুল: সভ্রায় সুহ खुर_ि ३६२ दृहर *६ छ*े आत्रिश्लाहिल । आम्हर বিষয় এই মরু চুমিবং বিস্তু^মর্ণ মাঠে মধ কালের ভয়ানক সুর্ঘাতাপে কাছারও কা চিক্লজিভ হইল না। এইরপে কণ্ঠদং নাই वा हेश्ता अञ्चल युक्तिभातम स्टेरन (कन এই रश्त्रामत रामग्र कामग्रायमात्रक कड

শোচনীয় ঘটনা সংঘটত হইয়াছে। বেকাত্রে আন্তান্তিক ভিড় হণ্যাতে মহারা হ'তীর পদতলে পাড়য়া এক ব মৃত্যােলে পতিত হুইয়াছে। এক বংগিলে আহত হুইয়াছে। এক বংগিল অবাং হণ করিয়া মেলা হুইতে প্রভাগমন করিলা মেলা মানিকেপ করিলা এ বংগিল এবং আরোল নিকেপ করিলা। এনিলাম অকন্মণ্য ও অবিং আরিল এবং নিকে হয়ত বালিতে পানিত। এ

করে একজন উপযুক্ত সব এলিস্টার সার্ক্তনা
বেন গুমেসা ক্ষেত্রের ভিড়ের মধ্যে
কের শিশু সারান হারাইরাছিল নক্ষিত্র
ভানেই পুলিধের হস্তে পতিত হওয়াতে ব
হুইতেছে ভাষারা পিডামাভার হস্তে আ
হুইতে পারিবে মেলার পুর্বিরাত্রে প্রায় ২

সময় বধন কভোয়ালির গোঁয়ারা মহাসমার ব হির হইয়া অনসিতেছিল, সেই সময়ে মুসর

श्राहरू विरम्पतारम श्राहकुछ हिन । अहेकना दिक्कियान्तेत भौताना राहित हम । अम्खत

্বর্তি নিবান্তি ইইয়াছে, মুসলমান ভ অভাচাৰদক**ল দেইরপে** র্ডিড ু ৳ওচে।

-808-

আমাদিগের তমোলুকন্থ সংবাদ-া লিখিয়াছেনঃ—

करम्क मिम क्रेस अ अर्मरम आग्न अफि প্রবন্ধ টিক। সহ সৃষ্টিপাত ১ইতেছে। বাজ্যার ভীষণ শব্দ , মেধাংলির ঘোরত্বর ও বছ্পত্ম ও বারিধারা প্তমের শক্তে ।ক বার এরপে বোণ হয় যেন বহুমতীর অন্যান্য ভূতগণের সংগ্রাম উপস্থিত ছে। এক । তাল্ডোডোবের সময় উক্ত হওয়াতে এপ্রদেশের অনেক ক্ষাত চইয়। ছ। এই নগরের পার্থতর্গী রূপনারায়ণ একটী বিস্থীর্ণ চর পজিয়াছে। ভাহাতে কুতন তুণ ভালিবাতে প্রতিদিন অংনেক র জীবন ধারণ হইয়া থাকে। এক দিবস ক্ষেত্র পাজি বিচরণ করিতেছিল, হঠাৎ ওল্ঘনজলাবলী ভার। আন্ডল হট্যা বেগে রুক্টিপতন হইতে লাগিল ৷ সেই নদীতে সমুদ্রারি আসিতেছিল, পশ্চিম हिंहा अवःहिष्ठ सिंधिका मश्रयादेश मिह । ত্রোভ এত প্রবল হয় যে জনেক গাভি ব বেগে ভাসিয়া গিয়াছে।

(২)জনরতে শুনিলাম যে পাশকুড়াঃ স বিদ্যালয়ের পাখদেশেই একটি **সু**বাবি-ংশেকান আমাছে। যদি ইছা সভঃ হয়. ছ বিদলেলয়ের অনেক অনিষ্ঠ হইবাব∤ না। অভনৰ বিনীত ভাবে এংগন। কৰি প্রদেশের প্রযোগ্য ইন্যাপেউর ব্রীয়ঞ্জ আর মাটিনি মহোদয় ইখার সত ংসভভে 'ভয়ু ন করিয়াবিহিত উপায় নিগানে তৎপ্র 1

প্রেরিত।

ন্যবর ঐীযুক্ত সোমপ্রকাশসম্পাদক महाभग्न नभी (भव्न ।

ণয় : গত ১লা বৈশাখ (১২ই এ:এল) মেদি রের পূর্বা ৫ জেনাশ সুরে লাঠিয়ালেরা কলি- 🏻 । इटें/ उज्जान उद्यान की भारत मातिया हिन,

ববাদ উপস্থিত হইয়া মারামারী লাচা লাচি। লইয়া ভদাধক করিতে যান। ও দিনেও কিছুই গিয়াছে। হিন্দুদিশের চড়কের অভ্যাচার না হওয়াতে সাহেব অন্যতন ইন্ স্পেটর জীয়ুক্ত ব'বু রাধানাথ রায় মহাশয়কে অসুসন্ধানের ্বশেষ ভ'র দিয়া প্রীঞ্চেশ পরিত্যাগ করিয়া অংসিলেন। রায় মহাশয় বিচক্ষণভাপুর্দিক অনু স্কান করিয়া ৭ ই বৈশাখ ৪ জন আসা মিকে ম'লন্হ ধৃত ক.রিয়াছেন। ভালাদের এখনও বিচরে হয় নাইং কিজা আংসামীরাধে গুরুতের प्छ श्राप्त इहेर्द , जाहात मस्म्ह माहे । य ऋरिन এই নাঠির'লি কাও হয়, ঐ স্থানটীই উলুবে জিলা রোডের মধ্যে আনত ভলকরে। দহুয়ে। ধৃত হওয়াতে উলুবেভিয়া রোডের পথিকেরা ও ঐ স্বংনের শ'র্বাসীরা অভিশয় আমননিদত ইইয়া ছেন। মেদিনীপুৰে এখন ডাকাইটি বড় কম क्टेट्डिक ना। आक्टर्यात विवस এই, हाकाई-তেরা প্রায় সর্ম স্থানেই দণ্ড প্রাপ্ত হুইতেছে. তথাপি নির্ভ কইডেচেনা। আলেদিন হইল নওয়াদায় ও দাসপুরে এক একটা সঞ্জিন ভাকা ই তিহয় : উক্ত রায় নহাশয় নওয়াদার ভাকাই হ দিগকেও এীযুক্ত দীনব্যুদেন মহাশয়দাসপু রের ডাকাইতদিগকে ধরিয়াছেন। একণে জেল খানার কত্তের অংশেকাকুত ল'ঘব হওয়াডেই বোধ হয় ভাকাইভেরা গ্রেপ্তার হইতে বড় ভয় করেনা। আমরা প্রাধনাকরি, 🗟 যুক্ত রায় মহাশয়ের বিচক্ষণতা ও কার্যের দক্ষতা যেরূপ स्थितिक . काहाराक किसि भी खरे अहे म्यू प्रतिस् অবশিষ্ট কয়েক জ্ঞানকে গ্রেপ্তার করিয়া উলুবে ভিয়া রোড এক বাবেই নিরুপদ্রব করুন। ---;0;---

> জগরাথ :ক্তের পথ ও ভীর্ষের একুত ই:িজ্হাস ।

ভরানক ছড়িজনিবলন ছই বংসর জগরাথ .ক্তোষাত্ৰী যাওয়া বৰ ছিল। প্ৰত্য**হ** সহস্ৰ সহ্স্র লোক প্রাণ্ডরাগ করিভেছে কোন প্রকার আন্তেরে মিলেনা, এই সংবাদ আহবৰ ক্রিয়া জগনাথের অনেক ভক্তের ভক্তিরস শুক্ত হইয়া গিয়াছিল। সত বংসর অংশকে বাই বার জন্য বাঁকিয়াছিলেন ; কিন্তু পংৰ্মেট निष्क कहाएक थाईएक भारतम गई। अवर्गम ह श्रकाणः क्राप्त काशास्क निष्यं करत्रे म नाहे वर्षे ३ কিন্তু জেলার মাজিকেট ও পুলিষ প্রহ্নীরা কভক অংশে আপনাদিগের জনতা অভিক্রেম করিয়া উন্বেজিয়া ংইতে কয়েক শত আগু लाकरक किताहेश (एन । कान व्यक्तिहे अ কাপনার। অবগত আছেন। ভাষার জদার | নিমিত্ত অভিযোগ কারেন নাই গ্রুব অনেকে বেবৰণ নিয়ে লিভিডেডি। ২বা বৈশাখ**় ইহাতে আহ্লাদিত হইয়াছিলেন। কিন্তু এ ব**ংসর । পুলিবের কর্ত্ত: সাজে। ২ জন ইন স্পেটির । পূর্কোক্ত কারণগুলি অন্তর্হিত হুইয়াছে। ছুর্জিক

भिवक्त अभनारथङ्ग (य कालस्वन कि इन ছিল, ভাষা পুনঃায় আহুরিও হইয়াছে পাতাগণ চজুমুহিত কবিয়া ১২৪০ স প্রসাদস্থারা কথাইছাং জীবন ধারণ করি লেন, ভাঁহার। সঞ্জীব হইয়া উঠিয়াছেন। য সরকারী ধনাগারের ২৫ লক টাকার চ লিয়া জ্ঞান'থ ও জ্ঞানাথের পাণ্ডাগানের ম পুনর্সার রুদ্ধি করিয়া তুলিয়াছে। পুনর্সার ! ন্ত্রীলোকের ক্ষেত্র জনমাথের ভূতী পড়িয় দলতঃ অনেক হতভাগং গ্রীলোক ক্রোয় শিশু সন্তান পরিভ্যাগ করিয়া বর্গনের : বিষতুল, সুংগ্ৰোপ, ভেটে চাউলও ৰ ঠাকে মনোমীত করিতেছেন।

জগরাথ দেবের যেমন আফুলভ, দেমন रयमम श्रमाटनत इते। एडमनि शाला। प कान धर्मा मञ्जालार वृत्र छिलात विराध्य नार्व ব্যক্তি অকণট ভক্তিসহকারে আপন বিশ্বাস কলেন, সে ধর্ম থেরূপ হউচ উঁছে'কে আন্ধাকরি। কিন্তুসভ্যকথা ব कि, रेड्ड मानार्वाध टेक्कार्ट्य अर्थाटना প্ৰতি শলী এামে অৰ্জমুহিত মন্তক, অৰ্থ কারফোটাধারী যেনমস্ত অর্থনিশাচ হ কটা টুপি, গাত্রে মান্দ্রালী গড়ার হাপ চা দিয়া নিরভার ভাগুল চকনি করিতেক পু.ষ্ঠ বোচকা দিয়া ছস্তে গোলপাভার লইয়াসভাবে বক্তইয়া গমন করে, দিগকে দে.খলেই অ'মার সর্ফাঙ্গ ভ छेट्टे । देशता काहारत পश्च, विकास ভালাপে বর্ণর। ইহারা বাহিরে লেকের ঞাগলাথের মহিমা বর্ণন করিয়। স্ব कुतायः किन्त कार्यस देशका कामन रथत নিয়ম প্রতিপালন করেনা। এইসকল (ছপ্রহরের সমূর্যে, (যখন পুরুষেরা কাষ্যান্ত্র স্থানাস্তর থাকেন, (বাটাতে আসিয়া প্রী দিগকৈ ভুলাইতে থাকে। কেই কেই বুদ নিবছনে গমন করে : কডকও ল অভঃ वक्रमरम्हरंग कर्दशा यातीन वायु स्वयंग शाम এवर व्यवस्थान राज्य वाज्य विवय राज्य নামে কুপ্রবৃত্তি চারভার্য কারবার উদ্দেশ্য न्न!धनगरेन याजा करता পाख!त्रा याजी যিনি যেমন উট্টার মন সেই প্রকারে যোগ থাকে। সতঃ কথা বলৈতে হইবে 🕬 প্রত্যক করিয়া মৌনাবলম্বন করিয়া উচিত হয়না। আসমি দেশীয়দিগকে জিল করিতেছি, জাগন থ কি কেবল স্থীলোকনি काकर्मन करत्व ?. यख याजी अधायात्र, प মধ্কোন্ব্জি শতক্রা পাঁচজান सिविश्राहिन? क्रश्रहार्थत खेशांत्र श्रुत्रक ভক্তিনাই : জগলাগ্র ভাঁহাদিগকৈ আন करान ना। हेश्त विदन्त कात्र । व्याह्म াগমন করিলে পাঞাদিমের ভত লাভ একাধিপত্য হয় না।

সগরাথ ক্ষেত্রের পথে কি হয়, বোধ হয়, । मकरल स्वारनम् ना । छेन्नूरविष्ठिश পर्यः स्व ারা মহাসমাদরে যাত্রীলিগকে লইয়া যায় 🔻 ার পরে ঐ বর্দারেরা ভিন্ন মূর্ত্তি ধারণ করে। বড: ইহারা লৌহকায়; প্রভাহ বিংশভি ণ পদত্রত্বে গমন করিতে পারে। কি একেমা ১৬ : ১৭ দিবস বিংশতি ক্রোশ গনন কর। ।।किनिरंशत्र मार्था भरहः। इतान्त्राता खोरलाक ক এই জনৰ্থক কণ্ঠ দিয়া টানিয়ালইয়া েরাতিতে পাভাঠাকুর জীলোকদিগের শয়ন করিয়া খাকেন। ভিনি ভাছাদিগের উ.চত । কিন্তু এই মহাস্তি বলিয়া ন, '' তোমাদিগের এক জনকে সপে ন করিলে অথবা বাজে লইয়া গেলে কভি ঃ কিন্তু আমি প্রাণ্ডয়াগ করিলে ভোমাদি কে জগন্নাথ দর্শন করিতে লইয়া যাইবে ? " দ্বিচলিয়া যাত্রিগণ ক্লাক্ত হইয়াপড়ে। পাও ঠাকুর ছাড়েন নাঃ ছই একটী ।किटक वाक्रिय़। लहेग्न। अम्टमवा कडिएङ নঃ এই ভাজেপাশ জলরাথ কেজ ইইতে ाशमन कदिरलेख अध्यक्ति अध्यक्ति वि ভুছিল হয়না। প্রাতঃকাল হইবামাত্র ৷ ঠাকুর গাত্রোপান কবেন, যাত্রিগণকৈও পরিত । গ করিতে হয়। রাস্তা অভি ভয়া ›ছুই প!শ্বে বন → বনে নান¹বিধ হিং≕া আছে। বিলয়ও করিবার যো নাই। যাত্রি िलएड काइन्ड करान। अर्घादना व्या পুষ্ঠ বিধাব্যণ ক্ষিতে আকে, এমন সময়ে ने भीनकाम दानिका दलिया हेटिन, '' প!खा র ! আমি চলিতে পারি নাঃ একটু ঐ গাছ ায়ুর*:ড়াভ।" এই কথা **ত**িন্<u>য়া</u> পাওা া, যে মধুর বাকেঃ বালিকাটীর আখাদ করি অংমি ভাষা মুখ ফুটিয়া বলিভে পারিলাম বুলদ বোঝাইয়ের ভাবে চলিতে না পারিলে বলিদা যে ভাষায় বলীবংক্ষর উৎসাহ বর্জন , যাঁহারা সে বাকা ভ্লিয়াছেন, ভাঁহারা ক বুঝিছে পারিবেন। ছই প্রহরের সময়ে দর:ইংকু আনডভালওয়া হইল:উংকলের হা যেমন কুঞী, সরাইয়ের খানা দ্রব্যও নি, যেন সকলের স্মারণ থাকে। পাণ্ডাঠাকুর ক্রিয়া এক ফোটা কাটিয়া যাহার নিকটে চ্ছে ভাল এব্য থাকে, ভাষা জাষার করিছে

र। পাতা ঠাকুর পূজা कहिरलन ना এवर

छिन कार्त भिवन अक वटल आट्सन, हेश मिथा। बिएक ३० काव कानविद्य के केवा स अप्तक वृद्धिमञ्जी **छ**ेरलारकत मर्ल्स्ड स्ट्रेट । थारकः किञ्च उथन कर्मिटम श्रम् रक्ष कहा इहे हाइड, ना शिल नम्न कि करदन । किन्न व्यक्तिश्य 'বিগলাথের পথে দোষ নাই শ বলিয়া পাও। ঠাকুরের সকল অপরাধ মার্ক্তনা করে। পাও। ঠাকুরের ও আচরণ এই পোল ৷ যাত্রিগণ স্নান আরম্ভ করিলেন। এক পুষ্করিণীতে দশ হত্তের মধ্যে জৌলোক 😘 পুরুষের স্নান হয়, ভাহাতে কত দূর লক্ষ্য থাকে ভাষা সভ্য পাঠকগণ বিবে हमा करूम । व्याहारतत शत श्रूमकात देवकारण ঐ পথ হটো হয়: ইহার মধ্যে ধেধানে ঘাঁহার পীড়া হইল, ভিনি দেইখানেই রহিলেন । িজগীয়াথ ানিয়াছেন» অত্তর্জন, অনুন ধাত্রী জ্ঞার অংশেক। করিতে পারেন না। মধ্যে মধ্যে নদী পার ছইছে হয়। উংকলের পাটনী নোকা অভিনয় উচ্চ। পাছে নদীর বেলবং ভরকেট্রজনমগ্রহা এই আন্দ ক্ষায় উচ্চ নৌকার উপরে রুফশাখা রা.খয়া ভাহাকে অারও উচ্চ গরা হয়। ইহার উপরে উঠিতে হইলে উপর হইতে এক জন হাত ধরিতে ও নীচের দিগ হইতে এক জনকে ঠেলা দিয়া উঠাইয়া দিতে হয়। যে সকল ব্যক্ত অংপন জীর গাতে অন্যকে হস্তাপণ করিতে দেখিলে व्यभिवर खनिया छिटिन, डाँश्वा स्थानिरवन, জগরাথ ক্ষেত্রের পথে সেইদকল জীলোকের হাত নাঞ্জিতে ধরে ; পশ্চাতে পা গ্রাঠাকুর নিজে বাগকির কাজা করেন। এই প্রকারে অংগলাথ কেত্রে উপস্থিত হওয়া হয়। সেখানে গিয়া যাত্রি গণ কিদৰ্শন কংনে ? তীৰ্ণস্থান শাভিস্থান ছওর। উচিত । রিপুদমন ও সংসারের চিতা। থাসূতি সকল গিয়া কেবল ধর্মচিস্কায় মন নিবিষ্ঠ ২ইলেই তথায় যাওয়া সাপক হয়। কিন্ত যাতিগণ পুরীতে কি দর্শন করেন? ভগরাথের त्राथ क्रममार्थत मन्मिर्त, मन्मिर्देत (मश्रास्त যেখানে দৃষ্টিপাত করেন সেই খানেই অলীল চিত্র ও অলীন পুত্রনিক। দৃষ্টিপথে পাতত হয়। অনেকের পরমার্থচিন্তা দূবে যায়, কভকের মু: 1 জন্মে, অধিকাংবেশর লক্তা দুরগত হয় এবং যাহাদিলের বুদ্ধি তরল, তাহারা সেই সেই কার্য্যে শিক্ষিক্ত। হয় এদিকে চরিক্রসম্বন্ধে লাভের उ अहे कथा (शंज, अमिटक क्यरेमश्रस छ विनक्षः । লাভ হয় ৷ যণ্ডাপাণ্ডারা নানা বাব করিয়া অর্থ দোহন করিয়ালয়। বাবও জ্বলম্যা নিশান তুলা, রাজার কর ও দকিশা দেওয়া, .আটকে খাঁগা ইভারি। ইহার কোনচীতে ৫০ কোন

এত ছিন একটা কাজ আ ST/P দীঘ বস্তু দিয়া মনিবর বেষ্টন ক হয়, ভাহাতে ১০ টাকা পড়ে। বেষ্টন হইলে পাওাঠাকুরের এক বংসরের কাণ সংস্থান হয়। এই প্রকার প্রতি বথায় দিতে হয়। এই বন্ধরের। পথে যে প্রকার বহার কবে, পাড়ে স্ত্র'লোকেরা ভাহা বা আসিয়া বলিয়া দেয়, এই নিমিত্ত এক : এक स्थल प्रचा अर्थी लहेशा शांक । इह দিরা সেই ঝাটা খাইভে হর। এই ঝাটা খ व स् भूगा। वाँ हि। मादियात शुरुतः वाङ्गीरकः কর্হিয়া লওয়া হ্য, প্রে ধারা হর্য়াছে ও **मिक्या पूर्य कानित्न मन्**मान्न शूना ध्वरम याहेर्य। कूनश्यकातविभिष्ठे खे रना ভয়ে কোন কথা প্রকাশ করেন না। পু মালিয়া অর্থিলাবের সহিত শগ্রনের বি थ'रक मा। लउन उ मार्क्टरिय प्रतिष्ठ কেবল সরিদ্রগণকেই অসক্তি নিধন্ধন এক खें शुक्रत थ किंद्र इह । कि स गाँशहि আমার প্রচুর ধন, ভাঁহারাও পুরীতে গিয়া রিচিত পুরুষের সহিত এক গুড়ে শ্রন ব থাকেন। কটক স্থিত এক জান বূর্হ ব এই সুখ আন্তের বালয়। প্রতিব্বদর জগা খারা আফুট ইইয়া পুরীতে গমন করি এইমাত্র আনিপ্ট নয়। ধদি ছই ব্রীলোক সঙ্গী ছাড়িয়া যায়, ভাহাটি বিপদের সীনা থাকে না। রথের নব্য ভারতবর্ষ হইতে অনেক দ

ধুওরি পাতাগণ এই ক্ত্রাক্রিগকে , উহাদের विक्रम करता देशमिशरक श्रथरम (य নির বেলার বলা ২৪ , কিন্তু সম্বলপুর পার .लहे के १७७१४ तथा साम**्ड भ**ारत, ख भारक (कांन अक भूतलगारनत अञ्चल्पुंतर) कंदरात नि.भंख लहेशा गाउसा क्रीए कथन कथन भाखारे कृत नित्य (भाष : কারতে না পারিয়া ছহ একটা মাজীকে বি লের জন। সেবাদাদী করেয়া রাখেন। য अक्षामानिक्तित कथास अधिभाग करतन, उ ১৮५७ अस्पत कडेरकत वाङ्गानरपत दि श्रीक दारमा अकी खोल्याक अहे ध भा धात यां और अंतर्क इंदेश के अंख इंद्र পুলের ভারাকে ধারয়। কটকের বাসুক ध्यक्षत करत् । (श **अ**हरता गाला छ करिया । बाक्क करत, अवर भी खात मध इत्र।

জ্গরাথকেত্রের পথের এই ছগডি ছুর্ন:বহার। আহার ও বাস ছানের ক गाक**े द्वीताक श्रांग फालका बङ्ग्**ला ও হারা**ইয়া** চির কা**ল কল**ঞ্জিত হইরা লর মনং**পীড়াঃ আংমীর জনের অ**পমান শাকের কারণ হয়। একবে সেকেলে ব ক্ষমতার শেষ হইয়াছে • কিন্তু প্রচৌনদলভ কত্রে যহিবার পক্ষনতেন।জানি কুড দিগ**কে জিফাসা ক**রিভেছি, উটালরাকি ার**কে এই কুস্থানে** আর গ্রেরণ করিবেন? দিলের যদি বিদ্যাশিকাও যভাকা নাম ना स्ट्रेश थात्क, यात्र खामानित्यत कर्डिया য় আজান আপনিয়া থাকে, ভাষা ২ইলে এই ध्वश्रमाथरकराज्य योहेत्त्र ११४ दक्क कहा ଓ । ଆଧାନୟା କଳେ ଦଃୟଣେ এବାବେ ইহ। ଓঠା তে পারি। একবে জিজাস(ছইটেড ছেইছ। গ্রাকরিব কি না ? আমি গ্রণ্মেন্টকে রাধ করিতেছি, কুলিসংগ্রাহকদিগের ন্যায় প**্রাহ্কদিগের অনুম**তিপত্রগ্রহণের নিয়ম্ অভিশয় কর্ত্তর। ইঙ্ভে ধর্মের উপরে পুৰ হইবার সম্ভাবন। নাই।

• জীবি:

অমৃতবাজার চক্র।

মহাশ্র! প্রেডভজ্ব লইয়া ও নৃতবাজারে | আংশোলন হইডেছে এবং অনুভবাজার গতে যেক্সপ প্ৰবন্ধগুলি লিখিত হইডেছে, ভঙ্সহস৷ অবিশাস করা যাইতে পাবে किञ्च व्यामानिरभन अक्ती भागम अहे (य) ৰাহার চহেকুর সম্পাদক মহোদয়গণ দিবস ধার্য করিয়া আমানিগকে লিখেন সোমপ্রকাশে প্রকাশিত করেন, সেই দিবস । এখান হইতে কি মনন কবিতেজি, তাঙা "মিজিয়ম" লিখিতে কিয়া-কহিতে , ভাহা হইলে অবিশ্বাসের কার কিছু গরণ থাকে না। মহাশয়। অপুএহপুগক ব্রথানি প্রকাশ করিয়া চক্তের সম্পাদক মুদ্রিগকে অনুরোধ করিয়া বাধিত করি-কম্বক্মিভি।

বহুজু

পাৰক নহাশ্যাৰ প্ৰাক্তি পঞাৰ বেলও এক লভ্ছাকর কাও ঘটিয়াছে। ৪ ঠা বিংশাধ হইতে চৈত্র

াই নাই। কভ জ্ঞীলোক এই ভীৰ্ষদৰ্শনে | এপ্ৰেল ৮৫ গণিত ইউরোপীয় রেজিমেণ্ট মূল । প্রাণত্যাগ করিয়া আপন আপন আমী ভান হইতে মিয়ান মিয়ারে ষ্টেড ছিল, এক দল জ্ঞান:দগকে অকুল ছ**ংখসাগরে কেপ**ণ[়] বৈন্য আপনাদিগের সমুদায় দেব্য **লই**য়া গমন করতে ৬২ খানি শকট যোজনা করিতে হয়। এরপেরহৎ শকটজেনি এক জন সামান্য প্রহ রীর অধীনে প্রেরণ করা অপরামশসিভ আকান করিয়া বিভাগীয় বাণিঞ্জাওতাবধায়ক ক্রেকটন সংহ্ব নিজে গমন করেন। চরু আভেভায় আসিয়া কলের একটী নল স্ফীত হওৱাতে কডক বিলয় হয়। রাত্রি ১ টা ৫০ মিনিট সময়ে মঞ্চ গমরি আডেডায় উপনীত হইলে ক্রফটন সাহেব मिरिलम, उन्नेकांत्र गावडोश हे हे दाशीय कर्म চারী ফুলাপানে উক্তত আছে। ঠেলনমাষ্টার নিজে বিবল্পপ্রায় হইগ্রা মাডিডেছেন ! সুত্রন कल लहेशा भगन कता रहेए छ छ, এमन नश्य পথিমধ্যে ক্রেণ্টন সাহেবের শকটের গবাক্ষ দিয়া এক ব্যক্তি উকী মানিতে লাগিল। ভাহাকে প্ত ক্রাতেদে বলিল, " আমি ওকাড়ার ষ্টেসন মাষ্টার।" ঐ বংক্তি মন্টগমরিতে আমোদ করিতে গিয়াজিল। কয়েক জন মাডাল ইউরো পীয় দৈন্যদিগের মধ্যে প্রবেশ করিয়া উৎপাত कतारङ करर्नम ज्यानम अज्ञाङ ভाशा निगरक मृत করিয়া দেন। এই প্রকারে শকট ওকাড়াতে পঁত্ছিলে মাতালগণকে ফৌজদারিতে দেওয়া হয়। মাজিটেট ওকাড়ার স্টেসন মাষ্টারের ৪·, এক জন রেলস্থাপকের ৫০ ও আর কয়েক জনের ৫ টাকা করিয়া জরিমানা করিয়া এতদে শীরদিগের নিকটে ইউরোপীয়দিগের সভাম রক্ষা করিয়াছেন। মণ্টগমারির মাতাল প্রেসন মাষ্টার পদচুতে ইইয়াকেন। এ দেশের শাসনকর্ত্তা দিগের এই এক ভ্রম আছে, ইউরোপীয় হইলেই সচ্চরিত্র হয় , কিন্তু কার্যের ইহার বিপরীত প্রমাণ হইতেছে। যেখানে মত কর্মচারীর এত প্রায়্ভাব, দেখানে মুখ'টনা না ২ইবে কেন? ডাক্তর মৌ এট কিছু দিন ইউরোপীয় জেলরকক নিগুক করিয়া শেষে বিরক্ত হইয়াছেন। ্রলভয়ের ইউরোপীয় কর্মচারীদিগের অধিং কাংশই ছক্তিন। বিশাদপূর্বক ইহাদিগের হত্তে প্রাণ সম্পণ করিয়া আমেরা রেলওয়েতে গমনাগমন করিভেছি। আমরা অভি মূচ।

মূল্য প্রাপ্তি।

এীযুক্ত বাবু শ্যামাচরণ জীমানী কলিকাতা ১২१৫ देवमाथ इड्रेंट आधिन @ || · » " देकलान त्याविमा मर्ज्यमात्र

কান্ত্ৰগোটোলা

:0

৯ গোপীমোহন মজুমদার ইছলান্ ॐ ॐशाहत्रव हृद्धीलाश्वात्र ১८१४ देवमाच श्हेरछ देहज

---:0:--

বোমপ্রকাশনংক্রাম্ভ কয়েকট

বিশেষ নিয়ম।

অবিদেম্লাও ডাকমাকুল না পাইতে বলে সোমপ্রকাশ প্রেরণ কর ধায় না।

ইহার অঞিম মূলা বার্ষিক ১০ টাকা ষাণ্যাসিক ৫॥০ টাক। সফসলে ভাক সমেত বার্ধিক ১০, বাণ্যাসিক ৭ এবং সিক ৩৭ । তিন মালের ফুনে অধিম গ্রহণ করা যায় না। ছণ্ডি, ব্রাভি চিঠি, অভর, নোট ও ষ্টাম্প টিকিট, ইহার ভ যাহাতে যাঁহার সুবিধা হর, ভিনি সেই ষারা মূল্য প্রেরণ করিবেন।

ষাঁহারা স্থান্সটিকিট পাঠাইবেন, ব ধেন এক অংথবা আংখ আমার অধিক ও রসীদের টিকিট প্রেরণ না করেন।

যখন যিনি মফস্বল হইতে সোমপ্র মূল্য পাঠাইবেন, ভাহা যেন রেজিটুরি : শ্রীযুক্ত ছারকানাথ বিদ্যাভূষণের নামে हेग्ना (पना

বাঁহাদিগের মূল্য দিবার স্মন্ত্র অভীত আসিবে, এক মাসপুকো ভাছাদিগকে লিখিয়া জানান ধাইবে, কাল অভীভ গেলেও এক বার চিটি লেখা হইবে, ভাষ একমাসকাল প্রভীক্ষা করিয়া কাগজ ব্য যাইবে। শেষ বারের পত্র বেয়ারিং हर्दे ।

মাতলা রেলওয়ের দ্যোপুর ষ্টেসনের ঘরে চিঠি আইলে আমরা শীত্র পাইব।

যাঁহরো মাঞ্লন। দিয়া পত্রাদি থেরে বেন, তাঁহাদিগের সেই প্রাদি এহ্ব गहिर्व ना।

কেহ সোমপ্রকাশে বিজ্ঞাপন দিতে করিলে ভাঁছাকে প্রথম ডিন বার প্রতিপংখি আনা ভাহার পর ৴১০ আনা দিতে হই যিনি অধিক কাল বিজ্ঞাপন দিবার ইক্ষা বেন, ভাহার সহিত অভত্র বন্দোবস্ত হইবে

🕶 এই পত্র কলিকাতার দক্ষিণ মাতলা রেলওয়ের সোণাপুর ষ্টেসনের দ চাদ্ভিপোডায় জীবুক দারকানাধ বি ভূখণের বাদীতে প্রতি সোমবার প্রাভঃ একাশিত হয়।

मियशकिक

२० मरच्या

" प्रवक्तनां प्रक्रितिकिताय पार्थिवः सरस्वती श्रतिमक्ती न कीयतां।"

মূল্যে এক অধ্ঞেম বাধিক ১০ দশ্ । মালুগালিক ৫॥ সাড়ে পাঁচ টাকা।
সম ১২৭৫। ১৩ ই জৈপ্তি। ১৮৬৮ ২৫ এ মে
যালুগালিক ৫॥ সাড়ে পাঁচ টাকা।

বিজ্ঞাপন।

াকবি দঙ্যাচার্যেরে ক্লুড দশকুনার চরি-পূৰ্দ্যীঠিকা নেপালম্ব পণ্ডিড জ্ঞীনুক্ত ভদক পত্ত কর্ত্তক এই প্রথম প্রকাশিত এবং গরাফাবে মুদ্রিত হইল।মূলং ॥॰ আনট ডাক খাহুল এক আনা।

লিকান্ডা সংবাদ নিব্যাক্র যন্ত্র মতলা ছুীট ্সংখ্যক ভিতৰ

ঞ্জিবন চন্দ্র সাক

ভদ্দারা সর্ব্য সাধারণকে অবগত করা যাই যে, ১৮১৮ ইং১৬ ই জন মঙ্গলবার ছই প্রহরের সময় ৫ ফুটের ভূ,ন উচ্চ ও ৷ সরকারি হস্তিসকল ঢাকা সরকারী ধান:তে দর্কোচ্চ ডাকে নীলাম হইবেক। জ**ুকগণ উজ্জ দিবস প্রোক্ত-জ্বানে গি**য়া রিডে পারিবেন। ইতি সন্১৮৬৮ইং ম ৷

কা ফিস।

জার, ডি, নথল (थमा ऋगद्रिर लेख ले !

বিক্রয়ার্থ।

রডেন রীচং৪ নংবাটী শুলামস্হ ১৯ নং া বাগান !

ভাড়া দেওয়ার নিমিতা

রডেনরীচ২৪নং বারী। পরি উক্তৰাগান ও বাটী যাঁহারাক্রয় उव्यथना खाड़ा नहेरक हेव्हा करतन, निम्न তে ব্যক্তির নিকট জানাইবেন।

> গিলেন্ডারস্তারবো-খনট এবং কোং

পুরাণপ্রকাশ।

প্ৰতা মূজাপুর আমহাউদের দক্ষিণ

সমেত উত্তম নাগরাক্ষরে যমপুর্দাক মুদ্রিত হই তেছে। যিনি গ্রাহক হইতে ইচ্ছা করেন, তিনি हा**का कारनरञ्ज म**श्कुण अभागिक औशुक्त वार् সোমনাথ মুখোপাধ্যায় মহাশ্যের নিকট অথবা কলিকাতা সংস্কৃত বিদ্যালয়ে বা কাব্যপ্রকাশ

যন্ত্রে আমার নিকট পত্র পাঠাইবেন। ३५ हे टेव्ख ५२५८ সংস্ত বিদ্যালয় 👌

মূল্যে বিক্রন্ন করা ঘাইবে।

2 दें दें उद

जी अगर माह्य नक्षा

অভিধান।

দের নিকট প্রত্যেক খণ্ড নগদ ১ এক টাকা

সংস্কৃত মেদিনীকোষ গ্রহ শকের চীকা-

े 🕮 अन्नशास्त्र भन्द्याः

मदाशुधि ٠ij٠ শবাণ প্রকাশিকা শব্দ সিস্কু শকাৰ্থ মুক্তাবলী শব্ধবির্মালা

কাৰপ্ৰেকাশ যতে পুৱাণপ্ৰকাশনামক সাম গ্নিক পত্র প্র**ভিনাদে এক বাছই খণ্ড ক**রিয়া প্রকাশ হইটে আরম্ভ হইমাছে। প্রয়েক খণ্ডের পরিমাণ ৮০ অনীতি পৃথা। ইহাতে ক্রমশঃ অঞ্চী নশ পুরাণ ও উপপুরাণ বাঙ্গালা অনুবাদসমেত প্রকটিত করিবার কল্পনা আছে ৷ প্রথমতঃ বিঞ্-পুরাণ অন্ধুবাদ ও জ্রীধরগোন্ধামিকুত টীকা সমেত মুদ্রিত হইটেচেঃ ১ লা বৈশাধ বিভবণ কলিকান্ড। আরম্ভ হইয়াছে। ধিনি ইহার গ্রাহক হইতে অভি কৰ্ওহালিস नावी इन, जिनि कलिकां । मश्यु ज विमान्द्रा আমার নিকট পত্র ডাকমাগুল ও প্রতিখণ্ডের मृत्रा अधिम॥• आपि आमा कविहा भार्राहरवन। যাঁহারা নিয়মিত প্রাহক্তেনীভূজ নহেন, তাহা

। दार्टाइड

বারুইপুর ६ हे रेहज 18956

সংস্কৃত পুস্তক রযুবংশ সচীক উত্তর বৈৰণচরিত ভট্টিকাব্য অষ্টাবিংশতি তত্ত্ব

শক্ষাৰ্থ প্ৰচাৰিকা

প্রকৃতিবাদ

下断有对示

) জ্রীকেদারনাথ বন্দ্যোপা পুস্তকবিক্ষেণ্ডা किए ३११ वर)

কলিকাত। সংস্কৃত লাইবেরী ও কা বিট্ট ১১ সংখ্যক ভাৰনে <u>ক্ৰী</u>যুক্ত ব্রদার মজ্মদারের পুস্তকালয়ে, জীযুক্ত বাবু দে কুমাররায়চৌধুরিপ্রণীত," ভব্রপ্রকাশ " বি

রাণীগঞ্চ পটরি কোং

লিমিটেড ৷

জ্রীজনোহন বসু

অধ্যক্ষ

মেজিয়াকরিবার সুচিকণ টাইল। ঐ কো≫্ৰনিৰ মিসনৱোক্তিও ৪ নং আহি উহার নমুনা দেখিতে পাওয়া যায় এবং কাহার প্রয়েজন হয় ঐ আফিসে অসুমতি পাঠाইश्रा पिरवन।

ঠনঠনিয়া সংস্কৃত পুস্তকালয়ে 🗢 পর্টে ভাঙ্গা বাড় ুঁয়ে প্রাদার কোম্পানির দোকানে প্রণীত ও সংগ্রচারিত নিয়লিখিত পুস্তক বিব্ৰুণ্ণ হইডেছে:—

প্রণীত **এীসইভিহা**স মূল্য

11 ->---

ভিহাস 1. द्व करी कदल ার (১৯ ভাগা) ার (১ য় ভাগি) **3** ৰ ব্যা**করে**ণ

জ্ৰাবকানাথ শৰ্মা।

দক্রদ্ম অবভিধান । সর রাজারাধা-দেব বাহাছুরের কুড। উভমকপে দিলা সূতৰ বাঁধাৰ, মূল্য ২৫০ টাকা। ধিনী পত্রিকা প্রথম করে,

71 1

· জ্রীমানদচন্দ্র বেদান্ত বাগীশ i

লাপপ্রচান্নিকামামে এংশোনি স্থবিস্থীর্ণ ধান, থাহাতে প্রাকৃত ও বাবনিক শব্দ কল শব্দেরই লিক্ভেদু ও ধাতুর উত্তর ও শদের উত্তর ভদ্দিত এবং উণাদি চট্টে নানাবিধ প্রয়োলভব জায় ০০ ছালারে শাল সংগ্রহপুর্শক ৮ ১৮ পুর্ছায় क्रियाटक, बीकाल्टिश्व भारत्राचन क्रेट्र्र, । बहुद्रका २४७ मर शुक्रताबद्ध छ (१९१४) ভিয়মৰ জীপ্ৰভাপচয়দ রাধ্যের নিজ্ দান ক?লে প্রাপ্ত হইবেন। মূল্য 🔻 টাকা

া বাহিনান লেওয়া যাইবে। বিচ্চাতা আইন্দ্রমারায়ণ ঘোষ।

কুল (।√ ভানা: যদি কেচ একে

क्काश सम उट्ट सेहाटक ३५ होका

विषयात नमी।

াচন ৬৮ সালোধ মে মালেধ ৮ ই এইছে র **ই পর্যায়ে** ভাগীর্থীমনীর স**র্বা**ম জি **ভালের সাপ্তাহিক রিপোট**।

স্থানের নাম कु∙छ গহানার উপর প্রান্দীতে ÷ • বখাবার 77 তথা হইতে জ'লপুর পর্য,স্ত

(১৬॥ মাইল মধ্যে)

^{্র}জনুর হইতে বহরমপুর**ীর্য**ন্ত । ३५ म!इल म(५६)

/**১**রমপুর হইতে কাইওরা **পর্যান্ত**

্ৰমাইস মধ্যে হিটোয়। হইতে নদীয়া প্ৰাস্ত

্ ৪ ৯ মাইলের মধ্যে 🕽

সন ১৮৬৮ সে ম'কার ১৮ ভারিতে ব**ংরমপুর** कृष्ठे हैक গজ গাটের জলোমাপ "

ীয়ক টি. হেল উইল, সি, ই, এক্লিকিউটিব ইঞ্নিরর বহরমপুর ডিবিসন

সোনপ্রকাশ।

১৩ ই কৈটে সোমবার। কন্যবিদ্যা ও প্রতিনিধি

অনুধাৰন করিয়া দেখিলে কন্যা ও পুত্র উভয়ই সমান, উভয়ই তুল্যেপ ক্ষে€ের পাতা, কিন্তু কন্যাধিক্রেকারীরা ক্ষেত্শুন্য হইয়া গোমেবাদির ন্যায় সেই কনা। বিক্রেয় করেন। এটা যে অতাস্থ গহিতি কার্যা, ভাষা প্রভিপন্ন করিবার নিমিত আমাদিগের এক জন পত্রপ্রেরক কৌত্তকপূর্ণ একখানি পতা প্রেরণ করি য়াছেন, আনহা ভাষ, যথাস্থানে প্রকাশ ক্রিভাষ।

কংলা অগিক জালো কি পুতা অগিক कार्या. এই कथा अहेता वह मडामड আছে। জগদীখন খভি প্রায়পূর্বক যাব-ভীয় বিসংযর স্থাট করিয়াছেন সন্দেহ নাই।মারুণ বিভয়ে দম্পতীপ্রণয়সুগ ভোগ কঃবে এবং ফটি অবিলুপ্ত ও পরি বর্দ্ধিত হইবে, যদি ভারার এক্লপ অভিপ্রেত हत् ही ७ शूक्त मम मर्थाय रुखे চইয়া থাকে, এটরাপ অসুমান করাই সজত বলিয়া প্রতীয়মান হয়। পুরুষের সম দংখার বা অধিক পরিমাণে জী জিমি-(लाख दक्ष: मरम (को नीना, वस विवाह এবং বিধবাদিগের অবিবাহনিবক্ষন কন্যা একান্ত হ্ল'ভ হইয়া উঠিয়াছে। যে বস্তু জুল ভি হয়, ভাছাই বহুমূল্য হইয়া পড়ে। অভএব বঙ্গদেশে কন্যাগণ যে শোমেধাদির ন্যায় বিক্রীত হইবে, তাহা 4িকালের বিবয় নহে।এ কাজ্টী যে নিভান্ত গছিতি, ভাষা এ দেশের শাস্ত্র কারের। ও ভদ্রনোক্ষাভেই বলিয়া থাকেন। এতমূলক বহু অনিষ্ট ঘটিতেছে

এবং দেশের উন্নতিরও বিলম্প ব্যাহ **कविद्रष्ट ।** कन्माविक्याकादीतिर प्यदर्वत्र व्यक्ति हे मृत्ये श्रीटकः , वटत्रत দোষের প্রতি দৃটি থাকে না। দান বৰ্ষীয়া কন্যাকে অশীতিবৰ্ষদেশী হত্তে সমর্পণ করিলে যে কত অনিষ্ট ং অসুভবশীল ব্যক্তিমাত্রের সেটা বিল জানা আছে। যত অধিক পরিম সুসন্ধান জামে, তত্তই দেখোর উ: হয়। অশীতিবর্ষের রুদ্ধের, সহিত দায ব্যায় কন্যার বিবাহ হইলে সুসং किश्वितात मञ्जाबना शादक ना।

এ দে!বের উক্ষলনের উপায় বি পত্রপ্রেরক গ্রণ্মেন্টের হস্তবারা উ উন্মলন প্রস্থার করিয়াছেন। কিন্তু আ ইহাতে সমত নহি। গ্ৰণ্মেণ্ট আ নিপের সামাজিক বিষয়ে হস্ত করিলে বহু অনিউ ঘটিবার সন্তা আছে। সমাজত বাজিদিগেরই সমা **লো**ৰমংশোষনচেন্টা পাওয়া কর্ত্ত কন্যাবিজ্ঞা ও বস্থিবাহপ্রতি সা জিক লোবসংশোধনার্থ নবাসপ্রার একটামভাকরাউচিত। মভা ক এই দকল কাজ করিতে পারি দেশের যথার্থ উপকার করা এবং স নাদিগের ক্ষতাপ্রকাশ হয়। আ শুনিতে পাইতেছি, ন্রাসপ্তাদ কভকণ্ডলি লোক রাজনীতিঘটিতেও নুতন প্রতিনিধিদমাজ করিবার (পাইতেছেন;কিন্তু এখন উহার আবশ্যকতা দেখা বাইতেছে না। এ দেশে যে ভারতবর্ষীয় সভা জ তাহার দ্বারা আমাদিশের ইন্টদিদ্ধি তেছে। ভারতব্যীর সভাকে আ कभीनाहितरशत माजा मारन करतन ; আমরা তাহা মনে করি না। সভা কথা বলেন, না। ভারতববের বি

ষে কোন প্ৰস্তাব হয়, সভা ভাই

यथन इन्हरका करतन, जैथन प

রূপে স্থির করিব যেভারতবর্ষীয় সভ। ণীদারদিলের সভা। নামদারাও ইহা ভপন্নয়না। তবে এ সভাগ প্রবে-র একটা প্রতিবহাক আন্তে সভা তেগেলোকছু অধিক দি:ত হয়। াকে কিঞ্চিং অব্পাঞ্চনের **অনু**রোধ রলেই দে ঞতিবন্ধক দুরীভূত হইবে। ব্যদি সভাসে অনুরোধ রকা না রন এবং জানীদার ও প্রজা উভয়ের र्थ পরস্পরবিরোধী হইলে সভা বল জামীদারেরই স্বার্থ অবেষণ করেম. eা হইলে নব্যস<u>ক্তা</u>ৰায়ের স্বাহন্ত্র সূভা ররার চেটা প্রশংসনীয় হইতে র। এ স্থলে আনা দিগের আর একটী বচনাকরাকর্ত্রা, আফিলও আমা গর রাজনীতিসংক্রান্ত যাবতীয় স্বস্থ চহয়নাই;দে বিষয়ে স্বাধীনভাও ম নাই। এখন আমাদিগের সকলকে পরিকর হইয়া একবাকোই ৼরাজাদি-্হস্ত হইতে 🔄 সকল স্বস্ত ছিনিয়া ত হইবে ; কিন্তু এখন যদি আমাদিপের র মধ্যে আধেঘর। হয়, সে অভীফী হওয়া হুরহে হইয়া উঠিবে। ইংলতে ति ও छ्डेग अडे या 💣 जै मल इस, कान् য়ে তাহার স্থিটি ইইয়াছিল, তাহার काम व्यक्ष्यक क्रिटन नदामच्छानाय मिर्गत वारकार्त्रै÷गुज्जि क्**म**शक्रम তে পারিবেন।

डेशस्ट त्यक्र श्रमिंड हटेल, **उन्हो**ड़ा | अभाग इहेर डर्छ, त्राञ्चनी डिमय्रका াতভঃ স্বতন্ত্র প্রতিনিধিনমাজ র প্রয়োজন হইতেছে না; কিন্তু হিন্তুদমাজ দংশোধনার্থ বে 31 া স্টির প্রভাব করিতেছি, তাহা ইলে আর চলিতেছে না। অভএব ।। উপদং হারকালে নব্যসজ্ঞাদায়কে ষরূপে পুনরায় অসুরোধ করিতেছি,

য়ারাজনীতিদং কোড স্বতন্ত্র সভা

ষ্ঠার ঠেকী প্রিত্যাগ করিয়া সমাক

সংশোধনাৰ্থ আৰু একটা সভাস্থাপন कक्रम । जामानिरात एएटम अकर्ग इक्त নীতিঘটিত সমাজ অপেকা ঐরপ সভা-हहे विकि श्वद्योधनः

--308---

শাসনকর্তুপক্ষ ও দেশের গর্ম। छ हेग परलंत वर्डमान व्यक्ति। यक छव লিউ ই, প্লাডটোন নাহেৰ প্ৰায় ৩. বংসর চ্ইল এক এছিপ্রণয়ন করিয়া বলিয়াছিলেন, লোকের জীবন ও মৃস্পতি রকার সজে সজে ধর্মশিকা দিংা মজল সাধনচেটাকরা *শুতে*য়ক প্রব্নে**টে**র কর্ত্র কর্ম। উহিার মতে যেমন শাগন ও বিচার কার্য্যের নিমিক্ত বেতনভোগী কমিচারীরাধা হর, তেমনি পুরোহিত নিয়োগ করিয়া ধর্মরক্ষা করা উচিত। আরারলতের অধিকাংশ লোকে কাথ লৈক; ভথাপি প্লাডফৌন নাছেব বলি াছিলেন, যথন ইংলগ্রীয় গ্রন্মেন্ট প্রোটেফাল্ট হইতেছেন, তথন খায়ার লতের গ্রন্থেন্টদংক্রান্ত ধর্মকপ্রায়ের প্রোটেন্টান্ট ছওয়া আবিশ্যক। এ বিষয়ে কাথলিকদিদের প্রদত্ত কর ব্যয় করা প্লাডটেণ্ন সাহেবের মতে অন্যায় নয়। তিনি ইহার এই কারণ এদেশনি করেন, কাথলিক প্রজাগণ অভয়ত। নিৰ্ফান কোন কথা वर्ञ আর গবর্ণমেন্ট বুঝিতে পারেন ভদ্মি পরীত কাজ করিলে ভবিষ্যতে প্রজা দিগের প্রকৃত মঙ্গল হুইবে, তাহা হুইলে প্রজার জাপত্তি গ্রাহ্য করা বিধেয় হয় না।পুকেরি যেনন লোহশৃগল এভৃতি ছারা বিরুদ্ধ মতাবলম্বীদিওতে ধর্মাসূত্র আনিয়ন করিবার চেন্টা করা হইত, প্লাড ফৌন সাহেব ফরাশী বিপ্লবের পর ধর্ম শহুফো শেপ্রকার অভ্যাচার করিবার প্রস্তাব করিতে সাহসী হন নাই, কিন্তু এত দুর বলিয়াছিলেন, যাহরে। বথার্থ

(গ্রণ্টের) ধর্ম গ্রহণ করিবেন, উ;হ্t

भिगटक मर्ख्यकात डेक क्षम अमान হইবে। তদৰ্মি আয়ারলতে এতদর काय इहेशा व्यामिट अहिल। अक्तरी য়ানলিলের দে)রাজ্যোইংলভীয় দিপের চকু উন্মীলিত হইয়াছে। উ স্বীকার করিয়াছেন, কাথলিকটি **डोकांग्न ८≤।टिकोल्ड शूट्डाइङ**ि বেতন প্রদান করা অবিচার ও নীতিবিরুদ্ধ কার্যা। ইউরোপের ধর্মদমকো গোড়ামীতে স্পেন সর্বপ্র তাহার নীচেই ইংলও। ইংলতে । অসুবারে যে ে ব:ক্তিযে সে ধর্ম গ হন করিতে পারেন বটে কিন্তু ইা গের প্রতি যে ঘূণা প্রকাশ ও প্রব ন্তঃ ইহাঁদিদের যে প্রতিবন্ধকতা হয়, তাহাতে ধর্মদমলে 🖨 স্বাধী দান বিফল হয়। খৃকীয় ধর্মের প্রতি কের অসুরাগ ক্রমশঃ কমিয়া আ তেছে। ফরাশী বিপ্লবদারা নি প্ৰায় যে ভক্তি পুনক্দীপিত হ ছিল, ভাহা পুনর্কার নির্কাণ হইতে য়াছে। ফুাঞ্চ ও আমেরিকার স্বা **हिन्दानीन (लारकता मर्द्ध थकांत (ग** মীর বিশেষতঃ খৃফীয় ধর্মের য আঘ;ত করিয়াছেন। আমেরিকার গ মেণ্ট কোন ধর্মকৈ আইনদারা বদ্ধ করিবার ঢেটা পান নাই। খামেরিব भागन धाराली, चारमतिकात साथीन वि এবং আমেরিকার উন্নতি ইংলপ্তের গ শিষরপ হইয়াছে। এই হেডুথে 🤉 টোন সাহেব তিংশং বংসর পূর্কে র্ণমেন্টকে শাসনকর্জ:তার সহিত ধর্ময ক্তার পদগ্রাংগ করিছে অনুরোধ ক য়াছিলেন, তিনিই একণে মহাগভ প্রস্তাব করের ছেন, আরারলভের হ সম্প্রদায়ের সহিত রাজ্ঞীর কোন সংস্ রাখা উচিত'নছে। যেদকল প্রোটেউ পুরোহিত সরকারী বেতন ভোগ করে তাঁহার মতে তাঁহাদিগকে ছাড়ার 1. _>>oo =

ক ঠবা। মহামভা এই প্রস্তাব প্রাহা । (८६२। *डे॰* लट्छत्र कारिकाः म हत्त्र ऊहे ५ ठ। डिगर≾िल मार्ट व 'स्ट्वांत कक कन व्यांच्ट्रावकः ্তিনিও স্বীকার করিয়াছেন, আয়ার া প্রতি অধিচার হইগাছে। ডিনি এই মাত্র অভিনিক্ত কথা বলেন, ট্রটা**ট ধ্যাস্ভ্রা**ল যেমন আছেন নথকুন, একটা কাথলিক বিশ লয় ও ক্ষেক জান কাথশিক পুরে: হুউন। ফলতঃ কাথলিকদিধের টায়ে **ऐक्टोले** जिल्ला विश्व दश कहा ম'তিশয় অন্যান, তাহা কি ডিস-সাহের, কি কাণ্টারবরির 🧸 🎋 প **নকলেই স্বীকার ক**টিয়াছেন। :कोन मारहर यालनाड ८शेरन कारलह ার ও মত তাগি করিয়া এক্ষণকার হাদস্কতকথঃ ধলিয়াছেন। व्याहरत्रकारकात भरक त्याहरूरायास ার্মোর অসুষ্ঠান করা ক্ইতেছে, ভার : র্ব প্রের ভাহার অনুসান অভি वार्यभाकः। व्याप्तात्रसम्बद्धः ८०१८५३। লিক বটেন, কিন্তু ভাঁহারা খৃন্নী ; ইংলও ও আরোর লডের থখারে ত আইনকা নাই। পকাল্রে তবংধর ধর্মের স্চিত থ্ডীর त मध्य अधित । किन्छान अस्तिकी করেন ; মুদলমাননিগে: চথে এটা ভাক **ধর্ম বলিয়া জ**ৈ হীংমান হর ্ এথানবার আংকোবা খৃতীর ক মাৰ্ক্তি তওপধৰ্মীত জন্ম কংলে। া কাণলিকপ্রধান আয়ারলতে সর া বেতনভোগী পুরোহিত রাখা ায় বলিয়া ১ডিপেন ২ইটেড, তথ্ন ্ৰ্ভঃমানপ্ৰধান ভাৰতব্ৰীয় বিপের

নত বৃতীৰ পুরোচিত জড়ি

এন করা বে কভ দূব অনায়ে ভাহা

হে রেকা ধাইতে পারে। প্রাডটোন

११ यथन देशल छोत्र भवने माली सम

मश्या वर्ज्य क[तवात क खादवत ममियन সপক্তঃ ক্রেন, তিনিভখন ও ভার'১-वर्गीय अवर्गःनत्नेद महकाही छाकाय या गाँध श्रहाहित शश्चितात अधितान করিয়া ২লিয়াছিলেন ' ভারতবর্ষের শাসেনকার্মা অ-প্রথাক সভাতম লোকের দ্বারা সম্পাদিত হয়; প্রকাদি গের নং গা উছেলিগের অপেকা অনেক গুণ অধিক এবং সেই একাগণ ভত সভা নাহন। উপহাদিগকে বলপুঠাক শাসন করা গ্রণ্মেটো সাধাহিত নয় । পিতা যেলন অভ্যাসনানের আপতি অগ্রাহা কৰিয়া যেটা ভাল, ভাচাই করেন, ভারত वर्ष धर्भमग्रदक जिप्ति भवर्गस्मात्त्वेत ভাষা করা নারাসুগত হয় না। উপিবরা থে প্রজাগণের *ষ*র্ক্তর উপরে **ইস্তক্ষেপ**ণ ক্রিবেন না, ভাঁহাদিগের ক্তুস্পাক্ট প্রতি জ্ঞাহার। তাহা নিনীত ইইয়াছে। " ক্রেটিল গবর্ণমেন্ট বাংশ্বার অক্ষীকার ক্রিয়াছেন, প্রজাদিসের ধর্মের উপরে গোন ক্ৰেছতকেণ করিরেন না। ফ্লাইৰ অৰ্থি লাড তলগিন প্ৰাণ্ ঠাধারা ভদসুদারে কাজ করিয়াও আদি शास्त्रत। किन्न कान क्लिन वार्यों शाहिका *७५* करा इहेश्स्ट । केंद्रिश প্রমে স্পাত অপীকার ও মধ্যে মধ্যে দুড়তৰ প্ৰভিজ্ঞাদাধা ভাষ্যে যে সমৰ্থন कर्रक, खादाह व्यर्थ क्≷ क्वेट्टर्ड्ः— क्तिका । एवं इत्यन मुख्यसम्बद्धिसम्बद्ध সংক্ষারের বিক্লম ব্যবহার ও তীহাদিগের উপরে অভাচার করিবেন না এমন नटह ; डि.हारा 'दिनान ध्वकादत दिनान সম্প্রেবাহের শাহাবাও করিতে পারিবেন না। তাহা করিলেই একরিণ্ডরে অন্য भर्यात छेल्टर इञ्चरक्ल कहा इहेन। গ্ৰণ্মেন্ট ছিন্তু ও গুনল্মান, ধর্মাল্যের নিমিত্ত একটা পরমাও দেন না। পুর্বে इर्का, उ बारमार्ट्डा धर्ममन्द्रित कान्। ा मान कविशाहित्तन अवर याहा हाता-

ইবার ভার গবর্ণমেন্ট স্বহস্তে এইন ক য়াছিলেন, ১৮৬৩ অব্দের ২০ আ ভারা ভাহাও ভাগে করা হইয়া ইহাতে কেহই ছঃখিত হন নাই। १ মন্দির ও অতিবিশালার বয়েক निर्देश हे कहा अवर्गरमा की विकास मा ইহা সমাজের কর্ত্রা। যাঁহাদিলের ধর্মে আহা আছে, উাহাদিগের ধর্মের পুরোহিতের ও মন্দিরের - দেওয়াভচিত। এ যুক্তিতে খুজীয় **নম্বল্লে ত্রিটিশ গ্রণ্গেল্টের অসু** बावशात कता इनेगाटह। अधित श्रुत्ता मिश्रटक हाब्हटकात इहेट ७ (वज्जन) एम হইতেছে। বর্তমান গ্রণ্র জেনর। আবাগমন অব্ধি আমিরা এতিসপ্তা গেলেটে জন, মাজিট্রেট গ্রন্থির নি গাদির ন্যায় খুটীয় পুরোহিতদি নিয়োগের বিজ্ঞাপন দেখিতে প তেছি। मत्र कान भारत्म विख्य थ् धर्ममस्मिद्धत मः कात ও निर्मानार्थ কারী অর্থ দিয়াছেন ও দিতেছেন। निमनदिक्षिणाः ७ याषा याषा याषा लाह निधिष है।का बिट्टर्ड्न। इ शूरकाहित्तिरशतु (याउन, श्रृतीय १ হিত্যিলের পারিপর এব॰ **খৃ**কীয় মণিদৰ্শিকীৰেও সংক্ষায়াৰ্থ প্ৰতিব ৩১ লক্ষ টাকা (ুল্বইদেজ করের অং हे (का) बाह्य कता करेंद्र हरू। (ब মাজিট্রেটের ন্যায় জেলায় জে ক্রমে জন্মে সরকারী পৃষ্টার য নিযুক্ত হইলাছেন ; ক্রমশঃ ইহারা উপবিভাগে ও মুন্সেকি চৌকীতে इहेरवन। এ अकारत हिन्छू अ भूम প্রজাদিগের এদত অর্থ বায় করা অসুচিত হ্ইতেছে নাণু আমাটি প্রথমতঃ অংপনাদিগের ধর্মের বি ব্য়ে ক্রিতে হয়; আবার খৃতীয় ? 'হিত্দিগের নিমিত্ত ৩০ লফ টাকা इत । आग्रा आवात शृकी, शूरत গের বেতন কি জন্য দিব ? আমাদি পুজাবব্যাঘাত হইবে, এই ভয়ে কি ইউ সীকে জলাদের হল্তে সমর্রোণ কা র পুরোহিত ও মোলাদিগের বেক্তন ताक्र काव इंडेट्ड (मध्य इंग्र.१ क्ट्रैंक ান্ যুক্তি অসুসারে বৃষ্টীর পুরুষ্টিত এই বেতন পাইবেন? আমিরা ন আপনাদিলের পরকালরকার লণ থম্মিং কোন্ত ব্যয় আপেনারা করি, টীয়ানগণও দেইঞাকার আপ্নারা ধাক্রিলা পাদ্রির বেতন ও গির-র সংকার করিবেন, ইহাই কি যুক্তি

ভ:রতবর্ধ ইউরোপীয়দিগের

নহে ?

অনুত মহরে। ভাঃতবর্ষত্ব অধিকাংশ ইউরোপীয় গনাদিগের মহত্তকার একটা অস্তুত ায় অবলয়ন করিয়াছেন। বাঁহারা **৪বিক মহ**ং, ভাঁহারা সোদের কার্য্যে ভ হইয়া শুণুৰ্থ কাৰ্যেলে অনুঠান য়া আত্মমহত্রকা করেন; কিন্তু তবৰ্ত ইউরোপীয়েল দিয়াত য়াছেন, সহত্র দোবের কর্ম কর; ভার রিয়দিগের নিকটে তাহা গোপন তে পারিলেই আক্মহত্ত্রকা হইল। ারা এ মহত্ত ও মহত্রকার য় কোথায় শিক্ষা করিলেন ? ভার-ীয়েরা কি এমনি জড় পদ্ ात्रा निकास 🐣 । अया ताथिशार्हन (य, ..। (প अवस्थ इन कहित्व है मोक्त ममू-দোষবিৰজিজ চহয় গুঅন্য অন্য মাসুষ ইপা**দানে স্ট হই**য়াছেন, ইউরোপী-কি তদ্বারা স্ফুছন নাই ? জগদী- '

যদি ভাঁহাদিগকে নির্দোষ করিয়া **স্থাই**

লাছেন, ভবে ইউরোপথতে হতাা,

চা, চুরি, প্রবঞ্চনা, পরদারাভি**মর্থ**ণ

ভি দোবের এত প্রাহর্ভাব কেন?

कल পार्टलंड निवांडनार्थ व्याहेनहे दा

ছে কেন_় ? দওঃ হইলে ভারতর্বী-

पक्र हे अंद्रमानना **७ व्यापनाहिट्स** ब

রোপীয়েরা ইউরোপীর অপরাধীর দও ्रिटेट एन ना १ (प डेनिया चापानट ड কি প্রমাণ করিয়া দিতেছে ? ইউরো-भीरवदा क त्मरभव दावकक व्यरभक्ता व्यक्ति धावस्था कारममं, देशह कि धामान इरेट डएए ना ? बातकानांथ ठाकृत छेड्नि-वस्त्रवाह्मपरका ति कांच कित्रवाहित्यम, मात्वक का हे के छेक का ना ना है के दिया -পীর অধাক্ষণ তাহা অনায়ানে করি-তেছেন। নেপোলিয়ন বলিয়াছিলেন, " ক্রান্স প্রভৃতির ন্যায় ইংলতের মক্তিগ ণও ডাক্ঘরে গোপনে অনের পত্র थूटलन। व्यानहा व्यापनामिटशत स्मार স্বীকার করি; কিন্তু ইংরাজ মন্ত্রিগণ নির্লেজ হইয়া তাহ। অসীকার করেন। " প্রবঞ্চাপ্রভূতি পাপ এ দেশে যেমন, ইউরোপেও তেমনি;বরং বিলাডী জুয়াচ্রী সময়ে সময়ে অধিকতর বিবায় উৎপাদন করে। ভারতবর্গীয়ের নিকটে স্বদোষ্পোপন করাই ইউরোপীয়ের मुशा छेत्मभा इहेशाहि; এই निमिन्नहे বোধ হয়, ইউরোপীয় জুরিরা প্রায় ইউ রোপীয় অপরশ্ধীর অপরা**ধ গ্রা**হণ স্_{রেন} না। এই নিমিডট 🔼 ৪ হয়, বিচারপ-. ১৪া ইউরোপীয় অপরাধীর দওদানে তাদুশ উৎস্ক নছেন। এই নিমিতাই বোধ হয়, ইংরাজী সমাচারপত্রসম্পা मटकता इडेट्राभीरमत त्माम अकारम উমুধ হন না।(১) এই নিমিত ই কি নিয়মবহিভূতি প্রদেশে এক জন ইংরাজ আর এক জন ইংরাজকে বধ করিলে এক জন পুলিষ কর্মচারী এক ছ হভাকো ()) (त निन अक बाक्ति अव व्यवसाय

ভিন্টী পাটের গঁ:ইট পাঠাইয়া দেন। পথে

ভাহ'র একটা হারাইয়া যায়। তবলিট্ট ছটা ডিল.

ষ্টেসনে আমিয়া ভাহার একটা ভাগেরাকৈনটা

ক্রাহয়। যাহার আই ক্তি হয়, ডিনি ইংরাজী

সমাচারপত্রে লিখিয়াছিলেন, সম্পাদক তাহা

थकान करतम नाई।

চেতা পাইয়াছিলেন বলিয়া প इंदेशार्हन १ अहे निभिन्त है कि स्म 'পুর্ব্ববাঙ্গলা রেগওয়েতে কানপুরী 'ছইয়া গেলেও কোন ইংরা**জি**⊲স্থ .এ পর্যান্ত উহার প্রাক্তান কারণের **গ** স্থানার্থ গ্রণ্মেণ্টকে উত্তেজিত ক নাণ্ফলভ; পংস্পারের দোষ ধে कता अ स्मर्भित हेड्रताश्रीयमिर्शत महर (ताश करेशाएए। এই कनाई पिन ইউরোপীয় জাণরাধীর সংখা রিভি **एटए । उर्शारकार कारल स्क्**रहारव (त्रांभीयविष्ठां निकटें कांगां? ৰক্তৰ্য এই, তাঁহার। এ স্বভাব পরি कक्रन: ना कितिल कार्यहे व्यथन्छ (बन मटमह नाहै।

िन निकार्य करा।

ं भागिषिरका वर्जनान धारानश् দিগের এ দেশের এক একটা অস্কুত क्षेत्रेम् दिन विद्या मुझ्यू म्यूट्स ' কচাদ খুড়োল 🔧 কথা মনে পড়ে (क्रांन काक इडेक, (व (हान क्रांचा মুলুকর্নাদ খুড়োর সকলের আনতোয আছে; কিন্তু কখন একটা সা কাজও ভাঁহা হইতে হইয়া উঠে ন थूरका *भा*रत (त्रवज डेशहानान्नामः পাকেন। কার্য্যের অবান্তর ভেদ এবং কি উপায় অবলয়ন করিলে ব সিদ্ধ হয়, তাহা জানা দূরে ধা আহরত্ব কার্য;ভারা দেশের উপকার অপকার হইবে খুড়োর সে বিবে कतिवात अध्यक्त माहे। स्टिमंत्र করিবার আভিরিক ইচ্ছা আছে ব थूट्डा के मकल काटक सान, कि दर ভাঁহার বাচাহুলী লইবার ইচ্ছা, আ বলিতে পারি না। অ আমরা দিপের প্রধান রাজপুরুষদিদেরও

ভাব হইয়া উঠিয়াছে। দে

সালন করেন, ভাঁহাদিলের এ আবস্থার উন্তিকিনে হয়, জাহা আনিবার াল অবলয়ন করিতে যান, ভাহাতে 🗝 ইইয়া বিগারীত ঘটিয়া উঠে। িল সর জন লারে**ল্য নিয়তেশীর বিদ্যা** ্থ ধনাগমের যে একটা উপায় অব কাঁতে উন্ত হয়াছেন, ভাছাতে া যে ইউনিদ্ধির ব্যাঘাত ক্রমিধে ান্য, ভাঁষার প্রতি লোকের ্বিরাগ জন্মিবার উপক্রম ছই. हा दिनि दिन के अखावती न्द्रिक ার চেন্ট। পান, ভাহাতে যে যে উ ঘটিবার সম্ভাবনা আহে, অগ্রে র গণনাকর। আবেশ্যক হইতেছে। ाथभाषः क्यीनातिम्स्यत छेलात्ह ্র পড়ি:তছে। বঙ্গদেশের চিরস্থায়ী বস্ত একটে অনেকের শোচনীয় বিষয় উঠিয়াছে। দান ক্ৰিয়া অকুতাপ পের নীচাশয়তা আবি কি আই 🤈 সেরে রাজাকতে আলী সাহ আপ⊹ বলান্তা হলুশ্নার্থ নকলের সম্পুরে निगरक बरू मान का ... उन, किन्छ गांख परिक तोखवातीत वाहित हेरे**र**े टिंग डीक्सा क्रहाहा (क्रवल ख ৰ'ৰ ধন এছৰ ক্রিড এলপ নয়, र निकटने छाश्त निह्य है ए। कि हु च डाहा ३ को छि:। शहे छ। विद्वारों १ বস্তৰমুক্ষেও জন্ম ঐলপুষ্টনা ছে। লাভ কণ্ডয়ালিন যে প্রশৃত্ত : ও দুৰদ**ৰ্শি চানি ব্যান বল**দেশে াজস ঘটিত থে বলেনাৰস্ত করেন, न कामनकर्काति दशद दम खान मा তে উচ্চারণ ভারার **উদ্ভেদ্ধি**

থ কে ১ইলাছেন। কণতি বঙ্গনে শীয় ও ভার**ত বর্ষীয়** গ্ৰণ্মেটট নিয়ালালীয় বিদ্যাশি উপায়বিধানার্থ ভরুপাটশালার নাংনচেষ্টার বাপুত হইরাছেন। স্ত ও কবিদালী আছে, তাহার

টুটু নিল্পণ আছে; কিন্তু জাঁধারা । নিমিত্তিকের আটবিকান, ইনক্ষেত্র कुरमय मृत्यापाशांश ७ के छ मारहर्दत्र মত গ্রহণ করা হয়। 'শুসাধা পিটিয়া (घ: इ: " कहा यात्र कि ना, ज्यमः अ विष-য়ের খালোচনা করা **আমাদিগের অভি** প্রেড নতে, গর্বর কেনরল যে প্রস্তাব করিয়াছেন, ভাচার গুণ দোব বিচার कहाई आमामिट्यन छेटकमा। अवर्षत ক্ষেত্ৰত বজাৰেশে গুটুছিক, গোলয়ের অংশ তা ম্প্ৰমাণ কতিবার নিমিক্ত যে হিনাব দিয়াছেন, ভাষাই ত সংবাজে বিবাদা-স্পদ হইতেছে।

> (2. 4)(4) (2. 4)(4) (3. 4)(4) (4. 4)(4) (4. 4)(4) \$. 24. ६५१६%

আমেরাজানি বঙ্গেশের প্রতিপলী প্রামেই শুরুমহাশরের পাঠশালা ভাছে। যেখানে পাঠশালা নাই, এমন আমে প্রায় मृतिः त्राहत इत ना। यनि दक्षरम्यनत পश्चीश्चारमत मर्था २४,००० धरा यात्र (আ সংখ্যা অধিক নছে) এবং প্রতি পাঠশালার ১০ জন করিয়া ছাত্র ধরা হয় ভাষা হইলে গুলুপাঠশালার ছাজের मर्था आफाइ लक्ष इदेर्य। अना অন্য প্রদেশের শিক্ষাসংক্রান্ত ক্র্মচা-

প্রিপ্রায রীর: যেপ্রকার विमाना ७ ছाজের প্রাক্রেন বেশের আমশীন (!) ডিরেক্টর ও दान्∰्) हेन्द्रका है। निर्धात उठ अ इंग्रमा देलिया (म्क्रांश श्वा कर्वन সুভাগে প্রকৃত সংখ্যা জানিতে याम्र ना।

গুরুপাঠশালার উন্তিদাধন এ বসরকো প্রথমতঃ হুটী প্রশ্ন উ হইতেতে। প্রথম, নিমুক্তেণীর **সু** लाएकः। উপায় विश्वान माश्वायकः। কিন। ? দিতীয়, এনিমিত ভ্নির উ कत्र छार्थन विषय कि ना ? अर्थन उ শীমাং শাশরকো ছটা ওরুতর আ हरेट उटह। अथग, या जा का क्या करा द हेर्हाम्रशत क्षाभिकाशास्त्रत स्य उ विश्वान चाँछेश डे.र्रेटन, व्यामश जमक কধন এরপ মনে করি না। সুশিক **ह**हे(लड़ भिका किंग्ल अन्दर्श नि হয়। দিতীয়, যখন উচ্চতর জেণি ব ক্ষিত্হইয়ারাজনীতির দার অনুদ্য (म^{िथ्}श आश्रनामिश्य विकासिक বিজ্যনাম্বরূপ বিবেচনা করিতে তথন নিম্নোণির শিকা যে ফলো য়িণী হটবে, ভাষার সমাবনা ন একণেযে গ্রামে কুড়বিদা আ ী গামেই প্রায় বিদালের **স্তা**পিত া শ্রেণীর রাজ তেছে।যদি উপ্ত ঘটিত কমতা রুদ্ধি হয়, জাক্র এই मुक्त विकाल तित्र मध्येत भा আপনি রৃদ্ধি হইয়। উঠিবে। ভূমির উ করছাপন করিয়া বলপুর্বক ণি निवात श्रायम (नथा गा**रे**टकरह चि और, मत क्रम नारतका वरनान, " মেন্ট বিদ্যালিকার নিমিত্ত বায়

(दन अक्रभ 'अज़ीकात करतन नाहे।

ৰাক্য অসভ্য শাসনকর্তার মুখ হইতে

পতিহইলে শোভাপাইত রোজার

अजिका अजिशाननार्थहे अशारक वि

-206-क्टबन १ 🖛 🐃 🔝 । क्रुफिविमा इंडेटल कि র লাভ নাই ? দস্তেক্ষরাদির হস্ত র কার নগায় প্রজার বিদ্যাদান কি র অন্যতর কর্ত্তর কর্ম নছে ? 🔾 ১ কি অজ্ঞীকার এতিপালনার্থ বিদ্যা ক ব্যয়দেওয়া হইয়া থাকে ৭ ইং-কিশিকাবার্যের নিমিত স্বতম্ব কর 🖓 विरुष्धिकः वज्रःभरण এই कत ন কোন ক্ৰমেই যুক্তিণক্ষত হই-্না।বঙ্গদেশের সহিত মাজুলাজ, াই, মধ্যভারতবর্ষ ও পঞ্চাবের । इहा ना। ঐ সকল প্রদেশ অপেকা ংশের আয়ে অধিক । বঙ্গদেশের কাৰ্যাৰ্থ যে ব্যয়দান আৰশ্যক, দিয়া যে টাকা উদ্ত হইবে, ভাহা ठ कि वक्र**म्हिन विमाणिकार्थ वा**श াউচিত নয় ? তাহা যদি উচিত এপ্রদেশের বিদ্যাশিকার্থ স্বতন্ত্র কর

ান অনোব⇒াক বলিয়া এপভীয়মান । मत्म्ह गाइ । वर्गत (कानतल वटलन, ''त्रवर्म हेनकम স্থাপিত হয়, তংকালে চিরস্থায়ী বিক্তের আপত্তি শহাহ্য হইয়াছিল।" দ্ধি অংথাহ্যকরিবার করি৷কে ? সিদ্ধ আপতি তাৰ্ণ করা বাঁহাদি কর্ত্তর কর্ম, জীহারা যদি ন। শুনেন य कटन कांश ना अनिरन जरनात করিবার ক্ষ্তা লা থাকে, দে ছলে निर्न रम कार्या की कि अनाम विनाम গণিত হয় না? যদি এক অন্যায় প্রনায়য়ের বির সমর্থনে সমর্থ হয়, ক্ষুক্তে মাৰ্পির জেনরলের উলিখিত ৰ্ম্প্ৰীয় ৰশিয়া বিৰেচিত হইতে े समीमारत्रता श्रमः श्रमः প्राप्तान দাছিলেন, ভাঁহালিগির কথার**কা** ता, कि करतन, व्यवजा कह विशो

ভাষা ৰণিয়া কি নেইটা অমাণ

ট্রপনংহারকালে আমরা অনিষ্টগুলি

[?

পুনরায় গণনা করিতেছি। ভূমির উপরে विमानिकार्थ विद्यातकत्र इहेटन, अथ मकः, वित्रकाशी रत्याबत्खत वित्रक व्याव রণ হইবে ; দ্বিতীয়কঃ এক শ্রেণির স্থি ধার নিমিত অপর, শ্রেণিকে কর দিতে হইবে ; ভৃতীয়তঃ ইত্নুদায় ক্রভার শেষে मित्र प्रदेश किया किया के एक देश किया है भिक्य के देश । मत्रे अपन लारतच्या कि भरन करहर, अपशेका (तता शकातं ऋ एक हा**भारेट उ** भाति हन নিজ তত্বিল হইটে টাকা দিবেন ? অম্মীনারের লাভের উপরে শত করা তুই টাকা লওয়া গবর্গ জেনরলের অভি ८थाङ । गवर्गरमन्छे स्वमन अभीनारत्रत्र লাভ হইতে অর্থগ্রহণের চেন্টা করি বেন, জমীদারও তেমনি প্রজার শোণিত শোষণ আরম্ভ করিবেন। আদালভ দকল পুনর্কার কর্রদ্ধির মকদ্মায় প্লাবিত হইয়া উঠিবে। আবে যদি ব্যবস্থা-প্ৰগণ কংবৃদ্ধির স্থাবিধা করিয়া দেন, ভাহা হইলে ত মণিকাঞ্চনযোগ হইবে। দেই দে কলি আসিয়া উপস্থিত হইবে: সেই অভ্যাচার হইবে ৷ .০ আই নের দারা করবৃদ্ধির যে দীমা আছে, তাহাও ক্ৰমে লজিবভ হইবে। যাঁহার। বিস্তর টাকা ব্যয় করিয়া বাটী, বাগান প্রভৃতি প্রস্তুক্রিয়াছেন, ভাঁহারা দেখি বেন ভাঁহাদিগের বাস্ত ঠিকা মাত্র হইরা উঠিঃগছে; ইট ও রক্ষজিন্ন আর কিছু-রই মূলানু ই। হৃষক্পণের যে কিছু উল ¦ তির সূত্রণাত হইয়াছে, তাহা দূরে প্রান্থান করিবে। যে **করে সংপত্তির** মূল্য ভাস করে, তদ্ধারা কেবল জাতিসাধারণ মুলখনকয় হয় মাত্র। আলম্পিরের मगरत ७८ क्लिंगि होका व्यक्ति ह কিন্তুবিস্তর সরকারী কর করা হইয়া ছিল বলিয়া তত আয় থাকিতেও দেশ উৎসমু ছইয়া গেল। অভএব সর জন लटक्ष्म निष्ठत्र क्यानिटवन, व्यक्षिक श्रीत्रमा (१त ७ व्यक्षिक अकारतत्र कत्र इहेरल,

প্রশারা কথন সুখী হয় না । যে রা নানা প্রকার করের স্থি হয়, সে র প্রজার বিরাগনিবন্ধন স্থায়ী হা পারে না । রাজারা প্রজার হিতার্থ প্রহণ করেন সভা; কিন্ত প্রজারা ভার বহনভায়ে সে হিভাকে বিধে করেন না, বিপরীভই জ্ঞান করিব।

मत क्रम लाइका दालम यकि व দারেরা স্বেজ্যপূর্বক এই ছই (শি ওরাস্তার) কর বছন না ক ব্রেস্থাপ্রনদার। তাঁহারদিলের স এই করভার নিহিত ইইবে এটা অনুচিড ভরপ্রশন। যু রাজার অন্যায়নিবার্গের এক উপায়।রাজনায়দি দেই যুক্তি অনু कतिहा वलश्रकाण क्राइन, (क निव কর্ত্ত। হইতে পারে ? যাহা ছউক, আ×চর্ষ্য, কোথায় ভারত বীয় গবর্ণ দিন দিন সৈৱাচারপরিত্যাগী হইং ना, উভরোভর অধিকতর হৈ हाती इहेट काशितन । **अ**वस् আমাময়া একটা কথা সংকেপে গব ক্টের গোচর করিতেছি, ভাঁহারা कतिएक हिम, चार्स्डत अध्यक्षा निवास বলপুর্বক প্রজার বিদ্যাশিকার উ করিবেন কিন্তু আমরা নিশ্চর বলিতে এরপ করিতে গেলে প্রজার বি প্ৰুতি বিদেষ জন্মিৰে; গ্ৰণ্মে विष्युत्भत्र व्यञ्चालन इहेर्दन ना। य আবার একটা কথার বিবেচনা ক **আবেশ্যক। ঐ রূপে যে কর সংগ্** হ্ইবে, মিল্ল শ্রেণির প্রকৃত হিতকা ভাষার কত বায়িত হইবে ? ক সংগ্রহের ব্যয়ে পর্যাবসিত হইবে, প কতক ইন্স্পেক্টর ও ডেপুটি ইন্সে প্রভৃতি অংপন আপন বেডনের कतिया कांश कतिया लहेर्यन।

विविधमः वाम ।

আনভাতসার শিকাসংক্রান্ত সভার স সরিক অধিবেশনদিবলৈ রেবরেও ক্ষণ বন্দ্যোপাধ্যার ক্তিহাস এঠা ব্যয়ে এক ন পূর্ণ উপদেশ দিয়াকেন। বিচারপতি ক্ষির দিবস সভাপতির আসনগ্রহণ করিয়াছিল দুশর বিশংয় আপিনার ৰক্তব্যুব্যুক্ত করি ময়ে বিচারপতি বলিয়াছেন, "আপনারা ः ५८५४ छ चारमजीयम्दिशय जिकाय त्रपरक ७ (नर्ग याहा कतिर**ारक, फ**ि েনি সম্পূর্ণরূপ **অনুমোদন করি।** বিদ্যা র মার মহোপকারক বিষয় জ্ঞার নাই। त्र^केश. कि विदन्धीय मक**्सहे** अवियद्य भाशी ना कडेग्रा शांका छ लाइन न।। ৰ থাকিয়া আনমি যাহাবলিব ওয়াহা 'বংপনাদিধের **উর**ভিভি**র ভ'**ছার আন উ কেশ। নংই। অসমি অসম্ভঃ যতদিন र थाकित, एक किन ज्यालनाटक क्टननीय চৰ এক জনবলয়াগ্ৰা কহিব।৯.(কাই চাঁহ'র প্রতি যে কে:প্রক'শ করিয়'ছেন, পতি ভরিমিত আক্রেশ করিয়া বলিলেন, শ আগমনভাবধি এক্রেন্দীয়দিলের উন্তি হাহার জনেকোন চেপ্টা হয় নাই। এমন অকারণ ভংগনা করিলে উ.ছার আছে: মনোৱেদনা হয়ঃ তিনি ক্থন আংখনে দ্বৈদ

কিলিপ্তে নিল্লেড অথবা অস্তী ব্রেন এकशा दला किंत्रांत अस्तियक्त बरहः। ভিনে যেপ্রকার শিক্ষা ভাল বিরেচনা . कोरातरे केंद्रश्य कोत्याद्वम । रे॰ताङ মংশ্রমতি কল লোকে ছেন্র লয়েকের

পর ভারতবর্গীয়দিগের প্রতি এমন প্রেম ৰ **ভাৰ প্ৰকাশ ক**হিমাকেন।

এ এপেল হায়ে ৫০ জন দহেল বৈসিনের র বুঠকটো । প্রহারমণ **অস্ত**ণাহ**ত**াগ थनायन कर्नद्रशांहन । किस ८३५ **में** के म ০০ জন কন্ত্রারী লোককে লইয়া আগমন চন্দ্ৰো প্ৰয়েন কৰে। ১: জন ১২ছ । ইয়াকে । তেপুনী কমিন্নরের **এক জন** শীয় কোনীর ধড়কার এই দফুরে,কু , হ'় চুধৰ । ৮০%, ৬১%। ৰ কহন্তে হৈ अत वानिष्ठ लक्षामधीय वर्धाने हाज त क्ट्रक्थान भन्न वास्ति स्टेग्न । ্রাজকুমার কার্ভীয় ইংরাজাকে দুরী গ্রিয়া বিটেশ রক্ষ অধিকার করিবার নিরাভিনেন। অধিকদংখ্যুক **এক্সন্তেল্**ট্র, ে লেও থকাতে প্রায় ৮০ জনতে ত ১০৬৪৮ ইইয়াছে। কগতে অস্থা দিবার 🕮 ा ऋता'दी लाक खम्ब कहि া ডেব্ৰ সমনৰ এ নিমিত কতকত লি চাহিয়াটেইন বে মর্বে এত মিবলাম আহতি

बिद्धेनितिभाग का १८५३ भार्य यंत्रकन

লৈখোগ ক'ভেডে

हरूपाम कल कथा इड्याट्ड, त्यक्ति व्यक्षीमा বলিয়া প্রতিপন্ন হইয়াছে শক সাহেবের এই আবার এক কার্নি খায়মাত্রসার হইল। এ আচন্ট कान वाष्ट्र नामी क्ट्रेट्स ह

চঁবেৰ সমতেইর আদশ্বর্ধ বয়ংক্রম হওয়াতে भारात विशाहरत छेटमान स्टेटलट्ड । घीटम कारूक छील ने क्रेड्रे श्रिक्ष कारहत, खबरा इहेटड বল্লাটকে প্রীমনোনীক করতে হয়। সম্প্রতি अभिनेत भारद्वार १३ मरा ६३ एक ३०৮ स्टब नालि कारक ब्राक्टव किएक कारहास क्या एवर किन्नु প্র ই এক অংশকেও স্মানীত করেন মাই। जारमार्थरत भुवसीत आहे कर्यक नाएरक কান্যান করা হটাবে সম্ভাস্ত লেকি দলেব্ ब्यासरक जा करा जिल्हा तमा है। या वर्ष करिएक व्यव শাভ : রাজার অকঃধুব'নিনী ১ইলে জ্রালোকের। গাৰ্ভ∛বন ভাৱ কা∌'কে দেখিড়ে পান না⊹ এই कार्ष्ट्रेन कार्य कार्या के संबंधित कार्या कार्य कुक करदन ।

কংশ্প কোলিব মেচে জাচে ভারতবর্ষে मकरन कारबंब करां: तर अक आहम्मा अ च्यार्ट्डन रहेनि श्रद्धा हु प्रतर्भागे , १ वह वेशा हु। सब ন্ধন ইহাকে ভারভবর্তীরী সেনাদল তর্গা করিতে हाथ / पर्भात कुई वह ताता है। दि आप व पि.सि.स कार्यसाहित्यमः । कश्च सुदक्क द्वामकः माम २७ प्र'द्वा 🖟 काल माहामा करान्य सा । हेशहाह ६ वर्राका अक भन्त **लिचेया भिट्टारा । मन्द्रने (८३**० कविया बहुलम, याल जिल्ली है। का सारता जाता इंदेरल है ह ৰু মাজ ক্তিবেন। কৰ্মেল মেকেঞ্জি এ জনং নাজিল क∈रु दे विक्तित व्यक्षांम (स्थान द्हेशार्ड । कर्रज (बहुकाक काशन क्षतानवक्ती क्रिवात श्रमास বলিয়াছিৰেন, ভিন ৪০ বংসাৰ ভারভব্যীয় ,मजानतम (करलाम अवस्य देननार्यस देन सक बिट्यार नव'तन कडिट्ड शिया १४ मि खन्न बन्द्रवर আৰু ত পাইয়া ছিলেন। কিন্তু বলর কে াবড়োচ वृष्ट मार्क करर विद्वासम्बद्धा के एउ है। से बह अ.ग.७ शारी इस साई। मेश-(यत निराप रमांनकत्रम (योश्याक्षा अहेबा व्हिन्ड इडेब्राइड अध्य मन्द्रभ कर्वल अक एक्ष्मचात क्रल्ड पर्दर्शन গোৰ মধ্ৰ পেডিয়া ভাৰাদিগকৈ আক্ৰমণ করেন अवश् काहाजिमात्क भागी। स्मनः हेशादक देमनः ্রাণ কাহি'কে অংঘাত করিয়াভিল লাভ ডেল ছৌস ঐ সময়ে গ্রণ্ধ (জনহল ভ্রেম । ডিনি देशमानिशदक विद्वारी विश्वाप छ मा विद्वा कर्ष लक्ष (मनावस इब्टाउ विक्यू उ करतन। .कालिन (स्राक्तकात्र वीद्रष्ट्र नामासः स्रा

গত পাক্রবার এডিমবয়ার ডিউলের হছেন হুইডে রকার নিমিত্র রাজীকে অভিনদনে প্রদান করিবার অভিপ্রায়ে যে স্ভা হটবার कथा हिल, छारा अलिङ हिम्राट्या वितिकमञ्चा-, भारेग्रीट्यन ए, मनीव जोजिन भी जानीव

দারের সম্পাদক ভারতবর্ষীর সভাব াসং এ दिक्त मिथियां इत्मम, हे देवाशीय ल अस्टा न्याक अक द्वांड हरेग्रा व्यास्थ्य मन्द्रा व करी खाल इतः (ल क्टेना के शवर्ग बहुत का विवास क्र) बाटक किमि बालबाटक्य, राजन बाजन 🗀 १२३ :কান বিষয়ের আন্দোলন ১ইডেচ 🦠 🤼 ভারতবর্গীয় সভার সাহত একটা হয় 🦠 🥞 भेरत्थ कायः कत्त्रस काम * 6 मा। (धन'रहत निर्मम नाभ किंद्र के नार व প্রায় প্রকাশ করিয়াটেন। গ্রেমারে 🕕 এ कुलक्षत्र (तथा याहेर्स्ट्राह । हेडेर्स क्षेत्र ने म'हरू **क्राहरून** श्रिक्षित्रात स्व'र्ता नथम अ হইকে, সে জাশানাই ⊨ তপ:িবি∡এস'কেষ (नामनक्षी ३ईवा (४ .मई खार्थ(छ० ८०४) (सम् (सन् रिश्वहमा सिक् कोक रूप मार्टे।

১৮४९ *च*्छ्व ४ था। इर्*शन्*भर्यः छ । ৭০৬ জান অভি হিত্ত কর্মাসারী ভিলেন। ইচ रबाद बद्धार ७३० सन्द हे है दाशीय छ जिलान ১७১ स्ट्रम कात्रहर्वांस । এस्मिन द्वतः सः क वरक्रकार्श् निर्माक्षक आहिन वना इस रे কি ভাষাৰ প্ৰমাণ ১ এড কেশীয় দিলের এগ काल शाला ए. ६। इदेर हे या बहु देहे हैं ।

একুপ জনজ্ঞ,ড দাং (রচাড়া টেম্প্ল भूमा हाइलिंक कर्तिबाद क्ल्रबा कर्न्द्रिक्ट তেনি ভারেও কুবক দিঃগর নিমতে সেবিংব काइनक्ष कांकशाय कांद्रशाहत्रमा अहे र অনেক উপকার দাশবে। অৱ পার্মাণ অ': श्या कारटार भारितन । वेश्वत अकटावनीतः । স্থা দৈকে পা**রেন**।

भना छ। कामरवादर्भक्षां भारत साहुर इत्र ১ ন মাটেকুইৰ অহ বালিখৰৰ টেপালে প श्रीतिकत न्तर्राष्ट्रीयण कत्रश्राह्म। र কাংনোরণ পিতার দিন্দীয় পুরাক্ষাকেটের ্ৰুছ, ২ওগ্লাতে ,ডানই বৈশ্ভূক উপা,ধ ও স **अस्टित्स ।**

উত্তর পশ্চিমাঞ্চলের প্রধানাম্ম বিচার मनुनाम मकसमार उहे बाज क्या ५ है,का मा भक्तम वृद्धा दिकीलिक्षित श्रृतका (इह कहिन्नार्डन। अजी खार्चनीय ।

९ हे देखार्थ शक्तकाना हु।

सिकिने वे बाहैन बहुनाइक देव निति र्वाल .त्रक्रिकेती **१३(७८३), छात्र**्वा শশার করিয়া উঠিতে পা:েন, এই কর্মনার थाकारङ विरमय अञ्चलिता 📽 केशिक्षि (फद्र) अहे आहेन स्हेरास मध्द्र संहम्मा व हिलान, शर्थक कर्पहाडी ब्रिट्सिक्सिक्स स्वातकारण कादी वहेरव वा अध्य गत विकित्रीत व्हेब्राट्या के लाक्स कार्यात्रव रह सामाज स्ट्रेस्ट माल रक्रतनीय वर्षरमङ अक् क्यांक्रीविधारा क्य मातिया वायमश्राक्षण कविर्वय भा उप्राटक के कि महि महिप्राटक । ने अपिक नान्ते भवनेत हेश वृक्षितं भारतियाः वद्याप छू जब दिश्विद्धीत मियुक्त के विश्वास मान्त्र याट्डम ।

প্ৰলিক ওপিনিয়ন কাবুল ইংছে স

ात व्यक्षरत्रभ करिक्राट्या व्यवक्रम रक्ष्म में लील। (चना विद्वहना कर्तन ! लिया পाठाहेबाट्डन, फूर्कि कारनेत अस्म 🐪 ৮ ई टेडार्ट पुत्रवात । লাতি বিদ্রোহী ছওরাতে তিনি কাবুল পাঠকগণের মান্ধ ধাকিবে, ফিবোজাবাদের

র ভাতো এক লাল পতা ক'বয়া বলদেশীয়। তালে নামিয়া গঙ্গাস্থান বল করা কর্ত্রা। হইতে ১০০০ টাকা বাহির করিবার চেটা ভিলিমিউস আবেণ করিয়াছেন, র'জপুতনার षःद्रकानाथः मनामक এक द्राष्ट्रिकः वर्षः द्रा ত্র লইয়া গিয়াপুড হয়। এই ডিন জনেব হাবাবে বিচার হইবে। ইনস্পেটর মরি-वः न । ठ हुन का मध्यादन । बहे भ खिनिभारक ছেন। জাল কারি**রা পদে প**দে ধরা প**ি**ছ

হ্মনের যুদ্ধ ইইবার সভাবনা।

⊁ভপ₁পি চৈডনং হয় না। বি.বিনিয়ার যুক্তে ছয়নিবজন অম্ভিনক্ন : भः(हा(तत **श्रांत लारक**को नश्रद्धक কেম গুড ক রবেন।

ট-জংগ**ীয়**ট জ্বগত ক্ইয়াড়েন, প্রধান : ৷১'র'লয়ের আবি^টাল'বভাগে মাসক ৬

বেডনে ছই জন বিভাৰী, • টাক। ভিনভন েফ ক্লাক্তিৰণ • টাকা । इन्नाखन । ुर्द्धान यथ सिगुप्क व्हेटबस । ∙ চায়িজন ইউরোপীয় সৈনিক এক জান কৌধ্যক ভাষ্টৰ প্রহায় করিয়া ভাষার হট্ডেড ১৯৬০ টাকা **অপহ্**রণ ক**র্টিড** বিরহে মুজিলা্ড করিয়াছে: আরু ডিন

कता निर्द्धांध, फाइन्ता (क्वन वृष्ट मा यनि भे वाख्यितक वथ कतिक, ভाशास्ट्रम

বিচায়ে অনায়াদে শ্ৰুব্যাহতি পাইও। ডিনবরার ডিউকের রক্ষার নিমিত্ত অভিন रिम्मिक शरक निथियार्हन, '' काम मोरहर विवस्तरम क्रिस्निम मा। কুকাজ করিতে পারেন, ইহা ভারতব্বীয়

র নিকটে এক মুক্তপ্রেরণ করিয়া স্থান ভারভব্যীরেরা শুসীনিশ্যদিগের এ কাজগুলিকে করিবাব নিমিত আহ্বান করিয়াছেন। বে

ভাগিতে পারিবেন না। মংক্ষা জাতুর নিকটে একটা জীলোক রলাংকারের ভয়ে রেল গিজনি ক্রিকার ক্রিয়া দৈয়াদাবাদে ওয়েশকট হইতে লক্জ দিয়া পড়েন। আচাচার ।ম খার গৈন।দিলকে সম্পূর্ণক পে পরাজেক ্কারীকে ধরিবার নিমিক্ত অনুস্কান কর। হয় গ ছেন। গিজনি আহণের দিবদে আজিন ঁকিয় অসুস্কানে ফিছুই প্রকাশ পায় নাই। কয়েক জন প্রধান সর্কার হত ও বন্দীভূত রেল ওয়ের এইরূপ পাকা ভনুসজানই বটে।

হেন। আজিম থাকে এ নার কাবুল ভাগে। তথ্য থের ঘাট অবদি ভুমার ইলির ঘাট ত হইবে। সিয়ার আনলি পুনর্কার সিংহাসন , পর্য ত হাল্যের উপদ্রব হইয়াছে। করেক বংজি াহণ করিলে এক বার উটোর সহিত জাব , মান করিতে না.ময়া ঐ আন্তকর্তৃক হত হইয়া ্রেডন। সত্থাতি একটা বৃহৎ ছালর ধরা পড়িয়াছে আলাহাবাদের আকাউটাট আফিসের সম্পূর্ণ বর্ষ না হইলে উগারা পুনর্মার সমুদ্রে চাল মিত্রনামক এক জান কেরাণীও প্রবেশ করিভেছেন অভেএব আপাতভঃ

> পাকভীয় লোকেরা পৌরামাও লুঠ করাডে भवर्गत (छमहात्वत्र अक्षाने किक मिर्मत मिश्रिष्ठ ০০০ টাকা বেডনে একজন চিইত পুলিষ প্রপরিন্টেগুন্ট নিযুক্ত করিবার অনুরোধ কবি व्र'ट्रम । प्रद्रुश्यन शामक वनमाद्यम प्रित्र मार्श्वाप তুঠ করে । যথম কোন এবংনা পায় ওখন লোকের জীও সভান দিগকে ধরিয়ালইয়াযায়। वर्ष वा निरुत्त ए। इन विश्वतुत्र हा विद्वा (वद्म मा। कि **प्रति**रक्षितात हिम्सत कारा स्थान व्यवस চাৰ হয় না। ভারতবর্ষীয় প্রথমেউ উক্ত অনু ংয়াধে সম্মত হইয়াছেন।

ই ভিয়ান মিরার খলেন, পুর্মবাঙ্গালার রেল ওয়ের হতগেকাকের পর দিবস এক থানি। শকট (अर्थि काशिएकहि.स । इतेर विश्वतात काश क পতাকা দর্শন করিয়া স্থগিত হইল।কারণ जिल्लामः करांद्रक शर्भी विलया देविन, अविश नि । भक्ठेडां शक्ति एक रहेब्रा शानकान कति লিতে তাহাতিরের বিচার হয়। এক ভন বিচার ক্রিছ ভার ক্রিছ লাভাপের এই লিভালী কোথায় গোল अश्रता छ। हात्र मुख्यार्थ्यः कि इहेश (कहहे आ: পাঁচ বংসর করিছা, শেরাদ হইছাছে। নতে পারিলেন না। औ সপ্তাহের শুক্রবারে এক ্**জন**্**ঞ্চন্দেশী**য় প্রহরী শকটের তলে পড়িয়া হত হুয়ু কিয়ে পে বিশয়েও কিছুই প্রকাশিত बहेन मा। अहे नकन कि काछ इहेट उड़? এ সকল মৃত্যু, গোপন করা আইন সঞ্ত কি না ? বিবার যে প্রস্তাব উপস্থিত হটয়াছে। ভঙ্গ **কাশ্চর্যো**র বিষয় এই বসদেশের নেপটনাকী গব দ এক জন ইউবোপীর সিমল। হইতে এক বির এখন ও কমিসন নিযুক্ত বা কোন উপায়

উক্ত প্ৰেষ্টেলন, সৰু জন লবেল বাবু কৈশধ ক জান'ন অভিশ্যু অন্যায়। অন্যায় কি? চন্দ্ৰ সেনকৈ জীমকাল সিমলাভে অভিবাহিত

वः क्ति निमलाह शिया शवर्गत क्यारेनद्रत्वत क শীকার করিতে চান, তাঁহালিগের নিথিত গ জেনধল একটা শুভদ্র বাটী প্রস্তুত করিয়ার **शर्वश्र (अन्द्रल এখন বিद्रल शिराह्म।** কর্মের ঝক্ষ:ট ন'ই, অব্দর্গময় ধর্মে मञ्जिषा कि के ताहे (अधियाक स्वा **हे** हो देख क ভাহাঁকে দুধি না, ভিনি কেশব ৰাৰুৱে পাইরা বঃদয়াছেন ভাহাতেই আমাদিলের সন্দেহ হইতেছে।

कारभनातारम्य (लारकता ज्यांत्र এक নৰ্মাল বিদ্যালয় স্থাপিত ক ব্ৰায় জন্য আ ১৫ • • • है। को है। मा कितिशार इस , आब ১ ० होका भवर्रमर हेद्र निकरहे हाहिसारहन। শই কেবল এ সংখে সকলের পিছনে পড়ি ৯ ই জৈ। ৬ বৃহস্প ভিষার।

লাড বোহাদের মৃত্যু হইয়াছে। ইহার ১

পর বরঃক্রম চইয়াছিল। ইনি নিজ ক্ষতায়

ংশীক গ্রেম ঋষু করেন : ইহার জুলঃ ক্ষম ব্যবহারাথীৰ ইংল্ডে আর্ছ জন্মগ্রহণ . হন। বাঁহার ভীতা বজুতার প্রভাবে वय नारङ इङ्क कर्यक्षत स्त्री का की कारत नेटर्म्हाच इन । এই विष्ठाद्वित संघट्य (इनद्वि) রাজার স**ৃতি সমকক্তাবে বাগ**ুযু**র ক**ি লেন। হাটিদ ভাব লাডের নিচার হইতেয়ে নময়ে রাজবংশীয় এক ব্যক্তি রাজীর করণতে ব্রোহান অকুতোভয়ে চীৎকার ব विज्ञास्त्र "(इ.सिन्ह)कादिस् ! शिष्ट्र व्य ৰাজ্য দাও। ৯ ভিনি ঐ সময়ে আরে। ব্য ্লন, ''আমার মরেনলের জনের বলি আস शक्षरताही स्टेटज स्था, 'ठाहारक का मि क ন ই : " সাহিত্য, বিজ্ঞ'ন, ও ৰ বস্থা শাস্ত্ৰ বিষয়েই ভাঁহার পারদর্শিত। ছিল । ইদানীং ফুালেয়ে অন্তর্গত কেলিস নগং করিতেন। তথার শাধার এগ জমীদারী ভ

লাফিড্গাস নামক এক প্রকার বাস্প ত ভাষ্ঠতে হাল্যের উদয় করিয়া দেয়। স পারিদের এক জন চিকিৎসক ইহাধারা মা কটেচতম্য কয়িয়া প্লেরোফরমের কাল ব ছেল। ক্লেট্রাফরমের মূক্তার পর মাথাধ মাথা বরাণী হয়; কিন্তু এই গগ়াসে ভা A) 1

वे शास्त्रहे केलिश मुद्रा बहेबारह ।

আরব সমুদ্রে ক্রীতলাসব্যবসায় কল বার নিমিত্ত কংশক খানি ব্রিটেশ রণভারি ভ সম্প্রতি প্রকাশিত স্ট্য়াছে, এই ব্যবস্থ

ইয়। দিন দিন উহার রুদ্ধি হইভেছে। আহা व्यक्षक निगरक धनादान (मञ्जूष व्यावन)क । ঞ্নগর, হাবড়া, ভ্রলীও ২৪ পরগণায় ড়ক আরম হইয়াছে: পশুনিগের অধি বেসক্তে প্রাণভ্যাগ করিভেছে।

হাওফোড নামক এক জন ইউরোণীয় ক কাথেরিণ ইয়াড নামে একটা অল্লবয়ক্ত সঙ্গে লইয়া জ্ঞান করিতে যায়। তৎপরে লোকটীকে আমার দেখিতে পাওয়া যায় ১ দিনের পর পুলিষ ভাহার মৃতদেহ বাহির । একজন আনফিসর ও উহায়ার ভূডা ক ও ঐ র্ত্তানিকে মৃত্ত দেহ পাইবার স্থানে করিয়াছিলেন। তথাপি হত্যার সবিশেষ পাওয়া গেল না বলিয়া মান্দ্রাজের প্রধান বঁচারালয় ঐ বংক্তিকে অব্যাহণ্ডি দিয়া । এই প্রকার বিচারের মাহাত্মের দিন দিন त्र मरथा वृद्धि १३८७८४।

চেলি নিউস **বলেন, গব**ৰ্ণমে∙ট **ষ্টাম্প** ও র কার্যস্থান বডন্ত্র নারাপিয়া একব্রিড বনাউ চিডা

ত্র্রান্ত জাপানের ছই ব্যক্তি ব্রিটিশ দুত সর । বিশ্বেক বধ করিবার চেক্টা করিয়াছিল। প্রহীবা ভাহাদিগকে বধ করিয়াছে। দুভ ভ এক জন ইউরোপীয়ের হত্যার নি.মন্ড লন নিরপরাণী জাপানীর কবচাবীর মৃত্য দওয়াইয়াছিলেন, ভাহ[ং]ভেই যাবভ⁹য় জাপ ভাঁচার উপরে বিরক্ত হইয়াঙে।

পাঠকগণ কেবল রাজনীভিষ্টিভ প্রস্তাব য়ামাথা ধরাইবেন ; একটী কৌভুককর এবণ করন। ফুল্কেফেটের এক যুবক কুরভির টিকিট জ্রেয় করিয়াভিলেন। র স্ত্রীর অল্প দিন পূর্ণে মৃত্যু হওয়াতে তিনি জন কুরূপ স্ত্রীলোককে পাচিক। নিযুক্ত । ক্লুরভিতে কিছুই হইবে না এই ভাবিয়া ष्ठिकिष्ठेचानि शाहिकारक मान कदिरलन । **ছিত পরেই সুর**ভির অধংক ভাঁচাকে বলি ঐ টিকিটে ভারার নামে ছলক টাকা উঠি ়কি **হইবে? এড টাকা কি পা**চিক ় অহত এব অংধ্যক্ষ পরামর্শ করিয়াবলি পাচিকার পাণিগ্রহণ করিতে বলিলেন। हरेल। कथ,क नव विवाहिका **जी**रलोकरक ৭ন, ''আপনার বড়ই দৌভাগ্য বে এমন সুর্তিতে ছই লক্ষ্টাকা পাইলেন। ^স

र्ता शाहिका अम्बाम बहुद्य बनिन, " आमि

কৈটথানি আর এক এন ভূড;কে বিক্রয়

ছি।^শ যুৱক বঁণি_ংকর কেবল কানাম.ধা

हैल : भाइ: ५३० ६३ ल ना। .

যাণীন একাহইডে দ্যুদিল আসিয়া ত্রিটিশ 🏻 बक्त मन्त्रेमा উপদ্রব করাতে ব্রহ্মদেশের রাজা 🏻 शीमात चारन छ!रन देशना ता**चित्रार**ङन।

> ভোটদিগের সহিত তিহুতের লামার বিবাদ হটতেতে। নীমাকর আবাদায় করিবার নিমিত্ত দুত পাঠাইবাতে ভোটেরা বলিল, ইংরাজনি-গের সহিত যুক্ষের সময়ে লামা ুগাহায়ঃ कर्त्रम माहे । व्यक्त व खें शास्त्र व्यक्ति कर एम अर्था যাইতে পারে না। বিশেষতঃ জাঁহাকে যে কর দেওয়া হইত ভাষা দুরার হইতে উঠিত ; একণে ব্রিটিশ স্বর্গমেন্ট দুয়ার প্রহণ করিয়া ছেন গ্লেংখা হইতে আরকর আসিবে? ल: भा पुनर्कात मृख्यादन करः मः এই मृख्या ম:নিত ১ইয়াদুরীভূত হন । লামাযুদ্ধগজ্জা করি ভেছেন :

> উংকলের করদ মহলের পাইক ও শেঠ तोख्यक्तभ महत्र्वाल यक कहारू अवर्गरम है जा नि গকে चौरलाञ्चाङ श्रमान कविद्योदकन। सरकार्यः উংসাহবর্জনার্থ এই রূপ উপায় অবলয়-করা গধর্ণমেণ্টর কর্তব্য।

> ১ - ই মে গুইকুমারের কন্যার বিবাহ ২ই -ब्राह्म कि.स.च. १४क चनवाब्र करहर साहै। ७ (मर्भव छात्रावानमिर्शव अञ्चल वावश्रक्त कथा स्थिति व्यामानिर्गत्र कास्त्राम रत्र।

বোষাইগেজেটের কাবুলস্থিত সংবাদদীতা বলেন, সিয়ার আলি খাঁ ক্রমশঃ কাবুল আক্রম ণার্থ অবর্ষর হইডেছেন। আবহুল রহ্মন খাঁ। काञ्चिम चै। एक विलिधार इन, यथन मियात व्याल খাঁ ভাঁথাকে ভুক স্থান ছাড়িয়। দিয়াছেন ভখন ভিনি ভাঁহ:র বিপক্ষভ:চরণ করিবেন না আজিম খার অভ্যাচার আরও বাড়িভেছে। টাকানা निया कान वर्गक का**दूल इहेटफ अमन केंद्रिट**क भाविएक्टइम नः। कान्माराद्वत मसाद्वता निशान व्यानित क्रिमश्रद्धम् यात भूनिश्च विद्याहित्नम दलियः কাবুল স্থিত কডকঞ্জি কান্দাহারীকে বগকরা इ**डेग्रारङ ! काबुरनद प्रभूमाग्न (**नाक काब्निट थाँद উপবে বিরক্ত হইয়াছেন।

विकाशनी दर्जन, ''अजुद्धा का देखें माकि ্টেট মেঃ প্রাইজ সাছেব নিয়মিউরূপে ১০1১১ ! টার সময়েই কাচারিতে আসিয়া ৪ টাব সময় যাইয়া থাকেন কিয় বড় কর্তার ২৮০ টার পুর্বের এায় আগমন হয় না গড়িকেই ৬ টাব शूर्त्र याहेबा उथारकन म । डेक्टबब इटख कार्ल ইরির কার্ব্যভার থাক'তে কালেইরির জামল। দিপের বড় কষ্ট **ংইডেছে। বাস্কবিক**া • টার সময় বাইয়া ৬ টার সময় আসা কন্তের ব্যাপারই

वर्षे। व्यामदा अञ्चलांध कत्रि व स्व कही जा পরিভাগি করিয়া লে'কের ক্লেশনিবারণ স (क्दन लाक्द्रिक क्ष्ट्रे मूत्र मयू, निष्मिख क সময় কৈকিয়ত ভলব হইতে বাঁচিতে পরিং অনেক বিচারপতিরই কংগ্রের এই গতি। লের মহোদয়ের৷ কে কি করেন ভাহারভ তত্ত্ব লয় মাঃ একপ না হইবে কেন?

১ • है देवार्थ श्राक्तवात ।

हे॰ मरखंद कंड कंड कंड निवास अक করিয়া বালতে জীলোকেরামহাসভায় এ করিবার সত্বপান, সেই চেষ্টা ও ওদর্ব বছ করিতেছন। বিখ্যাত বক্ষা জন ভ্রাইটের এই শভার এক জন প্রধান উদ্যোগী। জন या है भिल ও व्यम्यायक करमहे इंश्विरशद् प्रका कदिए उद्दर्भ । यथन । अक्षान स्रोटना রাজ্ঞপদ পঃইয়াছেন, তখন অপর স্ত্রীরে ভাঁছার মন্ত্রিত্ব লাভের চেষ্টা না করিবেন বে আমাদিগের দেশের পুরুষেরা দেখুন :

সর রবাটনেপিয়র এই কলিয়া কঃ নিয়ার যুদ্ধার্থ গড় দৈনিক দলের উৎসংহ ক্রিয়াচেন যে অন্ত কোন সৈন্দেল : ভাহাদিবের অংপেশা অধিকতরুমহ্থ উ শা সাধনার্থ যুদ্ধ করিছে সমন করেন ন এই যুদ্ধ বধাধই মানব্যগুলীর উপকাবাস রা**কে ৮ কটের মধ্যে যে কিছু ভা**রতব্যীয়া হইল। ঘাইবার কথা নাই, অথ্য ভাষানি e - लक्ष होका (जन !

কালুবাম নামক যে বংকি পঞ্চাব বংগ ভহবিস ভচরূপ করে, ভাষার সাভ বংসর বি उ ১৫٠٠٠ টাক। खातियानः क्हेब्र'रह । स माना ज्यानाम प्रहेटल ३२००० होका वर्ष (मञ्जा स्ट्रेय ।

ঞ্সিয়াদেশীয় আলবাট হেগাননামৰ **অন যুবক বৃহস্প**িবার কলিকাভায় মাজিটে निकरणे इंडेन्डिडाइंग खाहारखन कारश्चन (र বের নাৰে এই বলিয়া নালীশ করেন, ভিটি রোপ হইতে ঐ জাহাজে অনিভেছিলেন। ও महिंख दारात्र क्षीं ७ छन्दिरन उवसीध 🕦 আইসেম। কোলস পঞ্জে কলপুর্বাক ভারার भीत मुडीय बड़े केंब्राटक के खेरिनाक मनूर्य দিয়া প্রাণভাগে করিয়াছেন।ঐ কা উচ্চ'রও জীবন নষ্ঠ করিবার চেষ্টা: পাইয়া शुक्र कल्। भाष्टि (केटे विष्ठाशाहक करत्व। व कारतत्र मानीम अजाहः इहेब्राइङ वय कति ভক্লপ্রন্থ সক্ষমাটী হইতেছে। শীয় ইউরোপীয়ের আমাদি,গর বিচারপ্র .দখিয়া যান এসি ভাল।

১১ हे टेक हे चित्रहाता ।

ংলতের আলালতে প্রেডভর্ষটিভ এক ষ্ক্ৰমং হইডেছে। কিবি লায়ন নামে िताक वाशीय आंग्र ১६ सक्क के।कात्र ডিয় অধিকারিণী চন। স্ত্রীপুরুষে, অংডিলয় ছিল। এই রুক্ষামামীর বিয়োগ অম্বধি পর কর্তে কালখাপন করিতেছিলেন। ভাঁছার (১৮৭৯) অন্দে প্রাণভাগে করিবার সময়ে ভিলেন, '' সাভ বংসংক্রে প্র ভোষার অবাষার পুন-লার সাক্ষাৎ হ**ইবে** : ^৯ র**ভ**: া,ভলেন ১৮৬৬ অব্ৰে উহোর মৃতু; , किश्व काहा मा क्षताहरू खामिश्च (कृत्य এক প্রেডভ্রিদের পর্মের্শ গ্রহণ করেন । ভংকণাং উংহাব স্বামীর প্রেডকে ন করিল। প্রেড বলিল 🗡 (জ্ঞা আনুমি ্কে ভাল বালি , এক দণ্ডও (ভাষা চাড়া শ জেন কর্ম হাতে বাড়াইয়া পাইলেন। বেরে কিছুদিন সাক্ষাংকারের পর প্রেড া, " ভেনা ভানএল আমিরি পুতা, । अहार कारक कहार कहा का उन्हों । প্রারে চয় লক্ষ টাকার স প্র এই প্রেড १५८क लिथिया किशा<mark>रक्त। এकरवर्</mark>ज র পুর্যুত্তা লোনের্ড প্রের্য়া এগকল সম্প পুন: প্রাভির জনং নালীশ করেয়াছেন। যভ ५ मर्ह्म यर्गः अवः। एक कार्यस्य (नीक

sिक्टि.इ.अक्टोड्सन्यस्य स्थला अवस्य নে, তথ্য উ!হা.দিগকে প্রতি ম:ছলে আট अवतः अकं लेवरन व होको भारत्य (के उस्)

त्राच्यानेस्मञ् अर्कायानाः (सम्बद्धाः नात t'त्रामित अञ्चलक'नाथ कक कामगन क्षित्र धार्यका कटल्या व अल्लाहरूसीय নাওট গ্ৰেন্ড হোৱাৰে আ উভেরদান কার্যা ভার। পাটে কারয়। জ্ঞামর। আন্টেল্য ছুল্খাত ম। এ বারে আমেরা ধেই পতুরানি গাবের গোচন করিছে শারিলমে না। रण भारतकाहरमात्रहर्ते क विषयः कष्टम् । াগাদিগের ভাষা জানিবার क्षित्तर 🛶

इ**इ८७८७** । ावाचक मृत्या शवादम**्ये**त कार्रा **ક ફ્ફે**ડસ્ટ(ફ્રંક્ર•્ર−−

25.0-2519. কার বিকা タイルン・ータイルの・ > কোম্প_ানির ম প্রবিক্তরার্ক 4 (412

32 5110--22 540 \$ 4 \$12

ই উরোপীর সমাচার

ल छन १ है स्म । जाताहल १ छत्र भए में त्र महिए গ্রব্দেটের সংক্রব রহিত করিবার প্রস্থাবের প্রতিবাদ করিবার নিমিন্ত কা করবরির আর্কবি শপের সভাপভিত্ন সেণ্ট জেল্মস্হালে এক রুক্র সভা হুইয়া সিয়াছে। স্থাট্ নেপালয়ন ১৪০০০ জরাশী সৈতিককে শ্ব র রছে যাইবার নিমিত বিদায় দিয়াছেন।

৮ই মে। গভ রাতিতে কউদ অব কম্বো অধ্যার শতের গর্মসম্প্রদায়স কোন্ত শেষ প্রস্তা বটী বিনা মততে ভালে আহা হুইয়াতে । মাস্ত্রিগণ বলি याष्ट्रिय, अहे अञ्चावतक मूल कशिया (य विज হইবে, ভাগার যোরতার প্রতিবন্ধকতা করা ভাঁহা দিগোর অভিপ্রেড। প্রক্ষারের প্রতি ঘোরতর আকোশপ্ৰিপূৰ্ণ তকেৰ পা বিভিন্ন চোনম नायक अवर्गरमा लेव पान 😗 (यष्ट्राध्य अन्य पान রহিছে ক.রবার প্রস্তাব গ্রহং হটয়াছে।

আয়ারল গ্রীয় নিকরম বিল দিডীয় বার পঠিত •्डेब्राह्ड ।

क्लियाम मर्गन भुक इहेग्राहरू।

৯ ই মে। গ্রানেট আছে করিয়াছেন, রেজি মেন্টের ফিল্ড আফিসরের নীচের পদে যেসকক দেনিক আহাছেন, উভারা যদি এক বংগর ইং লড়ে ও এক বংসৰ ভারতবর্ষে কাছ করেন, স্টার্ক कारत श्राप्त किंद्र अभित्र वस मा।

এক্লপ জন ক্রতি যেনকল ভারতবীয় আনিসর এমানে বিদায় লইয়া ইংলাভে আছেন, উলোৱা কুত্র বিদায়ের নির্মের ফলভোগ করিতে পারে

গভ কলং হাউস অব কমকো ভাষারটন সংকেব বোষাই ব্যক্ষের ফুডন ব্রেলাব প্রয়টিত বারভীর পত্র অপ্র করিবরে প্রস্তাব করিয়া ব্যাক্ষের लुडन कार्याञ्चलालीय श्रांत विरुत्तर्ग (मागारताल করিয়াছেন। সব প্রিফাড নর্পকেটে প্রস্কৃতিরে ৰলিলেন, ডিনি বে ছাইয়ের শাসনকভাকে গ্ৰথ মেটের সহিত প্রেসিটেনি ব্যাক্ষ্রচুহের সংপ্র शृक्ति व्हित कतिः। व्यश्न लहेशांत व्याख्या नियादका ।

(वादाई व्हारकात अञ्चलकानकाती कामनरन द সভাপতি সর চার্লস জাকসন ৪ ঠা মে ইংলভ

१७३ था। इंश्लेख इंटेल्ड এপ্রেল বে মেইল ছাড়িয়াছে, অমুক্ষে ভর্মের । মন্ত্রিগণ ও আয়ুলভের ধর্মাণপ্রালায়ের বি গবর্ণমেটের পত্রসকল প্রেরিভ হয় ন'ই চ অবিসিনিয়া হইতে জাগত।

গণ মাগলালা ত্যাগ কার্য়াছে, ভাছারা নগর দংহ করিয়াতে। ২৮ এ ভাহারা টাকা পৌছে ন্য'বভীয় দৈনঃ ২৫ এ জুনপৰ্যায় দেশ ভাগে করিখে। গৈমগের যেপ্রকার বী কাবে রাজ্ঞীর আজঃ পালন করিয়াছে, ভা ডাহাদিগকে প্রশংসা করিয়া সর রবাট য়র এক দোষণাপত্র প্রকাশ করিয়াছেন।

ডাজ্জর ডিবল উপস্ময়ে ও লেপ मार्थात् विकार्य छात्रस्था कांद्रप्राट्डन । গণ সামানাতঃ সুস্ত স্থাছে। থিওডোবের পুরকে বিদ্যাশকার্থ বোর'ইয়ে প্রেরণ । इउट्याइक

লাভ ক্রহামের মৃত্যুর সংবাদ প্রক হইয়াছে। ৭ ই মে বৃহস্প তিব!র তিনি ে নগরে প্রাণ্ড্যাগ করিয়াছেন।

হভ্য হইবার স্পর্যে বারেট নামক ফে.নিং श्वामाखरत था कियोध स्य कथा करह, छाहा কিনা এটী যত দিন 🖎 অসুসক্ষান্ধারা 😵 ভতাদন ভাহার ফুশী স্থাগত রহেল।

স্যাট নেপ্লিয়ন অলিয়কে শাস্তি এক বজুতা কবিশ্বাভেন।

৯ ই যে। ওয়াশি ঐইন হইতে টেলিগ্রাম য়াতে, মহাসভা ্তারক ন নগরকে ইউনা ্ষ্টের একটা অভ,স্তরীৰ ছকুৰাড় বলিয়া ক্রিয়াছেন।

২াট্র অব কমণোর অভিনন্দনের প্র রাজ্ঞী বলিয়াতেন, মহাসভা বিবেচনা भक्ष काळ काउँ । प्रतिभाष साहात व .दशाम व्यारहा है।लंड ७ व्यासातनरङ्क म <u>श्</u>रामाद्य के काब १ का भागमा के दिल्ला है। অনুব্রোগে ধেন এ বিষয়ের তর্কের রং**ট** না ১১ই মে রাজেতে মাছাই মাধাকে ব লডের ধ্যানজ্ঞানগুলটিত বিল অপাণ করি अ:हेट्स धन्मप्रशास्त्र अधिनय भागासाम ६ যুক্তবান্তি ইইয়াছে।

हिरकल ७ विश्वति कल्यामध्याचे च নিমিত ভারতব্ধীয় জনগেচনী সভা এক টাকা মূল ধন সংগ্ৰহে বিজ্ঞাপন দিয়াকেন

লিড়াগের বাইকার হিয়ারটোটের বি इंडेग्रार्डन ।

ট্রাফাবংগার স্কোয়ারে এক সভা হই इरलाख वरी खब्र भुखन मार्गिमाम स्रोत বোষাই ১৭ই মে। ১৭ ই এপ্রেল ব্রিটিশ গৈন্য । লের মূল প্রস্তর স্থাপন করিয়াছেন।

গ্ৰণ্টেণ্ট বিজ্ঞাপন। লেপ্টনেল্টগবর্ণরের আদেশাসুদারী निरश्चा

২ **ই মে** i এচ, করিফ সা**ড়েব জা**মালপুৰের

নে মিউলিপাল কমিসনর হইটেন।

ভ দিন মৌল**বী** দিলদার হোচেম বিদায় ভায়ুপশ্বিত থাকিবেন, তত দিন ডেপুট :উট ও ডেপুটি কালেক্টর ভবলিউ, 🔗, সাহেব আড়ারিয়া উপবিভাগের ভার ! প্রথম (প্রেশির মাজিকেটেরে ও নেসিয়নে ক্রিবার মক্দমাব প্রথম বিচার করিবার পাইবেন।

১ইমেং সিংচ্ছুমের ডেপুটি কমিসনর ৰ ভৰলিউ, এচ, হেগ তথায় ও কটকের पश्रमित व्यक्तिक किञ्चल माण्यिके টরও অবধঃস্থ জড়ের ক্ষমতা পাইবেন। ডে ভাছাকে করন মহলের ভতাবধায়কের

धीन इहेश कास कतिएउ इहेर्द।

हे (म। रेमन क्यांनि कू नि भी (माउम यह शुद्र । ভাঙ্গায় বিশেষ সব রেক্টিটার হইবেন। জসাহির থাকবভ্রের ডেপুটি কালেটা কোন্সাহেব ১৮৫৭ অন্দের ৯ আইন ারে ঢাকার ডেপুটি কালেইরের কম্মা वन ।

ত দিন বাৰুরাধাকাভে ব সূসা বিদায় লইয়া স্থিত থাকিবেন, **ড**ভ দিন বাবু দার্কানাথ আনামের অন্তর্গত তেজপুরের প্রতি **भूरकाक इहेरवस** ।

ধ্কারী মাজিটেট ও ডেপুটি কালেইর উব বি, ওল্ডহাম সাহেব মেহেরপুর উপবি র ভার পাইয়া প্রথম শ্রেণির অবধীন মাজিক ও ডেপুটি কালেইরের এবং এধানতম ালয়ে অথবা দেসিয়নে অপুণ করিবার

০ **ই মের গে**জেটে বাবুদিননাথ র নিয়োপের যে বিজ্ঞাপন ২য় ডাহা রারহিতকরা গেল।

ছপুটি মাজিকেট ও ডেপু**টি কালে**টৡ গানন্দ*চন্দ্র সেন কেন্দ্রাপাড়*। **উপবিভারের** পাইয়া প্রথম তেলির জ্ববীন মাজিট্রেট্রের নিরনে সমর্পন করিবার **মকন্দমার প্রথম** ক ভিৰ'র ক্ষমত। পাইবেন 🕫

ত রিচাড পামার কেছিল নাধেব বিহারের

मभारतारी तारेकन मरनत जिल्लाकत ननन्तित कारक्षम रुहेर्दम ।

> কাপ্তেন আর, এম, ক্ষিনার পদভাগ করাতে ফ্রেরিক, মিটুন হেলেডে বাহেব विशादित कंबीरताची ताहेक्लभरल माहतरभन्न थॐरमत कारश्चम **व्हे**र्यम ।

यक दिन भोलवी व्यक्तिरहारमन दिवास सहसा তত্ত্বপঞ্চি থাকিবেন? ডভ দিন ডেপুটি মাজি ক্টেট ও ডেপুট কালেইর মৌলবী মহমদ ইশাক বাউসি উপবিভাগের ভাগে পাইয়া সেসিয়নে অপ্নক্রিবার মক্দমার প্রথম বিচার করিতে পারিবেন ।

১৬ ই মে। নিয়লিখিত ভদ্র লোকেরা মেদিনী পুরের সাধারণ বিদ্যান্দ্র সভার, সভা इंडेटवन !

মেছার জে, ডি. সোমরন ৷

লেপ্টন ট আবে, জি, সিম্থ।

টি, মাটিন সাহেব 1

এক আনুমস।

এচ, ছেন, এস, ইটন। ৰাৰু রুঞ্পসাদ দোৰ।

» শহুনাথ ম[®]লুক।

জি, এটি সাহেব ভেঞ্চপুরের সাধারণ বিদ্যা শিকাস্ভার সম্পানক ভইবেন।

ডি. লেসি সাছেব পুরীর নাধারণ বিদ্যা শিক্ষাসভার এক জন সভঃ ইইবেন।

জি, টইনবি সাহেব পুরীর সাধারণ বিশ্ শিক্ষা সভার সম্পাদক হইবেন।

যত দিন এচ, এস, টমদন সাহেব বিদায় লইয়া অনুপঞ্জ থাকিবেন, তত দিন এস, ডাক ষ্টা সাহেব বাশরগঞ্জের গোট আদ'লভের প্রতিনিধি জ্ঞাহইয়া অধঃস্কুরজের ক্ষমতা পাই (रन।

১৮ইমে। ডেপুট মাজিকেট ও ডেপুট কালেটর বাবু যছন:থ কৃত্ত বি, এ, পাটনায় দার এথেম বিচার করিবার ক্ষতা ভিডে ইইয়া মাজিটেটের ক্ষমভচালনকরি

> যত দিন এ ডবলিউ, কসারাট সাহেব বিদায় লইয়া অলুপস্থিত থাকিবেন তত দিন মুবসিদা বাদের ভেপুট মাজিটেট ও কেপুটি কালেইর বাবু কালীচয়ন ঘোষ অস্পীপুর উপনিতালের ভার পাইবেন।

> ্বাবুরামহলত দাস চাকার অভ্যতি শ্বর্গদ পুরের মুক্ষেক হইবেন।

व व श्रमधनाथ वरमानाथाक्षाक्षिति, अन াপ্তেন সি. বি, ভার গল স পুদত। গ বাহুছোর অভগত রাধানগরের প্রতিনিধি ইই (**? ?** ? .

वाबुताझहुक त्मन विनादनुरस्त प माननेरश्त्र क्षांखनि स भूरणक रहेरवन।

১৯ এ या। (प्रमन को शानम नारहर २ श्वात महकात्री मास्त्रिके छ कारलकेत स्व

मिन्निविक उन्न (मारक्ता किन् कान বিশেষ ভপুটি কালেষ্টরের কাজ করিতেটি Aक्टन डाइ:किंगटक छ।श्चित्रट्य निश्च उत कार्रात वर्ष (खानिएड मियुक्त करा (शन

বাবু যছনাথ বন্দ্যোপাধ্যায়।ইনি ভাংগ জলগেচক কোম্পানের নিমিত্ত অবধি বেলঘাই পর্য,তঃ এক রাস্তা[ক कात्रम जू म महेट के किएना।

वाबू देकनामहास ध्याय। इति कहेत्कर করিবার সভার অধীনে ছিলেন।

বাবু অব্ল,চরণ ম.লিক। ই:নি সাহাব দেয়াভাতে নিযুক্ত ছিলেন।

আমাদিগের কোরহাটিভ সং मां जा निथिशारहनः---

১। ভাবগতি ইইল, কুমারিয়ার ৫ .मोकान्न (रक्तीरच ८०) .शंदर्गरमन्त्रे सब পরসাভির আরে কিছু না পাইলে ম পথিকদিগকে পার করিতে চার্মে। এই মাত্র নয় কর্তৃপক্ষের নির্ছারিত লোক অভিক্রেম করিয়া সর্বয়ে সময়ে অধিক (मोकाञ्च जुरन अवर अष्ट छ बृष्टित नेमरत করে। অংথিকসংখ্যে প্থিক এক:ব্রিড না ুভাহারা উপস্থিত পথিকদিগকে পারব সক্ষত হয় ন। স্থানেক বিলম্ব করিয়া ও গকে অনেক ক্ষতি ও বিপদগ্রস্ত করিয়া থ কুমারিয়া একট চর, এ স্থলে রাত্রি উ হইলে পথিকগণ কে'থাও থাকিবার স্থান না। চতুৰ্দ্দিগ নদীতে বেষ্টিত দহুত তক্ষর **মুড**রাং -প্রায় স্থাব 🔻 আচরণ কি ধেরীবোটের মানীদিগের ক ইছাকি নিভাক্ত খেদাবহ বাাপার নচে? এ কর্ত্তপক্ষ মনোযোগী ংন, একাস্ত প্রার্থ **ब्री**मगद क्लिन्द्रत श्रुलियकर्षात्रीक्षिक **अ**ख्यांत्र वित्रम्मश्रीक स्ट^{्र}ि ন কৈ যদ্বান নিতান্ত কৰ্মাক ট

२। इंडिप्टर्क शवर्वस्थ कारमण की লেন, প্রকাগণ ক্রনও অন্ত ব্যবহার এবং বারুদের ব্যবসায় ক্রিডে পারিবে না ক্থন কেই বস্ক কিলা অক্লান্তর ব্রেছার ভাষা হইলে স্থানীয় কর্তৃপক্ষীয়গৰ ভাষা নিকট হইতে ভাষ্য অবিশবে কাভিয়া ह পারিবেন। জাবার গুনিলাম, ভতিপর ব <u> ቁፈነ ተ</u>ቼለ ፣

ांभभद्रक्ष ३३वा अवर्राः हे केवा व्यारमण করিয়া, মথারীতি পাল এচন করিয়া বক্ষ ্যবহাৰ কহিতে পারিকে, এই অভ্যা প্রচার । দেন । কিন্তু বিশায়ের বিষয় এট যে ভগুলিষ কমিসারীয়া য'হারা লাইসেজ नहेगा रचक दावलाहि स्टाना करिएएक. দ্বোর হস্ত চইটেও তংসমুদায় বলপুর্<mark>ষক</mark> য়: লট্ডেট্টন। ইহার কারণ কি? প্রবর্ণ ক গুয়ুর্গান্ত আদেশ পরিবৃত্তিত করিশেন। য়ে একটা ত্বিভাৱ আমাদেশ সংগ**্রে**শ্য

। একেপ সন্ধাৰ যে, চাকা ছোট হালালিভ র জঞা বাবু-এ এয়কুমার দত মহাশয় থীয় য়ান জৈন্স'র এ'ন্ন একটা নুহা যৱ (প্রেস) নে ব্রিষেন। ইণ **ং**ইলে বিজ্ঞাপুরের বিল[া] র: ত গণসাধিত হইবে সক্তের নাই। আভয় ৰংপ্ৰতি সংবাৰণ হিতকৰ অনেক কা**ং**ৰী য়ে কবির্ব্ভেন । প্রীবেজনে প্রিক। অন্তর প্রান্ত অভয় ধারুর উল্পেসে ার ছাব্য বিদ্যালয়, ডিকি সালয়, পোষ্ট নিধান্ত ভাষাসলকর কামনিলয় সংস্থাপিত তে। সম্প্রতি উক্ত মহাতা বিভ্রমণুরের বড় র স্কিতে যোগ দিয়া উভন্নারপর্যজে পথ নশ্মংবাধ চাকার ক্ষিস্নব্ধার ম:ড প্রজাব উপাপন করেন। দয়বিন ाड प्रमुख्यार्थ २००० **इ**ड् महत्व हाक রিপুর্ব,≽লা : এ৩,৬লা অবে সাক কাথ কইবেক ৰাৰু এল ২ইটে ছংগগুৰ্য প্ৰদান वन । ६,३५ रोट ८५४ १ १८४१ भरतक हिन् াজের কল্পন, কণিজেলেন : প্রাথম: করি য়স্ত অভিয়েখ কার্যের পরিবভারীরে। পুরস্ত ত্রণের: আচে ও মহেলেয়গণ যাদ (বারুর আয়ুস্রণ করেন, ভার্টি ইটালে কল ধুমানোট বিলয়সন্ব বিলয়স্থ উল্ভাইয়

আমাদিগের গোয়ালিয়ারস্থ সংবাদ-। লিখিলাছেন।

হ নাই 1

) । अंख व्यक्तियांच खावाना आवि. সভাত্ে আংবি ধবিয়ার যুকে এয়নিব∻ (ভিন্নন্দ্ৰণী সভার্চ আবস্বার বেপের গোচ্চজন্য ভাগ্র বিবর্ণটী **৮পে নিয়ে লি**খিত ইইভেটে। প্রথমতঃ ণঃ রাজপথের ছই পাথা বঙ দূর ব্যাপিয়া **१त आह्नाकमान्य अक**िष्टुर २४ शाहिल ।

সভামত পের সম্পুরে তোরণ্ডার প্রস্তুত করিয়া ফুলবারে একটী দরবার করিয়াছিলেন ভাছার উপরে রুছ্ং রুছ্ং অবজরে ''মহাধানী চি:জীবেনী হউন " মহোদয়গণের স্কাজীন কুশল হউক " ইভালি লিখিত হইয়াছিল। রাত্রি নয় ঘটিকার সুসন্ত সভাগৃহ মনোহর ভাব ধারণ করিল। প্রেটিকেল এপ্রেট কর্ণের সাও য়ার, এক্ণকার অব্রতঃ সৈন্গণের অস্তৃ কর্ণেল ডিলেমেনপ্রভৃতি সর্ক্রন্থ প্রায় ৩০ জন গাহেব, জাত্রত্য প্রধান প্রধান হিন্দুস্থানী ও মহা রাজীয় ও অব্রভ্য সমস্ত বাঙ্গালী উপস্থিত হট্য়া হিলেন। স্থানাভাবে রাজাপথের ও বারাওার চডুর্ছিক লোকপথিপুর্গ হইল: সকলে স্বস্থ আসনে উপবেশন করিলে পর, কর্নেল সাওয়ার সাহেবকৈ সভাপতির পঙ্গে বরণ করা হইল এবং নবীন বাবু দণ্ডায়মান হট্যা প্রথমতঃ ইংরাজ মহোদয়দিগকে ধন্তাদ করিলেন, তৎপরে সং : কণে অধচ ছদয় এছিরণে আবিসিনিয়ার যুদ্ধের উদ্দেশ্য ও ফল এবং ড ক্রন্য আমাদের আমনদ প্রকাশ এবং ভ্রিটিশ রাজ্যের স্থায়িত্ব ও মঙ্গল প্রার্থনাপ্রকৃতি বাজে করিয়া উচ্চু ভাষাতে আবার হিক্সস্থানীদিগকে সভার উদ্দেশ্য বুঝা-ইয়া দিলেন ৷ তৎপরে ওভরসিয়ার জীযুক্ত বাবু যত্নাথ চৌধুনী মহাশয় উঠ্ভাণতে আবিসি মিয়া দেশের বিবরণ, ইতিহাস, সমার্ট থিওডোব कि कातरन इरल धीय समनकादी मिनरक काला কুৰু করিয়াছিলেন, বর্তমান মুখের উচ্চেশা ও দল কি এবং এই নৃদ্ধে ইংবাফাদের বিপক্ষ إ রাজারা কি শিক্ষা পাইলেন এবং আমানের इन्सर ভশ্নীর প্রতি কিন্ধান রাজভাক্ত ও বিটেশ রুল্জেরে প্রতি কিপ্রকার জ্বাস্তিক ইডাাদি বিষয় সংক্রেপা, বর্ণন ক.রয়া উপস্থিত মহোদয় भगाक मञ्जूष्टे कहिएलम । व्यवस्थारम नवीम अध्य মহরোণীত, সর হতাই মেলিয়রের ও এই বুছের : દેવન: ગાળત જાલ્હા સ્થાપન હિન્દી '' દેશ છે છ রুতীর প্রস্থার করিলেন। কর্ণেল সাভয়ার সাহের করিলেন, এই যুদ্ধে আপনালের কোন আব : ना थाकित्म छ त्कवल बन्धीनिरशत मुक्तिमान ह ইংলভের সভ্মরকা বুঝিরা যে কাপনারা এরপ অভিনক্ষন ও হার্যের গড়ীর কুডজ্জাত। প্রশাল করিডেছেন, ডক্তন্য আপনানিগতে মনের সাইত ধন,বাল করি, আপনারা যতই বাংশীমরূপে আপেনাদের রাজপুরুষদিধার অনুস বল করিবেম, ভত্ই আমবা আপনাদিগকে

ভ্রান্তার মধায় জালিকন করিব। " २। शंक २৮ व देश्यांच आकःकारत वाजाका অভিনন্নপ্রকাশ জন্য অভিসমারোহে উচ্চার অভাবে চতুর্দিক অলকার্যয় হয়, পেই

সময়ে অত্রত্য অনেক ইংরাজ তথার উপ হইয়*িছিলেন এবং চাপান করি**র**া[™]ত প্রকাশ ক রয়াছিলেন।

৩। এখানে দিন দিন এীকোর অসহ। এ প্রান্ত ক্টারেচে। একে স্থারের খরতর অগ্রিকণ্বৎ, ভাষাতে গিন্নি ও গ্রহসং अस्त्र का धवर के देख इस । अहे नगरस ह যখন বায়ু প্রবাহিত ইইটে থাকে, ভখন (জীবের সাগা যে গুছের বাছির হয়। কোন দিন এমন হয় যে, রাজি দিপ্রহরপর্যাত্ত অ বায়ু বহিতে থাকে। এই বায়ুকে এ দেশের (" जु करहा अज्ञ जित्नत मर्गा म শীতে ও ভাষ্যোভাপে দগ হইয়া ব্যক্তিমৃত্যুরে পভিত ইইয়াছে। আর কত লোকের মৃত্যু হইবার সভাবনা ও वन। याग्नमा। भैंभ हैन महिष्ट लाएकत मधरत वड़ कर्छ।

গোয়ালিয়াবের মহাবাজের রাজধানীর কেবল সেনানিষেশের শৃঞ্লা ও পারিপাট্য ষ্কুপে লক্ষিত হয়, মগুৰুমধ্যে মিউনিগি টির ভারণ নিয়ম নাই। অংমরা এক দিন গলির ভিতরে যাইয়। যেরূপ কট্ট পাই ত্তাহা বলিতে পারিনা। উক্ত গলিকে লোজন নরক ব,লালেও অভু,জিক হয় না।

আনাদের এক প্রিয়বকু (ধিনি মহার কাৰ্য্যপ্ৰধালী অনেক পৰ্যবেক্ষণ কৰে कशितन ता, कर्षात्रादीनिस्तत भरता अधिका ভাদুৰ উদার ভাষ বিচক্ষণতা ও বিচার নাই : এই মহাবাজ জয়পুরের মহারাজের যাট ভূলিফিড বিচক্ষণ বাঙ্গলী কৰ রাধেন, ভাষা ইইলে বোগ হয় র অনেক উন্নাচ হচতে পাবে। শুনি श्रदान श्रमान कर्यहादीकिरमञ्ज मञ्जनाम বালালীকে নিযুক্ত করা হয় ন।। ম । तर्क गांति छ । तुन विष्यंत्र छ वेष्ट्रमी न নিত বিজ্ঞতা ধ্যানিধা ও অন্যানী সকলের বিভূষিত। হৈতু রাজানিগের মধ্ रातमा, রাক্ষাদেবা, দানকার্যাওভুতি (भार्तिक ल्लीदर अदग करा यात्र, हेडीत সকল কাৰ্যেনৰ অনেকগুলিতে উৎসাহ আ

প্রেরিত।

মান্ত্র খ্রীযুক্ত দোমপ্রকাশসম্প মহাশয় দমীপেষু।

সচশর ! যেনন কাদংখ্য ভারকাপুঞ্জ আবিসিনিয়ার সুদ্ধে জয়লাভিছেতু; মণ্ডলে বিরাজিত থালিতেও একমাত্র শ ।; ল্যোদ্র বাবু বিদ।মান থাকিতেও এক র পূনংপ্রায় ২ইয়াছে। যদিও আংমরা কালের জনা ভাঁহার সৌম্মুর্জিদর্শনে ত হইলাম : কিন্তু ডিনি যেস্কল কীত্তিভাগ ।। গিয়'ছেন, ভাহাতে ভিনি গে আমানের নিদির চইতে কথন অস্তুহি তি হইবেন, এরপে হয়ন। বিশেষ ছংখের বিষয় এই যে র সক্ত'নাদি নাই। ঊাহার ভাগিনেয় ডনে। হন রায় (যাঁহাকে ভিনি পুত্ররূপে ন পালন কৰিভেনে) উইল অসুসারে সমস্ত য়র উভগাধিকারী হইবেন। ললিজযোহনের ক্ৰম কুনোধিক ছাদশ বংসৰ। এই সময় भ लोकाव विरम्भान्निक छ भएनीमा किविषस्य ষ বিধান করা কলব্য।যে শিক্ষকের উপত্রে রু শিক্ষান্তার নিকিপ্ত হইবে, অতো ভাঁহার ক্রেডাবিশেবরূপে পরীকা করা উঠিত। যাইতেছে, মৃত বাবুর সহধর্মিনী, অভি ৰভী ও গুণৰতী এবং যাহাতে ভাঁহার য় স্বামীর কীর্ত্তিকলাপ সুরক্ষিত হয়, ওছি-বিশেষ গ্রুবতী হই য়াছেন। আনরা শুনিরা ণাদিত হইলাম, তাঁহার ভাতুস্পুত্র জীয়ুঞ্চ যোগেছেনাথ রায়ের উপর জংগীণ রীপর্য ণের ভার নংস্থ হইয়াছে। ধােগেজর বাবুকে । বিশেষরূপে জানি, ভিনি যে প্রকার প্রশস্ত . শাস্তপ্ৰকৃতি এবং দয়াসুসভাব, ভাহাতে র ভক্তাৰধানকালে প্রজাগণ যে অপেকা-দক্দেদ কাল্যাপন করিবে, ভারাভে অণ্ সম্পেদ্নাই। সভা কথা কহিতে হইলে त कतिएक इडेरव, एर ख्खावधानरनारयहे , আর অন্য কোন কারণেই হউক, সারদা অমীদারির মধে বিলক্ষণ প্রজাপীভূন থাকে: যোগেজা বাবু যদিও বুদ্ধিমান শিক্ষিত হইয়াছেন : কিন্তুতিনি আমকাতর বিষয়কার্য্যে অনভিজ্ঞ সুভরাং তাঁহাকে বিজ্ঞুত অমীদারি দেখিতে হইলে কর্মচারী র উপর পদে পদে নির্ভর করিতে হইবে 🔻 সেকেলে সেহাখাতে স্বার্থপর, ধর্মজ্ঞান-অল্বেডনভুক আমলাদিলের উপরে করিতে হইলে বরং পুর্দ্বাপেকা অধিক চার হইবার সম্ভাবনা। অভএৰ জ্ঞমিদারির লা, প্রজাবর্গের প্রতি অত্যাচারনিবারণ

गतकाती काजिमिवातनकाम व्यामका अहे

াকরিতেছি যে, পর্যাপ্ত বেডনে এক জন

ত্র কুডবিন্যকে নিয়ক করা উচিত। ভিনি

রিসংক্রাভাসকৃত্ব বিষয়ে যোগেজর বারুর

নীখীস্থ বারু সারদাঞ্সাদ রায় মহোদয়ের ∤ স্থকারিত। করিবেন । বিদ্যাদাগর ম্লাশ্যের কাক্তরগমনে আমাদের এ অঞ্চল কাধিক নিকট এইপ্রকার লোক অনায়াদেই পাওয়া ষ:ইতে পারে।

> ১৮৫৬ খৃ: অব্দের এপ্রেল মাসে চকলীধীক গবর্ণমেন্ট সাহাযক্তেত বিদ্যালয়টী স্থাপিত হই-য়াচে। ইহাতে যদিও চক্দীঘীর অন্যান্য বাবুরা সাহাদ্য করেন, কিন্তু একগাত্র সার্দা বাবুর য্রাভিশয়েই যে বিদ্যালয়টা প্রভিষ্ঠিত হয়, ইংচ অবশংই স্বীকার করিছে হইবে। গ্রীতিমন্ত তস্তা ববানবিরহে বিদ্যালয়টী যে আশাসুরূপ ফল श्रमान कतिएछ भारत नाहे. हेहा विश्वविद्यालस्त्रत পরীকোতীর্ ছাত্রসংখ্যার গ্রন্থ করিলেই বুঝিতে পার। বায়। অর্থের অনাটনই পলীতামস্থ व्यक्षिकाश्य विकासिएएव श्रीमावकात श्रीमा कार्याः কিন্তুচক দীমীর ইফ্লের সে জনটন কখনই হয় নাই। ব'বু সীভানাথ মুখোপাধ্যায়, বাবু চারুচক্র চটেলাগায় এবং উপস্থিত প্রধান শিক্ষক কার্ ক্ষেত্রমে'হন সেনের সময়ভিন্ন বিদ্যালয়টীর কখন উরত অবস্থা হয় নাই। আমরা প্রামাণিক লোক মুখে শুনিলাম, মুভ বাবুর গুংবভী ভার্যা ক্ল টীকে এককালে (ফুী) জাবৈভনিক করিবার ইচ্ছা করিয়াছেন : অধাং গ্রথমেটের সাহায্য, অন্যান্য অংশীদারের অংশ এবং ছাত্রদেয় বেডন পরিভাগে করিয়। সমস্ত ব্যয়ভার আপুনি বছন করিবার সক্ষয় কংমু'ছেন। ইহাতে ভাঁহার স্দাশয়তার স্বিশেষ পরিচয় পাওয়া ঘাইতেছে वरणे; किन्न अ अक्षारव आमता **अ**क्षरमानम করিতে পারিলাম না। গ্রণ্মেন্ট সাহায় পরি-ত্যাগ করিলে ভত্তাবধানের ব্যাঘাত ঘটিবে এবং পরিশেষে বিদ্যালয় সী আসমীদারী আহাস-বাবস্বরূপ হইয়া দাড়াইবে ৷ তবে অন্যান অংশীদিগের অংশ এবং ছাত্রদিগের বেডন এহণ নাকরেন, ভাছাতে ক্ষতি নাই। কারণ व्याभारमत श्रामार्भ व्याधिकाश्म (लाक्≷ निःचः রীতিমত আপন আপন সন্তানের বেডন দিডে অক্ষা বেতন না লইলে ছাত্রসংখ্যা বিভা ংইবারও সম্ভাবনা। শীল্র শাহাতে ডিপ্লেস্ফরির निकटने अक्ती ऋत गृह निर्मिष्ठ इश्न, खिश्वरश्न কামরা অসুরোগ করিতেতি।

চক দীখী:ভযে একটি ভিস্পেলরি আছে, ইহা অনে: কই অবগত আছেন। চিকিৎসক মহাশ্য কিয়া ভাষার লগীন ক্মচারীদের ক্ষন-रधानकानितकन वा भदर्गमानेत अयधनात कुल ণতা অথবা নিয়মের দোগেই হউক, মধ্যে **মধ্যে** উক্ত ডিম্পেক্সসরির অনেক বিশৃগ্রলার কথা 😘 নিতে পাওয়া যায়। পে:🕏 कार्या छ मन्त्रुर्ग अर्थ मरखायल नक नरहा साहन िक्

কখন কখন উপর্যাপরি ৪। ৫ দিবদের প এক সমধে পাওয়া যায়। মৃত বাবুর অস্থপারে চকদীঘীতে একটা অভিথিশালার व्यां क्रिक इंदेरन। केदात श्रद्धक केरणना अवर कि धनानीट छेशत कार्या हिलात, আমরাএ প্রভিত বিশেষরূপ করগত कामारलब विश्वहमाग्र याद्याता दाईकर, কথবা ক্তাঙ্গতাপ্রয়ুক্ত পরিপ্রম করিয়া জী নির্দাহ করিতে সম্পূরিপে অক্ষর, ভাষা এবং জনাথ বালক বালিকাদিগকে (যা রকণ বেক্ষরে কেহ নাই) আগ্রেয় দেওয়া শ ক। আর যেনকল প্রতিবেশবাসিনী ভঃ কালিনীর পাত পুত্রহাভূতি ভারণপোষ কেই নাই অথচ যাঁহারা ভিকাথিনী ইইয়া ष'त्रव हरेट भारतम मा, छार'रनत প্রকার বিধান করিতে পারিলেও ভাল হয়: নিয়ন করিয়া দেওয়া উচিত যে, ঐ অনা অন্তঃপুরে সারদাবাবুর গৃহিনীর নিকটে জা করিবেন এবং ভাঁহার নিকট হইতে সাহায়; ৎইবেন। বিস্যালয়, ঔষ্যালয়, ভাক্ষর সক্ষরিত অনাথাতামটীরীভিমত চলিরাত পুরুপ ইষ্ট ফল প্রস্ব করিয়া লেখের ও মঞ্লসাধন করিতে থাকে, ইছাই আয় একান্ত বাঞ্নীয়াঃ কিন্তু নিয়মিত ভত্তা ব্যতিরেকে ভাহা ইইবার কোন সম্ভাবনা অভগ্র একটা স্থানীয় সভা করিয়া সভার ভত্ববিধানের ভার নত্তে করা উচিত। ও य नियमावली क≲रवन, ७० दून:रत्रहे ষ্ট্রে। আমরা নিমুলখিত ভদ্রলোক্দি লই:। সভা করিব র প্রস্তাব করিতেছি।

> সভাপতি। মান্যবর শ্রায়ক্ত পণ্ডিত **ঈশ্বচন্দ্র** বিদ্যাস্থাসর র সহক্রারী সভাপতি।

এই কুক বাৰুবেণী নাধৰ বহু

- ি খারকানাথ মিক্র
- ্ স্থাতি চটোপাধ্যয়
- » পরমানক মুখোপাধনায়
- " এীরাম ভটাচার্ব্য
- » উমেশচম্দ্র মিক্র
- " কুঞ্লাল বিশ্বাদ
- " लिलाशाविक िख
- " काः धनीम तीष्ठ
- " ছকোনলাল র'য়
- ष्ट्रेव अन्तर कार्ट र जिल्ल ¥ ৯ (यः १५:उपनाथ द्वास् महकाती मन्त्राहक
 - ^৯ কেইনাথ সেন (এপ্রান শিখ

ভাণেংমৃত মহাতার একটা প্রভারময়ী স্থাপিত হয়, ইহাও আমাদের একাস্ত

र्थः देखाक्)

94

প্রজাবর্গের অনিষ্টনিবারণ্ড্না কুপালু ম-উবিদারালয়সংস্থাপন করিয়া বিচাবক नियुक्त कतिग्रारहन। किन्न यौहापिरात शाहानिद्यात माहारमः क्रुविहात स्ट्रेंदि, াষদিনিজে অধান্মিক হন,ভাহ। হইলে ই ছুষ্টের দমন হয়না। অবভ্রব আরো দর ধার্মিক জ্ঞুয়া নিভাক্ত আবেশ্যক ^চ চন আৰু ধেরূপ অনংকে পথ্যদর্শন ভ পারে না, সেইরূপ অধার্মিকেরা অন্য দিক লোককে দৰ্মণথে লইয়া যাইতে ষ্না। উকিল ও নেংক্রাব মহাশ্রনিগের বিজ্যুৰকাৰ্য অধিকতর নিভির ত্রে। ভাঁহার হখন আপুন আপুন মক্লে-পক্লইয়া বস্তাকরেন, তখন নিজের লর দোনগত্তেও ধর্মের দিকে মাডাকা– ছাল প্ৰদান কৰা প্ৰশ্প। বাদালু-क्षिया श्राप्तास समिति है होने हैं है। stal 'জ'নড়াড দিপ্ল' মকস্থা এক কালে না বংকা, ভালা কৌলে ভাগাড়ডঃ भिन का रशद कि इंट्रागित उन्न करते. कि ह নংবিচালালয়ণ্ডফুপিন করা ও বিচার নিয়েশন কশা লে উড়েশ্য সফল হইতে . १९८९ :इस्ट्रेस स्लाहक मिका भक्षमा क वेहरू

সংহর্মাহর ন। স্তুপ্তর পুরুষর দমন সহ-হইল উঠে। কিন্তু দেখা যায় ান, তিবীল ন্ধ সহাধ্যের। নাজিক পাশওনিয়ের নায় त्रत्र ७८५मा এककारम विष्यु ७ ६६मा র দাস ইইয়াপরম পদার্থ পর্মকে বিস্কুন যে সেমক কমা এছনপুৰাক অব উপাৰ্ক্তন । এবং বাহিরে অপেনা দিপকে পর্য ধার্মিক চ্বলিয়ালোকের নিক্টে পরিচয় দেন। আতি এই বছরমপুরে এইরূপ একটী

ার উপস্থিত। ভাষা সাধারণের গোচর করি ধানদে ভাচার ভুল বিবরণ নিয়ে একাশ ভচ্চি, পাঠক মহাশয়গণ উকীল্দিগের অধ ভাব স্পষ্টই দেখিতে পাইবেন। খোনকার জাই ট মাজিটেটটের নিকট একটী

াটের যককমে। উপস্থিতঃ যিনিমুরিয়া-তিনি ঠাছার উকীলের নিকট স্বীকার টেইন এবং উপীল মহাশয় নিজেও পাষ্টই ত পারিতেছেন ধে বাস্তবিকই আমার

মকেল মারিত্নাছে। ভিনি-বুঝিতে পারিয়াও व्यापनात मरकरतत पक्तमध्येन कति छ।इन, অধিকত যে মার খাইয়াছল, ভাখাকে িশান্তি দিবার জনওে চেষ্টা পাইয়াভিলেন । এই कि डेकील महाभग्निएशत वर्षा ? এই कि डीहा भिरात उप्रज: ? এই कि डाँग्रामिरात अंक करन পরিপ্রবের বিদ্যার ফল ? অর্থ. প্রাচ হইয়া धर्मारण अहिणाहिण्ड्यानरक (कन्रामन्तरक) नष्टे केवा कि डाँशिमिश्यत नहांत्र (लारैकत कर्सवर ? यनि जाहानिराव निराम् त कर्डवारवाप ना इहेन. ভবে ভাঁহারা কিরূপে অন্তেক কর্ত্তর বুঝাইবার (5र्ट्डी करवन? शूर्तिहे विनियाहि, अक कथन व्यक्तरक नरेब्रा राहेटल शास्त्र मा। (कथिय উৎপীড়িত ব্যক্তিরা রাজার আতায় এইণ করিয়া শাস্তিপ্লাপ্ত হইবে, না তাহারা অর্থপিশাচ উকীল भारतात्रमिर्शत साम्य साम्रिक करेगा व्यात्रत বিপদে পতিত হয়। একৰে উকীল 🖫 মোক্তার महाभवनित्वद्र निक्षे कामांत्र अहे शार्थना त्य, শাহারা নিজে ধার্ম্মিক হইতে শিক্ষা করুন, ভাছা इहेटल श्रष्टाहिटेडियी जनर्रायर हेत् अ धार्मिक लाकमिर्गत ऐरिपना मक्त बहेरच ७ त्महे महत्र তাঁহাদেরও অধোপার্জন ছ≹তে পারিবে।

हिलमञ्जातकारम अवर्गप्रक्षेत्रशीरल आधार निरंद्रमम् **এই যে. अवर्गरान्छे ध्यम्म ऐक**िन व মোক্তারদিলের বিদ্যা বৃদ্ধির প্রীক্ষাঞ্চল করিয়া ভাহাদিগকে ওকালভী ও মোকারি কলিছে অনুমতি দিবেন, তেমনি উহিদিদেখ স্পালেকণ গুক্তর যে প্রাএবং চরিত্র ভারার (यस प्रतीका करतम। सङ्घा ब्हासदास कापह নাস্তিক পামগু উকীল ও মোক্তার্দিগের ছার। গ্রন্থারগের লাভিলাভ দূবে থাকুক, বরং পাপের ্ঞাত অধিকতর এবাহিত ২ইতে থাকিবে :

বছরুমপুর ") এক জন পণ্ঠক ১২৭৫ । ভরা হৈছ্য ছ

ভবানীপুর লওন মিসনরি সোস:ইটীর ইন্ফি টিউপনের অধ্যক্ষ মান্যবর শ্রীযুক্ত রেববেও ভে, পি, আছেন সাহেব গেরাপ **শারীরিক** ও মানসিক পরিপ্রমুস্ককারে বিদ্যালয়ের উয়তি সা ধনে যয়শীল হইরাছেন, তাহাতে স্পষ্টই প্রতী য়মান হইতেছে :য; অভ্যান কালের মণ্ডে বিদ্যা লয়নীর সবিলেন উন্নতি ঃইয়া উঠিবে। তিনি ও আর কয়েকটা বিজ্ঞাবর সুন্দিক্ষক একাণে উপ রিস্থ প্রেণী গুলিতে সাবিশেষ যহের সহিতে অংগ্যা পৰা কাৰ্য্য সম্পন্ন করিভেছেন।

বিদ্যালয়াগ্যক মহাশয় কেবল দিবলৈ ছাত্র

मिश्राटक दिम्हाचि । मिश्रा कांख थारकन ভিনি রঞ্জনীযোগে সময়ে সময়ে বি. এ, <u>(अ</u> ছাত্রদিগকে আপন আলয়ে আনাইয়া দূর্ব যন্ত্রাদি দারা চল্লের ও নক্তরগণের গতি প্রশন করিয়া থাকেন: সম্পাদক নহাং তিনি উচ্চপ্রেণীয় ছাত্রগণের বিদ্যাশিক্ষা শেরণ পরিজম স্বীকার করিভেচ্নে, প लिथनीकाः। लिथियः। (नगकतः। गापः नाः। বিদ্যোৎশাহী পরে'পকারী মহাত্মার কোন বি ক্রটাদশন করিলে কোন্বভির হৃদয় : পরিতাপিতনাহয় ? মহাত্তের আঞ্জন স विम्हानदार कारलक फिलावेंस्मान्डेर कर অেগীর উল্লভি জন্য বিশেষ যদশীল আন্ত কিন্তু আক্ষেপের বিষয় এই, ডি.নি নিয় যে শিক্ষকগণের প্রতি দৃশ্চিপাত করিয়াও ব না। ঐ শিক্ষক গণের অভিশয় ছরবক্ষা। দিগের অবকাশকাশ ও বেতন অভি मञ्लोषक ग्रहां ने १ जहां (ने उत्त कि कांस ভর কার্য সাধিত হইতে পারে? শিং কার্যার সংখ্যার তার বিদ্যার তার তার তার ৰতি শিক্ষকদলের উপত্রৈ বিশেষ**রূপে** গ ব বৈ। আছ এব শিক্ষকগণ মাধাতে সভাষ্ট প াতে ক বিন্যালয়ত্ব ভবাবশায়কের সেটি য়ঃশীল হওয়া উচিত। এম্বলে আমার লিবি এই (य. मक्षामानावर चाष्ट्रिन मार्ट्या यसन्। এনের উল্ভিন্ন নিমিত ধার্ণীল ভ্রয়াছেল, নিয়ুদ্রেনীত শিক্ষকগণের বেতনর্ভিঞ প্রতি দৃষ্টিশাত করা ভারার একান্ত আবশ ভাগাহইলে ভারার কার্মনোবাকে; স ধরসংকারে অধ্যাপনাকার্য্য সম্পন্ন করি

বিদ্যানয়েরও অধিকভর উর্ভি হইবে। একাস্ত ব १ ४, इन्राच्छत्य ६ চক্লবেড় নি

সম্পাদক মহাশ্বঃ আমি জনেক দিন এদেশ ওদেশ করিয়া গুরিয়া বেড়াইত ভ্রমণ করিতে করিতে কত দেশে কন্ত অ'শ্চর্য যে'পার্ট অবংলাকন করিলাম বর্জনান জেলার অভুগতি নালিকগঞ্জের হা এক অঙ্ভ কাশ্ত দে এয়াছি ভাষার কাছে लार्य मा। खबान्न समाखन रहेरक मामानि সামনী বিশ্রেষাথ আনীত হইরাছে। গটের শোভানশনাথী হটগুং উভয় পার্বস্থ শ্রেণীর মধবেতী পথে জমণ করিতে লাগি ভন্মধ্যে এক স্থানে লোকের জনতা দেখি वाक्तिक खिळामा कतिलाम, मश्चारा । ব্দত লোকের গোল কেন ? ডিনি উত্তর লেন কেন ? আপনি আছি এখানে কখন খ নাই ? এবানে ছোট ছোট ক্ৰনা বিক্স হ। এ কথা শুনিবামাত্র আমান বোগ হইল, বেরেক করিতেডেন। আন্মি কছিলাম, মহা-াকি রহস্য করিভেছেন আপনি জানেন ম। रदिएकर मूज्क हुँ एक माकि कारिक अथारन ষ্বিক্রীবনামকবিলে ভাঙার দণ্ড হয় কহিলেন, সে কি মহাশয় : আপনি জানেন हे कार**हे काह्य दशका कन**ी विञ्लासन का<u>न</u>्य क ে আমার কথায় প্রতেয়ে না যান একট িগিয়া চ**ফু কৰেঁর বিবাদভঞ্জন ক**রুন। আমি মনে করিলামঃ তা হতেও পারে : চকালে শুনাছিল চেডলার হাটে মাতুষ হয়, তা এখানেও হবে ভার আশ্চর্ট কি। এঁর কথা যদি সভং হয়, ভা হলে আমারই ভাল। এড দিনের শর বুঝি এই আইবড় 🛩 বামুনটার কপাল ফিরিল। যদি এই গে একটা ছোট মোট মেয়ে হাত লাগিয়া ভাষা ক্ইলে বাপ পিডামকের একটা পিলের পেনারও অসময়ে এক ঘটা জলের সংস্থান চ পারে। অনস্তর অনেক কছে ভিড় র। বিক্রেম্বরে উপস্থিত হইয়া দেখিলাম. শভ্যই ২াও ইইডে ফ্রেমে ১২৷১৩ বছরেব অনেকঙলৈ কন্যা তথায় বিক্রয়ার্থ ভ ছইয়াছে। ভন্মধ্যে কডকগুলিৰ ক্সপ ; দেখিয়া আমার মন আছলাদে নৃতঃ ত লাগিল। মনে করিলাম এত দিনের পর প্রসাপতি এ অভাগার প্রতি সময় হলেম। ময়ের মধ্যে একটা না একটা অবশাই ত পারিবে। দেখিলাম, কডকগুলি দালাল ভঃ অংশ করিয়া ক্রেড্গণকে আহ্বান তছেন। কন্যা পাইবার জন্য সকলেই । ভাহাদিগের উপাসনা করিভেছেন। করিয়া দিতে পারিলে ভাঁহার৷ শতকরা কাদালালি ও কখন কখন আরও কিছু কো পাইয়া খাকেন। একটা ১০ বছরের কোছে কন্তকগুলি খরিদদার একত্র মিলি দেখিয়া আমি সে স্থানে উপনীত হইলাম, 🖯 নে বিক্রেডার সমর্মর কড়া কড়া কথা**ঁ** । **টাহারা সকলেই ধ হই**য়া আছেন। ীর ক্লপলাবণে মোহিত হইয়া দরের কথা সা করিব করিব **মনে করিভেছিলাম, এ**মড প্রায় ৭০ বছরের এক বুড়ো আংসিয়া नद्र कारन कारन १८० क्रीका प्रद्र निरमन, : আনি অমনি অমনি পাল কাটাইলাব। শর একটা বছর সাত্তেকের মাঝারি গো-দরে দেখিয়া দরের ক্থা-স্থাইলাম। কিন্ত क्ष वकाती ४० व शिक्सा व त्रिया आहिस,

मानान महाभाष द निर्मन, **खरनरक ७६**० উঠিয়াছেন, কিন্ত ভাহাতে ভাঁহার মন উঠে নাই। এখানেও ডাল গলিবে না ভাবিয়া জার একটা ঐ রকমের কিছু ছোট পেখে দর কলিতে গেলাম ব ভাহার অধিকারিশী জীলো की य प्रदेश कथा बलिएनन, डाहाएड अक निम ৪ বয়া য়াইতে পারে কিন্তু তিনি যে আসবাবের ফর্দদিলেন ভাছার সরবরাছ করা আমাদের পাধ্নয়: অনস্তর যে দিকে কাঁণা খোঁড়া প্রকৃতি বিক্লাক্তলি বিক্রয় হইডেছে তথায় গিয়া দেখিলাম, ভাগারাও পড়িতে পার না। তংপরে যেখানে ছোট ছোট বাচকানিগুলি विक्रम् इहेट इट्इ, त्म मिटक अकवात मृचिभा उ করিলাম। কিন্তু ভাহার মণেঃ কোনদীর গায়ে ফুডিকাগল কভেচ, কোনটীবা আফাজিও ছখ ছাড়েনাই । আনমার যা পু^{*}জিল পাটা ছি*ল*, ভাহাতে ঐ রকমের একটী পাওয়া যাইতে भारतः किन्त नहेट कत्रमा हहेन ना। काँनि कि ষ্দি এক বাল্গায় কর্ম কাবার হইয়া যায়। মহাশয় ! ঐ হাটেব এক দেশে আবার কন্যা विभिन्न व इहेट उद्द (निधिनाम । याँहाता वन-नाई कहिराज्यान, जाहा मिरावत यक कष्ट नाहै। कांत्रन मखना महरकाई हहैं (जर्ड : किन्न जाहारिज कान मा (कान भरकत ठेका हहेए छहा मण्या দক মহালয় ! আপনি ড ইস্তক প্ৰেডভন্ত হইডে রাজনীতিপর্যন্ত সকল বিষয়েই হস্তক্ষেপ করিয়া থাকেন : এই হিষয়ের জন্য এক বার कनम विद्या बाक्य भूक्य निरंत्र यनि अक्ट्रे वाश ফিরাইয়া দিতে পারেন, ভাছা হইলে অনেক (आजिय ७ वश्यक व'मून्त्र वश्यक्षण स्ट्रेंप्ड পারে। যেখানে ভাঁছারা বিক্রয়ের অনুমতি দিয়া (इन, (मर्थादन कम्हांत वृद्ध:क्रम ও क्रम नावनह অসুসারে উহার জ্রেণীবিভাগ করিয়া মূল্য নির্দ্ধা त्र कतिया नित्न व्यामानित्रत्र मण इष्डकाशानि গের এক দিন গভি লাগিতে পারে। দেখুন, সহরে গাড়ি পালকি প্রভৃতির ভাড়া নিরূপিত इडेब्राएइ, अ हाएँद्र कनशक्तित अवधी पत्र निर्द्धा রিভ করিরা দিলে যদি দেশের কিছু প্রজার্ছি হয় ভাহাতে হানি কি ?

ইল্ডোবামগুলাই } ১৫ইংম ১৮৬৮ } এক আইবড়

> —ः॰ः— भूनाःशासिः।

ত্রীযুক্ত বাবু কালীময় চট্টোপাধ্যায় কলিকান্তা ১২৭৫ বৈশাপ হইতে চৈত্র পর্যক্ত শামাচরণ রায় চৌধুরী ক্রেমিনীপুর ১২৭৫ ক্যৈত হুইতে আবণ

- " আহুডোৰ মিত্ৰ বাজপুৰ
 - শ শাধবচন্দ্র ভর্কসিকান্ত কলিকান্ত ২০২০

সোমপ্রকাশসংক্রান্ত করেকটা

বিশেষ নিয়ম।

অবিমে মূল্যও ডাকমাসুল না পাইতে বলে সোমপ্রকাশ প্রেরণ করা হার না।

ইংার অগ্রিম মূল্য ব্যবিক ১০ টাকা বাণ্যাসিক ৫॥০ টাকা। মফস্বলে ভাক সমেত বার্ষিক ১৩, বাণ্যাসিক ৭ এবং ব সিক ৩০০। তিন মাসের স্থানে অগ্রিম গ্রহণ করা যায় না। ১৩, বরাতি চিটি, অভরি, নোট ও স্থান্স টিকিট, ইহার অ বাহাতে বাহার স্থাবিধা হয়, তিনি সেই ঘারা মূল্য প্রেরণ করিবেন।

ষ্টাহার। স্থাস্পটিকিট পাঠাইবেন, ও যেন এক অথবা আধ আনার অধিক । ওরসীদের টিকিট প্রেরণ না করেন।

ষধন বিনি মফখল হইতে সোমপ্রব মূল্য পাঠাইবেন, ভাহা যেন ব্লেজিষ্টরি ব জীযুক্ত মারকানাথ বিদ্যাভূষণের নামে গ ইয়া দেন।

বাঁহাদিগের মূল্য দিবার সময় অভীত আসিবে, এক মাসপুর্ফো তাঁহাদিগকে লিখিয়া জানান ধাইবে, কাল অভীত গেলেও এক বার চিঠি লেখা হইবে, ভাহা একমাসকাল প্রভীক্ষা করিয়া কাগজ বন্ধ ধাইবে। শেষ বারের পত্র বেয়ারিং প্র

মাতলা রেলওয়ের সোণাপুর ষ্টেসনের ঘরে চিঠি আইলে আমরা শীল্প পাইব।

শাঁহারা মাস্ত্রনা দিয়া পত্রাদি প্রেরণ বেন, ভাঁহাদিগের সেই পত্রাদি এহণ বাইবে নাঃ

কেই সোমপ্রকাশে বিজ্ঞাপন দিতে ই করিলে তাঁহাকে প্রথম তিন বার প্রতিপংখি আনা তাহার পর /১০ আনা দিতে হই বিনি অধিক কাল বিজ্ঞাপন দিবার ইক্ষা ব বেন, তাঁহার সহিত সভন্ত বন্দোবস্ত হইবে

ক্রেএই পত্র কলিকাতার দক্ষিণ
মাতলা রেলওয়ের সোণাপুর প্রেসনের দা
চালড়িপোতায় প্রীর্ক্ত ঘারকানাথ বি
ভূষণের বাটীতে প্রতি সোমবার প্রাতঃক
প্রকাশিত হয়।

(माश्रक्री

- ७६६. प्रवक्ततां प्रकृतिकिताय पार्थिवः मगस्वती श्रुतिमस्ती न कीयतां। **प्रदेश**ी ।

মূল্য ১ এক অম আমি বার্ষিক ১০ দশ মাধ্যালি**ক লা সাড়ে পাঁচ** টাকা । 🗍 नम ३२१६। २० व रिकार्छ। ১৮७৮। ३ ला जून विश्वासिक १. ७ रेज्यानिक ७५.

মকবলে মাস্তলসমেত অঞিম্বারি

বিজ্ঞাপন ৷

প্ৰাণ্ড সোমপ্ৰকাশ কাৰ্যালয়ের সূত্ৰ । বন্দোবস্ত হওগাতে শ্রাযুক্ত জীনাথ ত্রীর উপরে বিল ও চিঠি প্রাদি যাক্ষ্য ার ভার সমর্পণ করা হইয়াছে ।

--:0:--

हेक्हेहिका (बन्धरय । কয়লাপ্ৰড়জিব গাড়ি ভাড়ার নিয়ম।

ভিদ্যাবাসর্কাসাধারণকে জ্ঞাতকরা যাই-ু চনে, আংগামী ১ লা আছুলাই অস্বধি খনিজ দিসপূৰ্কে লাছিব পূৰ্ব বোঝাই " এই র অবর্ণ এই রূপ বুঝিডে চইবে যে প্রতি ্তে যত অধিক মাল ধবিতে পাবে ভাছার টন করিয়া লুংন পাকিবে। যাঁহারা যত মাল পাঠাৰ না কেন. ভাহাদিগকে সেই টন্কম যে মাল তাহার ভাড়াদিতে ব। কিন্তু কেই যদি উপরি উক্ত 'পূর্ণ াইয়ের " অংশিক মাল পাঠাইতে চান কে সেই বেশী মালের নিমিত স্বতন্ত্র ভ'ড়া ভ হইবে। ভিষ্কেৰ হয়ে খৌৰ) সিংস্কটিফেনসন

लर्भेभी (ऋ। यात

কলিবাতা ২২ এ মে

इंग्रेडिकिशन (तल्लाहर ।

কয়লাত কণ্ট হৈ। ১৮৬৮ व्यटक्ततः । ज्ञानी इंव्यविध इत्रमान । এই কোম্পানির পাথরিয়া কয়লা লইবার াজন হইয়াছে। যাঁহারা উহা সর্বরাচ বার টেশুর দিবার ইচ্চা করেন, নিমু খাক্ষ-বিজিক ১০ ই জুনের ছই এছরপর্যাস্ত াদিগের নিকট হইতে ভাষা এহণ করি-

পারিবেন !

हेर्ड छ या (वल वर्स) जितिमक्टिएणमा एमका छेनी (प्रायान कलिकाणा २१ श्र.म) এक्सिम (वार्ड)

--:0::-

মহাকবি দণ্ডাচার্ষেরে কুড দশকুমার চরি-তেৰ পূৰ্দাণীটিকা নেপালস্থ পণ্ডিত জ্ৰীযুক্ত ভমক বল্লভ পত্ন কর্ত্তক এই প্রথম প্রকাশিকে এবং দেবনাগরাক্ষরে মুদ্রিত হইল।মূলা ॥॰ আ।ট আনা ভাক মাসুল এক আনা।

क लिकोन्डा मध्योम 🕽 জ্ঞানবদ্ধানত যন্ত্ৰ नियालना क्रीड ৩২ সংখ্যক ভবন

<u>এীভূব: চম্দ্র খ্যাক</u>

এতদ্বারা সর্ব্য সাধারণকে অবগত করা যাই ভেচে যে, ১৮৬৮ ইণ ১৬ ই জন মললবার বেলাছট প্রচরের সময় ৫ ফুটেব কনে উচ্চ ও বাচচঃ স্বকারি হস্তিস্কল ঢাকা স্বকারী পিলখানাতে সর্কোচ্চ ভাকে নীলাম হটবেক। ব্ৰয়েচ্ছ,ৰণৰ উচ্চ দিনস প্ৰোক্ত স্থানে গিয়া জ্যুকরিটে পরিবেন হতি সন ১৮৬৮ ই° ৬ ই মে ৷ আংব, ডি. নথল

ፔ ችነ জানিল : সেনা সুপরিকেট গুল্ট :

: বিক্রন্থার্থ।

গাংকেন রীচ্বঃ নংবাটী শুদ্মিসহ ১৯ নং ছোড়া ৰাগান।

ভাড়া দেওয়ার নিমিত্ত। পারভেনরীচ ২৪ নং বাদী। · উপেরি উক্ত হাগান ও বাটী ঘাঁহারা কর

कार्यप्रम किंदिल (हे खर्बद क्यूम भाहेर्ड किंदिए क्यथना खाड़ा लहेर्ड हेक्टा कर्दन, সাক্ষরিত ব্যক্তির নিকট জানাইবেন।

গিলেণ্ডাবদ্ আর্বো থ্মট এবং কো

পুরাবপ্রকাশ।

কলিকাতা মৃতাপুর আমহাউদের কাব্যপ্ৰকাশ যথে পুৰাৰপ্ৰকাশনামক য়িক পত্ৰ প্ৰতিমানে এক বা চুই খণ্ড ব প্রকাশ হইতে আরম্ভ হইদ্নাছে। প্রত্যেক । প্রিমাণ ৮০ অশীতি পৃষ্ঠা। ইহাতে ক্রমশঃ ফল পুরাণ ও উপপুরাণ বাজালা **অনু**বাদ প্রকটিত করিবার কল্পমা আছে। প্রথমতঃ ' পুরাণ অমুবাদ ও ক্রীধর্গোপামিকুড চীকা मूखि**छ इहेटक्टछ। ১ ला देवनाथ** वि আর্জ্ম হইয়াছে ৷ যিনি ইহার গ্রাহক ইইতে লাধী হন, তিনি কলিকাতা সংস্কৃত বিদ ভাষার নিকট পত্র ডাকমাশুল ও প্রতি মূল কেজিন॥॰ জ উ আনাক রিয়াপাঠাই গাঁহারা নিয়মিত গ্রাহকত্রেণীভূকে নহেন দের নিকট প্রাক্ত কর স্থান্ড এক भूतनः विक्रय कहा यहिता।

265 8 16 🏻 🕏 জনমোহন শৰ্ণ 18981

সংস্কৃত মেদিনীকোষ প্রকৃষ্ণ দেব প্রেক্ত উত্তম নাগরাক্ষরে যত্ত্বসূত্রিক মুদ্রি ভেছে। যিনি গ্রাহক হইতে ইচ্ছা করেন চাকা কালেছের সংস্তুত এবলপক জীয়ুছ সোমনাথ মুখোপাধায় মহাশ্যের িকট কলিকাভা সংস্কৃত বিদ্যালয়ে বা কাৰ্য যয়ে আমার নিকট পত্তে পাঠাইবেন।

१ के दें हैं जिल्ल १२०८ **बिक्शरक्षाह्य म** সংস্ত বিশংলয় : }

١)

বিৰিপ দ্ব্যাদি বিক্ৰয়াৰ্থ क्षायु है।

ইংরাজী বাজলা পুত্তক কাগজ কলম নানা পে শ্বরাদি পারের ধারতমক্**মতে,গড়ী অপু**রি ভালি দ মাইয়া থ'কি এবং **পুস্তকাদিতে** এক না। হণাৰে কমিসৰ দি। যদি কেছ জংগিক কাৰ এবল**ছি লন পাইকেড়ী দরে পাই**বেন। শক্তন্ম উসিফু প্রথম বণ্ড विखीम च छ 🖺 মংগ্রহদ্মীত। > # • টিক। ও ব'কালাসভ লিভ · 李 第項

≁:ক^বলী বদাপ প্রকাশিকা শক্পি বহুমালা * ক'প@হারিক। ৩ প্ৰকৃতিবাদ

105

: 11.2

١

2 8

2 14

211.

অষ্টা বংশতিভাৱ অৱশেষকল বিদ্যা**ন্ত** করু গড় ডি জীকা প্ৰকী ভূডচ সংলি প্ৰতিমনি স্কিত

रार्ल्येच्च कल छ छात्रभवातत ह्यू ५००ल् শ্ৰেদ জীক ভিনিয়াক : 11 :

मलहरिए कावा 7 80 7 × 1

বলস্তিদশন

MI 전투 스위작(경기

র ভিজ্ঞাবলাস

不予的严重 क्षेत्र**या (श**ास्त्र)

भिक्षीत धेमानब रही '된(기무단약네.

ोङका व भाइन वासीय विकास

है क स्वास्त्र ল ভীমাধৰ

গাৰ ইন্ডিচাস নের ইতিহাস

য় পৌচাৰ মক্লা (১৮২ / জসমাধি নাউপ

ং'স'জনিবর্তক নাটক ্র, শং বিপায়ক

ৰ বধ ৰাট ক ভৌব জালাডিক নার

1.51 (B):51-

75 2.

या छ ाना । •मक्|कृ|**क** : **(**| • 斯斯特化共享 不到 শক্তিকু भक्त मुख्यत्रकी 我也,不可到此就! ঞুক: ≀ব্!ফ স প্তথ্যস

২ঘুৰ শে গট্টাশ क्तित रेमधाः 🗸 म रक्षी होते हैं। અર્જી કિશ્ના હ ? જ

54

340

무비态이가 ্ ঐত্কনারবাথ বজেরাপালবার কলিকাভা

কৰ্ত্যাল্য शुक्षकः विद्वास्ति । 食けるりゅう・

শব্দকস্থ্য অভিযান। সর রাছা রাধ্-কাপ্ত দেব বাহাছয়ের কুত। উত্নকপে সোণা দিয়া হতন বাঁধান ফ্লা: ৫০ টাকা। তর্ বাধিনী পাত্রিকা-- প্রথম কর, মুখ্যা ৫০ টাকো। জী আনন্দ্ৰভন্ত বেলান্ত বাৰ্গাৰা:

> द्राभी शक्ष भगे दे (४) १ सिंग्यर्गेष्ठ ।

(अक्षिप्त करिया १५%) इय विकेता

के काल्लाभित भिन्नहर्श अञ्च । सर का भिर्य উহঃর নথ্যা কেবিলে পাওয়া সায় এবং যদি कार व अर्धाङ्य रूप व वा काम बहुम उन्हे পাঠাইয়া ছিতেনা

विभिन्नात समी।

স্নায়িদ্ভল গ্ৰেষ্ট্ৰ মাৰ্কিটাই ইটাইটেড ২১ এ প্ৰদেশ ভাগীরপীননীৰ মনাক্ষ তি ঙ্কারের সাপ্তাহিক হিলোটা।

স্থানের নাম 矿道 京徽 মহানার উপর প্রান্দীতে यहानाम् তথা হইটে জলিপুৰ প্ৰান্ত () धा माझेल मास) **छाज्यित्र वहेतुम रहत्रभूव अर्थ, छ** (१५ महिल मह्यः) বহুরমপুর হইতে কাজওয়া পর্যান্ত (৫০ মাইল মলে) कालोग्रा हहेएछ नहीं हुए भग्ने छ

(६७ माहेरलन मस्यः) সন ১৮৬৮ মে মাহার ২৬ তারিখে ক গজ হাটের জালের মাপ 💌

1545917 श्रीपुक है, इस है है के ! अक कि किली के कि ১৬ ই ্য বহণমপুর ডিবি সন

গোন্ধকাৰ। ••

२० ७ देखाई भागवात् । चः लः ^{दे}न गः ६ छ विश्वष्ट नगा दिवात প্রকরে ।

পিন দিন হিন্তুনসংক্রের বহুতর গ বৰ্ত হইতেছে। ল',ারা ৰাল্যাব্ধি পরিবর্ত্ত দর্শন করিলাম, তাহা যদি এ গণ্না করিয়া দেখা যায়, হ্রুবর বিসার আল্ভ হইয়া উঠে। দশবৎসরপূ कान शली आत्म श्रविके हरेल ८ বাপালিকা কেবল ক্রীড়া আলিয়ে কালকেপ করিবার নিমিত্ত স हरेलाइडन। आहमत वालक अवसि ह পर्याप्य नकरलई को इंग्लंड । बालक পের পড়া শুনার নামগ্র নাই, যুবক গের বিলয়চিতা নাই; রুদ্ধনিলের আ কোন কল, নাই, কেবল দলাদলি, লোচে निका, द्वथा भाषा ও क्रीकृ। लहेता आहर এशन मिहे (गहे आरम व्यक्तिम कहित् আমেৰ আৰু দে ভাব দেখিতে পাও গার না। বালকেরা লেখা পাড়ার অংগ নিবিষ্ট হইয়াছে: যুবক ও প্রৌচেরা বিষ क्टम वास्त्र इहेश (व इंडिट्डिइ : इक्कि গেরও দেখিয়া শুনিয়া পুকা ভাবে অনেক পরিবর্ত্ত হইয়াছে। পুর্বের্ফ নকে থাল্যাও ক্রীড়ায় কালক্ষেপ করিছে **বটে ; উলার সমূচিত ফল ভোগও করি** তেন। অধিকাংশেরই সংগারের বি ক্ষণ অসম্ভল ছিল। শাংসারিক সুং ভোগ দূরে থাকুক, অনেকে জাশন বস নাদিরও যার পর নাই কট পাইতেন এক্ণণে আর সেরপে নাই। এখন বি কুবক, কি শ্ৰমজীবী সজুর কেইই শাঃ র নিমিত হাহাকর করে না। আদের
যে হই গারি জন জাতাজিমানাদি
নি ভামবিষ্থ হইয়া আলস্যে কালা
তি করে, ভাহাদিগেরই যে কিছু
আছে এইমাত্র। সাধারণাে বলিতে
এই কথা বলিতে হয়, পদীপ্রাম
একণে প্রাপেকা বহু গুণে সৌভা
পদ্ম হইয়াছে।

विদ্যাদানকার্যেরে প্রাচুর্য্য, বাণি টেল্লডি ও বেলওয়ের ফ্রিটি এই টীই পলীথামের অবস্থাপরিবর্তের ন কারণ। ইংরাজদ প্রণ্মেণ্ট এ t८२२**३ भूल। ३**०तास्त्र शवर्गस्यकी য আমাদেশের যাবভীর কলগাণের া, তেমনি ইং,বাজদিপের সংস্পা ঠাহাদিগের দৃটাযুদ্ধন কভগুলি স্মান অনিষ্টের কারণ হইয়াছে। লে দে পরিবর্তগুলিরও গণনা করা ন্ধ আবিশ্যক হইতেছে। প্রথমতঃ <u>দদ্রব্যেবনের সম্ধিক প্রাত্রভাব</u> ্উঠিঃ†ছে; তংসহচর অন্য অন্য ষরও আমবিভাব ছইয়াছে। দ্বিতী-অনেকে যথেচ্চারী হইয়া পড়ি-। হিল্পু ধর্মে অনাম্ছাএ ওলির মূল।

ধর্মে লোকের এত অনাস্থা জিমি
থা. যে কিছু হিন্দুণান্ত্রেক ধর্ম
র অস্তান দেখিতে পাওয়া যায়,
কের তাহা মৌখিকমাত্র হইয়া
ইয়াছে। এখন আর ত্রিকা
শক্ষাবন্দন ও জপহোমাদি প্রায়
পপে পতিত হয় না। কোশাকুশি
লেগ্রামশিলা অনেকের বাটা পরি
া করিয়াছেন। অনেকের বাটাতে
র পাত্র অনাদরহেতু মনোহঃখে
ন হইয়া মঞ্সাগত হইয়া আছে।
লিতে অপকার, তাহা বিনা সস্কোচে
বিত হইতেছে; কিন্তু যে পরিবর্তের
সমাজের উন্নতি ও মহোপকার

র সম্ভাবনা আছে, সে দিকে প্রায়

दक्के व्यागत दन ना विश्वाल विश्वाहत छ न लन একট্রী মহোপকারক বিষয়। সে পরিবর্তে অপ্লোকের অভিফুচি দেখি:ত পাওরা যায়। দোম একাশের ছুই জন পত্রপ্রে-রক ছুটা বালকের বি**বাহ হইতে দেখি**য়া আকৈপ করিয়া লিখিয়াছেন। বাল্য বিবাহ বহু দোবের আমাকর। আমামরা যে এত कीनवीर्या **७ कीनवल, प्रा**मित **कल**् বালুপ্রভৃডির√দাষ**ই তাহার একমাতে** कार्य गय, वालाविवाह वस्त्रशतियादन উহার সহায়তা করিয়া থাকে। কাহার त्रकरताथर । ब इच्छा **अधिराज रम कथ**न চারা পা**ছের অপুট বীজ লই**য়া সে ইচ্ছা চরিতার্থ করে না; কিন্তু বৃন্ধদেশীয়েরা অনায়াদে অপুষ্ট বীজে দন্তান উৎপন্ন ক্রিভেছেন। দে সন্থানের বলিষ্ঠ ও দীব্জীবী হইবার সভাবনা কি ? এ দেখের লোকে অধিক বয়সপর্যাস্ত অধ্যবসায়দহকারে যে কোন কার্য্য সম্পা मन कतिएंड शीएतन ना, बालाबियाह তাহার অন্যতরে প্রধান কারণ ।

क प्रतन्त्र मामिनां जा देविष्ट स्थानीत व्य বাল্যবিবাহপ্রথা প্রচলিত আছে, তাহাই এ বিষয়ের চুড়ান্ত। এই শ্রেণীর প্রায় পেটে পেটে সম্বন্ধ হইয়া থাকে। বাল কের যথন দশ বা একাদশ্বর্ বয়ঃক্রম হয়, দেই সময়ে উদাহক্রিয়া সম্পন্ন হইয়া যায়। তত অংশ বহুদে দরিপরিগ্রহ করিয়া গৃহস্থাশ্রমে প্রবিষ্ট হইলে কত অনিষ্ট হয়, অসুভবশালী ব্যক্তিমাতেই তাহা অহুভব করিতে পারেন। ভাঁহাদি-গের কটের কথা বর্ণন করিয়া শোষ করা যায় না। বিবাহের সজে দঙ্গে লেখা পড়া। अर्थाह मांक इहा। चारनरक व्यल्ल बहरम সংসারভারাক্রান্ত হইয়া নানাবিপদ্থান্ত হইয়া পড়েন। অন্য অন্য কাতি লারপরি-গ্রহ করিয়া যেসময়ে সংসারে প্রবেশ क्टबन, रेबिएरक्डा ज्थन शोखक्राशी-ত্রাদি বহু পরিবারে বেফিড হইয়া শিষ্ম

বিত্রত হন। তাঁহাদিপের হইতে বহু পরিবারের যথাবিধি লাকন গ ও বিদ্যাশিকাপ্রভৃতি সম্পন্ন ভার হইয়া উঠে। যিনি বাটীর তাঁহাকে একটা দ্বপদবিশিষ্ট জন্ত ব হয়। উাহার না আছে বিদ্যা বুদ্ধি, षार्ट्ह हिट्डब क्षेत्रार्या, ना याद्ध्वस् না আছে অৰ্জনক্ষতা; অপা বিবাহ সমুদ্ধ হরণ করিয়ালয়। ভ কর্ত্তার অধীন পরিবারেরা যে ব ত্দিশাপর হয়, তাহা অনুভবশালী হুর্কোধ নছে।পুরুষপরস্পরা এই হ **हहेग्रा जागिट**ङहा , **अहे** निमित्त रेव শ্রেণী কোন বিষয়েই উন্নতিশীল হ পারিতেছেন না। এইদকল ক এই শ্রেণীর মধ্যে প্রকৃত ঐশ্বর্ষ वाक्ति नवनरशांठत इन ना। माक्ति বৈদিকভোণী নির্বধি হতভাগ্য ৰবি প্রসিদ্ধায়ত দিন এই জোণীর এ প্রচলিত থাকিবে, তত দিন যে ই শুধরিয়া উঠিবেন, দে সম্ভাবনা না

তীর অনন,জাতিদাধারণ একটী
রীত ভাব নয়নগোচর হয়। আ
ভাতীর পুরুষেরা জীর উপরে
করেন; কিন্তু বৈদিকশ্রেণীর জীরা
ধের উপরে আধিপত্য করিয়া থার
পুরুষ উভয়েরই প্রায় দশ বহ
অধিক বয়দ হয় না। এ দেশে সচ
দেখিতে পাওরা যায়, জীলোকেরা
বয়দে পুরুষের অপেকা অধিকতর
মান হইয়া উঠেন; স্বভরাং ই
জীগণ অভিশয় ব্যাপিকা হইয়া পরে
ভাষাদিগের ব্যাপিকা হইবার
একটা বিশেষ কারণ আছে। সম

পুরুষের অপেকা সমধ্যক্ষ জীর

বাদির অত্যে উল্লোহওয়াতে পুর

জীর মনোর **৯ লে সমর্থ হন না।**

ভেষার করাইয়া যে ভাঁহাদিরের চিত কর্ষণ করিবেন, পুরুষের দে ক্ষমভাও या ना. कारण कारण हे शुक्रवरक छीत গাত চইয়া চলিতে হয়৷ যে ভারা তে ভট্ডক্ৰা কোন কাৰ্য্যই সম্পন্ন না, ডাহাকে ভর্তা বলিয়া জ্রীলোকের ত করিবার **ক্রচি জ্ঞামেরে কেন** গ আর একটা অনিট এই, বৈদিক্রি-া ভাগুজনে **দেখিতে অভি** বিষদ্ধ । ই**ং দিগের বাঞ্চালুর**ণ ভোগ ডি ≆য়না। **পুরু**মেরায**থন** যৌবন ার উত্তীর্ণ হন, জ্রীলোকদিগের তথ্য নেচি**ত্র বিগলিত হই**তে থাকে। একটা আশ্চর্যোর বিষয় এই বৈদি া সটপ্রা**হর এই ক্টভো**গ করিতে া, কিযুকাহাকেই প্ৰায় ঐ কল্মনা ধার উল্লনে যতুধান দেখিতে ওয়াসায়না। এটাও এই শ্রেণীর াদার্থভার অপর পরিচয়। বৈদিক ণীর সম্মাপরিভাগে ক'ো অভি সহজ । সম্মাপরিভাগে করিলে জাভিয়ের তে হয় না, একঘরে হইয়াও পাকিতে না, কিন্তু সহন্ধা পরিভারের কথা পেন করিলে ঘাঁহার। কিছু লেখা ে শিবিমাছেন, ভীকারা যে উত্তর দেন, র গ**িহার: কিছু জানেন না, উ**চ্চারেও ট ভারর দিরা থাকেন। পুসরপুরতে খাসিলহেন, উভয়েরই এই ডকেব। পুরুষের প্রতি কি চম্মকার দল্পি !! थात्र शादकन १ क्षेत्रकत्व अत्रवि

tনকালে **কি কেছ** পূর্বে পুরুদের

লাই দিয়া উহা হটতে নিরুক হন ?

প্রেরেঃ কি ঐসকল কাজ করিয়া

শ্যং হারকালে বক্তরা এই, স্মামরা

কেপনের জ্বরজাস করিয়া দিবার <mark>বার্ইচছা জ্মিল। এটি দা</mark>হেব যভ

4-1-9

নিভিই উল্থিত কুংসিত প্রধার বিস্তারিভরণে বর্ণন করিলান, পাঠক গণ এটাকে অপ্রাদঙ্গিক ভর্ন করিবেন া : উচ্চারা বস্তুদোরাকর বালাবিবাছের এরণ উদাহরণ আর পাইবেননা।

> পুৰ্বিকালা বলওয়ে, মুটনা ः करण्यो स अवर्गामान्छ ।

भू :'वाक्रमा (वनश्राकर्यकात्रोक्ति:शह চিত্ৰিভ্ৰমাদি দোৰ কি রাজপুরুবদি গেরও শীর্ষে সংক্রোনিত হইল ? এই ভাঁচারা ভর্জন পরজন করিয়া ভার-ভবসীয় সভার ক্লুত কমিসন নিয়োগ প্রস্তাকরিলেন: এই আবার " পারেসপ্রার দোরাইটীকে " **লিখিলেন**, হুব টনার অনুসন্ধানার্থ এক কমিটি নিয়ো-জিতকরা হইবে। কমিটি ও কমিসন উভয়ের বাস্তবিক অর্থগত ভেদকি ? ক্মিসনও একৈতে ঘটনার অনুসন্ধান করি বেন, কমিটিও তাহাই করিবেন। তবে ভারতবর্ষীর সভাতে অবমাননা করা হটল কেন্ ক্ষিমন নিয়োগ করিলে প্রকৃত বিষয় প্রফাশ ইইয়া পড়িবে. কমিটি নিষোগ কলিলে ভাৰা হইবে না, भाराज (लाकटक व्यातास (लाउदा १३८४) যদি কমিদন ও কমিটি উভৱের এরপ অৰ্থভেদ হয়, ভাগো চইলো কমিটি নিয়েং গেব যে ব্যবস্থা করা ক্রীয়াছে ভারা মল হয় নাই। পূর্ব্ধাঞ্চলা তেল হয়ের পাম করিবার, গাঁজ। থাইবার এবং , তুন্টিনাতে অধিকসংখ্যা লোকের সূত্য মাপেমন করিবার সময় পূর্বে পুরুষ বিহাতে বলিয়াযে জনরব হয়, ডেপুটি কল্টিও ইঞ্জিনিয়তের ক্লুভ রিপোর্ট দারা লেপ্টনাণ্ট গ্রণ্টের সেটি মিথ্যা বলিঃ! ধ্রুব জ্ঞান জন্মিনাছে; অভএব उँ। हाइ निकटि कि मिमन निर्ह्माश व्यवाद শ্যক বলিয়া যে প্রতীয়নান কইবে, ভাষা িম্নাশ্চর্যোর বিষয় নচে। কিন্তু এ হুলে া বিহের খনিষ্টকারিত। সুক্তরূপে । আমাদিগের একটা কথা জিজ্ঞাদা করি।

দিন হস্তক্ষেপ না করিয়াছিলেন, যত নীল কমিদন লা ব্যিয়াছিলেন, তা নীলকরদিগের অভাচাররভান্ত কি তের বিদিত হটয়াছিল ? উহার পুরে नील ६. थान 22 टन्टम खब्ब माजिए छे ভৃতি ছিলেন না পূ প্রক্রোত্ম বিবয়ে জিয় এই, কন্সল্টিঙ ইঞ্জিনয়র কি ঘটনা উপস্থিত ছিলেন ? তর্কমুখে যদি স্থী করা যায়, পূর্বে বাঙ্গলা রেলওয়ে কং রীলা অন্থ, কনাৰ্টিভ ইঞ্নিল গমনের পুর্কেকি উছোরামূত ব্য গকে স্থানাস্থারিত করিতে পারেন ন

ভারতব্যীয় সভা যে প্রার্থনা ক ছিলেন এবং শেপটনান্ট গবর্ণর ত যে উত্তরদান করিয়াছেন, গ্রুসপ্ত প্রতিজ্ঞানুদারে আমরা ভাষা পা ণের গোচর করিতেছি। ঐ প্র তাৰণ করিয়া কোষ সম্ভবে কিনা, প গণ ভাষা বিবেচনা করিবেন।

১৫ ই মে ভারতবর্ষীয় সভা ৫ नान्छे भवर्गदत सिक्टि क्यामन वि জিত করিবার অ**সু**রোধ করেন। এই हैनामः क्रांत य कडक बाल्ला वर्नः ল্ডে তাহার সন্দেহ্নাই। কিও জনরৰ এরপ হইয়াছে এবং যখন নে:কে ভাষাতে বিশান করিয়া ভগন কমিশন নিযুক্ত করিলে নিঃস ভুটী ফল হইছ। সভা বলিয়াডেন, মতঃ কোন্নী সতা কোন্টী বি লোকে ভাষা জানিতে পারিবেন রেলওয়ে কর্মচারীদিগের উপরে मातारताथ कवा इहेबारह ठाहा डाँ ক্ষালন করিবার সুবিধা পাইবেন। मर्शका नाक्षिक व्यर्थना कि इ পারে ? লেপটনাণ্ট গ্রণ্র ভাহা উত্তরদান করিয়াছেন, তাহা এটঃ---

১। 'মহাশয়! কেটেনাট গ্ৰ আদেশাসুদারে আমি মহাশনের: তারিখের পত্রপ্রাপ্তি স্বীকার ব তেছি, শ্যামনগরের ত্র্তনা হইবা র, ডেপুটি কন্সল্টিও ইঞ্জিনিয়র ঐ র দর্শন করিয়া হত ও আংকের রা দৈনিকপত্রে প্রকাশ করিয়াছেন। সংখ্যাই যথার্থ।

২। কাপ্তেন লুয়ার্ড যে রিপোর্ট করি হন, তাহা মহাশয়ের নিকটে প্রেরণ যাইতেছে। কিনে ছ্ঘটিনা হইল, ধার পরই বাকি হইল, ভাহার বিশেষ দক্ষান হইতেছে। এরপ দৃঘটিনা ল সচরাচর যে অসুসহ্ষান হয়, এছ-ও সম্পূর্ণরূপে ভাহা হইবে।

৩। ছঘ টনানিবন্ধন যেদকল গণপ কিলাবর্ণন হইতেছে ভল্লিমিত লেপট গবর্ণর অভিশয় ছংখিত হইতে-ন।কিন্তু এদকল গণপ কেবল দাধা ক ভূলাইবার জন্য প্রচারিত চই-হ। যাহা শুনিবামাত্র অবিশাদ গ্রহয়, ভদ্মিয়ে প্রকাশ্য কমিদন ক্ত করা লেপটনান্ট গবর্ণরের মত

৪। ভারতবর্ণীয় সভা কমিসনের
ত প্রার্থনা করিয়া প্রকারান্তরে এই
সমিধা গশ্পের সহায়তা করিতে
তাহা না করিয়া, তাঁহাদিগের যে
তা আছে তদলুসারে যদি এসকল
সাবলিয়া প্রতিপন্ন করিবার চেটা
তেন, তাহা হইলে লেপটনাক গ্রণীর
ইইতেন।

৫। লেপটনাত গবর্গ ভারতবর্গি কে নিশ্চয় বলিতেছেন, যেদকল উঠিয়াছে, ভাষা সম্পূর্ণ মিথা। টনার সময়ে ও ভাষ্যি পরে স্জুল লা ১২ টা মাত্র হইয়াছে। কাপ্থেন ভাষা সভা। লেপ্টনাত গবর্গ করেন, এতদেশীয় সমাজ, এ কথার স করিবেন।

জে, ছোবেতেন, মেজর ইত্যাদি।

(यन्धेनाने भवर्गत (यक्षा कहिएक ছেন, তাহার উপরে আরে কাহার কথা নাই।কিন্তু আমাদিগের মনে নিল্লিখিত ক্য়টীবিসয়ের জিজ্ঞানা উপস্থিত হই তেছে। রেলওয়ে কর্মচারীর। মাজিটে ऐंदिक म॰्वान मिवात शृद्धि तोचा शति-ক্ষত করিয়াছিলেন কি না ্ ভাঁধারা ঘট নার অব্যবহিত পরে পুলিমকে ঘটনাস্থলে প্রবেশ করিতে দেন নাই কেন ? তাঁছারা কয়েকখানি শক্ট দক্ষকরিয়া কেলি য়াছেন, এ কথা স্তাকি নাণুছ্ঘ টনার . সমস্তরাতির কল চলিয়াছে কি নাণুএ গু লির অনুসন্ধান করা আবিশ্যক কি না ৭ কানপুরের হতাকোগুলময়ে এক জন সোয়ার মিস ভ্ইলরনামে একটা বালি कारक लहेशा भिशारह विलिशा कथा छेटर्र । তাহার অসুসন্ধানার্থ কত বার ও কত সাক্ষীর জাবানৰবিদ না হইয়াছিল 🤈 যদি 🖟 কানপুরের হত্যাকাণ্ড লইয়া এত অসুস-হ্বান হইতে পারিল, রেলওয়ের তুর্ টনানিবন্ধন কি এক ক্ষিমন হইে পারে না ?

উপসংহারকালে আমাদিগের মনে আবার কয়টা প্রশ্নের উদয় হইল। মৃতব্য জি দিগের কি এক পয়সা ও একথানি বক্তও ছিল না ? তাঁহাদিগের সম্পত্তি কি হইল এবং কোথায় গেল গুমাজি ্ট্টে সভ দেহের অসুনস্থান কবিবার भूटर्स (मध्याल bieta कता इहेल (कन ? এণ্ডলিকি সামান বিষয় ? অথবা উৎ কলের লক লক লোকের সভার পর श्वाप्त क्षेत्र বলিয়া যে পরিগণিত হইবে, তাহা আশ্চ থোর বিষয় নহে। যদি হত বাজিকর মধো পাঁচ জন ইউরোপীয় থাকিতেন, ভাহা হইলে এম সাহেব ভিন্ন অবে গান করি-তেন সম্পেহ নাই। যাহাহউক, উপসং-হারকালে বক্তব্য এই আমরা যে প্রা গুলি করিলাম ভদ্বিয়ে লোকের মনে

मृहछत् मरम्बर अधिकारह। क निर्धात्रशाहा । तहे मरमह ७अन একান্ত আবিশ্যক। কেবল ইঞ্জিনিয় লইয়াকমিশন করানাহয় এবং কৰি বনিবার পুর্ফো কমিদন নিয়োজিত **इरे**हांट्ड, a मन्दान म्यूनांत मर পত্রে প্রকাশ করিয়া দেওয়া হয় স্থলের লোকেরা দকল বিষয়ের সমা রাখেন না; বেলওয়ের বিপক্তে (কথাবলিলে কি জানি কি বি পজিতে হয়, অনেকের এ ভয়ও আ এতএব লোকে যদি অত্যে জানিতে রেন, ব্নিসন ভাঁহাদিগকে আহ্বান তেছেন, তাহা হইলে তাঁহারা নিঃস इहेग्रा विनि य मक्कान कारनन, कमिन অত্যে উপস্থিত হইয়া বলিতে প (तन। अन्। किमिनन निर्त्तांभ वि **इ**ङ्ट्य ।

ভারতবর্ষে অর্গমূদ্র। প্রচলনের প্রস্তাব।

ভারতথর্ষে সর্ণমুদ্রা প্রচলিত হ উচিত কিনা, এই প্ৰশ্ন পুনৰ্কার উ হ্রয়াছে। আমরা এতংসংক্রান্ত ধানি কুদ্ৰ পুস্তক প্ৰাণ্ড চইয়া লেখক যুক্তি দিয়া সপ্রমাণ করিয়াত এই মুদ্রা প্রচলিত করা অবশাকর্ত্ত व्याभदा कराक वदमताविध अहे मर পোৰকতা করিয়া আদিতেতি। স্বৰ্ণ मात धाजुनरका उरक्रे, देश रा वि ময়নাৰ্য্যে বিনিয়েশ্জিত হইতেছে এটা দামান্য বিহুদের বিষয় নং আমাদিগের দেশে স্বর্দ্ধা বরাবর ও লিত ছিল। ভারতবর্নীয়ের! '' অপ্পার্ অধিকমূল্য ভাবেরে সম্ধিক সমা করেন। দক্ষিণ ভারতবর্ষে সাহকারে স্বৰ্ণের চাপ মুদ্রা ৰলিয়া বাৰহার করেন। চারলদ উড এই মুদ্রা প্রচলিত করিব

নিষেধ করিয়া একটী মহাভ্রমে পরি

-376--

রাছিলেন। সুগ্রুছা প্রচলন করা বলিক্ ণর একার অভিপ্রেত। ইহাতে তাঁহা গ্র অনেক জবিধা **হইবে। নাধারনের** ে এটা শ্রেরস্কর হইতে পাবে। २८४१ (अ**श्वर्य स्वयोरक (**लाहकाट ানৰ থাকিবার অভ্যাস জনস্থ া আদিতেকে। ভাষেকের স্বাধান ্লবলমন করিবার ইভছ। জলিবারেছে। াব দে**শের ব**ংশিক্ষার্ক্সির স্থিত 'লাকা**র্যা,বও জ্বিধা** করিয়া দেওখা .ও ভাৰেশকে। রেপির মূল্রার দে বা করিয়া **দিতে পারে** না। নেটে ૩૮૭ অনেক উপকার **হইতে**ছে সন্দেহ ः किन्द दोभाग्रुष्टा उ लाटहेत प्रशः , পার এক প্রকার মুদ্র। থাকা আব

স্থায়ুদ্রাপ্রচলনের বিক্ত**দে সচ**রাচর आशांक कहा इहेग्रावाटक। अथन, ছলিয়াট একৰে স্বৰ্ণ প্ৰাধান আক্ষিয়। ाव महिन्द्र का स्मान्यत्र मान्या मन्त्र (का) मण्य है आहे। का श्रद के स्टार स्थान ীয়ুল: ও ভংপরিমণে সূব বেংখ; ত সংগ্ৰিৰে _হ ছিভী : সংগ্ৰ মূল मनरम् अक्षाकात थाएक ना । अर्ग क्षा कि कि कि कि इस अवर्ग (मार्क्टिक : भाराहरनात कांकि इहेरचा क्षाप्रम भ्यत विभाग्य भागातिम्द्रशत क*न्*रवा সংসুদা প্রচলিত না সালতেই িলসার সাহিত আকাংনয়ালে ৮ সেং ভাত বাণিজ্য ক্রডেডে লং বড়েড় **शतकारामद्रस्य देशलाऽ**ख्य हारा লিয়ার দহিত বাণিক্য চলি:ভচ্ছে এ দেশে বিস্তর অস্ত্রেলিয় গিনি লাগকে। এওলি মুদ্র বলিয়া ত হয়না। লোকে অন্য অন্য প্রেরের ন্যায় পিনি ক্রয় করিয়া। ন: ধদি এক বার মূল্য নিরূপিওচ মুলাঃ আপতি শণ্ডিত হইবে এবং বালে সহিত এ দেশের বাণিজ্য

প্রচরজ্ঞ প হইতে থাকিবে। ইউরোপে এক্ষণে বিস্তর স্বর্ণ আছে। প্রতিবৎসর তথায় এত স্বৰ্ণ যাইতেছে যে, চিম্বাদীৰ লোকেশ এই আশস্কা করেন যে অচি রকাল মধ্যে স্থাবি মুলা হাদ হইয়া পড়িবে। মূলোর পরিবর্তের বিদয়ে আমাদিকোর বক্তব্য এই, যদি মুদ্রা विश्वक्ष दर, डोटा इंडेटन बूटनात कृता ভিরেক কইবার সঞাবনা নাই। একণে क्षे करहरन **सर्**रात मृत्यायहिक के सा। স্চরাচর নোকে অক্সেকিয়ার গিনি ক্রন্ত করিয়া থাকেন। মধ্যে মধ্যে চীন হইতে বিস্তব্সৰণ আইসে। এই স্বৰ্গিনির খণে খণ বিশুদ্ধ। ইহার আমদানীকম হইংল গিনির মূল্য রুদ্ধি হয়, আরে আম দানী অধিক হউলে গিনির মূল্য কম হয়। যদি প্ৰস্তাবিত মুদা বিশুদ্ধ স্বৰ্ণে গ্ৰন্থত হয়, মূল্যেত এলপ মূল্যতিরেক হইবার मखादना थाकिट्द ना। यनि अनुसादन করিয়াদেখা যায় প্রতীয়নান ছইবে. বিদেশের রপ্তানির অপেকা গ্রহণ্ম ব্টের মাণুভার উপরে স্থ্যুদ্রাপ্রচলনের ফলাফল অধিক নির্ভির করিতেছে। একণে ণে সর্গ অলঙ্কাবের নিমিষ বিক্রীত হই তেছে, বিবেচনাপুন্ত্রক টাঁকিশাল জালা ইতে পারিলে লোকে ভারা মুদান্ধিত বরিবার নিমিত অপ্। করিবেন। তথ্য কি আৰ মূলোর সূমেতিরেক হইবার আশস্কা পানিবে ? মুদ্রা প্রস্তুত করাইতে হউলে টাকশালে যে মাসুল দিতে হয়, ভাহাতে কিছু রা**জোর বা**য় **নিবাহ হ**য় না। গবর্ণমেত্র যদি বিবেচনাপুর্বক এই মাজ্ল গ্রহণের নিয়ম করেন, তাহা হইলে মূল্য পরিবর্তের কোন আশক্ষা থাকিবে না। কর্ণেল মিথ ইংলত্তের ন্যায় বিনা বাবে এখানেও স্বর্দা গ্রন্ত করিবার প্রস্তাব করিয়াছেন। আমরা ইহাতে সমত নহি। তবে অধিক মাসুল লওয়া উচিত ছয় না। যাঁহার। মফস্বলে স্বর্দা প্রসন

নিবস্থান বাঁটার আশক্ষা করেন. দিপের দে ভয় অমুলক। ইংলতে রেরা দিলিও ও পেনির হিনাবে পায়; ভাছায়াকি স্বৰ্মুদ্ৰানিবন্ধন ভোগ করে 🤊

অতএব আমরা দর রিচাড লকে অনুরোধ করিতেছি, তিনি স্ব প্রচলিত করুন। ইহাতে কোন इडेटन ना नहर दिनक छ माथा বিলক্ষণ উপকার ছইবে।

中等市团更有 1 পরের পিডাকে পিডা বরি তুলা বিভ্রনা আর নাই। মানুনের প্রকার উপহাস ও ভ্রম আছে, তমধ্যে সর্বপ্রধান। লব কুশ রাম্ ভুমি পরের পুত্র দেখিয়া পিতা চাও ? "বলিয়া যে উপহাস করি: লেন, তাহা অসমত হয় নাই। সুরা उ वे अनुभगतीय वाचि प्लामिन ধাহাদিগের সানবস্বভাব এক ব বিকৃত হইয়া গিয়াছে, তাহাদিগের আর সমলেরই পুরোহপানন করি रेश्वा थारह ; किन्न प्रेश्वत गकरन মনেরেপ পূর্ণ করেন না। যাঁহা বিষয়ে একান্ত হতভাগা হন, ভাঁ " ঘোরে ছদের স্বাদ মিটাইবার " দত্তকগ্রহণ করিয়া আগিনাদিগকে রু म्बनाफ्टान करहन। किन्दु अप्री उ বিষম ভামা; ইহাতে সুখা স্বজ্ঞানা আন্তেই বিপরীত ঘটনা হয়। মিদর দে লোকের সংস্থার ছিল, যত দিন স থাকিবে, ভত দিন আত্মাও থাকিং এই নিমিত্ত ভাহারা নানাপ্রকার দ্ব্যদারা হত দেহ অবিকৃত ক রা**থিত। যদি অসুধাবন করি**য়া যায়, প্রভীয়মান হইবে, যেরূপ **ज्याहारा भन्नी**तत्रका कतिरल स রকার্য়না; সেইরূপ দত্তক্তাহণ

র**কা ও অপতঃসুথলাত হ**রু**না**! ব্যক্তি হত পিতা, পুতা অপবা র্কিত দেহ দর্শন করিয়া ভাঁহাদি জীবিত জ্ঞান করেন না; জীবিতা য় ঐসকল ব্যক্তির সহবাসে যে জ্যো, ভাহা কি কখন স্ভুদেছ খে রাখিলে জমিতে পারে ? প্রেড্রাত াশীল ও জ্ঞানী ব্যক্তিদিধের উহাতে হইয়াথাকে। দতকস্থলেও জ্ঞানী চমুশীল ব্যক্তিদিগের সেইপ্রকার । হয়। তাহার। যতবার ভাঁহাদিগকে া বলিয়া সংখাধন করে, তত কারই দিগের চক্ষে সংসারের অসারতা য়মান ও কউ অসুভূয়মান হয়। সর্বাদেশেই দত্তকগ্রহণের গ্রীতি , এখনও আছে।প্রাচীন কালের ও রোমকেরা দত্তকগ্রহণ করি-; একণে ও ইউরোপথতের ামেরিকার লোকেরা দত্তকগ্রহণ াখাকেন। কিন্তু ভারতবর্ষের করা সর্কাপেক্ষা ইহাতে সমধিক ক্ত । ইউরোপ ও আমেরিকার কে সম্পতিমাত দেওয়া হয় मञ्टकत्र विरमय खनना थाकिरन কে এছেণ করা হয় না। আ মাদিপের র দত্তকের ন্যায় ভত্তভা দত্তকেরা ক ''বাপ " বলে না। পুৰুৰ সম্বন্ধ রবর্ত্তিত থাকে। পকান্তরে আমা র দেশের দতকেরা নৃতন পিতার বেলিয়া প্রিগণিত হইয়াথাকে। ত্রজের গহিত তাহাদিগের বিশেষ থাকে না। জন্দাতার সম্পতির তাহাদিগের প্রাপ্য হয় না। aक्ता विद्वाना कहा कर्खवा, a গ্ৰহণ ুপ্ৰথাটা উৎকৃষ্ট কি না? হিন্তুদিশের সংকারছিল,মসুষ্ট হেণ করিলে পিতৃঋণ ঋষিঋণ ও । এই जिविध श्राप्त श्राप्तीन इन ।

অবিলেই পিতৃলোকের পিও

সংস্থান হয় এবং পিত। পিতৃৠণ হইতে মুক্ত হন। হিল্ফুশাগ্রকারের। পিও সংস্থানার্থ এমনি ব্যক্ত ছিলেন যে, ১৯র-নের অভাবে ক্ষেত্রক ও দত্তক পুরাদির वावच्या करिया यात्र। अक्राप्त निमानिम দে मংক্ষারের পরিবর্ত হইতেছে। অনে কের দে সংকার এক কালে অনুচিত চইয়াছে। যাঁহাদিদের সে সংস্কার নাই, তাঁহায়। আমার এ বিভ্যনা ভোগ করেন কেন ? প্রোচীন কালে হিন্দুরা ছানে ছানে অমণ করিতেন; এবং বিস্তর লোকে তপস্বী হইতেন। আ দিম লোকের অপেকা জয়কারীর সংখ্যা অনেক কম ছিল। এ অবস্থায় পুত্র প্রতি নিধি ব্যবস্থা না পাকিলে আর্যাজাতির লোপ হইত সন্দেহ নাই। এই নিমিত তদানীন্তন ব্যবস্থাপকেরা পুত্রোৎপাদনে ও পুত্রহাতিনিধিগ্রহণে সাতিশয় সমূহ সুক ছিলেন। এই কারণে মুনিগণও দার পরিগ্রহ হইতে অব্যাহতি পাইতেন নাএবং ব্যাদপ্রভৃতি ক্ষেত্রক পুরোহ পাদনে বিনিয়োজিত হইরাছিলেন। এই কারণে চাতৃহবর্ণা বিবাহ প্রচ লিভ ছিল। পশ্চাথ হিন্দুসংখ্যার যেমন র্দ্ধি হইতে লাগিল তেমনি চাতুর্বিণ বিবাহাদি নিবিত্র হইল ; ক্ষেত্র আবাদি পুত্রপ্রতিনিধিঞালণও অনা বশাক বলিয়া প্রভীয়মান হইল। এ যুক্তিতে একণে দতক্রছণের অণুমাত আবিশ্যকতা দেখা যাইতেছে না। যদি এরপ হইল এবং পিওলোপের শঙ্কা নারহিল; ভবে নিজের সম্ভান না থাকিলে क बन मन्नर्क्हीन वाक्तित शूद्धक পুত্ৰ বলিয়া ড; হাকে দম্পত্তি দেওয়াতে লাভ কি ? আমরা সচরাচর দেখিতে পাই, অনেকে দেহিত্র অথবা ভাতৃষ্পুত্র দিগকেও পরিত্যাগ করিয়া দতক্রছণ করিয়াথাকেন। এটা কি বুদ্ধিমানের কার্যা ও ইহার অপেকা কি নিকট

্আত্মীয়দিগের উপকার করিয়া ব ভাল নহে ? যদি নাম রাখিবার থাকে, ভাহা হইলে সমুদায় সং দেশের উপকারার্থ দিয়া গেলে কি হয়না? মহমদ মদিনের নাম কি व्हेशार्ड् ; ना कथन लूख व्हेर्द १ ८ ৰ্যক্তি দত্তক্দিগের মধ্যে যথার্থ ধর্ম ও উপযুক্ত লোক দেখিয়াছেন ? এক জন ব্যক্তিরেকে দত্তকমাত্রেই **জঘন্য লোক হয়। দত্তক্তাহীতা বস্ত্** ক্রিয়া যান, **ा ४२म** १३३ স্পাকালমধ্যে তাহা উড়াইয়া দিয় দরিদ্রশস্থান সেই দরিভাগস্থান পড়ে। ইহার কারণ সহজেই রুঝা তেহে। অভাস্ত দরিদ্রভিন্ন কেছ পুত্রকৈ বিক্রের করেন না। যে ব वर्षातार ज्ञाननात भूजरक विक्रश ভাহার জুলা নীচাশয় আগার কে আগ তাহার ঔরস পুত্র যে ভাল ৫ হইবে ভাহ। সম্ভাবিত নহে। ত भनी लारकताई मञक्यार्ग कर দ্রিদ্রস্থান সহসা অভুল ঐশ্ব অধিপতি হয়; সুতরাং তাহার বিবেচনা বিলুপ্ত হইয়াধায় এবং ব্যসনাগক হইয়া পড়ে ৷ যাঁহায় **দকল বুঝিতে পারেন এবং হিন্তু** আস্থা হইয়াছেন, তাঁচাদি সেচ্ছাপুৰ্বকৈ কি এ বিপদে পতিত বিধেয় পূ

विविधम १ नाम ।

५० हे रेख है (नामदात ।

अ (महानेत्र नेशूपात्र अध्युत्त्वे कि अका প্রয়াগস্থত লিখিয়াদেন, '' এলাছাবাদের ভুলি এমত কুংসিত ও অপরিকার, যে তা भनत्रकाक्षम करित्र हुन्। ताथ क्ष्म । मर्फ প্রণালী প্রায় কোন স্থানেই দে খতে পাও ना। शृह्युनित्रात् वाजी कहेट उ अभदिकात রালে নির্গ ৪ হ্**ট্**য়া গলিতেই পতিত হয়। চাং ভারেন। বিনির্গত জলরাশি প্র**গ্**ম সেই डे १८५, १८५ खनागाडी शहिशुर्य ্ এসমস্থ এব গালতে পতিত ইইয়া এক ্তৰ চন্দ্ৰ কৈ পে নাৰাছিত হয়। জন্ত আ · ৽৭য়:তে প্রায়লি একুপ ক্রিম্ম্য ও 🔞 া এ রূপ েগার্যর হয়, যে ভারতে 🕉 🕏 ०७नगरकात भीका कविद्यासारकः । ্রেচ সপ্রাচকাল আমুভ্রাজ্ঞারণ এক'য় 1.ঘ.ড়" এই শ[্]ৰ্বক দিয়া একটা এবলাৰ : :१८७८३। **३३१८३ अ**१९४४ छ। छि। নর একারতের ও চিকেৎসাএবার্নী এটু ভ িবেশয়ের উ**রেখ দৃষ্ট হ**র্জা এভংপারে চউপার **২ইবার সভাবনা।** আমানালের महार्थात काइटेडाइ, (लया अभार्थ १२८० धक्या न कुन प्रकार दिया काम करते । গাবের মুহত মিল্লানোরের **সকল** ।**ব্**বর্রেই ৭-১% ৭) প**িশ্র হয়। নগরের (ল**,ক **হ**ও)। েখনলোদেশার পায় ৷ কেন্তু পরীয়ামে পুষ্ৰার যো নাই। রপপুর দিক্সেকাশ য়াকেন, '' লোগের হ'চের নেকটবর্তী আম-এক জন মুধ্লমান ধংশানান, জপরাটে ₹ 위투기·비리] 로 최상5/주(의 및 o). ò "q; g; 및 +~ विक्रा के त्रांत्र भारतीक है। कि स्वर्ध के अभि আপন উৎপন্নর হল্পের প্র'র রোগালান রকাশপুর্ক ব্যান্রাপ সূত্রকামপের 5 क(४। এक शक्क काल आधा 5 हहें(ल জনে এই হত্যার সংবাদ ক্রানীগঞ্জের इंग्डालकेर्वा भवतास अकाम इंद्राप्त भाक्षता अस्म जानिता ग्रांकिक अञ्चन होते स्वाचिक्रेड्या क्षाने भौतास केलियाँ :१३९४ वर्गाः वर्गाः । वर्षाः वर्गाः वर्गाः । বিভি নিজকুত জানার স্বাকার কার-

বিটিটে পায় একটী করিয়া ছোট ছোট

লোম চা-কোপ্রানির প্রশান ভ্রাবার্য কর্মকর্ম গ্রাক্ত বঙ্গদেশীয় গ্রাক্তির নিকটে আক্রেপ নির্বাহ্য কর্মকর্ম গ্রাক্ত কর্মকর করে কর্মকর আভ্রাক্ত কর্মকর প্রাক্ত কর্মকর প্রাক্ত কর্মকর প্রাক্ত কর্মকর প্রাক্ত কর্মকর করে, পর লক্ষ প্রাক্তি কর্মকর প্রাক্ত কর্মকর ক্ষিয়াথাকের। লেপ্টন ট গ্রাক্ত কর্মকর ক্ষিয়াথাকের। লেপ্টন ট গ্রাক্ত ক্ষ্মকর ক্ষিয়ালের ক্ষিয়ালের স্বাহ্য আভীত হই ক্রেক্ত ক্ষমকর ক্ষমকর ক্ষিয়ালের ক্ষাক্তির ক্ষাক্ত করে ক্ষমকর ক্ষমকর ক্ষাক্তির ক্ষমকর লাভ্যাক্ত ক্ষমকর ক্যমকর ক্ষমকর ক

(4)

तर्गत कृष्णिमां छ अकाष्ट कारणाकः। जिनि विन त्राह्मनः '' गणि अ निषद्यत काना कामाना छ नानी म कि नाहे । कान्न छाहा कति अक प्रम निर्द्धांस अदल्ली स निष्ठ क कर्मा होत्स प्रम के कार्य अदल्ली स निष्ठ क कर्मा होत्स प्रम के के वा अस्मान विहास छ नामन श्रमा नीत के वात कुम्मान जिला कहा हहेश्वां छ ।

কিছ দিন হটল, মান্ত ভারতবর্ধক প্রধান কমিদনর প্রায়ার কবিয়াছিলেন আচিছিত বিচার পতিনিধার পদ উরিয়া গোলে কাছানিগকে ভাল পোষ্ট্রের নিমিন্ত কিছু কিছু টাকা দেওয়া কবিব। টিছাত কর্মচারিগণ স্থারণাে ইয়া পাপ্ত হলা গ্রার জেনাল এ প্রায়ার সম্মত হয়া, কেবল অচিছিত বিচারপতিনিধাের নাফ যাব নিয় অচিকিত কর্মচারীর প্রতি এই অনুগ্রহ কবিবার নিমিন্ত প্রেটিস্কেটারিকে অনুবােণ ক্রিয়াছেন । সর জন ল্রেপের এ প্রস্তাহিষ্

চীন ভইটে সংখ্যতি 🖙 ভান মুসলমান কলি কাতার আ স্থাড়েম: ইছারা মহার যাইজে তেছেন। উলোপ চীন হইছে বধাৰৰ ভাষা পথে व्यात्रियारबन । उँकारा बरलय, हीस क्ट्रेस्ड उक्क দেশে আসিবাৰ চুলী পথ আছে। একটি কতক পবিকৃত, কিছু সে পথে বিস্তেদ দয়ে। क्षिकेश अब छाट्या इकेटा चामिसाहर । अनिरंग আ মিতে ২ইলে বড় বড় পাইতে উভীৰ্ ইইয়া হ নিবেছৰন দিয়া আমাসকে হয়। এত উচ্চ পদাস আটো থে, পাচর চ্ড়াতে উঠিতে इन्हे जिनम ल'रल ! विन क्हेर्ड मीकावे আইবেন, পাহারা সংক্রাধিক লোকে চল্বন্ধ इडेश्रा छ। डेर्भन। প्रशासना अस्य छ[े] शाङ्क्रत ভয় ৷ এই অনুপ্রারীয়া করেখন কুর্মনকে দশন কৰেন নাই। হছারা চীন, কিছু চীনভাষা बाह्यस्य सा । ब्याहित हेर्ड हिरात खाला , किन्नु क्रिकारणय निकास । (जन्नांधारा जीकाता बहुमानाक ভাষ প্রকাশ ক্ষেত্র। কয়েক লাভান্দী হটল ৩০০ অধ্যব চীনে আসিয়া বাস করেন। ইছাঁরা সেই বংশে:ভব বোপ ২ইটেছে।

আগানী সপ্তাহে ডেপুটা মাজিটোটা পদ প্রাথীনিগার পরীক্ষা ইইবে। এক দল্ পরীক্ষক নিযুক্ত ইইয়াছেন। গার বি, চাপনান সাহেব সভাপতি এবং বারু কুক্নোহন ব্যালাধারায় সপোদক ইইয়াছেন। পরীক্ষা যে নিয়মে ইইবে, ভাহাতে পরীক্ষাগ্রহণ করা আর না করা সমান।

চছিলেন, উংহার বৈগলিয়াত চাহা হই আনবা ডেলিনিউস পাঠ করিয়া বিলিয়ত তত্ত্বব্যারটোর শতের এচাংশে সাধা হইলাম, কলিকাভার পুলিষের ডেপুদী কমিসনর মেজর এহাম আজ্ঞা দিরাছেন, রাজ দক্ষিণ বিভ'গের এদেশীয়েরা কোন বাদ্যাদন করিয়া সম্বৈত হইয়া যাইতে বেননা ডেপুটা কমিসনরকৈ এ নিবেধ ব ক্ষাতা ক দিলেন?

িপু ইতৈ বিণী বলেন " অবিত্য বিন্ধান কুলের সংগ্রাগার্থ গ্রহণ বৈত্যে এ মঞ্চ ক্রিয়াহেন। ৮০ টাকা বেত্যে এ মিটোস্ ও ১০ টাকা বেত্যে ওজন (এবং ৫০ টাকা বেত্যে এক জন ইঞ্জি (১৫ টাকা পান্ধী ভাড়া) শিক্ষালী হইবে।

চাকাপ্রকাশ লিন্মিয়াছেন—ে' জামা মাজিকেট সাহেব সম্প্রতি এই আদেশ করিয়াছেল যে, যাহার বাড়ীতে যত বে জন্ম ও মৃত্যু, হইবে, ভারাকে ভারা লো দতে হইবে। এতংশক্রান্ত বহি লাল মেটলোড হন্ পিটলে এবং মিউমিসিপার টিভে থাকিবে। এপর্যন্তে এভংসমূরে আইন প্রচারিত হয় নাই। মাজিটেট অ'পনা হইতে এই আ দেশ প্রচার করিয়া এক্ষণে জিজ্ঞান। এই, লোকেরা যাদ স্ক্র অমান। করে, ভিনি কোন আইনেব ধারামতে ভারানিগোর দওবিধান করিবে

১৪ **डे टे**कार्ट सक्र नवार ।

অইলবাদার ভালুকদার বুদ্ধবস্থাক হ হাজিকে ১০০০০ টাকে ব্যয় করিয়া হয় প্রথান্ত বিশুর নিরম্ন লোককে আহার দেও ১ইটসেট্রেটারি ভাঁছাকে ধনবাদ দিয়া গাল্ডাঞ্জ গ্রন্থিট ভাঁছাকে পুরস্কার এক জোড়া বালা দিয়াছেন

বসংশিয় গ্রথমেন্ট মন্ত্রণ আলা আনলাদিগের বেডনর্ছ করিবাব যে ব করেন, গ্রথর সেনরল ভাগ নিজে আহা টেট সেক্টেরির স্থান্তব জন। প্রেরণ ব রেন। অপাত্র জঞ্জদিগের সেনেস্থানারগণ ক্টেটিনিগের সেরেস্থানারদিগের ন্যায় পাইবেন। গ্রেপর জেনরল বলিয়াছেন, ই জনেক ব্যের্ছি হইবেও কিছে র্ছ করা বি আবশ্যক বলিয়া খীকার করিয়াছেন। ব স্বিচার জন্মে চাই, এটা জন্যাপি জন্ম হ্রিয়ার জন্মে চাই, এটা জন্যাপি জন্ম হ্রিয়ার হয় নাই।

কলিকাভা গেছেটে মফসলের ইউর কর্মচারীনিগার বাসস্থানসংক্রান্ত চুইখারি প্রকাশিত হইয়াছে। লোহারডগার পুলিষ রিটেডেউ আর, ডবলিউ, কিও গাহেব স ফপ কংনে, কাহার বাসখান নাই ৷ ভে**পুটি** াসনর নিজের যাটীজে স্থান মা দিলে ভাঁহাকে ঠির মণ্যে তাঁবুর ভিতরে নীকা ও বর্ধ। অবতি ত করিতে হহত। অভএব ভিনিএক বাসী ম'বার্প ৪২০০ টাকা চাহেন। এই টাক। শঃ বেতন হইতে কর্তন করিয়া দেওয়া গাঁহার ধনা। লেপ্টন-ট পৰৰ্ণৱেব অস্থ্যোধ**্মণা**ৱে রি ধেনরল এ প্রস্থাবে সম্বত্ইইয়াছেন। মলের যে যে স্থানে ইউরোপীর কম্মচারীদি थाकितात छेन्। क वाजि माहे, मधारम वाजि মি:েএর টাকা দিয়া ক্রমশ: ভ'হা কাটিয়া ঃ মুং বে কিন্তু সাবধান, যেন এক শ্রের বেভনের অধিক না দেওয়া হয়; নচেৎ नक गाका ज्विरत। देन निक व्यक्तित्रहारशत (ড জন; জন্য ইউরেপীয় কর্মচারীর ভুলনা a1 1

য়ু প্রশংসনীয়রপ শাসনকাষ্য করিতেছেন। নি নামা ভান দশন করিছেছেন। সংগ্রিভ গ্রার গ্রমন করিয়া এড দেশীয় বিস্তর ভাছ কের মহিত সাক্ষাৎ করেন। কেল, বিদ্যা প্রভূতিও দশন করা হয়। তিনি উত্তর পশ্চি ংলে সামাম, সংখান, পদ চইতে ক্রমে :লওট লবৰ্বের পদুপাইয়াছেৰ ৷ এজেদেশীয় গ্র মধ্যে অনেকে উছোর পরিচিত লোক। ংর:সকলেই ভাঁহার উর্ভিলাভে আঞ্চাদ ংশু করিছেডে≱ন। আংমাদিগের ই≒ছা এই নে শংসনকই। নিয়ুমবহির্ভ প্রদেশের শাসন । हर्जन (बार्ज की साम । (म. (ब्रार्ज (जार्ज পাততঃ যুশসী চইতে পারিবেন বটে + কিন্তু र्य कृत अक्षिप्रा याहेरत ।

সর উইলিম মুর সর রিচাড টেম্পলের

मिक्षीरगड्डो वर्तम. अवात आगतार्ड महत ঃ সময়ে **স্থা**রিদি**গেব সহিত** সিয়াদিগের চ্যত্ত বিবাদ ১ইখু'ছে। পুলিষকশমচারীর। ্ডিভ হওয়াতে লাজা হইছে পারে নাই। ন্নরাসিয়াদিগকে বিজ্ঞাকরিবার অভিপ্রায়ে খোনি (গীয়ারা করিয়া ভাহাদান করিয়া ल। करप्रकडान **नि**क्षा टेम**निक हे**हार्ड ামান জ্ঞান করিয়া নালীশ করিয়াছে। াবেও এইপ্রকার গোসবোগ হইয়াছে। রবালার দিবসে হিন্দুরা আমোদ করাতে পিক সক্ষয় করিয়াছেন, ভবিষ্টে মুদলমান গর শোকের দিবসে হিস্কুদিগকে আমোদ রুত্ত দিবেন না। নিয়ুমবহিছুত প্রদেশের ष विष्ठांद्रहे अहे अभ वर्षे !

পঞ্চাব রেল ওয়ের প্রতিনিধি এক্ষেণ্ট হারিসন

नारहर सक्यलाहरहेत नारम प्राप्ति । नालीण कृति । तुन्ति हरेग्ना नागिर उड़ित्सन, (महे नगरम का রাছেন। তিনি, ডাক্ষর লিটনার ও লেপেন ইইতে পড়িয়া সংখাতিক আঘাত আগু হটা जिकिन मारहत लरकोगे हिमरमत गारम जिल्लाह আর এক নালীন করিয়াছেন। আলু আরু না গড়ায় এই আমাদিগের ইক্ষা

य जीरनाकों नडीइबारमत करम कानतात निकट्ट दिल छए। न कड़े हहेए ड लक्क भिद्रा পछिछ হন, কাহার মৃত্যু হইর'ছে। সফবলাইটের এক लम সংবাদনাতা বলেন, তিন জন ইউরোপীয় ঐ শকটে বাইডেছিল। ইক্দিলের মধ্যে হরণ নামক এক ব্যক্তি শকটের খড়খড়ি খুলিডে যায়। জীলোকটীর সহিত এক জন বৃদ্ধ ছিলেন। হরন বাইতেহে এখন সময়ে তিনি হস্তদারা ইন্সিত করাতে জীলোকটী শকট হইতে লক্ষ দিয়া পজ্লেন। इत्र ब्रह्मक श्रहात कावता खीरना কটার গাত্র স্পর্ণ কবে নাই। স্ত্রীলোকটি পত্তিত •ইলে সেবলিল ' পরমেশা ! ও যেওখানে ছিল ভাগ আমি দেখিতে পাইনাই।" এ*ব্*য ক্তিকে সেমিয়নে সমর্থণ করা হইরাছে। মফক লাইটের প্রপ্রেরক বেশ ধরতা ধরিয়াছেন, এটা জুরের বিচারের অন্তুল সন্দেহ নাই।

৯ই বৈজ্ঞেব চ জাকাতে বর্তমান গ্রেণ্র জেনরলের খুষ্টীয় ধর্মে অপবংশ্লের এক প্রতি বাদ ইইয়াছে। উক্তপতা যথাৰ বলিয়াছেন, ''ধর্মেবিষয়ে অক্সভরিতা'কেবল লোকের মান সিক অন্নীদার্যেরে ফল । নচেৎ উদারশ্বভাব ব্যক্তির নিকটে কি খৃষ্ট্রপর্ম, কি হিন্দুর্থর্ম সকলই যমান। ^{*} বিনি যা ব্লুন, সর জন লরে**স** াবিভেচেন, কয়েক বংসরের পর সমুদায় अत्यक्त भूमीशाम स्हेश्ना देशक प्राह्म विकास ণরিয়া দিবেন। ডেলহাউসিও রাজনীতিসহতে এইরূপ আশা করিয়াছিলেন।

উজ্ঞাত্ত কলিকাভার ক্র'ড়িদিগের ধ্রুতার আর এক উদাহরণ প্রদাশত হইয়াছে। রাজিতে দোকানে বড় হুৱা বিক্রয় হইডেছে না। গভ দিন পুলিষ কমিদনৱের ভূতন অনুয়াগ থাকিবে ভত দিন এ কাৰ্য্য কভক বন্ধ থাকিবে। কিন্তু ভাঁহারাকি ক্তিপ্রক্ষইতেছে? তাহা নহে। এখন 'ব্ৰুরিবোল » বন্ধ হইয়া ''বেলফুল স भक्त स्टॅटिंट अवर (महे स्ट्रांश स्त्रा विक्रम হইতে আরম্ভ হইরাছে।

সম্রতি কলাবাগানের দীঘীর নিকটে এক ব্যক্তি ভাধার উপপন্ধীর সহিত হত হইয়াছে। कान बाक्कि फेक्टा इस्टेक केटब्हरन करिया वस कतियादः । रक्षकातः मन्नदित तक्षकी छी ,

ছেন। এক জনের ছন্দ্রার নিমিত্ত কভ জনে প্ৰাণ যাইডেছে !

এक्टफ्लीध्र द्राङ्गनभृत्वत् भत्तः कळ इ আছে, ভারতব্ধীয় গ্রন্থেণ্ট ডাঙ্গ জানিব অবভিগাৰ করিয়াছেন। প্রত্যেক ছুর্গকে দ্বিভ গোয়ালিয়র করা কি সর জন লরেকের আ (RA.26 5 গুজরাটনিত্র গুইকুমাধের অভ্যাচারের অ

এক পুরুষ্ঠান্তপ্রদর্শন করিয়ারেন। রাজার টাব অভাব হওয়াতে বলিক ও সাহকারদিলের মিব ७ होका ऋष्ट कर्ष्क हारहमा उँहिन्द्र दर् ভাঁছারা আপনারা৮ টাকার কম টাকা ক পান না। (স কথা শুনা হইল ম:। রাজার ম ভাউ निकाश (को अपाइटक होका व्यक्तिसत्र उ मिर्**लन । क्षोबनात धनी वास्किमिश**रक आह्य করিতে লাগিলেন এবং আগত ব্যক্তিদিং কাহার কাহার বা **भू**र द्वेत কাহার বাটার জীলোকের প্রতি ব্যক্তিচারদোষারে করিয়া বলিতে আয়ম্ভ করিলেন, টাকা না দি ভোষাদিগকে জেলে দেওয়া হইবে। সন্মানে ভয়ে অনেকে টাকা দিভেচেন। ১০০ টাব টাক भीटह श्रीख इब्र ना. डेफ दिनाब ८० এই রাজকুমার কি উন্নত হইয়াছেন ?

২০ এ মে সিমলাজে ভারতবরীয় ব্যবস্থাপ সভাব অংগিবেশন হয়। ঐ দিবস বোধ ব্যাক্ষের ক্ষতির কারণ অস্বেষ্টের বিল বিধিৰ ষ্ট্রাছে। সর চারলস জাক্র > (মজর মাক লিং ও মেলবিল সাহেব কমিপমর হইয়াছেন। व्यक्तित्व धर्म काम वर्गास्कृत काछ इहेगाएक, যদি ইউরোপীয় ধ্যু, কমিসনরগণ কি ভাষ দোষ সগুমাৰ কড়িতে সাহসী হইবেন ?

দেও অব ইভিয়া বলেন, জৰ্জ্জ স্মিধ সাং এডেনবর, বিশ্ববিদ্যালয়ের নিকটে এল, এ ডি, উপাধি পাইয়াছেন। এ বার বাণু পণ্ডি হইরা আসিতেছেন ; কাছার মাথা যায় ব

३৫ हे टेका ई बुनवात ।

গতকল্য রাজনীকে অভিনদন প্রদান ক বার নিমিত্ত গৌনহালে সভা হইয়াছিল। য রীতি প্রস্তাহইয়া অভিনশন স্থি कुछ रहेग्राह्म । माल्याद्याद्र (लाटकता अञ्चल করিয়াছেন; চাব অভিনশন প্রদান লোকেরা ইহা করিতে গুল্ক হইয়াছেন।

পিয়নিরর বলেন, অযোধ্যার রাজার নি স্বামীর হত্যাসংবাদ আবণ করিয়া যেমন শশ । স্থিত গ্রণর জেনরলের এড্ছন্ট লেপ্টন্ট কঃ ারবাট বোগদাদের পোলিটিকাল এজেণ্ট হ্ই– াছেন।

উক্ত পত্র বলেন, সম্প্রতি দার্জিনিঙের মটানাসপালিটি ক্ষীয়ার অব্বি দার্জিনিও বাঁতে একটা শাস্ট্রমনোপ্রােমী রাজা কর বে অসুমতি চাহেন; কিন্তু গ্রেপ্রেন্ট ভাহ'তে বিশ্বত ইয়াহেন। মিউনিসিপালিটির টাকাতে লিষ্ব;ভীত আর কাহারও অধিকার নাই।

উক্ত পত্র আবন করিয়াছেন, ভারতবর্ষীয় লেওয়ের বৃদ্ধেন, উভারপশ্চিমাঞ্চল ও নালে রবিভাগের নিমিভ পূথক পৃথক ইঞ্চিনিয়রের বিবর্জে সমুদায় রাজ্ঞার ভ্রাবধারণ করিবার না এক জন প্রধান ইঞ্চিনিয়র ২ইবেন। এটা ওয়া প্রার্থনীয়া স্থিক চিকিৎসক ও অধিক কান্যুর অনিজ্ঞিত জনিষ্ঠের হেডু।

বেংঘাইগেজেট এক গোপনীয় প্রদার।
বৈগত হইয়াছেন, সর রবার্ট নেশিয়র আবিসি
য়েংতে গুদ্ধার্থী দৈনঃদিগকে ভাতা না দিবার
ব্রোব করিয়াছেন। তিনি বলেন, এ যুদ্ধের
য়ে ইংলগুকে দিতে হইবে। এমন স্থলে ভাতা
হল অনুচিত। কিন্তু দৈনগেণ যে বিরক্ত হইবে
বার্র কি স্থির করা হইল ? ভারতবর্ষের স্বার্থের
নিমিত যুদ্ধ হইলে ভাতা দেওয়া হইত, ইংল
গুর বেলা বলিয়া হইবে না। গবর্ণমেন্টের
রম শক্রের রাজ্ঞী ও জাঁহার ভারতবর্ষীয়ে
জোদিগের মধ্যে কি এশকার প্রভেদ করিতে
ব্রেন ?

পতিপুত্রহীনা পুত্রবধু শ্বশুরের উপরে কড

র দাওয়া করিতে পারেন, তদ্ঘটিত একটা মক ষোহইয়াগিয়াছে। কেব্ৰেমণি দাসী অবতি অংল য়দে বিধব। হন। ভিনি এপর্যাক্ত পিক্রালয়ে হিরাছেন। সম্প্রতি ভাঁহার স্বপ্তর কাশীনাথ াদের নামে ভরণপোষণের নিমিত্ত নালীশ ট্রন। ২৪ পরগণার জ্বজ উচ্চাকে ২৫ টাকা ধারাকি দিবার আহাতঃ দেন। কাশীনাথ দাস থা**পীল করাতে চারি জন** বিচারপতি · বিচার দরেন। বিচাপতি লক ও কেম্প বলিয়াছেন, ক্রেবধুকৈ ভরণপোষণ করা শ্বশুরের কর্ত্তর। চবে পুত্রবধ্র ঋণ্ডবের অংমতে পিতালয়ে াকা অনুচিত। খণ্ডর যদি কুব্যবহার করেন, াবে ভিনি পৃথক ভারণ পোষ্ধের নিমিন্ত নালীশ ্রিতে পারেন। কিন্ত প্রধান বিচারপাত বলি াচেন, সামী অপেকা স্ত্রীর অধিক বস্থ নাই। ন্দীনাথ দাগ নিজে উপার্ক্তন করিয়া সম্পত্তি ছিয়াছেন। এ নিমিতু তিনি আপন পুত্ৰকে না

লৈও **উক্ত পুত্র** নালীশ করিতে পারেন নাঃ

স্থাপ্ ভাঁহার বিধবাং জী কিপ্রকারে, নালীল

করিতে পারেন ? যাদ তাঁহার আমীর পিডামহ দত্ত কোন সম্পত্তি থাকিত এবং শশুর যদি কুবা বহার করিতেন, ভাহা হইলে অবশ্যই নালীশ চলিও। সর বার্ণেস পিকক ষথার্থই বলিয়াছেন, হিন্দুলাল্লে অনেকগুলি কর্তব্য কর্ম আছে; কিছ ভাহার কতগুলি ধর্মনীতিসংক্রাস্তঃ কতগুল না করিলে আলাল্ভ হস্তক্ষেপণ করিবেন। পুত্রবশুকে প্রতিপালন করা ধর্মনীতিসভতঃ কিছ না করিলে রাজা বাধিত করিতে পারেন না। বিচারপতি মাক্লাস নের এই মত হওয়াতে অধীর নালীশ ভারাহ; হইয়াছে।

বোষাইয়ের যাবভীয় জেলা, নগর ও পলী বামের এক ইভিহাস প্রকাশিত হইবে। ভরি মিন্ত গবর্গমেন্ট ১২০০০ টাকা বায় করিছে সন্মত হইয়াছেন। এপর্যান্ত এক জন সম্পাদক স্থির করা হয় নাই। একখানি গেজেটিয়র করা সংজ্ঞানহৈ এবং ১২০০০ টাকায় সে কাজ হয়না।

১% हे टेक्कर हे ब्रह्म्प्ये कि वात l

অকসংকাডের অন্তর্গত বেদনোস কালে জের জেন পিকফোড সাহেব ৫০০ টাকা বেডনে মাপ্রেটের প্রেসিডের প্রিসিডের কালেকের সংক্তের অধ্যাপক ইয়াডেন। এটা সর স্থাফোডের নিজে নিয়োগ। এ দেশে কি সংক্তের নাই ? রাজ্ঞ পুরুষদিগের আমাদিগের প্রতি যে মমতা নাই. এইসকল কার্যানারা তাহা বিলক্ষণ প্রমাণ হই তেছে। "ডর্মা কেট্র" প্রভৃতি উক্কারণ শুনিয়া ছাজ্রদিগের যে হরিভ জি উ ভিয়া যাইবে, সর স্থাফোড নর্গকোট ভাহার কি ক্রিবেন?

ইণ্ডিয়ান প্রবিদ্ধ প্রপিনিয়ন বলেন, সম্প্র ভি গিজনির নিকটে যে যুদ্ধ হয়, ভাহাতে উভয় দলের অনেক সন্ধার হত হইয়াছেন। আজিম খা,র দৈন,গণ গিজনি কইতে দুরীভূত হইয়া। দৈয়াদাবাদে পালায়ন করিয়াছে। উজ স্থার বণিকদিপের নিকটে বলপুর্সক পুনর্সার ২০০০ টাকা লইয়াছেন। মম নিয়ার আমীর দিয়ারআলির সহিত যুদ্ধ করিবাব ভান করিয়া আবছল রহমনকে ধাহার সাহায্যার্থ আহ্বান করেন। আবছল রহমন উজ্জ আমীরের নিকটে গমন করিয়াছিলেন। উপস্থিত হইবামাত্র ঐ বিশ্বাস্থাতক উহোকে বন্দীভূত করিয়া সিয়ার আলির নিকটে প্রেরণ করিয়াছেন। আবছল রহ্মনের কারারোগ কাবুলের ছ্রাগ্রের ক্তু

বোরাইয়ের বশিক কোয়াসজি ভাষ্টালর লও নত্ব কেনসিওটন উদ।ানে একটা কোয়ারা করিয়া দিক্ষে। এই এক বাভিক। ইংগতে কি ইংল তের লাভ বোধ হইবে ? ভারতবর্ষে বি ব্যয় করিবার পদার্থ নাই ?

A COMMENT OF THE PARTY OF THE P

কান্দীরের রাজ। পুনর্দার বিলাডী উপরে শুল্ক কমাইয়াছেন।

রাজা থিওডোরের পুত্রকে নোষাইট করা কইভেড়ে। ভত্রভা ডাক্তর উইলসন কে শিকা দিবেন। উহঁকে ইংলভে পা ভাল হহত। এই রাজকুমাধের ভারণ পে বিদ্যালকার বায় ইংলভ দিবেন ? না ব

ডেল্নিউস রেওয়ার শাসনপ্রালী করিয়া লি খিয়াছেন, রাজা নিজেম্ব স ও হিন্দিতে বিশেষ পারদর্শী । তি নি কি। हेर्द्राक्षीत कार्तन । किश्व अव ११न भागन বড় মনোযোগ দিতেন না। উচ্চার त्रमग्र**े जार**नाम अभागतः ८० अ. डेवाहिड এক জন আক্ষণ ভাঁহার দেওয়ান। এব্যস্থি মুখ যে মাম কাকর করিতেও কষ্ট করেন। রাজার অন্য অন্য কর্মচাধীও ছ ও অসং ৷ জ্রেমশঃ লোকের কণ্ঠ ছওয়াতে হরবাণী লাল ও বাবু ভোলানাথ বাই দেওয়ানকে পদচুত করিয়া রাজা দিং য়ের হত্তে শাসনভার সমর্পণ করিবার প দেন। কর্ণেল মিড ইতিপুর্ফোরেওয়ার। রিপোট করিয়াছিলেন, ভাহাতে देहरुमा इहेम्राहिल। এই नकल कार्रा काशास्त्र किছू ना व लिया এक मियत इंटाए হারাদে গমন করেন। তথায় শাসনঃ পরিবর্টের পরামর্শ হয়। দেওয়ান ও অপুচরগণ রাজাকে ফিরাইয়া আনিবার (हर्द्व) भाग, किन्न कुछकार्य। इहेटल भारतन রাক্রা দিনকররাও আঘাচ মাসে শাস अञ्चल क्रिटिन। भवर्गः मन्त्रे हेर्ग्ट अभाव ছেন। রাজার সুমতিদর্শনে সকলেই সভ

বেন সম্পেহ নাই।

বোধাইয়ের নেটিব ওপিনিয়ন পত্রের ছুড সম্পাদক নারায়ণ মহাদেব কচেব প্রধান রপতি হইয়াছেন। এপ্রকার নিয়োগ অভি স্থাকর। মহারাজ সিক্ষিয়া কবে সেকেলে মহারাটী রাদিগের হস্ত হইতে রক্ষা পাই

১৮ই জৈঠে শুক্রবার।
বড়াঃ মিউনিসিপালিট কলিকাভার জন্টির
র পদরীতে পদাপন করিয়াছেন। লোকের
নতশোষণ করিয়া কর আদায় করা হই
। মিউমিসিপালিটির কর্মচারিগণও পার্ননী
ত ক্রাটি করেন নাং কিছু সেই সেকেলে
।, পচা পুক্রিণী ও ময়লা রহিয়াছে। তথা
অনেক লোকে এ নিমিত আক্রেপ করিন
না এ আক্রেপ বিকল। মিউনিসিপালিটির
চিরি সর্বাহই হইতেছে। লোকে টাকা
চিরে সর্বাহই হইতেছে। লোকে টাকা
চিরে সর্বাহই হইতেছে। লোকে টাকা
চিনে বটেং কিছু সে সমুপায় উভিন্ন। ঘাই
হ। গ্রাক্রেণ্ড ভারিতেহেন, এটি মহ
ত ম্পারণে চেঠানা করিলে এ অভ্যাচার
হ বালা পাইবার আর উপায় নাই।

াব্ ছগানাবারণ সাধা শিকাকারের যে

০০ টাকা দান করেন, জনিমিত চুচুড়ার
করা গত শনবার তাহাকে এক ভোজ গেন। আফাদিনের উপযুক্ত ভিরেটর এপ গুনাবাদও দিলেন না!!!

াল্যা মধেং প্রকিয়াছিলাম, ডিরেটর আট ন সংক্ষেত্র বিজ্ঞানের শিক্ষকদিলের (আংগী: ও বেতনর্জি করিবার চেষ্টায় আছেন স স্পুত্রমার ইইল। একংগ্রেক্দেশের ফলিপের কভবা, ভাহাবা স্টেট্সেক্<mark>টারির</mark> ট আবেদন করেন। বোধাইয়ের ভিরেটর ালেক সাঞ্চার আন্টের প্রস্তাবে সর স্থাকো ধ্বেধ্বের অপ্রয়োদনক্রমে ভন্তত। শিক্ষক ে জেনিবভাগ ধ্ইয়া বেতনর্দ্ধি হ্ইতে । (करता पाडिकिनाम शाहरू से रक्टन-। শিক্ষাকার্য্যের উপ্পতির বিপক্ষ এক্সপ নতে, ন ভা≀তব্যীয় গ্ৰৰ্থেটিও অনু∓িত্তকটো ণ গু^{ন্টি} পুরক আন্তেন। ভূমির কর করি ঘ্রেণির শিক্ষাদান আড এই স্বর্থেমন্টের िंड माहादेशार्छ। वक्षरमनीय शवर्गस्य हे জন প্ৰ4মেণ্টের ধামা ধাইয়া চ**লিবেন** ; ও বেশ বুঝা যাইতেছে। শিক্ষকগণকে দিগের উর্লত স্বয়ং করিতে হইবে। এই বোষাইয়ের নজিব রহিয়াজে 🕫 চেষ্টা

' কৃতকাৰ্য্য হইবার সঞ্চাবনা আনুছে।

বা আক্ষন সাহেংবের বিচারের এক অংশ্চর্যা

শেন করিতেছি। যখন জা**হাজের কাপ্তে**

त्वता नार्विकितिशत नारम नामाना जनवारधत । নালীশ করেন, তখন তিনি ঐ দরিমদিগের ৫। ৭।১০ দিনের বেভন কর্তন করিয়া কারাবাদের আতাদেন। কিন্তু যখন নাবিকেরা জাহাজের व्यक्तिनविभएशत नाटम मानीम करतमे, **उसम नाम** মাত্র দণ্ড হয়। বুধবার থিকারায়ল জাহাজের ক্ষেক্রন নাবিক কাজ করিতে অনসমত হও য়াতে ভাহাদিগের দশ দিনের বেতন অরিমানা ও তিন সপ্তাহ মিয়াল হয়। গত কলা গারটুড জাহাজের পাচক অধ্যক্ত নামে প্রচার ও গালির নালিশ করাজে মা গুটেট উন্হার ২ ছুই धाका कविमाना कवित्तन । शक्रक्तभीत **अशो** ख ইউবোপীয় প্রভার্থীর বেলাও এই বন্দোবল रशः आणान नारहर भावीतिक प्रश्वनास्त्र विल ক্ষণ ভংপুর; কিন্তু এপর্য্যস্ত এক জ্বন ইউরো পীয় চোরের প্রতি এ দণ্ড প্রদান করিলেন না !!! ১৯ জ্যৈ প্ৰবার।

প্রেলিউসের এক জন প্রপ্রেরক থলেন,
এ বার ডেপুটি মাজিটেটটি দিগের পরীক্ষার প্রশা
চুরি হইয়াছে। এক জন পরীক্ষার্থীর নিকটে
বাবজীয় প্রবেষর উত্তর ধরা পজিয়াছে। একজ্ঞ চোরের নাম গেজেটে প্রকাশিত করিয়া তাঁহাদিগকে গবর্ণমেন্টের কার্য্য হইতে এক কালে
বিক্তৃত করা উচিত। কি প্রকারে প্রশা
চুরি যায় ? কোন বিশেষ ব্যক্তিকে এ জন্য দারী
না করিলে এ বালাই দূর হইবে না।

বোজ ভৌগের হত্যাঘটিত কাগজ পত্র আছ বিকেট জেনরলের নিকটে প্রেরণ করাতে তিনি বলিয়াছেন, এপর্যান্ত মাধবচন্দ্র দত্তকে ক্রিয়নে সমর্পণ করা কোন ক্রমেই বিশেষ নতে। গ্রব্দেটের আটর্বি রাবাটন সাহেব জরিমিত ২২ এ জুন পর্যান্ত মকলমা স্থান্ত রাখিবার প্রার্থনা করিয়া বলেন, ক্রেদিকে জানীনে মুক্ত করিলে জিনি কোন জাগতি করিবেন না। সাধ বচন্দ্র দত্তকে জানীনে মুক্ত করা হইয়াছে। এই মকল্মায় পুলিষ ও মাজিকেট র্বাটন সাহেব অথোগাতা প্রদর্শন করিয়াছেন। ভাঁহারা রোগীকে ছাড়িয়া কর্মল লইয়া টানাটানি করিতেছেন।

টাইনস অব ইতিয়ার অবিসিনিয়াছিত সংবা দদাতা বলেন, থিয়োডোরের পুদ্র ও তাহার এক জী বোষাইয়ে আসিতেকেন। থিওডো রের প্রিয়তনা পত্রী পিরালয়ে গমন করিয়াছেন। যিন বোষাইয়ে আসিতেকেন, তিনি প্রথম জী। ইনি এক্ষণে ব্রিটেশ শিবিরে পীজিত আছেন। এ দেশের গুলি ও চপুখোরদিগকে দেখিলেই বোধ হয়, এমন হতভাগ্য লোক পৃথি
ভার নাই। লওনে এক জন চীন এক
দোকান করিয়াছে। এখানে চীন, ভ
বীয় ও কতগুলি নিমু প্রেণির ইংরাজ ভ
নের ধুম পান করে। অল পরসায় চও
ভারাক নেশা হয়, ভারাতে লওনের ও
এক বার ইহার আন্যাদন পাইলে আর
করিতে পারিবে না: অহিফেনের নেশার
মোহনী শক্তি আছে ট্রাতে পাই জনি
ভেছে তথাপি নেশাখোরেরা ইহা ভ্যাগ ব
পারে না। ডিকুইগের নায়ে মহৎ লো
অহিফেন খাইয়া কহিয়াছেন ' এক পে
এপ্রকার মর্গের স্থুগ আর কিছুতেই হয়
ইংরাজেরা এই বেলা সাবধান হউন।

নিম্লিখিত মূল্যে গ্ৰণ্ডেটের ব বিক্রীত হইতেছে:—

| a stanta Gand | |
|------------------|------------------|
| ৪ টাকার সিকা | ふ ?∥√─あぇ! |
| ৪ * কোম্পানির | გა!• — გ |
| ৫ শপ্রলিকওয়ার্ক | 3001036 |
| e " (Trie | 7.5-7.0 |
| 10 v (4) | 220ho |

इंडेदताशीयमगाठात।

লগুন ১৬ ই নে। গাত রাজিতে হাউদ কমকে আরমটেও সাহের সংবাদ দিয়া ২৫ এ মে তিনি এই বলিয়া প্রস্তাব করিবেল মস্ত্রিগণ যেপ্রকার কাজ করিতেছেন প্রতিনিধি শাসনপ্রধালীর বিক্ষা ইহাতে ভাব স্থানের হানি ইইতেছে।

ভারতবর্ণস্থিত গৈনাদিনকে যেপ্রকার বি পান করিছে দেওয়া হয়, ওছিদয়ে মহাসা মনোযোগী হইবার অধ্যোধ করা হইয় লওনের মিউনি সিপালিটি সর রবাট

য়রকে আপনাদিগের মধ্যে এক জন সভ্য করিয়া ভাছাকে তদন্দারে যাবতীয় সর্গ মানস করিয়াছেন।

ওয়াশিও টন ইইতে সংবাদ আসিয়াছে জনের মতে ও ১৯ জনের অমতে মহাসভা পতির বিক্ষে একাদশ অপরাধটি অগ্রাহ্য য়াছেন। এই অপরাধটীর বিষয়ে মত স্ক্ গৃহীত ইইয়াছে।

১৮ই মে। ফেনিয়ান বারাটের মৃতু আর এক সপ্তাহের জন্য স্থগিত হইয়াছে। আনর্মউঙ্সাহের যে প্রস্তাব ক দ দিয়াছেন, তাহা সকলে অতি সামান্য ক্রিডেছেন।

লিওটন ংইতে টেলিগ্রাম আসিয়াছে, সভা বিক্তছে একাদশ অপরাধ**টা অ**গ্রাহ্য কবি পর অন্য অন্য অপরাধের বিচার না করিয়। ভা ২৬ এ প**র্যন্ত কার্যা** স্থলিত করিয়া

৯ এ মে। রাজিতে হাউস কর কম্পের মিটি ক্ষটলপ্তের রিজরম বিল বিবেচনা রি ভার পান, ভাঁহারা ২১৭ জনের মতে ৯৬ জনের অমতে হির করিয়াছেন, লে ইংরাজ নগরের লোকসংখ্যা প^{াঁ}চ সহ কম আছে, সেসকল ক্ষান হইকে প্রাটি আনিবার নিয়ম রহিত করিয়া হাহাদিগের ভেঁ ক্ষটলপ্তের প্রভিনিধির সংখ্যা রুজি হুবৈ। বাঁহারা প্রভিনিধি মনোনীত করি ভাঁহাদিগের রাজক্ষপ্রদানের নিয়ম ২১৮ মতে ও ১৯৫ জনের অমতে হিরীকৃত

হাতে অকৃতার্থ হওয়াতে ডিসরেলি সাহেব গের অবস্থা ও কণ্ডব্যাকর্ত্তব্য বিবেচনার্থ ভা স্থগিত করিয়াছেন। সীমার বিল এক ই কমিটির হস্তে দেওয়া হইয়াছে।

াজের ভার থাকাতে গবর্ণমেন্ট শিকাসং

বিল ফিরাইরা লইয়াছেন।

ফ সাহেবের প্রশেষ প্রভাৱত কর সাহ তি নর্থকোট বলিয়াছেন, সর অলেকজ আন্ট বোরাইয়ের শিক্ষাবিভাগের কর্ম নগের অবস্থার যে উন্নতি করিবার প্রস্তাব চিনে, ভাহ। অনেকাংশে গ্রাহ্য হইবে। দিগের সামাজিক পদের উন্নতি ও বেতন

এ মে। আমেকার ভূতপূর্দ্ম শাসনকর্ত্য রকে বিচারার্থ সেসিয়নে অপণ করা হই-

নিজ্যদংক্রান্ত সন্ধিদকল লইয়া করাশী
ভার ভর্ক হইয়াছে। মহুর ক্রংর এক
বা করিয়া করাশী বানিজ্য ও শিলের
করিলেন। ভিনি বলিলেন, আসিয়াতে
ব রপ্তানী কেবল ইংলণ্ডের অপেকা কম
ভাতিনি আশা করিলেন যে, দৃত্তর
যোগিতা করিয়া ও বানিজ্যের প্রভিবন্ধ
সকল দূর করিয়া শীত্র করাশী বানিজ্য

। দিগের বাণিজ্যের ন্যায় করিবেন। জ্ঞী বালমোয়ালে গিয়াছেন। ইংলতেঃ ফসল হইবার সম্ভাবনা আছে।

এ যে। গত কল; হাউদ অব কমকে ভিদ

রেলি 'সাহেব বলিলেন, ইংলাণ্ডের বেসকল।
স্থানে ৫০০০ লোক নাই সেসকল স্থান হইছে
প্রতিনিধি আনিবার প্রথা উঠাইয়া দিবার বিষয়ে
তিনি স্মত হইয়াছেন। এই সংশোধন ও
ননেনীতকারীদিগের প্রদত্ত রাজামের নিয়মের
সহিত স্কটলাণ্ডের রিফরম বিল সোমবারে বিধি
বন্ধ করিবার নিমিত্ত তিনি মহাসভাকে অন্ধ্রেধি করিলেন।

গত কলা তারিখের এক টেলিগ্রাম নিউইয়র্ক হইতে আসিয়াছে। ইহাতে প্রকাশ করে, চিকা গো কনবেনশন সেনাপতি প্রাটকে ভবিষাৎ সভাপতি বালয়া স্থীকার করিয়াছেন। সভাপতি জনসনের অপরাধ অগ্রাহ্য করা ইহালিগের অমত। এই মহদ্যো চলিতে থাকে এ বিষয়ে মতপ্রকাশ করা হইয়াছে।

২০ এ মে। গত রাজিতে হাউস অব কমসে টি(বিলিয়'ন সাহেব দৈনিক আধিদসরের পদ ক্রমুক্রিবার প্রথা উঠাইবার জন্য প্রস্থাব করি য়াছেন। তিনি বলিয়াছেন, এ প্রথা থাকিতে সেনাদলের অবস্থা ভাল হইবে না 1 কাণ্ডেন বিবিয়ান এক সংশোধনপ্রস্তাব করিয়া বলিলেন কাপ্তেনের উপরের পদ অবধি ক্রয় করিবার প্রথা উঠান কর্ত্তর। টি বিলিয়ান সাচেবের প্রস্তাবাল সারে কাল হইলে ১০ কোটি টাকা ব্যয় হইবে। সেনাপতি পিল প্রক্রে করিব র প্রথার সহায়ত। করিলেন না কিন্তু প্রস্তাবের প্রভিবদ্ধকত। कदित्तन। जिनि विलिद्यन, छेलरदद शप मृतः इहेटल हे नी एकत शक्य वर्षक त्र शक् शाहरवन, এ নিয়ম থাকিলে উৎসাহ থাকিবে না। গুল विरयम्बा कविष्ठा छेब्रड श्रम मिरल क्षेत्रा, जान्मक ও পক্ষপাত হইবে। সর জন পাকিঙটন এপ্রকার माघ चौकात कतिरासमः किन्त बस्तिसमः हेशारक যে আফিসর পদ ক্রয় করেন না, তাঁহারই অধিক লাভ হয়। তিনি বলিলেন, সামান্য গৈনিক হই তে আফিসরের পদ পাইবার প্রথার উল্লভি আপাততঃ হইতে পাবে না। করানী প্রথা দেখিয়া বরং সতর্ক হওয়া উচিত 🗦 ইহা আদর্শ নকে: ভিনি বলিলেন, চাইলভাব সাহেব যে ব্যয় সাধ্য প্রস্তান করিয়াছেন ভাষাতে সম্মত হওয়া উল্লার সাধ্যনতে চ কিন্তু সকল লোক সভ্ত হন, ডিনি এপ্রকার এক বিল শীঘ্র অপ্রকরি বেন। অভ্যাচারসংশোগনের প্রস্তাব পরি ভাক্ত হইল 🗆

আমেরিকান দৃত আডামস সাহেব অদেশে প্রত্যাগমন করিতেছেন। আমেরিকার গ্রের মেট ভাঁহার পদে অন্যকে নিযুক্ত করিয়াছেন। ২৩ এ মে। গভ রাজিতে আয়ার ধর্মন্ত্রনায়মধ্যে জার ফুতন পুরোহিত ব এবিষয়ে সাড়প্টোন, সাহেব যে প্রস্তাব ভাষা ৩১২ জনের মতে ও ২৫৮ জনের প্রাধ্য কইয়াছে। ৫ ই জুন স্ক্রকরে এই বিবেচনার্য কমেটি বলিবেন।

কভ্ৰণ্ডলি সজ্বাস্ত লোক সর স্থাকোর কোটের নিকটে গিয়া জিবধালটার বোষাই পর্যন্ত এক পৃথক টেলিগ্রাফ ব অন্ত্রোধ করেন।

নৰ স্থাকৈছে নিৰ্ধানী প্ৰভু,ভাৱে বলি যে টেলিভাকপ্ৰেনিসকল একণে আছে চনপূৰ্ণক সেওক চালাইলে বাজনী। বাণিজ, উভয়েৱই মঞ্ল হইবে।

কনষ্টান্টিনোপল হইতে সংবাদ য়াছে, জুবকের সাধারণকার্য বিভাগের মন্ত্র টোলগ্রাফ ও ভাকঘরের ভবাবধায়ক ভ এফোলিব মৃত্যু হইয়াছে। জুরফের মন্ত্রি শীল্র পরিবর্ত হইবে। মুখন রাজকীয় কৌর মধ্যে ৪৫ জন জুরক্ষ, ৯ জন আক্ষেণীয়, গ্রীক ও ০ জন ইছদি প্রবেশ করিয়াছেন

ফুাসের সহিত টিউনিসের প্র40 মনান্তর হওয়াতে সংশী হৃত উক্ত দেশ করিয়া হন। 🙊

মনিটিউর জিলি আর্শ্মি বলেন, বৈন্তা কমাইবার প্রথম দুটান্ত প্রদর্শন ক্রাক্তের দ্বা য়াছে। যেক্ত্রে ১৪,০০০ সৈনিক বিদ্যা য়াছে।

ন-্তঃ নিয়েণ্ট বিজ্ঞাপন। লেপ্টনেন্টগ্রন্তর আদেশাল্লারী নিয়োগ।

১৯ এ মে। যত দিন ডাক্সর এল, জ বিদায় লইয়া অনুপস্থিত থাকিবেন তত পাট নার সিবিল লাক্তন ডাক্সব আর এক সন মীঠাপুর ও দিগরে জেলের চিকিংলার পাইবেন।

ভাকর জাকদনের অর্প স্থিকালে নার প্রতিনিধি জাইট নাজিটেট ও ক কালেটার সি, এফ, ওয়াস লি সাহেব মী ও দিগরের জেলের তথাবধারণের ভার বনে।

২০ এ সে। ভেপুটি মাজিটেট ও ডেপুট ইর মৌলবী আবছল গকুর বাউনি উপবিভ ভার পাইরা ভাগলপুরে মাজিটেটের ভ চালন করিবেন । ২০ এ দিংসের গে लवी महाधन हेकारक व्रतिस्तारशत (य विक्रा-হের, ভাই। এড আরোর হিড করা গেল। ২১ এ মে : ভূতীয় খেলির দব আনাসিয়াকী কিন বাবু ভাবকানাথ বিজেগাপা গায় পাবনার ছর্মত দুলাইয়ের দাতব্য চিকিৎসাপ্রের ভার हे:वन । ^{২২} এ মে : যড দিন∵আর, এস, ওজনর বি**বার**

!ऱा **ञ्चू**लिक्कि शक्तिर्वन, ७७ मिन अ, য়াব স'ছেব সিংহভূষের প্রতিনিধি পুলিষ স্থপ ्षेर ७ के इड्रेक्स ।

क तिकाखात्र श्राजिनिति कारमेहेत्र जबनिष्ठे, , রাইলও সাহেব ১৮৬৮ অনের ১ আইন সুষাবে কলিকাডা, ২৪ প্রগ্রা 🕏 ছুগলিডে लिलेस्तर कमडी लाइस्वन ।

वात् अाते रमाइन वरमराणीधाः प्र ১৮७৮ কের ৯ অ'ইন তলুবারে এক জন আন্দেসর য়া কলিকাতা ২৪ প্ৰগণ ও জ্গলিতে কালে বের ক্ষমতা পাইবেম।

ৰাবু প্ৰাণকুৰু দে ১৮৬৮ খাকের ঠ মাইন অসু বে আবেদর হটয়া কলিকাভার কালেটারের মভ¦ প:ইংবন।

বারু কঞ্চরি বহু ১৮৬৮ অকের ৯ আছেই রুবারে আগেবর হইর। কলিকাভার কালেই রুজনভ;পাইরেন :

হ:বড়'ব ডেপুটি কালেইর ১৮৩৮ অংকেব ১ ধারা অনুসারে কমিবন্তের ক্ষান্তা পা.

ণভাদন মৌলবী .হাবেন আংলি বিস্মুলইয়া রপজিত থাকিবেন, ভঙ িন রাজনহলের সহ বীকাম্যন। নিজেঃ কার্বের উপরে পাকু-ন ভার পাইবেন।

২০ এ যে। সি. এম, ছাড়ন সাহের পদার তিন্দি সৰ ভেপুটি অহিকেন এজেট হই

২৬ এ মে। নিমুলিখিত ভার লে'কেরা খুকি নদিগের বিবাহ দিছে পরিবেন।

বরেও ই, বি, সি, ভালাম, त'रलभरत्। '' আলবাট, উইলিয়ম কলিকাভায়। ভবলিউ, এফ, মাক্ডোনেল সাঞ্চেব বি, সি, ীয়ার সিবিল ও বেসিয়ন জ্ঞাহটবেন।

আমাদিগের আনুলিয়াত সংবাদ-

াতা লিখিয়াছেনঃ—

ে)। মধ্যে সংবাদপত্রপাঠে আবগত ছইয়া লাম, যে আমানিলের বর্জমান মাননীয় লেপ্ট हे भवर्गत 🗃 युक्क (ध ना८ १८ र व व्याप्त माञ्चनारत

कृष्णनगरत खुतारथन। निवातरशत आहेम श्रष्ठ निक इरेब्राटक रे कि स करन छेरांद्र क किइहे सिथि নাঃ ববং অংশেকাকুত উহার বিলক্ষণ প্রাছ্ঠ:ব बहेय्र' केविटबट हा नगरतत घटना व्यानक क्यांटनहे এই (चना रहेम्रा थाटक। गाह'रनत मरमात्र निर्द्धा **হের উপায় নাই, ভাহাদিগের ভারাই এই ঋাই**ে ইংরাঞ্জী বাসালা বিন্যালয়ের কতক 3লি বি मण्यामिक रहा कहे महाश्रक्ता काराज कातीक ভামেবের বয়বাতী। বেখানে বারইয়ারি পুজা कि बाजानि श्रेश भारक, त्रहे बारमहे कालाश দর্মারে উপ ক্রিড হল এবং সাধ্যাত লোকের मर्भन' कंत्रियात उन्हें कटतन मः। याहा रूफेक, व्याम ।। अ विषदम्ब निभिन्न श्रुनदाम् गर्नदम्बेटक क्ष्मरताथ कतिएक के, याशास्त्र हैशे अक कारन এ দেশ হইতে দুবীকুত হয়, তাহার উপায় দ্বার করন। আমার যদি আমাইন এচার করিয়া এক কালে রহিত না করেন ; জুম্বারুদিশের উপরে অধিকপরিমানে করস্থাপ। করুন, ভাছা ইইলেও উহার অনেক নিবারণ হইবে।

২। শুনিয়া আহলাদিত হইলান, আনাদিগের নণীয়া জেলার ভূতপূর্দ প্রজাবংসল হিতৈথী माकिएके अभिषुक त्वल नाइत्व श्रुमद्राय साहाव পদে প্রভাগেমন করিয়াছেন। ইইরেকুঞ্-নগর পরিভাগের পর জিলার সমুদায় লোকই ष्टः थथकः भ कतिग्राहित्यमः अकृत्य मकृत्यहे क्रभी रहेरवन मरम्मर नाहे। (वन मारहरवत जुनः थकाहिटेख्यी माकिएके अधि विदल्।

রাণাঘাটের মিউনীসিপালিটী লইয়া আর ক'ড বার গীৎকার করিব ্র অন্যাবধি রাস্তা গুলির সমুদায় পাক। ছইল না। গ্রণ্মেটেই: ৰ্ক্টিণতি একান্ত আবৰকে। প্ৰজা উৎপীছন করিয়া রাজ্স আদায়ের ফল কি?

৪। নদীয়াজেলার অধীন 'কোত্যালী শ ও ''ন'কাশী পাড়া" ধানার অন্তর্গত কএকখানি গজাভীরত্ব পলীরামে বনগায় বংসর বংসর অনেক প্রজার অনেক ক্ষতি হইয়া থাকে। কয় মাস অভীত হইল প্রেসিডেলিবিভাগের কমি-সনর জীবুক্ত চাপমান সাহেব মদক্রল জমণ-कारल अभूमोग्न कारन अमन कतिश्राष्ट्रियन। ভরভাবন্যাও বাডোছড প্রজার শোকাবহ আর্ত্রাদ প্রবণে সাতিশয় ছংখিত হইয়া গঙ্গার জল বাহাতে পঞ্জীসমূহের মধ্যে প্রবেশ করিতে নাপারে, এক্লপ কল্পনা করিয়া উহার ধারে বাঁধ দিবার প্রস্তাব করিয়া আসিয়াছিলেন। শুনিলাম, হিতৈথী কমিসনর সাহেবের প্রস্থাবক্রমে গ্রন্মেট এই বায় করিছে সম্ভ হইরাছেন - কিন্ত এপর্যান্ত কোন নিবারণী সভার মাসিক অধিবেশন হইরা কার্যার্ভ ন। হতর'তে উহ'র প্রতি আমা-∫্যাছে।ই॰রাজীকুলের হেড প্রিড স্রা

मिर्शित मरम्बर इहैर उरह। बाहा इंडेक, का এ বিষয়ের নিমিত্ত উক্ত মাননীয় চাপ্য সাহের নহোলয়কে অনুনোধ করিতেছি, এ বাহাতে স্থায় সম্পন্ন হয় ভাহার উপায় করু

e। तानाचाटकेत शवर्तमे शहायान

इत्य (मामधकान बक्द बहु दक्तन तार প্রভৃতি সংবাদপত্রে প্রকাশিত হ'ওয়া এত দিনে ভাষার শুভ কল হইয়াছে। শুনি आक्षा ने छ इ हेलाम (य, निकाविकारभत वि हेत्र मारह्व छेख्न विमान्द्रस्य विम्थना महेर পত্রে পঠ করিয়া উহার ভত্তাবধান বিষ লিধিয়া মহাশয়কে প্র (बान। कि कु मिन ६ हैल এ বিভাগের ব हिनिट भेडें त की पुष्क वादू बर एक नाथ ताप्र स न इ के क विन्धालरम जातिया त्रमुत्रीय जा पर्यत्न कृतिया शिवार्ष्ट्रन्। **खुनिनाम, खिनि नि**र মহালয়দিলের অনেকের উপর অংসজোবপ্রব করিয়া গিয়াছেন ।

৬। অভিশন্ন ছঃখিত হইরা লিখিতেছি রাণ ঘাটের প্রশংসিত জঃতৃদ্যাক্ষ্যী এত দিয়ে পর িঃশেষিত ইব । গভ; মহাশয়দিঃ অমনোযোগই উহার প্রধান কারণ।

(मिनिनेश्व इरेट अक वा লিখিয়াছেনঃ---

करवक दिन भाड इहेल. (समिनीशुर्व विवाह का उपयारवाह शुर्वाक मण्यत हरेंग्रा য়াছে। ছটী বিবাহতেই অভেশয় ধুমধাম হই ছল। খ্যামটার নাচ, পাঁচালি, বাজিপোড় প্রকৃতি অনেকপ্রকার তামাদা ইইয়াছি कलिकाका इट्टेंड देश्याकी वानः ज्यानमून ধ্য়। অনিকভর ছুংবের বিষয় এই/যে, ছটিই শি ববাছ। এখানে লিন্দুবিবাহ অভিনয় প্রচলি বিবাংগোপলক্ষে এখানকার ইংরাজ কর্মচারী গকে নিমন্ত্রণ করা হইয়াছিল ৷ ভাহারা আন কেই সন্ত্ৰীক কুইয়া ভাষাসা দেখিতে আসি क्रिट्लम । व्याम्ड्राश्व विषय अहे एर. कन्यर था টার নাচই ভারাদিগকে বিশেষরতে আপ্যা कतिशाद्य । (ग प्रहे भशाद्याः शुद्धत विवादह हा হাজার টাকা অকারণ ব্যয় করিলেন, ভাঁহা মেলিনীপুরের হাইস্থ সমক্ষে যথোচিত সাব করিতে পরাও মুখ হইয়াছেন।

ছুই দিন গাত হইল, এখানকার সুরা

একটী উত্তম বজুতো পাঠ করিয়াছেলেন। ছারা বিশেষ যে কোন উপকার **হইডেছে**। দেখিতে পাই না। মদ,পায়ীর সংখ্য ভই কমিভেছে না। শ্ৰিষার ও রবিবার সুণাদেবীর প্রকৃতরোপে পুলা হটয়। । क्वित विरम्भीय जाभनामिरभव मर्थाई निवस व्याष्ट्रम, अभन नहाः अर्थानकात् দিরের মধ্যেও স্বীয় রাজ্ঞা এমশঃ বিসার डर्डन। এমন कि, ऋरतत कल वः क वाल 3 **সু**রাপান ও বেশ্যালয়ে গমন করিডে हरत्र मा ।

ংশে **রোজনসমাজের অংডি** শে:চন^নর করসা: টুমাজিলটেট কটন সাহেব প্রথম যণন ল কাসিতে আবৈ**ত ক**েনে, তংকালে দিন গেডাও দশকসংখ্যা রুদ্ধি ইইয়াছিল -আ**জি কালি সাহেব** দেখা বাই নির্ভির সজে ধ**েমা**ৎসাহেরও নির্ণির হইয়াছে ৷ ারারণ বাবু মন্থ্যমেনের উন্নতিকর কতগুলি ধানে স্থাপন করিয়া গিয়াছেন বটে ; কি স্ত ালকের অভাবে সেগুলি শীন্ত্রই উৎসন্ন क्षां छ इंडेर व ।

ুধ্য মধ্যে কুকি হইভেছে বলিয়া<u>এ বং</u>দৰ

উঠাও বসস্থ রোগের প্রাছর্ভাব হয় নাই ' ক্রে এই সহরে বাঙ্গালিদিণের পীড়া হইকে আসিষ্টাণ্ট সারজনভিন্ন গতি ছিল না। ণ সেই অভাবটী সম্পূর্ণরূপে দ্বীরুত হই-। ছই ভিনটী মেডিকাল ক'লেজের বাঙ্গলা র ছাত্র গ্র**ণ্মেণ্টে**র কর্ম পরিভ্যাস করিয়া নরূপে চিকিৎসা আনারত করিয়:ছেন। ওঁংগ র মধ্যে বাবু ভূবনে ধর মিত্রে বিশেষ প্রতি শাভ করিয়াছেন। ডিনি নিজ যথে ইংরাজী ব লিখিত চিকিৎসাবিষয়ক উত্তম উত্তম e পাঠ করিয়া স্বীয় চিকিৎসাপ্রণালীর र्यत्रक्षात्रम क विद्योद्दिम ।

পুনা যাইভেছে, খানাকুল কুঞ্চনগর অঞ্জে া দিনে ভাকাইতি করিয়াঞ্চিল, ভাহাদিগের কত কলি পুরুষ ও খ্রীলোক এই সহরে ল্লাছে। অব্যাৰ্ধি ভাহাদিগেৰ অভ্যাচার ক কোন সংবাদ পাওয়া যায় নাই। ইছ'র প্রস্তরখণ্ড বিক্রন্ন করিবার ছলে লোকের ভাবে বেড়াইডেছে।

প্রেরিত।

ন্যবর উ্যুক্ত দোমপ্রকাশসম্পাদক মহাশয় সমীপের।

শুপ্রভিছাপরা খেলার জাজ আনালভের

উকীর জ্রীভুক্ত বাবু কেশবলাল ঘোষ মহালত্ত্বের অসীম্যর ও অক্টিটেদী পরিশ্রম এরং অনবরড চেষ্টায় ''ছাপরা এদোসিএসন' নামে একটা পাক্ষিক সভা প্রতিষ্ঠিত হইয়াছে। সভার একটা মাত্র অধিবেশন হইয়াগিয়াছে। কেশ্ব বাবুর বক্তাভারণে ও উৎসাহ্যানে ছাপরাক্ষাব ভার বালালী এরপ উৎসাহিত হইয়াছেন, ষে বোধ হয়, এই ক্ষুদ্র সভাচী ভবিষাতে মহোপকারিণী এবং ভারতবর্ধের মুখোচজুল কারিনী হুট্রে। আমি সভাব প্রথম অধিবেশন দিবদে উপস্থিত জিলাম। সভাটী বাকালী মহাশ্-য়ালগেরদারা প্রতিষ্ঠিত চইতেতে বটো কিছ च्हिराक किनव वाबुत मर्मखाखीय । अर्माटनसीय মকুষ,গণদারা পরিপোশিত ও পরিবর্তিত করি বার ইন্ডাজাড়ে।

সভায় নানা ভাষার স্বাদপত্র এবং ভূতন সূত্র পুস্কাদি লইয়া সভাগণের জ্ঞানর্কি-বিধান করা চইবে, এবং সভাম হংপে ইংরাজী বাঙ্গলা উৰ্দ্ধ ও হিন্দি এই চাৰি ভাষায় বিজ্ঞান, শিল্প, সাহিত্য, রাজানী ডিপ্রভৃতি দেশোপকারক আহানগর্ভ প্রক্ষকল পঠিত হইবে। জার আন ম দেখিয়াপরসাহলালে মল হইয়াছি, এখানকার প্রধান প্রধান যাবভীয় বাঞালী এ সভাটির চির্ভারিডাবিষয়ে প্রাণপণে লাগিয়াছেন। ইহাতে বোধ চইতেছে যে. সভাটী অচিয়ে অনস্ত कत्र अमाग्रिभी रहेन्ना छेटिएत ।

এক জান সভায়

সম্পাদক মহাৰয়া গত বৈৰাধ মাসে এখানে অনেকগুলি বিবাহ ইইয়া গিয়াছে। इः रचत्र विषय এই या. भाज ७ कना मिर्गत কেংই অন্যাপি শৈশবাবস্থা অভিক্রম করিতে भारत बाई। वालाविवाइ शूर्त कारल कवल कूली নদিগের (বিশেষভঃ কায়স্থ ব্রাক্ষণ জাতির) মধ্যে এবং কলিকাড। अঞ্লে প্রচলিত চিল; ंक्ष अकृत्य (प्रथा वाइट्डिइ), में श्रशा कि कूलीन. कि भोलिक, खालिमाभारत्वा वश्रत्वरमंत्र, श्राप्त স্পত্র বিস্তানিত হইতেহে। কুভবিদেরে। বাল্য বিবাচের প্রোভঃ প্রভিরোধাপ যতই চেষ্টা ক্রন, যেরপ দেখা ঘাইডেচে, इष्टेर्फ श्रीदेर्यम এরপ (বল্ধ হয় না। এবানে ए क.ब १ दिवार श्हेबाटल, खन्नदर्भ ছটী অভি সমারোগে সংগ্র ইইয়া গিয়াছে। भाजिष्ट्राव दशः क्रम ३२ अदर ३३ मरमद **स्ट्रिस** । (मारबाक विवाश्वीरक भौह मन मखकी (स्थम-Bie शालि) अवर अ मल हेद्या श्री वांशक्त कलि

কান্ডা হইতে জানীত হয়। বিবাহের পুর भारत भ^राङ इस मिन काल खेशांसित व्या চলিয়াছিল। সভাস্থলে বিশ্বর লোক (নিং এবং অনিমন্ত্রিত) স্মাগত হন। ছই চারি ভিন্ন অন্তত্ত ভাবৎ ইউবোপীয় কর্মচারী प्रभारताशास्य मञ्जास स्हेशाहित्यतः। ज সঞ্জীক আসিয়াছিলেন। ইই'রা যে কেবল लाक अ अभीनात्र शृह याशिनिगरक हि कतियाहित्सक, अभाव बरह, शीवकांत म উপস্থিত থাকিয়া পূৰ্ব্য দিন যে নৃষ্ लाभिश्राक्रिल, जारात चार्टल कित्रेश केंदर অব্পুরক্তরে দিয়া নতিকীদিগের যথে উৎসাহবর্জন করিয়াছিলেন। আকেপের এই যে, গুট্মামীরা সাহেবদিলের খানার ব জন করিতে পারেন নাই, কেবল জলাং আয়োজনমাত্র করিয়াছিলেন।

প্রাস্ত্রিক বিষয়ের অন্দোলনে প্রয়েকান

প্রকৃত বিষয়ে বক্ষর এই, যে পিডা পুত্লিকার নগায় আবাপন আবাপন কন্যা বিবাহ দিয়া শীল্ল নি শ্চন্ত হন, তাহারা যে পুরের শত্রু ভাষার সক্ষেত্নাই। বিবাহ भाषां, चाहेरा इहा, कि माचिरा इहा. বালক বালিকাদিকের জ্বর্জম হওয়া সং নহে। ভাহারা দেশীয় ও বিদেশীয় বাদ্য খেমটাৰাৰাই নাচ দশন, নানাপ্ৰকার পোড়ান পাল্কী আবোহণ, উৎকৃষ্ঠ ব পাছকা পুরিধান এবং বস্তু লোকের সমাগং তির আংনোদভিল বিবাহশদের অর্থ বুচ এমন অংশক্র বয়সে ভাহারা পরস্পর যে ছ সম্বৰুত্ত বন্ধ হয় এবং ভাহাদিগের মস্ত ভয়ানক ভার পতিত হয়, ভাষা স বুঝিতে শব্দ হয় না। যাহাদিগের উপর গণের যাবভীয় ঐতিক সুখ নির্ভর করি। তাঁহারা যে উহাদিগকে শারীরিক ও ম চির্যস্ত্রণাসাগরে নিমন করিয়া দেন, ভাছ আক্রেপের বিষয় আর কি হইতে পারে !

বিশ্ব যাত্রী জগরাথক্ষেত্রে হাইটে ইছাদিলের মণেঃ জ্রীলোকের সংখ্যাই আ এখানে ভাল সরাই নাই; ওজ্ঞান্য রারি অনেককে রাস্তার উপরে শরন করিয়া থ হয়। এ প্রদেশে চুরি ডাকাই ডির যেরূপ ৰ্ভাৰ, ভাৰাতে ধাত্ৰীদিগের দ্ৰব্যাদি চুরি ধ विरूप्य प्रखःस्मा व्यारकः श्रुलिय कर्षात्रादी ক রবং (য, সরাই রকার্ব । ৪ জান জর क्रमहोदल किছ पिरमन निमित्र नियुक्त करा মেদিন পুৰ સ્ર હ્યું

ろとぞみ

@}:—

(माश्रक्त

१२ मध्या ।

" प्रवत्तर्या प्रकृति चिताय पार्थिवः सरस्ति अतिमद्ति न दीयतां।" ->8¢-

মূল্য ১ এক অংকিম বাৰ্ষিক ১০ দশ 👌

যাশ্যানিক ৫॥ সাহক পাঁচ টাকা। সন ১২৭৫। ৩ রা আষাড়। ১৮৬৮। ১৫ ই জুন { যাশ্যাসিক ৭, ও জৈমাসিক ৬৬০

বিজ্ঞাপন ৷

ংরাজী স্বর**লিপিপদ্ধতি।**

দিকেহ আনার অসুমতি ভিন্ন এই এছ অথবাইহার কিয়দংশ ও মুদ্রিভ করিয়া ভি করেন, ভাষা হইলে ভিনি আইন অন্ত দগুনীয় হইবেন

ারও সাধারণকে জ্ঞাত করিতেছি যে এই ।তি সরল ভাষায় ও **স্থ**লালীটেউ প্রণয়ন চ্ইয়াড়ে, এড ছিবরে অমনভিজন ব্যক্তিরাও मत्नारवाशश्रुक्तिक स्विटन व्यनावारमह তপারিবেন সম্পেং নাই। অভএব এই বাঁহার প্রয়োজন হইবেক, তিনি কলিকাতা ার প্রাকৃত যালে অথবা আমার নিকট টোকা মূল্য প্রেরণ করিলেই প্রাপ্ত হইতে 34 1

রিয়াখাটা টিট্টেলয় ্যুঠ } 🗟 काली क्षमद्ग वस्मा जापात्र

वाह्कतर्वत श्राक्षमरह्यू निम्निचिक ত পুস্তকত্রয়ের কিয়দংশ প্রকাশিত হইল। দাণ পুৰ্ব ভাষাভীত নিমনিৰ্দিষ্ট সম্পূৰ্ণ (अत्न कतिरम आख स्रेप्तन। विरम्दम ণর বড়ন্ত্র ভাক মাশ্রল লাগিবেক। ল্লিনাথের টীকা সহিত। **শশুপাল ব**গ (মাঘকুত) মূল;

চুৰংশ (কালিদাসকৃত) " e H • দরা**ভার্জুনীয় (ভারবিকৃ**ড) の作う

দাবিগণের ক্রমুগভারে নিয়লিখিত क्रिय **मरक्षक नुष्टक** (मननागत्रक्रिय

ভিন পয়সার হিষাকে আছে বা সম্পূর্ণ বেমত

প্রকাশিত হইবেক উক্ত নিয়মে মূল্য প্রদান कतिरम भूक्षक श्रांख रहेरवन । विरम्राम श्रितर्ग व च उंद्र जाक माश्वन नाशि (दक।

ঋতুসংহার। মেঘদুত। শকুতলা। নলোদর मानविकातिमञ्ज। विक्रामार्सनी । भूषाताकन রয়াবলী মালভীমাধব সাংখ্যভন্তকৌমুদী বা সাংখ্যকারিকা। মহাবীরচরিত েউত্তর্বাম-চরিত। মুগ্ধবোধ। দশকুমারচরিতের উত্তর'€ পাণিমি। বসস্তভিলকভাণ। অমরকোষ। শাক্ষব ভাষ্য আনুক্লিরি, জীধুরখামী ও মধ্সদন সরস্তীর দীকাসহিত শ্রীমন্তাগবত। মহাভারত। विक श्रुद्धां । काम्बर्धी । छः क्रिकावा । म'नाममा কাবপ্রকাশ। চড়ক। মার্কণ্ডের চতী।

কলিকাতা সংবাদ আমান বুমাকর যন্ত্র নিমতলা বুমাকর হল নিমতলা বুমাক জীট ৩২ সংখ্যক ভান।

বঁড়ে রোলার্শ কোম্পানির ১৮৬৯ সালের এন্ট্রান্স কোসেঁর কী অর্থাৎ অর্থ পুস্তক প্রস্তাত रहेद्रार्टः। याँरादा महेदात हेन्द्रा करतम्, कमि কাতা কালেজ ফ্রীট ৮৬নং ভবনে উক্ত কোম্পা नित निकारे, खेशवा खनाना शुक्रक विद्याखात নিকট অ**ন্সন্ধান** করিলে পাইতে পারিবেন।

" এ রাই আবার বড় লোক। "

যাহার অভিনয় কলিকাতা আডপুলী নাট্যা लाम अनिष्ठ 'इहेटडाइ, "तस्वासावय ১१२ সংখ্যক স্থানহোপ প্রেমে বিক্রমার্থ স্থাপিত ভাছে। মুলা n• বার আনা, মাশুল / • এক क्यंगा ।

ু সম্প্রতি সোমপ্রকাশ কার্য্যালয়ের সুস্থন मूम्बावक स्ट्रेटक विकारमात्र शूर्म जारेक श्रवात वत्मावछ र उपारे छायुक जीनाथ रहेरम शोषा वाक मुक्ते खनत श्राष्ट चांठे हक्तवर्तीत छनत विम ও विवि नकादि योकत ব্রিবার ভার সমর্পণ করা হইয়াছে । 🐠

हेकेहे विद्या दिन वर्षेत्र । কয়নাপ্রস্কৃতির গাড়ি ভাড়ার নিয়ম।

এড দারা সর্বা সাধারণকে জ্ঞান্ড করা তেছে যে, আংগামী ১ লা জুলাই অবধি ব পদার্থ সম্পর্কে " গাড়ির পূর্ণ বোঝাই ' गरकत कर्ष এইऋश दूबिएंड इहेर्द (य গাড়িতে যত অধিক মাল ধরিতে পারে ও আলাধ টন্করিয়া সূন আবিকিবে। যাঁহার। ক্ষ মাল পাঠান মা কেন, ভাহাদিগকে আংঘটনুকম যে মাল ভাহার ভাড়া हहेरव । किन्तु कि इस विम किनति केन्द्र বোঝাইরের ² অধিক মাল পাঠাইতে ভাহাকে দেই বেশী মালের নিমিত্ত স্বতন্ত্র इंडेडें खिला (इन स्टार रहेन) निनिन्धित्य ड्यानरहोनी (कालाव

বিক্রয়ার্থ।

গার্ডেন বীচ ২৪ নং বাটী গুলামস্থ (জাড়া বাগান।

किनिकाछा २२ अ भ

ভাড়া দেওয়ার নিসিত। • शांतराज्ञ द्वां**ठ २६ वर वा**छा।

উপরি উক্ত বাগান ও বাদী যাঁহায় क्रिति उप्तथ्या जाजा नहेट इंक्ट्रा करत्न স্বাক্ষরিত ব্যক্তির নিকট জানাইবেন।

গিলেও'রস্আরবে থনট এবং কে

্ এছেনি বে

পুরাণপ্রকাশ।

কলিকাডা মূজাপুর আমহাউদের কাব্যপ্রকাশ যদ্ধে পুরাণপ্রকাশনামক ল্লিক পত্ৰ প্ৰতিমাদে এক বা ছই খণ্ড

হ'ব ৮০ অন্টাতি পূঠা। ইহাতে ক্রমণঃ অষ্টা প্রাণ ও উপপুরাণ রাজালা অনুরাদসমেত ্চিড করিবার কল্পনা আছে। প্রথমতঃ বিষ্ণু-ৰ জ্ঞান্তৰ জিলবৰ্গোমা**নিকত দীকা সমে**ত ৬ ০৬৫৬৫ছ। ১ লা বৈশাৰ বিভারণ ও ১ইছেডে। বিনি ইহার আহক ২ইতে জভি ুল, তিনি কলিকাতা সংস্কৃত বিদ্যালয়ে ্নকট গর ভাক্ষাগুল ও প্রতিখণ্ডের ≅িনে। ৺ আট আন। কবিয়া পংঠাইবেন। বে নিয়ানত আহ্ৰজেনীভুক্ত নহেন, ভাহ-নিকট প্রভেকে খণ্ড নগদ ১ একটাকা (विशन्त्र कहा साहेट्य । हे है6**ड**व **"** 18 !

িফুড মেদিনীকোৰ একছ শকের টীকা-ত উত্তম মাগর।কারে স্তপূর্দক মুদ্রিত হই চ। যিনি আছিক হউতে ইন্ডা করেন, ভিনি কালেজের সংস্কৃত অধ্যাপক জ্রীযুক্ত রাবু নাথ মুখোপাধ্যার মহাশ্রের িকট জ্ঞাবা কাতা সংকৃত ৰিদ্যালয়ে বাকাৰপ্ৰকাশ कामात्र निकंडे भज भां । हेटरन।

ङे टेक्क ४२१८ ऋुङ विन्हालग्रः}

ৃত্তীজগংমাহন শৰ্মা।

অ:ভিধান।

কাধুধি ર∦∘ काशक्षका निका Ó স্ব সিস্ক ÷ কাৰ মুক্তারলী 7 কার্থরক্ষমার: দার্প এচারিকা রু:ভিবাদ সংস্ত পুস্তক इन १भ महीक þ. ূর নৈষ্ধচরিত ه زا به ্টকার্ ীধিংশতি ভব্ৰ О¢ ひりゃく) 🕮 क्लान्त्रन श वरमहालाधहान পুস্তকবিক্তেন।

अरम सनकाती वादिक मिन्द्रेग्टनत कन्द्री ा । यादन कृष्टि स्ख्या श्रापुष्टक, **८३ विका** বি৷ জ: ভক্ষা ধাইটেচে যে নিয় লিখিড শ্ব নিত্রী, ছুডার ও কর্মকারের আবিদ্রাক

াধ ১ইটেড থারত হইটাছে। প্রত্যেক মতের হইয়াছে। মাহার। শিক্ষিত ও পারদর্মী, তাহা-मिश्रक कर्म मक्त्रा शहरत।

> ২৫ জন রাজ্যিকী মাসিক বেডন ১২ টাকা ৩০ ঐ ছুতার

১ के क्षेत्रान कंप्यकात, के ٥¢ ৩ ঐ কর্মাকার ১২

এডৎ সংক্রাপ্ত অনুধান্য সমচার দারজিলি-ঙেব এক্জিকিউটিভ ইঞ্নিয়র সাংহ্রের निक्ट श्रीख रहेर्य।

मातां अति ७) a, हे, भाकिन (मंद्रात, जात है. ২৭ মে ১৮৬৮ 🕻 একজিকিউটিভ ইঞ্নিয়ার

শব্দকরক্রন অভিধান। সর রাজা রাধা-কাস্ত দেব বাহাছুরের ক্ষত। উত্তমকপে সোণা দিয়া সুতন বাঁধান মূল্য ২৫০ টাকা। তত্ত্ব .বাধিনী পত্রিকা--প্রথম কল্প, মূল্য ৫ ॰ টাকা। এ মানদচন্দ্র বেদান্ত বাগীশ।

--- 2 • 5---

রাণীগঞ্চ পটরি কোং লিমিটেড।

(मिलिया कितिवात क्ष्मिक गिरेल। ঐ কোম্পানির মিসনরোক্তিও ৪ নং আফিসে

উঠার নমুনা দেখিতে পাওয়া ধায় এবং যদি কাহার প্রয়োজন হয়, ঐ আফিলে অনুমতিপত্র পাঠাইয়া দিবেন।

—:0°--

विविध खबानि विकासर्थ প্রস্তুত।

ইংরাজী বাজলা পুত্তক কাগজ কলম নানা বিধ দ্রব্যাদি পা ওয়। যায়ঃ মৃফস্বলে, ঘড়ী সংস্কুরি ইডাদি পাঠাইয়া থ'কি এবং পুস্তকাদিতে এক আমার ছিসাবে কমিসন দিঃ যদি কেছ অংধিক होकाञ्च प्रवहासि सम शाहरककी सरव शाहरवम ।

টাকা শ্বন্দ জনিজুপ্রথম খণ্ড Œ ভিতীয় খণ্ড 8 জীমন্তগ্ৰদগীতা ₹#• টীকা ও ব'লালা সম্বলিত শক্ষ সিল্প २ শকাধলী ₹ শব্দার্থ প্রকাশিক। ø শকাৰ্থৰসমালা ¢ नकार्थ श्रद्धा दिया

গ্ৰন্থ ডিবাদ

অষ্টাবিংশভিতন্ত্ৰ অনুদামকল বিদ্যাকুন্দরপ্রকৃতি সকা) টীল্পনী ও ১৮ খানি প্রতিমূর্তি সহিত ! বাষ্ণীয় কল ও ভারতবর্গের রেলওয়ে हेलक् हैं क छिलि भाक মলচরিত কাব্য পঞ্চদশী বেদাস্তদর্শন অধিক রুণমালা হরিভক্তিবিলাস পদকল্প তরু মেটবিয়া মেডিকা इंटन जीत अवस्त्रज्ञावनी আয়ুর্কোদদর্পন দৌজদারি গাইড নিদানার্থ চল্রিকা স্টীক নিদান নিদান ম:লভীমাধব পঞ্চাব ইতিহাস চীনের ইতিহাস

সম্ভ্রমমাধি নাট্য বেশ্যস্থিত্নিবর্ত্তক নাটক মনোরুত্তি বিধায়ক

জ্ডম পৌচার মক্লা (১ ! ২)

কীচক্ষবধ নাটক

इंश्त्राकी राष्ट्राता विक्रमादि

কলিকাতা জোড়া-সাঁকো ৬৪ নং

🗐 প্রভাপচন্ত

हुन।

3 1

-- 368---

ঠনঠনিয়া সংস্কৃত পুস্তকালয়েও পর ভাঙ্গা বাড়ুব্যে আদার কোম্পানির দোকারে প্রণীত ও মংপ্রচারিত নিয়ালখিত পুত্রক বিশ্রুয় হইডেছেঃ---

প্রণীত গ্রীসইতিহাস রোমইতিহাস ভূষণদার ব্যাকরণ নীতিসার (১ ম জাগ) নীতিসার (২ মু ভাগ) প্রচারিত। মুক্ষবোধ ব্যাকরণ

🗟 ছার কানাথ শর্মা।

निषयात नमी।

১৮৬৮ সালের জুন মাসের ১ কা ইইডে । ই পর্যন্ত ভাগীরখীনদীর সর্ক্তন্তি ভালের সাপ্তাহিক রিপোট।

স্থানের নাম ফুট ইক হানার উপর প্রান্দীতে ২১——৩ হানার

চথা হইতে জনিপুর পর্যপ্তে ১৩॥ মাইল্মদেং)

রলিপুর হইতে বহর্মপুর পর্য। জ ৪৬ মাইল মধ্যে)

বহরমপুর হইতে কাইওয়া পর্যাত ৫- মাইল কিংদা) গুটোয়া হইতে নতীয়া পর্যাত

(৪৬ মাইলের মধ্যে) ৬——৯ ন ১৮৬৮ আহুন মাহাব ১০ তারিখে বহরমপুস বাটের জালের মাশ স্টুট ইঞ্চ

প্যানদীর বৃদ্ধি হইভেরে।

দপুর } শ্রীদুক্ষ টি, কেন্স উটক সি. ই. ই জুন } একজিনি উটিব ইঞ্জিনিয়র ৮। বহুরমপুর ডিবিম্ন

rrrশের অন্তর্গত কোট উইলিয়মের প্রধা-বিচারালয়ের আংদিম দেওখ-নীবিভাগের -জবেদ্য ৩১৯ নং যে মকক্ষায় ছেনরি কেনি বাদিনী ও বঙ্গদেশের প্রভিনিধি ম্মিটেটর প্রতিবাদী উক্ত মকদ্দমায় ১৮৬৮ র ২১ এ মে যে আবাজন ইইয়াছে, জনস্থ-প্রকাশ করা যাইভেচে, জেলা নদীয়ার ভিসালগড়মুদিয়ার টমাস, আমর উইন, नारहर यिनि ১৮৬৮ অব্দের ১৬ ই এপ্রেল ণভায় প্রাণভাগে করিয়াছেন, উক্ত কেনি সাহেব্বে কর্জ দিয়াছেন, मेशरक खानान वाहरण्डाइ, काशामी 🤅 ह । শুর অব্যাধ তথপুর্বের বঙ্গদেশের অন্তর্গত উইলিয়মের উক্ত প্রধানতম্ বিচারালয়ের ার বিচারপণ্ডি নর্ম্মাণের নিকটে উপস্থিত ত্বাপন আপন দাওয়া সপ্রমাণ করন। এই দাওয়া আন্বণ করিবার নিমিত ১৮৬৮ ঃ ১২ই দেপ্টেম্বর শনিবার বেলা ১১ ঘটি-মেয়ে টাউনহালে বিচারপতি আসন এছণ নে ঃ ঘাঁহার৷ উক্ত সময়ের মধ্যে আপন

। লাওয়া সপ্রমাণ করিতে না

বন, ভাঁহাদিগকে ভাৰান ঘাইভেছে,

উহোদিনের দাওয়া আর কল্মিন্ কালে আবণ / করা ষাইবে না।

अविकित्तन, क्षिर्कि विक् अविक् क्षाण्याति वानिनीत आहे जिन्न श्राप्ति आहे जिन्न श्राप्ति अविकास विकास अविकास अविका

> সোমাপ্রকাশ কিল ৬ রা আবার নোমবার

🕟 ৬ রা আবাড় সোমবার্ আমরা পুর্বে মাতলা রেলওয়েনছলো ৰে প্ৰস্তাৰ কৰিয়াছিলাৰ, ক্ৰমে ভাহাই ঘটিয়া উঠিল। শুনিভেছি, ঐ রেলওয়ের কার্য্যভার পূর্ব্যক্ষলা রেলওয়ে কোম্পা নির কর্মচারীদিলার হক্তে অপিত হই-**उट्टा बी जामामिट्शंद मास्याद्य** বিষয়। এ বস্দোবস্তে গ্ৰ**্**মেণ্টের লভি रहेरव, नाहेन जिंड काशी रहेरव। किन्र এ ছলে আমাদিগের মনে একটা কথার উদয় হইল, দেটা বাক্ত করা আবশ্যক। বে অধাকের অথাকতায় পূর্ববাকলা রেলওয়েতে অভূতপুকা শোচনীয় ঘটনা रहेश (भन, डीहात रूट्स आमानिर्शत জীবন সমর্পণ করিতে বিষয় শঙ্কা জালি-**८७८ ছ। इत्र ७ जामानित्शत जाशन दत्र** माञ्जिया लख्या स्टेल। द्रलख्यात व्यक्षक পরিবর্তের কি কোন নিয়ম নাই ? যদি ना थाटक, त्राककक्षित्रतिविद्यत नाव রেলওয়ের অধ্যক্ষ পরিবর্ত্তের একটা নিয়ম করা উচিত। যে কারণে সময়ে সময়ে রাজকর্মচারীর পরিবর্ত্ত করা হয়, রেল ওয়েতে কি মে কারণমন্তাব নাই ? কোন স্থানে কোন কর্মচারীর দোষ প্রকাশ হইলে তাঁহাকে ছানান্তর করা যদি ন্যায় निक्र रहा, जोड़ी स्ट्रेटन या अशरफह वटप्पावटखन पार्व श्रुक्तदाकना दनन अटबटक क्या हैना चहिशादक, अवर गाँकांत क्रण वाबहादत दलाटक विक्रक हहेबाटहर्ने कैं शिंदक क्षीनांखन कना या ककांछ कांच े भाक छित्रटा अनुमोज मटल हो नाहै।

থড়দহের ইংরাজী ক্রলের মেণ্ট বাহায়বান কইয়া বোমুপ্রকা ছই জন প্রঞ্পেরক বিবাদ আরম্ভ ব য়াছেন। প্রথম পর্জেরক কহিতে খড়দহের অনুরবর্তী দোদপুরে গবর্ণ माहायाध्याश्च हेर्त्राकी विमानम व খড়দহে যদি আবার সাহায় ে रह, উভয় বিদ্যালয়েরই অনিষ্ট হ অতএৰ গ্ৰণ্মেণ্ট সাহায্যদান না[্]ক উত্তম क्यांक हे क्रिज़ाट्यन । हेरांत व ৰাদক দ্বিতীয় পত্ৰপ্ৰেরক বলেন, পুর থড়দহের ছই ক্রোশ দূরবর্তী। কোশ যাওয়া, ছুই ক্রেণ আসা, দিন চারি ফোশ গমনাগমন করিয়া खना कता वानकमिर्गत माधात्रह विरमञ्**ञः च** ज़रर ह ह है हा नात ल ৰদতি। লোকদংখ্যার বিষয় লোচনা করিলেও তথায় সাহায একান্ত আবিশ্যক হয়। দ্বিতীয় প্র রক যে হেতুপ্রদর্শন করিয়াছেন, त्रय अर्थारलाहमा कतिया व्यामानिर विनक्ष (वाथ इंदेरज्यह, थंज़रह देंट ক্লে সাহায্যদান করা একান্ত আবং ষেদকল বালক-পদত্ৰকে অধিক দূর নাগমন করিয়া পড়া শুনা করে, গ দিনের পড়াশুনা ভাল হয় না, আবা গ্লের বিলক্ষণ জানা আছে। শিশুদি ত কথাই নাই। তাহায়া যে প্রত্যহ কোশ গমনাগমন করিবে, তাহা **কেনে সম্ভাবিত নহেঁ৷ আ**মরা থড়া ইংরাজনী অকুলো গবর্ণমেন্টের দা দানের যে অনুরোধ করিতেছি, ত আর একটা বিশেষ কারণ এই, খ **বভ্দংখ**ে গোসামীর আবাদণ গোস্বামীদিগের আজিও লোকের ই বিলক্ষণ প্রভুত্ব আছে। যত দিন मिर्गत श्रञ्जलां न। इंटेरज्ह, क्ति अ स्टब्स्य कूमः काटबर किट

নের সম্ভাবনা নাই। সেই কুনঃ

রাধানের ভূটা উপার আছে। প্রথম, नत लाटक यमि अवटष्टमावटष्ट्रम 🕦 হন ; দ্বিভীয়, গোস্বামীৰিগের तिको निका दहेशा यकि निकार दुनि १ पुर हर । जार्यास्ट्रांत दिट्यहर्गात ম অংগঞ্চ শেচ উপায়দ্ধ বা কার্ব্য न महत्र हरेर हरू। श्रेकुक्ट इत একী প্ৰটি যদি বহনুল হয়, কমে হাড়ার একটা প্রাধান আবিষ্থ ভগ্ন । २/३८६। श्रुवंश्युर्केतः भाक्षयं नान-ध्दरदास अ दिएभात (कान विमानश ক্ষেত্র হয়, আজিও এ দেশের তেমন ছাহয় নই।

্নয়নবভিত্নত পালেশে কাৰ্য,প্ৰ-वाली ए मन्यताहे । ামবহিত্র তিপ্রদেশের কার্যপ্রেণালীর

রে এদেশীয়দিগের যে ভক্তি আছে,

হা পাঠকগণের অবিদিত নাই। তেবসীয়েরা জানেন, ঐ সকল স্থানে ইন এলমাণ নয় কর্মচারিদিপের ইচ্ছাই াণ। ঐথানে অন্যায় ও অভ্যাচারের ধিপত। এবং সকলই বিশ্যলভাবা-ালোকের মুখ বঙ্গ থাকাডেই কেবল চারিরা বাধিকি হিপোর্টে আপনা ের প্রকং সালিখিয়া আপনারা বাহব। া অংকেন। এ পর্যন্ত ইংরাজী সংবা त भाषातिका मह **क**न वारश्रक्त ণ এটেবলের স্থানতি করিয়া আদি-চালন : কিন্তু ভাঁধারাও আর পারেন তার হইরা পড়িলছেন। নিমে ধনাইট হট তে একটা প্ৰস্তাৰ অনু किट्डि (में ३६) (त्रत् । आधारा अक्रान াব নিখিনে নিয়মৰ্চিভূতি প্ৰদেশের , মতি দিলেও নিকটে বিদ্যো**হী বলি**য়া

: গাঁওত হুই তাম সমেহ নাই।

· ি ুদ্ধিন ছইল স্বৰ্গর জেনরল

ন লাইনেকা টাজোর অসুমোদন করেন,

कारम विभाषितम्ब, आश्रता इहेटच

মপুরা হইয়া দিল্লী পর্যান্ত একটা মূত্র **ধা**ল খনন করা হইবে। একথা তাবণ করিয়া আংমরা যার পর নাই সম্যোধলাভ করি-হাভিনাম, যে কর্মো এত উপকার, তাহার প্রস্তাবে আমরা সাতিশর ক্রডজ হইয়া-ছিলান। याहा इडेक, व्यामहा खहना कति অবিলয়ে কার্য্য অব্যাহ ছাইবে। সচরাচর বেরণ হল, র্থা আড়িয়র ও পর্লেখা লিখিতে যেন দেৱপ সময় অভিবাহিত করান: হয়। এ জন্য যেসকল ভূমি লওা হইবে, ভদ্দিয়ে আমর। অত্থাপ্র র্ণমেন্টকে সভর্ক করিছেছি, ভাঁহারা কিছু দিনের নিনিত ক্ষতাপ্রাপ্ত অধার্থিক ও নির্দ্র লোকদিগকে এ কার্য্যে যেন নিযুক্তনাকতেন। ইহাঁটো অধিকারী দিগের যথার্থ প্রাপা দেন না ৷ আমিরা অনেক ভালে দেখিরাছি কর্মচারীরা সম্প ভিরচমুর্থংশে মূল্য মাত্র দিয়ে অধিকা রিদিগের মুখ বন্দ রাখিবার চেন্টা পাই-হাছেন। প্রায় সকল কলেই এই অন্যায় চেন্টা কলেও কইয়াছে। দরি দ্র ভূমাধি কারিগণের উপরে কর্মচারিরা এপ্রকার অভ্যাচার না করেন, গ্রণ্মেন্ট কি ভাষার কোন উপায় ভাবলয়ন করিবেন मा १ भवर्रमणे यनि हेहा ना करतम, छोहा হইলে খামের। ভূমাধিকারিদিগকে অসু রোধ করিতেছি ১৮৫৭ অব্দের ৬ আইন অসুমারে মুল্য দিতে বাধিত করিবার নি মন্ত ভাঁহারা দং ও স্বাধীনর্ভি উকী लिनिश्रक निमुद्धक केक्सम। आंत्रता धकर्षी मुग्रेष कानि। ১৮৫९ व्यक्त ७ वाहेन অসুদারে মধ্যস্থাণ এক ব্যক্তির বাটীর ৮২৭০০ টাকামুলা ক্রিকরিয়াছিলেন; এক জান উচ্চপদস্থ কর্মচারী তাঁহাকে ২৭,৫০০ টাকাডে সন্ম ভ করিবার বিলেন co ऐ: शाह्याहित्नन। मर्क्कांड मिझीर रतल ७८३ रचे महत्त्व निकटि अक खरनत वाजी व्यवस्थ कड़ा इसा अक कन उज्योजी

দিতে চাহেন নাই। সৌভাগাকটো कारी अक जन माहमी ও श्वाधीनः উকীল নিযুদ কয়াতে উকীল ৫৩ টাকা বাহির করেন। কর্মচারিদি স্বিচারের ত এই লক্ষ্ণ লক্ষিত তেছে।

ধমভাহীন কর্মচারিরা উকীলামি টেভেজনায় সুবিচার করিতে বাধিত এই নিমিত উাহারা এই শ্রেণীর লো উপরে বিরক্তা অংশ দিন হইল, পঞ স্বিচারলাভ অভিবিরল ঘটনার ম ছিল। পঞ্জাবের সকল শ্রেণীর কর্মচ तारे डेकीन मगरक घना करतन। महत লভ মাকলিয়ভ একবার মিনিট লিগি বলিয়াছিলেন, যে দিবস আদালত ও প্রতার্থির মধ্যক্ষরপ ইউরোপীয় উ উপস্থিত হইবেন, দে দিন অব্ধি (देव व्यवक्र महोद्धाः। यह श्रञ्जनश्चर কর্মচারিকে দর জন লরেন্স পঞ্চা নার প্রধান প্রদেশের শাসনকার উপযুক্ত লোক জ্ঞান করিয়াছিলেন !!

নিয়মবহিত্বত প্রদেশের কার্যাথ লীর ভুণভাঙ্গিতে চলিল। আজি ও এ এণালী অব্যাহত রহিয়াছে, ই অশ্চের্যার বিষয়। অধিকতর আশ্চ বিষয় এই, সে দিব্য প্ৰলিক অপি প্রকাশা রাপে ব্লিয়াছেন "ইং পীয়েরা এদেশীয়দিগকে যে প্র করেন, ভাহ। ভাঁহার অসুমোদনীয় ন কিন্তু যথন কোন ভারতব্যীয় এক ইংরাজকে প্রহার করিবে, তথন তা এত প্রহার করা উচিত, যে কেবল জীবনমাত্র থাকে !! '' কি গঠা! অভি.মান ! কি স্বজাতিপক্ষপাতি এই পত্র প্রকাশারূপে বলেন, "ই জেরা ভরবারিদ্বারা এদেশ জয় এবং ভরবারিদ্বারা 🛎 য়াছেন করিবেন। ইহাতে যিনি প্রতিবন্ধ ক্রিবেন, ভাঁহার সহিত বুকা কমিসনর কিছুতেই ১৭০০০ টাকার অধিক

। " ইনি এক জন অকপট পঞ্চা

সর লোক। ইহার একটা কথা আ

রা উচিড ছিল, তরবারি ছারা লাসন

ত গোলে তরবারি ছারা দুরীভূত

হয়। ঘাঁহা হউক, পঞ্চাবিদলের ঐ

নীতি হইতে পাবে বটে কিন্তু

থের সে রাজনীতি নহে। " জোর

মুলুক তার " এটা ত অনভ দিগের

মুলুক তার " এটা ত অনভ দুলিক দিল

মুলুক তার " এটা ত অনভ দুলিক দুলিক

ভারতব্যীয় গ্রেপ্নেটের -ভার্ধেয় ব্যয়।

বেধানে রাজা ও প্রজা উভয়ে এক

वनकी, रमशास्य ताका, यदि अवकात ति चिष्ठि वा इक्तित ऐस्मरण तामय ত ব্যয় করেন, তাহা অন্যায় হয় না। ক্ষিগকে আশন আপন অর্থব্যয় রা যে কার্য্য করিতে হয়, প্রণ্মেণ্ট ভাঁহাদিগের নিকট হইডেড অর্থ া ভাঁহাদিগের কর্ত্তর সেই কার্যা াদন করেন, ভাহাতে ক্ষতি কি ? উপকার আছে। কিন্তু যেখানে । ও প্রহা উভয়ে ভিরধর্মা-হী, দেখানে এ ব্যবস্থা ন্যায়াসুগত । এরপ ছলে প্রজাদিগের দত্ত **সর্থ** াদিগের ধর্মকার্যো বায়িত হয় না। কর অর্থ লইয়া অপরের কার্য্যসম্পাদন ্ অনাায় বাৰহার আর কি আছে ? क्रम लार्डरक्न व भवर्ग ब्ल्म बर्ल व भन ভ অব্ধি খৃটীয় যাজ কদিপের নিমিত চাবায় ছইতেছে। পৃক্তে এ নিমিভ ব্যয় করা হইত, তাহা হাততোলার য় দেওয়া হইত; কিন্তু একণে খুটীয় দক্দিগকে সাদ্রাক্ষ্যের এক দল প্রধান অপরিহার্য কর্মচারী জ্ঞান করিয়া त्रांत्रालय ७ रेमिक वार्तिस्कत नाग्रंय রজা সংকার ও সিরজার শোভা

সম্পাদন্ধ রাজ্বর বার করা হইতেছে।
পুলিষ কর্মচারী ও বিদ্যালয় পরিদর্শক
দিনের নারে পাদরিরাও সরকারী ধুনাগার হইতে পাথের পাইতেছেন। ইহাতে
যদি অনুরদর্শী পাদরিরা উলাসিত হন,
এবং ভাহাদিগের বাগিন্দির ইণ্ডিয়ান্চর্চ
গোলেই গিরজার সংস্কার ও শোভার্থ
সরকারী অর্থ প্রার্থনা করেন, তাহা আশ্চ
র্থার বিষয় নহে। এ বিষয়ে ডেলি নিউস
যে অভিপ্রায় ব্যক্ত করিয়াছেন, তাহা
পাঠকগণ শ্রবণ করুন।

डेक शब वर्णन, "इंखियान **एक** গেলেটের সদৃশ পত্র যে জীৰিত রহিয়াছে, ভদ্ধারা এবং ঐ পত্তের রাজনীতিজ্ঞতা দারা প্রকাশ হইতেছে ভারতবর্ষে খৃটীয়ধর্মসংক্রান্ত কতকগুলি বিষয় ক্রমশঃ ওরুতর হইয়া উঠিতেছে। পাদরিরা যদি খৃতীধর্ম প্রচারার্থ সরকারী টাকা ব্যহের অপবা এই টাকার গিরজা নির্মাণ ও গিরজার শোভাসম্পাদনের कथा उथानन करतन अवः वर्षमान मुखे-ধর্মের প্রতি অসুরাগ প্রদর্শন করাই যদি রাজনীতি হয় এবং এপিকোপালীর পুরোহিতেরা ঈশার প্রেরিড, পৃথিবীর ष्यात मकरण किছूरे नरहन, भवर्गरमण्डे अहे কথা বলেন, তাহা হইলে আমরা নিশ্চর विलिएक हि यमकल लांक अकरन अहे সকল দেখিয়াও মৌনাবল্যন করিয়া আছেন, ভাঁহারা স্বাভিপ্রায় ব্যক্ত করি ্বেন এবং ধর্মসভ্রেনায় লইয়া ইংলতে य अकार स्नजुन स्रेट उटह, अथारन उ रमहे श्रकात इंदर्य। " (छनिनिडेम स्य আন্দোলনের আশেক্ষা করিতেছেন, ইহার মধ্যে এথানে তাৰার আবস্ত হইয়াছে। हिन्दू ७ सूननभानिर्गत अन्छ ताब-স্বের ৩০ লক্ষ টাকা পাদরিদিগের নিমিত্ত बाग्न कता इत्र रकन १ ज्यानटकत मूर्य अह প্রশ্ন শুনিতে পাওয়া যাইতেছে। ভারত बटर्सत व्यथान द्वाटकता धरे काविशा

पृथी छार ब्याह्म स्थ मह ब्यम नरहर मृण श्यां का भागनकर्छ। ज्यां हा व्याह्म का मानकर्छ। ज्यां हा व्याह्म कर ज्यां मन करित्वन ना ; जिनि श्रम करित हो करें वह मकल निश्चमितक्ष का करित हो है वह मकल निश्चमितक्ष का करित है वह स्था लहें हो। त्यां नर्श करें हो। त्यां हो हो हें हो। विश्व हो हो हो। विश्व हो हो हो हो हो है। त्यां है। त्यां हो हो हो हो हो है। त्यां है। त्यां हो हो हो हो है। त्यां है। त्यां हो हो हो हो है। त्यां है। त्यां हो हो हो हो हो है। त्यां है। त्यां हो हो हो हो हो है। त्यां है। त्यां हो हो हो हो हो है। त्यां है। त्यां हो हो हो हो हो है। त्यां है। त्यां है। त्यां है। त्यां है। त्यां हो हो हो हो हो हो है। त्यां है। त्यां

কাৰলপুৰ সাহিত্য সমাজ।

সমাজ। যাঁহাদিলের যজে ও যাঁহা,দি প্রস্তাবে মুদ্রাবন্ত, সভা ও সম্প্রদায় ৫ ভির স্বাভিপ্রায় ব্যক্ত করিবার স্বাধী প্রদান্ত হুইয়াছে, তাঁহারা যে কতদূর দশী, কেমন উদ্ভাবনী শক্তিদল্পন তের হিটেডথী লোক, চিন্তা করিলে হ বিশাঃ রদে আপ্রত হইতে থাকে। ট বুল, জাহাজ বল, পুলিষ বল, বিচার বল, রাজ্যের রক্ষা ও শান্তিরকা ভির যতপ্রকার উপায় সৃষ্ট হইয় কোনটাই স্বাধীন মুদ্রাযন্ত্রপ্রভৃতির স ফলোপধারী নছে। বিপক্ষ রাজা স্ট ও সল্লদ্ধ হইয়া চকুর গোচর না হইলে ' দৈন্যগণ অংপনাদিপের উপযোগিতা র্শনৈ সমর্থ হয় না, কিন্তু মুদ্রাযন্ত্রপ্র বিপক্ষ রাজার মন্ত্রণাষ্ট্রে সংবাদ, হার উদ্যোগ বার্তা ও কোষদগুলতে জ তির সমাচার সর্বাত্যে আনিয়া দেয় ক্লের কোথার কি অন্যায় ও অবিচার उटह, श्रद्धाता मह ने कि व्यमस्रहे, प দিটোর মনোগত ভাব কি এ সমু **জা**নিবার মুদ্রাযন্ত্র প্রভৃতির **তু**ল্য **উ**ং উপায় আর নাই। যথন মুদ্রাযন্ত প্র স্থানীনতা দেওয়া হইয়াছে, তথন স বলা হইয়াছে, প্রজারা অসক্ষুচিত আপন আপন হৃদঃগত তাব

->00-

বে। তাহ্র। কোন বিষয়ে অসম্ভেট া যদি মনের ভাব মনে রাথে, তাহা থামে অভার অনপের নিনিত্ত হর। রৈবা োটক বাহিরে একাশ না , তাহা সাংঘাতি : হই া উঠে। কিন্তু রা একটা আপ্তরা দেখিতে হি,

া। দলে বিশেকে ইংরাজ দলে

। নাচ্দা। এরপ কতকগুলি লোক

হন, তাহারা উলিখিত লোক দিতৈঘী

মুতাং ব্যক্তিদিগের অলোক সামানা
বিল্ডিত মহোদার কার্থের মর্শ

সমর্থ নহেন। তাহারাই এদেশের

সর্বা, এদেশীনেরা কেহ কিছু নহেন,
শান্দিগকে চিরকাল জাহাদিগের

নত হইলা থাকিতে হইবে । এই

দিগের সংস্থার । ঐ দলের এক

দ কি বলিভেছেন, পাঠকগণ অহণ

দশুতি বা**র**তপুরের স*হিছা সমাতে* হ্রিপ্রসন্ন বনেদাপাধ্যায় বস্ত্তা াবলেন ''কছকঞ্লি নীচ খেণিয় প্রীকার উত্তীর্ণ হইরা এদেশে নে করেন। ঈশবরের ইছেলে ইহঁরে। চন লোকের উপরে এছুত্ব করেন, **छे.टा.निर्धात्र अवसाममा ७ उँ।हा.म** িতি যুৱা≏ক.শ করিয়াধাকেন : লগের উপ্তাহত শিক্ষীচারের শিক্ষা ও দ মটো ইর্টারা দেলের লেটেকর সময় বসুধতা প্রকাশ করেন সভাপতি বাবু কৈলাসচন্দ্ৰ বসু ·· ব্রিটিশ গবর্ণমে**ণ্টের ক্ষমতা** সন্য বিস্তু তাঁহারা আপনাদিয়ের র বেরূপ **অধ্যেগ করেন সেরুপ** ের মজার **অবেয়**ৰণ ক**রেন না**। (ব্রেগর একটা মহৎ পে:ব ও েই, ই :রা **এদেশের**

লোকে মুবেলি**চত ক্রপে শাসন কাম্যো**

জিত করেন না৷ **এ গার্ণনেতের**

নিমটে আনীর ও এথম জেণির লোকের কোনাপ্রকার সভুম স্থাক পদ পাইবার অশোনাই। মধে মধ্যে মধ্যম জেণির ছুই এक कारक छेव्छिक चात्रत नात्र छेक श्रम म्ब्रिश इस माज , हेहा लहेशा देवा चाड़बत করাও হইয়া থাকে। কিন্তু বিদ্যানিকা নিবন্ধান বছল পারমাণে লোকের যে গুণ িকশিত হইতেছে. ভাহা কাগ্যে প্রদর্শন করিবার কোন পথ নাই। ইছাতে লেংকের অভিশয় অসম্ভোগ জনিতেছে। षा, प्रश्नावाभितिरशत श्रञ्ज.वकः रच रेथया खन बार्ड जाहात वरण किছुनिन बहे অসচ্ছোৰ অভ্নেত থাকিতে পারে ২টে বিস্তু অত পর এত, সংস্কার ভাগ্নক অনি ষ্ট ঘটলা অভিনাম অকুল্যাণ উৎপাদন क्रिद्रव। इंश्वारक्षता यमि विद्युष्ठक इस ডাহা হ≷লে হয় বিদ্যাশিকা এক কালে वक्ष कक्षा, नटहर अटमभीविष्टिशत वर्षन শীল যোগাতা শাসন কাৰ্যো বিনিয়ো-জিত করুন।" বেয়ে ইগেজেট হুইতে ইহা উদ্ভ হটল। উহার সম্পাদক এদেশীয় <u>এই</u> মনোগভভাবপ্রকাশকে বিদ্রেক্তিতা ও অক্তব্জন্তা বলিয়া নির্দেশ করিরাছেন। কিন্তু তিনি যদি অনুধাবন করিয়া অপন নত ধাক্ত করিছেন, কখন একথা বলিতেন না। আংশক্ষিত বিপ দের হেতু প্রদর্শন করা বিডে:হঞাইন্ডি নহে। আমাদিধের দেশের ইউরে পীর ও নিঃমবহিভূতিপ্রদেশের শাসনকর্তৃ গণ এটা বুঝিতে পারেন না। তঁছোরা বিদ্যা শিখাইবেন, কিন্তু শিক্ষাবিকসিত গুণের অনুৰূপ কাৰ্যা দিবেন না. অথচ লোকে ভঃছ তে অসম্ভোষ প্রকাশ করিলৈ কুপিত ভইবেন। ইফার জুনা বিস্মাকর বা পার আর কি আছে ১ এই স্বভাবের ইউরোপীয় দল ও শাসনকর্ত্ত্বণ হইতে যে অনিকী হইল, লাভ ফানলির স্দুশ মহামনা শাসন কর্ত্তা এ দেশে আগমন না করিলে ইহার **প্রতীকার হওয়া** ভার।

বলদেশীর ব্যবস্থাপক সভা।
আমরা গভবারে এই বভার ও
বিত আইনের ছটা পাণ্ডুলেখার (
গহলে গবর্ণমেন্টের প্রাপ্য মালগুর
আদার করিবার বিল এবং চেকি
টাক্সনংক্রান্ত বিলের) প্রসঙ্গ
য়াছিলান; কিন্তু আমাদিনের ব
শেব করা হয় নাই। আমরা অন্য
লেখে প্রসূত হইলাম।

भाके हशन मर्खाट्य वज्रापनीय वा প্ৰ সভা আফ্ডি সংস্থানের বি একবার বিবেচনা করিয়া দেখুন। 💁 : চারি কোটি বাঙ্গালির প্রতিনিধিং চারিজনমাত্র ভারতবধীয় আছেন। ভবে কয়েক সহজ্র ইউরোপীয়ের নি লেপ্টন্ট প্ৰশ্র ভিন্ন আনুণ সাত ইউরোপীয় রহিয়াছেন। যথন ে এদেশীয়দিগের উপকার সম্বন্ধ ব কথ। হয়, তথ্ন ঐ সকল সভা দে সভাদিগের সপক্ত। করেন না; সুং ভাঁহাদিগের আপতি অগ্রাহ্য য পড়ে। कि स यथन এদে भी इमिर्गत प क्रिमयर्खा कथा इंग, उथन (महे हेडे পীয় সভে:রা তাহার অনুমোদনে ব্য প্রদর্শনে জাটি করেন না ভালি সাহেৰ যথন প্ৰতিবাটীৰ উদ্ধান ৫ টাক (পুর্বে ৪টাক হিল) স্থাপন করিবার প্রস্তাব বর্নন, ভ नटकाता भौत्र ६ इसा इ दिएलन । किन्छ প্যারীটাদ মিত্র বেমন ১০ টাকার প্রস্ করিলেন, অমনি ইওরোপীয় স্ক্র তাহাতে স্বস্মত প্রদান করিলে অন্নপূৰ্ণা এডফণ শুনিডেড পান না किन्दु (यहमाज वर्गनतम्ब ५ महित्न भ হয়, "বলিলেন, অমনি তথাস্ত বলা হই একলা পালি য়ামেণ্ট মহাসভায় রবিবা কল সকল বস্থা রাখিবার প্রস্তাব হ প্রতি শনিবার কল নির্বাণ করিতে হই

এই ধারাটী বিধিবদ্ধ হয় এমত সম

क्रम विरमपञ्ज मङ्ग विलियन এই क्ल निट्ड असीह नार्म। এই कथा তে ঐ প্রস্তাব বেরূপ পরিভাক্ত হয়, निर्मत व्यवकार्यक्तिगरक म्बार्यकात् মিশ দিবার কি এক জান লোকও ু কলিকাতা, ঢাকা ও পাটনা ব্যতি-क मानिक ১० छाका टांकीमाति छोत्रा য়া যায়, এমত বাটী বৃদ্ধেশে ২৫ থা অধিক নাই। রিবস 🚂 সন সাছেব এই য়ের তকের সময়ে ষ্পার্থ ক্রাই বুলি-হন, যে সমস্ত গণ্ডগ্ৰান আছে, তাহাতে ঃ ১৮৬৪ অকের ৩ আইন অসুসারে নিসিপাল কর আদায় ছইতেছে। মধ্যন্তিত আইন প্রচারিত করিবার কোথায়, ভাহা জানা বাইতেছে না। আমরা উপসংহারকালে বিনয়স্হ-র বঙ্গদেশীয় বাবস্থাপকদিগকে অসু-ধ কানাইতেছি, তাঁহারা উলিথিত াব দুটী পরিভ্যাগ করুন। উহা বিধি-চ্ইলে অন্যায় ও অভ্যাচারের পরি । थाक्टित ना। भागानात्य इंदर्शकः ার উপরেও ১০। ৮।৫ টাকা য়াকর ধার্যাকরা হইবে। এই সকল একবার ক্ষয়েনিহিত ছইলে পুনর্কার ারহিত করা বাকম করা যে কেমন রে কাণ্ড, যাঁহারা কথন আপীল লাছেন, ভাঁছারাই তাহা বলিতে নে। অতএক ঐ আইন করিয়া আমা র সৌভাগ্রেজি করিবার চেটার াজন নাই। আমাদিনের যে ছরৰস্থা , ভাহাই থাকুক। লোকে করে করে র হইয়াছেন। গত চারি বৎসরে কর বে অসম্ভোষ ক্ষারাছে, ব্রিটিশ জঃ হওয়া অৰ্ধি এক্লপ অনুষ্ঠোৰ হয় নাই।

-ঃ০ঃ-ভাক্তর ভোলানাথ বহুও বিজ্ঞা পনীর সংবাদদাতা। বৈজ্ঞাপনী সমচোরপত্রের ফরি**দপু**-সংবাদদাতার অবিস্বাকারিতা

प्राटक अक्षेत्र मधीकिकत घरेना इहेतारह ঘটনাতী এই, ডাক্তর ভোলানাথ বসুর निमा, उरहु अधिरांश ও निमाका-গীর দও। বাহাটেই ধন ও মানের হানি करा, व्यत्क शक्त भागि कतिरम स्माटकत স্বভারতঃই ক্রোধ জ্মিয়াপাকে। অভএর ভাক্তর বেকুপিত হইবেন, তাহা আৰু ৰ্য্যের বিষয় সহস্থা তিনি আত্মগোরব त्रकार्थ त्य व्यक्तितात कतिहारहम, जाहा অসু চত হয় নাই। তবে জাঁহার এই অনু চিত হইয়াছে, যোগ্য পাত্রে কোণ প্রকাশ করা হয় নাই। ২৬ এ কোতের ঢাকা প্র कार्य पृष्ठे रहेन, गरेबाममाठा वानक ; ১৭।১৮ বর্ষমাত্র-তাহার বয়ঃক্রন। দে वृष्तिकार्यमारक्ष्रं षश्च शम्कार विद्वकना না করিয়া ভাঁহার নিন্দাকার্যো প্রবৃত্ত इदेशिक्त मत्मर नाहै। 'मर ब्रागिङ থলুদোষমজ্ঞতা। গ বিজ্ঞ লোকে অক্ত বলিয়া বালকের দোষ 'অপ্রাহ্য করিয়া षांदकन। दिष्मितंष्ठः তাহার তাহাকে দক্ষে করিয়া ডাক্তর বাবুর নিকটে গিয়া ক্ষমা প্রার্থনা করিয়াছি লেন। আমাদিগের বিবেচনায় সংবাদ দাতাকে স্বদোষ স্বীকার করাইয়াবিজ্ঞা পনীতে আর একথানি পত্র লেখানই কর্ত্তব্য ছিল। যাহ। হউক, এ বিষয়ে আর অধিক বাকবায় করা আমাদিগের অভি প্রেড নছে। এতৎসংক্রান্ত যে একথানি পত্র অমানিধের হস্তগত হইয়াছে, এইছলেই তাহা পরিগৃহীত হইল। 🕝 লোকের হিত্যাধনের জনা বেসমন্ত

বিষয়ের সৃষ্টি হয় প্রথমিত প্রজ্ঞানরা ভদারা
প্রাপনাদিশের প্রষ্ট অভিপ্রায় সাধন করিলে
ক্রিপের ক্রেডিঅর উনর হয়। সংবাদপত্তের
প্রথমি উদ্দেশ্য এই বে যেসমন্ত দোষ ও
ভাত্যাচার সহরে সমাজের কি: বা রাজার
গোচর হয় না ভাহা প্রকাশ করিয়া ভংপ্রতি
লোকের বিরাগ জন্মাইয়া অথবা ভাহাকে
রাজশাসনের অধীনভায় আনিয়া ভাহার
নিবারণ করা; কিন্তু কভকগুলি অনিষ্ঠিয়য়;

অস্থাপরবশ, পরশ্রীকাতর নোকে
কল্যাণকর সংবাদপত্রকে বিপ্রীত উ
সাধনে নিশ্লোগ করে; অথাৎ অসতের বি
চেঠা না করিয়া ভাষারা সং বিষয় বা হ
জিকে ঘূণান্সাদ করিবার চেঠা পায়। ই
সংবাদ পত্র কেষল ইতাদর হয় একপ
সম্পাদকীয় কার্যোরও কলম হয়।

ময়মনসিংহে বিজ্ঞাপনী নামে এক

সংবাদ পত্ৰ আছে, এই পত্ৰে সংপ্ৰতি

প্রের এক অতি ভজ নায়বান্ কুর ব্যক্তির দানি পাঠ করিয়া আমরা যাহা নাই অনুখী হইলাম। ডাক্তর ভোষ বস্থকে এপ্রদেশে য় অনেকেই বিশি কানেন। কলিকাডার মেডিকেল কারে বে চারি ছাত্র প্রথম ইংলতে গিয়া চি. বিদ্যা অভ্যাস করেন, ভোলাদাথ বস্থ দিগের এক জন। ইংলগুরি চিকিৎসা বি রেঃছ অর্ণিগের সহিত এতিছনিদুতা অতি উৎকৃষ্ট পরীক। দিয়া প্রতিষ্ঠ করেন, এবং ডাক্তর অফ্চ্মেডিনিন উপাধিয়ারা অলক্ত হইয়া ই ভাষায় বিশেষ ব্যুৎপন্ন ও চিকিৎসার্গি পারদর্শী হইয়া স্বদেশে প্রত্যাগত হন। প্রথমে কিয়ন্দিন স্থকেশপ্রীট ডিলে রির স্থপরিন্টেণ্ডেন্ট পদে প্রতিষ্ঠিত ख्थांत्र व्यत्नक व्यत्नक उँ९क हे दहा श ाट ক,রয়া আপনার চিকিৎসা বিষয়ে বৈচন পরিচয় প্রদান করেন। অনন্তর গুক্ত रेमनिक्षिरभत्न हिक्टिमः कार्या निद्यो ছন, তৎপরে তনোলুকে আইদেন, শেষে ফরিদপুরে প্রেরিত হন। সর তিনি এধান পদে অধিকচ্হন, অ অপর কোন চিকিৎদাকর্মচারীর অ কার্য্য করেন নাই। একংশ অভিক্লিড 🖲 সম্ভাদায়ে ৷ উচ্চতম শ্রেণীভূক্ত ইইয়া খত টাকা বেরন ভোগ করিতেছেন। ডাক্তর হড় নিজ ব্যবশায়ে যেমন

শৃত চাকা বেরন ভোগ কারতেছেন।
ভাজর বস্থ নিজ ব্যবসায়ে যেমন
ভোজর বস্থ নিজ ব্যবসায়ে যেমন
ভোলর কারিক সচ্চরিত্র ধীরপ্রকুর্ন
পরোপকারী। যথে স্থানে কর্মা করিয়া
ভক্রতা লোকদিগের অনুরাগ ভাজন হর্
নেন। গ্রণ্মেন্টও তাঁহার কার্যো সন্তুর্ন
য়াছেন। অন্যান্য অচিক্লিডডাজর অর

া চিকিৎসা নৈপুৰা অধিক বলিয়া প্ৰায় ৎদর কইল, সেক্রেটারি অফ ঠেট াবেত্নরুদ্ধি করিয়া দেন ৷ কুরিলপ্রে প্রায়ে দশাবংসর আহেছন। এটাবিং মধ্যে আমরা ভীহার হুখাতি আর বিচুঠ শনি নট; কিন্তু ্ৰভাপনীৰ " সংবাদদানার হ ট্রান্দ্র কৰে। শুনিয়া আমাদিণের অতি র, রুহছা জে আরুর ছেছে। কলে এই পাসংকাদি ^১ শা∻াৰটী পাছিয়া আমিবাসামা এটব্রিলাম যে তিনি ডাজর বহর করিতেছেন, কিন্তু ভাঁধার যুক্তিও যাগের ভাবে হারয়জন হওয়া কভি া প্রথমতঃ তিনি কহিয়াছেন ডাজের 'ওর' ঠা রোগীদিসকে পার্যামাণে গোকরিতে বাসনা করেন নাহি 🗥 গ্ৰার ভাৎপৰ্য্য কি, আমরা বুকিতে লাম না। ওলাউঠা চিকিৎশায় কি উক্ত র ত্পটুটু অধুনা আমাদিগের দেশে নাউঠা রোগেরই স্ধিক গ্রান্তভাষ এবং ংসককে যত রোগী দেখিতে হয়, সালার ওলটিঠা বোগীর সুখ্যাই অপিক: ব যদি ভোলানাণ বহু অধিকাংশ া চিকিৎধার অসমীতা নিব্রা বিমুখ

.स. छोडा बदेखा (७) ১৭ **त**रभत क्षतः। ম পদস্থ বাকিল প্রথমেন্টের নিকটে গ্ৰাস্থাৰ হওয়া নিড;ত অংশতাৰিত া ডাঙা নিয়ে মধ্যে এক এক জন ध्यः द्वारभव । इतिष्यातः विदयम मिश्रावः নৰটে কিন্তুদেই প্ৰযুক্ত ভাঁহারা াবোলের চিবিংসায় পরাওমুগ্রম, কংন ওলা বায়নাই। হাহ।হউক, ় বহু অপেক। যে বালালি ডাজরের। উঠ। রোগের উত্তম চিকিৎসাকরেন, চণাটিতে আনািলের বিশেষ কৌভূৎল াছে : অপর, "সংবাদদাতা , কহিয়া ভালর বয় চিতার **ফল ও ইন্দেশ**ৰ ুলা উঠা বোগের চিকৎসা করেন। হয়, 'স্বাদ্লাত: " এ ক্যা **কাহার** ভূলিয়া লিখিয়াছেন, তথবা এক ভূনিতে শুনিয়া চিরালার জল লিখিয়াফে ল

ন ইত্রেষৰ ব্যবস্থির করা **সমস্থাবিত** 🖯

নহে। এ ওষ্ধ ওলাউঠা রোগের প্রতীকার। একটী মৃত কুরুর ভাগাড়ে কেলিয়া হয়। আমরাও জানি ডাজের **বহু কেবল** পেঁতে দেখিয়া চিকিৎসা করেন না ভিনি বিভঃর অসুসহান করেন এবং যে স্থলে সহজ प्तर्मक छिष्ट्स छेशकात इस दम्दर्शन, टम ऋटन বিদেশীয় ও শক্ত উষধ প্রয়োগ করেন না। " শংবাদদাত৷ ৷ বোধ হয় ই রাজী চিকিৎ শায় বাজলা ঔষতের ব্যবহার বুঝিতে পারেন न।, जिनि इस उठान (ग, यमि नूब र्माष्ट, ५०क है छेत्रम रमवन, विभ आसाम, जहीरक स्वरम স্তারা বেওয়া অপরিমিত জলসেক এড়তি করা হয়, তাহা হইলে জাক হয়, নতুবা অল মাত্রায় সামান্য ঔষধ এক এক বার দিনে চিকিংসার ধুমধাম হয় ।। ভাঁহার মতে োচিকিংলাকরানাকরাসমান। "সংবাদ দাতা "চকিৎনক হইলেই এতুল হইত, তাহা হইলে আর ওলাউসার অপোকা পাকিতন । বাধা হউক ডাভের বসু; ও ফরি ৰপ্রের '' মস্ত মস্ত ,, সাংহর দিগের কি আশ্বা কুৰা। আন কি শত প্ৰাণ কলিকাত, হইতে এেডি ধাব ীয় ওদধটা ভাঁহারা কএক জনে খাইয়া ফেলিটেছেন, আর খাই-

এক জন ইংরাজী কবি কহিয়াছেন যে. অসুরা ছারার ন্যার তুলিগণের পশ্চাক্ষাব্যান হয়। কিশু ছায়া .দখিলে যেমন ককুর অংশফু: হয়, তেমনি নিশ্ব। শুনিলেও প্রতীতি হয় যে, শাহার সমকে নিন্দ। হইতেছে, ভাগাব ভাব শ্যই গুণ গাকিবে। অপর, গুণিগণের নিন্দ। করিলে নিক্,কারিরই মুচ্ত। প্রকাশ হয়। যেমন এইণ সময়ে স্থানির আকোক ভিরো-হিত্হইলে যংকভৃক কুৰ্য্য ডাফ্ছলহয় ্ অর্থাৎ পৃথিবী) তাহারই অক্ষ্তুতা একাশ পায়। হুৰ্য যেমন স্বস্কৃত জ্যোতিকায় পদাৰ্থ তেমনি থাকে।,, আং এব ভোলানাগ বহুর য়ানি ভনিয়া আনাদিণের ভাঁহার প্রতিযে ভেজিক ও আৰোজাছে, ভাহার কিচুমাত্র বৈলকণ্য হইল না, কেবল বিজ্ঞাপনীর প্রতি জন্ত্ৰকা জন্মিল।

য়াও বঁটিচেডছেন : !!

সিবিল স্থিমি ও মহাস্ভা। वक्षा वक वांकि वक शांगलाक

আসিতে বলে। পাগল উত্তর করি নে অতিশয় কুধার্ত হইয়াছে; আহা পর কুকুরকে ভাগাড়ে কেন গন্ধায় লিয়া আনিতে প:রে। কুকুর স্বামী नदक প্রচুররূপে আহার করাইল। प নাত্তে পাগল জিভ্ডাদা করিল প কু কোথায় ? কুকুরস্বামী স্থান এল ক্রিলে পাগল বলিল প আমা হ এका**क हरे** दिना की कु আমিদেশীয় কুকুর ভাবিয়াছিলায আমানিগের বর্তমান টেটবেনকো দর ফাফোডনর্থকোট ভারতব্রী গকে দিবিল দৰ্কিদে ভবেশাধি দিবার অজ্বীকার করিয়া কাজের ঐ প্রকার বিলাভী কুকুরের আ উত্থাপন করিয়াছেন।

> हेक्टेहिं छशान चारमाभित्यम्दनत গণের জাবেদন প্রবণ কালে সর 🐯 ভনর্থকোট দিবিল দর্কিদের উল্লাটন করিবার অস্ট্রার করি: লেন। ইউইভিয়ান আনেনসিয়েদন এদেশীয়দিগের নিমিত্ত কয়েকটী স্তন্ত্রিল স্ক্রির পরী ক্ষেক্টী ছাত্রহতি স্থাপন করি প্রস্তার কবেন। 🕶 আর্থি উভ প্ৰস্থাৰই আহা কৰিছে এস্তাই আ कोरकाफनर्थरकाठे व्यक्तांत्र এই ক্থা বলিয়াডিলেন। এই স'জে লও:নঃ নায় কলিফাছা বোষা মাজাজে পরীকাকরিবার শ্রস্তাব য়াছিল। দা ফাফোর্ড বে ভাবে : দেন, তাহাতে এর শ বোধ হইয়া এ প্রার্থনা পরিপুরণ করাও তাঁহরে ভিনত নছে। এখন কাজের সময় হই কিন্তু এখন বিলাভী কুকুরের নাায় মিহা আ'পতি উপস্থিত করা হইয় অধ্যাপক ফানেট কলিকাতা বোৰ মাক্রাজে পরীকা গ্রহণ করিবার বি

व्यव कमत्म शकाव कतियाहित्वन, वरणम अविवरत द्वारमत स्विधा ভারতবর্ষীরদিগকে অন্য কোন াদেওয়া হইতেছে না। দিবিল ক্ষিদ্নরগণ লওনের প্রীকার্থি ক যে প্রশ্ন দিবেন, সেই এশ্র ভারত প্রেরণ করা হইবে। উত্তরগুলি তে প্রেরিভ হইলে অন্যেল্য পরী রি নাায় ভারতবর্বী হিপেরও উত্ত काशक्र छनि (पर्थाः इंट्रेंट्रा श्रीकः। র নিমিত তিন সহত কোশ বাওয়া লর সাধ্যায়ত নছে; বেখানে ফলের য় নাই, দেখানে কয়জনে এত টাকা করিতে সমত হইবেন ? ভারতবর্ষে না পরীকায় উত্তী**র্ণ হইলে ত**ংপরে তব্যীয়েরা অনায়াসে হয় বংসর তেও অবস্থান করিয়া অবধায়ন ও হ্ম দর্শন করিতে পারিবেন। এই কথা য়া শেষে তিনি বলেন বৃদ্ধি ও বিশ্যাতে তবর্ষীয়ের৷ কোন প্রকারে ইংরাজ ার অপেক। নিকৃট নহেন। উঁহো ার ধর্মনীতিও উংকর্ম শ্রাপ্ত ইই হ। উচ্চপদত্ব ভারতবর্ষীরের। বরাবর াতি সহকারে **কাজ ক**রিয়া **আসি** ছন। তিনি এই বাক্যের সমর্থনার্থ ন লাড বেণ্টিক, সর জান মনবের েন্টকাফ ও সর বার্টল ফ্রিনেরও মত।

থধাণিকের বক্তা শেষ **হইলে কর** ব,লগান সাচ্হের গাডোপান করিয়া লেন, ভারতবর্ষে পরীকা হ**ইলে** ভারতবর্ষীয় পরীকোতীর্ণ **ইইবেন,** ইউবোপীয়েরা ভাঁহাদিগকে পারিয়া रिवन ना। किन्छ किवल तुन्ति ও विमा কিলে কি হইবে ? ভারতবর্ষীয়দিণের নীতি অনেক নিকৃক। তঁ।হারা উৎকোচ থিলে লে;ভ সম্বরণ করিতে পারিবেন । বিদ্যা বুদ্ধি অপেক্যা দৃঢ় ধর্মনীতি

জ্ঞান গিবিল সর্বিদে আবশ্যক। ইহা **खांत क्वरीं प्रक्रितित नाहै। अहे कांत्र**ण किनि करमहे मारहरवड शकारवड मः रमा ধন করিয়া বলিলেন, জ্ঞারতবর্গীয় প্রবর্ণ মেণ্ট মধ্যে মধ্যে উপযুক্ত অচিত্নিত ভার ভবর্ষীয় কর্মচারিদিগকে চিছ্তি পদ প্রদান করিবেন, এই নিয়মট উত্তম।

সর ফাফ্রোড় নর্থকোটও ঐ স্বরে গান করিলেন। ইনি চতুর লোক বটেন। ইহাঁর কৌশল এই, ইনি আপনার অভীক সিজ করিবেন অবচ কাহাকে বিরক্ত করিবেন না। ইনি বলিলেন ভারতব্যীয় গ্রণমেণ্টের মত জিচ্ছাদা করাতে ভাঁচারা ভারতবর্ষে পরীকা লইবার প্রতিবাদ করিরাছেন। ভারার ভারতবদী দিগের ধর্মনীতির দুর্বলভার আপত্তির সঙ্গে সঙ্গে আর ছুটা আপতি করিয়াছেন। ভাঁছারা বলেন, লিখিত পরীকা যেন ভারতবর্ষে হইল, বাচনিক পরীক্ষা কিরুপে হ্ইবে ? আবে কলিকাতা, বে†মাই ও भारताटक भंशीका इहेटल नाशभूत नारको ও লাহোরে না হয় কেন ? সর ফাফোড नर्थटकां है जे के किया स्मिटन वटनन. "আমি বাচনিক পরীকা সর্কাপেকা আবিশ্যক জ্ঞান করি।" পাঠকগণ! এটাকি দেই "বিলাডীকুকুরের" আপাপতি নয় ? এতকাল পর্যায় আমিরা বাচনিক পরীকার এত গুরুত্ব আছে क्रानिएड शर्ति नाहे। व्यामापिएतत विश বিদ্যালয় ইহাত ত্যাগ করিয়াছেন।; हेर्टि ७ त विश्वविद्याल समृद्र हेरांत প্রতি অনাম্যা অমিরাছে।ফলতঃভার তব্যীয়দিবের স্থত্ন লোপ করিবার সময়ে সকল আপিডিই গুরুতর হয়। অনম্বর সর कोटकाफ नर्यटकां विनटलन, विवित्ति য়ান'লাছেব যে প্রস্তাব করিয়াছেন, ভাহা তিনি মৃতন ভারতবর্ষীর বিলের এক ধারার অন্তর্গত করিয়াছেন। অতঃপর 🔄 প্রস্তাব ও সংশোধন প্রস্তাব পরিভাগি

করিবার অসুরোধ করা হইল। অধ্যাপ करमें विलिटलन, यथन मून निवर्ग औं ह সহিত ফেট সেকেটারির মতভেদ না ভখন কেবল সময় লইয়। আপত্তি ক তাঁহার অভিত্রেত নহে। অন্য না হউ করেক অব্দ পরে যথন ভারতবর্ষে পরী ইইবার সম্ভাবনা আছে, তথন এ প্রস্ত

পরিজ্ঞাগ করিবার বাধা নাই। সর ফ্টাক্ষোড নর্থকোট ভারতবর্ষ শাসনকর্তাদিগের কুহকে যে পড়িয়ালে তাহার সন্দেহনাই। এখানে এখ সকল ভারই দিবিলিয়ানদিগের উপ অপিতি রহিয়াছে ; ইহাঁরা দেখিতেয়ে কার্য্য স্থলে জারতবর্ষীয়ের। ইহাঁদি উপরে প্রাধান্য স্থাপন করিয়াছেন। এব বিদ্যা বুদ্ধির আপেভি চলিবে এই নিমিত নানা অকিঞ্হিকর আগ করিয়া প্রভিবন্ধকতা করা হইতেছে। যে অসুচিত কাৰ্যা, ভদ্বিয়ে সন্দেহন भागनकार्या एकछा, व्यथ्यनाम ७ व সের প্রয়েকন। বিচারপতির স স্বাধীনজ্বর হওয়া উচিত। আ তাহা অস্বীকার করিনা। এদেশী গের কি এ সকল গুণ নাই? এডে য়েরা ত শাসনভার পান নাই ৷ যেখ কিঞিৎ পাইয়াছেন, সে খানে উচ্চারা যথোচিত গুণও ক্ষমতা প্র कहिर उर्द्रम मा १ रव का उर्दिक अ করিতে হইবে, ভারতব্যীয়েরা জাতির অন্তর্গত কিনা ? আগনাদি আপনারা শাসম করিতে অসামান্য নের প্রয়েক্তন রাথে না। এটা এ ঐশ্বরিক নিয়ম যে প্রত্যেক জ্বাতির ल्लारकता आधार्मानरभद प्रभीत (मिश्राक व्यवादारम नामरन दर्श পারেন। এক জন ইংরাজ পর্ক व्याक शानिविशास महत्व मांगान ता পারিবেন না ; কিন্তু এক জন আয मक्तात् व्यमायातम शातित्वन । याहा দেশীয় ব্যক্তিরাক্থন সেরূপ জানিতে रिवन ना !

ধর্মনীতি সহজে যে আপ্তিকরা ইনাছে**, তাহা সাতিশয় অকিঞি**ৎকর। তদেশীয় বিচারপতিগণ যদি উৎকো র লোভে সম্রণ করিতে নাপারেন, द्य **अथन (र अकल विচারালয়ে এদে**শীয় চোরপ**তি আছেন, দে খানে** কি বিচার ক্রের **হইভেছে : যাঁহার। মু**ণেফ সদর ানীন এভ ভি পদস্হ হইয়া উৎকোচ ইতেছেন না, উঁছোরা সিবিল দ্বাণী नम् इड्टल উৎকোচগ্রাহी इड्टिंग, হার জুনা**বিপ**রীতবাদ **অংমর৷ক**থন व्यक्ति नाहे। व्यर्थित मक्त इंहेटल বাক জুঃস্বভাব পরিত্যাগ করে, ইহাই সিদ্ধ । সিবিল সর্বাণ্টদিগের যথন বেতন পে ছিল, তথন তাঁহারা **ভূচখে**:ব্ৰত **ংকোচ লইয়াছেন, এখন বেছন বৃদ্ধি হও** তেঠ সে জ্নমি অনেক দুর **হইয়াছে** । नि अनुध: यन कतिशा (मधा यात्र, अरम ীয় ফুডবিদ্য কর্মচারিরা ইউরোপীয় চিছ্নিত কর্মচারিদিগের অনেকের পেকা বছগুণে, শ্রেষ্ঠ। অচিহ্নিছ উরোপীয় কর্মচারিদিগের অধিকাংশ ংকোচ লোভ সম্বরণ করিছে পারেন ।। আমরাসর্ঘা শুনিতে পাই, অমুক বরসিররকে পুনর্বার রেজিমেন্টে তেরণ রাগেল। ইহার এক্ত অর্থ কোন্ া**ক্তিনা বুঝেন** ৷ পুলিষে যত ইউরো রিকে দেখা যায়, তাহাদিগের অভি িশ উৎকোচআহক। পয়সা দিলে তকরা৯০ জন ইউরোপীয় চিকিৎস

রে নিংটে সুঙ্শরীরে - পীড়ার রা**ট**ফি

টি লওয়া যায়। যত ইউরোপীয় মিউনি

পোল কর্মচারী আছেন, ইহাদিনের

ধা অপ্প লেকে উৎকোচ গ্রন্থ করেন

হিত সকলো বাস করা যায়, ভাহাদিলের বিহি। তথাপি রামরত্ব রায়, আমাণনাম ীতি নীতি ভাব ভক্তি যেমন **জানা যায়, চৌধুরি এতৃতি জমীদার্দিগের খ**তা व्यद्मवन कतिरण व्यदमक माकिर्द्रिष्टे छ জ্ঞকের সর্দার বেছারার নামে ৩০,০০০। 80,000। ৫०,००० होका "वक्तिन" বলিয়া থরচ লেখা দেখা যাইতে পারে। ইউরোপীয়দিগের ধর্মনীতি আমাদিগের অপেকা উৎকৃষ্ট তহো আমরা আর স্বীকার করিতে ইচ্ছ নহি, বরং বাণিকা প্রভৃতি বিষয়ে ইউরোপীয়দিগের ধৃর্প্ত তাই অধিক প্রকাশ পাইতেছে। নিয়ম বহির্ভ এদেশের বিস্তর ইউরোপীয় কর্মচারী গুপ্ত া-কর, ইহা কি গ্রর্ণমেণ্ট অস্বীকার করিতে পারেন ২ দুইজন প্রদে শীয় শাসনকর্ত্তা গোপনে নীলের চাবে লিপ্ত ছিলেন, ইংা কোন ভারতব্যীয় ना कारनन ? चामता छ्ःथं प्र∉कारत ७३ শকল জুগু*প*সত বিষয়ের উল্লেখ করি লাম। যথন জাতি সংধারণ স্বত্ব লইয়া কথা, তখন চুপ ক্রি বাকা যায় না। তবে এতেদ এই, আমাদিগের মধ্যে কেছ মনদ লোক হইলে আংমরা তৎক্ষণাৎ তালা প্রকাশ করি, ইউ রোপীরেরা পরস্পরের দোব গে:পন করিয়া থাকেন। আমরা মুক্তকঠে বলিতে পারি যে বেতনে এতদেশীর কর্মচারিপণ সাধারণ্যে সাধুতা এদর্শন করিতেছেন, দেই বেডনে অম্পই ইউ রোপীর সাধুভাবাপর থাকিতে পারেন। যদি অচিহ্নিত কর্মচারিদিগের পরস্পর (तत जुलना कता बाग्न न्या कृष्ठ इहेटव, এদেশীয়েরাই সাধুতায় প্রধান। কেবল उंदरकार नहेरलहे व्यवाधुका इहेन এরপ নহে। অসুরোধও এক প্রকার উৎকোচ। এক জন ইউরোপীয় অপরাধ করিলে অন্য অন্য ইউরোপীয় তাঁহাকে म ७ रहेट अ भू क कति बात (ठ छो। भान, এবং অধিকাংশ ইউবোপীর বিচারপতি । जितिन नर्ता के नरत का का का का कि कि कि भी तिर्देश में कि में के कि ना ।

(यथार्टन मर्थ एव (नर्थार्टन नामाना म মাত্র। ইহা কি অনাধুতা ক্ষতে ও এদে কি ভারতবর্ষীয় বিচারপতিদিং আছে ? ধর্মনীতির আপত্তি যেন আ না করা হয়, ভাষা করিলে ভারতবরী গরণমেন্ট চকিবেন এই মাত্র। আম अकर्ण मत स्मन लाइ स्मारक कर्धकि है। জিজ্ঞানা করিতেছি। কোনু ব্যক্তি চক্রান্ত করিয়া সর ছেনরি কারেক্স লাহোর হইতে বহিজ্ত করেন ৭ বিয়ে ছের সময়ে সর রবার্ট মৃত্রগমারি, সে পতি নিকল্মন, সর হারবার্ট এড ওয়াত ও সর সিডনি কটন স্ব্রোপেক। অধি কাজ করিয়াছিলেন কি না ? তথা কোন্ব্জিন সকল যশ এক চেটিয়াকরি লইয়াছেন ? ভারতবর্ষীয়দিলের প্রদ कत भ की। धर्म श्राहातार्थ वाग्र कता देशि কিনাণু এণ্ড লি স্পাট অধ্যানা হট ধর্মনীতিদঙ্গত কার্য্য কি নাণু ভার বর্ষীয়েরা যথন শারীরিক বলে হীন, তং ত মন্দলোক আছেন, কিন্তু যাঁহার। ইহা গকে মন্দ লোক বলেন, ভাঁহাদিলে কর্ত্তব্য ইহাদিগের প্রতি দোষারে कतिवात शृंदर्भ डांशिमिट्रंगत निरुष প্রতি দৃষ্টিপাত করেন।

मूनकथा अहे सहेटल : हा हुई हा জন ভারতবর্ষীয় সিবিল সর্বিদে প্রবে করেন তাহাতে ব্রিটিশ গ্রণমেনে আপত্তি নাই ; কিন্তু অধিকসংখ্যক লে অবেশ করেন, ইহা উাহাদিগের আ প্রেড নহে। পরীকার প্রথা হই। ভারতবর্ষীয়দিগের প্রাধান্য লাভ হই मर्प्पर नारे। मूट्यक मनत्रवामीन ध **जित शम शतीका मित्रो ल**≹टि इस दिन पि उत्रांनी विष्ठांत्र कार्याः इक्रेरतार्थे অতি **অস্প দেখিতে** গাওয়া বায়। ডেপু मानिद्धेरिक शर्म लाक निवृक्त क शवर्गामा अवस्थित । प्रकार करार

ইউরোপীয়ই অধিক দৃষ্ট হন। অত

কার প্রথা প্রবৃত্তিত না করিয়া গিগভাব গ্রব্দেন্টের হস্তে থাকিলে শীয়েরা আর কিছু করিতে পারি না, এই অভিপ্রায়েই ঐরূপ করা হছে। ধর্মনীতির আপতি অপদেশ

A CONTRACT OF PARTY AND ADDRESS OF THE PARTY A

विविधमः वाम ।

২৭এ এ জৈ ঠে সেম্বর ।

ক্ষের নথাৰ ইংলত্তে **আগীল ক**রিভেচেন। :शरकर्देत्र मण्यापक विष्ठां जनरङ्गे विष्ट्रा हेत इहेशाइन । बारतहेत अक सूर्व भुष्टक ণ করেয়া ব'লয়াছেন, ক্ষীবাবের বিক্তির যে रदाल कहा इद्र, फिलि उधियस व्यवसाधी ় লাক্ষার ঠাকুর নবাবের মন্ত্রী হাকিণ্ থার্গীছের সংহত সাকাৎ করিতে গন , কিন্তু হাকিম পীড়িত থাকাতে াৎ করিতে অসম্মত ধন।ইহাতেঠাকুর • ६६४४ वलपूर्कक वाजिखाः ३८५३ व्यक्तिमाय । এইট্রেগ্র নিবারণ করিল। ঠাকুরের ার সহিত নত্রীর, লোকেব লাকা হহর। । দলের কমেক জন পরিধার **হত হয় এটি**ং । ইংাদিগের সংহত প্রাণড;ার করে্নী। । ব'লকেছেন, ভাষার চরিত্রের বিষয়ের অিলুস্কান নাকরিয়া পদচুটিভর আবজহা । ১ইয়াচে: পীট্ডত প্রীহার ন্যায় এই সম ্কঃ লোকের বিশ্বাস হওয়া ভারঃ নলেয়ার বন্দরের নিমেন্ত বর্ষে বর্ষে ৬,৫৮*,*

কে। লোকের বিশ্বাস হওয়া ভার।
বিলয়ার বন্দরের নিমেন্ত বর্ষে বর্ষে ৬,৫৮,
টাকা বায় হয়। ইহার মধ্যে কয়েদে ও ভাহা
র পরিবারের ভরণ পোষণার্য ৩ লক্ষ্ণ টাকা
। কৈনিক্তিগের জনা ৪০,৩৩৬ টাকা ও
কার্ষেরে নিমিন্ত ৮৪,৪৩১ টাকা ব্য়য়। আন্দামানের রাজক্ষ ৫২,৭৩৬ টাকা হই
। যেসকল কয়েদি সক্ষ্রিক্র, ভাহাদিগকে
রেপরাপ ভরণপোষণার্য কিছু অধিক টাকা
। হয়। প্রভাকে ইউরোপীয় কয়েদী ৩০
ও এতদ্দেশীয় কয়েদি ৮ টাকা পাইয়া
। সক্ষ্রিক্র হইলে পুর্মোক্ত লোকেরা ৪০।
এবং শেষোক্ত ব্যক্ষিত লোকেরা ৪০।
বহং শেষোক্ত ব্যক্ষিত লোকেরা ৪০।
পায় । আন্দামানে গিয়া অনেক
লিম্বান ভেমনি আছে।
। যেমন ভেমনি আছে।

য়ভারতবর্ধীয় টাইমস প্রবণ করিয়াছেন, চাড টেম্পুল ঐ প্রদেশের লেপ্টনান্ট গ্র ইয়া শীগ্র গ্রম করিবেম। ইচ্ছা এই রূপ কাজে যেরপ ইউক।

রেনিয়র থলেন, রাজনীতিসম্বন্ধে ফরাশী । ইউভয়ের তুলা অবস্থা। ভিন্তরা বংহার । বাসনায় গোলযোগ করিভেছেন, ফরা ভাহার আশা করিভেও সাহসী হন না। কি ভন্ম'ণেরা যাবভীয় উচ্চ পদ গ্রাস বসিয়াছেন, এবং ফরাশীরা কেবল নিকৃষ্ঠ লি লইয়া আছেন?

ভিৰিয়া বাস্পীয় কাহাজের জেমস কাৰেল।

नामक अक वृद्धि व्यक्ति सामक इक्षिनियुत्तरक भिष्यम बाता १६ मि कहिताद (ठड्डेन भारत्याद साहारक (मित्रहान भवर्गन कहा हहेताद्व । स्वर्धी अस्पर्धी केस्ट्राइ हेरतास, मुख हहेता. स्वादक वर्षीरयुता हेरतास्मान्यका (माय स्वर्धान स्वर्धान भारत-राम, अस्टाम अविद्वहमा कहा हम कि मा, मिथास यस (कोस्ट्रहम स्विद्याह)।

ভারতবর্ণীয় বেল এয়ে কোম্পানি শসট ছাড়ি ধার সময়ে ঘাটা দিবার এক সাক্ষেত্রিক নিয়ম কর্মানেন । প্রতি আন্ত ভায়ে ঘাটাগুলি টাক্লান থাকিবে। শকট ছাড়িবার গাঁচ মিনিট পূর্ণে থামিয়া থামিয়া ঘাটায় আঘাত করা করে। প্রতি আঘাতে তিনটী শব্দ হইবে। শকট ছাড়িবার অন্তি পূর্ণে ক্রণ্ডেরপে আঘাত করা হট্যে এবং ঐ প্রকার প্রতি আঘাতে তিনটা শব্দ হইবে। এই প্রকার প্রতি আঘাতে তিনটা শব্দ হইবে। এই প্রকার প্রতি আঘাতে তিনটা ভাল, কারণ দুর্গ্রিত বাজিরা টিকিটের ঘাটা কি শকট ছাড়িবার ঘাটা ইলা বুঝিতে না পারিয়া অনেক সময়ে মিথা। কষ্ট পান।

প্রলিক ওপিনিয়ন কাবুল হইতে সংবাদ পাইয়াছেন, অভিম খা কয়েক জন সন্দায়কে পুনর্কার বই করিয়াছেন। নিয়ারকালির মুস্ক হত হইয়াছেন! কাবুল গ্রহণ করিবার নিমিত্ত সিয়ারকালি বিশেষ উদ্যোগ করিতেছেন! আজিম খার পুত্র ইসমাইল খা ও উদ্যোগিই প্রতিতেছেন, না। সংবাদদাতা বলেন এবারে বেপ্রকাব শোণিত পাত হইবার সন্তা বনা, এক্সপ একবার ও হয় নাই।

উজ্জ পত্র বংলন, বোখারার রাজার মৃত্যু সংবাদ অমূলক।

हेफ शहा नि चिक इहेग्राह्म. मण्यकि हल-जाता ननीटक अल्बानि (नोका क वि इहेग्रो मन् जानत मृद्धा इहेग्राह्म। श्रकारित कामर्ग श्रु नर बहे (मोकांगानिक भीन (निर्धिण कारतार्थ लहेटक नित्तम कांत्रप्राह्मिता। छथाशि आप्र २०० कारतारी लहेता माला (यमन श्रोत इहेटक क्यांगि छोड़ा क्यांगि हिंदक हिंदिक क्यांगि छोड़ा क्यांगि हहेन। कथाग्र (क्यन निर्धम कतिया श्रीलय श्रह्मीत निक्षित वाका छिष्टिक हम् नाहै!

भक्षात्वर इंडि ताभीम ऐकी त्वतः रिक्षाः (इ.स. होशांता अक्टरम्भीम विद्याद्वशिक्षिणः मिक्टें अकामणि किट्टिम मा। कि अध्यातः!! किक् कार ?

বছদেশীর বংবতাপক সভা মুত্র মিউনিসি পাল বিলে স্থিব করিয়াছেন, প্রতিবংসর না করিয়া তিন বংসগাজে করের পরিবর্ত কর চইবে। এটা কুমারহয়েশ্রক্তের প্রত্যাবাহুসারে হয়।

" বোধাইয়ের এক ময়গানে পাবসী বালকের'
সূক্রি খেলিয়া খ'কে। সম্প্রতি একটা গোলা
ভটাও এক ইউরোলীয়ের বাটীতে পতিত হও
য়াতে পুলিষ বালকদিগকে ঐ স্থানে আর ষাইতে
দিতেভেন না। বোধাইয়ের প্রধানকম বিচারা
লয়েক বিচারপতি সর জোসেফ আর্থনিভকে
একথা বলাতে ভিনি পুলিবের এই কার্যের
প্রতি দোবারোপ করিয়া বোধাই গেকেটে এক

পত্র লিখিয়াছেন। বিচারপত্তি যা বলুন, ব বলি পুলিব উত্তম কাজই করিয়াছেন। ইউবোপীয়ের বিরক্তি হইল তথন কখুনই কলিগকে ক্রীড়া করিতে দেওয়া উচিত এনিমিত বিদোহকালের মাার এই এক বি আইন করা কর্ত্তবা, যে কোন হাজি কোন রোপীয়ের নিজাতক কথুবা আনা কোন বিরক্তির কাজ করিবেন, জাঁহাকে তথ্ নিকটবন্তী থানায় নিলে পুলিব কর্মচারী অক বংসব মেয়াল দিতে পারিবেন। দণ্ড প্রধানীয়ত কাজ করিতে গোলে অনেক বিজ্

দিলীর মিউনিসিপাল উদ্যানে এদেশী সপ্তাহে ছই দিবসমাত্র যাইতে পারেন: পাঁচলিন উদ্যানটী ইউরে'পীয়নিগোর চেটিরাঃশ্লাকে: ইং'তে তক্ত্রন্য সভান্ত লো স্পতিশর অসম্ভোষ্ প্রকাশ করিতেহেন। গড় ইনটিটিউট জ্পাল ভারতবর্ষীয়নিত্ত্রন ভ্রম করিয়া দিবেন সন্দেহ নাই।

শ্রুলতে শতকরা ১১ টা লিশু বিঃ
প্রকাশ বেজিটারেডে বিজাত বলিয়া ।
কার নাম লিখিও আছে । গোপনে আর
কি ম ছে, বলা যায় না। ইছাতে ধর্ম
ঘটিত লোম নাই, হতভাগা ভারতবর্মীয়া
ধর্মনীতিই এত মন্দপরদারগমনে মাহা
কিছুমাত্র সংক্ষাত নাই, ধর্মভন্ন কি ভাহা
ভিৎকোচনহণের বাধা জন্মাইতে পারে ?
১৮ এ জৈন্টে মঙ্গনার।

দিল্লীগেলেট পঞ্চাবের রেলওল্লের ত্ প্রেণির অ'বে'হীদিগের কষ্টের বিষয় বর্ণন য়াছেন। যাবতীর স্টেসনে কল দিবার বি ভিজ্ঞ আছে । কিন্তু শক্ট উপনীত উহারা অদুশা হয়। এই রেলওয়ের বন্দে অভিশয় মন্দ। প্রায়ই কলের নল ভালিয়া তারিবজন বিলব হুইয়াথাকে। এমনি বন্দোবস্থা যে সম্প্রতিভিল, এমন সময়ে ভ্রম এতদ্বেশীয় বেড়ার উপর ইউতি এক দিয়া এক কৃতীয় প্রেণির শক্টে উঠিল। সকল স্বান্ধ্যাব্যান তালেই ত ভ্রাটনা ঘটে

ব্রিচনপলি ফ্রাণিকেল যথাগই বলিয়া
এদেশের ফিউনিদিপালিটি নামন'তা। বি
সপাল কর নানে স্থানীয় কবঃ কিন্তু ব
গ্রধ্যেন্ট ইছাছারা আপনাদিগের বায়
ইয়া থাকেন। এই পত্র বলেন, মিউনিদি
কর্মাচারিগান প্রায় উৎকোচগ্রাহী ও অভা
কারী। বডদিন এডদেশীয়েরা আপনাধা
নিষে মনোনীও করিয়া ব্যবস্থাপক সভা ও
নিসিপালিটিডে প্রেরণ না করিডেনেন, যা
ব্যয়ের উপবে উল্লোদিগের কর্ভুত্র না হইটে
ফ্রানিন অধিকহংখ্যক প্রভাদেশীয় লোক ব
পদ সকল না,পাইডেনেন, ভডদিন ভারতব
লাসন প্রণালীর উংকর্ম হইবে না। থাইবা
বিষয় অনুধাবন করিয়া দেখেন, ভাইবো সব
এই এক কথা বলিবেন।

গত রবিবার রাত্রিতে কতকগুলি চোর হালের বার লাইত্রেরিতে এবেশ করিয়া বোদেই জেনরনের গাউন ও কতকগুলি গু ন্ট্রা পলারন করিয়াছে। পুলিষ কর্মচারিগণ ষরপ কার্যদক্তা প্রকাশ করিছেছেন, ভাঁহাদি মকে মধ্যে মধ্যে পুরস্কার ও সন্মান্তিক প্রদান চবা উটিও।

ভারতবধীয় গবর্ণমেন্ট মিরাটে ক্লুম্কনিগের নিনিভ সেবিভবাকি স্থাপনের আজ্ঞা নিরাছেন। ভোলনিউস বলিয়াছেন, পুর্মবিকালা লেওয়ের ছুইটনার অনুসন্ধানর্থ কমিন্ন নিযুক্ত করিয়া গবর্গমেন্ট অভিশয় অমে ভিত কইয়াছেন। কমিটির আকৃতিসংস্থান গোব অনুমোদনীয় নহে। কমিটির সভ্যোলা প্রকার ব'র কন্ধ করিয়া সাক্ষ্য লইভেছেন, লিনিউস ভারারও প্রভিবাদ কবিয়াছেন। মিটি বারাই করুন, কোন ভারভব্যীয় বার্চিন র বিপোটের উপরে বিশ্বাস করিখেন না। সাক্রেবের এই এক কার্যে, ভারার প্রতিভাল

শুক্রবার অবধি এখানে অভিশয় রৃষ্টি হই-। গোমবার রুদ্ধীনবন্ধনা অনেক আফিসের গকাংশ কর্মচারী কার্যালয়ে ঘাইতে পাবেন । রাস্তাসকল ভূবিয়া গিয়াছিল। পুক্ষিণী ল পরিপূর্ণ হইয়াছে। এখন এত রুফি ফুল নয়।

্২৯ এ টিজ্যুণ হার।

র ভব্তির ক্রাটি হইয়াছে।

ডেলিনিউস বলেন, ভারতবর্ষীর প্রথমেন্ট प्रभोष अवर्गस्यक्ति **अञ्**दत्तास्य समस्यभीत स्वत्र भृष्टन वरम्याव ऋ कतिव द स्था क्या भिन्ना । ভাকাইতি কমিদমবের পদ উঠাইয়া য়াই অনহইয়াছে। কলিকাভার লোকার क्लि ७ जनिकिं प्रश्रहित्वेदाले हारह ৰঃ বিদায় দিয়া ঐসকল পৰে _আদ্ৰ क नियुक्त कहाई कर्खवा। अञ्चल व्यक्तिह ष হত্যাকারিপ্রভূতি এড়াইয়া যাইতেছে। ত্রটিশ ত্রহ্মের প্রধান কমিদনরের প্রশ্নাসু ভারতব্যীয় গ্রথমেট বলিয়াছেন, নিয়ুহ টেও এদেশের সিবিল সার্জনের। যথম কেলসকলের ভজাবধারণ করিবেন, উ'হাদিগকে আপন আপন প্রাপ্য বেডন ভবাবধারণনিমিত শভ করা ৩০ টাকা ा व्हेरव । বংখাই সবর্ণমেশ্টের অন্তরেরের ভারতব্যীয়

ভোতা দেওরা হইবে। খাদা দ্বা অতি
বিলা হওরাতে এই আজা হইয়াছে।
কৌরের মৎসাভবন দ্র্যান্থত ইউবোপীয়
লে মাডাল হইরা সর্মদা লোকের উপবে
চার করিতেছে। ইউরোপীয়েরাও এই
চার হইতে মুক্ত নহেন। এক জন পত্র
বিলেন, এ বিষয়ে অভিযোগ করিলে
মণ্টের অধ্যক্ষ ভাষা মিথ্যা বলিয়া অগ্রাহ্য
। প্রধান সেনাপভির এ বিষয়ে মনোহওরা ইডিড।

মন্ট আৰক্ষা দিয়াকেন, বোৰাই চক্ৰবাড়ের

েউ গ্রাণ্ট ইঞ্জিনিয়র যখন পরিদর্শনার্থ বৃত্তি

হইবেন, তখন ভাঁহার কেরাণীদিগকে

মণিমার্কেট বিবিটি বলেন, ভারতবর্ত্ত নী সববেশ চলিবে না। আকবরের সময়ে বিবিশুভ নোহর চলিত এবং ঘাহা লাভ নিবের সময়পর্যন্ত ১চলিত ছিল (नहें श्रकात दिल्ह पर्व पूषा कतिता लाटक कारा कनावादन बार्ग कतिद्वन। এकी यथार्थ कथा।

৩০ এ ইঞাৰ্ছ বৃহস্পত্তি বার।

বিজ্ঞাপনী বলেন, " তাঁহার ফ রিদপুরস্থ সংবাদদাভার মানির জাভিষে'লে ও মান মেয়াদ ২০০ টাকা জরিমানা ও জরিমানার টাকা না দিলে আর এক মান মেয়াদের আদেশ হইরাছে: মকদ্মাটি সম্বর সম্পন্ন হওয়াতে সম্পাদক সাভিশর ক্ষান্ত প্রকাশ করিয়াছেন। আমাদি গের মতে ভাঁহার এই ক্ষোন্ত অন্যায় নয়।

हिन्दू व्टिक विनी वरमन, '' मिनी प्र लोकरक বদেশে বিচান্ধিপতঃ প্রদান করা নিয়ুম বিরুদ্ধ। যাহাঁরা অদেশে বিচারাধিপতঃ লাভ করিয়'ছেন উ:হ'দের সকলেওই রাম কুমার বার্থ নায় প্রার্থনা করিয় স্থানাম্ভরিত হর্ত্যা উচ্জ। সাম্য দেখিতেছি, কেছ ক্রেমে ক্রমে দেশীয় লাকের সহিত নানাপ্রকার বিবাদে লিপুত্ই ভেচেন। একটী কাৰ্য,ফলছারা অবসর কার্যের ফল স্থির করা যায়। গ্রণমেন্ট দেখুন আনার না দেশ্ব ক্ষ্যুশ্ব তাই। নিতান্ত ভয়ানক ইইয়া উঠাকাশ্চর্গনয়। ক্ষত্তর আনেরা অনুধ্রোধ করি, যাঁহ'রা দেশীয় লোকের স্হিত ন'না প্রকার অনর্থকর দিবাদে পরিলিপ্ত আছেন এবং গাঁহাদের প্রতি লোকের বিদ্বয়ভ'ক আন্তে, ইাছার। কোনপ্রকার জনামগ্রস্থ না হ**ই**েই क्षानज्यात्मत (हर्ष) कतन्। भवर्गमान्त्रत्व कुछ নিয়ম কার্য্যে পরিণত করা উচ্ত। ৯

আমং৷ কন্যাবিক্রয়সংক্রান্ত প্রস্তাবসংধ্য সংকলিত প্রতিনিধিসভার বে প্রতিবদ করিয়া ছলাম, তমুভ বাজার পত্রিকা ভং**ত**ভিট त्य केटममाणि बुलाहेमा नियादहर, उन्हा भार्र করিয়া আনাদিগের হাদয়ে অভিশয় কৌতৃহল জন্মিয়াছে, এক্ষণে পাঠকগণ ভাহার অংশ ভাগী হউন। সে এই. ''প্রস্থাবিত ফুডন সভার डेटम्बन अकटन करन मानसकारी अञ्चान करा নভাতে আইন প্ৰস্তুত হইবে, সভা হইতে বঞ্চে বাহির হইবে, সভা হইতে কর্মে নিয়োগ করা इंदेर, कि कर्माऽहि कहा इंदेर, प्रका इंदेरक ইসনঃ সানজের গাভি, অবস্থিতি নিরূপিত হ**ই**বে. সভা বইতে, ভিন্ন ভিন্ন বাজ দরবারের সহিত আমাদের কিরুপ সম্বর রাখিতে হইবে, তাহার বিচার হইবে, ইত্যাদি ; গ্রামেণ্ট সভাব প্রস্থাবে কর্ণণাভ করুন না করুন, ভাষাতে সভ্য গণ দকপাতও করিবেন না। *

১০ জৈ; ৳ ক্ষেত্র বার।

ं वि (मर्म (य भरिम राग सालसमन कहा इहे एक एक एक भरिमानी है कि नियम मा सालगार कर के एका एक नर्ग (कार्क खान है कि नियम राक है र म छ कहे एक (अन्न कि कि एक कार्य है कि नियम समस्य वाजी अखाल करा शक्त कि कार्य र मिनिक है कि नि यक कि राज है एक कार्य सखा कहेंगा।

यसम्पान वस्त वस्त वस्त कर कार्य सन्दर्भ कर वर्षा । उम्मारित उन्हरूष कर कार्य कार्यिक ग्रार्थ कारश्चम (मूर्डमक्ष्णुं वि स्व कर वर्षा कार्य कार्य कार्य कार्य कर कार्य कित्र वार्य के कित्र के कार्य कर कार्य कार्य कर कार्य कार्य कर कार्य कार्य कर कार्य कार्य कर का পত্রখান ইংতেও রাজার নাম (৮)। বাহাব্য না করিলেও রাজা নেভার পা না। কিছুতেই মধাপ্রভূমিলের নিকটে পাইবার যোনাই।

व्यामता इः विक इहेलाम, हेश्न की त गर व्यादिनिमात देगना मगदक का का किएक व इहेग्राह्म । शुक्रकात मः विद्या है यारक मा।

গতবংগর জলপ্লাবনে বগুলার নিকটে বাঙ্গালা হেলওয়ের একটা সেতু ভগা আ শতর্মের বিষয় এই, এটা আজিও পুলিনির হয় নাই। যে স্থানে সেতু ছিল সেই কেবল কভকগুলি রেইল দেওয়া হইয়া ভাষার উপর দিয়া শকটালে গ্রমন করে। কেনে এঘটনা হয়, ভাষা ইইলে সর্সা শুদ্ধ ব প্রবেশ করেছে। ভাষা ইইলে এভ ভাজে সংবাদ পরের সংপাদকদিপের খোলায় করিভে হয় না।

গত কলা একক্ষেপ্ত হৈ নিম্লিখিত টা অহিকেন কিন্দীত হইয়াছে।

সিম্মক প্রতিসিম্মক মোটট বেশার ২৩০০ ১৪৩৯-/৫ ৩০১০০ কাশীর ১৭০০ ৪১২ ২৪০০

ম।সি সাহেবের ছিসাবের উপরে অহিঞে মূল্য হইয়াচে।

(छल्टि माखिटिंडी लान्त लडीकाशीं किट २० वन छ डेर्न इहेप्रांट्यन । इंशान्टरात १० व छात्र छन्तांत बार १२ वन इडेट्रालीस छ सि भि । हात्रिकाटि दक्ष्मलीरस मान्य मान्य सि नक्ष इडेट्रालीस बारम्य । हात्रिकाणित मान् बक्ष नक्ष्मत (य महस्र १० व्यालि सर्वर्शक म व्यानत (मई महस्र । छथालि सर्वर्शक म करत्र व्यामिक्स । एन्समिनित्तेत विस्त्य कर्म वर्षे ।

১ লা আ্ষাচ শ্নিবার।

" ना खाहिक गरवान " वर्णन, कनिकाछ विश्वदिन । लाइत महानका श्रक्तांव करियार इत वि. এ, উপাধি ना भाहेरल एक वि. এल, भर्तीक निवाद निश्चित काहरन अवन करिए भाविरवन ना ।

নিম্লিখিত মুল্যে গ্ৰ^গনেটের কাগ বিক্রীত হইডেছে।

৪ টাকার বিদ্ধা ৪ * কোম্পানির ১৫—১৫ •

त भवनिक स्थार्क ३.००० -- ३.५५ त भवनिक स्थार्क

গবর্থেন্ট বিজ্ঞাপন। লেপ্টনন্টগবর্ণরের আদেশাসুসারী নিয়োগ।

রাজ্য: চকাৰ অৱশ্ত ভাগচুৰ আমে চ্যেদাত্ৰ: চিকিৎদালর স্থাপিত হই-তাহা চালাইবার মিনিত মিয়লিখিত বাক্দিগকে লইয়া এক সভাকরা হইবে। বুমধুরমোহন রায় চৌধুরী।

নাপ রায় চৌধুবী গ

নেকীনাথ রায় চৌধুরী : বং এজলাল রায় চৌধুরী ৷

মুলিখিত ভারলে'কেবা কান্দীর মিউনি

ৰ কমিটির সভং হইবেন ≔ে বুনভেজেল নারায়ণ রাষ্ঠ্যুবীঃ

াগেজনারায়ণ রাষ্ট্রী 🖟 গেপ মোচন ঘোষ দ

ক্রেমোকন ছাতি। ক্রেমোকন ছাতি।

রাজুন। বৃত্তিন ভ্রকিট, এক, মাক্ড চাহের বিদায় শুইয়া অনুপ্রিত থাকিবেন, দিন জে, এম জুইস সাহের নদীয়ার প্রতি-স্বিল ও সেসিয়ন জ্ঞাইট্রেন।

বলিউ, ট. পর্যাত সাচেব বীরভূমের নিধি মাজিটেউট ও কালেউর চইবেন।

াডাকার সহক এরী মাজি টেটেট জো, হে. সূরে সাহেব হর্মিনের প্রতিনিধি জাইন্ট

টেট ও ভেপুট কালেক্টর হইবেন। হকানী মাজিটেট ও কালেক্টর ভবলিউ, নড় হাম সংক্ষেব চুয়াডাঙ্গা উপবিভাগের

গাইরা মাজিটেই ও ডেপুটি কালেটরের পাইবেন। ২০ এ মের গেজেটে ভাহার

প্রিক্রনাং - এ মের গেক্সেটে ভাছার প্রাউপবিভ'গে নিয়োগের যে বিজ্ঞাপন

(হাএড ফাবারহিড **হইল**।

কারী মাজিকেট ও কালেইর এ, পি, নেল দানের মেহেরপুর উপরিভাগের গাইয়া প্রথমপ্রেণির অধীন মাজিকেট ও কালেইবের ক্ষমতা পাইবেন। তিনি পেশিয়নে অপ্র করিবার মকক্ষার বিচার করিতে পাবিবেন।

বচার করেতে শাবেবেন। ংহতুমের সব আসিষ্টাণ্ট কমিসময় ডাক্তর

জ, মান্তুক দেশিয়নে অপান করিবার মক-প্রথম বিচার করিতে পাবিবেন।

ঠ জুন। ব কুড়ার অস্তর্গত বড়জোড়ার বাবুহরপ্রদাদ সেন রঙ্গুরের অন্তর্গত

পুরের মুক্ষেক হইবেন।

ালপুনের মুক্ষেক বাবুরমানাথ শীল বড়। ার মুক্ষেণ হইবেন।

জারিবাদের সহকারী কমিসনর কাপ্তেন ই, ওয়ালকট হাজারিবাদের শিক্ষিমধ্যে

অদের ২২ জাইন লঞ্জনের ওপরাধের করিতে পারিবেন।

ক্রেডে সাচেরেন । বিলিপাড়ার প্রথম শ্রেনির মুক্ষেফ বারু

।য়ালাট্যার ভবন জেনের সুকেব বারু ।চন দাস প্রথম জেনির ক্রমীন মাজিট্রে-মতাপাইবেন।

हे सून। यक दिन गार्कन अस, त्म, जाहन

विनाय सहैया अञ्चलिष्ठ शकिएवन, एउ निन उन्हित स्थात, भाकिनयुक्त नतीयात हिकिश्मा कर्महारी इहेटवन।

् काष्ट्रेनाशश्रुद्धतः कश्चिमतः कर्तनः है. हि, जानन्म क्षेत्रकतं कत्रम महत्त्वतं ज्ञानशाद्धत्कतं अम् शाहेर्दमः।

্ডেপুটি মংজিটেট ও ডেপুটি কালেটর বারু রুষ্ণপ্রসার ঘোষ ভবানীগঞ্জ উপবিভাগের ভার পাইটা রুসপুরে মাজিটেটের ক্ষমতা পাইরেন।

পশ্চালিখিত কর্মচারিগ্রকে বর্তমান সূমা পদে প্রতিচিত করিবার নিমিত্ত ষঠ হইতে প্রমাঞ্জিক করা হইবে।

বারু রুঞ্প্রসাদ ঘোষ। যে দিবস অবধি ডিনি ভবানীগঞ্জের ভার এছণ কহিবেন।

ৰাবু একানাথ দেন। যে দিবস অবৰি জিনি ময়মন সিংহে উপস্থিত হইবেন।

बाबू विमनाहत्व खड़ाहार्यः छ ह्यामण्डि वाम्याभाषाम् अवट हे अम. ह्वलि मारहवा

নপ্রাখালির সংক্রী পুলিষ প্রপরিণেটিও টি বার জন্মনী প্রসাদ দিতীয় প্রেণির অধীন মাজি টেটের ক্মন্তা পার্য়া পাইনার ফুডেপুট মাজি-টেট ও ডেপুটি কালেইর হইবেন।

ভাগলপুরের ডেপুট মাজিটেট মৌলবী মালিংহাসেন পাটনা বিভাগে বদল হইবেনু।

৬ ই জুন। এচ, এগ. ট্যুগন সাহেব ছগলীর প্রধান অধস্থ অসক হইবেন।

গৈদ আজিমুন্দিন হোবেন খাঁ বাহাছর সি. এস, আই, প্রাণভাগে করাতে রাজমহলেব সহ কারী কমিসনর নিয়তের শাসন কার্য্য নির্দাহার্থ প্রথম শ্রেণিভূজ্য হইবেন।

নিম্লিখিত ভাচলোকেরা ১৮৬৮ অন্দেব ১ আইন অনুসারে আসেসর হট্যা কালেটারের ক্ষাত্র সাহার

ভাজতর এস, জে, মালুক সিংহভূমে। বাবু গলানক বকো পোধ বাব নিজপদ ওলে, হাজারি বাগে। বাবু রাখালদাস হালদার নিজপদ ওবে মানভূমে। বাবু গোপালচন্দ্র, নিতা লোহার ভগাতে।

যত নিন বাবু শ্যামাচরণ চটোপাধ।য়ে বিদায় লইয়া অপুপক্ষিত পাকিবেন, ততে দিন ২১ পর-গণার ডেপুটি মাজিটেট ও কালেন্টার বাবু শির প্রসাদ সাম্যাল বসিরহাট উপবিভাগের ভার পাইবেন।

ডি, লেসি সাহেব পুরীর দান্তব্য চিকিৎদালয় চালাইবার সভার সভা হইবেন।

৮ ই জ্ন। কর্ণেল ভংশীন কিয়প্রোড় করদ মহলে মাজিকৌটের ক্ষত। পাইবেন।

বাবু গিরীশচন্দ্র ঘোষ মতিহারির ছোট আনালভের প্রতিনিধি অন্তের কার্যাভিন্ন চম্পা রণের অধস্থ জন্জের কার্য্য করিবেন।

এচ. মোদলী সাহেব আরার এক জন মিউ-নিসিপাল কমিসনর হইবেন।

ভেপুটি মাজিকেট ও ভেপুট কালেইর বারু কালীপ্রসম রায়চৌধুরী মেদিনীপুরে বদলী হইয়া মাজিকেটের ক্ষমতা পাইবেন।

৯ ই জ্ন। বি, আব, পেরি সাংহ্রের মৃত্যু হওয়াতে নিম্লিখিত কর্মচারিগণ উইভি ল্যুড করিবেন। মৌ সবী জিল্পদিন হোসেন বিভীয় জেবি জি, হস মার সাহেব তৃতীয় জেবিতে। বাবু প্রতাপচক্র চট্টোপাধায় বি, চতুর ক্রেবি

वावू अविकाहतन तांत्रहोधूदी शक्षम आनि। ति, उर्व लेखे. क्रेटेनमा नारव्य क्रिक

করাতে নিম্নলিখিত কর্মচারিগণ উন্নতি হইবেন।

ডবলিউ, সাস্থি সাহেব দিতীয় শ্রেণীরে
ই, ষ্টিওয়াট সাহেব ভৃতীয় শ্রেণিতে।
বাবু গৌরদাস বসাধ চতুর্থপ্রেণিতে।
বাবু কেদার নাথ পশ্রিত পঞ্চমশ্রেণিতে।
লাল্য ক্ষির চাদ লালের মৃত্যু হওয়াতে

ল্লিখিত কর্মচারিগণ উল্লিড প্রাপ্ত কইবেন মৌলবী আলি হোসেন চতুর্থ জ্রেণিতে। মৌলবী ওয়াইলিয়ত হোসেন পঞ্চম গ্রেণি

বর্তমান শুন্যপদ লাভার্য এচ, ডবর্ত বারবর সাহেব , বাবু ভারিনীচরণ মি বাবু ভগবানচক্ত সেন; এবং এ, সে, ফে, সাহেব পঞ্চমশ্রেণিভূক্ত হইবেন।

বাবু ভূপনেশ্ব সিংহ পঞ্ম শ্রেণিতে ও যে দিবসে ভিনি চট্টগ্রামে উপস্থিত হইবেন

নিমুলিখিত ভদ্রলোকের। পশালি স্থানে সংকারী পুলিষ ক্লপত্রিটেও ওইবে ভবলিউ, এ, বীভন সাংহেব বর্জমানে।

বি, ডবলিউ, 'বাটলসেন সাংহ্ব গয়ায় বাবু গদাধর খা নওয়াখালিছে। বাবু মহেন্দ্রনাথ হাজারা হুগলিতে।

নিম্লিখিও ভদ্রলোকেরা ১৮৬৮ ব ৯ আইন অসুসাবে আসেদর হইয়া কালেক্ ক্মতা পাইবেম:—

বাবু সার্দাপ্রনাদ চট্টোপাধ্যায় ভাগলং "কলেভিসাদ চৌধ্রী মুহে

পূর্ণিয়া

হাবড়

বাকুড়া

াক বি

গয়

द्रिष्ट

সাহ

চম্পা

ফার্নণ

" ক।লীপ্রসাদ চৌবুরী শ অংখিলনাপুরায়

॰ कृष्ण्डस्य तास भवस्य । ७४, अल, ७८५मातल भारत्य

৯ ছ্রচন্দ্র (হাষ প্রস্তার স্থান্ত্র স্থান্ত্র স্থান্ত্র স্থান্ত্র স্থান্ত্র স্থান্ত্র

শর্মেশচন্দ্র মুখোপাধ্যায় পদস্তবে জননি ১ রাজমোচন সম্ভ বীরয়

শ অরদা প্রসাদ পোষ্ 🤲 মেদিনী গু ৯ পুর্ণানন্দ বড় রা পদ হবে গেয়ালপাড়া

" ভ্রাভিরাম বভুয়া পদত্তে, ঐ ১ গিবিশ্যাসেন বাধ্রগ

৯ বিধিশস্থানের ৯ রাধিকামোহন র'য়।

» द्वायकारमाञ्चलकान्न » टेक्कुर्वनाथ (सम

শ জীনাথ ভদ্ৰ ময়ননসিং মোলবী মহন্যদ আবছল ক'দের জীয বাৰু ভগৰ ভীচরণ চড়োপাধ্যমে প্টিনা

" (जानका का वास्पानानाना माही

৯ বৈদ্নোথ সিত্র

" কাশীনথে পণ্ডিড মৌলধী মহকদ আবছল হাই

বাবু দানেশ চন্দ্রায় ১ নহাদেব ঘোষাল

সহাদেব ঘোষাল সুবসির কাশীকিকার সেন রাজাসাই

» তারিণীশক্ষররার পাবন

 চক্রমোহন দাস উমেশচন্দ্র সরকার ভাবকান'থ রার € দেখ মতি উলা इ**न**शूर्द 'কাণীপদ বস্থ ৰঙড়'ডে

व्यामानिरभन्न काणीच मर्यामनाठा

ধয়াছেনঃ---

থানে **এটিমের অভাত প্রা**ছ্ডাব হইয়া **কিন্ত গুডকলা** (১লাফান) তৃতীয় **রে পর চতুর্কিক হইতে** মেঘমাল। উবিত গগমমণ্ডল আছের করিল এবং অর্ছ ঘটা **जिम हाति ध होकाम प्र**यमगारत वृक्ति २हेन। ও উত্তাপের অনেক হ্রাস হইয়াছে। এ বং রূপ হুটি আনে হয়নাই।আন্পোডঃ-বোধ হইল, যেন প্রকৃতি ভূতন বেশ ধারণ रिइन ।

শুনিতেছি, গ্বৰ্ণমেন্ট এখানকার কুইল জের ইংরজীসংক্ত অংগাপকের পদে क् সাহেবকে নিযুক্ত করিয়'ছেন। ইনি, য়ে মুর সাহেংবের একজন প্রসিদ্ধ ছাত্র अक्ररकार्ड विश्वविद्यालय स्ट्रेस्ड वि, এ ধিপ্রিট্রাছেন। গফ্সাহেব আংপা-৫ - • টोको कवित्रा शाहरवमः किन्त प्रहे । পরে ভাঁছার বেডন ৭০০ টাকা হইবে। আলোদিনকর রাও রেওয়ার রাজার দেওয়া াদে নিযুক্ত **হইয়াছেন। তিনি এক্ষণে বা**রা ड च्यारइन **१ किन्छ इ**हे এक मिरन त्र सर्पः हे রেওয়ায় যাত্রা করিবেন।

चिर्छाई, त्नरव २ श्ररम् । मिष्ठेनितिया প্রচলিত হইল। ১ লাজুন অবধি উহার আরম্ভইয়াছে। একাণে দেখা যাডিক দার। সহরের কড দূর উন্নতিসাধন হয়।

মামাদিগের গোয়ালিয়রস্থ সংবাদ-া লিখিয়াছেনঃ---

১ ৷ প্রায় এক পক হইল, জীবের দারণ कि रहेबाटहा शख २२ अ मि माणाइ-এक श्रवन अ.हेका इड्रेश्ना शिश्नाटह । कर्यक র মধ্যে অনেক রুক্ত শাখাহীন, অনেক রুক টিতমূল ও অনেক দরিয়ের গৃহ ভূমিনাৎ अधिका ऋशिख इंश्ल, श्रवलद्दर्भ मिना । বারিবর্ষণ হইডে লাগিল। ঐ দিবস

मानम्दर । आद्य पिछात्र अवर रहार मुताब मनीत सन्बुक्ति हमान किमन नियुक्त करबन, खारा रहेल शिमाक्यशुरत । एउद्वारिक अक्षी लाक्ष्टे क्यमभ इहेग्रा शृक्षत्व हुन, व्यवस्थात करमक माध्य इहेरक शास्त्र थाश्च रहेल।

> कनविधि २। ७ **विम का अब शाब्दे '' क**ांधि " अ तृष्टि रहे८७८५ । अचारन याँ श्रीक किन অ'ছেন, ভাহারা কছেন যে, এ বংসরের ন্যায় কোন বংগরই এত শীল্ল বর্ধাকে দর্শন করেন নঃই এবং ঐতিমার দারুণ হস্ত হইতে মুক্তাহন নাই। বৃক্তি হওয়াতে যদিও অন্নেসম "পুর ১ প্রভাব কমিয়াছে, তথাপি মধ্যে মধ্যে বায়ুশুন্য গুমট হওয়াতে বড় কন্ত হয়। বঙ্গদেশের জীকোর নায় এখ'নকার জীবেম ভাদৃশ পীড়াদির প্রাছ ভাব হয় না, এই একটা মঙ্গলের বিষয়।

२। करत्रक मिन बहेन, এक सन हे हिर्तानीय বৈনেরে সহিত অন্য এক জন ইউরোপীয় रेनरनात विवास अ मात्रामाति स्ट्रेटफिल, अमन সময়ে এক জনের জী উপস্থিত হইয়া ভাহার স্বামীর বিপক্ষকে বোডল ছুড়িয়া মস্তিকে এরপ আঘাত করিল যে, সে ব্যক্তি অচিয়ে মৃত্যুগ্রাসে পত্তিত হইল। এই সংবাদ ভার্যোগে 'কমা গুর ইন চীদের" নিকট প্রেরিড হইল। অন্যাপি ভাহার কিছুই সিদ্ধান্ত হয় নাই। গোরারা যেরূপ ব্যাস ভলুকের ন্যায় ভাষ্মভোবাপল, ইহাদের দ্বীরাও সেই রূপ। আমাদের দেশের ইতর লোক দের সহিত স্থাসভা ইংরাঞ্চনের ইতর লোকের ভুলনা করিলে দেবাঞুবের ন্যায় বিভিন্নতা বোধ **रत्रा व**ांचां कि क्लिक्**ल कांगा**क्ति गरन (यक्र भ खरबन मध्यात हब, भारत सिविदन फर्डाविक अयु इतु !!!

৩।মহাশয় । অতাতঃ ফুপারিকেট্ডেক্ট এঞ্জিনি यात कर्नन आद्याक जा छोत्र मारहत विरम्य विह কণ্ডার সহিত কার্য্য করিতেছেন। ইনি সম্প্রতি त्य करत्रकति छेलात्र अथलयन कतिरङ्गाहन. ভাহাতে অনেক চোর ধরা পড়িবে। এক জন ক-ট: টার ও এঞিনিয়ার সাহেব প্রায় দ ছিল পড়িয়াছেন। দেখা যাউক কি হয়।কোন স্পৃষ্ট ছুক্ৰি, এমন কি হড়াকাণ্ড চক্ষে দেখিলেও काइरनत करूराधी श्रमान निष्ठ ना भातित ষেমন ভাষ্টাৰ দপুৰিধান হয় না, এখানে প্ৰলিক उद्रार्क डिभावेरमर हे अम्यादकरभ मतकाती अर्थ নষ্ট হইতেছে দেখিয়াও নিধ্নিতরূপে প্রমাণ कतिएक सा भावियात आनकाम गांधातरका श्राम করিতে ভয় হয়।

काल विगरमत कल्पनकानार्थ (यमन "कमि-अब में बियुक्त इय । यनि भवनिक अग्नार्कत काछ। বুহৎ শিলার আঘাতে একটা লোক দুরু ে তারীণ গুড় ভাবসকল প্রকাশার্থ গ্রন্থেট ক্লুবি

৪। গ্ৰ⁴মেন্ট মুখে হাতে চীদ দেন कारक अक्षि छूनल (एस सा। अवन्रसन्हें ब (इन, क्रेक क्रेक शव अरमनीव्रमिटगद शानाः काइक इंडिटवाशीय, अमन कि अधिकाश्य ! ক্ষিই উহা একচেটিয়া করিয়া রাখিরাছে। প্রমাণপর্পে নিয়লি বিভ বিষয়টী লিখিলা

জাসিষ্টাণ্ট এঞ্জিনিয়ার স্ক্রীযুক্ত বাবু ন'থ চট্টোপাধায় (বাঁহার গুণকীর্তন : সোমপ্রকাশে কয়েকবার লিখিয়াছি) এ वरमत व्हेम ऋड़की अधिनियात कार পরীকার উত্তীর্ণ হইয়া স্বর্ণমেন্টের কার্য ভেছেন। ইনি কি ত্রীশের প্রখর মার্ভভং কি শীভের শীভল বায়ুপ্রবাহে সকল স काशास्त्रतं नमरम काशास, निप्तातं नमरम নাকরিয়াও কুলী মজুরদিপের সহিত গির্নি বনপ্রকৃতি কষ্টকর প্রদেশে অকাভরে অব করিভেছেন এবং যাহাতে গ্রামেন্টের পরুসাও অনর্থক অপ্রয়েনা হয়, ওলিবং শীল রহিয়াছেন; তথাপি ইইাকে অন্যাপি (आनी इडेटल क्षयम आभी इता इडेटलटा পকাস্তরে যাহাঁরা (ইংরাজ ও ফিরিজি) সহিত এবং ইহার পরে এঞ্নিরার উ। হারাকেছ প্রথম জ্রেশির কেছ ছিডীয় যে এক লৈকিউটিব এঞ্জিলয়ার হইয়াছেন। উপর কি গবর্গমেন্টের দৃষ্টি পতিত হয় না

প্রেরিত।

মান্যবর জীযুক্ত দোমপ্রকাশসম্প মহাশয় সমীপেছ।

মুন্দীগঞ্জের ডেপুটী মাজিপ্টেট ও কালে ষ্টর জীয়ুক্ত বাবু বিমলাচরণ ভট্টা-চাৰ্য্য এবং বজ্ঞ যোগিনী স্থ ক্লমী-দার জীয়ুক্ত ৰাবুকালী কি-শোর গুরু মহাশ্র্থয়ের সদ্সুঠান।

মহাশয় ডেপুটা মাজিছেট ও ৫ কালেটা বাবু বিমলাচরণ ভটাচার্য্য মুক্ষী আগমন করিল্লা ভত্রভা গ্রথমেট সাধাৰ ইংরাজী বঙ্গবিদ্যালয়ের উত্তরে নিমিত চিত চেষ্টা করিতেছেন। এমন কি উভারই প.रे. ध्रम, छेप्नार कु छेरन्या भौताका यह বংসরকালমধ্যে উক্ত ক্লের ধেরূপ উ हरेबारफ, ६। ७ वरनरत छोड़ा रम नार्हे। अ উক্ত ক্লের ক্লেক হাত্র বাল্লা হাত্রীর ভুলের যে ছাত্র মাইনর ক্ষলার্শিপ প্রীকার

রিপ্রথম হইয়াছে, ক্লের সভ্গেণ ভাগকে

माइमद्र क्लाजिन नदीकात देखीर्य स्टेग्नाटक । किति त्रहे कर्य जनकार्या वाग्न किन्ना निर्द्ध मरमन मरकावगायम ও দেশের जडून जाममावद्भ क्रम।

বিক্রু পুরু ব্রীপ্রসম্প্রক ও 🖘 ১७ टेडार्ट निवास वसारवाजिनी

थड़म्ह हेश्याकी छ बक्रविमालया। গত সোমরারের পঞ্জিকার প্রেরিডপ্রবক্ষে 'এক জব পঠিক ৯ খাক্সকারী উক্ত বিদ্যালয় সহক্ষেত্ৰাহা কিছু লিখিয়াছেন, নিডাপ্ত সঙ্গড় বোধ না হইলেও আমরা তাহার প্রতিবাদ করিতে निरुष्ठ चौक्रिक शांत्रिमाम ना । यनि अ महाकवि ভাবতচ্ছ্ৰ হাষের প্ৰসিদ্ধ ক্ৰিডাচরণগ্য ইহার প্রকৃত উদ্ধুৰ, তথাপি পৰা প্রদান না করিলে, क्रिया खेबीय উপकात एउट्टा व्यमस्य । अङ्ग्रह যে প্রকার একটি গগুরুম, বোধ হয় ইহার সারিখ্যে কড়িপর ক্রেশ্বর্যন্ত রেপ্রকার দ্বিতীয় প্রাম বৃক্তিগোচর হয় না। এখানে বে একটা সাহা য,কুড় ইংরাজী বিদ্যালয় প্রতিষ্ঠিত হয়, ইংগ কুল ইনপোটর উড়ো সাহেবেরই অভিযন্ত না इंद्रेंक : किन्न कार की नरमके माख्यिक है विश्वास পুর) বিচারপত্তি মার্কবিপ্রভৃতি সকলেরই मञ्जूर्ग हेक्का। (बारवास्क ग्रहाच्या ३० सभा है।का করিয়া মাসিক সাহায়তে করিভেছেন। জামরা এই नक्त कुछ दिना क्रिमात मर्गमस्मिरभन वरल हे ्वचल अवर्ग्यमें स्ट्रेस्ड हेखिया अवर्ग्यमें এবং তথায় প্রত্যাধ্যাত হইলেও স্টেট্সেফেটা রির নিকটে **আবেদন করিতে প্রস্তুত হইতে**ছি। कांगता गोहारवात कता आरवनम कतिएउड़ि. কারণ ভাছা না হইলে বিদ্যালয়টির স্থায়িত্বের বিষয় সন্দেহাতাক হয় > কিন্ত আমাদিমের এরাণ ইচ্ছানয় যে, কোন বিদ্যালয়ের সাহায্য বন্ধ করিয়া আমাদিগের বিদ্যালয়ে প্রদত্ত হয়। অস্ম ভূমির উর্ভিক্তের জ্ঞান ও ধর্মের যভই রুছি হুইবে দেশহিতৈষিগণের মনে ততই সজোষের উদ্ৰেক হইবে, সন্দেহ নাই। উড্যোসাহেব বে काञ्चल प्रभावेश। अचारन शाराचामारन भवर्गरम-শ্টের অনভিষ্**ত প্রকাশ করেন এবং এক জন** পাঠक তিনি विनिष्टे रुडेन, य कातन व्यवस्य कत्रिया करस्किष्टि व्यनमञ्ज्ञ श्रामा विका श्रामा করিয়াছেন, ডাইং যে নিভাস্ত অকিঞিৎকর এবং व्यर्थभूतः उद्या 🖫 📆 द्वत्र नात्यः । त्राम्युरः विम्यानम् प्याद्रश्चितिश्चा कि चञ्चदर विम्यानम **रहेटफ भारत ना ? हावफात शवर्गरम के** विन्तालय मत्य भिवशूरत माश्याकृष विम्हानरमर्वे श्रद्धांजन কি ? ক**লিকাডা ও** ভবানীপুরে বিদ্যালয়ের

गर**था। जल नग्नः फ**रव ख्थांत्र द्वारन द्वारन

माहायाकुछ विमानस्यत्र ज्यावभाकषा कि ? লোকসংখ্যার উপরে বিদ্যালয়স্থাপন বি कृत्त, जोश स्टेटन चज़न्दर विमानिय प উচিত সম্ভেষাই ৷ ৰজনতে সুনোধিক ২ ্সহ্স লোকের বদতি আছে। যদি भक्षेत्रसम्ब माज वन्निक कावनस्य कत्रिया मान এक्डी विम्रासय इस्न, त्रहे शतिमार्ग थाङ्ग्रह कृति विम्तानम् इसमा छेठिछ ? शूर्मावानाना ওয়ে ষ্টেশন না হইলে পাঠকবৰ্গ জানিতে ভেন নাবে বঙ্গদেশের কোন স্থানে সে নামে একটি গ্রাম আছে। এখনও অনেকে দছের নিকট সোদপুর বলিয়া পরিচয় দিয়া প এখানকার প্রসিদ্ধ গোখামী মহাদয়ের বিখ্যাত, কিন্তু তাহাঁরাই আবার অঞ্চা ভক্ষন্যই এখানে একটি বিদ্যালয়,স্থাপন ক বৃদ্ধবৈশ্বীর। এত প্রয়াস পাইতেছেন। পেচি,য়ট ডেলীমিউস বাঙ্গালী প্রভাকর প্ৰকাশ যোমপ্ৰকাশপ্ৰভৃতি কেংই বিদ টির জন্য যর করিতে ত্রুটি করিতেছেন ধন ও মানাভিমানী গোবানী মহাশয়ে আপনাদিগের ভনয়গণকে ছই ক্রোশ শথ গমন করিয়া বিদ্যাশিকার্ধে নিয়োজিত বেন, ভাষা পত্রপ্রেরক মহালয়ের ভুল্যাবং ব্যক্তিরাই বুঝিডে পারিবেন নাঃ কিয় কাহারও অবিদিত থাকা সভাবিত নয়। পুর, থড়দহ হটতে প্রায় ছই ক্রোশ শী ষ্ট্বে, পুকুমারশরীর অস্তমবর্ষীয় বালকে প্রতিদিন 🗷 ই কোশ সুই ক্রোশ চারি ক্রোণ গ্রমনাগ্রম করিয়া অধ্যয়ন করিবে ইছা গ

উপসংহারকালে, পত্রপ্রেরকের প্রতি একটা কথা না বলিয়া ধাকিতে পারিলাম বিদ্যালয়প্রতিখার বি ভিনি খড়দহে ষ্ইতে চাহেন, ক্ষতি নাই : কিন্তু জামরা ব কাষার অনিষ্ঠ হয়, আপনাদিগকে কা হইতে হইলেও কখন তাহা করিতে চাহি কিমধিকমিটি।

লেও নির্দ্ধে হইতে হয়।

কলিকাডা ८ है। उन्हेम १८७८ ।

–%იგ—

স্বিনয় নিবেদন্মিদং।

মহাশয়। গভ ১ জুন সোমবার ক বিদ্যালয়ে এক সভা হইয়া গিয়াছে। পীড়াপ্রযুক্ত ঘাইতে পারি নাই। শুনি সভায় এদেশীয় কয়েক জন রাজা ও

ानाभी व्यावाज भारत २० छोका भूरतात अवसी राउन श्रमान कदिर्वन। स्मामंत्रा এ स्टान जी লের হেউমাষ্টার জীগুঁক বাবু কালীকিশোর াম এরু অন্যান্য শিক্ষকগণের বথোচিত শংসা না করিয়া ক্ষান্ত থাকিতে পারিলাম না। াহারা বিমলা বাবুর প্রদত্ত উৎসাহে প্রোৎসাহিত ইয়া ক্লের উল্ভিব**র্**নাধ **বছ্**প্রকার চেট। রিতেকেন। উংহাদের অনেকের প্রভাবই অতি ত্তম সংক্রেনাই। একার জি অনুলের সাহায্যার বৰ্ণমেন্ট ৩২ টাকা মঞ্র করিয়াজেন। বিদলা াবু শিক্ষকদিগের ষ্থাযোগ্যরূপ বেডনর্দ্ধি রিয়া দিভেছেন। ডিনি খরং ভদ্রকুলোভ ড, তে, বুদ্ধিমান, সদালাপী, প্রিয়ভাষী, স্তত দেশ হতে তৎপর, সভায়ে মুক্তহন্ত ও কার্যাবিষয়ে. রিপক। উজ মহাত্মামুদ্দিগঞ্জ কের উন্নতির গ্রণ যেমন নিজে অর্পদান ক্রিডেছেন, ভেমন গ্ন্যান্য জ্মীণার ও ধ্নিগ্ণের নিক্ট ছইতে ছুপায় অবলয়ন করিয়া সাহায়ঃক্রি করিতে-হন। বিমলা বাবুঁকেবল মুলীগঞ্জের হিতসা ন করিয়াই যে বিরত আছেন এমত নহে, তিনি মীপবর্তী এ মের উপকার।র্যন্ত সবিশেষ বছ াইতেছেন। তিনি বজুষে গিনী সূলের উন্নতিত ন্য এক কালে ২০০ টাকা দান করিবেন, অসী গার করিয়াছেন এবং বজুযোগিনী অংবধি নীর াদিমপথ্যস্ত একটা পাকা শভ্কনিৰ্মাণাৰ্থ মাহলাদের সহিত ১০০ টাকা দানের স্বাক্ষর চরিয়াছেন : তিনি এতদর্থ যে উদ্যোগ করিতে ছন, তাইও একাস্ত সংস্থোবকর। উট্যার প্রস্তাবক্রমে বজুযোগিনীর জনীদার জীগুক্ত বাবু চালীকিশোর গুছ মহাশয় ৫০০ টাকা স্বাক্র চরিয়াছেন। জান্যান্য ধনিগণকেও স্বাক্ষর করা

কিলোর গুছ মহালয়ের স্বিশেষ প্রশংসানা ⊅রিয়া বির্ভ হ≷ভে়ে পারিলাম না। ডিনি বীয় এ'মের হিজের নিমিক্ত অনেক চেষ্ঠা করি-তেছেন। তিনি এক জন বিদ্যোৎসাহী ও দেশের ওভাকাজকী। বজুযোগিনী ক্র লের ও আনের डेइ कि कामा कारनक यत्र, मर्त्मीरवात क व्यर्वनाय করিভেছেন। ইতিপুর্কে তিনি বজুবোগিনী স্কুল इंड्निफीर्लाप्याणी बाग्र मान कविद्राहरून। ভাহা পুর্মে পত্রিকাদিতে একাশিত হইয়াছে। **श्रद्धक कॅं:इंटिक स्थिति स्वाटकत केंशकाटबर ল্ন্য অভ্**ষিক ধন সম্পতির অধিকার *প্*লান

উপসংহারকালে আমরা জমীদার বাবু কালী

বার চেষ্টা হইতেছে।

র কর্মচারীও অস্চান্য বছবিধ মহৎ মহৎ জের আগামৰ হইরাছিল।কাথিছ ডিপুটী ক্তিটেট জীগুক্ত এ, র'ট্রে মহোণয়ের বাসভ ন ঐ সভার অংথিবেশন হয়। ঝাটে, মহেদিয় গ্রপতির আসনপরিএছ করেন। ঐ বিদ্যালয় क्षादा निर्मिष इम्र, मणात अहे উद्देशना। নিলাম চাঁদার পুস্তকে জি সহতামুদা পাক ত হইয়াছে। রাজগণের মধ্যে বাস্তুদে বপুরস্থ ভনৰ রাজা জীযুক্ত গক্ষেত্র নারায়ণ রায় মহ অব্রেই পাঁচশত মুদ্রা আক্ষর করিয়া স্বীয় বদা ভার পরিচয় দিরাছেন। না হইবে কেন ? ইনি দিন কলিকাভ। মহানগরে বাস করিয়া শিকা ও ধ্ইয়াছেন। ইনি যে মহৎ কার্যের অবএসর মুক্তাহতঃ হইবেন, আশ্চরেরে বিষয় নহে। ন অল্লিনমাত্র বরংপ্রাপ্ত হট্য়াছেন, ইতি ধ্য নিজাব্যয়ে একটী চিকিৎসালয় স্থাপন করি ছেন। এমন কি, অহতি দীন ব্যক্তিকে পীজা স্তু শুনিলে চিকিৎসক্ষ্যই ভাষার বাটীতে গিয়া ণ্ধ পথ্যের ব্যবস্থাকরেন। নিজারোদেও রোজীবিদ্যালয় স্থাপন করিবার উদ্যোগী ষ্ঠিটেছন। অন্যান্য ক্ষমিলারগণেরও এর্টাডের নুদরণ করা কর্ত্তব্য । সভাপতি মহাশয় অগণ্য ্যবাদের পাত্র। ইনি তিন বংসরের অধিক স্থানে আছেন। ইহার প্রশংসাভিত্র অপ্রশংসা নিতে পাওয়া যায় না। ইনি অভি সংস্ভাব है कावी। इति कात्रमत्नावात्का काथित मनन াধন করিয়া খাকেন। মধ্যে ইহঁার পরিবর্তনের ংবাদ পাইয়া কাখির সমুদার লোক অভিশয় : चिक स्टेग्नाहिटनम्। अक्टनं मन्नास् गवर्गस्य छि কট প্রার্থনা করিয়ে আমার কিছুদিন ইহাঁকে ধানে রাখিয়া কাথির অবশিষ্ঠ ছরবয়া

পেনীত করন। ১৮৬৮) কাথিপ্রদেশস্থ ৪জুন } এক জন পাঠক

. . .

মহাশয় । মধ্যে মধ্যে আমি আপনার ভারত
বিশাত সংবাদ পত্র পাঠ করিয়া থাকি।
বামি যত বার আপনার সংবাদপর পাঠ
বির, তত বারই অস্মদ্যামের কোন না কোন
বিশংসা দর্শন কয়িয়া অপার আনন্দ অনুভব
বিরয়া থাকি। কিন্ত গ্রামন্তী অন্যাপি প্রকৃত
প্রবির্যা থাকে। কিন্তু গ্রামন্তী অন্যাপি প্রকৃত
প্রবিন্তা অমের ইয়া উঠে নাই। এই গ্রামে
ক্রিয়া থাকেন। উয়েদের পরিপ্রমণ্ডণে এই
প্রবিন্তা ব্যুল বালালা স্কুল পোষ্ঠ ব্যুল
প্রবিন্তা সাহায্যক্ত ভাতর্থানা প্রকৃতি

1) · ·

হইরাছে সত্য, কিন্ত জীশিকা বিষয়ে উহিলিগের অণু মাত্র যম দেখা স্থাইডেছে না। যদি একটা জী বিদ্যালর স্থাপিত হয় ভাষা হইলে অনেক জীলোকের যথেষ্ট উপকার হইছে পারে। আমরা জীলাভি সভাবভঃ লজ্ঞালীলা ও জীরুপভাষা কি প্রকারে উহা সম্পন্ন করিছে সমর্থ হইব। বিলাভি জীলোক হইলেও বরং কিয়ৎপরিষাণে সাহদী হইভাষ।

चाकि कालि उप्रमारम खीलिका अकिनव আদরণীয় হইয়া উঠিয়াছে৷ শিকাৰংক্রাক্ত বিষয়ের মধ্যে এটী একটী প্রধানঃ আদার নিতাপ্ত ইক্ছাযে জীগণের বিদ্যাশিকাঞ্চন্য এই প্রাথে একটা বালিকাবিদ্যালয় শীল্ল স্থাপিত হয়। আমি মিশ্চর জানিডেছি, এই প্রামের অধি কাংশ বালিকারই বিদ্যাশিকার নিমিত্ত সবিশেষ আবার আছে। এই জন্য গ্রামত্ব সমুদার ভত লোক ও গ্রেণ্ডের নিকট আম্রা বিনয়পুরঃসর এই ভিক্ষা করিভেছি যে উাঁহারা দয়াবান হইয়া শীত্র এই শুভকর্ম সম্পাদন করিতে বন্ধ বান হন। এই কর্ম সম্পন্ন হইলে উত্তন্ন পক্ষেরই माफ, काशत कि इहेरव ना। कात्रव श्रीतना (कहा चिक्किक श्रेटन मिटन कुदी कि अतिकार भ कतिया मनोहात ७ मर्भथ चानस्य कतिर्दे, ভাহাতে রাজ্যেরও উন্নতি হইবে।

ইলভোবা দক্ষিণ পাড়া আনক ২৩নেশ কৈছেও সন ১২৭৪ বিধ্বা

मूना श्रांखि ।

জীয়ুক্ত বাবু ভবাণীচরণ মুখোপাধাার ডিহিরি ১৮৬৮ জুন হইতে আগষ্ঠ ৩৸৽ ৯ বদনচক্র শেঠ কলিকাডা ۶. শ কুঞ্চকিশোর নিয়োগী বাগবাজার ১२१६ देखाई इहेटफ कार्खिक ¢ij » বিশিনবিহারী ভাছজী ক্লাই রো ১২৭৫ জৈছি হইজে কার্ত্তিক œ# " পুলিনবিহারী সেন বহরমপুর ১२१४ टेकार्थ इस्टेंड १७ टेरमॉर्थ ১৩ रक्षमम लार्युल रकार বহরমপুর ১৮৬৮ জুন হইতে ৬৯ মে ১৩ নলহাটী শ রুসিকলাল রায় ১২৭৫ আৰাট হইতে ভাত্ৰ ৩৸• " अक्लाह्य छड़े।होरी সরদা ১৮৬৮ জুন হইতে ৬৯ মে ... ১৩ চৌরজি রোড রেবরেও লং সাহেব

१००० (म हरें एक ७३ अरथन

े विश्वनाथ जिस्स् व क्रिक्श ১२१६ जाराह स्टेट्ड १७ देवार्ड १५८ े कावियान स्ट्यानाशांत नाव्यिसानपूर्व २৮४৮ वार्ड स्टेट्ड ७৯ क्टब्रहाति १७

গোমপ্রকাশসংক্রান্ত করেকটা

অতিম মূল্য ও ডাক্মাসূল না পাইলে মক-বলে লোমপ্রকাশ প্রেরণ করা বায় না।

ইংার অগ্রিম মুলা বার্ষিক ১০ টাকা এবং
বাণ্যালিক ৫॥০ টাকা মক্ষালে ভাকমান্ত্র
সমেত বার্ষিক ১৩, বাণ্যালিক ৭ এবং ত্রৈমা
লিক ৩৮০। জিন মালের ভানে অগ্রিম মূল
গ্রহণ করা বাছ না। ছণ্ডি, বরাজি চিটি, মনি
অভার, নোট ও স্থান্প টিকিট, ইংার অন্যত্ত
বাহাতে বাহার ক্রবিধা হয়, জিনি সেই উপা
ভারা মূল্য প্রেরণ করিবেন।

ষাহার। স্থান্সটিকিট পাঠাইবেন, তাহার যেন এক অথবা আধ আনার অধিক মুল্যে ও রসীদের টিকিট প্রেরণ না করেন।

যথন বিনি মফকল হইতৈ সোমপ্রকাশে মূল্য পাঠাইবেন, ভাহা যেন রেজিপ্তরি করিয় জীযুক্ত বারকানাথ বিদ্যাভূষণের নামে পাঠা ইয়া দেন।

বাহাদিগের মূল্য দিবার মময় অতীত হই।
আসিষে, এক মাসপুর্মে ভাহাদিগকে চি
লিখিয়া জানান যাইবে, কাল অতীত হই
গেলেও এক বার চিঠি লেখা হইবে, ভাহার প
একমাসকাল প্রতীক্ষা করিয়। কাগজ বন্ধ ক
যাইবে। শেষ বারের পত্র বেয়ারিং পাঠ
হইবে।

মাতলা রেলওয়ের সোণাপুর ষ্টেসনের ডা বরে চিঠি আইলে আমরা শীত্র পাইব।

যাঁহার। মাজ্ল না দিয়া পত্রাদি প্রেরণ ক বেন, ভাহাদিগের সেই প্রাদি এহণ ক ঘাইবেলা।

কেই সোমপ্রকাশে বিজ্ঞাপন দিতে ইং
করিলে ভাঁহাকে প্রথম জিন বার প্রজিপংজি ন
আনা ভাহার পর /> আনা দিতে হইটে
বিনি অধিক কাল বিজ্ঞাপন দিবার ইন্ছা ক
বিন, ভাহার সহিত বতত্র বলোবত হইটে

এট এই পত্র কলিকাকার দক্ষিণ পু মাওলা রেলওরের সোণাপুর ষ্টেলনের দ্বি চালভিপোজায় জীয়ক হারকানাথ বিদ ভূষতের বাটীতে প্রতি লোমবার প্রাভাকা প্রকাশিত হয়।

(मयश्रक्त

১০ ম জাগ।

- 768-

७७ नश्या ।

" प्रवक्ततां प्रक्रतिहिताय पार्थिकः सुरस्तती श्रतिमहती न हीयतां।

কে মূল্য ১ এক ক্ষত্ৰিম বাৰ্ষিক ১০ দশ ান শাশ্যানিক ৫॥ সাড়ে পাঁচ টাকা।

সন ১২৭৫। ১০ ই আবাছ। ১৮৬৮। ২২ এ জুন { মদসলে মাস্তলসমেত অঞিম বাহি

বিজ্ঞাপন ৷

দাসকোম্পানির বছবালার প্রেস। १६ नर मननव इंदिन्द्र (तन अस्त्र निश्चेन कींचे।

শুপ্রতি উক্ত দাসকোম্পানি একটা মুদ্রাযন্ত্র:-সংস্থাপন করিয়াছেন। পুস্তক, সংবাদপত্ত, রসীদ, চিঠী, চেক, টেবিলপ্রস্কৃতি সকলপ্র कार्यः, वाक्षारतत निर्देशे मृतः व्यापका स बुर्लाः, यम् नमप्रमर्ग्य ७ स्ट्राइत्यर्भ निष्णव ত প্র**স্তাভ কাছেন। অ**পর উক্তকোম্পানি ণা ধনের ভার⊙ছণ করিবেন। জীয়ান প্রতিষ্ঠ রামচন্দ্র কর্মানারের বাল'লা নানা মুতন অকর ও বিলাভি নানাবিধ ইংরাজী অপর এবং যন্ত্রালয়ের ভাবেশ;ক সমস্ত ম সংগ্রহ করিয়াছেন। একাণে সাধারণের । इ. ७ व्यञ्जाह क्षांथं ना करतन।) শ্রীঅধিকাচরণ দাস : লিকাডা ই আৰ:চ

यश्चाश्च ।

२१∉

সহস্মান পারিভোষিক। ভক্ষারা সর্বাসাবারণকে জ্ঞান্ড করা ঘাই-, যে গভ ২ রা চৈত্রে আমার ভবনের সম । গ্ৰণ্মেন্ট সাধাষাকৃত বিদ্যালয়গুছের র উপর বেরুড় আমবাদী অফুনে ৰক্টিংবীয় সের মণ্ডে যে বঃ 👺 ভাহার হনন্ক্রির हान क्रिया मिर्ड भावित्वन, डीहार्क মুদ্রা পারিতোধিক প্রদান করা যাইছে। সের পর এক বুংসরকালমধ্যে অস্ত্রকান | সংবাদদাভাকে ২০০ পাঁচ শভ মুদ্রা कता रहेरव । काखिनामा कारकरूपत विषय इहा अवर जनक इहे ज नानाविध जञ्जनकान করা হইভেছে, কিন্তু কোনক্রমে কুভকার্য হইতে পারা বাইতেছে না

পাকোড় রাজধানী } ১৮৬৮ সলে } ঞ্রীগোপীলাল পাড়ে। ১২ ই জুন

इर्ताको स्रतनिशिशक्वि

যদিকেই আমার অসুমতি ভিন্ন এই এক সম্পূর্ব অথবা ইয়ার কিয়দংশও মুদ্রিত করিয়া প্রচারিত করেন, ভাষা ছইলে ভিনি আইন অস্থ সারে দগুলীয় হইবেন।

আরও দাধারণকে জ্ঞান্ড করিভেছি যে এই গ্রন্থ অভি সর্ল ভাষায় ও স্থপ্রনালীতে প্রণয়ন করা হইয়াড়ে, এডধিবয়ে অনভিক্ত ব্যক্তিরাও इंडा भरनारयात्रश्चर्कक प्रिथित व्यनायास्य বুঝিতে পারিবেন সন্দেহ নাই। অভএব এই পুস্তক ঘাঁহার প্রয়োজন হইবে, তিনি কলিকাতা মৃল্লাপুর প্রাকুত যয়ে অথবা আমার নিকট ১ এক টাকা মুল্য প্রেরণ করিলেই প্রাপ্ত হইতে পারিবেন।

পাথু বিশ্বাঘাটা ব্রুলটো লয় २० टेक्क इंडे

জ্রীকালী প্রসন্ন বন্দ্যোপাদ্যায়

বন্ধদেশের অন্তর্গত কোট উইলিয়মের প্রধা क नवक्रमन्त्रनामक करेनक पृथिकत य निरुप विहादानस्य व्यक्ति ए अयानी विकारमत क इंडिंगिकां छ रहेश्रा मिल्लार्ट्स, ज्यांकि व्यविधि ३৮७৮ कर्यात्र ७०० नः त्य सकत्रमात्र रहमति-(यूडे। किनि वामिनी ७ वक्रामाभत श्राकिनिधि व्यक्तिमिति छोडे में शिक्ति वाणि के कि मान प्रभाव १०७० म्द्रपत्र २३ अ (म त्य च्यांच्या इहेशार्ड, उन्ह्य-গারে প্রকাশ করা শাইতেছে, জেল। নদীয়ার কতকওলিন সংস্কৃত পুত্তক দেবনাগরাম **অনুসতি সালিসন্তিত্নি** দ্বীর উমাস, আরু উইন, সুস্তিক মুদ্রণারত হইবেক। প্রকাশের পূর্বের এ কেনি সাহেব ঘিনি ১৮৬৮ অংকের ১৬ ই এতিল 🕽 ভুক্ত হইলে গীতা বার পুষ্ঠা অপর প্রতি ব উলিখিত দিবস অবধি গ্রেণ্মেন্ট পক্ কলিকভিয়ে প্রাণভ্যাপ করিয়াছেন, যে যে পৃঠা তিন পর্সার হিসাবে খণ্ডে বা সম্পূর্ণ যে

ব্যক্তি উক্ত কেনি সাহেষকে কর্জ দিয়া डाँश्पितक बानाम बाइएडएइ, जागाम (मर्ल्डेबर खश्रवा **खश्रुर्ता वक्षामर**णेत ख कार्व के देशियरमञ्जू के का श्रामक मा विवादा অন্তর বিচারপতি নর্মাণের নিকটে উণ হইরা আপন আপন দাওয়া সপ্রমাণ করুন मकल शास्त्रश कावन कतिवाद मिमिन्छ : व्यत्कत ১२ हे (मर्रुकेश्त मसिवात (वर्गा ১১ কার সময়ে টাউনহালে বিচারপতি : আসন করিবেন। বীহার। উক্ত সমলের মধ্যে ও আপ্র দাওয়া সপ্রমাণ করিতে না পারি उँ। एक्तिशरक स्थानान याहेर छ। है। कि हाङ्या चात्र क्लिन्कारण आवन् যাইবে না।

ওয়াটকিন্সন, স্টোকো এবং কোম্পানি, वानिनीत जाहेगीनन श्रभामाज्य विष्ठाताल द्वात আদিম দেওয়ানী বিভা গেব রেজিষ্টার আফিস 7トストーツ 夏 選ば

) ঝার, বেুয়ে রেজিউর

-- % 0 % ---

बाइकशरनत श्राक्षमरहरू नियमि সংস্ত পুস্তকত্রয়ের কিয়দংশ প্রকাশিত হ লাহ্কগণ পুৰ্ব ভদ্মভীত নিয়নিকিট সং মূল্য প্রেবণ করিলে প্রাপ্ত হইবেনঃ বিচে প্রেরণের ব্রুক্ত ভাক নাত্র লাগিবেক।

মল্লিনাথের টীকা সঞ্চিত।

শিশুপাল বধ (মাষ্কৃত) মূল্য র্ঘুবংশ (কালিলাস্কুড) 🍟 41 কিবাভাগ্নুমীয় (ভারবিক্ত) ø विकाशिकरणत अञ्चलकार्य निम्नीन শিত হইবেক উক্ত নিয়মে মূল প্রদান। লেপুস্ক প্রাপ্ত হ**ইবেন। বিদেশে প্রেরণের** ডোক মাশ্রল লাগিবেক।

গুরুগংহার। মেবছত। শকুতালা। নলোদয়।
বিকালিমিক । বিক্রমোর্কনী। মুদ্রারাক্ষ্য।
লী: মালভীমাধব। সাংখ্যতত্ত্বকৌমুলী
প্রাকারিকা। মহাবীরচরিত। উত্তর্গানলা মুদ্ধবোধ। দশকুমারচরিতের উত্তর জি।
নি: বসস্ততিলকজাল। অমরকোধ। শাক্ষর
লা বসন্ততিলকজাল। অমরকোধ। মহাভারত।
পুরাণ। কাদ্ধরী। ভাটিকাব্য। নাগানক্ষা
প্রাণ। কাদ্ধরী। ভাটিকাব্য। নাগানক্ষা

কোতাসংবাদ জ্ঞান কর যন্ত্র নিমতলা } আইজুবনচন্দ্র বসাক তেংসংখ্যক ভারন।

বিক্রন্যার্থ।

গাৰজেন রীচ**ং৪ নং ৰাটা ওচামসহ ১৯ নং** ভাৰাগান ।

ভাড়াদেওয়ার নিমিও। গারভেনরীচংগ্রহ বার্টা।

তিপরি উক্ত বাগান ও বাটী য়াঁহারা কর ভূপরি উক্ত বাগান ও বাটী য়াঁহারা কর ভূত অথবা ভাড়া লইতে ইচ্ছা করেন, নিয় রিভ ব্যক্তির নিকট জানাইবেন।

> গিলেগুরস্জারবো-খনট এবং কোণ

পুরাণপ্রকাল।

চলিকাতা মৃত্যাপুর আনাহাউদের দক্ষিণ প্রকাশ বদ্ধে পুরাণপ্রকাশনামক সাম পত্র প্রক্রিমাসে এক বাছই খণ্ড করিয়া 🛏 হইতে আরম্ভ হইয়াছে। প্রত্যেক প্রত্তের বাৰ ৮০ অংশীতি পুঠা। ইহাতে ক্রমশং অই। পুরাণ ও উপপুরাণ বাজালা অনুবাদসমেড 🗱 করিবার কল্পনা আন্তে ৷ প্রথম ডঃ বিষণু -🕇 অন্তবাদ ও জীধরগোমামিকুত দীকা সমেত । इड्डिट्ड ১ লা বৈশাৰ বিভরণ 🕊 হইয়াছে। যিনি ইহার গ্রাহ্ক হুইতে অভি इन, फिनि कनिकां प्रश्नु उ विन्हान । র নিকট পত্র ভাকমা 🕬 🗰 প্রতিখণ্ডের প্রবিষয়া স্থাট আনা করিয়া পাঠাইবেন। न्ना निग्नमिष्ठ बाह्करकानीजुक नरहन, टांहा নিকট প্রভেত্ত খণ্ড নগদ ১ এক টাকা विक्रम कहा माईरव !

🕏 अध्यादयाहर अर्था।

E TE

শব্দকরক্রম অভিধান। সর রাজা রাধ্-কাস্ত দেব বাহাছুরের ক্ষত। উত্তমকপে সোণা দিয়া সূতন বাঁধান মূল্য ২৫০ টাকা। তত্ত্ব-বাধিনী পত্রিকা-প্রথম কল্প, মূল্য ৫০ টাকা। প্রামশ্চক্র বেদান্ত বাগীশ।

রাণীগঞ্চ পটরি কোং লিমিটেড :

মেজিয়াকরিবার সুচিরণ টাইল।

জ কোম্পানির মিসনরোক্সিড ৪ নং আফিলে উহার নমুনা দেখিতে পাওয়া যায় এবং যদি কাহার প্রয়োজন হয়, ঐ আফিলৈ অনুমতিপত্র পাঠাইয়া দিবেন।

---; e ;---

সংস্কৃত মেদিনীকোষ ছক্ত শব্দের চীকাগমেত উত্তম নাগরাকরে যত্তপূর্ণক মুদ্রিত হই
তেছে। যিনি গ্রাহক হইতে ইচ্ছা করেন, তিনি
চাকা কালেজের সংস্কৃত অধ্যাপক জীয়ক্ত বাবু
সোমনাথ মুখোপাধ্যায় মহাশয়ের নিকট অথবা
কলিকাতা সংস্কৃত বিদ্যালয়ে বা কাব্যপ্রকাশ
যন্তে আমার নিকট পত্র পাঠাইবেন।

১৫ ই চৈতে ১২৭৪ | সংকৃত বিদ্যালয় | শীলগনোহন শক্ষা

ক্ষভিধান।

| শকাসুধি | ર∦• |
|-------------------------------------|---------|
| শব্দার্থ প্রকাশিক। | ø |
| শব্দ সিক্সু | 2 |
| শকাৰ্থমূজাবলী | 7 |
| अक्षरित्रकाला | ¢ |
| শব্দার্থ প্রচারিক। | 9 |
| প্রকৃতিবাদ | ŧ |
| সংস্ত পুস্তক | |
| রঘুবংশ স্টীক | ৮ |
| উত্তর देनवश्रुविष | • H • |
| ভট্টিকাৰ্য | 8 • |
| অষ্টাবিংশতি ভল্ | હલ |
| দ্যারপক | له ۱۹ د |
| লিকাড়া 🌖 জীকেদারনাথ বক্ষ্যোপাধ্যার | |
| ৰিহয়লিস টুট ১৭৭ নং সুস্থকৰিকেও | 1 17 |

বিবিধ স্তব্যাদি বিক্রয়ার্থ প্রস্তুত ।

हेश्ताकी वाक्ना शूक्क कामक कुनम नामा

বিধ প্রব্যাদি পাওয়া যায় মধ্যতে, ঘড়ী অস ইড্যাদি পাঠাইরা থাকি এবং পুস্তকাদিতে আনার হিসাবে কমিসন দি। যদি কেহ অধি টাকার প্রব্যাদি লম পাইকেড়ী দরে পাইবেন

नक्षिम इतिहास्थ्य स्थ - ভিতীয় খণ্ড Ð. জ্ঞী মন্তগবদগীতা টীকা ও বালালা সমলিত শ ক্সিক শকাবলী শক্ধ প্রকাশিকা শ্বাপ্ৰস্থালা শকার্পপ্রচারিকা প্রকৃতিবাদ অষ্টাবিংশভিতত্ত্ব অব্লদামঙ্গল বিদ্যাস্থনদরপ্রভৃতি সীকা) টীপ্পনী ও ১৮ খানি প্রতিমূর্তি সহিত! वाञ्जीय कम ও ভারতবর্ধের রেলওয়ে ইলেক্টীক টেলিমাফ নলচরিত কাব্য পঞ্চদশী বেলাভদর্শন অধিক রণমালা হরিভক্তিবিলাস পুদকল্পত্ৰ মেটবিয়া মেডিকা इंश्मधीत अवश्वकादनी আয়ুর্মেদদর্পণ ফৌজনারি গাইড নিদানার্থচ জ্রিকা স্টীক নিদান arta মালভীমাধব পঞ্চাব ইভিহাস চীনের ইতিহাস হুতম পেঁচার মকা (১।২) সমুদ্ধসমাধি নাটয় বেশ্যাসন্তিনিবর্ত্তক নাটক মনোর্জি বিধায়ক কীচক্ষ্ম নাটক इंश्डाबी वाकामा जिक्रमाति

কলিকাড়া ক্লোড়া-

क्रेमकेनिया मश्याण शुक्रकामदर्भ ७ गो

ক্রীপ্রতাপ চক্র

विकृत्या अमित कांच्याबित रेशकोटन ४९ <mark>ত ও মংপ্রচারিড নিম্নলিখিত পুস্তকগু</mark>লি व स्हेरऌरङ्≔् বণীত रू ले (ইতিহাস 2 きゃい ইভিহাস । দার ব∷ুকরণ সার (১ম ভাগ) চনার (২য়ভাস)

🗷 ধার চানাথ শর্মা।

---:0:---

বৈত্য

বাধ ব্যা**বর**ণ

গুঁড়ে হে: ব্রাদার্শ কোম্পানির ১৮১৯ সালের াল কোনেঁর কী অর্থাৎ অর্থ পুস্তুক প্রস্তুত ছে। যাঁচার লইবার ইচ্ছা করেন, কলি । কালের ডীট ৮৬নং ভবনে উক্ত কোম্পা নিকটে অপ্ৰ অন্ধন্য পুস্তক বিক্রেডার ভিজনুস্কান করিলে পাইতে পাতিবেন।

গোনপ্ৰকাশ।

১০ ই অ'ধাচ বোমবার। আমরা অসুরুদ্ধ ইট্যা সকলকে বোণ করিতেছি, ভাঁদারা দিভীয়

লপন্টীর 2 ভি বিশেষরূপে *দৃ*।ইট-াকরেন। হতগাকারীর **অনুসন্ধান**

য়া দিতে পারিলে কেবল যে পারি বিক লাভ হইবে এরূপে নয়, ছুটের বিষয়ে ভদ্রলোকগাতেরই যে শা

করা 🐙 কবির, দেই কর্তব্যের অনু **इ**इट्र ।

প্রায় এক পক্ষ ক্লৈ অনবরত রুক্তি

--: . :---

টেড জেলা ২৫ পরগণার দক্ষিণ শের যেপ্রকার ছরবস্থা ঘটিয়াছে, াদিগের এক পরিচিত প্রামাণিক r তদুভান্ত লিখিয়া পাঠাইয়াছেন**,** वरे ऋताहे शृशीक रहेल। হাশয়! গত ২৪-০ কৈয়ৡ ৩কেবার প্ৰবলবেগে বাত্যাও রুষ্টি হইয়াএ ণ একবারে ছারখার হইবার উপক্রম

ছে। এমন কি यनि आति छूडे ভিন দিবস

এইরপ থাকে ভাষা হইলে যে কভদুর ছুর বস্থ। হইবে ভাষা মনে উদর হইলে স্থাক্ত হয়। বেৰূপ বৃষ্টি ও বাতা। এইতেছে এৰূপ कर कर्यन ८४८ थन नाहे। कि प्रक्रिन महारा शामक পুছ রণাএভূতি শলাশয় সমুদায় কলে প্রিপূর্ণ হইয়া গিয়াছে। রাজপণের ইপরেও কোন কোন স্থানে এক হাজু ও কোন কোন স্থানে বা ১॥০ দেঁড় হাত পথাস্ত জল দাঁড়াই রাছে। প**ল**িগ্রামস্থ পাগে সমনাসমনের পকে বে কত দূর কণ্ঠ হইয়াছে, তাহা লিখিয়া শেষ করা যায় না। কুটার ও য়ান্তকানির্নিত প্রাচী রসকল অধিকাংশই ভূমিসাং হইরা গিরাছে। বিশেষজঃ চাষের পা ক্ষ যতদুর অনিষ্ঠ হই बाट्ड. द्वांध रव कन्धांदन, क्यांत्रृष्टि ७ सटक् তত দুর হয় নাই। বেসমস্ত বীজ বছ ৰত্নে ও কতে রোপণ করা ইইয়াছিল, তাহ। একবারে বিনষ্ঠ হটয়াছে। মার্ফের উপরে প্রায় ৪।৫ হতি জল দাঁড়াইয়াছে। ঐসময় জলাকীৰ্ণ ক্ষেত্রে বে ওনর্কার কেমন করিয়া বীজ রো-পিত হইয়া শদ্যোৎপাদন হইবে, ভাহা স্থির করিতে পারা যায় ন।। চাষের পক্ষে এতা দৃশ অনিষ্ঠকর ঘটনা দেখিয়া ক্রমকের। যার পর নাই হতাশ ও শক্তিত হইয়াছে। তাহা-দের কাতর বাক্য প্রাবণ করিলে কার না হাদয় বিদীণ হয় : গভ ১২৭১ সালে সাটিকাও জলপ্লাবন, ৭২ সালের ভানারুষ্টি ও:৭৪ সালের কটিকাতে মনুধাগণ জীবনাত হইয়া কেবল আশাকে অবলম্বন করিয়া রহিয়াছিল। তাহাতে বর্ডনান চামের এইকপ অনিষ্ঠ ঘটনা দেখিয়া সে আশা একেবারে নির্মাল र देश (हा

> ইভিয়ান মিরার ও ভারতব-- ধীয়গণ :

इरतामिरिशत का ठिमाशांत्रण अहे একটা দোষ আছে, তাঁহারা দোষ করেন, অথত কথন তাহার অসুমোদন করা হয়, কখনবা তাহা স্পান্তাক্ষরে অস্বীকার क्तिहा व्यथवारकोही एक व्यक्त, मिथावानी अ अविद्वृहक वक्ष्यक्षया। अ त्राम आमा क्रिमटक न्यार्भाव करत, व हेन्छ। काहाते उ

माइ विलाल (वाथ एव प्रजूतिक ए বস্তুতঃ ভারতবর্ষীয়গণ ব্যক্তিবিট क्रमुद्राध ना कतिया यथकातः न्यारे धारन नकरलत रमांत्र शकान करः প্রকার স্পাঠবাদী লোক ইংরাজা রিলেগডঃ ভারতবর্ষত্ব ইংরাজ মধ্যে অভিবিরল । গুণের শহিত ব উল্লেখ না করিলে জাভিদাধারণে নীতির উন্নতিদাধন করা যায় না। नाम पारमत উলেখ आविभाक व কিন্তু দোমের কণ্পানা বা ঘতি করিয়া প্রতিস্থালাভচেন্ট। অভি বিভয়না। ইতিয়ান মিরারে ইহার **উ**० कृष्ठे मुख्ये कुष्ठे **ब्**डेन । यथात्म সংক্রান্ত গোড়ামীনা পাকে, দে ইতিয়ান মিররের অপেকা কেহই कडा व्याकोतिडामहकारत उ রের দোষ গুণ বিবেচনা কা পারেন না ; কিন্তু গত ১৫ ইজুনের আমরা একটা প্রস্তাব পাঠ করিয়া শয় বিস্মিত ইইয়াছি। এক জনভা বর্ষীয়ের লেখনী হইতে এপ্রকার কটু অমূলক ৰাক্য বিনিৰ্গত হ পারে, আমরা তাহা পুরের জানি না। নিয়ে উহার কোন কোন আ অবস্বাদিত করিয়া দেওয়া যাইতে "অামরা দেশীয়দিগের প্রতিনিধি ব পরিচয় দিতে চাহি না। যাঁহার। ব শীয়দিগের প্রতিনিধি বলিয়া গ পরিচয় দেন, তাঁহাদিগকে আমরা মাতা বলিতেছি, ভাঁহারা মিধ্যা बदलम (!!!) आभामित्रोह (हान का সাধারণ স্বার্থ নাই ; সুত্রাং আফ পের কোন সাধারণ অভিপ্রায় ও স রণমতও নাই। এরপ **ছলে** (ব্যক্তি সকলের প্রতিনিধি হইতে পা না। '' ইভিয়ান মিরার স্বয়ং যে জ

সাধারণের অথবা রাজনীভিসহজে (

শ্রেণীর প্রতিনিধি নহেন, দে বি

বেন না : কিন্তু আমাদিণের জাতি-ারণ আবার্থ, জাতিসাধারণ মত ও চদাধারণ অভিপায় নাই, এ বাকো हे अञ्चरभावनकाती हहेरवन ना । ब য়িও ইউরোপীয় ধলিয়াযে ভেদ হঃ, তাহাতে কোন ভারতবর্ষীয় ः कः चिरंजन ना कतिया छ। 15. मकलारक जुलाजारभ आक्रमन थानान (হয়, কোন ভারতবর্ণীরের এটা এেতনয় **ৃইংরাজেরা যে গরে**বা-ব্যবহার করেন, তাহাতে কে না কু ০ ইংলডেশ্রী আমাদিগের ছঃখ ষ্টের বিষয়প্তলি শ্রেবণ করিয়া ভাহার [কার চেফী। করেন, কালার নাইচ্ছা? রা দৃটান্তস্কুপ এণ্ডালির উল্লেখ লাম, এইরূপ আনেক বিবর আনছে। ঘ্রমে বদি ভারতবরীয়দিপের ঐক ক্টল, ভারত্ববীয়দিগের মত নাই, াবলা কিরূপে সঙ্গ হইতে পারে 🤈 कि को दीत निक बोदकात व्यवश्व कि उन्न ে। রাজনীতিস্তুস্নে আমাদিসের পরের মাছভেদ ও পরস্পরবিরোধী रार्थ 'बार्ड, मितार्दत এक এक नित्रा (ইঃ) ৰেওয়াউচিত ছিল : মিবাৰ बं, डेक्स्माणिक हरेसा विकासहरू. মোদিলের বিশেষ বিশেষ বিষয়ে মুাৰ আছে, কৃত্তুলি আসুমুরি ह ऋ।र्थनाञ्चनार्थ (सईख लिट्ड छैरमा≇

। " মিরার যদি ভির্তিতে বিবেচন। । (मर्थन, (मर्थिट शाहेर्दन, ষ্ বিষয়প চ অস্তেয়ার ক্রমে জাতি রণ হইয়া উঠে। যে বিচারপতি काबीत इब गाम भिवास मध्य (सन, ভারতধর্বের কোন স্থানে **সভো**ষ পুলন ক্রিটেড পারেন ? আমাপন ন পদগৌরব বুঝিতে না পার। একটা বিভ্রনা। মিরার হিল্পুপেটি চুস্থিকভর । ক্ষতাশালীণ

ার ' দরল শ বাকে; কেছ বিবাদ বিলয়। নির্দেশ করিয়াছেন। কিন্তু জাতি সাধারণ প্রতিনিধি বলিয়া স্বীকার করেন না। এই ক্ষতা কোধা হইতে আসিল ? সংবাদপত্র জাতিসাধাংণ মত প্রকাশের এক প্রধান উপায়। যে দংবাদপত্র এই নিয়ম প্রতিপালন করিতে পারেন, তিনিই প্রতিনিধি হন; সংবাদপত্রের ক্ষমতার দ্বিতীয় অর্থনাই। মিরার কি এ কথা অস্বীকার করিবেন পূ পাঠকগণ নিম্লিখিত কথাও লির বিষয় একবার বিবেচনা করুনঃ----

> ·· অনৈক্য আমাদিগের স্বাভাবিক অবস্থা; সার্থপরতা আমেরা সর্কপ্রধান हेके छ्ढान कति, श्रद्धत कथात ज्यमपर्थ করা এবং পরক্ষারকে অবিশ্বাস করা অ মেরাবড়ই বৃদ্ধির কাজ ভরান করি। " নেপলিয়নের শেষ দশা উপস্থিত ; এক জন কাথলিক পুরোহিত ভাঁছাকে ঈশ্বর ও পরকালের বিষয় বুঝাইতেছেন, এমন সময়ে সমাটের চিকিৎসক (ইনি কভক নাস্তিক ছিলেন) হাদ্য করিতে লাগি-লেন। নেপলিয়নেব পূর্কামত তেজস্বিত। আ'দিল উপস্থিত হইল। তথকণাথ শন্যার উপরে উপবেশন করিয়া এই मुमुर्व (योद्धा यद्भिष्टुना तक नहरन हिकि ६ मकरक ভितन्दाद कतिहा विलिद्यान, " যুবক। বোধ হয়, ভুমি আপনাকে অভিশয় বিচক্ষণ জ্ঞান করিয়া ঈশারকে মান না; কিন্তু বাহা বলিতেছি শুন। चामता (क्वल मान कड़िलाई नांच्छिक **হ**≷তেপারি না!৺ আমরা দকলেই স্বার্থপর ? রামমোহন রায় কি স্বার্থপর ছিলেন ? ঈশারচন্দ্র বিদ্যানাগর ও কেশব চন্দ্র দেনপ্রভৃতি সকলেই কৈ স্বার্থপর হইয়। যাবভীয় কার্যা করিতেছেন ? ভার-ক্রবীয় সভা কি স্বার্থপার ? পরস্পারের উপরে আমাদিগের অবিশাস তাহার একটা দৃটাত প্রদর্শন করা উচিত।কোন ভারতব্যীয় দারকানাথ

মিত্রের ও সতে,ক্রনাথ ঠাকুরের উল্ল इ: अ धाका । कतिया थारकन १

--:0:--

ভীপস্থান। হিন্দু শাস্ত্রকারেরা তীর্থস্থানগু পরম পবিত্র ও পাপনাশের অন প্রধান উপায় বলিয়া বর্ণন করিয়াত পুর্বে যথার্থ ধার্মিক ব্যক্তিরাই পুণ য়ের মানদে ভতংকানে **পা**মন ও তেক্তির হইয়াকেবল পুণ্য কর্মের ষ্ঠানেই কালাভিপাত কুরিতেন। কারেরা উহার পবিত্রতারকার্থ শেষ যত্নবান ছিলেন। উাহারা ব তীর্থে গেলে অন্যস্থানক্ষত পাপের হয়, কিন্তু তীর্থক্ত পাপের খণ্ডন এত করিয়াও তাঁহারা উহার পবি রকাকরিতে পারেন নাই। আজি তীর্থস্থানগুলি যেরূপ হইয়া উঠি ভাহাতে উহাকে পাপালয় ব বৰ্ণন করিলে অব্যক্তিক জ্ঞানা। ম যতপ্রকার পাপ কর্ম করিছে গ এক্ষণকার ভীগস্থানে দেমমুদায়ই ৫ হয়। এরপ হইবার কারণ এই, 🥫 জীবিকা সুলভ। ধর্মবৃদ্ধিতে লোকে नाइ मानामि कतिशायादकन। याः গের অন্তর জীবিকা অর্ক্তন করি ক্ষতানাই এবং যাহারা নানাঃ পাপক্রিয়া আসক, ভারারাই সচরাচর ভীথফান আবোর ব থাকে। চাতুরী প্রবঞ্চনাপ্রভৃতি বি তাহার। অপটুনহে। হিন্দুশাল यक अकात धर्मिकि धातरात व चारह, काहाता स्म ममुनाय शातन व থাকে। উপধর্মবিমূঢ় হিল্ফুদিগের ভদ্দানে বিমোচিত হইবে, ভাষা (र्यात वियय न दर। अक वास्ति क বৃত্তান্ত বর্ণন করিয়া যে এক দীর্গ লিখিয়াছেন, তাছা পাঠ করিয়া क्तरमहे अक्रि भे देवहा इस ना स्व

কাশীতে নিজ পরিবার প্রেরণ । পত্র প্রেরক লিখিয়াছেনঃ— • আমি বারাণদী ধাদে গমনপূর্বক লীটোলানামক যে স্থানে অনেক লির বাদ আছে তথায় ছিংনাম। বাগালীটোলাল সন্নাদী, গৃহস্থ পক, ত্রান্ধণ, বাটাওয়ালা, পণাজীব তি অনেক প্রকার বাহালী অছেন। ধ্য

ুদওধারি শুভৃতি সন্নানীশি-

रभन्न वाब्द्रांत्र ।

ণ র্যাদী দিবের মধ্যে মঠাধ্য**ক্ষাদ্রে**র

র সীমানাই। ভাঁহাদিগের শিষ্য মিগণ ধনীদিগের ভৃতঃ**ৰর্গের ন্যা**য় ন আপন গুরুপ্রাধেশপলকে কেম্ই সর্বদা নির্বাছ করিয়া न। याओकिरशत निमञ्जनादत ভানে কোন দিন কয় জনকে ত হইবে, এতদৃত্ত ত এক থাতায় ত হয়, তদ্সুদারে শিষ্য দণ্ডীরা রেতের গিরা উত্তমরূপ আহার া বস্ত্রাদি যে কিছু প্রাপ্ত হন, ভাহা 5 কিয়দংশ রাখিয়া অবশিষ্ট ন আপন গুরুকে দেন। কুলকামি-ও স্ক্রি। পর্ম ভক্তিন্হ্কারে কেদিগকে উত্তম বস্থ এবং বারুণী-া উপাদের আহার যোগাইরা উাহা চরণদেধায় নিযুক্ত থাকেন ; ভোগ্য িবিস্থোরি অভাব ক**খন ঘটে** না। রীদিপের শিষাগণ যাঁহারা মঠে ানাওরে থাকেন, ভাঁহার। আপন ন শুকু জুলা **সুখীনা হইলেও কো**ন র আনমোদে এক কালে বৃঞ্জ । তাঁহারা উরম অশন, উত্তম मर्रापे शिथ हरेश पीटकन वरः ণরি প্রায় এক একটা দেবাদাদী । ঐ যতিগণ স্থাসুকল্পায় পুষ্ট হুষ্টান্ত;করণে ঐ পরিচারিকা-

मिट्शत नर्काजीके निक कतिया थाटकन। মঠাধ্যক বা শিষ্য যে কোন সল্পদী ছউন, ভিকার্থে গৃহত্তের বাটাতে গিয়া **पूक्तिका निकट**े ना शाक्ति, इटल গণু বাদি দিবার ছলে কুলবালাদিগকে निकटे जिल्हा, श्रम् छत्र (प्रशाहिताह **ছউক, অথবা বলপ্**ৰ্ককই হউক, তাহা দের অংধর রচেই গঞুষকার্য সমাধা করিয়া থাকেন। অনেক ষ্ঠির শুণ্ডিকা লয়ে ও হাভিকালাভের রীভি আছে। এই সমস্ত ষ্তর নিকটে জ্ঞানশিকা করিতে থেলে ইহারা বলেন, ' আস রাই নাকাং সমুক্ষে নারায়ণ অথবা ত্রেন ছইয়াছি কোন কর্মোই লিপ্ত নই। যে কোন কর্ম আমাদের দেহ হইতে নিজা দিত হইতেছে, তদারা আমরা আর সংসারে আবদ্ধ হইব না। ভোমরা আমা দের শুক্রাবারায়ণ হইলেই ভক্জনিত ত্মক্তিবলে, গুরুর ভানে আমাদের নাট্য জ্ঞান এ:1:প্ত হইয়া সংসারবহান হইতে মুক্তিলাভ করিতে পারিবে। ঐ প্রকার জ্ঞানভিত্র মুক্তির উপায়ান্তর নাই ৷ " যদি জিজাদা করাযায় যে, অশব্দস্পর্মণ ইত্যাদি শ্রুতিবাক্যার সারে ভ্রেক বস্তুতে শব্দাদি ইন্দ্রি কার্য্য কিছুই নাই, ভবে আমি নারায়ণ কি অহং ব্রহ্ম বলিতে গেলে ব্রহেমর দেহের কার্যা হয় কি না ় এত চুত্তরে অনেকেই বলেন, তুমি জ্ঞানাধিকারী হও নাই; কেবল কুতর্ক শিখিয়াছ। বেছেতু নাধু এবং বেদাস্তবাকো ভোমার বিশাস নাই, ভূমি আমার নিকট হইতে গমন কর, তোমার মুখ দেখিতে নাই।

> গৃহক্ অধ্যাপক মহাশয় দিলের ব্যবহার।

ষেদকল ধনবান যাত্রীর সমাগম হয়, উাহারা দলবিশেশের অধ্যাধাক মহোদয়দিগকে আহ্বানপূর্কক প্রত্যা

ককে ঐ কি ।০ অথবা।।১ আনা করিয়া থাকেন। অধ্যাপক নহাশ দাতাদিগের জাতাসুসন্ধাননা করিয় मान आहल करतन। लारकत प ক্রিগেলকেও এই মহাশ্রদি অনেক আয়ে আছে। অধাপিক মং मिरबंद शङ्गी, खाँधनी, कन्या, श्र প্রভৃতি সধবারা যাত্রীদিগের বা স লোকের আহ্বানমভে দিয়া যা উভয় কালেই উপস্থিত হইয়া স্ব আলয়ে আহার এবং বস্তালকার দৰি महिष्ठ छाङ्ग कतिया चीटकन । सन्त्र য়েও গননে আনুনেকে পরাভ্যুগ হন স্থানবিশোনে সধ্বাস্থকারের কোন চাবেরই অভাবে হয় না। অধাণিক শয়দিগের গৃহের বালিকাগণকে সুনি গার হইতে বহিগমনদিনাব্যি বি হের পৃকিদিনপর্যায় কুমারী ব লইয়া পিয়া বস্তালকারানি গে হয়। এই সমস্ত আয়েদারা অংগ महाभटतता य य तम्भाटिशका कार्-অধিক ধনশালী হইয়াছেন ৷ নাহই (कन ? श्वरमर्भ (कदन श्रूकरवत व्य প্রতি নির্ভর ছিল, কাশীতে পুরুষ, বালিকা ভিনের আয় এক্তিভ তেছে। ছঃখের নধ্যে দুঐ थारक त्य, कथिक मधवा कोकूता बादगादीनिटशत न, रत ধারণ পুরুষ প্রাতঃকালাবণি দ্বিশ্বর দিব। পর্যাস্ত কোপায় স কুমারীর প্রয়োজন আছে, এই অসুস নানা ভান জমণ করিয়া পাদেন। (কোন অধাণিক মহাপর বলিভাবিং জন্য শোকভিভুত হট্যা কাশী পুঠাক ওপ্রাপে মস্ত্র প্রদান করিয়া ' थानाथ इडेशाएन। डेडामिशाक म সময়ে জ্রাণ্ডতার জন্য ঔদধ স ক্রিতেও হয়। বিদয়বংশনৈ স নেওরাইবার জন্যও এই সম্প্রদায় হ লোক পাওয়া যায়।

ভানটোল বেংসংগ্র ব্যবহার।

বজনেশস্মানা স্থানের যে ব্রাহাণ কুরের। বিদা:, বুদ্ধি ও পে)রুষপ্রকাশ রাজীবিকার উপার্হীন হইয়াছিলেন · अधम्यभग्नामाहि (मिटिस **अस्मिट्स**) ০০ ত হট্যা নামা**জি**ক সম্মানে ^ह २ इहेशारध्य, **डॅं**। हार**एवं काश्विका**र म ग्टः ता উপপङ्गी सम्बद्धाकारत कानी करिर अञ्चल। अन्याना अध्यक्त आरोब एतराव उत्कल्पात्में कहे मस्यनीय ৫ আছেন।ইহারা সমুক্ত লোকদি ে উপায়কাপুকাকি এক এক দলভুক্ত া যাত্রিগণের এবং ভান্যেরদের নিম ভুগারে আহার করিয়া*যে* কিঞিৎ গোপান, ভদ্বাংটি অন্থান্ ব্যয় িংহ করিয়া থাকেন, কেছ কেছ বা াদির দোকান করিছেছেন, কেচ ার শিবপৃক্ষা, কেছ পাচকের কার্যা র থাকেন। মিথাগাক প্রদানদি মোর রারাও অনেকে কিঞ্ছিং উপা करतन। शृक्षिक मध्या अक्नारी অধাপক মহাশালদিগের স্থী, কন্য ভির নায়ে ধনে!পাজন করিয়া ∉ন।যাঁহার একটা কনঃ। ক্রেয় । <u>के</u> कनारिक विक्रय करिया ७००।

ार्ड का नद विभवा अवर व्य**ी**हा

শত টাকা মূলা পান।

भार्षत वावकात ।

নক বিধৰা ও অবীয়া কাশীং, মনের অনতিবিলয়ে ভত্তা জলবাগুর এবং যদৃদ্ধালন পুষ্টিকর আহাণের যেন নৰীনা হইয়া তথকাল বিহিত কংঘে রক্ত হন। অনেকে পঞ্চ : বাবহার করিয়া পাকেন। দ্বিভীয় ে বর্ন নাংস্বিক্রফারীলিসের ा **इंटेड मः गृहीं ड इ**हेश थाएक ! দেবাদিলের যাংমারিক **বায়নিক।**ই

উবিচারা ঐ টাকার অধিকাংশ অমুকুল **शूक्रमित्रात (नवाएक्ट (हर)।** वाजिअशालामिटभन वावस्ति।

राजिशानित वांचारमत बना व्यत्नाक

এক একটা কেছবা অধিক বাটী ক্ৰয় পূককি অথবা ভাড়ায় লইয়া আবাপন আপন উপাত্নী সহিত তথায় বাদ করি তেচেন এবং ঐ বাটীতেই স্থানে স্থানে ১।৪ জন বেশ্যাকে রাখিয়াছেন। ইহাঁরা যাত্রিগণকে পথ হইতে অনেক যত্ন ও সমা দরসহকারে আপন আপন বাটাতে আনিয়া तारथन। याजीता २। ५ मिन शंख इडेटल সধবাদি ভোজনের অভিপ্রায় ব্যক্ত করিলে বাটীওয়ালাঐ সকলের সংখ্যা জানিয়া আপনার উপপজ়ী, কয়েকজন বেশা এবং ২।৪ জন ভ্ৰাক্ষণীকে সধবাও যে কোন জাতির হউক বালিকা কনাগণকে কুমারীর স্বরূপ এই নিয়মে নিমন্ত্রণ করেন যে, ভাঁহারা বস্ত্র অলস্কারাদি এবং मिक्ति ए किङ्क शाहेरवन, खरममुनाय তিনি (বাটী ওয়ালা) লইবেন, সধ্বারা কেবল থানা এবং গ্রেকে / আনা पिक्ता भारतिम। अध्यापितारक अहे নিয়মে নিমন্ত্রণ করেন যে ভাঁছারা প্রভো (क / वान मन्मिन श्राप्त इक्टरना সধ্বাপ্রভূতিয়া উপস্থিত হইলে বাটা ওয়'লা এমনি সতক থাকেন যে, ভাঁহার অগোচরে কেচ কোন দ্রব্য প্রহণক্ষম হন না। যাত্রীর। সংবা প্রভৃতিকে বস্ত্রা लकातानि उनकिना य किছू सन, वाली ওয়ালা দেসমুদায় আত্মনাং করিয়া ুথতে: करक / जाना मिकना मित्रा विमान करतन। पछीता वजामि याश भान, बाही ওয়ালারা তালারও কিয়দংশ লইতে ক্রেটী করেন না।

জ্ঞীবাপুরুষ কোন যাত্রীর পঞ্চনকা द्धित शास्त्राक्षन इट्टल मक्तनाहै वाजि अ ্নিহাদি গল পুতালি টাকা পাঠান, য়ালার বাটীতেই আপ্ত হন; স্থানান্তর চাক্রি প্রাপ্ত হইয়া কিছু ধন আক

याक्टिक इस ना। अवे इट्टबाटम 🔄 य নিকটে বাটীওয়ালার অনেক অর্থ সং হয়। জনোর স্থানে বাত্রীরা যে ে দ্রব্য ক্রম করেন, তাহার প্রকৃত অপেকা অধিক দেওয়াইয়া বাটীওয় তাহার ভাগ লইয়া থাকেন। যাওঁ কিছুটাকাৰা মুল্যবান্দ্ৰা ৰাজী লার স্থাহ বাখিয়া রাহিরে কোন ধ গেলে, বাটীওয়ালা তাহা অপহরণ বার স্বিধা পাইলে ছাজ্নে না। বে ষাত্ৰী পীড়িত হইলে ৰাটী ওয় ভাঁহাকে আপন বাটীর বাহিরে নিং পুকাক ভাঁহার বস্তাদি আত্মদাং ক बरमन। कथन कथन क्या याजीत अ পर्य छ विनक्षे इहेग्राथाटक।

কিঞ্চিং পুৰাতন ভদ্ৰগোচ वाक्रां निम्हित्रं त

ব্যবহার। ইহাঁদের মধ্যে ধনবান্মহাশং এরূপ গর্বিত যে স্থানান্তর হইতে আ কোন সজ্জন ভাঁহাদিগের সহিত সাক্ বরিধার জনা জাঁহাদের নিকট গে यटपाहिन ममानत कटतन ना। का বাদী ভিকুচ ভাকাণেরা বেমন স্ক্ ভাঁহাদের নিকটে গিয়া অপকৃত অ:স ममामीन इडेश वज्रक्टत कटथालक করিয়া পাকেন, ধনবান মহাশয়ে অন্যান্য জদ্রলোকের নিকটও দেই ব হারের অভিগাধ করেন। ধে সমস্ত জা ঠাকুর নহাশয় আপন অংপন মাভূগে থাকিয়া মাতার কাশীগমনের গ তথায় জন্ম গ্ৰহণ, বা শৈশবাৰস্থ ছানায়র হইতে আপন আপন মাত মাতামহী প্রভৃতির সঙ্গে তথার গয প্ৰক উপরের লিখিতমত মাতাঞ তির সধ্বাস্তরপ অভিনিত ধনে লালি

পালিত শিক্ষিত এবং ক্লীছাদের আ

द्रिधक्टम कान धनवाटनत माहाट

রাছেন, অবচ এ পর্যান্ত সকলের দান করিতেছেন, উাহারা আধার ন দান্তিক যে, স্থানান্তর হইতে আ कान जम्लाक उँशिए निकंष न, विद्वाहना कददन हम, 🔄 बाह्यिक ানার পর কালের সদ্গতি**লাভে**র 😊 ভাঁহাদের দারস্থ হইয়াছেন। জুই ভানা লাভের প্রভ্যাশা না থাকিলে 'ল_ণ ঠাকুরেরা অনেরে **ৰাটীতে গ**মন মানের বিবয় বিবেচনায় এখায়ই যান যেখানে কিঞিং প্রাপ্তির সম্ভাবনা _হ, সেধানে সপরিবারে উপস্থিত

গঙ্গাপুত্ৰ এবং যাত্ৰাওয়ালা-निरंशत वावकात्र।

এই উভয় দলের মধ্যে **পকঃপুতে**র গ

দিগকে মণিকৰ্ণিকা ভীৰ্থে স্থান

ইবার সময়ে সংক্তেপার মন্ত্রপাঠ

্র স্থানে যাত্রীরা যে কিছু দান োপাকেন, ভাহাও গ্রহণ করেন। ওয়ালারা যাত্রীদিপকে **সজে লই**য়া মূর্ত্তি এবং দেবালয় সকল দে**থা**য়। বাজা ত্রিটিশ শাসনাধীন হইবার বধি, তৎপরেও কিছুদিন পর্য্যস্থ পুতৰ ও বাতাওয়ালারা **প্রথমত**ঃ গণের নিকট নম্রতা প্রকাশ করিয়া উহাদের দক্ষি অপহরণ এবং বিশেষের প্রাণপর্যান্ত বধকরিত। ণ প্রায় ৩১ বংসর হইল, ইহার। প দৌরাত্ম করিতে পারে না। য়। মেকলিএড এবং গ্রিন সাহেবের <u>द्विणि नमस्य करे इरे मरलंद अवर</u> ना खाता दिलाक विकास नास्ति इह, থি উহাদের অত্যাচার হইতে যাত্রি িনিক্তিলাভ হইয়াছে। তথাপি ও উহাদিগের উপদ্রব কম নয়।

। याजीबू .निक्ठे विमाय श्रेवात

किছूरे उर्दे मञ्जूषे इस ना, व्यक्ति

অনেক ছ্ৰ্বাক্য বল্লে, ছান ও ব্যক্তি विभाव कान यां और अशाब कतिहा थाटक। शाखिता बिटमणकः , व्याननारमत প্রিচিত কোন লোককে দেখিতে পান না; পুতরাং বিপদ জ্ঞান করিয়া তাহা হইতে উদ্ধার হইবার বাসন্থয় উহাদি গকে অপ্রত্যা অধিক টাকা দেন। যাত্রীরা सिव्धनदेश शृक्षांति योश स्मिन, **जाहां**त व्यक्तारम राजा अशानाता नहेश थाटक। যাত্রাওগালারা বাত্রীদিগের সমভিবাা হারী যুবভী জ্রীদিগের দহিত প্রায়ই অসম্বেহার করে। কোন গঙ্গাপুতাবা যাত্রাওয়ালার অভ্যাচারতেতু বিরক্ত रुद्रेश यनि दर्गन याजी क्लेकनाती आना वटक **चार्र**क्त कतिवात मःकण्या करतन, তাহা হইলে বাটীওয়ালা প্ৰভৃতি মধা-वर्जी इहेशा उँ:हाटक अने विलिश काश्व করেন যে, গঙ্গাপুত্র ও যাত্রাওয়ালারাই **डीर्थित कलमाठा, डॉक्स्ट्रिस विक्रट्य** নালিশ করিলে ভোমার নরক ছইবে। जीटर्बत कान कनना क हहेरव ना।

(न्वांनम् नक्त्वं भाशांक्रित् कृष्टे।खा

ইহারা সকলে দিবাভাগে আপন আপন দেবালয়ে বনিয়া দহকোৰ্য করিয়া খাকেন বলিলেও অভ্যুক্তি হয় ना । याजीता पर्मनार्थ त्य त्मवानदा यान. ভত্ৰতা পাণ্ডা যেন সাক্ষাৎ সেই দেৰভা এই ভান করিয়া বলিতে থাকেন, অনুক অমুক দ্রব্য ও এই পরিমাণ দক্ষিণানা मिल (परका कथनहे जूके हहेरवन ना, প্রভ্যুত ভোমাদিগকে নরকে নিকেপ ক্রিৰেন। এই বলিয়া যাহা পারেন যাত্রী मिर्भित कारन लगा उद्योगण यमकल অলক্ষার গাতে পরিধান পুর্বক এবং অন্যেরা কোশাকুশী গ্রন্থতি যে কিছু वामन लहेता (स्वान्त्य गमन क्ट्रन, ভাহার যে কিছু পারেন অপহরণ করিতে পারিলে পাওারা ভাহা ভাগে করেন ভ্তাগণ্যারা আনাইয়া থাকেন। ছি

ভূমিতে পতিত হয় তাহা হইলে গ তথনি ভাহা লইয়া গোপনে রাচ ৰে যাত্ৰী ঐ অভয়ার বা বামন পাট চেটা করেন, ভিনি প্রায়ই পাওাং আহত হন।বালিকা যুবতী প্রৌচ তির কপালে কুলির ফোঁটা, নির্মাল্য, ও চরণামৃত প্রদানের, ব হস্ত বুলাইয়া আশীর্কাদের ছলে ব রদের অংক-পর্করা হয়।

অনেক ছানের দেবতাদিগের ব व्यकात व्यक्तात मुखे ह्ह्याट्ड, किंद्र का ছুই এক দেবভার প্রসাদ গ্রহণ লে উইলদনের বাটী গমনের প্রায়ে र्यं ना। व्यत्वदक्रे श्रुकात हानामि সহিত ছোট ছোট খুকর বলি, আ দ্ৰব্যের সহিত অনেক কুকুটপাৰ অধিক পরিমাণে সুরা প্রদান ব थारकन। এই ममस्य श्रामानी सरवात थकारमा वरः शालत मद्यामीय व्यत्नक श्रुक्रदवत्र, मधवा विधवाञ्च অনেক স্ত্রীর আনন্দ বর্দ্ধিত হইতেছে দলও এই প্রসাদগ্রহণে পরাও মুখ হ

বাঙ্গালীভিন্ন ত্রিলিঙ্গ, মহারাই, রাট, লাছোর ৫.ভৃতি অনেক স্থ অনেক হিন্দু কাশীতে বাদ করিতে ভাঁহাদের স্ত্রী পুরুষ উভয়েই বা এমনি শুদ্ধচারিতা দেখান যে, তা ধাতৃপাত্রে আপনারা গছা জল য शिशा **व्या**शनाहरम्**त ममस्य कार्या** नि করেন। বাঙ্গাণী আন্দাণ স্পর্শ ক তৎকণাৎ স্থান করেন; সর্বাঞ্চ নি পকাছভিকাও বিভূতি ছারা বি পিতকুদ্রাক মালায় জড়িত রাখে ভাঁহারদের মুখে অনুক্র বেদধনি 😁 পাওয়া যায়, কিন্তু প্রায় गक বীরাচারী। প্রথম, দ্বিতীয়, ভূতীয়, চ মকার ক,হার প্রভৃতি যে কোন জ হণের অভিলাবে বাজিপণকে না। দৈৰাং যদি কোন অলঙ্কার কিছদন ও ভৃতীয় মকার অপকু এহণ করেন কালয় বা অন্য যে কোন জাতিব ধিন্ন মাংল, স্থিন মথলাবিক্রীত হয়, হইতে ভ্রেডারাই আনিয়া দেয়। মুলায় পরন লেবতাকে নিধেদন বিবই প্রদাদে আপনারা ব্লৈপরি-অন্তরাম্বাকে চরিতার্থ করেন। বের স্থাগিণ অর্থলোতে না কণ্ণেন কর্মাই নাই।

ক বাজালী কি অন্যান্য দেশীয় দিংগর্গশ সহস্তার মধ্যে ছুই চারি আছেন। উচ্চারা জীপুরুষে পর গ প্রদ্রবারশাসাদন করেন না; বাকা বলেননা, পরানিউ পরি-পূর্ককি আপন আপন সাধ্যমত প্রায়েজিভি ধনদারাই সংসার নির্মাহ করেন। ইহারা কুসংস্থার নির্মাহ করেন। ইহারা কুসংস্থার

- 203--

মুভান প∴য়ক':

হিন্দুনপ্তিক। এথানি সপ্তাহিক
হা। বোয়ালিয়াস হিন্দুখন সভার
ঐ স্থানেই এখানি মুদ্রিত ও প্রচা
হইতে সারস্ত হইয়াছে। হিন্দুপর্যের
পোরক্তা করাই এ পরিকার মুখ্য
পা। ইহাতে রাজনীতিসংক্রাণ্ড বিষ
সন্নিবেশিত দুট হইল। এখন
গীটা দেখিয়া আমাদিগের এই বোধ
সভা ঘদি বীতরাগনা হন, এখানি
ভারতিশালিনী হইয়া উঠিবে।
লে তুই একটা কথা বলা আবশাক
ভাউ। সম্পাদকদিগের ক্লত ছই
ই এক বিশ্বরা আমাদিগের ক্রত ছই
ই এক বিশ্বরা আমাদিগের ক্রত

পরিণামে পর্যানিকে ছাত্ত কৌতু

কাবৰ যুক্তি দাবা পরিপ্রিত করিয়া
তুলিন। বেদ অপৌক্ষযের নয়; ইহা
ঈশ্বরপ্রতি হইলে বেনেদিত ধর্ম সর্বদেশের সর্বজ্ঞাতির ধর্ম বলিয়া প্রচলিত
হইত এই কথা যাহারা বলেন, ভাঁহা
দিগের বাক্যের খণ্ডনার্থ সম্পাদক লিখি
য়াছেন ।

" श्रुवाकारल मकन प्रश्नि त्रित श्रुवाकारल मकन प्रश्नि त्रित श्रुवाकारल क्रिया क्रिया व्याप्त व्यापत व्याप्त व्यापत व्यापत

2781

ছেঁভাৰভনাস্থী।

া ছে ড্ৰেড়মারনী : দর্বাত্র আছে। পূর্বা প্রয়েদিপের বোহাই দিয়া স্নাজে সম্মান লটবার ইচ্ছাকেবল ভারত্বর্থে দঙ্গে, সকল (मर्बर्ड (मंबिटड भा अया यात्र) किन्छ धक বিষয়ে শামর। সকল জাতির অত্রে বিয়াছি। ট লংগলভি ব শীয়েরা পুর্সরতন সন্মান পাটবা: আশা দড়েও সামান্য মজুরি করেন किन्तु आधारितशत राष्ट्रभेत सरकटल धर्माफ গের বর্তমান দরিজে প্রপৌত্রগণ জভসর্বাস্থ হইয়াও ৰাণ্ডা আছ্মর এদশন করিছে চাকেন যরে অল নাই; প্রভাহ ছুট আনার চাউল ছুই পয়ার যুত, ছয় পর্ণার ুকার ক্রেকরা হয়, তথাপি সেই সেকেলে দাদ থানি চাউল থাইতে ইইবে ৷ পরিবারেবর্গ অনাহারে কই পায়; সন্তানের এক মুষ্টি মুড়ি দেখিলে নৃত্য করিতে থাকে। কিন্তু বাবুর স্নানের পর মাকম মিছিরি (ভোকের সম্মাধে হাইতে হ**ইবে** , বৈকালে রাতিবির আবশ্যক: নচেৎ ৰাহিরে সম্মান থাকে না। এই অপৰায় না করিয়া প্তদিগকে মৃড়ি মুড়কা দিলে ভাহারা উদর পূর্ণ করিয়া বাঁচে। গৃংহ্র মধ্যে সকলই ছিল বস্তা, কিন্তুৰাছিরে দশ টাকা লোড়ার মুভি আটপছরে চাই।

এক জেড়িভাল জুড়া. এক খানি উড়ানী এবং একটা ভাল ভাষা বাটার লের বাহ্য সম্মান রক্ষা করে। বিনি নিমন্ত্রণ কলিতে বান, তিনি তখন **बावर्शा कर**हन । २ मि कान আশ্চর্য্য একাশ করেন ত বলা হয়, আহা গেব সকলের এক প্রকার জুতা একঞ বস্তু। এই হিচ্চ সম্মান রক্ষার ধুডি জামাও জুতা ,অতি সাবধানে রাখা যে গৃঃহ ইহা পালে ভাহার কোথায় ইন शर्ड, काशांस विशाल वमन कतिशाह, त्र সেকেলে খাড়া গাদা পরিনালে ড কোপায় পর্কাতাকার ২য়লা ও তমাকের রহিয়াছে। এই সকলের মধ্যে একটা সে ভাক, মিন্ডুক ,হিয়াছে ; ইহার নাম এবং এই পাইখানার তুলা ঘরের ভোষাখ্যা !!! এক জন চা কর বাবুর শামা, তহসিলদার, রাজার সরকার ও য়ান) কিন্তু ভদ্লোক আসিলে ওরে আবাছিদ রে ! বলিয়া চীৎকার করা ২য়। জন এক চকু সেকেলে ছারবান এক খাটিয়াতে পড়িয়া সাছে, এ ব্যক্তি ব বংশের আদি বড়ম,মুবের অধীনে করিত। এক্ষণে বেডন দিবার 🕝 🏕 তি 🥫 ছারবান হন্যত্র কাজ করে, বাসীতে ভাঙা চালার ংইহার নাম ' দেউও *श्रम २ दिश्रांशांदक । दिन्छ दलादकत व ''আমাদিগের 'ভারবানেরা 🛦 বলা যেন বাবুর অনেক ছারবান আছে এব क्तिशतक (व उन किया) शास्क्रन , खनाशांत भाषाहरू अहे बाबुक्तिभात मण्ड मन চিছু।ইং ারাবাটীর ভিডরে দশ মণঃ চেলাইতে পারেন। কিন্তুলে;দের স এক পাও পদরকে গমন করিলে ' বৈলিয়াদীর্নিস্থাস ত্যাগ করেন, ধে कहें इंडेशार्ड। " तड़मालूर्यत (इरल, অভার্নাই " একথা লোকের শুনিতে বড়জানসদ বেধ হয়। ভাষ গাড়ীচড়াহইবেনা, ত'হাহংলে (বলিবেন টুহারা উৎসন্পিয়াছে 🔻 অভিমাননিবজ্বন এক বাজিলুগাড়ী রাখ

ইহার চতুর্দ্ধিগে তালি; কিছ উপরে

5কগুলি ভূণই ইংগর প্রধান উপজীবিকা; পেকিঃ ন্যায় অর্থনেঃ যাতে দানাদেওয়া । লোকের নিকট বলা হয় চহা ' বোগ দী ঘোড়া "ইহাদিগুকে প্রতাহ দশদের নাদিলেও ক্টপুটহরনা; কিন্তুজাতি ে ছৌড়িতে পারে। বেমন ভগ্ন শকট ; জীণ শু; ভাহার দাজও দেই প্রকার। পাড়া য়ামুটি যাইলেই সাজের সংকার করা হয় বং মূল্য দিবার সময়ে "ভালুকের খাজ র ,, বরাত পড়ে। তথাপি কোন স্থানে ইতে হইলে "হ্ল গাড়ী আনন শ্বলা ইয়া থাকে ; ধেন আরেও কয়েকধানি কট আছে !! এই সকল লোক ধারে হতী য় করেন , মুলোর বলা " তালুকের ক্ষন। আংসিলে পাইবে গ্ৰলাহয়। ছুই এক ন নহাতনের ওয়ারাঝের ভরে কিছুদিন হানাস্তর পলায়ন করিয়া বাটা প্রত্যাগমন বিলে ভাঁহাদিপকে যদি নিজ্ঞাসা করা হয় কোথায় হাওরা হইরাছিল?" বাব্রা স∍নি বলিয়া ⊤ঠেন, "ভালুকের খাজনা ছানিতে 'বাওয়া চইয়াছিল। আনেরিকার লপ্টনান্ট থ্রেণ ডেরিএন যোকক আবিষ্কার চরিতে ধান। বন মধ্যে আহােরের অত্যস্ত हर्दे हहेस: **हिल , . अक ७ कटबक**णे कदिस: গাওড়াফল উন্হার ও সহায়ৰণের আহা র য়ছিল। কিন্তরা তাতে শরণ করিলে ঔৌণ ও উহার এক জন বন্ধু সমস্ত রাত্রি নানা বিধ উপাদের আহারের বিষয়ে কথোপকগন ক্রিতেন। যেটা পুর্কো ভোগ করা হইয়াছিল, এক ণ আর ভোগ করিবার উপায় নাই. ত্দ্বিয়য়ে কথোপকথন করিয়া আহুনানিক সুখভোগ করা নার্বের সভাব। এই নিমিত্ত আমাদিগের নিধ্ন ধনিস্তানপণ একত ৰসিলে, কেবল ভাল ভাল গোড়দৌডের স্বৰ ফিটন হারকপ্রভৃতির কথোপকথন করেন। हेटानिरगत आफ्यरतत क्रिंगि नाहे। अफिरक ৰাবুর ৰাটাতে গেলে গৃহ হইতে ভমাক লট্রা যাইখার প্রয়োজন, কিন্তু তথাপি সর্বানা " ওরে, কে আছিদরে গ শব্দ হই-তেছে। লোকের নিকটে বলা হর "আমা क्रिया २०००।२००० क्रीकांब अमान करन मा :

ज.ल ठाहै। এकिंग कीर्न कार कार इ.

অপচ শিশুগণ হাহা করিয়া কেবল কাঁচা-চাউল, ভেঁতুল, আনারদের খোসা এভৃতি খাইয়া বেড়ায়। লোকে ইহাদিগের বাজে নবাৰী দেখিয়া ঘূণা করেন, তথাপি ' আছেমি অমুকের পৌত্র " বলা হয়। এক জন স্পাটী রু এক শৃগাল ়ুরি করে | পাছে লোকে জানিতে পারেন, এজনা শুগালটাকে বস্তের মধ্যে লুকাইত রাখে। শৃগালটা ভাহার উদরদংশন করিয়ানাড়ী আহার করিতেছিল, তথাপি এ বাজি ভাহাকে এদেশন করে নাই ৷ এ গল্লটী যাঁহারা জানেন, ভাঁহারা আমাদিগের ইনানীস্তন নিধ্ন বাবুদিগের কটকলিড বয় মাত্রীর কৌতুক বুরিতে পারিবেন। **এই इज़रवर्ण करहे विस्माहिल दन ना**ः नकरनहे এই হডভাগ্য অহঙ্কারী ভিক্ষারিগের আবস্থ। জানেন; কিন্তু কি চমৎকার মনের অভাৰ ! কি আ য়ে জম !! ডথাপি ইহাঁরা অবস্থামু "প কাজ করিরা উদর পূর্ণ করিরা আহার করেন না।

গত শতাব্দীতে লণ্ডনস্থ বণিক গণ আপন আপন ছৃহিতাদিগকে 🕆 উপাধিধারী ভিক্কুক দিগের কণায় বিমোহিত না হইতে শিকা দিতেন। পূর্বে লাড ব শীয়গণ দরিত কইয়া বিবাহ করিয়া ভাগ্য পরিবর্ত্তের চেপ্তা পাই তেন; কোন কোন স্থলে ক্লভকাৰ্য্যও হই-তেন; কিন্তু প্রায় সকলকেই ভিরস্ভ ও অপমানিত হইতে হইত। আমাদিগের ভিক্ষক 'ৰড়মামুৰগণের ৷ কেহ কেহ বিবাহে ন৷ হউক, বেশ্যা মহলে এই চেপ্তা পান৷ কিন্ত এই স্ত্রীলোকদিগের অন্য বাহা দোব থাকুক সহজেই মামুষ চিনিতে পারে । অভএব আমাদিগের বাবুরা যে কোন বেশ্যার স্বণা-লক্ষারের লোভে ভাহার নিবটে ওমেদারি করেন, তাঁহারা শীজ ধরা পড়িয়া বেশ্যার नमार्कनी चाहेबा छलिबा चाहरनन । এই ৰাজিগ বাহ্য আড়মরের নিমিত্ত না পারে এমন কাজই নাই। কোন ব্যক্তির উপকার ছলে হয় তাহার পরিবারের স্ত্রীলোকদিঃ ং कू भर्ष सानिवात रहे। भात्र मरहर ठेका है हा আৰ্থেলিয় । ৰাবু সকল এবো চিনেন; এক টাকার জুব্য পাঁচ টাকার বিক্রীতক্রিলে नत्मण् कतिवात त्यां गाँदे। उत्व त्यथात्न भती

পড়েন সেখানে বলেন, " দেখ অমুকের কত উণকার করিলাম ; আনার এও টাকা ডুবা ইল, তথাপি কি কহিব? কৃত টাকা কত দিগে গেল।" ধীহারা সামান্য অবস্থা হইতে ধনীহন, ভাঁহাদিগের মধ্যে যাঁহার সর্ল ওঁহারা আহায় এই ভিক্ষুক 'বড়মান্য-দিগের ৽ উপরে দরা করেন ৷ কেহ কেহ আপনার সম্মানরুদ্ধি করিবার নিমিস্ত এই **ৰকল লোককে সৰ্ক্ষা বাটীতে আহ্**বান করেন : কিন্তু কি প্রকার কাল সর্প জানিয়া ছেন, ভাষা জানেন বা: "ভালুক হইভে খাজনা আইদে নাই, অংচ পিতার প্রাছ व्याद्धः " " नाट्येत कि 🕼 मिट्ड स्ट्रेट्व । 🕫 এইসকল বাব করিয়৷ ইহার৷ টাকা কর্ত্ত লয় পীড়াহইলে এই হতভাগ্যেরা ফুড়ন बक्त कना आव उरमर्ग करतम। स्थारमङ রা তি দিবা গাছেন। বুদ্ধিমান পাঠককি ইহা তাংপৰ্য্য বুকিয়াছেন ? অনেক টাকা কৰ্ম লওয়া হইরাছে। এ ব্যক্তিকে বদি উইল ন করাইয়া জলসাৎ করা হয়, তাহা হইটে আর কর্জের টাকা দিতে হয় না। এত আদ রের পূল কারণ এই। এই ভিজুকগণ মধে मर्था लाक्त्र मूत्रिक रन ; कोहात मकफ অপৰা দায় পড়িলে পরামশ`দেশ: ইহালে তাহার ট:কায় আপনার ব্যয় চলে।

এইসকল লোক সমাজের কন্টক। ইহার
প্রায় মুর্থ ও সূক্তরিত্র। বার্থপরতা ইহার
পোর ধর্ম। প্রতারণা লাক্ষণা পরনিক্ষা ইং
দিগের সার্বাঞ্চলিক কাজ। ইহারা কে
ব্যক্তির ভাল দেখিতে পারে না। নিকট
কোন সদাশর ব্যক্তি ধনবান হইরা সহ
করিয়া লোকের আশীর্বাদের পাত্র হই।
ইহারা হিংসার ফাটিয়া যায়। যাহাতে এসং
লোকের অনিষ্ঠ হয় সেই চে া করে। এ
সকল লোক নানাপ্রকার অনুত গরে
স্থাকির্তা। এসকল লোককে সমাজ হই।
পদাঘাত করিয়া বহিন্দ ত করা ছিতি। ব
গৃহে সর্প লইয়া বাস করা বায়; তথাপি ব
প্রকার এক জন লোকের সলে থাকি
নিঙার নাই।

বিবিধসংবাদ।

ও রা আঘাট সোমবার।

્ર⊱૯૨ અલ્ અવધિ ફેલ્લ; છ **પ્**ર છાને *જુ* હન ज ७ ७ छत्र दावतः । व इक्कार्क्स । व इंटिंब খ্যে আনেক অসিক হইতে। আমাদিলের বর্জ ন বাজ্ঞাব সময়ে বিশ্বর লোককে উপাধি 9 यू 1 क्केला।

পিয়নিয়র বলেন, উত্তরপশ্চিন ঞালে একটা लिक्षः कहेरहर्द्धाः ऋखित्रः, ज्वयंत्रविदेशता শীয়দিসকে গৃছীয়ধৰ্ম শিকাদিবার উপ ংই ঃ'র নিমিত এট বিদ্যালয়ে পাঠ করি া রেবারও টি, বালপি, ফেঞ্ছ ইহার অধ্যক্ষ वसः। कारण क्रमी कि अवर्शनर मेत्र स्टेर्द? বাজার পশ্চিয়াছে, এরূপ হ্রয়: অন্সংগ্র व न (र ।

উক্ত পত্ৰে লিখিত হইয়াছে, সিজুৰ স্তম্প र्व इहेब्राह्म । बिधिन अटर्नट्यान्डें व अहे अवधी 'কালস্বায়ী কীভি রহিল।

ভূতপুৰ্ব বোধাই ব্যাক্ষের কার্যপ্রেণালীর স্থানাপ')-ই জুন অবধি ক্ষিদ্ন বৃসিয়া

টাইমস অবৰ ইণ্ডিয়া বলেন, যেগকল কৰ্ম **অন্তর সেক্টোরি থাকিয়া সং**ধ্রেড়ভা নি করিয়াচেন, তাঁহাদিগকৈ ক্রমণঃ সেকে র পদ দেওয়া ভ'রতবর্ষীয় সবর্গমেন্টের প্রেড। এটা শু:নিডে ভাল। কিন্তু কার্য-ডঃ তে শাসনকর্ত্রণানের কার্টেরক জান আংখ্যীয় বেতনবিশিষ্ঠ পদগুলির এক চোটয়াকরি । खब्द ाक्षित विशेष मूद्र शिहीन (न:रिट्डा গোধারণের আংকার পাত্র কইয়াও চিরকাল ক্ষ:কুত অল্ল বেডনে কাঞ কংকি ক

বোধাইয়ের কামাটী রাক্ষণদিগের নিয়ম চট , কোন ব্যক্তিক দোষ কবিল চেটিরা দিয়া কে জ্বাতিবহিন্দুত করা হইবে। সম্প্রতি নরদীনামে এক জীলেকে মুধলগান উপ 🏻 कतियादि अहे भाष मिया जे श्रकात (छेटेत) জ্ঞাতিবটিক্ত করাতে ঐ জ্রীলোক ভিটেগের বিরুদ্ধে নালীশ করিয়াছেন।

ক মন্দ (কী.কুক নয়। ছলি নিউল **বলেন, শিক্ষা কার্যে**য়ে ডিরেক্টর কিল্লন সাহেহৰের অন্তুৰোধে গ্ৰণ্ডেন্ট ম্যু ११३ कर्युक्ती व्यान्नर्शिवन∖ास्य कतियाद । भित्राह्म। **भिक्षकमित्रहक (यन** मिक्र সাত:সকা বেডন দিয়া সকল পণ্ড না করা

প্রতিকতকণ্ডলি ইউরোপীয় চিকিংসক ভাকবিয়াছিলেন। এতদ্দেশীয় কবিবাজ _ই চিকিৎসা করিতে দেওয়া উচিত কি এই বিষয়ে ওক হয়। সকলেই আয়ে বলেন গ্রেক চিকিৎসা করিছে না দেওয়াই া কিন্তু সভাপতি বলিলেন, আবাজিও ক ই॰রাজী ঔষধ সেবন করিছে আনপত্তি , অত্তৰে কৰিবাজাদিগকে এক কালে দুৱী

আছেন। ইইাদিগের চিকিৎসা প্রণালীও অভি छे९क्ट्री विस्तृत छे९कहेद्राभ'ट्यास सुक्ति ইই দ্বিগের চিকিৎদার জাবোগলোভ করেন। श्रादाधन कवित्राख हेशात अक मुष्टाख । कवित्राख দিগের চিকিৎদা বন্ধ করা অসন্যয়। তবে হাতু জিয়া কবিরাঞ্জিগের চিকিৎসা বক্ত হয় মন্দ নর। হাতুত্তে কম্পাউশুর চিকিৎসকের। যেন जे मध्य यात्र।

আমরা ছঃবিত হুইলাম, প্রেসিডেলি কালে জের ইতিহাসের সহকারী অন্যাপক গেপ্টনাও আইব্দ্মধ্ভাবভৰর্থ বিদ্যালয়ের পরিদর্শক #ইয়া গমন করিভেছেন। এখান অংশকা তথায় বেভন অল। বিজ সম্প্রতি অধাক্ষ সট क्रिक बाहेरतम्ब भीट्य कर्मामात्रीरक छेल्यस भन त्वत्र (के एक साम्बेश के श्वित कारल का ভাগে কৰিভেছেন। প্ৰেলিডেন্সি কালেজ চইতে ক্রমশঃ যাবভীর উপযুক্ত শিক্ষক প্রায়ন করি (कर्डन । स्ट्रांब नर्वाक्षश्च विष्णानस्य अक्ट्रन कडक्छलि व्हरी। स्नाक बहित्यम। अञ्जूषक সংহেবের কি পেকান লইবার সময় হয় নাই ১

আমবা আবেৰ কৰিলাম, আড়েবোকেট ভেন व्रम क'छेरे मारहत भीख शवकतात्र कविर्वन এবং বছদেশীয় ব্যবস্থাপক সভার সেক্টোরি কেনেডি সাহেব উক্ত পদ পাইবেন।

व्यम् प्रश्यानं व्याप्तिसार्कश्यः भवतनात् विक শংশ প্লাবিক হইয়াছে। অন্য চারি দিবস চইল व्यववयक वृक्ति क अफ़ इक्रेटक्ट । পृथिवीरक সার জ্বল ধরে না। বিক্লর বাটী পড়িয়া গিরাছে, এবং কেব্র সকল যত্তদূর দেখা গায় ভাচসুর জাল ভিন্ন আব কিছাই দৃষ্টিপথে পাড়িক इत्र मा, कामामिरशत् क्छात्म अक्रभ दर्शा (प्रसि ग₹।

৪ ঠা আমাচ মঞ্লবার :

কলিকাভাব কাণ্ডবিক্লেডারা প্রায় জ্যা-চে'র, কখন ঠিক ওজানে কাণ্ডিকের করে না লোকে প্লিষের হকালে এইসকল লোকের নামে নালীৰ করেন না ১ কিন্তু যাঁহায়া নালীৰ করিছে যান, পূলিব উচ্চাদিগের সে পথও বন্ধ কবেন। সপ্রতি এক ব্যক্তি এক মণ কার্চ ক্রয় কবেন, কিন্তু দোকানদার ভাঁচাকে ৮৫ সের মারে .দয়। এ বিষয় পুলিষকে অবগত করাতে ডেপুটী চমিস্বর আজ্ঞাদিয়াছেন, পুলিব সামানং চুরির মালীশ প্রচন করিবেন না। দিং সেব কার্চে জল ্ফলিনে দীতা এক মণ ইইডে পারিত। এই **অ**ন্ত গ্রহেই ড চেটবের এড সাহস র ছি হইয়াছে।

ব্ৰাক্ষমনল নই তে কলিকাভাপৰ্যন্তে থাল চই তেছে। ভূমি জ্ঞবিপ করিবাব নিমিছ কয়েক জন ইঞ্জিরিয়র নিযুক্ত হইয়াছেন। নদীয়াতেও জল পেচন'প খাল হইবে। ২৪ প্রগণা কি গ্রণীয়ে মন্টের সীমার বহিছিত ? প্রন্মবভীর সংস্কারের कि इंडेस ?

সম্প্রতি এক জ্বাচোর কতগুলি খানের গাইট বল্প গাখিয়া ওরিন্টল ব্যাক্স হইডে টাকা লয় ৷ নিয়মিত দিবলৈ টাকা না দেওয়াতে वरार्क्षत्र कवावधायक वांगरहोरन शिया बाहिके বোপরামশ সিভানতে। আমরা, কানিক বি ভলি খুলিলেম গকিছ ভেরতের কেবল গণিক্ষয় বের মধ্যে অবেরক অভি উপরুক্ত লোক দর্শন করিলেন। এপ্রকার চতুরভাসহকারে

পাইট বাধিয়াছিল, যে বাংছোগে তী কর্মচারিগণও ড'হ' 'ুড় করিডে পারেন

सक्तनभूरत व्यवधाः १५ ७ नाष्ट्रिकेत स

वाबाई शवर्गमा हेत अञ्चातार कावप गवर्रमञ्जे क बाहा अ हे सिष्कितिकार ছাত্র দিগের ছাত্রত ভিত্তি করিবার **জাজা** কেন: বোম ইয়ের মিউ নিসিপালিটির সাহ नवकाशी बाद्यक व्हेटक २५,००० है।का क्हेश्राद्धः। व्यानामी नदर्व ८०,००० हाका হইবে এসকল দ'ন অভিশয় অন্যায় .

आव अक सन काराओं कारश्वन (शान পড়িয়াছেন: ইয়ঙ্হ'রান জাহাজে 🕏ইলিয় কহন নামক এক জন ফরিকি ও ভাছার (ব্যামা স্ত্রী কলিকাডার আসিডোট্রনেম। **ख्यर कारश्चन मनिमन कलक इरनद श्रीतक** চারিণী করাতে ঐ ব্যক্তি পুলিবে মালীশ बारकः माजिएकेने जानन श्रेष्ठा माथिन ভারতে মুক্ত করিয়'ছেন ।

এবার अभवारधव बाजी मिर्गद मर्गर लाक अनाष्ट्रीय शानकतात्र कतिरहरः। नम् द्रक्षि हत्यार्ड कार्याक स्वतं रू किल कट्टे भाइरिक्ट्ड। এछ याद्धी निवाद्ध (य. क्षांन रह ना। हेरात्री (य श्रकात मन्म प्रत्र) করিবে এবং ভিজা ঘরে থাকিবে তা প্রকাগেদনক'লে আরও অনেকে প্রাণ করিবে সন্দেহ নাই। আমরা শুনিলাম, শের সাস্থারকক ভাক্তর শির্মণ পুরীতে বি (इन, अपा) **डाँशाक अञ्चला** । कहिएडी बात समाज्ञारथत श्रमान भवीका करत्रमा দকল প্ৰদাদ মোটাচ উল ও গড়ে প্ৰস্তু **बेरे**९ श्रक दरमातृत श्रमाम मण दरमत १ थाटक हेरा व्याहात कविया व्यट्टिकत হয়: পরীক্ষাবারা যদি প্রসাদের অসাস্থ্য শুণ প্রকাশ পায় ভাছা ছইলে প্রেওলিকে স লংখ সমুদ্রে নিক্ষেপ করা কর্ত্তর।

গত কল। সকলে ঝ'ড়েব আলক্ষা ক ক্রিন: আন্যবেলা১১ ঘটকার সময়ে ংইবে এরপ জনহব হয়। জাহাজের মাঞ্চর ভাল্যিত নামান হট্যাছিল কিছ ঝড় बाहे । बुक्ति नवाबके बुक्तिहरू ।

সম্প্রতি লগুনত্ব সটডে রিবিউএ বং

इंश्ताकी छीरमाक.भरशत विकरण एय अ লখিত হয় ভাহাতে প'ছে ভাইত নৰী ইংরাঞ্চলিগের প্রতি অপ্রান্ধা কবেন, এনি ডেলিনিউদের এক জন পত্রপ্রেবক বিখ্যাত কার উইলিরম স্মিথ সাত্ত্বের এক প্রতি প্রকাশিত করিয়াছেন। স্মিথ সাহেব বর্ষ व्वकीमिट्रात व्यक्तिमञ् श्रमंश्मा कृतियात महेर्फ दिविकेश स्व जिन्निर्माय पहिरुक किन्द्र वर्डमान हेश्त्राष्ट्र खें लात्क्रता (य क আমোদপ্রির ও নিজ্ঞের হইয়াছেন ত गरमार नारे। এक विषया जामता जानी रहेलाम, कात्रकवर्षी (म्रोता शाहक हेट्याकामि

इतिद्वार निका करतन[े] शहे क्षत्र करनरकत का

ষ্টিবোষ গোপন না করিয়া দোষের 1 করেন ভাগ। হইলেই সুখের বিষয় হয়।

e हे कांचा ह वृत्वात् ।

ম্প্রাট্রন্সামলাদিসের বেভনর্ছি করি (168) क्हेब्राटक ।

লকান্ডার কুষেদমাল গ্রহ্মেটের উভিজ্ঞ सत्र (वे अपश्रम कासक हात्रा दाविदाहिः এবং যে ভূমি গবৰ্মেন্ট খাসে এছণ করি ন, ভাহার ক্ষতিপুরণগর্প সমালকে • টাকা দিতে হইয়াছে। সমাজের এমত পুথক উপান থাকা উচিত, বাহা গ্ৰহণ-

পুনর্দার বেচ্ছার্যত নাজেনাপ্ত করিতে रहरू । ালে একপ্রকার ভয়ন্তর কামান প্রস্তুত 'ছে। এক কালে বিশুর টোট। কামানের িনিকেপ কণ হয়৷ তৎপরে এক জন ক একটা চক্র যুৱাইতে থাকে। তত্মারা এক টাটো কামানের রঞ্ভঘরে আইসে। ী হাতুড়ির আঘাতে আগুন উঠিতে থাকে : কাম'নে এক জন দৈনিক প্রতিখিনিটে ৫০। বার কামান ছুড়িতে পাবে । এইরুপ এক

ার বস্তুকও সৃষ্ট হইয়ার্ডে। পুর্কোক্ত কামা । গোলা ৩৪০০ হস্ত যায় । কিন্তু ঐ বস্তুকের न ३०%ं∙ कल्ड मृत्र ऋक्त कक्षूम(एक दश कतिएक রে।ইটার ছারা দশপলমধেং বিংশতিবার ন চলে। মনুধনেশের উৎকৃষ্ট উপায় লইয়া নান সভাকালের অংশক সময় অভিব'ছিড

,375 I ংপুন মরিশের নামে যে ফিরিজি বংভিচারেব ভিয়োগ করে ভাহার কথা অনুলক প্রতিপন্ন

द्वारङ । ন্নিমাণৰ সেননামক বেৰাকিক ক্রিএকীল াক্ষকে ঠকাইয়াছে বলিয়া নংলীশ ∌য়া. াগ্রেক ৫০০০০ টাকাব জাহিনে মুক্ত কর' हेश्:रह ।

সম্প্রতি আলোহাবাদের এক জন দৈনিক বাফিসুর পূর্ব বস্তুককে শুনা বিবেচনা করিয়া गमन लक्ष्य कित्रिङ्खिलन, अध्यनि इटी९ कल ্টিয় ভাঁহার নাপিতের প্রাণনাশ ইইয়াছে। a.বংক্তিকে ক্লিলারি আদালতে অর্পণ কর: :ইয়াসে। বন্দুক হইলেই '' হঠাৎ » গুলি হয়;

pহারের বেলা পীড়িত প্লীহা ড আছে। পূর্ববাঙ্গালা রেলওয়ে কোম্পানি দার্জিলিঙ প্রাক্তিক। বি শাখা করিতে চাহিয়াছিলেন, সর্ সময়তিকার পোট তাহার প্রতিভূ হইতে সম্মূর্ত 4 देश रक्षमा की नाय वाता नात कि निरुष्ठ शाहि

वाबरे स्विंश माळ स्रेटवं किन्द्र शानित्यात्र কি উপকার হইবে ভাহা আমেরা ব্রিভে পারি

ह क्रांस्म्य निक्षेवली ही म्यूरवंत हो-ट उत्तर क्षांवधावक काठीत मार्टिक ग्रंड पक रहे ब्राट्ड। काम इष्टे लाटक এই कार्या कविदाटक (वाध रहेएछटड़), किन्नु के वास्क्रिक कार्राणि गुरु क्य मारे। इक्केशारमद लार्किया हात हाब कविएक অসম্মতঃ ঐ অঞ্লের প্রায় যাবতীয় চাকেত্র वस रहेशारक।

অধিক পরিমাণে কর্ম দিবার যে প্রস্তাব করেন প্রধানক্ষ বিচারালয় নিযুক্তর বিচারপতি क्षित्रक विवादिन, यथन कान (यार्यवका मक লমার নিস্তি হয়, তখন প্রায় কোন স্থাই छेकीलात कीत आका रहाना काम कान স্থলে আমলারা সেই সেকেলে শতকরা পাঁচ টাকার হিসাবে উকীলের ফী ধরিয়া দেন। এ विषास ४৮७७ कारकत ४० हे अनूरन २२ न९ व স্র্কুলর হয়, প্রধানতম বিচারালয় তলসুদারে স্কলকে কাজ করিতে ধলিয়াছেন। নিমুতর বিচারপতিগণকে নিজে এই ফী স্থির করিয়া দিতে হইবে। উত্তরপশ্চিমাঞ্চলে যেরূপ সম্প্রতি ফীর নিয়ম হইয়াছে, এখানেও ভাষা করা कर्द्द ।

পূর্মবালালা রেলওয়ের এজেট ফুল্লিনিন প্রেষ্টেজ সাহেব বিজ্ঞাপন দিয়াহেন, শিয়াল म्टर्ड (क्टेन्ट्स कड्छिनि स्वा कःट्र, क्राम ব্যক্তি এও নির উপরে লাভয়া করিতেছেন না: আগমৌ ২৩ জুনের মধ্যে কেছ উপস্থিত না इंड्रेस प्रवृक्षिति विक्री ७ इंड्रेस । व्यक्त ১७ हे জুন, সাত দিনেব ভিতরে যিনি কলিকাতা িগভেট দৰ্শন করিয়া না যাইবেন ভিনি উ'হার এব্য আরে পাইবেন নাঃ বুজির দৌড় বটে।ক্লিন্ত একটা কথা হইডেছে, বেসকল বাজ্ঞি শ্যামনগরে হত হইয়াছেন, ভাঁহাদিগের काम अवा हेशत मर्गा जाएक कि ना ?

গত ৮ই জুন অবধি ১৪ই পৰ্য,ত্ত কলিকা ভার ১৫ ২৯ ইঞ্চ বৃষ্টি পড়িয়াছে। গভ ১৪ বং সরে এই সাজদিনের মধ্যে গড়ে ২ ৫৬ ইঞ্ছ বৃষ্টি পতিত হয়। এবংসর আহুয়ারি ১৪ ই জুন পৰ্যান্ত সৰ্বান্তৰ ৩২ ৮৬ ইঞ্চ জ্ঞা হইরাছে। গভ ১৪ বৎসরে এই সময় মধ্যে ১৫ .৩৭ ইঞ্মাত্ত হইয়াছিল। এবার শস্তের কি লশাহ্যু বলবিল্লা কাউপ ধান্ত মারা

(ज्ञास्त्रा ৬ ই আবাচ বৃহস্প ভৰার :

नार्टात क्रिकिन परनन, मध्य जानियारक म्यावना। जानता जास्तावित इहेनाम,

(जानरवार्ग ७ वृद्ध इत्यारक हीन इहरण স্থান দিয়া চার যে বাণিজা ইইড ডাছা বস হইয়াচে। এডরিবস্কন বলিকেরা ভারতবর্গের চার প্রতি দৃষ্টিপাত করিতেছেন। এবার ১৮ লক্ষ টাকাৰ চা মধ্য আংসিয়াতে প্রতিবংসর ক্রম বিক্রম হইয়া খাকে : এই চা কলিকাতা ও (बादाई इदेएक कार्त्स मिया सदेया याख्या इदे 1 3750) সর ভৌনালভ মাকলিয়ত এতদ্দেশীয়দিগ

ভারতব্যীর গ্রথমেট ভাগ্ডে সক্ষত হইয় ছেন। সহকারী কমিসনর ও অভিরিক্ত সহক। কমিসনর দিগের সংখ্যা হৃদ্ধি ৩২০ডছে। প্রথ শ্রেণির অভিব্রিক্ত সহকারী কমিসনরদিং আমার জেণিৱিভাগ হইয়া ৬০০, ৭০০. টাকা বেতন ২ইবে। দ্বিতীয় শ্রেণি ক্র্রটারিগণ ৪০০ ও ৫০০ টাকা এবং ভূতী শ্রেণির লোকেরা ২৫০ ও ৩০০ টাকা পাইযে সহকারী কমসমরদিগের পদ খুন্য হইলেই অ রিক্ত সহকারীদিগের উন্নতিলাভ হইবে।এ শীয়েরা ভূসিয়ারপুর পেসোয়ারের টে আদালতের ভল্লের পদ পাইতেন মা, এখ এ প্রতিবন্ধক দূরীকুত **হইবে। মংধ্য মধ্যে** সকল অভিবিক্ত সহকারী কমিননর '' সামার্ পদ, চরিত্র, ও যোগ;ভায় * প্রধান ংই ভাঁহাদিনের মধ্যে কোন কোন, ব্যক্তিকে : कांत्री कमिननरवृत अन स्मछन्ना याहरव। रुष्डिक काहिङ्किक कार्रवाङ भवर्गसम्बे वर्णि **उ** কাজ করেন ভাষা হইলেও কডক অসং কিমিয়াযায় ৷

वक्रमनीय (लल्डेन हे अवर्तत व्याख्या निर्दार क्विम भरीका महेना उपुष्टि मास्मिक्टिन वि कता रहेरव अक्रम नरह, भतीका व रहेरव, मर्था अवर्गम हे विमा अब्रीकाष्ट्र छ लाक म নীত করিবেন। গ্রে সাংহ্বের রাজনীতি ভাব দেখা বাইভেছে, ভাহাতে এদেশীর বেলা পরীক্ষা আর ইউরোপীরদিগের '' মনোনীত " করিবার প্রথানা হইয়া দী পরীক্ষা প্রণালী থাকিলে অচি হৈত বিচা দিপের ন্যায় ডেপুটি মাজিটেটের পদও ট भीव्रज्ञितात्र कृष्णु भ, इहेरव ।

এত দিনের পর গবর্ণদেক ব্রীক্ষেত্রের দিগকে সতক করিয়াছেন। পুরীতে এত গিরাছে এবং আহারের এড কট্ট ই ষে তথায় গমন করিলে পীড়া হইবার পুরের পুলিব প্রায় ২০,০০০ যাত্রীকৈ আন্তে আন্তে পুনর্নার গঙ্গাপার করিয়াছেন। এবার প্রায় এক লক্ষ নাক পুরীতে গ্রমন করিয়াছেন। ব্যান সকলেই প্রথমাধ্যের উপরে এত চটা ওখন পা ভানিপের অন্ত্র্যাতি শত্র লইগার আইনের আর বিধার করা উচিত নহে।

ইং. জিন্মনে ব্রহ্মদেশ হইতে সংবাদ পাইয়াছেন নিশ্ব নিছল বাজকুমান পুনকার ৮০০০
কৈন্য সংগ্রহ করিয়া বিদ্যোধী হইয়াছেন। রাজা
করে ২৮ শাসনকর্তী ভিন্ন আর সকলকে লৌহ
শুখালে বছ করিয়া মান্দালাইয়ে প্রেরণ করিবার
আছে। দিয়াকেন ক্রজ্জদেটুশর আবিনিভার শেষ
হইবে দেখা যাইটেড্ড ।

বোধারার রাজার মৃত্যুসংবাদ সন্তা নহে।
াজাৰ করেকজ্পন লোক ও কন্তওলি মৌলবী
লিলান কারতেছেন। রাজা বরং রুগা শোনত
পাত নিবারণ করিবার চেষ্টায় আছেন। রুশী
ক্রো এপ্রান্ত বোধারায় প্রবেশ করে নাই।
কিন্ত রাজার কিছুতেই রক্ষা নাই। দিয়ার সিংহ
ও মূলরাজের বিদ্রোহ নিবজন দলীপ সিংহবে
রাজ্য হারাইতে হইয়াছিল। রুশীয়দিগের গর্মা
নীতি ইংরাজদিগের ধন্মনীতি ভাপেকা অনেক
ভবে নিকৃষ্ট।

কাবুল হইতে সংখ্যা আদিয়াছে, সিয়ার আলিখার যে শক্ত পীড়া হয়, জিনে ভাই হইতে আরোগালাভ করিয়াছেন। ইথির পুত্র আহুব খা কাবুল আক্রমণ, করিতে আগিতে হেনা আবছল রহমন খা কান পদেই নহেনা সিয়ার আলি ও আজিম খা পরস্পর পরস্পরের বল ফর করিলে পর ডিনি কাবুল লইবেন সক্ষে এই জন্মান করিডেছেন। সিয়ার আলির এক দল দৈনা আবছল রহমণের সমুখে রহি য়াছে। আজিলাংমণের দৈনগেনের অভিশয়

मिन निश् म एवं निष्ठ एवं निष्ठ होते आदिव ज्ञात उद्दर्श व आदेश ज्ञान मुद्देश अन्यानि अ अभूम श्रास्त्र करिएए इस । दे निष्ठित द्राष्ट्र क्षेत्र आस्त्रशासिक आत्र दे छि छात्र उद्दर्श शवर्ष यात्र करिए श्रास्त्र कर्मा क्षिम अहे श्राप्त थात्र श्रास्त्र करिला क्ष्रा क्ष्रा क्ष्रा मिन अहे श्राप्त थात्र श्रास्त्र करिला क्ष्रा क्ष्रा करित माद्दर्ग हे निष्ठ श्रास्त्र करिला करित करित स्वात्र व्याप्त (करित भा क्ष्रा करित व कि भारत (मिल्हा व्याप्त (करित भा क्ष्रा करित करित करित स्वात्र व्याप्त (करित भा क्ष्रा करित करित होने, म्हणत

ॐहरमरकरेर्द्ध काइण्डनपाँच भवन्त्रम हरक

লিখিয়াছেন সম্প্রিক ভূপালের বেগম ইংলাও বরী ও তাঁহার পুত্রবসূকে যে ছইখানি পাখা উপচৌকন দিয়াছেন রাজ্ঞী ভাহা অভিশন্ন আফ্লাদসহকারে এহণ করিয়াছেন। রাজ্ঞীকে যে পাখাখানি প্রদান করা হয়, বেগম ভাহা সহস্তে প্রস্তুত করিয়াছিলেন । বিভীয়খানি ভূপালের বিক্টোরিয়া বালিকা বিদ্যালয়ের ছাত্রীগণ করিয়াছেন। স্থাট নেপলিয়ন হইলে সহস্তে ধনাবাদ প্রপ্রেরণ করিভেন। ইংরা-জেরা এই ভদ্রভা জানেন না।

কোন কোন বিভাগীয় প্রধান কর্মচারী গবর্গ মেন্টের অপুনতি না লইয়া সাক্ষাৎ সম্বন্ধে ইং-লও হইতে দ্রব্য আনম্বন করেন। ইহাতে গবর্গর জেনরল বিরক্ত হইয়া আক্রা দিয়াছেন, কর্মচারী দিগকে এপ্রকার স্থীনতা দেওয়া যাইতে পারে না; ভবিষ্যতে গ্রেপ্টের অপুনতি না লইয়া এ সকল কাজ করিলে উচিত আজ্ঞা হইবে।

এবার দিবিল সার্নিস পরীক্ষায় ২৬৮ জন পরীক্ষার্থির মধ্যে ৫০ জন উত্তীর্ণ হইয়াছেন।

প্রস্থাগদুত বলেন ''কম্মেক দিবস গভ रहेल (क्रमा अनाहाबादमंत कासर्गा लोह (**ए**खः) आरम अक्कि जान्हर्यः घटना इहेब्रास्त्रः। **फेक आध्यत क**िमनात **७ व्यात कात क**िश्वा নীর। একতা হইয়া বক্ষা নামক (জাতিতে পাসি) এক ব্যক্তিকে রাক্রিতে চোর চোর विलिया ध्रिया व्यञ्ज मात्र भित्रे करतः পশ্চাৎ একটা নিমগাছে ভাছার গলায় ফাসি দিয়াভাগর প্রাণ্থিন 🕏 করে গুলিম জনেক স্থাপদান করিয়া ১১ জন ব্যক্তিকে গ্রেপ্তার করিয়াছে। এথানকার মাজিটেট মিষ্টার রবা वित्रम मार्ट्स बहे च्यक्ताहातीमिश्रतक शख २७ **अ** মে তাহিবে সেসনে সোপরার করিয়াছেন। এক্লপ বিসময়জনক ব্যাপার আনামরা এই প্রথম বার শুনিলাম। ইংরাজরাজের কি নবাবী জামল উপস্থিত হটল।"

৭ ই ভাষাত শুক্রবার।

আগামী ৬ই জ্লাইরে আইণী দিগের পরীকা হইবে। ১ জন আটি কলড ক্লার্ক পরীকা দিতেছেন। অ'মাদিগের আইনের পরীকার একটা নিয়মিত কার্য্যপালী কবে হইবে?

অদ্ধোর ডেলিনিউদে একটা কৌতুকাবছ বৃত্তান্ত প্রকাশিত হইয়াছেও গত শনিবার রাজিতে এক জন ইউরোপীয় নাবিক আসিয়া ফিনিক বাজারের পুলিষ ইনম্পেটারকে বলিল, গেননীতীরে এক ব্যক্তিকে ছুরিকাছারা বধ করি য়াছে। তৎক্ষণাৎ করেক জন সার্জ্জেন্ট ও প্রহানী
বাসু বৃষ্টি না মানসা তীর অনুস্থানি করিল গ্রিন
মূত দেহ পাইলনা। পরে আনায় জালিয়া নারি
ককে বলিল, সে নিজে গিয়া হ'ত বংজিকে দেবল
ইয়া দিলে ভাল হয়। নাবিক বলিল, ভাহার এব
জন সংচর আনায় ক্ষম্ম আছে গ্রাব্রিছে নিয়ে
ক্ষম থাকিয়া ভাহার কিলে বাস করাই ভা
হার উদ্দেশ্য হত্যার কথা নিখ্যা। এ ক্ষম
ইছা পারপুর্গ হইল গ্রিন্ত ইনশ্রেটী। ইহাবে
এক পৃথক গ্রে একাকী রাখিলেন। এটা ম্থাথ
নাবিকের গোজা বটে।

৮ ই আনাচ শ্নিবার।

বেংধাই বাজে জন্মকান আরত হইয়াছে।
কিন্তু জংশী নিগের মধ্যে জন্ন লোকেই জবানবন্দী নিভেছেন : সর চারলস জান্দন ভন্ন ভর্ন
করিয়া ব্যাক্ষের খাডা পাত্র সকল দর্শন করিছে।
ক্ষেন্ত স্ক্রিয়াবারণের সন্মুখে জবানবন্দী লইভেছেন : আমানিগের লেপ্টনন্ট গ্রন্থ
গ্রেস'হেবের হাড থাকিলে ছার কর করিয়া
জন্মকারে কাজ হইত।

উক্ত পত্র প্রস্তাব করিয়াছেন, এ দেশেব গ্রন্থকারদিগকে গ্রন্থমেন্টের পুরস্কাব ও র্ডিপ্র-ভৃতি দেওয়া কটবা। ফুণ্ড হথাপই বলেন, গ্রন্থ লি ময়া মিনি দিনপাত করিছে চান, উহাকে এদেশে অনাহারে প্রাণত্যাগ করিছে হয়। পূর্ণে ইংলণ্ডেও গ্রন্থকারদিগের এই অবস্থা ছিলঃ একণে ভক্তে লেখকের। বিস্তর অর্থ উপা-ভিন করিভেছেন। গ্রন্থমেন্টের উৎসাহলান অভিশ্য় আবশ্যক।

চ ইবাসার বিলোহীর সহজে শাসিত হইল না, দেখা বাইতেছে। মেজরকে আর কত গুলি সাহায্যকারী সৈন্য দেওয়া হইয়াছে। ৬০০ পুলিষ সৈন্য গিয়াছে। চাইবাসা সিংহছুদ ও কিয়কোড়ে এক্লে গোল্যোগ হইতেছে।

গাবের রাজস্বসংক্রাক্ত ক্ষিস্নর মির-কেংপালসাহি ১৮৫৭ তব্দের বিল্লোকে অপুরে বিশেষ সাহস প্রদর্শন করাভে া প্ৰণ্মেক সাহাকে একথানি ভল্বার র দিয়াছেন। লাহোতের কমিণ্নর বর বালি খাঁ ঐক্লপ সংহ্য প্রদর্শন করাতে ক ''মোরাঞ্জিজ খীবাহ'ছর" উপাধি ्ब्डेग्राट्ड ।

ইউরোপীয় সমাচার ৷

.२३ (अ प्रक्रिन कार्त्रा निमात व । बच्ची भक क्षिर्वम्दनत् काका रहेब्राट्ड र এরপ জনজ্ঞতি রাজনীকি বিবেচনার যে কাফিকে কর্মাত করা হটয়াছে, ভাষা ্ব ভরণ পোষণের নিমিত্ত স্বভন্ত কর করা

০ রা জুনপর্যান্ত ডেবিদ সাকেবের বিচার চুহুরাচেঃ পুনর্কার সূতন প্রতিভূপতা ত হইয়াছে। সেনাপতি শেংকিল্ড রিচন-ময়ুবনে পদ্চুতি করিয়া আরু এক জনকে দ নিধুকাক বিয়াছেন।

ানাড়া হইতে সংখাদ আসিয়া**ছে, টর**ুটো র আইরিশসভার কয়েক জান সভাকে ড লেওয়া হধ্যাছে। কর্তৃপক্ষ বলেন, মাসে-নর ফেনিয়ান সভার সহিত ইহ'াদিগের ব ছিল এ২ং কতকগুলি ফেনিয়ান পত্ৰও ६६५:८५ ।

লওন ৩ রাজুন। গত কল; ওয়ালিওটন েটেলিগ্রান আসিয়াছে, সেণ্ট আব স প্রশেষক ইউনাইটেড স্টেটসের চক্রবা-অন্তর্গত বলিয়া স্বীকার করা হইয়াছে। ১ ঠা জুন। টেলিগ্রান কাসিয়াছে, আবিসি স্থিত বন্দীগণ সুইকে উপনীত হইয়াছে: কেলল কংমেরণ পীড়ানিবক্ষৰ আনেস্লি ত আছেন।

हिडिमिरमत अवर्रामर हेत महिड स्रारमत **उक्र २३४:८**४ ।

नि (एर्न প্রতিপক্ষে মেইল লইয়া বাইবার ভ মেদেজারিস কোম্পানি ফরামী গ্রণ র সহিত চুক্তি করিয়াছেন।

भीग्र हिलिशास्य श्रमान करवः कमीरम्या ই বোধারীয়দিগকে পরাব্দিত করিয়াছে। বস্মাক∙পীজিড হইয়াছেন ।

পনিন্দুলার কোম্পানি গত চ্য় মাসের অংশীদিগকৈ শতকরা তিন টাকা লাভ ८इन ।

भिन गारहर अक चार्यम्म अकाम कतिहारहर। ইহাতে আবিসিনিয়ার বুদ্ধের বিষয়ে অনুসন্ধা (नद्र क्षार्थमा कदा इहेश्राहरू।

বিস্তর লোকে স্বাক্ষর করিয়া মহাস্ভার নিকটে এক আবেদন করিয়া প্রার্থনা করিয়া ছেন, আয়ারকে পুনর্কার খাসনকার্যে, নিযুক্ত করিয়া জাঁহার যাবতীর বায় দেওয়াও ক্তি পুরণ করা কর্তব্যা

আপাতত: আয়ারলতে তৃতন পুরোহিত নিয়ুক্ত,না হন ্এ কিবরে 'সাড়ভৌন সাহেব যে বিল অপুণ করিয়াছেন, কমিটি ভাষা এক বাক্তের প্রাহ্য করিয়াছেন। নিরপেকভাসংক্রান্ত खाइँ (तक विद्वास विकास का कियुक्त इस) ভাঁহারা এ বিষয়ে কঠিন আইন করিবার প্রভাব कविद्यार्ट्डन ।

৮ ই জ্ন। ইনবালিড রুশ নামক সংবাদ পত্র বলেন, আফগানস্থানের রাজনীতির উপরে হস্তার্পণ করা রুশীয়ের পক্ষে অসভাবিত নহে।

ल थम ১ · इ क्म । वक्र (मनी स मामनगर क्रांख কাগজসকল মহাসভার গোচরার্থ অপুণ করা হইরাতে। সর স্থাফোড নর্থ কোট যেসকল প্রশ পাঠाইয়াছিলেন, সর स्त्रतः नरतन ও উঁটোর মন্ত্রিবর্গ ভছ্তরশ্বরূপ দীঘ মিনিট লিখিরাচেন। সর জন লরেন্স বঙ্গদেশের নিমিত শতপ্র শাসন कही ९ को जिल निरम्रारशत विषय अनमाछ। তিনি বলেনঃ ইহাতে গ্রণর জেন্রলের সন্মা-(सत् शांति रहेरवे। नव छहेलियम मूरत्व अहे মত। কিন্তু বস্তালের লেপ্টনাট গবর্ণর ও গবর্ণর জেনরলের কে জিলের অধিকাংশ সভা बाक्ताक ও विश्वहिष्यत नहात्र वक्रमार्थ मेरिन कर्छ। निषुष्क कतिवात श्रष्टारवत अञ्चरमामन कति য়াছেন সর উইলিয়ম মানগ্ফিলড বলেন, वक्रास्टम शवर्षत छ तक्षीक्रम रहेन, किन्न हिंहे সেক্টেরিকে সাব্দাৎ সম্বব্ধে পত্র লেখার ক্ষমতা ना शास्त्र। (वादाह ७ माट्यारक माननकर्खान গের হক হইতেও এই ক্ষতা লওয়া ভাঁহার . অভিপ্রেড।

প্রায় লকলেই বলিয়াছেন, কলিকাভায় রাজ ধানী ধাকুক।

আবিসিমিয়া হইতে প্রভাগেত সৈন্যান ক্রত গতি সুএকে যাইডেছে। কতকগুলি ক্রকডাইন ও সিরাপিস বে'কাই জাহাজে আলেকজন্মিয়া **इहेए**ड बाजा कड़िश्राह ।

১১ ই জুন। গ্ৰণমেণ্ট বলিয়াছেন, ভাছারা সম্বংসরের ব্যক্ত এক কালে মহাসভার নিকট **≱हर्ड नहर्दन** ।

রুশীয় গ্রণ্মেন্ট প্রস্থাব করিয়াছেন সকল অন্ত নিকিপ্ত হইবার পর স্ফুটিড लारकत श्रीनवध करत, (महे मकन खह ব্যবহৃত নাহয়। করাশী গ্রাথীক এ বি

ভিন ব্যক্তির সার্বিয়ার রাজকুমার মাট লকে গুলি করিয়াছে।

সম্মতি দিয়াছেন।

আবিদিনিয়া হইতে আগত।

') ला अपून । जातः श्राप्तः कारल न्य নেপিয়র পশ্চাদ্বভী দল লইয়া উপনীত য়াছেন। তিনি কলা ভুলাতে গমন করিছ ताखकीय हैं कि नियंत्र मन, वालूकी, २ का≖ মাস্রাজী খননকারী ও ২ রেজিমেন্ট ভারত পদাতিক ব্যতীত আর যাবতীয় দৈন্য কা রোহণ করিয়াছেন । ভাতারসকল রক্ষাক নিমিত উক্ত বৈন্যদিগকে আর্চ।১০ আবিসিনিয়াতে থাকিতে ২ইবে। সর নেপিয়র স্থুএজে যাইতেছেন। বোধ হয়. इहेट उन्तर्थ गाहेट्या । किन्न रेममाना জাহাজে নাউঠিলে ডিনি জুলাভ্যাগ তেছেন্না। ভকটন সাহেব (বিনি कतिरङ्किरम्भ) (बार्शमिरभन्न, हात्। इड য়াছেন ৷

গ্ৰণ্মেণ্ট বিজ্ঞাপন।

লেপ্টনণ্টগৰণ্বের

निरश्रांश।

चारमभाञ्चनात्री

৯ ই জুন। নিম্নিখিত ভদ্রোকেরা (माक्टिकिं ७ (७९कि काटनहेत इहेग्रा वि শাসন কাৰ্য্য নিৰ্কাহাৰ্য ষষ্ঠ প্ৰেণি ভুক্ত হই বারু পার্কভীচরণ রায় :

হরিচৈতন্য ঘোষ এম, এ, ভারিণী কুমার ঘোষ বি, এ; क्वनस्थाइन त्रांहाः প্যারীমোহম বন্দ্রোপাধ্যায় ই (ङ, ष्वात. शेख मी**ट्र**वं এবং সি, ই, বেলি সাহেব।

নিমূলিখিত ভদ্রলোকেরা পশালিখি অমুপস্থানকালপর্যন্ত প্রতি চারীদিগের ডেপুটী মাজিটেট চ্ইবেন।

वाबूदक्षनाम वर्ष्ट्याभाषाञ्च विरमव

__ >98 -__

ভ তংপরিবতে বাবু অনুভলাল পাল

कातरन राजु इतकाली मूर्णालाधारसञ ছেব'বুঅবিনাশচতক মিক্র, বি. এ।

কংলনে করু সীভাকাত মুখেশাধ্যায়ের

্ড বারু যোগেশ**চন্দ্র মিত্র**।

কারণে বাবু ছরিমাথ চট্টোপাব্যায়ের

ड वाबू भवी मध्य (मम वि, এ।

কারণে বাবু যহনাথ মুখোপাধায়ের

ওঁ বাবু যাদবচক্র গোলামী বি, এ।

কারণে বাবু কৈলাশচন্ত্র ঘোষালের পরি াৰু দেও ক্লমাপ বহুস।

कातरन बाबू व्यम्लह्मत्वन महित्कत शांत াবু বামাচরণ বহু।

বলিউ, এচ, রাইলাও সাংহৰ কলিকাডাণ

াধি কালেক্টর ছওয়াজে ভংপরিবজে সুলি অস ইসলাম বি, এ:

এ, ডলোর সাহেব বিদায় লওয়াতে বৈক্তে এচ, বি, বিম্স্সাহেব ৷

্ এচ, মেটকাফ সাংহ্র বিদায় স্বয়াডে

বৈত্তে জে, বি, রবাট্য সাহেব।

কারণে জি, সি, কিন্দবি সাহেদের পরি

।, মিলার সাহেব।

कातरन এह. छवरेन मार्टरवत शतिवर्ड

ৰলি সাহেব।

।লিউ, ডবলিউ, এলিস সাহেব আসা ভিনিধি অভিরিক্ত সংকারী কণিসমর ভ তৎপরিবভে জে, সি, উই লিয়ম সন

কোক কর্মচারীদিগকে ছিডীয় শ্রেণির মাজিক্টেটর ক্ষমতা দিয়া পশ্চালিখিত গ নিযুক্ত করা গেলঃ---

বুদেবেজনাথ বহু কটক বিভাগে। ৰু নধীন**চত্ৰ সেন** বি, এ, বাৰু প্ৰারী হিন বদেয়াপাগ্যয়। রাজধানীবিভাগে বু জুবনমোহন রাহা 🗸 জে, সি, উই:লয় 🖯

ন সাহেব বৰ্জনান বিভাগে ৷

বুডারিণীকুমার ঘোষ বি, এছ, জেল, আংর, ও সাছেব , এচ বেলি সাহেব এবং বাবু

েলশচন্দ্র মিক্র রাজসাহী বিভাগে।

- আয়ুক্ত এ, মিলার সাহেব : বাবু পর্ফোডী ণে রয়েঃ যাদবচক্র গোআংনী বি, এ,

স্পিয়াজ জল হলাম্বি, এ, B:41-

ভংগে ৷

বু হরিটেডনা ধোষ এম, এ, বাবুয়াম ্ব বহু **চটগ্ৰা**ম বিভাগে।

। এচ, বি, বিম্প্ সাংহৰ । বাবু অব্যুক্ত-লাল পাল বি. এ, ভাগলপুরবিভাগে। সি, ই, বেলি সাহেব, জে, বি, রুবাটন স'হেব এবং বাৰু জ্ঞবিনাশচন্দ্ৰ মিক্স বি, এ, পাটনা বিভাগে।

कारक्षेत्र अष्ठ, कात्र, खग्नात्रनि हाकांत्र अक अपन মিউনিসিপাল কমিসমর হইবেন।

এই ভারিখের যে আংলেশ ১০ ই অনুনের গেলেটে পকালিত হয়, ভাষার কতক পরিবর্জ क्रिया निम्नालिशिक उप्रतिक्षित्र विकास থিত স্থানের সহকারী পুলিষ স্থপারিকেতেওঁট নিযুক্ত কৰা গেল :

फर्वाक्ट, अधिक भारत्य वर्षभारत्य। बि, फवलिके, बहैलाइन नार्ह्य श्राटि । বাবুলঞ্গের খা নওয়াখালিতে। বাবু মহেমুদনাথ হাজরা হুগদীতে।

ভাগালপুরের সহকারী পুলিব স্থপারিটেও উ ভবলিউ, এল, এচ, ফর্মস সাহেব ছুগলীতে वनली इङ्केरवन ।

নিমুলেখিত ভদ্তাকেরা নাটোরের লাভবঃ চিকিৎসালয় চাল।ইবার সভার সভঃ হইবেন।

কুমার চহেনাথ রায় বাহাছর।

বংবু কুমদনাপ রায়।

বাৰু রাধানাথ লাফি.ড়।

नारकेरदेश भूरभक निक्र भरखरन ।

১॰ ইজাুন। যত দিন এচ, এম. রোল নাহেৰ বিদায় লইয়া অনুপক্ষিত পাকিবেন, ডঙ দিন মুবসিদাবাদের সহবারী পুলিষ সুপারিটে ত্তেণ্ট জ্লে, পাচ সাংহ্ব রাজসাহীর প্রতিনিনি পুলিষ সুপারিন্টেগুন্ট ইইবেন।

১১ ই জুন। ২৪ প্রগণার ডেপুটি মাজি-ক্টেট ৰাৰু ভারাপ্রসাদ চট্টোপাধ্যায় বি. এ, মুবসিনাবাদে বদলী হইয়া মাজিটেউটের ক্ষমতা পাইবেন। ১রা মের গেজেটে উাহার মর্মন भिर्द्र अक्षर्णक सामानभुद्र यमनी सहेवात व 'অবাহল হয় ভাগ এড দ্বালা রহিড হইল

कियरकार इ त्य रेमना छ श्रु निय श्रव्हाति गम বেড হইয়াছে ডাজের জে, সি, কন্স্ওয়ার্থ ভাষাদিনের চিকিৎসক হইবেন।

১২ ই জুন। মুজেরের সবরেজিটার জে, জি, ফারকোহাসীন সংধের হাজারিবারোর প্রতিনিধি সহকারী পুলিষ স্থপরইন্টেগুটি হইবেন।

জে, এল, ফেণ্ডাল সাহেৰ লোছার্ডগার श्राविभि परकाती श्रुविष अश्राहरे हे विश्वान इहे (रन १

১৩ ই জুন। বঙলিন এচ, সি, মেন সাহেৰ সরকারীকার্য্যান্তরে নিবুক্ত প্রাটি ভতদিন কলিকাতার মালিটেট (জ, এ বালন সাহেব প্রেসিডেন্সি কালেছের প্রতি वार्टन व्यक्तालक रुहेरवन।

নিম্নলিখিত ভত্রলোকের। ১৮২৮ অ चारेन खद्गातः १५७।सिचिष्ठ ऋहिन खाः হইয়া ক'লেইরের ক্ষতা পাইবেন:---

ব'বু ক্ষেত্ৰগোপাল বন্দ্যো-পাবনায় বাবু প্রসমকুমার সেন। } বলো

বাবু পরেশনাথ ফুকুল নদীয়াতে। " গোৰিন্দপ্ৰসাধ ব**হু**। ১ ২৪ পার্গণ

৯ রাম্কানাই ঘোষাল । ∫

१६ इ.स. १ अम हि, बाले मारहव करकत्र के काहेन कक्षतादत कारमनत्र स्हैश কাভায় কালেষ্টরের ক্ষমতা পাইবেন।

নিম্লিখিত ভদ্ৰেলাকগণ যে দিবসাব গ্রামে. কমিদনরের অসুমতি পাইবেন দিবসাবধি পশ্চালিখিত স্থানে ১৮৬৮ খ ৯ আইন অসুধারে আধেষ্ণর হইয়া কালে ক্ষতা পাইবেন।

ब वू कालीकास्त्र मक्ष्ममात्र महिवासमा

৯ কালীনাথ বহু াজপুরা

৯ উমাচরণ রায় 🕟 মএয়াখালি

১৬ ই জুন। ভবানীগঞ্জের চেপুটি खिने ७ क्षिणी कारलकेत चातू कृष्णधनाम वक्षका छ दिना अनुद्र माजि : केटिय क्षम है।

কটকের ছোট আদালভের জন্ম ড রাইট সাত্েব অপস্থ জ্ঞান্ত হই:বন। আরও ১৮ অজের ১৬ আইনের ১৬ ধারা: মুক্তেরে ক্ষতা পাইবেন।

ছাপরাস্থ সংবাদদাতা লিখিয়াছে

---: • ! ---

)। अ यदम्य अ क्षरमर्ग वर्ग। अकश्चका মাস স্থায়ী হইয়াছে, জীব্মের বড় প্রাচ্ত নাই। কিন্তু ভূপনের যথোচিত উত্তাপের यथानभरम दर्घ। काद्रक इंहेरल नकल नमान ज्यान इरेटन खीटवत कल्यान स्ता। অগ্রিম বর্গা আরম্ম হওয়াতে জ্বেত্ই (मध्तकाविष्ठा अभिकान **२**हेश्राट्यन ।

এ বংদর ''পুৰে বাউাদ ^ এবং ঝড় वत्रकहे हहेए ७ एष्ट्रा भएषा भएषा अवन अन् (य शान के ज़िया वाय।

ছাপরা এসোসিএসন " স্ভার দৈনন্দির *पृष्टे इहेरफरइ । এধানকার यावजीय* কালী, হিজুখানী, ইংরাজপ্রভৃতি সকaই সভাগীর উন্নতিকলে **শহ**বান আছেন। --:.:--

षांमापिटभेत्र कालनाच् नःवास्माजा tatee=:---

বানকার দাতব্য চিকিৎসালয়টী যদিও

নাধিপতি মহারাজের বৃংয়ে চলিয়া আসি-

ল ঃ কিন্তু গ্ৰণ্মেশ্টের সহিত সংজ্ঞাবশুন্য ন। বর্জনানের সিবিস সার্জন মধ্যে মধ্যে য়া পরিদর্শন করিভেনঃ জনগান্য জনসা-ণ্ড ইহার উল্ভিসাধনে যথবান্ ছিলেন। ারণে জানি না, রাজাবাহারর সে সংস্ক্রব তেছেন ধনা। পকান্তরে গ্রথমেণ্ট এই ৎসালয়ের সহিত সংত্রব রাখিবার নিমিত্ত শ্ব যত্ন করিয়াছিলেন। শুনিলান, মহামান্য নত গ্ৰণ্য বাহাছর মহারাজকে এমন योছित्तन (य, कालमात (कलवानात कनः জনপৃথক নেচীৰ ডাতকর নিযুক্ত হইবে, ল যখন শ্ৰপ্ৰীক্ষাকাৰ্য্য উপস্থিত হইবে, সময়ে দাতব্য চিকিংস:লয়বিতে সৰ আনসি সার্জনের দ্বাস কে কার্য্য সমাধা করিতে । ডক্কেন্টজন সৰ আসিষ্টাণ্ট সাৰ্জন গ্দী পাইবেন এবং ইহাতেই সব আসিষ্টাণ্ট ন বাবুর গবর্ণমেটের কার্য্যে থাকা মঞ্জুর याहरव। किन्न जारकरणत विवय अहे, व বিচাছর ভাছাড়েও সম্মত হন নাই, রাং এ চিকিৎদালয়দীর সঞ্জি গ্রণমেণ্টের ন সংক্রব রহিল না। ইহাতে আমরাএকটী ৰ হিতৈষী বাৰুবের সহবাস হইতে বঞ্চিত ভ**ছি। অত্ৰভঃ সংকাৰিষ্ঠাণ্ট সাৰ্কন** বাবু নচতক মিত্র মহাশ্র গ্রণ্মেক্টের কার্যপ্রি গ করিলেন না গ স্থেতরাং রাজাবাহাছরের দুর্থানার কার্য্য হইতে অবংমুত হইয়া স্থানা র ঘাইতেছেন। নবীন বাবু এখান হইতে ধান্তরিত হওয়াতে আমরা মুক্তকঠে বলিতে র, অত্ততঃ বালক বৃদ্ধ বনিতা সকলেই ৰত হইতেছেন। কারণ যে অধিকাতে কুই-ইনের নাম শুনিলে লোকে ঘূৰা করিভ, ইং-দী চিকিৎসার নামে যাহাদের বিদেব বিদেব দ, চিকিৎসাবিষয়ে এক টাকা বায় করিতেও ধাদের ক্রেশ হইড, নবীন বাবুর যদে ও স্থচি সায় সেই অধিকাতে ইংরাজী চিকিৎসা ডিয়

হই অনঃমৃত গ্রাহ্য করেন না। অধিক ব্যয়

। অভিশব আনন্দের বিষয় কেশৰ বাঁবুর । হইলেও নধীন বাবুর ছ'রা সকলেই চিকিৎসিড । स्ट्रेट एडिंग कतिछ। नदीन वादू विरमव পतिखाय श्रृक्तिक माखवा हिकिएमानप्रहीतं छ विसमन छैत्रिछ সাধন করিয়াছিলেন। ইনি রোগীদিগের প্রতি क्थन कर्कन वांका श्रामा कविएक ना। अह बारमत क्षांत्र व्यक्षिक लारकत निकर्त हैनि पर्ननी ब्राइन कतिर्देखन मा। (कह (कर मान कतिर्देख भारतम, এक सम कप्त लाएकत अन्त्रीम क्तिएक हहेटल এहे ज्ञानेहे लिथिएड हम्न, क्यांचि किन्छ न नियुष्यत तमवर्ती इहे नाहे। य वास्ति हेरीक অবগত আছেন, তিনি আমার প্রত্যেক, বাক্য বিশ্বাস করিবেন। ইহঁরে অভাব বেমন নত্র, বুদ্ধিও ভেমনি ভীক্ষ। আশ্চর্ষের বিষয় এই, যে কেহই ইহার শত্রুছিল না৷ আমরা প্রার্থনা করি, ইনি বেখানে যাইবেন সেই খানেই যেন সজোবে কালযাপন করেন।

২। কালনা স্বভিবিজ্ঞানের এলেকা নিভাস্ক অল নহে। এখানে কার্য্যেরও বিশেষ আড়ম্বর আছে। অভএব গবর্ণমেন্ট অপুরহ করিয়া একটী উপযুক্ত নেটাৰ ডাক্তর এখানে প্রেরণ করুন। काहा ना इहेरल व्यक्तिक क्रिक्ट इहेराद म्हादना। ্যকাজ সব আসিষ্ঠাণ্ট সারজনহার৷ চলিয়া यागिरङ्क्लि, जाहारङ এक सन देखम चर्तीर প্রথম তেলীর নেটীৰ ডাক্তর হইলেও আংনক

৩। এথানদার অংনৈক মোওলার একটী ह्यीत्नाकरंक ज्ञान माजारेमा (त्रज्ञिष्टेत्रि कतिएक উন্যুত হওয়াতে, জে, আর, হেনেট মহোলয় ভাহাকে ধৃত করেন এবং বিচারে জাল প্রকাশ হওয়াতে ভাহাকে দেশনে সমর্থণ করিয়াছেন। রেজিষ্টরিতে এখনও অনেক প্রভারণা হই-(ভঙ্গে)

ह। शाह्र ३३ मित्र क्हेल, अशांटन चालिलां इ वृष्टि इटेटफट्ट । पूर्वा श्राय केण्य दन ना। काकान সতত্ই মেঘাছেল। এখন এত বৃক্তি ইইভেচে বটে ঃ কিন্তুশেষ বারিবিক্সর্জন্য আনার হাহা कात ना कंतिए इस এই शार्थना।

· e। अधानकात्र विमनति वानिकाविमानम् उद्यक्तिका निवाद ७ भिद्यकर्ष भिक्ता कताहे-বার অন্য এক জন খৃষ্টধর্মাবল বিনী শিক্ষয়িত্রী वानिशाद्यमः। वानिकाविम्यानदम् शूक्व भिक्क হারা শিকা দেওয়াডে অনেকে আপন আপন ক্ৰয়াপ্ৰকে বিদ্যালয়ে পাঠাইতেন নাঃ কিন্ত এই গুণবভী শিক্ষরিত্রীর আগমনে সকলেই मण्डे व्हेबार्ड्स । गवर्ग्यन्ते इहेएछ माहासः भा अवारक अहे बहर कार्या की ममाथा वरेटजुटक । . -----

প্রেরিত।

মান্যবর শ্রীযুক্ত নোমপ্রকাশস্পাদ মহাশয় সমীপের।

প্রার চারি বংসর হইতে চলিল, সাহায্যকু हेश्ताकी सुरमद्भाद्धनिरात सन्। এक प्र বিধ বৃত্তি ধরিষ্কা দেওয়া হইয়াছে। ভাষা ব নর কলানি শ নামে খ্যাত। বাস্তবিক, উৎয क्रम ना ग्रामित्म शाह वक्र मरक्रम इत न श्रुर्का अने व ऋ रण जानूम छ इंडि रम्या या না। এখন যে আনার সে ভাব নাই- ভাছা ব বাহুল্য । মাষ্টার ও ছাত্র উভয়েই আপন আ কাজে তৎপর ও যদবান। স্থুতরাং কাং ভাল হইভেছে। কিন্তু পুরীক্ষাপ্রণালীগত কর্তকণ্ডলি দোষ রহিরাছে **ভাষার-প্রভী**ব না হইলে এ বৃত্তিদান প্রথা সম্যক্ষলোপধা হইডেছে না। সেওলি কর্তৃপক্ষের দৃষ্টি পড़ित প্রতিবিধান स्टेर विश्वा निम्न ए स्त्र छेटाच कतिमाम।

১মাএ পরীকায় কোন পুস্তক নির্ নাই; সুতরাং যে গে পুস্তক হইডে প্রমাদে হয়। (অবশঃদে পুতরক অসরল) নহে। যত সহজ হউক না কেন, অপঞ্জি হইলে ব ষে কঠিন হইয়া দাঁড়ায় এ কথা স্পষ্টাভি বলা যাইতে পারে। বিশেষতঃ এ পরীকাঃ হারা পরীক্ষার্থী হয়, ভাষাদের বয়স অভি য এত অল বয়ক সুকুমারমতি বালকদের বি তীয় ভাবায় কথঞিৎ অধিকার লাভ ক সম্ভাবিত নহে ৷ ডবে কি প্রকারে জাশা যাইতে পারে যে ভাহারা এরপ অনির্মিষ্ট কের প্রশ্নের কাঞ্চিকতরূপ উত্তর প্রদানে रहेरव। यनिहे वं अन्यस्य श्राम स्वाप्तम करि भारत, इंश्ताओरिक काहात केर्य शंकाम ভাহাদের সাধ্যায়ত হয় না। এ পরীকার পুস্তক নির্মাচিড হয় না, ইহার কারণ জি रुरेन्ना कानिएड भाजिलाम स्म फिरत्रहेत र ষের ইচ্ছানয়, যে ছাত্রেরাকণ্ঠস্করিয়া এ কার কৃতকার্যাতা লাভ করে। প্রকৃত প্র यिम हेहाई हम, এ श्रस्तांत मन्म नरह। আমরাইহার বিরোধীও নহিঃ কিন্তু বর্ধন ষাইতেছে, উক্তর পরীক্ষার এ প্রণালী বিত হয় না-পুস্তক নির্মাচিত হয়, ও পুস্তক ছই বৎসর ধরিয়াপুনঃ পুনঃ আবং হয়, তখন এ পাড়াগেঁয়ে '' গোবে দিগকে লইয়া টানাটানি কেন? একাস

এম, এ, পরীক্ষা পর্যান্ত এই রীতির অ

200 miste 25.04 1

হউক, অচিরাৎ সুধামর কল ফলিবে। সিমাজ এখন যে হরপনেয় কলক্ষে অকিড চছে তাহা দুরগত হইবে।

া বেদকল ছাত্র এই পরীক্ষায় উত্তীর্ণ হয়. দিগকে জেলাজনুলের ২য় আননিজে ভাতি হয়**৷ এখনকার জোলা ভূলের ২য়** র পাঠা পুস্তক **এন্ট্রান্সকোস**া সংস্কৃতির ণ চঠে। ইইয়াপাকে। এমন কি ৩ য় ভাগ भुभार्र " व्यथीज स्त्र । बीख्न भनिज्ञ क्रिष्ट्र व्र ना। এ पिटक कामारनत् अक्टलाकातमा-পরীক্ষায় উত্তীর্ণ ছাত্রদের উপক্রমণিকার । দেখা সাক্ষাৎ হয় মান বীজগণিতের ও निष्टि। अथन, मिचून, व्यामारम्य পाङ्गीः রে ছাত্রেরা জেলায় যাইয়া চ্রিনিক শূন-ংগে ৷ ২ য় আননিতে ভৰ্তি হইবার ক্ষতা ন করা দুরে থাকুক, সংস্কৃত ও বীজগণিতে थारक ना विनियः, छाहानिशरक जनस्य ঃ কোন কোন স্থলে ৪ থ স্থেলির বাসকদের **অধ্যান করিতে স্বীকার পাইতে হয়**। ভা**হাদের প্র**বেশিকা পরীকায় ছই বৎসর উপ্স্থিত হইবার স্থ্যোগ ঘটিয়া উঠিল

য়। ইংরাজী ইভিহাস না পজিলে ইংরাজী য় যে ব্যুৎপত্তিলাভ হয় না, একথা বোগ কলেই বীকার ঝরিবেন : কিন্তু এ পরী-বাস্লা ভাষায় লিখিজ ২ খানি ইভিহাস ই আছে। এ নির্মাচন, ছাত্রদের ইংরাজী ইউন্নিলাভ করার কভ সুর যে অভরায় আপনিই বিবৈচনী করন।

विक्रावाम अटेखाः

:-:

লনা ভাগলপুরের অন্তর্গত পাকুত রাজধা
অত্তর নহাপ্তত রাজা বাহাছরের অনেক
ব্রথি একটি ইংরাজী বলবিদ্যালয় প্রতিছিল, অধুনা ৩। ৪ বংসর ইইল, ঐ স্কুলচী
মন্ট সাহায্যকৃত হইরা রীড্রেসারে
কার্যাদি সম্পন্ন হইডেছে এবং দিন দির
রি উপতি হইডেছে। সম্প্রতি বলানাবর
সহালর সাভিলর প্রতি হইয়া স্কুলচীর
ভর ভিরতি সাধনমানসে উহারে উচ্চর
রাশাকরিবরে প্রাথনায় গ্রর্থুমেন্ট সমীপে
দন করিয়াছেন। প্রকাপেক্যা অধিকাংশ
হরের যে কিছু সাহায্য করিতে হইবে,
ভেও সম্পত হইরাছেন। একণে প্রজাবং
ব্রেরি যে কিছু সাহায্য করিতে হইবে,
ভেও সম্পত হইরাছেন। একণে প্রজাবং
ব্রেরি যে কিছু সাহায্য করিতে হইবে,
ভেও সম্পত হইরাছেন। একণে প্রজাবং

करें क् विख्यन कार्तित्वर् कार्यात्वर यदनाकृष्ट्रितः शुर्व रहा। त्राका वार्यस्ततः अत्वतः कथा क्षिकः व्याप्त कि कार्याद्वरः विद्यमाग्राख्य हाज्यगर्वतः कत्र कर्मा कर्तियाः व्याप्त विद्यमाग्राख्य क्ष्मान कर्तियाः व्याप्तिन सक्तत्रकः व्याप्त कर्तियाः व्याप्तिन सक्तत्रकः व्याप्त कर्तियाः व्याप्तिन ।

১। পাকুড় হইতে হিরাণপুর পর্যাপ্ত ১২ माहेन व्य अक्षी शवर्गमात्तेत्र दान्छ। अच्छ इहे তেছে। তদৰ্থ উক্ত ভূম্যবিকারী মহানীয় বিনা मूर्ली नमूनाय कृषि श्रान कविशास्त्र এवः ভাহা প্রস্তুত করিবার ব্যস্ত বলিয়া ৪০০০ চারি সহত্র মুদ্রাও দান করিয়'ছেন। এডডিল মধ্যে मर्स्य यङ भथ कार्ष्ट त्रमभुनाय श्रेष्ठक कतिया দিরাছেন, নিজে ভাছার সংস্ক'রও করিয়া थात्कन। ज्ञभतं, प्राधात्रत्यत्र উপकातार्थ 🚁 ব্যয়ে একটা চিকিংসালয় সংস্থাপিত করিয়া স্বদেশের হিত্সাধন করিভেছেন: দেবসেবাদি নিড্য নৈমিত্তিক ক্রিয়াকলাপ এবং অভিথি (मवामित क कथाहै ताहै। अक इक्तिकतारम ब व्यक्तिक के कि वहरुष्ट विकटन अवर भवर्गा के হল্পেও দিয়া ছিলেন। তদ্ধিকার র প্রজাগণ পক্ষ পাত্তপুন্য বিচারগ্রণে ও অপত্যবৎ প্রজা পালনে অভিময় সুখবছদে কালাবিপাড করিতেছে। কিছ কোভের বিষয় এই যে এ পর্যন্তে গ্রব্দেন্ট এমন ব্যক্তিকে, একান সম্মান ত্ৰহক উপাধি দেন নাই।

र। अधारतम क्रिक्ष प्राचित के निम इहेएक कारवाक इकि इहेएक । इहाएक मकरन कामका कतिएक, किविष्ठ कार्य कार्य भारत इत्र। अधारम अक्षी (तनअस्य हिमम कारत अवर भूमित्रामग्रम इहेएक कानकाका अवर कमामा करन मामाधकात किमिन गर्छा हाएकत क्रिविध कारत। किक (तनअस्य कर्मात्री) मिरगत मास्य स्था कक्ष्मिया चिरिक्स, निर्मा (स्थ कता साम्र मा।

> कम्यक्रिक सम्बद्धाः ।

मूना अविश

প্রীয়ক্ত বাবু ঠাকুরদাস সেন কলু টোলা
১২৭৫ বৈশাখ হইলে আজিন ৫॥

৯ এইচ, উড়ো সাহেব কলিকাড।
১২৭৫ কৈটে হইডে ৭৬ বৈশাখ ১০

৬ ডবলিউ এম ক্লে কুচবিহার
১৮৬৮ জুন হইডে নবেহর

৯ শননমোহন তেওয়ারি বোরহাট
১২৭৫ বৈশাখ হইডে জাঝিন

" এ, ফর্কস

১৮৬৮ জুন স্ইতে নবেষয় পর্যাস্থ

নোমপ্রক্রাশসংক্রান্ত করেকটা বিশ্বে নিয়ম।

জরিষ্ট্রনাও ডাক্ষাস্থলমা পাইবে বলে গোমপ্রকাশ প্রেরণ করা মান্ন না।

ইংর অগ্রিম মূল্য বার্ষিক ১০ টাকা বাণ্যাসিক ৫॥০ টাকা । মকসকলে ভাক সক্ষেত্র রার্ষিক ১৩, বাণ্যাসিক ৭ এবং ব সিক ৩৬০। তিন মাসের হানে অগ্রিম গ্রহণ করা বায় লা। ছঞ্জি, বরাভি চিঠি, সভার, নোট ও স্থান্দ টিকিট, ইহার অ বাহাতে বাঁহার ক্রবিধা হয়, ভিনি সেই বারা মূল্য প্রেরণ করিবেন।

ষাহার। স্থাম্পটিকিট পাঠাইবেন, ব বেন এক অথবা আধ আনার অধিক : এরসীদের টিকিট প্রেরণ না করেন।

যখন বিনি সফলল হইতে সোমপ্র মূল্য পাঠাইত্বন, ভাহা থেন স্লেক্ট্রির জীযুক্ত মারকানাথ বিদ্যাভূষণের নামে ইয়া দেন।

মাতলা রেলওছের সোণাপুর ষ্টেমনের যরে চিঠি আইলে আমরা শীঞ্জ পাইব।

যাঁহারা মাস্কুল না দিয়া প্রাদি প্রের বেন, ভাঁহাদিগের সেই প্রাদি এছণ যাইবে না।

কেই সোমপ্রকাশে বিজ্ঞাপন দিতে করিলে তাঁহাকে প্রথম তিন বার প্রতিপং আনা তাহার পর /১০ আনা নিতে হ বিনি অধিক কাল বিজ্ঞাপন দিবার ইক্ষা বেন; ভাহার সহিত শুভদ্র বন্দোবস্ত হই

বহার

মাতলা রেলওয়ের সোণাপুর ষ্টেসনের

মাতলা রেলওয়ের বালিতে প্রতি সোমবার প্রতি

শ্রকাশিত হয়।

मियायका

,७३ मेर भागा

अ विकास प्रक्रातिकताय पार्थिकः सरस्ती अतिमक्ती न की बता । "

निक मूला 3 अब अधिम वार्षिक ३० इस क्र विश्वानिक शा नाएक नाह गांका।

नन ১२१६ । ১१ **हे आंबरिए । ১৮৬৮ । २৯ ७ जूम** { वाशानिक १, ७ देव्यानिक ०००

বিজ্ঞাপন ৷

দাৰকোম্পানির বছবালার প্রেম্ব ६ ८ नः ममनव्यास्त्र (तन अरम्भिक्षेम कीहे। गर्ळाचि छेक नागरकान्यानि अक्की मुझारखा সংস্থাপন করিপ্লাছেন। পুস্তক, সংবাদপত্র, , तंत्रीम, विकै, क्रक, देविनश्रकृषि नकनश्र कार्या, क्षेत्रस्त्रीत निर्मिष्टे मूना व्यापका क्र मृत्याः यह नगप्रमापाः अ स्टाइन्हर्तः विकास তে প্রস্তুত আছেন। অপর উক্ত কোল্পানি শাধনের ভারএহণ ক্রেরিবেই। 📆 রাম র প্রনিদ্ধ রামচন্দ্র কর্মকারের বালালী নীসা মুক্তন অকর ও বিলাভি নানাবিধ ইংরাজী ৰ আক্ষু এবং বৃদ্ধানছের আবশ্যক সমস্ত 9ম সংগ্রহ করিয়াছেন। এ**ক্ষণে সাধারণে**র

১ই আমাত 3 **2 9** ¢

ाह ७ बच्चार धार्यसः कदान।

कलिकाका 🐪 🗟 अधिकां कांत्र मान ।

,শ্রহত্রমুদ্র। গরিতোধিক। এড জারা সর্বাসাধরণকৈ আভাত করা হাই-্ধে গভ ২ রা ঠক্র আমার ভবনের সন্ম **७ शदर्शमने प्रशंषाकृष्ठ विमानवश्रह्य** ার উপর বেলুণ প্রামবাসী অন্তুনে ষষ্টিবর্ষীয় 😘 মরফুক্ষর্মাক জানৈক পথিকের যে क इन्द्राकाश्वरहेना शिन्नाहर, जानि जनि हिल्ले प्रत्या (याजि जाराव स्मनकातीत क्षिक कतिया मिटल भारतिद्वन, खाहाटक মুদ্রা পারিতেধিক প্রদান করা যাইবে। াদের পর ও বৎসরকালমধ্যে অনুসন্ধান ৰ সংবাদলাতকৈ e • • পাঁচ শত মুদ্ৰা কেরা হইবে অভিশন্ন আক্রেপের বিষয়

केलिकिछ वित्र भविष शवर्गरमध्ये नक

हहेए अवर चलक हहेए नानविश चञ्चनकान করা হইডেছে:ুকিড কোনক্রমে কুড়কার্য্য হইতে পারা যাইতেছে না।

পাকোড় রাজধানী ১৮৬৮ সাল ১২ **ই জুন**

हेर ताकी यत्रीनानशक्ति।

বনি কেই আমার অমুমতি ভিন্ন এই এছ সম্পূর্ণ অথবা ইহার কিয়দংশও মুদ্রিত করিয়া প্রচারিত করেন, ভাষা হইলে ভিনি আইন অস্থ साद्ध मध्योत स्ट्रावन ।

আরও সাধারণকে আত করিভেছি যে এই গ্ৰন্থ অভি সৰুল ভাষায় ও প্ৰপ্ৰণালীতে প্ৰবয়ন कत्रा स्हेग्राहर, अखिवद्य क्रमक्किक व्यक्तियो । हेग भरनारयात्रभूक्तक (मधिरम ज्यानामारमहे वृक्षिए भाविरवम मरमह माहे। अफ अव अहे পুস্তক বাঁহার প্রয়েক্ষন হইবে, তিনি কলিকাতা মূকাপুর প্রাকৃত যত্তে অংখবা আমার নিকট ১ এক টাকা মূল্য প্রেরণ করিলেই প্রাপ্ত হইতে পাবিবেন।

পাথুরিয়াঘাটা } বঙ্গনিটালয় } শ্রীকালীপ্রসর বন্দ্যোপাধ্যায়

গ্রাহকগণের প্রয়োজনত্তু নিমূলিখিত সংস্কৃত পুস্তকরয়ের কিয়দংশ প্রকাশিত হইল। প্রাহকগণ পূর্ম ভ্রাডীত নিমনির্দিষ্ট সম্পূর্ণ मुना (धारन कतिरम धान्ध इट्टिंग विरम्टन প্রেরণের **বভন্ত** ভাক মাশুল লাগিবেক।

ুম্জিনারের চীকা সহিত। শিশুপাল বধ (মাধ্রুড) মূল্য e11 - * त्र**पुरश्न (कानिमान्**केष) 🐣 কিরাভার্জ নীয়া (ভারবিকৃত) ·10

ं विष्रार्थितरवत क्षत्रद्विषार्य विष्रार्थ কভকগুলিন সংস্কৃত পুত্তক দেবনাগর **ষ্ট্রীক মুদ্রণারত হইবেক। প্রকাশের পুর্কো** ভুক্ত হইলে গীতা বার পৃষ্ঠা অপর প্রতি পুঠা তিন পয়সার হিসাবে থণ্ডে বা সম্পূর্ণ : क्षेकं निष्ठ इहेरवक छैक नियुष्य मृतः ब केंत्रिल भूष्यक श्रांश व्हेरवन । विरम्स (श्रः পভন্ন ভাক মাপ্তল লাগ্নিবেক।

ঋতুবংহার। বেবহুত। শকুস্তলা। নলো याव्यविकाधिमञ्जाः विक्रारशक्तिनी । यूप्तादाः ब्रह्मवनी। मानकीमाधव। मारकाउक्तक क्षित्रभाकाविका । यशकीवरुविक । केलवर চরিত 🛦 মুগবোধ। দশকুমারচরিতের উত্তর পাণিনি। বসস্তভিলকভাণ। অমরকোষ। সা ভাষা, আনক্ষিরি, জ্রীধরতামী ও মধুত্ সরস্বতীর চীকাসহিত জ্রীমন্তাগবত। মহাভার विश्व भूतान । कामबनी । छाउँकारः । मानामन काराधकान । हफ्क । मार्करखन्न हली ।

কলিকাতা সংবাদ আনা 🕽 **ু জী ভূ**ধনচন্দ্ৰ বস বুর:কর যন্ত্র নিমন্তলা ক্ৰীট ৩২ সংখ্যক ভাষন।

বিক্ৰয়াৰ্থ।

গার্ডেন রীচ ২৪ নং বালী গুলামস্ছ ১৯ : জোড়া ৰাগান।

বিক্রয়ের নিমিত।

গারভেনরী ১২৪ নং বাটী।

উপরি উজ বাগান ও বাটী ঘাঁছারা ফ कतिए अथवा नहेए हेन्हा करतन, निम्न याः রিত ব্যক্তির নিকট জানাইবেন।

> গিলেগুৰিস্ আরবো-থনট এবং কোণ

-:•:--

দ্কল্ফন অভিধান। সর রাজা রাধ্-দেৰ বাহাতুরের ক্লান্ত। **উত্তমকপে সোণা** নুভন বাঁধান সুলা২**৫ - টাকা। ত**ে নী পত্রিকা— প্রথম কল্ল, মূল্য ৫০ টাকা। वानम्हस्य द्यास वात्रीम।

রাণীগঞ্চ পটরি কোং

निभिटिक ।

মেজিয়া করিবার সুচিক্রণ টাইল। ক্ষেত্রানির মিসন্রোক্ষ্ডি ৪ নং আফিসে ননুনা দেখিতে পাত্য়া যায় এবং যদি এগ্রোজন হয়, ঐ আফিনে অনুসভিপত্র ইয়া দিবেনা

ক্রমান। **অভি**গান।

₹#• কামুধি কার্যপ্রকাশিকা ৰ শিক্ষ ফোৰ্থ মুক্তাৰলী ক্রির্থমালা কোপ শ্রচারিকা ধুকুভিবাদ সংস্কৃত পুস্তক ۴.

* # *****

8 ...

юt

340

পুস্তকবিক্তেডা।

রঘুবংশ সচীক

डे इत रेनवधर्मक उ

হু ট্টকাৰ; ষষ্টাবিংশতি তম্ব

7.州南州市 、,

লকান্তা ভয়ালস

) जीटकमात्रनाथ स्टब्स्सानाध्या हे ४११ वर 🕽

এডখারা সর্মনাধারণকে জ্ঞাত করা যাই-চ যে, যধন কোন **স্বয়াদি বা পুলিক্ষারে**ল য় লারায় প্রেরণ করা হয় তেখন যে বংক্তিক ট দ্ব্যাদি বা পুলিন্দা পাঠান হইভেছে eid উচিত যে ভিনি যে **প্রেসন হই**ভে াদি বা পুলিক্ষা পাঠাইডেছেন, সেই ষ্টেস-व श्रमल प्रवा वा श्रीलम्मात त**निम (व ।हेनरम** েবাপুলিকা পাঠান হইয়াছে সেই টেসনে ে : নংচৎ ভাঁথাকে প্রেরিড দ্রবাদি বা .लक्षः (२७३: **१३(त म**। ।

গাতাৰ নামে প্ৰব্যাদি পাঠান হয়, ভিনি বন্ধং প ওত ংইয়া দ্বংক্ষি লইডে না পারিয়া যদি নে: কেনে ব্যক্তিকে উহা লইতে পাঠান, ভবে াহার ন'ন্ন দ্বরাদি পাঠান হইয়াছে ঊাহার ট্রিক 🎮 তিনি প্রেরিড ব্যক্তিকে দ্রব্যাদি দেওয়া মুঞ্জীর্মনারসিদের পুঠে লিখিয়া দিয়া

वाक्यत्र कतिहा (मन। नरहर अवहानि वा भूनिना। দেওয়া হইবে না। इंडेइल्डिया (दल स्टार होत्र) तितिसकिरमञ्जन क्रांसरकेती (क्रांसाव.), এডেনি বোড। किकाछा २० अ जून

ঠনঠনিয়া সংক্ষত পুস্তকালয়েও পটোল ভাকা বাড়ুয়ে আদার কোম্পানির দোকানে মৎ প্রনীত ও মংপ্রচারিত নিম্নলিখিত পুস্তকশুলি বিক্রম হইডেছে:— মুল্য क्षनीङ ১ টাকা গ্রীসইতিহাস a د (রামই ডিহাস 1. ভূষণসার ব্যাকরণ J নীতিদার (়ম ভাগ) নীভিগার (২য় ভাগ) श्रद्धातिष । মুন্ধবোধ ব্যাকরণ ব্ৰিহারকানাথ শর্মা।

उपन विवाहरेवमा कदनार्थ दाखनिष्ठरमत खेना कार्यप्रम करा कार्यमाक कि मा, खब्बिय प्र विहा-ধাৰ্য আগমনী ৰবিবাৰ অপেৱাছ ৪ ঘণ্টাৰ সময় চিৎ পুর বোড, ৩০০ সংখ্যক ভাবনে ভারতব্যীয় द्राकाशमार्यय अक नाभावन मखा ब्रेटन्स । ১৭ ই জাবাচ) প্রকেশবচন্দ্র সেন। प्रक्रांकिक र 739.

ভারতব্যীয় জালাসমাজের সহিত প্রতিনিধি সভাও কলিকাতা আক্ষমমাভের প্রচার বিভা গের যোগ করিবার প্রাস্থাব উক্ত দিবসে উল্লি খিত স্থানে অপরাহ্ন ৩ ঘণ্টাব সময়ে বিচারিত হইবে : প্রতিনিধি সভা ও প্রচারবিভাগের সভ্য মহাশয়েরা তৎকালে উপস্থিত হইয়া ভবিষয় মিন্সন্তি করিবেন। 1 FF) 記るを中本の値

चित्रकात्र नहीं।

त्रम १४७४ नीटलंब खूम माटनंब ४ व व्हेटक ১৪ ই পর্যন্ত ভাগীরধীনদীর সর্কাক্ষ ভি करमञ्ज माखास्कि जिल्लाहें।

कृष्ठे हेक चारनत्र नाम 🖫 মহানার উপর প্রান্ধীতে २२

.50 মহানার তথা হইতে জনিপুর পর্যান্ত (३०% माहेल मरका) জলিপুর হুইতে বহরমপুর পর্বাত (৪৬ মাইল মধ্যে) বহরমপুর হইতে কাটওয়া পর্যাত (e- भारेल मत्भा) কাটোয়া হইতে নদীয়া পর্যন্ত (৪৩ মাইলের মধ্যে) সন ১৮৬৮ অনুন মাহার ১০ তারিকে ব পুর গল ঘাটের জলের মাণ।

বহ্বমপুর 2か 夏 蟹る ን<u>ሥ</u>ወኮ ነ

<u>जीवृक्त हि. (रूम देहें हैं.)</u> अक्षिकिछित है मिनि) বহরমপুর ডিবিছন

সোমপ্রকাশ।

১৭ ই আবাচ সোমবার।

হুই সপ্তাহ অবিল্ঞান্ত র্কি য়াতে বহুল পরিমাণে আবাউদ ধা আংমোনের বীজসকল নফ হইয় ২৪ পরগণা মেদিনীপুর ও বালে প্রধার বারতীয় আউদ ধান্য গিয় আ্বাচ মাদ আদিয়াছে. একণে হ্বার আউস ধান্য বপন করা বিত নয়; কিন্ত আডিদের উপর ক্ল নিজের জীবিকা বৈর্তর করিতেয়ে ধান্য যথন নট ব্রীক তথন তা গকে কট পাইতে ইইলা ২৪ পর मिक्तार्भ जात विष्ट्रे माहे व इत्र। हा छेटल त्र मूना रिन दिन दिव **उटाइ। यटनाइत, न्मेश ७ वर्छ।** বিস্তর ক্ষতি হইয়াছে আশিন क्रांखिक मारम यपि अ घोना इहेछ. শয় ছার্ভিক উপস্থিত **হক্ষ**া **আ**রা। वित्रा जाना जाटह, वि उद्स्कृ इंडिंक घटेना इरेट्य ना किंख कि মানে কোথায় অনিষ্ট হল, অসু

त्राथा अधान शुक्रवित्राक्ष्ववा ।

मर्कांड **चरमक्**ष्मि व्यक्ति व

निर्मत्र स्टब्ड गण्डिक स्वीरकः

The second secon ধানি স্থানাভাৰ কেতু এবার প্রকাশিত हरेल ना।

পুলিষ ও আদালত ৷

় • এক ভকা আবার ছার দোব শুণ **ক্ৰ কার, আনমি মলে ফুরার জঞাল।** " পুলিবের যেমন দশা, আদালভেরও তেমনি দশা হইয়াছে। পুলিষই ত প্রাথ-মতঃ দক্ষতকরপ্রভৃতিকে ধরিতে **স**ঞ ণর হন না, অংএসর হইলেও ⊄ায়≷ (রিতেড পারেন না, যদি বা কথন রেয়া আদালতে উপস্থিত করেন. ষাদালত ছাড়িয়া দেন। এক দল দস্য চক্ষরাদির অসুস্কানকর্ত্তা, **অপর দ**ল বিচারকর্তা হওয়াতেই আহেয়া হুদ্দশা গড়িয়াছে। পরস্পর কে**হই কোন বিষ**য়ে ায়ীনহেন। পরস্পরের পরস্পরের ককো দোষ কেপণ করিয়া অব্যাহতি পাইবায় विनक्ष प्रविधा आहि। भूनिय विनित्निम, লামরা অপরাধীকে ধরিয়। দিলাম, আনো ণত ছাড়িয়া দিলেন, গকান্তরে আদালত ই বলিয়া হাত ধুইয়া বনিলেন পুলিষ অভি লপদার্থ, এমন মকদ্দমা উপস্থিত করি াছে যে দোষীৰ দোষ প্ৰমাণ করিতে পারিল না। পুলিষের পেটের ভিতর কিছু থাকুক, আর আদালতের পেটের ভতরে কিছু থাকুক, ঐ গোলঘোগে চাহা জীর্ণ হইয়া গেল। উপরের কর্তৃপক্ষ কছুই জানিতে পারিলেন না। যাহার ৰনিট হইবার তাহারই হইল। কৌক ারী মকক্ষার আপীলের নিয়ম না াকাতে আরো অধিক সুবিধা হইয়াছে পাঠকগণের সারণ আছে, আমরা পুর্বেহ৪ পরগণার আব্ভঃপাতী ছরিনাভি ∤ मर्विकाशनस्त्रत्र बिक् कृतित विषयः লিখিয়াছিলাম। পুলিষ অমুসন্ধান করি. তছেন, এ সমাচারও দেওয়া হইরাছিল। भावेक्नरभेत भावत कता वारेटक्टर। विट्यहमाक्तिरन वालक्षे भूखक व्यथह-

যাহাদিগের উপরে সংশর হয়, পুলিষ তাহার এক ৰাজ্তির বাটীতে কতকগুলি বহি পান এবং ভাহাকে চারে নিশচঃ क्रिष्टा होतान क्रिया (पन । आलिश्रुरहरू व्यमाख्य एवपूर्णि माबिएड्रेडे मलिल्डेक्निन খাঁৰাছাড়ুরের নিকট মকন্দা হয়। মক দ্ৰাটী ডিগ্নিদ হইয়াছে। খাঁবাহাত্র কি হেতৃপ্রদর্শন করিয়া মকল্মাটী অথাহা করিয়াছেন, আমিয়া ভাহা নিশ্চর করিয়া বলিতে পারি না, আমরা তাঁহার রায় দেখি নাই। তবে আমরা মকদ্মা সংক্রান্ত বিষয়গুলি যতদুর জানি, म**ংক্রেণ লিখিতেছি, প্রধানপুরুষ**দিগের महिल পाठिकशन विद्वहना कतिहा (नश्नून, মকদমার বিচারটী নাাঘা কি অনাোযা क्डेग्नर्रष्ट् ।

वश्कित संकृतन्त्र, स्य संग्रहेक कारनम, डाँशमिरगर पाता छाश धामान इहेशाइ । व्यानामी कदाव निवात नमरत्र প্রামের এক জন সভায়ে লোকের উপরে मायाद्वां कतिया अहे कथा विवश षाचारमात कालन करतः, य महे बाक्ति (সজ্ঞান্ত ব্যক্তি) ভাষার উপরে বিদেয বশতঃ তাহাকে জব্দ করিবার উদ্দেশে বহিণ্ডলি ভাঁহার ঘরে রাখিয়াছেন, আমরা ঐ সন্ত্রান্তব্যক্তিকে ধেরপ জানি ভাহাতে স্পান্টাক্ষরে কহিতে পারি জাঁহার প্রক্লতি যে, এতনীচ হইৰে, কোনক্ৰমেই আমা দিপের এরপ বিশাস হয় না। বিশেষতঃ আসামী এক জন ১৮।১৯ বর্ষবয়ক্ষ বালক। ঐ সন্ত্রান্ধ ব্যক্তির শহিত উহার প্রতিযো গিতা সম্ভবে না। পকান্তরে ঐ বালকটার চরিত্র সংশয়ারড় বলিয়া জানি। দে কুলে মধ্যে মধ্যে যাইত। যে দিন চুরি यात्र, रमस्मित्र मञ्जा शर्यात्र कृत्न हिन ভাহার পর দিন গ্রীয়াবকাশনিবন্ধন ক্ষুলের বহি স্থানাস্ত্রিত করা হইবে, ঐ চাহার যে ফল হইরাছে, আজি ভাহা বালকটা ভাহাও জানিত। এই সকল

রণ করিয়াছিল, এই দিকে ুসেরূপ মনে গতিহন, সভাুদ্ধ ব্যক্তি উহাকে জ করিবার উদ্দেশে উহার গৃহে বহি রাখি व्यामितारहर, रमनिटक रमज्ञ भ मरनज्ञ श रम ना ; कि छ विष्ठात्र পতि ची बाहा हरः ৰিপরীতটীই হৃদক্ষন হইল। ইউ ভাহাতে আমাদিগের আশ্চর্যা বে **হইতেছে না। মাসুদের রুচি ভিন্ন ভিন্ন** কারণবিশেধের বশীভূত হইয়া মার বের মন রুটিবৈচিত্র্য প্রেম্পন করি থাকে; সুভরাং যুক্তিবল্গা সকলে मनटक मकल भमरत बात्रन करिया त्रार्थ शादत्र ना । आमान्दिशत यान्द्रदेशत वि এই, थाँवाहाइत निक भटनत भतिवटर्व (ইনি পাটনায় বদগী হইয়াছেন) সং मर्भ यामानिभरक बक्ती आहीन मर्द পরিবর্ত্ত দেখাইয়া গেলেন। আমাদিতে কান। আছে, প্রত্যক, অনুমান, উপম अ गद्भ करे हाति अकात आमान। इंस মধ্যে প্রত্যক্ষই কর্মপ্রধান। কোন প্রম ণই প্রতাক্ষের সহিত প্রতিদ্বিদ্য করিছে পাবেনা। **বে স্থলে প্রভাক প্র**ম ना है, तिहे थोरनहे अञ्चयाना हिन्द्रभा হয়। প্রাণ্ডি **অ**টি বিরোধে প্রেটরে না প্রত্যক ও অসুমান উভ্নের বিরোগ প্রভাকেরই আবেলাহয়; কিন্তু আম मिट्शत थैं। वाहाइत উভয়ের বিরো অনুমানকেই প্রাধান্য পদ প্রদান ক লেন। এক দিকে প্রভাক্ত ইত্তছে, আদ মীর গৃহে কুলের বহি ধরা পড়িয়াত चना निरक **चन्नान व्हेर**करह, श्राट এক সন্ত্রান্ত ব্যক্তি বিছেমবশতঃ কুলে বহি চুরি করিয়া আনিয়া তাহার কত আপনি রাথিয়া আর কতঞ্লি আংশ মীকে জব্দ করিবার মানদে ভাছার গৃ কেলিয়া দিয়াছেন। এই অনুমানবং থাবোহাত্র মকক্ষা ডিপ্সিস করিলে: তাহা হইলেই অসুমান প্রত্যক্ষ প্রম चर्लका श्रदान रहेन ना? मञ्जू ন আংন∤মীর গৃছে বহি কেলিতে-অসুক দেখিয়াছে, আসামী কি প্রমাণ দিয়াছে ? **এরপ প্রত্যক** ব্রতিরেকে কি আসমীর নিক্তি ্য সভাৰনা আছে ? উলিখিত স্বাজির সহিত আসামীর কি कारह, जागामी कि जानालटङ র প্রমূপ দিয়াছেন ?

গঠনগৰ ৷ আর একটা কৌতুকাবছ

ু শুৰ্ণ করুন : আদামীর গৃহ নিজা বৃহিঞ্লি আবুলের, ইহা আছির হইলে ংপতি থাঁবাহাদূর আদামীকে তে দেন, ভোৱ দেখিয়া আমাদি এইরণ বোধ হইন) এইরণ উপ-**হরিচেছেন, এমন সময়ে আসামী**র भारत्या अक खन कनकीवरनात मार्का থিজিদ কৰিতে লাগিলেন৷ কন-ৰ এ মকদমায় এক আচন সাকী তাহার দাক্ষা এছেণের অনুমাত্র জনছিলনা; কিন্তু সাক্ষা লওয়া । দে এমনি পৃক্তাপর বিরুদ্ধ কথা আমারত্ত করিল, যে প্রাকৃতিফ ে বে কার কথা করে না। শুনিয়াই স্পশ্নিণির স্পর্শে গৌচের ণ ধারবের ন্যায় তৎক্ষণাথ বিচার ামত পরিবর্তি ইয়া গেল। তৎ-অংনাদিলের বোধ হইল, 🕏 হাই ম: ডিগমিদ হইবার একটা প্রধান इन्हा ७ किन। कनकोषटनत कि াংরাক্সায়ুগরক্তির যে কনফাবলরপে ্টুপনীত **চই**য়াছি**লেন, তত কণ** । তাতা জানিতে পারি নাই। উহার 5: मृ:क्ष शर्भात्री मेव **हेनटच्या छेट**बब গুলি চুবুহ্ইয়াপেল। **সৰ ইনজেপ**-ভানাংকি ভাদু লোকে যেসকল **জ**বা

दिवार्षिट्यान, त्रामश्चनीय **ভागिया**

। বিচারপতি কিরুপে স্থির করিলেন

ব্যাসামীর পক্ষ লোকের! কনষ্টাব-

ना १ व्योभरा व्यटनात्र कथा विवर्ण शाहि শা, ক্ষুলের ভৃত্য এ মকদ্মায় করিয়াদী ছইয়াছিল, দেই স্বমুখে আমাদিগের नमरक विनिश्तरिष्ठ, इहे अपन व्यवन व्यक्ति ভাঙ্গাইবার চেতায় তাহাকে ভয়প্রদর্শন করিয়াছিলেন। তাহার মন যে তাহাতে বিকার প্রাপ্ত হয় নাই, তাহার এজেহা-রেও দেরপ বোধ হইল না। এরপ ছলে কনটাবলের কথাই যে বিচারপতির ধুৰ জ্ঞান হইল, এটী অনপ্প বিসায়াৰহ **ಎ**८₹

উপদংহারকালে প্রধানপুরুষদিগের निकट्डे व्यामापिटशत्र উপরোধ এই, व्यामता এই মকদমাদহকে উপরে বিচারপতির অকর্ত্তব্য আইনবিরুদ্ধ যে ব্যবহারের কথা কহিলাম, দলিলউদ্দ খাঁবোহাছুরের নিকটে ভাহার কৈফিয়াভ কর্তব্য এ সকল মকদমার আংপীল নাই, প্রধান পুরুদেরা সমাচারপত্তে অবগত চইলা যুদি প্রভীকার চেফানা कटतन, स्मान नारमानतानित नाति व्यवि চার ভ্রেড ছ্নিবার হইয়া উঠিবে। প্রধান পুরুষেরা নিশ্চর জানিবেন, মারুষ যদি শক্ষাশূন্য হয়, ভাহার মন উপরোধ षश्रदाव ७ जमध्यमानामि नाना कातरन महमा विकात श्रवन इहेता छेट्ठी।

এই এস্তাব্দীর লেখা माझ इंहेटन পর থাবাহাছুরের গিথিতে রার্টী আমা দিগের দৃ,কি পথে পতিত হইল। তদৰ্শনে আমরা অধিকতর বিসায়াপর হইলাম। রায়ে লিখিত হইয়াছে, চৌর্যোর যে অভিযোগ উপন্থিত করা হয়, প্রমান না হওয়াতে তাহা অঞাহ্য করা হইল। कि व्याक्तर्या । यदि श्रमान नः इहेशाहिल, विচারপতি আসামীর कराव लहरलन কেন ? যত কণ আসংমীর দোব সঞামাণ না হয়**, ডভক্ষণ আনামীর জবাব ল**ওয়া কিরপে বিধিনকত হইতে পারে ? পাঠ-অর্থসারা বশীভূত করিতে পারে 🏻 কগণ ! বিচারপতি খাঁবাহাছর সমুদায়

কাজ শেষ করিয়াছিলেন; আসাই शंक ठ प्रवशा (क्वन वाकी हिन; সময়ে পঞ্চমুদ্র। বেতনভোগী কন্টাব সাক্ষা এইণ করা হইল এবং ভ পূর্ব্বাপরবিষয়াদী বাকা শুনিয়া সং প্রিবর্ক হইয়া গেল ৷ পাঠকগণ ৷ গ ষের মন কি পরিবর্তনশীল ৷ মনের অন্ত গভি ৷ বেদকল ব্যক্তির সা আনামীর জ্বাব লওয়। হয়, উাহাদি বাক্যে অণুমাত্র কাম্পানিকতা ছিল বিচারপতি তাহা স্বয়ং স্বসুথেই স্বী করিয়াছিলেন। কিন্তু কি চমৎকার দকল কাজের না হইয়া চারিত্রা কুলাশয়, অর্থলোভী এক জন কনই লের কথ। কাজের হইল । চুরী হয়। कमछोदल कि अ कथा कहिलाछिल ? কথার অনৈক্যেক্য কি আনে যায় ? মাৰালত ঘটনাটী নিপ্যাজ্ঞান করি ৰহিঞ্জিকি শয়তানে লইয়া গে পুলিষ চোরিত পুস্তঃগুলির উ क्रिट्ड शाहित्वन मा! आनावड গিয়াছে একথ। বিশ্বাস করিলেন কিন্তু কুলের বৃহিঞ্লি গোল। मिखालि (क एस्त १ शवर्गः मन्हे सिन । মেণ্ট আমাদিগের নিক্ট হইতে লইয়ায়খন একল জন্ম পুলি আদালত রাখিয়াছেন, তথান প্রণ্ त**रे** वस्किल (मंख्या कर्जवा)

> ভারতবর্ধের প্রতি রাজস্বসম্বন্ধ আর একটী অবিচার।

আমরা এক টেলিগ্রাম পাঠ ব বিসম্মাণর হইলাম, আবিসিনিয়াত भक्न रेमना युद्धार्थ गमन कतिशा তাহাদিগকে যে ভাতা দেওয়া হ তাহা ভারতবর্ষীয়দিগের স্বজেই প হইয়াছে। ভারতব্রীয়েয়া প্রথম বলিয়া আসিতেছেন, আবিসিনিয়ার माक्तारमबदक हेर्गित्भन काम म हि। रेश्मश्रीय भवर्गस्मर्कत व्यविद्वहना व्यवस्थितिवज्ञन कलान ७ एउ काता দ্ধন। ইহাদিলের উদ্ধানকি যুদ্ধ । ইংলঙের সমানরকাই যুদ্ধের ক্ত কারণ। স্মারভবর্ষের সৈন্যগণ এই

জ শোণিতপাত করিয়াছে; ভারত্ব-য় গ্ৰণ্মেণ্ট অগ্ৰিম টাকা দিলা বায়ের विश कतिहा निशास्त्र । रेमनाशन यथन ।ছলে ছিল, তথন তাহাদিগের বেতন

র তবর্ষীর ধনাপার কইতে দেওয়া হই-ছে।পক্ষান্তরে ইংলও যদি এক জান

নিককে এ দেশের কার্য্যে প্রেরণ রন, তাহা হইলে সাউদামটন ত্যাগ

রবানাত্র আমাদিগকে ভাহার বেতন তে হয়। গমনাগমনের ব্যর আমাদি-

র। দৈন,গণ এ দেশে আদিয়াধে বস্ত্র রণান করে, বাইবার সময়ে ভাহা

য়া গেলে আমাদিগকে ভাহার মুগ্য

ওয়া হয় না। ইহাকি পর্যাপ্ত নহে ?

জন্য ভাতাদেওয়াহর ? যুদ্ধ জারের ষত ত ? কাহার নিমিত যুদ্ধ হই-

ছ ৭ হদি ইংলতের কুৰিধার নিমিত रहेल, ठटव काहात श्रीतकात व्यामाः

क्ति कि एक इंडेट उट एक न १ अन्न हरू. সকল সংবিধা ইংলতের হইল;

। त (वनः चामता। वन्नी क्रिशत मरशः জন ভারতবর্ষীয় ভূত্য পাকিলেও

তবর্ষের ক্ষত্রে যুদ্ধের ব্যয়ের অর্দ্ধাংশ ণে করা হইত সম্দেহ নাই। স্ত্রিগণ

বিধা পান নাই, এই নিমিত নানা করিতেছেন। ফলতঃ ভারতবর্ষের

বেরভার নিকেপ করা ইংলওীয়

নেণ্টেঃ পক্ষে নৃতন নহে। বৰ্ত্তমান গণের ঐমধেয় ঐ রোগটী আরও

রা উঠিয়াছে। ইংলতে ইছারা কারণে অপ্রিয় হইয়াছেন; ইহার

র ট'কার ভার অধিক পড়িলে

किंगदिक मारहर्दित महहत्रगन्हक গেপ ক্রিতে হয়, এই আশকায় ভার

তবর্ষের ক্ষের ব্যয়ভার চাপাইতেছেন। বিবাদ দর্শন করিতেছিলেন। স্ এটি অভিশায় অন্যায় ; ইহাতে সাধা- সুবিদা চইবার একটা সন্তাবন্য হই রণো অসম্ভোষ জনমশঃ রুদ্ধি চইটেডছে। সভুনির্মাণের ভার ভৃতীয় প্লের व्यामता (य क्छेक्त चात्र वहन क्तिट उहि, তাহা আমেরাই জানি এবং পরমেশ্র ; জানেন। প্রতিবংশর ফুতন কর হই তেছে। বৰ্তমান গৰণীর কোনৱল লাভ কর্ণওয়ালিদের অংকীকার ভঙ্গ করিয়া বিদ্যাশিকাও রাস্তার নামে ভূমির কর রিজি করিতে বসিয়াছেন। আনাদিগের এই কফ ; ইহার উপরে আবার যদি हेश्लक मरक्षा मरका छेलाजुब करतन, আমরাকিরেশে বাঁচি। মক্তিগণ কৰে আমাদিগের প্রতি সভাবহার করিতে শিক্ষাকরিবেন **় নে**শকল রাজনীতিজ্ঞ একটারাজ্য অপেকা ত্রিটশ কাতির নাায়াসুণত ব্যৰ্≢ারকে অধিক মুলাবান জ্ঞান করিতেন, ভাঁহাদিগের দল কি নিঃশেষিত ইইয়াছে ?

> -----গলার সেকু।

কলিকাতার মধ্যে অথবা অতি निकटि এक है। स्मृ कता स्य कर्ज्या, তাহা সাধারণো স্বীকৃত হইয়াছে। পাঁচ বৎসর ধাবথ এ বিষয়ের তর্ক চলিয়াছে ; কিন্তু আকেপের বিষয় এপর্যন্ত কিছুই আছির হইল না। ভারতব্যীয়ি রেলওয়ে কোম্পানির স্বার্থপরতা একটা বিলেন বি**স**ধরপ হইয়াছে। এই কোম্পানি আপিনারাও সেতু করিবেন না; জানা জাহাজ ঘাইবার অস্বিদ। হটবে। ব কাহাকেও করিতে দিবেন না। ভাঁহাদি-গের মুখাপেকা করা র্থা কলেছরণ माज। श्रववाकना त्रमंत्रतः कालान **শেতু করিতে** উদ্যত আছেন, কিন্তু ভাঁহারা যে নিয়মে করিতে চান, তাহাতে **ৰমত হইলে ভারতব**ৰীয় রেলওয়ের **ক্তি হয়। এত দিন** উভয় কোম্পানি আপনাদিগের স্বার্থাসুসন্থান এবং গাব্রু মেণ্ট মুখব্যাদান করিয়া তাঁহাদিলের নয়। অতএ হাটখোলাই যথাপ স্

সমর্পণ করিবার প্রামর্শ হইতে

বঙ্গদেশীর গ্রণ্মেন্ট ব্লিক্য থের নিকটে প্রামর্শ জিভাগো ক ৰণিকগণ ৰালয়াছেন, কাশীণ নিকটে দেভুক্রিলে বিশেষ ফ্রে হইবেনা; ঐ স্থান বাণিজেরে ও স্থান হাট্যোল। ও লাগনী অনেক দূর। তথায় শকটছারা বাা प्रवा लहेशा याहर**ङ हहे**: . ক্ট তেমনি বয়ে পজিবে। সচয় মক্ৰল হুইতে যেনকল বাণিজ্ঞা আইদে, ভাষা এক কালে রপ্তা নিমিত জাহাজ বোঝাই হয়না। মতঃ মহাজনদিগের গোলায় উ পরিক্লত হইলে পর আনহাতেল ল যাওয় হয়। কাশীপুরে[,] দেভু विवशूरत खनाम इंदेश दिखन ও সময়নাশ হইবে। আনে বালি আ হাৰড়া পৰ্য্যন্ত ভারতব্যীয় রেলও যে মূল্বান্ সম্পতি আছে, ভাহা অংকার মূল্যহীন হুইয়া পড়িবে। বণ **শক্তা**দায় তল্লিমিক **প্রস্থা**ব করিয়ায়ে হাটখোলা অথবা ভাহার কিছু উত্তর मिक्टिन मिजू कहा कडवा; आर्फ

ঘটি হইতে হাৰজ্পেষ্টে দেভু ব সম্ভাবিত নছে। তাহা করিলে প্রথম वङ् जाहाज वार्थानी घाटांट छेशत श করে নাবটে, কিন্তু সদাগি লাপ

মালছীপের রুহণ ত'ড় সকল গমন করি थाटक। सम्भू क्षेत्र समञ्जावश थाकि না। আর একটা অনিট এই ছইটে

হাৰড়াতে যেশকল ৰভ্ৰুলা ভক আং

ভাষা উঠাইয়া ₄দিতে হ≩বে। এ ব সামান্য ব্যয় নহে; অসুবিধাও সামা চে। হবে একটা আপত্তি কর। ছে যে, গত ৭১ অফের কড়ে **জাহাক** कामी भूतत काल भना का निवा ; হাটপোলায় সেতু হইলে ভত্পার জাগজ পড়িলে তাহা ভগ্ন হইবে। এখণেতি ভাদৃশ বলবভী বোধ চতেনা। জাহাজের রহং শৃগ্ন ছিন্ন া ঠেলিলা লইয়া যায়, এরূপ কড় চে । মটে না। শে ঘটনা স্তর্চির া দেয়ও কড়ে ভগ্নইতে পারে। ক্মক্রমায় বলিয়াছেন, পুর্**কো**ক র সময়ে ব্রার নক্ষর ও শৃৠস ৰ জীণ হইয়াছিল; তলিমিল এত জ উপরে গিয়াছিল। ঐ সময়ে কল জাহাজ নিজ নিজ শৃখ্লছারা ছিল, তাহার মধ্যে অনেকগুলির । হ্ইয়াছিল। মধ্যে মধ্যে নঙ্গর, ও শৃগ্লের পরীকা করিলে এই পদ ঘটিবার অংশেই সভাবনাধা বে। হাটথোলায় দেজু হইলে উত্তর গ্ৰন্ত্র আরিও রুদ্ধি হইবে; এক্সে কল ভানে গোলা নাই তথায় গোলা বে; শকট বারা বাণিজ্ঞা দ্রব্য আসি র ভ কথাই নাই। এই সেতু করিয়া হাটখোলায় একটা

ুন্তন চীনেবাজাবের নিকটে একটা

ওদান করা কর্তবা। এই ত্রু

নেই শিয়ালদহ হইছে রেলে জ্বা
নূর্মী আমিবে।বিনিক্সম্প্রনার বলেন,
সেরিকার লায়ে নগরমধান্তিত রেল

ড়ে অশ্বারা চালান কর্তবা। এই

কুপ্রত্ত করিবার ভার এক পূর্বক

ক্রেডা সর্ক্রাধারণ পূর্বে এই মত

ক্রেডা করিয়াছেন। সেতৃ হইলে ভাহার

কুপ্রাধিধ শক্ত ঘাইতে পারিবে।

কুপ্রাধিধ শক্ত ঘাইতে পারিবে।

থিকগণ্ভার এক পাশ দিয়া যাইবেন।

े आभारा दिन्तं मध्यमारवह अखारवह

সম্পূর্ণ অসুমোদন করিতেছি। হাটথো লায় দেতু হইলে আর একটী বিশেষ উপকার এই হইবে, ঐ অঞ্লের যে খন ৰস্তি আছে, তাহা কতক বিরল হইয়া পড়িবে ৷ স্বাজ্যের পক্ষে যে ইহা মছো-পকারক, ভাহা বলাবাত্লা। আমরা এই সঙ্গে প্রস্তাব করিতেছি, কলিকাতায় যে প্রকার ঘন বৃদ্ধি হইয়াছে, তাহাতে नगरतत मीमाइकि कता कर्डवा। मिक्टन কালীঘাট, পশ্চিমে শিবপুর হাবড়া ও শালিকা ; উত্তরে দিঁতি ও পাইকপাড়া এবং পুরের সুঁড়ো ও টেঙরা পর্যান্ত নগরের সীমা রদ্ধি কর। কর্ত্তব্য হইতেছে। নগরে বাদের একটা মোহিনী শক্তি আছে। আমি নগরে বাস করিতেছি, এই ভাবিয়া অনেকে আপনাকে চরিতার্থ চ্ছান করিবেন। কলিকাতার কাঁদারী-দিগের ন্যায় এক পাড়ার মধুসকিকা কারে বাদ করা অপেক্ষা একটু দূরে বাস করাবহুগুণে উংকৃষ্ট। নগরের সীমা द्राष्ट्रि कहिरल हे विश्वत लाएक आख्नान. পুর্বেক এইসকল উপনগর অঞ্চলে বাটী করিবেন। এ কার্যাটা দেজুনির্ঘাণের পূর্মে কর। কর্ত্তবা। তাহা হইলে রেলওয়ের নিমিত্ত যেসকল ভূমিও বাটী ক্রয়করিতে হটবে ভাষার মূল্য ভভ অগ্নিবৎ হইবে না উপসংহারকালে আমরা গ্রণ্মেন্টকে অসুরোধ করিতেছি, আর স্বার্থণর রেল ওয়ে কোম্পানিদিগের মুখাপেকানা করিয়া এই প্রকৃত হিতকর কার্য,টী অধিলয়ে আরম্ভ করেন। ভারতবর্ষের রাজধানীর আবার এপ্রকার লজ্জাকর অবক্ষারাথ। বিধের হয় না।

জামাদিগের কবেহারাঞ্চীবগণ ও উহাদিগের পরীক্ষাপ্রণালী। জামাদিগের আইন শিক্ষা ও ওকা-লতী পরীক্ষাপ্রণালীর একরপ্তা না ধাকাতে স্বিশেষ অন্তি ইইডেছে।

বন্ধদেশে পাঁচ প্রকার পরীকা হয় क्षथम, विश्वविद्यालात वि, वल, वर এল, এল, পরীকা। দ্বিতীয়, কেলা মাদ লতসমূহের প্রথম ও দিতীয় শ্রেণি ওকালতির পরীকা। তৃতীয়, কৌন্ধদানি আদালতের মোক্তারির পরীকা। চতু রাজসসংক্রান্ত আদালতের প্রতিনিধি আটর্ণীর পরীকা পরীক্ষা। পঞ্চন रकरन दि, এन, शत्रीरकां छीर्गता প্রধানতম বিচারালয়ের আপীলবিভারে ওকালতী করিতে পারেন, আটণী আদিম বিভাগে উক্ত বিচারালয়ের কার্য্য করিতে এবং দেউলিয়া বিভাগ প্রশ্নের করিতে সমর্থ হন। বি এক্ত ওকালভিদমক্ষে আটনী এল, এ এবং কমিটা পরীক্ষায় উত্তীর্ণ এং শ্রেণীর উকীল ইহাঁদিগের তুল্যতা আ आदेगीमिश्रदक मीर्घाकाल कार्या निश्चि হয়। এল, এল ও কমিটি পরীকার এ শ্রেণির উকীল উভয়কেই আই উপদেশ প্রারণ করিতে হয়। উভঃ ইংরাজীতে পরীকা দেন।তবে প্রতে মধ্যে এই, এল, এল পয়ীকার্থীরা অংশে কৃত অংশ পরিশ্রেম ও পরীকার অ নম্র পাইয়া উতীর্ণ হন। এরপ এর করিবার কি কারণ আছে, আমরা ও বুঝিতে পারিতেছিনা, অন্যাসক ইহা বুকোন না; প্রধানতম বিচারাল ইহা যে বুকোরাছেন, বোধ হইতেছে এইরূপ নানা স্থানে নানাপ্রকার প প্রণালী প্রবর্ত্তিত করিবার প্রয়ে কি ? একবিধ পরীকাপ্রণালী করি कि हरन ना ?

ইংলতে বারিইরদিগকে প্রকার পূর্বপরীকা দিতে হয় না নিমিত বারিইরদিগের অধিকাংশ তে উপযুক্ত হন। বে কোন ব্যবসায় শি হউক, তাহার প্রতি একটা স্বাভ প্রতি চাই। সেই স্বাভাবিক প্র ভের গমনপথে কোনপ্রকার 5বন্ধ উপস্থিত করিয়া দেওয়া কর্ত্তব্য । পूर्वति तोका अवस्तात निवस ति ह 54 इत्तर। বর্ডনান প্রীকাপনানী । एत अध्येष इः वि, ०, ११ वि ना ণ বি, এল, পরীকাদিতে পারা যায় क्र ठिवितः लाक् भारेबात जानदारे নিয়ম করা হ্≷ারাছে, কিন্তু যঁহো-র স্বভাবেতঃ ব্যবহারাজীব হইবার যাগিনী বুদ্ধি ও ইচ্ছা আছে, বিশ্ব ালয়ের বি. এ, পরীকা তাঁহাদিগের বেক্ষকতা করিতেছে। তাঁহারা ঐ कः फिट्ट शास्त्रन म। वर्षे ; किन्ह লে লোক আইনের পরীক্ষা অনায়াদে ত এবং ওকালভি করিবার স্থবিধা ল স্বিশেষ যোগ্যতা প্ৰশ্ন করিতে त्न। यिनि या वावनाव कहिर्यन, ভাহার ১ ভি ভাঁহার কতদুর অসুরাগ র মমগ্রহ ও অবাধ্র ভেদ্ভান । আছে ভাহা দেখা কর্ত্রা। বোধ এক জনে সুত্রধরের কর্মশিকার ইচ্ছা তেছেন। তিনি ঝুড়ি বুনিতে পাং?েন া, ভাহা দেখিলে কি হইবে ? লদিকোর বিষয়ে কার্যাতঃ ঐেনপে ছই । डेमीटल बक्र कविषा इंडल अकाम्र ণ্যক বটে ; কিন্তু অঙ্কশাস্ত্রের কন্তক कठिन नियम अवः विश्वविद्यानस्यत ত কতকণ্ডলি পুস্তক অধ্যয়ন না ল কি কেছ ক্লুতবিদ্য ছইতে পারেন **जाकः अनगरनत विश्वविद्यागराज्य ।** উপাধি ছিল না ; কিন্তু তিনি কি ল, ডি উপাধি পাইবার পুরের দ্যেবলিয়া পরিগণিত হন নাই ? রা উকীল হইবেন, তাঁহারাকি রে আপনাদিগের ব্যবসায় করি এবং যেদকল পুস্তক অধ্যয়ন ত হইবে তাহা উত্তমরূপে বুঝিবার इत्र ब्राथा कतिवात डाँशिंग्रिश ্ত আছে কি না, এই মাত্র দেখিলেই

भर्याख इहेरव_ा स्व स्म वास्ति वन्द्रत फेकीन हरेटड शादन ना। **अक्ट**न याहे নের যপ্রকার জাটিনতা মাড়েইয়াছে, তাহাতে কেবল আইন ব্ডির খারাও थकत्वशिन मुथक कतित्व हत्व ना। ব্যবহারণজীবকৈ প্রভাহ সূতন সূতন अन्द व्यक्षायम कतिएक इयः। व्यञ्ज लाएकत কি এ ক্ষতা হয় ৪ ইংলতে বারিফীর **डे**शांबिशाती व्यानक आमा घरेक्डनिक माजिए हे वे बारहन बर्डे ; किन्क हे हैं। इन कि ওবেউমিন্টর বাটীতে আসিয়া ভর্ক করিতে দাহদীহন ্সাধীনভাবে অংধ্য व्रत ७ भरीकामान श्रामी वाकिएल इहे চারি জন অপদার্থ লোকের উপাধিধারী হইবার সম্ভাবনা আছে সভা; কিন্তু অধিকাংশ বথার্থ যোগ্য ব্যক্তিরই সম विक व्याङ्डीव इत। এই श्वाबीन अनाली না থাকাতে যে অনিষ্ট ঘটিভেছে, ভাষা বিশ্বিদ্যালয় ও প্রথমতম বিচারালয় যে বুঝিতেছেন না, ইহা অতিশয় হুঃধের ৰিষয়। যে'ধাতৃতে দারকানাথ মি**ত্র অথ**ৰা সর বার্ণেদ পিকক প্রস্তুত হইয়াছেন, দে ধাতুর লোক বি এল প্রীক্ষোভীর্ণ দলে কয় জন দেখিতে পাওয়া যায় ? বালক কাল অৰ্ধি নেপ্লিয়ন এবং ওয়েলিঙ টন যুদ্ধকার্যোর প্রতিই অনুরক্তিন প্রদ র্শন করিতেজন - জাঁহার৷ হদি কেবল ব্যব সায় বলিয়া ইহা আহণ করিতেন তাহা হইলে কথনই এত যশস্বী হইতে পারি তেন না। বর্ত্তমান পরীকাপ্রণালীতে করিবেন, ওঁলার কেবল এশংসং যে আর একটা অনিউ ঘটিতেছে তাহা থ কেলেই কলে হইবে না , ভাঁচ **সকলেই প্রত্যক্ষ করিতেছেন। আইনের** প্রত্যহাজাত্মজনতার পরিচালিতে হই। উপদেশপ্রবণ অভিশয় কর্ত্তিয়া, কিন্তু অভত্ত এপ্রকার গোল্যের সুচ্ অথম ছুই বংসর কোন ছাত্রই মনোযোগ ় প্রীক্ষার একঃ কার নিয়ম করাই কর্ত্ত महकारत डेहा खावन करतन ना। जकरलहे 🖟 বি. এ, পরীকা দিখার নিমিত বাস্ত: সুতরাং উপদেশক যথন উপদেশ দেন,। আমাদিগের আমাদ। ভথন ছাত্রগণের কেছ অন্য পুস্তক পাঠ নিজ্মা হওয় যেমন দোঘ, মধ্যে হ

শেষ বৎসরের পুর্বের আইন পুর क्य करतम मा। अच्छल काहात (ছাত্রদিলের দোষ নাই; কেছ্এক ব इडे भिहतका कतिए शास्त्रमा। मिर्शत वि. a, शतीकात निमिछ পরিশ্রম করিতে হয়, তাহাতেই স দুম্য অভিবাহিত হইয়া যায়। অধ কেবও দোব নাই; উাহারা যথা? পরিপ্রান করেন। দোব প্রাণালীরই ভেছে। এপ্রণালীর পরিবর্ত অৰ্শাক উৰ্ব্যা

সম্প্রতি আগরার কালেছে যেপ্র

প্রবর্ত্তিত চইয়াছে, ভার্ণক দা করিয়া এই নিঃম করা কর্ত্তবা যে, ই জীতে বুং ২প জি গা,কিলেই যে সে বাহি অংইন শ্রেণীতে গ্রহণ করা হইচ প্রতিমাধে ছাত্র,দিগের পরীক্ষ: কর্ত্র। ধাহারা এইসকল মাসিক কায় স্বযোগ্যতা প্রদর্শন করিতে পারিবেন, তাঁছারা শেষ পরীক্ষা বি পারিবেন নাাবি, এল, ও এল, विनिधा ८ एक वृश्चितांत क्षर्याक्रम म কমিটি পরীক্ষার কোন এয়োজন ট याहेरछट्ट मा। अक्टरन व्यक्तिमित्र প্ৰীক্ষাবিশেষ, আবার এক এচে নানাপ্রকার পরীক্ষাপ্রণালী থাকা কেবল গোলযোগই হইতেছে এবং য উপযুক্ত লোকের উন্নতিপূপে ক ক্ষেপণ করা চইতেছে। যিনি ওকার

21131

করেন কেছ বা নিজা যান। অনেক ছার আনোদ না করাও সেই একার দে

র এত মল্ডেল মা। সভা ়া যত রুদ্ধি চুখাকিংক, ডেউইসময়ের সূলাভ্যধিক ্ পুর্বের একেশের প্রায় সকলেই রুষি র অপরে জাবিক। নির্ভর করিতেন। া সংগ্রকাল না করিতেন তাঁহা ে বংগ্ৰুক বিঘা ভূমিব্যতীত দিন ব হল উপায় চল না। তথন বিদে ং লিং'ার এত প্রাস্ভাবি হয়নাই। এবং অরণকা ছিল। **অভতার সহজেই** ে নিৰ্বাহিত হইত। এই বিনিভ কৰ্ম জালোকের কামোদের নিমিত অধিক নাল ২ই ৮। প্রতি প্রীগ্রা**মে রুক্তলে** া কাহার চণ্ডানওপে · চেডাছিল। । দেই স্থানে মমাগাও হইটেন। প্রাভঃ গ্ৰাধ বালা চন্দ এগার ঘটি চাগেষ্ঠান্ত াধ বা কুষিকার্যাদশন করিতেন; বৈকাল ঐ এাডডার আমোদে অভি 5 হঃড। ওথায় .ম**ইাল**∶প এবং মহাভা । রামায়ণ পঠিত হইড: ঐ ভাবে হে শকরেকৰরে আকড়া হইত। ফালো। চর্কাদারা যে সু । কাটিণেন ভদ্যাল র ওস্তবায় বস্ত প্রধান্ত করিয়, দিও। ্যত পরুমরিভ, সে মনুদ¦রের চন্ম মুচর প্রাপ্যছিব, এই নিনিত্ব প্রতি ভুমুচি প্রতিবৎসর বিনঃমুল্যেজুণ নাপিত, রজকু ও চৌকি ারগণ কয়েক ভূমি পাইয়া আমাপন আমপন কাৰ্যা । তথাৰ এক কাল ছিল। লোৱে উত ছিলেন না, কিন্তু স্থাছিলেন। তথন গাঁ,টাকুও লাইসেক টাক্লের নিমিত পাঁডি ও চিস্তা ছিল নান তখন বিল্যা র নিম'ড পৃথক ভূমির করের ভয় নিক্ড ১৯তন) এবং নির্মব্ছিছতি ভিত্র দাগের নামও কেছ জানিচ্ছেন

এলার মাজি**ছেট চোর দক্ষাব্যতীত**

ক্ষেত্রলৈকে অপরাধার কাটগড়ার

मन्त योगान्य स्वा । माहिन्द्वेतित

টিষাইলে সামাকর সংকশসাইইটে,

সকলেই ভাষিক ভাল বাহিছেন ও

। সভাতানিবন্ধন ১ক আছির পরি আছা করিতেন। স্থানান্তর ষাইতে হইলে জি হ'ইর'ছে। পুথিবীর কোন কালেই পাঁচ সৃতি দিন অবধি সহচরসংগ্রহ করে। হইত তখন এত উন্তি, এত বিলা শিকা, এত রাজনীতিসংক্রাস্ত আনেদলন ছিল না; লোকে প্রায় আমোদ করিণাই সময় অভিবা হিত করিদেন: কিন্তু এক্ষনে সংয়ের পরি বর্ত্ত হইয়াছে। এখন হয় কাজ কর, নচেৎ অয়বিন। প্রাণ্ড্যাগ কর। এখন কেবল করেক বিঘা পৈতৃক ভূমিতে সকল অভাব নিরাক্ত হয় না। মাঞ্চেরের ভত্তায়গণ দেশীর মুগাকে দুর্গিন্ত করিয়ছে; গ্রাম্য मूहिणवा लालवाजा । ७ कमाहित्होलात हिंही দিগের নিকট আপনাদের খরিদদারকে অর্পন করিয়াছে ৷ বটতলা ও চণ্ডীম ওপে আর কার্ত্তিবাদের রামাগ্রণ ও কাশীরাম দাদের মহাভারত ভারণে লে:কের আমানে হয় না শকের কবির সাহনা শুগালচীৎকার বলিয়া পরিগণিত ইউয়াছে। একণে লোকের আমেদি অংকাকাদই অধিক। সকল কাজ বিশেষ নিয়ম।মুসারে করিতে হয়। এটাম্য গুরুমহাশয়ে: স্থলে নর্গাল বিদালেয়ের পণ্ডিত শিক্ষা দিতে ছুন। রামায়ণ মহাভ: রতের পরিবর্ডে সাহ রাজিলান ও রাজনী 'ওর তর্ক হইতেছে । ব্যবসংখ, আমেদি, বস্ত্র আহারীর চি । সকলেরই পরিবর্ত হইরাচে। কিন্তু এত উল্ভির - সংগ্রে আমাদিগের

একটা বিশেষ ভূষণীয় বাৰ্যার ইংহিয়াছে -গ্ৰন্থেট নহস্ৰ তৈটা কলিলেও ইহার অপনো भग कतिर इ.शाहिरवन मा अवर अप्रि डें।शाहि গোর কর্তথাও নহে। বিচারপতি ফিয়ার : ক ৰক অখংশে ইহা পারেন ; কিন্তু একাকী ভাঁহারত কুত্কার্য হইবার সম্ভাবনা নাই , গামরা পুর্বের বলিয়াছ, নিক্কমা থাকা ও অবিশ্রান্ত পরিশ্রম কর। সমান দোষ। আমা দিগের পরিভাম রুজি হইয়াছে, কিন্তু সেই প্রকার আমোদ বিংক হয় নাই। টোল ও কাঁসির পরিবর্ডে সমবেত ৰাদ্য এবং কবি ওয়াত্রার পরিবর্ত্তে নাটকাডিনর ব্যতীত এ বিষয়ে আর কোন উন্নতি দৃষ্ট ছইতেছে ন। ইহাও নিয়মিত আমোদের মধ্যে নহে। বংগরের কয়েক নাম্মাঞ্চ রাটক হয়। এ

নাটকাভিনয় শকের দলের ছারা হও বেচ্ছামত সকলে এ আমে:দ ভে:গ ক

ममर्थन (इन। গাহন বাজনা: আমাদত त्शन। (जाज्ञत्मत्र व्यात्माम् ७ हेश व्यत উৎকৃষ্ট নহে। আমাদিগের মহা কি জয়ানক ব্যাণার, তাহা এ नकरलत स्वयम्म इहेग्राह्य। এक तुर्द নাচ্চাদিত ভূমিতে 3 . . . 1 লোকে একতা নিরাসনে বসিয়া পত্রে ২৫ খানা বাঞ্চন আহরে করা বে 1 চারিটার সময়ে আহার করিয়াত দের শেষ হয় ইহাতে প্রতি যভের छूरे कर हा विकास कार मारे दे हता জ্ব োগ করিছে হয়। প্রকাশ্য ভোগ ত্রই এই প্রকার রহিয়াছে। তবে নব অনেকে বাগানে গমন করেন সভ্য কারে ঐ কার্য্য নির্ব্বাহ হয় বটে কিন্তু উ স্থ্রাপান ও অন্যান্য ক্ষ্মির বিলক্ষণ ভাবল কিত হয়। অত এব ইহা অ আমাদিশের সামিয়ানার নীচে কদল ভেজিন সহত্র ওবে তেরেঃ। এ আরও কয়েকটীবিশে।দেয়ে আছে প্ৰাশন বিবাসপ্ৰাস্থাত কাষ্যসমূৰ য় ব ের বিষয়: কিন্তু আমানিগের সম লোষে এগুলে কেবল আলীখনিগের ক্তির কার**ং হ**ইয়া উচিয়াছে। কোন বাটীতে পূজা করিয়া দশ জনকে 🎋 তাহাদিগকে এগামী করিদেশ হইবৈ নচেৎ অপমান হয়। এই প গ্ৰাশনে যৌতুক এৰ বিবাহে ভ ভাতের কাপড়প্রভৃতি নির্দ্ধারিত ত यनि नकत्वत्र भरगद्र क्ष. ভিজাস যায় ভাষা কটলে প্রকাশ পাইবে, এ বিষয়ে নিমন্ত্রণ হইলে সকলেই দায়ত্রাস্ত পড়েন। এ নিমন্ত্রণ বত নংহয় ভত এটা প্রায় সকলেরই মত। অভএব এ উঠাইয়া দেওয়া কি কর্ত্তব্য নহে ?

ফলতঃ আনেরা যে দিগে দৃষ্টিপাত নেই দিগেই প্রকৃত আমোদ দর্শন ক পাই না; আমাদিগের অভূতপূর্ব প র হইরাছে কিন্ত বিশুদ্ধ আনোদ একটাও ই একণে ইহার পরিবত্ত করা উচিত না, আমরা সমাজকে তাহা বিবেচনা তে অসুরোধ করিভেছি।

---;∘;---

विविधम ९ वाम ।

১ • इ व्यायाज (म'मवात ।

শ্বামনগরের হড়াকাগুনিবন্ধন এতদে াসকি বাধা:তে⊨ যেপ্রকার বিরক 'ইইরাচেন ভাব প্রকাশ করাতে লেপ্টনাট কেশন গেড়েটের সম্পাদককে '' মিওটা জনরং শে ^ক করিবার দেশে দিয়া ভংগনা করিয়'ডেন উন্ট গ্ৰ'র বলেন, মিধ্যাজনতৰ প্রকাশ বো এছুকেশন গেছেটের কর্ত্তব্য বে হেতুক ুকরারেই নংবাদপত্রখানি ভাঁনার হজে ষ্মা হইরাকে। সম্পানক যথেতিও সাহস গবে প্রজু,তর দিয়াদেন, জিনি বলেন, এড ীয় সকল সংবাদ পত্রে এই রুতান্ত প্রকাশিত এবং ডিনি নিজে অনুস্কান কৰিয়া হার যাধার, অবগভ ১ইয়াছেন। আরে রেল य अवस्थारमञ्जेत अवसी विज्ञाल गरह, द्वल अर्य পে'নির বিরুক্তে লৈ খলে গ্রুপ্রেটের বিব ध्हेरात काल काल्या सम्बद्धाः स्था वाहेटखटक स्था। াতিন নিজে সভা জান করিয়া লিখেন হৃণতে যদি গ্ৰণ্মেট বিবক্ত হন, ভবে এবি ংকিংসেনং ২ইবে ডংহা ডিনে জংনেন ন` হ অবস্থায় ভিনি *উচিত* সে**হ্ফারে ভাপনা**র का कर्म कर्तार उन्हार गर्द गर्दन, अध्वत्र अक्र পাকরিডে চাহিয়াছেন। আহা সর রিচাউ ϳ প্ৰস্থা ভারতবটো এবং পঞ্বী শাগন গণ পঞ্চাবে কারস্বাছেন ও করিভেছেন भोटकत कारा विभटनटम कविटक **घाटका**। ্পক্ষী এক যেও শাবককে (ছাঁ মারিত্র) গু গোল , ডক্ষেশ্মে এক কাক এক বুঙ্গ ণর উপরে ছোঁ মাবাতে অটেকাইয়া প ড়ল: শংহ্যের শাসনের প্রারম্ভে এতংক্ষণীয় সর্ক্ ংবলেশ সহিত এরশে বিক্লেট ইটা এটা অংডি **इट्ट**ंड्र दिवस् ।

দ্ব স্থাকোড নগ কোট বেছাই স্থিত শাখা দশীর ব্যাহ্ম উঠাইয়া দিবাব মান্দ করিয়া-া বঙ্গদেশীয় ব্যাহ্মের শাখানারা যদি কাজ ভবে আমধা এক বৃহৎ স্বাচন্ত্র ব্যাহ্ম করিয়া বৃদ্ধি করিবার কোন কারণ দেখি

ছরণনামক যে ছবাত্মা অংগরার নিকটে

একটা ভারতক্ষীর জীলোকের সভীত ভঞ্চন কনিবার চেষ্ঠা পাওয়াতে ঐ দ্রীলোক শকট क्ट्रेट लक्क निम्ना পण्डिक क्ट्रिया প্রাণভাগে **क**ट्रिन. ভাহার কঠিন পরিশ্রমের সহিত ট্রৎসর মেরাদ চটয়াচে। এবংশ্কি প্রথমত: কাঁহার ভা**কু**রকে বরে ভংপরে তাহাকে ধরিতে अ≉हेक स्म⊹ ষাইবাচে তিনি লক্ষ দিয়াছিলেন। বলাৎকার হয় নাই, স্তুত্তবাং স্বাক্তাবিক লাভা-শীলভার বিজ্ঞ কাজ ও বলপ্রকাশের অপরাদের বিচাব ইয়া। জুরি অসপরাধীর ছুই জন ইউরে।-পীয় সহচণের কথা ভবিশ্বাস করিয়া মৃত্তন্ত্রী লোকের ভাস্তবের কথার উপরে নির্ভা করিয়া দেখি বলেন। প্রধান বিচারপতি ম'র্গাণ ভাষা কে পুর্ফেলিজ্য মেয়াদ দিবার সময়ে আংক্ষেপ করি सार्फन, यनि कीकात क्षत्रका श्रीकिक काहा इंडेटन তিমি ভাহ'কে উত্মরূপে প্রচার কবিবার আজো भिटलन, এই क्रुविहारत मकालहे मन्न्हे रहेरवन। व्यामान्द्रिमय विष्ठात्रभक्ति माक्कांभरूमय सिकस्ट হ**ইলে জ**ংশংকল! হইত ৺ অপরাণী ভূমি অব∹ শটে জানিতে না, যে ভোমার কার্যভারা এমত ছয়টনা হউবে। ভূমি বিজ্ঞাপ করিবাব নিমিত্ত স্থীলোকটীর হস্ত ধাবণ করিয়াছিলে ভালা আনমা ব বোধ হইভেছে। তথাপি এতক্ষেশীর স্ত্রী (लाहकर इन्क्रवांत्रण कवा काञ्चित्र है । ভোষার বিনা আনমে ছই সপ্তাহ মেয়াল হইল : "

জামরা জাক্লানিত হইয়া প্রকাশ করিতেছি,
কলিকাভার পুলিব কমিসনর এক জন এতাদে
শীর লারগাকে ইনস্পেটরের পদ দিয়াছেন।
এক্ষণে ধেনকল নীচ প্রেমির ইউরোপীয় এন
কল পদে আছে ভালানিগকে পর্যা দিয়া না
কলান যায় এমত কাজে নাই। হল সাহেব যদি
ইহাদিলের শঠতা দেখিতে চাকেন ত জনার দে
দেখান যাইতে পারে। ইউরোপীয়লন দোম
করিলে ইহারা জনেক স্থলে জানিয়াও ধবে না
মধ্যে মধ্যে মফ্রল হইতে নারাহন্দীন তেওয়া
নির নাায় ছই এক জনকে জানিলে যধার্থ কা
হইবে।

ভেলিমিউন বলেন, এক জন ইউরোপীয় কনপ্রেক আপনার কর্ত্তরা কর্মনা করিয়া এক টা নিমুখ্রে নির হোটেলে সুবাপান করাতে পুলিব কমিসনর ভাষাকে পদচ্যুত করিয়াছেন। ইয়ারা জাপনারা লোফার গলেফার দেখিয়া চুপ করিয়া থাকিতে পারে না। শুগাল নীলেব জালায় পড়িয়া আকর্যা ছল। জনগ্রান্ত জনা আন্দেগাল বগর চীৎকার করিয়া উঠিল তথ্য আর ক্ষান্ত থাকিতে পারি ক্রা

আমরা সর্কান কলিকাভার ঠিকাগাড়ী
প্রীর আফিনের কর্মচারীদিগ্রের অভ্যা
কথা শুনিছে পাই। রেজিপ্রীর করিছে
প্রায় কেবই নিয়মিত পায়সা দিয়া জা
পারে না সম্প্রতি কতগুলি গাড়ে রান
কমিসনতের নিকটে নালীশ করিয়াছে
ক্রম কিরিকি কেবাণীর নিকটে পূর্মকার
না পাওয়াতে এক জন গাড়েছারান ভা
আর ভাড়া দিতে চাহে নাই; ইহাতে জ
ভাহাকে প্রহার করিয়া ভাহার ও ভাহার
বেশীদিগের টিকেই কাজিয়া লইয়াছে।
র নালীশ এক বার রেজিন্টার চিকের ব
ইট্যাছিল। ফিরিজিদিগকে কোন প্র

এক ব্যক্তি পঞ্চাবের লেপ্টন্ট গব ভোনালত মাকলিয়াছের নামে ছই লক পাইবেন বলিয়া নালীল করিয়াছেন। লে গবরি ইইবার পূর্মে ভিনি এই টাকা করিয়াছিলেন। সর ধেনরি রিট্ আক্ষেপ করিয়া বলিয়াছেন, একণে বি য়ানগব ৩৭ বংশর কথা করিয়া পরিমিত্ত করিয়াও এক লক্ষ টাকা ক্ষমাইয়া অদেশে গমন করিছে পারেন না। ঘদি একাপ হইং ভোনালত মাকলিয়ত যখন কর্জ্জ করেন-এই ছই লক্ষ টাকা ক্ষিত্রণে পরিশোধ স্থ ত্রে ক্রিয়াভিলেন?

সম্প্রতি মাজাতের বন্দরের কার্র উপরে একথানি জাহাজ বাড়াবেরে নী রাতে গড়াটর অধিকাংশ ভার হেরাছে নেমিত অন্য অন্য জাহাজ হইতে প্রবাদি ইবার অভিশয় কন্ত হইরাছে। এই প্রান্তে প্রায় ১২ লাফ টাকা ব্যয় হইয়াছি

এরপ জনক্রতি নেইন সংহেব জ গ্রীপ্রকালে ইংলন্ডে গ্রমন করিয়া আধার কালে আগম্ব করিবেন। এ প্রকার বড় সুখের। প্রধান শাস্ত্রকারী থকাইবিট উদাসীন ইইলে নিয়ন্তর কর্মিছা রগতে উনাসং হইবে, ভাগা আগ্রামীর বিনাম না

১৫ দিবল গৃধীর পর আক্র চারি দিব নক গ্রীলা বাড়িয়াতে। এতরি।ক্রন কয়ে ইউরোপীয় প্রাণতনাগ কনিয়াছেন। লা তাপনানে ১০৫ ডিগ্রি পারা উঠিরাছে। ব একক্ষীয় ও ইউরোপীয় সম্পিন্মী প্রাণত্যাগ করিডেছেন। এবার গ্রীক্ষকারে ও বর্ষাকালে গ্রীক্ষ, এই এক স্বাভূপরিবর্ত্ত

ডেলিনিউদের এক জন পত্রপ্রেরক ইইতে লিখিয়াছেন, তথায় ছই স্প্রাহকার , छ এব॰ ছ क्रिक हर्देवीय अञ्चाबना।

हिन्द्रतक्षिका वटलन, "कर्यक **पिवन स्वि**र ।বর্ড রুশ্টি হওয়ায় গম। পপগুলি কর্মন কলু ह ब्हेग्रा प्राथा हिलात समस्यासम्बद्धाः विका-্রেশকর হইরাছে। **আহার্য দ্র**াসকল । ल इन्हेश डेटिशाइ । अधाद क्रम मिन मिन 'ড এইটা ডানবাসীদিলের **প্লাবনাশক্ষা সুদ্ধি** (775 12

অমুত্র:জার পত্রিকা ব্লেন, '' এ কংঞ্লে ' पुष्ठे मुल्लाहकाल अनवज्ञात दृष्टि वहेर्टान्डाहा ভাগ লাধুনী,ভে গানের কতক ক্ষতি ইই-ে, সিলেন জমীর জানকাংশে আলে) ধানেব न ४३८७८५ मा ।

ু: ই আবাদ মঙ্গলবার ।

সাওটিইড দীপ্রমূচের ছই স্থানে ভয়ানক কেকণ ও অংগুংপোত হইয়াছে ৷ ২৭এ মাচ লোরা পর্নত হইতে অংগি বাহির হইতে ক। পর দিবস এক শন্ত বার ভূমিকম্প হয়। পরে ছেই সপ্তাহ মধ্যে; ২০০০ বার কম্প ২ই ছল। ওয়েশকিনাতে পুণিবী অনেক স্থানে চ হইয়া যায়। একটা সমুদ্র হইতে একটা ভর্ক कुठे द्धिक बहेब्रा श्राप्त काधरणाम्रा भय भर्ग, रू সিয়া রুহৎ রুহৎ নারেকেল রুক্পর্যন্তে বিভ করে ইঙাভে জনেক বাটী ও কীবন হয়, এক বার ভূ.মক'প হওয়াতে বাটী ও জাসকল পতিত হইল। সর্বতিত প্রায় ১০০ াও এক সহত্র অধ্ও গোমহিষ্থাণ াকরিয়াছে। আথেয় পঞ্চ হইতে জ্ব'গ্ন র ও গলিভ গন্ধক বাহির হইয়া প্রায়ী ভিন শপর্যান্ত প্রতিষ্টিকায় গাঁচ ক্রোশ ক্রত ীএক নদীত্ইয়া সমুদ্রে পভিড হয়। এই নীদীঘোডিন কোৰ ছেব। এক কোৰ ধি একটী কুতন সহরে ২ইয়াপ্রায় ১০০০ উক্তেল্মিও গলক নি।ক্তা হয়। ইংরে ে ২৫ কোশ হইডে দেখ। গিয়াঙি अरबन किनाब छेपकृष इहेर अब धार (मण् শ দুরে সমুদ্রমধ্যে হঠাৎ এক ত্রিকোণ

। ষ্ট্য়া আমি নিকেপ করিতে লাগিল। ৷ এতেল সমাপেকা ভয়ানক ছুমিকপ ৷ পুথিবী এপ্রকার দোলায়মান হইতে । যে, কোন ব্যক্তি স্থির হইয়া দণ্ডায়মান তে পারেন নাই। এই একার ক**ন্স হই**তেছে

ত সময়েপুথবীফলীত হইয়া লোহিত বৰ্ণ ক। নিকেশ করিতে লাগিল। সন্ম ক্ষাত ा कट्टक (कोम्भर्ग) **छ** नोहिन स्ट्रेश शिवार्।

ত সুষ্টি হওয়াতে শসং এক কালে নষ্ট হই ছিল। এখনকার লোকের অভিশয় কষ্ট হওয়া-एक कार्टम दिल्ला ६३८७ माश्य, याहेर ७८७।

> पूर्त राष्ट्रांमात (त्रमश्रप्त (काष्ट्रावित अर्घने a••• ष्टेकांत्र मार्वि मिया विश्वरणिहि स्टिंब नाटम लाहेरवरमञ्ज्ञालिस क वृश्वारह्य। मकम्ब्रमानी क्षरा নক্তৰ বিচারালয়ের আদিম বিভাগে হইবে, সামরা এটা ঈশ্ববকুত কার্য্য বিবেচনা করিতেছি। याहा (अ नारक्टब्य शवर्गरमन्त्रे कश्चिमनदावा প্রকাশিত করিতে ভর পাইরাছেন : প্রকাশ, विष्ठातालाय जाना नानाल्य । होरव । (अ नारह्बरक অবশ ই ৰাকী ম: মিতে হইবে।

> কলিকাভার লাইদের। রাজধনীর উভয় বিভাগে ক্লার্ক সাহেবের ড্রেণ করিছে চলত্র कतिशास्त्रम, भीख हेशत छ हजा ७ व्यक्ती हेला বিবেচনার্প সভা হইবে। ইভিম্ধের নগরহাসি शंग कोर्रापन कतिहार्टन, मिक्न विভारित ध ভেব হইয়াছে ভাহার পরীকানা করিয়া যেন মুক্তন ডেুণ আরম্ভ কর। হয়না: এ প্রার্থনা অবভিশয় যুক্তিসিছ।

> हे. ध्रमान नवालक अर्भनम अहिक्कारी क्रिएतत (मरकरल इव शून तीद्र परिद्रा विलयार**ङ**= কণ্ডেক জ্ঞান বংতীত এতদেনশীয় ৰশাচণ্ট্ৰীমা-ক্ৰেই উৎ কোচনাহী। পঞ্জাবে ইহা হইডে পারে কারণ তথায় ইংরাজ কশ্মচারিগণই ভাঁহাদিগের आप्तर्भ इंडेग्र १८६० । कि ख कार कार कार कार के हा-বরং বিপ**ীত। অচি** হ্লাড কর্মে যাত ইউবোপীয় ও ফিরিজ আছেন ইর্লিগের মধ্যে শতকর। ৯০ জন উংকোচগ্রাহী। এক জান আনচিছিড কালেক্টঃমাণিক ৭০০ টাকা বেওঁন পাৰ, কিন্তু হাধার বাসীভাড়। ৩০০ টাকা দিভে হয় 3 : ৫ मि अर्थ अर्क शवर छई वर्गतः र ख इरलर्छ त्रमम कर्रम। এ वर्ष किर्म हर्म। छेररकोह मध् .ক ভক কবিলে ইউবোপীয়গণ হারিবেন মাত্র।

> কলিকাভাৰ প্ৰধান মাজিকেট ব্ৰাহ্মন সাহেব ওকালাত কার্বেম। ভল্লিমিত রবাটন সাহেব প্রধান মাজিক্টেট এবং মিলার সাহের নামক এক তন মুডন বারিষ্টাউত্তর বিভাগের মাজিটেট इहेट्डिट्डन। यथन এडटलनी ब्र खाय'न खडा दाखा গণ্শগ্রনগরের হতগ্রকাণ্ডের অমনুবল্ল করি তে পারেন, তখন আপীল্গীন মক্দমা করি বেন ভাগার বিভিন্ন কি ? কি ল এ পদ কোন এতদ্বেণীয়কে দিলে ভাল হইত না ?

টাইমদ অব ই:ওয়া বলেন অবিসিমিয়ার যুদ্ধনিবন্ধন ভয় কোটি টাকা ব্যয় কইয়াছে। इंश्नटकृत (लाटक्ता 'छेक्नंगर्टा हा।बंदकारि श्चित्र करिश्चादृष्टम । स्थिमद्वालि माह्य देश देश क तुर्दर्द्भा । এयन्ड व्यवद्वात व्यामानिर्धित व्याम স্কা হইভেছে পাছে ছই কোটি টাকা আমাদিগের ऋरस (किनिश्चा (म छन्ना इन्न ।

বঙ্গালীয় গ্রথমেট কলিকভার বেখুন वः लिका विकासमानिक की किमान विमानम कात চেছেন। এখানে বিকরে**র**ীগণ বাদ্যানও

भारेटन । जाउँ रुजन म'रहरदत जनीनक তে এউদেশীয় কমিট পদ ডাগে করিয়া ১২ ই আৰাচ বুধবার ঃ

ভুটানে পুনর্মার গুরুত্ব হইবার সন্ত इ**देशारह। मर्फार**बं ७० छन्टक (प्रवेशास নীত করিয়াছেন। উৎস্থাপনলে। ইহাতে न्त्रां हरेब्रा व लिब्राह्म , विधारक जिलि हे ব্যবহার ধর্মারাজকে সমুখায় ভূটানের ক कतिरस्य। (अयःकाः हुनेस्यत्र मानित्रमाः वाद्र (५४) त कार्ट्डन ।

যেদকল যাত্রী প্রতিবংশরাজে মিকার करत्रम. डींशामिर्जन चःश्वतकार्थ पुत्रक्र ज এক কমিস্ব নিযুক্ত করিয়াছেন: স ৯ জন চিকিংসক আংকৰে জাসভেৱেন, য ञ्चात्म ञ्चारम भाकित्यम । এती छेल्लम ६३: কৈন্ত আমর: ভারতবর্ধীয় য'ক্রীদিগের বৰ্মদা আৰণ করি, ভুগত্ত কর্মচারিগণ স (शब निकाष्ट्रे विश्वः), व्यर्भ (भाषन कार्यन, प मञ्च-मिराव अङ्गेष्ठा रहत क कथा माई। अ পুলভানের গ্রুথমেন্টের :গাচর করা কর্ম্বর

(বাধাই গেপেছটের কাবুলস্থিত भाउ। वरमन, काबुरमद मिक्टो का क्रिय ৩০০০ মাত্র দৈনঃ আলাচ কিন্তুলিয় के क्षेत्र देशमा प्रदेशी २०,००० इकेट वटका আহালি খাঁ আনাবোগলোভ করিয়া কাক এক দ্ববার করিবেন : ইছার পর আরাকু কারুলের দিকে অগ্রসর হইবেন। আফিম কুত স্বিপ্রস্থাব করাখা হইয়াছে। ম রহ্মন খাঁশ করেকটা ক্ষুদ্র যুদ্ধে পরাজিত য হেন। আনজিম খারে জভগচার সমান রহি। কাবুলস্থিত কতকগুলি ভারতব্বীয় ব निकष्ठे इंडेएफ डि.न (४२४ व ट्रीक) सहस्र १८५०

हेन्द्र धकान राजन, फाउन्द्र काद्वादार শিব অস্থেকর ইংলতে গিয়া আংসিষ্টাউ স इहेश हिट्टिक कार्य, सियुक्त इहेस्रार्डन।

অসমরা অংক্রানিড চইয়া প্রকাশ**া**করিয় कामीय करवृक्त स्वय असरनाक '' बाउकार से नामक এक नाहै। डिन्द्र्य प्रका कतिशा বাতু শিবল্লাদ সভাপতি এবং বাৰু নাবায়ণ সিংগ্ৰহপ'লক ও বাবু ছবিশচক্ত সংকারী সম্পাদক হইয়াচেন। প্রাচীন ব নায় নাটকের অভিনয় কৰা ইছাদিলের প প্রেড: ক্রমে বাই ও (খনটা নাচের ক্র **御はべ(本)**

গতকল্য কলিকান্তার জষ্টিসেরা আর অবিবেচনার কাজ করিয়াচেন। ক্লাকি সাং পীয় বিভাগে যে পর্যন্তে প্রস্তুত হইরাছে, প্রীকানাকরিয়াভার অন্নভা ডে্ণ রামর্শসিক্ষ নয়, এটা সকলেরই মতে ইইয়া এতদেশীর করপ্রদায়ীরা এই নিমিত। ন করিয়াছিলেন, ডাক্তর মৌএই এক র্ণ পত্র লিখিয়া বলিয়াছিলেন, ডেবুণে লাকের পীড়া আরও অধিক ইইবে। উরোপীয় জার্কিনলিগের সংখ্যা অধিক তে কল; এডকেখীয় সভ্যদিগের কথা ্ত্ইরাছে। কয়েক লক টাকা পুনর্কার ংইতে চ.লাস। ইহাতে সপ্রমাণ করিতেছে ন জ্ঞানিসভা নিভাস্ত অকর্মণ্য। নগরের विरवहनाम अधिन गरनामी छ मा कहिरल ান কাজই হইবে না, ভাছার অপের প্রমাণ

!त्र उनसीं ब्र शवर्ग (यः हे आया क्या हिम्रार हन, २० র নীচের বেভনভোগী যেদকল ভুতঃ স্থক नाधन कविएक शिक्षा रेन्बार व्यान श्वाहेरव দিগের পরিবারবর্গকে পেন্সন দিবার ক্ষিত। সানীয় গ্রণ্মেউসমূহের হজে বে।এবিষয়ে গবর্ণর জেনরশের সম্মতি র আবেশ্কতা নাই। তবে **ছয়মান প**রে ৰল পেলমের এক তালিকা প্রেরণ করিছে।

।क इहेर डर्ड मा।

'রাণতের সহকারী মাজিকেট 🐧 এচ, ক্লার্ক 🛚 ব দেন দিন প্রজার আধিক ভর প্রিয় ইইডে ্এই সদাশয় কর্মচারী সাধারণের উপ ভিন্ন ব কিছুই ভানেন ন)। এ সহকে যে তেঁটোর পাহায্যদান আৰশ্যক তাহাতে পরাভমুখ হন না। ক্লার্ক সাহেব আ'মের হত যাবভীয় বাস্তা ও সলি পাকা করিয়া । প্রালক ভয়াক বিভাগের চুরির যেসকল র আছে, ভাষা ইহার নিকটে সকল হয় সংস্তি ছই এক জন চুরি করিছে গিয়া হইয়া উচিত দও পাইয়াছে। সম্প্রতি! লডের মোক্তার ও উকীলদিগের নিমিন্ত ারী মাজিকেট এক পাকাষৰ করিয়া দিতে । গ্রণ্মেটের যে সকল রুক্ষ কড়ে প্রিড ভাগ বিক্রু করিয়াযে টাকা উঠিয়াছে, রাগৃংটী নিশিষত **হইবে। একটা আই**ন

ালয় করিলে ভাল হয়। বারাসভের ভর

ও মংসেরে বাজার পুর্ফের মাঠে হইজ,

সাহেব আপাতভঃ একথানি বুছ্ং জটি

াকরিয়া দিয়াছেন; এটাও পাক। করা

ার অভিপ্রেড, কিন্তু গ্রব্দেন্ট টাক। দিল্ডে

ধে অপরিমিত টাকা বার হয়, তাহাতে। প্রতিজ্ঞ হইলে কত কাজ করিতে পারেন, ফ্রার্ক : উঠ হইয়াছে। রাজার বুদ্ধি মার্জিত নহে। গ সাহেব ভাগার দৃষ্টান্ত।

১৩ ই আষাচ বৃহস্পতিবার।

श्रीमण्डिक कारमस्यद्भ व्यथ्यानक कारक्षम ই, আর, আইব্স বারাকপুরের লেপ্টনাণ্ট মের জীর সহিত ব্যক্তিচারদোবে পলপ্ত ইওয়াতে বারাকপুরের কান্টোন্মেন্ট মাজিক্টেট ভাঁথাকে প্রধানতম বিচারালয়ের সেগিয়নে সমর্থণ করি ग्राट्डन । এ मकक्ष्मानी वक्ष कारिकत स्ट्रेटन (वाप **१३८७८**ए।

বারাকপুষ অবধি ছাকাপর্য,স্ত আর এক প্রেণি ভার পাতা হইবে।

আমরা একটা ভয়ানক জনরব প্রবণ করি লাম। জগরাথকেত্রের প্রায় ৫০০ যাত্রী জলপ্পা বননিবন্ধন ক্যুলাঘাটে(প্রাণভগ্রাপ করিরাছেন। (वा गारहर कि देशांत अञ्चलकाम कविरवन हमा मिश्राक्या विश्वा हुन कतिया शक्तित्व ?

किigक कर्षात्राशीमिटशत विमारशत निष्नमावनि श्रक्तांबिक इहेग्रार्छ । क्रमुमान्न कार्मःकारमत **मर्**यः ছত্ম বংগর বিদায় দেওয়া হইবে, অমর্থাৎ চারি বংগরাজে এক বংগর বিদায়ের নিয়ম হইয়াছে , কিন্তু প্রথমবার আটিবংসর কাজ্মা করিলে विनाय (पश्या रहेरव ना। अधन এक कारल ছুই বংসর দেওয়া হইবে। পীড়া হইলে অভি ब्रिक विगासित भएक शिन इंडेरव ना। भिविलि ब्राप्तिका यथेन এই श्रकांत विनास ट्यांन कतिरुत्ते. ভখন আর্দ্ধেক বেভন পাইবেন। ভাঁহাদিগের भम् अन्द्रागमरमेत भत्र भाष्ट्रिक भातिर्वम । ইহাভিম চিহ্নিত কর্মচারিমাত্রে ভারতবর্ষে থাকিয়া বৎসরাস্তে এক মাদের বিদায় পাইবেন। **इहारिक कार्य:कार्यात किम औश्रामत अकार्य** কর্মচারিগণের বিদায় হইতেছে। এ দেশে ক্রমে যত করবৃদ্ধি হইবে ততই কর্মচারিদিগের সুবিগং

যোধপুরের উজীর মহম্মন খা হত হওয়াতে রাজা তদীয় বঠবর্ষীয় পুত্রকে মন্ত্রী করিয়াছেন।

কাল চলিবে। এই দোবেই ভ এতদ্দেশীয় রাজ্যেকল ছার খার হইরাছে (

সিন্ধিয়ান আক্লেপ করিয়াছেন, তথার ভরা নক জীকা হই নাডে গ্লোন ব্যুদ্দ এনত জীকা कथन । स्थल नाई । এक पिरुप्त १५ व्यन ইউরোপীয় বৈনিক সর্দিগর্মি হইয়া প্রাণভ্যার করিয়াছের। এখানে আমর। এীআনিবন্ধন নিদ্রা গুণ বর্ণনা করিয়া বলিয়াছেন, উপযুক্ত ভ যাইতে পারিতেটি ন।

সম্প্রতি মাড়োয়ারের রাজা ভূমির কর্ত্তি করিবার যে নিয়ম হইয়াছে, তণ্ডুলারে ও চনত্ন। এক জন স্নাশ্র ব্যক্তি দুচু করিবার চেষ্টা পাওয়াতে লোকে অভিশ্য জ্বস

সমূহের রাস্থাঘাটপ্রভৃতির উম্ভির নি প্রথমতঃ মিউনিসিপাল কর স্থাপন করন। আলায় হইবামাত্র পুলিবের বেতন ইহু৮ হই अमान कक्षन । अक्षे । छात्र (भन । भरत त्रार নিমিত্ত পুথক্ ভূমির কর করণন। ভাহার বিদ্যালিকার নামে আবার করএইণ কর এक (न (य है। का स्थानाय इंडेटल एक, लांश ना অক্ষেদ্য ডাইবে।

खार्'नागरिन छल दावन क्रेग्राटकः। का क्ल प्रतिपूर्व। क्रमत्रव छिष्ठिशाद्य, महानमीत्र व ভালিয়া কটক প্লাবিত হইয়াছে।

পুর্বিয়া হইতে সংবাদ আসিয়াছে, ত বৃষ্টিনিবন্ধন বরং উপকার হইয়াছে। শং উত্তম অবস্থা 🕫 চাউল সস্তা।

লগুনস্থ পালমাল গেজেট বলেন, 🕆 প্. ভারতবর্ষের (বোধাই ক্ষঞ্লের) লো(শীঅ বিটেশ জাভির সাধুডাবিষয়ক মত वर्ड रहेरवा वाबाहे वरारक्षत (मर्डेनिया व्य निवक्त छ। हानिर्भक्ष मध्य विष्यु मध्य ह য়াছে : এক্ষণে গড় মেইলে আর এক বি ঘাতকভার সমাধার আসিয়াছে। এক জন মৃত্যুকালে কাথিড়ালের অছিদিগের হস্তে ठाका भिष्ना थान । ঐ ठाका विक्रांत्रिकात नि (मञ्जा इप्र । किन्न विम्तानान ना कृतियः व्या আপনাদিগের গিরজার সংস্কার ও শে সম্পাদন করিয়াছেনঃ কতকগুলি কম্পিটি ওয়ালাও বৈনিক আফিসর আচান করেন, বর্গ চর্মান্ড্রাপিত ভারতবর্ণীয়দিগের প্রতি যে व (वह द कक्षा याहेटल शारत । (यनकन हेंद (बाबाहरम् चार्डन, उँ।हाताड कि हेहा प য়াছেন ? "কেবল বোঘাই কেন, ভারতব क्षिकाश्य देश्ताङक এ कथा क्रिकाम। ।।ইতে প'রে।

১৪ আবাঢ় গুকুবার !

সম্রতি লেপ্টনন্ট গবর্ণর রঙ্গপুরের 🖰 कथाश्च बावहात कारल প্রতিনিধিছার। জজ বাবু নরোত্তম মলিচকর বিষয়ে লিছি ছেন, উক্ত কর্মচারী যেপ্রকার বিচার ক থাকেন, ভাষাতে ভাঁগাকে চিঞ্চিত জল্জা তুল্যবলা যাইতে পারে। উক্ত ছেলায় সম্প্রতি কিছু দিনের নিমিত বিদায় লও নরোভ্য বাবু জভোর ন্যায় দেওয়ানী মং नकरलत विष्ठात कि तिहार हम । (अ नार्क्य হিত কর্মচারীদিগকে সিবিল সার্দ্ধিনে (क्नांत क्रांक्रन श्रेष (म्बत्र) क्रिक्रा । शनर्वन ই পর টেটদেকেটারির নিকটে প্রেরণ ক অসমত হইয়াছেন। সর জন লরেন্স বলেন, ইত ক্ষেট্রিনিসের উন্নতির প্রস্তাব মহাস করা হইয়াছে। অভারব প্রে সাহেবের ব তেরণ করিবার আধশ্যকতা নাই। এ উপযুক্ত কর্মচারীর সিবিলিয়ান্দিসের পদ হয়, এটা সর জন লরেন্সের ভাল

রম'ন সপ্তাহে গ্রীম্মাজিশয় নিবন্ধন কলিচারিজন ইউবোপীয়ের মৃত্যু হইয়াছে।
একাভার বিনিক সমাজ ভারতবর্ষীর সভার
একবাক্য হইয়া উত্তর বিভাগে ড্রেশ বন্ধ
বি নিমিত্র লেপ্টনন্ট গ্রণরের নিকটে

়-ই হাৰ'চ শনিবার।

त्रात्रा व्याङ्गामिष्ठ क्हेलाम, हेखिशान, িন্টুস গ্ৰহ্মেটের ব্রহান ধর্মসংক্রাস্থ িতর পুনর্বার প্রতিবাদ করিয়াছেন। উক্ত বলেন 'কোমাদিতের রাজনীভিজ্ঞান গ্র প্রি বিদ্যালয়সমূচের হিন্দু ও মুস্পমান দিগকে বাইবল।শক্ষা দিতেছেন মা বটে। ভাঁহাদিকের দত্ত অর্থ হইতে খুস্টীয় পুরে৷ ও গিরজাসকলের বর্ষ লইতেছেন।গব অবাপাডভঃ যেপ্রকার অন্ধিক টাক। বয়ে । ক্রমণঃ গ্রব্নেন্টের সংস্রবে একটা অথ রী ধর্মদক্রধায় কবিতেছেন ভাষা বিচার সমপ্রধালীর একাজ বিক্ছা অভিশীয় াসহকাবে কার্য; করি**তে হইবে** "। এদিন का महब । इंडाभाक्ष्य ए। तकवहर्ष अक्षर्य উপযুক্ত রাজানীতিক নাই।

ফলপুর অংবধি স'গরপর্যতে এক সূভন এয়ে ২ইবার আমাজগাহইয়াছে।

লিকাভার ঠিকাগাড়ী রেজিষ্টরি আফিদের রোণী কয়েক জন গাড়োয়ানকে প্রহার ডেগ্লিদিগের টিকেট কাড়িয়া লইবাছিল,

। দশ টাক। জারিমানং জইয়াছে।

ভ্রন্থতি মূল্যে গ্রেণ্ডের **কাগজ** ভ্রেণ্ডেছে।

কার সৈকা ৯২॥ - — ৯৪॥ •

* কোম্পানির ৯৪॥ • — ৯৫

পার্নিক ওরাক . ১ • ৫॥ • — ১ • ৬

" .কা

» ব্যাং

ইউরোপীয় সমাচার ৷

ঁ পাঁওন ১৩ই জুন। গাড রাব্রিতে স্মলেট সাংহ্বের প্রশ্নের প্রত্যুত্তরস্ক্রণ সর স্থাকোট নর্থকোট বলিয়াছেন, বোরাইস্থিত শাখা বজনে শীয় ব্যাক্ষ উঠাইবার নিমিত্ত অবিলয়ে আজ্ঞা দেওয়া হইবে।

সিলেই কমিটির প্রস্তাব'লুসারে সীমার বিল বিধিবদ্ধ ক্ট্রাছে। ১৫ টী চক্রবাড়ের সীমা ক্ষরাহত রহিয়াছে।

শীয় রেজিষ্টরি করিবার নিমিত মন্ত্রিবর্গ এক বিল অর্পণ করিয়াছেন। এতদ্বারা আগগামী ডিসেম্বরের প্রারক্ষে মুক্তন মহাসভা সমবেত হইবে:

রাজনীতিসংক্রাপ্ত বিদ্যেনিবন্ধন রাজকুমার মাইকেলকে বধ করা হয় নাই। আপেডভঃ শাসন করিবার নিমিত কয়েক জন নিযুক্ত হইয়াছেন। দেশে শাস্তি রহিয়াছে।

সারাওয়'কের ভূতপূর্দা রাজা জেন্স ক্রের মৃত্যু ইইয়াছে ।

১১ই জুন দিবদের এক টেলিগ্রাফ এয়াসি ভটন ংইতে আসিয়াছে। ইহা ভারা জানা যাই ভেছে, সভাপতি মহাসভার সন্মতি অনুসারে রেবাড জনসন সাংহ্বেকে ইংলওস্থিত দৃত নিযুক্ত করিয়াছেন।

১৪ই জুন। ভারতবর্ষর শাস্মপ্রণালীর উমতিযাধনার্থ যে কমিটি সর স্থাফোট নর্থকো কর ছারোট নর্থকো কর ছারোট নর্থকো কর ছারে লাক্তর হর, তাহাদিগের রিপোট প্রকাশিত হইয়াছে। রিপোটের তারিখ গত নবেষর হইতেছে। সর বাটল জিয়ার ও আরবখনট সাহেব জন্য জন্য সভাের বিরুদ্ধ মত দিয়াছেন; রিপোটে প্রভাব করা হইয়ছে, বঙ্গদেশ যেমন আছে সেই প্রকার লেপটনন্ট গবেণরের জাগীনে থাকুক; কিন্তু ব্যব্দাপক সভার প্রয়োজন নাই। কলিকাভায় একটা ব্যবস্থাপক সভা থাকিলেই বথেষ্ট হইবে। কলিকাভা রাজধানী থাকুক, এই প্রস্তাবে তাহা বলা হইয়াছে। কমিটি বলেন সিমলাতে মধ্যে মধ্যে রাজধানী লইয়া যাওয়াতে সাধার গের অস্থপকার হইতেছে।

আহি সিনিয়া হইতে আগত।

বোধাই ১৯ এ জুন। ৯ জুলাই সর রাবাটি নেপিয়র জলা হাতে ইংলতে গমন করিবেন। যে একটা মাত্র রেজিমেন্ট এপর্যন্তে আবিসিনি য়াতে আছে তাহা ১১ ই জুলাইরে জাহাজে আনোহণ করিবে। তুরক সৈন্যাণ বর্যাকালপর্যন্ত দ্রব্য সকলের প্রহরিকার্য্য করিবে। যে জাহা জে সর রবাটি নেপিয়রের মাগদালাগ্রহণঘটিত প্রস্বকল যাইভেছিল, লোহিত সমুদ্রে চড়ায় বাঁধায়ে পত্রগুলি বিল্লে প্রছিয়া

শশুন ১৭ ই জুন। রাজ্ঞীর বিশেষ জালারে থিওডোরের পুনকে ইংলপ্তে জালারের নিমিত এক জান মৃতকে প্রেরণ হইয়াছে। নর রবার নিমিত এক জান মৃতকে প্রেরণ হইয়াছে। নরাক্ষো শিয়া ব ডার সহিত একত্রিত ইইতে অসম্মত হও জার সহিত একত্রিত ইইতে অসম্মত হও জারতার লোকদিগের অসম্ভোষ লাইয়া হাউলক্ষকে তক হইয়া গিয়াছে। রাইট সাথে বিষয়ের অনুসন্ধানাপ এক কমিটি নিযুক্ত বার প্রস্তাব করেন কিন্ত ইহা জাগ্রাহ্য ইইয়াজাইরিশ রিকরাম বিশ গ্রাহ্য ইইয়াজাইরিশ রিকরাম বিশ গ্রাহ্য ইইয়াজাইরিশ রিকরাম বিশ গ্রাহ্য ইর্যাছে। প্রতিনিধি সমানিতের স্থানের পুনবদ্ধের সকলের এক মৃত হয় নাই। এ তর্ক রহিয়াছে। গ্রহণ্ডেন ও বিষয়ে পুনর্বার প্রাক্ষিত নিযুক্ত বার গ্রহণ সকলের এক মৃত হয় নাই। এ তর্ক রহিয়াছে। গ্রহণ্ডেন ও বিষয়ে পুনর্বার প্রাক্ষিত নিয়াছে। গ্রহণ্ডেন ও বিষয়ে পুনর্বার প্রাক্ষিত নিয়াছেন।

ভারতবর্ষের ভবিষ্য শাসন প্রণালীর বিলা ১৫ ই রাজিতে পুনর্কাব পঠিত ছোও আয়ারটন সাধেব ও কর্ণেল পুর্বেষ কিছু বলিয়াছিলেন।

ভূতন রেজিষ্টারি প্রচার বিল ্ছি নীয় পঠিত হইয়া দিলেক কমিটির হস্তে শ্রপ্রি য়াছে। রাজী চারল্য পেরি হবহাউদ বকে কলিকাভার প্রধানতম বিচারালয়ের ভর বিচারপতি নিযুক্ত করিয়াছেন।

প্রকাশ পাইয়াছে, বড়বন্ত ভারা সার রাজকুমার মাইকেলকে বধ করা ইইএ এডনিবলন অনেক লোককে হাজতে । ইইয়াছে।

১৮ই জুন । ফরাশী বজেট কমিসনর। রক্ষার প্রকাশিত হইয়াছে । ইহাতে রক্ষার কথা বলা হইয়াছে । ভারত ।র্থ নের ভাকমান্ত্রল বৃদ্ধি করিয়া ফরাশী মা এক বিল বিধিবন্ধ করিয়াছেন।

১৯ এ জান। গত কলা সর রবাট নে সেনাপতি কাঁপানি ও কলাল কামেরণ র উপনীত হইয়াছেন। সর স্থাকেতে নর্থ বলিয়াছেন সর রবাট নেপিয়াথের অন্তুরে সারে সৈন্দিগকে হয় মাসের ভাত। পু দেওয়া হইবে।

আই রশ রিফরম বিল বিধিবজ্ঞ ইইঃ স্ভামনোনীত ভানের পুনর্পদ্যোবদ্তের গ্রেণ্ডেন্ট পরিভাগে করিয়াছেন।

লগুনের কমন কে'লিল সর রবার্ট রে কে আপুনাদিগের ন্যায় লগুনে স্বস্থা ও ২০০ গিনির এক ভলবার উপটে কন মনস্থ ক্রিয়াছেন।

চাটাড মার্কাণ্টিল ব্যাহ্ম গত ছয় মারে করা তিন টাকা লাভপ্রদান করিয়াছেন।

গবর্ণমেন্ট বিজ্ঞাপন লেপ্টনন্টগবর্ণরের আদেশার্গারী

निरशांभ ।

১১ ই জুন। নিম্নাধিত সংকারী পুলিষ রইন্টেণ্ডাণ্টগণ চোরাই লবন প্রস্তুত নিধা র্ব পশ্চালিখিত স্থানে বিশেষ সহকারী পুলিষ রইন্টেণ্ডাণ্ট হইবেনঃ—

আর, এ. ডি, বিগনেল সাছেব বা.লখরে।
নি, ই. এম, ইনিস "কটকে।
১৫ জন। যডাদন লেপ্টনান্ট জে, জার,
নারলি বিলেষ সাধ্যোপলকে স্থানান্ডর
চবেন, ডভদিন এচ, এন, হারিস সাহের বর্দ্ধ।
বর প্রতিনিধি পুলিষ স্থপর্টন্টেণ্ডান্ট ইই

যত দিন জে. এচ, টমসন সাহেৰ বিশেষ ইয়াপলক্ষে স্থানাস্তর থাকিবেন, ভতদিন . এ, ডি, বিগনেল সাহেব বালেশবের চনিধি পুলিষ সুপরইকেউ গুলিউ হইবেন।

যতঃদন মৈলর ভ্রাল্ড, টি, ফেরান সর কিটের্যাপলতে স্থানান্তর থাকেবেন ভ্রুদিন ল্ড, জে, কিলিব সাহেব হাঞারিবাগের চ্যািং পুলিব স্থাবরইন্টেণ্ডান্ট হইবেন।

১৭ ই জুন। ত্রিপুরার মধ্যক্ত জাজ মৌলবী লায়ার আলি তৃতীয় জেনিক হইবেন। ৮ ই জুন। রাট্রে সাহেব দেবগড় উপবি-লার হত্তাত নলার সব আসিষ্টান্ট কমিস্কর। দেবি ভালাল বর্গনার প্রথম জেনিব অধীন লাইটের ক্ষরতা পাইবেন। আপাড়িতঃ

দ্র এ. জে ক্ষেত্র সাকেব সরকারী আপলকে সংনাজের থাকেন ভাঙাদন রাটে হ্র দেবগড়ে খাকিবেন।

পূর্ণিয়ার ডেপুটিমাজিটেট ও ডেপুটি কালে মৌলবী দিলদার হোসেন আহম্মন বি, এ, বৈগঞ্জে বদলী হইয়া মাজিটেটের ক্ষমতা নকরিবেন।

মুর সিদাবাদের ভেপুটী মাজিকেটট ও ভেপুটী লক্টব বাবু কালীচরণ ঘোষ ২৫পরনায় বদলী। চেমাজিকেটের ক্ষমতাচালন করিবেন।

ভাগলপুরের ডেপুটি মাজিটেট ও ডেপুটি লইর মৌলবী ইয়াক নিয়তর শাসনকার্য্যের ম শ্রেণিস্থ হইবেন।

১৯ এ জুন। যভাদিন ভূজীয় জেনির সব সিষ্টাউ সার্জন ভারকানাথ সুখোপাধ্যায় | ায় লইয়া অনুপঞ্জি থাকিবেন ভাজদিন

ভূতীয় প্রেশির সূব আসিষ্টান্ট সার্জ্জন বীরেশ্বর পালিত পাবনার অস্তর্গতি ছলাইয়ের দাতবং চিকিৎসালয়ের ভার পাইবেন।

२ - अ सून। यडिनिन अ, ति, कारधन तार्व विनाय सहैया अञ्चलिख्छ थाकिरवन, छण्डिन लिक्टेनान्डे (स. विकाद स्वातारमद स्वित्तनरद्वद त्रकाती हहैरवन।

ই, বেলিউ, মলোমী সাহেব কটকের প্রতি নি ধ সিধিল ও সেসিয়ন জ্ঞাজের কার্য্যব্যতীত তত্ত্বতা প্রতিনিধি কমিসন্ত্রী করিবেন।

যতাদন জে, এফ, ফিবেল সাহের বিদায় লইরা ক্ষুপাস্থত থাকিবেন, ততাদন মৌলবী ছামি ছান্দন আহমদ গয়ার অত্তপ ত নওয়াদা উপবি ভাগের তার পাইরা সেসিরনে অর্পণ করিবার ফক্দমার প্রথম বিচার করিতে পারিবেন।

নিয়লিখিত ভদ্র লোকেরা হাবভার মিউনি সিপাল কমিস্নর হইবেনঃ—

বাবু ভারাপ্রসর মুখোপাব্যায়।

< कुक्कमन ७३। हार्यः।

ष इत्राह्म भूरवाभाषात्र।

⁷ नन्गरभाभाग हस्यः।

নিয়লেখেড ভদ্র লোকেন্য পশ্চালিখিড স্থানের সব রেজিউার হইবেন ----

জে, ই, বি, জেন্ড্ সাংহ্ব বহরমপুরে।
বারু বিজয়মাধন মুখোপাধারে উট্ছটো।
এল, ভাক্র সাংহ্ব মভিহারিতে।
লেপ্টনান্ট এচ, জে, পিট শিবসাগরে।
এচ, লটনান জনসন সাংহ্ব ক্রফনগরে।
হারলস নমলার সাংহ্ব কিছুদিনের জ্বন্দিকাভার জনাভার পুলিব মাজিটেট হইবেন
হ্ব এ জুন। কুচবিহারের কমিসনরের সহকারী
বাবু দিননাথ মুখোপাধ্যায় ভিতীয় জেনির
অধীন মাজিটেট ও ভেপুটী কালেইরের ক্ষমতা

২০ এ জুন। সহকারী মাজিটেট ও কালে

ইর ডি, ডবলিউ, এম, টেন্টো সাহেব সিরাজ
গঞ্চ উপবিভাগের ভার পাইরা পাবনা ও বত্ত
ডাতে প্রথম প্রেণির জ্বনি মাজিটেটের ক্ষমতা
পাইবেন। ডিনি জ্বারও সেসিয়নে জ্বপন করি
বার মকদ্যোর প্রথম বিচার করিতে পারিবেন।

১ লা জুন অবধি নিম্নলিখিত সহকারী পুলিব সুপরইন্টেণ্ডান্টগণ উন্নতিলাভ করিবেন:— প্রথম গ্রেণিডে।

জে, এচ, জনষ্টন সাংহ্ব। এচ. এন, হারিস ৯। দেতীয় শ্রেণির্টো। জে, বি, গোড সাংহ্ব শ। এফ, ডসন শ। বি, এস, রবাটসন ম। এফ, জে. ডিকেন্স ম। এচ. মনরো "। সি, ই, এস, ইনিস '। এম. এফ, বিমিশ "। এ, নিবেট "।

প্রেরিত

মান্যবর শ্রীযুক্ত গোমপ্রকাশসম্পা মহাশয় সমীপেছু।

<u> अथारन २८० टेक्स के व्यात्रक क्रेसा</u> আযাচ পধ্যস্ত ক্রমাগত রুফি হইয়াছে। राष्ट्र ७२काम . तथा याच्य नाहे। हेळाट व ১৬।১৪ দিন অবিপ্রাক্ত প্রবল ধাড়ে নারি क्रियार्ट्स । शृथिवी जनमय श्रेषार्ट्स । अ व ষেদনীপুর অংঞ্জে বিস্তর অনিষ্ট হইয়া कश्भावजी नहीरा छात्रानक वना इहेरार्शि অনেক স্থান ও আম তাহার প্লবেনে মগ ।গরাছে। কড লেকের গৃহও কুলীর ব <u>ক্রোডে ভাগরা গিয়াছে; কর্ড মন্থ্র ভ</u> या श्रिप्राह्म । पृष्टे श्रिप्राहम अक्षानि व চালমণীতে ভাগেরা যাইতেছিল, ত উপর ছই আনে মন্ত্র্ আরেডে। তাহারা ব यदत होरकात कःत्रशा मारायः व्यापना का ্ছিল।কিজ ভেখন নদীর বেগ জ্বতি প্রা (क्र्हे माधाया कांत्राक शास्त्र नाहे। क्रमण हाल आर्शिश मिनीश ईड् वीरम (शालरक নির এনিকট্) আহত হইল। ভারটো চাল ছিন্ন ভিন্ন হইয়া গোল। পর ক্ষণেই ঐ হুই হৈতভাগ্য ব্যক্তিকে দেখিতে পা গেল না। গো, মহিধ, ছরিণ, ভলুকথ অনেক জন্তকেও নদীতে ভালিয়া যা (मधा शिश्वाद्यः

দৃষ্ট ংইয়াছে, এই নগরের নিকটছ করে। আমের উপর দিয়া প্রবলরপে নদীর ও প্রাহিত হইতেছে। তত্রতঃ লোকসফল চাল ইত্যাদি উচ্চ স্থানে থারুছ। তাহারা বরও চীংকার ও শুখাধুনি করিয়া নগরন্থ ও দিগের নিকট সাহায্য প্রাপনা করিতেছে সময়ের পর দিন ভাহাদের নিকট নৌকা থে হইয়া ছিলঃ কিন্তু কি হইয়াছে বলিতে পারি

কংসাবতীর পাশ্বস্থ অনেক স্থান ও জলপ্লাবিত হইয়াছে। কিন্তু কত গ্রাম স্থ য়াছে ও কি পরিমাণ ক্ষতি হইয়াছে, অধ বিশেষ বলিতে পারিমা শুনিতেছি ২ ানি আম জলমগ ংইয়াছে।১০।১৫ খানি াম একে বাবে উৎসর হইয়া সিরাছে। পো-হিলাপ জন্তদকল ভাবিয়া গিয়াছে। লোকে কে আবোহণ করিয়া অভি ক**খে জীবন র**গণা বিয়াছে : অনেক লোক জলম্ম হইয়া প্রাণ াল করিয়াছে। **যেসকল ক্ষেত্রে থান্য বপ**ন রা হইয়াছিল ভাষা মম ও প্রোপিভ হইয়াছে। এই বনগতে উলুবেড়িয়ার পথ স্থানে স্থানে । হইয়াছিল। কয়েক স্থলে হানা পড়িয়াছে। চাতে কয় দিন ডাক বন্ধ ছিল। একণে আঁড ष्ट्रे का कि जिल्हा

মা),ও ক্ষেত্র অভিশয় জালমগ হওয়াতে ার কুষিকার্য্যের বিলক্ষণ ব্যাঘাত জন্মিল। बालकाल्यानि काँ माई नहीत वनशास्क নক প্রবল করিয়া দিয়াছেন। স্বীকার করি, রূপ বাদল হইয়াছে, অবশাই বান হইড। ষ্ঠ নদীগর্ভে প্রাচারবং বাদ (এ:নকট্) ধাকিলে উপর দিকে কখন এরপ প্রবল া হইত না। সত্তর অধিক জ্ঞাল নিঃ হত হয় ন। দ লক্ষন করিয়া প্রবাহিত হয়। সুভরাং विक्रिक काम काभिया काधिक शांविक क्रेयारक e বছ স্থানে তাঁহাদের অসমাপ্ত থাল অ^নছে, **ভেট্ডলং**ধ্যজন প্ৰাহিত হইয়া আম ও ভাসাইয়া দিয়াছে।

খাল কোম্পানি কচ্ছপগতিতে চলিছে-া: ইহার। যে খাল শেষ করিয়া দেশের উপ ক্রিবেন, ভাহার বড় অধিক প্রভ্যাশা , किन्त चात्वत्र व्यनिष्ठे कन देशत्र मर्गाहे গ করিতে হইতেছে। খাল কোম্পানি, কবে ारभाषामद **अ**विधा कतिराम, जाहात হানাই : কিন্তু এক্ষণে বন্যার বেগ বর্দ্ধিত রা দিয়া শৃষ্য বিনাশ করিতেছেন।

যুক্ত হউক, বন্যাপীড়িড লোক্যকল ণ নিরা<u>আ</u>য় ও নিয়র। করেড; ভুজুরের। নেব রক্ষার জ্ঞান্ত এ পর্যান্ত কোন উপায় ডভেন না। অধিক কথা কি, কোথায় কত **३हेबार्ड, जानाशि डाहात नित्मस उनक** ছেন:। কোন কোন স্থানের প্রজারা য়া গুজুরদের নিকট আপনাদের অংশের া ধৰনা ও সাহায়প্ৰোপনা করিভেছে ছঙুরের। এ পর্যন্ত কিছুই করিতেছেন না। াখনাৰে গ্ৰণমেক এই ব্যাণীভিড দিগের প্রতি দৃষ্টিপাত করেন। **আফুকুল্য** রকে এই ছর্গত লোকদিগের রক্ষার আহার ৰাই। রাজপুর বের। ছুরায় সাহায্য করেন

এই जामार्मित आर्थनीय । समीमारंत्रदाख यम अ नमप्र ठक मूचि कतिया ना शास्त्र । মেদিনীপুর

১১৭৫ । ১৪ আবাচ। } 🕮:--

৪ া৫ দিবস হইল, অন্তন্ত অন,ভর ভেপুটি মাজিটেট ও ডেপুটি কালেটর জীয়ুক্ত বাবু কালীনাথ ঘোষ চাকায় পরিধর্তিত হইয়া এ স্থান পরিত্যাগ করিয়াছেন। ভাঁহার পদে একণপর্যান্ত কেই প্রতিষ্ঠিত ইইয়া আইদেন नारे। कामी वादु এक छन मन्त विहातक ছिल्लन না। এক জন উপযুক্ত লোক ভাঁহার পদে नियुष्क इन এই ज्यामानिकात शार्थना।

क्टिशान रहेल, सुखन खाहेले माजिएके পিটার্শন সাহেব এখানে আগত হইয়াভেন। বেপর্যান্ত জানা গিয়াছে ইহাকে এক জন প্রবৃদ্ধি সমিচারক ব লগা বোধ হয়। যাহা হউক, কাছাবো বিষয় স্বিশেষ জ্ঞাত না চ্ইয়া কোন প্রকার সিদ্ধান্ত করা যুক্তিসিদ্ধ নহে।

অন্তেই মাস্থাবং অক্তড়ে সেখঘটে মিসন हे॰ ताकी विकासित्रव माहेमात वृश्विक्षाश्च हाछ দিগের রুত্তি বন্ধ হইয়া আছে। ইহার কারণ কিছু বুঝিতে পারিতেছি না। কর্তুপক্ষের স্মাণ রাখাউচিত, কোন কোন বালক কেবল এই রুত্তির উপর নির্ভর করিয়াই অধ্যয়ন করিতেচে।

इंकिमरक्ष दृष्टित अकारत এशास्त्र अक बाद ভরকার এীমের প্রাছঠার ক্ইয়াছিল। কিয়-দ্দিবস্থাৰং অস্বরত রৃষ্টি হওরাতে এীৰেয়র কষ্ট এক প্রকার নিবারিত হইয়াছে, এতদ্বারা **अमार्किर्रादिशास्त्रक मास्त्रि हहेन्नाइ** ।

a o E **3**]:---**५२१**क

অভিরুষ্টি ও জলপ্লাবন।

মহাশয়: গত ২৩এ জৈনে গুক্রবার রাজি অব্ধি ৪ ঠা আন্দাড় মদলবারপ্রথি এই বার দিবস কালু অবিভিন্ন মুধলধারে রুফিধারা ডিহারা অয়ং কর্ণার ও লাভ্যারীর কার্য্য করি পতিভ হইয়া এ প্রদেশ জলমগ্ন করিয়া গানা; নিমুস্থিত আমসমূহে গ্রনপূর্ণক বিপল ব্র मकल अरक वारत नष्टे कतियार छ। ताला घारे, । शनरक दश्म कतिया व्यासि रच व्यास्म करीयम নণী, নালা সব একাকার হইয়া গমনাগমনের কষ্ট হইয়াছে এরপে নহে, আহা- রপে সমস্ত দিবস আহার নিদ্রা ত্যাগ করি রোপধোগী সমাত্রীসকল অপ্রাণ্য ও চাউলের দর**্জকাতরে পরিপ্রম করিতে লাগিলেন। ই**ত্যব ষিত্তণ ক্ইরা উঠিয়াছে। রাজ্য মাঠ ঘাট শুক হইলে পুনরায় ধান্যবপন করিবে ও দ্বং। দির মূল্য অলল ইইবে এই আশায় প্রজাগণ জীবিড ছিল কিন্তু গভ কলেয়ে শোচনীয় ঘটনায় সে আশা একেবারে উন্লিভ হইয়াছে এবং অনেকে মৃত্যমুৰে পতিত হইয়াছে।

महानय ! इत्विद्वथा नहीत वाह छत्र हहेसा

अ अध्यम्भदक अदक्षांत्र क्रमानी कतित সমুদায় রাজা ও খাঁধ কথ হইরাছে। এম মেননীপুর ডাক বন্ধ হইরাছে৷ কলিকাভার ষ্ণতি কষ্টে যাইডেছে। পর্সভাকার বলুকা পতিত হইয়া জনপ্দ সকলকে এক বাবে হ कतियादह। मन्त्रीहक ' सह'भग्न ! इकुर्क्षिक করিবার মান্যে আজি প্রাতে একটি উচ্চ कामन्न अर्फाट्ड व्यादिशङ्ग कांत्रशः यञ सूत्र চলে দেখিলাম। আকাশমণ্ডল ভীম মূর্ত্ত পুরংসর অপ র জলরাশিকে আলিক্সন করিত ও জালরাশির মধ্যে মধ্যে কেবল মুমূর্য মঞ্ গবাদি ভাগমান আহে ও চলংশকি ি র্দ্ধ ও কামিনীগণ আপ্য আপ্য প্রাণ্র সহিত আপন আপন শিশুসস্তানদি বাঁচাইবার চেষ্ঠা প:ইতেছে। 🕸 🗷 বেগে বায়ু বাহিত থাকাতে তর্লসকল ক্রত বাইডেছিল যে ভাহারা প্রাণপণে (क्तिलि इन्डकार्यः इहेट्ड भातिए । দেখিয়াও মৃতপ্রার ব্যক্তিগণের কাত্তর খ গ্রাধির করণে স্বর প্রবণ করিয়া আংমার : এক এক বার হইতে লাগিল ভরুদ মধ্যে রণ করিয়া উক্ত লোকসকলকে উদ্ধার ক किन नामास्त्र की दमः ना अठ दम्ब की हा র্ভেক মধ্যে আমাকে নিরস্ত করিল। আমি উচ্চ স্থানে ইভিক-তব্যবিষ্ঠ চইয়া দৰ मान व्यक्ति है अवगरत मिथिलाम हाति सन . তাম ও ভিন জন বস্বাসী তিন চারিখ खन्नी नहेवा और जकल (लाकटक प्रृहु d হইতে যোচন করিবার জন্য চতুর্দিকে ধার क्हेरलम । हेहा स्विशा आव्हारत आयात क া বর লোমাঞ্চিত হইল ও অস্থানীধর উহাত প্রাণরকার জন্য উক্ত মহ পুরুষগণকে পাঠা লেন ভাবিয়া ভব্জিরসে গদ্গদ করে উট্ কোটি কে:টি ধন বাদ দিলাম, তংপরে দেখিল কেবল ছিলান তথার রাখিয়া ধাইতে লাগিলেন। ष्टिशास्त्र महत्रा अकङ्ग वृक्षस्य कथ्रियः अ দেখিয়া জিজাগা করিলাম এরপ বান ভার কং

তিনি দেখিয়াছিলেন কিনা? ভাছাতে ভি

উত্তর দিলেন দেখা ছবে, থাক কখন আহবৰ

করেন নাই। এইক্লপ ভাছার সহিত কথা বাং

कतिराजीक अभन ममञ्ज निनमनि व्यक्तांकन व्यवह

করিলে নিবিড় অনুকার আসিয়া আকাশ মণ্ড

হয় করিলে উজ্জ মহাপুরুষগণ অংগভ্যা ়কার্য্যে কান্ত হইয়া সকলে স স্ব আবা-চমুবে যাত্রা করিলেন। ভাছাদের মধ্যে এক व्यानर्ग श्रायम कदिशा हाउँम स्क्रम कदिशा ল ব্যক্তিগণকে বিভরণ করিতে লাগিলেন। ্দিখিয়া উত্তদ মহালয় কে ও অংক্যান্য ণয়েরাই বাকে ইহা জ্বানিবার ইছেবায় এক দকে জিজ্ঞাসা করাতে কহিলেন **এখ**ম ব্যক্তি নকার ডিঃ মাঞিইর এ, রাট্রে সাহেব র ভিনজন সাহেবের মধ্যে এক জন জীহার গ উলিয়াম রাটে অপর ছইজন তেক জন এখানকার একজিকিউটিব ইঞ্চি ার ও অপর এখানকার সহকারী পুলিষ রিভেটেও ট ডার ভিন জন বলনিবাসী পুল র প্রধানতম কর্মচারী।ইত্রদের পরিআন यः हेरुफिशक मत्न मदन धनः मोनिया শত ধন্যাদ দিলাম : মাষ্টার উইলিয়ম ুকোন রাজ পদে নি**ুক্ত** নাথাকি**য়াও বে** াপকার জন্য এড অংধিক কষ্ট 🔞 পরিশ্রম ণর করিয়া বিশেষ ধন্যবাদের পাত্র াছেন ভা**ধার আর সম্দেহ নাই।** পর দ অপরায়ে গিয়া দেখিলাম জি, মাজি ও ভাঁহার আভা একণ নৌকা লইয়া চড়ু গ জমণ করিতেছেন ও লোক আবিভেছেন াকালে শ্বয়ং বাজারে পিয়া প্রাক্তিনের র চাউল লইফা বিভরণ করিলেন 👟 নিলাম मिन अक्रेश थाकिरवंक छछ मिन अक्रेश স বিভরণ করিবেন। ইহাতে যে জিনি এদে লোকের প্রাণদাতা বলিয়া চিরক্ষরণীয় বন ভাহার আহার সন্দেহ কি। একাণে আনম চ্চালীশ্বরের নিকট প্রার্থনা করি যে, এই সক াজপুরুষ পদোর্লভির সহিত অক্ছন্দ শরীরে কাল এদেশে থাকিয়া এ দেলের জীবৃদ্ধি

ক"।থি

কাৰি নিৰাসী:

व्यक्त उद्यापन विवय हरेन, अ श्राप्त वर्षाय ভে প্রাছভাব হইরাছে ৷ এমন কি প্রাবন ার শেষে নদী পুকরিণীপ্রভৃতি জলাশয়সমূ (वक्रभ क्षांव मक्षिक स्हेंद्राधारक, अ वश्मद्र ষ্ঠের শেষ হইতে না হইডেই সেইরূপ । হলক্ষিত হইতেছে । ফুবিকার্বেরে বিল অকুবিধা ইইরা উঠিয়াছে। কুমর্কেরা ৰীক দৰ্শন করিয়। আনদেপুল্কিড রাছিল, ভাষা প্রায় সম্পূর্ণরূপে বিনষ্ট হইয়া **छाहारमत विश्वन भारकत्र कात्रन स्हेन्नारङ्**। শস্ক্রেসমূহ জলরাশিতে পরিপূর্ণ। যে সমস্ত থালঘার আমাজগত অলরাশি নিগত হইয়া थात्क, जाश भवर्गस्य हेत दात्रा वस रहेग्राह्य। मंत्रीत नवनायु बाममर्था श्रादम कतिराज्ञ ना भारत, देशहे जारात क्ष्याम क्रिक्ना । ताहे तकत वाँध किছু पिरमत निशिष्ठ को होईया पिरमई समस् অনিষ্টের মূল আবন্ধ জলরাশি বহিগতি হইয়া बाहेएक शास्त्र, किन्नु कि आफर्सिय विवय, এই প্রধান প্রভিকার্টীর প্রভি কাহারও বিচুপৰ मत्नारयां ग विद्व भारे मा । भवनिक अप्रार्क फिलाइटियर केंद्र विद्यम कहे (स. सन्। लि कोन श्राप्त-(नत जावच कनतानि वहिर्गाठ कता 'व्यायमाक रम छोरा रहेटन छ ब्रक्त अभीना ब्रटक बाँग जिल्हा (नव व्यन्त रच व्यर्थ वाब इहेशाटक, काहाव कि छन পরিমাণে টাকা ডিপাঞ্চি করিয়া মিডে हरेटक अवर अहे मर्ल्य अक्यानि अभीरमञ्जे রেজিপ্টরি করিয়া দিতে হইবে যে জল বিনির্গত रहेब्रा (शत्न (महे वीध सभीमात मिस्र नाह्न পুননির্মাণ করিয়া দিবেম 😉 ভাকা হইলে ভাঁছা-দের ডিপলিটের টাকা প্রভাপিত হুইবের। কিন্তু জ্মীদার মহাশ্রগণের এরপ প্রজাহিট্র-বিভা, যে তাঁহারা এইরূপ সামান্য অর্থ কিছু দিনের নিমিক্ত গ্রণমেন্টের নিক্ট জিপজিট ताथिएक व्यवस्त महरून। व्यामता (पथिएक्डि, এখানকার ওভরসীয়র মহাশয়ের নিকট সময়ে সমরে ক্রমীলারের লোকেরা আসিয়া আকেপ कतियां भारकन रव, '' महानवा व्यामीरमञ्जूष বা বাদশ সহজ্ঞ টাকার মৌজা এক বারে বিনষ্ট হইবার উপক্রম হইরাছে। » তাহাদের এইরূপ আফেপেজি আবৰ করিয়া ওভরসীয়ার মহা-শয় এরূপ উপদেশ প্রদান করেন যে " আমার निक्र निव्य मण्ड अजीरमण्डे दिक्ति हेत्रि कविया मित्रा होका फिलासिक कड़न; खाहा इहेरनह আমি হ'াধ কাটাইবার আংগেশ প্রদান করি-ভেছি। কিন্তু জমীলারের কর্মচারিগণ টাকা ভিপলিট করিডে হইবেক শুনিরা যে প্রস্থান করেন, জার ভাষাদের পুনর্বাব দর্শন পাওয়া इद्भर् । महाभन्न विद्यहना क्रम्म, श्रवामिरशन याह-मफा रहेरल वांशिक्तित नर्साधकारत मनन, (नहे समीबादाता किছू सिवटमत निमिख किथिए व्यर्थ ডিপাজিট করিতে এড শক্ষিত হন, ইহা অভ্যস্ত इः रथत विषय विनर्क स्टेरवक मरमस् नार्टः ভাঁহাদের মনে যে ভারদা আছে 📆 ''শদ্য থাকুক, বা ন্য থাকুক; আদালতে ডিক্রী করিয়।

होका अभाग्न कहा शहरवक अञ्चाहा छ हहे। কিন্ত বে প্রজাগণকে সম্ভাননির্দিশেরে উ দিগকে প্রতিশালন করিতে হর, যাহাটেনর সৌভ:গ্যের উপর উ:হাদেরও ফুখসৌ নির্ক্তর করে ভাহারা ড একবারে সর্দ্রবাস্ত হ हाइ ! यनि डाँहाता श्रमाश्रत्नत द्वार ७ ८० গোর প্রতি বছবান্না হন, ভবে ভাষ আর উপায়ান্তর কৈ? ভরসা করি, 🕉 करे विषया मरनारवाती रहेता भीखरे करे व নিবারণের উপান্নবিধান করিবেন।

বছবিধ কারণে আমাদিগের দেশের বারু ক্রমশঃ অস্বাস্থ্যকর ও নানাপ্রকার রে भारकं स्हेन्ना जानिएउएड्। जन्मास्त्रभीत स মধ্যে প্রকৃত সাস্থান্ত্রখ-সজোগ করেন, বোং এক্লপ লোক চ্মতি বিরলঃ আবার সময়ে ? অব, ওলাউঠাপ্রকৃতি সংঘাতিক সংভ রোগদকল এমত ভীষণ মুর্ভিতে আবি হয় যে, ডম্মারা কড় শভ ব্যক্তি আক্রান্ত কানের করাল গ্রাদে নিপতিত হয় য সংখ্যা করা নিডাম্ভ অসাধ্য। এইরূপে प प्रमारं श्रीय क्रमभूतः बहेया क्राप्तिरक्रहः। ববিধ কারণবশতঃ চিরব্যবহৃত নিদান সম্মত চিকিৎসায় রোগোপশম পঞ্চে স্থি উপকার দর্শে না. ইহাও আমাদের সা হ্রভাগ্রহে। অধুনাতন ইংরাজী শা हिकिएमाय कानक तम्म छ कानक तम জীবন রক্ষা হইজেছে বটে : কিন্তু এটি জা মনিশ্চিত শাস্ত্র। ইহাতে ভিন্ন ভিন্ন চিবি কের ভির্ভির মত দেখিতে পাওয়া জামার স্মরণ হইডেছে হাডুড়িয়া চিকিৎসা রণ জন্য হিন্দুপেটি য়টে একটা প্রস্তাব এ निष्ड रग्न। প্রস্তাবলেখক যদি স্থিরচিত্তে বার আমাদের দেশের অবস্থা ভাবিয়া (তেন, ভাছা হইলে বোধ করি, ডিনি ব এরূপ প্রস্তাব উত্থাপন কারতেন না। डाँशिक क्रिकाम। कति, এই अधानि मुख বছকাল প্রচলিত ? এটা কি কেবল আয়া দেৰে বা অন্যান্য ক্লমভা দেখেও প্রচ আছে। তিনি হাভুড়িয়াদিগকে কয়েক তে विख्य क्रियाट्स । डाहात मट्ड बाहाता সাপত্র পান নাই, ভাদৃশ চিকিৎসক্ষাত্রেই জিয়া। এটা ভাঁহার সামান্য অম নহে। ৫ প্রশংশাপত্র পাইলেই কি স্থুচিৎসক হয় ? স্পষ্টাক্ষরে বলিভে পারি, অপ্রাপ্তপ্রশং अवानिरात्र विशानक्य विकास कतिया चाक्यात्र व्यानक विकिश्यक श्राक्ष अवश्यानक व ংসক অপেক। অনেক বিষয়ে ভাল। প্রাপ্ত াপত্র অনেক মহাত্ম। এই মহোপকারী কে যেন **প্ৰকৃত ব্যবসায়খন্তৰ অবল**ৰন চেন। গৃহস্থের অবস্থার প্রতি কিছুমাত্র ल करतम नाः अवर्षे डोशनिर्वात श्राधन वात मानहे नमान मक्ता वत्र नमरम्न नमरम মহাখ্য হন. যে ধনাচ্য বাজিদরাও ভাহা-ডাকিতে পারেন নঃ সামান্য গৃহত্তব ত নাই। অপ্রাপ্তপ্রশংসাপত্র চিকিসকের मतिक है जाशिकां कुछ यज्ञनार्ड प्रकृष्टि র্হা**হাদের অনেকেই অনেক** উৎকট রোগ গ্য করিভেছেন দেখিতে প**ু**য়া য'র। **াপত্রপ্রান্তিখন**্য অব্স্নার্টী ভাঁহাদের াই বলিয়াই সকলে উ:চাদিগকে ডাকিডে न। श्रष्टावरमध्य व । हा मित्रत्य (मन्। निष्टे विश्वा हिकिएमाञ्च सित्रश्व कतिएक हेन्छ्। ছেন, ভাঁহাদের মধ্যে অনেকের দ্বারা উপ हेर डर्फ कि मा, अकरन পाठक गन विदय-রন। আব্টনভার। হাতুভিয়া চিকিৎসার ণ হয়, প্রাস্থাব লেখক এক্সপ অভিপ্রায় । করিয়াছেন। যদি হাডুড়িয়া চিকিৎসা ৰাৰ্থ ভাছা *প্ৰচলি*ভ হয় ভাহা হইলে কি १ हेउदेड ামের অবস্থা শা প্রপ্রাপ্ত চিকিৎসকট বা কভ **াঁহ†রা** কি মুলায় কথায় চিকিৎসা করিডে हरें(देन ? श्रेष्टांदर नचक यनि भक्तभाख-रुदेशा विठाव कतिशा (मर्थन, जाहा इडेस्ट াই স্বীকার করিবেন যে বিশ্বাসই মছৌষধ । সামান্য জল পড়া, তত্ত্ব মন্তবারা এবং ম্পরপ্রভৃতি পীঠস্থানাদিতে হত্যা দিয়াত নেক ব্যক্তি উৎকট রোগ হইতে মুক্ত হই-। বি**ৰাসভিন্ন কি** এক্লপ ২ইতে পারে ? ব আইনছারা হাভুড়িয়া চিকিৎসার নিবা-য়া মুক্তিনকভ নহে। ভাল ওঁাহ!কে াসা করি, ভীবনের প্রতি কি কেবল ৬;হ: ৰ আছেনাজন্য কাহারও আনহে ? যদি , ভাষা কইলে ভাষারা অবশ্যই ভাল ৎসকদারা ⁹চিকিৎস। করাইবে। ভারাকে निवातगळ्या अञ् क्रिय शाहरू इहरव ? পাঠকগণ এক বার ভাবিয়া দেখুন দেখি কৈ ভয়ানক প্রস্তাব উপাপন করিয়াছেন।।

হিংশর ! এ দিকে ভারী রৃষ্টি হইতেছে।
কি অন্বর্জ আজা ১৪ দিন মুখল খারে
পাত হইতেছে। এই রৃষ্টি পরে উপকার
করে, করুক, ইহার খনিষ্ঠ কারিভা আভ

तिमक्त नक्षिष स्ट्रेटल्ड । अ श्राटम्टम व्यक्ता-বুড স্ভিরই সংখ্যা অধিক ভাহা, বোধ করি, जाननिक सारमन, 'जात अधानकात जिथानी দের এমনি একঠা অভ্যাস পাইয়াছে, যে ডাহা রাজাগন জাপান গৃহ সংস্কারে ব্র্রার প্রাক্-कः (महे क्षत्रुष्ठ इया देवमांची कर्एक ऋष्ठित আলক্ষা করিয়া এ বিষয়ে ভাহাদিগকে নিশ্চেষ্ট থাকিতে হয়। কিন্তু এ বাবে ভাহাদিগকে বিষয় मार्य किंकिएक ब्हेबाएक। त्रके मश्कात कार्या সংসাধনের হুষোগ ঘটিয়া উঠে নাই। স্থাভরাৎ এরপ সংস্কৃত গৃহ গুলি বর্ষার ঈদৃশ প্রকোপ সহনে একান্ত অশক্ত হইয়াছে। প্রাচীরেরড कथारे नारे, जारनरकत्रे गृह এक बारत धनानात्री এত অধিক কাল ব্যাণিত্রী হইয়াছে। রুষ্টি हहेर उरह वंलिया हा छेन अधारन अन्नाभ हल्ला भा হইয়া উঠিয়াছে যে গরিব লোকদিগের ড হই-তেই পারে , অনেক সংগতি পর গৃহক্রের ও এত লিবজন যার পর নাই ক্লেশ হইতেছে। অসংসং সময়েই কণ্ঠ পাওয়া স্থুকঠিন। প্রতি টাকার ০। ৩॥ মণ বিক্ৰীত হয়। আমাকাকাল এমনি ष्ट्रेश नाष्ट्राह्म एवं यन्ट्रिका**डेन कर्ट्ट** स्ट्रि কোন প্রকারে সংগৃহীত হইতেছে, ভাহা কার্চ অভাবে আর অর্রপে পরিণত **হইভেছে ন**া! खनवन् शक्तियाहे माञ्च स्वतं आशातीत हेर्छ । कावात (मधुन, शहीआरमत तान्छ। घाट काशति-কার ও অখন্য বলিয়াই চির এসিছ। এগুলি এখন এমন কৰ্দ্দ ময় হইয়া উঠিয়াছে, যে গমনা গমন করা বার পর নাই ক্লেশকর হট্য়া দীড়াই য়াছে। বনস্থাকী আবাদ জিলা বী ভূম ৪ ঠা আবাঢ়

মূল্যপ্রাপ্তি।

ऽ२१¢

শ্রীযুক্ত বাবু রামধন ভট্টাচার্য্য রাভপুর ১२१६ टेकार्ड इड्रेट्ड टेवमाच **€**∦• ৯ বছনাথ মজুমনার হাটখোল1 ১२१६ टेक्स ६ इहेटज का बहाबन 411. 🏲 কাদ্দীক লের প্রধান শিক্ষক কান্দী ১২৭৫ জৈয়েষ্ঠ ইইজে ৭৬ বৈশাৰ ১৩ » " तोका नरतन्त्रनातायन तास कामरी ১२१६ जावाह हहेरळ टेकार्थ ১৩ ুত শ্রামাচরণ রার শান্তিপুর उद्भव आवाह स्ट्रेटक १७ टेकार्क " অবিনাশচন্ত্র মুখোপাখ্যার অনাই

४२१८ क्लिक्ट रहेरक १७ टेकार्थ

রাজনারায়ণ গেন ১২৭৫ বৈশাখ বৃ**ই**ডে চৈত্র

সোমপ্রকাশসংক্রান্ত করেকটী বিশেষ নিয়ম।

অতিম মূল্য ও ডাক্মাস্থল না পাইলে বলে সোমগ্রকাশ প্রেরণ করা ধার না।

ইহার অপ্রিম মূল্য বার্ধিক ১০ টাকা

যাণ্যাসিক ৫॥০ টাকা গ মফললে ডাক্স

সমেত বার্ধিক ১৩, যাণ্যাসিক ৭ এবং হৈ

সিক ৩৬০। তিন মাসের স্থানে অপ্রিম
গ্রহণ করা যায় না। ছণ্ডি, বরাতি চিটি,
অভার, নোটা ও স্থান্স টিকিট, ইহার অব

যাহাতে যাহার স্থাবিধা হর, তিনি সেই বি

হারা মূল্য প্রেরণ করিবেন।

ষাঁহার। স্থাস্পটিকিট পাঠাইবেন, ও যেন এক অথবা আধ আনার অধিক মু ও রসীদের টিকিট প্রেরণ না করেন।

বখন বিনি মফখল হইতে সোমপ্রব মূল্য পাঠাইবেন, ভাহা বেন রেজিষ্টরি ব জীবুক্ত বারকানাথ বিদ্যাভূষণের নামে গ ইয়া দেন।

বাঁহাদিগের মূল্য দিবার সময় অভীত আসিবে, এক মাসপূর্ণের ভাঁহাদিগকে লিখিয়া জানান বাইবে, কাল অভীত গেলেও এক বার চিটি লেখা হইবে, ভাহা একমাসকাল প্রভীকা করিয়া কাগজ বং বাইবে। শেব বারের পত্র বেয়ারিং হ হইবে।

মাতলা রেলওয়ের সোণাপুর ষ্টেসনের যরে চিঠি আইলে আমরা শীত্র পাইব।

যাহার। মাজুল না দিয়া প্রাদি থের বেন, তাহাদিগের সেই প্রাদি এহণ যাইবে না।

কেই সোমপ্রকাশে বিজ্ঞাপন দিজে
করিলে ভাঁহাকে প্রথম তিন বার প্রতিপংগি
আনা ভাহার পর /১০ আনা দিভে হ বিনি অধিক কাল বিজ্ঞাপন দিবার ইক্ষা
বেন, ভাঁহার সহিত অভন্ত বক্ষোবক্ত হই

প্রে এই পত্র কলিকাতার দকিব মাতলা বেলওয়ের সোবাপুর ষ্টেসনের চালভিপোতার প্রীবৃক্ত হারকানাথ ভ্রবের বালতে প্রতি সোমবার প্রাত্ত প্রকাশিত হয়।

১৩

(मियशको

७६ गर्यता।

— २०७ — " प्रवक्ततां प्रकृतिविताय पार्थिवः सरस्तती श्रुतिमहती न हीयतां।"

দ মূলঃ ১ এক অগ্রিম বার্বিক ১০ দশ ৰ বাৰ্যাসিক ell সাড়ে পাঁচ টাকা। ∫

সন ১২৭৫। ২৪ এ আবাঢ়। ১৮৬৮। ৬ ই জুলাই { মণবলে মাস্তলসমেত জ্ঞিম বাং
বাণ্যাসিক ৭, ও ত্রেমাসিক ৩৬০

বিজ্ঞাপন !

দাসকোম্পানির ব**রুবালার প্রেস**। se नः महत्रकारमञ्जातम् (मन् ওরেলিংটন কীট্ট।

স্রতি উজ দাশকোন্দানি একটা মুদাযন্ত্র। ংস্থাপন করিয়াছেন। পুস্তক, সংবাদপত্র, রগীদ, চিঠী, চেক, টেবিলপ্রভৃতি সকলপ্র कार्यः, वाकारतत्र निर्मिष्टे मृतः चरणका 😙 [ताः चन्न नमप्रमध्यः **७ इ**टाइन्**स्ट** निष्नन ড প্রস্তুত আছেন। অপর উক্ত কোন্দানি कात्रब्रम् कतिर्दमः अत्राम **ां**ध्रम द । প্রনিদ্ধ রামচন্ত্র কর্মকারের বালালা কানা मुख्य अभद्र ও विनाष्टि मामाविध ইংরাজী অক্র এবং বস্তালরের জাবশ্যক সমস্ত म त्रश्चक् कत्रियारहरू । अक्टल नायात्रर्भत **३ ७ प्रमुश्रह श**ार्थन। करतनः।) जीव्यविकाहत्रन मान्। লিকান্ডা ই আধ;চ

সহস্রমুদ্র। পারিডোবিক। ভদারা সর্কাসাধারণকে জ্ঞাভ করা যাই-, বে গভ ২ রাটেতর আনার ভবনের সক্ষ त्र त्रवर्गमञ्जे नाहायःकुछ विम्हानव्रश्रदेश्व র উপর বেলুড় প্রাম্বাদী অস্থ্যন ধক্তিবর্ষীয় ख महक्ष्महरामक खरेनक गशिकह (य ক হত্যাকাণ্ড হইবা গিরাছে, আজি অব্ধি সের মধ্যে যে ব্যক্তি তাহার হননকারীর ছান করিয়া দিতে পারিবেন, তাঁহাকে মুদ্রা পারিভোষিক প্রদান করা বাইবে। বৈর পর এক বৎসরকালমধ্যে অসুসন্ধান সংবাদদাভাকে ২০০ পাচ শত মুদ্রা क**द्रा इड्रेट्ट । अ**ख्यित **जारक**रशत विषय

উল্লিখিড দিব্স অব্ধি গ্ৰণ্ডেট পক

इरेए अवर चनक इरेए मानाविध कसूनकान করা হইভেছে; কিন্তু কোনক্রমে কুতকার্য্য হইতে পারা বাইতেছে না ৷

পাকোড় রা**ভ**ধানী ১৮৬৮ সাল 🖟 🕮 (भाषीनान नाएक । ८२ ई क्त

অংভিধান।

₹6•

नकार ४

| | - 4 - |
|------------------------------------|--------|
| শহার্যপ্রকাশিকা | • |
| শব্দ সিব্ধু | ą |
| শব্দাৰ্থমূক্তাবদী | • |
| मक् षित्रप्रमान्। | ŧ |
| শব্দার্থপ্রচারিকা | • |
| প্রকৃতিবাদ | ŧ |
| সংস্ত পুস্তক | |
| র্ঘুবংশ সচীক | ۲ |
| উত্তর ইনবধচরিত | ٠ () ٩ |
| ্ভট্টিকাব্য | 8 • |
| অষ্টাবিংশতি ভশ্ব | v t |
| मगङ्ग • | نهه د |
| নিকাভা) ত্রীকেদারনাথ বন্দ্যো | भागग |
| প্রয়ালিস টুট ১৭৭ নং পুস্তকবিজে | ा हरू |
| | |

প্রাহকগণের প্রয়েজনহেতু নিয়লিথিত সংস্ত পুস্তকরয়ের কিয়দংশ প্রকাশিত চইল। প্রাহ্কগণ পূর্ম ভয়াভীত নিয়নির্দিষ্ট সম্পূর্ণ मूना ध्यत्रन कतिरल धांख इहेरवन। विरमरन প্রেরবের বভদ্ধ ভাক মান্তল দাগিবেক।

---:∘:---

महिनारचत्र शिका महिन्छ। শিশুপাল বধ (মাবকুত) মূল্য র্ঘুবংশ (কালিদাসকৃত) €¥• কিরাডার্কুনীর (ভারবিকৃত) Ø#.

विमार्शिशालिय अन्यक्तिशार्थ निमार्थ কতকওলিন সংস্কৃত পুত্তক দেবনাগর স্চীক মুদ্ধারত হইবেক। প্রকাশের পূর্কে ভুক্ত হইলে গীতা বার পৃথা অপর প্রতি পুষ্ঠা ভিন পদ্মসার হিসাবে খণ্ডে বা সম্পূর্ণ প্রকাশিত হইবেক উক্ত নির্দে মূল্য क्तिरम शुन्द्रक श्रांश रहेरवन : विरमर् (श्र খডত্র ডাক মাগুল লাগিবেক।

कष्ट्रग° रात्र । (सप्तृष्ठ । भक्षमा । सर मानविकाधिमञ्ज। विक्रमार्थानी । मूमादा র্মাবলী। মাল্ডীমাধ্ব। সাংখ্যেজ্ব वा मार्थाकादिका। महावीवहविका छेखर **চরিত। भूफ(वाध। দশকুমারচ,রিভের উভ** পাণিনি। বসস্ততিলকভাৰ। অমরকোষ। ভাষ্য আনক্ষিরি, জীধরতামী ও মধ্ সর্পতীর দীকাসহিত শ্রীমন্তাগবত। মহাতা বিষ্ণুৱাৰ। কাদৰ্থী। ভঞ্জিকাব্য। নাগাঃ काराधकान। इङ्क । मार्करश्च हली ।

কলিকাডাসংবাদ জ্ঞান) বুড়াকর যন্ত্র নিমতলা 🎖 জ্ঞীভূবনচন্দ্ৰ ট্রীট ৩০ সংখ্যাক ভার।

বিক্ৰয়াৰ্থ।

গ্রেডেন রীচ্ব্৪ নং বালী ওলামস্ক্র (লাড়: ৰাগান।

বিক্রার নিমিস্ত।

গাবডেনরীচ ২৪ নং বা**টা**। উপরি উক্ত বাগান ও বাটী বাঁহার क्तिएड व्यथ्या निर्टेख हेका करतन, निर् রিত ব্যক্তির নিকট জানাইবেন:

> গিলেও'রস্ভারতো থনট এবং কো

-:•;--

কেলাজন অভিধান। সর রাজা রাধা-বে বাহাছেরের কুড়ে। **উভনক্পে সোণা** তব বাধান কুলা ১৫০ টাকা।

औ । । नमहत्रक तनास वाशीन

রানীলফ পটার কোং। ভিনিম্নার ন

---; • ;---

্য প্র কবিংট সুভিন্নধ শিইল। ১০১৯ কর গ্রমায়েপ্তিত চ নং জাবিংহ মুখা দেখিটো পাওয়া যায় এবং যদি ভাগোলন হয়, ঐ আধিকদে অসুস্ভিপত্র যা দিয়েন।

----? o (- - ·

प्याहा मधामाधार वर्ष छा। छ न वा या हैया प्रथम (काम एट) जिस्ता श्रीलम्म (सम वाब (क्षेत्रव कता हम ज्यम (म च) जिस्त ह्या जिस्ता भू लिम्मा भाष्ट्रीम करें (क्षेत्र हैं। इन्हें या जिस्ता भाष्ट्रीम करें (क्षेत्र वा भू लिम्मा का श्रीहर जिस्ता, (महे (हैं म मह प्रवा वा भू लिम्मा व विमा (या है महम भू लिम्मा भाष्ट्रीम हैं का स्था क्षि हैं महम महार हैं। हा का (क्षेत्रिक क्षेत्रवाहि वा । (मन्त्रम करें या वा विमान वा

ाद नाम खना कि लाठ न इये. जिने ययः ।
उ व्हेश खना कि सहिए ना भारत्या यकि ।
काम नाक्षित्क छेश लहेल्ड लार्फान, उदय
नाम कि अना हि लाठान इहेये कि छाशह ।
य कि अरित स्टाइड व्हाइड कि विशेष कि अरित ।
स्टाइड कि कि विशेष कि विशेष कि सित ।
स्टाइड कि कि विशेष कि सित ।
स्टाइड कि कि विशेष कि सिता कि सिता कि सिता ।
स्टाइड कि सिता ।

भा स्वल न्द्रस छोत । भित्रक्षिट्यकार भोगो स्वासन जो २० अ अस्म । अद्रक्षित स्वास । अस्म ।

মনির। সংগ্রে পুজ্ঞালয়ে ও পটোল। টুট্ডে বানার কোপোনির দোশারে মথ ক সংগ্রে চাম নিয়ালখিতে পুর্কতিলি। ১৯০২ট

্ছে ভুল: (ত্ৰাস (ত্ৰাস নীতিসার (১ ম ভাগ)
নীতিসার (১ য় ভাগ)
প্রচারিত:
মুম্বাধ বলকরণ

🗗 ধারকানাথ শর্মা:।

ভারত বিশ্ব বাসন্দমালের সহত প্রতিনিধি সভাও কলিকাতা আক্রান্মালের প্রচার বিভা নের যোগ করিযার প্রান্তাব উক্ত দিবলৈ উল্লি থিত তানে অপবাহ্নত দকীর সময়ে বিচারিত হবৈ প্রতিনিধি সভাও প্রচারবিভাগের সভা মহাশ্রেরা তবকালে উপাস্থত হইয়া ভবিষয় নিজ্ঞান্তি করিবেম।

क्षीरकन्तं रहकः (नगः)

বিবিধ জ্ব্যাদি বিজ্ঞার্থ ক্রস্ত হ।

ইংরাজী বাজলা পুস্তক কাগজ কলমানি নানা বিধ এবং পাওয়া ধারং মক্ষরে ঘড়ী অসুরি ইডাাদি পাঠাইয়া পাকি এবং পুস্তকাদিতে এক আনার হিলাবে কমিসন দি। ধদি কেছ অধিক টাকার জব্যদি লয়েন ভালা হইলো /১০ আনার হিলাবে কমিসন পাইবেন:

े। व ्राक्ष ह रिक्राच देशक्कित्यन, वस्राक् 34 'अ:१० दश्राम आहे*वे* :4 * 16 6. * Por. :4 carryin contata : 4 . . W 177 177 971 4. Эh 🕏 व रहें। जनस्य हैं 🕬 इंट क∷न्युंी इत किन्ती अध शहसम्बद्ध अर्ग लिखा 事" 网络伊朗 축도 10 50위(6구시 পুন্দ পরীকো महला ३५४ E Tax A ভু:কীর ইটিছাস রু∳: ∼গুল काप्रद नेतिस्या प्रकीरहासक वस्ती বৈশ্ব চরিক 10 বিধক সুস্বসূত্র ৰাদী বৈবাদী কুজন बाह्यश्रदकी (क)मती

র!ম উপ:খ্যান রাম্চরিভ मश्च का अ हो मासून पहर क्षष्ट्रीयम् भार्त्त मश्र अन्तर्क भग्र विक श्रेगानी গোলকের ইপয়েগীত। क्टानकी नाइक बीहवाका गली दिभवा रङ्गः स्ना कोठकवर्ग कावा চরীত মঞ্জী কবিশঙ্কৰ চণ্ডী कालोगञ अञाभश्य क्लीको छक्र महिक ক্ষিকলাপ द्रामाधिकायक माध्य চন্দ্ৰবিলাধ নাটক

কলিকাতা জোড়া-সাকো ৩০ নং নগদ মুলেং বিজে

निम्यात निम्

भग Sorem भारति खून मारता Sa है ह 🤧 🕯 পর্যান্ত ভাগীরখীনদীর সর্বাক্তর 🧐 **স্থারে সাপ্তাহিক হৈ**শেটি। স্ব'নের নাম সহানার উপর প্রান্দীকে ১০ মহানার ; ****0 তথা ক্ইড়ে জ জপুর প্যাস্ত 🕩 🚉 महिल महर्यः 🤈 स. अश्वत व्हेटच दक्: मश्वत भर्म 😘 १ ८७ सहित मध्यः । বহরমপুর হইতে কাইওয়া পর্যান্ত (१ - माहेल महत्रु) कारणेखा इटेस्ड महीया श्रास (१७ माई्टन व मर्पर) সম ১৮৬৮ আনুন মাহার ২৪ ভারিখে হচ भूव भव घार देत कार्मत भाभ । 40

বংরমপুর বিজ্ঞান টি কেন উইকুন দি ১৪ ই জুন বিজ্ঞানি উটিব ইঞ্জিনিয়ধ ১৮৬৮ বংরমপুর ডিবিয়ন:

বিজ্ঞাপন।

এত দ্বারা সর্বা সাধার নকে জ্ঞান্ত করা হাই চইলে
তেচে যে জ্ঞান্তে জার ক্রিছের লিখিত লোকেল ফুর্ন প্র
ফাডের কার্যা সকলের জান্য জ্ঞানামী ১৫ জ্ঞান বায়ী ব পর্যাপ্ত গালা বন্দ করা দবের ফর্দ্দ লওয়া যাইকে যাইবে ও এ দরের কর্দ্দ সকল উক্ত ভারিতে বেলা ছই ফর্মের প্রহরের সময় খোলা যাইবে। উলিখিত সহ্লায় কি তা কার্যা সন্ত ১৮৬৯ সালের ১৫ মার্চের পুর্বের সমাধা। বেক ব

श्राहित महित कर्षित महित है। जिसे जिला श्रिष्ठ मधिल करिए इंदेरिक। मन ब्रोहर मा इंदेल छाइ। क्षेत्र एम खेता साई दिक छ महित स्मि ब्राहर इंदेश यह मन एम्सि स्त्र कर्म साधी कार्य क नहाँ क्षेत्र कर्म करा साई दिक। श्राहर कर्मा कर्म कर्म करा साई दिक। श्राहर कर्मा करा है। कि मन कर्म लिखिए इंदेरिक। क्षेत्र कर्मन महा क्षेत्र क्षि छ छोत्रिक तालात मन लिया साई एक भान

| রাস্তার মাম | टेनच बाइन | मृ उकात कार्यः वि कृषे हिः | সাবাজ ও ছরমুদ | हा श्रम | को का जा खाद (सदा) सहेत्र हिं | भाका ता छ। (अंता भावेल हिः | পাকা গাধনি ! | প্রাচীন ছোট পুল ে মাইল ছিঃ | জনাট খোয়া | খোয়া মায় বিচাই | ক্তৰ মায় বিচাই | कार्टित कार्यः | ্বে টাকা মঞ্ব |
|-------------------------------|-----------|-------------------------------|-------------------|----------------|----------------------------------|-------------------------------|--------------|-------------------------------|------------|------------------|-----------------|----------------|---------------|
| বৰ্ষান হইতে শীউড়ী রাজা | N . | • | | :0 | | - | | + | | | - H | 4 | 27.48 |
| কাটওয়া হইতে শিউক্ট রাক্তা | 2 | | ٠ ن ن ن | אגני | ¥ | | : | | | - | | | 6 50 |
| वर्षशान इंडेएफ (यश्चिमी भूत | 5 | 4 | 7 P | | ۲, | | 3 2 8 5 | <u>پ</u> | | 0 V | - | | 4,5 |
| दर्भशंत स्ट्रेटिक कालना | 6 | • | • | | ć, | • | | 9 | • | 3074 | | | 794 |
| ৰ্জনান হইতে কাকুড়া | v | • | • | • | ä | | 2402 | | 8 40 | * | . | | 9 |
| थकरा स्ट्रेंट बिक्जानम् श्रुव | ٧. | | | | ~ | q | | | | • | 6 | : | 0 |

বিজ্ঞাপন।

বসকামিনী নাইক (মূল্য এক ই কিং)
যত্ত্বোলয়ে, চীনেবাজারে জীবৃদ্ধ
ভোগানাৰ মুগোপান্যয়ের ৬৮ নম্ব ব এবং সংস্কৃত যত্ত্বো অন্যাপক জীবৃদ্ধ
ক্রেমাহন মুখোপান্যায়ের নিকটে মেত্রগাহন হল্পানি টাকার হিসাবে সন লেওয়া যায়।

জীহারাণ **চক্র মুখো**পারনার

ক্ষেত্র ব্যক্তর ও জারপী নক সংক্রিবার নিয়মস্থলিত বস্তু পরিমাপত ও জারপ "কলিকাত। ফুকিয়া জীট মহেশ বাস নে ১৮ ১৮ নং বাসিতে এবং স পুস্তকালয়ে বিক্রমাপ প্রস্তুত আছে। মূল্য সন শুদ্ধ ১ এক টাকা।

बीधनवर्गात मानिया

সোনপ্রকাশ।

২৪ এ আবাচ সে,মবাস : ক্ষেত্রেশ্বা জলপথ ব্যা ইইয়াটে কি না ১

কোন বিষয়ের স্বরূপ নিল্লপন করি হইলে তথ্যকোন্ত তথ্পতিকু ও ব কুল যাবতীয় বিষয়েল বিবেচনা ক্ কার্য্য করা যুক্তি নিজ হল : িন্তু পূ একটা নিজান্ত স্থির করিয়া তাল বল - 326-

ার চেকীর প্রমাণ্দ এছে প্রবৃত্ত ৰ একোড় বিষয়ের স্বরূপ নিরুপণ ন্ত পুরাহ হয়। কথাচারিরাণ **শে**বো*র* প্রণালীর অসুস্বর করিয়া কাজ ্ৰেচন স্পট বোধ হইতেছে। রেল ≑োকা জলপথ বহা **হ**ওয়াত**ত পীড়া** पु इहेश्वर्ष, डी हार्निर्शत श्रृक्ताविश्व বিশ্বাস ছিলনা; বেল থয়ে কোম্পা নুতন দেখু ও জলপথ করিতে ে শে অভিরিক ব্রেগ্রস্থ হইতে হই চাহাও অনেকের থিবেচনার অবিষয় না। রেলওয়ের শভিকইলে যেন निर्मित कोन धकांत्र कांड हहेल কের ইন্দয়ে এ শক্ষাও তথ্যালে की करेगाधिल। काँका मिराधित निका**छ** প্রস্থা করা হয়, বেলওয়েদ্বাল জল **বল হইয়াছে কিনা** স্থলি হইয়া চ্ছোরা পীড়ার উ**ং if র ও র**'দ্ধ ছে কিনা? স্বচকে নাদেখিলে কেকোর মীমাংস; ≢ওয়াহ্পট (कर्टे अध्यक मकल क्षांत प्रश्न নোই।কেহ কেহ সুই একটা স্থান मा ममुनाद्यत मिश्वाय कात्राहरूनः বা নদীয়ার নীজিতেটুট বেল সাছে •াায় **এই চারি জান লোকের কথ**া য়া চুক্তার বিদ্ধার করিলাছেন। বেল ৰ বলেন, রেলও ় ছইতে পীড়া হৈ, এ সংস্কার আছে, এমত এক থীকার করিলাম ; কিন্তু এমত टक प्रथाङ हहेटल नि**रकत गृह** হ ব'ংগত হইতে হয়; দ**শ কেনের** চক্ষে:প্ৰথন ক্রিছে স্থ এবং দশ দর্মান করিতে হয়। জাইণী মাজি क्टाव्यक्ति व वाट्या अकार्यास्ट्र রে করেন, জলপথ বসা হইয়াছে। बरलन, ८४%, ३८४४, १८५५ १८५५ १८५ १८५

ম্ভাহয়। কিন্তু তিনি এক আশ্চৰ্ণা

গুণালী অববৃহ্ন কলিয়ে বৰিয়া

ছেন, রাঞ্জার রেলওয়ের ১১ ম ইল দূর হিত; এখানকার জল জলহ্নিতে গিয়া পড়ে। কিন্তু এখানে পীড়া হইয়াছিল। মুড়াগাছার জল গল,য় নিঃস্তহ্য; উহার্ফানগরের ১১ মাইল চ্রক্ত, এথা: নেও পীড়া ইইয়;ছিল। এই একার দুন্টান্ড দিলা ডিনি স্থির করিয় ছেন যে, যদিও রেলওয়ের ছারা জলপথ ব্সা **ছ**≧য়াতে, তথাপি তাহা পীড়ার কারণ ন: চ; গ্রপ্রেণ্টও ইলা বিশাস করেন; किन्छ गामिवम किनकान्ठः (शरक्रां किंकिर मक्शन এই श्रीकृत त्य तिर्शिष्ठे विश्रा ছেন, ভাহ:তে ডাক্তর এলিয়ট বলিয়া-ছেন, জ্ব দংক্রান হ ইয়াছিল। ঘাঁছারা পীড়িতব্যক্তির নিকটে পাকিতেন, উঁছো দিপেরও পীড়া হট্যাছিল। এই মীমাং সাসুদারে কি একথা বলা যায় না, যে প্রথমতঃ রেলওয়েঃ নিকটে জুর আরস্ত কইয়া পরে **অন্য তানে গিয়া পড়িয়:ছে** ? পাঞ্যা ও ছারবানিনীর দুটাভ দশন কর। কে:ন্বাক্তি এই সকল ভান দশন क्रिया ना विलिट्बन, या जनाय वक्षहे গীড়ার ক:রণ প্পীড়িত স্থান সকলের গুক্রে মেজে পূর্বাপেকা অধিক ভিজা **इ**हेश:८७ এ**१: व्याप्त कानक क**रहक প্রকার মূচন উদ্ভিদ জালিবাছে, এ কথা কোন্বাজি অস্থীকরে করিবেন ? রেল ওয়ে বিল ও ম,ঠের মধ্য দিয়া পিলাছে। বার,কপুরের কিঞ্ছিৎ উত্তরে গেলে ইহার দৃটান্ত পাওরা যায়। বরুতির विरागत शृंकी १८ में बाह्य मा मा कार वार म পীড়াহর; কিন্তু পশ্চিমাংশের জল গল য় ভালাতে প্রথম তথায় পীড়া হয় ना है। नहीं बात अवंदिक गामिंदिक है विद्यान, (तल ७ दहर शाय मिशा **कल छा भि**शा थात्क, देशाटा अहे वना इहेश: एइ (य, জ্বলপথ বন্ধ হয় নাই। কিন্তু যাঁহার চকু আছে, তিনি দেখিতে পাইবেন, রেলও য়ের উভয় পা**শে যেসকল থানা হ**ই

য়াছে তথায় বার মাস পঢ়া জল থ এবং গ্রীয়াকাল না হইলে সকল তম্ধোগিলা পড়েনা; আমরা যাবতীয় রিপোটে এই প্রকার করে অমূলক ভৰ্ক দেখিতে পাইলান। স কুমারখালির ডেপুটি মাজিটেট টি मार्ट्य भारममस्कारत शक्क कथा য়াছেন। কিন্তু রাজ্যাহীর ক্মি ভাঁহার বাকা অমূলক ব্লিয়া উণ্ করিয়াছেন।

The second secon

আমরা বলিতেছি, স্বচকে না দে এ বিবয়ের মীমাংসা হইতে পারে কোন কর্মচারীই তাহা করেন নাই এক স্থান দর্শন করিয়া অনেকে সি করিরাছেন। ইহাতে এমন গুরুতর য়ের মীমংশা হয় না। কয়েক আচন চক্র্যাক্তির উপরে ভার সমর্পণ উচিত। তাঁহারা বেলওয়ের উভয় স্থিত স্থানস্কল দর্শন কর্লন এবং আ लाक विशव पृर्कत सन्पर्यत क ভক্তঃ কান পুর্বের মত আছে বি **कि** छ्ठाना करा **इ**डेक ।

সুবৰ্তেখার বন্ধ।

मर्क्षा इकात कन्नावान मांक লের গোকের কত কট ও অনিট হাছে, এই পত্রখানি পাঠ করিলে দ অনায়াদে ভাহা জানিতে পারিং বিশ্লংগল্বচ্জিরা নিতাম নির **হ**ইয়া পাড়িয়াছেন। ভাঁচাদিগোর সত্ হাব্য লান একান আবশাক। সভএব थानि मञ्जू नार्यक्त स्वस्थाय श হউক এই অভিপ্রায়ে এই স্থানেই গু হইল। এখানি পাঠ করিয়া আহ অতিশয় ভুংখিত হইলাম, পাঠকপণ নিতাত আকৃত হইবেন, তছিব্য়ে মাত্র সংস্কৃন কিঃ যে যে উপায় আৰু করা কর্ত্তর প্রত্নেরক ভাষ্মির বি রিত করিয়া লিখিলাছেন। এই পর

नमुनाव कहिया निर्द ।

াদক মহাশর ! কি সর্কানা উপস্থিত ! র আবার কোন মতেই মজল দেখিতেছি Sপর্যুপরি ৰজুাঘাত**সদৃশ বিপংপা**ত চছে ইহাতে কি লোকে ভিন্তিতে পারে ? জরে ঝড়; ডিয়াজর ও চুরাতরে ১.৮৩ 📭 : এই পত কার্ত্তিকের ঝড় ; এ সকলে 📗 দিগের ধনে আনেধে অসংশ্য ডনিঔ ছে, তাহা সকলেই অবেগত আছেন। র উপর সংপ্রতি এক ভয়রর জলপ্পা ইয়াগিয়'ছে গতঝান পু-িমার দিবণ

্এ জৈয়াই অংববি ক্রিমাপত দশ দিবস অবিভাতি বালি ৰ্ণ হট্যা এ অংঞ মাঠ ঘাট পথ প্রান্তর দক্ষ এক বারে র্ণ হইয়াছিল। গভীর মঠিগুলিতে এত দীড়াইয়াছিল যে যদি কোন বিদেশীয় . ঐ গুলি দুশ্ন করিতেন, তিনি কেও ্একটা বুহৎ স্রোভস্বতী **জ্ঞান করিটি**টন : ! লিখিতে হানয় বিদর্গ হয়। ঐ রপ ভারা

ও জলপূর্ণ গ্রামের ইপর সাক্ষাৎ শমন ভৌক্ষাৰণ শালা বন্যাবারি হঠাৎ উপ ছইয়া লোকের সর্বানাশ সাধন করিয়াছে। আবাঢ় মঞ্লবাঃ প্রাতে এই নিদা, ব হয়, আমাদের প্রামের পশ্চিম ভিকের व्हर्व (तथा ननीत कलकाता हेक्ट्

কত গ্রাম যে উংসন হইয়াছে, ভাহার । ন:ই। এখনও লোকের গমনাগমন াক তে আমা া দকল স্থানের সংবাদ ৰ ই । আনাদের যত দুর জানা আছে

হওয়াতে ঐছ্যটনাসংঘটিত হয়। তরি

তে বোধ হয় যে, বালেখর ও কাণির চার বছতর **স্থানের লো**ক এই বিপদে

। रहेता **ए। जा**भारतत निक्ठेवर्डी (क) কটদাহী, জাদকু া, ভোগরাই, সাহাব

सां भौराहात िभवः नार्टशा कांग्रजनः ুর, বরুক চার, ফিরমোদাচোর, কাকড়া

বিরকুণ ও ব:লসাহী ুড়তি পরগ ল,ক্দিগের যেসবল বিবর্ণ আনাদের

গোচর হইডেছে তাহাতে অঞ্বিস াকরিয়া 'থাকাুায়না অনেক গে!

मक्षेष्ट्रेब्राटइ, वि इत शाम একবারে

রাপির ছে, লোকে 'গৃহসূন্য, আন্তর হ**ইয়া বালি আ**ড়িয়া, রুক্ণাথা, কিখা

মেঘাজ্য ও র্টিসজ্পাত তাহাতে আবার প্ৰবল নৈখাতীয় বায়ু শীতে কাণাইয়া যে যত্ত্ৰ পিয়াছে ভাগ কৰিন্তীত। সংহারতে গৃহপতনের তুড় ছুড় শব্দ লোকের কোলা হল ও আর্ত্রাদ, গোখেমানির ছগতি, গৃহ শাম গ্রীও আমারীয় জনের অপেচয় এ সকল .দখিরা **হৃদ**র শৌকে আকুল হট ছে। কঃ ইর ইরজ। নাই ; ছুর্গ ভির সীমা নাই। महाभाग । १ इ. इ. ११ गटम मकल शृह इ है

ভগ্ন গৃহের চাল অবলখন করিয়া হাহাকার

করিতেছিল ! নিম্নভাগ জলময়, ংতকোপরি

ক্তি অসুসারে আহারীয় দ্রব্য সামগ্রী স এতকরিয়ারাখিয়াছিল, ঘরগুলির সংকার कत्रिया खर्थ कालवाशस्त्रत डेशांत्र कतिया ছিল, কৃষিকার্য্যে প্রবৃত্ত ইয়া উদ্যম সহাারে ক্ষেত্র তালি বপন করিয়াছিল। হায় ! তাহা **प्रत्न क्रम क्राम**ें हे निक्त इडेल 1 हात्र .शल, বাস গেল সঞ্চিত সামগ্ৰী বিলুপ্ত হ'ইল অনে কের গো বংসবাদিও বিনষ্ঠ হইল। কত লোক প্রাণত্যাগ করিয়াছে, কত লোক সাম্রীয় শোকানলে দক্ষ হইতেছে, তাহার এখনও নি শ্চয় নাই ৷ খীৰণ বাত্যা ও দেশব্যাপী ছুৰ্ভি কের পরেই যে এই করাল কালসদৃশ আবক স্মিক তুর্ঘটনা ঘটিকে ইহা সপ্লেরও অগোচর তুর্বলের মন্তকে এচও লগুড়াখাত, ক্রীণ শরী রে অংবল পীড়ার সংখার এব অবভাচচ ক্রে **হইতে, বঞ্জের হঠা**ৎ পতন যেকপ কণ্ঠদায়ক এই প্রবল বন্যাও লোকের পক্ষে তদ্রুগ ক্লেণকর হইয়াছে: যালারা প্রাণত্যাপ করিয়াছে ভাহাদেরত কথাই নাই, বেসকল লোক এক্ষে জীবিত আছে ভাহাদের রকার উপার কি ? দয়ালু রাজ ুরুষদিগের। েওয়া, সত্য বটে এখন সবল ব আনুকুল্য ও দেশীয় ভাগ্যবস্ত লোকদিগের সংলগ্ন সাহায্যব্যতিরেকে অন কিছুই উপায় নাই। সহসা তিনটী কার্য্যের মুগণত । সুষ্ঠানছার: বিধ্যা সম্পন্ন ২ চরা কটিন ১ টবে , কিন্তু লোকের আনতার ান সম্পন্ন হইতে পারেন

ভীয়, চিকিৎসার উপার্বিধান ভূতীয় চাসের

স্থবিধা করির দেও া। এই ঘোরতর বর্ষা

কালে যদি লোকে একটু দাঁড়াইবার স্থান

হইবে তাহা সহজেই সৰলে বুকিতে পারি নতেই উচিত নহে . এখনে চাচের

তেছেন। আর এই বন্যাপীড়িত স্থানং ে পীড়াবিশেষের আতান্তিক প্রাণ হইবে, এমন আশিক্ষাও উপস্থিত হুইবে যধন গ্ৰেময় নিতায়ত ছুগল বায়ু, স্থানট আরু এবং সকল প্রুরি গার সমল, তথন পীড়ার আবালয় করা অবে নংহ। দারুণ তুর্ভিকেই দেশের অসংখ্য विनर्ड इहेग्राष्ट्र, व्यावात यनि এই कल হতু নির্ভারে বাল্যাপন করিয়া এব তইলে ঔষধ না পাইয়া লোকবিনাশ টিত হয়, ভাহা হইলে মাডিশয় শোকেঃ হইবে। আনত্রৰ দয়সুরাজপুরুষণাও শহিতেয়ী মধোদয়েরা একমত হইয়া পিছত বিপদের নিধারণ ও আবজার গ গ্রণমেন্টের গোচর করিয়া কতক সাহায্য সংগ্রহ করেন। আমাদের লেপ্টন ট গবর্ণর প্রকাক্ষনিবার প্রভাদত করের কিরদংশ রাজকোষ প্রদান করিবেন ম**ন্দেহ** নাই। আর সভাকরিয়াকতক চাঁদাসংগৃহীত হ রাজদত্ত সাহায় ও চাঁদালকাণন এই প্রকারে ধাহা আরু হইবে, ভদ্যারা প্র ষিতীয় কার্য্যের অনুষ্ঠান হউক। প্রতিধ এলাকায় অন্তভঃ চারিজন করিয়া মেবি কালেজের বাজালা হ্লেবেছাত ঔষ লিভ রাখিলে অনেক উপকাঃ হইতে গ ভূায় কার্য্যে অর্থাৎ চাদের জ্বিধা ব নেওয়ার উপায় এই যে, যথ,ক,দে প্রয় কণাট খুলিয়া দিয়া জল নাহির ব দেওয়া এবং যে যে স্থানে বাঁধ জ গিয়াছে তৎসমুদায়ের যংক্রি স স্থানই জ্বে িন্য য কুডরাং इ:डिकाब अध्यक्ष भ इ. किथिए अधिक गुरू शीकात शुक्तंक প্রথম গৃহ নির্মাণজন্য অর্থসংহায্য দান, ছি স্থান হইতে চ্ছিকা চল্ল করিলে চ পা । যখন এক বৃহৎ প্রাচেত্রে ও ेडेडी क्या **इट्र**टिट्ड, स्थन 'श **অনিক ব্যয় হট্**বে ৰভিয়া সমু না পার, ভাষা হইলে ভাহাদের যে কৃত কঠি বাগদংকার কর্যো নিবস্ত গাং ब्र गाई। २ कि उ উक्त बीक बिन हे इ है ब्राम्ड | কিও রোপণের দিন্গত হয়নাই। াদ হউলে পোশনকরা ভূমির **আবাদ**্ পারে : পর্বাক ওয়াক ডিপার্টমে কর্পকোরা (একজিকিউটিভ ইজিনি-াদিষ্টান্ট ইঞ্জিনিয়র ও ওবর্ষিয়র 🕹 'ৰিঅংব≁াকণত লুমের কপাট≷ং-ও নিক্ষেপের ভাল বন্দোবস্ত করিয়া দেন যাঁচেধর ভারতান শুলি সারাইয় দেন ब्हेटम **आवारनत शत्क** यर**्ष्टे** उनकात কেহনটি। আমের জানি চাণর শিরা গাভে যথাকাল ইতিখিত কপাট া নেঃ না, কিছু কিছু বন্ধোবস্ত পাইলে ট ভূমি (भंग: এ বংশর যেন ে কপ ইতে পারে ৷ পার ভাগাবন্ত লোকনি এব সম্পন্ন জনীদারগণের কর্ত্র রা একাকে বাজ ধানাও ধানাবাড়ি অবিদের সহৈয়ি করেন। এ এপ হাইলে য় ক'ৰ্যা সক্ষয় হইতে পারে।

পার লিখিত ভিনিটি কার্য্য সন্থ্য অনু হওয়া আবেশাক : বণিত বপদ্ সামান্য ভেনাত ক্তি অর পরিশিত নহে। এত্যু শ্রু প্রশাস্থার তান ভিকালপরেই সং ওয়াতে উহার ভীক্ষতা প্রশার হইয়া উঠি । বিশা শাসাংখ্য যে প্রজাগর গৃহনির্দ্যান বক্ষা এবং ক্রাকার্য্য করিছে পারে ভ্রুমান

জিল হারকলে আনরা হার এক**টা বি**

কিব প্রান্ধের রাজপুরুষ দিশের বিশেষ
বিগেপেরানের প্রার্থনা করিছে।
নি বংগাপলকে গগ্যাপলন নাথা ইইয়া
নিপ্রাংশা বংগর যাত্রী লক্ষি ভিমুপে
করির ছে। বোধ হয় লালাদের ছফ্লার
নাই। পথিমধ্যে জনেকে জলপ্রারণে
১ ইয়া থাকিবে, ঐসকল যাত্রীর কি
লিছ । কত লাক বিনত্র ইয় ছে ? যাছ
বি ভ আছে ভাহারা হারাদি পাই

बहे भि 🕮 घात्रान बहेटक अक

श्रहेशारङ्ग।

पङ्गान(प) उन्हें **च कड़ेता** ;

ব্যক্তি যাহা লিখিরাছেন তাহাও এই বিধান প্রকাশ করা হইতেছে।

মহাশয় সম্প্রতিকার জলপ্পাবনে ঘাটা লের যে জ্ববতা হইয়াছে, তাহা বর্ণন করা সাধ্য নয়। তথাপি বিঞ্ছিৎ জানাইতেছি শাধারণের গোচর করায়খনি কিছু স্থবিধা হয় করিতে আজে। ইইবে।

इयुक्टिंटि आयोकी इनेटिं। আয়াঢ়ের প্রথম দিবলে অত্তর শীলাবতী নদীর জলে এ পারুহ্মি চয় যে ২ রা সোম-বার উভের চুল উন্ম লিয়া উঠে। দক্ষিণত টস্থ রবট ওয়াটশন কেম্পোনির বাড়ীর উপর দিয়া প্রবলবেগে বারি প্রবাহিত হইতে আরেন্ত হয়। কর্মাধাক টরণরুল সাহেব মহো দর ভরিবারণের নিনিত্ত প্রাণপণে যত্ন করি-তে লাগিলেন। কিন্ত কোন ক্ৰমেই ক্লন্তকাৰ্য্য হ্ইতে পারিলেননা। ফ্রমে জল বাড়িতে লাগিল। তিনি ভরে কুটিতে তিষ্টিতে না পারিয়া ভাউলিয়ায় আদে হণ করিয়া ইত স্তত ভ্রমণ করিতে আরেম করেন। ৩ রা হঙ্গলবার রাত্রিদশটার পর ঘাটাল সরকে লের বাঁধে হঠাং এক হ'না পডিল। মুজ-র্বেকমধ্যে মহাভীষণশব্দে ককারেট ৫/৬ ফুট জল বাড়িয়া উঠিল। সকলেই সাস জীব ন রক্ষার্থে ৰাজ্য সমস্ত হইলেন ; কেহ কাজার বিশেষ সাহায্য করিতে পারিলেন না। অনেকের সর ভাগিয়া গেল; জনেকে পতিত ঘরের চালের বিপর, কেই কেই রুক্ষে আরো-इ. । कतियां को बगतकः कतिल । क्वल इहे कालग्र छलि विलग्न आश्र व्या नाहि। अधारमञ् প্রলিষ ঠেশন প্রতিত হয়, প্রে মুসেই) কাছ: রিতে জল অবিষ্ঠ হইয়া তাহাজেও ভগুপায় করে। বিশেষ অসুতাপের বিষয় এই বে ইক্ষ ন্দীর দক্ষিণ তীরবর্ত্তি গ্রথমেন্ট দাহায্য রুত বঙ্গবিদ্যালয় দীর সন্মাধে এক দীর্ঘ হানা প**িত হ**ইয়া ভাহাকে গ্রাস করিয়া ফেলিয়াছে। অত্তা স্থারভাইলার বার্ মাধব চক্র চটোপাধায় মহোদয় অনেক বত্র ও পরিশ্রম এব বিস্তর বার সীকারপুর্ব্দক এই বিদ্যালয়টা করিয়াছিলেন। এখন আর কে তাদুশ ৰাহায্য করিবে ২ একণে আমাদি-**শের অধিকাংশ অ**ধিবাসী নিতান্ত নিরাশ্রয়

গত ৪ ঠা আঘাঢ় বুধবার ও ৫ ই রুহ তিবারের কথা সার্ণ ছইলে জ্নর ওজ यात्र। (करल शहराविद्याल भकरलत आवि হ্যুছে। একে বন্যাবারির প্রবল বেগ গু চাল ও রুক্ষের শাখা ভর্মা ; ভাহার উ পুনঃ পুনঃ মুখলধার সৃষ্টিবর্ষণ, বিট ক ন সে সময় লোকের কিপর্যান্ত ছুং ना इंदेश दिल ? (मेरे दोना, अध्य त्या কল কল ধানি, মুঝায় গৃহ পতনের হড় ছ্কাড় শব্দ, বাতা৷ সহকারে রুষ্টিধারাবর্ষ শন শন শবদ ভেদ করিয়াও চতুদি গৃহস্থাণের রোন ধানি কর্ণ পরি করিয়া হার্য বিদীণ করিয়া তুটি ছিল। তথন হিমি, ছিল গভীর যা রাজপথের উপর ৬৭ ফুটজন কল শব্দে প্রবাহিত হ তেছিল ; সম্ম গে গে: या कंड़ छाभिन्न बाहेट उट्ह, प्रविद्या ७ কোন প্রকার্মাহায্য করিতে পারে ইহার পর শোচনীয় ঘনা আবার কি ০ পারে ? আমরাকতকত লৈ লোক পুর করণ দ্ব্যাদির আশা ছাড়িয়া (পরিজনগণকেই লইয়া রেশনকুটার ছ উপর আভাল লইয়াছিলান। এ নও আ ধকল স্থানের স্থানজানিতে পারি নাই লোকে যে মৃত্যমুখে পভিতেইয়াছে, রানিশ্চয় করিয়া কহিতে গাটিনা হ ক, একটা কথার উল্লেখ করা আ আবশাক হইতেছে: অত্তা প ল ধনা 3 টाङ्गि मार्रेडाण अवर फ छत वातू है গাপনালের পরিবার লইয়া সেই চু বিপদাপর হইয়াও অন্যান বিপ্দাপর গণের প্রতি যত দুর্র শক্তি দাহারী, ক ক্রট করেন কৃষ্টি উগার অংক পানশী করিয়া আমনিয়; কুটীর য় ছাড়িয়া দিয়াছিলেন। ই জীবন রকা অনেকের ই र हे একং বিধি জন অনেক কনিয়াছে; যেশকল লোকের ঘর পতিত হইয়া গি তাখাদের গভ্যস্তর নাই। বিশেষতঃ যে ঘর পতিত হয় নাই, সেণ্ডলি আন্ ভয়ানক হইয়া জাছে; তথায় প্রবেশ ব সাহস হর ন:। আমাদিগের চাষ বাস স হইল। বে.প বিসীর্ণ ও গভীয় ইয়াছে, সহস। তাহাং বন্ধন কইবার শানাই। স্ত্রাং নি:্ত বন্ধ হইলে না হউক পাছে প্রে বিপদ্পত্র হইতে

--- * } ----

১৮৭৯ জন্মের ১০ গাইনের সংশোধন বিশ্ব

विवास वेसम्य गाँउ व ५५०० जाः कर

মাইনঘটিত মকলমাদকল কাকেক্টং

ার হস্ত হুটতে দেওচানী বিচারপতি त इटखिक्तियोग त्य विद्या **अर्थन** कतिहो , তাহার পাওুলেখা কলিকাতা লটে প্ৰকাশিত ইইয়াছে। তিনি র্থই বলিয়াছেন ১০ আইনসংক্রান্ত ন্যাসকলে আহিনের বেঞ্ফার সুক্ষ ভঠে তাহা অশিকিত শাসনকার্যের গাঁঃ দ্বারা সূচ;কুরুপে নির্কাহিত ত পারে না। যেদকল উকীল কালে ও ডেপুটি কালেক্টবের নিকটে এই ৰ সূক্ষা প্ৰশ্নের তর্ক করেন, ভাঁছারাই নন, ভুলার উপরে প্রজাঘাত করি नात अधिकारण ऋत्य उँ। श्राम्त्रित ।তি রুথা হটয়াপ.ড়। বিচারপতি জ কিছুই বুঝিতে পারেন না; যে দে ার একটা মীসা রা করেন **এব**ং কের অনেধান ধায় ও আপীল আনাদা রে অনের্যার পণিতা : হয়। বাংলাইর ও চপুটা কালেট নিগকৈ এই মকদমার ু এভণারিজান করি**ডে**, হয় যে ারা আানন আাশন বিভাগের অবস্থা त क्वांनिएड পारः न ना। अक् इस्म া যে স্থিধাছিল, সূতন ভাপে টনে তাল। দূর কটিলাছে। অভএব गनकार्यात कर्यन्ति क्रियात त्रुपा जाम ক্রিয়া শিক্তি বিচারপ্তিনিগের s কর**সং**ক্রান্ত মক্সমার ভার দেওয়া অভিশয় আৰম্ভাড় তাহা সকলেই কার করিবেন।

किन्नु प्रेममन मारकरवत विटल करुक গুলি যুক্তিবিল্ল প্রস্তাব মাছে। বঙ্গদে শের লেপ্টলান্ট গ্রন্তির অধীনভাবে भक्त प्राप्त विद्यक्षाती वर्षावस हरे য়াছে, প্রস্তাবিত জাইন কেবল তথপ্রতি বর্তিতেছে। আমরা ইচার কোন কারণ দেখিতে পাইডেছিনা। পঞার আমে গ্ৰণ্মেন্ট চিরস্থানী ৰন্দোবস্ত করেন নাই; এখানকার করসম্মায় মকক্ষা कि कारणक्रित्रभन किरिट्यन १ कत्र मश्काग्र যাব তীয় মকক্ষা দেওয়ানী আদালতের रुख्य (मञ्जा উচিত) कित्रकाती वरमा বস্ত হউক আর না হউক, ভাচাতে কি ফতি আছে ৃউ ২কলের প্রজাও জ ী माश्रीमगदक कि करा वश्रदम्दानंत ले শ্রেণির লোকদিগের ন্যায় স্থবিধা দেওয়া না হইবে ? এক জন ডেপুটী মাজিটেটুট ২৪ প্রগণার কর্মম্মীয় কোন বিচার করিবেন না; ইফা তিনি জানিবেনও ना , किछ উৎকলে वमली श्रेटलं डाँशिक এই বিচার করিতে হইবে। এতদ্বারা কি সাধারণ অনিকট ছইবে নাণু কোন काम इत्त कर यानारहर मालीन हाउ चांनाटक रुरेश थांदक; अधि वस्र करा युक्तिनिक काम क्हेग्राटक । ১৮৫৯ অক্ষের ৮ আইনের বিধি অসুসারে কর সংক্রান্ত সকদ্দার বিচারের প্রতি ও কালার আপিজি নাই। করর্দ্ধির নালী শের নময় বৈশাখ অব্ধি জৈয়েষ্ঠ মাদের শেবপর্যান্ত করিবার ধারাটাও যুক্তি निका। अभीभारतत मधरत नाम थातिक ক্রিতে গেলে তিনি অসমত হইলে আদালত তাহা করিতে বাধিত করি বেন, এটাও উত্তম প্রস্তাব। কিন্তু গমস্তার বিরুদ্ধে ছিলাবের নালীলের সময় কথ ভাগের এক বংশরপর্যান্ত, করা যুক্তি সিদ্ধ হয় নাই; অস্ততঃ তিন ৰংসের করা উচিত হইতেছে টেম্যন সাংক্ষে প্ৰস্তাব করিয়াছেন, প্রতনী দরপর্কনীপুভ্তির

বাকী থ'জনার নাশীশ হইলে প্রভার্থী বিচালের পুর্বের ক্ষেত্রে দেওয়া কইবে ন কিড্ডবনী স্বস্থ ও গীনতির প্রেক্ট क्य बर्हा जानजा **ब**हे ८ एडरनं दक কা 🤫 লেখিতে পাইলাম না। যেস্ব জনা সভাগ্র করা যাইতে পারে, তার करा व्यव व्यव कारा विक्री व इस्ट পরে এত্থীর খনা সম্পতি বিভৌ करेगांड पनि होका व्यक्तिमा का, छट कें। 'दल काल (महरा हरेट, कीं) य রণ নির্ম করা উচিত। কোন নিয়া জমা: কোন অংশী আপনার অংগ वाणि करवड मिश्निक ममूनात समा विक ক হৈছে পাদিবেন না। প্রথমটঃ প্র थीं अना अना मण्याति विकास करि इंडेटन, शटत समुमाय सामा विद्योगिक इड् পারিবে। এটা উত্তম হহরাছে। কিন্তু বিদয়ে আমরা একটা বিশেষ অন বিধি দেখিতেছি।১৮৬২ আক্র कार्ट्रन कित कता रह, क्रमीमात कत लहरल अ**का कारल** छोड़त निकार नियात्री**कष न**हेट পाटित। हेम माह्य अहे अभिन महिन्य छात दव প্রথান মদর আমীনের (ইছাঁটা এম্বুজাসংক্ত জাজ ব্লিয়াবিখা, চ উণ্রে দিটেচছেন : বোল কল, এক বং भाजकीतात्य कथीलहरूक अक है वार्तिक कर रनग्र। स्वर्भाताः । छार्वास्क को (दोड़ कि मिछ कह राहेट्यान गा। अध সমূল্য ২৪ প্রথণার মালে জ্বেল আ श्रुः अवस् अत्र आ(३०) माउन च . शुद्ध ६३८७ इहे जिन्द्रमह १ कः मा भिटल अभीतात । अ का उन्हें न **জ**াত সুজোকের নিবটে ন্রীশ ক १५ दरमः किन्द्र क्रमोक्ताः दशकाशु कर ना सबेटल अवाधिकार गाँउ वि নি, লর ব্যাপায় ব্যাব্চি। দ্রা নৌলভাড়া দিলা অভিাপুৰে এ हे का निरंख कालिएड क्वेरन !! "र গাৰ করিতেছি, এই বিষয়ের **ভা**র ল্টার ও উপবিভা**গের ডেপুটা কালে** র হত্তে রাথা ক**র্ত্ত**া। **স্থানীয় মুক্তেফ** গর হত্তে দেওয়াও উ**চিত ন**হে। ক্রেরে নিক**টে অধিক টাকাজ**মা ल अञ्जी तर्भवात आद्याकन रहेत्। ংয়ের **আবিশাক কি ৭ কালেন্ট**রদিগের েরেজুরির ভার আনছে;রিসিদ দিল লইবার ভার উচ্চাদিগের হতে রাখি কোন আপাজি নাই। দেওয়ানী ালত এইরনিদ মানা করিবেন, बावचा क्तिरल मन्न पिक हका। বৈ। যথম কোন স্বলইয়াবিচার ভচ্ছে ন', ভখন কাংকেই:রের হস্তে কোন ক্ষতি ह अधिहा । इस ह া ব্যক্তি বিশেষের ও সাধারণের িরকার কারণ ইহা বা হটতেতে। ১৯০ডোক মুকেনফের লেতে পূথক পুলক এেজুরি করা যাই भारत मा। (क्वल यह रू कक उनिन াহটলে দরিছের কণ্টের দীমাখা বুনা। অনা অনা ধারাও লির এনডি ৰহয় অপাই আপতি হংয়। কিন্তু য়ানী অংশালতের অংঘ নদিধের বিষ विधिक्षति कांस कांग्रेस विद्युष्टमा

'উটিছ। একং-ে, ে। ধৰল বাজি पुनि **चार्**छस्, डेई शिल्पातः साम्रक्षका कान सूच ७ हेर्टान ३३(६)। सर् १ ান ইহারে) শহল কাল করিতে পা ্ৰিটি**থ হি**র করিবার সমার না : অন্মীনদিগোর সহিত ব্রেডার न, फेल्लाका हैक्रीजिटशत हतिहालत र्नातः उपात्रस्य । अपार्थीन विभारक न क िए र बहेर्त । यक्ष योगानस्डत श हरेताहे अ'निम छ'ल इग्न **अमुङ: ७३** ६ कता 'र्टल है। यो होता इस्टाई है सा

ন্ধেন ও ছিং]: শোল্ব ও গেল্ডিক

भाषात्रमा यो चट्यम, जाहापिश्रटक

भीगकता क्षेत्र गा। हेर्डा प्रशास

->00-পর্যাপ্ত বেতন প্রদান কর; ইহারা যে খানে যাইবেন মাইল ধরিয়া পাথের পাইবেন: একণে বারবরদারি বলিয়া ষে টাকালওয়া হয়, তাহা প্রতিমণ্টের আচিবে। মধ্যে মধ্যে ছই এক জন উপ যুক্ত লোককে ২০১৫ টাকা পর্যন্তর वाकी श्राक्रमा आनात्यत भक्तमभा कतिवाह ভার দিলেও 'কভি ইইবেনা। যাহা इप्रेम व्यविषय (मानिष्टामानक कालीका দিগকে দূরীভূত করা অবশাকর্ত্তব इडे(ख्रुड ।

্জামরা এ ছালে আর একটা প্রস্তাব কশিতেছি। কর্রদ্ধিঘটিত যাত সকদ্মা হুইচেডে, ভ্রমণে আমরা দেখিতে পাই, অনেক হ'লে ৰাস্ত্ৰ উপরে কর হইতেছে ১৯৫৯ অন্দেরত ধারাতে যে সুবিধা দেওয়া হইলাছে, ভাষা প্রয়াপ্ত নহে। সাধা রণ মত ধরিয়া প্রণ্মেটের কাজা করা যদি কার্ডির বেংখ হ্য, তাবে বাস্তুর প্রতি म नार्ताली इछता कछंवा। शवर्षमण অবশার জানেন, এদেশের সোকেরা পুত্র 'শোক্ অপেকা বাস্তুগীন হওয়া অধিক কোলেডর বিষয় জ্ঞান করেন ১৮৫৯ অংক ১১ অঃউনের ৩৭ থারাতে কল্ডক স্থারিধা আড়ে, কিন্তঃহা এত অনিস্তিত্থ আনোলভদমূল পোল ভাৰাৰ উপরে निर्मा करण्य ना। याग्या **अक्टल अस्त**ा क र र र छ । त्य छ दिन छेना रेन, श्रुक्त हिनी. ব**ৌ**ষ হইৰে ভবলে যদি ভিন বংসৰ श्राप्त कर कारत कत आस्ति इत, उट्ट क ोनात यात करहिक कतिएक शाहि (बन ना। এই विधि ना श्रीकार छ त्यमकन অনিট হইতেছে, আমরা ত;চার কতক প্রতি পে:চনীয় উপাহরণ দর্শন করিয়াছি। সাধারণ দক্ষতিব মুল্য যত রুদ্ধি হং. **७७३ (मा) अञ्जा । এ एटल अभी मा?** দিপের অনুরোধ রক্ষা করিবার কোন भ्यात्राक्त इटिथे गा। यहां भेव कभी हार গণত হায়] বাস্তব উপরে আফেমণ

করেন না। তথাপি অভ্যাচারকার গের সংখ্যা যথন অংশে নহে তথন প্র প্রতি দৃষ্টিপাত করা অবশাকর্ত্তর্য ছেছে।

এছুকেশন গেলেট পত্রিকা ও ডাঞ্র ্ পা খুমণ।

বারু প্যারীচরণ সরকার ইহাকে : ত**াগ করিয়াছেন। ইছার ত বৈধ**ব্য উপস্থিত। বিদ্যাসাগরের কলা শে ভ कः जिदिसः वि: दश्य को दश्य हम् स्था। কে নাকৈ এই বিধবার পাণিগ্রহণাল হইরাছের। ইনিরাজপালিতা : গৌতু লোভ আছে। আমরাশ্রনিলান বল भार विश्वाधिकारह व्यास्त्रिक स्वयं है। हा महत्रा ७ (कह त्यह त्यह त्याहरू श्री বরদলে মিশিরাছেন। সচরচের (যায়, পরিণ্যসম্পরে যে হলে ভার্য থাকে, কন্যা ও বরের গুণ দেখে বি 🗷 ভ হয় না। আনত এব ইহার কি । बारह. भारते व दू रकत है हरक **তা'গ করিলেন পরিণামেই** বা জি ই নিষ্ট ছইবে, বরেরা গে, সে দকল বিং করিবেন এবং পরিভাগকারীর স দমত থমুখত ও সমস্কৰ তা এক শ্ ৰেন, ভালা বস্তানিত নচে। অনুনরংও এ সন্যে টোন হিচ ক্ৰাব্লি, ভ চ গ্রাহা হইবে, ভাহারও সভাবনান, চপ.পি. **জাম দি**গের কওঁ*র*ে কাহ ছলে ও অন্তর পত্নে স্মূখ দেখিলে ধান করিছে হয়। এই পত্রিকার গ धारण कतिरता "घत कामारे" इ थोकिएक इंडेएन। " घत कामारे " कः। बदल बरवाहा कि छाता जात्वम : छ। কৈ চুৰ্দেশা হয়, ভাষা দি কঁ.ছারা বুবে ল মরাচকে অসুীদি । ত এই রুঝ पिल में, हेहाटच्छ यभि कँ:हाता ना दूर অ,মরানিরুপার 🖟

যাহা হউক, শানেনগরের হত্যা

রাতে অনেককে আমরা চিনিলাম।
লা দেশের লেপটনান্ট গবর্ণর প্রেসাহে
চিনা হইল, প্যারী বাবুকে চিনা
ল আর যাঁহারা এড়কেশ্ন গেজেট
নকার পাণিগ্রহণাথী হইনা পট বল
ধানকরিয়াছেন, তাঁহাদিগকেও চিনা
ল। অর্থিগণ। তোমারা কি কেবল

নর্ব : মুখেই ষত ভোনাদিকের সদ্গু পরিচর দান! মুখেই ভোনাদিকের দল নুরাগ! মুখেই তোনাদিকের স্বাধা প্রিচা! কার্যাকালে সমুদার গাড় বে কোল। ভোনাদিকের গর্ব কেবল জোনসার হইল! অর্থই এত প্রিয় ল নন্ধ্যাদা সমুদারই কি অর্থ ।

া বিরু ! তুমি যাদ এই নিক্র র নিকটে মনস্বিচা, ভেজস্বিচাও ভির্ভেচা শিখি : হ, ভোমার এ নির্দু-চাপ্রকাশ হুইছ না । শামনগরের লাওসম্বের ভোমার যেরপে সংস্থার নি ভিল, তুমি সেইরপ লিখিয়া নে, গ্রেসাহের ভদর্য ভোমার উপরে প্রেকাশ করিলেন, তুমি যে ভীছ লেনা, তুমি যে অনায়াসে অর্থের ভ পরিভাগ করিলে, এটা ভোমার

ভে পরিতাগ করিলে, এটা তোমার ক্ষিতার পরিতামাত্র । অমরা যদি তাম, কথাই ৩০০ টাকা পরিতাগি বৈতাম না। গ্রেসাহেবেব চিটি বাহির তেনা হইতে গোপনে কমা গার্পনা রিটা কাজ সারিয়া লইতাম; ঘুনা র কেল জানিতে পারিতেন না। রী ব্যু ! ভুমি এত বড়

রের কাজ সারের। লংভাম ; ঘুনা র কেল জানিতে পারিতেন না। রি বরু ! ভুমি এত বড় লা আভিও চতুম্ভা শিখিলেনা, যা লোক জানিতে পারিলেই বা ভিকি ? একটা কথা বলিলে যদি লাগুলির্ভির যা, বলাতে হামি ভিকিতেই মান সন্তুম ! বিদ্যাসার একটা কথা রক্ষা হর নাই, বলিয়া

নিক্ৰপ্রিক্যাপ ক্রিয়া যেমন ঠিকি

য়াছেন, কুমিও তেমনি ঠকিলে; বুকিতে পারিলে না।

> আলিতং ন ছিরণারেতসং চয়মাক নদতি ভূমনাং জনঃ। অভিভূতিভয়াদস্থতঃ সুধ্যুজ্বান্তি

> > ন ধাম মানিকঃ।

কেই জনস্থ অথিতে প্রদানপ করে
না, ভাষরাশিকে অনায়াসে পদস্থারা
মর্লন করে। এই হেডু মানী ব্যক্তিরা
অনায়াসে প্রাণ্ডাগ করেন, তথাপি তেজ
ভাগে করেন না।

এ সকল গোঁয়ারের কথা; চতুরের কথানা।

মূভন পুস্তক।

১। বিশ্ববিদ্যালয়ের প্রবেশিকাপরী কার পুস্তকের অর্থ। কলিকাতা দংক্ত কালেজের অন্যতর শিক্ষক শ্রিযুক্ত বারু রিদকলাল বন্দ্যোপীধ্যায় ইহার সঙ্কলন করিয়াছেন। এতদ্বারা প্রবেশিকাপরী কার্মী দগের স্বিশেষ উপকারলাজ্যের সম্ভাবনা আছে। ইহাতে শব্দের বৃহ্দিপতি ও প্রকৃত অর্থ কঠিন পদ ও বাক্ষার ব্যাখান, ইতিহাস ভূগোলপ্রভৃতি সংক্রায় নানা প্রমাণ সংগৃধীত হইয়াছে।

২। কুসুমকুমারী নাটক। তীযুক্ত বার চক্রকালী ঘোষ দেক্সপিয়াতের নিষেলিনের গণ্প অবলয়ন করিয়া এথানি প্রণয়ন করিয়াছেন। লেখা মন্দ হল নাই।

ত। উত্তরপাড়ার যুবকদিগের সভার
চতুর্থ সাংবহদরিক রিপোর্ট। যুবজেল।
যেপ্রকার বিষয়দকলের আলোচন।
আরম্ভ করিয়াছেন, ভাষাতে বোধ কই
তেছে, সভার উভরোভর উন্নতি হইভৈছে। আমাদিগের আর একটা আন
দের বিষয় এই, এ সভাটী অলবিছের
নার উ,থত হইরা অবিলয়ে লীন হয়
নাই। এটাও সভার উন্নতি সুচক।

৪। ছম্দোনাল। প্ৰথম ভাগ। কৰিকা

তার নথাল বিদ্যালয়ের পণ্ডিত জীব্
মধু সুদন বাচস্পতি ইহার প্রবিদ্যালয় বাজেপতি ইহার প্রবিদ্যালয় বাজেদির লক্ষণ সমিবেশিত হইয়ারে
ছন্দের লক্ষণ সমিবেশিত হইয়ারে
ছন্দেরপ্রী হইজে কয়েকটা সংঘ্রু হিলোমঞ্জী হইজে কয়েকটা সংঘ্রু হিলোমঞ্জী হইয়াছে। দে হইয়াছে। ছন্দোলিজ্ঞান্ত ব্যক্তিদির পক্ষে এখানি উপকারী হইয়াছে। বাজ্
দার্যার বেদমন্ত সংক্ষৃত ছন্দ চলি
নহে দেওলি ইহাতে সন্নিবেশিত করিলে ভাল হইজ। জীপ্রভ্তি করিলে ভাল হইজ। জীপ্রভৃতি করিলে ভাল হইজ। জীপ্রভৃতি করিলে ভাল হইজ। জীপ্রভৃতি করিলে ভাল হইজ। জীপ্রভৃতি

ভাগ। নীতিবিষয়ক বিষয় লইয়া এই
পদে রচিত হইয়াছে। বহুবাজার ব
লা বিদ্যালয়ের অন্যতর পণ্ডিত জী
বারু জয়নাথ দাস ইহার রচনাক্রী
৬। নীতি সন্দর্ভা এখানিও নীতি
বয় লুইয়া হুই ভাগে পদে রচিত

ে। নীতিপাঠ প্ৰথম ও দিতীয়

ষয় লুইয়া ছুই ভাগে পদে রচিত য়াছে ৷ ইহারও রচয়িতা বাবু করা দান ৷

विविधमश्यः ।

১৭ ই আন্যাত বে'মহ'র :

कारक हालाम महिन्द्रव कर ही खहर द करल करेंग्रा का स्थान प्रतिक होताम । व ही त्रिक स्थान तात नातु स्थान भागा मिला हो । के से कहित स्थान का स्थान कि लेंग्रा के । कार्य कि कि कि स्थान स्थान कि स्थान कि । स्थान कि ति हिस्स स्थान कि कि से स्थान के । स्थान के त्रिक स्थान के स्थान कि कि स्थान के । स्थान के त्रिक स्थान के स्थान कि । स्थान के त्रिक स्थान के । कि शास स्थान के । स्थान के । स्थान के । कि शास स्थान के । स्थान क्षा के । स्थान के । स्थान क्षा के । स्थान के । स्थान क्षा के । स्थान के ।

আন্মরা আংক্রাদিত ংইয়া প্রাণে বৃতি

المعتدي المعتبية في الله ما يبير.

উইলৈয়ম মুনের জ্রী লেভি মুব উত্তরপশিচ লে বালিকাবিদ্যালয়স্থাপনে বিশ্ব ব্যব্তী ভেন । আলাহাবাদের বাবু নীলকমল মিত্র লে টোলার বথোচিত লাহার্য্য করিভেছেন । বল ইউরোপীর জীলোক জ নেপে লিচনিগের উইজির নিমিস্ত চেই। পাইন্দ বাহাদিগের সংখ্যা দিন দিন মুখ্যি হই শিছে নায় ভেপুটী মাজিটেট হাজেট , সাহেবে লুইন বাহেবের জ্রী নিজ্ঞায়ে জনেক অভ্যান বিদ্যা ও সভ্যতার জালোক নিশিববন্দ্রী।

वाडरक्षमीत्र मध्या २०११ वर्ग करम अपन

আদালতে যাইতে হয় না। এলন্য প্ৰলিক
নিয়ন অভিনয় পাৰ্যেল করিয়াছেন। তিলি

া, হাইনের সন্মুখে সংলকে সমান কং

া আমাদিগের জিজ্ঞাসঃ এই একেশে বি

বিষয়ে আইনের সন্মুখে সকলেই কমান ?

জ পত্র কাবুল হইতে সংবাদ পাইয়াছেন

র বলিয়া খীকার করিয়া এক চুড থেওে

যাছেন। পার্সের নাায় তিনি রালীয়ার

ত সলি করেন সভাটের এই ইন্ছা। বিয়া

ল সন্মত হইয়াছেন। একদল, পার্সর

হিরাটে থাকিবে, সাহ নাস্কন্মিন করি

করেকখানি আম প্রনান করিয়াছেন। এই

ৰ মাত্ৰ বোধ হয়। বুল হইডে নিশ্চয় সংবাদ আসিয়াছে য়ুৱা এপ্ৰ,ম্ভ বোধায়া লইতে পাৱেন

পাবের আমলানিগের থেতনসুদ্ধি হই। কমিসনবের সেপ্তেক নিরের ১৫০ আবন
টাকা এবং ডেপুটি কন্মসনরের সেরের ।
। ১২০ অবলি ১২৫ টাকা পাইবেন। ব
। আমলানিগের বেতন্ত্রি এলয়কানে
হইকে পারিটের।

ইউলিয়দ মুরের অফুরোগে ভারত রেলওয়ে কোলপানে উত্তর পশ্চিমাঞ্চলের য়ের গ্রীলোকনিপ্রের শাস্তের ভাড়ে। কমাই পুর্নে এক গুড়াভাড়, করিছে ইইলো নের গাড়া লাগিত। এফাণে আট জনে। নিকে চইবে। আর এফ্রী কাজ করা । যে শক্তে এফাণ্টের জীলোকের। নে, বে শক্তে উল্লেখীয় জীলোকের।

উচিত নংলঃ উপর পশিচ্যাঞ্চলর

উইলিয়ম মুনের জ্ঞী লেডি মুব উত্তরপশিচ | প্রধানতম বিচারালয়ে ১৬ জন দ্বপ্রাপ্ত ইউ লে বালিকারিদ্যালয়স্থাপনে বিশ্ব বছবতী বোপীয়ের মধ্যে ১৫ জন রেলওয়ে কশ্মচারী। ডেন। থালাহাবাদের বাবু নীলক্ষল মিক্র নিয়জোণর ইউরোপীয়েরা পশু অপৌন্ধা বড় যের ভালার যথোচিত সাধ্যা করিভেডেন। শ্রেষ্ঠ নহে।

> নেঞ্জনিন শেল্ডন নামক লছে। ছিত্ত এক ধন ইউরোপীয় দৈনিক আর এক দৈনিককে বা কাটেত ভাষার ফালীর আজ্ঞা ইইয়াছে। লেপ্টনাট আলকক কর্ছব্য কর্মের সময়ে সুরা পানে উরাত্ত হওয়াছে সামরিক বিচারাপর হাঁহাকে ভংগনা করিবার আজ্ঞা দিয়াছেন। কলিকাভার প্রধানতম বিচারালয়ে একপ বিচার দর্শন হলাভা।

ুগত শনিবার মাধ্যচন্দ্র দত্তে পুনর্গানের জাল বৌধের হতা কানী বলিয়া পুলিষে আন রম কবা হয়। কিয় গব বিন্দের আদিশী সাখে বংগ্রহের কা ও পুন মার গ্রহমান মেরাদ চাহি বাতে প্রাচাণীরে আমিনা হাজিয়া দেওয়া হই থাজে। মাজিটেট রবাটন সাহেবের ভারিষ আহে।

हिन्द्र (भाष्ट्रिय के क्षेत्र कि हिन के स्वय कि हिन के स्वय कि हिन के स्वय के

আমরা উজ্জ পরে দেখিলাম হাবড়ার লে। কেরা একটা অনাব চিকিৎসালয় করিবার মানত করিয়া সাল্সাধারণের নিকটে অংশ হাব াগনা করিয়াছেন। সাহায্যান উটিড।

ক্রমশঃ উৎকলের জনপ্রাবনের শোচনীয় গুড়ান্ত আদিছেছে। চারি দিন ভাক বন্ধ ছিল। নিঠের মধ্যে নৌকা গানাগমন করিভেছে োলাসকল ভাসিয়া যাওয়াতে অনেকে অন গুরে কই পাইভেছেন। বিশ্বর গরু মরিয়াছে। ায় প্রতি দৈবী আপদে এরপ হয় বলিয়া উৎ গুরের উন্তিভি নাই

१७ हे अधिक सम्मनतात ।

কটনের কালেইর লেপ্টন ট গংগরকে সমাচার দেন, কটক উপবিভাগে জলগাবন হইলা
শংগার অভিনিক্ত কভি কবিয়াছে। কিছে জল
শীক্ষ সরিয়া গিলাভে। সমসপুর হইতে চাউল
আসিডেফে চাউলের মুলা মধাবিদ। যৌগিপুর
ভারিভাগে, অভিনয় অরক্ত হইয়াছে। সমুদ্র
শীর্ষ লোকদিকের স্বীপেকা অবিক কেশ
দেখা বাইভেছে। ভ্রাভা কেনেস্থ

कारेन (क्षत्रम करियारहेन। कारमास कारत (क्ष्युम करित्रमः। क्ष्युम करित्रमः। क्ष्युम करित्रमः। क्ष्युम करियारहान क्ष्युम वाणि क्ष्युम करियारहान करियारहान क्ष्युम करियारहान करि

प्रक्रमा भिनात न'हर्द्यत्रश्मकद्मा र १म्रा व्यास्ट्रवाटक स्थानत्म क्रम हिन्द्री वर्तमा, श्रास्ट्रीत स्थर्गास वीका बार्ट्स, खाहारक है सामिर्गत् विकर्ण महम्रा बाहर्र्ड भगत्त । सम्रा श्र विवरत्र भू स्क्रम बहर्ग्स कथा क्रारम ।

विसीरनरकार वरनाम, विसीत कुछ्पूर्य व बहुद्वान भौरक विमा विहाद मुक्क क बाक्का बहुद्वारक। क्षित्र क्षित्र विभागत विद्रा विरादन किन्तु भवर्गरमार है। ये कात देवहाँ दम्भित्रका थाना के किन्न मारह, काला वर्षीत्र भवर्गरम के मानावार व महिन्द की काल बारकन।

গাঙ বৃক্তিতে বিশুর ক্ষতিও ছব আশক্ষা হওয়াতে লেপ্টন ট গবর্ণর গ্রে স আসামে গমন করিবার ইক্ষা ত্যাগ করিয়া। যথোচিত উপায় অবলধন করা করিবা

অধ্যোধ্যার রাজার বাটা হইতে স ৬৫০০ টাকার গ্রেপ্নেটের কাগজ চুরি জি ছে। রাজার দেওয়ানের জিন জন ভূ সংক্ষেত্র কালতে দেওয়া ইইয়াতে।

করাষ্টীতে পয়ংপ্রধালী করা হইতেছে। কাজার পয়ংপ্রধানীর মত ান না হয়। ই মুর্গণ এক বার মল পুরিষ্ণাহিলেন্য কিয়া রাজা বলিয়া বারয়াতে সভলি আবার তেকেন।

় পুরীতে জন্তাহ ভাক যায় নাই: এখাৰে রায় ভাক চলিতেছে।

-১ এ আমাচ বুবোর। 🐰

সংবাদপত্রসমূহ পঞ্চাবের লেগ গ্রহার সর ডোনালড মাকলিয়ড়ের প্রতি জন্যার করিয়াছেন। তিনি নিজের নিমি । कि कर्क करतम ने हैं + खिसि এक करमंत्र चानि तत क्षान का छेत न एम का के (मडान

প্রতি প্রধানতম বিচারালয় গৈয়াস্ত করি। দিবার সময় অদ্যাপি আইসে মাই। , যথন কোন মাজিটেট কোন অপরাধীকে কলিকাতার জ্ঞিকিবেরা আর্মাণীঘাটে সেতু क कान काशवारमत आका (प्रज्

এক অপরাধের পৃথক পৃথক অংশের इ পृথक পृথक मछ इहेटन यकि मधूनाम

গাপীলের যোগ্য হয় ড আণীল হইডে ব। এক মাস মেয়াদ ও ৫০ টাকা **জ**রিমা ষাপীল নাই। এবিধিটী উঠাইয়া দেওয়া

া ইহার সাহাণেঃ অনেক মাজিটেট অরি রিভেছেন।

१ जाने छ निभारी भएन कार **अस** अस, अह, " চ নৌকার বাইচ খেলিবার সভার অস্থান ; এনিমিত্ত চাঁদা হয়। কিন্তু বাইচের কয়ে श्रक्ष भरवान (मञ्जा इहेन, कारखन उनफ ল্লম্য হ্ইয়া প্রাণ্ডামে **করাতে বাই**চ বন্ধ রহিল। এফালে পুলিষ্ভাহা 'বিশ্বাস রিয়া কাণ্ডেনকে **ধৃত করিবরে চেইনি**য়

न । कोरक्षिन व्यापनात (त्रिक्स्मरम्हेत **क**र्न প্রতিনিধি হইয়া কোন বিলে স্বাক্ষর করিয়া ৰ হিতাপ কয়েক সহত্ৰ টাকা লইয়াছেন : ওও এই প্রকার ছইয়াছে। বাইচ খেলি मचा अध्यक्षारहर, औश्वाहिरशत्र अप है কাপ্তেনের সভিত জলমগ্ন হইয়াছে। যি শু

র নায়ে কাপ্তেন ওল্ড দৈববলে পুনসীরে গর্ভ ক্তিক কবর হুইডে উঠিয়া এক রেল **ष्ट्रिंग्रा प्रभाव विद्वाद्यित । अस्मार**क ক ভূত স্থির করিয়াছিলেন গ কিন্তু বঙ্গদে

চরিয়া ভূত ধরিবার চেষ্টায় ফিরিভেচ্ছেন। পতি মাকফাশন ও কদাইটোলার জুরির

ল ও দয়া প্রদর্শনের , আনে একটী বিশেষ ा इड्रेड्ड ।

প্রেপের কুষিকার্যের উদ্ভিব নিশিস্ত াভার কুষিসমাজ প্রতিবৎসর র মেডাল পুরস্কার দিবেন ৷ কি ভারতবর্ষ য় দেশ যেথানকার লোক এই উন্নতি করি

রিবেন তিনি এই মডাল পাইবেন। প্রতি এক একসী মেডাল দেওয়া হইবে ৷ মেডাল

। পঞ্জাব ব্যাক্ষেণ নিকটে ছই লাল্ টাকার। বলিয়া বিখ্যাত হইবে। কুষকদিগের উৎসাহ न रनः में हाका दाहाह छट्ड शक्तिहार है। जियात्र निश्चित नमास मनि करत कथानि स्वीरणात ভানালত মাকলিয়ত প্রভাগে করিবেন মেডাল ও উংকৃষ্ট কৃতির জন্ত মধ্যে মধ্যে পুরস্কার থে জনরৰ হয়, ভাছাও অমুলচ। নেন ভবে প্রকৃত কাজ হইবে । সেংগার মেডাল

भूचक स्मिद्धतः विभिष्ठ अक मारमत् कतिवात आकाव कतिवारका । वीहारा स्मिक्त উপরে সেডু করিবার নিমিত্র গ্রথমেন্টকে অন্ত সমুদায় মেয়াদ একতা করিয়া বে স রাধ করিবেন। ইংার উ পর দিয়া রেইল ঘাইবে জের নিকটে সাপীল করা যাইতে পারে রামচক্ষের দেছুর সময়ে কাঠ বিরালে ম্থাসাধ্ नाहाया कतिवाहिला। अधिनगन दुविनयाच সেই প্রকার করিতেছেন।

ইভিয়ান ডেলিনিউস বলেন মুখন চিত্র नालिका वाष्ट्रीय प्रवकीत माध्य हेम्। प्रवस् কাটিয়া উঠিয়াছে। কন্টাইরের কাজের মাহা ম্যুই এই। ইউরোপীয় কটু। ইর ও ই ই নিয়র। क कहित सिथ व निरंत्र ?

कामता भवनीयकरक अहे महक विश्वविद्याल देवत বাদীটির প্রতি দৃষ্টিপাত করিতে বলিভেছি। এই বাটীটী যে কি প্রধালীতে হইবে, আর কেংথ দিয়া বায়ু ঘাইবে ভাহা আমাদিখের রুদ্ধিতে ছির হয় নাই। কিন্তু উত্তর পুর্ম কোৰে যেন ক টে ধরিয়াতে বোধ হইভেছে: আনার ষেরপু শীজ কাজ হইতেছে, ভাহাতে আমাদিগের প্রশেষ অনায়াদে আপনাদিরের মৃত্তুর ছই চার বংশর পুর্দে বালীলীর সৌক্ষাদেশ্র क तएक भातिरवे ।

ক ইকের কমিশনর গভ কলা টেলি গ্রাম করি ब्राह्म, भूवीर ७ व्यन श्रायत कि विरम्ब कि रहेबाटक, छात्रात शरनाम आहेटम माहे। मधीत বীধও রাজা ভূবিয়া গিয় ছে। একাণীও বৈভরণীন্দীর মধ্যক্তিত সমুগায় ক্ষুন জলপুরি পূৰ্ণ। ত্রাজানীর বাঁধ স্থানে স্থানে ভাগ হইয়া প্জি ब्राट्ट। (कम्मात्राभाष्ट्र। रहेट कन्त्र भाई हेश्र्व। अ লৈও যিতথ তের পুনরবতারের কথায় অবি। সমুদায় স্থান এক কালে জলমন ইইয়াছিল। सः अपूरत गर्तार भक्ता व्यक्षिक क्षावन इतः। पूर्णा पूर्व बाक, जिन्न क्षावरम गठ बन एटिया हिन. अवात क्रमेर्टिका १० हेक जम वृद्धि वहेत्रारह। भनी बाम, शा, महित. भना छ मासूब महे रहेब्रोट्ड : व्याखेब (मध्या क्यांत्र) कार्केड्ड मार्च ७ जाइ এक सन उप्पृष्टि कारमहर्म काच्छा (मञ्जा इरेशारह, डीहाता शवर्रमर हैन (शामां रहेटक ठाउँम महेशा विख्यत कर्तन। যাহাদিগের ক্ষতা আছে, তাঁহাদিগকে মূল; লিতে হইবে i ভারকে ট্রান্থ রাপ্তার অনেক স্থান

উদ নষ্ট ইইয়াছে, আমন রোপন করা যাই मा। अक मात्र मिन वृक्ति स इत्र, छोट्ट । মলল বিচেশ্বরের কালেইর রিপোর্ট করিয় व्यक्ति व्यक्ति महिल्लाहा व्यक्ति বলৈলে হয়। কুষকের। উচ্চ ভূমিতে পুন বীজ ছড়াইডেছে। নিকর ভূমি অন্যাণি रूष्ट। व्यवहे लाक व्यवसम_ः इहेग्रा शान कदियाद्वन। अदनक लाक उलाकिशयः ङांश कविद्यादहर । या बी में रशत सर्था है काश्य श्रांगडांश कतिहार्डन। वस् वस् निक्रव नहीं अधिमक्त चात्र नाई। महत्व भामक्षि नष्टे स्हेब्राटहः वार्टनश्चरवत छेल मध्रारत्मत त्नारकता खभनाइन इन नाहे। वन ' (छशुंडी कारमङ्क्रिक व्यक्तकानार्थ । করা হইয়াছে। রাম্পিনি সাহের বলেন, মেণ্টের সাহায্য দিবার প্রয়োজন নাই. বীজ কম পড়ে-ভবে আমি টোলগ্ৰাম]ক এে সাহেৰ বঁথাসংগ্ৰহে**ষ্টা পাইতেছেন** ঃ রবেণিউ বোড ও চালাকী প্রদর্শন করিতে কন্ত স্থানীয় কর্মচারীদিগের উপরে 🕫 দীবন নির্ভর করিছেছে। বোডের **এ**ব मण्डारक अहे (यम्। भक्षाम (क्षवन) कतिहा ভাল হয় না?

ভাজিয়া নিয়াছে। প্লাবনে বিস্তুর

করিরাছে। ১লা অব্ধি বৃদ্ধি বন্ধ চ্ইয়াছে।

প্ৰলিকওয়াৰ্ক বিভাগের দেওঃ। বী এং উটিব ইঞ্জিনিয়রগণ বেভনর্দ্ধিয় আবেদস তেছেন। গাছের পাড়া ও তলার কুড়া रहेल हेलाद क्व ? अहेड हाहै।

মহারাজ সিজিয়ার রাজের যেসকল अञ्चाहात कतिरहरू, छाङ्गावेशस्य निद्य হইতে ৰহিক্ত করিয়া দিবার নিমিক্ত মাজ্ঞ। দিয়াছেন। ইংগদিগকে শৃত করিয়া দিন। তাড়াইয়া দেওয়া কথার বথানাত্র মহীকুরের মৃত রাজার জাধাকল নী

বিক্রম্ন করিয়া ২৯০০০ টাকা আদায় চ্ই भीनारम व्यवनारे कार्यक मूना ७ डेर्फ এই হওভাগ্রক রাজকুমার (ঘড়ে) अगर्थः होकः अश्वाम कतिमाहिद्रानः। সম্প্রতিলক্ষোয়ে বেঞ্জান্ধিন শেলভ না দৈনিকের মৃত্তনেও চইয়াছে ভাহার ফাশী কোন ভারতব্যীয় জলাদি করিতে চাছে: क्छक्छनि रेमिक व्यथरनार्क अवार्यः क कारवणन कतिय हिन, (भारथ **धक छन (ना**ध

कारणा भई नाक इस । कानका कहे है अना

प्रारह। अञ्चयकान कतित्व कात्रप्रवर्षिक्य

ब्रिनिट्शत भट्या विश्वत व्यक्ति वास्त ধায়।ইহার ভাবার আংশনাদিগকে ইং. দাতির প্রতিনিধি ব**লিয়া আমাদিগের ধর্ম** द्र दर्भय (स्म !!!

২**০ এ আ**ৰাড বৃহস্প ডিবার। ঞাবের যে এতদ্দেশীর অতিরিক্ত সহকারী নের উৎকোচের **অপরাধে বেবিল**নারিকে চ হন, উপ্টার চারি বৎসর গেরাল ও ৮০০০ अतिमाना ब्हेग्नारेका कान वाकि अह मर**्वत निविद्ध कारकश** कतिर्देश ना পঞ্চাবে এই দরের আবা বেদকল মহামতি न डीहामिरभन्नं क्षिक्त मृष्टिभाष्ट करा इडेरव

lজপুতনার অভেগত মাড়োগারে শিবনাথ এক ব্যক্তি ধৃত হইয়াছে। এই ব্যক্তি वरमहत्त्र मेर्स ४० भी वालिका विक्रम চ্ছে বিজ্ঞান্তনাও অংযোধ্যার অন্যাপি ার ভ করিবার নিমিত্ত বালিকাদিগকে া করা **হয়। কলিকান্তার ভিত**রে এ ক**লে** ষর চ**ক্ষের উপরে হইভেছে**।

कंग्रस्थारक श्राम २००० भक्ते जीय लाव हि इहेग्राट्ड। क्विन श्रुमित्यत पात्री विद्या ণাজি না হওরাতে সৈন্যগণ প্রেরিড হট । এই বিজ্ঞোহের কারণ কি, ভাষার অঞু क्तिया करे पुत कड़िएंड ठा रिज चना प्रम । আপুনি অক্সভ্যার করিবে। বি**ং**শ্য জন্ত। । इंदेरल हेशाओं जाता यात्र विदेश मोहे।

আইন আক্রেরি মুফ্রিড করিবার ভা 'সা কালেক্ষেত্র প্রধান শিক্ষক বুক্ষান সাধে তেন্ত দেওয়া হইয়াছে। আসিরাটক সোসা । নিমিত্ত ৩০০০ টাকা ব্যয় করিবেন।

র্বিয়াতেও জলপ্রাবন হইয়াছে, বিশ্বর শস্য

২১এ আবাচ প্রক্রবার ।

 नील नहीं स्रेप्नारकः। छाकातः कमिननरत्त्रः ট আল্যাপি প্রকাশিক হয় নাই। বাগ্ ও অনেক ক্ষতি ,হইদ্নাছে শুনা বাইডেছে। त्रक**ल इरताय अखरम्बनीय तामानिर**शक हेश्मर खादकनश्रक्षेत्र कत्रियारहर, কার ইংরা**জী সংবাদশত্র সমূহ উ**াহাদি **এই দোষ দিয়াছেন যে অর্থানোডে উন্থার**। ·ষ্টা করিয়াথাকেন। সর্বাপে**লা ফ**ুও গুিয়া এই দোষারোপ করেন। ডিকেন্সন य छ । महत्र हेवाका (बना अहे भए बन विवसह ইতে রক্ষা পান নাই। কিন্তু আমরা আহলা ইলাম, কোণ্ডের বর্তমান সম্পাদক **মেজার**

বেলের ভএতা খীকার করিয়াছেন কেবল

अस्तरमञ्ज सम्माध (कांत्र क्रष्टे) शाहेब्राधारकन ! যৌত্তের ভাবপরিবর্ডের অরি একটা লক্ষ্ণ দেখা व'रेएउरइ। रेनि अफ मिरमत लेत विनिद्योद्दम मान পুর গ্রহণ করিয়া লাড় ভেলহৌসি অভিশয় অনায় করিয়াছিলেন। উক্ত নিষ্ঠুর গবর্ণর জেন तन ভৌषला वश्मीत्र ही स्ताकनिगरक स्य व्यप-ন'ন করেন ভাষাও স্বীকার করা হইরাছে। এটা হুলকণ 🚈 কিন্তু কান্তু পণ্ডিত প্রভঃগ্রমন করি तिहै अ छाव कात्र शक्तिरव ना।

টক্ষের ভূতপূর্ণ নধাৰ ইংলপ্তে প্রমন করিয়া রাজ্ঞীর নিকট আংশীল করিবার আহমতি চাহি রাছেন ঃ কিন্তু কামবা প্রবন করিলাম, ভারতব-वीं स्न गर्नरम है हैं। इ'तक विलियोह इन फिलि जारि मन (क्षेत्रन कतिएक भारतम । किन्क हेश्मरक गाहे বার অনুমতি দেওয়া বাইতে পারে না। আজিম জাইংলণ্ডে গিয়া যে সকল ঋণকরেন, ভাল পরিশেষে সাধারণ ধনাগার হইতে দিতে হয়। अवर्गरमन्द्रे अहे आमञ्जास नवात प्रकृत्य आलिएक কাশীভনাগ করিতে বারণ করিয়াছেন।

अरक्तिया इहें ए अक खन के दाख मास्तार · অ'গমন করে, সে নিক্মা থাকাতে অনাথ'লয়ে शर्वण करत। किन्छ ख्यांच्र शामरवांग कतार्ख ভাছাকে বৃহিকুত করা হয়। কোনপ্রকারে দিন পাত না হওয়াতে এ রাজিচ ,এক দিবস বেইল अरब्र क्षेत्ररमञ्जीत्माक मिर्गत श्रीह श्रायम कतिका একটী লঠন ভগ্ন করিল; ভার একটী ভগ্ন করি বার চেষ্টা পাইডেলে, এমত সময় পেয়াদারা खाशास्त्र मृत्र कत्रिल। श्रुलिएव महेत्रा तारल a বঃজি বলিল ''আমি অর্থীনঃ এখানে কোন वार्क्षिके स्थामारक किस्सामानित करतमा (काम অনিষ্ঠ করিয়া সাধাংধের পরিচিত হইয়া কোন প্রকার কর্ম পাওয়া আমার উদ্দেশ্য যাজি **উট ভাহার ক্লঠিন পরিপ্রামের সহিত** ভিন মাস :মরাদ দিয়া বলিলেন, '' অভিশয় আক্রেপের বিষয়, আইনজন্মারে আমি ভোমাকে বেরাঘা তের দণ্ড দিতে পারিলাম না। 🗝 এ ব্যক্তি কা-.প্রকোক বটে।

২২ এ আবাচ শনিবার।

क्लामणीय कांका शंख इस मारमर निभिन्न कर শীদিগকে শতকরা ৯ টাকা লাভ প্রদান করিয়া (EA.)

্ৰীইংলিসমান ও ডেলিনিউস বর্জমানের রাজার नांशाहन हिन्छक्त कार्यात धनश्मा कतिया উলোর সম্পানের জন্য ভোপ করিবার প্রস্তাব হর নাই এবং ইছ'ডে জনেক অনুহ বিধাও স ক্রিয়াছেন।রাল্লা মাধাতাপিচাদ নিজে এই অভএব ভাঁথারা এই প্রভাবের অঞ্ सिभिन्न कार्यम्य कतिशाद्यस्य। शिक्षनियतं विक्रमः कतिरक व्यविकातं कतिरम्यः

ভাবে রাজার আবেদনের সহায়তা করিয়া प्रोट्टन '' अन्नकंत्र नाश्यक्षः कविटल । नश्यक् मन्यामकरान शुक्कांत शाहरक नाटतम । রাজার সাহাবং করিভেছি: কিন্ত এ কোন পুরস্কার পাই নাই। " বর্ত্তমানের রাজ **क** कार्ट्यात शुरुकात श्रामनीय किर्मात निकर्ध ছইরাছেন। তাঁহার খারা আমাদিগের শাসনকজীরা ইনকম উত্তর ন্যায় চি रामावस मकात्र केष्ट्रामन शास हार्ट्स । ताळा करत्रकत्री कामारनत् भरक य बिर्तत् चार्शत विक्रमाध्य करिएक कि ना হ্মানা বাইবে।

भिक्कु बनीत इएएएका डेक्किनियत गर्नट লিখিয়াছেন বে, ১লা অন ডিনি ফুড়কের मिक इंटेटल ज्ञान मिटक गमन कतिएल श्हेबारकन। ज्यात ज्यष्टीइ काळ कतिरा कारका (भव व्या । अवे क्रुक्त वेश्त्रोका वेशि দিনের একটা কীতিত্তসক্ষপ থা কলিকাভার নিকটে এমন হুড়ক ২ইভে कि मः १ फारु। स्ट्रेल (मजूब श्राह्माक्षन 라 !

म. नमाधवर्गम नामक (व वाकि व বলিরা ২০০ বস্তা গলি বহা গদিয়া∦ ওরি: वाक रहेर करप्रक महत्व है। का ठेक है। ভাছাকে দেসিয়ান সমর্পণ করা ইইয়াছে ব্যক্তির আভাও এই কার্যে লিপ্ত ছিল। **रेशारक शुनिय धृष्ठ** कडिएड प्रमर्थ इस नाहे।

নিয়লিখিত মূলে; गवर्गस्यः हेन्न र जिल्लीक प्रदेशकाय ।

| 147610 4500051 | |
|------------------|-------------|
| ৪ টাকার বিকা | ۵۶∦•∶۵ |
| '৪ " কোম্পানির | 284√. > |
| e প্ৰলিক্ওয়াৰ্ক | 3 - 44 - 13 |
| e " (कार | >->1- |
| elle 2 (本!) | 338hJ = |

ইউরোপীয় সমাচার।

২ - এছুনা গত রাত্রিতে হাটস मार्ट्ड मार्ड अरमभदता दमिरमभ, जा मिन्नो ह≷ए७ व्य रेनम,पन श्राख्यानमञ्ज्ञीत ভাহাদিগকে প্রকাশ্রেপে সৈনকসমান্ করিয়া এইণ করা কর্তবা । লাভ মা ৰ্ব্নিও কেমিন্তের ডিউক বসিলেন এ সন্মান আরু কথন কোন সেনাদলকে

भण अजिंदण मा श्रेरकाछ नहीं (क्री) উন অব কমলে এক বিল অপ্নিট্রইরিয়া eक्षांच कविरत्यम, (वाब्ह वा'क्कमब्दक व মিসন বসিয়াছেন উলিয়া শপৰ সহকারে क्लीत जगानकम गहेटलं भारतन এक्रमलः त्रवा है हर ।

ডাকের মাহুল বুদ্ধি নিবন্ধন কতকল্পনি গাক সর স্থাফোড নর্বকোটের সংহত সাক্ষাৎ রিয়াছেম ৷ ডিনি ক্রেক্সিও পেটে আফিসের র্গুপ্রের স:হত পরামর্শ করিয়: উত্তর দিবেন नवार इन ।

পঞ্ন ২৪ এ জুন। গড় ধা:ব্রিভে লাড় এনকৈ मका शाक्रिक व्याखान क्षित्रार्डन, अक पन ভন সাহায,কারী দৈনা সংগ্রহ করিবার নিনিস্ত ক ক.মগন নিযুক্ত করা কর্তব্যে বেনাপতি ল ও সংস্থান পাকিওটন এ প্রস্তাব জনাবশ্ব াধ করেয়া প্রতি**বন্ধকতা ক**রিলেন। **ভারারা** गालन, हेव्स्मिर्सः **(स.मक्त** खेनान्न **'व्यवस्**व ः व्हेब्राटङ, खाहाटख अहे गारू:संकाबी देवनः था ७४४,००० व्हेश्राटकः। इंद्युति सञ्च कवि तत्र श्राह्म ना**हे।** परित्यात अहे अखाव রভাগে কয়া হইল।

পৌণ এচ ভেতুভা করিয়া বলিয়াছেন, ध्वारक अञ्चलकात्व (य छेरक्षेत्राधम क्या पारक, जाराद 5 किमि मचे**डे नर्टन, फि**क्नि धक कांत्रकातीःमध्यत्र आंख भाषास्त्राण कतिया

২৬ এ জুন। মার্চেন্ট টেলর বালীকে সম্প্রতি বেলি সাংকে এক ব**জ**ুডা করিয়া বলিয়াছেন न यश्य माज्य क्षर्न करतन, एएकारन পদীয় জাতেগকল ইংলতের পররা**ট**ুবিষ-র জন^কতির প্রতি জাবরাস করিছেন। রাজ্রতে কলপ হাউদে এডছপলকে অভি ভিক্র এবং **ৰজ্গণ পরস্পরকে গাল**ী १८६न ।

काह (न अप्र) रुप्त, ए जियातनो ये (व विन इहे इंडिशिय अक मर्टमाधन श्रक्तां इस्रा क्ष कादी उरलम अनकन मारवर विश्वास छात्र হইয়া পরিশেষে প্রস্তাবটী পরিত্যক হই-**[4** |

গত কল্য ওয়ালিঙটন ক্ইডে :ৰ টেলিএ:ম

তির অসম্বতি অঞাধ্য করিয়া নহাসভা উত্তর ও मिष्य कारतानिमा, क्रु त्रतामः ও सर्वित्रा श्राप भश्वितक देखेनाइटिंड क्षेत्रेटमत हक्तवाक मद्भा बाइन कत्रियाद्यम ।

^২৭ এ জ্ন। গতকল্যে **ইউরো**- ভারতীয় টেলি গ্রাদের বন্দোব**ন্তের ধদার**্**প্রসঙ্গ করি**য়া কমন্দ शेडित उर्क रहेश नियादः। नत शिकाङ नर्थ क्षिष्ठा**रहन, ऊक्टल जूतक अवर्गरम**े अवर (ইউরোভারতীয় টেলিগ্রাকের 🖟 জন্য 🕽 লাই সেল সাংহৰ বে ভার পাতিতেছেন, ভাহাতে वित्व के भकात स्ट्रेट्स

कृताहै अ आंगडियात्म स्वादु उदर्श भवास्तिक अश्वादताकी नाक्ष्मकाती रेननाविगरक तथन न कश स्टेटव ।

अक नायरकारमय (भरसरहे दक व्यक्ता शका শিত হইয়াছে, ভন্মারা স্থির হইয়াছে, জাবিদি সিনিয়ার বৃদ্ধ অন্ন ও এডিনবরার ডিউকের প্রাণ विषारहरू अक मिन नेपवाक धनावाम सम्बद्धा

গত কল্য সর রবংট নেপিয়র মালটাতে উপনীত ইইয়াছেন।

- ২৭ এ জুন। আনবিসিনিয়াছিত বদ্দীগণ कना इरमा छ छन्नी छ रहेग्राह्म।

্ আররলতে পুরেছেতনিয়োগ স্থাত রাখি बाद विषया माफ्एकान भारहद एवं दिल व्यर्भन করিয়াছেন, ভাষা লইরা গত কলা অভিনয় उर्क स्टेब्रा विद्वादक।

२৯ এ कता (शाद शक्तिकतिकारकत, आहल कर रमप्र मत कर नहार मत्र भन्न कात्र उदर्शत গংশ্র জেনরল হইবেন নাঃ এতচ্পনকে পাল मान (महजूषे बर्मन, मह शिर्माङ्नार्थ (कारे अ भन्ते निक्षत निम्छ त्रांबदाहरून।

8 है। खन बिनद्दत्र भाषा कमणा हिद्राभत গমন করেন, পর দিবস কুলতান প্রকাশ। দরবারে केंग्ड्राटक बाइन कटतम । भाषा छरभविमयम ং।সভার বভঃ মনোনীভ করিবার সময়ে যে ক্রসাড়ে গ্যন্করিয়াছেন। ওমার সাধা প্রস ভাবের শ্রীর রক্ত সেনাদলের প্রধান অধ্যক্ स्रेब्राट्स्म ।

ক্ষমনিয়ার গ্রন্মেট ভাস্থ নদীতে অন্তি ভার হত্তে রাখা কর্মা। এত ম্বক্ষ ভীর সার বে জাহাজের প্রতি অপমান করেন, তরি भिष्ठ अधिता फिलिश्रम श्रास व्हेतारहर।

রশীয় সমাট এক আঞাদারা সাইবিরিয়া এডিনবরার ডিউক ইংলতে উপনীত হই- , কিন্তু নির্মাসিত পোলা জীয়দিলের কতকওলিকে । क्या कत्रिशाद्यमें ।

७ - अ. सून । जिन निम फरर्कत भन्न प्राफ्टलीन ार्ट, जमाता काना वाहरकर्छ, मजाभ- मार्ट्यक माहात्वार मूखन भूरताहिक निरंगात

স্থাতি করিবার বিল হাউদ অব লাভদের চ व्यवाहा इहेग्रार्कः २५ क्षम विरागत महार करत्रन, १८२ छन छ'हात्र छाछितक्तक छ। कृति (B4)

३४-३१ कटक्त विद्याद्द मगद्य (श्रावा যে সকল বঃজিক বিজোহ নিবারণ করেন ষ্টাকোডনার্থ কোট জাহাদিগের সকলকে বি টিনি মেডাল দিবার আক্র। দিয়াছেন। পুট প্রহরীদিগকেও এই পুরকার দেওয়া হইবে।

শোপ এক আজা দিয়া ১৮৬৯ আন্দের বি ৰর মাদে ইকিউনিনিয়াল কৌলিলের অধিচ त्नत जाका विद्वारहर ।

व्यामितिशत काणीक मर्वान मा विधिग्राद्धनः

২৬ জুন শুক্রবার বেনারস এলোগিয়ে পভার মাসিক আধিবেশন হইয়া গিবাছে। তথ वयानकात्र शास मक्त विकासारस्य विक्रक ও অন্যান্য অনেক ভন্ন লোক আগমন করি ্ট্রেন। আমাদের সুযোগ্য সভাপতি জীয় वाबू शितीमहत्त्व वष्ट छेश्करे भीकृत्र मीदि थाकारण व्यक्तारत छ हिन्देशको भारत्व मक्षानर कञ्चरहार्यः है। हात्र कामनग्रहन करत्रमः जनम সম্পাদক জীবৃত বাবু ছ্গাচরণ চট্টোপাধ সভার প্রকৃত উদ্দেশ্য জ্ঞাপন করিলে এীযু वातु मध्यीभक्षतः अख्यानगैप्रमिरभन्न भर व्याद्मायहर्कः द्रः मञ्चाद कि, " अहे विवदम देश्य জীতে একটা প্ৰবন্ধ পাঠ করেন। রচনালী প্রাব कामाद्यत म्लाहे छिलनीस रहेन, य जिद् .चनाइ ॐहात्र मएङ এङ म्हिनी युक्तिताय भए ব্যায়াদশিকার একমাত্র উৎকৃষ্ট উপায়। ও खत, अहे विश्वदरत मीय:श्यांच **उर्क विकर्क** कात्र इस । जीवक वाचु है स्वमहत्त्व मान्याल वि. . . . বন, প্রভাত ও সন্ধা কালে অসুনে এক কে অমণ্ট প্রায় সকলের আত্মরকার নিমিত ও হ্যাপ্ত। অভঃপর ভন্ত একজন সভ্য প্রস্তাব ক ন, বে এতখনাদীলিগের ব্যায়ামশিকার নিমি এখানে একটা বিদ্যালয় স্থাপন কৰা উচিত किन्त काश काकान्य वायमाया बिल्या मकरल अञ्दानभीप इहेल या। छ० भद्र बीयुक्त वाबू द नाच हरहै। भाषाय बनिदनन, सनकी छा छ मञ्ज ্ৰৰাকা অভি সহতে ব্যায়ামচঠার ফল লা रुरेटक भारतः वातु हमान्यथत मानाः ल *(सथा*क মতের এই বলিয়া প্রতিবাদ কবেন যে, বাঙ্গালী हिन्त्र इस्मीनिरगत भएक किएकडे छेभरवांभी मरह কারণ ক্রিকেট খেলা সকল স্থানে এবং সক

अकृत्क स्टेर्फ नारत नाः वर्षाक्षक हेरात अ

গ্যর গান্যাল এই মীমাৎসা করেন, যে সর্কা! া বর্ণয়াম সকল ব্যক্তির 'প্রিয় ন**েং,** কেছ ভুর*জ, কেছু* শর**লিকাভতে কেই** জ্বন (कह वा भद्मानी मात्रक, अवन्यकाव র শরীর **এবং মনের ভাব অনুসাবে** হটয়া , **অভএর যে ব্যক্তি** যে ক্যায়াম ভাল া, ভাঁহার **দেই খ্যায়ামচর্চা** শ্রেরঞ্জ । চিক্ষ দশীয়দি**লের পঞ্চে স**কল সময়েই দুলাই ও ভাষণপ্রভূতিভিন্ন ব্যায়ামচ চার আর র **দৃষ্ট হয় না। সা**ধার্থের ইছাও সম্রন উ টভ, ৰে ব্যায়াম আরম করেলে যেমন সবল ও পীড়াদুন্য হইটে থাকে, ভেমান ম পরিভঃগে ক:রিলে পেই ছর্মল ও বাড ত রোগগ্রস্ত হইতে হয়।

লওয়ের কর্মসারী দিগের কর্ত্তব্য কর্মে অম-াগকরা একটা অনতি দুঘনীয় স্বভাব হইয়া ট্যাছে। সেদিন ইষ্টারণ বেঙ্গল রেলওয়ে ানির ভুত্দিলের অনবধানভালেবে গর প্রেশনে ভরানক ছঘটনা ঘটল্। ভার্তেও ভাষ্তের তৈতন্যাদর হইল हेर्बहे वा (कम? द्रिलंडरम् (काण्णानिह । ভারতবর্ষীয়দিলের অভিযোগ প্রায়ই a কল্লেনিক বলিয়া প্ৰতিকুল বায়ুতে ভূষেয় বিপরীত দিকে উভিয়া ঝায়। সংশ্রভি হুন) অনার কডিপয় বিশ্বস্ত বয়রু পলকে কলেকাভা ও পাটনায় গমন কবি লন। উল্ছাদের প্রমুখাৎ জাবণ করিলাম. । ই্টইভিয়া রেল্ওয়ে কোম্পানির মূল) লাইনে ভূতীয় শ্রেনীর গাড়িতে কালে इंद्र मा। (कदन दाग्रावनी नाचा (दल ९८३ মোগল সরাই হইডে কাশীর স্টেমন! (৭মটেল পথ) খালো দিতে দেখিতে । याध्रा देष्ठेदेखिया हाल ब्रह्म क्राप्येक्सीन ' জেবীর আবেট্ডিগকে সমস্ত পণ ভর আমিয়া সাভ মাইলের জন ভাবর मिश्रा किम दाग्रदृष्टि करतम, कामता है शत কিছুই বুৰিতে পারিভেড়িনা।

रेशा हुनि (हेक् रमत कार्य) चात्रक्ष रहेशारह । অবীনে থাকিবে।

ना खन अवधि अधारम हो की नाही हो क

अस्थित शक्त काल द्वित्व । १९४१टक अन्ता विद्याद **क्षेत्र माहे । नगरत स्थापनरशा कम सर**ह

च्यल्याम । উপসংशातकारम आयुक्त यानु ∫ त्व चम्रानक धैना त्याप **१३८७८%, এবং ७.**॥व জ্ন পুনরার ওলাউঠার প্রাছ্ডাব ইইরাছে। এ সময়ে শীতা র্থ্টি না হইলে শদে,র পঞ্চে ঘোরতর অনি**ষ্ট হইবে।**

> व्यामितिकत अभावानियत् व मर्वाप-দাতা লিখিয়াছেনঃ---

া মহালয়, সংগ্রন্থি মুরার ছাউনিতে পুন রাল্ল চোরের এ**রূপ কৌরান্ম হইলারে নে, অন্ত**ভঃ জনগণ একেবারে অস্থির হইয়াছেন । রাজ্রতে কেছ নিৰ্কিল্লে নিজা যাইতে পারেননা -शुर्क्ट निश्चित्राहिनाम, अधानकात हारतता व्यामारतत्र व्यान्तत्र काकाकेकविरशत् महाभू कता নক। ইহারা প্রায় সশস্ত হইয়া চুরি করে। এক तार्क ७ 8 व्हारन हूर्ति इप्र । मध्या इहे साम , हार धता श्रीष्ठद्वार्षः। किन्तः व्याभ्वर्धातः विषय् अहे. ভাহারা কেবল এক মাদের নিমিত কারাবছ eইয়াছে !!! এক দিন আমাদের এক প্রিয় **বস্তু**র गृह हहेट उ कि है। का ७ कडक अंग श्रासनीय काशक्ष्मचलिङ अक्षे बाक्र हृति कशास्त्र ७९भइ क्रिम श्रीमहबद्ध (माकमिश्राक बना इहेम व्य. यक्रि আমার বাকু ও কাগল না পাওয়া যায়, ডবে व्यामता माखिटकेटनेत्र मिक्टे मतथाल करिय। अहे কথায় ভাষারা কছিল যে, আপনাদের এরপ করিতে হইবে না, আমরা আপনার বারুপ্রভৃতি অসুসক্ষ'ন করিয়া দিব। তৎপর্দিন কেবল নগদ ১০ টাকাৰ,ভীত কাগলসংগিত বাদ পাওঁয়া গেল। বাক্ল মুরার নদীর ভিতর জিল। বোধ হয়, अयानकात्र (हाएवता मार्डित मर्यक्षामा खारन ना ह ফুডরাং নোটপর্যান্ত পাওয়া গেলঃ মহাশয়ঃ এই करब्रक मिरमञ्ज मध्या ध्यमकल हुन्त्र इरेन्नारक श्चाम अधिकाश्यद्दे भूजिएयतः तन्युर्थ ও চতুঃ পাথে ইইয়াছে। শুনিলান পুলিবের লোকেরা এইসকল বৃভান্ত প্রথমে মাজিটেটের পোচর रुक्टेट (म्युनाइ) अहे हुई निन रुदेश माखिएक ের গ্লেচর হওয়াতে কিছু উপকার ২ইভেছে। তথাপি লোকের ভব্ন বাইতেছে না। গভ রজনী ভিমিরাচ্চর ও মেঘমালাসমন্বিত হওয়াতে চোরেরা আবার উপদ্রব করিয়াছিল।

মহাশর ! এখানকার সকল লোকেই কছি हुक्ति होज कामारवात • छात्र मि**डेबी निशा । एटाइ এद**र **कामारमवड काञ्चान १३८७८७ (व**, अधानकात भूलियर नकन व्यनिष्टेत मृतः। भूति ह हो जि अधीनकात (था अपूर्ण वेशकारत वहे कार्रत वाकाम । अधिवास महातारकात ताक এটালশব্ধীয় যুবার সপাদাতে মৃত্যু ধানীকে কালিদাস্থ্যিত দিলীপ রালার রাজ্যু विनित्न व रत्र । अभिनामि अथोरन , शात्र हुति उ

व्यथह काम श्रकात काक्ष्माहारतहे कथा स्त्रम না, যেমন পুলিষ কুল্থালাসম্পন্ন আহি ताल तर सन निर्मिताकी।

प्यामारमञ्ज विष्यमन अवर्गरमे मानाव সমুপায় ও উত্তম বন্ধোবস্ত করিয়াও मर्था माखितका कर्त्राष्ठ नात्रिरण्डाइन কাশ্চর্যায়া এই সাম'ন্য একটা ছাউনির ' রক। করিতে পারেন না ?

२। এই ऋारनतः ज्यमण्डिन्दतः भरेनकतः একটী গিরি আছে। সেই গিরির উপরি একটী মন্দির আছে। ঐ মন্দিরের ভিতর শ বের বিকট মুর্জ বিদ্যাল রহিয়াছে। গড বস্থার দিন ঐ স্থানে এক মেলা হইয়ার্ मर्निक लाटकत्र नमाशम २०४१७७ वर्ष হয়। যাত্রীরা ঐ মিরিনিঃমত এটো : जानामि कतिया वाफ्रामानहारत्र मनित (मन । **भज्र**ण । लारकत এই विश्वात (य न নশ্ন ও ইহার পূজা করিলে শনির দৃষ্টি 🕆 मा। वेषान्द्रत्यत्र (मारकत्रा व्यवनाञ्चावित्रः व्यक्तिक घटनाटक अस्टेबलना गटन करत শ্নিকে ভ্রুখোর প্রেষ্ঠ জ্ঞান করাজে অনেক হইতে এই শনৈক।ভীবে বাঞীর সমাসম।

্মহাশার : সমগ্র ভারত বর্ষের লোকস विरवहमा कतिएक शास्त्र (वाथ इहेरव रय, क 😘 কুদংকারের রাজ্য অবদ্যাপি সমানরা: (मरम बा**बक् क**तिरङहरू, व्यामारम्ब (मर्मीयः রাষ্ট্রিন নাবিদ্যার প্রকৃত নাছ আয়ি 🕊 অং অংথিকার মধ্যে ইহার জ্যোতি রার্থ বর্ষান হইবেন ভড়দিন এদেশের সর্কা ভাবে কল্যাণ নাই।

৮। সির্ট ছইডে এখানে কয়েক্টী আসিয়াছে। গভ ২১ এ ভন হস্ত⁸তলিকে আন করাইতে লইয়া নিয়া ভরুব্যে একটার পূর্ণে /মাহুত ছিল মা > এং क्ती हत । दनहे हे जीही अकती हिन्जिनी सिर्व হার প্রতি ধাবমান হওয়াতে কুলী পড়িয়া পড়িবামাত্র হস্তী সম্ভবারা ভাহার উ **এऋ**ण खग्नानकञ्जल विश्व कविन (४, ८७ टे वःहेख । इंद्राः (शनः। व्यक्तकः (माकः ऋातिदा কে ছাড়াইখ্না দিল। সে ব্যক্তি এক্সপ য ক্ইয়াডে যে ভাষার বাঁচিবার সভাবনা ন

8। अञ्च वाजाना नगरमत् अवनी **अ**श चन्न अभिनिदात जाक्तित्व अकाक्ष **अभिष्क माधननाज यञ्च भित्र है बर्मन १ है** प्रा इंशत अस्टि अब्द वामानीमिर्गव का ড়ীর বিশেষ মুরবয়া হইবে: কালীরাড়ীর कारण वाप्र हेहात होता अन्छ रहेछ । हेराव होन जरनक नाशावन कार्या वर्षनाहाय বিশেব উপকায় সাধন করিতেন। এখা এড বড় এঞ্চিনিয়ার জানিগের পরিখ্রি ভারতবর্ষীর

तम् अङ्गानो कति एकम। अन्तन उँ। होत राक्षा । अपि प्र दिख्य अङ्गान किति अङ्गान विद्या आणिशास्त्रम अदर जिनि अङ्गान वाङ्गानी आणिशास्त्र हार्डिशास्त्रमः हान अङ्गान वाङ्गानी अनामारम स्पृथ्यमा कार्या कतिर प्रहित्सन छारात जिल्ला । एक्षाणि किति आरम्य वादा रम्म किना । एक्षाणि किति मार्ड्यामरभाव भर्यामा , जाण्ड्या !!!

भिक्तित स्थान स्थान होता मश्कार रहे । अञ्चल वाकाणी खालाता कर स्टार्की की केरमार्ट्ड महिल होता क्षान किल्ला (नाथ रहा कहिलकाम महार कात क्षेत्री त नार्थित मार्थकरमाधन रहेर्द। केर मधान्यहे वर्षत्व मकल का क्षित्र मधानन केथामा हेर्दि। विद्यान विभवान कार्यभावकर सम्बद्ध आक्रिक हिलाहा विद्या कथारम मेक्ट्र

বাক্ষ্যমাজগৃহনিশ্বাণার্থ

তিমন দিন শীতা আনম্ম করুন। দিও এখানে বীভিমত বর্ষার সমাগম হয় কিয় ত্রীতা আর নাই যদিলেও হয়। প্রায় ই জলীয় বাবু প্রবাহিক, এবং মধ্যে মধ্যে ইউডেছে।

क सभी, अवर मण्डलाई अक सांख्य इंदेरव

क्रमावाम स्ट्रेड वक वाजि

संद्राद्रम ।

अञ्चल मनत विष्युत क्षश्रम स्वत्र मि, वि, श्रीम मारहेव मि, अम् आहे, यहूर द्वार्टम इ.स मीक्षित हरेया करम मामगासिकारा क्षिता मगरत मित्रारहम। अहे मरहान्य इस महामकाती अ अ भ्रापत अस सम विहिरेल्यी। असमा हर्गत भीकात मसुमान इसहे हर्ग्यिक हरेग्रारहम।

अशास मध्यकि केन्स्य बादू विद्रमाथ वसू

यहानवृद्धिकारिक मास्य किकिएमः कृतिया व्यानकारक व्याद्धिका कृतिकारका

অত্তঃ লেপ্টন্ট গ্ৰণ্ড সর উই সয়ন নিয়র সাহেব গড় পর্য নাইনিডাল গ্রন করিয়াছেন।

अरुट है। मर्वाममाठा मिविहार हन।

कराविति स्वामा, कृषियाता, महानिश्ह्यकृष्टि कराविति वित्री चार्टि। जन्मर्था स्वामा । जन्म वात्राहे श्रथान। स्वामा ननी, मिलपुटस् भाषाक्र हहेएक विर्माण हहेग्रा (भवनारक श्रामिति हहेग्रार्छ। हहान कीरत क (स्वाम श्रथान नगत किन्छे कर्थ काक्क, स्वाम्यक, चालमीत क नाहां नक्ष करे कात्रक, स्वाम्यक, चालमीत क नाहां नक्ष करे कात्रि श्रीम्ब शंकात चार्टि।

क्षित्रं अकि शार्तका श्राप्त । क्षृत्रार भीक कर्वा अकू इंशस्त क्षित श्रेष्ट क्षित काल काली। भीक कार्कि अवि कार्यित काल शर्ता अवर वर्ष। देखा के क्ष्यित कार्यित श्रेष्ट शर्ता इंशांत क्रम वांत्र क्षिक केलम क्ष्यों है।

क्षीरहे पृथि कि के विश्वा। हेशव आय সমুশার স্থানেই বহুল পরিমাণে খানা উৎপর হয়। অত্ততে পর্ক্তসমূহে কাপাস, নাম্চিনি क्षता लाबु, दानम । भाषातः स्वयमा अन्यकाश्च सर्व करम । कार्ट्स कारम हाद वाशिकाल कारह । किक पूर्वत समा देश ममधिक अभिका समा শের অধিকাংশ চূব : বিহট ক্টতে গিয়া থাকে। श्र (स्ट्रानंत्र अधान नमन अधिर्वे प्रत्याः मनीव शक्ति करहे क्छि। हेशक पूर्व भीमा भिवशक. প্ৰিষ সীমা আধ্ৰিয়া প্ৰাম, উত্তর সীমা আৰ্রশানার বাজার ও দক্তিন সীলা প্রস্থা নদী অত্তঃ গ্ৰহণমূহ অভি নামান্ত্ৰণ, বআদি অধি क्टन क्पर्याः। नथक्षां वर्षाकारण अक्रम कम्ममग्र रहेता. छट्ट, य इलिएड कान कान खटन आञ्चलर्वाच शदक निमम इत्। अधारन ककी । माजिएकेन, कार्क्रमाजिएकेन, कारमहोत्र. (ড্গুটা মাজি**টেটা,** সদর্কামিনী, সুনদেকি, ণোষ্ঠ আলীয় ও ইঞ্জিনিয়ায় আপীয় এই করৈক টা নাপীন আছে।

আমাদিগের কোরহাটীছ সংবাদ দাতা লিখিয়াছেন।

३। किल्पन्न विश्वन इहेन, एं उन्नान नार श्राह्मत भाष्यकी मनीटिक करना मिनीय मना हरे थाना (मोनाटक मस्ट्राका इहेग्रा शिवाटक (मदंगावाकमिनानी किल्पन्न (माताविदक्तः (स्वक्र वर्गा वान्तान्ति) कालवादत हार्षे थारमत मिनके (मोना नार्थ। निव कार्या कित्रा नाजिटक स्वरं शारमरे मन्नान थार्य मिनीय मार्ग कर्गन सम प्रताचा प्रसान थार्य किला। (मोना क्वार्य सम प्रताचा प्रसान थार्य किला। (मोना (क्वारकादिक मिन्नान प्रताच भन्न किला। (मोना (क्वारकादिक मिन्नान गर्म किला। (मोना (क्वारकादिक मिन्नान गर्म किला। (मोना विद्याकामिकात महान मध्य भ होता कार्य कार्य विद्याकामिकात महान मध्य

> _:·:_ প্রেরিত

কান্তেন্তির্কিকা শনী সভার চতুর্ব সাধ্যস

क्यिद्वनन क्यकि ननादतादह रहेवा निवाद

नक'त्र संभीत्र क विस्मानित शाहा पर नक वि

बट्डाप्रदेशत ममाभम रहेबाहिन।

মান্যবর জীযুক্ত গোনপ্রকাশনপার মদাশর নমীপের।

ক্রীক্ত লেপ্টন ট গ্রণর 'আসামে আগ করিলে জালামবানীনিগার করিও প্রার্থনী বিষয় জাঁহার পোচর করিবার অভিপ্রাবে গামি আবেদন পত্র প্রপত্ত করিবার নি অত্তর কভিপয় দেশীয় ভদ্র লোকে গত প্রথার করিবার সভা করিবার নি আঘার একটি সভা করিয়াছিলেন। সভায় দক্ষ বিষয়ের আলোচনা হয়, ভারার সংগ্রিবার নিয়ে প্রকৃতিত হইল।

 नक इहेग्रा के छे अवर शाहां गेत निकार के कक গুলি প্রস্তর কলে মুম আছে চ ডে মুবন্ধন প্রতি व त्रत शांत २०।२० छन (लां क्रिक मुद्ध ६ हेव्र) থ'কে। অভএব গোহাটিছ লোকদিগের পারা পার নিমন্ত একখানি বাষ্ণীয় মৌকা বাধা **ब्ह्र (मण्डेनोन्डे शवर्गहर्क अहे काञ्चर**होस कता কর্ত্তর এদেশের ভূমিতে প্রকাদিগের কোন খড়নাই, এই বিষয়ে গোহাটীর হাইঞ্লের শক্ষ জীয়ক বাবুচজ্ৰমোহন গোখানা একটি াজ্ডা করিয়া এই এতিপর করিবেন যে, জার ভূত্তনা থাকাডে দেশে। কোন প্রকার देव कि **२३८७८६ न।** এव॰ शवर्गसम्हे यथन याहात মি এইণ করেন তখন ভাষার অংনক কভি ইষা থাকে। এদেশের রাজকর রুদ্ধি হওয়াতে क्षाविरभन्न (य काकिनम् क्षान स्ट्रेटकर्ट, देहा अ वाषःभी महानम्न छैदल्ल । कतिदलन ।

তংগরে গোলামী মহাশয় বলিলেন, হাই

ल अक कन काहरनत काशायक निरम्नारमत

ন্য লেপ্টনান্ট গ্রণ্ড সাহেবকে অনুরোধ করা র্ব্য। পূর্মো কলিভার চিঠি ১২ দিবদে আ মে পৌড়িত, এক্ষণে ইনজ্পেক্টর পোষ্ট মাষ্টার ুক ৰাবু হে€নোৱায়ৰ ব্ৰেদ্যাপাধ্যায় মহাখ ব ছার৷ ডাক গভায়তের এরণ সুপ্রণালী क्षाह्य कामना a मिनरम कलिकाछात हिठि ब्राथाकि। हेन (भाष्ट्रेश वायु वनिक्रमन, शवर्ग ট ঘুনি বৃধ্যকালের জন্য কিঞ্ছিং টাকা ব্যয় রন, ভাষা হইলে সংবৎসর এই প্রকারে ডাক তে পারে। উংহার মতে প্রশিক্ষরার্ক াটিমেটের ছারা এই কার্যা ক**খন ক্রুস**ম্পা ংইবের। অবজংপর তিনি 🗷 ডিপাট র কর্মজীরীদিগের দৈখিলা ও অপবার য়ে এক ২০জ্ভা করিলেন। পরিশেষে ্ডে কোপানির একেন্ট 🙈 যুক্ত বাবু ।। ज्ञान्य व्यवस्थानाम्। विकासन्त । (भारा জাগদানি রপ্তানির যোগ্য থীক্ষ না থাকায় বলিকদিগের অনেক অক্সবিধা एक्। जेनरत (यमकन विषय्त्रत जेटलय कता , সেগুলি সৃক্ত সন্দেহ নাই। তৎভিন্ন কার rঙলি বিষয় আছে, ভাহাও বিবেচনা করা । উচিত ছিল। এরেশে মিউনিসিপান টর অভ্যাচার এবং দেশীয় লোকটিগকে কশ্ম না দেওয়াতে যে অবিচার হইতেছে লেপটনাত গ্ৰহিকে বি.দন্ত করা **বর্ত্তর**ে मिक्रा भी करेनक चार्गाम

দেবীর

লম্পাদক মহাশয়! এবানেও আবার গা.ড়ির মাখল হইতেছে। শুনিডেছি গাড়ি গুলি ডিন ত্রেণিতে বিভক্ত করিয়া জ্বেণি বিশেষের ভিন ভিন্ন প্ৰকার বাৎসরিক মাশুল নিদারিত করা ংইবে, এবং একাও বয়েল গাড়ির মা**শুল** গৰ र्गरमणे चण्डा महत्वन हेराटण महिल मिरशबहे কষ্টবড় লোকের বড়কথা। ধনি ব্যক্তিরাই কুজিও গাড়ি চাপিয়া থাকেন, ঊাহাদের সার रेराए७ कि विरमय क्षांछ रहेरवक, किन्न याहारमव ≖য়া আনার উল্ছার। বেছই চারি পরসাদিয়া একা চাপিয়া বেড়াইছেন, ক্রমে ভাগাই লয় रहेट नागिन। व्याद्वारीनिश्वत गना ना काछि লে দরিদ্র একাওয়ালার আর কোথা কইডে গৰণ্যেক্টের পেট ভরাইতে পারিবে কির্দ্দিন হইল এখানে বাণিজ্য দ্রব্যাদির মাতাল লওরা ষ্ইভেছে। সম্প্রি গাড়ির মাখল কইবার প্রস্তাব চলিরাছে কিন্তু গাড়ি চলিবার রাস্তা ওলির শুবিধা করিবার বিষয়ে ডড মনোধোগ দেখিতে পাই না এখানকার গলি রাস্তা ওলির ছুরবস্থার বিষয় প্রেরাগদৃত পত্রিকায় প্রকাশিত **হইয়াছিল সবিশেষ মহাশয় অস্বগত আছেন** : এলাহাবাদ

२८ व खून ३४०० ।

मृनाव्याखि।

--:0:--

 एक वाबु ब्राधिकामात्राद्वन स्थाव **লৰল**পুর ১२१६ आवन स्ट्रेटक १७ कावाह ১৩ » অগ্নোহন সিংহ যেদিনী পুর ১২৭৫ আৰাচ হইতে ভাত্ৰ 94. " शैमनाथ समी ₹1**₹**1₹ ८२१८ कासाह क्ट्रेटक १७ टेकार्ड ১৩ " বজনাথ রাম बन्तग भुद्र ১৮ ७৮ खून रुट्रेट मरवस्त्र ভবলিউ, বি, ওল্ড হ্যাম क्रेक ং৮**৬৮ জুন হ**ই**ডে** ৬৯ মে 7.0 " ক্ষেত্ৰমোহন সিংহ **बिनाअ**श्रुत ১৮৬৮ যে ইইডে ৬৯ এপ্রেল ১৩ » নবীনচক্র বন্দ্যোপাধ্যার মেদিনীপুর १४७४ सून इंहेटक ७३ (म 20 विदेशचंत्र नाटकः কায়ৰা १०७० जुनाई स्ट्रेंट्ड ७० खुन ەد " ताथायलक जिल्हें द्वार क्रिकाटकाल ১२१६ देव**माच स्ट्रेटफ देवले** 🦠 ৯ আগুতোৰ চ্টোপাধনায় হিন্দুহটেন

নোমপ্রকাশসংক্রান্ত করেক। বিশেষ নিয়ম।

অবিদ মূল্য ও ডাক্মাসুল না পাই। বলে সোমপ্রকাশ প্রেরণ করা ধার না।

ইহার অগ্রিম মূল্য বার্ষিক ১০ টাকা বাণ্যাসিক ৫॥০ টাকা। মঞ্চপলে ভাব সমেত বার্ষিক ১৩, বাণ্যাসিক ৭ এবং সিক ৩৮০। তিন মাসের স্থানে অগ্রিম গ্রহণ করা বায় না। ছণ্ডি, বয়াতি চিঠি, অভার, নোটা ও স্থান্স টিকিট, ইহার অ বাহাতে বাঁহার স্থাবিধা হয়, তিনি সেই হারা মূল্য প্রেরণ করিবেন।

বাঁহারা স্থাপটিকিট পাঠাইবেন, ধ বেন এক অথবা আধ আনার অধিক । ও রসীদের টিকিট প্রেরণ না করেন। বখন বিনি সম্প্রিক স্থান

যখন বিনি মদত্বল হইতে সোমপ্রব মূল্য পাঠাইবেন, ভাহা যেন রেজিপ্তরি ব শ্রীযুক্ত ছারকানাথ বিদ্যাভূষণের নামে প ইয়া দেন।

य शिक्षित मृत्य निर्वात मयत अशिष्ठ । आमित्व, अक मामश्राम्य डीशिमिशिक निर्वित्री आमाम शहरव, कान अशिष्ठ । भारति अक वात किशि लिचा शहरव, डाशाः अक्यामकान अशिका कतित्र। काशक वस्र गहरव । भारति वादत्र शत्र विद्याति । भारति वादत्र श्रा

মাতলা রেলওয়ের সোণ:পুর ষ্টেসনের চ যরে চিঠি আইলে আমরা শীত্র পাইব।

ষাঁহার। যাজ্য না দিয়া পত্রাদি প্রেরণ বেন, ভাঁহাদিগের সেই পত্রাদি গ্রহণ বাইবেনা।

কেই সোমপ্রকাশে বিজ্ঞাপন দিতে ইং
করিলে তাঁহাকে প্রথম তিন বার প্রতিপংজি
আনা তাহার পর />
অবিন ভাষার পর /
বিনি অধিক কাল বিজ্ঞাপন দিবার ইক্ষা কা
বেন, তাহার সহিত খতত বন্দোবত হইবে

শক্ত এই পত্র কলিকাতার দক্ষিণ পূ মাতলা রেলওয়ের সোণাপুর ষ্টেসনের দক্ষি চালভিপোতার ত্রীযুক্ত ভারকানাথ বিদ্যা ভূষণের বাদীতে প্রতি সোম্বাক্ষণ প্রাতঃকারে প্রকাশিক হয়

मियशका

७७ मश्स्या ।

" प्रवत्तनां प्रक्रतिचिताय पार्थियः सरस्वती श्रुतिमचती न **दीयतां।**"

ক মূল্য ১ এক অন্তিম বাৰ্ষিক ১০ দশ ম শ্ৰাণিক ধা সাভে পাঁচ টাকা।

সন ১২৭৫। ৩১ এ আবাড়। ১৮৬৮। ১৩ ই জুলাই { মদদলে মাজুলসমেও অগ্রিম বার্গি

বিজ্ঞাপন।

দাসকোম্পানিব বছবাঞ্চার প্রেস। ८ द न^९ महनदे ज़ालित (लेब) अरब्रिलिश्चेन की है।

PP ि উक्त नामरकान्ध्रानि **अक्ती** सूचायद्वा েন্ড'পন করিয়াছেন। পুস্তক, সংবাদপত্র, त्रमीन किया, किक, किवनश्रक्ष प्रकाश কার্যা, বাজারের নির্দ্ধিষ্ট মূল্য অপেকা ত गृरला, यञ्च সময়মধ্যে ও স্তুচারুদ্ধণে নিজ্পর ত এক্সত আছেন। অপর উক্স,কোম্পানি গাধনের ভারএছণ করিবেন :- এীরাম ব প্রনিদ্ধ রামচন্দ্র কর্মকারের বাঙ্গালা নানা মুত্ন অকর ও বিলাভি নানাবিধ ইংরাজী **७। कत् अवर यञ्चालरम्बद्ध कार्यम∤क मयस्य** म मर्थक् कविष्टार्ट्स । अकरन नाषातरनत । হ-ও অনুগ্রহ প্রার্থনা করেন। লেকাডা } জীকেৰিকাচরণ দাস। ই আখাচ }

সহত্রমুদ্র পারিভোষিক। ভগারা সর্কানাধারণকে জ্ঞাত করা যাই-্যে গত ২ রা চৈত্র আমার ভবনের সম্ম s अवर्गस्थिते मार्थायाकुछ विन्धानस्थरस्य ার উপর বেলুড় আমবাসী অন্তাম বফিববীয় क तश्क्रुकात्रामक करेनक शशिरकत य क र छ।। का छ रहेग्रा शिव्राह्म, व्यक्ति व्यविध প্রের মধ্যে যে ব্যক্তি তাহার হননকারীর ছান করিয়া দিতে পারিবেন, ভাহাকে यूष्ट्रा भाविएकांविक श्रमान कता याहे (व। বৈর পর এক বংসরকালমধ্যে জন্তুসক্ষান সংবাদলাভাকে ৫০০ পাঁচ শত মুদ্রা করা হইৰে। অভিশন্ন আংকেপের বিষয়

উলিখিত দিবস অৰ্ধি গ্ৰণ্মেণ্ট পক

र्हेए अवर व्याप रहेए नामाविध अञ्चलकान করা ইইভেছে; কিন্তু কোনক্রমে রুভকার্য্য হইতে পারা যাইতেছে না।

भारकाष्ट्र शेष्ट्रभावी } १४४४ माल } किर्माणीलाल नेगुण्ड । १२ हे जून

অভিধান :

| વા જવાના | |
|-------------------------------------|------------|
| मकाबुधि | > (i • |
| শকাৰ্যপ্ৰকাশিকা | • |
| শব্দ সিম্মূ | ٥ |
| শকাৰ্থ মুক্ৰাবলী | ٩ |
| শক্ধরম্মালা | ¢ |
| শব্দার্থপ্রচারিক। | • |
| প্ৰকৃতিবাদ | ŧ |
| সংস্ত পুস্তক | |
| রঘুবংশ সচীক | ۲ |
| উত্তর নৈৰধচরিত | -4- |
| ভ িটকাব্য | 8 • |
| অষ্টাবিংশতি ভস্ত | ot |
| দশরূপক | 340 |
| লিকাভা) ত্রীকেলারনাথ বক্ষে | ांभागतंत्र |
| ৰ্ভয়ালিস টুট ১৭৭ নং পুল্ফকবিয়ে | 1159 |

গ্রাহকগণের প্রয়োজনতের নিযুলিপিত সংস্কৃত পুস্তকরহের কিয়দংশ প্রকাশিত ছইল। প্রাহ্কগণ পুর্ম ভ্রমভীত নিয়নিদিই সম্পূর্ণ र्मृतः (क्षरन कतिरलकाश करेरवन। विरम्रत (প্রেবের সভন্ত ভাক মাশুল লাগিবেক। মল্লিনাথের চীকা সহিত।

🦟 শিশুপাল বধ (মাঘকুত) মূল্য র্ছুবংশ (কালিদাস্কৃত) " ¢ į.• ক্রাভার্কুনীয় (ভারবিকৃত) €#•

विमार्शिकारनत्र क्षत्रकृतिथार्थ निम्नीन কতকওলিন সংস্ত পুত্তক দেবনাগর দলীক মুদ্রপারত হইবেক। একানের পূর্ফো ভুক্ত হইলে গীড়া বার পুঠা অপর প্রতি পুষ্ঠা ভিন পরসার হিসাবে খণ্ডে বা সম্পূর্ণ প্রকাশিত হইবেক উক্ত নিয়মে মূল্য ব कतित्व भूत्कक श्रांख इहेरवम । विरम्हम (श्रः বতত্র ডাক মাপ্তল লাগিবেক।

अपूत्रश्चेत्र । (अप्रष्ट । अकुछना । नहर मानविकाधिक । विक्रामार्सभी । मूमादा র্যাবলী। মালভীমাধব। সাংখ্যতত্ত का मार्क्काविका। महावीत्रह्रिकः छेन्द्र . চরিক্ষর । মুক্ষরোধ। দশকুমারচরিতের উক্ত পাৰিনি। বসস্ততিলকভাৰ। অমনুকোষ। স ভাষ্য, আনেকাগিরি, জীধরবামী ও মধু সরস্ভীর চীকাসহিত জীমভাগবত। মহাভা ৰিক্ষুপুরার। কাদৰ্থী। ভট্টিকাব্য। নাগান काराधकान । हज्क । बार्करखन्न हखी ।

কলিকাতা সংবাদ জ্ঞান বুৰাকর যন্ত্র নিমতল। } জ্রীত্বনচন্দ্র ব জীট ৩২ সংখ্যক তথন।

বিক্রয়ার্থ।

গাংকডেন রীচ্ব৪ নং বাটী ওলাম্পর্১ (জ্ঞাড়া ৰাগান।

বিশ্বব্র নি মন্ত্র।

बाबरफनवीक १८ नः दानि।

উপরি উক্ত বাগান ও বালী মাহার করিতে অথবা লইতে ইচ্ছা করেন, নিমু ব্রিত ব্যক্তির নিকট জানাইবেন :

> পিলেগুরেস্জারটো धनहें अत् ्र

শক্কর্রেফ্য অভিধান। সর রাজা রাধা-নীতিসার (১ যভাগ) াস্ত দেব বাঞ্জুরের ক্লাত। **উত্তমকপে সোণা** का उपन बीवान भूना २०० होका।

ঐ মানসদচন্দ্রবেদান্ত বাগীশ।

---: •:---

রাণীগঞ্প পটরি কোং मिदिएंड ।

(ম'প্রা করিবার স্থৃচিরূপ টাইল ! া কোল্যানির মিসমরোস্থিত ৪ নং আফিসে গ্ৰন্থ দেখিতে পাওয়া যায় এবং যদি েব এয়োজন কয়, ঐ আফিসে কর্মতিপত্র ঠি:ইয়া দিবেন।

--- : . :---

এত আবা সর্কালাধাবলকে আছাত করা যাই-ছে .য. যথন কোন স্ত**ালি বা পুলিকারে**ল য় ভারায় প্রেরণ করা হয় তথন **যে ব**্লিকর क्षे प्रवासि वा श्रीतन्त्रा श्रीत्राम स्ट्रेस्टर pla উচিত যে ভিনি যে টেপন **হ**ইতে । দিয়া পুলিকা পঠাইডেডেন, সেই টেস : প্রদন্ত দ্বাবাপুলিকার রসিদ যে ঔসনে বোপুলিকাপটোন হইয়াছে সেই ছেসনে পান। মচেব ভাঁহাকে প্রেরিভ দ্রবাদি বা क्ष्मा (एखन्नः स्ट्रेटन मा ।

ষ্,গার নামে দ্রব্যাদি পাঠান হয়, তিনি স্বয়ুণ ক্তিত হট্যা দ্রব্যাদি লইতে না পারিয়া যদি ্কোন ব্যক্তিকে উহা লইছে। পাঠান, ভাগে ার নামে এব্যালি পার্গান হইরাছে উচ্চার ভ যে ভিনি প্রেরিড ব্যক্তিকে এব,'দি দেওয়ু' এই প্রাথনার সংকর পুরে লি খিয়া দিয়া ক্র করিয়ালেন। নচেং জৰ্গদিকাপুলিক। या हहेर्य नाः

हिल्ह्या (बनक्रम क्षेत्र) निनिक्**कि** क्लिम ल(क) भः (क्षायात कि छ ८० व अपूर्न

সিমনিয়া সংখ্যাত পুস্তকালয়ে ও পটোল , বাড় বেং বাদার কোম্পানির **দোকানে ২**ৎ ত ও মংপ্রচারিত নিমাল্পিড পুস্তকভাল は 6年(37.5:---মূল; •

) हे कि ほうさい

५५: ७०। न

ማካርያ ፕሬተችላ

নীতিসার (২ র ভাগ) J প্রচারিত। बुक्षरदीय व्यक्तित्रन

ত্রিছারকানাথ শর্মা ।

ভারত হবীয় জাকাসমাজের সহিত প্রভিনিধি मृष्ठ: ও ক্লিকাতা **उ.भा**नगाएणत श्रहात विस् গের যোগ করিবার প্রাক্তাব উক্ত দিবলে উদ্ভি বিত স্থানে অপ্রাহ্ণ ১ ঘণ্টার সময়ে বিচারিত হইবে - এতিনিধি সভা ও প্রচারবিভাগের সভ মহাশারের তথকালো উপস্থিত হইয়া ভাষিষয় मिष्ट्रिक कहिएका।

জ্ঞীকেশ বচন্দ্ৰ সেন।

विविध खबामि विकासर्थ প্রেপ্ত হয়।

हे॰द्रांकी दाक्रमा शुष्टक काशक कलमानि माना বৈধ দ্রবং পাওয়া **যায় মফসলে** ঘড়ী **অঙ্**রি হত্যাদি পাঠাইয়া থাকে এবং পুস্তকাদিতে এক আনার হিসাবে ক্ষিদ্র দি। ঘাদ কেই অধিক টাকার দ্ব্যাদি লয়েন তাংশ হইং ং ৴১০ জানার इंगार्ट क्रियम भारेर्थमः

क्षात्मक श्रिश देश है किन अग्राक আ'বে:বয়'ন নাইট শ্বেকটেটার (बह्मब्राम् (सम्ब्राव (कारमभग खग्नार्क हें शासी खतवर भी द हेर काम्बरी है: व्हिंदेरी अक अस्तरभन (प्रेरे विहेन **इं: मकुछना** হং হিত্তপোদেশ পুরুষ প্রীক্ষা ল্যলামজুন প্রিয়ুদর্শন ভুরকীর ইভিহাস রী ভিমূল কায়স্থ দীপিক৷ সঙ্গীভানন্দ লহরী रेमलव क्षंत्रक रिक्स मुचनू छन

রাম উপাধ্যান রামচরিত . मक्षे कां छ दामात्रभ भार ष्मष्टीमंत्र भक्त महाकात्रक भन्। শিক্ষাপ্রধালী গোলকের উপযোগীত। আহানকী নাটক बीववाका बनी विश्वा रक्षक्रमा কীচক্ৰধ কাৰ্য চরীত মঞ্জী কবিকম্বণ চণ্ডী का मी शख প্ৰভাশখণ্ড কলীকোন্তক নাটক ক্ৰিক্লাপ রামাভিধেক নাটক

'কলিকাডা জোচা-🗐 প্রতাপচত ৰ্শাকো ৬৪ নং 🕽 নগদ মূলে; বিং

इञ्चितिलाय मार्क

বসকামিনী নাটক (মূল্য এক টাক!) স यद्भत शुक्षकानरम, श्रीत्मवाकारत आपुक (ङालानाथ पूर्याभागारशेत के स्वत (न এবং সংজুত যন্তের অধ্যাপক প্রিযুক্ত ক্ষেত্রমোহন মুখোপাধ্যায়ের নিকটে এ ফেত্রগরকে ২৫ পটিল টাকার হিলাবে नन (४७३। घाषा

ারাণ চন্দ্র মুখে। পাধ্যার্য

ক্ষেত্রের ব্যবহার ও জারিপী নক সা করিবার নিয়মসম্বলিত ব্স্তুপরিমাণক ও করিপ "কলিকাত। স্কুকিয়া ক্রীট মর্ছেশ ^১, ব্যগ্রনে ১৮ ১৮ নং বাটাকে এবং স 🧎 প্রস্তুকালয়ে বিক্রয়ার্থ প্রস্তুত আছে। মূল্য ু সম শুরু ১ এক টাকা

জীপ্রসরকুমার দানিয়া

ইংরাজী ১৮৬৯ সালের প্রবেশিকা পর ১ : সাহিত্যের অর্পপুস্তক বেবরেও আর, র ় কর্ত্ত প্রস্তুত হট্য়া থেকার স্পিক্ষ ধ্যেৎ ্যা কলিকাভা কলেবুক সোসাইটীধারা বি ा . १६८७८६ धूना ३ ० अक मे का काबि प

এতশার। সর্বসাধারণকে জানাইতে: (क्रमा २८ श्रवशनात्र होकीमात्री मनत्रवर्ष

हे!का હ ધ ত ٥h 34 ŊĊ ₹ ∤ 2 ≥# :

वानी विवामी एकन

দ্যুরকাকেলী কৌমনী

ারগাগিরি পদ এক মাসের জনা খালী

য় উক্তেপদে এক জন একটাং নিমুক্ত কংগ

যে জাত এব জনকোৰ জানেখনত নেখা

যে বে কেছ উমেদার খাতে ২০০০

র জামীন দাখিল কলিয়া উক্ত কর্মের

হও এবং দাবগার মাসিক বেজন ৩৬

ও খত টাকা ভহনীল হইবেক ভারার

ন কিন্তেইট টাকার হিং পাইবে।

ই জলাই) ই কে বাইন

২০ প্রগ্রাক্ত উট্

যা জাইট

নদিয়ার নদী।

ন ১৮৬৮ সালের জ্বন মাসের ২২ এ **হইতে** ৪ পর্যন্ত নদীয়ার নদীর ভলের সা**প্তাহিক** গাট।

करें हेक স্থানের নাম ম'ধা ভালা নলী মহানার উপর পন্সামনীতে ম্চানার ভথা হটাত চাট বোয়ালিয়া ৪৪ মাইল काहे (वेश्वितिया इंडेटक का स्मित्रः ह काय मेग्री ६५८३ केश्रमः ৩৮ মাইল কুঞ্গঞ হইতে ছনলি নদীপ্রতে ৩৪ মাইপ জানীরধী 🗵 মহানার উপর পঞ্চানদীক্তে 70 মহানা ख्या इहाउ विद्यागन ٩ लियातक क्षेत्र कार्डाया ७० महेल . কাটোয়া হুইতে নদীয়া ৪৯ মাইব ् अध्यक्षे सभी মহানা ভণা হইতে করিমপুর

করিমপুর হইতে টিরাকাটা ৩৫ মাইল টিয়াকটো হইতে নদীয়া ৬০ মাইল ৩ ৪

;৯ ম:ট্ল

naicé i

নদীর মহ'না গড় ২৬ এ আধুন ভারিখে

ারগাগিরিপদ এক মাসের অন্য খালী অলজির মধানার উত্তরে সির্লিনির রির যু উক্ত পদে এক জন একটাং নিমুক্ত করা মধানা গভ ২০ এ জন ভাবিধে খুলিরাছে। বিদা অভএব জনকোর আংকেনড নেখা সন-১০ জন স্থাই মধার ও ভাবিধে বর্ম-

कृते हैं कि ১১ के

बस्तरभूत) जीवुका है. (एक छेहेक्श मि, हे ०ता क्या हे) बकास्तिकिकीय हेक्शिनेवेद १४७४) वहत्रमुद्र छिथियन :

সোনপ্ৰকাশ।

७) अध्यावात (मःभवात ।

डाकंमश्रक्त व्यत्नक विमुश्रमा आहि। क्रमाज डाक क्यांगात्रीमिट्शत सायरे যে ভাছার কারণ ভাছা নছে। যাঁছারা পত্রাদি প্রেরণ করেন, উাহাদিপের অন-ভিজ্ঞতাও অধিন্যাকারিতাও উহার অন্যতর কারণ । বেংবাইটেয়র পোষ্ট রীক্তি মাটার কেনরল পরত্রেরণের পদ্ধতির শিকাদানার্থ যে একটী আছিল৷ প্রচার করিয়াছেন, আমরা ভারা এই স্থান উদ্ধাত করিয়া দিলাম, স্বাভিনিবেশ পুর্বেক পাঠ করিলে অনেকে পত্র শ্রের ণের ভদ্ন রীতি শিক্ষা করিতে পারিবেন। बहे एटन व्यामहा । श्वार श्वास्था किनादक मृष्टि विषया नक्क कतिया पिट्छि। व्यक्तिक भएज यर्थाहिक मृत्नात की न्य টিকিট দেন না, ভাহাতে কেবল যে ভাঁহা ब्रिट्सित अम्छ विकिट्डेत भूमा अनर्थक যায় এরপুনয়, যাঁহারা উদ্ভাবা অন্য विश्व कांद्राव मिटे পख अन्न करहन, डाँहा দিগকে কতিগ্ৰস্ত হইতে হয়। দিতীয় এক এক জান এর পার আটিয়া দেন, তাহাবে আর এক জনকে খুলিতে হইবে, তথকালে ভাঁহাদিগের দেকথা ম্নে খাকে না ৷

পোষ্ট আফিদ কম্মচারিগণ সমীপে নিবেদন এই যে।

১। চিঠির উপরে দেশীয় ভাষায় অনাব

শ্যক অনেক মোকাম থাকাতে পোই আর্ সের বিলক্ষণ কার্য্যের ক্ষতি হয়।

श्री अन्यक्ष कथात श्रीतांश वाकीएड क्ष क्ष वाहरम वाख्यित माम, थाम, व्या वा वावनाय मा स्वचा थाकार क्ष क्ष क्ष किति स्माकाम मिन्छ्य क्षिर्ट अस्मक विव ख ड मर्थक कर्ट इस क्षेत्र स्माकाम अस्मः वाध भमा मा इख्तां क्ष कार्यक कार्यक ए क्षोति आकित्म क्षम आकारम किति भार्ति हैसा स्मुखा इस, बाहारमात खेश तिका है द्विक ध्वस्य नाम, धाम, निश्चित्र थाकि अमामात्म केमिट्ट वाख्यित निकटि भ्यो है।

ত। অতএব তাঁহায়া প্রম সীকার পুর নেগাঁর লোকদিগকে উল্লেখিত অস্থবিধ কারণ জাত করিবেন ও তাঁহারা আলগি পক্ষতির উপর হস্তার্পণ না করিয়া তাঁহারে চিটিনি প্রপিত স্থানে নিংসংশয় পৌছে গে য়াই বে আমানের অভিপ্রায় তাহা ক্রমণ করিয়া দিবেন।

৪। আমি এই বিষয়ে ডাইরেইর প্ৰলিক ইনপ্লাকসনকে লিখিয়াছিলাম। বি বোদে প্রেসিডেকিক ভারনাকিউলর বি লয়সমূহে প্রচার করিবার মানদে অনু পূর্বক এক মেমরেশুম (নং ৩৭৩৪ তা ২১ এ মার্চ ১৮৬৮ খৃষ্টাব্দ আনুবাদ ই সংজ আছে) লিখিয়াছেন। তাহা করিলেই নব্য সম্প্রদায়ীরা দেশীর ভা লিপির উপরে ষ্থানির্মে নাম, ধ ম, লি শিখিবেন ৷ ো যাহা হ'ক, জামাদেব পৰ্যান্ত করিয়াই ক্ষান্ত হওয়া উচিত বি:ব করিনা, আনমি আন্তরিক বাঞ্চিকরি মহোদয় সর এ গ্রান্টের মেমরেওনের গতিসহজ সহজ নিরমগুলি আধুনিক ব দেশীর পত্রলেখক সর্বাধারণকে বি করাহয় এবং এই লকারাখিয় প্রে ্যের মাষ্টার ও প্রত্যেক ডেপ্টা (মাষ্টার আপিনার হুযোগ ও অবকাশ বু ঐসকল নিয়ম প্রচার করিতে সাধ্যাকু চেষ্ঠাকরুন। আর এই ংলে আনি প্র कारक के इ अ एक में कि अनन गरक पूर्न

গ্রাফের মর্কে: প্রতি দৃষ্টি রাখিয়া এই বি

: [5]

্স বে কল দেশীর জোষায় নাম ধান, 🖯 🕬 ল গাঁ।

গই এই অনিষ্টের অনেক নিধারণ ০ইটে

বেক ৷

এক, আবুর, হগ ং স্বাক্রিত। আফি সংযুটিং পোষ্ট সাষ্টার জেন ল] । স্বাই পোষ্ঠ মাইরে জেনেরেলের ক্যাম্প भ ५ ० दक्षत मन ১৮% भ वृष्टीका।

মেমরেওম নং ৩৭৩৪

্না আধিস ডাইড়েক্টর অব প্রবিক !कून, डादि**थ २**२ **এ मार्क मन** २०७० ন। ইংরেজী গাঁতি অসুদারে চলিত য় ভাষা, চিষ্টির উপরে নাম, ধাম, গ্ৰণ্মেট ও গ্ৰণ্মেট সাহায্যসাপেক নাকি লার ক্ষের ওয়া হেড ৩২ টা । অস্তৰ্গতি ৰবিয়া অভংপর বিবেচনা করা

হৈতে নিম্লিখিত নির্মান্য্যী চলিতে

১ . ন'নে. ধ'ম, ই টানি পুণক পুথক ন লিখিতে হইবে।

: ; যে ব্য[©]ক্তিকে পত্ৰ সেবণ কর; হ**ই**বে ভাষার নাম ও উপাধি থাকিলে উপাধি লাইনে লিখিতে হইবে ! মথা

াও সাবের রামচন্দ্র নারায়ন পাদকি) प्र**कारणस्त्र लाइरम (क्या (क्या द** ্বে শহরে চিঠি বিলি করিভে হইবে त (शार्ष्ठ आकिम शांकिम सर्हे ने इ

নান লিখিকে হইবে : যথ

(事門 利[5](!)

বেলগাম ৷ কাথব: ে ংশ লাইনের পূর্কে লাইনে শহরের . ২.শ (বলি ক'রেডে ইট্বে, তাহার সাম তে হইবে ষ ় অলগভয়রে পেণ:

ৰণৰা ভাল্ৰের নাম দিতে হইবে, বং

য়লি ভালুক :

চল; সদানে বাধিত করিতে অসুরোধ ়, ৫। তাহার পুর্সাবর্জী লাইনে রাজার नाम अ वाणित नर थाकित्व, यथा । काराव-া বিলি না হইয়া বোষে ডেড লেটর চাল অথবা গ্রামের নাম থাকিবেক, যথা

一下37二

১ ডিটি রাখিল হয় ভাহার সংখ্যাশিত। ৬। মোকামের দিতীয় লাইনে, বে ড়ে আল নহে। কিন্তু আমি নিশ্চয় বাধ আফিলে কর্মাকর। হয়, তাহ\ অথবী উদ্দেশ্য ভিত্রিং অভিলয়িত রীতির জহলান | ব্যক্তির ব্যবসায় লিখিত থাকিবে, ধরা সেরেস্তা দার দোকানওয়ালা ভাট ইত্যাদি।

> ৭ # সকল অনাৰশ্যক কথা, মথা "তাহাকে এই লেফ ক. দিব:। a ইত্যাদি লিখিতে নি হৈছা।

৮। পোষ্টেজ স্থ্যাম্প চিটি মুভিয়া দক্ষিণ হস্তের দিকে উপর কোণে স্বাটকাইতে হটবে, যেশহরে পোষ্ঠ আফিস আছে, ভাহার নাম অলথবা ডেলার নাম সেই দিকে নিম ভাগের কোলে লিখিতে হ বে। পেরণ কর্ত্তার কেবল নামটা কুদ্র কুদ্র অক্ষরে চিঠির বামদিকে নিম ভাগের কোণে লেখা যাইতে পীরে: কিন্তু " হইটে " এই কণা ব্যবস্থ না হয়।

> এ, প্রা*ন্ট*্রন্থ কৈরিত 🗀 **७**। इट: क्रेड़ कर পर निक इन्द्रीक्कन ।

कांत्रकर्यत्र नामसञ्जाली उ मब् छन लाविका ।

--- : - :---

आक्रिकालि मेर केरिकाफ नर्थरका रहेत ता करी उत काव " वस्वातरख मध् किश " इहेश में एक हिशा रहा मिनिन म(दर्भत ए) त एं भगा जिन कति वात वर्छ उत আড়ররের পর শেষে স্থির হইল, ভারত-ব্যায় গ্ৰণ্মেণ্ট ক্য়েকটা পদ উপযুক্ত দেখিয়। ভারতবরীয়দিগকে क्टिवन । ·· এक मण टेडलंड इस्टिमा, त्राधांख नाहित्व ना । " कात कवदर्यत नामनदा-नालीभरिक्ट विवर्ध अरे विकास **इहेर उर्ह। कछ आएमत इहेन; क्छ्डे** क्रमद्रय केठिन ; ভाद्रक्रवर्गीरम्बा ভावि-लाग, भागमधानाभी পরিবর্ত হইলে কডই यू श्राप्त कि तिर्वन, (निर्व, दिवन मिन শর্মার ছাত্র হাঁড়ি ভালা সার হ গ্রবর্ত জেনরল উন্নতির পথে ক নিকেপ করিয়াছেন। ভারতবর্ষী সভাতার উচ্চতম দোপানে আং क्टबन, मत काम लाइएमात का देख्हा ভাঁহার সংস্কার এই, এদেশীয়েরা তর সভ্যতাসম্পন্ন হইলে ভারতবর্ষ किन्दिशत रुख्य शिल्य हरेगा याहे সর ফ্টাফোড নর্থকোর্টের এর প ব আছে এখানকার প্রপ্র জেনরল বেন। অভেএৰ ভিনি গৰণ্র জেনের ক্ষমতার্দ্ধি ও ক্ষমতারকার প্রস্ত যে অসুমোদন করিবেন, ভাষা লাস্চ विषय नरहा मत कन लर्डरक्नत कुन्नः ও প্রদেশবিশেবের প্রতি বিছেষ দর ফাফোড নর্থকোটের স্বার্থপ নিৰ্ফান ভারতবর্ষের শাসনপ্রণ উৎকর্ষদাধন আনে কিছু দিনের নি স্থগিত রহিল।

मत्र कोरकार्ज नर्वतकां है व तम শাসনপ্রণালীর পরিবর্তসমূহের গ কোনংলের নিকটে দশটী প্রসাব পাঠান। বন্ধদেশের শাসনপ্রবালী বে ও মাঞ্চাজের ন্যায় ছইবে কি বর প্রবালী অপরিবর্তিত থাকিবে ? ত ভায়তবৰীয় প্ৰণ্নেল্ট সাক্ষাৎস क मिन नामन कहिएबन १ किश्वा যেপ্রকার ছিল বৃদ্দেশের লেগ গবর্ণর ডেপুটা পবর্ণের উপাধি शवर्गत (स्रमत्राह्मात (क्रोक्निर्मत प्रम मुख्य विनिशा পরিগণিত হইবেন ? দেশের বর্তমান ব্যবস্থাপক সভা থা কিনা ? বজদেশের লেপ্টন্ট গ্র সহিত গ্রণ্র জেনঃলের যে বোশাই ও মান্ত্রাকের সহিত সে **হইবে কি নাণু সপ্তম হোকে** কি ক্রাছয়, গ্রণ্র জেনরল রাজ্থানী ক্রিনে ভাঁছার মক্তিগণ ভাঁছার याहरवन कि ना १ अवर जिनि स्वन वन मञ्जीदक ज्यास्तान करिया भागन मन्त्रीहर क्रिट्रिस क्रिस ना ? निवस-চুতি প্রে**ন্দের নিমিত গ**বর্ণর **কে**ন নজে আইন করিতে পারিবেন, য়ম চুওয়া উচিত কি আসুচিত ? কাতা হইতে রাজধানী স্থানাম্র क्टिएमरक्टोतित अधिमञ्जनस्हः পি এ বিষয়ে সর জন লরেন্সের মত াসা করা হইয়াছে। দশম একো াসাকরা ছইয়াছে, বঙ্গদেশের গ্র-টেব নেকেটারিদিপের কার্যাপ্রণা-পরিবর্ত্ত করা পরামর্শসিদ্ধ কি না ? ণিউবোড পাকিবে কি উঠিয়া ব, এ বিষয়েও মতজিজ্ঞাসা কর1 1 33

a हे विषय छेलेश**रक म**त **क**न लहा.

সহিত তাঁহার মক্তিবর্গের বন্থ অংশে ভদ হইয়াছে। সর উইলিয়ন মুর थांत्र मक्टनहे वक्टम्टम धक खन त इन अहे कलाब क्रिशांटहरू। গুটেহবেরও এই মত; কিন্তু সর জন **छ वरतम, देश कडिएन भवर्गड स्थिन** র পৌরবের হানি হইবে। এখনই याहेटल्डाइ, व्यक्षीनक भवर्गदिवता বিষয়ে গ্রণ্র কেনরলের অধীনতা র করিতে **সম্বত হন না**। **বঙ্গদে**শকে নতা প্রদান করিলে এই অনিটের ার্দ্ধি হইবে। আমরাত এ যুক্তির গীয়ভাবোধে সমর্থ হইভেছি বাধাই ও মাক্রাজের গবর্ণরেরা স্বাধী-বাৰহার করিলে যদি ভাঁহার মান ना रश, वाकना (मरभंत्र गर्वत्र के ব্যবস্থার করিলে ভাঁছার মান ছানি (किन १ उटा कि वोजना (मरभार লেকী প্ৰণ্র ভাঁহার ধামাধ্রা থাকেন, এই উাহার অভিপ্রেড ?

ं अवर्गत (क्रमज्ञल विक्रिता (मर्ट्गत

নেন্ট প্রণ্রকে মনোনীত করিতেছেন,

াং তাঁহাকে গৰণীর জেনরলের ইংলও হইতে কোন স্থানের লেপ্টন্ত

অসুগত হইয়া পাৰিতে হুইডে**ছে। অ**তঃ-পর উাছার যদি গবর্ণর উপাধি হয়, তিনি ইংলও হইতে নিয়েজিভ ইইয়া व्यानिद्रम, कथन कार डाँहाह छेপরে এখনকার নাায় প্রভুত্ত চলিবে না, উাহার এই শক্ষা অন্মিগ্রাছে; কিস্কুউহাতে যদি কাজ ভাল হয়, তাহাই কি কৰ্ত্তৰা নহৈ ? এক তুচ্ছ অভিমানের বশীভূত रुरेश व केंद्री श्राप्तर मंत्र क्यमिक माधन कता কি উদারাশয় ব্যক্তির বিধেয় ? কয়টী প্রেসিডে কাতে সভস্ত গ্রন্থ ছইলে যদি স্ফলররপে কার্যনিকাই হয়, আর প্র-র্ণর ক্ষেনরলের এয়োজন, রহিত হইয়া वात्रम्टक्ष ७ अ स्टब्स्त हेक्साथन हत्र, দেটীকি অভীষ্ট.নছেণু এখন যেরূপ টেলিপ্রাফ ও রেলওয়েপ্রভৃতির বন্দো **বস্ত হইতেছে, ভাহাতে** গ্রণ্র জেনরল ব্যতিরেকে চলিতে পারে, ভাহাও বিল ক্ষণ বোধ হইছেছে। পূর্বের এরণ বক্ষো বস্ত ছিল না; সুত্রাং গ্রণ্র জেনঃলের প্রয়েক বিল্লাসর জনলরেজ করে কমা ইবার নিমিত আগামকে এক জন প্রধান किमनदत्रत इटिंड मिटेंड विनिश्रोद्दिन। বেহার ও কাশী লইয়। এক জন মৃতন লেপ্টনন্ট গবর্ণর হউন ; বঙ্গদেশের লেপ্ট নণ্ট গবর্ণরের বেভন বোষাই ও মান্তা-**ब्बर मामनकर्छामित्रात्र नशास इंडेक**, (कांत्रन '' वक्रस्मरभात (मञ्जीनकी शवर्गत्र क বৰ্ষনা ভো**জপ্ৰভৃতি** দিতে হয় !!!) माधादन वाम इच्चि एउक, (महे वाम मक लगार्थ मूखन का इडेक, ख्यापि এक सन अवर्षत्र वक्षरमराण मा ख्राइरमम !! काहा हरू লেই পর্ণর জেনরলের ক্ষমতা ও গৌর-(वह कृषि **क्हेरव ! भोट्यांक ७** .(वाचाहेर्यत শাসন প্রণালীর পরিবর্ত্ত করা ভারার অভি প্রেড নছে। তত্ত্তা শাসনকর্পা সাক্ষাৎ সহজে যেন ফেটদেকেটারিকে পত্র লিখিতে না পারেন। টেট থেকেটারি

গ্ৰণ্য প্ৰেয়ণ না ক্রেন, এই স ভাহার অভিমন্ত।

मत बन लाइका निमनाव क्ष**रात बाक्षाणगर**कात समङ क করিয়াছেন। কলিকাতা রাজধানী থ সিমলাতে ঐীয়াকাল অভিবাহিত হ তিনি স্বয়ং স্বীকার করিয়াছেন, পর্বতবালোপলকে পথে ২৮ দিন হয়। তখন শাগনকার্য্য বন্ধ থাকে । नाइ : किन्छ जिनि वरलन, " ओ আসি প্রতিবৎসর দরবাব করি উহার অর্থ সরকারী অর্থ ক্ষয় করি ডিনু আর কি কোন অর্থ হয়? রা कि क्विल मह्रदोटतत्र खटन दर्भी ক্ইয়া আছেন ? ভাঁচাদিলের উ অত্যাচার হইলে গ্রণ্র জেনরল দ করেন, বলিয়াকি তাঁহারা তুই থ বেন গুমেজার জেনরল জুরাও বি वारमञ्ज्ञ व्यक्तिवास कतिशारहरू। मह लर्क्क बरलन " नकरनर श्रीकात য়াছেন, স্মিলা মধান্থ স্থান সে दिभिन्ना उन्हम मामन इंट्रेंट भार क निकटल हे भ दर्भ भवर्गत व्य ও উচ্চার সেকেটারিগণ ভিন্ন স্থার ব্যক্তিকেই ত নিমলাবাদের অমুদে क्तिएक (मधा बोन्न ना।

কর্তা নিযুক্ত করা উচিত। এপ্র
ভাষন করা কুসংস্কারবিশিন্ট গির্
য়ানদিগের কার্যা নহে। শাসনক
কৌজিলের প্রয়োজন নাই; তবে উ
এক জন এতদেশীর সেজে
আবশ্যক। স্থানীর ব্যবস্থাপক
মাজেই উঠিয় ঘাউক; এগুলির ব
পোকের অভিশয় অপ্রদা হইয়
প্রত্যেক প্রদেশের রাজস্ব পৃথক ব
বে দেশে ধ্যেন আয় হইবে, সে
ভেমনি ব্যর হইবে। যত দিন প্র
ক্ষেন্তার পদ্মাহে, তত দিন

লর উপরে ভত্ববিধান করান দৈনাদির নিব্লিড অংশক্রমে দক্ল শ হইটে শতকরা কতক টাকা ভ গাকুন। প্রলিকওয়াক ও অন্য কার্না স্থানীয় গ্রন্মেন্টের হস্তে কার্না স্থানীয় গ্রন্মেন্টের হস্তে কার্নি গ্রন্থ ক্রডে প্রের্ণ করা ত াদিনলাবাদ উঠিয়া যাউক। গ্র স্থান্ত যথন স্থান্থারকার্থ প্রিতে বন তথন শাদনভার অন্যহস্তে হা হইবে।

----} · : ----

ব∰নোনেৰ মহাতাতে ৩৪ উচিচার স্থা⊸ নাধ ডেগে প্র'ন।

উক্ত মহারাজ সন্মানতোপধনির

ার একান্ত লালায়িত হইগাছেন।

ারে লালায়িত দেখিয়া আমাদিগের
করণে যুগপথ কৌতুক বিসায় কোন্ত
ভি অনেকগুলি ভাবের ভদয় হইল

তুক এই, ইহকেই ধলে ও বেচে

। " বিসায় এই, ভগবানের কেম্ন

রমা, মাহার অনা কোন্ত নাই,
ন আন্ত: মান্নিক কজনাবলে একটা

টর হেছু উপস্তিত ক্রিলা কর্ত পাই-

টর হেছু উপস্থিত করিয়া কট পাই। ক্ষোত এই, তিনি নে দেশে বাস
নে, তাঁহার চাটুকারদলভিত্ন দেখান
কোন ব্যক্তিই এবিবরে প্রায় ঠাহার
ক্ষান করিতে উংশ্ব ন্তেন। তিনি
প্রকার পদ্ধ, তিনি যানি ব্যক্তা

নে করিতে পারিতেন সন্দেহ নাই। হা হইলে লোকে যে আজি আপনা তে উদ্যোগা হইয়া গালবারে ভাঁহার

শ্র ছিটেড্যী কইটেন, অনেক প্রেয়ং

ানবর্জন করিবার চেকা পাই নাআমানিধের গুণ্ডন গ্রন্মেন্ট ও

ধার গুণে মুখ্য ও সেক্**ছা এরও হই**য়া ধার মানবদ্ধ ন করিছেল। কিনি কেয়া হিলা সেকিছ এলল কি

ভিনি দেখাইয়া দিন দেখি, এমন কি । ম করিয়াছেন যে, লোকে ভাঁহা মান

বৃদ্ধির নিক্ষিত সমুংসুক হইবেন ? তিনি वामनारकहे वाननि वर् (मर्थन। দেশের হিতার্থ কাহার সহিত মিশিয়া काम कहा व्यक्तीवनकत स्वान करतन। उँ:हार उथारन अ सिनीयमिरशत मधा নের যে এক অস্তুত পদ্ধতি আছে, ভাহাতে কোন **তেজসী পুরু**ষ ভাঁহার নিকট গমনে উৎসুক্ষনা নছেন। ভিনি কাহার নন, ভাঁচারও কেছ নহেন। যিনি যেমন ব্যবহার করিবেন, অপরে তাঁহার স্হিত তেমনি ব্যবহার করিবেন এটা প্রসিদ্ধ বাক্য।যাঁহার।চাটুকার, ভাঁহার। এ কারণ বুঝিতে পারেন না। ভাঁহারা গোকের নিকটে এই প্রতিপন্ন করিবার চেন্টা পান, এ নেশের সোকেরা ভাঁহার অত্য ঐশ্বর্য দেখিয়া ঈর্ষ্যা করেন। কিয়ু আমেরাত এই বুঝিতেছি, যদি बजुन क्षेत्रक्षं क्षेत्रांत कात्र १६७. लेप-র্ধান আর ও অনেক লোক আছেন, ভাঁহাদিগের প্রতি দেশের লোকের ঈর্ষণনা জন্মিল কেন? আজি কালি লোকের মনের ভার পরিধর্ত হইয়াছে। এখন আর ধনের এতি পক্ষপাত নাই, গুণের প্রতি পক্ষপাত জ্মিয়াছে। হিল্ছ পেট্রিটের ভূতপুর্ব সম্পাদক হত क्तिका मूर्याभाषात्त्रत सात्वार्य विद् করিবার নিমিত্ত লোকে এত যত্নবান কেন ্দর জন আকি বিদেশীয় লোক; এ :দশের লোকে স্বতঃপ্ররুত হইরা তাঁহার প্রতিক্তি করিলেন, আর বর্তমানের महाताक (मर्भत (लाक इहेशा राजकरना চিত সামানা সমানলোভে লুক হইয়া-ছেন, কিন্তু দেখের লোকে ভাঁছার দপক্ত, করিতেছেন না, তাহার কারণ কি ? মহারাজ কি সেটা বুকিতে পারি

আমাদিগের এক পত্রপ্রেরক লিখি য়াছেন, মহারাজ ভারতবর্ষীয় সভার সহিত যোগ দেন নাই বলিয়া হিন্দু

তেছেন না ?

পেট্রিরটসম্পাদক তাঁহার প্রতি কুপি হইয়াছেন, ভাহাভেই ভিনি (পেট্ৰি শস্পাদক) শত্রুত্যচরণ করিতেছে ভাল আমরা পর্গ্রেরককে ক্রিজ করিতেছি, ভারত্বরীয় সভার সহি रवांग रमञ्जा रशीतरवत ना व्यटगीतर বিষয় ? ঐ সভাদেশের ইউ না অভি कार्र्या अधिनिविके आरह्न ? जा वनी त्र मखात्र त्यांश नित्य अर्गितक कहि মহারাজ দেশের মঙ্গলচেটার এব তৎপর; এটা মহারাজের নিন্দার সুখ্যাতির বিষয় ? হিন্দু পেটিয়ট এ মিত্ত যদি কোপ করিয়া থাকেন, তাঁ৷ জেনাধ সঙ্কত কি অস্ভত ৭ মহার ভারতব্যীয় নভার সভঃদিগের দা এক গুছে উপৰিফ হইয়া দেশের কল চিন্তা করিতে কি লজ্জা বোধ করে ইউরোপথতের লাভেরাকি করি ছেন ? ভাহারা কি নাধারণ হিড কার্যো সংবারণ লোকের সহিত মিট **इ.इ.**श. व्याप्त माधूबारम् इ. व्यान्यान इ ছেননা? অতথা সিদ্ধান্ত হইতে যদি তাণের পুরস্কার বলিয়া তাঁ দমানহৃদ্ধিঃ নিমিত তোপধুনি ব্য করা হয়, কোন ভদ্রাকে তাহ অসুমোদন করিবেন না।

ভবে আমাদিগের এক পত্রের লিখিরাছেন, তিনি বাঙ্গলা দেশের সকলের অপেক্ষা অধিক কর দেন, ব ঐশর্যের অধিপতি এবং উক্ত কুলে গ্রহণ করিরাছেন। এ কারণে যদি উ সম্মানার্থ ভোগধনির অমুজ্ঞা হেওর ভাহাতে আমাদিগের অই আশঙ্কা হইট অনেক বিষ্ণু ঠাকুরের সম্থান, ভ স্বর্ণবিশিক্ত অনেক জমীদার ব ভোগ করিরা ক্ষেপিয়া উঠিবেন। গর্গমেন্টকে ব্যতিব্যক্ত হইয়া প্রি

इहेट्द । अकाशादत यनि जिल छट्न

বেন, ভাহাও ছম্পুাপ্ড হইবে না ষয়ে নহারাভোর অহুকুল ও প্রতিকূল ানি প্রেরিচ পত্র আমাদিগের হত্তে ত হইয়াছে। আমরাঐ জুটধানি ভেরে এছণ করিলাম। গ্রণমেট য়র বলাবল বিবেচনা করিয়া জানিতে বেন, এতংসময়ে লোকের কিরুপ वामग्न ६३३१८४६ ।

The second of th

रात्र छान लएद्राप्तात्र अर **ን**የየኞቹ 1

यिश्रीति शक्षीत गहेटा छन । अ गहेटा

চা পাতুক, প্রধান পুরুষেরা **অস্থা**ছ রিলে ভাছা প্রকাশ করিবার পথ দেসুরূপ উর্ভিলাভের সম্ভাবনানা ক, কণতঃ বেখানকার প্রজারা প্রথান বদিগের ইচ্ছার একান্ত পরতন্ত্র, ানে রা**জপুরুদেরা প্রজার** যে কিছু চেটা করেন, ভাছাই প্রজাকে মহা ও প্রমভাগ্য বলিয়া িবেচনা তে হয় সম্মেহ নাই। সম্প্ৰি আনি গর গ্রপ্র জেনরল বাক্সা, বোধাই, াজ, পঞ্চাৰ ও উত্তরপশ্চিমাঞ্চল ত মনোনীত করিয়া প্রণ্মেটের अधायन ও निवित्त निर्दित अदिस्ता ারলাভার্মন ফলেকে ইংলতে ৫০ রণ বার যে দকত্প করিয়াছেন, ভাষাতে ধাদিধোর হৃদয় কুডজভারণে যে দুহিইবে, ভাহাবলা বাত্লা। এদে ৰ কোন্ৰ্ডিক এ অসুএছকে বহ यो ना भानित्यन १ कि ख अरम्भीय मि निवित्त निर्दिदनंत शमनानिविद्याः ৰ্মেণ্ট যে ব্যবহার করিতেছেন, তাহা ধয়া আমাদিশের চিত্ত বিসায়বিমূচ য়াহে । ভাঁহাদিগের মনে মনে আছে, स्भीग्रमिश्रदक मिविल मर्किन इंडेटफ. ঞ্ত করা অন্যায় হইতেছে; কিন্তু অভি া, শহা ও অবিশাসপ্রভৃতি নানা

নিবিলনবিন্যভার উদ্যাটন করিয়া দিতে ইংরাজী পুস্তক হইতে উদ্ভ ও আ পারিতেছেন না। ভাঁহাদিগের কুপণের युक्त और त है कहा इंदेश (इ. । एट्डर (ए नाया बाब भटक, भारत रम ममल निट्ठ इत किन्द क्रुलन बक्दारत निट्ड भारत ना। आमा দিনের প্রধান পুরুষদিগকে শেষে এ দেশে সিবিল সর্কিন পরীকাপ্রবালী প্রবর্তিত করিয়া সম্পূর্ণরাপে নিবিল সর্কিসভার डेम्बांडेन कहिया मिटा इहेरव ; किन्दु अक कार्ल পाति एक हम ना, हे हा है विश्वारत्रत विवस्

মুখন পুশুক।

১:বালিকিডফরী সভার পঞ্ম वार्विक दिर्शिष्टें। मछात छः समा धरे কয়টা; দরিদ্রদিগকে বিদ্যাশিকা দেওয়া परिक द्वाभी पिशटक के वथिक द्व कहा. দরিদ্বিধ্বা ও মাতৃপিতৃহীন লোক मिना के माहाया ७ जिल्लाका दिनदा छे० শাহদান এবং উত্তর পাড়া ও ভা**হার** নিকটবর্তী স্থানের লোকের সামাজিক আচার ব্যবহার, ধর্মনীতি ও বুদ্ধির্ভির উন্নতি নাধন। দভা ১৮৯৭ অকের ১ লা এপ্রেল অবধি ১৮৬৮ অব্দের ৩১ মার্চ্চ পর্যান্ত দরিদ্র বালকদিগের বিম্যাশিকার্থ ৬১৯, দরিদ্র বিধবাপ্রভৃতির সাহায্যার্থ ৭০॥- এবং বালিকাদিগের ছাত্রহভিতে ৩৩৬ টাকা দান করিয়াছেন। এই রূপ मछ। यदि द्वारम कारन क्य, स्टब्स्स व्यरनक মলল হইতে পারে। হিতক্রী সভা উপ मः कांत्रकारण बांजू विकासक्त्य मूर्याणा খ্যার ও জীরামপুরের ডেপুটা মালিট্রেট द्राहेमां आरंद्रवंद निक्रि कु छ्छ हा প্রকাশ করিয়াছেন। এ প্রকার বিষয়ে घाँकाता माकाया ७ डेरशाक्नान कटतन उँदिश्वा महत्य छान क्षमार मनी। मान्यह নাই 🗽

र । शूलियनारेफ बातु क्रश्रुटक कोनुही : রণে এক কালে এদেশীয়দিগের সম্বেল পুলিষ কেটেকিজম ও চাজেজিসুনামক ট্ছারা নিশ্চিত মতুমুখে পতিত হা

मिष्ठ कतिया अथानि मक्तन कतियास

৩। পুরাসমীর্তন। কাদি গিৰাণী জীযুক্ত বাবু শাচরণ ম **ই**হার প্রণয়ন করি**য়াছে**ন। সুরার বি कतार अञ्चादात উप्रमा।

व्यापदा काहानावान हरेट निः থিত প্রধানি প্রাপ্ত ইয়াছি।

ছগলি জেলার অন্তঃপাতী জাতান মহকুম:র ২৪০। জৈয়ে চহইতে আরিভ হ অমজন্জ ১৫ দিবা অভিশয় রৃষ্টি হওয় শীলাবতী নদাও দারকেশ্র নদীর জল অতিক্রম করিয়া বাঁধ ভালিয়া শত গ্রাম জলমগ্র হইয়া প্রায়দশ হাংগার ভগ্ন হইয়াছে। অনেকের দ্রবাদি ে ভাষাইয়ালইয়া গিয়াছে৷ ব সংখ্যক ও নতুযোর প্রাণনাশ হইরাছে। জলপ্র গৃহ ভগ্ন হওয়াতে আনেকে তৎকালে পরি অবস্থিতি করিয়া আন্তিকটে প্রাণ ক রিরাছে। বন্যার সময় ৪ দিবস শীল নদীর উভয় পার্শহ লোক নিরস্তর ব কার শব্দ করিয়া দিবারজনী ভাতিৰ করিয়াছে। অনেকে অনাহারে প্রাণ कदिशाष्ट्र, घाउँ त्वत भरश्चा महाकन ৰপেষ্ঠ দ্ৰব্যাদি জোতে নীত হইয়াছে খা অধিকাংশ লোক নৌকাংগেহণ করিয়া तुका क देवाए ; किन्ह व्यन्ताना उ লোকেরা নৌবার অসদাব প্রযুক্ত রুকে আহোষণ করিয়া নিৰ্যাপন করিয় ঘাটালের ভাত্তর, চৌকীদানী টাকু আ भी (वाभा श्रीवास्यत है महाश्राह्मेत्र १८ मन है। ইরের বাধার সম্প্রে ১১ছু ভগ্ন ইয়া গুহু ওল্মন এটন প্রিত হয়।ই ি ,পায় হইয়া সকলে াচ্চেংশরে আ ক্ষিতে আরম্ভ করেন: অক্সাৎ এক (भाका इंड्रॉटम्ब भिक्त दिल दिल इंड इस, ভেট্ট্হ°ারা আরেবে∻-করিয়া অভি <u>স্থীয় পরিবার লট্যা স্নাম্</u>রে প্রাণরক। করেন। নে কা উপস্থিত না টালের ব'বুংগাপালচকু + ঠ সীয় বায়ে কাকরিয়া অতি কঠে প্রায় এক শত ক্ষেকে জলমজ্জন হটতে উদ্ধার করিয়াছেন " তংকালে কিছ **কিছু অ**ংশারের ব্যয়**ও** ।। इन.। এখানে প্রায় অস্তাই ডাক বন্ধ য়াডিল : ক্রমশঃ নদীর স্রোত হ্রাস **চইলে** , হগলর মাজিতে টুট সাঙেৰ ও জাহানাবা েডপ্টী মাজিতে ইট ৰাবুইশার চন্দ্র নিত্র প্র কেবল ঘাটালের অভি স্মিত্ত ীর নগা, কুঞ্নগর, মিশিচ ৢপার, আডে-ডালড়িন কুণীটি এামে নিজে হাডি ই প্রত্যেক্তর ভর কুটার অংবলোকন श्रांद्वम ! केक भागाल मात्रकर. > - है। মে কমৰেশ আনড়াই হাজার গু∘ বন্যার ন ভগ্ৰইয়াছে। ডেশটাবাবুনিজে কেলভগন কুটীর দেখিয়াছেন, শৃহা ।। यः शक्तिरक डिलेखिन वर्गत गृह श्रा মাণ কবিতে **অক্ষ** লেখিলেন, কেলে ভা**ৰা** কে ডাকাইর ছই চারি টাকা করিয়া ং ব করিয়।ছেন। ইহাতে প্রায় সহস্রে হটাক¦ গ্ৰণমে-েট্র ড্⊅বিল হট্ডিয়ায় রাছে। আনেরা অংশা করিয় ভিলাপ **চপ ঘটিলে সারকেটে ডেপ টা** বাসু নাইছ ককে সাহায্য করিয়াছেন, সে ক্স ান্য প্রায়েও ধাইয়া বাহাদের জলভারত ার ভগ্রইয়াছে, তাহাদগংকও ঐক্ াশ্করিবেন। তাহা না হওঃ ে সেই ই প্রামের বিপ্রদাপন্ন লোকের, ভাতাক্ থাং হারভেছ, ডাহ্দের আমার কোন য়ে নাই ্ত নল ম জাহানাবাদের ডেপ ট এবিশক্ষ এই বেং দাইছে প্রাঞ্জার সাহী। প্তালিখে বৰ্জনানের ক্রিমন্য সাছে িবিশেশ করিয়া লিখি**বেন।ক**সিসন্ত ेर म.भारत पुढ़ांस 'बेलालांला**स (नाटक**र বেল্লে সুমতি প্রামে করিলে সরিজ क्षित्र भारक भारतम्य । शक्तात्र कश् ए कः লৈ আর ইংকিগনে নিরা-য়ুহুইয়ারুক । **অবি'হ** তি করিওত হয় না : গ্রন্থের য় বিবয়ের অবসুন্ধান লো ডেসে **ট বিবুকে আ** ভাষ্**ষ্ট** মহাঞ কাশ দেওয়া উচিত। ২ :> দিবসের ার চলণ মাইল ব্যাপিয়া অন্তুস্কান ক্টিন: আনর ঘটোলে বেকপে সাহায্য विशेषात्रकः संस्थित দরিক কোকের শ্য উপাশ ২টবার সম্ভারন**; নাই। আ**র গুলংশল ২ টাকা উদ্ধি সংখ্যার টাকা পা ন ৷ ইগতে চ কি গুৰু ৯ **স্বত হুইতে পা**রে ১ াকিড় প্রনান করিলে ই**হারা অরে**শে

গৃহ নির্মাণ করিতে সক্ষম হয়, কাবণ এমন সময়ে গৃহ প্রস্তুত করিবার উপযোগী জুব্যাদি অভিশয় সুর্মালা হইয়াছে।

। ছাটালের বিদ্যালয়গৃহটি নদীর রেগে
সংস্থাকপ ভার হইয়াছে। ইহাতে সকলে
ভাগত গৃংখিত হইয়াছেন। এমন সমরে
যে চালা ছারা বিদ্যালয়গৃহ প্রহত হয়,
ভাহার আশা নাই, সকলেই অ অ গৃহ নির্দ্যালয়গৃহ প্রকি হর্মান্ত লাল বিশেষকপ বিব্রত। যদি গ্রহণিমতী
সাম্ত্রলা করেন ভাহা হইলে বিশেষ উপ
কার হয়। মুসোকের কাছারির মধ্যে জল
প্রতিষ্ঠ হওয়াতে কাগজ পত্র নৌকার াখা
হইয়াছিল। ক'ছারী হাটা বাস্যোগ্য নহে।

—ःः— विविधमः वाम ।

२८ अ स्थायात्र (मामदाव ।

अत अंकितिक (शरकार लगा में क किया स हैना है भन्। भन्नाभाव र क छाना देवार क र म म ने पहले के रेकिन के रिना के किया के र म म ने पहले किया है। के रिना के किया के र म म ने राम में स्वार्थ के में के रिना के किया के राम स्वार्थ भाग के साथ किया के में के स्वार्थ के र मा मान्य के भाग के साथ किया किया किया के साथ में मान के रिना के किया किया के साथ किया किया के साथ को स्वार्थ के साथ के साथ किया के साथ किया किया के साथ के साथ के साथ किया किया के साथ की साथ के साथ

भित्रं नेश्व राजन, ६७ वर्षायय नेश्व वर्षाय श्वास्त्र मरात् श्रीकृत्व प्रकाश इश्वहर्षात के देखानि के बिद्धानि स्था यह समान के देखान के बिद्धानि स्थानित एक समान के देखान के दिखान स्थानित १० देखान के प्रकार के दिखान १० देखान के प्रकार के दिखान के देखान

कार्ष्ट्रम ६ त. फालाशावार पृष् १९११ (इ.स.) क लकाछात (एश्रु है कमित्रमद मर्कड़ १९ ल आप कदारक क श्रिम आलाहोतार व सहिया १९ ल अप अलिश्तर धारा भू छ इस । एड्रे स्ट्रम १९ तालीय श्रीम कम्ब्रह दी हैं होत्क कलिका १९ श्रा का स्थमान कम्ब्रह दी हैं।

(मिन भिर्ण मरणाता भवनं क्रमहरू १४ ११ - निका निकार्डन काडात क्रमुक मध्येन कहेर्काड़। अस् क्रम अर्जन, शिश्वारित रक्षा प्रमाशी स्वयं काहारिक वालानी शाह एक्रम बार्ड। काडात काडा क्रम कहिएल भार म हैबड अर क्रमुखार्म्ड काडन कि स्भावन कथा। क्षण श्रमान स्था विहात शास्त्र सो प्रमाहि है यम कार्य रहेगाइ। विहात शक्ति भाकरा। अ रेजिटताशीय कार्याचीत मध्यता करण्या करिका

বেছিট্যের প্রধানত ম বিশ্বস্থলায়ের নিজ দকল প্রকাশিত করিবার, নিমিস্ত গ্রহণিট প্র মুদ্রায়ন্ত্র করিবারক্ষ্ণীক্ষণ দিয়াছেন। এটা সহ হর্যা কর্মির। বেভনতোগী কর্মচাদিরাণ এইদকল রিপোট প্রকাশ করেন, ভাষা হুই মন্ত্রমূল্যে দকলে এগুলি প্রাপ্ত পার এবং প্রবৃদ্ধিটেরও লাভ থাকে। এল রপোটদকলেব যে অসঙ্গত মুল্য লওয়া হ ভাষাতে ভাল লোকেই এগুলে পাঠ করি পরেন।

সামেদি শিলাব সাহেব পোটকানিও কো
নির কণ্ড পুন গ্রহণ করিবার নি মন্ত ধেই স

াবেন ভাষাতে ধেদকল কাপ্ত প্রদানত

াহাকে একথানি ইংরাজী সংব দপত্র বলিং
ভান আনে র চা ও উপরিভাগে সমূহে যে প্রব

গায়ার ও অসভা লোকেরা সভাজাল দ্ব

াবে ভারবংবর সাজবানীতেও ভাছা
ভোছা এত ল আন ভিনি বলেন, এখানে প্র

নিধ শাসন প্রশালী হইতে পারিবে না । কা

াহারা প্রভিনি বিশ্ব জালিকা এই ব

গারহারা প্রভিনি (প্রেব জালিকা এই ব

গারহারা প্রভিনি (প্রেব জালিকা জ্যুন্ত্র প্র

नवाव (श्रांताम (क्षात्म श्रांताम श्रांता कर्नुन रिक्ट क्रिक्ट मान क्ष्री (प्रार्थ कर्नुन रिक्ट क्ष्रीम अने क्ष्रीकर्त कर्नुन व्याप क्ष्रीम अने क्ष्रीम व्याप क्ष्रीम क्ष्रीम व्याप क्ष्रीम क्

२६ अ व्याचार महत्यात ।

কুচবিহারের কমিসনধের যদে ভথার একটী াকের এদর্শন ষ্ইতেতে: প্রত্যেক প্রদর্শককে ছতঃ অংশ্বন ওমাক প্রেরণ করিতে হইবে। নে; পুৰক্ষার দেওয়া হইতেছে। প্রদর্শন ক্রমে ভুকক । ৰপোর হইরানাউঠে।

সম্প্রতিরামপুরে এক কৃষি ও শিল্লপ্রদর্শন গাগিয়ারে । রামপুরের নবাব প্র**জাদিগকে** কুট প্রণালী ভতুস'বে কুবিকার্য করাইবার प्रत्य এ श्रद्धपर्य । एकी कतिश्लाकित्समः। जिस সংমলাছিল নিবাবের কর্মচারিপণ উত্য দাবস্ত করাতে কোনপ্রকার গোলবোগ

নাই ৷

ই প্রিয়ান প্রতির অংশি নয়ন বলেন, দিলী ণি কল্ডসাপ্র_'ত ক্রডগতি রে**লওরে** তেডে - কিন্তু রেলওয়ে হ**ইলেই ভাকগাড়ী**র াকারীদিরেগর জন্ম নারা ঘা**ইবে। জ্বজন্তব ব**ঞ্ বেল প্রেমা হয় ডাড দিন যথাসাধ্য লাভ বার জন্ম ভাক পাড়ীর আন্ধিকারীর গট কলেয়া অনিক ভাড়া **লইভেচ্চন**। **উত্ত**র ১ন¦ঞ্লে ব∢বণায়**নহতে স্কলিট এ**ায় वद्ग दहेत्रा थाहका

এত দিনের পর ভারতবর্ষীয় সভার একটি क भागे १इन । ४०,००० छोका सिद्धा जानीमु গলিকে একটা বাটা ক্রয় করা হইতেছে। গ্রদ্রক্রমার ঠ কুর, রাজা সভ্যবরণ খোষাল. ্মানাথ ঠকুর ও যতীক্তংমালন ঠাকুও াপাঁচ এইবোনা এই বাটীতে হারশ পুস্তকঃ •्हेर्ट्र . 'अ:इ ठवर्बीय ५७% वाजीते स्पर्धास्म क (यस ब्रुट र देश ।

ला ५ (स्थिप्रक शह<mark>्यांटकात विश्व</mark>दिनः। निर्म ৰক ২৬৪ টাকানিয়নে একটা চাত্রবৃতি ্যা দিয়াকেন মোক্রাজ্বীনগর ও ঐ বিভাগের ্য ছাত্র প্রেশিকা প্রীক্ষায় প্রান্ত্র क्ताहात हेहा आपा हरेंद्र · क्यांकि व वर्गक्र ্ড'ত্রুতি ভিন বংগ্রের নিমিত দেওয়া ١ 4

উত্তর নানকটের অন্তর্গত চিয়ার ভালুকে (४ ने नात्रकि व्हेत्रा मन। এक कारल महे (४:८७) कुरुक्शन अन्य काक्रिकोड **উ**ट्यान নুডেড ছিল, এমন সময়ে এই ছঘ^{ড়}না **২ই**য়াছে । हु छ अवर्थाय है अस् ब्रुवन क्यानकात्र क्रूबक

গর মিকটে এবংসর কর লইবেন মা। निश्ली इहेटड अक चालि लिथियाटइन. ক্টিটু মিশনে বিবা স্বৰ্মেটেট্ড সাহ'বা **এই**ব নেনা, অভেগৰ প্ৰথমেট ব্যুপ্টিট মিশ্ন

त्रिका (व उन सन व निया स्व त न व इहेशां इन, (मणि जामानिर्गत अमध्युक स्ट्रेग्राहिन।

২৬ এ আবাচ ৰুগৰার।

ताका विद्यारणात्व शूलत इश्मा कहेगा যাইবার প্রকৃত কারণ প্রকাশিত চইয়াছে। এটা ইংলত্তের গৌরব প্রদর্শনার্থ হর নাই। সর রবাট নেপিয়র বলেন, আবিসিনিয়াতে থাকিলে শিশু রাজকুমারের জীবনসংশয় হইত। শিশুটি বুদ্ধি মান বোধ ইইতেতে। প্রথমতঃ রাজকুমারকে বোৰ ইয়ের ডাক্তর উইনসনের অধীনে বিদর্গ निकः व स्थातन कतियोत कन्नमा इप्तरं किन्त हे एन থেখনী পদচু,ত হাতকুমারদিগের প্রতি সচর'-চর যে দয়াপ্রকান করেন, তিনি তৎপ্রেরিত र्वेदा यूरक थिएप्राट्यांद्रक हेरलए सहसा बाहे বার ভাজনা দিয়াছেন। থিওডোরের জীকেও পুদ্রের সহিত আনিবার কল্পনা হয়। কিন্তু উক্ত রাজ্ঞী পীড়িত হইলা প্রাণ্ডাগ কবিয়াছেন : দর রবার্ট নেপিয়াবের যত দুর সাধ্য ভাত দুর धरे खीरनारकत त्या । छ कि किश्मा कता है ब्राहि লম। কি সৈনিকগণ কি লেম'পতি কেইই ভাঁহাকে कामक्षकात कामचान करहन नाइ। खीलाकपि গের প্রতি অবতা চার করা বিটিশ গৈনিকের সভাব নহে। ১৮৫৭ অব্দের বিদ্রোহনিবক্ষন বে এত ক্রোধ হয় ভাহাতেও দৈনিকেরা বিদ্রোই क्रिंगत खीन्न परक किছू बरल नाइ, क्वन देनिन কাধম নীল কল্লেক জ্ঞাকে বধ করিতে চাহিলাছি ्यन ।

এডফেশীয় সমাজ সর জন গ্রাক্টের চিত্তিত প্রতিমূর্তির নিমিন্ত ৫৩৩৮ন ১১৫ টাকা চালা . লন। ইহার মধ্যে ২ - ৯ ৭॥ - টাকা ব্যয় ছইয়াছে। अविनिष्टे है। का जातकवर्षीय मञ्जागृह्द कर्छ জন: হইসু'ছে। কোন ব্যক্তি ইহাতে ছ:খিত व्हेर्ट्स मा ।

कार्छन आहेरत कार्यन व्यवनि गांत भाहे লেন। লেপ্টনট মে কাস্ত ইইয়াছেন। ুল্প্টনার মে একজন অভিনয় ভন্ন আফিনর। জী ভাগে করিবার বন্দোবস্ত হওয়াতে ভিনি আই ন্দের প্রতি বৈর্নিষ্যাত্ম করিলেন না। কিন্তু কথা হইাড়েছে, কাপ্তেন আইবদলে আর শিক কতা কাথে রাখা উচিত কিন:?

ু>৭ এ কা্ষাট রহ*পতিবার ৷

্বাদ ক বিয়াছেন, ডিনি ভারতবর্ণ ভাগে করি বার পুর্যের থেন র্রজিভিড সিংহের রাজখানীতে এক লরবার করেন। এপ্রকাব জন্মুরোধ সর্ভান । যেসকল ফুল্ট সভা নিয়োজিত করা তৃইয় . লারেকাকে ধিতীয় বার করিতে হয় না । কিছে | তাহার মধ্যে এক জনও গার্দী নিয়োজি:

----करमक बरनदाविध (यनकल मनवात हरेना ए রাজনীতি সহকে কি কল কলিল তাহা সং धार्थरक जानाहरल काल हन्।

आध्रष्टेन किलिश एएवन नारहर नश्वाक निधियादहर ५१हे खनाई एउक्तरात रंग जर **अग्नानक अड़ इहेर्टा कलिका उग्न वड़ हहेर्ट** ভাল পরীকাই ইউক, ১৭ ই ত আর দূরব नम् ।

মধ্য ভারতকর্বে সোণারীয়ন মক এক জরাচোর আছে। ইহাবা অর্কারের কাজ ক ওজনে কম দিয়া জুয়াচুরি করিয়া অর্গোপা করা ইহালিসের ব্যাসায় । আমরা আহ্লা रहेलाम, यामात (शालिक्रिकाल अट्रक्क हेरानि नमनटहरीय श्रद्ध स्ट्याट्डन।

২৮ এ আষাচ শুক্রবার।

রবাট এড়মগুদ নামক এক ব্যক্তির

অভিশয় সুগাপায়িনী ছিল। সে সর্কাণ আ গৃহত্যাগ করিয়া স্ত'নান্তর থাকিত। একদ। শ্করি অন,ত্র যাওয়াতে এড়মণ্ডস ভাষ প্রভঃশত হইবার নিমিন্ত অনেক জন্মুরোধ ব প্রীলোক ভাষাড়ে অসমত হওয়াড়ে এডঃ ভাষাকে প্রহার করিল। জীলোকটা ভং স্থ্যপানে উত্তন্ত ছিল। প্রহারের পর সে রে চৌঞ্যা ভাবে স্থানে গমন করে। পরে প্রত্যাপ্রন করিলে উ: হার মৃত্যু হয়। এ। नटक এই निभिन्न श्रमान्डम विहातालस्य प করা হয় । বুধবার মাক্ষ্ম; উঠাতে রু को जिल अति छन नारहर विलालन, इर श्रमान माहे, शृक्षण्य आधारकत श्रमान का श्रष्टमञ्जन निष्य अई मास्य योकाद कतिहल ए বারিষ্টর লো সাহের জীলোটীর ছক্তরিত্র **डेरलथ क**त्रिया लघुम छन।रनत 'अञ्**्**ताय कतिर বিচারপতি মাক্ষবি এ বংক্তির কঠিন পরিও সহিত প " বৈৎমধের নিয়ান দিয়াছেন। পী যকুতের বর্ণ, ডিরুপ হেডু প্রদর্শন করিলে কি मा २ व्यामहा स्परीयक्षम वि<mark>ष्</mark>रातासमुद्रक वि लवाली । विवासिक कड निकाल कतियार রাজে ইংসালে এনং ভারতবনীয়ে ভারতব वक्षक्रमा इट्टल पुरुदिहात, किन्तु हेरतार कार्ट्यनीय अथन अम् : नाम विद्वनीट्य लार्ट्रात्तव शारकता यत सन सर्वत्यक असू । हेडिस्ताभीरम अ अवत्रकारीय मकसमा । अधिकात् ।

বোলাইয়ের ব্রেস্থাপত সভায় এতাৰে

াই। ভাষাতে লোকে অসন্ত**ষ্ট ব্**ইয়া**ছেন।** অসন্তোষের কারণ আছে।

প্রধান বিচারপতি প্রিবিকো সালের আপীল বভাগের অনুবাদকের পদ জে, এম, মেন্ডিএটা মেক এক জন কিরিছিকে প্রধান করিয়াছেন। নি এপর্যান্ত ভারতবর্ধীয় গ্রহ্ণমেন্টেয় পর টাবভাগীয় আফিসের এক জন কেরানী প্রদান প্রধান পুরুষেরা কি সুস্থাব্য কিরিজ প্রধান প্রধান প্রস্থাব্য কিরিজ ব্যবাহ

২৯ এ আঘাঢ় শনিবার।

সাজসা দেশে**র লেপ্ট**নান্ট গ্রণ্র ত্যে সা**হেব** প্রতিহার কালিকাতা ভ্যাগ কবিয়া**ছেন**।

্তিজ্ঞের নিকটক মদীসকলের জলর্জি ডেচে।ডাহাডে অনেক শব্যন্ত হইরাজে। কি জলপ্লাব্যনিবন্ধন অনিষ্টশক্ষা কয়িডে নালেপটনান্ট সংশ্রের এসময়েরাজধানী

গৈ করা পরামশ্যিক হয় নাই।
ভাজের নশ্মণ মাকলিয়ত স্বেশে প্রতিগমন
বিয়া কটলাণ্ডের জেনরল আসেরিতে ভারত
বিক্ষা এক বজ্তা করিয়াছেন। তিনি
না, ভারতবর্ষীয়দিগকে এক দিনে খুণ্ডীয়ান
বাইবে না। ভারতবর্ষের ধর্ম সর্লপ্রাচীন
হঙ্গুত ভাবা সকল ভাষার মূল। সকল
তর পূর্ণে ভারতব্যীয়েরা সভা হইয়া নানা
বের আলোচনা করিয়াছেন। খুণ্ডীয় মিস্নরি
প্রথমতঃ হিন্দুধর্মণহন্দ্রভাত কুস্ইকার্সকল
করন, পশ্চাই জান্য উইকর্ম আপনা আপনি
বিভাজের মাকলিয়ত আরও ব্লিয়াছেন,

नामी पिरात क्षिष्ठ मिन् वर्षकात्र मा कि तिल निक्ष करेर मा। किष्ठ मेव बन करिक बानकात भाषतिता खारबन, यावजीत विल्हा बाहेबन भाष्ठ कताहेत्रा विल्हा विल्हा बिहिरात करिक पिराहे काक क्रेरव। हेहाँ। तिक्र खारबन अधिक।

ইমস অব ইণ্ডিয়া চিরস্থায়ী ব্লোক্তের আন এক দীল প্রস্তাব লিখিয়াছেন। আমরা ডেচি, আমাদিসের ছইখানি ইংরাজী কপত্র ঐ মতে মত দিয়া বলিতেছেন, লাভ য়ালিস অমে পতিত হইয়াহিলেন। ত দেশের প্রধান লোকেরা মার্যনিষ্কন ভক্ষ হন এবং ক্ষকেরা ক্রথে থাকে সে, বিজ মন্দ ভাছার সন্দেহ কি? চিরস্থায়ী বজ্জে ভূমির কব আর বৃদ্ধি হয় মা সভ্যা। দেশেব সম্পত্রির মূল্যেছি হইয়া বালিজ্যের বিধা হয়, ভাছা কোন্ ব্যক্তি জ্বীকার

वन ।

নিয়ালখিত মূল্যে গ্রেশ্যেটের কাগজ বিক্লীত হইতেছে:—

ইউরোপীয় সনাচার ৷

লগুন নরা জুলাই। সর ষ্টাকোডনার্থ কোট রেবরেও এচ, ডগলাসকে বোষাইয়ের বিশক কনিতে চাক্সাডেন। বোর হয়, ডিনি উজ্জ পদ জুন্ন কাব্রেন।

সর রবাট নেপিয়র এইমাত্র লগুনে উপনীত হইয়ার্ডেন। যখন জিনি পারিস হইয়া আগমন কবেন, তথন জন্ত্রতি, ইংরাজেরা জাঁহাকে এক অভিনদ্দন প্রদান করিয়াছেন। এডেইড্রে সর রবাট নেপিয়র বলিয়াছেন, প্রভাক সৈনিক প্রশংসনীয় সাঙ্গ অধ্যোহন, প্রভাক সৈনিক প্রশংসনীয় সাঙ্গ অধ্যোহন, প্রভাক সৈনিক করাজে গভ যক্তে জয় হইয়াছে। উপসংহার কালে জিনি বলিলেন, বন্দীদিগ্রেক মুক্ত করিবার নিমিত গভনা হউক, ইংলগুকে অপ্যান করিলে জিনি বে শেখানে সেখানে আত্মস্থান রক্ষা করিজে পারেন জংপ্রদর্শনার্থ আবিসিনি য়াজে বৈনাপ্রেরণ করা হইয়াছিল।

ত্বা জুলাই। পালিয়ামেণ্টের উভয় হাউদেব সভাগণ একবাকা হইরা আগ্রহাতিশর সহকারে আবিনিমিয়ার যুদ্ধে জ্বের কারণ সর রবাট নেপিয়রকে ধন্যবাদ দিয়াছেন। সেনাপতি মেয়ার ওয়েদার, হিথ, স্থানলি, মালকম ও রসেলের নাম বিশেষরূপে উল্লি থিত হয় আরল মালম্ স্বরি, আরল রসেল ও ডিউক অব কেথিজ লাভ হাউদে, এবং ভিস্ রেলি ও মাডস্টোন্ সাহেব কমান হাউদে বক্তৃতা করিয়া যুদ্ধারী বৈনা, দিকের বিশেষ প্রশংসা করিয়াযুদ্ধারী বৈনা, দিকের বিশেষ প্রশংসা

সখন এইসকল বস্তৃতা হয় তথন সর রবাট নেপিয়র কমান হাউসে উপ্ছিত ছিলেন। সেনা পতি উট্ড সর বাটীতে রাজ্ঞীর সহিত সাক্ষাৎ করিয়াছেন। এমত জনক্রাতি সধ রবাট নেপি মহকে পিয়র কনিয়া লাছের পদোচিত সন্মান রক্ষার উপযোগী রুভি নির্দ্ধারিত করিয়া দেওয়া হইবে।

্ লা জুলাই এক পত্র লিখিয়া সব স্থানিক নাথ কোট আবিসিনিয়ার যুদ্ধের জয় নিবন্ধন সহারবাট নেশিররকে রাজ্ঞীর কৃত ধন্যবাদ দিয়া ছেন।

বেসকল লোক মহাসভার প্রভিনিতি নীত করিবার অন্ত পাইবেন, ভাঁহালিতে রেজিস্টারি করিবার বিল শীজ বিধিবছ ব নিমিন্ত প্রস্তাব হইয়াছে।

े हे खुनाहे। उत्प्रमहनत तालक्षातीत कन्ति १हेब्राटहा कन्ति । साफा छेउटब्रो साहिता

भत तराह (मिश्वात अक्षानि शह निक हहेन्न'एक । व्यक्तिमिनिय त पुष्क्र अस्म वर्गनात मगरा जिल्ल विद्योदक्त, असियात वाक्षापिरणत चरवत छेभदि हजान करिया हेश्म छ चकार्य, माथन कर्त्रशा श्रम व्यक्ति व्यक्तिमियात (मोज्यात) ११म ।

नशाणे । सर्गालियम विख्य स्वानी देव विवाद विद्यारहरू।

পোপ সম্প্রতি যে বজুতা করিয়া বারণ বনবিউষ্ট ভাছার প্রতিবাদ করিয়া অফীয় সেমাদলের ৩৬০০০ সৈমাকে ইয়া দেওয়া হইয়াছে।

भिनारमञ्ज छिकेटक नार्मियात ताका व रचायमा क्रेश स्टेश्नाटक ।

১ ঠা জুলাইয়ের এক টেলিপ্রাম নিউ ংইতে আসিয়াছে। ইংাতে প্রকাশ করে, পাত জনসন ধাবতীয় ভূতপূর্ম বিদ্যোগ ক্ষা করিয়াছেন।

গর্ণনেক্ট বিজ্ঞাপন।

লেপ্টনন্টগৰণৱের

্ আদেশাসু : भी নিয়োগ।

১ লা জুসাই। এ, ইয়াছনি সাহেব ভা পুরের এক জন মিউনিসিপাল কমিসনর হুইচ

নিম্নলিখিত ব;িজর। চট্ট গ্রামে মিউনিসিগ কমিসনর ক্ইণেন।

এক, ডবলিউ, আর, কাউলিও এ, ব কিসান সাহেব।

্কাউলি সাহেব আরও উক্ত মিউনিসিং লিটির সহকারী সভাপতি ২ইবেন।

টি, ডি, বাইটন সাহেব ময়ননসিংছের বি শিক্ষাসভার সভ্য হইবেন।

বাবু অধিকচেরণ মিত্র দিনাজপুরের অতঃ গঙ্গারমপুরের মুপ্তাক হইবেন।

বাবু যহনাথ রায় দিনাজপুরের অস্তঃ ঠাকুরপ্রামের মুকেফ হইবেন। The first of the second of the

ক্ষরে ভেপুটি মাজিটেট ও ভেপুটি কালে। স ঈশ্বরীপ্রসাদ রার প্রথম গুল্লেণীর অধীন উটের ক্ষমতা পাইবেন।

লিউ, মাকক্ষম সাহের কটকের প্রতি-

প্ৰিল ও সোগ্যন জ্ঞা হইবেন।

রাজুলাই: নিম্নলিখিত ছেপুট মাজিছ: ডেপুট কালেইরদিগকে পশ্চলিখিত

নিণ্জন করা,গল।

वीनक्ष्म (तन वि. अ. यद्भारद्व ।

যোগেশচন্দ্র মিক্র বি, এ, মালসহে। দেহেন্দ্র মাথ বহু বালে**গ**ে

হরিচৈতনা ঘোষ 💢 চটার্মামে।

बर्दर छ । क, के इंगकिनान् (प्रवक्त गर्छ व

শিকাসভার সভঃ হইবেন।

ঠা জুলাই। যত দিন আর এস, মাঙ্গল্যু বিদায় লইয়া অসুপস্থিত থাকিবেন, তওঁ চি. এ. ককেল সংহের রেবেণিট বোডেরি

নিধি জ্নিয়র খেজেনটারি ইইবেন।

৪ দিন এচ, এ, করেনল সাহেব সরকারী বিলক্ষে স্থানাস্তর থাকিবেন ওও দিন এ বিলস সাহেব ব্রিস্কৃতের প্রতিনিধি মাজি

८ कोटलक्टेंत स्ट्रेटन ।

, अम, राज़रत भारहर जिल्हान शक्ति। हे हे मास्त्रिकेट उटल्लूडि कारलक्षेत हहे

ান ডবলিউ, এস. ওয়েশ্স সাহেব ্ট্য়া অনুপঞ্জি ধাকিবেন, ডভ দিন জে. আলেক্জাভার সাহেব রাজসাহীর

নি ক্ষাজিকেট ও কালেটার হইবেন। ড দিন ডব লউ. বি, জি, টেলার সাহেঁয

াল্চয়া অলুপঞ্জি থাকিংবন তত দিন ১. একিং সংহ্ব পংৰ্মার প্রতিনিধি যাজি

छ क्षण्डेत स्टेट्रम ।

ड पिन त्य हैन है कर्षत है, है, डानडेन इंडियो के इक्त किर्देश एक ख्रम्लिख्ड इंडिया के जिस्से किर्देश एक ख्रम्लिख्ड एक कानमन्द्र क्षेत्र के कर्षत रक्ष, इक्, तथा वा स्थान जिस कमिननरसंद्र क्षमेंडा वस ।

লগনপুৰেৰ পাত্ৰিকৈ জায় তথ্য দেসিয়ন কম্মণতা পাইছে

ই জুগাই। ২৫ সন্ম আগবধি জিল, এল, ¦ বিস গাহিব হল /য়েও জাই-ট মাজিটেট

ावन नातस्य रक्ष्यात्रकः । इ**पुष्टि** नात्म**ङ**ः ३२,७८६मा ।

ত দিন এক, শার, ইটেনহাম সাহেব বিদায় তিন্দুপঞ্জ আলেন, তত দিন হারিস

সাহেব হাবজার প্রতিনিধি মাজিটেট ও কালেটর হইয়া ১৮৫৯ অন্দেন ১০ আইন ও ১৮৬২ অন্দের ও আইনের নক্সমার আপীল অবণ করিতে পারিবেন।

২৫ এ জুন জবধি গি. এ, কেলি সাহেব মুর্সিদাবাদে দিভীয় শ্রেণির জাই উ মাজিটেট ও ডেপুট কালেক র হইয়াছেন।

ভাগলপুরের ডেপুটি মাজিটেট ও ডেপুটি কালেটর মৌলবী মহম্মন ইসাক মাজিটের ক্ষমতা পাইবেন।

ष्मामिरिशत श्रीश्वालिशत छ मः वाह-माञा निर्थिशार्ह्म।

১। গত २२ अ खून अश्राटन (ठोर्र्यः) त्योता -আ্যের কথা যাহা লিখিয়াছি, অদ্যালি সম্পুর্ণরূপে ভাহার নির্ভি হয় নাই ৷ এখনও চুরর কথা শুনিতে পাওয়া যায়। আমরা দেখিতে ছ, পুলি বের লোকেরা এই চৌর্যের প্রাছভাবসতে करनक लाबीएक निर्माय ७ निर्मावीएक लाबी कत्रिष्ठा विमक्षनकर्ण चार्य माथन कतिराउइ. কোন ব্যক্তি কোন বিষয়ের জন্য জালালতে মকদ্মো করিতে ইচ্ছা করিলে সামর্থ্যে অভাবে अध्यक्षां अरुवेद इक्कांद्र शिक्षां ति (बाक्कः । **হয় ভো বিচারণভির গোচর করিতে পারে** না । महाभाग, এই এकनी कालिमहमानेमहम भारि ভালের বাাপার দেখিয়া বাস্তবিক অবাক ২ই शाकि। अपिक कोकी नाती है। राज्य अस्पूर्य, शृङ्केभन्दक हेन्द्रक অ'লায়ীরা **পদে পদে** विद्रक्त क्रिएक्ट्र , क्रिक्ति क श्रुट्यून प्रवर्गान রক্ষা হত্যার এই 🕮, ও দিকে বাজার :চীগুরা বাজার সার্কেন্ট বাজার ইজারদার ইংরা সর্কে সর্ক। হইয়া লোকের আহার্য্য ব বহার্য্য प्रवाति पक्तताल शाखिवियात विका कवि फिष्ट्र। शुर्द्धे विचित्राहि (**व काळा कर**णका क्षारन विश्वन व जिल्ला मृत्या असरापि विजन হয়। বাস্থার চৌধুরী ও বাজার সাক্ষেণ্ট সামান বেতনে বেরূপ বড় মাসুষী ধরতে থাকে ভাষা দেখিয়া **অবংক হইতে হ**য়। মহাশয়া আ পনি যদি কিছু কালের জন্য এস্থানে আগিতে পারেন ভাছাইইলে বিশেষ রূপে জনিয়া গ্র্ব । মেটের চক্ষু খুজিয়া দিয়া এখানকার জনেক উপকার করিতে পারেন। সকল মন্রেওলে-টেড প্রভিজে (নিয়ম বহিছুভ প্রদেশে) কি ্রিট্রুপ গোল মাল। আমার মতে ধ্বন এদেব

कार्यान मन्त्रुर्वस्य व्यवस्थात्र ब्रह्सिए

এবং দম্রু বৃত্তিই অক্রতা ইতর লোকের,জীবনো

পায়, তথন এখানে বছদশী বিচক্ষণ থাবাংশীন রাজনীতিক্ষা বিচারপতি ও ক্র্ছারিগণ নি ক্ষিত্র করা উচিত : কিছু দিন হইল, হিন্দু পে রুট কোন কাগজ হইতে ক্যান্টন্যেন্ট মাজি টের মেথবগিরি হইতে ঠাকুরসেবাপগ্যন্ত ক বিবরণ উদ্ভ করিয়া বলিয়াছিলেন যে নি শীত্র ক্যান্টন্যেন্ট মাজিক্টেটগণের পরিষ সিবিল মাজিক্টেট নিযুক্ত হইবে ভড়ই ভা

প্রধানকার বর্তমান কা উন্মেট মাজিতে
ক্ষতি ভদ্র, মিইভাষী, সহাস্থানন ও অমারি
আম্বা উাহার ভদ্রভায় বিশেষ স্থাই ন্ইরার্লির নিকটে যে মহত্তরং ব্রুম্বাড়ং
হলৈ রিচারপভির ন্যায়ায়্যায়ী কার্য্য করা
না, শুনিভে পাই গে বিষয়ে ইহার ভার্শ নাই। এমন কি আর্থপর পক্ষপাতী পুরাতন ব
চারীরা ইহাকে যে বিষয়ে যেরূপ বুঝায় ভ
তেই ভ্রু আকেন। প্রাথনা যে ভিনি কর্ম্মচ
গণের কুইকে না পড়িয়া পর্মভের নাায় অ
ভাবে থা কয়া বিচক্ষণভা সহকার কার্য্য করে
ভাহা হইলে এখানকার অনেক দৌরা
ক্মিয়া যায়।

পুলিধের গোচর না করিয়া বাছির ছ কোন অপরিচিত হাজি রাজগানীমধ্যে এক ব্রিও অবস্থান করিতে পাবে না। ইহাতে হ অনেক সময়ে ভদ্রলোকের কিছু কষ্ট হয়। বোধ হয় এরপ কঠিন নিয়ম থাকাতে চৌধ হক্ষদের প্রভাব হইতে পারে না। ইহা প্রতিগ্রামের এক এক মোড়লের সেই সেই গ্রামের শান্তস্কার স্থার অ থাকাতে প্রায় সকল প্রামন্তলিই শান্তিনিকে উপাধা বিহান রাজনী, ভক্স মন্ত্রী কর্ম না হভাবে দেওয়ানিবিভাগের প্রে क्षः द्वा व्यवसानः व्यवस्य विषयः मञ्चलक व्याटकः, লদে যেসকল কর্মচারী আছে, ভা-রা রক্ষক এই ছাউনির ন্যা**র ভক্ষক নছে, কা-**ই কোন গোল নাই।

২। মহালয়, সৰ আসিষ্ঠান্ট সার্জ্ঞনের জন্য मधकारम कशकरात्र (नथा स्ट्रेग्नाहिन, मिल-জটেও একবার লেখাতে সম্পাদক নং!শয় এহ করিয়া গ্রন্মেন্টকে আমাদের প্রাধ্না কারতে অপ্রোধ কিরিয়াছেন, স্থচিকিৎসক লবে এখানে আমাদের আজীলেরা আর বিন কইয়া থাকিতে পারে ন'া সংপ্রতি াদের একটা বফুর স্ত্রী প্রসাবের পর স্থাতিক। গে কাঞ্জেত হন। ৰজুটি অল্লবয়ক, ভাঁহার 🗃 প্রথম প্রস্তাত তাহাতে এমন কেই হছদশী টীয় উচার নিকটে ন'ই যে এ অথবস্থায় কি থে∵কডে হয় বলিয়া দেয়া উভেম √ক্ষোব⊛ াবে অভাতসারে পীড়ার ছ ২ইলে তাম: ায,মাণে হিচ্ছস্থানী নেটিব ভাক্তরকে কা ভ বাধ্য **হইলাম, সে রোগের কিছুই উপশ**ম उत्त भावित ना∍ वदश्वः कि हहेन । **व्यवस्थि**य অন ইংরাজা ডাজেরকে আনা হইল, কি:১৪ । পীড়া ছরারোগ্য হইয়া উঠিয়াছে, 🕿 छाक्तः 奪 इतिदयः, १।৮ मिर्स्स निख्य ायु (पश्चित्र) अन्त्री हिन्सा क्रिक्कारहर । जा चारमहाभाख (मधिनाम (मध्या छेख्य ऋ(भ २ भासः इत्यक्ती इतिहास सुक्रुक्त कविन । महा-অবামরা যথসামান। কর্ন্দের প্রভাগশায় এই শে আজীয় বজন ছাড়িয়া আসিয়াছিব तर्बद्धके कि कामाभिरतत अहेमकन कर्ड রিবেন না ? একজন সৰ কাসিষ্টাত সার্জ্ঞ कि शवर्गरमध्य जारम्य किंदू मधुष्ठा-स्ट्रेटव : নে পংলক ওয়ার্ক ও ক্ষিসরিএট টিমেন্ট ন্যায়ভিন্ন যে অংগজভাসর্থ আন ডভে ডাহাতে অনেবঙ ল সৰ আলিষ্টাউ

৩। এখানে শবদাংগের নিভিত্ত যে আলোম নির্দিষ্ট আছে, ওপায় যাহারা শব শইয়া हाशक्तिरके अधि भव भ्रेट स्था अक -वातिहीन शास्त्रत्रमध्या (यय'रन अक्नी ।।নৰ দৃষ্টিলোচর হয় না শেই খানে ৰাজী। কাণ্ঠানি সকল বহন কল্পিয়া লাইয়া খাইডে ভূঞার ছাল্ডি ফ.টিয়া গেলেও সংজ্ঞে একট : हैदात त्या **माहै।**

ह रहेराङ পारतन !!!

ধানকার জ্বধিবাসীর: জ্বনেক বিষয়ে মিখ্যা 🕽 ध्य विश्वेदक कार्कत भरकत। अस्त्र कर्या (व म्बारम्य विश्वकति द्रकः ६ ६५ कि धृष्ट् सि**र्वः** न्

कत्रा यात्र ति विवास काहात्र खेरगात्र अ वस्त्र प्राटम् । व्यामानित्यत्र न्रव्यत्र मध्यात्रक्री

चामाहिरशत शासिशूतक मःवार দাতা লিখিয়াছেন।

अशास्त अक्षी इंटर आकिएमत क्री आहा । हेराटक मनत कुरी कटर । हाति निक स्टेटफ व्याकि स्त्र कामनानि इहेशा आहे शास मध्यह इहा এপ্রেল মাসে এই আফিচ্যের পরিমাণ আরহ কর এবং জ্বন মাসের শেষে সমাপ্ত হয়। এই স महाभाविष्युत्त लाकावना रुम्नः अहे नमहा आध अक्ट ३४, • • • माकि(मत उँ २ शाम क्रि मा -शम रुग्न। अरे नमरम हाति जिक इटेट वाकाः स বাবুবা ঠিক। লিখিতে এই খানে আগমন করেন। এ বার আফিম কিছু কম হইয়াছে, তথাপি প্রায় ७. . . . मन उक्रम स्टेझाट्ड अवर फार्याकाः ধ্ইতে এখনও আফিমের চালান আসিতেছে। এই আফিন হইতে গবর্ণনেট্রে ৪ কোট টাকা-রও অধিক লাভ হয়।

১৮-৪ व्यक्त वर्ष किंग किंग नारहर दहे कारन अक्षत्र आखि हम। अहे कारन हेहाँद्र अवही ক্ষতি রুহ্মসলিয়ম (পোর) আনছে। ইছা সহরের পশ্চিম কোণস্থিত এবং চারিদিক উত্তর উত্তম উদ্যানের স্বারা বেক্টিত। এই স্থানটি অবতির্মণীয়।

এই সময়ে এ ছানে আডাত সর্পের ভয় হইয়া थारक। अक मश्चारक किन कन लाएकत नर्शाः बार्ड मृजुर स्टेबारहर

এ বার এখানে এখনপর্য্যস্ত ে বৃক্টি হয় নাই। এরপ অবস্থা যদি আর কিছু দিন বাকে **७!इ। हरेटन म्यून्ड अर९ चटनाज नाटक का**डाक व्यक्तिष्ठे हरूरिय मरम्पर नार्हे ।

--:•:---

चामानिद्वात जिस्टित मःवानवाठा निर्विद्यार्थम ।

১। আরুত্য অন্যজুর ডেপুরী মাজিটেট ও ए पुणे कारण देव वाबु विवाद माथव बूर थामाधा ह এবং মডিরিক্ত ডেপুটী মালিটেট ও ডেপুটি কালেইর মৌকধী দেলওয়ার জালী খাঁ এ বারু भरीकाय देखीर्न बहेब्राइन। (मरवाक व्यक्ति र्श्टर्फ अधान कात ' काकी श किरमन।.

क्रममञ्जू क्रेड़ा चारक । अ वर्ष मित्राधात बृष्टि क्ष्र काटक काट्रता कनर्षः स्टेशाटकः। अमन कि

कि नाहे ?

७। इटबेंहे नमग्न अवादन मन्त्र जाटमान स इब्रक्ष इष्टि में यात्र ब्रथाशाय छ प्रश्नकत्तिगटक ন্টতে বঞ্চিত করিয়াছে।

৪ । পাক্ত সোমবার রাজ্রি প্রায় বারটার अवादन विसक्तन जुनिकम्म, स्टेग्ना निवाद

व्यामानिर्गत स्वात्रक्ष मध्याम म निश्चिग्राट्य ।

১। महानम् ! व्यानात्र मन ১२१२ वा সলে আইনপনি দিয়া আমাদিকের সৌ रन्डः श्राष्ट्रियम् कविन । अष्टास्ट्रान्तं श्र ঞ্রে ছুরবস্থার কথা কি ক্ছিব। গভে সম गारलुब श्रवन स्वताव कताल आरमा ऋष्टे व গণ বছ কায় ফ্লেশে দয়াকু গৰণ্মেভের ব कराक এवर उरकामीन हेजातमात्र आधुष क्रमनावासन निवि ७ डाइन्ड नारसद अधियुद्ध क्षुवरुवाम क्षामान महानम्बर्भन प्राहारमः किए श्रानभारत उ इर्डिक्स मा श्राम কর হইতে আত্মৰক্ষা করিয়া বাসোপযুক্ত নির্মাণ করিয়াছিল। কিন্তুপুনরায় গভ ক মানের অভূতপূর্ব ঝটিকার উচা নির্দ্দুল হা विविद्धानाष्ट्रावनसम्बाता अभिकारम बुह रमग्राम मध्युर्नसर्भ शक्य स्ट्रेग्नाहिन, (ज्राञ्चामन क्लाई स्त्र नाई। अमक ममन वा ব্যাপিনী মহাপ্রসমূদ্রপধারিনী উপস্থিত भागन **भग**शांक्ष**क औक्ष्मक्षश**हा छ। গের গুড়ের দেয়ালের সহিত্ত ও রোপণ थाना वृत्कत महिन्छ **এक दाद्ध कान्यानका** त করিয়া দিয়া গিয়াছে। এখানকার প্রজার খ এकमाञ कीवरमाशाय, खाहात्र वचन ব্যাখাত জন্মিন, তখন ভাহারা জার কিনে ধারণ করিবে ? গভ ১২৭২ সালের বন্যার জীযুক্ত বংবু জয়নার য়ণ গিরি ইভার দার ম अधानकीत क्रमाज अधिकाती अवर है বাবু স্থবতরাম প্রধান মহালয় এখানকার মাত্র নায়েব থাকাতে ভাহারা আপুন ভ গোলার ধান্য বিভরণ করিয়া প্রজাগণের ও রক্ষা করিয়া ছিলেন। কিন্তু অধুনা জনীদার मरम्बा चर्मावन्त्र म अमार् छ इस साम व्यक्ति ও ৪ জান নায়ের হইয়াছেন। यहि ও 🕄 युक्त .২। সাধারণতঃ বর্ধাকালে এগানকার পথতলৈ। _{মহাল্}রের কিয়নংল অধিকার আছে, এবং ট জীযুক্ত প্রধান মহাশয়ের পুত্রভন্ন হুই অং

मा प्रवी भारत अधिष्ठि उ ज्यादक्त बढ़ कि छ।

महानय अंक काना भाज कविकाती अवर श

ब्रदब्र 🎝 :- व्यापुरहे व्यानात नारब्रद, फी-উভারা সমূদ্রে প্রজার সংচ্যে করণে প সমৰ্থ হইবেন ? তথাপি বাহারা গভ-প্রার সমুদায় নিকটস্ব এবং কভকদূরস্ট্র शन्तक यानाद्वाभाष्ट्रमा वीक्य अ व्यवस्थान বায় নিৰ্দাহজনা টাকা কৰ্মত ও দান দিয়া. ণ উপকার করিভেছেন, খদ পি বাকী ৮/১০ র ক্ষেদাৰ মহাশ্রেরা তও না ইউক ডাইার ংশ করিভেন, ডঃ হু ছইলে অনেক উপকার । कुछशूर्य कारलकेत जीवृष्ट इर्जन में रहर न्य प्रभाजुणकाव इहेग्रां आधारित्रत तःव च ७: स्वरीमा वर्ष भटक अहे (मारवात्र वरमा) দিবার সময় "সাজ্যার মা সজা পায় ন^{ু স} অনপ্রবাদটী ক্ষরণ করেন নাই, ভাষা হইলে দিগতক এমত ভূরবস্থায় কদাচ প্রিড ত চইত না। উক্ত অসম প্রবাদের যাথাবঁট रिक विवद्दन विक्षणन अध्यान बहेन्नर्रह । এ ২/১ টী কার্থের নির্দেশে প্রবৃত্ত ইইলাম এই জীবুজ গিরি ইমারণার মহাশ সময়ে প্রতিবংসরেই বেখামে আবশ্যক চনা ংইড সেইখানেই ব্রার প্রারভের রিই বলৈসকলের উভমরূপ সংক্ষার

ে। অস্ব্যুত্ই বংসর ভাষারও আনেক জ্রাটী কই ছ। নায়েবেরা প্রপের " স্থানি এই আন্দে व जिल्ले के इन अप्तम कड़न * बिलाई। अक सान ার্ভ করিয়া হিতীয় ব্যক্তিকে তদ্পুর্বর্তী उना (निचिद्रल "काशि अका (कन के कस হচনাক্রিয়াকবে;শ্ধেডিনিও ক্ষাক্ত হন। छ এक अ`रथ नकरलई, क'रर्षः £ेब्रड क्टेब्र) न्यांश क.दश (कृत्न्यः व्याज्य अक ক্তর উপর সকলে.. তার না দিলে ফ্রচানারণে , बिर्फार्स इत्रमा **स्ट्र**ातिमा वश्रासमी द्रम्या বে একডাগুৰসুপার, ভাষা কেনা ভানেন। इहें त्वत (नाटग्र⊲टनत) मटना (कान प्रंच -ক মাল্লেব একের প্রতি ভার সমপ্রের কি ং লাইবার অভিলাষ প্রকাশ করেন, আনানং যুব মহাশ্যেরা প্রশাক্ষার কিছু লাভ , আছে **২**চনা করিয়া এতুত্বভাষের কিছুতেই সম্মত नः श्लु उतार " यो एक यो एक युक्त सद अनु নীৰ প্ৰাণ যায় ^ক নায়েৰে নায়েৰে কি **অ**মী-

व समीमार्ट প्रज्ञान शानरयात्र स्टेमा अस्ट्र

ধে ঘটে: বিশেষতঃ উপস্থিত বর্ধার ইঙ্গারা

ল:বলিটুপুরাভন এবং জ্মীলার্কুড সূভন

দসমুধায় ভগ্ন কইয়া গিয়াছে, ভূমি স্থানারুলপে

প্রেরা ইইবার ইহাও অন্যত্তর প্রধান ভাবন

अक मन कुछ क्रेग्रा अवन करतः இत्रक तिति हेकानमान सहालादात **এই तदाहत**रक्षालाहाक বাংসরিক অফুনে ১০০ টাকা বরে হইছে, কিছ क्ष्या काश (क करवन ! विनि निकाती क्षामि-বেন জাঁহাকেই ভাহার সম্পূর্ণ বেভন দিতে হই ষেক বলিয়া কেই ভাইাভে ক্ষঞাসর হন না। শুলি লাম ডক্ষন্য কোন সন্ধিৰেদক নায়েৰ অপৰ নায়ে বগণকে একমত হইয়া ৪ চারি অসম শিকারী व्यानव्रमानात भक्र विशिष्ट्रमा तथा वादिक, ভাঁছারা কি উত্তর দেন। ফালতঃ এদকল বিষয়ে সছলারম্ভি প্রশ্মেষ্ট কোন নিয়মস্থাপুল না করিলে আর প্রজাগবের কোন উপায় নাই। অলমতি বিস্তরেণ।

--;0;----প্রেরিত

মান্ত্র প্রযুক্ত সোমপ্রকাশসভাষক মহাশর সমীপের।

বর্মানের রাজাকে ভোপদারা স্থান করা डें कि कि मा, इंश नहेन्रा कर्क हहे (कटहा কলিকাভার ছুইখানি দৈনিক পত্র এ বিষয়ে ब्राक्षांत च्यार्वनरम्ब च्याहरमानम् क्रियार्कम्। আমরা বোধ করিভেডি, যথন ভূমির করচ্ছি করিয়া চিরস্থারী বন্দোবস্তের মূলে আঘাত करा अवर्गामा के विष्या है है है। इस एक अव র্গমেন্টও রাজ্ঞার সম্মতি লইয়া বাহং আছেবন করিবার নিমিত্ত এইসম্মান প্রদান করিতে भारतम । वक्षमात्मत ताका वक्षरहरूनव मर्थर नर्या श्रवान पनी न। इंडेन, नर्माश्रवान समीमात वर्णन। गर्छ। यह विश्वाचारम्भा कनिकास्तत्र मीन ख মল্লিকলিগের অধিক সম্পত্তি ও অধিক আর আছে। রাজার জমীলারি পত্নী বিলি আছে। প্রজার সহিত ভাঁহার সংক্ষাৎসমূহে কোন সং আৰ নাই; অভএৰ পাহার আরু স্থিততর হহি ! बार्ट । नकासरत कलिकाकात धनीमिरशत সম্পত্তি ও আরু দিন দিন বৃদ্ধি পাইতেছে। জুখাপি ইহায়া আধুনিক, বর্ষমানের রাজা প্রচীনবংশীয় ভাত এব ভাছার সন্মান অধিক জুলি। **শবদা শীকার করিতে হইবে। কিন্তু ভিনি** सङ्के धनी रुद्धेन ना, स्वमीनाद्वत कथिक कात কছুই নহেন। জীহার কোন পূর্ব পুরুষ খাধীন श्रीकार क्या का कालय करतम माहे ; की शक्तिर शत কেচ্**ই কৰন শাসনক্**ষ্ঠা ছিলেন না। বীর্সিংহ্রায় বার "মড়ার উপর আঁড়ার মা" বন্য বরাদের इरुक्टरक वर्ष कदिवात खाळा निशाहिद्दलन वर्ष्ट, जिलाएक श्रदन कदि नाई बलिया खामात

कि ख काश दोका विनिधा नरहरे (म मगरम न অমীলার ঐ প্রকার হত্যা করিছে পারিছে মুসলমান সমাটেরা ইহাতে ২ড় উচ্চ ব করিতেন না। ইদানীস্তন কালে ভীলকা क्षमायक त भाग्यां वरमावन्त कतिर विश्वायम वीश्वमिश्व माखिएक वना **ख्टबरे वर्क्सारमद श्रृक्त्**खन ताब्यापितरक यः भागनकर्छ। यमिएक भावि । बक्रान श्रेष रहेर কোন ক্ষমীদারকৈ এ সম্মান দেওয়া উচিয मा ? आयेश हाथमस्कारत विल ७ कि কারী রাজাও রাজবংশীয়ব্যতীত এস भात काशांक (मध्या क्रिक नरहा अव এই সীমা অভিক্রম করিলে গবর্ণনে ট কো দণ্ডায়মান হইবেন? আর এক জন শ कर्छ। ज्यानिश ज्यात এक अपन अपनीनादरक সম্মান দিবেন; আঙ্জৰ ক্ৰম্ম: দেও আদালতে না বাইবার খান্তের ন্যায় প্রায় काश्म क्षष'म (चनित समीनारदत श्यास्य (**হইবো এদকল সমান ধ**াহাকে ভাগ (मञ्जा के विकाद रहा का का का का कर है। श्रथम (क्यारमञ्ज श्रमक माइत अवः (माने काः विश्वविक्रामरप्रव के नाधित्र मार्च ्रमारक है ছিছি করিবেন। যাহা ইংলপ্তের পিরুরগর না, মহারাজ ম হাতাপ চাঁদ কিলে পাট कार्शे व्यायाजितात का निरुष्ठ ना शास्त्र ।

दिश्वगादनत ज्ञास्त्रा विषय्रभारमञ्ज पृष्टे । अपनित कहिए भारतम । यशातीक পত্তিও জমীদার মাত্রত কিন্তু ভাঁহার পুর (बद्धा मार्गनकर्त्ता हिटलन ! छपापि उर्क বীকার করিলাম, যেন বিশেষ স্থল বলিয় क्रम समीनांत्रक अहे भयान मिल्या একৰে এক ব্ইডেছে মাহাভাপটান সেই বি कृतीय इटेटब्रह्म किमा? विनि डिडि ওয়েলি ৬টনের নাায় বেশের বিশেষ ট্র করেন, ভিনিই এই সন্মান পাইতে পা মাহাভাপটাদ কি করিয়াছেন ? বর্জমান, ব প্রভুত্তে যেদকর অভিথিবাদাপ্রভৃতি গ ভাহা উাহার পুর্কপুরুত্র। তিনি ক সামান্য চিকিৎদালয় ও এ০টা মধ্য শ্রেণির লয়ব্য'ণীত জার কি কংগ্রেছেন? কোন সেডু, কোন প্লাবিত গ্রামের সূতন গৃহ, क्षराम हिकिश्यालायुक्त मूलधन, काम विश লয়ের ছাত্রের ডি,ও বাবস্থাপক সভাব কো কারী আইন উঁছোর নাম ধারণ করে? चर-भौधिभरतत कान कार्य हे नाहास না। তিনি বলিয়া বেডান, " আমি ভার रात সম্পানের প্রতিবন্ধকভার প্রকৃত কারণই

এই। তিনি জ্মীনার্মাত্র, এটা সেই প্রতিব্য

কভার একটী হেডুমাত্র হইয়াছে। আমাদিদের

মত এই হইতেছে মহাভাপচাদকে ভোপেব

मधान भिवन्ना दिनाम महस्त कर्खवा नहहा यथन

এক সীমা অংবধি অংশর সীমাপর্যন্ত আনেনদ্ধননি

ট্ৰীবিঃ---

श्राकाच कहा इस् । " (कम श्रादम कहा इस १ अ कथा व अप अहे क्हेट उटह, रा छात्रक রুসভায় এক দল পাদা আহেন; ইহার। ল বাহা আজ্বর ও বোকামী করিতে : রাজা সেই সকলে হস্তার্শ করিতে চাহেন किन्त यनि कार्यात शतिकन्न इस, जाव. শস্নাথ পণ্ডিত প্রথমতঃ প্রধানতম বিচারা লয়ের অংশনে উপরেশন করেন, তখন দেশের গ ভারতব্যীয় সভাষারা যে উপ্কার হ**ই** s, ভারতে ভাঁহার<mark>ী যথার্থই সর্বা</mark>ধার**ে**র इया महाका नहीं दिन सम्मादन प्रश्वर्षण इहे-স্পদ হট্যু'হেন। এসকল লোকের সাহায রা ও অদেশীস্থলিগের ছিডকর কার্য। ছইচে (ডছে!!

থাকাকি সমান নহে ? রাজা হদি দোকান ও আধুনিক জনীদারদিগের সহিত মিঞিড া অংপমান আংান করেন, ভাষা ইইলে ভিনি শীষ্ণ দিবের বর্ত্তমান সভ্যতাব্রোতের সন্মুধে য়মান হইয়াছেন। এও সকল পৌৰর আব উচিত নহে এবং বস্থদেশে ভাহা নাই। এ কেবল বংশ ও ধনের মর্যাদা নাই; **। ও ক্ষমতার মর্থালা সকল সম্বানের** কা উচ্চ আসন পাইয়াছে। ভাপচীদের ন্যায় প্রাচীন ধনীকে লোকে করেন না, অংশেকাকুড দরিয়ে রমানাথ রের নামে লোকের অংশুপাত হয়। দিগধুর এক জন আধুনিক লোক। রাজার হাতি সংশীয় লোকদিগের ভজ্জি নাই। এটা নিবন্ধন নছে ৷ স্বসিধারণ ক্র্যাপর্বশ

ত শারেন না।রাজা ভারতব্যীয় হইয়া ভির প্রতি ঘুণাপ্রকাশ করেন। 🚅ভনি ব্রাপীয় রুচি ইউরোপীয় ব্যবহার ও ইউরো দিলের সহবাস ভাল বাসেন। কেবল ইহাই ষর নকে কিন্ত আন্দেশীয়দিপকে ভুক্ত । विरम्भीयमिरगत व्याताधमाई सार्यह নছে। অনেশীয় কোন ব্যক্তি কোন সাধারণ কারী কার্যোর নিমিত্ত চাঁদা চাট্লে **ए छ तम मा । किन्छ त्रिम्थित कर्युक मह**न्थ वास्र कर्त्रसा करमवर्षी इंडिस्तालीस करत्

র কবিয়াছেন। তিনি অদেশীয়দিগকে । না। ভারতব্যীয়গণও ওঁলেকে ভুচ্ছ জ্ঞান

াকেহই ভাঁহার অংশের প্রাথীনহেনঃ নিড বেক্ষমতা আছে, ভাষা ভিনি সাগা

ভার্য বিনিয়োজিভ করেন, ইহা সকলে করিয়াছিলেন। ডিনি এ আলা **সম্পু**র্ণ

চপারেন নটে। তিনি নামে ভার**ভব্যী**য় ভঃ ভিনিরাধাকাজা (দব ১১ ফু.ডির নায় ः अध्यान्त्रीत इहेराव (काम् काम्य कांद्रश्ला

এত এব উটি (কে সমান করা ভাষে ি মান করা সনুন্ধী চুট্টেড্ডে, ভা-

ইংলিস্মান ও ইতিয়ান ডেলি নিউস উভয় সমাচারপত্র পাঠে জ্ঞানা গেল যে, ব 🕏 মানের মহারাজানিরাজ বাহারর সঞ্জমসূচক চিঃসরপ ভোপধান দেলাম পাইবার জন্য शवर्गरम्हे धार्थमा कांत्रप्रार्ट्स । व्याभारम्य स्मात्र

ছিল না বে, মহারাজ বাহাছর ঐ রূপ দেলামি भारेरजन नाः किश्व हांशंद नःरम्ब এवर वष রাজ্যমধ্যে উট্যার ভুল্যধনী ও ডিনি যে পরি-मार्थ तास्य तास्रात्मास वर्ष वर्ष विद्रा থাকেন, ভদ্রাপ দিভীয় ধ্যক্তি নাথ্কাভে

ঐরপ দেলামি ভাঁহাকে না দেওয়াডে ব≉ রাজ্যের প্রতি রাজপুরুষদের জন্তভ্রাপ্রকাশ হইতেছে। বাজলা দেশের তুলা রাজভক্ত প্রভা

ভারতবর্ষের মধ্যে আর নাই। আধীন ভূসানী क्रांमर्स ना পाउद्वाद कार्तन अहे त्य, खिंहेन গ্রহণ্টের জালাবভেই সমস্ত দেশ নিজাক কুরু হ

ও ঐ দেশের ভুল্য রাজকর আনায়ের আনকর

ধীনে আনিয়ানিজ নিযুক্ত কর্মচারিছ'রারাজ कार्यः हालान्ट्राङ्गः। किश्व प्रेष्टितः शिक्षांकाःकाः এবং মাজ্রাজ ও বোষাই দেশে আনেক পুরাভন

বাজা এপর্ব্যন্ত সাধীনাবস্থায় আংছেন।ফলডঃ তন্ত্রার বল্দেশের ও অপর রাজ্য খাঙ্কের পুরা-

ভৰ অংশৰ ধৰী রাজগণের সমান পূর্কে যেরূপ हिन, काश्त्र श्रास्त्र स्था अञ्चिति । वर्षमा-নের রাজবংশ অভি পুরাতম ও ব্রিটিশ রাজে;ব

গুৰ্মে ভ**ৰ**ংশের আধীনতা, উত্তর পশ্চিমাঞ লের অনেক বাজা বাঁচারা এ পর্যান্ত সেলামি পাইয়া আসিড়েছেন, উচ্চাদের সংক্র কোন

किटम है विक्ति कित ना । ककि शाम अ कहे (ये. বৃদ্দেশের রাজগণের সম্পত্তি ত্রিটীশ গ্রগ্মে-

ণ্টের কর্ত্তহারীনে আলিয়াছে , কিন্তু উত্তর পশ্চি মাঞ্লপ্রকৃতি **फ**ारनेद র!জগণ

অবস্থায় এপটাত পতিত হন নাই, ভাষাত কেবল দয়াভ'বে রহিয়াছে। কিন্তু ভক্তন উভয় রাজগণের সম্মানবিশয়ে প্রভেদ করা

विष्ठात्रिक श्रेट्ड शाद्य मा। वर्षमात्मव ক্ষের ডুলঃ রাজকর ত্রিটিশ অধিকারের একক কেহ দেন ন।। প্রায় ৪০ চলিশ লখ कत्र श्राप्तिवश्यत जिनि नित्रा च'रकम प्रकार का अक्षा का माने पहिला था ভাছাদের মধ্যে অনেকেই ভাঁহার ডুলা नर्दन। विध्यष्ठः धरतमारत छ विष्ठर রাজ্যের মধ্যে বর্জ শনের মহাবাল সাহিত্যা कादकार्संत्र मर्पर वश्रतासार हेश्लरकृत चक्रभा देशास्त्र वक्ष द्वारकात्र प्रकृतिकार्थ वा প:ভিষাঞ্লের বছৰংখ্যক সেলামি প (यात्रा ताकः तु अनुन अधानक अन का कत মেন্টের মিডাজ অবিচাব ও ভদারা ব প্রতি প্রথমেটের কল্ডাল্লাস হইটে একণে বর্ত্তনানের বিংহাসনে যিনি ক चारहन, उँ'हात ७१ न'ना घराम আংছে। ১৮৬২ সালে ইনকমটেক যে সময় চলিত হয়, তৎকালে বৠমানের য়য়¹ দর্মাথ্যে টাক্ল দিজে সম্মতিপ্রকাশ করেন উঁাহ'র জায় স্কাপেকা জবিক থাকার ব শিরে টাকের ভার অধিক পড়িয়াছিল। স্ব াহার সমতি কেবল মৌখিক চিল না

যতঃ ঐরপ সমতি দেওয়ার জন্য বলং প্রায় ভাবং জ্ঞামিদার কাঁচার প্রতি 🛡 व्हेब्राडिस्टन अवर विजित्त हेलीया अस्मानि অর্থাৎ যে সভাব সাহায়ে হিন্দুপেট্রিট मधामभद्र क्षष्ठानिक कार्रह है।हातः मर মহাবাজকে অবহেলা করিয়াছিলেন। হিন্দু यूष्टे छे छ विषय स्थ । जानस्यारभन व्यप्ति সম্প্রতি দিয়াছেন, ওন্ধারাও বোধ হয় যে, মহারাজের সহজে পুর্কাষের এপর্যন্ত বিক্সা নাই ৷ হ'হা হউক, বৰ্জমানাধিপত্তির দান ম

धन श्राप्त विषया के कि विद्वार के ভোপের সেকামি পাওয়ার যোগ্য পাত্র ব অংশেক্ষা এদেশে আরু নাই; অভএব গবৰ

नमीरण कामारन्त्र विमञ्जूतः नतः मिरतनम (व, महातारकत शार्थमा आहा कतिया वक्ता

প্রধান ব্যক্তির সম্মান বৃদ্ধিত করুনঃ 🗟

ৰজীয়দিগের দৈহিক অনুমতি। रम्पान समा दिमार्गातारक खारनाक्य (७८४, এবং नक्षांडा सूधमक्ष्माणा ममृद्धि সৌভাগ্যচন্দ্র দিন দিন পরিবর্দ্ধিত হইয়া বাদীনিগকে সনুসঞ্জ করিতেছে বটে , শেক, রোগ, দৌর্মল্য, অকালবার্ত্ত্ত অকালমূতু,প্রকৃতি রাজ্বরূপ হট্যা নৌভাগ্য চক্রকে প্রাস করিছেছে, ইহা স गर्व विषय नरह। इंहा क्षिया এक्ष्मीरयवा শিচন্ত ও নিনিড আংছেন, অতিশয় ছ:খ ও র বিষয় : কভ দিনে ভাঁছাদের নিদ্রাভক ? দেশ যে উল্লিছ্ল্যায়। আনে কেন উছিল। ।ত হটন এবং দেশরকার সমুপার করনে। কেনোপযোগী মিয়মঙলি প্রতিপালন ও বাহাতে সর্বাত্ত ও সর্বালোকমণ্যে প্রচ ও প্রতিপালিত হয়, ডিঘ্যুয়ে বিশেষ বস্থ-হউন। দেশানিষ্ঠকর জমপ্রমাদাত্মক দেশা চল সংশোধন করন। আনেকসংখ্য বর্জ-রীতি নীতি সামাজিক ও সাৎসারিক

आभारनत रेन्ट्रिक वनवीर्ध ह्रारमत भून প্ৰমতঃ বাল্বিবাহ ৷ অনেক মহাত্মা এই কৈ বস্বাসীদিগের বলৰীর্যাহ্য ও অকাল अमार्कत कार्य दिनश है स्तर कर्यम । গলে পরিণয়ক্তিয়া সম্পন্ন ইংলে অনেষ নিষ্ঠ হয়। অভাবয়দে জী দংগণ ও সভান हर कदिएल भादी दिक नियम **चल र**य । **अ**हे িপুরুষ উভয়েরই শরীর ক্রমে ক্রমে वनवैविक्षीन अवर शतिनाटम क्या हरेगा व्यवस्थिक वीटक द्रक छैरलामिक स्ट्रेटन সেই রক্ষ শল্পকালস্থায়ী হর, অপরিণত সস্থান উংপন্ন হইলে সেইরূপ সেই সস্থান ्त्रशः च्युक्तशस्य अञ्चले दशमरेशः सन्निद সধ্রণ করিয়া অ্লব্যুক্ত শিডা ক অপার শোকসাগরে নিমগ্ন করে। ব্বাহটি বেমন দোধের, যৌবনাজিরিজ্ঞ ্যাণিক বয়সে উভাছ হওয়ায় ভেমনি র : আংমাদের দেশ অভিশয় এীকাও উঞ । এথানকার লোক সভাবতই কাম ক্রোধ েরিপুগণের বশীভুক্ত। অংকএব অধিক ্রিক বছনে পরিবয় হইলে লোকসকল কুক্রিয়াৰিত ও কুপভাবাপন হইতে পাবে ভল্লিবস্থান ন'না একার শরী: নাশক সংভা ্তি রোগ জাঝিবার সভাবনা থাকে ৷ মাডার দোষ ওবের ফলাফল সন্তাবে অভএব ভাঁহাদের স্বেহাস্পদ সম্ভাবেরা গ্রনীর কুক্রিয়ার শান্তিসরূপ রোগ অধি রিয়াকেছ কবিলধেই মৃত্যুৰে পভিত ংবা বিকলাঙ্গ, হীনবীর্যা ও অকর্মণা দ্বীবিত থাকেন। অবত এব পারে পরিণত

অধাৎ পূৰ্ণৰৌৰন ৰক্ত ও পাত্ৰী ভাদশ

। সাদশ্ৰবীয়া হটলে বদি বিবাহ হয়,

তীয়তঃ আমাদের মূল বিবাহপ্রবাটিই বহু

। ৡল। এখানকার লোক ত্র:ক্ষণ খুদ্রাদি

ইলে দেশের কভক মলল সম্ভাবনাঃ

মহাশয় : গাভ ৩ বা আঘাচ দিনকৈ পুরের জীযুক্ত রাধাগোবিক্স রায়বাহাছর আপন পিডার আছি মহাসমারোহে সম্পন্ন করিয়াছেন। কলি-काजा, नवदील, वस्त्रान, मूहनिशानान, वाकुला,

माना वर्ष विकक्त । हेहाँद्रा आवात कुनीम শ্ৰোত্ৰিয়প্ৰভূতি কএক শ্ৰেণীতে বিভক্ত। মৃত মহাত্মা বললে দেন কুলীনের প্রথা প্রচলিত करत्रन। छिनि चाछि मन्द्रिशास्त्रहे बहे श्रशासि প্রতি**ন্তিত করিয় ছিলেন তাহার সঞ্জেহ নাই**। এक मभरत अहे श्रवाशी हैं मरहायक दियों इहेग्रा ছিল বোধ হইডেছে ; কিন্তু একণে তেম্বি मुवनीय ও धुनाई क्हेब्राटकः वत कन्यात वसून মনের গতি শারীরিক ও অসন্যানঃ অংবস্থা बिट्नय विद्वहना कश्चिम्रा विदार (मध्या शिका মাতার কর্ত্র্ট কিন্তু আধুনিক কুলীন সম্প্রনায় किंदियाल किंद्रभाज लका करान गा। इंशीहा সমান হরে আপন জাপন সন্তানস্ত্রভির विवाह मिटल भारिताई काभनामितात जीवन সংগ্রুক জ্ঞান করেন ৷ আন্যান্য কর্ণের কুলীন অপেকা রাচীয় কুলীনব্রাহ্মধদিগের বিবাহ্পথাটা मिट्नेव विटनेय व्यश्कातकः । हेश्टनतं महतः किः (कर देश्ना निवक्षन, (कर्रव) अर्थाह्माट अक्षी অলবয়ক থকিকার শিশুর সৃহিত্দীব্যকারা হয় ত ভবিকবয়স। কন্য ত্রের বিবাহ मिट उट्टन। विद्वा प्रस्त्राका अक हुई छिन वा ভতোধিক কন্যার, একজন অধিক বয়স্ক বছ বিবাহিত মুমুর্ব ব্যক্তির সহিত পরিবয়ক্তিয়া निर्माह कतिएएक्स । अन्याना वर्षत्रं त्यांवित्र उरुमञ्जाराशित क्राफिन (ऑक्सिय **उर**्मक দিগের বিবাহপ্রধালী অধিকতর অনিষ্ঠকর। ইহ'দের মধ্যে বছ মূলের কন্যাবিক্রয়প্রথা প্রচ লিভ থাকাতে কেছ কেছ এই বাবসায়টিকে প্রকৃত ধ্বেদায়সকল অবলয়ন করিয়া থাকেন। অন্যান্য প্রাঞ্জীবীয়া আপন আপন প্রান্ত গুলিকে অধিক মূলের বিক্রেম্ন করিতে পারিলে যেরপ চরিভার্থভালাভ করেন, ইই:রাও: আপন আপন কন্যাদিগকে অধিক মুলে; বিক্রেয় कतिर्इ-शातिरन (प्रदेत्रश कुछ।र्थाक्मे : ऋधिक অৰ্থ পাইলে কন্যান্তলিকে অপাত্তে অৰ্পন করিতে অবসমত হননা। অকেক বংশকাও (क्यां खिटम्रज कन्यांत्र शांनिक्षक्न क्यांग्र टेन्भवा-বস্থার হইর। থাকে। পুরুষ্দিগের প্রায় প্রোচা-বস্থায় ও র্থাবস্থায় দারপরিতাই হয়।

<u>ज</u>ीताः

বিক্রমপুরপ্রভৃতি নানা দুর্দেশ্য ও সা পণ্ডিতগণের নিমন্ত্রণ হয়। সভাস্থ পণ্ডিত मछ विवासर्भ এक এक मान ও এक अव বল্ল উত্তরীয় সহিত প্রবত হইয়াছিল। বি পশ্তিভগবের প্রভ্যেককে খানছেব্য প্রায় ৫০ मृत्तात **७ जान्मीय भ**िष्ठभागत श्राटः २ • क्रीका मूटलाव प्रवा श्रम छ इहेम्राटक । विदा भश्चित्रद्वाद्व वितास गर्माश्च ००० होका छ শত্ব পঞ্জিগণের বিদায় সর্মশুদ্ধ ১০টা উপস্থিত পশ্চিতের বিনায় ১৫ টাকা, ১ (ब्राफें। इंग्रिविशास ১० টाका रख ३ (स অবাহ্ত ভুত্রধারিমাতের বিদায় ০. ১ বনাত। ভট্ট ও তৈবংজ্ঞরে বিদায় ৫ ই ৭ সাত বন্ধ ও তৈ প্লস্পাত্র প্রনত হয়। ष्ट्रः थी विकासिशर्पत श्राप्ताकारक अक) देशका ७ ककित्रामत প্राक्तांका ७ उँ বদ্নাও ১ টাকা প্রদান করা হইয়াচে ৷ আল'**ছে যেদকল রবা**∤্তপ্রস্কৃতি গমন ক ছিল, ভাছাদের বাদের নিমিত গৃহ নি इहेग्राहिन এবং সকল লোককেই প্রায় দশ সের আহারদ্রর দেওয়া হইয়াছিল। কর্মনি ব্রাক্ষণভোলনের নাায় কালালি দীন অভ্যাপত যত লোক উপস্থিত ছিল. সক ভুলারূপে নিষ্ঠান্ন ভোলন করান হইয়ানি এই স্কুল, আংগায়ক ব্যক্তির বিদায়েব দীনাজপুর নগরস্থ সমুবায় লোককে ব্রুমে এক জেলিক রিয়া মিষ্টাম জলপান করা एउट । छिटिएवन (मः मारेटिएउ कीन इः দিগের নিমিত্ত কতকটাক। প্রদুও চইবে

ভিত্তে একটা কালেইর। স্কার্ড স্ व्यक्तिकाति वक् मामानः सम्। व्यक्तिका লোক উহাতে প্ৰতিপালিত ইই,মছেন পদাস্ত্রপ কিঞ্ছিৎ কিঞ্চিৎ সংস্থানও করিয়া कि है (क्यन ने श्वरत दिख्यन), हिनके ले क त्र अक अप्त याहेर्फ स्मा (अत ना। কৰ্মেৰ এমনি ওপ, ক্থনই অবভঠনে পাৰি পারে না। কেছ যে কথন চিরকাল পাপ। করিয়ানিজ, ডি পাইবে, অসম্ভব। আজি । वा इ.म.न भरत्वे इंडेक व्यवभावे व्यव्हारक हे

শুনা ইইয়াছে।(১)

(১) আনিরাঅনুকর হইরা এই প্র প্রচারিত করিলাম > কিন্তু যেসকল ব্যুদ্ধ ব हरमञ् छेरमास्वर्षम इत्र, कानुम विमास छ দান করা আমাদিগের অভিথেত নতে,

600 বভোগ করিতে **হ্**ট্ৰে। যে রা**জে**, **যে সং**-র **ভারণ করিয়া আসি**য়া কা**লেইরের নিকটে** ার হুডী (আনীনের প্রাপ্ত কমা টাকা) ট্রার আবেদন করেন, কা**লেটর সাহের** সেরে র ও আমলাদিনকে ভিজ্ঞাসা করিয়া ঐ েন্দ্রপত্তে আমীনের যথাপ প্রাপ্ত ৪১ টাকা ভে সংসতি প্রদান করেন। যৎকালে উক্ত ংলেশ্ডের সেরেন্ডাদার ঐ কন্তুমভিপজেরঙ ন কালীতে ডিপজিট পুস্তটো উক্ত টাকা খ-লিখিতে যান, তখন আমীন উপস্থিত আছে না জিল্লাসাকবিয়া অসুসন্ধান না পাও ভই হউক অথবা অন্যকোন কারণেই হউক দেবস ঐ টাক। দিতে অসমত হইয়া, পঞ্জিট পুস্তক জ্ঞাপনার নিকট রাখেন। ধর্ম্মের মন সুমাগতি, ইচ্ছা না থাকিলেও দোষী জ যেন আপনা হুইতেই স দোৰ বাজ ক-লুকান্তন লাগিয়াড়ে. সেই ব্যক্তি সহসাকি ভাবিয়া, সেরেস্তাদারের নিকটে আফিয়া াষব্যক্তকরে িএব্যক্তি অনুভা আদাল । नरकादी अकाफिटले हे। देशक निकड़ ধনিউ সংক্রাপ্ত কাগজ পত্র থাকে। সেনে দার জ্ঞানিয়া শুনিয়াও কোন কথা কাহাকে ন নাই: বরং গোপনে রাখিয়াছিলেন।

বে, অথবা যে গৃহে এক বার **পাপরপ <u>ধ</u>্য**-দুর উদয় হয়, ভাগার প্রোবঃ ক্ষনই নাই। हाउ है। किंद्र क्यान्नाय **हैननीक स्या**

চুদিন হইল, এক জনে কানীন কোন বাঁটোয়া

ত প্রবৃত্ত হয়।ভিন দিবসপরে যে ব্যক্তি

বায় জনপের মুল, যাহার জানে; আনোলচে

এখানকার স্থােগা ডেপুটি মাজিটেট

পাল বাবু কোন হতে ঐ গোলযোগের

য় কর্ণগোচর করিয়া কালে**উরকে অবগ**ত ন। ভাষ্তে কালেট্র সাহেবের বিষম

দৃহ উপস্থিত ইওয়াজে তিনি অসুস্কান ায়া দেখেন, যে ঐ আমীনের ৪১ টাকার

१ (८८) ट्रेकि। ब्लाल करा ठ्रेब्राइड् । हेड्। (नः ै कारमहेत्र मारहर ७५५मधार উक्क राक्ति-

হাজতে দেন এবং উহার কাগত পত্র া**হ্রপুথ রূপে** পরীকার্থে সেরেস্তাদরের উপর

ার্পণ করেন। কএক বংসরের কাগঞ্চপত্র ধয়া ইংক মধ্যে ২২০০ বাইশ শত টাকারও

কে জালে বাহির হইয়াছে। এখনও কত

s, रता यात्र सा। ्धे नक्त होका এक

র লওয়াহ্য কাই। সময়ে সময়ে ভিল ভিল য়েব'হির করিয়া লইয়া আমাস্সাৎ করা হই

इ। এই कालकार्ध वास्त्रक संख्या है

हित्या । किन्न माखित्के हो विहाद के का बाकि ও জ্বর এক জন শেষনে সমর্পিত হইয়াছে :

क्षतिनाम के लायी राकि अमूर्य निम लाग স্বীকার করিয়াছে এবং কহিডেছে আদালডের অনেকে ঐ জালকাণ্ডে লিপ্ত আছে। বাহা হটক कारमञ्जूत नारक्रवत अविवरम विरम्भ अञ्चलकाम লওয়া কর্ত্তব্যা

২ ৷ সম'চার পত্রে দেখিতে পাই, বালালা দেশে ভয়ানক বৃক্তি হইয়াছে। কিছা কি আংশ্চর্য্য এখানে অদাবেধি কিছুমাত্র দুক্তিপাত হয় নাই। যেমন রৌদ্রের প্রখরতা তেমনি ত্রীকা। এরপ बीक्सा किरतक क्षत्रभारत्या याय नाहे। यक्ति क्यांत्र ছই চারি দিবস এরপ থাকে ভবে এস্থানের ব্দবস্থা ক্ষতি ভয়স্কাৰ হইয়া উঠিবে। ইহার মধ্যেই ত্রীকাতিরেকনিবজন ওলাউঠার প্রায়ভাত হই য়াছে। ভারতে যদি শীল বৃশ্চিপাত না হয় ভবে আর নিস্তার নাই।

২৭ এ জন طلا طا ڏ

মূল্যপ্রাপ্তি।

জীযুক্ত বাবুরামচক্র চট্টোপাধ্যায় আংলিগড় ১২৭৫ আবিণ ধ্ইতে ৭৬ জাষাচ কুঠি বেলিয়া » रद्राष्ट्रम मञ्जूमनाद ১৮৬৮ জুলাই হইজে ডিসেম্বর a त्रासङ्क भूरचीभाषात्र জনাই १४७४ बनाइ १६८७ ७० जून ১৩ " कार्षिकाम व्यवहाँ ডুবিড হর ১২৭৫ ঘৈশাৰ হইতে » পার্কভীচরণ চট্টোপাধ্যায় আলাহাদ >२९६ टेका**र्थ १३८७** १७ टेडमाच [>] कामाचा/हरून मृट्यांशायात्र त्रम्<mark>त</mark>्र १२१७ जाराह स्ट्रेंट कार्याहासून " ৰারকানাথ মিত্র कशिकाषा **३२१६ टेवमाच हहेटक कास्त्रित** ' হেমচক্র মুখোপাধ্যার ব্রাহ্নগর ১२१६ व्यानाच स्ट्रेट अक्षरायन ^{के} छात्ररभाभाग ठक्का व्याप्त वाहिक ১২৭৫ আগবণ হইডে আংশিয়ন " टेक ना यह उस स्थाय কলিকান্ডা' ১২१६ कारा ह इहेरक क्या हा मून ¢# » অভয়াদাৰ বস্তু কলিকভা সুকেড্টিট ১২৭৫ আবাচ হইতে অবহায়ণ e li 🏚 যজেশ্ব সিংহ ভাস্তাড়া >२१€ प्यायांच हहेंएक १७ देकांचे 20 চ'দিপুর **भ (इवह्या (चा**व

३৮७৮ जुनारे स्ट्रेटफ फिरम्बब

" (भागानहाः महिक घेट ১२१४ व्यावाक इटेट्ड प्राक्षक्ष्य

--:0:--

সোমপ্রকাশসংক্রাম্ব করেকট विटमंत्र नियम।

অবিষয়ুল; ও ডাক্ষাস্থল না পাইটে বলে সোমপ্রকাশ প্রেরণ কর। যায় না।

हेरात अधिम मृता वार्षिक ३० होका বাণ্যাসিক ৫॥ - টাকা : ম**ফখনে ভাব** मरमञ्ज वार्धिक ১७, यानु। मिक १ अवर সিক ৩৬ • । ডিন মাসের সূচনে আংশ্রিয এছণ করা যায় না। ভণ্ডি, বরাভি চিঠি, অড'র, নোট ও স্তাম্প টিকিট, ইছার খ যাহাতে যাহার স্থাবিধা হয়, ভিনি সেই ধারা মূল। প্রেরণ করিবেন।

मंहिता द्वेषण्यविकित गाठीहरकत, प যেন এক অথবা আংগ আনার অধিক अ त्र गीरमत्र किंकिं हे (श्रत्य ना करत्न।

যখন যিনি মফখল হইতে সোমঞ মূল্য পাঠাইবেন, ভাষা যেন রেজিপ্তবি জীযুক্ত ভারকামাথ বিদ্যাভূষণের নামে ইয়া দেন।

ৰ'ছাদিলের মূল্য দিবার সময় **ভতীত** আসিৰে, এক মাদপুৰ্ফো তাহাদিগক লিখিয়া স্থানান বাইবে, কাল অভীত गालक अक बात्र विकि लिया हरेरव, खार একমাসকাল প্রতীকা করিয়া কাগজ বং বাইবে। শেষ বারের পত্র বেয়ারিং रहेरव ।

মাতলা রেলওয়ের সোণাপুর ষ্টেসবের ঘরে চিঠি আইলে আমরা শীন্ত্র পাইব।

बाँशका माञ्चन ना मिक्रा श्रद्धानि (अत বেন, তাহাদিগের সেই পত্রাঞ্জি এহণ যাইবে না

কেই সোমপ্রকাশে বিজ্ঞাপন দিছে, করিলে ভাঁহাকে প্রথম ডিন বার প্রতিপংটি আনা ভাহার পর 🖊 ১০ আনা দিতে হা विनि अधिक काल विकापन दिवात हैका বেন, তাঁহার সহিত অতম বন্দোবস্ত হইটে

🐼 এই পত্র কলিকাতার দক্ষিণ মাডলা রেলওয়ের দোণাপুর স্টেসনের চালড়িপোতার প্রীযুক্ত মারকানাথ বি ভূষণের বালিতে প্রতি সোমবার প্রাত্তঃ প্রকাশিত হয়।

(माश्का

3 - N TH 1

७१ मश्युष

— >> C— प्रवक्तनां प्रकृतिहिताय पार्थिवः सरस्ती अतिमहती न हीयतां

नक मृत्रा ১ এक व्यक्षिम वार्षिक ১० हम রম বাণ্যাসিক লে সাড়ে পাঁচ টাকা।

मन ১२१६। ७ रे व्यवित। ১৮७৮। २० व

বিজ্ঞাপন।

সহত্রমুদ্র। পারিতোধিক। এড মারা সর্বাসাধারণকে জ্ঞান্ড করা মাই-ছ, বে গভ ২ রা চৈত্রে আমার ভরনের সম্ম त्रवर्गस्य निमायः कृष्ठ विमानवाग्रहत्व তার উপর বেলুড় প্রামবাসী অসুনে ৰফিব্যীয় গস্ত নরসুলারনামক ভারেক প্রি**র্**কর বে নক হভ্যাকাও হইয়া গিয়াছে, আজি অবধি মালের মধ্যে যে বঃভিচ ভা**ধার ছননকারী**র पश्चाम कविद्रा निष्ठ शादिरवम, 'डेर्ग्सक র মুদ্রা পারিভোষিক প্রদান করা বাইবে। মাদের পর এক বংসরকালমধ্যে অসুস্কাল দসংবাদদাভাকে ৫০০ পাঁচ শভ মুদ্রা ন করা ছইবে। অভিশয় আংকেপের বিষয় উল্লিখিত দিবস অবধি গ্ৰথমেন্ট পক্ষ এবং খপক হইতে নানাবিধ অনুস্কান হইতেছে; কিন্তু কোনক্রমে কুতকার্য্য চ পারা যা**ইডেছে না**।

কাড় রাজধানী) ১৮ সাল } এীগোপীলাল পাঁড়ে। ইজুন

আন্তকগণের প্রয়োজনছেডু নিমলিখিড ৃত পুস্তকত্রয়ের কিয়দংশ প্রকাশিত চইল। লেণ পূৰ্ম ভাষাভীত নিয়নিৰ্দিষ্ট সম্পূৰ্ণ क्षित्रम कतिरम श्राप्त इहेरदम। विरम्हन ণর বতন্ত্র ভাক মাশুল নাগিবেক। লিনাথের চীকা সহিত। (শুপাল বধ (মাষ্কুত) মূল:

বুবংশ (কালিদাসকুত) " @ # · রাভার্কুনীয় (ভারবিকৃত) ৩॥• पूछ्नात्च व्हेरवक। श्रकारमत शूर्ण्य श्राहक विक्रम व्हेरफरहः---

ডুক্ত হইলে গীতা বার পৃষ্ঠা অপর প্রতি আট পৃষ্ঠা ডিন পল্লসার হিসাবে খণ্ডে বা সম্পূর্ণ বেমড श्रकालिक इड्रेटक फेक्ट मिन्नरम मूला श्रमान कतिरम भूक्षक श्रान्त इरेरवन । विरम्र श्राप्त श्राप्त বতন্ত্ৰ ডাক মাশুল লাগিবেক।

अपूत्रश्ताः (यसम्क । अकुक्ताः । महानाः । मानविकाधिमिद्ध।विद्धरमार्काणी। मूनादाक्तन। द्रद्रावती। मानजीमाथव। সাংব্যভশ্বকৌমুকী ৰা সাংখ্যকারিকা। মহাবীরচরিত। উত্তর্নাম-हत्रिकः। भृष्टदाथः। मनकुमातहत्रित्कत् **केषात्र'**€ः পানিনি। বসস্ততিলকভান। আময়কোৰ। শাস্কর। कारा, काममाशिति, जीश्रतकामी ७ मनुष्टस्म সরস্থতীর দীকাসহিত জীমতাগবত। মহাভারত। विक् शुद्रान्। कानबंद्रीः छः क्रिकादः। नाना नमः কাৰপ্ৰেকাশ। চড়ক। মাৰ্কত্তেম চতী।

কলিকাতা সংবাদ জ্ঞান
ব্যাকর যন্ত্র নিষ্তলা
ক্রীট্ ৩২ সংখ্যক ভাবন ৷
বি

বিক্ৰয়াৰ্থ।

লারভেন রীচ ২৪ নং বাটী ওদামস্থ ১৯ নং (আছা ৰাগান।

বিক্রয়ের নিমিত।

भारत्कमतीहरहमः वाही।

উপরি উজে বাগান ৩ বাটী যাঁহারাকয় করিতে অথবা লইতে ইচ্ছা করেন, নিয় খাক রিত ব্যক্তির নিকট জানাইবেন।

> গিলেগুরিস্ আরবে থমট এবং কোং

ঠনঠনিয়া সংক্ষেত পুস্তকালয়েও পটোল দংার্থিগণের ক্রয়কুবিধার্থ নিয়লিখিত ভালাবাড়িয়ে ক্রানার কোম্পানির দোকানে এম , ওলিন সংস্কৃত পুস্তক দেবনাগরাক্ষরে প্রণীত ও মংপ্রচারিত নিয়লিখিত পুস্তক্তলি_।

্বিক্সকে মাস্ক্রসমেত অগ্রিম বার্থি বাধ্যাসিক ৭, ও ক্রৈমাসিক ৩৮০

প্রশীত **ত্রীসই**তিহাস রোমইভিহাস ভূষণসার ব্যক্রণ নীজিসার (১ম ভাগ) নীডিসার (২ য় ভাগ) প্রচারিড। মুক্ষবোধ ব্যাকরণ

জীবারকানাথ শর্মা

ভারত বহাঁর ত্রাহ্মসমালের সহিত প্র গড়া ও কলিকাতা ত্রাক্ষান্দাকের প্রচার तात्र यात्र कविवात श्रास्त्राच डेक पिवरम বিভ স্থানে অপরাহ্ন ৩ ঘণ্টার সময়ে বিচ হইবে , এতিনিধি সভা ও প্রচারবিভাগের মহাশয়েরা ভৎকালে উপস্থিত হইরা ভ নিষ্পত্তি করিবেন।

建设本本有证

বিবিধ জ্ব্যাদি বিক্রমার্থ প্রস্তুত।

ইংরাজী বাদলা পুস্তক কাগজ কলমানি विश्व प्रदर्भ भा द्वा । यात्रः मकद्रत मही ज ইন্ড্যাদি পাঠাইয়া থাকি এবং পুস্কাদিতে আনার হিসাবে কমিসন দি যদি কেছ ব होकांत्र सरएपि नर्यस कोश करेरन /3• **१९** हिमारव कभिन्न शहिरदम् ।

গোলড স্মিথ পৈটি কেল ওয়ার্ক অংরে বিয়ান নাইট শেকটেটার বেলেয়ার্গ লেকচার (कारमस्म अम्रार्क

| রাজী ভগবং গীতা | 2 |
|---------------------------------------|-------|
| : কাদ্ধরী | ₹. |
| িংইরী অফ প্রশেবইন গ্রেট বিটন | ٩¢ |
| শকুপতলা | 2 |
| হিন্দ্রপোদেশ | 7 |
| ব্য প্র ীক্ষা | ۷ |
| লে মজুন | 7 |
| য় কৰ্মৰ | ۵ |
| :কীরু ইভি হাস | > |
| 'ংমূল | 4. |
| য়ত্ব দীপিকা | ۵ |
| ীতানন্দ লহরী | j • |
| শেশ চরিক্ত | 2 # |
| নধ্যুপ্তল | 10) |
| লিকাভার মান্চিক্র (উত্তম বাণান) | * |
| রকাকেলী কৌমনী | 54 |
| ४ हेश सा त | Ħ = |
| াবভব্ৰেব পুৱাহুত্ত (দি গীয় বার মুটি | ভি) |
| - ্রিস্হিত মূলং | ٠ لوا |
| প্তকাও রামায়ণ পদ্ | 2 |
| ষ্টাদশ পর্বা মহাভাষত প্র | ÷# |
| काश्रनामी | ÷ |
| ালকের উপয়ে গ িতঃ | k۰ |
| নিকী ্টেক | 2 |
| त्रवंक, रली | 1 * |
| धर्वा रङ्ग, ङ्ग्र | # - |
| চিক্ৰণ কৰে; | 110 |
| ৈত মঞ্জী | >1. |
| বিকল্প চন্ত্ৰী | |
| મ ેશ છ | V. |
| ভাশ খণ্ড | ٠ د |
| भीरकोञ्चक माउँक | 2 |
| বকলাপ | 7 |
| মাভিদেক ল'ঃক | ۲ |
| প্ৰিলাৰ নাটক | ۲ |
| কাতা জোড়া- ্ ইটা প্রভংগতন্ত্র | বংয় |
| ¤1 ৩৪ নং ∫নগ⊮ মুদ্ৰ√ বিচুৱ | F 31 |
| | ক্ড |
| पुष्ठकालरम, हीरमवास्थारत अनुकृ | वःदु |
| নাথ মুখোপাধ্যয়ের ৬৮ নম্র দো | |
| সংস্কৃত যায়ের অধ্যাপক প্রীযুক্ত | |
| min to me district the contract of | • |

মাহন সুখোপাধাধের নিকটে প্রাপ্।।

प्तिक २६ माँ डिल **हो कात क्रिमारव क**िम

🕮 ধরার চরা মুখাপাধ বয়স্য

अम् याम् ।

করিবার মিশ্লমসম্বলিত বস্তু পরিমাপক বিদুরা ও অরিপ "কলিকাতা ক্রুকিয়া জীট মহেলদাসের বাগানে ১৮ ১৮ নং বাট তে এবং সংস্কৃত পুস্তকালয়ে বিক্ররাথ প্রস্তুত আছে। মূল্য কমি मन एक १ कर होका।

জীপ্রসল্পার দানিয়াড়ী।

ইংরাজী ১৮৬৯ সালের প্রবেশিকা পরীকার সাহিত্যের অপপুস্থক রেবরেও আবর, রবিকান কর্ত্ত প্রস্তুত হুইয়া থেকার স্পিক্ষ থোৎ এবং কলিকাতা ক্লবুক সোগাইটীধানা বিঞীত হইতেছে:মুল্ডো-এক টাকা চারি আনা

শব্দকরক্রম অভিধান। সর রাজা রাধা-কান্ত দেব বাহাছুরের ক্লভ। উত্তমৰূপে সোণা দিয়া হতন ৰাখান মূল্য ২৫০ টাকা। এ আনন্দচক্রবেদান্ত বাগীশ।

कारा श्रका निका।

क्रियान बहेर्ड अक लिंड बहेन। हेश्रास সমুশার কাব্য নাটকাদির দেখনগৈর ও ক্রেমুল ও টীকা এবং বাঙ্গনা অক্ষরে বাঞ্না অসুবাদ থাকিবে। নিয়মিত এটে কগণের প্রতি গতি খতে া√ চয় আনা এবং প্রত্যেক খ্রের ∦ আট কানা মূলা নিৰ্ভাৱিত হইল। যাহারা এছণ कदिएक अधिनांच करदम, सामाशुक्त (नम ४६ मर বি, পি. এমস্ যন্তে অথবা কালেজ ফ্রীট ১১ নং লাইত্রেরিডে আমার নিকট পত্র লিখিলে পাইতে পারিবেন : বিদেশীর গ্রাহকগণকে স্বতন্ত ভাক म'सून मिटल इहेरवा

৩ রা শ্রাবণ 🖺 বরলাপ্রসার হলুমলার। ነ ቁ የ ዶ ሬ

ইফীরণ বেঙ্গাল রেলওয়ে ৷

---: • f---

রিভার টারমিনস্, অর্থাৎ সিয়াল. দহ হইতে গঙ্গাতীর পর্যান্ত রেলওয়ের চলচেল

আরম্ভ ।

कांग्रेटचानात निक्वेत औं वाशवःव्यादत हेश्वा রণ বেলাল রেলওয়ে কোম্পানির রিভার টার্মি নস্নামক রেলওয়ে, আগত ওরা আগই সোম বার অবধি স্তব্যাদি দেওন ও লওন জন্য, গে गहरवक।

ইষ্টারণ বেলাল_রেল ওয়ে े हे खुलाहे १५७৮ !

প্রবাদমালা।

বঙ্গৰেশীয় বিবিধ জ্ঞানপদ ব্ৰেছার মূল্য शुख्यक याशांत्र श्राद्धांक्यन रहेरत, खिनि कशित ক্ষ লবুক সোসাইটীর গবর্ণমেন্ট পেলেসের ১ ভবনে প্রার্থনা করিলে পাইতে পারিবে মুল্য ।/ ব্ৰানা মাতা।

निम्यात नमी।

भन १५७० मारमह खुलाई मारमह ১ ला হইতে ৭ ই পর্যুক্ত নদীয়ার নদী रा अब नर्सक्य कि कालत मान।

স্থানের নাম

৩৮ মাইল

कृष्टे

د د

মাথা ভালা নদী মহানার উপর পত্মানদীতে নিজ মহানায় ভথা হইতে হাট বোয়ালিয়া ৪৪ মাইল হাট বোয়ালিয়া হইতে আনিক,দিয়া ৪ আনিকদিয়া ইইতে কুঞ্চনঞ্

क्रक्षमञ्च रहें उठ इनलि सनिभगः अ ৩৪ মাইজ

-ভাগীরথী। মহানার উপর

ڊڏ महानात नीटह ላል उर्वा स्ट्रेटिक खित्राशक

জিয়াগঞ্ হইতে কাটোয়া ৬ - মইল

कारणिया स्ट्रेंट नहींया ৪৬ মাইল

कन्द्री नहीं

RETAI তথা হইতে করিমপুর ১৯ মাইল করিমপুর হইতে টিয়াকাটা

৩৫ মাইল টিয়াকাটা হইতে নদীরা ৬০ মাইল

সন ১৮৬৮ জুলাই মাদের ১১ ভারিখে : शूर भक्ष घाटण्ड करनद मान।

বহবসপুর

77 蘇州道 32.02

) জীবুক টি হেল উইকুন সি একভিকিউটিব ইঞ্নিসুর) वहत्रमभूत हिन्दिणनः

সোমপ্রকাশ। ৬ই প্রাবণ গোমবার। ভারতবর্ষের জেলসমূহ।

ারতবর্ষের কারাগারে ধর্মনীতি ান্ত উন্নতি হুইবার যো নাই। উহার রক্ষাপ্রণালীও অতি ক্ষমনা। এ তুকেবল মিদ কার্পেন্টর নন, যাব সদাশয় ব্যক্তি আক্ষেপ করিখা নে; কিন্তু কেলের মধ্যে আর যে কাও হয় জাহা অনেকে অবগ্ত । অতথ্য অন্য আমরা ঐদকল নর এক মানচিত্র পাঠকগণের নয়ন উপনীত করিয়া দিলাম।

পাঠকগণ। এক বার আমাদিগের
চিফালারি আদালতে আগমন
া ঐ যে প্রাক্ষণীন কুঠরিটা দর্শন
ভেছেন, উহাতে হাজতের কয়েদিরা
া মিনিন বসন, অচ্ছিল্ল আক্রাও
আকার দেখিয়া কি হাজতি কয়েদি
ক চিনিতে পারিতেহেন না ? হাজতে
ামাত্র পুলিষ প্রহরীরা প্রহার
ভ করে। ভবে ভালাদিগের গুণ
ভাহারি প্রসন্ম হয়। জেলের প্রহা
বি বারহার করে, ভাহাও পাঠকক বার প্রবণ করুন। ১৯৯ " যেন
বাড়ীতে আশা হইয়াছে " এটা

। সন্তাষণ হয়। পরে প্রহার।

তি কয়েদিরা যে গৃহে থাকে, ভাহা

ালা অংপকা অপকৃউ। তথায়

रिष्ठ सूर्र्यात चारलाक, ना चार्ट्स भव-

প্রবেশ। প্রথম দিন হাজাতি কয়ে

অং হাং বেওয়াহ্য না। প্রাভঃবাস

न " 📲 বাহির হু '' বলিয়া চীৎকার

হতভাগ্যের: প্রাতঃক্তা করে;

ার সময়ে আদালতে যাইতে হইবে।

কের ভাগো দামান্য ডাইল ভাতও

পূৰ করিয়া হয় না। ফৌজদারি

লেতে যাইবার সময়ে পথে গরুর

-<u>229</u>-नाम इहानिशतक अहात कना इस। বিচারপতি যাহার কারাইট্রের আজ্ঞা বেন, হাজতের কফ তাহার `কোপায় লাগে। মেয়াদের প্র**থম দি**বদ অনবরত প্রহার করা হয়। পেয়াদার। প্রহার करता रयमंकन करशिष व्यक्तिक पिन থাকিয়া কিছু এতিপতি লাভ করিয়াছে তাহারাও প্রহারে পরাভুমুধ হয় না। (वाथ इय, जंहांनिशटक अथटम अहात সহা করিতে হইয়াছিল, উহারা তাহার পরিশোধ লয়। " একটু জলপান করিব দ এ কথার উত্তর পদাঘাত। ''বাহিরে বাইব " ইহার উত্তরও ঐ। পুরিবীতে যতপ্ৰকার কটু বাক্য অছে, তদ্বারা নালি দেওয়া হয়। এটা ত সামান্য কথা। প্রথম রাত্রিতে আহার হয়না। পর দিবস খাটিবার পুর্কে হডভাগ্য কয়েদিকে আহার ক্রিতে ডাকা হয়। সামান্য শিশুকে যে পরিমাণে আহার দেওয়া হয়, দেই পরিমাণে হতভাগ্য ব্যক্তিকে অন্ন দেওয়া হইনা থাকে। হুই এক প্রাস আহার করিয়াছে, এমত সময়ে এক জন নীচজাতীয় কয়েদি অথবা পেয়াদা পুঠে পদাঘাত করিয়া বলিল 🕶 উঠ্না ٭ 🗢 যেন জামাই আদরে আহার করিতে (इत। १४ करत्रमी डेक्टझाडीय इंडेटन আহার বক্ষ হইল; যদিনীচজাতীয় इय़, धरे न्न्नर्ट्य चाराजीय नके स्य ना। এ স্থলে প্রহরীরা অলে পুপুদিয়া পাকে। আহার হইল না। উঠিবামাত সকাে-পেকা রুহৎ ঝুড়ি ও দশ দের মাটি উঠে এমত কোদালি দিয়া পাটাইতে আরুজ্ভ করা ছইল। কয়েদি সে চাসা कि ना, माठि कांग्रे अञ्चान चारह कि না, ভাচার কোন বিবেচনা করা হয় না। গ্রণ্মেক্টের নির্ম আছে যে যে

वावगात्र कारन, (करन काशास्त्र तमहे वाव

সায় করান হইবে; কিন্ত প্রথম ক্রেক

দিবদ এ নিয়ম কোন স্পেলেই প্রতিপা

লিভ হয় না। কয়েদী আপনি মাটি তেছে, আপনি মন্তকে ঝুড়ি জুলিতে **এতি বৃড়িতে ৮০ দের স্তিকার** হইলে নিস্তার থাকে না, অ,নিবার হইতে থাকে, হতভাগ্যব্যক্তি বিশ্ৰা আশিয়েযদি এক নিমেষমাজ দে হুইয়া হ'ড়েইল, অমনি নিকটস্থ পো ভাষাকে প্রধার করিল। এইরপে স দিন অভিবাহিত হইল, সায়ংকাল ক্তি। হতভাগ্য ক্যেদী সমস্ত আন্তান্তিক পরিশ্রান করিয়া কুধার্ত এ সময়ে ভাবে " প্রাভঃকালে হউক, এ বেলা উদর পূর্ণ করিয়া আ क्तिएक शांतिय। " किंख म कारन ভারতবর্ষের জেলসকল দ্বিভীয় যমাব माय्यारमा अधिक देवा विकास मार्थि व রের বঃ। খাত করা হয়। এই প্র कान पिन व्यक्तिकाणन, कान पि স্পর্মানে, তাহার উপর ভয়ানক খ প্রহার ও গালিবর্ষণ হইতে থা আর সহাকরিতে না পারিয়া হতং ব্যক্তিকে শেষে বন্দোৰস্ত করিতে कामानिरात अरमनीत श्राठकान " बक्ताबरस्त्र १ अर्थ अनाहारम बुवि পারিবেন। যাঁধার কোন আজী মেয়াদ হইয়াছে, তিনিই জানেন ম মার বায়ভিন্ন জেলের অক্টে স্বতর क्तिएक इत्र। अहे (जनवरकावरू कितिकां छ : अधान चळाशान 'उ নানা দেবতার পূজা আবিশাক गर्सार्थ (बनमारतांशांत शृका। कर শীয় দারগাবা অপে সমুষ্ট হন: र्यशास्त्र इंडेटराजीय मार्याम', रमझ्य मर्कनाम । उँ। भार (करन भन्नाशृर्व না, বোড়লোপচারে পূজা চাই। 🕏 ভাল বংড়ী, গাড়ী, ঘোড়া, গু চাকর, খানদামা প্রভৃতি আছে, 🥫 व्यक्त हे किया हत्त ना। नाट्य हिन श्रञ्ज क्रियामकरलात क्रियन श्रोत . সরাজে ঐ টাকো বাহির হয়; অথক হার নিভা ব্যয় **আছে। অনেকে কমি**-নর দোহাই **দিয়৷ মহা আ**ভেশ্বরে কেন। স্থানীয় কর্জুপক্ষ ও গবর্ণমেন্ট বেল, কমিদলের টাকায় দাবোগাল য়নো চলিতে**ছে। কিন্তু কিনে** যে মোনং চলে **তিনি জানেন, আ**র লদিলা **জানে। দারোগার পূজা**র নালের দারোগার পূজা আবিশ্যক। ার পর জেলের নেটি**র ভাক্তরের** । ডাক্তরকৈ পূকানা দিলে পীড়া লেও থাটিবার হাত ছইতে পরিত্রাণ ই। নেটিব ডাক্তারের পর জ্বনারার ও দার। তাহাদিগের পর সাল্তিগণ, ব্রগণের পর পেয়াদা। প্র**ধান ও অ**ঙ্গ

তার তপুজ। গেল। তাহার পর কগুলি উপদেবতার পূজা দিতে হয়। কল কংগদি বহুকাল থাকে, ভাষা ার এক প্রকার আধিপ জ্য ইয়। অনেক লর পুরাতন কয়েদিদিগের এক ার ইফরারা আছে। এক জান সূতন দি আসিলে নীলাম ডাক হয়।যে তন করেদি সর্কাপেকা অধিক । দেয়, ভাঙার অ**ধীনে মৃতন ক**য়ে क डोक्ष इस । श्रुहाडन यरहिन (म া কেলরকে দের, হতভাগ্য ন্রাগত কে প্রহার করিয়া ভাহার দেড়া য় করা হয়। ভানেকে জেলে পাকি যে ধনসঞ্জ করিয়া আহিনে, ভ: হার উপায় এই। এই নিবিত জেলর প্র-প্রধান দেবভার পূজার পর পুরাতন नगरनत शृक्तात शाहरायन हता। ।रिक किङ्क ना मिटल खाल केतिया র হয় না। গে ঝাজি কামরার ास करधन्तिक किছू मा निस्नि তে নিদা বারেয়া ভার। এই প্রকার 'पर'ड पार्रिटल क'डक हका ; नट्टर । भिष्रमञ् अहत्रक् क्छे बहाबह । আইসে। পীড়া হইলে • ভান **ड(इ** '' **१**मी इस्

যাহারা উভ্যক্তে পূজা ক্রিতে পারে, তাহাদিগের অবস্থা অন্য প্রকার। তাহাদিগকে খাটিতে হয় রা; তাহারা কেবল দর্দারি করিয়া বেড়ায়। তাহা-দিগকে জেলের নিয়মিত আহার করিতে হয় না। তাহাদিগের নিমিত্ত উত্তম মৎস্য মাংদ, ঘৃতপ্ৰভৃতি আহিদে। কেলে ভমাক থাইতে নিষেধের নিয়ম ভাহাদি-গের পক্ষে নছে। অহিফেনসেবীর অহি ফেন, গেভেলের গাঁজা, গুলিখোরের গুলি ও মাতালের সুরা অর্থ বায় করিতে পারিলে চুলভি হয়না। প্রভ্যেক জেলের निकट हे करहक घर (वना। थाटक। किटम ইহাদিগের উপার্ক্তন হয়, পাঠকগণ কি জানিতে চাহেন ? আমরা আর ভাহা বলিতে চাহি না।

গ্রব্দেণ্ট জেলের বেদকল নিয়ম ক্রিয়া দিয়াছেন, ভাষা অভি ভয়ানক। অতিশয়লজ্জার বিষয় এই যে, জেলে পয়দা ব্যয় করিতে না পারিলে কাহারও উদর পূর্ণ করিয়া আহার করিবার যো নাই ৷ চারি হাতা ভাত ও এক হাতা **ডाইल** इनकरनत बतामा मरमा श्राप्त ভাগে: জুটে না। ডাক্তর মৈহিট আবার জাজিলার হৃষ্টি কলাতে অনেককে পয়সা থবচ করিরা গোপনে জাতীয় বস্ত্র পরি পান করিছে হয়। এক গুছে পো মহিদের নাায় চোর, ডাকাইভ ও হত্যাকারীর শ্হিত শামান্য অপরাধে কারাকৃত্ব ব্যক্তি কেও থাকিতে হয়। গৃহের আয়তন অসু সারে লোক রাথিবার প্রণালী কোথাও নাই। জেলের চিকিৎ দাপ্রণালী দকল স্থানে সুক্র নয়। অনেক স্থলে নিবিল मार्जन चहरक किছूरे प्राथन ना ; कान ব্যক্তির পীড়া যথার্থ কিনা, ভাহা নেটিব ভাক্তরকে নেখিতে বলেন। এ ব্যক্তি ঘৃথার্থ হোগকে ভান ও ভানকে ম্থার্থ রোগ বলিলে ভা**হাই আহা হ**য়। শ্রীরে বল আছে কি না ? তাহা বিবে

The state of the s চনা করা হয় না। প্রত্যেক ব্যক্তিকে ক্রিয়াপাথর ভাঙ্গিতে দেওর; যাহারা স্বলকায় তাহাদিগের ব ই**হাবড়কটের হ**য়না; কিন্তু চুক দিগের প্রাণ ওষ্ঠাগত হয়। নিয়মিত করিতে নাপারিলে দে দিন অ দেওয়া হয় না ৷ ' এইপর্য্যন্ত কাজ ক रुहेर्दि " अप्रिक्ति स्वरत्वत निव्रमः किन्छ যে কত দুর নিষ্ঠুরতা তাহা কর্ভৃ विद्वान करतम ना। भंतीत कि म দিন সমান বহিয়া থাকে ? চা-কে পূর্বের এই নিয়মে কাজ দিতেন; দ্রি কারোলিনার ভূতপূর্ক দাদদিগত প্রকারে থাটান হইত। আমর। স্পাই ধানে বলিভেছি, বর্ত্তমান খাটনিরপ্রণ অতিভয়ক্কর। জেলর কমিণন পা ষত থাটাইবেন, তত পয়সা। লাইে টাক্স আদেশরেরা যেমন ক্সিণ্ লোভে যাঁহার উাহার উপর করনিং तर्ग करतन, (क्वनत्रान (महेक्यकात (व विद्वाचना कि दिशा श्री हैया ल দক্ষিণ কারোলিনার তুলকরেরা পর দিয়া কীতদাদদিগকে ক্র**ন করিতে** যদিও এইরূপ অভাচার হইত, তথা ভাঁহার। নিতাভ নিমাম হইয়া কাফি গকে বধ করিতে পারিতেন না। দাং মৃত্যু হইলে ভাঁহাদিগের ক্ষতি হই: क्लिन्द्रितित (म सार्थ नाई ; अक कर মরিলে আবার দশ জন আদিবে। १ कारण मूनलमान ७ हिन्छू बाक्र शन रय রাজস্ব ইজারা দিতেন, গ্ৰণ্টে কার্য্যন্তঃ দেইপ্রকার কয়েদিদিগ ইক্সারা দিয়া থাকেন। ওদর পূর্ণ করি আহার দেওয়াহয়না, ইহা কি দাম অংকেপের বিষয় ? এক কাঞ্িয়া কুরতি প্রাইয়া এক মাদ রাখা হ তাহা যেমন হুগঁকা, দেইপ্রকার ব কর। সামান্য ধুতি দিলে কি_। দে

হয় ? তাহা প্রত্যহ খোত রাখা যাই

রে, কয়েদিদিগের স্বচ্ছস্তা হয় এবং তে অপপ পড়ে।

উপরে যেরূপ বর্ণিত হইল, তাহাতে লের কার্যাঞ্লালীর সংশোধন ও কৰ্ষসাধন কি একান্ত আৰশ্যক ছই-ছেনা ? বর্তমান প্রণালীর দোষেই কোচন্ডোভ প্ৰবাহিত त्र**श्यादह**। যে ছলে বৈরনির্যাতনার্থ কিনিয়ো-চ হয়, দেই খানে তাহার ফল হয় ন। লে দণ্ডদান প্রায় বৈর্নির্যাতনার্থই য়া থাকে। বৰ্ত্তমান প্ৰণালীতে হত-া কয়েদিদি গর আপনার ও পুরিবীর রে ঘৃণা হয় মাতা। চরিতদোষ শাধন দুরে থাকুক, ভূতনপ্রকার ত্ৰ দোষ ঘটিয়া উঠে। অভএৰ কৰ্ত্তৰ্য , কোলের অধ্যক্ষগণকৈ পর্য্যাপ্ত কেতন । কমিদন উঠাইয়া দেওয়া উচিত। ।সন থাকাতে **অ**নেক পাপকার্যে দাহ দেওয়া হইতেছে। ধার্মিক লোক কাহাকেও জেলের অধ্যক্তাগ্রে াজিত করাউচিত নয়। যাহাতে দিগের চবিত্রদোষ সংশোধন হয়, লর কার্য্য প্রণালী এক্লপ করা 🕏 চিত। পূর্ণ করিয়া আহার না পাইলে কোন লরই ধর্মেডি থাকে না; यात्र पारक।

--:-:--

ইংরাজীশিক্ষার অনিষ্ঠকারিতা।
পাঠকগণ উপরের লিখিত কয়েকটি
পাঠকরিয়া আপাততঃ চমৎকৃত
ন সন্দেহ নাই। ইংরাজী শিক্ষা
দিগের দেশের যাবতীয় ইছের
আমরা যে মাঞ্ধের মত হইয়াছি,
রা যে তেজবিতা, মনস্বিতা সভা
ও কার্যদক্ষতাপ্রভৃতি সদ্ভাণ
ন করিয়াছি এবং কর্ত্রাকর্ত্রা
সমর্থ হইয়াছি, সে সমুদায়ই ইং
পার এত ইউ হইয়াছে, আমরা

ভাষাকে অনিউকারিণী বলিয়া নির্দেশ করিভেছি এবাক্য কাছার বিসার উৎপা দন না করিবে ? কিন্ত ইহার একটা পুঢ় ভাংপর্য্য আছে, এরপ বলিবার একটা বিশেষ কারণ আছে এবং আমাদিশের বাক্যের অধিকারিভেদ আছে।

देश्ता की निका कृति सत्तत । शत्क

व्यमिक्टकातिनी रहेबा छेठिबाट्ट। ध्रथम, यमकल दिश्तांक मत्न करत्न, कांत्रक वर्ष डाँचामिरात खातार्थ एक व्हेतारह; ভাঁহারা ভারতে আদিয়া প্রভূদমান ভোগী হইবেন, আর ভারতবাদীরা তাঁহা দিগের ভূতোর ন্যায় অনুগত হইয়া থাকি বেন ; ভাঁহারা সহস্র অন্যায় ও অভ্যাচার কর্মন, ভারতবাদীরা দ্বিকৃতি না করিয়া ভূত্যের ন্যায় তাহা সহ্য করিবেন ; পদই বল, অর্থই বল, ভাঁহারা অমুগ্রহ করিয়া যাহা দিবেন, ভারতবাদীরা সম্ভট্চিতে মহাভাগ্য জ্ঞান করিয়া ভাহা ভোগ করি বেন , পদ কাৰা হউক, কুজা হউক, ইহাঁরা তাহাতে অসম্ভোষ বা অন্য কোন প্রকার উচ্চ ৰাচ্য করিতে পারিবেননা; ইংরাজী শিকা দেই গর্কিত ইংরাক্ষদিলের মনোবা **क्षार्श्न इहेवां व विषया, वार्गणा उ समारेग्राट्ड** যাহাঁরা ইংরাজী শিখিতেছেন, তাঁহাদি-গেরই মন অন্যপ্রকার হইয়া উঠিতেছে। काँदाता देश्ताकित्रत (लाव अन विदा চক্ষে দেখিতে পাইতেছেন; ইংরাজেরা কি পদার্থ তাহা বুঝিতে পারিতেছেন উাহারা দেবতার ন্যায় আমাদিগের আরাধ্য কি না তাহা বুঝিতেছেন]; অণু-মাত্র দোষ দর্শন করিলেই স্পান্টাক্ষরে ভাহা ব্যক্ত করিতে সাহদী হইভেছেন; করিতে আরম্ভ করিয়াছেন ; তুল্যসমান ও তুলাপদ লইয়া বিধাদ করিতেছেন এবং বিদ্যাবৃদ্ধিতে অনেককে অতিক্রম করি-য়াছেন। ভীহারা এভদূর অভিক্রে করি রাছেন, যে রাজপুরুবদিগকে শক্ষিত হইতে

स्रेग्नोटम् अवर जीस्मिर्भन्न विम्ना গডিরোধ করিবার নিমিত্ত গ উপায় अवनयन कहिएक इहेग्राटह। থিত অভিন'নমত অসুদারচিত ই पिरिशंत कि अध नक्ल नहा इस १ औ পুরুবেরা নব্য সম্প্রবায়ের উপরে বিরক্ত হইয়াছেন যে, নব্যসম্প্রদায় এক কালে উৎসন্ন হয়, যে স্থানে मुख्यमाग्र वाम करत, स्मिनि यमि मह যায়, তাঁহারা অন্তরের সহিত আহল इन। अधन भाठकशन विद्वहन। व (मधून, हेश्त्रांकी मिक्ना कि এहे व्यक्ति কারণ হয় নাই ৫ উক্ত মহাস্থারণ ইহাতে অনিষ্ট জ্ঞান করিতেছেন গ্ৰণ্মেণ্ট হইতেই এই অন্থ আন্প रुरेशारह, अरे छार्विश कि उँक्षिता ममरत भवर्गरमान्छेत अछि मृखिविश করিতেছেন না ৃ দে দিন এক জন রাশয় ! সমাচারপতাসম্পাদক মনো মনে রাখিতে না পারিয়া স্পাঠাৰ कहिशार्ष्ट्रन, वक्रातम ও বোষाইয়ের मख्यराग्न ना थाकित्वहे छाल इत। কি সামান্য আফোশ ও কোভের য अरमणीयमिरशत देशताकी णिका ঐ মহাপুরুষদিগের এই মনোত্রঃ

দিতীয়, ইংরাজী শিক্ষা অলক্ষরথ ক্তবিদার পক্ষে বিষম অবারিণী হইয়াছে। রাজনীতি ও স্
উভয় সম্ব্রেই উাহারা অস্থিত হ ছেন। উাহারা গেরূপ যোগ্যতার করিয়াছেন, সেরূপ পদ লাভ ভেছে না। যেরূপ শিক্ষা হইয়া সেরূপ কার্যা দেখিতে পাইতেছেন যাঁহাদিগের নিক্টে এই শিক্ষা হইল পক্ষপাত করা বড় নেঃম, ভাঁহারাই বি পক্ষপাত করিভেছেন, জাভিভাই বি সকল কাজেই টানিতেছেন এবং স্থ ভীর ও স্বদেশীয়ের অস্রোধে নাায়, যু (ছিনের বিজ্ঞা ব্যবহারেও প্র**াঙ**্- : হ্টতেছেন ন:। কুতবিদ্যদিধের **আ**র র বিশেষ অনম্ভোবের কারণ এই, রে: দেখিতে পান, **ইংরাজেরা ধর্ম**-্রগ্নীতি করিয়া **গর্ক ক**রিয়া নে , কিন্তু অনেক কাজেই দেই ধর্ম एउ क्रनाक्षित (१७३१ इत्र । स्थानक া সেই ধৰ্মনীতি মৌখিক বাকাও ই প্রার্থি**ত হয়। কোন ইংরাজ** গৃহিতকম করিলে এপেম প্রথম লইয়া মহা **ধুম ধাম পড়ে। তর্কে**র ত পালিয়ামেণ্ট সভা উচ্ছলিত উঠে, শেষে সমুনায় নির্বাণ হইয়া যে গৃহিত কথা অসুষ্ঠিত হইল, আজিও হইল, কালিও হইল, তাহার প্রতিবিধান হইল না। হেটিংদের লেইঃ। ক্ত দীৰ্থ প্ৰস্থাত্ত ইংয়া , কত ধুম ধাম হইল, পরিণামেই চহ্ইল।লাড ডেগহাড্সিনাগপুর ত রাজের রাজনীতির নামে কি চার ন। করিলেন ? ভারতণরে বিজেন প্রস্থালিত করিয়া দিলেন, ভাঁহার হ্**ইল গু গ্ৰ**ণ্র আহায়ারেরই বাকি ্ তাঁহাকে অভিনক্ষন দিবার ় কভ উদ্যোগ দেখা গেলে। ্ষ নুত্ৰন ক্ষাদিধার চেন্টারও াই ুএ সকল দেখিয়া এদেশীয় হ,দিগের মনে কিরূপ ভাবের উদয় ছে ? তাঁহাদিমের হৃদয়কি রোবা দ্রে হইতেছে নাণ্ইংরাজী শিকা **হ অনিফেটর কারণনয়** ? **ইছারা**

্ সমাজসংক্ষেও ক্রতবিদঃদিগের সঙ্ক উপস্থিত হইয়াছে। উপধর্ম-

্ঃজৌনা শিখিতেন, রাজপুরু-

অনুগ্রহ করিয়া যালা দিতেন,

টুকি ইহারা ভাগ্করিয়ামানি

गा १ अ**. कि. श्रेक्टर** गाम क्रून,

অন্যায় ক্রুন, ইহ্যায় **কি তাহার**

क्षांन क्रिंडिंग ?

দূবিত হিল্পুদমাজের নানা দোষ ইহাঁ দিগের নয়নপথে উপনীত হইতেছে। ইহারা শেশুলির নিকটে মস্তক নত क्तिरङ পাरिएङ्ह्म ना। ममाक्रमश्रद्धा কর্তব্যের ব্যাঘাতভয়ে স্থাব্দ পরি-ত্যাগ করিতেও পারিতেছেন না। এরপ অবভাকি ক্লেশকর নয় ১ইংরাজী শিকা কি এই অসুখের কারণ নয় ? ইহারা यपि हेरड़ोकी ना मिथिएजन, रमरे वाला-विवाह, मिहे बङ्विवाह, मिहे को नीना কি ইহাঁদিগের গ্রীতি উৎপাদন করিত না ? অশিক্ষিত বাজিরা ঐসকলে যেরূপ অক্রিম আনন্দ লাভ করিতেছেন, ইহাঁ রাও কি সেইরাপ করিতেন না ৭ এক ইংরাজী শিথিয়া ইহাঁদিগের ভাঁতিকুল বৈষ্ণবকুল উভয় কুলই গেল। রাজপুরু বেরাও ইহাঁদিগের মনোরথ পূর্ণ করি-(लग ना, गमास्त्र थाकिशां अपूर्वी इहे-লেন না ৷

রেবিশিউবোড ও মণের লোকান।

বিদ্যাপক্ষপাজীরা মনে করেন, व्यामास्टिशंड विन्ताञ्जाशी शवर्षमञ्ज প্রাক্ষার বিদ্যাশিকার্থ এত বিদ্যালয় করিয়া দিবেন যে হাত্যেক এক। আপান আপন গুহ্দ্বারের সমক্ষে বিদল্লয় প্রতি ষ্ঠিত দর্শন করিয়া আপনাকে চরিতার্থ জ্ঞান করিবেন। সুরাপায়ীরাও দেইরূপ **छाविट छिरलन भवर्गस्य छै। हामिर्भ**व গুহের পাখে পাখে এক একটা मरमत्र स्मिन कत्रिया मिर्ट्यन, उत्तिका শয়নস্থ পাকিয়াও পুরাক্রে করিতে পারিবেন। কিন্তু আজি কালৈ তাঁহা দিগের প্রতি শনির কিছু কোপদৃষ্টি পজিয়াছে: রেবিণিউবোড বেখা দেখা **माकान कतिएक मिटकट्टन ना।** छों होता আবার সুগাবিকেতার চরিত্রের অসু দক্ষান করিবার নিয়ম করিতেছেন। এটাও একটা অশুভ সমাচার। রাত্রি দুই প্রহর হউক, আর তৃতীয় প্রহর : व्यक्तां कन रहेटल है जर्थन विमन मा মদ পাওয়া বার, মদাবিকেরীর চ লইয়া ধরাধরি হইলে পাওয়া কিছু হইবে। ভবে একবারে হতাশাস হ কথানাই। রহস্পতির কিঞ্ছিৎ আ पृथ्वि अपारह। मार्कात्मत्र अपन अ বিক্রমী মনোনীত করিবার ভার ডি সুপরিকেওেকের উপরে নিহ্ত য়াছে। তিনি যে স্বয়ং সর্কদ। ঐসক चरूनकान कतिया साथा वताहर्तन, শক্ষানাই। অধীনস্থ কর্মচারীর উ ভার পড়িলেই অর্দ্ধোদয়যোগ। মেণ্ট যে ভাঁহাদিগের প্রতি এক ব নিতায়ত নিদারণ ও নিকৃপ বেন, সুরাপালীরাবে শক্কাও ব (वन ना। गवर्गरमान्द्रेत मान्यरलह (অ:ছে। গ্ৰাহক বৃত্তি হইলেই ভাই পের লাভ। যদি কোন স্পরিটেট ভ্রব্দিব্শতঃ রেবিণিট বোডের প্রমাণ করিয়া দোক।নের সংখ্যা ব ইয়াদেন, রাজস্বক্তিহ্ইবে, অংবি তিনি তিরক্ত হইবেন, রেবিণিউ .ড´র **অব্তর**। শিধিল হইয়া পড়িং স্বার্থনম্বা থাকিলে রাজপুষ্দি পুরাণ আজ্ঞার পরিবর্ত হইয়া র আছে৷ হইতে বিস্তর ক্ষণ লাগে : রেবিণিট বোডেরি এ আজ্ঞা পরি হইয়াযাই ৰে; আবার এক জান নৃতন : दिल्टेए अपे व्यागिया (मार्कात्व मः वाष्ट्राह्मा जुलिएवन । मानकरमवरन ध्य ধন প্রাণ ও চরিতা উৎসন্ন ও বিত হইতে:ছ, ইহা দেখিয়াও যে গ মেণ্ট আরের ক্ষতির ভয়ে মাদক নিদেধ করিতে পারিতেছেন না, গবর্ণমেন্ট আয়ের অম্পতা দেখিয়া भोनावत्वी हरेशा थाकिएवन ऋतां था স্থাপ্ত যেন সে শক্ষা করেন না। . মদ্যপায়িগণ! তোমরা ভুয়োৎ

रुदेख ना । शदर्गरमञ्जेषा कक्रन, ट्यामा मिर्भित चात खन्न नाहे। समाहात्रभरज লিখিত হইয়াছে আমেরিকায় এক প্রকার মদের থনি আবিকৃত হইয়াছে. · ভোমরা কোন থনিজ বা**কি**কে নিয়ো **জি**ত কর, ভারতবর্ষের ঐক্লপ **ধ**নি বাহির হইবার অসভাবনা নাই। ভাষা यपि इत्र, कादा इटेटन हे श्लादावात ।

বিবাহিতা বিধবা ও ভাষার উত্তরাধিকার।

সম্প্রতি প্রধানতম বিচারালয়ে পুনর্বি চারার্থ নিম্লিখিত মকদমাটা উপনীত হইয়াছে। এক ব্যক্তি পত্নী এক পুত্র ও এক কন্যা রাখিয়া লোকান্তর গমন कतिरल भत के जी भूनव्यति विवाहकरतः। বিবাহের পর পুজ্রের কাল হয়। এক: १ ঐ জী সত পুতেরে উত্তর।ধিকারিণী বলিয়া বিষয়ের অধিকার প্রার্থনা করি ভেছে। বিচারপতি কেম্প ও ই, কাক্সন भारक्व विकार्तामान जामीन हरेशाहिएलनः উভায়ের মতাভেদ হইয়াছে। কেম্প সাহেব বলেন, ঐ জৌ হত পুত্রের উত্তরাধিকা িণীবলিয়া বিষয়ের অধিকার পাই (वन ; कारुमन मार्ट्य वर्तन, शाहरवन न। आमानिरशंत विरवहनात काकंपन সাহেবের কৃত শিদ্ধাস্তই ন্যায় এবং আই নকর্ত্তা ও হিন্দু শরস্ত্রকারদিগের অভি প্রায়ের অনুমেদিত ও সজত চ্ইতেছে। (वाल्य मारहर ১৮৫% **अ**रकत ১৫ ४ १३ নের ২ ধারার যে উল্লেখ করি য়াছেন, তাহার তাৎপ্র্য প্রালোচনা করিলে কোনক্রম এরপ বোধ হয় না যে উলিখিত হত পুত্রের ধনে পুনর্ফিবাছ काबिनी माछ। अधिकाबिनी इहेरव। ঐ ধারায় আন্ডে, স্ত স্বামীর বলি জ্রীর এতি পুনরায় বিবাহ করিবার স্পাউ অসু মতিনাধাকে, আনার যদি দে বিবাহ / করে, ভাছার পূর্বে স্বামীর ধনে স্বত্ত

অধিকার থাকিবে না। যদি এরপ হইল; হইবার সম্পূর্ণ সম্ভাবনা। কৈ ইংর সেই স্থানির ধন পুত্র পাইয়াছিল, পুত্রের স্ফুরে পর বিবাহকারিণী মাতা পাইবে, हैका याहिन कड़ीत अपि । हिन्दुशंक करें **उद्भाग को काम मार्ट्य यथार्थ कथाई** ক্রিল**ছেন, উক্ত মাতা উক্ত স্ত পুরে**র थरन व्यक्तिकातिनी हरेटन जाहात छे। दत তাহার মুজন পতির গ্রুত্ব হইবে, তাহা হইলে এক পরিবারমধ্যে অপরের প্ৰবেশাধিকাররূপ উপদ্রব ঘটিবে। ছিল্ফু नाञ्चकारतता शिक्षमानाञ्चारत धनाधि-কারের নিয়ম করিয়াছেন, ধনীর ধন পিওানধিকারী ব্যক্তির হস্তগত হইলে পিওদানের ব্যতিকেন হইবার স্ঞা বনা। বিশেষতঃ হিল্প্লাক্তাত্মনারে উত্ত हाधिकोइसक्षरम खोरलारकड निवर् ए श्वय কমেনা। প্রস্তাবিত ছলে মাতার व्यक्षिकात इहेता के धन शतक्खकां इहेटन ভাবী অধিকারীর অনিষ্ট ঘটিবার সঞ্জা-वना । ভবে यে वाल्डि विश्वतंत्र भानिश्र হণার্থী হইবে, ভাহার পক্ষে লাভ। ভোকান ও দকিশা উভর লাভ হইলে কে না পরি-তৃপ্ত হয় ?

বন্ধীরদিগের দৈহিক অনুন্নতি। (গত প্রকাশিতের পর।)

প্রস্তাববাছলাভয়ে পূর্ব্ব প্রিকায় প্রণা छलि वर्षन कतियाहै लियनी नित्र कतियाहि লাম। অন্য বিদ্যালয়সমূহের শিক্ষা প্রথালীর বৰ্ণনে প্ৰায়ুক্ত হইলাম।

অধুনাতম বিন্যালয়সকলের নিকা প্রণালী ও কার্য্য নিস্পাদক সময় প্রভৃতিই বে ছাত্রগণের শরীরনাশক তাহা স্পষ্ঠই প্রতীয়মান হইতেছে। মহোদয় পাঠকগণ यनि व्हित्रिष्टाङ ध्वक बात विरव्हमः क्रियः দেখেন, াহা হইলে সহজেই জ্নয়ঞ্ম করিতে পারিবেন, একণে যে প্রণালীতে বিদ্যাধ্যাপনাকার্য্য নিৰ্কাহ श्रदेख्याह्र, তাহাতে বিদ্যার্থিগণের শরীর ভগ্ন ও রুগ্ন

বাঙ্গলা উজয়বিধ বিদ্যালমেই কেবল ম পরিশ্রনের রীতিনীতি এচলিত ৫ शां उद्यो यात्र । कि कारकरशत तिषय, বিদ্যালয়েই ব্যায়ামপ্রভৃতি শারীরিব স্রামের অংখা প্রচলিত নাই। বিদ্য অধ্যাপক ও তত্বধায়কগণ এড আংগালীর আচার্ছন্য কিছুমাত যায় ং করেনন । যে,পে পৃষ্টিকর আংহ জীবনরকা হয় না সই হলে শারীরিং শ্ৰমপ্ৰতি নৈতিক নিয়মপালনভিয় রক্ষার পায়াস্তর নাই। অভএব কেব ছাত্রগণের বুদ্ধিপ্রভৃতি মানসিক ৫ চালনা করাইয়া ক্ষান্ত ও নিশ্চিত্ত থাকা নহে। তাহারা যাহাতে ইভয়বিধ পরি এরুত্ত হয়, তছিষয়ে বিশেষ যতুবান স্থবিবেচক স্থানিককের কর্ম। অনেক র ফুচিকিৎসক পঞ্জিত মহোদয় ব আপন শারীরিক স্বাস্থাবিধান বি পুস্তকে ও চিকিৎসা সংক্রান্ত গ্রন্থে বি গিয়াছেন যে শধীরের সহিত মনের নিকট সহজ্জ আন্তে, স্থভরাং म्ह अरकत रेवनक्रा घरित अस्ताह ক্লাঘটিবার সক্পূর্ণ ১ক্তাবনা। আর কালের শান্তকারেরাও কহিয়া গিয়াছে কোন কাৰ্য্যেই ৰাড়াবাড়ি ভাল নকে। এৰ একেবারে শারীরিক পরিশ্রম পরা হইয়া অবিরও অপরিমিত মান্দ্রিক পা করিলে শরীর ক্রমশই চুর্কল ও ক্ষীণ হ থাকে। হতেরা সেই সচ্চে বুদ্ধি এভৃতি সিক রুত্তিও স্মরণশক্তিগীন ও নি হইরাপড়ে। অতএব শরীর ও মনের স ৰূপে চালনা করা বিধেয় ও যুক্তি এক্ষণে কোন কোন খিল্যালয়ে : কর্ত্তপক্ষ भरतत स्य नदी हालन कार्या मरनाटर **হট্ডেছে**ন বড়মজনের বিয়

विमानियात कार्यामः भक्त मध्यति । भार ্জনিপ্তকৰ নতে: বেল; দশ ঘটিৰায় ক আরভ করিয়া বেলা চারি ঘটকার য कांग, विशास 2 शांकि अन्त्रस विमानिया है লিত ভাছে। উদুশ সময়ের বশব্জী হ বিদ্যালয়ের কাঠ্য সমাধা করাতে জুকু চ বালকগণের বিশেষ ক্লেশ হয় ও পরি ম তাহাদিগকে রুগ্ন এবং ভগ্নদরীর খতে পাওয়া যায়। এ দেশ অব্ভিন্ন উফ্ বিলামত অধিক হইতে ক, রবৈ ডেও এচেও মূর্ত্তিধারণ করিয়া 'युक्तिअन्तर्भ किंद्रभ िखाँद कदिया গণকে দক্ষ করিতে থাকে। ছুই প্রাহরের গুকের বাহির **হয় ও পথে পাদকে**প কাগার সাধ্য ? এই সময়ে আবাল তুক :। সকলেই স্বাহ **নিক**পিত বাবেট । ২ইয়া অনাতপ আছানে আনরাম করিতে া নরেন, কেহ কেহ বা প্রক্ত প্রস্তার নিম্নখদখ্যে:গ করিয়া পাকেন ; বোধ যেন ভাষারা ভাষণ ওপনতাপভায়ে **১ ইয়া প্রস্কর ভাবে র**িয়াছেন। মহুধ্য ানান্য পত্ৰপদীয়ত স্বাভাবক সংকা বশরতী হইয়ানিক নিজ আহারা খ্যুতে হৈই : ছায়ায় বিভাগ করিয়াখাকে । এব একপ সময়ে শিশুগণকে কাষ্টো ন করা -কি যুক্তিসিদ্ধ ও ন্যায়ালুগ*ত* হয় ১, ভাছনাজে কিঞ্ছিৎ বাল বিশ্রাম নিতাপ্ত আবিশাক। ইছা অনেক এত্ ও চিকিৎসক্সাণ কহিয়া সিয়াছেন কি ছংবের বিষয় বালকগণকে ইং 🍴 িড্যে কার্য্য করিতে ২য়। বিদ্যালয়ের ণত সময়মাণ্ড তথায় উপস্থিত হ'ইকে িরলৈ পাছে শিক্ষক মহালয় শান্তি কিরেন এই ভয়ে ছারগণ আংশারের ইতপর কংণই কেচ কেহ বা অনশ-ছুণাডাপে দকাহইয়া ফুচতবেংগ বিদাা জপত্তি হয়। পলালামত্ প্ৰন্মেট ঢকুত **অধিকাংশ ইংরাজী ও বঙ্গবিন্যা** ামের **প্রান্তে** ও মাঠের মধ্যে স্থাপিও ছায়ার নামমাত্র নাই। চারি দিক রিভেছে। ভাষণ রৌজের সময় মাঠে কাৰ্য্য করাতে যে বিশেষক্লেশ হয়, চরি হাহ। ভনেকেই স্বীকাঃকরেন। নির মেজে আজে, আলোও বায়ুগমনা জন্য গ্ৰাফ সদৃশ বাতায়ন থাকাতে গার কার্যাগারস্ক্স **বোধ হয়। স্থতরাং** খানে ও সময়ে এবং গুছে বছ বালক তথ্টয়াপাতকবাতে ছাত্রগণের অভি

मंत्र क्रिम बहेट्ड शास्त्र । शख्त क्रिम विद्याल য়ের ক্লেশ কুর্য্যভাপপ্রভৃতি নান বিধ জেশে কট হওয়াতে বালকগণ খৰ্মাক্ত কলে বর সুখুর্ত ভূষার ও বিচলিতটিভ ছটতে গংকে। স্তরাং তা**হ**রো পাঠে **বিশেষ** करण मरनानिरवन कतिरा शारत ना। अधि কাংশ শিক্ষকই ভাহাদিগকে ভয়ানি দর্শা ইয়া বলপুৰ্বক পাঠে নিযুক্ত নরেন। তনেক শরারবিদ্যাবিং (বি**জিয়ালজিও)** পণ্ডি তেরাক জিয়াগিয়াছেন যে, আমস্থির ও ভৌঙ চিত্ত হইলে থ দা জ্বা স্তাক্ত লে পরিপাক হয় না। হতো ছাত্রগণের ভক্ষিত সামগ্রী অঞ্চীণাবস্থায় পংকস্থলতে থাকিয়। যায় বিদ্যালয়ের অবকাশের পর বালকগণ যখন বাটীতে আংইংেগ, তথন ভাহাদের মলিনও শুক বৰন দেখিয়া কাহার না ছুঃখ হয়। যে প্রণালীতে ৰালকগণকে পাঠনদানকরা হট্য়াপাকে, ভাহাও নানাবিধ অংনিটের উংপাদক। বালক ণের বুলি ও স্বরণশক্তি অ-ভিকোমল ও পল। তাহাদিগকে অধিক পরিমাণে পাঠ দেওয়া কোন ক্রেই বিধেয় নতে ৷ যেকপ্ কুদ্র আগতের অস্থিক দ্রব, ধারণ করাইবার চেঠাকরিলে সেই আধার ভর হয়, দেই ৭প স্কুমারমতি বল্লারণশ্ভি বিশাষ্ট শিশুগণকে অপ্রিমিচ পাঠ প্রদান করিলে তাহাদের মন ও শ**ী**া ভগু*হ*ইয়া যায় প্রায় অনেক শিক্ষক বলপূর্বক ছাত গণকে সাধ্যাতীত কর্ম করাইবার চেষ্টা শাইরাথাকেন, স্তরাং তাহার আহার নিদ্রা পরিত্যাগ করিয়া তথোরাত্র পঠো ভ্যাংসে রভ হয়। পাঠের জন্য ছ'ত্রগণকে ভাড়না ও প্রহার করা নিতান্ত অনুচিত। কিন্ত পরিভাপের বি্ষয় এই, অনেক শিককই তাহা করিয়া থাকেন। একাদিত্রমে পাঠে নিযুক্ত না রাখিয়া মধ্যে মণ্যে অবকাশ দেওয়া জতিবার আবেশ্যক। কিন্তু প্রায় কোন বিদ্যালয়েই এই অথা প্রচলিত নাই। আধ্-নিক বিশ্ববিদ্যালয় টাই যত অনর্গের মূল হটু बार्ष्ट्र। विश्वविद्यानस्य अस्त्रभाशी ছाত्रभारक দেখিলেই পাঠকগণের সকল আপত্তির নিপত্তি হইতে পারে। এইকপনানা অভ্যাচারে বালকপণ অপ্লিমান্দ্য ওবাড়

প্ৰভৃতি নানাবিধ রোগে আক্রান্ত থাকে। কেই কেই বা পাঠদ্রশাতেই কৰলে নিপ্তিত হন, .কছ কেছ বা স রিক কার্যোর বাহির হইরা জীবসাত থাকেন। যাঁহাদের নিজের দৈহিক একপ হইল, ভাঁহাদের সন্তানগণ যে গ वनवीर्गभानी अमीर्घा इट्रेंटन, छाइ রণে কেন বিচার করিয়া দেখুন না। मकन क्रमि: हेव क्र भक्षांग्र (वाध करित, शृ ণণ্ডিতগণ ও নিয়মকারকেরা এ সময়ে ও নিয়মে বিদ্যাখ্যাপনা কার্য্য করিতেন না। পূর্ব্ব কালে চতুস্পাঠীর ভ কগণ ও পাঠশালার 🔏 ৷ মহাশয়েরা ও ও অপরাছে ছাত্রগণকে শিকাদান করি এখনও চতুজ্পাসী এবং শুরু মহাশয়ের শালাউ জ ৰূপ নিয়নের বশবভাঁহইয় তেছে।

---:0:---विविधमश्वाम ।

७১ अ आयाष्ट्र (मामदातः ।

আমাদিলের গ্রাহ্কসন সোমপ্রকারের প্ৰাহিদৰ্শন কাৰ্লে যে অস্তঃখত ও তংগ र्टन यहनान इन, अजि कामाहिद्यत अहम व দের বিষয়ে ভলিমিত আমেরা ভাঁহানিলের ট কুত জড়া প্রকাশ করিয়া থাকি। আজি এ श्राहरू आया निश्च नियान थिए जगहीत से করিয়াদেওয়াতে কুতজ্ঞতাতাখন হইয়া ১০ আবাড়ের সোমপ্রকালে আমরা ''ভারত প্রতি আর এক অব্রিচার শ বিবেশান্ম প্রস্তাব লিখিয়া আক্রেপ করিয়া বলিয়াছ আবিদিনিয়াতে যেসকল দৈনং গ্রন ভাহাদিগের ভাতা ভারতব্যা র ধনাগার। দেওয়া হটবে। কিছু একংগ নিশ্চয় সং वानिशादण, इंटल छ अहे छोका श्रमान कतिर আমাদগের ভ্রম নিভাও জনবধানভানি হয় নাই। রিউটানের টেলিগ্র'মই আমানি অমের কারণ। উহাতে জানা যায় সর স্থা নর্থকোট চয় মাদেব ভাতা দিতে সম্মত য়াছেন। ভারতব্যীয় সেক্টোরি এ কথা क्षां क्रिट्टिन विद्या गरम हरू । এ कथा श्र ইংলত্তের যুদ্ধনংক্রান্ত মন্ত্রীর মুখ হইতে ব হওয়াউচিড ছিল। যাংগ হউক, আনহল বিষয় এই. ইংলও আমাদিগের প্রতি অবিচারটী করিলেন না। मिलीरगरक वरतन. मञ्जूष्टि अवन

নিকটত্বসভূ:গ্রামে কভগুলি লোক বন্তে করিভেছিলেন, এমত সময়ে ভব্রভঃ সচ ক্ষিসনর ট্রিসাহেব (ইনি এক জান সিহি য়ান) ও আখার এক জান ইউরোপীয়া ঐ मक्रोरतांश्रम भ्रम कर्यम। अक्रमानि

म्पाटक

(वह मकरहें मह एवं मिछ इंगाएं छिनि (कामगरवंदन कविटिंग ना ना दिया (छान्नका-हो मिराज स्था मिया विज महेश यान अवर हाई।-मिराज साना प्रवान है करवन । मार्ट्स अहे साम के वार्ट्ड करव्रक स्थम स्थाल भगान हो हां नक-एवं छेगर्द्ध निर्माण कि ब्रिया हिस्स्म । एडगूरिं किमगरवंद्ध निर्माण के विद्या हिस्स्म । एडगूरिं किमगरवंद्ध निर्माण के विस्म ना ना नी में हहे-ग्राइ। मिनीरिज एक विस्म ना हिस्स अही इंग्लिय नाम ना नी न कहिए महिनी हन, अही इंग्लिय नाम ना नी न कहिए महिनी हन, अही इंग्लिय विषय मिस्स अवाद है नि मार्ट्य एक छर्-मना माद्ध कि स्था हा छिए। (मञ्जा छे छिछ। अञ्चल होकिय के छित्रकार कि हु ह्या ना। असमीरिय हा होकिय ना ना ना नी न करवन। क्या किसी-(भारत कि स्थानर्द्धन न। क्या किसी-

্টংলাণ্ডের অন্তর্গত পাডিডটন গ্রামের কে, কে, স্মিপ্র নামক এক জন ধারিষ্টর একপ্রকার বাস্পীয় পক্ষীর স্থি, করিয়াছেন।

১০ ই জুল'ই রা'এতে গোয়ালপাড়ার ছুমি কম্প ইয়াছে। বাটীসকল দোলায়মান হওয়াতে গাচ নিদ্রিত বংজিদিগেরও নিদ্রা ভাল হইয়া ছিল। পর দিবস বেলা দশ ঘটিকার স্ময়ে পুন-কার কম্প হয়। বহাপুত্রের জল রুদ্ধি হওয়াতে এখানকার বিধার শস্যানত হইয়া গিয়াছে।

কাশীর কান্টোনমেন্ট মাজিক্টেটের জাদা
লভ হইকে ভরিমানার পুস্তক ও নগদ ৫০ টাক:
অপহাত হইরাছে। সচরাচর মেরূপ হইরা থাকে,
বাভাঞ্চিক দও দিবার চেন্তা হয়। কিন্তু এ
বা জা মুক্ত হইরাছেন। কার্টোনমেন্ট মাজিক্টেট দিগের আদালত হইতে খাডা ও টাকা চুরি করি
বার অনেক লোক আছে।

ক ভত্তি ইংবাজ জীলোক এত দেশীয় আংকোকদিসকৈ বিদ্যাশিকাও খৃন্তীয় ধর্ম অব লখন করাইবার নিমিত্ত এক সভা করিয়াছেন। ইচার। এ দেশে স্থীলোক মিসনার প্রেবণ করি-াব: ইংলিগের যে মূলবন হইয়াছে ভাহা হইতে প্রভিবংশর ৪০০০ টাকা আয়ু হইবে।

লেপ্টনত গ্ৰথৰ মকস্বলৈ গমন কয়াতে বঙ্গনেশীয় ব্যবস্থাপক সভা বন্ধ থাকিল। এটা আৰু যেন মাখুলে।

লত্ত্ব নিস কাপে ইর ইপ্টই গ্রিয়ান আমেদিছে।
সন সভায় এক বল্লে ভা করিয়া বলিয়াছেন, ভার
ভববাঁর জেলে কোনপ্রকার উংকর্ষ হইবার ধাে
নাই। জেলের কান্তারকাপ্রকালী জ্ঞিজ্বন।
ভথায় ধর্মনীভিন্ন উন্নতি হইবার স্ভাবনা নাই।
ভিনি ভরিনিত প্রতাব করিয়াছেন, চরিত্রসংশাে
ধন হয় এমত কারাগাব (রিফর্মেটার) করা কর্তব্য। আমাদিগের গবর্গমেটের ও কথা ভাল লাগে না। দৈনিক বারিকেব আফ্রেকার কথা হইলে এক্সেটে লক্ষ লক্ষ টাকা বায় করিবার
ভাজে। হইভ।

প্রধানতম বিচারালয়ের গ্রহ জন সুক্তন উকীল তক্তত ডিক্রীনবীল হইয়াছেন। এটা প্রধান বিচারপতির সুখ্যাতিব বিষয় কিন্তু উচ্চতর বেতনের বাবতীয় পদ ইউরোপীয় ও দিরিছিদি-গকে দেওয়া হইয়াছে। प्रिक्टिक खःमाहेन्न 'इक्न, मिछिमिनिशान नाहेर्न्स करतत छेपर बावात नतकाती नाहेर्न्स कत हराइ लारकत ब्रांडम्ब कहे हहेर्ड्इ। कक्षा प्रसिद्द छेठियाहिन । किन्न वावश्वापक नडा हेरात श्रांड मरनारवाश करतन नाहे। आमा निर्शत कत्रश्वापनश्चनानीत मारवहे कत्र ब्रांबक कत्र कर्षकत हरेग्वाह।

काशिक्तिक अक स्वत सिकामा करियादिन, कार्श्वन इल्एंड्र यथन श्रश्नाक्य विद्यातित्व विद्यात इहेरन, उथन श्रीहां प्रक्रिक निक्ता जिन भूक रहेरल श्रीहारक काल भरत नियुक्त कले १हेरव १ किनि रम्न कालान कार्श्वनिरम्ने मा सिक्डिंग नकूरा कार्म विद्यालस्त्र अध्यानक रहेरन । कार्श्वन कार्हेन म् श्रीहारात्र भा (प्रश्ना १हेरलन रिल्या कार्ह्म स्वर्गाहरात्र भए (प्रश्ना १हेरलन रिल्या कार्ह्म स्वर्गाहरात्र भए (प्रश्ना

ভারতবর্ষীয় রেলওয়েতে যাঁধারা দ্রব্য প্রেরণ करतन, (काम्लानि छाँशमिरभन्न निकार य मास्त्रज्ञ লন, তাহাতে সকলে অসম্ভণ্ট ৷ ১ লা আগ্ৰন্থ व्यविभि मान्धन कारता त्रीक हरेरतः अख्यानीय বণিকেরা এ নিমিন্ত এজেনি বোজে আংবেদন করিয়াভিলেন > ভাহাতে কোন ফল না হওয়াতে ভাঁচারা লেপ্টনক গ্রহণেরের নিকটে আন্বেদন कतियाद्वा । किन्त लाल्डेस के भवर्गत कई कारव দনের প্রভাতের দান করা উচিত, বিবেচনা कद्दन म है। भागमनभट्दन एकाकिट्खन शत গ্র সাংখ্যের নিকটে রেলওয়েঘটিত অভ্যাচা-রের প্রতীকার প্রার্থন। করু র্থা। আহেদন কাবিগণ ভারতব্যীয় গ্ৰৰ্মেন্টের নিকটে व्याद्वसम् कक्रम् ।

ছিন্দ্ৰপেটি য়ট অবগত হইয়াছেন, জাড়ুৰো .কট জেনরলের প্রস্তাবাসুসারে প্রধানতম বিচা ালয়ের নিশাভিসকল মুদ্রিত করিবার এক তুত্ৰ প্ৰণালী হইছেছে। এ নিমিত্ত এক সভা হইবে। কাউই পাহেব অগ্যক্ষ এবং ভাল্পিয়র श्रीक्र भारहर अदेश रातु कासुकृतहरक पूर्याः भाभरात्र मण्डा वहेर्द्यम । वहाता त्य त्रिर्भाष्टे ध्यकान করিবেন, বারিষ্টর গুডিব ভাহার সম্পাদক ও বাবু মনোগেছিন ঘোৰ সহকারী সম্পালক হই-বেনা বারিষ্টর উডমান ও ইবাল আদিম বিভাগের এবং বোর্ক, মেকেঞ্চি, মনোমোহন ঘোৰ ও রাজেক্সনাথ মিব্র আপীলবিভাগের दित्ना के कविर्वन । नावर्गम के आ कार्यात मिश्रिक दार्षिक १०,००० छाका मिर्दन। तिरशाउँ छ लिक् वर्षिक भूता १ क होका इहेट्य । भूता व्यक्षिक इहे-(उट्डा गरर्नरम हे यथन as होक: निट्डट्डन. उथन मन्टा दारा कुनान इहेटन । आहटनद রিপোটের মূল্য যক্ত আল্ল হয়, তক্তই ভাহার কাটতি হইয়া থাকে। বার্ষিক ২০ টাকা করিলেই भर्गाश्च स्ट्रेट्य ।

निम्न निथिक मार्फ व अ आग्न गोत्र मात्र मिर्शत के का ग्रेगी तमात्र मिर्शत के का ग्रेगी तमात्र मिर्शत के का ग्रेगी तमार तमा गिर्श्व के हर तमा। या मकल मार्का के का श्रेगी तमार तमा महिर्गत के का ग्रेगी तमात्र के का ग्रेगी तमात्र के का ग्रेगी तमात्र विकास के तमा ग्रेगी के किया के लिया का ग्रेगी तमात्र विकास के तमा ग्रेगी विकास के लिया के

আর না থাকুক। বেনেকল আরুসার সাচর অথবা কল্পেক পুরুষের নিমিত্ত দেওলা হই

৩২ এ আহাত মঞ্লবার।

এড ওয়াড কাসিনামক যে সার্ফেন্ট হিতে ভাহার প্রীকে বধ করে, সামরিক বি লয় ভাহার এক বংসর মিয়াদের আজ্ঞা কাসির প্রী অভিশয় স্করিক্র ছিল, সে স্ব অভ্যন্ত কষ্ট দিত এই নিমিত্ত সার্ফের ট এক ক্রোধ সম্বরণ করিতে না পারিয়া ভাহাটে করিয়াছিল। এইসকল বিষয় বিবেচনা ব প্রধান সেনাপতি এই হতভাগা ব্যক্তিকে করিয়াছেন। নিয় শ্রেণির ইউরোপীয় র কেরা কেমন ভয়ানক ভাহা এইসকল বণে প্রকাশ করিবে। ইহাদিগের অপেকা দিগের নিমু গ্রেণির স্ত্রীলোকেরা শভতবে।

निष्ठ विद्रवाधी वर्णावर्णिय श्रीक्रांत्रः निष्ठ विद्रवाधी वर्णावर्णिय श्रीक्रांत्रः विद्रवाधी वर्णावर्णिय श्रीक्रांत्रः वाज्यक्रांत्रश्रा वर्णाल्यतं स्त्रीत्रांत्रं प्रति वर्णाः वाज्यक्रांत्रश्रा वर्णाः व

नक्षित्र किन्त्र वीष इहेग्राटः। कर नद्रमिनद्रमि इहेर्डिड़ । पशु ७ ग्रह्मानि उ नक्ष्म काञ्चलारम श्रान्डाम किर्दे क्रिक् दृष्टि इह नाहै। मीश्र कन ना कर्तिक नरको इहेर्ड मनायन करिर्दन।

কভকগুলি লোক সম্প্রতি হাউস অব ব এক আবেদন কবিয়া বলেন, মাগদালা ও বিওড়োরকে বধ করা অভিশয় অন্যার য়াছে। ষ্টু য়াট মিল এই আবেদন প্রদান ক আবেদন পাঠ করিবার সময়ে প্রতিনিধিগ হার উক্তবরে হাস্য করিয়া উঠেন। ই আর কিছু না হউক, ইংল্ডীয় ইংরাজা া কোন ক্রমে বিদেশীয় জাভিদ্যুক্ের । কোন প্রকার অভ্যাচার করিতে नरहन ।

লিকাভাব পুলিষেও প্রহার ও শারীরিক দিধার প্রথা আছে। সা**র্ছেন্ট হাল নামক** াজিলি, এম, ওয়ামসলিনামক এক জন সকে খানায় আনয়ন করিয়া ভাহাকে প্রধার করে যে ভাছাতে ভাছার ছত্ত ভগ ति किंडू निन् हिकिएशामरत थाःकरङ চ্যু। প্রহারকারীকে সেসিয়নে সমর্পণ করা ছে । ঘাঁহারা লালবাজার দিয়া সমনাগমন া উচ্চারা দেখি**ডে পান, রাজধানীর ই**উরে: পুলিব প্রহরীরাকি প্রকার সক্ষদতা সং িলাফারদিগের সন্থিত ফুরাপান করি-। মারামারী ও মাজা ধাটাফালী **হইভেছে**। কুম বিভাল যেমন ইন্দুর দেখিয়াও চকু ১ করিয়া খাকে, প্রহরী সেইপ্রকার ক্ষন্য मून दिवालेका हुन्दे है। निर्देश थारका अहे েলফোর প্রহরাদিদের গুণেই হজ্যাকারী ও

রুর। এত নির্বিত্নে অকার্য্য সাধন করিতেছে।

ভিন্নান ডেলিনিউস বলেন, সম্প্রতি কডক অস্ত্রধারী গারো আমলি ক্রামে পভিড

া কয়েক জন বণিকের সম্পত্তি স্থুঠ করিয়া।

লাবার ছিয়াভর সাল **আসিতেছে** → ছর্জিঞ

ার বিলক্ষণ সভাবনা দেখা যাইভেছে।

১লা জ্রাবণ বুধবার।

পলায়ন করিয়াছে।

ার কোন অংশ প্লাবিড হইয়াছে, আবার । অংশে ঠুক্তি নাই। ধৃদ্ধেশের আনেক স্থানের নাবস্থা।কিন্ত উত্তর পশ্চিমাঞ্লের অংশি শ শসঃকোৱ অনার্টিনবজন শুক্ রহি ছ। জামালপুর অববি বঞ্চাপর্যক্ত রুক্টি ২য় । कामी अवधि भूजा: शुरुभशिक सर्कि शिर एक् । कानशुर, अ.हे.ब्रा, मध्योवाह, क्यामा াদ ও ফভেপুরে অনার্থিনিবল্পন শস। न इडेर७८५ ना। किली इडेर७ नियमा পर्य। ওে এই অবস্থা।

ফাজিস রাইটনামক এক অনে ইউরোপীয় পনাকে পুলিষ ইনস্পেটর বলিয়া পরিচয় : কয়েক জন প্রেমার:বাজকে ধৃ ও করিয়। / देविन 🕏 ९८काइ टाईया भूक करता 🗷 करक (मामसूरम मगर्गन कहा इहेसार्ह) হব জ্বীড়া করিয়াচিলেন বোধ **হইডেছে।** মেলর লিজ কমল হাউদে প্রবেশ করিবার ায় **আছেন। মেজ**র লিজা নিঃশক্তি ভারেভ-ভাগে করিয়াছেন কেন, ভাষ্য অসুস্থান লে বেধি হয় ভাল হয়। তথসরকে অনেক

বরা আবেশ র্ংস্পতিবার।

জনবুৰ উঠিয়াকে ৷

রঙ্গপুরে বিদ্যাশিকার ভাতৃণ অনুশীলন নাই বুক্ত উকীল পাওয়া ভার। এই হেডু প্রধান । ५५ हा बाब व्याख्या विद्यारका, ३५०७० व्याप्त्र আইন অপ্লগারে উকীলদিগের পূর্বাপরীক্ষার

विकानिशास्त्रत भीमात्र मर्जाना मञ्चाहरि **স্থয়াতে দক্র্যদিগকে দ্মনে রাখিবার নিমিত্ত** गवर्गसम्बे अक स्वत खिउँम देन:नक स्वाकिनत्रस

নিযুক্ত করিবার সক্ষল্প করিয়াছেন। চট্টম'মে চার চাস উঠিয়া গেল দৈখা যাইভেছে। তিন বংগর **হইল এখানে এই চাস আরম্ভ হ**য়। हेशंत मरपा के थान का**ज** म**फ क**ता **स्हेशर**हा অনেক স্বলে চার চারাও উৎপাটিত করিয়া (कला रहेब्राट्ड। ठा-करत्रदा क्रान्ड बख रहेब्राट्डन সন্দেহ নাই; কিন্তু এ ক্ষতির নিমিত্ত ভাঁহারা আপেনার'ই দায়ী। চাস আংরভা হইবংমাতে মঞ্র দিগের উপরে অভ্যক্ত অভ্যাচার করা হর; करनक दक्ष भूशिरयत माहरश क्रुयकतिरात कृषि কাভিয়ালইয়া ভাষাতে চা বপন করা হয়। কাহাকেও প্রায় বেডন দেওয়া হইড না। ছ্রাগ্নিবন্ধন অন্নেক ইউরে:পীয় কর্মচাত্রী গুপ্ত চা-কর হওয়াতে নালীশ করিলেও ভাহার প্রতিকার হইত না। এরপে স্থলে যে ঐসকর ঘটনা হইবে, ভাহা আক্ষেধ্যের বিষয় নছে।

দেনিদ পর্মন্তের উপরের রেলভয়ে সমাপ্ত ষ্ট্রাছে। এক্দে ইটালি ষ্ট্তে ফালের মধে। আলস পার টেরা যাওয়া খার।

ইংলিদমান বলেন বক্লাছয়ারে আদ্যাপিও ক্রীভদাদের ব্যবসায় চলিতেছে। গ্রথমেন্ট ইহা জানিতে পারিয়া বিজ্ঞানর রাণীকে ৭০০ ক্রীতদাস ও দাসীকে মুক্ত করিতে বাধিত করি

যেসকল পাদরি সৈনিক শিবিরে নিযুক্ত रहेरवन, जांशमिश्राक वाही श्रञ्ज कत्रिवात নিমিত্ত ৪৩২০ ও ১৭০০ টাকা দেওরা হইবে। প্রতিমাদে প্রথম শ্রেণির চাপলেনদিগের বেডন **ধ্ইতে ১২০ এবং দ্বিতীয় জেনির চাপলেনদি** গের নিকট ৭৫ টাকা কর্ছেন করিয়া টাকা আদার করা হইবে। গৃহ গুল্পত হইবার পূর্ফো কাহার मुडा इहेटल कि इहेटव ? करका डमामक रम वास्तित जाना हा वारान्त्र

অপের এক জান ইউরোপীয়ের জ্রীর সঞ্ভি वा कि हात्रास्य अक वर्षत् (प्रश्नान इह्न, के दुव পশ্চিমাঞ্লের লেপ্টনান্ট গ্রন্থ ডাহাকে क्षां ज़र्सा निर्माष्ट्रन । अव्यक्ति करम् न वार्तिक ইংর জীর ভরণ পোষণ চলে না বলিয়া এই অন্ত্রহ করা হইয়াছে। জ্রীর কণ্ঠ হয় বলিয়া করেদিদিগকে ছাড়িয়া দেওয়া যদি বৃক্তি দিছ रम, फोरी रहेरन आमानफ ख स्मन फेराहेम्। দেওয়া কর্তব্য।

কাপ্তেন আইবস মধ্য ভারতবর্ষে এক জন ইনস্পেটর হওয় তে ক্রেগুঅব ই,গুয়া বলেন, পর্বার্গামভার মকদ্রীর পূর্বে এই নিয়ে। গের প্রস্তাৰ হয়, > কিন্তু আইবদ সাহেবকে ইনস্পেট র করিতে দেওয়া হইবে না; উাহাকে রেজিমেন্টে প্রভাগমন করিতে **হইবে। ভা**হ १ छवाई ऐं हाइक़

आयतः छेक भट्ड पर्नन कतिलाम माख्यारस्त्रतः ফ্রাফ কোরের ক'ল্পেন ক'রে স'ছেব লও সাফেবের ন্যায় দক্ষিণ ভারতবর্ষীয় প্রায় ২০০০ প্রবাদ বাক্য সংএই করিয়াছেন। কাপ্তেন কার কভক

কে ও ভাহার প্রভিবাদ করিয়া বলিয়া " व्यामानिरशत अक्टलनीत महरवाशी। व्यवशक्ति विश्वेष व्यामता देनिएडाई, अटर रवता डेक भन आश्व रून, अ वियास जामारि আপত্তি নাই। তাঁহরে। উন্নত পদ লাভের (इंहेरम कावमा; भाइरक्षा । किन्न देशमास्त्र । গুলি অঞ্চলোক য বতীয় প্র এতদেশীরণি श्रमः क्रिवात (य कथा वट्टम, खाहात বাদকরাই আমাণিগের উদ্দেশ। এক যথাৰ্ব উপন্তৰ ভাৱতবৰীয় কলিকাডায় ৰ ভম বিচারালয়ের অধ্যান আছেন, দে আমরা আছোটেড হই, মান্তাল ও বোহ এ প্রকার কেছনাই বলিয়া আমাদিগের ছইভেছে। সর দিনকররাও গবর্ণর জেনে মন্ত্রিসভার এক জন বেডনভোগী সভ अजी व्यामानिरभव काममा। वक्रान्टनात (लर्भ भवर्गदेव यक्ति अञ्चिम खाँ हेये. को हा हहे कि **ब्यम এও एक्ट्रेनी ब्रुट**क उत्तर्गा अहन करा व्य গের মত। কিন্তু অনুপযুক্ত ভাবতবর্ষীয়ের মহীক্লবের ও অচিহ্নিত কার্যের সকল পদ ভাহা হইলে শাসনকাৰ্যের বিশেষ বা **रहे(रा" व्यामीमिटरांत्र और कथा। मट्स** উপযুক্ত ইউরোপীয় কর্মচারী থাকেন, কাহারও অনভিমন্তনহে। উপযুক্ত এ কর্মচারীকে পরিভাগে করিয়াও অনুপযুক্ত রোপীয়কে কর্ম দেওয়া হয় বলিয়াই লোগে ক্স 🕏 ।

यावजीव शन अक्टाइनीव्रमिश्रक अमान कर

৩ র: জ্রাবণ শুক্রব'র।

ডেলিনিউস আবণ করিয়াছেন, দার্টি অপুণ করাতে সিকিমের রাজাকে প্রতি त्य दुखि (मञ्जूष ह्यू, शर्वरमण्डे खाहा दूः व বেন এটা ১৮৫৯ অব্দের ১০ আইন আ हहेर उर्फ ना कि?

উক্ত পত্ৰ বলেন, আলাহাবাদ হইছে পুর পর্য,ক্ষের রেইলগুয়ে যেদকল এড রাজ্য হইয়া গিয়াছে ডক্রেড্য রাজগণ রেই পুলিবের বয়ে দিকে অসমত হইয়াছেন। রেইলওয়ের উপরে ভাহাদিগের ক্ষমতা তথন এবংয় গ্রহণ করা অসুচিত।

সম্প্রতি ভারতবর্ণীয় গ্রধন্মেট বি উত্তর পশ্চিমাঞ্চলের টে कड्रिय:८४म माखिएके हे छ। ता है (त्र अह १ हे दांत আসিবে, উচ্ছারা যদি সেই সময়ে থাক कार्ट्यः नियुक्त थारकन, खाङा इट्टल ध्ये করিবেন গ কিন্তু জড়ের বেতন প.ইবেন।

এপ্রেল মালে মধ্যেরভবর্ষে ১১,৮৮ টাকা আয় :ইয়াছে। ইহার মধ্যে ভূমি ৮,৩৯,২৭৬ টাকা, লবণ হইতে ১,৪৪ টাকা: **অ**বাবগারী **३**ইডে ৬০.৩৬১ ট ्ट्रील्ल **स्ट्रे**टक ७२,8৫० ठीका काशन्न स्ट्रे र्के **म!रम इ.৯৫,७৫**১ होको च।स **इ**हेब्रोट्ह।

ই উয়ান প্ৰলিক ওপিনিয়নে একৰ রোপীয় স্বামীর জীভজির কথা লিখিড নিয়ম আছে, তাহা উক্ত জেলার ওকালভির । গুলি সংস্কৃত প্রবাদবাক্যও সংগ্রহ করিয়াছেন। ; য়াছে। জীলোকটা স্বাধীন ধর্মনী ভি তে একটা উপপত্তি করিয়াছিল। উপপত্তি ন প্রায় একটাতে হয় না:আন্র একটা ভ প্ৰথম উপপত্তি ক্ৰোধাৰিত ছইয়া কু শিক্ষা দিবার নিমিত্ত এক দিবণ वष्ट्रक भतिपूर्व कतियां छेपभत्रीत निक्री করে। পরে এক নল ভা**হার পদে** ও এক বাপনার ভলপেটে ঝাজিয়া ভাহাকে আহত s.वर जापनि इंख रंग्न । जो हक <u>ख</u>ीरनाकरक সোলয়ে লইয়া যাওয়া হইয়াছে। ভাহার সকল দোৰ মাৰ্জনা করিয়া মির্ভার ভাইার করিভেছেন। অসভা ভারতব্বীর খামী অবশাই এমত জীকে ভ্যাগ করিভেন aব্য ক্তি যথার্য খু ক্টিয়ান। এক কালে চপেটা করিলে অপর গাল বাড়াইরা দেন। ক্ত পত্র বলেন, সুতন বিদায়ের মির্ম হও-পঞ্চাবের সিবিলিয়ানদিগকে জন্য কোন न वनली कता स्ट्रेटन मा । अभी वक्र

এক জন ইউরোপীয় স্থরাপান করিয়া ন হওয়াতে ছর্গের প্রবেষ্ট সার্ভের ক কুলিবাজাদে খানায় দিয়া জাদে। লর কেবে ১০টী টাকা ছিল। সা**র্ক্সেন্ট** हा स्टिर्निस रामक अक**सन हेनाल्ले**ड ख हेनरञ्ज्ञेष असम्हरस्य **भूरस्य रहेस सि**न्नी ৰ ৷ এ ছই বাজিক এই টাকা আবাস্সাৰ চইঃখিগকে দেসিয়নে অপণিকরা হই । লোফার্ডল **হইতে পুলিষ কর্মহোরী যাড়** नि:नोछ क**ा इटेर्स, ७७ मिन अ व्यवक्रा** না ৷ কিন্তু গবৰ্গমেণ্ট ভাবেন ইউরোপীর **ই ধর্মের ভালা বাঁধিলেন**।

েসমাচার। পঞ্জাবীদিলের শুণ পঞ্চাবেই

अधि मकत्लवहे हेव्हा।

৪)ন আন্তৰ শ্নিবার :

ভকল, পোটকানিও কোম্পানির অংশী ৰ অধিবেশন হইয়া গিয়া**ছে**। **জুইনহো** ্সভাপতির অ¦সনএ**হণ করেন। সিলার** সবাক্ষরে উপস্থিত হইয়া আপনার বাঁধা ভিন্নছিলেন।কিন্ত অংশিগণ বর্তমান দিগের উপরেই সম্পূর্ণ বিশ্বাস প্রকাশ ছেন। মকক্ষা চালামও ভাঁহাদিগের ত হইয়াছে। সিলার সাহেব আদালতে s এত ভয় পাইতেছেন কেন ?

রিষ্টর জ্বানে প্রযোহন ঠাকুর ও রেবরেও াহন বলেলাপাগ্যয় খৃষ্টীয় ধর্ম প্রচার ও দশীয় খৃষ্টীয়ানদিগের অত্রক্ষার নিমিত ভাকরিয়াছেন। খৃতীয়ান ব্তীত আবার ।ই সভার সভ্য ছইতে পারিবেন না। । এ সভার প্রকৃত কর্য বুরিতে পারিলাম ना किन्छ अक्टप्सभीय थृष्टीयानमन क्रामत একাংশ বলিয়া যদি সাত্তুমির মকল্যাখন উদ্দেশ্য স্থিব করিয়া খাকেন, ভাষা হইলে সুখের

कामवा हे खिन्नाम अकसामिमातमामक अक খানি তুতন সাপ্তাহিক পত্র পাইয়াছি। পত্রখানি যেপ্রকারে আর্ড হইয়াছে, ঐ ভাব বরাবর থাকিলে উন্নভিলাভ করিবে সন্দেহ নাই। এক খানি নির্পেক ইংরাজী কাগজ থাকা অভিশয় আৰশ্যক।

निम्नलिखिक मृत्या शवर्गमान्द्रेत काशक বিক্ৰীত হইডেছে:---

টাকার সিকা 2811. 1 284 38Hd 1 384 ৪ কোৎ **अविक ७ शार्क ३० ६॥० । ३० ६॥ √** ¢ ^৯ কোং 7.911 1 2.511 elle a coste 2784. | 776

ইউরোপীয় সমাচার।

লগুন ৪ ঠা জুলাই। গড রাজিতে অটওয়ে भारहत कमन हाउँद्रि श्रेखांच कविद्रार्ट्डन, अकरन মহাসভার হতে বেপ্রকার কাভের ভিড দেখা याहेरलट्ड, लाहारल कात्रक्यमें मात्रनश्रभा लीय छेरकर्षमाधनविषयक आहेरनव भारताल (श्रात विषद्यत विद्युष्टमा कदा याईएक श्रीत ন। আল্পান্ডভঃ উঞ্জাল্ড রাধিয়া টেট :সক্রেটারির কৌন্সিলসংক্রান্ত পাগুলেখ্য উপ স্থিত করা কর্মব্য।

সব ষ্টাফোড নর্থকোট প্রভাতেরে বলিলেন এসকল পদ অনিশ্চিতরপ হইলে লোক পাওয়া ভার হইবে। ডিনি, বলিলেন, কৌলিলের সভঃ দিগের অবস্থানঘটিত আইনের পাপুলেখ্যের ছয়সীমাত্র ধারা আছে। ভাহার একল আহে হইরাছে। ডুডীর পঞ্চম ও বর্তের প্রতি প্রায় কোন আপত্তি করা হয় নাই; চতুর্থ ধারাটী নিয়োগসংক্রান্ত হইডেছে, এটা অন্য পাও লেখ্যের অন্তর্গত করিবার প্ৰস্থাৰ-**চইয়াছে। অবশিষ্ঠ ধারাটা কেবল** সংক্রান্ত । তিনি তরিমিত প্রতাব করি-লেন এই অবস্থার কমিটি ছায়া পাও লেখ্যে বিধিবন্ধ হওয়া উচিত। যখন সভ্যনিয়োগ ও মূতন ধারা বসাইবার কথা চইবে তথন রিপোটের সময়ে ইহা করিলে চলিবে। ঐ পাশু লেখা পট্টিড না হইয়া সভা ভল হইয়াছে।

গ্ৰণ্ডেন্ট সীমানংক্ৰান্ত আইনের পাওু-লেখ্যসৰলৈ যে ব্যবহার করিয়াছেন, ভছুপলকে গত রাজিতে লাডদিগের হাউলে অভিশয় উৎ সাভপূর্ণ জ্ব হইয়। গিরাছে। বোরাই ব্যক্ত ষ্টিভ আইনের পাও লেখ্য বিধিবন্ধ হইরাছে।

१ हे खूनाहै। या जि हहेटल कारबितिका भर्गाल ভার পাডিবার নিমিত্ত ফরাশী গবর্ণমেন্ট বারণ আরলেঞ্স ও জুলিয়স রিউটার সাংহ্বকে সম্পূর্ণ ভার ও ক্ষতা দিয়াছেন।

সর আলেক অও'র আন্ট এডিনবরা विम्डोल्ट्युत्र काश्यक इहेग्राट्डन ।

গত কল্য লাভদিগের হাউলে সীমাস ভাইন বিধিবছ হুইয়াছে। নবস্কোশিয়া खर्क **रग्ना अविषया अगरकामध्यकान** कहा हो কিন্ত অনুস্কানের প্রস্তাব অগ্রাহ্য হই প্রতিনিধি মনোনীত করিবার সময়ে উ দিলে ভাষার বিচার ও দণ্ড এক বিশেষ লভে হইবে বলিয়া যে ধারাটী হয়, ভাহা कला कमका हां जेरन काबाहा हहेग्राह्म ।

 इंक्लाई। ब्राक्की महामञ्जाहक রোধ করিয়োছেন, সর রবাট নেপিয়র ও বংশীয় সকলকে বাৎসরিক ২ ় • • • টাক (मञ्जूष) कर्खवा ।

আর ব্যয়ের হিসাব উপলক্ষে ফরাশী সভায় যে ভৰ্ক হইয়াছে, ভাহাতে মসুর কা মুক্তিয়ার বলিরাছেন ফ্রাশী গ্রণ্মেন্ট রক্ষায় অভিলাষী। ফরাশী দৈনগেণ সেই প্রতিভূত্মরূপ রহিয়াছে ৷

স্পেটেটর পত্র বলেন, সর স্থাকোড নর্থ ভারতবর্ধের গবর্ণর জেনরল হইয়া কাজ ক পারিবেন মা। গত কলা ওয়ালি ভটন হ **प्रश्वाम व्याभियाद्य हेराटि खाना याहेट** নীচতত্ত প্রিয় দল হোরেশিয় সাইমরকে পতিও সেমাপতি বেয়ারকৈ সহকারী পতি করিতে অভিনাধী হইরাছেন। উপ **बहे शरकत क्षांची बहेरफ मन्नफ हहेग्रा**र ৮ জুলাই।গডরাত্রিডে কমস হ

ক্রকোঞ্চ সাহেব ভারতবর্ষের ড মাকুল বৃদ্ধির প্রসঞ্ করিয়া कहि टेममासिटमंत शत्क কম মাস্থল কেট अमान्नि क्हेन्नाटकः। এডগুড়ুবে मार्ट्य विल्लान, फारकत कार्या छ कर्माहा গের ব্যের্ভি হওয়াতে মাস্কুল র্ভির প্রয়ে হইয়াছে। ভিনি বলিলেন, মাসুলবৃদ্ধির পর কবিয়া ভালই হইরাছে। এডদারা চারি होका व्यक्षिक व्यक्तिय इंहेटल्डरहा टेनना পত্র কম মাসুলে স্ট্রা বাইবার প্রথারও সমর্থন করিলেন। সীমাবিষয়ক বিল এবং লও ও আয়ারলভের রিফরম বিল লাডা হাউদে বিধিব≅ হইয়াছে।

সর স্থাফোড নর্থকোট নেপিয়রকে ভোক পিয়াছেন।

গত কল্যকার এক টেলিগ্রাম ওয়াশি হইতে আসিয়াছে। ইহা ছারা জানা যাইত बौठ छ ख क्षित्र क्ल फांग्नोहिर गत्र बिस्लि রাজনীতি স্থির করিয়াছেন। সকলকে কর হইবে; গবর্ণমেন্টের কাগজের সূদ্ভ नगम मिटफ स्टेंदि, फार्ट्स (संशोदन कानाव বদ্যোবস্ত আছে, সেখানে ভদপুসারে ছইতে পারিবে। যেসকল লোক ইউনা **্টেটে পুরবাসুক্রমে বাদ করিয়া তথার ভ** क्रिन ও योश्राह्म विराम इहेर्ड च्यानिया क्रिया (मनवानी विनया পরিগণিত इहर कें। इपिरंगत परवंत कान बर्छन् थाकिरव

and a second second

গর্ণবৈশ্চ বিজ্ঞাপন। লেপ্টন্তগ্রণরের আদেশাসুসারী

निर्याभ ।

न हे जूनाहै। (स वक्न खर्मन माह्य भूनीत भिक्नामकात मका अस्ति क्रिकेट हेर्दन। जि. रहम माह्य भूनियारक क्रम क्रम रिक्टीय रिकेट अर्फ पुष्टि कार्लाह्नेत हरेग्रा विकीय रिकेट अर्फ पित्र क्रमका भारेर्दन। हे सून क्रविश्च के सूनभ्राक लाल्डेन के १६. भार्किट मिश्हकूरमत रिक्टी क्रिमन कार्यन्त कर्न भारेग्राहित्नम। इंड क्रिम का क्रम क्रविलेड , क्रइ, रहम विरम्म

ারী কার্যে: পেলকে স্থানাস্তরে থাকিবেন, দিন লেপটন ট ই জি, সিলিওস্থোন সিংহড় প্রতিনিধি তেপুটি কমিসনর ও অধস্থ জ্ঞা বন।

ই জুলাই বিবু উদয়চাদ দত্ত পুরীর চি-শাকশ্মচারী হইবেন।

াবু আর্লাচরণ কাস্তগিরি মালদহের চি-বা কর্মচারী হইবেম।

ভি দিন এ, জে, এলিয়ট সাহেব বিদায় 1 অসুপস্থিত থাকিবেন, ডভ দিন জে, এফ ন সাহেব দিনাজপুরের প্রভিনিধি সিবিল সিয়ন জঞ হটবেন।

েই জুলাই। ছাপরার সব রেজিটার বার রেণ বহু কিছু দিনের নিমিত্ত মতিহারিতে বন।

ারু উমাচরণ বস্তুর অমুপস্থানকালে ডেপুটি ক্টোও ডেপুটি কালেটর ই, এফ ফিশার চ্ছাপরার প্রতিনিধি সব রেজিটার হই

ভীয় আংশির সব আংসিক্টান্ট সার্ক্তন কা নাথ আংচার্যাছই বংস্থের জনামেডিকাল জের দ্বিভীয় সার্ক্তনের হাউস সার্ক্তন

১ ই জুলাই। বীর্ভুম জেলা হইতে সাঁও ব্রগণার দক্ষিণাংশপর্যতে রেইলওয়ের যে ট আছে, তন্মধ্যে ১৮৫৪ অফের ১৮ আই: ব্রে বিচার করিবার ভার রাজমহলের রীক্মিসন্বকে দেওয়া গোল।

ত ই জুলাই। যত দিন জে, এ, ক্রফোড বিদায় লইয়া অসুপস্থিত থাকিবেন, ডত ার, বি, ক্রেল সাহেব কলিকাভার

ন্ধি কট্টম কালেন্টর হইবেন। বি: বি, কর্ফেন সাহেবের অস্পস্থান আর, এচ, পসি সাহেব হুগলির প্রতি ব্যক্তিটেও কালেন্টর হইবেন।

ার, এফ, রাল্পিনি স'ংখ্য বা**র্গেইরের** ব্যি জাইন্টমাজিক্টেট ও ছেপু**টি কালেট**র

ণারা এ জয়স্তিয়া পর্মতের **অন্তর্গত**ি **জয়** গ্রা এ জয়স্তিয়া পর্মতের **অন্তর্গত**ি **জয়** গ্রকারী কমিগনর ১৮৬৮ অ**ন্যের ৯ আইন** রে কালেটারের ক্ষমতা পাইবেন। कारश्चन असं, अह, इंड हड़ेशारमत अक सन मिछेनिनिनाल कमिनन स्ट्रेसन

নিমালখিত ব্যক্তিরা ছারভাসার মিউনিসি পাল কমিসনর হইবেন।

अक, **(क**, फिरक्क मार्ट्स ।

এচ, ডবলিউ, কিবেন্স সি, ই,।

নিমলিখিত ব্যক্তিরা জীহটের দাতব্য চিকিৎ সালয় চালইবার সভার সভ্য হইবেন।

এফ, ভবলিউ, বি, পিটসন সাহেব।
কো, সি, বিসি

এচ, এল, জোদা
মৌলবী আৰু মহম্মদ আবছল কাদের।

আহামদ বজন মজ্মদার বাবুবিজয়মাধ্য মুখোপাধ্যায়

শরপ5শ্র দাস

এগ. জে, কিলবি সাহেব ময়মনসিংহের সহ কারী পুলিষ স্থপরিদেউত্তেও ছইবেন।

ডাক্টর এট, অনষ্টোন মেডিকাল কালেজের চিকিৎসালয়ের প্রতিনিধি হাউস সার্জন হই বেন।

১৪ই জুলাই। দারজিলিঙের অভিরিক্ত সহকারী কমিদনর ডবলিউ, সি. মলার সাহেব ১৮৬৮ অব্দের ৯ জাইন অনুসারে কালেইরের ক্ষমতা পাইবেন।

निम्नलिखिक नहकाती পুলিব সুপরিন্টেক্তে है বদলি হইবেন।

জে, এচ, জনষ্টোন সাহেব মেদনীপুর হইতে ২৪ পরগণতে।

ভথলিউ, কাৰেল সাহেব পূৰ্ণীয়া হইতে মেদনীপুরে।

कार्यः, छेड्निकिन मार्ट्य श्रामी श्हेर्छ कांगनपुरः।

রেবরেও এ, ডবলিউ, আরু কুইনলান হাবড়ার প্রতিনিধি চাপলেন হইবেন।

এচ, এ, সি. বাউটন সাহেব শিবসাগরের প্রতিনিধি সহকারী পুলিষ স্থপরিন্টেতেন্ট হই বেন।

শিব সাগরের সহকারী পুলিষ স্থপরিটে গুলেই এ, সি, বুষ্ট সাহেব নওগাঁতে বদলী হইয়া তক্তের প্রতিনিধি পুলিষ স্থপরিটেউগুলি হইবেন।

আমাদিগের কালনাস্থ সংবাদ হাত। লিথিয়াছেন।

এখানকার অনেক লোক কৃষিকার্যের উপর
নির্ভর করিয়া জীবন্যাপন করে। বাহাদিনের
এরপ জীবিকা, ভাহারা প্রাণপণে আপন আপন
মাঠাল জমিগুলির উন্নভিপক্ষে যার করিয়া
থাকে। যে রাজকর্মচারীর জনধানভাদোষে
গৈইসকল জমির হানি হয়, রাজপুরুষগণের
উচিত যে তৎক্ষণাৎ ভাহার প্রভিকার করেন।
এরপ লিখিবার ভাৎপর্য্য এই যে, কালনা হইতে
পাপ্ত রাপর্যান্ত যে রাজ্ঞানী গিয়াছে, ভাহার

यथारयोगा चारन गारका (त्रजू) न। थ অনেক মাঠাল জমির অনিষ্ট হইভেছে। এ কার উভর সীমায় যেবকল মাঠাল অমি ব क्रात्यक्ष विश्व कार्याक स्ट्रेस क्ष्रिक हेन्द्र वाँकी नामक शुक्रतिनी स्टेटल कन नरेमा क मण कृष्टिकांका निकार रहेण। अकरन পুঞ্জনীর পশ্চিম দ্বিক দিয়া রাস্ত। প্রস্তুত হ এবং ভথার সাইকা না থাকার কৃষক विद्निय कि कि हें दें छ है। महा वर्षे स अ श অনেক দিন নিশ্মিত ধ্ইয়াছে, ডা এত দিন ঐ অমিসকলের কোন অনিষ্ঠ হয় এখনই কেন হয় কেহ একথা জিল্ডা সিলে এ বলিতে পারি যে পুর্বে এ রাস্তাচী কেবল মূ बारा निर्मिष्ठ इहेशाहिल कल जानिवात जान रहेटल এक स्थाप्त काष्ट्रिश कल लहेता সমাধা করিন্ত। পরে কাবার ঐ স্থ'নটী রূপ বাঁধাইয়া দিত। একং বে সে রাস্তাটী গ করিয়া প্রস্তুত কর। হইরাছে। আর কংহার हेशांख रुख्यक्ष करतः क्रुड..१९ अथ:न (বাদীর পশ্চিমে) একটা সাংকো করিয়া দে নিভান্ত অংবশ,ক। অংমর। এইমানের 🗟 ক**মিসনর সাহেব মহোদয়াক অহু**রোধ করি : অনুপ্রহ করিয়া বর্জমানের একজিকিউটীব নিয়ার সাহেবকৈ এজন্য অনুমতি করেন : ই राष्ट्र कांक नायाना , किन्त कांत्रक श्रवात वि উপকার হইবে।

এখানকার অতি নিকট সর্কমঞ্জান
হানে একটা আশ্চর্য্য ঝড় হইয়া গিয়া
একনা বেলা ওটার সময় সহসা পূর্মনিক হা
বাডাগটা আগমন করে। যে যে স্থান
লিয়াছে, তথায় যেন প্রকৃত একটা রাজা প্র
ইয়া গিয়াছে। আশ্চর্য্যে বিষয় এই যে গ্রা
উত্তর সীমায় প্রবল ঝড় বহিয়াছিল কিছে দা
দিগের বৃশ্লাশাখাও আন্দোলিত হয় নাই। ব
বেগের কথা অধিক কি কহিব, তথায়
বারইয়ারি পূজা হইয়াছিল, বায়ৢর প্রবলমে
প্রতিমার মন্তক উড়াইয়া প্রায় ৫০ হস্ত
ফেলিয়া দেয়। পাওাগণ ভয়ে অস্থির। প্রতি
হলেন কালী, হইলেন ভিয়মন্তা, ভায়তে প
গণ ভীত হইতেই পারেন। আশ্চর্য্য ঝড় বটে
ভ্রমণ্ড ভ্রম মুসেক বারু যালবন্দ্র চন্ত্রন

আবার এখানে লাইদেজ টাকের হলাম

কভদিনে এউপদ্ৰৰ নিধারণ হইৰে ভাষা যায় না।

-20:-

আমাদিপের কোরহাটিছ সংবাদ-গলিখিয়ালেন

গলিখিয়াছেন।

া-আমরা বিক্রমপুরপুলিবের ছ:সহ অস্ত্যা ও নানাবিষয়িণী ছুনীভি প্রদর্শন করিয়া নিয়ত চীংকার ও অঞাবিসর্জন করিয়া তেছিং কিন্তুছ্ছাল্যবশতঃ উত্তজ পুলিষ ওে প্রকৃতিক হইতেছে না। কন্মচারী মহা াণ কার্যভেৎপর হইবেন কি, ছর্ত হাত রোগই ইহাদিগের সর্বনাশ সাধ্য করিছে াছে। ইহারাউজ মহারোগের প্রভীকার রে প্রজাদিগের মঙ্গল ও দেশের জীহৃদ্ ার চেষ্টা পান মা, এডুয়ত সময়ে ভ হাদিগের প্রতি নিরর্থক দৌরাত্ম্য করিয়া দিগকে যার পর নাই ব্যথিত ও পরিতা कतिराज्यक्षत्र । भवन्याने कि अहे समा পুলিবের খকি করিয়াছেন? এই রূপেই শের শান্তি স্থাপিড ও সংরক্ষিত এবং তসমূহ সংশোধিত হইবে? ইহাই কি র প্রকৃষ্ট উপায় ? যদি ভাষাই হয়, ভবে দের কুক্তন পুলিবের সাথ মিটিয়াছে। আর াযেননিরর্ণক ক্রেকন করিয়া আবঞ্চলনে

ান না≢ই। आत्र ६३ भाग व्य शिक इट्टेंड इलिल, हाका নিবাদের (লিউনেটক এবাইলাম) ডাপুৰে বাসুংমিপ্ৰসাদ সেন মহাশয় কৰ্ম নান করিয়'ছেন : অনেকে বলেন, ভিনি জাপরিবংগে কবিয়াবড় লাভবান হইডে নুনাই এবং অনুধ্য ডিনি উহাড়গুণ চেন: আমরাযাত দ্ব জানি, ভাষাতে ১ পারি, যাঁগর: ওরণ বলেন, ভাঁগদের স্ত জন । ভি:ন উন্নতুদিশের ধরোটিউ সা সম্পাদন করিয়া বাঞ্জির রোগীদি আবশ কমত চিকিৎসা করিছেন। এই এত দিন চলিয়া আসিতেছিল।সহস্তি ধর চিকিংসাকৰা নিষিদ্ধ হয়। কিন্তু রাষ বাবু এরাণ অ'লেখে পরিভুষ্ট চইবার ননাভিনি বজুবাদ বদিলের চিকিৎসার ধীয়া পদ পরিভবাগ করিলেন। ইহাজে পুর্বাপেক, লাভও জল্ল হয়না, অপচ নভারণ পৃথলোন্ড হইলেন। পদ রামপ্রদাদ ব'বুর পক্ষে জ্মঞ্লকর ও সনক হয় নাই।

७। जामहा जिज्ञा मर्डायग्रकाद्व श्रकान করিডেছি, বিক্রমপুরের ভুতপূর্ন্ন ডেপুটী ইনস্পে ইঃবাৰু বৈকুঠনাথ সেন মহাশয় ফ∛রনপুটুরয় এনেসর ভেপুটি তালেইরী পদে স্থায়িরপে नियुक्त रहेश ख्याष्ट्र क्षेत्रन कविद्वादक्त । कछ वर्ष কর্ত্তব্য কর্মে অনম পারদর্শিত। প্রদর্শন করিয়া हिन विशिष्ट देवकुर्व वांतू अत्मन्ति शाम कांग्री হইলেন। বিক্রমপুরের ডেপুটা ভজাবধায়কের भरम इर्यात्रा यातू अभृत्याल अक्ष भरहामग्रह सियुक्त बहिर्लिन। प्रमृष्ठ वांबू अक साम कर्खवः পরায়ণ লোক ভাছার সন্দেহ মাই। ইনি পরি নৰ্শন কাৰ্যো বিলক্ষণ নিপুণ : এই বিভাগে ইহাঁর श्वाञ्चित्व व्याप्तरक श्रीक रहेग्रार्ह्म । व्यामना ভর্সা করি, অমৃত বাবুর বারা বিক্রমপুরক্ত विन्यालयुक्त कालकानम् एथ्य नम्पिक छैज्ञक হইবে ৷

-:0:-

আমাদিনের মজঃফরপুরের সংবাদ-দাতা লিখিয়াছেন।

মজঃকরপুরে এপর্যন্ত কিছুমাত্র রুটি হয় নাই , উত্তরোত্তর এস্থান অভিশয় ভয়ানক হইয়া डेटिएउए । का कि कालि सम्मण बीच ও होएसर প্রচণ্ড উত্তাপ, ভাষা বর্ণনা করা যায় না। अक्रम बीचा (कह कथन प्राप्त नाहे। शाम ३१ द० দ্ব গড়হ্ইল, এক বার এই রূপ এীমাও অনা-वृक्ति रहेब्राइन, जाहारण जरकारन सवानि যাহার পর নাই, মহায়ঃছেওয়াতে প্রায় ছড়িক উপস্থিত হয়। এবারেরও ঠিক সেই রূপ অবস্থ (मधिया श्रमतोत्र प्रक्रिकत जानका स्टेरकर)। बर्खामश्रम व्यवसाथि किङ्गाज स्वय पृष्टे रह না ; কুডরাং শীন্তা যে বারিবর্গণ ইইবে, ভাহার আশা নাই। ব্যক্তকালে বেরূপ পাশ্চান্ত্য বায়ু हर् अक्टब अविकंत (प्रदेशन यात्र वहिरक्टहा ভলাউঠা 🛊 ভাষার সলে সঙ্গে বসন্ত রোগেরও অভ্যন্ত প্ৰাহ্জাৰ হুইবাছে।

প্রবারে এখানকার সেলিয়নে ১০ টি মকদ্দনা প্রামের চৌকিদারের বেতনে আর উজ্জ উপস্থিত হইয়াছে। জাল কান্ডের মকদ্দা। জালায়কারীর বেতনপ্রভৃতিতে ২০ টাকা নিক্পান্তি হইয়া গিয়াছে। উজ্জ দিগারর সাহার হয়। উত্তব্ ৮ টাকা গবর্গমেন্টের নিকট ম্পুনি পরিপ্রথমের সহিত্ত ৫ পাঁচ বংসর। থাকে। আট বর্ষ গত হইল কুপ্রিপাড়া মেয়াল ও ৫০০ টাকা অথদও হইয়াছে। চৌকিদারি কর স্থাপিত হইয়াছে। কিছু জায়িদেরও ৩ তিন বংসর মেয়াল হইয়াছে। পের বিষয় এই, এপঠান্ত রাজা ঘাটপ্রমুখ্য অবরাহতি পাইয়াছে। আরও ছইটা কেনি উল্লেক্ত কর্মান লিক্সান্তি হইয়া গিয়াছে। পথগুলি পূর্মেমত জল ও কর্মমে পরিপ্রিভ কিছু একটাতে বিচারপতির কিছু অন্যার্ম লক্ষ্মিত করল একটা মাত্র পথের কিয়্মদংশ সহ হইল।

এথানকার সূত্র সব রেজিষ্টার সৈরদ কুলি খা কার্য,ভার গ্রহণ করিয়াছেন।

প্রেরিত

মান্যবর শ্রীযুক্ত দোমপ্রকাশসম্প মহাশয় সমীপের।

মহাশয় : গবৰ্ষেন্ট পলী এ:মে চৌক টাক্লের নিয়ম প্রচলিত করাতে প্রথমে অং আশা করিয়াছিলেন ভব্দারা দেশের গ मज्ञ माधिक इहेरव । किन्दु अकर्त हेर्न्त्र দৃষ্টি করিয়া সে আশা দুরে থাকুক, প্রভুতে। घाडेनाहे (मधा घाडेटलड्डा) (य त्य तारम টাক্ল প্রচলিত আছে, সেই সেই স্থানে (দির নিহুতি না হইয়া বর্থ প্রাছুর্ভাব দৃষ্ট हैशंत्र विरम्भ कार्यन अहे, शूर्ट्स होकीन ভাষাদের সীমার মধ্যে প্রভিগৃহত্ত্বে বি মাসিক কিছু কিছু (পরিমাণে অধিক বেতন পাইত এবং সেই অনুরোদেই বাজিতে ভ'হারা গৃহস্থের বাটীর তত্ত্ব লইত এক্তে উক্ত টাক্সংগৃহীত টাকাধারা মেন্ট হইন্ডে উহারা বেডন পাইয়া গাকে 🔉 ভাহারা আর গৃহত্বের অসুরোধ রাবে না, পু ন্যায় পাহারাও দেয় না। এরপে অবস্থায় শ্মকারী লোকেরা বিলক্ষণ প্রস্তায় পাইতে অপর আমরা শুনিয়াছিলাম যে, চৌকীদারি হইতে চৌকীদারের বেতনের ব্যয় নির্মাহ **य ठाका छेष्छ इहेरव.** सिट्टे ठाका ও शवर শাহাককারা একমের রাস্তা ঘাটপ্রস্থাতির উ সাধন করা হইবে ৷ কিন্তু তাহার কিছুই यात्र मा. त्करम कत्रसात्र रहने (लाटकत **क्ट्रिश्टरं। महामत ! मृष्टीखन्द्रल छश्रलि (इ** অন্ত:পাতি গুপ্তিপাড়াকে এইণ করা গুলিপাড়া একটা জনসমাকীৰ্ণ ও বিস্তীৰ্ণ ৫ ध्ये बारम मानिक ৮० छोका होकिमाब्रि সংবাহ হইয়া থাকে। ভন্মধ্যে ৪৯ টাকা आरमत होकिनारतत (वजरन आत उंक আলায়কারীর বেডনপ্রভৃতিতে ২০ টাকা स्य । केष_र छ ৮ है।का भवर्ग्स्म हेत निक्र स চৌকদারি কর স্থাপিত হইয়াছে ; কিছু ৰু পের বিষয় এই, এপঠ্যস্ত রাস্তা ঘাটপ্রা কোন উন্নতিলকণ লক্ষিত হইল না। এ পথগুলি পূর্ক্ষত জল ও কর্ছমে পরিপুরিড কেবল একটা মাত্র পথের কিয়দংশ সং হইয়াছে : কিন্তু ভাষাতে গবৰ্ণদেন্টের বে **ংই**য়াছে, ভাহার অভেক টাকাতে ঐ পথ ত হইতে পারে। আরেও ছঃখের বিষয় উক্ত होक्न ज्यामाञ्चलात्रीमिरशत क्षीत्रारणा নায় ব্যবহারে আমস্থ সকলেই বিরক্ত হইয়া

গুপ্তিপাড়ানিবাসী এক জন প্রজা

--:-:--

পাদক মহাশর ! আপেনার সোৰপ্রকাশ পত্র অবগত হইলাম, আমাদের দয়াশীল ।। ः वर्षः मन्ते मा कि जीन जीगुक्त स्वर्णमन्ते র মত্রীদয়কে বর্তমান ব**ালাল পুলি**ব ধাবন করিতে অনুমতি গুদান করিয়াছেন। অমিটের সরি সাধারতের মঙ্গতেনক দ সংক্ষেহ নাই। কিন্তু অংমবা ভীত হই-ধে, কর্তৃপক্ষীরেরা পাচে এই সংশোধন নীটী. কেবল যাহারা উচ্চ উচ্চ আনেনে াষ্ট **হ**ইয়া ও লখা চৌড়া বিশোট লিখিয়াই ধাপন করিয়া থাকেন. অর্থাৎ সেক্তে বিভাগীয় কমিসনর, হন্দ মুন্দ মাজিক্টেট দের নিকট হইতে মত লইয়াই মীমাংসা । কেলেন। আমরা নিশ্চয় বলিতে পারি इट्टन এই সংশোধনপ্রণালী কথনই াষ হইবার সন্তাসনা নাই। কারণ, অভুকে **इहेट अधिक निरम्द्र (काम कुल्स প**দার্থের দৃক্ষিপাত করিলে ভাষা কথনই সুস্পষ্ট ও পরিচিত হয় না। গ্রথমেন্টের যত প্রকার धाणः व्यारह्म, खन्नर्थः भूमिर्यत्र महात्र निम्न হার ন:ই । এইসকল কর্মচারীর ভারাই াণের শান্তিরকা ধ্ইয়া থাকে। ইহাদের গ্ৰু প্ৰশ্বস্তু কেখা যায়। অপ্ত ইইাদের ইন র জেনেরল অবধিঃসকলের ভুল্য ক্ষমন্তা: पद्रकथा (कंश्≷े ठांश करवन ना। यनिह ল পুলিস এখনও একেববে দোষশূন; াই, তথাপি মুক্ত কঠে **স্বী**দার করা চপাৰে, বে এক্ষণে এই জোণীতে অনেক

গীয় ইনসক্টের গণ অবধি ক্রমণঃ উপরি পদস্ক भाष्टित्रकितित्रत निक्षे स्ट्रेट मण्डास्य केत्र হয়, ভাছা হইলে যথার্থ দোষ গুণের মীমাংস। সহজেই সম্পাদিত হইবে। আমিবেকেবল ইণ্দিগের মত লইয়াই গ্রথমেন্টকে কর্ম করিতে অনুরোধ করিভেছি ভাষা নহে, বর্ত্তমান পুলিব নান্তিরকা সংক্রান্ত কোনকোন বিষয়ে কাঠিনা ও প্রতিবন্ধ অসুভব করিয়াছেন স্থার ঐসকল বাধা রহিত করিয়া ভাছাদিগকে সাধীনতা দিলেই বাকত দূর দোষ গুণ ঘটিবার সভাবনা আচে এই সমস্ত বিষয়ের অসুসক্ষান করিয়া কর্মা করিলে আরে কোন লোষ হইতে পারিবে না। ৰাহা হটক, আন্দ্ৰেই শৰ্মতে বলিয়াই নির্ভ হইলাম: আংশনার ও আপনার পাঠক**ব**র্গের মত জানিতে পারিলে, এ বিষয়ে লেখনী भারণে সাহসী হইব: অলম্ভি বিস্লারেণ।

) ক্স্যচিৎ পিনুধা*ছা*পুর ১৮৬৮৯ জুলাই । শুভাকাভিকণ:।

মহাশ্রঃ গত ২৭ জৈংতের সোমপ্রকাশের विविधनश्वाममध्य अक श्वारन আপনি লিখিয়াছেন যে ''কলিকাভার উপন-গরের লোকদিগকে বারুইপুরের মুদেকের निकट के सकादमा कड़िएक व्यामिएक क्य, व्यथह আলীপুরে ছই জন মুদেক আছেন । আনি এই বিষয় পাঠ করিবামাত্রে বিক্ষয়াপর হইলাম এবং মনে মনে ভাবিলাম, গ্রথমেটের এ কি প্রকার বন্দোবস্ত ? কোথার বারুইপুর আর কোথায় উপনগর? জালীপুরের মুক্রেয়ের সহিত উপনগরবাসিগণের কি কোন বিবাদ আছে যে ওঞ্জন্য ভাহাদিগকে আলীপুর ডিলাইয়া वाक्ट्रेश्रुद्ध साइराज प्यारम्भ ब्ह्रेग्नारक ? शवर्गरम-্টর যে কর্মচারী বারুইপুরস্থ মুক্সেফের উলি-খিতরূপ অধিকার স্থির করিয়া দিয়াছেন. ভাঁহার কি সামান্য বুদ্ধিও নাই ? এইরূপ নানা পক্ষ, উপযুক্ত, ভদ্র লোক প্রবেশক রিয়াছেন | চিস্তা করিবার পর, এক দিবস কলিকাডার উপ-। খে ইছাদের কথা শুনিলে, বোধ করি, নগরের পূর্সাংশের করেক ব্যক্তিকে, জিল্লাসা অপকার হয় নঃ, বরং অনেকাংশে উপ 🖟 করিলাম, তাঁহারা দেওয়ানি মকদন্যা, করিবার হট্বার সম্ভাবনা কোন ভূ.মর উর্লিওড়া সময় কোন আলালতে গমন করিয়া থাকেন ? ह क्षानिवाव श्रासन इट्टन, के सूत्रित । डीइन्ता विन्तिन, वाक्टेशूरतत पूरमधी कामा কর নিষ্ট জিজ্ঞাস। করিলেই ভূমির ধথার্থ লভে। সৌমপ্রকাশের সংবাদটী যে অয়থার্থ নহে, ্য সংক্ষেত্র উত্তমরূপে অবগত হওয়া ভাষার ভংকণাৎ প্রমাণ পাইয়া আনি অভঃপর ভ পাৰে। এক জন ভূষিদৰাবিশায়দ পণ্ডিড ¦ কোন্ আদেশা**সুসারে উলিখি**ড জঘন্য বন্দো ক্ষনই দেইরপ সহজে ও নিঃসংশ্য়িত বস্তারহিয়াছে, ভাহার অস্পকানে প্রহত ই অবগত চইবার সভাবনা নাই। ভজপ লাস, কিন্তু অবশেবে জনিতে পারিলায় এ এই বালাল পুলিস সংশোধনপকে, বিভা ভাষনা বন্দোবভের কোন ক্লাদেশ নাই। গ্ৰণ

श्मरानेत " व फेर अति कमिनयत " हर १ मारलव २२ **अ कार्डावर**वव '' **माउँकिर**कम ছুরা (১৮৬০ সালের ১১ই নবেররের काफा (गरकर्षेत्र ७०१० शृंधी (मर्थ) नर्वे বিভাগের অন্তঃপাতী নদীয়া, যশোহ ২৪ পরগণা এই তিন ঞেলার মুকেফ,দ অধিকারদীমা যেরূপ মিণীত করিয়া ছেন, তদ্মারা কলিকাতার উপনগরকে ব পুরুত্ব মুক্তের ক্রাক্র করা হয় নাই। **भाग्निक्त्रक्यान निधिष्ठ खाइह (व, ''का** রস্থ মুজেনের অধিকার আলীপুর উপবিভাগ আলীপুর ও অন্যান্য উপবিভাগের সীমা ১৮৬৩ সালের ২ রামের কলিক;ভা গেরে প্রকাশিত হইয়াছে। ভাহা পাঠ করিয়া দের श्रमान स्ट्रेर्ट, कलिकाफांद्र खेलनगत आले ডিল জন্য কোন উপবিভাগের অন্তর্গত ন এড স্বারা প্রকাশ পাইডেছে, উক্ত উপ আলীপুরের মুকোফের অধিকারের মধে৷ আ বিস্ত কি জন্য ৰাক্ষ্পুৱের মুগেল্ ঐ উপনং मकत्मन। प्रकल धाइन छ विष्ठात करत्रन, दुर्वि পারিনা। কি গোল্যোগ!!! এক প্র বিজ্ঞাপন (নোটিনিকেশন) অন্য প্রকার ক সম্প্রতি অবগত হইলান, বারাসভের মু

মহাশয় দমদমার মকক্ষাসকল এছণ ক অসমত ছইয়াছেন এবং ওপাকার লো গকে বারুইপুরস্থ মুন্দেকের নিকট যাইছে वार्ष्ट्न : এक विक्रा समन्यात व्यानक क्षेत्र (মহামতি লেপ্টন্ট গ্ৰণ্ড বাহাছয়ের সং এक भीष विषयिषम कविष्योद्दस्य । भूविश्वकः **পুরে মকক্ষা করিতে যাইতে হইলে দমদ্মা** দিগকে কি কি অসুবিধা ও ফ্লেশ সহা ক इष्ट, खोड़ा दे।हाता जे कार्यप्रत क्रुक्तत्रज्ञात्भ कत्रिशास्त्रमः। फेक्क ১१७७ मारमय २२ ७ ४ বহের '' নোটিফিকেশন" (বিজ্ঞাপন) দমদশকে বারাসভের মুক্সেকের অধি व्यक्तिक अवर्गमाने कारमन कविशाहिन। ভত্তভোমুকেক্ভাছাকারণ নাকরিয়াকি प्रममात लाकमिश्रक वाक्रईश्रुत्र विচात ঘাইতে বলিয়াছেন, ভাষা বুঝিতে পারা मा। अत्रमा कदि भवन्तमाहे आत्वलमकः शी विषयः क्रुविष्ठांत कविरवनः

সম্পাদক মহাশন্ধ! গ্রমেক্টের '' বাউচ কমিসমর ৯ উক্ত '' নোটিফিকেশন ^চ নদীয়া বিভাগাত্তগত মুঙ্গেকদিগের অ সীযা যেরূপ নিরূপিত করিয়া দিয়াছেন, অবিত উত্তম হইয়াছে ; কিন্তু কি কা স্থানীর কর্মচারিগণের অনবধানতা প্রযুক্ত

কোষ্য না হওয়াতে প্রজাগণ হুণা কট করিতেভেও জ্রুলক গ্রণ্মেটের উপর व कारखःच क्रसिर्फरंइ। ঊপদংহার বস্তুকরা (ঘ, কোলা ২৪ প্রগণার কাল সাংহ্র যেন এক '' সার্কিউগার » খারা তে নোটিফিকেসনের মর্মান্তু সারে উাহার क् मूरकाण मिश्रक की हो मिरशब याचा व्यक्ति মা ভালরপে বুঝাইয়া দেন এবং সর-জেনেরেল আকিসস্থিত " বাউত্তেরি নর শ মহোদয়ের নিকট হইতে প্রভোক কুর নক্ষা আনাইয়া ভাষা অধীনস্থ ণী আলালভ সমূহে রাখিতে আংদেশ ः बङ्गा, मकन्त्रमा कतियात ममन्न मुरलकी ার সীমার গোলবোগনিবন্ধন সর্কসাধা হাঁহার উপরেই সাতিশয় **অসক্তোষ**প্রকাশ वन, मुग्नह नाहे

কাভার উপনগর) 1 छा.यन ऽ२न∉

নিচমু।

গামরা হিস্তুপেট্রিটে নদীয়ার মাজিকেট সাহেবের ব্যবহারের বিষয় পাঠ করিয়া য়াপর চইল:ম। এক দিবন কুঞ্চনগর কালে কতগুলি ছাত্র ময়দানে ক্রীড়া করিতেছি । ক্রীড়া বন্ধ হইয়াছে এমত সময়ে ভক্তা রাপীয় কোলদারোগা ভরণসফোডের স্ত্রী দিগকে পুনর্কার জীজা করিতে বলেন। গুঃ ডঃহংকে অংসক্ষত হন এবং এক मन्तक ' व्यामता कितिकितिरात्र कथा स्थिन বলিয়াছিলেন। সাহেব এ কথা বিবির শুনিয়া কেনেডিনামক আর এক জনতে । ছাত্রদিগকে প্রহার করেন। বারিষ্টর মনো ন ঘোষের জাতা সর্কাপেক। অধিক মার য়াছিলেন। এ বিষয়ে নালীশ হওয়াতে ক্ষেট বেল সাহেব ডেপুটি মাজিটেটকে

বদন লইতে নিষেধ করেন। ভরণসক্ষোড ভ বেল সাহেবের নিকটে গিয়া ব**ন্দোবস্ত** ল্লা আইদেন। বাবু মনোমোহন ঘোষ ও ষ্ট্র গ্রিগরি অর্থীর পক্ষে উপস্থিত হওয়াতে ুটি মাজি ক্টেট বলিলেন, '' আমি বিপাকে ল্লোছি। যখন আমার প্রধান নালীশ লইতে াধ করিয়াছেন, তখন আংনি কি করি। " কে পীড়াণীড়ির পর বেল সাহেব নালীশ । প্রত্যবিগণ কতক অংশে আপনাদিগের ৰ স্বীকার করেন। বিচারের সময়ে মাজি*-*

ট অনেক কথা লিখিতে অসমত চইয়াছি-

ন। তিনি সময়ে সময়ে বারিষ্ট্রদিগকে বিশে-

विकः बर्तारबाह्नरक व्यवसाय कित्राहित्यम । প্রত্যবিধ সাক্ষিণা বিখ্যা কথা কহিয়াছিল, ম্বো করাতে সকলেই পুর্বাপর বিপরী ভক্ষ। वरमः ज्यानि माजिएके जारामितात कराकि वनी लिचिएक मण ह समाहे। पहित्यर वादि-ষ্টরদিমের পীড়াপীজিতে স্বীকার কবেন, এই नाक्तिशद्भव कथा विश्वानत्वागः स्ट्रा अभवाधीः मिर्गत मिय मध्यान इख्याटक ভরनम्कारकार ১ • • केंका ७ क्टनिफित २ • केंका खित्रमांना হইয়াছে। এ মকল্মায় আরু একটা চমংকার এই (य, कृष्णमणादात अक साम क्रिकील क्रवा (माकुन्द প্রভ্যাধীদিগের পক্ষসমর্থনে উৎস্থক হন নাই। ডরণস ফোড অতঃপর অধী ও বাবু মনো মোহন ঘোষের নিকটে কমাপ্রার্থনা করিয়া-ছিলেন। মকলমায় যাহা হউক, বেল সাহেবের वावहात्रमर्भन कतिया ज्यामानिरशत त्वास हहे-তেছে, তিনি মাজিটেটের পদের যোগ্য লোক মহেন। ডেপুটি মাজিকেটের জানা উচিত ছিল, বিচারসমূকে তিনি পৃথিবীর কাহারও আজ্ঞা-প্রসারে কাজ করিতে বাধিত ছিলেন না : এট ছই ব্যক্তির চরিত্রের অনুসন্ধান করিয়া উচিত দণ্ড দেওয়াকছব্য।

জীবিঃ---

১। পূর্বের আপনাকে জানাইয়াছিলাম খে. হিদ্মহপ্তেলের স্থানিকেতিও ট শ্রীযুক্ত ভারকা নাথ ভট্টাকার্য্য এম এ, বি এল, ও শ্রীযুক্ত রাস বিহারী যোষ এম এ, বি এল, প্রভৃতি কয়েক क्षन (बाफारत्रत्र बरफ व्रिक्ट व्टिंग्टर्न '' व्टिंग ডिবেটিংক্লাব[»] নামে একটা ইংরেক্সী সভা স্থাপিড হ্ইরাছে। অব্রতঃ ক্রিখ্যাত বক্তা জীযুক্ত কেশবচন্ত্ৰ সেন মহালয় সভাপতিপদে রুভ হই রাছেন। প্রথম প্রথম সভার আড়মর দেখিয়া ভাবিল্লাছিলাম বে, ইश खान्नी श्रेमा स्टिलक বছলপরিমানে উপকারসাধন होज भर बज कतिर्व। किञ्जं गङात करत्रक व्यविद्यमम्भरत्रहे का भारत्व (त्र कानः प्रविद्यतः मरनात्रकात नाप्त मरन উদিত इहेशा मरनहे विनीन इहेशा (शल। সুপরিটেও ট ভারকানাথ বাবুর অবস্থান कारलहे श्राम अक मान यम्राक्रामत नमम जे नका চীর মৃত্যু হয়। ছারকানাথ বাবু রাদবিধারী বাবু প্রভূতি একণে স্থানাস্তরিত হইয়াছেন। একণে আময়া বর্তমান সুপরিদেটপ্রেণ্ট জ্রীযুক্ত গোপাল চন্দ্র মন্ত্রমদার মহাশয় ও বোডারদিগকে অনু-রোধ করিতেছি যে, ভাঁহার সচেট হইয়া সূভা

निद् अन्तरक्वीविष करून। स्टिश राज्रभ श्रान

ভাহ'তে একটা সভাত্ত পন করিয়া রচনা ও ব ভাদি শক্তির উৎকর্ষস্থান করা ছাত্রগ প্রক্রে অভিশয় আবশ্যক। কিন্তু পূর্ণের ন ইবন ক্ষরতে ভিডা একাল না পায়। আমর। পূর্বোগে আর একটা প্রস্তাব করিডেছি। এ বিশেষ সভা করিয়া ভাষাতে দেশীয় ভা আলোচনাকরা আবেশ,ক। বিজ্ঞাতীয় ভাগ পেকাদেশীয় ভাষায় রচনাও বজুভাদি স শুণে মধোপকারক হইবে । একণে আনে हेश्द्रकी श्रिय हरेया मिनीय जावाव श्रुक्त आक व्देशारहन । शुक्रवार आधारमत करे था विन सं व्यास्त्रकारमान्यांत्री इट्टा, अञ्चल (হইভেছে না। যাহা হউক আমরা স্থপরি থেক মহাশয়ের প্রতি নির্ভন্ন করিয়া রহিব ভরুবা করি জিনি ইহা কার্য্যে পরিণত করিয়ে ২। অনেক দিন অবধি শুনিতেছি

জীযুক্ত বাবু পরারীচরণ সরকার মধোদল্লের ব

বাছদারে হটেলে একটা পুস্তকালয় স্থা

रहेरव । हाजगरनव भारताभरयाभी वि

পুত্তক ও সাময়িক পত্রিকা ভাহাতে থাকি

এই প্রস্তাবদী যে মহোপকারক ভাষা লেই একবাক্যে স্বীকার করিবেন চ কিন্তু ছঃ व्हेंग्रो क्षकःम कदिएउदि स, हवा उ পর্যাপ্ত কার্যে পরিণত হয় নাই: উক্ত কেরীর ব্যয় নির্দাহার্থ চীদ। করু। হুইয়ায়ি অনেকে চালাব বহিতে স্বাক্ষর করিয়াছেন য किञ्च कर्यक ब्रामेश को करताई छ। य মুদ্রা প্রদান করেন নাই। আমরা নির্কালারি महकारत डाँशिकिंगरक व्यक्तताथ कतिएकहि ভাঁহারা দীয়া দীয়া অসীকৃত টাকাগুলি এ করুন। প্যারী বাবু ও গোপালবাবুও উদ না হইয়া সমীহিত কার্যাসাধনে তংপর হ এরপ বিষয়ে কাল বিলম্ব করা বিধেয় নয় রাজ রাবণক্থিত রাজনীতিটা উচ্চা স্মারণ করাক ইবং। ৩। পুর্মাপেক। হটেলে থাকিবার ব্য

इहेम्राह्य इस साल शिव्या (श्राभाशकुष्टिः ব্যক্তীত প্ৰথম খেলিংকে ১২ টাকা টি জ্বেনীতে ১১ টাকা ও তৃতীয় শ্লেণীর ১০ इहेब्राइ । शूटर्स आदिश्विक की मिएक इहेर কিন্তু এক্ষণে ১০ টাকা করিয়া প্রাবেশিক হইবে। ছাত্রবৃতিবিহীন মধ্বিধ ছাত্র भटक हेग फाउरक कष्टेकत विगटक रहेदव । লের বায়বান্ত্রাই এরপে ছইবার কারণ ব নিৰ্দেশিত হয়। একৰে বাড়ী ভাগ ১৬০ টাকা ব্যব্রিভ হইয়া থাকে ৷ ইহার चार्याप्रतात वक्तवा अहे, भवन्त्मराहेत ত হপ্টেল স্থাপন করা উচিত। তাহা হইলে

অধিক পরিমাণে ব্যয় হইবে না। ফলে
বি ছাত্রগণের হাইলে প্রাকৃতি দুক্ত হৈছে।
তাবেলিক কী একবারে উঠিইর।
কর্ত্রবা বদি বিশেষ কারণ বশতঃ
হয় অভাতঃ ৫ টাকা করা উচিত।
২০১ল } জীয়:—

৪ এ ট**ল্ডে প্র**ক্তার কার্মি ও রা **কা্**মাড়

ঃ দিবাবাতির আনবিআহাতঃ কৃতি হইয়া মাঠ ও পুক্রিনীপ্রভৃতি সকলই প্লাবিড হই-ল, কিছু৪ঠা আন্বাচ বজাপাভাররপ দর আবে স্বালীর ছই জেশে উভাব কেলে ৷ কালকী নদীর দক্ষণ খাঁদের স্থানে হানা পড়িয়া একলপ প্রবল জলরাশি হত হইয়াছে যে, তথারা অমরশী, রঞ্জ-इक्रायूर्वा, सनायूर्वा, व्हिः शामेश्वर्त्व, श्रष्टा া, পাটাসপুর, প্রস্কৃতি ১০৷১৫ প্রগ্ৰা জ জলে ভূবিয়া রহিয়াছে। এরপে পাবন া কখন দেখি সাই। এমন কি অস্মীতিবৰ্ষ क्षांत्रीत्वतां अक्रिक्ट्रिन (व, अक्रिश दृष्टि গ আনামরাও কখন দেখি নাই।কেবল যে বাইর অভ্যানার ভাষা নহে ৷ এখানে-**ी क्षशक्ति वनित्तत्व क्षञ्जक्ति स्त्र म**ा। বলের দুর্জিনী কুষ্বব্রেখা পশ্চিম দিগ अवर कश्मावकी छेखबानेश स्टेटक श्रवन আসিয়। সগর্কে সংখ্যার সহিত মিলিত क्रमा व्यक्षिकारम शृह सम्मगर हर्देशास्त्र, ष्ट्रे व्यक्षां वर्षे प्राटक व्यक्ति व अहे करत्र क ধার মধ্যে এমত কাহার বাসস্থান নাই যে ষ্ঠিঠানে কি ভিত্তিতে হল নালাগিয়াছে। গাদিধে কন্ত মরিয়াছে ভাগার ইয়ন্তা নাই। ः मञ्चा ७ मर्थे १३ हो। शिशास्त्रः। ज्यन नरम क कहे नाहिएकद्या । नाटकत्र (मोकाकित्र ণও অঞানর হইবার যো নাই, ভাহাতে রর এমন উপদ্রব ২ইয়াছে বে, লোকে ছলে পা দিতে পারে না : চাউল ড ব্রুঘে লা হইভেছে, ভাষাক ও তৈলের দের 🕪 अवर नवर्णत (मत्। व्यामात्र विक्रीफ सरे , ভাহাও সকল স্থানে পাওয়া যায় না। ভরকারি কিছুই নাইণ সকলই নষ্ঠ গিয়াছে। দুরা যে ধানর কপেন করিয়াছিল ভাছ। ভ গারে বিনষ্ট হইয়াছে ৷ বর্তমান বৎসতে পুন

ৰ আমাৰাণ হয় ভাহারও প্রথোগ ণেখি-

না। বে ছেতুক হানাসকল ভদবত তেই

व्याष्ट्रिं। इञ्चेत्रनिष्ठदेश स्वाधियात्र (कान केशाज्ञ করিভেছেন না। এ প্রদেশ অভ্যন্ত নিমুও মুর্ন্তিমি, ভজন্য প্রায় প্রত্যেক পরগণার চতু দিনে সীমাবদীবরূপ এক একটী বাধ আনছে। अनः इंग्लिय कान व्याजितन वीरमय बादा स्वयन উপকার ভাষার ভিতবের জল বছিলত হইতে নাপারিলে তেমনই অনিষ্ঠ ঘটে। জলনির্গ মনের যেসকল স্থান আছে ভাষাতে লোণা खन छेठिएक ना भारत अधना भवन्यने स्हेएक रेहळ भारत वाम मिल्यू इया क्या कि ख वर्षाकारन खाहा अखनभीशदाता महत्य काठाहेश (नन.मा, এয়ান্য প্রায় প্রতিবংশর শ্লের অনেক ক্ষতি इस् । इकि नियुद्धता यनि न र्रामा भक्षात्वता कार्यः দেখেন, ভাষা ষ্টুলে আর এরণ ছবটনা ঘটে ना। अञ्चलक 🖣 जिंकारम कुछ र सभीनात छ ভালুকদার স্থতরাং সমরে উচিত প্রতিবিধান হয় না মহাশয়। এ দেশের বে, কি ছরবন্থা चित्राष्ट्र जाहा हरक ना प्रिथित वनिवाद या নাই। শুনিলাম কাথি ও তমোলুক বিভাগের (७ পুটी माक्किटके हे बद्ध वन्। भी क्रिके निरमद यथा-টেও সাহায্য করিভেছেন্স কিন্তু এপর্য,ত্ত আন। (मत अ मिर्ग का**इरलन ना। मशनमा अ**ङ्, इर्डिक ও रमा। अहेनकनवाता (मन उ अरक-বারে জীহীন হইল : এখন প্রস্কাগণের মরণভিত্র পতি নাই। এই इःममर्य श्रका दका कता दाखाव প্ৰধান ধৰ্ম।

মেদিনীপুরের অভঃপাতী বাল্যগোবিন্দপুর

a:--

—:-:— মুলাপ্রাপ্তি।

ঞ্জিয়ক্ত বাবু রুন্দাবনচন্দ্র মণ্ডল बोटन ब ১৮४৮ **ख्नाई हहे***ए***ड ७৯ ख्**न ১৩ » » नदीनहत्त्र नाश খেদিনী পুর ১২৭৫ আখাড় হইছে ৭৬ জৈটে ১৩ ৯ " কেশ্বচন্দ্র পালচৌধুরী রাণাঘাট ३२१६ व्यायाम इहेट ५ ५ टेब्ले हे ১৩ চকদীৰী ষ্ঠুপতি চট্টোপাধ্যায় ১২৭৫ আবেৰ হইতে ৭৬ আবাচ 7.0 মহেজনাথ রায়চৌধুবী রাজপুর ¢#• यष्ट्रलान महिक পাপুরেষাটা ४८९६ हैकाने स्ट्रेट्ड १७ देवनाच ۶. হরিশ্চপ্র কাশী ১২৭৫ আনাৰণ হইতে 72 ताककृष मूर्याभाषात्र বংশাসমীট

३२१६ प्यातात्र स्ट्रेटच व्यमहाव्य

" " नवीनहन्त्र वरमार्ग्शाश्रुव ५२१६ रेका है स्ट्रेस्ड कार्डिक

শ গোপালচক্ষ গ্লোপাধ্যায় চাপ ১২৭৫ জৈচে হইজে ৭৬ বৈশাধ

--: . :---

সোমপ্রকাশসংক্রান্ত করেকটা বিশেষ নিয়ম।

অবিষামূল্য ও ডাক্মাস্থল না পাইকে বুলে নোমপ্রকাশ প্রেরণ করা বার না।

ইংার অগ্রিম মূল্য বার্ষিক ১০ টাকা বাণ্যাসিক ৫॥০ টাকা । মজস্বলে ডাক সমেত বার্ষিক ১৩, বাণ্যাসিক ৭ এবং ই সিক ৩৬০। ডিন মাসের ফুনে অগ্রিম গ্রহণ করা যার না। ছণ্ডি, বরাডি চিঠি, অডার, নোট ও স্থান্প টিকিট, ইহার অ বাহাতে বাঁহার স্থাবিধা হয়, ডিনি সেই হারা মূল্য প্রেরণ করিবেন।

ষাঁহার। স্থান্সটিকিট পাঠাইবেন, ব ধেন এক অথবা আধ আনার অধিক। ও রসীদের টিকিট প্রেরণ না করেন।

বখন যিনি মফখল হইতে গোমপ্র মূল্য পাঠাইবেন, ভাহা যেন রেজিট্রি জীযুক্ত হারকানাথ বিদ্যাভূষণের নামে ইয়া দৈন।

ব'বিদিনের মূল্য দিবার সময় অভীত আসিবে, এক মাসপূর্ণে তারাদিগরে লিখিয়া জানান বাইবে, কাল অভীত গেলেও এক বার চিটি লেখা হইবে, তাহ একমাসকাল প্রভীকা করিয়া কাগজ বা ঘাইবে। শেব বারের পক্ত বেয়ারিং হইবে।

্রী মাতলা রেলগুয়ের সোণাপুর ষ্টেসনের ঘরে চিঠি আইলে আমরা শীত্র পাইব।

ৰীহার। মাজুল না দিরা প্রাদি প্রের বেন, ভাহাদিগের সেই প্রাদি এহ বাইবে না।

কেই সোষপ্রকাশে বিজ্ঞাপন দিজে
করিলৈ ভাঁহাকে প্রথম তিন বার প্রতিপথ আনা ভাহার পর /১০ আনা দিজেই বিনি অধিক কাল বিজ্ঞাপন দিবার ইক্ষা বেন, ভাঁহার সহিত অভন্ত বন্দোবস্ত হই

ক্ষ এই পত্র কলিকভার দক্ষিণ মাতলা রেলওয়ের নোণাপুর প্রেসনের চালভিপোডার উট্টিক বারকানাথ ভূমনের বারীতে প্রতি লোমবার প্রাত প্রকাশিত হয়।

(मायशका

-ম ভাগ।

くと アッせい

प्रवक्ततां प्रक्रितिष्ट्रताय पार्थिवः सरस्वती श्रुतिमद्दती न दीयतां

ক মূল্য ১ এক অগ্রিম বাৰ্ষিক ১০ দশ । সন ১২৭৫ । ১৩ ই আবিব । ১৮৬৮। ২৭ এ জুলাই { যাণ্ডাসিক ৭, ও ক্রৈমাসিক ৩৮০ ট

বিজ্ঞাপন। যন্ত্ৰস্থিত। সম্বরে প্রচারিত হইবে :

ব্ধবাবিবাহ নাটক : াজা হরিশঃমূচ চরিত।

াহিতদেপ্ৰ ৩ য় প রি**জেদ পর্যস্থে** ক্টনৰণ চরিত ১ ম ংস্নারাল্লী

ক মাদের মধ্যে ধীহারা আহক হইবেন এম মূল্য দিবেল কেবল ভারাদিগকেই टा पर्णन छ टेनस्य এই छूटे अहमूद्र श्रकानिङ नश्मिष्ठकारा (मध्या याहरतः। अस्याद्यत ার অভন্ত থণ্ড বিক্রন্ম কর। বাইবে না। ারে সম্পূর্ণ গ্রন্থ বিক্রন্ধ হইবে।

বিক্রেয় পুস্তক।

महस्र कि व 30 ধনর মেদিনী, ত্রিকাণ্ড শেষ, হারাবলী কতাবাঁধান 9. চ্চকটিক নাটক ١. लिकाण। } औरकमात्रनाथ वरमगाः-मर्ठरम २११ मर्श

সহস্রয়ুদ্র পারিতোধিক।

ভেদ্ধার। সর্কাসাধারণকে করাত করা যাই-ুষে গভ ২ রা চৈত্র আনার ভবনের সম্ s গ্ৰণ্ডেন্ট সাহাস_িকুত বিদ্যালয়গুৰের ার উপর বেলুড় এনেবাসী অন্তান ৰক্তিব্যীয় एड नहरू सन्द्रशासक खारेनक शक्षिरकर (य ক হত্যাকাণ্ড হইয়া গিয়াছে, আনজি অব্ধি াসের মধ্যে যে ড@জে ভাহার হননকারীর काम कंत्रिया किएड लाग्नित्वम, डीहारक । মুদ্রা পারিভোবিক প্রদান করা বাইবে। रिनव धत अञ्च वयनवकालयरभः अञ्चनकान ৷সংবাদদাভা⊲েক €•়• পাঁচ শভ মুদ্রা

প্রদান করা হইবে। অভিশয় আক্ষেপের বিষয় এই, উলিখিত দিবস অবধি গ্রব্মেণ্ট পক इहेट अवर चर्यक इहेट नामाविश अञ्चनकान করা হইভেছে; কিন্তু কোনক্রমে কুভকার্য্য হইতে পারা বাইতেছে না।

পাকোড় রাজধানী } ১৮৬৮ সাল ১২ ই জুন

वाह्कतरनत श्राद्धाक्षनरहकु नियमिश्व শংস্কৃত পুস্তকত্রয়ের কিয়দংশ প্রকাশিত হইল। প্রাহকগণ পূর্ম ভয়ভৌত নিমনির্মিট সম্পূর্ণ मूना थातन कतित्व थाछ इटेरवन। वितर्भ कितिएक व्यथना वटेरक हेन्द्रा करतन, निः প্রের্বের অভ্র ভাক মাপ্রল লাগিবেক।

মলিনাথের চীকা সঞ্চিত।

শিশুপাল বধ (মাধকুড) মূল্য র্ঘুবংশ (কালিদাসকুত) " 44. কিরাতার্জ্জুনীয় (ভারবিকৃত) विनार्थिशत्वद्र अन्यस्विषार्थ निम्ननिचिक

কতকগুলিন সংস্তুত পুস্তক দেবনাগরাক্ষরে সঙ্গিক মুদ্রণারক হইবেক। প্রকাশের পুর্দের গ্রাহক ভূক্ত হইলে গীড়া বার পৃষ্ঠা অপর প্রতি আট পুষ্ঠা ভিন পদ্মসার হিসাবে খণ্ডে বা সম্পূর্ণ যেমভ প্রকাশিত হইবেক উক্ত নিয়মে মূল্য প্রদান क्रिल भूष्टक शास्त्र इहेरवन । विरम्प भ श्वर् । व বডন্ত ডাক মাখ্যল লাগিবেক।

अपूत्रशतः। (यपम्छ। अकुष्ठला। नलामप्र। भावविकाधिमिञ् । विक्रासार्वाको । भूप्ताराक्तः। त्रपावली। **मालकीमाध्या সা**रशःख्याकोमूत्री বা সাংখ্যকারিক।। মহাবীরচরিভ। উত্তর্বাস-চরিত। সুক্ষবোদ। দশকুমারচরিতের উত্তরা**র্জ**। পানিনি। বসস্ততিলকভান। অমরকোব। শাক্ষর कोषा, कानमांशिति, जीभतकामी अ स्यूक्तन সরস্থতীর দীকান্হিত শ্রীমডাগবত। মহাকার্ত। विक् भूतान। कामबरी। अधिकावः। मानः कविद्यकान। इङ्कः। मार्कट्खन्न इसी । কলিকাড়া সংবাদ আন | বুড়াকর বস্ত্র নিমতলঃ | শ্রীভূবনচন্দ্র : জীট ৩২ সংখ্যক ভঃনঃ

বিক্রয়ার্থ।

পারডেন রীচ ২৪ নং বাটা গুলামসহ : (ব্যাড়া বাগান।

বিক্রয়ের নিমিত।

গারভেনরীচ ২৪ নং বার্টা। উপরি উজ-ক্রাগান ও বাটা যাহা

ব্লিড ব্যক্তির নিকট জানাইবেন।

গিলেগুরিস্থারবে থনট এব° (ক

ঠনঠনিয়া সংস্কৃত পুস্তকালয়েওপ ভালা ৰাভূঁয়ে আদার কোম্পানির দোকা প্রণীত ও মংপ্রচারিত নিয়লিখিত পুস্ত विक्रम्न स्ट्रेखर्डः---

প্রণীত গ্রীসইতিহাস (রামইণ্ডিকাস ভূষণস্থু ব্যক্ষণ নীভিদার (১ম ভাগ) নীতিসার (২্যুভাগ) প্রচারিত। मुक्तरवाध बहाकद्रव

শ্ৰীষারকানাথ শক্ষ

---: • :----বিবিধ জব্যাদি বিজয়ার্থ প্রস্তুত।

ইংরাজী বাজলা পুস্তক ব'গজ কল্মাট

क कि ल

| ব; পাওয়া ধায় মকৰলে ঘড়ী অল | রি / |
|---|------------|
| দি পাঠাইয়া থ'কি এবং পুস্তকাদিতে | |
| িলাবে কমিসন দি। যদি কেছ আৰ্ | धेक । |
| দ্ৰবাদি লয়েন ভাহা হইলে /১০ আ | |
| ব ক্ষিদ্ৰ পাইবেন। | |
| ট | 141 |
| ালভ স্মিথ পৈটি,কেল ওয়ার্ক | en |
| ারেবিয়ান নাইট | о н |
| প্'কটেটার | SH |
| লেশ্যাস লেকচার | 94 |
| লাদেবস ওয়াক | on |
| ॰ রাজী ভগব ং গী তা | 3 |
| ং কাদৰ্শনী | 2 |
| < হিছুরী অষ ণ প্রশেষইন এটে ব্রিটন | 511 |
| · শুকুজনা | 3 |
| र विकासमा | 2 |
| <u>পুর্ব প্র⊹িক</u> ণ | ١ |
| न्युल्∮म्थून . | ١ |
| প্রমূদর্শন | 3 |
| হুএকীর ইভি€াস | 3 |
| িডমূল | η· |
| কাসুস্থ টাপিক <u>া</u> | ١ |
| ৰুজীতান ্দ লহ রী | 1. |
| নৈশ্য চরিজ নিক্স চরিজ | 19) |
| বিদ্যু মুখমুণ্ডল কলিকাভার মানচিতা (উত্তম বাধান) | |
| দারকাকেলী কৌমদী | 24 |
| াম উপাখ্যান | 11 . |
| ভাস্তবর্ষের পুরার্ভ (ভ্রতীয় বার মুটি | |
| মান ডিক্স সহিত মূল্য | ٠ الو١ |
| স্থাকাত রামায়ণ পদ | ۲ |
| অস্ট্রদশ পর্কামহাভারত পদ্য | = 11 |
| भिकासगानी | ૨ |
| গোলকের উপযোগীত। | 'n. |
| क्षांमकी नांहेक | ۲ |
| बोदवाका। रही | |
| বিগৰা বলাক্ষ্মা | g. |
| কীচক্ৰধ কাৰ্য | # - |
| চ্বীত মঞ্চরী | 21. |
| কবিকন্ধণ চণ্ডী | h |
| वानीयख | h |
| প্ৰাশ্বও | 31 |
| কলীকৌন্ডক নাইক | , |
| ক্ৰিক্লাপ এমাভিষেক নাটক | , |
| ह:भाग्छ(यक भागक हस्त्रविलाय महिक | 3 |
| লিকাতা জোড়া-) জীপ্রভাপচয় | র রায় |
| | |

াকে ৬৪ নং

বসকামিনী নাটক (মূল্য এক টাকা) সংস্কৃত यर्ड्य शृञ्जकामरम, हीरनवास्त्रात् खीपुरक बांद् ভোলানাথ মুখোপাধ্যায়ের ৬৮ নহর দোকানে এবং সংখ্য যথ্যের আধাক্ষ প্রীযুক্ত বারু क्षिक्रद्यास्य मूर्वाणाधारम्य विकटे शाना। ক্রেড্গণকে ২৫ প্রিশ টাকার হিসাবে কমি সন দেওয়া যায়।

জীহারবিচজা মুখোপাধ্যায়সা

ক্ষেলের ব্যবহার ও জরিপী নক্সা প্রস্তুত করিবার নিয়মসম্বলিত বস্তু পরিমাপক বিদ্যা ও জরিপ "কলিকাত। স্থৃকিয়া ফ্রীট মছেশদাসের বাগানে ১৮:১৮ নং বাটতে এবং সংস্কৃত পুস্তকালয়ে বিক্রয়াথ প্রস্তুত আছে। মূল্য কমি সন শুদ্ধ ১ এক টাকা।

ত্রীপ্রসরকুমার দানিয়াড়ী।

বিক্রমার্থ।

শব্দকল্পত্রম অভিধান। সর রাজা রাধ্-কাস্ত দেব বাহাছুরের কুত। উত্তম**ৰূপে সো**ণা দিয়া সুভন বাঁধান মূল্য ২৫০ টাকা। জ্ঞী আনন্দহন্দ্ৰবেদান্ত বাগীশ:

কার। প্রকাশিকা।

≤हे माम ३हेर**छ ८क**ंশ ७ १हेन । हेहार उ সমুদায় কাব্য নাটকাদির দেখনাগর অক্ষরে মূল ও টীকা এবং বাকলা অক্সরে বাকলা অনুবাদ থাকিবে। নিম্নাত অ'হকগণেরপ্রতি প্রতি পত্তে ।√• इम्र काना अवर श्रास्त्रक श्राष्ट्रवा । व्याप्ट কানা মূল্য নিকারিত হইল। (হারা এইণ कदिए अञ्चित्राय करतम, सामा शुक्त रेलम ১৫ मः वि, भि, अभन यद्ध अथवा कालक हैंकि ১১ नः লাইরেরিতে আমার নিকট পত্র লিখিলে পাইতে পারিবেন। বিদেশীয় গ্রাহকগণকে অভন্ত ভাক মাসুল দিতে হইবে।

ভরাজনাবণ)

ইফ্টারণ বেঙ্গাল রেলওয়ে। রিভার টার্মিনস্, অর্থাৎ সিয়াল-

> দহ হইতে গলাতীর পর্যান্ত রেলওয়ের চলাচল

> > আরম্ভ ৷

रा**हेटचाला**त निक्रेव औं वाजवंद्यादत रेही. ্রিগদ মুলো বিক্রেডা রব বে**লাল রেল্ডরে কোম্পানির রিভার টার্**মি

নস্নামক রেলওয়ে, আগামী ৩রা আগষ্ঠ वाद व्यवधि प्रवानि (मधन क मंधन सन्।, व्य वाहरवक ।

> ইষ্টারৰ বেখাল বেল ওয়ে নিয়ালদহ টাব্যিন্স ৯ ই জুলাই ১৮৬৮ !

-808-

श्रवीममाना ।

বঙ্গদেশীয় বিবিধ জনপদ ব্ৰেছার মূলক। পুস্তক যাহার প্রয়োজন হইবে, ডিনি কলিব ক্লবুক সোপাইটার গ্রথমেন্ট পেলেদের্ট ভবনে পার্থনা করিলে পাইতে পারিবে মুল্য // • আনা মাত্র।

निष्यात नमी।

সন ১৮৬৮ সালের জুলাই মাদের ৮ ই হইতে ১৪ ই পর্য্যস্ক জলের সপ্তাহিক রিপোট।

নদীর নাম ফুট মাথা ভালা নদী মহানার উপর প্রানদীতে নিজা মহানায় তথা হটতে হাট বোয়ালিয়া

৪৪ ম:ইল হাট বোয়ালিয়া হইতে অ'ক্লকলিয়া আমুক্দিয়া হইছে, কুঞ্চঃঞ্

৩৮ মাইস क्रक्षप्रक स्ट्रांड छ्वलि नहीं पर्याख

৩৪ মাইল ভাগীরথী।

মহানার উপর পদ্মানদীতে २२ महोनाय 73 তথা হইতে জিয়াগঞ ٩

জিয়াগঞ্চইতে কাটোয়া ৬০ মইল

কাটোয়া হইতে নদীয়া ৪৬ মাইল

ं नभी अञ्चलको

৯

ኃ৫

₹

ভথা হইতে করিমপুর ১৯ মাইল করিমপুর হইতে টিয়াকাটা

৩৫ মাইল টিপ্লাকাটা হইছে নদীয়া

৬০ মাইল সিয়াল মংরির মহান\ খুলিয়াভে ।

সম ১৮৬৮ জুলাই মাসের ১৮ তারিখে পুর গজ ঘাটের জ্ঞানের মাপ।

বংরমপুর } প্রীযুক্ত টি, ংহল উইক্স । ১৮ জুলাই } একজিকি উটিব ইন্সিনিয়র ১৮৬৮ : বহরমপুর চিবিজন :

नः इहेरन ভারতবর্ষে শীঘ্র রেলওয়ে না, অনতএব লাড ডেলহাউসির প্রাতি আক্ষেপের বিষয় হয় নাই; কিন্তু পর কোন শাখা রেলওয়ে অথবা ধননকারী কোম্পানির প্রতি এ । इ. १८५५ वर्ष । विषय । निष्य । निष्य ্কোল্পানির ত কপাই নাই। মূল-মীরা আপন আপন ধন বিনিযো-कक्रमः, भवर्गटमन्ते ध्वकातान्तरः উ২সাহ দিতে পারেন দিন, ডাহাতে ত্তি নাই; কিন্তু ' তোমাদিগের ভ্ইলে আমরা অংশীদিগকে অন্ততঃ করা ৫ টাকা দিব " এ প্রকার ত্র। করা **গ্রণ্মেণ্টের আ**রি আবি-হইতেছেন)। বাঁহারা বে কা**জ** বেন, ভাহার লাভালাভফলভোগী क्तिरात्रहे इवशा छेक्टिंग वैद्यानि লাভের নিমিত্ত অন্যকে বিজ্ঞত विरक्षय इस न।

ভ'র ব্রধীয় গ্রহ্মেন্ট বল্লেশ্বংসী वक्ररमभ⁹ष शिक्षातस्यानसम्। যদি কোন জীব নৌকা জলমম হয়, : इहेटल द्यारिक विश्वनक्षकांच करतन. কিন্তুৰ্তন ও দুচনলিত নৌকা गर्डम**्या धार्यम** क्षित्म स्नाटक न त्य विचाहां शत इन अताल नह. **দকে তিরক্ষার করিতে জ্রুটি করেন बञ्ज इ: कर्नश**रतत स्मावदाचिरहरू কার ভূঘটিনা প্রায় ঘটে না। যদি ন নিব্ৰেংখ লোক কোন হকার জ্ঞান उ इहेन को होत या गिरोगिशन करत, কে ভাষাকে নিৰ্কোধ বিবেচনা গ্লা ভার্য়ে অপ্রাণ প্রাহা করেন না; বে ব্যক্তির বিলক্ষণ বুদ্ধি আহে, ৷মন-বুরিবার ক্ষমতা **আছে, দে**

ব্যানিয়া শুনিয়া কোন অন্যার কাব

, সুমান্দ তাধার উপরে বার পর নাই

-- ≥88 --ত ভারগান নাই। গ্রণ্মেণ্ট মধ্য । বিরক্ত হন। মেইন সাহেবের শেষোক্ত ব্যক্তির দশা ঘটিরাছে। জুলিরস সর উই লিয়ম বৃক্ষৌেনকে যে কথা বলি-हाडिएनन, स्महेन नारहरवत विषय मर्क्यभाषात्रात (महे कथा विलाउ हिन, এমন তীক্ষ বৃদ্ধি এপ্রকার গছিত কার্য্যে নিয়োজিত করিবার দৃষ্টান্ত অপেই দৃষ্ট হইয়া থাকে। পরমেশ্বর মন্ত্রাকে স্বাধীন ইচ্ছাদিয়াছেন সতা; কিন্তু বুদ্ধিকে মন্দ্ প্রপামিনী করিবার কাহারও অধিকার नारे। इः त्थंद्र विषय अरे, स्मरेन मारहर এই নিয়মে উপেক্ষা করেন। জাঁহার व्यात्रभनाविध शवर्गरमण्डेटक माक्तारमञ्जू চিস্তাশীল প্রজাগণের সহিত বিবাদ করিয়া অন্যায়পক্ষের সমর্থন করিতে **इहेट उट्ट।** जना जना ममत्य शवर्गमन्ड কোন বিষয়ে ভ্ৰমে পতিত হইলে সরল হৃদতে তাহাস্বীকার করিতেন ; কিন্তু মেইন সংহেবের অনংপকের সমর্থনবলে গবর্ণ মেণ্ট দেই সদ্ভাগে জলাঞ্লি দিয়াছেন। কোন কালে গ্রথমেন্টের শহিত প্রজাদি গের এরূপ বিচ্ছেদ হয় নাই। ভরতবর্ষীয় কর্মচারিগণ বরাব্য এই বলিয়া গর্ক কৰিয়াছেন যে ইংলডের ন্যায় এখানে তাঁহাদিগের দল বিশেষের মুখাপেক। करिया कार्या कतिबात आदशक्त रस ना। দলবিশেবের **মুখাপেকার আবিশ্য**-কতা না থাকাতেই বেণ্টিক, মাল-কম, ⊄েনরি লংকোপ্ৰভৃতির সদৃশ মহাসুভব ব্যক্তিরা আমাদিগের দৃষ্টিপথে व्यव डीर्ग इन ; किस्तु अक्तरंग डेहात मुक्त र्ग বৈপরীতা লক্ষিত হইতেছে ৷ মেইন সাহেঁব উহাতে বাভাগ দিতেছেন। উহার কি कल कलिए ७ एक १ वर्गरमध्ये वात्रभात অপদস্থ ইউডেছেন এইমাত্র।ডিদরেলি সাহেব ইংলথ্ডে আর ভারতব্যীয় প্রণ-মেণ্ট ভারতবর্ষে দাধারণ মত পদছারা मनन कतिएउएइन, यह कातरन डेस्ट्यतह উভয় হুলে তুল্য সন্মানলাভ হুইড়েছে

বর্তমান গ্রণ্র জেনরল খু ধর্মের পরম শত্ত মুদলমানদিদের वकरमण ७ वक्रमणीय निविधानिक ঘুণা করেন। তিনি ক্রমশঃ এ প্রদে নিৰিলিয়ানদিগকে যাব জীয় প্ৰাধান ছইতে বহিজ্জ করিতেছেন। বঙ্গদে নামে ভিনি জ্বলিয়া উঠেন। কালের ভাঁহার ক্ষের ; কিন্তু এই অসৎ প্রবা সমর্থনভার মেইন সাহেহবের ক্ষপ্রে প হইয়াছে। ভারতবর্ষের শাসন্তর লইয়া বেদকল ভক হয়, ভাহাতে ৰাটল ফ্রিয়ার বঙ্গদেশের সুখ্য⊹তি ব विनियार्ट्स, अ एएटमंत लाटकरा বিষয়ে পৃথিবীর দক্র প্রধান জাতির তিনি মেকলের বর্ণিত বাঙ্গালী চ অনাস্থা প্রদর্শন করিয়া এই অভি वाक करियाट्डन, वाक्रालीमिट्यात व क्फक कम वटछे; किन्छ 🖻 मार्यत मर्माधन इहेश आमिएक्ट्र । जर সভ্য প্রদেশ শাসন এক জন সামান্য লিয়ানের দারা আর সম্পন্ন হওয়া সম্ভ নহে। অভএব ডিনি বলিয়াছেন, " **স্কপটভাবে কহিতেছি, ইউ**রো क्तान इहर का फिरक भामन की যে বুদ্ধি ও পরিশ্রম আবশ্যক হয়, দেশ শাসনে সেইপ্রকার বুদ্ধি, আ সায় ও পরিভামের এয়োজন, হইতে সাধারণেরও এই মত। দর জন ল ও উব্ধার দলের লোকেরা এ প্রশ वाम आवर्षः मञ्जूषे नत्हन। उँ। हो हो हो । व्यत्रक्षके क्रेशाहे (मोनावलकी আহেন, পাঠ্ৰগণ এরূপ বিবেচনা (यन मा। उँशिहात विकाशी ७ वक्रस নিবিলিয়ানদিদোর উন্নতিবিষয়ে ৫ বন্ধকতাচরণে বিলম্প তংগ थामर्भन कतिए छेट हन। एमरेन न এত্থংশে সকলকে অতিক্রম করিয়া ভিনি দর বার্টন কিয়ারের উক্ত বা थगरम बरनमः--

''বৃহ্লেশ ধনীভি সভাহান। নের নিমিত্ত ব্যবস্থাপ্রথম করিতে ষ্যবক্ষপিক সভার সভ্যের পদ मा वोक्रांनी ও वक्रसमीय मिनिन नाटक निएंड इंडर्स। किन्छ बडे इडे র এরপ ইউরোপীয় ভাব ও সং इहेश **डि**ठिशाष्ट्र था, डीहारा द्यान র হইবেন না। লোকের অবছা ও গত ভাব বুঝিয়া কান্স করাই ভারত াসনের প্রধান মূল নিয়ম। বাসালী দেশীয় দিবিলিয়ানের। ভারতববৈর অন্য স্থানের প্রতিনিধি নহেন এবং ্লোকদিগের অভিঞায়জ্ঞান ও কোশে পটুনহেন। তাঁহাদিশের যেটি ভাল, দেটি সমুদায় ভারত পকে কোন ত্রমেই প্রেয়কর ন:। আমি ভূয়োদশনিবলৈ বলি , ব্যবস্থাপক সভায় অধিকদংখ্য কৃত वाञ्चात्री अहरनत व्यरभक्ता विभरतत আর নাই। তাঁহারা সর্বদাই মৃতন পরিবর্ত্ত উৎর্ষের এ**ন্তাব** করি.. । যদি ঐ প্রস্তাবগুলি অকপট হয়. মধ্যে এরূপ অংনেক প্রস্তাব বে, যে বেণ্টহাম স্বয়ং দেশুলিকে ালিক বলিয়ানির্দেশ করিতেন। " চয়েক পংক্তিতে মেইন সাহেৎবের ভাব সুস্পান্তরূপে প্রকাশিত হই । বাঙ্গালীদিগের প্রতি তাঁহার যে ও ঈর্ষা আছে, তাহা অব্যক্ত রহি হনা। বঙ্গদেশ ধনী; বাঙ্গালীও নকার দিবিলিয়ানের৷ ইউরোপীয় ার বিশিষ্ট ; অতএব ইহঁারা ভারত অন্যস্থান শাসনের প্রামর্শ দিতে

।ন না। ইহার অহি কি ? কিনে শীক

হরাফীয়দিগের সুবিধা হয় ইহারা

। আলানেন না, এই কি ইহার অর্থ

(सहेन मारहर ও मत्रक्षन लार्ड्स

দাতিতে শীক? তাঁহাদিগের কি ইউ

রোপীয় সভ্যতা ও সংকার নাই ? ভাঁছারা ভারতবর্ষের অবস্থা যেরূপ বুঝি বন, बाष्ट्राकीता कि स्वत्न प्रतिरंदन मा १ বাঙ্গালীয়া যদি পঞ্জাবের দীমার পাঠান দিগের নাম নিকল্পনঞ্জতিকে দেব তার ন্যায় পূজা করিতেন, তাহা হইলে বোধ হয় তাঁহায়। ভারতবর্ষের অবস্থা বু বিভে পারিতেন। তাঁহারা ভারতব বীয়, কিন্তু ভারতবরীয় হইয়া সভাও বিদ্বান হইলেই আর তাহাঁদিগের ভার ভ্ৰৰ্যের অবস্থা বুকিবার ক্ষমতা পাকে না ৷ বাঙ্গালীরা সর্কাপেকা অধিক্তর विপरापत्र कात्रण !! नित्रमविष्कृष्ठ कर्मा-हातिशटनत **लटक मटक स** नाहे; कात्रन **এলনেশেই ভাঁ**হাদিগের ভুর ভার ভাঙ্গিয়া যায়। যাঁহারা পঞ্চাবে ও মধ্য ভারতবর্ষে ইন্দ্র করিয়াছেন, এখানে তাঁহারা সং मामाना मधानलाएउउ अधिकाती हहे-তেছেন না; অতএব তাঁহারা যে বিদেয প্রকাশ করিবেন, ভাষা আশ্চর্যের বিষয় न एक किन्छ পृथियी वेंदलन, देखिहान चीकात करतन अवर देश्लकीय मर्द्यमा शांतर्गत मञ्जूहे (य ज्रान्धां तांक मङा ও ক্লতবিদ্য হইলেই ইংলও ও ভারতবর্ষ উভয়েরই মঙ্গল। নিয়মবহিত্তি প্রদে শের অবতারদিগের এপ্রকার মত নয়, তাঁহাদিনের মতে এদেশীয়দিগের বিদ্যা **निका रहेरनहे जिपिन मजाका हाताहर**ङ হইবে। এই নিমিত তাঁহার। অপেবুদ্ধি পঞ্চাৰীদিগের দেশীয় ভাষায় বিশ্ববিদ্যা লয় করিবার মত লওয়াইয়াছেন। गंदर्गरमदेव मकल काक इंश्वाकीएड হইবে; ভাঁহারা দেশীয় ভাষা অবলম্বন कतिर्दन ना ; किन्नु श्रका (मनीत जावा **जिम कांत्र किছू का**निद्यन ना! कि नामाना चान्क्रद्यांत्र विषय नटक १ इन्ड পদ বহান করিয়া রাখা হইতেছে, আর বলা হইতেছে অথানর হও; উপযুক্ত **मूक्ट रन। किन्दु जरमभी**रहरा अ जिल

হইলে তোমাদিগকৈ সর্বপ্রধান সকল দেওয়া হইবে। এ বড় কৌতুক বাকা। বাঙ্গালীরা এ কথার ভূলেন স্তরাং ভাঁধার। অভ্যন্ত বিপদের ক সম্পেছ কি ? মেইন সাহেৰ ভারত সভাকেও আঘাত করিয়াছেন। मकल वित्र सहि इन्हरूल कर इन অনেক সময়ে গ্রন্মেন্টকে আৰু স্বীকার করিতে বদেন, তাহা উক্ত मिडिनिट्शंत এकांच कछेकत इहेशा डीशिक्टिशत मानत स्वाय कहे, हैं। পঞ্চাব শাসন করিয়াছেন ; দোক্ত ম খাঁর সহিত সধ্বি করিয়াছেন ; ভ বর্ষের মধ্যে সর্বাপেকা ভ मर्थाक इंडेट्डाशीय टेम्टनात अधि হ্ইয়া দিলী আক্ৰমণ করিয়াত ভাঁহাদিগের আবার ভ্রম হইতে পা যদিও হর ভবে দে ভাম ধরিবার (কিং বাজালী ও বঙ্গদেশীয় সি য়ানগণ ? ; . ;

> বিখবা পুত্রব ক্রেন্স প্রতিপালন করা ব রের জনশাক হ্রাকি না?

অধিক দিন অ গীত হয় নাই, এ তম বিচারালয়ে এই একটা মকদ্ম য়াছিল, খণ্ডঃকে পুত্রবসূর প্রতিপ করিতে হট্বে কিনা ? বিচার কেম্প ও লক বলিয়াছিলেন, ব অসুসারে ভাঁহার এটি করা কর্ত্তব্য ; প্রধান বিচারপতি ও বিচারপতি ফার্ম সিদ্ধান্ত করেন, ধর্মনীভিয় এই কর্ত্রত। যতই বলবতী হওক, এতৎকার্যো শশুরকে বাধিত ক পারেন না। জজদিগের ভুল্যাংশে ভেদ হয়; কিন্তু প্রধান বিচারপরি मिर्ग मञ्जित्वन, जाहाई आहा নিয়ম থাকাতে প্রত্যথী শুশুর পুরাবধূর প্রতিপালনের ভার : 🗱 ए का नाहे। डीकानिरगत 🐧 व्यनस्थाः मत विलक्ष कर्डन बार्ट्स

সর বাণে দিপিকক এক জ্বন প্রাথান পুণির ব্যবহারাফীর সভা ; কিন্তু ামর: মধ্যে মধ্যে দেখিতে পাই, ডিনি দ্ৰুতাইন ও হি**ন্তু** ৰাবহারের বিষয়ে ায় নিরপেক হইয়া দিছাক্ত করিতে रिटन ना। जिनि मक्न विका देश्हाकी

কে দৰ্শন করেন। ইংলতের আইন ाहात **मएड পृথি**दीत चामर्भवक्त,

যোগ পাইলে ভিনি প্রায় ঐ আইন (मटम व्यव्हालक करियांत एक्कोत क्र**ि**

বেরন না৷ ঈশারচন্দ্র ঘোষের মকদমা হার একটি প্রধান দৃষ্টাস্ত স্থল। এখান

চোরপতি <mark>মাল খ</mark>দের এক যুক্তিবিরুদ্ধ গ্রাপ্যা **অ**বশহন করিয়া এদেশের **ফ্র**য়ক

গেকে দামান্য মজুর শেণিতে পরিণ্ড রিধার চেউ। পাইরাছিলেন। কিছু দিন

डेल, डिनि मिद्धांय कदिसाधि**रममें यनि** লান কুণ্ট ক্ষ্মীপীরকে সংক্ষে,কুর

क्षण होको ना निहा भरगात अकः अर्भ कान करत, रम रकान ज्ञारम ३५००

ক্ষের ১০ আইনের ৩ ও ৪ ধারার আভি

ध्रक कल्टबाली इहेटक भारत ना। अनि वालन, भारमात्र मुला मकल ममरा

সান পাকে না। ১২**৫৬ সালে** চারি গাড়র অর্কাংশ ছুই টাকায় বিজ্ঞীত

है। १८६ ; अभाग काहार मूला हाति हो का। ধাতে অকাশ হট্ডেছে, হার পরিবর্ত্ত

Batcs অভএব প্রজাকে প্রগণার বরিংশ কর দিতে হইবে। প্রধান বিচা

প্ৰিচ ভাই হাজে বিষম জ্ঞাপতি চাহই তেন। ভংকালে তাঁহার এই বিবে-

ন। করা উচিত ছিল, দ্রবোর মূল্য

টাকার ও পর্বতের অসুসারে

লা পরিবর্ত্ত ইইয়া থাকে। ১২৫৩ ্ফর ছুই টাকা ও ১২৭৫ অক্সের চারি

কোর মূল্য সমান। তথন ছই টাকায় যে । পাওয়া यारेठ, এখন দেই जावा

क्तन क्तिएक होनि होका नार्य। मूर्यात অর্থকিণু তাহার কি অপরিবর্জনীয় পরিমাণ নির্দ্ধারিত আছে? আইনে একমাত্র হারের কথা **উলিখিত আছে**।

এই হার প্রদর্শন করিতে পারিলে কর इक्ति स्टेटर ना, यथन खट्यात मुलाम्नाटत

টাকার মূল্য নিরূপিত হইতেছে, তখন টাকার অপেকা উৎপন্ন দ্রব্যের অংশ

দারা হার ভির করাই শ্রের:কম্প হই. তেছে। সর বার্ণের পিকক ভির ক্রিয়াছেন জ্মীবার্দিগকে

হুরূপ কর**র্দ্ধি** করি**তে না দিলে স**ম্পত্তির मूलावृद्धि इय ना। अविषय है स्मर्श्वत

सभीकोत्रिक्तित वादशत है जाशत स्वामर्भ,

তিনি কয়র্দ্ধির পথ পাইলেই প্রায় ভ:হা করিয়া ধাকেন। ফলভঃ ভিনি

यूविश भारेत्म हिन्छू भाष्ठि ७ हिन्छू पि

গের ব্যবহারে উপেক্ষা করিতে জ্রটি করেন ना। हेश्लटखन छेखदाधिकात अ मान्नजान

উহির মতে সংক্রিকস্কর। ভার তব্বীয়দিগকে বেনে প্রকারে ভদ্ধীনভ

করাভাঁহার অভিমত। মেইন লাছের

ৰ্বেস্থাপক সভায় ৰ্দিয়া ব্ৰেহ্যরান্ধীয়ের কাজ করিতে আর দর বার্ণেদ পিকক

विठाताम्य विश्वा वावस्थाभरकत काळ করিতে ৰজ্ভাল বাদেন। এই উভয়

বাক্তির এক বিষয়ে বিলক্ষণ দৌদাদুশ্য আছে; উভয়েই আপনার নির্দারিত কর্ত্তবং কমের দীমাতিক্রমে অভিখয়

বজুবান্। এই কারণ মেইন মাছেবের সরল। মাভাপিত। সম্ভানদিলের মজল আন্ত ভবে এবং প্রধান বিচারপতির অপক

পাতিতার উপরে লোকের তাদুশ चिक्त नाहे

भक्षत्रक विश्व। भूखवश्रु छत्र পোষণ করিতে इटेर कि ना े हेहा रेवविक्टकत मन्न जित विषय विद

সর্বসাধারণে প্রধান বিচারপতির তরণ পেষেণ করিবেন, জ্লকারাদি দি

বিচারপতিগণও এ শিদ্ধান্তকে অপ্সি তিনি খত লিখিয়া না দিন ;কিন্তু প্রা

काछ विनया निर्मान करियाहिन। जा আবণ করিলাম, সম্প্রাত ২৪ পরপ উপযুক্ত দদর আমীন বারু স্যাম মুখোপাধায় এই প্রকার একটা মককঃ নিষ্পত্তি করিয়াছেন। তিনি প্রধান বি রপতির নিজাদ্ভের অনুনরণুনা ক হিল্পুব্যহারাপুসারে ছির করিয়াছেন, রকে পুত্রবধুর প্রতিপালন করিতে হই এই নীমাংনাই যে সং মীমা দেবিষয়ে অণুমাত সম্দেহ নাই অংশাদিগের দেশে যেপ্রকার বিবা প্ৰথা আছে, ভাহাতে যুক্তিও পুজৰ পক্ষাপাতিনী হইতেছে। পুতের বি কালে পিতাই সম্পূর্ণ প্রভুত্ব করে পুত্রের অর্জনক্ষতা হউক, আর **হউক, সম্বতি থাকুক, না থাকুক** ভা তাজি বিবাহ দিয়া বদেন। তাহার নেই পুত্রের হত্য হইলে পুত্রবধু নিব

ना कटतन, कि कहिरब १ বাল্যবিধাই এদেশের সমাধ আক্ষরকপ হইয়াছে। এটাঅনিফ তাহা আমরা অধীকার করিতেছি

নিরাশ্রয় হইয়া পড়ে। তথন শশুর

দেই নিরাজন পুত্রবধুকে এতিপা

:বচার**প,তিগ**ণ ব্যবস্থাপক ন বেপ্রথা প্রচলিত আচে, তদনুসা ঠ। হাদিগকে ক'ফ করিতে হইবে।। বিবাহ হয়, তথন জীপুরুষ উভয়েরই পর বিবেচনাকরিবার ক্ষমতাজনেম অংপনাদিগের অংনে দেরই অধিক यन कतिता शाटकन । विवादकत ममद्रा दाहे मर्ख भर्ता हम। कम्याद शिका क

ভার ক্ষমভার ≗ভি দৃটিপাভ না ক লইরা পুনর্কার তক্তারত হইয়াছে। করিয়াই সমৃদ্ধ স্থির করেন। ২রের বি

বাকো উপেকা করিভেছেন। নিম্ভর ইচাছির ছইলেই বি্বাহ্ হইয়া গে

হ বে অপীকার করেন তাহা আইন

চুক্তিশ্বরূপ হইতেছে। এক ব্যক্তি
এক জনকে, টাকা ধার দিলেন;

র বাক্তি যদি সেই থতে জামীন হন,
রালয় তাঁহাকে দায়া করেন কি না ?
হর পূর্বে যে লয় পত্র হয়, তাহাতে
লখিত থাকে? কন্যাকর্তা ও বর

এই নিয়ম করেন, অমুক দিবসে

চ সময়ে আমরা পরস্পরের কন্যা
কৈ পরিণঃ স্তত্রে বন্ধ করিব। এই

ম তক্ত হইলে মদি কাহার জাতি ও

মের হানি হয়, বর কন্যা অথবা তাঁহা

ার পিভাকে আদালতে দায়ী হন ? এক ২লে কি স্পায় প্রতীঃমান হইতেছে যে, এক বাজির কন্যাকে আপনার নর সহিত বিবাহ দি । শশুরকে এই নে বন্ধ হইতে হয় যে যদি পুর ভরণ পোষণ আবেশাক হয়, তাহা হতে হইবে। যেখানে বিবাহের সম্বে

কন্যা একটা বাকা বায় করিছেও সমর্থ
পিতা যাহা করেন, তাহাই হয়, সেখানে
তা কি জন্য দায়ী না হইবেন ল থানে স্বেছাধীন কাজ হইছেছে না, খানে যিনি কাজ করাইবেন তাহাকে বী হইতে হইবে এটাকি আইনের মূল মেনহে এক ব্যক্তি বলপুর্বক কাহার

চটে থত লইনে সে থত কি আহা , না সে ব্যক্তি দায়ী হয়? যিনি ধাইয়া লন, তাঁহাকে দায়ী হইতে হয়। বাৰ্ণেস পিকক যে ধৰ্মনীতিসংক্ৰান্ত

ধা ব্লিয়াছেন, এস্থলে ত্রিবয়েরও বেচনাকরা অপ্রাস্থিক হইতেছে না।

ামাদিগের সামাজিক ব্যবহারকে ধর্ম বিষ্কৃতিত স্বতন্ত্র করা অভিশয় কঠিন। চান ব্যবহারাজীবের স্ক্র তর্কে তাহা

া না। যেসকল লোক স্বচাবতঃ অক্স, যাজ যাঁহাদিগকৈ আপন আপন ইচ্ছা

ত কাজ করিতে দেন না; আইনে ঘাঁহা বগের সম্পতিঘটিত স্বত্বের সীমা

कित्रिया क्रियारह ; बाँहार्या भाज उ मिनाहोर इस मिन्नि भ्राधीन के हा मि भारत क्रिक याहा धर्मने किमः क्रिया कर्या कर्म, का हा मोहेन मक छ दहरे करहा । यि कथा ना बिलिटल चामि क्रिया का क्रिकाम ना भारत कथा बिलिया चामः कि यिनि क्रिया वा क्रिया क्रिया का कर्यान, का हा हहें कि का हा द क्रिया की अ क्रिया का मारी क्रिया वा क्रिया क्रिया की अ क्रिया का मारी क्रिया वा क्रिया हहेर्यन ।

-: *:--

মুখন পুলিষ ও মুখন চোর।

পূর্বে" চোর ও সাধ্ " এরপ প্রবাদ বাক্য ছিল। গৃহস্থ জাগরিত হইলে চোর পলায়ন করিত। এখন আর সেকাল নাই। এখন মৃতম পুলিবের এভাবে • বাঘে ও গৰু " এফ ঘাটে **জল খা**য়। চোর ও গৃহম্ব ছুই সমকক হইয়া উঠি য়াছে। বরং গৃহ**ত্ত্**র **অপেক্ষা** চোরের অধিক সাংস দেখা যঃইতেছে। গভ মখল বার আমাদিগের মুদ্রাবস্তোর অদূরবন্তী রাজপুরগ্রামে কালীচরণ বারিক নামে এক ব্যক্তির গৃহে কয়েক জন চোর প্রবিষ্ট হয়। চেংরেরা গৃত হইতে সিপুক বাহির করিতেছে, এমন সময়ে গৃহস্থ জানিতে পারিল ৷ চৌরেরা তৎক্ষণাৎ ভঃহার সম্মুখীন হইয়া কহিল, ' যদি ভুমি গোল কর, ভোমাকে ব্যালয়ে প্রের করিব। " চোরদিগের **২ন্ডে ভীক্ষ ছু**রিকা ছিল। গৃহস্থ প্রাণ তায়ে নীরব হইয়া রহিল। চোরের। স্বচ্ছদের অতীফীসদ্ধি করিয়া প্রস্থান করিল। এখনকার চোরের কেবল সাহস নয়, আবে একটা গুণ বাড়ি য়াছে। পুর্বে উহার। গৃহস্থকে " নি দিলি » (নিদ্রাজনক) ঔষধ দিও, এখন উহারা পুলিষ প্রহরীকে ঐ ঔষধ দিতেছে। চোরেরা যথন চৌর্য্য সম্পাদন করে, পুলিব এহরীরা অচেতন হইয়। ঘোর নিজা যায়।

কলিকান্ডার পুলিষের ৪৮৬৭ অধ্যের রিপোট।

ঐ বর্ষে কলিকাতাও উপনগ তিনটাহত্যাহয়। ইহার মধো ইত্যি प्रभारतत रुखा मर्ख्यशन । किंह १ বের অবোপাতানিবস্থান একটার সাম দওভির আনে কিছুই হয় নাই। হড বিষয়ে কয়েক বৎদরাবধি কলিকার পুलिय किছूरे कतिए भातिए छहन এনিমিত্ত লেপ্টনান্ট গ্ৰণ্র আং ক্রিয়া বলিয়াছেন, এ বিষয়ে ক্মিসন गटनाटवाणी इवशा कर्खवा। [ध्या ना স্বীকার করিয়াছেন, পর্যাপ্তসং এতক্ষেশীয় সুশিক্ষিত পুলিৰ কৰ্মচ व्यक्तां वर्षे हेश्तं कात्रण। अकल्ल রীকে কেবল অপরাধী অন্বেষণার্থ উচিত। এ সকল লোককে প্রায় বেশে ভ্রমণ করিতে হয়। ইউরো কনজেবলেরা ভাহা করিতে পারেন हिम्बू होनी खहतीतां अादतन ना। বর্ষে পূর্ব্ব বৎসর অপেক। চুরি ও অ হুছ টনা অংশ হইয়াছে। অংশ লে সম্পত্তি অণহত হয়, ফিন্তু ইধার কাংশ উদ্ধৃত হইয়াছে। সামান রাধ ও দ্বাকা প্রভৃতি বিষয়ে পুলিষ ≖ণ যোগ্যতা প্রদর্শন করিয়াছেম ; হত্যা ও যেসকল পাপকর্ম অতিশয় পে সম্পাদিত হয় এবং যাহার আ য়ার নিমিত্ত অধ্যবসায়, চতুরতাও বুজিতা গ্রদর্শনের প্রয়োজন হয়, তাহার কিছুই করিতে পারেন ইহার কারণ কি ? হগ সাহেৰ স্বীকার করিয়াছেন, কয়েক জন রেকে ইউরোপীর কনটেবলেরা অকর্মণ্য ও ভূশ্চরিতা। লোফার দল ইহারা মনোনীত হয়। সুরাপান ইহ স্বভাবনিত্ব। হগ নাহেব তলিমিত গের সংখ্যা কমাইয়া বেভনর্দ্ধি

প্রস্তাব করিয়াছেন। কিন্তু খান

।। भक्क इंडरफर्ड, इंडारफ्ड कम इंडर्र া। নিয় খেণির ইউরোণীয়ের। নিয়া শ্রনির ভারেতবর্ষীয় অপেকাৰে অনেক নুকুট অংমরা তাহার এমাণ পাইতেছি। য**ধানে** ভূরি উৎকোচ সম্পর্ক, সে**ধানে** ।ই লেণির ইউরোপীয়েরা **লোভনম**রণ িংতি পারে না। অতথ্য ৪০ জন নিয় শ্রনির ইউরোপীয় কন**টেবল না ক**রিয়া ংয়েক **জন মধ্যম শ্রেণির ই**উরোপীয় ্নক্ষেপ্টের রাখিলে অনেক উপকার দর্শি ার সম্ভাবনা। হগ সাহেব পুলিষ প্রছ ীদিগের বাসস্থানের উন্নতিসাধনের য প্রস্তাব করিয়াছেন, আমরা ভাহার ম্পূর্ণ অসুমোদন করিডেছি। **এফ**ণে যেদকল থানা আছে, তাহা ছিতীয় চারাগরে বলিলে হয়। প্রহরীণিগের বেতনত্ত্তির প্রস্তাবিও একাড অসুমো (मीध्रा

হ্রনাহেবের রিপোর্ট কীভিকর

गरह। जिनि निष्य मर्यावधाकाम् कर्तन নাই, লেপ্টনাতি গ্রণ্র সম্ভূট নত্রন, সর্ক দাধারণের ত কথাই নাই। ভাঁহার রিপোটের একাংশ আতি কৌতুকাব≥ হ্হয়াছে । ভিনি বলেন, রাতিতে এক কালে সুৱাবিক্রন নিবারণ পুলিবের। मानाधिक नर्हा लखर्म এই अकार जारहः शाहिरमङ् दार्किः उ छाप्रा সুর। বিক্রী চহয়। লওন ও পারিদে রাজি জে তুরা বিজন। হয় বধাধ, কিন্তু সেপান কার আংরাধী প্রায় পুলিবের ≉াচ এড়াইতে পারে না। কিন্তু কলিকা চায় ভাহার বিপরীত। তিনি এই বুলিয়া সনকে প্রবোধ দিয়াছেন, রাজিতে সুরা विकारधन निरम्पतन कान बहेला, इन्ह विज (नाटकता क्रिक इहेश मी। अ कतिएक ना भारत। कलिका छात स्रें ज़िह (कोकारन शांश (जालारगांत इस गां। **प्र**तां হা শন্তরে নীত হইয়াপী চহন, তাহা ্তনি জানেন কি না ? যে কাল ভাড়িব

দোকানে হয় না, তাহা বেশ্যালয়ে ও
মাতালের আড্ডায় হইয়া থাকে। সোম
প্রকাশে সর্বাত্যে এই অনিটের উল্লেখ
করা হয়। হগ সাহেব তাহা স্বীকার
করিয়া বলেন, এই সংবাদপত্তে শুড়ির
দোকানের কোন গোলযোগের কথা
লিখিত হয় নাই। সভা; রাত্রিতে সুরা
বিক্রয় হওয়াতে উহা হভাার ও অন্যান্য
পাণক্রিয়ার নিদান হয়, এই কথা
বলাই আমাদিগের অভিপ্রেত ছিল,
শুড়ির দোকানে গোলযোগ হয় একথা
বলা আমাদিগের অভিস্তেনহে।

কুডন পুস্তক। —:০:—

১। লক্ষ্মালা। এথানি সংকৃত
অলমার গ্রন্থ। প্রীযুক্ত গোবিক্ষদন্দ্র চক্র
বন্তী কাব্যপ্রকাশ, কাব্যা দর্শ, সাহিত্য
দর্পনিপ্রভৃতি অলমার গ্রন্থ অবলম্বন
করিয়া ইহার সঙ্কান করিয়াছেন। আমরা
এথানি পাঠ করিয়া সন্তুক্ত হইলাম।
এথানি মূল গ্রন্থ নয়, সংগ্রহ গ্রন্থ যথার্থ
বটে; কিন্তু সংগ্রহকার বুদ্ধিপুর্বক স্প্রণা
লীতে ইহার সংগ্রহ করিয়া বিলক্ষণ
সন্তুদ্ধিতা প্রদর্শন করিয়াছেন। অল মারের
জ্ঞাতব্য বিবয়ন্তালি ইহাতে সন্নিবেশিত
হইয়াছে। যাহারা অলপ সময়ে অলমার
শাজ্রের স্থাল স্কুল বিষয়ন্তালি কানিবার
অভিলাস করেন, ভাঁহাদিগের প্রেক্

২। হিড শিক্ষা ছই ভাগ। কলিকাতা নর্মালবিদ্যালয়ের প্রীযুক্ত বারু
গোপালচন্দ্র বেদ্যাপাধ্যার ইহার প্রণয়ন
করিয়াছেন। বালক ও বালিকাদিগের
মনোরঞ্জন হইয়া বিবিধ বিষয়ের শিক্ষা
হয়, এই উদ্দেশে এখানি প্রণীত হইরাছে। আমরা দেখিয়া সম্ভূট হইলাম,
সে উদ্দেশ্য সিদ্ধা হইয়াছে।

ত। বৰ্ণশিক্ষা মুই ভাগ। এ ছুই- প'রেডের সময়ে সুরাপানে উন্নত চইরাভিনে ধানিও উক্ত বাবু গোপালচক্র বন্দ্যোপা হইয়াছে। প্রধান সেনাপতি সামরেক বিচার ধারিপ্রণীত। বিদ্যাসাগরের বর্ণ পরিচর লাক্ষে আজ্ঞা গ্রাহ্য করিবার সময়ে বলিয়াহে

সত্ত্বে নৃত্তনবিধ বর্ণশিক্ষার প্রস্থানর নের প্রয়োজন দেখা ঘাইতেছে না।

৪। বক্ষ সামনী নাটক। এখানি

শ্বিক বাবু হারাণচন্দ্র মুখোপাধার

প্রণীত। বাল্যবিবাহের দোষ কীর্ত্তন
করাই গ্রন্থকারের উদ্দেশ্য । বালি
কাদিগের অমতে বিবাহ দিলে পরে বে
অনিউ ঘটে, তাহা এই প্রন্থে বিজ্ঞারিত
রূপে বর্ণন করা হইয়াছে।

৫: সুশীলাননা। ইহাতে একটা
গণ্প করা হইয়াছে। স্থীযুক্ত বারু অতু
লচন্দ্রয় ইহার রচনা করিয়াছেন।

৬। বর্ণবোধিনী। এখানিও বালি। কাদিপের বর্ণশিক্ষার্থ বিরচিত হইয়াছে।

--:0:--

विविधमः वाम।

৬ ই আবৰ সোমবার।

উত্তর পশ্চিমাঞ্চলে অনার্ষ্টি নবন্ধন দিন দিন লোকের কটর্ছি হই.ড,ছ। পির্নিয়া বলেন, যদি শীতা রৃষ্টি না হয়, ভাহা হইলে সাধ্ রণের কটনিবারণের উণায় অবলন্ধন করিবা নামন্ত সর উইলিয়ম মিয়ার মক্ষণে গামন কার্ বেন। ইভিমধ্যে ভিনি প্রভ্যেক জেলায় শস্যের অবস্থা জানিবার নিমিত্ত টেলিপ্রামে প্রভাগ সংবাদ লইতেছেন। পুনর্কার ছাভিক্ষের আশক্ষ সর্কার হইয়াছে।

भाव खाव वार्षान वार्षेत विकार का वार्षित वार्षेत वार्षेत्र वार्षेत्

मधा खात्रख्य विश्व कार्य कार्य कार्य कर स्ट्रेंट्र शामी से देश कि कार्य कार्य

ার গোষের ক্ষা করিলে সৈনিক সুস্থ ব্যাঘাত জনিবে। আলগা গেওয়াতেই ড অনর্থ বাড়িডেছে।

লিবরপুল হইতে এ বংসর বিশুর লবণ তে অনেক মহাজন ক্ষতিরাস্ত হইয়াছেন। কে ইংলগু হইতে আহাজ আসিবার পুর্বের। ১১৫ টাকা শস্ত করা মূণ ব্রুত্ন করিয়াছি। কিন্তু এক্ষণে ৮২। ৮০ টাকা মুশা গাঁড়া

কাভার পুলিষ এত অকর্মণা কেন, সর্বাসা ভাহার প্রকৃত কারণ বুকিতে পারিরাছেন, বা আফ্রাণিত হইলান, ভেলি নিউস বলি ন, ইউরোপীয় প্রহরীরা ক্র্য়াপানী নাবিক ব দালা নিবারণ করিছে পারে বটে, কিছ নে গোপনে অসুসন্ধান করিয়া অপরাধী ক ধৃত করিতে হয়, সেখানে ইনারা কিছুই ত পাবে না। কোন পলীপ্রামে সমন মাত্র অপরাধীরা ইউরে:পীয় প্রহরীকে

ত পারে কিন্ত এতদেশীর প্রহরীর বিবৃদ্ধি উঠা অভিশয় কঠিন। অভএব প্রস্তাব করিয়াছেন, অপরাধীদিশকে শৃত র নিমিত এক দল পূথক এতদেশীর রাগা অভিশয় কঠিব। ইইভেছে। সকলে-ইমত।

উক্ত পত্র বলেন, সিকিমের রাজা ভারত গ এনেটের প্রতি বিশেষ অসুরাগ প্রদর্শন হ উংহার কৃতি বৃদ্ধি করিবার স্মন্ত্রেষ সই অসুরোধানুসাবে স্টেট সেক্টোরি টাকা হংকে রাজার রতি ১০০০ টাকা

লাওটর নামক একখানি উর্দ্রংবাদপত্র , মাড়োরার ও স্ক্রিডে অন্যাপিও এই আহে, যে প্রলে পীড়াশান্তি হইবার সন্তা এই, তথার প্রিডিড ব্যক্তিনিকে জীবি-ার সমাহিত করা হয়। কুঠ রোগাক্রান্ত দিগের ভাগে এ প্রকার মৃত্যু রাজপুত্র-মনেক স্থানে যটে।

রেল ওয়ের নিয় শ্রেণির ইউরোপীয়ের।

ভয়ানক হুইয়া উঠিতেছে: সে দিবস

রৈ প্রধানত্ব বিচারলয়ে এক জব এই

ছরাত্মা একটা শ্রীলোকের মৃত্যুর কারণ

ত দণ্ড পাইয়াছে। আম্মা বোধাই

পাঠ করিয়া অবগত হুইলাম, থল

নিকটে বোধাই রেলওগের এক জন ইউ

য় কর্ম্মারী একটা এডফেশীর খুটীয়ান

कर्क रलारकात कतिशाहि। खीरनाक्षी

हीश्कात कतिया छैठि। शार्थित अक भक्छ अक क्रम आक्रम हिरमम । जिनि हीश्कात आवन करतमः किछ भक्छ क्रम्फ यान्याएक जानमात भक्ष रहेएँ ज्यम भक्ष याहरू शारतम माहे। एटेमरम जानियामां इवाचा शारम मिलिए रहेम। प्रकारितकम आक्रम ७ जीलांक्षी जाहरूक हिनिएक शादिरमम मा। रामन्या कर्मा हातीनियाद मिथिल श्रीक भक्ष कतिरम कि जाम रय मा?

ণ আবণ মঙ্গলবার ৷

গত শনিবার টাকশালের ঘাটে বেরেনিকা প্রেলিয়া নামে একটা খৃন্টীয়ান যুবতীর মৃত দেহ দৃষ্ট ব্টয়াড়ে। এই জীলোকটা ডি, আজনামক এক ব্যক্তির বাটীর পরিচারিকা ছিল। সে এক জন পুরুষের সহিত্ত পলায়ন করিয়া আসিয়াছিল। জীলোকটা হক্ত হইয়াছে এবং পুলিব হত্যাকা-রীকে ঘৃত করিবার চেষ্টার আছেন। চেষ্টার কম্পুর নাই।

ডেলিনিউন বলেন, কলিকাভান্থ কার্নীর বনিকগণ জনরব তুলিয়াছেন, মধ্য আসিয়ার বাবভীর মুসলমান কিছু দিনের নিমিন্ত পরস্পারের সহিত বিবান বন্ধ রাখিয়া একবাক্য হইয়া রুশী মনিগ্রে সুমারশ্রন্দ হইছে বহিচ্ছ করিবার চেষ্টা দেখিবে। কালে বেরূপ হউক, কথাটা আপান্তভঃ মুসলমানদিগের ভানিতে মিষ্ট লাগিবে।

তিজ পত্র অবগত হইয়াছেন, এবংসরের শেবে মাজ্রাজের জে, বি, নটন সাংহ্র মেইন সাংহ্রের পরিবর্তে প্রবর্তি জন্মলের কোঁলি লের আইনসংক্রান্ত সভ্য হইদেন।

উক্ত পরের এক জনংপরপ্রেরক বলেন, জনি নিয়াল আসাইনির হল্তে জনেক দেউলিয়ার সম্পতি আছে। কোন মহাজন এই সম্পতি লইতে জন্তসর হইতেছেন না। আভন্তব ভিনি প্রভাব করিয়াছেন, এসকল সম্পত্তি দেউলিয়া দিগের উত্তরাধিকারীদিগকে দেওয়া কর্তব্য। প্রভাবদী মৃক্তিস্থিত।

ষ্টেটসেক্টোরি ভারতবর্ষের ধাবতীয় সাহা-যাকৃত রিদ্যালয় ও শিক্ষকের সংখ্যা চাহিয়া পাঠাইছেন। শিক্ষকের সংখ্যা কেন্ ইহ্লিদি গের বেতন বৃদ্ধির ফুল কি ফুঠিয়াছে ?

লাংহার ক্রণিকেল অবন করিয়াছেন, ১ গণিত ফিউজিলিয়র দলের লেপ্টনন্ট নিকল ফিরোঞ পুরের সহকারী কমিসনর ওয়েকফিলড সাংহ্বের নামে লাইবেলের নালীশ করিয়াছেন। এক দিন ওয়েকফিলড সাংহ্ব বলিয়াছিলেন, লেপ্টন্ট किरतास्त्रभूरतत स्वित्रभातभारक श्रहात किर लिन। अरहकिन ज्ञाहर क्या श्रीर्थना र किन्छ स्वलंके को हां श्राहर करतन नाहे। स्वलंके स्वत्य श्रहारतत नानी म श्राहन। स्वर्धात श्रुकति स्वाहरत नानी श्रहिन। स्वर्धात श्रुकति स्वाहरत्य नानी स्वर्थित, स्वर्धात्महें श्राह नाहर्यस्त्र नानी स्वर्थित, स्वर्धात्महें श्राह नाहर्यस्त्र नानी स्वर्थित स्वर्धीतमहें श्राह नाहर्यस्त नानी स्वर्थित स्वर्थीतमहें श्रीह नाहरून।

কাদাপা ও কামালপুরের মধ্যস্থিত মা রেলইওয়ের একটা বৃহৎ সেতু বৃক্তিনি ভগ্ন হইয়াছে।

আটণীনিগের গত পরীক্ষার চারি জন হইয়াছেন। ইইাদিগের হইজন ইউরোপীর জন এতদেশীর। হর জন পরীক্ষা দিতে য ৮ ই আবেশ বুধবার। শ্রামনগরের হত্যাকাণ্ডের অনুসং

विक्रिक्ष निष्क रन, छीराता जाशना तिर्शिष्ठ श्रमान कतियाहरून । अधानि म श्रीम्यूषं श्रकाम कता ना रय किन? श्रिष्ठित विक्रास नामीरमञ्ज स्मय ना स्म कि श्रिमार अधानि वर्गरमास्म हिंदित मुमर्शक कतिर्यम ना? जाननाथ हर्हि। कि? किन वर्गिक साम्बासमारत छिनि हिर्द्ध हैन हिल्लन? अधि स्मन मर्मन्न यारक वना रहा।

প্রেরণ করিবার সময়ে মুসেন্টক সরে জ ক্ষুসকান করিবার আজ্ঞা দিয়া থাকেন। নতম বিচারালয় বলিয়াচেন, এটা আইন। এবং মুসেফদিগের সভুমের হানিকর। স্থ ক্ষুসকান করিভে গেলে সরকারী কার্য্যের ংয়। ভবিষ্যতে এরূপ করিভে নিষেধ ক

মুলেকী আপীনী মকদ্দমার পুনর্কিচারের বি

কোঁন কোন স্থলে প্রধান সদর আমী

এ বার বর্ধা অভিশয় প্রবল। এ বংসর জুলাই পর্যন্ত কলিকাভায় ৪৪.১৯ ইং হইয়াছে। পূর্ম ১৪ বংসরে এ সময়ে গড়ে ৫১ ইঞ্চ জল হয়। সম্প্রতি সর স্থাফোড নর্প কোট ভারত

গবর্ণ দেউকে মহীক্তরবংশীরদিগের পের নিয়মের পরিবর্ত করিবার অন্ধ্রোধ করিরা টিপু স্থলভানের খেদকল পোত্র ও দে এক্ষণে হৃত্তি পান, উন্ধারা ভাষাই পাই। কিন্তু তাঁহাদিগের মৃত্যুরপর উত্তরাধিকারী। কৃত্তি ক্যাইয়া দেওরা হইবে। কেন্ট্র টাকার অধিক পাইবেন না। পৌত্রী। মৃত্যুর পর, ভাঁহাদিগের স্প্রানগণকে

(मञ्जूर) हहेदर ना ।

উত্তর পশ্চিমা**ঞ্লের স্থানে স্থানে র্টি হইডে** জ হইয়াছে।

303

লেপ্টনান্ট ওল্ড্ অনেক বেলা খেলি-। यहारकत लाक बाल विरलत होकाव াণা করাতে ওল্ড নিজের নৌকা ছরিয়া তেঃ বালি প্রভেড গমন করেন গ ভৎপবে কপুরের দিগে আসা হয়। পথে কিঞিৎ হওয়াতে লেপ্টনাণ্ট মাঞ্চিকে কয়েকখানি **খণ্ড भकाम क्रिक्र के अंदर्ड द**ेल लिन। র হল্ডে ক্ষত থাকাতে সে তাহা পারিল লেপ্ট্ৰাণ্ট নিজে ছইখানি ফেলিলেন, ্তৃতীয়খানি ''হঠাৎ" নৌকার ভলায় ভে ভাছা ভাঙ্গিয়া অন উঠিতে নাগিল। । ভীরে উঠিবার কথা কহিল > কিন্তু ওলড ভে সমত ইইলেন না ∤}বরং '' আমার জ্ঞ্ব ছে* ৰলিয়া নৌকা মধ্যে শব্ন করিলেন 🕫 ে অসে উঠিয়ানৌকা ভূবিয়াগেল। লেপট ট্লইয়াভিলেন। উভয়ে সভরণ দিতে ালেন । মাজি ভীরে উঠিয়া এক বাঁশ ইয়াদিয়া প্রভুকে তাহা ধরিয়া উঠিতে ণ্য কিন্তু ভিনি অসমত হইয়া ভাহাকে সনা করিয়া একখানি ডিঙ্গি জানিতে বলি :মাজি আংসিয়াদেখে লেণ্টন'ণ্ড অস্ত ষ্ট্য়াচেন। ওলড শেষে আলাহাবাদে দিয়া কলিকভোৱ আনীত হন।

াদরা ক লক ভার আনাত হন। বিধা পাইলে কেহই ছাড়েন না। সূতন া নিয়ম হওয়াতে এক চিক্লিড কমচার া লইয়াছেন ¦ যে, গ্রথমেট আনেককে হলভঃ বিদায় দিতে অসম্মত্ হইরা-

৯ ই ভাবেণ রহম্প ভবার

নাগপুরের ভূতপুর্ব রাজার মন্তব পুত্র ১৮ ৫৭ অফ অবধি বোঘাইয়ের নিকটন্থ চুচর দীপে বোস করিভেছেন। ডিনি কাশীতে বাস ক্রিবার অসুমতির প্রার্থনা করিয়াছেন। সভকন্ন শীকার করিয়া তাহার বিলক্ষণ লাভ হ্ইয়াছে।

বিওডোরের ভিনখানি মর্ণের মুক্ট ও মর্ণ খচিত এক পরিক্ষণ ইংলভেশ্বরীকে উপচৌকন বরূপ প্রদান করা হইরাছে। ভাষার পুত্রটী ইহার মধ্যে পিভার ধাতু প্রকাশ করিভেছেন। অধিক লোকে পুত্তলিকার ন্যায় দেখিতে আইলে শিশুলী বিরক্তিপ্রকাশ করেন এবং রাজপুত্র বলিয়া একট্ গর্ম প্রকাশ করিবার ক্রটি করেন না।

১০ ই আবেণ শুক্রবার।

পঞ্চাবের পর্মন্তীয় প্রদেশের অন্তর্গত মাও বালক রাজা এক জন ইংরাজি শিক্ষকের নিকটো সুনিক্ষিত হইয়া ক্ষবর্গর জেনেরলের নিক্টে প্রীক্ষা দিবার প্রস্তাব করিয়াছেন।

নাগপুর ও ঝারলপুরের মধ্যস্থিত রাস্তার অবস্থা অতিশার মন্দ হওয়াতে হাউরাত আনাশ বিজ্ঞাপন দিয়াছেন, বর্ধার মধ্যে আর ডাকের গাড়ী চালাইতে পারিবেন না। এই রাস্তাট না সর রিচাড টেম্পালের একটা কীর্ত্তিস্তম্পর্কণ ইল।

টক্ষের নবার আপনার এক জীবনহতাতের সহিত লাওয়ার ঠাকুরের মৃত্যুর বিষয় সংবাদ গতে প্রকাশ করিয়াছেন। নবাব বাহাই বরুল আর সিংহাসন পাওয়া ভার। তিনি কেবল করেক জন ধূর্ভ ইউলোপীয়ের উদর পূর্ব করিয়া গণগ্রহম হইডেছেন।

ভালবাট লাইফ ইন্সুরান্স কোম্পানির নিকটে মৃত ঈশানচন্দ্র বস্ত্র পরিবার রীতিমত চিৎকিং সক ও পুলিবের সাটি কিকেট দিয়া ১০ টাকা প্রাপ্ত হইয়াছেন।

কে ও অব ই ভিধা আফাদসহকারে নিজের সেকেলে সুর ধরিয়াছেন। তিনি বলেন, মধী সু রের মৃত রাজার খাতা অসুস্কান করাতে মেজর ইবাল বেলের নামে ১০,০০০ টাকা খরচ দেখা গিয়াছে। গে তের অভিপ্রায় এই, মেজর ইবাল বেলপ্রভৃতি অর্থের নিমিত্ত এতদেশীয় दाक्षांपितत मनक्षां करतन। (कुछ त्थां कतिवारहम। यह वक सर्वत मुख्तीता स्थारकत नारम चत्र जिल्लाः म्वजिषा नवारवत चोषांस सक्तानीय गवर्गस्थित है। होतित मारम अक बात बाब स्वचा जिल्ला कतिभित्र किल स्थानकोती मान्नी? श्रथ विहासन्यत्वत करनक (मृख्यारत चाषांत्र विहासन्यत्वत महत्वारत माणांत्र विहासन्यत्वत महत्वारत मारम् चत्र (नथा प्र स्व विरवहक वाक्ति अनकन ध्वारः वृत्वि भारतम?

🕆 ১১ के आध्यन मनिवात । (छविनिष्ठेन रहन, विविक्शमान কাভার উত্তর বিভাগে ডেব্ৰ করিবার প্রা कवित्र। (स. व्यारक्षित करित्र), जारा जा भवन्त्र रण नारहरक्त्र निकृत्वे श्रिर्भारहेत्र প্রেরণ করেন। হব সাহেব অমত রক্ষা : ८इन नहन्द नाहे। ८± সাংহৰ ভদঃ मार्वनम अधारा कतिशाह्य। छात्रकवरी र्वस्थित । विक्रु कतिरवन, जाहा वाथ हर ভেলিনিউস ৰলিয়াছেল,'' আময়া ধে কাও দেখিতেছি, ভাষাতে বিলক্ষণ বে . ७८६ व्यामासिटशत भवर्गरमन्त्रमूरस्त्र श्रद्धाः ग्रहीमित्मत अं विशेष माहे (य, कांश्राय) अ र्देश मेर्टिक मोजी। इरम्कीय लाकरक -वर्षोष्ठ भवन्द्रमान्त्रेत्र विषयः व्यवशास करामः कर्म व्हेरफुट्छ।" (धा म ८०८वत (यक्क्र प्रथा या**रेएछट**, छाशाउ छिनि इंडेटर ও এত দ্বৈশীর উভয় সম্প্রধায়েরই বিরাগত **१३८वस विमामन (वाथ व्हेटकट्ट)**

उक्त भडा वर्णन, शिक्ष त्राकाणितात भुडा क्वल त्राक्षा उभागि भागित्वन, अर्थ भवर्षर के कर्मकी निश्म कतिहार्णन । व कर्षवा अक्षर त्राक्षा अ क्यारतत इक् श्रीकर्म

বে বাই গেলেটের এক জন পরপের চারলস জাকসনকে করেকটা বিষয়ের অনুষ্ করিতে বলিয়াছেন। তিনি বাবতীয় গে য়াকে জাহ্বান করিয়া উাহাদিগের জবান এংশ করন গভাং। হইলে জানিতে পারি লনেকে দেউলিয়া হায় ে গ কিছে উত্তম ব লাহেন গ্রাড়ী ঘোড়া প্রভৃতিরও জভাব ভী জানা কথা। ইউরোপীয় দেউলিয়া এ প্রাধান্য প্রদর্শন করেন।

ইউরোপীয় সমাচার।

২৫ এ জুন। অদ্কোর মনিটিউর পত্র ব শান্তিভঙ্গের কোন স্থাবনা নাই। প্রিক্স বে য়ন বুকারেষ্ট নগরে উপনীত ধ্ইয়াছেন। কনষ্টান্টনোপলে বাইভেছেন।

কোম্পানি ইটালীয় গ্রণ্মেটের রি ডমাকের ইজারা লইয়াছেন। ১৮৬৯ यत्र ,य अकूशांव हरेट्स, अहे कटत फ:ही र्भ इंहेर्टर । একের খালখনকারী কোম্পানির ইংলও-

ডবেটর দেও সাছেব টাইমসের এক প্রস্তা ভুগন্তঃকরণ একপত্র লিখিয়া বালের ও ভাবী অবস্থার বিষয় বর্ণক করিয়াছেন। ন কতকণ্ডলি লোক লাভ স্থানলির সহিত

করিয়া প্রার্থনা করিয়াছেম, সুঞ্জের বঞ্চোদ ও ইংলপ্তের দক্ষিত্রয়া

ন্ত্রেড হইতে সংবাদ আসিরাছে, নার্বি-(यमकल श्रक्तिवि मातामीक स्हेग्नाइन. া সকলেই ২ত রাজকুষার মাইকেলের

ल द्ध घिलारमव लक्ष ।

इं खूनाहे। ११ ड कना क्रिष्टान वानीरण বাট নেপিয়ুরুকে এক ডেটাক্স দেওয়া হয়। আবাপনার আফিসরদিগের সৃহিত তথায় कतिवाहित्समा भावजनवीम भवन्तमन् াক্ত বিলের দ্বিভীয় ধারাটী ক**মিটীতে** বিবে हिर्दे एक । माज छेहे निष्म म एक श्रीय कति

लन, (ष्टेडेटभट क्रडें। बित क्लेक्टिन व पूर्वापन भर छात्र कार्यकाम अक्स्म कश छिहिछ। স্ব স্থাকোড নৰ্শকোট আপ জি করাজে

প্রস্তাব পরিভাগে করিয়'ছেন। পুর্বাতন ৰ অ'র পঁ:চ বং ার বার্ষি চ ১৫০০০ টাক নে কর্মা করিতে পান, এই প্রস্তাবের বিবেচ नव हे एक: इ नर्शका हे मच ह इहें शाहरना

য়ে সাচেব প্রস্তাব কবেন, ১৫০ ০০ টাকার ক্রেঃ 👀 বেডন করা উটচভা ৭৩

া মতে ও ২৬ জানের অমজে এই সংক্রোধন ব লাখ। হইয়াছে।

বার ই ১৮ ই জুলাই। লাড উইলিয়ম হে ণ অব কম্পে বলেলেন, বর্ষনান টেলেগ্রাফ ্যস্কল দেশ ইইয়া গমন করিয়াছে, সেই দেশের স'হত রঞ্জনীতিসংক্রাপ্ত কোন

ात्र घतित्व ओलकारक मरवान **शाहेवा**त कि स्हेर्या अजनत (मार्टिक प्रयुक्त स्हेरा) তেলি টেলিলাক করা উন্ধার অভিনত।

া প্রতাকেতি নপকোট প্রভুজ্জেরে বলিলেন, র ণ টেলিএফ ভারতবর্ষণর্যন্ত গিয়াছে।

ß তু^র হইতে ভারতবর্ষপর্য্য**ভ**া**সাইমেন্স** পান প্রশিধা, কশীয়া ও পারসং হইয়া lgটা করিভেছেন। সা**ইমেল**, কোম্পানির

ার্রাফের অভি অর'ংশ অসম্পুর্ণ রহিয়াছে। ু অনুনান কবেন, আগগমী এীথা≉ালের এই টেলিগ্রাফ সম্পূর্ণ হইবে। সর স্টাঞ্চোড कांग्रे विलिद्धन, अर्थ हिलिबाक्ष्ट्रे भर्गाश्व

বা এই টেলিএ'ক বিটিশ প্ৰ4মেণ্টের र्व कर्जुद्वाभीरम भारतिरव । स्थितवासम्बद्धः रुहेग्रा যুষ্থ সমুদ্র দিয়া টেলিগ্রাফ করিবার **প্রস্তাব**

ার মতে আবশ্যক। উপদংহারকালে शिक्षां ५ नवरका है विज्ञानन, शवर्रमञ्जे व्याद ভুহইবেননাঃ অভিএব লোহিত সমুদ্রে

টেলিমাফ হয়, উঁহারা ভাষার কোন সাহায্য

ग्रा ভারতব্যের রাজ্য অবস্বায় করি-ना।

लखन ১৪ हे *ख्न*:है। **हेहेहे**खिन्ना हें⊈नाहे |

छिड नार्तिन इस्य नत्र त्रवाउ स्मालग्रतस्य এक ভোজ দিয়াহেল। সর বাটল ফ্রিয়ার ভোজের অধ্যক্ষতা করিয়া সর রবাট নেপিয়রের প্রশংসা করিয়া এক বক্তৃতা করিয়াছিলেন। সর প্রাট নেপিয়র প্রকৃতিরদানসময়ে বনিয়াছেন, আবি-সিনিয়ার যুক্তে বিলক্ষণ প্রকাশ করিয়াছে ভারত বর্ষীয় ও রাজাকীয় দেনালল বরাবর একত্রিভ ধাকিবে। ডিনি বলিলেন, ভাঁহাকে লাভ উপাধি দিবার প্রস্তাব হইয়:ছে; কিন্তা ভাছা গ্ৰহণ করিবেন কি নাজিনি এ বিষয়ে আনেক টিস্তা করিয়া স্থির করিয়াছেন, এক জন ভারত ব্বীয় কর্মচারীর সরুপ জিনি ইছা লইবেন।

वाका थि ७८ जारतक भूज क्षिरमोरध मछ हिया-ছেন ৷

১৭ই জুলাই। সর রবাট নেপিয়র লাড উপাধি পাইছাছেন।

রাজা থিওডোরের পুরুকে রাজ্ঞীর নিকটে পরিচিত করিয়া দেওয়া হইয়াছে।

< - এ জুলাই। প্রতিনিধি মনোনীত করিবার সময়ে উৎকোচ দেওয়া করু, ভারার নিবারণ করিবার বিশ হাউদ অব কমস্বের কমিটি গ্রাহা করিয়াছেন।

(जनामरमत शूनर्करम्म:व छ विषय जहेश्वामा**ड**ी দিগের হউদে জর্ক হইয়া গিয়াছে। কেদ্যিকের ভিউক সর হেনরি ষ্টর্কের প্রশংসা করিয়া এরপ श्रक्तिश्र क्षराभ कतिहार्द्धन शवर्ग्य के डीहारक নির্কিন্দে আপন কার্য্য সম্পাদন করিছে দিবেন। ला ५ ष्ट्रीनिन बिन्दिन्य, खनः (म्राम बोन्निवस्तन ভত্ততে বাসী বলিয়া পরিগণিত চইবার প্রস্থাবের विषया विख्वाङ मार्टव्य वरमनावन्त्र कविर्द्ध क्रिशिक शाष्ट्रेत छ इहेरवस । দুল্মণ্ড হইয়াছেন

গবর্ণমেন্ট যেদকল রেলগ্রন্থের প্রতিভূ ভাষার **इंश्लं और क**िहती काश्य क्रम्न कतिएक शास्त्रम. এবিবয়ে আয়াটন সাংহ্ব আপনার অসীকৃত বিল অর্পন করিয়াছেন।

মঞ্চবার স্রার্ব টি নেপিয়র রাজনীর সভিড ভোজন করিবেন।

শুক্তবাৰ রাজ্মকীয় ইজিনিয়র্গণ উচ্চাকে কাথ হামে ভোজা দিবেন।

শীজ মহাসভায় সুভন সভং মনোনীত করু হইবে, এই আশায় অনেকে প্রার্থী লোকের অপ্রেগভা করিভেছেন।

ইংরাজী আহাজা ঘ'রা অবংবাধ করা আইন বিরুদ্ধ অবত এব ভাহারহিত করিবাব আছে। দেনাপতি আরব্ধন্টের মৃত্যু रहेश्राट्ड । रहेब्राइड ।

২১ এ জ্লাই। গতক্লা প্রিক্স হব ও্যুেল্স সর রবাট নেশিয়রের ক্ষরণার্থ এক ভোজে দিয়া

পালিয়ামেটের উভয় বাসী সর রবাট নেলি ব্রকে ধনবোদ ∤করাতে ডিনি এক প্রধার। फैश्लिएगर निकट कुछ्यका योकात कति यु:८७न । কর্কের একজন বকুক্বিজেভার দোকান

रहेम्राट्ड

त्रिकार ज्यागमन करिएज्टॅइन, डाहान्टिशत (কার ভরাসী লওয়া হইভেছে।

গত রাত্রিছে কম্স হাউদে আডা गार्च्य गर्डे गार्ट्रवर श्रात्रंत्र श्रपुरस्टर ः लन, मिश्स्रमञ्ज लोकपिराय य कष्टे इस्हा ভদ্বিয়া ভিনি ভত্তভা শাসনকর্তার টের প্রতীক্ষা করিভেকেন।

> গর্ণমেন্ট বিজ্ঞাপন। লেপ্টনন্টগ্ৰণ্টেরর ব্দেশাসুনারী

> > निद्योग ।

ত্রা জুলাই। লেপ্টনান্ট থে, জনটে কিঞোড়ের দেওয়ানী কর্মচারীর বিশেষ 🕟 काती हहेरवन ।

৯३ खूलाई। ১৫ हे ज्ञून प्यविधानत प है। के नाक्त्रन का महत्त्व का निकृतिरम् इ मि কলিকাতা মেডিকাল কালেজর বাং জ্ঞেশির ধাত্রীবিদ্যার অধ্যাপক হইয়াছেন।

১৪ ই জুলাই। যভ দিন এম, বি, রচণে तारहर विशाय मध्या अञ्चलव्हिक चाकिरवन, क्षित फर्चलिके. अन. अड, कर्मन नार्ट्य हर প্রতিনিধি পুলিষ স্থাপিনেটগুল্ট হইবেন।

১৫ ই জুলাই। মুকেরের ডেপুটী মাজি ও ডেপুটী কালেক্টর মৌলবী ওয়াজিউলা । গ্রেশির অধীন মাজিটেউটের জগতা পাইবেদ

কলিকাভার প্রতিনিধি কটুন কালেটর বি, কক্ষেণ সাহেব নিজ পদগুণে প্রাণ্ড

১৬ ই জুলাই। যভাদন জে. আমার, মং নাহেব বিদায় লইয়া অসুপাঁত্ত পাকি ভ্ৰতদিন এচ, হাঙিক সাংহ্ব পুৰিধার মিধি সিখিদ ও সে:সিয়ন জ্ঞল হইবেন।

(ब, अन (बो॰ मारहर मूनमिनाराएन<u>त्</u> निधि मास्त्रिके हैं अ कार्यक्रित इंडेरवन।

s त हे खुलाहेटमूत (शटकट) कीश्रेटक वि পুরের প্রতিনিধি সিবিল ও সেসিয়ন কর নিঘুক্ত করিবার যে বিফাপন হয় ভাগ স্ব রা রহিত করা গেল।

যভদিন জেল, এফ, বৌৰ সাহেব উ না হন, ভাতদিন মুর্সিদাবাদের প্রভিনিধি । আরল খালমস্বরি বলিয়াছেন, মাজটোলান মাজিটেট ও ভেপুটী কালেটর দি. এ, সাহেব ভব্ৰঙা প্ৰতিনিধি মাজিটেট 🕏 हेव व्हेर्यन ।

মতদিন এ, জে, এলিয়ট সাহেব বিদায় মন্ত্ৰপঞ্জিত থাকিবেন, ভতদিন ভবলিউ া সাংহ্র দিনাজপুরের প্রতিনিধি সিবিল ও व्रम अञ्च ६ हेट यन ।

কর্নেল সাহেবের অনুপত্মানকালে ভয এম, সাউটাব সাহেব স্তাম্প ও স্টেসনরির নিধি সুপারিকেইতান্ট হইবেন।

भि. फि. फिरकम नार्ट्ड (ब्रॉ**क्टे**) दे লের কার্যান্ডের প্রেসিডেন্সিবিভাগের कें।रत्र को ज कतिरवम ।

(छ, त्रि, ७ अत्रम नाइक्त यानाइरत्त्र कूरेक छोन रहेए जायकन लाइक कारम निधि निनित्त अध्यक्तिम सम्बद्ध हो दन।

প্রতিনিধি অতিরিক্ত জ্ঞাহইবেন। স. সি. ষ্টিবেন্স সাহাবাদের প্রভিনিধি মাজি ও কালেইর হইবেন। বেলিউ, এচ, বার্ণার সাহেব সাহাবাদের নিধি জাইন্ট মাজিক্টেট ও ডেপুটী কালেইর ৪ পরগণার ডেপুটি মাজিকটেট ও ডেপুট केंद्र क्यात श्रद्धक कुक कि हू निरमद निःमङ লদহে বিচারকার্য্য নির্দাহ করিবেন। ল, মনরো স'ছেব রেবেণিউ বোডের প্রতি জুনিয়র সেক্রেটারি হইবেম। हे जनाहेरवृत्र भारकरहे ७४, ७, कर 🖙 न पटक **এই পদে নি**যুক্ত করিবার যে বিজ্ঞা ষ, ভারা এড আর্নারহিড ঃইল। ল, ওয়েস্টলাও সাহের যশোধরের প্রতি मास्टिकेटे ७ कारल है। स्टेर्यन । জ, এ, হপকিকা সাহেব নদ'য়ার প্রতিনিধি ট মাজিটেট ও ডেপুসী কালেকর হইবেন। इकाती मास्ति एके है । कार्य हे है (स, अह ট সাতে্ব রাণীগঞ উপবিভাগের ভার াব :কুড়াতে মাজিকেটেট ও ডেপুটা কালে ক্ষরতা পাইবেন। ভপুটি মাজিক্টেট ও ভেপুটি কালেকটর বারু ানাথ দে কালন। উপবিতাপের ভার াএবম তেণির অনীন মাজিকেটেটেরও মুনে সমর্পণ করিবার মকস্মার প্রথম বিচার ার ক্ষমতা পাইবেন। ্, ই, লুইন সাছেব রঙ্গপুরের প্রতিনিদ্ধি ণ ও সেসিয়ন জ্ঞা ইইবেন। ख, अकिनरन मार्ट्य मानम्रह्य अञ्जिमिन (केंद्रे ७ का(मर्टेन स्हेर्यम । া, সি, কুটন সংহেব যগোধরের প্রতিনিধি हे मास्त्रिक ७ (५ शुष्टें क! त्व हेत हहे (वन । ডপুটি মাজিটেট ও ডেপুটি কালে**ট**া ই, ডাফু সাহেৰ জীৱামপুর উপবিভাবের ভার া মাজিটেটের ক্ষতা পাইবেন। ল, সি, প্রাইস স'হেব বাধরগঞ্জের প্রতি भाकि (केंद्रे वे कारलक देत १ हेर्दन। 5, क्लार्क मारहर मध्यमनिर्देशक आफि.नि.वि बाधिष्टुरे व (इन्हें कार्नहा इहरवन। পরগণাব ভেপুটি মাজি: টট ও ভেপুটি টুর বাবু শিবপ্রদাদ সালাল কিছুদিনের ারাসত উপবিভাগের ভার পাইবেন। 🔾 অনুধাই, বডনিন ডব'লউ. ও, এ, मारह्य। विशास महिशा अञ्ज अंकि **इंडिन (नल्डेनाक्ते हैं, धन डि. ला**ड़ी व প উপ্রিভাগের ভার পাইবেন। পরগণার প্রতিনিধি আইটি মাঞ্টিটেট कि कारनहें। हे, रख, ब उन मार्ट्य ५৮१० 🕽 🕫 😘 ५ ५२ च्या 🕶 व्या है स्मर्थ । अ'भीन अवन कतिएक भातिर्वन। -ইজুল'ই।নিমুলিখিত ব্যক্তিরা দেবগ वेक्षाः लक्ष्मात्रञ्जातः त्रञ्जः रहे (वन । বগড়ের সহকারী কমিদনর **পদ্ভ**রে। त्र वन गार्छन , एमन भरहरा। কোরা মাছেটেট ও কালেটর ফিচু

চি, ডবলিউ, আলেকপ্রপার বাহেব যশো, টাইন্রি সাহেব শুদ্রক উপবিভাগের ভার প্রতিনিধি অভিরিক্ত কলে হইবেন। পাইরা মাজেটেটের ও প্রধানতম বিচারা-স. সি. টিবেল সাহাবাদের প্রতিনিধি মাজি ল্বন্থ সে সিয়নে সমর্পুণ করিবার মকত্বমার ও কালেটার হইবেন। প্রথম বিচার করিবার ক্ষমতা পাইবেন।

২৬ এ জুলাইয়ের মধ্যে রঙ্গপুরের দিবিল ও সেনিয়ন অক্সের পরান্ধকারী যদ উপনীত না হন, তাহা হইলে তিনি নিজ কর্ষ্যভার তব্রত অধস্থ অঙ্গের হস্তে দিবেন।

আর, এচ, পদি সাছেব বালেখরের প্রতি নিশি মাজিকেট ও কালেটর হইবেন। ১৫ ই জুলাইয়ের গেজেটে ভাঁহাকে হুগলির প্রতিনিধি মাজিটেট ও কালেটররূপে নিযুক্ত করিব র যে বিজ্ঞাপন দেওয়া হয়, ভাহা এভস্থার। রহিভ হইল।

যতনির আর, বি, ক্রেল সাহেব সরকারী কার্যোপলকে স্থানাস্তর থাকিবেন, ভতনির ই, জে. বাটন সাহেব গুলিলির প্রতিনিধি মাজি ফ্রেট ও কালেক্টর চইবেন।

এচ, এস. বীডন সাহেব ২৪ পরগণার প্রতি নিধি জাইট মাজিটেট ও ডেপুটি কালেইর হইবেন।

ডেপুটি মাজিটেট ও ডেপুট কালেটাইই ই. এম, রিলি নাহেব কুইীয়া উপ বভাগের ভার পাইয়া মাজিটেটের ক্ষমতা পাইবেন। ভিনি আর ও ভব্রতা প্রধান কট্টম কর্মতারী হইবেন।

দেবগড়ের সি.বল আসিষ্টাট সার্ক্তন ও সব আসিষ্টাট ক মসনর ভাকের আর, সি. চক্ত সাওভাল পরগণার প্রথম শ্রেণির অধীন মাজি কেটের কমভা পাইবেন।

२० अ सूराहै। नियुनिधिक कन्प्रशिक्षिण धरम ७ विकीय उद्योग श्रांकिनिय मास्त्रिके ७ कारमञ्जूद इहेरवन:—

প্রথম (অন্তি, (ইং'তে ১৪ চী প্রতিনিধির প্রস্থাত হেঃ)

এচ, হাজি সাহেব।

ই. ই. বুইন "।

এচ, ডে, রেনলড্স্ »।

এচ, বেল "।

ডবলিউ, এস. ওয়েল্ন "।

ডবলিউ, এস. ওয়েল্ন "।

এ. শ্মিল »।

এ. শ্মিল »।

মি, টি, মেইকাফ "।

টি, ডে, সি, প্রান্ট »।

ডবলিউ, এচ, ডিঅইলি "।

সি, বি, গারেট "।

(জ, এস, পাক "।

(জ, এস, শাক ″। পি, এ, হৃষ্ফি, ৯।

এন, এস, আলেরজভার "।

জে, মনবে। "। ভিতীয় জেশিতে (ইহাতে ১১টী প্রতিন ধির পদ কিছু দিনের জনঃ খুন, আছে।

खर्वामक, अटब्रव नाटक्व। এচ, नि, नमत्रनाखः।

है, बह, छहें। तिमङ् 🥷। টি, এফ, বিগমলড 🔭 🛚 ডবলিউ, আর, লগর্মণ । प्यान, कि, शहेय, अम, अ। अठ, ति, वि, ति. (ववान *। জে; সি. গেডিস⁹। है, जि. (मंक्रिपूद्र " 「呀, (耳刺耳 ң | ডবলিউ, ইয়াড ৫ এম এ। **फर्वनिष्ठे, (क्वन** "। (জ. এগ, আরম্টও ": নিয়ুলিখেড কৰ্মচাইলণ ছিডীয় (श्रांक निर्देश हो है मास्त्रि के उन्हों है । हैंद्र इंहेरवन। (अहे तकन अन किছु वि নিমিন্ত দূন্য আছে)। 45, FT \$ 717, 30. জে, এ, ছপাকদা ১। সি, সি, কুইন 🖭 ভৰ্নিউ, এচ, বাৰ্গার ^হ। এচ, এস, বীডন ৫ বি, এ। ডবলি**উ, এফ, মিয়াস** "। (क, कांब, श्राटन के 1 জি, (জ, এস, হছকিলান °; জে, জি, চারলুস্ 🔭 🛚 প্লে, এফ, ব্ডিবন্স ১। এ, ম;শ্ৰম ১ |

২১ এ জুলাই। কিজেড়ের দেওয়ানী চারীর বিশেষ সহকারী লেপ্টনাও জ্বক কটকের কর্মমহলের সহকারী সুণারিটে হইয়া মাজিকেটের ক্ষতা পাইবেন।

্ যত দিন বাবু কমলাকাস্ত চক্র-বড়ী বি লইয়া অনুপঞ্জ থাকিবেন, ওড় দিন বাবু চরণ বন্দ্যোপাধ্যায় ত্রিপুরার অন্তর্গত জ্ঞা দীঘীর প্রতিনিধি মুক্ষেক ২ইবেন।

লোহারতগার সাটি ফকেট টাক্লের আ বাবু গোপালচন্দ্র মিত্র, ১৮০৩ অব্দের ৯ ব অসুসারে তথায় ডেপুলি কালেইরের ক পাইবেন।

পালা মাউএর সহকারী পুলিষ স্থপ গুলিট জে, এস, লান্মিন সাহেব যশোংধের গাঁড খুলনাডে বদলী হইবেন।

এচ, টমসন সাহেব চট্টগ্রামের সহকারী কালেটার ও বন্দররক্ষক হইবেন , কিন্তু ব ডভঃ প্রতিনিধি কষ্টম কালেটার ও বন্দর ধাকিবেন।

(स, छवलिके, अशास्त्र महिन्यास्त्र निधिनक्कारी कर्डम कास्त्रहेत ও उक्तर क्टेट्रन।

নিমুলিখিত প্রজিনিধি ডেপুটী মাজিই ডেপুটী কালেইরদিগকে নিমুক্ত করা গেল ষঠ প্রেনীতে সম্পূর্ণরূপে নিমুক্ত করা গেল বাবু অমৃতলাল পাল বি, এ. ভাগলপু " যোগেশচক্র মিত্র এম, এ মালং নিমুলিখিত ব্যক্তিদিগকে কিছু দি

নিমের লোখত ব্যক্তিদগকে কিছু দি নিমিত ভেপুটি মাজিটেট ও ভেপুটি কার্ ক্লপে নিযুক্ত করা গেল:-- বাবু অল্লাপ্রসাদ বোষ। যত দিন বাবুর্জ-विद्यानाथाय विद्यय प्रवकारी कार्यान **१ क**े नो खत था कि दवन, ख फ किन कात, जि, নলটন সাহেব, ৰাবু দীভাকান্ত ঘোষের পরি র্চ । বাবু অন্তলচজরে চট্টোপাধ্যায়র বাবুহর নী মু:ধাপাধ্যায়ের পরিবর্ত্তে।

উল্লিখিত কর্মচারিগণ পশ্চালিখিত স্থানে क्या विक्रीय (अधीत काबीन माक्रिटकेट्डेस তা পাইবেনঃ--

মেনিবীপুরে। ব'বু অৱশপ্ৰসাদ 'ঘাৰ আর, সি, হানিলটন সাহের চাকা বিভাগে। বাবু অতুলচন্দ্ৰ চট্টপাধ্যায় চট্টগ্ৰাৰ বিভাগে ৷ ১০ই জুনের গেঞেটে বাবু অবিনাশচক্র বি, এ পাটনা বিভাগের এক জান প্রতি ডেপুটী মাজিটেট ও ডেপুটী কালেইর য়ানিবুক্তকরিবার যে বিজ্ঞাপন দেওয়া হয় ারহিত হইল।

আমাদিগের আঞুলিয়াত কংবাদ তা লিখিয়াছেন।

১৷ কএক সপ্তাহ অভীত হইল, ''আৰু । হিটভ্রিণী সভার অধি**বেশন হই**য়া াছে: সভাগণ এবং আমস্থ কজিপয় সহস্থয় মহোদয় উপস্তি থাকিয়া সভার কার্য্য লে করিয়াছেন । হিতৈছি**ী সভার পূর্বা** gtলিত এলেট মহাশ্বনিগের **নাম ই**তি র্ম কএকবার সোমপ্রকাশে প্রকাশ করা হইয়া :. এক্ষে এই অধিধেশনে যে কএক জন জুচ হইরাছেন, আঁহানিলের নাম নিয়ে বলি भक हहेता

বাৰু কাঠিকচন্দ্ৰ চট্টোপাধ্যয় কলিকাভা

P विद्यामविकाती हृद्धी भाषाम्य भ कात्रहास वास्त्र ।

" যভেষ্ব চড়ে।পান্যায় কুফারগর কালেজ। ২। শান্তিপুথের ইংরাঞী বিদ্যালয়ের কভক ণ অহিতকর সংবাদ তাৰণকরিয়। যার পর ত্ব বিত্ত হইলাম। শুনিলাম উক্ত বিদ্যালয়ের ন ও দ্বিতীয় শিক্ষক মহাশয়েকা সম্পাদক শয়ের সহিত কলক করিয়া ভবায় স্থার টা শুভয়ে কুলা করিয়াছেন । বিদ্যালয় এত দিনের পর চরমকাল উপস্থিত। শান্তি ষেরূপ প্রকাণ্ড আম, ইহাতে অসূত্র ২০। ২৫ গার মর লোকের বর্গাত : এখানেন একটী গাবর্ণ ট আছুল হওয়া একাজ্য কর্ত্রা। গ্রন্থেট উক্ত য়ে আমাদিগকে নিরাশ কার্য়াছেন, তথাপি গ্যাকৃত বিদ্যালয়দীর হারাও অনেক উপ

কেইডেছিল। প্রতিবংসর প্রবিশ্বং পরী

র ছাত্র দিগকে একপ্রকার উত্তীর্ণ চইতে দেখা

शिवारकः भिक्तक महाअवस्थितत कार्यः सक्क छ। [†] গুণে বিদ্যালয়ের যশোরাশি ক্রমণ দিগস্থাপী হইয়া উঠিতেছিল, কিন্তু কি বিপদ!!! অক-স্মাৎ কোপা হইতে ভয়ানক কল্ছ বাভ্যা উপ व्युष्ट ब्हेम्रा व्यामानिश्वतः व्यामानसः अक् कात्य উৎপাটিত করিয়া ফেলিল। এই বিবাদের মূল कि ? (कम्हेवा भिक्कक महाभुरप्रदाः मण्यासक महा শরের সহিত কলহ করিয়া শতরে বিদ্যালয় স্থাপন করেন এবং ,কেন্ট্রা সম্পাদক মহালয় मिक्क महामध्मित्रक अन्न व्यवसाममा करतम ? कामाहिरात गरेक पुर्वाष्ट्रपुर्व सर्भ देशत कप् সন্ধান করিয়া দেখা উচিত। বিদ্যালয়ের অধ্যক্ষ-সভা ইহাতে দৃকিপাত করন, এ বিষয়ে যদ্যপি मन्भानरकद साथ लक्षिक रंग्न, कारा रहेरन कात এক জন স্থানিকিত সক্ষয়িত্র ব্যক্তিকে উজ शर्म बहुन कहा विषय । ज्याद यमि निक्क महा भवनिरात हेहारज अभवाध शारक, जाहा हहेरल खाशामिशाक ऋंग रहेएछ विनाय निया जना जना मिक्क नियुक्त करूम। मञ्जूबा এक्क्र शार्थ अन् রের দও হওয়া কোন মতেই যুক্তি সিদ্ধ নহে ৷ ছবিবপুরের ইংরাজী জুলের সম্পাদক প্রতি ना जिल्लात करे कार् २ में विकास हरेटन के जा বে উভাগেরই অনিষ্টের মূল হইয়া উঠিবে ভবি ষয়ে অণুমাত্র সদেহ নাই।

৩। আমাদিলের রাণাখাটের ভেপুটী মাজি ক্টেট বাবুমহিমচজন প্লে বনগ্রাম সংকুমার ভার পাওয়াতে তাহার পদে কৃষ্ণমগরের ডেপুটী মাজি ্টেট বাবু দ্বারকানাথ দে বাহাছর আসিয়াছেন। ইনি বছদিবসাবদি উক্ত কার্য্য করিয়া একণে বেলক্ষণ পারদশী হট্য়াছেন। ইতি মধ্যে এখানে এক জান প্রসিদ্ধ মোক্তারকে কোন অপরাধের নিমিস্ত হাজত দেওয়াতে উক্ত মহকুমার ঘাবতীয় মোক্তার ভাষার ভয়ে দশক্ষিত হইয়াছেন!

৪ ৷ ২৩ নিয়া আহলাদিত হইলাম যে, রাণা-चः द्वित हे १ तो की विकास न द्वित न परका कात कहे वात প্রস্তাব ইইয়াছে। কএক জন অযোগ্য শিক্ষককে ऋ ल रहेट छ विषान्न मिन्ना छ। रामिट शत भएन ज्यनः । সুশিক্ষিত শিক্ষক নিযুক্ত করা হইভেছে।

< : সম্প্রতি পবলিক ওয়ার্ক ডিপাটমেন্ট হ্ইতে এদেৰের জনেক গুলি হিড**ভ**র কার্য্য मन्नात रहेवात डिशक्तम रहेबाट : कडक्छिन খাল কাটাইবার প্রজাব মঞ্রহইয়া আসি-য়াছে। নদীয়া জেলার মধ্যে রাণাঘাট সব ডিবি জনের অধীন বয়ং বিহতে মালিদা ও কলাই-ঘাটা পর্যান্ত যে খাল্টী আছে, ভাষার সঙ্কো দ্বার করাও একান্ত আবশ্যক। এই স্থানে পূর্ফো जिल्थनामिनी कनकनमा थवल ছिल्न। अह বছনদীটীর উপর কডকওলি প্রসিদ্ধ ভট व्याद्भ, खथांत्र अञ्जल कलकष्टे स्त्र, या कारन ভारामिरभन्न ब्लीवन धान्न कहा हु হইয়: উচ্চে।

৬। কুঞ্নগরের সেগন জ্ঞানুত্র ম্য নল সাহেব বিদায় লওয়াডে ভাহার পদে উ লুইদ সাহেব আদিয়াছেন : ইনি ডাড ও সং রুক।

৭।নদীয়া জেলার অভ্রগত কোভো থানার অধীন কএক থানি গলাভীরক্ত প্রামে (প্রেসিডেন্সি ডিবিছনের কমি শ্রীযুক্ত চাপমান সাহেবের প্রস্তাব মত 🔾 मिन्हे इहेटल वारिश्त कार्या जातल इहेग्राट्ड

৮ : আপুলিয়ার ৩ মাইল পশ্চিম ম পোডা ব্রামে কভিপন্ন কুতবিদ্য যুবক মি ছইয়া এক**ল গবৰ্ণমেট সাহাধ্**কৃত ইং বিদ্যালয় স্থাপনে যমবান হইয়াছেন ৷ শুটি ভাঁহারা সাহায্য প্রার্থনা করাতে উহার নি क्हेब्र डिक्रियाह्म। कि व्याश्वर्धः मानिए অপেকা হবিবপুর কি প্রসিদ্ধ স্থান ? মালিপে গবর্ণমেন্টের সাহায্য দেওয়া একান্ত ক ইছার নিকট আহেন ১০ ৷ ১২ খানি ভয় আনাছে। হবিবপুরে সাহাব্য হইয়াছে বলিঃ भामिरপाछात्र इहेरव मा ?

৯। গত ১৫ ই খুলাই বুধবারে আমাদি **मिल्डेबान्डे गर्व**र्वत जीवुक ्य गार्ट्य देखा আসিয়া পৌছিয়াছেন।

১ । कञक पिरम इहेल आयोक्तित ही টের ডেপুটি মাজিটেট জীবুক বাবু ধারব म बाहाइत अ श्राप्तात हेनराका हिन মাষ্টার বাবু দীনবন্ধু মিত্র এবং গুরুটে নিং সমূহের ডেপুটি ইনস্পেটর বাবু নবগে वटन्मः। পाधाः प्रश्नामः व्याञ्चलितः वक्षवितः উপস্থিত হইয়া বালকদিগকে পরীকা ব कास्तान धकाम कविष्ठा विद्याहरून ।

११। अरमरम हाहिल श्रुकारशका इन रहेशाद्य । भवर भटनाव नक्ष्म वस्त्र ।

আমরা এলাহাবাদ হইতে নিঃ থিত সংবাদগুলি প্রাপ্ত হইরাছি।

क्रिक्रम प्रश्रापत विषय এই एव, এখানে खून (भाषवात्र त्राट्य (व वृक्षि व्हेत्राहिन, प একালপর্যন্ত আর হৃষ্টি হইল না। পুনরায র অভ্যস্ত প্রাছ্ডাব হইয়াছে এবং মড়কও कांत इडेश्वारङ् । क्रमणः क्रुधिक। एर्यः, त्र-नमप्त িইটেডেডে দেখিয়া কুৰকগণ **হতাশ হই**য়া তছে। মহাজনগণও অস্নার্কিড দেখিয়া আশক্ষায় কাপনাদিগের গোলার ডার প রুদ্ধ করিভেছেন, সুতরাং ক্রমশঃ গল স্মাল্য হইতেকে।

ং'ও একটি সাম¦ন্য ছঃখের বিষয় নয়. কৈছের সময় আমার গভ পরশ্ব এই র সময় এখানকার একাউটেউ ছেন ক্ষেত্রের নিক্টবন্তী একটা স্থানে অগ্নিকাও शिश्लाद्य ।

বংসর এখানে জন্যান পাঁড়া অপেকা পীড়া অধিক হইতেডে।

খানকার মিউনিসিপাল কমিটি ইংরাজ য় ময়লা দেলিবার অবস্থবিদানিবারণাপ নিয়ন করিয়াছেন যে, কতগুলি করিয়া ভুর ফার্ম সকলের নিকট পাঠাইয়া দিতে যখন ময়লা ফেলা গাড়ছান কোন অন্যায় a. ভবন সেইফার্মেডে দর্বাস্ত ক্রিয়া যালে মিউনিসিপাল কমিটিডে পাঠাইলে য়া ইছার বিশেষ ভালারক করিবেন। মহা-ইংরাজ টোলায় ত এই প্রকার ব**ন্দোবস্ত** ছে, এখন বাঙ্গালি ও হিস্ফুস্থানী টোলার বেলাধায় না।

আমাদিগের ছাপরাস্থ শংবাদদাতা য়ে**ছে**ন i

। তৃক্তির অভাবে হৃক্টিনাশ হইবরে উপক্রম ছে। চহুৰ্দ্ধিকে ত্ৰাহি আহি শব্দ হইতেচে. দৰ: ভৃষ্টিন!শক: ° এ বাক্টী আৰু আছেৰ া ভাপমনে বলে ১১৫ ছইডে ১২১ : পার**দ উঠিতেছে** গুলাউঠাপ্রভূতির হেরও ত্রণটি নাই। এখ**েন ছডিক হ**ইবার স্**স্থাৰনা। গ্ৰ**ণ্মেন্ট এই স্মন্তে **গু**দাধ্বান এবার বেহার বুঝি উ ড়িখ্যা হয় !!!

৷ এখানকার মুদলমানেবা সকলে মিলিয়া । মধ্যে নোমাজ পড়িরা **ঈশ্বরকে ডুষ্ট** , রুষ্টি করাইতে, ইহা এটার করিয়া ক্রমশঃ াণ দিবস এই রৌচে মাঠের বধ্যে যুখ য়েনোমাজ পৈড়িতেড়েড কিন্তু এ পর্যাস্ত d•ছু-ও বৰণ হইল ন'। ইহাতে মুস্লমান 'র মুখ (দখাইতে পাচে না। (ধাদা যদি র 'কীটী। ছই চারি র^{লি} করেন, মোলাদের (१८कः ।

৩। আসরা আপনাকে লিখিয়া লিখিয়া ্তান্ত হইলাম, আপুনি একবার এখানকার র্ণমিটান স্পালসংক্রাস্ত অরাজকভার সংশো ধনের চেষ্টা করিলেন নাঃ কিন্তু জগদীশ্বর আছেন, এখানকার দয়াবান্জজ বালফোর मारहत किছू किছू खानिया, शहरकार्ट अवर গ্রব্মেটে রিপোট করিয়াছেন, অসুসন্ধান হুইলে জনেকেরি ভুর ভাঞ্জিয়া বাইবে।

षां मानिरात रशांशां नियत क् मः वानः দাতা শিথিয়াছেন।

ভৈ,ঠ মাদের শেষে কিয়ৎ পরিমাণে র্শ্টি হওয়াতে মনে করিয়াছিলাম যে, এখানকার ্রীক্ষের কথা যেরূপ শুনিয়াছিলাম, এবার বুরি দেরপ হইলমা, কিন্তু সংস্রতি আমার সে সংস্থারও হর হইয়াছে। অব্য প্রায় আঘাড় মানের শেষ হইল, অংখচ এক বিশ্ব ভাল নাই: " লুব^ত প্ৰভাব পুনবায় প্ৰাহ্ছতি ংইয়াছে। अम्रित मृत्य लाटकता उठेक इरेग्नाइ अदेश (करञ्जू नम्)त्रकल श्वक्रश्रास स्ट्रेट्ड । मह भग्न । व्यञ्जेष्ट (कोटकता करहर्य अवारन अक्रान वकाल (अभावृष्टि) कथन हे इस माहे। रक्तरमरण क्रम भरत ना अशास्त्र क निरुक्त करने द नाम नाहे। ঈশ্বের গৃঢ় অভিপ্রায় বুঝে কাহার নাগ্। এখানে একে দ্রগাদি অভ্যস্ত মহার্ঘা, ভাহাতে আবার এই অনার্টিনিবন্ধন ব্যবসায়ীরা আরও মহায়, করিতেছে ।

২। গত ১৪ এ আবাচ সোমবার সক্ষ্যা ৮ ঘাটকার সময় অধামাদের ইংরাজী সভার প্রথম দায়ংদরিক সভা অভি সমারোহপুর্বকে সম্পন্ন ঙইয়া গিয়াছে।

০ : গত ২২ এ আঘাচ শনিবার সন্ধার সময় একটী শোচনীয় ঘটনা সংঘটিত হইয়াছে। মেজর কুকসাহের ও বেপ্টনাট ইর্থসাহের একপানি নৌকা কৰিয়া মুবার নদীতে বিচরণ করিছেভিৰেন। এখন সময় কটিকা। উপিত হও शास्त्र (मोक। ललमम इडेल এवर छूडे छान छल्मम इ**हेरलम**ा कुक मारहर व्यानक गरष्टे **डिका**त इहेग्री (इस) किन्न देशः मारहव चात ऐतिएक भातिरमा না বিদেক অপুস্কানে রাত্রি প্রায় এক ঘটি কার সময় উহিার মৃত (৮২ পাওয়া যায়। ২০ এ রবিবারে উপাসনাও সম্মানের সহিত উছোর ; উছোর জাই গর ও অন্যান্য বিষয় আছে। সমাধি হটয়া লিয়াছে। মহাশয় ইংরাজনের তিন পুত্র, জেও বেনারস কালেজে ব ষেরপে বন্ধ পরিচ্ছদ ভাষ্টে সম্ভরণ জানিলেত ইনি কভ দিন এখানে থাকিবেন, বলিতে ছক্ত পদ চালনা করিবায় যোনাই। শুনিলাম 🗐 না।

ऐप्रः সাতে व मख्यत्र सानिएडन, भूतात তাদুশ ভয়ানক নছে, কেবল পো मक्रम है डिटिंड शास्त्रम माहे।

Enter the Special part of the second section of the sec

8 । महानवः क्रमाणि (हारतत श करम नाइ। मिक्किकि शकुष्ठि नकरन অত্যাচ'রের কথ: ৩ নিয়াছেন ও নান উপায় করিতেভেন। কিন্তু কই কিছুই তেছে না। ইহার কাবণ কি ? অনেক সাং वात्रवाराज्य कृति व्हे (७६६, हेवांद्रा क्यू চৌকীধার নিযুক্ত করিতেছেন গ তথা পি भन **ब्हेर**ङ भातरङह्म मा । একে उ মহাধী, ভাহাতে অনার্টিনিবজন महाची इंहेटफ (इ. श्रीन (यह अहं ओ) कांट्र '' মগের মুলুক 🖈 ২ইখ়াছে। '' যাচ'র ভাছার বাজ্য; "

ছটী আশ্চর্য্য চোনের কথা শুরুন। এ ব্যাভাβর্ণে আবৃত হইয়া এক সাহে্বে अवनी (हात अर्दिभ कतिवात हिर्माश व ছিল।রঞ্কেরা ক্যাত্মের ভয়ে প্লায়ন ক অবশেধে কএক জন মিলিত ইইয়া লাস্ট্ৰ ভাড়াভাড়ীকরাকে চোর ব্যাল্লের ন্যায় চতুম্পদে ভর দিবার তুল্য দৌড়তে ল: অবশেষে নিভান্ত বিগতিক দেখিয়া দত **হইয়াবেলে দৌছিয়া বনমধে প্রেশ** ক ভার একটি (চার বড় চমংকার। এং

কোন কুধক মস্তকোপরি ঘাদের বোঝা করিয়াগরুটী এক গাছিদীয় রসিধারা যে বন্ধন করত যাইতেছিল। গরুটীর গলায় ঘণ্টা বাধাছিল : চোর গরুর গলা হইতে কাটিয়া আপনি লইল এবং গরুটীর গলা কাটিয়া ভাহার সঙীর কাছেদিল, সং লইয়া প্রস্থান করিল। চোর গরুর ন্যায় বাজাইতে বাভাইতে কুষকের মঙ্গে নঙ্গে চ कुगरकः, मस्डरक रहासा । तम काम मिरक ক্ষেপ করিতে পাবে না। এই রূপ য যাইতে যখন গাক জদুশ হেইল, তখন চো ককে কছিল আমি ভোর দাঁড় ধরিয়া ভোর কভ দুর যাইব। এই বলিয়া সে দৌছিয়া য়ন করিল। কুষক এই খাপার দেখিয়া বি প্রথিবিষ্ট ইইয়া অবাক কইয়া রহিল ৷ স

৫। ৩০ নিলাম দিনকররাও উছোর ব আসিয়াছেন ! লক্ষর সহরে তাঁহার বাটী, এ

ধরিবাব কেনে উপায় করিতে পারিল না।

खितिक अवश् क्यांक्रिय (योटम्ब केंग्रान वृद्धि एक, यनि इवे ठावि नियम्ब मरगा दृष्टि ना एव

নিক্চয়ই এবার আর রক্ষা নাই। পাঁচ দিন হইল, মজঃফরপুরের ২৩ ক্রোশ **वरक्का बारम এक्की अक्टलपूर्य अक्**ख अश्योत रहेबारह । के निवन (वना **आ**ञ्च-ক জিনটার সময়ে সহসা মভোমওল বরণে আনভ্ন হইয়া চারি দিগ অক্ষকারময় উঠে এবং ঘোরতর ঝড় ও ভাষার সঙ্গে বারিবর্ষনের ন্যায় ডেম্ম ও অবঙ্গর বর্ষণ তথাকে। এইরপ হার এক ঘটা কাল ছিল। পরিশেষে দৃষ্ঠ হইল, সর্বান্ধান ক্রম ও রে ব্যাপ্ত হইয়াছে এবং স্থানে স্থানে ভ সম স্বার অসুপাকার পণ্ডিও রহিয়াছে। এরপ ত ব্যাপার কেহ কখন দেখেন নাই ও শুনেন । কেবলমাত্র বহেডাক্রামে হয় নাই, উহার ধ্যে অপর ডিনথানি ক্রামেও ঐরপ ভক্ষ সার হৃষ্টি ইইয়াছিল। কি কারণে এবভূড ড বর্ষণ হইয়াছে, অন্যাবধি ভাহার কোন ভা হয় না৷ শুনিলাম কছেড়া আন্মের

ন্তর গন্ধকের গন্ধ আন পাওয়া ধায়।

এখানকার কালেইর ও মালিইটে এইচ. এ,

লল মহোদয় কিছু কালের জনো রেবিনিউ

ভর জ্নিয়র ষেকেটারীর প্রতিনিধি হইয়।

দিগকে অনাথ করিয়া ঘাইতেছেন।

মা ককেলের ন্যায় ভন্ত, স্বালয় বিচক্ষণ

মপ্রকৃতি এবং দ্যালু রাজপুরুষদিগের

অভি অল্লই দেখিতে পাওয়া বায়। ইনি

দিন এখানে রহিয়াছেন, কিন্তু এপর্যন্তে

রা এক মুকুর্তের জন্যও অন্ত্র্মী হই নাই।

বে প্রার্থনা করি, ইনি যেন আমাদিগকে এক

ভূলিয়া না যান। ককেল সাহেবের অন্ত্রা

१८४६ এकनी इंटन्स च्याट्ट, छेड़ांत कटन

তে আগপনার পুর্ম থভাব রাখিয়া আসি-

ত্ৰিভ্ড। ১৬ ই জুলাই ১৮৬৮।

3

মহাশস্থা অপিনার ১৩ ই জুলাইরের সংবাদ পত্রের বিবিধ সংবাদ পাঠ করিয়া জানিলাম, আগষ্ঠসফিলিপ সাহেব সংবাদপত্তে লিখিয়াছেন ১৭ই জুলাই শুক্রবার বল অবাতে ভলানক ঝড় इ**हेरव अर**नरन यक्तिल खळ मृत इत्र मार्ड वर्ड किख ভিলকাঞ্নগোচ হইয়া গিয়াছে। গভ ১৭ ই জুলাই শুক্রবার অভি প্রভাবে আকাশ মণ্ডল মেঘাদ্যুল হইয়া বিশুলু বিশুলু হৃষ্টি পড়িতে আরত হয়, কিয়ংকণ বৃক্তি হইয়া থামিয়া ষায় কিন্তু অহাকাশ মণ্ডল হোরভর ঘনগ টায় আনার্ভ হইয়া রহিল। দিবা ১ । ২ টার সময় ঘনঘটার গভীর গভন সমূভ্ত হইয়া রুষ্টিপাত সহকারে দক্ষিণদিক হইতে প্রবল ৰাভ্য উবিত হইয়া একবারে চারিদিক অস্ক্রকারে আচ্ছন্ন করিয়া তুলিলা ৷ তলশ্নে সকলে ভাবিতে লাগিল ভাবার কি বিপদ হয়। ঈশ্বরের ঈক্ষায় ততভূর না হইয়া কিয়ৎ ক্ৰ ঝড়ও বৃষ্টি হইয়া থামিয়া গেল।

দাতনের পূর্কদিকে কুদুলচোর পরগণায়
অললুরাই প্রামে এক ধনাচ; ওেলির বাটীতে
হত্যাসহ একটা ভয়ানক ডাকাইতি হইয়া গিয়াচে
দাতনভৌগনের সংইনিশোইর মৃত্যী একানং
আলী এবং ইনশোইর বাবু অমৃত লাল মুখো
পাধায় অনেক পরিপ্রমে ৫০০ : ৬০০ টাকার
অপহত দ্রবসেহ ১০। ১৪ জন ডাকাইত ধরিয়া
ছেন। শুনিলাম মেদিনীপুরের অন্তর্ম ডেপুটা
মাজিইটে ও ডেপুটা কালেইর প্রীয়ুক্ত বাবু
রামাক্ষর চটোধ্যায় মহাশ্যের নিকট বিচারার্থে
মোকদ্যা নীত হইয়াছে।

১৯ এ জুলাই } মোং দাতুন }

र्मृनाधीखि।

জীযুক্ত বাবু ভূবনমোহন বহু সীভাপুর ১২৭৫ আনবন ক্ইডে আপিন ত৸৽ ৯ দক্ষিণার্জন মুখোপাধ্যায় বীরভূম ১২৭৫ আবেৰ হইতে অধিন - NO. » ভারিণীশক্ষর মজুমদাব দারজিলিং ১২৭৫ আবেণ হইতে ৭৬ আবিচ " গোকুল চাদ ছগড় বালুচর ১২१६ प्य:यात्र स्ट्रेट १७ टेकार्ड १७ ^৯ মদনমোহন ভট্ট ভুলাবাজার ১২৭৫ জাধন ইইতে ৭৬ আহ'ড ৯ ছেমেক্সনাথ ঠাকুর ভোড়াসাকো ३२१६ कावाक्**। व्हे**टक १७ टेका के

৵ » রামগতি ব্যায়রৰ হ্রমণ্

১২৭৫ আবেৰ হইতে ৭৬ আবাচ

" উইলিয়ম রবসন বৈঠকখা

१५७५ म **व्हेटक** ७५ अटलन

माम अक्षानामः कान्य करव्रक्ते। विरुग्ध निव्यमः।

-:::--

অতিম মূল্য ও ডাক্মাকুল না পাইলে । বলে সোমপ্রকাশ প্রেরণ করা যায় না।

ইহার অগ্রিম মূল্য বাধিক ১০ টাকা ।

বাণ্যাসিক ৫॥০ টাকা । মহন্দলে ভাকম

সমেত বার্ধিক ১৩, বাণ্যাসিক ৭ এবং টা
সিক ৩৮০। তিন মাসের স্থানে অগ্রিম
গ্রহণ করা বায় না। ছণ্ডি, বরাতি চিঠি, হ
অভার, নোট ও ষ্টাম্প টিকিট, ইহার অন
বাহাতে বাহার স্থাবিধা হয়, তিনি সেই উ
বারা মূল্য প্রেরণ করিবেন।

বাঁহার। স্থাপটিকিট পাঠাইবেন, তা যেন এক অথবা আধি আনার অধিক মুহ ও রসীদের টিকিট প্রেরণ না করেন।

যথন যিনি সফলল হইতে সোমপ্রক
মূল্য পাঠাইবেন, ভাষা যেন রেজিষ্টরি ক
জীযুক্ত মারকানাথ বিদ্যাভূষণের নামে প
ইয়া দেন।

योशिक्षित मूना क्वित नमत अजी छ । आगित्व, এक मानशूर्ता छोशिक्षित किथिया स्नामान याहेत्व, काल अजी छ । गात्व अक वात किठि तथा हहेत्व, जाहा अकमानकाल श्रेजीका कित्र मानकाल वस्र योहेत्व । क्या वस्र योहेत्व । त्या वात्तत श्रेज वस्र योहेत्व ।

মাতলা রেলওয়ের সোণাপুর ষ্টেসনের ঘরে চিঠি আইলে আমরা শীত্র পাইব।

ধীহারা মাজুল না দিয়া প্রাদি প্রেরণ বেন. ভাহাদিগের সেই প্রাদি এহণ ঘাইবেনা।

কেই সোমপ্রকাংশ বিজ্ঞাপন দিছে করিলে ভাঁছাকে প্রথম ভিন বার প্রভিপংখি আনা ভাহার পর /১০ আনা দিতে হা যিনি অধিক কাল বিজ্ঞাপন দিবার ইক্ষাবেন, বাহার সহিত শত্তর বানোবস্ত ইইটো

এই পত্র, কলিকাতার দক্ষিণ মাতলা রেলওয়ের সোণাপুর প্রেসনের। চালডিপোতার জীযুক্ত ধারকানাথ বি ভূষণের বাদীতে প্রতি সোমবার প্রাতঃ
প্রকাশিত হয়।

প্রেরিত :

ন্যবর 🗃 যুক্ত সোমপ্রকাশসম্পাদক

মহাশয় সমীপের।

वध्या व्यवस्थित कारण श्रीकारण स्थानित कारण व्यवस्था स्थानित कारण श्रीकारण स्थानित केरण स्थानित केरण स्थानित केरण स्थानित कारण स्थानित स्थानित कारण स्थानित स्

ন হইয়া বাটীতে জ্ঞানিকক নিযুক্ত করিয়া নাদিগের জ্ঞানিক। ও জ্ঞানীসগকে শিক্ষা করিভেনেন কিন্তু ইহাতে সর্গাধারণের ক্রুবিধা না হওয়াতে পঞ্চমান্তি নবম বালিকাদিগের শিক্ষাপ্রদানার্থ এই বিদ্যা হাপিত হইবে কিন্তু যথন বালিকারা বয়-জ্ঞাধিক্যকেতু বিদ্যালয়গমনে অসমর্থ ড্রোধিক্যকেতু বিদ্যালয়গমনে অসমর্থ ড্রোধিগের বালীতে বিনা বেডনে শিক্ষা করিবে:

া অধুন: সকলেই বিদ্যাবিষয়ে অভয়েভ

- । ইহাতে সংক্তিয়ে অক্স, স্বচীকার্য্য, ব্রপ্রভূতি অন্যান্য নিকোপ্রোগী বিষয়ে দেওয়া ঘাইবো
- । উহার বায়ের উপধোগী ধন সঞ্জোর সর্কাসাধারণের নিকট হইজে কি:ধাং ংদান প্রার্থনা করা হইবে।
- ধন আমাদিগের দেশে সভাতার উন্নত হ ও সর্কাগার্বনের বিদ্যাবিষয়ে অতার গ অন্মিরাছে; অতএব আমরা তরসঃ তহি যে, দেশহিতৈষী মহোদরগণ এবত্থ-বৈয়ে আমাদিগকে সাহায্যপ্রদান করিতে হরিবেন না।

লিকাডা } একাজ বশহদ রাজ্ঞাবণ } ২৭৫ জিলে না বি

তে বংসর এখানে কৃষিকার্য্য এক বারেই।
না। প্রথমতঃ অভিত্তিনিবক্ষন উৎপদ্ধ
বীজনকল নষ্ট হইয়াছে, এক্ষণে আনাশতঃ বীঞ্জ অসুরিভই হইল না। প্রজাগ-

ণের হাহাকার ধ্বনি আহার আহাবণ করা যায় না। এপ্লদেশে ধান ই একমাত্র জীবনোপায় ; উহার अजार्व रहेरन करहे कि किंद्रा वाकिर के शाहिरव मा। একে ড এই नर्समान, छाहारू खावाब समी দারগণ খাজনার জন্য উৎপীতৃন করিতে ক্রাট करिएउएक ना । जीशास्त्रहे वा अभवाध कि ? कात्न हेत नारहत दीशामिशास व्यवशाहिक वा मिर्ल डीहाता अकाशन्तक किन्नर्त व्यक्षाइकि দেন ? নিজ কোষ হইতে বা ঋণছারা কড নির্মাহ व्हेरव । श्वामिनाम, अभीनात बरशामध्यान कारन ইঃ সাংহেবের নিকট গভ অনুন মাদের নিয়মিভ वास्त्र व त्रर्वे वत मार्टम निवात आर्थनाष्ट्र च्यादव पन कतिश्राहित्यन, छाहा উक्त नारहर महाभन्न बाह्य करतन नाहे। प्राप्ताहर श्रेकात निकृष्टे আদার না করিয়া জমীদারেরা আর কোথা হইতে দিবেন। ''মড়ার উপর খাঁড়ার যার ৯ এই দৃষ্টান্তস্থল !

 াকাবি অঞ্চলে বন্যা হইয়। এফাপুঞ্জের সর্মাত্র হইবার সংবাদে গ্রথমেট বীজ্ঞধান। বিভরণভারা ভাহাদিগের সাহাযদোনে সম্মত হইয়াছেন: উজ্জ ধান্য ক্রেয় করিবার জান্য ত্রীয়ুক্ত বাবু যাদবচক্র ঘোষ ডেপুটা কালেইর ও মাজিটেট মহাশয় এ স্থলে শুভাগমন করি য়াছিলেন। এখানকার অন্যতর জীযুক্ত ৰাবুজ্ঞ য়নারায়ণ গিরিজ এক হাজার মণ এবং ভূতপূর্ক নায়েব জীগুক্ত বাবু হুরভয়াম প্রধান মহাশয় ছই শ'ত মণ ধানঃ বিনামূলে। দিবার অসীকার করিয়াছেন। এখানকার প্রকা গণের যে কিছু সাহায়। ই হারাই করিভেছেন। গত ১২৭২ সালের বন্যার পর এখানকার ও পার্শ্বক্ত অন্যান্য পর্যাণার বিপন্ন ব্যক্তিগৎকে উভয়েই প্রায় ২০০০ মণ বান্য বিভ্রণ করি য়াছিলেন : বার শভ মণ বিভারণ করা ভাঁহাদের শক্ষে বিচিত্র কি ? ধনশালী মাত্রেরই গিরি ও প্রধান মহাশয়দিপের অনুকরণ করা করেব।।

দোৱো সন ১২৭৫ ২৬ এ আধাড়

অমার্ফি :

অভিরৃষ্টি ষেমন দেশের একটা প্রধান ছরব-হার কারণ, অনার্ফিও তজ্ঞপ যাবভীয় বিপ-দের আম্পান। যে দেশে অথবা যে রাজ্যে অভি বৃক্তি কিয়া অনার্ফি উপস্থিত হইরাছে, তথা-কার অবস্থা যে কিপ্রকার শোচনীয় হইয়া উঠে, বলা যার না। ও নিকে যেমন ছর্ডাগ্য বঙ্গদেশ উপর্যুপরি দৈবছর্ষিপাকনিবীয়ন বিপদপরম্প-

রার পরিণত হইয়া পুনরার আনবার আ রূপ অভিনৰ মহাসক্ষটে পতিতে হা अ मिरक समासार जिल्हाका अवस्थ ঠিক সেইরূপ হইয়া আসিভেছে। এবার তের দশা কি হইবে বলিয়া উঠা যায় না किছুमाञ नाहे। तिहे कात्र व कृषिकार्र्यात সমূলে উন্দূলিত হইতে চলিল। অনবরত মার্জতের অমিন্য ুলিকের ন্যায় স্বোর্জর कारन कर्षिक (क्खनकन मार्यायन मध्य अह ন্যায় ভীধন মুর্জি ধারণ করিয়াছে। মেড়্য়া ও জনার এক বারে জ্বলিয়া গিং পুনরায় আর যে হইবে এরণ সভাবনা শ্যামা মেড্রা ও জনার, এখানকার ইতর पिर्वत कीवन शांतरवद्र श्रशंन खेलाव ह फन्छादवं इश्यी लाकपिरशद स्था कि ভাবিয়া স্থির করা ধায় নং ৷ যেসকল ক্ষেত্র বীজ রোপণ করা হইয়াছিল জলাভা সকল একবারে শুক্ত হইয়া গিয়াছে: পরিমিত চারাগুলি নিদাঘদীধিতির প্রথর शकारव व्यवरम ज्वकृष्टि श्रांख श्रेष्ट्राहि। আর নিস্তার নাই। খাজি আবেণ মাস, এ বারিববঁণের নামমাত্র নাই। কোথায় এ মাঠ, ঘাট, পুষ্করিনীপ্রভৃতি তলে প হইবে, নাধরাতলাত্কাডুর মমূর্জনের र् । क्रिका त्रिशाहः । यथा शक मित्र বিশুম্ভা আংখণবিশুর নার বারিবিশু ভিত হওয়াতে, পুর্দাপেক। আরো ব অংডিলয় রুজি হই গাছে। এমন এীকাক ং হয়ন|ই । সহজ্রেশির প্রথর অংশ্ড প্রকাবে দিবাভাগ এরপ উত্তপ্ত ও ভয়প্র যে গুছের বাহির হয় কাহার সাধ্য। মতে যার, রাত্রি উপস্থিত হইলে একটু বাঁচা বা কিছু দেও কেবল আশামাত্র। বস্তুতঃ অধার বাঁচেনা, এবার গেলেম। এই আ निवक्तन हाट्य निष्टा ब्हेवात (या नाहे , 🕱 बाद्य निज्ञा मा भारत क मिन खीवनव्रका এक जिन व्यामता निनोधनमस्त्र शास्त्र বেড়াইতে বেড়াইতে মঞ্চানরপুরের নামা জম্ব করিয়া দেখিলাম, নগরবাসী যা व्यवस्थीवी दः भी (लाटकता नमत त्राच्छात কেহবা খাটিয়ার উপর কেহবা অবস্থান্তর चानि नामानः পঞानदन, (कर्वा पदानदन করিয়া অভিকষ্টে রাত্রি যাপন করিভেছে। निशरक (मधिया आभारमत स्मार्थ विष इः रथत छेनग्र इहेन। छाविलाम, नेयत अव

করেন। ফলড: এবার এখানে বেরূপ অনু

(मायशक) क

• ম ভাগা

তে **সংখ্যা**।

" प्रवक्ततां प्रकृतिहिताय पार्थिवः सरस्ति अतिमहती न हीयतां।" ->09-

ক মূল্য ১ এক অগ্রিম বার্ষিক ১০ দশ[্] } সন ১২৭৫ । ২০ এ শ্রোবেণ । ১৮৬৮। ৩ রা আংগফ { মধ্যলে সাফ্লসমেড বার্ষিক ম ধান্যাসিক ৫॥ সাড়ে পাঁচ টাকা _। }

বিজ্ঞাপন।

মীযুক্ত বাবু মংশেচজৰ বংক্যাপাধ্যয় । हाराज कहें एक कामानित्यत निकार कहें র এক পত্র লিখিয়াছেন যে, 'ভাঁহার অন্ত-≒'ডা ভাঁহাকে পত্ৰছারা জানাইয়াছেন, প্রক'শ যন্ত্রালয়ে সংবাদ প্রেরণ করিলে জানিতে পারিবেন। মহেদ বাবু যেপ্রকার । হইয়াছেন, ভাহাতে ভাঁহার সহিছে উঁ'হার দ্টে ভাডাব এরপে ব্যেহার করা আর য় কয়না। অংবিলয়ে ডিনি আংপনার অবস্থা ভাক্ত বিস্থারিভরূপে লিখিয়া আপুনার. র উৎকঠা দূষ ও বাসীতে প্রভাগেমন , এই আমাদিগের অন্ত্রোধ।

(मामधकान मण्यानक।

इंग्रेडिश्वान (त्रवाश्वात ।

छ वित्री (त्रमछरत्र । মির্ট দিয়া গভারতে ।

র্মাধারণকে আমান যাইভেচে থে. যাৰতীয় বাণিজ্ঞা দ্ৰব্য ও আনোহিগণের (ইয়াই)ই ইণ্ডিরা রেলওয়ের সমক

প্রধান টেশনে গভায়াত ১ইবে।

ভিয়া বেলভয়ে গউসী সোধাৰ কলি } সিবিক্টিকেন্দ্ৰন । २१७ छ माई।) এজেলি বোড

মন্ত্ৰবিহ্বত ।

সন্ধ্র প্রচারিত হইবে 🤉

বোবিবাহ নাটক

লা হরিশচন্দ্র চরিত।

हेक्टानभन ७ यू भ दिएक नगर्छ

বিনদ্ধ চরিত ১ম দর্গ নারায়ণী চীক1 ত Ĭ.

अक मारमत मर्थः योशाता आह्रक रहेरवम ও অগ্রিম মূল্য দিবেন কেবল ভাঁহানিগকেই সাহিত্য দৰ্শন ও নৈষধ এই ছুই গ্ৰন্থের প্ৰকাশিত খন্ত নিয়মিতরূপে দেওয়া যাইবে। এক মাসের পর আর খড়ন্ত থণ্ড বিক্রয় করা বাইবে না। এক বারে সম্পূর্ণ গ্রন্থ বিক্রেয় ধ্ইবে।

বিক্রেয় পুস্তক।

হেমচন্দ্ৰ কোৰ व्यक्त, स्मिनी, जिकांख (भय, हातावनी একত্র বাঁধান মৃচ্ছকটিক নাট্ৰ মিডাকরা क्रिकाला) क्रिक्मात्रमाथ वर्त्स्या-ठेनठरम १९१ मर) शाकात्र।

वाहरूभरनत श्राक्षमारू नित्रशिष्ठ গংস্কৃত পুত্তকত্রয়ের কিয়দংশ প্রকাশিত হুইল। প্ৰাৰ্কগৰ পূৰ্ম ভদ্যভীত নিম্নিদিষ্ট সম্পূৰ্ণ भूमा थ्यतन कतिरम थान्य इहेरवम। विरम्हण প্রেরণের বডর ভাক মাসুল দাগিবে।

মলিনাথের চীকা সহিত। শিশুপাল বধ (মাঘকুত) মূল্য র্ঘুবংশ (কালিদাস্কৃত) » কিরাতার্জুনীয় (ভারবিক্লড) विनार्शितरनत क्षत्रञ्जीवार्थ निम्नामिक

কতকঙলিন সংস্কৃত পুড়ক দেখনাগরাকরে **সচীক মু**দ্রগার্ভ হইবে। প্রকাশের পুর্দো গ্রাহক ভুক্ত হইলে গীতা বার পুণা অপর প্রতি আটি পুঠা ভিন পল্নসার হিসাবে গতে বা সম্পূর্ণ যেমত একাশিত হইবে উক্ত নিয়মে মূল্য প্রদান कतिरम भूष्यक श्राक्ष इहेरवन । विस्तरम (श्रद्धरनत স্বত্ত ভাক মাত্রল লাগিবে।

ঋতুসংহার। মেঘদুত। শকুন্তলা। মলোদর। দুক্ষবোধ ব্যক্তর मानदिकाभिञ्ज। विकासार्सनो । मुमानाकम्

র্মাবলী। মালভীমাধব। সাংখ্যভব্ববৈ বা সাংখ্যকারিকা। মহাবীরচরিত। উত্তর ष्ठविष्ठ । भूक्षरवाध । मन्यक्रमात्रव्हिर**ण**त পাৰিত্রি। বসস্তভিলকভান। অমরকোর। শ कायः, ज्यानमानिति, क्रीधद्रशामी ও मध् ন্ত্ৰতীয় চীকাসহিত জীমভাগবত। মহাতা বিষ্ণুপুরাণ। কাদ্ধরী। ভট্টিকারা। মাগান काबाधकान । ४ इक । मार्कर ध्र ह छी ।

কলিকাভা সংবাদ জ্ঞান সুমাকর যন্ত্র নিমতলা জীট ৩২ সংখ্যক জ্ঞান।

ি বিক্ৰশ্নৰ্থ।

भारुएजन दीह २८ नर वाली अनःसगर १६ ক্লোড়া ৰাগান।

বিক্রয়ের নিমিত।

গারডেনরীচ ২৪ নং বাটী উপরি উক্ত বাগান ও বাসী বাঁহারা করিতে অথবা লইডে ইচ্ছা করেন, নিয় " রিড ব্যক্তির নিকট আনাইবেন।

গিলেগুরিস্ আরবো-খনট এবং কোং

भुक्तर

· 3 🕏

7

ঠনঠনিয়া সংস্কৃত পুস্তকালয়ে ও পটে ভাষা বাছ যে: আনার কোন্সানির দোকানে লনীত ও সংগ্ৰহাৰিত নিয়নি**খিত পুত্ৰকং** विक्रय ४३१७८५ .---

E14 3 গ্রীসই ডিছান শ্বের উভিনাস কুব্ৰসার কাক্রণ নি(তদাব (১ ম ভাগে) নীতিগার (২ য় ভাগ) क्षाः विकास

জী হারকানাথ শ্রাম

বিবিধ দ্রব্যাদি বিক্রপ্রার্থ প্রস্তুত।

রাজীবাছলা পুত্তক কাগজ কলমাদি নানা বং পাওয়: যায়ুুম**ক বলে ঘড়ী অবস্**রি দি পাঠাইয়া থাকি এবং **পুস্তকাদিতে এ**ক র জিসারে কমিসন দি। যদি কেছ অবধিক। ভব্যদি লয়েন তাহা হ**ইলে /১**- আনার

ৰে ক্ষিসন পাইবেন। ট কা ্লড় স্মিথ পইটিকেল ওয়ার্ক ংরেবিয়ান নাইট পৰু টেটার লেম্বাদ লেকচার NC.

On

1 •

ķ.

٠ (د

'n

١.

গ্ৰেক্স ওয়ার্ক °রাজী ভগবৎগীতা

কাদধ্রী · হিণ্টরী অফ প্রশেষ ইন গ্রেট ব্রিটন শকু তেলা

. हिन्ड**र**भारमम র্ষ প্রীক্ষা

গুলামজুন (য়ুদ্ধ ন

রকীর ইভিহাস ভিমূল

য়ন্ত দীপিকা ীডানক বছৰী

44 5 43 ন্দ্ৰ মুখন গুল

লক'ডোর মনেডিব্র (উত্তম রোগান)

রকাকেলী কৌমুণী र हेनाशान

রভবর্ষের প্রারন্ত (ছিনীয় নার মুদ্রিভ) ্চিত্ৰ সহিত মূল্য

কাও হামায়ণ পদ্

राम्म **पर्क महाक** क्षेत्र अल् কপ্ৰেণালী

লকের উপধ্যে গিডা নকী নাটক

विकास**की**

বা বঙ্গাঞ্চনা 5 ችረሃ ኞ‡ ላና

কে মঞ্জী

বকঙ্কৰ চন্ত্ৰী नीथ उ

াপথ ও

ीटको इक बाउँक ৰকলাপ

রামাভিষেক নাটক **इस्टिनाम ना**हेक কলিকাডা জোড়া-

ত্রীপ্রতাপচক্র রামু সাকে। ৬৪ নং ় নগদ মূল্যে বিক্রেডা

ৰসকামিনী নাটক (মুল্য এক টাকা) সংস্কৃত यद्धव श्रुष्ठकालदम, हीरनदाकादम खीयुक बादू ভোলানাথ মুখোপাধ্যবের ৬৮ নম্ব দোকানে এবং সংস্কৃত যদ্ৰের অধ্যক্ষ ক্রীযুক্ত বাবু ক্ষেত্রমোহন মুখোপাধারের নিকটে প্রাপ্। ক্রেড্গণকে ২৫ প চিল টাকার হিসাবে কমি সন দেওয়া যায় 👢

कीरीदावहस्य मृत्याभाषात्रमः

বিক্রয়ার্থ :

শব্দকল্পদে অভিধান। সর রাজা রাধা-কান্ত দেব বাহাছুরের ক্লুত। উত্তমকপে সোণা দিয়া গুতন বাঁধান মূল্য ২৫০ টাকা। ঞ্জী আনন্দচক্রবেদান্ত বাগ্রীশ।

कारा श्रकाभिका।

এই মাস ब्हेरछ धकः निष्ठ इहेन। हेहारख সমুশায় কাব্য নাটকাদির দেবনংগর অকরে মূল ও লীকা এবং বাঞ্চলা অক্ষরে বাঞ্চলা অভুবাদ থাকিবে। নিম্নমিত ঞাহকগণের প্রতি প্রতি খতে √ • ছয় স্থানা এবং প্রডে;ক খণ্ডের ॥• আট আনা মূলঃ নিশারিত হইলঃ যাহারা এহণ করিতে অভিলাষ করেন, ঝামাপুকুর লেন ১৫ ন॰ वि, ति, अमन यद्य कावता कारमञ्ज की ३३ नर ল ইবে রতে আমার নিকট পত্র লিখিলে পাইতে পারিবেন। বিদেশীয় গ্রাহকগণকে স্বভদ্ধ ভাক म'कुल मिटक इहेट्स ।

৩ রঃ আবেণ শীবরলাপ্রসাদ মজুমদার।

ই**ষ্ট**ারণ বেঙ্গাল রেলওয়ে। রিভার টারমিনস্, অর্থাৎ সিয়াল

দহ হইতে গঙ্গাতীর পর্যান্ত

রেলওয়ের চলাচল

ম্বারম্ভ ।

राष्ट्रियात्र निक्षेत्र में वागन सादत रेष्ट्रा রণ বেলাল রেলওয়ে কোম্পানির বিভার টার্মি নস্নামক রেলওয়ে, আগামী ৩ রা আগষ্ঠ সোম

বার অবধি দ্রব্যাদি দেওন ও লওন জন্য, খো याहेरकः।

हेष्ट्रोतन (बचान (त्रम २८३) क कि निन व दे ब्लाई १४७४! ATT &

-:02-

श्रवामभाना ।

वक्राम्भीय विविध स्थानभम वावहा हमूलकः। পুস্তক ধাহার প্রয়োজন হইবে, ডিনি কলিকা ক্ষুলবুক সোদাইটীর গ্রথমেন্ট পেলেদের ৯ : **खरान धार्थना कतिरत পाইएड भातिरवन** মুল্য । ৴ । আৰা মাত্ৰ।

হরিশচন্দ্র চরিত মূল্য হবিশ্চন্দ্ৰ চবিত জীয়ুক্ত কাগমোহন তৰ্ক লক্ষারকর্ত্তক সক্ষলিত হইয়া মুদ্রিত হইয়াছে এই গ্রন্থানিতে পৌরাণিক অলৌকিক বং নাই, পর্য়ত শুদ্ধ বালক বালিকাদিলের সভ নি**ঠা শিখাইবার নিমিত রাজা হরি**শচনে উপাধ্যান যভদুর আবদ্যক, ভাহাই আহে। কলিকাভা

निषियात निषी ।

नन १७ ७৮ नात्नत खुलाई मध्यत ३० इ হইতে ২১ এ পর্যান্ত নদী হায়ের नर्याक्त ए क्ट्लर माश्राहिक রিশেটে :

नदीद नाम ফুট মাথা ভাগান্দী মহানার উপর প্রামনীতে নিজা মহানায় তথা হইতে হাট বোয়ালিয়া ৪৪ নাইল হাট বে!য়ালিয়া হইটে व्याञ्चक विद्या व्यास्क्षिष्ठा हरेएक कुक्ताम ৩৮ মাইল কুঞ্গঞ্ হইতে হুগলি নদীপ-ৰ্যুক্ত ৩৪ মাইল ভাগীরখী। महानात्र खेलत लखानहीरज 23

মহানায় 78 তথা হইতে জিয়াগঞ

٠.

লিয়াগঞ্চইতে কাটোরা 🕶 ম:ইল

কাটোরা হইতে নদীরা

৪৬ মাইল

নদী অললী

মহানা

তথা হইতে করিমপুর

১৯ মাইল

করিমপুর হইতে টিরাকাটা

৩৫ মাইল

৩৫ মাইল

৩৫ মাইল

শ ইল

মহানা গত ৪ ঠা জুলাই খুলিয়াছে;
সন ১৮৬৮ বুলাই মালের ২৪ এ ভারিখে
বহরমপুর প্র প্র ভারেখে
বহরমপুর প্র ভারেই অলের মাণ।

ফুট ইঞ্চি
১৪ ৫॥
রমপুর) জীযুক্ত টি হেল উটকুস সি, ই
ডুগ ই } একজিকিউনিব ইঞ্জিনিয়র
১৮) বহরমপুর ভিবিজ্ঞান :

বিজ্ঞাপন।

পূর্দবালালা রেলওয়ে।

হাটখোলার নিকট বাগ্রাজাবে গলার
র যে রেলওয়ের কাড়ডা খুলিবার কথা

কর্পজনীয় কারণবশতঃ ১০ ই কাগ্র ব ডাহা হলৈনা।

বিক্রাজান

भागाम के प्रमास का अंदिस कि का स्थाप के प्रमास की स्थाप के प्रमास की स्थाप के स्थाप के स्थाप के स्थाप के स्थाप भागामा अंदिस के स्थाप के स्थाप

সোনপ্ৰকাশ।

২০এ আবেদ সোমবার। ভারতবর্ধের ভাবী ক্ষমিষ্ঠ।

ইটরোপথতের সভ্যতার সহিত
কার কতকণ্ডলি কুসংখ্যারও যে
কেনা বদ্ধসুগ হইবে, ভাহার বিলক্ষণ
বিশেষ যাইতেছে। ইংলও এ'দেশে
নার প্রভুশক্তি বিস্তার করিয়া
তবর্ষীয়দিগের রাজনীতিসংক্রান্ত
লোপ করিতেছেন বলিয়া ইহাদিঅপকট কৃতজ্ঞভাভালন হইতে
তেছেন না বটে; কিন্তু অন্য অন্যা
র বে অদৃষ্ঠ ও অঞ্চতপূর্ক উন্নতিইকরিতেছেন, তন্নিমিত অক্তিম
কৃতজ্ঞভার ভাজন হইবেন সন্দেহ
ইংলভের গোরবও সহজাংশুর

ममश्रक इरेश हित्र माख्यान इरेट्य। রোনকদিগের পর অন্য কোন ক্ষেতৃকাতি ূপরাব্দিতদিগের মান্দিক উন্ভিয়াখন विवर्ष हे॰ लए छत्र महम यञ्ज ध्वकाम करतन নাই। যে বুদ্ধিমত। তেকাশ্বিতা ও সভা তার প্রভাবে ইংরাজদিগের পর ভারত ববীরেরা অনা কোন বিদেশীয় জাতিকে এ দেশে পাজাকা ছাপন করিতে निर्देश ना, देश्य छ। छ। आभामिनरक প্রদান করিতেছেন। তিনি আমাদিগকে कन कि भी रहेट के पिटनन ना नका; किन्छ যে বীজ ৰপন করিলেন, তাহা কালকেটেম রহ্থ রক্ষ হইয়া অহত ফল উৎপাদন করিবে, দে বিষয়ে অণুমাত্ত সংখ্যানাই। किन्त चारचर्मात विषय करे, कर एन ইংরাজ অনেশের এই ভাবী গৌরবের বিস ক্ষাইতেছেন। যেদকল কুদংস্কার ইউরোপে পরিত্যক্ত হইতেছে, যাহা লইয়া ইউরোপে ত্লফুল পড়িয়াছে এই দল ভাষা এ দেশে বদ্ধুল করিবার চেন্টায় আহেন। আমরা জানিতাম, ইংলভীর দেনাদলের পুরাতন অস্ত্রই क्तिवल अधीनकात देशनामित्रात निमिष्ठ প্রেরিত হয় ; কিন্তু ইংলণ্ডের পরিত্যক্ত কুনংকারও যে এখানে চালিত হয়, তাহা জানিতাম না।

বে যে কারণে ভারতবর্ধের বর্তমান
গবর্ণমেন্ট সাধারণ্যে প্রজার অপ্রিয় হইরাছেন, ইংলণ্ডেশারীর ক্ষত স্পান্টাক্ষর
অসীকার ভঙ্গ করিয়া খৃষ্টধর্ম প্রচলিত
করিবার চেন্টা ভন্মধ্যে প্রধান। একণে
এখানকার কর্মচারীদিগের মধ্যে যথার্থ
রাজনীতিজ্ঞ লোক অতি অল্প আছেন।
প্রধানের অসুকরণ করা প্রায় সকলের
কভাব দাঁড়াইরাছে। প্রধানের দৃত্তীন্ত
অসুবারে প্রায় যাবতীয় ইউরোপীয় কর্মা
চারী শনিবারকেও বিশ্রামবার করিয়া
তুলিরাছেন। ধর্মাসুরাগ নিন্দনীয় নয়;
কিন্ত যদি শাবন ও রাজকার্য্য উহাতে

অনুসুত করা হয়, তাহা হইলে আ **হই**া উঠে। হিন্দুদিগের বাবতীর धर्ममञ्ज विलग्ना व्यत्नक छेट्क्रके वि এकाछ इंड इस इहेश्ट्रा इंडेट শাসনকর্তিগণ ধর্মের সহিত সংস্ক ক্রিতেছেন। আয়ারলতে স্বতন্ত্র বে को के धर्मा मच्छा ता वा वादक हे श्व **অংধকাংশ লোকের মন্ত।** ডিনা শাহেবের চেন্টার লাভেরা প্লাড দাহেবের পুরোছিত নিয়োগ ছ ক্রিবার বিল এ ব্রুদর অগ্রাহ ক্রি বটে, কিন্তু সূতন মহাসভঃ হইলে আং লতে আর নরকারী বেতনভোগী জনও পুরোহিত থাকেন এরণ रुग्न ना। देश्लटखन्न পুরো নিয়োগ প্রথা রহিত করিবার এটা : সুত্র হইতেছে। ইউরোপ মহাধতে: প্রকার মত, কিছু দিন হইল ভাহা নগরে প্রকাশিত হইয়াছে। তথায় स्रोट लेत व्यक्षांन विश्वविद्यान ছাত্রেরা এক সভা করিয়া প্রকাশ্য বলিয়াছেন, খুটখৰ্ম বৰ্তমান সভা অক্রণ নহে এবং ধর্মের সহিত গ মেন্টের কোনপ্রকার সংস্থ**ৰ রা**ং বিধের হয় না। বৃষ্টি নেপলিয়ন স চেন্টা করিয়াও খৃষ্টধর্মের প্রতি লো শ্রজাজমাইতে পারেন নাই। ফর বিপ্লবের সময়ে যে মত প্রকাশিত একণে তাহা সর্বত্র পরিগৃহীত তেছে। ৰহু অৰ্থ ৰায় ও বহু আৰু করিয়া পদ্ধতিবদ্ধ কতকগুলি শদ উক্ করিলেই যে ঈশ্রের প্রতি ভক্তিপ্রক হইল, ইউরোপ ও আমেরিকা উ খণ্ডেরই ক্তবিদ্যমগুলী এ কথা স্বী। করিতে সম্প্রভনহেন। ইটালিতে পোর প্রতি লোকের ভক্তি অন্তহিত হইয়া অ্ট্রার স্থাট প্রজাদিগের ম উপেক। क्तिएक व्यममर्थ इहेह। दिन

লয়ে কাথলিক ধর্ম অবশ্য শিক্ষা করি

->60-

বে, এ নিয়ম পরিভাগি করিয়াছেন। গোলতে ধম শিকানা করিলে নয় মত ইউরোপে আর অ'দৃত হইতেছে । शर्मकार्यात अञ्चलीम क्रुका व्यात ना া ব,ক্তিবিশেষের স্বায়ক; কেছ াব থকাথকফলভোগী হননা। र्नेट्यन्ते यनि मामान्तिक विषयात छेलटा ভুদ্ধ রেল, **ভাহ'তে** দেশন অনিফ , ধর্মবিদ্রে প্রভুত্ব করিলেও শেই । হইঃ। থাকে। আমেরিকায় কথনই প্রণ্মেটের

ত ধর্মের সংভ্রেব নটে। এ বিষয়ে ংরা **সকলের অঞ্**সর হটয়াছেন। দিন কোম্পানির রাজস্ব ছিল, ভত ভারতবর্গীর গ্রণ্মেণ্টের সম্সংস্থ্রব গ তত্বলবান ছিল না; কিন্তু কুন্ম সাংঘাতিক হইয়া উঠিতেছে। লে রাজকার্যো নঃ, আমাদিশের কাপ্ৰালীম: ধাও জামে জামে **খ্**ট स्त भटमाम (५३८) √ट**७**(ছ | गरमको विमानिस्यत का किल्ले छह। व নৈ কারণ্থলিয়া প্রিগান্র হইটে ে, ডাজাব ডক দেখিলেন, মিদন্রি ালবের ছাত্রগণ প্রেনিডোল কালেজ িত্র জারগানের সুমুক্ত চর্পা কথ্য थिः स्टिब शाहित्वस्यः । यञ्जिसस वर्ष (१८)रचयम्बन श्रव्राप्तिक रिवर्तात कुना कता है। छेड़े छेइन, फिक्क **গ্রথমেটে**। বিদ্যালয় ৬১(६५) ি কথা বলিলে ভাষা অগ্রাহাইবে। ः। शार्भपाके विकासिका समस्क পাতনা অনুধাৰ বিবেচনা কলিয়া : ্ষেঔি নেবলেবভা ি চেল স্থ,পাডিভ 🐃 🗩 🗀 मन ६५० डामण्यासम्महस ৪ কংবিনান তেওঁলৈ পু**ত্তক কৰাইবা**ৰ

বে কইন , বিশ্বিদ্যালয়সভাও

রে ব'রেটা বিলেটেছত হইজেন।

কারণেই মিসনরি বিদ্যালয় হইতে কগণ একণে যে সমস্ত কউভোগ বহিগতি 🕴 পূৰ্ব্বাদেশকা অধিক ছাত্ৰ চট্টৈচেন; তদ্বারা মিদনরিরা গ্রণ্মে ন্টের বিদ্যালয় উঠাইবার প্রস্তঃব করি বার স্থাবিধাও পাইয়াছেন ৷ সম্প্রতি একটা ঘটনা হ্ইয়,ছে, তাহাতে আমা দিলের শিকাপ্রণালীর সম্পূর্ণ বিপদ আশক্ষিত হইতেছে। আবারক্ষির মনোবিজ্ঞান খুফিধমিকে মূল করিয়া লিখিত হইরাছে। বর্তমান সভাকালে মনোবিজ্ঞান ভর্ক ও প্রকৃতির নিয়মাসু-সারে স্থিরীক্ত হইবে। ডাক্তর আবার ক্রমি তর্কের স্থলে বাইধলের কৃতক্ঞলি অবেজিক বাকা প্রমান দিরা স্ববাকা সম র্থন করির।ছেন। এই পুস্তক্থানি বিশ্ব বিদ্যালয় হইতে রহিত করিবার প্রস্তাব হয়। বারু রুঞ্জোহন বন্দ্যাপাধ্যায় প্রথমতঃ আবাংক্রমি রহিত করিবার কথা কহিয়াছিলেন ; কিন্তু অপর মিসনরি গণ চীংকার করিয়া উঠাতে, তিনি निइन्ड इंडेटनन ५६९ कर्डना कर्मा विकाउ হইয়া সেই মতে মত দিলেন। কি শাসন প্ৰণালী কি শিকাপ্ৰণালী বাবতীয় বিবয় এই রূপে अधीमहाक अवशास्त्र आगामि পেব ইন্ট না হুইয়া অনিটেট্রই আশিক। জন্মতেছে। আমাদিগের খুফীনর্মানুরক্ত রাজপুরুর ও মিদনরিগণ মনে করিছে ছেন, যে বোন উপায়ে হউক, খৃষ্টধুৰ্মের বভুগ প্রচার করিছে পারি**লেই ভারত** বর্ষের মঙ্গল কর: হ্ইবে, কিন্তু একণ্ এব ডিলি নিগ্লালিয়কে উল্লেখ্য কার সময়োলতি প্রতিকুলগামিনী, এখন লোকের মনের যেপ্রকার ভাবে দেখা যাইতেছে, ভাহাতে ঐ চেন্টা অন্থ-कार्तिनी इहेर्द मरकह नाहै।

শ্বিদ্বস্থার ।

ভাগলপুরে শিক্ষকসমাজ নামে গ্ৰুস্তক কৰিল। গোল । এই একটা সভা ইইয়াছে। এতকেশীয় শিক্ষ

তেছেন, ভাঁহাদিগের বেভন ওপদ নিশ্চিত নিয়ম না পাকাতে যে অনিং ভেছে, তাহার প্রতিকার করাই জের উদ্দেশ্য এই সমাজ থাব শিক্ষকের প্রতিনিধিস্তরণ হইয়া ব শের ডিরেক্টর ডবলিউ, এস, আটা शरहरवत निकर्षे এक आरवस्य (ক্রিয়াভেন। ভাঁহারা বলেন, শিক গের উন্নিলাভের নির্দিষ্ট নির্মাণ অনেক শিক্ষ এরপ আছেন, যাঁ বহু কাল কর্ম ক্রিভেছেন, কিন্তু পদও উন্নতিলাভ করিতে পারেন : অথচ বিদ্যালয়ের কর্ত্তারা বরাবর উ मिर्शित कार्र्या मञ्जूषे इहेशार्यन । या বিভাগে নিকৃত ক্ষতাশালী লোগ সময়ে সময়ে যেপ্রকার বর্দ্ধিত বে লাভ করিভেছেন, তক্ষনি করিয়া বি কের কার্য: নিভাস্ত কফকর বলিয়া এ ग्रमान कंत महस्तर नाहे।

এফা:ে শিকাবিভাগের পদ **इ**ड्रेश द्यात स्थितिकानितात हाळि দেওয়া হয়, অথচ অনেক শিক্ক ি কের এশংসাপত্র পাইয়া কাজ ক ছেন। গভ'ন ইয়াও সাচেব ১৮৫৭ ক্তির করিয়াভিলেন, কোন পদ শুনা বে ব্যক্তি নিয়তর পদক থাকিয়া হ রূপে কার্ম করিয়া প্রতিপত্তিলাভ য়াতেন এবং যাখার প্রশংসাপত অ ভাঁচাকেই উক্ত পৰ দেওয়া হয় এছলে মূড়ন প্রাথীর ওণ কিছু ত হইলেও তাহা ধর্ত্তির হইবে না ; এক্ষণে কার্যভেঃ এ নিয়ম রহিত হইয়া नभाक वरनन, विश्वविनानरात हा গের অনুরোধে পূর্বতন উপযুক্ত শি मिश्रक উक्तरीम श्रामाना कड़ा व्यन এ অভিযোগের কারণ আছে। বি

प्रतिराज्ञ ছोज्ञभगरक उरमाह स

কর্ত্তব্য ভাহার সন্দেহ নাই; কিন্তু পুর

২০ এ আধিণ ১২৭৫। াযুক্ত শিক্ষকদিগকে নিরান করিয়া माह (क्ष्या विद्याना । विश्वविका য়র উপাধিনা থাকিলে বে লোকে যুক্ত হন না, এ কথা অবকিঞ্চিৎকর। रञ्जत शनिरिकेनिक विकासित विश्व ালয়ের প্রশংসাপত্র ব্যক্তিরেকে বশকরিবার যো ছিলনা, কিন্তু ন নেপলিয়ন কন্সাল ছিলেন, তৎকালে যুবক তাঁহার নিকট আ। সিয়া বলি ৰ " আমার পিডা **আমাকে গৃহে** का मिहार्डन : कार्टन**्ड प**्यशहन क्रि মাদিগের এমত লঙ্গতি নাই; কিন্তু াদলে প্রবেশ করিবার ইচ্ছা করি-হ; আমি উপযুক্ত কি না তাহা শয় স্বয়ং পরীকা করুন। " নেপলি দেখিবামাত্র লোক চিনিতে পারি-। তিনি নিকে বালকটীর পরীকা

লন: তিনি নিজে অসামান্য আছ-াবিৎ ছিলেন, ভাঁহাকেও ঐ যুবকের ্ষাকরিতে হইল: 💁 যুবক পলি নিক বিদালিয়ের নিয়ম তক করিয়া য় প্রবেশ করিলেন, শেবে স্পেনের চালে এক জন গণনীয় দেনাপতি ২ইয়। শণ যশোলাভ করিয়াছিলেন। বিশ লেয়ে গৃহ অপেকা সাধারণো উৎক্র**উ** াহয় যথাৰ্থ ; কিন্তু ভাহা বলিয়া ধিহীন বাজিমাত্রে**ই অর্পযুক্ত** দ্ধান্ত হ্ইতে পারে না। শিকা গে যেদকল লোক আহেন, ভাঁহা র অধিকাংশ উপাধিধারী নহেন। রা আপেনাদিগের জীবনকার শিক্ষা কার্যো অভিবাহিত করিয়াছেন। কতা∵ার্থো অনেকের বিলক্ষণ । জ মানহে। কেবল বিদা পাকি-উত্তন শিক্ষক ছওয়া বায় না। আনে ও ইউরোপ উভয় খণ্ডেই শিক্ষ-র বি:শার শিকা আবিশাক হয়।

শিকা পুর্বতন শিককদিগের

। এসকল ব্যক্তি কাৰ্যাৰী

ধাকিতে ভুতন ও শুনা পদ অন্য **লোককে এদান ক**রা আর পদস্ত ব্যক্তিকে শিক্ষাবিস্থাগ ভঃগ কহিছে ৰলা সমান কথা। পরীকোডী (সিবি-লিয়ানগণকে যদি এতেয়ক নুতন পদ <u>দেওয়াহইত যদি ভিন বংশরের এক</u> ক পিটিশন ওয়ালা ৰিং**শ**তি বংশরের এক জন কালেক্টরের মন্তক ল জ্বন করিয়া জাজা চুট্টেন, ভাহা হইলে কি হইত ? কাৰ্য্যতঃ শিক্ষাবিভাগে তাহাই ঘটিতেছে।

শিক্ষমাজ একটা ভ্ৰমে পতিত হইয়াছেন। নিয়মিতরপে সমুদায় কাজ विश्वविमानित्यत होजिमिन्दिक (मुख्या ह्य, 🕰 কথাটী যথাৰ্থ নহে। ভাহা হইলে ত একটা প্ৰণালী প্ৰবস্তিত দৃউ হইত। বস্তুতঃ শিক্ষকদিগের কোন প্রণালীই नाई। देश अर् नारहरदत এक श्रुष्ठक हिल, তম্মধ্যে যাবতীয় শিক্ষকের নাম লিখিভ থাকিত। যাঁহার যে সুখ্যাতি অধ্যাতি হইত, ডিরেক্টর ভাহা ঐ পুস্তকে লিখিয়া রা**খিতেন। কোন পদ শূ**ন্য হইলে ডিনি প্রশংসাপত্র ও কার্যকোলের স্থ্যাতি বিবেচনা করিয়া লোক নিযুক্ত করি তেন। দূর ও অস্বাস্থ্যকর স্থানের ক্মচা রিগণ উত্তম স্থানে বদলী ইইতেন। ইয়ঙ্দাহেৰ কাহারও অসুরোধ শুনি তেন না। এই নিমিত সকলেই জানি তেন বে, সময় হইলেই ডিরেক্টর সুনিচার করিবেন; কিন্তু একণে সকলই বিকৃত তিহিপয় বুঝি, পারিবেন; আমা হইয়াছে। অনুরোধবল বাতিরেকে আট বগর সামান্য বুদ্ধি, ইহার কিছুই कि**कान मारहर**वत निकटि काम किছु इत कितिएड शातिमाम मा। अवर्गरम्बे मि না। কর্মাধীর সহত্র গুণু থাকিলেও বিভাগের প্রতি দৃষ্টিপাত করিবেন ডিরেক্টর তাহা দেখেন না। ডিনি প্রায় অসুরোধৰশবর্তী হইয়া কাজ করিয়া ইংরাজীবিদ্যাশিকার উন্নতিসাধন পাকেন। কোন ভানে এক জন বি. এ, বর্তমান গবর্ণমেন্টের অভিপ্রেড ন २० টोको (४ छत्न भिक्त कित श्रीत भारहन, विकास महिन्द (महे छेत्स भारा

किছूरे प्रथिन ना। उँकात वि পূর্ব্বতন শিক্ষক ও বিশ্ববিদ্যালয়ের ধিধাৰী ছাত্ৰ বলিয়াবিচার নাই ; য সহার∢ল উাহারই উন্হি। আ ममाक तथा विश्वविद्यालद्वा होजि বৈবয় লইয়া ক্ষোভ করিয়াছেন। म्राज्य स्थान कर्ये इंडेट ठ छ । स প্ৰলিক্ওয়াক বিভাগের ন্যায় ছয় অন্তর শিক্ষদিপের এক রিপো তালিকা এস্তুত করিবার যে প্র করিয়াছেন, তাহা উত্তম। কিন্দু করিতে পরিভাষ ও মনোমোগ লাগি আটকিজান সাহেৰ কি তাহা কা পারিবেন ? সমাজ যে কডের বলিয়াছেন, ভাহা যথার্থ, কিন্তু আহ গের আশক্ষা হইতেছে, আটকিন্সন থাকিতে কোন প্রকার উন্নতিই হ না। ২৫০ - টাকার বেডনের পদ उ ছুত কার্য্যে আর নাই ; অতএব ড দিশের বর্ত্তমান ডিরেক্টরের পেন্স সময়পর্যান্ত শিক্ষাবিভাগ (য: चारक्रन, रमहेचारनहे तक्रियन। ममार আবেদনের প্রভাতরত্বর পর পাটবি দাহেৰ নিম্নলিখিত কথা লিথিয়াছেন

" নিয়তর শিক্ষাকার্য্যের কর্মচ গণের উন্নতির বিষয়ে সমাজ ষ ৰলিয়াছেন, ভাহা নপির সা থাকিল। "

নীহার অধিক বুদ্ধি, ভিনি ই প্রতিজ্ঞা করিয়াছেন। বঙ্গদেশে ভ कान चारित वा अक कन निर्शं शाक कित्रिया निकारिक छेर मन निर्

व्यथानिक इरेशार्हन। व्यक्तिकान मार्ट्य (६न। यनि छेराहे डेरकन) प्रदेश, वि

৫০০ টাকাল যে কাজ করিতেছেন, মেদ সাচেব ৩০০ টাকায় ভাহার প্রিক করিতের পাথেন , ভবে এন্ড টাকা ট ক.া ্টল ্ এই ব্যয়ে ত আরে এক ন বৈদা হইতে পারে।

ইন্সয়ের আধীনতা : ও নাপরতপরা শুনিরাবিফালার ान, पुदानरञ्जत स्य स्वासीन का सेन्द्राक ं ५८ ेड्डि**ङ ७, म≉जू** ७ । धांतर्वद कडा, त्य अधिनाञ्च अन्तर करिता लाख টকাফ চিরশারণীয় 😮 ভারতব্যীয় গুর আং**প্টরুত**ভর হার ভারন হট্ দন, যে স্বাধীনভার প্রভাবে এদেশীয় : रामग्रामकल (म**्ब**त्र ४१)न क्याः। া ডঠিলাডে: যাধার শুণে এধান विकासित चा अशोध श्राका किरशंत **এ**वर াদিলের অভিপ্রায় প্রাধান র,জাপুরুষ গর বোচের করিয়া এটে মুজুস म 📆 👫 ४०६ । याषात वटन वान ্রর) দিন দেন শুভ হার ডেসচতের 'गाटम कागाउँहोरन क्रिटक्टक्स, टा নৈ হামক পলের ঘৃথিত বিচার প্রবা १६ एवः नगावन कहिटल्डर्फ, स्य न्दः क्यानः छोक **वाक्षा**णीनगरक দী কটিয়া ও পিয়া সাহোজাতার **শিকা** 5:৬, চেধ্রিন চরে মহিনায় রাজ ति निःशः भाषाः १ दिनिस हिंड करेशा धालिट शहर । ते काहीन প্রব্যাকী সত্য কথা 3.9 ,ত পাইতেছেন ও যাব: শুনির: s) यथीसवर्ग ভাষ प्रश्तम समर्थ **क्ष्रेट टट्टन अवर ए**व नडा वंश निरंधत व .मर्ट्स श्रेष्ट् ে ভাগ^{িত্ৰ} প্ৰাপ্তৰ উপ্যাসকল ६६, १८८ ५० १९४६) सः **४.५८५ शटा**व नेका नाम उत्ति हते। इका দিধের বেচ চেচ্কচিচেড্ডেন, F * 1 ं वेश्ति धं अगः । दशाद धः ६ ॥ । इ

ও ধৃউ তা আনুস্ধাহয় না৷ "এই স্মা চার্টা যথন আমাদিগের প্রতিগোচ্র হইল, সুগপ্ত নানা ভাব ভদিত হ্ইয়া চিত্রকে আবর্ত্তশীল সাগ্রের নায় অভির · করিয়া ভুলিল ; কি**ন্ত স্দ**# ই€াতে বিশাস कितिना। आगिषिदभन वर्षमान शक পুরুষেরা এত নিকুট হইবেন, আম্বা ভ্রমেও এরপ বিবেচনা করি না কি अदिश हे वा हे हा नाशास्त्र ह हेटव १ हेर्ल ७ चारीन डाल्सिंग, भूमायस्यतं चातीन छ। कथीकात सरुद्धा ভाइ ठवर्संद्र साव छी. বিষয় ক্রমে ইংলতের জুলা হয়, তত্তা গবর্ণমেন্ট ও ভক্ত। লোকের এই ইচ্ছা। যখন এ,গ্ল কইছেছে, তথন তাঁলার: সাধীন হাভোগী থ,কিয়া ভারতংহতিক ভাগ চইতে ব্পিচ বহিৰেন, ইহা ভ আ।ম.দি,গর বুদ্ধিতে লয়না।ইংলতে महीद द्वत राहरा कि कड़े डेप्ड़ा इडेहाट्ड, ষে ভারতেবর্ষের নবংবের। সকলের সূত্র বন্ধা করিয়া যে মধেন্ড:চারত্র ভেন্ন করিল গিয়াছেন, ভিনিও দেই সুখেৱ অধ্যাদগ্রহণ করিবেন : যে জেশের মু**থ** না হয়, ভাহা অভিশঃ অপক;রক *হহ*য়া উ.ঠ, ইহা কি আমাদিগেট পুরুষের অবগত নহেন ্ প্রাণ ত্রীধারা আমালিগের চোধা মুটাইরা দিয়াছেন ; কিন্তু কিছু দে খড়েছ দিবেন ना। गर्मभागामा द्वियात ७ ४ लियात ক্ষুমতা ব্রিলা দি.ছেন; অংশত কিছু विलाह क बिर्दन ना। य कियन कथा ? অংমকা দেখিলেই क्या । इ अध्यानिद्धात यात्र अ व्यक्तिकाहरूत्वाहरू। (मर्थिताहे हैं? कात कतियः य**ड क**न ভাহার প্রভাবরণ না হইবে, বিবাদ कतिव ; किन्दु नथन शाह्वेविण्यावनक्रिक्षे व। जञ्चराहर कहिब ना । यमि कोटाह (म হশ্চেটা হয়, তাহার ভ্রমভঞ্জন করিয়া मिन निवातना करी शब्द, वहे आमता

मिनीय में विस्मीय

উপा ग मिहे ? ডেলিনিউলের এক জান ইং পত্ৰৱেক একটী উত্তম প্ৰেশ্ন উত্থ করিয়াছেন। কোন কোন ভারত ইংরাজাদিলের নার ও মিটার: " একোলার " উপাধিলাভার্থী 🕫 ছেন। পত্রপ্রেক বলেন, '' এক্টোয়া উপাধি গ্রহণ করিবার ক্ষমতা ভার ধীয়দিলের নাই। উক্ত প্রসম্প পর্ত্তেরকের ক্লছ প্রতিবাদের অনুধ্ দ্ন করিয়াছেন। ভারতব্যীয় হইয়া ভৰবীয় উপাধি ত্যাগ করা আমাদি বিবেচনায় নিতাত বিভ্ননার বিং " वातु " डेशाधि ब्यटशका कि " निष्ठे এবং " একোয়ার " উপাধি আ মিউ ? এ উপাধি কি সমানসূচক ন তবে বিদেশীয় উপাধির প্রতি ধে কেন্ বেংশাইয়ের পার্ধী মারে ॰ নিটাৰ শত্রগছেন। ভত্রতা অং महाहा भी । अबहे डेलानि मानति छ कतिशाहित। भारति व ३ हेहा भारा थाट ≢ইয়াজে।বসংহেশে ভারতব্রীর ↔ মে রের শ সংখ্যা অংশ ; উত্তর পশ্চি थादत थाति कृते ह्य स वटते , किन्दु ब नी प्रदा विक्रमीय छेलाहिटक लाज বান্ হইডাছেন, শুনিলে মন অফুডি ^{হয়। আমানিগের স্বলের ও তি} মাজিও অসুরাগছৰ নাই, এতফার। ত गथनान हरेट छ। बहर करीय ये की নেরাই " মিটার ও এক্ষেন্তরে" উপারি অধিষ ভক্ত। ভাঁহারা দেমন ধর্ম পরি क्तियार्ड्डन, सम्बन्ध मान्स विवर्धः পরিবর্তের ইচ্ছাও ভান করিয়া থাকে: ভাষাতে লোকে ভাষাদিগকৈ উপস্থ क्टतम क्रहेगाज। दर्भ शतिबर्ख इहेगाँगा অনেকেরই পরিক্দ আহার ব্যবহার স (लड़रे शहिवर्छ इस । अप्तिदक ये की स **र**ेशा (मो**का दोका**णा कथा जूलिया याः

The same of the sa

এক জান এদেশীয় ধৃঠীয়ান ইংলও ₹**ইতে** এতা†গমন করিয়া স্বদেশীয় জাবাই বিকাত হইয়াছিলেন। স্বদেশের জল বায়ু আনার উচিয়ের সহং হইত না; তিনি মধ্যে মধ্যে বিদায় লইয়া ইংলতেও ঘাইবার কৃথা কহিতেল। ইংগারা হিল্ফু भूगलमानिकारक '' वाकालो '' विलिशः যুণা করেন, যেন আপেনারা আরু কোথা ইতে আদিয়াছেন !! দেশীর বক্ত পরি ান করিলে আমাদিগকে যেপ্রকার দধায়, ইউরোপীয় বস্তে তাহার বিপ ীত বোধ হয় ৷ ইহাতে ইউরোপীয়ের৷ ্ণাও ভারত ববী য়েরা হান্য করেন। ক্রপ্রভাৱ অংশকা ইংরাজী উপাধি াহণ অধিকতর উপহাসকর। ইহাতে পার্থ সমানহদ্ধি হয়না, কেবল স্বদে ौत ७ विष्मभौतिष्ठात निकट**े जुक्** ইতে **হ**য়। " অসন মুখোপাধাার _" "মাইকেল কমু" প্রভৃতি নামগুলি ে আপ্তিমধুর ‼়এওলি কেৰে যেঘন বিষ্ণকতে, মিকীর রামচক্র মুখো ধিগায় একেরায়ার বলিলে তেমনি মধু লিয়াদিৰে সম্পেহনাই।

-:0:-

ভেক-মিচারী দিগের শুণাঞ্সাবে প্রোরভির ব্যেক্স করা আন্ত্রশ্যক।

নধ্যে মধ্যে গেকেটে এই বিজ্ঞাপন থিতে পাওয়া যায়, অমুক নালিছেটি ক কালেন্টার অমুক জাইন্ট মালিছেটি ক কালেন্টার অমুক জাইন্ট মালিছেটি ক ডেপুটি মালিছেটি, উচ্চ পদ লাভ লেন; কিন্তু কে কি গুণে এ পদ ল কিন্তু কে কি গুণে এ পদ ল কালেন, তাহার উল্লেখ খাকে না, সন ও রাইলাগুপ্রভূতির যেমন উন্নাল ও রাইলাগুপ্রভূতির যেমন উন্নাল হইতেছে। "মুজ্ রৈর এক দর।" এ রাজা মুধিন্তিরের স্থা যজের দান নয়, বারু দেবনারা-ব্রের রাসপ্রাধারে পজানও নয় লেবের রাসপ্রাধারে পজানও নয় লেবের রাসপ্রাধারে পজানও নয়

সুদারে উন্নতিলাভের ব্যবস্থা করিলে কি ভাল হয় না ়এ নিয়ম হইলে আনা দিগের প্রধান পুরুষদিগের কেবল যে তাণজ্ঞ হাতি পের পরিচয় হয় এর পে নয়, যে সকল কর্মচারী অপদার্থ আকর্মণা ও অস ফরিজ, তাহারাও শুংরিয়া যাইতে পারে. এবং প্রজারাও সভিচারলাভে আপ-নাদিগকে চরিতার্থ করিয়া মানে। তবে যদি **গোনাহের এরণ সক্ল**প করিয়া शांद्रम, स कर्माठाती व्यवनात व्यवस्थ ব্যবহার, অন্যায় ও অভ্যাচারদ্বার ভার তব্ধী शिनिशतक व्यमस्रके कतिशा जूलित्वन, এই मारहर उँ। हारक है डेक शम श्रमान করিবেন, দে স্বভস্ত্র কথা। মিধিলম্কিস পরীকায় উত্তীর্ণ ইংতে পারিলেই লোক ভদ্র কাজের লোক হন ন!। কর্মকা-লের তুখ্যাতি ধরিয়া যদি এো নাহেব डेक शम दिवात निशम कटतम, डाहा हहे লেই স্বল্পকালমধ্যে দেখিতে পাইবেন যাঁহারা এক্দে কতক্ষরপ ইইয়া প্রকা গণকে জালায়ভন করিভেছেন, ভাঁহায়া⊕ মাসুদের মত ছইয়া উঠিয়াছেন।

-:•:-

মুত্তন পুস্তক ও প ক্র চা।

১। কার্প্রকাশিকা। প্রায়ুক্ত বরদাপ্রদাদ মজুমদার ক্রমাহয়ে সংকৃত
কার্প্রলি প্রকাশ করিবার সঙ্গণ
করিয়া এক থও মুদ্রিত ও প্রচারিত
করিয়াছেন। এখণ্ডে শকুরলা ও কুমার
সম্ভব টীকা ও বাঙ্গলা অমুবাদগহিত
সলিবেশিত হইয়াছে।

২। উত্তরপাড়া মাসিক পতিকা।
বঙ্গভাবার উন্নিলাধন করা পতিকা
প্রচারকদিগের উদ্দেশ,। উত্তরেত্র
উৎক্রম বিষয় সকলের আন্দোলনে
প্রস্তু হইলে এ ইন্দোশা ক্রমে সিদ্ধা
হইতে পারিবে।

৩।কলিকাতাক লরক সোংসাইটার পঞ্জিংশ (১৮১১। ৬৭ অবেদ্র) রিপোর্ট। এই সোসাইটা ১৮১৭
জুলাই মানে প্রতিন্তিত হয়। রি
দৃষ্ট হইল, ক্রমশঃ কার্য্যের উন্নতি
তেছে। বিজ্ঞাপনী প্রচারকেরা এব
হংগপ্রকাশ করিয়া লিখিয়াছেন
সকল পুস্তক অমুবাদিত হইয়াছে,
বড় বিক্রম হইতেছে না। চক্মকির
প্রতিত্তি সামান্যপ্রকার পুস্তকের
বাদ চেটা পরিভ্যাগ করিয়া যদি উ
লোকছারা উৎকৃত পুস্তকের অর্
সম্পাদন করা হয়, অধিকপরি
বিক্রম হইতে পারে।

৪। "বেনারস আনোদিরে সন গ ব ১৮৬৭ অকার কার্যাবিবরণ। এই সং বে প্রকার চলিতেছে, ভাহাতে ই দারা অনেক কাজ হইবার সন্তাব সভাগণ সামাজিক উল্লিডসাধনবি মনোনিবেশ করিবার সক্ষাপ কি ছেন। কাশীতে এই কার্যা; হইলেই

> প্রাপ্ত। বঙ্গীরদিগের দৈহিক

অসুন্তি।

একণে গবৰ্ণমেন্ট ও বৈদেশিক ব্ৰিকগাল
কাৰ্যালয়সকল কেকপ নিয়ম ও সময়ের ব
ভূত হইয়া চলিতেছে, ভাহাতে কর্মচারিগালীর ভয় ও ক্লয় হইবার সম্পূর্ণ সম্ভালাছে। বিচারালয় ও সরকারী ধনাগার
বাজকীয় কার্যালয় ও ব্রিকগণের কার্যালয়
কার্যানির্মাহক সময় এক কপ নয়। কোল
কার্যানির্মাহক সময় এক কাপ নয়। কোল
কার্যানির্মাহক সময় এক কার্যানির্মান হয়। পূ
প্রাধার বিলি বিভ হইরাছে যে, এ দশ অ
শার উষ্ণ ও গ্রীম্মপ্রধান। ভাতএব এক
সময়ে এ দেশে বিষয়কার্যা সমাধা ক
কিকপে গুজিসিক্ষ হইতে প রে।

যথন সামান্য প্রথকিগণ উদুশ প্রচ বৌদ্রের সময় স্থাস আঞ্চলত্ত্মণে বিশ্ ইয়া অনাতপ স্থানে বিজ্ঞান কা য়া গাঁচ মস্যোর কি প্রকারে এপ্রকাঃ অস অভি ভাষণাধা বিষয়কৰ্মণাধন সঞ্চত **৬ পারে ? ইহাতে কি ভাঁহাের কে** 🍳র না। ভবে কি করেন, উনরের জন্য ট করিতে হয়। **ইংরাজদিপের** দেশ ময় শীত প্রধান এদে**শ অতিশয়** গ্রীম ম্প্রধান। ওগাকার **লোকের আহ**ারা নিয়ম ও ীতি নীতির, সহিত অংজ বা কর সৌসাদৃশ্য নাই। ভাঁহারা প্রঙি চারি বার, **এখানকার লোক** ছুই বার রে করেন। **ভধায় শী**তাধিকাঞে ভুঞাতে। পরতের কার্যাকর। ইক্রম্বর তথায় র ও জ্যোর উভাপিঃ ল এক মুহুর্জ থাকিবার যোনাই। বোধকরি, এই তথাকার কাৰতীয় বিষয় কাৰ্যাসাধন ভু দশটা, চারিটা ক্ষা নির্দারিক ছঃ অড়এব শী.ল প্রেদেশের কার্যা ক নিয়ম ও সময় উফা এ,দেশে নিয়োজিত যুক্তিসিঃ ও ন্যায়ালুগত হইতে পারে

য়ে ও জাতঃভিমানালি নানা কারণবশতঃ শীংদিগকে গ্রাহ স্বল্ল বেড্ন, সামান্য ্যিও পদ প্রদান করিয়া থাকেন ; কিন্তু ায়ে নাধ্যতি,ত ভাম করাইতে বিলক্ষণ । এখানকার লোক ভাধিক পরিভাষী, দির ও ক্ষিণ্ডিক ২ইলেও ভাঁহার: । व्यक्ति ,दस्य ७ উट्ठ शदप्रज्ञशाज ড় প্রেরণ না। কর্মাকা≼ক দির্গের অংশে প্রবাদী। জিছাদিগকে এই স্কল্পের বে । ন রিক ও প্রবাদের বাংনিকাহ করিতে উ;ছাদিগের অধিকাশ হাশিকত ও ভ:বাপল নজেন ২/নিয়া আনেকে আনেক াকুরিয়ার অ∷সজ হন। ভাঁহাদিপের মধেরতেও মুফ্জর **বেতনের কি**ু ্বায়র হট্যা _নকে। স্তরাং **ভাঁহাদি** ং সালান্য কুংসিড <mark>সানে ও গুছে বাস,</mark> লাস্থ পাল্ডনক দ্বা আহার ও লা ফালল বৰত প্রিধান ক্রিয়াকাল ং ক∫়িডেরন আবার **ক্র্যালয়ের** পিত সম্যাদনে উপ্তিত ইংতে না নো এপুরা কুপিড ইয়া পাছে

রাজা ও ব্রিকগণ পক্ষণাত জাতি

বেতন কর্ত্তন, পদাঘাত, মুখ্যাঘাত জ্রুভনী আদর্শন প্রভৃতি করেন, এই ভয়ে জীবন ধারণোপ্যোগী ধং হামান্য আহার করিয়া পদর্জে জাভবেগে ছুর্ত স্থাভাপে দ্বা হইতে হইতে গলদ্যশ্বকলেখনে কৰ্মস্থানে উপস্থিত হন। তথায় **উপস্থি**তির **অ**নতি বিলম্বে নিজ নিজ কাৰ্য্যে নিযুক্ত হইয়া অবি <u>খাস্ত বেলা চারি ঘটিকা বাসকলা অথবা</u> কত্ক রাতিপেয়াস্ত কর্ম করিয়া থাকেন। এ দিগে পথকেশ ১চত রৌক্ত গ্রীমা, ও দিগে প্রভুর কোণবাক্য, ভপর দিগে অতি রিজ্ঞ পরিশ্রম, এ সকলে শরীর কত দিন স্ত্রিস্থায় থাকিতে পারে ? বিল সরকার, বাজার সরকার প্রভৃতি ধর্মচারিগণের ছ্র-বস্থামনে করিলেও হাল বিদীর্ণ হইয়া যায়। আ ারাত্তে প্রচণ্ড বৌদ্রের সময় গলি গলি, বাড়ী বাড়ী ছারে ছারে, ভিক্সুকের ন্যায় তাহাদিগকে ভ্রমণ করিতে হয়। একণে কাছাৰ আহি ই ব। দোঘারোপ করা যায় ? আমাদের দেশস্থোকই যত অনর্থের মূল। ইহার সামান্য নিলভিক্র নহেন। ইহাঁদের জাত্যভিনান অত্যন্ত প্রবস।কুমিবাণিক্য প্রভৃতি স্বাধীন রুভি, ইহাঁদের নিকট আদর ণীয় হয় না। ঐ ওলি আনাদ্রণীয় হ ইলে ইহার৷ সেছ্যেত সময় ও কার্যবিভাগ করিয়। স্বচ্ছকে ডাবিক। অর্জ্জন করিতে পারেন, তাহা হইলে স্বাস্থাব্য যাত ইইবার জণ্মাতে সন্তাৰনাথাকে না।

আনরা এই কপ নোষার্পণ করাতে সনেকে সানক প্রকার আপত্তিও উথাপন করিতে নারেন। কিন্তু ভাঁহার যদি পক্ষপাত প্রা হইলা স্থিরচিত্তে এক বার ভাবিয়া দেখেন, ভাগা হইলে সহক্ষেই সকল আপত্তির থওন হইলা যাইবে। অত্যে শরীররক্ষা করা নকলেরই সর্বভোজানে কর্ত্তবা; পশ্চাৎ বিষয় কর্মা যদি শরীরই অপটা হইল, ভাহা হইলে বিষয়কার্য। কিকপে নির্বাহ হইবে। এইসকল জানিটের আশস্কায় পূর্ব্ব কালের রাজা, মহাজন, দেশীয় বণিক্যণ, এতাদুশ সময়ের বশবর্তী না হইয়া নিজ নিজ বিষয় কার্য। প্রাতে ও অপরাক্ষে সম্পাদন করিতেন ভাহারা কি এতই অবিবেচক ও ভ দুরদ্ধী

The state of the s ছিলেন ? ভাঁহাদের বিষয় কার্য্য কি কার্য্য নহে। উহেলের কার্য্য কি হুণ ভাবে সম্পন্ন হইড না ? ই রাজেরা এ অধিকার করিয়া অনেক দিবসাবধি ত ও ও ৰৈকালে স্বস্বাৰ্য্য নিজপাদন ব हिटलनः दननीत कमिनात, महाकनः এড়ডি প্রাতঃকালে ও অপেরাছে ভ আপন কার্য্য সম্পাদন করিতেছেন। ইহ কি এ চ নিকোণ ও হিতাহিত হচান ব ইবাদের কর্মচাথিগণের সহিত বে অভূতি কর্মকাংকগণের শারী রক বলর্ব তুলনাক (লৈ বছ বৈলকণ্য ,বাধ হ' অভএব দেশ কাল পাতা বিবেচনাৰ কার্যানিকাহক নিয়ম ও সময় নির্দারণ াজ ুরুষগণের কর্ত্তব্যক্ষা।

বিবিধসংবাদ। ১০ ই জাবল সোম্বার।

এক ব্যক্তি সংখ্যাদপত্ত্ত্ব্যুলি খিতেছেন, দিনে শূকরের কোন জানিষ্ট হয় নাঃ সূধ প্রপ্রে জাহার করিয়া থাকে। জামেরিকা পুকরিরা রাট্ল সপা ভক্ষণ করে, ইহার আছে। সপের বিষে ভাহাদিগের কি কিনা, ইহার পরীক্ষা আবশ্যক।

সঞ্জি প্রধানতম বিচারালথের প্রধান
পতি প্রতন উকীলদিনাকে খাদ জনপীলের
নারবান করিয়াছেন। ধেদকর খাদ জ
ভাল ভাল উকীলের। গ্রহণ করেন না, মে
রেরা ভাষা প্রভন উকীলদিলের দ্বারা কল্প
ইয়া লন : কিছু খালিবিলন প্রায় ভালা
থাকে না। প্রধান বিচারপতি বলেন,
ভালালিবের জলেক। বহুদুদ্দী ও উপার্থ
হারাজীবেরা মকান্যা লইন্ডে জনস্মত হন
ভাছা দিলের ভালা গ্রহণ কর। ভালু হিড়া

১০ আইনের মকসমা দেওয়ানী আরু
লইয়। ষাইবার প্রস্তাব হওয়াতে মফ
মোজারেরা অভিশয় অসম্ভ হইয়া
আনেকে এই বলিয়া আবেদন করিছে
যদি দেওয়ানী আদালত বিচার করেন, ব
হল গৈহার দেন তথায় গিয়া প্রসাতর
বার অসুমতি পান, তাহার। বলেন
অকের ০০ আইন অসুসারে ভাঁহার। বেল
প্রের বলে তাহার। কর্মটিত ফ্লন্মায়
ভরকারে, তম্মত হইয়াছেন। আইনে

প্ৰস্থাপ করিতে পারে না। অস্ত विवार तिर्दिण के अध्यक्ति मिर्गत भरक ना যুঁহারা আপাওডঃ এইসকল মকজ্মা ডেডেন উাহাদিগের অস্ত না যায়। খত্লোপ করা অসমত সন্দেহ নাই, অসুপাৰন করিয়া দেখা যায়, প্রভীয়মান , किन्न भाष्कारतेत्रा कृणवृक्तर्भ भक्षमा ইতে প'বেন না। উচ্চারা সভেতে মিব্যার ন্যা প্রকৃত বিষয়সীকে বিকৃত করিয়া

विकलित्यत व्यादवनमञ्ज्ञात्त वन्द्रमनीय যেণ্ট বেবেণিউ বেডের **দশ্বতি লইয়া** ন্য সামান্য ভবেরে তাকে কম্ট্রাছেন। ৰী প্ৰলি ওপিনিয়ন সর জন লারেলের বলস্কিনিসংক্রাক্ত ছাত্রবৃত্তি বিষয়ে বলি ন গ্রথমেটের বারে খেদক**ল ভরতবর্ষীয়** লি, ান ও চিকিংসক প্রাভৃতি হইবার নিমিত ত্তেগমন করিবেন, উচ্চানগকে এই প্রতিকা করা কর্তব্যুয়ে য'হারাকু ভকার্য্য হইবেন, ারাজ্মশ এইটাকা প্রভাপের করিবেন। ন ৰং নে হি∂ এইপ্রক∶র সভর্ক নাছওয়া ্ভাহা হইলে ধেত্তৰ পত্নীক্ষ্তার

পক্ষা কুঞ্চনৰ্নিনোর প্রণিত অবিকত্তর অনুধ্রাং শন করা হয়, এই কথা বলিয়া ইংল্ভে क'त्र डेडिट्व। এই श्रकात कीएकात एलड्राई ত। কারণ আমানিদের গ্রণ্নের বিশ্বসার লনিক ও অমূলক দয়ায় বশবজী হইয়া ভাড় ভূ এটা কাল করিয়া বদেন, ভাচা এড রা নিবঃরিত ছ**টবে। আম্বা আরিও প্রস্তাব** রতে.ছ, এই এক ব⊹জৈনিল যাৰভীয় পরী-ধীর সচ্চরিত্তার নিমিত ১০.০০ টাকার মন লওয়াকউবা । যাঁহারা ধিবিল সার্সি-

ারও আংক্ত ও সফচ রক্রতার প্রমাণপক্র দিজে বে। ° এলেশের যে বংক্ষিসিবিল সার্কিস तीका क्षित्रात कथा मूर्य क्षानिहरून, डीहार इंडेर्ड, अककार्ट अर्डे • • • 🚉 के। मेख কার আখান করিবার প্রস্তাব করিলে ভাল हेट ना । গ্রধ্যে ট শুধারণ মতে উপেকা না করিয়া শিক্ষাবিভাগ ইইডে বহি रक्षेत्र कार्या र

র পরীকায় উত্তীর্ণ ছইবেন, পাহাদিগকেই

বল এই জানিন দিয়ে হইবে। প্রীক্ষাধীকে

্ড করিছ''ছেন। এডলিয়ের পায় দিল্লীর পুরাতন নৌকার ন হু উঠিয়া শুলাভাছে। এই সেতুরকা করিতে চুটাকা বুল ংইয়াছে, তাহাতে একটা এখন লুণির কৌঙ(স্ট **ইই**ড।

উত্র শংমাঞ্লের স্থানেট্রানে বৃষ্টি হুতে **আ**রস্ত ব্রিটাছে।

কলিকাভার ছোট আলালতের জিজাসা क्राय श्रधानकम विहातालय निकास करियाद्वन, काम मकद्भाष्ट्र यक्ति क्यानिताय परिश्र थार्क, তাহা হইলে বিচারপৃত্তি নিজে সেই আপত্তি উথাপন করিতে পারিবেনঃ পূর্বের অনেকের দংস্কার ছিল, প্রত্যথী নিজে না করিলে তমাদির আপন্তি প্ৰাৰ্য হইত না। এসিদ্ধান্তলী যুক্তিসিদ্ধ। পত শুক্রবার বিচারপতি ফিয়ারের বাসীতে ন্মাঞ্জিক বিজ্ঞানসভার ত্রেমাসিক অধিটবশন

इहेम्रा शिम्राटह । রোজ ভৌগের হতার অসুসন্ধান অদ্যাপি চইতেতে। মাধৰ চ্জা দ্ভকে পুনর্বার শনিবার পুলিৰে আসিভে হয়। গ্ৰণ্মেটের আটণী আর এক মাস সময় লইয়াছেন।

১৪ ই आविनं मणनवातः।

রেলওয়ে বিভাগের কার্যা অনেক রুছি হও য়াতে গবৰ্ণমেন্ট এক জন অভিব্ৰিক্ত ডেপুটি কন দলটিও ইঞ্নিয়রকে নিযুক্ত করিবার আছে। मिश्रोटकम ।

গ্ৰোট সাহেৰ আসিয়াটক সোগাইটির সভ। পতির পরভ্যাগ করাকে সোসাইটি ভাঁহাকে এক ছভিনদ্দশ্র প্রভাব করিয়াছে^{ন।}

ভেলিনিউস বলেন, অফির জাহাল ৪০০ কাহার লইয়া অনেসলি আধাত হইতে কলিকা ভার আদিয়াছে। স্লাহালের লোকের: কাহার দিগের প্রতি অভিশয় অভ্যাচার করিয়াছে। আফিস্বেরা ভালদিগকে প্রহার করিছেন ভাষানিগের রক্ষনের পাতাসকলের চতুর্ধাংশ কাজিয়া লওয়া হয়। ভাহাদিশকে শৃগাল কুক্ .রর ন্যার সংকীর্ণ স্থানে রাখা হইত। এইদকল দুর্দ্ধবিহারে এত কষ্ট হয় যে কলিক।ভার নিকটে আসিলে প্রভাই ২০০ জন করিয়া প্রাণভাগি करत। जाव किছू पिन छ'श्रांटक थाकित्त प्रकल কেই প্রাণভ্যাগ করিতে ইইড। সর্ম শুদ্ধ ২৭ জনের মৃত্যু হইয়াছে। নাবিকদিগের পদাঘাত, আফিসরদিগের মুক্তিপ্রহার, অনাহার ও সংকীর্ণ মধ্যে কণ্ড জন ভঙ্গিলদার ও কড জন 🤇 স্থানে বাস ইহাতে যে মৃত্যু হইবে, ভাহা আশ্চ কালেইর ? এই প্রভেদ করিয়া বেডনের র্গের বিষয় নছে। রাহা হউক, যেমন হইয়া করিলে ইউরোপীয়দিগের সংখ্যা অধিক হ থাকে, গ্রথমেন্ট অনুসন্ধানের আজে। দিয়াছেন। সর উইলিয়ন মিরুর পঞ্চাবী দলে মিত্রিত ক্ষেক জন ভারতব্যীয় কাহার প্রণভাগি। লেন, বড় আংকেপের বিষয়। ক্রিয়াছে, ভাহার আবার অসুসন্ধান কি ?

আগামী অক্টোবৰ অবধি কলিকাডার ছোট আদালতে স্থাপ্স চলিবে। পুদ্রা নিকট হওয়াতে । মুক্তিল'ভের বেমন উপায় ২ইরাছে, স্থ মকদ্মার সংখ্যা অনেক বৃদ্ধি হইয়াছে : জ্ঞানেরা বলিয়াছেন, এ সমরে ফুডন প্রবালী প্রবর্ত্তিত क्तित्न वित्नव शानरयां व इरेवात मछ। वना । রবিবার রাজিতে এক ছরাত্মা ঠনইনিয়ার

এক বেশ,ার বাচীতে অবস্থিতি করে। এই বাহি জীলোক্টীর গলা কাটিয়া বধ করিয়া ভাষা অনকার লইয়া প্লায়ন করিয়াছে। পুলি ত মুসকান করিতেছেন। অন্ত কাল অনুসক कर्त्रहरूवन ।

.কাৰুণ ংইতে সংবাদ আসিয়াছে আছি ধী কারুলে প্রভাগেমন করিয়াছেন। আগু আলি 📢 গিজনির নিকটে আসিয়াছেন। উ कारन कालिय थाँद कल हे रेमम कार्ड। निय আলি খাঁ কানদায়ারে আগমন করিয়াছে আবিছল রহমন বঁী সাহায়ঃ করিতে পারিং ছেন না। একুণ জ্বনঞাতি, তিনি শীতা কৰ সেনাপতির নিকটে গমন করিবেন। কারুবে लाकनिरमत छेशाद कालाहारादत वाथ मेर মক্ষলাইট বলেন, পেলোয়ারস্থিত এক ব

জিখিয়া আক্ষেপ করিয়াছেন, এক জন আ সর উচ্চার জ্রীকে ব্যক্তিচারিশী করিবাব চেষ্ট আছেন। ঐ স্ত্রীলোককে গ্রুপত্রছারা আপ বালীতে আহ্বান করিতেছেন। মকবানাইট ত মিত এই আফিসঃকে এই বলিয়া ভয়প্রদ করিয়াছেন যে, যদি ভিনি এই ছক্ষেষ্টা ভ না করেন ভাষা কইলে আছোর নাম শুদ গুলি প্ৰকাশিত হই,ব। আজি কালি বৈদ্ শিবির বড় গুলজার।

ইউরোপীয় দৈনিক ভাঁহার নিকটে এক

সর উইলিয়ম মিয়র সম্প্রতি এক মি লিখিয়া দেখাইয়াছেন উত্তর পশ্চিমাঞ্ অভিক্লিভ বিচারকার্য্যে ৯৭ জন ভারভব্যী ২ জন ইউবোপীয় নিযুক্ত আছেন। র বিভাগে ২০৬ জন ভারভব্যীয় ৬০৪ ইউরোপীয় রহিয়াছেন। বিচাহবিভাগে প দিয়া এবেশ করিভে হয়, অভএব আচি কার্যে যে তের শির ইউরোপীয়ের৷ আন্তেন পরীকা দেওয়া উটোদিগের পক্ষে বড় সহজ রাক্সস্ববিভাগের ২৩৬ জনে ভারতবর্ষী

১৫ ই আবেশ বুধবাব।

প্লীচার দীড়িতাবস্থা হত্তাপরাধ অবাধ্যতা তেন্ন বেভন্নান হইতে বি मार्क्त काराम्य रहेत्राद्यः। कार्मक हेर्डेर এই চল পাইয়া ভুত্তাদিগকে বৈতন দে ভাহারা ভাহা চাহিতে শাসিলে অ

करवन ७ गानि विवाद अभदाध निष्ठा नानीन করা হয়। মাজিটেটটেরাও দওা দৈতে ছাত্তুন না। কিন্তু গণ্ড কল্য কলিকাভার মাজিকেট রবাটন মার্টের এক আক্ষর্য বিচার করিরাছেন, তাত। সকলকে অভিক্রম করিয়া উঠিয়াছে। হারবাট নামক এক ইউরোপীয় ভাষার আয়াও ভাষার স্থামীর নামে চৌর্য্যাপরাধের নালীশ কবেন। চুরি ৪ मान रहेन मा, किन्ह ए घर जनहुङ यत স্কার ছিল, আয়া তক্সধ্যে প্রবেশ করিয়াছিল প্রমাণ ইওয়াতে রবাটীস সাহেব চুরির অপরাধে মুক্ত করিয়া জনবিকারপ্রবেশের অংয়ার দশ টাকা জারিমানা কবিয়াভেন !! কুভেরে **ত প্রভুর সকল** গ্রেই প্রেশ করিয়া থাকে। আয়ার কি সেমরে প্রবেশের নিষেধ हिन ?

গত কল্য কলিকাভার পুলিষে আর্থক কাণ্ড হইয়া গিয়াকে এক জন নাবিক ভাহার কাপ্তে নের নামে নালীশ করে। এরপ স্থলে সচরাচর যেরপ হইরা থাকে, ভাছার সাক্ষিণণ সাক্ষ্য দিল मा । मास्टिकेट जाहात्रहे एख नित्नमा मादिक ইহাতে নিঃশব্দে কাপ্তেনের নিকটে জাসির ভাঁহাকে এক ভয়ানক দুবি মারিল। মাজিটেট এনিমিত্ত ভাষার ছয় মাস কারাবাদের দশু দিয়া বলিলেন, তিনি যত দিন উত্তর বিভাগের মাজিটেট ডিলেন, ডত দিন এপ্রকার কাণ্ড আবাদালতে হয় নাই: দক্ষিণ বিভাগের পুলিষ কৰ্মচারিগৰ জাপন আপন কর্ত্তব্য কর্ম্মে মনো বোগী নছেন : এ বিষয়ে এত দেশীর বিভাগীয় क्षिप्रतिभव केशिक्षित अर्थका श्रवाम । के ঘুনতে উক্ত বিভাগের প্রশংসাভিত্র কি আর কোন বিষয়ের প্রমাণ হইল না ১

ভেলিনিউপের দার্জিলিঙক্তিও সংবাদ দাতা আক্ষেপ করিয়াছেন, তথায় এবটী গিরজা করিবার নিমিত্ত যে চাদা ২হয়াছে, আহাতে উজ বাটি প্রস্তুত হটবেনা। ভাবনা কি ? গ্রগ পুত্রভাৱে ভালানিগকে সংপ্রে আনিবার চেষ্ঠ, সেক্টের নিকট আংবেদন করিছে বল .

উক্ত পত্রপ্রেবক বলেন, এপর্যন্ত দার্জি লিঙে ৬৯ ইঞ্চ বৃষ্টি হইয়াছে।

কটক ও সম্মপুরে ছুটী বারিক হইভেছে।

(व'बाहेटब्रुव नाहेटन क है।क्र कारमहेब साध ख'इटयब अस्टावासुनादत (वाबाई शवर्गमाने বিশ্বাস্ত করিয়ার্ডেন, কর ধার্য। করি**রা ভালিকা** विदाद ३० मिदमद्व मह्या विस्ति अन्दर्शमा कह क क कारल मिर्देश, दीकात (स्कारक्षेत्र वीक्री काम) নত্ত্ব কোন এত সময়ের পরে ইইলে ইংগ্ যান, উচ্চার কবরের সময়ে যেন কভক গুলি আই সেনাদলের লেপ্টনাক লিন ও উচ্চার স্ত্রী উক্ত দওয়া হঠবে না ভাবতবর্ধীয় গ্রগ্মেন্ট এই রিসকে সুরাপানের নিমিস্ত ৫০ টাকা দেওরা হয়।

ভाইরের দৃষ্টাভ দেখিয়া কলিকাভার সুইলাও न'रहर अवर व शास्त्र पार्मात्रता काम न्का कतिएक शास्त्रन।

(धाकरम्बत (धानारेष्ठात थाँ। देशातथरमञ्जू ্ব গরু বিরুদ্ধে বুদ্ধসম্ভা করিবেন। খোকক ক্ৰীয়ার অংধীনকঃ অংকএৰ দীল ক্ৰীয় বৈদ্য গণ ভিৰতে প্ৰবেশ কবিবে :

এবরে ৮৫٠ . • हास्रादिश्र अधिक वाजी मकाष्ट গমন করিয়াছিলেন। কনষ্টাণ্টিনে:পালস্থিত দুত সুলতানকে ভারতব্যীয় যাক্রীদিধের কর্ছে: विषय मानायाती इहेए कहाताम कातन তদসুদারে কয়েক জন চিকিৎসক মহায় প্রেরিছ হইয়াছেন। মঞ্চার রাস্তাদকল পরিষ্ঠ ত হইয়'ছে। নগাহের ভিততের মছল , রাখিবার যো নাই। আইশাক विष्रुत विर्वयक्षण यामावन्त अ शामीत करन খড়স্ত পুৰুবিনী প্ৰভুতি করাতে এবার পীড়ার ভাদুৰ প্ৰাছ্টাৰ হয় নাই। ভুৰুক্ষ প্ৰৰ্থমেক্টেই ন্যায় আমাদিলের গ্রাথমেন্ট যদি পুরীর প্রতি দৃষ্টিপাত কবেন, ভাষা হইলে ভাল হয়। পুরীতে যে কম্ম কাও হয়, কড লোক পীড়ায় প্রাণভাগি করেন, কাছার সাধ্য ভাষা স্থির করেন।

১৬ ই আ বন বৃহস্প ভিবার।

উত্তর পশ্চিমাঞ্চলে হঠাৎ অভিরিক্ত রুক্টি **१८याटि मधीत सन अ**खिनय दृष्टि **म्हे**याटि । এক দিবদের মধ্যে মৃঙ্গাপুরের নিকটে ৯ ফুট জল व'डिय्र'रङ ।

আগামের দীমাকিক সিকু, মিস্ম, কুকি প্রভৃতি বন্যুগণ সর্বাদা দৌরাঝ্য করাতে লেপ্ট নাণ্ট গবর্গর সিফুলিগের আম দক্ষ ও ভাষা मिश्रास्त्र क्राया कांद्रिवात निमिष्ट अक मल देशन। প্রেরণ করিবার কলুমডি প্রাথনা করিয়াছেন। পঞ্চাবের দীমার এসকল কাণ্ড শত শত বার হই ग्नाटक र उथानि बरमहा क्रुरवात माहेरलहे अन्तरा চার করে। বনেরো দণ্ড স্মারণ করিবার লোক মা 'িছলে জ্যিক কাজ হুইতে পারে।

আরবে,র ওলাবিদিরের গ্রুত্ত ১ইটেচে। মস্বাটস্থিত ত্রিটিশ রোসডেও এ বিষয় বোদাই গ্ৰণ্মেণ্টকে জানাইয়া বলিয়াছেন, ওহাবিরা পর**স্পাবের মান্তকভে**দন করিলে মস্কাটপ্রভৃতি तारकात कुरिशा क्या . किम क्यामी ताक्कित्व वरू দেক আই প্রভাব মুখ ংইতে ব্ধিগত হইলে ভাল শুনাইও। কর্পেল বুড আই রসলিগের উপ্তে অভিশয় চটা ছিলেন। মৃত্যুকালে ভিনি বলিয়

একাশ করাতে কুড বলিয়াছিলেন " আমি উহাদিগকে ভাল বাসি বলিয়া টাকা দিতেতি না ৷ ফুরাপান করিলে উহারা পরশ্পরের মস্তক क्रम कतिद्व। अहे दीख यक करम कर्द श পেলিও ক্রডের ধাতু প ইয়াদেন !

সিমসরে যে বালীভে সংধ্র ভেনরল বাস করেন, ভাষা বিক্রীত ষ্ট্ডেছে গ্রুর জন লবে কোর পর অংন; কোন শাসনক**র্জ**। বংসরের অংশি কংশ আসেদে৷ যাপন করিতে পাইকেন না, এটা কি ভাহার লক্ষ্য ১

পুনার অধিবাসীরা সর সাইমর ফিট त्र १८ छत्र सिकटें এই ज्याद्यम्म कृति प्राट्टम् (य नकन राष्ट्रिक स्थिन शर्ठन छ। स्वन अदर বাঁহাদিগের বাংদরিক টাকা ভার কাছে, ভাঁহ'রা যেন মিউ নিসিপাল কমিসনর মনোনীত করিবার ক্ষতা পান। বর্তমান ক্রি ধনরদিগের উপবে সকলে বিরক্ত। দেশের সকল স্থানেই মিউনিসিপালিটির উপবে লোকে সর্গাত্র বিব্যক্তিপ্রকাশ করিতেছেন। অভএব এবিশ্যে কোন সমুপায় অংকসম্ম করা অক্তিশ্য কর্তকা:

১৮৬৯ অনে প্রয়েভের খাল দিয়া জাহাত চলিৰে। এই খালের জারঃ অব্ধি ইংল্টীয় গৰণ্মেট ইহার নানাপ্রকার প্রভিবক্ষকভা করিয়া আসিতেভেন : কিন্তু একণে ইংগ্রেথ সংবাদপত্রসকল ক্রমণ স্থীকার কবিভেচ্ছেন, করাশীই 😻 নিয়বের। কৃতকার্যা চইবেন।

একজন ইউরোপীয় উত্য পশ্চিম্পেলে জমণ করিয়া মুসলমানদিগের ।নকটে কোই।ব পাঠ করিভেছেন। ডিনি সম্প্রতি ভাগলপুরে शमन करिष्ठा (हन। अ वर्तक वालनाटक सुर्वे सर লগুীয় বলিয়া পরিচয় দেন। পুলিব ইহার উপর চযুদুরাখিয়াছেন। এব্যক্তিকত কশীয়ার চর নংখন ? কুশীয় চরগণ যে পঞ্চাব ও উত্তর পশ্চি ম ফলে আসিয়াছে, ডাগ্র অনেক লক্ষণ দেখা बाइर७८५ :

আগামী অক্টোবর মাধে মিদ কার্পেন্টর ভার ভবরে অংশিবেন। তিনি বে'শৃইয়ে এক वन्द्रालदिक्षां सञ्ज्ञां भक्त कतिरवन । अहे कांद्रव এক জন শিক্ষুত্রীকে ইংলও ২ইতে আনস্ত্রন कतिर्देगा अहे नर्म्याल विकासिरहत वास मित्र কাপে টর নিজ হইতে এবং চামা করিয়া দিবেন भिन कार्यकेंद्र (भन काल गाज विस्कृत) करिया काक करिट इ छ। त्वन, छोड़ाइ विकासिए भू कीय ধর্মের সম্পর্ক থাকিনে না।

আল হাবাৰ স্থিত ১০৭ মণিত ইউরোপীর বেজিংমটের কর্ণেল পেটনের নামে ১০.০০০ वह भारायात्या सार्वाया के देहारहिन। स्थान केशिव वक्कान कहे व निष्ठा कार्या विकास विकास विकास नामीन किल्लाहिन। स्वाकीना के र, कर्राल (পটন चलिय़ारहर, (घ विवि मिन মিনামক এক কান কমিপরিএট কণ্টুকীরের . हे ६ • • होका छे० दका ह क्षेत्राह्म । इति ১০০০ টাকার দাবিজে কর্ণেলের নামে क क्रिय़ फिन । है जिस्ति (ल क्रिना क्रिय़ ত্ৰৰ ভতুৰ্ভানাৰ বৈনিক কমিদন বসি েএই ক্ষিপ্ৰ বিপোট না দিলে আলাহা-त अभः कुछ विधात अंतुष्ठ कृतिसम्मा। বিএট ও প্ৰলিকওয়াৰ্ক বিভাগসম্বাদ †হও দ'র ।

য়েক ম'স পুৰ্ণ জন মাবনাইট বোষাইয়ের লন প্ৰধ:ন বঃৰক বলিয়া ল ४०० ठाका भागी खाड़ा दिट्डन। त्राष्ट्री, া কুকুৰ ও ভিডেবে সংখ্যা ছিল না। প্রের মান্নাট্ট সাচের স্থাপানে ত্তন, হটপ্লা রাস্থায় প**িডত থাকাতে ভাঁ**ছার কো জারিমানা হয়। এ টাকা দিবার ক্ষমতা কাতে সাহেবকে জন্তীছের নিমিত কারা য। ক্রে চইরাছে। ইউরোপীরেরা এদেশে মুানবাব হন - জল্ল লে'কে আংশ**ন কাৰ**জ্ঞ 1 কাজ ক.রতে পারেন। **অনেককে শেধে** াক কন্ঠ পাইতে হয়।

ভারতবর্গার ও বসংলকীরউভয় স্বর্গমে-भद्राक्षाल ५ भर्गते । **१ व्हाली (इने** ७ र्भ मा 🌣 🗢 कार्यवाद ध्व छात कार्यभ्राटक्रम । 5 TP: ७ घ: म. अञ्जनश, ४४ मा चा ४ के का विना গ্র প্রন্প্রন্ত সুবিধাভিত্র দার্জি-ালেওটা কর্থার আরিও কোন সাভ . 5 91美利:

ই:সুবে বে.জ ই'র আইন ও ১৮৬৫ **অকের** शह्न अध्यक्ष १९४८६ ।

বশ্যানিগকে পুথক স্থানে রাখিয়া উপদংশ : क्राक्षांक्रशत्क डकाइकिरमाल्या आधिवात া মিউন,স্পা,লাটসমূহকে দেওয়া কই ন স্পান্টিও স্নীয় স্বৰ্মে টকে দিছে সু'ছেন' এই ভাৰ এখন থাকিলে হয় । বেশ্যাদিকের নৈকটে রেজিষ্টরির যে ফী। : ह्हेर्ड, छाह्'एक द_ेब्र कुनाम इद्र अग्रह ৰস্ত করে: উচিত।

রুপোর্ন করিয়ারেছন, এই দিপে**টে প্রীভিক**র है। ए. करत (कालित (सन प्राप्त श्राप्त , विषाद ेन , भड़ा क्हें उत्पादन के हिएक । (४) वर्ष वर्ष के प्रमा विक्रम इहेरदा ্রণবীঃ সংহ যেপ্রকার লোক হউন,

ভাষার সাহত পরামশ করিয়া সকল কাজা করা। চেষ্টায় আছেন। ভারতবর্গ ভাষার ক্রিয়া প্র

মে মাসের শেষে গ্রামেটের ভিন্ন ভিন্ন धराभारत ১১,88,90,2-8 होका समाहित অমা টাকা প্রভিবংসর কমিডেছে। এবার অন্তিসিনিয়ার যুক্তের ও জার আন্তের

ডেলিনিউস বলেন, নলংটির শাখা রেলওয়ে उन्ह्र कड़ियात निरंगत छात्र उवधी ह अवर्गस्म है ষ্টেটবেক্টেরির অসুমতি চাহিয়াছিলেন : কিন্তু भव क्षी रकार्ड सर्थरकारे हेहार उ व्यक्त एक, পর জন লবেকা পুনর্দার অপ্রয়োধ করিয়াছেন। अनक्त काळा छ हे हे देखें का च्यामित, शवर्राय 'केंद्र नटर. अप्रिकामानिश्यत अवर्गरमान्द्रेत खाध হর না কেন ১

ফুণ্ড অব ইন্ডিয়া রুলীয়দিলের এক ব্যব शत पर्नरम विकास श्रकान कतियाहरूम। स्थाद थन्म अरुव कहा रहेशाद्य ाक इक्नीप्र शवर्गद्रमन्हे এমত অসভোৰ প্ৰকাশ করিভেছেন, যেন উক্ত নগর প্রভাপণ করিবেন। ফ্রেড এটাকে রুলীয় চাতুরী বলেন। এ বিষয়ে ক্লীয়া ব্রিটিশ গ্রহণ মেন্টের অস্থকরণ করিতেছেন, লাভ ভেলহৌলি ব লভেন ত্রেটিশ গ্রহণ্মেট ভারতবর্ষ বাদীদি ুগর নিকটে সুশাসনের অস্পীকার করিয়াছেন। এই कात्रण श्रद्धभाग कहिया हिस्स अर्थान्त बर्ग करत्रन । किश्व लाएक (मचिर्मत, ताझनी। छ শংকাজ বহু লোপ হইলে কোন সক্লভাই की जना यभी स्थाना क्रमी द्वाराख मना जान য় য় এই মঞ্ল সাধন করিতেছে।

(क अवर देखिया अव्यक्तिया देशना निर्मात क्षियमस्भदक सुक्त दक्षिण मिनाव अञ्चात ४ कित्रार्कन। सभरभ्रत वि अवान्त्रशा शास्त्र ७ ४९ भट्टात कि माहा मा ! अवर्ग स्मरकत कहे 5 हिकाड अकरण (मनामन अक खंड कांद्रवाद अवासीत া এ নিনিত্র ব,রস্থাপ্রক সভায় এক বিল্প শুড দোধারোপ পরিডগ্রাগ করিয়া এডদেনীয় ্কর ইইয়াছে। চিকিৎসাল্যের বংয় সৈন্যদেগের আভি ক্ষবিশ্বসের প্রভিবাদ করি

উজ্জপত্রসর ষ্টাফোড নগবোটের লিকা প্রণালী বিস্তারিত করিবার প্রস্তাবের প্রতিবাদ क बग्ना परलन, '' छ उडवर्गी म गरनरमन्हेरक জের কেলি কাম্মীয় ও লাগার কানিজোর অসগত। উক্ততর ইংরাজী শিক্ষার নিমিত কিস্তার টাকা ব্যন্ন করিতে হইবে , কিন্তু একবে প্রবর্ণ ध्यत्त्वेद इ:छमी छ इंश्हाकी निकाद्रवित विस्ता धिभी इट्रेग्नाटक. " गड़ा कथा वाहित इट्रेग्ना शक्ति शारका मत स्था नार्क्षम वाकानी विरागत हिनात ব'ল সাধিয়া ইংরাজী শিক'ই বন্ধ করিবার

मूर्खि कदिएका।

১৭ ই আবন শুক্রবার।

मिलिएड এ**ड वृक्षि ६३**॥१८७ (य कर्यक्रथ वानि ও करब्रक क्रम मञ्जूरवात की वस मर्छ हेहेशा বহু দিবদের পর রুষ্টি হইলে প্রায়ুই অধিক মাৰে হয় এবং ভাহা হইতে বছতর আ घटि ।

গত কল্য অব্ধি প্রধান্তম বিচারাল আদিম বিভাগের বাদীতে প্রধান বিচাহণ বিচারপতি মাক্রি, মাক্ফাস্ম, লুই জার ও দারকানাথ মিত্র পাঁচ জন বিচারপতি এ **আপীন প্র**বণ করিডেছেন। সিবিলিয়ার এতদেশীয় বিচারপরিগণ এবিভাগে ৫ আবিমন করেন না। কিন্তু বিচারপতি লুইফ সম ও ছাবকামাথ মিত্রের সদৃশ ককেরা আর্ विकार्श कांत्रिरंग हैश्व कलक्षांत प्रज्ञाभ क्हे

২৪ পর্গণার দক্ষিণাংখের লোকদিয় অভিশয় **অনুক্ট হট্**য়াছে। প্রায় ৩০০ জ কুৰক রাজধানী বিভাগের ক্ষিসন্তের নিং আ সিয়া বলিয়াছে, এমন কন্তের সময়ে ভাঙ্গ ্সর জনীদার মাতৃ লাজের নিমিত্র চীদাচা ভেছিলেন। জমীদার্দিগের এইসকল বাবহা ন্মিত্র জামরা কৃষক্দিগের সহিত চির্ত্ত शत्मावस्य कड़िएंड क**नि**श्चा चानिएएडि ।

আমেরিকায় কলে গোলোহন হইতেত বারি সারি গ্লরাথিয়া প্রত্তের কর বাঁটে রুষ ্রর নল দেওয়া হয় - যাবভীয় নল একটা সু বাজে স্কৃতি বৃহিষ্ঠিত কুলাটত কুল ভাষ্ লিয়ে। পড়ে। হস্ত অথবা বাক্ষারা দূর হই কল ছলে এবং যেপ্রকার ছক বাচুরে টারি भारक, रहेश्रकात मरल काकर्यम् कर्ताः वाता (लाश्टनत आर्क्कि भगग्न भट्टा अहे क (भारत रहा। हेराज कात अंत क्रांबन) अहे आ चम्हनः (वाग इहेग्रा शास्त्र)

ঠনঠনিয়াতে সম্প্রাত মুক্তানামে যে বে ছত হয়, ভাছার ছত একার⁹রা প্ত হ্ট্যা ুই,ব√কে হতগর রাত্রিতে হ'ব বেশগর । नयन कविशक्ति। स्थलाव चित्रिकीकी চার জন প্রতিবেশী এ ব্রাজনিগকে চি सार्ष्ठ ।

३৮ हे अवन मनिदात !

ডেলিনিউস বলেন, কিছু দিন "হইল, ভা **থ্যীয় গ্ৰণ্নে∙ট প্রীক্ষা করি**ং∏ দেখি নিমিত্ত ৰঙ্গদেশ ও উত্তর্প শিচমাঞ্লে মা ১০৯৫ টাকা ব্যয়ে ৪৬ টা ভাক্ষর স্থাপন ক পুন । ব্যুয় অপেকং আয়ু অধিক হওয়াতে हिवऋ।श्री इहेग्राटकः। ভाक्षत्र (यथात्न तिहे थ! (नहें क्षांत्र ना छ हहेरत।

দগের নিকটে মাতৃত্রাভ বলিয়া ভিপা **ছেন। ভছুপলক্ষে ভেলিনিউস** ব.লয়া-'ভামীদার্গণ কৰে কুষক্দিগের প্রতি দিলের কর্ত্তব্য**ুক্তম** বুরিবেন 🔻 জগবা ম**উ ভাহা করিছে বা**ধিত প্রিবেন ? वंत मीमारमा नीख कवा छे हर र किलया উচিত নছে। n ডেলি.ম'ড্গ চিরস্থায়ী।

বস্ত ভঙ্গ করেবার প্রস্থান্টা করিয়াহল-**বটিকা প্রয়োগ** ক'রলেন নাবেন ?

াশীর এক ভান মিন্ত্রী সৃত্তিকার ভিতর নি ভাষ্কলক পাইয়াছে: ইহুতে চাও সংস্কৃত ভাষায় কিছু লেখা: আছে: শ্বার মন্ম কি, ভাষা এপর্যাপ্ত কেলাঞ্র। নাই। এখানি তহতা চিত্রশালিকায়

াকাশীর নিকটে একটা স্থান আছে : সর্মদা অলক্ষার ও অল্লপ্রভৃতি লাঙ্গলে থাকে। অনেকে অসুধান করেন, এছানে

লপ্রদের একটানগর ছিল। এক্সান খনন । (मधा कर्छतः।

मेम्रलि:चक मृत्ता भवर्गस्य हेत कानङ க ச்திப்பித்ச ⊶

টাকার সিকা 344. 1 25 **» (ক**:९ 244 : 241. প্ৰলিক্ওয়াৰ্ক . et d. 13.011. P . 414 1-24-1 77-

a (8) a 2234N- 1224

इंडिटनाथीय भगाठा

ওন ২২ এ ভ্ল'ই∶ গভ কলঃ গিল্ডচাল ভাসর রবাট নেপিয়বকে লওন নগরের সৌর আহাও ব∙ু গিনি মূবেরর এক ভেল দোন করা হইরাজে।

দাবে সময়ে উহিবি সৈমানাৰ কাড নেয়

। টীতে ভোষা, হইয়াছে।

রে **প্রশংসা** করের (রর: :

। রবটি নেপিয়রকে প্রশংসাকরিয়া যে বঞ্চাকরাহয়, ভছতুরে ভিনি বলিয়া ^{হা}হ'কে অনেক লে!ক সাই'য; করেন ; ভ: ভ'বভবরের সবরর **জেনরল এবং** ই ৭ মাণ্ডাড়েলৰ প্ৰৰ্থায়ে নিকটে ভিনি ে ৯৪১*ি । যুক্ত* গেবকল ভারতবর্ষীয় ও পীয় াত প্ৰস্থাতে, ভিনি ভাইনিয়ের

ডি, এম, বারবর সাহেব ত্রিভ্ডের ফেরিফণ্ড কমিটর সেকেটারি হইবেন।

গত রাত্রিতৈ সর রখাট আন্তর্নার সর शिक्षां वार्थाकावेक विकास करत्व, विना য়ের পুর্মতন নিয়মানুসারে ধেসকল সিবিলি পরগণার যে অনীধার এই কটের সময়ে : য়ান বিদায় লইয়া ইংলতে আছেন, ভাঁহাদি গকে সূত্ৰ নিয়মাসুসারে সহনা দিলে কণ্ঠ **रहेरत। এবিষয়ে কোন बरम्नाव छ हहेग्राह**िक न। ? भत्र ष्टीरकाछ नर्थरकाठ बलिएनन, अधन खरन व्यक्तिविष्णस्यत व्यवना कर्ष्ट इटेटव, देश निवा त्र कहा अगापा। जिमि विमालन, এই कार्ट्डेंद একটা মাত্রে প্রতিকার আন্তে ৷ যাহারা প্রতি নিধিপরপ কার্য্য করিডেছিলেন, আহারা ভার ভবর্ষে প্রভিগমন করিলে ভরণ পোষ্ণের টাকা ভিন্ন আপন পাদর বেডনের শতকর ৭৫ টাক। পাইবেন। এই টাকা ভারতবদের রাজ্ঞাস হইতে দেওয়া হইবে। তিনি আরেও বলি লেন, জাগামী সপ্তাহের মধ্যে ডিনি এডৎসং ক্রাপ্ত যাবতীয় বিশয় অবগত ধ্ইয়া মহাসভাকে ভাষা জানাইয়েন। क्यम र डेन हिल्लामाकन र अने ख विन विधिवक

> ২৪ এ জুলাই , গভ রাত্রিতে কমল হাউদে িমাধ সাহেবের প্রথের প্রভুগত্তরশ্বরূপ সব ষ্টাফোডনাগকোট বলিয়াছেন, ভিনি আগামী সোমবাব ভারতবর্ষের আবার বায়ের হিসাব মহা সভায় প্রদান করিবেন। ডিনি আরও বলিলেন श्मिरियत मभन्न श्रीविश्व कतिवात मानम कता इन्न बाहे।

করিয়াছেন।

ভারতবর্ষের শাসানপ্রণালীর উৎকর্মসাধন বিষয়ক যে ছই আইনের পাওুলেশঃ হয়, তাহা পরিডাক্ত হট্য়ার্চ।

গৰ্ণমেণ্ট বিজ্ঞাপন ৷ লেপ্টনন্টগ্ৰণ্টেরর

चारमना चुनाती

निदशोग ।

२) १ क्वार्ट मूर्करतत एन्ट्रिक मास्क्रिकेट उ एड पुष्टि कारल हेन्न स्माल की अञ्चालिक छेन्ना পুর্ণিয়াতে বললী কইয়া প্রথম প্রেণির অংশীন माख्यिष्टित कमका भारेरवन।

২৩ এ জুলাই। ডি, এম, বারবর সাহেব মঞ্জ:ক:পুরের মিউনিসিপালিটের সংকারী সভা পতি হইবেন।

বস্ত দিন জে, জার, মলপুটে সাহেব नहेबा अञ्चलव्यि थाकिर्दन, उडिनर्न আলেকজান্তার সাহেব পুর্বিদ্বার প্রতি भिवित छ (मिश्रम कक रहेर्दन।

্এচ্ছাজিং সাহেব মুরসিদাবাদের প্রতি त्रिविन ६ त्र'नग्रन अस्त्र , इहेर्दन।

२२ अ खुनाईरयुद्ध (शर्य टेंग कि नार পুৰিয়ার প্ৰতিনেধি সিবিল ও সেসিয়ন ৰ পদে নিয়েপের যে বিজ্ঞাপন হয়, ভাষা षाता व्रक्ति हहेता

২৪ এ জুলাই। শিয়লেদহের ডেপুট ক্টেট ও ভেপুটি কালেটার ক্যান হরে: বার্ছা ১৮৫৪ অংশের ১৮ আছাইন ভয় দক্ষিণ পুরা রেইলওয়ের সমুদায় অংশে ব भाहेरवम ।

. वि. विग्न् नारहव ब्रोजनश्लाः আসিষ্টাণ্ট কমিসনর হইলা সাওভাল পর দ্বিতীয় শ্রেণির অর্থীন মালিটেটের ' পাইবেন:

২৫ এ জুলাই : নিমুলিখিত তুতন বি ভৈত ভেপুটি নাভিক্টেট ও ভেপুটি কাৰেই পশ্চালিখিত স্থানে থাকিবেন।

বাবু যাদবচন্দ্ৰ গোলামী বি, এ, ম সিং**ছে।** মৌশবী সিরাজন ইসলাম বি 🕰 হ'ট্ট। এ, নিলার সাংহ্য বাধরগঞ্চে পার্মতীচরণ রায় চাকাত্তে।

নিমুলিখিড বঃক্টিরা আংপন আংপন ভার এইণ্ডিব্র'ব্দি প্রসমুমেণির প্রতি माक्टिके ७ काल्लेस्त्र भमका नाहरवन **ভে, এফ, কৌন সাংহের . মুর**সিদা জিল, এস, টিহারিস হ:বড়

अक. (छ, चारतकडा ६ द द दास्त्राह পি, এ, হমদেু ". পাবন

নিয়ুলিখিড বঃজিলো যে দিবস পশ্চা ক্ষাচারীদিলের ২স্ত হইতে কার্য্যভার इहेर्रिम, (मधानम अविधि अलम (अनित নিধি নাজিক্টেট ও কাতে ইয়ের ক্ষমতা পাই ভবলিউ ওখেল সাংহেব এচ, এ, কক্ষেল বের পরিবর্টে।

है, अठ, इहेमिक्जिफ गार्ट्य स्वात, करक्रम मार्ट्स्स श्रीतगर्छ।

ज्यानके, व्यातः लाग्धिनि मारश्ये हे, हे স'তেবের পরিবর্গে।

আর, ডি; হাইম্ সাহেব এম, এ, মনরে। সাহেবের পারবর্ত্তে।

এচ, সি, বি, সি, রেবাস 'সাছেব ডব वि, बि, উलयु भारश्त्वत भविवर्छ।

নিম্লিখিত ব্যক্তরা বিভীয় জেলির निधि माण्टिके 🗸 कार्टल हेत वहेर्दन ।

ত্তকিনলে সাহে। ওংগ্রন্থলাও সাহেব ' यरनाइटव । সি, য:জল স্সং¢≇ব ব্ৰিহুতে ়া সি. প্রাইস বাখারসঞ্জে। স কিবেস मार्गनाटम । œ.

1, AB, 9/4 বালেধরে । **इत्रलीएड** । ঞে, খাটন গুলিবস ভব লিউ. এচ. বার্ণার সাচে্ব শিয়া ভ্যাল কবিয়া শাহাবাদের প্রথম শ্রেণির ট মাজিটেটের পদে নিযুক্ত হইবেন, সেই অব্ধি ভব্লিউ বি. ওলড্লাম স'হেব য় স্থোৰণ প্ৰতিনিধি জাইট মাজিটেট ও

१ र ज्लाहे। यात्रश्रुत श्रुष्टिमिषि माणि ও ক:্রেক্র আরে, এচ, পলি সাছেব নিজ ণে করদ মহলের স্থারিকেটেওকের সহ হিরাছেন। ¢ हेर्दन i

ি কালেইর ইইবেন।

বেলিউ, ডেবি সাকেব কুমিলার এক জন বিপাল ক মসনর হইবেন।

নম্ব হিও ডেপুটি মাজিটেট ও ডেপুট ইবি:"১৮৬৮ অক্টের ৯ আইন কমুস≀শে াতে কালেইবেব ক্ষতা পাইবেন। বুদিননাথ আন্চা।

প্রাণীলোহন বন্দেশাধারার <u>৷</u>

৮ अञ्जलाई। कि, त्कः, अरवष्टेत मार्ट् নের মিউনেসিপালিটির সংকারী সভা ও ভ্রনিউ ,সপাড সাংহ্র অন,ভারসভা

আমানিডোর বীরভূমের সংবাদদাতা िद्धिन:---

্রাচন বন্ধানী অংবাদ আহুলের পারি কবিত্রধার থি আছে স্মারো**টে সঞ্** গিয়াছে। ত্রেন ৩° টাকা স্থল্যে পুস্তক १४ **४६**४१८७। दहें छेलनरक व्यनए**८**० গার অধিবেশন হইয়াছিল। তাহার সভা⊹ অংগেনে এখনেকার মহারাজ আসীন इं.लक् ।

লেপ্টনালী গ্ৰহণীয় কাটোয়োয় উপনীত ছিলেন। ২০ এ এখানে উছোর জাগমন এরুপ গেদে । ইইয়াছিল। কি কারণে 'পৌটিডে পারেনলাই, বিশেষভানা ই ৷ এখানকার মহারাজ সপুতাক হইয়া সাক্ষাৎকারলান্তের অ.শ:য় উপস্থিত । দেখিলাম, ভাষার সঙ্গে, জাভি সমাদরের সাকাৎ হটয়া গেলঃ অনুস্ন ১ ঘটিকা উংগর সঙ্গে নান: বিষয়ে কথা বংলা হয়। করে সময় গ্রন্থ মহোদয় আপন বিভিন্ন कार्टिशाम कावखद्रश क.हेर्यन, अक्रम

গিয়াছিল : কিছ অবড একরা জার

मालम्टर । चिष्ठित्र केटिके मारे। कामादमत महातादकत मर्स বিস্তব লোক, হন্তী, ঘোড়া গিয়াছিল। ভাছাতে कारहे। यात्र इस इस अजिहा हिला। अब दिन প্রাতেই কিমার ছাড়িয়াছিল।

> ৩। রাইপুরে একটী রাত্রি ও একটি বালিক। বিদ্যালয় স্থাপিত হইয়াছে। রাইপুর, বীরভুমের অন্যান্য স্থান হইতে সভাতম জনপদ ৷ এখানে অনেকগুলি কুতবিদ্য লোক আছেন। ঈদুশ স্থানে এই ছই বিন্যালয়ের যে এ পর্যান্ত জভাব हिल, देशहे खाएकए पत विषय ।

> ৪। গুনিলাম, বী: ছু:মর সকল স্থানে ফুচারু রূপে বৃষ্টিপাত হয় নাই। সকলেই সশক্ষিত

> ৫। এখানকার অভি নিকটে বহরান নামে এক আম আছে। শুনিলাম, সেখানে এক ব্যক্তি লালকাথ্যে অভিশয় নিপুণ চিল। এই কাষ্ট্ৰী ভাষার জীবনে পায় হইয়া পাঁড়াইয়াছিল সকিছে এত দিনে এ বিষয়টী প্রকাশ হইয়া পড়িয়াছে। কাটোয়ার প্রযোগ ডেপুটী মাজিটেট ভাহাকে যন্ত্রসহ গ্রেপ্তার করিয়াছেন। সে বংজ্যি এখন विश्वासीत चार्छ।

৩। বেরমপুরের ডাকাইভির বিষয় দোমপ্র कारण भूरती श्रकाणिक इहेशाहिल। द्वासीह পুলিষে ভাহার কোন অসুসকান করিতে পারে নাই। শুনিলাম, কান্দির ছেপুরী মাজিটের সেই न्द्रुःस्ट्लत्र करशक दाख्किटक धतिशादहर ।

আমাদিলের মজ:করপুরস্থ সংবাদ-দাতা লিখিরাছেনঃ---

গত ৬ ই জাবণ রাজি ৮ টার সময়ে মজাণ রপুর ত্রিটিশ ইণ্ডিয়ান আসোদি এগন ও বিজ্ঞান সভার অধিবেশন হইয়াছিল। সভাত্তে অনেক ়াগত ২১ এ জুলাই অপেরাহন ২ ঘটিকার দিশীয় বিদেশীয় সমুভিত লোক সমুপস্থিত ভিলেন। বিশেষতঃ এখানকার জ্ঞা মাজিক্টেট প্রভৃতি প্রধান প্রধান রাজপুরুষেরা সমাগত হন ৷ সভার আড়েম্বরের ও কিছুমাত্র ভ্রুটি হয় নাই; কিন্তু কার্য্য কিছুই দেখিতেছি না > কেবল জ্ব জমকই সার ১ইডেচে। আমরা পুর্ফো ভাবিয়াছিলাম, এ সভাদারা দেশের বিশেষ উন্নতিলাভ হইতে পারিকে: কিন্তু অংকেশের विषय এই এপर्य अ अमन काम कार्य पृष्ट स्टेल না, যাহার নিমিত্ত সভাকে ধন্যাদ দেওয়া যাইতে পারে।

। সাতিশন্ন বিধাদের সহিত প্রকাশ করি -্ডছি, ত্রিভতের স্থানে স্থানে অব্যাপি দু'স ক্রয়

थया श्रव्हां कारह। ये त्रक्त भागति करहा नक्रदेश श्रक्त प्रकल कार्शहे থাকে। ডম্মিনির উহারা বড্রা বেডন পা কেবল সামান রূপ কর ও বস্ত্র পাইয়া ও खाहारक है जे इक्कारभारा यादक्कीयन का বাব্যে সামীর আভয় বছন করিয়া প পালিত পশুর ন্যায় ইহাদের স্তান স উপরও সামীর সত্ত জালিয়া থাকে। কি ঐ অভুমাশ হর म¹। আমী মনে করিলে मिशक विक्रय कतिएक नमर्थ हन। १० টাকায় অথ্যা তদপেকা সুনে মূলেও দম্পতী বিক্রীত হইয়া থাকে। প্রকাশ্য বড় ক্রেম্ন বিক্রেম্ন হয় মা > কিন্তু গোপনে গে व्यत्नक व्यत्न १ हेग्रा शास्त्र। এक दिन অ্মীদারের সহিত ঘটনাঞ্রে আমা হইয়াছিল ৷ উট্টার স একটা শীর্ণকায় চীরধারী চাকর দে জিজাদা করাতে জানিলাম, দেনদর। ঐ দাবের পিতা ঐ নফরের মাতা!পভাকে 🖟 ক্রাকরেন। তদৰ্ধি ঐ ছর্ভাগদেপ্ত वादत मानवश्चाल वच्च क्हेबाटक উश्टिम्ब स्य कट्यकिश मध्यान व्यक्तियाटहर, রাও ঐ প্রভূব দাসরূপে পরিগণিত হইয় ন্যারপরায়ণ ইংরাজরাজত্বের ভিতর नाम्बदिकक् चुनिष्ठ क्षया क्षत्रिष्ठ कार्य. অপেকা লক্ডা, বিসায় ও আক্ষেপের আর কি হইতে পারে। এক্রে গ্রেণ্ট নিকটে সবিনয়ে প্রার্থনা যাহাতে এই লোমংবৰ কুংসিড প্ৰথা অভিবে ভিটে १श, ७ विषयास विषय अञ्चलकान सहराज य

करशक दिन इंडेल अथादन छेन्डम बृष्टि তেন্তে আপাজত: আর চর্তিকের জ प्रिचिट्डिकि मा । क्रम्यक्त्रा नामस्य भाग রোপণ করিতেছে।

६ डेन !

कारलहें भी जानल एक भूमताय जात প্রমপ্রকার আলে গুজ হইছাতে। আমরা ক্ট্যু সংগ্ৰহক অঞ্জোপ করি, আনালতের ভন ক্ষেত্ৰ পত্ৰ ভাল টুক্রিয়া পরীক্ষা ব खाङ्ग क्टे**ल फ**ारता कल वः हित व्हेरव ।

আমাদিপের কালনাস্থ সংবাদ্ধ निश्चित्राष्ट्रन ।

১৩ জ্বালাই লেপ্টনাট গবর্ণর বাহাছর নার অংসিবেন এই নিশ্চর হয়। সেদিন টার পর এখানকার সদর রাস্ডায় লোকারব্য, অসপে চৌকিদার কনষ্টেবল ও অন্যান্য রা**জ** শ্মচারগণের গমনাগমন, মহারাজ মহাভাপ প্র বাহাছরের সিষ্কাই ও কর্মচারিগণের গ্রা টীরে অবস্থান এবং অংন্যান্য দর্শকগণের ধশেষ কোলাংল ও শোভা ছইয়াছিল। জীনা রর শুমের প্রতি সকলেরই লক্ষ্। <u>"</u>শেষে জানা গল, গুপ্তিপাড়ার নিক্ট বগারাখালে স্থীনার ভার লাগিয়া কিয়াছে। অনেক উপায়ের পর ৫ জুলাই বেলা ১ টার পর স্টীনাব পুনরায় লিতে আরত হয়। 🏖 যুক্ত (গ্রুবাহাছর স্থন কালনার নি**কট উপস্থিত** ২ইলেন, তখন ভীহার সম্মানের জানাসকল রাজকর্মচারী গঙ্গাভীরে উপস্থিত হইলেন ; কিন্তু ষ্টীমাব চড়ায় লাগিয়া ছুই দন বিলয় হওয়াতে ভিনি এখানে উঠিতে পারিকোন না। হুতরাং যিনি যে আংশা করিয়া (इ**.ल.न. मकलहे रा**प स्हेग्ना (अ**ल**ा

আন্নাঅভাও ছং বিত হইয়া একাশ করি তেন্তি যে, অত্তত্তে এসিষ্টান্ট মাজিটেট জে, আর **ংলেট মহোদয়** এখান হইতে রাণীগ**ঞ** বদলি হইলেন। ইনি যেপর্যান্ত এখানে আবাসিয়াছি-লেনুসেপ্যাও এ স্বডিবিজানে কোন ওজাতর 🕶 ভ্যাচার হইভে দেখা য'য় নাই ৷ পুলিষ বিশেষ উৎসাহের সহিত কার্যা করিতেছিল, প্রস্লাগণ ষ্পার্য বিচারে ব হণত ছিল না। কালনার উন্নতি | সাধনজনঃ ইনি উদ্যোগী ছিলেন। ইনি বাড, পীভিত লোকের সাহায;নিমিত বিশেষ পরি অন্নসহকারে চ'না সংগ্রহ করিয়া নিরাতার ব্যক্তি গবেৰ উপায় করিয়া দিয়াছেন। যাহাতে এখানে একটা উত্তম স্কুল হয়, বিধিমতে সে চেষ্টা করিভেছিলেনঃ কিন্তু লোকের ভারুশ ধরু না থাকাতে কুতকাৰ্য। হইতে পাৱেন নাই। ইনি এখানকার রাস্তাদির কা টু ইপ্রথা রহিত করিয়া রাস্তাপ্রভৃতির বায়ের -বিষয়ে অনেক স্থ্রিধা করিয়াছেন। ইইারই উৎসাংহ ও যতে আত্তে। সাহিত্যবিষয়ক সমাজ্ঞী কাপিত ২ইয়াতে। ইনি যেমন কাৰ্য্যকুশল, ডেমনি জুশ কড। ইহ'র প্রকৃতি এত নম্ল যে অভিমান ইহার শরীরে আছে এমন বোধ হয় না। যিনি ইহার সহিত অংলাপ করিয়াছেন, ভিনিই স্বীকার করিয়া থাকেন, যে সিবিলিয়ান বিচারপতির মধ্যে এমন নির্ভিমান ও সুশীল লোক আছে দেখা যায়। আমান এরণ ধাশা কবিতে পারি না যে, ইনি চিত্ৰকালই এই স্থানে অ'কুন ; কিন্তু এমন স্লাশয় হিচারপৃতি ভানাজবিত হওয়াতে এখানকার জেটিকর বিশেষ ক্ষাতি হইল, একথা মুক্তকঠে

कहा सहिष्ठ भारतः है न वालामा काराम পদীকাদিয়া সংজ্ঞামুদ্রাপারিভোবিক প্রাপ্ত হ্ইয়াছেন প্রভরাং এভাষায় ইহার আনেক অধিকার জলিয়াছে। বিচারকালে আমরা र्श्वनिवाहि, हेनि উত্তম राञ्चाला कहिया पारकन । অর দিন হইল উর্দ্বিভাষা শিক্ষা করিভেছেন, বুদ্ধির ভীক্ষতাবশত তাহাতে অনেক অধিকার জিমির¦ডে । যাধা **হউক ইথ**ার সঞ্জি যাঁহার পরিচয় হইরাছে ডিনিই এই লেখার যাখাখা অমুভৰ ও বীকার করিবেন। একৰে আম্রা প্রার্থনা করিডেছি যে এমন সদাশয় ও ন্যায়বান বিচারপাতিকে আমরা যত উন্নত পদে আংরোহন করিতে দেখিব ভতই আহ্নাদিত হইবঃ পরে अभिनाम देनि मासिएडि इदेशा साईएउए हन। আন্লাদের বিষয়। বাবু ধারকানাথ দে মহাশয় এখানকার বিচারপতি হইলাছেন।

১২ই আবেণ রাজি ৮ টার সময়ে এখানে বিছবে আলোকের ন্যায় একটা আলোক হই য়াহিল। আলোক টা সহসা উপিত হইয়া ৫ সেকেও মণ্ডেই আন্তহিত হয়। আলোকটা কোন দিক হইতে উপিত হয় তাহা নির্বা করিতে পারা যায় নাই। অনেকেই ইহা দর্শন করিয়াভেন। বোধ হয়, উল্কাপান্তনিবন্ধন এই আলোক হইয়া থাকিবে।

এধানকার অধিকাংশ লোকে একত্র হইর।

প্রীযুক্ত লেপ্টনান্ট গবর্ণর বাহাছবের নিকট এই
ভাবে আবেদন করিয়াছেন গে, সব আনিষ্টান্ট
নারজন বাবু নবীনচন্দ্র মিত্র মহাশয় এই খানে
থাকেন। ভাহার বেডনের জন্য সকলেই চাদা
দিতে সম্পূর্ণ সম্মত আছেন। সেই চাদা আদা
য়ের গোলগোগ না হয়, ডজ্জনা উহা চৌক
দারি টেন্নের সহিত আদায় হয়, ইহাত সকলে
প্রার্থনা করিয়াছেন। আবেদনকারীরা পূর্ণমনো
বথ হইলে এখানকার সর্বাদীন মঙ্গলসভাবনা।

বর্দ্ধনানাধিপতির প্রেরিত ফুতন ডাজার বাবু মংক্রেলাল ওপ্ত মহালয়ের সহিত আলাপ করিয়া আমেরা সবিশেষ তৃত্তিলাভ করিয়াছি। ইনি খাবলখনবিষয়ে বিলক্ষণ পারদলী। দাতব্য চিকিৎসালয়ে এরপ সদাশয় লোক থাকিলেই ঘ্রার্থ কাজ হইয়া থাকে। ক্রেমে ইহার বিষয় বিশেষ করিয়া লি.খতে ইক্ষা রহিল।

व्यामानिरशंत शांकिशूतक् नःवान-नाडा निधितारहमः---

যেমন আত্র্কিতে বালালা দেশে হলসূল লালয়াছে, সেইরূপ উত্তর পশ্চিম প্রদেশে অনাতৃকিনিব্যন হালার উঠিতেছিল।

किए २० अज्ञाहे बाजि विश्वीय श्रहतंत्र ममय मूबलभारत এक भन्ना दृष्टि इंख्याट श्रङ्खित मन्त्र्य विश्वाय पियाटा आखि कालि श्राय श्रिष्ठिमेनहे अवात्म अञ्चलक दृष्टि इहेट्ड । य मक्स भरमात्र हाता श्रुक इहेग्री मृख्य १ इहेग्री— (इल, श्राहा शुमदाय खीर्यक इहेग्री मृख्य १ इहेग्री— (इल, श्राहा शुमदाय खीर्यक इहेग्री छिटिएउट । वात्रा माम्यी अवात्म अवन्छ इन्त्राम्य अ सहाचा इव नाहे; यहर खात्मक श्राह्म स्मान्य अ सारहा मामान्य हाडेल ॥ । ॥ १ (मामार्य विक्रीण इहेर्ड इंट (इन्ह) खान्तामा स्वाय अक्षेत्रण।

সাজেপুবের জান্তঃপাতী কুর্ন্তুকুপুর (সাজি পুরের ৮ ক্রোশ অস্তর) প্রামাণ্ট্রত, এথানকার মাজিটেট আফিসে সংবাদ আসিয়াছে, তথায় ১৬ জুলাই মৃত্তকাবর্ষণ হইয়াছেল।

গালিপুরের দেড়কোশ পশ্চিমে সরাইয়া নামে একটা ক্ষুদ্র পল্লী আছে। তাহাতে অনুদ্রন ছুই শত লোক বাস করে। প্রায় এক পক্ষ কলৈ হইল তথায় ওলাউঠার অভ্তে প্রছির্ভাব হট রাছে। ছুই চারি জন করিয়া প্রায় প্রভারই কাল এালে পাডত হইডেছে। এপরিত মুকুর সংখ্যা ত্রশের কিছু অধিক হইপ্লাছে। গবর্ণমেট এক জন নেটিভ ডাক্তরকে চিকিৎসার্থ প্রেরণ করিয়া-ছেন। ভাহার তথায় গমন তবদি মুদু। দংখ্য निन निन **प्रहार हेर्डिए । ए**निलाग, २।० हिन হইল গাজিপুর সংরেও বৈলক্ষণ উলাউঠ। আরম্ভ হইয়াছে। ধোল হয়, এপর্যান্তও বিশেষ উপাগ্ন व्यवनश्चि इम्र माई। । इर्विइ ना कि श्वकारत ? অংহলেমবিভাগীয় ইউরোপীয় দিগের চিকিৎদাব নিমিস্ত এক জন দিবিল সার্ক্ন আছেন। ভাগাকে প্রতিবারে ১৬ সুদা দর্শনী দিয়া :চকিংবা করান সাধারণের পক্ষে কভ দুর সম্ভাবিক, তাহা অনায়াদে বোধনমঃ ২ই ভেচে। এড.ভন এখানে একটা গ্ৰথমেটে দাতব্য চি.কংগালয় আছে। তাহার কার্য। এব জন সব আসেটাওট সাভান খারা নির্বাচিত না হইয়া এক জন নেটিব ডাজের ও এক 🖝 কম্পৌওর হারা হইভেরে। গাজিপুর এক সিবিল ষ্টেসন ৷ ইহাতে অনেক ইউরোপীয় বাশালী ভদ্র লোক সপরিবারে বাস করিচ ছেন। কিন্তু অভিশয় আংকেপের বিষয় এখানে এক জন প্রচিকিৎসক নাই। গ্রাথমে এক জন সৰ আনিষ্ঠাণট সমিজন নিযুক্ত করি গাভিপুরের একটি প্রধান অভাব পূবণ করুন।

এখানকার খেরংঘাটের বন্দোবস্তটী সাধ বের আভ্যস্ত কষ্টনায়ক হইরাছে। যাত্রিগনা এক বার প্রপাবে বাইডে হইলে ছই পর্সা দি হয়। সময়ে সময়ে ঘাইওয়ালের। তিন চ ^९। क्रियाञ **महे**या थ'टक । द्र: क्रश्नुक्रवन्टिशत ানকার ঘাটওয়ালদের ব্যবহ'রের প্রতি চৃষ্টি । উচিত এবং বাহ'তে ভাহার। দীন ছ:খী গর নিকট ২ইডে সকল সময়ে এক পরসার কমা লইভে পারে এরপ নিয়ম করিয়া ৰ ভাল হয়।

व्यामानिरगत स्मन्तीश्रतक मःवीपः তা লিখিয়াছেন-।

রত ১৫ দিন ব**াণী অভির্**টি নিব্রন্ত নের অনেক কভি হইয়াচিল্; কিন্তু পুনরায় া তির-সভা<u>রকাল সৃষ্টি না</u> ছওয়াতে ্ধানোর া একেবারে রহিত হইয়াছে। হয় ড জাবার ক দিন অভিবৃষ্টি চইয়া নষ্টাবশিষ্ট যাহা কিছু ছ ভাহা গ্রাস করিবে।

। একমাসপূর্বে এখানে চাউলের মণ हिन, ककरन २ होका मन इहेब्राएक। क्राप्त র্ভি, হইডেছে। এডলিবক্ষন অংশ্যান্য ও চর্মুলাহইয়া উঠিয়াছে।

) च क्रिक्तिविश्वन (लाइकत **७ गांत श**र्न কণ্ঠ ২ই গ্ৰহ, ভাহাতে জাবার ১৭ ই টে ঝড় ও গ্রাবনের কথা শুনিয়া সকলে শ ক্ষেত হইয়াছলেন ৷ কিন্তু ঈশ্বরের অস্তু-खाश का वर्षे गहे। खबु अश्वासमा **চ অহামরা ব**ংবাদ দি**ই যে ডিনিপুরের** ান কর্যা ভিল্লছিলেন।

া ই তপুলে স্কচিৎ কোন কোন মেকিন্দমায় কাটের উ:কল ও বাহিষ্টরেরা এখানে ত হইতেন - কিন্তু একণে সচরাচর জাঁহার৷ ভ হইভেভেন । ঘাটালের সুপরভাই शेषु भावव**ञ्च हर्त्वालाश्वतास्त्रत मारम फरमा** ডिবিজনের একলিকিউটিভ ইঞ্নিয়র নে বাগবিক্রয়ের এক নালিষ উত্থাপন ে অত্ৰভঃ আইন্ট মাজিকেট কর্ত্তক ভ হা ন অংপিডি হয়। গতে কল্য জ্ঞা সংহেবের ারে মাধব বাবুনিলিছে মুক্ত হইয়াছেন : বংবুর উকেল ও বারিষ্টর জানিতে অনেক চইয়াছে।

াসময়বিশেষে অনেকের অভাব গারিবস্ত किन्न कामास्त्र अथानकात मुनाकी का छ। यकार अभर्गास स्थाइन मा। इहे सहरत्त्र তাহার কার্য। অনার্ভ হয় না এবং ৬ টা । त करम ভाष्ट्र मा। ইহাতে সাধারণের तानान्ति कष्टे रूप्ता कर्जुनरकत्र मरनारवात्र । केहिक ।

। বিরয় ও রম্ভাতে বত কাল হয়, বল

ও ডেব্ৰঃপ্ৰকাশদারা ভাষার শভাংশের একাং শ ৰওয়াও হ্রুকটিন। সেদিন অব্রন্ত্য একটা ভেজী प्रान वाद् काशन (वहांद्वानिशटक क्षेत्रां क्रांटिक ভাষারাও ভাষাকে উত্যম্প্রমক্রেপ দি 1 मित्राद्ध ।

৭। শুনিয়া আফোদিত চ্ইলাম, অনুভঃ हेरताकी विमानारम्य श्रथानः निकरकत्र मृहिक व्यन्ताना विक्क ७ भिष्ठितिरात या महार्थ मानियो अभियादिन, छारा क्रयाक्कन क्रम्ट्रेसीक मिलिया खळम कतिया नियाद्यम । निकक्तिरात्र প্রস্থার অনৈক্য ঘটলে কেবল ভাঁহালিগের य जार य कन्यिक र्यू, अञ्चल मर्ट, विद्रानर्य त्र छेटफ्डमभ्या घट्टे ।

৮। এখানকার জেলে পুনস্করি অভ্যাচার আর্ভ হইরাছে। জেল ইনসপে**ইরের একটা** व्याक्तर्या निष्ठम् এই १व, च्रुष्टेश्चीयलधी ना स्ट्रेस्स জেলর হইতে পারিবে না। আমারা ক্রমাপত ়াঃ টী ফিরিকী জেলরকে ড একস্কপই দেখিলাম মধ্যে যে গ্রেমামে এক জন ভল খুষ্ট ধর্মাবলয়ী অাসিয়াছিলেন, ডিনি জেলের ব্যাপার দেখিয়া कर्षक्रांश कविद्रा शिशाहित। (सन अक शरक क्रमीनाती ७ व्यमः भरकः यमानव्रदक्रभ । धर्मान श्राप्त का कित्रा यक किन किन कुछ । लाक ना নিযুক্ত হইক্তেছেন, ডাড দিন আবে কারাবাসীদি গের পরিজ্ঞাণ নাই।

আমাদিগের তমোলুকছ সংবাদ माञा निधितारहर।

১। জনক্রতি এই যে, এখানকার ওরপাঠবালা সমূহের ডিপুটী ইনস্পেটার 🕮 যুক্ত হারু আনন্দ গোপাল দেন বি, এ, স্বীয় কার্যন্তার পরিস্তাহ করিয়াছেন। ভাঁহার পদে বাংগতে এক জন क्षरिक, এড मिनीयगरनय পরিচিত ও আংক্রের ব্যক্তি নিযুক্ত হন, ভয়েরের আনমরা জীযুক্ত বারু ভূদেব মুখোপাধ্যায় মহাশয়কে वित्यवद्भारत भरनरमायां भी इहेरक कश्रदांध করিতেছি। ভাঁহাকে বুঝাইয়া বলিতে হইবে न। य श्रञ्जाविकश्रकात अक सन कर्माहातिष्ठात উক্ত পদোচিত কার্য্য যেরপ স্থচারুরূপে নির্ব্বাহ इटेट थार्व, किवन विश्वविद्यान प्रवृत छेथाधि ধারিছারা ভজ্ঞপ হইবার সভাবনা জ্লা।

্ত।পূর্বের প্রকাশ ক্রিয়াছিলাম যে, দীর্মকাল। সুভরাং ভোড়াটা খুনিয়া মা দেখিয়া অস वर्गि वर्षाटक अक्षावरम अध्याप्तरम बीक धामर व्यदमक विमष्ट रहेग्रा शियाहि। यकि कृषदकता বিপুল আমনহকারে কিছু কিছু বীজ উৎপন্ন অধিকতর উপার্যন্তনলালসায় কিয়ৎক্ষণ क्रिएडएएं किए कारा छ त्व विक्रिक रहेशा कृष्टि, करमिश्वास अधिशयम क्रिया करिन, मारि

कार्यः नाथरमाभरयात्री इहेम्रा छिर्छ हेहा বভাবনা নাই। এক এক বার এরপ মুখ্ন वृष्णि रहेन्ना थाएक (य, वीक्षत्रकल ভाशास्त्र रहेवा योद्धः कृष्टकता कात्रात्र (महस्रली) কেবিরার নিমিত্ত অনুভত্ত পরিশ্রম योहा रुखेक, अक ध्वम कतिवाल यनि जाहा কার্যাকুর হয় ভবেই মধল, নচেং সন্থান প্র যেরপ স্থানে স্থানে অনার্টিপ্রভৃতির सिंदिक नीहे, जाशरक व्यानामी वर्षत **ভাবিতে গেলে হ**নর ব্যাকুল হইরা উচ্চে **এই এक गांज क**त्रा क्रतर काशज्ञक वर्डि (य. यहाँचात हुत्रमणे ताळनी जिळा গত ছতিকে উড়িবা৷ জনশুন্প্ৰায় হইয় সেই মহাত্মা ভারতের পুণ;বলে আর বঞ্ নাই।

'প্রেরিত

মান্যবর জীযুক্ত সোমপ্রকাশসন্প महानम्म नमीदशव्।

মহাশর। বৈদ্যোটী এলামে একটা ভ স্থাচুরি হইয়া গিয়াছে। একখানি পার্ কাই নৌকা রাইগঞ্ হইতে আসিভে अक मिन श्रामायकारल नोकाशानि देव **गिरक का**निया खेलिहिल इहेल। तकनीर গমন করিলে পাছে কোন ৰিপদ ঘটে, এই ব ক্ষার কাবিক ডখায় সে দিবস নজর ব রহিল। পর দিবস প্রাতঃকালে নাবিক কবি ভাভিমুখে যাত্রা করিবার উদ্যোগ করিতে এমত সমলে এক অন জুয়াচোর ভাষার বি डेणवि उ रहेम्रा कहिन, "माबि! व्यामात पञ्च व अक्षा भारते द्व श्रास्त्र के काल्य काल्य काल्य के कि अप्ता काल्य क করিয়া লইবার অবকাশ নাই : বিশে তোমাকে সমনোদেশসী দেখিতেছি. আ আন্দান্ত করিয়া একটা দর করা যাউক। না ভাষার বাক্যে সন্মত ষ্ইলে, এক শত পাটের মূল্য পাঁচ শক্ত টাকা ধার্য্য ইইল ্ স্থা এ পূৰ্ভ ফ্ৰেডা এক শত বস্তা পাট উঠ महेश्रा नाविकरक छे अभक्रभ मूथ वक्त अकि মুদ্রা (ড্বল পয়সা) পরিপূর্ণ থলিয়া ৫ করিল। নাবিক অপ্নেও ভাবে নাই যে, ঐ ব তাহার সহিত ঈদৃশ ব্যবহার করিতে হানচিত্তে নৌকার প্রত্যাগ্যন করিলু।

श्वक्षक नाविरकत्र व्यक्षश्रेष त्रुं ।

= 292 -পদে অভিবিক্ত रहेटन हेश्रीत अधिक्रखत कार्याका

রিভালক্ষিক হইবে।

কলিকাভা) একান্তবশহদ ১২ আবেশ } জনৈক বংগবাঞ্চার বাসিনঃ।

घाडे।लम्बिहिक श्राप्त र् चीनि वारम कन প্লাবনে যেসকল দরিত প্রস্তার গৃহ ভগ হইরাছে, ভাহাদিগকে ভাহানীবাদের ভেপুটা মাজিটেট বাবু ঈশ্বচন্দ্র মিত্র মহাশয় ২০৪ টাকা করিয়া গ্রবংমেট ভছ্বীল হুইডে সাধাষ্য করিরটেছন। অনুসন্ধানহারা জ্ঞানা গেল, উক্ত ডেপুটী বাবু স্থানীয় ভন্ত লোকের সহিত প্রামর্শ করিয়া অবস্থাস্থ্যায়ে কডকগুলি দরিদ্র প্রজাকে উদ্ধিসংখ্য ১০।১৫ দশ প্রর টাকাও প্রদান করিয়াচ্চন ৷ যেগকল লোককে ১৫ পনর টাকা করিয়া গৃহ ১১১৮ড করিতে দিয়াছেন তাহারা পাইবার যোগ্য পাত্র সক্ষেহ নাই। इंशरिक कारनरकरे शतम व्याक्तापिक रहेशारहन। ইহার পর ডেপুটী বাবু প্রায় ১০ দশ দিবদ আহ:র মিদ্রা পরিত্যাগ করিয়া অঞ্জল জনগ शूर्तक लाहानावान महकूमात (य य आरम व्यनश्रा বনে যে থে প্রজার বিশেষ ক্ষতিও গৃহ ভগ হই व्र'रह, डाहारम्ब ছत्रवाह्म अवरमाकन कविद्या ভু:খিত হইয়া ভাহ'দের সাহাব্যের নিমিত অনুরোধ করিয়াছেন । ভবে কেন এইসকল पहिल शका अपारि किडू किडू शाम नाई? ঘটালের প্রজারা যেরপ সাহায্য পাইয়াছে, (महेन्न् क्रमाना बार्यंत श्रकाता अर्गरमणे হইতে পাইতে পারে। ইহারাও ড মবর্ণমেন্টের श्रक्षाः भवर्गरमन्त्रे श्रक्षावरमन स्हेशां अज्ञान नक পাত কেন করেন ? ঘাটালের মডেলকুল গুরুটী সেইরপ ভারাবস্থায় রহিয়াছে। ইং। প্রস্তুত হইবার কোন উদ্যোগ দেখিতেছি না। শুনিলাম, মুদেক্ষী কাছারীবাটী পাকা হইবার কল্লনা হইতেতে। ৬০০ ছয় শত টাকায় কিরূপ পাকা হইবে। ইভি

এकाञ्च वर्णशहरा।

मृह्याथाखि ।

ত্রীযুক্ত বাবু মথুরামোহন পাল বালিডাকা ১২৭৫ জীবন ংইতে ৭৬ জান:চ 1 . 7 0 ৯ » শরামাচরণ বিশ্বাস গোবিন্দপুর ell. » "কাশীচ**ল বহু** নড়াইল ১২৭৫ আবেল হইতে পৌষ ° শলীভূষণ চৌধুরী পাওুঞাম 🕴 ১২৭৫ আবিণ হইতে ৭৬ আবাচ

যশেহর প্রলিক লাইত্রেরির সেঞ্চে ১२१¢ आवन इहेर्ड १७ कामा

--:.:--

গোমপ্রকাশসংক্রান্ত কয়েকটা

विदर्भव निष्ठम।

অনিম মূল্যও ডাক্যান্ত্ল না পাইলে ম বলে গোমপ্রকাশ প্রেরণ কর। যার না।

ইংার অগ্রিম মূল্য বার্থিক ১০ টাকা 🗸 ৰাণ্যাসক লাও টাকা; মকবলৈ ভাক্ষাৰ नरमञ्ज्ञ वार्सिक ১७, बान्तात्रिक १ अवर हैज সিক ৩৬ - ৷ ভিন মাসের ক্রেন জাগ্রিম যু এহণ করা যায় না। হুণ্ডি, বরাতি চিঠি, ম অভর, নোট ও স্থাম্প টিকিট, ইহার অন্য যাহাতে যাঁহার হৃষিণা হয়, ডিনি সেই 🕏 দারা মূল্য প্রেরণ করিবেন।

যাঁহারা ষ্টাম্পটিকিট পাঠাইবেন, গ্রাহ যেন এক অথবা আবাধ আনবার অধিক মূতে अ तमी रनत किंकिके (श्रद्यन ना करदीन।

ৰখন যিনি মফকাল হইতে সোমপ্ৰকাং मूला भाके। हेटबन, छाहा (धन द्विक्किति करि গ্রীযুক্ত দারকানাথ বিদ্যাভূষণের নামে পার্ देश (प्रमा :

য**াহাদিগের মূল্য দিবার সময় অভীত হা** আসিবে, এক মাসপুর্মে তাহাদিগকে বি লিখিয়া জানান ঘাইবে, কাল অভীত হা গেলেও এক বার চিঠি লেখা হইবে, ভাহাব একমাসকাল প্রতীক্ষা করিয়া কাগজ বন্ধ ব যাইবে। শেষ বারের পত্র বেয়ারিং পাঠ श्हेर्य ।

মাতৃলা রেলওয়ের সোণাপুর ষ্টেসনের ড ঘরে চিঠি আইলে আমরা শীত্র পাইব।

যাঁধারা মাহেল না দিয়া প্রাদি প্রেরণ ব বেন, ভাঁহাদিগোর সেই পত্রাদি এছণ ব धाइरव ना।

. কেছ সোমপ্রকাঠেশ বিজ্ঞাপন দিয়েও ইং कृतिहरू छै। इस्तक अध्यम छिन यात अछि १९ छिन । আনা ভাহার পর 🖊 ৷ আনা দিভে হইবে যিনি অধিক কাল বিজ্ঞাপন দিবার ইক্ষাকৰি বেন, তাহার সহিত খাড্র বদ্যোবস্ত হইবে

🗱 এই পত্র ফলিকাতার দক্ষিণ পু মাতলা রেলওয়ের সোণাপুর ষ্টেসনের দ্যি চা**ল**ভিপোতার ত্রীযুক্ত হারকানার বিদ্য ভূষৰের বাদীতে প্রতি সোমবার প্রাক্তঃকা ^{১'ত} একাশিত হয়।

ক পাট দিবে না, তবে আনার মুদ্রাফিরা-দিয়া ভোমান পাঠ ফিরাইয়া ল্ও।^ ডখনও ভভাগা নাৰিক ভাহার কাপটাচক্র ভেদ ভ পারিল না। কি**প্রকারেই** বাপারিকে ? ত অশিকিত ভাহাতে জাবার ভাহার বিশ্বাস ছিল যে, গঙ্গ। যাঁহাকে হিল্ছ লরীরা মোক্ষদান্তী গলিয়া বিবেচনা করেন, র ভীরে কেছ কখন কুকাণ, করে নী। হুউক, নাবিক ভাষার খেড়ো ফিরিয়া দিয়া কিবিয়াচাহিলে ঐ নবাধন ডোড় খুলিয়া , 'মাঝি এ কি ? ভামাৰ টাকা কোধায় ? প্রসার ভোড়ে । ৯ এই শক্ষ মাবিকের কর্ণ-: প্রবিষ্ট হইবামাত্র, ড:গার হৃদয়ে ব্রাপং ভূতপুর্বা আছা ও বিস্ফারের আবিভাব । এত ক্রের পর ঐ ছর্ভাগ্রাভিদ তেপারিল যে, সে এক জান শঠের হক্তে ত হইরাড়ে কিন্তু কি করে, একে বিদেশ আবার উপায়ধীন অনেক চিক্তা করিয়া बर्च क्रिजामशुरुवत माम्ब्रिटकेशमीरण कार्य বাট স্থিকৈত হইল গ কিন্তু ভাহাদিগেল , মুষিকের বিভূ'লেব গলায় ঘণ্টা বাধিবার বিফল হইল। কাছার এমন সাহস নাই যে (छेट्डेब निक्टे भवन क्ट्रा এक्ट्र এक् রালু ভদ্র লোকের সাহাবে, আবেদন করা ছে। শুনিলাম, ঐ জুয়াচোর বহুকালাবিধি কার অংগং ব্যবসায় আমবলয়ন করিয়া ন্দ কালান্তিপাত করিয়া আসিতেছে। াটাতে পুলিষদত্ত্তে যে ঐ পাপাত্মা স্বীয় বিবসাংখ্র দৈন ক্ল উল্ভিসাধনে কুভ

इडे(फ्राइ, डेडांड 'बल तिया। वह महा

্টক, আমরা ভরসা করি, জীরামগুরের

ইট সাহেৰ মংশলা বিশেষ ত*লু*ল্ভান

1 ছুট্টের দমন কুরবেন। ডব.লউ.এচ.

ৰও সাংক্ৰের নালে এক জ্বন স্থচ্ছুর,

ज, कावापक ও পण्डशास्त्रभागा माख्यित्ये (धेव

এই মকক্ষার বিচারভার নাপ্ত হয়, ইহাই

ুদর এক'জ আহ⊹্প্রেড। ইনি সভ্প্রতি

েব্য একিনি কালেটার হুইয়া যেপ্র

স্থালিক হা, এই বভা, চতুরভা ও পঞ্চ-

চুন(১)র স্থিত ল'ইসেকাটাকের কার্য।

ভংগেন, ভাষাকে 🧀 লে; ইহার প্রতি

य म ब्रेड भ्रेशाटकतः । ५० वरमटवतः सहित

डेर्किटिखाङ अभिक अन्त (नर्भ अवा

१को १८इस्सा ७४मा कति, ख्राप्तकरण के

নার নৌকায় যন্ত পাট আছে, আমি সকল

করিতে ব'ঞ্ছা করি। নাবিক **ভালার বাকে**য়

মত হইলে ঐ পামর কাহল, '' বদ্যপি আর

(मायशकांका

८० मर्थहाः

· प्रवक्ततां प्रकृतिहिताय पार्थिवः सरस्वती श्रुतिमहती न हीयतां।"

এম: ৰাশ্যাসিক en সাজে পাঁচ টাকা। f

সক্ষুকা ১ এক অন্তিম বাৰ্ষিক ১০ দশ । সন ১২৭৫ । ২৭ এ শোৰণ ১১৮৬৮। ১০ ই আগিট বাৰ্গিসিক ৭. এ কৈমাসিক ৩৬০ ।

যাঝাসিক ৭, ও তৈয়াসিক ৩৭০

পুরাণ প্রকাশ। বিষ্ণুপুরাণ।

অমুবাদও টীকা সমেত প্রত্যেক খণ্ড পৃষ্ঠা (অগ্রিম মূল্য)ৠ•

विनि बह्नाजिनायी स्ट्रेटन जिन भूमानुह মহঃপ্রতীট ৩৪৷১ নং ভবনে কাব্য প্রকৌশ **क्ष क्षेत्र कनिकाषा मश्क्र क**े विमानस्य বুক্ত অগমোহন ওকালকারের নামে বুক্ত ওর ইক্ষা অগ্রিম মুদ্র পাঠাইবেন। অগ্রিক পাইলে বিদেশে বিষ্ণুপুরাণ পাঠাইবার য়েম নাই ইভি।

अधुक वावू मर्श्नाम् वरमार्थाशायात्र नाश्चाम स्टेट्ड व्यामानिक्षेत्र निकटि এहे বের এক পত্র লিখিয়াড়ের যে, তাঁহার অনু– ষ্ট আতা ভাষাকে পত্ৰশ্বীরা জানাইয়াছেন, ामश्रकान बद्धारंगरम् भूरवान 'स्थातन कतिरम नि ज्ञानिएं भातिरस्त्री। मर्श्य वायु स्थलकातः তর হইয়াছেন, তাইণিভ তাঁহার সহিত তঁহার ক্ষিষ্ট আন্তাব এইরপে ব্যবহার করা আনার গেয় হয় না। অবিলয়ে ডিনি আপনার অবস্থা দিবৃত্তান্ত বিস্তারিভক্সপে লিখিয়া আপনার ভার উৎকঠা দুর ও বালীতে এড়োগমন त्रम, এই कामानिरशत क्रमुरद्राध । (भाषश्रकोम गम्भोपक ।

·---: • ! ---

रेकेरेजियान द्रमण्डस ।

उ मिनी (ब्रह्मक्ट्रप्र । मित्रहे विश्वा गंखाप्टांख ।

সর্কাসাধারণকে আনান বাইভেছে বে. দৰে যাৰভীয় বাৰিজ্ঞা দ্ৰব্য ও আহেরাহিগণের ∤

मित्र हे होता हे है किया (तम अरत्त मास्य कतिए अध्या महेर्फ हेन्स करतन, निष | धर्मन धर्मान (हेन्द्रन भेजाबाज स्टेटवा ইষ্টইভিয়া রেলওয়ে জেলহাউসী স্বোয়ার কলি কাডা ২৭এ জুলাই।) সিনিস্ফিক্সেন) একেনি বোড

যন্ত্রন্থিত। 🗆

मञ्दर अहोतिक स्टेर्ग । বিধবাবিবাহ নাটক রাজা হরিশ্চক্র চরিত। সাহিত্যদৰ্শন ৩ যু প হিচ্ছেদ পৰ্যন্তে 🕆 श्रू करिनयभ हति छ । य नर्ज बादावनी किया नहिष

अक् मारमत मर्था योहाता आहक इहरवन 🗢 प्रक्रिम मूला निर्देश (क्वन छ।हानिश्रक) সাহিত্য দৰ্শন ও বৈষয় এই ছই গ্ৰন্থের প্রকাশিত चं अभिकृतिक सार्म (मञ्जूष संहित्यः अक मार्म्य পর আর অভন্ত খণ্ড বিক্রম্ব করা বাইবে না। এক বারে সম্পূর্ণ গ্রন্থ বিক্রেয় হইবে।

বিক্লের পুস্তক।

হেমচন্দ্ৰ কোৰ 74 অষর, মেদিনী, ত্রিকাণ্ড শেষ, হারাবলী একতা বাঁধান মুক্তুকটিক নাটক মিডাক্সরা কলিকাডা े औक्नान्नाथ वत्मत-

বিজ্ঞায়ার্থ ৷

গারভেন রীচ ২৪ নং বাটী ওলামসহ ১৯ নং (হাড়া বাগান।

বিক্রয়ের নিমিছ।

नातराजन तीह २८ वर वाही। উপরি উক্ত বাগান ও বাটী খা**ংগরা**;काम

রিও হাজির নিকট আনাইবেন।

সিলেগুরিস্ আরুবো খনট এবং কো

ঠুনঠনিরা সংস্কুত পুস্তকালরে ও প ভালা বাড়ুযে; ত্রাদার কোম্পানির দোকারে প্রবীত ও মংপ্রচারিত নিম্নিতিত পুত্রক विक्रम स्टेट्ड(इ:--

প্ৰবীত নীনইভিহাস বৌষইভিহাস ভূষণসার ব্যাকরণ নীজিসার (১ ম ভাগ) নীডিসার (২ র ভাগ) প্রচারিত। মুক্তবাধ ব্যাকরণ

ঞীখারকানাথ শর্মা

বিবিধ জব্যাদি বিক্ৰয়াৰ্থ

প্রস্তুত।

इर्ताकी वाक्रमा शृष्टक काशक कनमानि বিধ দ্রবং পাওয়া যার । মফবলে ঘড়ী আ **ইন্ড্যাদি পাঠাইয়া থাকি এবং** পুত্রকাদিতে আমার ছিসাবে কমিসন দি: খাদ কেছ ব টাকার প্রব্যাদি লয়েন ভাষ্ট ষ্টলে 🔑 🕶 किनाटव कशिमन भारेटवन ।

গোলড শিৰ পইটিকেল ওয়াৰ্ক व्यारविद्यान नाइष्ट স্পেক টেটার বেলেয়ার্গ লেকচার **ভোদেদদ ওয়ার্ক** ইংরাজী ভগবং গীতা **रे९ क्रांनर**ी

দিপের মত এই যেনকল পাঠশালার
রা নাহার্য দিবেন দেখানে বাইকল
ত হইবে। ইনস্পেন্তর বারু ভূদেব
পোধ্যায় ইহাতে সম্মতি হেওয়াতে
ক্রির সম্মত হন; কিন্তু তিনি স্পার্টা
বলেন, যেনকল বালকের কর্তুপ্রমার
করিতেবলা হইবে না। এই কথা
পার্ট মধ্যে থাকাতে গত মে মাসে
তবর্তী সভাবজদেশীয় গ্রন্থনিতকৈ
দ্বিয়ে এক পত্র লিখেন শিক্ষা বলেন,
মহাশয়েরা গ্রন্থনিতির বেতন্
লী; অতএব ভাঁহারা গ্রন্থেন
ত সাক্ষাৎসম্বাহ্ব সম্বাহ্ব প্রতাশ

নারাদদের কথার বাহবল অন্টালত
য়া ডিইন্টের গ্রণ্নেন্টের বার্য্বার
ক্লিড ধর্মদংক্রান্ত নিরপেক রাজ
চর বিরুদ্ধ কাজ করিয়াছেন। তাঁহার।
ন, পলীগ্রামন্ত লোকদিগের সম্মতি
করা হয় নাই। যে প্রেণির দিশের
পাঠশালায় আইনে, তাহাদিগের
পক প্রায় মুর্খ; তাহাদিগের সম্মতি
কর নহে। তাহারা আপনাদিগের
ভালরপে বুঝিতে পারিলে কখন
দাতি দিবে না। ব্রিটিশ গ্রণ্মেন্ট

প উদারভাবাপন্ন, প্রজাদিগের

া ও ভীরুতার ৷ উপায় এছণ

য়া তাঁহাদিগের ধর্মের প্রতি হস্ত
াণ করা অথবা অন্যকে করিতে

য়া তাহার অমুরূপ নহে। ধর্মের

র হস্তক্ষেপণ করিলে যেসকল

উ হয়, তাহার উল্লেখ করিয়া সভা

াছেন, আজি যশোহরের মিসনরিগণ

ক, মানচিত্র ও টাকা দিয়া বাইবল

করাইলেন; কলা অন্য ধর্মাক্রাস্ত

করণ তদপেকা অধিক দান স্বীকার

। जानमामिरनत वर्ष भूखक नाठ

हेटवम । विमानामात्र कटव अकटाकात

मिनारमंत्र छाक इहेट ठ ठिनान । छोका विराज के नवर्गरमण विराज मिर्यम । मछात्र भर्यामण्यम । छित्र विराणमञ्ज्ञाल मृत्तिर्व्यम कर्छ्या । मछा वर्णम, भर्मम कर्या हम छोका अर्था भर्यामण्यम । छथाभि विष्णू छ मूम नयर्या (म अमा वर्षा म अमा वर्षा । छथाभि विष्णू छ मूम नयर्या (म अमा वर्षा । छथाभि विष्णू छ मूम नयर्या (म अमा वर्षा । छथाभि । छणा । छणा । छणा । छथाभि वर्षा । छणा । छण

উচিত कि ना. এ विश्वतंत्र त्नारक नत्मह

क्टब्रन । " মিশনরিদিগকে গুরুপাঠশালায় বাই বল পাঠনার অসুমতি দেওয়া যে অভি भन्न व्यनाम रहेशोरह, उद्यितम मजरेवश नारे ; किंद्र भागता आक्वानिक स्टेनाम, প্রফোস্ত ছলে ডিয়েক্টর ও গবর্ণমেন্টের তাদুল দোষ নাই। ছুই জন ভারতবর্ষীয় এই व्यनिद्रकेत्र कात्रण। व्यूनियत स्टब्स-টারি ধারিদন বলেন, ডেপুটা ইনস্পেষ্টর শিশিরকুমার ঘোষ গ্রন্তাব করাতে रेन**्ला**केत फूरनव मूर्याणांशांत रेहात **অসুমোদন করে**ন। ডিরেক্টর তাহাতেই मचा कि स्म । लिकी नाकी जावर्गत्र खद्राना-ঠশালাগুলিকে গ্রহণ্মেণ্টের বলিয়া অস্বীকার করিয়াছেন। গ্রণ্মেণ্টের পরি দর্শকগণ ভত্তাবধান করেন এইমাত। श्राह्मन मारहर পराजत उपमः शहरातार বলিরাছেন, ডেপুটা ইনস্পেক্টর যে প্রস্থাব করেন, ভদসুগারে এপর্যান্ত কোন कार्ट्यात्रहे ब्यात्रख एत नाहे।

প্রভাবপর্যন্ত হইরাই যে শেব হইরাছে এটা আহ্লাদের বিষয়। ডিরেক্টর
নিজে ইহার স্ত্রপাত করেন নাই, গবণমেন্টও এ বিষয়ে কোন উৎসাহ দেন
নাই, এটা অধিকতর আহ্লাদের কথা।
ইনস্পেক্টর ও ডেপুটা ইনস্পেক্টরের
উপরেই দোবভার পতিত হইতৈছে।

এই কর্মচারিত্র খৃতীয় ধর্মের অভিভত্তিৰশতঃ একান করিয় এরলৈ বোধ হয় না, তাহা হইলে তাঁ এত দিন খৃতীয়ান হইতেন। মিদন গের অসুরোধে যদি হইয়া থাকে, **হইলে কোন** কারণের বদীভূত অংশীয়দিনের অনিউলাধন করি **प्राप्त न्नारम्, जाहा जाहा मिर्दा**त हहेत " वारेवल পाठे कतिल पर्काड मकरण है कि हू कृ कि ग्रान इहर उटह ना; চাৰার মধ্যে এক জন খৃতীয়ান হ কিন্তু প্রতিমানে মিদনরিগণ কত पिरम ; आंत्र बांहेबल পড़िलाहे र য়ান হইবে এমত কথা নাই। " তাঁ যদি ইহা ভাবিয়া কাজ করিয়া থা তাহা হইলে মিসনরিদিগকে প্রত করা হইয়াছে। বাইবলে অন্য প্ অপেকা অধিক ধর্মনীতি আছে শংক্ষারের বশবন্তী **হ**ইয়া যদি काव्य कतिया थाएकन, मिछी ७ रेव ৰাই।কেবল অপপাঠী ক্ষীবল কদিগকে এই ধর্মনীতির শিকা चरमभी ब्रथमा मकलरक विक्रिक কি উচিত ? অন্তে বাইবল পাঠ ক বার প্রস্তাব করাও অন্ততঃ ভাঁহাটি कर्डवा हिल। व्यामता अहेज्राल वा গেলাম, দেই দিকেই হতাখান হইব কোন দিলেই উক্ত ডেপুটা ইনং ও ইনস্পেক্টরের পক্ষমর্থনে সমর্থ লাম না। তাঁহারা স্বদেশীরদিলের গ সাধনে উদ্যত হইয়া লোকের অপ্রি লেন এবং গবর্ণমেন্টকে ভ্রমে পা করিলেন এইমাত্র। গুরুপাঠশালা ৭ মেন্টের নহে, এ উত্তরটী বড় কৌতু **इहेश्राट्छ। यनि शदर्गटमट छेत्र ना**ः ডিরে**ক্ট**রের সম্মতি লইবার কি এ জন ছিল ? পাঠখালাগুলি যদি এ

লোকদিগের হইল, ডিরেক্টা তং

u छेडत मिटनन न। ८कन, '' थे

۲ŋ '

211

14

٥ŧ

14.

RΣ

h•

1.

#•

١ د

١١,

>9e-

। क्षिती काम श्रास्त्र हम (अप्रे जिन्न भक् खना হিডপোৰেৰ বৰ প্রীকা । भाषान्य য়েদশ্ৰ কৌর ইভিহাস रभूत

য়স্থ দীপিকা ীতানক লহয়ী ষ্ধ চরি 🕏 ক মুখমগুল

লকাভার মানচি**ত্র (উত্তম বা**ধান) त्रकारकली (कोश्रुही ম উপাধ্যান

রতবর্ষের **পুরার্ভ (িদ্**গীয় বার মুদ্রিভ) ৰচি**ত্ৰ সহিত মূল্য** কাণ্ড রামায়ৰ পদ্য

াদৰ পৰ্ম মহাক্ষারত পদ্য কাপ্ৰগালী

লকের উপযোগিত। নকী নাটক

त्रवाकः। धनी বো বল্লাক্রা

हक्वथ काबु

তে মঞ্চরী বকস্কণ চণ্ডী

नीय ख

গ্ৰহ**্** ীকৌডুক নাইক

কলাপ

िक्रिक माठिक বিলাস মীটক

াতা জোড়া-

৬৪ নং

: इ: **म**: ध्रु

ত্রীপ্রভাপচন্দ্র রায় ∮ নগদ মূল্যে বিক্তো

মিনী নটেক (মুল্য এক টাকা) সংক্রুড अकालदा, शिरमधानादा जीवक बाद राथ मुर्ग(भारार्धेय ४० मध्य स्मामारम १९१७ महार कश्रक छोड़क राह् क्ति ६८४। ११४८/१३८ । तक**रहे छ। १**५०। गढक २६ भी ठन है। के ति हिमाद**त कशि**

-- : } + : ---

িশ্রাক্রজন অভিধান। সর রাজারীবারী কাপ্ত দেব বাহাছুরের ক্লুত। উত্তমকপে লোগ দিয়া সুতন বাঁধান মূল্য ২৫০ টাকা। **अभागमंत्रस्यत्यास वाशीम**ा

---1 41----

कारा श्रकाणिका।

£हे मान वहेरा धक: निख हहेता। हेहारा সমুদায় কাব্য নাটকাদির দেবনাগর অক্সরেমূল ও টীকা এবং বাজনা অক্ষরে বাজনা অসুবাদ ধাকিবে। নিয়ুনিত ঞাহকগণের প্রতি প্রতি খতে ।J• ছয় আনা এবং প্রত্যেক খণ্ডের ॥• আট আনা মূল্য নিজারিত হট্লা বাঁহারা এইণ করিতে অভিলাব করেন, ঝ'মাপুকুর লেন ১৫ নং वि, भि, अमन याद्य प्रथवा कात्मक क्रीड ১১ मर লাইবে রতে আমার নিকট পত্র লিখিলে পাইতে পারিবেন। বিদেশীয় গ্রাহকগণকে স্বভন্ত ডাক মাসুল দিতে হইবে।

৩ বা আবণ জীবরণাপ্রসাদ মজুমদার। 329¢1

ইষ্টারণ বেঙ্গাল রেল ওয়ে। রিভার টারমিনস্, অর্থাৎ সিয়াল. দহ হইতে গঙ্গাতীর পর্যান্ত রেলওয়ের চলাচল

আব্যায় গু

शहर्यामात्र निक्षेत 🐧 वाशव आदि हेट्टी রণ বেলাল রেলওয়ে কোম্পানির ব্রিভার টায়মি নস্নামক রেলওয়ে, আগামী ও রা আগষ্ঠ সোম वात्र कावधि प्रवासि (नश्य ७ मध्य क्षया, :बाला वाहेदवकः।

वेद्रीत्व (व्याम (त्म अट्य) ফ ! হ্ল লৈন বিশ্বাল্যক টাব্যিন্স (# (8 B. व हे खनाहे १५७५! OC#36 1

--:0:---

পূর্নবাঙ্গাল রেলওয়ে।

হাটখোলার নিকট বাগ্ৰাজারে গলার वाद्य य दिल शरहत आफ्रिका चूलिय'त कर्वा ছিল, অনুস্কানীয় কারণবশ্তঃ ১০ 🕱 আরাগ**ট**ু প্ৰান্ত ভাছা হইল না।

मु किनिन (२८डे म শিয়ালদহ

प्रात्म<mark>त्रसद्भागेत्र विविध स्मानमः चावशात्रम्भकः।</mark> व शुक्क वाश्व श्राह्मक्षम हहेरव, छिनि कनिकार क मबूक मानाइनित भवर्षाम लिएनरमत के न करात धार्यमा कतिरम भाहरक भातिर्यम मुला । / • कामा माज ।

হরিশ্চস্ত্র চরিভ 1. मुनाः হরিশ্চক্র চবিত জীবুক্ত জগ্মোহন তর্কা লক্ষারকর্ত্তক সক্ষতিত হইয়া মুদ্রিত হইয়াছে এই এম্বানিতে পৌরানিক অনুস্কিক বর্গ নাই, পরস্ত শুৰু বালক বালিকুলিটোর সভা নিষ্ঠা শিখাইবার নিমিত রাজা হরিশ্চক্রে উপাখ্যান যতদুর জাবশ্যক, তাহাই আহে। কলিকাডা श्रीतकारमाध्य वरमानामा ঠনঠনে ১৭৭ নং

অনওয়াড প্রার অব কোটিয়া ওরার উই: এবং বুটিস প্রিপ জাহাজে সম্প্রতি জামদার रहेब्राह्म ।

বল্যোপাধ,াছ এবং কোং এভদ্মারা সা দাধাঃৰকে ক্লানাইডেছেন বে উপরি উদ আহাজসকলে ভাঁহাদিগের লগুনক এভেন্টগ रहेट व नकत प्रवाति जामनानि इहेट्व छाहात **डाहा** १ हेन हरत्र म शास हहे आह्न ।

উক্ত কেম্পানির প্রধান উষ্ধালয়, আমা ষ্ট টি ২৬ নং ভবন মূলাপুর মেডিকেল হলে এবং সভাবাজার কিটে ৩৯ নং ভবন লাখা ঠা शामद्र है। हेका, विश्वक अवर छे देखें है अन्य मक পরিমিড মূলো খুম্বা বাএক কালীন অধিব পরিমাণে বিক্রন্নার্থ মিয়াত প্রস্তুত আছে।

সোনপ্রকাশ।

২৭এ জাবন সোমবার ৷ यम्मारदात अल्लार्रमामा, विज्ञादित्रन 🦠 ७ वनरमभीष्र शवर्गसन्हे ।

পাঠकवर्शन यान चारह, यरभाह-রের গুরুপাঠশালাগুলি মিসনরিদিপের स्टब्ड व्यर्थि कहा स्रेशास्त्र दिनशा किडू मिन इहेल अक शांल डेटिं। निकादि-**जारगत गठ तिर्लाट फिल्डिस बाहिक** किञान लिचित्राष्ट्रितन मिन्नदिता मान-विज, श्लोब ७ ७ स सर्गामंत्रियक कि कि श्रीकार मिन्द्रित देखा क्षित्राद्वता लाटकता य विटवहना कतिर्वन. खाहाहे हरेटव । "

পরিশেষে নিদনরিনিগকে - কিছু : লোও আবিশাক **হইতেছে।** লোকে টাহাদিগকে যেপ্রকার **ভাক্তি করে**ন, হাঁহাৰা ভাষা অনবগত নহেন। কিন্তু হ∙বেগর বিষয় **এই, উাহাদিলে**র আহতি জির মূল কি **ভাঁহার।** তাহা জানেন ন। ভারাদি**গের উৎসাহ** অধ্যবসায় **তথ্যিভাতাও লোক্**হিতৈয়িতা দেই ারণ। **ভাঁহাদিগের অ**বলবিত্থশাকারণ হে। ভাঁহাদিগের উপরে ভক্তি আছে, থেচ **ভাঁহাদিলের ধ**মে বিশাদ নাই, ।ইপ্রকার লোকের সংখ্যাই অধিক। शकाता निष्क विकालय कतिका वाहेवल টিঠ করান ভা**হাতে আপত্তি নাই,** डी इंग्लिश्वद विषयां निर्यास वाश्वीन ক্রার উপরে নির্ভর ^একরিতেছে। কিস্ত ব্ৰুষ্ট করিয়া বাইবল পাঠ করান তিশ্র নিন্দনীয়। উহা ত'হাদিপে রুপদৃশ পাকের কোনজন্ম কর্ত্তবানছে। পুরের मनमाद्वता रयगर शाश्वत थाना फ्रांत গারত মিশ্রিক করিয়া হিল্ফুদিগকে গ্রাদিধের ধ্রে আন্ময়ন ক্রিতেন, ধশবিদ্যালয়ে আধরক্রির অধ্যাপনা । व्यर्थताच अमर्मन कडिया **खक्र**ाठिः ালায় বাইবল পাঠনা মেইরূপ হই-ভ:ড¦ ভারতবঁৰীয়ের৷ এই চক্রে: তেপ ংবে। অভিশয় পটু। মিদনরিরা এদে ্ক দাধারকো খৃকীয়ান করিবার আশা ाश कक्षमा विकासिएस मा इंडेक, क्रूड লেলাডেন্ট্ৰাইবল পাঠ ক্রিয়া থাকেন; ৽একড জন খৃফীয়া**ন হ≷ডেছে**ন?়া (म) सिट्स १८ के विद्**रत हे क्रिक्री होन** টবে, তাহাল প্রমাণ কি ? **যদি কেছ** विश्व के इंदेश **ये की शा**न i, তাহাতে হতানিজি কি ? সেনাপতি য়াদে ১৮৫৭ অবে বারাকপুরস্থিত

लाकीनिशाक ता कथा विलिशाहितनन,

ভাষা মিদনরিগণ বিশ্বত হন কেন ?
রক্ষ ' দেনাপতি বলেন, খৃতীয় ধর্ম
জাতির উপরে নহ, স্বাধীন ইচ্ছা, পাঠ
ও সংসংক্ষারের উপরে নির্ভর করি
তেছে। এইপ্রকার 'খৃতীয়ান কি চাদা
থামের শুক্রপাঠশালা হইতে বহির্গত
হইতে পারে ? এ দেশের কুসংক্ষার
দূর করাই মিদনরিদিগের কর্ত্রন কর্ম
বলিয়া হিব করা উচিত। গ্রণ্মেন্টের
বিদ্যালয়সকলে বাইবল শিক্ষা না হইয়াও
এই উদ্দেশ্যসাধন হইতেছে।

সোমপ্রকাশ, সাজন লার্কো ও পের্থিকেছ।

দোমপ্রকাশের সম্পাদকতা যে নীভিতে নীত হইতেছে, তাহা সহজে শকলে হারএজম করিতে পারেন না। माम शकाभ इठीए घाँहात नवनश्राध উপনীত হয়, তিনি মনে করেন, সোম-প্রকাশ লোকের নিন্দা লিখিতেই ভাল वारमन, त्क्इ या अञ्चल कार्यन, त्नारकत স্তব করাই দোম্প্রকাশের কর্ম। কিন্তু কাহার নিন্দা বা সুখ্যাতি করা সোমপ্র कार्भंत अख्टिश्च नह, त्राम (प्रसित्तर) विनिद, खन (मिथिलिहे छाहात वर्गन कति दः) এই আমাদিগের অবলম্বি নীতি। আনরা যথন ঘাঁহার সেবেটিলথ করি, শক্তরান করিয়া করি না; যথান ঘাঁহার গুণবর্ন করি, মিজজ্ঞান করিয়া করি না। যাঁহার দোষ বলা হয়, তিনিই আমো-দিগকে শক্ত, আর বাঁহার গুণ বলা হয়, তিনি আমাদিগকে মিঞ্জান করেন। याँ शहा व्यापक पाडिकारक कार्या माधनी যুক্তিরূপে আশ্রয় করিয়া স্বক্তব্য সম্পা-हन कर्त्रन, डाँश्हारिशत विवरत लाटकत প্রায়ই এইরূপ সংক্ষার জ্মিরা পাকে ৷ অভ্ৰৰ যদি কেহ কদাচিৎ ছুই একথানি নোমপ্রকাশ পাঠে করিয়া বিপরীত সংস্কা ताबिके इन, काहा आमानिश्वक विश्वत उ क्लाटकत विवस इस मा। किन्छ याँ हारा

निका माम्यकान नार्व करतन, जाह पिर्धन विभागेष मः कात स्रित অত্যস্ত কোভের হয়। বহু দিনের সোহ প্রকাশপ্রাহক নদীয়ার এক অনুমিদ নরি উলিখিত প্রকার বিপরীত সংক রাপদ্ন হইনে আমানিধকে যে এক প লিখিরাছেন, তাহাই আজি আমাদিগে এইরপ আত্মণরিচয়দানের ছেতু হয় য়াছে। উলিখিত মিদনরি রাহার আংকে করিয়া লিখিয়াছেন, পূর্কে আনুন্ন। স জন লরেন্দের নাধুতা ও ন্যায়পরতা প্রশংস। করিতাম ; কিন্তু একণে ভাঁহা নিন্দা করিয়া আনন্দ অসুভব করিতেছি **সাম**রা ছঃবিত হইলাম, পত্রপ্রের অতিশয় ভ্ৰমে পতিত হইয়াছেন। এ থ আর তথন বলিয়া নয়, দর জন লরেজেন যে অংশে দোন আছে, তহুলেপের অব দর উপস্থিত হইলে আমামর। যেমন তাহা উলেখ করি, তুণবর্ণনাদময়েও তাহাত ৰিরত হই না। দর জন লরেজন অভিশ সদাশয় ও আয়িপরায়ণ ভাহার কো শদেহ নাই। যেটী তিনি আননায় বলিঃ কানেন, পৃথিবী অনুরোধ করিলে ভিনি তাহা করেন না; কিন্তু তাঁহা একটা বিষম অনিউকর ভ্রম আছে।তি करमक विद्रास स्थारिक नामा विवास ভির করিয়া রাখিনাছেন; কোনকেল ভাহাপরিভাগে করিভেছেন না। নিয়া বহিভূত প্রাণীর উপরে দেশতং लारक विश्वकः किन्छ मत **का क**रत्र উহাকে ভারতবর্ষের পক্ষে মহোপকারব জ্ঞান করেন। ভারতবর্ষে ব্রিটিশ সামুদ্র দাধারণ মতের উপরে নিভার করিতেছে ইহার অর্থ এই বিটিশ জাতির যে অস মান্য সাধুতা ও ন্যায়পরতা আহে ভাষাই ভাষ।দিগের এ দেশে স্থায়িত্ব কারণ। লাড বেণি**টর প্রভ**ৃতি চিরকার ণীর প্রথির জেনরলেরা এই উদার অভি थात्र अकोमं कतिता निर्देश । किन्ह नेत म ट्यात मरकात और, यक नक्त व वन াশ করিবে, তত্তই এ নেশে রাক্ত ভূত হইৰে। উমসন দাহেৰ এ দেশের তর শ্রেণীর পরস শত্রু ছিলেন, क्षन नटत्रका रमहे मश्कारतत वर्णवर्की। ठवर्ष ७ हेल्लाट का व्याप्त मञ्जूषात क वनिद्रज्ञाहरू, व स्तर्भ विमारिका व्यक्षिक नित्रमार्ग आत्रान स्ट्रिंग, ব্রিটিশ সামাজ্য বন্ধসূপ ও বেশের ग हरेटव ; किन्द्र नद्र व्यन नटत्रका लोख নৰ্বার ন্যায় বিপরীত বংকারগ্রন্ত र्षाट्य । उंश्वित मश्कात वह, हेर तानी চার সম্ধিক **প্রান্তাৰ স্ইলেই এ দে**শ লৈ জাতির হস্তপরিভা**উ হ**ইবে। नित् वाधीनक्त्य ७ नाहनी हरेगा ল কথা সবৰ্ণমেণ্টকে **ৰলিলে '**শ্বং মিন্টের দোষ দেখিবামাত্র ভাছার চ্বাদ করিলেই দেশের প্রকৃত মজল ইংলতে গ্ৰণ্মেণ্টের নিয়মিত এক প্রতিবক্ষকতাকারী আছেন; বিস্কু वन वारतका जोत्रकवर्ध के व्यवश বেস্বাকভাকৈ অধাধ্যতাও বিজো: হর লকণ জ্যান করেন। ইউরোপীয় रमभोग्न दिनामा मर्क्स विषयः ध्याटकम সর জন লরেন্সের রাজনীতি। নার ও মূল নিয়মে**ল** বিষয়ে এই । कार्यां अन्तर अनगरतका कठकछान র করিয়াছেন ও করিতেছেন। উহার বলদেশের প্রতিঘূণা প্রদর্শন প্রধান। দ্বিডীয়, সাবর্ণ জেনরল पटम जानमन कतिहा व्यविश् र भीव भिदिलियोनिष्यिक श्रीय गक्न র পদ হইতে বৃহিষ্ত করিয়াছেন য়, তিনি দৈনিক ৰায়, বিস্তৱ বৃদ্ধি ছেন। চতুর্থ, ভিনি খ্ জীর প্রিরজা ফীয় পুরোহিতদিগের নিমিক বার विक्रिया कि विक्रमितिस्य अद्वर्णक

कर्णक निर्मा कतियाद्या येथे,

উৎকলের হজিক দর্শন করিয়াও ভিনি रक्रमंग्रंक अरू अन शर्गरत्रे इर्छ मिनात अखादनत अधिवक्तकंका करिया-ছেন। সপ্তম, তিনি বংসরের অংধকণ্শ कान नर्साच्यान कतादक भागनकाद्यात विशक्त बाघाउ अविदेशाहा अकेम, তিনি প্রথম প্রথম যেপ্রকার কর্মচারি দিনের কার্য্যের প্রতি দৃতি রাশিয়াছি. লেন, আর সেরণ নাই। অধিক আঁটা चौषित शत रेमियिमा स्ट्रेटन, स्य विश्वय বিশ্যুলা হয়, তাহা ঘটিয়াছে ৷ নব্ম, जिनि लांड कर्नुप्रानित्मम अजीकात जन कतिया जुमित कत इस्तिवियस क्रफ मकण्य रहेबाट्डन। क्रूरकिट्गत डेब्रिड সাধন করা ভাঁহার অভিত্রেও বটে; किन्छ व कार्या जिणिमनारम कुनुक रहेरव, जांदा कतिया क्रवकिरशत डेम्रांड नाथनटच्छे। विश्वत्र नग्न हित्रकाती वरकावक एक कतिरमहे य क्रवकमिश्वत श्रविश स्टेरन, जारी खामान नरह। के बटमावल व्यवशहरू त्राविहा वृद्धि ক্লুবক্দিগের সহিত কোন প্রকার ভাষী বন্দোৰক ক্রিতে পারেন, তাহাই ক্রুক मिटभन इंग्डे कटलानशामी इइटड नाटन। তাঁৰার আনর একটা বিশেষ দোষ এই, এদেশীয় সংবাদপত্ৰসকল রাজনীতির দোষ দিলে তিনি ভারতবর্ষে শ্রীর প্রতি বিজোহাচরণ বিবেচনা करत्रन। जिन्दत्रिन महिरूदत्र कार्याञ्चलाः लीत निमा कतिल कि हेरलए अतीरक निका कहा इह ? ना वत्र ए उद्देशक রাজবংশ প্রজাদিদের রাজনীতি ও ধর্মানংক্রান্ত স্বাত্ত কলা করিয়া আসিতে-**्ट**न दिनशा चोक्रोतलट्खेत धर्ममञ्जूनाहरू **डेठारेश स्टिंड** विनिद्य ताबवर्ग त्यारशत किया क्र १ किह जाफार्यात विवस और করি তেছেন। পঞ্চম, তিনি এত-্র শামরা স্বর্ণর জেনরলের ভেটসেকেটা तित्र विषेषा मिबिल मर्सिम क्रिमनत्रिपति

लाहे भवर्गत व्यानतल आमामिशतक विद्य (वर्ष कटतन। वाक्तिविट्निट्यत त्राक्रनी गरिङ (य त्रांचव र टामंत्र (कान म्रू छाव न পেটা সর জন লরেন্সের বুঝা উচি তিনি অনাধুভাবে কোন কাজ করেন ভাহা আমরা মুক্ত কঠে গুম্বীকার ক किन्द्र स्थान कार्या चनिन्छे इहेर छ हि তথন কৈবল সং উদ্দেশ্য লইয়া আ कि कतिव १ मत कन लाइएकात 🗷 দোবারোপ করিবার প্রকৃষ তাৎপ এই শেষার অভিশয় হঃবিভিটি উচ্চির রাজনীতির প্রতিবাদ কা থাকি ৷

आंगाहित्यत मिननति वसू त नार क्टबंद विवयस एवं कथा कहिसार ভাহার শৃংক্ষিপ্ত উত্তর এই, তাঁ বিষয়ে যত অধিক বা্কা ৰায় কর হয়, ভতই ভাল। ধনুকে গুণুযোগ হ তাহানত হয়, কিন্তু শরে গুণ্ क्रेटल छेरा चारादात वक्कः छ्ल विम क्रतः। स्थ्रेन मार्ट्व वक्रामरणत व्य দাধনবিষয়ে দেইগুণযুক্ত শরত ধ করিয়াছেন।

व्यामानिरशंत मिननति वक् वर আমরা বালালিদিগকে ভারতব मक्किशाधाना क्षत्रारमत्र (हच्छे। शाहेशा थ এটা তাঁহার ভ্রম। আমর: নাধা ভারত্বর্ষের নিমিত শাসন সহ উচ্চতর ক্ষমতাপ্রাথী হইরাছি। ভার ষীয় হইলেই যে উচ্চতর ক্ষতাল ष्यधिकारी इंदेर्स, এ क्या बना व्याम গের অভিনেত্রতন্তে। উপযুক্ত **ব্যতি** তাহার গুণাস্বারে ক্ষতা দে হউক, এই আমাদি**গের বক্তব**ে। थ्यतक वरणन. वाष्ट्राणीतः श्राधानाः कतिरल व्यामोनिक्तित कावा ७ जून ৰাশীদিলের অবস্থা ঘটিবে ভিজ ংশান কার্যোর প্রতি দোষারোপ করি- ' তেগি নিম তেগিকে পদে দলন করিছ উত্তর দানস্থলে আমাদিপের তেই, ভারতবর্ষ জাবা নহে, যে ল জাবার অভাচার হয়, ওলন্দাল র নার ত্রিটিশ গবর্ণমেন্টের জ্বীনে ারণ ঘটনা হইবার সম্ভাবনা নাই। পেনির্লিগকে দেশবহিষ্কৃত করা দিগের অভিপ্রেত নহে। উভ্রে সম্ভাগী হইয়া সম্ভৌচিতে কাল করেন, ইহাই আমাদিধের মনের

ানাদিগের প্রপ্রেরক বাঙ্গালী বেল কতগুলি নিন্দা করিয়াছেন, বিগয়ে উপেক্ষা করাই তাহার উত্তর। আজি কালি পরস্পারের করা বঙ্গভূমির একটা প্রধান অভি বিষয় হইয়া উঠিলাছে।

গামাদিগের পার্থেরক ঘৈ আব া কথ⊹ লিখি∷াছেন, ভাহা নিভাভ किक्दा एर पिटम जेन्द्र रियाकाङ মেণ্ট করিয়াছেন, ভাহার এ.ডি করা আর ঈশ্বরকে অভত্তি করা । এ কথা উনবিংশ শতাকীতে রন পাদরির মুখেও ভাল শুনায় हाका केप्टरंद अधिनिधि, अधि ণুরুশীরাভিন্ন আমার কোন সভা यीक् इक्श गा। भवन्द्रमणे अका ন প্রতিনিধি ; প্রকার অভিনালার अवर्गाम**न्टरक काञ्च** कडिएड १३८४ ; কার মত এই। আমাদিগের মিন ংকুৰ মতে কাজা করিলো কজুইকো, শওটন, গারিৰপডি প্রভৃতিকে মহা विलिट इ.स. **बाइ**० (मेरे स्मिटकरण भा निधन ८० कटत थाउन " ी भिटराभाषा करिया **देखिंशा** र्निशालुक बाङ्गीबदन निर्मान ত হল। মিংনরি বাহার নিশ্চয়

(11. नामनकर्जुलेरकत जम अप-

করির্গেডাহাকে সুণা বলে না।

किरोज वर्षणान हा अध्यक्तिमनिर्शत

ভাবেন, তাঁহারা যদি বাস্তবিক দেইকাপ হইতেন তাহা হইলে তাঁহারা বাহিরে গবর্গনেটের সকল কার্ম্বার স্থ্যাতি করিয়া গোপনে তর্বারি শানিত করি তেন। আমরা এপ্রকার হই এই কি পত্র প্রেরকের ইক্ছা ? সভা কথা কহিলে কি ইংরাজেরা একবে রাগ করিতে শিথি তেছেন ? মুখার্থ কথা কহিলে যদি তাহারা রাগ করেন, আমাদিগকে মুখা করিয়া রাখা যে ভাল ছিল। তাহা হইলে তাঁহারা স্থা হইতেন, আমরাও

রামছলাল দে (১)।

সুখী থাকিতাম।

লালা বাবু ও ছ্লাল সরকার এভৃতি करतकरी नाम अ एमरमात आवासकृक বনিতার পরিচিত; কথা এসকে প্রায়ই উনা স্ত হইয়া থাকে। এতদ্রো স্পর্ফ প্রতীর মান হইতেছে, রামগুলাল এ দেশের এক জন প্রধান ও বিখ্যাত লোক হইয়াছি লেন। অনেকে ইহার নাম শুনিয়াছেন সভ্য ; কিন্তু অনেকে ইছার জী নর্তান্ত অ গতনহেন। বড়লে:কের জীবনচরিত প. टिर्फ दक्त वि मेट शिकार्त नो छ हते. এৰপ নত, লোৱের স্বভবেছ: কৌতু হল জহিয়া ধকে। বাবু গিরিশচক্র (घ:रनत क्रुशात जामिरशत सह रक्षेत्र হল বিনোদনের একটা উপায় হইরাছে। লিরিশ বারু ম.চচ মাদে (১৮৬৮) রাম ष्ट्रनारलत कीवनवृद्धाय लहेश दशनी कोटलक इटल अक व्यवस्त शांठ कट्टन। উহাসপ্রতি পরিবর্তিত, পরিবর্দ্ধিত ও পরিশোধিত হইয়া মুদ্রিত ও এচারিত ছইয়াছে। আমেরা জুলাল সরকারের খীবন চয়িত অবগত হইয়া যেমন প্রীত इहेलाम, शिदिम वार्त लिशिरेनशुरा দর্শনেও তেমনি প্রীতিশত করিল।ম।

(১) हैनि इन्। त्राकात विन्ताह श्रिका

উত্ত উত্তরের শোভার্থন করিয়ার রামজুলালের অনেকগুলি অসা গুণ ও অসাধারণ ক্ষমতা ছিল। ঘাঁহার উরসে কা গ্রহণ করেন, উ কপদক মুন্নারও সম্পত্তি ছিল কিন্তু রামজুলাল স্ভ্যুকালে কোটি ট সম্পত্তি রা,থিয়া যান। তিনি ঐধন। অপত্রব অথবা অনা,বিধ কুজিয়া ক উপ।জ্জন করেননাই; আপনার অস

অর্জন করিয়াছিলেন। পাঠকরে। তেই ভাহার ক্ষমতা অনুমান করিয়া বেন। বামজুলালের পিতার নাম ব্য

পরিতাম, বুদ্ধি ও সাধুছাগুণঞাল

महरू हो। प्रमन्त्राह निरुट्टे दहरू নামে একথানি আম আছে, ঐ তিনি বাস করিতেন। গুরুমহাশর তাঁছার জীবনোপায় ছিল। গুরুম গিরিতে যত লোকের সদতি ও সুখ্য হর্ট ভাছা আমাদিলের পাঠদণণের मिक नाई। वर्णताम (म ममूर्ण देवत কারী ছিলেন। ত সার বাসার্থ এক ব ছিল। তিনি ছাত্র দৈর্গের নিকটো কিঞ্চিথ যাহা পাইছেন, ত হাতে কথ দিনপাত করিতেন। এ সময়ে মা ব্রীয়দিগের অভিশায় উপদ্রব (ব इक्.म) हिन। २५७०। ৫२ व्यद्क উহ:রা বঙ্গদেশে অ:গদন করে, তৎ রামতুলালের পিড়া এন-ভেরে প্রাম তাগ করিয়া পলাএন করেন। তাঁহার পত্নী গর্ভবন্ঠাছিলেন। প কালে পথিমধ্যে রশিক্ষালের হইল। ভাঁহার মাতা পভা দীং की विक ছिल्लन मा ; जिल चण्य মধ্যে নির্ভৌর ইইরাপ জুলেন ৷ ক তার ভাঁহার মাতামহভোর। ভি.ন খানে গিয়া ভাঁহরে মাভামহের শ্র হইলেন। তাঁহার মাতামহৈর নাম সুন্দর বিশাস। ভিনিও অভিশয় त जी थान छ। दिश जीवन थाइन छन। किছু निन्नपद्ध मनन्द्र । इन র বাড়ীতে ভাঁছার মাতামহীর পাড়িকা र्हेल । **मण्नटम**ाहन एटखा खंचन াগের ক্ষয়। তিনি পর্কিটের য়ান ছিলেন। শত শত লোক তাঁহার वाहात ७ व्यवदान क तरकम ; बात রত ছিল। রামছলাল ভাহার। मनी । नेतन निहा के ऋद्य वाकिएक ন্ত করিলেন। তাঁহার নৈস্থিকি বিনয় াদি গুণ ছিল ; তিনি ফ্রেম মদন র প্রিয় হইয়া **উঠিলেন[়] মদনদভের** দলের সংখ তিনি লেখা পড়া করিছে ন্ত করিলেন। তিনি স্থাপকাল্সধ্যে লা উত্তমৰূপে শিখিলেন, আহে বিল পট इट्टलन अवर ट्रेड्स की कहिएक লেন ারামতুলালের অস্তঃকরণ ক্লুক্ত-রসে পরিপুরিত ছিল। কি**র**পে তাঁহার মাভামহের কথী সুর করি-তাঁহার এই চেফা হইলা ভখন র যে ড়েশ বর্ষ বয়ঃক্রম। ভিনি তাঁহার व थार्थी इहेरलन ; ठाँशांत कर्य इहेल। যেমন আমেসহিকু ও তীয়ারুকি

গেণ ডাহা আহিণ করুন। हैं। हाटक मर्जनारे खनामायशीय श्री ডায়মণ্ড স্বারবরে যাইতে ছইত। যে কোহ:জ জলম্ম হইয়া টালার: মে বিজনয় হইত, তিনি ভাহার আবস্থা গ্যাদিবিবয়ের অনুমান ক্রিতেন। া এক বৃহৎ ৰোঝাই জাহাজ জল-য়।রামছুলাল ভাহার অবস্থানা,দি गङ्ग्र्बक कानिशा चानिशाहित्नन, অব্যবহিত পরেই এক দিন ভঁ,হার

জ্য়িতা টালায় নীলাম হইতে

ন সভানিষ্ঠ ও বিশাসপাত্র ছিলেন।

পর যেরপে ভাঁহার উপরে সৌভাগ্য

র অনুকুল দৃষ্টি পঠিত ছইল, অভ.পর

ना किति युक्ति, क्या कतिया अवर के क्रिकेटक कर्क क्रिकेल स्वाकिनिया चा निष्ठ बद्राम् । (यम्बें अथा का कतिए बना इम् क्रिनि में निरम छेल इन्हें बहे वाह व्यवादिक शूर्व विक्रम इहेम बाग। त्रामकुलाल छेशिङ्ड इहेश अधितन, শীলামকারী একখানি জলম্ম জাহা-क्रित विकाशर्थ छादि एएएस । किनि गतन क तित्व किन् देखिशूर की मारास দেখিনা আসিনাছেন, এ সেই খানি व्हेटव । व्यव्यक्ष मिक्ट हे 58000 है। का हिल । किनि छेश क्या कतिरमन। व्यवाविष्ठ शटतरे अक जन हेरताक जे काहा के कन করিবার নিমিত্ত অংগমন করিলেন তিনি खनिटलन, छेरा विकास हरेसा शिक्षाटक । তাহার পর তি,ন রামছুলালকে অত্যেধণ क्रिया आय लक्ष्म होका लाख निया छैहा क्रम क्रिटलन। य होकाम के लाफ इहेल ভাষা রামছুলালের নিজের নয়, ঐ লাভ ভাষার এভূই পাইবেন, এই দ্বির করিয়া এ টাকা ভাঁছার নিকটে নিয়া উপস্থিত कतित्व । मनन मखंड महानुष्टंब हिल्लन তিনি বামতুলালের সরল ও বিশ্বস্ত ভার मर्भाग विविद्या ७ माहिक इहेगा जे

व्यावभूतित समा।

होता काश्रदक्रे मिलन।

এই মেলাটা অভি অনিছ। ইহাতে प्रभागितामा अपनक भनार्थ आहिता। देश **अक्टोबंड मोटन रहेश बाँदर । नम्ब न**िन হিত হইয়াছে বলিয়া ছাপরার প্রদিদ্ধ डेकीन बाबू द्वभवनान स्वाप्त देशत একটা বিস্তাৱিত বিৰয়ণ লিখিয়া আমা बिट्रांस निकटि दश्यां क्रियारहम । स्मा বসিবার ছানের এক মানচিত্রও প্রেরিড क्रेब्राटक। डॉक्ट्राब फेट्रमाना करे. डॉक्ट्राब वाक्षवनद्भाव व्यवस्थित के व्यवसम्बद्धन देक्श श्रीकार्ण कतिमाद्यम । स्माष्ट्रण छननीठ रहेश रुजायांग रहेटल रहेटव, वित (क्ष अञ्जल महन कहतन, अहे मिनिष

ডিনি পরো উহার সবিষ্ণর বি निधिशं नाश्रातह्मत्र श्लोहत्र कतिएक्टा তিনি এরপ অভিপ্রায় প্রকাশ করি ছেন, যদি তাঁহার কোন আত্মীয় बाक्षर के स्मना (में बिटर्ड यान व षास्त्र जैरिशादक कामान, याशादक (धाकात कर्षे मा इश, जिनि अध ৰক্ষোৰস্ত করিয়া দিকে পারেন। অ

मिर्गत श्विश मी इंडडोरेड गींगि थरान करिएड शाहिलाय मा, विवेश জ্রমশঃ একাশ করিতে আরম্ভ করিব ১ ন:। ঘোড়ার হাট। মরনান অন্ত

क्ट बारेन। **अरे म**्रानाटन माना थ अभिक्रमदेवेगी, शतिबादी, मक्तिनी, श्री কাৰুকী প্ৰভিতি উত্তম উত্তম অৰ্থ প্ৰেণী ৰূপে অতি হচাক শৃথলায় বন্ধ থ शाहर जकरणत श्रष्टरमा जाखत्र मुख्कि मुंडे इस । क्रमकातीता शमन करिए। উস্ভোগন করিরা সওলাগরের। অংশর । इंद्र मृद्धि प्रभंत कतात ; এই স্থানে করিলে চনৎকুত হইতে হয়। কোন ত

২ ন । এটাও হোড়ার হাট। ইহা ৰড়বড় অংশ থাকে। এ নরদানটাও माः दलत साम स्टेख मा।

ভাল ত হার নির্ণয় করা ভ্রহ হয়।

৩ নং। টাটুর বাজার। এ চড়াটি মাইলের স্থান নছে। এই ময়দানটী টা পরিপূর্ণ পাকে; কিন্ত টাটুবিক্রেডারা ব আপন টাটু শীত্র শীত্র বিক্রয় করিবার সায় অতি ক্তবেগে দিখিনিক শুন্য য দৌড়াইয়া লইয়া বেড়ায়। স্তরাং এ স্ মসুব্যের গমনাগমনের পক্ষে অতি ক হর। বেরূপ সঞ্জার সময় কলিকাভার গ মাটের রাস্তার এং চৌর্কিটে সাহেব क्किए ७ कुछित **आगद्धात** अवः त्रिवटन রাস্তায় ছেকড়া গাড়ির ভরে মসুব্যকে নিমিৰে চ্কিত ও সাৰ্ধান ১ইরা পদনি

করিতে হয়, এখানে দেইকপ তীক

না রাখিলে অক্ষত শরীরে কিরিয়া

ভার হয়।

s নং: এ মরদানটী গ্রণ্ডেমটের াড়ানের হাজাতীয় অখুশাবকসমূহে পরি । जेनकल स्वयं निकास विद्वार है। নকখন ভাতি উচ্চ মূল্যের **অভ্যক্**ল ত কল মূল্য পাওরা যা**র। গ্র্ণমেন্টের** ম্ন্য অস্পকল এ**বানে বিফুটিভ হ**য় : কিন্তু সেগুলি গাড়ী, স্কৃতিপ্ৰভৃতি ात वटि अने मनीत, **हेश किरोद का**र्ग লৈ এবং চনৎকার স্থ লিকা দেনিয়া ণ হ**ই ও হয়। ইংরাজ কর্ম**চারিগণের

দার **শগুলি এমনি সুনিকিত** থাকে গলের শ**ব্দে সমন্ত কর্ম নির্বা**হ করিতে াদানা খাইবার পুর্বের, দানাখাওয়া হইবার পুর্বের, জলপানের পুর্বের, গাত্র নের আরভের পূর্বের গাতনার্ভন শেষ त श्रीका, विभवकानिकामा नरक्र छ कहा ন্দ্ৰ সুধ্যা কুৰি কিছ মহুবা) গেকাও লাও সভা সভিতে সমস্ত কার্য্য হ করে, ডংডং কালে সহস্র

অসংখ্র এককালীন আহারজন্য হওয়া আহার সমাধি, কলবান, গাত किना १ छ ह इ उस ८ वर मयन छे भर्यमन ভি নানাবিব কার্যাকলাপ নিমিষের নিৰ্দাহ কয়িতে দেখিলে বিৰ্দায় কূপে হইতে হয়। ই রাজভিগের কি চমৎ শিক্ষকোল ! পশুগনকেও মুকুষাৰং তুলিয়াছে । সমর কেত্রস্থাক বলদ, उँद्वे अष्टंड भामतिक ८ %शास्त्र हुन া, যুদ্ধশিকা এবং গভি ও কাৰ্য । प्रिंथिक कंडबुक्ति कडेटल क्या. : (३):1 গর গোলাভালির আক্রমণ হইতে পরি েইবার জন্য রণভূমিতে এ ৩৭ বসিয়া া পড়ে এবং কাব্যকালে এমনি

থোকের হাররজন করা কঠিন। েনং। এ ময়দানটা টা**ক্স এবংটাটু** র পরিপূর্ণ। ভূটান, নেপাল, র**জ্প**ুর,

উপিত ধাবিতও চতুর্দিকে চালিড

. তাহ। দৃষ্টি পাচর নাকরিলে বর্ণন

বিক্রম হইরা থাকে। এই ছুই স্থানও ছুই महित्तत शाम बंदेखना।

'ঙ্বং। হস্ত`র বাজার। এ বাজার্টী গ ওকী ন বীর ধারে একটা আন্তের বাগানে হইয়া থাকে। বছসংখ্যক হন্তার আমদানি हरा। असन कि कथन कथन कुई महत्यशर्या स व्यो धक्तिक इत्र । मनमञ्ज द्विनमूटवर् নিনাদে সে স্থান ক'শ্পিত হ'ইতে থাকে। कुष कुष इखिनावकमधुद्भत क्लीजानगरिन অত্যন্ত আমোদ হয়।

१ नर। बहे खाटन क निकाला, शांदेना, काशी, मानाश द अवर अन्याना वद्युत छ निक টবর্ত্তা স্থানসমূহের নানা প্রকার উত্তর উত্যদ্রব্য সামগ্রীর দেকান বসে। এত-দ্বারা ময়দানটা ভাতি চনৎকার শোভা ধারণ क्ट्र ।

৮ নং। গাঃর বাজার। এ বাজারটা এক ধাবে অভি প্রশস্ত চড়ার উপর হইয়া থাকে এত গায় একত্রিত হয় যে গণনা করা ভুংসাধ্যা মহাভারতের বিরাটরাজের গোটের বর্ণন এ স্থলে মনে পড়িয়া যায়, গরুদকল একপ ারক্ষরিকাশী হইয়া দীড়ায় যে, মঠিটা শেত বৰ্ণ হত্য়া যায় এবং যংকালে ভাকালা পর স্পার গাল্লচালন করে, তখন অবিকল জল-হিলে,লথকপ বেংধ হয়।শোণপুৰবাসীয়া প্ৰকৃত ডাক,ইড। ইতিপূৰ্গে নিবা ছুই প্ৰহয়ে < বিষয় কৰি ভাৰ হৈছি কৰিয়া জিনিস পত পশু পক্ষী কাড়িয়া লইউ। একণে গ্রহণমেন্টের ফুশাসনে সেকপ গোল নাই; তথাপি বন মাইসি ছাডে না; স্থােগ পাইলেই একটি শুকরর ছুনা ধরিয়া জনতবেগে সেই গো মঙলমধ্যে এম ন নিক্ষেপ করে যে, শৃকরের কিশবচন্দ্র সেনকে অসুরোধ করি, তিনি ছানা গরুর মধ্যে পড়িয়া চীৎকার করিতে গামী মেলায় শোণপুরে ভভাগমন করি আরম্ভ করে; গরুসকল ভাহাতে ভীত এবং অন্ত হইয়। চতুর্দিকে পলায়ন আরম্ভ করে, এই अत्रादत वनमाहित्यता गई मकल धतिहा

क मर। अडे मब्रनास अउस्मिमीब अवर বিদেশীর রাজনে অতি সমারোহে তাক পুণ, সিকিন, দারজিলিংপ্রভৃতি সামিয়ানাপ্রভৃতি খাটাইয়া বস্তগৃহে বাস श्रात्तः डेडन छेड्न सम्भा ७ सम्म करिया थारकम। देशामित এक এक करमत আন্ধিক অন্থৰ্ল হলে হল আৰু আবাসকলা আৰু ২০।২৫ বিলা ভূমি

নানা স্থানে গোপন করিরা ফেলে।

আৰক্ষঃ । সমুদার রাজোটিত আগু नकरणत नरक हे शास्त्र । हेशरमत इहेर নেলার অধিকাংশ শৈভা নিজাদিত হ थोरक।

> न ः। अरे भूत श्वानगैर्ड लानहिन বেরা আপন আপন দল বল লইয়া অবং करवन । धर्माटम क्षांत्र ५६ मिरुमा পৃথক পৃথক দলবন্ধ হইয়া পৃথক পৃ স্থানে শুষ্টিধর্মা প্রচার করির। বেড়ান। এং रबन्ध नाबादान। देव ठा वृद्धा शास्त्र -জেপ জনতা প্রায় অন্যতে হয় না; ফুত্র ভাঁহাদের 'ধর্মপ্রচান্তের বিজ্ঞা স্থা বলিতে ছইবে। ধাহা হউক ইংরাজদের । নিষ্ঠাধর্মচর্কো ধর্মচিন্ত। ধর্মামুরাগ জে হিতৈৰিতা ও ভভচিত্তাশীলতা এভূবি প্রশংশা করিয়া শেষ বয়া যায় না। ভাঁহ আমীর, বন্ধু পরিার খদেশ ত্থদৌভা नमूमोत्र स्ट्रंच क्लांक्षणि मित्रा क्वल क्र শ্বরের প্রিয় কার্য্য সাধনার্থ এই মহাভী ম**স্ত্র** পার হ**ইয়া** এত দূর আগেমন করি কেবল নিঃস্বার্থ পর্যাহতে বিব্রত থাকেন, বি মামাদিপকে কি আর অধিক ধিকার দি আমরা এ দেশের ম সুধ হ'হয়া এ দেশে মসুষাৰগের ধর্মোমভির একবারও চি করি না। আমাদিগেব দেখে। অভান ভি রনাশক উল্লভ <u>বাক্ষ্যসম্</u>পদায়িক ভাতৃৰ কি করতেছেন > উছোদের কি এসব স্থানে আধিয়াধর্মপ্রচার করা কর্ত্তব্য ন্যু ति । हिरस्त अञ्चल दे अवित्रवीय अभित्रविज्ञा । এতদেশীয় সামান্য ধর্মাঞ্চ ব্যক্তি ব্রাকাধতে উপদেশ ভাবণের যোগ্য নহেন ? আমি কিঞিৎ ধর্মচর্চাধারা এতদেশীর ধর্মার

১১ নং। এ স্থানটী দীঘে`ও মাইল হইবে সমস্ত স্থান আ মুর্কে আচ্ছাদিত, দেখি ব্দতিশর রমণীয়, এই স্থানটীতে প্রায় ২০০ হা নার ইংরাজ দপরিবারে নানা দিয়াদে হইতে আনিয়া শৃত্যলপূৰ্বক বস্ত্ৰপূহনৰ নির্মাণ করিয়। বাদ করেন। ভাহার। এম হৃদর প্রণালীপুর্বক আপন আপন বাসস্থ

গণের অভান ভিমির নাশ করেন।

ब्राटन कामा चार्रिक लादत, नकन नारहरदता আপন আপন আবাদের চিচ্ন অথবা নামা क्रिड कतिहा द्वार्थन धव धक धक कर हैरता জ এরপ সমৃদ্ধিসহকারে জ স্থান করেন র্বে বাগানটা আনের গুরীবলির বোধ হয়। এখার সমুদার বজগৃহই ভুস**ভি**ত ও আন্লোকঃ মালার হুশোভিত থাকে । গাল, বাল্য, মৃত্যু, चारमान, अत्मान, त्वन उथात्र मुर्जिमान रदेश चाराताच वित्रांत कतिहरू चारके होती নের মধ্যে কলিকাতা অপেকাও প্রশস্ত একটা সদর রা ১ বার হাইতে ওপারপার্যান্ত খোলা থাকে। পথ**টি মেলার পূর্বে বিলক্ষ**ণ পরিষ্ঠ ও পরিছে**ন করা হয়৷ বেই** পথে देश्त्राकरम्त्र भाष्ट्रि, याष्ट्री, कृष्ट्रि, किंग्रीनः প্রভৃতি আতঃকাল হইতে রাজি ভৃতীর প্রহর পর্যান্ত অবিজ্ঞান্ত কলি গাড়োর গড়ের নাঠের ন্যায় চলিতে থাকে। ব'লতে কি এত ইংরা ক্ষের জনতা এ দেশের কোন মেলায় হয়,না। বাকলো, আগেরা, পঞাৰ, তব্ধি নাগণ্ডু প্রকৃতি প্রেসিডে কি: অন্ধকাংশ হাকিমেরা আগেনন করিয়া থাকেন। বেহার প্রান্থের, জেলাসকলের হাকিমেরা এক কালে ঝাঁটিয়া বাহির হন, জেলাতে চুই এক জন সামান্য হাকিম কেবল রক্ষণাবেক্ষণার্থ থাকেন। 53 40 এ**क**∶१ (इंग3८⊺ হওয়াতে এব দীঘ কাল আফিসসকল বন্ধা থাকাডে কলিকাতা আগরা লাংহার লক্ষো এছেডি বাজধানীর বড় বড় শিভিলিয়ান বারিষ্টার, ইত্যাদিও আগমন ক**্রিডে আরক্ষ ক**রিয়া**ছে**ন এবং ক্রমে বোখাই মাজাজ প্রভৃতি প্রদেশ হইতেও দেশ বিদেশীয় ভোগবিলাশিগণের আগমন হইবার সম্ভাবনা।

धावक क्टबम द्य, मारक्टबंद ब्रामा जना

১২ নং। যোড়দৌড়ের ময়দান। প্রত্যন্ত্রাতঃকালে এক , বা ছই হাজার
টাকা বজী রাখিয়া তিন বার করিয়া যোড়
দৌড় হয়। প্রায় ১৫।২০ দিন এমপ ক্রীড়া
তে বায় স্তরাং ফু ন্যাধিক ৪০।৪৫ কাত সর্বা
শুদ্ধ ঘোড়দৌড় হয়। যোড়দৌড়ের সময়
সিগৌলি মোকামের সোওয়ারেরা এবং
পুলিয় প্রছ্রিগণ স্থানে স্থানে দণ্ডায়মান

রহিরা শান্তির্কা করে। এক এক বার বাজি
হইলেই দানাপুর মিলিটরি ক্যাপা হইতে
নাগত গোলা বাল্যকরেরা অমধর ইংরালী
বাল্য আরক্ত করে, আবার বাল্য বল হইলেই
বোজনেটি আরক্ত হয়। বেদিবস বোজনেটি
হর আইবিগারোহে ইংরাজনের খালা
হয় এই ক্রাক্তির নাচ খরে বিবিদের মৃত্যা
হয় বেলিটেডের র,তাটা ৩ মাইল হইবে।
এই চক্রাকার ঘোডদোডের অপত মাঠ
হরিতবর্ণ তৃণে আক্রাদিত। সাহেবেরা সন্ধ্যার
সময় এই ঘোডদোডের রাভার শকটারোহণে
বায়ুলেবন করেন এবং অনেকে ৩ টার পদ্ধ
ক্রাক্তাদিত মাঠে বেটসবল ক্রীডা করিয়া
আত্রিকি করেন।

১৩ নং। এটি নাচ্ছর। ইং ভে সাহেব বিবি, রাজি ৯ টা অবধি ১২ টা পর্যান্ত নৃত্য গীতাদি আমোদ প্রমোদ করিয়া থাকেন। গোরাবাদ্যকরেরা বাদ্য করিয়া থাকে। এখানে ইংরাজীভিন্ন এদেশীরের গমনের অধিকার নাই।

विविधमर्याम ।

২, এ আনবিণ সোমবার ৷

গত বংগর দরি প্রদিগের সাহায্যার্থ ইংলতে ১০.৬৯,২১,৮৮০ টাকা সংগৃহীত হইয়াটিল ইংলও যেমন ধনী দানও ডেমনি সমূদ্ধ ভারতবর্ধ নিজা নৈমিত্তিক ক্রিয়াকলাপানিতে যে বায় হয়, ভাহার সমষ্টি করিলে ভাল হয়। পরিবামে ভাষারা একটা মহৎ কার্যা সাধন সভাবনা আছে।

বোহাই গবর্ণমেন্ট সিহাস্ত করিয়াছেন, একা মুদুজ পরিবারের সকলের আয় একট্রীভূড করিয়া লাইসেল টাক নির্ছারিত করা হইবে। সর স্থাকোভনর্থ সম্প্রতি লিখিয়াছেন, এড দেশীর সৈনিকগন পুলিমে প্রবেশ করিলে গৈনিক পেজন পাইবে লা। সৈন্ধান যত আপনাদিগের কাজ ভাগে করিয়া জনা কাজে

না যায়, ডভই ভাল।
আগামী নধেষর নাসে প্রথির জেনরল
লাহোরে একটা দরবার করিবেন। উহা শালপ্রাম গেবার নাম নিভা হইয়া, প্রিল > উহার আর চমংকারিডা নাই।

a नार्ट्य अकी देखम कांक कतिराज्यका ।

তি ন মক্ত্রের গিয়া বচকে নকল দর্শন ক হেন। সম্প্রতি তিনি কুক্দনগরে ক্ষমীলারতি কাজান করিয়া বিদ্যালিকা, নীলের চাল ১৮৫৯ অন্দের ১০ আইন ষ্টিত মকস্মার আ ক্রিকানা করেন। কালেইরদিগের হস্ত হ ১০ আইনের মকজ্মা দেওরানী আদি। কইয়া যাওয়া উচিত কি না, ভাষা তিনি লকে ক্রিকানা করিয়াছেন। আমরা আফা ক্রিয়ান, জমীলারেরা একবাকা ক্রিয়াছেন। গতে প্রিয়ার জমুমোদন করিয়াছেন।

এক অধিবেশন হয়। এই সময়ে গভাপতি হো গাইছেই বলেন, শিলার সাহেবের স্বিবাদ করা কালারও অভিপ্রেড নহে। বর্ষা করা কালারও অভিপ্রেড নহে। বর্ষা করা কালার টাকায় ভূমি ক্রয় করিরা ভর মূলে। কোম্পানিকেই বিক্রয় করেন, বর্জনি যে মদ্দ কাজ করিছেছেন এরপ বিধেন নাই; কিন্তু আইন অস্থ্যারে উালোর বলিতে হইবে। শিলার সাহেব রু হেরা ইংলও হইতে যথন প্রভাগমন করের উল্লেখ্য সহিত এ বিষয়ের মীমানসা হব করিয়া ছিল। শিলার সাহেব যদি পূরণ করেন, ভাগ হইলে এখন জনা নীমাৎসা হইছে পারে। আর বাড়াবাড়ি করিয়া শিলার সাহেবের বন্ধুভাবে মীমান্যাই উল্লেখ্য সাহেবের বন্ধুভাবে মীমান্যাই উল্লেখ্য

হালিস্চ্রে ' পরস্পারের শুন্তাকার

এই নাম দিয়া এক সভা প্রতিষ্ঠিত হইয়
সভাগন পরস্পারের সাহায্য কবিবার সক্ষম
য়াছেন। এপ্রকার সভা প্রাপনীয় সন্দেহ
কিন্তু সভাগন দেখিবেন স্থান
মলাদলিতে পর্যাবসিত না হয়।
এবার মান্ত ক্রমবর্তির রাস্তান নিমিত ভা
টাকা দেওয়া ইটয়াছে। কিন্তু গবর্ণর
রল বলিয়াছেন, প্রানান রাস্তান্তলি সম্পূর্ণ
পর মধ্য ভারভবর্তের আয় অকুসারে এ
বায় করা ছইবে। আয় অকুসারে বায়ের ব বস্ত ছইলে কেবল বে অমিভবায়িতা
নিবারন হয় এরূপ নয়, আক্রেপ কা
কারন থাকে না।

हेक शक्य वर्णन, श्राणनगर्णन र क्षिणनत जात, क्ष्मः, किछ् हेश्मर्स्थ क्रनार्क एक्षणः (लार्ट्स) क्ष्मे भूषानार्थ प्रका करिया क्ष्म जिल्लाम् श्रान क्रियार्कन। जात्र इत्रवीश्वनिगरक प्रि व्यक्षणार प्रका प्रभावत क्रिएम, जाहात्र क्रियां किछ गार्ट्स हिरेडिक्णात वर्षः हहेश्मरक। किछ गार्ट्स ग्रापात्र कर्मान क्रियां वर्षाका, वाक्षात्र छ क्ष्मिक्ट ग्रापात्र हिन्दान क्रियां (हन। यान्त्र कात्र वान्ति नगरत्त्व मर्था क्रियां বিরাছেন। তাঁহার বদে এক জন সিবিল সর্জন
বিরাছেন। আনক জনীলারী নষ্টপ্রায় হওতে কিও সংহেব সেগুলিকে ওরাও আদালবে হস্তে দিয়া রক্ষা করিয়াছেন। তাঁহার কৃত
মির বন্দোকত সর্জাপেকা অধিক উপকারক
রাছে। এই অভিনন্দনের বখন উত্তর
প্রাহর, ওখন অনেক লোকে অক্রণাভ
রয়াছিলেন। ভারতব্যীয়েরা ইউরোপীয়নির সদ গুণ দর্শন করিলে যেমন কৃত্তভা
ব্যাদ্রন, বেশব দেখিলে ভেমনি ধিরক্র

শনিবার জাবধি প্রধানতম বিচাবালয়ের দিম বিজ্ঞানে স্থাপন চলিয়াছে। সামান্য জ্ঞোলিথিয়া জন্তপরি স্থাপন বসাইয়া দেওয়া ব। ছই জান স্থাম্পবিক্ষেতা নিযুক্ত হইয়া-। ইথাদিগকৈ কমিসন দেওয়া হইবে। নিয় বেতন দেওয়া উচিত ছিল।

গত জুলাই মাসে ১৫,২৭৩ জন লোক তব্দীয় চিত্রশালিকা দর্শন করিছে গ্রমন ন। ইহাদিগের মধ্যে ১০,৫৩৭ জন ভারত ও ৬২৯৫ ইউরোপীয় পুরুষ এবং ১৩৪৩ এতদেশীয় ও ৬৯ জন ইউরোপীয় জীলোক দন। গড়ে প্রভাহ ৫৮৭ জন দর্শক গিয়া-দন। আমরা আফ্লাদিত চইলাম, চিত্রশা-ার অফ্রমতি দিয়াছেন।

ভলিমিউস বলেন, সম্প্রতি কতগুলি অন্ত্রগাবো আমোলিতে আসিয়া লুঠ করিয়া
ল পলায়ন করিয়াছে। ত্রিপুরার রাজা
গাকে দণ্ড দিবার নিমিত্ত করেক জন
হীকে প্রেরণ করিয়াছেন।
ভি পত্র আধ্রো বলেন, ষ্টেট সেকেটারি

বিশ্বাছেন, অযোধ্যায় এক কালে টাকা যে সে ভূট বিশ্বন দেওনা হইবে না। যে বাটী, কারখানা, উদ্যান ও ক্ষেত্র হই-ভাগার মূল্য দিলে নিক্তর দেওয়া হইবে। নিরা হিম্মপেটি য়ট দর্শন করিয়া অভি-হিলানিত হইলাম, সিবিল স্পিনি ক্ষিস্নব

রতবধীয়দিলের প্রতি একটি সুবিচার করি

া সংস্কৃত ও আরবির নম্বর ৩৭৫ হও

সাধারণের যে অসম্ভোষ জ্ঞান, ক্ষিস্মরলিবারণার্থ পুনর্গাব ঐ ঐ ভারার নম্বর
করিয়াডেন, ক্ষিস্মরগান আরও নিম্ম ছেন, পরিকায় উত্তীর্থ হইলে মুভ্ন
ব্রান ২৪ বংসর বর্গ না হইলে ইংল্ড করিতে,পারিবেন না ভারতবর্গ র পরী কার্থনিগকে কিছু অধিক দিন ইংলপ্তে রাখা। বিসন্ধিরা বলেন লোকের এড কট হইয়া উছালিগের অভিপ্রত । আজাদের বিষয় এই,। সাহাব্য না দিলে আর চলে না। অমীদা প্রীপোজীর্ণ ব্যক্তিদিগকে টেট সেক্রেটার উহার আবশ্যকতা শীকার করিয়াছেন প্রথম বংসর ১০০০ ও ছিতীয় বংসরে ২০০০ নাই। কিন্তু স্থাপেকা চাপ্যান সাহেব বা চাকা পুরস্কার দিবেন। তিনি ব্যক্তিগকে বলিব

२३ এ आविन यजनवातः।

গত কল্য বন্ধনীয় বংক্ষের অংশীদিগের
সাধংসরিক সভা হয়। এই সভায় স্থির হইরাছে,
বর্তমান সেকেটারি ও ধনাধ্যক ডিকসন সাহের
পদত্যাগ করিলে ভালকে মাসিক ১০০০ গৈলা
পেন্সন দেওয়া হইবে। বোলাইয়ে যে শাখা
স্থাপিত হয়, ভারতবর্ষীয় গর্বমেন্ট ভালা উঠা
ইয়া দেওয়াতে অসভোষ প্রকাশ করা হইল।
কারণ ডল্ফারা বোলাই ব্যাক্ষের ক'র্যের প্রভি
হত্তাপনি করা হয় নাই।

অনিরা আহলাদিত হইলাম, ইণ্ডিয়ান ডেলি নিউপ রাত্রিতে স্থাবিক্রয়ের বিষয়ে আমাদি গের মত **অবলয়ন ক**রিয়াছেন। যথন সুরাপায়ী লোকের সংখ্যা রুদ্ধি ইইডেছে, তথন ভারারা অবশং স্থ্রাপন করিবো রাত্রিতে প্রকাশং রূপে বিক্রেয় করিবার যোনাই চকিয়া শুটিয়া,1 এ লাভের লোভ ভাগে করিতে পারে মা। ভাষ্ট্য ও মাভালেরা আইন লঞ্ন করে; পুলিব প্রহরীরাউৎকোচলর। শুড়িরা পশ্চা তের ধার বন্ধ করাতে বেশ্যালয়ে সূরা বিক্রীভ रत्र। इत्राभारत है किया है एक लिए हता। इत्रा ও বেশা এক স্থানে উভয়ের যোগ হইলে কি হয় ভা**হাসকলেই বুঝিডে পা**রেন। ভলিমিভ ডেলিনিউস বংখন, যখন স্থ্রাপান বন্ধ করিবার যে। নাই ভখন অনিষ্ঠ যত নিবারিত থাকে, ওতই মলল। অভেএব মায়ুল বৃদ্ধি করিয়া দাব্রিতে মধ বিক্রয় করিতে দেওয়া কর্তব্য।

ইংলিশমান বলেন ভারতব্যীর গ্রন্থে প্রে অনুরোধে (?) অধাধারে রাজা আর 'প্রাজিন আলিশাং বলিয়া আকর করিবেন না। ভিনি শাং উপাধি পরিভ্যাগ করিভেছেন। এ উপাধিতে ভাঁছার কিক্তি ছিল আমরা কিছুই বুঝিতে পারিলাম না।

গবর্ণমন্ট আজা দিয়াছেন ভারতব্যস্থি গের ন্যায় ফিরিসিবাও গিলক্সিট চাত্রস্থি পাইতে পারিবেন। এই বার ত ডিক্রক্সের বং শীয়দিগকে 'নেটিব "নাম লইতে হইল। লাভের বেলা দোষ নাই!

স্প্রতি রাজধানী বিভাগের কমিসনরের বাসতে ২৪ পরগণার দক্ষিণাংশের কভকগুলি অমীদার, মিসনরি ও প্রজার এক সভা হয়। নাবার রা দিলে আর চলে মা। অধীদা উহার আবদ্যকতা শীকার করিয়াছেন মাই কিন্তু স্থাপেকা চাপনান সাহেব বা করিয়াছেন। তিনি কুষকলিগকে বলির বতই কষ্ট হটক না কেন, কর অবদ্য হইবে। কমিসনর কি এই মধুনাধা বাক্ ইবার নিমিত্ত ভাষাদিগকে এত দুর আহি লেন?

দিলীরাজবংশীয়ের। উত্তর পশ্চিম
বাস করিবার যে আবিদন করেন, ভাই
ইাফোড নর্থ কোট এই বলিয়া অগ্রান্থ্য ক
ছেন যে, রাজনীতিসহত্তে ঘাহাঁস' নঞ্জর
থাকেন, ডাহাঁদিগের বাসস্থান মনোনীত
বার সামর্থ্য নাই। এপ্রকার প্রার্থনা অ
করা অপরামর্শসিদ্ধ হয় নাই। উত্তর প
ফলে থাকিলে রাজকুমারগণের কুলোকের
আলে বন্ধ অথবা চক্রান্তে পত্তিত হইয়া বি
হইবার সম্ধিক সন্ধাবনা।

নিৰিয়ান বলেন, কাপ্তেন মিঞ্চিনের অ ভাওপপুরের সবিশেষ উন্নতি হই তেছে। কা করেকটা জলসৈচক খাল খনন করিবার তি টাকা কর্জন করিতেছেন। দাউলপুত্র প্রা দৌরাত্মগারীরা নির্প্ত হইয়াছে। যুবক এই স্ঠান্ত স্মরণ রাখেন এই আমানি প্রার্থনা। ভোলনা বংশীর শেষ রাজার অ ব্যবহার কালে প্রিটিশ রেশিডেন্ট নাগপু অভূতপুর্ক উন্নতিসাধন কবেন, কিন্ত রা নিজে শাসনভার লইবামান্ত সকলই নন্ত রা লাহিলেন। মহীহার ও ভাওলপুরে ভাহা হা আর কোন ভারভব্যীর এডদেশীর শাসনহ লার কোন ভারভব্যীর এডদেশীর শাসনহ

শাবিসিনিয়ার মুদ্ধে জয় হওয়াতে রা সর রবাট নেপিয়র ও দৈন্যদিগতে যে ধন্য দিয়াছেন ভাষা গাজেটে প্রকাশিত হইয়াতে শামনা ছ: খিত হইলায়, স্থানা ভার প্রযুক্ত বি প্রকাশ করিতে পারিলাম না । ভারতক দৈন্যদিগকে বিশেষতঃ এতদ্বেশীয় দৈন্যদিং রাজ্ঞী বিশেষ প্রশংসা করিয়াছেন। সর ভাষে নাথকোট বলেন, ভারতবর্ষীয় (এতদেশীঃ

হতে পতিত হওয়াতে অামি অভিশয় আ

দিত হইতেছি। দর্কাদাধারণে ইহাতে রাজ্ঞ

নিকটে অবশ্যই কৃতজ্ঞ হইবেন। এই প্রকার র
কথায় বভকার হল প্রকাশে ভার

হইতে পাশে না।

বৈনাদিগকে ধনা বাদ দিবার ভার আর

আমরা আফোটিড ইবাস, মাজাল গ মেট আমাদিগের গবর্ণমেটের ন্যায় জুত क्तिप्राट्म । निश्चमविक्के ड क्षार्म्स वार्य ক্লপ হইবে মা 🎏

২২ এ আনবল বুধবার।

গুরাম একজামিনর অসুমান করেন, রলভের বেভনভোগী প্রেটেষ্টান্ট ধর্ম ায় উঠিরা ঘাইবার পরেই ভারতবর্ষের্ঠ েডে'লী প¦দরিরা অনুভঃহিত চইবেন্ব দিগের স্থিত পুরীয়ানদিগের এ চেটা তের। আমাদিগকেই বলা হয় যে **অংশ**ব विषरम्भावनीय देव मूचार्थका कति। ...

াগামী জালুরারি মানে আক্তি নন প্রাই প্রতার করিবেনা আক্তিকন আর্ देक प्यत अ कड़ेर्सित भव के निकाडाव हम हेहा प्रकालित है हैका दिन। किस ীয় প্রব্যেন্ট সে আশা পরিপূর্ণ করেন वक्रामान शामविद्या आर्कि अक्रिकान थं अक म का करिए उद्दर्ग।

বুলচইতে সংবাদ আংসিয়াছে আংকিম নীনে কাবুল ও গিজনি আছে। জেলে দ বিদোচ হইয়াচে। আবেচল রহমন খ ভুৰ্ন স্থানে বিৱস্ত এবং উাহ'ব সহিত आति शांत (शांभरम मिक्क स्ट्रेप्न'रह। कालिया जिलाने आक्रमन क्तिएउट्सने নগরহাসিগণ ভাঁহার ওভাকাঞ্জনী।

লার এলার অভ্যাচার ক্রমশঃ অসহা হই । एकदा है ने के दिल्ल में कि कि कि कि ারকে বিনা দোধে কারারজ করিয়া

व्याभाग्न न्वर्वतम् एकत् । त्विनिट्डरन्देत व्यक्त वृक्षा कट्वमं माहे। এक वा क्याब रहि क्यू , कि इ खरेकूमात डीहात er. জান্মানা কবিয়াছেন। প্রজাগণ ক্তিশ-

हेट एक अवर (कह कह महिस्का) চার দং, করিতে না পারিয়া আতাংভগ্ন ८८६म । ७६५ मात्र स्र खांबक बहेक्कण अश्वा हे । मञ्जू अञ्चलक का इटल इन, इहार अपू करिया बिकिन शवर्रामान्डेब छाउरियान

5531. ার্ছার্র জুড়র ব্যাস্থ্য শতকরা পাঁচ नाज धनान कशिएउएम।

২৩ এ জাবেণ বৃহম্পতিবার

প্রতি পেইন কোম্পানি খার্দরাব'দের মর এক জন কর্মাচারীর নামে প্রধানত্র लिए नानीन करदन, हेक वांक वरनन. ফি,বুলি, ৩৫ বংশরকাল নিজামের রাজে ন, ডিনি বিটিশ প্রজানহেন। কিন্ত বিচা

এই আপাভ এ'হা না কবিয়া ভিক্ৰী ন। লাড উ:নলি পারসাক্তিক করেক জন वर्षीरमूत विषया व निमाटकत हरे शुक्रस्वर विद्याल वात्र कतिहाल त्य वाश्विकत्के व्यात

প্রজাবলিয়াগণাকরা হই,ব লা ৷ 😁 श्रोता के माक डाननतामक स्य **व्या**किनत

ट्रफ टेम्सिकसिटरात फन्ट्रिटिंड मुख्यम 🗦

পরীকা করিতে অসমত হন, সামরিক-বিচারালয় তাঁহাকে ভৎসন: করিয়াকেন। প্রধান সেনাপতি वरनम (मन्द्रेमान्डे श्रद्धारमत प्राक्ता नकाम कतिया रेमनिएकत अक्षि क्षेत्रान कर्छदः कर्ण्याः कानायाः हत्र कतित्राह्मन । श्राष्ट्रक त्य'साटक श्रासात्रक प्राच्या कार्यम् आर्थन कशिएक इन्ट्रेस, कार्यास्ट्र शांदक काळालालम कविया कविद्वन। कारश्चन কৌৰ যে আজো দিয়াছিলেন দেটীও জনায় হয় माहै। श्रीकात नगरत का किनदशरनत हेहा कडा व्यातभाकः।

্মাক্রাজ গ্রন্মেন্ট ট্যাস জোগ সাহেবকে ক্ষেক্ত (চাট আদালতের নৃত্ন বন্দোবস্ত कनिवात व्यक्तरताम कतिहा चन्नद्रभीश कवर्गप्रदर्शक অপুৰতি চাহিয়াচেন। তিনি তত্ৰতা আডুকাটী দিগেব বিষয়েও উৎকর্ষসাধন করিবেন। এখান কার আড়কাচীদিগের প্রতি করে দুর্ফিদাত করা इंडेर्ड। इंडानिर्श्व (सार्य निकि खेळ्ळ महे स्ट्रेया থাকে ৷

ষ্টেটবেকেটারি আজ্ঞা দিয়া**কেন** বেভন জন্ম কলিয়া হউক আর পুরস্কার বলিয়া হউক যথম কোন অচিক্লিড কর্মচারী অভিবিক্ত টাকা পাই त्वम, विषाप नहेटन (व उटनद मृक्कि जो होत्र उ वर्षम बहेद्र । अवर्ष स्थानतम भूतकोद्रत स्थ यज्ञान অভিবিক্ষ টাকা কর্তন না হয়, এই প্রস্তাব कतिया किलान। कांश्रेत श्राज्य युक्तिनिक स्वाध श्रीकर्ष । .

মধ্য ভারতবর্ষের ভুলার কমিসমর রিবেই কা-नीक मारहर दिर्शिष्टे कविद्यारहर शष्ट्र दर्श खताह **इ**इटिंड २.०४,००० वर्डा এवर मधाक्रांत्रख्यर्थ হইতে ১৬০০০ বস্তা তুলা হপ্তানী হয়। একার পুর্ববংসর অপেকা ১৮০০ ও ১৮০০ বস্তা कम स्ट्रेटिए है। क्यों के तारहर देशत कार कारण প্রদর্শন করেন না। এবার প্রথমে অভিবৃষ্টি ডৎ भरत काराव के स्वशादक कुलात कारमत् कारिक কুটবার যে সঞ্জাবন্দ হইরাছিল, সৌজাগ্যক্রয়ে লাবণ মানেব প্রারক্তি মুব্রাতে সে সক্ষা सुद्र क्हेब्राटके∖।

२६ अधीष १ म्छ अस्टात ।

चार्श्हर हेरेशहैंनामक वा काहेशीदक अक विनाभी विक्रम करेगा शक्क कतिवात ज्ञारा ध्याम विहात्रभक्ति दिहातालय सहेटक वेहिकुछ करतम, जिमि शिवि क्लीमिटन व्याणीन कतिया (करन स जाशादी कहे शाउँदर अक्र श्रम शित नियुक्त करेक्की रक्षम । श्रिविटको किन रहनमः व्यामात्र मशकरहेत रुक्त करेटन । विनामी प्रलील करा क्रिनाम : किन्न यथन क्रमात। অনেরে অনিষ্টের চেষ্টা পাওয়া না ইয় তখন हेश क्षानीय भारता अख्याता विभागीत्क अक প্রকার প্রস্তায় দেওয়া হইবে।

মধ্য কারতবর্ষের ক্রিগ্নর প্রত্ত আদালত গমুহে নানাপ্রকার ভ'ষা ব্যবহৃত হওয়াতে গোল বোগ হয় ব ক্রা আকেপ করাতে ভারতব্ধীর भवर्गि के किन्दू कि हो है है। मित्रा माहता है ये जाया श्रक्तिक कहिबाई काका प्रशाहन

বাজুটিরাপুনর্বার সীমা অভিক্রম করিয়া

भो बाष्ट्रा कहाएउ (काशांगे **स्ट्रेट** अक मन ভাষাদিগকে দমন করিতে গমন করিয়

व्याभागी प्रशंधहनमभनार्थ क्रमनः हुह (भद्र मक्त (म्हान्द्र) (क्ष्मी विक्रिंश) आध्रम জেছেন। তিন জন জাপৌনীয়ু ঞ্যোগি সম্প্ৰতি আগমন কহিছাছেন।

২৫ এ আনবল শনিবার।

ইউরোপীয় লোফারদিগের অভ্যাচার रहेशी छेठियाटक । मण्यत्व हेरानित्यव গুরুতর অনিষ্ঠ সাধিত হয়। ইহারা সহজে। भा भारेटन रमधूर्मिक छाहा महेबा शास्त्रः শের দানশীলভা প্রসিদ্ধ, তথাপি ইহারা পারিয়া উঠেন না। অনাথ আলয়প্রভৃতি रहेन, काहारक किहूहे रहेन मा । कारमय ইউরোপীয় জীলোকের। আপনাদিগের ব লোকারদিনের হারা নিপীভিত হওয়াতে গ ন্টের চকু উন্মীলিত হইয়াছে। সম্প্রতি সাহের ভারত বরীয় ব্যবস্থাপক সভায় এক অর্পন করিয়'ছেন ৷ ইংল্ডের নাার এ একটা আলয় হইবে; অলস লোকারটি তথায় খাটিরা উদর পূর্ণ করিতে হইবে। अरब कालानि अ काहाकी कारश्रमशह कारम (माकात छा ज्या पन। हेर्गता (र लोक कामिरवम, डाइकिशरक देशनरख _'যা**ইবার ভার ভ্র**াদিগের উপরে পড়িচ এक दरमद्वत व्यक्षिककाल इहेटल भवन्यक বংরের সাহায্য করিবেন। প্রত্যেক লোব এক সাদের খৌরাকী দিয়া ইংলভে পার্ব দেওয়া হইবে । এইসকল কাজি দেখি ব भक्षका व्यानामराज केला.भरतात पछ रहे # ७ अई, आमार्थ (म का लग्न १६८व छेशा ख्याञ्च शाक्षादेवा (**५७म्र) ह**देव । (सहैन मा এচেষ্টাতী অভিশয় প্রশংসনীয় । লে কার विषएस कामश्रकात मिखरवहमा मा व

खक्तात्मन वाका आश्वात देवनाविधात শিখাইবার নিমিত ফালে, জাপেনী ও ট इहेटल करबक्जन व्यक्तिमत व्यक्तिकार स्थानावर वर्षक

ফেল্ড অবে ইভিয়া বলেন, সর চারলস স্ন মেইন সাংহতের পদে নিযুক্ত হইডে প এই कथा विलिया (ए छ वर्तम, " कामदा করি সর চারলস জাত্রন অপনার কর্তব্য क्रमाश्रमि पिश्रा निम्मावीम कतिरवन कामानिरशत मिन्नदि अज्ञास्त्रक (मधून, न लर्ज्यत हार्चेवानीख अकाताखरत डाहा कीर्जन कतिब्राट्न :

ইউরোপীয় সমাচার

৯ এ জুলাই। সর স্থাকোড নথকোট ব্রান্দিগের স্তুতন বিদায়ের নিয়ম্বলি করিয়া প্রচারিত করিয়াছেন। সর রবাট রলাড কাউসে আসেন এক করিয়াছেন। বল নালম্যবরি ক্সুড রাজিছে লাড লোড হাউটনের এক প্রশ্নের উত্তরে বলি , আবিসিনিয়ার বন্দীদিসের বিষয়ে কি কর ভালা গ্রহণিক লাফ বিল ও মহাসভায় বি মনোনীত করিবার সময়ে উৎকে: বের বিল লাড্রোসে গ্রাহ্ হেইয়াছে: বল কামেরণ ইংলতে উপনীত হইয়া কিন্তু ভিনি অভিনয় প্রিভৃত। কর্নী ভা বক্ত ইরাছে।

কিমার রাজকুমার মাইকেলকে বধ করি। প্রাধে বেল থেডে ১৪ জনের প্রাণদ্ভ ইয়াচে।

উইয়র্কে ৩০০ লোক সবনি গর্মিতে চ্যাগ করিয়াছেন। ইংলত্তেও এপ্রকাবে কর মৃত্যু হইরাছে।

লংগুর গমের ফদল অন্তি উভ্ন ভে

১ এ জুলাইয়ের এক টেলিগ্রাম গড় কলা ৭৬টন হইভে আংসয়াছে। ইংগতে জানা ৪ছে সেপ্টেগ্র মাসপর্যন্ত মহাসভ বন্ধ বে।

ামেরিকার সহিত চীনেব এক স্থিপির রত হইতেছে। এতজ্ঞারা চীনের যাবজীয় নদী ও স্থান আমেবিকার বাণিজ্ঞাধ া হইয়াছে।

। ২২৯০২। একেবার সন্মরবাট নেপিরর সৈনিকদিগের র আনালয়ে এক সভার অন্যক্ষতা করিয়া

শনিবার ভিনি উইশ্বভানে বলন্টিয়র্দিগা ার বিভরণ করিয়াছেন এবং সন্ধার স াক্ষকীয় গোলন্যাক আফিসরগণ ভাষাকে

দিয়াছিলেন।

নিবারে উইম্বল্ডনে যে বলন্টিয়র প্রদর্শন। াহা উত্তম ধয় নাই।

জ্বতি যে টেলিগ্রাম আসিয়ারে, তাহাতে যা**ইতেছে বলগে**রিয়াতে বিদ্রোহ চলি । তুর**ত্ব সৈন্যেরা সীমা**য় গিয়াছে এবং তেলি কু**দ্র বৃদ্ধ হইয়াছে**। লাভ ত্রাণ

नंत स्कूर व्हेशारम्।

হাশিওটন হইতে টেলিগ্রাৰ আসিয়াছে র বন্দোবস্ত হইবার আইনে যেগকল কেইটনাইটেড স্টেটের চক্রবাড়ের অস্ত কি: হয় নাই মহাসভা তন্ত্রতা লোকদি সভাপতি মনোনীত ক্রিবার নিমিত্ত মত

ণ এ জনাই সংগ্রাও আন্তেকজান্তি, মবংক্তিসমূহদর্ভিত কৌন্ধাফ ছিন হই।

১ লা আগষ্ট। অন্যেবল অর্থর কিনাডের প্রথের উত্তরদানকালে গত রাজিতে সর স্থাকোহ নুগ্রিট কনল হাউদে বলিয়াছেন সীমান্তিত দৈন্দ্রিগকে মেডাল প্রদানের অন্তাবের ডিনি নিজে সূত্রপাত করিতে পারেন না। এটা সর অন লরেনের হারা হওরা উচিত।

আবর করণের মারকুইস ডিউক্সের সদ পাই য়াছেন, আরও কয়েক জনকে লাভ করা চাবে।

জটনাও ভানবস সাহেব ভারতব্যীর রেল ওয়ের সাধংশরিক রিপোট প্রকাশ করিয়াছেন। বর্তমান বর্ষে ৫,০০০০,০০০ টাকা ব্যয় চইবে।

বোষাইয়ে জলপূর্ব ডক করিবার যে প্রস্তাধ হয় তাং। সর স্থাকোড নর্থকোট ও তাঁহার ! কৌনিল আহ্য করিয়াছেন।

লওন ৩১ এ জুলাই। গত কল্য মহাদভার কাঠ্য বন্ধ হইয়াছে: ইংলাণ্ডের সভাদিগকে সপ্তায়ণ করিবার সময়ে বলিয়াছেন, বিদেশীয় গবর্ণমেন্টের সহিত ভাষার বল্য ভাব আছে। ইউরোপে একণে যুদ্ধ ঘটাবার কোন আশক্ষা নাই এবং থাহাতে শান্তির ব্যাঘাত না হ্য ইংলাণ্ডেব সেই রাজনীতি হইবে।

আৰিসিনিয়ার যুদ্ধে জয় ও জয়েব অস্ব হিড পরেই সেনাদল উক্ত দেশ ভাগে কবাডে আহ্বাদ প্রকাশ করা হইরাছে। মানব্রর্গের উপ কার ও সমাজের প্রতি কর্ত্তবা কর্ম্বাধনার্থ এই যুদ্ধ হয়, ভাগে আবিসিনিয়া ভাগে ক্রাডে প্রকাশ পাইভেছে।

क्षित्रानि किर्वास किर्माशास्त्रात छेटल किर्मा वाक्वी विविद्याहरू छे छ एवं काशावनर्थ शान यांग क विष्मार घडाइवांत (हट्टी कदाएड शवर्व মেক যেসকল কঠিন উপায় অবলবন করিয়া ছिলেন, উলারা ভাষা হইতে বিরত হওয়াতে ভাষ। অমনবিশ;ক হইয়াছে। হেবিয়স কপ্স আইন রহিত হওয়াতে কোন ব্যক্তি একণে আহ হাজতে নাই, কোন দেনিয়ান বিচারার্থ রুদ্ধ নতে। গত অধিবেশনকালে বেদকল কার্য हरेशाहि. छाहात **डेस्स क**तिशा ताकी छेलन्-হারকালে বলিলেন, মহাসভাকৈ শীল্ল ভদ করাহইবে। রাজনী এই সম্ভাবনা করেন, বে সকল সভা মনোনীত হইবেন, ভাঁহারা দেখের নির্জারিত আইন ও শাসনপ্রালী অনুসারে তীহার প্রজাদিগের প্রাপ্ত ধর্ম ও রাজনীতি সংক্রাপ্ত অত্ রক্ষায় যদ্বান হইবেন :

টেলিগ্রাফে সংবাদ আসিয়াছে, বলগেরি-র'র বিদ্রোচীরা প্রাজিত্ হইয়া ছিল্লভিন্ন হই রাভে

গবর্ণনেন্ট বিজ্ঞাপন।

বক্ষদেশীয় লেপ্টনতগর্ণরের আদেশাসুসারী

निद्यात्र ।

ং ২৫ এ জুলাই । ফরিদপুরের পুলিষ কুপরি-

(नेशाने कार्यम अम. अ. हि. क्रम हिन्नेडि न कतिका जुठीय (क्रानिकृक्र]श्रेट्रिन ।

২৭ এ জুলাই। ৩ রা জুলাইরের গেতে এ, আর. টমনন ও জে, ডি, ওয়াড নাহেব প্রথম জেলির মাজিটেট ও কালেটর বলিয়া নিয়োগ করা হয়, ভাষা ২০ এ মে অবধি য

্বিচ এ জুলাই। বেহাবের অধারোহী রাই দলের নিমুলিখিত নিয়োগ আহা করা গেল

এডওয়াড় ডিনবার, অরকাহাট সাহর। প্রটনের কর্নেট হইবেন।

কর্মা, উইলিয়ম, লিভ্ইসিন সাংহ্ব প্রিছ প্রটনের কর্মেট হইবেন।

বালেশ্বরে স্ক্রারী পুলিষ্প্ররিক্টেও এম, জি, টমান সাহের শিবসাগরে বদলী বেন।

विश्वास्मत महकाती भूमिय स्पिति है ।

क्रिंग मार्ट्य महिन महिन यक्षमात्मत श्रीक्षित मार्ट्य महिन यक्षमात्मत श्रीक्षित स्पिति स्थिति ।

श्रीक्षम स्पिति स्थिति ।

श्रीक्षम स्थिति ।

श्री

ী । এচ, এ, সি, রাউটন বালেশ্বরের সহয পুলিয় স্থারিক্টেগুলিই হইবেন।

্র ই জুলাইরের গেজেটে রাউটন সারে শিবসাগরে বণলী করিবার যে বিজ্ঞাপন ভাষা এডফারা রহিত হইল।

ত এ জুলাই। যত দিন ই. টি, টে সাংহৰ বিদায় লইয়া অসুপঞ্জি থাকিবেন, দিন দি, এচ, কাংখিল সাংগ্ৰ রেবেণিউ বেং এক জন প্রতিনিধি সকং হইবেন।

যত দিন সি, এফ, মন্ট্রের সাহেব বি লইয়া অনুপঞ্জি থাকিবেন, তত দিন এচ কফেল সাহেব বর্জনান বিভাগের এতি কামসমর ইইবেন।

যে নিবস ডাজের হেস কার্যভার নি সেই দিন অব্ধি লেপট্টনান্ট নিসিগুইন ভূমের প্রতিনিধি দেপুটি কমিসনর ও অধ্যয় হইবেন। তিনি আরও বামণ্ডাটিতৈ মাজি ও কালেইরের ক্ষমতা পাইয়া উক্ত অধ্য অধ্যয় ক্ষম হইবেন। কিন্তু কটকের করদ মা ভূপরিন্টে গুলেইর আক্ষাধীন থাকিবেন।

এচ. ভবলিউ, আলেকজণ্ডার সাহেব স্থার প্রথম প্রেনির মাজিস্টেট ও কালেইর শাহাবাদের মাজিস্টেট ও কালেইর হইবেন

১১ এ জুলাই। যত দিন জে, সি ডা সাহেব সরকারী কার্য্যোপলকে স্থানাস্থর বেন, তত দিন জি, এস, পার্ক সাহেব ফ বের প্রতিনিধি অতি হিজে জল হইবেন।

২২ এর গেজেটে এচ, ডবলিউ, আ ক্লপ্ত'র সাংহ্রের উপ্ত পদে নিয়োগের যে। পন হয়, ভাষা ইহা হাবা র হত হটল।

টি, নশ্মাণ সাচেব ফ্রিন্পুরের প্রথি নাজিটেট ও কালেইর হইয়া উন্নথি ক্রুরিয়া শ্বিতীয় প্রেণিস্কুক্ত হইথেন।

ভবলিউ, এচ, বাৰ্ণার সংক্রে বাজস প্রতিনিধি জাই ট মাজিটেট ও ডেপুটি কার্ ইইবেন। এর গেলেটে বার্যি চ্বকে সাহাবা প্রতিনিধি আলাইণ্ট মাজিকেটেট ও ডেপুটি টর বলিয়া যে নিয়োগ করাহয়, ভাহা: রার্ছিড হইল।

ষভ দিন এচ, এল, জোকাস'হেব বিনায় অনুপত্তিত থাকিবেন, তত দিন জে. 🗞 সাংহ্ব জীহটের প্রতিনিধি পুলিষ স্থপরি क्टे इंडेरवन ।

বোধ্যার রাজার নিকট স্থিত প্রধির জেনর াতি:নিধি এফেন্ট কাপ্তেন এচ, পি, পিক্ট্ ব বাটীর মধ্যের মকদলে। নিজ্পত্তি করিবরি ং ২৪ প্রস্থার মাজিটেটের ক্ষমতা গ্রাই

য়ংখাড়ের দেওয়ানী কর্মচারীর বিশেষ সহ লেপ্টনা-ট-জে, জনষ্টোন যত দিন তথায় বন, ডণ্ড দিন অধস্থ জাজের ক্ষমণ্ডা চালন

চ দিন নেজ র টি, লাম বিদায় লাইয়া অনুপ খাকিবেন, ভাত দিন মেজর এ, কে. র ছরজেব প্রতিনিধি ডেপুটি কমিসনর হই মেজার লাম্ব কার্যান্ডার অপুণ করিলে যত ভের:কাররে উপস্তেনাছন্তভেদিন াট টি,বি, মিচেল ছর্কের প্রতিনিধি

া কমিগনর থাকিবেন। गर्छ भिन कार्रक्षन ७, ई, क'र्मित विनाम ভতুপাস্থত গাবেন, ডাড দিন টি, স্মিথ গোয়ালপাড়ার প্রতিনিধ ডেপুটীকমি ।ইয়া ১৮৬০ অকের ১৫ **জাইলের** ১ ধার:

ক্ষত। পাইবেন।

ড ৮ন টী, মির ব সংহেব স্থানাস্তর থাকেন, न कार्डन फर्वलंड, अह, क्ल, लाज कूछ বর প্রতি-নধি ডেপুটী কমিসমর হইবেন 🔧 লা আগষ্টা যত দিন এস, ওয়াকোপ ংবলায় লইয়, জলুপুঞ্জিত থাকিবেন, ওত . 🖎 मारहर नक्ष्मान, छम्भी छ २८ भद्रम াতেনিধি অন্তারক্ত কাঞ্চ্ট্য়া হাবভাতে |ब छ८⊌র फ¤का প।**ই**বেন

६कावे: श्राम**य प्रभ**ितर केंद्धानी अ.इ. समस्या | ব ৩ র: নে অবাধ ২১ এ মে প্রাস্ত শাহারা গতি নাধ পুলিয় **সুপ**রি**ণ্টেগুণ্ট ছিলেন**।

५ भूडी माल्टिके अ (ए भूजी कारल हैत बाबू মোহন মজুমণার কিছু দিনের নিমিত্ত । ড উপাৰভাগের ভার পাইয়া ২ঃ প্রগ্রার ক্রেটের ক্ষমত। পাইবেন।

১ রা আগষ্ট। নিম্লিখেত ভদ্র লোকেরা ার চিকিৎদলিয়ের সভার সভা ক্ইবেন।

क्लिन कार्य ।

বেরেও টি. স্কেলটন।

গভেষ ব্যৱটে।

াজ্জর এফ, এ, ফেরিস:

াম্মলিখিত ক্ষম লোকেবা হাবড়ার বিদ্যা । সাখার সভে। হইবেন:---

ন সরিসন সাহেব।

াজ্ঞার বর্গেদ ৷

বেরেও এ, ডবলিউ, কুইনলান।

াবু গিরীশচক্র ঘোষ। 🗸

দ্রার্নাথ ভট্টাচার্য।

याउदिम लाल्डेमान्ड चात् हैस्य, छेड्यव न विष्यंत्र महित्रा अञ्चलिक्ड थाकिरवस, उउनिस এइ, अन, शर्तिन नारहत वर्षमारमद्र श्रीकिमि शृक्षिय **ञ्**लितिर**न्धे**कान्ते रहेरवन्।

নিম্নিখিত ভদ্রগোকেরা বাঁকীপুরের চিকিৎ সালয় চালাইবার সভার সভ্য হইবেন।

(ख, लाबार्ड जारहरा।

বাবু ছর্গ:গভি বন্দে,।পাধ্যায়।

वायु रेवक्रमाथ धनाम।

्रेभित्र भागञ्चल छवा । প্রার ডেপুটি মাজিকেট ও ডেপুটি কালেইর (मालवी कालिरशास्त्र किंदू मिरमत नि ख लख য়াদা উপবিভাগের ভার পাইবেন

নিয়লিখিত ভয় লোকেরা নিছভের ফেরি ফণ্ড কমিটির সভ্য হইবেন:---

উপবিভাগীয় কর্মচারী নিজ্ঞপদগুলে। **खि, निष्ट्रेभिन गार्ट्य**। এম, গেল ৷ 🤻

ড়ভীয় জেণির সব আসি স্টাকী সার্ক্তন নকুড় हक्त व्यक्तांभाषांत्र विविधारमव माख्या हिकिए নালয়ের ভার পাটবেন। ভৃতীয় আৈশির সব আস্থাণ্ট সার্জ্জন উদিত উল্লাচট্টগ্রামের দাত ব্যচ্কিৎসালয়ের ভার পাইবেন।

महकादी श्रु नय प्रश्रादा है लो हैं। ति , ति, ক্ৰাউচসাহেব ১৪ ই মে অমৰ্ধি ৩০ এ জ্বন পর্য কটকের প্রতিনিধি পুলিষ ক্লপর্ছটেট खाले हिलन ।

৪ ঠা আগউ। কাছাড়ের সহক:রী কমিসনর প্ত, জি, আর, মাকউইলিয়ম সাহেব ১৮৬৮ **छाप्तित् à नार्यन अप्टर्गादत कारन है**रद्रद्र क्या जा পাইবেন

আসামের থাকবন্তির নিয়ুলিখিত কর্মচারি গণ আংশন আন্থান বিভাগে ১৮৩১ অংকের ৯ व्यक्तिकश्चित्रादि क!त्विष्टेद्वित्र क्रम्फा शिहेद्वन ।

কামরূপের প্রথম বিভাগের সহকারী রেবে ণিউ সরবেম্বর লেপ্টনান্ট এ. ডি. বটার : লক্ষ্মী পুরের দ্বিতীয় বিভাগের সহকারী রেবেনিউ সর বেয়র লেপ্টনাত্র ভবলিউ, বারণ। শিবসাগরেব পজিড ভূমি জারপের নিমিত্ত পরীকার্য সহকারী রেবেণিউ সরবেখর এচ, বি, টালবট সাহেব

बिम्नलिथि ও কর্মচারিপণ ১৮৪৮ অংকের ১০ আইনজন্নারে আপন আপন বিভাগে কালেট (देव क्यांजा भारेरवन् ।

জি, এচ, বুটেথ সাহের দ্বিতীয় বিভাগ मध्यीशुरुक्त मिनिन व्यामिष्टी है महरवस्त ।

नकी भूरत्व मितिन जामिष्टी के मद्रावयुक्त एव লিউ, সিক্ষর সাহেব । প্রথম বিভাগ কাম রূপের দিবিল আদিষ্টাণ্ট সরবেয়র সি, ত্রাউন ফিলড সাংহ্ব।

व्यामाहितात् व्यामृतिहाक् मः वाह-माका निर्देशाया ।

১ মহাশয় ! কুজনগরে অফনশঃ বারবিলাসিনীর সংখ্যা রুদ্ধি হইডেছে। সুরার প্রস্তাব মূল নহে। श्राव शिन शिन सम्बद्ध मिलिन द्वारन द्वारन कि ? शूर्ट्स कि हेशत (कांन श्रव्धाव इहेश

ও লর আড্ডা দেখা যাইতেছে। বলিতে ইছার এক বংসর পূর্কে এখানে মানক সেব অতি অপ্লই প্রাছর্ভাব ছিল। তানিয়াছিল मरमत खेशत भवर्गमा विरूप कर निर्दातिक য়াছেন এবং রঙ্গনীতে মদ্বিক্রেভার ভ আপন দোকান বন্ধ করিয়া আপন আ क्षार्म श्रद्धान कतिरदन । किन्न टेक अथारन फ किड्डे प्रथि मा।

" উদোর বোঝা বুদোর ঘাড়ে "। পাঠ:

প্रবলিক इ हार्ट्स व क्री का इत्राप्त कथा छ।

নদীয়াজেলার মধ্যে কোতয়ালি ও নাব পাড়াখানার অভগত কএকখানি পলী सनक्षेत्रिकान शकापि সমধ্য माकारह वार्डनाम खरान गर्नारमें शर बारम कूल थनन कतिवात कारमन निप्राहित এক বংসর অভীত হইল এই কার্য, এখান প্रतिक खन्नाक इंदेर्ड मन्नामिक इंदेरा। শুনিলাম উক্ত আমসমূহের মারীভয় নিং নিমিক্ত এই ভূতন উপায় আবিক্ত কুপের বন্ধ জালে স্থান জাহার করিয়া স किन्नभ क्ष्य थारक (वाध इग्न काशनामि অনেকের, অবিণিত নাই ৷ বিশেষতঃ জামানি দেশের প্রথামুসারে ছিম্মুও ঘবনজাতী এক কুপে জ্বল গ্রহণ করে না। এীকাণ অংকি অলপরিমাণে জল থাকে ১২।১৩ कार्या (भव रहेएज ना हहेएज खोश निः (भ হয়। ইহাতে সাধারণের উপকার হওয়া। বিভানহে। প্রজারা সরোবর খনন ও পক্ষে করিবার নিমিত্ত আবেদন করাতে গ্রুণ কুপ্ৰন্তেত্ব আদেশ দিয়াছিলেন, যদি তা

महाच्याता अहे तकल ख:निष्ठां ७ ता अत्र অপ্রায় করিয়াছেন, ইহা অপেকা আশ বিষয় কি ? যৎকালে এই সকল কূপ খনন ভ্টয়াছিল, তথকালে প্রছারা ইহার নিগুড জানিতে পারেন নাই। ভাঁহাদের এই বে।

থাল কাটার প্রস্তাব করিতেন ভাষা হ

ইং বি বে কি করিতেন বলিতে পারি না।

হউক প্রলিকভয়ার্ক ডিপাট্মেন্টের কর্ণ

याहिल (स. এ ममूल्य यात्र भवर्गमान रहेरा তেছে। ওঞ্রা ইহার নিমিক্ত পরিণামে

इटेरवन न।। २करण वर्षात ध्यवल छारल क्र् পভিয়া যাওয়াতে গ্রণ্মেন্টের আদেশ হই যে, ইহা প্রস্তুত করিতে যে ব্যয় হইয়াছিল,

ञ्चानीय अकामिरशद निक्र जानाय इहेर्य প্রজারা দিড়ে অসম্ভ হয় ভাষা হইলে ব

(तता উरा जामात्र कतिया भिरवन । हेराः

দারেরা কি জানিতেন যে, গ**বর্ণমেন্ট ২ইডে** ধননের পরে ভাঁহাদি**নের ক্তিপুর**ণ তে হইবে ? প্রজারাই বা [কেন ভিহার ব্যয় ় গ্রণ্মেণ্টের এ **প্রস্তাব করাই অসক্ত** ছে। দেশের হিড দাধনের নিমিক্ত পবলিক ক'র হৃষ্টি। যদি বৃষ্টি কি দৈব বৃশতঃ কোন র পুল ভাঙ্গিয়া যায়, ভাষা হইলে সাঁকোর বর্তী গ্রামের লোকেরা উহার বায় দেয়। শ জলকষ্টনিবন্ধন প্রজাদিগের হিভাগ গ্রহাছিল, **তবে প্র**জারা ইহার নিমিত দায়ী কন ? জাবার প্রডেরক কুপের প্রতি যে পরি ব্যয় পরিয়া বিল প্রেরিড ইইয়াছে, বোধ ড:হার **অর্ডেক** টাকায় জ্মীলারেবা উহার ক। শতগুণ উৎকৃষ্ট কুণ কাটাইতে পরি । আমাদিগের প্রলিকওয়াকের কর্মচারী য়েরা ধর ছাম মটকা মারেন না। স্থভরাং ক। এই ভক্ষে মৃতাহৃতি প্রায় হয়। যেরপ ধনন করা হইয়াছিল, যদি ভাহা ভাল া বাঁধান হইড ডাছা ছইলে কথনই এরপ ায় হইত না

ৎপ্রতিএ আপুলিয়া গ্রামে **অন্**রের **অ**ভান্ত র্গাব হইয়াছে।অনেকে অব্যক্ষান্ত হইয়া গত আছেন। রাণাঘাটের সুধ্যোগ্য ডাওার ষ্ট্নাথ মুখোপাধাায় এবং এখানকার ডাক্তর বাবু কালীপ্রসন্ধ ভট্টাচার্য্য মহাশয় রিক যদসহকারে চিকিৎসা করিভেচেন। ধি কেইই কালগ্ৰাপে পভিত হন নাই। ত ১২ আংবৰ রবিধার রহনী ৮॥• টার কুঞ্চনগরে একটী ভয়ানক উল্কাপাত यारका कामना खल्कारन करहक सन সহিত একতা বনিয়া আকাশ মণ্ডলে ার পরম রমণীয় শোভা অবলোকন ছিল'ম। হঠাৎ এই অসুৰুত্ত আলোক নগের সমক্ষে প্রকাশ হওয়াতে উংার সিদাস্ত করিছে পারিলাম না ! পর ত্না গেল ইং। বছদুর পর্যাক্ত ছইয়াছে। পাত এক**টা মহও অমললের চিহ্ন। বস** 'হার ভদ্রস্থ নাই। বাকির মধ্যে র্জুবৃষ্টি।

আমাদিগের গোয়ালিয়রস্থ সংবাদ-

াবে বর্ধার অনাগ্যনখন্য এ অঞ্চলর হানে ক্রাক্সার ধানি উঠিয়াছিল, আবেণ

| লিখিয়াছেনঃ---

মানের প্রথমেই সেই বর্ণার আবিস্থাব ইইরাছে
তরা আবল এখানে বর্ণা আরম্ভ ইইরা প্রত্যইই
প্রায় রৃষ্টি পতিত ইইডেছে। অনাবৃষ্টিনিবজন
লোকের দেসকল কণ্ঠ ইইবার সম্ভাবনা ছিল,
এখন তাহা আর নাই দ্বাক প্রায় শন্যাদি পুন
ভবিত ইইরাছে এবং প্রব্যাদির মূল্যও পূর্ণাবং
ইইতেছে।

এই বর্ষার সময়ে "প্রবলিক ওয়ার্কের দ বিশেষ মাহাত্মা প্রকাশ হইতেছে। এখানে যত গুলি সূত্রন বারিক ও পুরাত্রন বারিক আছে, ভাহার ছালগুলি এরূপ পরিপাটী ও মলবুং যে. রুটির জল প্রায় বাহিরে পড়েনাং যরেই পুকারণী হইতেছে দিনাগণ আর বারিকের ভিত্র পাকিতে পারে না। সুপরিকৌণ্ডিং ইঞ্জিনিয়ার সাহেব অক্রন্থ এঞ্জনিয়ারের এই সকল কার্য-দেখিয়া গ্রবিষেক্টে রিপোট করিয়াছেন।

আরা হইতে ভাকপ্রভৃতি আসিতে বড়কট হইতেছে। রাস্তার মধাবতী চধল নদী ক্ষীত হই মাছে। প্রোতের প্রভাবে শকটপ্রভৃতি পার করাইতে বড়কট হইতেছে। চধলের ভীরবতী রাস্তার আনেকখানি ভালিয়া গিয়াছে। মহা শয়! এই রাস্তা নির্মাণ করিতে এত খরচ হইয়াছে যে, যান টাকা বিছাইয়া রাস্তা করা হইত, তরু উদ্ভ থাকিত। তথালি রাস্তার প্রী দেখুন। পরালক ওয়ার্কের এইসকল ব্যাপার দেখিয়াও গ্রন্থনিক যে কোন সহপায় করিতে ছেন না কেন, ইহা বলা যায় না।

২। রাজমন্ত্রী রাজা দিনকর রাও বাহাছর
এখানে তিন দিনমাত্র ছিলেন। গত ১০ ই
জুলাই দিনকর রাওয়ের পরিচিত জত্তত্ব এক
ব্যক্তির (আমাদের বন্ধুর) সহিত জামরা দিন
কর রাওয়ের সহিত সাক্ষাৎ করিতে গিয়াছিলাম। বে ব্যক্তিন নাম জগছিখ্যতে, উট্টের
সহিত সাক্ষাৎ করিতে লোকের সহজেই কৌতুহল বৃত্তি উত্তেজিত হয়

মহাশর। বেরূপ শুনিয়াছিলাম, সাকাৎ
করিয়া দিনকর রাওকে তদপেক। সদ্ গুণসম্পন্ন
বোধ হইল। বড় লোকের মধ্যে এরূপ, নত্র,
মিউালাপী ও নিরহস্কার মনুষ্ অভি বিরল।
লোকসী দেখিতে খর্মাকার, বয়স অভ্নে পঞ্চাল
বৎসর হইবে, বর্গ ঈষং শ্যামল, পরিধেয় সামান
পরিক্রদ, মন্তকে মহারাজী য়দিগের ন্যায় রহৎ
পাগড়ী আছে। ক্লিমু ধর্মের এতি ইইার বি
শেষ নিহা আছে, ইনি বালর নিকটবর্তী হসুমান
দেবের মুর্ভিকে ধ্যান ধারণা ও উপাসনা করিয়া

এक चन्डी পরে উঠিলেন! আফুডি দে লোকের সহজেই ভঞ্জি হয়।

আমানের বেখ হইল, রেওরার গ্রহণ বিষয়ে কিছু পরামর্শ করিবার জন্য জের নিকট আসিয়াছিলেম।

ত। অদ্যাপি চোরের প্রান্থ করে করক দিন ংইল, এক জন গাড়োর গোরালের দেওয়াল কাটিরা ৬ টা গরু চুরি লইরা গিরাছে। আর হুইটা ছিল, গরু না যাওরাতে লইরা যাইতে পারে নাই ভাগ্য গাড়োরানের গরুগুলিই উপজীবি উপায় ছিল।! অদ্যাপি গ্রুল, কোন স

এক দিন পুলিষের ঠিক পশ্চাভাগে দের এক বন্ধুর বাটীর উপরে অভি অল্প র এক জন চোর উঠিয়াছিল। বাটীর লোক জা পারাতে চোর লক্ষ্ণ দিয়া পলায়ন করিল। ষের লোকদিগকে তৎক্ষণাৎ এ বিষয় বল ভাগারা কহিয়া উঠিল, ''ও চোর নহে। বি কি কু দুর হইবে। এই অল্প রাজে চুরি হ সভাবনা নাই। »

ে। ক গক দিন হইল, কনিসরিএট ডিগ্ মেণ্টের মধ্য বিভাগের ভেপুটী ক্রিসারি। রেল কর্ণেল মাক্ষীন খাছেব অব্রভ্য ক্রিস্ আফিল পরিদর্শনার্থ আসিয়াছিলেন। মহা কোন বিষয়ের পরিদর্শন করিতে হুইলে, ভা অভ্যন্তর প্রদেশ সমধ্যে রূপে পরিদর্শন করি হয়। কিন্তু কই এ পরিদর্শন ভ সেরুপ নে

ভা ভারতবর্ণীর ক্র'কা সমাজ গৃহ নির্দ্ধা ব্রিগেডিয়ার জেনাবেল, আসিষ্টান্ট ক্রিণ জেনারেলপ্রস্তৃতি সাহেবের। বিশেব সজ্যো সহিত চাদা পুস্তকে সাক্ষর করিয়াছেন। ব বর্দ্ধো প্রতি জেনাবেল সাহেবের বড় ভবি যখন তখন দেখা হইলে ব্রাক্ষার্মের ব জিক্ষাসা করেন।

৭। মহাশয়! '' কে ও অব ই ওর দেশীর সংবাদপত্রসমূহ হইতে কোন বে অংশ অনুবাদ করিয়া প্রায় প্রকাশ করে কিন্তু বে সকল বিষয় প্রকাশ করিলে বিষ উপকার হইবার সম্ভাবনা, ভাষা প্রায় গ করেন না।'' হিন্দু পেটু রুট ৯ বদি খীয় করে সর রুদ্ধি ক্রিয়া সোমপ্রকাশপ্রস্কৃতি কা হইতে উপকারী বিষয়সকল অনুবাদ করি প্রকাশ করেন, ভাষা হইলে বড় ভাল হয়। শাসাধিসের কোরহাটীছ সংবাদ তালিখিয়াছেন:—

। সম্প্রতি বিক্রমপুরের বিদ্যালয়**ও**টি জি হীনাবত্বইয়া উঠিয়াছে। শিক্ষকগণ) যথোচিত মনোযোগসহকারে ছাত্রদিগটক ণ প্ৰদান করিভেছেন না। কোন কোন র্কলবিদ্যালয়ের ছাত্রেরা পশুত উপস্থিত কোতে প্ৰায়ট কুলে ৰাইয়া কিছু কালু লয়াপুনরায় বাটীভে চলিয়া আংইলে। প্রায় চনিয়তই আমরা শিককদিগের অমনোবোগ অনুপস্থিতিনিবন্ধন ছাত্রগণের শিকার রে বিবঁর 🗝 নিয়া আসিতেছি। কোন र विम्रानरप्रत भिक्तरकत हतिज्ञागं उत्थम া দোষের কথা শুনা যায় যে, ভাহা লিখিতে নীও লক্ষাবোধ করে। এরপে দোষাগ্রিত কগণ শিক্ষাবিভাগের কল্প্রস্থারপ। ইছারা গণের শিক্ষাবিষয়ে যত মনোবোগ কংলে, ালের মনোবোগ কি ফলেই বা আইসে ? কবৰ্গ ভাষা অনায়াদেই জ্বয়ক্ষ করিতে রন।•ত্তনা ধায়, এইসকল শিক্ষক আহাবার हे निक्रवेच औं राष्ट्रे वाबादऋ (वन्तानदत्र दाखि ন করিয়া থাকেন। পুর্কেই উক্ত হইয়াছে काश्य विद्यालया शिक्षक वांबुर्द्रेग्य व्ययस्या গছাত্রগণের বথোচিত শিকা ব্ইভেছে এইদ্র্ল শিক্ষ কৈ যথোটিভ পারি-ক (বেডন) পান না? রীভিষ্ট বেডন श्रुप्तक कडे वर मण्यामन ना कहा (स स्माय | 1 कि बु:सन मा? विलिएक कि, २! 8 ही ীত বিক্রমপুরের প্রায়সকল বিদ্যালয়েই क्कशनरक निका विषया अभरनारवाशी स्था । व्यागरा मारकर्भ विकाश के कित, विका াগে ইনপ্পেটার ডেপুটী ইনস্পেটার কি জন্য इन ? कान् विनाः लाय किञ्चल जिक्का रुय, ার ভত্তাবধানের নিমিত কি আঁহারা নন? মপুরস্কুলগুলির আবাধুনিক আবস্থার এতি করিলে বোধ হয় না যে, এখানে ভজাবধানের কেছ নিযুক্ত আছেন। উদ্ধানন কর্তৃপক্ষের চিড দাসন নাথাকিলে তদধীন কৰ্মচা-ণ্যে কার্যে, বৈশ্রণং করিবে আমশ্চয়, কি ? রা অন্থ্রোধ করি, বিক্রমপুর বিভাগের

(১) অবশ্য স্থীকার্য যে, সকল শিক্ষক প্রকৃতির নন, যাহারা প্রকৃত দোষী, ভাঁহা-অঃস'দের কথার একমাত্র লক্ষ্য।

টীইনস্পেট্র মহালয় সাভিনিবেশ দৃষ্টি-

কারে ওক্রত্য বিদ্যালয়সমূহের অবস্থার অসু-

সকান করন। অন্যথা শিক্ষাসময়ে এখানে গ্রণ্মেন্টের অর্থব্যয় শুক্ত বিভ্রনার হইবে।

২। কভিপর দিবদ গত হইল, মুকিগঞ্চ দব ভিবিজনের অধীন কোন এক গ্রামে এক ধূর্ত্ত পুলিৰ কর্মচারীর বেলধারণপূর্ণক ভিন জন অনুভারসহ কৌজদারীসংক্রাম্ম মকদ্মার ভদত্ত করিয়া বিশ্বৰ অর্থ উপার্ভন করিছেল। দপ্রতি উক্ত দব ভিবিজনের ইনপেটর ঐ ধ্রতিক দৃত করিয়া মাজিট্টেটাতে সমপ্র করি রাজেন। জানা গেল ঐ ব্যক্তি না কি পশ্চিম দেশীয়। ইহাকে সম্থিক দণ্ড প্রদান করা কর্ত্বপ কের স্থিতো ভাবে কর্ব্রা।

৩। ইতিমধ্যে বহব মুগেকী আদালতের
এক জন উকীল জাল অপবাধে সেসনে সমর্পিড
হইয়াছিলেন কিন্তু জুরীর বিচারে অপরাধ
সপ্রমাণ না হওয়াতে মুক্তিলাত করিয়াছেন।
জুরিগণের বিচারে অপুনা অপরাধীনিগকে
প্রায়ই দশুভোগ করিতে হয় না।

৪। গত ৫ ই আবেণ রবিবার মুসিগঞ্চ
ইংরালী বিদ্যালয়স্থ সভার বার্ষিক অধিবেশন
হহাসমারোহে সম্পন্ন ইইয়া সিরাছে। তরত।
ডেপুটী মাজিটেট, বহরের মুসেকপ্রভৃতি কয়েক
জন প্রধান প্রধান লোক সভায় উপস্থিত
ছিলেন। সভার কার্য। সুক্ষররূপে সম্পন্ন হইয়া
গিয়াছে। শুনিলাম, বাজিবিশেষকে নাকি
সারহ অনুরোধনারা সভায় উপস্থিত করান
হইয়াছিল।

ং ১৭ ই জুলাই অতাত ঝড় হইবে বলিয়া যে জনারব উঠিয়াছিল, তাংগতে এডদঞ্জীয় লোক বড়ই শক্ষিত হইয়াছিল। ঝড় না ১৪ য়াতে একাণে তাংগারা স্থিয় হইয়াছে।

> —:•:— প্রেরিত

ষান্যৰর স্ত্রীযুক্ত দোমপ্রকাশদশাদক

মহাশয় সমীপের।

'' ব্রিটিশ ইভিয়ান এসেনিয়েসন ও মেনেরিয়াল ফণ্ড। »

মহ'লর ! ইহা কি আমাদিলের পক্ষে হংশের বিষয় নহে, যে ধখন খে কোন মহৎ কার্যে,র অনু ঠান হয় এবং ধখন কোন মহাত্ম'র নাম চিরশ্ম-রণীয় করিবার সক্ষল হয়, তখন সেই সকল কার্য্য প্রায় কলিকাতা রাজধানীতেই অনুষ্ঠিত হয়। আমরা এমত কথা বলি না যে, ঐ স্থানে অনুষ্ঠিত হওয়াতে বার নিক্ষল হয়; কিন্ত বিবে চনা করা আবশ্যক যে, যে স্থানে যে বন্ধর मण्यूर्व काष्ट्रांत शाक'रड (नारकत मर्त्तमा क रहेब्रा बाटक, यनि (भरे श्व'तन (भरे व्यक्तादात দংশও দ্বীভূত করা হয়, তাহাও সামান कार्यः बद्धः । कलिकान्त्रः स्र व्यदनक्ः सा **চিকিৎসালয় আছে. অনেক সাধার্যণ পুস্তক** कारकः क्रुडतः ए ज्यात काशास्त्र कारता করা অভিনিজ্ঞমাত্র। কলিকাভাব দক্ষিণ ६० शकाम महिल व्यवसा हेशक महत्र अ <u> পাত্র চিকিৎদালয় স্থাপিত ছইলে ক</u> না বিশেষ উপকার হয় ? আপনি কি আন न्द्रम (य, अहे श्राम्यक अधिवानिशन भी कार हरेल किष्णा वाक्तिकित कारतको ब्री खिमक हिकिश्या दिना व्यकारन कानक निপতিত হয়। (मधून (मधि हेश्द्र व्यट्मका) विनातक विनम्न क्यांत्र कि कांट्र । आहेर कांत्रत व्यामामिरभत अहे चक्कचा (य. जिप्तिन हान अर्मानियम्मरनद इरख अहे करन (यह मित्रातियान कथ जारक, काशत के कात्र वे এক চিকিৎসালয় স্থাপন করন। ভাছা হ দাধারণের কেবল যে প্রকৃত উপকার ই এমত নতে, অগীয় মহাত্মদিগের নামও চি ब्रवीय इक्ट्रेंट्र

বজু। ৩ ই <u>ক্</u>রাবণ ১২৭৫।

লব্যান্ত ক্রিছি মহাত্মা গ্রাহ্ম প্রের প্রের লেব কীর্তিস্তান্ত প্রস্তর্থোজনা আরম্ভ য়াছে। যদি ইংরাজী শিক্ষা এ দেশ হইন্ডে ই যায়, ধ্যাধ করি বেছ ছ খিত হইবেন না। হ ড কিছুতেই হইব না। ইংরাজী ভাষায় বি প্রাপ্ত আধুনিক সুক্তন্ত্রের সুক্তির সহিত ভাষ ধৃষ্ঠভাও কৃষ্টি পাইতেছে, একি অল্প ছ ব্যেষ্ট্র

মহাশ্র। আমরা একটু ইংরাজী ।
ভাহাত ভূলিতে পারিব না । অথচ আগত
প্রসাদে ইংরাজ রাজাও থাকিবে। ইং
নিশ্চর প্রানিলাম যে, আমাদের মত হততা
দের আর অন্নচিন্তা থাকিবে না। আমরা
কয়েক গেশের চাকরী '' মনপে লাইল্ল' ক
লইব। আহা কি সুখা বয়ংপ্রাপ্ত (ব স্প্রাচীন) ইংরাজীজ্ঞদিগের দক্ষিণালি করা ও বালকদলের ইংরাজী শিক্ষা বন্ধ লেই ''লরেফা" পেড়ে কাপড় উঠিবে স নাই! এটি কি আপনার পরিকার স্থান পার

২। দলাদলিকে কিনা হয়। ক্র লোকমুখে হয়। নাম, কাটোয়ার খনডিয়ু -2-6-

ানামক আমে মহাধুমধামের এক 'বিার রি"পুরুর আংগোলন হইতেছে। আংমে ভৰ আছে।বাজিমুবিপক্দল ঐক্প এক করিয়াতে বলিয়া, অপর পক্ষীয়, "গজ িবিদ_াদিপ্গজোর" **ভোগীভূক্ত ক**ভেক বলক্ত প্রায় ১০০০ ডিন সহত্র টাকা উদ্ৰেট " করিয়া চ**ালা আলাল করিতে**ছেন : তলায় ভক্কাধ্যনি सार्थ িঞ্জ ভগায় উপস্থিত নাহন, ভদুই ইউন 🖯 অধ্যই **ইউন ভার্চকে ক্লেন**ভোগ করিছে উদরায়ের জন্য ব্যস্ত দীন দরিদ্রদিপের ধাবত টাকা পরিমাণে চাদা হইয়াছে। ং স**দতি নাই, না দিলে** সর্মনান। প্রহা-ভয়ে (?) কেছ নালিশ করিতে পারে ন।। য কু.ৰিজীৰিকলের একণে এক মুহ্ঠ যুগ বোপ হয়। এরপে সময়ও নালিশ করিবার বিধা**ন ভায়ে কেই অগ্রানর হইভে**ছে না। য় ! বিনতি করিতেছি, আপনি এবিদয়ে স্পাত করিয়া উপায় করিয়াদিন। র বিচারপতি কি এ বিষয়ে ইস্তক্ষেপ ७ भारतम ?

কাণ্ডা প্রবাসাঞ্জম তরা আগ্রস্ত সুংখ্যোচনাকাভিদ্য

দ্য আমাদের এখানে একটি বিলক্ষণ ভূমি
ট্রো গিরাছে। দিবা ১১।৪৫ মিনিট
পূর্ব্য উত্তরদিগ হইতে বগী অথবা অন্য প্রান অব্যানের গভিশদ্বং একপ্রকার
ট্রিড আরম্ভ হইয়া প্রায় ১৫ সেকেও ভূমি দোহলামান হয়। আমরা ভূকাপ্রের ম বিলক্ষণ অসুভ্ব করিয়াছি।

জিলার বহিনাহক সবভিবিজনের নিকট নামক স্থানে এগটি উন্ধ প্রক্রাবন আছে।
প্রবানের জনভিদ্রে সূহৎ পর্যন্তপ্রেনি
এপ্রবাদীর জল এত দিন যে তওুল
ব করিলে জয় প্রজাত হয়। বোধ হর
নিকটস্থ কোন পর্যাত হইটে অন্যাকার
পর উৎপত্তি হইবা থাকিবে। যে দিন
শান আসিয়াছিল, সেই দিরোই ই প্রপ্রা
ান! ইউক এই ভূমিকম্প কত দূর ব্যাপিয়া
ত, ভার ই প্রপ্রাহরে নিকটন্থ প্রতীতে
ইইয়াভিল আনি একানে উহর জন্মনপ্রস্তু হল্লা

जून है

গ্রীচুনিলাল মুখে:পাধ্যায়

জেলা মুর্দিনাবাদের অস্তঃপাতী থানা দেও म्राम मुदाहरमद अभीत्म नानरशाना नात्म अवनी ভারতিবিভাঁর আম আছে। প্রতিবংর বর্ষ। कारल ७४: प्रक्रम वांषु अष्टमूत्र कर्मर्थ, रम् (य. যেই সময়ে স্থানপরিবর্তনব্যতিরেকে স্থায় থাকিবার উপায়ান্তর নাই! একমাত্র ব'শেই উহার মূল কারণ। প্রামের মধ্যে মধ্যে এক একটী বিস্তীর্ণ বাঁনের বাগান। উক্ত বাঁনের নীডে:এক এক গভীর গর্জ। ব্রধাকালে সমুদার দেশ জালে প্লাবিভ চইলে উক্ত গর্ভেনকলও অলপূর্ণ হয় এবং বাশের রাশি রাশি পতা উহাতে পতিত হুইয়া পচিতে খাকে। ছুই এক দিন পরেই উক্ত গলিত পত্র ছটতে এক প্রকার কর্ম্য বাস্প উপিত হইয়াসর্কাত্র বাপ্ত হয় এবং দেশবাাণী মহামারী উপস্থিত করে। ইহাতে প্রামের যে প্ৰকাৰ ছৰ্দ্দশা উপস্থিত হইতেছে ভাহাতে বোধ iरुष्ठ (य ज्यह्म मिति इे आंग के व्हिन्न रहेत्त ।

ইহা কি সামান্য আক্ষেপের বিষয় যে, প্রতিবংসর ঈর্শ হুর্গর বাম্পজনিত মহামারীতে জনেক
লোক অকালে কাসের করাল কবলে পভিত
ইইতেছে ভগাপি লোকে যরপূর্দক ঐ বাদেরই আবাদ করিয়া থাকে। অন্য আবাদ করিলে
লাভও হয় সাস্থারকারও ব্যাঘাত জন্মে না,
কিন্তু লোকের কেমন সংস্কার দৌষ সে দিকে
কেইই যান না। গ্রামের প্রধান ব্যক্তিদিগের
কর্ত্বর, হাহারা একবাক্য ইইয়া ইহার একটা
সহুপায় করেন।
উল্লিখিত গ্রামর্বাসিনঃ

मृनाव्याखि ।

ক্রীযুক্ত বাবু হৈলোক্যনাথ রক্ষিত ভাগোলুক ১৮৬৮ আগষ্ট হইতে,৬৯ জুলাই ১৩ কুম!রটুলী **" "মহেশচন্দ্ৰাল চৌ**ধ্রী ১२१ ६ ट्यांवन इंडेट्ड १७ व्याय: ह **" রাখালচন্দ** রায় কাংখ ১০৭৫ আগবিশ ক্ইডেড ৭৬ আন্ধেচ ು೦ ৯ ^৯ উমাচরণ_সেন द्रक्रभूद १ न प्रम व्याप्त के के इंदिस के के सामाई ১৩ ν <u>৯ অপঠ≟ ≎এ≗ ক'≨</u> বান্ধীপাড়া ১৮৬৮ আগষ্ট হইতে অক্টোবর 94. ^৯ ৯ ভোলান:খুপাল সিমুলিয়া », > শিবচন্দ্র সংহ' সিলং १ १ कि को यह इंड्राइ क्षेत्र झें छ। 70 ৯ ৯ খ্রাম্ধন মুখোপাধ্যার ভবানীপুর ১০ জীগুক্ত জে, ওয়েল ও সংহেব

१७७० कोशहे इंट्रेंट खेशाई:

প্রীযুক্ত ই, এফ, হারিসম সাহেব ১২৭৫ আবদ হইতে ৭৬ শাষাচ

সোমপ্রকাশসংক্রান্ত করেকট বিশেষ নিয়ম।

--- 3 - 1---

অতিম মূল্য ও ভাকমাসুল না পাইতে বুলে গোমপ্রকাশ প্রেরণ ক্রা যায় না।

ইহার অগ্রিম মূল্য বার্ষিক ১০ টাকা যাল্যানিক ৫॥০ টাকা। মফসলে ভাক নমেড বার্ষিক ১৩, যাল্যাসিক ৭ এবং টা টিক ০০০। তিন মাসের ফুনে অগ্রিম গ্রহণ করা যায় না। ছণ্ডি, বরাতি চিঠি, অভার, নোট ও স্থান্স টিকিট, ইচার ত যাহাতে যাহার স্থাবিধা হয়, ভিনি সেই ধারা মূল্য প্রেরণ করিবেন।

ষাহার। স্থাম্পটিকিট পাঠাইবেন, গ্ থেন এক অথবা আদ আনার অধিক ওরসীদেরটিকিট প্রেরণ না করেন।

যথন যিনি মফখল হইতে সোমপ্র মূল্য পাঠাইবেন, ভাহা যেন রেজিট্রির জীযুক্ত দারকানাথ বিদ্যাভূষণের নামে ইয়া দেন।

में शिनिश्ति मृन्य निवात नमम अर्था के व्यक्ति मान्य किया किया कानान साहेर्द, कान करोष्ठ शिरात के व्यक्ति के व्यक्ति का व्यक्ति क्षिण कर्दित, कान कर्दित, कार्य क्ष्मानकान क्षणीका कितिमा क्षिण क्ष्मानकान क्षणीका क्षणीका क्ष्मानकान क्षणीका क्ष्मानकान क्षणीका क्ष्मानकान क्षणीका क्ष्मानकान क्षणीका क्ष्मानकान क्षणीका क्षणीका क्ष्मानकान क्षणीका क्ष्मानकान क्षणीका क्ष्मानकान क्षणीका क्षणीका क्षणीका क्ष्मानकान क्षणीका क्षणिका क्षणीका क्षणीका क्षणीका क्षणीका क्षणीका क्षणीका क्षणीका क्षणीका क्षणीका क्षणिका क्षणीका क्षणीका क्षणीका क्षणीका क्षणीका क्षणीका क्षणिका क्षणिका क्षणीका क्षणिका क्षणिका

মাতলা রেলওয়ের সোণাপুর ষ্টেসনের বরে চিঠি আইলে আমরা শীয় পাইব।

योशिता बाङ्ग्लामा निम्ना शक्यांकि उद्यक्त 'त्वन, केल्लिक्सिन अपने शक्यांकि उद्यक्त योहेट्युमा।

কেই গোসপ্রকাশে বিজ্ঞাপন দিতে করিলে ভাঁহাকে প্রথম ভিন বার প্রতিপংগি জোনা ভাঁহার পর /১০ আনা দিতে হর যিনি অধিক কাল বিজ্ঞাপন দিবার ইক্ষা প্রেন, ভাঁহার সহিত শতক্র বন্দোবস্ত হইবে

হাত এই পত্র কলিকাতার দক্ষিণ মাতলা রেলওয়ের সোণাপুর ষ্টেসনের। চাল্ডিপোডার শ্রীযুক্ত ঘারকানাথ বি ভূবণের ঘাটাতে প্রতি সোমবার প্রাতঃ প্রকাশিত হয়।

ৰিজ্ঞাৰ্থ। ক্ৰুত্ৰজন কভিধান। সৰ ৰাজা ৰাধাদেব ৰাহাছৰেৰ ক্ষত। উত্তমকপে সোণা দুহন বাধান সূল্য ২৫০ টাকা। শ্ৰী আনন্দচন্দ্ৰবেদাস্ত ৰাগীশ।

--- 8 . 6---

শিক্ষা চবিত ব্রীয়ুক্ত জগনোহন তর্গাকর্তুক সক্ষলিত হইয়া মুদ্রিত হইয়াচে।
তথানিতে পৌরাণিক অলোকিক বর্গন
পর মুগুদ্ধ বালক বালিকানিগের সত্যশিখাইবার নিমিত রাজা হরিশ্চক্রের
টান যতদূর আবশ্যক, তাহাই আছে।
কাতা

গ্রীকেনারনাথ বন্দ্যোপাধ্যায়

--:0:--

নে ১৭৭ নং

নওয়াড প্রার অব স্কোটিয়া ওয়ার উইক ইটিস প্রিকা জাহাজে সম্প্রতি আমদানী ছে।

ন্দ্যাপানার এবং কোং এভদ্বারা সর্গ প্রেক জানাহছেছেন যে উপরি উক্ত ইসকলে ভাঁছাদিগের লগুনত্ত এভেন্টগণ যে সকল দ্রবাদি আমদানি হইবে ভাঁহার । ইন্তয়ের প্রাপ্ত হইয়াছেন।

জ কোম্পানির প্রধান উষ্ণানয়, আমন ১০ নং ভবন মূজাপুর মেডিকেল কলে ভোৱালার ফুটি ৩৯ নং ভবন শাখা উদ টাইকা, যি ডক্ক এবং উৎকৃষ্ট উদ্ধানকল ত হলো খুখবা বা এক কালীন অদিক ধে বিজয়াধ নিয়াও প্রস্তুত আছে।

বৈবিধ জব্যাবি বিক্রপর্য প্রস্তেত।

ংরাজী বাজলা পুত্রা কাগজ কলন নানা
বাদি পাওয়া খায় এবং পুত্তকাদিতে
ক আনার হিসাবে কমিদন দে। অবিক
পুত্রক লইলে /১০ আনার হিসাবে
ন কোন বজবালা কর্তুক দলপদী কবিত।
বানে ১ আনার জিলাবে
পানা । বোয়ালিয়া ধর্মদভায় জীবুক
বিক্তা নিকেই চাকা ক্লক মতে
ই পুত্রকালয়ে পাওয়া যায়।
ক্রি উপাধ্যা অবাং সেক্লিয়ার্কত নাই
ক্রিড্রা

১ ম অম্বরি ১২ আংকাবাং

শন্ত মূল

জ্রীহতিভ জিবন,স সম্পূর্ণ জীমন্ত্রাষরসারন ছই বতে সম্পূর্ণ চক্রপাবিচিকিৎসা গ্রন্থ সিন্দুরীয়া পদী निवामी वाबु कामीनाथ मझिटकत श्रयदा छे छम পত্তিভারা হস্তের লিখিত নিত্যধর্ম সুরঞ্জিকা পত্রিকা বার্ষিক বৌত্রক বিলাস যাহাতে গোপালভীড়ের কৌতুকগুলি সম্পূৰ্ণ আছে **इ.स्टब्स्य ३ टेक्स**िन रहेरड ভার ড **डेक्**ड ۷ ত্রসাত্ত চূড়ামনী অর্থাৎ ক্রন্সনির্থয় 2 H নীলাঞ্চন কাব্য পুরঞ্চান কাব্য মণিকুওলা কাব্য অভিমন্ত বধুনাটক ₩₩ দ্ব'দশ শিশুর বিবরণ त्रक्षां छुमा अभा कारा কৌরববিয়োগ নাটক ₹ দিভিল গাইড মার্শমেন সাহের কুত ₹• পদাগন্ধা উপাধ্যান मत्मनादली चक्रशहत्त्र मामकुङ তদ পিশাচোদ্ধার নি ডিপ্রস্তা এটলাস বাং ৮ খানি মন্ত্ৰ গ্ৰেশচন্দ্ৰ শৰ্মা ভুতত্ত্বদর্শন পৃথিবীর মানচিত্র ভারতবর্ষের ম্যাপ দেবনাগর অক্রে নীতি,শক্ষা অনবর শোহীলী পারসীক গদ্যপদ্য काव(ক্রমার সম্ভব সংস্কৃত হইতে পলা ভাতুবাল ১ ভাৰতবৰ্ণের ইভিনাস কেলাব্নাথ দক্রেড ১ ঐ গোবিন্দচন্দ্ৰ:সম কুত बनक खना अन्य अस ٥ প্রাচীন ইতিহাস সমুক্তর ঐ মার্মেন সাকেবকুত ছুই খণ্ড ર নাট্য পরিলিষ্ট নাটক চরিত মঞ্জী শক্তরভাম পরিশিষ্ট কলিকাতা জ্বোড়া-জীপ্রতাপচজ্র রায় নগদ বিক্রেডা। সাঁকো ৬৪ নং

নদিয়ার নদী।

সন ১৮৩৮ সালের আগস্ট মাসের ১ ল। হইতে ৭ ই পর্যন্ত নদীয়ার নদী হায়ের সর্বাক্য ত ভালেব সাপ্তাহিক রিপেটি।

স্থানের নাম স্কৃত্নতি মস্তব্য কথা

নধী, মাথা ভালা মহানার উপর পজানদীয়ে

ভন্ন হইতে হাট বোদ্লালিয়া ৪৪ মাইল -72 शृष्ठ (बाज्ञानिया श्रेट ज वाङ्गक्तिया 7 4 काञ्चकतिया रहेएक कुकशक ०५ महिन > ***** कृषगञ्च रहेएड छ्नान नही প্ৰয়ন্ত ৩৪ মাইল ₹• कार्श तथी मनी। মহামার উপর পঞ্চানদীতে মহানায় 72 তথা হইতে জিল্পাগঞ জিয়াগঞ্ হইতে কাটোয়া ৬০ ম ইল ነ የ কাটোল্লা হইতে নদীয়া ৪৬ মাইল २ऽ छनकी मधी মহানা তথা হইতে করিমপুর ১৯ মাইল করিমপুর হইতে টিয়াকাটা ৩৫ মাইল 27 विश्वाकाचे। इटेटल महीश्रा ৬০ মাইল সন ১৮৬৮ আগস্টমানের ১০ ই ও বছরমপুব গঞা ঘাটের জালের মাপ। ফুট

22

মহানার

বছ্যসপুর) জীয়ুক্ত টি, হেন্স উইকুস ১০ ই. মাগ্রস্ট) একজিকিউ দৈব ইঞ্জিনিয় ১৮৬৮ । বহুমপুর ভিবিজ্ঞান ;

—ঃ৽ঃ— বিজ্ঞাপন। २२

সম্প্রতি বঙ্গদেশীয় গ্রন্থেন্ট নিয়তে দেশীয় ভাষায় শিকা দিবার এবং রাস্তা করিবার এবং ভূল করিবার অভিপ্রায়ে কর করিবার এবং ভূল করিদিগের ক্ষলে সেই করভার নিক্ষেপ বার প্রশ্ন উপাপন করিয়াছেন। এই কর যা সহজে ও ন্যায়ামুলাবে ধার্য এবং পরিনিয় আদার হয়, ভাষিবয়ে মত দিবার নিমিত্ত গ্রন্থিন ভারতব্দীয় সভাকে অভ্যায় গ্রাছেন। গত ১৬ ই মে ক্যাদেশীয় গ্রাছ বার্য ভিত্তিক, ভূমির উৎপত্তের কর ধার্য করাই ন্যায়সিক হইডেছে। কর্ম কর ধার্য করাই ন্যায়সিক হইডেছে। ক্রম

नाट्यताच्यात, भावनीयातः देवातमात्रः मी

র উপরে স্থায়ী আবি আছে, আর্থার বাইারা क्षी श्रका नरहम अवर योहाता उपनि ात महाश्रं क्षेत्रीत मटत कह सम्म मा, ভाँहाता র উপশ্বস্থের যে অংশ পান, তমুপরি ও তংপ াণে কর্ষার্য ও আমাদায় করাই ন্যায় ও চসিক বোধ **হইডেচে।** * উটবন্দী প্রকা ীত ভূমির সহিত ভার বেসকল লে:কের क न महक्ष ও वार्थ कार्ड, এই श्रद्धार क्षिरभत मक्नारक है न्यून कतिराख्य छित्र ভারতব্যীয় সভার কমিটা গ্রুংমেটের পত্রের উভরদানের পূর্বে সর্বসাধারণের আনিবার অভিলাষী হইয়াছেন, ভদমুপারে ात्रा विकाशन भिन्ना **क**ञ्चरवाद कति**राउटह**न, ৬৮ অংকের আংগামী সেপ্টেম্বর মাসের ২ রা । व्यनदाइ ३ घंটिकात नमरत्र नार्किन নর ১ নং ভারতব্যীয় সভাগ্রে একটা াশ্যসভা ∄হইবেঃ সর্শাসাধার্তে ঐ সময়ে ানে পিয়া জাপনাদিগের মত প্রকাশ করি-

वर्की (नाक अंवर वार्खावक (यमकन कृषरकर

ঞ্ৰিপভীক্ৰমোহৰ ঠাকুর ভারতবর্ষীয় সভার কবৈ-ভনিক সম্পাদক।

हाभिडरपश्चिक हिक्टिमा, अथम मः या,। আনরওক, মুল্য চারি অ'নামাত্র।

লিকাভার (চাববাগানে স্কাল্ডুক এলচে : নিয়ার সংক্ষেত্রের ুপানবটে এব **রাজ্ঞারে বে**রিখী কেলে চন্দ্র ক্রাড়ন্ত **ক ফারমেণীতে পাওয়**ে 🔞

সোমপ্রকার

২ রা জাদ্র সোমবার

দামরা অনুরুজ চইয়া সভ**়**-রে করিভেছি, ২ রা সেপ্টেয়ব 🐗 টকার সময়ে ভারতব্যীয়সভাগু⊹ **মেণ্টের প্রস্তাবিত শিক্ষা ও র**থনা-াস্ত করের বিষয়ে সাধারণের মত াৰ্ব এক প্ৰকাশ্য সভা হইবে। অসী-ভালুকদার, ইজারদার, পতনদার দধনী ও মৈারদী স্ববান্প্রভ্তি **ীয় ব্যক্তির তথার উপস্থিত হ**ওয়া

কর্ত্তব্য। এক্তাবিত কর প্রদাণিত হট্যা বিবিলিয়ানের। বিক্তর প্রস্থ উঠবন্দী প্রকাতির অন্য সকলকেই व्यर्भ कतिरंव ।

ডেপুটী বাৰু।

শক্ষণের প্রতি মহতুমায় এক **অথবা ক**য়েক জন করিয়া ডেপুটি माजिए देवे चार्डन। मिविलियान मालि-থ্রেটেরাসকল কাজ করিবার অবসর পান না বলিয়া বিচারপতি সুলভ করিবার নিমিত্ত ভেপুটি মাজিপ্রেটের হাট হয়। এ দেশের ক্তবিদ্য ও স্ভায়বংশীয়-मिश्राटक ब्राव्यकार्या नियुक्त क्रिया नक-त्मत खेरमास्वर्कन कतां अवर्गटमट्केत আ্র এক উদ্দেশ্য ছিল। তল্লিমিত খনেক দেব, রায়, ঘোষাল প্রভৃতি ভেপুটি মাজি (स्टें छ इदेश हिटलन। क्षाय करायक व्यन উপযুক্ত লোক নিয়োজিত হইয়াছিলেন, এখনও অনেক উপযুক্ত লোক এ পদে थारहन। किन्छ करप्रक कन अभनार्थ लाक ब পদে প্রতিষ্ঠিত হওয়াতে এ পদ সাধা-त्रत्व निक्टि हामाान्यन हरेता डेकिताटह। **उपू**षी वादू विनात राम अवधी व्यव ভার আমাদিগের সমুধে বসিয়া আছেন, ८३.5 थ (यात्र इत्। या त्थानित वक्रम इक् পাৰে ডিনটা কারণ আছে। প্রথমতঃ ध्यां १८८७ नाइ**स्टबंत ध्यमारम विस्तृत थान** সাম ও দগুরির পুত্র, আমলা, কেরাণী ও মুর্বাট এক কা**লে ভেপুটি হইয়া উঠেন।** ি 👉 😁 🔭 কিগকে পরের মাথা কাটিয়া 👉 🥶 ্থিতে হয়। অন্য অন্য া 🔗 ারীকা হিয়া স্বযোগতে। ः वर्माहाती निरम्नान ্রবানে ছাত্রে নিয়োগ গ্ৰুড় : ে হিবি । **এ পদ্ও এ** কামট 👉 🕾 লালানা 🤊 স্থায়তঃ ভেপুটি ২০২০ই টানগের **কলে বহুতর** কার্যান্ডার প্রির ২০১১তে য**াহার বে কিছু** वृद्धि थाटक, छाइः लाग शाहिम गाँव। (पश्चिएक शाहिम गाँव। शाकिक्शव

করিয়া কঠিন পরীকা দিয়া কর্ম আমাদিগের অচিত্রিত বিভারণ গেরও বিজ্ঞানী শিথিতে ও পরীকা দিতে হয়। উকীলদিগের এই নিয়ম। চিকিৎদাপ্রভৃতি অন বিভাগ দর্শন কর, দেখানেও পূর্কো ছইয়া থাকে, কেবল ডেপুটি মাণি টেরা বিনা পরীক্ষায় "গাঙ हरेया पाटकन ।

আমরা,উপরে কহিয়াছি, माक्रिट हे हे रिश्वात मर्था व्यानक छ লোক আছেন ; কিন্তু ভাঁহারা উ ভেপুটি বাবুদিগের সঙ্গে পড়িয়া যাইতেছেন। ঐ গুণায়িত মহ দিগের একটি মানচিত্র পাঠব অত্যে উপনীত হুইভেছে, পাঠকগ বার নেজে উম্মীলন করিয়া দর্শন ব ঐ বেখ, চোক্ত পেণ্টুলন, রঙ্গিন কান, ভঙ্গরি কোকা, মাধার পাগড়ী (কেছ কেছ এতদেশীয় খ নদিকোর ন্যায় বিবর টুপি পরিং শ্যানল চলমা ব্যবহার করিয়া থাকে এবং চাপ্পাই গোঁপ কেমন স পাইতেছে ! কেবল এইমাত্র শোভ দেখ, আমলা ও মোক্তারদিগকে ভা র্শন করিধার নিমিত্ত কেমন কপোডা নিকট হইতে নয়নহিলোল ঋণ ব লওয়া হইয়াছে। সাসুদ্রিক শাস্ত্রক বলেন, ধেধানে আরুতি, সেই খ গুৰ। আমহাও তেমনি ধলিতেছি, পরিফ্দশোভা, কাজের শোভাও তে উহারা ধমকাইয়া প্রায় ভাবেক मातिया लग् । উश्वीमरशत **व्यरगरक** र বর্ষণ করিয়া সাক্ষী অবী ও প্রত শরীর শীতস করিয়া দেন। যদি : দেখা যায় ''আদালতের প্রতি অব **कहे निरंत्रहे अधिक क**तियाना व्य A En al-time. The second of th

ঐ মহামতিদিগের কার্যাদকতার ह्य পाইएनन अक्रल विद्वहन। क्रि না উহ্তাদিপের অংনকে মকক্ষমার গুরুঝিতে না পারিয়া অধী ও र्थी উक्षय्रक इंसिम्बर्स मगर्शन ভ উদ্যভ হন। ও দিকে পাখে **লারেরা " থে**রোখেয়ি " আরেও । ভেপুটী বারু মধ্যে মধ্যে ধাল हेटल बटलन, मटफर नाहे। उाँहात দক্ষ আর্দালিও পাথাওয়ালার তু ভিভি আলম্বন করিয়াঈবমাু-ায়নে অভাসভণে মধ্যে ণ : চুপ : " করিতে **থাকে** ; কিন্তু প করে ও **পু**টী বারু নি**জেই** এক দহস্র। তিনি স্বয়ংই আসর করিয়ারাথেন। এই সকল মহাম-নিকটে ১০ আইনের মকদ্দমা উপ-**হইলেই মোলার বাড়ী**র ক_িও ছত হয়। অধীঞাতাধীয়া জীবন্ত ই হইতে থাকে। কোন ছলে অধী का बाकी कटतत निमिष्ठ भारवमन াছেন, দলালু হাকিম ভাঁথাকে ার অংশের ডিক্রি দিতেছেন ! কোন অর্থীকে বলা হইতেছে, তোমার হ বেআদ্বী " হইয়াছে, ভাহার পর সহত্র প্রমাণ দিয়াও জয়লাভ করিতে তেতেহন না। কেলার জভের ট যেসকল মকদমার আগীল হয়, লির বিচার কভক সাবধান হইয়া ২য়, কিন্তু কালেক্টর পর্যন্ত যাহার , উক্ত " ঘটিরান " ডেপুটি বারুরা লৈ ড শিরাক্সেনীলার রাজাত্ম পান, ্ছে। **নেই আজে। দেন** । আংইন অন র যথার্থ বিচার কইবে ইহা ভাবিয়া वाञ्चि উक्त खनश्रतमरश्रत ট যান না; যাহাঁর চতুরতা আহিক, <u>ই</u> জ্বলাভ ক্রেন। ফে**ল**দারি भौडे द्वश्चितः स्मित्रस्य यादेवात

অধবা্যালার আপীল অক্সের নিক্টে इहेवात मधावना थाटक, महे खेनित বেলা যে কিছু চিস্তা; কিন্তু যাহাতে *দেচি* ডা নাই, **ভাছাতে** প্রায় এক মাদ মেয়াদ ও ৫০ টাকার অধিক দণ্ড দেওয়া হয়না। কারণ তাহার আপীলনাই। অনেক ছলে মোতশারেরাকোন সাক্ষীর বিশেষ কথা অথবা বিশেষ আপত্তি লিপিবদ্ধ করিতে বলিলেও অনেকে তাহা করেন না। যিনি উ শীল লইয়। যান, উক্ত মহামতিরা তাঁহার উপরে জ্বলিয়া উঠেন। '' আমি তবে মকদ্ম। दूति ना; आभारक खग्न अपनी করিবার নিমিক্ত উকীল আনমনকরা हरेशारह ; पिथि कि अकारत व मकममाह আদরলাভ করাহয়। ৩ এই ভাবিয়াঐ वाक्तिक हाताहेबात यांत्र भत नाहे (हस्री कता इत्र । डेकीटलत मन्त्र एथ श्रीय व्याख्या (मञ्झा क्य ना । वानाय शिया व्यक्तक विद्व চনা ও লবাম শ করিয়া যদি কোন ছিজ ন পান, তাহাংইলেই ভাংা, জ লাভ আ মাদিগের প্রদাস্পদ এতদেশীয় উপযুক্ত মুন্দেফ দদরআমীনপ্রভৃতি বিচারপতিরণ উফীলের সহিত তর্ক করিয়া সকল বিষয়ের মীমাং লাকরেন; কিন্তু উক্ত অভিমানী ভেপুটী মাব্দিট্টেরা তর্ককে " আদা ल ड (क प्यदेख्या ११ ख्यांन करतन। श्रक्तर् আম্যা গ্ৰণ্মেণ্টকে অসুরোধ করিতেছি যাহ:রা ওকালতির পরীক্ষা দেন নাই, এমন লোককে যেন আর ভেপুটি মাজিট্টেটা পদ প্রদান করা,না হয়, এত দিন যাহা হই -বার হইয়াছে, এখন উপযুক্ত লোক সুলভ হইয়াছেন। কৌজদারি বিচার नर्सारभका कठिन; देशरे जात्कत्र স্বাধীনভার উপরে সাক্ষাৎসহকে হস্তক্ষেপ कत्रा इम्र । ८यमकले लाटक प्याहरनत किছूरे काटनन नां, जाशामिशटक विठात পতিপদে নিয়োজত করা আর অবি-চার করিতে বলা ভুল্য কথা।

हित्रभाषी बरमावस्य । বলদেশের চিরস্থায়ী বন্দোবন্ত চিরছায়ী বিবাদের কারণ হইয়া शंदर। धरे वटनावस सम्बन्ध, अभे रक्रवल क्टब्रिक क्रम नमाहा সম্পাদকের নয়, ভারতবর্বের কা व्यथान त्रा**कशुरू**विमरशत व्यरनरस्त्र शहरू। जार्भम कक्षी क्षांत्र छेशस সর চারলস উড, লাড কানিও ও ব বেয়াড় স্মিথ ছুভিক্ষ আংপদ হ य डेशरमम व्याख इन এवः यति উত্তর পশ্চিমাঞ্চলে চিরস্থায়ী বশে করিবার আদেশ হয়, টমাদনের প্র সম্প্রদায় সেটাকে নির্বৃদ্ধিতা বলিয়া किंदिङहरून। 🖣 अस्थ्रमः ८३१ व अरकार আকর্ণ করিলেই যাহার রস বহির্গ্ চিরকালের মত সেই ভূমির একবিং খাপন ক্রিয়া আকর্ষণের পথ বন্ধ ব দেওয়া নিভাক্ত অবিবিচাকারীর ক ইহাতে যে কি উপাদেন ফল ল শস্তাবনা আছে, তাঁছারা তদোধে नटकन। क्रमामः दत्र। (यक्तश क्रयक) व নিকটে লন, সেইৰূপ মধ্যে মধ্যে ত: कभीमात्रमिरशत निक्छे इहेटछ इ বাড়াইয়া লইবেন, বর্ত্তমান রা**জপু**র গের এই উদ্দেশ্য। ফ∺তঃ ইহঁ।দিগের শরকারী আংয়ের একটা পথ এক ব বস্থা কর। স্কর্ডা। কিন্তু যদি অনু করিয়া দেখা যায়, এ যুক্তি সা বলিয়া প্রতীয়মান হয় না। বোধ এক ব্যক্তিৰ একটী বৃক্ষ আৰক্তিন কৰি যাহাতে রক্ষী সতেজ হইয়া উঠে, তাহার এই চেটা রহিল; ভাহার महन जाना बहे, इक्छि बलवाब 🛊 क रुरेटल डाहाब माथा शहरद ड कार्छ । बदर क्ल वि वाही जना जना छेलकहर मर्थाइ इरे भार यह राजि बेबन बक्ती हक द नः देकि मृद्धा कांश्वत कारकेत किन रहेल, (म जबूकाय भाराशक्षर ৰ ক্রিড়া ভুক্টীকে নিজ্ঞে করিড়া লে। **এ উভ**র ব্যক্তির মধ্যে কোন্ দ অধিক বুজিমান্> ভূমির চির**ভ্**টি বেস্ত করিয়া লাভ করিবার ইচ্ছাদী ক সংক্ৰম বাৰিয়া তাহার শাবাপর্য লছারা সংসার নির্বাহ র জুবা ৷ পকাষ্টরে মধ্যে মধ্যে র রাজসর্ভি করা এক কাজে ায় শাখতেছদন করিবা বৃক্তক লে করিবার জুন্য হয়। **কলভঃ ভূমির** शक्षी∾ वरनश्व**स कतिरंग मन्त्रास्त्रि**त বৃদ্ধি হইয়াজন্মে যে আবার হয়, সাম রাক্ষ্বত্জিতে তাহাকখন হয় না। ইয়ে ক্লকদিগের ৩০ বংসর মেয় দী ত ৩০ গুণ পৰে বিক্ৰী ভ্ৰহতৈছে। ; কিন্তু কি কারণে যে এরপ হই-**ছ, কেছ সেই প্রকৃত কারণের উল্লেখ** ন ন'ই : ে নি স্তলে মেলা অথধা বুহুইলে ডহুকালে ম'টের মধ্যিক ভ দাঠা ভূমির ৮ড় 'চন দিংসের **छ प्रभावीत है**। विकास किला किलात **ঐ ভূমির বিহা দশ**ীকে য়ে পাওয়ে । বো**ষাইরে ভূলা**র বাণিকে ঐকপ **ু সুল্য বৃদ্ধি হই**য়াছে : আন্মেরিকার প্রচুর পরিমাণে নাকেইতর রপ্তানী न अरे असी कमा श थाकिरव ना । **র উৎপদ্ধ অধিক ও তা**ছার অধিক **নাংইলে ক্থন ভূমির মু**বাধ্জি ণ। এক বিখা জুলার চাস করিতে)२ होका बास भएकं। कि**छ क्**यक राटम . याह 🌞 छोता लोह, चाहर ह शहेबाई व्यामा आहेह ; (मह क उन्हों स्थाद व्यक्ति हुना पिश्री ইয়ে পেতি ক্লয় করিকেক্ট্র। ভুলায় हेटमत हामाभिरभन विमालन लाज

हरू। यक भिन्न लोख प्रक भिन्न मुला ;

त भेटक अंगकल कू मि इसे वस्मदत्तत

করের পরেও বিক্রীত হইবে না। আমরা শুনিবাছি, তুরার ভূমির যেরপ মুলাধানা ও ক্ষার ক্ষার প্রকার ক্ষার বিষাও বার্ষিক ক্রের ২০ গুণের ক্ষার ক্ষার ক্ষার ক্ষার বিষাও বার্ষিক ক্রের ২০ গুণের ক্ষার ক্যার ক্ষার ক্যার ক্ষার ক্যার ক্ষার ক

क्रिव्याधी वटनाः वस त्मरभाव भग्नि র জির একটা প্রধান উপায়। উহার গ্রনে **ভূমির বছওণ মূলার্দ্ধি হর। সহদে**র ব্যক্তিমাত্রেই স্বীকার করিবেন, প্রস্তি বৎসর যে ভূমির কর বৃদ্ধি হয়, লোকে **उपराका अ**, ४क मूला पि:। চরস্থায়ী বন্দোবস্ত ভূমি ক্র করিয়া থাকেন। ধর্ষিত কর দিলে কি উৎপন্ন অধিক হয়: क्योगात नर्जना स्नायन कड़िटन हि अकात ধনর্দ্ধি হইতে পারে : যেসকল স্থানের कमीमातिरक मिग्रामि वरमावस सार्ह, তরতা জনীদার্**গণ রাজস্বর্জির** ভয়ে **ন্তন বন্দোৰস্থের করেক বৎ**সর পূর্ব অনেক ভূমি অক্কট কেলিয়া রাবেন। ভূমি পতিত থাকেলে কি কুষি, বাণিজ্ঞা, রা**জস্ব, প্রস্নার জীবিকা ও দেলের** ধন হানি হয় না ৷ চির্ত্মায়ী বলে।বস্ত নিবন্দন সম্পত্তির মূল্য এবং ছাছার সহিত বাণিছাও ষ**েম্প প্রভৃতির মূল্য যে অধিক** চ্ছটালে, একধা বলাবা**ছলা। দেশে**র বাণিকোৰ বুলি **ও জ্বাসাম্থ্রী মহাহ**চি ক্ৰিছাত দ্ৰব্য এখন পড়িতে 50 75 পায় 🚉 তথাপি ক্লমকদিগের যেৰূপ সফ্ল চওয়: উচিত, ভাছারী সেত্রপ **ছইটে**ছ পারিতেছেনা। ভাষার কারণ কি ১ জাল্লার কারণ ক্মীদার ও মহাজন। জমী পরে সর্বদাই শে.খণ করিয়া কর লন বলিয়ারুষকগণের অসক্তি দুর ইয়ন।; সূতরাং ভাহাদিগকে মহাজনের আপ্রয়

এছণ করিছে হয়। পুরুষানুক্র **७३ प्र्मिमा रहे**या च्यानिहास्ट्र ্নোবস্ত অব্ধি উহার কতক ৮ ০ রাছে: ১৮১২ অব্দের ৫ আইন यथनं (भोद्रमी भाष्ट्रः मिनाद्र नि (मेरे व्यवधि कृषक मिरशः यक्ष ব্যারম্ভ হইয়াছে। সর্বদা করর্দ্ধি কি চাসে তেমন মন লাগে : মা তাহাতে মদল হয় ? জে:তের স্থি: থ:কিলে কুবক অর্থ ও প্রাম क्रिएंड উৎসাহी इस मा ; अक्सा স্বীকার কারবেন : তাছা ব্যয় না করি তংহার তুর্দশা যুচিবার সম্ভাবনা অত এব কুষকের উপর করবু জিন এটা কাহার অভিধ্রেত না হইবে ? यमि सभीमारवद सरवा सरवा क হয়, ভিনি কি প্রজার নিকটে কয় क्रिंड विश्व इंट्रेयन : अभीमात ह করত্তি করিছে পারিবেন না, कभी नारतेत ताक यह कि स्ट्रेंटन, अही স্তুত হইতে পারে না : অব্দের ১০ জাইনের সৃষ্টিকর্ত্তার যুদ্ধ করিয়াযে অভীট সিদ্ধ করিবার পাতিত ক্রিয়াছেন, ভাহা কুক্ যাইবে।

ভারতবর্ধ ক্লিকীরী দেশ। যাহাতে প্রকাষোর উন্নতি হয়, সকল্পেরতের পেই রাজনীতি অবলয়ন কর্ত্ব। আমরা পুনরায় বালতেছি, কাযোর উপর ভূমির রাজস্ব ও জ্যোর উপর ভূমির রাজস্ব ও জ্যোর ক্রক নিডর করিতেছে। ক্রকগণ সম্বতিশ্না হইলে এ অভীকী হওয়া তুর্ঘ ট হইবে। ক্লকদিগোর প্রক্রিয়া তুর্ঘ টে হইবে। ক্লকদিগোর প্রক্রিয়া তুর্ঘ টি হইবে। ক্লকদিগোর প্রক্রিয়া তুর্ঘ টি হইবে। ক্লকদিগোর প্রক্রিয়া তুর্ঘালি সংগ্রাহ বা বিদ্যালি ভির্মির কর পাকে, হইলে দেশ বৎসরের মধ্যে মাহার তুর্ঘালি ধান্য

व्यवद्या प्रक्रिक व्यवता व्यवा তাহারা অনায়াদে আত্ম চ সমর্থ হয়। থাকার শায়ন াই দে বৈঠকখানা বহিছে क्रवकिष्णित मिरनत अञ । কঠিন, ভখন উৎকৃষ্ট কৃষি মুতন্বিধ শ্স্য উৎপাদন করি कि**काल क**ल्लालधाडी **रहेर**क ২পাদিকা শক্তি বৃদ্ধিনিব্বান स्, (म**र्** ल! उरे लाउं। क्कार त ্য়াশোষণ করিয়া কর লাইলে কি না তাহা মুসলমান সমাটেরা দ্বিয়াছেন। আসিয়া মাইনরে র:টেরা সে পরীক্ষা করিতে**ছে**ন। কা শক্তিক বৃদ্ধি হইবামাত্র কর एक चेखा (मन देशमा क्रेएक हा । বন্ধে কৃষিকাব্যের উপরে কর कृत्व समीकात उत्तर्वरमञ्जे नक ছতি হয়। প্রজার উৎপাদিত শুসা পিজ্যের যে 🗃 রুদ্ধি এবং সম্প ল্যুর্জিনিবহ্নন সরকারী আংফের হয় তহেই প্রকৃষ্ঠ লাভ। কনতঃ ন দেশের গার্ণনেটের ক্র্যিকা সোহ দেওয়াই কার্ত্রা। রুবক-সহিত চিরস্থায়ী বন্দেবেক্ত না এই ১উদেশা সাধিত চইবার নাই। ক্লধক দিগের কর একবিধ গেনে কাষ্ডিঃ জমীদারের সহিত । बटन्हावस्य इहेवा छे.ठेटव । बटवा মির কর বৃদ্ধি করিলে আন্ত লাভ পারে বটে; কিন্তু পরিশেষে দ রদ্র ও গ্রণ্মেণ্টকে ক্ষতি প্রস্ত हेटत् प्र**टक्टन** हे। এই नि**भिज्** कभीमात्रमिश्रक मर्या तासिश গোর সহিত চিরস্থাণী বন্দেবেশ্ব निभिन्छ अदन्तमन्त्रेटक मद्द्यः मद्द्या ভ করিয়া থাকি।

वाम्यमान मत्कात । ट्रोका (प्रकटको ब्राम्ब्लान महका

রের হস্তগত হয়, পাঠকগণ ভছ্তার অবগত চ্ইয়াছেন। ঐ লক্ষ মুদ্রাই তাঁহার ভাবী অতুল সম্পতির মূল ভিতি হয়। বাণিজাকার্যো উহার সাজিপায় সক্ষতা क्याः। इति । कत्म कत्म कैश्वात वाकात সম্ভূম হইয়া উঠিল। তিনি কথন কাহার মহিত অসাধু ব্যবহার করিতেন না। नकत्त्र डें। शांक स्त्रह ७ विश्वान कति छ, मकटल है जाहात अछि कार्याकात ममर्थन করিত ? ভারদাতা যাহাতে লাভবান্ হন, এরুপে তিনি তাঁহার কার্য্য সম্পন করিয়া দিতেন। ঐ বাণিজ্যসহকো আমে রিকার বণিক্দিগের সহিতই উাহার অধিক সংস্তাব হয়। ১৭৮৩ অব্দে আমে-রিকা স্বাধীনতা প্রাপ্ত হয়। তাহার পর ভত্ত। अधिकमः था । लाटक वांक्र**ाट्स्ट**भ বা,্ৰহাকরিতে আইদেন। রামছ্লাল দরকারের এমন প্রতিষ্ঠা হইয়াছিল যে দকলেই উাহাকে অম্বেবণ করিতেন। उं। पिर्वात कार्यामण्यापन-বিষয়ে অনুমাত ^ই বৈমুখ্যপ্রদর্শন করিতেন না। তৎকালের পামর কোম্পানিপ্রভৃতি প্রধান প্রধান ব্লিকল্পও ভাঁহার প্রা নশ এছণ করিছেন। রামছলাল স্বরং একটা হাউদ করিয়াছিলেন। অদ্যাপি উাহার দৌহিত্র বাবু স্গাম্চাদ, অসুপ চাঁদেও অভুলচাঁদ মিজ 🔄 হাউদের কার্যাদশাদন করিতেছেন। ভাঁহার a ধান জাহাজ ছিল, ঐ **জাহাজে** ভাঁহার দ্রধানামনী ইংলও চীন মাল্টা প্রভৃতি স্থানে নীত হইত। এই রূপে রামসুলালের শত শত আয়দার উদ্যাটিত হইল। তিনি धु लिमु कि अहन कति कि लाजिएलम, चर्न मुक्ति इहेटल नाशिन।

রামহুলালের অন্যান্য গুণ বেমন
অসাধারণ, ভদ্রতা ও ক্তজ্জভাও ভেমনি
অলোকসামান্য ছিল। একদা তিনি
অনেক মরীচ ক্রেয় করেন, আর এক জন
ইংরাজও কৃতক ক্রেয় করিরাছিলেন। এ

इंश्वीटकत्र व्यक्ति व्यक्तिका स्था তিনি মরীচ বজাক রাখিরা কিছু কৰ্ম চান্য সামত্বাল বন্ধক রাগি সম্মতনা হইয়া এক কালে ক্ৰন্ন কা ठाक्टिनम । **इ**रहाक विद्वष्टमा क **উखत्र विदयन कहिरलम। (भारव** বিক্র করিতে সমত হইলেন। এ মরীচের প্রায় চারিশুণ সুন্য রুদ্ধি রামহলাল আপনার ও ঐ ইংরা মরীচের কেতা ছির করিয়া যে চা লাভ হইল, ভাহা আপিনি না ল ইংরাজকে ভাঁহার মরীচের সম্পূর্ণ अमान कतितन। वाकारत स्य छेहात তত হইয়াছে, উক্ত ইংরাজ তাহা ছুই আংনিতেন না। রামগ্রাল অনা উহিার সহিত যে মূল্য নির্দারিত । ছিল, তাহা দিয়া আপনি সমুদায় লইতে পারিতেন; কিন্তু তিনি করিলেন না। ভাঁহার ভুগ্য ক্তজ্ঞ **সম্প দেখিতে** পাওয়া যায়। উ অশারণ অবস্থায় যিনি উাঁহার थकात छेलकात कतियाहित्वन, वि সৌভাগ্যসম্পন্ন হইয়া ভাঁহার আশো প্রস্থাপকার করেন। এই উপকার। তিনি অনেককে পেন্সন দেন। त्माहन एक डॉहाटक व्याख्य प्रशासि ৰলিয়া তিনি কুতাঞ্লিপুট না উাহার আবাদে কথন প্রবেশ ব নাই। ঐকুডজাতাপাশে বৃদ্ধ ছি ৰলিয়াই তিন লক্ষ টাকা বায় ব कानीश्रमात्र मटलत ममद्य कटतम । স্চরাচর দেখিতে পাওয়া

স্চরাচর দেখিতে পাওয়া
যাঁহারা অধিকতর ক্লেশ স্থাকার ব
অর্থ উপাক্তন করেন, উহারা প্রায়
কুঠ হন, কিন্তু রাম্ভ্রণাস মুব
ছিলেন। তাহাকে কেহু কোন দার
ইলে ভিনি ভাহার উদ্ধার করিব
ভাহার নিভাবার ১৫০০০ টাকা

তিনি নালালে এক বার স্তিক হইলে
তিনি নাল লক টাকা এবং ক্রুপান্তি
লক টাকার চাউল বেন। চিনি হিন্দু
কালেকের প্রতিষ্ঠাকালে ৩০০০০ টাক্রি
কালেকের প্রতিষ্ঠাকালে ৩০০০০ টাক্রি
কালেকের প্রতিষ্ঠাকালে ৩০০০০ টাক্রি
কালেকের প্রতিষ্ঠাকালে ৩০০০০ টাক্রি
কালেকের প্রতিষ্ঠাকালে
সচরাচর দান ছিল। তিনি এত ঐপর্বার
অধিপতি হইরাছিলেন; কিন্তু কথন
গর্কোজ্বত হন নাই।তিনি অভিশার বিনয়
নশ্ ছিলেন; তিনে অন্য বসন সামানা
রূপ ছিল. ববাবর পরিপ্রান জ্বানা
ছিল। থিনি ৭৩ বংসর ব্যুক্তম কালে
(১৮২৫ অকের ১ লা এপ্রিল) পকা
ভাত্রোলে প্রান হন্তান করেন।

কুৰ্ম হয়ে গাব্দাং শেকা ভ শিকাষ্ণকায়

নিয়ত্রেণির বিদ্যাশিকা হয়, এ विन्द्यं क्रुडिबिमा ७ मञ्जनत वान्तिनाट अहे একমত হইয়া মত প্রদান করিবেন; व्यक्तव गवर्गमणे व विषयत्त्र य क्यो পाइटडरइन, उद्विरत गार्गामानाटन कर्रे विश्व इहेरवन नाः, किन्छ अवर्गरमञ्जे विमानिकात वाश निर्दाशर्थ (य डेलांश অবলম্ব করিতে উদ্যত হ্ইয়াছেন, তাম্ব ষ্যে গ্ৰণ্নেণ্ট্যে সহিত প্ৰায় কাহারই ঐকমতা দৃত হইতেছে না। প্রথমতঃ এজারা যেসকল বিষয় স্পেচ্কের্ডব্য ৰলিয়া ছির করিয়ারাখিরাছে, বলপুর্বক ভাহাতে নিয়োজিত করা গ্রণ্মেটের कर्त्वरा नम्न । विजीवण: वनि वनश्किक বিদ্যাশিকা করান আবিশ্যক হয়, ভাহা **হইলেও বঙ্গদে**শের নিমিত স্ব**ভ**ন্ত কর कता विद्यम इम्र मा। अञ्च धाकात बाम করিয়া ভ্রমণি বৃদ্ধদেশের প্রায়ছয় काणि छोका छेद्र व थाटक। अक काणि

টাকা উত্তরপশ্চিমাঞ্চলের লবণ ও আহি-

क्टनत अटक दान निर्लंड भाँ ह काणित

विषया मदम्भ सारक ना। अक छेव् क

টাকার **হরাছে; এ** টাকা অন্য অন্য श्चरण बारक ना, बाउँ वर छश्छ वरुष्ट निकाकत एव एके : किन्द्र वामाधित्वत কৰে কি নিমিত শিকাকরভার নিহিত स्कृद्ध ? हेरांत्र कहे कह छेतत चार्छ, ভারতবর্ষ একটা অধণ্ড দামাজ্য ; ইহার मगुष्टम अक मल का छाजुनकि विश मान व्याष्ट्र। व्यष्ट वर्षन श्रुष्ट क्षाप শীঃরাজ্য এবালী ভাপিত হয় নাই, क्थन माञाटकात करां ट्रांत हेव के होता অপরাংশে বায় করা অবৈধ হইতেছে না। মুগনিরম বেরপ হউক, এ তক আপা তত: যুক্তিনিদ্ধ বলিয়া প্রতীয়মান হয়। কারণ ভারতবর্ষের ভিন্ন ভিন্ন প্রকেশ একত্রীভূত হইয়া বৃদ্ধাৰে পরস্পারের শুরু চিন্তা করে এটা প্রার্থনীয়। কিন্তু কার্যো একভাব হওয়া কঠিন। একবিধ ভাবা ব্যতিরেকে প্রকৃত জাতীর একতা হয়না। জাতীয় ভাষা সমান ছইলেও नक्त नम्द्र अक्छ। इदश क्रिन इत्र আয়ারলও কিছুতেই ইংলতের সভিত अक्षांवाणक स्रेम ना। अधारन धारमण विर्मारत व्यवद्यारकम् **এ**वर् व्यर इंटिएस मामन धनानीत ভেন রহিয়াছে। **তবে যে রাজ্যসম্ভা** একতঃ पृथ्वे हरा, सिंही (कदल प्युनिस्केड मूल । ষত আয় হইতেছে, কিছুতেই কুলাইতে-ছেনা। এতদ্বারাই অনিই সংমাণ रहेटहर्स अब्जाद जरुनि छेटहरू প্রধালী স্থাপন করা উচিত। দেই 🗟 হৃত্ত প্ৰণালী নাই বলিয়া व ऋ एम एम শিকাকর করা বিশুদ্ধ রাজনীতির অসুমে:দিত হইতেছে না .

গবর্ণদেউ দৃতপ্রতিক্ত হইয়াছেন;
যথেক্ছাচারী গবর্ণদেউকে র:জন্মনহন্দে
নিবারণ করা রখা; এপর্যান্ত কোন
আপতি শ্রবণ করা হয় নাই। তহুপরি
যথন বিদ্যাদ্যনের প্রকা রহিয়াছে, তথন
ইংল্ডীয় গবর্ণদেউ কখন বিদ্যালিকার্থ

المجنب لينسونون . স্থানীয় কর স্থাপন করিবার বিষ ष्यमञ्च कतिरवन ना। यक्ति अहे निष् করা বায়, তথাপি গবর্ণর জেকরল ্ছ দারির ভহদিল ধরিয়া শভকরা যে য স্থাপন করিবার সক্ষপ করিয়াছেন, ত ৰুকিশিদ হইতেছে না। প্ৰতিবৰ্থ সম,ন আয় হয়না; তৃত্যু, পলায় অসমতি, ছর্ভিকপ্রভৃতি কারণবৃদ্ধ যকল বৎসর জনীবারের সমান আয়দে याम ना। এ विद्वहना ना कतिया । क कत कता इत्र, हेनकमंद्रीत्यात कके ও क ভোৰকর অনুস্কানের সহিত যথের চার ও চিরস্থায়ী বন্দোবস্তভক্ষের দে म्मार्भ कडिट्य। सभीनात्रविद्यात चात्र দোষ থাকুক, তাঁহারা জিটিল গাব মেন্টের স্থায়িতের নিরস্তর প্রার্থী। এ थकारत कत महत्व विद्रष्टी विस्तावर নামমাজনার ছইবে। ভারতবহী যের করের বিষয়ে ভানাতিরেক বুরিয়ে शादितम नाः, गुर्वेश मिटल हरेटव कार এক কালে লওয়া হউক এ কথাই সকলে बर्णन । हेनकम छोटझह मुखेख द्वा । अरे করন্থানন্দরে অনেক লোকে এক কার্ अर्ग्राजनमञ्जोका निग्राकत एकेट अपूक्त रहेवात क्षार्थना कतियाहित्तन। भूक्तं वाक्शन करे शकाहर नावनाक्स টাকা লইতেন; তাঁহারা অনেক লইতে वटणे, किछ এ**ण**ण नित्रश्चत्र कत्र आशा হওয়াতে যত অনম্যোন হইতেছে, তাঁহা গের সময়ে ভাত ছিল না। অর্থের এরোট रहेटन वामगार जभीनात्रमिश्व जाति **ढोका हा हिटल ; फीका हो ला क**ि তাহাদিতেন। ঐ পর্যান্ত লেষ হই। বৰ্ত মান বাৰ্ডালাজে যাহা বলুক (कन, बहेर्थकांत कत्रहे 🛥 भारत विदेश क्षा भाग । विदेश অবস্থায় বিশেব কর প্রদান **আমাদিগের পক্ষে অ**ভিলয় কর। **অত**এব ত**হদীলের উপ**ট

शिम कतिरल अभीनात्रभगरक भवर्ग-েটর অমসলাকাজকী করা হইবে। কোণুকাক এক দল ক্ষতাশালী প্ৰভু ক্ত লোককে বিপক্ষ করা বিশুদ্ধ রাজ ্তির অনুমোদিত নহে।

জনীদারের নিকটে শিক্ষাকর এছণ ধরিলে যাহাদিগের ইটের নিমিত এই চটা হইভেছে, ভালাদিগেরও অনিউ ता रहेट्या अस्त्रीनांद्रिता असर शांख नन য়ে নিজ ভেছবিল হইতে এক কপদিক দন। যে কোন উপায়ে হউ*ছ*, **এজা**র ক্ষরেই স্ববাহ্য ভারেকণ করিবেন। ইন কম টাকুই নিদৰ্শন। উহাতে এমেশ্ন ক্রিয়াছে, জনীবার নিজের লাভ কিছু-তেই ছাড়েন না। অদ্যাপিও মেদনরীপু বঙ্মান ও মুর্গিদাবাদের কোন কোন জ্মীপারিতে ইনক্ম টাজ্মের নাম করিয়া क्सीमाद्वता होका लहेटहरून। कसी मात्री छाक कमीनात्रम्दिशत छेलार्छ्यत्नत গকটা প্রশস্ত পথ হইয়াছে। জনীদারের। ঐ নামে প্রজার নিকট হইতে কিছু কিছু ৯ ধরিয়ালইতেছেন। যতই কর সংশিত । এর না ােন. জনীনারকে বিছুতেই স্পর্না किट्ड शाहिट्य टामकल समीनाह * +লছপ্ততি স্থাপন করিয়া বাহ্বা ন্যান্সশন্ত ए तर्हन, डीहोता दराया इरेट बहे श्र होलान १ । जात्र क्या हत्य करता. न्ता समीनाद्वत । कण्ड, यहमान क्राप्त अवर्गामण िष्ट्राउर करीन हरक क्षा किलिए भारित्वम मा। अवर्ग ট ভাবিতেছেন কুনকের) শিক্ষিত ্ল আগেন আগেন সত্ত বুবিধে ধৰং নিদাবের অভনচার থানিবে না। এটা িতে যেমন, কাজে তেমন নয়। রুশী া প্রতিদ্ধিত করা; সাংক্ষিণের ্' দূৰে থাকুক, যেসকল াধীন ও কুত্বিদ্যুতাহাদিগকেও অত্যাচারের নিকট

ন্ব্ৰত ক্ৰিতে হইত। অন্য কথা

-235-कृत्तं वाक्क, वक्रामामात्र क्रुडिकानिरशंत যাহাঁরা হ্রাগকেমে কোন জমীদারের এলাকায় জমী জমা রাখেন, ভাঁচারাও মহন্দনার ভয়ে মস্তক উদ্ভোলন করিতে সংহ্য। হন না। কুৰক দিলের এরপ অব হুঙেনয়**েযে ত**়≢ারা আপেন আপেন ম ুানকে লেখা পড়া শিখাইতে পারে। এ দিশে জমীদারের পাইক ব্সিয়া থাজ থার ভাগাদা করিভেছে, ও দিশে ঘরে অন্নাই, পুত্ৰকে ধান কাটিতে পাঠা-ইলে হুই আনা উপাৰ্জন হয়। এমন আবিষায় কোন ক্ষক স্থেক্সিক পুর্দিগকে বিদ্যালয়ে প্রেণ্করিবে ? हाभटक्टनंद नाथि लोक मर्सना क्या अरुन করেন না এবং গংগ্মেন্ট এমন শিক্ষাও দিটেছেন নাধে কুনকেরা আপনাদি-গের অহর বুঝিয়া জামীলারের আন্ত্রাচার निवाहरण ममर्थ इहेरव। ध ष्टरण कि কর্ত্রণ জনীবাবের তহ্সিলের উপরে কর ধার্যা কর, আনুর এচদত রাজাস্থের উপরে কর লও, শেষ ভার ক্রয়কের ক্ষো প্তিত হইৰে স্কেহ্নাই। ভার পড়িলেই বিন্যাশিকা ভাহাদিপের ক উদস্ক্রপ জ্ঞান হইবে। এইমাত্র নয়, क्षत्रीमारतत क्षाक्रीमारतत कात बक्छी निर्नितिक उ इहेर्य। उथन क्रवरकेरी এই ভাবিবে, ইহার অপেকা আমাদি গেব মুনুধাকা ভাল ছিল। আমরা ভ শিশার্থ কর গ্রহণের এই অনিষ্ট দেখি তেছি, রাজপুরুনেরা অক্স হইয়া যদি এ অনিষ্ট দেখিতে না পান, সাকাৎ গছালে কৃষকদিগের নিকটে করপ্রহণ कहाई कर्डवा। यथन शहल्लाहामयः जा তাহারা অব্যাহতি পাইতেছে না, তথন মধ্য হইতে জনীদারদিগকে অসম্ভত করা কেন ? তাহাদিদের উপকারার্ধ এই আরম্ভ হইতেছে, সাক্ষাৎসহকো তাহাদি सिर्शत निकटि कत अश्वे नामा स्मा

সঙ্গে কুবকদিগের সহিত চিরভাষী বন্দোৰস্ত করা কর্ত্তব্য। তাহা করিলে কৰ্ণপ্ৰয়া,লদের ক্ ত প্রতিপালিত হইবে। প্রস্তাদি গের কোড ভিরতর হইলে ভাষারা व्यानव्यमहरूरात कर है। कात श्राटन व्याक्रीत আন। দিতে কাতর হইবে না। যথেউ টাকা উঠিবে, বিষ্যাশিকা হইবে : কাহা রও অসংস্থাবের কারণ থাকিবে না। প্রতি বৎশর কর রুদ্ধির ভাল নাধাকিলে ক্রবক মনোবে:গ দিয়া ক্ষিকার্য্যের উন্নতিসাধন করিয়াশভি আপেন আপেন মূলধন সং গ্রহ করিতে পাহিবে। একণে এক প্রগণার মধ্যে ধেমন কেবল একমাত্র অমীদার ধনী আছেন, তথন আর নেরূপ থাকিবে না; অর্থ চারিয়া পড়িবে। জনী ন: রের এখনকার মত আড়মর থাকিবে না বটে; বিস্তুপতিত ভূমি কর্মণ আরম্ভ করিয়া উঁহোরা নিজের জ্মীনারির উহতি माधनज्ञाल कर्खरा कर्य मल्लामन कहिएक শিক্ষা করিবেন। তখন জমীদার ও প্রজা উভয়েব দৌशर्फ ও দৌভ;গ্য রুদ্ধি হইবে मस्मिह्सहि।

वारा ।

. (भागभुद्रद्व समा

(शक क्षका निरुक्त भन् ।) ১৪ নং ৷ এটা অবতি মনোহর মরদান, কুকালিতে আছোদিত⊹ ইহার মধ্যে নানাদিক ८० भीत छे छ मधाम अ अपसम किविध ला क অববিত্তি করেন। বড়বড়ধনীয়। তাতু সামী ब्राना थाताम सधारकी ब्लाटकहा सना धकारत व्यवस्थान करतन ्यवः निक्रप्टेता तृक्क उनात्र অবস্থান করে। স্থানটা অতি বিশাল ভাত্রবুকে পরিপুর্ণ, অভিশব মনোহর, পরিষ্ঠ ও পরি ছেল। পানা হইতে বড় বড় নবাৰ, রাজা ও ধনাতা ব্যক্তিরা আন্সিরাভারি ধুম ধাম করেন। প্রত্যেক ৰড় লোকের আবাদে প্রতি নিয়তই মহা জাক অমক হইতে থাকে वक वक ल्यारकत भूषक भूषक वाग्यार लाहे, महदद भीवो ..., बादबाम, निशाहे, मा क गीमार दे अधाक्त दाचिया अहे नत्म अकृष्ठ सम्बाह्य वादमा त्रक्तीए बळग्रूर ধ হাতার ভিতর মহা সর্গর্ম মজলিস বাড় লাঠন, দেয়ালগিরিপ্রভৃতিতে সামী বক্ষক ঝক্মক করিতে থাকে। বাইরা তান, মান লয়সংবোগে দশকিগণের রণ করে। বড় বড় মজলিসে বড় সাহেব পর্যান্ত গিরা আনোদপ্রমোদ বাথকেন; কিন্তু ঘোড় দৌড়ের নাচ এ দেশীরেরা যাইতে পান না।

৫। মিনা বাছার। এ বাজারটা হরিহর মেলার ভূষণসভ্প**া হরিহর নাথের** রের নিক*ট*ার্যাস্ত প্রায় **ছুই মাইল** ট্ৰাজারটা লোসারি বসিয়া **যার**। ভাষেংকলৈ হেকার বস্তাবি**ক্র চইয়া** । বলুগুর ভুধারি এşপ পরি রুম্জেবে হয়, যে রকণ তে দেখি**লে** গুর ,<াধ হয় ! ক";ে ^ডলের, ্কাচের, কোগার, কপার, নানা একার লাক জবেয়র দোকান বংশ : বজা বনাত, দোসালা, কিংখাপ, জরি, জরলোজী প্র কোন বস্তরই অভাব থাকে না। এমন क ध्वकी मि:काटन २००० (२००० া, কোন কোন দোবানে ৫০০০০ হাজার র সামান সামান্য জিনিস সাজান । দিব। রাত্রি লোকের একপ জনতা া, পাদবিকেপ কমিন হইয়া উঠে। ঠেলা কারিয়া বাইতে **হয়। বড় বড়** সাংহ্র এবং বারু .ভয়ে:\ হস্তী পৃষ্ঠে আবো-ছরিয়া দিবা রজনী মিনা ৰাজারের ।সক্পনি করিয়াজ্পতাহন।ফৈয়বিক

ত। এই সংলে জেনীবন্ধকাপে যোড়ার বের দোকান সাজান থাকে। ইংরাজী দানী, লাহরী, দক্ষিণী, নানা দেশের জিনাপায সাজ, লাগাম, চাযুক, কোড়া বরিয়া সমস্ত জ্বা পাওয়া যায়। ব। এখানে হঙীর নানাকপ পরিক্ষ্ স্তরণ ও গিলটি করা কাঁচের, কাঠের,

কথাকি বলিব।

ষ্ট্যা থাকে। ৮। এই স্থানে মুমিরা সারি সারি গত থাল্য জ্বোর দোকান ধুনি, বিস া, ডাউল, লবণ, জাটা, ঘৃত, ছাতু, বুট বৰ গম, কাষ্ট ও ছেরিডরকারিপ্রভৃতি বাব তীয় বস্তু বিফেয় হইয়া থাকে।

ান । এ ছলে এক থারে মিপ্তান বিক্রেড।
হালুইকারের শত শত দোকান এবং সাটনা
কালীপ্রভৃতি ভানের হিল্ড্রানী লিখ ও ব্রাক্তণ
প্রভৃতি মিঠাইকরেরা নানাবিধ মিপ্তান্তবারা
দোকানসকল পরিপুরিত করিরা রাখে।
রাজনীতে ঝাড় লাঠন দেওয়ালগিরিছারা এমনি
দোকানসকল স্বক্তীভূত করিয়া দেয়. যে,
আলোক ও মিপ্তান্ন দেখিয়াই অনেক লোকের
উদর পূর্ণ হইয়া যায়। উহার এক দিকে
প্রেণীবন্ধকণে মালাকারদের দোকান বদে।
নানাবিধ স্বাক্তি প্রভারা ঐ ভানটা অভি
শর আমোদিত হয়। ভক্তি না থাকিলেও
লোকে ঐ গঙ্কা প্রাপ্তির আশরে হরিহরনা
থের মন্দিরপর্যন্ত গমনাগ্রামন করিয়া থাকেন।

২০। এই ময়নান্টার মাধ দিয়া একটা
পথ গিয়াছে। সেই পথের কতক দুর
পর্যন্ত নানাপ্রকার ভাচার, সন্দেশ, মিঠাই,
পুরী, কচুরি, ভরকারিপ্রভৃতি হিন্দুদিগের
ভোজা বস্তর দোকান সকল স্থপজ্জি
গাকে। এক এক দোকানে ১০০ এক শত কিয়া
তদবিক প্রকারের জাচার পাওয়া বায়।
এ অদেশে আলু, সিম বেশুন, ওল, পটোল
ভাত্র, লেবু, শাক, পুঁইশাড়া, কলা মুলাপ্র
ভূত এমন বস্তু নাই বাহার জাচার হয়না।

২১। এই পথের কতক সুর বেমন হিল্ছ দের খাদ্য প্রবার দোকান স্থানক জু হ থাকে, সেই পে মুললমান পাচকদেরও দোকানসকল গোলা থাকে। এইসকল দোকানে মুললমান পাচকেরা রুটা বিজ্ঞীট পোলাও কালিয়াপ্রভৃতি নানাবিধ খাদ্য দ্বা প্রস্তুত করিয়া বিক্রম করিয়া থাকে। দিনমানে না হউক, রজনীতে এইসকল বোকান উইল্সন সাহেবের হোটেলের প্রতিনিধিক্রপ হয়।

২২ : এটা গোরাবাথার। দানাপুর হইতে আগত সৈনিক ও বাদ্যকরদিশের জাবাৰ এবং মলকীড়া স্থ্য।

২ পু এটা সোমারদের খাকিবার স্থাতি। দ্রব্য ব্যবহার করিলে জনসনাজে নি এখনে স্বৰ্ণনেটের ইরেগুলার ক্যাভেল ছুনিত ও অনাদৃত হইতেন। এম রিয় স্বল্লেরেরা আছু ড় করে। ইহারা আছু অল্পুনাবোধে তাঁহাকে কেহ

দৌড়ের মাঠের শোভাসন্পাদন করে,
শান্তিরকার্থ নেপালের নিকটর্থ সিগা
মক ছা নি হইতে ২০০ জারান প্রতি ব
মেলার আসিয়া থাকে। ইহারা এক এক
আপনাদের রণপাণ্ডিতা ও যুদ্ধকোশল
ও অম্বলিকা প্রদর্শন করে। ইহারা থে
কৌশলে ক্রতগানী অম্বকে বসায় শে
এবং খোঁটা ভূমিতে পৃতিয়া বলম
ক্রতগানী অম্বের পৃষ্ঠ হইতে ভূলিয়
এবং ছোট ছোট লেবু রুমালে বাা
ভূমিণ্ড ফেলিয়া ক্রতগানী অম্বণ্ঠ হ
ঠিক ছুই ভাগে কাটিয়া ফেলে, সেল
দেখিলে চমৎকৃত হইতে হয়।

২৪। সাহেবদিগের গমনাগমনজন
একটা প্রকাণ্ড পথ প্রস্তুত করা হয়, ত
ছই পাশ্বে ইংরাজ সওদাগরদের স্বকার দোকন প্রস্তুতীভূত থাকে। খ
পরা ও বিলাদের যাবতীয় বস্তু এই
দোকানে পাওয়া যায়। দেশবিদেশীয় ই
দোকানদারেরা আগমন করিয়া থা কন

নং ২৫।২৬। ২৭। ২৮। এই গলা দক্ষিণে প্রবাহিতা, গভনী পূর্ব প্রবহ্মাণা, আর সর্যু এবং শোণভার গ সহিত মিলিতম ক্লিরের নিম্নে মহার বলিয়া এক্সানের অভিশয় মাতালা হইয়া এখানে লক্ষ্ণ লক্ষ্ণ হুদ্ধ প্রবাহন ক্ প্রাপনাকে প্রিব্র জ্ঞান করেন।

ৰঙ্গীয়দিগের দৈহিক অনুন্তি।

অদ্য মাদকসেবনের দোষবর্গনে ও
হণ্ডয়া গোল। অতি পূর্ম কালে এ দেশে।
সেবনপ্রথা অপ্রচলিত ছিল। তথ্য
শাস্ত্রকারকেরা এবং ধন্ম ব্যবস্থাপক ও
দেশকেরা ইহার ভূরি ভূরি নিন্দা ও বি
করিতেন। ইহা সেবন করিলে ধর্মে প
হইতে হইবে বলিয়া ভয়প্রদর্শন করিলে
মুত্রাং এই ভয়ে অনেকেই ইহাতে বি
হইতেন। তথ্য কেহে কোনপ্রকার হ
দ্বা ব্যবহার করিলে জনসমাজে নির্দিত ও জনাদ্ত হইতেন। এম

চন না। এই জন্য তখন মাদক দ্রেরা সংখ্যা স্বল্লমাত্র ছিল। এখন ভেমনি ভ হইরাছে; মাদকদেবীর সংখ্যাই । य निन हे द्रारकता य एनटमंत्र तांका ছেন ও ইংরাজীবিদ্যার আনলোচনা আরম্ভ হইয়াছে, সেই দিন অবধি শে বিলাডী ধরণের সভ্যতাও চলিতে য় **হইয়াছে**। যে পরিমাণে ইরাদী র আনলোচনা ৰুদ্ধি লইডেছে, সেই পরি স্থাদি মাদক দ্ৰুৱা বাবহারও ৰাজি । এখন প্রায় প্রতিপলীগ্র'মেই aকালয়, তাড়িখানা, গ**ঁজ**া **গুলি**ঃ ডা ও আফিনএভূতি মাদক জবোর ান দেখিতে পাওয়াখা<u>।</u> সহরের ভ ইনাই। তথায় প্রতি গলিতে ও প্রতি াৰে পুৰ্কোক আড্ডা ও দোকান বিরাজমান রহিয়াছে। কি ইতর, কি কি ধনী, কি নিধ'ন, কি মূখ', কি বিভান্ অংশকেই ইহার দেবক হইয়াছেন। র ও লক্ষার কথাকি কহিব, এ দেশের **ক অবলারাও** এই পথের পথিক হইয়া । অন্যান্য মাদক দ্রবোর অপেক; হুরাই চ প্রচলিত : অনেক জন্ম নামধারী মহা-এই পথের প্রদর্শক ও আদর্শবিক্ষপ ছেন। মাদক জব্যোএমনি গুণ্যে, পরিমাণে দেবন করিলে চিক্তসক্তোষ ইহার সপৃহা ও আংশা ক্রমণই বুলি তে থাকে। ইহার এমনি মোল্নী শক্তি এক বার ইহার রসাম্বাদন করিলে প্রায় দ্বীবন ভূলিতে পারা যায় না। ইংগাএক রে মায়া খাল ; ইহাতে এক বার পতিত প্রেছ ইলে উক্ষার হওয়াক ঠিন। অসনেক **১ম পণ্ডিত ও স্থবিক্ত স্থাটিকিং সক স্থ**র-এতে লিখিরা গিয়াছেন, মাদক দ্রব্য ন বুজি ভাই ও কগুষিত হয়; হিভাহিত চনা থাকে না; নানাপ্রকার **ভূক্তে**র ক্তি জমো; স্মারণশক্তিপ্রসৃতি মানসিক मक्ब निराद्ध हारक शांक माना র উৎকট গীড়া জন্মিবার বিলক্ষণ সন্তা

वादकः त निम्मिन भीनं ख व्यक-

র্মাণা হইতে থাকে; পরমানুর ছাল হয় ৷ কোনপ্রকার পীড়া জন্মিলে সম্বর আরোগ্য লাভ করা ভুকহ হয়; বরং অকালে মৃত্যু সুখে পতিত হইখারই সমধিক সম্ভবনা। কোন বিজ্ঞ চিকিৎসক কৰিয়াছেন, স্থ্যাদি মাদক প্রব্য সেবন করা ও সহতে সীয় কবর খনন করা উভয়েই তুল্য। কোন শাস্ত্রকার वित्रारह्न, अधिथादण, कलमकान, विष्णान ও উত্তজনভার। প্রাণত্যাগ কর বেরূপ পাপ ও লোষের হেতু, মল্যাদিশেবনও সেইঃপ পাপ ও দোধাবছ। উভয়ই ধর্ম ও শাস্ত্র-বিরুজ। কেছ কেছ কছেন, মাদকসেবনে মনের ক্তিতিও আনন্দর্ভি এবং কলনাও বজুতাশক্তির প্রবলতা হয়; কিন্তু বিবেচনা করিয়া দেখিলে সে আমোদাদি অভি অকি-ক্ষিৎকর বলিয়া প্রতীয় মান হয়। অলকাল মাত্রস্থায়ী আমোদাদির জন্য ঈশারণত অনুলাধন যে জ্ঞান তাহাকে বিষ্তুলামাদক দারা বিনষ্ট করা কি বিজ্ঞোচিত কার্যা ? অনে কেই জানেন, মানক সেবন করিয়া মামুহ পত-বং ব্যবহারে রত হয়। কখন কখন রোগ वि: भरव अब পরিমাণে মাদকদেবনৈ উপ কার হয় সভা; ভাহা বলিরা মাংক সেবন এশংসনীয় ও কর্ত্তব্য বলিয়া আদরণীর হইতে পারে না। রোগবিশেষে দর্প ব্যেও উপ কার দর্শে, গ্রাহা বলিয়া কি সর্পবিষ সেব-নীয় হ . বে ? কি পরিতাপের বিষয় ! এ দেশে | অনেকেই এই গরলতুল্য মাদকদেবনে রত **ब्ह्रेग्राह्म । अथन वक्टम्राम स्वाममी अवस** বেগে প্রবাহিতা। ইহার স্রোতে কত শত লোকের ঘর বাটা ভাসিয়া বাইতেছে ও কত য়। ইহার পরিমাণ দিন দিন বাড়িয়; ধনীলোক নিগন ও নানাঞাকার বিপদএক र हेटल्टरहरा!!

বিবিধসংবাদ।

২৭ আৰেৰ সেমবার ৷

एवएन कार्मारमञ्जूष कृष्ठश्य हाजा जन, ज, (मिलिन नाइस्व लखरमत विश्वविशामरमूव मश्न ভার নিকট ভি, সি, এল উপাধি পাইয়াছেন : (मश्चिम मारहत्र अक स्थम चातिष्ठेत । हेनि स्थापि**ए**क क्राह्टहालात्र नीमायकात्री कि तक अवर মেভিস সাহেবের পুত্র। উহিার এক জাড়ে সিবিলিয়ান হইয়াছেল।

সম্প্রতি মাস্ত্রের প্রধানত্তম বিচারালয়ে ধর্মসন্মিরতের সহিত্ত পদক্ষের এইণবিষয়ের क्रम मकलमात विष्ठात बरेश्वादका अक वास्क्रि रिन्सू ধর্ম ভাগে করিয়া খুকীয়ান হইয়া এক জন थुक्रियान खोरमाक्रक सिक्षक करतना भरत जिनि कांत्रणिक कतिवा भूनकाते हिन्द्रश्**ना**हक श्रादम काउना विकाशयी अवन क्यांट मुक्ट स्वतः विठातकका कारात्क में स्वता कि स्वामक कि, अह, कार्यन नार्टरवंत्र अक नाम अव

विठाडोगम वामभाष्ट्रय, हिन्दू वर्ण्य वश्रम य वारकत निरम्भ माइ अवर मधन क्रिक असंख्य ধর্ম পুনরায় এছেব করিয়া এক জী খা আজের এংশ করিয়াট্ছন, তখন জাঁহার रहेटक नादत्र मा । स्मर्गेन नादरदेव बुक्ता সের বিবাহবিবরক আইন ছযুখ ভলবার হ

यान्दि यरिएएत्व हान अक मास्क्र ब्राटक (ब, व्यटमक (नाटक व्यन) कांग कांग ब्राट्ड ।

সভাতি বৃদ্দেশীয় গ্ৰহণ্ডেই রেইল 'हेनाटव ১॰, •• होका बहुत्र कहिबाह ख .দওয়তে ভারত বধীর গবর্ণনে ট বলিয়া उँशिल्ट भव मञ्जा महेबा अहे बाब कता थ १६४:८६ । (ल व्हेनन्हे भवर्षत वरमा, छाहात उ করিধার ক্ষমতঃ আন্তেরিবাদ এখনও ভেছে। এসি প্রনেশীয় খডয় রাজ্বপ্র করিবার আবেশকেতা প্রতিপাদন করিবে

কাশীর কালেজেরকর্ত্তপক্ষ আছাঃ নিয় ভত্ৰভা শিক্ষদিগের সন্তানগৰ বিনা খে ভথার পাঠ করিছে পারিবেন। যথালাভ

অবোধ্যার করসংক্রান্ত বিজ বিধি**র**ভ রাছে। এসিডে দখলী পদ্ স্থাকরে। লয় নাই । কর্রুভিব বসকল ছ'র वाथा श्रेषाटक, फाबाटफ काम वास्कित्हे বাস্তর স্থায়িছের উপরে বিশ্বাস নাই। সং লবেন কুৰক দিগের বন্ধু কিন্তু ভিন अहे कुषक्ति (अबहे लक्क इहेब्रा माञ्राहे(लब

দেওয়ানী আলালত সমুদের ন্যায় বেধি वाफिनमक्त भूकात मगरत रक्त कता छ ह ৰা, এনিমিত ধেলিটার জেনরল যাং রেজিটার ও স্বরেজিটারের মৃত্চাহিল। রেজিটবির সময় আংল, আংকএব আংমর: কল আফিস ১০১২ দেনের অধিক বছ बर्ग्व क्षेत्र विद्युष्टमा कवि ।

দন্দমার পুলিখের সাইত গাড়োয়ান विवास प्रतिष्ठित् । शांत्राञ्चात्रात्वा अक्व श्रांखळा कांत्रवारह, श्रुलिय कर्माहातीहि কথন প্রাজিতে লইবে না। বোধ হয় কিছু MICE !

আমরা ২৪ পরগণার মাজিক্টেট ও রাব विकारभन्न कथिमनदरक खानाहरफिक्टि भ **अञ्चलभाव तक्षक मायक हुई वर्शक लाह** व कांशक काल इहेल प्रमान खाल हा व्यास्त्र अक्षी इंड्यार्ड अहे हुई त्र गटमर कथा रया किन्द्र भूतिय अभवेत्व विरमय क्षेत्राच वाहित करिएक भारतम এড কলি হাজড়ে রাধা অভিনর ভানায়

शिक्षा भागे यह बालने नाम कि ताम वानी गित क्षिम्बद्धक बार्निद्र १८ श्रुपानात मात्र कुल्कः । अभिमातिमरश्रत । य अक काराठ कुषरकश्चा क्यीनावनिश्वत काछा। (काम कथाई वरत मोहे, छोहाता अवद्या काम व्हेटक मुक्क व्हेदात आर्थना करतः পুर्क अभौनातभन भूक ना इहरन छाहा धार्थमा परिवर्ष क्या स्टेट्ड भारत मा हा गार्विय अहे ज्याना (यम साहे। क्रिक शर्म श्रीमाप्त्र श्रीकिशि क e ভানাইয়াট্েন বিদ্যালি**ভা**র নিষিত্ कत्र तृष्टि कत्रा विरश्तं नरह । कामी शकृष्टि अभीमारवदा (चेन्हां शूर्यक अहे कर मिटल াটে, কিন্ত ভথার ক্ষীণার্দিগের ক্ষ্ েস মান্য জমীলারী আছে মাত্র চ বিদ্যা चाता डांशिमिश्वर डिमकाव स्टेग्नार्ड। জনায়না লইখা হস্ত বুদের উপরে কর কোহার মতে অভিশয় অন্যায় । জিনি ছেন সকল স্থানে লোকে খেছাপুর্বক শর জ্বাপন করিতেতেন। এগুলীর উৎ লেট (যথেট চইবে: সাধারণ **মডই** ভূমির উপর কব স্থাপন করিলে প্রদশি নার বিদ্যা শিক্ষা অবেশ্য কর্তব্য এমত নাকরিলে চলিবে না। **ত্রিটিশ নামে** হইবে ; আমীদানেবা আনসম্ভ চইবেন ; দিলের কণ্ঠ বাড়িবে অপচ বিদ্যা হুইবে না। সর্জন লবেল এ চেষ্টা করুন ৷

इ। এই পত্র श्रांका कार्यम आरहर शवर्व-

২৮ এ অ'বণ মললবার।
ত বংশর ৬৯ খানি জাগাল কলিকাডায়
বার সময়ে ভূমিতে লাগে, গবর্ণমেন্ট এবিষ
বস্ত্রান করিবার জাতা দিয়াছেন। কলি
বস্তর থাকিতে এ ঘটনা ছনি বার।
তকলা একশেচজগুহে নিয়লিখিত টাকার
চন বিজ্ঞীত চ্ইয়াছে:—

প্রতি প্রধানতম বিচারলয়ের আদিমবিতা

ব আপীলের বিচার প্রধান বিচারপতি,
পতি মাককাসন, মার্কবি, লুই, আক্রম ও

নোধ মিত্রের নিকটে হইভেছিল, তাহাতে

করুত্র বিষ্টের মীমাংলা হইরাছে। ১৮
কের ২৪০ ধারা লইরা এই প্রশা উবিত

যদি এক জন ডিক্রীনার কোন সম্পত্তি

করেন, আর অধিকারী, মেই সম্পত্তি

করিক্র করেন, বিক্রের এক কালে সকল

নের পঞ্চে অথবা ব্রেল ক্রোক্রারী

নারের পঞ্চে অথবা ব্রেল ক্রোক্রারী

নারের পঞ্চে অবিশ্ব হইবে ই বিচারপতি

নাংসা করিরাছেন; ইংাতে ক্বেল ক্রোক্

कांत्रीत पर्वशिन व्हेंदिन ना । आकः भत काना (कह क्ला कतिया क्लिंग (न क्रिंग) निया मण्डि क्ला कतिया व्हेंग । इहें नक क्रिंग मण्डि समाय क्लिंग व्हेंग । इहें नक क्रिंगत मण्डिए समाय क्लिंग क्लिंग क्लिंग क्लिंग क्रिंगत । क्लिंग मण्डिल क्लिंग क्लिंग मण्डिल क्लिंग क

দিলীগেজেট বলেন, বোদাই গ্রন্থেনির প্রতাবাস্থ্যারে ভারতবর্ষীর গ্রন্থেনিট সিদ্ধান্ত করিরাছেন, একারজুক পরিবারের সকলের আরসম্ভি করিয়া ভর্পরি লাইদেল কর লওয়া হইবে। চুণাপুঁটি না এড়ায়।

সম্রতি আগরায় এক জন ছণ্ট রাত্র ধন জীলোক হত হওরাতে এক ব্যক্তি এই বলিয়া পুলিবের হত্তে আঘাসন্দর্শন করিয়াছে, আমি হত্যা করি নাই। কিন্তু আমাকে অবল্যই সন্দেহ করা হইবে বলিয়া অধ্যে ধরা দিলাম। এ লোকটী কাজের বটে।

ঝৰলপুরের নিকটস্থ একরাজ গড়ের এক স্থানে উত্তম পৌহের ধনি বাহির হইয়াছে।

গভ কল্য প্রধানতম বিচারালয়ের সপ্তম কৌজনারি সেসিয়ন আরক্ত হইয়াছে। বিচার পতি নন্দাণ। লেপ্টনান্ট গুল্ ভাগাদোধ স্থীকার করেন। কিন্ত ভাগার বারিপ্টর প্রশান সাহেব ভাগার জ্ঞাভি, পদ ও চরিত্রপ্রভিত্র উলেথ করিয় বিচারালয়ের নিকটে ক্যাপ্রার্থনা করাতে বিচারপতি ভাগার কঠিন পরিজ্ঞানের সহিত ছই বংগার মেয়াদ দিয়াছেন। হিসাব করিলে যথেষ্ঠ হইয়াছে।

ডেলিনিউন বলেন সম্রতি ভারতব্যীর রেলও্রেতে একটা ছফ্টনা হইরা ৬ জন হত হইরাছেন, ছই জনের জীবনসংশয়। নারায়ণ গলের লিকটে পর্কত উড়াইয়া দিবার সমরে এই লোচনীয় ফ্টনা হইরাছে। হত ও আছেও দিক্ষের সকলেই ভারতব্যীয়। ব্য ভারতব্যীয় দিগতে লইবার নিমিত্ত নানা ছার খুলিয়াছেন।

কলিকাতা ও উপনগরে হত্যার ক্রমশ: বৃদ্ধি হইতে লাগিল। ঠনঠনিয়ার মুজা রেশার হত্যাকারিগণ থুড হইল না। ডেলিনিউসে দৃষ্ঠ হইল, চিৎপুরের এক ব্যক্তি এক বৃদ্ধ বেশ্যার অলভারের লোডে ভাহাকে মাড়-সংগ্রেম করিড। কিন্তু বেশ্যালী শীল্প প্রাণ ভাগানা করাডে সে গড় শুক্রবার রাজিতে

ভারতে বধ করিবার চেষ্টা পার। বেশ্য বোগ করাতে এই ছয়াত্মা পলায়ন ক কিন্তু পুলিব শীস্ত্র ভাষতে ধৃত করি বৈশ্যানির গলার কিয়নংশ কাট্রাছে মাত্র ২৯ এ আবন বুববার।

১৩ই আগই নেপ্টনান্ট গৰ্ণর মু উপনীত হইবেন। তৎপরে পাটনা, স্থুরুই মান ইইয়া ২৯ এ অথবা ৩০ এ কলিকা প্রস্থাগ্যন করিবেন।

कासूत्राति क्षवि १ हे काश्वेश्वर्गां १२ हेक द्वि हहेन्नाष्ट । शक ३८ वरशदा अहे मर्था शह्फ ७৯-৯৯ हेक सन हहेन्ना क्वा ताक क्षवि नित्रकृत द्वि शिक्ष्य हा काकात क्षिकारम ताकात स्व १० सन् हेन्नाहिन । स्कव्यन शूनद्वात वन ११ हहेवात क्षा नक्षम (स्वा याहेरकहा।

আগামী দেক্ট্রর মাসে সর হেনরি ।
পীড়ানিবন্ধন তিন মাসের বিধার কইরা ইং
যাইবেন । ভারতব্যীর প্রবর্থনেন্টের ট সেক্টোরি কর্বেল নন্দাণ জাঁহার প্রভিনিধি
বেন। সর জন সরেল নিজে ১ লা আছুর
এ দেশ ভগাগ করিবেন।

সর রবটে নেপিয়র '' লাভ নেপিয়র অব দালা » উপাধি পাইয়াছেন। এরাণ জন ভিনি সর উইলিয়ম মানস্ফিলডের পদে সেনাপতি হইবেন। কেহ কেহ ভাঁহাকে: জেনরলের পদ দিভেছেন। প্রধান সেই হউন, ভাহাতে আময়া নিরানন্দ নহি। কোন ভারভব্বীয় কর্মচারী যেন গ্রহ্ম বা হন।

সোমবার রাত্রিতে কাপ্তেন হেনরি রে
লেলে মৃত্যু হইয়াছে। পাঠকবর্গের
থাকিবে, জালবাই হেগার নামক এক বা
বধ করিবার চেষ্টা পাওয়াছে এ ব্যক্তির হ
মেয়াদ হইয়াছিল। এ ব্যক্তি এক জন ভ
মন্ত্রা ছিল। যেমন আকৃতি, প্রেক্তিও বে
করণারের অনুসন্ধানে উদরামন্ত্র
মৃত্যুর কারণ স্থির হইয়াছে। এই অনুস্
একটা অভিশন্ন ভ্রমাছে। এই অনুস্
বাছে। প্রেসিডেলি জেলের ৯১০ জন ব
শীর ও ১৬৮ জন ইউরোপীয় করেদির মা
ভিন মালের মধ্যে এই এক জনের মৃত্যু হ

हेलिया हाइयन बर्गन, निकृत ता श्वमताबारम अक्षी बाजूनानरयत जनस् क्षिप्रामिक काश्मित ६०,००० होका क्षित्रार्थन। এক জন বেশ্যার একটা কন্যা হওয়াজে ভিমত রেজিষ্টরকৈ সংবাদ দেয় নাই। কিপা বিভিন্নলা ভাহাকে পুলিষের ভয় ন করিরা ৪ টাকা উৎকোচ লওয়াভে প্রতিন্ধাণ ভাহার ছই বংসর মেরাদ চন। টাকার পরিমাণে আর ছই বংস্ব

i),

ার ও দক্ত প্রেক্ত ধিরবার নিমিত কলিক।
পুলিষে এক দল গুৰুৱী নিমুক্ত ব্রীয়ালে।
আনক্ষের বিষয় চিক্ত মি ধলের সংগ্য ক্র এক দেশীয় কর্মচারী রাখা আবশাক।
দলের শীধ্রানে যেন ইউনাম গুকুতের
ক্রে নিযুক্ত করা না ব্য়া

জ্রোভার ভাকর শই স্পদ্ধ ব্যক্তিদিশের

তালিকা করিয়া বলিয়াছেন, ১৮৬৩ অব্দেল প্রাণিত লিভে ১৮৯০ তান লোক বিয়াছেন, ইহার মধ্যে মালুছেই ১৬ জনের মৃত্যু হইয়াছে। এটি বলেন, অন্য অন্য রোগের ন্যায় স্পানিতর লোকে প্রাণত গোগ করেন, কেবল সংগ্রহ করা হয় না বলিয়াই স্কান্যধারণে নোয়োগী হন না। সিন্ধুতে প্রভিবংসর নায়ে গুলি বল্ল ইহাতে মৃত্যু হয়। এলা ন্যায় এ রোগের প্রকৃত উব্ধ আবিষ্কৃত ছেনা, এটা অভ্যত স্থাং বিষয়।

জকুমার আলক্ষেত্ত নিশ্বয় এ দেশ দশন তছেন: কয়েক বংগরাবধি ইউরোপীয় দগের সংখ্যাবৃদ্ধি হইডেছে। রাজবংশের এ দেশ দশন করেন, এটি প্রাথনীয়। মিরা আহ্লাদিত হইলান, ১৪ প্রনার

শ্বপরিকে গুলি বারু নারায়বদীন তেওয়া প্রথম প্রেলির ইনক্পেইরেব পদে নিয়ো করিয়াছেন। ইহার তুলা পুলিষ কার্য। ডিজ অল্ল দেখিতে পাওয়া যায়। এপ্রকার দর উরতি হইলে সকলেই আনন্দিত হন। গান বিচারপতির সহিত বিচারপতি জাক অন্য অন্য জ্ঞানের পুজার ছুটি লইয়া পুন মতভেদ হইয়াছে। সর বার্ণেস পিকক ছুই পরিবত্তে এক মাস বন্ধ দিভেছেন। অন্য। বিচারপতি ইহাকে আপতি করিভেছেন।

য়ে প্রজিবারের কলিকান্তা গেকেটে ত পাওয়া যাত, পুরি সপুত্র কারাকে স্থানে নিযুক্ত করা হইয়াহিল বর্তমান আনার গুই নিয়োগ চ্চিত করা হইল। বের ব্যুক্ত স্থাকোপাঞার বিচারের

এক জন বেশ্যার একটা কন্যা হওয়াতে মত না কি ? এক বার ডিক্রী, আবার প্রভাগীর ভিমত রেজিপ্রকে সংবাদ দেয় নাই। অসুরোধে ডিস, খিস হইতেছে।

> গত বংগর সমুদায় ভারতবর্ধের নয় কোটি টাকার নোটের মধ্যে এক খানিও জাল ইয় নাই। আফ্রাদের কথা।

৩॰ এ আনাৰণ বৃহস্পতিবার।

সূতন প্রাপে আইনে ছবিধা অথবা অসুবিধা হইয়াছে এবিধরে গবর্ণর জেনরল খানীয়
গবর্ণমেন্ট, বিভাগীর কমিসনর এবং বাবজীর
এডদেশীর ও ইউরোপীয় বিচারপতির
মড জিজাসা করেন। আমরা অবগত হইলাম
কয়েক জন নিরম্বছিস্থ ত কর্মচারিভির আর
প্রায় সকলেই ইহাকে মরিদ্রপীত্নকারী আইন
খলিয়া নির্দেশ করিরাছেন। এক জন প্রধান
সদর আমীন বলেন, এ আইন হওয়াতে নকদ্দমা
প্রিয় ধনবান পুর্জিদিগের মকদ্দমা বহু হয় নাই,
ভাহারা আরো স্থাবিধা পাইয়াছে। দরিদ্রেরাই
স্থান্সের মূল্য সংগ্রহ করিছে না পারিয়া
নায় হইছে বঞ্চিত হইডেছে স্থাবিধার
মধ্যে মক্দ্মার সংখ্যা ক্যাতে বিচারপতিদি
পর অনেক অবসর হইয়াছে।

প্রনির্মান বিদ্যালয় লইয়া মাক্রাজের শিক্ষা বিভাগের ডিরেইরের সভিত গবর্ণরের মতভেদ হইয়াছে। ডিরেইর বলেম, অন্য জ্ঞাতিকে ভদ্র বংশীর জীলোকের সহিত অধ্যয়ন করিতে দিলে চাত্রী পাওয়া যাইবে না কিন্তু গবর্ণর জ্ঞাতি ডেন করিতে অসমত হইয়াছেন। সময় ও সমাজের অবস্থা বুকিয়া কাল বরাই কর্ত্বা।

সর রিচাড টেম্পল একটা উত্তম কাল করি ভেছেন। প্রতি জেলায় এক একটা সেবিঙ बराध्य रहेएकट्ट। अहेनकन बहारकत व्यक्ति বর্ম কয়েক অন ইউরোশীয় ও এতক্ষেশীর ভদ্র লোককে নিযুক্ত করা হইবে। বাঁহারা জমা দিবেন, তাহাদিগকে শতকরা ৫ টাকা স্থ্ৰ (मश्रद्धा कहेट्य। अक वल्यत ४००० अवर यर्क *হান্*ব ২€.∙ টাকার অধিক কাছাকেও জনা मिटक (म अहा इहेरव मा। अहे हाका मरमा मरसा कुषकमिशास्त्र व्यक्त इष्ट्राम धात (मञ्जूश इहेर्स) ক্রমণ: যাবভীর উপবিভাগে এইপ্রকার সেবিঙ ব্যায় হটবে। বেখানে ব্যাক্ষের শাখা আছে (मचात्म छाहारकहे (मरि धवा इक् कहा इहेरव। আমরা এই বন্দোৰত্তে অভিশন্ন মণ্দা দেখি ভেছি। মহাজনদিগের স্ক্রিয়াস বল্ধ হইলে कुषकमिरशत्र यथार्थ छेन्नछि इटेरर ।

কিংশান্ত হইতে সংবাদ আসিয়াছে, তন্ত্ৰভা অধিকাংশ বিজ্ঞাহী শাসিত হইয়াছে। বিজ্ঞো-হীয়া দেওৱানকৈ বৰ ক্রিয়া বলে শ্লায়ন कतित्रारह । भूनिय क माळाजी निनाहीता । वावजीत भन्नी बाद्य भिन्ना इएक्किंड व्यक्ति भटक मयन कदिरक्ष्यह । (यमक्त मकात भनावन कतित्रारहन, डींशांता व्यक्तिका ची मक्ता कर्मेत्रारहन।

বে হই ব্যক্তি ঠনঠনিয়ার মুক্তা বে হজাকারী বলিয়া যুত হয়, করণার ভাঁহাটি ছাড়িয়া দিরাছেন। সম্প্রতি উভয়ের যে প্রতিপত্তি হইয়াছে, ভাহার যে রক্ষা হইল আমাদিগের আক্ষাদের বিষয়।

অজেলিয়া হইছে বিস্তর লোফার জা গিয়াছে। ভত্রত্য ইংরাজ অধিবাসীরা গকে বহিন্দুভ করিবার চেষ্টার আছেন। ব পেথিভেছি, লোফারদিগকে বলপুর্ণাক দাসদিগের ন্যার খাটাইয়া আহার হইবে।

৩১ এ আবিণ শুক্রবার।

আমরা শুনিয়া ছংখিত হইলাম. ব আটণী বাবু গিরিশচক্র বন্দ্যোপাধায়ের চইয়াছে। ইনি এক জন উপযুক্ত লোক ছি ইহার নিজ্য অনেক সং ব্যয় ছিল। অন অস্ত্রদান করিভেন।

গিজনি জাকুব জালি খার হস্তগত হট নগরের লোকেরা উহিংকে ছার খ দিয়াছে। বোখারার রাজা বলিকদিগের বি ৫০.০০০ মোহর কর্মজ করিয়া পুনর্কার দিগের সহিত মুদ্ধ কারিয়া পরাজ্যিত হটরং ক্লীয়েরা বোখারার নিকটে আসিং বুদ্ধের পর অব্ধি রাজার দেখা নাই।

গগুকী নদী প্লাবিত হইয়া রেওয়া অবধি লালগঞ্পবা,ত জলমন হইয়াছে।

পিরনিয়র বলেন, নরেমরের প্রার্ভেরার প্রধানত্ম এবিচারালয় আলাহাবাদে আগিবে। সকল বন্দোবস্ত না হইলে বিচারপত্তি আগিবেন না। তিনি ও আগর ছবিচারপতি আরও ৩।৪ মাস থাকিবেন।

शिका विभिन्न निर्मात विभिन्न के स्वानिक स्वेद्राह । का स्वानिक स्वेद्राह । का स्वानिक स्वेद्राह महिला निर्मान स्वानिक स्वेद्राह शिक्षण मामाना स्वानिक महिला वात का ना अवर (तल क्रिक्र का स्वानिक का ना निर्मान का स्वानिक का स्वानिक का स्वानिक का स्वानिक का स्वानिक का स्वानिक स्वा

ষদেশীয় আক্ষণ্দিগকে ভোজন ও দান । স্নিন্দার পথ বন্ধ কহিয়া দিলেন।

শনাল পেপার বলেন, বাবু প্রসন্ত্রার
ক্রমশঃ আরোগলোভ করিতেরেন।
মূলাজোড়ে একটী সংস্কৃত বিদ্যালয় করি
নিমিন্ত ৫০,০০০ টাকা দিয়াছেন।
কায় বাটী হইবে। মূলাজোড় ভালুকের
হু হুইতে বিদ্যালয়ের বায় চলিবে।

৩২ এ জ্ঞাবৰ শলিবাৰ।

ই আগষ্ট বোষাই ব্যাঞ্ক কমিদনের সন্মুখে ীদ রায়চীদের জাবানবনিদ ছইয়াছে। ালালের ক্সবানৰ দিনতে বোদাই ব্যাজ্যের জ্বন ডি**েট**রের অনেক গুণ **প্রকাশি**ড ছে। প্রেমচাদি প্রায় যাবভীয়া ব্যক্তি ও ষ্টেক কোম্পানির হস্টিকর্ত্ত। ছিলেন স্থীকার ড়েন। তিনি প্রথমতঃ সামান্য খতে লক াক। ধার দিবার প্রথা প্রচারিত করেন। র বেরুয়ার অবংশ এক্য় বিরুদ্ধ করিছেন। াদের নামে টাকা দিয়া দেই টাকা আংপ নিয়ে লইডেন। সব চাবুলস জান্তন প্রেম গ্রাণাত্তঃ বোষাই ভাগে করিতে নিষেদ াছেন। এবার যদি ছুশ্চরিক্স পুর্জ্জনিধার দণ্ড ।, काश इंड्रेस कथित्रन वत्राहेवात केरमणा কইবে। বুরার, স্কট ও ট্রেসিসা**ছে**ব . Ř.

---:0:---

ইউরোপীয় সমাচার।

ওন ৭ই আগেট। গতকলং আলডরশটে দ্যের রণকৌশুল দর্শন করিবার সময়ে

বাট নেশিয়র উপস্থিত ছিলেন। স্টেটি কাইটেল্ডলম্প্র সংগ্রিকেন

আটা কুইটজরলতে থাইতেছেন। তিনি স উপনীত **হট্**য়াছেন। ফরাশী রাজধা অবস্থানকালে হাজী ইউজিনি তাঁহার সাজাত কবিয়াছেন।

সাক্ষাৎ করিয়াছেন

ারণ বন বিউষ্ট সম্প্রতি এক বজুভা াবলিয়াছেন, ইউরোপ মহাখণ্ডের ভাব স্থাক

হ্বক। লেটাও আলেকজন্তিয়ার মধ্যুত সমুদ্র হত টেলিগ্রাফ সংস্কৃত হ**ইয়া** পুনর্কার দুসম্নাপ্যন করিতেছে। আগরাব্যাক্ষের অধ্যক্ষ গর '' এ ই চিক্লিড অং শের শভক্ষা ৮ টাকা লাভ প্রদান করিয়াছেন।

৮ ই আগষ্ট। সর জন সংরক্ষের পর আরেল মের ভারতবর্ধের গবর্ণর জেনরল হইবেন, এই জনরব ক্রমশঃ দুচীভূত হইতেছে।

মাড়ষ্টোন সাহেব লাক্ষে নিয়ারের দক্ষিণ বিভাগের প্রতিনিধি মনোনী ডকারী দিলের নিকটে এক বজ্জা করিরাছেন। রাভিকাল দলের মডাঙ্গুলারে কাজ করিবেন ভিনিত্র এক্সপ অভিপ্রার ব্যক্ত করিয়াছেন।

গবর্ণমেন্ট বিজ্ঞাপন। বঙ্গদেশীয় লেপ্টনন্টগবর্ণরের আদেশাস্থ্যারী

निरम्भ।

৩ রা আগস্থ । ডবলিউ, কর্পেল সাহেব রঙ্গপুনের প্রতিনিধি সিবিল ও সেসিয়ন জন্ম হইসেন।

यड मिन अ. स्व. अनियं गार्ट्य विमाध महेया व्यक्तपश्चित्र थाकिरवन, एक मिन है, है. बूहेग गार्ट्य मिनासप्तात्त्व अकिनिधि मिन्ति ए मित्रयम अस्य स्हेर्यन।

২২ এ জ্লাইদ্বের গেজেটে কর্নেল নাচেত্বর দিনাঞ্পুরে ও জুইন সাচেত্বের রঙ্গপুরে নিয়ো-গের যে বিজ্ঞাপন হয় ভাছা এভদ্মারা রহিত হইল।

यस मिन लिकीनके कर्णन आ, अह, शहिम न विरमय मतकाती कार्राशिमाक स्थान स्वत शाकि-विन, एक मिन स्थानती शृंठ कतियात विका-श्वत (ए शृष्टि देनए अष्टेत स्था, अह, तिन मार्ट्य स्थान कार्य किन हर्ज्य हरूवार स्वत शृंतर्थत स्थानिधि (ए शृष्टि देनए अष्टेत स्थानतम इहेर्यन।

যত দিন লেণ্টনন্ট এল, লুইস বিদায় লইয়। ক্সুপঞ্জি থাকিবেন, তত দিন জি, জে, বি, টি ডাল্টন সাংহ্ব দিজীয় জেণীর প্রতিনিধি সহ কারী ক্মিস্নর হুইবেন।

৫ ই আগষ্ট। ই. এচ. রডক সাহের ধারজা-ভার মিউনিসিপালিটির সহকারী সভাপতি হই বেন।

নিমুলিখিত ভয় লোকেরা মালদছের দাতব। চিকিৎসালয় চালাইবার সভার সভ্য হইবেন। বাবু রাজকৃষ্ণ সেন।

" যোগেশচম্দ্র মিত্রাবি, এ।

২৪ পরগণার প্রভিনিধি আইন্ট মাজিরেট ও ডেপুট কালেইর এফ, ডবলিউ, জে, রিজ সাবের ১৮৫৯ অন্দের ১০ আইন ও ১৮৬২ অন্দের (বংবাং) ৩ আইনের অনুসারী মকন্দ মার আশীল প্রবণ করিবার ক্ষমতা পাইবেন।

য'ত দিন ডি, লেসি সাহেব বিদার লইর অসুপস্থিত থাকিবেন, তত দিন ডবলিউ, আর, তাণ সাহেব পুরীর প্রতিনিধি পুলিব স্থপরিন্টে গুলুই ইবেন।

টি, এচ, উইকস্ সাহেব বহরমপুরের বিধ্যা শিক্ষা সভার ক্ষান্তর সভ্য হইবেন। জে, সি, উইলিয়মগন সাংক্ষ সম্প্রতি বর্ত্তমানের প্রতিনিধি ডেপুটি ও ডেপুটি কালেটর নিযুক্ত করা হয়। ৯ ই জুলাই ভগলীতে বাইবেন।

মর্মনসিংকের জন্তর্গত নসিরাবাদের রিজ্ঞ মুদ্দেক বাবু ত্রৈলোক্সনাথ মিত্র বি, মাদারগঞ্চের অভিরিক্ত মুদ্দেক হইবেন।

৭ ই আগষ্ঠ কালনার ডেপুটি মাজিরে ডেপুটি কালেইর বাবু দারকানাথ দে বর্দ্ধ মাজিটেটের ক্ষতা পাইবেন!

্র • ই আগষ্ট। মুগ্দি বনয়ারিলাল ছাও মিউনিসিপাল কমিটির অন্যত্তর সভ্য হইবে

যত দিন এস, ডবলিউ, ফালান সাহেব'। লইয়া অসুপস্থিত থাকিবেন, ততদিন প কালেজের অধ্যাপক এ, ইউহাক্স, সাহেব এ, নিজের কার্যা ভিন্ন উত্তর পশ্চিম বিভ প্রতিনিধি স্কুল ইমস্পেটর হইবেন।

--: • :--

আমাদিগের মেদিনীপুরস্থ সং দাতা লিখিয়াছেন।

পুনরায় অন্য করেক দিবস অল আর হইতে আরম্ভ হইয়াছে। কিন্তু পর্কাত্র সূচার হুটি না হওয়াতে কৃষিধার্য্যের স্থবিধা ডেছেনা।

২। একজিকিউটিত ইঞ্জিনিয়র মাধ্ব নামে কৌজনারিতে আবার তহবিল্যাটি নালিন উথাপিত হইয়াছে। দেখা যাউক এ কি হয়। গুনিতে পাই ইয়াডে যদি কিছু ন আরও এক নম্ব কলু হইবে।

ত। আমলাদিগের বেতনর্দ্ধি লইয়া এ ছলপুল পড়িয়া গিয়াছে। অব্রত্য ক্ষরে মুলফের আমলাদিগের ৩০ টাকার স্থলে ১ ১০ টাকার স্থলে ৪৫ এবং ১০ টাকা । ডোগীদিগের ২০ টাকা হইয়াছে। আবার বংস্রাক্তর ২ টাকা করিয়া বাড়িতে খালি যদি গবর্ণমেপ্টের সকল কার্যালয়ে এ বেডনের নিয়ম হয়, ডুবে বর্তমান সময়ে বে এক প্রকার চলিতে পারে।

৪। আমি সাজিশয় ছংখিত হইরা এ
করিতেরি যে, অরতা ইংরাজী বিদ্যা
প্রধান শিক্ষক বিখ্যাত বাবু রাজনারায়
প্রায় ২ বংসরের অধিক কাল পীড়িতঃ ও
কুটীতে আছেন গকিত শুনিলাম ডিরেইর
শিক্ষন সাহেব তাঁহাকে কটক হাই স্কুলের গ
শিক্ষকতাকার্য্যে নিযুক্ত করিয়াছেন। মহ
রাজনারায়ণ বাবুর তুল্য বিহান, বুজিমান
সংশীল লোক আলরা অল দেখিতে
ভিনি যদিও ১৫০ টাকা বেতনে মেরি
কুলের প্রধান শিক্ষক, ভথাপি ইহা

- 605-

ুদ্ধির সহিত স্থানাস্তরে উল্লভিও হইরা ্কিড়াডিনি এখানকার জল বারুর উৎ-তা জন্য সে উন্নভিতে উপেক্ষা করিয়াছেন। র্ম এখানে এক এক জন ইংরাজ হেড মাস্টার ক্ৰেন এবং হাঁহায়া ৩০০ টাকা বেন্ডন পাই ন। শিংক্লিয়ার সাংহ্রের পর রাজনারায়ণ সেই পদে নিযুক্ত হন। কটকের হাই ক লেব ীয় শিক্ষকভা ইছার প্রে যে অপমানকর ার কার সংশেহনাই। ইনি ঘেরপে বিদান ার পক্ষে তথাকার প্রধান শিক্ষকভাই উপ পদ। হাঁহার এরণ নিয়োগে আমরা ভাইরে র জমক্তির থাদে কি বলিতে পারি। বালে র (০ড়ন,টার খাবুগজাধর আনাহার। (যিনি ানে আফিসিএটি: ছিলেন, ভিনিই) মেদিনী ই/রাজা সূলের প্রধান শিক্ষ**ক হইলেন**। ঃ : এখানকার হাই স্তুলের কথা, কথামাত্র ে বয়েক হাজার টাকার কোম্পানির কাগজ

ও। মেনিনীপুরের ডিকী ট পুলিষ স্থারিকেট ট আডাম সাহেব কিছু দিনের জন্য অবসর ব করাতে কাথি বিভাগের আসিষ্টান্ট ষ স্থারিকেটিওকি জনষ্টন সাহেব ভাঁহার গ্রিযুক্ত হইয়াছেন। পুলিষ কর্মচারিগণ! বার সাহধান।

নেবেৰল হ্ৰ হাউল সাহেবকে মনে রাখিয়।

রোক। জাজ ক্ইয়াছি।

---: • :---

আমাদিগের **ঐতিত্তের সংবাদদাতা** খিরাছেনঃ—

গত প্রশ্বঃ অত্রতা সেখবটি ও নওয়াসড়ক ন ইংরাজী বিদ্যালয়ন্ত্রের একটা সূত্র বন্দে। হইয়া গিয়াছে। স্থারের ব্যায়সংক্ষেপ্কর ট বন্দোবস্তে, উদ্দেশ্য। এডাছারা ছই ছুল করা হইয়াছে, কিন্তু সমুদায় জ্ঞেনি এক ন নীত হয় নাই। প্রথম, দিতীয়, ষঠ ও ম খেনি সেখঘাট স্কুলে এবং ভৃতীয়, নি পঞ্চন ও সপ্তম গ্রেণী নওয়া সড়ক স্কুলে ল: এডাগুলক্ষে ভিন্তান অভি প্রিশ্রমী

১। জানতা নবাগত ডেপুট মোজিটেট ডাইনলাম নি. এ, ভবিষাতে এক জান উত্তর কে হুইবেন, বোগ হয়। তিনি প্রীক্ষায় নি চুইয়া প্রথনেই এই ফানে আগমন করি জনঃ কুত্রাং এক্ষণপর্যান্ত ভাষার সক্ল ক্ষায়ন্ত্রপ ভাষাত্র জানে নাই। উংলাকে

গৌরবের পদ ছিল। করেক বার তাঁহার বিষয় জিজ্ঞান। করিতে হয়; কিজ সকলের জির সহিত স্থানাস্তরে উন্নতিও হইয়া নিকটেই যে তিনি সং পরামর্শ পাইবেন, বোধ হয় তিনি এখানকার জল বারুর উৎ- হয় না। অভএব আমরা তাঁহাকে সাবধান করি না সে উন্নতিতে উপেক্ষা করিয়াছেন। তেতি, তিনি যেন তাঁহারা ঘাহা বলেন, তাহাই খানে এক এক জন ইংরাজ হৈছ মাষ্টার : গ্রহণ না করেন।

৩। কিছু দিন হইল, 'ছুঅব্রতা কালেইরীর রিকাডবুকের কোন অংশ জাল করা অপরাধে তুই জন নকল নবিস ও এক জন মুহরের কর্ম-চুতে হইয়াছেন।

৪। গভ পূর্ম শনিবার একটা উল্কাপাত হুইতে দেখা গিয়াছে।

ে। এখানে ঝুলানের বিলক্ষণ ধূমধান আর্থ হইরাছে। চতুর্ফিক গান বাংসের ধ্বনিতে প্রতিধ্বনিত হইতেছে এবং প্রতি রাজিতেই দ্বোলয় ও বৈঠকখানা সকল দীগনালায় আলোকিত হইতেছে।

ভ। অন্তর্গোধারণ পুস্তকালয়টীর কার্য্য-ভার এখানকার নবাবভালার বঙ্বিদ্যালয়েব পণ্ডিত মহাশয়ের হস্তে পতিত হইলে আমরা ভাবিয়াছিলাম, বুঝি ইহার ছর্দশা অভিহিত চইয়া সোভাগ্যস্থ্য পুনক্ষিত হইলঃ কিন্তু কুজ্চিত্তে প্রকাশ করিতেছি, আমাদিগের সে আশাদলবভীহয় নাই। ডিনি প্রপমকয়েক দিবসমাত্র উৎসাহপ্রদর্শন করিয়াছিলেন ; সপ্রাতি নিরুৎসার হইয়াছেন। না হইয়াই বা কি করি-বেন, পুস্তকালয়ে ভাল পত্ৰ বাভাল পুস্তক নাই; প্রভরাং কেবল ভাষার উৎসাচে কি হইতে পারে ? যাঁহারা দেশের সভাতি লোক বাঁহাদিলের হত্তে লাইত্রেরির জীবন মরণের ভার ন্যন্ত রুহিয়াছে, ভাঁহারাই স্ফীব্হতা। नकल विषाप्त्रहे यनि की हा निशास्त्र এইর প व∫ग्न কুঠ দেখিতাম, আমরা ভালুল ক্র হইতাম না। যাত্রা গান কি বাইস্থের নাচের সময়ে ত অনেকেই দুড় মৃক্টি খুলিয়া দেন : কিছ ইংার নামে এক পয়সাও ছাতে উঠে না। ইছা লাই ত্রেরিরই ছউগ্যা। আমাদিগের অধিকতর ছংকে? विषय এই, 🔊 गुक्क , व्यावष्टल कारस्य म'रहरन्य নায় এক জন তেওঁ জনীদার ও প্রধান ধনী সেক্টোরি থাকিতেও ইহাকে অকালে কাল-ক্রাদে প'তত হইতে হইল।

আমাদিগের কোরহাটীস্থ সংবাদ দাতা লিখিয়াছেন।

তুন। সূত্রাং এক্ষণপর্যান্ত তাঁহার সকল । প্রবাহকের অক্সভানিবস্থান কঁ।চাছিয়া চিন্দ্র কর্মহাশয় মফ্রল অমণকালে ইপ্রাহ স্থান্তর্গুল অভিজ্ঞান বাই উংকি পোষ্টুঅপিলের পত্রাদি বিলি করার পক্ষে যে য়াছিলেন। এথানে ইংরালী বিদ্যান ই সংখ্যান্ত্র্যুগুলুর মান্ত্র নিক্ট কোন কোন ক্ষত্যুক্ত অসুবিধা ইইয়াছে, ভঞ্জিয়া আম্বান দিখিয়া উক্ত মহোদয় বহু যম ও পরিআনসং

भूनः भूनः मश्वामभराजः विश्वित्रा व्यानिएक
किन्न प्रकाशितमणः कर्जुभक जश्क्षित्रा व्यानिएक
प्रतारवाण करिएक्ट्रम ना । कात्रम कि, वरि
भाति ना । निक्रेन्छी स्रमार्थत भाति ।
स्र क्ष्मानिवरत्र विरमय स्रविधा रहेरव वरि
भवर्गम देवरत्र विरमय स्रविधा रहेरव वरि
भवर्गम देवरत्र विरमय स्रविधा रहेरव वरि
भवर्गम देवरत्र करित्रारहन । किन्न वार्थ स्मानिवमणः यनि लास्क स्मानुष्य काक्ष्म ।
स्मानिवमणः यनि लास्क स्मानुष्य काक्ष्म ।
स्मानिव क्ष्म रहेल, कर्म मणुर्थ काक्ष्म ।
स्मानिव क्ष्म हरेल वार्य स्मानुष्य स्मानुष्य करित्र मान्य ।
स्मानुष्य मान्य क्ष्म करित्र ।
स्मानुष्य मान्य क्ष्म करित्र ।
स्मानुष्य मानुष्य करित्र ।
स्मानुष्य करित्र ।

২। নবাবগঞ্জ উেসনের অধীন এক এ
এক ব্যক্তি সমাজসংক্রান্ত বিবাদে আর
ব্যক্তিকে এরপে প্রহার কবে যে, ঐ বর্
মাথাব হাড় ভালিয়া যায়। এই প্রহারে
দিন পরে সে জন্মের মত সমাজ পরিভাগি ব
মৃত্যুগ্রাসে পতিত হই গছে। শুনিলাম, প্রহ

৩। অবগত হইলাম, বিক্রমপুরের এক বিচারক বথাসময়ে বিচারাগারে উপস্থিত কার্য্যদি করেন না। কোন দিন ১। ২ সময় কাছারিতে আসিয়া ২। ১ টী মকণ নিতপত্তি করিয়া চলিয়া যান, কোন কোন এক কালেই কাছারীতে পদাপন করেন এই বিচারক মহাশয়ের আর আর দোবের ধেরূপ শুনিতে পাই, যদি তাহা সভ্য হয়, হইলে বড়ই থেদের বিষয়। যাহা হউক, ই সাবধান হওয়া উচিতে

ঃ। ইতিপুদো যে অনবরত করেক দিঃ ইয়াছিল, ভাষাতে অদের অভ্যন্ত কৃদ্ধি এতদক্ষলের শ্বোব অভিশয় ক্তি ক্রিয়া

আমর। ২৪ পরগণার **অন্তঃপ** মগরা হইতে নিম্লিখিত সংবাদ প্রাপ্ত হইয়াছি।

১। এত দিনের পর মগরার সৌভাগ্যের হইবার সম্ভাবনা। ভায়নগুহারবরের র মাজিটেট ও ভেপুটী কালেন্টর প্রীযুক্ত বাবু চন্দ্র কর মহাশয় মফ্রল ভ্রমণকালে ব্রশ্যার য়াছিলেন। এথানে ইংরালী বিদ্যান ই দেখিরা উক্ত মহোদয় বহু যায় ও পরিশ্রমণ ৰ, তাহাৰ আৰু সক্ষেত্ৰাই।

-600-

ह १०० होका होनाय मध्यम् कविश्वा मनदा টর সরিক্তিএক স্থানে আঙুল **ঘরটি এক্ত**েড তে আরম্ভ করিয়া দিয়াছেন। এ বৎসর বর্ষা তে ঘংটী যে সম্পূৰ্ণ হয় এ ত সভাবনা দেখা टिटर≽ ना। यह हारळत्र व्यक्तारित विद्यानसूत्र ন বিশুগুলা না ঘটে, তাহা হইলে এপ্রানেশে বারুর যে একটা কীন্দ্রিস্তম্ভ প্রতিষ্ঠিত

২।এ অঞ্লে বস্তু রোগে বছসংখ্য র মৃত্যু হইতে ছে।

৩। ১৫ দিবৰ এনাগত বৃক্তি হইয়। অংকসমাৎ জলে প্লাবিত হওয়াতে গত বংসর অপেকা ংসর **সপের ভ**ন্ন অধিক ইইয়াছে। এ **সম**য়ে দেশহিতেষী প্রজ্ঞাপালক গ্রন্মেণ্ট দক্ষিণ শের প্রভ্রেক পুলিষ ষ্ঠেসনে কিছু কিছু সর্প-শার উত্তয ঔষধ পাঠাইয়া দেন, তাহা হইলে ষ্ঠ উপকার দশিতে পাবে।

८। अ क्षरमर्ग कृषरकत्रा भारमञ्ज (यगकन) বপন করিয়াছিল, ভংগমুদায় ৈ জ্যুষ্ঠ মাসের ফুটিতে এক কালে বিনষ্ট হইয়া পিয়াছে। তি যেদকল ভূডন বীঞ্চ রোপণ হইভেছে, কৈ ও কাঁকড়াতে ক.টিয়া ভাষার বিলক্ষণ ষ্ঠ করিভেন্সে। এ বৎসর কুষকের কিছুতেই ব। নাই।

ে। দকিণ ব্রোধ হাট ও ফুডন হাট লইয়া াবিবাদ হইতেতে। যদি পুলিষ ভিউটিট রণেটাভেন্ট সাহেব কিয়দ্দিব**দের জন্য এক** (रूप कमें देखिल **७ कर्**यक **खन कम्हेंभे दल्**क দস্থানে নিশুক কবিয়া রাখেন, ভারা হটলে া পক্ষেব কোন পক্ষই কাহার প্রতি প্রকার অভনচার করিছে পাবে না।

াগত ৫০ আগট বৈক:লে হৃষ্টির সময় ার বেজিয়া লামেব এক ব্যক্তিবাদায় লাল তভিল, নৈৰাৎ বজাঘাত হট্য়া ভাহাৰ । চী পরুর ভাগ নই ইছয়াছে।

প্রেরিভ

য়বর শ্রীযুক্ত দোমপ্রকাশসম্পাদক মলাশর সমীপের।

হাশ্র ! গত ২১এ আনবণ নক্লবার বেলা ন ৪টার সময় জীলামপুরের স্লিকটভু ে এটমে একটা শোচনীয় ঘটনা হইয়া क्षत्रहार्थ (सूरद्र । (यथारन . ভাষার নিকটে বসু মধাশয়দিশের বারীভে 🏻 মহাশস্পের পরিবার मकरम

Andrews and the same of the sa পরিবার সকলে ছিলেন, ভাগার কভকটা পুনঃ সংস্করণে) ব্যয় করিলে জনারা বারাণ্ডা ভাজিলা পড়াতে ৫তন লোক চাপা পজিয়াছিলেন : ঐ বারাতা পজিবার শব্দ সম্প বাটীর লোকদিগের কর্ণগেচর ছালে ভাঁহারা তৎকণাৎ দৌজিয়া গিয়া দেখেন, যে नकरन≹ कांप। पिङ्ग्नारः । पतः अपिङ् "বারাতা" খুড়িয়া ঐ ৫ জনকে বাহিয় করা क्रेन। हरे कारनत शांन विद्यांत क्रेज़ारक । তিন জন জীবিত আহেন গকিন্তু আর কিয়ৎ কাল বাহির করিতে বিলম্ব ইলে ভাঁচারাও বাঁচি-তেন না; অভ্যক্ত আহত ইইয়াছেন।

জীরামপুর খারণ } ২৩ জ্ঞাইণ 🖹 কুঞ্জবিহারী রায়।

মহাশর। প্রায় সাত আন্ট বংসর গত হট্ল, ত্রীযুক্ত বাবু রাধিকাপ্রসন্ন মুখোপাধ্যান্ন মহাশয়ের প্রথমে এই গোলামী হর্গ:পুর প্রামে একটী গবর্ণ सिंह नाहासकुछ है श्वाकी वक्षविन्तानम् प्रश्का-পিত হয় ৷ ভদবধি ইহার কার্যপ্রধানী অভি স্থচারুরণে সম্পন্ন হইটা আসিতেছে। গভ বং দর একটী ছাত্র বিশ্ববিদ্যালয়ের প্রবেশিকা পরীক্ষায় ছাত্রবৃত্তি সহিত উত্তীর্ণ হইয়াছে। এবারেও স্কুলের হেড মাষ্টার পবিভামসহকারে निस कंडवामाधन कतिएकत्वनः किन्त कारक পের বিষয় এই যে, রাধিকা বাবু ডিন্ন আন কাহা কেও এই দেশহিতকর কার্য্যে কিঞ্মিনাক্ত ब्राचारमान कदिएक (इसा माम्र मा । हेशह कानन কি, আমাদিগের **অন্ন** বুদ্ধিতে আইসে না। ভাঁহার। বড় লোক, ভাঁহাদের বড় বুদ্ধি।

মহাশয় ! এই খানে উপরি উক্ত মহাশ্রের প্রবন্ধতিশয়ে একটা বালিকাবিদ্যালয়ও স্থাপিত इहेब्राइड । श्राफिनिन २१ । २৮ मि कतिहा বালিকা পভিতে আসিয়া থাকে। শিক্ষকটী অভি সকরিতাঃ কিন্তু অভ্নবয়স্ক। যাড়। ক্উক, ভারার ধারা কার্য্য উত্তম রূপে চলিভেচে। গ্রাম বাদী কভকগুলি ভণ্ড তপস্বী বিদ্যালয়টার উল্ল ভির পক্ষে নানা প্রকার ব্যাঘাত জন্মাইতে ক্রটি करतम ना । छाँशांकरभव कि व्याक्तर्गः विरवहमा !!

মহাশয়। এখানকার রাস্তালীর দিকে দুষ্টি পাত করিলে জানবাসীদিগকে শত শত বার ধিকার প্রদান করিতে হয়। পথটা বর্ষার কণ্ণেক মাস সর্বলাই পক্ষিল থাকে। ইহাতে পথিক-मिरभंद्र (य क्'ड कप्टे हसू, खाहः विनिद्वा (भव क्द्रा याम्र ना । देश मिरभव याजा आवर्ष अ वात्रहेमा-রিতে যে রাশি রাশি ধন র্থা ব্যয়িত ক্ইডেছে,১ । ইন্টি ইওয়াতে অভঃপুরের যেখানে তাহার কিয়দংশ এই শুভকর কার্য্যে (রাস্তানীর **হইতে** পারে।

মহাশয় ! পরিশেষে আর একটা বিষঃ নাকে ও আপনার পাঠকবর্গকে না জীন পাকিতে পারিলামনা। এই খানে কভব নীচ তেলির লোক অব্যাৎ গয়লা, খে পাটুনী, বাক্ট ও জেলেপ্রভৃতি মি রাক্রিতে গৌরভঙ্কন করিয়া থাকে। ই রাজিতে জাপরিত থাকিয়া গৌর গৌর ব উচ্চৈ খনে শব্দ করিতে থাকে। ইহাতে विनीतिरात्र (य कछ कष्टे इत्र ए: हा विनिष्ठ । যার মা। মহাশয়। বুঝিতে পারিতেছেন, নি गमय विश्व रहेरल कछ कष्ट (वांध रुवा हेश গৌরভজনের সময় কতকওলি জীলোকও श्रिष्ठ थारक। कृष्ण राधम वृत्तावरम रागिनि निक्छ लीना कतिग्राहित्सम, এই नागुः **ख्यान धेनकन सीमाक**निगरक नहेन्ना रहा প্রভৃতি করিয়া ধর্মোপাদনা করিয়া থাং কি ভয়ানক বলপার ! ধর্মা ভোনার কি भित्न এই मना च्हिन !!!

গোসামী আপন:র অফুগৃহীভ : ছুর্গাপুর ৮ ই আগষ্ট (ব্রীআন্তরের চট্টোপান 72.22

সম্পাদক মহালয় ' মন্ত্রাদিকের প্রাণন্ বিকাবমধ্যে সর্পাংশবিকার দেরপে ভয়: ও আভিশাণ্যাতী, বুঝি এমন অব বুদুঔ হয় ন श्रवमाविध क्षिकिरमा ना इंड्रेस वीर्याचान छ পও নিকল হইয়া যায়। আমি ও আমার ক জন বন্ধু স্পাঘাতের চিকিৎস্ক ৷ আমা: भहोक्शाम समकत अवन छेडीर्न इस्माटक अ स्य अद्याग्न स्वज्ञात्र अस्य वहवशत कतिए७ इ ভাষ। সর্বসাধারণের বিদিভার্প ক্রমশঃ প্রক করিব এরূপ বাদনা করিয়াছি ৷ তল্মধ্যে অন্যুখ লিখিত করেকটী ঔষধের বিশ্বয় আপনকার বি ব্যাপিনী পত্রিকার উপাস্তভাগে প্রকাশ করি চিরবাধিত করিবেন, পাঠকবর্গ পরীক্ষা করি দেখিলেই চরিতার্থ ১ইব।

প্রথমাবস্থায় চিকিৎসার অচিস্ত্য প্রভাব দপ্তস্থানের চারি পাঁচ অসুলি উর্জভাগে : ঃচ্বৰনপূৰ্মক তীক্ষ অল্বারা ক্ত স্থানে মাংস খণ্ডকে ছিল্ল কির্মা কভকটার নিৰ্গত করিতে পারিলে রজের সঙ্গেই বিষ বাণি रहेड़ा यात्र, कात 8 i c ही कमली कल का काली इरकत को हो। अके एक काल्य हर्सन कहि এ সপ্ৰিষে কোন বিকার জন্মায় না বিষ ইয়া যায়।

শে ও নাসা হইতে কফ বা কর্ণ হইতে মলা করিয়া বাম হস্তের অনামিকা অলু লিছারা নে লেপন করিলে বিধের বিষত্ব থাকে না। শেনের পর হই এক দওমধ্যেই কবে-

ংশনস্থানে মন্থারে মূত্র একঘাটাকাল করিলে কিখা কভ স্থানে স্বয়ং প্রজ্ঞাব দিলে অথবা এক বস্তবপ্ত নরমূত্রে ভিক্সা শুপ্টীর মৃত বন্ধন করিয়া রাখিলে স্পরিষ্টি

रेऽखन, इंडरल

সোত্ই ফটিকারি জালে ঘণিয়া পান করা সপ্বিধ থাকে না। শীপ্র চৈতন্য হ**ই**য়া গ্রেষ্

চারি ভোলা আতব তপুল এক পোয়া

ক্রিন করিয়া দেই জল ছণ্ডবর্গ ইইলে ভাষা

অর্জপোয়া জল লইয়া ভণ্ডুলীয়শাক

ক্রেন্সীয়া, বা চামলাই, কিয়া খুদে নসীয়া

র মূল ২ ভোলা ঐ অর্জ পোয়া জলেব

পিষিয়া পান করাইলে সপদংশন জন্য

ল বিকার জন্মে ভাষা শীঘ্র নই ইইয়া

এক ঘন্টামধ্যে জারোগ্য না ইইলে পুন

ঐরূপ প্রস্তুত করিয়া দিতে হয়। ভাষা

জ্বশ্যে জারোগ্য লাভ হয় সন্দেহ নাই।

জ্বশ্যে জারোগ্য লাভ হয় সন্দেহ নাই।

জ্বশ্যে স্থানিয়া লাভ হয় সন্দেহ নাই।

জ্বশ্যে স্থানিয়া লাভ হয় সন্দেহ নাই।

স্বা মুরসিদাবাদ)

ছলামুরসিদাবাদ ।জৌমগঞা। ১ এ আরেণ ২৭৫।

জীর:মধোহন ক্রিরাজ

বয়। আমি কোন বিশ্বন্ধ বা জির নিকটে নিং
ত গল্পী প্রবণ করিলান, এটা কডক পুরা
তিয়াছে বটো কিল ইয়ার কৌডুকংশে কিছু
পুরাতন হয় নাই। বঙ্গদেশের এক জেলার
সদর আমীন ভটাচার্য প্রেণির অন্তর্গত
অনেক ভটাচার্যের নায়ে, প্রকৃত রসিক
। প্রজ্ঞ সাহেবের নিকটে একটা মক্ষমায়
সদর আমীনকে সাক্ষী মানা হয়। তাহাকে
।কে না আহ্বান করিয়া করেকটা লিখিত
প্রজ্ঞাসা করা হইয়াছিল। কিন্তু জ্ঞা সাহেব
ভ্রত্যা সন্মানের সহিত্য মক্ষমার অবস্থা
করিয়া প্রশা প্রেরণ না করাতে প্রধান
প্রামীন নিমাল্যিত প্রগের পশ্চালিখিত
প্রেরণ করেনঃ—

থেম এখা ডুমি কি জান ?

সার উত্র । আমি ব্যক্রণ, সায়, ভিজেনি। র্ষিতীয় প্রশা ভূমি কি দেবিয়াছ? বিতীয় উত্তর। আমি উত্তরপশ্চিমাঞ্চল, কান্দীর, পঞ্চাবপ্রভৃতি দেশ ও নান। প্রকার আশ্চর্য্য আশ্চর্য্য বস্তু দেখিয়াছি

ভৃতীয় প্ৰশ্ন। ভূমি কি শুনিয়াছ?

ভূতীয় উত্তর। আমি নানাবিধ গল ভানি-য়াছি। আর শুনিয়াছি মৌলবী সাহেব (এক জন উক্তর কর্মচারী) আপনার শ্রালকের **रटें डेंप्टकां नहेंग्रा चारक्य !! এই डेंखेंत्र व्य हैटन** कक मारहर काम्हर्यः त्यांव कविरत्नन । शरत काश নার পূর্বর জন জানিতে পারিয়া এখান সদয় আমীনকে রীভিষত ভালিকা প্রেরণ করিয়া পুর্স্ম কার উত্তর গুলি ফিরাইয়া লইতে অসুরোধ করি লেন : কিন্তু সেগুলি " নথির সামিল " হওয়াতে ভট্টাচার্য্য সদর্যজালা ভাহাতে অত্যীকুত হই-সেভাগক্রেমে জন্ম ভালমানুষ विश्वा व्यात्र कि इ डिक वाहा कति (सन ना कि इ এমত কর্মচারির পেক্সন লওয়া কর্ছব্য বলিয়া ভাহার বার্ক্সপঞ্জি করিয়া প্রধানভম বিচারা-कथात ऐस्तर লয়কে বলেন, ''প্রধান সদর আমীনের লেখা এত মন্দ যে তাহা পাঠ করা যায় না 1৯ ভট্টাচার্য্য অন্য অন্য প্রশের উত্তর দিয়া বলিলেন '' ধদি लिया अপविष्युष्ठ वश्लिया भन्छा । कविष्य स्यू, ভাহা হইলে অনেকের ' জলিয়তি ৯ ছাড়িডে হর। আমাদিগের জল সাহেবের ও অর হর না। ৯ প্রধান সদর আনীনের রহসেরে অভাবে অব্যাহাস্য সম্বরণ করিতে পরিলেন না এবং কোন মতে ভাঁহার ক্তি করিতে ইক্ক হইলেন ना । कही हार्यः अक्टल (अञ्चन महेवाटहन, अवर এই অজ একণে এক অন উপযুক্ত সিবিলিয়ান বিচারপতি বলিয়া বিখ্যাত হইয়াছেন

জীবিং---

मूला धार्खि।

শ্রীপুক্ত বাবু কুলদানন্দ মুখোলাগারে গো

১৮৬৮ আগস্ট হইতে ৬৯ জ্বলাই

শর্মান্তরণ রায় চৌধুরী বেড়বলজপুর
১২৭৫ ভাত্র হইতে মাঘ

(ইডেবিনী সভা অনার্দ্যন পুর
১৮৬৮ আগস্ট হইতে ৬৯ জ্বলাই

শর্মান্তরণ পাল গোহাড়ি
১৮৬৮ আগস্ট হইতে ৬৯ জ্বলাই

শর্মান্তর বাথ বন্দ্যোপাধ্যায় ভা
১২৭৫ ভাত্র হইতে ৭৬ আবেণ
১৩

নোৰপ্ৰকাপৰংক্ৰান্ত কয়েকটা

विटलंद निग्रम।

অবিষ মূল্য ও ডাকমাকুল না পাইলে বলে সোমপ্রকাশ প্রেরণ করা যায় না।

ইংার অপ্রিম মূল্য বার্ষিক ১০ টাকা বাল্যাসিক ৫॥০ টাকা সফতলে ভাক্ষ সমেত বার্ষিক ১৩, বাল্যাসিক ৭ এবং টা সিক ৩৬০। তিন মাসের স্থানে অপ্রিম গ্রহণ করা বার না। ছণ্ডি, বরাতি চিঠি, অভার, নোটা ও স্থান্দা টিকিট, ইহার আ বাহাতে বাহার স্থাবিধা হয়, তিনি সেই বিরা মূল্য প্রেরণ করিবেন।

বাঁহারা স্থাপটিকিট পাঠাইবেন, ও বেন এক অথবা আধ আনার অধিক হ ও রসীদের টিকিট প্রেরণ না করেন।

বধন বিনি মঞ্চন্ত ইতে সোমপ্রব মূল্য পাঠাইবেন, ভাহা যেন রেজিপ্তরি ব জীযুক্ত ভারকানাথ বিদ্যাভূষণের নামে ব ইয়া দেন।

वाहिति । त्या वाहित श्रम अञ्चेष व्याप्ति । त्या वाहित श्रम व्याप्ति व्यापति व्याप्ति व्याप्ति व्यापति व्

মাজলা রেলভয়ের সোণাপুর প্রেসনের বরে চিটি আইলে আমরা শীত্র পাইব।

বাঁহারা মাজুল না নিয়া পত্রাদি প্রের বেন, ভাঁহাদিগের সেই পত্রাদি প্রহণ যাইবে না।

কেই সোমপ্রকাশে বিজ্ঞাপন দিছে
করিলে ভাঁহাকে প্রথম ডিন বার প্রতিপং
আনা ভাহার পর /১০ আনা দিভে হ
বিনি অধিক কাল বিজ্ঞাপন দিবার ইক্ষা
বেন, ভাহার সহিত শুভদ্র বন্দোবার হই

ক্ষে এই পত্র কলিকাতার দক্ষিণ মাতলা রেলওয়ের গোণাপুর স্টেসনের চাল্ডিপোডায় প্রীযুক্ত ধ্যুকানাথ ভূষনের রালতে প্রকি সোমবার প্রায় একাশিত হয়।

मियशक

১ - ম জাগ।

8२ मः सत्।

" प्रवक्ततां प्रक्रिति इताय पार्थिषः सरस्वती अतिमहती न हीयतां।"

-900-

শক মূল্য ১ এক অগ্রিম বার্ষিক ১ • দশ এম যাণ্যালিক ৫॥ সাড়ে পাঁচ টাকা।

मन ১२१৫। २३ खोजा। ১৮७৮। २८ व स्रांगके

শিশস্থানে মাফুলসনেত অপ্রিম বাহি শাণ্যাসিক ৭. ও ক্রিমাসিক ৩৮০

বিজ্ঞাপন।

বন্দ্যোপাধ্যায় কোং।

এত দারা সর্গাধারণকে আনত করা ক্রিহয়ে, সম্প্রতি কন ওরাড, হার কব স্বোসিয়া,
রেউইক এবং ব্রিটিশফিল জাহাজে উষধ
ল আমদানী হইয়াছে। এসকল জাহাজে
কোং দিগের লওনত্ব এজেন্টগন হইতে
কল উষধ ও ক্র্যান দ্রব্যাদি আমদানী
হাছে এবং ঘেষকল দ্রব্যাদি ক্র্যাদ্রী হইবে
রেইন্ ভয়েষ প্রাপ্ত হইয়াছেন।

डेक काम्मानित ध्यान अवशानम बामहत्रहैं २० वर खरन मृद्यानुत मिडिक्न इत्य क्रवर वाकात कीर ०० वर खरन माथा अवशानम् ११, विश्वक, क्रवर खेरकृष्टे अवश्यक्त शति-मृत्या भूकता वा क्रक कालीन व्यक्ति शति-। विक्रमार्थ निमुख श्रुष्ठ कार्यः।

লিকাডা ৮ই আগষ্ট -৮৬৮।

--- ; • 4 -----

देखेंदेखिया (यल अर्य।

র্নিসাধারণকে আড়ে করা যাইডেছে বে,
। হইডে উত্তরপশ্চিমাঞ্চলের কোন কোন
ন ভাত্র ও দক্তা লইয়া বাইবার নিনিত যে
ব ভাতার নির্ম আছে, আগামী ১ লা
বর অবধি ভাহা রহিত হইয়া সকল প্রেসনে,
ন ভাড়া প্রচলিত হইবে।

তাম ত্র জেনী

দক্তা ২ য় জী
ভিয়া রেলওয়ে সিনিস্ফিক্সেন হাউদী ক্ষোয়ার কলি । একেনি বার্ড চা ১৭ ই জাগস্তা।

উৎকৃষ্টরূপে সংগৃহীত দেও:

য়ানী কাৰ্য্যবিধান।

উক্ত এছে ওকালতী পরিকার্থীদের পাঠ ও সধারণের উপকারার্থে ১৭৯৩ সাল হইতে ১৮ ৬৮ সাল পর্ব্যন্তের প্রকাশিত বাহালী দেওয়ানী সমুদার আইন সাকুলর অভার, কনজ্ঞান, এবং নজীর, (ব্যাধ্যাসহ) ও নিদর্শনভত্ত, মটগেজ ক-টাক্টের সার ও হিন্দুমহন্দ্রীয় ও ইংরাজ मिर्गत वावका ७ देश्मरखत मशक्तिश्च भागम अवामी मश्म्रीख इहेग्रा কর্তুপক্ষগ*ণকর্*ত্তক भरत्नाथमानखन्न दक्षकायात्र मूचिक ६**३८७८**छ । মূল্য ভাক মাস্থলবঢ়তীত ১০ টাকা। কিন্তু ৰাহার: জীযুক্ত বাবু রামচক্র ভৌষিকের নামে কলিকাতা লোড়াদাঁকে৷ ব্ৰাহ্ম সমাজে জীযুক্ত আনন্দচন্দ্ৰ বেদাস্তবাগীশ মহাশয়েৰ নিকট (মণি অন্তর কি এক আনা মূল্যের ভাক টিকেট ছ'রা অথবা অন্য গভিকে) ৮ টাকা অগ্রিম মূল্য পাঠাইবেন, ভাঁহারা ঐ পুত্তক ক্রমে প্রাপ্ত হইতে পারিবেন। পুস্তকের প্রথম ভাগ২০এ ভান্ত, ২ ব্লভাগ ৩০ এ আধিন ৪ শেষভাগ २००७ कार्व्हिक क्षानिष्ट इट्टेंच। ভारक बाइन कतिराज कांग्रे कांना भाक्स्म मिएक स्ट्रेस । छका লতী পরীকার্যিগণ সম্প্রতি ক্ষর্যান্য আইন শিকাকরনা এই দেওয়ানী আইন ক্রমে প্রাপ্ত इहेब्रा अनाम्राटम भिका कहिएक भागिरदम ।

পুনঃপ্রাপ্ত লোট।

নিমুলিখিত অপজ্য অর্জ ও পূর্ব নোটগুলি পাওয়া গিয়াছে। নোটের অধিকারিগণকৈ জানান ঘাইতেছে, নিমুস্বাক্ষরকারীর নিকট আবেদন করিবেন।

| | সংখ্যা | মূল; | পুৰ্ব অথবা অছ | |
|------------|-----------------|------|---------------|--|
| . ₽ | <i>বঙ্গের</i> ব | 7 | অৰ্দ্ধ নোট | |
| 4 ¢ | 18864 | 4. | * ' | |

| 64 | ₩8₩2. | २• | * | | |
|---|-----------------------------|------|--------------------|----|--|
| (9 4.90 | ১ •২৯৬ | ٠. | n | | |
| এ | 8 ७8 € ≥ | ২• | • | | |
| 8 8 | ৮৯৯৩৭ | ₹• | • | | |
| . 8 € | v4. 98 | ₹• . | . م | | |
| 80 | ১৯৬৩২ | ٠, | * | | |
| वि | .1966 | ۹ ۰ | *) 6 | Pi | |
| वि २२ | • > 948 | ٠, | »). (- | | |
| 89 | •1110 | 7 • | a | | |
| 8.5 | °• 58 \$ 5 | ۶. | 25 | | |
| .g. | *•8 ** | ۶. | পূৰ্ণ | | |
| 8.30 | 85722 | 7• | ক্ষৰ্ম নে | ij | |
| 4. | 346¢¢ | ۶. | 94 | | |
| 8.9 T | p 3/5 5 2 | ٠٠ | • | | |
| 8 2 | •৮২৬৯ | 7. | ŭ | | |
| ھد ا | V\$8.> | ٥. | 'n | | |
| 7 P. | 8 ৮ ৮3२ | , • | * | | |
| 34 | ७१४५७ | ۶. | r. | | |
| 4 (| ৩৯৮৫৭ | ۶. | • | | |
| 70 | 2.7.2 | 7. | a | | |
| ত এ | \$47.7 | ۶. | ٠ | | |
| ७३ | 7.7.5 | 7. | a | | |
| e Lo | €877€ | ١. | | | |
| কলিকাড়া কৰিছি, এইচ. মন্ত্ৰণত প্ৰেক্তি | | | | | |
| 701 | र्जा श ष्ट ्र | | াই মাই র | | |

হেমন্তকুমারী।

मस्त्रभावीभागक এक श्रामि नावेक स्रोमक गः श्रद्ध कविश्वा नाष्ट्राहेटलात स्रभीमात श्रीपुक्त गाविक्तहस्त ताग्न महास्त्रगादक देशहात श्रामान एक्त, द्यारा भूक्षिक इदेशहरू, व्याकत-स्त्रमा । स्त्रमा, विना श्राक्षंत कावीत स्त्रमा भः भूका निर्द्धातिक इदेशहरू, व्याक्ष्यकारी इन्ह इदेशहरू श्रीहाता वामना करतम, द्रीहाता (क्षतकारीत निक्रे भन्न निर्दिषम ।

লিকাতা ম'ল কলে। } শীকালীপ্ৰসন্ধেন ভণ্ড:

লম্মণ্মালা।

কাব্যপ্রকাশ, সাহিত্যদর্শন, কাব্যদিশ,
ক্রিকা, এবং দশরূপপ্রভূতি সংস্কৃত অন
বিষ্কা, এবং দশরূপপ্রভূতি সংস্কৃত অন
বিষ্কা, এবং দশরূপপ্রভূতি সংস্কৃত অন
বিষ্কার মালা » নামে এক খানি সংস্কৃত
বি এই মুদ্রিত ও প্রচারিত হইয়াছে। এইবি কলিকাড়া পটোলভাসাত্র বাছুর্যাকোং নিকট এবং চাকা নন্দর্মার গুই ও
বি, আদাশের পুত্রনালয়ে তত্র করিলে
ত পারিবেন। মূল্যদ্ধ জানা নাক্র।

৫ ই জা;গাঠ। ৮১৮!

জী গাৰিকচন্ত্ৰ চক্ৰবৰ্তী

পুরাণ প্রকাশ। ক্ষুপুরাণ।

মসুবাদও টীব। সমেত এতোক খঞ (জা। অংগ্ৰিম মুলা) ॥৽ ।

নি গ্রহণাভিজ্যনী হইবেন তিনি গ্রহাপুর নিউকীট ৩০১ নং ভংগে কাব প্রধান কথ্যান কলিকাক সংখ্যাত (ইপনালয়ের চাজগালোহন তিসালক্ষাবের নামে যাত রাইচ্ছা অজিম গুলা পাঠাইবেন। অজিম হিলে বিদেশে বিক্ষুপুরান পাঠাইবার নাইইভি।

বিক্ৰয়াৰ্থ।

ারডেন রীচংঃ নংবাটী ওদামস্থ ১৯ নংজো্ড়া বাগান।

টুপ্রি উক্ত বাগান ও রাটী যাঁধারা ক্রয় চক্ষ্যবা লইতে ইন্টা করেন, নিয় স্বাক্ষ্য চক্রির নিক্ট জানাইটোন।

> গিলেগুরেস্**আরবো-**থণ্ট এবং কোং

াসনস্থিয়া সংস্কৃত পুস্তকালয়ে ও পটোল
ভাসা বাড়িখে আদার কোম্পানির দোকানে মং
প্রণীত ও মংপ্রচারিত নিম্নিখিত পুস্তক্তনি
বিক্র হটতেছে:—

প্রনীত
বীসইতিহাস
গ্রামইতিহাস
গ্রামইতিহাস

কুমণসার ব্যাকরণ
নীতিসার (২ ম ভাগ)
নীতিসার (২ ম ভাগ)
প্রচারিত।
১ জবোস ব্যাকরণ
দি
ক্রীজারকানাথ শর্মা।

বন্ধকামিনী নাটক (মূল্য এক টাকা)

সংস্কৃত যত্ত্বে পুস্কালয়ে, চীনেবাজারে
জীগুক্ত বাবু ভোলানাথ মুখোপাগ্যায়ের ৬৮ নম্ব দোকানে এবং সংস্কৃত যত্ত্বে অন্ত জীগুক্ত খাবু ক্ষেত্রসাহ্ম মুখোলাধ্যায়ের নিকটো প্রাপ্ত ক্রেন্দ্রণকে ২৫ প্রিণ টাকার হিসাবে কমি সন দেওয়া যায়।

बिहारा ० हस्य मूर्णा भाषा ग्रामा

. .

विअन्त्रार्थः।

শব্দকলক্রম অভিধান। সর রাজা রাধ্-কাস্ত দেব বাহাছরের ক্রত। উভমকপে সোণা দিয়া সূত্র বাঁধান সূল্য ২৫০ টাকা। শীস্ত্রসক্তর্বদান্ত বাগীশ।

. . .

হরি**শচনদ্র** চরিত মুলা । ০

হবিশ্চন চরিত জীনুক জগন্মাংন তর্কালক্ষারকভূক সক্ষবিত হইয়া মুদ্রিত হইরাছে।
এই এওপানিতে পৌনানক অলৌকিক বর্ণন
নাই, পর ৪ শুদ্ধ বালক বালিকাদিলের সত্যনিঠা শিখাইবার নিমিত্ত রাজা হরিশ্চন্তের
উপাধ্যান যভদুর আবশ্যক, তাহাই আছে।
কলিকাভা
১৯৯নে ১৭৭ নং

विविध खवाानि विकाशार्थ

প্রস্তুত।

ইংরাজী বাজলা পুস্তক কাগজ কলম নানা বিধ দ্রব্যাদি পাওয়া যায় এবং পুস্তকাদিতে / এক আনার হিসাবে কমিদন দি। অধিক টাকার পুস্তক লইলে / ১০ জানার হিসাবে

পাইবেন। কোন বন্ধবালা কর্ত্ত দশপদী ।
রচিত মুল ১০ আনা। ভাকে পাঠাইতে
১০ আন। । বোয়ালিয়া ধর্মসভার
বাবু হরিশ্চল নিজের নিকট চাক। হ্লেন
এবং এই পুস্তকালয়ে পাওয়া বায়।

্ অপুর্দ্ধ উপাধ্যান অর্থাৎ সেক্লপিয়র্জ্ব কের মন্মান্ত্রাদ

এই, মভাগৰত ১ ম অৰ্থ ১২ ক গদ্য

জীত্রীহরিড ক্ষিবিল স সম্পূর্ব

শ্রীমভানঃবায়ন ছই খতে সম্পূর্ণ

চক্রপণিটিকিৎসা গ্রন্থ সিম্পুরীর। নিবাসী বারুকাশীনাথ মলিকের এয়য়ে পণ্ডিভবারা হস্তের লিখিত

নিভাগের্দ্ধান্ত্রকা পত্রিকা বার্ধিক বৌতুক বিলাস যাহাতে গোপালত কৌতুকগুলি সম্পূর্ণ ভাঙে

চত্রহংগ, টুর্মিনি ভারত উদ্ভ

ব্ৰহ্মতত্ত্ব চূড়'মনি অংশাং ব্ৰহ্ম নিৰ্ণয় নীলাঞ্চন কাষ্য

शूब्रकान कावा

মাণকুওলা কাৰা

অভিময়,,বৰ নাটক

ভারত শিশুর বিরুরণ রক্ষেত্রমা সদ্য কার্য

कोवनविद्यांश महिक

দিভিল গঃইড মা∹্মন স'ংহ্ব কুত

लखगन्ना द्वेलायहान

সংশ্বণাবলী স্বর্গচন্দ্র দাসকুত পিশংচোদ্ধার

া ভপ্ৰভা

এটল'দ বাং ৮,খানি মনাপ গণেশচন্দ্র জেকে

ভূত জ্বন্ধন পৃথিবিধ মানচিত্র ভারত বর্ধের ম্যাপ দেবসাগর জ্বন্ধর নীতি শক্ষা

অসনবর ৰোহীলী স্দ্রপদ্র গ কাবঃ

কুমার সম্ভব সংস্কৃত হইতে পদ। অনুষ্ ভারতবর্ধের ইতিহাস কেনাধনাথ দক্র ঐ গোরিন্দ্রন্ত সেন কুত মনভন্ত্যারসংগ্রহ প্রাচীন ইতিহাস সমুক্তর এ খাস মেন সাহেবকৃত হই থঞ

নাট্য পরিসিষ্ট নাটক

- 609-

নিত্মপ্রী
শব্দক্ষম পরিশিষ্ট
শব্দক্ষম পরিশিষ্ট
শব্দকাতা কোড়াকোডা কোড়াকোড ৪ নং
শব্দ ৬৪ নং
শব্দ ৬৪ নং

ভারতবর্নীয় সভা। नच्छा उक्त प्रकीय अवर्ग**रम के मिहर ज**िएक ায় ভাৰায় শিক্ষা দি**বার এবং রাস্তা প্রস্ত**ত বার অভিপ্রায়ে কর করিবার এবং জুমার্ধি-দিগের ক্ষণে দেই করভার নিক্ষেপ করি श्रम खेलालन कति**त्राट्डन । এই कर्न्र** या**हा**टख ল ও ন্যা যাত্রণারে ধার্য এবং পরিমিত্রপ ায় হয়, ড দিবরে মত দিবার নিমিত্র উক্ত रमके ভারতবর্ধীয় সভাকে <u>করুরোধ</u> করি-ন।গত ১০ই মে বক্দেশীর গবর্গদেক পত্ৰ লিখেন, ভাগতে বলা হইয়াছে:--পাই বোগ হইতেছে, ভূমির উৎপদ্নের উপরে ।যি, করাই ন্যায়দিছ ইউডেছে। জনীদার, রাজনার, পত্নীদার, ইজারনার ও নানাবিধ खीँ । नाक अवर वास्त्र विक (य**मक्ल कु**श्रकः) ত উপরে স্থায়ী স্বার্থ আছে, **অর্থা**ং বাইাবা न्दी शका नरहम अवः यादावा উট्यमी त महाय बाक्षात मरन कह (मन मा, ॐहिंद्र) উপসত্তের যে অংশ পান, ভছপরি ও তৎপ ণে করণার্যঃ ও আদায় করাই ন্যায় ও সি**ক্ষ**েৰাগ **হইডেছে।* উট্নদ**ী প্ৰজ্ঞা ত ভূমির সহিত আরে বেস্কল লোকের म भवक छ चय कारङ, এই शखाद দ্রের সকলকেই স্পর্শ করিভেছে তরি ভারতব্যীয় সভার কমিটী গ্রন্মেটের শক্তের উভরদানের পূর্কে শর্কসাধারণের ানিবার অভিলাষী ইইয়াছেন, ভদমুসারে া বিজ্ঞাপন দিয়া অনুরোধ করিতেছেন, - অন্দের আগামী সেপ্টেম্বর মাদের ২ রঃ

> জীবতীক্রমোহন ঠাকুর ভারতব্যীয় সভার করৈ-তনিক সম্পাদক।

অপরাহ ৪ ঘটিকার সমধে লার্কিল

র ১ নং কারতব্যীয় সভাগ্রে একটী

। यञ इहेरवा मर्ममाधात्रतः 🏚 मन्द्रा

নে গিয়া অংশনাদিগের মত প্রকাশ করি-

মিওপেথিক চিকিৎসা, প্রথম সংখ্যা, আময়ক্ত, মূল্য চারি আনামাক্র।

নকাভার চোরবাগানে ক্সবুক প্রেন

ঠনঠনিয়ার সংক্তযদ্ধি। পুজকালয়ে এবং । লালবাজারে বেরিণী কোম্পানির হোমিও পেলিচ্যারমেণীতে পাওয়া করে।

भूगः याख त्नाहे।

যে ব্যক্তি ১৮৬৮ সালের ৮ই আগন্ত পত্র
মধ্যে পাইনার জীক্ষাগে নিম্লিখিত নোই
সকল পাঠাইয়াছেন । তিনি নিয়ত্বাক্তর
কারীর নিকট স্বিশেষ লিখিয়া পাঠাইবেন।
এ
১০০ চাকার
১০০ ৮১০০৭ নহ
ভবলিউ, এইচ, মনগোয়ান।
কলিকাভার পোষ্ঠমান্তার।

भन्ता मर्थार ।

অল্লপারী ছাত্রনিগের পাঠে পথানী কোন
বংকৃত গদা প্রস্তু না থাকায়, সংস্কৃত কালে
প্রের অধ্যক প্রীয়ক্ত বাবু প্রসমক্ষার সর্বাধি
কারী মহাশয়ের আদেশাসুসারে উক্ত কালেপ্রের
অন্যতর অধ্যাপক পত্তিতবর প্রীয়ক্ত মহেলচন্দ্র
ন্যায়রত্ব মহালয় মহাভারত ও বিশ্বপুর্ব হৈছে কতকতলি নীতিগর্ভ গল সক্ষ
লন করিয়া ' গদ্যশংগ্রহ " নামক এক
খানি পুস্ক প্রচার করিয়াছেন। প্রৌলভাক্ষ
৮৬ নং আমাদিগের পুস্তকালয়ে পাওয়া যায়।
মুক্র ১ এক টাকা মাত্র।

ৰাজুখ্যাত্ৰাদৰ্শ এবং কোং

निष्यात न्ही।

সম ১৮৬৮ সালের জাগন্ত মানের ৮ ই হইতে ১৪ ই পর্যান্ত নদীয়ার নদী হায়ের স্কৃতিম ত জলের সাপ্তাহিক রিপোট।

স্থানের নাম সর্মকনতি জাল

ফুট , **ξ** 🗱 নদী মাথাভালা মহানার উপর প্রান্দীতে মহানায় 25 তথা হইতে হাই বোয় লিয়া ৪৪ মাইল २२ হাট বৌয়ালিয়া হইতে कां क्रक निया ১৯ षाञ्चकतिया स्टेटंड कुन्छ. स ৩৮ মাইল ን እ कुष्णगळ रहेर्ड छ्नलि मही প্ৰয়ঞ্জ ১৪ মাইল ኔቅ

মহানার উপর পদ্মাননীতে ₹ মহানায় ١٢ তথা হইতে জিয়াগঞ্ 7• क्षित्रामक रहेट कालाहा ७ • म हेल म(४) و ڊ कारणेखा इहेटल महीग्रा ৪৬ মাইল মধ্যে ₹8 छ दकी नही মহান স چ ভথা হইতে করিমপুর ১৯ মাইল 77 করিমপুর হইতে টিয়াকাটা ৩৫ মাইল 77 विदारावा इहेटड नहीं या ৬০ ম!ইল 7.0 সন ১৮৬৮ আংগ্রনাদের ১৭ই ও वहत्रत्युव शका चःदित कारमत माथ।

जानी तथी नहीं।

ই বিষয় কি কেন্দ্র ইঞ্চন ১ বিষয় স্থান বিষয় ব

৯ ই ভাদ্র সোমবার। धरात वज्रातरमा चार्कत्रकित वस टिकाछ अध्यावाक्र मात्म ১৫ मिन वा वृक्षि इवदाटक या व्यक्तिक इहेहा। লোকে তাহা হইতে মন্তক উত্তে করিতে ন। করিতে প্রাবণ মাদে আ रम निन दाािशिया अভितृष्टि इहेगा अ এটা পুর্বাণেকা অধিকতর অনিট **হ**ইয়াছে। কৈচ্ছ মাদ বৰ্ষার ৫ আরম্ভাল, অতএব তথ্য সুর্ষ্টিয়ে শ্ৰাজবিধার বিলফণ আশা ছি কিন্ত প্রাবণ নাদের রাইততে দে আ ওম্লিত করিয়াছে। বত্ল পরিম অনিষ্ট সাধিত শ্সোর **रुहे** य লোকেরও ঘ্রহার পতিত হইয়া যার नाई कछ इहेबाट्ड। व्यामानिट्यत शक्त

কেরা আর্ডনাদ করিয়া চত্দিক হা

পত विचिट्डिट्न, अवात मामश्रक

नम्मात्र भट्जत स्नि गरादिक रहेन

নুপুর, জনাই, জাহানাবাদ প্রভৃতি।
ন অনেক ঘরবাড়ী পজিয়া গিয়াছে,
নাতাদিকারণে অনেক লোকের হতুতে
লিছে। আগামী বাবে ঐ পত্রগুলি
১কগণের নয়নপথে অবভারিত

---:• :----

সিবিল সর্বিস পরীক্ষা।

নিবিল দহিবিদ কমিদনরগণ ভারত র চীৎকারভাবণে নিতান্ত বৈধির নাই। ইংলতে গিয়া পরীকা দেও তে কঠিন, ভাছাতে আৰার কমিন লণ আহারবি ও সংক্তের যে নয়র াইয়াছিলেন, তাহাতে প্রকারান্তরে রতব্যায় পরীক্ষার্থাদিগকে ৰঞ্চিত । চইয়াছিল; কিন্তু আমরা আহলা **চ হ**ইয়া পাঠকগণের গোচর করি ছি, উাঁহারা আপনাদিগের ভ্রম কডক শে সংশোধন করিয়াছেন। ১৮ , অংকে যে পরীকাচইবে, তাহার মোবলি প্রকাশিত হইয়াছে। রাজ্ঞীয় ল শ্রেণির প্রজাই এই পরীকা দিতে রিবেন। উক্ত ১৮৬৯ অন্দের ১ লা ক্য়ারি অথবা তৎপুর্ব্বে প্রত্যেক পরী थीरिक मिविल मर्किम कमिमनद्रमिटभंड ৮টে নিয় লিখিত বিবয়**গুলি** লিখিয়া हाहेट इंहेटवः--

প্রথম, ১৮৬৯ অব্দের ১ লা ফেব্রুর প্রাক্ষাথীর বয়ঃক্রম ১৭ বৎসরের লাই।
নয়, ২১ বৎসরেরও অধিক হয় নাই।
নয়, এই বলিয়া এক জন চিকিৎস
এক লিপি প্রেরণ করিতে হইবে পরীক্ষাথীর কোন বিশেষ পীড়া
এবং শ্রীরের অবস্থও এরপ নয়
ভিনি দিবিল স্ক্রিদের অ্যোগা
ত পারেন। ভূতীয়, প্রীক্ষাথীর সফ
ভার প্রমাণ্পত্র। যথন কোন পরী
থীর বয় ক্রম, সাহ্য অথবা স্করিজ

ভার বিষয়ে সন্দেহ জাজিবে, তথন কমিন মরগণ আপনার। ভাহার অসুস্কান করিতে পারিবেন। চতুর্থ, নিয়লিখিত বিষয়ের কোন কোন শাখায় পরীকার্থী

_ 606-

বিষয়ের কোন্কোন্ শাখায় পরীকার্থী পরীকা দিবেন।

বিনয়

ইংরাজীরচনা • ০ ৫০০

ইংলাজের ইভিছাদ; (ইংলাজের আইন

লাসনপ্রাণালী ইছার অন্তর্গত

থাকিবে) ০ ০ • ০ ৫০০

ইংরাজী ভাষা ও সাহিতা ০ ৫০০

ত্রীসের ভাষা, সাহিত্য ও ইতি
হাস • ০ ০ ০ ৭৫০

রোমের ঐ • ঐ ০ ০ ৭৫০

কার্মের ঐ ০ ঐ ০ ০ ৩৭৫

কার্মেরির ঐ ০ ঐ ০ ০ ৩৭৫

কার্মেরির ঐ ০ ঐ ০ ০ ৩৭৫

অন (বিশুদ্ধ ও বিমিশ্র) ১২৫০
(১) রসায়ন; (২) ইলেক্ট্রিনটি
ও নাগনেটিজম; (৩) ভূতত্ত্ব ও ধাতৃ
তত্ত্ব; (৪) পশাদির ইভিহাস এবং
(৫) উদ্ধিদ বিদ্যা ০ ০ ১০০০ (ক)
নায়, ও ধল্মনীভিভত্ত্ব ০ ৫০০
সংস্কৃত ভাবা ও সাহিত্য ০ ৫০০
আরবি ভাষা ও সাহিত্য ০ ৫০০
পরীক্ষার্থিগণ স্বেচ্ছাপুর্বিক পুর্বোক্ত
বিব্রের যেটা ইচ্ছা পরীক্ষা দিতে পারি

ইটালির ঐ ০ ঐ ০ ০ ৩৭৫

বেন। কিন্তু প্রীক্ষিত্রা বিষয়ে প্রীক্ষা থীর বিশেষ বৃংহপ্তি থাকা আৰুশ্যক। আমাদিগের আশক। হইতেছে,

এটা কথার কথামাত্র হইবে। ২১ বংস রের মধ্যে এসকল বিষয়ে প্রাপাচ বুংং

পত্তি হওয়া অধিকাংশের সম্ভাবিত

নহে। পরীকায় উতীর্ স্ইবামাত কে কোন্প্রেসিডেকিডে যাইবেন, ভাহ।

(क) (न(वाक नावाद इजि अनावा माज बानित यर्थने स्ट्रेंच। भन्नेकार्थी (अक्शश्रक्तक हेरा मनानीज क्षिण समय स्ट्रेंचन। কমিদনর দিপকে জানাইতে হইবে।
পরীকার পরে পরীকার্থীকে আঃ
বংসর ইংসতে থাকিতে হইবে।
কালের মধ্যে সময়ে সময়ে নিম্নলি
বিষয়ে পরীকা গৃহীত হইবে:—

বিষয়

১। সংস্তৃত যিনি যে প্রেসিডেন্সিডে যাইবেন, ড চ্লিড ভাষা ০ ০ ০ ০

২ । ভারতবর্ষের ইতিহাস ভূগোল ০ • ০ ″ • ০

ও। আইন ০ ০ ০ : ৪। বাৰ্ত্তাশায়ে ০ ০ ০

সাময়িক পরীকা, তিন বার গৃ **हहेर्द। हेराएं डेडीर्ग हहेरल** वि দর্কিদ কমিদনরগণ পুনর্কার পর থীর স্বাহ্য ও সচ্চরিত্রভার আনুস্ করিয়া শেষে প্রশংশাপত্র দিনে ভথন মূতন সিবিলিয়ান ভার্থ আনিতে পারিবেন। ২৪ বৎসরের গ **বয়ঃক্রম হইলে কেহ সিবিল** স প্রবেশ করিতে সমর্থ হইবেন না। ব সাময়িক পরীকায় উত্তীর্ণ ইংলে, আ পরীকার্থী ্টেটসেকেটারির নি ১০০০ টাকা ভূড়িভীয় বংসরে : টাক পাইবেন ১ শেষ পরীক্ষায় ই **१६८न ७**८ ठाकात, अक छोटल इर कांभीनकात लहेता ५०,००० छ।कात চুক্তিপতের স্বাক্ষর করিয়া ভারত যাইবার অঙ্গীকার করিতে হইবে। পরীক্ষার যিনি অক্তকার্য্য হুই ভিনি আর পরীকা দিতে পারি ના ા

নিবিল নির্দিন কমিসনরগর্গ সং ও আরবির নহর রুদ্ধি করিয়া উঠম কাজ করিয়াছেন। কিন্তু ভা র্থের ইতিহাস, ভূগোল ও ভাষা আ গ্রীক ও লাটিনের প্রাধান্য প্রহান াজীতে উভম রাংপতি হয় সতা; উহার সহিত ভারতবর্ষের আইন চারঞাণালীর কি সংভাব আছে, াআমেরা রুকৈতে পারিলাম না। কের, এক জন এটক, লাটিন, ফরাশী টালীয় ভাষা উত্তৰ আহানেন ; কিন্তু ন উৰ্দ্ধ বাজলা জানেন না, তিনি দশে আদিয়াকি করিবেন ? অত ভারকর্ষের চলিত ভাবার নম্ব ক করা উচ্চিত ছিল। অক্ষের ১২৫০ ইয়া ভারতবর্ধের ইতিহাদ ও ভূগো ন্যর রুদ্ধি বরিলে ভাল হইত। নের ১২৫০ নম্বর করা আমতি উত্তম tছে। পরীক্ষার পর ইং**লতে হুই** ার থাকিবার যে নিয়ম করা হ**ইরাছে.** াও উত্তম হইয়াছে। ভারতবর্ষে क्षाञ्च हर्षेत्र नियम ना करित्स ब्रह्म প্ৰতিষ্পাৰ্থ সুৰিচার করা হুইবে তাহা আমরা বারমার বলিয়াছি ও তেছি; কিন্তুষত দিন এ নিয়ম না তচে, ততদিন ইংলথ্যে যাইতে ৰ। ইংলতেও গমন করিয়া কয়েক মাদ অৰ্ভান করিলে বিশেষ ফলো **र**हेबात मखाबना नाहै। বোগ্য বয়স আরে এক বৎসর রুদ্ধি ল ভাল হয়। ২১ বংসরের পুর্বের न विश्वविकातरात वि, **এ, উ**रोधि য়া যায়না। এই উপাধি লইভে াৰিবিল স্কিলের বয়;ক্রম অভীত অভএৰ বৰ্তমান নিয়ম থাকিলে নকার বিশ্ববিদ্যালয়ের कुड देगा ণে দিবিল দর্কিদে প্রবেশ করিছে ন না। বি, এ, পরীকার বয়স ২০ কেরিয়া দিবিল দর্কিদের পরী ৰয়ঃক্ৰম ২২ বৎশর করাই কর্ত্তব্য।

ৰ ভারভব্যীয় সিবিলিয়ান হইলেই

ামরা আমনন্দিত হইলাম, এ কথা

কেছ মনে করেন না। উপযুক্ত ভার

চিত। এটিক ও লোটিন আননিলে তিববীয়ের। এই পদ পান, ইহাই আমাদি ইহাদের এই লজ্জাহীনতা কেবল গের অভিপ্রেড।

---:0:---

কোট ইনশ্ৰেক্টর।

প্রতিনিয়ন্তর কৌজদারি আদালতে কোর্ট ইনস্পেক্টর বলিয়া এক এক জন পুলিব কর্মচারী আছেন। ইহারা যাব-**छोत को कवाति मकलमा गलाईरवन,** এই অভিপ্রায়ে ইহাদিগের প্রথম স্টি र्ग्न , किन्कु कार्याण्डः देशाँता त्मरे त्मरंक्टन নাজিরের পদে দওারমান হইয়াছেন। হাজতের কয়েদিদিগের হিসাব,ও ফৌজ मार्तित्र প্রত্যধী দিগের হাজিরি করা ইহাঁ-দিগের কাজ ছইয়াছে, রাজ্ঞী ও প্রত্য र्थित शरक्तत हाकीत विवस्त पृष्टि तांचा । ইহাদিপের একটা কর্ম। তদ্ভিন্ন কোন বাক্তির জামীন লইতে হইলে কোর্ট हेनद्रम्थक्टेरतहा मिकार्या मण्यापन कतिहा ধাকেন। ঐ দলের মধ্যে যাঁহারা অন্সং ঐ ব্যাপারটা ভাহাঁদিগের উপার্জ্জনের এक्षे श्रमञ्ज পथ। डेर्डानिश्तर ध्यमा ধুতানিৰক্ষন অনেক অনিষ্টও ঘটিয়া थाटक। दांश कत, ऽला भक्तमात निन স্থির হইয়াছে; কিন্তু অসৎ ইনস্পে ক্টরের শুণে ২১ হইরা উঠিল। স্বামীনে টাকা, লাক্ষীর হাজিরিতে টাকা, অবান बिक्टिक हेरका। नाकिश्रमण (मटकटन मनक हिटननः, उँ। हानिरशत हक्न छः। हिल चरण्य नद्वछे स्टेर्टन अवर च्य ছিল। একণকার যাঁহারা অর্জনিকিড व्यमः कार्षे हेनत्या हेत जीवाता चहन्नत লোক ৷ উছোৱা কিঞিৎ ইংরাজী জানেন, ভবিবন্ধন কভক সাহ্য আছে, কেছ কিছু বলিলে " ভ্রমতের দাবি " मिट्ड यान । प्रविधि अमर्भन् क्रतन। ইহাঁদিগের অংশে পেট ভরে না। চকুন জলা কাহাকে বলে তাহা ইহাঁর। कारनन ना। श्वकर्त्वरा माधरनत श्रहक स्रेटन अणि व्यवभारे श्रामर्मनीयः, किन्त

দার বেলা।

যথন অনিষ্টের নির্মিত হইভেছে, ব এই সকল কর্মচারীর পদ উঠাইয়া দে কর্তব্য। প্রতি আনালতে এক এক পুলিষ কর্মচারী থাকুন; কিন্তু উ निरुगत कार्र्यात मीमा कतिया तन উচিত। সামীনেই অধিক টাকা উপ্য হয়। এয়ে আদালতের মোকুট জামীন হন; যাঁহার টাকা আছে, ন টাকাজমা দেন। এ স্বে মাজিত নিজে খনায়ানে জামীন লইতে পা আন্যাকোন ৰাজিক কামীন হইলে বে বিশ্বস্ত কর্মচারিদার। ভাঁচার ব সক্তি জানা ঘাইতে পারে। মক চালাইবার ভার কোন পুলিদ কর্মচা হত্তে দেওয়াউচিত নহে। এই ভি আ লতে গ্ৰণ্মেণ্টের প্ৰেক্ত এক জ্বন উৰ্ नियुक्त हरा कर्तवा। हेशाउ अल्ल रुदेद। **का**हाटक क्ली अनाती सकना যথাৰ্থ বিচার হইবার সন্তাবনা আং কোন পুলিষ কর্মচারীকে কোন স্থা चारालटङ इहे दरगृतित अधिक त উচিত নহে। আদালতে অধিক ক थाकित्न यमकल छन भूनिय कर्याताः আৰশ্যক ভাষা পাকে না। এইর আদালতের কার্য্য সম্পাদন করিয়া স কোট ইনস্পেষ্টরের পদ রহিত করা : তাহাতে ইউ বিনা অনিটের অণুম

> इ.कर्न एक गाम्छ न्यानस्यात 16 8 Oak

मञ्जादना नाई।

অভিরোগ সভাটেও মহাসভা কিং প্রাণানীর সহিত বিশেষ ধ্রমণিক मः खब ज्ञान कतार्ड हेर विममान वर्ष গ্রপ্নেটের স্হিত্ত যে ২৫খন ৫ **দংজ্ঞা থাকিবে না, অন্ট**া ভা **প্রথম পুর্ণাত** কবিয়াছেন। ইংর্র মান আরও ভঙ্গীক্রমে এরণ অভি2

কংগন, ক্রনশঃ খুটায় ধর্মের প্রতি ার যে অবিশাস হইতেছে ভাহাতে কালমধ্যে ধৃষ্টীয় পিরজনেকল া আলিছন করিবে।ইহাতে ডেলি সর এক জন প্রপ্রেরক বির্তু বলিয়াছেন, নাজিকেরা আগনা র মত সাধারণ<u>কা\জা</u>বোধ করিয়া ; কিন্তু একণে পূৰিবীৰ মধে ৰ'ছ का लाटक युकी । श्राम विश्वास , এত লোকে টোন কালে বিশ্বাস নাই।" বিশাসে ও অবিশাস ণ হওক, আস্টুয়াতে বেক্ণ হ**ই**-: এবং গ্লাডফৌন সাছেব পায়ার র নামে বেরপে কলিতে উলাত হই-न, एक्टिउ अनोबारग निर्द्धमा कहा ত প্রারে, গ্রন্থের ধর্মান্ত্রীকা সহিত সংভাব বংগিবার কাল ত হইয়াতে। কৰাশী বিশ্ববৃতিত रिहात ना इंडेटल दशंटिब्रेट्टर दोन দিন থাটীয় ধর্মক ছিল ভিল করিয়া শত। সাণাধী বিদ্যোহ এথানকার রাণীরনিলের নিক্লাণোলু**ল প্**টীর লুংগা প্ৰহিণিত কেচিয়াতে; কিন্তু ्य नोष्यकाण अध्यालक वर्षकर्व, ং বোধ হল না। থুইটিদমেৰ প্ৰপ্ৰ हर्डावकाःत युशीयात्वरः व्यानक করিরাছের। **ধ্**রের উপত্র লোকের ভাতি কমিডেংছ তেওই প্ৰৱিৱা ছি**ষ্ু ছ≷ে**ড:ছেন আমোলিগের নদী **চত মিধ্নরি বজুঃ গাএ ড**্ছাব खनिष्णुक। हरेटाई अटचेत्र म इहेल फित मिकांच करिएड इन्ट्रिया ী। ধ:শার সহকারিতাব:তিরেকেরাজ ত ও সমাজ সংক্ৰাৰ উন্নতি সাধিত ্ৰনা, এক**ৰা** ইতিহাসনি**ত স**স্ভ ুন্তে। রোম:করাবে অদুট ও **অঞ** কি সংগ্ৰশতে কৰিয়াছিলেন; **ধ্উৰগ** ধ্রে কাঃণ নহে। জুপিটরের আপতি

क्षत्र कारणहे ह्यामकनिरक्षत्र 🖻 महञ्ज

লাভ ইয়। কোন্ সময়ে রোমকদিগের পূর্কদিগের সামাজা তুরক্ষদিগের হতে পতিত হয় ০ মৃতন বাইবেল অনেক পরে চইন ছে বলিয়া ইহাতে বড় অধিক অন ভব কাও লিখিত হয় নাই বটে ; কিন্ত য়িশুগুট ইহাদিগকে ভজাইবার নিমিত পুরাতন টেউদেন্ট গ্রহণ এবং ভাঁহার ভুমায়ে শিবাগণ উ্হার অন্ত কার্যের ক্রিকরিয়া পৃষ্টধর্মনাশের গে বীজা বপন করিয়া গিয়াছেন, সেই বীজ একণে রুহ্থ রুক্ষ হুইয়া কোলেঞোপ্রত্ ,তকে প্রদাব করিতেছে। যতই মার্জিক ড হউক ন। কেন, উপথর্মকে সত্ত্যের নিকটে মন্তক অবনত করিতে হইবে সন্দেহ নাই।

कः है। है आहेग।

কণ্ট্ৰক্ত অংইনটা অসূত্ৰিলকণ পদ:র্থ হইয়া উঠিল, মহাকবি ভারতচত্ত্র বলেন, ''দেবাসুরে সদা ধন্ধ অসূত লাগিয়া" অমৃতের নিমিত্ত দেবাসুরেই কেবল বিরোধ হইলাছল; কিন্তু আমরা मिथिटिছ, भेरे এक कर्ने छ बारेन লইনা দেবতায় দেবতার অস্তরে অসুরে এবং দেবভার অসুরে সর্বলা বিরোধ হই েডছে। নীলকরেরাইছাকে এমনি মোহন মস্বপুত করিয়া দিয়াছেন যে, আমাদি গের এধান রাজপুরুষেরা বিমোহিত ≆ইয়া ইহাকে ছাড়িয়াও ছাড়িতে পারি ভেছেন না। বজ দিন অবধি নেইন স: **হে**ব ইহাকে বিধিবদ্ধ করিয়া রুষক্দিগকে নীলকরের ক্রীতদাস ক্রিয়া দিবার যে চেল পাইতেছেন, তলে সামানা বিকা (तत निषय नरहा याहा इक्रेक, व्यामानि গের আহল দের বিষয় এই, আমাদিগের वर्खमान भवनंत क्लिन्तल मत कन लरत्रण, ফেটদেকেটারি ও নীল কমিসনরগণ ইহার বিরোধী হইয়াছেন। আনরাসর জান লারেজ্যের যে ন্যায়পরভার এভ ভ্রশংসা করিয়া থাকি, কণ্ট্রাক্ট আইনের

বিপক্তাত হার অন্যতর কন। উ ধর্মপ্রবৃদ্ধি সমধিক প্রবল। তিনি ন পরভারার উহাকে সংল সমরে নি স্ত্রিত ক্রিয়া রা.খতে পারেন না। নিমিত্ত আমরা সময়ে সমযে তাঁহার প্রবৃত্তির নিকটে ন্যায়পরভাকে পর দেখিতে পাই। এ বিষয়ে আমাদি পুনরায় হস্তকেপের ইছে। রহিল ।

ফুডম পুস্ক। '

১। গদ্যসংগ্ৰহ। এবানি সংক্র কলিকাত। শংক্ষাত পাঠশালার অসং तमाञ्चाधातक 🗐 एक मह्बन्दक न রত্ন মহাভারত ৫ বিষ্পুথাণ হই সংগ্রহ কবিরাত্তন। **একং**শে প্রায় য তীয় বিদ্যালয়ে সংস্কৃতচকা আ **হইয়াছে। নংকৃতে পদাঞামুই আ** शका आञ्च विद्रल विलिश व्यक्तिक व्यक्ति করিয়া থাকেন। এ সময়ে নায়ের। **ৰকলিত গদাগ্ৰ**হ যে সমধিক সম হইবে, ভাহার সংশয় নাই।

২। বিষ্ণুপুরাণ, প্রথমধণ্ড। এ নিও সংকৃত। ইহাতে বাজলা অহ ও জীধরস্বানিক্ত টীকা আছে। 🕮 বরদাথানাদ বসাকের যতে মুদ্রি প্রচারিত হইতেছে। এথানি লো পক্ষে মহোপকারক হইবে।

∾া হরি≖চই≱চরিভা এ সুৰ্বাবংশীয় রাজা হরিশচজের চ লইয়া 🗃 যুক্ত অগবেদাহন তৰ্কাল ইহার সঙ্কলন করিয়াছেন। রাজা শ্চন্দ্র সভানিষ্ঠা, দুঢ়প্রতিজ্ঞতা 😝 🥫 সুরাগের আদর্শবরূপ। ভাঁহার। পঠি করিলে বালকদিগের স্বিশেষ কারলাভের সম্ভাবনা আছে।

8। **भ**रवाधवक्षा । अहे नारम त्व म পতাঁ প্রচারিত হয়, তাহার কড बक्द दम्भ रहेश। मूफ्रिङ हरेशारह। -669

ए । बक्रवाला। इहात धाथम शृत्क थिष्ठ चार्ट्स, '' कान वश्रवानावर्ज्ङ চিত।" ইহাতে কতকণ্ডলি ৰাপন। বভারচিত হইয়াছে। এন দেলের জ্রী াকের। যে এরূপ কবি**তা** লি**বিতে** থিতেছেন, ইহাতে আমরা অভিশর হ্বাদিত হইলাম।

🕓। 🗟 যুক্ত বাবু জীবান মুপোপা-য়ের ক্রুত সাজ্ফোর আইন। ১৮৫৫ দর ২ আইন, ১৮৫৯ অকের ৮ আইন < প্রাধান মে বিচারালয়ের নিজ্পতি লম্ম করিয়া শীরামবারু এই পুস্তক নি সংগ্রহ করিয়াছেন। **গ্রন্থকার** যে ল অভিপায় প্রকাশ করিয়াছেন, হার সমুদায় আ `নসজভ; ভাঁহার াত্তলি যথাধোগ্র ইয়াছে। থাতা দিগ লইয়া মফসলের আদালতে শেষ গোলবোগ হয়; যে লে ব্যক্তি **চা, জমা**ওয়াদীল বাকীর কাগজ-তি এমাণ বলিয়া এয়াছ্য করান। ম বাবুর পুস্ত হ পাঠ করিলে অনেক क्टार्वत क विवरम मिका इंदेरवा রো বোধ করি, এই পুস্তরখানি ক্রারি পরীকারে নি**নিড ক্রিকরিলে** ণ্য উপকার হইতে পারে। মোক্তার রেই এই পুস্তকখানি পাঠ করা কর্ত্তব্য /

প্ৰাপ্ত |

(भागपुरतद स्वतः।

(গত প্রকাশিতের পর।) ও । এটা হরিহর মাথের মন্দির । এই রে হরিহরনাথনামক অংকাণ্ড প্রস্তারের লক প্রতিষ্ঠিত আছেন। ইনিই শোণপ্র মলার কারণ। প্রবাদ আছে ত্রেভা যুগে বাৰাজ নহারাজ রামচন্দ্র জানকীলাভার্থ অসংযাব্যা হইতে জনক গুরে লে সেই সময়ে পথিমধ্যে নানা স্থানে জোকরেন, এটা সেই সময়ের শিবলিল। কী পুণিমাতে ইংগার মহাণ্মারোছে

হর, সেই ফুতে মেলাহর।শি**ংলি দ**টা

মেলাকে " হরিহরছত " বলিয়া থাকে; কিন্তু ইংরাজ মহলে ইহা শোণপরের মেলা বলিয়া প্রানিক। তাহার কারণ এই, যে আমে এ মেলাটী হয় ভাহার নাম শোণ ্র। যাহা হউক, এই মেল। উপলক্ষে ভূরি ভূরি অর্থ ও জব্য সাম্প্রী হরিহরনাথের জীচরণে সম-পিতিহয় এই মেলাছাপরা অথবা দারণ (जनात शहेता थाटके। मात्रण क्रमात शूर्या मिरगत (गव नीमाम **এই** শোণপর; স্তরাং মেলার পূর্বাসীম। তিছেত, দক্ষিণ সীমা পাটনা এবং আরা পশ্চিম সীমাসারণ জেলা হও য়াতে সকল জেলা হইতেই আফিসরগণ ও श्रुविय अवती भाषात भोखितकार्थ नियुक्त হন : কিছ মেলাটা সারণ জেলাতে হওয়াতে শারণ জেলার পলিষ ও মাজিটে ুইই ইহার कांखि ७ मिन्दर्भात अधिनाग्रक रूम। ' तिक রভুকোর্৯ ও "মিউনিবিপাল কোর্ণ হইতেও ২০০। ২৫০ কন্টাবল তথার গিয়া দপ্তায়মান থাকে।

২৭ | এস্লেডামুও সামীয়ানা বিক্য খর। একু: লর শোডাদেখিলে বোগ হয়, থেন लक्को कि चार्शवाय मत्र धन नार्य मार्ग-দয়ের ভাইনবরেল এবং ভাশুকদারি দরবার **হই**তেছে।

२४। अ भारत कर्ना है मित्र मिकाम। अचारम অনবরত অবাই হয়, রজের জোড বহিতে থাকে।

২৯। গঞাও গওকীর গর্ভা এ স্থানটা নে কাময় দেখিতে পাওয়া বায়। স্থল ভাগে বে গুপ মনুষ্য, গো, অম্, পঙ্গ কপ্প-ভৃতির নিমিত্ত পাদ্বিক্ষেপের স্থান পাকে না, কলেও সেইৰূপ নৌকার হড়াছড়িতে খান করিবার স্থান পাওয়া কটিন হয়। রজনীতে বেৰূপ নয়দানে তামুও সামিয়ানাঞ্জুতিতে আলো ভালিয়া নৃত্য গীডানি আমোদ করিয়া থাকেন, নৌকাবাসীরাও त्महेक्षल जात्मारन मङ शांदरन ।

७ । अहे शबी अदम ीय मिटगत शमना পমন জন্য প্রস্তে হয়। এটা বড় রাঙা বিশিরা পরিচিত হর। এ পথের ছুট ধারে হিন্দুৰানী বাদালী পশ্চিমে ইহদ্নিপ্ৰভৃতি माना का जीय प्रभ विष्मितीय विवक्षण नामा विक এव देन व्यवगाविक विविध श রনাথনামে প্রশিক। এই জনাই এই

দেশদেশীর ত্থদেব্য ক্রব্য সামগ্রী कर न।

৩১। চিড়িয়াখানা কিখা পক্ষীর বা এটাও অবভিশয় মনোহর স্থান। এ নানাবিধ পক্ষী ক্রয় বিক্রয় ২ ইয়া গ এক এক স্থানে এক এক একার পক্ষী হয়।প্রিক্পণের হ্মধ্র শকে মন इहेट्ड थं। का

৩২ । এটা কালীদেবীর মন্দির। পটিনার জ্বিখ্যাত দেওয়ান রানজ্ঞা মহোদয়ের কার্ত্তি। দেওয়ানজী মহোদয় লিনিগের মধ্যে একটী রত্ন ছিলেন। লগ লোককে অন্ন ও বস্ত্র দান ক,ররাছিলেন বছদংখ্য লোককে চাকরি করিয়া দি লেন।

00 | 08 , 01 , 09 , 07 | 00 , 8 • । 8 > । 8 > ७ ७ % जिल्लीत मामित **प** অনর্থের বীজ ও সর্কানাশের মূল। সর্ব **একাপুঞ্জে**র মাতা পিতাস্থানীর হইয়া ও মহৎ অনিষ্ট করিয়া এই সামান্য অর্থস क्रिंडिट्ड्म! अक मिश्म कीर्यंत्र अम এড়ে উর নিবারণজন্য প্লিষ স্থাপন **রাছেন, অ**ন্য দিগে চোরের ও বদমা গের আন্তায় ও এক্রেয় দিবার জন্য च्रीशाटक्त !!

---;06;---

ৰক্ষীয়দিগের দৈহিক অকুন্নতি। (গত প্রকাশিতের পর)

পূর্ব্ব পূর্ব্ব পত্রিকার ক্রমান্তরে শিব ণালী, রাজকীয় ও ইংরাথালি ভিনক द्विकशद्वत कार्याम्बद्धत कार्या २ थी, 📑 সেবন এবং নারীগণের মুচ্ছার বিষয় লি হইয়াছে। আব্দু জলের বিষয় বংগায় C:(E!

चारन करे क्रमारक विभिन्न, विश्वाह व বৰ্ণহীন অফ্ডেরেল পদার্থ বলিয় াত বাস্তবিক ইছা বিমিজা নহে , চুগালন বি বিং পণ্ডিতেরা পরীক্ষাধ্যা সিদ্ধান্ত স शास्त्र, त्य हैका अदेशक (अन अव्यक्ति নামক ছুই প ার্জার সংখ্যাগে উৎ সভাবত ইল নিশাল নতে: ইলাতে আৰু - Coy - ...

া স্থানির জলে কোরাইড অফ ও বছবিধ মঙ্গে জল পা জ ত হওয়াতে নেশ ময়ম্ভাগী**ং লগণের আনংশ থাকাতে** 🦠 যাদ হর। এইকপ ভিন্ন ভিন্ন করণার । 3 ,ভগ্ন ভিন্ন বস্তু দেখা যায়। কাছাতেও : নক এলিড গ্যাস কাঠাতেও হাইড্রো : কটেড গ্যাস ইত্যাদি নানা বস্তু প'ওয়া तृष्टिः क**ल यञ**ाव टः निकाल वःहे , कि ४ োয় নিপতিত ২টলে নানাবৈধ দকোৱ গে এবং বছবিব কারণে অলকণ্মধে सि ,जाक्षा वि**नश्चे इ**ग्रा क्लाई । कार्य াওে সহ্জল পাংল (६) करमरकत्। कर्डम, निर्माण स्ट्री-स्ट्री ব্যবহারের উপযুক্ত ও শরীরের গলে গ উপকারী। কিন্তু কয় জন গোৰ ্চল কৰেহার করেন্ স্থাচড়াই প্রস্থাটর প্রয়োজন।জলহার। এব 5 ও বেটি ইয় জল পান ক'া যায় র গ্রিকাশ গৃহক্ষা অলহারা নিস্পা এর⊤ড ই অধান(বের জাবনপরিংগের লি টপায় বোধ করি, এই খনা বেলর বিনি জাবন হটয়াছে। আরি ভগলীক সই জনাস্থ্যালে । জলের ভাগেছি ক করিয়া লিয়াছন। ইঞা ধ্যক <u>বা ও উ</u>ক্ত ব'লা গুণ কেনিয়া বিবে হয়, পূৰ্মা কাল্যের শাস্তকালের বি তথাকে য়ণ্ডক । কৰি কৰি । শিলাছেন। জল র (বেশ্য পেকার্নির নিরোন্ত জাবশ্যসং উচ, **মারেট চু**ষিও হয় তাবং ভ্রিম**য়া**ন ্কার অনুষ্ঠ ষ্টে অবিভিন্ন কংগৰ দায়ায় ৰশিয়া গালেন, কেনে প্ৰকাশ জ্ব সংশেষ দ্রধা কলে প্রতি,ল কিংক, একান কারতের ফল দুলিত ক্রতি ভাক 5 (সংলটিয়ান)মক একংগণের সাংস , ८भ३ अत्तर वि.हा ; रोर १.४० বিশেষ স্বাকালী নে.মানুলীর বংশেষ ৰ এক্তাৰাপ্ত । ক. ৮ ক ্যা থাক . ५ ८५८म याजा ५३ हिनाय १ - १ - ११६४ नान अकात का भाषा ४ ३६८ । েকেহকেহ বা ভাৰণণে চুয়াৰুকে ত হয় ৮ আংশেনে চির্রার বল ান ও অক্ষণ হট্যা াকে 🖯 ংৰক এমন অনেক দুৱায়ে লেবা গিয়াছে কান কোন বেংশার এলা বুরু ই ও চু মই 🚼 ८०३ टमरे ८२:न माना धकात 🔍 ছিং চৌপীলাং আগামূলীৰ হয় আৰং **ব**ছ : গ্লাক কলেখদনের অতিথি**ট্**রয়া

এন্যু জন্মুনা ক্রিয়া যায়।

চি:কুয়√ও জীবনাতে

त्र राष्ट्र इट्ट - न ्राज भी औ

ছিলেন। ভাগেবে ন্ন্ৰিটিউপায়ে

গুলির এক একার রক্ষা **হইয়াছিল** কোন কারণে জল দূষিত হইলে পাছে দেশের 'বংশবাদঃ পরীবের প্রক্ষে অপকার ঘটে, এই ভাগে পূর্মকালে ধর্মবাবস্থাপকেরা ধর্মভয় দগাইয়া বলিয়া সিয়াচ. ন যে, যিনি কোন ্রকারে জল বিক্লাভ করিবেন, ভাঁহার পাপ হইবে এবং পাণের শান্তিসকপ নানা প্রকার শারারিক ও মান্সিক রোগ ও ক্লেশ ্ডাগ করিতে ছইবে। কিন্তু একণকার লাক েগ্র ধর্মভার শিপিল হওয়াতে জলের উৎ কৰ্ম বঞ্চবিবায়ে হতাৰর ইইয়াছে; ভজ্জনা বে শেও নানা প্রকার ভূপিটনা ঘটিতেছে এবং বহু বিশ পীড়ারও প্রায়তার হই ছে ৷ এ দেশ অভিশয় নিয়া; স্তরাং এখানে নদ. নদী. বিল ধাল, খানা, ডোবা পুষ্রিণী এভূতি জলাশয়ই ভাসংখ্য পরিমাণে টেনিটো পা ওয়া শ্র। এক ছেল ভলা ও অন্যান্য নিল্ল ভান কল প্রতিবংসর বর্ষার জলে সাবিত হওরাতে স্থের ও স্বোব্যক্রি ধারণ করে !

এংম পুরুরিলীঃ পুর্কাপুষের।ধর্ম বুজিতে হউক বা লোকের জনলক ঐ নিবারণ জনা চউক, অলপবা অন্যকোন কারণ বশত হ ক, নিজ নিজ দেশের নানা স্থানে ছেটি বড় নানাপ্রকার পাছরিণী পুনন করিয়। 'গয়াছেন। প্রায় অধিকাংশ পলা গ্রামের

প্রায় ও অহাকান্য প্রথামের. প্রায় প্রেরেক গুলের বিভূকি ও সদরে द्वारम्ब मना खाल ७ ४.१४ ७११ প্রভৃতি স্থানে বছবিধ আনংখ্য ও অনাবশাক কলাশয় নেখিতে পাওয়া যায়। দেশের উপ কারাণ এইদকল বাত ইইয়াছিল সংকাষ নাই, কিন্তু এক্ষণে তুমনি অংকারকানী ্ইয়াছে: এক সময়ে ইহারা জীবনরক্ষক ভিল: একণে জীবননাশক কইয়াছে: অধি কাংশ জলাশ্যে ব্রুমাস জল থাকেনা সনেকভলিতে অসম পরিমাণে জলাপাকে। র্যালের জলে ইহারা পরিপ্রিভ চইয়া প্রকৃত তলাশয়ের আকার প্রতিথ হয়। অনেক সনেক প্লারণী পানাপ্রভৃতিবারা আন্তোদিত হইয়া গিয়াছে। কোন কোন পাক রিণী একপ ভাচ্চাদিত হইয়াছে যে, ভাষা দিগকে জলাশয় বলিয়া কোন প্রকারেই উপ-লব্বিয়ন। প্রায় অধিকাশ জলাশয়ের তারে মানাপ্রকার রুকাদি ইওরাতে এক প্রকার জঙ্গান্য ইয়া গিয়াছে; বোন করি बाज्ञानि दिश्य कन्नभाष अनामारमधे लुकाः हेब्रा পাকিতে পারে। ঐ রুফাদির अभिङ शदामिकाल मिश्रिः इ देश सनाक বিকুত করে। বছবিধ ভীৰ জভ জলে প্রিয়া

ফল দূখিত হয়। নির্কৃতির ক্লয়কের। আন বশতঃ আপনাদের ক্ষিজাত পাট ও প্রভৃতি জাল গচাইয়া উহাকে বি করিয়া ভুলে। এইসকল কারণে কেবল বিনপ্ত হয় এমন নছে, েশের লোকে অনভিজ্ঞাৰণতঃ বা কালস্তেত্ দুষিত করিয়া থাকেন। মল মুত্রাদি ও ব র;বশিও বা প্রয়েক্য দ্বাস্কল হ কি*প্ৰয়*।জলগাত ও ভোজনপাত্র প্রায় যাবতীয় গুরসজন ও সামনীজ থৌচও মাজিলত হইয়াথাক।তাহ কলস্কে তলাও দলস্কিত হইয়; যায়।

দ্বির্মিন্দী। প্রায় প্রতি প্রীএট अञ्चिमभात अक शक्षी मही हुई दश्र । শটিকিছু প্রাডন; স্ভরাং অধিক ন্ন্নদাও পুরাতন অধীং অপ্রব রাছে। অ:নক ননা, মজিয়া গিয়াছে कान कान नहीं अहा 🕮 मिक 🕽 व्यक्तिक অনিকান খ্য জ্যোত্রতার স্রোত্রন্দ গিয়াছে ভাষানের কল গননাগমনের একেবারে দ্বাহইয়া গিয়াছে। একান নদী একণ মভিয়া গিয়াছে যে, লোকে : স্থানে বাধ বাণিয়া প্লভিণীয় ন্যায় ৰ **অংশ করিয়া লইরাছেন।** এরুগে ভা भक्त नमी विषया कान अवादाहर का না। যন পুকরিণীর তেলি হইয় অংগক নতীতে বাামাণ এল থাবে ক্ষ্র ক্ষর মতে ও অভারে গুলনানি উদ্ভিক্ত ক্রয় জলিয়বাতে স ময় হটয়াছে। কোন কোন ননার ধারে রুজানি া য়াজে তলল হইয়া গিয় চিকিংংকেয়া ক্রেন, স্রোভের জল 🛎 পকে বিশেষ উপকারী; কিন্তু বি ত্যোতের এল পাওয়া হৃক্টিন। যে জোচ্বতীকে বার দাস জল থাকে লোয়ার ভাটা হয় তাহাদের জল কারণে অপরিজ্ড ও দ্বিতহইয়াণ মলমুকানি এবং নস্যোর ইউ দেহ ও বিধ মৃত পাও পাকা ইহাদের জলে নি হয়। ধেগুলি ব্যার জলে নদীবলিয়া চিত হুটয়া থাকে, ভার্গদের জলের নাই। নানাবিধ পশু পক্ষা ও তা। ভট্হ রুক্ষাদির পত্রাদি ও স্বভারজা : গুলমপ্ৰভৃতি উড়িজন দ্ৰা প্ৰিয়া এরপ ভূগফাময় করে বে, ভাহা করিতে খুন বে।ধঙ্র। এইত (करणद व्यवस्था, व्याध्यवस्था सम्बद्धाः শরীরের অবস্থায়ে শিক্প হইবে অন্যোগেই জ্নয়ক্ষ হয় 1

> এ) রা সাং জনাই

বিবিধসংব:দ।

বুরা ভারে সোমবরে।

হোরাকোন উভযুকাজা করেন, প্রধান াবা অবসৰ উপস্থিত হইলেই খনি সম্বেহ ার করিয়া উঁহাদিগেশ সম্মানত≰ন করেন থেঁ; পাঁহাদিগের উংসাহ অধিক**তর বর্জিও** আমরা প্রিয়া সভাষ্ট হইলাম, বাজালা ৰ লেপটন উপভৰ্ত হখন মুবসিদাৰাদে পমন ্সর্রাত্রে আংলীমগঞ্জের রায় মেঘরাজ্ঞ বিবংহাছবের সঞ্ডি সাকাং করিয়াভি-ন। এই রায় বাহ'ছর ভূটানের **যুদ্ধ**কালে মেটের অংনক সংখ্যা করিয়াছিলেন। ্মগ্রে 🗟 ভে হরকচাদ ওলেচাপ্রভৃতি कर्रुल धनी उन्हों छ व्यक्ति कार्रिक, া ঐপ্রত্যাহ রাজ্যারে বিশেষ সন্মানভা-हें। च डीहार्स्ट्रशत क्षांत्रा **काउनक अरकार्य**ः ন হটতে পালে।

ক্ষেণ্ট টাইমদে পলেন শিবনঙ্গল সিংহ ভূত ৮ शानक त्रिलाई एरल्य. अक स्थन देश किन ন। বিদ্রোহ্বালে ইনি গ্রবন্দেটের প**ক** যুদ্ধ করেন। বিদ্রোহ শাব্তির পর শিব সিংহ পুলিবে প্রবেশ করিয়া ভূতপূর্ম ক বিচ্ছোইটকে সূত করাতে আহোধারে ক্ষিণ্মর পঞ্জ উলেচে ১০০ টাকা ৰ এক ভলুৱাৰ প্ৰধান কৰিয়াছেন**া আদে** বিষয় এই, এটী ক্ষিপ্ৰর নিজ হইতে দিছে

কুল পত্রের এক জন প্রথেরক বলেন, ণংডের অভেসিড বছুগড়ের রাইট নামক লন ইঞিনিরব **সু**রাপানে উন্মত **হইয়া** ং ২জু গটেস কে গুলি করিয়াবের করি গ্ৰীস এলাইটএক **বাটীতে প**াকিন্ত। ্লিছু টা্শ্ৰ কল্পি কৰিয়া শেৰে ভাষা ল। পথ, - উভয়ের মনোভস হইয়া ু ভাষা করা এক দিবস সট্স, ক:বং ু বে বাইটের বাটীতে আসিয়া ধানি কাগজ এইয়া লি গতে অংরত করাতে অভ চাইট ভালাকে বলে, হয় ভূমি এছান কং, ৪৭৪২ এক খন্ড লিখিয়া ছাও। ্ডুইবেৰ কিছুলা কগতে রাইট ভাছাকে कतिशाद्यः। एकप्रकविवासाज क्राहेट्टेव ড়েছটল। তথ্য সে নিজ কেলগীছার। (বছজাবিস্ব'স্থবণ করিয়া নিঞিভ ্ল:ন্টড্লেপ্রেরাকেমন ভয়া

ল' চ ভাষাথ ৭ই এ**চ দৃষ্টান্ত**া:

ত বাহ্বী হৈবৈন ?

ালান হেমবি রাইট নামক এক অবে ইউট বি গুরাতোর আপনাকে এক অন পুলিষ প্টিং বলিয়া প্ৰিচয় দিয়া ছই **জন একং**দ বুক্টোড়াকারীকে ধৃত ক্রিয়াত টাকা চাচ লইয়া হাড্যা দেয়া বিচারপতি ৰ এ ৰাজিনৰ কঠিন পৰিআন্মেল সহিত চর বেয়াল দিয়াচেন : বৈঞ্চনাপ সোয়ালা: p এক জন পাহাবাওয়ালা রাইটের সাহ[া]ব। ভে ভাষার প্লস মাস মেয়াদ হইয়াছে : বাণীয় ও এডেনে নীর বলিয়া আইন ভেদ

শ্বাস্ত্রর পর্বাডবাসীদেগকে দও দিবার নিমিত্ত এক দল গৈনং প্রেরিত হইরাছে। পর্যালক ওপিনিয়ন বলেন, কোহাটের সীমান্তিত একটা পলীআম কিছ দিন হইল বুঠিত হওয়াতে खशाबुक এक एक रेन्स (अवित्र इन्द्रेग अन्हे সকল সীমান্তিত যুদ্ধ অমঙ্গলের কারণ। আবা नात्र युक्त र उप्राटिक (प्रत्माद्र व्यक्तिक व्यवकात स्ट्रे

৩ বা ভাদ্ৰ মুদ্লবাৰ।

রাজা বিওডোবের পুত্র কালামের ইংলও प्रभाव कविया এफ काक्नामिक हिर्गाटकम (व. छिनि छेक (मन छा। कि एक होहिन न।। রাজকুমার ইংলাভীয় পৃত্তীয় সম্প্রদায়ের ধর্ম শিক্ষা পাইবেন।

আগামী মার্চমানে ভরতপুরের রাজা প্রাপ্ত ধ্বেহার চইয়া স্বীয় রংক্ষেবে শাসনভার क दिस्य ।

বিচারপতি নর্মাণ সম্প্রতি সিদ্ধান্ত করিরা ভেন, যটে কুলাচার না খাবেক ভাষা হইলে সম্ভান হীন বিধবা জীলোক দেবদেবার ভার পাই বেশ না ৷

সম্প্রতি প্রধানভম বিচারকের মীনাংসা করি য়াছেন, জজ যদি জুরির নিকটে মকন্মার প্রকৃত অবস্থা বৰ্ণনা করিছে না পাবেন এবং ভারি মত জুরি যদি সাক্ষ্যের বিরুদ্ধে মত দেন, তাহা হই-লেও প্রধানভম বিচারালয় আমুরির মডে রহিড क्तिम्न श्रमर्त्तिहारतद आस्का किर्ड गमर्थ नरहन। এটা পূর্বাবার এক মীমাংসার বিরুদ্ধ হইভেছে। (यशाहन वान्य विक किविहात हत्र, (मशाहन श्रधान ভম বিচারলেয়ের পুনর্ফিচারের আনজ্ঞা দিবার नम्भूर्ग क्रमण कारक

১৮৬৭।৬৮ অংকে বঙ্গদেশে ১,৮৭.৮৫ - খানি দলীল রেছিছেরি করা ইইয়াছে। ৩ ৩৯, ৭৮১ টাকাকী আনায়ও ২৫-১৮১ টাকা বিভাগীর ধ্য় এবং ৮৯,৬০০ টাকা উল্ভ হটরাছে। পূর্দ্ধ বংসর অংশক্ষা শক্তকবা ৩ টাকা অধিক काय रहेबारह । दिख्छाति कविरक वारकत কন্ত সময় বিয়াছে, ভাহার এফটী ভালিকা দিলে

২৪ প্রগ্রার দক্ষিণ অঞ্চলের উপতের ঈশ্ব রের কোপদৃষ্টি পজিয়াছে। গত বাবের ১৫ দিব সের কৃষ্টির পরও যাহারা পুনর্মার ধান্য রোপণ কবিয়াছিল, এই বৃষ্টিতে ভাষা পুনস্বার জলমন্ত্র হর্মাতে ভাহাদিগের ছিন্টীয় বারের পরিতাম विकन इहेम्रारङ । এই (वन) अहेगकन महिन्न লাকের সাহাধ্য করিবার উপায় অবলয়ন করা कर्ल्य इंट्रेडिंट ।

ভারতবর্ষের শাসনপ্রণালীর উৎকর্ষসং द्भाव प्रदेशांनि दिवडे भति उपक व्यमादिक। यहान्छ। जानाभी हरे वरमत हे बदल अन्तर्थ রীৰ বিষয় ল্টয়াই কাজে থাকিনেন। মই সভাব कारणत मा इंडेरन' छोत्र करार्वत मञ्जल इंडेरन मा এটা আন্দর্য্য কলা । এ নিয়মের পরিবর্ত্ত হইবার কি কোন উপায় নাই?

বোধারার রাজার মৃত্যু,সংবাদ অমূলক নাই, উহা দেখেয়া কোন ব্যক্তিএ কথা। ব্লিয়া প্রতিপদ হৃত্যাছে। কনীয়েরা বোধারার। सिकटे आनिवारहः वाशाहारक अक्षे क्रा हिविटरमधीत किवियमक छाउन है, व

ও বাণিজ্যসংক্রান্ত কডকগুলি খড় প্ ভাষারা সন্ধি করিবে বলিয়াছে। যাহা । উপার ভদ্র নাই ঃ

मिलीरभरकारे आवन कतिवारक्त, शवर्ग अहे वरम्मावस्य कतिवात भागत कतिहारहम, পর কোন হিম্মুখানী রেজিমেট দিলীর উ याहेरव मा; आवाद (काम शक्षांदी हिल्ल দিলীর ছকিংশে আংসিবে নাঃ উক্ত পক্ত সং বলিয়াছেন এটা নিৰ্দ্মন্তার কাজ।

উক্ত পত্র বলেন, মধ্য ভারভবর্ষের এ কমিদনর আছে। দিয়াছেন, সহকারী পুলিং विट के छाट के ब मीटहर काम कन्महातीत वि ধ্বন কোন মাজিটেট কোন অভিপ্ৰায় ৫ করিয়া উাহাকে পদচাত, স্থগিত অথবা দারিতে অপিত করিবার ইচ্ছা প্রকাশ করি তখন ডিষ্ট্রিক্ট স্থপরিন্টেগ্রেন্ট ভাঁচার সহিত মত হউৰ আহিনা হউৰ, উত্তৰ কৰ্মচা স্থাতি রাখিবেন।

কিছু দিন হইল, আগ্রার প্রধানতম বি नम् निकाल करतम, नरको अत कहेत्र कर বিরুদ্ধ। গংশর জেনরল ভারিমিত ব্যবং সভা ছারা সদ্ধ এই আইন করাইয়া এই য আইনসিত ক্রিয়া ভুলিয়াছেন। এ বাাণ অভিনয় (**ক**)ত্রকর।

৪ ঠা ভাদ্র বুধবার।

এবার ইংগতে ভারতববর্ষের ন্যায় হইয়াছে। ছায়াতে তাপনান যত্ত্ৰে ১০ এবং রৌদ্রে ১২০ ডিগ্রি পর্যান্ত পারা তেছে। অনেক লোকে সর্দি গ্র্মিতে ভাগিকরিয়াছেন। তৃগাও বৃক্ষপল্লৰ স্থান তত্তে। লেকৈ গৰাক নাখুলিয়া থাকিতে ৰ না। সকলকে অভিলয়ুবন্ধ পরিধান ক इकेटरट्ड। कारमक स्मरकटन छ।द्राउनसीध हे चन, चन ७ भाषात निर्मेष हिर्∓ात कतिए वेत्रक ना क्हेरल भारकाल हरण स्ना। हेरल বিচারপাতিমান সেকেলে ব্যবহারের আর্ গেঁছেল কিছ এমনি ভয়ানক জীলা যে বি পড়িও এয়াইলড মিলে প্রচুলাখুলিয়া বা দিগকে আপন আপন পরচুলা খুলাইয়া লগুমের দোকান সকল ক্ষুদ্র, এগণ ছিম্ম র স্থান বলিয়া প্রায় কোন ছবের বারাপ্তা ভাষ্তিকান এবার আভিশায় কণ্ঠ কইভেছে 🖯 দেখিতে ছি. ইংলাও ভাষতবৰ্ণকৈ অভি করিয়া ইহার বাণিজ্যের সহিত উঞ্চতার कानी स्ट्रेलन : प्रज्ञे वर्भता विषे हेरला छ । ভিলেম্য হইয়াকে।

গতকল্য বেলা ৯ ঘটিকার সময়ে সূর্য্ হয়। অর্জেকেরও অধিক গ্রাস হইয়াছিল। থাকাতে অনেকে ভাল করিয়া দেখিতে माह्र ।

আমায়া শুনিয়া ছংখিত ভ্ইলাম, বি

িবিকান ফুডিল যাইবার সময়ে এডেনে : ভাগ করিয়াছেন।

যাক্রাফ টাইমস বলেন ৩৫ গৰিক্ত একডেনে ্রেজিমেণ্টের বা**দংকর জো**দেফ **আণ্টি**য়কের র-ভিচারিণী**ছওয়াতে বাদ্যকর উপ্প**তির ন না**লীস করিয়া ভাছাকে জেলে** সেয়া নিতম বিচার**লিয়ে এই** দণ্ড হইবার জনভি বাদ্য**কর এধান বিচারপ**তির নৈকটে। গিয়া ল, মহাশয় আমার জীর ড এই দশা চইল । র এক**টী সম্ভান আছে**, ইহাকে ল,লনপ্লেন বার রোক চাই। অভএব আননা প্রায়াওর । করিতে পারি কি না? যদ ত'্না হয়। কোট্রীরাথিতে আখার ক্ষমতা আছে কি । প্রধান বিচারণতি ব'ললেন ভাষা নাই। তেবাদ্যকর অন্তিছঃতোবংটাতে প্রভাগমন ল। মেইন সাহেতের বিল বিধিবদ্ধ হুইংল करत्रद्र मरलद्र लारकता त्लो छीद ३ छ ত রক্ষা পাইবেন।

১২ ই আমাজ টকারেল রপনী হাজারার বন্ কে আংক্ৰণকরিয়া প্রাঞিক্ত ও আংগড় ভ্যকাহইতে দুরীভূতে করিরাছেন : ব্ন্যদি ७ - जन रुख इहेग्राह्म। कर्नल तथनी छ । জন দিপাহী সামান; আঘাত পাইয়াছেন । রাতে শান্তি স্থাপিত হইয়াছে।

মুইন স্লাভেব ইক্ও ভুলকটেল। চীন রর ধীপবাসীদিলকে ধৃত করিয়া লইয়া लाम कड़िएउएक। এইসরলक्ष्मग्र बन्हिल প্রথমতঃ এক বংগরের নিমিত্ত আনমুন ₹গ়্াক**ন্ত একবার জানিতে প'রিলে আ**াত र्य न।। आवंधनकर्तता अहेमकल राउक्ता দকে ধৃত করিবার নিমিত্ত জাহাল প্রেরণ । কুইনপলাতে পুরের ভারতব্যী, কুলি ণর প্রস্থাব হইয়াছল, কিন্তু গ্রণ্মেন্ট 🛚 **ত সম্মত হন নাই** : জুটন স্লাকের গ্রেগ **ইহার নিব**ারণ**ে**টো পাইতেত্রেম ৷ জালাদ গের অভাব সকল হু'নেই সমান কেটু'ই আইনের নিমিত্ত কডই চেই;

51 স্থেশের ন্যায় বে'ষাইয়েও অভির্টি ছ। বে'ষাইও বরণার রেলওয়ের ছুটা मा क्हेग़ार्ट्ड अन् *(व*ाचाहे (**सम**ल्ट्यस শ্নৰ্ম হ'ও ভাঞীর গ্রানে এক কালে াহ্**ইয়াছিল। সৌভাগ**েন্মে রাজ্ঞার : ংনি হয়নাই। এক ২০ গেন প্রায়চারি ফুট 🕺 াড়াইয়া হল :

क्लिका छात्र कडक कि जामि वृद्धि क कम स्हेना करमक्जन मधुषा इक इदेशाए ।

ভয়ালটর, জেনিসন মেয়ারনামক এক জন धुर्छ व्यारमहाकान लक्षरनत धाक्यरतत कन्महाती বলিয়াপরিচয় দিয়া বলে সে ইংলগুীয় পোষ্ঠ माष्ट्रेत (समत्राभित साक्काञ्चनारत अक्चामि पिरः ক্টার প্রস্তুত করিছেছে। অনেক বণিক বিচ্ছাপ निविभिष्ठ हेशांक है।का प्रमा अ व्यक्तिक বোষাইয়ের সেলিয়ানে অপুণি করা হইয়াছে। মেয়ার কলিকাতাও মালোডেও জুয়াচুরি করি রাতে। মেইন সাংহর ক্লভ লোফার বিল ঠিক **नभरत्र ३ ३३**३३१८ छ्

সর হেনরি দুরাও ভয়মাসের বিদায় পাই ग़ार्ड्स ।

ভাগলপুৰের সামিলান জানীদার রাজা লীলানক সংহ ভারলপুর আহলের নিমিত টাকা প্রদান করাতে প্রথমেণ্ট উ:হ'কে ধন্যবাদ প্রদান করিয়াছেন

১লাজালুমারি ভাবধি ১৪ই আমাগঠপর্যাওত ৬৭ ৮৭ ইঞ্চ রুক্তি পাড়িয়াটে । প্রায় সম্পর্র রুক্টি ছুই মাদের মধ্যে হুইল।

বোষাইয়ের বারিষ্টর হাউয়াত সাহেব রেল ওয়ের গুণ্টনায় হক হওয়াতে রেলওয়েকো ম্পানি উট্টার জীকে ৯৭,৫০০ টাকা ৫৮ দান ক্রিতে বাধিত হইয়াছেন :

৫ ই ভাদ্র রুহস্পতিবার।

ইংলিসমান বলেন, ভূটানের গ্রুণ্মেণ্ট অস ন্মান প্রদর্শন করাতে ভারতবয়ীয় গ্রণ্মেন্ট हाहाप्तितरक :य होका पिएडन छाहा आज पिरवन ना। अहे ठाका 'कारहेदा' ' कब्र ' विनया नहेख ইহা লইয়া ভাষাদিশের গ্রহ বিবাদ ক্টভেছে।

টেলিরাম আসিয়াছে যে, সিয়ারআলি খাঁর रेनमः शब कावूटन श्राटम कतियाटक।

शास्त्रारकात्र श्रभान (कारल ज्यालिशुरतत न। हि একটা মুদ্রাবস্ত হইতেছে। এইপ্রকার একটা ভ**.পখোনা হইবে। আলিপুরের** জেলে গবর্ণ কুষ্ক্ষিপকে কার্য্যন্তঃ প্রতিদাল করিবাল মেন্ট চট প্রস্তেক করিভেছেন ৷ এই সঙ্গে গবর্গ মাছেন, আন্মাণ অথবা যে যাটে ভিনি আ ্ষ্ট কি একটা বাপ্তের কল ক্ষিয়া সকলকে বুঝেন, সেতু প্রস্তুত করিতে পারেন । গ मुक्के। क्षर्राञ्चन करिएक **गारतन ना** ?

e ইল। সর চারলস কার্কন এ ব্যক্তির পুনরায় অভিশয় আবশকে। প্রতিবংশর প্রায় যে क्षत्रामवर्णी लहेरवम । अहे क्षत्रामवन्तीराष्ठ क्षकान ू लाक माता याग्र वना याग्र मा । পাইরাছে ১৮৬৪ ও ১৮৬৫ অবের প্রেমটান্ট বোধারার রাজার সাইত রুশীর্দিগের বে (वाश्वाहेट्यू व हे कात वालाट्यू वर्षा कर्षा कर्षा करेगा- । नियुद्य मिक क्षेत्राद्ध, खाका वाश्वाहेट्यू ছিলেন। তিনি নানাপ্রকার ব্যাক্ষ ও কোম্পানি । প্রকাশিত ইইয়াছে । রাজা প্রতিবংসর । করিয়া ভাষার অংশসকল বিক্র করেন। লক্ষ বর্ণ ঠিলা কর্মরূপ দিবেন। চারিজ

खिनि e · · টাকার अश्य ১e · · · টাকার করিতেন : ক্রেজার টাকা না থাকিলে ব ''বিশ্বাদী " প'ত্ৰ বলিয়া বোষাই ব্যাক্ষ कर्क (मञ्जाहेट्रजन । (श्रमहोटन्द्र भर বোৰাই ব্যাক্ষ কেবল খন্ত লেখাইয়া লইয় ধার বিভে কারেন্ত করেন। ব্যাক্ষের সেবে বেলেয়ার ভাঁহার সহচর ছিলেন ; ছুই জনে কাজ করেন। প্রেমচাদ অনুরোধ করিছে: বেলেরার যাহাকে ভাছাকে টাকা কর্ম্ম দি যাহা ১উক, একণে কথা হইতেছে ে পূর্ণ্ড বোষ'ই বাজের বহিত **অনেক** लाटकत नर्कतान कः देशाद्रक, खाशांक्टिशं **३३७व कि मा** २

যশোষরের অমৃত বাজারপত্রিকার ভত্রভা ডেপুটি মাজিটের রাইট সাংখ নালীশ করিয়াছেন, েইে মকক্ষাটোর ভার, হয় কোন বারিষ্টয় বিচারপজি ্নচে खारकारहैत मध्य काम निविधारमञ् (मञ्जा कर्ड्या । এই মকদ্দমা উপলক্ষে হরের ভূতপুর্দ মাজিটেট ও জাইট মারি অভিশয় গহিত ব্যবহার ক্রিয়াছিলেন। বেলের মকদ্মায় করে কোন্ত্রিকর हरेएक (अञ्चात कवा इरेग्नाट्ड ? এक जन श्र गतकात्री कर्फाश्रदी हित्तन । मास्ति छैउ हे इ.शेष्ड कतियाद्वारा अनकल अकस्मात व পুলে স্থগিত অথবা পদছু,তকরা অন সিবিল সর্বিদের প্রবালীকে ধন্যবাদ : যিটি সকল কাজ করিয়াছেন, কোন এভাদে यनि औं होत्री व्यटक्षिक छन थ: द्रन कविटछन, इहेटन काँहाटक এड दिन পाछान (पर्व ₹ऍ७ ।

ডেলিনিউস আবল করিয়াছেন, স্কটলভের দায়স্কুক্ত জুনরর ও.সিনিয়র চাপং গের বেডন সর্গাত্র একবিধ করা হইবে

উক্ত পত্র প্রবাণ করিয়াছেন, ভারতং शवर्गरमन्त्रे वलर्गरन्त्र श्रवान **र**िश्वनिष्ठत्र**र** र িও গোরাই পারের নিমিভ ছইখানি বাং ্পুচর্চির্যুট্টেরে জবানক্ষী আপাড্ড: শেষ্ট্রাহাজ হাথিবার এতাব কইয়াছে। এটা

এবং কার্মণিতে এবটা রুশীয় শিবির । কুষারকা;কর উর কের ফিডে क्रमीय पूर्व इहेरव। अभावकम इहेरड রাপর্যান্ত রাজা নিজা বাহের একটী রাস্ত । দিবেন। বেসকল বোখারীয় রুশীয় সেনা हटल बन्दीत महाय चारक, खाहासिटमत কের মুক্তির নিষিত্ত ১০০০ আর্ব টিলা इहेटल्डा अस्त्रगर्भ इहेटल ए मकन আগিবেন উল্লেফিগের কোন ক্ষতি না াহা রাজাকে দেখিতে হইবে। রাজাযত এই নিয়ুসাতুসারে কাজ করিবেন, ভঙ দিন তে বোখারা শাসন করিতে দেওয়া ছুইবে। ইহ্ ডে সম্ম হওয়াতে রুশীয় গেনাপতি न रेमनः मिनाक लहेगा खात्रथम ७ किझारक করিয়াছেন। ক্র্মারকন গোরালিয়রের এक प्रमाल क्रमीय देशमाज्याता वृक्तिक रहेट्य। ব্রোচের মুক্ষেফ বাছ্রাম মভিরাম সরকারী । ওছরূপ করিয়া তৎ পরে তাহা মিলাইয়া বার (চষ্টা পাওয়াতে উাহার এক বংসর न ७ ১००० होका स्वित्रमाना इहेसारङ । প্রধানতম বিচারালয়ের অংকিম বিভাগ ইংসংপটন্তর পর্যান্ত বন্ধ থাকিবে ৷ মফস্বলে

রপাতাহা বুঝিতে পারিলাম না।
প্রজিক ওপিনিয়ন বলেন সম্প্রতি পঞ্চাবের
ার ৮০ বংকি গাবার জেনেরকের নিকটে
বেদন করিবার নিমিত্র সিমলার গমন করে।
জন লগেল বাহের হইরাহেন, এমত সময়
করা দিছিলা আলিল। কিন্তু প্রহারি তাহা
বিদন পত্র স্ট্রতিল। পরে ভারালিগার ইত্তে
বেদন পত্র দৃষ্ট ইইল। এ- হ্যক্তিদিগকে কি
ভিত্তেটের হস্তে দেওয়া বিধেয় হ. ? কলি
ভার এক ব্যক্তি এ প্রকার করিয়া এক মাস
রপ বাইটিত বাদ কবিরাভিল।

মাস ছুসী হইতেতে। প্রধানতম বিচারালয়ের

ক্ষেক দিনসংব্ধি গ্ৰায় অক্তিশ্য বান কিতেছে। তিন দিবস ক্ইল জুইখানি গাল টি জলমন ক্ষাছে। আহাজের কোন চ্নিষ্ট ক্যুনাই।

জ মরা পে ও জব ইতিয়া দশন করিয়া আছে।
ত হইলান, জাক ডিকন প্রাট, বজুগণের অনু
াবে আব কিছ দিন ভারতবর্ষে থাকিবার
মুমিত জাবেদন কার্যাছেন। বল্দেশীয় ও ভার
বেষীয় গবর্ণনেউ এবিষয়ে টেট সেক্টোরিকে
হলুরোধ ক্রিয়াছেন।

डिक शब रालम, कड़े कि व्याहम मा स्ट्राल

कृषकितित सक्त रहेरव ना । याशत अनिष्ठे इता रहेरछह्ट छोशतिक आतात कृष्ट अस्टिए वज्ञा अभि किवल (कृष्ट अव देखिया छ स्मिने गार्ट्स्वत वृक्तिष्ठि आहेरम ।

উক্ত পত্র বৃদ্ধশের জনীদারনিগকে এই বিলয়া সত্তর্ক করিয়াছেন উহিরা এই বেলা গ্রথর জ্বেনগলের প্রস্তাবে সম্মত হইয়া স্বেচ্ছা পূর্মক শিক্ষাকর প্রদান করুন, নচেৎ ক্ষারত মন্দ হইবে। এমন ফুও যাহাদিগের সহায় ভাহাদি গের ভাল হইবার সম্ভাবনা কি।

৬ ই ভাদ শুক্রবার।

গেজেটে পণ্টনা ও মেননীপুরের বৃদ্ধি ও
লাস্যের অবস্থা প্রকাশিত হইয়াছে। সামানতেঃ
পাইনাবিভাগে দশ আনা শদা হইবে; কিজ
মেননীপুরের অধিকাংশ স্থ'নে জলপ্রাবন হওয়াতে
বিস্তর ক্ষতি হইয়াছে। গড়বেভায় কেবল ভত
বৃদ্ধি হয় নাই। মেননীপুরের কালেটর অনীদার
দিগের উদাসীনেরে নিমিত্র বিশেষ আনে প
করিয়াছেন। বাধ রক্ষার নিমিত্র অনেক অনীদার
রাজাম হইতে অব্যাহতি পান; কিজ কেইই
সকর্ত্ব্য সাধন করেন না।

রেলুণ টাইমস বলেন, ব্রিটিশ ব্রক্ষের বিদ্যাশি কার ডিরেটর হডারণ সংহেব লিশিয়াছেন, সম্প্রতি আকাবের গ্রহণিন্ট বিদ্যালয়সমূদায় আসবাব ও পুস্তকের সহিত ভস্মীভূত হইয়াচে। কোন ছপ্টেটিড লোক একাজ করিয়াছে । এবাজি দৃত হয় নাই।

शक्तिक विदेशम वर्णन, खात्रकवशीय शवर्ष (याने महिश्चरत्रत रेमना मश्था। कमाहेवात खाळाः विद्यारहन । शवर्ष:मराजेत कर्निकाले खिन अवस्था नीय वोकामपूरह रेमना वाधिरात काम श्रामा कम नाहे।

গত শুক্রবার নড়াইলের জনীনার বাব হরনাথ রায় ৭৫ বংসর বদুসে কালীপুথে প্রাণভাগি করিয়াছেন। হরনাথ রায় সেকেলে ভনীদারের এক জন আদর্শ ছিলেন। ইইগর ধারা অনেক সং কর্ম হইয়াছিল।

ডেলিনিউস প্রবণ করিয়াছেন, উপনগরের মিউনিসিপালিটের সহকারী সভাপতির পদে আর এক বাজিকে নিযুক্ত করা হইয়াছে। উক্ত পত্র ভূতপূর্ল সহকারী সভাপতির হিসাব দর্শন করিবার অন্তর্গধ করিয়াছেন। আমরাও এই কথা বলি। হালতেন সাহেবের বিষয়ে অনেক জনরব প্রকাশিত হইয়াছে। আমরা মফখনের মিউনিসিপালিটির ক্রবিধা ও ক্রনামের নিমিত্ত এই প্রস্তাবের অন্ত্রোদন করিভেছি।

উপনগরের পুলিষ এত সতর্ক যে গড় বাহির মূলাপুর্ব্রামে সম্প্রতি ৬ চী সি দ হইরাছে কিন্তু এক বারও পুলিষ অনুসন্ধান করিতে আই সেন নাই। একানচীতে কুঞ্চপক্ষে প্রায় পাহার ওয়ালাকে দেখা যায় না। এখানকার যেমা রাস্তা সেই প্রকার পুলিষ। গত ঝড়ের সন্ধ্র সর্ব্যান্ত এক প্রদা হয়, কিন্তু এখানে এক ব্যক্তি এক প্রদা পান নাই। এই সলে যা করসংগ্রহ প্রস্তার্টী বিস্মৃত হন তবেই কতঃ সম্প্রেষ।

৭ ই ভাজ শনি**ধার** i

अविद्या काह्यमश्काख दिर्गिष श भारत प्रमास कदिया कि स्मिन, काहाद श्रव्याच श्रक्षिक हहेग्रा कि । श्राह्म गगरक वार्षिक ह अक्षास्थान गग्ना य १० विका निष्ठ हहेर अंक्षेत्र (मंद्रिया कहा स्मार्थिक निष्ठ हहेर इंट्रेंद्र ।

প্রেনিডেলিকালেজের ছাত্রনিগের এ ১২ টাকা বেডন দিতে হইতেছে, ১৫ টাকা ব বার অভিপ্রায়ে ছাত্রদিগের রক্ষকগণের আদ এক ভালিকা করা হইতেছে। যদি অধিকা ছাত্র ধনিসম্ভান হয়, ভাহা হইলে বেডন হারে ধনিসম্ভান হয়, ভাহা হইলে বেডন হারে গ্রিম্মান ছয়, ভাহা হইলে বেডন

মান্দলের যাবভীয় কালেকে ছই
করিয়া ইউপীয় আইনের অধ্যাপক হইটে
আপান্তভঃ এক অনকে নিযুক্ত করা হইটে
ভিনচী আইন আনি হইবে। ভিনবৎসর উপ
অবন না করিলে পরীকার্টিতে দেওয়া হইটে
এক্ষণে যেনন ৯॥ ঘটিকা অবধি ১০॥ য
পর্যান্ত উপদেশ আবন করিবার
আচে, ভাহা পাকিতে কিছুই ইইবে
উপদেশপ্রবণের সময় অধিক হউক
ভিন মাস অন্তর পরীকা হইতে থাকুক।
এত বায়ে রুণা হইবে। এক্ষণে দেখিতে পা
যায় ছাত্রেরা আগে কিছু করেন না,
ভাড়াভাড়ি করিয়া যা কিছু করেন এই না

ভেলিনিউন অবগত চইয়াচেন, ভারত সভা বাজস্বস্থান প্রাথশ নিবার নিমিত থে স্থাপনের প্রস্তাব করেন, স্টেটসেক্টোরি অগ্রাহা করিয়াচেন। অন্য অন্য সভার ভাগি করিয়া ব্যক্তাপক সভাকে প্রতি সভা করিবার চেষ্টা পাওয়াই কর্ত্বর '

ডিজ্ঞ শত্র বলেন, বেগারের জনসেচন নিমিত ভূমি লইবার জন্য এক জন ডেপুট ইয় নিযুক্ত ইইয়াছেন। এটা শুক্ত লক্ষ্ণ। नेब्रालिधिके मूरना भवर्गस्मरनेब काशक ड व्हेरफरहः---

টাকার সিহা। ৯৪৸৶.৯৫

* কো: ৯৫॥ । ৯৫॥ ८

* বেলিক ওয়ার্ক ১-৩ । ১-৩ ১

* কো: ১-৯৭ - ১১৫ । ১১৫:

~°0°;~

ইউরোপীয় সনচোর ৷

১ই আগনী । সর জন লরেনের পর আগনী ভারতবর্ষের গবর্ধর সেন্দল হইবেন, ব্যারসমূহ এই জনব্দ লইরা আন্দোলন হরেন। প্রায়সকলেই বলিয়'ছেন, জিনে দর উপায়ুক্ত নহেন। প্রায়াড় পত্র বলেন, বে নিরোগের প্রাত আগোড়ার নিগাড় কারণ যে তিনি কন্সারবেটি। দশসূক্তা এক স্প্রারতবর্গে যাইবেন না। উক্ত পত্র আগর ভারতবর্গে যাইবেন না। উক্ত পত্র আগর ও বে আগর নিমিক আবে বেন নাই, তিনি উবা আহণ করেন, এ উলিকে অপ্রোধ করা হইরাছিল। সাধা ত সর প্রায়েক স্বায়ক বিশিক্ত আবে

৫ ই আগষ্ট । সন্ত্রাট নেপলিয়ন পারিসে গারেংছে বিজ্ঞর বৈন্যের যুদ্ধ কৌশল দর্শন হৈছন। লাড নেপিয়র ঐ সময়ে উপস্থিত ন। লাড নেপিয়র অভঃপর সালকোর ধর্মবার্য গ্রমন করিয়াছিলেন।

ায়ারলতের জন্তগত টিশারেরিতে একটী কে ও ঘৃণকির অভগচার হইয়াছে। এক বলিক ও কনষ্টাবলকে বধ এবং জ্বীদার র চারি জনকে আহত ক্যা ক্রয়াছে। ত কলেয়ের গেজেটে আবিসিনিয়ার সেনা

০ কলেরে সেজেনে আবেংশানয়ার দেন। কতকণ্ডলি আফিসরকে যে পুরস্কার দেওয়া গ্রাব ঘোষণা হইয়াছৈ।

১৭ ই আগষ্ট। লওনস্থিত আমেরিকান দুত রেবাডি জনসন সংহের লওনে উপ চইয়াচেন।

ক্ষরাশী গ্রণমেন্ট যে কর্মভ চালিয়াছিলেন। ইটাকা আলায় ক্ট্যাড়ে।

ায়ারলভের অভানম ১৮ লের এক জন রে বালী আজেতি হয়। কয় আজেমণ গাসুরীকৃত ইইয়াছিল।

নিউইয়র্ক হইতে টোল বাম আসির ছে: বৃষ্টি হওয়াতে জার্জিয়া, দে বিভা ক দশির ভূলা নষ্ট হইরাভো

১ এ আগস্ট। অদ্যকার প্রাভঃকালের টাই
এক প্রস্থাবে আবিদিনিয়ার দেনাদলের
নর্দিগাকে পুরস্থার দিবার প্রশালীর প্রতি
রূপে কবা ইইয়াটো। দেনাপতি স্থানেল
ত্ব বেবিলেব নাম কেন উল্লিখিত হয় নাই
ভাগার কোন বাবল নুঝিতে পারেন না,
নেয়ার ওয়েদার কেলন বেবেট ক্রেল প্রনহাতে কোবর কোনা ভাগার বেবিল সুনহাতে কোবর কোনা বেবেট ক্রেল পুনহলাত কোবন ক্রেল নথ কোট ভারতব্যীয় স্থার গ্রহণ করিভেছেন বলিয়া ঐ প্রস্তাবে বিশ্ময় প্রকাশ করা ইই মুচে। টাইমস বলেন, এক্ষণে প্রকাশিত ইই মুচে, ভারতবর্ষে কোন সাধারণ হিতকর কার্যা না করিলে এই চিত্র পাওয়া যায় না।

প্রোটেষ্টান্টেরা আপনাদিগের পক্ষর্থনার্থ লিডনহালে যে সভাকরিতে চহিয়াছিলেন, রৃষ্টি হওয়াতে সে উদ্দেশ্য বিফল হইয়াছে 1

महोत्र छात्र मछ। महानीक कतिवात नगरत छेश्रकाहश्रह १ व महामा चीकात कतिवात निभिन्न तालिति स्वनतन नार्यक्र के कर्कारम भग्र चालि क्रिनित गार्ट्य क्रिके, नि, सूचन स्व निभुक 'इरेग्राह्म।

গবর্থনেন্ট বিজ্ঞাপন। বঙ্গদেশীয় লেপ্টনন্টগবর্ণরের আদেশাসুসারী নিয়োগ।

১৪ ই আগষ্ঠ—ভারতব্যীয় বেলওয়ের পুলিবের প্রতিনিধি সহকারী ইনপেউর জেনরল লেপ্টন উ এচ, এম, রামসে উজ্জ বেলওয়ের বঙ্গনেশার মধান্থিত অংশের মধ্যে মালিস্টেটের ক্ষমতা পাইবেন কিছু বেলওয়ে কোম্পানির ভৃত্যদিগের বেজিকরিভিন্ন লেপ্টনন্ট রামসে মাজিস্টেটের অন্য কোন ক্ষমতা চালন করিতে পারিবেন না।

্চ এ জুলাই অবধি ই, ডি, গড়ফি, সাংক্ শ্রীরামপুর ও উত্তর পাড়ার মিউনিসিপাল কমি সনর হইয়াছেন।

সি, এচ, কাংখল সাহেব পরীক্ষক সমাজের সভাপতি হইবেন।

নিমুলি খত ভদ্রেশেকেরা প্রীক্ষকসমাজের সভঃ হইবেন:—

জে, মনধো সাহেব। ডব্লিউ, এম, স্তুটার।

১৫ ই আগস্থা ১৫ ই জুন আবধি ব'বু মংকল চন্দ্র বন্দ্যাপাগ্য়ে প্রেসিডেলি কালেকের এক জন প্রতিনিধি সহকারী অগ্যাপক হইয়া-ছেন।

২৪ এ জুল'ই অবধি বাবু মহেশচন্দ্র বন্দের্যাপঃ
ধ্যার শিক্ষাবিভাগের চতুর্গন্তেলিক ভ্রয়াছেন।
যাত দিন এক, আডাম দ্ সাহেব বিনার লইয়া
অমুপক্তিত থাকিবেন, তত দিন জে, এচ, জন
টোন সাহেব মেদিনীপুরের প্রতিনিধি পুলিষ
স্পরিক্টেডেন্ট ইববেন।

मगताच मःवासनाजा निधितादहन।

গত ৭ই আগষ্ঠ ভারমগুহারবরের কাছারিব মালখানার এক কিন্দুক ভগ করিয়া কওকগুলি টাকা চুরি করিয়া লইয়া গির'তে। পুলিব নানা বিধঅস্থ স্কান করিভেছেন কিছুই করিভে পারি ভাছেন না।

আজি চারি দিবস ক্রমাগত কাড় ৪ ঠুই হও

शास्त अधारतमात माठे व स्कारतमा अक जात् शास्ति इहेश्वी महोदिम हे चारमात मकन जनमा इहेश्वर , ज दश्मत मरमात भर जानि हे इहेर्फ हा आहीन (माकत मूर्थ स्वरत्त मचकरत्त कथा स्विमाहिमान, दूसि जिरात स्वामा करा करा स्वामा स्वामा

প্রদেশে একে ত রাজা ঘট ভাল
বাহা আছে ভাষা বর্ষাকালে এর কাকার
যে বালী ব্যাহির হয় কাহার সাধ্য বিধে
বর্ষায় জলে অনেকাংশ ভগ ধ্ইয়া যাও
সাধারণের যংপরোনা তি কন্ত ও ভাক
গমনের অভিশয় ব্যাহাত ঘটিয়াছে। এ
কর্ত্বশক্ষর বিশেষরূপে দৃষ্টি রাখা উচিত

ইভিত্তির থান স্থানভানপুরের এন এক ডাকাইতি হয়, পুলিবকার দক্ষ স স্পেক্টর চাদ চৌধুরী মহাশয় নানাবিধ ক্ষান ও পরিশ্রম করিয়া জেলা মেদিনীপুর মাল সমেত দক্ষাদিগকৈ পুত করিয়া ড হারবারের বিচারালয়ে পুতঃইয়াছেন।

व्यामानिटशंत कालनाष्ट्र मः वानन विश्वितारहन।

এখানে অংশাষ্টমীর দিন অবধি এর হইভেছে বে, ভাহাতে অল্লাবন হইয়া গি অনবৰত পাশ্চন দিগ হইতে হঃ তঃ শকে ব অংকিডেডে, ভাহার সজে সংগ্রই বৃষ্টি ৷ বৃষ্টি বেগেরই সীমা কি। কালনার নিকটস্থ সকল আমই ≢লে পরিপুর্; অনেক আম বাবে লোকপুন।নিরাঞ্রে ব্রভিদর। গে ও व्यनहानः नामजी नमञ्जलहेशा এখানে व व्याध्यन्न व्यविष्टिहः। व्यानास्तरं प्र পরিদীমানাই। মাঠে প্রায় ৩ । ৪ হাত বে বা তত্তোধিক জল দাড়াইয়াছে। ধানেরে : क्ष इंदेशारक । कथिक कि ज कथित स्ट्रेटर अज्ञाभ (दान इस् मा ; व्याट्स हर्रक्त এই .ব, আউস ধান্য প্রায় পাকিয়া উঠিয়া उन्नानक स्वन्धावरन नमञ्जून है वहेगा (व প্রকাশ হইয়া লিখাছে। ধানেরে ভ এই, ব লোকের বাসগৃহেরও ভয়ানক অনিষ্ঠ ধাইতেছে। ভীৰ্গাইত প্ৰায় মৃতিকাসাৎ सारक, व्यानक छेडम छेडम अझेलिकावर শার শেষ দেখা যাইতেছে। এখনও সৃষ্টি েতহে। এদিলে গলা, নদী পুকরিণী স পরিপূর্ণ !! এখন যাহা, হইতেছে ভাহাই 🗬

याहा इंडेक, धवात था कि इसमा छे

হইবে, ভাবিয়া স্থির করিতে পারা যার

্ব্যান্ত্রস ধান্য নম্ভ হওয়াতে ইহার মধ্যেই চা

(स श्रक्तांकिरभद्र माहोस्य कृदिया छात्रांकि इहेरव ना। शारनात शास्त्र किहू शानरयात्र। হায়ী করেন

দাস্তিপের সকঃকরপুরের সংবাষ্

विधियारस्य । उ > ५ अ सुनाहे नुधवात अधारम अवजी গুৰার কাসী হইরা গিরাছে। ঐ ব্যক্তি রভঃপুত রমণীর প্রশাসে বন্ধ হয়। এক াছিতে ঐ যুবতীকে **প্ৰলোভন দেবাই**য়া

পিত্রালয় হইটে স্থানান্তরে লইয়া যায় একটা বিজনস্থানে ঐ প্রথম্বিমোহিতা জীর সংহার করিয়া উহার বস্তালকার সমুদার দাৎ করে।

ক নৰপ্ৰস্তা নারী প্ৰসব্ের কভিপয় দিবস এক দিন ভাহার প্রভিবাসীদিগের ত গিয়া কহিল, বোধ ইইতেছে আমি আর ব না, অতএৰ এ অন্মের নিমিত ভোমালি নিকট বিদায় লইতে আসিয়াছি। উনার বোসিগণ প্রথমে ভধাকো বিশ্বাস না করিয়া কৌতুক উচার সহিত নানাপ্রকার তেলাগিল। অনস্তর ঐ রম্বী যেমন খীয় তে আসিয়া প্রাক্রে উপবিষ্ট হইল অমনি র প্রাণবায়ু অসার দেহাদার পরিড্যাগ য়া নিভঃবায়ুর সভিত সংমিলিত হইল। कहे वाल हेम्ब मृङ्गा।

শুনিয়া সাভিশয় ছংখিত হুইয়া প্রকাশ করি ভঃষ, এংবারেও গণ্ডকীনদীর বীপ পুনরার ১ইয়াডে। গত বংসর ঐ ব'ধে ভাঙ্গিয়া কভ উংসর গিয়াছে বুলা যায় না। এ বাবেও আবার ভাষাই ঘটিল, ওবে আর ভয়তা া বিপদের উপর বিপৎপাত অসমস্য। যাহা य हैवात खाहारमवह याहरत, कारमाव । বাঁধের ওভরসিরর কি করেন ই টাকা কম বায় হয় না।

জঃফবপুর হইতে হাজিপুরপর্য,স্ত একধানি কের গাড়ি হইলে এখানকার লোকের শ্ব উপকার দর্শে। আমর। ভারতবর্ষয় কোন ♦কোম্পানিরে অনুরোধ করি, এখানে এক নি ডাকের গাড়ি খুরুন, যথেষ্ঠ লাভ, হইডে बिट्य ।

পুনরায় এখানে এ আছিল ডিলয় ও প্রচণ্ড রেছি চুত্ত হইতেছে ; কএক দিন বৃক্তি না হওৱাই নুর প্রকৃত কারণী। ফলতঃ এবার এখানে টর ভাগ অর : কিন্তু এখনও যেরপ সমাচার বাংরা আখাত করে। আমাদিগের দিয়ালু মাজি

। ২ইতেছে। একণে অমিদার্দিগের পাওয়া ষাইতেছে ভাষাতে রবিশ্বের বড় হানি

BIC मिट्सत मट्या अधानकात समीमकन কলে পরিপূর্ণ হইরাছে। উহাতে তীরক্ষিত শস্যাদির অপকার হট্বার স্তাবনা। 🐍 🚁

चामानिरशत क्रजाहारामच नश्दाम-माजा निविद्याद्य

---:0:----

১। গত ৬ ই বৃহস্পতিহার এলাহাবাদ ত্রাক্ষাসমট্তের ভূতীয় সাৰ্থসরিক সভা হইর। পিয়াচে

২। মহালয়কে পূর্ণে আনত করিয়াছিলাম, এখানকার সদর বোডের প্রধান মেষর সি, বি, ধ্রম হিল সাহেব পীড়িত হট্রা কেপে গমন ক্রিয়াছেন। সম্প্রতি আমরা তাঁহার মৃত্যুর কথা শুনিয়া যাহার পর নাই ছঃখিত হইলমে। মন্ত্রের গুণেডেই সকলে বাধ্য হন, ভাছার नरसम्बन्धे कि.च्यान्धर्यः वृदियम्, द्व दाख्यि উজ্জ মহাত্মার মৃত্যুর সংবাদ আবেণ করিতে ছেন, ডিনিই ছঃখিত হইডেছেন। উক্ত গুণাল ক্তুত মহোদস্থ এতৎপ্রদেশের সদর বোডের প্রধান মেশ্বর ও একজন যথার্থ দেশহিতভবী ছিলেন বলিয়া এখানকার বাকালি ও হিস্তম্ব নীরা ভাষার প্রভিমুভিস্থাপন অথবা অনা কোন প্রকার কার্য ভীহার স্ম:লাপের চিইস্বরূপ করিবার মানস করিয়াছেন। জীয়ক বারু নীলক মল মিত্র ও জীবুক লালা গয়াপ্রবাদ ১০০০ এক হাজার করিয়া টাকা আক্ষর করিয়ালেন এবং যাহাতে এ কার্য্য সম্পর হয়, আদেখ উচ্চার होत्रामश्क्षरक व्यक्तिमञ्च वयवान व्याहिन।

দেশে কএক দিবসাবধি ক্রমাগত বৃক্টি হইডেছে।

এখানে বৃষ্টি হওরাতে জীলোর প্রাছ্ডাব ভত নাই এবং চক্ষুর পীয়া ও ,ওলাউঠা বোগের অনেক হাস হইয়াছে

৪। এখানকার বর্তমান পুলিষ স্থপরিকেটণ্ডেন্ট ক্লাৰ্ক সাহেব ও কোভয়াল নারায়ণ সিং এখানে काशमन कतिया कादनि भूलियत राज्यावरस्त विषय मित्रिम मुरनारयाशी इहेम्रारङ्ग । श्रृतिय প্রহরীরাও এখন সকর্ত্তব্য সম্পাদন কবিতে আরম্ভ করিয়াছেন।

 ৫) জনকবেনেন্ডিড সার্ভিদ্ ব্যাস্কের এতে 🕏 ছই জন হিন্দুত্ব নীর প্রতি কুকুর নেলা ইয়া দিয়া আপনাবা স্ত্রী পুরুষ ছই জনে ভাষাস। (मर्थन। कुकूत यादेवा के छहे व्यक्तित्क मरखत

कि गार्श्यव निक्र कर मक्षमा छिनाव इहेटन जिनि এटकर हेत १० नन गोका अतिमान कतिया । नाह होका जे इहे वास्किटक म এবং বাকি পাঁচ টাকা গ্ৰণনেক্টের খাড खया (स्म।

-:0:.

व्यामानित्तर मकीनशूतक नःवा माजा निथिशास्त्र ।

কোলা ২৪ প্রগণার অভর্গত জয়ন থানার এলাকার মধ্যে অভ্যস্ত চুরি হইডে অ र्टेग्नाटक अस्ति वाम यात्र मा। शिष्ट्रबाट ছুই এক বার্টাতে সিধ হুইতেছে > ওস্করেরা দিয়া চুরি করিতেছে। কাছার বা সোলা হয় ধান; লইয়া যাইতেছে, থানার চড়ুঃপা চুরির বড় বা ড়াবাড়ি, কেবল চুরিও নর, টে কোন ৰাগীতে অৰ্থ ডাকাইতির ন্যায় হইতে 'অংশকে পুলিষ পত্নজিরদিগের হেন্সমায় ও ' লতে ধাইবার ভয়ে কভি অস্বীকার করিতে মঞ্জীলপুর ক্ষুনগর ও ডংস্মি হিড গ্রামসমূ চুরির অধিক প্রাছভাব। এদিগে চুরি अहे द्वीवृद्धि. अ निर्म (होनीमात्री है। কেমন কড়াকজি, এজাদিগৈর কি খেয়ার দিয়া ভূবে পার হওয়া হইতেছে না ৷ এ श्रुलिस्बद्ध कमेरवामणा, खाइरण्ड कार्याय श्रु অনেক মহাপুরুষের হাতপাতা রোগ ভ क्ष्ण द्वार क्षणात्मारकत निताल प्र शास्त्रितात বনানাই। অধিকাংশ কলে যথাব গোপনে থাকে। যাহা হউক পুলিধ সত্ত ,দীং,আয়,মিবারণে যমবান্ছউন।

এ প্রদেশে অভ্যন্ত বর্ষা হওয়াতে ধা ৩। আনকোর বিষয় বলিতে চইবে যে. এ প্র ্নাছ সকল জলে ডুবিয়া পচিয়া যাইতেছে, অতি অসুবিধাঃ কুৰকেরাহাহতোশিয়

> आमामिरशंत कानी ए मःवान निर्धित्रार्धनः---

১ ৷ আমরা শুনিয়া ছাবিত ব্ইলাম, গ অবল ক্রীযুক্ত জে, এইচ, বি, আংইরণ সাইড দয় এখান হউড়েড আগেরায় বদলি হই ইনি এখানে আসিয়া প্ৰগাস্ত মাজিছ কাৰ্য্যে নিযুক্ত ছিলেন, সেপৰ্য্যন্ত এখানে গুরুত্র অভ∷চার ২ইতে শুনা যায় নাই স্থিচারবিভর্ণ ও দেশের উন্নতিসাধন श्रस्थात मरनात्रभक रहेम्राहित्सन । हेनिहे **'** হোমিওপেথিক চিকিৎসালয়ের অস্থা এমন স্থ বিচারক ও দেশহিতৈধী ব্যক্তি

চ্৪সাতে এখানকার লোকের বিলক্ষণ বটে; কিন্তু এমন ব্যক্তিকে আমরা যতই দোপানে আরোহণ করিতে দেখিব, ডভই দিগের আহ্লাদ বৃদ্ধি হইতে থাকিবে সন্দের

। গত ৭ ই আগষ্ঠ শুক্রবার এখানে াশরার পুলের ৯ নিকট একটা বহবর্ষায় চ সপদিংশামে প্রাণ পরিস্থাগে করিটাটেছ। াগত ৩॰ এ জুলাই অবণি ৮। ৯ দিবস এখানে ৩ ৷ ৪ টা হড∷ক:ও হইয়া ছে। এডভিন্ন আর আর করেক স্থানে দাসা ১• । ১২ জন আহত হ**ট**য়াড়ে ।

।লিসপুরের হত্যাকাগুটী দেখিয়। আমাদি-এবং সমুদায় কাশীবাসীর জংকতং হইয়াছে হ কা'ল হাত্রি ৮ ঘটিকার পর প্রায় পথ দিয়া গেমনুক্রিডে শক্ষিত হন না এরপ কেতিবিরল। হতণকাণ্ডলী প্রায় রাতি টিকার সময় সংপাদিত হয় ৷ কিন্তুপুলিয ণত্ব পরিআম ও সভকতার সহিত কার্য,নি-করিয়া থাকেন যে, সমুদায় রাত্রি এবং পর দিবা ২ দণ্ড পৰ্যান্ত বেধানকার মৃত দেহ ধানেই পতিত ছিল।

গোহামী হুর্গাপুর হইতে এক ব্যক্তি 41/157

নরপায় কুষকদিগের আর কিছুতেই ভঙ্ ছেছি না । অন্তির্টিনিবজান এ বাব ন ইংাদিগের সর্কানাশ সমুপশ্ভিও। প্রায় मार्के व्यान, भूना मुक्ति (शाहत्र इहेट इहा (कर्ज धाना जाएक, राजंख कान कार्य) হে: ক্ষকগণ ছঃখসত্তজ্পয়ে রাভার । ছ'হাকার করিরা বেড়াইভেড়ে। এ বংশর 🖁 कारत शतियोत्तिमित्र श्रांडिप नव कहिर्द কি বলিয়াই বা মহাজনদিগকে - বুঝাইবে কেবল ভাষাদিলের একমারে চিস্তার र्हेब्राट्ड, এইপ্রকার আর্ছনানসংকৃত রাজিভির আনার কিছুই ভালদিগের ধ্রতি আস্তিলোচর হয় না।

মেরা সভ্কালাবধি এই আশা করিয়া ভোছ যে, এখানে একটা পোষ্ঠ আংশীস্ সম্প্ৰতি এক দেশহিতৈৰী পিউহয় থুর যত্ত তশ্যু ভাষাদিগের সেই আশা অক্তঃ ইংরাজী বিদ্যালয়ের দ্বিতীয় যারবান হওয়া উচিত। স

भिक्क (शाष्ट्रेगाष्ट्रीरतत कार्यः) कतिरखरहत । এথানে পাষ্ট আপীৰ্না থাকাডে যে আমাদি গের কিপর্যান্ত কষ্ট হইত ভাহা লিখিয়া শেষ कता यात्र ना। अक्तरन अमि इति है एनई शत्र সৌভাগ্যের বিষয় বলিভে হইবে। আমাদিতের श्चिम्र वक् बीयुक वायु जीकृषः वटमहानाध्यादभव অকাল মৃত্যুতে আমনা যে কিপর্যান্ত ছঃবিভ क्रेग्राहि विनिष्ठ अन्तर्भ विनीर्व क्रेग्रा यासा এहे महाञ्चा हहेए उचामारनत वामचानित छ विनाद উল্ভে হইবে আনিয়া এ ক্লপ আশোকবিয়া তান ভেড়িলাম > কিন্তু ছৰ্দ্দান্ত ওলাউঠা আমাদিগকৈ সে আশা হইতে সম্পূর্ণরূপে নিরাস করিয়াছে। মহাশয় ! আমরা যে কেবল জীকুক্ষ বাবুর মৃত্যু তেই শোক সম্ভাৱ ইয়াছি এমত মহে, এবার কার ওপউঠা আমাদিগের অনেক আত্মীয়কে विनष्टे क तथाएक।

महानम् ! अवं रन अक्षी स्वीमेडर पति उव थालय कारह। शूर्क्त करमरकई अहे छेवथ (प्रवन किंदिङ्ग। कि मु এकर्ण कांत्र त्मक्रण रम्था यात्र না ইয়া কারণ কেবল উপযুক্ত চিকিৎসকের অভাবভিন্ন আর কিছুইনহে। এখানে অনেক গুলি হাডুড়িয়া আছে ; ইহারা যদি চিকিৎসা শাল্পের এক থানিও পুস্তক পড়িত, কিংৰা লেখা পড়াও যদি আনিত ভাহা হটলে व्यामदा किছू तनिखाम ना । महान्या ! এই तमख मूर्य हिकिएमा कतिया थारक। इंशनिरमत निक्रे হইতে রোগী আনোগ্রলাভ করিবে কি, চিকিৎ সক আসিবার কথা শুনিলেও প্রাণ বায়ু উত্যি याय (১)। व्यक्त अध्यामाभिट्र तत्र मयाव्यु शर्द মেটের নিকট নিবেদন যে জিনি এখানে এক জন উপযুক্ত ভাক্তার প্রেরণ করিয়া প্রজাপুঞ্চকে মৃত্যুর করাল আস হইতে রক্ষা করুন।

প্রেরিত

নান্যবর 🗟 যুক্ত নোমপ্রকাশসপাদক महाभग्न नमी(शब्

মহাশয় ! কলিকাভা মিউমিসিপাল কমিসনর (১) मूर्च । हिक्शनकिएशत निम्हा ना कतिया व्यामानिएशत व्यापनानिशरक धिकात (मञ्जूष উচিত : আমর: যদি ভাষাদিগের দ্বারা চিকিৎসা न। कताहै, जाशामिरशत छेश्याह दृद्धि छ জীর্ছি হইবার সভাবনাকি ? কাপুরুষের মাড ী হইয়াছে: তিন মাস হইল, এখানে কৈবল রুখা আক্ষেপ ও গবর্ণমেউকে উত্তে শাখা পোষ্ট অপৌস সংস্থাপিত হয়। ক্তিত না করিয়া আমের ভাল চিকৎসকও কাৰ্য্যপ্ৰশালীও একণে উত্তয়ক্সপ চলি- ভাল রাস্তা ষাটাদির নিমিত্ত আমাদিগেরই

किरगत कार्य, कर्मरम न्या है अजी प्रमाम इहें। যে নগরের রাজপথাদি সুশৃঞ্জেরা নিমিত যেদকল কর সংগ্রীত হইয়া ব ভাহার সমুদার ইউরোপীয় পলীস সংস্কারার্থে পর্যাবসিত ক্রাট উট্টা क्षरान छेरलना । उँ शामिरतात् अहे. चास পাতিভার বিষয় আধুনিক এক ঘটা कामानिरंशत मञ्भूनं करण श्रुनरूकम क्हेग्राट्ड

জানবালার্ডীটনামক প্রধান রাজ নেউগীপুরুর ওয়েষ্টলেননামক একু আছে। প্রায় এক বৎসর গড় হইল, ইহার পার্কস্থ ইষ্টক নিন্মিত সীমার কিয়ুনংশ ও ' টস্এদ বাবেশ ভাষা হওয়াতে যাভায় व्यक्तरख काङ्ग्रिया हम् । नीत्रिय क्रम हत রাজ্ঞিতে হস্তপদানি ভঙ্গের সৈবিশেষ আগ भूटर्स कामामिटशत मश्कात किन त्य, ताकः च्या ३ हेरल काश करिलाम मध्यकुक ३ छ ३ यथन এত দিনেও পুর্ফোক্ত বিষয়ে ক मिर्गत कि कि बाज मरनार्या कहेल ना, আমাদিগের সেই জম দূব হইল৷ বছ দিব রাজপথ সংস্কারারে নিযুক্ত কর্মচারী জিজাসা করাজে ভাহারা কছিল, '' সাং भारतारवात्र ना कतिरत आधरा कि कतिर 🕫 শুনিয়া পঞ্জীক ভদ্র লোকেরা :মকেটারী বের নিকট এক আবেদন পত্র প্রেরণ ক কিন্ত ছুর্ভাগ্যবশতঃ বঙ্গজনিগ্রে প্রতি ষারই উপৰাটিত নাই। ভিনিও প্রধান 1 কিঞ্জিলাত্র মনেংযোগ নাকরিয়া গলির কেবল কিঞ্ছিৎ খোষুা প্রেরণ করিয়া কার্ লেন ৷ কমিদনরদিগের অমনোযোগিভার कार्यके (मक्षिट अध्यक्तियास ना। এই হুই পার্শ্বে জ্নেকগুলি ভ্রম লোক বাস ক নগরসংখ্যারার্থ করের অনিকাংশই অস্মত मिर्गत निक्र स्टेएड अइन क्या स्ता व উাহাদিলের স্থাবিধার উপর কিঞ্ছিং মনে করা গ্রেণ্ডের অবশ্য কর্ত্তব্য কর্ম।

নিভাস্ত বশৰদ কলিকাডা **किरक्षात्रमाथ** (मर क है का प्र

কুডজ্ঞতা সীকার।

সম্পাদক মহালয়া আমি ক্লডজভাগ क्रिएडिइ (स, त्राक्षनियम ও ব্যবস্থানং खध्य चंछ (.सि छ प्रामी कोर्यः विशान) सूप्तः (अन्। मुझमननिश्टर्त अधीन अविदात अर्थ बार १६द द्वीर एक इंदिए का भी भी ग'रहर ছেনাথ চৌধুরী মহাশল ২০০ টাকা চলিকাভার হাইকোটের নদ্মীর অপ্রবাদক বাৰু অভেয়াদাস বসু মহাশয় ১৮৬৭ য়ের প্রকাশিত হাইকোটের বাঙ্গালা সাপ্তা-ংপোটবট্ৰিনা মূলেঃ আমাকে প্ৰদান ছেন। একণে অটিয়ার মান্যতম জমীদার ভারতবর্ষের ব্যবস্থাপক সভার মেষ্ট ার) জীগৃত্ত খালে আনবছলরণি সাহেব া সাত্ৰৰ প্ৰাৰ্থনা এই, ডিনি উক্ত এছেণ ৰ ও ভূডীয় খণ্ড (য়েবেনিউ ও ফৌজনারি

করিলে ঐ থপ্ত হয় মুদ্রিত ও প্রচারিত ার পর নাই সাধারণের উপকার সম্পাদ্ভিত भारतः अवश्विध महद कार्या मण्यामन সাহার্য করা দেখীয় ব্যবস্থাপক ও প্রসিদ্ধ

p আইনাণি) মুদ্ৰাক্সৰাৰ্থ ১৫০ টাক)

কুডবিল জানীলার÷গের নিয়ত ক**র্ভ**বং বলিয়াই খাজে সাহেবেৰ সমীপে এই াকরিলাম, যদি ভিনি এডছিবছে কুপং । কৰেন, ভাৱা হইলে কলিকাভা (আড়া

া একিল সমাজে আনমার নিকট পত্র লিখি-হামি প্রাপ্ত (ইতে পারিব।

क्यां ख वाहा

পাৰে একটা গ্ৰ^{ক্}মেট ইংবা**লী অনুস**

🗃 রামচন্দ্র ভৌনিক।

। हो ग्रूप २ के । २ % दरमद इंग्रेस, हेश शिक्ति इहेशारकः आकाल का खान देशता की भिकान भोवते ५ ८ **জন মূলী**খাল ইহার অসলপ্রা নিক'ছে হইয়া খাকে। একটা স্থানীয় কমিটা । ঐ কমিটি ই**হার ভদ্মাব**ধান করিয়া न । (कर्वीक्ष ७ विदिन्तीय भकत मञ्जाक) द्वित ক জন করিয়া সন্ত্রাপ্ত ব্যক্তিন বিশেষতঃ কার প্রধান প্রধান রাজ্যপুরুষের 🕒 কলেটীর াগ্যে পরিগণিত । স্থানের জন্ম একটা গগার আছে।পুস্তকাগারটি অভিড স্থন্দর শস্তঃ উহাতে ইংরাজী, উর্দ্ধ পার্মী s নানাপ্রকার পুস্তক এবং খগোল ভূগো**ল** নপ্ৰভৃতি বিদ্যাসম্কীয় নানাবিধ মন্ত্ৰ ও দেশের উর্ও ইংরাজী মানচি**ত্র ভাছে**। ঃ বিদ্যালয় ঠাঃ কোন প্রকার আনস্থাত দৃষ্ট য়ে। তথানি আনময় বয়াবর দেখিয়া তেছি স্লটীর ভাৰত্বা প্ৰায় সমভা-এই হতভাগ্য বিদ্যালয় | श्चित्रारहः। कथन

ও নাগরপুরের প্রাস্থ ধনী জীয়ুক চীকে আশাস্ত্রণ উর্ভির সোপানে আরো ্হণ করিতে দেখা গেল না

বিধান্ডা যাহার উপর রুষ্ট, হাজার করিলেও কিমিনকালে ডাহার ভাল হয় না৷ (যমন জন্ম । জুনাই হইতে ১৮১৮ সালের জুৰ মাস है। লে পাপএ ধের দুর্ফি থাকিলে যতই কেন শান্তি বস্তায়ন করা যাউক না, যভই কেন শুভাকাধকা করা যাউক না, কিছুডেই কিছু হয় না, ওজপ মজঃফরপুরের গবর্ণমেন্ট কাল্ডী কেমন কুলমে জন্মগ্রহণ করিয়াছে, যে এপর্যান্ত ইহার কিছু তেই এহশান্তি হইডেছে নাঃ কোন্ পাপএই যে রুষ্ঠ ক্ট্রা ইকার উল্লেখ্য পথে দগুরিমান রহিয়াছে বলা যায় না। মঞাকরপুরের জ্ল কিছু সূতন প্রতিষ্ঠিত স্থানছে; কিছা কেমন বিধাতার বিভ্রনা, কোন কালে স্কুলট ভালর গ প্রতিষ্ঠালাভ করিতে পারিলনা। আমরা এ दिम्हामध्रेषेत व्यवहात (मायकीर्खान क्षत्र इ इरे-याकि, महत्य भार्ठकदर्भ असन विद्युष्टन। कंदिद्युन না। পাঠকগণ ইউনিভর্গিটির আংগ্যোপাক क्रांत्मश्रद अक्दोद स्थून, छोड़ो इंड्रेन ब्रामिट्ड লারিবেন, এই গবর্গমেন্ট স্কলাইর কিরুপ উন্নতি চইয়াছে ! যদি ক্যালেগুর সংগ্রহ কথিতে না পারেন তবে আমরা বলিতেটি ইউ নিজ্ঞাসিটির স্কী হওয়া অব্ধি এ প্রান্ত ৮ টী মাত্র বালক প্রদেশিকা পরীকায় ক্রকার্য্য হইয়াছেন, ভাছাত আবার ভালরূপে নয় । আংকংপ্র কথা হার কি বলিব, গত বংসর এখান ইটতে ১ ক্সন বালক প্রধেশিকা পরীকা দিঙে যান.. खबर्या 8 काम वाकाली, २ डा⊭ पूर्वण न र ৩ জন হিম্মুস্থানী বালক ছিলেন 🕠 কিন্দু এক জন মান্ত্র বাঙ্গালী অভি কায় ক্লেণে ভূডীয় অধীতে উতীৰ ইয়াছেন ৷

> বর্তমান প্রথম শিক্ষককে আনিরা যেরপ কুতবিদাও বছদশী বলিয়া অ'নি, ভাহাতে াঁহার প্রথম আগমনে আমাদের একপ আশা कमिश्राहित, य अ विद्रालग्न के क्यान হইতে পারিবেঃ কিন্তু ছুর্ডাগক্রেমে এপর্যন্ত আনাদের সে আশা ফলোমূখ হইডেছে না कामरा এ विम्हालरम् र कर्कुभक छ निक्का গর উপর রুখাকেন দোষভার অংশন করিব ? সকলই আমাদের অনুষ্ঠের দোব। আমানিগের সঞ্জানেরা কুডবিদ্য হইবে এ সৌভাগং গর্ম বুঝি ঈশ্বর আমাদিগকে করিতে দিলেন না। কালে कामज्ञभ विम्हानाम इस मा, देशांत व्यटभका कारण পের বিষয় আসার কি হইডে প'বে। আমরা निम्हय खानि, ब्रांक्सी अ (वहादतत कोन गेव-ৰ্থমণ্ড ক্ষুলের অবস্থা এরপে অপকৃষ্ট নহে। কার মহোদয়ের প্রস্তাবান্ত্রারে হটেল ব মাহা হউক, ত্রিভ্তের মধ্যে ইহা প্রধান। জুল। হয়। প্রথমতঃ গ্রথমেকের নিক্ট ২ইডেই

ইহার এরপে অবস্থা থাকা অভিশয় প ভাপের কারণ। একণে লিক্ষাসংক্রাস্ত ব পক্ষের সম্মেং দৃষ্টি নিপতিত হয়, ই व्यार्थनीय ।

@:--

--:0:--

মহাশ্র : গভ ১৬ ই আলাবণের অমৃতবা প ব্ৰিকায় কলিকাভাস্থ সংবাদদাভা মহাশ্য श्ट्रिजनवृद्ध व्यक्तम व्यक्तिश्चात्र श्रकाण करि ্ছন, ডাছা স্পাঞ্বিভঙ্ক হয় নাই। আ नश्वानगण्डात्वद्वित्ययक्रत्य खानाहेवात् नि প্রতিবাদ করিছে বাধা হইলাম।

मध्यः नाष्ठ। **मर्ल्डरन** व हा ब्रह्म क्रिक विषय है कवित्रा विभिन्नारक्त (य, '' श्य्यू श्ट्येनरकः में কালগ্রাদে পতিও হইতে হইবে। "এটা জ বাক।। প্রায় ৮ বংগর হইল হস্তেল ত্বাপিত রাছে: ক্রমেই ইহার উপ্তি হইতে পুর্কে বেখানে ২৭ জনমাত্র বোডার ছি शकरण (महेकारन ८६ खन इहेग़ार**इन**। १ ভাকিয়া আনিয়া বোডার করা হইত 🕫 এकर्ष कार्याक यक्षांत क्षेत्रा छार्विण (मन्ना चन्नः **स्थातिष्ठे इहेटलंटहर्म । इष्टेटल**न বৃদ্ধি হওয়াতে মধ্যবিধ ছাত্রগণের কিছু হইয়াছে বটে : কিছ চাঞ্জ বৃদ্ধি অসাম্যুক নাই ৷ সংবাদদা হা বাটীভাড়াখটিভ একটী कारात्व ऐसाम कविशास्त्रमः किश्व क ঠাধানে আরো ওটিকত বল:ভছ। প্র নীচের ঘরে ওয়াম থাকাতে ভাষার স্থাড়া মাসিক ৪০ টাকা পাওয়া যাইত ০ এ উঠাইয়া দেওয়া হটরাছে: দিজীয়ত: .बाष्ट्राविद्धिय शक्तियाय स्वतः नार्श्वतः या প্রালিক ছিল ৮ কিছে ভাষাতে 🕫 অনুসূরিধা হয় বলিয়া রিডিং ল্যাণ সেজের বাবহার হটয়াছে চইলতে প্রায় জ্ঞালাইবার তৈলের বয়ে প্রায় দিওণ রু য়াছে। ভূডীয়তঃ বাসকারীর সংখ্যা রুগি

श्वादक काल्यतन अन्थताल जुल्दि स्टेग्नाट्ड । বন্ধন পূর্দ্ধাপেকা কেন্দ্র টাকা ব্যন্ত হইবে চাৰ্ক্ত বুজি না কৰিলে এ সমস্ত ব্যৱস্থায় वह्न क.देटव? मधानस्थाः मञ्जूषास **ब्**रुप्त মেন্টের স্কল্কে নিকেপ করিতে চান > কিছ মেন্টের সহিত এরণ কোন নিয়ম বিধিয नाइ (य डाँशिक कांग्र निर्माह कतिएड इ ছত্রেদিগের থাকার আরম্বিধা ও मिय करम रलिक्षा श्रीपुष्क वांबू भारतीहरू -1070-

ার অবস্থা উন্নত হইলে গার্ক্ত বৃদ্ধি করিয়া ংইতেই ব্যয় নির্দাহ করা **হইবে এইস**প ইয়া থাকে। একণে সেই অবস্থা উপ ঃইয়াছে : সুত্তরাং গ্রথমেন্ট অধিক টাক: কেন ? গত এতিল ও মে মালে আয়ের ও প্রায় ৩০।৩৫ টাকা ক্রিয়া বায় হইয়া এ মাদের ঝায়ের যেরপে অবেস্থা দেখা ঘ!ই ু ভাষাতেও বোধ হয় অন্টন ২ইলে। **টাকা গবর্ণমেন্টই** দিয়াথাকেন, ইহ'র ভাহাকে আনভিরিজন ব্যুস্ভার ব্যুন করিতে াধ করা কি শৃষ্ঠভার কার্য্য নতে? মাসিক াকা করিয়া চার্ল্ড কুন্ধি হইরাছে, তাহা হকুহত্তেল উদিছ্ম ২ইবে, ইয়া নিভান্ত ভ কথা। আমরা স্থাদদাভাকে জিজাসা পুর্কো যে মেডিকেল কালেজে ছাত্রকৃতি 3 ছাত্র পাওয়া হুঘট হুইছ, একণে সেই-ছাত্রদিগকে বেতন দিয়া পড়িবার নিয়ম ত হওয়াতে, ভাষা কি উচ্ছিন চইতেঃে? ভবে থেদিন বাজালিরা প্রথম মৃতদেই ছুদ্ধ কেয়েন, সেদিন ইংৱেজেয়া কন্ত আন সৰ করিকাছিলেন, ছুৰ্গ হইতে আনন্দসূচক ध्यमि इहेब्राहिल। किन्न अकरन नकरन শটিয়া হাত কয় কৰিতেছেন, ইংাতে কি পাওয়া যাইডেছে না? না মেডিকেল

হাদদাতামহাশয় দ্রিস্ত ব'লক্সণের অব রে বিষয় থাছা লিখিয়াছেন, ভাহাতে ফা করাই উচিত। গুরের যে পরিমাণে ছিল, ভাষাতেও নিভাস্ত দরিদ্র বালকগণ তে পারিত না। স্বাদ্যাভার লিখন (मिथिय़। म्लाष्ट्रेडे (वाप ५६८७८५ (घ, फिनि **१८ष्टे**टलत् विषय् किङ्क्ष्टे छ। दिन ना। रूप বের উপর মিঠঃ করিয়া লিবিয়াচেন। মাদদ:ত। বাঞারের হনসং হাং। লিখি-ন, ভাগও বিশুদ্ হয় নাই। পুরিংশেক। ल इ.डेम, डाडेम, कार्थ हेडलिएउ ক টাকা ব্যন্ন হইতেছে।

ক্ষের অবন্তি হইতেছে ?

हेन्द्र हर है न

গলাটিকুৰী আম ৷

চাৰ্য়াউলিখিত আম কাটোয়ার আহতি বর্ত্তী। আমটি দিন দিন এই ছিব সোপানে রচ হইভেছে দেখিয়া বড় আংকাদ আনি ह कि स प्रः त्थत विषय करे, य वामगयावसी मार्ग " (एवी भट छते " धट अ नाख थाकाटण

হইয়াছিল বটে বিষ্ণ উত্তর কালে হিন্দু অব্রত্য ল্মগণ ও শকটবাহিপ্রস্থৃতি অপরাপর भकरनर्गं अवेधिक रहिन भा**डेट**फटइन । **उ**९महोधिक काल व्यक्तीक इहेल, देख्य भरवत मरवातकार्यः আর্থ হইড়াভেট কিন্ত তামের মধ্যে এখনও क्ष'भू भर्गाष्ठ कर्माम निमम इहेग्री यात्र, अक्रभ क्षान्द्रे अधिक। "कामात्र नाम अकि क्रुप्त নদী আমের পার্শ্ব দিয়া বহিয়া থাকে। এখানকার '' ওবরাসয়ার " বাবু একটি পুল নিশ্বাণ্ডারা ''কান্সবের " বেগ কথ জাব আববোধ করিয়া-ছেন। ভয় হইতেডে, পাছে জলোচ্ছাদে আনা দের লসংক্রেসমূহ প্লাধিত হইয়া আমাদের मिकिन इटलात्र बरमावल वस्त्र करता वर्ष वर्ष " কাম্পরের" বেগ দেখিয়া আসিতেছি, নির্ণিমত পুলে:ও দাটা প্রীক্ষাকরাগেলা একণে ব্রোভয়তী বয়ং আনাদের ভাবনা দুর করি (वन ।

> গাড ফেব্রুয়ারি মাসে প্র'মে একটি বন্ধ বিদ্যা লয় স্থাপিত হইয়াছে এবং মে দাল অবধি, গবর্ণদেন্ট ভাহাতে মাসিক ১৩ ভের টাকা সাহ: यानाम कब्रिएडरइम । इःरथत विषय अहे " छेर माइ " जिन्न विम्हानरम्य कथिक किছू " श्रु जि " নাই। ভরদা করি, প্রামখামী বনস্থারী আবাদের মধারাজ এবং নিকটস্থ ভদ্রমগুলী বিদ্যালয়টির চিরস্থায়িত্বের দিলে দৃষ্টিপাত করিয়া অগদীয় (तत्र क्षत्रामनाज कत्रियम । महानष्ट्र! अतिरुद्ध कि विन्हांनाफ इट्टिंग मा ? व्यवनह इट्टिंग ए प्यून '' দশের লাঠি একের ,বাঝা "। ইভি।

হাটখোলা) একান্তাসুগৃহীত আম্বানী তাং ১৬ ই আগষ্ঠ) জীপ্ৰীনারায়ণ ঘোষাল

মূল্য প্রাপ্তি।

🗟 যুক্তা বাৰু স্থ্যিকুমার রায় মিরচিতলা ১২৭৫ ভাদ হইতে ৭৬ আবেণ ڻ ڏ শ কানাইলাল বহু রাগ্র ১২৭৫ ভাষ্ত ইত্ত ৭৬ প্রাবন ১৩ মভিরাম গৌহাটী ১২৭৫ আনবৰ হইতে ৭৬ জাধাত " » রাজেজনাথ মুখোপাধ্য माञ्चर छन्। ১৮৬৮ অ'গণ্ড ২ইডে ৬৯ জুলাই » " গাবেশ চম্দ্র সিংছ ञ्चरन ১২৭৫ ভাদ্র ধ্ইতে কার্ত্তিক ٧W ৯ অল্লপাক্রনাদ রারচৌধুরী বড়িশা ঠ৮৬৮ আগষ্ট হইডে অক্টোবর КА ° ° কেদারনাথ রায় ঞীগুর ১২৭৫ ভাম হইছে কার্ত্তিক VΨ

জ্ঞীয়ক বাবু কালীকৃষ্ণ দত্ত কলিকাডা শুঞ্জাল বন্দ্যোপাধ্যায় ভবানীপুর

দোমপ্রকাশসংক্রান্ত করেকটা বিশেব নিয়ম্৷

অতিম মূল্য ও ডাক্মাস্ত্রলু না পাইলে বলে সোমপ্রকাশ প্রেরণ করা ধায় না।

हेरात व्यक्ति मृला दार्सिक ১० हाका ৰাণ্যাদিক ৫॥• টাকা চমক্ষলে ভাকম नरमञ्जार्थक ১७, बान्तानिक १ अवर दे সিক্তদ । তিন মাসের স্থানে অঞিন এছণ করা যায় না। ছণ্ডি, বরাতি চিঠি, অডার, নোট ও ষ্টাম্প টিকিট, ইয়ার আ মাহাতি বাঁহার স্থবিধা হয়, ডিনি সেই ষারা মূল্য প্রেরণ করিবেন।

बाहाता क्षाल्लाहिकित लाहाहरवन, ई বেন এক অথবা আগ আনার অধিক স **अत्रतीरमद क्रिकिट (श्रद्य मा कर्**द्रमा

বখন যিনি মঞ্চল ক্ইভে সোমপ্রব মূল্য পাঠ।ইবেন, ভাছা যেন রেক্সিষ্টরি ব **बीयुक द**!तकामाथ विकाप्ष्यत्वत्र मास्य हेब्रा (मन।

যাঁহাদিগের মূল্য দিবার সময় অভীত আসিবে, এক মাসপুর্বের তাঁহাদিগকে লিখিয়া জানান যাইবে, কাল অভীত গেলেও এক বার চিটি লেখা হইবে, তাহা একমাসকাল প্রতীক্ষা করিয়া কাগজ বয যাইবে। শেষ বারের পক্স বেল্লারিং रुट्रेय ।

মাতলা রেলওয়ের দোণাপুর ষ্টেসনের ষরে চিঠি আইলে আমর। শীত্র পাইব!

ৰাহারামান্তল না দিয়া পত্রাদি প্রের বেন, তাহাদিলের দেই প্রাদি এহণ पाइट्ट काः

কেং সোম্ঘকাংশ বিজ্ঞাপন দিয়ে করিলে ভাঁহাকে প্রথম ডিন বার প্রতিপংগি আনা ভাহার পর ৴১০ আনা চিতে হ থিনি অধিক কাল বিজ্ঞাপন দিবার ইঞ্। বেন, ভাঁথার সহিত শ্বতন্ত্র বন্দোলস্ত হইটে

😅 এই পত্র কলিকাতার দক্ষিণ মাতলা রেলওয়ের দোণাপুর টেশনের চাক্তিপোতায় এীযুক্ত ধারকানাধ ভূষণের বাদীড়ে প্রতি সোমবার প্রাড একাশিত হয় :

त्रीयश्का

• হ ভাগ

85 79 N

ভি

নোট

নোট

उर्वनिष्ठे, এইচ, মারেগ

∞ লক'ভা

শেষ্ট আফিস

७० हे ब्योग्रह

" प्रवत्तनां प्रक्रिति इताय पार्थिवः सरखती श्रुतिमहती न हीयतां।

ৰ মূল্য ১ এক অগ্ৰিম বাধিক ১০ দশ । সম ১২৭৫ ৷ ১৬ ই ভান্ত ৷-১৮৬৮। ৩১ এ আগষ্ট বিশ্বসংগ্ৰহণ মান্ত্ৰসংগ্ৰহ জ্ঞিম কাৰি মুখাবাদিক ৫॥ সাড়ে পাঁচ টাকা। সম ১২৭৫ ৷ ১৬ ই ভান্ত ৷-১৮৬৮। ৩১ এ আগষ্ট বিশ্বসংগ্ৰহণ মান্ত্ৰসংগ্ৰহ জ্ঞিম কাৰি

বিজ্ঞাপন।

বন্দ্যোপাধ্যায় কোং।

ভেদ্ধারা সর্দাসাধারণকে জ্ঞাত করা ঘাই-ষে, সম্প্রতি জন ওয়াড, স্থার জব স্থোসিয়া উইক এবং বিটিশ্ঞিক আহাত্তে ঔষণ আমদানী ধ্ইয়াছে। ঐসকল জাহাজে কোং দিগের লগুনস্থ এজে উপন হইতে দল ঔষধ ও অন্যান্য দ্রব্যাদি আমেদানী एक अदर (यनकन अवश्रामि काश्रमानी **स्ट्रि**व েইন্ভয়েস প্রাপ্ত ইয়াছেন।

ক্ত কোম্পানির প্রধান ঔষধালয় আমহরষ্ঠ ২৩ নং ভবন মূজাপুর মেডিকেল হলে এবং াজার ফ্রীট ৩৯ নং ক্ষরন শাখা ঔষণালয়ে l, বিশুদ্ধ, এবং উৎকৃষ্ট ঔষধসকল পরি-মুলে: খুজরা বা এক কালীন অধিক পরি-বিক্রয়ার্শ নিয়**ত প্রস্তুত আছে**।

देखेहे खिया (तल ७ ८ सः ।

র্দিনাধারণকে জ্ঞান্ত করা যাইতেছে যে, াহইতে উত্রপশিচমাঞ্চের কোন কোন ন তাম ও দক্তালইয়া বাইবার নিমিত যে ৰভাড়ার নিয়ম আন্তে, আংলামী : লা রে অবাধ ভাহা রহিত হইয়া সকল প্রেসনে ন ভাভা **এচলিত চ্ইবে**।

ভাষ ৩ যু তোপী २ इ. 🗳 দন্ত্য সিনিশ্চিফেশন ভিষ্ম রেলওয়ে गिडेगी (कार्या व कलि । একোন বোড 1 ३१ हे जानहै।

-1::-

উৎকৃষ্টরূপে সংগৃহীত দেও-ब्रामी कार्याविश्राम।

উक्त ब्राइ अकामकी भद्रिकाशीरनद्र भाठे ख সধারণের উপকারার্ধে ১৭৯৩ সাল হইতে ১৮ ৬৮ সাল পর্যান্তের প্রকাশিত বাহালী দেওয়ানী সমুদার আইন সাকুলর অন্ট্র. কন্ট্রন, এবং নজীর, (ব্যাখ্যাসহ) ও নিদর্শনতত্ত্ব, মটগেজ কণ্ট্রাক্টের সার ও হিল্ড নহম্মধীয় ও ইংরাজ দিগের ব্যবস্থা ও ইংলডেব সংক্ষিপ্ত শাসন প্রবাদী সংগৃহীত হট্য়া কর্তৃপক্ষণ বর্তৃত সংশোধনানস্তর বলভাষায় মুদ্রিত ইইভেছে **।** মূল্য ভাক মাস্থলব্যকীত ১০ টাকা। কিয় যাঁহার: জীযুক্ত বারু রামচন্ত্র ভৌমিকের নামে কলিকাতা জ্বোড়াদাঁকো ত্রাহ্ম সমাজে জীয়ত আনন্দচন্দ্ৰ বেদান্তবাগীশ সহাশয়েব নিকট (মৰি অভর কি এক আনা মূলে;র ভাক টিকেট ঘ'রা অথবা অংশা গতিকে) ৮ টাকা অংগ্রিম মূল্য পাঠাইবেন, ভাঁহারা ঐ পুস্তক ক্রমে প্রাপ্ত **হইতে পারিবেন। পুস্তকের প্রথম ভাগ ২**০জ ভাদ্র, ২য় ভাগ ৩০এ আগ্রন ও শেষ তাগ ২৫একার্ত্তিক প্রচারিত হইবে! ভাকে এছণ করিলে ভাট আনা মাস্থল দিয়ে হইবে। একা লতী প্রীকার্থিগণ সম্প্রতি অন্যান্য আইন শিক্ষা করন। এই দেওয়ানী আইন ক্রমে প্রাপ্ত হইয়া অনায়াদে শিক্ষা করিতে পারিবেন :

পুনঃপ্রাপ্ত নোট।

নিম্নলিখিত অপহত অৰ্জ ও পূৰ্ণ নোটগুলি পাওয়া গিয়াছে ৷ নোটের অগিকারিগণকৈ कानाम राष्ट्राष्ट्र, निम्न दाक्त्रकादीत निक्री कार्यक्रम कब्रियम ।

| | সংখ্যা | মূল্য | পূৰ্ব অথবঃ সদ্ধ |
|------------|--------|-------|-----------------|
| €₽. æ | 40004 | 2 | व्यक्त त्नांचे |
| da ete- | 88864 | ¢. | ھ ِ |

| | . ' | (41471144 | P 9. 3 | <u>जिमा</u> । नक |
|-----|--------------------|-----------------------------|------------|------------------|
| | | | | |
| | (१२ | <i>৬৪%</i> ৯• | ₹• | 4 |
| | 9 | 30=28 | ২ • | a |
| | ₹ % | | | |
| 3 | ८२ | 8 % 8 € ₹ | ર • | ŭ |
| | 88 | ৮৯৯৩৭ | ٠,٠ | 'n |
| | 8 4 | o4 · 93 | ٠. | ŭ |
| , | 8 <i>७</i> ल | ৯৯৬৩০ | ٠ ډ | a |
| ' | 23 | • > 9.66 | ২, | " } |
| 1 | वि २२ | • > 743 | . · | ,) |
| 5 |) | | | |
| f | 8.3 | •9995 | 7 • | n |
| ı | 83 | • 58/97 | ۶. | 22 |
| រា | 83 | %•8 &% | ٠ د | পূৰ্ণ |
| ; | 88 | 8 ५ ९ २ ३ | 7 • | ক্ষ |
| , | 4. | ऽ <i>७</i> ४० द द | 7 • | " |
| | 89 | p 5P-57 | ۷- | a |
| * | । <u>ब</u> . ३२ | ৽৮২৬৯ | ٠. | n |
| 1 | এ | 218-5 | ٥ د | ú |
| 1 | .9 | 8৮৮৪২ | ١. | a |
| 1 | .53 | ৩ ৭৮ ৯ ৬ | ٠. | a |
| | 4 | | ۶. | |
| | - 3 A | 13746 | ۶. | n |
| į | 10) | \$\$7.0 | 7. | 25 |
| | 22 | 7 - 7 - 7 | ١. | n |
| | رد 19 | \$>7 * 5 | ٠, | |
| | .q | 48774 | ١. | 20 |
| | 4 b | 12.04 | 3 | |
| i | 8 p. ₹1 | ሆ 8 t 3 S | 7 | , • |
| - [| | | | |

इंग्लूथका नाहिक।

ষ্ঠান হোপ যন্ত্রালয়ে এবং চীনাবাজার, লঙালা ও যোড়াসাঁকেরে পুন্তকালয়ে ব্রাযায়।মূল্য ১ এক ীকো।

> শ্রী গোপালচন্দ্র বন্দ্যোপাধ্যার কলিকাভা বাগ্রাজার।

১৮৬৯ অন্তের ইংরাজী এক্ট্রান্স কোর্সের বুক, এখন ভাগ পোইট্রী, ট্রেণিং আকা বর ভূতপুর্ন হেড মাষ্ট্রার এইচ, দস্ত বি. এ, ক প্রনীত, ৫৮। ৫ গিরিশ-বদ্যারেছ যায়ে সংস্কৃত যায়ের পুস্তকালয়ে প্রাপ্য। মুল্য

—ং•ঃ— হেমন্তকুমারী।

ংমত কুমারীনামক এক খানি নাটক জানৈক গংগ্রহ করিয়া নাড়াইলের জমীপার জীপুক গোবিস্চক্ত রায় মহাশয়কে উপহার প্রদান গছেন, ভাষা মুদ্রিত হইটেছে, আকর-র জনা। আনা, বিনা আকর কারীর জনা গোনা মূল্য নিজারিত হইয়াছে, আকরকারী ভুক্ত হইতে ঘাঁহারা বাসনা করেন, গাঁহারা গাক্ষরকারীর নিকট পত্র লিখিবেন।

লিকাড। শ্রীকালীপ্রসর দেন ভাগ

কাব,প্রকাশ সাহিত, চপাব, কাবাদেশ ।
প্রিকা, এবং দশক্ষণকপ্রভাগ সংস্কৃত কল ।
প্রস্থাইত প্রয়োশনীয় জংশ সমুদায় প্রহণ
গালক মালা ৯ নামে এক থানি সংস্কৃত
হৈ প্রস্থাইত ও প্রচারত হইয়াছে। এই
বি কলিকাতা পটোল চাঙ্গান্ত বাছ্যাকোং নিকট এবং চাকা নন্দ্রমান গুছ ল
বি, আদার্শের পুল্কালয়ে তথ্য কা লে
চ পারিবেন। মূল্য দং আনা মান্ত ।

পুরাণ প্রকাশ। বিষ্ণুপুরাণ।

মসুবাদ ও টাকা সমেভ আনত্যেক খণ্ড চুঠা অন্তিন সুল্য)। ।

नि वार्गाक्तिम्यो इहेरान क्रिक्स म्याभूत उष्टेडीर ७४।५ नर करान क्रिक्ट व्यकाम वर्षा क्रिकाला मरक्ष विद्यालस्य উঃযুক্ত জগলোহন তকালজারের নামে যত । খণ্ডের ইক্ছা অগ্রিম মূল্য পাঠাইবেন। অগ্রিম না পাইলে বিদেশে বিষ্ণুপুরাণ পাঠাইবার নিয়ম নাই ইতি

বিক্রার্থ।

গারভেন রীচ ২৪ নং বাটা ওদামসহ ১৯ নংজোড়া বাগান।

উপরি উজ্জ বাগান ও বাদী বাঁহারা ক্রয় করিছে অথবা লইতে ইচ্ছা করেন, নিমু স্বাক্ষ রিত ব্যক্তির নিকট জানাইবুন।

> গিলেগুারস্ আরবো-থমট এবং কোং

ঠনঠনিয়া সংস্কৃত পুস্তকালয়ে ও পটোল ভাসা বাড়ুয়ে আভার কোম্পানির দোকানে মং প্রনীত ও মংপ্রচারিত নিয়লিখিত পুস্তকশুলি বিক্রয় হইতেছে:—

প্রনীত মূল্য
গ্রীসইভিহাস
রোমইভিহাস
ভূষণসার ব্যাকরণ
নীতিসার (১ ম ভাগ)
গ্রীতিসার (২ য় ভাগ)
প্রবেধি ব্যাকরণ
দ্বিবোধ ব্যাকরণ
উল্লোকসানার শর্মা।

বিক্রম্বার্থ ৷

--:0:--

শব্দকল্পজন অভিধান। সর রাজা রাধা-কান্ত দেব বাহাছরের ক্ষত। উত্তমকপে নোগা দিয়া প্রতন বাঁধান, মূল্য ২৫০ টাকা।

গ্ৰী অ'নন্চন্দ্ৰবেদান্ত ৰাগীশ।

বিবিধ দ্রব্যাদি বিক্রয়ার্থ প্রস্তুত।

ইংরাজী বাজনা পুস্তক কাগজ কলম নানা বিধ প্রবাদি পাওয়া যার এবং পুস্তকাদিতে /• এক আনার হিলাবে কমিসন দি। অধিক টাকার পুস্তক লইলে />• আনার হিলাবে পাইবেন।

অপূর্ম উপাধ্যান অর্থাৎ সেক্লশিররকৃত নাট কের মন্মাসুবাদ , ।

প্রীনভাগারত ১ ম আব্ধি ১২ ক্কুবাং গদ্য

अञ्चरत्रिककिविन न मन्त्रूर्व

জীমদ্রামরসায়ন ছই খণ্ডে সম্পূর্ব চক্রপাণিচিকিৎসা গ্রন্থ নিক্ত্রীরা নিবাসী বাবু কাশীনাথ মলিকের প্রবন্ধে পণ্ডিভ্রারা হজের লিখিভ

নিডাধর্ম সুরঞ্জিকা পত্রিকা বার্থিক কৌতুক বিলাস যাহাতে গোপালভ কৌতুকগুলি সম্পূর্ণ আছে

চক্রহংস ; তৈলমিনি ভারত উভ্ত

অসাত্ত চূড়ামণি অধীৎ একানিৰ্য নীলাঞ্ন কাব্য

পুরস্থান কাব্য মণিকুগুলা কাব্য

অভিমন্ত্র বধ নাটক অ'দশ শিশুর বিবরণ রয়োড্রমা গদ্য কাব্য

কৌরববিয়োগ নাটক সিভিল গাইড মার্শমেন সাহেব কুড পঞ্চান্ধা উপাধ্যান

সন্দেশাবলী সক্লপচক্স দাস্কৃত পিশাচোদ্ধার

নী উপ্রভা

এটল'স বংং৮ খः विभाग গাৰেশচক্

র কু ত

ভূতেজ্নশন পৃথিবীর মানচিত্র ভারতবর্ধের মনাপ দেবনাগর আকরে নীভিনেকা

অন্বর শোহীলী স্দ্রপদ্য প্ কাষ্

কুমার সম্ভব সংস্কৃত হইতে পদা অসুব ভারতবর্ধের ইতিহাস কেদাবনাথ দত্র ঐ গোবিন্দ্রক্স সেম কৃত

মনভন্ত সারসংগ্রহ
প্রাচীন ইভিহার সমুক্তর
ঐ মার্স মেন সাহেবকৃত চুই খণ্ড
নাট্য পরিশিষ্ট নাটক
চারভ্যক্ষরা

শব্দকলক্ষম পরিশিষ্ট কলিকাডা ক্ষোড়া-সাঁকো: ৬৪ নং

ন্ত্ৰীপ্ৰতাপচন্ত্ৰ নগদ বিবে

ভারতব্রীয় সভা।

সম্প্ৰতি বলদেশীয় গ্ৰহণনেন্ট নিয়ক্ত দেশীয় ভাষায় শিক্ষা দিবায় এবং ব্ৰাস্তা এ করিবার অভিপ্ৰায়ে কর করিবার এবং ভূষ ক্যিনিদ্যের ক্ষমে সেই কর্জার নিক্ষেপ

ফুট

57

া হয়, ভদ্বিয়ে মভ দিবার নিনিত্ত উক্ত 🔻 মণ্ট ভারতব্যীয় সভাকে ততুরোধ করি 🗆 ।।পত ১৩ ই মে ব**ল**দেশীয় গ্ৰ**ি**মেট ত্রে লিখেন, ভাহাতে বলা হইয়াছে:---াষ্ট বোধ হ**ইডেছে, ভূমির উ**ংপল্লেৰ উপরে র্য্য করাই ন্যায়সিক্ষ হইতেছে। জনীদার, ধারদার, পত্নীদার, ইভারণার ও নানাবিধ[া] ভী লোক এবং বাস্ত বিক যেসকল কুষকের উপরে স্থায়ী সার্থ আছে, অর্থাং য'হার नी श्रक्ता सहसा अवद योहावा উট्यनही ান্যায় বাজার দরে কর দেন না, ভাঁছারা উপস্তরে যে অংশ গাম, তমুপরি ও তং ico कद्र धार्यः ও क्यानाच कदा**रे** नशाग्र छ সি**দ বোণ হইভেচে:** "উটবনদী প্রজন <u>র ভূমির সহিত আর বেসকল লোকের</u> ন সহন্ধ ও খণ্ড আছে, এই প্রস্তাব দ্রোর সকলকেই স্পর্শ করিতেছে ভরি ভারতব্যীয় সভার কমিটী গ্রণ্থেন্টের শ্ত্রের উত্রদানের পুর্ণে সর্পসাধারণের ানিবার অভিলামী হট্যাছেন, ওদলুগারে । বিজ্ঞাপন দিয়া অসুবোধ করিভেছেন. - অদের আগামী দেপ্টেম্ব মাদের ২ রা অংপরাছ ৪ ঘটিকার সময়ে লার্কিন র ১ নং ভারতব্যীয় সভাগৃহে একটা ((प्रका इहेरवा मर्नामाधादरन के ममरस নে গিয়া আপনাদিগের মন্ত প্রকাশ করি-

> জীবভীন্ত্রনাহন ঠাকুর ভারতব্যীর সভার অবৈ ভনিক সম্পাদক।

ামওপেথিক চিকিৎসা, প্রথম সংখ্যা, আসরজে, মূল্য চারি আনামাত্র।

লিকাভার চোরবাগানে স্কুলর্ক প্রেসে য়োর সংস্কৃত্যন্তেও পুস্তকালয়ে এবং ভোরে বেরিণী কোম্পানির হোমিও ফোরমেশীভে পাওয়াযায়।

भूनः श्राप्त त्नांहे ।

য ব্যক্তির ১৮৩৮ সালের ৮ই আগস্থ পত্র পাটনার ভাকধোনে নিয়লিথিত নোট

াম উথাপন করিয়াছেন। এই কর যাহাতে সকল পাঠাইয়াছেন। তিনি নিয়খাক: ও ন্যায়াস্থ্যারে ধার্য, এবং পরিনিডরাপে করির নিকট সরিশেষ লিথিয়া পাঠাইবেন। হয়, ভিছিবয়ে মভ দিবার নিমিত্ত উক্ত কি ভারতব্যীয় সভাকে ভারত্যাধ করি এ ১০০৭ নং ১০০০ নং ১০০

भक्ता मृश्क्ष्य ।

অল্পানী ছাত্রনিধের পাঠে:প্যোগী কোন
সংস্ভাগদা আছু না থাকার, সংস্ভা কালে
ভার অগণে জীয়ুক্ত বাবু প্রসম্কুমার সর্বাধি
কারী মহাশয়ের আদেশাসুসারে উক্ত কালেজের
অন্তর অধ্যাপক পণ্ডিতবর জীয়ুক্ত মহেশচন্দ্র
নারের মহাশয় মহাভাগত ও বিষ্ণুপুরাণ
হইতে কভকগুলি নীতিগর্ভ গল্প সক্ষলন করিয়া " গদাসংগ্রহ " নামক এক
খানি পুলুক প্রচার করিয়াছেন। প্রৌলভাগা
৮৬ নং আমাদিগাব পুলুকালরে পাওয়া যায়।
মূল্বে এক টাকা মাত্র।

বাজু য্যাত্রাদর্শ এবং কোং

निवात निवा

সন ১৮৬৮ সালের আগস্থ মাদের ১ t ই হৈইতে ২১ এ পর্যন্ত নদীয়ার নদী হায়ের দর্মকম ত জলের সাপ্তাহিক রিগোট।

| স্থানের নাম | সর্শাক্ষতি | Ø A |
|-----------------------------|-------------|-----|
| | कृष्टे | ₹# |
| মহানার উপর প্রান | मीरङ ४० | a |
| মহানায় | ۶٩ | • |
| ভথা ক্ইডে হাই বো | রালিয়া | |
| ৪৪ মাইল | 2 % | • |
| হাট বোয়ালিয়া হইতে | 5 | |
| ष्य: इक. विश्वः | २७ | a |
| व्याञ्चकत्रिश्चा स्ट्रेटण ज | (ねり数 | |
| ৩৮ মাইল | 5/9 | • |
| कुक्ताक क्ट्रेड क्रावि | ने नदी | |
| প্ৰাস্থ ৩৪ মাইন | ې د | t |
| ভাগী ব্যানি | Ť 1 | |
| মহানার উপৰ | 5 (c | |
| महामाद भीरह | 26 | ħ |
| তথা কইতে জিয়াগঃ | ۵ ه | ৬ |
| জিয়াগঞ্ ংইতে কা | (हे दि | |
| 👀 ম ইল মধ্যে 🕯 | . > > | 2, |
| কাঠোয়া হইতে নদী | য়া ' | |

৪৬ মাইল মধ্যে ₹₫ कत्रको नही महाना ग्र ٠. তথা হইতে করিমপুর :১ মাইল ₹ኔ কবিমপুৰ হইছে টিয়াকাটা ৩৫ মাইল ১৩ টিয়া হাটা হইতে নদীয়া ৬০ মাইল 25 সনা ১৮৬৮ আংগ্রামাসের ২৪ এটি বছরমপুর গজ ঘাটের ভালের মাপ।

হ্বমপুর) প্রীযুক্ত টি কেল উইক্স ৪ এ আগস্থ } একজিকিউটিব ইঞ্নিয় ৮৬৮। সম্প্র ডিবিজান :

ইউইভিয়ান রেলওয়ে।

বাকিপুর েলওয়ে ঔেশনের নিকটে খানি কবেজি নোট পাওয়া গিয়াছে। প্রতে মুলা ২০ টাকা।

যদি কেং উদার কোন প্রকার সমাচার পাদেন, তিনি নিমুখাক্ষরিত ব্যক্তির র জানাইবেন।

ইট্টেরিয়া বেলাওয়ে হাট্স একেনি বোড । সিন্দিল কিন্দ কলক্তা ২৬ এ । একেনি বোড আংগান্ত চৈড্চ।

সোমপ্রকাশ।

১৬ ই ভার গোমবার।

ত্বার সোমপ্রকাশের অধিক
স্থান অভির্ক্তিঘটিত অনিটের নমা।
পরিপ্রিত হইল। প্রধানপুরুষের।
লির প্রতি এক বাব দৃটিপাত করিব
গত ছভিন্দের সময়ে তাঁহার। বে
ভানীয় কথাচারীদিগের উপর বি
করিয়া প্রজাক্ষর করিয়াছিলেন
আপনারার তিরক্ত ও অপমা
হইয়াছিলেন, এ বার যেন সেরপ না
ভাগ্রে সাবধান হওয়া উচিত। কে
ঘটিল, তাহার প্রভিবিধানের উপা
কি ? কর্ত্রপক্ষ পরিপ্রাম স্বীকার ক
স্বরং অনুসন্ধান ও প্রতিবিধানের উপা
স্বরং অনুসন্ধান ও প্রতিবিধানের উ

-078-

বিষ্ঠিকঃবিষয়ে এত শকাশকি কেন ? মাসুৰ ভ্ৰমপ্ৰমাদপূৰ, আলস্য मृश्य ७ द्वांगाद्वाचा कित्र सुदि छ। सिर्ह মাসুষের যেখানে প্রাছ্ডাব, মেখানে যে বে বস্তুর সামানামার সংস্পে নছঃ অনিট ঘটিবার সম্ভাবনা, দেই দেই বস্তুর ব্যবহারবিদয়ে অভি সাবধান হওল অংশ্যেক, কিন্তু অংনতা চনংকার र्क्तिएक शाहे, यांबकीत मात्रकार शका র্থের ব্যবহারকালে মুখোচিত সাব্ধান হওয়াহর না। রেলওনে একটা বিষৰ্থ নারত্মক পদার্থ ; কিন্তু অনেক সময়ে এতংসংকোষ কার্যাকালে বিলক্ষণ অন विधानका मुद्रे हत्। शब्द सामनाहतः मुद्रे **इहेल. इहे बन इंडेट**शणीय कह प्राकृति গাড়িতে পূর্ববাঙ্গণা রেলওয়ের শিল্লাল দহের ফৌসনের গেটে বিশ করিভেছেন, এমত সময়ে দক্ষিণ হইতে সহসা মিউ নিশিপাশ রেলগাড়ি আমিয়া সেই গাড়ির উপরে পড়িল। ঘোড়ার গাড়ি थोनि हुन हहेन, उटल ब बाष्ट्रि (दल ब বাহিনে পড়িল। অশশ্যটারোধী হুই বাব্রির এক বাব্তিকে অভিশয় আঘাত শাগিব: আহলাদের বিষয় এই, ভারোর थानिका इहेगारक। यथन का वृक्तिरक রেলগাড়ি আর্ড হঠল, তথ্য অং১ প্রাণিক্তন নিকারণের উপয়ে করিয়া হাছার কার্যালয়র কল। কি ভচিত রেপুরে বেপথ পার হটরা নিউনেসি াল বেলের গাড়ি যাইতেছে, মেই দেই शहन गाड़ित भगनकारण माञ्च ७ व्यक्त দর শক্ট চলিতে না পারে এ ধ্রেস্থা রা কি উচিত নহে ? যদি ধল প**থিকের**) भाषानाता मावसान हहेरवर, उन्ने कारकत পোনর। আমেবা ভপরেই কহিয়াছি, रिज्रातः भग अमध्यमानानिएक भूगी। মের পুরের যে ছঘটনাটীর প্রায়জ রিলাম, ভাষা অশ্বলকটস্থ ইড়েরোণীর

বেলাটিক ৫ টা। তথন পূৰ্ববাল্লা েলওয়ের গাড়ি ছাড়িবার একটী সময়। যে ইউরোপীয় আহত হন, তাঁহার চাণকে यारेवात अध्यासम्बद्धाः । विलय इट्टल গাড়ি চলিয়া যাইবে এই ভাবিয়া ভিনি অাপনার কোচমানকে গাড়ি চালাইতে ক্ছেন। তিনি ভাবিয়াছিলেন, মিউনিসি পাল রেলগাড়ি আদিতে আদিতে ভাঁহার গাড়ি গেট পাল হইবে; কিন্ত বিপরীত ঘটনা হইয়া গোল। এইরূপ জমপ্রমাদাদিনিবজন অনর্থ ঘটিবারই অধিক সম্ভাবনা। অভএব আমরা পুনরায় বলিতেছি ইছার নিবারণের আশু সম্ পায় করা ডচিত।

ক है। ই আইন।

वह आहमणी महन मारहरवत्रह অধিক ভাগ গা,গগাছে। তিনি হথন প্ৰম এ দেশে আদেন, তহকালেৰলিয়া ছিলেন, চুতিভাল হইলে বলপূৰ্ত্তক তদ. সুসারে কাব্য করাইয়া লওয়া ইংলঞীয় বাৰস্থার মূল নিয়মের বিরুদ্ধ ; কিন্ত कानिना कि काटल किছू मिनशद ভাঁহার মতের পরিবও হইয়া গেল। ভিনি बक्दल महरत्वत भग्नात्थ न्याकीकरत् व কথা বলিতে পারিতেছেন না যে এ আই নটী ইংলভের ব্রেজার মূল নিয়মাকু গত, কিন্তু বলিতেছেন ইংলণ্ডের আই-নের মূলগত দোল আছে; এবিবলে ক্ৰাফাপ্ৰভৃতি ইংল**ও অপেকা** প্ৰেয়ান এবং ইংলওকে শীঘ্র ব্যবস্থাবিবয়ে ভার চবর্ষকে আদর্শ জ্ঞান করিতে स्टेर्ट। जिनि म्:शिक स्टेशा नीलकतिन-গকে ভংগিনা করিয়া বলিয়াছেন, তাঁহার। প্রথমে কণ্টুাক্ট আইনের নিমিত্ত এত মেইন সাহেব বলেন, রেজিন্টরি না গোলবেগ यपि ना क्तिएजन, जाहा इहेटल অনায়াদে বিধিবদ্ধ হইয়া যাইত : কেহই | অসিদ্ধ হইবে এবং গে চুজ্জিপত্তে কাল

न्य मञ्जी व्याध्य अ स्टाम व्याहरनन नाहे थिंग नीनकत्रमालत इंडारगात दिव नरमह नाई।

মেইন সাহেৰ আপনার প্রস্তাবিং এত ২ দংকোন্ত ধারাগুলির সমর্থনার্থ ে তৰ্ক অৰলম্ব ক্রিয়াছেন, ভাষা নিতাৰ व्यमक्र । जिनि बर्लन, এ प्रत्ने मर् নবে। জ্যার কারয়া পুরুষামুক্রেম দেও য়ানীডিক্লীজীবিতকরিয়া রাখাহ্য ডিক্ৰী বিক্ৰীত হইয়াও থাকে ষ্টাহার।ডি জীকরেন অথবাকরে করে ভাঁহারা বরাবর ক্লবকদিগের উপ তাহা থড়্গদরপ উরোলিত করিয় রাখেন। ইহাতে তাহাদিগকে সর্বদ শক্ষিত ও ডিক্রীবারের প্রান্ত হইয় থাকিতে হয়। কিন্তু চুক্তি অনুসাং कांच कत्रहिश लहेटल अहे प्रांव घाउँवा সম্ভাবনা থাকিবে না। এটা মেইন সাহে বের প্রধান তর্ক ৷ ইকার উত্তরস্থা व्यामाहित्यत वक्तया अहे, वासाहत्या কোন কোন অংশভিন্ন অন্য ভাবে পুর বাসুক্রমে ডিক্রী জীবিত রাখা সচরাচর मुख्तिकार स्थाना। ১৮৫৯ व्यक्ति ३ আইন হওয়াতে ৰঙ্গান্ত উচা বহু ব্যতিক্রম ঘটিয়াছে। কণ্ট্রাক্ট আই করিয়া এক শ্রেণির মহুং অনিউদাধন নাকরিয়াডিফনী জারির, নিয়ম পরিব र्टन कि (चंद्र:क'ण) नव १ श्रुक्तां कुरू লোকে ডিক্রীজারির যে স্থাধা লাং আইনের দোষ কি তাহার কারণ নয় গ আইন কমিদনরগণ ও সর জ্বন লরের

न्याकाष्ट्राक्त, नीमक्त्रश्व (१ প্রকার অভ্যাচার করেন, ভাহাতে আদ লত যদি চুক্তি অনুসারে কাল করান, তাহা হইলে অভ্যস্ত অনিক ঘটিৰে করিয়া যে কণ্টু কি করা হইবে, তাহ েলের আমনিবস্থাই ঘটিলছিল। তথন ইহার বাধা দিছে পারিছেন না। এমন 🗷 সন্ধান্য নিয়মের স্পাট্রপে নির্দেশ কিৰে, তদমুদারে কার্ল করিতে

हिट्य ना। मह जन कट ३ मा हे होत ক্তর দিয়াছেন। তিনি বলেন, যখন াধাৰীধি করিবার চেক্টা ইই , তখন প্রকারান্তরে মেইন সাহেহেবের ইস্বীকার করা হুইচেডে, আদালত চর চুক্তি অনুসারে কাছাকে কাক एउ वाधिक कहिरदन ना। यनि হয়, তাহা হইলে এনত আচিনের গ্ৰুতাকি ? এতদ্বারা কেবল নীল ভৃতিকে কট দেওয়া হইবেমাতা। ता विलिद्यन, '' **চ**ंक अञ्मादित दि করান উচিত, তাহা গ্রণ্মেণ্ট ও গুপকগণ স্বীকার ক্রিয়া**ছেন** ; কি**ন্ত** ্য তাহা হইতেছেনা, অভএব আইন ঠি কর।" উলিখিতপ্রকার কন্টাই व इड्टल नीलकरत्रद्राई উ२পाড বেন, সর জনে লরেজন এই যে কথাটী চ্ছেন, ভাহাতে স্পটই বোধ হই-, তিনি স্বদেশীয়দিগের গুণ ভাল ন না। পক্ষাস্তবে মেইন সাহেব ীয়দিগকে ভালত্নপ চিনিয়াছেন। বেরা ভাবিতেছেন, সহস্র বস্তান **চ** না কেন, একবার চুক্তি অনুসারে করাইবার বিধি হইলে হয়, তাহার মানালতের জকেরা আছেন। মইন সাহেৰ এই আবর এক ভক হৈছন এ দেশে প্ৰায় সকল লোকেই মীতে দৃষ্পতি অৰ্জন করেন, অত. ভকী হইনে ভাষা কারি করিয়া क्यानात्र करा भाषात्र छ नत्र। दक्न বিনামী ভূলে কাহার না কাহার मन्त्राः विवासमाद्वत नाटम ডকৌ হয় না**ৃ দেই ডিফ**ী ড ণী সম্পত্তিকে স্পর্ল করিতে পারে <u>?</u> ক্রসম্বন্ধে শে শ্রেণির অধিকতর ६ इहेबांत मञ्जादना चाटक, स्म র একে ত সম্পত্তি অংশ ; তাহারা लात विनामी करत ना ; कतिरमञ

তাহাদিগের বিনামী প্রমাণ হওয়া কঠিন नम्न। याहा इडेक, जामानित्तन अहे अवसी आण्डिया (वाथ इ**हेट इ.स्., कु**नक ও আবाদ कत, अ डेफ्ट्यत मरका काहात स्थाप है। অধিক, মেইন সাহেব এক বার সে বিবে हन। करतन नाइ। इडेर्द्राणीत व्यायामकत গণ কি ধাতুর লোক, ভাষা এখন আর षात्तरकत्र व्यविक्षिक माहे। व्यावानकदशन [बरमय है नी सकत्र भग बल बा किरतर के का क कर्ताहरू कारमन मा, ज कथा घरनरकह कारनमः। इंग्रांता हेडेएतानथे ७ व्हेएंड মূল ধন আমানয়ন করেন, এন বাক্য আংকি-ঞিংকর। এইথানে কর্জে করিয়া সেই টাকায় লাভ করাই প্রায় সকলের চেষ্টা। টাকার সুদ, কর্মচারীদিগের চুরি, আপ नामिरशत वातृशिति अ म्यूमाय मञ्लीएय উপাক্তন করিয়া সম্পন্ন করা ভার; সুতরাং বলের আশ্রয় গ্রহণ করিতে হয়। কন্ট্রাক্ট আহিন বলপ্কাক কার্যা করাই-বার উৎক্র উপায়। নীলের দাদন এক বার লইলে যে তাহার পরিশোধ হয় না, **भिष्टेन मारहर कि हेहांत्र अधीकारत माहनी** इडेरबन १ थो जिशा मिरल हे कि क्रमरकता পরিতাণ পাইবে ? পুরুষাসূক্ষে নীল করিয়াও বধন তুই টাকা শোধ বায় নাই, তথান এক জান খাটিলা দিলেই যে নীলকরেরা ভৃপ্ত হইবেন, তাহার প্রমাণ কি ? এক্ষণে পলায়ন করিলে নিস্তার আছে; খাতার লিখিত দাদনের টাক: এক কালে দিলে রক্ষা আছে, কিন্তু মেইন मारहरवत अञ्चाव विधिवज्ञ एहेरल धर्म জ্ঞানশুন্য নীলকরের হত্তে ক্রবেনর কিছু उड्ड लेडिखान नाइ। नीलक्टबडा आले নারা যে যথেকছ ব্যবহার করিতে চান, ভাষা বৈধ হইয়া উঠিবে। বিট্ৰিশ গব-र्गालीत वर्ष्य क्रिक अवागनात करहर अपन छेमानीरनत क्ली छमान कृतिशा (मण्डत **इहेरद माजा। "आमाल** उपनि औषानय

রের **প্রার্থনা যুক্তি ও** ন্যায়দক্ষত বিবেচনা

না করেন, তাহা হইলে কখনই চুতি সারে কাজ করিতে বলিবের না।" কৰাৰ কথামাত্ৰ হইবে সন্দেহ ন কোন্আৰালত ইউরোপীয় নীলক বিরুদ্ধ আচরণ কংতে সংহ্ণী হইতে এপর্যাস্ত কর জান নীলকর জ্বাল্থ দাথিল করিয়াও দও পাইয়াছেন ? इट्ना (न ३३१) ने चानान छ विनय क মকন্দমার নিষ্পত্তি করেন এবং সুবি करतम ना, এ कथा नीलकत्रितित म মেইন সাহেবও বারস্থার বলিতেয়ে দেওয়ানী অদালতসকল যেন নদ, অ তক মুখে স্থীকার করিলাম: কিন্ত আদালত অধীর প্রেমনদ, দে খে ৰীঃ পকে মনদ হইবে না, এ বি কথা ৷ যে বিচারপতি সামানঃ পুরণের বিচার করিছে পারেন না, গ কি কোন্চুটিক অনুগারে কাজ উচিত এবং কোন্চুক্তি অনুসারে করা অসুচিত বুকিয়া স্বিচার কা नमर्थ इहेरबन ? नामाना विषया गँ বুদ্ধি খেলে না, তিনি কি সুক্ষ কঠিন আইনের তক বুঝিতে পারিং নীলকরের পক্ষে যে আদালভা দেন, তাহাই ভাল, আর যে আদ ভাঁহাদিগের আভোচার নিবারণ ক ভাহা মন্দ্র মেইন সাহেবের ভকে[©] এই তাৎপ্রাণু মেইন সাহেব ব क ने हो के जारेन ना इंदेरल हे छेरत সমাজকে অপমান করা হয়।এ এ তর্কের নিকটে আমনা হারিলাস দেশীয় সমাজা সাভ সেলাম নঃ ব ইউরোপীর সমাজের স্মূপে গ গমন করিলে ভালতে ইউরোপীয় স যদি অবসান বেপে করেন তথন ৫ मारहर कि कड़िट्रम ? याना **इंडे**क, ट সাহেবের সহিত তর্ক করা রুপা: নীতিভাকে দকল বিষয় প্রসারিত ন मर्भन कतिए**७ इ**श। व्यानत। এ

নী দুটান্ত প্ৰদৰ্শন কৰিতেছি। বোধ এক ব্যক্তি চুক্তি অনুষ্ঠারে এক বিঘা তেনীস্বধন করিল; ভঃহাকে কর: নীলক্ষের অভিপ্রেড হইল; এব এক বিভক্তি পরিমাণে চারা হে এনত সময়ে নীলকরের ভৃত্তেরে৷ াস্ক্রারা খাওরাইল ; হয় পুনর্কার जनाकर क्य**ट**कत व्यवस्था **हहेल**, ানীলবপনের সময় আহীত ইইয়া । নীলকর আদানতে চুক্তি অনু-কাজ করাইবার নালীশ করিলেন, नीलकरतत (मोटोक्स मधामान ত পারিল না, সুতরাং ভাচাকে ব্যারের শিষ্কিত জ্রীত্রান হইতে ৷ মেইন সাংখ্যের মভাতুদারে क्टें घाड़िन मिन विधिवक इंडेंड, এই त काल इंड अरम्ब गाई। পुर्स्त মেণ্ট নীলক্রদিগের কাছায়া করি না, ভাহাতেই প্রতি নীলকুঠিতে ার ছিল এবং ক্রবকদিগকে বল ক পটোইয়া লওয়া হইভে। সলি ন বলপুৰ্বক সেই খাটাইটো শইষার क्ष केंद्रा इंडेंड, 'डॉइर्स इंडेट्स ह র যে কি ৪% শ খটিত া (শাৰিকলা সায় সা। এ । সংকাশ ुमछः ७ स्रानीन ठारमञ्ज हेर्ड **্সেপ্নদেশীয়ের। অংগেরিকার** ব कतिशाहित, धर्मन ज्ञास छात उत्रं শাভাপালনা। যাকা হউ চু সর েলে সুবুদ্ধির কাজ করিয়াছেন। জন ছিন্নপুক আবাদকরের স্নো করিতে গিয়া যদি ভিনি মেইন বর মতে অসুমোলন করিতেন घरमोशनिश्वत निक्छे हिद्रनिक्तीत न भएनक्स्माई।

বলা ধ্ইবে না। এক রাজিক অপরের ভূমি লইয়া প্রতঃপণি করিতেছেন না। এই ভূমির অবস্থা যদি এরপে হয় যে, 🔄 প্রকারভূমি অন্যত্র পাওয়া নাযায়, তাহা হইলে আদালত অৰ্থীকে ভাহার মূল্যনাদিয় ঐ ভূমিই দেওৱাইবেন। এক ব্যক্তি অপবের কিঞ্চিৎ অলকার লইলেন। ঐপ্রকার অসক্ষার যথন তথন বান্দারে পাওয়া যাইতে পারে। খতএব এ ছলে ক্তিপূরণস্ত্রপ টাকাই দেওয়ান क्हेर्र । এই नियमशास्त्रभारत यमि विरवहना করাবায় চুরিভকে থাটাইয়া লওয়া ন্যায়াসুগত হইতে পারে না। আমি যেরপ বস্তু লাইব, তদপুরপ বস্তু প্রত্য-পুণ করিব, ইহাই ন্যায় । আমি টাকা দ্দিন লইলাম এবং প্রতিজ্ঞা করিলাম, সেই টাকার অনুরপ নীল দিব। নীলকর নীল লইয়া বিজনয় করিবেন, ভাহাতে **डॉहांत होका लाज इहेर्द। धक्टल** টাকাভিন্ন অন্য কোনপ্রকার পুৰণ অংশন করিলে আছেনের মূল নিয় মের অনুমোদিত হয়না। দিলাম এক, লইৰ আৰে এক, ইহা কথান ন্যায়দিদ্ধ ¢ইতে পারে না। ফলতঃ ক্লেষি ও বাণি**জ**া मद्रास्त এक शकात চু क्रिक करिया व्यन्त था. ার (খাটাইয়া) লওয়। অভিশয় অন্যায় তইতেতে। ইংলতে যদি এই আইন করা হয়, জনমীৰার ও ক্লব**ক্পণ কি বলেন** ?

শাভা পার না। যালা হউচ, সর

কন্তু: ইন্টে আইন লইয়া বিশুর তর্ক

কেন ছিন্নপক্ষ আবাদকরের মনো

করিতে। গরু যদি তিনি মেইন
কর মতে অসুনোলন করিতেন

নাই। নীলকর ভিন্ন আনা তালার ইটরো
ক্মানির কিট চিরনিক্ষীর

নাই। নীলকর ইহার নিমিত আহার

নাই। মালেকর ইহার নিমিত আহার

নাই। মালেকর ইহার নিমিত আহার

নাই। মালেকর ইহার নিমিত আহার

নাই। পরিত্যাপ করেন নাই। এতদ্দেশীয়

ক্মানির ক্রিটি আইনের মূল দিগের পরক্ষারের ক্রেয় বিক্রাদি

এই. বেশকল ক্ষিত টাকাদারা বাবহার বিনা চুক্তিপত্রে শাপান হইয়া

হয়, তাহাতে বিশেষ কাল করিতে বাকে। যেসকল ভারতবর্ষীয় ইক্স্, ধান্য

প্রভৃতি উৎপাদন করেন, তাঁহারা দিগকে তল্লিমিত যত টাকা দেন, তাহার কোন লেখাপড়া থাকে মুখে মুখেই কার্য,নির্কাই ইয়। অ সচরাচর দেখিতে পাই, এক ব্যক্তি ब्राटम सभा महस्य **धेक्तांत जलका** व জন অংশ দিনের পরিচিত লে निकटि विना तिमाल विकास किया (मन ; मटका मटका (स के कि । (सन , प রও রশিদ লওয়া হয় না; কিন্তু ব্যক্তিকে ঠকিতে হয় না। বোষা সাহকারের পরস্পারের **খা**ভায় বিশাস করেন যে, খাভায় যাহ। ৫ থাকে ভাহাই প্রমাণ হয়। ইহ রশিদ লন না। আমাদিধের ভূ কথান র্দিদ লয় নাও র্দিদ দেয় অথচ ছোট আদালতে কত জন বেতনের নিমিত নালীশ করিয়া থা বে ডিক্রীর কান্য তিনি এত আ করিয়াছেন, ভদিসয়ে অসুসন্ধান ক कानिएक भारित्वन, त्कान प বর্ষীয় ডিক্রী জারি করিয়া সকল*ী* পান ন। সমাজের অসুরোধে সকল व्याय बाम मिला है। का कहेट कहा। इ গণ জমীদারের গোলা হ্ইতে লেখাপভাগ ধান্য লয়; কিন্তু যথা : তাহা প্রভার্পণ করে। এ দেশে চু প্রের উৎপাত নাই; মেইন নাচ্ছ রোগ আনিবার কেন চেটা পাই ছেন ? এ রোগ এ দেশে এক প্ৰথিষ্ট হইলে সকলকে ব্যতিবাস্ত ব তুলিবে।

মক্ষালে সেবিং বাংশা।
সর রিচার্ড টেম্পাল এদেশের আ
বিশোল উপকার করিলেন। পূর্বের কালেইরিতে এক একটা সেবিং
ছিল, কিন্তু করেক বৎদর হইল গবর্ণ
সেগুলি বন্ধ করিয়া দিয়াছেন। বাব্

क्न मिवि॰ बारिक्षत काय या अल्ला ' চ সম্পাদিত হইত, ভাহাতে ব্যক্তি বৈর বিশেষ উপকার অথবা গ্রণ্মে লাভ ইহার অন্যতর কিছু হইত না। न**के**रतत **रट्ड এইनव्ल कार्**कत ফতাভার সমপিত ছিল; কিয় কাতার কর্তৃপকের অসুমতিবাতি চ কোন ব্যক্তি আমাপনার জনমা । ফিরিয়াপা**ইতেন না। এ ব**দের शवर्षामरली इ बाह्र इहेड अवर हो हा র করিবার অসুবিধা হওয়াতে কও বড়জনা দিতেন না। কালে াউপ∴র উহার **অধ্যক্তা ভার ছিল** , ারা নানাকার্যোধাকা; পুতরাং াচিত যতুদহকারে উহার তত্ত্বাব করিতে পারিতেন না। এইসকল ণে ঐ ওচল উঠিয়া যায়। উঠিয়া য,ও চকাহার বিশেষ ক্ষতি হয় নাই বটে याहाटङ अञ्चलन विरम्भ कह महिल् ৰ সিতব্যয়ী হইয়াকিঞ্চিৎ কিঞ্চিৎ করিতে পারেন, প্রত্যেক গ্রণ্মে দে চেটা পাওঁয়া কর্ত্র। রাজ ভিন্ন অন্য কোন স্থানে টাকা জন্মা বার উপায় নাই। অভএব সর ড টেম্পল মকস্বলের যাবতীয় মহ त अरु अरु ही स्मिवि द्वांक कतिबात বৈ করিয়া অতি উত্তম কাজ করি ন। প্রত্যেক স্থানের কয়েক জ্বন ষ্ঠেইউরোপীর ও এতদেশীয় ভদ্র নাক্ষের অধ্যক হইবেন। ভাঁহারা টাকা অপে মুদে ক্লকদিগকে मिटवन। এই 🕿 हारत छ। का बारी हेना इंडिट्रि. याँश्रिमिटशत छै।का ো তাহা অংশক্রমে লইবেন। ষামরা কায়মনোবাকো এই এক্তা-অসুমে,দন করিতেছি; কিন্তু এক ল আনরা রা**জখন**ংক্রান্ত মৃত্রীকে ান হইরাকাজ করিতে অসুরোধ

হক্তে অধাক্ষতাভার সমপাণ করিবার বাননা করিয়াছেন, তাঁহাদিণের হস্তে मण्डोर्न डात इत, अही कामानित्तत अञ् মোদিত নছে। ইংলতের অনেক দেবিং বাল্ক কভকগুলি ছুন্তাশয়ের দোখে উৎসন্ন বিভার দরিজ र उद्योर छ দর্কবান্ত হইয়াছে। বোম্বাই ব্যাক্ষের কমিদনের সম্বেধ যে সমস্ত নিগৃত রন্তান্ত প্রকাশিত স্ইতেছে, তাহাতে विलक्ष वा कन्ना कि महोर छ। व्यशक्ति न কোনপ্রকার লোভে পড়িয়া বাক্কের টাকা নিজের কার্যো বিনিয়েজিত করিতে না পারেন, দে বিষয়ে বিশেষ मावधान इउया कर्खवा। काटलक्केब्रिस्टिश्व অসুমতিবঃতিরেকে যেন এক পয়সা কাহাকে কআজি দেওখানা হয়। আমাদি গের আর একটা বক্তব্য এই, প্রস্তাবিত সেবিপ্ত ব্যাক্ষগুলিকে যেন কলিকাভার দেবিও ব্যাক্ষের শাপাসরাণ করা হয়। যাঁহারা টাকা জনাদিবেন, ভাঁছারা যথন মনে করিবেন, তথ্বই টাক, ধাহির করিয়া লইয়া যাইতে পারি ৰেন, এ সুবিধাকরা আৰশাক। সকল दारिक्षत्रहे मूलधन এकश्चकांत रुउरा উচিত ৷ তাল নাহইলে যে স্থানে জমা অপে, অথচ কুসিকার্য্যের নিমিত্ত অনেকে कर्ळ्ज लहेरव, मिश्वारन चन्न्यविश घरित। সর রিচাড টেপালের প্রস্তাবাসুদারে মুদি রীতিমত কাজ হয়, আমাদিগের ক্লবকগণের অবস্থার পরিবর্ত ইইবার विस्पार्व मञ्जादना व्याटहा त्यमकल महा জন এখন অনঙ্গত সুদ লইয়ারুধকদি शतक डेट्मन किटिडरइन, डीहामिशरक হ্য অনুহিত হইতে হইবে, নতুবা সজত कूम महेट उ इहेर्द । यमि এই शकात वर्णा বস্তু করা হয়, সর রিচাড টেম্পলের প্রতাতি সেবিংবাারগুলি ফলো শহাধী इहेरव मरमइ नाहे। छिनि स्विश्वाक তছি, তিনি যে সকল লোকের করিয়া ক্রমকনিগের স্বিশেষ উপকার

করিতে চলিলেন। যদি তঃ হাদিগের: চিরস্থায়ী বনেদাতে করিয়াজ णिकाधनाती शालन के,रेड ला ভাষা হইলে তিনি অবিনশ্র যশো করিয়া আন্দপ্ট ক্রডজনতাতাজন বেন সম্দেহ নাই ৷

বেশংকুছে নিয়ারণ। এদেশের ব্যবস্থাপক গণের विष्टत समधामा पृथिकत वटि ; व्यक्तिक विषया छोडाहा हेश्लास्थ्रत का **হউতেছেন । এ দেখের অঃইনসং**এ मारकात व इन य इंश्लर ७ वर উৎক্লফ্ট সে বিষয়ে সংশ্ৰ নাই। উপ রোগ নিবারণের আইন ভারতব व्यथरम : हेसारह. उद्भारत हेश्लर ७ इ.स. कि**यु ज**ामता এकটी कां≖हर्दा (ভেছি, ভারভবর্ষ অপেকা ইংলডে অধি চ চইতেছে। ইংলত্তে এখনতঃ কটী বন্দরে এই আইন প্রচলিত এইসকল ভানে বিস্তর উপকার ব तारह। मालके श्रोटण छेलप्रश्म द्वान নাই বলিলে হয়। মহাসভাত এই আইন ইংলতের সর্বত্র প্রচলিত বার মানস করিয়াছেন। ঐ পীড়া কেমন ভয়ক্ষর তাহা চিকিৎসক কানেন। যে ব্যক্তিইহাতে আক্রান্ত কেবল তিনি নহেন, ভাঁছার তিন পুর্যপ্যাস্ত ইহার ফলভেগী অংনক পড়া এরপে আছে ভা লেটেকর মৃত্যু হয়; কিন্তু এপ্যামিত নিদান নিবাতি হয় নটো সং ই**উ**রোপের কতকও ল*ি শ*ংসক সি ক্রিয়াছেন, পিডা আবা পি হের উপদংশ গোগত সকল পীয় য়াভুৱে করেণ। ই^{ড়া}তে শরীরে ৫ নিছের ইন, এমন কিছুতেই হয় না। ভ ব্ধে এ বিষয়ে অধিকতর সভক্তা শাক। এখনে অনেকের ধাত্র

আমরা ভূনিয়াছি এটাও উপদংশ গর ন্যায় **বেশ্যাসং**হয়েগ ব ভিনেকে া। এই পীড়ার শরীর অভিশয় দুর্বল ও ওজ হইয়া যয়ে। অভত্র গ্রন্মেন্টের ৷ য.হাতে অ:়ইনটী সর্ভ ৫৪৮ হইয়া উপদংশনিবারণের সবিশেষ । হয়, ভাষা করেন। মিউনিসিপা সমূহ এ বিষয়ের বার ভারবছনে গ্রহণ্টোন বেধি হয়না।ইছাকে বলা নয়, বায় বাঁচান বলাই উচিত। রের উপদংশ ও ধাতুর পীড়া ত উৎপাদিতনা হয়; এডিয়িবসান কে কি ব্যয় না করেন > উপদংশ ক্রিছ জীলোকদিগকে চিকিৎসা বলপূর্বক আনগ্রন করাতে ইংলত্তের ক বেশ্যা আপনাদিগের লজ্ঞা+র ায় ∙াগ করিতেছে। অঃন'দিরের র আিক হার আিক হাবিচার নাকরি লামবে বেশ্যার পরীকার নিয়ম ৮৯: উচিত :

विविधमः वाम ।

--: •: --

৯ ই ভাদে সে:নধার।

सं^{के} (भटकारे स्टलन, व्यट्ग:14स्त क्रूक्तक स्टुक्तक । (य के!केन व्ह्यार्क, खांक्ट्ड खालूकमः বিশেষ অংসভেষ প্রক:শ কংবয়ংছেন. । व.सम. भार्त्यके कार्यान्य प्रमाणका 'ত কাজা করিয়াছেন। এল্পাশ্ চত্য অন্তের উপকারার্থ কলে করা জারসর দ্ধীদঃরদিশের স্বভাবসিদ্ধ নংহ .च ১॰ कोर्नक्ष क्षेत्र (**छ. १७३**८) स লারটেতের মুখাপেকানা করিয়া কুষক দথলী সত্ত স্থীকার করা উচ্চ ছিল: াব সহায় আরিকে কেলে সবন্মেচেটর ংকে না। সন্তাট তনপ প্রয়নকে দশন করে। মা, ভাগীরধী, গঙ্গা ও একাপুতা প্লাইিভ ছ। খনকৈ স্থানে একজন দ ড়িইয়াকে : ে চপ্ৰ-চল্মৰ ক্ৰিডে প বিভেছেন না এট বেল। যভক ২ইডে বলিভেছে। ব দরবার ও বাভগা না করিয়া, ত্রে **क**िङ्गीर सरक्षम रक्षानरमातः कानिर्देशः न कक्रन

भक्षां द्वा भी मात : मक्ट य मूज युक्ति हहे-उत्त जाहार क क्यां दित त्राक्षा (भाषाम वा जात निर्द्धान, मक्षा कहे भक्ष महामन्ति वालग्राहि लगा कि इ. मिर्ग माना याहेर कर्म (भाषाम्या भाग मह्यान भाष्ट्राग माना प्रभावित निर्द्ध वस्ति निर्द्ध कर्म क्यां द्वार मान्य क्यां वस्ति (स्वास्त्र क्यां क्

সর আলেকভাও'র রাতি নিশ্চণ । এছিনবরার বিশ্ববিদ্যালয়ের অধ্যক্ষতার্ত্রণ করিছেনেন। তুনি আপাত্তভঃ বেশ্ব ইয়ের বিস্যাশিক্ষার ভিনেইটাও ব্যবস্থাপক সভার সভা আছেন বটে, কিন্তু অক্টোবর মাসে এ দেশ তুরাল কবি বেন: সর সালেকজাভার রাতি সমন করেল শিক্ষাবিভাগে আর প্রকৃত উপযুক্ত লোক রহি লোননা।

শাবুল চইটে সংবাদ আনিয়াছে জাকুব আল খা গিজনি আনকার করিয়াছেন। এই সংবাদ পাইয়া আজিম খা নিজে আজুলাতের সহিত যুদ্ধ কটিছে গমন করেন। এই যুদ্ধে তিনি প্রাজিত হইয়াছেন এবং সিয়ারআলি খা প্রার্থিক কাবুলের সিংহাসনে আরোহণ করিয়া কন। আবহুলের সিংহাসনে আরোহণ করিয়া কন। আবহুলের সিংহাসনে আরোহণ করিয়া তেছেন। হিরাট উল্লেখ্য প্রার্থিকি মুদ্ধি কলা হইরাছে। এ বার যেন সিরার্থালীকে মুখো চাই উল্লেছ্নে গ্রা

বোখাবার রাজাব সহিত কশীয় দিনের শেষ
সাক্ষ কইয়াকে বোখারা কশীয়ের করন রাজা
হইসারোজার ভোই পুত্র আরও যুদ্ধ করিছে
ইচ্ছুক ভিলেন গকিছ রাজা ভৌহাকে কশীয়াদ গোর হাজে অর্পান করিয়া ভিতীয় পুত্রকে উত্তরা গোর হাজে অর্পান করিয়াছেন কলীয়া সাম টের জাশা কাম্পার হাল জনা করিছেছেন ভুপার এক ভাগাজের উপার ভাহার সাইছে পার্যেন্ব রাজাব সাক্ষাই হুইয়া ছ্সা।

১ - ই ভাদ্র মঙ্গবার।

म ११ का अकरोर्व अ ता अभुक्तांत्र अहत वृक्ति

ধ্ইয়াছে। ইন্দোবে এত বৃক্তি ধ্ইরাছের প্রাপ্তাসকল প্লাবিত এবং একটা বৃহৎ ভগপায় ধ্ইয়াছিল। কলিকাভায় এত পতিত ধ্ইয়াছে যে, ইটের মূল হাজার কঃটাক: দাড়াইয়াছে।

হাজরাতে যুদ্ধ হওয়াতে দেশগ্রন্থ টেনি করিবাণ প্রয়েজন বে'লে দিনী হইতে তার করিবার আজ্ঞাহয় কিন্তু তার লইয়া যা গাড়ী জিল না। দেপুটা কমিসনর ফিউজ বে লাহেব এই অবস্থায় বলপুর্দাক কতকগুলি হ গাড়ীতে তার লইয়া গিয়াছেন। অনেক হ লীকে ভ'ড়া দিয়া প্রস্তাল সমন করিলে য়াহে !! সনাপাত একন ১৮৫৭ অন্দে প্রতিছেলেন নাঃ পঞ্চাবী শাসনহ ভাইতে দেশবাসীদিগের যাহা কিছু থাকে, লুঠ করিতে করিতে যাইতে বলিয়াছিলেন

আব এক জান ইউরে:পীয় জুয়াচোর পঞ্জাছে। মাৰ্শলনামক এক জন গুৰু : পতে विकासन मित्रः अक क्रम मीलकृष्ठित व চাহিয়াছিল। স্মিননানক জুপালের এক .माक:नमात्र सी*लकूरिं*त्र व्यक्षक स्ट्रायन আবেদন করেন : মঃশাশ কাছ:কে নিয়োগ দেয় । ইতিমধ্যে যে বলিয়া পাঠাইল নীৰ কতক অবংশ বিক্লীত ১৫'রে । 'মেন এই *(*১ পাড়য়া এনখন ১০০০ টাকা অবান ক ধুৰ্ত্ত অনেক দিন নানা কৌশলে স্মিথকে ইয়া ভূপালে রাখিয়া ভল মাশল পাহাবে টাকা পাথেয় কিনে বলিয়া ভথায় রাখেট পাথেয় অথবা নীলকুঠির অংশের কৰঃ कानाटक ल्युश काल्ड इट्डा मिनीटक शबन লেন। মার্শল ভখন জাগরায় প্রায়ন করি ক্ষেপ ভখন জানিতে পারিলেন, নীলকুঠির সকলই স্থান। জুয়ালোর মার্শল ধৃত হও পঞ্চাবের প্রধান বিচারালয় উচ্চার কঠিন অপ্রের সহিত আমাজাই বংসর মেয়াদ দিয়া এ দেশের ইউরোপীয়েরা সত্তর্ক হউন।

আমরা হিক্সপেটি য়ুটে দেখিলাম বাবুর জী রাণী কাভগ্রনীয় ৯০ বংসর মুবসিধাবংদে মৃত্যু হইগ্রহে।

১১ ই ভান্ত মঙ্গলবার।

বাবু গোপীনাথ দেন বলেন, বর্ত্তমান ১ লা জাপুরারি জ্বাধ ২১ এ আগস্ত প কলিকাভায় ৭৩-১৪ ইঞ্চ রুটি পভিত্ত য়াছে। সহংসরে গড়ে ৬৯ ইঞ্চুন্টি । পূর্ম ১৪ বংগরে এই সমল্পের মধ্যে। ৪৫-৮3 ইঞ্রুটি ম্ইয়াছে।

कारकात कलिका जा रार्टि वर्षावर्तत कि कि कार्या के राष्ट्र के रा

ংহলের লোকেরা উক্ত দীপের স্থাপুর্ফ হৈছা সর হেনরি ওয়াডের এক প্রস্তর এতিমুর্তি স্থাপিত করিয়াছেন। ইংচেড ক্রিটিগের সদগ্রের পরিচয় হয়। মাগামী অক্টোরর মাসে সর সাইমর ফিট

আসামা অক্টোবর ম্পে সর সাহমর বিচ ড মহারাফীর সর্দ্ধারদিগের সভাকান ড এক দর্বার ক্রিবেন ব্লিয়া উদ্যোগ ড্রেন।

্ণ ট ভাদ রহম্প হিবাব।

বৈলে বিজ্ব পুৰাতন বালী ও ছার্গ আছে।

ন্ত এ শুলার কেই ইভিহাস লেখেন নাই।
রাজেম্প্রনাল মিক্র লেপটনালী গ্রধ্রকে
ইয়াছেন, পূজা, বধ্বের সময়ে তিনি
বাইবার আভিলাধী ইইয়াছেন। তন্ধ মাগিক ১২০ মাক্র টাকা প্রার্থনা করিয়া

ছই জান চিক্রকর উল্লের সম্প্রে থাকিবেন গ্রিয়া

কালিক জান জান ১৫০ টাকা বার্
বা লেপটনালী গ্রধ্র এই প্রস্তাবের
কাল্যানন করিয়া ভারতব্যীর গ্রেশ্য

জন্ধানন করিয়া ভারতব্যীর গ্রেশ্য

জন্ধানন করিয়া ভারতব্যীর গ্রেশ্য

জন্ধান করিয়া ভারতব্যীর গ্রেশ্য

ক্রি এই প্রস্তাবে সমত ইইয়াছেন।

'লে সর্কারাদ কোথায়ও হয় নাই।
নিজামের রাজ্যে লোফারদিলের সংখ্যা
হওয়াতে ভত্ততা গবর্ণনেন্ট ভাহাদিগকে
কি বহিছ্ত করিবার প্রভাব করিয়াছেন।
মধ্য ভারতবর্ধের ক্মিসম্র জ্বর্জ কার্থেন
মহাসভায় প্রবেশ ক্রিবার চেটায়
ন ৷ কাম্বেল সাহেবের চেটা স্থল হইলে

চৰৰ্ষের বিশেষ উপকার হুরুবে।

াহ্রের দিবস দিনাঞ্জপুরের নিকটে একটি

ধলস্তম উঠিয়াছিল। যেসকল স্থান হইতে

ৰ আসিয়াছে, ভাছাতে দেখা ষাইভেছে.

কাস্নাস নারায়ণনাসনামক বোধাইয়ের এক জন বণিক্ দেউলিয়া হইতে গিয়া অপনার সম্পত্তি গোপন করাতে গাঁহার ছই বংসর মেয়াল বইরাচে। এ দণ্ড শোচনীয় ময়।

পবলিক ওপিনিয়ন হাজরা হইটে সংবাদ পাইয়াছেন:— '' এক্লপ জনজাতি, পুনর্মার তথার যুদ্ধ হইয়াছে। সেনাপতি ওয়ালত আহত হইয়াছেন। ১৯ গালিত পদাতিকের বিস্তর লোক নষ্ট হইয়াছে।

এত সিবিলিয়ান ফুডন বিদায়ের নিয়মায় । সারে আবেদন করিয়াছেন যে, গবর্ণমেণ্ট ফুডন নিয়ম করিতে বাগিত হইডেছেন।

পারদেরে রাজা ইংলাণ্ডের নিকটে করেক খানি বাজ্পীয় (যুদ্ধাহাজ চাহিয়াছেন। ইংরাজ আফিনরেরা এইদকল জাহাজের অন। কতা করিবেন। পারদেরে উপকৃলের বাণিজা রক্ষা করা রাজার অভিপ্রেত। জাহাজের অন, ক দিগকে ভাঁহার আজ্ঞানীন থাকিতে হইবে বর্ষে বর্ষে কিন্তিবন্ধিতে জাহাজের মূল; দেওয়া হইবে। শেষে যেন এটা মস্কাটের ইমামের প্রতি বলপ্রকাশার্ষ না হয়।

বাষাই ব্যাক্ষের কভগুলি অংশী সর ইাফোড নর্থকোটকে অনুরোধ করিয়াছিলেন, উজ্জ ব্যাক্ষের যে ক্ষতি হইয়াছে, গর্বপ্রন্থ ভাষার কিয়দংশের ভারবহন করেন। আমরা আফ্রাদিত হইলাম, স্টেট সেক্টোরি এই অস্থ মত প্রার্থনা অগ্রাহ্য করিয়াছেন।

পাঁচ দিনের বিচারের পর জুরিরা মনিমাধব সেনকে নির্ফোষ করিয়াছেন।

আগানী শনিবার লেপ্টনাপ্ট গ্রহার কলিকা ভায় প্রভগ্গমন করিবেন। বিবি প্রে প্রভগ্গত হুইয়াছেন।

ক্ষেত্র অব ইন্ডিরা বলেন, সোরাছের জাখুন্দ এহা বিনিগকে বহিক্ত করিবার চেষ্টায় আছেন সীমাস্থিত বন্যেরা পরাজিত হইয়া প্লায়ন ক[্]ন ডেছে।

উক্ত পত্রে দৃষ্ট হইল, গত সপ্তাহে মুলমিন

ইতে বাহাছর কাঠ লইয়া ক্লুলভাননামক এক
খানি আহাল মাভলা নদীতে প্রবেশ করে।

আহালের ভলায় এক রুহৎ ছিদ্র হওয়াতে জল
উঠিতে লাগিলা। একখানি বাম্পীয় জাহাল এ
সময়ে যাইডেছিল, ভাহার কাপ্তেন মধোমা, খা
আহাজকে টানিয়া লইয়া যাইতে চাহিলেন।
কিন্তু ক্লুভানের কাপ্তেন ভাড়া অধিক বিবেচনা
ক্রিয়া জানমত হইলেন। এক জন গোলাদাল ও

ছয় জনমাত্র লক্ষার রক্ষা পাইয়াছে। ক নিজে কোথায়, ইহ'র অসুসন্ধান করা উ

১০ই ভাজ প্রক্রবার ৮

১ লা নধেশ্বর অবণি ১০ আইনের মধ্ সকল পেওয়ানী আলালতে বাইবে। মোজ তথায় এই মকদ্মা চালাইবার যে গ প্রাথনা করিয়াছিলেন, তাহা অগ্রাহ্য হইয়

গত এইন উপলক্ষে অংশধনর বিস্তর কাণপুরে গঙালান করিতে আলিয়াছি দিলীগেজেটের এক জন পত্র প্রেরক ব ধানেশ্বর প্রায় ০.৫০, ০০০ বাত্রী সমাগ্র য়াছিলেন।

সেনাদলের জার এক লক্ষাকর কার্য্য শিও হইয়াছে। দিলীগোজেট বলেন স্থ নের এক জান সৈনিক চিকিৎসক সৈন্য জীলোকগণের প্রতি ছ্কাবেহার করাতে অনুসন্ধানার্থ এক কমিশন ব্যিয়াছেন।

সর উই লয়ম মুর একটা অভিলয় এ
নীয় কার্য্য করিয়াছেন। জিনি বোষণা ব
তেন হিন্দি ও উর্দ্দৃ ভাষায় ইজিহাস,
চরিত, অমণ, বিজ্ঞান, শিল্প ও দর্শ সবলে যিনি উৎকৃষ্ট গ্রন্থ রচনা করিতে বেন, ভাহ'কে ১০০০ টাকা পুরস্কার হইবে। ধর্মসংক্রান্ত অথবা ধর্মনীতির কোন গ্রন্থ হুইতে হইবে না। সংগ্রহ গদ্য পদে। লিখিত হইবে, ভাষা উত্তম চাইণ

১৪ই জাদ্র শ্নিবার।

আমর। শুনিয়া হৃংখিত হইলাম, কাৰি
মিদন কালেজের অনতের অগণাপক উই
হপর সাহেব একটা ছাত্রকে অভিশব্ধ
ননা কবিয়াছেন। ছাত্রটীর অপরাধ এই
ঘেষ্যে পড়াইডেছিলেন, ছাত্রটী ও
অধ্যাপকও সেই স্থান দিয়া অত্যে গিয়াছি
নিক্ষকের কোপকল অব্যানিত ছাত্রটীর
দিয়া ফালয়া গেল। মিশনরির অধীরত্ব
শ্য নিক্ষর নেমিও হয়।

ইউরোপীর সমাচার।

লওন ২০ এ আগস্ট। ব্রেক্সিল হইড়ের মে সংবাদ আর্নিয়াছে, ভাছাতে জানা ভেছে, দলবল্প গ্রেণ্মেন্টের সৈন্যাপ । আফ্রমণ করিয়াছে। পারওয়ার সৈ ভাছাদিগের প্রভিবন্ধকভা করিয়াছি জুরা সভাপভির পদের প্রাথী আছে 🕶 ফুল্ক ভরিমানা হইয়াছে।

क्षीपतमास वाष्ट्रीट अधि मा शिष्ठा अधिन । १२वाट्सन । ক্রিয়াছে।

এ আংগাঠ। গত কলা চেই:র ও হোলি। ভেল বোঝাই এক শকট শ্রেণির ধারা য়াছে। ২০ আনোধীদক ছইয়াঞাণভগাগ

হৈছন ৷

ভ কলা নিউইয়ুৰ্ক ২ইডে যে টেলিগ্ৰাম য়াতে ভাষাতে জানা যাইভেছে, সুধিয়ান সিতে গোলযোগ হইভেচ্চে। কে**ন্ট**কী শ নীচতজ্ঞির-লের প্রতিনিধির জয় कडेग्रांट्ड। **এ**डे महत्त्रम् मृश्यतं ৮**८००**।

২ এ আগষ্ট অদকোর প্রাভঃকালের দপত্রসমূহ বলেন, রাজ্ঞী বিটে:রিয়াদক विषय छेटल्या अकस्य क्वियान ग्रहें १८७ भगन कक्षियाटकः।

ংয়েল্সের রাজকুমার র'ইফল ব্রিগেডের ণ হইয়াছেন।

চলসিয়াডে ইংসপাডালের অন্যক্ষ সং ক্রমান্তার উভয়েলাভ বলিয়াছেন, সেনা রদেল ও কর্ণেল মেয়ারওয়েদার ভারত ষ্ঠারনাইট হইবেন।

বাড ফারণহাম ও ধাঁহার জরী চেষ্টার ও াহেড রেলওয়ের ছ্মউনায় হ'ড হইয়াছেন ৷

গবর্ণমেন্ট বিজ্ঞাপন। वृत्रदम्भीय (लश्चेनन्छेशवर्गदत्त्र আদেশাসুদারী

निरशंग।

ই আগষ্ট। নিমুলি বিত ব্যক্তিরা চট্টগা গলিখার মসজিলের কাম সাপাদন নিডিভ वक्रल नियुक्त इंडेरदन ।

ोत्वी श्विष्ठला था।

জি মবারক আবালী।

বসিক্লা।

ইয়ার আ**লি খা**।

১ ই জাগষ্ট। সবডেপুটি আহিফেন এজে , এ১, চৰণৰুল সাহেৰ কাশীর প্রধান সহ ভা^ত্তন এফেন্টের কার্য্য**ল**য়ের ভার

वन । ৯.এ. 🗷 🗀 চ. আর, রেলি সাংহ্ব

ন সম্ভাতি বাজসাধী বিভাগে ভে**পুটি মাজি** ও ডেপুটি কালেটারের পদে নিযুক্ত হইয়া

জুর রচকোটের এক বংসর মেয়াদ ও ছেল, ডিনি) রাজশাহীতে থাকিবের। নিধি পুলিব জুপরিটেটতেওঁ থাকিবে রিলিসাহেব > ই আগঠ উক্ত স্থানে উপনীত

२) এ काश है। यक भिन्न एक चात शाला है সাহেব বিদায় লইয়া অনুপঞ্জি থাকিখেন, ভঙ টেলওয়েতে একথানি মেইল টেবের সহিত দিন আছে, এচ. রেণিসাচ্ছের কিছুদিনের নিমি ডেপুট নাজিটেট ও ডেপুট কালেটর হইয়া রাণীগঞ্জ উপবিভাগের ভার পাইবেন। ডিনি প্রথম প্রেণির অধীন মাজিটেটের ক্ষতা পাইয়া বিচাবালয়েও সেনিয়নে অপণ প্ৰধ'ন ভন ক্রিবার মক্ত্রায় প্রথম বিচার করিতে পারি বেন ৷

> বার্জন জে, মাকডোনাল্ড্কটকের সিবিল मार्श्वन इहेर्टरना

নিয়লিখিত বংজিরা গ্যার বিদ্যাশিক। সভার সভ্য হইবেন।

টি. এক. পিপ স¹হেব।

বাবুজন ভারাম ঘোৰ বি, এলে, 1

ব'বু ইন্দ্রনারায়ণ প্রধান ভ্যোকুকের লাভব; চিকিৎসালয় চালাইবার সভার অন্যেত্র न का इहेर्यम ।

<২এ আলগষ্ঠ। ব'বু এছ হুম্মর ∤মিতা(বিনি একংশে বিশয় লইয়া আনডেন) ২৪ প্রগ্রান एअ विभावित के एक एक कि कारत है व থথম খ্রেণির অধীন মাজিটেউটের ক্ষমভা পাই

वर्षभारतव एउ भूषि मास्त्रिके । एउ भूषे कारन हेत्र वां वूर्णाभान हम्म राम कि क्रू सिर्म द निभिन्छ २८ भद्रभगात्र वक्षणी इहेद्रा मान्ति छि। हेत क्ष्मका शाहरतम ।

वादु कानीक्षमत्र महकाद वि, अ, यरभाइत्ह প্রতিনিধি ডেপুটি কালেটর হইরা প্রথম স্মোনীর बरीन माखिएकेर्डेत कम्छ। भाईरवन ।

২৪ এ আগষ্ট। দেবগড়ের সংকারী কমিস নর জিন, সিমধ সাংহ্ব মুক্তেরের প্রথম ত্রেনির অধীন মাজিটেউটের ক্ষমতা পাইবেন। জিনি সাওজাল প্রগণা ও ভাগলপুরের ডেপুটি কালেইরের ক্ষত। পাইবেন। তিনি আরও মাজিটেটের অস্মতির অপেকা না করিয়। अक कारण नानीन बाइन कतिएक शाहिरवन।

यु प्रिन (मझत् अ, हैनक विश्वय कार्यां। भ नत्क विस्थारक शकिरवन, ७७ मिन स्क. भार्छ मार्व कामक्रांभन क्षांकिविष श्रुलिय क्रुभतिराहे (७७ स्ट्रेस्स

পাচ সাহেব মডদিন কামরূপে উপনীত অপবা হইলেও অভি অল লোকই উ নাহন, ডভদিন জি, এচ, 'ক্রেঞ্ফ সাহেব প্রতি হৈছেছেন ৷ কোন বিষয়ের ভর্ক উৎ

এ, বে্যার সাহেব বিশেষ সংকারী কা

भनत्क किर्मार्ड वाहेर्ड्ड्न वनिया हि, লিউ. ব্লিচ সাছেব বে দিবস জাঁহার কাৰী लहरतम, त्महे मित्रम व्यवधि मिरहकूरमत् निधि श्रुमिय ऋश्वित्र है । हे इहेरवन

য'ত দিন বাবু ব্রহ্মকিশোর সেন বিদায় ব অলুপাত্ত থাকিবেন, ভডদিন বাবু মাধ্য চক্রবর্টী বাধরগঞ্চের অন্তর্গত মাদারিপু প্রতিনিধি মুক্তেক ইইবেন ৷ পুজার বছের এই নেধোগটি আরম্ভ চইবে ৷

২৫ এ আগি টু: সাঁওডালপরগংগ কর তুমকার, সহকারী কমিসমর ডবলিউ, এস সংহেব নিয়ন্তব শাসনকার্যে,র ভৃতীয় স্থেতি ह्हेर्रुम ।

वायु अञ्चलहाल हर्ष्ट्राभाषात्र माळाडि আমের প্রতিনিধি ছেণুটি মাজিকেট ও যে कारलकेंद्र रहेशा ১১हे काशहे खबाब छेल रहेक्षारहम ।

বাদেৰ হাটের ডেপুটি মাজিটেট ও সে कारल हेत बाबु श्रजानहत्र हर्द्वानामास वि, भनन महकूमा घटनाइट्स बनली इहेटवन ।

यरनाइरवत्र (प्रभृष्टि याक्टिप्ट्रिके छ त कारलहेर शिक्ष जीनहत्त्व विद्यातम वार्य উপবিভাগের ভার পাইবেম।

ডেপুটিমাজিকেট ও ডেপুটি কালেইর দীরালাল মুখ্যোগরার বসির্হাট উপবিভ ভাব পাইয়া ২৪ প্রশ্বার প্রথম ভোলিধ স মাজিটেটের কমতা পাইবেন; তিনি ব সেণিয়নে অপেণ কবিবার মকদমার বিচার কবিতে পারিবেন।

মৌলবী ইয়াদত আলি ৰাকুড়ার ভ कक हरे(वसः

ব'ৰুরামভারক বার বরিসালের ভোট नर्फत्र काम अवस्थितश्कृत व्यवश्य काम इहे अम. ভাকত সাহেব সাহাবাদের অধঃমু हरेब्रा व्यादारङ कार्ड कालानरङ्ग करखन र

পাইবেন্।

ष्पामित्रित और्देश मः वानन लिचित्राट्टन ।

আরেডঃ সেখখট মিদন আচুলে বি সাহিনীনামী একটা সভা আছে। প্রতি দ ইহার অধিবেশন হইর থাকে। ছঃরের এই, যুৰ্ব্যি হেৰাৱেণ্ড ভৰ্বাৰ্ড প্ৰাইক্স মৰ্ উজ্জাস্তার সম্পাদকতা এবং 💐 যুক্ত অংশুপোবিদ্দ গোম এম. এ. এখ'ন 'শিৰ ত্যাগ করিয়া গিয়াছেন,সেই অবধি ইহা (অত ত ছরবস্থার পণ্ডিত ইইরাছে। একং নিয়নিভ্রাপে সভার অধিবেশন হইটেডছে काशत जात वर्ष विद्रमय भीभारमा रह मा विजात जातका आहेत विचित्र है आहा सह मा। निचित्र है १९ मञ्जान कर्याएमाइ हहेग्रा व हेर्फरङ्ग । ন সাংহ্য ও জায় বাবুর বিদ্যালয়পরিভ্যা-ণকে যে কেবল সভায়ই সৌভাগ্য অভাই ভ ছে এমত নহৈ, কুলের আনারো আননেক । বিশ্বালভাষ্টিরাছে।

ভ সপ্তাহে আমাদিগের কমিসমর 🖼 যুক্ত ন সাহেব এখানে আগত হইয়াছিলেন ্য জন্স আদাসভূত্র উকিলেরা ভাঁহার মিকট ট একটী গ্রন্থমেণ্ট জুল স্থাপনের প্রার্থনা 'ছিলেন। ভিনি ভাহতে সম্মত ইইয়া निগকে বলিয়া গিয়াছেন, আনাপনারা গবর্ণ ষ্ণ স্পনসমূলে আনর কখন কোন কথা ठ **रहेरन कारमहेत जारहराक कानाहर**कन, हहेरनहे कामि कामिएड भारतिया कन्छः है अक्षे भवर्गस्य विषयम् अञ्चित्र इस দিই ভাঁহার (কমিশনর সাহেবের) **ইঞ্**। তিনি ইতঃপুলে তক্তত্ত অফিসিয়েটিং हेत मध्यि छिपे छीपुक (क्यम मारहर क गा कतिया भाष्ठाहेबाहित्वन, और्दं अवर्न হুল স্থাপনোপযোগীগৃহ আগছে কি না।

বয়ে এক্দপর্য ভাকিছুই স্থিরীক্ষুত হয় व्यामानिरशत विरवहमात्र शुरक्तत शवर्रमन्डे াহ এডদর্পে প্রদান করা উচিত। যথন দেই ্কেবল গ্রামেট অনুলের জান্ট নির্মিড ছল, ভালতে কাছারি রাখা কোনক্রমেই জ ÷ নহে। আযার যদি কাছারির স্থান পরি করা ,নভান্ত অংসাধ্য **হয়, ভাহা হইলে** নুভন গৃহ প্রস্তুত করিয়া দেওয়া হউক। ভ অত্রত্য ভদ্র লোকেরা আপনাদিগের গণকে মিদমরি স্কুলে দিডে ভাল বাদেন া*চ*েড আমবার মিগন বিদ্যালয় আমড।আড ্যু প্তিত হইয়াছে, স্নুতরাং পর্ণমেন্ট্ বয়স্তাপনে কোন কার্তে বিলম্ব করা

য়েক দিন হইল আভাজ ভাজো সমাজের সিক অংথিবেশন হইয়া গিয়াছে।

कू मिन क्रेल. এक व्हक्कि (कांस कांत्ररण **ৰত হইয়া দাতোখাতে দীয় জীকে বধ** किन। अञ्चल समारायात्रविहादत छ। हात्र স্থির করিয়া হাইকোটে লিখিয়াছেন। প্ৰব্যস্ত কোন উত্তৰ আইদে নাই।

(स्राक्ता t भाम।

--:•;---षामाषित्रात भाषाणियत् मः गः वाष-निर्वित्राट्टन।

। महानदे ! अथानकात कारनत (अपूत)

ममग्र हेरा (यक्रण थारक, (माध्यकारण श्रकान रहेवात नमम् आय छाहात विश्वतीक रहेना चाटक। গভ বারে লিখিয়াছিলাম, এখানে ব্র্থার সমাগম হইয়:ছে। তথ্ন আবেণ মালের প্রথম স্প্রাহ । উক্ত মাসের হিভীয় সপ্তাহ আংখি অব্যাভান মাদের প্রথম সপ্তাধ্যে ক্রেন্স পর্যন্ত এখানে अक विक्रमाज जल माहे विकास इस । स्थम भारत कारतह नहार नाष्ट्रिभी छ आहि देश दासू कमुकुछ १६८७८६, क्थम श्रवन जीरबात महाप्र অগ্নিবং বালু অন্নভুত হইতেছে। এবার বোধ रव, अ व्यक्षात मनकत रहेर्त । अधारम वर्षाकाल **भएक नाहे बिल्टन-७ इन्न**ा

২ ৷ ঋড়ুপরিবর্জনেই হউক বাবর্ধানাহও ब्राटफ इंडिक, अधारम সংপ্রতি অবরোরগর প্রাছ্ডাব হইয়াছে। কিন্তু যেরূপ শুনিতে পাই व्यनहोना वरमहत्र अभक्ष मध्दम अश्रीत (वज्रन ওলাউঠা রোগের প্রাছর্ভাব হয়, সৌভাগ্যক্রমে এবার ভাছার কোন চিহ্নদর্শন বাঞারণ করা যার না।

৩। গভ ২) এ আবেন, ভানসামের সমাধির নিকটবন্ত্রী মহম্মন গৌজ খার যে সমাধি মন্দি त्त्र कथा शूर्का निधियादिनाम, डेक श्राप्त " চাকিয়ার মেলা" নামে একটা বৃহ্ং নেলা रहेश शिद्वारका मन्मिरतत अवशी केक हुए। লক্ষ্য কৰিয়া ক্ষুদ্ৰ ক্ষুদ্ৰ চক্ৰ সুধীয় স্থৱ বন্ধ করিয়া উহাতে নিকেপ করাই এই মেলার উদ্দেশ্য। যে ব্যক্তি চুড়ার উপর নিকেপ করিছে পারে, দে ব্যক্তিনাকি রাঞ্চকর্তৃত পুরস্কৃত হয় দ কিন্ত এবার কেছ ইহাতে কুডকার্য। হয় নাই। এই মেলাক্ষেত্রে মহারাজের পোষ্য পুত্র উপণ্টপুত্ৰ ও জামাতা বিবিধ সক্ষায় সক্ষী कुछ ও बृहर बृहर इस्टिशृत कारबाहर कतिहा আসিয়াছিলেন > সলে অনেক সভাসদ ও অখা-রোহী পদাভিক লোক ছিল এবং অপর সাধারণ প্রায় লক্ষ লোকের স্থাগ্য হইরাছিল। অধ্যের ও লোকের ভিড়ে অনেক গোক আহত

इहेब्राट्ड: चारन चारन नाठिरथना मलगु**ड** প্ৰভৃতি ব্যালাম ক্ৰীড়া চ্ইয়াছিল এবং মধ্যে মধ্যে বেশাং ও ক্ষপরাপর জীলোকের ভিড়ের মধ্যে এমন এমন কুৎসিতে ঘূণাকর ও লয়জো জনক কৌতুক হইয়াছিল বে, ভাষাদেখিয়া বোধ হয় শর্কান বা লৈত্যেরাও কুঠিত হয় ; অথচ মিৰ্দ্ধিকাৰ্চিতে জী পুৰুৰে উ্হাডে আমোদ করিডেটে। এ অঞ্লে অসভাতার ও

मूर्यकात करु हुत श्रकार त्रहिताहरू, कार मिना मिथिया जातक काश्य क्यूकुछ ह बरे मिनात केम्प्रचा कि, जाश जानिए ৰাই।

ি ৪। মহারাজন প্রমেষ্, উদ্রাময়প্রভৃতি (শাক্রান্ত হইয়া ইংরাঞ্চ ভাক্তার্ড'রা চিকি ব ষ্ট্ৰার জন্য কতক দিন হইল, পলিটিকেল ক্টের ৰাষ্ট্রতে আসিয়া অব্যস্তি করিছেছ যথন সন্ধার সময়ে বালু সেবনার্বনি হন তখন ভাঁহাকে দেখা যায়। ্ভানি ভাঁহার রোগের অনেক উপশম হইয়া ভাক্তার সাংহৰ বিশেষ যৱের সহিত চিবি कब्रिएउएइन अवर शनिष्टिकन अस्त्रने अर করণে সংকার করিভেছেন।

e i চোরের দৌরাত্ম্য নিবারণার্থ কঞ হইল, মুবার ছাউনীস্থ অধিবাদীর: একজ্র क्यान्डेनरमन्डे माख्यि छिट्डेर निक्डे रय प्यार করিয়াছিলেন, ভাহাতে মাজিক্টেট সাহেব বের উপর কটিন কটিন নিরম করাতে চুরির কথা শুনা বায় না। এক এক গ ভার এক এক কনটোবেলের উপর অপিব দ্বাছে। সেই গলির শান্তিরক্ষার অন্য সেই रु: खिन माथ्री श्रेटरा । स्थानिएक **नाहे** क्रेटर চোর ধরা পঞ্চিতেচে।

७। এक मिन नक्तात्र श्राक्तात्म अव গাড়োয়ান ছাউনি কইতে প্রামান্তরে যা ছিল। এক জন চোর প্রথমতঃ বফুভাবে ভ গাড়ীতে উঠিয়া, যখন অন শুন্য : পৌছিল, ভখন গাড়োয়ানকে 🕸 গা চক্রে দৃচ রূপে বন্ধন করিয়া ভাহার বি হইতে টাকা পর্সা ব। ছিল, তাহা এবং গ খুলিয়া লইরা গেল। গাড়োরান সমস্ত : সেই মাঠের মধ্যে ঐ ভাবে ছিল। সৌ अन्य काहात श्रान वर करव नाई अहे लाक

৭। সত্রতি এখানে ছটা বলাৎকাররূপ मक इक्की इहेबा शिवारक। श्रथमणी श्रुवि এক জন কনষ্টেবল একটা দশম বৰ্ষীয় বালিং বলাংকার করাতে বালিকার মাডা ও অং व्याच्यीव श्रृतिरव् अहे विषय स्नानाहेल । किन्न লাম ভাহার কিছুই হইল না। দ্ভীয়ট ভয়ানক। একজন সব্ওভর্সিয়ার ব ৰারইদ্রের (পাণবিক্তেরে) অবিব ধালিকা কন্যাকে ভাষ্যর (সবওজর্সিয়ায়ে *হুই* ভিন জন সঞ্জীর স্থারা ৰাজীতে ধরিয়া ব গিয়া ভাষার উপর চারি পাঁচ জনে এরপ চার করিয়াছে বে, ভারার জীবনসংগ া আবাহীরেরা উক্ত ওভরসিরারের নামে ; উটের নিকট অভিযোগ করিয়াছে। এখন ক্ত হাজতে আড়ে। ওনিতে পাই, আমলা বাজিলর হাডেগরা এবং ইহার টাকা ধরচ রেও ক্ষমতা খাড়ে: মাজিটেট বেরূপ ও অবাপনাকে পুরের লিখিয়াছি। এখনও মাটাৰ আহবজ্ঞা, শংয কি হয়, বলিতে পারি

। প্রিরোডিরাব জেনরেল ও ক্যান্টন্মেন্ট ্টেট ছট জনে ৬ট দিন এখানকার সকলের কিরুপ পরিকার পরিভন্ন থ'কে, ভাষা বার জনঃ প্রভাবের অন্যর মহলে প্রবেশ । পরিদর্শনপুর্কক বিরক্ত হটরাছিলেন। , প্রায় আহনেক বাড়ীতেই ছুর্গজনয় আহাব- | ও পদঃপ্রণালী আছে: আমাদের নবীন ক ও অন্যান(বাংশালা ও এত জেশীয় ন্যো গকে আহ্বানপূৰ্দক প্রাম্শ করিয়া ; ''মিউনিসিপাল কমিউ ৯ স্থাপন করিয়া । এস্থান যেরূপ অংখাস্থাকর ভাহাতে এই একটি মিউনিদিপাল কমিটি নিভাস্ত আন , ডাইরে সমেক্নটো (স্কুপ নিয়ম কর) ছে, ভাহাতে বোধ হয়, এই ছাউনী পরি ও পঞ্চিত্র কংইয়া আনেক অংশে এস্থানকৈ ।শূন করিতে পারিবেন। মহারাজ রাজ व मर्ता यभि अक्षेत्र कर्डन, छाहा इंहेर्स ₹¥ 1

রা হইয়'হে। গ্মাদিগের কোরহাটীস্থ শংবাদদাতা

-। অনঃ এহবোপলকে ফ্রাজ ''ডুলা"

াছেন, কথাৎ প্রায় দশ সহ্জ মুদার সহিত

ছই ব্লাভেন। উত্তল কথা বাংসাণ্ণিগকে বিভ

४ व्रार**⊊**नः — ১। ডাক,বধয়ে আজিকালি বিভ্নপু-গণ বিলক্ষণ স্থ্যিগড়েগ করিছেছেন। टेक्समात्, काँहाविया, त्मानाद्रम, जीन-রাজাবাড়ী, মুনশীগঞ্জভুড়ড স্থানে অংকিন সংস্থাপত হত্য়াতে কত্রত। কর পার পত্রিকাদি প্রাণ্ডিও প্রেরশসহক্ষে क्ष्मित्रः इहेश्वादः । भूदर्त तक्ष्मुतः, ज्यानः म,

ড়গ্ৰন্থ ধুংবঙী স্থান ২২তে প্রাদি। তেও প্রায় দেছ মানে ছই মাবের কম লাগিছে : কিন্তু এখন আহার সে দিন না**ই। সং**প্রতি

। স্থান্ৰাষী ব_িজ্ঞ_া পত্ৰ পাঠাইলে ১০। ন পরে নির্দিষ্ট স্থানে আন্সয়া উপস্থিত

विलिश्व इत्र । कमात्र थिया माछा छ इत्र । हेई।एक विक्रमभूबीरवता य कमन इस्थे ভোগ করিতেছেন, ভাছা বলিবার নয়। কিন্তু ছংখ এই বে, কোন কোন ডাকখরের পত্রাদি विष्कृतविष्ट्र किह् किहू विभृश्वना अ निका-রিভ মাতুল অপেকা কিছু কিছু অধিক পয়গা এহবের রীতি দৃষ্ট হয়। তথাপি পুর্ফাপেকা অনেক ভাল ব'লতে হইৰে। পূর্ণে পাঁচছয় পয়সঃর মুঃনে একখান: পত্র হস্তগত হইত না। এখন চারি পয়সার বড় অধিক দিতে হয় ন:।

> ২। কয়েক দিবস ২ইল. জীনগরের হাটে এক কৈবর্ড মংস, কাটিভেছিল, এমন সময়ে কভকগুলি লোকের জনতা হইয়া ভাহার উপ্তে পড়াকে, সে দল্বস্থ কলের উপর পতিত হয়. ভাষার এীবাদেশের কভক কংশ এমন ভাবে কাটিয়া পিয়াছে যে, ভাষার জীবনসংশয় হইয়া के विवाद

> ৩। বিক্রমপুরে মালদংনামে এক আম আছে। ভাহাতে এমন ভয়ানক জঙ্গল যে. ভত্ত অধিবাসী:া প্রায় বার মানই ঐ জঞ্জ-लयु राष्ट्रा, भूकद्रश्रक्षकि हिश्द्य स्वश्वनकरतर উপদ্ৰৱে অভান্ত ব্যক্তিৰাস্ত থাকে। স্থানীয় শান্তিরক্ষক মহাশয়ের এতং প্রতি একটু দৃষ্টি করা উচিত।

> ৪। ৩ ৷ ৪ দিন হইল, চড়কোরহাটীবাসী এক চন্তাল ও ৯। ১০ বংসর বয়স্কা একটা বালিক: नर्भन्थमान इंड इहेब्राह्म। अवात अञ्चल्ह नर्भन्दम्दात्र किছू श्रोह्र्यः (मधा याहेरपटः) শুনিলাম এক সপ্তাহেই জীনগর টেসনে ২০ মি नर्भ मन्ने अवे काभी उ श्हेशा किया।

c: মহাশর ! ১,ত বৈশাধ মানে আমরা বিক্রমপুরের পুলিবকুত একটী অভ্যাচারের হতু:ত বোষপ্রকাশে প্রকাশ করিয়াছিলাম; দংপ্রতি ইনস্পেটর জেনরবের আদেশাসুসারে গত প্রশ্বঃ এক জন পুলিষ ইনস্পেটর, ভাহার হতুসকানের জন্য এখানে আগমন করিয়াছি লেন। তিনি অসুস্কান করিয়া আমাংকের লিখিত বিষয়ের যাথাপা এক প্রকার অব্গত হুইয়া গিরাচেন। বোধ করি উক্ত অভ্যাচাকে সংহট্ট মহামতিগণ এ যাত্রা এড়াইতে পারি

ও। গত শুক্রবার বানীগানামক স্থানে একটী বালক জ্বে ডুবিরা মরিয়াছে।

५० हे छ!स 73641

গুলি প্রাপ্ত হইয়াছি:---गम्भानक महाचय, शंड ३० हे व्य शहे (ৰার রাত্রি হইডে বৃক্তি আবস্ত হইরা ক্রেম

আমরা শান্তিপুর হইতে এই সং

১৭ই আনিষ্ঠ রাত্রিপর্বস্তে অবিশ্রাভ হওয়াতে শান্তিপুর আমে ৩০০০ দা भाष्ट्रिया शियारहा कावनिष्ठे याहा ज्यारह, প্রায় আংশিক ভগ এবং কোন কোনটা কা গিয়াছে। দালানসকল পত্তিত সভয়ায়ে অস লোকের জীবন নাশ হইয়াছে এবং ক্তি হইয়াছে তাগার অবসুমান করা ক অনিকাংশ লোক পাথ পথে হাছাকার ব বেড়াইভেড়ে। প্রকাশ্য প্রধাকলে মনুধ্য ষ্ঠাের প্রোভ যাইডেছে। রুদ্ধনার লিভে ভাঁছারা এপ্রকার বৃক্তি দেখেন নাই : ১ लाक छरन हाँ हिंद्र। याहेर डिइन, मर्भ व क्রाएङ প্রাণভাগে করিয়াছে। অনিকাংশ অর!ভাবে ফ্লেশ পাইতেছে। বাক্ষারে চার্ মূলবিভাগ হইয়াছেঃ অবিক্যা চোরের শয় প্রাত্তঃব ক্ইয়াছে; সকলেরই ভগ ভাহাদিগকে আরেকেশ পাইতে হয়না (म्यू मर्स) श्रुलिएचारत्व मश्चना व्यक्ति : সতর্ক হটলে অনেক উপকার হইবার এড়া

२। ১৮ हे अ। शहे (य सर्व) अहन इस, মধ্যে তাহা দেখা গিয়াছিল, হিন্দু মহাণ গঙ্গাতীরে আপনাদের তপ জপ নির্মিলে : क्रियार्डन ।

৩। গঞ্জতে অধিক পরিমানে জলরু দ্লাতে অভিলয় কভি ইইতেছে। বিয়ে আংশুধান্য জলপ্লাবনে নষ্ট ছইয়া গিয়াছে কেরা হাহাকার সক্রেকেরাদন করিতেছে, দের এক বংশধের পরিস্রম্ এক জলপ্লাবনে कदिष्ठा मिला

৪। গত ১৪ ই আন গত আমানের আর ন্তেইর উচ্ছে। মহোদয়, শাস্তিপুর স্থানের দেরকারণ অনুস্থান করিবাবজন্য ভ করিয়াছিলেন। স্বুলের কাগজ পত্ত भएश्वासमाञ कतिएठ शारत्र नाई। काश्व অনেক গোল দেখিয়া, ডিনি আপন সলে नहेवा शियादक्त । स्थ्या बाहेरल्ट्ह, পত্রের গোল দেখিয়া পেক্রেটারি মহোদ পদভাগে করিতে প্রজাত ইইয়াছেন।

৫। রাণাঘাট ও শান্তিপুর সব ডিবি ভেপুটী মাজিটেট ব'বু রামশক্ষর সেন মহা আগমনে সাধ'রৰ লে'কে উছার ব্যবহাত চরিতের সংশ্রষ্ট হটয়াহেন। তিনি অতি উ ভিব্ন লোক ধান্মিক এবং আছে কাৰ্য্য ধাহার অভিশয় সুখ্যাতি। আমরা প্রার্থন TO A SECURE OF THE PARTY OF THE

(यम फिलि शाही श्रेषा এई श्रकांत मधातरणत वरनांश्रक्षेत्र करत्न ।

c हे जास .329¢ 1

আন।দিগের গড়বেতার সংবাদদাতা লি খিয়াছেন।

১। গত ২২ এ জুন পুলিষ ষ্টেশন বিসনপুরের অন্তৰ্গত আন্মচুড়াএ মে যে জীলোক সী হড়∉য় ভাগার সামী ও স্বস্তুকে হত্যকারী বলিয়া। (त्रत्राम म र्णन कहा इहेश्राह्म।

২। ইন্ডিপুর্ফো সোমএকাশে বাকুগুলা যে হিন্দু वालिकाविन्यालय स्थापन इहेगात कथा लि बेफ हरेशाहिल, छारा श्रानिष्ठित हरेशाहर, अकरन ভ:হাতে জলু,ম ২০ টী বালিকা রীভিমত অধ্য द्भन क इस्टर्स्ट ।

৩। গত ১৯ এ জুলাই ব'কুণার পুলিবটো শ্বের নিকটয় মুদলমানজ:ভীয় একটী সুদ্ জীলোক সংয়াবর ক্ইতে জাল আন নবার সময় s ঠাব প্থিনগে। প্তিত ইট্য়া শ্মনস্দনের আন্তিব্য শ্বীকার করিয়াছে।

৪। ছঃখের বিষয় পুলিবটোপন বিদনপুরের প্রসংশিত ইনিস্পেটর মৌলবি আবছল আলির হুগলি কোলায় পরিবর্তন হটয়াছে। বিষ্ণুপুরে बिवश्क वर्णाणाधात्रहामक करेनक हेनरणा-🛃 (मंडिजिएकत! इहेरक जानिहारकत 1

 । भर्या के दिश्व शृह्यत कार्यका किङ्क स्रोत ৰে¦ধ ইইডেছে। গড়ধেভার ডেপুটী মাজিটেট चाबू बचनाम धाम मरशाम्य विकालपुरवद विन्तासम् श्रकृष्टित लाडि राज्यकी निक्ति केविएएइन : প্ৰবৃত্তি অনুসূত্ৰ কৰে। কৰে ক আংল আৰু কাকীৰ্ণ ও পুকরিন এড়াত ময়লা ছবো পরিপুরিত থাকাতে সাধানুধের অনিষ্ঠ ছইতেছে ৷ এখান কার প্রকাগন প্রায় সকলেই নিভাস্ত দরিয়ে। ইহাদের ধারা ভগ্ন দি পরিজ্ভ হওয়া কটিন। এরপ ফুনে এসকে ক'রেই আপে:ভ তঃ স্বর্ণনে ८केत् मरमास्य.भ (मञ्जूष व्य°दन्द्रकः।

৬ : পড়বেডার ভুত্তর্ক ডেপুটমাঞিটেট জ্ঞীকুত্র বুছেমচন্দ্র কর মহোলয়ের ছারা এখা। নকার প্রাচীন হিন্দুকীর্তি মন্দরারি সংক্ষরণ विषरम् (न हाँ नि: नः अह स्हेमाहिल, अकरन वर्ष ম্ন ডেপুটী মাজিটেট জীবুক বাৰু রয়ুবাল 🙀 स महान्दम् र रूप उपादा नर्सम्बन्धा (नवीद मिन्द्रमरकुछ १६८७८७। दवनान यांबू स्य প্রকার শারীরিক ও মানসিক পরিজন সহকারে क्रे कार्ड है। निर्माह कड़िएउएइन, फ्रांहाएड फिनि शाहेड। क्रांस लात्कत क्रीत महिन । ॥ । ।

जाधातरमञ् कशन् धन्द्रवारमञ् भाज स्ट्रेग्नारक्तः।

৭। গড়বেভার দাভব; চিকিৎনালয়ের (क्सर्य है) त्वर কার্য্য এখানকার (निष्ठि काळाड्य'वा नम्भन स्टेटक्ट । हःरचन वि यप्र माञ्चर हिकिश्त्रालय श्रूरशित हेरात मरपार हाम ফাটিয়া জন পর্ভিডেচে। সংক্ষার মা হইলে ছরায় বাটীটী পভিত হইবার সম্ভাবনা। গুর্নিন্মাণের खात शास काराकत कानवधानकारमारव अहे ক্লপ খটিরাচে সন্দেহ নাই।

৮। গত ১৪ ই ছুল ই গড়বেভাপুলিবঙে শুনের আহুসতি বল দঘটো আননি বাধী আননক মাইতি নামক এক জন ধনাচ্য ব্যক্তির ৰাটীতে একটী ভারি ভাকাইতি হইয়া গিয়াছে। ভাকা हेट उन्न मर्था विक्रान ६ ०।७० व्यम इहेट । समु मारम e•• है (कात अवः **क्लक्ट इ**हेस्ट्राह्ड । (स.मि নীপুর জেলার পুলিবকর্মচারিগণ এমনি ক্ষতা ৰান যে এতবড় ভাক ইতিটীকে পুলিৰের (বি)ফারম রূপ হলমিও বিদিয়া এক বাঁরে ঞীৰ করিয়া ফেলিলেন, আৰু ভাছার কিছুই इड्डान । ! !

--:0:--

আমাদিগের মেদিনীপুরস্থ সংবাদ माजा निविद्यारहन।

২। এবংসর বর্ষাবিক্যপ্রস্তুত সহবের রাস্ত। कति अधकात कनर्व। इहेत्राः इंद दुक्कि इहेटन বাওরা আসা হবুর হইগা উঠে। শুনিলাম মিউন निभन करछ अधिक होका नाहे विन्ना वास्ता क लिय परस्वत स्ट्रेटिक ना। किन्न हेरवाक টোলা, খানাবোড়া ও কর্ণেলগোলার রাস্তা-ওলি এ নিয়ুমের বহিছুভি। মিউনি দিপালিটির দশাকি সর্বত্তিই সমান ?

৩ ৷ মাধ্য বাৰু ভহ বল ঘাটির সকদ্যা (७८ मृख्यिमाण कतिशाद्या। मा व्हेन्दरे वा কেন ? সুতেরেই লয় ! মিছামিছি এক কুনকে क रिम (कमा वस्त्र महत्र मर्ग हरात भव आहत्त এক নম্বরক্সুকরিবার কথা ছিলঃ কি হয় दलाय सूनी।

ঃ। এখানকার বস্বিদ্যালয়ের বেতন बुद्धि विषय क देखिशुर्ति महाभवरक कामादेवाहि क्राज्ञिक रहेल काळ ए। हेरताकी विमालस्थत अ (बटनकृषि इहेश्राटक। इहे क्रिकात श्रांत्रशास >॥• क्रेका e ১॥• ठेकांत्र श्रदिवार्ख इहे हाता are an Brata পরিবর্তে ॥ • हाका प्रदेशाइक वधन अहे दिल्हानय व्राभित क्य त्रथन श्रुक्त স্কোদি লইয়া বিনা বেডনে ছাত্রেরা পড়িঙে

১ টাকা বেডন रहेशाहित। विहूतिन পরে यसन अने एकत र हो ज्ञान (याना रहेन, खराम ১३ আেণীভেং টাকাও বিতীয় আেণীভে এবং নিয় : आশীসকলেতে এক টাকা মাত্র ধ্র। উচ্চত্রেণীর বেত্নদানে ভাহ:ডেই জনেকে অসমর্শ হইয়া বিদ্যালয় ত্যাগ করিয়াছিল। বর্ত भारन मेर्त्ताक (अनीरक २ इहे हे)का काहे कान। ভাষার পরের প্রের প্রেন ইংকা এবং অন্যান; निश्चरळाणीटळ ১॥• इहेब्राटङ। कटळ हेर्नका अधिक समित्रा विन्तानरम् व देस दि इत्. ख:इाटड ष्यामहा समा अहे नहि अदर जानविद्यार छात्। করিতেও হয় কিন্তু মেননীপুর কলিকাভার নিকটবন্তী কোন স্থানের ন্যায় উন্নতিলীল নতে এখানকার অধিবাদিগণ তাদুশ সজ্তিমান্ ও विद्यास्त्राणी महरू व्य व्यक्षिक विच्न इहेटलङ তাহারা বিরত হইবে না। সরকারি কার্য্যোপনকে छित्र कित्र व्हरनेत रायनकत्त व्हे कि अधारन कारहन, विमानारात्र अधिकारम हाजाई उँशिमिरशंद সম্ভান। ভাষাবেরই শিক্ষার দার উদয়টিত থাকি য়া নিয় ও মধ্যবিধ জেণীর সভানদের ভারকভ श्हेरकट्ड । विस्मवकः व्यक्षदवक्रमद्वाभी कर्षणः-द्विशाद्यंत्र क क्यांत्र छ विभमा अधन क्यन, निर्माद्वांत्र সহিত ক্রমে শিক্ষারও দর বৃদ্ধি হইতে চলিল ! इंग्लीय लात्कवा क विषयप्रव श्रान्डवान कविष्ठा कभिष्ठिएक এक स्थादिनन श्रदान कतिष्ठाद्वन ।

 देशत मद्याहे शुलित्वत (इंड क्वानी) ডিশান্ত সংযোগ স্বই নক্ষেত্র স্বপেটির रहेब्राह्मन : कामता अन्तिम क्रुणांतरनेहर्छन्डरक আরও বিশেষ অনুস্কানের অনুরোধকরি। भुन्तिस अस्तक (भोड्सा (सङ्ग्रा (लाक आहरू) किस निर्दर्भ कालका कलद्रावीत हुए हुई।स আমরা অধিকতর প্রখী হইব।

व्योग, निरंशत सक्त, क्वशेटतत मः वीन দাতা লিখিয়াছেন।

এখানে বেলা ৯৮ টার সময়ে সুর্ধাঞ্চ আঃব্র হয়। আকিংশগণ্ড শপ্রেক ভব: থাক।ভে প্রথমে ভালকার मुळे इस नाई। विकास পরিশেষে কিঞ্জিনুনে অঞ্জাব এই যুর্বাদের গগন মার্গে স্পষ্ট ক্রিড হন - পুরের এখানকরি এক অন স্তাযোগ্য স্থোতি বিল পঞ্জিত কৈ আহমের কথালিজাসা ফ্বাডে ডিনি ক্রিয়াছলেন, ও রা ভাষের এছবে সুর্যেরে। কিঞ্ছিদ্ধিক আর্দ্র धान ३३८व ६८५ छेशत वित्वय क्षमांवड (मधा हेश्राकृत्यम्। सर्। कांस्त्रा खबाटकात् मरूतयः। eশ্য করিলাম। এহণকালে গণ্ডক নদীতে সাম করিবার নিমিত্ত ক্রডকগুলি লোক মেলিনী भोकाय (ब्या घाटी पात इरेट्डिश्न, जरे सम्ह g উঠিয়া বলপুর্দাক মাজিকে পার করিটে रक्टलारकेत् छत्त भोकाश्रामि मध्योष তেমজি প্রগমে পাব করিতে জনিক্য করে > কিন্তু কি করে, পুলিষের প্রভাপে হ**ই**য়াজনেডা পাবে যাইতে সম্মত হয়। ধর্মের নৌক'খানি কিনারায় অংসিয়া জ্বল ইয়া গিয়াছে। সে:ভ'লেরে বিষয় এই এক রও প্রাণধানি কয় নাই।

ত ১ল:ভায় কাবণি এখানে স্থচাক বৃশ্চি তোরস্ত হইরাছে। এফাবে ব্র্যাকাল া বোধ ইয়।

গামবা শুনিয়া আফলাদসহকারে প্রকাশ ভিটি এখানকার আদালভগমূহের উর্ক্ গের কর্মচার্গিণের প্রায়্রূপ বেভন হইয়াছে। কিন্তু শক্ষা হইক্ষেত্রে যে উদ্দেশে মেন্ট বেভনর্দ্ধি করিলেন, ভাষ্ণ সফল হয় ি এক জন মাসিক ১০ টাকা বেভানে যখন গ্রহার টাকা উপার্জন করিয়াছেন, তথ্য টাকা বেডনে এফৰে যে ডিনি বিশ হালার । উপাৰ্ক্তন না কৰিলেন কেমন কৰিয়াই বা হয়।পুর্কে আনট আনায় মন উঠিত এক্শে এক টাকার কমে আর কখনই য়োহাড় পাডিবেন না। শিক্ত হৈজি দি ভোমলাব পদে নিয়োজিত না করিলে এ मृत इकेटन नाः भव्यःकत्रभुत्त द्विकिश्म অভাবনিবকান মধ্যে মধ্যে ছোর বিপদে তে হয়৷ আমারা গ্রহমেক্তিক আছেরোধ এখানকার সব এসিষ্টাত সাক্তনকৈ স্থানা द दहनी कड़न अदः এचारन अकस्पन য়াগ্য সৰ **এনিষ্টাকী** সাজ্জন প্ৰেরণ করিয়া মাদিগোর শব্ধ। দূর করুন।

প্রেরিত

ান্যবর এীযুক্ত দোমপ্রকাশ্যস্পাদক মহাশয় সমীপেয়।

शंक व्यायोज मारमद क्षणश्चावरन काश्वायाम ূমার **অভ**ংগাতী শত শত আমের প্র**লা**গ েষ্পুপ ছুর্বস্থা ঘটিরাছিল, ভাষ্য মহাশয় শেষরপে বিশিক আছেন। প্রজাগণের শেই ণ প্রকার ছ্রবস্থা দেখিয়া স্থানীয় ডেপুটী মাজি ট বাৰু ল্ৰাৰচজ্ৰ মিত্ৰ মহাশয় কতকগুলি য়েনর হডে।জন প্রসংগ্রহণ আলোর ভার পৃহ পুননি আহি। र्श्यक्षा कथाः भारत्राक्षाः करिया एकन्। व्यापता র এামেও মাসাব্ধি ভাষণ করেয়া ভাষ্টের

দার পুলিধের মহাপুরুষের। স্বাক্ষবে ঐ হিঃখ বিক্সাচনের উপায় ভাবিভেছেন।ইডি মদেঃ ২৬ এ আবিণ হইডে আলতা ১০ দিবন মুসলধারায় র্কি হইয়া শিলাবভী ভারকে-শ্বর, কংসাবতী ও দামোদরের অল প্রচণ্ড বেগে প্রবহমান হইয়া পুনর্কার এখানকার প্রজাবর্গের (ঘরূপ ছুরবত্বা ঘটাইয়াছে, ভাষা ব্যক্ত করা ছুক্র। একে ও গত আবাত মাসের জলপ্লাবনে বেসমস্ত গৃহ ভগু ইইয়াছে, আনেকেই আন্যাপি ভাষা পুননিন্দাণ করিতে পারে নাই ভাষাতে আমাবার হডভাগা প্রভার। প্রিভাম স্কোতে জাউস ও হৈম.স্তিক ধান্য রে:পণ করিয়া জীবিক। সংস্থানেঃ এবং আপাততঃ আউস্ধানঃ ক্ষেত্ৰৰ কৰিয়া সংসাবনিকাহ ও কডক গানা বিক্রয় করিয়া জমীদারের খাজনা দিবার যে অংশাক্রিবাছল, আহাবণের ভয়ানক ব্রায় ভাষাদের যে সকল আশা উচ্ছিন করিয়াছে আৰু এনত বীক্ষণান্য নাই যে, পুনৰ্কাৰ জনীতে রোপন করে, অসময়ে রোপন করিলেও জাব পানা হইবার সঞ্চিনা নাই। ইফুও হরিডারও যথেষ্ট ক্ষতি হইয়াছে। গত বন্ধায় যেসকল গৃহ কথঞ্চিং দণ্ডায়মান ছিল, তাহাও আবিশের বর্ণায় সম্পূর্ণরূপ ভগ হইয়াছে। সম্পাদক মহা শয়! যাহার৷ কুষিকার্য; অনলয়ন করিয়া দ্মিশাত করিয়া থাকেন, এ বংসর ভাষাদের কি গতি হইবে ! কি উপায়েই বা ভাহারা জনী भारतत चाक्रमः ज्यानाम् भिरवः कवारवत वस्त গত বন্যা অপেক্ষা সুনে নছে। সমভাবই বলিতে रुहेरव , फरव विरुग्ध अहे, : श्रुर्क **कल**क्षावरन যেরপে বছ্সংখ্যের ও মনুষ্টের বিনাশের কথা শুনা গিয়াছিল, এ বার সেরপ শুনিতে পাওয়া যায় নাই। ঘাটাল ও চক্রকোণা বানার পুলিষ ইনস্পেটর বাবু শীতলপ্রসাদ মিতা মহাশয় এবার বন্যার সময় প্রকাগণের অনেক কণ্ঠ নিবা বৰ করিয়াছেন। শীতল বাবুর কৌশলেই অংনেকে জলমজ্জনরূপ বিপদ হইতে পরিতাণ পাইয়াছেন। ভুয়োভুয়ঃ এরূপ বিপদ্ উপস্থিত इहेरल श्रक्षांगन किक्स्प वीरह ? गवर्गसन्हे উত্তমরূপ বন্দোবস্ত করিয়া নদীসকলের সেডু নিশ্মাণ করন। শিলাবভী নণীর পরিসর অভি অল, এই কারণেই জল সেডু অভিক্রম করিয়া বাঁধ ভগ হইয়া দেশ ভাসিয়া যায়। ঘাটালের দক্ষিণ নিমণ্ডা হটতে শিলাবতী নদীর শাখা নিশ্মাণ করিয়া রূপনারায়ণের সভিত যোগ করিয়া দিন, তাহা হইলে জল অক্লেশে নিগত দিয়া তদীয় প্রভৃতিকর পরা কাঠা এদর্শন इ**इर्स । हेहा कदिला क्ष**कांगन अक्रम करहे পড়িবে না। গ্ৰথমেন্ট কাৰ্যদক্ষ ওভারসিয়ৰ

নিযুক্ত করুন। এমত বিপদের সময় খাটালে क्रीकृति है। कृत जानारम्य कारम्य स्ट्रेम्सार्छ। প্রজারা আহার নিজা পরিত্যাগ করিয়া এক প্রকার সমুদ্রের মধ্যে বাস করিতেছে। চৌকী मारतता इंशामित कि कहिरव ? अभक नमरत भवर्ग মেন্ট দরিদ্র প্রজাব প্রতি কুপাদৃষ্টি করিয়া আপা ভভঃ কিছু 🐠 নের জানঃ ইহাদের সাক্স মাপ করুন। ঘাটাল হইতে যে রাজপথী চক্রকেলিং পর্যান্ত বিষয়াছে, ঐ পথে টোকদেটে প্রসা আনায় হয় ৷ পথটী যেরপে কদর্য ভয়কার মূর্তি ধারণ কাংয়াছে, ভাছার কথা কি বলিব। প্রভাষ দশ প্রবৃটী ক্রিয়া গরুর পা ভাঙ্গিয়া যায়: অনেক মনুনাকেও পাডিত ংইতে হয় এব পায়েও আঘাত লাগে। রাস্তার ত অবস্থা এই কিন্তু টোলগেটে পয়স। আদায়ের বিলক্ষণ কড় কড়ি। গ্ৰণ্মেন্ট আন্তো পথসকে ইষ্টকনিৰ্দ্মি করন পশ্চাং পয়সা আলায় করিলে ভা দেখাইবে :

একাস্তাসুগত। **६ हे छा** म ত্ৰীশ: । 339¢ 1 -- 202-

মহাশয় ! গত ১৮ ই আগষ্ট মললবার বেট অসুমান ৬৪০ সংড়ে ছয় ঘটিকার সময় দাং দ্দার নিকটফ কাপাশ ঢাল। আনে এক শোচনীয় ব্যাপার কইরা গিরাছে। কাপাস लात अभिम्मितिक किता शिल्यामक अवशे व খাল আছে। তথায় চতুদ্ধবর্ষবয়ক্ষ এ কায়স্থালক মংসা ধরিতে পমন করিয়াছিল অক্সমাৎ মুগী রোগাক্রান্ত হইরা কলন্ম ग्राटक श्राव विगर्जन कतिवादह ।

∓াপাসডাক -{ 🖹 श्राः विः ! ২১ এ আগছী

---:•:---किन्नम्बिन क्रेन त्रामश्रकात्नत श्रितिङ শুক্তে আমাদিগের বাসগ্রাম জিলা হাব অন্তর্গত গড় ভবানীপুর ও ভনিকটবতী বাসীদিগের ভাকধরের অভাবনিবন্ধন ক বিষয় প্রকাশিত হইয়াছিল। বোগ হয়, ত ঠেই পোষ্টমাষ্টার জেনরল সাংহ্র মহোদর ভার পোষ্টমাষ্টার বাবুকে উক্ত গ্রামট ভা স্থাপনের উপযুক্ত স্থান কি না ভাহার অসুস ক্রিয়া ভাষার রিপোট ক্রিডে আদেশ করে পোষ্টমাষ্টার বাবু এমনি কার্যাদ দ যে ব আপনকার্য্যালয়ে বসিষাই রিপোট লি (इन । **जिनि वर्शन (य जे कार्य अक्**षीयाज লোকের বাস আছে এবং ভদ্র অধিবাদীর

মানা ৰুংংপতিই লাভ করিয়াছেন! যে[া] ভজনাবাধিত হইয়াক্রনন করিভেছিল। ন হাদশ ক্রোশ দুরে থাকিরাও এথানকার । স্বিলেষ জানিতে পার্লেন। পোষ্ট ার মহালয়কে জিজ্ঞাসা করি যদি এই আমে ইহার পাশ্ববন্তী আমসমূহে অনেক ভার কর বাসই নাই ভবে জ ভাঁহার 🗫 এখান इरताब्रि विकासार्थ भवर्गस्य नार्थायः कामान वरेतारक। अकिलान विकालतात्र मधु ডিপুটা ইনশ্পেটর জীযুক্ত পণ্ডিত মাধ্ৰচজ্ঞ ংদ মহাশুদ্ধের নেত্রছম্বের কি ভিন্ন প্রকার ন শক্তি ? না গ্ৰৰ্থমেণ্টের ক্ষতি করাই व क्षीयस्त्र अक्षा**ज উদ্দেশ্য** ?

একণে পোষ্টমাষ্টার জেনারল সাহেব মধো র নিকট আমাদিগের প্রার্থনা এই, যদি আমা লর চীংকারে উভার হৃদয়ে দয়ার সঞ্চারই া থাকে, তবে এখন একটা লোকের প্রান্ত এ য়ের ভার দিন যে, তিনি **খচকে এই** গ্রাম**টী** ধ্যা রিপে:ট করিবেন। অথবা শিকাবিভ:গ ত ডিপুটী ইনস্পেটর মহাশয়ের প্রনর্ত পটে আনাইয়া দেখিলেই আমাদিগের করে যাথার্থ সপ্রমাণ ক্টবে। পোইমাইর জেন यभि हेश्त कानाकत छेशात्र करमधन कतिएक ন্দু হন, আপাওতঃ কছু| দনের নিমিত্ত একটা

৬ ই ভান) ১২৭৫ সাল } গড় ভবানীপুর বিবাসিন্য—

ৰুখ্য স্থাপন করিয়া দেখুন, যদি গ্ৰৰ্থমষ্টের

ভ হয়, উঠ।ইয়া দিবেন।

) গভর্জনীতে আমি নিস্তিত **অবস্থা**য় ছি, অকস্মাৎ রাজি প্রায় ডিন ঘটিকার সময় রেবর্তী মহিলাগণের ক্রন্দনখানি ও পুরুষের ালাংল আমাকে জাগরিও করিল। তখন দার আহার কুয়েক জ্ঞানের সহিত ছাবে আংটো পুর্মক কোলাহলপুর্ব বাদীর প্রতি চুক্টি রতে লাগিলাম। একটা জীলোককে অংপ াকুড উচ্চৈম্বরে ক্রন্দন করিতে শুনিয়া, সেই দীর এক জনকে জিফাসা করাতে অবগত লোম যে, চারিজন ভক্ষর ভাছাদিগের বাটী বেশপুর্মক একটা কুঠরির ছার খুলিয়া ঘুধ্যে সাইবার চেষ্টা করে। সেই ঘরে খাঁহারা ল, ভাহারা মারোণ্ঘাটনের শব্দে তাপরিত हेन्रा अवः व्यारमा व्यामित्रा वाहित्र व्यमिन। স্করেরা পলাইরা বাটীর পশ্চভোগে গেল এবং পা হইতে দিল ছুড়িতে আরম্ভ করিল। একটা

भिक नाहै। महाभग्ना हैनि ख्यां जित्य कि। हिन अक व्यन विश्वा तमगीत मूर्य मानिन नि

र । २৮ व्यावनाविध कश्वमिन अमिटक कात्रि বৃষ্টি হয় ঠকিন্ত ৩২ আবেশ রাজির যোরভর वर्षात्र कृष्णनगत करन श्राप्त श्रावि ड र्हेब्राहिन। ইংরাজ টোলার গুটীকডক রাজ্যাভিন্ন প্রায় লমুলার রাস্তা অলে নিমগ্র ইয়াছিল। কড শত ষর প্রতিত কইয়াছে, আউদ এবং আমন ধান্যও नष्टे स्टेश शिहारह । माखिरकें हे दन मारहर कन वास्त्र अतिवात अना अरमक (5है। कतिहाडि-्तिम कछक कुछकार्यः ७ इहेशाइन । कना हो स একাশিও হইয়াছে । বাবু ভারকানাথ সরকার প্রভৃতি কয়েক জন ওভারসীয়ার এবং মালি ট্রেট বেল সাহেব র্ফিডে ভিজিয়াও জল বাহির कतिएक मिह्न इस माहे। डाँहानिश्रक व्यायता धनावाम निरुक्ति। अञ्चल वृष्टि कथन मिथा याद्र मारे। अन अकारेबा बारेल अकडी मज़ क रहेवाद मुख्यादमा ।

হাট গোরাড়ী

महास्त्रा प्रात्क (तार्थत प्रात्क उवध আছে, কিন্তু সর্পদংশনের ও ওলাউঠ। রোগের काल अवश पृष्टे इम्र ना नमरत्र नमरम क क धका त মুতন মুক্তন ঔষধ উঠিতেছে, কত ঘাইতেছে তাহার পরিসীমা নাই। ভাল ভাল ইংরাজী ্চকিৎসক্ষাণ্ড এমত উষধ নাই যে উক্ত রোগে এक এक बाद बाबका ना कतियाद्यन । किन्न बन র্যাপ্ত কোন ঐষধ প্রকৃতদ্ধণে স্থিন করিতে পারে न नाइ। जन्नातक भग्ना । वक् भन्नत्व विवय বলিতে ২ইবে যে আপনকার শুক্ত ১৭ ই আগ্র ষ্টের সোমপ্রকাশে এক জন কবিবাজ বছ যয় ও পরিশ্রম সহকারে সর্ক্ষাধারণের হিডার্থ কডক গুলি সর্পদংশনের মুক্তন উবধ প্রেরিক্ত পরে প্রকাশ করিয়াছেন। তাহা দেখিয়া আমরা यात्रे शत्र नाइ मञ्जूषे इट्लामः किन्त जैवध्छलि मर्लार्शनत्त्र यथार्थ अयथ कि ना भरीका विना বলিতে পারিলাম না। কবিরাজ মহাশন্ন লিখি ब्राट्डन " भूच अ नामा स्ट्रेट क्य वा कर्व स्ट्रेट মলা বাহির করিয়া বাম হজ্যের অনামিকা व्यक्ति द्वादा कछक्रात लियन कतिल विरुद् विषय थाटक ना। अञ्चल वामहर छत्र अनामिका অজু নির উল্লেখ করিবার ভাৎ পর্য কি ? কবি-द्राक्त भहानपूरक किकारी ना कतिया काल शांकि (७ शांत्रिमाम ना॥ यपि वामश्रास्त्र प्यनामिका अह नि ना दिया प्रक्रिश राख्य जना मिका ज्या

অন্য অনু লি হারা কত স্থানে ঔবধ লেপন इय, छाहा इहेटन कि विटयत विवय नष्टे इहेटव

(यनकन आदम वनल (वादन शक मतिदय त्म मकन बारमत श्रमानगरक व्यवस्थारम र द्वोत्रश्रस्य गढ़ नहेवा याहेवात निरुष्य नत **হইতে হইয়াছে। এটি যুক্তি**সিদ্ধ কা**জ** ग्राटह ।

২- এ আগই } আহক

পাঠকগণ ! আপনার৷ নানা স্থানের অবি ও অনঃবৃত্তির সংবাদ সোমপ্রকাশে পাঠ ক थाटकन, कामा कामादमय दम्मावित ह्या वस्त व পাঠ করুন। এ গ্রামটির নাম জনাই। এটি প্রধান পলীতাম। বোধকরি আবাপনারা কেই ইহ'র নাম শুনিয়া থাকিবেন। এ অফু,ন পাঁচ ছয় শত ঘর লোকের বাস। (बहु मृश्या) व्यक्तिकः डाइएवत् मृश्या व्यक्ति শই কুলীন ; কায়স্থ প্রায় নাই। ডেলি প্রভৃতি নবশাক বি'র। আছে। অনেক বড় মাতুৰ আছেন। ভাছার মধ্যে ডি श्राम वड़ माञ्च । हेर् 🔄 अभिनात । अर्थान क्षस्किर्ण (नोक क्षानः,व। कृष्टकः। म অতি অনু। অবশিষ্ঠ গ্রহারতীয় লোক स्त्री वी । आमिटित शक्त विश्व व्यवस्था द क्ट्रेट्ट । अक्षि हेश्टर^{ूर} छ क्रकी दक्कि এবং একটি পুস্তকালয় আছে। সম্প্রতি একটি পোষ্ঠ আফিগ ইইয়াছে। একড এসিভেট সারজন আসিয়াছেন। একটি ব कारका शालकात मूभिषामा, महता हा প্রভৃতির দোকান অনেক আছে। জনে প্রকাশ্য ও অপ্রকাশ্য পথ আছে। ও ছাট্যাত্র ইষ্টকনিন্মিড: এই প্রামটি ভ স্ময়ে সামান্য সংক্রের ন্যায় বোধ হয়; वर्षाकारन अप्टिंक नद्रक चिंगान (दोष অনুডুক্তি হয়না। এই বৰ্ষে দেশটির इर्फ्न विषिग्नादक, काश्त विषग्न किकू प হউন। গত ২৫এ টিলার্গ শুক্রবার অবধি দিক্রমে প্রর দিবস সৃষ্টি হওয়াতে দেশা প্রকার জলপ্লাবিত হইয়া চল। লে'কের त्रीम। ছিল না। উঃशास्त्र व्यथरताना खि ও ছুরুবস্থা হইয়াছিল। পরিশেষে কিছু ধ্রণ করাতে উাহারা আপন আপন ! সংশোধনের উপায় চেষ্টা করিতেছি किन प्रकाशकारम ८६ व्यावन मक्रमव অবিশ্রামে মুবলধারে অষ্টাহ বারিবর্ষণ হ श्रुक्तारशका व्यविक्छत्रवर्ग क्रमणि মাছে 1 লোকের গভিবিধি বন্ধ ইইয়াছিল। 🛱 কি গৃহ হটতে গৃহাত্তরে এবং এক বাটী েতেজন;বাটী যাওয়ং অংগাধ; প্রায় ≢য়। ধিকাংশ গৃহত্ত্র বাটার ভিডর জল কমিয়া ল। কোন পথে ভিনহাত কোথাও চারি হাড পিয়ে বা ডভোগিক এল সঞ্চিত হয়৷ অংশা লি সাগরাকার হইয়াছে , অধিক কি বে দিগে উপাত বরা য'য়, কেবল জালই দেখিতে ওয়া যায় : অল্যান ভিন্ন গমনাগমনের পায়নাই। লোকের ক্ষতির **ও ক্রেশের অ**থবধি ই। অনেকের গৃহ ও প্রাচীরাদি পতিত হইয়া য়:৮ে। গহাভাবে অনেককে অনোর বাচীতে প্রেয় লইতে হইয়াছে। তাহাদের কষ্ট দেখিয়া ি বিধাদসাগরে নিম্মাহয়। একটি বিশেষ চিনীয় ঘটনা হইয়াজে। এক ঘর বৈঞ্বের ীতে ভিনজন বিদেশীয় লোক অনিয়া প্রায় লয়। ভারারা এক দিবস রজনীতে দেয়া ।পাপড়ে। প্রতিবাসীরা অনেক পরিতাম কার করিয়া ভাহাদিগকে উদ্ধার করিয়াছে। ক্তের পদ ভগ হয়, তাহার জীবন সংশয়; कारनत वकःश्वरस काघाष स्तरता अककारनः শরীরে আঘাত লাগিয়াছে। ভাচারা সকলেই न ও वाँ हिया कारह, भरत कि इस वला यास नाः া ২উক, সম্পাদক মহ:শয়া এবৎসয়ের গতিক চুরুঝিতে পারিতেছিনা। কিছুদিবস পুর্বো ধানে একটি উল্কাপাত হইয়া গিয়াছে। এবং বিশেষ ছর্কাৎসর, কৃষিকার্ষ্যের সম্পূর্ণ ব্যাছাত কদিলের আনাভরদা একে ব'রে ভাদিয়া য়াছে।দেশে ইভিমধোই হাহাকার রব উঠি ছ।সম্পাদক মহাশয়। ডিঞিক মাজিটেট এপিডেমিক এবং সেনিটারি কমিসমর মহো বুরা এখন কি করিভেচেন ? উাহাদিগকে হর বাহির হইয়। এক বার চারি দিকে চাহিয়া ধতে বলুন নাঃ সহজেই এখন এপিডেমি র কারণ স্থির করিতে পারিবেন। এখন ট্রে হর হওয়ার পরিজ্ঞাম ও বর্য় স্বল্ল হইডে পারে ভূ খেড়োর আবেশ্যকতানাই। মরের ছ'বে কায় চাপুন, এখনি সমুদ্র বলদেশ কলে ল ভ্রমণ করিছে পারিবে**ন** ।

ভাব ১৯ অ'গ্রন্থ সন্তর্ভন সংশো } ত্রির। জনাই

সহাশর : ভার রক্ষা নাই ! গত ২৫এ জৈছি বি ৫ই অংশাদন্যাপী অভি বৃথিতে বিল বাট সকল সমাম ও তংপরে কেলেবাই ভি নদীয়ালন একেবারে দেশকে প্লাবিত

कतिता दाचिता इन । यनि छ दिलानत अकिन-কিউটিভ ইঞ্নিরর উক্ত ন্দীর হানাসকল কডক পরিষাণে বন্ধ করিঞ্জিলেন, ভথাপি আহো নামমাত্র হইয়াছিল এবং মাঠের জলও ভদবস্থায় ছিল। পুনরায় 💐 এ আবণের **অ**ডিবৃট্টিতে কেনেযাইর জল শ[া]টিত হইয়া সেই नकन कर्कतक होनारयारत श्रादन कतिया श्रृष्ट বৎ দেশকে প্লাবিভ করিয়াছে। মৌকাভিন্ন বার্টা ইইডে এক পদও অপ্রসর ইইবার যো নাই পত বাবেই অনেক গৃহ ভূমসাং হইয়াছিল। ्य छ नि काल लागिसी छ भए इनाई अवर (य छ नित पिछ्याल विश्वि शिक्षा कृत, छाहा अवाद्य कल-সাং ঃইয়াছে। লে'কে বছ আন্মাসস্থিকত গৃহ সামগ্রী ও পরিবারবর্গ লইয়া কোথায় গিয়াযে আ আয় এংগ করে, ভাষার উপায় নাই। উচ্চ ন চ প্রায় সকল ভূমি**ণ ওই জলে নিমগু ইইয়া**রছি যাছে। প্রতিবেশীর বাটীতে যাইতে হইলে সম্ভরণ কথবা ডোজা ভির**গ**ভি নাই। অনেকের ্ঘটে ত অনুনাই। যদিও কেই কেই আনেক কছে কিছ কিছুধান্যরক। করিয়া বীচিবার উপায় করিয়াছে, ভাহারা আবার ভরিতরকারি এবং লবৰ নাপাইয়া শুহু ভাত খাইয়া দিন যাপন করিতেছে। তৈল ভামাকের ভ কথাই माहे। शलीबामवात्रीमिर्गत वित्वयकः कृषक-গণের গরুই একমাত্র জীবনোপার বলিলে অভুঞ্জি হয় না। ভাছার অধিকংশেই গভ বারে হ'ত হইয়াজে, অবশিষ্ঠ যাহা আছে, ভাহাও এব'বে আহারাভাবে মরিতে বসিয়াছে। এক গাড়ী তুণ বা এক আনটি খড় পাওয়া ছকা হইয়াছে। আবার ভীষণদংষ্ট্রক্রকল গোও মনুষ্টেশাণিডের আতাদ পাইয়া আপন আপন নৃশ°সর্ভি চরিতার্থ করিবার জন্য श्रात श्राप्त करलाश्रति विष्ठतन कतिया (व्याहे ফেছে। ধান,কেত্রে কোধাও ৫ কোধাও বা ৭ দাত হ'ত অল আপন আপন হিলোল ও বেগ বিস্তার করিভেচে। যাধা ছউক একণে এদে শের লোকরকার উপায় কি ? ধানা ত নিরাছে। এখন প্রাণ লইয়া টান। টানি। এদেশ ক্ষম ক্রম্র অমীদারী ও ভালুকদারিতে বিভন্ত তরিবন্ধন এদেৰের কোন উন্নতিই নাই। আবার ঝড় e इक्टिंक अवर श्रमः श्रमः श्रावतम खमीमादत्राञ निःच रहेन्ना शांक्याद्वन । श्रक्षानिरशत्र माहायः क्त्री मूद्र थाकूक, अवाद्रुत डीशामिश्रदक वा আভ্ডার ভাত খাইতে হয়। কয়েকটা পরগণা अस्त (यक्तप क्वित्रा आहर, देशिनित्रद्वता हुत्त्र ধাকুন, বরং দেবতা আরিছেনও ভাষার আর

কোন প্রতীকার হইবে না ৷ সেই মায় স্থা रहेल जात यन अकाहरव मा। सन निर्दे **गतिक्** छ ७ शत्त्राव्यतागरवाती गर्भे सा ভেই এড অনিষ্ঠ ঘটিভেছে। অনাথবকু বান্রাট্েলাহেৰ কাঞ্জিবিজনে না খা रिकली प्रकालत (मार्कित धन बाब কটিন ছইয়া উটিত। ভিনি আপন সাম জন্য অতিরিক্ত ছুই জন ডেপুটি কালেটর ইয়াছেন। চাউল ও ধান্য এবং টাকা সা উপযুক্ত পাত্রে দিয়া প্লাবনাক্রান্তদের প্রা করিভেছেন। ধানে;র রপ্তানি বন্ধ করিয়া। (इस । अवर काम ऋारम का**उ**ल कि श ইতরবিশেষ দেখিলে তৎক্ষণাৎ ভাষার কান করেন। শুনিলাম উাহার সহিত ও কমিগনরের এ বিষয়ের লেখা চলিতেছে। হিজলির জন্য তিনি আহার ভ্যাগ করিয়াছেন। যদিও ভিনি বিবিশ্ব উ এপর্যাস্ত এ প্রদেশের রক্ষা করিয়া আসিতে কিন্ত:বাধ হয় এবারে হডাশ হইয়া পাড় অকুডির পুন: পুন: বিভ্রনা হইলে ড কাহারও হাত নাই। যাহা হউক আনেরা ওঁ व्यमतमी देख≲পूर उद्यनागुर्धा ও ভূঞা অবস্থা এক বার দেখিতে অনুরোধ করিং তিনি দেখিতে পাইবেন কাঁপি অপে: অঞ্লো অবস্থা এত মদ যে, দেখিলে চ্ছু অল পড়িতে থাকে। একণে এই এম হয় যে, এপ্রদেশের প্রজারকার উপায় খাজানা দেওয়া দুরে থাকুক, প্রজারা ও বাঁচিলে অংশীদারদিগের সৌভাগা ব হইবে। আর ভারী ছর্ভিক নিবারণের উপায় কি ় জলামুঠাভিয় অনরশীর চিরবন্দোবস্তী পরগণায় গবর্ণমেন্ট ও কড়া हो इंदन ना, छ हिए। जमीनात उ शका ধীন হইয়া পড়িতেছে। এ বিষয়ে ম হার্শেল সাহেবের ন্যায় বর্তমান জেলার উরের ভাদুশ মনোযোগ দেখিভেছি না।

বাল্যগোবিষ্ণপুর ব্রহ্মগড ৪ ঠা ভার ব্রহ্মগড বেছাগ রাগে কোন ক্লুর বালী, विमन्नभूर्सक निद्यमम्पाउए। मन्त्राज গলডালা নিৰাসী জীবুক বাবু রাখালদাস ত জেড়োদীকো হালদাকিল রামবা-া নিৰাসী জীবুজ বাৰু প্ৰাণ্ক্ৰণ মু:খা য়ার মহাশর দিগের মধ্যে বেহাগ উবরা-কোন হুর বানী, মুর্থাং প্রধান হুর এই াবে, বিবাদ উপস্থিত হয়। তাহাতে 🕫 ত্র भोकात अमूर्याशाधात यातू नियामरक ন স্থর বলিয়া তর্ক বিতর্ক 'ক:রম ; কিন্তু ৰ মীমাংসানাহ লোভে ভাঁহারা উভ-সঙ্গীতবিদ্যাবিশারদ জীবুক ক্ষেত্রগো

গোস্থামী, শ্রীবুক বাবু শৌরীস্রনোহন ৰেও সঙ্গীতবিদ্যাব্যবদাসী 🗐 ুক্ত ছোয়া াসাদ দীচ্ছিৎ মহাশয়দিগকে শালিসী জ করিতে আমিংকে অনুরোধ করেন। েউজ মহোদয়গণস্মীপে প্রস্তাবের ংসার্থ নিবেদন করাজে ভাঁধারা বছবিধ নিসংক্ত সজীতশাস্ত ইইতে নানা ণ `ফৃত করিয়া মীমাংসাপতা স্বাকরিত াছেন। ভাহাতে বেহাগ উপরাগের অর্থাৎ প্রধান হর গাধার কিছান্ত াসজীত প্রিয় সর্কাসাধারণের গোচর: ও উক্ত মীমাংসাপত মহাশ্রের নিকট ণ করিতেদি, অবস্থাবপূর্বাক তাহা নকার দেশবিখাত পত্রিকাতে এচার ল চির্বাধিত হউব।

121

ৰিভাস্তামুগত। কাতা) নিতাস্তাস্থাত। ভাজ } শীরাকেজনাথ বন্দ্যোপাধ্যয়। সাং বাগৰাজার।

বেদাঃ প্রমাণং ক তরঃ প্রমাণং ৰ্মাৰ্থযুক্তং বচৰং প্ৰমাণং। স্য প্ৰমাণ ন ক্তবেং প্ৰমাণং खना क्र्याच्हिन १ क्ष्मां ११ । » ইতি মহাভা:তং। পা। বেহাপ রাগে কোন হুর বাদী? ত্তর্ পক্পাতশুন্য হইয়, লিখিতে গ্রাকার হারকেই বেহাগ উপরাগের বাদী কুর বলিতে হইবে। কারণ চলাক্তে লিখিত আছে বাদী, সংবাদী

দী, বিষাদী চেতি ৷ मिवस्तमासामी म शाम धालिशामकः। না সহ সংবাদাৎ সংবাদী মঞ্জিতুল্যকঃ। कगाम्यम्भानम्यामी ह क्ञार्र ।

ख्था विवास दिवासी देवत्रिवद्धावर : गे गे रूप्त मा, श्राधाना थाकिएड शास्त्र राज्य অসার্থঃ ্রে হর অনান্য হর অপেকা কোন রাগে এখান অর্থাং আনিবৎ আবশ্যক ভাহার নাম বাদী রাগে মন্ত্রিবং বে স্থর ব্যবহার হয়, ভাহার নাম সম্পাদী সহাদী . পরে অবশিষ্ঠ বে ,হুর সচরাচর হর ভাহার নাম অসুবাদী, রাগভাইকর সুরের নঃম বিবাী। এসিয়াটিক, রিসার্চস ভৃতীয় বালমে দর উইলিয়ম জোদা সংহেব হিন্দু দক্ষীতবিষয়ক প্রতাব বাহা দোমেশ্বর প্রণীত রাগবিটোধ এবং অব্যান্য হইতে সঙ্কলন করিয়া প্রণয়ন করিয়াছেন, ভাহাতেও বাদী বিবাদীর বিষয় উপরি লিবিত সংকৃত গ্রোকার্থের পোষকতা দেখিতে পাএয়া বার। সহীত র্ব্লাকর নামক গ্ৰন্থে লেখা আছে।

রাগানে স্থাপিতোযন্ত স এইসরউচনতে ন্যাসপরতা বিজেন্যায়তা বাগদমাপক:। বছলংশঃ প্রয়োগেয় স অংশবরউচতে। ়জন্যার্থঃ ৷ কোন রাগারভ্তে থে তুর

ব্যবহার হা তাহার নাম গ্রহ**ারা**গের বিশামক যে সূর তাহায় নাম না:স, আরিবে হুর কোন রাগের নধ্যে বছল প্ররোগ হয় তাহার নাম অংশ। এগিয়াটীক রিসাচে স নবম বালমে জে, ভি. প্যাটরমন সাহেৰ হিন্দুনক্ষীভবিষয়ক যে প্ৰস্তাব লি য়াছেন তাহাতে গ্রহ ইত্যাদি সম্বন্ধীয় উপরি লিখিত সংকৃত লোকার্থর বিশেষ সম্ভা দেখা বায়। (১) প্যাটর্যন্ সাহেবের शकारव वामी अवर अ'म अहे हे छत्र मकहे একার্থবোধক বলিয়া প্রতিপন্ন হয়। পূর্বে লিখিত হইয়াছে, রন্নাবলীর মতে রাগের মধ্যে যে হার স্বামী অর্থাৎ প্রধান বলিয়া গণ্য ভাছাকেই বাদী ৰলে এবং রত্না করকর্জার মতে যে হুর রাগমধ্যে বহ ध्येट शि इम्र व्यर्थी ९ (व स्थ्त नर्खनी वावस्र उ হয় ভাহার নাম্ খংশ; হতরাং যে হরের প্রাধান্য আন্তেন্টেই কর্ই ্বছ আন্রোগ व्यर्थाः नर्ममा बावशात्र क्या केव्या । वह **क्षरताभ ना इहेरण क्लाम खुत ध्येशन व्यक्त**श्

()) बना नक्क बाह्तार वामारताना সূপোন্তম। ইকি সদীতনারায়ণে।

হুরের বছপ্রেরেগ হইয়া থাকে। াগিণী কেদারী এবং মালকোশ রাগ ष्टरप्रटब्हे मधाम मृद्यत अधाना अयुक রাগরাগিনীতে মধ্যম সুরের বছঙা হইয়া থাকে : মধ্যমের বহু প্ররোগ হইলে কেদারী অথবা মালকে শ ইত্য ৰূপ সংখ্যালন করা কঠিন এই কারণ ব सधानत्क अरिक्षिती दकलाती अ मानदकांन ইত্যাদির কানী অথবা কান (১ ! ব বিজ্ঞেরা ব্যবহার করেন। ভালা **হাইলে** প त्रमन मार्ट्यत अञ्चलार वानी अवर ४ এই উভয় শক্ষ এক বলিয়া প্রতিপন্ন আমরাও অংগাজ্ঞান করি না !

একণে গ্রন্থত প্রস্তাব আমাদের ও কর্ত্তব্য, ে ্রগ উপরাগে কোন হুর এ অর্পাৎ বেড়াগ কোন হারের বছল এটা হয়। বেছার উপরাগ আলাপ করিন্তে প্র পান্ধারের যাত বাবহার নিয়াদের তেভ হার ন:ই।২নি কেহ বলেন, গান্ধার অংগ নিহাদের ব্রহার অধিক, তারে সভ্কর এথমতঃ নিধাদের স্তঃসিদ্ধত্ব বেহ वक क्रिक (प्रथा योग्न ना, यथन नियार প্রয়োজন ২ধ তথনই যদ্জযোগে ও ব্যবহার হইয়া থাকে। যে স্থরের স্বা আছে অর্থাৎ বাদী ত্র দে অন্য স্থ সাহাযো কি প্রকাশ পায় ? কখনই নহে . गर्मनार्टे अट्यामक।

ছিতীয়তঃ সুপ্রসিদ্ধ সঙ্গীতাগাপক कत 🗸 वाङ्गी अभाग [७ छा मकीत] नि আমাদের বেহাগ উপরাগের ক্র যেৰপ শিকা এবং ভজ্জোঠ মহামহোপাধ সঞ্চীত্রিৎ প্রীযুক্ত সারদাসহায় ওস্থা মহাশয়কে ও অব্পরাপর সঞ্চীতবিদ্যাবি রুদু মহাশয়দিগকে বেহাগ বাজাইতে প্রকার দেখা যায় তাহাতে স্পষ্ট লবি হয়, বেখাগের প্রণম অরিন্ত যড়জবে নিয়াদ অথবা শুক্ক নিয়াদ হইতে হ খ,কে। নিষাদ হইতে বেহাগের আরিস্ত ব পূৰ্ব্বলিখিত সঙ্গতিপ্ৰস্থমতে নিবাদকে এই

()) अन्म इति धनानदार जार्नाक कतः चत्रा । हेकि लारमचतः ।

কর্ত্তব্য, যেহেতু রত্নাকরকর্তা বলেন। ানে স্থাপিতোমস্ত্র সাহস্বর উচ্চতে। দ্যার্থঃ রাগের আদিতে যে **স্থরের ব্যব**ং চয় তাহার নাম এ**চস্বর, প্রহ্সর** এবং ষর এই উভয় একার্শগ্রতিপাদক নহে, সর এবং অ শস্তর এক বলিয়া শাস্ত্রকা প্রতিপন্ন করিয়াছেন, তবে নিয়াদের কোথায় ? বলি কেত নিষাদের প্রতত্ত্ব ম∷র বাদি**কপেই** স∘্য করেন, ভবে ছ্যুক্ত বৃক্তিছার। বেহাগের এছবর টী ভাষা প্রতিপন্ন করুন।

ীয়তঃ স্থাসিক সঙ্গীত প্রস্কার ভরত খন্যান্য সঞ্চীতকর্তার রাগের লকণ ণে ক*ি*য়া**ছেন, যে** স্ব**িবিশেষ ছারা** দর চিত্রঞ্ন হয় তাহাকেই রাগ কহে। ঃ কার্য্যেডেও দেখ**া বাইতেছে, রাগা** মইতা হওয়াই মূল উদ্দেশ্য। সামান্তঃ অথবা সেতার যন্তে কোন উভেন বাদক ত একবার নিখাদ চিকারি অপর বার ার চীকারিযোগে বেহাগ বাদিত হ'ইলে রা সকলেই বুঝিবেন, গাল্ধার বাদী প্রাধান্যহেতুগকারের টিকারিই মিষ্ট বে, নিষাদের টিকারি আসর৷ বোধ গান্ধার অপেকা কখনই স্ঞাব্য হইবে হে গালাবব্যতীত নি**যাদের বাদিত্** প স্থীকার করিব ় যদি নিয়াদের হুকপ ক্ষমতা থাকিত, তবে পা**জা**রের ত্তেঁ নিষাদের প্রাধান্য এবং তদযোগে গ জ্ঞাব্য হওয়ার সন্তাবনা ছিল। যখন ণীকেদারীর ঝারা অথব।ছেড় বাজান তখন জান অথবা বাশী মধ্যম স্থ্রবশতঃ ব্যর নিমিত্ত চিকারিও মধ্যম করিয়া ব্যবহার আছে; কিন্তু কেদারীপ্রভূ গাহ্বার কিখা ধৈৰত হুর যদ্যপি র করিয়াবাঁধা যায় তাহা হইলে এঞ্ডি র বোধ হইবে ,সন্দেহ নাই। চিকারি করিলেও কেদারিতে মধ্যমের ন্যায় গুমিষ্ট হ'ইবে না। যে হেডু কেনারী গীর মধ্যম হুরই বাদী, বেহাগ**সমজেও** ারের যোগ সেই কপ ভান করিতে

(मामधकान ।

الماري الماري الماري الماري الماري الماري চতুর্গতঃ ভারত বলেন।

· বাদিবরসম্যোধে আক্রী প্রতিপদতে ৷ यभः अरहाशवाद्यमे १ म वासी हास्यिशिएछ । "

অস্যার্থঃ: বাদিপর্যোগে আস্থায়ীটা প্রতিপন্ন করা কর্ম্ভব্য এবং বে স্থ্র বছল ব্যবহার হয় ভাহারই নাম বাদী। উপরি লিখিত লোকে স্পষ্ট দেখা যাইতেছে যে, বাদী সূর সর্ব্যত ব্যবহার্য। বিশেষতঃ আবাহা রীতে অবতি প্রয়োজনীয়। যদাপি নিযান একেবারেই পরিত্যাগপূর্কক ষড়ক হউতে উপাপনপূর্বক গান্ধার মধ্যম এবং পঞ্চন ষোগে বেহাগের আহারী মৃস্পন্ন করা যায় ভাছা হইলে কি বেহাণের ২পে সাধারণের বোধগমাহটবে না? বোধ করি অবশাই হইবে, কিন্তু যদি যড়ুজনোগে নিষাদ অথবা কেবল নিষাঠ হইতে উত্থাপন করিয়া গান্ধার একেৰারে পরিভাগে মধ্যম এবং পঞ্ন বোগে ঐ রাগের আহায়ী বাজান বায়, তবে সেই আস্থায়ী কি বিজ্ঞেরা বেহাগের আস্থায়ী বলিয়া বুনিতে পারিবেন ? কখনই নয় ৷ ইহা তেই সজীতনিপ্ৰ মহাশয়ের। বিবেচনা করুন, বেছাগে গান্ধারের বাগিত্ব কি নিধা দের বাদিত্ব। নিয়াদপরিত্যাগে বেহাগের আস্থায়ী এবং ৰ পদংস্থাপন অনারাস্পাধা; কিন্তু গান্ধার পরিত্যাগ করিলে ভাহা কোন ক্রমেই নিষ্পন্ন হইতে পারে না। আহারীটী রাগের মুখবজারপ 🗘) যদি প্রথমেই শুনি-বামাত্র নিষাদ ব্যতীত প্রকৃত রাগটা বোধ হইয়াযায়, তবে আবে বাকী কি ? স্থতরাং গাজনারকেই বেহাগের বাদী হুর বলা অব-শ্ট কর্ত্রা। যদি কেহু এ বিষয়ে সন্দেহ করেন, তবে উপরিউক্ত প্রমাণাদি খণ্ডাইয়া নিষাদের বাদিত্ব সপ্রমাণ ক; ন। পাথুরিয়াঘাটা) স্বাক্ষরকারী। ঐক্তেমোহন গোস্বাসী ২৬ এ আবিণ **জ্রীন্দ্রমোহন ঠাকুর** :२२७ माल

> **औद्याग्रामाध्यमाम मीम्हि**९ मकन ।

ঐারাজেন্দ্রনাথ বন্দ্যোপাধ্যার।

-:.:--🜠 প্রাপ্ত ।

কু লবা জিয়া ীযুক্ত বাবুচক্রেশেশ্র শালালে ১২৭৫ ভাদ্র হইতে কার্তিক

(৩) ব্রোপ্বেদ্ডে রাগঃ আস্থা চ্যতে হি সং। সঙ্গীতদৰ্শবে।

» के समहात हाई भागता ह 316 ১২৭৫ ভাল ফইতে মাঘ

^৯ বাৰীকাত মঞ্মদার ওর্ম ১२१६ अवीयन स्ट्रेटफ १५ प्यांचाङ

» কাৰানন গ্ৰ ১৮৬৮ জাগন্ত ংক্তে ৬৯ জাসুরারি

এ হারাধন কবিরাজ কলিকাডা

^{*} রামপোপাল খোব গোবিদ্দপুর

---: • :----

भामधकानमः कानुक्राहरू विट्यं नियम।

অক্রিম মূল্য ও ডাক্মাসুল না পাইলে বুলে পোনপ্রকাশ প্রেরণ করা হার না ।

ইংগর অভিনে মূলাবারিক ১০ টাকা বালুচিক ১৪০ টাকাট মক্**বলে** ভাকঃ नरमण नार्सिक ১०, सान्तानिक १ अदर रे ষিক ৩৬ ॰ । ভিন মাদের স্থানে জাতিম এইণ করা শায় না। ছণ্ডি, ব্যাভি চিটি, वड़ व, भाषे अ हाल्य है। कहे, इहाद व যাহাতে যীহার ⊋বিধা চলু, তিনি দেই দারা মূল্য প্রেরণ করিবেন।

ৰাঁহার। স্টাম্পটিকিট পাঠাইবেন, র যেন এক অংথকা আনাধ আনাধ অধিক স ও রসীদের টিকিট প্রেরণ না করেন।

যখন যিনি মফখল হ**্ডিড সেঃম**প্র মূল্য পাঠাইবেন, তাহা যেন রেজিস্টার য জ্রীযুক্ত ছারকানাথ বিদ্যাভূষণের নামে हेम्रा (प्रजः

বাঁহাদিগের মূল্য দিবার সময় অভীত व्यानित्व. এक मानश्रुटका डांशामिशस्क निचित्रा छोन्।न गहिर्द, कान कडीफ গেলেও এক বার চিটি লেখা হইবে, ভাহা একমাসকাল প্রতীকা করিয়া কাগজ বং যাইবে। শেষ বারের পত্র বেয়ারিং रुहेर्द ।

মাজলা বেলওয়ের সোণাপুর ষ্টেসনের ঘরে চিঠি আইলে আমর। শীত্র পাইব।

याँ हाज। माञ्चल ना निष्ठा পত्रानि श्यतः বেন, ভাহাদিগের সেই প্রাদি এহণ षाइटव ना।

কেই সোমপ্ৰকাশে বিজ্ঞাপন দিছে করিলে ভাঁহাকে প্রথম ডিন বার প্রতিপংগি আনা তাহার পর 🖊 ১০ আনা দিভে হ विनि अधिक काम विकाशन मितात हेन्हा त्वन, फीहांत्र महिन्छ चन्छ्य वर्षमावन्छ हहेर

এই পত্র কলিকাকার দক্ষিণ মাতলা রেলওয়ের দোণাপুর ষ্টেদনের চাল্ডিপোতায় জীযুক্ত মারকানাথ ভূষণের বাসীতে প্রতি সোমবার প্রাক্ত क्षकाणिक इम्र

(माश्रका

<u> ১ ম আচাপা।</u>

88 **न्दर्**रा

" प्रवत्तनां प्रकृतिहिताय पार्थिवः सरस्तती स्रुतिमहती न हीयतां।"

ষ যাশ্যানিক ৫॥ সাড়ে পাঁচ টাকা।

কে মূল্য ১ এক জালিম বাহিক ১০ দশ । সন ১২৭৫ । ২৩ এ ভাসে । ১৮৬৮। ৭ ই সেপ্টেম্বর

🗸 মকসলে মাস্ত্ৰসমেত অভিনে বাৰিব

| 37073 | | ,÷. | | | - |
|------------------------|--------------|--|--------|--------|---|
| f | 93 9 | ान । | | | |
| পুনঃ | প্রাপ্ত | নোট। | | | |
| নিয়লি খিত জ | পহ্-ভ ভ | ৰ ও পূ | ৰ্ণ নো | ે જ જે | 1 |
| ទង្គា ស្រីជាវិទ | । নে:८ | প্রিনাট। প্র নোট। ভ অর্জ ও পূর্ণ নোটগুলি নাটের অধিকারিগণকে নিয় সাক্ষরকারীর নিকট | | | |
| নান ধাহতেছে | , বিশ্ব | যাক্ষর | ার ীর | বিক | 3 |
| (दपन किंद्रियन | 1 | | | | i |
| たくがり | हुत (| भू । | মথ বা | र क् | 1 |

| दम्ब किंद्रियन | | |
|----------------|------------|------------------------|
| たくがり | मृत्यः | পুৰ অথবা কর্ম |
| t እጸ፡ p. | 7 | অৰ্ছ নোট |
| b 20 9 8 3 | « • | * |
| \$ 5 79 . | 2. | a |
| ه ۵۰۰ ۰ | ٠. | ů |
| 8 8 8 8 2 | ٠. | * |
| ৮৯৯ ০৭ | ٠. | ñ |
| \$4·98 | ٠. | a |
| ৯৯৬৬২ | ২ • | a |
| •>1¢¢ | ٠,٠ | ") ভিঞ্চিগা- পট্যাম |
| .7 4 68 | ٠ ډ | »∫ নেট্স⊹ |
| • 4 4 4 5 | 7 4 | ٠. د |
| - 58.47 | ۶. | ». |
| \$9 • 8 & \$9 | ۶. | সুৰ ় * |
| 8४५२२ | 7 • | অর্জ নোট |
| > 44 C C | ۶. | 'n |
| A3A37 | 7. | <i>p</i> |
| . 45.99 | 7. | å |
| A\$8 • ? | 7• | a |
| 8 P P 8 5 | 7• | * |
| 6446 | ۶. | |
| ৩৯৮৫ १ | ۶. | * |

| £ 2 | | - | | |
|-----------|--------------------------------|-----|-------------------------|---|
| e S | 257.7 | ۶. | a | |
| د د | ৯ २५ • २ | ۶. | ů | • |
| s এ | €877€ | 7. | * | |
| g (F | F31 | ٠ ٤ | • • | |
| g t | ৮ ৪৮%১ | 7 | •• | |
| পোই ১৩ | কাডা আফিস ই আগষ্ট ৮ ৷ | } | , এইচ. ম পোষ্ট মাষ্ট | |
| | | | - | |

বন্দ্যোপাধ্যায় কোং।

এড আহারা সর্মসাধারণকে জ্ঞান্ড করা ধাই-ভেছে যে, সম্প্রতি অন-ওয়াড, স্থার অব স্কোসিয়া ওয়ারউইক এবং বিটিশ্রিক ভারাজে ঔষধ সকল আমদানী ংইয়াছে। ঐসকল আহাজে डेक कार मिर्गत नथनक अस्मिनेगन इहेरड বেসকল ঔষধ ও অন্যান্য স্তব্যাদি আমদানী **হ্ইসাছে এবং যেসকল স্ত্রাদি আমদানী চই**বে ভাহার ইন ভয়েদ প্রাপ্ত হইয়াছেন।

উক্ত কোল্পানির প্রধান ঔষধালয় আমচরষ্ঠ ক্ৰীট ২৩ নং ভবন মূজাপুর মেডিকেল হলে এবং সভাবাজার ফ্রীট ৩৯ নং ভবন শাখা ঔষধালয়ে हेकिना, विश्वक, अवर छैरकृष्टे अयमनकन निव-মিত মুল্যে খুলর। বা এক কালীন অধিক পরি মাণে বিক্রয়ার্থ নিয়ত প্রস্তুত জাছে।

ক'লক'ডা ১৮ই জাগপ্ত 7 FABL 1 .

रेक्ट्रेखिशं दिन्धरमः।

সর্বসোধারণকৈ জ্ঞাত করা বাই:তচে বে, হাবড়া হইতে উত্রপশ্চিমাঞ্লের কোন কোন অেণীভূক্ত হইতে ঘীহারা বাসনা করেন ও

ষ্টেলনে ভাল ও দ্স্তা লইয়া ধাইবার নিমিং বিশেষ ভাড়ার নিয়ম আছে, আগামী ১ অক্টোবর অবধি ভাষা রহিত হইয়। সকল ছে भूर्काखन काड़ा श्रामाल स्ट्रेटर ।

| र्रेस्ट्रिस का का लागान र ४४०० | • |
|--|------------------------|
| ভাষ | ্তয় জোগী |
| # ग्ड 1 | २ मु∯ |
| ইষ্টইন্ডিয়া রেলওয়ে ভেলংটেনী ফোরাব কলি } কাডা ১৭ ই আগষ্ট। | সিনিল্ডিফে এজেলি বো |
| काछ। ३५ हे कांसह। | 3 3 |

इन्द्रश्रञ्जा नाहेक।

है। ति रहान बद्धानस्य अवर है नावार পটোলভালা ও জোড়াসাকোর পুস্তকা পাওয়া ধার। মূল্য ১ এক টাকা।

এ(গাপালচন্দ্র বন্দ্রোপা কলিকাড়া বাস্বাকা

१० ७० व्यासद है दाखी अहाज (का নোটবুক, প্রথম ভাগ পোইট্রী, ট্রেণিং ভ ভেমির ভূতপুর্বা হেড মাষ্টাব এইচ, দম্ভ বি कर्जुक अनीष, का क शित्रभविष्ठाहरू अदर प्रः ऋष्ठ माञ्चत अध्यक्तानात्त्र शांभाः । कार्ब ८

হেমন্ত্রসারী।

হেমস্তকুমারীনামক এক খানি নাটক জা ব্যক্তি সংগ্রহ করিয়ানড়! ইলেম্ভ মীলার উ বাবু গোবিক্ষচন্দ্ৰ রায় মহাশয়কে উপহার ৫ कविश्राहिन, छाहा मुक्तिङ हहेएउट्ड. ए। ্কারীর জনং। - জানং, বিনা আকর কারীর াল আনা মুল্য নির্দারিত হইয়াতে, আকর مهمد

and the state of t

चाकदकादीत निक्रे भक्त लिथियन। ক'লক'ডা **जीकाली अगद्य (गन ७४)** 六郎 対 深 群 1 কাৰ্ণপ্ৰকাশ, সাহিত্যদপ্ৰ, কাৰ্যাদৰ্শ, াঠে জিকা, এবং দশরূপকপ্রভৃতি সংস্কৃত অল র এড হইতে প্রয়েশনীয় অবংশ সমুদায় এহণ য়ো ''লক্ষণ মালা» নামে এক খানি সংস্ত কার এম মুদ্রিত ও প্রচারিত হইয়াছে। এহ-ধরণ কলিকাভা পটোলডাঙ্গাত্ বাডর্য,া-শে কোং নিকট এবং চাকা নশকুমার ওই ও . সি, রাদার্শের পুস্ত**কালয়ে তথ ক**রিলে ইডে পারিবেন । মূল্য **৬০ জানা মাতে** । ১৫ ३ व्यागष्टे। 🎚 প্রাধিন্দচন্দ্রচক্রবর্ত্তী 1 26.46 বিবিধ জ্ব্যাদি বিক্ৰয়াৰ্থ প্রস্তুত। ইংরাজী বাঙলা পুস্তক কাগলে কলম নানা ধ দৰংকি পাওয়া ধায় এবং পুস্তকাদিতে - এক আমানার হিসাধে কমিসনাদ। অধিক কার পৃথ্যক লইলে 🖊 ১০ আনার হিসাবে **३**८४न । **कश्च है भाषान करीर महिमान्छ ना**हे র মধাপুরাদ अधिमञ्जालनक > म अवत् । १२ अस वा ঐশ্রীহরিড জিনবিল স সম্পূর্ণ শ্রীমছামরসায়ন ছই খাওে সংপূর্ চরুপারিচিকিলো এর কেন্দ্রীয়া બઇ! বাসী বাৰুকাশীনাথ মলকেব এবং ছ'ড ম ভঙৰায়া হক্তের লি.খড নিভ্যপর্মান্তরঞ্জিক: প্রিকা বানিক ্কাডুক বিলাস যাহাতে লোপালভাতেছর ্রকওলি সম্পূর্ণ আনটে ১০ছেখ্য 🕠 উভনিনি একভেড় চূড়ামণি অধাং এক নিব্র ١į ন'ল'জেল কাব; পুরস্থান কবের मान्य अला कावर ١ এ ভ্রমন্তু। বধ নাউফ ७ भग भिरुष दिनदस बुराम्बद्धाः भीता कादाः कोत्रवर्शनामुख्य नामेक

বিভিন্ন গাইড মালনেন ব'ংহৰ হুত

, পজগন্ধা উপংখ্যান 'n मर्टन्यावनी चत्रभहत्त्व मानकृष्ठ ত্ৰ পিশাচোদার ١ নী উপ্ৰস্থা এটলাস বাং ৮ খানি ম্যাপ গণেশচক্র শর্মা ইকড ভূতত্ত্বদৰ্শন পৃথিবীয় মান্ডিজ্ৰ **ख**्तक्रवर्षत्रं स्नाल (ह्वस्तात्रत् व्यक्तत्त्र নী:ড.শকা পারসীক অন্বর শোহীলী जनगुल्य हैं। 211 কুমার সম্ভব সংক্ষাত হইতে প্রাভাস্থার ১ ভারতব্যের ইভিহাস কেলারনাথ সক্ষ্রত ১ के शाविनगण्डा भन कुछ মনভব্সারসংগ্রহ প্রাচীন ইন্ডিকাস সমুক্রয় ঐ মার্গ মেন সাংকেরত ছই খণ্ড নাট্য পরিশিষ্ট নাটক চরিতমঞ্জী শক্ষরজ্ম পরিনিষ্ঠ কলিকান্তা জ্বোড়া-ঐী প্রতাপচক্ররায় सीटक ७४ सर् নগদ বিক্রেড।।

পুরাণ প্রকাশ।

रिक्षु श्रुतान ।

আপুৰাণও টাকা সমেত প্ৰভোক খণ্ড ৮. পৃষ্ঠা অগ্ৰিম মূলা ূৰা ।

ধিনি এইণাভিলাদী ইইবেন তিনি মৃতাপুর আমহরত্তীত ৩০০ নং ভবনে কাবা প্রকাশ যন্ত্রে অথবা কলিকাতা সংস্কৃতি বিদ্যালয়ে প্রীযুক্ত ভগাগোহন ত্রনালকারের নামে যত খণ্ডের ইন্ডা অগ্নিম মূল্য পাঠাইবেন। অগ্রিম না পাইলো বিদ্যোগ্রাণ পাঠাইবার নির্ম নাই ইন্ড।

----;0;----

বিক্ৰয়াৰ্থ।

গারভেন রীচ্২৪ নং বাটা ভ্রামস্ছ ১৯ নংজোড়া বাগান !

উপরি উক্ত বাগান ও বাসী দাঁহারা ক্রয় করিতে অথবা লইতে ইঞ্চা করেন, নিয় স্বাক্ষ রিড ব্যক্তির নিকট জানাইবেন।

> গিলেপ্ডারস্জারবো-খনট এবং কোঃ

বিক্রয়ার ৷

শব্দকরজেন অভিধান। সর রাজা রাধা-কান্ত দেব ধাহাছুরের ক্লান্ত। উত্তমকলে সোল দিয়া সুতন বাঁধান মূল্য ২৫০ টাকা।

জীমানক্ষ্যন্তরেদান্ত বাগীল :

ষোমিওপেধিক চিকিৎসা, প্রথম সংখ্যা, আমর্জে, মূল্য চারি আনামাত্র।

কলিকাভার চোরবাগানে স্ক্রবুক প্রেচ ঠনঠনিয়ার সংস্কৃত্যজ্ঞের পুস্কালয়ে এবং লালবাজারে বেরিণী কোম্পানির হোমির পেথিক ফারমেণীভে পাওয়া যায়।

পুনঃ প্রাপ্ত নোট।

যে ব্যক্তি ১৮৬৮ সালের ৮ ই আগ্রন্থ পর মধ্যে পাটনার ভাক্ষোগে নিমুলিখিত নেশ্র সকল পাঠাইয়াছেন, তিনি নিমুখাক্ষণ কারীর নিকট স্থিশেব লিখিয়া পাঠাইবেন। এ ১৮ ৮৯০০৭ নং ১০০ টাকার এ ১৮ ৮৪৮৬৯ নং ১০০ ৯ ছললিউ, এইচ, মাংগোরান।

अमः मृश्क्षाः ।

কলিকাভার পে:ইমাইটর :

অরণারী ছাত্রাদ্দের পাঠোপ্যালী কোর বংক্ত গদ্য গ্রন্থ না থাকার, সংস্ত কারে জেব অবল্প প্রীয়ুক্ত বাবু প্রসন্ত্রমার সমানি কারী মহালয়ের আদেশাসুসাবে উপ্রক্রমার সমানি কারী মহালয়ের আদেশাসুসাবে উপ্রক্রমার সমানি কার্য্য মহালয় মহাভারত ও বিক্ষুপুরার হার্য্য মহালয় মহাভারত ও বিক্ষুপুরার হার্য্য মহালয় মহাভারত ও বিক্ষুপুরার হার্য্য করিয়া গালাক্ষ্য গ্রাহ্য সামক এব থানি পুজ্ক প্রচার করিয়াতেন। প্রোলভাক্ত ৬৬ নং আমানিগের পুস্তকালয়ে পাওয়া যায় মূল্যে এক টাকা মাত্র।

ৰাজু শ্যাল্লাদৰ্শ এবং কো

--:0:--

দাবিক্রীচরিক

कावरः

🗐 ভোলানাধ বক্রবর্ত্তি প্রবীত।

মূল ১ এক টাকা। সংস্কৃত মৃদ্ধের পুজকালয়ে পাওয়া যায়।

• ;

₹₺

-680-ই ভি', ডয়া

রেলওয়ে |

বিজ্ঞাপন।

৮৬৮ সালের ১ সাু অস্টোবর তারিথে এবং ভদবদি ১০ হনড়েছ ওয়েট মোট ওজানের এক টন হারে তথ্যা প্রত্যেক গাড়ির ওজন পরি मारत जुला आयमानी कहा इहरव।

| | মুলিখিত - | | | | | | <u> </u> | | | | | 1 | | F | 1 | | to. | ł | | 30 | |
|-----|----------------------|-------|------------------------|-----------------|-------------------------|-------------|-----------------|--------------|---------------------------------|-------------------------|--|---|-------------------|---|--------------|--------------|--------------------------|----------|---|--|-------------------|
| t d | ष्टे नन €३ | ইতে | অ গ্ৰহ | ানী | १३ । र | 2 100 | 19 م | HI THE THE | त केंड कर्राष्ट्र । १६ कि छित्र | स्त्रिक कर्मात २८ भाइति | 2 (2 (2 (2 (2 (2 (2 (2 (2 (2 (2 (2 (2 (2 | अर के वार्व कि छितिक किएडे ज्ञानिक कड़ेयारिक | 1 (a) | 0 . O . O . O . O . O . O . O . O . O . | E 4 4 7 10 9 | 14 (4 C) 24 | 100 P | विरिक्ष | ্য ভুলা পাউগু এক পরিমিড চই যাঙার ৩০ । এক গাইট : বিক ফিটের য়াছে । | কিন্ট্রবি রাজে জিন্ট পাট্টেণ্ড প্রসূমী অন্ত্রি | જારા જા ડેલ |
| | | | | | | | · · | | - | | on 1 | প1, | <u>}</u> 61, | च्या. | •į1. | ₹1. | 3 1, | જાં, | প্ৰস্থা অন্ধিক হুই ভাঙা। টা | লে গা আন, | |
| | লী ওগা বিদি | ভি | (প্রায়ে (প্রায়ে | 5 (क हुक | টুনে গ া ই | ্ হ | 訂. ৬° | 981, J | भा, • | 01, 49 | w/ | • | 9 | اما | | 36 | 11/ | : | 2%. | , | |
| | [4 61] | | প্রা, ড প্রা, ড | ,ক | े दन | 1 | ত ૧ | 11 d 10 d | a | & 8 9 | 40) | a | 43 | اله ۱ | a | , 8.9 , 9 | IŽ. | . 3 | 23.5 | لدا | |
| 3 | মা <i>লিগা</i> ড় | | প্রে গু |)क | टिन | | ¢ | العا | a A | | Z | a | . % | 40 | 'n | 88 | 401 | 2) 2) | ৩০৬ | 16.7 | |
| Ŗ | ার!ব | | (2C) | 5 (7 \$ | हेट्स | ! | 8 D | 42) | a | ์ สา ว | યો એ | a | ঃ ৯ ৬ | N N | 7 | 88 | : | 7 | 0,0 | No. | |
| v | singl | | (2.C. | 5 (本 | টনে | ì | ¢ 3 | ارما | á | 13 | 1/ | ú | | 110 | 23 | t t | ne) | " | . 0.0 ! 524 | W. | |
| fi | के ट्डा छ । र | বাদ (| | য় ক | हेट्स | : | æ÷. | 1 | å | 8 3 | , | å | 89 | 1 | * | ; et | 'n | » » | . 53% | | |
| Ç | बदक्!ग्रा | | | (本 | छे दन | | 43 | had | a | 8 A | ; • 4 • | 'n. | ; | لواا له ا | ņ | . 83 | 11 11 2) | * | >2 | 4/ | |
| ş | टिंहेस्य | | । । । | ছ}ক 5 }ক | টনে গাইট | 50, | ፍ ያ '৬ | h/ h/ | 7 | 8 7 | 11 | 4 | , 83 | ۷. | , | (ac) | ليبية أرج ا | 2) | > ષ્વ | Ιυ | |
| | চারপুর | | ্থেতে প্রে | চাক চাক | हेट्स भा हेर | 3 | 3 8 .y | 8 | a n | | | ņ | 8 * • | n. | 4 | 8 | 1 ed 6.0/ | » | >> e | .) | |
| Q | হাল:হাব | বাদ | (ম (জ | ভ্যক ভ্যক | টনে গাই | :5 | ৩৭ ৩ | 1/ | 'n | 1 0 | 112 | a | 8 | 110 | " | 8 | (م) اندا | z, | : = • 4 | | |
| ž | ্জাপুর (জাপুর | | (প্র ে | 55本 55本 | টমে গাই | 7.5 | \$ 3 | ارد الداا | å | 1 0 | n o/ | • , | 8 | שׁי | , | 39 | h/ | 2) | 225 | ; | |
| 7 | गद्रावशी | | { মে { রং | ভাগ ভাগ | हेट्स शाहे | 50 | ૭ ર 8 | ' | , | 100 | اه گو | , | 8 | : | 70 | 2 2 | 11/ | , |) | , j | |
| 1 | জুমানিয় • | 1 | (නැ | ভাগ ভাগ | টেকে গোই | र हेट्डे | 8 | لي الم | * | 1 | hel | | | 'n | 2 | | 1 <i>7</i> 4 <i>1</i> | ÿ. |] sea | ř | |
| | पार्टमा | | 1 000 | * * * | क हेर. भा र े | FT 1 | 3 S | 11 o/ 4 • | 2 | . 0 | | 20 | , 23 3 | ار نع به | 7 | . 3h | 11 | A | ; | | |

। প্রত্যেক টনের ভাড়ার পরিবর্ত্তে প্রতিকে গাইটের ভাড়া লওয়া ঘাইতে পারে, যদি প্রত্যেক গাইটের মোট ওজন ১২০ পাউত্তর অনাধ্য া খোলা তুলার ভাড়া চতুর্থ প্রেণিষ্ক দ্রবাদ্ধ ভাড়ার সমান ধরা হইবে › কুন্তি এক খানি গাড়ের নিমুখ্য ভাড়া প্রত্যেক নাইলে ৮ গরা যাই া তুলার প্রত্যেক টনে। এ আনা অথবা গাইট করা এক আনা হিসাবে হা এড়ার টার্ট্যুক্তাল রেট দিতে হইবে। সিসিল ভিনেন্সন

বোড অব এজেনি रम अ आंगहे उन्छम । বোড তব এছেশি।

· শিক্ষক ব্যতিরেকে গঙ্গীত শিক্ষা। শ অংশাং ।

্রত্রোপীয় অরলিপি সধলিত সেডার, গল এস রাজ, বংশী, হামোনিয়ম ও গান ভাত শিখিবার সহজ উপায় স্থাতে তিন কালেদীঘীর পূর্ম পাথত দে কোম্পানির নঠনিয়াত সংস্কৃত যন্ত্রের পুস্তকালয়ে বিক্রীত তেতে।

লৈকাত। বাংসেটেয়র ভাচতা

} জীমহেজ্ঞনাথ চট্টোপাদ্যায় পটোলভাক্য পোটোটোলা লেম।

্র ই ভাগ ও ১৬ ই জারিখের সেংমপ্রকাশের

প্রাপ্নিস্থ লিখিত দেওগুনৌ কার্যবিধান

প্রাপ্রথম ভাগ প্রচারিত হইরাছে, দিওীয়

গত এ কার্যিন ও শেষ ভাগ । এ কার্যিক

বিভা হইবে । সমুদায় পুস্তকের মূলং

ক্ষামুল বার্ডীত ১০ টাকা । প্রথম ভাগেও

ডেকিমাসুলসহ ৪০ জ্লব ছই ভাগের মূল্য

টোকা : কি প্র যাহ্যির ভাকমাসুলসহ ৮॥

ভা জ্গিম মূল্য নিপ্রলিখিত রিকানায় স্থার

১ ইবেন, ভাহারা সম্পূর্ণ পুস্তক ক্ষমে প্রাপ্র

কলিকাত। ভোড়াগাকে। একেদমাজে । মুজেবাব্রামংপদ (ভীলকের নিকট অভিন লোটাইকেই হইকে।

--- :0: ---

কলিকাভাৰ মানচিতি মুদ্ৰিভ চটায়। বিএছাথ ধাৰ আছে (উভিন বাধাই) মূল ২ টাকা । উচিকালীপ্ৰসান সন গুলু কলিকাভা নামাণিল ফুল্

निष्यात नहीं।

সন ১৮৬৮ সালের আগস্মাসে ২০ এ চইতে ৩১ এ পর্যন্ত নদীয়ার নদী গায়ের নক্ষিম ভ জালের সাপ্তাহিক

विद्यादि ।

ক্ষানের নাম স্পাক্ষতি জ্ঞাল ফুট ইঞ্চ

নদীম(পাড়ক।।

মহানার উপর প্রামনীতে ৪০ ৯
মহানার উপর প্রামনীতে ৪০ ৯
মহানার বিশ্ব প্রামালিরা

নান কিল ১৯ ৬
ইচি গোল লিয়া হইটেড

आ**हर**किंद्र। २७

_ 382-

ब्याञ्चक मिश्रा बहेर छ कुक्ष शक्ष । ৩৮ ম;ইল २७ क्रक्षण इहेट इति नहीं প্রভাৱত ১৪ মাইশ २१ कार्ग वर्ध ननी । মধ্যার উপর ₹¢ নহ'ন'য় ` 15 उथा इहेटड जियानक ١. লিয়াগঞ কইতে কাটোয়া ७० म हेन मर्या ١٩ কাড়োয়া কইতে নদীয়া ८७ म'हेल मर्गर खनशी मनी। মহানাসু তথা হংতে করিমপুর ১৯ মাইল করিমপুর হইতে টিয়াকাটা ৩৭ মাইল ? \$ টিয়াকটো হইতে নদীয়া ৬০ মাইল সন ১৮৩৮ সেপ্টেবর মাদের ১ র: তারিকে বংরমপুর গজ ঘাটের জলোর মাপ।

ফুট ইঞি ১০ ৮

বহংমপুর শ্রীগুড় টি. হেলা উইক্স সি, ১ ৩ সেপ্টেম্ব এক ফানি উদিব ইঞ্চিন্তর ১৮৬৮ । বছসমপুর ডিবিজন

সোমপ্রকাশ।

২০.এ ভ:দ্র সোমবার।

আমাদিনের নদীগান্তি মিদনরি বাজাব আমাদিগকে যে দিতীয়পতা লিখি য়াছেন, আমরা তাহার অনুবাদ করিয়া স্থানান্তরে প্রকাশ করিলাম। এ বিষয়ে আমাদিনের যে কিছু বজবা উপস্থিত হইতেছে, আগামী বাবে তাহা ব্যক্ত করিবার ইচ্ছা রহিল।

বহুজ ব্যক্তির বাক্যে উপেক্ষা করিলে কেবল যে আপনার অনাপ্রথতা দোর ঘটনা হয় এরপে নর, ইন্টানিষ্টেরও বহু ব্যক্তিক্রম ঘটিয়া পাকে। বারু জ্যুক্ষণ মুখোপাধ্যায় ও দিরম্বর মিত্র অনুমান করেন, এদেশে রেলওয়ে হওয়াতে পুর্কের নায়ে স্ক্রেরপে জ্লনির্গম হয় না;

ত্তরাং আমগুলি ক্রনে আরু′ ≢ইঃ উঠিতেছে, উহাই বঙ্গদেশের মারীভয়ে প্রধান কারণ।রাজপুরুষেরা বাঙ্গালি কথা বলিয়া হউক, রেলওয়ের ব্যয় রদ্ধি শঙ্কাতেই হউক, অথবা অন্য কোন কার বশতঃ হউক এবাক্যে আস্থা করিতেতে ना, किस क विकास ए छेट शक्त नी स नह, आम মধ্যে মধ্যে তাহার প্রমাণ প্রত্যক্ষ করি তেছি। সম্প্রতি প্রাবণ মাদের শে যে বর্ষা **হ**ইয়া গিয়াছে, ভাহা উহার **এ**ক मृष्टी ख बामानिर भत्र मृष्टि भर्थ छे भनी क्तियोष्टि। भियानम्टइत एछम्न इहेट শোণাপুর দিয়া মাতলার দিগে ৫ রেলের পথ গিয়াছে, তাহার ছই শা ধান্য জ্মিয়া থাকে। আবেণ মাদে অভির্ফিতে উভয়দিগেরই ধান্য জলম হইয়াবার,কিন্ত দুইত হইল, রাস্তা উভরধারের জল শীঘ্র নির্গত হ**ই**য়া থাক গিয়া পজিল, ভাহাতে ধান্যের অল মাত অনিষ্ট হইল: কিন্তু দক্ষিণ ধারে জল নি:স্চ হইতে বহুবিলয় হইল, ধাঃ প্রিয়া গেল। য**ধন এ**রপ হইল, তথ জল বলিয়া ক্রমে প্রামকে যে আয় ও অস্বাস্থ্যকর করিয়া ভুলিবে, তাঃ বিচিত্র নহে। একণে আমাদিগের বক্ত এই রেলের রাস্তার মধ্যে মধ্যে যে দে আছে, ভারার পরিমাণ, সংখ্যা ও অব सवानि इञ्जि कतिया (मध्या इडेक ।

বিদ্যাশিক্ষাথ কর।

শিক্ষাসংক্রান্ত কর করা বিধেয় কি ন ইহার বিবেচনার্থ ভারতবর্ষীয় সভাগৃত যে সভা হইবার কথা ছিল, গত ২ : সেপ্টেম্বর বুধবার ভাহা হইয়া গিয়াছে অধিকাংশ জমীদারই সভাস্থলে উপ্ ভিত হইয়াছিলেন। বারু রমানাথ ঠাকু সভাপতির আসন গ্রহণ করেন।

সভায় নিম্লিখিত প্রস্তাবগুলি হয় প্রথম প্রস্তাব, সভা বলেন, একং ষ্টানের যে প্রণালী আছে, তহিছ পেক্ষা উৎক্ষা বলপূর্বক কর হকরিয়া শিক্ষাপ্রণালী প্রবিভিড নারাসুগত নহে। দ্বিতীয়, শিকা স্তার নিমিত কর করিলে চিরস্থায়ী tareবিষয়ে গ্রণমেক্টের বে অ**সী** আছে, তাহার ভঙ্গ হইবে। সূতীয়, বশের জাগীদায় ও ক্তবিদ্যেণ সাত্রা ক্ষেত্র অন্যতাংশের জমীদার ওর্ত অপেকা বিদ্যাশিকায় উৎসাহনানে বিৰ, এটা প্ৰামাণিক বাকা । চতুর্থ, রাস্তাপ্রভৃতির উন্নতিদাধন দভা গবর্ণমেন্টমাত্রের কর্ত্বা, এ শিক্ত স্বাকর করা বিধেয় নয়। ছঃথের বিষয় আমেরাউপরে **সভা**র যে কয়টা প্রস্তাবের উল্লেখ করিলাম, ারা স্পাট প্রতীয়মান হইতেছে, আমা গর গবর্ণর জেনরল ও লেপ্টেন্ট ति (ध मोटहर एवं मर डेट्स র বশয়দ হইয়া সভার নিকটে শিকা क्राम्ड करतत अनम क्रियाहिस्नन, া তংশপাদনে যথোচিত উপায় লম্বন করেন নাই, কেবল আপনার র্ধপরস্তার পরিচয় এদান ও অনৌদার্ঘ্য

হাশ করিয়াছেন। ক্রবকের। জ্মীদার পের সন্থানতুল্য। অন্যের বলিবার ব্য স্বরং প্রার্ভ হইয়া তাহাদিদের কার সহপায় করা অসনীদারদিগেরই র্ব্য। কোভের বিষয় এই, ভাঁহারা म ७ व्यटनोमार्यनिवक्तन त्म≷ कर्खरदात । থাচরণ করিলেন। তাঁহাদিপের ভ্রম ই, ভাঁহারা ভাবিতেছেন, ক্রুষকেরা ত্রিদা হইলে তাঁহাদিগের স্বার্থের বাত জনিবে ; কিন্তু ঊাহার৷ শুচি न यकि हिन्दा कतिया (मर्थिन, मिथिटिंड

ইবেন, সন্থান মুখ হইলে পিতার যে

हे इत्र, প্राक्षा मूर्थ इंडेटल क्योनात उ

কা উভারেরই দেই কন্ট। তবে তাঁহারা

প্রণালী আছে, ভাষাতেই ক্লবকদিনের শিকা হইবে; কিন্তু দেখা যাইতেচে, ভাহাতে যে উদ্দেশ্য নিদ্ধ হইভেছে না ; হইবার সম্ভাবনাও নাই। ফুরকদিগের কথা मृद्र थोकूक, এ প্রণালীতে অনেক ভদ্রবং শীয় দরিদ্র সন্তানেরও শিকা হইতেছে না। সুতরাং কুণকদিলের নিমিত্ত একটা স্বতন্ত্র শিক্ষাপ্রণালীর প্রয়োজন হই-তেছে। দেই প্রণালীর সহপার করা জমী দার ও গবর্ণমেন্ট উভয়েরই তুল্য কর্ত্তবা। আহামাদিগের প্রপ্র জেনরল যে

বলেন " বিদ্যাদান করিবার বিষয়ে গ্রুণ মেণ্ট কোন অঞ্চীকার করেন নাই এবং তাহা করিতেও বাধিত নহেন '' কোন ব্যক্তি এ অসুদার বাক্যেরও অসুমোদন করিবেন না। যাবতীয় রাজ্যের স্থায়িতা ও উন্নতি প্রকার বিদ্যাশিকার অনুরেং ধিনী। অভএব গ্রণ্মেন্টের ক্ল্যক্দিগের বিদ্যাশিকাৰিবয়ে দ্বিশেব আভুকুল্য করায়ে অবশ্যকর্ত্রা তদ্বিয়ে অণুমাত্র শন্েচ্নাই।তবে এক কথা আছে **नवर्ग्टमन्डे विलट्ड পाट्डन, क्रनक्रिट्श**इ বিদ্যাশিকার ব্যয়নিকাঁহার্থ টাকা উচ্চারা কোথায় পাইবেন ? বজ্লেশে যেমন টাকা উল্ভ হয়, তেমন স্থানীয় স্বতন্ত্র আয়েরয়েপ্রণালী না থাকাতে ঐ উদ্ভ টাকা অন্যত্ত ব্যয় হইয়া যায় । অতএব যত দিন স্বতন্ত্র আয়ব্যয়প্রণালী ও যাবভীয় ধদেশীয় ব্যয় সংকেশ হইছা বিরে। সম্প্রতি ছাজরার পাঠ। সচ্ছল না হইতেছে, ভাবং কুষক দিগের বিটিশ সীমার এবেশ করিয়া এ বিদ্যাশিকার ব্যয়সংগ্রহের একটা উপায় कत्रों कर्डवा। भाषता भूटर्स कहियाहि, विकारकत कतिया अभीमाद्रीमार्शत निक्छे ২২তে ভাহা সংগ্রহ করিবার চেটা পাইলে সে ভার ক্রকদিগের ক্রেক্ট निक्छि इडेरव, लाएज मरश हेड। जनी

मात्रमिरभत এको डेभार्ज्जातत ७ व्यङ्गा-

চারের পথ হইয়া উঠিবে। এতদ্ভিল

পের অরুসংস্থান হইয়া সফ্ল না হইবে তাৰ্থ যে কোনপ্ৰকার শিকাপ্ৰণাল প্রবৃত্তি কর, ক্লেকদিগের শিকালারে সুবিধ। হইবে না; তাহারা কোনত মেই নিয়মিত্রপে বিদ্যালয়ে উপস্থি इंदेश विकाशिका करिएड भेक इरे না। অভএৰ জ্বমীদারকে মধ্যে রাখি ক্লাকদিণের সহিত চিরস্থায়ী বং बर्फ कता इंडेक अवर जाशीमर निक्ठे इहेटड क्द्र अहरन्द्र अञ्चल राव कद्रा इडेक (य, काश्रात) सभीनावित्र প্রাপ্য সঙ্গতমত থাজনা জনীদারদিগ এবং আপনাদিলের বিদাশিকার্থ গ र्गरमन्द्रेरक किछू किछू प्रश्न ।

> সীমার উপদ্র ও গ্রন্মের্টের রাজনীতি :

দ্ৰেও অব ইণ্ডিয়া বলেন, '' স্থা (পঞ্চবের) কর্তুক সীমার নিং ২০,০০০ দৈন্য প্রেরণ করিবার প্র করিয়াছেন। আমেরা অগবত হইব **এখান সেনাপতি ও কৌ জ্বানের সৈ** সভাসর ছেন,রিডুরাও ইছাতে য চইয়াছেন। সীতানার যুদ্ধে যত । হেরিত হয়, ভাছার চতুঞ্ব প্রেরিভ হ্ইতেছে।" পঞ্:বের ৾ প্রিম শীমার নিকটে যেসকল প कां कि चारक, काश्ता भर्तना भी গানা আংক্রমণ করিয়াছিল। ইয়াটি স্থিত যুদ্ধ চলিতেছে। গ্ৰণ্নেণ্ট সংবাদই একাশ করেন না ৷ মধ্যে পঞ্চবের সংবাদপ্রসমূহে প্র বিরোধী সংগদে প্রকাশিত হয় । অক্ষ অব্ধি সীমার নিকটে এইও গোলখোগ চলিতেছে। বিস্তর সর্বলা এই স্থানে থাকে। নিকল লবেন, গ্রণ্নেণ্টের যে সাধ্যাদান বই একটীকথা আছে, যাব্ ফ্যক্দি ভূতি সেনানা: কেরা এইসকল গৈ নায়কতা করিয়াছেন। পাঠানেরা গেলন দৌরাত্মা করে, পঞ্জাবের গণ অসনি তালাদিগোর প্রাম দগাও লোককে বধ করে; তথাপি শাস্তি ছেল না। বিংশতিবৎসরপ্যাস্ত লা, বৈরনির্যাতন ও বলপ্রকাশ লাজসিতেছে; এত দিনেও যখন দিগোর চৈতন্যোদ্যা ইইল না, তখন দিগোর গ্রণ্মেণ্টের অবল্যিত রাজ র পরিবর্ত হওয়া আবিশাক। বিং-

উপারীন্তর গ্রহণ করা অবশ্য । সেউপায় কি ভাষা নির্বায় হরিবার প্রভাব ধর্মসংক্রিক্সপীলে যে এক

वेदमह चाप्प मगर नरह, এङ फिरन

ংপ্রের ধর্মন পৌরাস্থা কমিতেছেনা.

পঞ্জাব গবর্ণনেটের অধীনে যে একবতন্ত্র দৈন্য রাখা হইয়াছে, তাহা
চ উপকার অথবা অপকার হইতেছে,
বের বিবেচনা করা কর্ত্তনা । যে
নিয় সর হেনার লবেন্দ এই পৃথক
দলের সৃষ্টি করেন, তাহা আর
নিমা কালের ইউরোপীয় বার্ণন
পরক্ষার যে সম্ম ছিল, রাজপুত্রার
বি অন্যোধার তালুককার দিলের
নিয় যে সম্ম হইয়াছে, পঞ্জাব

মতের সহিত বনাদিবের সেই সয়জ ইয়াছে। যুদ্ধে পরাজর বরিণা কয় করা দও বটে: কিন্তু পাঠ। বলকাল অবল্লি এট দও দেখিলা তেছে, সূতরাং ইলা ভাষাদিধের সামানা বোধ হয়। এইমাত্র দেবে ভিতি থিত দৈনাগণের সহিত বিলয় একপ্রধার প্রতিয়োগিতা

উঠিরাজে। বনোর। অবসর পাই রৈনিবটাতন করে, সুতরাং সৈনোর। ও কের, বনোরা ভাষা বৈরসংধন

करतः व्यंत कान व्यञ्जनाली करतः व्यंत कान व्यञ्जनाली मण्डे लोतासकाती संक्रुक म्हुस्मन,

বিচরেন্তরে দর্ভর ন্যায় মনে

তরের সঞ্চার করিয়া দেয়; কিন্তু পঞ্চা বের, স্থানীয় সৈনাগণ যে দণ্ড দেয়, ত হাতে তালা গ্র না । ব্রিটিশ গবর্ণমেন্ট বনাদিগোর অপেকা কেবল বলে নয়, তদ্রভা ও ধর্মনী ইসম্বন্ধেও যে সহস্র গুণে প্রদান, বনাদিগের যত দিন এ সংকার না জ গতেছে, তত দিন যত দণ্ড দাওনা কেন, কিছুতেই তালাদিগো দৌরায়া দুর লইবে না। পঞ্জ বের স্থানীয় সৈনাগণ হইতে এ সংকারের উদয় হইবার সন্তাব না

নাই। আর এক কথা এই, পঞ্চাবের কর্তৃ পক্ষে। এই সংকার আছে, মধ্যে মধ্যে সহস্র সহজ্য সৈন্য এক জিত করিয়া বল-প্রদর্শন কবিলে বন্যাগ ভীত হইবে।

দে সমবে তাহার। ভাত হইতে পারে সন্দেহ্নাই ; কিন্তু সে ভর স্থায়ী হর না।ভারতব্যারি গ্রণমেণ্টের কত বল

ত'হা তাহারা জানে, পর্বতভিন্ন অন্যত্র তংহারা কথনই সম্মুখ যুক্ত করিছে সাহসী হয় না। তংহারা এটা যেমন জানে

২০,০০০ দৈনা একলিত করিয়া রাখিতে পারেন না এবং যত দিন ভাহাদিলের পর্যত থাকিবে, ১ত দিন তাহারা নিরা

ইচাও তেমনি জানে, গ্ৰণ্মেণ্ট সর্ল।

পদে পাকিবে। কেছ কেছ বলেন, উহাদি পার দেশ আসামাৎ করা। বর্তুমান অব স্থায় এটা করা অভিশায় অবিচেনার কাজ

ছইবে। রুণীয়েরাজনশঃ অন্তসর ছই তেছে। এ সময়ে আকেগনেদি**গে**র সহিত

সুহান্তাবই করেবা। তাহারা যদি জানিতে পারে যে, ত্রিটিশ গ্রণমেন্ট তাহাদিগের স্বাধীনতাহঃ শে উদাত হইয়াছেন,

তাহার। তৎক্ষণাথ রুশীরার অনুগত হই বার চেকী পাইবে। তাহারা যে রুশীয়ার

অধীনতা স্থাকার করেবে, ভাহার বিশেষ কারণ এই, আকেগান ও পাঠানেরা স্বভা

কারণ এহ, আকেগান ও পাঠানের স্বভা বতঃ লুঠ ভাগ বাসে। ভারতবর্ষকে

ত:হারা বরাবর লুগিত করিয়াছে। ভারত বর্ম নিকটে আছে। লাহোর, দিলী

প্রভৃতি স্থানকে আফগানেরা স্বর্ণ জ্ঞান করে। অভতএব কুশীয়া নার ক্ষমতা স্থাপিত করিয়া এই ব্ নোভ প্রদর্শন করিলেই আফগ পাঠানেরা মে:হিত হইবে। ইংল ন্যায় রুশীয়াও প্রাক্তিত জাতির হুইতে বৈন্**সংগ্রহ করিভেছেন।** । শের সিপাহীরা পাঠান ও তাতার দিগদে ভয় করে। এক্ষণেই ভ:রভ সৈনাগণ সেই সেকেলে বন্দ্র য পাঠানদিগের অপেক্ষাকুত উৎকৃষ্ট 1 লের নিকটে যাইতে সাহসী হয় যখন রুশীয়ার সেনাপতিগণ এ সৈ গকেরীতিমত শিকা দিয়া সর্বোগ অব্নহ রণকেতে অনেরন করি তথন কি আফগান ও পাঠানেরা সং উৎসাহসহকারে ব্রিটিশ গ্রণ্মে বিপক্ষভাচরণ করিবে না >

ভবে কি কর্ত্তবা : আমীর সিয়ার সিংহাসনম্থ হইয়াছেন। উ.হাকে ছারা সাহায্য করিয়া পাঠানদিলকে ত অধান করিয়া দিবার চেফা পা কর্ত্তবা । সিয়ার আলি সপক থা রুণীয়েরা কথন হিরাটের এ দিকে আ সাহসা হইবে না। এই সীমান্থিত জ্যোরও ক্রমে লোপ হইবে। সিয়ারণ স্বাংই সে বিষয়ে যত্ত্বান হইবেন।

> শ্যামনগবের ছুই টনাসংক্রান্ত কমিটির বিশোট।

পত বুধবারের কলিকাত। গেও শামনগরের হৃষ্টনাদংক্রান্ত করি রিপোর্ট প্রকাশিত হইয়াছে। অ যে শঙ্কা করিয়াছিলাম, তাহাই য়াছে। কমিটি ষ্পোচিত অনুস্বাধি সাক্ষীদিগের রীতিমত জ্বান্ধশী করেন নাই। রেলওয়ে ক্ষাচারীদি অনেকের নিকট হইতে লিখিত প্র উত্তর গ্রহণ করা হইয়াছে। এতদে দীদগের কেই কেই কুফিয়াতে হত

হে লইয়া যাইবার কথা ব**লিয়াছিলেন** ; স্তুকমিটি ভাঁহাদিগের কথায় বিশাস রেন নাই। এ সম্বেদ্ধ কাহাকেও একটী শুকিজ্ঞানাকরা হয় নাই। যিনি যাহা লিয়াছেন, ভাহাশুনা ও লেখা হই-ছে, এই মাত্র। গ্রণমেন্টের পুলিষ র্মালারীরা **টেসনে** প্রবেশ করি**তে প**নে ই বলিয়াছেন, কিন্তু রেলওয়ে পুলি ার অব্যক্ষ ধে বাক্য অস্থীকার করাতে মিটি ভাঁহার কথাই প্রমাণ করিয়াছেন। উরোপীর সাক্ষী, দিগের কাহার প্রতি কটীও কেরা করা হয় নাই ; অথচ াছাদিগের বাকোর পুর্ব্বা**পর বিলক্ষণ** ববেশধ দৃট ছইভেছে। এই ছুৰ্ঘটনা উপ एक कि कोइटन अटम भीत ममा**ज**गर्था গুলুকানেবালনহয়, কমিটি ভাহার বৈাংলা করিতে পারেন নাই । ভাঁ≢ারা যেম্যসংকারে কচিয়†ছেন, ক**তকভালি** ত্রিলঃ ভারত**ধ্**রীয় কি**জনা মি**প্যা াক্য দিয়াছেন, ভাষা আমরা বুঝিডে ারিলাম না। ভাঁহাদিলের এপেড সাক্ষ্য হসে মিথ্যা হইল, ভাহার কারণ নির্দে ণ্ড হ্র নাই। কুন্টিয়া হইতে **শ্যামনগ**র যিন্তে ২৪ ঝানি শকট আইদে; কমিটি রলওয়ে কথচারিদিধের এক প্রেরিক ালিকার উপারে নির্ভর করিয়া ভা**হাতে ৭২ জনমাত আরোধীছিল ভির ক**রি চ্ছেন। কিন্তু প্রত্যেক ফৌ<mark>দন মাউারকে</mark> াহবনি ক্রা জাবানবন্ট গ্রহণ করা ধকভঁর ছিল, তাহা করা হয়নাই। জ্যোবিত রিপোর্টের যে এইপ্রকার পরি-াম হইবে, আমরা প্রারভে**ই ভা**হা রুমান করিয়াছিল।ম। অভএব ইহাতে ামাদিগের বিষয় জন্মিতেছে না।

ভ বাবু প্রসন্মকুমার ঠাতুর। 🔻 বঙ্গদেশ আর একটা উপযুক্ত লোক

शता इटेटलन । গত ১৫ टे ভाज त्रियात বেলা১০ টার সময়ে প্রসিদ্ধ বরু প্রসর কুমার ঠাকুর বংবারলীলা বস্তরণ করিয়া ছেন। জীহার ৬৩ বংসর ব্রুক্রম হইটা ছিল। তিনি যেমন ভীক্ষবুদ্ধি ছিলেন, তেমনি শুণও অর্জন করিয়াছিলেন 1 जिनि त्य तक्वल अर्मभोद्यम्त्भतं निक्टि লকাহতিও ছিলেন একণান্য, রাক্ষা রেও বিলক্ষণ প্রতিষ্ঠালাভ করিয়াছি লেন। রাজপুরুষেরা ভাঁহার তাণের সম্মানার্থ ভাঁছাকে সম্মানতিইদ্বারা অস ক্ত করেন। উচ্চাকে বন্দেশীয় ওভার তব্দীর ব্যবস্থাপক সভার সভাপদ এদান করা ছইয়াভিল।

সংস্কৃতের প্রতি তাঁহার স্বিশ্যে অসুরাগ ছিল। তিনি মূলাজোড়ে একটা সংফুত পাঠশালা করিবার নিমিত যে দেত লক্ষ টাকা দিয়া গিয়াছেন, তদ্ধা-রাই তাহার স্বিশেষ পরিচয় হইতেছে: আইনেও ভাঁহার বিলক্ষণ পার্দশিতা ছিল। তিনি স্বয়ং ওকালতী করিয়া **ष्ट्रातक व्यर्थ डेश** डिल्स करतन, व्यर्ग व्यना लाकटक्छ चारेनमः काच विवस्तत हेश (मम मान कतिएकन। **এ**विग्राध उँवित স্বিশেষ অসুরাগ ছিল। ইহার উৎসাহ ৰদ্ধনাৰ্থ তিনি প্ৰেনিডেন্দি কালেজে আইন শিক্ষার্থ তিন লক্ষ্ টাকা দিয়া গিয়াছেন। তাঁহার আইন ও ব্যবস্থা সম্বন্ধে সম্প্রক অনুরাগ থাকিবার অপর প্ৰমাণ এই, ডিনি সংক্ত দায়ভাগাদি সমত ব্যবস্থা সম্বলন ও দায়ভাগাদি করেকথানি এন্ডের মূজ্ণ ও প্রচারণ করিয়া পিরাছেন। তিনি খন্য খন্য ব. ক্রি कुछ अञ्चारात्वित्रसाड देशमाहमार् विश्वश्र किटलन न।।

তিনি আভাতপ্রতিগালক ছিলেন, মৃত্যু কালে ভিনি আপেনার কমচারীদি গকে আগন আপন দশ বৎসরের এপে

ছেন, তদ্বারাই তাঁগার আঞ্চিত বাং মপ্রমাণ হট্:তছে।

ীঁ 🛪 অব্রুতি পর্য ছিল। ভ তিটা দেখিলে এরপ বোধ হইছে, বেন ফুটিয়া বাহির ছইতেছে। বি ভাদৃণ বৃজিমান হইয়াও চিতদৌ বিনিম্ভি ছিলেন না। প্রথম নৌকলা এট, তিনি আচার ব্যবহা কাৰ্যাহারা হিন্দু ও ইংরা**জ** উভয় **য** उ**हे मानावश्चरतत (४४) शाहेर** ए দ্বিচীৰ, তিনি অস্ল ঐশর্মের অধি **হ্**ইয়;ও একদা ব্যবস্থাপক সভার জন সহকারী কর্মচারীর পদ গ্রহণ য়:ছিলেন। তৃতীঃ, তিনি যে উপধ মস্তাকে চরণামাত করিয়াছিলেন, স সময়ে ভাহার নিকটে মস্তক নত ক भरमोलारज्ज (एक्टी क्षिर्डन।

----;0;----रेष्ट्रेरेलियान कारमामित्यमन।

়লওনস্ইউইতিয়ান আমোদি নের ক্রমশঃ যে উন্নতি হ্ইতেছে, এব রিপোটভারা ভাষা স্পাত স্থামাণ তেছে। এবারকার রিপোটে দুই একণো নিবিভাৱ ৫১৪ জন সভা ব ্ছন। ভথাবো ৩১০ জন ভারতব এব- ২০৪ জন ইডরোপীর। ভারতব म**्छ**।র মধে। বেশে। ইংশর সভা শবর তথ্পরে বৃত্ধকো, তথ্পরে মানুর্তি দাবিশ্বতো ভারতব্বীর সভেরে পারিমার কুল্লি হইবে, ভাতট ভারতে ওয়াতিভাৱ ১৮ ্বাটিত হইবে।

अब दिराति महा करत्वकी " প্রবন্ধ প্রকৃতিত হটাট্রে : এবল প্র ৰাৰু উদ্দেশ্য দ্ব ্ৰাকাৰ (বিবাহের নি মা পর্যনে বানর 🕿 कांद्रशास्त्रः हे भिन्न मासुव आध महाक्षा प्रयोज्योत, पश्च त्याम (काम दिन्छू বিদ্যাবতা ইউলোপয় সুবভার প্রায় বেতন এক কালে পুরস্কার দিয়া গিয়া বন্ধ হইবেন, তথ্ন ভাঁচার প্রথম বি রিতে দেওয়াক ইব্যাতিনি এই যুক্তি আছে ? শলা সা**হেব এত ছুপলকে** া, ইংলভে ডাঁহার মনোমত এক

নিং স্মান্ত পরিচয় হইয়াছে ; কিন্তু ্রী কন্টক স্বরূপ হুওয়াতে জী রমনীৰ পাণিঞাহণ করিছে তেছেন নাঃ জীলোক ও যদি মনো সামিলাভ নিমিত্ত এই বিবাহ । পরিবর্ত্ত প্রার্থনা করেন, ভাষা ৰ ৰমাজেৰ কি অবস্থা ঘটিৰে ৭ গীয় জ্রীগণের উল্লেডিশাধন করিবার াকি অধিক প্রশংসনীয়নটে ? যে শমনোমত শস্ত্রীর ভৌতে এথম िष्ठ ८६ फाल कहिटक शास्त्रम् कि उपरायका छे दक्की हो भारेटल

ণার অভিপ্রায়ের বিব্য অবগ্র 'কোন সন্তার ইউরোপীয় রমণী র প্রিতির্বে **মন্ত ১ইবেন না**র व ठील १८ इ. म माजा है नारवाकि **७५८मंत ऋटक व्याविधितिहास बूटफा**र ারের কিয়দঃ শা নিকেশের প্রতি চারিলাডেন। তিনি সে যে গুলিক এ দ কংলে ভালার জুল ভালেশা এই, 🏾 हाइ**डबर्ग व**ाह मिर्**लन कानाफ्**।

व पञ्चीतक छात्रा करित्र । भारतन

উমেশ বারু নিশ্চল জানিধেন ভ হা

ভিনাদেন কেন∀ যখন ই∙লও জন দৈনিক দিলে ভাছাৰ ৰায়েলন, রাজ নালাইব কেন ৭ যদি আছে গৈনা নপে প্রেরণ করিকে ক্ষতি নাহয়, তাহা ভাহাদিগকে রাখা হইতেছে কেন*্* ভাই এক কথায়ে অদেশীবদিগের

চ অভিহাৰ ব্যক্ত করিয়াছেন, 🖟 থ্ৰাচণইডে পাড়িলেও যদি **বাঁচ**;ন

ন করিয়াছেন। ভারতবর্ষে বালাবি বিলেন, অপে টাকা বলিয়া মহাসভা র রীতি থাকাতে স্বাধীন ইচ্ছা চলে কিছুবলিলেন না। অধিক হইলে উঁাহারা শেষে পত্নীর সহিত প্রাণয় হয় লংতেননা। নো সাহেবের বাক্যের এপ্রকার শৃস্কো পুরুষকে বন্ধ রোধা [।] কি এই অর্থ নয় বে, ভারতংক্রি হ**ই**য়। চ। তিনি আক্ষেপ করিয়া বলি । প্রতিবাদ করেন, **এমন লোক মহাস্ভা**য় माहे बलियाहे अहेत्र म स्ट्रेटल्ड ?

> ভূতীর, কাতিওয়ারের হাজগণ সর বাউন ফ্রিরেকে এক অভিনন্দন প্রদান করিয়াভেন। এই বিষয় লইয়া সকলে স্থ ৰাট্ল ফ্লিলেকে ধন্যবাদ দিলে তিনি প্রানুতরদানের সময়ে সে যে অভি शांत्र अकान करतन, डांडाएड डाँडात शकातायुरत श्रीकात कता इहेबाएड, প্রজার প্রতিনিধি হ্টগ্রা শাগন করিলে ন্দ্রের অনুত্রহ হয়, এই শাননপ্রণালীই ভারত্ত ধ্র্যর পক্ষে প্রকৃত প্রধানী।

> **ह दूर्श १८ व म**ह कार्यत हरेग शाना वही थानन कतिवात विषय लहेश। वंख्नुकः করেন। সর ভার্থর কটন গান্ত্র'ভের সে কাজা করিয়াছেন, তাছার প্রেশ্না कति, ह इहेर्र गर्मह गाहे ; कि खु कथी **এই हरेटउट्ड, शानावडीटउ स्य स्विधा** হুইয়াড়ে সুর্বুত্র যে ভাহাই হুইবে ভাহার अभाग कि १ देखिनियदशर्गर अ विषद्य मञ्राज्य इत्रेशार्छ।

> বোরাইরের শিক্ষা প্রবালীর প্রস্তা বটী অতি উত্তম হইয়াছে। ভারতব্যের পর্বেভ্নমুদ্রে উপযোগিতার বিনয়ে যাহা বলা হুইয়াছে, অনেকাংশে তাল স্থা-বং বলিয়া প্রজীয়মান হইবে। ভারত-বর্ষে ইউরোপীয় উপনিবেশ করিবার চেন্টা পাওয়া রুপা।

> > खांख ।

वक्षीयम्पात रेमहिक 😁 ्रांड। धन श्रेनानी।

পূৰ্ব্যস্থাৰে লিখিত হইয়াছে, এদেশ ু, ভদপেক। অপ্রায় আর কি অভিশান নিয়া সামান্য বর্ষার জলে জলা,

পরিপূর্ণ হইয়া উঠে। আবার বর্ষারজে স মধ্যে কিছু বিশেষ অসুবুল হন। কোন টে বংসর এত বারি বর্ণকরেন, যে তাহ দেশ ভাসিয়া যায়। অন্যান্য সুসভ্য ও कल निःमत्रावद राकश शर्थापि जाएक, ভাগ্য বঙ্গদেশের প্রায় কোন প্রদে সেকপ নাই। পগার ও নন্দদীশুলিই শের প্রধান জলপ্রণালী। ভূর্ভাগ্যব সেগুলিতেও গোলবোগ ঘটিয়াছে। প্রত্যেক গ্রামর বাহিরে ও ভিতরে প্র অপ্রাকাশ্য নানাবিধ পথ আছে। প্রায় ব পথের উভয়পাথে ছোট বড় নানাক নৰ্দামা পেগার) দেখিতে পাওয়া ব এতদ্বিম্ন উদ্যানাদির চারি ধারে উক্তপ্র পগার থাকে। এইওলিই এখানকার গ্র ষভ্যস্তরত্ব জলপ্রবালী। পূর্ব্বকালের লো প্রায় প্রতিবৎসর ঐ পরঃপ্রণালীর সংকার (মেরামত) করিতেন। এ ভাগের ও সাধারণের মা কওয়াতে শংকার হয় না ; স্থ নরাং অশেষবিধ ুতা লতা এলুমাদি জিমিয়া থাকে। এই এপ্র লি এক প্রকার আরণাবৎ হইয়া য়াছে /বর্ণার অধিকাংশ জল ইহাদের ম পাকিয়া বার। এই জলে উক্ত উদ্ভিক পত্রাদি এবং অংশেশবিধ মৃত জীব জস্ক গ একপ ভূপালা হর ও এমন ভ কার ধারণ করে যে, নিকট দিয়া যাইতে ও ঘূণার উদয় হয়। বিজ্ঞ চিকিংস কহিয়া থাকেন, যে পুরাতন নর্দ্রামা হ হাইড্রো দালফরেডেটপ্রভৃতি নানাথ গ্যাস উপিত হয় সেই ব স্পান্সুৰাশ পক্ষে বিশেষ অহিতকারী : মন্ত্র্যা কি, স

বিল, খাল পুক্রিণীপ্রভৃতি ভলাশয়

হইবে বিচিত্ৰ কি ? ষিতীয়। নদ নদী ও খালগুলিই এ ে প্রধান জলপ্রণালী। পুর্কো গ্রামের যাবতীয় জল নানাবিধ্ আংবর্জনাসহ মধ্যে পতিত হইত . পরিশেয়ে তা

পশুপক্ষিদিগের শরীরে যদি কোনপ্র

তাহাদের স্বল অংশ প্রবিষ্ট হয়, তাহ

লেও তৎক্ষণাৎ তালাদিদের মৃত্যু

এদেশীয়দিসের

স্বাস্থ্যব্য

বম ব্যতিক্রন ঘটিয়া উঠিয়াছে: কেদার তি, দামে দর অভয়, মাতাভঃসা, সর্বতী বং কাণানদীও মগরা এবং বালি ১ ভৃতির अर्थ व गांगांकांद्रत अञ्चल के हेवार्र । ষিকার্বোর স্থবিধাজনা ক্রষকে:া এবং জনী রের স্থানে স্থানে বাঁধ বন্ধান করিয়া কত ওলি স্রোভাদি বন্ধন করিয়াছেন। কতক লি বভাবতঃ নজিয়া গিয়াছে। অবশিষ্ঠ হকগুলির স্রোভ রেলওয়েপ্রভূতির সেতু-বা সাবক্ষ হইয়াছে। জলপ্রণালী গুলির গুখলতা ঘটাতে পলাগ্ৰামগুলি বৰ্ষাকালে লেয় সালপ হইয়া উঠে। প্রায় য¦বভীয় স্থের বাটীর ভিতর কোথাও এক কোগাও ততোধিক হস্তপরিমিত কর্দ্দম হইয় ক: স্থানে স্থানে রাশি রাশি জলও দেখা । পথ ঘটিগুলির কথা কি বলিব, বোধ র, তাহাদের অবস্থালিখনে শেশনী গন্তই ১ক্ষন। এ দেশে ইঠকানিনির্মিত অংশেকা মৃতিকানি আহি পথই অধিক প্রকাশ্য কি অপ্রকাশ্য উভয়বিধ পথের ন ছানে নে।কানি কল্যান্যকল অসনা সুগ্রিসিক্রিয়া থাকে। কো**ধাও বা** ব্যাদি জীব : গুগণ মস্তরণস্বারা পারাপার नः नः कः इरण वाजीय धवः পर्धतं कर्मन ভল পতিয়া এৰপ বিক্লুত ও পুতিগন্ধি যে ভাষা সপশ করিছে এবং ভাগতে পণ বাংতে নৰে:মধ্যে বিষম শক্ষা এবং त छित्र २३। उटन अस्ति श्रीप्रसिदात महि গুণ কিছু অধিক, সেই গুণে এবং অভ্যা গুএ ৰূপে স্থানে বাদ ও এ ৰূপে পণ দিয়া য়াতকরির। থাকেন। যিনি বর্ষাকালে आस्मत अवका कार्या कार्या । ই আমার লেখায় ি**শ**াস করিবেন। ণ সভাৰতঃ আছ', ডাহাতে প্ৰতিৰংগ্ৰ কমিয়াখাকাতে আনারো অস্থিক আনুর্ উঠিতেছে। अ.नक श्रविक टिकिएम्स , আছে স্থান চইতে এবং পাশ্ব ও জ দেবাপটিয়ামেলিরিয়া নামক এক র গ্যাস উবিত হয়। এই মেলিরিয়ার

বে ঘারবাসিনী, .দায়ারহাটা, বারাসত,

ছাতপ্ৰভাবে নানাস্থানে যাইত, একণে

ই বুবেড়ে, হগ,ল প্রভৃতি দেশগুলি একেবারে ছারখার হইয়া গিয়াছে। তাহাদের ছ্রবস্থার কথা মনে পড়িলেও মন ব্যথিত হইরা যায়। আজিকালি প্রায় প্রতি এদেশেই বংসর বংশর মারীভয় উপদ্বিত হইতেছে। প্রতি বংসর যে দেশের কত শত লোক নিধন প্রাপ্ত হইতেছেন, তাহার সংখ্যা করা নিতাস্ত কটিন। আবর যাঁহার। জীবিও আনছেন, ভাঁহা দের কথাই নাই। এমপ ভগ্ননরীরে জীবিত ধাকা আনে নাথাকা উভয় তলা, সে কেবল বিজ্যনামাত। দেশের এই ছুর্টনা নিবার ণের অনেক দিবসাবধি অনেকপ্রকার উপায় হইতেছে। স্থানে স্থানে এপিডেমিক ও মেনিটারি কমিদন নিযুক্ত হইতেছেন। তাঁহারাও সময়ে সময়ে জঙ্গন পরিকারের ও কনলীরক্ষকর্তনের পরোয়ান। করিতেছেন; অথচ অভিপ্রেত কার্য্যের কিচু হইতেছে ন.। ভয় এই পাছে গবৰ্ণমেন্টের লব ণের গোলার আগুন লাগার ন্যায়ই বা হয় দেশের লোক সকল মরিয়া ধাউক, পশ্চাৎ একটা সংপায় হইবে। ভাল পুর্দ্ধেও ৮ এ দেশে জঙ্গৰ ছিল এবং কলাগাছও ছিল, তখন একপ পীড়ার ও মতার প্রাভূর্তাব ছিল কি : যদি তাহা না থাকে, ভবে জল প্থ ভিন্ন আর কি কারণ হইতে পারে ১ এটিন ব্যক্তিরাও কহিয় খাকেন যে তল্নিগমিন পথ না থাকাতেই দে:শর একণ দুর্দ্দনা হ তেছে। অতএব গ্ৰণ্মেট ও দেশস্বাজা জনিদার, বণিক্ এবং অন্যান্য ধনবান ব্যক্তিরা যদি জলপ্রণালীগুলির প্রতি দৃষ্টি করেন, তাহা হইলে দেশ হথের স্থান চয়, কুষি বাণিজ্যপ্রভৃতি কার্য্যগুলিরও স্থ্রিধা হয়; বংসর বংসর অসমেকসংখ্য জীবন্ড রকা হইতে পারে। অতএব গ্রণ্মেন্ট ফল প্রবালীগুলি পরিদার করিয়া দিন। এগুলি যেমন ব্যয়সাধ্য তেমনি স্বার্থ জনক ; বংসর বংশর অনে: অর্থলাভ হইতে পারিবে। দেশের গোকের নিকট কোন কথা বলা व्यद्रदेश द्वीनन न्याय निक्तः । ব ব†ব ইহাদের যদি উ**মতিসাধনের** [দেশের

উন্মত হইয়া নৰ্দামায় পতিত হইল কুকুর আসিয়া মৃত দেহ বিবেচনা তাহাকে দংশ^{্ন} করিতে লাগিল। দ শনের ফালায় অক্রেইল, নিয কোন উপায় করিতে পারিলনা। মধ্যে মধ্যে কালীকে শ্বরণ করিতে এবং কুকুরটাকে গালি দিতে লাগিল নের দেশের লোকের আয় অবিকা व्यदक्ष घडितारकः। कन अनानीत व्यक्षार ছার খার হইয়া যাইতেছে। ইহারা ঘরের মেক্সেডে পঞ্জিয়া পঞ্জিয়া কেবং মেল্টকে গালি দিয়া থাকেন। অধিক করেন ড কষ্ট করে রক্ষাকালী পুজা शांदकन। इंडॉएमत इस, श्रम, वृद्धि धव আছে, অখচ কোন উপায় করিতে প ८इन नं । भवर्गस्मत्ते ≷शास्त्र উঠान, ० **জন**্ণালীগুলি পরিষ্কার করিয়া দিং हेर्हो है। निरम्छ क इन्नार्थत नाम् থাকুন ; ইহাই ইহাঁদিগের পৌরবের

--:0:--

विविधमः वाम ।

३५ हें 'इस् (भाषतीत्। ·

उद्दर्भाक्षणां वा अक वा कि भवनं त नारम ना तीन कहा प्रभाव खाएक हैं। १००० हो के का किए त्या कि की भारेषाहि भागीन कहा है। इन्हें किए की स्माद्वरण अके मुम्छ के विषय अमिन क छ हेमां में ना का नम्राहिम या आभी त्यां सही के के मार्थ के कि मार्थ किया की मार्थ का ना है भवनं के हो की कि सम्माद्व के हा कि हा हिम्स का की सम्माद्व के हा कि साम्माद्व के सामाद्व के सामाद

'हाभग्नेश्वात संग्रंड हम्मन्त्रे श्र रहेश अस्तर अन्तर्थ मानुबार अस्तर उक्रात्रक वर अन्तर्भातन महे क्षियार्ड । श्वात्रत्व कर्मक 'बामिटे ह्हेश्वार्ड । अक्षी । भूद्र उम्र हहेश्वा । महार्ष्ट् ।

ব্র বিশ্ব বরার ন্যায় নিক্ল। কলিকাভাব পুলিধ সম্পতি কয়েক দল ইহাদের যদি দেশের উন্নতিসাধনের ক্রীড়াকারীকে গৃড করিয়া উভ্য কাজ করি ইছা থাকি ব, তাহা হইলে দেশের প্রদানা ছেন। ইংগিগের সকলের জারিমানা ও ক্রী এ রূপ থাকিবে কেন ? এক ব্যক্তি মদিরাপানে | টাকাপ্রভৃতি বাজেআ প্র ই্য়াছে। ন। ঐ স্থানে অনেক্ণলি ভাবা দেখিছে ষ্ধু: ট্রেল স্থাকল ভার পাইলা পুরুষ্টি ্বিলায় বিভায়পুরে সম্পূর্ণ অস্ত্রীর 🛊 ল। এমন ক্লিকুই কাছার মুখ দেখিতে अनकत विदित अञ्चलक मनदम् स्टिम् हिन ग।

, कार्यंत्र सार्व्य ऋ**ेलर**्यं व्यापर्शक ৰ এতিনিধি সইয়াচেন। কা**ংগল** সাহেব तर्भव रक्षभञ्चनात्र चेरोडमा (प्रवाद ব স্প্রভাগ করিয়াকে। ভারভব্যীয় ভূগৰ একৰে কৈ বলেন গ প্দীয় **গিরজ।** বুৰ সংখ্যা কি আনাবোড়া কৰিতে

বংগাং মানুধ্যের বেলিস্টারি বিভাগ २.५८.७५३ होका व्यापाय छ। २२२००० ার হয়। সর্বাত্র বেজিষ্টারিটেড লাভ হই-প টাক্রন ড রেলিটরিব ফীক্মান কিনা, ভাষা একণে বিবেচনা কৰা

বোজাতির সভিত যুক্তে সেনাপতি ওয়াই হত হইয়াছেন বলিয়াযে জনরব ইং, মুদ্রক। বনগের পলায়ন করিয়াছে।

তুনবুরার ডিউক আগামী শীতকালে ভ'র আসিবেন, নিশ্চয় হট্য়াছে: গ্ৰৰ্ণয় জেন র্মিত শেষ দরবার**টী স্থ**গিতে বাথি*লেন*। আলিলে যদি ভাষার ইন্ডা হয় ও দরবার

মরা আঞ্চাদিত হইলাম, ডোট নাগপুরের রের সহিত একখার যে বিবাদ হটপেডচে, भीभारता कता इटेटरा (सव भीमारता ी घटनमात्र छ विना इहेटत न 🧸

वे दूरहेन ८६० ना स्थल का हे छै (दाशी प्र কু এক জন মালিকে ১৯% বলিম্বা পুলিকে বিচা**রের সময়ে এ**কংশ পাইল, মার্লী বি স্থইনহোর ভূত্য ছিল। তিনি তাংকি ার ভৈলে ১৫ দিন আলোক দি.ড সেবলে ভাগা হইতে পারে না: ভনি, किएक अमृहाङ काद्रश्च विवि ज्ञालन स्मर्थ তির এহান্তুসকান করিছে। বলেন। মেথর ্ন কাংখ্য ডে(হার ওহ খুইডে একখণ্ড বাহিঃকরে : বাস্তভঃ দে মালিকে জব্দ দলিয়া এব নি ডগ'য় গে'পনে রাখিয়া প্রাদ **দেয়**। মাজিটেট র্য**টন প্রভা** যুক্ত কবিয়া বলিলেন, গলকার চরেণ্ড

ভাদ শোলাপুরে পুরোর প্রায় স্পুনাস বিলেক্ষেই হইয়াছে। এরপ মিখ্যাপবাদকারীদি । দে নামক যে বাজি ছতি ভালাইতে যায়, য

इंटियान रिजनिवेष अवन कवियारहन, মাজনাজ গবর্ণমেন্টের অনুক্রণ করিয়া বঙ্গদেশীর ! লভে ২৭০০০ আরোহী কনেপুরে গমনা গবর্ণমে ট অব-স্থ জলদিগকে কৌলদার বিচারের ক্ষতা দিবার প্রস্তাব করিয়াছেন। তাঁহারা रेडेरवाभीय ७ जारमित्रकानिमात्र विवास कविएड পারিবেন না। অন্য জন্য বিষয়ে সেসিয়ন জঞ্জের অদীন হইয়া ভাছারা বিচার করিবেন। ইউ রোপীয় ও আমেরিকানদিগের অপরাধের কি বংশ্য বৈলক্ষ্য আছে? যার ভার কাছে কি সে বিচার হইবার যো নাই 🤌

সম্প্রতি মুকুরিতে অভ,ত ভূমিকম্প ২ইয়া ছিল। কণেপর সময়ে কামানের গোলার ন্যায় শব্দ হয়। কোন ক্ষতির সংবাদ আইসে নাই।

लियुन्युद्ध वर्णक, छाकमाञ्चलत नाम शवर्ग মেন্ট একবিধ মুলো সার্মক্র টেলিকাম প্রেরণের নিয়ম প্রবর্ত্তিত করিতেচেন। আপাওতঃ দশ্সী कथात्र मातः अकविष मृला लक्ष्मा इहेरव।

এখানে চতুদ্দিগে অল। কিন্তু উক্ত পত্ৰ আফেপ করিয়াছেন, আলাহাবাদ বিভাগে জন্য द्रकिनिवसन अनामकत नहेशाय व्हेब्राट्सः।

नक्षिके इसम वर्णन, शक वर्ष व्यवस्थात्र ১১০৭ জন সপদংশনৈ ও ১৫৯ জন ব্যায়গ্রাসে প্রাণভ্যাগ করিয়াচেন। সপ্দিষ্টদিগের মধ্যে प्रीत्नारकत् मः स्वता अधिक। आत्मक भिन्छ त्राष्ट्र ধারা হত হইয়াছে : গদাবিভাগে নেকজিয়ার সংখ্যা সন্মাপেকা অধিক : কিন্তু লক্ষ্যে, উনাও हत्तर है, मञ्जूषावान **७ छ्**नजानशुरत्र (श्रीतांचा। रफ़ कम बाहे।

প্রলিক্ওপিনিয়ন বলেন ও ই আগেষ্ট প্রভা বের প্রায় সকল স্থানে ভূমিকম্প হইয়াছিল।

উজ্জ পত্র প্রবন করিয়াছেন জন্তা লেপ্ট নাট স্বৰ্ব ব⊲প্ৰের মধেঃ তিন মাদের আংধিকা প্ৰক্ৰ বাদ কৰিছে পাৰিবেন না। নান্ধাৰ্ড (वत ना'स এ खनतरन चांत विश्वाम कर ना !

ভালভলায় ওলাউঠাব আছ্রাব চওয়াতে ক লক্ষাভার পুলিষ কমিদনর ভেপুটা কমিদনর ; ও আছেরেকক ভথার গ্রিয়া একটা চিকিং সালয় স্থাপন কবিয়াছেন। দরিদ্র লোকের। ভথার বিনা ব্যয়ে উদ্ধ পাইবে।

গিরীশচন্দ্র মঞ্জ ও কেলারনাথ মিত্র নামক ্য ছুই আছে। চারেসন সাহেত্বের নামে ১০০০ টাকার এক ভব্তি জাল করে, আলাহায়ালের দেনিয়নে ভার্দিগের প্রথমের সাভাও দ্বিভী চোর ক্লা অন্নায় এটা নালীৰ কেবল বিষয় প**্চিবংসর মেয়াল ক্ইয়াছে। কেলারনাথ** বিজ্ঞা করিয়া জ্মণ করাতে মকবলাইট

গোর দিও ৰা, হইলে এ রোগের শাস্তি হইবে না ৷ বিকল্প প্রমাণ না থাকাডে সে মুক্ত ইইয়াছে ৰক্ষেত্ৰ পাখাবেল ওয়েতে গত এংব कविद्याहिएसन् ।

১৭ ই ভার মললবার :

नएको धोरेमन व्यवन कविशाएकन, अधि র'র ডিউক ভগার ১৫ ই নবেশ্বরের মধ্যে করিবেন : কিন্তু রাজ্যুমার এক দিবসের জ लरकोटस व्यक्तिरवस समा

छे रक्त में भिका कहेर कत खाहे के माडि কার্কউড সাহেবের বিরুদ্ধে ছটা প্রস্তাব লি ছেন। প্রথম, কার্নাউড সাহের বিলাডী ভো গাছ কাটিভেছেন , দ্বিতীয় ভিনি সঃকারী মায় কাহারও জল জাসিতে দিভেছেন না লকে বলা হইতেছে, আপন আপন বাটীতে কাটিয়া সধলা রাখেন। আমরা কার্কটিড স বকে এক জন উপযুক্ত কর্মচারী বলিয়া জ उँ। हात नाटम अधकात आ छ। खर्या मधान ह নিমিত ক্রা

ু ভোল নৈউস অবগত হইয়াছেন, ট ্**রেক স্থাহের মাজনাজের বারভীয় জাদা**র কার্য্যন্তিরের বংক্লাবস্ত করিবার নিমিত্ত বি **६३३**(८७न ।

हेक भद्र अवन क विद्यादनन, ১৮७० অব্ধ ১৮৬৮ অভের মাঠ মারপর্য ভ ষের কভগুলি উভরাধিকারহীন সম্পত্তি মেন্টে বাজে আপ্ত ইইয়াছে এব ' ভাৰা । কভ টাকা উঠিয়াছে, গখনৰ জেনবল স্থ গবর্ণমেন্ট্রমূহকে ভাহার এক এক ও .দতে বলিয়াছেন।

(हेलिकाम व्यक्तियाहरू, व्यक्ति महा वर्षतं भवर्गतं अन्तत् लातं भन्न भःहर्यन । ् ১৮ ই ভাল বুধবাক।

জান্তা শুন্নয়া আলোদিত ক্টর্ণন, एडाश कतिवाद श्रुट्स मदरूब ०.८.म গ্রেম সংশোধন করিবেন , স্কুদ্র ক্ষ্য মক त्युभ क्यान क्षेट्र , कि छ या कि होकात মার ট্রাপের সমান থাকিবো : ১৮৬১ আর্ড এটন অনুসারে যে পারমাণ বিরাক্ত ভিল, ভাষ্টে বজায় রাখা কর্ত্তনা :

অবোদ্যার ছই জন তালুকদার দালাও ভবস্তি করাতে উহাদিগ্রে সেলিয়নে ৫ इहेर उट्टा

দিলীতে কয়েক জন মোলা সরকারী ব

⊘})

রীদিসকৈ সতর্ক হইতে বলিয়াছেন। এ
কালনিক ভয় আর কৈত দিন থাকিবে?
লিকাডার পারশ্রমালয়ের অবংক বিজ্ঞা
য়াছেন, উক্ত বাইতে বেসকল লোক
তাহারা অলুমূল্যে বিশুদ্ধ প[‡],উরুসী বিজ্ঞা
ত প্রস্তুত আছে। অনেক ইউরোপীয়
চ উপকার জ্ঞান করিবেন।

সম্প্রতি সব স্থাকোড নর্থকোট প্রব্র लक्ष्य निथिषार्कन, मिविनियानिर्गत ন পরীকা এদেশে **চ**ইয়া থাকে ভাষা मार्भिका अभिक करिन इंड्या कर्ह्या। ল লোক পরীকা দিতে অসমর্থ হইবেন, দেগের নৈাম স্টেট সেক্ষেটারির নিকটে তে চইবে। ভাঁচাকে না জানাইয়া কোন কে উচ্চতর পদ দেওয়াহ্ইবে না। দেশীয় ।পরীকানামম:তাহইয়া থাকে। সকল त डिनांड ७ डिंश्टर स्टेस्टर कि 🗷 ভাষার সেই সেকেলে পরীক্ষক, <mark>সেই</mark> ল পুত্ৰ " এবং সেই সেকেলে প্ৰবালী ছে। অনেক ভুতন বিধিলিয়ানের কালাল। ्रेक्षा क्ष्मिरल (लारकत कामा आहेरन। কোক্র জনীদাব্দিগের উপরে করিলে भर्भायुङ्घ करे इंडेरन, ब नियस्य ८५लिमि छैन. ড়েন, জমীদারের। যাদ উপ্রতির প্রতি চঃ কংকেন, ভাষা ছইলে ভাঁচার বন এ আগাল⁴ এফাৰে অসং, **চইয়াছে**। এक्यांका अनेशा जुनकत्तिशत मांबड য়া বলোবাসের নিমিত যুদ্ধ করিলে জমী পর কেন ১১৪টাই সকল ছইবে না। ডেলি अभीकार्त स्थलाक्षीत दिवस्य प्राप्त कश्चिमन

भाष्ट्रसाहराज व्हर्त । यात्रकल शुक्ति श्रवती श्रात हैत्रागति । प्रमान श्रवती श्रवति । प्रमान श्रवति । कोशामगरक श्रवमान कोलात । यात्रक स्वाल हैश्रमान कोल्या थारकन । याली श्रामामिरगत श्रवात श्रवहाति कत्र। या कक्षत्र ।

সের প্রস্থাব করিয়াছেন, আমবা ভারার

অনুমোদন কারডেছি । কপট্রেনীদিরে

দকোর গেজেটে জার চারি জ্ঞা এডদেন হকারী কমিখনরেব নিয়োগ নেখা গেল। পুডকারী বিভাগের অভিরিক্ত সহকারী স্থারিক্টেণ্ডেন্ট 'ইইয়াছেন। আমর। করি নারায়ণদিন ভেওয়ারির ন্যায় ছই নে লোককে এইণ করা হইবে।

क्षत् अधारेमन त्रीत्रामक अक अन देवे

(तालीय छाइ। त निका खीत कमरात श्रांक कालिया निर्मूत स्वरात कताएक वालिकाणित मण्डामह जाशाक व्यालमात व्यश्नीत व्यामितात मिन्निक श्रांमक्षम विहातालए व्यात्वरूप करित्र । विहात लिख मार्कवि श्रदे व्यात्वरूप करित्र । विहात (इस, श्रश्चात नालील करित्र । श्रांकिकित्रक्षम किस काहा श्रीहा करित्रम । श्रांकिकित्रक्षम त्रिंदित महात देवाली (स्वत महार्थ)। क्षण्यकः वृक्षि हरेएक्ष ।

বাবু রাজেজনাল মিত্র ২৪ পরগণার মাজিতেওঁকে এক পত্র লিখিয়া বলিয়াছেন, শিকা
কর করা কর্জবা বটে । কিন্তু এই কর চৌকিদাবি
টাক্র বৃদ্ধি করিয়া আদায় করা উচিত। পঞ্চায়ত
গণ তত্ত্বাবধায়ক হন ইহা তাঁহার ইক্ষা। কাল
ক্রমে মিউনিসিপাল বিদ্যালয় অবশ্যই হইবে।
কিন্তু জাভিসাধারণ শিক্ষাপ্রণালী মিউনিসিপা
লিটির হস্তে রাখা অনুচিত।

ব্রাক্ষণণ আপনাদিখের বিবাহসি দ্বি নিমিত্ত ব্যব স্থাপকসভায় আবেদন করিয়াছেন। বাঁহারা অল সংখ্যক বলিয়া আপাত করা উচ্ছ নহে। যদি পাঁচ জনও এক ধর্মে থাকেন, তথাপি ঐ পাঁচ জনের সন্তানদিগকে আইনের সন্মুখে বিজ্ঞাতক হইতে দেওয়া অনুচিত। অভএব আমরা কায়ম নাবাকো আবেদনকারীদিগের প্রাথনায় অনুমো দন করিতেছি।

আগামী সোমবার প্রধানতম বিচারালয়ের অসম সেমিয়ন আরম্ভ হইবে। আদম বিভা গে যেপ্রকার কার্যের ভাব ভাহাতে আপীল বিভাগ হইভে এক জন বিচারপাতকে সেমিয় নর বিচার করিতে প্রেরণ করা কর্তব্য।

পারসং গ্রথমেন্ট ইংলভের নিকটে যে ক্রেকথানি যুদ্ধান্ত চাহিয়াছেন, গ্রন্ত বিজ্ঞানিরল ভাষা প্রদান করা হয় বলিয়া অনুবোদ করিয়াছেন। পার্স্কে মক্ষাটের নায় বকু করা বিভাগ

২॰ এ ভাদ্র ইংস্পতিধার।

দেও অব ইণ্ডিয়া একটা ভূতন গুলা গরিয়া।
চেন। যে কোন এও দেশীয় কর্মচারী দও পাই
তেহেন ভাহা ধরিয়াই ভিন্ন সমুদায় এও দেশীয়া
দিগকে গালী দিভেছেন। ছই জন কেরাণী
সম্প্রতি দও পাওয়াতে ফুেও বিজ্ঞা করিয়া
বলিয়াছেন, যাহারা সামাজিক বিজ্ঞানসভায়
ভারতব্যীয় কর্মচারীদিগের এত প্রথাতি করি
য়াছেন, ভাহারা এক পে কি বলিবেন স্কামল,
দেগের প্রথাতি কে কবে করিয়াছেন স্ এত দেন
লীয় বিচারপাত্যাণকে লইয়াই কথা হইয়াছে।

লোক্ষারনিধার দৃষ্টান্ত ধার্য়া কি ইউে কান্তেনদিশের চরিত্র ক্রিক করা কর্ত্তব্য ?

উক্ত পত্র বলেন '' দেশীয় ভাষার বি
করের বিজন্ধে যত তর্ক ইইয়াছে, তথ্যথ্য
প্রকাশ যে একটা আপত্তি করিয়াছেন, ব
কেবল গুরুতর। তিনি হলেন, অমীদার
উপরে কর স্থাপিত করিলে যে রুষক
উপকারের চেষ্টা পাইতের তারাদিগেরই
কার করা ইইবে। এমন নীচ উদ্দেশ্যবি
যে আপত্তি হয় ভাহা গ্রবন্দেন্ট প্রবন্দ বিশাধ উদ্দেশ্য বুরিতে পারেন নাই। ই
বিশেষ করম্বাপনের প্রতিবাদী নহি। ই
বলি জ্মীদারদিগকে ছাড়িয়া দিয়া কৃষক
উপরে কর স্থাপিত কর। ইহার প্রভূপেন
ন্যায় ভাহাদিগের সহিত্ব চিরস্থায়ী বন্দ
হউক।

্রকিনিবন্ধন শান্তিপুরে প্রায় ৩০০৩ পড়িয়া গিয়াছে। লোকের কপ্তের সীমা কিন্তু এখানে এত জল সাটনার লোকে প্রার্থনা করিতেছেন।

আমরা পিয়নিয়র দর্শনে আফ্রাদিত হ উইন সাহেব আরোগ্যলাভ করিভেছেন। রাজ সিন্ধিয়া অরোগ হইয়াছেন, বি হুক্তর আছেন মাত্র। দেওয়ান ও রোগ্যে উপরে কার্য,ভার দিয়া রাজা কিছুদিনের বি পাকুড়ে বায়ুদেবনার্খনিয়ন করিবেন:

• तितामनामक या कः मनित्र कर के कर्तन स्थानिक स्थापन कर तितामनामक या कः समित्र कर निर्माण कर ति स्थापन कर ति स्थापन कर ति स्थापन स्यापन स्थापन स्थापन

না। এল শাণারণ নত।
গত জ্লাই নাদে কলিকাভার টাক ১৫,৬৫,২২৭ টাকা , নাজাত্তে, ৬৬.৯১৫ ও বেলি:ইয়ের টাকিশালে তথ,৯৮,৯৮ মুদ্রিত হইয়াছে।

গত কল্প একটেজ নাটাতে নিয়া টাকার অভিফেন বিক্রীত ইইয়াছেঃ—

সিশ্বক প্রতিসিম্পুর্ক মো বেহারের ২০০০--- ১৪০০৮৫--- ৩০,৮৬ কাশীর ১৭০০-- ১০৭৪।১৫--২৩,৩৬ কপ্রতলার রাজার সম্পত্তিবিভারে হইয়াছে, ভাহার আপীল করিবার নিমিত ইট সেক্টোরির নিকটে আর ছয় মাস হাহিয়াছেন। রাজা এক লক্ষ টাকা জামীন রাখিয়াছেন। আর এক লক্ষ টাকা বিক্রম ক দেওয়া হইয়াছে। কপুরভলার রাজার বড় স্থব্যবহার হইভেড়েনা।

্মাণিকনামক মধ্য ভারতবর্ধের বিখ্যাত বিশ্বন সহসরের সহিত হত হইয়াছে। বিদনিকগণ এই কাজ করাতে গবর্ণ হাহাদিগকে ধন্যবাদ দিয়াছেন।

বর্ণর জেনরল আজা দিয়াছেন, কোন ইউ

র গুরুতর অপরাধে ফৌজদারি দও

ন ভাহাকে কোন পদ দেওয়া উচিত কি

হাহা গবর্ণর জেনরলকে না জানাইয়া স্থিত ইবে না। সত্রতি এক জন ইউরোপীর

াইয়া সরকারী কাজ পাওয়াতে গবর্ণর

ল সে বিষয়ের রিপোট চাহিয়াছেন। য়াগদৃত বলেন, 'বিলাতে একটা বড় কাবহ ঘটনা হইয়া গিরাছে। মাডোম । নামী এক জন ইছদী জীলোক, বগু अकाष्टि काकान चूलिया, बृ**ष्टा खी**रलाक क যৌৱন ও সৌক্ষঃ পুনক্ষীপন এবং বিবা দ্যোবস্ত করিও। তাহার বিলক্ষণ পদার ও হইতেছিল। সম্পুতি বরডেল নায়ী এক নৌ বিৰী বয়স ৫০ ৰৎসৱ, ভাহার দোকানে ী হইতে যান। সে ভাঁহাকে ভাহার প্রকরণ ञ्चनको कतिया এक स्वय इष्टम्पत शुरूरवत म ভাঁহার বিবাহের বন্দোবল্স করে। লাড রণি ভাঁহার নায়ক হটয়াহেল বলিয়া, চাতুরী ভাঁহার মত অপর এক ব্যক্তিকে বেরাডে নিকট উপস্থিত করে। াঞ্চির হইলে বিনীর নিকট হইতে বিবা নারক ৩০০০০ টাকা চাছেন, বিবীও ভাষা ৰ করেন। পরে উজ্জ ইছেদী, জ্রীলোক বিবা সময় এক চাসাকে উাহার পাণিএহণার 🏻 **স্থত করাতে তখন ভার্গর চৈতনঃ ংয়**। भाल द्वाता स्क्रिटि, महोत कक्र शास्त्रके ট গিয়া ভাৰমভাভ অবগত করেন। নক্ল व छेक श्रवक्षक हेल्बी खीरलाकरक को स অংশালতে সমর্পণ করিয়াছেন্। লাভ রাণি উপস্থিত হইয়া বলিরাছেন বৃ, ভাহার ठ वदरङम विवीद **উक्ट इं**हमी <u>,खी</u>रमारकंद्र ানে এক দিন সংক্ষাৎ হইয়াছিল বটে, কিন্তু েএ সকল সুস্তান্ত জানিতেন না। ^চ

द्धः भनी वटमन,

বেঃয়ালিয়া ধর্মসঞা

টীমহং কাই। করিডেছেন। সভায় মহৎ

মহৎ এছদকল সংগ্রহ করা হইছেছে। এপর্যন্ত কাব্য নাটক ব্যাকরণ অভিধান পুরাণাদিতে প্রায় ২০০ খণ্ড পুস্তক সংগ্রহীত হইয়াছে সভার এই মহৎ কার্য্যের জন্য আমরা সর্বাস্তঃ করণে ধনবাদ দিভেছি। ম্যুমনসিংহস্থ সভা কি করেন ৪ শ

২• এ ভাদ্র শুক্রবার।

ব্দাদেশের রাজকুমার মেজুণ মেওম। ধৃত ১ইয়াছেন। এব্যক্তি বিদ্রোহী হইরা এপর্যন্ত রালাকে অংগত বিরক্ত করিতে ছিলেন। কর্ণেল ফি চি ইইাকে কলিকাভায় প্রেরণ করিতেছেন।

পঞ্চবের ছই জন তহসিগদাব উৎকোচ গ্রহণ অপরাধে ক্ষোজদারিতে অপি চহুষাছেন। পঞ্চবের কর্মচারীদিগের এক বার পক্ষোদ্ধার করা উচিত।

গবর্গমেন্ট হাজরাতে একটা দৈনিক আড্ডা করিতেছেন। এটা ভবিষ্যৎ গোলধোগের হেডু হইবে। অন্য অন্য পাঠান জাতি স্থির করিবে ক্রমশঃ ভাহাদিগকে জার করা গবর্গমেন্টের উদ্দেশ্য।

জর্জ সিমন্ত নামক কলিকাভার অধিসদিশের
এক জন করসংগ্রাহক বাবু যে গেল্রচন্দ্র বন্ধুর
নিকটে টাঙ্কের বিলের খরচন্দ্রপ আট আন।
সিখ্যা করিয়া গ্রহণ করে। পরে প্রকাশ পায়
কোন প্রকার খরচ হয় নাই এবং সংগ্রাহক এই
জাট আনা আআসাং করিয়াছে। মাজিট্রেট রব
রিস সাহেব এই জুয়াচোরের জিন মাস মেয়াদ
দিয়াছেন। জন্দিদিগের করসংগ্রহের প্রণা
লীর প্রতি মাজিষ্টেট দোষারোপ ক্রিডেট্রের।
গ্রপ্রার মিখ্যা করিয়া লভয়া কেরল কলি
কাভায় নহে, অন্যান্য স্থানের করসংগ্রাহক
গণও এপ্রকার জুয়াচুরি করে। অল পয়সার
নিমিত্ত লোকে নালীশ করেন না।

২১এ ভাদ শনিবার।

লক্ষেটাইমস বলেন, গোয়ালিয়রে কতক গুলি বারিকও চিকিৎসালয় প্রভৃতি প্রস্তুত করি ব্যুরি আজ্ঞা হইয়াছে।

আমরা ডেলিনিউস দৈখির। আজ্ঞানিত হইলাম, গবর্ণমেও তাজমহলের ভিতরের দেয়া লের প্রভাবের পুজাময় চিত্রভালির সংস্থারাধ ১৯০০ টাকা বায় করিবার আজ্ঞা দিয়াছেন এই বাটালীর রক্ষার্থ স্বর্গমেও বিশেষ য্যুবান্ হইয়াছেন। এত দিন ইহা বা করা ক্রাজ্ঞা ক্রা বিক্রম কাজ হইয়াছিল।

নিয়লিখিত মূলেঃ গবৰ্ণমেটের ক বিজ্ঞীত হইতেছেঃ—

8 টাকার সিকা ৯৪ দে । ৯৫ দি । ৯৫ দি । ৯৫ দি । ৯৫ দি । ১৫ দি ।

--:•:--

ইউরোপীয় সমাচার।

লগুন ২৭ এ আগেই। সর রাউতেল ও বলিয়াছেন আয়ারলণ্ডের ধর্মসম্প্রদায় ইয়া দেওয়া ভাঁহার মঙ্বিরুদ্ধ।

শৃত্তন ২৯ এ আগস্ট। আরল মের ব মোথের প্রতিনিধি। তিনি সম্প্রতি তক্তা িমের নি টে বক্তৃতা করিবার সময়ে ব ছেন, তিনি ভারতবর্ধের গবর্ণর জেনরলের ক্রাহ্ন করিয়াছেন।

ইংলভীর সংবাদপত্রসমূহ এ উপ অদ্যাপি তর্ক করিতেছেন। পালমাল গে এই নিয়োগের প্রতি বিশেষ দোষারোপ ব ছেন স্পক্ষাস্তরে গ্লোবপত্র একটী দীঘ প্রত ইহার সমর্থন ক্রিয়াছেন।

এমন জনজাতি রাজা থিওডোরের যাহাতে ভারতবর্ষের দিবিল দর্জিদে এ কারতে পারেন, দেইপ্রকার ভাঁহাকে দেওরা ইইবে।

মিদ্ধের পাশা ভারতবর্ষীয় স্টারের এতে ক্যাণ্ডার উপাধে পাহয়াছেন।

্রে:জল হইডে শেব যে সংবাদ আহি ভাহাতে জান। যাইডেছে, পারাওইয়েরা হ ভাগ করাতে বোজনাধেরা ভাহা জা ক্রিয়াছেন।

---:0;---

্ৰমাদিগের কালনাস্ত্রংবাদদ লি**বি**য়াছেনঃ—

দেশের উন্নতিস্থন ও প্রজার মধ্য করা রাজপ্রতিনিধি দগের নিতান্ত কর্তবা ইলেও অনেকে ভালাসমাক প্রতিপালন না। ছতিকে ভালা বিলক্ষণ প্রকাশ পাইছ সেরাপ স্বার্থসাধনতংপর ও নিলাসী বি ভির অধীনে থাকা কেবল যন্ত্রণামাত্র। দের বিষয় যে, এখানকার সূতন ভেপুটী টেট এবং কালেইর প্রীযুক্ত ধারকান্ত্রি দে ছর সেরুপ আমোদপ্রিয় বিচারপ্রিক ন আমরা প্রথমই ইং ার একটা মহুৎ কার্যে, ঠান দেখিয়া ভালা অবগত হইয়াছি। গভ প্রাবনে এখানকার নিকটব ভী সর্ক্ষমল রপুর প্রভৃতি জনেক গ্রাম প্রাবিত হওয়ালে পুলিষ ইনেস্পেইর ও স্ব ইনেস্পেইর ধ্যুকে নৌক্রোগে ক্ষকগুলি চাউল লিখিয়াছেনঃ---

দিগকে ভক্ত লবিভয়ণ ও নিং আছে। ব জিল পারিবেন না। নৌকাকরিয়া আনেয়ন করিয়া আনাআয় আৰক্ষা করেন। যদিও এসাহায়; অধিক **৪ হয় নাই, ভথাচ বিচারপভির এ কাজ**টী हे श्रमश्तात कार्यः। अत्मद्भत्त कि क्रूब कि কেল বিষয়েই বিচারপতির বিশেষ দুর্ফি न क्षेत्रागर बद्र म का भी समन वृद्ध मरमा व যাহা হউক আমরা খার্কন্থ বাবুর পুথ,াতি শুনিরাছিলাম একবে তাহা ক করিভেছি। এই ওল্ল সময়ের মধে। া যাহা দেখিলাম, ডাহাডে বিলক্ষণ অসু ইয়াছে, ইহার শাসনপ্রণালী বিশুদ্ধ। পও বিলক্ষ্ণ প্ৰবেশ । ই হার ভীক্ষদৃষ্টিভে গের নিস্তার নাই, কিন্তু ভদ্রলোকের |বিষয় নাই ।

টাক্লের (ভ্যানলাম ইণার নাম আংবার সাটি ট টেক্ল) পুনৰ ন্যোবস্ত হুইতেছে।কাল্মা র বাহ্য শেভো দেখিয়া অনেকে মেটিভ টে.কিছ বাস্তবিক গঞে। থেকপ অংস্তঃ নাই।পুদে এখানে যেরূপ ধনী লোকের ার ছিল, সেরূপ জার দেখা।যায় না।উত্তম न मा थाकार ७ दादशायु ७ दिल्ला चर्ता (६, এখন সামান) (माक/न्माद्धत **সংখ্যা**ই । অবডএর অংমরালার্থনাকরি ভেপুটী ইর বারু যেন বিশেষ রূপে লোকের খাভা দ্বিয় টেকস ধাষ, করেন। ব্যক্তিবিশে গ্যায়নিভার করে। ইহার ন√ায় বিহও-ও ণী বিচারপাণ্ডর উচিত নহে।

থানকার জনেক লোকে মিলিড হইয়া

ত্রেড ডেপ্টী বলেটর বাহুর হারা লাই

दिन ५(५ (काल्ला निवर्षे अहे वालग्र দন কারতেছেন যে, **ভাষারা প্রথমেন্টে**র তৰহয়।পাওুয়া হইতে কালনা প্য,আড | न|चार्त्रलक्ष्या क्षञ्च करून। व्यामका নাকরি যাদ আন্তেদনকারীরাপূর্ণ-নোর্থ গোরেন, কালনাগঞ্জের পুনরভূগেয় কই मम्पूर्व भद्रायमा এवर नायास्त्रसञ्ज्ञ পানিকেও ক্তিএস্ত ইইডে ইইবে না। দেশের এও কোক পাত্রার গমন করে যে দিগের থারাই বশেষ লাভ হইতে পারে: গ্ৰ কালনায় প্ৰেশন হইলে অনেক মহাজ্ম রে কার্বার কারতে পারেন, অন্যান্য দেশের ।ছীর সংখ্যাও অধিক হইতে পারে। যখন। द्रेड ४६१७ काइड के इ.स. १३७ वर्ष

ভখন কাইনাগঞ্পই)ত এ রাভা নির্দাণ

ল স্থানে ঘাইতে আদেশ দেন এবং করাধে আলাভকর ইহাকেই প্রমাণ করিতে

বাবু প্রাণনাথ চক্রবন্তীর যতে এখানে একটা हरते कि सुता सांभिष्ठ बहेता छ। मिनमति सुरन वालक (श्रवन कतिएक याक्रीतन्त नक्षा का एक ভাহারা এই **ছ লে** বিশেষ যদ করন। নতুবা স্লটী স্থায়ী হইবে না। কারণ অনেকগুলি বিল্প দেখা যাইভেছে। কেবল প্রাণনাথ বারুর যদে ইহার স্থায়িতের বিষয়ে নিঃসন্দেহ হওয়া याष्ट्र ना ।

আমাদিগের মগরাত্ত সংবাদদাতা

২৬এ আগষ্ঠ সন্ধার সময় দক্ষিণ দিকে সূহৎ এकी काम (मर्चे हेत्रिया व्यवन्यार विकास अहरू वारिका मिक्क निक स्ट्रेंटिंड श्रादमर तरा मनतात পশ্চিম এক রসি ব্যাপিয়া উত্রাভিমূরে গমন करत । इंशास्त्र विस्थि कोशास्त्र व्यक्ति हे घटि नाडे, किन्त नकरलई विन्यवाद्यिक इहेबाहिएलन আমরা কেবল শব্দমাত্র শুনিতে পাইয়াছিলাম।

। গত ৭ ই আগেষ্ঠ ভারম ওচারববের কাছা বির মালখানার একটা দিন্দ্রক হইতে টাকা চুরি গিয়াছিল। ডিভিঞান ইনস্পেট্র 🙈 যুক্ত বাৰু দেবনারায়ণ বংকলপাধাংগ্র মহাশ্র তারু সন্ধান করিয়া একজন কনেষ্টাবলকে টাকার থলিও একথানি নোট সমেত ধত করিয়া हालान विद्यार्टन ।

७। এদেশে कुषरकता (यनकल अव्हेनशानः কর্ত্তন করিভেছে, ভাষার অধিকশশ চিটা : ठाऊँम विशेष थाम() पृष्टे ब्हेट उट्ट ।

গাপুর্বাপেক্ষা একংগে বসক্ত রোগে জ্ঞল সংখ্যেকর জীবন নাশ কইডেছে, শুনিলাম গ্রব্দেক্টের প্রেরিড এক জন ড:ক্তব আসিয়া গোচিকিৎসা করিভেচেন।

 । মফশ্ল রাজার হাটের হাজত গারদ হ**ইতে ছুই বংসর মেয়াদি এক গ**রু চুরির আসোমা পলায়ন করিয়াছে। পুলিষ অসুসন্ধান করিছে

২৯ এ আবাগষ্ট

আমাদিগের মজঃকরপুরত্ব দংবাদ দাতা লিখিয়াছেন।

বে রাজ্ঞানী মঞ্জাফরপুর হইতে হাজ্রীপুর পর্য্যন্ত

शिशादक, श्रांक ान्य काशात केशत निशा लारकत अमनाअमन स्ट्या थ'रक। अहेंने ल **২ইতে ত্রিভূতে আসিবার এক মাত্র প্রধান র** পণ। সুভরাং এই পথে কলিকাডাও উ পশ্চিমপ্রকৃতি স্থানের ব্যবসায়ী লোকেরা -দেশীয় ও বিদেশীয় ভাবংলোকেই স যাভায়াত করে। কিন্তু এ রাস্তানীর অবস্থ ভাল নহে। পূর্বে এই রাস্তায় দ্রু; ভস্কর বিলক্ষণ উপদ্রব ছিল। সম্প্রতি পুলিবের র স্থানে স্থানে ফাঁড়ি হওয়াতে আপাডভঃ স বিষয় দেখিতেছি না বটে ; কিছু রাস্তাটী ব বলিয়া লোকের গমনাগমনের পকে বিষ क्ट्रेनायक रुप्त । वित्वयत्तः वर्षाकात्त म রাস্তায় কিন্ধপ কষ্ট ভাহা বোধ হয় কার অবিদিতন্ই। ত্রিহুত একটা প্রসিদ্ধ জে এ জেলায় রাজপুর কাচা থাকা অভ্যক্ত খে विषय । जामदा भवन्यक्रिक जञ्जरताथ कृति तालांगि भाका कृतिया **श्रह**्लाहकत कर् कक्षम ।

২। পাটনা হইতে ত্রিছতে আসিতে। গঙ্গ ও গওকী নদী পার হইতে হয়। প নিমিত্ত কএকখানি খেয়া নৌকা আছে। নে গুলি এরপ জহনাযে, ভাহার উপর : উঠিতে কাথারও সাহস হয় না; আবারে হা য়ালাদগের এরপ পৌরায়াঃ যে, ভারু, বরি न(का **कार्**क्षा **अ**र्वाण भारेत गमास बारवारी मात्रत निकरे रहेट अवर्गस्य है वि পারানী অপেকা হিওৰ কথন বা চতুতার থাকে ৷ মগে, মধ্যে অনেবকে পার ২ইবার বপদগ্রস্ত হটতে হয়। আজি কালি গলা ও नमी रब्द्राण अभिषय मुर्ख्डि शहन कहिन्नार्छ, . भिष्टल महार्ष्ट्रत . सानिष्ठ २६ कथात्र বায়। সুতরংগ জার্ম ধ্রম মৌকায় পার । ক উদ্ধ অনমণ হৈ সিকের কাজে বলা যায় कामता अवन्यारान्त्रेत्रामको निम्म पूर्ककः করিভেছি, অভতঃ বর্ষাকালের নিমিত্ত া পান ইটীমার পাটনার দাটে পার পারের : রাথিয়া সাধারতের কপ্ত চুর করন।

সংস্থাতি ৪ জান ক্ষাট এক জান এই সন্মুখে গোবৰ করাতে আকাণ অঞ্জে সূ बाह्यहर्माक्षरकेरवेत (भावत्र करत्म। 🔻 मालिएकेडे के माध्यताक्तांनरभव नखक ভেন : আমরা মংগ্রের বাকরে সাহেবের র বের কথা সহালা শুলিতে পাই। বস্ততঃ ই ক্তন ন্যায়পরায়ণ বিচারপাত।

৪: মালিনগরে রামবল্লভ মার্ভ নাং

বেংগত জুমীদরে আছেন। ইনিক্তিশয় ও সরলখভাব। সম্প্রতি কোন ভয়লোক নিকটে ৪০০০ হাজার টাকা ঋণ করিয়া : অবস্থামন হওয়াতে উহা পরিশোগ ভ অপারগ হইলে উক্ত জ্মীদার ঐ চারি ে টাকা ছুর্বস্থাপর শুদ্রলোককে দান খীয় বদান্যভাগুণের পরিচয় প্রদান করি ,

৫। জ্রাবণ ও ভাদ্ন মাসে এথানকার কি ংশীয় কি নীচৰংশীয় সকল জীলোকই রে অধিকাংশ সময় দোলায় ছলিয়া অভি বরে। শোলায় ছলিতে ইন্দের বড় म । तुरमन्त्र भीनारक भगः ! ।

ামরা শুনিয়া সাতিশয় সভোষের সহিত া করিতেছি, এখানকার গ্রাথমণ্ট স্কুলের মাঠ রের বেক্ষ ২০০ শক্ত টাকা ইইয়াছে: না করি এবার স্থলটার অবস্থ। ভাল ১ইতে । (भटि क भा भा कित्न कार्य कतिटल कारा। লেলাগেনা, ভর্মাকরি একণে যেন ত আদ্ধানাহয়!!!

৬। যেরূপ সমাচার পাওয়া ধাইতেছে, ভ স্পষ্ঠই বলা যাইতে পারে। এ**বারে** জেলার ক্ষেত্র বড়ভাল নয়। ও দিকে নিদীরবীধ ভাকিয়। বছ সংখ্যক এলন ারে উৎফল গিয়াছে। এদিকে ক্রিছভস্থ হং ভাবং নদীলে ভয়'নক বন্ধ আনুস্থ নিংইত শ্বংক্তের স্কল প্লাবিভ করি । প্রচুর রুফিপাড না হওয়াতে সম্যুক শসং াও এপর্যাক্ত সম্ভাবনা দেখিতেছিনা। বেগবতীনদীর স্রোভ উচ্চ লিভ হইয়া বাধ ভালিবার উপক্রম চইয়াছে। যথন জ্ঞাল কমিতেছে না, তখন ভাল লক্ষণ ংইতেছে না।

প্রেরিত

্যবর 🕮 যুক্ত দোম প্রকাশ সম্পারক মহাশয় সমীপেযু

িশয় : গত ১লাজুল :ই এখানকার স্তুল ারিভোষিক্পদান উপলক্ষে এক সভার শেনহয়। সে সভায় অনেকঞ্লি ভদ্র সমাধাত হইয়াছিলন। এখানকার মহারাজ াকুমারে উপস্থিত ছিলেন।স্কুলের অন্যতর কে জীধুক বাৰুরামলাল দত মহাশয় এবে মায়াব্যয়বটিত আসূলসূতাত আহাপনকরি

-205-বক্তা শাঠ করেন। জনজর অসুনে ৬০ টাকা। মূলোর পুস্তক বিভরিভ হয়। এই সমস্ত টাকা রাঙ্গকোষ হইতে প্রদন্ত হয়।

প্রধান শিক্ষক যে বক্তৃতা পাঠ করিয়াছি লেন, তাহা মহাশয়ের নিকট পাঠাইলাম। (১)

বহস্ত রোপিড রক্ককে ফলোকাথ দেখিলে যে অপরিমের ঐীভিরদের সঞ্চার হয়, সেই ভানদ উপভে:গের অবসর আজি আমাদের মহারাজের উপস্থিত হইয়াছে। কত স্থানে কত अफ़, कल धनम हहेग्रा याहेरल्ड, धमन कि. অনেক স্থানে মূলও উৎপাটিত ংইতেছে। [কিন্ত আমাদের এই বিদ্যালয়টী মহারাজের যথোচিত क्रम्भाराहित्सीत्थ वस्त्रमृज हहेशा वत्र मृत्उटळहे বাজিভেছে : এ বিদ্যালয়টির ভিনিই কেবল এক মাত্র নিদান। এই বিদ্যালয়টী স্থাণিত করিয়া এ প্রদেশের যে কত্র্ব উপকার করিতেছেন, ভাহার উলেখ বাজলামাত্র। এই যে ছাত্রগণ আমাদের সমূথে আদীন রহিয়াছে, ভাহাদের শিক্ষার উপযুক্ত হৃষোগ কি ষ্টিয়া উঠিবাব সম্ভাবন। ধাকিত ? ভাছাদের ছনমুমন্দির বিমল বিভায় কি উজ্জালপ্রত হইতে পারিত ?

विनामिकाय (र प्रभागय कत श्रमत करत, কভদূর যে পরিবর্ত সংঘটিত করে, উলাহর ৭ স্থলে আমাদের বর্তমান রাজপুরুষদিগকে এছণ করিলে ভাষা অনায়ালে বোধগম হইবে। যখন রোমণভি বীর জুলিয়স সিঞ্চর খুজাজের ৫৫ বংগর পূর্ব্বে আপন জয়পতাক। উভতীনকরণমানদে হংলতে অবভরণ করেন, ভূখন ভিনি যে তদ্দেশ वःशीरनत व्यवसा व्यवस्थाकन कतिहाहिस्सन, ভাহা আমাদের দেশীর পর্যভবাদী সাঁওভাল জাতির অবস্থা হইতে কোন অংশে কুনে নহে। ভাঁহারা বিবস্তবেশে পর্মতগুহার অবস্থান করি তেন, মৃগয়ালক ডবংখারা জীবিকা নির্মাহ করিভেন, অসপপ্রতাক রঞ্জিত করিয়া ব'ভেংস মুর্জি ধারণ করিকেন, ভাঁহারা কি উপারে এই ১৯০০ শত বংগর মধ্যে পৃথিবীভলে এক মাত্র সভাতম জাতি হইয়া উঠিলেন, তাহার অনুস্কানে অর্ভ হইলে এই জান। যায় যে যত্ত হত বিদ্যাশিকাই ভাষার মূল। আমা (मत (मन এখন य शैनावक त्रहिशार्क, **फा**हात কারণ, বিদ্যাশিকার প্রতি ভাদুশ আয়ো নাই ! এখন আমাদের ফেলে খাঁহাডে নিক্ষার বছল বিস্তার হয়, ভাষারই উপায় দেখা আলয়ক্ষর হইয়া দাঁড়াইয়াছে। সেই উপায়টী ভাগ্যবান ব্যক্তিদের হজে নিহিত রহিয়াছে।

(১) দীঘ বলিয়া আনামরা উহার সমুবার তৎপরে সকল শিক্ষকেই এক এক প্রকাশ করিতে পারিলাম না। স

প্রিয় ছাত্রগণ ভোষরা যে সমস্ত বংস পরিআম করিয়াছিলে, ভাষ্যে জনঃ আমাজি পুর স্কার পাইতে চলিলে। ভোমাদের মধ্যে যাং। পরীকার পারদর্শিভাপ্রদর্শনে সমর্থ ইইয়াত ভাহাদিগকেই পুস্তক বিভরিত হইবে ৷ অপরে আনহা পুরক্ত হটলাম না বলিয়া নিরুৎস হওয়া বিধেয় নতে। পরিজ্ঞান করে, আগ: বংসরে ভোমাদের আশালতা ফলবতী হৈতে व्यथवा विरुद्धना कहिएड श्रारम क शुवक्क'त व्य অক্রিংকর।উত্তর **উত্তর শিক্তিত চ**ও বি विमालरमत উপाधि खाख इ.उ. ताजनमीर আবৃত হও, এই ভোমাদের উপযুক্ত পুরস্কার कार्व (स्थ कार्भारत्व (मर्भव कारका स्य মন্দ হটয়া রহিয়াছে, কুসংস্কারত্রোত গে জনবং প্রবাহিত इटेएउएड, ভাহার প্রতিবিধানে উপায়পদ্ধপ তোমরা একমাত্র লক্ষ্য স্থল যথ ভোমাদের প্রগাঢ় প্রথমে অবজান ভিমির ভিরে হিড হইয়া বিদ্যালোকে দেশ উজ্জ্ব হইবে ভখনই ভোমরা আপনাদিগকে যথাথ পুরস্ জ্ঞান করিবে ৷

বনয়ারী আবাদ

अपूर्णा

a:---

জেলাবারভূম।

নদীয়ার মিংনরির ছিঙীয় পরে।

--:.:--

আপনি আমার পত্রের যে উরেখ করিয় ছেন, ভল্লিমিত্ত আপনাকে ধন্যবাদ প্রদান ক ভেছি। কিন্তু আমি ছ:খিত হইলাম, আংপ অদ্যাপি ধর্মের প্রকি কবিশাস ও উাদা করিতেছেন। * * * * কর্মনী কি এন নির্কোধ যে, গবর্ণমে টকে প্রজার প্রতিনিধি জ করেন ? সেখানে এসংস্কারের যে লোক আছেন ভাগ আংমি সীকার করি . কিন্তু এই সক লোকের চরিত্রের অনুসন্ধান করন। ইহাঁ কে ? যাত অলস এবং মানসিক ও শারীরি (मायमण्यत लाक अहे मलक, हेर्गता धनीमिट শিরশেছদন করিয়া উঁছোদিগের সম্পত্তি লাইব অভিলাষী হইয়া দেশের সর্বাসাধারণের হিত ্নয় জাপনাদিগের আব সম্ভ স্থার্থ দেশশাস কারবার বাসনা করেন। আমেরিকা ও ইউরোচ রাজনীতি বিবেচনা পূর্বাক দর্শন করুন, তা করিলে জানিতে পারিবেন আপনার ম বেখানে বত আহা হয়, সেই খানেই সেই প बात्त-बाक्षिक्क, मञ्चाका, रूका छ विश्वव घट काशिम क्यांनी विश्वरवत्र উल्लंख क्यित्रः एक किन्त राज्ञ। केल इष्टेन। व्यत्भक्त वात अक् বে ভয়ানক ছম্বটনা ঘটিয়া ইষ্ট সভ্য ও প বি নষ্ট করিবে ভাষা সহা। ইহার কারণ কি ?
বি সভা নিজে প্রকাশ করিয়াছেন এবং
বল বেসকল নীজি আছে, ভংপ্রভি অবি
এই ছুঘটনার কারণ হইবে। সভা ধর্মনাশ
ত যে বসিয়াছে বর্তমান কালের চাঞ্চলা ও
ধ্যভা, যন্তারা ঈশ্বরের বাকাকে অগ্রাহ্য করা
হছে, ভাষাই এই অনিষ্টের কারণ হইবে।
বার স্বদেশীয়দিগকে ইশুখুইকে আগ্রাহ্য
ত শিক্ষা দিন এবং ভ্রিমিন্ত উল্লেখনা
ন, অনেক অনিষ্ঠ এড্নারা নিবারিভ

আপনি ডেপুটি নাজিটেটনিগের স্কর্ত্রর তাও অযোগ্যভার কথা বলিয়াছেন। ইলা ়ে বিচারালয়ও পুলিষের এই হশ্চরিক্রভার না কি? পাপের আসুগতাই ইহার প্রকৃত না অভএব বসদেশ অকপট ক্ষয়ে ঈশুস্ প্রতি ভক্তি বরুন, তাহা হইলে এই সকল নিই দুরগত হইবে।

আপনি বলেন, সর্পাধাতে অনেক লোকের ্য হ্ইডেডে ইভিহ্ম পাঠ করিলে আপনি নিতে পারিশেন, পুনর শুভ বংসর পূর্বের জাতী র বন্ধকল সপাত বিংক্তা জন্ততে পরিপুর্ণ ল : একংণে জন্মনীতে গদন করিলে আংপনি টোবিষাজ্ঞ সপতি দেখিতে পাইবেন না। প, নধেং অন্তংক শাহের সময়ে এবটী ছটা ক শিক্ষাম জন্মণীতে অসিয়া শড়ে। কিছ কেণাই পুলিষ প্রহাত শীকারীরা এক তিত য়া করেক ঘটিকার মধ্যে এই শশুকৈ বধ রুন। আপুনি আরুও দৈখিবেন, জর্মনীর क अक्रमी खूबिक निड क्हेट हा (क्रीकेट (न अक्स काहे, (क:यामुक ib'ट्रा পराव প্রাক্তে পায়না। এসকল কি হইতে ইই ছে ? গ্রথমেণ্টের স্থাবিচার লোক্ষের সাধুতা পরিখন ৷ এই সুবিচার সংখুতাও পরিখনের হ্রার কণরণ কি ৪ ঈশ্বরের অবমূল্য প্রিক্ল বাণী পুষ্টিয়ধর্ম। এই কারণ। পুরের জর্মণীয়ের। য়ে অংসভা ও মূখ ছিলেন চকিছ বাইবলে हिलिशास्य मान्यः कतियारस्यः देश द्वातिहे গ্রারাপুথিবীর মধ্যে একটী সর্মপ্রধান যশসী

মহাশয় বিশাসনার কগ্রিকাতে প্রিকাতে |

িত ক্ট্রাছেন। আপনারাও এইপ্রকার

কুন। ইহার নিমিত্তই-আপনার অদেশীরদিলের

ह छेनकार्त्रामधिष्ठहे-व्यापि अर-स्यं भारित्रक्षां

রিভেচি। ইভি।

করেক বার ওপ্রিপাড়ার হরবস্থার বিষয় প্রেরিড ক্তেল পাঠ করিয়া বোধ করি অনেকেই ছঃখিড হইয়া থাকিবেন। সম্প্রতি একটা উন্নতির,বিষয় আপনার পাঠকগণের গোচর করিতেছি। গুপ্তি পাড়া বে বছজনসমাকীৰ ইহা কাহারও অবিদিত নাই ; কিন্তু এপর্যান্ত তথায় পোষ্ঠ আপিস চিল না। দিগড়া ওপ্তিপাড়া হইতে ৩ মাইল দুরে অবস্থিত। তথায় সকলকে পত্র দিয়া আসিতে हहेल **अदर (महे (भाके काश्मिम हहे**एक अक सन হরকরা আসিয়া গুপ্তিপাড়ার চিটি বিলি করিড, ভাষাতে প্রভাক পত্রে ৴৽ এক আনা করিয়া পন্নসালারিক। ইহাতে সাধারণের যে কড কষ্ট হইত তাহ। বলা বাঙ্ল্য। বিবেচনা করুন, কলি কাতা হইতে কোন বংক্তি বাদীতে প্রতিসপ্তাহে इइथानि कतिया भज मिथितन, टाइरेन छाक মাসুল ছাড়া হরকরাকে মাসে॥ - আমা দিতে **হইল, এরূপ অবস্থার নিতান্ত প্রয়োজন ব্যতি** রেকে বাটীতে কেহ পত্র লিখিতেন না। মহাশয় ও বিপাড়াব: সীদিগের এ কটা দুর ইইয়াচে। প্রজাবৎসল গ্রথমেন্টের অন্তর্গ্রহে গুলিপাড়ায় একটা পোষ্ঠ আপিন হইয়াছে। উহার জন্ম ডিখি ১৫ই আংগষ্ট। আমর। কৃতজ্ঞতাসহকাবে শীকার করিডেভি যে গ্রীযুক্ত বাবু রাধাণোবিন্দ মলিকপ্রভৃতি উক্ত আমবাদী ভল্ল মহাশয়েরা আমাদিগের এই মহোপকারক বিষয়ে বিশেষ (इक्ट्री कतिष्ठाटकन। एन्डिनाइमा अकटन व्यानक কুডবিদ্যলোক আছেন, ইইায়া যন্ন করিলে हेर्ड कारनकोट्टम सकत स्ट्रेट शास्त्र । सर्भाय । এ স্থলে আর একটা বিষয়ের উল্লেখ করা কর্ডনা হইতেছে। ওপ্তিপাড়ার ক্ষানের আত্ত হীনাবস্ত विनि अपूर्णक रहाना। अञ्चल अधिगुक दावु রাখালনাস সেন ও বেণীমাণৰ মজুমদারপ্রভৃতি অনুলের মেম্র মহালয়দিলকে এবং উহার সেংগ্র টরি জীযুক্ত বাবু মহেপ্রমোহন রার মহালয়কে আমরা অনুরোধ করিডেডি ডাহীরা (ধনন পোষ্ট আপিদের বিষয়ে চেষ্টা করিয়াছেন, সেই রূপ স্থালের প্রতি বিশেষ কুপার্কী করিয়া গ্রাম্ছ সকলের ভাবী স্তর্গের সোপান করুন।

১৮৬৮ —:০:—

সম্পাদক মহাশ্য়। এখানে ২০ এ আগষ্ঠ বৃহস্পতিবার একটা বঙ্গীয় ভার বংশল কুলকা-মিনীর হঠাব জলে ভূবিয়া প্রাণ্ডাগ, হইয়াছে। ইইার বয়ংক্রম চতুদ্দশ্বর্ষ হইয়াছিল।

২ঃ এ আগষ্ঠ দোমবার আর একটা এতদে বাগানের ক'লারিপাড়া রোডে উচ্ছলী বে

শীর ইতরবংশীর রমনীর উক্ত প্রকারে প্রাণ্ড্য' হইরাছে। ইহার বসুস প্রায় ১২। ১৩ বংসর হইবে। জীলোকটা কুপ হইতে জল উঠাইতে ছিল এমন সময় অসাবধানতাবশতঃ পতিত হইয়া প্রাণ্ড্যাগ করিয়াছে।

এখানে বৃষ্টি না হওয়াতে দিন দিন লোকে
(বিশেষতঃ কৃষকদিগের) অভিশয় জালক
হইতেছে। যদ্যপি হই এক সপ্তাহের মধ্যে আ
বৃষ্টি না হয়, তাহা হইলে ধান্য ও রবিখনে
পক্ষে বিশেষ হানি হইবে।

লেপ্টনন্দ গবর্ণর ১৬ই এখানে অসিট এখানকার সকল আপিস, পাটনাকালের নন্দ্রাল ক্ষ্লপ্রভূতি দেখিরাছেন। এখানে গ নবেষর মাসে পাটনাত ভদ্রলোকদিগের আত্ কুলো বালকদিগের একটা ও বালিকাদিগে একটা বিদ্যালয় সংস্থাপিত হইয়াছে। উ বিদ্যালয় দ্রীতে উক্ত মহামান্য মহোদর আফি পাঠ অবন ও বালিকাদিগের শিল্পার্থপ্রভূ

পাটনা ২৫ আগষ্ট ১৮৬৮ ক্রীক্স:---

—: -: —

মহাশ্যু সম্প্রতি ভবানীপুবে চুরির জাল্য প্রতিবি কইয়াছে। চাবের দোরার আমাদিলের অবস্থান করাই জন্মর হইয়া উ

য়াছে: প্রতি রাজেতেই ২। ১ টী করিয়া

কইতেছে। কর্তৃপক্ষকে জানাইবার নিমিত্ত ক্টী চুরিব বিষয় নিমে লিখিত ইইলং—

ুগত ১৬ ই অংগষ্ঠ নোরাপাড়া রোডে ছুরি হয় ৷ প্রথমটা রামকুমার কন্দেরাপাধ্যা বাটীতে ১ইয়া অনেক্সলি বছমুলা জলং ও তৈজনানি অপহত হইয়তে: ধিতীয়টী দ রাম গে'বের বালীতে : ইঞ্জে চোবেরং অং রাদেক্তে প্রায় সহত্র টাকা অপ্সরণ ক লইয়া গিয়াছে। ভাহার পর রাজিতে (১ ভারিখে। চারিটী চুরি হয় ! তথ্যাধ্য উক্ত (পাড়া রোডেই তিনটা। প্রথমটা অকয় বু वालीटक क्षेत्रा श्वास ६० हेकि। मूरनात व्यन রাদি অপজ্ড ২ইয়াছে। বিভীয়টী হে हर्द्धां लागारम् व वाषीरा वह वाव छेलाला যু:ছিল। ইহাতে চোরেরা কুতকার্য্য চইতে নাই। বাড়ীর কেকে জাগরিত হওয়াতে ত প্রায়ন করিয়াছিল। তৃতীয়টী শাস্ত ম বাষ্ট্রীতে। ইয়াতে ভ্রুম, বাপড়প্রভূতিতে গুলি জিনিস ছার গিয়াছে। চতুপটী নারি হয়। ১৮ ই আগষ্ট ডেলিপাড়া রোডে নশ্যার বাসীতে ৷ ইগ্রেণ্ড অলক্ষারাদিতে : ০০-টাকা অবস্থাত হইয়াছেণ এডভিন পুরে ও তংশার্ষকরী জানসমূহে প্রতি চুরির প্রায় সমস্ত বিষয়ট পুলিবের আঞ্চি র হইয়াছিল। কেবল দাভাবাম ঘোষ পুলি জানায় নাই। কিছ পুলিষ গোরের কিছুই কান করিডে পারেন নাই। **মহাশয়**। পুর কলিকাভার অভি নিকটবর্ত্তী স্থান। ত এইরূপ অরাভক কাও হওয়া নিভাস্ত র্গ ও কোভের বিষয় বলিডে হইবে। ১০। ১৫ বংসর পুর্ফো ভবংনীপুরে এরপ নাম গক্ত ছিল না। } কেষাজিংভবানীপুর সংক্রিকণ E'E E

-202.

বিদ্যার্থি যুবকগণের নীভিশিকার আবেশকেতা ও উপায়। ধুনা অস্মদেশের বিসালয়সমূহে নীডি

ক সাহিত্যদি শাল্পের ভূরি আলোচন।

ছে। যেমন অংনক ছ'ত্র নীতিবিদয়ক র্ষ লাভ করিডেছেন, তেমনি অনেকে নীডি কাক্ষক স্থা আপনাদিগকৈ হীনপ্রকৃতি । ভুলিতেভেন: এ দিলে চাত্রগ**ন যেম**ন লয়ের নিয়ামভকাল শাস্তভাবে অভিবা-করেন, ওদিগে তেমনি বিদ্যালয় হইতে ংইয়াই নানাবিণ ছক্তেম লিপ্ত হইতে থা । এই কারণেই সুবাপান বেশ্যাসজিক চৌধ ত ঘূৰিত পাপত্রোত নব্যালের অনেককে করিতেছে। বালকদিগের পিতামাত। তংগদৃশ অভিভাবকগণ যদি ভাষাদিগের সংশোধনাৰ্থ সচেষ্ঠ হন, ভাৰা হইলে ণ জঘন্য কাৰ্য্যংঘটিত হইতে পাৱে না। নিলুলর মন অভাবতই তরল পাকে, এত নে ভারারা প্রেলাভনকারী বস্ত সমূরে তে গ্টেনেই ভদাস্তদ হইয়া বিচলিভ প্রভে অভনৰ অভিভাবকদিরের উচিত ং'লকগণকে বিলামসূসত প্রবোভক ৰ স্থ ত সর্বনি দূরবন্ধী বাবেন। এ**ক্ষে কি**ভি कशन दालकमिनाक विष्यु लाख् (श्राहन) करि নিশিকত বাবেন বিশ্ব ভাষারা চরিত্র খ खिबांत्रिकी ऐक्कां र अन्य यह किया च विष्यु

ও একবার প্রীক্ষা কলেন না। এরপ্র

ত হয়। ইংার পর উলিখিত স্থলে আরও বিষয় অবগত হইলেও অসুচিত অপভাসেং পরবল হইয়া ভাহাদিগের চরিতা সংশোধনার্য যরবান হন না, ইংচতে সম্ভানগণ প্রশ্রর প্রাপ্ত क्ट्रेग्रा करणकक्कुण शक्षि कार्यामायान श्रव् হইতে থাকে।

> व्यञ्जन क्रुक्याद्रमिक रामकनिशतक (य शर्थ লইয়া ষাওয়া যায়, ভাহারা সেই পথেই যাইয়া থাকে। এই সময়ে চরিক্রগত দৌষ সংশোধন করিয়া সাধ্দৃষ্ঠান্ত প্রশনপূর্দক ভাষাদিগকে **मर्श्रास को अपने करिया**

> > **६िम्पू**र्रष्टेल।

জীব:---

''বঙ্গভক্তিভাজন।

🗐 মুক্ত বাৰু প্রারিচরণ সরকরে

मध्यम् ममीर्थयः

১ | ওপো ! সরকার মহাশয় ! যথাথ নিৰ্দেশ করি, শক্ষাভয় পরিহরি, গ্রুণর সাংক্ষেরে পড়িলে কোপেডে। সাধুবর অকাতর ভোমায় নিন্তে !! ২। ভাতে বোধ করি অবপ্যান, श्रद्भ नारच्य भर्य, को जे। नित्न भिष्न श्रीख ভেজবিভা মনোমাঝে করিলে ধাবণ। অর্থলিপ্সাহদি হইডে করি বিসর্জন। ও। আমামরা ভোষার ছোট ভাই। कामारम् त कुछ मत्न. (वाथ मान व्यथमारन, সুপ্রকৃত ভেচাবিতা শিখাও এরূপে, ভ জি উপহার দিব ছোট ভাই সবে ! ৪। ধনং ওছে বঙ্গের ভূষণ ! শ্রেমার চরণ ধুলি, দাও করি কুভাঞ্লি, চিরভাজিমান্তৰ থাকিব চরণে, করিব ভোমার ধণান জ্লিনিকেডনে। ভবদীয় स्छ इन ভজিমান আত্গণ মেদিনীপুৰ -----

মূল্য প্রাপ্তি।

জীবুজ্জ বাবুগোবিক্ষচন্দ্ৰ দাস जी र हे ১২৭৫ আবেৰ হইতে ৭৬ আৰাচ 7.0 मिली ১ প্রসর্কুম্ব দাস ১৮७৮ क्रुलाई व्हेर्ड ४৯ छान 20 » ভঞ্জাগোবিস চাকী বেলিয়া ভ্রাম ১৮৬৮ আগষ্ট হইতে ৩৯ জ্বলাই ১৩ নলহাটী ^৯ রসিকলাল রায় ১२१६ को चिन रहेटक व्यवसायन 10 h ডু বিভংর " कार्जिकम्स म्यान**र**ही ষায় যে, 'পিতামাতা ম্ভানের মুক্তরিব্রতার' ১২৭৫ আবেশ হইতে ৭৬ ভাস ১৩

৯ আংনন্দ্র ক্লেন্ডিজ ৯ हर्षे र ১৮%৮ সেপ্টেম্বর হইতে মবেম্বর

मामञ्ज्ञकानमः कान्र करहकती বিশেব নিয়ম।

অবিম মূল্য ও ডাকমাস্থল না পাইলে यति (मामध्यान (ध्रुत क्रा सारू ना।

ইহার অঞ্জিম মূল্য বার্ষিক ১০ টাকা ষাণ্যাসিক ৫॥• টাকা; মঞ্**সলে ভাক**: गरमञ्ज्ञार्थक ১৩, सानुत्राधिक १ अवर रे সিক ৩৬ - ৷ ভিন মাসের স্থানে অবিষ এছণ করা যায় না। হুগু, বরাতি চিঠি, মড্র, নোট ও স্থাম্প টিকিট, ইহার অ যাহাতে যাঁহার স্থাবিধা হয়, ভিনি সেই ধারা মূল্য প্রেরণ করিবেন।

বাঁহারা স্থাম্পটিকিট পাঠাইবেন, ও যেন এক অব্ধা আবাধ আমার অধিক য ও রসীদের টিকিট প্রেরণ না কবেনা

यथन यिनि सकत्रत हहे: ७ (सामक्षर মূল্য পাঠ:ইবেন, তাহা যেন রেজিষ্টরি য ত্রীযুক্ত ধারকানাথ বিদ্যাভূগণের নামে हेब्रा (मन।

য'। হাদিলের মূল্য দিবার সময় অংভীত আসিবে. এক মাসপুরের তাঁহাদিগকে লিখিয়া জানান যাইবে, কাল জাতীত গেলেও এক বার চিঠি লেখা হইবে, ভাষ একমাসকলে প্রতীক্ষা করিয়া কাগজ বং ষাইবে। শেষ বারের পর্ত্তা বেয়ারিও ह्हेर्य ।

মাতলা রেলওয়ের সোণাপুর ষ্টেসনেং ঘরে চি**ঠি আই**লে আমরা <u>জী</u>প্র∙শাইব ।

যাঁহারা মাক্সল না দিয়া প্রাদি প্রের বেন, ভাঞ্দিগের সেই পরাদি এহং

কেছ সোমপ্রকাশে বিজ্ঞাপন দিতে করিলে ভাঁহাকে প্রথম তিন বার প্রতিপং আনা ভাহার পর 🖊 ১০ আনা দিছে হ ষিনি অধিক কাল বিজ্ঞাপন দিবার ইক্ষা বেন, ভাহার সকিও অভন্ন বলেশবস্ত হইট

🐠 এই পত্র কলিকানোর দক্ষিণ মান্ডলা রেলভয়ের সোণাপুর ষ্টেসনের চান্সভিপোতায় প্রীযুক্ত হারকানাধ ভূষণের রাদীতে প্রতি দোমবার প্রার একাশিত হয় ৷

मियशक

8¢ त्रशा

" प्रवक्तनां प्रकृतिश्विनाय पार्थिवः सरस्वती श्रीतमद्वती न श्रीयतां।"

ক মূল্য ১ এক অগ্রিম বার্ষিক ১০ দশ । সন ১২৭৫। ৩০ এ ভাস্তা ১৮৬৮। ১৪ ই সেপ্টেম্বর বিধ্যাসিক ৭, ও ক্রেমাসিক ৩৮

বিজ্ঞাপন।

তেরক খণ্ড ৮০ পৃথা মুল্য (নপদ) ॥০ ।ইপুত্তক প্রথম কাবধি বিভীয় সর্গপ্র। আছে _ সংখ্যানগরাক্তরে রামা কের দীকাও গ। অসুবাদের সহিত কাব্যপ্রকাশ যজে হইয়া বিভরিত হইতেছে। ইহাতে মাহে-ीर्थ ও नारशास्त्री करहेत निकाल स्वादिरमस्य করা হইতেছে ও ইহা প্রতিমাদে ১০ অর্থাৎ৮ পৃষ্ঠা করিয়ামূদ্রিত ও প্রচা । ইবে । মূল্য॥ • আমনা। **য**াহারা আহেক চুক্ত হইতে চাহেন, ভাঁহারা আমার নামে श्रकाम रख भक्त निचित्रन।

औरहबहस्य छक्केनिहां।

লিকাভানিমভলাঘাট ইটীট ৩২ সংখকে লেংবাদ আহানরভাকর যতে সাহিত্যদপ্র হইভেছে। গ্ৰহণাৰ্থিগণ পক্ৰাদি লিখিয়া তোৰীপুক হইলে ১ এক টাকা মূল্যে প্রাপ্ত হুইবেন :

জীতুবনচজ্র বসাক।

কুমুৰভী নাটক।

অভিনয়োপবোগী।

লকাতা হ্ৰকিয়া ফ্ৰীট ১৫ নং ভৰনে কুষ্ণগোপাল ডক্তের নিকট ও সংস্কৃত भुखकानदत्र थाना । मूना वात काना ।

| পুনঃ | প্রাপ্ত | নোট | l |
|------|---------|-----|---|
|------|---------|-----|---|

নিমুলিখিত অপহত আছি ও পূৰ্ণ মোইওলি পাওরা গিয়াছে। নোটের অধিকারিগণকে बानान गोर्डिएए, नियु चाक्तकाद्रीत निक्र व्यादक्त कतिर्वतः।

| | সংখ্যা | মূল্য | পূৰ্ব অধবা আৰ্দ্ধ |
|----------------|------------------|------------|-------------------------------|
| A tr | F340F | 7 | অর্ছ নোট |
| s tt | P9888 | | n |
| ब ¢२ | \$8 \$\$. | २ • | 2 |
| 3 6 9 | ऽ• २ ৯७ | ₹• | 7 0 . |
| લ ઇર | 8 % 8 ¢ 2 | २• | • |
| \$ 8 | ৮৯৯৩৭ | ٠. | |
| 8 4 | oe•¶8 | ۶. | |
| 6 8 8 | ৯৯৬৬২ | ২• | |
| वि २२ वि | • > 9 € € | ٠. | "} ভিঞ্জো- |
| २२ अ | .7448 | ٠. | ») নেট্স। |
| د د و | •1110 | ż • | , a |
| 8 & A | • 58 %> | 7 • | " |
| 4 8 7 B | **8** | ۶. | Q ⁴ |
| & & A | ४৮१२४ | 2, | অৰ্জ নে [†] ট |
| ¢· | 3 6 624 | ١. | A |
| .ቁ 8 ል | P 4P 4\$ | 7. | a |
| e e | • ৮২ ৪৯ | 3. | a |

468.7

85585

02re1

৩৭৮৯৬

31

g

135

| (91 3 °C | নকাতা ষ্ট আফিস ই আগষ্ট ৬৮ | } | , এইচ, ম্যাচ প্রেই মাস্টার |
|--------------|------------------------------------|----|-------------------------------|
| e e | F\$F%3 | 2 | •• |
| a CF | 634 | 7. | • |
| 62 | €877€ | ۶. | a |
| 9 20 3 | 257.5 | ۶. | * |
| 9 | 257.7 | 7. | * |
| 47 | W(3, 4 | • | |

ইন্দুপ্রভা নাটক।

'**ষ্টান্ধোপ যদ্ভালয়ে এবং** চীনাৰ পটোলভালা ও কোড়াসাঁকোর পুত্ত शां⊛क्षां याच्च। मृत्र; ১ এ**क होका**।

> **এ**গোপালচন্দ্র বন্দ্যোগ কলিকাভা বাণ্বাৰ

১৮৬৯ पास्त्र हेर्त्राकी अन्द्रीम (क নোটবুক, প্ৰথম ভাগ পোইট্ৰী, ট্ৰেং ভেমির ভূতপূর্ব হেড মাষ্টার এইচ, #ছ বি कर्कुक धनीष, का के जिल्लिम विकास **এবং সংস্কৃত যজের পুত্তকালয়ে প্রাণ্য**। १ किथि १

বিবিধ ড্ৰাদি বিজয়াৰ্থ প্রস্তুত।

ইংরাজী বাঙ্গলা পুস্তক কাগঞ কলম ৰিধ **ভাৰ**্যাদি পান্তর। ধার এবং পুস্তকা 🖊 এক আমার হিসাবে কমিসন দি: ৬ টাকার পুস্তক লইলে 🖊 জানার হি পাইবেন।

₹ij

ৰপুক্ষ উপাধ্যান অৰ্থাৎ সেক্লপিয়রকুত নাট 🖯 মর্মাসুবাদ 🖺 ময়াপ বড ১ ম অব্ধি ১২ আছে বাং ন্ত্ৰীত্ৰীহরিড জিবিল'স সম্পূর্ণ শ্রীমন্ত্রামরসায়ন সুই খণ্ডে সম্পূর্ণ ক্রেপাণিটিকিৎসা এরে সিশ্রুধীয়া পদী সী বাবু কাশীনাথ মলিকের প্রথমে উত্তৰ ভেষারা হল্পের লিখিড २७ নিভাগে**ন্দা**নুরঞ্জিক প্রিক: বার্নিক Ø কৌকুষ বিলাগ ধাগতে গোপাৰভাঁড়ের हकक्षलि मण्लूर्ग काः, इ 3 তাহংস ⇒ ভৈমিনি रुट्रेड ভারত ۷ ক্ষেত্ৰ চুড়ামণি অগাং একানিবর ীলাখন কাব্য রঞ্চান কাব্য ৰিকুণ্ডলা **কাৰ**্য হভিমন্ত্রেধ নাটক 114 াদশ শিশুর বিবরণ যোৱমা গল্য কাৰা কীয়ৰবিয়োগ নাটক ভিল গাইড মাৰ্শমেন সাহেব কুড অগকা উপাথান *व्य*नावनी चन्नभ<u>्त</u>ञ्ज وان ালাচে ভার ভিন্ন ভা টল'স বাং ৮ থানি মাণে গৰেণচক্ৰ কু ড তত্ত্বপূৰ্ণন পূসিবীর মানচিত্র (ब्राइवर्षिय महाभ : हत्रमान्न काक्ट्र्य ডি শ ক নব্র শোহীলী গ্ৰহণদ; 7# ার সম্ভব সংস্ত চহতে পদা অপুরাদ ১ রিভবদের ইতিহাস কেলাবনাথ দক্তরত ১ গোবিকচন্দ্ৰ সেম কুড ভাষা বুস ° এই চীন ইভি১:স সমুচ্চয় মাস্থেন সাহেবকুত ছুই খণ্ড ট্য পরিশিপ্ত নটেক

হুত্ৰ হুত্ৰ হৈ

দক্রজন প্রিন্তু

-াড়াছ্য ভোষ

া ৩৪ নং

, देखेहे जिन्ना (तन ७ देन । কারাদোলা খাটে রেলওয়ের সর্বজ রপ্তানির নিমিত্ত মাল লওয়া याहर ।

এত यादा नर्मना वाद्र के कां इ कहा शह-(उट्ट (र, गथन का**वांटनाना घाट** भावाभारतत ফিমার থাকিবে তথন 'ঐ ফিমারে রেলওয়ের সর্বাত্র রপ্তানির নিমিত্ত সর্বাপ্রকার দ্রব্যাদি লইতে ইষ্টই গ্রিয়া রেলওয়ে কোং প্রস্তুত আছেন।

রেলওয়ে স্বরাদি পাঠাইবার ভাড়া অনু-সারে ভাড়া লওয়া হইবে। কেবল ষ্টিমার হইতে সংহেবগঞ ছেসনে লইয়া ঘাইবার নিমিত্ত বে:ঝাই খরচা ও ভাড়া প্রতি মণে এক थानात हिनारव अधिक लडवा सहिरत। (य ষ্টেদনে দ্রিবাদি রপ্তানি হইবে সেই ছেঁদনে मभूमः स मिरल छ हिनार्य।

इंड्रेइखिम्रा दिल्लाहर मिमिन किंद्रकन्त्र এছেগি বোড । (मद्विषत ३৮ ४৮ ।

পুরাণ প্রকাশ !

বিষ্ণুপুরাণ!

অসুবাদও টীকা সমেত প্রত্যেক বঙ ৮. প্ঠা≀ অংগ্রিম মূল্য) ⊪∙া

বিনি এছণাভিলাধী হইবেন ভিনি মূলাপুর আমহরষ্টটি ৩৪:১ ন° ভবনে কাবং প্রকাশ यह्य व्यथका कनिकाला मध्य ७ विम्हानहरू জীযুক্ত অগমোহন ভকলিক্ষারের নামে যভ খণ্ডের ইক্ষা অধিম মূল্য পাঠাইবেন। অধিম না পাইলে বিদেশে বিষ্পুরাণ পাঠাইবার भावभीका निष्ठम नाहे हे छ :

বিক্রয়ার্থ।

গারভেন রীচ ২৪ নং বাটী ওলামস্ছ ১৯ বংকোড়া ৰাপান ৷

উপরি উক্ত বাগান ও বাটী ঘাঁহারা ক্রয় कतिएक व्यथ्या महेटक हैका करतम, मित्र वाक ব্লিক ব্যক্তির নিকট জানাইবেন।

5 I

₹₡

জীপ্রভাপচক্র রায়

নগদ বিক্তেন্ডা;

গিলেগুরেস্ভারবো-খনট এৰং কোং

বিক্রন্তবার্থ।

नस्क्रक्रम् अख्यान। मत् ताक्षा ताथा-

কান্ত দেব বাহাছুরের ক্লুত। উত্তৰকপে দির। হতন বাঁধান, মূল্য ২৫০ টাকা। **क्रीबानम्हट्यत्वप्रास्य वागी**।

(रामिअर्णिकि हिकिएमा, अध्य मर्ग আনরজ্ঞ, মুলাচারি আনামাত্র।

কলিকাভার চোরবাগানে ক্লবুক ঠনঠনিয়ার সংস্ত্তযন্ত্রে পুস্তকালয়ে লালবাজারে বেরিণী কোম্পানির যে পেখিক ফারমেশীতে পাওয়া যার।

পুন: প্রাপ্ত নোট।

যে ব্যক্তি ১৮৩৮ সালের ৮ ই আগ মধ্যে পাটনার ভাক্যোগে নিম্লিখিত পাঠাইয়াছেন, তি ন নিয় কারীর নিকট সবিশেষ লিখিয়া পাঠাইবে ba . . 4 4? ১০০ টাক F8F & 3 48 4 ...

> **फविनिष्ठे. এই**চ, মনগোয়ান কলিকাভার পোষ্টমাস্টার

> > --:0:--গাবিক্ৰীচরিত कावर।

জ্রীভোলানাধ বক্রবর্ত্তি প্রনীত।

মূল্য এক টাব সংস্কৃত মন্তের পুস্তকালয়ে পাওয়া যায়

১ ই ভাদ্র ৫১৬ ই ভারিখের সোমপ্রকা বিজ্ঞাপনের লিখিত দেওয়ানী কার্যনি গ্রন্থের প্রথম ভাগ প্রচারিত হইয়াছে, বি ভাগত • এ আন বিন ও শেষ ভাগে ২ • এ কা প্রচারিত হইবে । সমুধায় পুস্তকের ডাকমাস্থল বাডীত ১০ টাকা। প্রথম ভা মূল্য ভাকমাস্থলসহ ৪। ৽ অপর ছই ভাগের ৬৷• টাকা ; কিন্ত যাহাঁরা ডাকমাসুলস্হ টাকা অভিনেম্পর নিম্পিথিত ঠিকানায় 😗 পাসাইবেন, ভাঁহারা সম্পূর্ণ পুস্তক ক্রমে 🦠 इहेट्यम ।

কলিকাতা ভোড়াসাঁকো প্ৰ:ক্ষ্ম জীযুক্ত বাবুরামচক্র ভৌমিকের নিকট খ মূল্য পাঠাইলেই হইবে :

ইতিয়া রেলপ্রয়ে।

विकालन।

১৮৬৮ সালের ১ লা অস্ট্রের ভারিখেঁএবং ওদ্ধনি ২০ হন্ডে ড্রুডের এটাট ওজনের এক টন হাবে এথবা প্রভাক গাড়ির ওজন প্রসারে তুলা আমদানী কর্টিট্রের।

| ` | মিশ্লিবি | (3 | १,वर् | र उन | कें वि | हा श | 30 12 | नादः | হাওয় | ায় ভ | ানিবা | র ভাড় | ा मर्भ | ম যাই | इ ऽरू | 1 | | | 4 | | |
|----------|-----------------|-------------------|----------------|--------------------------------|----------------------------|-------------------|--------------------|---|----------------------------|----------------------|---|--|--------------------------|--------------|------------------------|------------------------------|----------------------------|---|---|---|--|
| 1 | ু টেসন | १डेंद्रच | জ্বা | मता में | ी इंडें | ्य स्माव २० मास्य | क निया कर कि विकास | क्षार्या मास्यात ५० वर्गात क्षार्था वर्गात ५० | त कि कि कान्या १६ विट्रांच | क मात्रा कर विकास कर | यात्राय के क्षेत्रायक क्षेत्राय के यात्राय के या व्याप्त के या व्यापत | त्रात के विकास के वित | क मित्र कर विद्यातिक करे | | किलिंदिक फिरलेड बनातिक | स्मित्रा ध्रम विक विक स्ट है | महिमित्र स्ट्रिंग्ड क्यारी | अब हुक गाएक कांत्रिश प्र किसे विक किस्टिक क्यांत्रिक कुछ यह छ | পাউপ্ত এ পাইনিড বাচার ও এক গাইট বিক ফিটো য়াছে । | ক কিডেট হুই রাচেচ • প উ ট কসি র ট অ ক | , জ্বেধ্ব ও পার ১৫ পার ১৫ ফি নিক হই- |
| | | | -, | | tale talkings : | 1 | | | | 13 | _te can a | | | | | | | | গুলন অন্ধিক হ ভাঙা; | १० ६० इंट्रन भा | ্ পাট্ড: ড়ি হাডি |
| b | ଜିଲିବର ଆଧାର | াজি | { 25} | ভে ভে | ক টুচুন গুটু | ! | 61. ** | œ 1, | পা, | 61, | | পা, | 61. 68 | खा, 1०/ | 역!. | हो . सह | 41. | ભા, • | 61. 09. | 19 7, | 역1, • |
| ۱,5 | শুর জ া | | (প্রয় | 'ড ক | টনে গাই: | 1 | ٤٩ ٩ | ll d | á | ¢8 | اره به د اا | a a | 42 | الوما الو | a a | 8 % | 1 | 2 | ৬৪ ৬ | / | • |
| | অ ালিগড় | 5 | (शर | ए।क | | i | 8 1 | العا | a a | 40 | Z | å | 4. | 11 · | r a | 88 | (d) | », | ৬৩৬ | 10/ | • |
| | হাঙ্কাস | - | ্ প্রয় | ভ≀ক | े हें इस्ट्रिट | , (| 8 1 | nd 11 | ้ ม ม | 43 | N) | a a | 8৯ ৬ | ا فا ا | 77 | 3.3 '9 | : | י ד | ₩: ⊅ | 11,,/ | ć |
| : | জ্বাগরা | | (2) (2) | ভাক ভাক | हेट्स भा र े | | 8 | الم | <i>y</i> , | 43 | ! | n K | % % 8₽ | 112 | a a | 8 5 £ | الو . الو . | 7 . 7 : | 930 | h _e j | , |
| | ধিরে জ া | বাদ | (घर (घर | ङ(क ङ(क | টনে গা ই টে | | 7 | 1 | a | 83 | الواد | a | 8 9 | 1 | a | 8 ÷ | 4 | , a | 53 Q | | ·. 77 |
| | ৰেকোয়া | द!म | । প্র ে | ভ্যক ভ্যক | ऽह्य ११ ३ ८३ | | ۲ ۲ | hol | a | 83 * | Ŋ. | * | 8 % % | لوا لوه ا | * | \$ \$ | 1) 18 2) | | ৩১১ ২৯৮ | k./ | a |
| 1 | हेट हैं। सूर | |) at | ভাক ভাক | টনে গাইটে | 8 | | 4/ 6/ | 77 | 8 1 '9 | 11- | | 88 | 4/ | , | 62 | الوا | · | 2 @ q | 17 | <i>"</i> |
| | কানপুর | | । প্র ে | ड (क इ)क | हें[न गा≷हि | | 8 | الم | a | 8 २ ¢ | 12 | * | 8 • | N N | , « ! | 8 | 11 e | 3) | \$ > ¢ | الوا م' | a |
| , | থালাহাৰ | it प ् | (at | হাক ভাক | টনে গাই(| 5 5 | e e | 1 | a | 9¢ | na) | » | 8 | 112 | " | 8 | 4 | * ! a | २ • १ | ۲ | |
| i | ্য কাপুর | | | 3 54 | গাইটে | | 8 | زد أد ا | | 8 8 | 1. | | 8 | 4 d | . ! | 3.4 3.4 | 100 10 10/ | » ! » ¦ | ٥4: | ١ | · 54 |
| | เราจริ | | १ मद | <u>ক</u> শ্ক | हे रूम भारेर | | 8 | اوا | 7 | 8 | 10 | | 3 8 | • | * | 2 8 4 | ارُآآ | 7 | 747 | ı,J | * |
| | জুম (নিয়া | | (શ | ক্ত।ক | छेट्न श∤हेट | 3 | 8 | يل ا | , | | ti ei h ei | | 39 | м У | » ! » | ر ا ا | 12 Nel | 7 | 787 | h | p |
| - | १ :६म1 | { | 2(7 2(7 | ड . १ व ड) व | । हेर्न भा रे टि | 7 | 9 | 1. | a. | . °9 | اوا د | a ; | ٠ <u>٠</u> | لونا | . " ; | à. | Boy! | a | S 52 5 5" | 7 | W. W. W. |

প্রত্যেক টনের ভাড়ার পরিবর্ত্তি প্রত্যেক গাইটেব ভাড়া লওয়া যাইতে পারে, যদি প্রত্যেক গাইটের মোট ওয়ন ৩০- প্রত্যের এনাক হ খোলা তুলার ভাতা চতুথ প্রেশির দ্বোর ভাতাব সমান ধরা হইবে , কিন্ত এক খানি গাড়ির নির্তম ভাতা প্রত্যেক নাইবে । ১৪ গাইবে ভুলার প্রভেরে টনে। এ অনে। অথবা গাইট করা 🗪 আনা হিসাবে হাওড়ার টার্মিন্যল রেট দিতে চইবে।

বোড অব এছেলি रम म का शह १ मध्म ।

সিসিল কিফেশুন বোড বৰ এড়েছিল ! :শুগ্দক ব।ভিরেকে স্**ন্ত**্রিভ শিক্ষা। ^৯ অৰ্থাং ৷

উরোপীয় অরলিপি সয়লিড সেডার, ্এদ্বাজ, বংশী, হার্মেনিয়ম ও গ'ন ি শিখিবার **সংজ উ**শায়, মূল; ৩ ডিন । লালদীঘীর পুর্ক্স্ক্রাই দেকে পানির নিয়াস্থ সংস্কৃত যয়ের পুস্কালয়ে বিজীত 56 1

1.0.1 সেক্টেম্ব া

} বিষ্ণাত্রকল'থ চাটে পাসাগন্ত প্রেটালডালা পোটোটোলা লেন।

--- :00

লিকাভাব মান্ডিল মুদ্রিত হটয়া বিক্রয়ার্থ আবছে।(উত্যবাধাই) মূল ২ টাকা। জীকালীপ্রসর সন ওপ্ত कलिकाङः नद्यां न ऋ न

---°0?---

ভেবিদ্য় প্রথম, দিউ"য় ও ড্ডীয় পণ্ড চিত্যংশোধন ও অংবশ্কেষত পরিবর্তন ু ভ্ৰীয় বার মুদ্রিত হইয়া কলিকাভ স্বাচ্চের ও সংস্কৃত সংস্থে পৃস্কলেয়ে রাপ একাডে কাড়ে, মূল 👾 টাকা। के बिरहा भनाभ प्राप्तत

(मामधकार्य।

७० च होते जाश्रीत ।

আংনাদিগের এক জন পর্পেরক বলিল অংশেশ করিয়াছেন, অনেক ারপতির এরপ সভাব আছে, মক 'নিষ্প'ত্র অবাবহিতপরে আপেনা, গর রায় প্রকাশ কবেন না। ভারতেও ীও ∞তঃধীর অতিশয় কঊ হয়। হদিপের ক্তিও ইইয়া থাকে। মরা প্রপ্রেরকের এই বাক্টোর সম্পূর্ণ র্ষ্যক্রিটেছি ৷ ৬ ৷ ৭ নাম্পরে রায় নাশ ক^{রিসং}ছেন, এমন বিচারপতিও मामिर्धाः नजनर्गाष्ट्रत करेब्राट्डन । ৷ প্রকাশ করিতে অসক্ত বিলয় লে বিচারপ্তিধিপের মক্লমার **জ্বাবিমৃত** হটবারও সম্পূর্ণ **সন্তা**

া, প্রত্রেরক এই যে কথা কহিয়া-

भारक। জটিল মকদ্দমাঞ্জির সহসারায় ব্যবহারাজীর বলেন, "বিচারপতিং প্রকাশ করিতে গেলে ব্যতিক্রন ঘটিবার সম্ভাবনা আছে, একথা আমরা স্বীকার করি; কিন্তু ভাহা ৰলিয়া মাস, পক্ষ, দথাস ও বংসর অতীত কর। কোনক মেই সঙ্গত ছইতে পারে না ৷কোন্দিনে উকীলদিগের তর্ক বিতর্ক হয়, তাহার পর কত দিন অন্তর রায় প্রকাশ হয়, প্রধানতম বিচারালয় যদি ভাছার অসু শহ্মান করিবার একটা নিয়ম করেন, তাহা হইলে আর রায়প্রকাশে অসুসভ विलम्भ हरेएक भारत ना।

প্লানিব মকদন্যার বিচার।

ककरन (कोकनाति आहरतत मर्टनाः । ধন আবিজ্ঞ হইয়াছে। অভএব এই সুযোগে আমরা দওবিধির একটা ধারার পরিবর্ত্ত করিবার অনুরোধ করিভেছি। ১৮৬० व्यक्तित १८ व्यक्तित १००.१०२ ৩ ৫০৩ ধারাসুদারে অভিযোগ ইইলে ভাষার শেব বিচার এক জন মাজিট্রেট অথবা মাজিটেইটের ক্ষমতাপ্রাপ্ত ব্যক্তির দারাহটবার বি.ধি আছে; কিন্তু যদি অসুধারন করিয়া দেখা বায়, এটা আমা-**क्टिशत आहेटनत এक्टी व्यथान स्माय** বলিয়া প্রতীয়মান হইবে। প্লানির মক-দ্না করিতে পেলে বিশেষ আইনজ্ঞত। অবেশ্যক। ইউরোপ ও আমেরিকায় অতিশয় উপযুক্ত বিচারপতিগণও এই। তেছে। সম্পাদকগণ সাহ্দনহকারে সকল মকদ্দ। করিতে গিয়া অনেক সময়ে বিবয়েরই আলোচনা করিতেছেন। য অবিচার করিয়া বদেন। এমত ছলে আমা দিগের অপেশিকিত নাজিট্রেট, নহকারী **७ जारे** के माजिट <u>डे</u> हे, वा एड शूरी माजिट डे **.** जित निकटे य देशत चुम्बत विवाद स्ट्रेटन, इहा (कानकरमहे मुखाविक नरह। बामा বিচার হইতেছে। আমরা প্রস্তাব করি-ন, এটাও যথাপ। এ বিবারে প্রধানতম। তেছি প্রানির মকদমার বিচার জুরির !

व्यक्तितृष्ठत मिर्दिभाष मृद्धिभाष व्याद- विदेश कर्ता कराहे कर्ख्या । अक व्याव हिंदरा বৃদি বিনা জুরিতে গ্লানির মকদমা করি পারিভেন, ভাহা হইলে **ছই দিব**ে मर्था मर्वाप्याब्द याशीनका ल পাইত। তাঁহারা যতই বিশুদ্ধান্তঃক হুউন না কেন, ভপাপি গ্ৰণ্মেটের ক **छात्री ; शवर्गरमट न्छेत्र मिरश छान इहेर** विलक्ष मञ्जादना चारह। धकरण कृ দর্শনে স্থামাণ করিয়াছে, গ্রণ্মেন্ট গ্রণ্মেণ্টের কর্মচারিগণ অনেক সং সংবাদপত্রের সম্পাদকের উপরে বিং हन। "यथन देश्लट्ड व्यवल माध মতের সমূথে এবং অপক্ষপাতী বিচ পতিদিগের নিকটে অবিচারের সন্তার তথন ভারতবর্ষে যে মাজিট্রেটগণ হ চার করিবেন, ভাহা সম্ভাবিত নছে ! স্বলের বিচারপতিরাণ সদরের বিচা দিগের নাম স্থিরচিত ও সহিকা ন শংবাদপত্রের নামে নালীশ হ**ইলে** নে: দিগের অনেকে দণ্ড নিবার নিমিত হন, যাঁধার। অস্তবাহ্নর প্রিকার : নালীশের রভাস্থ শ্রেবণ করিয়া उँशिहा अहे कथात साथाई। तृति পারিবেন। আমরা ভরিমিভ পুনরায় তেছি, দওবিধির ৫০১,৫০২ ও ধারার মকক্মাদকলের বিচার ভে জঙ্গ ও জুরির হত্তে দেওয়া কর্ত্ত ক্রমশঃ সর্বত্র সংবাদপত্র স্থাপিত वास्त्रिक व्यवताशी, डाँशिक्तित হউক, ভাহাতে কাহারও আপতি কিন্তু হাতুড়িয়া বিচারপতিদিখের যেন মৃত্যু নাহয়। অভএব এই কৌজনারি কার্যাবিধির সহিত দ भित्र शूटकां क भारा **श्रीक** मः र করা অবশ্য কর্ত্তর্য।

প্রতিকান প্রভু,তার দান। আমেরা গভবারের অভিজ্ঞাস্দারে আমাদিবের নদীয়ান্তি মিদনরি বের দিভীয়পত্রেব প্রভাত্রদানে s হ**ইলাম।** আমিরা যেসর জান সের এতি বিদেবৰশতঃ কোন বি বাক্য প্রয়োগ করি নাই, ভাষা মিদ বাহ্মবের দ্বিভীয়পত্তের ভাবে স্পট িমান হইতেছে। ধাহা হউক, আমরা াকে অসুরোধ করিতেছি, কোন গব ক্ষেনরল অংথবা ব্যক্তিবিশেষের রাজ sর প্রতি দোষারোপ করিলে রাজা াজ্জীর প্রতি অপ্রস্থা প্রকাশ অথবা আক্ডাচরণকরাহয়না, এটা সেন ন যাৰভীয় ইউরোপীঃকে বুকাইয়া । এক্শে অনেক ইউরোপীয়ের ন রোগ দাঁড়াইয়াছে, কোন বিদয় ভমত হইলেই ভারতবর্ষীয়দিপকে গ্যতঃ সংবাদপত্ত্রের সম্পাদকদিগকে া, অ্কুডজ ও রাজদ্রোংখী বলিয়া

া সহিত এখনও ছুটা বিষয়ে আমাদি মতভেদ হইতেছে। প্রথম, ডিনি ন, '' গবর্ণমেণ্ট প্রকার প্রতিনিধির ংস্কার বেখানে আছে, সেই থানেই . দস্যতা, বিপ্লবপ্ৰভৃতি নানা াযোগ ঘটিয়া থাকে। ডিনি আংমা ার ভ্রমণংশোধনার্থ আমেরিকাও রাপের প্রতি দৃষ্টিপাত করিতে রোধ করিয়াছেন। ইউরোপে যে, ংকার বলবান্, আমরা তাহা পশ্চাৎ মাণ করিতেছি। আমেরিকায় কেবল সংখ্যারের এবিলা নয়, তথায় ভদ রী কাজও হইতেছে। প্রজারাই মরিকার শাসনকর্ত্গণকে মনোনীত

कमडा आहि ? व्यना कान किटम कितिवात डेलाय ; देश्ल अ शन-में छाहे

আমরাছঃধিত হুইলাম, মিদনরি

ণ দিয়া**পাকেন** ;

শাসনকর্ত্রণকে এরপ সাধারণমতাত্র-বর্তী ক্ইয়া কাঞ্চ করিতে হয় না। কিন্তু আমেরিকায় কি নিরস্তর দসুরেন্তি, হতাঃ ও বিপ্লব ঘটিতেছে ? ইংলতে রাজার স্ত্যুর পর লোকে নৃতন রাজাকে মনো नो ठ करवन ना वर्षे, किन्ह यकि अञ्चर्धा বন করিয়া দেখা যায় এতীয়মান হইবে দেখানেও রাজার রাজ্যলাভ প্রজার ইচ্ছাক্তত হইরাছে। বরণস্টইক রাজ वर्भ উछ्याधिकांत्रक्राम मा अग्रथाखाद ইংলত্তে লকাধিকার হইয়াছেন ? ভাঁহা দিগের প্রথম পুরুষ কি সর্কাসাধারণের মতাসুদারে আগনন করেন নাই 🤈 সম্রাট নেপলিয়ন সক্লোই বলিয়া ও লিখিয়া থাকেন, "আমি তৃতীয় নেপলিয়ন ঈশ রের ক্লপায় ও লোকের ইচ্ছায় শাসন করিতেছি ইত্যাদি।" ফ্রাক্সে একনায়ক-ভসু প্ৰচেলভি সভা ; কিন্তু ভৃতীয় নেপ लिश्रत्वत नारंश लादक रम्म निश्म श्रीकात করেন, তাহা কোনক্রমেই উপহান বা উপেক্ষাযোগ্য নহে। মিদনরি বাহাব যে প্রাচীন জর্মণীয়দিগকে অসভ্য বলিয়া निर्फिम क्रियोट्डन, म्हे व्यवस्थान হইতেই কি ইউরোপ খণ্ডের বর্তমান স্বাধী নতা শাসনপ্রণালীর মূল পত্তন হয় নাই 🤈 কোন্ইভিহাদৰেভা এ জন্য এই অন্তা **पिरांत निकार क्रिक्क का ध्यकाम ना** করেন ৃ যে দিন আর্ক বিশপ লডের শিরপ্ছে मन इस, रमहे निनहे '' ताका ने बरतत टाजि নিশি ' এই মতটা ইংলতে লোপ প্রাপ্ত र्हेशार्छ। ১৬৮৮ व्यक्त विश्व-ছারা "রাজা এজার প্রতিনিধি " এই মঠটা বলবং ইয় । ছুর্ভাগ্যনিবজান একণে কর্মনীতে ইহার ভাদুল প্রাবল্য नाहे। अन्निहाट का उन्हें विनमाटर्कत প্রভাবে প্রতিনিধিসভাই দর্কের সর্কা ন, এ কথা কোন্বঃক্তি অধীকার হিইয়াছেন। জর্মণী ইউরোপথওের মন্তক বেন পুজানাকোন্দেশে এজার — বুদ্ধিও চিডার হান; ফুাজা হত — কার্যা

বার ছান। ইংলতে যে মত বছ হইয়াছে, ভাষা যে দীঘ কাল ফু ালে কর্মণীতে অ্লক্ষপদ থাকিবে, ভ কোন ক্রমেই সম্ভাবিত নছে। গবং ্টের অনুস্কোল বিবল্কি ৭ প্রজার ম ত ? আমার কট আমি নিজে গেমন জ বুঝি অন্য কেছ তেমন জানেন ও বুং ন:। যে গবর্ণমেন্ট সাধারণ মত অঞ करतम, जाँशिशित शाम शाम जम अभि कि कान वालि अशीकात करि পারেন ০ ভৃতীয় নেপলিয়নের স लाक गर्रमा कवाशहन करतन ভাদৃশ অলোক সামান্য গুণ্মপান্ন বা কেও স্বীকার করিতে হইয়াছে, অথবা কয়েক ব্যক্তির বুদ্ধিদারা যাহা উ বিভ হয়, তাহা সচরাচর লক্ষ লক্ষ লো মঞ্জাকর হয় না। প্রজার মত, প্রজার ভ ও প্রজার অভাব বুঝিয়াও জানিয়াব করাই প্রত্যেক প্রণ্মেণ্টর কর্ত্তব্য এটা যথান ভ্রিতর ছইল, তথান গাবণ ন্টকে প্রকার প্রতিনিধিভিন্ন আর বলা সঞ্জ হইতে পারে ? আ ছঃখিত হইলাম, আমাদিদের মিদ বাস্ত্রৰ এই সংস্কারের লোক্দিং ফরাশী আকবিন ও দোসিয়ালিফদি म्टल भना कतिशाटह्य । अवन्टमन्डे अ প্রতিনিধি হইলেই যে সম্পতির প্র রহিত করিতে হয়, এটি প্র:মাণিক ব बर्ट। मञ्चाय मन्त्रीत मक्तरक म **খাংশে ভোগ করিতে দিলে সমাজ** দিনও চলে না। প্রতিনিধিগাবর্মে অংধীনে এরপ হঙারাও সম্ভাবিত ন আমানা স্থীকার করি, প্রাচীন কার অর্থণীর দুণাভিটা রোমের আহি প্রদেশসকল জন্ন করিয়া যাবভীয় গ ও গম্পতি জুলাংশে বিভক্ত করিয়া তেন; কিন্তু দেটা প্রতিনিধি প্রাণ্ (माय नरहः, उमानीयन वास्किविरभ च विषयक अश्कारत्र प्राप्त भाग । যে কণে অসভোরা রোমের ভিন্ন স্থানে স্থায়ী হইলা বস্তি করিতে ষ্ট্রেল, সেই ক্রেট পুনর্কার তর **প্রভেদ আ**রম্ভ **হট্স**।

শারলমনের প্রপর্যাত্ত রাকা: নীত করিবার প্রপাহিল। তাহা **১ই বর্তমান প্রতিনিহিপ্রণাণীর উ**ৎ হইয়াছে। প্রজার প্রতিনিধি হইয়া न कहारे स्थाधं बरलह कांक्ष्यं, 🗷 ার কোনপ্রকার করত্থিন কর। हत कह है। , क्लेस अवर्ग**रम**्बेत কৈ প্রকাব আপনার সাথ বলিয়া (হয়, তথান গেই গ**ব**ণ্মেটের র**ক্ষার্থ** রা কোন ক্লেশকে ক্লেশ জ্ঞান করেন

মিদনরি বাহাব জানিবেন, আময়া

ধমাবলয়াদিগের প্রতিমৃণাকিয়া যে করি নঃ : স্টণ্ম কেন, কোন র বিধের করা আমালিগের অভাস্ত । आगता श्रीक्षांन नाइ अवर स्टाप ললা প্ৰীয়ান হইলেই যে ভাঁচাদি डेब्रेडिन भना काफी इंडेरन, अ मर्-ানাই বলিয়াই যে, খামরানস্তিক হ'ই া, এটিও অকিপিঃ-কের বাক্য। গ্রন্র ≀রলের অবল**য়েত** রাজনীতির **প্রতি**্ দ্ধ বাদকে নান্তিকতা বসাও তেখান[্] ায় । মিদনরি বাহার ২০ ভাকের অংপ ा भार्भी इन नाई। इंख्रें∷शार्थ ্ণ সাধারণ মত বেপ্রকার আকার ণ করিয়াছে, তাচাতে যে শীলু ধৃট ার অভিন্ন লোপ হইবে, ভাহার বিক সম্ভাবনা এবং আমাদিগোর বস্থা ধা-িয়ে স্বীকার করিয়াছেন; কিন্ত नि अध्यानिशतक दिनिद्याह्म । य নিট্, - ারেলে হইতে চলিল ভোমরা ত্ৰিক ে ভলনা বলিয়া তাহা হইতে

विक्**षेत्र**ः वञ्चः यामित्रत

মিদুনরি বাক্ষবের ধর্মাসুরাগের স্বিশেষ প্রিচয় হইতেছে, তল্লিমিত আম্বা ভাঁচার প্রশংসাও করিতেছি; কিন্তু খৃট গর্মট ব্য যাবভীয় জাতির উন্নতির কারণ, তথ্যীকারে আমারা সমত নতি। সমুদ্রের হাদ রুদ্ধির নায় নকল জাতির উল্লিড ও হাদের সময় আমাছে। প্রাচীন কালের জীক ও রোমকেরা জুপি টরকে পূজাকরিয়াকিনাকরিয়াছিলেন গ্ इंडिट्डाट्स अक्ट्र भृ के धर्मा वलशी मिट्रात উন্নতি নয়নগোচর হইতেছে বটে , কিন্তু ধর্মবিশাদ দে দেই উর্ভির একমাত্র কাংণ, ভাষার প্রমাণ কি ১ ভবে কেন पूर्विषिश्च (व्यायक लोका जुबक्रिक्रिक् হস্তগত হইয়াছিল ় স্পেন কি খুটায়ান দেশ নছেণু মেকনিকোতে কি অধিকাৎশ লোক খুটীরান ধর্ম গ্রহণ করেন নাই ? মিশন্র বস্ধু যে ইতিহাদকে প্রমাণ मानिधार्हन, स्वड् डेडिस्यड निर्देशक, श्रीदिनम इहेट आकार সম্বোদানৰ মন্ত্ৰীর আনেক অপকার **ब्हेश्स्ट । अध्यक्ष कार्यम्य महत्र महत्** লোকদিগের এক গোঁড়ানীতে ভারাদি গের অতি মহুং উদ্দেশাও বিসময় ফল अभव क, तहारङ् । श्रृकीहान ना इहेरल লারোপ করিলে ভাষাকে বিদ্যোক্র 🖟 ভারতবর্ষ পুন্ধার মন্তক্উত্তোলন করিতে া ৰালা যেমন ভানায়ে, খুটীয় সম্মের ুপারিবেন না, এ বাকা ভাছেয়ে নহে।

> মৃত বারু প্রয়কুমার ঠিকুর अ रेश्विक कुछ हेहेल।

আমিরা সভ বারু আমের কুমার ঠাকু রের ক্লান্ড উইলের মর্মা আবগত ছইয়া চুটী বিষয়ে অধিকতর প্রীতিলাভ করি য়াছি। প্রথম, তিনি নিজ জমীদারীর व्यक्तां पिरात विषय स्य व्यक्तांत वावण्डा করিয়া গিয়াছেন, ভাহাতে কেহ যে কখন তাহাদিগের উপরে কোনপ্রকার পীজন করিবেন, সে সন্তাবন: নাই। জমীৰারী ইজালৈ ও পভনএভৃতি

(मध्या मृत्र वाकूक २० वदमत्त्र आक् काल काशटक शाहा निवाब निरम्ध क ছইয়াছে। দেলামী প্রভৃতি কোন র क्तिया (कह अव्यात निक्रे हहेट अनिया তিরিক্ত অর্থ গ্রহণ করিতে পারিটে না। এরপ ব্যবস্থা করিবার ছেতুব च्टल लिखिङ क्हेग्नाट्ड, कभीनाटः সচলাচর ঐসকল বাব কলিয়া প্র পীড়ন করিয়া থাকেন, অতএব তাঁহ জনীদারীমধ্যে ঐক্লপ নাহয়। এ দারা স্পাট প্রজীয়মান হইতেছে, ভাঁগ অ:শ্রিতবা২সল্যের ন্যায় প্রজা প্রা পালকতা গুণ বিলক্ষণ ছিল।

দিতীয়, তিনি নিজ বিষয়ের যে উত্তরাধিকারক্মনিরপণ্ড ব্রেস্থা ক ্গয়াছেন, তাহাতে তিনি যেনচিরজী রফিলেন এইরূপ বোধ ছ্ইট ভাঁহার বিবৰ কথন (s) III গত হুইবার সম্ভাবনা নাই। বি निজন্ম হৈছে। ও দে) हिजानिशदक अधिव না করিয়া নিজ ভাতুপার বার য उप्ताहन ठाकूत्रक व्यक्तिको क গিয়াডেন। যতান্দ্রাব্র পুত্র পেতি रेकाछ।। जुमारत व्यक्षिकाती व्हेरवन। य ক্রধার্র পুক্রপৌজাদির অহ ভাষার কনিষ্ঠ ভাতার পুত্রপেরি (कः छेक्स अधिकादी इंडेरवन। देः লের অভাবে প্রসম্বার্থ পিতামছ সন্তির। ঐরণ জৈঠারুদারে অধি **হইবেন। আম**রা যে উন্তরাধিকার গের কথা কহিলাম, ভাঁহাদিগের য উপভোগ বা বিষয়ের যথেচ্ছ বি গের ক্ষমতা থাকিবে না। ভাঁহার। উইলের লিখিত নিয়মানুদারী উ ভোগী হইবেন এই সাত্র। যিনি অধিকারী হইবেন, তিনি ভখন প্রদন্ধ ব্যবহৃত বৈঠকখানার উপবেশ कड़ि(वन ।

ष्यामता छेरेटलत बदावद्धात रग

प छेणिए इंदेर किमि निमञ्ज्य छ त शास रहेना थारणमाः प्रकार अधान गणान यहे अधानकात परिक्रितिसत्त अधान गणान यिनि वात्र जान सामग्रीत परिकार वर्गार्थ हन, किमि ज्यागिना कार्य क्तिए । परिक्र विन्ना भन्द रहेरण पारतन मा। कार्य पारन निमञ्जन रहेरण पारतन मा। कार पार्टिश थारकन । जानिक या अधान नारम जानका गरक जानिक या अधान नारमि जानका गरक जानिक या अधान नारमिरात छेरगाहणानहे हेरात मूल।

The state of the s

হারাজ ক্রমিংছের সময়েই বর্তনান রাজ এবং জন্যান্য ইহুৎ রহুৎ জট্টালিকা ও রম ইল্যানসকল এক্ত হয়। ইইার ৫।৬ সহত্র ৩।৪ শত হন্তী ৩ ৪ শত জব ও জনংখ্য লাসী ছিল। ইনি ১৭ বংসর রাজন্ব করিরা রাংল করেন। ইহার সময়ে ব্যাক্তন লক্ষ বাংসরিক জার ছিল। মহারাজ ক্রমিসংহ লানশীল ছিলেন, বে, ১৭ বংসরের মধ্যে লালীক ছিলেন, বে, ১৭ বংসরের মধ্যে লালীক হিলেন, বে, ১৭ বংসরের মধ্যে লালীক হার্য করিয়াও সজোবলাভ নাই। পুনরার ৭৭ লক্ষ্টাকা খণ করেন। লনেক স্থাবর সম্পত্তিও জনেককে দান

হারাজা রন্ত্রসিংহের মৃত্যুর পর ভীহার ভনর মহারাজ মহেশ্বর সিংক রাজা হন। পতৃ ঋৰে বিলক্ষণ জড়ীভুড হইয়া ছিলেন। ণ সমুদার পরিশোধ করিয়া উঠিতে সমর্থ ই। ইন পিডার ন্যায় ধার্মিক ছিলেন। (मर्वार्क्तना अवर श्वाम श्रात्रनाम क्षेत्रात াস্ময়র ব্যুহইওড ট্লি ১০ বংসর রাজাজ । ১৮৬১ অংকর আশ্বিন,মাসে ছটা শিক্ वाचित्रा भव लाक भ्रमम करतम । वर्डमान ধ্ববেহার রাজাকুনার মহ!রাজা লক্ষীনারা**⊦** ংহ উইর জের্ছ ভনয়। আন্তিকালি রাজ র বয়ঃক্রম প্রায় ১০ বংসর। ইনি বয়ঃপ্রাপ্ত **উত্তর কালে পৈতৃক** রাজত্ব প্রাপ্ত হইবেন। ধরাল মহেশ্বর সিংকের প্রলেকেপ্রান্তির **ভিকুমার অ**পপ্রাপ্তব্যবহার পাকাতে এবং ংসারের অব্ধিকতর ঋণ ুহওয়াডে, আমা ह প्विटिष्टथी श्रक्षावरमञ गवर्गमण ান্ধার রাজ্যসম্পত্তি কোর্ট অব ওয়াভের । করিয়াছেন। ফরলঙ্ সাত্হব ঐ বিবয়ের दल महारम्बाद । इसि महाद्रभद्राञ्चन, प्रदासू त्र अ कार्यामण अवश (य कार्स्यत प्रांत बाहन

াছেন, ডবিষয়ে বিশেষ পারদ্পী : ইনি

र्य. ७२कोटन ताजनश्माद्यत सुरवाधिक अक कां है के का देवना हिल क्षेत्रल नाट्य के क्षेत्र की গের সহিত ৭৭ লক টাকার চুক্তি করিয়া ৮ বংস रतत मर्गा में प्रभूनांच अन शतिरनांध कतिहारहरू কোট অব ওয়াডের ব্যবস্থা হইবার পূর্বে ছারভা शत्र श्रास्त्रां करत्र काम विषय्य क्रुण्यना हिन मा ক্লুভরাং বেরূপ বিভব ডক্রপ আয়ে হইড না অনেক অপরিমিড বারও হাইড এবং রাজসং বারে এমন কডকগুলি অবং লোক ছিল ভাছার নিয়ুডই কেবল আপম আপম উদর পরিপুরণের এবং রাজসংসারকে উৎসন্ন দিবার চষ্টায় থাকিছ অর্থ আত্মসাৎ করাই উহাদের প্রধান লক্ষ্য ছিল কেট অব ওয়াডের অধীন হওয়াডে আরু রাজ त्रशाद्वत क्षाक्षकशाद्ध अन वाहे । श्रृकाटलकः। षारम्ब नमा क दृष्टि स्ट्रेमारक अवर वर्ष वर्ष माञ्च बार्टन किथ्किर किथ्किर केंद्र छ इटेरफर हा वाकि कालि अवर्गस्य हेटक कृत्रित ताक्षण निष्ठा नभूनारशं वारनदिक चाय सुताधिक श्रीय ७. मक ग्रेका व्हिन्नार्ड धवर कान्नानित कानक उपनेबद्देव तक केक्निय क्रिया हिंद्राहरू এ দিকে আহের যেমন কৃতি হইয়াছে, ব্যয়ও

এ দিকে আরের বেমন হাছ হহয়াছে, বারও
নিডান্ড কম হইডেছে না। একানে বাংসরিক
বায় প্রায় ১৬ লা । ৪০ হাজার টাকারও অধিক
হইডেছে। আজি প্রস্থাব বাহুলভেয়ে আমরা
আর অধিক হুর অগ্রদর হইলাম না । একানে
করলং সাহেবকে অসংখ্য ধন্যবাদ দিয়া অন্যকার
প্রস্থাব শেষ করিলাম।

विविधमः वाम।

২৩ এ ভাদ্র সোমবার।

এবার - আমেরিকার পূর্মের নাায় তুলা বাইবেন এবং ভাহার আতুশ অমিয়াছে: আমেরিকার তুলা ভারতবর্ধের তুলা বিশ্বাশিকার্থ প্রেরণ করিবেন।

व्यापका छेख्य अवर व्यक्षिक शतियात् छैंव निष्ठ इतः किन्छ मधा छ शाक्तिय छोत्रख्य श्रकात किन्ना स्टेर्फ्ट्स यनि छेशत व्यक्तिय स्त्र, काश स्टेर्स व्यामानिर्गत काम व्यक्तिय मा। स्ट्रस्य छात्रख्यर्पत कूम। वे माक कतिरव मान्यस्य माहे।

কলিকাতা ও উপনগ্রের মিউনিসিপ একত্র করিবার প্রভাব হইয়াছে।

বেলবন্ধে ও তৎপরিপোরক রাজা
বারা অলপথ বছ হইয়াছে, এ কথা গবঅপ্রমাণ করেন। কিন্তু সম্প্রতি বারাসভের
ক্রেট কয়েকটা রাজার মধ্য খনন করিছা
বাহির করিয়াছেন। হালিসহরে কেরিফণ্ড র
অনেক স্থান খনন করিছে হইয়াছে। অ
অব্য অন্য স্থান হইতেও সংবাদ পাইছেছি
শীস্তা বাহির না হওয়াতে বিশ্বর বাটা প
গিয়াছে। অলপথ বন্ধের একটা বিশেব ব
এই, গত কয়েক বৎসরে সর্বত্তি বেখন
হইতেতে, এমন আর কখন হয় নাই।
গত্ত শনিবার উপনগ্রের মিন্তীনিসিপালিটি

গত শনিবার উপনগরের মিউনি সিপালিটি

হারী সভাপতির পদে এক ব্যক্তিকে নিযুক্ত
বার অভিপ্রায়ে এক সভা করা হয়। আপ

জাইন্ট মাজিটেট এচ, এল, বীতন সাহেন

হারী সভাপতি হইরাছেন। হালডেন সার্

হিসাব দশনার্ব একটা সব কমিটি নিযুক্ত

হেন। কেবল হিসাব দেখিয়া কমিটি যেন

না হন। কর প্রদায়ীদিগের করেকজনের ব

প্রশিক ওপিনিয়ন বলেন, স্থাগড়ের বি লৌরাজ্যকারী সন্ধার আভামহম্মদ স্থা হইয়া লাহোরে আনীও হইতেছেন। এই ব মন্ত্রণা হইডেই সম্প্রতি হাজরাতে এও বাগ হইয়াছে।

পুনর্ধার জনরব উঠিয়াছে, নিজামের স মন্ত্রী সালারজন্তের ননোমালিনা জন্মির সালারজন যেপ্রকার আনিপ্রভা কর ভাহাতে মনোভঙ্গ না হওয়াই আশ্চর্যা। নির্দ্ধ করিবার আইন করাতে বিস্তর বে ভাহার লক্ত হইয়াছেন।

ভেলিনিউস প্রবণ করিয়াছেন, পঞ্চাবের গত মালিরব কোটার নবাব লাহোরের দে ভাষাব বিদ্যালয়ের নিমিত্ত কয়েক বংসরণ বার্ষিক এক লক্ষ করিয়া টাকা দিবেন। রিক ৩৫০০ টাকা হৃদ হয় এড টাকা জ ভূবে ভিনি কাতে হইবেন। নবাব নিজে ইং বাইবেন এবং ভাহার আভুস্পুত্র কে ব ন, মাতলার উল্ভি হইয়া লাভ ছ্ইবে ক নাই। শাববোর্গ ও সুয়েজ খাল ভির দুঝীস্ত দর্শন করিয়া পরিকর कि. 1 विद्यस इस ।

---:0:---

মূত্ৰৰ পুস্ত হ।

১। মহাক্ৰি কালিদাস্কৃত কুমার া, মিলিনাথকুত টাকা **দহিত**, ীয় **নর্গের কি**য়দ্রপর্যান্ত। 🖺 যু ক্ত হরিমোহন মুখোপাধারের নৃতন তে যত্তে জীযুক্ত কেত্রমোহন মুখে। ায় মুদ্রিত ও প্রচারিত করিয়াছেন। রকের উদ্দেশ্য এই, ভাগ ক্রমে শ করিবেন। মলিনাথ যে যে া সম:সাদিতে উপেকা করিয়াছেন, মাহন ছাত্রদিগের স্থাবিধার্থ দেওলি করিয়া দিয়াছেন। পুস্তকথানি ারূপে পরিশোধিত হ**ইতেছে।**

্**াবিবিধ পুস্তক প্র**কাশিকা, রমু । 🖺 युक्त वात रेवकृष्टेनाथ पठ প্রকাশক। বহু দনপূর্বে বে রঘু আরম্ভ হয়, এই সংখ্যায় (৮ সং ভাল সম্পূর্ণ করা হ**ই**য়া:ছ ৮ হেলচন্দ্র ভট্টাচার্য; ইহার ৰা অৰুবাদ করিয়াছেন। অসুবাদ যাষী ও বাঙ্গালার বিশুদ্ধীতির ভ হইয়াছে।

। এ বানিও বিবিধ পুস্ত ক প্রকা ব অন্তর থও, কিরাভার্জীয়। ্রেমচন্দ্র ভটা,চার্য ইহারও অনুস্ রিয়াছেন।

। প্ৰমঞ্জী। সংক্ত ঢাকা জর বাঞ্চালা নং ক্ষুতের ক শ্ৰীযুক্ত দোমনাৰ মুৰোপাধাৰ প্রবেড,: য**্**হারা প্রা**প্রে সংস্কৃত** ক,রবে, ভাহাদিগের সংস্কৃত ইহাতে কতকওলৈ সংস্কৃত

मार्थी निरंगह भटक अश्वामि विटमय छेन-कांत्री हहेरव ।

e। अधितस्या अश्वान । नाहेक। লক্ষীরার যে একটা প্রসিদ্ধ উপন্যাস আছে, তাহা অবলয়ন করিয়া এখানি निथि उ रहेश रह।

৬। নীতিরত্বাকর। 🖲 শ্রীনাথ গুপ্ত ইখার রচয়িতা। একটা গণ্প ভাবলমূন করিয়া ইহাতে কতকগুলি নীতির উপ तिम (मञ्जा त्र्ेशिक्षा ।

৭।রাজনিয়ন ও ব্যবস্থানং হিতা। 🖺 যুক্ত বারুরামচন্দ্র ভেমিক ইহার সঙ্ক লন করিয়াছেন। ইহার যে কয় ফরমা আমাদিশের হস্তগত হইয়াছে, তাহাতে ত্রিটিশ শাসনপ্রণালীর স্বরূপাদি বর্ণিত দৃঊ হইল।দেওয়ানীসংক্রণেড প্রচারিত আবশ্যক আইনদকল ইহাতে সংগৃহীত হইতেছে। এখানি ইংরাজীর অনভিজ্ঞ উকীলপ্রভৃতি ও বিষয়ী লোকদিগেব পকে বিশেষ উপকারী হইবে।

৮৷মনোরঞ্জ রতা এখানি সাম हिक পঞ্জিল। ইহাতে গুজরাটা ইংরাজী হিন্দু হানীও উদ্ভাষায় লিখিত কয়ে কটা প্রস্তাব দরিবেশিত দুট হইল।

৯।ভাবভবনীয় শভার ক;র্ঘা বিব इंग्

প্রাপ্ত।

দ্বারভাঙ্গার রা**জ**বংশ।

আম কালি বাজালা ও বিহারে যাত প্রধান ভূমানিকারী আছেন, ধারভান্ধার রাজাই সর্মান :পক্ষা শ্রেষ্ঠ। মহেশঠাকুর এই রাজবংশের আদিপুরুষ:ডিনি সজ্পদ্ভাত ব্যক্তার সস্তান। প্রবাদ আছে, যংকালে ভিনি খীন্ন আরু: পক মটেশচক্রে টুনিকট পাস্তাধ্যয়ন করেন, সেই সময়ে ভণীয় গুল দিলীখৰ সমাট্ভাকহাংক রাজসভার উপত্ত ইইয়া, আপুনার অসংধারণ বিদ্যা বুদ্ধির পরিচয় প্রদান করাডে সমাট সাতিশয় সম্ভূষ্ট হুইয়া এক তায়ফলকে সনন্দ পত্ৰ লিখিয়া ভাঁহাকে জেলা ক্রিহুতের অস্তর্গত হাটী 🔅 লেত হইরাছে। সংস্ত এবে /প্রগণ্য এবং উহার দকিশালরপ অভু,৫০ৄ ই

মুক্তামালাপ্রভূত পারিতোবিক প্রদার স मर्रुगार प्राप्त विवास से कि कि कि कि कि कि ছিল নাঃ ফুডরাং ডিনি খীয় প্রিয় 🛭 হীনাবস্থাদৰ্শনে কুপালু চইরা মহেলঠাকুল नक विভव সমুদার দ:न करतन। फ মহেশঠাকুর সমুপারের অধিকারী হন।

মংগ্ৰহাকুণের পর ক্রমাখ্যে ভাদশ পুরুষ হইলে মহার'জ ভত্র:সিংহ রাজা হন। এপর্যায় শপুরুষ মধুব ী আমে (🛢 ছারভালার ১০ নেখ তকোৰে) অবস্থান করেন। যদিও ঐ পুরুষের কীর্ভিকলাপবিষয়ে তেমন বিশেষ ওনিতে পাওয়া যায়না, তথঃপি ≂ ael याहेटड প!रत, हेहाता (यमन दर्दण গ্ৰহণ করিয়াছিলেন, ভদ**ত্রণ কর্ত্ত**া নম্পাদনে এক মুহ,তেঁর অসম ও অসম ছিলেননা। সক্ষিত্ৰ ধৰ্মচিতঃ শাস্ত্ৰালা প্ৰভৃতি শাধুদনোচিত কাৰ্যে, রুভ থাকি ^{ওবং} আপনাদিগের বিষয়বিভবের স 🖺 इ.कि.कतिशायान ।

মহারাজ ছত্র শিংহ রাজা হইয়া কোন ব **এশতঃ মধুবনী পরিভাগেপু—ক্কি ভারভা** লা,সয়।বাস করেন। আল্টোপি মধুবনীতে ংশীয়েরাজবঞ্ন করিভেছেন নমহারাজ সংহ ত্রিশ বংসর রাজত্ব করিয়া পর লোচ :ন।তিনি মৃতুংকাৰে পঞ্নবতি *লক* ট নগদ ত ভিন্ন বিশুর স্থাবর সপ্পে জ রাখিয়া য াহার পর ভদীয় আল,৩ পুত্র মহারাজ্ঞ রুদ্র এতুল পৈতৃ হ বিভাবের উন্তরাধিকারী হন। র'জ রুদ্রসিংহ অভিবয় লাভা, ধর্মপরা বভ্ৰিষ্ঠ ও দীমপ্ৰতিপালক ছিলেন। ই অবারিত হার ছিল। ইনি নানা স্থানে দেব प[्]छ हो। ह लाभू सः ऋडिन दृहर दृहर **सन्। सब्** स বপর পথিক ছানর নিমিত পাস্থালা সংস্থ বভূত বছবিধ সংক্রিয়ার কার্যকেরেন। মথিলাৰ পঞ্জিজগণেৰ এক জন প্ৰধান উৎ ণাভাছিলেন এবং পাঞ্জদিগের বিদাৰু উ<कर्षः ध्रादि **कार्यक (लाक्टक विख्य क्**! ৰ'পতিদান করিয়াধান। অবং!পি রাজস শারে কোনপ্রকার ক্রিয়াকলাপ উপ ইও হা মিথিলার ভাবং পণ্ডিভের সমাগম হইয়া থায ব্যাক ণ. জ্যোত্য, ধর্মশাল, নগায়প্রভূ শাস্ত্র'ব্যায়ী চাত্রদিলের পরীকা গৃহীক 🗧 রাজসভায় প্রনিদ্ধ প্রসিদ্ধ প্রচীন পরি আছেন, ভাঁচারাই পরীক্ষণ (ৰ ছাত্র প্ৰীক্ষ উত্তীৰ্ণ হটতে সক্ষম্মন, উচ্চাকে প্ৰশংসাং यज्ञन এक ऐकीय श्रमण एवं। से विवटन बार

चैंद्र'त ताम महित्ति है रहेन्ना बाटक। द्वाब वि

াপ উপস্থিত হইলে তিনি নিয়ন্ত্ৰপত্ৰ ও

ার প্রাপ্ত হইয়া থাকেন। পূর্ব্বোজ্ঞ রাজ্যত্ত

শীষ্ট এখানকার পশুত্তিদিদের প্রধান সন্ধান

। বিনি বার্তালার রাজ্যালীর পারীকার

তকার্য্য হন, তিনি অধ্যাপনা কার্য্য করিতে

ার পশুত বলিরা গণ্য হইতে পারেন না।

ার কোন স্থানে নিমন্ত্রণ হইকে অপেকাকৃত

ার অল্প পাইরা থাকেন। আজিও থে এখানে

গলাদেশ অপেকা সংস্কৃত শাজের সম্বিক

শীলন হইয়া থাকে, রাজ্যা ও ৫খন প্রধান

দিগ্রদিদের উৎসাহদানই ইহার মূল।

বহারক ক্রমিংছের সময়েই বর্তমান রাজ বিবং অন্যান্য বৃহৎ রৃহৎ অট্টালিকা ও রম টেন্যানসকল প্রস্তুত হয়। ইইার-২াও সহত্র ন্য ৩।৪ শত হস্ত্রী ৩ ৪ শত অব্য ও অসংখ্য দাসী ছিল। ইনি ১৭ বংসর রাজ্য করিয়া বিবাহণ করেন। ইইার সময়ে যোড়াশ লক্ষ্য বাংসারিক আয়ে ছিল। মহারাজ ক্রমিনংই পাদানশীল ছিলেন, যে, ১৭ বংসবের মধ্যে কাটি ৭২ লক্ষ্ টাকা রাজ্য এবং পিড়াও লক্ষ্য টাকা ব্যয় করিয়াও সজোষলাভ নে নাই। পুনরায় ৭৭ লক্ষ্য টাকা ঝণ করেন। আনেক স্থাবর সম্পাত্ত অনেককে দান ব্যান।

মহারাজ্য রুদ্রসিংহেব মৃত্যুর পর ভীহার ষ্ঠ ভানয় মহারাজ মহেশার সিংহ রাজা হন। ি পড় খাৰে বিলক্ষণ জড়ীভূত হইয়া ছিলেন। ঋণ স্মুদায় পরিশোধ করিয়া উঠিতে সম্ব নাই। ইন পিডার নায় ধার্মিক ছিলেন। দাংদ্বাচিনা এবং খ্যান ধারণায় ভাঁহার. কে সময়ব(য়ে হইওচ। ইনি ১ - বৎসর রাজায় ।র। ১৮৬১ অংকের আবিন মানে ছটা শিশু রে রাখিয়া পর লোক গমন করেন। বর্জমান াপ্তবংবহার রাজাকুমার মহারাজা শক্ষীনারা-সিংহ উইার জ্যেষ্ঠ তনয়। আনজি কালি রাজ रतत तम्रः क्रम श्राप्त ১० वरमत् । देनि व**म्रः श**ास्त ল উপ্তর কালে পৈতৃক রাজত্ব প্রাপ্ত হইবেন। মহারাজ মচেশ্বর সিংচের প্রলোকপ্রান্তির রাজকুমার অপ্রাপ্তব্যহার থাকাডে এবং লেংগারের অধিকভর ঋণ ,হরয়াভে, আনা अब প्रविश्उची श्रद्धावयम् अवर्गस्थ ভাজার রাজ্যসম্পত্তি কোট অব ওয়াভের ीन कविद्यार्टन । य्वलक् সार्ट्स अर्थे विवर्द्यतः स्तित्रल महारम्<mark>यात् । हिनि नहाश्च</mark>नताञ्चन, प्रशास्त्र শ্রু ও কার্যদক্ষ এবং যে কার্যের ভার এছণ

हशास्त्रम, कविषयः विराय भारतमी हिन

अण मूत्र जिमान्तति (कान वाल विधिमण हेरीत ज्ञानस्ति (हेरी) कति त्य ज्ञान शिल विधिमण हेरीत ज्ञानस्ति (हेरी ज्ञानस्ति (हेरीत हेरीत हेरीत ज्ञानस्ति (हेरीत हेरीत हेरीत ज्ञानस्ति (हेरीत हेरीत हैरीत हेरीत हेरीत हेरीत हेरीत हैरीत हेरीत हैरीत है

ষৎকালে বিষয়বিভৰ কোট অব্ভয়াভের অধীন र्य. ७९कारम तास्त्रनश्तातत सुनाधिक अक काषि होका प्रमाहिल । कहलर नाट्य छेखमर्गि গের সহিত ৭৭ লক্ষ টাকায় চুক্তি করিয়া ৮ বংস रतत मर्था के मधूनांच्र ঋभ शतिर्माध कविचार्छन কোট অব ওয়াডের ব্যবস্থা হইবার পূর্ব্যে দারভা शत वाकाक्षिरतत्र स्कान विषर्य क्रुमुखाना हिल ना কুডরাং বেরূপ বিভাব ভারূপ আয়ু হইত না: অনেক অপরিমিত ব্যয়ত 🐼ত এবং রাজসং সারে এমন কভক্ঞলি অসং লোক ছিল্ভাছার নিযুত্তই কেবল আপন আপন উদর পরিপুরণেব এবং রাজসংসারকে উৎসর দিবার চষ্টার পাকিত অর্থ আত্মসাৎ করাই উহাদের প্রধান লক্ষ্য ছিল কেট অব ওয়াডের অধীন হওয়াতে আরু রাজ সংস্থারের কপদ্ধনাত্র ঋণ নাই ৷ পূর্কাপেকা कारमूत्र नमाक दृष्टि क्षेत्रारक अव वर्ष वर्ष ন্যু বাদে কিঞ্চিৎ কিঞ্চিৎ উচ্ত হইভেছে। ৰাজি কালি গৰগ্মে-উকে ভূমির রাজখ দিয়া সমুদায়ে বাৎস্ত্রিক আয় ফুনোধিক প্রায় ৩০ नक है।का रहरेब्राहर अवर काम्लानिव काशस ১৮१৯६११ नक केकिश्र उत्तर कत्रा स्ट्रेग्नाटक् । এ দিকে আরের খেমন বৃদ্ধি হইয়াছে, ব্যয়ও

এ দিকে আরের খেমন বৃদ্ধি হইয়াছে, ব্যয়ও
নিজান্ত কম হইতেছে না। একণে বাংসরিক
ব্য়ে প্রায় ১৬ লাল ৪০ হাজার টাকারও অধিক
হইতেছে। আজি প্রস্তাব বাহুল্যভয়ে আমরা
আর অধিক হুর অগ্রসর হইলাম না। একণে
করলং সাহেবকে অসংখ্য খন্যান্ দিয়া অল্যকার
প্রস্তাব লেব করিলাম।

विविधमश्वाम ।

২৩ এ ভার সোমবার।

এবার - আমেরিকার পূর্বের ন্যার তুলা বাইবেন এবং ভাহার আতুল জন্মিয়াছে। আমেরিকার তুলা ভারতবর্ষের তুলা বিদ্যাশিকার্থ প্রেরণ করিবেন।

स्थान देख अवर स्थित शतिकार देश विक रहा कि अवह अधिक शतिकार देश अकात हिटी रहेएक विव देश देशकिक रहा, कारा रहेरा स्वामितित काम विकास ना किया कात्र स्वर्धित कुना दे नाक कतिरव मान्य साहे।

কলিকাতা ও উপনগ্রের মিউনিসিপা একক করিবার প্রভাব হইয়াছে।

রেল ওরে ও ত'ংপরিপোষক রাজার

হারা জলপথ বন্ধ হইয়াছে, এ কথা সবর্ধ

অগ্রমান করেন। কিন্তু সম্প্রতি বারাসভের

কেট করেকটা রাজার মধ্য খনন করিয়া

বাহির করিয়াছেন। হালিসহরে কেরিফগুর

অনেক স্থান খনন করিতে হইয়াছে। জ্ব

জন্য জন্য স্থান হইতেও সংবাদ পাইতেছি,

নীয় বাহির না হওয়াতে বিজ্ঞর বাটা প্র
গিয়াছে। জলপ্থ বজের একটা বিশেষ হ

এই, গত করেক বংসরে সর্বত্রে বেমন

হইতেতে, এমন জার কথন হয় নাই।

গত শনিবার উপনগরের মিউনিসিপালিটি

কারী সভাপতির পদে এক ব্যক্তিকে নিযুক্ত বার অভিপ্রায়ে এক সভা করা হয়। আপা আইন্ট মাজিটেট এচ, এল, বীডন সাহেব কারী সভাপতি হইশাছেন। হালডেন সাহে হিসাব দর্শনার্থ একটা সব কমিটি নিযুক্ত ছেন। কেবল হিস'ব দেখিয়া কমিটি যেন না হন। কর প্রদায়ীদিগের কয়েকজনের ই বিন্দি গ্রহণ করা জীচিত।

প্রশিক ওপিনিয়ন বলেন, আগড়ের বি দৌরাঅকোরী সর্দার আভামহম্মদ খাঁ। হইয়া লাহোরে আনীও হইভেছেন। এই ব মন্ত্রণা হইভেই সম্প্রতি হাজরাতে এত খোগ হইয়াছে।

পুনর্মার জনরব উঠিয়াছে, নিজামের স মন্ত্রী বালারজকের মনোমালিনা জন্মিয় সালারজক শেপ্রকার আগিপতঃ ক ভাহাতে মনোভক না হওয়াই আশ্রেয়া নিরম্ভ করিবার আইন করাতে বিত্তর বে ভাহার লক্ত্র হইয়াছেন। ভোলনিউস ভাবন করিয়াছেন, পঞ্চাবের

গভি মালিরব কোটার নবাব লাহোরের গে ভাষাব বিদ্যালয়ের নিমিত্ত কয়েক বৎসরগ বার্ষিক এক লক্ষ করিয়া টাকা দিবেন। রিক ৩৫০০০ টাকা স্থদ হয় এত টাকা জ ভবে ভিনি ক্ষান্ত হইবেন। নধাব নিজে ই যাইবেন এবং ভাহার আতুষ্পাত্ত কে বিদ্যাশিক্ষার্থ প্রেরণ করিবেন।

ম তলার উন্নতি হইয়া লাভ হইবে नाइ। भारतार्भ ७ मूरवक थील র দুক্তান্ত কর্শন করিয়া পরিকর ः १ विद्धशः 👯 ।

মুড্তন পুস্তক ৷

। মহাক্ৰি কালিদাসকুত কুম†র সহিত, মলিনাথকুত টীকা । मरर्गत किशक त**्रश**र्थः छ । 🗿 यू छ রিমোহন মুখোপাখায়ের নৃতন ত যঙ্গে জীযুক্ত কেন্ত্ৰমোহন মুখো য় মুদ্রিত ও প্রচারিত করিয়াছেন। टकत ऐटलमा ≜हे, **फ**्रा क्रम ণ করিবেন। সলিনাথ যে যে ममामामिट डेल्का कतिशास्त्रन, মাহন ছাত্রদিগের সুবিধার্থ দেওলি করিয়া দিয়াছেন। পুস্তকথানি রূপে পরিশোধিত ইই**তেছে**।

। বিবিধ পুস্তক অকাশিকা, রঘু अबुक्त बाव रेवक्थनाथ पर প্রকাশক। বহু দনপূর্বে যে রঘু আরেড হয়, এই সংখার (৮ সং তাল সম্পূর্ণ করা হইয়াছে হেনচন্দ্র ভট্টাচার্য: "ইহার । আৰুবাদ করিয়াছেন। অসুবাদ ষী ও বাসালার বিশুদ্ধরীভিত । ইয়াছে।

এ খানিও বিবিধ পুস্তক প্রকা অনাতর খণ্ড, কিরাভার্জনীয় ৷ :২মচন্দ্র ভট্টার্ছা ইহারও অসু নীয়াছেন।

সংক্ত ঢাকা श्री मध्य भी। **ন**ংক্তের বাঙ্গালা জীযুক্ত দেখেনার মুৰোপাধ্যার দ্ৰতা। যাহারা প্রথমে সংক্ষ ট্রেবে, ভাহাদিগের সংস্কৃত কভকণ্ডলি সংস্ত

भाशी मिर्शक शरक वर्शनि विरमय छेन-काशी हहेरव ।

७। जान्तित्रमा अश्राम । नाष्ट्रक । लक्षरीयात या अवनी अनिक उपनाम আছে, তাহা অবলয়ন করিয়া এথানি लिथिक स्हेग्राट्ड।

৬।নীতিঃড়াকর। খ্রীন্রীনাথ শুগু ইহার রচয়িতা। একটী পাল্পা ভাবলয়ন করিয়া ইহাতে কতকভালি নীভির উপ দেশ দেওয়া ইইয়াছে।

৭। রাজনিয়ম ও বাবস্থানং হিডা। 🖺 যুক্ত বাবু রামচক্র ভৌমিক ইহার সক লন করিয়াছেন। ইহার যে কয় ফরমা আমাদিগের হস্তগত হইয়াছে, তাহাতে ত্রিটিশ শাসনপ্রণালীর স্বরূপাদি বর্ণিত দৃষ্ট হইল।দেওয়ানীসংক্রাস্ত প্রচারিত আবেশ্যক আইনসকল ইহাতে সংগৃহীত हरेटिए । अथानि देश्ताकीत व्यनिष्ठ উকীলপ্রভৃতি ও বিষয়ী লোকদিগের भ**रक दिरम**त्र डेशकाडी **हरे**रि ।

৮।মনোরঞ্জ রজু। এ**খ**ানি নাম য়িক পত্রিকা। ইহাতে গুজরাটা ইংরাজী হিন্দুস্তানীও উদ্দু ভাষায় লিখিত কয়ে কটা প্রস্তাব সন্নিৰেশিত দুউ হইল।

৯। ভারতব্যীর সভার কংখ্য বিব রণ |

প্ৰা গু।

হারভাকার রাজবংশ।

কাজ কাল বাজালা ও বিহারে বড প্রধান ভূম্য দিকারী 'প্রায়েন, **দ'র ভালার রাজাই যর্কা**-প্রকা প্রেট। মহেশঠাকুর এই রাজাবংশের আদিপুরুষ: তিনি সদংশসভাও বাকাণের স্ক্রান। প্রবাদ আছে, যংকালে ডিনি স্বীয় অধ্য भक् भट्टमंडर<u>ल्य १</u> जिक्छे माखाभ्यम करवन, त्रहे সময়ে ভরীয় ওক দিলীগর সমাট আকবংক রাজসভায় উপজিও হইয়া, আপনার অসাধারণ विम्। दुष्टित शदिक्य श्रामा कताएक ज्ञाहे সাতিশয় সম্ভষ্ট হট্যা এক ভায়কলকৈ সনন্দপত্ৰ लि चेत्रा डीशांक क्ला जिल्ला अवर्गक शंही াত হইয়াছে। সংক্ত প্ৰে প্লগণ এবং উহার দক্ষিণাবরণ ক্ষ্যুৎচ্ট্

मुकामाना अप पाति (पाषिक श्रेमान केर्त्रम । ম্ভেলচন্দ্রের বিধ্যের এতি কিছুমাত্র আসুবাগ্র किन ना इंड्रार फिम चौद्र शिव हारबह रीनावश्रानर्भाताकुराज् बहुता महरूतिकुर्दक के লৰ বিভৰ সমুদায় দুন করেন। তদংগি মহেশঠাকুর সমুসায়ের অধিকারী হন।

মংশঠাকু:ের পর ক্রমাখ্যে ছাদশ পুরুষ গভ হইলে মহার'জ ভত্রাসিংহ রাজা হব : এপ্রাস্তে দ্বাদ শপুরুষ মঙুৰ ী এলমে (🖁 ছারভালার : • আরোখ নেখাতকোৰে) ভাবস্থান করেন।্যদিও 🕹 ছ দশ প্রবের কীর্ত্তকলাপবিষয়ে ভেমন বিলেশ কিছু শুনিজে পাওয়া ধারনা, তথাপি স্প:ই वना वाहेट छ भः त्त्र. हें हैं।ता (वसन तर्म कम ब्रह्म क्रियाहित्सम, एत्रमुत्राप कर्डवा कर्च नम्भान्त्व अक भूर्ट्स्त सम्ब समयित्त ছিলেন না: সর্কৃত্ত ধর্মটিতা লাজ্ঞাপন-প্রভৃতি গাধুংনোচিত কার্যে, রুত থাকিতেন এবং আগনাদেলের বিষয়বিভাবের স্ম্যুক্ 🕏 वृद्धि क्रिया याम ।

মহারাজ ছত্র নিংহ রাজা হইয়া কোন কারণ বশতঃ মধুবনী পরিভাগোপুর্সাক ভারভাজার अध्यादः म करतन । व्यक्ताणि सञ्चनीरङ अहे ংশীরের অবস্থান করিভেছেন। মহারাল ছাত্র সংহ ত্রিশ বংসর রাজস্ব করিয়া পর লোচ প্র:প্র ^{∍न ।} र्जिने शृङ्कार । প्रकारिक लक्ष के|का নগদ ত ভন্ন বিস্তর স্থাবর সম্পর্জি রাখিয়া ধান : গাছার পর তদীয় জে,ই পুতা মহারাজারুদ্রসিংহ এড়ল পেড়া বিভাবে উত্তরাধিকারী হন। মহা রাজ ক্রাসিংহ অভিশাস দাতা, ধর্মপরায়ণ, ৰভ্নিষ্ঠ ও দীনপ্ৰতিপালক ছিলেন। ইঠার অবারিত হার ছিল। ইনি নানা স্থানে দেবালয় न जिली, ह मधुना कारन बुहर बहर खनानय सनन, রপর প্রিক জনের নিমিত্ত পাস্থালা সংস্থাপন थाइ.फ वस्तिय मर्शाद ग्रांत कार्यः करत्रन । हेनि ম্পিলার পত্তিজগবের এক জন প্রধান উৎসাত ৰাতা ছিলেন এবং পাঞ্জদিগের বিদা বুদ্ধির **উ**<कवं:सूत्रादत **भारतक (लाकरक विख्य हा**व्य नुष्पञ्चित्राम कतियायान। व्यवशाल दाव्यत्रः গারে কোনপ্রকার ক্রিয়াকলাপ উপস্থিত হইসে মিখিলার ভাবৎ পশুভের সমাগম হইয়া থাকে : दह्यकरण, स्वाहिष, धर्मानाश्च, महाग्रह्यकृष्टि লাজ্র'ধ্যায়ী ছাত্রদিগের পরীক্ষা গৃহীত হয়। রাজ্ঞদভার প্রনিদ্ধ প্রাচীন পশ্চিত আছেন, ভাঁহারাই পরীক্তঃ যে ছাত্র পরীক্ষার উত্তীৰ্ণ হইতে সক্ষম হন, উচ্চাকে প্ৰদংসাপত্ৰ चन्न अरु देकीय श्रमख इत्र । ये निवटन चांखात्र উছার মাম সরিবিষ্ট হুইরা থাকে। কোন ক্রিয়

ৰাচী প্ৰস্তুত করিবাব দ্রব্যাদি আনয়ন গুরাণীচুক্তিক জল করেন, এই নিমিক ছই জরাশীযুদ্ধ আচ্হাক উচাহার রাজধানীকে ং করিয়াছে । রাণী ফরাশী সমাটের ট ক্ষতিপুৰে লইবাৰ নিমিত্ত পারিদে গমন ছেন। ছকলেরানিক্জিতা বশভঃ ভয় ত্র প্রবলের সংসংগ অংইনে, শেবে ক পড়ে। বর্ণিত হাপেরটী বোধ ইয় াকোৰ অনাত্ৰ উনাহ্যণ চইৰে।

াব সীমাব যুক্ষ জনমণঃ ভয়ানক হইয়া উঠি াংস'য়াছে ৷ আৰুদ্দ বিটিশ গ্ৰণ্থেটেব ভুজিহাদ (ধ্রাপুষ্ক) যোগনা কৰিয়া িচ, তিনি চুই লক্ষেনে,র জস্ত ও খাদ্ যালাইবেন। বন জাভিসমূহ অস্ত্ৰণার্ণ ত্তেন। সেমাপতি ওয়াইল্ড সংসেনে েএ পারে জাছেন, বনেরো জ্ঞাপর পারে শস্ত্রিবেশ করিয়াছে।

্দেশীয় স্বৰ্নেটের প্রার্থনাসুদারে স্তাতি ব ্লেম্বল কৌটসেকেটা(রকে এই অসুরোগ ('১৯ন, যদি কোন আন চিয়াত কামচারী বিশেষ িন্তু স্ভিত্ত তেওঁ ৰংগ্ৰের আহিষ্ক কাল কাল (1 প্রাথান্যাপ করেন, ভারণ হ্রলে ভারার । खो युनिहाळात्र सम्पृत्वमिनाइक किथिए**र** ৪০ কুটিৰ নিৰ্ভূষ্ণ নৃষ্ঠান : **হহাত্ত গৰ্গত্য** ৮র প্রতের ন ব্রেষ প্রিষ্ঠ হর্ষাত্র ভেলপ त्री करिएक व्हर्त स्टब्स्ट माहि, किन्न कहना স্বাকু স্মভাবে ব্যঃ না ১ইলে ছাছ: ল্ব অভিনক্ষীয় হয় সা। সাহযে।কুড লেয়ের অংশক্ষিক্ষের সুত্রিদান বিধয়েও পুৰি কোন সভূপায় বস্তা উচিতা। একেঃ বাৰ প্ৰয়াস্থ পাইবেন, কিন্তু অনুন্ধ নিজেও

. अर्डूस भी t S दे आंश्रष्टे आरमहाबाटन २० डेक दृष्टि हुई. সং তণ্পুৰে আংক ছ**ই দিবদে ২৪ ইঞ্চ জ**ল য়। এক নিবসান পু:বন হঠয়া পাসু ১০.০০০ । ও २৫ लक्ष शकात मण्या **उ नष्टे क**तिशाह হাল অংজনাটে এমত জল্পাবন হয় নাই. বীয় কল্মচারিখন লোকের সাহায়ের ব**েন**র কারতেভেনা গুজুরাটী বানকগণ ইংগ্র र अटनक ठीका क्रियाटक्स । ১ শাজা হ্যানি, লববি ২১ এ আংগাছ প্ৰজি ।काउरा १९३४ छात्र इन्हेश्वरहा अभिटक যাব্যায় অনাতৃ কিনিৰ্কন লগ্য নষ্ট হইবার

হাজবার গোলাবোল সংক্রামক রোগের

ায় সমুদায় সীবাব্যাপী হট্যা উঠিতেছে।

ক্ষেত্ৰ হুৰ্যুৱন্ত ৷

সিলিয়ান বলেন, মধুন কোট ও কদমারির মধ্যে পর্মতীয়ের৷ বন্দুক হস্তে জ্বন করিতেছে, সিজুর বাস্পীয় জাইগজস্কল আক্রণ্ড হইবে এই আশক্ষা করা হটতেছে। ইহারা কণ্ঠ শত্রু **३३ग डिटिंग** ।

यक्रमानीय गवर्गमाने मृत्या राज्य । तम ৎয়ে ভাগে কবিবার অনুধোধ করিয়'ছেন। এডংসংশ্রুতিকাগজপত্র গেজেটে প্রকাশিত হইয়াভে। গবর্ণর জেনিরল সাধারণ মত ভানি বার নিমিত্ত আর ১২ মাস অংশেকা করিবার মানস করিয়াছেন। গত বংসর কানিঙে ৯খানি মাত্র জাহাজ অইংগে। গলা অপেকা মাতলাতে অধিকসংখ্যক জাহাজ নষ্ট হইতেছে। এও'ল (माध्नीय वर्षे , किन्छ आयामिरशव शवर्धरमर है? ষ্ট তৃতীয় নেপলিয়নের অত্থেক তেজবিতা থাকিও ভাহা কইলে কানিওবন্দর ভিনাকুতি প্রদর্শন করিত। শার্বোর্গকে দৃষ্টান্ত স্থানে ব্যুখিয়া কঠক কাজ কর।

इल्लिनमान बरलन, मुख्य क एडेव्स्सर कवितिह কৌনিলে রাজাধানী স্থানাভর করিবার প্রস্তা বেশ বিষয়ে তৰ্ক বিতৰ্ক হইয়া কলিকাত ই বাজধানী হইবে এই নিদ্ধান্ত হইয়াছে। নগ্রের উরজিবাধনপিমিত প্রতিবংসর রাজ काय २३८७ अधिनक होका वाग्र स्हेरन। अधि कता व्यक्तिमञ्ज कर्छन्। वश्रामान य काञ्च ভাহার কিয়দংশত রাজ্যানীর উর্ভেস্থন্য ব্যয় করিলে কলিকাতা নগঙ্টা প্রম সূথের স্থান ংইতে পারে। নগরবাসির। আর মিউনিসিপাল কর দিয়া উঠিতে পারেন না।

২৬ এ ভা**ট বহ**∞প্তিবার ং

ঞ্জুব্ৰিকট ক্ৰীলোক কলিকাভায় ২ত হই য়াছে। বামন বস্তির নিকটে একটা এওকে শীয় খন্টীয়াৰ যুৱতী এক জন হিন্দুর উপপদীসক্রপ ভিল। পুর্বের এক জন খ স্টীয়ান ভাষ্ট্র উপপত্তি হয়, এবাজিন ভাহার সহিত এক বাদীতে থাকিত। সম্প্রতি গৃহ হইতে শোলিত বাহির **্টাডেচে দেখিয়া পুলিষ ভালা ভালিয়া প্র**েশ করিয়া দেখেন, ত'হার গল্দেশ ডেচ্নন করিয়া खाक्राट्य अक गिन्ह्रस्य भरता आचा व्हेश्राहर । শরীর স্ফীত হওয়াতে সিক্ষুকের ভালা ভালিয়া গিয়াছে। জ্রীলোকটীর খদিয়েন উপপতি সৃত হইয়াছে। এবারও ঘদি পুলিষ হ'ড্যাকারীকে ধুত করিছে না পাথেন ভাগু হইলে কলিকাভার পুলিৰ এবালীর সংশোধন বিষয়ে আনার তিল বিলয় করা উচিত নয়।

আমরা আহলানিত হইলাম সংখ্যম ও গোপাল

রজাণ লামে যে এই ব্যক্তিকে পাঁচমার खाधिक काल समस्यात (छात्म हाङाउँ त्रांथा व ২৪ প্রগ্রার হাজিটেট ডাছাদিগকে মুক্তাৰ য়াছেন টেম্নিক মাজিয়েটটের যথন কলিকার এত নিকটে এ প্রকার আইনবিঞ্জ কাজ বা তখন নিয়মৰ্হিছুত প্ৰদেশে যে কি কাও কাহা সকলে অনুমান কয়ন। ইংলালে সংগ্ বিচারলৈয়ের ভার বারিষ্ট্রনিগের হাও কে হইটেছে। এখানে কি সৈনেকের হত্তে মা ষ্টেটি ভাগ দেওয়। আর উচিত হইতেছে গত বংশবেৰ ৰাভাগিইছিত দিশের সাহায गरम्हीक होकांत्र मट्गः 3.eo.8e2) # ह বংশ্ব হয় এবং ২৭,১১৮৸/১৫ টাকা ভ আছে। এই টাকার কিব্লপ বায় করা উ ভাহার বিবেচনার্প গভ কল্য এক সভা হ সভ্যাৰ উহাৰ জানা প্ৰদেশীয় দাতব্য সং नामित्रकम मःस्कार कहितात श्राप्टार कट আমাদিগ্রে বিবেচনায় এ টোকা একবে রাখা উ.১৬। ২৫ প্রপ্রার দক্ষিণাংশের দিলের সংখ্যাদান অতিশয় আবেশ্যক (উ(চু ৷

২৭ এ ডালে গুরুবার ৷

হঠ্যান বংশর জাতুয়ারিঅবসি জুনপ মধ্য ভারতবংশ ১.৯৮০ টী বন্য হয় বধ মাছে এ নিষ্ঠিত স্বৰ্গমন্ত ২৮,২৭০ ট श्रमाम कविष्ठाऽहरू ।

প্রধানভ্য বিচারালয়ে তিন জন বিশে सिंगुक क्षेत्रमा इंक्टॉम्ट्स्स **श्ट**ाटकर টাকা বেভন হইবে। :<পোটের এত সু হটল, ভুপাপি ন*ভিব* ব,হুও'লর **অস্কৃত** द्राहल, श्रीत के जनग्र अन्ताम् । मनवास हे ও মোজসংরেষা জন্ম করিতে নাপারিলে লিয় ভণ্ড ফল চইনে না ৷

্রাজপুতনার অনেকস্থানে অনাস্থি য়াতে সকলে ছাউচ্চের আশক্ষা করিতে। কেংখায় অনার্কি কোখায় অভির্ক্তি। উ শ্ৰহ্ণার কারণ :

ডেলি নিউদের এক সম প্রপ্রেরক উ ের (মউনিসিপ) লিটির ভূতপুরে সহকারী পভির হিসাব অসুস্থানকরী কমিটিটে কয়েকটা িনয়ের অনুসন্ধানকরিতে ব (इन:- कोलएडन म'रक्द क**ें**।क्रेनार शिक्टो क्छति सहैटलम कि मा ? दां छ রের সময়ে যথেষ্ট সোয়া পড়িত কিনা তর কর্মচারিগণ ভাগাকে উপচৌকন বি না? পদ শুন্য হইলে ভাহাবিক্রেয় হইভ কি ় পত্রধেরক বলেন, বর্তমান নিমুক্তর কর্মচা গণ হালডেনের দোধের অংশীঃ অবতএর ারা যথার্থ বিষয় গোপন করিবেন। ইইাদি কেকমে স্থগিত নাকরিলে হথার বিদ্যু **ংর হইবে না: আমাদিগেরও এই মত। উপ** বের মিউনিসিপালিটির নিয়ত্তর কর্মচারি ণর যে তাণ ভাহা করনদায়ীরাই रनन।

২৮ এ ভাদু শ্নিবার। ২৫-এ জাগ্^চুখ_াড় পঞ্চাবে বৃক্টি হয়

চট্টপ্রামের পর্নাভাঞ্চলর অধ্যক্ষ কাপ্তেন ট্ৰ কুকি, দিগকে টাকা দিয়া (দীৱাআয় ভ করিবার যে ধন্দোবস্ত করিয়াছেন, লেপ্ট ে গ্রণ্র ভাহার অনুমোদন করিয়াছেন। াদিশের বিবেচনায় এ বলোবস্থা ইণ্ডফলো यी क्ट्रेट मा।

নিয়লিখিত মুলে গ্রণমেটের কংগজ ---:बाठाईड हो

টাকার পিরা » (কte

2844-9¢

244--2410 » প্ৰলিক্ওয়াৰ্ক

» (কাং 1.9 .-- > 914

৯ কো: >> ¢ ----

ইউরোপীয় সমাচার ৷

ওনংরা সেপ্টরর । টোরি মট্রেবর্গযে क कतियाद्यात, उद्यवस्य मश्यादय ৰ্ভক **ংইভেছে। সেনাপতি পিল এবং** হ∙টসাহেবটাইমণ পতের এক এক পতে া মৃত্রতার পক্ষমধন করিয়াছেন রো আগিয়াতে যে যে দেশ জয় করিছেছে, পত্রে ভ.ঘষ্টোর পুন্রালেশালন হই-

গশী রাভাবহ°কাড চনী ভসুর্গান ত এক বংকৃতাক রয়াবলিয়ং≽ন, শাভি मण्लूर्ग आभा व्यादका

ধারা ১০ এ ১০ বংসর কাজ কলিয়াছে

র যাবভীয় বৈদ্যকে কশীয় গ্রণ্যেন্ট দিয়াচেন ৷

ভ হাউয়াভ ভি ,ওয়াডেনের মৃত্যু, ১ই-

দেশক মর্ফিকে পুত করিয়া জানীন ना क्षेत्राहरू।

বিল্ডিদেশের লোকেঃ অধিমায়কতা । अक्षित्राहरू ।

ট্টরাক হইছে টেলিগ্রাম আসিয়াছে, টা প্রতিনিধিকে সাগারণভন্ত প্রিয় লাকে মৰোনীত করিয়াভেন। ওপায় तुनर्थः; क्रांत्र≉ा

 ह है। त्मक्री इत्। शक्त कला (भक्त क नगरतः) কর্মারদিগের ভোজ হইয়াছে। তুভন আংয়ে রিকান দৃত উপস্থিত চিলেন। ভারার সন্মানার্থ যে সুরাপান হয়, ডিনি ভাহার প্রভুত্তেরে বলি লেন, তনি শান্তির বর্ষাক্রী হইয়া ইংলতে আসি श्रोटक्रमः। ज्यारमञ्जिकातः । स्वारक्रिकारक বকুজ্ঞান করেন, এক্সংগ্রকুভাব উভয় জাভির হইয়াছে ⊧তিনি ভারও ব'লিলেন উভের জাতির একণে আর কোন প্রকার মনোমালিনা নাই। ভাঁহারা একণে একপ্লাডীয় বলিয়া প্রস্পাংকে জ্ঞান করিতেছেন।

৫ ই সেপ্টবর। চেঁঠার ও হোলিহেড বেল ওয়েতে যে ছণ্টনা কইয়াছে, ভাকাতে কর নারের জুরি মালগাড়ীর এেক ধারীকে মনুষ্না শের অপরাধে অপরাধী বলিয়াছেন।

অংহেরিকার ফুক্তন দুক্ত রেবাচি জানসন সাহেব শেকলভে আনে এক বজে ভা করিয়া কহি ब्राट्डन. हेश्ल छ 'अ ज्यासि तिकात महाव थ!८क, আনমেরিকার গ্রণমেন্ট ভাঁহাকে ধ্থাসাধ্য সে চেষ্ঠা পাইতে অনুমতি করিয়াছেন।]দংবাদপত্র मण्यामरकतः अञ्चयान कतिराज्यस्यः अकरन सरमत् मालित्नात रा कांत्र आहु, सामम्म भारकृत्वत. বকুতাঘাৰা কালা অভারিত ফটবে।

ভারেষ্ট ইভিয়া মেটল কোল্পানির সৌদামট নের কুঠিসকল অধি লাগিয়া গিয়াছে।

এডিনবরাব ডিউকের জীবন্যকানিবয়ন कलिकाछा, माध्याध्य, मःदशतः, मरको, अद्योधन ও চাকা হইতে রাজনীকে যে আমভিনন্দন এলান করা হইয়াছে, রাজ্ঞী তাহা প্রাপ্ত হইয়াছেন।

৯ ই দেপ্টেছর। বিদেশীয় গ্রণ্মেপ্টের পর न्भातत कार्य भवन्भातत राज्य वाभावी निगरक অপণ করিবার য়ে আইন আছে, বিবেচনাপ যে কমিটি নিযুক্ত হন, তাঁহারা আনাই नत्क काद्र**अध्यक्ष्य** कतिवातं क**ञ्**रताध कतिया

৮ हे (महल्डेश्ट्रत अक हिलियाम निक्डेह्यर्क ●हेट कात्रियारह । हेहार काना गाहेरफर**ह**, গেনাপতি আণ্ট দক্তিণ বিভাগের দেওয়ানী কর্ত্<u>ত</u> পক্তের সাহায়বার্থ সৈন।দিগকে অফুম্ভি দিয়া

গবর্ণমেণ্ট বিজ্ঞাপন।

ब भटन भी स त्व ल्येन के अव ब्रह्म व

আদেশাহুদারী निद्याभ ।

২৬ এ অ:গষ্ট। পালামাউএর সহকারী পুलिय इरुपतिराकेर छन्डे हिं, कि, हात्रम् त्रृ कि াদনের নিমিত ২৪ পরগণায় বদলী ংইবেন।

२१ अ व्यागष्टे । यड विन कारश्वन एवं গড়ন বিলায় লইয়৷ অসুপঞ্চি খাকিবেন, मिन अठ, अन. शांत्रिम मोट्स्य शावजात . निधि भूमिय स्पातित्वेरके व्हेर्यन।

২৮-এ আগেট। ব'বু শ্রামাচরণ সা ১৮৬৮ মধ্যের ৯ আইন অসুসারে কর্মা चारितमंत रहेका एशाव केला चाहेन जह কালেটরের ক্ষমতা পাইবেন।

गण ३ • हे अपूरनत (शरकाटि वातु देवतूर्व দেনের **উক্ত স্থানে আ**দেসর নিয়ে যে বিজ্ঞাপন হয় ভাহা এত স্থারা রহিত হই

ৰ'বু দিননাথ বড়ুয়া তেজপুরের মুলেন

বাবু রাধাকাস্ত বভূয়া (যিনি একণে নি नहेब्राट्डन,) वङ्राभिनेते मुस्लक स्ट्रायन।

বাবুরাধাকান্ত বভুয়ার অনুপ্রানপ্র বাবু দারকানাথ খোষ বিভূপেটার প্রতি भूटनक इहेरवम ।

^১৯ এ আগষ্ট। নিমুলিখিত ভয় লোগে পুলিষের ধৃতকারী বিভাগের অভিরিক্ত স कांती श्रुलियं ऋभवित्निर छन्डे इहेरवन। वाबू नवकूक (घोष श्रथम हक्ताए) ५

व्यक्ति । लास व्यविधा

মুন্দি বকাউলা চতুর্গ চক্রবা;ড় ১৮৬৭ অ(১ লা যে অব্ধি ৷

বাৰু বৈদ্যোপ মুখোপাধ্যয় পঞ্ম চকুবা ১৮७१ व्यक्ति । ला (स व्यविध।

মৌলবী এলাহি বক্স ভতীয় চক্ৰবা ১৮७৮ व्यक्तित ३ मा (मर्ट्यम व व्यविधा

বাবুরামচরণ বহু সঞ্জেভি চট্টগ্রাম বি গের অন্তর প্রতিনেটি ডেপুটি মাফিটে उ एड पृष्टि कारमञ्जू इहेग्रार्ट्स । डॉश्रार् নওয়াখালিতে স্থিত ক্রা গেল এবং ডি তথায় ৬ ই জ্লাই উপনীত হইয় হেন।

वि, अन, द्रवाष्ट्रमन मास्ट्रव शख २३ अ অব্ধি ১৫ই অনুলাই পর্যুক্ত হাজারিবালে প্রতিনিধি পুলিব সুপরিক্টেণ্ডেন্ট ছিলেন।

महकाती माखिएकेट उ कारमहोत है, आ রভক সাংহ্ব ১৮৬৭ অবেদর ২১এ অক্টোর অবধি ২৯ এ নবেম্বপর্যন্ত চম্পার্থে ১৮৬ অকের ২১ আইনানুসারে লাইসেক টাক वार्ग्यद्वत सम्बंधा हामन कतिहारहम।

৩১ এ আগষ্ট। ভবলিউ, এক, মিয়াস সাফের বাধরগঞ্জের প্রতিনিধি জাইটি মাজে .के इन १५ (७ भूकि कारन हे इन्हेर्यन।

ত্রিপুরার ভেপুটী মাজিট্টে ও ভেপুটি কারে ক্টর মৌলবী গোলামতে:গেন চাকাবিভাগে বদলী হইয়া মাজেটেটের ক্ষতা পাইবেন 📒

১ ६ चे व्यागष्टे । अन, मात्रमन मः टहर वक्षटन-শীর ব্যবস্থাপক সভায় ১৮৬৩ ,অক্টের ৫ আইন অনুসারে হাবড়ার ঠিকাগাড়ী ও পাল্কর রোজ क्षात क्हरवस ।

२) ब ब्यांशष्ट्रे। एवलिक, এচ, एकलि म एक्ट সহকারী বনরক্ষক হইয়া সিকিনে अवः ছাঙ कद्रिद्यम ।

२৮ जागहें , वावू जानसम्बद्ध देशज भारित র মিউনিসিশালিটির সংকারী সভাপতি वस् । 🛪

८ ना तिल्हेब्रा अह, अन, बीडन नादश्य কাভার উপনগরের মিউনিলৈপালিটির প্রভি । সহকারী সভাপতি হইবেন।

৩ রা শেপ্টেরর। সি, সি, কুইন সাংহ্র যশো র একজন।মউ ন সপাল কমিগনর এবং মিউ পোলিটির মহকারী সভাপতি হইবেন।

ष्ठवंत्रष्टे, क्र. क्रि**(म:३मन मार्ट्स निमहत्त्र**क्र ৰঞ্জিটার হইয়া উপবিকাগ কাছাড়ের সদর মায় অব হৈ ডি করিবেন।

মুক্লেরে মিউনিসিপালিটির সভাপতি বছ ্য় ব্ৰেক্ডাপক সভার ১৮৬৬ অব্দের্৫ ম অনুসারে ঠিকা গাড়ী ও পাল্কির রেছিল **६३(दम। ১৮७१ व्यक्तित) ना अनुनाहे**

प এই विषयी श्रेषाट्य।

সেপ্টেখন। ২৪ পরস্থার ডেপুটি মাজিক্টেট ডপুটি কালেটর বাবু গোপালচন্দ্র দেন পুন-वर्षमाति वनि इरेग्रा ख्याय माख्यि छित्र তাপাইবেন।

৫ ই সেপ্টেখর। টি, এ, ডনোসাহেৰ ফামা । উপবিভালের ভার পাইয়া ময়মনসিংহে ংটেটের ক্ষমত। পাইবেন।

নিয়লখিত সৰচেত্ৰুটি আহিকেন এজেটিদি বদলী করা গেল---

.অব. কসারাট সাংহ্র মডিছারী হইজে পাট

এস. কুপার সংহেব ছাপর ছইতে মতি ुक ।

ন্ত, ফ্লিড স'কেব পটেনা হইছে ছাপরাডে। সংহ্ছমের চকংসংক্রারী ভাকর এশ माञ्चक । सञ्च कार्यः । अ किष्कु निरस्त । अपना ড; প্রাত্রান্ধ ছেপুটি ক্ষিণ্নত্রের কাষ্ট্ (देवे ।

।ই সেক্টেম্বর। বাবু ভূবনমোলন রাহা মিসা≌াও এক ভান ধাওনিধি ছেপুটি १८ॐ३ छ (**७** पुष्टिं कार्ल्डेंड ६३३१८६म) য়তে এবস্থিতি ক রবেন। ১৬ এ আনসাই উক্ত স্থানে আলিয়াছেন।

এফ, ভবলিউ, আৰু, কাউলি সাহেৰ চটুৱা। ভানীর বৈনা, শিকা সভার সাধাদক হই ,

রামণভাষ সেন রাগাঘাটের এক **জন**া ন,সপাল কমিগনর ও ভব্রত্য মিউনিসিপা র সংকারী সভাপতি ছইবেন।

ভণিন কাপ্তেন পি, পি, ভালমেছর বিদায় অনুসন্ধিত থাকিবেন, তক্তিন ভবলিউ, हेमान मः(इव यक्षरमणीम् (लल्हेगान्हे भवर्गद्वतः) স্থিত ভারতব্রীয় রেলওয়ে কংশের পুলি প্রতিনিধি সংকারী ইনপ্রেটর জেনরল

17 1 ৮৬৮ অংকের ১ লাজুন অবধি নিম্লিখিত ্রিরাভৃতীয় শ্রেণি হইটে ছিডীয় শ্রেণিয় ারী কমিসনরের পদ প্রাপ্ত হইয়াছেনঃ-

a, সি_. কাৰেল সাহেব।

બ, જિં, কાર્લાંગ ડ

लिक्नोक है, वि. शिरवन । এম, ও, বাইড সাহেব। कारश्चन अन व अनुक्राहरे । (मण्डेनान्डे (स. महलाइ)

यङ्गिन ति. हे, मान प्राट्य विमाय सहसा জন্পস্থিত পাকিবেন, ততদিন মেদিনীপুরের श्चांकिनिषि काहे हैं माकिएके हैं उ उत्पृत्ति क त्वहें है টি, এচ. এচ, শট সাহেব আপনার কার্য, ও ভত্তভা সিবিল ও সেসিয়ন অলের চলিভ কার্য সকল করিবেন।

৮ ট দেপ্টবর। মুদ্ধেরর ভেপুটি নাজিটেট ও ভেপুট কালেষ্টঃ জে. এ, কেৰণ সাহেব ১৮৫৪ অনের ১৮ আইনের ৩০ ধারাস্থারে জ'মালপুরে রেইলওয়ে ঘটিত মকক্ষা এইণ कब्रिट्ड भाविद्वतः।

২৪ পরগণার সহকারী পুলিষ স্থপরিক্টেগুট as, वि, as, ब्रवाहिन नारकत शूर्विशाटक वनले इंडेटवन ।

व्यामानित्धत (कांत्रहाष्ट्रीक् मः वान-দাতা লিখিয়াছেন।

১। হিতৈষী ব্যক্তিমাত্রে:ই প্রথমে নিজ পরিবাবের তৎপরে সাধ্যান্ত্রসারে ক্ষরীয় গ্রামের **छेब्रिडिविभारन यह कड़ा कर्छस्य । हेरु।त श्रेव श्रे** স্বীর দেশের জীর্দ্ধিসাধনও কর্ত্তব বটে ; কিছ স্বীয় পরিবার ও স্বীয় লামবানী ভাতৃবগের কোন উন্নতি সাধন না কার্য়া দূরবাড়ী জাপং স্থানের উপকার ও মঙ্গলসাধ্যে তংপর থাকিংল **द्याप्रमित मिक्ट अंत्राउट्य हंदेर्ड इत्र ।** कार्य অামরা এতৎসম্বন্ধ একটী উদাহরণ প্রদর্শন ক বড়েড্ছি। অব্রেডা হতে পরিবারসভাত বান শশিভূদন দত ও বাবু ধারকানাথ দও ্যহাশর রস্থিতিকত হইয়া অস্তেক দিন য'বং বিদেশে থাকিয়া বিলক্ষণ অথ উপাক্ষন করিভেক্ষেন। শ শি বাবু মিল্ল আসামের ডিপুটী ইমস্পেটরের এবং স্থারিক বাবু উত্তর পূর্ব্ব বিভাগের ইনপো ইরী আফিসের হেড ক্লাপের পদে নিযুক্ত আছেন। লোকপরম্পরায় গুনা যায়, উটোটা আসাম অংশলে বিদ্যালয়স্থাপন প্রস্কৃতি বিভিন্ন কানী জাবিদ্যালয়বালী রাজা দেবনারায়ণ क्षिक्रम कार्या य श्रकारब्रहे इडेक छित्मः अकरन छेनात छ अन्विमानवर्गी । ज मानिक हिन्दा श्राप्तम कतिया थाएकम । किन्तु कि हिन्दा का विकास विकास विकास किन्ति । अप्राप्तम के विकास किन्ति का किन् আৰু শহর্ষ্য এ প্রাপ্ত আমার। ইকালিগকে নিজ নিজ নিজ সাক্ষাণ ভারাণ ভারকর কার্যে। র बार्यन हिट्डाल्यान अवधी शहनात रुद्धाः (परनाताह्य । मन्द्र अर्वेश ताकीवर्गमहीत व्यष्ट कदिएक दिश्लाय ना।

২। এবার চাকাতে৮ ব্যক্তি মোজারি পরী ক্ষার কুতকার্য,ভালাভ করিরাছেন।

ত। শুনিয়া হঃখিত হইলান, কদ ব'লান নি 🖯 বাদী কতকগুলি অর্নাচীন কুসংস্কারাবিষ্ট লোক ভক্তাইস্কুলির উচ্ছেদ পক্ষে চেষ্টা করিভেছে 🚊 _{প্রতংগণ নানা} কারণবণতঃ কিছু স্থির ক আসমু ক লের পণ্ডিত বাবু নিভ্যানন্দ চুক্রবভী

মহাপয়কে বলি, ডিনি এ বিষয় কর্ত্পা का पन करून।

৪ ৷ প্রায় মালেক কাল যাবৎ নুবাবগঞ নেব অন্তর্গত স্থানসমূহে চৌর্য্যের অভ্যন্ত क्षांत मृष्टे इंदेर्डर्ड । श्राप्त श्रुष्टि मिनडे हुई । চুরি ইইরা খাকো। এপর্যন্ত আমরা অনেক কুদ্র কুদ্র চুরিব সংবাদ অবগত হইয়াছি, নি বাহুলাবিবেচনায় এ স্থলে তংসমু উল্লেখে বিরও রহিলাম। কেবল একটা । বৈষয় লি.খিলাম। ও দিন পারাগী নামক এক ব্যক্তির বাটীতে রাত্রিযোগে কয়েক প্রবেশপূর্বক একটা স্ত্রীলোকের উপর সং অভ্যাচার করিয়া নগদ ও জিনিশে প্রায় শ ভ টাকা অপংরণ করিয়া লইয়াছে। 💖 পুলিল অনুস্কানে যাইয়া মালস্হ ব্যক্তিকে সৃত করিয়াছেন।

णामा, मरभत शासिश्रक मः वाम ভালিখিয়াছেন।

২) এ আগষ্ট শুক্রবার বেলা ছুইপ্রহণের গা'জপুরের নিকটবন্তী পিথাপুর নামক ব मु लिका वयन इहेशा निशाहक। को भू जिका म क्षानकात, माः छड़िए आड़क्टवत काङा অনীত ইইয়াভিল। অবগত হইলাম, সুট मुख ७ डेवर काल । श्रीप्र এक मान অংমরা কুত্বপুৰের ঐকুপ আব্ভ ষা विषयः भौनेधकोत्म शकान कविद्राहिनाम ।

আমর। এখান ২০তেও কাশীমবাজ तानी कर्नमधीत यस रहाह क काञ्चान क.ब्रहर ভেনি সংখ্যাত এখানকার ভিটোরিয়া ব अक्ष टाह्य ७०० है।का भाग कांद्रशाहिका। মন্ত্ৰী বাংলী অনিষ্ঠা এক বাবে চালিশত টাৰ দেয়া, যদি কিছু মালিক চীলা দিভেন, ' ১৯:৩ (বস চেম্নটীর অংশক ক্লাড উপকার **হা** त्यम ना करत्रम ?

এখান হার অধিবাসিগণের ক্ষেত্র চুই গিউনিসিপাল কর ভার নি.০ত করিবার জা ১ইডেছে। গত কলা উক্ত কর্ষয় প্রবর্তিত : বস্তু অভিপ্রায়ে এক সভা ইইয়াছিল। ्रशास्त्रम् माइ। श्विरङ्क्ति जानामी स्या

এক সভাহইবে। ভাহাতে বেক্লপ পদ্ধতি ধিত হয়, পরে জানাইব।

াভিপুরের ৭ জেনশ দ কিন কৈমনিয়া আনমে ভারতবর্ষীয় রেলওয়ে কোম্পানির একটী ब्राटिक कासिक कर्न्ड ७ व.स्र ०५ । शवसंद्रमन्त्रे । সুবিধা দূব করিবার নি মণ্ড এখান ইংছে। য়াপর্যন্ত ট্রাক্সন ইঞ্নি চালাইবার প্রায় করিয়াছেন। ভদপ্রধাবে রাস্তা এবং। ন, উপক্রণ প্রস্তুত হই তেছে। বে'প হয়, এক বংশরের মধ্যে গাড়ি চলিবে। ভার্। যাত্রিগণ একা আহ্নাহণরূপ তুংসহ্যন্ত্রণ পরিত্রাণ পাইবেন।

नाइकि.नेरकन এ প্রচেশ্র শ্লেষ **ঃ ক্তি হইয়াছে: এব**ংলি ক্ষেশ্য এগানে হেইয়া উঠিতেছে। এক মাস পুর্ণেয়ে ।॥১ সের দরে বিঞ্জীত হইয়াছিল,ভাহ। : ব। • সের করিয়া লইডের ছইডেডে । যদ্প केष्ट्र मिन प्रदर्शात अरे खदश्य थाएक, खारू (য সাধারণের অত্যক্ত কণ্ট হইবে, ভ সংশ্যুনাই।

ই আষ্ট

- 65

আমাদিগের কাশীছ সংবাদদাতা-গ্লাছেন।

ভা কালেইর আফিদের একজন কর্মচারী গ্ৰানি আলে '' গাউচার " গুপ্তত করিয়া াহেহবের আমানত টাক: হটতে ১৪০০০ বাহির করিয়া লয়। দেশনে বিচার হইয়। া ১২ বংগর কারাবাস ৩ ৬ সংভ্র টাকা ানার আমাজতা হইয়াছে।

গাভাষটে **ষ্টেশনে অমৃতলাল** ছোয় নামক। वरमद्रदशक अकृष्टि वालक करतक सन्दर्भ নিকট ''ভোমরা ভিডের ভিডরে গায়. আনতে পারিবেনা, আমিবডবারুব আমাকে টাকা দাও ভোমাদিগকে টিকিট इंक व. दोरानो ॥ বলিয়া টাকা প্র'য়ন করে, প্রতার ২৮ এ আগষ্ঠ শুক্র সোলভোলাত কেনি বারাসনালয়ে পুলিস (ধুত বইয়া কৌজদারিতে নীত হয় 🕃 রা धत बुधवादय माजिएकेले आरश्यक दिहारिक

भाग विशोध स्ट्राट्डा

অংশরা 😢 নিয়া যার পর নাই আফ্রানিড । व्हेलाम (य. चलित्र शुरुतत इन्डराकाश्रीता युक्त इह ্য়াছে। হত্যাকারীদিগের মধ্যে এক জন এওটের শীয় মুসলমান আরেছই অসম নাবিক আনছে। ভা অংছে। তথায় রেল ০য়ের যাত্রিগণের ুঁপুলিষ যে ছই ব্যক্তিরে পুর্দেষ ছভ্যাকারী বলিয়া গিমনের নিমিত কডকঙলি একা ও শবিয়ালইয়া গিয়াছিলেন ভাহ'রা নিজ্ভি প্রাপ্ত গাড়ি এক্ত থাকে। তথাকা উচ্চাদের ∤ হ্ইয়াছে। মকক্ষা সেশনে অপিতি হুইয়াছে। 8 की (मद्र**ल्डेब**र)

> আমাদিগের মজঃফরপুরছ দংবাদ দাতা লিখিয়াছেন।

करवक निवम इहेल, अधारन किছूमाज রুক্টিপাত হয় নাই । অভ্যত্ত এীকা বোধ **इंहेड्डिड : कल कः এবার এখানে বৃশ্চির ভাগ** अहा। नकल खनाई वांकालारमरन वर्षिख इहेन।!!

২। সাতিশয় সস্তোমের সহিত প্রকাশ করি ক্তেছি, মঞাংশরপুরের বিজ্ঞানসভার দিন দিন সূত্র হইতেছে। সভাগীর প্রতি এতদঞ্লের প্রায় অংনেক সন্তুরত ব্যক্তির সাম্রাগ চ্টি পতিত হইয়াছে। সভার উদ্দেশ অভি মহৎ। ভন্নিত আমবা সভার সেক্রেটারি মহালুভব ইমদাদালী খাঁ বাহাছরকে অংসংখ্য ধন্যবাদ প্ৰদান কৰি ৷

৩। গত ৩রা আগস্টেরপত্রিকার জেলা ত্রিছতের দাসক্রয়প্রথ। প্রচলিত থাকার বিষয়ে শাচা প্রকাশিত হইয়াছে, উহা সম্করণে আছ হইয়ালিখিত হয় নাই। একণে অসুসন্ধান ছাবা দে সংবাদের সভ্যভার বিষয়ে বিলক্ষণ সন্দেহ উপ স্থিত হইতেছে।

 अञ्चलित इहेल, अचारत अवनी निर्धा রাণি প্রেস্ অমসিয়াছে। ঈশ্রেক্ায় উহার मिन मिन बीवृद्धि इंडेक !

থেরিত

মান্যবর জীযুক্ত সোমপ্রকাশসম্পাদক মহাশয় সমীপেয়।

(প্র'ম,পাঠ'নালা ও পণ্ডিভনণ)।

মহাশয়। আবাল কাল আমান পাঠশালাসমূহের कुर्फ्रन!त এक म्बंब इहेश्रा दृष्टि एए हा स्थामार्गम লের গ্রণ্মেট বৈরূপ সাহায্যপ্রদান করিতে ছেন, তাহা করা না করা উজয়ই তুলা। পণ্ডিড মহাশ্রের মাসিক ৫ টাকা করিয়া বেড্ন পান

अवर काहात काहात के के के जो विका हरेरा টী পরিবার প্রতিপালন করিতে হয় 🕽 💆 এই বল্প বেডনছার। হতভাগ্য াইভিড সংসার নির্দাহ করা কিরুপ ছকর পাঠ একবার বিবেচনা করিয়া দেখুন টা জুলের -লিগের বেডন বংসর ১৪ 🕆 ধানে চাঁকে 🏞 🔻 इत्यात इक्षर। श्वनिन्ध करनक वारम ख প্রিডদিগের ভাগেং ঘটিয়া উঠে না : ব গৈর মধ্যে অনেকে ভদ্রবংশে অসম্প্রহণ ব ছেন, স্থুতরাং অন্য কোন নীচ ব্যাব্যায় অ করিতে পারেন না, ইহাতেই এক ঐকার करित्म नग्न विज्ञा । প্রভার বিদ্যালয়ে य আসা করিয়া থাকেন। শিক্ষক মহাশয় मर्प, व्यस्मरकई कार्ल भमन कतिया घरत 🕻 ह নাই , তেল বাড়াত , মলুরার টাকা ; রং বেতন ইত্যাদি ভাবিয়াই অবপিক সময় আ हिन्ड करतन। वालकपिरभत्न निक्रे এक अव পাঠ এছণ করিয়া সত্ত্ব ভাহাদিগকে 🤅 प्रमा अञ्जल कदिला कि श्रकारत विन्तार কাৰ্য্য চলিতে পারে ? গ্রুগ্রেট সকল⊿ বি মেন্টের কর্মচারীদিগের উৎসাহাথ বেডা করিয়াছেন, কিন্তু এই পোবেচারাদিলের এড নির্দাকেন ? এই বিষর আনেদালন ব কভবার কত সংবাদপত্রের সম্পাদক ম চীংকার করিলেন, কভবার উক্ত হতঃ পণ্ডিতবর্গের আনক্ষেপদানি আবণকুছরে ব **३हेन, कथन र्श्वनिनाम हेर्नानरशत (वर्**ड क्ट्रेरित, कथन स्थ्निन!म क्ट्रेरिन नः। मर्थाः माहिलाभ এই विषय लहेग्रा अदनक वानाः **इहेटफट्ट, बालासुबालहे मात्र । यक ना रहा** মঙ্গলের বিষয়। শিক্ষাবিভাগে এতটাকা ব্যয় কেন? আমরা এক্ষণে গ্রথমেন্টকে রোধ করিডেছি বে, ধাহাতে বিদ্যালয় থাকে ভদ্বিধয়ে যম্বান হউন। উপযুক্ত দা না পাইলে কেংই সম্ভ হন না, ভাষা এ বিবেচনা করিয়া দেখা উচিত।

কুষ্ণনগর কালেজ ও তাহার নিয়ন। कुक्नशत कोरलरखत कोवेः (वहरूप पिछ इहेरछ।इ. छाशात काना कान करन সহিত তুলনা করিতে হইলে অনেকাংশে এ বোধ হয় ৷ যদিও উজ কলেজের চি পাল সাংহের মহাশয়ের৷ এই নিয়ম বিদ্যাল উপকারার্ধে করিয়া আলিতেচেন এবং ভ কলেজের কার্য্য প্রস্কৃত সম্পন্ন হয় বটে, ' বালকদিগের ইং। প্রতিপালন করা সময়ে স ত্ত কষ্টকর হইর। উঠে। অন্য অন্য কলেজ का श्रेषीरन काउँ किर्धित (वर्ष्टम कामारहत টি অর্পেক্ষাকুত শক্ত। মাসের প্রথম দিব বালকদিলের নিকট বেডন লওয়া হয়, কেং কোন গভিকে দিভেনা পারেন, হইলে প্রত্যেক দিবস তুই আনা করিয়া। ।ানার সহিত বেভন দিতে হইবে। এই ক ছাত্রদিগের পক্ষেউচিত ? না ইহা मर्। क्यांनांत्रकता करमरकत् २ शास्त्रक्षः ? स्वीत्राक्षिल मृः इतिस्नीतः झाळा त সংখ্যাই काधिक। खाँशांबिरशतंत्र य য় হইতে মাস মাস আবিশকে ধরচ আসিয়া । উহিারা মাসাত্তে প্রাপ্য টাকরৈ আগমন का कतिएड थं रकन, यहि रकान गेंखिरक না আলে ভাষা হইলে লাটের খালনার চলেক্সের বেভন ধার করিয়া দি**ভে** হয়। তাহাও অংনেকের ঘটিয়া উঠে না ং অংগত। নিয়মানুস'বে√ছই আংনা ি দিয়া থাকেন। অনেক কলেজে মাদের পর্ব্যক্ত বেতন আদায়ের নিয়ম আছে. ন ওও দুর নাহউক অভতঃ ১০ ই পর্যাভ লও বালকেরাছেক্টির হইয়া অংক বেডন পারে এবং ভাছাতে অধিক বস্তু করিতে াং গবৰ্ণমেন্টের ইহাতে বিশেষ ক্ষতি मा । उदा इश कहिवात जाशांख कि ? া কএক দিবস এরপ প্রবলবেলে র্ক্টি ইই-, যে ভাষাতে কার্ভিকের ঝড়ের অপেক। এটোর সংখ্যে আমৰিক হইয়াডে≯া আমাহালি

₴:---

াধ করি, আপনার পাঠকবর্গের অনেকেই [हेद अहेक्जिन मार्ट्रव ১৮७५। ७१ র রিপোর্টের উপলক্ষে এীযুক্ত এে সাহেব দক্ত বংস্ক্র করিয়াছেন, তাহাপাঠ করিয়া বন। উট্। ভূতপূর্ব ইনস্পেটর ও বর্ত্ত-हु निव्रत त्मरक्रकेन्द्रि हात्रिमन मारहरवत छेका হারিসন সাহেবের শিক্ষাসংক্রাম্ভ অনেক জানা আছে। অভএব ভিনি ডিরেইরের धनानीत (य माय अनश्रकारन नमर्थ रहे ন্ডাহা আশ্চর্যোর বিষয় নহে। কিন্ত क वियर ग्रें डॉहात सम अ मृष्टे हरेल । आमि য়ে কিঞিৎ লিখিয়া আপনার নিকট প্রেরণ ভহি ।

nरभः करशक्षी दृहर वांनी व्यवनित्रार **हहेश**ा

ক ডি ংইয়াছে। আংফ্লাদের বিষয় এই,

র প্রাণ্ড গগ হয় নাই।

· शंदिनन नाटस्व अटच्डक चाटनदरे वाह्य বৃদ্ধির বিষয়ের উলেখ করিয়ার্চেন । কিন্ত ভাহার কারন কি ভাহার ভাল অসুসন্ধান করেন नाइ । श्रवण्डः कारमस्यत व्यक्षानकाम्रितत বেতন বৃদ্ধি ক্রয়াতে যে প্রত্যেক ছাত্রের শিক্ষার बाज्र बृक्षि इहेम्राट्ड, ज्यबंट ज्यक्षांभनात (कान প্রধানী হয় নাই, ভাষা অনেকেরই বিলক্ষণ জানা আছে বটেঃ কিন্তু কেংই ভাহা ধর্ত্তব্য करतन मा। निकक्तिरात स्य विख्नत्वि इत्र, ভাহাতে আমাদিপের কোন অংপত্তি নাই। কিন্ত "গাধা পিটিয়া হোড়া করা» আনাদি গের অস্থ্যোদনীয় নয়। যে স্কুলে শিক্ষক ৩০০। ৪০০ টাকায় বিলক্ষণ ডুষ্ট ছিলেন। একংশ ভাঁহাদিগকে চতুওঁ । বেডন দেওয়া হইভেছে। এ বিষয়ে গ্রে সাহেব যে ছ:খপ্রকাশ করিলা ছেন, ভারতে আমাদিগের হাস্য আইসে। অধিক "মূল্যে গরদা মাল কিনিলে পরে প্রা व । प्रक रूप्रई

হারিসন সাহেব লিখিয়াছেন যে. প্রথম শ্রেণীক কুল ও তাহার ছাত্রসংখ্যান রুলি চই ধাছে এবং দ্বিতীয় শ্রেণীয় কলেও তাহার বালকসংখ্যার হাস হইতেছে। ইহা দেখিয়া ভিনি ভাবিয়াছেন বে. কেব্ল বাক্সা শিক্ষোপ যোগী জুলের প্রতি মনোযোগ না করিয়া এবং উৎকৃষ্ট ইংরাজী শিক্ষোপ্যোগী আনুলের প্রতি অনাদর করিয়া মধ্যবিধ শিকা দেওয়ার জন্য হিতীয় শ্রেণী কুলের উৎসাহ দেওয়া ১১ তেছে। এটি নিভাস্ত জম। পলী গ্রামস্থ দারে দ্র বালকদিগের পক্ষে এই প্রকার ক্ল অভিশয় হিতকর। প্রথমতঃ তাহাদিগকে মগ্রে বছ সংয় এবং পিডা মাডার চফুর অগোচরে পারিতে হয়না। ছিতীয়তঃ ছিতীয় শ্রেণীর কংলে অংগ মন করিলে মাইনর কলাসিপ পাইবার ভরসা शास्त्र। अहमकल विरवहमा कविरल शांतिमन সাহেব বিলক্ষণ বুঝিবেন যে দ্বিভীয় প্রেণীর স্কুলের উৎসাহ দিলে দেশের মজল।

বালিকাবিদ্যালয় উপলক্ষে জীয়ক্ত এে সাহেব निश्चियारकन था, यनिक वाग्रवृष्टि करे য়াছে, তথাপি এ বিষয়ে কোনপ্রকার উৎসাহ (म तन्ना कर्डवा। वालिकाविमानम यङ व्यक्षिक হয় ৩৯৩ই ভাল ৷ কিন্ত যেযে স্লেবালক বিদ্যালয় নাই অথবা উৎকৃষ্টরূপে পুরুষের निका इन्न मा, ख्थान वालिका मिर्शत मिमिन्ड वान कत्र विक्रम । कामि कामारम स्थकात वालिका ্বিদ্যালয় দেখিতেছি, ভাষার অবস্থা মনে করিলেয়ু রপতির্গণের অনেকেরি একটা মহৎ রোগ (वह इस दा, काना जारन याहाई ईंडिक, अंबर के एम। मकलमात लाय छाना अमानानि अ

वालिका विमानिरम्ब निश्चित वाम करि বালকদিগের উন্নতিলাগন করাই কর্ত্তব্য।

व्यामानिरगत कर्जुभरकत छेरम्भा (य, प्रमे দরিদ্রসম্ভানেরা কোন প্রকারে শিকা এ **र**म्र । कि ख कि स्ट विटवहना करवन मा (य, न फार्रुमिर्गत माध्यातीय किया। (लथा ० শিকা করিবার অবসর সবিশেষ আবেশং किष धन ना शाकिरन व्यवगत कि श्रकारत रहे भारत । शाक्षता (काम श्रकारत कार्य)कम इहेर গৃহকর্ম করিতে বাধিত হয়, ভাহারা যে বে পড়া শিখিবার সায় পাইবে, ভাহা কোন £ (तहे विश्वामरयोगः। नरह। हेरतारस्त्रा विरव करतम मा १४, डाँश्वामिश्वत (मर्ट्स ए देविडि ৫ শত বংগৱে সম্পাদিত হইয়াছে, ভাহা এটে এক বারে কিন্তপে হইবে। রাজার চেটাত यनि मिट्नित क्रेनिक इहेड, काहा इहेटल अक পৃথিবী অর্গভুলা হইও। কোন কোন অনুর नारहर विरवहमा करवन त्य, निम्न (आनीत ला শিক্ষা পাইলেই দেখের উন্নতি হইবে গ আমরা এ পর্য্যন্ত কোন দেশের এক্রপ কথা ৭ नाई (यु. के छिभारम छे एक मा जाविक कहेगार

৫। ध्व शास्त्र निश्चित्रारहन, यात्रश्

করিবার ভিনটি উপায় আছে। (১)ধ গকে এই প্রকার উপদেশ দেওয়া কর্ত্তর উহারা প্রধান প্রধান কর্মা শাইবেন, আর উচ্চাদিলের শিক্ষার ব্যয় উচ্চারাই নিং কলন। (২) ভাষার নিমুশ্রেণীস্থ লোক (কও ঐ প্রকার প্রামর্শ দেওয়া কর্তব্য । ((मन्द्रण परिद्राप्तिशतक दाङ्गरकाय ५३१७ नहस्र শিক্ষা দেওয়া উচিত। এটি শুনিতে বটে কিন্তু কার্যোপরিণ্ড করা সহঞ অনেকেই বিবেচনা কৰেন যে, মিত্ৰ ঘোষ পাধনায় নামধারীনাক্তেই বুকি ধনী। ই ·' ভप्त के देशास्त्र वर्षेत्र कि ख्र व्यक्तिक পর নাই নিজন। কেবল ভাতভেরোগে ইং নীচ ব্যবসার করেন না। নচেৎ অন্যান্য (এই অবস্থায় মপ্রষোৱা ইতর কর্ম করিয়া থা এদেশে ঘদি প্রকৃত ধনীৰ সংখ্যা করা অভ অলমাত্র প্রকৃত ধনী নয়নগোচর হন। গোহাটী ৩০ ৫ আগ্রন্থ

মহাসায়। জেলা আদালতের অব নাতন

প্রেক্স উকীলগণের জর্ক বিতর্ক শেষ হইয়া শ সেই দিবস বা ভাহার পর দিবস এ বিচার র অভিশ্রায় বংকে হয় না। কখন কখন দশ দিনকখন বাজপিক বিলয় হইয়া যায় 🖟 स्वक्रम अर्थी ७ **अङ्खीत कडमूत्र क्रष्ट म**हो ভে হয়, ভাষা সকলেট বুঝিতে পারেন। েকোন মকদন্যায় এমনও ঘটিয়া থাকে যে. মা আবণকালে বিচারকের ভকের ভার তে অধীর উকাল মনে করিলেন যে কারীর हरेतः किन्न **अक मक्षार भारत रखेक,** वा বিভাহ পৰে হউক, রায় একাশ হইলে লেন যে, ভাহার (উকীলের) আশালভা তীহয় নাই। উঁহোর অধিকতর কোভের এই थে, वार्यत विकास अक्रीय उर्क कर्न দময় পাইলেন না। নীরব পাকিডে না या यपि काम कथः करिष्ठा (कटनम ७९-ং আপীল করিবার উপুদেশ প্রাপ্ত হন। चीकात कति, ১৮६५ गारमत ৮ व्याहरमत ধারাস্থপারে বিচারপতিগণ মকদমার প্রমা এহণ করিয়া '' অন্বিল্যে কিংবা অসন দিন " আপনাদের অভিপ্রায় প্রকাশ ভ পারেন। কি**ভ** ''আনন্কোন দিন ল পক্ষান্তব। মাসাক্তভিয়াক আর্কিক না ৷ এক বা চই দিনের আনবসর কি श्रमेष्ठ । यमकन सकद्भः नहरक स्वाध নাহয়, ভারারই মীমাংসাচে ঐরণ বিল আবেশ্রেডাহয়, সামান মকদ্মাতলির ন ''অমবিলয়েশ নিজপরি না হয়, তাহা র আলায়তন বুভিতে আসিল না। মকক্ষ। ানস্তর অকীয় আভাউপ্রায় লিপিবয় না ল বিচারপতির পক্ষেত্ত অনেক অঞ্বিদ। ার সম্ভাবন।। উভয়পক্ষীয় উকালগণের আবনকালে অভিযোগসংক্রান্ত আছুল 🛮 डॉहार मरनामरभा ध्यतिष्ठे हथ ! 📆 छतार **অধীর দেবে কি এ**ডঃধীর দেবে বিলক্ষণ बिर्मान क्रिएक शास्त्रमः क्रे हाति निम নিস্পত্তিপত্ত লিখিতে হইলে প্রথমত: মার অবব্যা স্মরণ করিবার চেষ্টাজন্য লইতে হইবে। দ্বিজীয়ত: এইরপে সারণ ত পারিলেও ধালী বা প্রতিবাদীর পক্ষের ল কোন কারণ জাহার স্ম ডিপথের মুরবন্তী ছে পারে। অভএব এ অবস্থায় যে বিচার ভাহা কত দূর ন্যায়দলত পাঠকগণ

াবেস বুঝিয়া লইবেন। ব্যবস্থাপ**র,** মহাশ

ज आहेरन मकपाया निष्मेखित वि**र्वे**

বার নিয়ম করিয়া অর্থা প্রস্তারী উভয়ের

ার অনেক শরুভি ২ইবার উপায় করিয়া

দিয়ার্ছন । কিন্ত বিচারপতি সহানর্দিগের প্রসাদে উভরো এর ঐ ক্লেনের বৃদ্ধি হইডেছে। ২০ এ ভাল । কস্টিং ১২৭৫ জনশকারিণঃ।

--:-:--

महासत्र ! कोनीना श्रथा श्रव्हांने खाकारफ मिन मिन (स, कछ क्यानन, इटेएउएड, काहा লিখিয়াশেশ করা যায় নাঃ ইভিমধ্যে আহামা দিগের এখানে একটা বিংশতিববীর যুবভীর সহিত এক জন সপ্ততিব্যীয় পাত্রের উদাহবন্ধন সংঘটিতহিয়াছে। পাত্রীটী অভিসন্ন রূপলাবণ্য বতীঃ কিন্ত ভাহার পিতামহদমবদ্ধস্ক ভৰ্তার त्रीम्मर्य। अदर खरेगत्र कथा विलिश्ना (मध कत्रा याम ना। সমস্ত গ'ত प्रमुख् अदर (श्रांख्यर्ग लाम পরিব্যা**প্ত। মুখখানি দেখিলে হরিভক্তি উ**ড়িয়া याग्र। व्यामहा श्वीमनाम, स्वतमञ्ज खीलाक আপনাদিমের শিশু সস্তানদিগকে কোড়ে লইয়া বিবাহ দেখিতে আসিয়াছিলেন, ভাঁহাদিগের ক্রোড়স্কিত সে শিশুগৰ বরপাত্রকে দেখিবামাত্র উक्टिश्यत "मामा" विलिया ही एकात कतिया উঠিয়াছিল। বরপাত্রকে বরবাত্রীর জন্য অধিক কষ্ট পাইতে ধর নাই। দৌহিত্র, পৌত্র, ভ্রাতু-প্র এবং ঘটকহারা সে কার্য্য সম্পন্ন হইয়া গিয়াছে। হায় কি পরিতাপ !!! এই অবলাব কি ছুরুন্ট! অথবা ए:हांब अम्र छे द है वा साम कि? (करन अक्साज কৌলীন।প্রথা যে এই সমস্ত অনিষ্টের আকর ভাষ। কে না মুক্তকণ্ঠে স্বীকার করিবেন ?

এবার এখানে বর্ষার অভিশয় প্রাছ্ঠাব দেখা যাইভেছে। আউস ধান্য একবারে বিস্থ হইয়াছে। আনন ধানতে যে হইবে সে আশাও নাই। আবার বুঝি ছডিক দেখা দেন। ভাহা হইলে এ বার দরিদ্র প্রজাদিগের নিশ্চয় মৃত্যু। গোলামী ছুর্গ পুর ২ রা সেপ্টেবর প্রাপনার বশ্বদ ১৮৬৮

मृता श्राखि।

ত্রীগুক্ত বারু ভবানীচরণ মুখোণাধায় ডিহিরি
১৮৬৮ সেপ্টেম্বর হইতে নবেম্বর ৩৬০
৯ ৺ গুরুদাস ধর গণকর
১৮৬৮ সেপ্টেম্বর হইতে ৬৯ আগপ্ট ১৩
৯ ৺ গৌরীবলভ শর্মা
১৮৬৮ সেপ্টেম্বর হইতে ৬৯ ফেব্রুয়ারি ৭
৯ চক্রুমার রায় নড়াইল

১২৭৫ ভাত হইডে ৭৬ আবুর শ্রীমুক্ত মুলিমভিটার রক্ষর (২ বংকা) ই —-১০:—-

গোসপ্রকাশসংক্রান্ত করেক্ট্র বিশেষ নিরম।

অঞিম মূল্য ও ডাক্ষাস্থল না পাইলে বলে সোম্প্রকাশ প্রেরণ করা যায় না।

ইহার অগ্রিম মূল্য বার্ষিক ১০ টাকা
যাণ্যাসিক ৫॥০ টাকা সফসলো ভাক্স
সমেত বার্ষিক ১৩, যাণ্যাসিক ৭ এবং হৈ
সিক ৩৪০। জিন মাসের স্থানে অগ্রিম
গ্রহণ করা যার না। ছণ্ডি, বরাজি চিটি,
অভ র, নোট ও স্থান্য টিকিট, ইহার জন
যাহাতে য হার স্থাবিধা হয়, ভিনি সেই ই
যাহাতে য হার স্থাবিধা হয়, ভিনি সেই ই
যাবা মূল্য প্রেরণ করিবেন।

বাঁহার। ষ্টাম্পটিকিট পাঠাইবেন, গ্রা যেন এক অথবা আধি আনার অধিক মু ও রসীদের টিকিট'(প্রেরণ ন) করেন।

ষ্থন বিনি মফস্বল হইতে সোমপ্রক মূল্য পাঠাইবেন, ভাহা যেন রেজিষ্টরি ক জীয়ুক্ত ঘারকানাথ বিদ্যাভূদণের নামে প্ ইয়া দেন।

ষাঁহাদিগের মূল্য দিবার সময় অতীত ।
আসিবে, এক মাসপুর্ফো তাহাদিগকে
লিখিরা জানান যাইবে, কাল অতীত ।
গেলেও এক বার চিটি লেখা হইবে, ভাহার
একমাসকাল প্রতীক্ষা করিয়া কাগজ বন্ধ
যাইবে। শেষ বারের পত্র বেয়ারিং প্
হইবে।

মাতলা রেলওয়ের সোণাপুর ঔেসনের ঘরে চিঠি আইলে আমরা শীগ্র পাইব।

याँ होता योद्धल ना निम्ना श्रामि श्रित्रव वन, डीहामिरशत त्रहे श्रामि अहन वहिरय ना।

কেই সোমপ্রকাশে বিজ্ঞাপন দিতে ই
করিলে ভাঁহাকে প্রথম জিন বার প্রতিপংখ্রি
আনা ভাইার পর /> আনা নিভে ইই
বিনি অধিক কাল বিজ্ঞাপন দিবার ইচ্ছা ব
বেন, তাঁহার সহিত শুভার বন্দোবস্ত হইবে

ক্র এই পত্র কলিকানার দক্ষিণ মাতলা ক্লেওয়ের সোণাপুর ষ্টেসনের দ চালড়িপোতার জীতৃক্ত মারকানাথ বি ভূববের বালতে প্রভি সোমবার প্রাতঃব

(मिश्रिक्

• ৯ জাগ

8७ मश्चतः

ं प्रवस्तां प्रकृतिहिताय पार्थिवः सरस्वती अतिमदती न हीयतां।"

১২৭৫। ৬ই আমিন। ১৮৬৮। ২১এ সেপ্টেশ্বর

| , |
|---|
| ক মূল্য ১ এক অগ্রিম বার্ষিক ১ দশ । ম বাণ্যাসিক ৫॥ সাজ্যে পাঁচ টাকা। |
| বিজ্ঞাপন। |
| F本 对 *** |
| প্রত্যক খণ্ড ৮০ পৃষ্ঠা মূল্য (নগদ) _{॥•} |
| এই পুস্তক প্রথম অব্ধি দ্বিভীয় সর্গপর্গ স্ত |
| । সংখ্যা নাগরাক্ষরে রামাপ্রজের চীকা ও লা অসুবাদের সহিত কাব্যপ্রকাশ, যন্তে |
| ত হইয়া বিভরিত হইতেছে। ইহাতে মাহে- তীর্ব ও নাগোলী ভট্টের টীকাও স্থলবিশেষে |
| ত করা হইভেছে ও ইছা প্রতিমাদে ১০ 1 অর্থাৎ৮০ পুঠা করিয়ামুদ্রিত ও প্রচা |
| হইবে । মূল্য ॥ • আখানা । যাহারা আহ ক |
| ভূকে হইতে চাহেন, ভাহারা আমার নামে। প্রকাশ ষদ্রে পত্র লিখিবেন। প্রাবণ ২৭৫ ব্লিচেমচন্দ্র ভট্টাচার্য। |
| :0: |
| প্লিকাডানিমডলাঘাট জীট ৩২ সংখ্যক। আছু সংবাদ জ্ঞানবৃদ্ধাকর যন্ত্রে সাহিত্যদপ্র |
| ত হইতেছে। গ্রহণার্থিরণ পত্রাদি লিখিয়া ক জোনীভূক হইলে ১ এক টাকা মূল্যে |
| ক প্রাপ্ত ক্টবেন। জীজুবনচক্র বস্থি। |
| |
| বিজন রার্থ। গারডেন রীচ ২৪ নং বাটা ওদামসহ |
| ১৯ নং কোড়া ৰাগান। উপরি উক্ত বাগান ও বাসী যাঁহারা ক্রয় তে অথবা লইতে ইচ্ছা করেন, নিমু স্বাক্ষ |
| ব্যক্তির নিকট জানাইবেন : |

নিলেণ্ডার্ন্ আরবো-

थने अवर (कार

34 .00069

| | পুন | : প্ৰাপ্ত | নোট। | |
|-----------------|-----------------|---------------|------------------|--------------------|
| | নিমূলিখিত | | | |
| পার | ទង្គា តែផ្ទាវុទ | । নোটে | র আম | ধকারিগণ |
| खाः | নান বাইভেং | ছে. নিয | শাক্ষ বকা | ধীব নিক |
| | रवनम कत्रिर | | | |
| 9 | সংখ্যা | मृ ल र | পূৰ্ব ভ | থবা আছ |
| 1 | F-9-0-5F | 7 | অৰ্ছ (| मांचे |
| t ¢ | F9888 | ¢. | 'n | |
| 9 삼 곡 | 9889· | ২• | * | |
| এ ২ঙ | 7 - 59% | ٠. | 'n | |
| લ ૭૨ | 8 % 8 ¢ ২ | ٠, | * | , |
| 9 8 8 | ৮৯৯৩१ | ₹• | n | |
| 8 F | ७६• १8 | ٠٠ | , " | |
| ह इ.० | ৯৯৬৩২ | ૨• | 'n | . |
| वि २२ वि | .7.64 | ₹. | *} | জিলিগা- পেট্যাম |
| व २२ | • > 9 & 8 | ٠. | ,,, | নোট্স । |
| 8 & 4 | • 9 9 9 9 | 7. | ń | |
| 8 አ ድ | • 58.97 | ٠ د | å | |
| a 8 7 | 9.899 | ۶. | পূৰ্ব | |
| 8 5 A | १५ १२ | ٠,٠ | क ह | (নাট |
| 4• | > & b & & & | 7. | 23- | |
| 8 8 8 | 6265 | 7• | a | |
| 8 < च | •৮२৬৯ | 2 • | " | |
| ል . ያል | Ø#8+2 | 3. | 'n | |
| መ የ መ | 8FF83 | . 3. | * . | |
| | 6446 | 3 • | a | • |

| 60 | 257.0 | ۶. | - | | | | | | |
|------------------|--------------------|------------|-------------|------|--|--|--|--|--|
| A CO A | 257.7 | ۶. | A | | | | | | |
| ه ده | 257.5 | ۶. | a | | | | | | |
| 20 P 20 | 4877 4 | 7. | 4 | | | | | | |
| 44 | ۴۵۰۰۹ | 7. | • | | | | | | |
| € p. •8 | P8429 | 2 | •• | | | | | | |
| ক্রি | লকাড়া স্ট আফিদ |) ভৰলিই | , এইচ, ম | utes | | | | | |
| 10 | ই আগষ্ট ৬৮ ! | ſ | পোষ্ঠ মাষ্ঠ | ার। | | | | | |
| | | -1-1- | | | | | | | |
| ইন্দুপ্রভা নাটক। | | | | | | | | | |
| | ষ্ঠান, হেৰাপ | मञ्जूषि (य | এবং চী | নাব! | | | | | |
| | লডাঙ্গা ও | | | | | | | | |

পাওয়া যায়। মূল্য ১ এক টাকা। জ্রীগোপালচক্র বন্দ্যোপ কলিকাত। বাগ্বাস

১৮৫৯ অন্বের ইংরাজী এন্ট্রান্স কে নোটবুক, প্রথম ভাগ পোইট্রী, ট্রেং গ ডেমির ভূতপূর্বা হেড মাষ্ট্রার এইচ, দত্ত বি কর্তৃক প্রকীত, ৫৮। ৫ গিরিশবিদ্যার্থ এবং সংস্কৃত যথের পুত্রকালয়ে প্রাপ্তা

বিবিধ জব্যাদি বিক্ৰয়া**ৰ্থ** প্ৰস্তুত।

ইংরাজী বাজনা পুস্তক কাগজ কলম বিগ দ্রব্যাদি পাওয়া যায় এবং পুস্তক / এক আনার হিসাবে কমিগন দি। জ টাকার পুস্তক লইলে / ১ - জানার দি পাইবেন।

| | - / |
|--|------------|
| (र्त উপা च्याम व्यथार : नक्रांत्रप्रत कृ ख | নাট |
| धाञ्चार . | ۱۱ ۶ |
| ভোগৰত ১ ম কৰেৰ ১২ কৰ | বাং |
| • | ь |
| ঐাহ্রিভজিক(ব ল'স সম্পূর্ণ | ь |
| ষ্টামবসায় ন ছই যতে সম্পূৰ্ণ | ¢ |
| পাৰিচিকিৎ সা এন্থ সিন্দুবীয়া | পরী |
| বাৰুকাশীনাথ মলিকের এখনে উ | |
| | ર છ |
| র পুণর ভার জিকা পত্রিকা বার্ত্তিক | v |
| কুক বিলাস যাহাতে গোপালত া | ড়ের |
| ্ল সম্পূৰ্ণ আবেছ | 3 |
| ₹ংংস → তৈজমিনি ভারত হ | ₹7:5 |
| • | ۲. |
| চত্ত্ চূড়ামণি অপ্ৰিকানিশ্য | 5 |
| त्राक्षण करा विभागता व्याक्षण करावा | , 11 |
| ঞান কাৰ্য | 4 |
| পুৰেলাকাৰ: পুৰেলাকাৰ: | ۲ |
| জুজন। কংবা ভিমন্তু বেগ মাটক | |
| , | [in |
| ৰশ শিকার বিবরণ বাক্ষার বিবরণ | и |
| গ্রুমা গ্রুমা গ্রুমার বিজ্ঞান্ত্র | , |
| ব্রববিরোগ নাউক নিক্রাম্য নাউক | ۲ |
| ভিলুগাইড মাশ্মেন সংগ্ৰুক্ত সংক্ৰিক্ত | ٠ ډ |
| (तकः। केशायाः । स्टब्स्ट केशायाः । | 4 |
| দশাবলী ব্রপ্তশ্র দাস্কুত | ટા |
| र्गाटको छ। त | |
| ଅଧାର ଆଧାର ଅ'ର ଆ'ର ଅଧାର ଜନ୍ମ | |
| লাস ব'ং ৮ খানি ন্যাপ প্রেণ | |
| re | 9 |
| ত্ত্বসংল পৃথিধীৰ মানজি <u>ত্</u> | Œ |
| রভিঃহেশ্ব মন্ত্র :-বরংগর আমকরে : ভিঃভ | ٩ |
| তি শক্ষা | - SA . |
| । यतः (माजीनी शहालकः, लाः | ক্রি |
| | 71 |
| ার সম্ভব সংস্কৃত হইতে পদ। অঞ্ব | |
| রতব্যের ইতিহাস কেদারনাথ দক্ষ | 3 7 |
| গোৰিন্দচন্দ্ৰ সেন ক্ষুত | • |
| ভঙ্লারসং এই | ۲ |
| চীন ≧িভহাস সমুক্তয় | 7 |
| মাস মেন সাংহেবকু ও ছুই খণ্ড | ₹ |
| টাপরিশিক নাউক | د |
| গতম ঞ্ রী | ۲ |
| দক্ত ক্ৰম পরিশিষ্ট | ₹ 0 |
| বাতা জোড়া- ্ব জীপ্রভাগচন্দ্র | |
| (| 413 |

नगर विद्वाचा।

ইউইগ্রিয়া রেলওয়ে। কারাগোলা ঘাটে রেলওয়ের সর্কত্র রপ্তানির নিমিত্ত মাল লওয়া যাইধে।

এত কারা সর্বাসাধারণকৈ জ্ঞাত করা ধাই-তেছে যে, যথন কারাগোলা ঘ:টে পারাপারের নিমার থাকিবে তথন ঐ ন্ফিনারে রেলওয়ের সর্পত্র রপ্তানির নিমিত্ত সর্বাপ্তকার দ্রব্যাদি লইতে ইপ্তইপ্তিয়া রেলওয়ে কোং প্রস্তুত আছেন।

রেল ওয়ে স্বরাদি পাঠাইবার ভাজ। অন্থ-সারে লাড়া লওয়া হইবে। কেবল ষ্টিমার চইতে সাহেবগঞ্জ ষ্টেসনে লইয়া ঘাইবার নিমিন্ত বে ঝাই খরচা ও ভাড়া প্রতি মণে এক আনার হিসাবে অধিক লওয়া ঘাইবে। যে ষ্টেসনে দ্বরাদি রপ্তানি হইবে সেই ছেসনে সমুদায় দিলেও চলিবে।

ইষ্টই ভিয়া বেল গ্য়ে হাউন এজেন্স বোড কালকভো ৭ ই **এজেন্সি বোড**া সেপ্টেশ্ব ১৮৬৮।

পুরাণ প্রকাশ।

বিষ্ণু পুরাণ।

অসুবাদ ও টীকা সমেত প্রত্যেক খণ্ড ৮. পৃষ্ঠা। অগ্রিম মূল্য) ∦০ ।

विभि अञ्चाकिनाधी १६८२म किम मुखानुव कामक १९४३ । ४८१४ मर अरम काम अरख कर्यन काम अरख कर्यन। कानकारा मरक्र क विद्यालया शियुक क्यारकाइम क्रिनेक्शास्त्र मारम यर बीयुक क्यारकाइम क्रिनेक्शास्त्र मारम यर बार १९३१ क्रिका क्रिका मुख्य भागिहर्यम । क्यांत्रम मा भाइरल विरम्पन विष्णुत्रान भागिह्यात मियुम माई इंकि।

----- ; o ; ----

বিক্রয়ার্থ।

শব্দকর্ক্রম অভিধান। সর রাজা রাধা-কাস্ত দেব বাহাছরের ক্ষৃত। উত্তমক্রপে সোল দিয়া সূত্র বাধান, মূল্য ২৫০ টাকা। জীলানক্ষচক্রবেদাস্ত বাগীশ।

হোমিওপেথিক চিকিৎদা, প্রথম সংখ্যা, জামরক্ত, মূল্য চারি জানামক্তে।

কলিকাভার চোরবাগানে স্ক্রুক প্রেদে

ঠনঠনিয়ার সংস্কৃতযন্ত্রের পুস্তকালয়ে এব লালবাজ্ঞারে বেরিণী কোম্পানির হোমি পেথিক ফারমেশীতে পাওয়া যায়।

--:0:--

भूनः धाख माठे ।

ধে ব্যক্তি ১৮৬৮ সালের ৮ ই আগস্ত প:

মধ্যে পাটনার ভাকষোগে নিমুলিখিত নে:

সকল পাঠাইয়াছেন, তিনি নিমুখাক

কারীর নিকট সবিশেষ লিখিয়া পাঠাইবেন।

এ

এ৮ ৮৯০০৭ নং ১০০ টাকার

এ

১৮০ ৯

ভবলিউ, এইচ, মাগোয়ান।

কলিকাভার পোষ্টমাষ্টার।

ইউরোপীর শ্বলেপ সহলিত সেতা।
বেহ'লা, এগ্রাজ, বংশী, হার্মেনিয়ম ও গা
প্রভৃতি শিখিবার সহজ উপায় স্লা, ০ ডি
টাকা। লালদীঘীর পুর্ম পার্মার দে কোম্পানির
ও ঠনঠনিয়াত্ব সংস্কুত যন্তের পুত্রকালয়ে বিক্রী
হইতেছে।

--202---

বসংগ্ৰের অন্তঃপাতী ফোট উইলিয় प्रश्रीत व्यवीस हाहेरकाष्ट्री व्यव कुछिएकहर টেষ্টমেন্টার ও ইনটেসটেট বছরিশ ডিকস হইতে কলেকাভানিবাসী ভন্নীদার মৃত অন্ বল প্রশার ঠাকুর সি, এস, আই, মহালয়ে नाष्ट्रे छेड्ल । उष्ट्रेश्यत्नेत ७ प्रदेकांफांत्रस श्राविष्ठ, উक्त मृज वाक्तित साष्ट्रे डेहेन खाउँ .মন্টেরলি খন্ড ভিন অন একজিকিউটর করি কাত। বিধানী জীউপেক্রমোর্ম ঠাকুর ও জী ভীক্রমোহন ঠাকুর ও জীছগাপ্রসাদ মুখোপ ধ্যায়কে অব্দ্য দেওয়া হইল। অবভ এই ঘ্যাহা উক্ত মৃত ব্যক্তির প্রতি কোনপ্রকার লা রাবেন, ভাঁহারা উজ একজিকিউটারদিলে নিকট ভাষা সত্ত্ব জ্ঞানাইবেন এবং ঘাঁণা ভাষার নিকট ঋণী থাকেন, ভাষারা উক্ত এক কিউটারদিলের নিকট অবিলয়ে আপন আপ ঋণ পরিশোধ করিবেন।

কলিকাতা ৭ ই সেপ্টেবর ১৮৬৮। : ১৮৬৮।

---; • ; ---

ইতিয়া

রেলওয়ে!

বিজ্ঞাপন।

১৮৬৮ সালের ১ লা অস্টোবর তারিখে এবং তদব্দি ২০ হ্নড়েড ওয়েট মোট ওজনের এক টন হাবে তথ্যা প্রভ্রেক সাড়ির ওজন প্রি সুসারে তুলা আমগানী করা ২ছবে।

| 1 | নিমুলিখিও টেং | বলে কোনী | া ভাগ | অনুস | 1154 8 | ा इन्हा | g world | নিবাব | ভাড়া | क्र¥ांब | याहर | 375 1 | | | | | | |
|-----|--------------------------|-----------------------------------|-------------------------------|--|--|--------------------|-----------------------|---|---------------------|------------------------|--|--------------|-------------------|--|----------------------|--|--|--------------------------------|
| | য∷ইপন ≢ইডে | অ গম রানী | | क्षांत्र के विकास के किया के किया किया किया किया किया किया किया के किया किया किया किया किया किया किया किया | कुर नाराब ६ क्यांट्र क्रिया व्याप्त क्रिया व्याप्त १ क्रिया १ क्रिया व्याप्त १ क्रिया व्याप्त १ क्रिया व्याप्त | 의 한 소리 사회 14 (4년 3 | र के कर किए के अहर के | 지지 보면 추천하는 명, 면정의 제한 점 6. · 역 (전) 역 위점 및 (전) 요즘 의 (한) 원(보원) | एक वात्र कि कि वक्त | कामा वर्ष कितियक मुक्त | শাহায়ত তেওঁ চিকাল কৰিব মাহায়ত - প্ৰতিপ্ৰি শ্বি মিউ এই গ্ৰেম্ভি ক্ষিয়া | (4) (4) | कि कि कि कि कि कि | मान्त्रिक इत्याहरू, स्थता सःशात ६०० मान्तिक मन्त्रि म | किडियक किछित क्यापिक | ্য ভুল পাউণ্ড এই পরিমিত হ ষ'হ'র ৩০ এক গাইট বিক ফিটে য়াকে। | াকড ব ইয়াড়ে পাউ গু কসিয়া বিজ্ঞানি | অথব: প্ৰি ১৫ কি ক ক্ট |
| • | দিলী ও গাডি | ্ । প্রত্যুগ |) हेर् | 51: | আহা, | 위1. | 161, an | جار مار | ના, | B1, | 481 . | পা. | है1, हर | 19 11, | পা, | অন্ধিক হ ভাড়া। | ১৩,4+ ইলে গা আনু, | ্ৰ হ |
| 9 | য়াবাদ। খুর জা | ্ প্রত্যেক প্রত্যেক | भा .हेटो हेट्स | 69 | الو الواا الوا | 'n | e 8 | ۶/ ۱۰ | a a | | nd nel | * | 88 | ال | " | 084 | / | |
| • | অ বালিগড় | ্প্রভেগ্র (প্রভেগ্র | छे दन | · (6.85 | العا | a | 40 | V | n | 4. | 11- | 1 | 8 8 | v.0/ ./ | a | ৩৩৬ | ام | |
| | হাত্রাস | { প্রতে⊹ক } প্রতেক | ग । इंट्र | | n ei II | a | ,3 | له له | a a | 83 | , si | 7 | 8 8 8 | • | * | ভ:৯ ভংত | اره اا انه وا | • |
| | জাগর। ফিরোজাবাদ | ্প্রত্যেক প্রত্যেক প্রত্যেক | भाइरिष्ट | (43 9 | رو ا | v v | 43 9 83 | 1/ nol | u a a | 8 9 | | a a | 8 2 | 6 | 77 20 20 | (a) (c) | 1/ | - |
| | শেকোয়াবাদ | ∤ প্রক্রেড | भाइटि हिंदम | 43 | اله اله ال | a a a | 83 | 10 | a 4 | 8 % | الا | æ ** | 87 | ۱۱ ۱۱ عا | » ,, | دره. | | , |
| : : | ₹८४१म्र१ | প্রত্যেক প্রত্যেক | े टन | 83 | 4/ | • | 81 | 1/ | a | 88 | 4/ d | יי ע | ిప | nai lei | * | 336 | 4/ | ۵ |
| - | কানপুর | প্রত্যেক প্রত্যেক | भा हेटहे | 38 | 3 | å | 8 ? | 10 | <i>7</i> | 8 • | H H | * | * 6t 8 | 40 | ri r | 3 % q 2 : 10 | ll e | 23 |
| , : | আলো হাবান মূজাপুর | ্প্রভ্যেক প্রভ্যেক | গাইটে | 59 6 | ارا اد | a | 9t 8 | 11 d | 'n | . 8 . 9° | 112 | " | 8 29 | الما | y, | >4 | 3 | |
| , | বারাণণী |) ভা <i>তে</i> ক | भाईहा हिस्स | 8 ७२ | ارد اا ۱۰ | 32 J | 8 | 1 <i>2)</i> 11 <i>4</i> / | 7 7 | ັ8 າລ 8 | | , | ું ક | 4. 4/ | 72 75 | 38: | | ν |
| | জুমানিয়া | ্মতোক (অভোক (অভোক | हे द्व | 0. | اء ال | 70 71 | 8 3 F, 9 | ن افا اما | 7 | 5 d 8 | u | n . | 38 | 9 | , | 2 # 2 | •/ | , |
| 1 | প;টবা | প্রতেত্ত প্রতেত্ত | १ हेर्द्र श ्ट्र हे | 30 | 11 m/ | a e | ۶ د ق | اھ' د | \$\ 7 | 57 | nd nd | r , | \$ 4 | v.s) \ | 35 24 | : 85 | ч | * |

ু। প্রত্যেক টনের ভাড়ার পারবর্জে প্রত্যেক গাইটের ভাড়া লওয়া যাইতে পারে, যদি প্রত্যেক গাইটের যোট ওজন ৩২০ পাউত্তের জনাধক ২। খোলা ভুলার ভাড়া চতুর জেণির দ্বোর ভাড়ার সমান গরা হইবে। কিন্তু এক খুনি গাড়ির নিয়ত্তম ভাড়া প্রত্যেক নাইলে । গর যাইবে

৩। ভুলার প্রভোক টনে। এ জান। অথবা গাইট করা এক জানা হিসাবে হাভড়ার টার্নিন্যাল রেট দিতে হইবে।

বোড অব একেন্স २४ अ व्यागके ३४ ७४ ।

तिनिम किरमणन বোড অব এজেবা সাবিক্ৰ'চাৰত कारः ।

ধ**েভালানাশ** চকুৰাই গ্ৰীৱ।

মূল (১ এ গ টাকা।

ংগ্রেষ্ট মধ্যের পুস্ফোলার**র পর্বয়া যায়।**

মলিকাভার মানতের মুদ্রিত ছইয়। কিলেয়ার্থ - ১115 ঃ (উভ্নৰ পাচ) মূল্য ব টাকা। জ্রীকালীপ্রসর সম গুরু। কলিকান্তা নর্মাল পুল।

গোমপ্রকাশ।

জু **ট আবিন সো**ম্পরে।

হুর্গোহদর উপলক্ষে আগামী বার वि इ**हे मधांक शांगळकां**ण **दश** কৰে। ইকার জন্ম অব্ধি এই বীতি তিত হইয়া আদিলাছে।

কলিকভো গেজেটে হুগলী রুঞ্বগর

গোহাটির মিউনিসিপালিটির স.যুৎ ক ্রিপেটে প্রকশিত হইয়াছে। সেবএলৰ এফ কালে সর্ভাব ৭০০ টাকো র টা**কা** লইছে আগরেও করিয়াছেন। ভাগন ও অভগ্রার বলি না**ধ**াকিত[া] া ইইনে আমেরা বিপোটিগানে সম্ভুক্ত ছ'ম ৷ ভগ*িলর রিপে:টিটা ক'গা*জে করিতে ভাস: সভাপতি আংকাপ াহেছ্য, কমিস্মরগার মনলাপ্রভুতির নতুষাহান জারহানী মাত্র করেন !! চ পুলিষ ও কমসংবীবিংগর বে**ডমেট** ৰকাংশ টাকা নিংশোগত হয়তেছে। ন **কোন ভাবে** (মর্গজিট্রেটের কছোরির টে) রাস্তা ও রেলওয়েগড়তি হই ছ় কৃষ্ণনগরের মিউনিসিপালিটির পার্ট সর্বাপেকা এবী জিকর। ক্ষিসনর ক¦ষা বিভ:পা করিয়। লইয়াছেন। নিবীৰ জন শুক্ষ ও মানাপূৰ্ণ হও ত কমিদনরগণ খড়েনদী হইতে একটী পাল করিয়া সখল পুষ্করিণীর সহিত গ করিবে দিন্দেলন । এতভারে। 'ধ্যর উর্ভি হইচেছে। সভাপতি 🖯

সাহের গৌাব করিরা কহিলাছেন,

" যথন সভাও বিশ্বান কমিসনরগা আছেন ख्यन आद्रेष जीदृष्ति स्ट्रेट्य। " क्र्डियमा দিগের হস্তে ভারার্পণ করলে যদি প্রার্থির না হয়, কাছার হ**তে হইবে ? দুঃখের** विन्। अहे नकल इंटन कुड विरमात अस्य ষণ করা ছয় না। ছগলি **অপেকা গৌহাটির** কমিসনরগণ অধিক কাজ করিয়াছেন। সভ পতি জে এফ, শেরার বলেন পুন্ধরি ণীসকলের পক্ষেজার ও পানা পরিস্কার কর:তৈ স্বাস্থ্যের পক্ষে অনেক নঙ্গল হইয়াছে। আমেরা অন্য অন্য স্থানের মিউনিসিপ:লিটির রিপে ট দেখিবার নিমিত্ত কৌতুহলগ্রস্ত হইয়া রছিলাম। উৎকোচগ্রাহী কর্মচারী, অসমত কর, ভ দা ও অপরিষ্ঠ র স্তাএবং চৌকি দারতীন পরী এইসকলেই কলিকাভার উপনগরের মিউ,নিসিপালিটির গুণ প্রকাশ করিতেছে। দেশের মধ্যে এই মিউনিসি পালিটির সমকক নাই !!

छभी काद्र छ कुभकः

অারারলও ও বঙ্গদেশের জ্মীদার ও ক্লবক্দিগের পারস্পার বিলক্ষণ সৌধা দৃশ্য আছে। এখানদার জনীদারেরা যেমন স্থানায়রে থাকিলানায়ের ও গমস্ত। দিগের উপরে সমুদায় ভার অর্পণ করেন, আয়ারলওের জমীদারেরাও দেই প্রকার করিয়া থাকেন। এথানকার জমীলারেরা গেমন ঝোন ভূমিতে প্রজার কোন প্রকার সভাষীকার ও সত্তবানে অনিচ্ছ. ইচারাযেমন যত ইজ্ছাকরর্দ্ধি করি-বার চেন্টা পান, প্রজারা তাহাতে সমত मा इहेटल जाशामिशतक खेठाहेहा (मन, আলারলতের জনীনারেরাও সেইরপা করিয়াথাকেন। জমীদার কথন্উঠা ইয়া দেন, এই ভয় থাকাতে যেমন এখা নকার ক্রবকের। ব্যয় করিয়া ভূমির কোন প্রকার স্থির উন্নতি সাধন করে না ভূমির উন্নতিদাধনে পরাওমুখ। এখ আইনে যেমন জমীদারের য:পক্ষা রের প্রতিরোধ না করিয়া প্রত্তে স क्का करत, व्याशातनर्श्व (महेत कविशा थारक। अथानकात नाश का लरकत समीनारतता अध्यात विकासि সভাতা ও **উ**র্তিলাভের প্রতিদ্দ্ তবে এভেদ এই, আয়ারলতে বলপুর্ব চ্পের গুদামে বন্ধা করিবার যোনাই এ মিপ্যামকদ্মাকরিয়া জয় লাভের স বনা নাই। অপর, তথাকার ক্লকের। য কতর সাহসী, তাহারা মধ্যে মধ্যে অব इहेश व्यक्तांनाहकाहीत डेश्टर व्य চার করিয়া থাকে, এখানকার কুষ্বে তত দুর করিতে পারে না। উভয় দেখে কুষকেরই দারিদ্যাসমান, উহারা টি আনে দিন থায়; অতঃপর উ দেশের কুষকেরই অবস্থার উন্নতিসা একান্ত আবশ্যক হট্যা উঠিয়াছে।

আমামরাধে কারণে এই বিষয়ে প্রদক্ষ উপস্থিত করিয়াছি, তাহা এ আয়ারলত্তের টিপাবেরি বিভাগে উ লিয়ম কালিনামক এক জন জামীৰ আছেন। এক জন পত্রপ্রেরক উাহ চরিত্র বর্ণন করিয়া বলিয়াছেন, ০০ ট কটুভাষী, একপ্ৰয়ে, ধুৰ্ত ও দৃচপ্ৰতিয় কেবল স্বার্থনাথন করাই ভাঁহার জ দারীকার্যোর প্রধান উদ্দেশা।" (म् अधित स्मानधर्म। व्यानक कर দার আছেন সন্দেহ নাই। ভাঁহারা যা ধরেন তাহা ছাড়েন না; বাহাকে আ করা অভিপ্রেড হয়, লক্ষ টাকা ব হইলেও ভাহাতে নিরস্ত হন না আই ভাঁহাদিগের বিলক্ষণ দক্ষতা ও প্রজ প্রতি অত্যাচারকার্য্যে স্বিশেষ পটু আছে। অতএব ক্ষলির সহিত য এ দেশের এক জন রায়, চৌধুরী অথ মুখোপাধ্যায়ের ভুলনা করা যায়, আ আয়ারলতেও সেইথালার ক্রকের। জত হর না। কলি সম্প্রতি একটা সুব নীদারি করে করিয়াছেন। পূর্কভিন দীদার অভিশয় ভদ্র ও দয়ালুগভাব টলেন, কুষকপণ কপন তাঁচার এক য়েসা **ধাজ**না বাকী রাখিত না। তিনি थन कभीनाति विकास करतम, क्रवटकता श्रिक निराध कविशाहिल; कि বি**ভাষ্ণ হতুৱাতে তিনি দেই অসু** গধ রক্ষাকরিতে পারেন নাই। কলি भीमात इहेबाई क्रवकिमारक दिलामन, তোমরা নৃতন করুলভি দাও এবং এই-কার কর যে বৎদর বংদর ফুড়স ট্টালইবে।কেহ কোন ভূমির কোন কার উন্নতিদাধন করিলে যদি আমি দেই মি হইতে ভাঁহাকে বহিন্ধুত করি, তিনি ভিপুৰণ পাইবেন না এবং ২১ দিন কোনংবাদ দিলে ভূঠিম ভগ্রণ করিয়া **३८७** २३८४ । 'व्यासक क्रयरेकत्र **शू**क्रयः নমে ঐ স্থানে বাস ছিল, ভারারাভদ্রা নর মায়ায় এই প্রস্তাবে অসমত হইল। ল ছই জন পেয়াদা ও "ক্য়েক জন ল্য ০০ হরীকে সজে- লাইয়া এক:মে একমে দাকে উঠিয়া যাইবার সংবাদ দিতে লন প্রামে প্রবেশ করিবামাত্র লোকে গকে গালি দিজে লাগিল।যে বাটাজে লন, দেই বাটী শূনা দেখিলেন। রপে ভ্রমণ করিতে করিতে উাঁহার। न अक्षेत्रनामक अक क्रवटकत वाणित টস্থ হইয়াছেন, অমনি ক্রেকটী বন্দুক । ছই ব্যক্তিহত হইল ; কলি নিজে ভর আঘাত পাইলেন ; হতাকেরীরা ান করিল।

এই ঘটনা লইয়া ইংলতেও ভুসুল দালন হইতেছে।করণারের জুরি ব্যক্তিবিধের মুজুরে কারণের অনুস বর সময়ে জামীদারের নিষ্ঠুর ব্যব-র উলেথ করিয়া ঘৃণাপ্রকাশ করি न । मः वाप्तराद्धतः मण्योपकशन्य প্রকাশ করিতে ক্রেটি করিতেছেন হ্বকেরা যে কাজ করিয়াছে, বেটাও

অতিশয় গৃহিত ছইয়াছে; কিন্তু কথা মক্ষলের ত কথাই নাই, কলি এই হইতেছে, কেন ভাষারা এপ্রকার উপনগরের এক জন জমীদার করে करिल १ आशोरला छ कि स्रमा महत्राहत । शकारक এक कार्त छे द्रमञ्जा निर् এঞ্জার ঘটনা ঘটিয়া ধাকে ? বজনেশের : কুধকদিধোর বিদ্যাশিকার নিমিত क्रवरकरा रह के के के का बच्चाव ভাৰারাও নীপকর(দগের অভ্যাচার সহ্য করিতেনা পারিয়া নীলকুঠি দাহও कृष्ठित लाकमिशतक चाक्रमन् दृतियोद्यः। অধান ৰাজি যদি বিবেচনাপুৰ্বাক কাজ ना क्रतन, क्रयरकत देश्याशीया व्यक्ति काष्ठ रहा। देश्ल एक त तुष्किमान् ७ विटव চক লোকেরা আয়ারলতের কুষকদিগকে সমধিক স্বত্রাদান করা হয়, এই প্রস্তাব করিতেছেন।জন ধ্রুয়াট মিলের সদৃশ নদাশর লোকেরা চিরস্থায়ী বন্দোবস্তকেই জমীদারের অভ্যাচারনিধারণের এক মাত্র ঔষধ বলিয়া ভিরেকরিয়াছেন। বে ভূসিতে १।৮ পুরুষ বাদ করিতেছে, ভণা চইতে উঠিয়া বাওয়াবে কি কই কর, ভাষা ভুক্তভোগিভিন্ন অন্ন্য বলিতে পাবেন না। বোধ কং, এক ব্যক্তি আপেনার অর্থ ব্যয় করিয়া একটা পাকা ৰাটী করিলেন। জমীনার যদি স্থেছারুদাতে ভাষার করর্দ্ধি করিতে অধ্যা প্রাথিত কর নাদিলে প্রজাকে উঠাইয়া দিতে পারেন, ভাহার অপেকা শোচনীয় বিষয় আর কি হইতে পারে ? আকেপের বিষয় এই, স্মায়ারলতে ও ভারভবর্ষে **উভয় স্থানেই आहेरन आ**भीमात्ररक कहे ক্ষতঃ দিয়াছে । আইনের ন্যায় বিচাব পতিরাও নমরে নমরে জমীদারদিগের অভাচারের পুবিধাকরিয়া দিয়া থাকেন। বঙ্গদেশের বর্তমান প্রধান বিচারপতি দাখিলা ভজদিপ করিবার যে কটিন নিয়ম করিয়াছেন, ভাষাতে ১৮৫১ অব্দের ১০ আইনের ৩ ও ৪ ধারার বৈফল্য সম্পা দিত হইয়াছে। এইদকল অনিষ্টের নিবা

রণ একান্ত আবিশ্যক। আমর্গ অহ্রহ:

चिरुष्य कर व्यक्तिक प्रभान क्षिएक है।

वर्ष ७ भाषावन ७ डेख्य जात्वत्वे মেণ্ট অভিশয় ব্যস্ত চইয়:ছেন ৷ বি ধাইয়া ভাহাবা বিদ্যাশিকা ব अक बात बिद्वहमा कता छेहि छ। অমীদারদিপের ব্যাহর্ডির ক্ষমতা চিত কর ; চিরন্ডায়ী বন্দোবস্ত ভাহাদিগের জীবিকার স্বচ্ছল দাও, ভাষার পর তাহাদিগের শিক্ষার চেউটাকরিও । বাটীর চি ষ্ঠিপিশালা পাকিলেও বিবস্ত অম্লুডের আদিতে পারেনা। যাহা পকাছাত, সে কিরপে সেখানে য বোধ কর এক জন ক্রবক সংব্রেস রং করিয়া শাস্ত উৎপাদন করিল ;া শৃণ্য জ্বলিল। কুষক **হর্বে**ংফুল ভাবিতে লাগিল, এ বংশর সুখে বাহিত করিবে ; এমত সময়ে দারের নায়ের কর র্দ্ধির ডিফী করিয়াসকল বিক্রের করিয়া লইটে ইকার পর কঠে আনার কি আন্ছেণ্প মের কল ভোগ করিতে নাপারা শামান্য ক্ষোভ ও ছ:খের বিষয় ! স कालि व्यानाल छत्र माहारया य क कर त्रिक ७ (लाक्टक वाञ्च श्रीम कर তেছে, ভাহাতে ছঃখিত না হইতে: এমত লোক নাই। তব্ৰ ক্ষীদ'ৱের কিছু অনুগ্ৰহ করেন: কিন্তু জীহাদি সংখ্যা ছাতি অংপ।

ষ্টারা ক্রকদিলের সহিত চিরা বন্দোবস্ত করিবার বিরুদ্ধ মত 🕰 করেন, ভাঁহাবা বলেন, ভাহা হইলে খ সম্পাহিৰ মূলাহ€য়াভার হইবে। লে ক্র ক্রিতে উন্থ হইবে ন।। কর করিতে পাওয়া যায় বলিয়াই জ্মীদ चानत ♦ मूना हहेशा थाटक । हेहात उ বার উপস্থ ওলাভের বিশেষ মূনাতি কুন। হয়, কিরুপে ভাষার জ্বাবিজ্ঞা . इ.क १ **अ**क्षीनात्त्रकः आश्वानाता**३** কার করেন, আবমীদারির আলের বিজকর श्वास्त्रकृष्ण । याचन लाहक **अनुन्द्र**म ব কাগজ কলা করেন, ভাঁহালাও সেই ার জনীবাটির কিনিয়া পা**েকন। যখন** pi বিনিয়ো**লি ৪ করাই উদ্দেশ্য হ**ইল**ে** ন ফুচ্নিগের সহিত চিরহাী न,**बक्र करेट**ाई (य (न छे**रफ्र**मात যাত জলিবে, ভাছার কারণ কি ? িমেটের কাগজের স্থাত রুদ্ধি হয় ভপালি লোকে ইহা জার করেন ए सभीकादित यात्र थित १६८७७ এই প্রকার লোকে ক্রা করিবেন वस्ट्य स्टब्स्स्स्स् सहि। बद्धाः अक्यत्व प्यट्स्टक् 🕽 मभात ७८६ सभीमाति का करतन नाः ।তর আয়ে ও ফুক্দর বংকাবস্ত থাকিলে। । বিসুপ ইইবেন ?

ष्ट्रताचामापिरशत्र वाक्त ११ अहे. (यमक्त 🕴

ডেফাড করেয়া কেওয়া গোল।

উচিত 🖁) ভিন্ন রূপ ধারণ করিবে। জবেরে ও খাতুর মূল্যর্**ভি অস্নারে ক**র র্জির ক্ষমতামাত্র প্রথমেণ্টকে পরি कारण कतिएक एकेटव । किन्नु शवर्गरमणी এই ষ্থামানা ক্ষতা ভাগে বিলক্ষ লাভবান হইবেন। লোকে সৌভ:রা শালী হইবেন এবং সমাজের উর্ভি হইবে: অপচ কোন বিষয়ে হস্তাপণের अद्योकन दाशित ना। लाटक मञ्जूके থাকিবেন, বুদ্ধি বৃদ্ধি চটবে, মূলধন জমিৰে এব ্ৰাণিকা রুদ্ধি হইয়া গরস্পরা मद्राक्त करतृष्टि इहेट्य । क्लिबल अहे मकल উপকারমানে নহে; এত্রপেক্ষা একটি 😝 🚁 তর উপকাব এই হইবে যে, আনরা (इर्दारकता) लक्त लक विस्मिति लाहकत नामनभंडी इहेता দেই लक्ष लक लाहकत मन अक्षर इत्र করিব যে আমাদিগের বিপদ্কালে ক্রিরা যথানার। দাহায়া ক্রিবে।কারণ चतु पाकिर्द गः। याँच्या अभर्ग भागा १११न शार्गामणे स्वतकिर्शत अहे [हा स्थाइदश्रक्त का को तथा होका अब श्रोहात करित्वन न । ১৮৫१ अस्म िका। दा:अन, कें। कार्या 🗣 खनीर बिहा 📭 भागीत अनिमाधीला स्थानाता व्यामा দিগকে দুখাভুত করিবার চেটা পান के शक्षारत किथन मात्र करेंद्र हिन्दू लाहरू है। शनिया मानाजा ना ই দেপেটয়েরে ফেলুও অব হ'ওয়:∫করতে গেই চেন্টা স্ফল হর নাই। ্দেগের ২০% পতিত হরল , আমরা : অতিন্ধ অংমরা এই স্পাট উপদেশ পাই দনপ্ৰত্য যে বিষয়নী সংধ্যেকের রাছি, অযোধারে নারে আমেশ স্বয়েষ জেন করিয়া দিবার চেটা প্রিতে i চপার **হস্তাকপা করিব না; পাক্ষার**ে মে, ফে,ওও দেই বিসয়ে প্রত্ব করি অনিলম্ভ আন্মাদিংগা আনুমোদনীয় ल। डिनिड कहिए ७१६न, अनकिन इहेर्न मा। आमामिर्धिन अ**डा उ महस** সহিত চিরস্থাত্রী বন্দোবস্ত করা শাসন প্রণানীর যদি পুনকার কেচ ত। ভংকুত প্রস্তাবের কিয়দং শ এই উচ্ছেদ করিবার চেটা পান, দে চেটা ্বিফল হইবে। ক্লিক্সেণি সাধারণো • उन्दर्भ अ थान आइडि इंको. ह विष्य हो ना इट्ल मार्गानरभेत अकृष লে ক্ষেড্যক্ষাভ ক,রয়াভে, লোপ হইবে না। অভ্যব এই ক্ষ্ক্গণ চ. রু.বেল-দিনের সহিত্যদি চি.লছ।রী, ভূমির যে বংক্ষাবভাগী ইইয়াছে, াত্র করা হয়, ভাগে হুটলে এই প্রশ্ন ভাকা প্রদান করে , ভাকারা ভাকা পাইলে । অংশে ক্ষক ভূমাধিকারীরা আছে। ত

রা**লতে**র অভিতের উপর নির্ভর (उट्ट क्रांनिरव । बढ़ी क्थन घटडे न পরীক্ষা করিলেকানিতে পারিবে, ভবিষাতে ক্লয়কদিগের চিরস্থন সা भगे उपामिति। विश्व हम, उथ তাহারা আমাদিগের পাখে দ্ঞায় হইয়া সাহায্য করিবে। যাঁহার। মে बत्मावटला वासूरमामन कंटतन, जै পের কণা শুনিয়ার্ছং জনীদারদিং ৰ্ছিক তকবা উচিত্তনয়। আবাৰ (मरभत अभीनातना याचा वरतान, उ সারে অপামর সাধ্যরণকে প্রদ্বার। করাও আমাদিগের কর্ত্তবানতে।যে ক্রকদের ভূমির উপব স্বস্থ আ নেখানে সুবিধামত ও দর্মদিগ <u>র</u> পায় এমত করিয়া চিরস্থায়ী বন্দো কর। নিশ্চর জানিবে প্রতি মের বি**ন্দাবন্তে**র নেধে আমরা ধেনন স বিষয়ের সুক্ষাসুসক্ষান করি বৃদিত হইতে বিরক্ত হই সমা**জ** আপিনা আ উল্লেচ চট্ৰে। '' ফেও অব ইণ্ডি প্রস্তাবের শেণাংশ ী ভবিসন্থাণীর : গ্ৰণ্ডমন্টের ও সর্বসাধারণের জ্ঞান ব উচিত। তিনি উপনং হাবে ২লিয়াত ' এক আদম্পে সকল স্থানের সমাত े 👺 ७ कता काहात उपाधा न ८६। हेः নের মতবেলখীরা যে অবেলী প্রবর্গ করিবার অভিগায়ী, ভাষা ত হইটে भारत ना। इंदोहे इंडेक, आंत्र अनि इंडेक, चर्रेनार्षि এই इट्रेट्ड (ए. ्रम च **अर्**विशास दृहर तृहर **स**मी। আছেন। স্থানীয় গ্ৰণ্মেটের উলি अहे त्य व्यभीनादत्रः। यात्राद्य व्यक्त माधन करहन अवर डॉइन्सिरशत व्यक्ति যালতে সাধারণ উপকারের নিমিত্তঃ দেই চেটা পান। ভারতবর্ষের অন্য হ মর কে প্রকার বলেবাবত্ত করা অবশাই আশোনাদিধের শৌভাগাইংরাজ তাতের গ্রেণ্মে**ত তাহাদিগতে** শিবি টাকা**ক**রে চিরস্থায়ী বস্দোবস্ত করুন। তে ধনাগারের কখন ক্তি চইবে । **সুক্ষনদর্শী লো**কেরা ইতিমধেন ক্ষিপের ছুই এক জনকে স্থানে স্থানে চশর উপযুক্ত দর্শন করিতেছেন। পূৰ্ব্যবস্থাৰ পরিষর্ভটির সন্দেহ । এই পরিবর্তপুষ্পা কালে উৎকৃত প্রদান করিবে। এতদ্বারা আপামর ারণ বুদ্ধিমান, মৌভাগ্য শালী, ভুক্তক এবং বোধ হইতেছে ধর্ম 5 ছ**ইবেল ।** যদি **ফু**ষকদিশের তে চিরস্থায়ী বন্দোবস্ত না কর, তাহা লে যে পরিবন্তটা ছইবে, তাহা সেই কলে মূর্ক্তি ধারণ করিবে। স্তব্যের (নিম শ্রেণী) স্ফীত (বিপ্লবণর-ে) হ≷য়া চুড়াকে (উচ্চ শ্রেণিকে) চল শায়ী করিবে। ''

यामहा क्रमीमात्रमिरशत खेशदा भिका করিবার প্রস্তাবের প্রতিকৃলে যে স-অপেত্তি করি, তংহার অন্যতর কারণ ক্রমীদারেরা একপ লোক নন যে, তাঁহারা ন নুতন কর **সহজে নিজ ভ**≢বিল তে প্রদান করেন, তঁ.ছারা যে কোন ায়ে হউক, ভাছা প্রজার নিকট হইতে গ্রহ করিবেন। আমরা জ্ঞীদারী কর বিষয়টা উদাহরণস্বৰূপে প্রদর্শন রো স্পক্ষমথনি করিয়ছিল(ম। ই সেপ্টেম্বরের ক্রেণ্ড অব ইণ্ডিয়ায় इन्हेल, बार्यू **क**ृक्क क्रूरथा शासास র ও তিবাদ করিয়া লিখিয়াছেন, রো(সমপাদক) যে কথা কছিল াম, তঃো অমুদক । তিনি বলেন, ন নিজে এবং বর্জমানের অস্তঃপাতী **নীঘাও ভাস্তঃড়া**গ্রভৃতির জমীদারে ইন্কম টাকাও জনীদারী ডাক য়াএক প্রসালন নাই ৷ ইচার উত্তর ৰ আমাদিকোর বস্তুক্রা এই, আমেরা গাততঃ ব্রহিমান ও আন্যান্য স্থানের

ৰুজন্ত্ৰ মুখে পাধাৰে ও (দাম প্ৰকাশ।

দুমির[ু] **অবস্থা** ইভাল করিয়া শতকর। জমীদারের কথা বলিতে পারিতেছি না বটে কিন্তু যাঁচার অধিকরে আমাদি পের নিজের বভক্জলি জমি আছে, ভাঁমকে শ্রুতি টাকায় আধে প্রসা করিয়া ক্ষীদারী ড কের বার দিতে হয়। আমা দেগের পাষ্থভী ক্রমীদারেরাও ঐক্সপ लहेशा अ.तकन। क्रमीनात अकात निक्रे হটতে প্রতিটাকায় আধে প্রসা করিয়া লটলেন, কিন্তু তালকে ঐ আধ প্রসার অনেক কম দিতে হয় ৷ একাণে विद्वहना कविहा (पथा कर्खवा, अभीपाती ডাক জমীদারের উপ জেনের একটা পথ হইয়াছে কি না : যে জমীদার ঔদাযা গুণসম্পাল ও প্রজার প্রতি দয়াবান্ হই-বেন, তিনি মা লইতে প.রেন, কিন্তুবাঁচা রা ভাদুশ গুণসম্পার নন, ভাঁহাদিগের लहेतात वाधा कि न्यथम भर्थ मुख्य बहि রাছে, তথন লইবার সময়ে কে আসিয়া इन्डधात्व कतिरव

অংময়া আর একটা উবাহরণ দিতেছি, ইহাতেও পাঠকগণ বুঝিতে পারিবেন প্রজার নিকট হইতে অর্থােচ্নপট্ জমীদারের সদৃশ রিভীয়নাই। এক জন জমীদার একদ। একটা স্কুল করিলেন। তথন সাহাযাদানের এই নিয়ম ছিল, বিদ্যালয়স্থাপয়িত:রা যত টাকা দিতেন, গ্রণ্ডেম ট সেই পরিমাণে সাহায্য করিছেন ; ছাত্র দক্ত বৈতন তমধ্যে পরিগণিত হইত ना । উক্ত क्रमीमात विमाध्यक्त मिक मित অধের সংগ্রহাথ নিজ জমাদারীতে গেলেন এবং প্রজাদিগকে এই কথা বলিলেন. ভাঁহার পুরের অধাংনাথ তিনি একটা বিদ্যালয় **স্থাপন করিটাছেন। অভ**এব ভাহার বায় সমাধানাথ হিনি পাঁচে বুঙ বংসরের নিমিত্ত প্রাফালি:গর নিকট হইতে কিছু কিছু গ্ৰেথিনা সরেন, পাঁচ বহুসবের পর ভাঁছার পুত্রকলিকাভায় ধা কবেন, তথন আরু দিতে হইবে লা। প্রজারা ভারের প্রাভার্থ একটা বৈঠক

করিয়া একবাকা হইয়া ভাঁহার প্রা পরিপুরণ করিল ; কিন্তু জমীদার পাঁ। সরপরে স্কৃত প্রতিজ্ঞ মুক্রণ অবা দান দুরে থাকুক, প্রজারা কয় ব ভিকাষৰপ যাহা দিয়াছিলেন, ভা **জুমাভুক্ত ক**রিয়া লট্লেন। এটা খ দিগো সাকাৎ বিদিত বিবয়। আ কেবল নয় আমাদিগের নিজ ও পাশ্ব श्रीतमत् चारमरकं उ व विषयः कारमंग । इ.स. এक इत्तर अपूल देनराज्य केंद्र ७ ८७ ইনম্পেষ্টরেরও ইহা অবিদিত নহে

क देखवर्षन आध्र वर्ष ।

ভারতবর্ষের আয় ব্যয়ের হি এ দেশ অপেকা ইংলতে অধিকতর ক্ষতরতে প্রদত হইয়া ধাকে। ইংলা একথানি পত্তে ভারতবর্ষের ১৮ অকের নিয় লিগিত আয় বায়ের হি **(म उन्ना क्**डेसार्डः -

আমা |

| ভূমির ও অধীন <i>(</i> রাজদভাকর (| ২ ৩,8 ৯, ৭ 9, |
|-------------------------------------|----------------------|
| १९ ब्ल | ঽ,৫৪,€ঽ |
| ল্বণ | ৬,৽ঽ,৪৩ |
| অহিকেন | ৮,৮১,৪২ |
| ট †স্প | ২,৩৯,৩৯ |
| ডাক্ঘর | ৬৫, ২৩ |
| টেলিগ্রাফ | ₹ ঌ, ►ঌ, |
| लाहरमञ्जू कड | 38,50, |

মোট 85,33,32,

4.81

36,64

(मनामन 25,00,00 ঋণ ও সুদ 3,22,49 প্ৰলিকওয়াক 5,93,91 বিশেষ ঐ (বারিক) ২.৭৬,১২ রণভরির **জ**নঃ ৮৮,২৫, বিদ্যা শিকা 95,32 শ্টীয় গিরজাও

পাদরির নিমিত 🐧

২,৩৮,৩২,০০০ শ্স 5,2@,08,8**;**0 ান কাৰ্য্য 2.86,60,000 13 প্ৰস্ন লাজনীতি সংক্ৰান্ত বিষয় 2,82,02,000 £ 80,28.20,200 মাট াকী আট কোটি টাকা ইংল**ওে**র প্রিয়া গ্রনা করিতে হইবে। বিচার গো ৭২,৭১,১১০ টাকা, সুলিবে ২৬. ০১ টাকা, রণভরিতে ২৫,২২,০০০ এবং শিক্ষাবিভাগে ৭,৩৪,০০০ অয়ে দেখাযাইতেছে; অতএব হইতেছে প্রায় ৯ কোটি টাকার ৰ স্পাট্রেপ দেওগাহ্য নাই। এই ব দেখিয়া আমাদিগের ছটি জনের শ্বেন চইল । আমরা জানিতাম, য় সম্প্রেলায়ের নিমিষ রাজকোষ **৬ ৩১ লক্টা**কা ব্যাহয়; কিন্তু ণ দেখা বাই:১ছে. ১৫,৫৫.০০১ মার বার চইয়া থাকে। আমবা দলের বায় ১২ কোটি জানিভান: এক্ষণে ১৬ কোটি (অগাং বিদ্রো সময়ে যে ব্যয়পজ্িড) ব্যয়ংই । আমর, আরও জানিতাম, রণ উঠিয়া ধাওয়াতে ইংলপ্ডীয় গবর্ণ आभामिशदक अ छा। इन्ट्र मुक्ट रिष्ठन ; किन्तु डिलिशिष्ट किमारिक তে পাইলাম, আমাদিগকৈ প্রায় कां कि देश कि कि कि कि कि ণ আমাদিগের ক্ষকের এ ব্যয়ন্তার প করা হইয়াছে ? কয়েকখানি ক চীন ও আরব সমুদ্রে থাকিয়া পুর বাণিকার্কা করিডেছে এবং চুকার জীভদানবাৰ্মার নিৰার-ক্ষেক্খানি আংছে। ইহার অন্যভর ভামাদিগের **জ**াহাজ ভারাই স উপকার ইইডেছে না; ডথানি पिश्वत्क ५५ नक छोवा पिट्ड ६ई

প্রদান করেন, তক্ষধ্যে এনকল ব্যয়ের ग्लाचे हिमाव स्मिना। हेकाताई वा कांत्रन कि १ कक रेमिक दारत आध्र व्यक्तिक রাজ্যের ক্ষর হইতেছে। ১৬ কোটি টাবাত বেভন ও জাহামভাড়াতে যায়; ভদ্তির বারিকের ব্যয় আছে। এ অংশে মিতধায়িতানা হইলে আমা দিগের নিস্তার নাই। চির কালই আমা দিগের আংকে নূতন নূতন করভার নিকে শের চেটা হইবে ৷ রাজস্বসমূত্রে গ্রুণ মেন্ট কৰে ন্যায়াসুগত ব্যবহার কবিতে শিখিবেন ? ফান্স ও প্রশিয়া অপেকাও ভারতবংগ'র দৈনিক বয়ে অধিক: व्यवह देशनामः थानित वह देवलक्ना আছে।রাজস বিদয়ে ভারতব্যের সহিত ইংলত্তের কিরূপ সম্বন্ধ হওয়া উ,চিত, ভাহা ভির করা যে একাস্ত আবশ্যক, তাহা এই অস্পাট হিনাবছারা সঞ্মাণ হইতেছে। ভারতবর্ষের পূথক সেনাদল, পূথক রণভরি করা সংবংগ্রে আবেশ্যক। টেট নেক্রেটার স্বেক্ছা পুর্বক বয়ে করিতে না পারেন, ভাষার উপায় করা ক ইব্য। ভারতব্যের ব্রেক্ষাপক সভার হত্তে যত দিন না আহব্যয়দশনের ভাব আসিতেছে, তত দিন সহস্থিধ কর দৈলেও আমাদিগের নজন নাই। অশুভ কাণ ইংলভের নহিত ভারতবর্ষের দেনা भर्भत এक छ। इहेश (हिना।

ष्यक्षः पुर्वासकः धना स्रीत

---:0;---

এ দেশে যেদমস্ত বিষয়ের উল্লিভ এক্দের নয়নগোচর হইতেতে, মিদনরিরা ভাষার অধিকাংশের সুত্রপাত করিয়া (इन। वक्रास्टमंत व्यक्तश्रुद्वत स्त्रीगन আজি কালি যে শিকারুরাগী হইয়া ছেন, মিদনরিদিগের যত্নই তাহার প্রথম কারণ। আমরা প্রায়ই দেখিতে পাই, (कन ? आगता विकास विकास विकास कर कर विकास का विकास का किया विकास की का

लामा, ,शवर्र १० क्यारन त्य हिमाद परमात चन्द्रभूति एक जीत्नाकिए শিক্ষার নিমিত্ত কয়েক বিৎসরকাল বি ক্ষণ পরিশ্রম করিতেছেন। তাধার কল কলিল, বোধ হ:৷ পাঠকগণ ভ ভাত অবগত হইবার নিমিত এব কে ভূহলাকান্ত হইৰেল সন্দেই না তত বিবি মলেজা প্ৰশাসঃ আমানিত वर्जभान अष्ठः भूत्रिकाश्चनानीतं छ বন করেন। উচ্চার পর বিধি মরে ন এক গুণৰতী মিদনবিপত্নী এই প্ৰবাহ चित्र महर्ग अध्यक्त अपना । विवि महत গুলি ইউরোপীয় ও এতদেশীয় ধুটা শিক্ষাত্রীকে স্থানে স্থানে প্রেরণ করে ভাঁহারা লিখন পঠন 😻 🔫 কাঞ্চের শিক্ষা দিতেন। বিবি মরে লের ভত্তাবধান করিভেন। 🔄 শুৰ तमनी हेरलट्य भमन कतिरल शत उं। विकाशकात्मक अप खिलेता इटला भी হয়। ইনি আমেরিকাৰাসিনী। ভা জারবোর সাহাগে তিনি অসঃপুর लिकाकार्यात जातवार्व कात्रम । डी यशीरन ११ वन देडेरहां भीत ध्वर জন এতকেশীয় শিক্ষয়িত্রী আছেন। উ প্রধন্তে স্থানে স্থানে বালিকাবিদ্যা ছাপিত হইয়াছে। মিদ ত্রিটন এ দে ক্রীলোকদিগের শ্বভাব ও অভাব ৫ র রূপে অবগত হইলাছেন ৷ অনেক ইউ পীর, অন্য কি বিচারপতি ফিলারপ আমাদিগকে এই বলিয়া ভংগিনা ক যে, এ দেশের পুরুষেরা এত ক্লভ इहेडा अञ्ची लाक मिन्न दक मर्क माधा तर मम्द्रिश्व वाहित हहेट**७ (एन**ेना; रि মিদ জিটনই আমাদিগের এরপ বা রের কিঞ্ছিং মর্ম অবগত হইরাছে তিনি বলেন, সহ্দা ওরূপ হওয়া সাধ্য নয় । উাহার মত এই, এম্বে যেস ৰালিকা জন্মগ্ৰহণ করিতেছে, তাৰ शतक क्रमनः निका निशा आहीन कार हिन्दूनगांद्वात नाव वाशीन । ६। **७ स्टेटव। याँ श**ाहाता शिक्षतवस्न, शक्योत ্**দীঘ্কাল অন্তঃপু**রে রুদ্ধ হইয়া ন, তাঁহাদিগতেক সহসা স্বাধীনত। ন করিলে অনিষ্ট ফল উৎপন্ন ইইবে। বয়ে ভাঁহার দহিত মিদ কার্পেণ্ট মতভেদ হৈয়; কিন্তু শাঁহারা এ व्रिविक वाक्तिमिरशत भागत ভাব ান, উাহারা মিস ত্রিটনের বাক্য**ে**কই িণিক বলিয়া আদর করিবেন স**দে**ক । মিদ ভ্রিটন এইপ্রকারে সংক্ষাবের জী হওরাতে তাঁহার প্রবর্তিত ণপ্ৰণালীও ভদ্সুরূপ হইয়াছে। ার শিকাকরিবার অভিলাবী হন, দিগের বাদীতে 'এক এক ব্দন এড ীয় খ্টীয়ান শিক্ষিত্রী হেরিত া থাকেন। আপাততঃ দামান্য ্ত্য পুস্তক, অঙ্ক, ও বিদ্যাদাগরের দশীয়ই ভিহাদ পাঠ করান হয়। বিগণ সূচির কাজাও শি**ক্ষা** করেন। চনপ্রাহে এক জান ইউরোপীয় শিক ী ছাত্রীদিগের উন্নতির **প**রী**ক**া न। भिग जिंहेन निष्क मर्सा मर्सा । शक्त विषय चिठ्यक कर्मन क्रिया কন। ছাঞীরা**ঞা**য় ২ টাকার **অধি**ক নে দেন না। যেখানে ইংরাজী শিক্ষা তথায় ৪ টাকাই উর্দংখ্য বেতন। বাদিনের নিকটে এক পয়সাও লওয়া না, বরং অনেকে মিদ ত্রিটনের টে সাহার্য্য পান। তিনি বিধ্বাদি চ*নিজের বাটীতে* আনিয়া**শংগী**ত গ্ন্য অন্য বিষয় শিক। দিবার চেন্টা ইয়াছিলেন, ভাষাতে

কু ড কার্য্য

তে পারেন নাই। এই প্রকারে প্রায়

০ শত এতদেশীয় স্ত্ৰীলোক ও বালিকা

া ত্রিটনের যড়ে' শিক্ষালাভ করিতে

কা সাহায় দান করেন। আমেরিকার

দ্ববিরামাদিক ১২০০ টাকা দিয়া

ন। গ্ৰণ্মেন্ট অভিছাত্ৰীতে

শিক্ষাত্রী ও মিদ জিটনকে নিজে অভি শামান্য অবস্থায় অবস্থান করিয়াকাল হরণ করিতে হয়। যিনি লঙ**্** সাহেবকে নিজের বাটীতে দর্শন করিয়াছেন, তিনি মিশ জিটনের বাটীতে গমন করিলে सिथट्यन, मिननतिक्तिशत नाम उँक्ति গের জীগৰও অভি় দামান্য আহার ঙ্ পরিজ্ল পাইয়া জগতের হিতদাধন করিতেছেন।

भिन जिठेटनत विम्नानसम्बद्ध দর্কাপেক। অধিক ছাত্রী আছেন। ভাক্তর রবসনের জী প্রায় ১৫০ জীলোক ও বালিকাকে শিকা দিতেছেন; কিন্তু বিৰি রবসনের শিক্ষাত্রীগণ ইউরোপীয় বলিয়া অনেকে উচ্চ বেতনের ভয়ে তাঁহা मिगटक लहेशा याहेटक भारतन ना। ডা**ক্তে**র র**বসন** নিজে অনেক সাহায্য করেন। ডাক্তর রবসন এক জন মিসনরি, ইহা বলিলেই উাহার পর্যাপ্ত পরিচয় হয়। ভি,নি এ দেশকে এত ভাল বাদেন যে, ভাঁহাকে এক জন বাঙ্গালী বলিলেও অত্যক্তি হয় না। যাহা হউক, আমামরা বিবি রবসনকে প্রামশ দিতেছি, তিনি কতশুলি এতদেশীয় শিক্ষাক্রী রাখুন, শম্যকরপে কুতার্থতালাভ করিতে পারিবেন না।

ভৃতীয় মিদন স্ঞাপুরের মিদ নিকল সনের অধীনস্থ। এই মিদনে বিস্তর এত দেশীর শিক্ষিত্রী আছেন। উহাঁদিগের সুশিকা ও সকরিত্রতানিবল্বন অনেক উপকার হইতেছে। বিবি লুইস নিজের ব্যয়ে প্রায় ১৫০ ছাত্রীকে শিক্ষা দিতে (ছন |

এই প্রকারে বিনা আড়মরে কভণ্ডলি थ की बान जी लाक व्यामानिकात व्यत्तः शू (अत्र विरम्थं क्षीत्रिक्षमाधन क्रिटङ्स्न। আপাততঃ এতৎসহজে আমাদিগের কি ক্ষিং বক্তব্য উপস্থিত হইল। বিবিরবসন কেন; কিন্তু যে ব্যয় হয়, তাহাতে ভিন্তাৰ সকল শিক্ষতীই কৃষ্ট ধৰ্ম

পুস্তক পাঠ করা শিকার একটা প্রথ व्यक्त विद्या छक्षान कटतन अवर वि ব্ৰিটনপ্ৰভৃতি নিজেই বলেন, খুকীয় क्राई डीश्मिरशत श्रांन ऐस्म উচ্চাদের অংধর্মের এতি যে এতভ তল্লিমিত ভাঁহার। প্রশংসনীয় হইকে সন্দেহ নাই ; কিন্তু এতন্নিবন্ধান ভাঁহা গের শিকাদান কার্যাটা সম্পূর্ণ করে পধায়ী হইতেছে না। তাঁহারা ধর্মবে আদম ও ইবপ্রভৃতির উপাধানের শিকা দেন, বাটীর পুরুষেরা ত সামান্য গণ্প এই কথা বলিয়া বি তাহাতে জ্রীলোকদিগের অপ্রদ্ধা ক इसा निया थाटकन। পরস্পরের সংখ ও অভাপের বিষয় বিবেচনা করি এরপ হওয়া আশ্চের্টের বিষয় ন খ্ফীয় শিক্ষিত্ৰী হিন্দুধৰ্মকে মি ও খুকীয় ধর্মকে সত্য ধলিয়া তদ্সু সংকার জনাইয়া বিবার **যেমন** টে করিতেছেন, হিন্দু স্বামীও তে আপন জীকে ভাহার বিপরীত বুকা (मन। यथन এमে भी श्रिता व्यव्यू भू গের বাইবল শিকাদানে স্মতন তথন যে জ্রীলোকেরা তাহা পাঠ ব বেন তাহা কাহার অভিপ্রেত হ পারে ? আমরা এ ছলে মিদ ত্রিট ভৃতিকে একটা কথা বিজ্ঞাস! করিচ যদি এক অন জৌলোক খৃষ্টীয়ান মেইন সাহেবের আইন অনুসারে খে ক্ষের নিকটে আবেদন করিয়া স্বাং ममन दिश बटलन, 'इस इस म মধ্যে আপনি আমার সহবাস কা আসুন, নচেৎ আমিবিবাইডক্সেরন করিয়া পভাষ্কর গ্রেছণ করিব। ১১ রাপ একটা দৃতীস্ত ঘটিৰে, সেই দিন অন্তঃপুর মিণনের শেষ হইবে না এব বিবি রবসন বাইবল পাঠ করা

ना कता (अष्टाधीन अहे स धानानी

क्रवाक्र होता। व्यवष्टा द्विया मकल করাই উচিত। কেবল অসঃপুর লী বলিয়াকেন ৭ ডাফর মাকলিয়ড রোমশ দিয়াছেন, ভাষ। মিদন্রি बन्नरित अवसम्बन्धन कर्ना मक्तर डास्ट्रोट्स য়। শিক্ষা দাও এবং কুদংক্ষার দূর त्मद्ध (बाटशंत न्यान्धि **श्टेरल** (लाटक টো সুৰ্পার কোন্টী গিল্টি করা ল ভাগ অলেনরো বা**ছিয়া লইবেন।** ৰভিরামান **এ দেশের কুদংকার দূর** ভে গারেন, কি উপকার করা না

--:-:--

সূতৰ পুস্তক।

। মহর্বিলি, মীকি অংশীত রামারণ, কাণ্ড, এথম ও ছিডীয় সৰ্গা। এখানি नुकक्ष के जिला ३ (इयहस्क कर्छे हार्य) বাললা অনুবাদের সহিত মুদ্রিত ও রিত হইয়াছে। যাঁহারা ইহার মুদ্রা ্য আরম্ভ করিয়াছেন, উছিলিগের শ্য এই, খণ্ড খণ্ডক্রমে ইহার প্রচার কেন। আমরা এখানি পাঠ করিয়া শয় ভৃঞ্জিলাভ করিলাম। ইহার াৰ অক্টা কাগজ ও মুদ্ৰাকাৰ্য্য कि मकल हे मुन्दब इंदेश एहा।

। कानीत क्रेम कात्माक व्यथन জ্বার গ্রিফিপ সাহেব রামায়ণকে য় করিয়া অধ্যোধ্যাবর্ণন অব্ধি সীভা ও রামের বিলাপপর্যন্ত ইংরাজী ে এণ্য়ন করিয়াছেন । পদাওলি দগুণবিশিষ্ট ও অভি মুনোহর হই া ইচাতে মহাকৰি কালিদাসকুত ুডের কানুদি অবিং মহাভারতের ল'ভ ুড়ভ ও **অ∶রো দুই একটি** র বনিয়**ালত হ্ইয়াছে। সমুদা**য় हे पुन्सब हरेबाटक ।

🌣 কবিতা কুসুমাঞ্চলি। 🚉 যুক্ত

ক্রিরাছেন, তাহাই সকলের অব এডাত গ্রুতি কভকগুলি বিষয় লইয়া বাদলা পদ্যে এই গ্রন্থানির প্রণয়ন করিয়া**ছেন । কুফ**কিশোরকে শ্রেণির কবি সম্প্রদ:য়ের অন্থনি বিষ্ট করা নায়ানুগত হয় না বটে; কিছ তংকুত ক্বিতাগুলি যে বালক্দিগের পদ্যশিক্ষো প্রোগা হইয়াছে, সে বিষ্ত্রে সন্দেচ নাই !

> ৪। সাবিত্রীচরিত। মহাতারভের অস্ত র্গত সাবিত্রীচরিত অবলয়ন করিয়া এবংনি পদ্যে প্রণীত হইয়াছে। দ্রীযুক্ত ভোলানাৰ চক্ৰবৰ্ত্তী ইহার রচয়িতা। ৰধানিও উত্ন হইয়াছে।

৫। ভত্তবিদ্যা। 🕮 যুক্ত বাবু ছিলে स्मनाथे शकुत्र व्यनीख। हेहारच ख्वानकाख ভোগকাণ্ড ও कर्मकार धत विषद विद्धा রৈভ করিয়া লিখিত চুই্যাছে ৷ এখানি দ্বিতীয়বার সংকৃত হইয়া মুদ্রিত হই য়াছে। এভৎপাঠে **ভ**জুবুভুৎসুব্যাক্ত मिश्तत **পर्य**क विरश्य উপकःत मर्मित्व ।

७। प्रःचमर्भन। अध्यक्त व्यवस কুমার দেন গুপ্ত ইহার রচনা করিয়াছেন। ইচাতে পাপাত্মার বেদ বর্ণিত হইরাছে ৰৰ্ণনাটী মধুর হইয়াছে।

१। নিদানপরিশিষ্ট। এখানি সংক্ষত। ঞীযুক্ত হারাধন বিদ্যারত্ব কৰিরকৈ নানা গ্রন্থ হইতে ইহার সকলন করিয়াছেন। বৈদাশাল্ডোক্ত চিকিৎসাব্যবসায়ীদিনের পক্ষে ইহাতে বিশেষ উপকার দর্শিবে।

৮। বসস্ত রোগেয় নিদান ও চিফি ৎসা। উক্ত হারাধন ক্রিরাজ ইহারও সংগ্রহ করিয়াছেন। এখানি বালালা ভাষায় প্রণীত হইয়াছে। বৈদ্যশাস্ত্রে লোও মনুষ্য উভয়েরই বসতের বীকে টীকা দিবার ব্যবস্থা আছে। কিন্তু সংগ্রহ कात, मनुवाबीटक जिका (फड्या (अय:-কম্পাৰলিয়া বিবেচনা করেন। মুনুবা दीरक होका निवात ए नाय महन्नाहत কশোর বন্দোপাধ্যায় কম্পনা ও দৃষ্টিগোচর হয়, তাছরি তিনি এই শিও হয়নাই।

कातन निर्मिण करत्रन, हीकामारत्रता सूर সন্ত বিবেচনা করিয়াঁ প্রায় আহণ করিত পারে না, ভাছাতেই অনিফ হয়।

৯। ইউরোপের বিবরণ। 🙈 যুব 🗐নারায়ণ মজিক ইছার সকলন করি: **ছেন।** .

विविधमः वाम ।

---: • ;----

৩০ এ ভাদ সোমবার ৷

ष्ट्रेडेरगरक्रडोदिय निकटि व्याभीन करिन নিমিত্ত কপ্রভলাব রাজাছহ জন এডিনি अक्षत्रम् कः त्रराष्ट्रक्तः। ১৮४१ **प्र**ाप्तत्र निनः করিলে কপুরতবার রাজার এতি অধিক উদার বংবহার করং কর্মবং।

ষ্টেটসেক্ষেটারি হবেড়াকে আপান্ডভঃ এব च उद्घ (व्यक्ष) कविएक व्यनन्त्र क्रेगार्डन । श्रीरकाष्ट्र नर्यरकारे क विषयः भूनकीत हिर्म গৃতিয়াছেন। হাবড়। ও শিবপুবপ্রভৃতির নিন ্ষরণ জ্রীর হাজেছে, ভাহাতে হয় পু स्थला, मरहर इकाल क्रेट्ड कावणार काठा গুলি জানধুন করা ভাবেশ√ক ≉ইডেরে ।

अद्रथ सम्ब्धि, (हेडे(त्र<u>रक्</u>डे: ह शवन्द्र (र दम ७ (मर्ल्डेनले भवनंद्रांपरभव मक्यमञ्जय ব্যয়ের সীমাকারয়াদিং ছেন। গ্রণর জেন এনিমিক্ত ২৮০০০ ও লেপ্টনট পাবৰ্তি ১২, • • টাকা প্রতিরবংসর পাইবেন। সিম গমন মফকল জমণ বলিয়া পরিগণিত ুহইবে **a1?**

এরণ জনঞ্ছি, আগামী জন্মারি জ পাঁচ টাকার নোট প্রচলিত ২ইবে ৷ ইহার স वर्षभूषा का निक कता कर्षतः। व्यात गाहा বিভাগীর ধনাগারে নোট ভালান যায়, এ रक्षावस्य कर्ता का जनम् का वन का।

कानि ७वमान कां भ करा ना ५ से बहे था। করিবার নিমিত কয়েক জন ুগেটক গভ ৬ वात लिल्डेन हे भवनंद्रत गार्ड भाषार कांत्र ছেল। এক ব্যস্ত করিয়া পরিভাগে করা কেরে (वह विस्थय क्याना ।

श्वात युष्यत कारण क्षकालिक इहेन्नार বন্ধান ত্ৰক না দেৱা গোপনে বালিজ্য করি विकार भवन कर कार्य कराय कराय व . इ. नक्ति अञ्चयसम् वा अश्वामिश्वक छ . ৩ ও করিমাছিলেন। আভাষ্মদ লাংগ (इंट्रेंस सार्डन, किंद चनागन अकन भर्ग, मास्त्रास्य जुनकात्रं भीत्मत हान दृष्टि इहे इत्र कालामा, त्यत्मात्र, त्यमात्र स्व मास्त्राक्र हात्म तिस्त्र कृत्यत्य सीन स्हेत्यत्व । मिन्न कात्में अहे हान क्षित्रक्तः । सीत्मत मात्म मानित्मत्र महीत : साम्याक्षक हम् । स्वामानित्मत्र मो अहे मास्त्रात्म (यन नीन नाम्यत्व स्थितम्

এরপ জন ক্রান্তি স্ববিচাদ টেম্প্র নিজের চটে উদ্ভি প্রদর্শনা ক্রিবার নিমিক্ত সুচ ডাত ক্রয়াকেন । এপ্রকার প্রতিক্ষা আবেশ জাধ্যের বিষয় সন্দেহ নাই।

উত্তৰ পশ্চিমাঞ্চলেৰ বেবেনিউ বোভ আজ্ঞা। বেচন, গ্ৰামেটের বিরুদ্ধে যথন কোন ক্রী চইবে, ভথন অবিলয়ে যেন মকজ্মায় মুন্ত দেওৱা হয়। বিলয় হওয়াতে নক স্থান গ্ৰেণ্যেককৈ স্থান্ত হিলাবে নক ইকো নিজে ইট্যাছে।

ন্ত্ৰান বৰ্ষে ৪৮.০০ সিক্তক অহিকেন নীত হইবে। বণিকনিগোর অহেরোধে স্থানীয় বঙ্গানের নিমিত্ত গ্রেণীয়ত ৬০০০ সিক্তক কে ক্রয়ারাধির'ছেন।

ডেলি নিউস অবণ করিয়াছেন, কেবল গুরা জাতিকে দমন করিবার নিমিত দৈন; রিড চইবে। বাবতীয় বনাদিগকে আক্রমণ বিবার যে কল্পনা হব, ভাগা পরিড্যাগ করা ডেড়ে। যেনাগল সিল্পায় ইইবেনা। উক্ত পদ্র স্থাপ্ত আইনের সংখোধনের

मान है जनका मन्त्राहित, बाकी भासनाइ मान्यत रस्म क्यांन स्वायमाक । मान्यत रस्म क्यांन स्वायमाक । मान्यति करिताति हेन्द्रा स्वायमान प्रकृति नातील करिता हैन्द्रा स्वायमान मान्यति मान्यति मान्यति हैन्द्रा हैन्द्रा स्वायमान प्रकृति हैन्द्रा स्वायमान करिया स्वायमान स्वायमान हैन्द्रा स्वायमान स्वयमान स्वयमा

मिलीर्गरक वर्षम् व्यास्थाय प्रक्रिक प्रमि

व इ उपार उ गवर्षम् हे व्यावन स्थादकातः

ग य व्यावस्य कृषित्व । यान विन छ शुक्र विशे

गम् कृषिया मिलिएशिंगरक कर्ष्य मिल्या वर्षत् ।

स्थाया छ व्यावस्य एउ वर्षेण अस्य कोल क्रिक्त ।

स्थाया छ व्यावस्य छ वर्षम् क्षिणमा वर्षेण ।

स्थाया व्यावस्य छ वर्षाम् क्षिणमा स्थापमा ।

क्ष्य क्ष्यात्रां छ दिन छ क्ष्या क्ष्या ।

क्ष्य क्ष्यात्रां छ दिन छ क्ष्या ।

क्ष्य क्ष्यात्रां छ विश्व क्ष्या क्ष्या ।

क्ष्य क्ष्यात्रां छ विश्व क्ष्या हिन्य क्ष्या ।

क्ष्य क्ष्या क्ष्या छ हिन्य हिन्य हिन्य क्ष्या ।

क्ष्य क्ष्या क्ष्या छ हिन्य हिन्य हिन्य क्ष्या ।

নিয়াকে।
নিটন সাংগ্রে নামক বেবি ইয়ের এক জন ভূত
দি সিবিলিয়ান পুলাকন বোষাই ব্যাক্ষে
কালেন সমস্ত জীবনেব উপার্জন নই করমতে
কোন নাকেট রাজকোষ হইতে এই টাকা
কোর আজ্যা করিয়াছেন। যেসকল ব্যক্তি ভার
বেবির কার্যে জীবনমাপন করিয়াছেন, তাঁহা
ব্যের সাহায্য হানে কেহই জনাত্যা একাশ করে

(वन न।। किन्न (व नकत धर्व अधकात वाक्षितिहत (वत अ ग्वर्गस्टिक किन्नि कतित, छाहाति (गत प्र इहेर्ड किन्न) ?

जुनात किमनत तिर्वि काशक मार्ट्व जात्रवर्ष जार्बितकात ज्याक हार्गत हिट्टी स जार्ज्य। जिन्न अभिकाकरमत काम काम कार्ज्य। जिन्न काम क्या हम। जाह्न कम हम गाहे वर्षे। किन्न कामिक मार्ट्य जन्मान करतन, क्रमनः जार्मितकात ज्याक अरमर्थ हटेख भावित। ती जिम के होन हटेस क्या न हटेख जायव जंदात काम काम कर्मिक ना। वस रमर्थ भावित। की जिम के होन स्वितिहास। वस रमर्थ भावित। की काम काम क्या क्या क्या हटेख

৩১ এ ভাজ মললবার।

বাজপুত্রার কোন কোন সন্ধার কভক্তলি
দক্ষাকে আগ্রায় দেওরাতে টেট মেকেটারি এ
বিষয়ে গ্রেপ্টেকে মনোযোগী ইইতে বলিয়া
দেন। বাজপুত্রার এজেন্টকে সভক ইইতে
বলা চইয়াছে।

১ লা দেওছৰর অবধি দলীল ও আদালত ব্যবহার্য স্থান্থ পৃথক হইয়াছে। দলীলের স্থান্থ তলি অভি জনমা।

পিয়নিরর বলেন, নালরাজাতিকে নমন করি বার নিমিত ৬.৫০০ মাত্র সৈন্য প্রেরিড কই-ডেছে: ফ্রেজব ইভিয়া বে ২০.০০ বৈন্যের কথা বৈলিরাচেন, তাহা অধুলক। ১০০০ সৈন্য হাজতে থাকিবে।

ডাক্সব ভাউনাজি কুঠেব যে চিকিৎসা করি।
ভাজেন; ইউরোপে ডারিমিছ সকলে আশ্চর্য।
বার করিছেনে। টাইমস অব ইন্ডিয়া শীল্ল।
ভাজেনের চিকিৎসা প্রণালী সাধারণ গোচর করিবেন: এপর্যান্তে এই চিকিৎসক যত কুঠা বোগীকে দেখিয়াছেন, ভাহাদিশের সকলেহ আরোগ্য লাভ করিয়াছেন। ৬ ৭ মাসের পূর্দে অপ্রাগ্ত লাভ করিয়াছেন। ৬ ৭ মাসের পূর্দে অপ্রাগ্ত লাগে হর না। উৎকট রোগ হইলে এক বংসর লাগে। ভাজেশ ভাউনাজি যথাবহি প্রান্ত লাগে।

প্রলিক ওপিনিয়ন কাবুল হইতে সংবাদ পাইরাছেন, ভাকুব খা পুনর্কার অংকিম খাঁকে श्रुविक्षं क्रियाहिन। अभर्यक्षं आक्रिया বৈন্ত্ৰ জিঞ্জিত ছুৰ্স অধিকার কবিয়াছিল : কিছ এই যুদ্ধের পর ভাষারা ভাষা ভাগে করি ब्राइड: व्याव्यिम की त्यावरम श्रमायम कविया (इन । हेनमाहेन चा के श्रकात नमञ्जूषिन चारक প্রাঞ্জিত করিয়। কাবুলের ছুর্গ বালাহিসার কাডিয়া লইয়াছেন। সিয়ের আলি খা পুন कीत्र जिल्लिनिए अभने कतिशाहिन। भ्रम स्पन्ति मुधासक्ष क'त्रमा डाँगात सिक्टो (श्रत्रन कता হইবে। রু**ছ** নসিরুলা খ'। আন গাপি আজিম খার क्हेब्र^भ्काटमभावाज जिल्लाह कहिया काट्स्न। अहे স্থান লটবার নিমিত্ত সৈন্য প্রেবিত চইবে। আব इ.स. त्रहमन था जालिय चारक (क!मश्रक:त সাহায়(করেন নাই ৷ আজিম খার রাজত্বে শেষ ঃট°ল একধার সিমুধ্র আলির আবিছলর্থমনের मिक्छ युक्तादेख रहेर्य ।

উদ্দেশ্য বলেন, সৈদ আহাম্মন সুধীনায়ক একজন ধূর্ত আরব সাহোরে আসিরা কতক ওলি বস্তু প্রদর্শন করিছেছেন। এই স্কুয়াচোন

এ গুলিকে মংক্ষানের বন্ধ বলাজে বিজ্ঞার লো পর্যা দিয়া ভাগ দর্শন করিছে ঘাইভেছেন

আগেদবিদের কালেন্টর এলিয়টস্তের প্লাবনের এক রিপোট করিয়াছেন। রাধ্ উপরে প্রায় ৮ হাত প্লাল দাড়াইয়াছিল। এ বুট সাহেব এই কন্টেব সময় ব্যোচিত সাহ করিয়াছেন। বোধাই গ্রহ্ণনি গ্রহণীন বে দিগের সাহাধ্যাপ ৩০০০টাক। প্রদান স্থাছেন।

১ 'মাশ্বিন বুধ বার।

नवीन ও टेकनाभभाभक (य प्रहेवाकित न মনোমছিনী ধেশারা বদের অপরাধ দেওয়া ভাখাদিগকে সে:শব্বে সমর্পণ করা হট্যা হত জৌলোকের গ্রেছ অংশরাধীনিগের এক জ জুডাও কার এক জানের পালামা বাহির शास्त्र । त्रित्रस्य व्यवश्य कः तस्त्र सरीय स ক্টেটকে বলিল, আখার যে কিছু সম্পত্তি আ ভাহা যেন আনমার পুরাও পিভাকে দেওয়া इंख खीलाकिमारक रेकनाम व्यक्तिकी व সে এক্ষণে ন্থীনের ভাগনীকে বিবাহ কা छिलाक इहेब्राङ्गि । यदमारमानिनी खाहारख (ভর আপত্তি করে। পুলিষ এবার যেঞ চতুরত। প্রকাশ করিয়াছেন, শীত্র এমত (यात्र माहे (मरकरल क्रुपविद्वेद छन्देशन यह ারদার ন। প:ইতেছেন ভজ দিন কলিকা **পুলিবের যথাপ উর**্ভ হইবে না।

२ दा जानिन दृश्ला उराद ।

উত্তরপশ্চিমাঞ্চের প্রধানতম বিচার এই নিয়ম করিরাছেন, তাঁগানিখেব অ বত আদালত আছে, ভাগার মুন্তরিদ প্রভিন্নি ক্রমা টাকার হিসাব পাঠাইতে ক ঐ সংক ক্রেক্সরের।০সাব খালিবে। মধ্যে প্রধানতম বিচারালয় এই সকল হিসাব ক্রিবেন। স্পরে এই নির্মাকরা উচিত। কাঝীরেব রাকালে নগরে আগানী ব

বনে একটা মেলা করিবার বিজ্ঞাপন দিয়াট ভয় ও কান্দীবৈও এই প্রকাব দেলা হয় রাজা বিটিশ ভারতবর্ধ ও তুর্কিছানের ব দিগকে পুরস্কারদিকেন বলিয়া আহ্লান ক ছেন। রাজা যেমন এইসকল উন্নতির আর্ম্ব করিয়াছেন, তেমনি নিক প্রজাবি প্রতি সদয় দৃষ্টিপাত করিবেন।

खामता बाइमानि इहेगाम, त्रिक्ति व व्यान कामनुष्ठ, कहेन, द्राहेगान जुन, त्र महत्रन, जिल्ल, वालमही, मालन लावनात द्रानीय कथान त्रीनियाम अहे कथा त्राहिन, अहेमकन द्राह्मत (लाटकता त्राविद्यम क हाझात कारी कित्रक लाहित्य हातीता अहेमाज प्रचित्तन कारोता महिल मा करत्रन। कलकः अमकल द्राह्म निव्या केतिया याहेटक्ट व्यवस्थान, हाका, हा मूर्वमिनायान, भाषा, लाह्मा, त्रक्लूत, दक्षा कित्रका कित्रक खास क्लाव्य क्लित्रक क्ला

मार्थ के काहेनिही क्रमायमाक। कक्ष के महिला काम भवर्गाम के विष्णाह नियातन र

া ভাষার শাসন কঠা ষ্ট্লে গৌরব নাই।
বুল ষ্ট্ভে সংবাদ আসিয়াছে, এত দিনের
বাবছল রুমন খা আজিম খার সামাধাপ
থিরব করিয়াছেন। বামিয়েনে উলোর
বিসম আসিয়াছে। সিয়াবআলি
পর্মির সৈনা সংগ্রহ কবিভেছেন। সিয়ার
বিশা যদি আবছল রুগনাকে নীয়ে দমন
তে না পারেন, ভাষা ইলৈ ভাষার
লোভ ছুক্ষুহ্ হটবে।

ত্রা জাগিন শুঞ্বার।

বির্বর জেনরল আজো দেয়াছেন, কলিকাডা টেও নাজাল হইছে যত কুলাভিন ভিন্ন গেবে প্রোরত হইবে ভাষাদ্যের মধ্যে শভ ভাজাতঃ ৪০ জন জীলোক কাকিবে।

কুমার রাজকুমাব র'গু উ'ভার ভজাতি

ভো বৈদনোথের পৌর) জয়গোবিক

রে নামে এই ব'লয়া কলিকাভার পুলিষে
লৈ কবেন যে ঝুলনের দিবস জয়গোবিদদ
র বাটাতে নিমন্ত্রিভ চন দিবস জয়গোবিদদ
র বাটাতে নিমন্ত্রিভ চন দিবস জয়গোপানে
র হইয়া হাছাকে গালী দিয়া বলিয়াছিলেন,
নিরী সম্পতি চইডে দেবসেবা ছয়়, ভাছার
য়য় ভিনি রীভিমত বয়ে না করিয়া সামান্য
অভি জঘন্য খাদ্য য়ব, প্রস্তুত্ত করিয়াছেন।
মাজিরের এই নিমিত্র সম্মানের হানি বলিয়া
ল করিয়া রাজন সাভেবকে বারিষ্টব নিমুক্ত
ন ৷ মাজিরেট নালীল জয়াহ্য করিয়
লিছেন এ সকল বিষয়ের গহে মীমাংসা
ভিটিত এ নিনিত্র জ্ঞাদালভের সাহাব।
ভাতিলয় হাসকের হয় ৷ মালেইট ইথাব
ই কহিয়াতেন দ্বাকর হয় ৷ মালেইট ইথাব

ঃলাজাধিন শনিবার<mark>া</mark>

₹ :

, কিন্তু তথাপি ভাঁচাকে ১৫ দিন ক্লেনে

দ্ভেচয়া:এই ক•মিচারীর নামে অংকাংব

তেশংগর নালীক করা কর্তকরে। এই ওলপুরুষ

विक्थ क्षेट्र कर्व विहास्त्र खात मञ्जू

বুলিক ওপি নয়ন ব্যেন, '' মি**থ্যাক্থা প্রতা** জ্যাচুরি ও হাওচুরির শেষ করিয়া প্র**লাব** ওয়েব ভূতবুর্য এজেন্ট কর্মেল বি, এলাক-বুন একংগুল ওয়ের ক্ষয়'টোর'দ্গের দ্রে মিজিত হইরা ভার লোক সাজিয়া বেড়াইতে। ছেন। এপ্রকার লোককে বিনা মতে ভারত বর্ণ ড্যাগ করিছে দিয়া গ্রেগ্নেক ভাল কাজ করেন নাই।

इंडेट्सिनीरस्ता परः भाइति । य गण्णूर्व काव क्टान थारक ना, काश्व कात अक मुद्देश्व नावसः ति । इ. व्हानामक भभारतत स्य (द्रम्बर्स कर्षः हातीस ५৮ मान स्माप हरा, भभावश्वित वर्गमक हरा भान भूरक काश्राक हाक्सि, विद्यादिन । देखि भूरक अवश्विक कन्नमक्तिय नहेशा (कालव वाहित हिन । बावर अहे नभक्तिक वाहसा भारत कालाव ना स्हेरव, कावर हेखेलानीस नरगत कालाव (तब स्नाका स्हेरांत नवादना नाहे।

ইউরোপীয় সমাচার।

লগুন ১১ ই লেপ্টবর। লগুনের ঠিকাগাড়ো রানের। যে ধর্মাই করিয়াছিল, ভাছা ভ্যাগ করিয়া পুনর্কার ভাড়া লইয়া গাড়ী চালাই ডেছে।

পিটরসবর্গ ইইতে টেলিঞাম আসির।তে, বোখারার আমীরের মৃত্যু হওয়াতে ভাহার পুত্র সিংহাসনে আরোধণ করিয়াতেন।

মাগদালার লাভ নেপিয়র এডিনবরাডে আছেন।

১২ ই সেপ্টবর। রাজনী সুইটজারলও হইডে প্রত্যাগমন করিয়া একণে উইওসর স্থাগ আছেন।

রেবরেও ভগলাম বোধাইরের বিশপের পদ এইণ করিয়াছেন

(त्रव्रत् ६ हि जे मीम ताहेणानत जिन इहेशाह्य विमान (त्रात्माहे विकाणान इहेशाह्य । तिहाज वातारन नारहव कि छे, नि, अ अम, भि, नानान हेत (समद्रम इहेशाह्य ।

ক্ষেত্র কর্মান আলিয়াছে ইটা লীয় গবর্ণমেন্ট ফরালী গবর্ণমেন্টকে রোম হইতে আপনাদিগের দৈনা লইয়া যাইবার অনু রোধ কবেন, কিন্তু ফরালী গবর্ণমেন্ট ভাষ্ট করিতে অসমত ইইয়াছেন।

্যনাপতি গারিবালতি এক পত্র লিখিয়া বলিয়াছেন, শারীরিক দৌর্মল্যেই কেবল ভারার মধাসভার সভ্যের পদভাব্যের একমাত্র কারণা

आर्थितिनाम हुछ द्वबिष्ठ समयम मार्ट्य खाल मात्र भवर्गस्मान्देव निक्रण इंदेर छ कमछ। शाहेश इन जानावामा चिछ विवास छिनि निरंक गाहा विरंक्तमा करतम छम्झ्यारत विवासित भीमार्या कृति छ भा तर्वम ।

> গবণন্ট বিজ্ঞাপন। বঙ্গদেশীর লেপ্টনন্টরবর্ণরের আদেশাসুসারী নিয়োগ।

१ दे (नक्षेत्र) सिम्नीचिक महकाती कवि

त्रमत्त्रन चाराटम माखटक्टरेड कम्खा रवमः---

(ल क्षेत्रा के क्ष्यः, ६, स्ट्रेस काम्ब्रुट्यः। कार्थ्य क्ष्यः, व व बर्द्यः विक्रांतर्थः। र्ज्यः ताकाषाः हेनावस्थाः।

कामास्यत काममन (बर्ज निक महकाती नान्छ (क. बहेगात।

à हे रम्भेबर्त । वाबु बलवाम महिक श्रू मारनत अकर्मक नथनात मूरलक हहेरवन ।

১১ ই সেপ্টারর। ১০, এ, সে, রাউটন স কৈছুলেনের জন্য কামরাপের প্রভিনিধি সুপরিকে তাক হইবেন। ২৬ এ আন গেলেটে জে, পাচ সাহেবকে কামরাপে (কারবার যে বিজ্ঞাপন ১য়, ভাষা এডভারা ১ইল।

১৪ ই সেপ্টবর। বড়বিন বাবু প্রপ্রকার বিদার লইর। অলুপঞ্চিত থাকিবেন, ডড় বাথরগঞ্চেব ডেপুটি মাজিটেট ও ডেপুটি ইর মৌলবী দিলদার হোদেন আহম্মদ বি পিরুচপুর উপবিভাগের ভার পাইবেন।

ক।মরপের অধস্থ জলাবারু কুল্লানন্দ পাধনার প্রথম প্রেশির অধীন ম.জিটে ক্ষতা পাইবেন।

কামরপের সহকারী কমিসনর সেওঁ এম, ও, বইড ১৮৫৯ আদের ১০ আইন অ মক্ষমা কারতে পারিবেন।

নিম্লিখিড ভদ্র পোকের। কৃষ্ণনগরের নিসিপাল কমিসনর হইবেন:--

(बा. এ, इप्राक्त मार्इव।

स्मादन कि. अ. मातम ।

ডাক্সর ভারে, মাকলিয়ড। বাবুরামচক্র মুখে(পাধ্যার।

বা**ৰু মৃত্যুঞ্গ** র'য়।

হশকিক সাংখ্য আরও কুঞ্নগরের বি নিপালিটিব্রুসর্কারী সূতাপতি হইবেন।

२७ अ आगाष्ट्रित (गएण हि १) है जा । य आध्या श्रामाण हत , जाहा शति । विकास । विकास ए उन्ना साहर जाहा । या प्रत्मा । अ, श्रामाण प्रत्मा नाएश्य जाकत कि है । निकास जाते नाहि । या जाते । विकास कि । विकास कर साहि । विकास कर सिंग कर सिंग कर सिंग कर साहि । विकास कर साहि । विकास कर साहि ।

ষ্টানিন বাবু কালীপ্রসর সরকার সর কার্যোপলক্ষে স্থানা সর থাকিবেন, ডভানি বানিনীকুমুল মুখোপাধ্যার পূর্ণিয়া ও কুঞ্চ প্রতিনিধি বিশেষ সব রেক্ষিট্রার ইইবেন।

প্রতিনিধি বিশেষ সব রেক্সিউটার হইবেন। দিনাজপুরের অবস্থ জন্স এস, রাইট । তৃতীয় প্রেণিতে উন্নত হইয়াকেন।

বারু ভূপাত রায় রকপুরের অধস্থ জন্ম হর কিন্তু অন্য কোন আঞ্চল মা ছঙ্গা পর জুঁ ক্ষি তের প্রতিনিধি অধস্থ জন্ম থাকিবেন। राजु मर्रू महिल्ला हेर्सम हिन्दू र द्वालिय व्यक्त विश्रहे शक्रिया । विश्व कि

বারু মহেম্মনাথ বহু চড়র্গ শ্রেজিয় 🕮 🗪 ধয় **इहेरा ४:कात्र व्यक्तिक व्यथक क्रांक रहे**

বাবু কুললানক্ষুখোপাধাবি চতুর্প আর্থার ত্ব জ্বল হইয়া কাৰ্য্যপে থাকিবেন।

নিমূলি বিভ কর্মচারিগণ ফৌজদারি আইনের ধানাপ্রবারে দৈলিয়নে ও প্রধানতম বিচারা ক্ষেপ্ৰ করিবার মকদন্মার প্রথম বিচার ভে পারি**বেনঃ**---

নদীয়ার সহকারী মাজিটেটও কালেইর বি লটমান জনসন স্টেচৰ :

গ্ণেছবের সহকারীমাজিকেটেও কালেটর

এচ, বাউএল সাহৰ ৷ ধীর সুমের সহকারী মাজিকেট ও কালেইর

লিট, বি, পাউয়ার সাহেব। নিমূলিখিত ভদ্র লোকেরা বরিসালের স্থানীয় ্লিকা সভার সভ্য হইবেন:---

ই, ব্রৌণ সাহেব।

মৌলবীদিলনার ছোমেন আন্থেমন বি. এ। সৰ আগিষ্ঠাতি সাৰ্জন নকুড়চজে বনেয়াপা

১৫ हे (मण्डेस्व। यखनित खंबनिष्ठे, क्यन ব বিদায় লইয়া অনুস্পিয়িত থাকিবেন, ডডে अ, लिर्वन मःरङ्व औ्राह्मित श्रीर्डामिति

ब्राइडेह छ कारमञ्जेत इंडेर्डिंग । हे, (स्र. (कार সাহেব যে দিবস লিবেন সাহেবের টে শ্রীংটের সিবল ও সেমিয়ন ককের ভার একণ করিবেন, সেই দিবসাবধি বন সাকেব পুৰ্বেলিজ পদে নিযুক্ত হইবেন।

ণ্ডটিন বাৰুভগ্ৰনিচ্ছৰ বহুবিশায় লইয়া শক্তিত আকিবেন, ডভদিন ব্লিপুরার ভেপুসী ছাকট ও :ওপ্টা কালেইর বাবু :গোলকচন্দ্র নাদ্র নগর উপবিভাগের ভার পাইবেন :

সংকারী পুলিব সুপরিকেটভাকী এ. বেরুয়ার হ্ব (যিনি কিঞোড়ে বিশেষ ক'ৰেঁ, আডেন) । बाहिर्ध वाकिर्वमः २२ ७ अपूनाईर्यस

ভুটে পালানাউয়েটি, জি, চারলস থাকে নিয়োগের যে বিজ্ঞাপন হয়, ভাষা এড । রংইত হইল । চারলস সাহেব ২৪ প্রগ

। অবংস্কাত করিবেন। আব, পচ সংহেব পূর্ণিয়ার প্রতিনিধি আইন্ট

भएकेके छ (स्भूषिकारलकेत रहेरवन ।

আমাদিগের এলাহাবাদস্থ শংবাদ তা লিখিয়াছেনঃ---

शंड ३६ हे व्याशहे अधानकात मछा गर्द गृड ণ হিল সাহেবের ক্ষরণার্থ চিহ্ন স্থাপনের ति अवन्यत्ति समा अके मका स्था। व्यवस्थ মনংক্রন্থ বছদংখ্য **ইউ**রোপীয় ওংদশীয় লো র স্মাগম ংইরাছিল। এখানকার কমিসনর , এইচ, কোট সাহেব সভাপতির আসন वेजंड करतम। होनांत्र विरुख समीत्र लग

क्या शाय १ · क्यांक श्रामात होका चाकत मर्पा हती शुक्रव ও এकी खीलाक मर्पाप कतिब्राट्सर ।

श्रद्भक्ति नार्हरवद्र शरक सम हेश्लिन नारहर, इंश्लिम नाट्डरेंब्ड लंदड अहेड, अम. तिक म'रहन श्राप्ति व व्हेश्रार्थम । क्षेत्र हेश्लिम नारकरवव क्षत्रभृष्ट अनुतृष्टि कक्षत्र, जामता (यम डाहात बात) উপকৃতই হই।

ছোমিওপেথিক ভাক্তর বেরিণী সাহেবের मृङ्कारक, खाँशांत शतिवाद्यत ताश्यार्थ अथान কার হোমিয়পেধিক ভাক্তর জীগুক্ত বাবু প্রিয় नाथ बद्ध है। मान्द्रश्रह कविट उटहर।

এখানে অনার্থ্ডিবশভঃ দিন দিন জব্যাদি ছুর্ম্ম ল रहेट उद्ध हे जिलू दर्श शास्त्र मन २ - हिन, ভাহার ৩ টাকা এবং যে চাউলের মণ ৩ টাকা ছিল, ভাহার মূল্য প্রায় ৪ টাকা হইয়াছে ! এই क्रभ नवश्च प्रदार क्रमणः महाची हिर्देशकरः ভারতভূমির বে কি দশা ঘটবে বলিতে

আন্দুপীচদিবস গত হইল এখানে আহির সুইয়াবন্তির নিকটে একটি পুর্কবিশীতে এক ব্যক্তিক অসমগ্রইয়াপ্রাণভ্যাগ করিয়াছে।

গত কল্য অব্রতা রেলওয়ের এক বাবুর এখান কার মাজিটেট সাছেবের বিচারে এক বং পর পরিপ্রমের সহিত কারাবাদের অনুষতি र्देष्ट्राह् । वायुक्ती अथानकात (धनकात वृक्तिः काक्टिनत अक्टान कन्प्रकाशी किटनन।

্এলাহাবাদ ৮ ইংসপট্যর ১৮৬৮ ৷

আমাদিগের মগরাস্ত সংবাদদাতা লিখিয়াছেনঃ—

মহালয় ! আংশার কি অনিকচিনীয় শতিক ! व्यान्या मा थाकिटन त्कहरे कीवनधात्र कर्त्र एक পারিত না। দেখুর এদেশের কুষকগণ নানারূপ প্রতিবল্ক সঞ্জেও আশা পরিভাগ পারিতেছে না। এখনও কোন কোন স্থানে আশা প্রযুক্ত কুষকেরা ধানের বীজ বপন করিতেছে, অন্য বংসর এমন সময় কেহই বীক্ষবপন করে না।

অন্ত বংসর আহাবণ ও ভাল মাসে এখানে যেরূপ ক্ষানক আহুর ও বিকাব ইইরা অসংখ্য লোক অকালে কালগ্রাসে নিপণ্ডিড **হট্য়া থাকে, এবংসর (সরূপ হয় নাই**; অনেকে অধিক রৃষ্টিশাতকেই উহার কারণ অসু মানকরেন। শুনিভেছি ডেপুটী মাজিটেট জীযুক্ত বাবু ছেমচন্দ্র কর মহাশয় পুনরায় নগরায় আংসিয়া কাছারি করিবেন।

৪ ঠা ১ ই ও ৬ ই দেপ্টেশ্ব মগরার এলেকার। করিছেছে। ক্ষেত্রের তুল প্র শ

and the second s প্রাণ্ড্যাগ করিয়াছে।

মগ্ৰা ১০ সেপ্টেম্বরুসন ১৮১

ধূৰড়ীছ সংবাদাতা লিখিয়াছে

১। কয়েক দিন এখানে অভিন্যু বৃক্তি। আর্ম্ভ কইয়াছে: দিবারাত্র বির্ণিষ্ ঘরেব বাহিঃ হওয়া কঠিন। ইহাতে শলে। ক্ষণ অনিষ্ট ইইবার সম্ভাবনা।

मञ्ज कि अथारन (माटे।ठाकिन मरक हुई मुरना विक्रीक स्टेटक हिन, बृष्टित क्यां धर २॥• क्री**का २**५- क्रीका क्≷ग्र!८छ ।

এখানে একটা মহকুমা সংস্থাপিত হইয় কিন্তু আজিও কাছারিখর প্রভুতিব স্থান পিত না হওয়াতে নিয়মিত কাৰ্যাটি

এই মহকুমার অভিবিক্ত আসিষ্টাণ্ট ক ঐীয়ুক্ত ৰাৰু ডণাভিৱাম বড়য়া রার ব ও এীয়ুক্ত বাবু রাধানোছন গোত্থামী গ য য ঐকান্তিক প্রিশ্রমের সৃহিত সন্ধিচা রণ ও ন্যায়পরতানি ছ'রা প্রজাপুঞ্চের রঞ্জন করিভেছেন। সংখ্ৰতি ঐ⊸ মহাত্ যকে ধুওজীর জলকাদি পরিকার হা এবং ভারাদের অধ্যবসায়ে গত ১৮৬৭ ৯ই সেপ্টেম্বর এখানে একটা বস্ত স্থাত হইরাজে। বিদ্যালয়দীর 🕏 अधित भटक छेशीयन अकाल यह आटा আজি কালি আমা দগের গোয়ালপাস্তৃ। অন্নলাগণের বেভনর্জি লইয়া ধুমধ্য রাছে। সম্প্রতি কালেকটারির ও দের करशक कान गार्ड्स अवर जनत का भिनी ख কির নাজির ভিল আরু সকলেরই ভূতন বেভনবৃদ্ধি হইয়াছে। কিন্তু দুর্ভাগ্য বেচারারা কি অপরাধ করিল?

আমাদিগের গোয়ালিয়রক সং দাতা জিথিয়াছেন।

) , অন্য ভাদ্রমানের শেষ **স্পাছ**, , এক বিশুরু বৃষ্টি হয় নাই, শীক্স (হইবে ভাহারও স্ভাবনা দেখিভেরি এবার এখানে বর্থাকাল পঞ্জিল না। জ্ঞাব প্রথম সপ্তাহে কয়েক বিক্রু রুক্তি ছইয়া -(तत् वर्षाकारलत् निश्रम तका १६सारह. প্রধার কিরণ ক্লিকাভার প্রচণ্ড জীপকে 5 সকলি শুক্ত হুইল ; ঘোটক, উটি, গরু 🖁 5 আবার ঘাস পায় না। গব∜মেকরৈ বর্লদপ্রভৃতিকে স্থানাস্থরে পাঠাইতে তি ইইয়াছে: পুরাতন ঘাস এড জে অনিক বিক্রমু 🖁 হইডেডে : গম ডোলা চাউল উ ও সহজেই মহাধী; 🕫 হাংচাতে এই অন্ নিৰক্ষন প্ৰায় ,ভিংক্ষর মূলেং বিক্ৰয় হইতে য় **হ্ইয়াছে**। ঝান হইতে গ্ৰবাৰ আমসি-'সেখানে অনার্কিনিবজন ময়স্তর হই-'আভাবনা হইয়াড়ে। মঙাশ্যু 'নিকটস্থ কে'ন এামে ক্ষুদ্র ক্ষুদ্র হাকটিছি ও লুঠ চইবার শুনা ঘাইতেছে। অনেক লোক মুরার নতে উপাস্কত হুইতেঙ্গে, এ বাধ বোগ হয় ভবর্ষে সর্বাঞ্জী ভয়ানক সম্বন্ধর ২ইল। ও রুফি চইলে কানেক রঞা চন্ন কিন্তু কৈ লে মেধের চিহ্নাত্রও লক্ষেত হইতেজে স্রীভাগক্রেমে ওলাউঠাপ্রভৃতির পরাক্রম (হয় লা**ই । মুধলমানও হিক্রো**নানা জ্বাসুঠান করিয়া ক্ষাস্ত হইয়াছেন। যদি শের কএক ইঞা জলে এখানে হইড. ব্রু p উপকার হইড। দিলী গেলেটের ও এ **লয় অ**ম্যান্য সংবাদপ্তৌর त्र **मश्वाम भाष्ट्रशरश्व श**्द्र ठडुर्स्मिरकत्

ামহারাজ সিকিয়োপীড়া ইংটে অনে **ग** श्रुक्त इंडेब्रोटइन, अध्येन कृतवारण व्यव⊹ করিভেছেন। এখানকার যে নেটিভ ডাক্ত: फारक छेषर পথ। क्षतान कदिएकरइन कहिरमन, लाममाञ्च रेमरनात डाक्टर বেথ সাংধ্য বিশেষ যাত্রের সহিত চি াক∉ডিড মহারাজেব পীড়ার শীঅং শ∂জ ছে। মহারাজ ডাক্র নাহেকে ছই সহত্র পুরস্কার প্রদান করিষাভেন। চিন্ন পুড়ার **ইউক, বা মধ্যেই হউক, বায়ুপ**্রবর্তনার ্হটতে যাত্রা করিবেন, ভাঁগার অনুপ-कःति भनिष्ठिकन अस्मिन्हे कर्नन माछ-াচেগও এখান মন্ত্রী রাজাকাই; নিকাহ বন। গ্ৰেণ্ড জেনরেল সাহেব স্পীদা **ন**ং । র স্বাস্ত্রেসংবাদ লইভেছেন। শুনিলাম, েতাৰ প্ৰধান পীড়া বছমূত্ৰ মহারা**জে**র iজত অনেকহাকিম ও বৈদ্য আছেন[়] ইংরাজের লভি ই**চ**ার যেরপ বিশাস জাপনার পরিবারে প্রতিও তাদৃশ

(ফির কথা শুলিয়া মনোমধ্যে নানঃ

হা হইতেছে।

পুরাতন ও ভয়াবলিষ্ট ঝুড্রী থাকাতে এই এক কালীন চাদা হইল। জেনারেলপ্র मनत्त्र मर्लात कोवाचार इस, करमक किरमत नारकत्वात को नाम वाक्य कतिमारहन : মণে অনেকগুলি লোক সপাঘাতে মৃত্যুৱাদে পভিত হইয়াছে। সম্প্রতি মুরার চাউনিতে চুই জনকে সূর্ণে দংশন করিয়াছিল, আমরা জানিতে পা:রয়া সংবাদপত্তের লিখিত ব্যবস্থাসুসারে উক্ত প্রইখ্যক্তিকে ডিম্বপ্রমাণ ফট কিরি এক মাস জ্বামিতিত কবিয়া সেবন করাইতে বলি। সৌভাগ্যক্রমে ছটী রোগীরই ভেদ ব্ম रहेशा कारवाका लाज रहेशारह, अवली (वाकी অচেডনপ্রায় কইয়াছিল।

৪। যে বলাংকারের মকজনাটী মাজিটেট আফিসে লগমান ছিল, দোধী ব্যক্তি ভাগতে সংগ্রন্থি মৃতিলাভ করিয়াছে। এই মকক্ষমা সংক্রান্ত সকল সুভাক্ত নানা কারণে লিখিতে নিরস্ত হইলাম।

৫। এত দিন পবে বোদ হয়, মুধার ছাউ-নীতে একটা উত্থ বিদ্যালয় ১ইল। গত ২১ এ ভাম ওবর্ষিয়ার জীগুক্ত বাবু গ্রহনাথ চৌধ্রীর বিশেষ যথে একটা সভা হইয়াছিল। সভায় বিদে ভিয়ার জেনাবেল, পলিটিকেল এছেন্ট, ক্যান্টন (म-डे माध्यर छेडे, शामती त्रविज्ञन नारहद & আই.এডে; প্রায় সমস্ত ধনী মহাজন ও বলিক ও ১।৪ শত লোক উপস্থিত ইইয়াছিলেন। এখানে य এक्षी कुछ विमानश आहर भारती भारहर প্রথমে ভাহার একটা িপোট পাঠ করি লেন। তংপরে যছবারু উদ্ভোষাতে বিদাং মাছাত্ম ও বিদ্যালয়ের উদ্দেশ্যবিষয়ে একটী স্দীয় বক্তৃতা পাঠ করিলেন । বাবু নবীনচন্দ্র চক্রবর্তী মহাশয়ও উর্ফ্ ভাষাতে ভারতবর্ষের পূর্মাতন গৌৰবের বিষয় কিঞ্চিৎ বলিয়া অক্তড়া বালকদিগকে উত্তেজিত করিলেন। তৎপরে ক্ষেনারেল সাহেব উদ্ভাষাতে বিদ্যাদানের ও বিদ্য'লয়স্থাপনের কিঞ্চিৎ ফল ধর্ণন করিলেন। अवस्थि देश्यांकीरक (कारमदन मारहत कहि अवश्यांमाखतकतन, अहे किनी उपाय লন যে, বাঞালিরাই ভারত কর্ষের প্রধান গৌরব কাচত্রোত ক্রছ করিবার জন্য এচারিত য अञ्चल, निमानियरम, धर्मानियरम, ब्राज्यभीति किन्तु ख्वानारक त्य कि व्यवस्था काल स्ट्रेट विषर्ग व क्लिताई (आर्थेज शांश इड्रेटड्डन । जारा अक वात मिथिता क्रवांक इड्रेड এই पृष्टानार नामाना क्षीवाना भाषाच कल्लमः चार्या এখানকার এক छन पुरस्मान **स**र्मी नाकाली जानियात मछ। अभिन कदिया नाना अ (अलाद अब जानाना उद (गर० छाना दित বিষয়ের আংলোচনা ও সাধারণের উল্ভিন্ন নিযুক্ত ছিলেন। লক সাহেব জেলার অ জনঃ অবকাশ সময় অভিবাহিত করিতেছেন। দর্শনার্থ আধিয়া এরূপ ক্ষমভাপর জমীদাং वाला निवाहे विरमय यचनील। এইक्राप वालानी । ध्वनाव कारबाद (भारतस्त्रानारवाद भारन व्यक्ति। मिन्न कामा द्वाराणि कतिया के शिरवभन कतिरल ताथा अरेवर विस्कृत। करिया वार्शक श পলিটিকেল এজেন্ট সাহেব কিঞ্ছিং বলিখেন। পাঠান গকিছ ভিনি কি গছা কাশী বাই । আইজা পুরাতন রাজধানীতে কানেক কিবলেষ চাদা সংএই হইল, অনুস্ন সহত্রমুদ্রা লোক, তংকণাৎ পদ ওঁ,াগ করিলেন। এং

ব্যতীক মাসিক প্রায় ১২৫ টাকা টুটালা য়াছে। গবণ্মেট নিয়মত সাহায্য করি একটী বয়স্থ ল হয়।

৬। এখানে একজন সব্তাসিষ্ঠাট সঞ্জ दांत मञ्जानमा इरेम्न'(इ । कर्यक दिम इर्टन म वावुत উप्परार्थ श्राञ्च ১०० स्मारकत च করিয়া গবর্ণৰ জেনরেলের এজেন্ট কর্ণেল স বের নিকট এক আবেদন করা হইয়াছে। ভিয়ার জেনারেল সংহেব বিশেষরূপে উ সমর্থন করিয়া লিখিয়াছেন। শুনিয়াছি, ই সাংগ্ৰ যাথাতে দর্থান্ত মঞ্জুর হয় এ বি विरम्य मरनारयात्र कतिरवन ।

৭। নবীন বাবু ভিন মাদের অবকাশ ব কলিকাভায় যাইভেছেন। তিনি এই স্থানে মাস আমিয়াভেন। ইহার মধ্যে এখানকার সকল উন্নতির স্থান্তাপাত করিয়াছেন, ই অনুপার্কতে উহার অনুেক ক্ষতি হট ইইার গমনে সকলেই ছঃ থত কইয়ায়ে বোগ হয় ইনি এখান হইতে বদলি হইবার। क्रिंद्रियम । अन्न वाश्रु सम्म विनिद्या (दाध इस अः चात चात्रितम मा। काहा इहेटल अधान বড় অনিষ্ঠ ২ইবে। আমাদের সকলের ট যে তিনি এপানে আরও কিছু দিন থাকেন।

আমাদিগের ছাপরাস্থ সংবাদদা লিখিয়াছেন।

---: • :---

১ : গবর্গমেন্টের অভিপ্রায় ও কার্যাদ অভিনয় বিশ্বয় ও কৌতুহলাক্রান্ত হইতে (এ দিগে এক বিষয়ে এক প্রকার বন্দোবস্ত হইতেছে, ও দিগে আবার ভাহারই ভক **৽ইডেছে। আমলাদের পদোশতি, বেতন** াবান জনীবার নিবুক্ত হটয়াছেন। বিবে করন, এরপ বন্দোবতে কি ইট লাভ । প্রচণ জীত্মকালেই সকল জাজিসের নতে জুল প্রভৃতিরও প্রাভঃকালে কার্য জাবার আফিসগুলির নিয়মের পরিবর্ত-সঙ্গে সঙ্গে কার্যকালেরও পরিবর্ত হট্যা । কিন্তু এখানকার জালের সকল কান্ডই ত ! শ্রীপার্মেন, বর্ষা গোলা, শ্রংকালও

া কৈছে এপৰ্যন্ত প্ৰাতঃকালেই স্থলের

हिं इंटेट छोड़े। इंड्राएक या जान करिएशात नर्का

र रहेट छट्ट, छारा करहे अस्थ ना। 🗼

ात बदम केंद्रा कि अब जीन चा ची के केंद्र

৬। এদেশ ও অনার্কিতে গেল, আর মুক্তি
বার আশা নাই এবং হইলেও কিছুই হইবার
হ, ধান্যের শেষ হইল, কেবল নকার কড
রবে । আমি স্পষ্ট দেখিতেছি, ভয়ানক
ইক্ষ করাল মুখবাদান করিয়া বিহার ও
নান্য অনেক প্রদেশকে একেবারে প্রাস
রতে ধাবমান হইয়াছে: বেহারের অবস্থা
ন উড়িষ্যার ন্যায় না হয়। অ মাদের গবর্ণ

ন উজিষ্যার নায়ে না হয়। জনাদের গবর্ণ
ট এই বেলা সাবধান হউন। বিভনী হকামা
ন আবার না হয়। গত বার ভারতবর্ষীয় গবর্গ
ট বেলাল গবর্গমেটের ক্ষকে দোষারোপ
রয়া পরিক্রাণ পাইয়াছেন। এশার আর রপ হইবার সম্ভাবনা নাই। পুকো এখানে ভেপ চাউল ১ এক টাকায় /াও সের করিয়া এলা হইত, একাণে ১ এক টাকায় / তি সের করিয়া এলা ভার এবং উসনা চাউল ১ এক টাকায়

সের বিক্রের হই উ, একণে টাকায় / ৮ সের

এয়া কঠিন হই তেছে। গম টাকায় / দ সের

ক্রু হই ড, একণে টাকায় / ৯ সের পাওয়া

র না। এই রূপ সকল দ্রবাই অগ্রিমূল্য হইয়া

ঠিয়াছে। আবার নিজ্য নিজ্য বাজারের বেরুপ

তক ভাহাতে ছডিক সন্মুখাগত বোধ হই

হে। কত এব গবর্ণনেন্টের আর নিন্দিন্ত খাকা

র বন্দোবস্ত না করিয়া পরে চাদার দ্রালা

লাপালনের চেষ্টা করা বিফল।

---;•:--

প্রেরিত

মান্যবর জীযুক্ত দোমপ্রকাশসম্পাদক

মহাশয় সমীপেয়ু।

মহাশর : আমরা হ: খিড হইয়া লিখিতেছি, বেসাপাগ্লা ডাগ্ডা হইতে কালীঘাটরাস্তা

नारम (य अकी माथा त्राष्ट्रा विद्र्शक इंड्रेडार्ड, छाइ। छ जानक लाक लमक भाषी क मानक लाक लमना भामन करत, छाइ। काइ। त्राह्मां छ व्यविष्ठ नाई। किछ इक्षीं ग्रांवमकः त्रहे त्राष्ट्रां अक्षण म्यव्या इहें ग्राह्म एवं मित्र याणात्राक कर्ता कर्तिन। त्राले मित्रा वित्रक्त मक्षीं मित्रात्र भाषात्रका इत्र, खित छाइ। व्यविष्ठ मित्रात्र भाषात्रका मक्षीं मित्रात्र भाषात्रका मित्रक विद्र्या यात्र। कर्त्रका मित्रक कर्त्रका करत्र कर्त्रका कर्त्रका मित्रक कर्त्रका कर्त्रका कर्त्रका कर्त्रका कर्त्रका कर्त्रका मित्रक कर्त्रका मित्रक कर्त्रका मित्रक कर्त्रका मित्रका कर्त्रका कर्त्रका मित्रका कर्त्रका कर्त्रका मित्रका कर्त्रका करात्रका करात्र

· ভবদীয় অনুগ্ৰহাকাঞ্জী জ্ৰীজঃ---কালীঘাট

মহালয়! যে প্রাম্প কাগজে নলিল বেজিপ্তরি

হইড, ভাহার পরিবর্ত্ত হইয়া একপ্রকার পূতন্
প্রীম্প হইয়াছে। মহালয়! প্রীম্পের পরিবর্ত

হওয়াডে এখানকার অনেকের ক্ষভি হইয়াছে।

য়াহারা পূডন নিয়নের বিষয় জানিতে না পারিয়
পুর্মের স্তাম্প খরিদ করিয়া দলিল লিখিয়া ২1৪

দিবসের মধ্যে রেজিপ্তরি করিবার মান্য করি
য়াছিলেন, ভাঁহাদের সেদকল দলিল অগ্রাহা হই
য়াছে। ইহাছে অনেক লোকের অনেক টাকা
নপ্ত হইল, অভএব কর্তুপক্ষের কর্ত্তর যেসকল
পুরাতন স্তাম্প লোকে ক্রয় করিয়াছে, ভাহা
৪। ৫ দিনের মধ্যে ক্রিয়াইয়া লইবা লইবন, এইয়প
একটী ঘোষণা করেন এবং নিয়মিত সময়ের
মধ্যে ক্রিয়াইয়া লইয়া টাকা দেন।

গত ১১ই সেপ্টেষ্ট জীরামপুবের 'বেজি ইরি আলালতে ১ইছা প্রকাশ হইয়াছে। পূর্বের কেছই জানিতে পারেন নাই। যদি ৩।৪ সপ্তাহ পূর্বের বিজ্ঞাপন দেওয়া হইত, তালা হইলে কেহই এমন কর্ম করিতেন না।

১২৭৫ সাল : জীরামপুর।

মহাশয় গত ৬ ই ভাদ্রের এডুকেশন গেজেট পাঠে অবগত হইলাম, উক্ত পত্রের সম্পাদক মহাশয় স্থীয় সম্পাদকীয় কার্যভাব পরিভাগে করিয়াছেন। ইংাতে আমাদিগের অভঃকরণে এক কালে হর্ব বিশাদ ও বিস্মায়ের

উপন্ন হইয়াছে। হর্ষের কারণ এই, জিনি কার্যান্ডার অবলয়ন করিয়াছিলেন, পক্ষণ শুনা হইয়া ভাষা সম্পাদন করাই উঁচার ব কর্মা বাস্তবিক জিনি ভাষাই করিয়াছিল যখন ভাষাতে কর্তুপক্ষের অসম্ভোষ জারিয় জখন ভাষা পরিভাগে করাতে ভাষার সং ডেজবিভা ও স্পান্তবা প্রকাশ হইয়াছে।

THE COURSE SHE SHOWING THE CONTRACT OF THE CON

ষে মহাত্মার বাদ এড কেশন গোরে পূর্ম জাকার ও পূর্ম ভাব (এই প্রকার প ভার বলিলেই হয়) পরিবার্ডিত হইয়া (জাশেঘবিধ উন্নতি সাধিত ও পাঠকবর্গের লভা ফলবভী হইয়া জালিভেছিল, ভাহার পদত্যাগ যে অভ্যন্ত ছঃধের ভাহার সন্দেহ নাই।

সম্পাদক মহাশয়। অর্থের ও অ মোহিনী শক্তি। কিন্তু পঢ়ারী বাবু যে ও চিন্তে ভাহার আকর্ষণ অভিক্রম করিলেন, অত্যন্ত বিশ্বায়ের বিষয় (।!!) যাহা উক্ত মহোদয় যে এক জন উন্নত:আ ভাহা উপলক্ষে বিলক্ষণ সপ্রমাণ হইল।

অবদেষে, জীযুক্ত বাবু প্যারীচরণ স্থান্থাদেরের নিকট আমাদিগের প্রার্থনা কর্তুপক্ষেব যে প্রথানি তাঁহার সম্পাদর পরিভ্যাগের কারণ, সেইগানি এবং ভাষার যে উত্তব দিয়াছেন, ভাষার অস্থান্থপ্রকাশ সোমপ্রকাশে প্রকাশ করেন। ভাষা তাঁহার কর্মপরিভাগেগহুলে ট্রেজনভিজের নানাপ্রকার জনরব ভুলিয়াছে, ভাষা অহু হুইবে এবং ঘাঁষারা তাঁহার কর্মজাগের ভাষার তাঁহার কর্মজাগের জনরব ভুলিয়াছে, ভাষা অহু হুইবে এবং ঘাঁষারা তাঁহার কর্মজাগের তাঁহার কর্মজাগের আজিলাবী হুইয়াছেন ভাষা আশা সক্ষ হুইবে।

১৭ ই ভাল) কস্যচিং এছ কেশ ১২৭৫ সাল) গেজেট পাঠকস্য

সম্পাদক মহাশয় ! গত শনিবার করি তাত্ব মহামান্য হাইকোটের সাত জন বিভিন্ন ঐকমতের হিন্দুলাল্রসংক্রান্ত একটা বিভার হইয়া গিয়াছে । খেলাসী, ভবানীপুরনিবাসী কালীনাগ কনিহা পুরবদু ৷ সন ১২৬০ সালে কালীকরিহ পুরের সহিত ভাহার বিবাহ এবং সালের ১০ই অংখিনে ভাহার আমীর পালার ১০ই অংখিনে ভাহার আমীর পালার হয় ৷ ভক্রণাবস্থাতেই বৈধব্যক্ষ হয়য় কেরম্নি ভাহার আমীর স্ভুরে প্রার্থিক ব্যা কেরম্নি ভাহার আমীর স্ভুরে প্রার্থিক ব্যা কেরম্নি ভাহার আমীর স্ভুরে প্রার্থিক ব্যা করিয়া

কল্প ভারার হীনাসস্থাকেডু ভিনি শ্ব**ন্তরের নিকট** ইতে গ্রাসাক্ষাদনাদি পাইবাব প্রার্থনায় নালিশ দ্রেন। জেলায়নকদনাটীর ডিজেণী ইইল, কাশী াথ তাধিক্রন্দে মহাতাম্য হাইকোটে আপীল করি लगा ১৮৬१ व्याप्तत २२।२० मार्फ लै।६ सहय विहा क এক ब इरेश्वा के भक्त क्या करत्व, खरमश्रक्त बरनक वार्वाञ्चवाह इस । ১৮७৮ 🗷 व्यक्त ७५ ७ গ্ৰহি সংযুদ্ধকাৰ কৰিবলৈ সময়ে 🗷 পাঁচ জাৰ বহারপ, তরু মধ্যে অমরেবল টেবর সাহেব বিচা াসন কটকে পুরুষ্ট অপ্তত স্ট্রাভিবেন স স্ত্ৰ'ং অব্বিটু চারি জান বিচারক **অবাপন** টপন ল'ত প্রক'শ কৰেন। জনতরব**ল সর বার্থিস** প্রক জাজে পি মাক্রের্নন একমভাবলয়ী ইয়া ক্ষেত্রমাণ্ড বিক্তে এইরপে নিজ্পতি রিলেন যে, যদিও গ্রুষ পুরুষগুকে প্রভিপালন র্বিতে ধর্মাতঃ বাসা, তথাপি ভাঁহার জীব--শায় ওঁহোর অংশিভ:রু অপ্রাপ্তবয়ক ক্রেণ মূড়া হইলে ডিনি হিন্দুশাস্ত্রসম্মত ব্রেকা সারে বিধ্বাপুত্রবগুকে গ্রাসাঞ্জানন দিতে বাধ্য मनः । शकः ऋरत व्यमस्यदन् छिः, लकः छ अकः, वि. কম্প ট্রেল্সের মতে মত না দিয়া ক্লেন্সালর eছুকুলে এইরূপ নিম্পত্তি করেলেন, যে **হিন্তু** ।ভারসারে পুরুষরু আপন **প্রবেষ নিকট** ইতে প্রাসাক্ষাদন পাইবার অধিকারিণী বটে 🔻 কঞ্পীড়নাদ কে'ন বিশিষ্ট কারণ না থাকিলে পুরুবণুকে ধ্রুরালয়ে বাস করিতে হইবে। এইরপ চারি জন বিচারপতির স্থল্যাংশে মজের परेनकः भवशास्त्र स्कब्धांन माहरकाष्ट्रेनः काल ারটাদের ১৫ যারার বিধানাস্থপারে সাইকো-টর সকল বিচালকের স্থীপে পুন হার আংশীল **हिंद्र**समा औ_{र के} बनदातन अडेंड, कि. (व'न अं, भि, स्थान, कल, का काक्रम, (क्ष. वि, ময়ৰ, এদ. এ নোৰয়, ও জি, মাক্কাসৰ ও সি. প্তের বাট্স এই সাত্রন বিচারপতি ২৯ এ গ্ৰুপ্ত ৰাজ্লা ১৪ ই ভ.৮ বিচারাস্থ্যে উপ্রিষ্ট अञ्चा च्यालीलाः हेत् हिक्दिनात् सामाञ्चलाम उद्यान গ্রহাসকার একবাকে, প্রধান বিচারপণ্ডির তেমত এলেন এবং য'ল লিখিত রায় পরে দৰেন বলিয়া অভিনায় **প্ৰকাশ ক**ৰি**লেন**। কন্তু পদ, অনুধিচাৰপতি দিয়ের অস্ব লিখিত ায় প্রকাশ চর নাই ৷ সম্পাদক মহাশয় ! সাত য়ন ব্যোপতির কৃত এই বিচার ও হিকশাসা ধর এইকুপ ব্রেখ্যটো যে কক্ষুৰ শ'ক্ষুদক্ত হুই 17ছে, ত জানহাশ্য় ও নহাশ্রের সদুশ সূত্র জ শুকু হে ব্যক্তিৰ ট্ৰলিয়েছ পাৰেন ৷ কিছে বিসা **টীধে দেশচার** লোকচাচাত জুল'চার্হিঐ**ছ** हिर्हेशी **इं.क. कथा** (क.स.) वीनाद १ नश्मात्रकार्यः

লিপ্ত শাল্রানভিক্ত ব্যক্তিরা এপর্যন্তে পুত্রবধুকে অব্নাপোষ্য বলিয়া জনে করিতেন ৷ কিছ এছ কালের পর মহামনঃ হাইকোটের বিচারপতি-গণের এই অভিনৰ শান্তব্যাখাধারা উংহাদিগের বহু কালের আন্তি একণে দুরীকৃত হইল। একণ কার ধর্মাবভারেরা এইরপে কছেন যে, স্বস্থার. रेक्पक्षपञ्जनाननम्बा शुद्धवस्यकं अधिशानन ক্রিডে পদ্মতঃ বাধ্য কিন্ত ঐ পুত্রবগুকে গ্রাসাচ্চাদন দিতে অধীকাব কৰিলে পুত্রবৰ্ণ রাজার নিকট নালীল কবিয়া আপন শ্বরের निक्षे इहेएक (य काह: शाहेटक शादतम अज्ञान কোন বিদি বঙ্গদেশএচলিত হিস্তৃপাস্ত্রমণো দৃষ্ট হয়নাঃ জুতরাং রুজ্ব পিডা, মাডা, অনেধি कादिनी भड़ी, भुद्धतम् ও छात्राकामिनरनद কলত্র পুত্র কন্যাদির জীবিকা পাইবার যে ব্যেস্থ: শাজে পাওয়া যায়, ভালা (এরপ মকক-মাতে খাটিতে পাৰে না। এ বিশয়ে তৰ্ক বিতৰ্ক ক্রিতে ইইলে পত্রবাওল্য হয় > আমার এইমাত্র বক্তবংযে অস্মাদ্দেশীয় শাস্ত্রবিৎ পণ্ডিগণ এই অঞ্চতত বিষয়সময়ে সামা জাভিপায় প্রকাশ

১৮৬৮) ক্ষাহিৎ **জিজাসো**:। ১ইনেপ্টেম্বর }

मूला প্রাপ্তি।

রামপুরহাট 🗗 দুক্ত বাবু বছনাথ রায় ১২৭৫ জাগিল ১২জে গাস্কীৰ **万** 香 শ বিনলাচরণ ভটাচীধা ১৮১৮ সেপ্টেম্ব কইন্ডে ৬৯ আগষ্ঠ 70 শাভিপুর " <u>জ</u>ীংবি বায় প্ৰাৰ্থ কাৰিব হটকে ৭৬ ভাষ ১৩ ভা গুরিহাটী শ পেল্রন:থ চৌশ্রী ১২৭৫ আন্নিন হইতে ফাল্কন ৯ মাণ্বচন্দ্র মূখে!পাণ্যায় জেলা বেডিয়া পাথু নিয়াগটো ১২৭৫ আ:শিন হইতে ৭৬ ভার ٠.٥ श्रमनमाथ मुरशासासास कृष्णमध्य ১২৭৫ আ:পন চটতে ফাজন গে:বিদ্দগঞ্চ ণ দারকানাথ (মাধ ১২৭৫ আন্থিন ছইতে অগ্ৰায়ণ ৯ বনমালী গভোগাধণায় সিমুলিয়া **৫॥** » নংহত্রের প্রকার সাঁকারিটোলা ৫॥

» মহিমটের বস্থু ওয়েলিংটনন্টিট ১০

৯ হারানচক্র মুখোপাধ্যায় আলীপুর ৫॥

» বাম্চরুণ বন্দ্যোপাধ্যায় শাসন 🖽

শ্ৰীয়ক্ত আর, ত্রিফিধ সাহেব ্ বারাণসী ১৮৬৮ সেপ্টেম্বর হইতে ৬৯ আগষ্ঠ ১৮

সোমপ্রকাশসংক্রান্ত করেকটা বিশেষ নিয়ম।

অনিম মূল্য ও ডাক্ষাস্থল না পাইলে সং বলে গোমপ্রকাশ প্রেরণ করা যায় না।

ইংর অগ্রিম মূল্য বাবিক ১০ টাকা এই
বাণ্যাসিক ৫॥০ টাফা । মফস্বলৈ ভাকমাস্থ সমেত বার্ষক ১০, বাণ্যাসিক ৭ এবং ক্রৈম সিক ৩৮০। তিন মাসের স্থানে অগ্রিম মূল গ্রহণ করা বায় না। গুণ্ডি, বরাতি চিঠি, মান অভার, নোটা ও স্থান্স টিকিট, ইহার অন্যাৎ বাহাতে বাঁহার স্থাবিধা হয়, ভিনি সেই উপ ধারা মূল্য প্রেরণ কার্বেন।

বাঁহারা স্থাম্পটিনিট পাঠাইবেন, তাঁহা যেন এক অথবা জাধ জানার অধিক মূলে ওরসীদেরটিকিট প্রেরণ না করেন।

যখন যিনি মফখল হইছে সোমপ্রকাণে মূল্য পাঠাইবেন, ভাচা ধেন বেজিস্টার করি জ্রীযুক্ত দারকানাথ বিদ্যাভূষনের নামে পাঠ ইয়া দেন।

যাঁহাদিগের মূল্য দিবার সময় অভীত হই
আসিবে, এক মাসপুর্দের হার্ছিগকে চি
লিখিয়া জানান যাইবে, কাল অভীত হই
গেলেও এক বার চিটি লেখা হইবে, ভাহার গ একমাসকাল প্রভীক্ষা করিয়া কাগজ বন্ধ ক যাইবে। শেষ বারের পত্র বেয়ারিং পাঠ
হইবে।

মাতলা রেলওয়ের সোণাপুর ঔেসনের ভা ঘরে চিঠি আইলে আমরা শীল পাইব।

ধীহারা মাজুল না দিয়া পত্রাদি প্রেরণ ক বেন. ইহিদিখের সেই পত্রাদি এছেণ ক ধাইবে না।

কেই সোমপ্রকাশে বিজ্ঞাপন দিতে ইন করিলে ভাঁহাকে প্রথম ভিন বার প্রতিপংজ্ঞি ন আনা ভাহার পর /১০ আনা দিভে হইবে গিনি অধিক কাল বিজ্ঞাপন দিবার ইচ্ছা করি বেন, ভাঁহার সহিত অভন্ত বন্দোবস্ত হইবে

এক এই পত্র কলিকাতার দক্ষিণ পু মাতলা রেলওয়ের সোণাপুর প্রেসনের দক্ষি চালড়িপোতায় জীয়ুক্ত দারকানাথ বিদ্য ভূষণের বালীতে প্রতি সোমবার প্রাভাকার প্রকাশিত হয় :

मियशका

১ স ভাগ।

89 724111

" प्रवक्तमां प्रक्रतिष्टिताय पार्थिवः सरस्वती श्रुतिमस्ती न सीयतां।"

a বাৰ্যাসিক en সাজে পাঁচ টাকা। ∫

क मृता ১ এक अधिम वाधिक ১० मम 🕽 मन ১২৭৫ । ২৭ आभिन। ১৮৬৮। ১২ हे आछी दत्र

মণস্থলে মাজুলসংমত অভিনয় বার্ষি

বিজ্ঞাপন।

৪তেড়ক খণ্ড৮• পৃঠা মূলং (নগদ) ॥∗ এই পুস্তক প্রথম অব্ধি ছিডীয় স্গপ্র্যুক্ত দ্সংখ্যানাসরাক্ষরে রামা*নুকে*র স্থিকা ও লো অসুবাদের সহিত কাব্যপ্রকাশ বজে ত হইয়া বিভারিত হইতেছে। ইহাতে মাহে-তীৰ্থ ও নাগে জী ভট্টের চীকাও স্থলবিলেষে ভ করা ইইভেছে ও ইরা প্রভিমানে ১০ । वर्षार ৮० भृष्टी कदिया मृजिङ 😻 शहा হইবে । মূলা⊪ আংনা। হাঁহারা আহিক ীজুকু হইডে চাকেন, জাহারা আনার নামে । একাশ যন্ত্রে পত্র লিখিবেন।

जीद्गठाम च्हाडार्य।

---:o:---

বিক্ৰয়াৰ্থ।

গারভেন রীচ্ব্য নং বাদী গুদামস্ছ १३ नश्काका बाबान। উপরি উক্ত বাগান ও বাটী বাঁহারা কর তে অথবা লইডে ইঙ্গা করেন, নিমু স্বাক্ ে ব্যক্তির নিকট জানাইবেন।

> গিলেণ্ডারস্ আরবো-থনট এবং কোং

বিক্রয়ার্থ।

শব্দকর্জন অভিধান। সর রাজা রাধা-স্ত দেব বাহাছুরের কুন্ত। উ<mark>ত্তমকপে গো</mark>ণ; । মুক্তৰ বাঁধাৰ, মূল্য ২৫০ টাকা।

अभागमहस्यादमान्यवात्रीन ।

| পুনঃ | গ্ৰাপ্ত | নোট | I |
|------|---------|-----|---|
|------|---------|-----|---|

নিম্লিখিত অপছত অৰ্ভ ও পূৰ্ণ নোভটল পাওয়া গিয়াছে। নোটের অধিকারিগণকে জানান বাইতেছে, নিমু স্বাক্ষরকারীর নিকট आर्दिनन कदिरवन।

| | সংখ্যা | मृ ल्य | পূৰ্ণ অধবা অৰ্দ্ধ |
|---|------------------------|---------------|-------------------|
| 47 | F440F | 7 | শৰ্ম নোট |
| tt | *\$88# | 4. | 3 |
| ब ६ २ | \$8\$\$ | ٠. | • |
| æ | ۵۰ <i>۹۵</i> | ٠. | * |
| 49 | 8 % 8 4 2 | ٩٠ | |
| ૭ર . | १०६६न | ٦. | * |
| 88 | ve•48 | | 2 |
| 8 & £ | | २• | - |
| 89 | ৯৯৬৬২ | ٠٠ | ৯ _ ডি:#গা~ |
| 2 × | •7 4 4 4 | ₹• | (পট্যাম |
| २२ | .7348 | ٠, | ") ৰোট্স । |
| 8 3 | • • • • • • • | ۶. | * |
| 68 68 68 | € 8¢. | ١. | * |
| 100 | ** 8 ** | ۶. | পূৰ্ |
| 82 | 8४१२ ৯ | ۶. | আৰ্ছ নোট |
| 4. | >4ree | ۶• | X. |
| 83 | b 2 b 23 | ۶٠ | 2 |
| <u>의</u> 8 국 | • ৮২৬৯ | ٠, ٠ | 4 |
| 9 66 | A68+7 | ١. | a |
| 300000000000000000000000000000000000000 | 88488 | 7. | \$ |
| 2 P | 1015b | ١. | * * |
| A | | | |

١.

| 30 | इंक्साय ड इंक्सायड | } | পাই মাইার। | |
|-----------------------|------------------------------|-----------------------|------------|--|
| কলিকাডা পোষ্ট আফিস | |) छव्तिछ, अहेह, महादश | | |
| 42 | reres | ٠,١ | •• | |
| S) | * 31 | 5 | | |
| 0) | 48774 | ۶. | • | |
| 400 | 257.5 | 7. | * | |
| 202 | 947•7 | 7. | | |
| 60 | 942-4 | • | | |

বিবিধ ডাব্যাদি বিজয়ার্থ धाइउ।

ইংরাজী বাঙ্গলা পুস্তক কাগল কলঃ বিধ স্রব্যাদি পাওয়া ধায় এবং পুস্তকা 🖊 এক আনার হিসাবে কমিসন দি। ত টাকার পুস্তক লইলে /১০ আনার চি পাইবেম।

অপূর্ম উপাধ্যান অর্থাৎ সেরুপিয়রকৃত কের মর্মাসুবাদ

জীমল্লাগবড ১ম অব্বধি ১২ কা भम्

জ্রীক্রীহরিক জিবল'স সম্পূর্ণ

শ্রীযদ্রামরদায়ন ছই খতে সম্পূর্ণ

इक्ष्मानिकिकिश्मा अप निक्रतीया भिवाभी कृत कंषीनाथ महितक अगरक পতিভাগ এক গৈল

নিত্যধন্ম 🖫 🦠 ৮: পত্ৰিকা বাংকি কৌতুক বিলাস যাথাতে গোপালভ কৌতুকগুলি সম্পূৰ্ণ আছে

हट्सह९म ३ देळ विनि **6.13**

द्धके द

ৱন্ধতৰ চূড়ামৰি অৰ্থাৎ বৃদ্ধনিৰ্ব্ নীলাখন কাব্য

क्षियोग का का विश्लुल् कोन्स ष्टिमस्यः सर्वत्रक्रकः 114 के भन्न कि भद्द दिन्दन् १५ ५६६ अल्ड **क**ोबर ٥ कर्म वर्षिद्धां भ भाउक ર িল গাইড মাৰ্মেন স'হেৰ কুভ ٠ ډ অংকা উপাথ্যান (सन्। नते। यक्ष ११५ म मात्रक्र उ ৩৸ Mts 海南 া প্ৰভা ট্লাস বাং ৮ খানি ম্যাপ গণেশচক্র 55 ড জ্বদান পুলিবীর মানচিত্র विक्रित्यत महाल अस्तर्भाति स्कृति (*3.4%) নবৰ শোহীলী পার্দীক গ্ৰহাপ্ৰা ار ک মার সম্ভাব সংক্ষাত হইতে পদা অলুবাদ ১ 'রভব্যের ইভিত্যি কেদারন'থ দত্তকুত ১ গোৰিকচন্দ্ৰ নেন ক্ল'ড ₹ ভের্মার্সংগ্রহ িন ইতিহ'স সমূচয় भाभ रमन मार्ट्स्कुछ हुई थश हे। अदिनिष्टे माउँक রত্য**হ**রী प्रमुख्य प्रमुख्य পরিশিষ্ঠ ণাডা জোড়া-ঐীলড'ল্চ⊕ রায় नगम विद्वारता টা ৩৪ লং সঃবিজীচারীয় के विर एकालाना स इक्टबिक सनी है। भूजार ५ वह होता। 'ও্'ট যজের পুস্থকালয়ে পাওয়া গয়ে। লক'তার মানহিত্র মুদ্রিত হইয়া কৈলয়ার্থ হ্যাংছে। (উত্য বাধাই) মূলং ২ টাকা। জীকালীপ্ৰসন্ন দেন ভণ্ড ৷

हेक्ड्रेखिता (तल्खरम् । কারাগোলা খাটে - রে**লভয়ের সর্বাত্র** রভানির নি.মত মাল লওয়া

কলিকাভা নৰ্মাল স্কুল।

⊵দ্ধার।সপ্সাধারণকে জলভেকরা যাই-

কিমার বাকিবে ভখন ঐ কিমারে রেলওয়ের সার্ত্তর রপ্তানির নিমিন্ত সার্ব্যপ্রকার দ্রব্যাদি লইডে इंटेरेजिया दिल दिय कार क्षेत्र कारहर ।

েল ওয়ে মন্ত্রাদি পাঠাইবার ভাড়া অহু-সারে ভাঙা লওরা হইবে। কেবল প্রিমার হইতে সাহেরগঞ্জ ষ্টেবনে লইয়া যাইবার নিসিত্ত বেরাই ধরচা ও ভাড়া প্রতি মণে এক কানার হিসাবে অংগিক লওয়া বাইবেঃ মে ষ্টেসনে দ্রব্যানি রপ্তানি ইইবে সেই ষ্টেসনে সমুদ র দিলেও চলিবে।

इंडेडिस्स खनल्य চাউণ এক্ষেতি ব্যুদ্ (मर्क्टेबन ३४-४५ ।

সিনিল কিংফেন্সন **এজেগি বোড**া

পুরাণ প্রকাশ।

বিষয়ু পুরাণ।

অস্বাদও টীকা সমেত প্রত্যেক খণ্ ৮. পৃষ্ঠা (আমি সুলা) io ।

শিলি প্রত্বাভিলাধী ইইবেন তিনি মৃঞ্জাপুর আমহরষ্টেটি ১৪ ১ নং ভবনে কার্প্রকাশ यद्भ क्षत्रभाव किल्लिकाका मरब्द्र विवसलाहा শ্রীপুর্কে অগ্রেষ্ট্রন ওকাপক্ষারের নামে বড় করের ইচ্ছা অতিম মূল্য পাঠাইবেন। অতিম नः भारेत्व विष्टुल विष्युलुद्रांग भाठीहेवाह নিয়ম নাই ইভি :

-- 30 5---

भूनः जाश लाहे।

যে ব্যক্তি ১৮৬৮ সালের ৮ ই আগই পত্র মলে পাটনার ভাক্ষোগে নিয়লিখিত নোট পাঠাইয়াকেন. তি ন নিয়প্রাকর कांदीत निकडे मार्वेटनव निधिया पार्टाइटन । এ ১০০ টাকার đ٣ ৮8৮%み すき вb **फविनिष्ठे, क्रहेह, म**ारिशायान । কলিকাভার পোষ্টমাষ্টার।

--:-:-

'' শিক্ষক ব্যতিরেকে দলীত শিকা। া শিক্ষক ব্যতিরেকে সম্বীত শিক্ষা ৯ বলিয়া যে বিজ্ঞাপনটা ইভিপুর্ফো সোমপ্রকাশে প্রকাশ হয়, ভাহার স্বাক্ষর স্থলে ' জ্রীমহেন্দ্রনাথ চট্টো পাৰ্যায় শ এই নাম্চী জনব্ধানভাবশভঃ প্ৰকা য, ধ্বন করিলগোলা দ টে পারাপারের বিভ হইয়াছিল। ড!হাডে সনেকে শংহজুনা-

थरक वाउक है। विलिश व्हित करियार इन ह वालविक मरहञ्चनाथ अञ्चर्कती मरहन।

মহামতোপাধ্যয় ব্রদাচার্য্যকৃত বসস্তবি ভাগ নেপালম্ব পাধিত জীগুক্ত ভমক্ররভ কর্তুক সংশোধিত হ্ইয়া দেবনাগরাকরে হ হইয়াছে। মূল্য ॥ - আট আনা। কলিব সংবাদ আহানরভাকর যথ্র নিমতলা ছাট ১২ সংখ্যক ভবন।

জী ভুবনচন্দ্র বসাক

নদিয়ার নদী।

मन १०७० भारतात मार्लहेनत भारत्र ह क्ट्रेटच ১३ वे পर्याष्ट नहीं बाद नहीं क्रा দর্মাণ ডি জনের সাপ্তাতিক রিপোট ।

স ম কম ভ ङ्: ८नद নাম ফুট ই নদীয়া মাধাভালা মহানার উপর পঞ্চানদীতে 80 নীজা মহানায় : 5 ভপা হইতে হাই বোয়ালিয়া

ু ৬

35

120

20

۶¢

ھد

हा । (बाह्या निया हरे एड অ'হুক,দয়। काञ्चर्काभग्ना १९८७ कुकाक

৪৪ মাইল

৩৮ মাইল कुक्षतक इहेट इति नहीं ৩৪ মাইল

પ્ટાળીલથી મને <u>!</u> 5 %

মহানার উপর बीक भशनाय তথ্য হইটে জিয়াগঞ্জ

জিয়াগঞ্চ্ইতে কাটেয়ো

৬০ ম'ইল কাটোয়া হইতে নদীয়া ৪৬ মাইল

अस्त्रजीननीः

নীল মহানায় তথা হইতে করিমপুর ১৯ সাইল कत्रिवशूत रहेएक छित्राकारी ৩৫ মাইল 22 . विद्राक्ति इहेट्ड नहींद्रा

४० माहेस मन ३४-७४ मारमद स्मर्लेख मारमव् ११ ह क्रिएक शक चार्डेन करनत मान। গলহা টের উপর 🕪 तम्भूव हे (नर्रिक्त) जीवृक्त नि हैं, स्टेक्ट कि (नर्रिक्त हैं के जिस्त कि । वहःसभूत स्टिस्सिन।

সোনপ্রকাশ। ২৭ এ আছিন সোমবার ! স্থানীর কর।

অনেক পলীগ্রামে ভাল রাস্তা, ভাল

ক্রিণী ও বিদ্যালয়প্রভৃতি নাই। তৎ ছানে এগুলি করা আবশ্যক। য়ে বিনা এডল্লিকাই সম্ভাবিত নয় । ৰ অৰ্থ কোৰা **হইতে আইদে** ! যে যে ানে দেইও লির আবিশ্যক্তা, দেই দ**ই ছালে কর করিয়া তংশংগ্রহ করা** उंदा। चार्किकालि मधिकार्भ हेर्द्रा मत अपरे म**छ क्**हेशार्**छ। व्य**टनटक अपरे পায়টীকেই মুখ্য ও একান্ত অবলয়নীয় ान कतिराज्यान । किन्द्र आमानिरान्तत বেচনায় এ উপায়ের অধলম্ব কোন মেই শ্রেমকর বলিয়া প্রতীরমান হই-ছে না। এটা যে কেবল অভাচারের ণ হইবে এরপে নয়, এ কার্যটা স্বরূপ: ই অসভ্যাচার। যাহার যে বিষরের মর্ম-হ ও ইচ্ছা নাই, তাহাকে যদি বল-र्वक मिर्रे कार्या श्रविश्व कता यात्र, টি অভ্যাচার নদেহ নাই। কোন মীদার নিজ প্রজাগণের উপকারের দেশে একটী রাস্তাবাবিদ্যালয় করি-

র নিমিত যদি দেই দেই প্রজার নিকট

তে ৰলপূৰ্ব্বক অৰ্থগ্ৰহণ করেন, অভ্যা-

র বলিয়া চতুর্দিক হইতে চীংকার

अंछ इंदेरव मरमह नाहे। अभीवारत

কাজ করিলে আমরা অভ্যাচার

न या बिटर्फ म कहि, शवर्ग्टमण्डे कहिरल

টী যে অভ্যাচার হইবে না, ভাহা

ধন হইতে পারে না।

িউলিখিত বিষয়গুলির বিন্নিষ্ঠ কে नकल प्रांव क्रेटिक कर नाहेबान्न, कल्लामा करा हरेए इ. उज्जन पश्कार्य कार উমার মর্মজ্ঞানকেন; সুত্রাং উর্থারা य हेम्हार्श्वरंक उडिवियात करू कर्णकरू দান করিধেন ভাষা সম্ভাবিত দহে। আমরা উহার অন্যতর কোন কোন कार्र्या है सा कतिवात हिसी कतिहा सिथिशिष्टि, क्रुडकार्या स्ट्रेट्ड शांत्रि नाहे। এতদারা স্পাত প্রতীয়মান হইতেছে, এসকল বিষয়ে দান করিতে আজিও व्यक्षिकार्थ लाटकत्र हेम्हा व्यक्त नाहै। তাহা জাজিলে তাহারাচাঁদার অর্থানে কোনজনে বিমুধ হইত না। ভাহারা অনিচ্ছ যথন এটা স্পান্ত বুকা বাইতেছে, ভখন ভাহাদিপের নিকট হইভে যে কিছু গ্রহণ করা যাউক, দেটী যে অভ্যাচার চইবে, তদ্বিয়ে অন্মতি সংশয় নাই। আমাদিগের মতে ত্রিটিশ গ্রণ্মেটের ममुभ शवर्गस्य कि दाशीत निष्य करना নায় বলপুর্বক উপকার প্রজার গল প্ৰবিষ্ট করিয়া দেওয়া বিধের হয় না। পুর্বকার (य সকল রাজ। বলপুর্বক क्षामित्रतं दोत्रा के मरुन कार्या मन्त्री দিত করিয়াছেন, ভাঁহারা অভ্যাচারকারী বলিয়া নিৰ্দেশিত হইয়া বাকেন।

u प्रत पात अक्ति विश्वता विद्या চনা করা আৰুল্যক ছইভেছে। পদ্মীগ্রামে ভাল রাস্তাপ্রভৃতি না হইলে চলিভেছে না, এ কথা পলী আমবাদী অধিকাং শ লোকে কহিতেছে, কি ঘাঁহারা স্থানীয় করস্থির প্রস্তাব করিতেছেন, ভাঁহারা কহিতেছেন ? মৃতমবিধ করস্ফির প্রস্তা বকারীদিপের দৃষ্ঠিতে যত কট লক্ষিত হইতেছে, যাঁহারা পলীআনমে বান করি তেছেন, ভাঁহায়া তত কট অসুভব করি .তেছেন না। একের অসুমিত কট শান্তির নিমিত অপরকে বাস্তবিক হুচেউ নিপাতিত করিয়া উদ্বেজিত ও অসুথিত। চার করিব মনে করিলে প্রজা **ে**

গবর্ণমে**ন্টে**র ব कता विद्वहक হয়না।

তৰে কি পলীআমের বৈ স चाटह, छाहाई थाकिटर १ जामानि भवर्गरम्के किवियरम डेमानीन या কিরুপে চিত্তসম্ভোগ বিধান করে এ এক ক**থা আহে। ই**হার উত্তরে ব্ **এই, প্রণ্মেন্ট রখ্যানির্মাণ ও বিদ** প্রভৃতির প্রতিষ্ঠাবিষয়ে যে সা मान श्वाली व्यवलयन कतिशार्यन, प কিঞ্ছিৎ ৰাস্ত্ৰাক্সপে ও সক্ষলে প্ৰব ক্রিডে আরড় ক্রিয়া আমের ৫ ব্যক্তিদিগকে ভন্তদ্বিষয়ে উৎসাহ বি আরম্ভ করুন, উদ্দেশানিদ্ধি হই যাবৎ প্রজার। স্বয়ং উৎকুট রাব বিদ্যালয় প্রভৃতির মর্মজ্ঞ না হইতে তাৰৎ পৰণ্নেল্ট যকুবান হইয়াও চিত্রপে অভীউদাধনে দমর্থ হইতে না। কলিকাভায় নানাবিধ টার স্বাহ্রেক্ষার নানাউপায় অবলম্বন **३ देशारक ; क्छि य य य द्यारनत क्या** পরিকার ও পরিচছন্ন থাকা যে কি কারের ও অধ্যের বিষয় ভাষা বুবি না পারে, দেই দেই গ,লর মধ্যে 🗷 করিছে হইলে প্রাণবিয়োগ ও পৃতি ञ्चानभक्ति विलुखकात हरेत्रा यात्र। প্রামেও যে ঐরপ হইবে না, ভা

. --- 302---

কুষ্⊈ণ সৃহিত ভাষুী ব্ৰোক্স :

এমাণ কি ?

यमि क्रूयकमिनीटक स्मभीनाटङ स्थ চারমুক্ত, শিকিত ও সৌভাগাশ দেখিবার ইচ্ছা থাকে, ভূমিতে ভ দিগকে ভালী অভু প্রদান করিয়া এ श्रीका बटम्मावस्त्र कता कर्डवा। समी রের অভাচারনিধাধনের যত উ कता इंडेक, अथन क्षणा ७ समीपारत मस्य व्याट, जाब्द अधीरात व्य ইপরিতাণ পাইতে পারে না: वत्मावस्र े जानातात्वत्र वात দ্যিবার একমাজ উপায়। প্রজাকে শিখাইবার নিমিত্ত স্থিশেষ चात्र छ रहेशारह ; किन्दु यक हिसे। ংউ চ; বাবং ভাহাদিপকে অন্নজ্ঞ াকরানা হইবে, ভাহারা কোন निकांकार्या मत्नारवात्री इहेरव নেই সচ্ছল করিবার উপায় ভাহা-র শহিত চিরস্থায়ী বস্দোবস্ত তাহা,দিগের যেরূপ অবস্থা, ভাহাতে पिरिशत निकात डेनरवाशी ममूनाव রণের যদি সংযোজন করিয়া দেওয়া তথাপি তাহাদিগের শিকাকার্যো াগী হইবার সম্ভাবনা নাই।ভাহারা থের বস্ত্রে নিমিত সভত থাকুল। বস্থায় ভাষ্বা যে ক্ষেত্রের কার্যো का कतिहा विकासिय भाषत कतिर्व, । কোন ক্রমেই সম্ভাবিত নছে।

ার করিবেন ?

এ স্বক্ষার ক্ষকনিগের লিকার্থ
ালর করিলে ভাষা বিজ্যনাস্ত্রপ
ব। ক্ষবকনিগের কোন উপকার
বনা, লাভোর মধ্যে করমং গ্রহের
ধান পজিরা যাইবে; ভাষাতে বে
ন প্রের হউ দ এক প্রের পীজন
ব এই মানা। পীজন করিয়া বে অর্থ
াহীত হইবে, ভাষা কয়েক জন
বুটী ইনস্পেক্টর ও অর্জনিক্ষিত গুরু

। उर्जन ও कीरिकात अर्जन व छ छ

मर्था जीविकार्ज्यत्वद्र क्षश्रामा (क ना

ব এই মাত্র। পাড়ন কার্য়া বে অথ হিছি ইইবে, তাই। কয়েক জন পুটী ইনস্পেটার ও অর্জনিক্তিত গুরু শয়ের উদর্ধাং ইইবে সন্দেহ নাই। উঘদি প্রজাদিগের সহিত চিরস্থারী দাবস্ত করিয়া তাহাদিগকে সক্তল রয়া জুলা যায়, এ অনিটের আলঙ্কা কেনা তথন ভাহার। স্বেচ্ছাঃর্স য়া বিদ্যালয়ে গনন করিবে, ক্রমে হাদিগের বিদ্যালয়াগ ব্রিত ইইবে, নৈ আর স্কেন্বিধ কর গ্রহণ প্রশ্লী

করিবার প্রয়োজন হইবে না; তথন বর্জমান সাহাযাদানপ্রশালীই তাহাদিপের
ইউকলোধায়িনী হইবে। আমরা কেবল
অমুসানের উপরে নির্ভির করিয়া এই
বাকা কহিতেছি না।

বর্তমান সাহায্যদানপ্রণালী হইতেই
ইহার প্রমাণ হইতেছে। দিন দিন লোকে
যত বিদার সর্প্রজ হইতেছেন, ততই
অধিক ব্যাদান স্বীকার করিয়াও আপন
আপন সন্থানদিগকে বিদ্যালয়ে প্রবেশিত করিতেছেন। ১৮৫৪ অব্দে লোকে
যেখানে চারি আনা দিয়া সন্তানকে
পড়াইতে কাতর হইতেন, এখন সেখানে
অনানবদনে এক টাকা দিতেছেন। বদি
এরপ হইল, ক্রকদিগের সহিত স্থায়ী
বন্দোবস্ত করিয়া অগ্রে ভাহাদিগকে
সক্ষল করিয়া তুলাই কর্তব্য।

পাঁচ ছব বংশর কাল জামিক এই
সোমপ্রকাশে এই রন্দোরন্তের প্রস্তাব
হইয়া আদিতেচে; কিন্তু আমরা আজি
কালি দেখিতেছি, আনেকেরই ইহার
আবশাকতা হৃদয়হৃদম হইরাছে। আয়ার
লভের প্রসম্পে ইংলভেও ইহার আন্দো
লন আরম্ভ হইরাছে। যথন অধিকাংশ
লোকে ইহার পক্ষপাতী হইলেন, তথন
এটা যে অবশাকর্ত্য কর্ম, সে বিষয়ে
অণুমাত্র সংশ্র নাই। ইহার প্রতি যে
কেহ কেহ আপত্তি করিতেছেন, তদ্বারাও
প্রমাণ হইতেছে, এটা অগ্রাহ্য বিষয়
নর।

সক্ততি ইহার প্রতি ত্রী আপতি উথাপিত হইয়াছে। প্রথম, এখন বাহ্মালা দেশের জমীদারদিগের সহিত প্রথমেণ্টের যে চিরস্থায়ী বন্দোবস্ত আছে, ভাহাতে জমীদারেরা নির্দিষ্ট পরিমাণে গবর্গমেণ্টকে থাজনা দিয়া থাকেন, লাভ ও ক্তির ভাগী তাঁহারাই হন। যদি প্রজার সহিত স্থায়ী বন্দোবস্ত হয়, আর কোন স্থান ভ্রা হ্রা নদীর

उन्त्रमधान क अवश्व श्वाल्य का वाल्य का विकार स्ट्रेश के व्यव्यक्ति होन क क्ष्यिकार आद्याना इस, काश स्ट्रेस के स्वत्र वाल्य किंद्राल नः गृशेक स्ट्रेस १ विक्रीत, य स्थारन गाँध, बाल ७ शूल शक्कि व स्ट्रेस १

এ আপতির উত্তর এই, আমরা कमिर्गत महिक भागी वरमावरमा क्षमञ्च कडिएक्डि, **स**भीनातनिनदक 🕫 ভাগে করিয়া ভাহা করি নাই। উাং मध्य ऋत्व वाकित्वन । जीव्यक्तिमान ভাগে করিয়া প্রকার সহিত ছায়ী ব वस इदेवात छेलाग्न नाहे। खाहा हो व्यनगात्र व्यक्ताकात । अध्यवस्थित व्य धारिकाचन कता र्वेटन। समी विकाशिष्यातः वस्ट्याच्य स्ट्रा এখন তাহা ফিরিয়া লইতে গেলে মে**ক্টকে ক্ষাত্ৰগ্ৰন্ত হ**ইতেৰ হইবে। এৰ জমীদারের৷ যদি মধ্যস্থলে রহি এখন খাল পুলপ্রভৃতি যে নিয়মে ভেছে, ভথনও দেই নিয়মে চৰি स्मीनादत्रहाई छाहा कतिद्वन। त्यः বাঁধপ্রভৃতি করা আবশ্যক, মগ্রেই তাহা জানিতে পারা যায়; প্রকার : বদ্দোবস্তকালে অসুমানে তাহার ব্যয় ধরিয়া লইলে চলিত্ত পারি আর যেওলি আগন্তক হইবে, ভ ব্যয় সমাধানার্থ প্রজার নিকট । किছू किছू ठाँमा महेटन ठनिट्य। स्व নধীগভগত অথবা বালুকায়াশি পরিপ্রিত হইবে, দে ক্ষতি প্র কেই সহাক্রিতে হইবে। বেমন क्षांत भवर्षभके किञ्चल हो তেমন জন্য স্থানে চর পড়িয়া প ক্টের লাভ হইবে। ক্লডঃ ক্ষডি ও পুरिया बाहरद ; वतर कान कान नाच्हे अधिक इंहेटव । श्रेत्रभवात प

পরিমাণ ও গবর্ণমেকে বের করের

। আছে। যে অমীদারীর যত ভূমি নউ বে, হারাপুদারে কর ভির করিয়া श हरेटक भवाहिक प्रखन्ना कर्किन कर्म বৈনা। প্রজার ইউসাধনার্থ এই পানাত্র কট স্বীকার কর্তব্য।

ভারতবর্ধের ভাবী গবর্ণর (क्रम्ब्रह्म । '

আমাদিপের বর্তমান গ্রণ্র জেনরল क्रम लाइक भएकाश क्रिक लाउ র ভংগদে প্রতিষ্ঠিত হইবেন ছির शांद्र । अमिटक हेश्लटकात्र क वर्षां मकात्रः নক ইংরাজী সমাচারপত্রসম্পাদক নিয়োগে অনস্থোষ প্রকাশ করিছে-ন। এই শুকুতর প্রতিবাদ দর্শন রিয়া আমাদিগের কি প্রকার দিছাস্ত ান্যায়াসুগত হয় ? আমরাকি এক ে অবোগ্র শাসনকর্ত্তার অধীনস্থ হইয়া পদ সাগরে নিমগ্ল ইউতে অথবা এক ন উপযুক্ত শাসনকর্তার শাসনসূ্ধ ্ভৰ করিতে চলিলাম**্** বদি লাড নিঙের দুউান্ত দর্শন করিয়া নিজ্ঞান্ত া যায়, লাভ মের ভারতবর্ষের যোগ্য গনকর্তাবলিয়া প্রতীয়মান হইবেন पर नारे। **এখানকার একধানি ই**ং দী পত্তে এই কথা বলিয়া লাভ মেয়ের ত অসম্যেষ প্রকাশ করা হইয়াছে তিনি পরিশ্রমী লোক বটেন; কিন্তু হার নূতন রাজনীতি উস্তাবন করি-ক্ষমতা নাই; ডাঁহাকে *ভেটা ন*কে রর আজ্ঞাব**হ থাকিয়া কাজ**ে করিতে ব, তিনি স্বাধীনর্ভি হইয়া কেংন দ করিতে পারিবেন না।

একণে ইংলতের সহিত ভারতবর্ষের ধকার সম্প্র টেলিপ্রাফ প্রস্তৃ । স্বারা দৈকটঃ হইয়াছে, ভারুতে ভারতবর্ষের নিমিত স্বাধীনরতি রি জেনরলের প্রয়োজন নাই। ইং चन्न भिन सिन आमाहिर शत ७७। শুর্ভ ভিস্তাশীন হইভেছেন। ভেটনেকে টারি এখন ভন্ন ভন্ন করিয়া ভারভবর্ষের मक्ल विष[ृ] (पश्चिट चात्र क्रिशास्त्र। अ विवर्णात्र वाधीनहास गवर्गत (व्यनत-লের অনুমাত্র আবশাক্তা দেখা বাই (ज्ञा ना । अभरीयत कक्रम, नार्ज (उन হাউদির নাগর স্বাধীনরতি প্রশ্র জেন রল বেন ভারতবর্ষে আর কখন না আই দেন। তিনি ভারতবর্ষের যে হিত করিয়া পিয়াছেন, ভারতবর্ষ আজিও তাহার शका मामलाहेट अभारतन माहे।

লাড মের ভারতবরীয় ও ভারতব-র্বন্থ ইউরোপীয় উভয়ের ভেদ না করিয়া ভুল্যরূপে উভয়ের শাসন ও পালনকার্য্য मण्यसं कतिर्दन, अहे चाणका कतिया हेर সুমাচার পত্রসম্পাদকেরা उँशिक्ट व्यवागा बिला निर्मा कति তেছেন প্লাড ডেলহাউদি বেরূপ করিয়া ছিলেন, যিনি দেইরূপ ভারতবর্ষের अभिके क्रिया हे ला ७ ७ हे बाक बाक श्रुक्षितिशत इक्षेत्राधन कतिएक शादतन, তিনিই দি যোগা ব্যক্তি ?

ইংলভের সহিত দিন দিন ভারতব-র্ষের বেপ্রকার সম্বা হইতেছে, তদ্ভি यम विर्वेचना कतिराम ভाর उदर्श चार স্বতন্ত্র প্রবর্গ জেনরল নিয়োগ আবিশ্যক বলিয়া প্ৰতীয়মান হয় না। বোখাই ও माल्हारक बक बक कन भवर्गत आह्म : বাঙ্গালাদেশ ও উত্তর পশ্চিমাঞ্চলে লেপ্ট নান্ট গৰণ্য উপাধি য়হিত হইয়া এক এক জন প্রবর্গ নিয়েকিত হউন। 🚱 উক্স দেশের দীমার পরিবর্ত ও রুদ্ধি করিয়া অধোধাাপ্রভৃতিকে উহার অস্ত র্গত করা হউক। মুতন গ্রণ্টদিগকে কতকণ্ডলি বিষয়ে স্বাধীনতা প্রদান করা रुकेश डाँशांश अक काल माकार मद्या एक वेटम एक वेदिन निकट वे अक्र कत विषयमकटलत तिर्भार्षे कतिरवन । १४६०

मिर्गित अरू अरू भरनत छेगरत अरू বিষয় দর্শনের ও ওক্লভর,বিষয়ের ব করিয়া সীমাং সা করিবার নিয়ম থ শবর ও কুম্মরক্লপে কার্য্যসম্পাদন मरसम् नाइ।

ভারতবর্ষে স্বতন্ত্র গ্রাহ নিয়োগপ্রথা রহিত চ্ইলে কেবল ব্যয়েশংকেপরপ লাভ হইবে এরং নময় নংকেশ্রুপ আর একটা মহ र्देर्द। এथन क्विटिमटक्वितित वि কোন বিবয় প্রেরণ করিতে ক্ইলে গ জেনরলের হস্ত দিয়া পাঠাইতে ভাহাতে অনেক সময়াতিপাত থাকে।

वञ्जूबवर्जी हेरल 🛪 व्हेरज 🔻 বর্ষের শাসনকার্যা সম্পন্ন ছত্ত্বা বিভ নয়, ধৰি কেছ এক্লপ আ क्रत्रम, जङ्खरत वक्तवा आहे, यपि বিলেও হইতে এই কাৰ্য্য সম্পন্ন ইংলভের সহিত আজি কালি ভার र्खिर रिकार देनको मध्य इहेर তাহাতে ইংলও হইতে শাসন নিৰ্কাছ নাছইবার বিষয় কি ? ' ইংলভের সহিত ভারতবর্ষেয় বহুদ্ ছিল। এক্পকার ন্যায় টেলিপ্রা জাহাজপ্রভাতির গমনাগমনের সু ছिল ना। उथन देः लेख हरेए जान আনাইয়া কোন কার্য্য করিছে হ त्म कार्या धरम इहेशा याहे**छ, कू**प এক জন স্ভন্ত গ্ৰহণীয় জেনরল নিং ও তাঁহাকে সম্ধিক স্বাধীনতাপ্রদ আৰুশাকতা হ্ইয়াছিল। এখন দে দায়ের পরিবর্ত ক্ইয়া গিয়াছে, আর কেন ় এখন পুর্ববিৎ স্বাধী अन्तित क्व (क्वन व्यक्तिक) शवर्गत (कानः राजत यमि (केंग्रेटाराउन्हें অধীনতা না থাকিত, তাছা হ कू वक पिशटक नी लक्टब ब ক্ত (माञ्चितित को जिनन मेखा चारह, मखा कत्रानत माहीयभयता करोें कि प বিধিবদ্ধ হইয়া বাই চ। স্বাধানরান্ত কোনংলেরাই ভারতবর্ষের অর্থ র কারণ। ভাঁহারা অকারণে অথবা ন্য কারণে নান। স্থানে সমরানল লভ করিয়া ভার ভবর্ষকে ধাণকালে ভ করিয়াছেন। কার্লের যুদ্ধ উহার হর উদাহরণ।

डोके माठी होक खबागा कोके मान।

নামর। প্রভাবান্তরে স্থানীর করের बाद कतिलाम। माक्षां मदस्य कत শীয় প্রফানিগের একান্ত বিদিষ্ট। কর্মচারীদিগের কর সং গ্রাহক ষ কেবল যে অভ্যাচারের নিদান হয় নিয়, ভদানে অনেকের সামর্থও क्तित्वाही है। कारक **र आजि आ**मा য় বাকে:র প্রমাণ স্থলে এছণ করি । गाँकाता छित्रमाती छाटकात र भोज निर्मत कविश्वाद्यम, कैल्लिक ভ্ৰমপ্ৰযুক্ত অনেক অধোগা পাত্ৰও । अपनिविधे हेरेलाइ। র সুহের কপাট ও গো মেদপ্রভৃতি মুক্রিয়া টাক্স আদার করিতে হয় ভালার সূক্র অনুসন্ধান হয়, ভাহ। पद्र श्रान **म्हे**र्य, कड लाक पिट इ

প্রতিয়ে আসরা প্রজার অণুমার দেখিতে পাইনা। যে কিছু অর্থ কৈ হয়, প্রায়ই তাল সংগ্রাহক কর্ম ও প্রহ্রীদিনের বেতনে পর্যাপ্ত লাহা কিছু উদ্ভ থাকে, তালারাজ গত হয়: তালার পুনরারতি হয় বেগে ভানে ঢৌকিদানী টাল হই , অগ্র বেথানে হয় নাই, উভয়ের গেও কিথিনার বৈলক্ষণা লক্ষ্তি গেও কিথিনার বৈলক্ষণা লক্ষ্তি গেও ক্রান রক্ষাকার্যতে তুলা সক্ষাদিত ক্ইতেছে। বৃহৎ ক্ষানে ভাবে, দোৰতে পাওয়া যায়, যেখানে চৌকিদারী টাক্স নাই, এরূপ গ্রামে চৌর্যের প্রাহ্ভাব অপেকাক্ত অণ্প।

यथन अभाग इहेल, ह्रांकिसाती है। अ

প্রভৃতি অপরোক্ষ করের প্রতি প্রকার নিতান্ত বিদ্বেষ, তাহাতে অনেকের অনা मर्था এবং विश्वादन क्रिक्तिमात्री होक्क चाटक, আর যেখানে নাই, উভয় থানের অবস্থা সমান, তথন চৌকিদারী টাকা डेर्राहेश (मक्शके कर्खवा। छेश अवाह হৃদয়শূলের ন্যায় হইয়া অনেধক তাহা দিগকে উদ্বেক্তি 👁 অসুখিত করি তেছে। যদি পুলিষ কর্মচারীর। রাজিতে গ্রামে গ্রামে ভ্রমণ করিয়া চৌকিদরে मिश्रा मार्क करतम, कोश्रामि इटेस्स তাহা গোপন না করিয়া তাহা লইয়া ধুম ধাম করা ও চৌকিদারের দও করা হয়, এবং এর প একটা নিয়ম করা হয়, বিনি নিয়মিত রূপে মাদে মাদে চৌকি मारतत रवजन ना प्रित्वन, उँ। इ.हक 🔄 বেতনের ক্রিগুণ না চতুর্ণ নত দিতে হইবে, ভাহা হইলে গ্রামা চৌকীদার चातारे ऋम्मबद्धारण आम भागन रहेर ठ পারে। আমরা দেখিতে পাই, দেখানে অধিকতর কড়াকড় আছে, দে আমের রক্ষাকার্যা পুন্দররূপে সম্পাদিত হই তেছে। এখন সচরাচর দেখিতে পাওয়া নায়, প্রামা লোকদিনের একটা অভুত পুরু গুণ আবিভূতি হইয়াছে। উহার দারাও রক্ষাকার্যেরে স্বিশেব আতুকুল্য **হুইভেছে। পূর্ব্ধে গ্রামের মধ্যে চৌর্য্যাদি** হইলে গ্রামের লোকে পুলিষের উপদ্রব ভয়ে তাহা লোপন করিতেন এখন আর প্রায় দেরপ করেন না, এখন গ্রামের অধিকাংশ লোকে সাহসী হইয়াছেন এবং এসকল বিষয়ষ্ত প্রকাশ হয় ওতই মঙ্গশের বিষয় ইছা বুঝিতে পারিয়াছেন। ফলতঃ যাব্ প্রামস্থ লোকদিগের এই

חפיו שניוא אוש פינו פוניאה א खांत जां निर्मात रख माख मा नहें द তাৰৎ দম্পূৰ্ণরূপে অভীষ্ট সিদ্ধ হয় **শস্তাব্দা নাই। কলিকাতাই ইহার এ** मिथारन পুलिरवत वरमावरस्वत मू नारे, প্রহরী অসংখ্য, ইনস্পেন্টর ও স্পেক্টর জেনেরল প্রভৃতি অবস্থা বিরাজ করিতেছেন, কিন্তু হত্যাদি ভর ছচ্চিত্রার অনুষ্ঠানকালে উহা হইভেছে না, পরেও উহার অনুস হইতেছেনা। অতএব স্থির হইতে চৌকীদারী টাক্স করিয়া অংহরীর সং অধিক ক্রিভে পারিলেই গ্রা স্কররপ রক্ষাহয় না। ভবে চেকি টাক लहेशा ध्यक्तां मिश्र क्यां नार করিবার আবশ্যকতা কি ?

> এনেদীয়দিশের ইংলগুগমনে কি উপকার ইইতেছে ?

वाबू डेटमणहत्स वटमहाशासनाव व फेत रहेशा करतक निम हहेल हेर হইতে কলিকাতার প্রত্যাগমন কা (इन । **प्या**रिहा करश्रक खन हेर्ल्स छ। अरमर्टम कितिश आमिशार्टन। आ পুর্বে আশা করিয়াছিলাম, এদেশী ইংলতে পথ পাতিত করিলে এদে विभिन्ने डेशकात मर्मिद्व । किन्नु क ইহার বৈপরীতা লক্ষিত হইতেয়ে · বিনি লক্ষায় যাইতেছেন, তিনিই র इक्टेंट्ड्ट्रिं। " याहाता देश्लक क् প্রসাগত হইতেছেন, ভাঁহাদিগের এ দেশের কোন বিষয় ভাল লাগিতে न। व्यनाकचा कि, इंहॉनिटशत কাংশ পূর্ব্বপরিণীত পত্নী পরিতা डेब्रुव इडेटल्ड्न। याँ इमिट्नित अर कान विवश्र काल लाशिल ना, उँ। গের হইতে মেশের উপকারপ্রত कननां छ शक्रामां द মরীচিকায়

লে সম্ভেনাই। ঠাকারা বিলাত **उ क्यम जापान्याधिकारी रहे**शंत्र ৰটি শিৰিয়া আদিতেছেন। ৰোয়া ৰ বিশাহপ্ৰভাগত পাৰ্শীৰজী ত্যাগের মকক্ষার বিচারক্রী বলিয়া নে, পারশীর জ্রী পরিভাগে বলি ।৩। গমনের ফাল্ডয়, ভাছ। হ≷লে শীরেরা ধেন তথায় গমন না করেন। রোজারো কছু অধিক বলিতেছি, খাহদি ভাঁহাদি:গর ভাল নালাগে ারা যেন আমার ইংলতে নাযান।

--:0:--

প্রাপ্ত ।

ৰক্ষীয়দিগের দৈহিক অসুন্নতি। বাগু।

(গতপ্রকাশিতের পর)

য়ু অভ জিমু এবং তরল পদার্থ ৷ মৎলো न कलगट्या निमन्न थोटक, व्यामर्डाञ ৰূপ বায়ুসাগৱে নিমগ্ন আছি ৷ নিৰ্ণস त्र श्रष्ट्ठि कोदन इक्टबानस्वाभी कार्या বায়ুবারা সম্পাদিত হয়। ফলতঃ বায়ুই ধোরণের এক মাত্র উপার। বায়ুর বিশু जाता है विनर्ध शहेर ज भारत । हेश विन কোন বিত গ্যাসের সহিত নিব্রিত হয় া ইহার স্বাভাবিক অংশের কিছু তি ঘটে, তাহা হইলে ইহার নির্মালত্ব বিনষ্ট হইরা বার। নির্মাল বায়ু শরীরের বেৰূপ উপকারী, দূষিত ৰায়ু সেই ৰূপ गो हो हे अक्टल नाना <mark>कांद्ररन क ∢रत्नंद्र वाद्य</mark> হৈইয়া আগিতেছে। অন্যান্য দূৰিত মধ্যে মেলিরিরাটি অধুনা এখানে न हेड़। विद्यादह। श्रूकी श्रूकी आखादन ানাম ও কতক দোষোলেখ করা হই-ন। অন্য তাহার সংক্ষেপ বিষরণে প্রবুত্ত ্গেল।ইহা শরীরের পকে মহানিষ্ঠ ইহার গুণ মসুষ্য মাত্রেরই অবগত कर्उवा। त्मनितिष्राणि त्य कि शर्मार्थ, র নিকপণজন্য অনেক রসায়নবিদ্যা **যে পণ্ডিত মেলিরিয়া** প্রধান প্রদেশের 🖠

ৰজ্বারা প্রঃ প্রঃ পরীকা করিয়াছিলেন; কিছ ভাঁহানের সে চেটা সফল হয় নাই। रा उविक देश कानारनंत्र कान देखिलात পে:চর নহে। ইহার উৎপত্তি বিবরে নানা প্রকার মত দেখিতে পাওরা বার। অনেকেই ৰলেন ইহা সভাৰতঃ ভূগৰ্ড হইতে নিঃস্ভ হয় ৷ পরে বায়ুর সহিত নি খ্রা হ ইইরা যায় **उक्त होट हेरा छैलम रहा नीड कविद्या** ইহা জন্মে না। অন্যান্য স্থানাপেকা কেন্দ্ৰ নিকটবর্তী স্থানে ইহার প্রবল প্রান্ত্রিব এরং অনিষ্ঠকারিতাগুণ প্রধান কপে লক্ষিত হয়।কেহ কেহ কহেন, আন্ত্রতা ইহার উৎ পত্তির একটি কারণ। আর্দ্র জলপ্লাবিত প্রদেশগুলির মধ্যে মেলিরিয়ার আধিকা দেখিতে পাওয়া যায় কোন কোন স্থবিজ্ঞ ৰলিয়াছেন বে, কেবলমাত আছুতাও উঞ্ভাতে ইহা কলে না মৃত্তিকা জন, তেজ এবং বায়ু এই চারিটি ভূতই ইহার উংপত্তির হেতু। পরস্ক পচা পাশব ড উদ্ভিক্ষ দ্ৰাহইতেও ইহা উৎপন্ন হয়। বে দেশ অধিক উষ্ণ আর্ডি তথার অসংখ্য পরিমাণে উদ্ভিক্ত দ্রব্য জন্মিরা থাকে এবং সেই স্বাশুলি ব পরিমাণে পচিতে থাকে, মেলিরিরাও সেই পরিমাণে জম্মে জনেক পণ্ডিত বলেন, এমন অনেক দেশ আছে বে তথার পাশব ও উদ্ভিক্ষ দ্রব্য পচিতেছে মা অবচ মেলিরিয়া উৎপন্ন হইয়া থাকে। সেই স্থানের মৃত্তিকার কেমন শোষণশক্তিও গুণ (व देश क्लक्षा विक क्रेटल क्रमनि नमूपम कल শোষণ করিয়া লয়। পরে সূর্য্যকিরণ খরতর হই । ঐ সকল স্থান বত ওছ কডিত থাকে ততই মেলিরিয়া উপিত হয়। ইহা পরল जुः । भनार्थ । मानवरम्हरू भरक विल्यं अभ কারী। দগরস্থ কলুবিত বায়ু বদিও অসংস্থা কর ও রোগমূলক কিন্তু ভাহা মেলিরিয়া নহে. মেলিরিয়া:ত একম্বর পালাম্বর এ ভৃতি মর উৎ পন হর। আর্ডি জলগাবিত ভানবাসীর। নর্মদাই মেলিরিয়াঘটিত অর ভোগ করিয়া থাকেন। ভূগ র নিঃস্ত উক্ত সংহারক বায়ু অবস্থাডেদে মানৰ দেহোগরি নানা কমতা **একাশ করিয়া থাকে। বেখানে ইহা**ুঞ্চুর ায়ুকে রাসায়নিক পদ র্থ ও অমুবীকণ সরিমাণে উংপদ হয়, তথায় ইহার অহিত

কারিতা শুণ আগু লক্ষিত হয়। কোন ব্দর্শবপোতের নাবিকেরা কোন প ভূমিতে অবভরণ করিয়া এক রজনী বাহিত করিয়া োতে প্রত্যাগমনের প্ অরাক্রান্ত হইয়াছিলেন। বথার ইহা পরিমাণে উৎপন্ন হয়, তথায় ইহার অশু বিলম্বে ফ.লিয়া থাকে। উক্ত বায়ু সে সপ্তাহ, পক্ষ, অথবা মানাত্তে, অং অরাক্রান্ত হইয়া গাকেন। ঐ সময়ের পীড়াট শরীরের মধ্যে আছেরিত হয়, কোনপ্রকার উত্তেভক ক রব পাইলেই বর্দ্ধিত হয়। সর্বা সমরে মেলিরিয়ার প্রাছ্ডীব থাকে না। বে সময় স্থান জলমগ্ন থাকে, তথন ইহার তেজের খর্কতাদেখাযায়। পরে ধখন ঐ স্থা শুরুহ্ইতে থাকে, তখন ইহা সংহা পারণ করিয়া চারি দি**গে বিস্তৃত হয়** মহাত্মা বিদপ হিবার আপেন লিখিক এদেশের ভাষণমূভারে তৎ তৎ স্ মেলিডিয়ার প্রাছ্ভীবের বিবরণ লি সময়ে লিখিয়াছেন বে, " আমি নৈছিল ভারসনকে জিজাবা করিলাম মেল উখান সময়ে বানা য়ে করণা পরিতাণি কিনা / তিনি উত্তর করিলেন বানর কি মাত্রেই থা াবিক সংস্থারের বশন্তী এং এল মাদের প্রারম্ভে উক্ত স্থান পরিত্যাগ করে। ব্যাম্মেরা পর্ব্বছে পলায়ন করে। কালমার ও বন্য বরাহ কর্মিত ক্ষেত্রে সমন করিয়া উপজ্ব ডাকবাহক ও দৈনিক প্রুষদিগ অবরণাদিয়া সমনাসমন করিতে হয়। ও সকলে একবাকা ছইয়া বলেন ঐ সম আণিপুনা ভয়ানক স্থানে একটা গ রবও ওনিতে পাওয়া যায় না! বর্ষা মৰ্ব্বদা বাহিবৰ্ষণ হয় 😎 আনাশ মে থাকে। তখন বাজ্পোনাম বন্ধ থাকে ব ঐ অরণ্য দিয়া কণ্ডিৎ কপ নির্বৈত্নে রাভ করা বাইতে পারে। গ্রীত্মকালে ও অবাবহিত পরে অর্থাৎ মে এবং ব মানের শেষে ও দেপ্টেমরের ভারত্ত ঘণ্টিশায় ভাষণাকার ধারণ করে; পল প্রাথিদকল অকটোবর মাসে পুনর । ঐ মাদের শেষে কাঠ্রিয়া ও 🏻 পালকেরা স:বধান ১ইয়া তথায় ন করে নবেশবের অ:র্জ:কর পর মার্চ পর্যা**ন্ত নে**নাগ**ন তাহার ভিতর দিয়** নাগমন করে। স্থানের উফ্তাও্টচ ভেদে নেলিরিয়াঘটিত জরেও ভিন্ন ভিন্ন দার দৃষ্ট হয়। এডটিন ই রে কএকটি ণ্য ভণ আছে, তাগানিয়ে প্রদশিত

১ম।ইহা জলোপরি দিয়া এক স্থান তে অন্য স্থানে গমন কলিতে পারে না। হেয় জল ইহাকে আকর্ষণ করিয়া লয়। ২ য়। ফুধার্ড ও ছর্কাণ বাজিরাইহা াসহজেই আনোস্থন ।

৩। .য নেশে ইহার বিশেষ প্রান্তর্ভাব,

কার লোক অপেকা ভিন্তান বাঠী-কে সহসা ভীষ্ণকপে আক্রমণ করে। ्रिया यथान । अध्यक्तियां श्रीता अर्थाना है थे দেবন করিয়া থাকেন বলিয়া উহা তাঁহা এক প্রকার সহ্য হইয়া গিয়াছে : অভ্যা কেমন মহিনাযে, মেলে,রিয়াটী ভাঁহা বিশেষ অনিষ্ঠ করিছে পারে না। 8 र्थ। मिलि: श्रिधान १ एम्सन्दल ৰ অ.পকার ১ নীতে ভীয়ৰ আকার ধারণ ा औ मकल व्यान्तरभंत स्थमातृष्ट ऋराम य भ ্যাপিত হয়, তাহা হইলে জার হইবার িসভাবনা। ইংরে কারণ হয়ত পূর্ক তেমেবিভিয়া ১কল রজনীতে স্নীভূত স্চিন হুইয়াপাকে; নিযারাতিতে উহা পরিমাণে উৎপন্নয় , অপবা লোকেব েগুণেই কউক, এই বারণ গুলির মধ্যে নোকেনে করিলে করে হয়া থাকে। গ্ৰব্যানের ২৯৬ জন নাবিক কোন ा । त्यांगिति हो श्राप्तभान **अरमरम १ मन क**द्रिस ৰ । তথ্যসৈ ২৮০ চন দিব**ৰেই জাহাজে**।

৫ম : ইহা নিংফ্লিপ্রিয় । বয়ে

াগমন করে। অবশিষ্ট ১৬ জন তথায়

া অভিযাহিত করে বলিয়া জ্যাকান্ত

ভাহারে: মধ্যে ১০ জন মৃত্যু গ্রামে

ভত হয়। কিন্তু যাহার। দিবদে প্রত্যা,গ

রে ভা**হাদের** এক জনও পীড়িত **হর**

অপেকা গুৰুতা প্ৰযুক্ত হউক বা পৃথিবীর আকর্ষণ শক্তির গুণেই হউক, অথবা পুৰি বীর নিকটবর্তী বান্ত্রকণ শাল্পপরিপুরিত হয় ব^{লিম}া ভাহার সহিত মিশ্রিত হয়। বে কোন কারণে হউক ইহা নিম্ন স্থানে থাকে। ष्यानक स्मामित्रशास्त्रक असमिष् रिना দিগের বাসস্থানের তালিকায় দেখিতে পাওরা যায় যে, যেসকল সৈন্য ছুই বা ভিন তালা পুহে বাদ করে ভাহাদের ভপেকা এক তালা গৃহৰাসীরা অধিক পীড়িত হয়।

৬ ঠাইহা বালু আবো সঞালিত হইয়া নিকটবর্ডী স্বাস্থ্যকর স্থানসকলে গমন করিয়া ভাহাদিগকে পীড়াজনক করিয়া তুলে বাদার সন্নিহিত নগরগুলির প্রতি দৃষ্টি করিলে সহঙেই <u>ই</u>পলন্ধি হইতে পারে যে, যথন বাদার দিক হইতে বায়ু আইসে তখন নগরবাসীর। পীড়িত হন । বখন अन्याना निक श्रष्टेट बागु विरुट थेटि তখন নগরগুলি স্বাস্থ্যকর থাকে।

৭ ম। ক্বিজ্ত শাখা প্ৰশাখা বিশিষ্ট রুহৎ রুহং রুক্ষনকল ইহাকে আবর্ষণ করিয়া লয় এবং উহা সেই রুক্ষসমূহে আবিদ্ধ থাকে মুদি কেহ সেই পাদপুমুহুর ভল দিয়া গমমাগমন করে , কিখা হাহাদের তলে নিজা যায় ভাহা হইলে মেলিরিয়া ভাহাকে আ ুমণ করিয়া খাকে। যাহারা মেলিং রাভ উক্ত গুণ বিষয়ে অন.ভিজ্ঞ ভাহারা দে**ই** দেই গাছের তল দিয়া গমনাগমন করে; স্তরাং নীড়িত হয়। গাছওলৈ এক পক্ষে বেমন অধ কায়ক পকাস্তরে েমনি উপকারক।ইহা ত্রে নী ক্ষে বৃক্ষ গুলিকে অভিক্রম করিয়া স্থান: প্তরে যাইতে পারে ন।।

মেলিরিয়াটি কেবলমাত্র অরোৎপাদক নহে, ইহা মাধারণের স্বাস্থ্যনাশক। ডাক্তর ওয়াটসন সাহেব বলিয়াছেন, বেখানে মেলি রিয়া অধিক পরিমাণে জন্মে এবং যথার ইতঃ বছকাল ব্যাপিয়া থাকে। তথাকার লোকের। ম লিন ও পাংশুবর্ণ হর। তাহাদের শ্রীর ভার ও এর হইরা বার। অধিকভ তাহার। ক্ৰায় হুয়া পড়ে এব তাহাদিগের অলবয়ক তনম কনমাদিগের আকার প্রকার দেখিলে বোধ হয় যেন ভাহাদের বয়সেং। জনকর্মাণীর দও হইয়াছে। লারেল বাদ

আ ইকা হইরা**ছে। বে** পরিষাণে ভা শালীরিক বল বীর্যোর ছান হয় সেই মাণে মানসিক বুর্তিশুলিও সিল্ভেক আইলে। পাঠকৰণ একুৰার এই। লোকদিগের প্রাক্ত দৃষ্টিপাত করুন। ত পূর্ব্বোক্ত একার ছদ শাগ্রন্ত হইতেয়ে না, দেখিতে পাইবেন। এখানে দিন যেৰপ মেলিরিয়ার **আছুভাব** হইতে অত্র ্য লোকের বেরূপ নৈহিক অবস্থা আ পিতেছে; বোধ হয় যেন দেশটি 🛽 লয় প্ৰাপ্ত হইৰে। কুষিকাৰ্য্য ও হল এ व्यर्थार क्षम निर्भायन ते जेशांत्र हहेता রিয়া, উৎপ**্রি নিবারণ হইতে** প বাণিজ্যের ও চিয়ন্থায়ী বন্দোংস্তের ক এখানে ক্ষিকার্য্য এক প্রকার হইয়া থ কিন্তু জল প্ৰাণানীগত হি**ল**কণ দোষ ভ क्रम अनामीय वर्गना ममस्य विवश्चि সদ্য বলিতেছি যে, উহার প্রতি দয়াবান বংসল গ্রথমেন্ট ও দেশের লোক মনো হউন, অবশাই খড ফল ফলিবে।

विविध भरताम ।

७ हे अश्चिम क्ष भवात है।

कामी तु ७ ए डि.क त जानसः इहेन् এছিলে রুক্টি মার ধরে না উত্তর পশ্চিমা এখর স্থাবিনাকাণে সকলই দশ্ধ ৩২০ডভে ।

मञ्चा क का नाहार एम श्रदन राष्ट्र। वश्वत वाही नष्टे कहियादह । भवर्गस्य हेन् वामात्र , हे साम (लाक हु ३ व्हें हा दि । अहे र अञ्चित्र **स**प्टन हरे 🏗 । हेश मूख नगीत . उर्व में पूर्व विदेश किया विदेश कि एक दिन हैं इक्स व द मि क्रू मन ९ ६ हेन्न एक ।

ভূজবল সিংহনামক এক জন হজঃপুড় াক্ষাপ্ৰগণার নিক্টছ ব'দল সিংহ নামক बन स्मीनावरक वय क.व्रथाव कार्याः निश्व लेटक भवर्रव है (बन्दनी कर्न्द्रहारहर एवं र ভূজবলকে শুণ্ড করিবেন, ডিনি ৫০০ नगम अकि भेः पृथि निः जत सीरमन मक्दन भारेरवमः उँ'रात मृह्यत्र भन्न উত্তরাধিকার কৈ নিয়নিত কবের তৃতীয় মাত্র দিতে হইবে। রাজপুতনার ঠাকুরদি भागन कहा व्यक्तिमात्र कर्डको । सभा कारण ংর। ইউরোপে বেরপ করিভেন, নরাব আ অংৰাধ্যার ভালুকদারদিগের দ্বারা বে কার্য ভাষা একণে রাজপুতনার হইতেছে। • हे काचिन मलनवात्र।

(वाश्रदेशक दिलाशक विकासक वाक

तम प्रतिष्य अवं साम (तिम्याम कात्रा) निर्कत निकत हरेएक ७३०० हे।स्या स्थ जारात किन वर्षत्र (म्याम रहेत्र (है। अव जानाम इ.क. सन हरताय (क्त्रानी अहे उत्त समाय प्रतिभित्त अल्ला (व्यक्तिक स्वयोग म्या हम (य विह त्रभण्डि अखिन्द्र समास्था

জিম থার সকল সৈন্য শাহাকে পরি করাতে ভিনি প্রায়ন করিছে বাধিত এন। জেলেলাবাদ সিম্নার আলির হস্তগা ছে। আবছল রহমন থা রুশীর সেনাপ নিকটে দুক্ত প্রেরণ করিয়াছেন।

य हेडिति भीय जाभनाक इन्छ स्मय छाक अक जन हैन प्लिडेत विनया भारेडिस भिया हरके ठेक हेबा होका सब, डाहात कहिन स्मित्र मांहड अ'हे माम सब्दाह हहेबाह्य।

৮ই আছিন বুধবার।

স'মবার রাব্রিতে বেচুয়ানামক এক জন

ই কয়েক ব্যক্তিকে এক ছুরিকা ছারা
ভ করিয়া পুড ইইয়াছে। এক হাজির ইইয়াছে। মালাই উরস্তভাব ভাব করি । মানাইয়া আফিনের নেলায় মধ্যে মধ্যে রণ লোকদিগকে ব্যক্তে। জাবাতে এফ রপ্রাক্তিব্য করে। জাবাতে এফ রপ্রাক্তর্য করিব। জাবাতে বিদ্বিদ্বা

১ ই আধিন বৃহস্পাত্রার।

দুও আবাই ওয়া বং । না বাবু প্রসম্কুমার

বি পুর বাবু জ্ঞানেন্দ্র মোহন ঠাকুর পিতার

ত পাইবার নিমিত্ত প্রধানতন্দ্র বিচারালাং ।

বি কবিয়ালেন।

उन्य अंदर्ग कर्तन वर्षमान शक्षा वि स्मिने प्रमुद्ध कात श्रास्त कर्ति । अपि स् नाहे । अकद्य क्वल निरुद्ध नित्र मौक स् स्त्र प्राची कि विक्र : स्मृत् वर्णन (वर्षन अप्राट्ड के क्वल (खेनद लाक्ति) क्षर्यम् स्मिन्द क्रम (माका प्रमुद्ध क्रियम (स्वयान) स्मिन्द क्रम (माका प्रमुद्ध क्रियम (स्वयान) स्मिन्द क्रम (माका प्रमुद्ध क्रियम स्वयान) स्मिन्द क्रम (माका प्रमुद्ध क्रम हर्दि।

ात्र स्पूर्णाक्ष्म भारतः भावतीयपान्तेत्रः स्वित्र विक्र विक्र भारत ५४ ००,३२,७५० व्यक्तः स्वयः हिन्। १२त्र त्र अत्रमास्य ५२,००,८४,७५६,७५५७७ त्र स्पूर्णारेस्त्रत्र (नास्य ५७,००,५५५००३ विक्र । स्वया व्यक्ति क्रियोज कात्रन कि ?

১০ ই আখিন শুক্রবার।
আগষ্ট মাসের শেবে সমুগায় ভারতবর্ষে ১০
০০,৮১০ টাকার নোট প্রচারিত ছিল।
প্রতিভূত্মরূপ নগদ ৬,২৮,৭৬ ৬৪১ টাক:
প্রতিরোপ্য ৫৬,৬১,৭১৮ টাকা, ১৪,৭৪.
টাকার অমুদ্রিত অর্থ এবং ৩,২৫,৬৪,৯৫৬
র গ্রব্যেক্টের কাগল ছিল।

১১ ই আখিন শনিবার।
ত কল্যের গেজেটে সহকারী মাজিটেট পর পরীক্ষার মূচন নিয়মাবলী প্রকাংশত বিচা আমরা আহ্বালিড হইলাম পুর্বা ই করা কর্ত্তনা হ'বে! কিন্তু পরীক্ষক ইউ করা কর্ত্তনা ব'হোৱা আপনারা দেশীয় ङ या काद्यम् मा, स्थार्गक्षिशक्ष भूतीक्ष्य काद्रत्यः काम केट्सम्बद्धे मक्ष्य ब्रह्म्य मा।

১० हे जाचिम त्यास्त्रातः

क्ष सम आगम इहेट निविद्यादिन, यदाता निकाशी इहेद्राटन। किन्न छाशिनिशाद मुख्यान विकाशि इहेद्राटन। किन्न छाशिन के करा इहे-ग्राटन जीशिनक कालिया ना मिल म कर क्या इहेद्द ना। श्रीत ५२००० देमना मगद्धिक इहे ग्राटन। मान्नाटिल साथुक समामित क्या कालिया क्या कालिया श्रीत । मान्नाटिल साथुक समामित क्या हिन्द्रशानी विकाशिता मनावन क्या छिन्छ। कहे इल्लामा नगरक मान्नाद्धक क्या क्या छिन्छ। वर्ष्ट स्ट इल्लामा

বাজক্ষার নেওন মেওয়া কলিকাতার উপনীত ইংছেন।

ए छित्र तक्षप्रक्रि वाह्याप्रक्रि करेंग निर्मारी
रिक्टिया छेत व्यागिष्टी के नार्कन देवेग हिन।
देवल इरेट श्राह्या प्रमान व्यविद्य क्षित्र व्यापन
बीटक छाण कराएड भारती विवादत व्यारेन
हमूना देन नम्प्रक्रि डाँहात हों डाँहात नहवात्मत
निर्माण नार्कित हां हां हों डाँहात नहवात्मत
निर्माण नार्कित करान । छाछ्यत करे व्यापछि
करवन, श्रवण छिन श्राह्य विह्या तहत्व हां हिन विद्या विद्या हों।
वाहिस विद्या हो असन सूच व डाँहात नहवात्मत
हैं हां तु भारत कर्षक्र हहा। श्रवण व्यापछि छाकात
हैं हां तु भारत कर्षक्र हहा। श्रवण व्यापछि छाकात
विद्या व्यापछि छेललाक्ष विद्या हिन, यह दिवा
हिन्छा हो छान है स्वारक्ष व्याप्त करा हत्

38 हे कादिन रमनवात ।

२३ ० (मर्ल्डेस्स मिमलाएक क्रम निव्यवस्थित व्हेस्स । म्हार्ट्स म्हार्ट्स मिल्डिस व्हेस्स । म्हार्ट्स मिल्डिस व्हेस्स व्हेस व्ह

বেরারে রুক্তি ছ্ওয়াতে শ্রের পাক্ষে করক সুবা হইয়াছে। পঞ্চাবেও কতক রুক্তি হই মুছে। কিন্তু হিলার বিভাগেলী কনার্কিতে উৎ সম্মাইন। বিশ্বর লোকে গৃহ ভাগে করিয়া গুলুরাটের দিকে পলায়ন করিভেছে। ময়নানে ভূল নাই; এক বড়া জল হই আনায় বিঞ্জীত হইভেছে।

कावृत्त हरेए । तरवाम व्यक्तिशाह, नियात कालि वे। ७ उँ श्रेत गर्नात्रभन खिष्टिन भवन्य क्षित्र महिल मर्ट्य एए भा कर्तिवात श्रीनम कृष्टि हाएक । व्यभित क्षेत्र भवन्य प्रवर्गत विल्लाहरून, ब्राह्म । व्यभित क्षेत्र कार्यात्र विल्लाहरून, ब्राह्म भावन्य क्षेत्र कार्यात्र विल्लाहरून मरत्र महत्य करत्न ना । केंश्या व्यक्ति विल्लाहरून क्षेत्र व्यक्ति मिश्र व्यक्तिय व्यक्ति मिश्रात व्यक्ति व्यक्ति विल्लाहरून व्यक्ति क्षेत्र क्षाना व्यक्ति ।

३६ **हे का**चिम दूपवातः।

(अनिकिम व्यवश्य इर्श्याहर, खात्रक्यों इ भवर्गम हे व्याद्धा निवादश्य, ज्यानः केन्द्र महि यहिं यावशिव व्याधानएक श्राप्तनीय खाना श्रद भिक्त क्या रहेद्य। इति वृद्धित काशा

उक्त भव खन्न कः त्रशाद्यम्, ष्टेष्टिम् ख्याः बाकाञ्चमात्र श्रीक श्रीमाद्यकात्व अञ्चल अक खालिका बाकित्व त्य, शक्तिमार्केत कर्म गर्ने काथाय कड कृषि আद्य खन्द्रशाद्यकान इसाव थाकित्व। विद्युष्ट कर्म्यवादिकान इस्त आलन बालन श्रीमाद्यकात्व कृषि एक शादित्वन ना।

১৬ ই আছিন রুংশতিবার।
গবর্ণর জেন:লের অপুনোধাপুলারে ও
কেটারি বঙ্গদেশ, বোষাই ও মাস্র্রোকে জী
বিদ্যালয় স্থাপন করিবার কারণ পাঁচ বং
নিমিন্ত ১২০০ করিয়া টাকা ব্যয় কা
আঞা দিয়াতেন।

১৭ ই আছিন শুক্রবার। স্থেত্ত অব ইণ্ডিয়াতে টোনসেও সাংহ্র রাচেন, সর জন লয়েন্দকে লাভ উপাধি (ংইবে।

১৮ ই আন্ধিন শনিবার।
সীতানা হইতে বিস্তঃ ওহাবি নিটিশ:
পলায়ন করিয়া আসিতেছে। সোয়াতের ঘ ও অধ্যেনবাব ভাহাদিগকে বিন্ত করিতে উহাবা ছিল।ভঙ্গ ক্টলে সীমায় শান্তি। মান হইবে সম্পেহ নাই।

২০ এ অ'বিন সোমবার।
আমির সিয়ার অ'লী বাঁ ভারত
দূতকৈ বলিয়াকেন, তিনি ব্রিটিশ গবর্গ
যাইত বন্ধুত্ব করিতে অনিচ্ছ নহেন। শুন ডেছে, গবর্ধ জেনরল নাকি আহ্লাদসং এই প্রস্তাধ প্রাস্থ্য করেয়াছেন।

আঞ্জিতির অনার্কীনিবখন ত্রপর্যন্ত চইয়াছে। মাড়েয়োঃ চইতে বিস্তঃ লোক স্বাবে পলায়ন করিছেছে:

२) এ काश्वित प्रकृतवातः।

२२ अ क' इम दूपवाद ।

এরপ জনজাতি, হাইদরাবাদের বি ভারতবর্ষীয় গ্রেপ্টেব যে টাকা ধারি কাল শোধ দিয়া বেরার প্রতাপণ করিবা গোধ করিয়াছেন।

২০ আশ্বিন রুংক্প,ডিবার।

ভারত বর্ণীয় সেনাগন উত্তর পাশ্চম পার হইয়া বন্য দগকে আক্রমণ করিয়া প্র করিয়াছে। বন্যগণ এক্ষণে সন্ধ্রিয়ার্থন তেছে।

২৪ এ আধিন শুক্রবার।

ক্তেমৰ ইতিয়া অনুমান করেন, ভ বৰ্ষে কলিকাভার পরঃপ্রণানী সম্পূর্ণ হই: ৩০ এ সেপ্টেম্বর পর্যান্ত কলকাভায় ৭ कि পঞ্জিয়। इहा शब हो पर वरन द्व ७५-६५ । सम्बद्धा हिला।

२४ अ व्यक्ति मनियाद

রাজ্ঞাদেবনারায়ণ সিংহ, কথুরতলার ও চোল পুরের রাজগণ এবং উত্তর পশ্চি লর অনেক ভদ্র লোক একতা হইয়া টাকা করিয়া ভত্রভা প্রধানতম বিচারালয়েব র্কি বিচারপতি এড্ওয়াড্স সাহেবকে ার্ষ চিক্ল সরূপ ৮০০০ হাজার প্রদান করি ন। নগদ টাবার অপেকা বিচারপতির বিসাধারণের হিতকর কোন কাজ কাংলে হইত।

--:0:--

ইউরোপীয় সমাচার।

তেন ১৬ ই সেপ্টেয়র। ২৪ এ নবেছর জুম্হাসক। ক্ষিতে থাকিবে।

মাবিদে:নয়ার দেনাদলের আর্ক্সেড বেলুচি মেণ্টের ষেজ্ঞার বেবিল কম্পানিয়ন হব দে উপাধি পাইয়াছেন।

পিরুও ইকুরেডরের ভূমিকদ্পের প্রকৃত দেটেলির ফেক্টোরয়াছে।

প্রশীয়ার রাজা সম্প্রতি এক বজুতা কবিয়া।
।তেন, ইউরোপীয় লাজিতপের কোন

কানাই। তিনি আরও বলিয়াতেন, লাতি
যে ইইবে ভাষার আবে এক লক্ষণ এই

য় দৈন্য ও নাবিক্যাণ স্থাত্ত্ব রহিয়াতে ।
ত হইলে ভাষার বৃদ্ধ ক.ইতে পরাধ্যুত্ব
না। প্রতিনিধি মনোনীত কারবার ক্ষমত
করবার নিমিন্ত খেসকল বারিষ্টর মন্সলে
তেন, ভাষারা জীলোকনিগকে এ ক্ষমত।
ক্ষমত ইয়াত্বেন। এই সিন্তান্তের বিরুধে
লৈ কারবার অনুমতি দেওয়া হইয়াতে
লার প্রাত্ত কানের টাইমসের এক প্রতানে
লার প্রাত্ত কার্যার ভাষার বিরুধে
লার প্রাত্ত কার্যার ভাষার হিয়াতে।

ই সেপ্টেম্বর। মাগদালার লাভ নেপিয়রবৈ বিবাবাসীদিপের স্বস্থাও সাবীন তা দেওয়া ছে । ইনা এইন কবিবার সময়ে ভিনি বলি ন এটা উচ্চার নিজের ও সহযোগী যোজা র সংগান চয়ের স্কলে এইন করিলেন । ইচারে । ডিন স্কলিগকৈ প্রশংসা করিয়া লন, ধর্মাবারন স্বয়াভে ভাষারা এড গিলোলী ইইয়া থাকেন।

क कर्ता गुराहा समय व ह स्वयाद स्याद स्वयाद स्वयाद

ে প্রেনরকা কইয়' এন। অদ্যকার প্রাতঃ ে ইমর্শের এক প্রকারে পুনর্কার আক্ষেপ ংইয়ার্ম্ম প্রাণিকার ক্রিয়ার যোগানেক

श्रीकात प्रशास्त्र नाहे। कारधन

হালাম, ফ্লেট, ওহল এবং মেজর স্থানলিল ডের নাম কবা হইয়াছে:

ইটালীর গবর্ণমেক করাশী গবর্ণমেককৈরোম হইতে গৈন্য প্রভ্যানয়ন করিবার অসু রাব করিয়াকেন বালয়া বে জনবর হয়, ভাহা কর্ত্ত পক্ষ বলীক বলিয়াছেন।

ডুকিছানে দংগ্যাকারী রশীর সৈন্য প্রেডিড হুটবে। সেনাপতি কফমান সেকী পিটরস্বর্গো নাইবার কলনা আপাতভঃ ভ্যাগা করিয়াছেন।

ওরিএটল ব্যাক্ষের অধ্যক্ষণ শত করা ১২ট কালাভ দেয়াছেন। নাশনাল ব্যাক্ষের এশ,কগণ শতক্যা ৬ টাকা ও এক ট্যকা পুরকার দিয়াছেন।

১৯ এ সেপ্টেরে। কর্পেল উইল্যন পাটেন আরল মেয়ের পরিবর্তে আয়ারলত্তের প্রধান নেভেটার চইয়াছেন।

গত কল্য স্থাট নেপ লয়নের সহিত স্পেনের রাজ্ঞী ইসাবেলার সাঞ্চাৎ ক্রচাছে।

२५ अ (मर्ल्डेर । त्मार्मित वर्षमाम ताम्यर लिव विभाक इर्गा कालिएखन देममाना छ त्मल्डिर माधिकलेन विद्धारी इर्गाएक । इर्गा देममानमञ्ज विद्धारी इर्गाएक । मार्टी-लिन क्लिक विद्धारे मानान क्षणका कर्दर क्रमा क्लिक विद्धारे मानान क्षणका कर्दर क्रमा क्लिक (मनान क्षणका क्रमा क्रमा क्रमा क्रमा क्षणका मास् रिक माखि कार्य मानान क्षणका माम् निकारन भवेरमहिन माना विज्ञासिक मार्थिमणित माला क्षणका मानानी कर्मा हा

আরার গণ্ডের ধর্মসম্প্রান্ত কমি
সনেব রিপোট প্রকাশত হইয়াতে। কমিসঃ
কালেল, কিলাকো, কিলমোর ও মিথের বিশ্
পের পদ উঠাইরা অন্য অন্য বিশপের এলাকার
বন্ধারের করেতে বলিয়াছেন। ওবলিমের আর্থি
বন্ধারে পদ ও আইটা ব্যতীত আর সকর
ভানের পদ উঠাইরা দিবার প্রস্তাব হইয়াছে
বেখানে প্রোটেষ্টান্টদিগের সংখ্যা ৪০ জনের
কম সেখানে ধর্মবাজক রাখিবার আবশ্যক্ষা
নাই, এই প্রস্তাব করা হইরাছে। সেন্ট্রিনিস
বর্গ হইতে সংবাদ আসিয়াছে, আগামী। অই
বর মানে রশীয়ার সহিত বোধারার মুদ্ধ আরছ
হইবে।

২২ এ সেপ্টেম্বর। স্পেন হইতে শেষে ফে টেলিব্রান আসিয়াছে ওজারা জানা ঘাইতেছে বিদ্রোহীরা সেববিলড ওজান্তা লুসিয়ার সমুদ্য অংশ অধকার করিয়াছে। সেনাপতি প্রিস মাডরিও আক্রমণার্থ অগ্রসর হইতেছেন। মন্তি গণ পদত্যাগ করিয়াছেন। সিনোর কঞা কৌলি লের সভাপতি ও প্রধান সেনাগতি হইরাছেন।

প্রশিরার রাজা সম্প্রতি আব এক শান্তি পুচক বজাত। করিয়াছেন। তাঁথার পূর্বাকার বজাতার ভিরার্থ কেন করা ইইয়াছে তালা তিনি বুর্বিতে পারেন না। ফ্রান্সে মোসিলিতে গ্রাহেণ্টর পক্ষের লোক প্রতিনিধি মনোনীত হইয়াছে।

২১ এ সেপ্টধরের এক টেলিএ!ম নিউইর্ক হইতে আসির'ছে। ইয়াতে আনা ব'ইডেছে, ঐ

্লিবস মহাসভা বসিয়া অক্টোবর পর্যন্ত গ ইউয়াজে।

২০ এ সেপটার। স্পেন ইইডে পের যে প্রাম আনিয়াছে ভাষতে আনা যাইচেবিলেই ক্রমণঃ বাজিয়া উঠিতেছে। ভূত ম দ্বাসে প্রায়ন কাবিরাছেন। ভাপাততঃ করিবার নিমিন্ত প্রতিনানাব্যমণ বয়েক নিযুক্ত ইইরাছেন। বোজী ইনেবেলা সান বিনি আছেন।

এরপ জনজাতি করালী গ্রথমেন্ট ১০ । বৈন,কে আপন আপন গৃছে বাইবার জর দিবার মানস করয়াছেন।

क'ए श्रेम (क्षेष्ठ भर ए इंग कराए श्रेष्ठ त त्तर्हर प्राप्त (श्रम, भर त्वाहे मन्त्रभाति प् वर्धीय (कोशित्वत्र म ड) इहेब्राएइन । भार्कन भूरणन ७ जन व्यादि भनियात युष्ट वि बानग्रा डाँहानिभाक देक भन (मञ्जूष) ब्हेब्र

शत करनात अक हिन्दाम निष्ठे हे हुक । वानिहार है। देशरण काना शहर कर का श्राम कर्मानक माणा इहें. १ ७० वन कार्य इहेंद्राह ।

এবার মিদরে ৪ লক্ষ বতা তুলা হই ক্র হইয়াছে।

২৪ এ সেপ্টরর। লিডসের লোকে অভিনক্ষন পত্র প্রদান করিয়াছেন ভাহার স্তরদানের সময়ে রেবাডি জনসন সাহেব রাছেন, আমেরিকা ও ইংলও উভয়ের খা ডেন নাই।

শেন হইটে শেষ যে টেলিগ্রাম আসিং
চাহ'তে বিল্লোহের পরস্পা বিরোধী স
ধা বল্পাহে। কিন্তু বিল্লোহীরা পাই জর
করিতেছে। ভাগারা বোরবগ্রোজবংশকে
ফুড করিয়া জাভিসাধারণ প্রভিনিধি
হাপন করিবার কথা ক হর্ছে। রাজী
বলা সান্ধিবা টিনে আছেন।

২৫ এ দেকটার। চারলস মিস্স্স বারণেট হটয়াছেন।

শ্রেন ইইডে বের যে টে লিব্রাম আসি
ভাছাতে আনা যাইডেছে, রিজোহীরা বৃদ্ধ ও
লি অংবকৃত করিয়াছে। তাহারা ব
আন্তানুসিয়া, একি মাজুরা, করনা গালি
ও সাল্টান্ডার প্রদেশপর্কাল অধিকার করিয়া
ভাহাদিগের প্রধান দল সেববিলে আছে,
দিগকে দমন করিবার নিমিক্ত সৈন্য
তেছে।

ঃ৮ এ সেপ্টবর। স্পেন হইতে শেষ বে রাম আসিয়াছে ভাগতে লানা বাইভেছে বার নিকটে সেনাপতি লবলিকসের ও সাং সহিত দীপ্র বৃদ্ধ হইবে। সেনাপতি নবারি সেনাদলের অগ্রভাগ লইয়া সরাভেষ মিলিভ হইরাছেন। সেনাপতি প্রিম তিন ফাইগেট সইয়া কার্থেজিনা আক্রমণ কা ছেন। ডক্রভ্য শাসনকর্মা আক্রমণ কা কাম্মুভ হইরাভেন। বৃদ্ধ দীপ্রই ইইবে। ব লিভ এবং পুরাভন ও 'প্রভন কান্টিলের কাংশ লোকে বিলোহী হইরাছে। স্পীয় প্রদেশ রাজার সংহত সাক্ষাৎ করিতে গমন। করিয়াতেন।

ত ও এ অক্টোবর মাগদালার লাভ নেশিরর বোষাইরে প্রভাগমন করিবেন। মাভাম রাচে শের দোষ সপ্রমাণ হওরাতে ভাষার পাঁচ বংসর শেরাদের আজ্ঞা হইয়াছে।

২৯ এ সেপ্টেম্বর। স্পেন ইইডে শেষ বে সংবাদ আসিয়াছে ভাষাতে প্রকাশ ইইয়াছে, কার্থেজিনা ৪ প্রাদেশ্য নগবের লোকেরা বিদ্রোহা ইইয়াছে। রাজকীয় সৈন্যগণ উক্ত স্থান ভাগে কবিয়াছে। বিদ্রোহীদল এক শোষণাধারা আপনাদিগের সম্ভব্য প্রকাশ করিয়াছে। ভাষাবা সকলকে প্রভিনিধি মনে নীভ করিবার ক্ষমতা, মুদ্রাষ্ট্রের সাধীনভা দিবার অভিলাধী ইইয়াছে। বর্জমান রাজবংশকে দুব করিয়া দেওয়া ভাষাবিগের অভিপ্রেভ।

গবণ্দেণ্ট বিজ্ঞাপন। বঙ্গদেশীয় লেপ্টনন্টগ্ৰন্ত্ৰের আদেশাঙ্গদারী নিয়োগ।

১৬ ই সেপ্টেখ?—যত দিন ভবলিউ, ওয়ে । বেল সাহেব বিদায় লইয়। অনুপস্থিত আকি-বেন ডত দিন ই। এস, মোমাল সাহেব বঙ্গাতে। জিতীয় শ্রেণিব প্রাত নাম মাজেক্টেট ও কালে উর কইবেন।

ভার, সি. হামিলটন সাহেধ (িন সম্প্রতি । চাকাবিভাগে দেপুটী মাজিটেট ও দেপুট। কাবেটর চইয়াছেন) ২৯ এ আগষ্ট বাধরগঞ্জ কায়ভোর এচন কবিয়াছেন।

িনমুলি ধ্র মুশেকেলণ **এখন** ভোণিত হট্<u>যা</u> নঃ----

ৰাৰু জয়গোণাল সেন, পাহাৰ'দের জ্ঞানত বৰ্ষসায়।

n देशक्षवहत्रन मात्र ह 'कार्फ !

🌣 ७ इस्थानात (त्रम, द्रवाशुद्ध ।

মোলবী প্রলহোবেন চট্টপ্রামের অন্তর্গত সাতিকান্যাতে !

বারু উমাচরণ কান্তলিরি ত্রিপুর'র অংশ্বর্ণত আমীর গ্রামে।

মৌশবীংসমতুলা ত্রিপুরার অনরগভ বেরঃ কে:

यातू देवकावऽत्रम् साम् छ कात्र भूटलका इडेटवन ।

বাবু গুরুপ্রদাদ সেন, নালদহের মুজেফ হইবেন, কিন্তু ধন্ত দিন জার এক জন কণ্টচারী রঙ্গপুরের প্রতিনিধি মুক্ষেক্তর কার্যোর ভার না কন তন্ত দিন তিনি ভ্রথার পাকিবেন।

নিম্বিবিত সংগকের। দিতীয় আন্নিভূ হইয়াছেন।

মৌলবী সজকর আনী হাজারী বাগের অস্ত সভি শভ্সদহে।

कतिमतक गन्नाद काकर्गाङ (दशादा:

৯ ডনিজ্নিন ভাগলপুরের অন্তর্গত : তেগড়াতে।

ৰ'ৰু চন্দ্ৰসঙ্গত বৰ্ষানের অন্তৰ্গত বাম নাড়াতে।

- ण कालीहरून हर्ष्ट्रीभाषांत्र हर्षेकारम्य व्यक्तिक मिद्रारकः
- ঁ হরপ্রসাদ সেন, রঙ্গপুরের অন্তর্গত অলিপুরে।
- ^ত ভগবানচক্র সেন, ময়মন সিংছের অন্ত-গভ নিকলিতে।
 - " इतिकास भिज्ञ वर्षमारमत मूरका इहेरवम ।
- " মহেশ্চস্ত রায় কাউথালেতে তৃতীয় তেনির মুলেক হইবেন।
- » পার্বাজীকুমার রায় হাজারিবাগে ভূজীয়। শ্রেণির মুগোফ হইবেন।

বাবু তৈলোক্তনাথ মিত্র, বি, এল, রাজদা হীর অন্তর্গত বেল মাড়িয়ার মুগেক ক্ইবেন।

যত দিন বাবু বাণবচন্দ্র যোধ বিদায় লইয়।
অনুপঞ্জি থাকিবেন, তত দিন তেপুটী মাজি
কৈট ও তেপুটী কালেইর রামকুমার বস্তু তমো
লুক উপাবভাগের ভার পাইয়া মেদিনীপুরে
মাজিটেটের ক্ষমতা প্রাপ্ত হইবেন।

यक पिन (मण्डेन के कर्तन है. क. द्राडेना है विषाय महेशा क्यू गिष्ठिक थाकि दिन, उन्हें जिन क्यू, क्षान्ते जारूक श्रीष्ठिम स्वार्यस क्षांकि निधि (जन्मी किम्निनंद स्टेरिक।

३৮ हे (मर्ल्डेब्स— (छ, छि, अन (भागम मार्ट्ब हेरल्खीस विकेतियात ३८ छ ३६ छाएमत ८० छाइन ६ छात्रख्यर्थत ३৮१२ छर्पत १ काहेन छस्नारत हाकास विवाह्त (तकिटीत होर्न्स।

उद्गिष्ठि, कह, अकलि मार्ट्स मोहिक्सिट्डर अक सम भिष्ठिमित्रिशाल क भवनत व्हेर्ट्स

নিমুলিখিত ব্যক্তিরা বালেখ্রের বিদ্যালিখা ১ জার সভ্য হৈছেন

(तरवरद्रक है, ति. वि. हाताम । वाबु (मरवक्तनाथ वक्षः

्छ, अरब्रहेना छ मारहर यरमाहत्त्र विश्व भिका मण्डाब मण्यायक वहरवसः।

यह किस वार् व क्षण्डल हिम्माना विभाध महेशा सम्भाष पुष्ट शाकित्वम, एक किस विभाध महेशा सम्भाष पुष्ट शाकित्वम, एक किस विभाव हिम्मान एक स्थान विभाव हिम्मान स्थान विभाव हिम्मान हिम्मान हिम्मान स्थान विभाव हिम्मान हिम्म

वक्षमार्भव माखिरकेट ७ एड शूचि कारन हेत बाव, हिं. निर्वशाद मास्ट्रिक ख्याब माखिरकेट देव कमडा शाहरवन !

১৯ এ সেপ্টেম্বর। মৌলবী ইরামত আলী বীরভূমের অগস্থ জ্ঞা হইবেন। ২৬ এ আগস্থের গোজেটে উচিণর বাকুজার নিয়োগের বে বিজ্ঞাপন হয় ভাষা এতজারা রহিত হইল।

২৬ এ আগস্থের গেভেটে বাবু রানতারক বস্তুকে বাধরগঞ্জের অধ্যক্ত জভের পদে নিযুক্ত করিবাব যে বিজ্ঞাপন দেওয়া হয়, ভাষা রহিত ক্রিবা

वाबू नवकुमात वत्कालावाम वित्रमादमत एउ हे हहेरवन।

अक्षित : (इन्डिकामामा छित् स्वयं । वास्त्रग्राक्षत्र व्ययः ह

বশোহরের প্রতিমিধি অতিরিক্ত জন্ত জি: এন, পার্ক সাহেব আপনার কার্যভিন্ন বিভূ দিনের জনা তত্রতা প্রতিমিধি সিবিল ও সে.স রন জভের কার্য করিবেন।

ষত দিন ডাক্ষর এস, এল, শারকোর বিদায় লইয়া অনুপঞ্জি থাকিবেন, ডত দিন শারকার জে, ককস ২৪ পরগণার প্রতিনিধি সিপিল আসিষ্টান্ট সার্জন হইবেন।

গোয়ালপাড়ার অন্তর্গত ধ্বজ্জি সম্প্রতি যে দাতবা চিকিৎসালয় হইয়াছে, ভাহা চালা ইবার নিমিত্ত নিমুলিখিত ব্যক্তিদিলের এক সভা হইবে।

পৌয়ালপাড়ার ডেপুটীকমিদ্নর। দিবিল দার্জন।

বাবু প্রভাপচক্রবস্থা রায় বাহাছর। ব্রজ্যি মুক্ষেষ।

বাবু কার্ডিকনারায়ণ চৌধুরী ৷

- কাশীনারায়ণ (সংহ্রজুয়া)
- **" পথলো**চন গোস্থানী।
- » গোলোকনাথ গোখামী।

ধুর জ্ব অভিরিক্ত সহকারী কমিসনর উক্ত সক্ষার সম্পাদক হইবেন।

२) व (मर्ल्डेबर) यह दिन खर्जा छै, अह, छि, खर्रील मार्ट्स विशास करेत्रा छन्न्या हुन शक्तिरम, छछ प्रम खर्जान्छे, हे, छन्नाछ मार्ट्स अप, अ. खानलभूरम श्रास्तिति मास्तिर्देहे छ कार्ट्स स्ट्रिम :

ভেপুটা মাজিটেট ও ভেপুটা কালেই। থোলবা গোলাম হোসেন (যাচাকে চাক। বিভাগে বর্তী করা হয়) মধ্মন্তিংক অব হৈ ভক্রিবেন।

यछ भिन क. डार्ड, मारहर विलास महेश।
शह्माञ्चाह याकिरतन, इड निन स्माननी भूरत व महकारी माकिरकेड ह कारलाइन कक. रक. रक. कारबल मारहर की या छिलविकारमान छात्र गाहेशा (माननी भूरत माकिरकेड, छ एडभूछ कारक हैरान कमछ। भाहेरन।

२२ श (गटक्टेनर : এह, आर्क माट्स स्थानस विराह्य विना नकाम अत मल्यानक स्ट्रेटरस

यह मिन अठ, मि, नि, मि, तिना मार्ट्स निम्न स्था कल्ला इन्ह जाकिरन, उक्त मिन एक, निम्न स्थान मार्ट्स जुनीत श्राक्तिमि मान्नि (क्षेत्र क कार्ल्डिन अवर जमकृत्य क्रेस्स क्रिम भः लात महकाती स्थानित हिन्दिन । क्रिम मिन्द्र महकाती स्थानित सान्तिक क्रिम मिन्द्र सहस्तान श्राक्तिक क्रिम

ভূটীর এইনির সব আসিউটান্ট সার্জন নবীর চক্ত গুলু পালমাউ সদর মহকুমায় দেওয়ানী চিকিৎসার ভার পাইবেন।

ষ্ড দিন এফ. টি, প্লাট্য নাছেব বিদান লইয়া অপুপস্থিত থাকিবেন, তত দিন ভো মাস্ত্ৰাস সাহেব চাকার প্রতিনিধি পুলিষ স্থান টেকুণ্ট ইইনেন।

২৮ এ সেপ্টেম্বর। এক, প্রেবস সংক্রের প্রথপার প্রভিনিধি সহকারী পুলিব স্থপারিত বিশ্ব হিছে

🗦 🕰 (मर्ट्येव्यः) क्ट्रेरक्त्र क्युन्मस्रम् রিন্টেগুন্ট আপাত্তঃ বে ক্ষমতা প্রাপ্ত ছেন, ভর্মিন উক্ত মধ্লসমূহে মাজিকৈটের া পাইবেন।

আমাদিগের এলাহাবাদক পংবাদ

িল থিয়াছেনঃ---

চাল্যু গ্রন্ত ২৯০ ভাগ্ট এলাহাবাদ গ্র ক্লের ছাত্রগণকে পারিভোষিক বিভ র। হইয়াছে। ২৬২ জনের মধ্যে 🖦 ছাত্র পারিভোষিক প্রাপ্ত হইয়াছে। ভ্যস্ত আহ্বাদিত হইয়া প্রকাশ করিছেছি, চ ১২ ই সেপ্টেম্বর শনিবার রাজিতে গগন (भशाक्ष्म रुहेग्रा त्रविवात व्यवधि अधारन ইজে আরভ হইয়াভে। সোমবার প্রাক: অবধি রাত্রি প্রায় ১১ ঘটিকা পর্যায় রুছি হুইরাছে যে বড়বড়পুক্রিণী, নাল: প্রকৃতি সমুদ্ধ ভাসিয়া গিয়াছে। কলের বে সকল শস্য শুক্পায় হইয়াছিল, ভাহ ার হানিসভাবনা নাই এবং রবিশ্লেদ কাবস্ত হইয়াছে। সম্প্রতি সমুদার এবং

मस्मक् नाहै। कि स हेरा हाता अथाति स গনিষ্ঠ ঘটিয়াহে ভাহ। দেখিয়া বড় ছঃখিড । গত সোমবার বেলা প্রায় ছুই প্রহরের ব্রিঃ সঙ্গে সঙ্গে গলার নিকট হইতে হঠাৎ প্রবল বাভা। উবিভ হটয়। অনেক বড় **ক ও গৃহাদি এ**চে বারে ভুতলশাগ্র⁸ नियादक। अधानकात शवर्धसन्ते काला াটাটি পড়িয়া যাওয়াতে ছই ব্যক্তি চাপ: ভাহার মধ্যে এক ব্যক্তি একেবারে জীবন ार्ड विशेष व्यक्तिमुख श्राप्त हरेता তালে সাচে :

ইছওয়াতে লেশের সম্পূর্ণ উপকার হই

। ছুই ভিন দের শস্তা হইয়াছে।

সোমবারের ইন্টিতে এখানকার আভর বসজির নিকটে একটি পুরুরিণীর নিকট দহ পড়িয়াছে । ইহা ফু;ন্যাধিক অর্জ দীঘ ২০।২৫ হস্ত পরিমাণে প্রশক্ত এবং স্ত গভীর। আম শচরে,র বিষয় এই যে, কোন জলনিকাদী গ্রাস্তাছিল না। উচ্চ গার তেলে। আমাবাদি অসমী ভিলা। বৃষ্টির ভালের **শে"েড কি প্রকারে এড** নান্তরিত করিল বলিতে পারি না।

ামাদিশের 🕾 হট্ড সংবাদদাতা गट्डन ।

এक्षी भवर्गस्त विम्रालय रहेवात आर्थनाम আমাদিগের প্রতিনিধি কালেটর মাঞিটেট औपुष्क (क्षम मारहरवत निक्रे कारवन्त्र कतिया ছিলেন ৷ ইভিমধ্যে ভাঁহার (কেবল সাহেবের) बिक**ট कर्जुशक '' डीहर छेत शूर्कात अवर्ग**रम**ें क**र्म উঠিয়া ঘাইবার কারণ কি ? জীহটবাসীরা ওখার भवर्गसम्बद्धान मरञ्चानतम् उत्पातनः जात्हम কি না ? এবং ভথার ক্ষল স্থাপনের উপযোগী ভাল श्रद काफ़ कि ना ? এই ভিন বিষয় क्रांनिया রিপোট করিবার আদেশ করিয়াছেন। এই কারণে সে দিন কেবল সাছেব এক সভা করিয়া हिर्तम । मखाम्न द्वि । क्हेशार्ट, व्याभाष्ठकः क्रामीय চাঁদা ছারা একটী গৃহ নিন্মিত হইবে। ভজন। এপর্য্য ৭০০ অপেকা অধিক টাকা আকরিত रहेब्राइ ।

কএক দিন অজ্ঞ বুক্তি চওয়াতে অকস্মাৎ জল বৃদ্ধি হইয়া গিয়াছে।

আমাদিগের গাজিপুরস্থ সংবাদ দাতা লিখিয়াছেন।

প্রায় দেড় মাধ কাল বৃশ্চি না হওয়াডে এখানে ভয়ানক এীপা বোধ হইভেছে, ভলিবন্ধন পুনরায় ওলাউঠার বিলক্ষণ প্রান্তর্ভাব হইয়াছে। গভ সপ্তাহে ৩০ জান লোক উক্ত রোগাক্রান্ত इत, **क्रमार**भा ১৪ अन अन्यतित कृषाम कार्ताना লাভ করে অবশিষ্ঠ হডভাগোরা অচিকিৎসায় প্রাণভাগে করিয়াছে। এখনও পীর নগরে (যে অংশে ইউরোপীয়দিগের বাস) প্রতি দিন ছই ভিন্টীর প্রতি ওলাউঠার প্রকোপ पृष्टे ६६८७६६। मिथिएडिंडि, ज भर्याञ्च निवास्त्वि কোন উপায় অবলম্ভি হয় নাই, হইবেই বা কি প্রকারে? পাঁচ ছয় বংসর পুর্কো এখানে এক দল ইউরোপীয় সৈনা ছিল। তখন এখানকার গবর্ণমেন্টের দাভবা চিকিৎসালয়ের কার্য্য ও रेमन, मिरुभव हिकिथमा अक खन विष्ठकन मव আসিষ্ঠাণ্ট সৰ্জনমারা নির্মাহিত ইইড। কিন্ত বিশেষ কারণবশতঃ গৈন্যগণের আভিভা এধান হইতে স্থানাম্ভরিত হয় এবং তৎসচে नत्नरे मव व्यानिष्टान्ते मक्कामत भन केतिया গিরাড ৎস্থানে এক জান নেটিব ডাক্তর নিযুক্ত হন। এক্ষণে ইনিই সব আসিষ্ঠান্ট সর্জনের र्यम भारत कश्चित्रारह्म, श्रविवाद मय व्यामिष्टी के সার্জ্ঞনের ন্যায় দর্শনী না পাইলে ভিনি প্রায় কাহার বাটীতে পদার্পণ করেন নাল ক্সভ্রাৎ উচার ছারা সকলপ্রকার, লোকের ভিকিৎনা অবগত হইলাম যে প্রলিকওয়ার্কের স্থ দিন হইল, অত্তত্য ভদ্ন বোকেরা এখানে। হওয়া কঠিন হইয়া উঠিয়াছে। পরত গত জুলাই । ভাইজার জীবুক্ত বাবু অস্তলাল সুৰোপাধ

মাসে গাঞ্জিপুরের নিকটবভী সরাই নামক যখন ভয়ানক ওলাউঠ। আর্ভ হয়, ভখন (নেটৰ ভাকর) ভখর চিকিৎসা€ ∻ বে इन अवर अवादन हेर्। इ कर्षी अक अन कन প্রার করেন। তব্দারা যে ছোরতর অনিষ্ঠ हेन इड्राइनि, छाडा जामता चहरक क कतिशाहि। याहा इंडेक, अक्टन आंशारिनत গবর্গমেন্টের নিকট প্রার্থনায়ে স্ব আন্চি সক্তবের পদ পুনঃ স্থাপিত করিয়া গাভি একটা প্রধান অভাব পূর্ব করেন।

১৫ ই সেপ্টেম্র

১৮৯৮

व्यामानिरभन्न कामनाञ्च मः वानन विथिशार्ह्म।

এধানকার বেদকল সংবাদ সোম্প্র লেখা হইয়া থাকে, ভাষার মধ্যে অধি স্থাদ্ট অনাতর রাজপুর্যদিগের দুর্নী পতিভ হয় এবং ভাগার বিশেষ অনুস कतिए अ (मधा यात्र। किছु मिन इड्ल भा **रहेएक काल**ना भर्याख (व तःश्वाती स्ट्रेन्न'एड्, যুক্ত স্থানে অর্থাৎ কালনার উত্তর দিকে জ রার মাঠে একটা সাঁকো করা নিডাপ্ত শ্যক প্রভিপর করিয়া সোমপ্রকাশে যে (হয়, কৈ এপৰ্যাক্ত ত ভাহার কোন প্রভ रहेण मा। वर्षमात्मत अकिसिकि हैशिव हैशि मारहर किन देशांख मरनार्याती इहरा না, ভাহা আমরাবুঝিতে পারি না। শান পুষ্ট্রণীর পশ্চিম দিকে, সাঁকোনা থ कार्वित वरमात कनामहान (वक्कण ভাহা পূর্বে লেখা ইইরাটে, আবার অভি তেও এই সকল মাঠের সম্পূর্ণ ক্ষতি : बाक्त अल्ल मार्ठ नकल श्रीव्रशूर्व क्हेल निर्शमत्वत द्वविधा ना शाकांत्र अन्नरमक्त न উঠে। এই বর্ত্তমান বংসরে অভিবৃষ্টিনি জীবধারার সার্মক্লাপ্র ভূতি আমে ও মাঠা প্লাবিত হইয়া যায়, অসে নির্গমের উপায় थाकाम के नकन ऋ। त्वत विरूप क्षि इहेमा যদি শানবাধের পশ্চিমে একটা সাঁকে৷ থা जार: रहेरल में मार्ठनकरमत अ**क्कि रहे**फ ঐ স্থানের লোকসকল অনেক চেষ্ট। করিয়া किन्द्र शवर्गरान्हें इ तान्छ। तक काछिया जन ब করিতে পারে? যাহা ২উক, গভ কর্মের অনুতাপ করিবার প্রয়োজন নাই ৷ এখন অ ধ্রের উপর এ রাজা মেরামত করিবার ইর্য়াছে। অমৃত ব'বু বেরূপ ভার, কার্য্য ও পরিশ্রমী ভাষা অনেকেই অবগত ইন। ইনি নিজ সাশুভার ও অধ্যথসায় ক্রমে এত দুর উর্ভ ইর্যাছেন, আমরা বিনির ইনি এই সাকোর বিষয়ে বিশেব ধ্যাগী হইবেন। ইহার জন্য সমূহ লোকের ই তেছে।

ধায় এক বৎসৱেরও অধিক হইবে এবানে াঞ্জেল্সমাজে স্থ'পিড চ্ইয়াছে। সমাজানীর ত্বেধ বিষয়ে স.মন্হান হইয়া এ পর্যাত র৷ ইহাতে বাকবেরে করি নাই। একংণে । স্থায়িত্রের পক্ষে অনেক ভরস। হইয়াছে। বালীব পূর্ণাতন সুপারিক্টেগুল্ট বাবু শশি লাহিড়ির থমে সমাজনী পাপিত হয়। বর্জ পিণতি মহাধাঞ মহাভাবচন্দ্ৰ বাহাছ্য বংয় দিতে স্বীকার করিয়াছেন 🔻 স্ম স্ত । এখনও ভাহা কাৰ্যে। পরিণভ হয় নাই। গণ অবেক চেষ্টা ও যদ্ধ করিয়া স্থাঞ্চী করিয়াছেন। সভগেণ চাঁলা সং क्षिष्टा अक्षी श्रश्न कृष्टियात हिस्सार्थ **হন। বণিও সভাও ছ**িকৈড বা**ছি** बर्ड हेर्ड एक यह कहा कर्डवा, । क चार्मिटकर । नाई। (कर दर्जन, मभारकत क्वका करत ्रक्रेक, तिइय्लम हेराएक काम लाक ভোবিয়া দেখিলৈ এ আপত্তি অফি ঞ্ৎকর । ধর্মাণংক্রাক্ত বিষয়ে অভিমান থাকিলে हे क्हेंद्र मा। উक्रमण्ड ব্যক্তির। আনে অর্থশালী ব্যক্তিরোকৈ, ঈশার প্রতি দুচতা আছে, ডিনিই ভাল 13 চাকির কেমন যে কড জালি লোকে আন, হুড়ন १८२४ मकन दिसरप्रदे को नज इलिस्टरङ्ग ভ্টক, এক্ৰে বৰ্ষমান সভ্য মহাৰ্য্যদিগকে রাধ করি, কাহারং আক্তরিক বন্ধ করিয়া সমা त्रका कल्ला मर पृष्टी छ (पश्चित्तक (लाट्क्रा প্রতি পরিমার্কিড হইতে পারে।

ছেপুনী মাজিকেট ও ডেপুনি কালেইর জ বাবু নারকানাথ দে বাছালর এখানে একটা কা ও একটা বালকবিদ্যালয় স্থাপিত করি বিশেষ যত্ত্ব করিভেছেন। সঙ্কল্ উত্তম দেশহিতেধী বিচারপভিদিগের ইহা কর্ত্ব্য সন্দেহ নাই, কিন্তু এখানকার গঞ্চপ্রভৃতি বর লোকেব চাঁদার উপর নির্ভা না করা আধ্রা বিশেষ অবগত আছি যে স্থানীয় বার উপর নির্ভার করা বিভ্রনামাত্র। যে

विम्रान्द्रकृष्टे कार्यव इक्ति।। वित्तिवष्टः अथान কার চালার উপর আমাদের কিছুমাত্র বিশ্বাস নাই। এখানকার দাক্ষরা চিকিৎসালয়লীর स्रमा পুর্ভিদ মানিটেট হল সাহেব বে চাদা সংগ্রহ করিরাছিলেন, ভাষা দেখিয়'ই बामारत्व विरम्भ विश्वाम कश्चित्रारङ् । (महे नांधा রুণ চাদার উপর নির্ভঃ হুইলে কোন কালে চিকিৎ সালয়টার শেষ দশা উপস্থিত হইত। কেবল বর্জনানাধিপতি মহারাজা বাহাছর সম্পূর্ণ ভার লইয়াই ইহার 🗃 রুদ্ধি ক্রিয়াছেন। অধিকার বাহ্য শোভা যাহা অ'কুকঃ কিন্তু ঐশ্বর্গালী लाक नाई विलिध्न अ व्यक्ता खिक हम्र ना । काननात निकरेंदर्शी (यमकल ब्राटम प्रहे अक सन अध-र्यामानी लाक कारहर, डाँहारमत हाता मण्यूर्व সাহায্য পাইবার প্রভাশা করা যায় না। বাস্তবিক্ত এসকল বিষয়ে ভাঁহাদের ভাদুশ ষয়নাই। আমরাডেপুরীবাবুকে এই জন্পুরোধ করি, ভিনি নিয়লিখিত উপায়লী অবলয়ন कार्वत्वहे विष्यालयुष्टि स्हेवात (काम वाधा चारक না। সেই উপায় বঙ্মানাধিপ ভির সাধাধ। মহারাজ সাহাত্য করিলেই এখানে বিদ্যালয় रहेए भारत अवर ऋष्टियुद्ध भरक निःगरमह হওয়া যায়। স্থানীয় লোকের নিকট ভইতে अक्कामीन किছू किছू अर्थ नहेरन क्रिके ভাষাভে কাভর ধ্ইবে না অথ্য অধক টাকা माध्यह ब्हेम्रा ऋषा शृहकत दिर्भव काञ्चकता হইবেঃ আনামরা আভ্রস। করি ধারক⊹নঃথ বাবু উলিখিড উপার অবলয়ন কার্যা এ স্থানের মহোপকার করিবেন। তিনি ধর ও চেটা করিকে বৰ্ষমানাধিপতি ইহ'তে মনোযোগ কলিতে भारतमः विरम्प विद्यारम्य माजिएके*वे भार*क्षा किছू विलिद्ध छैहा मिन्ह हहेवात मुख्य मध्य वसा । श्रीवर्धः कात्रतः व्यक्तनः कार्षः । काश्राक्ताः লিখিতে ইক্ছার্ছিল।

প্রেরিত

মান্যবর জীযুক্ত দোমপ্রকাশনভাবিক মহাশর সমীপেয়ু।

া ৮ই আনিন দিবসের রাক্সিডে এই ভাজনখাই গ্রামে, এক বারে চারিটী সিদ চুরি হইরা পিয়াছে। তন্মধা ডিনটাডে ভদ্মবেরা বিশেষ ক্তি করিভে পারে নাই, কিন্তু অপর টিভে গৃহক্তের সর্কানান করিয়াছে। ইহাডে, একটি নিমিড কন্যার প্রিছিড প্রায় ১০০ এক-

ক্ষ নে সাধারণ চাঁচার উপর নির্ন্তর, দেই স্থানের লাভ টাকার অলক্ষার অপহ্নত হুইরাছে।
বিদ্যালয়েরই অলেব ছর্জিলা। বিলেবতঃ এখান
কার চালার উপর আমাদের কিছুমাত্র বিশ্বাস
নাই। এখানকার দাছেবা চিকিৎসালরটীর
আনা পূর্বিত্র মাজিটেট হল সাহেব বে তক্তর চৌকীদারেরা, করেক ব্যক্তির টালা সংগ্রহ করিরাছিলেন, ভাহা দেখিয়াই সন্দেহ খাপন করে। এই পর্য করিরাই পু
আমাদের বিশেব বিশ্বাস অভ্যাহাছে। সেই সাধা
বুণ চাদার উপর নির্ভিণ হুইলে কোন কালে চিকিৎ
পারি না ।

১। ১२९७ नाटन, खनावृद्धित सन्।, स्म निकास हरेग्राहिन। वर्षमान वर्ष छाहात ती छ के छि छिनक्षि हरेग्राह । स्वरकान धाम हरेन छवानि मुक्तकार कार्यकार वर्षन निवृद्ध हरेन ना। अहे प्रमावर्षाम धाम निवृद्ध हरेग्राह मुक्त स्वाद श्रीवर्ष हरेग्राह अवर छीत्र स्वाद स्वाद स्वाद स्वाद हरेग्राह अवर छीत्र स्वाद स्वा

अधिवाभीत राष्ट्र अधावमाय छ एन, अहे प्र स्थिवाभीत राष्ट्र अधावमाय छ एन, अहे प्र साठे आग्रि, अकन हे राज्यों वस विमानिय क स्टेशहा छेक वास्कितन अहे विमानिय निम आन्माता हालाईया नाव गर्वाय म स्था श्रीवीं स्टेश्वन अहात है से छिल्ल्य सावनात एन, अनात अकन अब्द स्थानमें नय छ आहि। छ यम साठे अब्राय प्रस्ता या, हेस्ट अक वास्त्र मक्कि छहेंने विस् न महत्त्व स्टेशिय स्थान भारत स्टू ब्राय स्टेशहम्ब स्थान छ छैंने विस् न महत्त्व स्थान है है।

व : आड २५ व छाड छाड कारन, गुरु घ'टिय मित केड '' के कि व सायक छाटमत । देक्ष्म वह अक मुख्यक दृष्क लग्नाम कुटे इंक्न : कांकाद पित्राम अक्शांशि कीर्न किः माज किन । भरत मर्याम भाकेरम भू मञ्जूषकारम वहे स्थि हहेरल त्य मृडवरिक भाष्माविक मामाना विश्वास चन्न के कर्ष हाडा मन्यामन कित्रशास्त्र ।

ধা এই বর্ষার পঞ্জীপ্রামের যেরপে র হয়, ভাহা পল্লীগ্রামবাসিভিল আরে ক হয়সম হইবার সম্ভাবনা নাই। নগাবে আরি বারিবর্ষণ হইলেও সফ্রেন্স সর্বত্রে গভিবি হায় এবং জলনির্গমের পথ স্থান্ত হও জল ভৎক্ষণাৎ বহিপত্তি হইয়া, নির্দ্ধি हे अक्वारत अभूगांत्र कर्क्तभगत्र हर्स्यारक গমন ছংসাধ্য ছইয়া উঠে এবং বারিনিং শ্ৰ নাথাকাতে তৃণ্লভাদিপুৰ আবাণ **ভিৰম্ভী কৃত্ৰ** গৰ্ভে, অগৰা ভদভাবে, গৃহ প্ট জল সঞ্চিত হয়। ব্র্যাকালে পুন:পুন: গুরুবড়ে উক্ত জলাশয়সকলের কল, ষুষিত হইতে পারে নাঃ কিন্ত বঁষীবিগমে ২ শেষে ও (২মজে) উলার অংকর্মত তুল দ পচিয়া চতুর্দিকে মেলিরিয়া বিকীর্ণ করি: াকে। কুডরাং ঐ সময়েই পলীক্রামে রো প্রাছর্ভাব লক্ষিত হয়। এই অনিষ্ঠ প্রত্যেক র যরেই নিবারিত হইতে পারে। অংখ মুর জালা, যাহাতে সক্ষ্ণে বিদ্রিত হয়, া ভাষার উপায় করিলেই এই অনিষ্ঠ নিবা ইড়েড পারে। উচ্চ ভূমিডে বাসগৃহ নির্মাণ লও জাল বায়ুপ্রভৃতির হুবিধা হয় এবং বে ব গৃহস্মহিত বেছাভাগ পরিভ্তিও গ্ৰহ্ম করিয়া রাখিলে গভায়াতের ক্লেশ र्म्र ना ।

৬। বেঙ্গলী রেলওয়ে সর্কাপ্রথমে স্থাবহার

ালোকের সুধ্যাতির ভালন হইয়াছিল ৷ সদ্যোজ্ঞাত দ্ধির ন্যায় যুত্ত পুরাতন হই , ওতই উহা বিরস হইরা আরোহীদিগকে প্রদান করিভেছে। গভপুঞ্চার পুর্কো ।কেয়েক বন্ধুতেমিলিয়া উক্তরেলভয়ে গেমন করিডেছিল।ম। ২য় (আনীর টিকিট ओमानिशदक व्यक्तिक व्यक्ति प्रक्रिक (अ) नीत भक्टि चारताश्न किट्टिक श्रेल ख रक्काण प्रवा धनम्बिर्वाम वाकाहे ভাষাভেও আমাদিগকে সেই ক্লপে ने उ हरे एक इहेग्ना हिला। (म निन. अहेन्नण ার মধ্যে ভয়ানক কটে পড়িয়া আনমাদি অনডেমের স্কিণ্**নি উপস্থিত হ**ওয়াতে মৃতপ্রায় হইয়া বসিবার চেষ্টা করিলেন। ज्ञासाकात वसकः खाशाद्व अकुछकार्यः আমানিগের স্কল্বারণ পূর্বাঞ্চ তথায়ই মান থাকিতে বাধ্হইকেন, মহাশয় ! বস আমাদিগের বেরূপ ক্লেশজোগ ইইয়া ভাগ লখনীছার। সম্পুর্কুণে প্রকাশ ত পাধ। যায় না: অনামানের বি**লক্ষ**ণ य अवस्थिशाटक (य, वरमनावस्थ अध्वक्त्रीस्थान লই, আরেটিংগের ফ্লেশ নিবারণ চইতে ্ অধিকসংখ্যক শকট যোজনা, অথ্যা

করিছে পারে। কিন্তু পলীব্রামের ভাষ, কষ্টানিবারণ হইছে পারিছ[া]। কিন্তু বর্জবান সম্পূর্ণ বিপরীত। ইহাতে একবার বর্ষণ : এঞেন্ট সাহেব এনেশীয়দিগের স্থবিধার অন্য **जानुम यत्रभीत तन वित्रशहे उहेन्न व्यक्ताहा**न ও অনার ববেহার অব্যাহত ভাবে ফ্রমাগত हिना व्यानिहरू । जिनि अट्रम्भीवृत्रिरभत विष्या, वृद्धि, क्रमका, चक्रम, क्रीवन शक् किरक সামান্য জান करत्न। टाहात अहेमकन छटन রেলওয়ের কোন কর্মচারীকেই ভাষার প্রতি অসু तुष्क (मची गांचू मा ।

> জেলানদীয়া: ভবদীর বশবদ २२ अ काश्विम 329 t! (취성주)

> > ---:0:---

স্পাদক মহাশয় ! ২৩ এ ভাটের প্রভাকর পাঠে অবগতি হইল যে, বেহাগ উপরাগের বিভর্কের এ পর্যান্ত উপসংহার হয় নাই। কিন্ত আম্রাসকলেই জ্ঞাত ভাছিবে, এই ওর্কের মীমাংসা করণাশরে জীবুক্ত বাবু রাখালদাস মিত্র ও জীমুক্ত বাবু প্রাণকুক্ত মুখোশাধ্যায় ইহারা উভয়েই পাথুরিয়াঘাটানিবাসী সলীতো পাশ্যায় জীয়ুক্ত কেব্ৰেমোহন গোৰামী মহাশয় প্রফুডিকে ইহার মীখাৎদক নির্ছারণ করিয়াছি লেন। বাহারাও উপযুক্ত সময়ে একবানি মীমাংসাপত্র পাক্ষর করিয়া ভারাদের নিকট প্রেরণ করেন। আমরা সেই সিদ্ধান্তপত্র বিশেব कतिया श्रवः श्रवः श्राटमाहमा कतियाहि, श्राहात्य व उ कुक्तत्रहरू मीमाश्तरकान माह्याक धमान श्राप्तां । युक्तियुक्त वाकावाता व्यरम, ताः बराम, वामी, अञ्चवानी, मदामी, विश्वामीর विरम्ध मीमारमा कविहा शासाब खब्र 🗷 উপরাগের ঞান বা বাদী স্থির সিদ্ধান্ত করিয়াছেন।

এই ভারত ভূষে এমন কেংই নাই বে भट्डार अन्ताम् इत्र कतिएड मक्स। यन कः न्यावृधिक व कार्यः वाकान्य वि करवन, वर्ण গৰে ভাষা উন্ধন্তের প্রদাপ বাক্যবং বোধ কহি বেন সংক্রাই। প্রথেরক নহাশয় স্কীড শাল্লে নিরেট পণ্ডিত অসুমান করি, য হেডু ডিনি বাদী খন ও এছ খন এক খন বলিয়া প্রতি পাদন করেন। আবার মীমাংসাপতা বেহাগকে উপরালমধ্যে পৃথিপশিক করাতে ভারাতেও একটু পত্রপ্রেক কটাক করিয়াছেন। কলডঃ সেকটাক কটকাক মাত্র। শাত্রসিদ্ধ বেসকল রাগ নতে, প্রায় তৎসমুকায়কেই উপরাগমধে পরিগণিত করা যীয়। সঙ্গীত প্রিয় মহাশয় সরং लि विश्वादकर्त, मृत्य बाहात अख्य मि वर्तिक, তাহাই উপনিক্তে কৰিও হয়। গ্ৰেছিড পত্ৰ শ্ৰানুপূৰ্মিক পত্ৰখানি লেখা হইয়াছে। সং क्रिक्क मक्त्रे ध्यानि हानमा कारतिहे छ अहे

यानिएड यडकान मसार्थ जिनि वावहात का (इस, **एक्ट्रां केंग म**क्तार्वक्र चन्नान । ব্লাছে। যখন কোন প্রাচীন সঙ্গীত মডার্গি বেহাগের অভিত্ব দেবিকে পাওয়া বায় ভখন বেহাগকে উপরাগ নয় ভ কি ৰবি দলীতপ্ৰিয় লিখিয়াছেন, প্ৰাণকৃষ্ণ বাবু 🗪 গুণির সহবাসে সেন্ডার বাজাইতে শিক্ষা ক ্স কথা অলীক নংধা ,শাস্তাদি ত তাঁহার। বোধ নাই ভখন সহবাদে ব্রিয়'ক্লিকা বি লোষ বোর হয় না। পত্রপ্রেরকের *ব*ো ভঙ্গীতে বোধ হয় হসুমক্তমতে যেন বে লিখিত আছে। হতুমন্ত মতের এছে প্রাণ शेवुत कथा पृद्ध थाक, न'ब्रमानशंत्र विद्या (য়াছেন কি না সন্দেহ। তবে যদি শারদাসহা মতই উক্তমত হয়, তবে হানি নাই। ন হন্ত্ৰ মডের সেই বচনটী (বাহাডে বেহাগ বলিয়া সিভাক্ত হইয়াছে) প্রচার করিলে বাধিত হইব। সঙ্গীতপ্রিয় বলেন, হিন্দুৰ হলুমর মতই প্রচলিত। कि इ. ए এমাণ আমরা এ প্রা;তাত কোথায় পাই अवः स्मूमक मराज्त वाष्ट्र व क्र अकडे। त्नरि পাওয়া যায়বা। তবে শারদাস্থারের অথবা প্রাণকুঞ বাবুর মুহটু যদিউক বলিয়া আপাড়তঃ গণা হয়, হউক ক্ষতি ন এ বার অবধি উক্ত মন্তব্যুকে উক্ত মত বলি আমরা ব্যেকার করিব। ক্ষেত্রমোহন গোণ ক্রিয়াস কডকওলি লছমীপ্রসাদের বি শিক্ষাকরিয়াছিলেন, সেকথা যথার্থ ব কিছ অস্ত্রপ বলুন দেখি, শারদাসহায়প্রপ উহারা সংক্ষৃত মতাপুৰায়িক স্কীত-এ প্রায় কাহ'কেও শিক্ষা দিয়াছেন কি এসকলের শান্তবিষয়ে অন্পিকারচর্চার এ स्माकि ? पिचित्राम, इसमा तरक्रम र्जफ द्वानमरपर् ननः इहेश्वरह । हेमम स्य नः শারোজ রাগ নহে, তাহা সংকৃত এছ্রি অসুসন্ধান করিলে জানিতে পারিবেন। भक्तहे (य प्रश्यु ७ भक्त न (ह, फाई) (ड फ (व মহাশয়ের চৈত্র, নাই ৷ তবে যদ অধুন হিন্দি দে হাযুক্ত হতুমন্ত মতেত থাকে বলা না৷ বেলোয়াল এই শব্দ কৈ কোন সংস্কৃতে আতে ? না সংস্কৃত গ্রন্থ উহাকে বেলাবলী বলিয়া নির্দেশ করিয়াট মূলে থাকিলে বোধ করি ধেলোয়াল এই : निक नक्षी क्षरमान कहिएकम मा, व्यवनाई। বলী বলিয়া লিখিতেন। অভ্যন্ত হব ছে পাঠক এইরূপ আধুনিক হসুমস্ত মডের প্রমাণ র নাম পাক্ও নাই । আনমাঞ্জির গোতামীজির ভ ভাষার লিখিত প্রাচীন ংলুমত মতে ণাদি দেখা আছে, তিনি নাকি আধুনিক खभङ (मर्थन नोहे এবং দেখিতে ইक्षा ন নাই। হুতরাং সঙ্গীতপ্রিয় মহাশয়কে ার পত্তে যথোচিত উত্তর দিছে গোস্বামীজি ম। আশ্চর্যের বিষয়। প্রপ্রেরক মহাশয়ের কুষ্ণ বাৰুরজন্য এড জনগ্ৰুরাগ কেন? াকি প্রাণকৃষ্ণ বাবুর নিকট অধুনাতন হন্ত মত শিকা করিয়াছেন? প্রাণকুঞ বাবুকি র ৩% অথবা ভিনি খয়ংই প্রাণকৃষ্ণ বাবু? ভিনি ব্যুৎই প্র:এক্লফ বাবু হয়েন, ভবে রাগ র এবং বেহাগদে রূপে বলিবার বিশেষ কার্ম ছ। যহেতুপঞ্চাশটি টাকাবালিতে ক্ষডি া ওঁটোর পকে রিশেষ ক্ষিট বলিভে ইইবে গাত্রজ্বালা হওয়াও তাঁহার পক্ষে বিচিত্র । তা রাখাল বংহুর নিকট চাহিলেও বোধ , তিনি উক্ত টাকা খন্নৱাৎ দি<mark>তে পা</mark>রিতেন। তে যদি অপনান বেলে করেন, ভবে উপ প্রাপ্ত হইরা নিরপরাধ মহামনা গোলামী ে বৃটুক্তিত দানে স্থিত হউন। ধা আমৰিন) অভঃপরং क्षा हेक्द्रका ।

ক্ষোনক মহাশয় ! আপনি কি নিরীহ কুষক র অবস্থানে বিরাছেন ? আমানি সমু**ং ভা**ছা র **মন্ত্রীন কার**নেশ প্রস্তাক করিয়াভি। প্রীতামনিবাদী। ভাষার প্রথমে ভীষন তে নজকলেবর হইয়া ভূমিকরণ করে: (बार्ज वर्गात्रभाष्ट्र प्रकातृष्ठ मण्डरक धानर ६८७ लहेसा कर्फनमस (कटल मांकाहरू। न क्रांट्र ७ थारक, मखरक जानवत्र नावा ত। আবার বোর্ণকালে এরণ কুডের দী ভাইতে হয় যে অভ্যন্ন কালমদ্যেই

7941

ও মন নিজংগাই এবং একান্ত দ্বান্ত হইয়া হ'শর ! য'হারা এইরূপ এবং অন্যবিধ বছ ।কট্ট জীঞার করিয়া প্রথমে ভূমিক্রব त म्यारवायन करते. याशांता मारमात हाक्ष ভেনৰ্ধি মানা উৎপাত হইতে রক্ষা করিয়া ময়ে ২প্র-ছারা মহুডে,ব অসমি কল্যাণ করে, ভাহাদের পুরস্কারসক্রণ ভূমিতে এ বধনী বহু আছে : সে বছও ভূষামী -। কুটেল হস্ত হইডে নির্দিমে রক্ষা করা ক্তি কণ্ঠদাধ্য। যদিও কোনরূপে রক্তি হয় কর্ত্ত্রির অধীন হওয়াতে আছার

देक उत्र मान्त, कमाहिर शक्षामितात जात्या श्रामा श्रमान श्रमीन नहान उ करिया ষটে! কোথায় কৃষিলীবী সামান; প্রজা পুরুষ আমন্ত্রিত ইইয়াছিলেন। সভাভকে काथाम विश्वन विकरनानी कृषामी ; कार्य क निकाल के अकवारका व्यक्तिनामक्तिरणद दे मामर्था विविध **উপায়** बादा शक्यां दिशक शैनवल कित्रिया कर्या क्यकार्यात राधडे निव क्रिया खाइ। ब्रिक्टिशव व्याप्तत समा व्यन्ति प्राप्ति । क्रिया हिन । কাজিয়া লন, ইম কি সামান্য পরিভাপের विषय् ?

অভএব আমরা ন্যায়পর গবর্গনেন্টকৈ সাত্র নয় অপুরোধ করিতেছি, প্রজাকে ভূমির একটি इश्री यह श्रमान कड़न, त्र एव स्थन कूनार्मीति-গের কুটিল কৌশলের অনীন না হয়। মহামতি লড কৰ্ণয়ালিস জ্মীদায়দিগকে যে বহু দান করিয়া গিয়াছেন, দে খন্ত প্রকৃত পক্ষে কুষকদি-গেরই প্রাণ্য, ভারারা ঐ স্বব্দে অধিকারী হইলে ভূমির যে অপেকাকুত উন্নতি ও গৌরব বৃদ্ধি হইড, ভৎপক্ষে বোধ হয় মন্তবৈদ না হইতে পারে। উপসংহারকালে-পুনর্সার অনুরোদ कति, शवर्रामके व्यक्तित्रं अञ्चित्राम् प्रावेशान করিয়া প্রজাদিগকে রক্ষা করুন : বারাস্তরে এ প্রক্ষে আরো কিছু লেখার ইচ্ছা র ছিল।

১৮ ই আশ্বি

मन्त्रापक महास्य ' विकास का की बाह्यवा এচলিড থাকাড়ে যে ক্তএ≉ার অভ্ড ক্র উৎপর হইতেভে, ভাষা আগুনিক বিকান সভ্য গণ বিশেষ ক্লাপে আনিতে পারিয়াচেন এবং क्षेत्राहरभव यरक् कोलिनाः अभारत्व जानक তু'লও হটয়াছে ৷ কিন্তু কুলীনস্ভান विदेशत कुलकलक अवसील विद्यादिक स्मृत्रहर কৌলীন্প্ৰথা এখনও অনেক ভাত্তক্সজ क्षम् कित्रिक्टाः स्थमकल स्थातः निकाल নিৰ্মাণ জ্যোতিঃ প্ৰকাশিত হয় নাই, সেন সকল স্থানের কুলীন মহাতার। কুলাভিয়ানের দাস হইয়া বিবিধ অন্তিভারেশে প্রবৃত্ত হইতেছেন দেখিয়া, আমার বাকুগুাস্থ কভিপর কুলীন হল্ '' কুলীন কুল্যকাম ১ নাটকের অভিনয় করিভে दामन। करतन अनः डीहा महात्र यह ए अह क्यमात माण्डिके दील औपुरु (छ. fe, eteb সাহেত্বের সাহায়েও গবর্ণমেন্ট স্কুলের হেড্ माञ्चात अपूक्त वायु निधानाथ निश्ह ও গ্রহণমেন্ট প্লিডার জীযুক্ত বাবু হরিছর মুখ্যোপাধ্যায় মহা শয়দিগের আহ্রুল্যে উহোরা পত ৭ ই সেপ্টে স্বর উক্ত অভিনয় শেষ করিয়াছেন। মহাশ্রু ' নাটকখানি যেমন উৎকুষ্ট, ইছাদিতের অভিনয়ও | জ্লদজাল খোরতর গভীর নিয়ে যে যে प्रक्रण रहेम्रारक्। खुविनय्रमकाय कर मीय

সুরাপানমিবারণেদেশে উক্ত बाग्नक अश्वादाता शूरकी शिविक मरशानग्र উৎসাছে ১৬ ই সেপ টেম্বর পুরুষের বি नाउँदकत (अञ्चनश्रीकतियान) स् ভাজন হইয়াছেন। ইহাতেও অনেক দেশীয় ভারসপ্তান ও কভিপয় রাজপুরুষ দ্ৰিত হইয়া ছিলেন।

३१ हे (मन् टेंबर) 3000

বাকু (কোন হ

क्ष्यर्वदश्यात (५ कोस वना। । "

উথারের যে কি অভিপ্রায়, ভাষা রি লানেন। কিন্তু থেরপে উপর্পেরি দৈব আগত হট্ডেছে ভাষা দেখিয়া বৌধ হ এ দেশের ভাগের দারুণ জংখানল দীঘ शक्किन वं शिक्टित । एक, कुर्जिक, कन्यार रगर्मेकल प्रेंबैंडिया इहे जिस सरमञ्जूष्टर्या । লিয়ারের, সেশকলের কথা দূরে থাকুক, <u>।</u> शाम शत मा इकेटन दहेरक है जिल्ही 🕏 नःविष्ठ हहेत्। कार्षिक मार्ग आह, ম সে শিলার্ফি, জায়াচুমানে ভীষণ জল: अव विश्वास बाह्य श्रुमास कर जारू। व किया के बहेबा प्रमुख्या प्रश्निक द्वार्थ, दक्क छ। নাশিতে আকুৰ কৰিয়াজে: জাৰতেয় ৰ विवास २३ व. व्याप्तिकतः । आस्थ्यकीतमः । अस क्ट्रेयार्ट्ड, अकटल (मरमास्**क दस**)ति विशय ति विज्ञान केट छिक्त महो । भारतिकृदर्भ 🤏 🗗 टे ध्यो प्राष्ट्रभूक्षण न शानिभानभू सिक अब त ७३ विद्याहरून मस्याद्याणी क्ट्रेस ।

গত ভাদ মাদেব ছিতীয় প্ৰজ অনুধি क्षाज्ञांत्रम् वाधिवयन इतेर्य एक एचार्यः धु**३** मिन्नद्रभत (२० म. २४ श.स.) सुक्ति ख আর্জ্জ ও যেরিভর । ১ ল। আংশিন বুনবার এ #ামারি कंग- लाहिडांड खन्ताल উद्ध स्मिन छेड्ड मिर्क्य विखीर्ग धरवन कतिन। अभगात वातात साहरूत চত্ৰাদ্দিক ধন্যাবাহিতে বেফিড হইয়াছে, নং মণ্ডলে বিছাদমি ঘন ঘন নুভা করিতে मदल कम्ल्रमान कतिया पुरत्यशास वादि চছে। আহা ! এ সময়ে গৃহহীন ভগ কুটীর গৈর কি কষ্ট !!! একে ভাহাদের বাসস্থান অপ্রশস্ত, ভাগতে আবার গে'বংসাদির থকরে অবস্থান, সেই জাল সুগন্ধি দূ বিভ গ্র অবোর বর্ধাজনে আপুত হইছে গ্রাচন্ত্রিক ভীষণ জলরাশি পথ ঘাই অলময়। বনাপীজিত আশ্রেটন লগের অসহা ফেশ সার্গ করিলে পামাণ্ড

তাবিত বন্যা প্রথমত ছই তিন দিবস পাইয়ানিল; ভালার পর কিঞ্ছিৎ ভাস যায়। তৎপরে পুনরায় অতাক্ত রন্ধি প্রায় সপ্তাহকাল স্থিতি কবে। বন্যার সময় দেশ হইতে ভাতন জল প্রায় স্থাব দেখা প্রতিত হইলেই ঐ রূপ পুনর্মানি সংঘ য়। এরূপ বৃদ্ধিক এদেশে "জাতিনী

' কছে। ৰিত ৰনায় পূৰ্মপাৰনপ্ৰপীড়িত জিলীন এক্স জনপদ**৩ দি পুনর্গার খো**রতররপে क्षेत्र ८६। अवाद्यत्र चना। प्याकादा অধ্যার ভুল্য না হউক, অনিষ্টকারিডায় বলিজে পারা হায়না। ইহং অক্রেষ্টি করিয়াছে, দরিদের ধন আত্মদাৎ করি-, বুডুক্টিতের প্রস্তারে ভঙ্গ নিকেপ াছে, বিস্তারিত বিকট ক্রেভাপরি বিখ্য কর ক্ষার সমর্পণ করিয়াকে। গত ভয়ানক n গৃহহীৰ ও হতসক্ষে হইয়াও *প্*লোৱা ারক্লেশে যে ধানা ক্রমাইয়াছিল, **প্রস্ক**িষ সে সকলি বিনষ্ট করিয়াছে। সুপর ও কে আপটিদ ধান,ে ইক্সু, কলায় প্ৰভৃতি নানা র শন্যের যার পর নাই ক্ষনিই ঘটিয়াছে। ত বনারে পর রাজপুদ্রেরা এজার রেশ त्व 😝 कृतिकार्य। त्र 👺 विभात्र , स्थना 🔊 रनक াগ করিয়াছিলেন । কিন্তু কৈবপ্রতিকুলভায় त दूथा क्ट्रेल । हे जिस्ट्रिंग के अट्ट्रिनंद्र भीना क লের দর বিশংশ কৃষ্ণি হইয়। উঠিয়াছে। ক্রামণ ভেবে আনজিশ্যাই সক্ষাবিক্ত। প্রজালিলের ক: ংশই নিঃঅ · প্রায় দক**েট হত**াশ হই-ाक्षस्कीत । सहरकत् मः थहा अस्य विदेख ভাল্পিরকে মিংনার দেশির। মহা**জনেরাও** ান বড় কবিয়াছে ৷ ৪ টিলো হানাসমুদায় জন্পোপ্লকে যে কাজ হইভেছি**ল ভাছা**ও ভ টেয়,ছে: এখন নিরন লোকদিশের নিক শুন, দেঁখিতে ছি। দয়ালু রাজপুরুষগণ এ দেখেৰ প্ৰতি শুভ দুকি নিপাতিত কলন । हेरा छेदमञ्जरहेप्रः सहिद्यः এकद्व अध्यकः

এক মাসকাল বন্যাপীড়িত প্রামসকলে ওওুল বিভরণ করা আবদকে। যদি সকল প্রজাকে विज्ञत्न क्यां ना रय, खारा रहेल यारात्त्र होन ও বাস উজয়ই গিয়াছে ভাহাদিগকে বিভর্ণ আর যাহাদের একপ্রকার ক্ষতি হইয়াতে ভাহা দিগকে প্রচলিত দরের অর্থেক দরে চাউল বিক্রম করা কর্তব্য। গৃহহীন প্রজাদিলের গৃহ निर्मानार्थ कृतिरवहनाश्रमिक व्यथमाश्रमा कड़ा উচিত। উদুশ ভয়ত্বর বিপদের পুনঃসংঘটন না **इत्र खब्दना प्रदर्भननप्रद्यात ५७७**३ अ डिक ভর ব'ন নির্মাণ করা নিভাস্ত আবশ্যক। শে ষোক্ত কাষ্য ত ৰাজপুক্ষেরা করিবেনই, অন্যান্য কাৰ্য্যন্তলি ধনাচ্যবৰ্গ রাজপুক্ষণাণ উভয়েরই মিলিও হইয়া সম্পন্ন করা উচ্চিত। গত কার্ছি-কের বাজ্যাপীজিত লোকদিগের আহুকুল্যার্থ আমাদের লেপ্টনন্ট গ্রহ্ বাহাছর অধ্প্রদান कतिमाहित्सम अवः वर्गकमध्यमाग् । अवगानः ধনাচা লোকেরাও বিস্তর টাক। দিয়াছিলেন। এখন উাধা গ্ৰাক বাৰ এ দেখেও প্ৰতি এই শ্ৰীহীন সরিদ্র ঘোরতের বিপদএস্ত দেশের প্রতি সেই কুপাকটাক নিক্ষেপ করুন। অনাধাদীন হীন লোকের কার কোন মডেই পরিজাণ নাই। এখন এ দেশ দানশীল দয়ালু মহাম্মাদিগের मस्मिश्चकारमञ्जूष्ठेभगुक द्वान स्टेग्नारहः।

উপসংহারকালে আমরা কাথির ডেপুটা
মালিটেট অনাথ বসুরাটো সাহেব ও বালেখারের আফিসিয়ে নং কালেইর উদ্যমনীল পনী
সাহেবকে অনুরোধ করিতেচি, উাহারা আপন
আশন এলাকার বন্যাপীভিত গ্রামগুলি পুনরায়
দশন করুন। আঘাচের বন্যার পর যেরূপ দেখি
য়াছিলেন, এখন অনেক স্থানে তদপেকা সমধিক
টনরাশ্য ও ছর্মনা দেখিতে পাইবেন। একংগ্
গাহহীন ও নিরেল লোকদিগের রক্ষার্থ আহু
কোন উপায় অবলখন করা অবশ্য কর্ডবঃ
সংক্ষেত্র নাই!

শেষ্ট্রন্থ } শূর্মিকলাশচন্দ্র রায় ১০ জাখিন

मृगा धार्षि।

জীয়জ বাৰু চক্ৰকুমার মুখোপাধ্যায় চক্রকোশ ১২৭৫ আবিন হুইডে ফাল্ওন

- " উমেৰ্চক্র চট্টোপাধনায় লখ্টীসরাই ৭
- » अर्थानाम **राजनात कविका**छ।
- n n চন্দ্রকুমার:বিত্র রঙ্গপুর
- 🐣 ৯ চ্তিরাম বড়ভাগ্রার বড়ুয়া 📸 🎇

শ ন রাজকৃষ্ণদাস নবর্গ ১৮৬৮ সেপ্টের ইইডে ৬৯ আগষ্ট জীগুক্ত হারিসন সাহেব বারুইপুর

নোমপ্রকাশসংক্রান্ত করেকটা বিশেষ নিয়ম।

অভিসমূল্য ও ডাক্ষাসূল না পাইলে বলে সোমপ্রকাশ প্রেরণ করা যায় না।

ইংর অগ্রিম মূল্য বার্ষিক ১০ টাকা গালানিক ৫৪০ টাকা । মফখলে ভাকম গমেত বার্ষিক ১৩, বালাসিক ৭ এবং টা নিক ৩৮০। ভিন মাসের প্রানে অগ্রিম এ২৭ করা বায় না শছন্তি, বরাতি চিঠি, অভার, নোট ও প্রান্ধ টিকিট, ইহার আ বাহাতে বাঁহার স্থাবিধা হয়, ভিনি সেই বি

ষ্টারা স্থাস্পটিকিট পাঠাইবেন, ও বেন এক অথবা আধি আনার অধিক য ও রবীদের টিকিট প্রেরণ না করেন।

যথন যিনি মফলল েংড সোমপ্রথ মূল্য পাঠাইবেন, ভাষা যেন রেজিষ্টরি য জীযুক্ত ঘারকানাথ বিদ্যাসুষ্ঠের নামে গ ইয়া দেন!

याँशिक्षित भूमा निवास ममन खाँछ व्यामित्य, अक मामशृत्यां , डांशिक्षित क निविद्या खानान याँहत, काम खाँडीखं शित्या खानान याँहत, काम खाँडीखं शित्या अक वास किंद्री लाचा श्हेरम, डांश् अकमामकाम अंडीका किंद्रिश कामख वर्ष्य गाँहत । त्यव वारसस भूज त्यम्नासिर व श्हेरव ।

মাজলা রেলওয়ের সোণাপুর ষ্টেসনের ঘরে চিঠি আইলে আমরা শীল্প পাইব।

सीक्षत्र योञ्चल ना मिद्रा शकामि क्षतः त्वन, सीक्षमित्रतः त्यके शकामि अक्ष योक्षतः ना।

কেং সোমপ্রকাশে বিজ্ঞাপন নিজে

শরিলে ভাষাকে প্রথম তিন বার প্রতিপংগি

আনা ভাষার পর /১০ আনা নিজে হা

থিনি অধিক কাল বিজ্ঞাপন দিবার ইক্ষা

বেন, গাঁহার সহিত অত্তর বন্দোবন্ত হই

ক্ষে এই পত্র কলিকানার নাক্ষর মাতলা রেলওয়ের সোণাপুর স্টেসনের চাকড়িপোতার শ্রীযুক্ত ভারকানার্থ ু ভুষ্টুশ্ব বাটাতে প্রতি সোমবার প্রাক্ত প্রকাশ্বিত হয়।

সাবিশ্রীচরিভ क वा । নী জে'লানাৰ চক্ৰৰ ভীলেৰী চ 聖術(ことを)計事[]] ብ ኤ 5 መርዝብ **ያማም** ምርክ የባራል" ብ'ቷ :

विक्रमु थे।

নালকর ক্রম অভিধান। সর বাজা রাধা-াদ্র বাহাড়ারের ক্লান্ত। উত্তমকাপে সেল ः स्व ब (श्रास मुखा ३०० है।का :

ओ याममहस्राद्यप्राप्तानीम ।

---:0;---

পুরাণ প্রকাশ। विक्षु श्रुद्धां ।

গলুবাদ ও টীকা সমেত আছোক ৰঙ । क: । अस्तिम मृद्याः ो∦॰ ।

। न अक्तरकिलागी स्ट्रेसन । उन मुद्रालुह ्रष्टिके ६८। ३ मर क्रिया कर्यः अकाम अवनः कशिकाण। प्रश्यः (द्रहः) नहरू p আপ্রোহ্ন ডেকালক্ষ বেল ন'মে বভ াইজ**াম**নিম মূলা পঠেটেকে, অন্তাম ए**डेटल** १४८५८म दिक्क श्रुटाच ४,३१६४१८ 45 x x

दरम्सः (श्रासः दक्षः ।

医腭韧带骨骨外部的现在分词 医洗束 布林 海湾

भ. महार्थिक अरू वहां एकात । अतः अराभाः ber Bat. fa fen imm a. e. i. Beb 466. अभिनानी दहेग्रह अभकत छ।इराज কোণ দিয়েগৰ কাভানত নিজেলগৰ হাইটুড় લ હેમલ છે. જારી જે કાર્યો છે લાગ્રસ્ટ(જે) : अपद्रात्म क्ष्या अप्रात्म क्ष्या नामार होन खाल्लम ध्याल क्रमाहरूच । क को क्यां नव ध्रमान देव प्रस्तु आमा महिल्हे ० न १ । ७९६२ शृष्यं प्राप्त मिर्देश हेता । मकाराखात कोई ८५ मा अन्य कामा देव ीं हैका, विलाध, बना कि कुई छेना सकता क प्रदेश, चुक्रवा वा এक कालीन प्राधिक ্ল ব্যাহাত নিয়ক **প্ৰভা**ত **সাহি**।

মুক্তন পুস্তক : कान मार्नित नक्ता। याबुरम्ब प्रदर्शायन्य । (इ.डामि छाषाः)

ক'লক'ভাপটোলভাকাত টেুণীং ইন টিটি উসন বিদ্যালয়ের প্রধান পণ্ডিত জীয়ুক্ত রামদ-র্মাণ্ড ভারারার্যার মিকটে অথবা জীবুক্ত ঈশ্বর-চন্দ্র বস্তু কোল্পানির স্ট্রান্টোপ ষত্রে প্রাপ্।। मृद्धाः 🖊 ५ । व्यानः साजः ।

२ फिश (त स्की :

अस ३५-७५ भारत्य ३५ हे अरहे वर मान हर्देएक २५ व काङ्टोबन वर्गास मनीधात নদী চায়ের সর্গাকমতি জনের সাপ্তাতিক বিশোটি ট

সর্মকমতি জল নাম **क**्रन्त् कें हैं क মহানাথ উপর প্রানশীকে মহ"নায় ভথ: হইতে জ্ঞানপুর ५ ला भारतेल भारता ফ'লপুৰ চইতে বছরমপুর ३५ माईटलेस मध्य বহুবলপুর স্কুরীতে কাটেন্ড্র a - মাইলেৰ মধ্যে कररहेश्चा क्≩ाफ नर्भेशः

সম ১৮৬৮ সংখ্যের ২৬-৭ ভাবিত্যত त्कत्मसुद अञ्चल (हेर कार्ट्य माण)

१५ अ:हेल अरुष्ट

क्षणार्द्धक स्थाप e भीतकात्र है, देहक अकारात्रहाति होस्कारत दर्गमभूव डिविक्स

সেঘএকাশ।

১৮ই কার্ডিক সোমবার 🔻

প্ৰতি কোন এছ বিশুণ হইয়াছে, আসরা, ছিলাম, কেশৰ ৰাবু টেডনা ও খুৰ বলিতে পারিনা, উপর্যাপরি বিপৎপাত । দির ন্যায় অব্তার মধ্যে পরিগণিত। . হইতেছে, ইচার শান্তি নাই। এ বর্ষে বার বাদনায় ব্যক্ত হয়ছেন। তৎকা भारमात विलक्ष रामिक **रहेल। टेकारकेत** । **भारमात को भारमाति गरेक जाकरप्**ती विश अवात्त्र भारमत श्रवत वास्ताय किं किं। क्तिय क्तिया कृतिक इन्सेहिट्लन ; िं ্নহ্কেরিয়'ও ক্ষত্করা পুনরায় যে ধানা একাণে ক্লভারা ভাহার পরিচয় হুই

রোপণ করিয়াছিল, কার্ডিক মানে হুরি स्टब्राटि कार:त अनिके र्हेल। आत **इष्ट, अक्र** शङ्कारना (**एथ**। याहेट उट्ट আমিরা এখনও সকল ভানের সমা शोहे नारे। कि श्रियार्ग श्राटनात्र १ হইবে, ভাহা নিশ্চয় করিয়া বলিভে তেছিনা। এই সময়ে নিম্লিখিত विषया तांकशूक्यिपात मावधान इ উচিত। প্ৰথম, কোন্প্ৰেদেশে কি মাণে ধানা জামিল, সুক্ষমরূপে ভা অসুসন্ধান করা। দ্বিজীয়, সহসা বিশে **ठा डेल ब्रश्नीनी हरेएक (मञ्जा ना इश्व**,

🖺 যুক্ত বারু যহনাথ চক্রবর্তী বি कुछ शायांभी उनीनकप्रल पर देह স্বৰাম স্বাক্ষর করিয়া আমাদিপের নি একধানি পত্র প্রেরণ করিয়াছেন; ভ ভানাম্বরে প্রচারিত চইল। আ আহকদিগ সোমপ্রকাশের বাগ विद्राप्त विद्राप्त कि दिल्ल हि, **उँ** १६ যেন অভিনিৰেশসহকারে প্রথানি প করেন। পর্প্রেশকের। প্রযুক্ত বারু বে <। किन्तु (गानित उ केंक्स्ट व्यक्त खाक्क গের বাবহার লখনি করিয়া বিশ্বিক ছবিত হুইন্নেছন, কিন্তু ভছুজাৰ জ করিয়া অধুনা খামাদিগের জ্লয়ে আ মান্তন বিশার অধবং ছংগের ই हरेल ना। किमाब बाहु एवं क्रिन ख मक्कीर्जन व्यात् छ कात्रशाह्यत, सिर्हे जिल ্রীহা হইতে আমানেগের দেশের মহ **হ≷বে ব**লিয়া যে '৵ছু আৰা জমিয়াটি ভাহা অংমুণ পরিতলের করিয়াটি ভারভবর্দের বিশেষজ বঙ্গদেশের আমারা দেই সময়েই কুটাক্সরে কহি চনিও এই কুদংক্ষার ও হুর্কাবছারের পনয়ন চেকী পাইতেছেন না; শুনি াম, বরং উহাতে অসুমোদন করি-চছেন। এখন কেবল ছুই চারিটী উইং-ট পীড়া আহোগ্য করা কার্যাটী অব াউ আছে, ভ হা হইলেই তিনি পূৰ্ণ ৰতার হন। এখন আমাদিগের জিজ্ঞাস ই, **ভাঁহ'র শিষে**রা তাঁহাকে কোন্ ভোর বলিয়া গণন। করিবেন ? ভিনি ज्ञात चलक्षमकी हिन लहेशा**र्ड**न अवर ষ্টের জাণকর্ত্ত্ব লইলেন, নৃসিংহাবভা র ন্যায় ভাঁচাতে উভয় গুণই দৃত হই ছে। উনবিংশ শতাকী বলিয়া কি ার উাহাকে এই অবস্ত অবতার রয়া ভূমওকো প্রেরণ করিয়াছেন ?

যাঁচারা কতকগুলি অস্থ ও অপ বিজালিকে আদেশ করিয়া বাবতীয ালির উপারে আপনাদিগের ঈর্ষণ চরিতার্থ কবেন, উলোদিগকে কিছু আমাদিগের এ এস্তাবের উদ্দেশ্য ্যথন ইচাঁঃ। ছুৰ্বল ও সাহস্থীন ছেন তথ্ন যত দিন এই অবস্থায় मिन গ†লিভা**জ**ন ∉ধেন, ভ**ত** ন। ছকলেকে যিনি যা বলেন, ভাই কুতম, প্রবঞ্চপ্রভৃতি ধা ইচ্ছা যায়, ভাষার এমন সাধ্য নাই যে बाम करत, श्रांडिबाम कतिरलाहे वा চাহা কর্ণগোচর করে ? ঘতএব ঐ बाक्ति आभामिशक स्व भानि सन् তৈ আমেরা হুঃবিভ নহি। আমাদি হু:খের বিষয় এই,বেদকল লোকের ৰ আমাদিগের ধন প্রাণ ও জাতি

इट्राणीय प्रित्त अविषय ।

কশবের অসুচর ত্রানোর তাঁহাকে পরি মানরকার ভার সমর্গিত হইয়াছে, াণকর্জা বলিয়া ভির করিয়াছেন । উলেদিগের আনেকের উলিখিত বিপ াহার। তাহাঁর চরণে প্তিত চইয়া : ব্রিসংকার আছে। "বাফালি গ এই ।বিপাতও চরণরেণুলেহন করিতেছে%। শব্দী আবণকুছবে প্রবিষ্ট হইলেই উচ্চা দিশের অন্তঃকরণ বিচলিত হয়। এতরি वक्षन व्यत्नक मग्रदश व्यत्नक व्यनर्थ घरिश वादकः विरम्भवकः स ऋरल इडेरवालीव ও বান্ধালি লইয়া কার্যদেশক উপস্থিত रह, त्र ऋत्य व्यक्तिकडत व्यक्तिकेवडेन। হর। বিচারপতিরা মনে করেন, মালুয हे हेटबोर शक्य अहन कतिरलहे मकल मन् श्वरणंत्र व्योकत, मशांत्र व्योधीत, मरङात আ প্রায় ও ধর্মের আবালয় হয় এবং বজ (मर्भ कथिएल नकल स्मोद कांगिश च्याहरू अपन करिया (कटना 4ई नव्यक्त বের বশবর্তী ছট্য়া উচ্চারা স্বকর্ত্রা সম্পাদন করেন ; সুতরাং আইন ও ন্যায় मकल हे उपहुछ इड्या यात्र। डीक्निएनत ज्याबक्षमार्थ फिडेक व्यव अर्थनि छेटेरनत পালের কিয়দংশ ফেণ্ড অব ইণ্ডিয়া হইতে উদ্ধৃত করিয়া দেওয়া গেল। স্থান আরাকান জয় করা হল, তংকালে তথায় इंडेटबर ीय हेशनिद्यम क्षांशन कतियात श्राप्त करा हरेशां हिल। देशां छ अरहिल छ টন বলিয়াছিলেনঃ— • ইউরোপীয় বিশে গভঃ ব্রিটিশ চারিত্র কার্যাকালে কভ নিক্লুট कांव क्षकांना करव, कांका द्वांत कर, মহাশয় (বে:ড অব কণ্টোলের সভা পত্তি) সবগত নছেন। যেদকল তিটি×: ভাপায়। সুর্বেলকে অনায়াদে মিথনা ; প্রজা (ইহারা কোম্পানির ভূত্য নচে)। নীল বপন ও প্রস্তুত করিয়াছিল, ভাগা দিপের চরিতা ও কার্যের প্রতি দৃষ্টিপাত করুন। তথাপি ইহারা উপনিধেশী নছে। কোম্পানির অনুমতিবাতিরেকে এইসকল লোক ভারতব্বে আসিতে পারিত না; কোম্পানি মনে করিলে ইহাদিগ্ৰে দূৰীভূত করিতে পারিভেন, 🖰 ভথাপি ইহারা লুঠ ও অভ্যাচারের এক

আফ্রিকার মরুজুমি অথবা আং ও অক্রেলিয়ার নাায় লোকহীন ^{१ १ इ.} व कहा इहेटव ना। हेहाबि (यथारन टब्रज़न कतियात कथा इहेर তথ্য বিস্তৰ লোকের বাস আছে ভাহাবা অসভ ও নহে। আমিও বি काडित अनुर्भेड कहे शदर्व हेहाता ८ পাণ ও অতাচার করিবে। তা গের কামাদিরিপু যত আছে, ত সকলই চরিতার্থইংবে. অব্বচ্আন ইহাদিগের কিছুই করিতে পারিবে हेर्गानरभव स्नाट्य स्नाटकत वि কাতির উপরে অগ্রদ্ধা কমিবে; ইহা লেই আমরা উপনিবেশ হইতে ব; हरेव क्षेत्रे निम्हा कानित्वन। **का** য চই সভা হট না কেন, আ: ইন ও এ গ্ৰণ্মেণ্টৱাৱা শাসিতনা হইলৈ আ ধকবিপ্রকার কুরুমা করিয়া থাকি। আ দিবের মাত নিয়মভঙ্গকারী জাতি ই রোপের মধে। আর নাই। →

क्तिलाइन ।

--- ;a; --

কলিকাভাৰ গলাৱ দিকে ক্ৰম চড়। পড়িতেছে কাই।জ আসি সুবিধানাই; মাতলাও সহজে বং **২ইতেচেনা, অ**গত ভাল একটা **ব**ন मा क्षेट्रल हिल्दिक्ट मा। कृष्णिलार হইতে এ সভীত সিদ্ধ হইতে পারে এই বিবেচন কৰিয়া প্ৰণ্মেণ্ট **মাত**ং (बल्धा:यन नागः म हहेर हुल् পর্য সু একটী রেশের রাস্ত করিবা প্তাব ভাষা কবিয়াছেল। সত্তর কার भारष क्टेर्न ब्रान (वाक क्ट्रेंक्ट्र्स

ভাষার উপাক্রম (দখা যাইতেতে | बक्रमानीय स्थलिनके शार्थेत **माउला**ट বন্দর করিবার ,চটা পরিভাগের অপুরোধ করিয়াডেন, কিন্তু ভারতব্রী भवन्तमन्त्रे कानिङ्गलार्हे (कान्त्रोनित यर् শেষ করিয়াছে এ সকল লোককে 🍅 🛒

(দ্বিয়াও সহ্না একটী আঞ্জা বিস্

েএই, এটা যেন লোকালয় দূরে

য়োকেবল মাঠ দিয়া করানা হয়।

টো প্রামের নিকট দিয়া গেলে

গ্রেমালুবে লাভ হইবে এরণ

দুৰা সামগ্ৰীতেও লাভ ত্ইৰ;র

খাম;দিগের এক জন প্রংগ্রক

कृष्टी (चल. .

ৰনা আছে ৷

া হইতে লিখিয়াছেন, ভথায় দেওনা
সময়ে জুবা খোলার অহিশার ধুম
উহাতে অনেকের সক্ষনাশ হই।
কিন্তু গাজপুরুবেরা উহার
বাচেটা কবেন না। পত্রপ্রেক
বা, কোন কোন রাজপুরুবের
জাছে যে, ভহার সহিত পর্যের
জাছে, ভিন্নিমন্ত ভাহার। উহাতে
কল করেন না। যদি একথাটা বাস্ত্র
হয়, বড় ছ্বেও আক্রিয়ের বিষয়।
য়া সক্ষোত্ত হইতে হইবে, হিল্ছু
কুত্রালি এরণ বিধি নাই। যে
লেক এপ্রকার ব্রেডা দেন, ভিনি
লক্ষ্রিতিত হইতে প্রেন না।
কারের। কহিরাজেন, রাজা স্বর্জা

চ্দুজে (খলানিদাল কিল্যমান

পাশকীড়াদি) ও সমাহ্বয় (কাণিছারা ক্রিনাণ পশাহিষ্ক্র) দূর করিয়া দিখেন, উহাতে রাজার সর্কানাশ হয় (১) ভবে দূড়ে প্রতিপদ্ ভিথিতে ক্রীড়া করিবার বিধি আছে সভা (২)কিন্তু পণ রাধিয়া অব শাক্রীড়া করিভে হইবে, কুরোপি এরপ বিধি নাই। ক্রিবিদে আমোদের নিমিত্ত ক্রীড়া করিভে হয়, এইমাত্র শাস্ত্রে আছে; এইনিমিত্ত দূতেপ্রতিপদের একটা নাম কৌমুদী হইয়াছে। (৩) মাদকাদি দেবন হেমন অনর্থকর দ্যুত ভদপেক্যা নিকৃষ্ট নহে। ইহা বহুদোবের আকর ও চৌর্যোর আপ্রয়। (৪)অভএব গ্রেণ্মে

(:) স্ভেং সম'ক্ষরবৈশ্ব রাজা রাজ্ঞানিবর্তারে । রাজ্ঞান্তকরণীটেনে জা দোষো পৃথিবীক্তিং প্রকাশমেতভাক্ষরিং মাদ্দেবনসমাহ্বয়ে। তরোন ভাগে প্রতীঘাতে নুসাত্র্যম্বান ভাবেং। ক্ষাণিভিধ্ব ক্রিয়তে ভালোকে দু,ভমুহ,তে। প্রাণিভিং ক্রিয়তে যুক্ত স বিজ্ঞায়: সমাহ্বয়ং। স্তুমেতং পুশা কল্পে স্টুং বৈবক্ষর মহ্থ। ভাষাক্তিং ন সেবেত হাস্যাধ্যাপি বুজ্মান।

সম্যাদ্

.सः रयामान सकार वस जिल्लेक । मान सुधि हैत। व्योगन राष्ट्रिया (किन जना वर्षत श्रमाणि हि। जिल्ला जना

(८) दृष्टायाः काल्डिक छमा सङ्का या श्राह्म छ छिन्। विकासिता मही पात को मूनी मा म्यू छ। दृष्टाः । मून्यका मही (१०३१: मून) १८ई ह देव विका। योष्ट्रोकाः मकनकरेकाः महिदेव (को मूनी म्यू छ।। नार्ष्या छत्न थे छ।।

(४) किएख वृत्यकत वार्ष्णस्य व्ह्रणायिन मानमः।

क्षित्र वर्ष्यामास्य स्थानः छु भिर्विक्षः।

क्षित्र वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः श्रीकाः ।

वर्षकार क्ष्यकर व्यक्ति वर्षः ।

क्रिकार क्ष्यकर क्ष्यकर क्ष्यकर क्ष्यकर क्ष्यकर क्ष्यकर व्यक्ति ।

क्रिकार क्ष्यकार क्ष्यकर विक्रा क्षित्र ।

्लित इसात निवातत्व मर्काटणास्य वान स्वता देविछ। कान कारम व वि रेणाधिमाध्यम्न विरश्न स्व ना। मा ज्या विता मून स्टेट्ड व्य वक्षी प् देवश्य स्टेशिइन, जामका छण् विप्रक्रमनश्यक्षे स्टेट्ड देख्ड क् रिनाम।

ণ গত শনিবার পুলিষের বে कमिननदत्रत्र निक्षे अक्षे प्राम्हर्धा বেলাও জুয়াচুরির রিপোর্ট আলিয় উহার পূর্বে রহস্পতিবার মহানন্দ নামে বেদল ব্যাক্তের করেন্সী ডিপা लिंद्र धक सन् कर्यागती सक्यार स स्टेट वाहित स्हेश शिक्षा मक्तात वि भूटर्स चाकित्म श्रक्तांशमन करता। कल (नाठे दमला हैशा (लाटक के पा **क्ट्रेट कोका नव्न, त्म्हे ममस्य त्मिक** देश ताक्षा महानटक्तत्र कर्य। नश्चाह মহানদের নিকট এক রাক্তি আ উাহাকে বলে, ১০ কত হাজার ট নোট ভোমার হাতে প্রভাহ পড়ে, তোমরে এমন হর্দদা ! জুমি উহার पर्भ कहेगा ङ्गा (था, वारण व्यक्त मर्था अमन धनाहा इहेर छ शांत रा টাকা বেভানের প্রভাগশায় থাকিতে ना।" महानमः वत्तन " आधि খেলিতে ভানিনা।" আগস্তুক ব ভাঁহাকে সাখানবাকো কহিল, 😬 কালমধ্যেই সামি ভোমাকে উত্ত বেলা শিখাইতে পারি, কিছু ব সংআহে করিলেই হয়। গ মহান্দ **প্রলোভ**নে প্রভিত্ত**হ**ইয়া **জী**র প বন্ধক দিয়া ঐ কপ্ট বন্ধুর সহিত ব বারজুষা থেলিলে পর ঐ কপা **डॉहारक निकाम क**ंत्रिया दलिल "

অভ্তাম্পকালমধ্যেই উত্তমরূপ খে

লিখিরাছ। ' ইছার পর তিনি স

मह्क अक अने धनीहा बांबुह

(थ्लिट्ड नरेश योगः) महानमः द

हे 5% होता (**क्ष्युक्त) जाहात गृह**्य क्रिया व्यव काहात गृह के क्रम है ह बाबू प्रशासभादक बर्द्यन, '' मामि মার সহিত আরু খেলিব মা, ভূমি ।का (बालाबाफ मिबिटक गारे।" নদ্মতি হৰ্যুক্ত হইয়া বাটী গমন ন। ভাষার পর দিবদ 🔄 কপট বন্ধু शंत्र महिङ माकार कतिया वटनम, धुनाछ। वाबू वालादकत निक्छे शता চ হ্রা অভাত রাগায়িত হুইয়া বহি চন এবং ভোষার গৃহিত অনেক টাকা া খেলিবেন প্রতিজ্ঞা করিয়াছেন। माणूय इहेबात अहे नमत । ३६०० १ २००० - इंक्सित होका वाक स्टेट ह গা ৰংসালের ঘাটে নৌকার উপর ঐ র সহিত ক্রেক ঘনী৷ খেলিলে পরই व निण्डत्र अती हरेशा, वास्कित छावा কার বাকে রাখিয়া বাকি আখাদাৎ তে পার। " মহানক্ষ ইহাতে সম্মত ল উলিখিত ইংস্পতিবার বংসালের ট ঐ ৰপট ৰক্ষু ও বাবু এবং ভাঁহার ্য ক্ষেক জন এছ নৌকায় থাকে এবং

ট্ডে পারিয়াছিলেন, ভাবা হইতে টাকার ৩০ কেন্ডা নোট লইয়া কায় উপস্থিত হইয়া আনুয়া থেলেন। ধমে মহানন্দ ৫০ টাকা ক্লেভেন, হার পর ১০০ টাকা হারেন। শেষে ট বাবুকত্তন "আমি ৫০ বা ১০০ ণার দানে সম্মত নহি। আমার নিক্ট

नम बाक्ष इहेटड (यमकन नाडे

মস্তা মহানদ্দকে একটা আফিস

ट उ द००० छे।क। कर्णा (म अग्र हेटबन রা লইরাযান। মহানক এইরপে মুব্রিয়েট গুদামের নিক্ট আনীত মের নিয়মানুসারে আবেদন করিতে ও প্রতীয়মান কইবে, বাঁছারা বি ্লাক্ষেক কাল গাড়িতে অংগকা ভাষাতে এক টাকা মুলোর টাম্প গাইয়া লয় প্রতিষ্ঠা করিয়া অর্থনান ব

(त्रीमका डीबाटक बटल (व ज्याकिन बच्च क्रेब्राह्म : गुक्रनार अव्यान क्रीका नावका बाहरत ना । महानेक कारित घारें के कात माम वार्ट्य कितिया आहेटमा । पास्तित कर्षहातीता उपराद के 🌣 (क्ला लाटिंड क्या क्लिकामा के**डां**टिंड তিনি দমন্ত বুলাত বলেন। তথ্ন পুলি বের ইনজ্পেক্টর মোরিয়াটি মহান্দের मरक बाजीएक मिता नाना को नवपाता এ কণ্ট বাবুকে ভাষার বাটা হইভে ध्यश्चीत करनम अवः छरभरत के पूर्वी

(चेंद्रनाज्ञाफ्टक्ड ब्याखीत कदत्रम 'उ कथा

रुरेट ७ माईल मृत्त निहा के माहिशाल

वाहित करत्रम। य वाक्ति महानमारक

८००० होना कर्ण (मध्याइटक हाहिया.

ছিল, ভাষার বাটীতে গিয়া এইখানি

৫০ টাকার নোট পাওয়া যায়, ভাচাতে

আর এক ধানা নোটের (১) বসাইয়া

৫०० छै।का क्रियात (ठकी क्रा इहेश-

ছিল।"

---: . বিদ্যালয়ে সাম্যায়, এছণের ফুডেন নিয়ন।

व्यामामिट्रात निकाकाटकात जिट्ड केंद्र শ্ৰীযুক্ত ভৰলিউ এন, আটাকলন নাছেৰ मात्रिकालि ७ व्हेट छ । । । । १५० वित हेन স্পেক্টংকে যে একপত্ৰ লিখেন এবং তাহার স্হিত যে একখানি ফ্রম পাঠাইয়া े हे कि। आहर , आभि अक बारत नव तम्म, डीका पर्मन करिया आधारितात ব।" মহানক সমত হইলে থেলা অন্তঃকরণে এক অনিকচিনীয় ভাবেব ল এবং তাঁচারই হার হইল। তথন । উদয় হইল। চিঠিতে লিখিত আছে, হইবেন এবং নিজের অর্থ ও সময় ১৫০০ টাকো দিয়া বাকি ৫০০ টাকার ১৮৬৭ অবেদর আগষ্ঠ নাগে সাহায় করিয়া ভাষার উল্লিখনচেটা ক মী ছইলেন। অনন্তর উক্ত বাবুর কণট দানের যে পরিবর্তিত নিয়ম করা চইন বেন, জাঁচার নিকট চইতে উলি য়াছে, তদ্পুদারে যাঁকারা সাহাধ্যেহণ প্রকার চুক্তিপ্র লিখাইয়া ল कतिशार्द्धन, व्यथवा व्यञ्कशात कशिर्द्धन, कि कर्ष्ट्राणिक दावकात करेरकरू

তাঁহাদিপকে একাব্ৰার নিৰ্দেশিত কর যুদ্ধ অভুধানন করিয়া দেখা

विटिं क्टेट्व। क्येंट्य निविध कार बांबात्र कादबबन कहिटबन, की वातिया लियं । मिटक संस्टब त्व, व्यामना कारक क दलत बंबादिश क्यानिकाम भार्त्त वर्षायम विनिद्यामविवास म हेरेट मध्य चाहि । ११ वट क्रिने नि व विवास कार्य कि १ (बाब इस क्या का याओं हो छ। अधिकेश क्षित्रार्ट्स । শেক্তর তাহার নামে অভিযো केतिया किছू केतिएक शास्त्रम में কিছ উলিখিত ভাসমূক সাংখ र्गात याक्त्र कराहेशा नहेटन चाह है व्यक्तात्रना कतिएक लातिएवन मा. चा नट्ड जनाशास्त्र जिल्लाम हिन्द् এডডির খার একটা লাভ এই এউপ किकिट अर्थानमञ्जू स्टेट्य । ,त्मर्राटकत व विमाणक कतिवात है ऋ। अहस ' वहें उड पश्चिक मूलात छोल्न मियात नि कतिरल करम चात्रवृद्ध १३८७ वासि · ভি:्टिक जना जना विवहत्त्र नाव अजित्व अक्जी कृष्टिकार्या करि ভুলিভেছেন। কিন্তু এটা দেরপ বি

कि मा, এक बात्र बिर्विष्ठमा करिया ए व्यावभाक। विषयकर्षभारत्वे श्रुष्ण् স্বার্থপন্তর পাকে; যাঁচার। বিদ্যা প্রতিষ্ঠা করিয়া সাচাষ্যপ্রার্থনা করে उँ। हामिरशत (काम पार्थ मद्या प कि ना १ कै। होता कि क्विम शहराश्य डेट्सम कतिहा हेकाट अञ्चल कर व यक्ति भट्टाभकात्र विमानायशिका डेटकमा करेश, य वांकि उश्कार्या व ধারা দানাংকো সাহায্যদাত। প্রণ-छेत्र समकक्षा भवन्त्र मध्ये यत्ति 🛎 हो हो। কে অবিশ্বাস করিয়া চুক্তিপতা লিখা त्रम, ऊँ।हार। ३ व्यनाग्राटम विषयम, (म**्पे**ंड इंन्स्**ल्ले**ड्डाइ) **এই**প্র একখানি চুক্তিপজ লিখাইয়া দেওয়া भाग जिल्ल कृत्वत विव चाहेत्व

ম্পাট্টা তংকাবি ভাছাতে **সা**-করিবেন, স্কুল কমিটির দোষ দেখা তিনি প্রপ্নেক্টের সাহায্যদনে বছা एक পारिद्वम मा अवश दकान व्यक्तांत्र 'ख्रिकारमा कालदिलम् कतिर्दन ना। টি যদি আন/ানার প্রতিক্রাপুরপ ाञ्च क्षेत्रनियद्भत काना वाहत व कतियः, কন, ইনজ্পেক্টর উচ্ছার নামে নালীশ

ার বেভন বন্ধ ধংকিতে পাবে না। ন কোন হলে একপ ঘটিয়া থাকে, টির সহিত ইনক্ষেইরের গোলযোগ ৷ শিক্ষকদিগতে অকারণ বেডন

र्वन ; किञ्च मि चा शक्ति । जिस्क

अ (अभिने महाकारिट हर। অনেকে অনিক্ট আশকা করিয়া

ংবিত ফরমে স্বংক্তর করিতে সাহসী दन नः, व्यक्तिदक भूष्यात्र उद्धान कृतिहरू

क्ष इहेर्रान अवर् योहिसिस्सन धुनी ভাষক ভাঃীরা ধণ্লোপভয়ে র করিবেন না। ফলমে লিখিং। দিতে

ে শৃকামি বিদ্লেভেৰ বৃণাবিধি मम्भागित्रद्व स इहेशाम

প্রেরই দেখিতে পাওয়া য'য় যে র। সাহাব কুতি বিদ্যালয়ের অধ্য

चात प्रवन करतन, डीहारा काया

बराष्ट्र इ बर्टकन, अधान भिक्रदक्त র ভত্তাবধান আদি করিয়া অনেক

ার ভার সমপিতি হয়, অগকের ल काया क, दवात व्यवस्य क्या ना। क्ष्यक्षक विद्वन्तः **व**्दक्तः श्रीम

न: क्तिता **(मथ, विमा**ल्टात यट्या

एखाब्धानामि ध्रेन कि ना, स्थिन कि

क्र. १ अश्वात निर्वेष क्रिट्रिन १ (व अश्वाप **সমস্ত দিন স্বয়ং, বিদ্যালয়ে উপস্থিত** থাকিয়া ভত্বাৰধান না করেন, ডিনি ধর্ম। শী করিয়া কথনই লিখিয়া দিতে পারেন না যে আমি বিদ্যালয়ের যথা विधि कार्यामन्त्रानत्तव नाक्षी इहेव। "

ডিংইের সাছের প্রস্তাবিত ফরম

তাহাব পাঠ ও তাহাতে ফ্টাম্প বদাই

বার রীভি কি ইংলও হইতে গ্রহণ করি

য়াছেন ৷ অথবা স্ববুদ্ধিয়ার কণ্পানা

করিয়াছেন ? যাহা কারণ হউক, আনা मिर्गत यात्र ए**डेर्ड्स, এक्**रांत्र नियम হইয়াছিল, বে আমের পশুতে কোন ক্ষেত্র উপদ্রব করিবে, দেই প্রামের ষাব ভীন লোকের দণ্ড ছইবে। প্রস্তাবি ভ ফরম ও ফাম্প দিবার নিয়মটা ইহারই महामत्र। এक छन कविश्रेटखर काक করিল, ইন,স্পট্টর বা ডেপুটা ইনস্পেন্টর व्यक्तिमः द्वारिष व्यवस्था व्यवस्था कार्यस्थ ভাছার দওদানে সমর্থ হইলেন না, শেষে রাজ্য শুদ্ধ লোকের দওদান করিয়া বলি লেন। যে ছুট ঢারি জ্বন অবিশ্বস্তেব কাজৰ করিয়াছেন, ভাঁহরোও স্বাইচ্ছায় ক্রেন নাই; যিনি অধাক্ষভাভার এছণ করিয়াছিলেন, হয় ও ডিনি চাঁদা আদায় क्तिएक भारतन नाहे, अंदरभारत कांहात ক্ষের যাব জীয় ব্যয়ন্তার পাতি ত হ**ইয়াছে**। ভাঁহার এমন সঞ্চিত নাই যে ভিনি নিজে भगुनाध दिया উ८४न। शकान्द्रतः उपहात ধ্বনীতিও কঠাব:জ্ঞান এক এবল ও বিশুদ্ধ নহ যে ভিনি ভৎক্ষণাৎ ঐ বিষয় ইনস্পেক্টারে কর্গোচর করিয়া নিক্ষ্ ভি লাভ কণেন। পাঁচ **জনের অসুরোধে** পভিন্ন শেষে প্রবঞ্ক হইয়া দাঁড়ান।

ভূতন পুত্তক ও পজিকা।

🗦 । च स्टिश्टपंत महिन्छ व्यना व्यना श्रद्धत विद्राध । अथानि हेश्त्राको छाषात्र লিখিত। শ্রীযুক্ত রেবরেঞ্জে, মুরে

ষিচেল এল, এল, ডি, এখানি লি (इन । इंशांत छेटकांका अहे, व्यटनटक ধর্মের প্রাত্তার দর্শন করিয়া মনে **. उट्टन, क्यट** ज्ञाक ध्रम क्ष्यन यं छेश्टर्यत छेटल्ह्स्नाधन क्रिट्य। মিচেল সাহেব বলেন, এটা লে ভ্ৰমাত্মক জ্ঞান। খু উধৰ্ম যে ভার বাণী হইবে. এটা ভাহার পুর্ব্ব ল এখর্মের স্বাধিকার বিস্তার হইবার क्टेब्रिंग लक्ष्म व्हे ब्हेब्रा शास्त्र । स ইতিহাস অবলয়ন করিয়া প্রমাণ ক ছেন, রোম ও জীদেও এইপ্রকার গ क्रम चरिक्षाहित। क्रे क्रे ब्राटकाल मा লোকে উপধ্যবিমোহিত ছিল বিশ্বান ব্যক্তিরা তদানীস্থন দর্শন শ ত জ ও অহুরক্ত হইয়া ধু উধর্মের খ প্রবৃত হইয়াছিলেন; কিন্তু কুত क्टेंट्ड शास्त्रन नाहे। स्मरव अस्ट দেশের ধর্ম হইরা উঠে। আমাদি নব যুবক আলে সভাবায় (বালু বে (मर्गड मन) (स्थाक्त वावस्त का ছেন, ভাষাতে মিচেল সাহেত্বর আ দিপের মতে "মচেল সাহেবের একটা **ब्हेग्नाइक् किंन समानदस्या ८**३१ গ্রীদের দহিত ভারতবর্ষের যে দা বিয়াছেন, তাং। স্বাদত হয় নাই ৷ ৫ ও জীলে ভৎকালে যে দৰ্শনৰ ছিল, ভূচার মূল ঈ্ধরাসুসূতে ন হুভরাং অংগুনিক বলিয়া লো ভাহাতে ভাদুৰ আহাছিল না, ক কাল্ডেই ড্লা উপেক্ষিত হুইয়া আ উন্মূলিত হয় এবং খৃষ্ট ধর্ম তং অধিকার করিয়ালয়। কিন্তুভারত

যে এক বেদ প্রচলিত আছে, তা

त्रान कर, ज्ञेषत मरमाज्ञा ध

क्तिया (रम क्रियाहित्सन । तमार

উহাতে দৃঢ়তর বিশ্বাদ আছে, অভ

উহার উমূলন **সহজ** নহে । আ

বেখিতে পাই, বিহান্ত অবিহান্ উভয় विथ बास्तित्र हे अक अक क्षकारत छेहार छ मिंदिर्भव क्षेत्रिं चाट्य । এছলে এ विद्व-हना कड़ां कथावभाक, धृष्ठेश्य यरशका (बरमासिक धरमात्र करू व्यन्तम श्राधीना আছে। ধু উ ধর্ম এক জন মনুদাকে ঈশ্ব रतत श्रुल विनशा निर्मिण करतन धवः ভাঁহার আপ্রায় বাতিরেকে মুক্তি লাভের मखाबना नारे, अहे कथा बरणन। किछ (वह छोड़ा बटलन मा, व्यक्ति व्यथान প্রতিপাদা অদ্বিতীয় ত্রন্ন, তাঁহার আশ্রের গ্রহণ করিতে হইলে অন্যকে মধ্য ৰ জীকরিতে হয় না। অপর, যে জাতি থু হা ধৰা অবলম্বন করে, দেই জাতিই যে উন্নতিশালী হয়, তাহাও সপ্রমাণ নছে। মিচেল সাহেৰ রোম ও জীদের যে উদা হরণ দিয়াছেন, তদ্ধারা বৈপরীত্যই প্রমাণ হইতেছে। যথকালে রোম ও ক্রীদে খুট ধর্মের নাম গলাছিলনা, নেই সময়েই উহা অসামান্য উন্নতি मण्यस इत्र । किस्त श्रृक्षेश्वर्षात व्यक्षिकाटतत প্র আমার সে রোম ও সে ঞীস নাই।

২। সমাসদর্পন। কলিকাতা গবর্ণমেণ্ট বাখালা পাঠশালার অন্যতর পণ্ডিত
অনুক্ত আদ্যানাথ ভট্টাচার্য্য সিদ্ধান্ত
কৌমুদী ও সুপত্মপ্রভৃতি ব্যাকরণ অবল
যন করিয়া এখানির সঙ্কলন করিয়াছেন।
বাখালা ভাষার যভগুলি ব্যাকরণ প্রকাশিত
হইষাছে, ভাহার সমাসপ্রকরণ অভিশন্ত
সংক্ষিপ্ত, এই প্রকরণটি বিস্তারিত করিয়া
লেখাই সমাসদর্পন্চারের উদ্দেশ্য। সে
উদ্দেশ্য সিদ্ধা হইয়াছে।

া কবিতাকদয়। সংক্ত আলকা
বিকেরা কান্যকে দৃশ্য ও প্রবাতেদে ছুই
ভাগে বিভক্ত করিয়াছেন। প্রব্য কাব্য
শাবার গদ্য ও পদ্য এই উভয় ভাগে
বিভক্ত। আজি কালি বাদালা ভাষায়
এই ত্রিবিধ কাব্যেরই প্রাচুর্যা লাক্ত হুই

তৈছে। সোম অকাশের অকটি বিজ্ঞাপন বিদ্বাদ্য করে বা নাটকের কৃতি হইরাছে দিবি । পাঠকগণ চনহক্ত ইইবেন। ঘাই। ইউক এই ভিনের মধ্যে পদ্যময় কাব্য প্রালি অপেক্ষাকৃত উহক্ত দৃষ্ট ইইভেছে। এবারেও একথানি উত্তম কাব্য আমাদি গের হত্তগত ইইরাছে। এথানি উর্ক্ত বারু মদনমোহন মিত্রপ্রনীত, নাম কবিতা কদ্য। আমরা ইহার উহক্ত পরীক্ষার্থ পাঠকগণের অপ্রে করেকটা কবিতা উপ্রেল্ড ক্রিয়া দিলান।

কুন্তকর্ণ বৃদ্ধবাত্তাকালে ক্রোধে হত (চতনপ্রায় ইইয়া এইয়প বাকা
রিলয়াছিল।

इंडेरकद नारल यथा यद्य मिरक्न नग, किंदा (बदलाटन यथा अद्विम्त्रनाष. সেই স্ক্রপ যুদ্ধে মোরে পাঠালে বাব ৭. कि लीक्रव ? जन्मानी वी कतिता निभाउ। লক্ষেত্ৰের শত্রু আছে, কলক আমার. ভাষাও ছু এক নহে অসংখ্য গণনে, फाराटक क्रमिन मध्य (दाधिश्राप्त वात. ভাও যে কানর নর, সহিব কেমনে। कि काम्हर्य, এउ बीच जिल्हरू जरहात, কেছ কি নাৱিল নর বানর ব্যিতে, विक धिक लक्षा (खादि विक मखबात, निकौरिता कि इलि ुहे निक्व व किएड : এই আমি চ ननाम नमत मासारत. ধরিয়া আয়ুদ ৮ও অন্তিশ্লোপন, मक्कान्न मचरम कोर्ट्स व्यवस्थाकि मारत, ভীষণ ম হ্বারত লপ্তপর যম। किना खाति के लिक्सिस्टीर्श के मध्मादि. পারি উৎপার্টিডে সিরি শুষিতে সাগর, अकृष्टिकृतिभागम (पश्चित्म कामार्स, ৰজ্ঞাৰ ৰল কে ল পলায় সম্বর: ভাঙিত সমান কেলে বথা কথা বাদ, িশা গুণা গুকুরাল মনিরাবিছ্বল, श्राद कि कपलीवन करत विनिभाउ, সেইরূপ যুদ্ধে পলি প্রকাশিব বল। भवि द्वातीरदन कुछ क्षित्त धरीब, সে ঘ্রাণ ভূমে ৯৬ উপাঞ্চিব টানে, क्षत्र ७ व्यास कर्षात्य व विश्वाकानिय, ভূৰটেৰ মিঞুগৰ্ভে ঋ**ক্ষ কাছবানে** ৷

व्यावस्त न इत इत कति काकृदियः,
यहि कान आल्य नाति तात्य य तेपातः,
विश्वात्र क्किमारण क्षेत्रक हरेयः,
व्यात्र क्षेत्रकाण हर्यः अर्क्यारयः।
वर्ष क्ष्यात्र कान हर्यः अरक्यारयः।
वर्ष क्ष्यात्र कति कृष्णात्र कतिः।
वर्ष यत्र वर्ष यत्र कर्णात्र वर्ष वर्ष यत्र वर्षः।
वर्ष यत्र वर्ष यत्र कर्णात्र वर्षः।
वर्ष यत्र वर्षः वर्षः।

জনধি অধীর হয়ে উগারিবে জন,
মুক্তেকে ধরাপৃষ্ঠ হইবে প্লাবিড,
বেরূপ মহীবে দিভেছিল রসাভল
সমবে মাহ্যাসুর প্রভিষ-মোহিড।
আতক্ষ জিলোক লোক হবে মুক্তার

আতম্ব ব্রিলোক লোক হবে মুক্তাকুল টানিবে কৈলাদেখাম শস্কর আসন, গর্জিবে উদয় কাল নজিবে ব্রিশুল, বে দেখায় বীর্যা ভার সফল জীবন।

--খাশান ভূমি দৰ্শন করিয়া---

কেছে তুম ভত্তক ভীষণ মুবজি।
আদে শব ভশালেশ নরহাড়মালী,
নীরবে দিতের শিক্ষা সংসারে বিরুতি,
লোম নাহি কড় বড়ু যমি কুও আলি।
পরিহিত প্রেডবাস নুকপাল্যারী,
প্রেডকুত্বকমওলুকলে অভিষ্কে,
তব সহচহ মৃত্যু সর্মার্শহিনী,
প্রচারির প্রেডাসনে ব্লিয়া বিবেশ।
শুনিয়ারি ভূতনাপ বোগী ভজ্জামী,
বড় ভাল বাদে নাকি তব সহ্যাস,
কি বাহে ভোমার নাম ? অহে। জানি ব
কড় কড় দরশন করি অভিলাষ।

শিখনে তুবাররাশি হয়ে বিগলিত. জন্মেরে করে যথা সাগরে বসাতি, সেরূপ জীবন হতে হইলে স্থালত, আনেকের তব সক বিনা নাই গাতা।

রাজ্ঞা, প্রজান চোব, সাধু কাল সহকা লক্ষ্যুলক লইয় ছে আপ্রয় ভোষার, ক্ষমি মা একটী রয় নেখি মা কাহাবে, বৈরীদের পরস্পান বৈধ নাই আর । বালকে জাসুকী কার দেখাইছ ভীতে, ভারুক স্থাবিরে কর ভারমন্ত্রদান, ধনপ্রকার্মিভেরে শিখাইছ নিগিছ, উদানীন বর্ণীয় ভূমি হে আশান । । क्लिका 'त ছোট चानागट्ड त ৭। ৬৮ নদের রিপোর্ট। গভববে ১৪ টী মকদ্দমা অর্থাৎ পূর্ব্ব বৎসর কা ৬৯৯০ টা মকদমা কম কজু ছিল। প্রভাব ১১১ ৯৫ টীমকদমার দন করা ছইয়াছিল। পুর্বে বংসরের ১৯৯৬ টা মকদ্দমা লইয়া ৩১৮৮০ মা ভাৰণ করিবার নিমিত নির্দ্ধারিত ইচার মধ্যে ১**৩,০০০ টীতে অংথী**র ইয়াছে, ইহার মধ্যে ১৩১৮ টা এক । হয়। ১৫৬৫ টা অপ্রাহ্য ৩৬৯৮ তেটা ১৫৫২ রকা ৩ অর্থীর অসুপ-: হতু ৩১১৮ টী থারিজ করা হয়। বং । শেবে ১,০৩৯ টী বাকী ছিল। এই লর মধ্যে ৩৯ টী ১০০০ টাকার উপ মকদ্মায় ৪০০ অব্ধি ১০০ টাকা या मित्राक्र-खूकता इन्हेश हिल। मक র মূলা ১৬,৪৫,৭০৪।১০ ছিল। मः भः । ७,०८,७६১५/১৫ प्यानागरः ७ লাহয় এবং অধিসণ ৩,০২,৩২০ ।**সহত্যে পাইয়া রাজি**নামা দিয়া ान । পূর্ব্ব বংসারে ১৯,১১,৩৮৪५৫ রে মকদ্দনা ছইয়াছিল। ১৮৬৭। ৬৮ त मकलभात भी अज्ञाल २,३७,०७० • देशका भाखका **इता सम्ब**न्धित ন, বাটীভঃড়া, আমলাদিলের नश्रक्तिक ३.६५,२ १९१६ हे कि साम हा ५०,७५५।/ हेरका लाख बहेशारहा ৎসর মকদন্য: কমিবার কারের এই, र पृरस विश्वत क्राटात मानान থাকোর মিলা। মকদ্দা করিভে। ইহা কে দুখীভূজ করাডে খণে টাকায় চুরিপুণ মকদম। কমিয়াতে ; কিন্ত ক টাকার মকদন্মাবরং বৃদ্ধি হই । त्ल**ल्डेनल्डे** शवर्गत मृदश्चादशकाम प्राट्टन व्यवः मःचा लहेशा यञ्जूत ्राक्षा का भाषित्र । अपन**्या** वादश साहे; विश्व (छाडे प्यामान

তের অপক্পাতিতা ও সুবিচারের **छे** भटत लाटक त दिन दिन विश्वास त्रिक হইতেহে এ কথাতে আনরা সমত इरेट अधिकाम ना। इक्टरवाशीवनरवत এ मःकात पाकिएक भारत। कार्य বিচারপতিগণ মকদমার কাল ও সংখ্যা भवाहा कतिया 'डाइमिर्गत मकन्मा অত্যে করেন এবং এ ছলে অধিক মনো যোগ ছ দেওয়া হয়; কিন্তু এত দেশীয় মকদ্দমা কালীঘাটের পাঁটাকাটার ন্যার হইয়া পাকে। প্রতাপীর সহিত व्यर्थी तकात कथा कहिए उट्टम अभव नमत्त्र व्यर्थत डेकीन मरुममा जुलिया এক তরফ। ডিক্রী করিলেন; প্রভার্থী এই জুয়াচুরির সহত্র প্রতিবাদ করিলেও তাহা গ্রাহা হয় না। এতদেশীয়মাতেই कारनन ও বলিয়াখাকেন, ছোট আদা लट्डित मकम्मा शास्त्रि स्क्लात नात्र, यथार्थ विष्ठात नाहे। छटव बाट्यत छट्य लाटक व्यनाज यान ना ; किन्नु वर्गरमनी এক মুক্তেফে কাছারি করিয়া যদি লোককে স্বেক্ষাসুদারে ছোট আঘালতে অথবা মুজেদফের নিকটে যাইতে বলেন, ভাছা रुक्टल (म:शिट्ड शाक्टरन, रकान अक्टरम-भीव हो । यानानटक याहेरवन ना । यक দিনপ্র্যায় প্রধানতম বিচারালয়ের এক জন বিচারপতি ছোট আনোলতের মক দ্মার আর্পাল প্রবণ করিতে নিযুক্তন। হইতেছেন, ডাত দিন কাগজে সুখাতি হইতে পারে; কিন্তু লোকের ভব্তি किছूट उरे हरेरव मा।

৫। ভারতবর্ষীয় সভার বোড়শ বার্ষিক রিপোর্ট। সভা আপনাদিপের বিষ্যাত সদাশয়তা ও অদেশহিত্যবিতা হেজু যেপ্রকার কাজ করেন এ বারের রিপোর্টেও তাহা প্রকাশ করিতেছে।

२ ता म्पट्टियत समीमाद्रशन जातक-

বীর সভার শিক্ষা ও রাজ্যার ক विक्रटक (व नका क्रांत्रम, खाश्त म রিপোর্ট। এই সভার বিষয়ে আ शृंदर्भ विषयाष्ट्रि, न्डन किছू विष नाहे। आयता अभीनात्रसिरशत न य এकमंड १६८७ लाहि ना, छाहा ९ বলিয়াছি বেউমান আপুকুলা দানপ্র কুষক শ্রেণিকে স্পর্শ করিতেছে ন করিবে না। তাই।দিগের নিমিত পু বিদ্যালয় আবিশাক। জমীদারদি উপর করস্থাপন ও ক্লবকপীড়ন সং क्रवक्षिरभत महिङ हित्रकांग्री बरक করিয়া শিকাকর ভাছাদিগের নি লওয়াই পরামর্ম ; নিজ কমীলারগণ বলুন, ভাঁছাদিলের মধ্যে বিনি যত বি লয় করিয়াছেন, ড;হরে আরি সমুদার कृषकप्रिंशत निक्षे लख्या हरेट उटहा লয় স্থাপনের পূর্ব বংগরের জমা সিল বাফী কাগজের দহিত বর্ত হিসাবের কাগজের তুলনা কা আমাদিগের কথার যাথার্থ সঞ स्रे (व । अभीनाविष्यंत्रत साता क्रार গের শিক্ষা ইইবে এ স্বাশ্য ত এক बटर्सत माधा मक्त इहेबात मञ्ज नारे। ভারত वर्षीय गडा अपनी मात्रि স্বার্থপর প্রস্তাবের অসুমোদন কঃ भागता हुई थ 5 क्हेशाहि। बहे अक f व्यामता मजात প্রতি দোবারোপ ক বাধিত হইলাম। সভায় জমীন मःचा अधिक बीनहाई हेश इहेश কৰে স্বাধীন দলের লোক ৰ मञ्जा क्षेट्रक चात्र ध्र कतिर्दम १ च्या গের উকীলগণের ইছা করা অংকি আবেশ্যক। অভিশয় আক্ষেপের देशीता दे डेटबाटश्व बावशातासीविध ন্যায় রাজনীতির **डे** शटब रउ क्रद्रन ना ।

বার্থার বৈদিক অনুর্যাত। পত্রাত। (গতপ্রকাশিতের পর) বাসগ্রহ।

(পড়প্রকাশিডের পর) वामग्र । হবেক বিজ্ঞ পণ্ডিড আপন আপন শারী স্বাস্থ্যবিধানবিবয়ক গুস্তকে লিখিয়া ছেন ৰে, ৰাসগৃহের তল উচ্চ 🗢 পরি হইবে। ভাহা আরু হইলে গুহ বারু আর্ত্রেডে পারে এবং দেট বেবৰ ক্রিলে নানাঞ্জার পীড়া হইবার ম। ৰাছু e আলোক প্ৰবেশ জন্য ৰাডা াকিৰে। বেসকল দূৰিত বাসু প্ৰাথাস শরীর হইতে বহিগতি হয়, ভাহা পুন সেবন করিলে শরীয়ের ওক্ষে মহানিষ্ট ভ পারে। কিন্ধু বায়ু গ্রনাগ্যনের পথ লে উক্ত দুবিত ৰাষু গৃহ হইছে ৰাহির বর জ্ভরাং দেহের কোন অনিষ্ঠ s পারে না। মধুন ও মধের তৃত্তিজন্য বিধ মদোহর বছমারা গৃহগুলি ছুস ভ রাখা কর্ডব্য । পৃথ ও তাহার দিকট স্থানসকল পরিষ্কার ও পরিষ্ক্র র'বা তা**ভাবে বি**ধেয়_া দুবিত জলাশরাদির ট ৰাসগৃহ নিৰ্মাণ করা অন্থচিত। উলি-**প**াৰসম্পন গুহে ৰাস করিলে স্বাস্থ্য त मञ्जायम। भारक मा। किन्नु धारपरमञ्ज দন লোক এ আকার মরে বাস করেন ? । ধৰাত্য ব্যক্তিরা হুরম্য হর্ম্মে বাস ! शांदकन। व्यवसिष्टे (माराता (यवन ও গৃহে বাস করেন, বিবেচনা হয়, ন্যুৰভাদেশের হীৰ আংবস্থা∴র দ্রাও দেকপ স্থানে ও গ ছে বাদ করে ৰ্ধিকাংশ ৰাসগৃহ একভালা কোঠাও দেশট কিছুনির ও আরে বলিয়া গৃহ ঞার আরু হয়ে। থাকে। বারুও কৈ প্ৰবেশাৰ্থ ৰাতায়দাদি আয়ে থাকে বলি বা কোন পুৰে থাকে, ভাহাও র নানাবিধ বস্তব্যরা বন্ধ করিয়া রাধা কোন কালেই উৰ্ঘাটিত হয় না। গৃহ ক কারাগার বা আন্ধ কুপ বলিলে বোধ ভূতি 📲 না ! অনেকে গৃহের হুসজা

দিলের পৃত্তর বেয়ালগুলি প্রার পালের পিক थ गत्रा कियाता किया विकिस करें। यहाँ। ভাগ পেটরা ও বাসু হাঁডি, কল্মী প্রভূ-किटके शृह्कति सम्बद्धिक स्टेडा शहक। करें करण पृष्कति अगढ व्यमद्विष्ठांत कतित्र THE REAL PROPERTY AND A PROPERTY OF PERSONS দৃশা বোধ হয়। আজন 😘 ্ৰাটার নিকটবর্তী স্নিসকল সূহ অপেকা অধিক জলন্য 'अ कमर्या । ua विश्वतं धर्मी, निर्धम हेक्टू, ভার, আরু সমান ৷ এখানগুলির একপ চুর ব ঃ৷ দেখিয়া ৰোধ হয় হে, ভাহার বিবর বর্ণন করিতেও সকল ও ঘূল বোধ হয়। অধি काः न बामैद्र इंठीरन नामां अकाद चावर्कना রাশিপ্রমাণ দেখিতে পাওর, যার। অত্যতা লোকদিগের গরুর প্রাক্তি ক্ষেম্ন প্রাগাড় ভক্তি বলা যার না। প্রায় প্রত্যেক গুংস্থের বাটার ভিতর বা তাহার নিকটবর্তী স্থানে গোলালা দৃষ্ঠ হয়। এখার আননেকেই পড় বাছুর ও ছাগ সহ এক গৃহেই বাল কবিয়া থাকেন। বা**ডীগুলি প্রার হললে আ**র্ভ থাকে। কোন কোন বাটা এনপ ভাবে আরুত আছে বে প্রায় সহসা দৃষ্টিপথে পতিত হর না। ৰাটীর চারি ধারের বে কোন পাম্মে ইউক প্রায় একটা করিয়া প্রার্থী থাকে: ইচাকে थिछकि बर्ल। योहाता वस मासूब ६ वाहा দের বন্ধ পরিবার তাহাদের বিভক্তিরও বড় कुर्भभा । देशांत वर्गमात्र केटशका क कि काल। নানা একার অঞ্চল ও অপরিষ্ঠ বস্ত ঐ প্ভরিণী ও তাহার চতুজ্প যে নিকিও দৃষ্ঠ হয়। পুজুরিণীর জালের কথা অধিক কি বলিব ভাহাকে বিষ্বলিলেও হয়। এই ভ আমাদের জেশের বাসগৃহের ও স্থানের व्यवस्थ, देशास्य त्य कारमनीयमित्यत्र सारः। सम হইবে, বিচিত্ৰ কি ?

विविधमः वाष ।

১১ ই কার্ডিক সোমবার ;

র নানাবিধ বস্তবার। বন্ধ করেরা রাখা
কোন কালেই উন্থাটিত হর না। গৃহ
কারাপার বা আন্ধ কুপ বলিলে বোধ
ভূতি গ্র না। আন্দের প্রের অস্থান কারাজের হয়। কারাজেবেশের সময়ে সে সবল
কারাজের একান্ধ উনাসীন। তাঁহা
কার্ম ও সুস্থ ছিল। কিছু নিনের পরেই ভারার

मुद्रा स्वेतारक । न्योत्राक्षण स्विता राम काराय तीरा क स्वताकृषि का निक्क स्वताकिमा । अस सात कारात मोक किस कहा मिरमय नय कार्याक्षण स्वाहण क्यात हर क सम्प्रानुस्कार नीका स्वता स्वाहण कर स्कलार्यात स्वता स्वताह । प्र स्वाहण कर स्कलार्यात स्वताह स्वताह । प्र स्वाहण कर स्कलार्यात स्वताह स्वताह । प्र स्वाहण कर स्वताह स्वताह स्वताह है कर्मा मान्यात के स्वताह स्व

লিয়নাড়, কার্যেল ও রোম সাজ্যে সার গলার সেডুনিন্মানের বিষয়ে ক বরুপ নিযুক্ত হইবেন। কমিসমের কাল দ হইয়াকে, একণে কাল চাই।

সর জন লগেল আপনার শাসনকার কি কাজ ক'রয়াছেন, ভবিষয়ে এক বি লি বিভেদ্নে । সেকেটারিগণ সকল সংগ্রহ করিবার আজ্ঞা পাইয়াছেন। সর শরেল ভারতবর্ধ ভ্যান করিলে মিনেটির শিক্ত হইবে।

এবার সীমাস্থিত যুক্তসমূলে বৈনি व्यक्तिमञ्जन अनुष्ठे रहेश्वारहरः। अञ्चल वृक्तः। भ्य माहे : अक भिद्रम टेमना ग्रन अक्की (का नकरमनाध्नकारम् मधन्तः राज्ञि लाह्य क देशा हिला ! (क्सन बाइन क शासी मात्र क्रेप्राट्य । यथन रेमना अ आधिन कींबु अक्षाबित्रहरू केष्ट्र भाईग्राहरूम, उधम য়ানীক-মে≽েইগ্রুড়িক লাভ বিকাসং মান্যুংড়েন : কমিসময় মেজর পালকের ট (प्रश्निकमण्डाक्षरे विरुद्धः देशन(ए० विलिट्फ**ट)**, वना प्रशासक ^कवन हुन्य वहाँ से के स्वर्ग केंद्र कि মপ্রকার লক্ষাকর ব্যাপার স্ক্রীনেও হয় য ११ क्षेत्र सर्वक अध्यक्ति व अर्था । প্রাপিত করেডে চাছেন বলিয়াই বোধ হয় : भट्राह अक्ट (अंत्राह्माम क्राह्म अक्ट्राह्म : मार ক্রবংস্রে সীমার যুক্তে অংগ করৰ ভীক্ত ्रान क्षण क्या का है। यक्षा प्राच्छा श्राह ব্রিটিশ ক্ষমভাবেং ভুক্ত জ্ঞান ববে ভবে ডাং स्थलक व्हेर्ड सः

क्षिकाकात भविमा श्रीकृष किक्रिका वाधिक श्री १२,००० व्यक्त विश्वादिक केर्रिय मध्यारम देशव क्ष्रुवीरम्थ इन्द्रेय मः। अ स्व स्व विषय जनश्या क्षर्यानी, किब्रिक् व्यक्ति, श्रीमाश्चक्ति मः वाधिक क्ष्राम न्यू माः। াবু প্রসরভূমার ঠাকুবের স্মধ্যার শুক্র-अ'त्क वधीय गृहह अक भक्ता कहेरत।

ল স্বা অংডিশয় कार्याभिक इंदेग्री শ করিতেছি, ভারতব্যীয় রেলওয়ের জ্ঞানঃ *ेश्रुड (आक्रामक्रिक श्रूभःत्राक्ट क*ांत्रक বের যথে ভথায় একটা বিদ্যালয় স্থাপিত ছে। রেইলওয়ে কোম্পংনি এফনং মাসিক (ক) অক্তুল, প্রদান করেন ৷ রেলওয়ের वाभीक्ष अञ्चलकारीय कथानाविज्ञान अस्ति। ছেল। ইছার মধ্যে ৬০ জন ৬৫এ হইয়াছে । क अट्टब्स अञ्चलकोग्रामरनात्र विकाशिक :बट्नब छेरमार पित्रा पाटकन ।

हे: इयम कार हे छिन्ना बर्लन, मधा छाउछ वर्ग अग्रहत (लाक इडिक नेवक्रन प्रक्रिका)-ণ গমন করেয়াছে ভাষ্যা রেইলভয়ে বলক ওয়াক বিভাগে কর্ম পাইতেছে: क्छिलि । वाबाहे अ शाम्यावारम अथन काव-. हें , चारक्षण रू नग्रामा क्षेट्र अरनक अन्तर् 46364 i

फ वर्ष का किया नहें द्वन : अब कियम मण्योलय ; क्या किमन यह कमान करिय करिए एडन । ল গেয়া দেখিলেন ছোৰণাখানি ভ্ৰায় **१हे** ५% ल ६हें. दन ना

बारशत कांगरकम परमम, अभवेष्ठ यातीम গণ গৰণমেশ্টেৰ অনুমাত্ৰক্ষীত লেওয়ান কে পদহুতে করিতে পারিতেন নাঃ কিন্ত चित्रवर्ग**्य∗हे व्याद्धा** तिसुर्ह्म, वाद्यश-

বলৈক ৪.পানিয়ন বলেন লাহেণ্যের দেশীয়া, छ कानुन क्टेट्ड अल्बान क त्याद्वा । इहेशाद्वा । ।ৰকা পর^{্ষ}াৰ নিষিত ই°বাজী **জা**না अकर्ष अभाध हेर्नः

খেলিতে বিধিয়া এক দিবস ১৯ টাকা লাভ কারয়াছিল। বৌকার উপরে এক আন " বড় ম প্রবর " সহিত ক্রীড়া হয়। গত বৃহস্প তিবার अ वृश्कित रुख्य ১৫·· টाकात *माउँ प*न्यसा रय । प्रदे এक घाँटेका क्रीफ़ा करिया (हाका मान्य कःत्रया शवर्गस्य होका शुनर्कात अख्यान কারবার আনায় এই ব্যক্তি গত বৃহস্প উবার ঐ নেট লইয়া ক্রীড়া করিতে গমন করে › কিন্তু मभूनाय होका हातिया आहेरतः अ व्यक्तिरक श्रुलिय (मञ्जा इहेब्राइड क्रीक्राकाही " वाबू व পাঁহার সঞ্চরপাণ পুত হইয়াছেন : এই ছুরাত্মারা निवश्त व वालिएक शास्त्र। निवश्रद विश्वत मुख्यक्तीकाका आहा वश्वकः अहे क्लीका ক্রমণ: বাড়িতেছে। পুলিষ জানিয়াও কিছু वरतम मा। मक्ष्याता छ मृत्य की वाद मध्य माहे. बङ्बर क्षकामा क्राप हेहा बहेएउएह।

১২ ই কার্ত্তিক মঙ্গলবার।

(वाबाई (शरकां) कावूल क्ट्रेप्ड मन्वाम आहे ल (फ्रोड) हेमन वर्लन, प्रक्षित अक कर्ष प्राप्तन, जियात कालिको अक व्यवस्थ त्रमन के রোপীয় ভন্ত লোক সমণ করিতে করিতে ! উভয়েই যুদ্ধার্থ প্রস্তুত হইভেচেন। সাজিম ব'। ম্প্রিক্তে একখানি পাবসঃ (গ্ৰেণ দৰ্শন আবহুল রহম্মের নিক্টে সাহায় না পাইর: লেন । ইহাছার। রাজকুমার কিলোল শাং । উাহার রাজার বদকসানের রাজার নিকটে সাহায ার ' প্রজালিগকে ৬ ব'লয়াকেন, ভিনি শাঁও । ধার্থী হইয়াছেন। কিছ একলে উচ্চার মনোরথ র্দিলের সাহাযে। ইংৰাজাদলের হস্ত হইছে। পূর্ণ চইবার সপ্তাবনা নাই। কয়েকজন রুশীর

भाष्ठ शक्त वांत्र . म व्हेना के अवर्गत (मण्डिकाल । , माहे। अक्षकात (चावन) मर्गा मर्गा महिया। कार्तात्व्य हिकिस्मानम् प्रमान के तिर्छ निहाहि ক্, কৈন্ত প্রথের বিষয় এই এ সকলে লেন। উদ্দেশ্য এই চিকিৎসালয়ের আয়তন तक करा इहेरव । अहे निश्चिक मांकनाश्यम कृषि ক্রম্বা হইবে: গলির রাস্তাপর্যন্ত সমুদায় कृषि न द्रा छितिक। शिक्षिम किर्म कर्णक कि নিমুলোণির মুসলমানের বাস আছে। ইহাদিপের বাসস্থানের সম্ম ধে একটী ভয়ানক নর্দ্রাম। রুহি আন্ত্রমত কাজ করিলে উচ্চারা মার্ক্তিদ ্ রাছে। মুগলমানদিগের বাসভানের পুতিসক , ছাড়াইতে শাধ্যেন । কায়দাবাদের এই ন্টামার অংশকা কুনে নতে। চিকিৎসাল েন ুরাস হয় এই আনু সাধারের ৮'লন কবি - ু.য়ার নেকট হইতে এই বালাই দূর করা অভিশয় **መ**ረጣነጥ

চটুলামের পূর্লসীমা উত্তমরণে নির্ভারিত ্র বেশ্বিদ্যালয়ে প্ৰীক্ষা দৰৰে জন্ম না পাকাতে ভঞ্জে কমিসমবেৰ অধুবোধে , প্রাক্ষাতী পঞ্চাব, এন ভারতবয়, বঙ্গু- করেরকজন কর্মচারী করিপ করিছে প্রেরিভ

আন্পেয়াটিক সোসাইটিড গড় আন্ধিবেশন ৰেকে ১ইবেন - এই বিশ্বিরালয়ের নিবংস এছ বুকমান স^{্ত}ৰ উপু *রান*ালয়ের ্পীতারালকুমার আজিঃতন্মুভ একধানি এটানক বায়নামক এক জন কেরানী নেটি কাব্য প্রদান করিয়াছেন। উপুর ভেড়েট পুত্র ।

ৰভাগে কৰ্ম ক্রিড। এ ব্যক্তি সম্রতি ধোনারা। মহম্মদ সক্ষর উল্লা জীবার বিভা ছিলেন। আ मुक्तिन तक रमदल्डेबन मादम श्रावकतान कति। (हन। किनि ककिनद्र पश्चिक हिरमन। का খানি টপপায় পরিপূর্ব ৷

মক্ষাটে পুনর্দার বিজ্ঞাহ হইরাছে। পি चाक्क देनप निम भवाक्षिक इहेग्रा এक प्रगीम बार्ड्स । डांश्व पश्चित्रदर्श बार्शस्य पनाः ক্রিয়াছেন। বিদ্রোহিগণ কোনপ্রকার জ্ব চার করিভেঁচে মা, সলিমকে দুরীভুত করা ড! मिर्णात अवसाज छरक्षाः कानमिन्दत्त ह खान खाम। मिरअन अवर्गस्य केत. क्<u>र</u>ाहारथ मा টের ইমানকে যে কর দিতেন জাহা বল্প করি ছেন। এই সংবাদ পাইয়া রেসিডেন্ট কর্বে (अभि अविनास क्यांकि इहेटले भावमा अवार গমন করিয়াছেন।

ভেলিনিউস অবগত হইয়াছেন প্রয়েক 🖺 রূপ ষ্টাম্প না থাকান্তে কলিকান্তার ছোট আ नर्ष है। प्ल श्रद्धनिष्ठ इत्रहा कारत कहू वि স্থাপত বহিল।

উক্ত পত্ৰ অবগত হইয়াছেন, অচিত্ৰিও বি রপভিগণ কর্মহীন হইলে উাহাদিগকে ভং পোষ্ণের ব্যস্ত দিবার যে আকা হয়, ডঃ এক্ষণে ডেপ্রাট কালেইরদিগের পঞ্চে ও প্রচলি कता बहेल । डीहाता ১०० होका बहेरफ १० होका भः इरेरका अजि अक्**ति** विस्मय पद् अरस নাই।

১৬ই কাজিক বুধবার।

किङ्क मिन इहेल, वश्राप्तनीय श्रवर्गम জিজাসা করেন, গির্লাপ্রভূতির নিমিত বা विट्रान हेडेरवान स्ट्रेस्ड स्वनकन प्रवा जाना বেন, ভাষার উপরে শুল্ক এফণ করা হইবে मा ? शवर्षत्र (कानतल अञ्चलतः विशिधिक राज्य धारन कहा स्ट्रेटर प्रमिकाम विटर करत स्थलक मालबदा देविक स्य, उपान शूर्य खाइ। प्रिक्रा (महे होका गवनंत्रार हैव निक লওয়া হইবে।

कानाम (व क्रमनः कर्याशाशकृष्टित मः এक स्नम श्रापान कश्चित्रमारवद्र व्यशीमस्य ६३३ ভাহার পূর্ব লক্ষণ দেখা য:ইডেছে। গ্র**ণ্**যে সম্প্রতি আজা দিয়াছেন, ভত্তভা সুপরিবে গুল্ট ইঞ্জিনয়র ক্মিসনরের প্রবিক ওয় সেক্টোরির ন্যায় ভাচার আজাজুসারে ক क ब्रह्म ।

প্রধানতম বিচারালয় সম্প্রতি নির্দারি করিয়াছেন, দেওয়ানী অথবা ফোজদা र्टान (काम कटप्रविष्ठ मेर्ट्स्याङ सद्यासम वर्द्दन थमकः आहोताएक आदिवस्य अविटक स्टेटर । जे दिवस्य (क्षमात्र अटकत प्राप्ता (करम (क्षत्रिक (रव) वनि व्यवः स्थाना करवनी पारक, काना লৈ প্রধানতম বিভায়ালয় সংবাদ প্রেরণ विद्या । (व कामामहाक माका मिनोत श्रीदाक्षम েব, ভাষার ৫০ ফ্রেম্ম মুরে বলি কোন করেনী কে, ক্ষেত্ৰভাৱা ভাছার ক্ষবানবলি এইণ ा रहेरा। (साम रहेरण करप्रतिरत नामिरक दाब्र इहेर्दर, (व शाकी मामिटन फाशटक मिटक रिका विरूप कार्य अवस्थित मा अविरूप कार्य প্তি কোন কয়েদিকে **আদালতে** আনয়ন উত্তেপ্।রিখেন না। জেলার জাল ও এখান-ন বিচারালয়ের অসুমতি লইবার বিধিচীতে दन कानर्वन करा स्ट्रेटन। (य कामानटक চার হুট্রে, ডব্রেডঃ বিচারপতিকে সাক্ষাৎ दि बहे कमको (बढ़का केहिक।

अम्र शक्ती कार्यः स्व गविष्यः वृद्धिः इत्यार्यः । । बाहेरम् स्व स्व करम्बन्यः अक्ति विक्रिके । निरंत्रुति कुक्त कहा इहेर्द्यः।

পিরনিরর বলেন, কডেপুরের মণিজভর লেন্ট ৩০০০ টাকা ভহবিল ভছরণ করির। পড়াডে প্রথম ডঃ পরিবারবর্গকে স্থানান্তনে রণ করেয়া এক শিস্তল্থারা আত্মহত্যা রথাড়েন।

निज्ञीरमस्य वर्गन मिश्व व्यामि वाँ। व्यक्ता कित्रिया व्यवक मेका श्रह्म क्रिया क्रिक क्रिय कार्य केश्वर विद्यक्त स्टेशास्त्र । व्यित क्रिय मत मस्या शून तीत मिश्लामन् क्रिक स्टेस्स । (द्वर मिश्क रेमजो ना श्रम क्रिक मिली स्थारक । देका ।

মধারাক্ষ সিক্ষিয়া ও ক্ষমপুরের রাজ্ঞার তে দর্শন করিয়ারেওয়ার রাজ্ঞাও শ্রের ক উঠাইয়া দিয়াছেন। জ্ঞামাদিগের গবর্ণ ট কিকরিবেন ?

পূর্মকার সিশাধীনিগের বে জন্তন জিল, । বকার এডদেশীয় দৈন,নিগের জাধা আর । শীক, পাঠনে ও নীচজাতীর সিপাধী বিষ্ঠের আনর্থীয় কইরাছে। বাবাক ই শীক দৈন্দিগের করেক জন হই জিন ভাকাইজি করিয়া ধৃত হয়। সম্প্রতি ২৬

ङ्काहाङ कात्रश्चा ४७ हत्। ग्रञ्जिङ २७ ७ भक्षाव भगाजिकमर्गत करत्रक छन रेगनिक गाउँ हरेए७ (महिमिश्रुरत थन महेत्रा शाहरू , अभुक गमरब भिन्नार्था इहे छन रेगनिक

ে টাকা লইয়া প্লায়ন করে। ইংরা ধৃত

मकारित जिल्हा तालाहू छ इहेता काताज वन्नदा भनावन कतिवादन । तिकिन अवर्गमिन कारात जाश्या कतिदान काणा हिल, विष्य अवर्गमिन क विषयं श्रष्टकल कतिदान मा। देजन कृतकी मकार्ग याहेवात निभिन्न वाला इहेत्राद्वन।

১৪ ই কার্ত্তিক বৃহস্পতিবার।

৩০ এ সেপ্টেরর সমুদার করেতবর্ষে
১০,৪১১৯,০৩০ টাকার নোট প্রচলিজ্ছল।
স্থাটের সাধারণ উদ্যান ও পর্যালরের নিমিত্ত
গবর্ধমন্ট ২০,০০০, টাকা দিয়াছেন। চালা
বাবা ৫০০০ টাকা উর্গিয়াছে এবং নিউনি স্পালিটি ৫০০০ টাকা দিয়াছেন, আরও চালা
সংগ্রহীত হইবে। লাহোরে এপ্রকার উদ্যানও
পর্যালয় হইয়াছে। কলিকাভায় ইহা হইবার
মনেক বিলম্ব আছে।

महेल्द्रत ध्रवाम कमिननत माला अधि ने तम्ह कि निवाहित है कि भटा कि क्षेत्र कि निवाहित के निवाहित के

वक्षापरभव वाक्य निरम्भ वार्य करेंगे विकास १३ २ १ १ व विकास भारत किया किया करेंगे विकास स्थाभिक कविवाद स्थाभिकाद कविया इन । ब्रोका निरमद के स्थाभ भूजरक विकास भार्करभव निरम्भ स्थापन कवियारहरू

টেলিপ্রাক্ষার। ইংলাপ্তের সহিত ভারতব র্বের মণিক্ষডর প্রশালী হয়, এই প্রস্তাব হরুডেডে।

श्रीम (गर्माणिक अष्टाप्तनीत श्रदणिकः (त्रिक्सिटन्देत व्यथक्तकः के के (त्रिक्सिटन्देत इंकिट्क निथियात व्याकः। निश्लाहरून। कथने स्थयकः क्रिक्टिंगलेने गर्थशेष स्थानितः देशियः इति क्रियाः वा क्यान स्वैशादिः द्र क्यान ग्रह्म क्रियां के हिन क्रियंक्टिंग क्रियंक्टिंग्यं क्रियंक्टिंग्यं क्रियंक्टिंग क्रियंक्टिंग्यं क्रियंक्टिंग क्रियंक्टिंग्यं क्रियंक्टिंग क्रियंक्टिंग्यं क्रियंक्टिंग क्रियंक्टिंग्यं क्रियंक्टिंग क्रियंक्टिंग्यं क्रियंक्टिंग क्रियंक्टिंग क्रियंक्टिंग क्रियंक्टिंग्यं क्रियंक्टिंग क्रियंक्टिंक्टिंग क्रियंक्टिंग क्रियंक्टिं

आनाश्वारमय अश्वासम विश्वासम्बद्ध अष्ठ रहेम्राहः। २ त्री नरवषत्र विश्वासम्बद्धः कार्यः भारतः करिरवनः आमानिरमत विश्वासाः १०७৮ भारतः शक्षतः रहेरान स्ट्रेरकः भारत् विश्वविद्यानरम् । योगतः भारतः विश्वविद्यानरम् ।

फिलिनिकेन स्वश्व इरेब्राइन सम्पार्थं शर्वास्तिक क्ष्मादार्थं काब्रुक्ववीं प्रवर्श्यं शर्वाकों क्ष्माद्रका काब्रुक्ववीं प्रवर्श्यं शर्वाकों काब्रुक्व काब्रुक्वाकि क्ष्माद्रका क्ष्माद्रका का श्रीक रहेब्रा श्रांक काश्रीक स्वर्णं निकास स्वर्णं (स्वर् काव्रुक्व श्रीक्व काब्रुक्व काश्रीक्व का ना । स्वर्णं श्रीक्व काव्रुक्व काश्रीक्व का कारक स्वर्णं (य काक्ष्माक क्ष्माक काल्य का कारक स्वर्णं (य काक्ष्माक क्ष्माक का कारक स्वर्णं किष्क क्ष्माक का

কামপুৰেৰ নৰাৰ শংসার শুল্ক উঠাই। নিয়াছেন।

1 द व को कि के खेल नो द ।

্টনাস জোকা সাংহ্ব দালাকের ছোট জা লভের কার্যপ্রথালীর যে পানবটের প্রস্তু কার্যুণ্ট্র, ভাগা ভারভ; গ্রন্মেট গ্রা করিয়াট্রেন জোকা সাংহ্র আরও কিছু দি ঘালাকে বিশেষ কমিদনরের ম্রাপ থাকি: ভারভ, আফিসসমূতের বন্দোবস্তু করিবেন বল্পের এক জন কর্মচারী এই কালে করাণে মাজালের সংবাদপত্র সকল বিরক্ত ইইয়াট্রেন

वाबाहरस्य भिष्ठिनित्रभाष्ठि कर्कः) कतिरा वादण किराहरून। डीहाता ४ हेका स्ट्रहर्भका लक्ष है।का कर्क लहर्यन मानम किर्माहन भिष्ठिनित्रभाकिष्ठित किर्माहकण्यन कर्माहाती नम वामीभिरभत है। की कामाश कतारक डीहामिर्म म छ हहेम्राहह। की कामाभिर्मात क मिर्म स्हैना (या नहि।

(मध्यत निध्य महामखाय श्रादन कड़िया (हर्ष्टीय कार्टनः

্টাইনস অব ইণ্ডিয়া প্রস্তাব করিয়াছেন আবিসিনিয়াতে বেপ্রকার নলভারা কুণ করিয় বাহির করা হটপ্লাছিল, গ্রাজপুতনাপ্রভৃতি ন সেইসকল নল অ'নরন করা কর্ত্রা हः এই श्रकात मन याकिएम (मारकव अख শানীর জালেব কটু হয় না : ইচা ছ:রা প্রতি : हरे ६ १मव दान इति उ भारत ।

क्रिकृतिरे उथि^{की} सहसम " क्षाल समुरक्त हैन हैत क्रार्क मार्टर त स्वरूपन विकर्णन गिर्मत ত সময়ের এক বিশ্র[ী]ত সাংক্রের র**্**ট্রাটেন । व्यक्त (बक्तान १० ७, अय, ७, भाग दक्षियः ান শিক্ষকনিজ্যের উন্নতি অন্বেশ্বক বোধ ন : ডি.ন বলেন, ৫০ টাকা বেডনে **ফেলা** র : इ.इ. ন' ক্টব পাওর। কার । এ আমরাবলি है।को (बंडरनद अक सन निकंड (बाक बहे স্তুল পরিদশ্মকংখা **সু**ক্রক্সপে চলিতে ্ভেৰে গ্ৰহ্মণ্ট ফ্ৰাক্সাছেৰকে অনুস্ক (ব্ডন :দ্ভেড্নে,কন্স

এক লন বিশ্বস্থাক এক জন উচ্চ *(लाएकत आ*कातमबक्षीय हमरकात काछि েকবা অমেদিগের নিকটে বর্ণনাকরিলেন। এক দিন জাতংভিসানের মন্ত্রেক পদা कविश्वा वर्ष्टामनभक्तित्व समाहबान भनावात्र करो कि क्रुप्रथय दिशस ≥ अवात सीक्शता हेळ**ं** চকে **লইয়া** গে'পনে একটা ভোজনকরেন या कक्षपुत हेक्नाकी बहेट इट्डन स्थाट ज्य এই যে, পি'লা ম'লা চহাতে অভিনিমু র নিকটপর্যান্তর স্থান্ড ১ন 🐣

का श्रकान नातन, कालिक नाक्नीय नीयहे व्यक्ति वहार अहे , मलाव प्रान्ति । अभारत अमेरिके , बार्शिक का मुख्य क्या कि । विषय **पाञ्चनकान कवान कनामा छ**(केहे । পুলিষের প্রান্ত আন্দেশ করিয়ান্ত্রন । এই वैकामारभव विरवहनाम शुन्तरमव नाहारम् া সার্ভনের প্রাক্ত ক্রা উচিত

ऽ अ है का खिक म निवात । ভুকেশন ,গড়েট বলেন, প্রাম**ং ও**ঞ ।चन्द्रकार ३ राजान कावराङ्का, शास्त्रकार ৰে কলিকাভাৰ ১৯১৯ নয়ানিবাসী বাৰু कोम महरूप वामा शाल्यि कहेबार छ । । अप्या াবু অতি বল'না ও হিল্পেস্যাঞালিয় প্ৰ'ৰী লোক ছৈলেন। 'ডুন ভানেক ছঃশী ও অ'লোক্টেক ক'ক্রেটদ সাম কবিয় টেক ল'ঝ'কে ব্ধিড়ও ক নয়; গিয়াট্ছন আমাৰও ব্যুদ্ধ জন্ম'ৰ বিষয় এই যে, िन (वर्ष) ≄हेर (४ प्रशिष्ठ] व्यवक्षारक शरू पृत् **ক রয়া ভুলিচা ৯**টেলন ,য, ভারা দ্বারা _{তিত্র} ৰ সভীত

भक्षाद्वत समीमात ७ क्रवरकत विम विभिन्छ ! रहेब्राइ । माज विकालयात्र हेर। नहेब्रा एकं ত্ইরাছিল।

ভারতব্যীর গ্রণ্মেন্ট আফা দিয়াছেন, গ্রব্যেটের কেনে বর্মচারী বধন কোন আনা লড়ে দণ্ড পাইবেন, তখন বিচাৰপতি নিজের অভ্যার এক নকল লইয়া ঐ কর্মচারী ্যখানে কর্ম করেন, তথাকার কর্ডাব নিকটে (श्रदन कविद्वन। कवि। याहा छ।न विद्वहरा কুৰেন, ভ্ৰমুসাৰে কাৰ্য্য করিবেন !

कहा (ग (क्डेलिया काहेन मर्रामान অংবশ্যক, তাহাধ্র ও মূল্ধ ব,বসায়ী দেৱের সাঙ্গদ্ধার: মাৰ চটা ভাছে ৷ ভিনুমাস চইল কসংইটে!লার উইনধৰ ও অভিস্থনামক ছই বাজিক এক নিলামবাটী করে। ভাষারা ইয়ার মধ্যে দেউ লৈয় ছইবাৰ আবেদন কৰিয়াছে: কেই কেই গজিত দ্বর মা পাইয়। নীলামকারীদিগের নামে নালী শাক রয়াছেন। এসকল खत रत मध मा कहेरल (मखे लेखा कहेबा किছू लाक কার্ব এই সালায় অনেক জ্যাটোব অবৈত করেবে -

সম্প্র ও প্রধানতম খালালত মীমালসা করিয়া .इन কোন প্রতিলাকের নামে ভিক্রী আছি क्रेड्रान अफ्रांनची व'लंबा डे.श्रंड खरा¦र्ड्छला छ क्टेरव मः, डं.इंटक कावालक कता व्हेटव : a महामंत्री अन् अर्रम किर्द्रहे इक्क्षाट्क, अञ्चलका অনেকের প্রভারণার পথ বস্তু ছইবে : কি ব্লু অপর अश्रम :समुप्रती अस्तिष्टेक्द **०३३ ८**७ । रयभकल জালোক বাস্তাবক দারিজনিবল্ল ঋণপুর ्न'र्म अन्यर्ग क्इंट्रिन, डीझ्डिशटक कांद्रावृक्ष কৰিলে চবিত্ৰেজংশ হুইয়া সবিশেষ অনিষ্ঠ ঘট্টার স্তঃব্না

অমুভ্র জার পাত্রকা বলেন, '' জ্বামেরিকংয় একটি ফুডন নগর নিশ্ম গ হইলে উহা যত শীপ্র জনাকীৰ হল্প এরপ আর কুরাপি দেখা যায় না। ১৮৬৬ খালেকে লুইবেলীৰ বাসক। সংখ্যা ৮০ 🖟 চইয়াচে সেইসকলের প্রতি কেবল এই জ ∌:এল:ব মারে⊿ছিল। ১৮৬৭ আংকে ভগাকাব नामसम्बन्धाः ५८००० सिनीफ रहा। ुई বংসারের সংখ্যে ৬৫০০ । হাজারে রুজি।

মেধাশাকুরে উল্লিডিসাধন বেধে হয় যাত দুর ইন্ড:ভাড দুঃ করা বাইটে পারে: ভুরি ভুরি দকী রয়েরেঃ এই বাকেঃ সম্পিত হইগ্রেছে ' লিকার কেলেলের নিকট এল খ্যাক্ত ভাঁচার .भगानांकत शत्रीका हिट्ड **डे**लांक्ड कर উভাকে একথানি সংবাদপত্র পাঠ করিয়া , ভাগার সমুদার কথাওলি পুনরুতিক করিতে বনা 🖟

হয় : তিনি **অবলীলাক্রমে উন্নপ** করিলেন এখন এইটে লেব পর্বাঞ্জ উ'হার একট্টি कुन व्हेन मा । (क्यान हैशाएक काम्बर्ध क कद्राय वे शक्ति दनिशम, " अ फ प्रश्न ঐ পত্রিকাথানির শেষের শেষপংভিত্র কথা চইতে আরম্ভ করিয়া গোড়ার প্রথম প্রয়ায় আমি পুররুতি কবিতে পারি ম সভংহ ভিনি **অভিশয় সহল ভাবে ও** কি' <u>ब्रुड ज़न का कड़िया 'ठारांद्र कथ्यूयांद्री</u> क बहुलन ।

এডিন বরার উত্লিয়াম লাইয়কানামধ क्षा याचा अयाताव अमार्थाद्रवाच्या (मधा वि ভিনি ডেলি খ্যাডভাইসর নামক সংবা এক বার পাঠ করিয়া ভাষার সমুদার বিজ্ঞ: मश्यामायली हेण्डामि दनिए**ण भाविएस** । ক্ষাবদক্তি যে এইরূপ অসাধারণ পরি উংক্ষিত চইতে পারে ভাষার বিশ্বব দু স্থল আছে। কেছ বলেন, পদ্য ও গদং প্রতি মুখার করিলে, মেনা প**্তেম্ব বিশুর উৎক্ষ** गार्ड १७ भारत । अ

म्प्रानाच अपूर्णा अपन्तिकारे क .বএ^{টি}'ড *হই∖ভেছে* ।

3 हें (क¦त निका 28 · · i 25 8 » (*1° ≥8H . ≥8 a » भवलक्छाःक 3.4 . 1 3 . 6 4 4 7 0 3 - F# - 1 3 - F 27.04. . 224 e > (41)

ইউরোপীয় সমাচার।

.---:

लक्ष्म २० अ का है। वह । (ल्लाम इहेएक : এমে অংসিয়াতে, আপাডিডঃ শাস্ত্র করি निःम द रच अवन्द्रमन्त्रे नियुक्त **स्टेग्नाट्डन, क**ा এক জাজ্ঞাধারা মনটোরি ও ধর্মালয়লকল কারয়া সেধমুদায়ের ভূমিদকল বাজে গাস্ত यार्ड हर । ১৮ ०९ व्यक्त व्यवस्थि । यत्रकल धन्य া ক'ক',কছে ৷

ममुद्र व्यवकाता । अ द्रवाक देव व्यवक है বলি : ছেন. এক জন রাজা স্থোনীত উটিত। নাচকল্পপ্রিপ্রসাধ সাধারণ ভাষা চারি .इन र किश्च डीकाका वरलन, विन् (मरलक्ष्य) রজেক'য় শাসনপ্রণালী চাছেন ও ইয় ভাগ্যে সম্মত হইবেন :

িনিউ ইয়ুর্ক ইউডে ১৯এ ডারিখের যে টেলি काञ्चित्राहरू, कमाता सामा राज, इंख्या क्षाक्षां- वि नावाद्र क्षेत्र श्रिक्ष श्रिक्ष व्यवस्थात् । है बंदबंद्रभूवें च ,कार्यदिकात वर म न क्ट्रंव।

y এ **অট্টো**ৰস্থা স্পেন হইডে টেলিগ্ৰাম[্] াছে, মাডরিড়ক্তি ভাতিসাধারণ সভা আপনি ভক হইয়াছে। আপাডভঃ हात्री अवर्राय हे निक्त कानियार हम, ताक

৪ ধর্মসংক্রাক্ত আধীনতা সম্পূর্ণরূপে च निष्ठ इड्रेटन, इंड्'त श्रृक्त नक्ष्म (स्था

ছে। উহোরা আশাক্রেন, বিদেশীয় । ঔসমূহ ভাহাদিগকে স্বীকার করিবেন। (अतिका **स्ट्रेड टिनियाम जानि**सा**रक,**

জ্বপ্রিয় দল বলিয়াছেন, উচ্চাদিগের রাজ অপরিবর্ত্তি হ খাকিবে।

২ এ অক্টোবর: এমত জনক্ষতি, স্পানের इटनद्यमा जारेष्टेत वाम कतिर्वन।

नेक्डेब्र्क व्हेट २५ अ काहिरथर टेनि প্রকাশ করে, নীচ্ছন্ত্রপ্রির দল নিরুৎ-হুইয়াছেন এবং সেনাপত্তি আন্ট যে সভা •्हेटवस खाहात मृष्णूर्व मखावना ह्हेदा**ट**हा ানকু:সিকোতে অভিশ্র ভূমিকপা হই

किछ कान कीय महे इस नाई

७ এ करिंदित । शक कमा मिरतशुरम ; আংশ্যনু স'হেব ও লাভ তীনলিকে ভাল দেওরা ইইয়াছে। উভয়ে বহনুতা

वित्रप्राह्म, जारमविका छ हेश्मरस्य

বের অনেক কারণ গিয়াছে: আলাবামা প্রারের মীমাংসা ১ইবে, ভাষার সম্পূর্ণ

না হটয়াছে। লাভ স্টানলী বস্তা-म कात्र अभ्वतिष्ठारहरू, विद्यमीष्ठ भवर्गस्य हे

(यमकल देमतः में खर कतिशाहकन, कार) sta কলক্ষৰরূপ ৷ সুৰুজ্বন ব্যুগ্ইন

বোগীর নার অত্ত আধীনতা পাই

कर्र्यन क्रिन्द्र लाइस्ट्रीत क्रिकिन हारणस्त्र

গৰণদেক বিক্তাপন। बक्रदम्भीत (लब्देनन्देशदर्गदत्त्र

निर्योग ।

चारमभानुमात्री

· এ चट्टोबर---७· এ चाम्हे व्यविध ন্থিত পুলিষ স্থারিন্টেণ্ডেন্টগন উল্লভ

ध्यथम (अभिरूपः । ल लहेर के कर्नल जि. ब्रिहा ।

वि:---

বিভীর মেণিতে। আর, ভবলিউ, কিঞ্সায়ের। া ভূতীর জেনিয়ের।

क्क, छै, श्लोर्डन् नारहर।

इपुर्व (अर् न्ट्रफ ।

a. as. साहेन् म् मार्ट्य।

ढर्ब नेफें, फि, क्षांत्र भारहर भाउ ७० क्र আগষ্ট অবধি পঞ্চম জেনিয় পুলিষ্ট প্রপায়িক্টে :अन्ड ब्हेरवम् ।

२১ এ पर्टोपर--: अ. कर्तर नारहर पाहात्र अक कम विद्वेतिमिणालं कविषयन इस्टिन।

यातु मञ्जापहाल भिक्र यटमाश्ट्रात अक स्वय विकेशिनिभाग किम्मनत स्ट्रेयन ।

ब्रि, (क, मिक्रांग नार्ट्य सम्भुद्दरप्र श्राकिनिधि शुनिव् क्रुभतित्नेत् **छ न्हेर्यम**।

२२ अ ष्यत्हीवद-वाबु त्राधारशाविक द्राय ননারপুরের সাধারণ বিদ্যাপিকাসভার সভঃ इक्ट्रिन ।

সবজ্ঞাসিষ্টান্ট সার্জ্জন বেলীমাধব ঠ'কুর পশ্চিম সুয়ারের আংকাত ময়নাগড়ি মহকুমার দেওয়ানী চিকিৎসার ভার পাইবেন।

সব আসিষ্টাকী সার্জন কালীকুমার দাস ত্রিছভের দান্তব্য চিকিৎসালয়ের ভার পাই-

२७ ७ चट्टायत्र मोनवी हेशकड कानि श्राप्त कथक सम स्ट्रिंग ।

२१ अ कर्हि। बद्र-कि, त्य. वि, फालंडेन সাহেৰ মুদ্ধে রর সহকারী মাজিক্টেট ও কালেইর **চইয়া আপাত্ত হৈ ভিতীয় আেনির প্রতিনিধি** ছাইন্ট মাজিটের ও ডেপুটী কালেটর হইবেন

्रित. क्रि. (वकात गारहर वि. ति. (विस अकरन विषाय नहेवा चारहर) भक्षत्र ठ छवा ভের পুলিধের ডেপুটি ইনস্পেটর জেনরল इडेर्चन ।

্ড্র পুলিবের ডেপুটি ইনস্পেটা ্রেনর্ল ! **ब्हे**टवन ।

লেক্টনাট করেল সি, রিয়া হালারিব'লের। জন্ততঃ ১০০ বংগর পথ্যস্ত অপর সো **পুलिय क्रु**পরিদেটকেউ হইবেন :

মেজর ভর্ষালভ, টি, ফেগান রাজসাহীর পুলিষ সুপরিন্টেণ্ডেন্ট ছইবেন। কিছ আপা-ক্তজ্ঞ পঞ্চৰ চক্ৰৰাড়ের প্ৰতিনিধি ডেপ্টীইন (ल्लाकेत (क्रमदल वेशिक दबस ।

स्मान्त्र अ. स्नान्त्रिय (विमि अक्ट्र विमान्न लहेश आरहन) मानजुरमत् (श्रुविव क्रुश्तिराष्ट्रे-(अन्हें इंड्रेट्न ।

कारक्षम अह. ति, छवलिक्षे, खेरेक नार्वे (७३ जुलिस सुनदिएके एके एके एक । 🕟

कारश्वस्था, नि, नि, फके वि, नि. (वि अफरन विश्वास सहसा चारकत) नारेब्रात नुहि **छ**पतिरुक्ते **क्वरवम** ।

लिकेनके क्षतिकि, है, हिदान कानन शुर भूमिय स्मानितकेट के व्हेटव्य । अम, अम, द्वामा मारहद (विमि अक्टरन विम गरेषा कारहम) त्रक्शूरंत्रत्र श्रुशिव द्वश्रीत्र (अन्डे इहेर्यम ।

ख्विन के, कि, क्षांत्र माट्य मादाबाद পুলিৰ সুপরিটেটতেওঁ হইবেন।

(क बाह्रीन नार्ट्द कावद्वरभत्र श्रक्ति **পুলিयं भ्रुभन्निरलेटलके इहेरदम**ः

(म, भाव मारक्य क्रिक्टक्रेड भूमिय सूर्भा (केटलके श्रेटवस ।

নিম্লিখিড শ্রকারী পুলিব প্রুপরিক্টেরে जन बद्रली **इ**क्टेरनन । AF. अम. हातिम मारहत श्रमा क्**हे**रक सार

সাহীতে। त्व वाह न'ट्रव यटनाश्व इटेटक नवाटप महकादी जुनिय स्पितित्वे (क. 1 कात्रकाराम्य मारस्य राजात्रियाम स्ट्रे यरनाश्ट्य ।

---:0:----ष्पामानिध्यत चानुलिहाष्ट् गः वा माजा विधिग्नारहर।

षाञ्चित्रातः अधि श्राहीन कात्महर्णे जारा अत्मरकहे अवजय अ:रहम । आध्नी में ्यक्रम श्रमारखः (जन्नम नर्षः छात्राव काव्र । নিয়ে চুলী নদীতে প্ৰতিবংগৰ অনেক : ভালিয়া বারু। বর্তমান বর্ষেনদীর সাথি প্ৰসংবলে অনেক নিরী≢ প্রজার বস্তা নদীগতে পভিত হইয়াছে। এক স্থানে ঐ মেজর ভবলিউ, আরু, গড়ন প্রথম চত্রাবা- ভিভিন্ন যাওরাতে প্রায় ১০ । ১২ 💵 ম নিয়ে একটা প্রকাপ্ত কোটার ভিত্তি বাহিৎ शारकः स्थ अरल देश पृष्टे स्थ, खालाब दे

> शरनत कारममञ्ज व्यक्तम " हिरेडियनी **३हेरछ এहे फिक्षि चुँ फ़िना**त कक्षना **इहेरखर**३ ২ ৷ ইভিপুর্বে এই আফুলিয়া এ १ माहेन गालिम मानिएगाफा हेश्याकी व

नाशयान्यत्र विषया ज्या सहसाहिनः

খাস ছিল ৷ ভাহারা ইহাব কিছুমাজ ভাবি

भारत बाहे। देवेश्वनि श्रुश्चकारमञ्ज (कांडे c

ইটের নাায়। সম্প্রিম এড দ্রামশ্ভর ম

ঃ : গ্ৰৰ্থমেণ্ট কএক মাস হইছে সাধাব্যপ্ৰদান ৷ ক্রিলেন কি অন্য ভুমি উহাকে কাটলৈ ? সে করিতেছেন ৷ বিদ্যালয়টী স্থায়ী ১উক ইহ'ই প্রস্তুত্তর করিল '' কোন কারণ নাই, ভবে এই क्षामाष्ट्रित क्षार्थना ।

কুষ্ঠিয়াছ এক বাজি লিখিলাছেন

সংগ্ৰিক ইয়, সৰ ডিবিজনেৰ পুলিৰ কৰা া,বগৰ গাড় নিদ্ৰায় অভিভুক্ত থাকালেও কোন कोट के ५ हो। क्षांस वीट ब्रांश की जिल केंद्र छहा। स्मनाध्यः सार्वे ठ हे। भिन्न स्टेब्राटकः व्यवस्य আন্মাৰ বাসংয়সিদ দিয়ানগদ ৪- ১1কা ও বজা। किट्राफ ७० ७५ हें।को अकूटन ५०११¢ हें।को सहेग्री গিড়ারে : ১০৪ দিন ছইল পানায় এলাকার স্বয় eইয়'রে: একাল প্রাক্ত সার্গা আন্সয়া ख्यावस करत्व माह्य

সম্প্রতি আমলার নিকটে ছুডারণাড়া প্রামে হুরুষ্কের জী এক কালে কান প্ भुरक्र ३ जिल्लान क्षत्र वर्ता अक कृत्त १३ কন্য ১ পুত্র কার ১ ক্লেড কন্যা। ভগান ১ 🕅 কল্যার সেই দিল সূত্র ২য়। এক দিলের ঃ স্থান ভূমিও চইয়াহিল। ত জান জীবত আছে। দেখিতে নিডাত ক্ষম নংক।

w., • }---

প্রেরিত

मान्द्र औयुक (मामश्रकाममान्द्रिक মহাশয় সমীপেছু ৷

बहासका है, उपरंत का बारिशान उपान একটা অভিশয় শোচনীয় ঘটনা কইর। শিরাতে োতামী ছুগাপুরের নিকটবভা চাপাগাছী न वक आस्य के घड़नाडि मध्यतिष्ठ रहा। करप्रक ार**्ग गफ हरेग, अक सा**न एक्ट्यून **अक**ि প্ৰথম্পৰীয় শিশু সঞ্জান হারায়। হওতাগ গুৰুত্ব সমধ্য রাজি নিজ স্কানের অভ্যান্ত ন करतः किञ्च किछुएछ्डे कुङकार्यः इट्टेंड नः भारत्यः অগও,: গুৰু প্ৰভাগেমন কলৈতে বাধা ধ্য গ্রানিবন এক বৃহৎ গতের অভান্তরে উক 'শুপ্তর ভিন্ন মপ্তক ও মৃত্ত দেছ দৃষ্ট কইল । **অংক** - (९ शु:ल(॰ ४२ तोल ८४ **७३) क्**ग्नें स्थाः शु[‡]सद् न्य इंग राष्ट्र व শ্ৰুদ্ৰ জন ্ত -ছের নিকটখন্তী গৃহ कर्त्रम ५ भी প্ৰেৰ ৰাটীয়েও টাপ প্ৰ कार्यक का का ` বা ছৰছাতে গুলাক। া . · . ১ একটা বিধৰা যুৱতী तुह क'रेस, क्रांबिरे জী ব'হৰ্মত শ্ইয়

हिन ग'त आमक राख्निशरनत काठीहेगाधन हरे छेशरक कार्षिताहि। भवहेन रूपाडेत खिक्काणा পঠ্যস্ত বলিতে পারি আমি উচাকে ধ্বনট দেখিতাম তখনই উহাকে কাটিয়া কেলিতে हेक् । इहें छ । कहा क्षांकित्स (यमन कामाहित्स) বাসীতে আংসিয়াছিল, অমনি উহাকে কাটিয়া क्लिशाहि । हेश्द्र गार्यत व्यवस्थातानि व्यामात নিকটে আছে চে এই বলিয়া সমস্ত আনমুন ক্রিয়া সৰ ইন্স্পেইরের সমীপে রাবিল পুলিব ভানন এর ভাষাকে কুঞ্চনগরে বিচারার্থ প্রেরণ করেন। দায়ুধার বিচারে ফ**াশ কই**বার व्याख्या कहेत्राटक ।

बंबात हो कीमात । श्राप्त दे विक्र मधी দেয় না। মাদের মধ্যে এক বার দেখা কইলেই বড় কাল । পুলিষ ইন স্পেটর কি করেন? ভাঁষারা अधन अधिकास यह कति दिन दक्त ?

এ বার এখানে অভিকৃতিনিবন্ধন আম্থানি এত অংপরিক্ত হউবাছে, ডাহা ধেখা যায় না। প্রায় সমস্ত ল ১ই ছপ্রময় ফলে পরিপুর্ব। জ নেক ভাদ মহাশয় এ বিষয়ে উদাধীনা প্রকাশ कविरुक्ति । क्षेत्रिशिव वालीएक योखनान চুঘুট। আৰ্ডএৰ আংমিরা সকলকে আন্তুর্গণ कविट्रक्ति, केकाता ज विश्वास सङ्गान कर्डेन ।) আইপনার কশস্বদ গোলাম ছগাপুৰ २ 9 9 (के : वर्ष

----;:---

বিশ্বনিগলেয়ের উলাদি ও পেনকলম। कट्यक त्व कर्डल का है विवस्तान विभावेटमन्हें क्षांन अस्टिकेकान, (खनाताल व्याक्तरम करूक अल ताइहात ज्यावन क हलग्रास्त सुनाधिक हुई क इ क्यारतप्रतकारी आस्त्रप्रत करश्त । **आ**रत्यस्त कार्तोत्मत्र मर्थाः वन्त्रः वन्त्राल्टग्रत् श्रादिभिकाः, अन e. ও বিএ পরীকোজীব কেই কেই ছিলেন। ক্ষ প্রীক্ষোতীর্ণ বলিয়া কেইই পান নাই; ্ গকলেই পরীক্তিত চ্ইয়াছিলেন, প্রশ্বতীক্ত গুট একটা নমুনা দেখিয়া পাঠকগণ বুঝিয়া लचेन। १४०६ नारमद कि कि अधान अधान হচনা ভাষার সংক্ষিপ্ত রচনা এবং লাটিন এীক ও ংশাণ শব্দকতকভালির ডিকটেশ্নে মাতা ছিল। গ্ৰেৰ সন্ধ অংগমাত্ৰ কড গুলি আহেদনকাৰী গ্ৰুগৃহ চইতে দিনকতক বাহির হয়েন নাই : १ १ व कडक छिल क्ष्मार्था भारत श्रासा स्वत्र किंद्रश निका हिन्द इड्रेम्सारहम । विश्वविद्यानरम् ३ द्वेशाचि ংকের এই ফল। চিরকালটা পরীক্ষা দিয়া আবার क्षे का ना मिल कर्णात मका निकिता थारि

भिक कि अप निमां की विश्वविद्यानगरिक प्रजय शहेर इहेब्राइड विवास करीर अधिक गाल कुछन ऋहिन स्हेश्राह्म, अरे आहेब जह राष्ट्री नाष्ट्र क्षाप्ट १ दीकार्थिशन्तक च च गृह इदे एक .भनकाम नहेब्रा बाइट्ड बहेट्य । यास क्फिर আক্লাদের বিষয় বলিতে হটবে যে হেতু স্বাসচ काली ७ लाग्नाड लहेग्रा याहेर७ व्हेरत मा।

২৮ এ অটোবর) একান্ত ২শার ১৮৬৮ - সাম গ্রেপ্টেলা স্থারিটোলা সূত্রপূর্ম প্রতি িশক্ষর --:0:---

मण्यानक बहानग्रा एष्ट लाक काराक বলে ? উত্তম ৰেশ ভূষা, সুগলি ছব্য ক্ষে লেপন, গড়ী ঘোড়ায় আরোহণপ্রভুত করি (लहें कि जम्र इत्र ? जम्र (लाक फ दारका (ब्रहे काना यात्र। यिति नहात्रभाषः हिलेका नहात्र সক্ষত ব,বহার করেন, তিনিই ভয়ে। সম্প্রতি এक स्थान कप्त (ल) देकतु व्यक्तित व्यवहारतत करा। আপনাকে আবৰ করাই : ৯ ই কার্ত্তিক জগদ্ধার্ত্ত পুরে:পল্পে আমানিগের এই মনানগরীর মধ্যে * * * * (কান স্থাপ্ত * * * * মহ' শন্তের বাসীডে বিদ্যাস্ত্রন্তর সীত্রাভিনয় হয় : সাধারণতঃ যেপ্রকার গীডাভিনয়ের কথা শ্বৰ করিয়াছেন এবং বেসকল ,গীড়াভিনয় সচক্ষেদশন করিয়াছেন এ সেপ্রকার নাং . এই कांचनरप्रश्री अ नुस्य दिख्य कार्टा कि প্রকার জীলোক ভাষা বুনিভে পার্যাছেন : नकरमाई (४म)।। वासरा (कोड्ड्नाक्रोख ३३स। দশ্নেক্ষায় শ্বমন কবিয়াছিলাম, সিয়া-দ্বি বাদী প্রায় বেশনা ও মান্ডালো পায়িপুর্ব। একে ত বিদ্যাক্তকর, সক্ষর অংশরস ঘটত : ভাগতে আবংর বেশালেশ আভানেক্রী, আভিনয়কার্যা ৰত সভারপে সম্প্র ইয়াছে ভাগ বুঝিটে পারিয়াছেন। ভ'হাদাের আচরণ দেখিলে क्यांक इंद्रेड स्यू। वित्नस्तः माखानिप्रिय জনীল বাবেয়াক্ষারণ, নব্য বাবুনিগের উত্তেজনা ফুলে পদে পদে সভাতাবিনাশ, ছকু ৰাবুর (ছকুবাবু একটীসং) কুংসিত ব্যবহার ও বেশ্যাগাণের সহিত একত্রে নৃত্য, সুক্ষরের ধরা পঞ্চিবার কালে বেশ্যাব সহিত কুৎসিত ব্যবহার উপহাসজ্ঞাল রাণীর বীরসিংহের প্রতি নিন্দ-নীয় আচরণপ্রভৃতি এডদূৰ গণ্ডি ক্ইয়াকে যে, (স্মৃক্স আহ্রেরণ (দর্ভিরা (কান ভদ্র লোক না স্কুচিত চইয়াচেন ? মহাশ্র ' কমলে কের সভা बत्रव कि श्रकारत व अभ्यकात वावहात कतिरलम ভাষা বুঝিতে পারি না। বিশেষ : গৃংকের वानिए । शह्य कुलाक्न निर्माव नेपूर्य (व्यानक कुलनातीनिमञ्जिक रहेता प्रश्नीमस्टल आलिशाहि লিকভদুর সঙ্গাভ সভাভাপ্রকাশক বলিবেন 🐣 ছ ডাহা ৰ লৈতে পারি না। বাবুলী নহা অংকি আংশচরেরি বিষয়। উইটার যদি বারে। । अखरे रेक्डा हिल, अक प्रम (अमानाटतत দিয়াক । জারহিলেন না কেন ? ভাষা प्रकाशिक द्राप्तः भाके अवर जिलि अज দ্দনীয় হইতেন না। অবশেষে জ্ঞাবণ করি। এক জান বৃদ্ধ, সন্তান্ত সঙ্গীতবিদ্যাবিশা क मन्यमारवृत श्रमान। वृत्त वयरम अहे

কি প্রকারে করিকেনে, ভাষা বুঝা ভার টেক, বাবুজী সভাতার উচ্চ সেংপানে হণ করিয়া বিলক্ষণ সভাতা ও ভারতার য় প্রদান করিলেন। ধন্য বৃদ্ধাসিগণ! ता पिन पिन विजयन राजा क्ट्रेटक्ट !! লিকাডা

क्रमाहिए प्रभंकमाः ।

।মিরা সেবিয়া অভিশয় বিশ্মিত ও ছঃখিত

মঙলাইটি

ম যে, কভিপয় আলে জীয়ক বাবুকেশব সন মহাশ্রকে ঈশ্বপ্রেরিড মুক্তিদাভা ক্ষিত্র ভাষার চরণে প্রভিত বইয়া ভাষার अतिकारनव स्थला ^क्षीर्थना करतन अवर कह केरहात हत्रवध् मि त्यहम करत्रम দ্র বিশাস যে একংশ এই ভারতবর্ষে व हर्ना सारावा जीख काहीत मुक्त हरेटन ना, Aक अन श्रेश्वत विश्वतः धिनकत बारमात्र (कह (कह उँ हामित भट्डा कमात वाबुक াদ প্রস্তু ৭ '' পাপীর গতি শ প্রস্টুতি শক্ষে धन क्रिया श्राटकन । कथन कथन क्रिया ৰ ৰাৰুকে লটয়া কোন বিশেষস্কীভ

ভ করি:ভ রাজপথে পণিব্রতন করেন লপু সমাকেও উ'হায়া এমনি সংকৃটিড রাকে লিয়াছেন যে তাহার আন্দেরণাতাত দান করা স্থাকটিন হইয়াছে। কেশৰ বাৰুকে ।ভাঁকরিয়া ঈশ্ধের নিকট প্রাপন। করা मा:लप्रमात अक प्यथमाथ करा स्हेषाट्डः রা এক দিবস এক জন আক্রাকে এই স্থপ

न। कतिएक आवन कतिनाम, "(न् मन्नान-া আমি অভ্যস্ত পাপী, ঈশ্ব আমার বাক্য ৰ করিবেন না, অবভএৰ আপুনি আমার। ভেল্য নিকট আর্থনা করন: * পত্রেতেও

ह (कड़ अहे फा) व

मेमकाइ निम्मनीत चाइत्र । अ व्यतीन चाटकन " चालनाइ पदान (लडाएक এই क्या े महीदा अ खाहाद निक्व ही १० । ১२ थानि व

উক্ত ব্যাপার নিজ বাটীতে সম্পন্ন করা। প্রদান করা উহিতে পরিক্রাভা বলা, জাহার ছোভনার মহাশ্রগণের সঞ্জানগণের বিদ্য (कामश्रकात कका (बाध कतिराम मा. निकड़े शिवाराय समा श्राचमा कहा, आहार कात मिला शवर्गरम हेटेंड अकति विका हत्रम (लक्त कता, खाँकात बार्य विद्रमध मुक्तीक आकि केल कहेतात काला कर्निरक्त का । अ खेँ द्रष्टमा कविद्रा भरत भरत व्यवंदा ममारक अहात (क्यम व्याना विश्वास मा। स्थाम अव কবা ত্রাক্ষার্শ্মের সম্পূর্ণ বিরুদ্ধ কার্য। (ঘদকল बाक्त बहेन्नभ काठवन करतन, काशहा डेंग्डामि দিগকে সভার ও আড় ফাবের অমুবোদে সামু मन्न वाटका कविटलाइ (व कांशाता लक्षण काहतून कतिया ज्यानमारमत । अक्ष्यं नावृत् अक्षरमत भारय क के क राजा भा ना कारत्य । यो हात्र मिक हे आमत्र डिलकात मास कतिरुडिह, डाँशहरू मन्-व्यक्तिक अध्या किक कहा करमहरू कर्त्ववः . কিন্তু ভাঁহাকে '' পরিব্রান্তা ৯ '' ঈশ্বরাবভাব ১ वना व्यथवा मीह अ'दव खाँहात हत्वातहर कहा श्चित अवर महरूद्ध व्यवमानना विश्वता व्यामाहन्त , বিশ্বাস হই ডেছে ।

> ব্ৰাহ্ম ধৰ্ম কেবল একমাত্ৰ অধিভীয় পবিত্ৰ : পর্মেশ্রকে মুক্তিদাতা বলিয়া करवन । मञ्चरवात छेलामन। कता अक्त धर्म्य प्रम्भूर्व व्यवसूर्मानिक कार्यः। (च राष्ट्रिक व्यवस्तः-গতি হইয়া ভজিতের সহিত সেই সভাশরণ, নাায় অক্লপ, মদলবারপ, পবিত্র ক্রনামর পাদ্ধির গতিও আঞায় পরমেশ্রের পরণাপর ক্ট্রেন প্ৰং উচ্চার নিক্ট ক্রেক্ন ও প্রাপনা করিবেন, ভিনি তাঁহাকৈ মুক্তিনা করিবেন। প্রভেকে मसूरवात्र स्थाय किनि केंद्रिक लाक कविर'व ইম্ছানিভিড করিয়া বাখির'ছেন। কোন মনুধ वा शृक्षकरक फिनि नेचा अ मुक्तिनार्भन कराः निरम्भागं करतम नाहे।

উপদংখ্যারকালে কেশ্য নাবুধ নিকট আমেং . चत्र निरंत्रन : य केन्द्र तामाण गाउँ। इत्त अवरक (वस्त्रण काहत्रण कतिराष्ट्रहमः काहाः स्ति कें।bid পহিতিৰলিয়া বোধ হয়, ভাচা হটলে ঐ ত্রোভ বন্ধ করিবার কোন উপায় জাবলধন कविरवन र अक्रवा माधावरनव अक्रेक्ट विश्वास समित्व (य. छिनि छेस्न कार्या असुरभावन कर्द्रम । শান্তিপুড়)

क्रियहराथ ह क्यांकी '১৭৯•ু শক ১ के विकादकक (शामा मी ७ कार्किक रे

মহালয়ে ব্যাপনার ১৯ এ আইনেব্রের ্রোটিকে হস্তগতে করিয়া ৯ জন আসে:

সোমপ্রকাশে ভুববানিবাসী এক ব্যক্তির প্রেরিড : সুত্ত করিয়া চালান দিয়াছেন পরের শেষ ভাগ পাঠ করিয়া যার পর নাই হয় নাই : সম্পাদক নহ'ল্যু : এনেক ডু काशक निविद्या आकर्षाविक इरेगाव । शबद्धतक महानव काशा कित कथा खना अपद्र निष्ठ (व) ।

। এक्षी व विकासिय ना श्राकारण ख्याकांत्र (কশৰ বাৰুকে এইক্লপ অৰখা অধিকার লিংকেরও উকীল, মেজার, ভাতুকদার লোকে প্রিপুর্ব ও যাহার অধিকাংশ, জমী জোডগার, মোক্রার ও উকীল, ওথাকার বা গণের বিদ্যালিকার ভারনা কি সালেধার য ८वाध रहेटलटक जाशावा निर्दान मदस्म, फटव ভাঁহারা সকলে এক ব্রিড ইইয়া যায় ও, পরি अक्कारत की मा निश्चा अकती विन्या**त्रत्र स**्था कट्टन मा १ भवर्षभ्यत्नेत्र निकट्ड आहाराजाः कार्यन् (कुछ) कि ? .य अर्ल् श्रक्त भारत् के विनासक क्षेट्र भारत. तम खुरन विमा भन्छ। भन कना शदर्दामा केव के किन्स नाइ ।

> हक छन अङ्ग्रितक लिथिया। লোয়ার জাসায়ে এবে ৹ভব কুক্তি কওয়াতে হ व महे भागामकन अक धकात की दि विनक्षे . इट्डॉ॰ यम कुषकश्च कांका हुन शनः श Bei क्रमाहेब्र, (म्यू. ख'हा इहेरन काना। ক্টিসকল নষ্ট হটগু: অনেক ধ্নে রক্ষা হ পারে। এ অনেন্দর কৃষক্ষণ এক্সপ ক कारन कारन कानक बना तका कविशाहक, वयम धामाकक्षम करा इड्ट्र, क्रथम ध :भाष्ठ'मरमञ्जा काहिता (करल मीय क सहैया कार्यक्ष छ अन्य अभिकाता **छ** साईशा की देशकत अक काइन विश्वेष्ट वृहेद्द, भूत र

य को उद्यानिक्यपुर्दन अस्तिक, अनुहरू नवाभी अकस्रत कायुक्त ई क्षार्थः निश ीत में १९ वर्तान कोवंग्रा **वा** कर प्राचन क सम्मन्द्रस्य अवस्थितः व कः सः १६०० ।

भी दुर्जन के प्यारक्षत काल कालका आपकरना

সংস্থাতি পথাপুকুংলা আন মা এক বং वानिएक का भाके कि वस । मञ्जू अन कुछै। वसी काश्च क वेश्वर वाजित्वातम अव्यक्ति स वर्गभू संक लड़ेब्र, य स (काथ व लड़ेब्र) डार्रात किहू कश्चनक्षांस भ'क्या गात् । প্রে ব্যক্তিপুরের সর ইনজ্পেটা জীগুরু **क**े कि कटकें भाषतात्र कि खिकासन केस्टल्ल्केन वे व'बु (१वमाक्षप्रन 4'.4F, ; 9: '4, '8

বচ্বছ ও পরিপ্রামন্ডকারে 四日日本:

বিচাৰ এ

মন্ত ডাকাইভির কথা এই প্রকৃষ্ণ শুনিল্মের বার্ডমান সন্তারেশ মধ্যে একটি বালক সপ্তিহ মুম্মেনীলা সম্বন্ধ কবিয়াছে:

२२ क अपूर्वे वर

Str 45 41

---:0:---এড় দিনের পর কাশীদাবে প্রসিদ্ধ রাসা नदी जीपुंक राषु (कनवश्य अम श्रकानः) : আগমন করিয়াছিলেন। ইণ্ডিপুর্বের আরিও এক বাব ডিনি এখনে আবিয়াছিলেন বটে. থানল্ডিত প্ৰথেচাবের কোন সম্ভাবনা प्रश्राहितवार्याय शक्छ श्रद्धान करत्रन । গুগৰ কাৰীবাসীদিগের ছিল্ম ধর্মে ভিঞ্ ক কৰিয়া স্থিপ কৰিয়া ছিলেন যে, কাশীতে প্রায় অক্সুবিক হইব'র স্নানেক বিলয় আন্তে। श्रादार्थ कांक्रांत्रा अक मिन क्लांख वहेत्राक्रि াগত দশহবার কিছু দিন পরে। কয়েক জন क्षाह्म हिन्दिक स्म अवर अधानकात मल्यायी हिक्यिक जीगुक वार्वे त्वाकनाथ । ॐ।शहसूत्र काञ्चार्थना करस्रम**ः ॐ**পश्चिक গেৰ লে:কনাৰ মৈশ্ৰে প্ৰভৃতি কয়েক काक्षांत्रा (श्रारमाण्डिकेक्ष्रेया काश्राद्याय भन्द्री ट्रक अधारम जागवन कविवास व्यक्तिकारम গোমন করেন। ১৮ এ অভিন মললবার ব বাবু শিব।দল লইয়। এখানে উপন্থিত এবং ছুই দিবস ক্ষবস্থিতি করিয়া শুক্ষবাই इ अपनिवेश्त्र जगम् अधानकात सम्बाज विवर्गाणम् পৌছলিক ও বিশুদ্ধ হিল্ডখনের বিষয়ে আজীতে একট বজ্জুতাকরেন: অনেক ইউ ীয় ও ৹ভদে⊊শীয় ভল লোক বলসুভাং তে তথার গমন করিয়াছেলেন : বস্তুত:টী 🖯 হৈছুপ্ত বিক্তম ইংরাজীতে । ইয়াছিল ≱गू. अत्मक इंकें(वाशीश छाड़ा चीकाब कति । উপসংহারকালে (५-४३ वायु अलिलान) स्टर्न्स्, रामन क्षांक्रक्तः हाल्या ३ (कार्य काट्य), াদেইকুপ উহাতে সভা ওপবিত্র ভাব তে পাই। অভএব 'ৰস্প্ৰেব অপকৃষ্ট । বাল লিয়া, টিংকুপ্ত অংশ প্রাহণ কবিলো : 🛊 🔞 প্ৰিব্ৰ সংঘ (:বার হয়, রাজাস**র্ম**)

হ্টপেঃ যে দিবস ভ'বতভূমর সল্ভ

্দর্ম বিজ্ঞারিত ৹ট্যের, মে€্লিবস

ল উল্লিম্সাপানে পদাপ্রি করিব »।

প্র বাছে দপ ঘটিকার সময় সম্ভা ভঙ্গ চয় :

ন (১ ক' কিক) প্রাক্তংকালে লোকনাথ

महासद्धात वाजीराक एकसव वाबु सम्माधादवत् ।

k@)ব্দ সাক"তন করিয়া অপরার ভিন্টার

नमस् अधान क्रेट्ड स्थान स्थान स्थिति।

(मछत्रामी डिनमर्क अधारन अक्रश्नकात अभिष्ठेकत आस्मान सहेता चारकः এकस्मनीत्र দিগের মধ্যে কি ধনী, কি নিছন, কি বালক, कि वृक्ष भागाशृक्षात्र शृक्षिम द्वाक्ति १६८७ ঞুখাগত তিন রাজি জুরা খেলিয়া কেঞ বা সক্ষাত্ত হন, কেই বা প্রচুর অর্থলাভ করেন। দেশের এই মহৎ আমর্থ নিবারন कत्तिवात डिल्माम अधानकात मा अ केरे সাত্রের গাত বংশর ছোষন। ক'রয়া বিয়াছিলেন यः, काम बर्शकः मित्रक्षीएक सुद्रा शिलाएक প্টেবে ন**া তথাচ ওপ্ত বেলার** দারা যে কত लाटकत मर्तानां स्टेबाहिल, खारा व्यापता নিশেষ কারগতে আছি। গভ বংশর ভাষ্যা (थलिएक भारेट्व मा विलयः किছू किছू द'हर' एष्ट्र **ঃউল্লাচিল, এবার ভাগার কিছুই লামিডে** পাইলাম सः अनुसार्यका (य अर्मस[े]यमिरशङ मर्का भारत्यत्र अक श्रद्धार्मी का त्रण. (वःथ एत मकत्र) বাল্লপুরুষ ভাষা অবস্ত হাচন: যদি ভাষারা कड़े छ।विद्रा काक **इडेग्रा** शास्त्रम स्व. ऋग्रा (बना ने बाबून कविट अरल भरधेव विश्वहरू अस्टरक्र कत्री इत्र, छोड़ा इडेटन छोड़ाटन्त मण्युर्ग सम इडे शाहर हास्रकुत्रवर्गन निष्ठत स्थानियन, खुवा খেলার স্টিভ ধর্মের কোন সংভ্রম নাই। মৃত্ত श्राष्ट्रियात क्वीका कवित्व मारक बई माद्र मारक, किन्छ गर्काचान्छ कृतिया स्वयार्थमा व्यक्तित. এরপে বিষিন:ই। রাজা বুদিউটির নিক্রিভিডা ক্রিরাপণ াবিয়াক্রীড়া ক্রিয়াছিলেন, এই ্নামত উচ্চার অভান্তে ছরবস্থা হর্যাছিল ৷ चे छ अर कांब्रार्टभेना **स**ंशास्त्र अर्डाम्म **स्ट्रि**स अक वार्य व्यवसीक इष्ट्र, मनव्र अवन्यान्ति विकार बाबादात जाहा अका अधार्यसीय ।

১৯ ৫ জটোবর ১৮৬৮ : জীবচ্নাপ ভট্টাচার্য বারানসী

मूनाव्याखि ।

श्रीपुक्त गांवू विश्वविद्याम सीम स्थित । १ व भ महिर्द्धित र्वाहि (क्राह्मिश पूर्व । १ व क्राह्मिश पूर्व । १ व्याह्मिश पूर्व । १ व्याह्मिश पूर्व । १ व्याह्मिश क्राह्मिश क्राह् • शारेभक्षताच आप्र पातानूत —।•!-

নোমপ্রকাশসংক্রাপ্ত

विद्नार नियम्।

वां अब मूना छ छोक्याञ्चल का भाईत्य परम नामध्यमान (श्रदन करा बाद का ।

हैरात सक्षित मूनापार्थिक ३० हिला वान्तानिक १॥० होता । सक्ष्यता छाक नर्भ छ नार्थक ३७, वान्तानिक १ अवर रे निक ७५०। छिन सारमत स्तान सक्षित्र धारन करा बात ना । स्थि, बताछि हिलि, पार्टा के बात स्वान हिलिहे, हैरीय स्व वारा एक वं होत स्विधा हिलिहे, हैरीय स्व वारा एक वं होत स्विधा हता हिलिहे,

বাঁহার। প্রামপটিকিট পাঠাইবেন, ব বেন এক অথবা আধি আনার অধিক। ও রদীদের টিকিট প্রেরণ-ক্ষান করেন।

यभवं विति सक्षणमः बहेर्ड तामश्रद भूमा भाके।हेर्दम, खाष्ट्रा स्व द्विक्ट्रेद्धि व श्रीमुक्त बादकानाच विद्याष्ट्रवर्ष्ण्यं नारमः १ हेन्ना स्वम ।

मृना निर्दात नमभू अञीष
आनित्त, अस भानभूत्म डीहानित्तरक
निषया स्टानन बाहेर्द, काल क्रिकी
ार्गल अक बाद हिंदी लिचा रहेर्द, खाश
अक्सानकाल क्रिकीका क्रिया कालक वस्स्र
वस्स्र । स्वयं वार्त्तर भूम स्वयं । स्वयं वार्त्तर भूम स्वयं ।

যাত্রণ রেলওরের সোণাপুর ষ্টেসনের ব্রেচিটি আইলে জামরা দীল পাইব।

वीहाता माञ्चन ना विद्या शक्कानि क्षात्र । वन, कोहाबिद्धात्र लड्डे शक्कानि अहन गाहेरव ना !

কেই সোমপ্রকাশে বিজ্ঞাপন দিতে
চরিলে তাঁইাকে প্রথম তিন বার প্রতিপংতি
সানা তাহার পর /১০ আনা দিতে কই
বিনি অধিক কাল বিজ্ঞাপন দিয়ার ইক্ষা ব

এই এই পত্র কলিকাতার দৃষ্টিপ মাতলা রেল্ডয়ের সোণাপুর টেসনের দ চালড়িপোডার জীয়ুক্ত ঘারকানাথ বি ভূমপের বালীতে প্রভিন্নোমবার প্রাভাষ

अयिका

8 म ग्रहश्ताः

'' प्रवक्तनां प्रक्रितिस्ताय पार्थियः सरस्ता अतिमस्ती न श्रीवतां।"

সিক মূল্য ১ এক জাগ্রিম বার্থিক ১০ দৃশ আমি যাশ্যালিক ৫॥ সাজে পাঁচটাকা।

मन ১२१६। ७ता कार्खिक। ১৮৬৮। ১৯० व्यक्तीवत

ৰক্তলে মাহ্লসমেত জ্ঞান কৰি

বিজ্ঞাপন।

शास्त्रक वास १० भेड़ा मेंच! (चशह) ॥• अहै शुक्त अवम कावति किकी स नर्शनर्शक थ्य गरचा नागताकरत तामाझ्राज्य निकाः 🛊 माना क्रम्बाटनत गरिङ काराश्रकाम मुक्क ত্রত ব্রয়া বিভরিত ব্রতেকে। ইহ'তে মাহে--छीर्थ ७ नारभाष्ट्री छाउँ व निकाल क्ष्मविद्वास क कता स्ट्रेटिक अट्टा श्राटियाद्य ३० মা অধাৎ৮০ পুঠা করিয়া মুদ্রিত ও প্রচা • **ছট্ৰে । মূল্য ॥ - আমা**। বাহারা আহক ীজুক হইতে চাহেন, ভাহারা আমার নামে । धकान राख भाज मिनिर्देश ।

--:0:--

ৰিক্ৰয়াৰ্থ।

গারভেন রীচাং৪ নং বাটা ওলামস্হ ১৯ নংজোড়া ৰাগান।

উপরি উকে বাগান ও বাটী যাঁ≉ারাকণ্য ভ অথবা লইতে ইন্ডা কবেন, নিমু আংক

बीद्यम्य छहे। हार्गः।

গিলেওারস্ আরবো-थनहे कवर (काः

~;°°;.....

राज्यित निक्षे खानाईरवन।

विविध खवानि विकाशर्थ প্রস্তুত।

ংরাজী বাদ্ধা পুত্তক কাগজ কল্ম নানা

৴ এক আনার হিসাবে কমিসন দি। অধিক পাইবেম ৷

কের মন্মান্তবাদ

ब्रिडीइडिङ**्क**बित म मन्त्रुर्व

हें कुल कि किक्स कार कि कि हो है। পটী |

পশ্চিতহারা হস্তের লিখিত

কৌডুকগুলি সম্পূৰ্ণ আহে

इड्डेट ड इब्र

व्यक्तिम्म् विध महिक

٥

₹

₹•

ষ'দশ শিশুর বিবরণ

রয়োড্সা গদ্ভাব্য

প্ৰাগন্ধ উপাৰ্য্যন

भिन्दुहादाव

শর্মারকুত্ত

ভূতব্দশ্ন পৃথিবীর মানচিত্র

বিধ দ্রব্যাদি পাওয়া খায় এবং পুশ্রকাদিতে টাকার পুত্তক লইলে /১০ আনার হিসাবে

অপুর্ব উপাধ্যান অর্থাৎ সেক্লপিররকুত নাট

জীনভাগৰত ১ম কৰ্ষি ১২

প্রীমন্ত্রানরসায়ন ছই থতে সম্পূর্ব

নিবাসী বাবু কাশীনাথ মলিকের এবছে উত্তম

₹\$ নিডাধৰ্মা সূর্জিকা পত্রিকা বার্ত্তিক

কৌতুক বিলাস মালতে গোপানভাতেত্ব

व्याद्य : देशभिमि चात्र व

ব্ৰহ্মতত চুড়ামণি অৰ্পাৎ কক্ষনিৰ্বয় নীলাঞ্চন কাব্য

পুরঞ্জ কার্য

মণিকুওলা কার্

কৌরববিয়োগ নাটক

বিভিল গাইড মাশ্ৰেন সংহেব কুত

म्यानावनी यञ्जभहत्त्व नामकृष्ठ

নীতিপ্রস্তা

এটলাস বাং ৮ খানি ময়াপ গণেশচত্র

ভারতবর্ষর ম্যাপ দেবমাগর অক্সের নী স্থিমিকা অনবর শোহীলী গদ্যপদ্য

কাব্য

কুমান্ন সম্ভৱ সংস্কৃত হইতে পদা অসুবা कातकस्थित श्रीकशाम (यमात्रमाथ मण्डूम ঐ গোৰিন্দচন্দ্ৰ সেন কুড

मन खन्ना तन १ अह

প্রাচীন ইভিয়াস সমুক্ষয়

ঐ মানুমেন সালেবকুত ছুই খণ্ড

बाह्य पश्चिम्हें बाह्य

চরিত্তম্পরী

শব্দর্জ্জম পরিনিষ্ট

কলিকাতা জোড়া-সাঁকো ৬৪ নং

ঐ প্রতাপচন্দ্র मगम विद्वा

স:বিত্রীচরিত

কাব্য ।

জ্ৰীভোলানাৰ চক্ৰব ইপ্লণীত।

मृना ३ अव होका বংক ত যন্ত্রের পুস্তকালয়ে পাওয়া যায়।

विक्रप्रार्थ।

শব্দকর্মজন অভিধান : স্রুর্জে রা **কান্ত দেব বাহাছ**রের ক্লন্ত। উন্তমকপে সো দিরা সুত্তন বাঁধান মূল্য ২৫০ টাকা,

बीचानमध्यादमाञ्चानीम

মহামহোপাধ্যার বর্দাচাথ র ভ বসস্তভিস ভাৰ ৰেপালম্ব পণ্ডিত শ্ৰীকুজ ভ্ৰমক্ৰেন্ড প্ৰস্তু কর্ত্তক সংশোধিত হইয়া দেবনাগরাকরে মুল্লিত **হইয়াছে:মূল্; ॥• আনটি আন্না**া ক:লকাভ নাই ইভি।

জ্ঞানরয়াকর যন্ত্র নিমতলা বাট্**ইটীট** প্রেক ভবন।

শ্রীভূপনচন্দ্র বদাক।

পুরাণ প্রকাশ !

বিষ্পুরাণ:

প্রাদ ও টীকা সমেত প্রত্যেক খণ্ড ভা প্রেমি মূল্য)॥ । নি এচনাভিলাধী হইবেন ডিনি মূজাপুর রষ্টকীট ৩৪।১ নং ভবনে কার্প্রকাশ প্রথা কলিকামে সংস্কৃত বিদ্যালয়ে ক্রোমোহন ভর্কালকারের নামে যত ইক্ষা ভাত্রিম মূল্য পাঠাইবেন। ভাত্রিম ইক্ষা ভাত্রিম মূল্য পাঠাইবেন। ভাত্রিম ইক্ষা ভাত্রিম মূল্য পাঠাইবেন। ভাত্রিম

হিন্দী পুতাকের বিজ্ঞাপন।

মি, রমুপ্রভৃতি কবির বিরচিত পোচ।

ই আদিতে মানবের ২৬২ প্রকার লাক্ষণ

মলুলি লালের রচিত মাধ্য স্লোচনার
র সহিত মাধ্যবিলাসনামক পুত্রক দেব

মেক্ষেত্রত প্রচারিত হইল। মূলা।

মানা ভাক মান্ত্র নাং আনা। কলিকাত।

মেক্ষেত্রতার বস্তানমভল। ঘাট জীট

বংধ্যক ভবন।

🕰 🍑 वसहन्त्र निर्माक ।

नित्रात नर्ता ।

ন ১৮৩৮ সালের সেপ্টেম্বর নাসেব ১৫ ই কইতে ৭ ও অপ্টোবর পর্যায় নদীয়ার নদী কায়ের ধর্মকাক্ষতে জালের সংস্থাতিক বিশোটি।

থানের নাম সর্বাক্ষম ও জন

ফুট ইঞ্চি।

নদীরা মাথাভালা

মহানার উপর প্রানদীতে ৭ ৯

নিজ মহানায় ৮ ৬

তথা হইতে হাট বোয়ালিয়া

৪৪ মাইল ৭ ৩
হাট বোয়ালিয়া হইতে
আকুক্দিয়া

তালুক্দিয়া হইতে কৃঞ্গ্ল

৩৮/মাইল > ? कुर्कगर्क रेईएफ एनंति नहीं ৩৪ মাইল عاد कारीतवी मही। মহানার উপর २७ छेशत भीटा निस महानात्र 35 তথ্য হইতে কিয়াগঞ্চ ٩ क्षित्राशक रहेट कारणात्रा ৬০ ম ইল 36 কাটোয়া হইতে নদীয়া ৪৬ মাইল ₹> क्षत्रकी नहीं। নিজ মহানায় 8 তথা হইতে করিমপুর ১৯ মাইল করিমপুর হইতে টিয়াকাটা ७६ महिल विद्याकाचा इहेटड नहींग्रा ৬ - মাইল সন ১৮৬৮ সালের ১০ ই অস্টোবর ভারি খের বহরমপুর গঞ্জ ঘাটের ঋলের মাপ। \$ @ कु हे शक्ष्माष्ट्रेत छेलत ১६ तक्तरभूत १० हे का होतित है अधिक नि है, हिंदे हैं कि नियुत

সোনপ্ৰকাশ।

তবা কার্ছিক সোমবার।

) বহরমপুর ডিবিজন।

আমাদিপের পরিচিত এক বিশ্বস্থ বাজি কহিলেন, মজঃফরপুরে লোকে দাস রাখেন কি না, ইহার অনুসন্ধান হই তেছে। তাঁহার মুধে যেপ্রকার শুনা গেল, ভাহাতে যে সুক্রন অনুসন্ধান হয়, এরপ বাধ হয় না। "যে সরিবার দারা ভূত ছাড়ান হইবে, ভাহার ভিতরেই ভূত রহিয়াছে।" যাঁহারা অনুসন্ধান করিয়া বাহির করিয়া দিবেন, তাঁহাদি পের অনেকে ঐ দোযে অলিপ্ত নহেন। আমাদিপের পরিচিত ব্যক্তি বলিলেন, গ্রন্থিত বিষয় ভলির অনুসন্ধান করেন, কুডার্থতালাভে সমর্থ হইতে পারেন।

১। " सकत " এই শব্দ ছोत्रा निर्देश सिंडे इंक, सकक्षत्र शूट्य असन को व्यक्ति सा

২। নকর শব্দের অর্থ কি ?

৩। বাহারা নকর শব্দ দারা নির্দেশত হইয়া থাকে, ভাহাদিগের অবস্থিক ক্রিপ ? ভাহাদেগের কাজই বা কি

৪। যে সকল লোকে মজঃকরপুর সচরাচর সাক্ষ্য দেয়, তাহার মধ্যে নফ বলিয়া পরিচয় দিয়া সাক্ষ্য দিয়াছে, এই লোক আছে কি না ?

আমাদিগের বিবেচনায় এই উপ অবলয়ন করিয়া অসুসন্ধান করা মন্দ ব তেছে না।

গ্রন্থিক ক্রমে ক্রমে সমুদার ডিপ্
টিমেন্টের বার সংক্ষেপ, অপবার নিবার
ও স্থানালী স্থাপন করিয়া স্প্রালর
কার্যা সম্পন্ন করিবার সমুপার বিধান করি
কেছেন ; কিন্তু প্রলিক ওয়ার্ক ডিপা
কেটেও রেলওয়ের কিছুই করিতে পার্লি তেছেন না। আমাদিগের এক জন প প্রেরক ' প্রলিক ওয়ার্ক ডিপার্টমেন ও ব্রুরমপুর কালেজ ' এই লীর্ক কিত্ত একখানি প্রেরিডপ্র প্রেরণ ক্ য়াছেন, প্রধানপুরুষেরা ভাষার প্রা একবার দ্কিপাত করিলেই জানির পারিবেন, ঐ ডিপার্টমেন্টের কা কিরপে সম্পন্ন ইউতেছে।

:--

শৃত্ত হার উঠিয়াছে যে, প্রক্রিক ক্রের ক্ষাটারীরা পুনরার আদিবার মা রাখিয়া কার্যা সম্পন্ন করেন প্রেরাথ কাজ হয় না; ছদিন তেনা ঘাইতে মেরামত করাইবার মত ভাঁহাদিগকে পুনরাহ্বান করিতে

करे लोबाटकात निवादनार्थ आमा গর বিবেচনার নি**ম্লিখিড** উপায়ের लच्च दिरशास्त्र। यथन या निर्मा ৰ কাৰ্য্য উপস্থিত হইবে, ইঞিনিয়া-া ভাষার নকাও বাষের অনুমান শ্বা এক একটা ছিলাব সিবেন এবং ভয়ত কাৰ্য্য হইভেছে কি না, মধ্যে তোহার ভত্তাবধান করিবেন এবং ্রেশ্য হইলে ভাষ্য দেখিরা লইবেন। ব্যের ভার অনিঞ্নিয়র সচরেত र्थक (भारकत हरस्य मिट्ड हहेर्द। वाक्तित हरस अकिरमणे अ वाहकाव র কার্যা সমপিতি হটলে প্রলিক ক ভিপাটমেন্টের চৌর্ঘা নিবারণ 1 (य ऋमात्रक्राल कार्या मण्डीच म्हेर्य, নক্রনেই ভাহার সভাবনা নাই। (१) (च लाटकत कटल दालकांत्र गमः त कथः कहिएछहि, छोहात निर्ह्यांग ল ৰিশেষক্ৰপে সাৰ্থান হইতে । এক্লপ ধার্ষিক লোক নিয়োগ শাক্ষে সমুধাগত অর্থাশিতে মতিভ্ৰম **জ**নাইতে না াদিগের । আনামরা শুনিয়াছি, আনেক সাগু ব্যক্তিৰ পৰ্যাক ডিপাট **৪ প্রেশ** ক্রিয়া হওচরিতে হইয়া-।আন্রঃ যধন উলিখিত উপায় খন করিবার পরামর্শ দিতেছি,

भवर्गसम्बद्धाः विकास

।ন, ইঞ্জিনিয়রদলে কি এক জনও

(लाक नाइ ? ब अट्स चामानिर्गत

अहे, के मत्न (कहहें छात्र ताक

একখাবলা আমাদিগেয় অভি

করিডে

প্রেক্ত নহে। অপশ ক্উক, অধিক ক্টক, ভাল লোক ধাকিতে পারেন: কিন্তু যথম উণ্টাদিগো দার: চেট্রের নিবা রণ ক্টতেইে না, তখন আমাদিগের নির্দেশিত উপার অবলয়ন করাই কর্তব্য হয়।

🥇 ামক সংলে নগাৰ বেবহার ছল ভি

मभरत ममुकात विषयह कुल 🐨 😙 মহাঘা এবং মফসলে খুলভ ও অব্প. মুল। নগরে রিয়াবাদ কর, কত বায় পড়িবে, জ্ঞানার্জ্জনের চেক্টা পাও, কভ ৰায় পজিৰে, পীড়া হইলে চিকিৎসা করাও, কন্ত বায় পজিবে ; কিন্তু মফস্বলে এ সমুদায়ই স্বৰ্ণা ৰাচ্য সক্ষাত্ৰ হয় ৷ মফ স্থলে কেবল এক ন্যায়। বাৰ্হার ছুন্ভ। ত্ৰিহত হইতে এক ৰাজি আদিয়াছেন, তিনি কহিলেন, মকস্বলের অবস্থা অভি শোচনীয়, তথায় বিচারপতি পর্যান্ত ন্যায় ও আইনসিদ্ধ ব্যবহারে অসুরাগী नरहन। उँक्ति। (बक्तश वावहात कटतन, তাহা দেখিলে কোন রূপেই এরূপ বোধ **एम ना य औशिक्षितात छेल्दत कि** আছেন। তথায় স্তিচার ও ন্যাধ্য ব্যব চার নিজাম্ব ছল ভ। এরপ হইবার কয়ে কটী কারণ আছে। এথম, উপরের লোকেরা ভাঁহাদিলের কার্যোর তন্তাব धान करतन ना ; डाँहाता व्यनगात्र कतिरल नीटात लाटकता चार्यमामिटात चिनिके শক্ষায় কিছু বলিতে পারেন না সুতরাং ভাঁছারা বৈরাচারপরায়ণ হইয়া উঠেন। মকস্বলে অনেক বিধিবিক্লদ্ধ কাৰ্য্য অনুষ্ঠিত হয়। ত্রিহুত হইতে আগত বাক্তি বলি: লেন, ভথাকার অধিকাংশ হাকিম নীল করদিগের স্বিশেষ সংস্থা করিয়া থাকেন; স্তরাং ভত্ততা প্রকাদিগের সহিত নীলকরের কোন বিবাদ উপস্থিত क्ट्रेंटल श्रिकात कत्रनाक इचि इग्र।

ইউলোপীয় বিচারপতিব ইউলে নীলকরের প্রতি স্বদেশীয় বলিয়া বভ: ক্রেই অমিরা থাকে; তা আবার ঘনিষ্ঠতানিবন্ধন সুক্রাব कारक कारक है विषात्रकारन विषात इंक्डाना पाकिटल ७ छिल नीनकत পাতী ইইয়া উঠে। এরপ স্থলে স রের সম্ভাবনা কি ? মফস্বলের ব্যক্তিরা আপনা আপনি অভ হইতে বিনিহৃত হইবেন, বে সভাব नाई। महत्राहत उँ। शिक्तित अहे म चारह, इक्टन वास्किनिश्रह नमान त উচিত; কোনরূপে ভাহাদিগকে বার্ (म अ शा कर्ड दा नश् । प्र्र्कर नशा आपि গের নাম প্রাণ্য গণ্ডা বুঝিয়া ল **टिको शाहरलई डाहामिरशत इक्ति** श्वरत्या वहेन्न महन करत्न।

আমরা মফস্বলের বিচাপতিনি রোপের বিষয় জানাইলাম, এক্দেণ র্নমন্ট ইহার প্রতীকারচেটা করুন।

9 किंकनद्राः।

-:0;--

ক্রার অনেক স্থানেই স্তি আশকা ক্রিয়াছে; স্তিক্রের থে প্রধান হেডু অভিরাই ও অনার্থি বর্ষে ভাষা ঘটিয়াছে বসদেশে অধি ও উত্তর পশ্চিমাঞ্চল অনার্থি। ব শের অধিকাংশ নিম্ন ভূমির শাস্যা র্থিতে নথা হইয়াছে। গত বর্ষের সকল স্থানের লোকে ভালরূপ শাসা নাই। তাহাতে ঐসকল স্থানের লো স্বিশেষ কথা হইয়াছে। ২৪ পর্যা দক্ষিণাংশের কভক স্থানের লো কথা অধিকতর রুদ্ধি হইনাছে। পক্ষা উচ্চ ভূমিতে উত্তম শাসা অফিয়ার যদি আর একটু বৃষ্টি হয়, সম্পূর্ণ লাভের সন্তোধনা।

কইলে প্রকার জয়লাভ ছ্যটি হয়। তমোলুক, ঘাটাল ও কাথিপ্র এরপ হওয়া বিকারের বিষয় নহে। একৈ ভানেও স্বিধা নাই। গভবারে ও ভ র বিভীয় বন্য শ এই শিংকযুক্ত প্রত গ্র নোমপ্রকাশে প্রকাশিত ভারা উল্লাল্যনাণ কইভেছে। মেলপুল চইতে এবার যে একখানি প্র আগিয়াতে, ভল্বারা ভ্রায় ক শ্রার বিল্লাণ প্রাক্তাব দৃষ্ট কই ট্রুর পশ্চিমাঞ্লে যেপ্রকার রুক্তির শুনামাইতেতে, ভথার এথান ভূতিক শুনামাইতেতে, ভথার এথান ভূতিক

ধন উপায় কি ? বিপদাপর ছানেং ঘদান একান্ত আৰশাক ; কিন্তু কি ात माहायः मान करा क**र्त**का ? अभारतात ३५ हे काहिंदकत बाटफ मिर्**गर गृकामि छद्य इत्र, क्षानामिर्ग**ः (হোল দান করা হইয়াছিল, ভাষ। या बामासिट्यय मः ऋात क्याबाट्ह, করি সাহায্যদনে করা ভারে না করা ্টাকাগুলি সুধা নত হয়: যাহার ধানিত বাসসূহ ছিল না, সে ৪।৫ বসাজ সংহায় প্ৰা'। ভাষতে ति कि डेलकात मर्लि ? शकायात ानि शृष्ट्य है। कियाद मृहिन इय ना। aर फोल, थेठ गोहासामा अध्या उंड ना इयु कड व्यामासिरात अवहा। र कारन इर्डिकमञ्जाबन। ४३वा८४. त **এके मग**्ध श्रद्धा**का गणुपाट्ड याँच** ও রাস্তাহজুতি আবস্থ করিয়া ্হড়ক এবং যে ভালে ভালিরপ कां ब्राह्म क्या बहेट के स्व काटन नाई, त्मधे थारम लटमात आमनानी হউড: গ্ৰণ্মেউ লয়° এই ভাব করুন। যে মুলোশনা জন। করা । এবং শান, গটয়া যাইবার **যে ব্**য়ে বে ভাগর ধন্মা ব্রিয়ালভি না া ষয়ানু ১৯ ডিক অধ্বা চডিক ভত প্রেদ, প্রিক্রিয় করিছেত হইবে।

পার খার্মিক

হইনে ভুৰুতা

লোকেরা ছডিকের ভাদুণ প্রকোপ জানিতে পারিবেন না, গবর্ণমেন্টেরও সাহাযা করিয়া যথাগ উপকার করা হইবে।

---:0:---

'' ১৮৬৮ **অজের এদেশীরদি**গের বিবাহের আইন। শ

उटकारा वाशमामित्रात विवादहर একটা সভস্ত্র পদ্ধতি প্রবর্তিত ক্রিয়াছেন। এ প্র⊚ির **অনু**ৰুত বিবাহ্যদি রাজার অনুমোদিত নাহয়, তাহা হইলে উহা অবৈধ ব লিয়া পরিগণিত ছইতে এবং ভদ্বিক্লোভ সন্তানেরা ধনাধিকারবঞ্জিত হইতে প:রে। এই আশঙ্কা করিয়া जःरक्तिता व विवाद इत रेवधका मन्त्रार्थ भःरिवमन करत्न। भामती **এउ**६ मःकःस्ड একটা আইনের পাণ্ড লেখা ১ লা দেপ্টে ষ্ঠ ৰাব্ভ,প্ৰসভায় এচেবশিত দৰ্শন চমথ্রুত হইলাম । উটার শিরস্থানে লেখা কাছে, ''সুষ্ট ধর্মাব-নমী নয়, এৰূপ ক'তকগুলি ভারতব্য, য়ের शिव:cēর देवभ्रष्टामन्श्रामनार्थ **आ**हेरना প.গুলেখা"। পরে আছে, ' যাহারা ধুষ্ট প্ৰাৰ্লগী না এবং হিন্দু, মুসলমান বৌজ, পাট্টমী, ইজনীদিগের প্রবীত পদ্ধতি অনুসারে বিবাচ করিবার আপিত্তি করে 🕬 এরপি লেখার উক্তেশ্য কি: খুট ধর্মের বেলা খুষ্ধকাবিলয়ী নল, এই কবাটা স্পান্ট,কাবে লেখা ছইলে। কিন্তু ছিল্ড প্রাদির ৫সজে লেখা হইল, তত্ত্ত পন্তিজনে বিবাহ করিতে ক্সাপত্তি করে ৷ বোধ কর এক ব্যক্তি আর সমুদায় কাষা হিল্ছ প্রথানুসারে অনুষ্ঠান করি তেছে, কেবল বিবাছের সময়ে ঐ প্রথা পরিভাগে করিয়া অনাপ্রথা অবলয়ন ারিল, ভাষার বিবাহ এই আংইনের অনু मादत देवथ इक्ट्रेंच कि.सी ? य, म इय, এটা সমাজের উপকারক না হইয়া অপকা तक इकेश **फे.ठिंद मदल्यह** नाइर। यणि । কোন হিন্দু ছুই টাকা রেজিফারী ফী এবং তিন জন সাফী রাখিয়া ; বেশারে পাণিগ্রহণ করে এবং নেশাকে লইয় অপেনার পৈতৃক ভূমিতে অবস্থিতি করে, সেটা সমঃ উপকারের না অপকারের হইবে ?

ত্র:কোরা যধন বিবাহের স্বতন্ত্র তির সৃষ্টি করিয়াছেন, তখন মেই তির অনুসারে যিনি বিবাচ করি উ:চার বিবাহ সিদ্ধ হইবে, এই আইন করিলে কি সর্বাদীন মলল না তভোকরিলে ছিল্পুথম দির ব্ৰংশ্বং শ্বন্ত প্ৰত্যতা শ্বাকার ক উহার গৌরা র্জিকরা হইতস নাই। আমেরাযে অনিটের আংশক্রা তেছি, ভাছাও থাকিত না। ব্ৰঃ স্বৰপনিৰূপণ করা কঠিন বিবে করিলা পাতুলেখাকর্ডা উক্ত পাণ্ড,লেখা করিয়াছে:, কেছ কেছ ৰূপ বলেন; বিস্কু আমাদিগের বিৰে ,**এটা অহি ভাকিঞিৎ**কর বাক্য। ত দিগের অবলয়িত নির্দিষ্ট পদ্ধতি স.রে যে বিবাছ হইবে, ভাহ;ই : বিবাছ। যদি এলেকগনাহয়, হিল মুসলম নথ ভৃতি বিব হেরও ব লক্ষণ ক বতে হয়। হিল্পুধারুস িবাহ করিখা ভাহার অপভুষ নরা সহজ নাহয় ব্র ক্ষরিবাহের আগ করাই বা কিব্ৰূপে সহজ হইবে 🖟 🦠

পাণ্ডুলেখাে বরের ১৮ বৎসর এবং
নার ১৪ বৎসর বিবাহের যে বর্স ির্
করা হইয়াছে, এটা অভি উত্তম হইয়া
কনারে ১৮ বৎসর বয়স পূর্ণ হই
পূর্বে সে যদি বিবাহার্থিনী হয়, বি
মাতার অনুমতি প্রহণের এবং বহুবি
কারির দণ্ডের যে বিধি করা হইয়া
নেটা ও উত্তম কম্পে। এই পাণ্ডুলে
একটা অসম্পূর্ণতা দোষও লফিভ হই
ত্রী অথবা স্থানা পরিভ্যান্থের এ

ইহাতে এবেশিত করিয়া দেওয়া ব্যা

কলিকভারাজখানীধ যে:গং স্থান কি নঃ?

যথন কলিকা চায় মিউনিদিপালিটীর

ধুম ছিল না, ডেূণ ও পয়ঃ প্রণালীর

গস্ত ছিল না, তথ্নকার স্বর্গ মরলেরা কলিকাভাকে অস্বাস্থাকর য়ানিদেশ করেন নাই, ভাঁহারা ना व्यवना मात्रिक्ति छट्ट क्लिका छात्र धानी कतिवात कथन श्वत्रं अप्राचन ; किन्न कि चा अध्या अच्छ व दशदात्र কলিকাভা হঠাৎ এমনি অসাভাকর াদের অযোগ্য হইয়া উঠিল, যে ণকার প্রধান পুরুষেরা নিমেবকাল অধানে থাকিতে সাহণী হন না! বাএরপ হওয়া **আশ্চ**র্য্যর বিষয় । পূর্বকার প্রধান রাজপুরুষেরা বিএহাদি বিষয়ে সত্ত লিপ্ত ছিলেন ন সূতন নূতন রাজনীতি ও কার্যাঞ্চ ীর উদ্ভাবদের আবশ্যকত। ছিল; রাং উাহারা পরের **অর্থে আ**পনাদি ভোগবাদনা চরিতার্থ করিয়া াতিপাত করিয়া যান, এরপ অব পাইতেন না; কাজে কাজেই কলি চা অস্বাস্থাকর, এখানে বাদ করিলে বৈতকাল সংক্ষিপ্ত হইয়া আসিবে, **डीहोबिट**शं আ তক কার র হোন প্রাপ্ত হইত না। এখন (कन्यवीपर्भव (म প্ৰপ্ৰ গাভ নাই; সন্ধি বিগ্রহাদির ভাদুশ ানাই;এখন আর কোন বিষয়ে ভুরবগাহ চিন্তায় মগ্রুইয়া ক্লেশ তে হয় না; এখন কোন জাটিল বিবয় च्छि रहेरम (छिटेरम्टब्ल्डेन्डिहे ाज्मीभाः माकतिया पिया पाटक्सः, म काटक हे अक्स का का वर्षक (कान व । ভোগাভিলাষী হইরাউঠিরাছেন।

যে পুর পিতার অতুল সম্পত্তির অধি
কারী হটয়া অর্জনকেশ হটতে মুক্ত
হয়, কালকে ভোগের উপালফ্রিডেই
বিশক্ষণপটু কেখিতে পাওয়া যায়।
অত্রব এক্ষণকার গ্রপ্র ক্ষেন্যলের।
বিলাদী হইয়া যে শৈলবাদের অস্বেলণে
তৎপর হইবেন, সেটা বিস্মায়ের বিষয়
নহে।

উপরে যেরূপ প্রদর্শিত হইল, जाशांट अ वे श्वित इंडेट ७ एक्, हेमानीयन গবর্ণর ক্ষেনেরলদিনের ভোগপ্রিয়তা ও यशीक भक्ता इंग्लियदा तामधानी कति-वात शक्कारवत श्रथांन कात्रणः। प्यत्मात অথবা অন্য সুবিধা অসুবিধা পরিগণিত इ**३८७(६ ना: अक्टल जामता त्य ज्ञानकटक** रेमनविशासी (मिथिटिंग भारे, मिने अधा নের অমুকরণমাতা। শত বংসারে কলি কাতাযে 🕮 সম্পন্ন হইয়াছে, গ্ৰণ্ড জেনরল ইহাকে পরিত্যাগ করিলে ইহা स्य करम सम्हें खोजके इहेरव, a श्राह्म-ফটীর বিষয় কেছ চিন্তা করিতেছেন না। शक्दछबाम कहिया नामन कार्यात य कि সুবিধা চ্ইৰে, ভাছাও আমরা জ্লয়জম করিতে পারিতেছিনা।

ু কলিকাতা অস্বাস্থ্যকর, ইহা সপ্র মাৰ করিবার নিমিন্ত লাড কানিন্ত, উট লসন ও রিচিশাছেব প্রভৃতি কয়েক প্রধান ব্যক্তির স্ত্যুকে উদাহরণফলে প্রদর্শিত হইয়া থাকে। আমাদিগের বিবেচনায় এ আপত্তি যুক্তি সহ নছে। এক শত বৎসরের মধ্যে কভ প্রধান লোক কলিকাতায় শানিয়াছেন এবং স্বস্থারীরে স্থাদেশে এ.ভিগমন করিয়াছেন। কলি . कांठा यनि यत्मव १६७ महात हहेड. আমরা কাছাকেই স্বদেশে প্রতিনিরন্ত দেখিতে পাইতামনা। পকাদ্রে ঘাঁহারা क्लिकाठार७३ हास्थानी शाकुक, अह মতের সমর্থন করিতেছেন, ভাঁহারা উইল দন প্রভৃতির মৃত্রে বিশেষ কারণ পুদ র্শন করিয়াছেন।

কলিকাত। পরিত্ত হুইলে রাজ্য কোপায় হয়, ইহা লইরাও বিষ নতভেদ হুইতেছে। কেহ কহিতে নিমলায় রাজ্যানী হুটক, কেহ তেছেন দার্জিলিঙে, কেহ বোঘাই ব্যন এ বিষয়ে মতের ঐক্য হুইটেনা, একটা স্থান স্ক্রাদিস্মত তেছে না, তথন রাজ্যানী ব্যব্দ, এই বি আছে, সেই স্থানেই থাকুক, এই বি

এপ্রকার দম্ভুলে আমরা বারে যে সহুপায়ের নির্দেশ করি লাম, ভদলম্নই শ্রেষ্ট্রুকম্প। গ কেনরলের স্বাস্থাস্থা লইরাই ৫ কথা। কিন্তু যদি ভারতবর্ষের প্রেসিডেক্সিতে এক এক জন গ রাখিয়াগবর্র জেনরলের পদটী ইয়াদেওয়াহয়, সমুৰায় আংপত্তি **হট্যা যায়। যিনি বাঙ্গালা প্রেসিডে** গবর্ণর হইবেন, উাহার যদি কলিব দ্রানাহয়,ডিনি উত্তর পশিচ্মা বাস করিবেন। ইংলওই আমাদি ताकशानी इडेक। उथन मकल विश সুবিধা হইয়াছে, এখন ইংলপ্ত হ ভারতধর্ষ শাসন হর্ছ হইবে ন।। ই ভারতবর্ষের রাজধানী হইলে ভারত রেরা অধিকতর উৎসাচসমস্থিত বেন। এদশীয়দিগের ব্রিটিশ লাক্ষ্যের क्रायमशांकियान अविश्वति । देश वाशीन लामनश्रानी, क्यारन নাই। এখানে ব্যবস্থাপক সভা প্রভূচি স্বাধীন লোকদিপের প্রবেশাসুমতি এ कतिया चाध्या भागनः गांनीत वाक করা হইরাছে। ইংল্ড রাজধানী । ग्रिट्मित रेनक्षेत्र मध्या १३८ल (११३) আক্রিড ও রুছ্ৎ রুজে পরিণ্ড ভারতবরীয়দিগকে সত্তর ভাষার (मग्न कन्दर्भिती कतिरव मर्क्ट्ना है। भाउना (दलस्या

মানত্র কার্যা সম্পত্ন না করিয়া বিশ্ব পরিভাগে করা ইংরাজ জ:তির বলি**ভানহে। এ স্বভাবের যে** বাহি ঘটিয়াছে, ২ঙ্গদেশের বর্তমান ন্ট মাতল: রেলওয়ের পরিভাগে হেইয়াভ;হার পরিচয় দিরাছেন। क ठेकि। यश क्रेश शिशाहक, प्यांत কলক টাকা ব্যয় করিলে উহার চইতে পারে, এ সম্ভাবন, থাকিতে ত্যাগ করিয়া আদা কাপুরুষের ্সমেহ নাই। অসুরের সহিত্যদি পাওয়াহয় বিলক্ষণলাভ হইতে । শিয়ালদ হইতে দোণাপুর द चारताहीत मध्ये (दम काछ । गरका मरका ज्यां कियाताङ হয়৷ মাডলা ইউতে আব্দি কালি রে অভিশয় আনেদানী হ≷তেতে। বেন কোম্পানিকে প্রণ্মেণ্ট হদি মাহিত নাকরিতেন, ভাষ্ট হইলে র আহিক ভর খামৰানী হটভ । এ ধা धवर्गामा के इ.स.च्या व्यापना प्रिया ারভাব পরিভাগে করিয়। উভাদি উৎসাহ বর্জন করেন। মাতলায় ৰ এক্লেড হটবার কয়েকটী কলও ठ **२२८७ চ**लिशास्त्र । ঐक्रिलि **३३**८ल 🛮 একটী আয়ের ডংকুট উপায় गनि श्वनामन्छे खात () ান হইয়া মাতগায় আগ হাজাদি অসি ডপায় করিয়া দেন, আফুতি হইবার প্ৰেকার সম্ভাবনা থাকিবে না। গণ্য, মাভলায় আহ **অর্থ**য়ে কর। ीः अश्विकानि भ्रमनाभग्रत्नेत दावस्था यनि शदर्गरमध्येत अवश्व व्यन, छ ১৪, মোণাপুর হটতে কুণ্পিপর্যান্ত টি শোল পুলুন। তাহাখুলিলে কেবল

াহাজ গ্ৰনাগ্মনে লাভ হইবে এর প

ঐ লাইনে অধিক্যংখ্য লোকের

গমনাগমন এবং কাষ্ঠ ও আতব ততু।
গের ব্যবদায় ছাংগ ও অধিকতর লাভ

হইবার সন্তাবনা। দক্ষিণ অঞ্চলে ততু
লোর একটা বিলক্ষণ ব্যবদায় আছে,
অনেক টাকার ক্রম বিক্রয় হইয়া থাকে।

সিয়ার মালি বা ও ভারত-ব্যায় গ্রগ্মেন্ট।

---: • 5----

নিয়ার আলি পুনরায় পিতৃদত্ত সিংহ.সন প্রাপ্ত হুট্য়াছেন । ছুরাত্মা আ।জিম খাঁ। দূরীভূত হইয়া অংবদুল রহম[্] নের শ্রণাগত হ্ইয়াছেন আফিম যে সমস্ত অত্যাচার করিয়াছিলেন, সিয়ার আলি ভাছার এভীকারচেন্টায় আছেন ! তিনি বলপূর্বক যেসকল লোকের অর্থ প্রছণ কর্ষাছেন, সিয়ারআংলি তাহাদি লের কেনে উপায় করিয়া দিবেন, এই রূপ আস্থাসঃ,দান করিতেছেন। **যে**স-কল সর্দার সিয়ার আলির বিপক্ষ চইয়াছিলেন, তিনি তঃহাদিগকে ক্ষ করিয়াছেন ৷ এইকপ তিনি আপেনার ঔদার্যাদি গুণের পরিচয় প্রদান করিতে ছেন। বে'ধ হ। এইসকল বিশেষ শুণ দেখিয়াই আচার পিতা দোক্ত মহম্মদ ভঁ,হাকে সিংহাসনের অধিকারী করিয়া यान । किन्छ छः रश्वेत विषय ७ छे. व्याप्तानि গের গ্রণ্মেণ্ট আঁহার ঐসাল গুণ গ্রহণে সমর্থ তন নাই। অ'মরা প্রথমা-ব্ধিট ভারতব্যারি প্রশ্মেণ্টকে ভাঁহার সহিত মৈজী বিধানের অনুরোধ করিয়া আগিতেছি; কিন্তু কি বুঝিয়া বলৈতে পারি না, গবর্ণমেণ্ট তথ্ন তাঁহার সহিত সৎ বা: हात करतम माहे। कि ख এক শে क्रिशितक अध्यमत प्रिशी अप्तरकहे ঐ অমুরোধ করিতেছেন। আহল:দের ্বিষয় এই, অংমাদিগের গ্রণ্মেণ্টেরও ভাবপরিবর্ত্ত ইইয়াছে। সিয়ার শালি ও ভারতব্যীয় গ্রণমেণ্ট উভয়েই পরস্পর रेमज। वकारन উৎमुक इड्वार्ट्स ।

রুশিবেরীমধ্য অংসিয়ায় বেপ্র জাল বিস্তর করিয়াছে, তাহাতে ব ৰূপে এৰূপ বোধ হানা যে, উহার স্থানেই জয়লাভ করি "রণকও ুবিং **पन ७ রাজাবর্দ্ধনলালসাকে চ**রি করিয়া**কুতার্থকান হইবেঃ সুর্গপ্রস্থ** বর্ষায়লোভ পরিচাগ করা সহজ মহাবীর আলেকজাঞ্রের ভারতব্য এ লে:ভনীয় হইয়াছিব। ইংর ভ'রতবর্ষে অবিকারলা গৌরতের বিষয় বলিয়া বিবেচনা ক থাকেন। ইংলতেশ্বরীর মুকুটশোভ এত উদ্ভল্ল হৃইয়াছে, ভারতব্ধে অ পত্যলাভ ভাছার অন্যতর কারণ। এ লোভনীয় বিষয়ের লোভ পরিস্তাাগ রুশীয়ের সংখ্যায়ত্ত নহৈ উহারা বহু **অবর্ধ ভারতব্**ষের এছতি স দু**ক্তি**পাত ক রভেছে।

योकानिरशत यूजलयान धरर्यत আভাব্তি বিদেষ আছে, তাঁটারা ব তৈছেন, রু,শিয়েরা যদি মধ্য অংসিয়া कार्र्या अञ्च हर, सूमलमान धर्म छैय হইবে। ভাঁহাদিপের মতে এটা এ পরম লভি সন্দে নাই; অত4ব রুটি ক্ষাকার্যা তাঁহাদিগের অনভিত্রেত ব ভঁহারাবে ক্ষণে এই চিন্তাকরিতে সেই কাণেই ভারতব্যের বিষয়ে ভ তেছেন, রুশিয়ের। ধৃতীধর্মব ইংরাজেরও ধৃষ্টপরারণ, অভেএব য়ের বিৰাদ ঘটিবার সম্ভাবনা আ व्यामामिरशंत शवर्गस्यके एवन जे পতিতনাহন। উত্তের সীমাপর म्भानी इंहेटल खंखावजह विवादमत কারণ ঘটিয়া উঠে। এই নিমিত্ত সং শাস্ত্রকারেরা থিরয়ামন্তর রাজাকে বলিয়া গণনা করিয়াছেন। বিশেষ রাজাজিগীযুখন, তাঁহার বিবাদ ঘট कातर्गत व्यवस्थाव इत्र मा। धर्मत व বিষয় ঘটিত বিরোধের নিবারণে সম **অংনেরিক ইংরাজে এবং আংনে**-ওে আন্মেরিকে যুদ্ধইতনা। আ \$লি সামান্তনচে। ষ্ঠান কোন বেগবান নদ স্রোতে: ু হইয়া অংসিতে ৰাকে, পর্বত া ভৎসদৃশ কোন বস্তু তাহার সন্মুখে sত করিছে না পারিলে ড**:ছার গতি** इत्र न!। क्रिनिट त्रता (वशव) न नरका , উহ,দিগের ভ:রতবর্ষ ভিমুধে গতি ক্রিবার প্রধান উপায় বিচার্যালি। উহাদিগের গতিরোধবিষয়ে শৈত্রপ । করিবেন। অভএব আনেদিপের মেন্টের একাস্ত কর্ত্তব্য যে সর্বতে।

एउन शुक्का

ব উ¦হার স**পক্ষতা** বারেন।

১। প্রস্কুর আরে। এধানি সংক্ত ক। জীয়ুক রামতারণ শিরোমণি द्र २०मा करियार्**छ**म । সংক্ত কে গদাপদা ও প্রাকৃত যেশকার াই থাকে, ইহাতে ভাষা আছে। 🗑 কালি সংক্ষত 🗷 প্রাকৃতের চঠা ल दिवल इहेशारह, व डाकाव नाठेक । অংশংসার বিষয় সক্তেহ নাই। দুর প্রাথনাসুসারে আইক্ষ প্রহারকে ুনাভ দৈতে র জ্য়ার্থ প্রেরণ করেন। ায় ঐ দৈতে,র কন্যা প্রভাবতীর ্ত প্ৰচ্:য়ের পরিণয় হয়, ইহাই াটিকের বণনীয় ইতিরত্তের সারাংশ। কৈখানি দাত অংশ প্ৰণীত হইয়াছে। ৰোমণি প্ৰথম অংখবাৰিভীৰ শ্ৰেণী ৰ নহেন ; কিন্তু ভাঁহার কৰি ত**ংগ**লি ্ত প্রাকৃতের অপেকাসমধিক জ্লঃ हो हहेग्राह्य। প্রাকৃতগুলি গল অপে ও অধিকতর নীবস হইয়াছে। এরপ ৰার কারণ এই, এাক্ততের বহু প্রকার

म चारह। वाहीनकारन

গ্রিতারা ভদ্র লোক ও ইতর লোকের

স্তদ্ধাকুতের প্রয়েগ কবিয়াছেন, ! কিন্তু শিরেমণি ভালা কৰিছে পারেন নাই। বৌড়ীর লীতি অৰণখন করিয়া এম্বানি লিখিত হ্ইয়াছে। শিলোমণি গোড়ীর কবিদিধের ন্যায় অনম্প আড়-মুর্⊆িয়। পাঠকগণ তাহাতে এরপ অনুষান করিবেন না যে, ভাঁহার সমুদয় কৰিতাই আড়ৰঃপূৰ্ণ। কভৰগুলি कविजा विसम्भ धामाम्खनविनिष्ठे. প্রাঞ্জল, পুতরাং গম্ধিক ম্নোহর হই হাছে। ফলতঃ অনেকগুলি কবিভার রচনা প্রচীন কৰি দপের ন্যার হইরাছে। ২। অর্ণাযাতা। এখানি বাঙ্গালা।

the commence of the court of the court of the commence of the court of

কলিকাতা দংক্ত পাঠশালার অন্তর অধ্যাপক 🗃যুক্ত ছরিনাথ নারিরত্ব বাল-क्वालिका प्रत्नेत छेलकातार्थ तामहत्स्र অরণ্যাত্রা অবলয়ন করিয়া এবানি निशिशास्त्र। भागिकवि वानीकि वहे অংশে রামচকু, ভরত ও লক্ষণ প্রভ তির যেপ্রকার চরিত্রবর্ণন করিয়া-ছেন, তাহাতে এতৎপাঠে বালক বালি কাছিলের মহোপকারলাভ সম্ভারনা, অসু বাদক লিখিয়াছেন, " কৈকেয়ীর স্বার্থ পরতা, দশর্থের সভাপালন, রামের বাক্যনিষ্ঠা, পিতৃত কৈ, ধৈৰ্য্য ও গান্তীৰ্য , লক্ষণের সরলভা, বীরভাব ও তাণাসূরাগ কৌশলারে পুত্রবাৎসল্য, সীভার পতি পরায়ণতা ও মহাসুভাবতা এবং ভরতের মহীয়াৰ উদাৰ্ঘ্য গুণাত্রাগ ও ধর্মণ রতা, এগুলি ভগরান বাল্যীকি এই অংশে অভি কুন্দ;রূপে বর্ণ করিয়ান (इन। " अनुवान चाँ उ देशक देशादा

৩। কাব্যমঞ্জী। এখানি 🖹 যুক্ত বলদেবপালিভপ্রণীত। ইহাতে নানা-বিধ পদ্যে কবিভার জন্ম, কামবন, প্রভাত, মধ্যাহু, প্রদোব ও রজনীপ্রভৃতি कवि वर्गनीय करप्रकृष्टी विषया वर्गना

টেব্রু সে সংমধ্য বাকিলে কুরুপা পরস্পর কথোপকথনকালে স্বতন্ত্র করা হইয়াছে। এগুলি পাঠ করিয়া ও কাৰের যে বিলক্ষণ কবিত্পতি স ভাষার পরিচয় পাওয়া **গেল**।

> ৪। কুমুদ্ব চী নাটক বনোয়ারিল ताय हवाड अनुसन्दर्भः। अवसीश्र द्राष्ट्रः किट्नात्रक्ठन अहे अरङ्ग ना विषर्ভनार्थत क्ना क्रूप নায়িকা। কিশোংকেতন এক দি স্বপ্নে থেন এক তাপসকুম ভাঁছার নিকটে আসিয়া ভাঁছার প গ্ৰহণেৰ অসুৱোধ করিতেছেন। পশ কিশোরকৈতন ত্র্বাদা মুনর আং সুসারে তপোধনে গমন করেন। ধানে সভাতত মুনির আশ্রমে কুমুছ ন্তিত তাঁহার সাক্ষাৎ হয়। উভ প্ৰবন্ধনাৰ হইয়া পশ্চাথ বিবাহ বিদর্ভনাধ খীয় কন্যার বিষশা নিমিত সভাততের শালেমে রা वामिहाक्तिन । नाउक्सानि व नग्रद्याचा इहेबाटहे। ८न्दांने यू esitce 1

 इन्द्रः छ।। अधानिक वाः नकि । शिविष्य हम्म बर्यमा भाषा । ত, শ্যান করিয়াছেন। অস্থ কারের প্রা করা যায়, ইচাতে এমন কিছু দে পাওয়াপেরন।। গ্রন্থ কার নানা অত্ কিছুলইয়া রচনা করিয়াছেন। ব অংশের বিশেষ চমৎকারিডা

ও। গ্রামা সুদ্ধা গতিঃ। এই নাটক : জনীসারের শভাগচার कः। 🕽 हेश्रंत । अपन्यः । 🖷 श्रमीन জমীদার বিশ্বনাথ মুখোপাধায়ে নার ভাতৃপুর্তের হত্যার চেকা **४८ची उँहार त्राक्ता कटनमा अप**न अकार्त एका अवस्थ बहेश भएको प्र खेर्द्रकोड अपन्य कहिला त्यायद्वात পাইয়াছিলেন : কিন্তু ধর্মের এমনি माखिएड्रेड महिक्ट निशा एका কৌশল স্থানিতে পারিয়া সকলকে इन: समारनत विवादत डेका पिट्यत ও হয়। ইহারও কি গণপ রচনা কি নঃ বিবয় বেচন অং**শে এত্**কার ূচম**ং** रि इ: अप्रमर्भन करिएड शाहतन नाहे। ৭।মনোরমা। এখানি একথানি পার বহি। কন্যাসস্থানকে লেখাপড়া ান আবিশ্যক, ইছা প্রেডিপল্ল করিবার মন একটাবিদ্যৰতী রমণীও মুখা নী: বাবহার গণপাচছলে লিখিত হই ত। এম:ছও কিছু বিশেষ চাতুর্যা ফ ভ হইল না। ৮! বর্ষাবিহারছেতু বির্হিনীবি थ। विशुक्त गिडिमहत्स लाहिकी शरपः রি প্রণয়ন করিয়াছেন। সংস্কৃত ছ্লা শ্ৰন করিয়া এ**খা**নি লিখিত হই ह। वह इक्त शार्वक्त्रात्व क्रमञ्जाही বে কিনা, ভাহার পরীক্ষার্থ আমরা ক্টা কৰিতা এই স্থলে উদ্ধৃত করিয়া 14 | भक्तनध्यमनी 😅 की नगराः कृताभी . (১) চনয়নভলী নৈদি নেত্রে কুর্দ্নী। গতসর্গ্রন্থ কা উপ্নালে । বভারে तम अष्टम काला (चाउ वीनः १५८०)हरू । খবর বিধে বাল সৌর লকালে। (২) বদন পদা ঘীতি বালে বিকাশে 🛊 केंग किक्ट विनी साजसी करा साल কৰ বিমল কাজিঃ আলা**ত্ৰ**। শ্লাৰে ৮ म्बल्यास्य क्षीरपाम जीविज्ञास 🖟 ६ थत. मूक का दिन घर श्राप्ताता ७ असे ब्राव**७ ो**स्स । खा**य** भी. छ। आहार्य । ।রস মরুক ভোষা ।এ।এ .৯.ব এ লালে। विवास संस्थान कराल () ৰে বাজিদ সহন আভ গো। 5.३२ (१४) श^{्चिच} श**शन 'न** (न**रन** । चालश्रक दान्द्र .नादन (नर्ज ॥ 💄 পিয় ভাঙ্ত ভাৰ সুয়েসাচে শো। ভিস্লীল শুরু মহেন্দ্_নংশে॥

11.0141 5(4 3163)

किष्ट्र (लयः इट्टेन मा ।

:) अर्के ६क्षी १९म् ५ श्रामकी काम्ब

भिक्ते अवदर कर् क्रास्ट्रिक के.दिक के.दिक

স্বর্ট ইব্যাচে, ব্যাপক ভাষ্টে হলের

(2) (**4 5**)

ভাড়ত কলম মল বিধের নাদে। সংক্ত সমরত বিরহী বাদে॥ সাৰ ক'পিড অধ্য ছোর ঘনে : যন চাওক বোলত ভোষ মনে ॥ ঘন আংক্তে ভাতঃয় মেঘ দলে। रिल नीका यक्त श्रुत छटल ॥ নাচঃয় শি খকুল গুলছাৰসারি । (১) রণ মদ পাগর নীর নেহা:র ॥ (अवर्ष कुष्कर देवत हिएगीय।(२) ধাণায়ত (খেলাভ ভয়দ , kiখু। বনপুল হোটা,দাশ বাস (৩) বিসংকো। श्रमु : **म** ऐसाम समुल विदारम ॥ নৰ তুল শোভিত শ্রামল বর্ণে : ঋতুবর আওও মত্তর গমনে॥ (क्षक .गावक, कीवस मानक মন্মথ শায়ক পুঞে। ফুল বকুণয়ি, লোচন রোচয়ি ष्ठेत्र (काल व खर्भ ॥ আধাৰদা: শৃত, মালতী পুজ্পত, সৌৰভ ৰ:হভ ৰাতে ৪ কুঞ্জ ভীতৰ, বাৰ্ধ প্ৰণা বয়, मा ह्यात हाक कू प्रचाह भ्यांकि महत्रावत, श**ञ्चमहुना**≉त, 🤏 भिक्त भीत भरी हत। বাল ভ্ৰাকুর, শ্বেল স্থার. রাজক রমঃ পুলিনে : न वन ५ **छ** । अधि महवास्त्र, ক্রাড়ার কুঞ্জ কারে। इश्म दलाक है. देम दल दल छाई. इक्ष्ण निद्यम् असिद्यम् পাদেশ পায়াব শোভিত ওঞানে। ি, ভশংৰক । ব লাভ করণে॥ যে র মনী⊕ হ এডাডী পাৰে ⊢ ्इन ४७२ दन छात्र देशास्त्र ॥ কোৰ ভকী সুল বলক আভালে। উঞ্জ, র .খাক ভাল নগন বিলাসে॥ ধানা (গাছ যাত অবনত গাতে ' (इल इ /हाल उ वा अ व्याचार उ ॥ মুগকুল মোনত গ্ৰম বেড়াওয়ে। শরভ শশক দল ইত উত্ত ধাওয়ে। শূকর খেলত পঞ্চ মাঝ!বে। মহিষ কু,পভাচত সর্জি সাঁভোৱে॥

: (b) दकरअवरे (२) शिक्षा फक्सरे, (७) मरत्रावर्द

৯। হিত্যাধিনী। এখানি আমা পত্রিকা। প্রথম খণ্ড ও, প্রথম সংখ পত্রিকার উদ্দেশ্য, ঈশারচেস্তাত্র, বিং वर्षा ७ भारत्मत चन्त्र कहे कहती है मितिरियणिक मुखे कहेल। हेशास्त्र এবং মিত্রাক্ষর ও অমিত্রাক্ষর র বিষয় ক্ষটা লিখিত ইইয়াছে। এ शिक्तिका चाली क्रेट्रिक, आमानिए এরপ বোধ হয় না।

প্ৰাপ্ত ।

বর রিচাড টেম্পলের হরে ক্লবকরি উন্তিজন্য প্রতি মহকুমার সেবিংব স্থাপিত হইতে চলিল। আমরা এই স মফস্বলের অবস্থা ব্যাপ্তস্থাপনকর্তাদি क्तप्रक्रम कतिहा हि। श्रार्थना वह कर्ड বেন মফবলের আবস্থার এতি দৃষ্টি রাখি বাজের নিয়মাবলী ভাপন ও জ্পৃহ পূৰ্বাৰ কাৰ্যানিকাহ করেন 🖯

কুষকেরা সহকুষার ২০ মটল, খ বিশেষে ভভোধিক মুরেও বসতি ক প্রায়শঃ শতক্রা মানিক তিনটাকা चाना छ्रान महाकरनत निकड़े होक। का नम् । द्वान द्वान चूरन क्रमनः नश्वर म টাকা লইয়া চৈত্রে মালে শতকরা ৩১। সে একজিল টাকা হিচাৰে স্থল দেয়। তা সময়ে সময়ে নিতাও দায় পড়িলে এ টাকার মানিক তিন পাই হুদ্র দিয়া থাঁ চৈত্ৰ হ'ইতে আবাঢ় মাসপ্ৰায় ৰংল কুল भित्र घरत्र प्रथम । निश्चलय कहेश निष्ठ व्याबादन्त्र कडे एवं, तिहे नम्ब मनाइट निक्टि (व धाना थान कहिया सुद्धा मह নেরা ইহাকে দাদন বলে, আবিদ্ कारक चाल भारता शतिरागांव केत्रिया नि পোধ করিতে হইলে অর্জবৃত্তি হিতে হয়।

মহাত্ৰ মফস্লে ব্স करत । क्रूबकनिष्मक होका कर्ष्क्र निष्ना थाए ভাহাদের মূল ধন হাজার টাকার অধিক প্র দেখা যায় না : শতকরা ২১১ জন অধিক ধ ৰুষ্ট হয়। এই সকল লোকের টাকা আখা अवारनत अवानो अहे-कृषकाम्यत अहि সাক্ষাৎ সহজে টাকা আছাৰ প্ৰদাৰ ক্য়া ৰ শর ক্টকর যাহারা এবংপ বিবেচনা করে

 मिक्ट्रकान (माप्तरेषा ७ अक्यक्त (मण्ड) **वर्ष**ा

⁽১) বৈজ্ঞার করিয়া। (২) উপেক্ষ করিয়া

.∢লে নথ রকা করিজে ভাল বাংস, ারা গরিয়াল মহাজনের নিকট টাকা ত রাখিয়া আরশ শতকরা বার্ষিক ১৮ **ও কোন কোন স্থলে** ১২ টাকা ও স্থল ৰ অধিক টাকা রাখিলে স্থান কলে ৯ টাকা পা**ইরা থাকে**। যাহারা মহা**অনের নিকটে** গভিত রাখিতে অল লাভ বিবেচনা , অপ্ত অল টাকা ৰাটাইয়া নাৰাবিধ ণলে নিজ ব্যর পোষাইরা লইতে চার; রাই ক্রয়ক্দিশের নিকটে উক্ত নির্মে লইরাটাকাও ধান্য কর্জনিয়া থাকে। । কুষ্ ভাষ অন্যান্য লোককেও সোণা বন্ধক রাবিদ্রা আবেশ্যকনতে পাতি রুমাসিক আবাধ আনা অথবাতিৰপাই টাকা কল দেয়, মফস্লের একপ ার ৪॥ - টাকা হুদে গচ্ছিত `াকা রাখিয়া ৰা ভূদে কুষক্দিগকে টাকা কল দিলে ধুর কার্য্য জুবিধামত চলিবে কি না ও ্যতে উন্নতি হইবে কি না, তাহা ব্যাক্ষ

বৃদ্ধিপের সম্পতির মধ্যে কৈবল করে।
ক্রেন্সকল; মূল্যবান বস্তু আর কিছুই
না, সই গরু উত্তম হইলে তাহার
১৫ ও অধম হইলে ৫ টাকা হইডে
। প্রত্যেক ক্রেকের প্রতি লাললে
বিবা ডিন্টা করিয়া বলদ থাকে
না ক্রিলে তাহাই বিক্রেক করিয়া মহা
থবা পরিশোধ করিতে হয়।

(कर्न्डामिश्वात्र पूर्व्या है विस्वात्रमा कर्त्रा

থকদিগের এখনও একপ সংকার বজা ছিয়াছে যে ইংরেজের। ফাকি দিরা র ষাক্রিয় লইয়া দেশে চলিয়া যাই কিজ (নাট)দিয়া টাকা লওয়া তালার দেখার। এ পে অবস্থার ব্যাঙ্কের নিয়ম বছটিস্তান লতা আবশ্যক এবং ব্যাঙ্কে কোগণের একপ ভন্তা আবশ্যক যে প্রধানী দেখিয়া কুষকেরা গ্রন্মেন্টের প্রায় ও আপনাদের ভ্রিযাত্রতি এবং উপ্কার সহজেই ক্রেজ্য ক্রিডে

বন্দীর্দিপের দৈহিক অসুর্ভি। (গতপ্রকাশিভের পর)

शूर्व शूर्व शिक्यां भवता शहिना अभिका भागी, त्राक्योत कव हेश्त्रकाणि किन भागी विक्रितिशत कोगी व्याप्त कार्याध्या । अभागकत्त्रवस्थाप्ति विषय विश्वित हो । या ह। जाना समीय नातीशालत रूप्टा विव यत्र वर्गना कहा याहिष्ट्रहा

विना अपूना धरन विनात अकान डिमित বিনষ্ট হয়, হিতাহিত বিবেচনা হয়; বিদ্যা লোকদিগকে নম্র বিনীত সরল ও সং স্ভা বাপল করে। বিন্যার রসাক্দেনে কোমল রসনাও অংথিক কোমলস্ভাব তাতাহই 1 স্থানক ৰাক্য বান্ধি বৰ্ষণ করিয়া শোবসস্ত গু লোকদি গর তাপিতান্তঃকরণ শীতল **ক**রে। বিদ্যার হুখসক্ষেতা ও সমৃত্তির জি জইতে পারে। বিদ্যাৰূপ কল্লবুকে নানা বধ হুথ ভ শুভকর ফল প্রাপ্ত হ ধরা যায়। কন্ত কি পরিতাপের বিষয়! এমন আংমুল্য বিদ্যাধনে এদেশীয় প্রায় যাবর্ডার অঞ্চনা নিভাস্ত ব্রিক্ত : এদেশীয়ের৷ আবাপন হাপন প্র मिनारक विमाण्याल ज्विष्ट कतियोत सन, নাতিশয় বতুও চেঠা করিয়া থাবেন , কিন্ত কন্যাপণের বিদ্যোপার্জননিমিত কিচুমতি বস্তু কোন প্রকা। উপায় অবলংন করেন ন। চেষ্ঠা অস্ত্রে থাকুক, তাহাদিগকে 🕫 कः প্রদান করা আবশ্যক কি না বোধ করি অনে **কেই তালা আংমেও এক বা**র ভাবেন না। অঞ্নাপণ অফচাৰাজ্য থাকিয়া হাবভটাবন দাসীর ন্যায় পৃহ্কার্যস্কল নির্কাত করেন বোধ করি ইহাই ভাঁহাদের অভিক্রেভ প বেরা বিভাবাৰ ছইলে বে "প দেশের ও শংসারের উপকার ক্**টতে** পারে, খ্রাপণ বিদ্যাৰতী ৰ্ইলে দেইকপ অথবা ভদপেকা व्यधिक शतिबार्ग रात्रांत्र ७ मश्मारत्रत्र छीतुष्टि হওয়া অংশন্তৰ নহে। জীপ্রুষ **केटल ऋमात निक्रिट हरेल मरमात्र कि अ**ट्याम्पर्या **अ**निर्मापनीत स्वाम्लानी क्या কোন হথের জংভাব থাকে না। গৃহস্থাই। শুলি কেমন হুচারুৰপে নির্বাহ হুইডে

পারে। শিশুগণ্ড কেন্দ্র ফুন্দর্কপে প্রান্তি

and the second s পালির 💌 সং সভ বাপন হইতে প আবলাগণ চির কাল মূর্য থাকিবে, ইহ জগদীবরের অভিবেড হইড, ভাহা। তিনি নারীগণকে পুরুষদিগের নার বু সরণশক্তি এভূতি মান্দিক বুভিভূলি : क्रिट्डन मा। व्यथना व्यक्तरकरे जी এচলিত করিবার জন্য বিশেষ বসু ব বীকার করিভেছেন এব- অনেক দেশহি ভদ্ৰসন্তান স্থানে স্থানে ৰালিকাৰিদ স্থাপিত করিয়া বালিকাদিগকে শিক্ষা এ করিতে**ছেন : এওনি** দেশের ভভ সন্দেহ নাই। সাংসারিক অধিকাংশ ও সুৰ ভূঃৰ জীপণের আহি নিভির তবে জ্রীগণকে অজ্ঞানারুত রাধা কি প্র যুতিযুক্ত ও নায়ে সুগত বলিতে পারা ভাতৃবিগোষ, গৃহবিক্ছেদ, **প্রভিৰা**ণ অন্যান্য আমিয়ি স্থনগণের সহিত (বিস্থাদ, নি প্রায়াধ বতীর সাংসারিক বি লত, স্ত্রীগণের মূখ ভানিবন্ধনই ঘটি বি জীজাতি ছেব, হিংসাও পরনিন্দাঞ গুণের কিছু অংধিক বশীছতা। অসম অবলাগৰ শিশুপালনালি কাৰ্য্যে বি অজ ইহাণ প্**ও** পকীর না**র বাভ** সংস্কারের বশবতী হুইছাউত্ত কার্য্য সমাধা করিয়াখাকেন। কিন্তু কি জাঁশ আমের: ভারাদেরই হতে এক শ ও ৯ ওর বের ভার দিয়া সম্পূর্ণজপানশিচঃ থা মুগ কি ক∛ন সু:শিএ ₹ ইইডে পারে ? কি ক্থন প্ৰান্ধ কা হইডে পাৱে 🖓 🕏 গণকে প্রতিপালনার্থ কিডাহিতজ নুগ স্ত্রীগণের হরে অবর্থণ করা ভার হাতে পো সমর্থণের ন্যার হয়। অ অবল গণ শিশুগস্তানগণকে সর্বান ভূত ভয়প্রদশন আহার ও ভাড়না 🛊 থাকেন। বালক বালিকাগৰ এই খান (5ই ভর শিক। করে 🗢 ভারুষ হাব। অনেক মূৰ্য মাডার দোৰে অনেক বাল চৌৰ্য্যের অভ্যাস হয় | ৰালকগৰ অসৎ ব অবুজ হইলে অনেক মুখিনাতা কেত্ৰা: সলাবশত: ভাহাদিগকে নিষেধ করেন ক্রমে এনে ভাছাদের কেই পহিভি য গুলি এমনি অভ্যাস হই, বার যে, আ বর্ষেও তাহারা তাহা ভূ,সভে পারে াণ মাতার ৰত্নে ও যেতে এ, ডিপালিড পিভার অপেকা মাভার কিছ বিশেষ ও অনুসভাষয় এব মাতার নিকট াথাকিতে ভাল বাসে - শাস্তকানেরা ं मक्रप्रसारव : २४ छ। व महे बज्र । याहाज সহবাস ভাগাব ে:মনি বভাব হর: া বালকের। মাতাদিগের সম্ভাদেষ কার করিয়; বসে⊹ এই রপে জভে া বালক বালিকাদিপের হিভাল কোমল বিন্ঠ ও দুখিত করিয়া ক্ষান্ত হন নহে, নানাবিধ কারণে ভাষাদের ভঙ্গত করিয়া থাকেন। এদেশীয় স্ত্রীগণ ধর অংগক। কিছু ধর্মভীর। ভাঁহারা া, উপদেৰতা ও ভূতংগুভানিতে ভক্তি ছাস করিয়া থাকেন। এডলিবজন বছ-দিষ্ঠ ঘটয়াগাকে। সম্ভানের পীড! **জনেক এখ**িমাত। উপদেবের আবি-চাৰ করিয়া রোজা আনাচ্যা ঝাড়াই बावक् बरतमः खानास्य व्यानक মৃত্যুমুধে পড়িত চর: অনেক মুখ यशादी 5 म खारन व আহাত্রের ক্রিডে পারেন বাঃ ভাছাতে ে ৰালক উদ্ধানয় ও অজীণতাদি বধ রোগাফাক্ত হল।কেহ কেহ্ব। ন্ত্ইয়া পাৰেন ও সাংসাদিক কাৰ্য্যের হৰ৷ কেত কেত বা আচিয়েই মৃত্য ৰিপতিভ হ**ই**য় মুখ[ি] মাতাদিগকৈ খণ গ্ৰহিনী হংসীর প্রতিপালক ছুৱাশা (ৰুছের ন্যার ক<mark>ড়াল</mark> ও লে,কার্ড করিরা

বৈবিধ সংব দ।

াও এ জাবিন গোমবার।

চাংকিব ধরি প্রবর্গনে কি কিলিকা ভারাসী দি । এ ব্যক্ষা কর সক্ষা নার ।

কিটা বেশের উপকার কাররা ছেন । জিটি সংস্কৃত্র ১০ লাই ।

কেলে প্রতিবাদ করা কাররা একদেন সংস্কৃত্র ১০ লাই ।

কেলে এছাল কবিবার মানস করিয়া ছি রায় নিনাসংশ্রহা কর ।

কার্যা প্রানীয় কাও হইছে অবব্যর প্রনীয়া লাইত্র সাল্লাম প্রানামকা গ্রহা নিকটে ১৬ লাছে ।

কাম প্রানামকা গ্রহা মেনইয়া নিকটে ১৬ লাছে ।

কাম প্রানামকা গ্রহা মেনইয়া নিকটে ১৬ লাছে ।

কাম প্রানামকা গ্রহার মেনইয়া নিকটে ১৬ লাছে ।

কাম প্রানামকা গ্রহার মেনইয়া নিকটে ১৬ লাছে পঞ্জার ।

কাম ক্ষা সাল্লাম, নিজে সম্মান্ত নহেন । কাম্যামির সিংকা সংখ্যা বিশ্ব প্রানামকা সংখ্যা কাম্যামির সিংকা কি ক্ষা কাম্যামির সিংকা কাম্য

উপকার হইল, ইয়া যাও দিন না জানা হাইবে, ডাড দিন জার ডোল করা কর্ত্বি, নহে। জানিক দিগোর পক্ষে এটি এক শিক্ষা।

আরমীরে রামাৎ মহাজিদিলের যে আবদশ
আহে ভাগার ভগ্যা মহাজ গুলীরার বইরা
সঠ ও তংশাংকাজ সম্পত্তি আত্মাং করিবার
চেতা পান এ নিমিত্ত মহালয়, হরুতাতে ভারতঃ
প্রেপী কমিলার সিদ্ধান্ত করিরালেন বিশেষ
ধর্ণসংগ্রের নিমিত্ত যে সম্প্রি থাকে, ভারা
বিশেষ বিশেষ নাই আত্মন ক্রিয়ান মহাবাক্রে বঠ ভাগা করিছে বইয়াছে। উত্মন হইরাছে।

বর বাগন পিককের নার বার্থারাজীব এনেশে অভিজ্ঞার আনির প্রান্থারেন। কিন্তু জামনা পিতিছে এন লে প্রধান বিচারপতির জানক নিজাত মৃত্যি ও চিরাগত বাবহারের বিকল্প হট ভিন্তা। শিল সম্প্রতি নিজাত করিয়াছেন করি কিন্তু করিয়াছেন, তাহা প্রত্যাপন করিছে। হটবেনা প্রবিশ্ব ভর্ন পোষন না করিয়াহ করিয়ার কিন্তু এই প্রান্ত্র। বাজ্ঞা ক্রমণঃ ভাগনার ক্ষমতা প্রকাশ করিছেছে কি ই

কমিসরিএটের এক জনা কেরাণী ৭০০০ টাকাজগলেখ অবসাধে ধৃত হটয়াছেল।পুজার সময়ে লাভজ ভড়িবার একটা মরপ্রম।

গোলায়ার বাব রে নীজিমত দ্বানি লাইছা
গাইবার নমজ গ্রাশ্যনী একথানি অতল্প
কাগাঞ্চ ক্রাশ্যনী আপাত্তঃ ব্রহ্মনেশ শ্যননীল কাহাজে বাব্যন্ত ব্রহ্মন্ত গাও য়াঙে কাল্যানত লোকনিগোর কই হওয়ানে ১৯ ট্রায় অবল্যন করা হইজেছে।

कारण वर्ष ज वहनर एउन भाषा (तन स्ट्र कारण) स्वन्यों माणा (तन स्ट्रा स्वन्य कारणाव कारणायी बहेदा एकमा छाइत्य कार्य इति । हेदम स्वतं कारणा इति कितियोव शक्षाय कार्य एकमा ऐतिया याद्या कारणा स्वन्य स्वत्याहरूमा

मक्ष्यवाद्ये वर्तन, किसीत स्थाकिकिश मध्याद्ये व्यवस्थित कानुस्य याद्येशत विकास हास्य-ताम देनन भश्यक कता हदेशात । कानुस क दर्भीका लहाते महत्त्व स्थादकत्व मन इक्ष्य क्ष्योहरू

এ পর্যান্ত পঞ্জার গ্রেবিয়েন্ট আপনাদিগের বর্মানারীনগাকে সংবাদপত্রে লিখিতে নিষেধ কবিয়া আসিকেছিলেন্ট কিন্তু কাষ্যভঃ জল্ল लारकहे कहे निर्मय काहा करिएम प २ प्रसिद्धम पर्शम, शवर्षमाने अकरम् पिशाहिम, स्मर्थाएक वाषः माहे। किः श्रमानः अप्याहकका करिएक प्रदिख् अक) (चीं ह क्षांशि ह है।

উক্ত পত্র বংগল, এক দল পঠিনে বর্ষে জন্ধ করিছে ছল, গ্রন্থানি প্রাণ্ডাল জন্ম করিছে ছল, গ্রন্থানি প্রাণ্ডাল জনি করিছে ছেল। ইছা নিগের জী, পুরুষ ও ধলক ১৭০ জন। ইছা বক্তুক বিক্রন্ত করিছা , সই টাকার ইছা পরিয়া দেওয়া হয়। সুলভানপুরে উপনী প্রাণ্ডার দেওয়া হয়। সুলভানপুরে উপনী প্রাণ্ডার জাপনা দেগের বক্তুক চাহে। না পাইয়া করেরা লগুড় হত্যে পুলি।কে মণ করেয়া করেক জনকে আছে হইয়াছিল জনজে। দেগের করিছে হইবে। পরা, জন্ত ও রন্ধ হইয়াছিল জনজে। দেগকে খাইবের এভুন্তি ভ্রান্তি বিক্রি হইবে। পরা লগুড় বাইন্তে হইবে। পজা না খাকিলো ইহারো এনে অনেশে বাইন্তে পাবিরে না। জন্ত এটালগের বন্দ্রক কাড়িয়া লওয়া নাভান্ত জন বিন্ধা হইবে, তেন।

তে লান্ডল আবল করিয়াছেন, হীব মিশ্রনামক এক জন সুবেনার বিদ্রোধের লক্ষোরে বীর্দ্ধ প্রকাশ করাকে সং বাহাকে ১৮৫ টাকা জায়ের এক জার্গীর হেন।

· > 의 역 : 정이 원론과 (* 건 :

করেক জন কুল গাজা আপোন নাপন স ফৌজনার বিচার কবি র কুম ড চালিয় লেন, কিছা ভারতবর্গীয় প্রবৃধিষ্ট হ। জনস্মত ক্রিয়াছেন।

সম্রাভি প্রেম্বীবিভাগের ক্ষিস্নর ভ

রবদিগের বজ্ঞ ও আরের নিমিত্ত স্থানীর ইতে বংশ্ব করিবার অবসুমতি চাহিয়াছি-व्यामका काक्ष्रानिक क्ष्रेनाम, कार्यायाक क्षिभव्द निवाद्धिया. এ अकल ही ना इत्या कर्छैना। हेश्टरध्य नाप्त्र अर्हर् হরলভিয়র ছইবে না। এখানকার 🕆 শীক 🕽 র বীবস্প ১ কেবল সরকারী বারুদ্ও **१ष्टे** कद्रिएक **कार**हम ।

াগরার আনের্কানমূহ ইহার মধেঃমুকুলে र्व श्हेष्ट्राट्ड ।

ক্ষেট্টাইমর অংবগত হইয়াছেন, ভত্ততা ন ক্স,খিবাসীকে অবৈতনিক মাজিকেট ति श्रेष्ठाच कहा हहेश्राद्ध ।

🚁 পত্র বংলন, কাম্মীধের রাজার সহিত্য, র ভদ্ধবায়ণবের বিবাদ হওয়াতে কয়েক । उरहर भीव दोडा काशन काशन हार**ड**़ র কারখানা করিভেছেন। অনেকের সং আছে কাশ্মীরের জলবায়ুর ওবে তথায় টতম শাল হয়, কিয়া আমানিলের বোধ টুম প্ৰম ও উপাক্ত ভদ্ধবায় চইলে রের প্রাধান্য **সুপ্ত ২টতে প**ারে।

'(मार्थ (क्राम्बरफ्त এक स्थ्र भद्राध्यंतक महे) এক জ্ঞান সভক রী কমিসনধের অবভাগে এক দৃষ্টাত্ত দিয়াছেন ব্সহ্কারী কমিস্নর খন_লাকীনটা ইনি মধ্যে মধ্যে মুগয় ও আপ্ৰয়া কুষক দগকে বলপুনিক অংপ ीकाती क्रिका सम. भ्यायक्रम्य १८३ याहेस গংক কাজাক রৈডে হয়৷ লেপটনাট এনড ্য একটা বন্তা আন্যাত্তে নিজে এক পুলংখন করিলেন শ্বয়েছাতেন জান হতভোগ 'ন কুৰণংক্তির ভিন করিল এব√তি∞ र्क .मारक्त्र निक्रे हहें एक माल्यान चाना সংশ্রহ করে। এই সুরাজ্মা কে? ভারার स काञ्चलकाःच व्यक्तिकाः ।

२ळ अ व्याधिन वृथवात्।

বাধাই:গভেটের ভূতপূর্ক সম্পদেক ভেচ, माकृतिन मार्ट्य तस्य इहेट्ड छेल भरत ছুাছেন, চিরস্বাল্লী বন্দোব ও ভঙ্গ করিলে इं अस्टर्स्स्मीय द्वाराधान्य भारतकात अर्थ র উপধে অধিক অসময় ই হইবেন। মাক সাহেব বলেন কুষকদিলের সহিত চেরস্বায়ী বিস্ত করাই আঁছার আভিনতঃ বোষাই भन नर्भन। व्याटकम करवन, २क्टनरन माधा | नाष्ट्रार्थ बर्थ्य है है कि भाउमा बाम्र ना कि छ

(प्रम क्रिय कर क्रिक विश्व क्रिय क्रिय क्रिय মনে করেন অধিক 'দেন › কিন্তু যদি প্রদেশীয় রাজ্বপ্রধালী হয়, বোরাই কানিতে পারেন वन्द्रम्भ व्यथवा वाषाहे हेशत क व्यक्षिक हाका

গভ মাদে ভাৰতবৰীয় চিত্ৰশ:লিকায় ১৬. ৬৫৭ জন গ্রহন করিয়াছিলেন। ইছাদিগের मर्सर ১৪,१२० खन এएएमीय शुक्त छ ১२०० क्रम क्षीरलाक । ४२० क्रम हेडेरवा भीत्र भुक्रम छ ১৯৮ सन होताक किलान। अडाइ गएए ७३० র্মন সমন করিয়াছিলেন। শুক্রবার ভিন্ন আর কেছ এখানে বাইতে পাবেন না। রবি वात याहेवाव निरंवध नाहे।

১ লা জামুয়ারি অবধি ৭ ই অক্টোবর পর্যন্ত কলিকাভায় ৯১ ৪৯ ইঞ্ রুট্টি হইরাছে। গভ ১৪ বৎসবে এই সময়ের মধ্যে গড়ে ৩০ ৬৪ क्रम स्टेग्नाडिम।

সম্প্রতি নৈগাটির ছেসানর নিকটে কল্পেক क्यन प्रकृत दाखिकारम (दल शरुव भाजि निगरक প্রহার করিয়া পুঠ করিয়াছে। ঐ স্কুর্নে একটা থানা আছে , কিজা আমরা যেপ্রকার প্রনিতে পাই, ভাছাতে সৰ ইনস্পেটর ভিন্ন আর কে:ন व्यक्ति स्काम कारक व मरहः

৩০ এ শবিন বুহম্প ভিবার।

সকল থানায় বদম'ইলচিগের এক এক फालिका चार्टा किङ्ग मिन क्टेल व्यानावारम्य উষ্টি ষ্ট স্থপরিটেটভেক্টের কার্যনালয়ের এই চা-লকাতে বাবুলালনামক এক ডাওিকর নলে থংকে পুলি্ষকর্মচারিগণ এই বড়েজর ন'ম যথার তথার প্রকাশ করাজে বাবুলাল নালীশ করেন আপীলে প্রেমশ: মকক্ষা প্রধানতম বিচারাসয়ে যায়। বিচারপ তগণ বলিয়াডেন, नवारसद निकार नकत (कान घरवाईरन) ভালিকা রাধা হয়ঃ কিন্তু এগুলি অভি লোপনে রাখা কর্মবা। আনেক সময়ে শত্রভানিবদ্ধন নিমে এক মেণ্ডাণীকে ভর্নক ক্লেপে चारतकत्र नाम अहे चांखांत्र केटि । अडम्झ्नाद উম্বর পশ্চিমাঞ্চলের পুলিষ ইনস্পেটর কেল-तन यादछीय कन्यहातीतक काळा विदारकन, यह ঘাইলের ভালিকা কোন মতে ধেন প্রকাশিত না হয়: আমরা অহলাদিত হইলাম কর্নেল পিউ **बहे धकांत्र रक्षरमध्य अक महकुमह निहारक्रम** ।

বিভাগীয় ত্রেজুরিরকার্ণ প্রচরীদিগের ভূডন ৰদ্যেবৰ ১ইয়াছে। দিনের বেলা প্রহবীরা খুন্য रुक्क सहेबा (होकि मिर्टर, विश्व हाजिएक লিন সাংহ্ব বলিয়াছেন, বস্ব থেশের টাকায়। সকলের বস্তুক বাক্তর পূর্ণ থাকিবে। ত্রেসুরির, শ্লোর মূল্য কমে নাই। 🤰 🦥 ১ वैक्षकृष्टि स्थान त्रकः। व्हेरण्टरः। वादाहे निक्टि त्रकन श्रव्दीरक शक्टिक व्हेरवः।

পুলিবের হক্তে খনাগার আগা অবধি विखाकार्यः वास्तक विमुखना घतियारह ।

ক্ষেক্তন ইউরোপীয় লোফার মাত্র মাজিগিরি করিভেছে। সম্প্রতি করেক ব জাহাজ হইতে ডটে লোক আনিবার সময়ে প্রদর্শন করিয়া প্রভেকে আরোহীর নিকট টাকা করিয়া ভাড়া লইয়াছে। ধানত এই এক ফুডন নীলা।

সম্প্ৰতি বিচারপতি লক এক ডিক্রী मक्तमा डेनामरक चाका निश्चाहरून, स्टिं ০ইবার অব্যবহিত পূর্দের যদি কোন ব্যক্তির ত্তি নীলামে বিক্ৰীত হয়, তথাপি আফিটি আসাইনি ঐ টাকা উঠাইয়া লইভে পা এক ব্যক্তি দেউলিয়া হন : দিনাজপুরে 🖰 স্পস্থি থাকাতে আফিসিয়াল আসাইনি দ জ্ঞাকে উক্ত সম্পত্তি দিতে বলেন। ইথি এক জন ডিঞ্জীদার ড'হা নীলাম করিয়াছি তৎপরে ৩০ দিন গণ্ডও হইরাছিল। 😘 ডিজ⁷বার আপন টাকা পাইলেন না। a f জ্বে স্কৃতি বোৰাইয়ের প্রধানতম বিচারা সিদ্ধান্তের ঐক: নাই। আমাদিগের মতে ब्राम्ट हेर मूल क्रेटन ।

১ লা কাতিক শুক্রবাব।

দেওঅবইভিয়া বলেন, ত্রিছত চল **७ ७ तक छेड़ अर**मर्स प्रक्तिंक प्रहेरात वि मञ्चाबना । এवर्ष केल्क श्राप्ताल व्यक्तं अति ুর্ন্দিট হইয়াছে। যদি বস। ঋড়ুর শেবে বুর্নি ছন্ন, ভাষা **হইলে** শীক্ত কালে শাসেবে বি খ্নি হটবে এ দিকে তুললি কেলায় काभिका ८६७ क्रेडेव!इ ठान मर्ट स्≹या शिव ভবাকার লোকের ভূজীয় বার বপন যুদ্ধে ভুগলিতে যু রোগ ভীৰবাকারে (F) [[] [[] []

के(जक) हाडू अर्थ कार आक्रान हार्यद्रीस ি হয় করিয়াছে : উক্ত ছাববান ঐ মেথা প্রভিমাসক হয় বিশ্ব ঐ জীলেকি গ हेफ़ाबुदबव[्]दी ना इत्युए**फ (त फार्टार** ভর রূপে আছেও করে, ভংগরে আব করিবার চেষ্ট্র পায় ১ কিন্তু কুডকার্যং পারে নাই :

উত্তর পশ্চিমাঞ্চলের ছভিক্তের ও অনেক পুর চইয়া<u>ছে ৷</u> সম্প্রতি র**ক্তি** হ नरमाद्र करतक द्वांवश स्ट्रिग्रह । किन्न

वकीः मरशत साहसार्थ वे बहु हो किरम

পরিত ধর্মাণ-করেক আনবিসিনিয়ার রাজা বোয় থাকিতে অসুরোধ করিয়াভেন 🗈 २ द्वा कार्डिक मानवाद ।

ভি মেওকে জননিৰণ্যনিষিত অস্চাকলি হইতে ফিৰোলনামক বাস্পীয় পে'ড অপেমন করিয়াছে :

কো ইউরোপীয়ান কবসপত্তার্ট বলেন. মুফরেসি মিগন্ধি উত্তর জ্ঞাফিত্কার এক কিয়াকরিয়াড়েন: গলজিবিরাও দেনি র মধ্যক্তিক ভূমিতে কভিপন্ন খ্টিয়ানের আছে, ইহাদিগকৈ পূৰ্ণো কেই জানিতেন पुनन्मारनदा इंडिनिरगद पूर्त पुरुषमिगरक কা আৰু কালে ভাড়াইয়াছিল, ভদৰ্ধি । এडेशास्त्र सार्हः

কিৰ আংমেরিকার সম্প্রতি ভয়ানক ভূমি •ইয়া গিয়াকে। বিশ্বর প্রাণিহত্য। **১**ই ্এই কম্পটী অনেক স্থান ব্যাপিয়া হইয়.

ইউরোপীয় সমাচার।

ন ৫ ই অটোবের : স্পেন হইতে টেলিপ্রান য়াকে সেনাপতি সেবানো মহাসমা-মাভবিছে প্রবেশ করিয়াকেন , ,স্ন: প্রিম বার দিলোনাতে প্রবেশ করিয়া দাভি মাদরে পরিশ্বহীত হইয়াছেন। রাফ্ডী ইলে , ভাঁহার রাজভ্নাধের অভেবাদ করিছা : পোপ আপন রাছে; রাজীকে আরয়ে সন্মত হইয়াছেন।

নাপ ত কলমান তুর্কিড়'ন হইতে পিট্রস অনিয়াছেন।

न**ष्टेर्रिनेश्यम इहेट**ड मरतान वामिद्रोरक, ানের **যে বিপক্ষের।** য**ড়য**ত্র করে, ভারারা ्रियादः ।

লটাও অংশেকজন্ম ব্যুদ্গতে টেল ያዣላቁር의 የነሜ፣ ቀኝነነርን ዘ

ই অক্টোবর: প্রাম্যের প্রেমিডেলিতে এক ী জীমক্ষাল বিদ্যা**লয় করিবার ক**েণ বিসারের নিথিভ ১৫,০০০ টাকে: কর্যা 'अ' क्यो इ**डेग्र**'र्फ ।

রলস মিলস সাহেহরের বাদে সর ংশ্ভাবিক ভেভারতবধীয় কৌজালের সভং হইয়া মাটিন হেলিডে সাহেব নংগ্র ।

কের ছিল পিটরবলের বিশাপ হইরাছেল। ই অক্টোবন , মত জনজাত সেনাপতি ু

এডিনবর, বাড়উ≄কে .স্পানের রাজা :

विक्रांच क्षेत्राहरूमः

১ ই অটোবর। গভকল মাডটোন সাংহের জাহার মনোনীতকারীদিকের অন্তের বস্তুতা করিয়া বলিয়াছেন, করপ্রদান না করিলে কের প্রতিনিধি মনোনীত করিবার মত দিতে পারিবেন ন: এ নিয়ম বৃহত্ত করা উচিত अवर्गरमे । य चित्रिक है। का श्रेष्ठ करिएउटहर ভাহা চন্যায় এবং সবিশেষ মিডবায়িভা আনব লংক। ভিনি আপামর সাধারণের শিক্ষাবিষ্টের স্পক্তা কৃথিক্র। আয়ার**ল্ডের ধর্মস্**ত্র দার উপলক্ষে ডিনি বলিলেন, ভাঁচার মত অপ द्विवर्श्विक च्यार्ट । जाष्ट्रावनर ध्व धर्मान च्याना स कार्यार्थात्वय स्ट्रज्ञचन्नाभ वृक्षिप्राटक अवट हेश বহিত কৰ অভি কৰ্তব্য। একপ্ৰয়াক্ৰান্ত লোক দিবের টাকায় অন্য ধর্ম শিকা দেওয়া উচ্চার মতে অহতিশয় অন্যায়।

গভাৱাত্রির গেলেটে বান্ধা ও কড়াইয়ের জুসের টাকা পুনরায় বিভ'গ করিবার আবাজ্ঞা প্ৰকাৰিত চইয়াছে |

পালমাল গোলেটে ভুতপুৰ্ম এক কম সে**ক্ষেট**ারির *ভোনত লেব* পকাশিত চইবাছে। জিনি বলেন, বোৰ'ইকে ভারতবর্ষের রাজ্ঞগানী করা অভিশয় আবে

গবণমেন্ট বিক্ষাপন वक्रदरभीय (लब्धेनव्हेशवर्गदतत

অাদেশাসুসারী

নিয়োগ।

इ अट्टोवन । कार, अठ, दिन शहरत চপ্পাবৰে ডেপুসী মাজিক্টেট ও ডেপুসী কালেইর হইয়া প্রথম শ্রেণির অনীন মাজিটেউটের ক্ষমতা भाइरवन ।

বর্জনানের ডেগুটী মাজিটেট ও ডেপুটী আংশিভুকে হইয়াছেন। কংকোকৰ বাৰু গোপালচঞা সেন কিছুদিনের क्रमा मानकृष्य वननी हहेब्रा माख्यिक्टिए त क्रमणा બાફેડ્યમ (

নিশ্লাপত কথা:\বিগণ ১৮২২ আফের ३ १४-२४ करका के खाहेन क्ष्मतात्त्र इनली, ধাকুড়া, বর্দ্ধান ও মেদিনীপুরে বালেউরের क्यंडा भाई:वस ।

এফা, জেলের সাহের সি, এল :

ব'বু ভারকনাথ ঘেৰে :

" (शावित्तरक्त उन्न ।

৯ इ चट्टीबर । अक, अह, भाकतिम नारहत ্ব্ৰড়ার সহকারী মাজিষ্টেট ও ডেপুটী কালেইর रहेवा ध्रथम (अंतिक चारिम माजिएके) छ (१ কালেটবের ক্ষমতা পাইবেন।

45. बन, शक्तिम म'रहर खितिनिक्के वि প্রতিনিধি জুনিয়র সেকেটারি ক্ইবেন।

উাহার জলুপত্বকালে এ, মে गार्ट्य वन्द्रभीक अवर्गामाने व श्राप्तिसि युत्र (मार्क्क के जिल्हेर्यन ।

১ - ই অটোরর। জে. ডি. ওরাড : ध्यम ध्वानित मास्मिर्टेडे e कारमङ्ग्रेत उहेर कि अवाशांत्रकः हक्षेत्रास्मत् शक्तिशि व्यक्ति জন্ত থাকিবেন।

জে, এদ, ব্রোণ জীহটে বিভীর প্রে নর টেটও কালেটর ছইবেন; কিন্তু আনাপা মুবসিলাব'লে প্রতিনিধি প্রথম জেলির মারি ও কালেটর থাকিবেন।

ধে দিবস জে, সি, ডজগন সাহেব ভা ভ্যাগ করিয়াছেন, সেই দিবসাবধি পুণ निर्याणवयु इकेरत।

কলিকাভার কালেকটর জে, মে সাহেব ১৮১৮ আব্দের ৯ আইন জনুসাবে काछा, २८ भवनना ५ इस्स्टिए कार्स ক্ষত। পাইবেন।

যাত দিন এচ, ভবলিউ, বাহার সাহেব : শইয়াকসুপঞ্চি থাকিবেন ভভ দিন ফেনিওস সাঙের বয়ডার প্রভিনিধি ञ्चलदिएनेएक हे स्ट्रेस्टन ।

अ, हेब्राफ्ट न मारहत कि हू मिरमद वि বাঁকুড়'তে দ্বিতীয় ছেন্দের প্রতিনিধি মানি ও কালেক্টর হইবেন।

য় ড দিন এ জে, আমর, বেপ বিলৈ স বিদায় শইয়া অনুপায়ত থ'কিবেন, ডাঙ ख्यः (क, ওয়ে । ष्टेत जाइक्य वर्ष्क्षारमञ्ज् (अभित नोक्टिहें है अकारनक्षेत्र इहेरदन।

১ मा फाटोबर वर्श्य विश्व हुन नामनक निव्नतिथिक कर्ष्यकादशन शंकम इहेर्ड

ৰাৰু ৰাখালদাস মুখোপাধ্যায় ভৰ লাউ. শ্মিপ সাহেবের পারবর্জে। (যিনি উচ্চ পা

আর, টি. সিংবছর সাহেব, যারু রামন: क्षुमान्तरद्वद्व भदिन्दर्कः (मिनि भूषकत्ताः । म्राट्डन)

ঞে, আর, বি. রস সাংখ্রের মৃত্যু হই निमु उद नामनकार्यात शकालि चंड कन्म গণ ২রা অক্টোবর জ্বধি উচ্চ পদ পাইয়া **াখতী**র জ্বোণতে।

টি, টুইডি সাহেব।

ড়ভীয় প্রেণিডে। বাবু হেম্চন্দ্রায় ৷ 🕟

চুত্র জোনীতে। বুলকীকান্তরায়। के करहें वह । युक्त भिन (मझह देख, अप), বিদায় লইয়া জলুপ হ'ত থ'কিবেন ডঙ ल भेडेन के धम. छ, यह ए काम ऋरभाव का 🤒 (एंश्री कमिनवत्र हहे(१व। ৪ পংলগার তেপুীমালটেট ও ডেপুী

ইয় য'বুজ্ঞ কুলের মৃত্র থাকবল্য বিভাগে হটপ্লাছললী, বৰ্জনান.বাকুড়াও মেদি व ১৮२२ चार्यनेत्र १ का≱न छ ১৮२० a ৯ আছেন ভ **সু**সারে ক'লেইরের **ক**মভা वन ।

আমাদিগের আসুলিয়াত সংবাদ া পিৰিয়াছেন।

। जंख ५९ हे का: बन देश्व छी २৯ शास्त्री স্ব্ৰার দিবাত ছটিকার সময় অনুস্থি .৮টেড্খিণীসভাব অ.রবেশন **ছইয়া সি**থাছে সমুদ্ধ ভদ .ল'ক, এবং সভার সভাগের ৪৬ থাকিয়া মহাসমারে ছে সভাব কার্য क्षिप्राकृतन्त्रः यानाचारवेत वर्धमान গা সাধুকাকাবসাশাল হেবিজ্ঞা ক্তিবী রী মাজিপুটা জিলুফা বাবু রামশক্ষর পেন ায় উপস্থিত লিলেল এবং ভাঁচারি আগপ্রছ : উক্ত ৮ৰণ সভাৱ অধিবেশন হয়, এপ মৃশ্যাদক এরদ বাবু গাড় ধর্মের এবং বর্জনা র সভার বমুদ্র অবায়ৰ য় রহাও পাঠ ল ভংপারে রামশক্ষর আবুর প্রভাবক্রমে, ৰিট প্ৰ: ইউডে স্মাজের নিমন্ত যে বি অটেচালা গৃহ প্রস্তুত ইইতেছে উহার প্টাবশ সমাব। করিবার বয়ে এবং সহা**জ**া क्तिराज्ञासुद भाव≖ाक छ्वा नामनी शख्खाः। । ति व । सुभक्तं महभक्त ১०० हे। कात ब्रक्ती র হইল। উহার মধ্যে। গ্রামস্থ মহে।দিয়গণের ট ষ্টতে ৫০ টাকা আক্ষতি ষ্টয়'ছে बर्ड नरम्क होका स[ु]ग्रह करियान कास्टि য়র,মশহরে বাবুহানীয় জ্মীদার মহ*শয় কুপত্র লিধিরাছেন। পার্লেষে দিব। ার সময় সভাপ জি বাবু কেরেগে,পাল রায় গয় একটী হুললৈও বক্তঃ করেন, বক্তু অভিশয় মধুব হইয়াছিল। বাঁহার বক্তর इंडेग्रा करनक्षर⊲ई मकालक स्म। টপসংখারকালে আমানারাৰাঘাটের ভিপুন

१८७७ कार्मय खनाचित्र त्रामनकत् रातुरक

राज श्रदान ना कतिया निवर्षः व्हेटक लावि

मा। उँशान कर रिहेडियनी माठाव श्राप्त

উর্লিউর সোপানে অং রোহিড হইবে সীয় হস্ত পদ পরিষেয় বসনদারা বন্ধন করি ভালার আর সন্দেহ নাই। ইনি এট সভার এক জন প্রধান সভ্য ইইয়াছেন। আপুরিয়ার মধ্য স্থিত রাজ ধ্যাওলির প্রতিও ইটার বিশেষ যা<u>র</u> আ'হে এবং শুনিলাম ছুলায় উচার প্রতিবিধান করিবেন। রামশক্ষর বাবুর ইভিপুর্বে সংবাদ পত্ৰে সুধ্যক্তি জ্ঞাৰণ করিয়া আসিয়াছিলাম ; কিছ একণে উাহার কর্ম খচকে অবলোকন করিভেছি। ইনি যে প্রকৃতির লোক, ভাছাতে কোন্ব,জিল ইইার কার্দেধিয়া ধন্বলৈ প্লান ना किर्दिन ?

২। এখানকার ভাকঘরটা স্থাদররূপ চলি **७८ছ। भर्व(यन्हें एवं अफ्रियन्व भरत हे**ाव श्रक्ति নেত্রপাত করিয়াছেন সেও সুখের বিষয় : পুর্বো हेरात **चारमाक स्र**राहि मनुहस शहर कहेसा ছিল এবং কএক সপ্তাহ অতীত চইল অংলিদের ব্যুবছ'রাপ্রোগী মোহর প্রভৃতি আসিয়াছে একণে গৃহ অস্ত করিবাব বিষয়ে একটু মছবান হট্টন আমাদিগের ঐকান্তিক এ।পনং।

किंदू मिन रहेश अधानकात अक खन में ह ফাডীয় পীড়িত ব্যক্তি রাণাঘাটের স্বভিবিজ্ঞা .नत्र प्रतिक**ष्टेश्च अधियुक्त यात्र कृ**वन्द्रशाहन प्रस महान्द्रत वाजादिक महश्च अमस्त्र अस्तिहरू রুক্তুব**ক্ষন করিয়া রুক্টোপ**রি মানব লীলা সম্বরণ করিয়াছে এট কভিছ ছিল: করিয়া জীবন ধাবণ কবিভ। হঠাৰ এই হুর্মাতি হইবার কারণ কি বুকিলে প্রতিলাম नः। পুলিব নিয়মমত অञ्चलकः न करिशः हिटलन । কন্ত পরিশেধৈ অংশ্রহতাংরই প্রমণ পান।

৪। আহতিশ্র আহাজগণের বিষয় এই ্য সংপ্রতি রাণ্টাটনিবাসী - 🗃 কে বাৰু ভূবন .साहत क्रिहोर्ग(श्रक्ति कर्त्रक्रम विकास সালী #াক্ষের যহে তথ.ছ একটি উপাসন: সমাজ সংস্থাপনের সংকল্প ইইডেটেন উল্লেখ্য বিজ্ঞোক উল্লুক্ত পদানা দিলে অনেকের গ্ৰী উত্তৰ বটে, কিছ সাধন হওয়াই সুক্তিন 🖟 জোভ ছায়ে। শুনিলাম আমোকার কি ধনাচা কি দরিশ্ব স্কল । ১০পুলার সময় উপ্তিব কাল দিয়া সম্প্রদায়ের লোকই ইহার সম্পূর্ণ প্রভিদ্ধনী ইটয়া ওল ডেকার মাডতে ডিলা, নেবস্পিতে ডে के**डि**शाइकनः **डेस्क प्रका क्टे**टि (मृद्रम्य स्थय : ह्यून्यप्र कल्प्यादक कुट्टे व. कि. क्राट्रन ए লন হইবে ইহ'ডেই ভাঁহদিলের সূত প্রভংগু _{কোপায়} ভাগিয়া গিয়াছে, ভ'চার নি হইরাছে। আহ্মণ পণ্ডিভগণ ভারাগ করিভেই । নাই। জর্মাই আট জনের প্রাণরগাংকু পারেন, কারণ সকলেই চক্ষু মুদ্রিত করিছে 📒 ২ গুলু প্রচেশে বারণার বৈবলতি এক

হইল গোয়াভিত অল আলোলতের নিকটক রাণী এমন কি কোন কোন ব অর্থমন্ত্রীর প্রকৃতিশীকে উক্তনগরস্থানৈক প্রিড অনাহতের প্রকৃত্য হয়, এই 👟

বেরপ বন্ধ বেখিতে ছ, ভাগতে ইলাযে শীলা বিলীলা ব্যালী ঘোর ভিমিরারত রঞ্জনী জীবনে জীবন সম্পূৰ্ করিয়াছে: প্রভা পুলিৰ কৰ্ত্তক শব জোলা হয়।

৬ ৷ এবাৰ এদিলে বন,ববাচহরি উপস্লব বিক। এমন আম নাই যেখানে ১০৫ টী বি मा करता हैश्या मिनाकारन प्रमुख ह स्रमाकीर्ग कृत्म अवर शास्त्रत अभन क নামত্ব্যক্তির অনেক ক্ষতি করিয়া থাং **३ इमिर तत्र व्यवहर छन्नामक। इन्छ छ्**जी स्वि কুডাজের অকুশ বলিয়া বোণ হয়। আপ हात भएषा क बक्जि । व्याशयम १३५:डिल, ७४ २ मैं के अर्क विकिक्कृंक एक व्हेन्नाहरू 🤻 কএকটা গভিক মন্দ দেখিয়া অন্য স্থানে করিয়াছে: প্রথম বরাছটি মরিবার পুর্বের এ অবলাব প্রাণহত্ত্য ক'রিয়া বরার স্বারতা मः सुन्धा नाथिदा लियाद्वः

আমাদিলের মগরাছ দংবাদ্দ विशिशा**रह**न।

মহালয়: আমিবা গভ চই দেকেট ৰ'লানা সাধৰ্ণৰে ট গেলেটে প্ৰথম চক্ষে 🗷 বাবু নংকুঞ ংঘ'ষ, ভৃতীয় চক্তে উ .भोनरी क्रमाहि वक्षम, ठडुर्ब हरक उ मुकी बकार्फेला ७ लक्ष्म हर्क ख्रीयुक्त नातु नात्र पूर्वालाधास प्रश्नासुद्धा स्टिटे ্রপাট্রমেক্টে পুলিবের অভিন্নিজ্ঞ জ্ঞানি সুপ্রটোড়েট হইয়ানে দর্শন করিয়া পর্নটে তাজগাদিত টেল্মিট কিছ উ গ্রিফ সা (। ধনি জেলা ২৪ পংগণার ডি। টিব ইনেক্ষেপ্যব (ছিলেন্)। কি কার্যে ভিত্ हैत शुल्य कहाठ चाहित्र कहें(लब, জানেতে শাবলাম নাঃইহার মত পুলিষ ৮০% এ জেলার অ'ব কেওই নাই । 🕏

লিখিলে উট্টেদিলের অলুমানাযায়। নিদ্ধেক কালেন্দ্র পাতে প্রভাগে । ৫। শুনিয়াছঃখিত হইলাম যে কএক দিন ুনাই কটুসংক'তে 🧸 🕒 করিছ हुई ख .9 মেন্টের নিকটে সাহাযেরে আকালকার চাড न्धान हिन, अन्तरे क्या जारमनात महान ১ ला च्यट्टायत भगताय ज्यागमन म्हेबारङ । ধ্যের বিষয় কি করেন বলা যায় না, প্রকার । বিবেচন। করিয়া টাক্ল ধার্য। করিলে ভাল ষেন মড়ার উপর খাড়ার যানাহয়।

১। বর্ষা শেষ নঃ হুইডে চইডে প্রালেশের ারাধে স্থানে স্থানে সরকারি রাস্তা সকলের মেউ হইতে সংস্থার সারস্ত হইয়াছে, ইছাতে ल दुध कारमाक्ट मस्त्र भाषि एउट बाउँ । क्ट्रे गाइँटिक हा ना। किट्टू गाइस भिटन হয়, অধিক কর্ষ্টে পড়িলে নানা উপায়েও **। क्टेन**ीख शास्त्र ना।

ও। ইভিমণ্ডেথানা দেবীপুরের এলেকা সেবেভিয়া আনে ছটা জীলোক প্রস্পর বাদ করে, সেই স্লাব্রে একটীর প্রাণ নষ্ট হয়. কারী পুলিদেরভার: দৃত্তইয়া প্রেরড (B)

¢। ভারুমণ্ড হারবরের স্লিকিত হাঁড়ায় ্ষাট একটা *দু*ভন ছুৰ্গ নিৰ্মাণ কাৰিছেড করিয়াছেন: বোধ হয়, এটা সমূলপথ व्या इहेरफर्छ।

। এখানকার বাদা ও মঠিদকল এ বংগক এরপ পরিপূর্ণ যে প্রদেরে এখনতা ইইলে ক হইতে কুজুঝাটকার না:য় বাস্প উঠিতে যার ৷

। ७३ प्रक्तितरवत घटना धनारम धनाने कात ও এकने छोट्याटक्ट मुश्रहरूत न्द्रे स्ट्रेय्राटकः

शंद्री । हे फार्डि! वत

া লিখিয়াছেনঃ—

া এখানকার স্থাযোগ ডেপুটী মাজিটেট ৰ'ৰু হ'দৰচজন হোৰ মাৰের ছই মাসেব । কইয়া বাটি হাইছেছেন। উচ্চার এই দীঘ র বিদ্যোদ এ লেশের পরেক আজকে জঃখের ছেঃভিনি যেকপুৰতা ক আলেখ ভাবে শব (१ए२°११६२ हुए बर्धी । इ.स.स. एक्टनः भाषादर्भत काष्ट्र समायारम्य शाख्य सम्भा সংক্রেম ই 🎎 জর্ম করে, তাই র জারসর মিংশেষ্ক্^{তি}ল ভিনি পুৰ**ায় এম্বান আ**গে 1331 াব মহলসাধন করেছে থাকি

বেন। জীবক্ত বাবুরামকুমার বহু মহাশর এই অবসরকালের নিমিত্ত ভরীয় স্থলে আগমন করি ब्राट्डन। डाँशात निकड खामारवत अहे शार्थना (थ, किन विस्त वाहर वाहुत नहात लिएनत हिन्द সাধনে কায়মনে যদ্বান্ত্ন।

২। আহ্লাদের সহিত প্রকাশ করিছেছি যে এখানকার অন,তর জমীদার কলিকাভানিবাসী বাবু ম্মাণনাথ দে মহালয় এখানকার ইংবাজি বিদ্যালয় নিৰ্মানেৰ নিমিত শত মুদ্ৰা দান করিয়া (इन कर किছू किছू मात्रिक नाश्या क.वर्रावन, এরপ অভিপ্রায়ও প্রকাশ করিয়াছেন। মরাগ वावुत करे भानकार्यः मि कामश्यात महस्म नाहे। তক্ষন কোমরা উচ্চ'কে অসংখ্য ধনবৌদ প্রদান করিয়া প্রার্থনা করি, ধেন ভিনি স্বীয় অধিকারস্থ ছম্ব প্রস্থাবর্গের মান্সিক ও সাংসারিক উভয় বিশ উর্ভিনাধনের চেষ্টা করিয়া অভুল যশো कासन हरेएक चारकन।

৩। দেভোগনিবাদী ঐীযুক্ত বাবুইজ্ঞনার। त्र श्रमान अधानकात विम्हालप्त अभाजका हिकिए দালরের মেশর পদে মনোনীত হ্ইয়াছেন। উঃহার ঘ'রা বিল্যালয় ও চিকিৎসালয়ের বিশেহ উপকার হইগার সম্ভাবন। ।

৪। এখানকার দাতব্য চিকিৎসালয়ের নেটিব ডাকরে জ্রীয়ক ব'বু চক্ষকুমার গুপ্ত প্রায় প'চ বংসঃপরে তিন মাসেব বিদায় লইছা বাটী গমন কোন স্থান এমন কর্মময় হট্যা দীড়াই क्रियाहरून । এখানকার প্রবিক্তয়াক ডিপাট ্ম্রেটর ডাক্টর বাবু অধিকাচরণ রুক্টিতের উপর উক কাৰ্যালয়ের ভার অপিভ হইয়াছে।

েমহ'বয় ! এব'নকার মিউনিসিপাল तः प्राचीन : कान कान नहीं समझाता छन्न ০ইর। সাধারণের গভিবিদির অঞ্বিধা ঘটিরাছে এবং গলিবাস্তার কোন কোন স্থাল ময়লা পাত্ত থালিতে দেখা ষাইতেছে। ইয়া ছারা আ মাদিগের ওমেলুবস্থ শংবাদ প্রমাণ ইউডেছে যে, মিউনিসিপাল কমিটার স্ক केंब्लाधान विस्तान मानार्याण नाहे। क्रीम-होत এ সকল বিষয়ে की क पृक्ति द्वांका का स्वाद-

> ৬ জনজাতি এইরপেযে, মফবলের কোন প্লাবনজলপূর্ণ ক্ষেত্রে একটা বোয়াল মংস্থ এक्टी क्षष्टे निवद्वीय पुनकरण क्षक्यांत्र कविद्रा ছিল। উভয়কেই মৃত ভাসিতে দেখিয়া ভব্তঃ লোকে এই অভূতপূর্ক প্লার্কী কাঁথির মাজি किते बाहि मारश्रवद निकते (धार्य कतिहारहन। সভং হইলে অভি আশ্চর্ষ্যের বিষয় বলিতে চট্ (व मत्मह नाहै। स्थापी नाकि नम्रहण्ड भीषः

৭ ৷ এখানকার কোট ইনস্পেইর বাবু हत्त्र मू:चाणायासू, शंकृ:वटात e ख्याकाः हैर अथारम পরিবর্জি छ १हेग्राट्यम এবং अम প্ৰতিষ্ঠাৰ'ন পুলিষ ইন্সে, ক্টঃ ব'ৰু ভগন্ধ वर्डी (म.नर्ने भू:अ वर्तन १३८७८६म । स्त्रीन हेर्रात ऋत्म काबू अञ्चलाम भूरवाशाधाःय তে ছেন। ইনিক তাম'দের পুর্কাপ র চড শ্রমস্থিকু, উইংসংহপূর্ণ, কার্য্যক্ষ অনষ্টন সাহের এখানকার ডিফ্টীট সুং (धने व्हेग्रा (क्वम भूमिश्व मार्का এথানে এখানে যুরাইয়াই মারিতেচেন ভাগ আমরা বুঝিতে পারি না।

৯ हे प्यक्टि:वत

30801

আমাদিগের বীরভূমত সং माञा निधिद्वारहर ।

মগাশয়! काम्मफा आমের পশ্চিম क्रिकेटी, वसमातीशक मित्रा काटडामा वर्षात्व রাস্তা গিয়াছে। এটী মূভন প্রস্তুত হইয় '' ফেরি " আয় হটতে ইহার বরে নি প্লাছিত পাকারান্তা কেবল পথিকদের গমনাগ সুগম্বেড় , কিন্তু এই রাজ্যালী পৃথিবগণের প্ৰার ক্তু মাত্র ক্ট্য়াছে 🖟 এই রাস্থার (त्य त्रक्ष वाष्ट्रदेव क कथ'हे माई, वलवा म रेक्बार (धाथिक क्षेत्रा (शहन केंट्रवानिक হল্প কর্মাধ্য ধর না। প্রিক্রণ এ ভগাগ করিয়। আলি প্রেগমনকে অঞ্ कत स्थान करत्व । (मधुन, अभन स्थवहात्र । রাস্তা নির্মাণের উম্পেশ্য কি বিষ্ণুল হইল আমরা কাটোয়ার ডি: মাজিটেট কারি বাৰুকে বিলক্ষণ জানি। এ জেনীর মধ্যে। এक स्थान कार्य, कम कर्माहादी। विकास स्थान (इंद्रे अञ्चलकान कर्द्रन ना, हेर्। प्यक्ष (का विषय मर्ट ।

২ ৷ মহ'শর ৷ এখন কুলের সঙ্গে সংস প্ৰতি থ্ৰামেই শাখা ংপাপ্ত আনফিদ স্থাপিত হ त्रचा याहेरछ छ। कान आहम के क्रांनीय **छ** শি কগৰ এই সুভন ভাক্যারের কার্যা করি ছেন, কোন স্থানে আবাৰ অভন্ত লোক নি **रहेर्डिह्न। क्रंल ७ मरङ्**रिम् किङ्क क्रिविधाविधात्रक क्रेटिड हा कि है (কোন স্থানের শোকেরা এই ডাক্ষরগুলি ব ক্রিবার জন্য ধে আসেৎ উপায় অবশ্যন কঃ एक, हेरा काल इ: त्थत विषय नटक: (प्र

াম, কোন এক শাখা পোষ্ট আফিস রাইপুরেম্ব ক্জিপর ব্যক্তির নামে কডক 'ব,ারিং^{'শ} পত্র আইলে। শিরোনামায় । हो भ " धाहेरक हे भ अकृष्ठि कथा ७ नि থাকে। যাহাদের নামে ভিল, ভাহার। ৰ ক্ষরিয়া দেখেন অভ্যস্তারে কিছুই লেখা এখন ' ব্যারিং » পত্র আইলে সহসা हर्न जन्म ७ हरे ७ ८ इ.स. २०११ अहे লিড করিলাম। এই কুরীভিত্রোভ রুদ্ধ লু দেই শাখা পোষ্ট অপিদের নাম করিতে ক্ষান্ত চইব না।

। (पश्चिमाम, ताइशुरतत त्राजिविम्हामम्बे উত্তমরূপে চলিতেছে। ৩৭ জন ছাত্রের জিরা পুল্ককে দেখা গেল। ছাত্রগুলিকে মনোখেংগেব সভিত অধ্যয়ন করিতে । যার পর নাই আন্কোদিত হইলান, বজাতঃ ক্ষুল স্থানে স্থানিত হওয়া এখন श्रास्त्रीय इटेशा नाफ्रीहेशारक। निम्न লোকমণে আভানভূকা সম্ধিক বলবভী याष्ट्राप्टर

। ধ্মকেতুর নাায় বীংভুা কালের । ডि॰ ह: क्रिन में निर्मापन क्या मासा मासा া খাকে। পূৰ্বে এই গৃহখানি ভাচা হইবে इहेश्राहित । এখন শুনিলাম, क्ट्रीपक হুপাণ করিয়া ভুলিবার জানা **এ**য়াস ইয়াছেন ও বংয়াসুরূপ আবা সংগৃহীত চে। মূল কথা এ শুভ কার্যা সম্পাদিনে দীল সূত্রী হওয়া ভাল দেখায় না।

া সে দিন রাইপুৰে এক শে'চনীয় বা'পার টভ ≽ইয়াগিয়াছে । কানৈক ব্ৰাহ্মণ ঋগোমী পুঞার অন, কাইসংগ্রহ্মান্সে এক রুক (**न. करबुक इन मञ्जूद्रक नियुक्त कर**त्न (महे तृक्ष्मी हहेर**ा कि**ष्कू पूरत खेलर्टनम । ভাষার পুত্র সংক ছিল। রক্ষী ভারণ (রু) কিছে বিধির লিখন কে খণ্ডন করে? প্ৰনোধাৰ হউলে সফলেই তথা হইতে ন করে ; কিন্তু হ'ড ভাগা বা ক্ষাণের পলায়ন ায়ত হ**ই**য়া উঠিল না: রক্ষী য:ড়ে রা গেলঃ ভংকণাং ডাহার প্রাণবায়ু **। क**दिन ।

b। वसप्रात्री कांबान द्राष्ट्र मध्यादवर कर्नाका ধান জীমুক্ত ৰাৰু রামলাল সরকার মহাল-ৰাটীতে পূজার সময় ''নলদময়তী^য ক্রঅংকিনয় হয়। অভিনয়কার্য্য অভি

M. W.

আপম আপম কর্ত্তব্য কার্য্য সম্পাদম করেন, ভারতে ভারতের ভুর্নী প্রশংসা করিতে হর। ২৫ এ আখিন

12961

প্রেরিত

মান্যৰর জীযুক্ত দোমপ্রকাশসম্পাদক महानव ममी (भवू।

থানা নাকাশীপাড়ার অন্তর্গত স্থনভানপুর, আড়পাড়া, নারায়ণপুরপ্রভৃতি করেকধানি গ্রামের নিকট দিয়া বছদুর ব্যাপী একটা বৃহৎ বিল আছে। কাটাখাল নামে উছার একটি প্রসিদ্ধ খালা নিশ্চিত্তপুরের কুটীর পূর্ক দিয়া ভাগীরধী নদীর সহিত সংযুক্ত থাকাতে বংশর বংশর ভথায় বনগে জাসিভ : কিন্তু ভাগীরথী দুরকু থাকাতে বন্যা ভাদুশ প্রবল বেগে আসিতে পারিত না৷ ইহাতে বিলের স্থানে স্থানে পুর্বের বিস্তার শস্য উৎপর হইত। একবে গলানদী অভিশয় নিকটম্ব ছওয়াতে বন্ধ প্রবলরপে আসিতেছে। তিন চণর বংগর কাল সমুদর শস্য জলমজ্জন(হতু নষ্ট হও য়'তে ব্ৰুমাৰয়ে ১৬। ১৭ বানি এ'মের প্রকা সকল একে বারে নিঃখ হইয়া গিয়াছে ৷ এমন कि এ श्राप्त किया उद्ध इंडिक मनाम् कु उद्ध ক্ষদ_ালি বিরাজ করিছেছে। এ বংসর আমা দিপের ক্লেশনিবারণজন্য প্রভাবংগল 🕏 🗟 মন্তী মহ'রাণীর অনুসাহে তথ'য় একটি মৃতি कात बीध मिख्या ह्या छेशएक क श्राह .শর বিশেষ উপকারের সক্ষাবনা বটে, কিছ া ভাতের হৃথ বৈকুঠেও নাই, সে কথা মথ। নহে। যে **হেতু ঐ খালে**র উভয় প:শের সমতল कृश्मित द्वामितिस्य वात खा इहेशा कामक देश्म ক্তিক ধানঃ জলমগ্ন হইয়া গিয়াছে। যে স্থানে বাঁধটি ভগ্ন হয়, উচ্চতা প্রযুক্ত ঐ স্থান দিয়া আর सन विदर्शक इहैवाद छेलान माहे। वर्षाद छात्म नकाम स्ट्रान जान स्त्र বিল পরিপূর্ণ এবং নিমুভূমি সকল জলমগ্র রঞ্ য়াছে ৷ ইহাতে সাজ্যে ও ক্ষিকার্থের বিস্তব : ক-ডি ও ভীরক্ষিত ভূগ ও কুলাছাপ্রভূতি পরিয়া। র্গত্বসময় বাস্পে বায়ু ক্রমে দূবিত ইইতেছে। লোকসকল পীড়িত হইডেছে। **9: (4**3 विषय এই या अ शारंगरम कान्यानि कालक्षान চিকিৎসলয় স্থাপিত হয় নাই, এ দিকে আবিন মাস উপস্থিত। নিয়ভূমিন'তেই জনমগ্র व्हिल, व्रविभग्ध वर्णात्र क्रियाच्च नाहे। এकर्ण औ चालात मध्या (काम निष्म ऋारन वाथ कार्षिया तकारण निर्माहिक रहा। व्यक्तिरम् १०१० विकारण विकास विकास किर्माहकारण चना

হইবার সম্ভাবনা নাই। ইহাতে এ প্রদেশের প্রকার সর্কাশ উপস্থিত, মহিমার্ণঃ 🗟 গ্রবর্ষাছার দীন হীন প্রজাগণের ধ कुषाक्षी क कब्रिया के वाथ है कारिया अध জল বহিলাভ -ও শশ্চাং কথায় একটা কপা जुल श्रेष्ठ उत्तर हिंदा **এ श**्रहरनेत सम्ल र করন ৷ যন্ত্রণি বিলের জল বহিগতি না য বন্ধ থাকে, ভাগ ফইলে অনুনে ২০ হাজার বিষা উর্বরা ভূমি পতিত রুহিবে। প্रकाशन একেবারে উচ্চির্দশা প্রাপ্ত इ ভাহার আবার সম্দেহ নাই :

জীহারাধন মুখোপাধ্যায় সাংকাড় পাড়া।

জেলা করিদপুরের অস্তঃপাতী থানা ভূগ অধীনস্থামসমূহ জললে পরিপুর্ব এবং ভা ভত্তত্য লোকদিলের অনেক পরিমাণে 💌 হইতেছিল দেবিয়া কিয়**দিন হইল, তথ** পুলিষ কর্তুপক্ষ উহার প্রতিবিধানার্থ মনোর হন: আচনুসাৰে তথাকাৰ পুলিষ হইছে: শেয়াল; একখানি প্রয়াণা লইয়া ভাপাস নামক গ্রামে উপাস্থাত হওয়াতে তথ (लारकदा डेक श्रद्धानांव निकट यथ प् অক্স পরিকার করিয়া দিবেন এক্সপ অক্স করিয়াভিলেন , কিন্তু অঞ্চল পরিকারে অর্থরে হইবে দেখিয়া উঠা কিয়ুৎ পরি পরিকার করিয়া কান্তার ইয়াছেন। মহাব ম**স্পু**ৰিজলৰ প্রিজ্5 হই:ৰ স্ক্ৰি!ধা .যক্রপ মঙল হইছে, কিয়ুবংশ পরিকারে ঘ কৈছুই হয় সাই ভথাকার লোকের৷ অন ভজ ্য জগণ সম্ভত নানা প্রকার ও সহা কবিতে এবং অন্নাক প্রীড়াদিতে অধ্বায় করিছে স্বাস্ত, অপাপি সাক্ষাৎ এক কথাত্ৰিও ধংগু ক্ৰি**তে সমত ন** ভারতে। পুলিষ এংক্তে পুনর্বার এ বিষয়ের।

भवन्ति । हे धात्र मकल स्वास्त्र हे ह বিদ্যালয় স্থানপুষ্ক ভথাকার দৌভা সোপান করিয়া দিছেরেন গ কিছ ঐ ব অস্তর্গত প্রায় অধিকাংশ স্থানেই ভাল লয় ন'ই। দদিও কোন কোন স্থানে স্বই সামান্য বিদ্যালয় আছে, ভাছাতে কিছু হ শিক্ষাবিভাগের কর্ত্তপক অনুসন্ধান ক ভানিতে পারিবেন। প্রার্কা জাইত কাপা ব্রাম ও তাহ'র নিকটবন্ধী প্রায় ১০ । ১২ बार्य अक्नियाञ्च विन्तानः यहि। व इंदिन (धनकन छप्र (मा क् काः) ৰ্ক্তাহা भा किथकारमहे श्रक्तिमञ्च एउँमा । यञ्चारमात् इत्रेड १६८७ वर्षाकाम कामिया छेपश्चित्रः। বয়াপরিগণিত। এইনকল ব্যক্তির এব ।কোর সর্মধারবের সন্ত'ন। স্তুভির শেলার 🖯 মিও যদি গ্ৰণ্মেন্ট কইডে ভেৰায় এন দী নিন্ন প্রতিষ্ঠিত কর, ভাষা হর্লে কবর্ণনেউ নান প্রদেশের নায় তথাকাব ृत्र्"क পের নিকটেও কুভজভভভভান ∌हें ' ∤ग कर नाहै।

१ हे व्यक्तिः देव 1888

कृत्यां निवासी र

লে য়াৰ অংশানে অধিকতৰ বৃষ্টি ছওয়াতে েঅনেক নষ্ট চইয়াছে। যে কিছু ছিল, ध्य अक श्रकात की हो। विस्तृत के विराय हाः বং ছেভিকলকণ এ দেশে লক্ষিত হইতেডে

<u>લ્લો:</u> ~~

পৰলিক ভয়াৰ্ক ডিপাট্টমেট ও বংব্যপুর কংলেজ সারী।

পথলিক ওয়ার্ক ডিপাটিমেন্টের লোকেরা

ধুপুনংখ্যপুর্তি ও দক্তির স্ভিত কাই য়া থাকেন, ভাগ কাহারও এবিদিও নাই। র্মপুরক'লেজ বাটা নিশ্মাণে ভাঁহালের ঐ বু প্রাক্টি প্রনিত কর্যাতে ১৮৫২ ল ছালিতে সাহেহবের সময় ঐ বাটীনেমানাৰ ধ্যাগ হয়। প্রাক্ট সাছেবের সময় প্রান পশুভ তেই প্রধিক্তি হয়। বীভন সাংগ্রের মুখ্যামলেই অবধাৎ১৮১০ সংলেব ১৯ ৭ াই উধার ভিত্তিপ্রস্তর নিখাত ১ইয়াছিল : পু**ৰে অব্যাগ**রের গভির ন্যুয় উভার ক'বং ক্রেচলিডে থাকে। গত কংসর ৬৭ नत व्यक्तिकारम के बाही मारम अनेहर সকলেরই বোধ ২ইটাভিল, কিন্তু মধ্যে ष्ट्रेबारम कानीद व्याचा त्याका कालिया याधा म रहल, हेश (मांचप्र) अध्यानमा अकार्का केटे ই হৈ নিয়ার বিনিয়ান নাহেধৰ আমেশ আহাৰ র প্রেইন্টন তেন *ত*র্ল জনেক ইজিনিয়ার সাঙের জানিলা কারী প্রীলা; লন : শদি কোন বাজালীৰ কুভ কাংগ্ৰ পাৰনাম্ভ কুটা ভাষা ভাইপে বেপে কয় র মাত: কাটাঘটিত: বিলি প্লান করিছা াংনিও সাকেৰ এবং বিন গাঁথাইয়াকেন

० मारक्त कलाध्य (कोस्कृत कार्य कार्य)

ুম ক্ছয়। গোল ফাট।

প্রা সারা ক্র**া ভা**কাই

क्रांक विभाग

मन्त्

টাল সোকোর এবং ভাতুকলার - ও জোওদাব 🖟 ছাদের জল ঘরের বাহিরে কিছুই পড়েনা, সনু দায়ই ঘরে পাড়িতে লাগিল। সেই সময়ে আবার .ल ॰हेन॰हे भवर्षत्र मुद्देहर अधारन ज्यानित्वन स्नन র্ব উঠিল। বর্মাচারীরা বছ বিব্রত হইলেন হ দের উপর তৈল সিক্ষ রপ্রভূতভারা রও করিয়। দিলেন। গ্ৰণৰ সাহেৰ ভাষাভেই ভূলিয়া প্রেন্থ কর্মচারীরাও "বামন গুলুম্ব ভ ल'कन कुरल भव भे कहेरलन । इस भारत (य कर्म) নঃ ১ইডে পারিভ গবর্গর সাজের আসিবেন विश्वशास्त्रकाले (सर्वस्ति काला इन्हा ছিল। ডিনি যংকালে আছিলেন, তংকালে ঐ বাটীৰ গঢ়ালাৱিৰ আসমগুলি নিৰ্মাণ করা ছাড়া সার কোন কার্যা আকী ছিল না। কিন্তু প্রায়ুণমাস ২৯কৈ চলিল, ডিনি এখান কইতে গিয়াভেন → ই:ভিম্বের আহার কিছুমারে कार्यः इस नाइ । विविधान माद्रदावत स्माद्यहे হটক, অথবা প্রানক্তা প্রাতিচিল সাহেবে। দেশ্যেই হাউক, গাড় বাষে বালী লগাটীয়া গিয়াছিল সংঘ্ৰটে কিন্তু আমেরা অচকে দেখিয়াছি. বিবিধান সাহেব বিশেষ কাৰ্যনেক লোক ছিলেন্ড ্ভ নি এই বাসীয় কার্যন্দ্রনাথ প্রতিদিন অবংশে এই বার করিয়া আগগমন করিতেনঃ কি গুওঁ হার পদে যে উইক সা সাহেব নিযুক্ত इडेश्र'रहम, डेॉन माना कि काल कि बाखा लाक. ভ'লা বোধ হয় বাঁহার আমফিলের লোক ছাড়া এনং কেচ্ছ : দখিতে পায় না। তিনি এই স্থানে আসিয়া অব্যধিক্যু দিন কালেজ বাটা দশনাৰ্থ গমন কৰিয়াছেন, ইছা ভাঁছাকেই ফ্লিজে'স' কণা কণ্ডবা ৷ ফল কণা, আমন্তা লেপ্টনাট গৰৰ্বি 🖟 মাং্≢ৰংক অন্তৰোধ কলি যে, ভিনি এক বাব ই ছাল মার সাহেবকৈ জিল্ডাসা করিয়া পাঠান যে ডাখাৰ গমনের পৰ বহরমপুর কালেজবাটীর कर पुर कार्य। इहेग्राट्र अन्य के बाही कारलक আফিসরদিগের হক্তে অপণি করিবার আব কভ বেলয় আছে? ইঙা হইলেই ভিনি সমুদায় লানিচে পারিবেন। অ'মা'দগকে আরে অবিক লিখিয়া কট পাইরার প্রয়োজন নাই। এই বাটীর বিষয়ে আমানের আরও কিছু বক্তবার হিন।

মূলা প্রাপ্তি।

শ্ৰীয়জ কাৰু শ্ৰিভূৰণ মুখোপাধ্যায় পুরী ३२१६ कार्डिक इंहेर्ड १७ आधिन ७७ a a दाधारमाञ्च (शःवाशे খণ্ডদ ৰজী ऽर१ ७ कार्सिक स्हेरख १७ व्याचिन

৯ অমৃতনারায়ৰ আচাইং মুক্তাগা

শ নীলমনি খোষাল কলিকাডা

দোমপ্রকাশনং ক্রান্ত করেকট বিশেষ নিয়ম।

অভিনেমূল,ও ডাক্যাসূল না পাইটে বলে সোমপ্রকাশ প্রেরণ কর: যার না।

ইংর অভিনয় মূল্য বালিক ১০ টাকা ষালুাসিক ৫॥∙ টাকা সফসলে ভাক गरमञ्ज्ञ वर्षिक ১०, वान्युर्गिक २ अवर ने সিক ৩৮ াডিন মাসের ভূনে অগ্রিম এহণ করা যায় না। হুতি, ব্রুডি চিঠি, অব্জ নোট ও ষ্টাম্প টিকিট, ইহার ভ যাহাতে যাঁহার স্থাবিধা হয়, তিনি সেই দারা মূল্য প্রেরণ করিবেন।

याँहाता है। स्पृष्टिकित गार्वाहरवन, व ধেন এক অথবা আগাধ আনোর অংধিক **अत्रभी (मत्र क्रिकिक (श्रांत्रण मा कर्**यम)

যখন যিনি মফপল ইইডেড সোমপ্র মূল্য পাঠাইবেন, ভাষা যেন রেন্দ্রিষ্টার জীয়ক ধারকানাথ বিদ্যাভূযনের নামে हेया (स्मा-

যাঁহাদিগের মূল্য দিবার সময় অভীভ वांत्रित, এक मात्रशृत्ती डीहांक्तित्क লিপিয়া জানান ৰাইবে, কাল অভীত গেলেও এক বার চিঠি লেখা হইবে, ভাহা একমাসকাল প্রতীক্ষা করিয়া কাগঞ্চ বং যাইবে। শেষ বারের পত্র বেয়ারিং इट्रें ।

মাতলা রেলওয়ের সোণাপুর ষ্টেসনের দরে চিঠি আইলে আমরাশীর পাইব।

ধারা মাক্তল না দিয়া প্রাদি প্রের বেন, ভাষাদিলের সেই প্রাদি এংশ ষাইবে না

দেৰ সোমপ্ৰকাৰে বিজ্ঞাপন দিতে ক্রিলে ভাঁহাকে প্রথম ভিন কর প্রভিপংগ্রি আন। তাহরে পর 🗸 > আন। নিতে হই ষিনি অনিক কাল বিজ্ঞাপন দিবার ইক্। ্ৰ টাহার সহিত খাল্য বলোবস্থ হইটে

🐝 এই পত্র কলিকাভার দক্ষিণ মাতল, রলওয়ের সোণাপুর ষ্টেসনের দ চালড়িপোডায় ত্রীগুক্ত ধারকানাথ বি ভূষণের বাটীতে প্রতিদোমবার প্রাতঃব প্রকাশিক হয় ৷

त्राश्का

3 · # BIN!

८० मरका।

" प्रवक्तमां प्रक्रतिहिताय पार्थिवः सरस्वती श्रातमहती न हीयतां।"

ক মূল্য ১ এক অবিষ বাৰ্ষিক ১০ দশ । ম বাশ্যাসিক ধ্যা সাজে পাঁচ টাকা।

মকস্বলে মাস্কুলগ্ৰেত অতিহন ৰাধি

বিজ্ঞাপন ৷

তেঃক ৰও ৮০ পূঠা মূল; (নগদ) ॥• এই পুত্তক প্রধম অবধি দ্বিকীয় সর্গপর্যাস্ত ন সংখ্যা নাগরাক্ষরে রামানুকের টীকা ও ালঃ অনুবাদের সহিত কাক্তপ্রকাশ যন্ত্রে চ হইরা বিভরিত হইভেছে। ইহাতে মাধে-हीर्य ও नार्गाको स्टाइन मिका छ स्वविद्यास চকরা হইভেছে ও ইয়া প্রতিমানে ১০ । আংবাং৮-পুঠা করিয়ামুদ্রিত 👁 এচা इहेरव । মূলর ॥ • আনা। মহিলার। আহিক ভুক্ত হইতে চাহেন, গাহারা আমার নামে धकाम गढा भज विचित्रम।

বিক্ৰয়াৰ্থ।

গারডেন কীচ ২৪ নং বাদী ওলামস্থ ১৯ বং(জাড়া বাগান।

উপরি উজে বংগান ও বাটী মীহারাজনয় उप्यथेश सहेर्छ हेका करतम, सिम्न थाक ^{के स}र्थक नगिष माहिक ব্যক্তির নিকট জানাইবেন।

> লিলেশ্রেস্ আর্থো-वनहे करः (कार

औरहबहम्म खडीहार्स ।

বিবিধ জব্যাদি বিজয়ার্থ প্রস্ত ।

ংরাজী বাজনা পুস্তক কাগজ কলম নানা

বিধ দ্রব্যাদি পাওয়া যায় এবং পুশুকাদিতে 🖊 • अक व्यानात हिनाटत कमिनन प्रिः। व्यक्षिक টাকার পুস্তক লইলে /১০ আনার হিসাবে পাইবেন। विन्याञ्चलद मधिक कृष्ण्यात्री नाष्ट्रक প্যাবতী নাট্ শৰ্মিগা নাটক নবীনতপশ্বিনী নাটক চন্দ্ৰবিদাস নাটক গ্ৰামাভিন্যক নাটক দলভঞ্জন নাটক আনকী নাইক (ध्रमाधिनी नाहेक ইকুপ্ৰভা নাটক ननममञ्जी नाहेक खाण्डित्रमा बोहर कीइक वर्ष नाष्ट्रेक वर्ग्धन नाइक বেশ্যাসজি নিবর্ত্ত নাটক कलिएकोज्जक माक्डे लीनावकी मार्केक কুত্রসকুমারী নাটক কৌরববিয়ে'গ নাইক শিববিবাহ মাটক সপদী নাটক পুৰৰ্জিবাহ নাটক র্মণী নাটক প্রেমকরা বিষমদায় নাটক জীবৎদ রাজার উপাধান মাটক ন্বন্টিক বছ্যিবাছ্ নিষ্ধ্ধ

मरदूरनी माइक মহামাইক প্রবোধচক্রোদর নাটক প্রাণেশ্বর নাটক ৰস্ব্যবহার মাটক বাল্বিবাহ নাটক वारमाञ्चार नाहेक विशवः পরিণয়োৎসব নাটক বিধ্বামনোর্শন নাটক डेक्नी नाइक এবটি আবার ৰড়লোক নটক কিছু কিছু বুঝি নাটক বিক্ৰম নাটক কলিকান্তা জোড়া-উপ্রভাপটা नीरका ७८ नर न्याम दिह সাবিত্রীচরিত কাব্য। জীভোলানাধ চক্রবর্ত্তিপ্রনীস্ত।

٤

١

kinj •

1100

ذ

40

10

100

: H •

η.

∕•

١.٠

मुना ३ अक हो। সংস্কৃত ৰজের পুস্তকালয়ে পাওয়া যা বিক্রয়ার্থ। শব্দক্ষক্ষম অভিধান। সর রাজ: কাস্ত দেব বাহ্যন্ত রের রুজে। উত্তমকপে ৫ দিয়া মুডৰ ৰাঁধান, মূল্য ২৫০ টাকা **জ্ঞানন্দঃস্তাবেদান্তবাগী** ----:0:----

> - পুরাণ প্রকাশ । বিষ্ণু পুরাণ :

অসুবাদ ও টীকা সমেত প্রস্থা ৮-পৃষ্ঠা(অংক্রিম মূল্য) ॥৽ -

ं काष्ट्रहा नाहेक

मुक्तावली नाहेक

স্থানের

৬০ ম ইল

৪৬ নাইল

কাটোয়া হইতে নদীয়া

हिंद्रा काष्ट्रा इंडेट्ड सभीया

নি এছণাভিলাধী হইবেন ডিনি মৃঞাপুর ्रष्टेक्रीटे ७८:১ न**२ ७२८न कार**।क्षकाम खशरः कनिकारः म[ु]य_् दिम्हानस्य দ অপেরেয়াহ্ন ভর্কালক্ষারের নামে যভ ।ইক্ষাজালিম মূল্য প!ঠাইবেন। অনিম াইলে বিলেশে বিষ্ণুপুরাণ পাঠাইবার नाई है जि।

शिकी श्रुष्टरत्व विद्यालन। মে, র্ঘুপ্রভৃতি কবির বির্চিত দোহা है काफिएक मान्यवत्र २७२ क्षकात्र लक्षक ব্জিলালের রচিত মাধ্য কুলোচনার া সহিত মাধ্ববিলাসনামক পুস্তক দেব ।ক্রেম্ডিড ও প্রচারিত হইল। মূল।॥• থানা, ডাক মাহুল 🎺 আমান কলিকাড। প কানবয়াকর যতা নিমতলা ঘাট কীট ा अंक क्वता

🗐 👽 वनहत्त्व दर्शक ।

বন্দ্যোপাধ্যায় কোৎ।

ভেদ্ধারাস্পিসাধারণকে জনাত করা যাই যে, সম্প্রতি অনওয়াড্টার অব কোলিয়া উইক এবং ব্রিটিশ প্রিক্স কার্যকে ঔষণ ज्याभनावी इक्केश्नरहः क्षेत्रकल काह्यस्य কোং দিগের লগুনস্থ এফেউগণ ২ইডে শে উৰধ ও অন্যান্য য়াব্যানি আমলানী **চে এ**বং বেগকল দ্ৰবাদি আমদানী काहात हैन खर्मन धाल व्हेशरहन। ক্ত কোম্পানির প্রধান ঔষধালয় আনহন্ত ং৬ নং ভাষনে মৃত্যাপুর মেডিকেল হলে সভাব ভার জীট ৩৯ নং ভবন শাখা উয টাটকা, বিশুদ্ধ, এৰং উৎক্লাই উপন সকল ভেন্সোখুজরা হাএক কালীন অধিক নে বিক্রয়ার্থ নিয়ত প্রস্তুত আছে। কা তা

সূত্রম পুস্তক। ব্দাস মানের নক্রা : বাবুদের ছর্গোৎসব।

ই আগস্থ

(হডোমি ভাষা।) লকাতা প্রেলভালাত টেলীং ইন ছিট বিশালকের প্রধান পাণ্ডিত জীয়ুক্ত রামস্থ द्वीः (रहेर निकट ने अथवा जीवुष्क वहना-प्रभारतद शुखकानात् श्रीभा मूना মার (

নদিরার নদী।

नन ১৮७৮ मार्श्व ৮ है जर्टीवर मान रहेट 38 के चर्डी वर भरी है निर्मात নদী গায়ের সর্বাকমণ্ডি জলের সাপ্তাহিক রিপোর্ট।

নাম

সর্ক্ষতি অল

28

58

कु इंकि নদীয়া মাথাভালা মহামার উপর পজানদীতে ऽ२ মহানার তথা হইতে হাট বোরালিয়া 88 माहेल ø बाहे विद्यालिया हहेएछ कास्क किया 70 **जाञ्चकित्र। ३३८७ कृष्णतक्ष** ৩৮ মাইল 37 कुष्मशक्ष १३८७ छ्तनि मनी ৩৪ মাইল ኔ৮ ভাগীরখী নদী। মহানার বার e s মহানার নীচে ١¢ ভথ। হইতে জঙ্গিপুর ŧ জ্ঞজিপুর হইতে কাটোয়া

> क्षत्रकी सभी। ম্চান্ ভণা হুইতে করিমপুর ১৯ মাইল করিমপুর হউডে টিয়াকটো oe nien

১০ মাইল সন ১৮৬৮ সালের ১৯ এ ভারিখের ব্হর্মপুর গঞ্চ ঘাটের জ্ঞালের মাপ। 更多

গঞ্চাটের উপর ৮: ত্রীযুক্ত সি: ই, উইন এक व्यक्ति के हिंद है कि नियंत्र हर्गेड्याच्या के दर) বছরমপুর ডিবিজন।

সোমপ্রকাশ।

১১ই कार्जिक लामवात । উপনগর ও তাহার অবস্থা। **উপনগরবাসিদি**যের কলিকাতার

पूर्व उ मक्ष्म डांत मण्डोहनार्थ श्रिकेनिमिभानिष्ठित स्राहे हरेग्राहर, प उँ। इसिट्शंत निक्टिकत धरामार्थ নগরবাসিদিগের স্থাউ হইয়াছে, ব তাহার নির্ণয় করিতে পারিতেটি এক মাত্র কর দান বিষয় হাতি পুলিষ প্রভৃতি অনেক বিষয় প ভাহার সতা দেখিয়া গ্ৰণ্মেন অনায়াদে অসুমান করা যার; কিন্তু কর দান সহয়ে পরিভ্যাত হইলে উ রের মিউনিসিপালিটির এমন বি পাকে না যে তদ্বারা ইহার সভা সং হয়। রাস্তা প্রস্তুত করা 🗷 🤨 দংকার করা, নর্দমা **৩** পুক্রিণী প্রভ্ পরিকরণ বিষয়ে দৃষ্টিপাত করা, এ ক্ষুক্তকার্য্য মহামহিম মিউনিলিপারি अभक्त विषय नकः इय नाः कर्न দারেরা যে পরিমাণে টাকা লন, ত त्रिभार्य कांच क्तिरलन कि ना १ यरथ খোয়া দিলেন, কি পুরাতন রাস্তা করিয়া কেবল স্থানে ক্ত (श्राया निया काक भिष केहिएलन ? वास्ति जोहा जिल्लेशा वन ? क्षाउद রাস্তার কণ্টু:ক্ট লইবার বিজ্ঞ দেওয়া হয়, কিন্তু কমিদরিএট ও প্র কওয়াক কণ্ট্ৰাক্টের ন্যায় চিরকালের স ক্টদারের হস্তেই কণ্টাক্টের ভার প হয়। ইহার। বহুকালের পাকা লে ইহাঁদিলের ক্লুত কার্য্য যে মন্দ একথা বলিতে ত আমাদিগের ধ হয় না ! রাত্রিতে ও বর্ষাকালে লো পদ ও শকটের চক্র রাস্তার মধ্য গর্ভে পভিত হইয়া যে কম হয়, ভ তে কণ্ট্ৰাক্টদারের দোষই বা কি পথ চলে ও যে नक्षे हालाम, कार দোষ। দেখিয়া পথ চলিলে গর্ডের পড়িতে হয় না i

কলিকাতা ও উপনগর এ উত্

उपन जिमन **मार्क्ट**शन विश्व

त्या नक्ष्मात हताल माहन अवश्री विक्रिमिनात ब्रह्मावल वाक्टिक जल भक्त त्रीका चारहा भागता अक स्था राज व्यवस्थानमा कतिप्राष्ट्रिकान ংশ্যার করিবার ভার কলিকাভার মিত निशामधित रटक एएउता क्रेताटक। व मान मजूत वाणि छए। क्रिक व रांड इंडाशाकरम् यामना अक्राहरमन নিত রাভাচীর উত্তম অবস্থা স্প্র हिटक गाहिणाम या। शास्त्रात श्रुक् रभ मिडेनियिणान (तनक्रतः। देशारक ভার অগ্নিগ্যের পথ এক বিকে । रहेपाटक । यानित मुख्य व्यटनका नथरप्रत्र এक উक्रका स्व कार्किस्ट म्डिनित रामनाशमन मन्त्रेत्र हर। अह ब नम्, भिडेनिमिलांग द्रिलक्द्रत्र अक् ৰ' ছাড়িয়া কলিকাতার দিগে রের বেড়া দেওর। হইভেছে। এড রা কত লোকের যে বাটীর ও গলির रिटन यागिवात भथ कृषः इटेटस्ड, হাৰলা যায় না। মধ্যে মধ্যে ভার ছে নতা; কিন্তু নেটী লোকের সুৰিখা য়ো'ুরাঝা হইতেছে না। ইহাতে ধ হইতেছে, অনেক ভাড়াটিয়া ভূমির গ পলায়ন করিবে এবং ভরিবস্থান (गरे ज्यात मूगा किया गारे रवः नशरतत चात्र अक्डी क्छे अहे, सिरनत । बालबात्रिक व्यनाख क्रीकीबात्रक विति स्वानाह। व्यक्तकात ও वर्षात ীতেও পাহারাওয়ালা বড় দর্শন न। अङ्गात आएम এक मिवन विनि करत्रम्, डीहात्रहे अहे मः कात्र करणः। ল সমাক্তের মধ্যে এই অংশ **অভিন খার অধীনক বলি**য়া रहा (बमन हाला, तिरेशकांत রেকার কার্য। স্বাহ্যরকার কলো

র ভ কথাই নাই।

তছেন নাৰলিয়া আমিয়া আছেপ

াস বৃটে; কিন্তু মত দিন এ প্রকার

निन द्रांखा २ एडिंड डेट स्वनायन छ वीकातकात महलाम विशास महत्राह सका वमा घण्या शाल्याजित्यत काम माण माता मा किटिन कान स्व मा। व्यापना त्व चात्व वान कत्रि, उथाकात्र प्राचाटा एक उरक्के रहेटल सामना किन दक काशंत्र कत्रात्वात्री स्ट्रेट्स ? अठ बद के छनित छेरकेन नामनिवरत आमामिटन त्रहे मुविद्रमान राष्ट्रवान २७३। आविभाव ; किन भाषता चहर यज्यान् ना रहेवा अल त्वत स्टब्स् रम्हे स्थात समर्थन स्तित्राहि। वधकांत्र काटपांत्र कत (व जाणां मुक्रश হইবে না, ভাহার এক প্রকার সিদ্ধান্ত হইয়া আছে। ৰে পিত। ভৃতিভূক্ত্তোর হত্তে পুত্রের স্বান্থ্যকালির ভারদ্যপূর্ণ ক্রিয়ানিশ্চিদ্ধ থাকেন, ভাঁহার মনো ৰাঞ্চা প্ৰায় পূৰ্ণ হয় না। অভনৰ আমা निरमतः कर्डदा, व्यामता क्षेत्रकत विष য়ের উ৲্শেষ টেল স্বয়ং যত্নবান হই এবং গবর্ণমেন্টেরও কর্ত্তবা, ক্রমে পঞ্চা রেকের বন্দোবস্ত করেয়া আমাদিগকে विवदम भिक्ति कहिया कृत्वन। व्यनावा भवनीत्मर हित । यञ्च मकत इहरव না; আমরতি কংগের লোক হইব না

ভরবমতি গুরুক্রর।

--:::---

নংযুৰক্দিপের চতুরতা, দক্তা, व्यक्षत्राष्ट्र । कुष्ट्य विक्रव । पर्णन कतिर्व मानवमारजन्दे चाच्हा व करम। जिनदि नि मार्ट्स भर्क कतिशाहित्सन, यूवकिर्गत चांता (व रहन त्रका लाज ७ व व व्हटक्त **अहाक इब कारांत (श**हर ताथिवात क्षान इसना। उँहिति स्वत्नक्ष व्यत्नाक्षमान নয়।কিছ বখন চতুরতা কেবল রুখা আড়িছরে পরিণত হয়, অধ্যবসায় আপ मिडेनिनिनाविष्टि यक्ड्यामाध्य नोत्र याद्य मणानना छ । छोत्र नियं স্মাৰবং অমূলক ও অসভাবিত প্ৰভাব नहेश। (पटचंत क्लार्शनमध्न मोफ्रांत्र,

केटर्क । यू व क्लिट्श इ मन व्यक्तिमा इ ভাৰালিরের অসুমানশক্তি,**কভা**ক অভ এব মধ্যে মধ্যে ভাঁহারা বেংক **टार्ड**ाव कंत्रिटवन, खाश वित्राहासम् क्छि तिहे अखारखनि यसि त कना। गविद्याची स्त्र, काश स्ट्रेश मिरभड़ मुर्थ दश्च कतिवाद काकी शह कर्डवा। आमानित्मन यूदकम्प्यान मत्या बटाकात बक्तन त्वाक (प्रि পাওয়া याहेटकट्ट म, डीहाता च আড়ব্রপ্রিয়। কাল যত হউক না হ ধুমধাম হইলেই উাহারা আপে পকে চরিভার্য-জ্ঞান করেন। রা विद्राची एडेक, नमाटकत विद्र **ইউ**ফ, আর দেশের উন্তির **এতি**ব र छेक, किছू जू उन रहेर नहें डी राजा ক্রিলেন, দেশের উন্নতি, সমাজসংখ ও কুরীতিদংশোধন হইল। ভাষ য'দ একটা পুস্তকালয় অধবা ভৰ্কা কের সভাত্বাপন করেন, যাবৎ লে নতীগৰৰ্ণীয় অংথবা হিচারপতি 🗫 धिरिणायक व्यवता कर्मक ना कहे ভাৰৎ তাহা সাৰ্থক ও পরিভাম স (वांश करतन ना। यति (कर कही भार প্রবস্থা পাঠ করিবার অভিনাদী उद्यावनार्थ व्ययुक्तः नम सन हेफेरहाः ভদ্রেকিকে আহ্বানকরা হয়; বি ইউরোপীয় ভদ্র লোকের৷ উপস্থিত হ কি ভাৰণ করেন ? কোন নুতন বিষয় ভাহানতে অংগাচ্চিতা ও সবিভা পরিশ্রেম করিয়া উচ্চারা বিজ্ঞান, সাহি অথবা ইভিহানধংক্রাও কোন প্রাঞ্ मीमारमा कतिर उर्छन, इन्डरवाशीरः শভাষ্ণে উপ্স্তিত হট্য কি তা দেখিতে পান ? ভাতা নহে। ' আৰু কত দূর শিকা করিয়াছি, শতকো প্রদ করা হয় এই মাত্র: ইউরোপীয়ের: স্থা विक ভप्रकानिवज्ञन व्यकामात्रद्रभ वि

ভাঁছাৰা জ্বিভ চন ; কিন্তু অনেক **च्यानक इ**डेरबाशीय ध्रेमकल कर-ত ৰালককে ৰাজমান বংশীঃসিংগর সিধি জনন করিয়া পাকেন। এইটাই ষ্টের ইইটেছে। প্রভোক ব্যক্তির নে আপেন জনঃগত ভাব ব্যক্ত করি অভিকার ও স্থাধীন'চা আছে , কিন্ধু নেই ভাব লেখের যাবভীয় লোকের ভাৰ বলিয়া বিৰেচিত হয়, ভথন র : তিবাদ একান্ত আবশাক डेरर्र

আসরাবেদলের এসম্ভ কংচেতছি

বিঃ এফ কংলে য'বভীয় বিস্তান তি দৰ্শনেকা হইয়াছেন। দেশে*।* হপ্রধা উঠিয়া কাউক, এটমান ,০র শণিবিভাগ রহিত কউক, মত সুৰকের। অংগন অংশ- এরি গত্নী পরিভাগে করিছা দারাখর করুন, হুঁহাদিগের এই অভিনাম। रिश्रताष्ट्रात मर्नान करिया आगरा শয় বিশিষ্ঠ ও ছঃবিত হইয়াছি। ৰে হাজনীভদংক্ত চিন্দেৰ मरशः इ**छ८**भाग कतिए है विश्वय कर আমরা শুনিয়া অভিসরে ভূরিখাম মে, ই≹ালিচেগর কেচ কেছ জংশৌ रतन और दमा करिट इ. हेमा ६ इ.स. र। टेग्रॉनटक्त कास्त्र अधिनाग्राप्या **হাজ সন্দেহ নাই; কিন্তু**্থ থাতি াপরিকাগ করিয়াকেবল অর্থিও

পৌরবলতভঃ কাশয়ে বিদেশীর

त करेश: कांबादिशांत्रण कटरम,

র ভাষ্ট্র সমানের নাত্ইয়া **অংগী**

নিমিত হয়। এই নবাদন ছির

१८७२, यनि द्विष्टिन भदर्गभिष्ठे

, কোন বিদেশীয় রাজার দেনা

এবেশ ক্রিয়ারণ**িক্ষা ও স্ব**পৌ

বিজের অর্থেন পরিপ্রণ না

ন না; কিন্তু ভাঁহার। মনে মনে রিষপ্রকাশ করি**খেন।ক্তক্তলি উঞ্**শো প করেন। যাঁহার। এ নেশের প্রকৃত ণিত **অপরিণামদশী যুবক এই এ**কার व्याप्त्रवत कतिटल्डरह्म। इंहाँपिटशत সংকার এই, বিশ্ববিদ্যালয়ের উপাধি शाहरलाई विष्तांत ७ कर्ज , मन्भामत्नत শেষ হইল, তথপরে উাহারা না পাবেন এমত কা**জ নাই। আম**রা রাজপুরুষেতর ইউরোপীয় ভদ্র লোক ও রাজকর্মচারী দিগকে অসুরোধ করিভেছি, ভাঁহারা (यन कहे नकल टलांकटक (मटानंत क्यथव। কুত বিদামওলীর শ্রেতিনিধি বলিয়া জ্ঞান না করেন। ইহাঁরা এক বিজ্ঞাতীয় দল। দেশে ইহাঁদিগের কোন ক্ষমতা নাই এবং ইহাঁদিগের সহচরভিন্ন ইহাঁদিগের कथा आह (कह खदन करबन ना। अ স্থলে গ্রন্মেণ্টের প্রতিও আমাদিগের বক্তব্য এই, ভাঁছারা বিহিত বিবেচনা করিয়া নব যুবকদিগোর দেনাদলে প্রবেশ ৰবিবাৰ বাগনা চরি ভার্থ করিলা আংপ-नाजित्यत कर्डवामन्त्रामन कर्यन ।

लाड़ें (बर्तिवृत्र, भागीतिक प्रश्न अ বালক অপ্রাধিগ্র ।

মান্দ্রাজের শাসনকর্তা লাভ নেশি য়র বথার্থ তত্ত্বজ্ব নারে এ দেশের ন্ম'জ ও শাস্বপ্রণালীর প্রতি দৃটি রাখিলা কার্যা করিয়া খাকেন। তিনি भक्तभार करेश **अ**त्मनीय्रमिटश्रव চিছচিয়া করেন। অপক্ষপাতী বলিয়া তিন मकल मग्रद्य श्राप्तभी श्रविरागत **अ**न्य काकन इडेटिंड शास्त्रन ना। य य कातरन তিনি ভারতবর্ষন্থিত ইউবোপীয়দিশের অংগ্রিয় হইয়াছেন, উদারভাবে সকল বিবয়ে হাভিপ্রায় প্রকটন করা ভাছার অন্যতর কারণ। যে দল বিবেচনা করেন, ভারতব্যী গদিশের উপরে যত ক্ষমতা প্রকাশ করিবে, যত তাঁহাগিগের প্রাপ্য লালের প্রার্থনা অগ্রাহ্য করিবে, ততই ত্রিটিশ রাজ্য বন্ধমূল হইবে, লাভ নেপিয়র

(म प्रमण्ड् नट्ड्न । डीक्शंत मरकात क्षकांत्र मरनात्रक्षन कतिया भागन . य ত্তবসনা, "ভৌমরা আমাদিগের অর্থ আমরা যাহা মনে করি করিভে পা এটা সর্বাদ ভারতব্যীগদিগের ব পথে উদিত করিয়া শাসন করা এ অনেকের মত ; কিছু লাড নেপির कार्या (मधिता वाश इत, शताकि उपि তাঁহাদিলের হীনাবস্থা বিস্মৃত কর শাসন করাই ভাঁহার মতে শাসনব প্ৰস্তুত কৰ্ত্ব্য কৰ্ম। এই নিমিত্ত यमक्त अखाद करतन, खबरशा व মহেস্কৃতার প্রিচয় পাওয়াযায়। नर्राना नकन विषय क्रिक क्रिकार्या इ পারিতেছেন মা এটে; কিন্তু ভাঁহার ভারতব্যীয়দিগের ভক্তির উভরে রুদ্ধি হইতেছে 🕫

किष्ट्र पिन इरेल, लाउ नी এकটी উৎকৃষ্ট £। छात करियाছिए। তিনি ভারতব্যী গুলবপুমেণীকে বা াণরাবীদিবের চ অংশ বয়ক সংকোষনার্থ কারাপার অহাপান कर्द्धकार जाह अवतीम शवर्गमण्डे प मूखन दर्श / एकड़ निमिष्ठ ao लक्ष ब्राध्य करा अकात स्वाम करहम ना ; এবিময়ে অর্থের অসক্ষতির আ করিয়া প্রস্তাব অগ্রাহ্য করিয়ালে লাভ নেরিয়র ওলিমিত সাকাংস **छि** । तरकार्रात्व सिक्टे श्रेख निर এক্ষে অংগ্রাক্ত অপরাধীদি প্রায় বে এবিয়াত করিয়া ছাড়িয়া দে श्या । लाफ (निवित बटलन, अवीन मगर्णिय (य व्यवका अवर (का (शत **षाण्यम्मार**नद (स्थाकात मः चारह, जाहारक व्य वाक्किरक कर শाরীরিক দও দেওর। হয়, চির কা নিমিত ভাঁহার সমান বিন্ট হইরা: ৰালকগণের পক্ষে চির কালের নি ना इडेक, वस्कालभयान अहे व কে। সর ভাষোত নবকোত ইংর তর দিয়া বলিরাছেন, চির কালের নিমিত লক্ষ থাকে কিনা, ইহার অসুস্কান রা আবস্ধাক।

भौतिक मरकत विषय बरमभीत পের যে মত, তাহা সমাচারপত্তে র্যার প্রকাশিত হইয়াছে । কিন্ত ছঃ ति विवयं करे देशमञ्जीय के ईल के कथान त क्षक अन कुनरकाताविक रेडे াপীয়ের মতকে সমস্ত ভারতবনীয়ের চ **অণেক। গুরুতর ও অধিকতর অ**;স ोव कान करतन। मभ ८४७ व्यक्तिका ন ৰৎসর মেয়াদ খাটিতে অথবা र्वय व्यक्तिमाना मिएड क्षाञ्च छ, এक्रन रिका मर्थाई क स्टम अधिक। क्रक त भारोतिक ए७ स्टेटन रम बास्किटक দকাল ৰভমস্তক থাকিতে হয়, এ কথা সে ভারতবর্ষীয় বলিবেন। আইন रतत्र। अभागा प्रवस्तिनात्रकः स्टतन । ারাধীর চরিজনোবসংশোধন≷ দেওের দশ, বৈরনির্যাতন ও চিরকালের মত হেয় । অপমানিত করিয়া । बाइटनत डेक्न्ला नटर। किंड नाही मट्यु डेहाँ रे चाहेरनत्र डेरमभा हेहा ठभद्र कतिया सिटल्ट्ड। व्यामासिटनात মেণ্ট ইহা স্বীকার করেন না। ারা এ বিষয়ে আমাহিপের আংজ্ त्नित्र मः कात्र ७ ७ मधीहा क्ट्रन ইংলপ্তীয় কর্তৃপক্ষ আমাদি:গর মনো ভাৰও জানিতে পারেন নাই , গ্রণ শতক করিয়াছেন, প্রধানতম বিচা ব্ৰারম্ভার নিয়ম করিয়াছেন, তথাপি एके एवेश विविद्यवसाश्चिक भारी प्रथ (पन ना फोक्। (कान् वार्क्कि) ধার করিতে সংহদী হইবেন 🤊 এচে **वेख्**टद्राभीरव्रता ३৮७८ व्यक्तत्र ७

নর ৰক্ষন হইডে কাৰ্যতে মুকা।

😕 बर्मिय नार्वः, स्मनाम्हल 🗸 म्य

िनिहाद्य । क्षि अने जनकाकादमा । कक मिन शाकित्व ?

विश्व व्यक्ति स्वामानिकात वाववान् व्यक्ति कर्ति स्वामानिकात वाववान् व्यक्ति व्यक्ति स्वामानिकात व्यक्ति व्यक्

সীমান্তিত ব্যক্তা তগ্ৰ: রোমরাজ্যের খেবাবস্থার সমাটগণ ব্রাজাতি,দিগকে শমন করিতে অসমর্থ চন এবং অর্থবারা ভাহাদিগকে বদীভূত করিয়া নিরস্ত করিয়া রাখেন। ইহাতে डाहाता किছू पन नितृष्ठ इहेड बटहे, কিন্ত অর্থলোভ পুনর্বার বলবান হইত, এবং পুনর্বার আনহাচার করিত। পার (भारत कहें बनार्शनहें तो का नके करते। ত্রিটিশসিংর কোন যুক্তে পরাক্ষয় স্বীকার করেন নাই ৷ একপে প্রেচাপশালী হইয়াও ব্রিটিল প্রথ**মেণ্টকে** রোমক সম্রাটের নায় অৰ্থহারা সীমাস্থিত বনাদিগকে বশীভূত করিয়া রাখিতে হইতেছে, বন্গণ পালা অরের ন্যার নধ্যে মধ্যে मामाय व्यक्तिया मित्रा मिट्डटङ, शवर्गस्य है তাহালিগের দমনার্থ সৈন,ত্থেরণ করি .कट्टन। বন্যগণ সমুখ সংগ্রামে প্রা-ক্লিড ফইতেছে, কিন্তু ভাহারা স্থািপ্রার্থ না করিবামাত্র গ্রহণ্টেমণ্ট নির্ভ হইতে (इस । हेहारक कि कत इहेरक्टक ? श्रीका পীড় দেখিবামাত পর্বতীয়েরা প্রার্থনা করে; কিন্তু যেইমাত্র ব্রিটিশ टेमन जन शुक्तामामन करत. त्म इं कार्न हे व्यम् छ। महान्त्र भूतर्वात भूत्रेवर व्यक्ताः চার করিবার চেষ্টা পাল। ধনক্ষয়, देननाकश ७ नमत्त्र नमत्त्र श्वनतमत्केत्र

नकामका ७ व्हेश थारक। अ व्यवका

বনোরা ইটা, লর শ্সাশালী ≗ভি বে≌কার সভ্কুনয়নে দু করিত, শীমাভিত বনোরাও সেইও ভাঃভব্যের প্রতি দৃত্পিভ করি আগন্তক আক্রমণকারীর সংস্কৃত চির বাল ভারতবর্ব লুঠ করিয়াইছ काल पासामिटशत व निक्शन सर्ग য়াতে বাণিক্ষা করিবার পথ মুক্ত ক নিমিন্ত বন:দিগকে কর দিয়াছেন। গ্ৰণ্মেণ্টের অধীনে ভাকা হয় না लटखत हाहेलखाटत्रत त्यक्त सूर्व • तिहा क्रवकद् ि अवलवन कृतिः অলম ইসকলায়ী ও সোয়াড়ীও সে**রণ** করিতে অনি**ক**়। পরস্বনু**ও**ন দিপের কুলকেম:গত ব্যবসায়। রি श . र्गटमन्छे छाहा वस्त्र करियाट्स । গেঁড়া মুদলমান, দগের ধর্ম পু धरकत मण्लूर्व दिस्टाथी। उहे वि কারণে শতকভা ঘটি নাছে। যে সেং ংমের নাম করিয়া শত শত বন্ধের তব্ধের আক্রমণে প্রকৃতিবিধান ক প:রেন। অনেকের পক্তে পর্ম আন অর্গলেভ আক্রমণগ্রন্থর ও ধান ব য়। **ইহায়া খেক্ছাপূর্বক ভায়তব্দী** য় মেন্টের স্থিত গৌকাল্য করিবে, ভাংগ

বনাজাতিদিগকে নিংশেষিত

হউক, আমরা এমন নিঠার প্রার্থ
করিতেতি না কিছু তাহার বাহার
আর অভাচার করিতে না পারে ও
করা নিভান্ত আবনাস। পিজুব ও
পারে আর সামাজা করি করা আম পোরে আর সামাজা করি করা আম পোরে আর সামাজা করি করা আম পোর অভিমত নহে। সীতানা, সোল প্রত্তি তান লাগন করিতে পিরা ও ভ্রতি তান লাগন করিতে পিরা ও ভ্রতি তান লাগন করিতে পিরা ও ভ্রতি আন বিজ্ঞত ও বিশাস্থ ক বিধ্যে নয়। ভাবে কি উপায়ে ব দিগকে দমনে রাখা হইবে, ক্ষণ্ক প্রস্থা এই। আমরা পুর্বের কহিরাছিল প্রস্থা এই। আমরা পুর্বের কহিরাছিল । স্বামীৰ নিয়ার স্বালি খাঁ। ত্রিটিশ মক্টের সহিত ধৌহাদাবজানে সাভি মুৎস্কুক হউয়াছেন, তাঁহার অভি नूर्व कहा व्यवभ कर्छदाः भारतमाव 👣 দৌক্ত মহমদ্ধী যে সংগ্ৰ ভন, রুশ য়ার বিরুদ্ধে দেই সাহায় দিয়ার আংলির দৃহিত আরে এক वस्य कवा कर्डवा ! लिखा विमिन्नटक होत समन कता रूप्त. (गर्डे अर्डात ারের ও ভারতবর্ষের বৈনাগণ এক ক্রিয়া প্রভোক বন্য ক্রাভিকে আবক क्रकः। त्रोशिष्ट्तः व्यार्थुस्कतः **मम्**भ (লাকদিগকে বৰীভূত করিয়া তবর্ষে আনিয়ন করা হউক। হিন্দু क्तिप्रदेक मण्लूर्गद्वरण क्या कतिहा **उदार्घ अछ।। प्रमन कतिवात भास्त्र।** क्षा रुडेक । इंशानिर्भित स्ट्रेट अण्य के इहेरफर्छ ना। धारकाक काहिरत ক্ষিত করিয়া আমীরের অধীনস্থ কং **দ। এই একারে ঘারতী**র বন **कटक नाग्नकहोन क**डिया व्यामीटडः **র সমর্পণ করিলে আ**ং উাদ্র क्टब ना। अवेद्धाः कतिरम्बरमात ম লুঠনপ্রহাক্তিপরিভাগে করিয়া কাষ <mark>ায়ে মনোনিবেশ</mark> কবিৰে। জুই বংগর इ ५०,००० रेमना (इर्ड व्यापका कर .अ. ६०,००० टेननाचाडा कार्यः मण्यन । অভিশয় অবেশকে।

शक्षांगाळी । अ अध्यक्ष माहस्राना সুকার:

.

লাভিপাত কর "এই ব'কোর সাথকিও, পাদনার্ড অকর মনে অকুলাল সরকার 🖡 ক্তরী শিক্ষা করেন নটো যখন 💆 হার 🖟 নে, ''ডাজানী শিবিনোযদি আমা হ**ইতে**ী ক্লের হথার মখান চইৰে। দশের কিছু উপকার হয়, এই নিমিত্ত

অ'মি শিখিতেছি৷" ভাঁহার এক্ষণকার कागातादा स्माधे अधीगमान इरेएटए. ুনি সেই পূর্মনোরধটী বিশাত হন নাই। চিকিৎসাক,যে ই বে হিটেছবিভার পরিচয় গাও ৷ বাইতেছে একপ নছে ডিনি অগাল অব মেডিলিন নামে যে পত প্রচার ক্রিতে আরম্ভ করিয়াছেন, ভাছারাও 'কাল'র স্থিদেয় প্রিচয় **হইতেছে**। ঠ হার পত্রধানি কেবল ছিকিৎসাসংক্রাস্ত বিষয়লইয়াপরিপুরিত করা ছর না किसि मर्था मर्था अ रमर्भन चाहात वान-কার'দি বিষয় লইয়া ভাছার দোষ গুণ বর্ল করিয়া থাকেন। হিস্ফুরা যা কিছু क्रिशिट्सन, ८५ त्रमुमाय्**हे सम्म, एर मट**स्य এই প্রকার সংক্ষার, তিনি ভৎপ্রবিষ্ট নতেন। সমাজ সংস্কার দর্শনোৎসুক দিতেখী বাজিকরাসচরচের যেকপে হইয়া থাকেন, মহেন্দ্ৰাৰু সেইৰূপ লোক। নেভিসিন জ্বণালের অফীন সংখ্যায় কিনি নদাধানা প্রসংখ হিস্তু শাস্ত্রোক্ত বচন উদ্ভ করিয়া উচার যে ৩০ দোষ নিচার করিয়াছেন, ভদ্মারা ভাষা সঞ ান কইতেছে। লোকে বৃদ্ধ পিতা নাজাকে গৰার হত্যা করিতে লইয়া যায়, কিনি একথা বলেন না। তিনি বলেন, আনেক স্থলে গলাযাতার বিহশ্য উপকার দর্শে, ডিনি স্বয়ং তাহা পরীকা করিল দেখি। চেন। ইছার যে দেখে আছে, তিনি ওছ্রেখেও বির্থ হন নাই। किनि यदनभी तिमिश्वादक छैश्रीत मः दर्भाधन ियर सम्बद्ध व क्येटक **चन्द्र**स्थ कतिश " পান ও ভৌজন কর এবং আন্টেন । ছন। আমাদিলের সমাইজর এফটে। যে कुल व्यवसा ७:इ:८७ वहे स्थलाली व्यवल मृत्रहे व्यादमाक । या विषद्शव দেবে অংছে ভাষা এককালে পরিভাগে हक्ता उरकारत बक निम कथा अन्य मा कतिया उर्मर माध्म हास्का भाउयाह নি এই অভিহার প্রকাশ ক্রিয়াছি- 🖟কর্ত্ত্যা ভাষা হইলেই সামাদিগের সমা

ভ মহারাভ সিকিয়া।

রাজার যুদ্ধাদি আপেণ্উপক্রি হইলে প্রফা **অনুরক্ত** কি না তাহা ষেমন পরিচর হয়, প্রকারে বিপান<u>ু হ</u>ইটো রাজা শ্রেজার প্রতি শ্লেহবান কি না ডা রও তেমৰি পরিচয় হইয়াধ,কো বি मक्लके करनत निकयम्बन । एव ता প্রজাকে বিপদাপন্ন দেখিরা ত হার উদ্ব (हरी भा भान, जिमि ब्राक्श परमव (य নতেন। আনের। প্রভার বিপান্কার व्राकारक डेमामीन मिश्रित स्वाप विष्ठ हरे, ताकारक श्रकात विशृक् চে া পাইতে দেখিলে সেইৰূপ আন্নি হইয়া থাকি। মহারাজ সি জ্বামারাং ছুর্ডিকপ্রাছ্ডার দর্শন করিয়া প্রজারক य डेलाव व्यवसद्य कडिटक्ट्य, ड:हा रकवल व्यामापिरशंत्र काःानः नि क्रहेबाटक अक्र नटक, करा परनट শিক্ষার আদর্শ স্বরূপ হটেছ। পাঠালা গোচল**র্থ আমরা তাঁহা**র াম্বরা প্র অনুবাদ উদ্ভ করিয়া দিনাম।

" ua वरमञ्जूषा स्वाद्य क्रिक्टिक स्वाद्य स्वाद्य स्वाद्य स्वाद्य स्वाद्य स्वाद्य स्वाद्य स्वाद्य स्वाद्य स्वाद নাই এবা দেশে ছডিক উপক্তি হইরা এমপ সংবাদ গাখনা পেল; জনেক গৃহভ্যাগ করিয়া পলায়ৰ করিছে अव्यक्तित्वत अवात्रन त्रांटकात शाक व्य বিপদজনক ৰ সিঙে হইবে: লোকে বাস ভাগিকরাডে পজীথাৰণকৰ সূৰ্ তেছে: অলভাবে লোকে চৌৰ্যাদি ছ नक्टक देश्यत् इ.१८ इष्ट् त्रोटकाः । বকণ দক্ষাৰণ বৃদ্ধি হইডেছে। 🗪 মহারাজ শিক্ষিয়া এই বিপাতির সমরে দিগের সংহাবের নিমিক এমন অসং উপায় ও সতৰ্কতা অবলঘ্ন করিবেন করিয়াছেন, যাহা হইতে ভালারা এই মন্ত্রে প্রায়ুলাক করিতে পার क्षम् नादत्र माधात्रात्रत्र विश्लिषकः

দার, পাটে রার, ক্ষমীদার, চৌধুরী এ অবস্থতির নিমিক্ত বিচ্চাপন করে৷ বাই বে, বর্তমান ছুর্ডিকের সময়ে প্রাক্রা ষ্ট্রপ্রের রিবিভ এবং ভারাধিপের হোৰ ৰূপ পীডাপীডি না হয়, এ**নি**মিড গ্ৰণ্মেন্টের প্রাণ্য ব্রাঞ্থের প্রথম কিন্তি বেলাই দেওরা গেল।

আরও বিজ্ঞাপর করা বাইতেছে .ব. এই অফেরতার সময়ে আদাকতের অবী এডা খীর স্কাদের সম্মাদির খর্চা হাবে অধিক গ্রহণ করা যাইবে না। নিষ্ঠাক্ত আবশাক ভিল্ল অন্ৰশাক বায় কাহার≎ যেন না # F

याहाएड धाकाता च च आहम अन्न के া শাইয়া বুশলে এবং বিক্লণাল্ভৰে পাশিতে ারে, এট্রমিড গ্রানের জনিরা অভ্তি প্রধান লোকেরা বিশেষ বছু পাইবেন ৷ এড দৰ্ঘ ধাৰা ৰায় হ'ইৰে ভাৰা ভাৰারা রাজকীয় ধন্গার চইতে আপ্ত কইবেন। ভাঁকার। নি: য প্রজ, দিগকে কীবিক: প্রদানে কার্পণা ক্রিবেন না যদি ভাছাদের নিকট অর্থ বাঙ খাকে _াহারা কাক মহাজনের নিকট ঋণ করিরা এ কার্য্য সমাধা করিবেল। যত দিন গ্রণ্মেণ্ট সর্কারি কার্যা বিস্তার করিয়৹ অথবা অন্য প্রভারে দরিজ প্রজীধিগের জীব নো ায়ের কোন বিশেষ উপায় না করিতে (इस, उर जिन उंशवि उंक शक्षः **जनमदनी**त ব্লেটেড একারা আহারাভাব দেশ টেড অংনাত প্লারন নাকরে এ বিধরে সত্কতা অবলব্দ আ শাক ৷ ওলিনিভ রুভোর সীমা€ এ সময়ে সভক্≼পে রঞ্গীয় : এভলিমিত মাহা অতিরিক্ত ব্যর ইবে তাঞ; রাজকোষ হউতে ? দান করা যাউদে .

এই খোৰণার অন্তস্তে কড়দুর কার্য্য চৰ, ভবিষয়ে গ্ৰণ্মেন্ট প্ৰং শতক্তঃ বাৰি (ৰন, ম**হারাজে**র বংশপরিক্সরোয় কে**ক**প এজার#নরুতিও বদাব্যতার আংদর আংছে ় লহারাজ্ঞ সময়ে ডাঙা অন্ন্য করিছে क्रके कदिर न नः। मणादाक अ.वराध दारका প্রধান ও সম্ভ্রান্ত কর্মচানী এবং ভ্রমানীদিনের উপর বিশাস পূর্মক অধিক সিভর ক'লেন : হা প্তিভঃ রিপৎ এতিকারে উটোল না সকলেই **अक्ष**रतेष मधि ३ ८५**३।** कवि दन : ३

लेक्स शु€र ७ ५ और. .

मूर्यःशिक्षांत चशिकाकत इरम देशत প্রথমন কর্মাছেন। এফুকার বিজ্ঞাপন খনে লি ব্যাছেন ' অমিটাকর ছক वर्षत्र घटनदक्त थाक्षेत्रिकत् साहह, তংহাতে অংৰার প্রস্কার কবিত্মান্তি रीतः " "अधिकां का क्या अदार दत अकी ভিকর " এবাকাটী থেমন স্বরূপবাচক হইয়াছে, " প্রস্থকার কবিস্থা,জিন্দীন স এ ব্যক্তি সেত্রপ হয় নাই। আমরা এই अरख्त वर चेटल अध्कारतत कविचन জিলর পরিচয় পাইয়া ঐীতিলাভ লাম। পাঠকগণের প্রীক্ত থ কবিছা এছলে উদ্ধৃত হইল।

'' (हन देवाउपट्राम, काला सूमि सम अफ হাবেশি পাওবারজ, ডালিবাল্ছ, वीधिका कुणित, असि विष्यापन्ते, विकास (कश्वित) काल मैंश छार्य हाथ ংকস মাগ্য তথা, স্থাপদ প্রকৃতী ছু"≯ ৰ,জন ক(ব তুগৰ মারও : रक्षकी वे वया. व्याप्त अभिना भारत्य सिविष् कार्याः अटब कविद्रा मृह्यः। (भाषितः हैश्य मूर्ति अस्य महत्राह क्क ख्रेमांब्रहे, काहाइना कान मुन मिट्टे काल' भरत, किया (संब- क्रेक क'र्यः

২। বিক্ষুপুরাণ, কিন্তায় থও। ইহা তেও প্রথম খণ্ডের ন্যার উৎকৃষ্ট বাস লা অনুবাদ ও জীধর স্থামিকত টাক। আছে।

💌। বোধবিকাশিনী। এথানি অর্ছ मानि । পত্রিকা। ইহাতে ঈশ্রস্থার ভূমি। কা, সুলিকা, বিজ্ঞান ঘটিক প্রায়োজ্য ও : জড়পদাবেধর স্থাপ এই কয়টা বিষয় স্মিৰেশিক দুষ্ট চুচল

৪। উত্তর প ড়া মা.সক প্রিক সংখ্যা। क्रमभः वृद्धः खेरक्ष स्वीकृत्व व्हेत्वरहः ।

> ·--- : c : · · 2131

५ म्हेरिटीलंडले इ. टेल किया

W 5

পুৰু ভূপী প্ৰিকাষ প্ৰিক্স ৰ শিক্ষা ১ । পার্থক বিলেগে অগাত অভিন প্রধানী পর্বদেন্ট ও ইংরেছাদি ভিন

🕶 जन अनाती, बाह्, 🕱 गर्नत पूर्व लागि विवद्ग निविध स्टेब्राइ । बा স্তিকা বের প্রথার বর্ণন করা বাইতেছে

यथारम ्थक शास ख शृथक शृहर अत्र ष्ट्रेवात ७ क्य सार्टम असामिकारम करम्ब দিবৰ আৰম্ভ থাকিবার এবং অন্যান্য ক্তি शत निहम ६.टिशालामत अथा कार्माल আছে কোন্সমরে এই এখা এচলিং হটতে আরম্ভ হইয়াছে, তাহা বলিতে পায় বার না: িছ হোগাটিবে পুরাতন ভাক বিলক্ষণ অনুমান হইতেছে: বেন মা প্র · इत्राम् क्राम केक अधासुनात्त्र कार्या स আনিতেছে দেখিতে পাওয়াবার। এখাট वष्ट व्यारम छेरकूडी। अधनवनवरत्र ७ आनवारः अञ्चितिकात भन्नीत स्टेट्ड नक्तमः (भारी গদি নিগতি , এইতে থাকে বলিয়া তা গা গকে ভিন খাৰে ও ভিন গুছে বাস করাইছে ्य। शर्कः महिनाटस्य नाना कात्रः व **ए**श्रासिटश পরীরের অভ্যস্তরত্ব যন্ত্রসকল বিশৃত্বল ভাব ल्ब **७ जा**ष **२**. हा शहरू । छ ४: ११ छ हरा गटक किछु निवन अक दारन आवस हार वर्षका । व वमात्र भंदीव्रधाननः कविद्या वर् রিমিত শোণিওপাটের স্কার্যা হাকে अवस्तिको (सरमञ्जूष) अवस्ति । (बमनायुक्त, ध्वाम । कुर्वाम वतः । अहे कर ভাৰাজিগকে উফা উহৰ ্ঝাল ভাগ, ল ৰ বলকর আহার দিবার প্রথা আছে, কিং **অত্তর আধ্বিক লোকের। অভ্**টো, ব व्यालकावचरः (कः: वातवादक)च्यात्र 🗗 প্ৰথাকে নিজাও কংলা এবং সালিও কৰিব জুলিরাছেন । এংনকার লোকের। শরী 表挥[6][內[4][外] [日本本][4月][日 山南町 田田[日]

কুটার অপেকাও নির্ভেরণে বিশ্বাল করিব 公[[在所: (約7年前 唱.所 吸气:光度 侧侧强管 城市 ,ৰ পুৰস্থালি কাজিন কালেনত ভৌৱেল দুখাৰ ।मास्म करत साहे, कांद्र उन्हांस कारण গুৰ্ভাল বিশ্বিত কয় অধিকাশ্প জান্ত্ৰ भीत्य आह हाति भी। । दास ७ कमा यु दा ্ত কান্ত । ভাকার মেনে প্রকৃত 🖦 क्षण (ब्रिक्ट ऐक्ट क्षेत्र, था.स्ट) **व्याप्त** रः নু , ধ কৰে। জীযুক্ত বাৰু কালিদ,স কাতীয় ৰণি কগণের কাৰ্যালয়ের ক্ষোপ্রৰা, ক্রিকাতুক্যর ছেড্সাল্লৰ ভাত

ગુવલ

সাবিকেল বা ভাল প্রান্থবো ও গেরা সেগুলিকে এ একারে ; ক'ড়া হর হে, ৰাজু গলসাগনন ও 🕶 🛎 বেশ করিছে পাল্লেল। 🛎 দেশী (কৌৰিন্যায় ৰে কিকাশ পার্জনী ভাষা স্ভি ও সৰ্প্ৰত বাসক ৰাজিকা-कामन शांबरमञ्जू ीिंड नीप्ट दरियदम्ह ল **অসুভ্**ব কইটে পারে। এই খানেই র নিজাবিজ লিভবারিজাওনের পরি হান করিছ গাঁকেন। নৰ প্রস্তিকা ল করেনী কাসানী শ্রন্থার, শ্রা আশন ৰসনাদি বিষয়ে কৃষ্টেলিগের কা বর্ঞ উহাদিতেরে কিছু অধিক । ८मचा बाह्र । कटब्रिमिटशह्र (भारवह ধিৰা(সুণাৰে মেরাদের স্থানাধিকা : भारक : किन्छ है कारमज़ स्वत्रादमज काम বাবে নির্দ্ধারিত করা আছে। সে এক শ্ল চিরত্ব দী মধ্যেবন্ত, অধিকাংশ প্রস্থি s এখার এক মান কাল কংগদির অবস্থার চতে হয়: ইছাদিখের আহাতের ব্যবস্থা <u>:</u> চসংক্রি: এক বেলা এক মৃতি কর , छेल्दब्राउ (मार्ट क्ला) साहित्स्य (देन) বাংগে কটিটিটে 👫 : শ্ৰ): একপ ন্য বে, ভাছার কথা লিখিতেও ঘূণা 👫 : য়ের। আন্সংস্র বিশেষ বশীভূত। কোন ৰে চ্ছ তৎপথ লঙেম: প্ৰসংৰয় **অভি পদ্** বস পুৰেষ্ট ৰা ভলভি বসংখ প্ৰসৰ পুৰুত্ব 🖠 ড় আম,৯২৭ ক িয়াখ!কেন⊹ সুভবাং ক†ড म लात्र 'कः अञ्च । उक् चार्क कारतेत्

বালক বাজিকাদিণের গলসংখ্য এবল চির গ্রহর পড়েন। কিছু অত্রত্য সূতিকা করির। তাহাদিগকে পীড়িত করির। তুলে। গৃহের প্রথার বে পরিবর্ষ হয় একণ সন্তঃ প্রস্তিধিগের তুরবস্থায় কথা অধিক কি বনা বেখি না। এখানভার অভিকাংন ৰলিৰ, তাৰাদিগকে অপ্ৰচি জানে কেই স্পাৰ্শ লোকেই অণিক্ষিত: স্তরা ভাৰারা সকল পর্যন্ত করে না। একটা নীচজাতীর জীলোক বিধরেই আনভিত্ত । অভি অরস ব্যস্ত উহাবিসের সেবা স্কাষা করিয়া থাকে ₁ুঁবে স্লিকিড থলাক আছেন, ভাঁহারাও অস্তিদিপের যে ছুর্দশা, শিশুদিশেরও েই আশিনিতনিশের দলে পড়িয়া নারা বাইতে ছুৰ্দ্দা দেখা ৰায় : সম্প্ৰতি ফুটন একটি নত এচ'লত হটগাছে। ইহাকে হরির লুঠ বলে। ইহার নিয়ম অভি বিশারকর। এসবাজে এফুতিহিপকে ও সদাঃ প্রসূত বালক বালি কাদিপকে সাম করিতে হয়। বিশেষ কোন নি, মই নাট, ৰথেফ্টোরী বলিলেও অভুটজি হয় না। আনেক ধাজীবিদ্যাবিং পণি ত বলি য়াছেন, যে গুলে নিৰ্মল বারু পমৰাপমন ও আলোক ৫ বেশ করি ৷ থাকে ও ৰাষার সেজে ৩ছ এসত গৃহট ⊄াফৃডি ধুৰা ক বালিকাধিপের বাদের উপযুক্ত, তাহাছি (খব খন্নার্থে পরিকার পরিকান ও ফুকোনল শ্ব্যা দেকরা বিবের। পরিকার পরিক্রণ পরি ধান কয়ান আবশাক , অসবাত্তে কএক দিবস (चंद्र क)रव शक ऋ'रन भावक द्रावा कर्खवा। লঘুও পৃষ্টিজনক আহার দেওয়া উচিত लघु भ ेक बद्धानियात्र। निक्किटणत् गाळ টাছেডি; মাজুন বা চটা একটাছেডি: সকানা আয়ুত রাখা আবশ্যক। ভাতাদিগকে লসংপ্রিকৃ: । কণ্ট নাট অনগোন চুগি এবং গনত তুক পান করান করিবা। ! ও সলিব ব্ৰণ ।। কাইকওলি ছিলিয়ে বলেন যদি এই নিয়মের ব্যক্তিকণ ড়া কালি মত্ব সু'ল টুড় ঘট, ডালাকইলে এস্ডি**ও** শি**ও**সংশ্র : ও :র প্রধানন্ত্র ান: যুর শেরতিরর বিশেষ্ডঃ জীবনের সকে ব্যাঘাত বল্ল করিবার কেন। ভন্তির গালকে ঘটিকে পারে। কোন বিজ্ঞা পণ্ডিত প্রতিশ্ব বংস্থন কৰি ব ও ও : জন্ত হয় বিধানিক আহাবিধান বিষয়ক পুতকে नरीप्तानि करुरा कर नाम ही माख कि वहा शिहारहम रव. अक नमरह कथन मन ুক মাল ৰ ল, চুণ বেসা গুই শ্রা ধাইতে বৃদ্ স্তিকাগারের দোষ থাকাতে আতি বুং ভাপ বিধাৰ থকা সুংখ্যাগায়ে এক বা ছুটা_। সর তথার য**ত**্বালক ভূমিট হইড, তাহার বর; আন গুকুও ১৯ "লা'লার করা হয় এবে : আন শিকাংশই ব্যসলনের আভিপি কইলে ; আর বাহার। জীবিত থাকিও, ভাহারা আয় চির্ক্র হট্রা থাকিছ। অসুভিনিগেরও উল্ল र्बल कुर्कर। यद्भिः चटकर करम्भीत्र ध्रष्ट्राष्ट ও শিশুগণের .য সাম্ভিস ক্ট্রে, বিচিত কি : ৰবানকার স্টিকাগুছের এবার, লাবে अधिकम वा निच 📽 धर्में 🛎 अनदशृंदि है ন গুৰুটা প্ৰিপুট্ৰসংখ্য ইছাতে প্ৰস্থৃতি क्षीवनविश्वक्रम कृतिहा शहकत् । जहन्ति है

ছেন : দেশের সু এখাজোত শিকাবীধ ভিন ক্ষাৰ্ইতে পারে বাঃ দেই শিকাভার গ্র্ণ (म छे अ दक्षेत्र धनागुनित्भत अधित विकेत করে: মন্তাবলৈ প্রজাবৎসল গ্রহণ্মেট व्यापन कर्या कर्मा अक धकाव निर्काह कर्त्र তেছেন। দেশীর ভাগাধান বাজিরা হ'ড গুটাইর: ব সরা আছেল। তাঁহার: অলীক 👁 चनर्थक चारमांशांपिटङ ७ विक निक है खिन्न সেবাতে অভিবংসর বে রালি রালি অর্থ ব্যর করিয়াথাকেল বলি ভাষার ভর ৯.৩খ माज विमानिकार्थे ଓ म्हलम श्रीवृद्धिमापन स्रमा अवास करतम, कामा बहेरन करम्ब খ্ৰান্ত স্থাতা দেশের সহিত্যকল বিষয়ে সমকক হ'ইতে পারে। ---:•:----

विविधमः बाम । s के का कि लामवात ।

चामका इः चक रहेवा अकान कति। कि ষাব্রভাঙ্গার রাজার সম্পত্তির ভবাবধায়ক জের क्ष्रमा नारहर हेंदनर अधारेवात नगरम अधार ভাগে করিয়াছেন: কালঙ সাহেব নীলব াদ্রগের মধ্যে ধার্ম্মক ছেলেন। নীল কামসংস পরু ভিনি নি*ল খণার পারভাগে। কবিয়া ইন্য উল্লেকসিদনৰ হন। অন্তর তিনি হারভাঞ্ श्रमम करतम , बेह्द यक्त कुळ्लूकी लोकाद व शिक्रा श्राप्त ७० लक्ष होता व्यक्तिप्राह्म । क्यु সাহের কুষকলিলের বর্ধার্থ মিত্র ছিলেম। ভাঁট ছেটায় বেহারের নীলকর্মিগের সহিত কুম क्रितात भूमधीत औशका स्रेताका अध्य नम् स्वाबिक त्यांक व्यक्ति व्यक्ति स्वाबिक विकास ात्रक्रमःत द्रामात प्राटनक क्रुविधा कतिहा निवा এটে ় কিন্ত এখন ৩ অনেক অপবংশু আহ ভাষার নিবারণ হইলে আরো অধিক ট

मक्षत्र रहेटक शास्त्र । ইভিয়ান প্ৰলিক ওপিনিয়ন অৰ্গত হ ছেন, গ্ৰহণির জেনরল ও প্রথান লেনাং পীপ্র পেরোয়ারে গমন করিবেন। তথার স ংকরিতে আসিবেন : ভারভবুরীয় াগবর্গ । भूति शुक्रवी/७३ (४ **५,३४% स्ट्**याट). विभिन्न देशका का का का दिवस ।

SS #116# 3298

রাঞ্জ সৈর্ভিয়। ছুর্জিক নীড়িড প্রজাধিণকে न कविद्याहरू । अयुश्रदेश साम् । भरत ३

क्रिक्ष भिरादक के सम्बन्धि अध्यान बनमाप विजय में क्षेत्र कार्ट्यहरून।

। श्रामानिक लाकपूर्विक्रियाम, सावर ाल करानुदक्षकृषि स्थादन विस्त्रभाव स्^{र्} হয় ন∶ই :

निती सक्ता अना कि के शाहरी व इ (य (मक्य को है है बहुनिक्क) यमूनात मधा গরুর গাড়ী ষাইডেছে 🎉

द्र कारत के संख्यात व्यक्ति नवकराश कंद्राहक ইয়ের বিশ্ববিদ্যালয়ের মহাগত। কুজজাত। রে উচ্চার মহৎ কার্যঃ স্বীকার করিয়াছেন। ইয়ের কুড বদ্যমণ্ডলী ভারতের এক আভ পত अक्षान करियाद्वन । देशत शहाबः त्र बार्टकणशाद आके बारकन करिया १८ इ.स. - अवर्गरम के कॉन्टक महस्राती हा*य* मंक कहा seie होना (तमान्टनर ख याष्ट्र करहत, कशि**रक लिक**'क'र्र्यात র এক টাকামাত্র বিভেত্তের : এটা অসু

कर समा महरू । 's गॅमवन कलिक'दात **कलिमें(**गेव् ব্যঃ হয় সভাপতির প্রস্থাবাস্থ্যারে পুন বারীর কর শাভকরা ১০ টাকা নির্দ্ধরিক ভে:৬৮ স'তেখ আয়ের**ভি**র বিশ্রে **বের**ণ ন ব্যয় সংক্ষেত্পর বিষয়ে প্র**রপ নহেন** । न्यक्र**काकीय अक्र युवकी क्षी स**्थित**ाटक**ः গ্ৰহার নেজটে পত্র লিখিয়া উল্লেখ সহিত ∌প্রাসিনী ভ্রয়'ছেন' ওরেলসীর সভ্রেদা वक शुरुत वृष्ठ अक श्राज्याता स्थानावेषारहर ेज प्रकृतिक । असी हिटिलाक मिट्नात पासी রুকা, এই নিমিত পুক্ষ প্রতাব না ता चीरनारकतः निरुक्त । स्वारहत **अका**त 5.55美型

कात्रकत्रकोत्र कावनीय है सर्वे अन्तर कुछ्यू है। ta (लालमीत क्यारवड अञ्चलकान कतारक क्षीत्र मरवात्रभञ्जमत् भगत्याय सकाम क्षार्ट्सम् । त्यस्यक्षं क्षेत्राच्या ,वर्ट्यतं मारम् ३० । ধর্চ কি.খিড আছে। কিছু মেজর বেল কল পুস্তাক প্রকালিত করিয়াছিলেন, ভাষা

क काजरात जिल्हा कर है। का गरेताहित्नन, ঞ্র পরিজ্ঞানের পুরস্কারশারশ লব । বাই।

व्यानि चौ। शवर्षत्र (क्षमत्रत्मत्र शक्षि । शास्त्रा मर्थ्यरम्गतेत शत्क व्यक्तिमत्र शक्काकत् ।

शवर्गामुक्ते व्यवशास स्वेद्वाद्यमा, व्यवस्थित ক্ষােশ্যার কোন কোন কর্মনারী নক্ষর লইয়া मे: देवन । ब्रांबन्द्रायादारम्य (दिनिटक है अ अटना भारते त्यानाम कमिन्नतं अहे जामहाश्च चावशायक सिवादनार्थ अक अक्ष शतुक्रमाध्य कविद्वारहर । বৈ নক কৰ্মচাবিগৰ ও বিশ্বৰ বৃহিত্বত প্ৰণালী शांकिटक अरेनक्स यहवेशात शहेद्ध्य मे।

वाबु धनमञ्ज्ञात कीक्रू इत । शतिवार वनतान . भूरण्य प्राक्षा मिथि क्या जिरु । काश्व करवी ग्र वाय द्रांत्र ग्रंकात्र ग्रंका स्टेड्रॉट्स्म ।

कनिकाणात विश्वितिनाम त्रमश्रवा वाखात्र निरम कादवते द्वाइ। (मेनद्रा वहरकरक्र । वियोग्न कर्म इमारकत्र सानविष्त्राधनका (नवारम नावधान २७३१) व्यक्तित्र व्यावभाकः।

অমৃত ৰাজার পঞ্জিকা বলেন, ''সংগ্রাভি নতু৷ हेन वायुनिर्भन्न अक्षेत्र इंड्रेंच केंद्रेय किन्धि है है। हि कालिया पश्चिमाटक विसे हो सभीत नीटह साह বাল ভোজন ইক্টালি লেওরা চটড ৷ যে সময় হালনীটা ভালিয়া পড়ে, তখন হারার পালে ৬ क्रम बार्क्सन क्षित्रक कतिएक छन । अन्तिकत्रक s कर (रोक्सिं) करम ही मनी कुल्मनानी रहेटक না হইকে পলায়ন করে। অপর ফিন ক্রের মধে soin with the the time am the श्रेषारक । प्यात्र अक स्थम देवे छाना माजुना शानकाण कतिशादक । अहे गरश नकारन आध হ'কার আমলা উপস্থিত ৷ সৌভাগাক্রমে ভারণ (नद (क्ष्म् बार्टन महे क्रेन नाहे : अक्र क्षन आधन: क्ट्रे प्रजीति हासून क्षेत्राम नद्रमा किनि र गरमन, यथन इंश्विही छ मता भएक, ऋचन करप्रकी कामान जेकिन दिल एक्श नक হরু সেইরূপ গড় গড় করিয়া একটী ভয়ানত मक ब्रेन अवर फाउ भाग प्रतिहा में हिएए। अक बाद्य प्राथकात्रमञ्ज कहिन्ना । एकनिल ভাবং কোটা ভলি ক'পোরা উঠিল বেলানে র্চালনীটি ভালের। পড়িরাকে, বেগান কইডে ডিকোকীভেবর নংগ। अधन श्रेष्ठी 🕊 भड़ी अंक व कित इहेर १८८६ । अहे । श्रक्षार व वाहु ८५ रम क हर 🥫 वाहु वाहु वाहु क्षत्रा करन्त्व कालका किरिकट्टन, रह क कि प्रश्व क निविद्रा अस्ति है। है कि है। है है आरता माञ्चन हाना निक्का मतिशाटक। चानुरमत्र निष्ठांच । वानुरमत्र निष्ठांच । त्या विकास । त्या माञ्चन । त्या । त्या । त्या माञ्चन । त्या আরু ক্ষেত্রতি পুরাধ কোটা আছে। আমরা বিরুদ্ধের নিধানে ছটা গ্রুৎ পুর্কারণী হইতেরে चक्रदाध कति, श्राक्ष किंदुक्ष माद्य किंदि होता कार्या कथाय मित्र विकास करिया चय

क्षप्रात्तपृष्ठ यरमन, '' मध्यपि अधारन अक्षी . বক্রেছনীয় ঘটনা হইয়া পিয়াছে। এক জন ্প্রধান কেরানী বাবু গ্রপ্তবাও। ইংল্ कुषक अक शांकी अब अहेदा वाकार्य विक्रम कुछ " आमामिशाय शहेम । वारमव অরিভে আইলে। সমস্ত দিনে তিণু টাকার পমা নামক পুস্তক মধারাজীয় ভাষায় অ

कारात देशव महक निर्वा वाजिएक मिला (फक्षिम् : देखिनारेश्ड अक् स्नन मक्का फार्शक कार्यमध्यात कतिया भूगायन যেমন গৈ এই কাও করিয়া পলায়ন ক मध्न (गर्भाजी श्रेटक निकश्यकी आहे ধানি গাড়ীতে প্রিফ হওয়ায় গাড়বান 🗆 कात कृतिया खेटके । भू नाम देशाय किन्नुहै अ काम कटरन नाक्षा कामवा कार्यक शह श्राज्यकारम प्रदेशकरम केनक्कि स्हेम शाम, इन्छ वान्तिम श्रामात्र प्रेक्षः प्रश्नमात्र गरमञ्ज वारहा

" काञ्चिकार्त संस्कृति भागा सिविद्याः । वासक ग्रंटर क्षांज्ञात्रमनः कत्निटळक्षित्रः निर्दे क छन मञ्चा खोशांत नाशिकारम्बन व मनकात्राप्ति कावित्रा नरेशास्त्रा । a के। कं 'सिक महानदाता

चारमध्य मध्य बाह्य, मानीत्नात अरहेर्भभ तहेर्भ कार मध्यम् मा । किन्नु म् कर १४ मिक मालिएक मालक्ष मार्ट्स (काष्णानित बहे व्यवदार्थ se. हेरका सहि şিরার্ডন চকিছ কুক ফোল্যানির **স্থানী** ्ष्यान अदिमामात्र है। । आनात्र अतिएव (म श्रञ्ज इरेड्रा श्रञ्जाभमम कतिश्राद्य । वि स्थानकत इंडिट्यांभी जिल्हा व वा आह tei miele mentigi

हे छत्राम ভোলনিউস अध्यक्ष इहेन् त ह नश्चरहत अर ता खिए ह छात्रम्युर्व ही वाल्लीय सकटके माका व्यागिया काञ्च भाषास्त्र आक्ष इंडेब्राइडन । भून एउ इत ख्रत कान काम्रुवकः स्वद्र श्रद्धाः अने कि ।

প্ৰসাহৰ সীমা হইকে স্বৰাদ আসি করে। রে পশ্চাপ সমন কবিরুত্ত। **অংশচর্ত্** ६३ सम्पन्धाः व्यवस्थाः । जानस्योत् । स्व ा बुर्गाहरू केशल छ छात काल, काल নেন,প র ভয়টেলড় বেলক'র গুরু করিছে

(हामकारतन त्रारका कक्क मुक्ति स्ट्रेबारक

्वाबाई विश्वविमान्द्रवे भूककार ক্ষবিশেষের চরিত্র ক্লক্ষিক করিবার চেষ্টা বিজ্ঞকরিয়া বাজী গাজিতে বোঝাই করিয়া করিবার অসুস্থিত পাইয়াছেন। এজ বাদ হইবে । মধ্য ও পশ্চিম ভার্ডবর্ষের কি সন্ধার এই অসুখাদের নিমিক্ত ব্যার্ডা শে ক্রিয়াছেন। বঙ্গভাষার ইয়ার অসুধাদ উচিত হইতেছে।

প্রেপ্তি গখন একখানি স্বাস্থায় লকট ফোলি নামের সেতু পান কটাত হল, তথন এক বেইলঙার উলিনিয়া বিপাদের সাল্পেতিক প্রদান-কবিয়া লকটের গাজি বলা কাচে। চালক, প্রস্থানী ও আন্তেভিগণ ভাবিলেন র কোলস্থান বা ভায় কইয়াছে, কিন্তু জনজি ক ইন্তিনিয়া একটা ইউরোপীয় জী লোকের লকটে উঠিয়া ভাষা চালাইতে ব লালেন। কইতে ইেসনপ্রিয়া ভাষা চালাইতে ব লালেন। ব লয়া ভিনি এককোশ্লভারা লকট স্থানিত টিলেন। এ বাজিকে কোশ্লানির কার্য। চ কবিল্যে দ্র কবা কর্মবা।

७ इ का किंक दुवरात्र '

ংলিসমান অবণ করিয়াকেন, কলার সেতৃত ।

ও গৰণ্যেতি আর এক নিসন নিসুক্ত কলি

এ বিষয়ের অর্কের শেব করে হইবে? কেচ

বিশী ঘাটে কেহ হাট্রোলায়, কেহ কালী
সেতৃ করিবার কথা বলিতেছেন। ভারত
গবর্ণমন্ট চাকদহের নিকটে সেতৃ করিবার
গাব করেন। করেক বংলিক আংশেন্টী ঘাটে
বিশীকার সেতৃ কবিবার বিজ্ঞাপন নিয়া

ভাটবোলার ঘাটে সেতৃ কবাই প্রামণ

এ ভার এক অভাপ্ত কোপানির হতে
যা কর্ত্ব।

शिक्षित्रोतः, विक् ७ नोवाव द्रोक्षण्य निक शिवर्षेव (क्रमतरणद्र गाइड गाइड) कि विद्या काम्बीरद्रद्र श्रथान मही (क्रामाश्यमाम द्रोन कृषादाम व्यवसाय गाइड गाइड किर्दिन सरवद्द्र गव क्रम सर्द्रक क्रदानाथ्य क्र

कृत्रित अक क्या केडेरवाणीय जिल्हा शिक्त का भाग कवाहेगाएक खायत लाटकत । विकृत्य गांगीन कित्रमारक्या क्रश्रांग्रस्ट ♦ भक्षात्रस्ता में विषयित सक्ष्मकान कार

विश्वि में से मार्टिस में हिंदि व मुक्त है है । किस भूट्या अदि ब खाद कर है है व स्वा कर है है है । किस भूट्या अदि का मार्टिस मार्टिस का कर है कि स्वा मार्टिस का कर है कि स्वा मार्टिस का कर है कि स्वा मार्टिस का कर है कि स्व मार्टिस का कर है कि से मार्टिस का कर है कि से मार्टिस का कर है मार्टिस का का कर है मार्टिस का कर है मार्टि

छ नई सिरम हर्देगु'(६ : म'स्रो(क्षत म्राप्ता

গুড় কণিয়ৰ এ নিয়ম এখানেও করিবার

আন্তর্থীয় গ্রেশ্মেন্টকে অন্তর্গ করি

७ हे काःचिक वृश्य्य देवाद ।

The same and the same of the s

ারভবর্ষীর গবর্ণদেউ বোরাই গবর্ণদ্রেউকৈ
মক্ষাট একটা ধনাগার স্থাপন করিব'র আক্ষা দিয়াছেন পারস্য অবাতের ও আফ্রিকার রগ ভারসমূহের সমুবির বার ভারভবর্ষের ক্ষাক্রে ক্ষেপ্রের এই পূর্ব লক্ষ্ণ।

মান্ত্ৰির অন্তর্গত মার্থা মেলার শার্পার্থির নামক এক জন সিবিলিয়ান ইইমান মাত্র জালের ক'ল করেন। তিনি স্থানান্তর্গত ইইলো ডালার কলেন উইলি উটোকে এক জনিক লাই লাই লাই কিন্তুলি উটোকে এক জনিক লাই লাই কিন্তুলি কালেন কলেন ইইলি কালেন কলেন কলেন কলেন কলেন কলেন কলেন কলি নাম্বার্থিক সংবাদপত্রে এই বিষয় জ্বেগত ইইয়া শার্পার্থিক সংবাদপত্রে এই বিষয় জ্বেগত ইইয়া শার্পার্থিক সংবাদপত্রে এই বিষয় জ্বেগত ইয়া শার্পার্থিক সংবাদপত্রে এই বিষয় জ্বেগত ইয়া শার্পার্থিক বিনে কলি লাই লাইলেন কলেন তিনি আজিনক্ষন লাইলে ইটান নাই। আজা জালেন করিয়া লোড ক্রেলা জালেন কলি লাইলেন কলি কলি লাইলি ডাইলি ডাইলি ডাইলি কলেন কলি লাইলি ছালাইল এই জ্বিনক্ষন লাইল বাহা ইউক এই জ্বিনক্ষন লাইলে প্রায়া ইউক এই জ্বিনক্ষন লাইলে প্রয়াইলি সিবার প্রকাশ করিছেছে।

परिवारी, त्या मार्डियामक (वाबाहे) वृद्ध क्षण प्रमुद्धक मिविलियाम छेळा त्यामिट्डिलिय क्षण में अधिक विश्व कार्य मार्थिक हैं प्रिका लिखात कार्य भावे व्याप्त मार्थिक क्षोत मार्थि है लिख क्षेत्र श्रामान करिया कार्यम्य अहे लिखार क्रियाम क्षेत्र सिविटिंग श्राह्य क्षित्र

সর উই লিয়ন মিয়ব উত্তব পশ্চিম কালের ইউংস্থাপীয় অবংশেকদিলের এদেশীয় ভাষায় প্রীকাদিশাং আজা দিরাছেন। বাহাদিশের এদেশে কাজ করিবার বাসনা থাকে, ভাদুশ শিক্ষকমান্তেরই এদেশের ভাষা জানা আবে-শংক।

গুজারাটমিরে বলেন, সম্প্রতি পুনাতে বে নবেরে হয়, ভাছতে অনেক সন্ধার বায়ের ভয়ে ঘাইডেচ ন নাই পালিটেকাল একেন্ট মেজ ব, ল ভাছালিখাকে ভয় প্রচলন করিয়া লইয়া ভয়াভিলেন। পথে কেক পাছে পলায়ন করেন এই নিমিত্ত মজর, ল ভাঁহালিগের জনা প্রহরী নিয়ক্ত করিয়াছিলেন। আমরা বে ধরবারে আন্ পাতি করি কেন, পঠকগন দেখুন।

काभी (वर् शाकार । दावना स्मार्थ (क नगर है । स्मा हर । किल्लाका । त्राव है के स्वर मिल्या । स्मार्थ । किल्या । याका नगर । याका मिल्या । याका २२ है । श्रिक विद्य वर्ग के व्याप्त । स्मार्थ । याका २२ है । श्रिक विद्य वर्ग के व्याप्त । स्मार्थ वर्ष । स्मार्थ ।

वास्क्रमात किर्झाक्षणार जीमाक्रिक वन्तु भाग स्ट्रोक कावूरण अन्त कर्द्रमाहिरणम्। আমীর সিয়াব আলি গাঁ উন্নিক্ত আ উক্ত স্থান দ্যাগ্য করিছে বলেন। ক্রিরাল অর্থের অসঙ্গতির ছল করাতে আমীর ও কিছু টাকা ও কডকওলি অন্তালিয়া বিলায় ঘাছেন। কয়েক দিবস ফিলোজনাধ ব ছিলেন, কার্যেক সিব্যুর আলি মিরের মতি পান নাই সিন্তার আলি মিরের করিছেছেন ট্র ক্রিয়ার আলি মিরের করিছেছেন ট্র ক্রিয়ার আলি মিরের করিছেছেন ট্র ক্রিয়ার আলি মিরের করিছেছেন ট্র ক্রিয়ারিগের গবর্ধ মিন্ট ভূলেন।

শ্বের্থান্তের আখুন্দ সিয়ার আলির সভ্ত ত হইয়া ভারতবর্ষ আক্রমণের প্রভাব ভিলেন। আমীয় উপ্তাব পত্রেব কোন নেন নাই। এটীকুইবাহার ভারতব্যার প্রবর্ প্রতি ক্রভাপেট্রিয়ান।

क नका उत्त क्षिय मुन्दि अक प्रमान শুভ করিয়াছেন। ইংরো উত্তর পাঞ্চ আৰ্থি কলিকাভাপৰ্যন্ত অমণ করিছে।। গের সর্কার চিৎপুরে ধরা পঞ্চিরাছে। গের নিকটে অনেক অলক্ষার পাওয়া গিছ ভাকাইতি কমিসনৰ উঠিয়া যাওয়া আৰ্থি সকল কো'ক পুনৰ্কাৰ প্ৰস্তায় পাইয়াছে। (डॉन अडेरनेन नरको किस मण्डाकारका ए लुलिएवर छनवर्गमा **क**िया। विलिधारङ्गा (दालीव हम:लाहरवड़ा कालमामिर्गत : कर्ष बुटसर मा। अक्टपनीय शकरियन बिराय अञ्चलक कातः। कालमा **व का**क हैशक्तिशव चार्डाव मुख्य तम किवम का म विश्विष्टा । अने अने को निष्टा से काला से মাড়োল চইয়া জাপনার প্র ও জনভার প্র क्टिक्ट्इ : इ.इ.ज.जियक्त अंग्रह समा : नमान। कन्द्रश्वरत्त्रा अक्ताना कृद्व हे ইরগণ চোর ভাকাইক ধরিবার কেচ নত্ন (मृ. ७ भव हेलिया पडनम, अवाव 3b... व्यविभिक्षां व ३६० सम् अग्र अ १ विका (इस) अक इंग्लंबिक श्राटन मनद्वक रस ৰাষ্ট্ৰ কলিকাভায় না থাকাতে ভেনৱল ভাত

भाव मिनवादित कात्रक्वीत (शिक्कारें मिन इहेग्राटक, टेम नक छ मिनिक्यानश्च नाम श्रिका भवन्ति स्थानश्च नाम भवन्ति स्थानश्च कार्या भवन्ति स्थानश्च कार्या प्रशिक्ष मिन्द्रम् भवन्ति स्थान मिन्द्रम् भ्रिका मिन्द्रम् भ्रिका मिन्द्रम् भ्रिका कार्या कार्य कार्या क

क वि श श मि (क जि का त्वारक भवीका इहे

बरात (भषा छनात वष्ट अविधा रहेटव।

বেংশই গ্ৰণ্মেটের অনুরোধে ভার্ত্ব।
পর্ব মন্ট উজ প্রেমিটেলির স্বরেজিটারদির
বেতন ভিন্ন রেজিটারির ফীর কমিসমর লই:
আ্ঞা দিয়াছেন। ফী দিবার ব্যবস্থা মা করি
পর্ব্যাপ্ত বেতম দিবার ব্যবস্থা করাই বিধেয়।

नवा क ब्लानरकाक क्यानत अने कर करते र मुजूरक अञ्चलकान कतिकार जगरत करनारतम वि वनिश्रद्धिम, स्वटनवे रोत्र शाकातन वाक किया भवतिश्व भविष्यात्न शुरुषात्वत् वाश्व বেশ ক্ষেমা এবং ও'ছার বন্দোবস্ত ভাল হে। **শ্বর্জ** সৈনিচেনী জেনে এক জন ভাকার बावधायकोष्ट्रास्य । विभिन्नाश कक्रमः, वर्शार्यः था दला कर्डरा । आयोगिटशत दियान अहे াছে, ভাজর নিক্ষ বাহিতে এই অলের প্রচুত মজি কৰমই হইবে না।

चरवाशात्र कड कम श्रीताक शात्रन (काम থেলৈ ভাছার বিশিল্প রিবার্থনো এক জন র্মানারীকে নিয়ক্ত করা **হইয়াছে**এ

ভেলি নিউস বলেন, পাছনের রাজা মান ণ'হ উাভিয়াডোপিকে ধৃত করিয়া বিয়াছি লন বলিয়া প্ৰৰ্ণ জেনৱল উ:হাকে পেগম দ্বার আহলা দিয়'ছেন। এব্যক্তি নিজে বিষোধী ছইয়াড়িলেন। উভিয়াভোশি বং তের বোগা কাজ করিয়াছিলেন > কিছ যে ांकि मिन्रद्रशारी, अक श्रवाम भवन्दमर्लेव চাহাকে পুরস্কার দেওয়া আফুপটোচিড বর্ণম इ नाहें।

े छेक भक्र बहुनम बक्दन्द्रम । अञ्चेना हे शब রের[ভোজনিমিত্র বার্ষিক খেলার বিভার • **∉त्राह्य अवर्थ (क्रम्बल फ्र**ह्माई कांद्रेश**म** पक्र **महेट्ड** हाहियाहिटनमः *(मश्री मन्दि श*यर्गत e इंकाणिति करतेन, अहे हाको अड काहर টাহার গোপনীধু সেক্টেটারির বংল ভেল ছইকে **२९ग्रा इप्न, व्यक्त के इश्राह छिन्दर क**्रश्वासम দন্যায়। গ্ৰ-বি জেনবল ভবিমিত্ত কর্তথাগ ক্ৰিয়াভেন। ধেনকল বাজিক ১০০ টাকার हेलत मुल्तिवादम् निर्मृतं कृद्वनः विश्वामिर्गतः नकरने कृत्यह्न कृष्टेकब्र मरह ! ।

१ हे का र्वक श्राक्षकात !

à·,··· केरका वार्ष क्ष क्षांक्रमात मूर्य हरेबानि कारुनाक महास ब्हेरकरह :

रमुख व्यव देखियारक हिन्द्र तान वाक्यप्रकाती এক বংক্তি ফুডন বিবাহের বিলের সম্পূর্ণ অ<u>ন্</u> মানন করিয়া বলিয়াছেন, বিবাহখণের সুবিধার निविष्ठ कर्ष्ट्रकत्ति श्राद्धा कडा क्रि. इत। श्राद्धायक বলেন ক্রজিচার, রজিশজিফ্টনতা, শুরুতর পাপাদরৰ ও পরস্পারের সন্মতিকে বিবাহ্তাদের **দারণ বলিয়া নির্ফেলিন্ড ক**রা কর্ত্তরে। বিভি य शिक्ष हेम्झा विदाह कड़न । व्रक्षिण विभाग विव ই**ডাল্লী ইউক্ট যে ব্যক্তি** কোন আত্মীয়ের বিধবা[|] মীর বহিত্ থাজিচার করিডেছেন, আইনে ভাচ্চ

रहेटम की विकास किमान का कब्रिया नेकाकर किमा क्यारहात वरमा। मामान्यक निकार जर्ग कमन । कि कांग महवादमध्र नव चाबी अवटक छे पटकाहबारी (बांगरीविटमंद स्टब्स वि অন্য পদ্ধী ও পভি অন্য স্ত্ৰী এছৰ কলন, উক্তম্ভ বের ভার বেওয়াতে বাহায়ে ১৮ ৮০০ ট नविक स्टेटन व कांक स्टेटक थाकुक । ममारक्षत्र कार्यमा निरुक स्टेशार । केकीमानन निर्देश क स्टब्स व्यवका स्ट्रेट्या मात्रा शांक व (यहका क्रिक्ट्या) लेक्ट्रीट यात्राकीतम् (मरमय 🖭 (বাজাবের অবিভালী বেবীগণত অভংপর गर्य रहेटच हानिरमंत, हेरा कि बाह्य जामात्मक

राष्ट्रीय रजनवन क्यानुद्राव प्राकात इकिक्रियकः .चायना **कातकवरीत (नटक्टो शकान क**तिहा अहे विकास श्रेकान कविद्राटिक, चना चना जाना वाक रचन करे प्रकारक व मध्यम्बन करान स्थामहा वर्ग मन सम महत्रम भागनात विषय al Pera:

क्षिकारकाक्षेत्र मश्क्षक क्षांभारमध्यात्र বেডনর্ভির আজা দিরাছেন। ছটলত্তের वर्ष्यप्रशास्त्र । वनकन होन्द्रका १०० है।का পাইতেন, ভাহারা ৮০০ টাকা পাইবেন : চাপ লেনেরা শিক্ষা ও বিচারবিভাগের কর্মচারীদি 'গর স্বায় শেকান পান গৰবুর কেনরল এই অন্ত কাধ করিরাছেন। টোরি নম্ভিবর্গ একবে। প্লাড द्रीन गारस्टबंद फाक्रबाह (क्रीका भ किहान स्ट्रे ग्र! इन, अडबर आमाहितात भागति शवर्वत .ममजून व शास्त्र करहम, हेरमा छ छारा (व बाह्य **क्ट्रेट फोर्स फाफ्टर्स** विवय सहस्र किश्व अश्रक्षवर्षत्र मर्त्रामाधावन अवश विश्वत्र इक्टित्रा পীয় সবর্ণমেন্টের ধর্মসংক্রাম্ভ রাজনীতির संविष्णद्वन । आंत्रःवर्गरश्च .शार्डेटी के मध्येगायात केटक्टकत शव अवाम कात धर्मानश्क्राच्य बाग्न सहेता क्षणाक के कालक **इट्टा मरम्बर माहे** ।

৮ ই কার্ছিক পনিবার।

উত্তর পশ্চিমাঞ্চের সংখ্যাদপত্ৰসমূহ नत्तम, जागदा ও मितारहेत कारमहेरत्वा वाका রের নিরিশ করিয়া দিরাছেন। একখানি সংবাদ **পত्र वरमन चांभद्रोद कारमङ्गेत करप्रक क्षत प**णि ককে অভা মারিয়া আঞা দিয়াছেন, প্রতি ग्रेकाव ४२ त्मरच्य छात्र चाहे। विक्रम कविरम ४**७ स्टे**र्ट : **केन्द्र भ**न्ध्याक्षम ७ भक्षार्थ नक नरे (नाफा भारा। भाभमकारम मक्नानियम स्मः করা চলেনা সভ্যা কিন্তু ভাষা বলিয়া ছাতা बादिएक रहे, जायदा शुरुष कानिकाम नः । बाहा হটক, **তুজা নারা কাজতী উত্তর** পশ্চিমা**ঞ্**লের श्वाकत्मव सञ्जल स्टेब्राटस ।

वंक्रीलात (ह्यानफ वर्तन, निकाय आका श्टिराइम, फाँश्रद ब्रास्टर शावनी 👁 मान्याओ निकृदनिया **चीकात कन्नकः चामी कीलाक**दिक ∱कर्षप्राती निष्**ष्ण कता क्ट्रे**द्य ना । माक्काकीरियदक[े] श्ट्यत अकितिय प्रदातीक क्दियात

संबीधनक कृतिरामन मा । काशक बाजा : जि । मेउड्रेड

विन्यू वरेकविनी तरमन, । अ वर्षस्यरकेत्र नि भारक, बाक्कीय कर्पाणातीयाः अक प्रश्नादेव अक कत्रिका पूर्णि न हैं त्या नश्क्षाक अवर्गरक वि पतिश्रोद्धन 'त्रामकीश' कार्य मात्रदमत्रा जन बट्दर हुते भारेष्ट्रः बाटकनं, खारा जाने (भार वरमाञ्जत मार्था २ वाज) कतिका अध्य कति শারিবেন। কিন্তু তৎপর যদি কিছু **অর্থনিষ্ঠ প** करव कांश कृतीय कान विशिष्ठा अवन का भारे (प्रमान) । किस (तर अवलि**हे हुने अ**स त्यम अञ्चल्हर पूर्ण भाषेत्रमा, अयंत्र काश्य व একত্র করিবা ২ জাগে জোল করিজে প (44 | ▲

ইউরোপীয় সমাচার।

मध्य ६ इ अहं । त्या १ स्ट्रां এম আলিয়াছে দেনাপতি পেরালো মহা ्त्रार्क् मार्कावरण शार्यम् कविषार्कतः स्वार লৈম বারসিলোনাডে প্রেশ করিয়া আদি त्रमान्द्र अतिशृशीक स्टेश्वरहम । ता**की देटन**र fiels gimgaltein aufmain Affatti পোপ আপন রাজে। বাজ্ঞীকে আতার বি সম্মত চইয়াছেম ৷

সেনাপতি ক্ষমান ভূকিস্থান হইতে পিট तर्शा काशियार हुन ।

ক্ষাই ভিনোপদ হটকে সংবাদ আলিং क्रमण्ड'त्मव विष्याभवः (भ वज्यक करवः प

मालहा ७ जारलक्णा छ हात महात ्रे निर्धाय कुम्प्रसूर्ण शास्त्र ब्रह्मार्ट ।

न हे चाहिएता शास्त्राम व्यक्तिएक an and श्रीमन्त्र'ण विश्वताय व्यविवाद । भाहरश्त्रदार ि मख १४००० हैकि! क क्षित्रात व्यास्त्रा क्षेत्राटक ।

চার্লম সিল্ম সাংক্রের পঞ্চেম্র টে ব্রিক খেলিডে ভারতবর্ধীয় কৌলিলের क्टेबाटकन : अक्टिन (ड सटक मोट्टर सट्टन

मध्य १७ हे फाएडिंग्वतः। प्राफ्राहीन ए autaeta अक राष्ट्र का कविष्टा का রাজ্য সংক্রান্ত রাজনীতির সমর্থন ব কন্দ্রেবেটির দলের অসিজ্বারিজার ভোষারোপ করিয়াছেন - ভিনি এই ব त्रवर्गस्ट केंद्र (नाथ विद्राटकन, कालना রা সরকারী টাকা বল্লে করিভেছেন। রলত্তের ধর্ম সম্প্রদার রহিত করিবার 🖠 व की हो दे हुए क्षां कर का कहेंग्र एक ।

महत्कात्र कोष्डःकारलत् हेव्हिम वर्*नम*, ৰের সীমার সুদ্ধের বিবরণ 47.8 া দেওয়া হইরাচে। ভারতবলীয় প্রবিষ্ঠ

মাজে লৈন্য প্রেরণ করিয়াছেন ৷

a के सरहेत्वत । सम्हकात शास्त्रकारमञ হুৰেবালভে এক প্ৰস্তাৰ লিখিক ব্ট্রাচে. द्रा है। अफ कहा रहेश्राट्ड आक्रशनकः আমীর সিরার আলি খার সহিত পুনর্বার া করিবাৰ প্রস্তাৰ ষ্টুডেয়ে 🖯

মরিয়াল ডিপ্লমেটক পত্র বলেন ৩০,০০০ ী লৈনঃ গুড়ে যাইবার আচলে পাইয়াছে : ই অট্টোবর। স্থির ছইয়াছে বরোর (নগর त्) **अफिनिधियन (क) ७ हे छ** ४१ **हे** मरव দেনীক করা হইবে। ১৮ ই অৰ্ধি ২০ এ ঃ কাউন্টির (জেলার) প্রতিনিধিগন ो ७ १३८२म ।

ণ ই আইোবৰ। স্পেৰ ধইতে টেলিএমে 🕽 াছে, সকলে অপ্রধান করিভেছেন, পটু গ' ব্যজান্তলিভাকে সিংগাসন দিবার প্রভাব

क्रिहेब्रर्क स्हेटक स्पर्व (य जन्त'त्र व्यक्तिग्राटक) তে জানাংগল, ইভিয়ানএদেশের এতি म**्यामी ७ क** विभित्तमस्य अल्ला ्ष्ट्रशिव्रष्टम् [।] शाहेरवन ৰ পাইয়াছে । भीइउद्याध्यसम् ५० 413 4144 . इ. नीक्ष्य श्राम्य वि র কল্পতার বলিয়া দাওয়া ক্রিডেচের ভনঐতি সাইমরের পরিব∈ 15(* 7*1 क बिवान (हर्ष्ट्र) बहे(ब :

গৰণুমেণ্ট বিজ্ঞাপান र ऋमि भीष *्व* भीन केश र बंद र त

भारमञ्जूभारी

নিয়োগ ৷

 इंक्ट्रेंश्वर—क्वर्तिके, खवांगके, किंद्राः বোটের শালিকায় লববের জোলাসমূহের : द्य'श्रुक ४३८४म .

. भट्टमच अपनः अलिकाकात्र अधिक मेथि য়ডেপুটি শিপিত ম'ট্ব চট্ৰেন:

এতিবিধি মুক্ষেক বাবু প্রথমবার বক্ষোপাল্যায় षिक्षीत्र त्वां नेत्र मूर्त्यक स्ट्रेट्टन ।

यक पिन शब चालिही के शास्त्रम मरनास्त मुर्त्थाशाक्षां में विकास सहेग्रा चञ्चलिक्ट थाकि-বেন, ওড দিন দানাপুরস্থিত ১১ গণিত এডদ্বে শীর রেজিমেন্টের নেটিৰ ডাক্তর সেখ সাহাসজ চাপরার দাভবং চিকিৎসালয়ের ভার পাইবেন।

বভ দিন ভবলিউ, বাইট সাহেব বিলায় লইয়া অসুপস্থিত থাকিবেন, ডড দিন বাবু शकामाताम् न नतकात् क्षेत्रत् (हाहे जामान्यकः £िकामिश का अ अध्यक्ष का क्रेट्रिया । किसि षात्र करेंद्रक भूरणदक्षत्र कथा। भाईद्रवा।

रावु प्रकाशाहाह्य महत्रारवृत् च्यक्क प्रकाशाहरू ल रावु डालडारकचंत्र छड्डे'डार्चः मूत्रनिमायःरम्ड श्चिति वे मु:अप श्हेरःन।

sa हे कालि:वर्--(मधीमके मि, अम, अन, কারমার কিছু দিনের জনা লেপ্টন্ট গর্বতের अक अन अभिकृश बहे (यन ।

(ब्रिक्टिंग कामतम अह, व्यवस्थि मार्ट्य নিজের কার্য্যের উপর রাজধানী বিভাগের রেজিষ্টারের কার্যেক ভার পাইবেন।

लि. is, istam अ'रहत उत्परनीय शवर्र বেলেটর প্রতিনিধি কাওর সেক্টোরি হইবেন:

মৌলবী আশান পাংশান বাকুড়ায় এক জান उन्नी माकि*खे* हे ए उन्नी कालक्षेत्र **रहे**या প্রথম তেবির অধীন নাজিটেটের ক্ষমতা

নওগাঁর রেষ্ঠেও এডওয়াড পেসমস্কট क्न कालमा | 'तवारकत (विकाह) द कहे (वेन t

> ৰ্ড 'দ্ন ভাক্তর এ. কে, শেরিভান বিদায় লইয়া অপ্ৰপঞ্জিত থাকেবেন, ভাত দিন স্ব আনিষ্টান্ট সার্জন কাশীকিক্সর মিত্র প্রকৃষ্ট্রের ভিকিৎসার ভার পাইবেন।

> ১৬ ট আটোন্র---নিয়লিখিত অভিরিক্ত .ডপুটী মাজিটেট ও ডেপুটি কালেই গণ নিয় ভর শাসনকার্যে,র ষঠ তেনিডে ক্সারিক্সপে निगुक्त इहेर्रवनः---

জীয়ক মে!লবী কান্যার উদ্দিন অ'হমহ । नहस्थाविएक

এচ বি. বিম স সাংক্ষে বর্ত প্রেলির ডেপুটা প্রাক্ত দার্কন হইবেন। মাজিটেট ও ছেপুটি কালেটার ফটবেন

এ, সি, মেট সংখ্যে মুক্তেরের এক জন ট্ অটেইবর টে, এম, মাচল সংক্রের মিউনিসিপাল কমিস্নর ও কেরিকও ক্ষিটির ं मध्यः क्षेत्रम १

বাজ্যকলের লাভবঃ চিকিৎসালয় চালাইবার किम दर्कमार्टन्त कार्यशक त्राधानशेष्ट्रच े मिनिक निम्नीविक कम लाएकहा मका इड्रेट्स

कर, वि, विम् श्रु शादश्य । 💛 📉 (甲, 山带, 明存在证明 对代(名) बाबु महाभिवन्ताम ।

चात्र, ति, डेाबनटडम नाट्य क्लिक উপনগরের মিউ:নিগিপালিটর সহকারী भाक हहेर्दम ।

) १ दे **भारते ।** व्याप्त अह गार्ट्य कात्रार्थंय कतिबाद्यम, स्मृहे पिय रे, अ गार्ट्य मुत्रिमाचारम्ब अकिनिधि **७ (म मियूम कक स्ट्रिंग**ः)

यक किम बिन, बिन, महिन नाटक्य न कार्रवंशभनरक भावः खत्र वाकिरवन, खर का, वामरमात्र मारहर यरनाहरुक अवि ्रवांछतिष्ठ सम स्ट्रेस्न।

(क. अक. त्वीन गार्ट्स वाचन्नत्वाका श्र অভিরিক্ত করা হইবেন।

বাৰু গলানারাল্লৰ সোম বরিসালের कामानरख्य क्रम 🗢 वाध्यम्भ्य क्रमः व इकेट्टन :

१के व माहित्वर्---:ख, बक बास्ववंत्र মুরসিল'বাদের সহকারী মাঞ্চিটেট ও কা हरेया विकीय : अनिर भरीन मासिक्टिहेंब भारेरवन ।

ই, এ, ব্রাভ্রতির সাহের বাজসাহীর সং माक्टिक कारमहेत्र इहेता विजीत (অধীন মাজিটেটের ক্ষতা পাইবেন।

বস্ত দিন ভবলিউ, এচ, ডিয়ই ল : रमाध् महेत्रा अञ्चल क्षेत्र शाकित्व, छा ভৰলিউ, এস, ওয়েণ্স সাহেব ভাগল श्राकितिथ मालिएकेहे । कारमञ्जू रहेरवन

২০ এ আটোবর--- চিরাপুঞ্জির 💩 নং वाकिकान महारहत कारखन कि, चरष्टेन व **अक्रक्षित्र। भर्करफ**ं मास्त्रिक्टिक । পাইবেন :

भारत, अठ, शांत शांत्रय कड़े ब्राट्स शांत বিশ্বীয় শেশির মালিকেট ও কা हर्देश्यम -

ৰক দিন বাৰু উদয়চীন দক্ত বিদায় অনুপক্তিত থাকিবেন, ভঙ্গিন ডাজ্ঞার ডৰ ডি. কিবয়াই পুরীর প্রতিনিধি সিধিল ব

নেজয় বিৰ্ণাৰ সৃত্যুঃ ম্প্ৰয়াতে দ্বিদীয় বের বিজীয় জোণর ডেপুটা ইনস্পেট্র বে है, वि, विकात मारहर श्रथम (संगरक दे क्ट्रेंदन ।

क्रविके. सात. शहन गारहन विकेश 🤉 (छशुष्ठी हेमरण्याकेत (अन्तर्ग सहस्यम ,

७ - अ व्यापष्टि व्यवसि श्रूटकांच्य निर्माणकरम् ि एक्टबी 🗀 🥂 🖰

চঠগাঃখর কভাগত সাহকারার মুক্ষেঞ ল্ব^ড জুকল হোলেৰ বীর্ভুষর আংভ্রণিভ রাষ : श्रुष्ट **यमभी इहे**टरम ।

নি, ই, পোটার সাহেব রমপুত্রর সহকারী চক্টেট ও কালেক্টর হইবেন : কিন্তু আপান্ডড: शिरमञ्जासमा एका अधिमिति साईन्हे र किंदे के एए भूकी कारनहें व व्हेरबन ।

---:0:---

व्यामानिश्वत शांकिश्रुत् मः वीमः ठा निर्विद्यारहर।

প্রায় স্কে মান কাল বৃষ্টি না স্বয়াডে ान छग्नानक खीषा (वांत्र स्टेटफाइ, फांझदसन तार उनाष्ट्रेशेत विसम्मन आक्रक व स्केसारक . সপ্তাহে ৩০ জন লোক উজ্জারোগাক্রান্ত खनात्या १९ छन अवद्वत कृत्याच्च कार्याचा करतः अवांशक्षे १७ कारशासा व्यक्तिकर-। প্রাণত্যাগ করিয়াড়ে : ভব**ন্ত পীর নগতে**র য অংশে ইউরোপীয় দগের বাস) প্রতিক্রিম चित्रजीत श्रांक समादिकीय सार्काण पृष्टे हरे-ह। (न विराहिष्ट अभिकेष निवाद्यावद काल ाय कार मांचळ व्या मांहे, व्हे(तह वा किशा-यः भ ७ इत्र तथ्यतः शूर्ण बद्धारम् अक्रमण বোণীয় হৈ নেঃ ভিল। তখন এখানকার গ্র-वैत पारत्या कि किष्मान्यस्यतः कार्यः **क रे**मना-বেচিকিংশা এক জান বিচক্ষণ সৰ আহাসি त्रार्व्धन घुत्रा निहादिक इंदेखा कास ष नावनवन्त्रः देशन। भारत्व व्याप्त छ। ন ২ইটে স্থানাঞ্জিত হয় এবং তথ সূত্র दे मव च्यां महोते : मार्कानद अन छेतिया । उद्धारम अकल्पन सिवि । अन्त नियुक्त अकरन देनिके त्र आतिष्टां हे नक्तित्र भावन कविष्ठ' विभिन्नाद्यम । अस्तिवादन भव हि।के गर्कत्वत सहाय धर्मनी मा शाहरत প্রায় কাহার বাসীডে পদার্পন করেন না ।

বাং ভাঁইার ছারা সকল প্রকাব (ল'কের ৎসা হওয়া কটিন ১ইর: পড়িরাহে। গত অপুনাই গাঞ্চিপুরের विक्री प्रदाहे सामक बादम वस्त क्रमानक छेठी 'आहस कड़, उथन देनि (निरीय त्) उथान हिकिएमार्थ (श्रदिक वस अवर त हेरात कर्षा अक राम कटको छव करवन । রা যে পোরভার অংশি**ঠি সংঘটন চ্**ইয়াছিল (

व्यायता वृत्रक्त श्राह्म कतिताहि। याहा

रेडेक. अकरन मामाद्रकत नवत्र गवर्गरावदेशदेवत निक्षेत्र हेशका नाह । आवित्रक्रकशदनत हेशके वार्यना (य त्रवं अविशिष्टान्ते नाव्यक्तित भन भूनः 🏸 कार्यहर्गः कालिक कतिहा शांकिन्द्रस्त अवसी संधान कडान পুরণ করেন 🖟 👵 .

३४ हैं (गर्लेबर) 5620

व्यामासिक्षत्र (क्षत्रम् जिक्कः सर्वापः माठा निश्चित्राद्यम्।

)। करत्रक मान श्रीक स्टेल, देशन जुरस्य अखर्गक शावास्त्र शहर अक्षी (भारे आक्रिय अधिक्रिष्ठ रहेब्राटक । फांड्राटक । कंदन अक कन ডিপুটী পোষ্ট মাষ্টার নিয়োজিক আছেন ; কিন্ত भक्तकार्य नियुक्त सन्ना रह माहे। थान'त उत्ताका कुछ कोकिमात्रमिटमतः स्था भद्धानि विशि कता रत्र। शञ्जवलेमार्थ हो कीमाध्यक्षाः च बञ्ज (व कम পায় না আৰ্ডএৰ ভাহারা নির্ভারিত মাকুল म्रामा य फाउदिक भवता तहर आक्षा কি? শুনিতে পাই ভাষার। নাকি প্রতিপত্তে कांछविक इरे फिन भन्नमा ना भारत विविध वाक्किरक भक्त मिरंक बारह ना, किवाईमा महेता य भ्रा देश कि काळाडाडात सम्र ? आस्त्रा कार्याक eইয়াছি, ডিপুটী পোষ্ট মাষ্টারের বেকল দিয়া এই व्यक्तिरव छ। १ हाका बालिक देख व शहक এত স্বারাকি এক ক্ষম প্রাতিক নিযুক্ত করা यात्र मा ? यात्र अक समस्ताता बन्देन कहाईतन किছ विलाइ भाषा मि लाटकत इन्छ गण इहेवात मखावना, खंबालि काफिश्रिक शहरा मिएक गए কষ্ট ৰয়, ভার্টতে ভাত বোধ ধইবে মা । জভারন 'देनरम्भ^हीर (भाक्षेमाष्टरित अभीर्थ ज्यामारसङ् माञ्चय धार्यना, कविनाध भक्तदाहरू नियुक्त कतिया (मार्क्त प्रकृतिधा धूत्र करून .

२। विक्रमनुद्रव कामा (नोकाणश धाव জললার্ভ, ক্লভরাং লোকের লমনালমনের দাত মুভ হনমোহন দত্ত বাবুর ভিন্যনের বৈঠ পক্ষে অভান্ত অন্ত্ৰিয়া হয় বলিয়া ইভিপূৰ্ণে স্থানীর শান্তিরক্ষণণ, আবিরশাড়া, বাছের ঘাটা, ফুটফটীয়া ও মোরাদাবাদপ্রভূতি খান श्रीत्र व्यवनाभविकाराणं कर्जुभरकत् मनीरभ तिर्ताष्ट्रे करत्व, कम्झ्नारव छेन्नि विक वानकतित ভটস্থ স্থানের অধিকারীদিগের নিকটে পরে: য়ানা হইয়া রাজা পরিভ্ত ইইয়াছে। শুনি नाम छात्रावृष्टि, दलाईल ও छीत्रमहान अहे जिन बारमञ्ज विवरम् अ केंक्सम विर्वाह कहा स्टेमारस् **এই मक्स (बोशव पड़िक्छ क्हें)म लाह्यत (ब २७ উপকার ও প্র**বিধা সাধ্য করিছে, তার্যর

় 🔞। পোইগেল (পান) বাজীজ बक्षकानि चारबञ्च करश्चत्र व्यवश्चे कतिरन माखिकाक्ष स्ट्रेट्स,, अहे बनिया गर्न वंदेटक माथायटनतः क्यानमार्थः अकः व्याटमम क्षिक रहेत्राट्य । किश्व व्यास्त्रा विसा क्रायकरकड्डे रक्क्रोकाकि वावश्य कतिया व्या कीरवर क्षा। मन्नामम कविएक मिश्रीबारि a.i ১६ वे कारमत प्राप्तासकार्त

लाम अबे कम शाब इसलक लिझा हाम (प. " (कर् (वांग) शास्त्रत श्रम्रहरू) व्यवन क्रिटन कतरन निवक्तिमात्र (दनमा श्रांख शहेशा बीर कामहा भव्यरक्षत्रकृष्यः वृत्ति अपन दि चिक नवातम (क, (व (वाना (नाएकव क्रूब (कार्रित र (व) हे छ अन्तरा छविदा काछन्। কিন্দ্ৰ প্রপ্রেরক মহাপয় ইহাও বেন মনে রা .य. च**्छिनिध्यद्यत रक्**रत श्रमश्रम की कशिक्ति स्थाना, फ्रांस्त्र क्रांकि शा करन, थिए एकि कश्च किहिता। मासूरवह पंचार 📲 ्य, (य माहाधाता कानविष्टत केंशकुक লে ভারার ওবের বিষয়ই বলিয়া **থাকে**, বিপর্বীক দিকে বড় একটা দৃষ্টি করে না।

त । श्रीष्ठ करे मान वायर अ कक्रान (व ह बुद्ध विभक्षन आहर् हाव जिल्ला याहे (क्ट्रह) ध क घडाड़ी सर्भव सूर्य सावताक इत्रा र्केश्च । अश्वार कारता मरपा**रे ७.५ सन** स्व চোনকৈ মেজিকেটীটেড প্রেরণ করিয়াছেন। (হয়, কাঠের ছণ্ট্রাজ ভ ই ইংরে কারব।

<u>থেরিত</u>

মান্বের জীযুক্ত দোমপ্রকাশনস্পা মহাশয় সমীপেরু৷

भेड । ला कार्डिक स्क्राबात अनुहास्त्र । यानीत अखरक्तरमञ्जू इत्रकःत् मयारमाहमा "३<धार्कीका∷ात केशास'नशासमि**श्व यक्ति**य किटे अंबरी माजाव अवजी विरूपम अधिरव्यम स ভাগতে দেশত কানক ভার ও সভাতে বাং আমানে সভাপুল আনডিলয় উজ্জ্ল রেল ধ করিয়াছিল । সভারতে সভাপতি 🚓 🗟 জীযুক্ত ব'ৰু ধরিদাস দক্ত দেলের বর্তমান আ विष्यु अकृति क्रुकीय महनाइत वासुका करा ভাইার মধ্য নিয়ে প্রকটিত হইভেছে:—

ইতি পূর্বে মজিনপুরে সংখ্যে শান্তের। क्ष अञ्चलीलन किल, किन्न क्षांत्र क्षांत्र क्षा मन्त्री (वाषापांडर महाबना प्रश्नी वर्गाः वर े देश निकाष्ट्र काटकरशत विवय विलाध करे। । अभाव **পश्चिमिर्शक अध्यक्**रे हेश्क क'रन । अवती देशकृष्टे भर अ ७ ठ उल्लाही করা াবদকে টংরাজী লিকার নিমিত । अकृत्नदहें कञ्चदांश (मधा मात्र, किन्ह ও বুণেপভালাভ চইটে পটোএরপ स्ट्रेटफर्ड मा । मर्जीलश्र स्ट्रेट हेरबाकी ব্যু উঠিয়া গায়, বিস্তানকটে ভায়নগৰ ও তে ছুইটি গ্ৰুক্মণ্ট সাহায়,প্ৰাপ্ত বিদ্যালয় . फिक्साता कामारस्त्र कर्यक क्रुविमा बहै-ः अहे प्रकेषि जिल्लालराज विकास इतेषा ত একটি প্রধান বিন্যালয় হল ভাহার চিন্তা ককা ভাৰিশ্বকত সামান্ত সামান্ত চ্ছে শ্ৰিনার্ম শিকাছার। এখনকার

র এংগ্রাক্তন সিদ্ধ কইডে পারে না । জুইটি १म् अक[्]दक श्हेरम इंख्यप्रध्याद्वश्चि, দি প্রাধান শিকার নিয়ম উৎকৃষ্টভর এ গ্রেম্বর যে মহৎ উপকারসাধন হটছে ' ভাগ বিবেচক ব্যক্তিমাক্তেই বু.মতে र। वाष्ट्रांशास्त्रवात्र अकरन करमक हेश्रास्त्र 🔈 श्दर प्रक्रिलपुत्र वश्रविद्यालय ६३८० তাত মাধাল ধ্ল, (মডিকাল কলেল ভ র এপরাল বিদ্যালয়ে শক্তিভ হইয়া

श्रमभाषा १८८४ । कि.स.स.च. हुत **१०**० । मा थि हैं। ११८७ जल मुद्र भन ला ७ व्हेरफर्ट ' न म ् ां क्टाबि अञ्चरम' ३ ७ व्याप ३ हे०। द

ंडिनरम्'रवस्ताः **चक्रतम्हलस्याः** जीतेः भा अ. ए प्राप्त के हो। तहान । अहम के किल प्रभुद्ध : १५ ई व्यक्ता १ १ दक्ष हेरद्वाक्षीट र ষ্টেরিল্যা একিছে পারিভেছেন না, ইর সাংবাধ কালি**ডে** এইবে লাকুলপেক া প্র কাল্ডমর প্রাক্তরির হট্টার হার্মি . प्रश्न हाल भर्मः हैकान । हेर्स

#'at g@tat g eat ete. € . (सर्व¹: देवंद्र ^{केल}) के अंत-्यके केव्हाटक

বিশ্ব ক'ন্যা প্ৰকেও আলস্থ 7 7 3 ह । इस्टर्न १ "क्" क" (प्रत महम्र महारू 44.44 .१९६९ १ इ.१. युव्हाभाष्ट्रत फेलड अञ्चलक lips visters, would being क भिन्दाद्वाप्तयात्र व्यवस्था अकरेता अकरेता र भुट शांत्र अभाग अक्षण द्वेषार करा. 'j 🏲

বেজার প্রপারেক বিষয়ক লি স্থারেল হিছ

म्हेश निम्नि चक करत्रक्री श्रकाव शर्थ रहेना श्राह्म स्थान अल्लाहर के विकास करा । aक अवही व्यविष्यम्य **रहेट्य**ा

২। একটা সংক্ষ চতুল্পাঠী স্থাপনরে অন্য অপে'ছতঃ দেশের কোন সংস্কৃত্ত প্রিতিক **ब**ञ्चरवाथ ७ मारुषामारमज (ह**ष्ट्री** कदा बाहेरब ।

৩। মাজসপুর বলবিদ্যালয়ের পৃত্নিতাণ ও তাহার উল্লিডর নিমিন্ত দেশস্থ ক্ষমীদারগণেব নিকট আযুক্লপ্রোর্থনা ও সংধারণের নিবট अञ्चलकार अदस्य (क्**ष्टेः दस्या याहेट्य**ा

৪। অস্ত্রপর ও বহুড়ার বিদ্যালয়ধ্যের সন্মি नम कमा डेक केलब दिन्दानाबर मन्नाबक्ति भरक अञ्चरत्राथ कश्री यम्बेट्य ।

व्यामानिट्यत क्लाइ क्लाक्टिशत गांवाहर हिष्कत्र विषया श्रृतीरणका यात्र रेनविन्। ३३ রাছে, এই জন। উন্নতির সকল উপায় থাকিয়াও কোনটা বিশেষ ফলোপধায়ী হইভেচে নং ! श्रेषतक्षत्रारम बहे सकानि यनि वित्रश्राधी क्य eae (क्ष्मक्रिक्की काल्किशन हेशक केटकानः সকল সাধনপ্ৰায় সনিধেব উৎসাধ ও বছ প্ৰচৰ্মন করেন, ভারা হউলে অভিয়াৎ এ নেশের রুমবস্তা बद्दक पर्दिमार्ग माम सहेरत छ। होत महरूक मन बक्षुर माशास्त्र विकास की मानिकी क ন⁺ই ।

शक्कीललूब ेडाकां€क े हिन्दे

মহ:শ্রু আন তর্তিও অন:বুকি ্য 🗸 🕏 : ক্ষৰ কাৰণ উহাতে সংশল্প মাই > বি'ল - জাতে मुनी बंग्लाम हाखेत छेरल्झ ब्हेख, अकः । त्याः ন (কোই)) পাটের চাস কর্মানে কিডেম ! क फेटल अ अमनामी कामग्राहक, कील निकास हेर्लक्ष्में हु कथा नह

गन्ना हिंकुती, यमसाती मध्य e काट्टोशाव । कर्ने ফতার্থনি) রাজ্ঞার শোচনীয় অব্বস্থা∌ বৈষ্ঠাঃ হসাভা ক'ছেন 🧀 এক ওলাবে বিশয় 🕛 পুলে আন্ধানসাম্প্রকাশে প্রচারিভ কবিয়া ও দেশীয় লোকেরা যদি দুল্পাড়কা হল এবং 'লাম অন্য দেখিলাম আপেনার যীবসুমড় সংবা জ্ঞা^{্ত}বার জন্য শঙ্কবেন, **অ**নেক রক্ষা নিদান্তাও তত্তিবয়ের **উল্লেখ ক**রিয়াকেন। আসার পারে (প্রেম্ব ক্রেক লুবা নিক্কা, ১ইব: পরাম্ব এই, সে জানা আমালের বার্কিত্য क्षेत्रहे के करा । आभारत्य हीएकात कहा क्षेत्रा । বোদনমাজ্ঞ 🕏 হাৰসতে, গঞ্চাটিকুরীর কান্দলে:-উপর পুশ নিকাত চওয়াতে খেবে উপরাঃ দশিরতের, ত'ব্রি উল্লেখ না কর্মে**স্**ম বেল क्यूना । १ म श्रुर्क हेक सभीत कल (गर्छ) প্রধানী ঘারা ব্যাহ্যাত হইয় প্রকারের প্রভিত্ত কর্ম অধ্না (অপাব পুল মিক্সানের <u>ক্র</u>)

ভাগ্র একটি উক্ত প্রহারে বছপ্রার ১৬

এক্ল আপতি করিবেন বে অভি পুরে याळ बनानीयाता नमुन्य सन्ह निःह क्रेड, डाँशास्त्र याद्य द्वाचा डेडिड (व কান্দরের অভোগিক খালত বিভীর্মী হস্তবি অবক্র, অগভীর এবং শ্বরায়ত্তন, সু অন্যভর খালের এক চতুথাং< অস্থা क्षकमः २ व वस्त व्यक्षिक क्षरमः महुः ভখনই পুলের ভিডর দিয়া ক্রোভ: বহিয়া अवर उचन अधानक विश हरेवा वा अपनि वमा इस, अवनी पृष्टीख नित्नहे छाहात । উপল্র ইইবে। পুঞার পুর্দের করেক জন ও একটা জীলোক এক দিবস ডেক্ষায় প ভেছিল। ডোলা যখন পুলেও টান অলে স্বিভ হইল, মাবিক আর ভাছাকে রা পারিন না। পুলের স্তক্তে ধারা ল'গির' : ভূবিয়াগেল। নদীজীরে বাসকেড স मञ्जूबनकम बनिया शुक्रम करतक्रीत करहे क्रमा रहेन। कि ह का चित्रांन कारतर्शव **बी**पुक्त बादु हेश्चनाथ वरमाश्रीपाधात कल না করিলে নিশ্চয়ই ভার্তে সেই (অসু *রস্তু* গভীর) জলময়: (দ:) শ্মন याजा कर्त्रहरू क्षेत्र । ० ग्रासलपृष्ट ह পুলেব 🕏 ७३ भः (श्रेन मृष्ट्रेन। धुईया यात्र उद्धर इत्न गर्छ रहेग्रः शुस्त । छ कवाहे वास्तात्र वर्षावरकः वर्षे श्वः छथन, यः

রাতে কান্সরের অন্যতর পার্বস্থ সমস্ত

(का अहे कानमध हरेग्रा थाएक। अव्यक्त में

विश्वतक विश्वत (वर्ष माः) व्यवहार्य कर कत्रिम, निवरणाय क्लोजिया किया अवर्वत হস্তবারণীকারয়ারে, ডিলাভের জনতে ' (नत **चय करत न**हें। विम्हालय अफरन ज्ञामा (हक्ति क कार्ड । भकत्मत कार्ड्ड क्र **১স্থ পাডিডেচে, দেখিয়া কি কাং**রত উচ্চাদ হটয়া এ হল্ডে বিস্থাত ও ছেইবে नमञ्जूती कार्यातन्त्र मध्यक्षाम क स्थीनक कतिशारक्रमः अभिराम मृत्यित्यात्र कावर्यमः म कङ्ग । के ब्राह्म निष्ठ गुरुक हेन्द्र दे वृहेशह श्राप्तिका कड़ियारकन, विन्तालय यान उ আক্ষ হয়, খীয় অন্তিস্তা ভ্যাগ করিয়াও आत्रिक्षा देशात अक्षपात्त क त्रार्थन । अ

যদি কেচ বিদ্যালয়ে সাহাধ্যান করেন, স

সেই ডেকি, গেমীর ভাগে প্রাণমংশয়।

কি পুল ভালিয়া ফেলাই আমাদের উদে

काश नम् । भुरलद क्कार त मः चः वृद्धि क

গলাটিকুবীর ব্যবিদ্যালয়, সাহ

डेज्य पिक स्था क्हेर्ट माम्मक बाहे।

(त्र महियां (मञ्जू) এবং व्यव्यवस्थ मरकद्र कविषाद द्वका कहा इहरव । **দাপনার বীরভূমত্ব লংবাদণাভা লিখি** । " वनवादी ज्यावारम 🕈 🕈 🕏 पुष्क वादु লৈ সরকারের ব:চীতে পূজার সময় ৯ নক টী^ক নাটকের অভিনয় হয় ইভাচি^ক া কলিকাডায় থাকি, নাটকাভিনয়ত ।ছি। পুজার সময় বনয়ারী কাবাহে চলাম। কৈ সরকার বাবুলীর বাটীতে ৰে ড কিছুই দেখিলাম না। ''নলদময়জীর' 'বাবা গান ৫ ধইয়াছিল, বটে।ভাহাও ণ ফুলাব্য বোধ না হওয়াতে জামাদিশকে ভবে হজানীযাপন কারিতে ইইয়াছিল। দদাতা মহাশ্যুকে এ চ খানি '' শুদ্ধি পত্ৰ " ভ তপ্তুনয় করিয়া বাধিত করিবেন। এ অট্টোর) 🗃 জীনায়ায়ণ যোবাল।

🌖 নিবাস গল।টিকুরী।

ነ ታ ዄ ታ

হাৰয় ? পুৰ্বের _ন্যানএকাৰে হি**ন্ত্রটে**লের শিক ফী বিষয়ক প্রতিবাদে আমরা বলিয়া ब (य विरमय कात्रन यमान्धः श्रारतिमिक्का 'क स्हेटल व्यक्षकः ∉ है।क। कहा क्रिका ণ আহ্পাদের স্থিত আপনারেক জানাই , আমাদের সেই প্রস্তাবদী ক্লোপধায়ী ८ इं: ज्यापिन रहेल 🕮 युक्त नाती हतन র মহাশয় ও ডাইরেটর মহোদর প্রাবে को ६ के का कमाहेशा विद्यास्त्र । ভোক্ত ছঃ খিত হইয়। প্রকাশ করিভেছি যে, লর প্রস্থাবিত লাইডেরিন একণপর্যান্তও পিত হর নাই। পানী বাবুও সুপরিটেট त्माशाल बाबु कि कमा अञ्चित्रहा छेना । প্রকাশ করিতেছেন বলিংভ পারিনা। শ ডিডকর বিষয়ে উট্টেদ্গের এরপ লপ্রয়ে ছওয়াউচিড নয়া প্রথম প্রথম এরীর জন্য কডেই অংড়েশ্ব কৰা হইয়াছিল :

লম্রাকারচসহকারে প্ররীবাবুও গো াবুকে অহুরে:ব করিতেছি যে ভাঁধারা তি সাধনে তৎপৰ হউন। ভাহার। সচেষ্ঠ লৈ আন্রা আর কাছার মুখ চাহিয়া

শেষে পর্বাতের মূষিক প্রসাবের ন্যায় সক

।কল হইল।

য়ও যেন সুপরিকেটে এক মহাশয় মনো

ষ্টেলের চার্জন র্জিন গটিত বিষয় লইয়া অংশানহে।

আময়া অমুভৰজোৱ পত্ৰিকার কলিকাভাত্ স্বাহৰাতীয় বিক্লেখাহা বিশিয়াছিলাম, গত ২০ এ অধিমের অনুতব্যজার পঞ্জিকায় ইব্যাদ शाखा महानव स्थारात अखिरान कतियारहरन । আনরা ভাঁহার কিখিত কথাওলি মনোযোগ महकाद्र भाठ कतिष्ठा (मधिलाम, मश्वामहाछ। व्यापारनद्र श्रवाम श्रविकाष्ठी क्रव्यूक्रम मा कविहा कफकशन सिदर्शक कथा लहेशा आ एवत कति बार्डन। मरवाक्याका अक्चरम यमित्रार्ड्स. কেবল বারুলিরির জন্য রিডিংল্যাম্প প্রভৃতির व्यवहात अञ्चलक कता इरेग्राह् । भरवामशाकाव এইরূপ লিখন ভলীতে প্রকারান্তবে প্যারীবারুশে (मायी कता स्टेटफट्ट। आयता मरवामनाकाटक क्षिकामा कति भागीवात्त नाम अक सन स्थी वह हिटेख्यी बहानग्र कि विम्रार्थि वालक्षिशतक সৌধীনতা শিকা করাইতে ভাল বাদেন? পাঠ করিবার নিমিত্ত পূর্কো বেক্সপ আলে: দিবার नियम हिल काशरक शकात करूविया, विरम्यकः **₹ষ্টেলের স্থানসকল অন্পরিকৃত থ'কে বলিয়**া পারীবারু ভাষা রহিত করিয়া দিয়াচেন ' মুভবাৎ বোভারলণ অবস্থামুদারে বিভিংললে∞: ও সেজা ফ্রন্থ করিয়াছেন। ইংগডেই কি বাবু जिति कर्म **भ्रेम** ? व्यक्षणभाष विरयक्षा मा करिङ এক জান মান্যবর সদাশয় বংক্তির স্করে দোষ ভার নিক্ষেপ করিয়া চাপুস্য প্রকাশ কর কি সংবাদদাভার উচিত কাজ হইয়াতে ? ন: ইলাতে হাহার কোন আর্থ আছে? এরপ করিলে 🖘 নিশ্বকভাবে। বৃধিত হইতে হয় না 🕍 আমর: भूर्य (**प कर्युक्ती** युक्ति श्रम्भाग कहिया भाग পক্ষ সমর্থন করিয়াছিলাম, সংবাদদাতা ভংস भएक अवनी कथा ह वरलम नाहे, हेशाएउटे अने हे বোধ হইতেতে চাজারুছি অসমেরিক হয় নাই: অব্যথা ভিনি চাড়িয়া কথা কটিচেন না সংবাদদাতা বোড়ারদিলের বিষয় যাতা লিখি চিন্ত জেতএব তিনি যে উচচ প্রতিক্রণা য়াছেন ভাষাও স্কলিকস্কর হল নাই । ক্রিবাছেন, ভাষ্টের ভাষাব হুষ্টেলে বোডারের সংখ্যা চিবকাল সমাম भारक मा। व्यानरक भन्नीरक किने करेन्ना सांक्रिया । अस्य यथानं विकास ७ ६ करें व्यक्षीकातः यान, शकाखरत व्यक्तरक शरीका मधरत व्यक्तिता (दन मा। व्यक्तिता कृष्टक अपन्य देवे कात थारकमः मरवामनाचा अथन अक वात इर्ष्टरम আগমৰ কৰুৰ, দেখিতে পাইৰেৰ আরও ১৮৬ কি, য'দ খদেশীর ধনাচা মটোনযুগৰ সক स्रम श्राप्ति कियो विश्वा विश्वा करेशा हिन। ামাদিগের পূর্ব প্রস্তাবিত সভা ছুইটার আমরা সংবাদদাতাকে চোধে আফুল দিয়া वुकारेबा मिएकहि, य ७ कर वाण्ये रहेन क्रां क्रियारकम, कांकारमञ्जास्य करना के कार्रावध ! व्यक्ष्मिया निवाकत्वार्थ शियारक्रन, ११ ऋह अस्ति

गरवाहमाका रहिता थाकियात सुवि कारव निक की मबरक याश विवाह हुन व्यामानिकात अव्विवासन केरम्भा नरह । 🛫 অন্ধিকার চর্চার আবিশ্যক্তা নাই ব निवस्त रहेनाम ।

সংবাদদাতা মহাশয় আমাদের প্রতিব মন্মঞ্চ না করিয়া যেরূপ চাপল্য প্রকাশ রাছেন, ভাষ্তে আমরা প্রকৃত ছঃখিত রাছি।

গত পরবঃ পুরুলিয়ার ডেপুল नत अधिक बाजू बाधानमान शामकात (हेश्याक्ष कृष्य विभव क्षकृष्टि एतम् अक्याः कतिया जानियादस्य) महानय स्टब्रेटन जा ছিলেন ৷ ডিনি গড ছই দিবস রা**ভিকালে** ' ভ্ৰমণ বৃত্যান্ত বৰ্ণন করিয়া। বোডারপণকৈ ছ कतिचा शिवाटहर । वाचामनाम वावू अक क्षेत्राहरूका (माक। उँ.श्व अश्वारम अब भश्रष्टे इहेऽक्रिकाम ।

िन्छर्**ङ** र**ङ्**ल ৬ **ই** ডি । ১২৭৫ সাল

a:--

महान्धा क शिलाका अर्'स स देश्य वम्यानप्रजि कार्रष्ट्र, कार्राटक भवर्गरवर्गेत म माई । (करल इंडिडिय अ क्षांमद करि ব্যক্তির সাহায়ে প্রায় চারে বৎসর হইল তেছে। সপ্রতি ধর্তমান বর্ষে উহার গ वास खालका जातक छान इन्सार्ड रे স্থায়িত্বে প্রতি অনেকের সংবায় জন্মিয় স্বাদী থাকাতে উজা এখনের যে কছ উপ छ। इन वना वास्त्रहा भारत बहुत के विद्राल दर्खेशान व्यवका महाताल दर्खशानार्गिया है है है ক্রাজে নাজাগিরাক বালারৰ ভাগার বি প্ৰেণ্ড ক**িয়াজেন : এন্ত**্ৰে ইহাৰ বঞ্জা পুরিবাছ। তামটা মহাবারের অধিকার প্ৰভিং ভ ওবের পরিচয় এলমি করা হইয়াছে : এ ্রেজি, মহাবাজাই আনালেগের ক্ষেত্রায় বি । লয় রক্ষীকে পুনঃ পল্লবিত করিলেন। বরি , अहे क्षकांत्र मध्यार्थः छिरमाहित हत. र **হট্লে সেলেব প্রকৃতি মঞ্জ সাধিত ১**য় आमापिताव विम्तालय तुक्कील कलतान भारत प्रस्क मात्रे हैं छ

8 का खिक ३२५४

<u>क्र</u>ीबर इस्ट्राइन

মেন সংহেবকুত সূত্ৰ বিবাহপদ্ধতি শইয়া ! कि कालि मिनीय है ताकी कागरब महारशाम গাউঠিয়াছে:বড়বড় সম্পাদক মণাশায়ে ুজাপন আহাপন বড় বড় বুছি আনুষ্যাং⊀ भूभीता १९५५ के के हेहाइक दिनाम कितिकात 144 PARTERS 1

ाई रझ्ट्रिट्सर अथन शक्का खाउँहा, काहाराड ্যু:ডিড এইকুপ একটা বিবংহপদ্ধতি আইন চত্যা নিভাস্ত আৰম্ভি হ'লোৱা হিচ ছু মুগলমান প**ভা**তি এক লিভে গ্ৰেমৰ নিধুমা∻ াৰ দৈয়াৰ কবিতে চান না, উহিচাদ द .वेटपुर्व क्रुन्दिर्वजना श्रामाक्टिकी সোলে ঐ পর্কি ক'চচেত্র । ইরপ টা নিগাঙ্পছতি না ইউলে সেনের राजेर मधारमा, स्टब्सा (मर्गस डिक्स**े**स াৰণেতে ১৯শ একটী বিধাহণছতি আনাইন ৯৭ ুম গোলের সকলেরই চেষ্টা করা উচিত। ষ্ট্র বের বিষয় এই যে, সম্পাদক মহাশায়ের। द निषदीएक काम्रम्भावादकः (हर्ष्ट) कतिएक

कहे सहस निवादशकांक व्यक्तिनक व्हेस লানিলকে ও ঐ মতে পুনলিক ক্ষা ভাঁহা গের সম্ভান সম্ভানিকের নিকার করিছে र्नरमन्त्रे बागः कतिरात्रद्वय मा, करत कीवाता বৈ মুলাঞ্চেনন কৰিছে। উদ্যাত ক্ষয়ণভোগ কেন ? রে কারণ কিছুই বুরাং সংয়ু না , এই উপল্লে দ য়াদের গালার কুতুরের শা গল্পী আমার মনে ভিল - ইছাকে বিনাশ কৰা আংশক। যাহাটেড इकि अर्क्षण इतेता काक्रेन**्य** क्या. उत्हार है। मक्त वर्ष करना

अहे कुछम्बित दिवास्त्रपृष्ठित स्त्री प्रकृत দ্বস্থদি পরিবর্তিত হুট্টা থার, ডাহা হুট্টা भातर्गत कृषिया बहेटड भ १२ ।

दाक्ष कहेटन सार् अकुल सी ६०% हासमाध्यात । यहर के नकाल वार्तिक इहा:

 य । विवाहणाचीय ,विज्ञाहीतातव भी ,विज्ञा 27

(क) विवादश्य मधुम्स लाखात. या करता . **ায় প্রজন সভাও ১১**৯৫০ কিছ বেলে _হ বস্ক (শ'উ; ্যক্তির্বহণস্থা সভা উপস্থিত হইতে পাতিবেন ১০০ এই জন বাৰ্বহিত ক্ইৰে এটা বে'ন মতে জুঞি । ध इस माः

खि**ळाडेवटक** विदारमञ्जूष कार्यस्य पाधिक बाग्न कावभाक, किञ्च एक्टल

अवस्था नमान नटह, क्रुक्तदार महिला लाकमिरणत भक्ति विवाह इन्द्रा इः नागः इहेशा छिटित।

(গ) যদি এক স্থানে এক সময়ে ৩।৪ টী বিবাহ হয় ভাষা **হইলে রেজিটরমহাশয় সক**ল্ স্থানে এক সমরে কি প্রকারে উপস্থিত হইতে পারিবেন।

ध्क मगद्र चारनक्छलि विवाह रुष्ठमां अ कि क्र ऋत्ख्य गर्हा

ভর্। রেজিটরের সমূধে এই বলিয়া প্রতিজ্ঞা করিছে ইইবে যে " ঈশকের সমকে অংইন অনুসংৱে আমি (তামাকে জৌ (আমী) রূপে এছন করিলাম।

''ইখবের সমক্ষেণ বলিবার আবশ্যকতা মাই 🔻 কারণ যথন রেজিইরকে বিবাহসভায় আনারন ক্রিবার আংশকেওা বোধ হইতেছে না, তথ্য অলে উপৰেৰ সমকে বিবাধ হট্যা যাইৰে পরে বিবাধ রেজিইরী করিবার সময় আমারার **ঈশ**ুরের সম**্বে** বলিবার প্রয়োজন দেখা य:हेटल्डाइ सा ।

৪ : বিবাহ রেজিইরী করিবার সময় যে সকলকে र्थायप्रदी आफिरन गाहेरफ स्टेटन अप्रै नहात्रमञ्ज (अप क्या मा । पश्चिम प्रस्तु (तक्षिष्टेतीत समझ বেমন রে লিষ্টরকে বাটাডেও আনা হয় এবং আপিলেও মাওয়া হয়, সেই ক্লপ্ হ্ট্লে লোকেব স্ত্রিগঃ ষ্টতে পারে।

এ।বভাবিবাই শেক্ষণ স্পষ্টাক্ষরে নিষেধ করা চইয়াছে, বিধবাবিবার এবং ভিন্ন জাভিতে নিধার মেইরূপ স্প**ষ্টাক্ষ**রে **আ**দেশ ককা বইলে আইনের গোলখোগ কাটিয়া যায়। 'य हत दक्ष भाविषात क्य 'छ**छहे भाषातर**गत क्षत्र र

লব্যের ইচ্ছায় এই প্রভনবিধ পছভিটি 3 म । कमानि इक्किन्य १९६४ वराः आस्मत स्रायः, मा स्त्रास करेत्रः, आह्मत्यक करेत्र अध्यान अक्की

> S#1 #11 / ₹ } (邓汉朝书)琳 经应条(ારેલલ સોલું !

मृताभाषि ।

জীয়ুক ৰাজা সংক্রেমারায়ৰ দিল্য সুক্রের ১২০৭ ক[া]ছক বৃষ্টিতে বুভ জানা**খন** জীপুৰু ব'বু গোকুলকুকাচ্ছে বৰ্জমান 7.3 শ্রীয়ুক্ত আরু, সাউয়াস क्र कर शह ১ বির কার্ত্তিক ইইডে বঙ আবিন 30

--:-:--

গোমপ্রকাশসংক্রাস্থ করেকটা विरुग्ध नियम।

অতিম মূল্য ও ডাক্মাসুল না পাইলে দ্ব-খলৈ সোমপ্রকাশ থেরণ করা যার না।

ইহার অধিম মূলাবার্ষিক ১০ টাকা এবং বাণ্যাসিক ৫॥০ টাকা চ ফকখনে ভাক্ষাসক নমেত বাৰিক ১৩, বাণানিক ৭ এবং ট্ৰেমা-সিক ৩৭০। তিন মাসের স্থানে অধিম মূল্য গ্রহণ করা যায় না। ছণ্ডি, বরাতি চিঠি, মনি-व्यक्त तार्वे अ होग्य विकित, इंशत कराउत যাহাতে বাঁহার ক্রেধা হয়, তিনি সেই উপার धाता मृत्रा (श्रत्न कार्त्रादन ।

योहाता द्वील्पिकिक भाषाहर्यन, बाहाला যেন এক অথবা আবাধ আমার অধিক মূলে; अ वनीरमव विकिष्ठ (अवन ना करहन।

यथन यिनि मक्षान इहेट्ड लामक्षकार्यद মূল্য পাঠাইবেন, ভাহা যেন রেঞ্চিষ্টরি করিয়া <u> और क बातकामाथ दिवराकृष्टवत्र मारम शाहे:-</u> हेब्रा (मन।

योशिनिरशत मृत्या भिवात नमञ्ज अक्षीक इडेहा वानित्त, এक मानभूत्री काश्रामिश्य किही लिचित्र कानान बाहे (व, कान फाउँकि इहेंद्रा গেলেও এক বার চিঠি লেখা ধইবে, ভারার পর একমাসকাল প্রজীকা করিয়া কাগজ বয় করা যাইবে। শেষ বাবের পত্র বেরারিং পাঠান इहेर्द ।

মাজলা রেলওয়ের সোণাপুর ষ্টেসনের ভাক ঘরে চিঠি আইলে আমর। শীক্ষ পাইব।

बौराहा माञ्चल मा निहा शक्का नि श्राहर करि বেন, উট্চাদিলের সেই প্রাদি এছৰ কবা गाहेर्य मा।

কেই সেমিপ্রকাশে বিজ্ঞাপন দিতে ইক্ষা করিলে ভাঁহাকে প্রথম তিন বার প্রতিপংক্তি 🎺 • আনা ভাষার পর /: আনা নিভে ংইবে। নিনি অধিক কলে বিজ্ঞাপন দিবার ইক্ষা করি-্বন, পাঁহার সংহত অভন্ন বন্দোবস্ত হইবে ৷ 🔺

😭 এই পত্র কলিকাতার দক্ষিণ পূর্ব্ব মাতলা রেলওয়ের সোণাপুর ষ্টেসনের মঞ্চিন চাঙ্গড়িপোডায় জীযুক্ত হারকানাথ বিদ্যা-ভূষণের বাদীতে প্রতিসোমবার প্রাতঃকালে स्कालिक स्त्रा

(माशका

₩.4.3

e • 7543/1

ं प्रवक्तमां प्रकृतिविताय पार्थिवः सरस्ततो अतिमदती न दीयतां।"

মূল্য এক অগ্রিম বাধিক ১০ দশ यान्। निक स्थ शास्त्र लीह होका ।

সন ১২৭৫। ১৮ **ই** কার্তিক। ১৮৬৮। ২রানবেশ্র

মণ্ডলে মাসুলস্মত জাতিম বাবিৰ

তে:ক খণ্ড৮ - পুঠা মূলা (নগদ) ॥• হৃতুজ্য এগম অবধি ভিতীয় গ্**রণি**ষ্, জ সংখ্যানাগরাক্ষরে রামানুক্তের চীকাও ণা অসুবংদের সহিত কাব্যপ্রকাশ ষয়ে হুইয়া বিভারিত হুইভেছে। ইহ'ডে মাছে· र्वे । नार्याको एएइत मैका । युन्दिरमस्य क्र इहेर ७ इहा अधिमारम ১० অবাং৮০ পৃষ্ঠা করিয়া মুন্তিত ও এচা ।ইবে । মূলা॥ • আমা। যাহারা আহিক কুক্ত হইতে চাহেন, বাহারা আমার নামে ণ্ড: ত্রাক্ষ সমাজেপত্র লিখিবেন। বিশেশীর দিসকে 🖊 • এচ আনা ভাকমাশুল দিভে

াত্রবৃত্তি পরীক্ষার্থগনের পাঠেঃপ্রোগী রেমূলক মানসাক্ষ মুদ্রিত হইতেছে। হাবড়া। त्र क्रमप्रमुख्य (७ शृष्टि हेमरामा हेत 🗐 एक क माधवध्या कर्कः मध्याख्य महानारवृत् निक्षे শক্রসহ <u>ঐ পুক্ষকের পাঞ্লিপি</u> এথরণ ভ ভিনি এই উত্র দেন, '' এরুণ একথানি রুবিলক্ষণ অসভাব ছিল, আবপনি ভাষঃ রিয়াছেন। প্রডেকে বাঙ্গল। ক্লে ছাত্র র ক্রেণির ডে কথাই নাই, অসন্ধন্য উচ্চ १९ मिर्ड के ब्रे ब्रेड निक्ड क्य, हेर्। ার জাঞ্চরিক ইক্ষা। ছগলি নর্ম্যাল স্থানর हित्र व्यथाक अध्यक नातू तकारमाहम

মলিক মহাশয়কে জাপনার মানসাক্ত আমি .দখিতে দি, ভিনি লিখিরাছেন যে কালীপ্রসর বাৰুর মানসাক্ষের অধিকাংশ দেখিরাছি এবং मुक्ककर्छ कहिराजीक (य अञ्चलारस्त्र केरमानाः नक्ल क्रेब्राटक । कन्छः वाकाला अक्र नम्बुटकर পক্ষে গ্রন্থানি বড় কাতের চইয়াছে এবং অস্ক বিষয়ের একটা অস্তায় প্রণ করিয়াতে

क्षिकाली अन्न शस्त्रां भाषात्रः

বিক্ৰয়াৰ্থ। গারতেন বীচ ২৪ নং বাটী গুলামসর ১৯ বং**কো**ড়া বাগান। উপরি উক্ত বাগান e বালী গাঁহারা কের कतिएक कथना कहेएक वेष्ट्रा करदन, निर् पार ब्रिफ राज्यित निकरे सामाहरूवन

> शित्यक्षात्रम व्यक्त গনট এবং কে

> > ۷

কলিকান্তা জ্বোড়া

नीरकः ६६ म॰

.....

विविध ज्वामि विकासर्थ C(38 5 1

इर्ताकी वालना शृक्षक कात्रक कनम माना বিধ দ্রবাদি পাণ্ডা ধার এবং পুস্তকাদিতে ৴৽ এক আনার হিসাবে কমিসন দি আধিক টাকার প্রস্তুক ল্ডালে 🗸> জানার কিসাবে : পাইবেম :

বিদ্যান্তক্ষর মাটক कुक्कुशाबी नावेक পহাবতী নটে∓ শ্ৰিম্পী নটেক ন্ধীন্তপ্ৰিনী নাটক চল্ল বলাস নাটক রামাভি..ৰক নাটক प्रमुख्या महिक আনকী নাটক

প্রেমাধিনী নাটক ইমুপ্রভা নাটক बल्बबराखी नाहेक खाण्डित्रहरू गाउँक কীচক বপ ম'ইক অর্গপৃথাল নাওক বেল্যাসজ্জি নিবৰ্ণ নাউক কলিকৌতুক নাকট লীলাবজী মাটক কুকুমকুমারী নাটক কৌরববিয়ে গানটেক শিববিবাহ নাটক प्रवृक्ष प्रशामि माहेक সপথী নাটক পুনরিবাহ নাটক রুষণী লাটক (श्रमकत्र) विवयनाय वार्षेक 角 বৎস রাজার উপাধ্যম নাইক নবনাটক বছবিবাদ নিষেধ্ काम्बरी माउँक মুক্তাবলী নাটক নৰসুমনী নাটক No: 3: 5 7 প্রবোধচক্রের নের নারক क्षार्वचंद्र वाष्ट्रेक **रऋ के वहां व ना**हे क वासाविदार नाउँक বালোদ্বার ন'১ক বিধবং পরিব্যুগ্রস্থ নাউক বিধৰ্মেশ্ৰাৰ্থন নাটক ^১ ভিকাশীনাটক अनुष्टिक विश्वति अकारला के **व**िक किट्ट किट्ट दुखि नाउन विक्रम नाउंक

(माश्का

ं प्रवक्ततां प्रक्रतिश्वितायं पार्थिवः सरस्वतो श्रुतिसङ्ती न शियतां

ক মূল্য ১ এক অগ্রিম বাধিক ১০ দশ । ম যাল্যানিক থা সাড়ে পাঁচ টাকা।

সন ১২৭৫। ২রা অঞ্চায়ণ ১৮৬৮। ১৬ ইনবেশ্বর

श्रिक्याल माञ्चलगामक व्यक्तिम वर्षि वागाणिक १, ७ देवसाणिक २५० है

বিজ্ঞাপন।

ধারণকে আত করা ঘাইতেছে বে, সংক্রত বিভামিনিকে নাটক আছে প্ৰাকৃত ভাষায় সম্বিত বস্কাত্র কলিকাতা প্রাকৃত্যন্ত্র ভ আশারজ্ঞ করিয়াছি, বোধ **হয় মূলঃ** ১৪^০ दिख क्वेर्ट । व्यक्तिय हेर्ग्रेड काद दिक् পুন ক্রিবেন না।

বিয়া খাটা } এ কাডিটক } আটাখোনন মুখোপাধ্যায় ১০৭৫

বাল্নীকি রামায়ণ।

१८७।क सञ्च ৮ • भुका मूलः (नगर) ॥ • ।ইপুস্তক প্রথম অব্ধি ছিডীয় স্গৃপ্র_{।স্ত} র সংখ্যা নাগরাক্ষরে রামান্তকের টীকা ও লঃ অস্থাদের সভিত ক্ষাব্রেকাশ যন্ত্রে रुदेश विज्ञातिक रहेराज्ञ । हेराटक मार्ट्-ীৰ্ব ও নাগোঞ্জী ভট্টের চীকাও স্থলবিদেয়ে क्ता क्हें एक इन्हें अधिमारम ১० करार ৮ - भू के। कहिया मूसि उ 🗷 🗈 हा इटेरिन : মূল(∦ • আমানা। বী∌ারা এব:≱ক कुक कडेटफ हाटकम, डीकावा आधार मार्म ।তি ত্রাকাসমাজে পত্র লিখিবেন। বিদে আকক্ষিপকে 🦯 এক জ্বানা ভাক্ষা শুল स्टेर्र ।

खबृज्जि भद्रीका विश्वरत्त्र भारते । भारता भी রমূলক মানসাক্ষ মৃত্রিত হইতেতে। হ'বড়া व क नम्मूरस्व (छशुष्टि सेमराभा हेव जीवृक्त সাধৰচন্দ্ৰ ভৰ্নাৰভাজ মহালানের নিকট

এক পত্রসহ ঐ পুস্তকের পাগুলিপি প্রেরণ ৮ প্রা (অগ্রিম মূল্য)। । कराएक फिनि अहे फेल्द्र (मन, " अञ्चल अक्यानि এছের বিলক্ষণ অসম্ভাব ছিল, আপনি ভাষা पृत् कतियारहम । श्राप्त (क वालाम) यह रम हाज इंखित (अभित क कथाई माहे, कामाना हेक লেণিডলিভেও ঐ এছ শিক্ষিত হয়, ইহা व्यामात व्याक्टतिक देश्या। इत्तरि भव्याति कृत्सत (याभावत व्यक्षाक सीयुक्त वाबु क्षका(माहम মলিক মহাশয়কে অংশনার মানস'ক আনি मिथिएक मि, किनि विशिद्धारहन य कानी अन्त ব'বুর মানলাক্ষের অধিকাংশ দেখিয়াছি এর॰ मुक्ककर्छ कहिर्द्धाङ ्य अञ्चलार्द्ध हिरम्मा সদল হই ছাতে : ফলড: বাদালা জ্লসমূহের भ**रक अध्यानि राष्ट्र** की(सात् क्षेत्राटक करर **अस विन्देशन এकी बाला**च धूनन कविष्ठाट्य । »

জীকালী প্রসর গ্রেপাধার।

ঠনঠনিয়াসংক্ত পুজকানয়ে ওপটোল ভালার বাড়ুর্ব্য আগের কোম্পানির লোকাকে মংপ্রণীত ও মংপ্রচারিড নিয়লিখিত পুস্তক গুলি বিক্য় হইডেছে:---

| প্রশীক | भूला | |
|-----------------------|---------------|--------|
| <u>নীসইভিহাস</u> | 3 | है।का |
| ংরামই ভিহাস | ۵ | Š |
| ভূষণসার ব্যাক্রণ | 1. | ক্ষামা |
| নীভিসার (১ ম ভাগ) | į. | ર્જ |
| नीष्डिनाद (२ ग्र ७४४) | j. | Ú |
| শ্রচারিত। . | | |
| मुक्रावीय दक्षित्रन | | ج. |
| <u>ী</u> ংঘারক | না ব × | শো |
| | | |

शुजान अकाम। विक श्रेतान

অসুবাদ ও টীকা সমেত অত্যেক গুঙ

্যিমি এইণাভিলাৰী ইইবেন ভিনি সুৰ कामहत्रहें हो है ७४:३ नः उत्ता काराज्य वास कथना कलिकारा मश्बर् छ विका श्रियुक कगरमाञ्चा फर्कालकारवत नारम थट्खुत हेक्का कांद्राम भूता भारे केंग्रेस । च मा भाइतन वित्मरम विष्णुभुदान भाठा। নিয়ম নাই ই ভি।

বিক্রয়ার ৷

শব্দকল্পেন অভিধান। সর রাজা কাস্ত দেব বাহাছরের কুত। উত্তমকণে বে দিয়া ভতন ৰীধান, খুলা ১৫০ টাকা :

श्री यानमहत्त्वस्यम् खवाशीन

.

বিক্রার্থ। গারভেন রীচ ২৪ নং বাটা ওলামসক १७ वर्धकाका बाधान ।

উপরি উক্ত বাগান ও বালী যাঁথকা कतिएक कथदा नहें एक हे प्रकृति রিভ ব্যক্তিব নিকট জানাইবেন :

> शिरल छ। कम् वावरवः খনট ভৰণ সোণ

---:•:---विविध ज्वागीम विकासार्थ

ট॰রাজী ব'ললা পুস্তক কাগজ কলম ন ্বিধ স্বাদি পাওয়া য'য় হবং পুশুকাট ৴৽ এক জ্ঞানাৰ ভিসাবে কলিসন দি ৷ জা টাকার প্রস্তক লটালে 🔑 আনার ছিস **भ**∶हे(यन ।

विष्याञ्चलका साहित्र जुक्कक्षाती नाहेक शकावडी नाइक

h•

١

11.0/0

۵

4; •

k//*

:#•

٤

পাসিতের বিলাপ শীর মুদ্রিত চইয়। প্রকা

ক্রেষ্ড সাক্রকারীর প্রতিষ্ঠ এবং

٤

| ٦. | |
|---------------------------------|------------------------|
| র্নিঠা নাটক | |
| ীৰভপ্ৰিনী নাটক | |
| ছবিলাস নাটক | |
| माजित्यक माहेक | |
| ভঞ্জন নাটক | h |
| নকী নাটক | |
| ध्याधिनी नारिक | i! o |
| হুপ্ৰভা নাটক | |
| नमयुक्ती साहेक | |
| िष्टत्रमः नाउक | |
| हरू वर्ष महिक | 44 |
| শৃথল নটক . | 8., |
| গ্যাসজ্ঞি নিবৰ্ত্ত চ নাটক | |
| नेरकोजूक माक्ड | 8 √° |
| লাবর্ড মালং | <u>.</u> # • |
| স্মকুমারী নাটক | 3 |
| রববিয়েশ্য নাটক | |
| र्दियाङ् भावेक | ٠ ارو ا |
| ক স্থাধি নাটক | د |
| য়ী নাটক | 2 |
| বিবাহ নাট্ৰ | и. |
| नी नाउँक | /. |
| नकको विषयनीय नाउँक | fi • |
| থেস রাজার উপাধ্যান নাড়ক | μ - |
| াটক বছবিবাহ নিষেধ | ; |
| ध्रवी मध्यक | : |
| াবলী নাটক | μ. |
| মেনী নাটক | : . |
| নটিক | ħ • |
| रास्डरःत्रियं भावेक | 2 |
| শেশ্ব নাটক | 3: • |
| ব্ৰহণৰ বাটক | ∦.,/ • |
| र्शिवाह स. हेक | ł., |
| বাধাৰ নাটক | .4. |
| वा भविनामारम्य नारक | ; |
| शंभागात्यक्षम् माहेक | H > |
| भी नाइक २००४ | 7 |
| ই আমাৰণৰ ৰাজু ং কাল নাটক | t ₁ • |
| কিছু বুনিং নাটক | 11.7 |
| म नाउक | a · |
| } | হাপ <i>চন্দ্ৰ</i> রায় |
| ক: ৬৪ নং । নগদ | 'বক্তোঃ |
| | |

১ বিনা আক্র করেরৈ প্রভিদ-বার আনা যদি ইতি মধ্যে কেই আক্ষর করিছে চাইেন, সোম क्राम प्रदालरत नाम ७ क्रिकानः निध्या भारता डेर्यन । 25 T. T. . 303.

अपन्याप्त प्राप्त भाषाद्वातक व्यवस्थि वस् । य'हे কেন্তে ন, মেয় লিখিত অবয়ৰ বিশিষ্ট আমাৰ াগ্রা জীয়ক সিরিশচন্দ্র মুবোপাগায় ीपा पर वर्षेत्रक निक**रमान व**र्षेत्राटक ≀য∵ন চোটাং জাৰত ক্ষিয়া বিনা ক্লেশে রাষ্যা ামাতে সংবাদ দিছে পারিবেন, আমি উচ্চাকে ু ৫ টাক। পুরস্কার দিতে নম্মত আছি। সার িণ অনুবারাদির ক্লেশনাদিয়া আমার নিকট ৽ প্রংগ্রালিডে পারেন, **ভাছাত্ইলে সমুদায়** पट्या राष्ट्र 🥹 शुक्रकात e • ठाका शाहरवन ।

व्यवग्रदानि गर्था।

নাম গ্রিশচক্র মুখেপাধ্যায়, পিডার নাম व्यवहत्त्व पूर्वाशायहायः मार्किन हाल्कि छाना ুজনা যুলোহর, হাল সাকিন কটক স্থল, জেলা াক্ষ্মজ্য সমূদ ১৮ । ১৯ বংসর, উত্তম শ্রাম-বলুকুণ শবীব, মুখে দাঁছি গোপের রেখা হই सः ८६, किं एक र फेक्ट मंद्र, माथाय चाउँ हुत, ধ্রমান মীচে এক কিছুই ও এক চক্ষের ভুরুতে এক ও ৮.কিন ২েস্তে বা ভূতে এক অধ্যাতের এব॰ কবজায় জীকার দাগ আছে। পিছেব চুক क्षिमः अीतात छिल्द लक्षा क्षेत्रा लागियाहरू करत्रकी छ वाद्यना कार्य, ब्लाहकत्र महिन्छ कथा কভিতে জীক্ত। প্ৰকাশ পায় না।

ষ্টেগন কামালপুর ओ.भार्ताकक्क तात्र : ्लला अध्ययनिर्देश সৰ ইনগেপ্টের।

নদিয়ার নদী।

गर ১৮৬৮ সালের ১ লা নবেশ্ব মাস **হই**তে ৭ ই নবেশ্বর পথ্যস্ত ভাগীর্থীনদীর দর্শকমতি জলের সাপ্তাহিক রিপোট ।

> नक्रकमण्डि सन স্থানের নাম कुरु हैं। क মহানার উপর প্রানদীতে মহানায় তথ্য হইতে জঙ্গিপুর ১ अ मार्टेन मर्या ₹

অলিপুৰ হইতে বহরমপুর ३७ माइरलद मर्पा ₹ বহরমপুর হইতে কাটোরা ৫ - भारेटनत मर्४। কাটোকা হইতে নদীয়া ८७ माहेल मर्दर

সন ১৮৬৮ সালের ১০ই নবেশ্রে বং গজবাটের জলের মাণ।

कुछ

গঞ্চাটের উপর 🗐 एक नि है. छेहेब ≎রুম প্র ऽ॰ **हे** नेंद्रवृक्ष धकं कि कि कि कि कि

: b &b 1

সংক্ষাত মেঘদুত (

)ব্হরমপ্র ডিবিঞান⊹

মলিনাথকুত সঞ্চীবনীনামক উৎকৃষ্ট এবং উইলাদন সাহেবেরকুত ইংরাছী প্ বাদ এবং নোট (চীকা) সমেত মুদ্রিত য়াছে। মূলা ১॥ টাকা ক্লিকাত। সকল ও दिएक भारत्या सम्म ।

সোনপ্রকাশ।

२३१ व्यवस्थित (भावत्यः । ইউরোপীয় দৈনিক বারিক ও निभारी कृषीत्।

(य (य कोइटन मह स्मन क्राइस्म ष्ठीनाटक अममर्थ इहेटलन, अकार १ है। ব য় রুদ্ধি করা ভাষার প্রধান। দৈ দিগের নিকটে ভাঁহার প্রশংসালা অধিকতর ইচ্ছানিবস্থন সরকারী রা इहेट उठ क्यांटि टोका वास कड़ा इहे পুর্বাতন বারিকওলি অস্বাস্থানর ন নোবের মধ্যে এই লাভ ডেলচা টাদ চারল্য নেপিয়রের প্রতিবাদ অব্য করিয়া স্থানে স্থানে উপরের ঘরও বড় অধিক উচ্চ করান নাই। স্থা य प्ताप्त प्रथम इस, त्रीत अक्कू নয়। প্রকৃত কথা এই, প্রত্যেক 🖼 রকে এক একটী হুর্গ স্বরূপ করা হুই मत कन लटतरकात कामका अहे, श मकन लाटक विटलाही इरेश रेडेटना विनिर्भव भितरमञ्चन करान । এই नि **এङ्फ्लिमीश रेमना**पिश्वक निक्कि र হউ বস্তাও নিকৃষ্ট শিক। দেওয়া **তেছে। ইংলঞীয় কর্তৃপক্ষ** ভাঁহার **গকে ভূরোদর্শনসমূপিত বোধ** করিয়া ংৰাকঃ তুল্য জ্ঞান করেন; কিন্তু মরাসপ্টাক্রে এই অসুদার ব্যবহা-প্রতিবাদ করিতেছি। কোন শাসন र्ग अप्रकामाज्ञरण स्वाकतक अञ्चितिः न कतिया भागन करतन नाहै। नद्र स्वन तम इंडेटक काछिरेवत च्यातल दक्षि ল। বাৰভীয় ভারতবৰীয় কি শুপ্ত प्राही १ এक लक्ष मिलाही विद्यारी ; কিন্তু তাহাদিগের দমনার্থ সহত্র ভ্ৰভারভবর্ষীয় **অসু**ধারণ করিয়া-লেন।কাহাদিলের সাহাযের পঞ্চাব গুপায় ০ কাহারাদিলী আচর করিয়া ন ? ইহাতেও এত অবিখান প্রকাশ ছত রাজানীতি ভোচিত কার্যানহে। য়ক ব্থ্যরপরে ইংরাজেরা দেখিতে ইবেন, সর জন লরেজেনর এ রাজনীতি ফল বিধায়িনী নয়। কত অৰ্থ অনৰ্থ য়ত হইল। এক্ষণকার দৈনিক বায় লেচের সময়ের বায়ের প্রায় ভুলা शहरू । (ला**ड गार्ट्र क्यिक ठ**র (हक्टी) রয়া যাহা কমাইয়াছিলেন, ভাহার তাণ র্জি হ্ইয়াছে। এই কারণে কিকে এত করভার বছন করিতে ছেছে।এড টাকাড গেল; কিন্তু ল দৈন্যের প্রতি কি সমান বিবে क्या इन्ट्रफ्टइ १ अञ्चलनीयं रेमना ার আবার ও কুদ্র কুটীর কি যুচিয়াছে? রোপীয় দৈনাগণ যে প্রেণি হইতে ানীত হয়, ভাহার। জলাবভিছ্লে ভার ৰ্ষের বারিকের ন্যায় বাটীতে পাকে ; কিন্ধ যে শ্রেণি হইতে দিপাহীরা ইলে, ভাষারা গ্রণ্মেন্টের পর্ণকৃটীর পকা উত্তম সূহে বাদ করে। লোকে

এরপ মনে করেন, যে গবর্ণমেন্ট মনে

ালে নহজ নহজ দেশীঃ দৈনিক পান

বিলয়া তাছাদিপের বালহান ও সাছে।র
বিবয়ে তত মনোযোগ বেন না। সেটা কি
অমুণক বলিয়া বিবেচিত হইবে ? ফলতঃ
এইরপ বোধ হয়, দ্বেন এক জন সিপা
হীর জীবন অপেকা গবর্ণমেন্ট একটা
বক্ষুকের উপর অধিক মায়া করিয়া
থাকেন। এত টাকা ধর্মন বায় করা
হইল, তথ্য সকল সৈনোর উত্তম বাদ
ছান করা হইল না কেন ? ইংলতে দৈন্য
থাপ্রা কঠিন হইয়াছে। এ বেশে পরি
আমের মূল্য এত রুদ্ধি হইভেছে যে, গ্র
গ্রেক্ট বৃদ্ধি এতকেশীয় দৈন্যদিগের প্রতি
অধিক বিশ্বাস ও স্কেহ্পদর্শন না
করেন, ভাহা হইলে দশ বহনর পরে
আর দৈন্য পাওয়া ভার হইবে।

--:0:--

ভারতবর্ণে: সংকোষ কাইন।

ভারতবর্ষের আইনসংক্রাম্ম কমিসন त्रभन ताष्ट्रीत निकटडे **अ स्मर**ाज नायकः বিষয়ক আইনের যে পাওুলেখা এদান করিয়াছেন, ভাহা ও ক্যিণনরদিগের মত গেজেটে প্রকাশিত ইইয়াছে। কমি मनत्रिति । विषया य ममत अधिवा হিত ছইয়াছে, তদ্বিল বিবেচনা করিলে ভাঁহাদিগের পাঞ্লেখের প্রশংসা করা যায় না। ডাক্তর লশি ওটন প্রিবি কৌ বিশবের এক আজ্ঞা প্রচার করিবার সময়ে আক্ষেপ করির ছিলেন, ভারত বর্ষের নিয়তর আদাল চন্দুতে অনেক ष्यामञ्चल माकः उपन्तास अभागत्राप সুহীত হয়। কিন্তু প্রস্তান্ত পাণ্ডুলেখ্যে আইন কমিদনরগণম্বা জবিষয়ের অংকা মাত্র উৎকর্ম সাধিত চুক্ত হইল। ডাক্তর পশিস্কটনের মভাসুদাতে ভাঁচার কেবল নথি লঘু করিবার চেউ। পাইরাছেন, এই মাত্র। এপর্যাত্র বেদকর সাক্ষাও দলীল প্ৰমাণ বলিয়া গুলীত হুইত উছোৱা তাহার অধিকংশে পরিভ্যাপ করিয়াছেন

वर्षः किन्न उद्शक्तिवर्षः ध्यमानश्चरः विरागत निवय कन्ना सम् नारे।

উলিখিত পাতুলেখার ব शाहार ड कारह, जानाम छ मरक য়ানী ও কে জগারি উভয়বিধ বিচার অর্থাৎ আইন অথবা অর্থী প্রত্য সম্ভিক্তে মীহাদিগের সাক্ষা 🕸 कत्रियात अधिकात आट्ड, डाँशिव वृकाहेटव्य दुश्लोकमाति व्याहेटनत 288 स्मारत अस्त श्रीत्र क्यांता नित विट्रणय घरेनात . अपूर्मकानाय र গ্রাহণ করিবার ক্ষমতা আছে, উাহা चानागठ मद्भ चांखिश्चि इड्रेदन না, বিশেষ করিয়া লেখা উচিত বি ফে) জনারি আইন অসুনারে পুলি রিপোর্ট সাক্ষাবলিয়া পরিগণিত না, এটীও স্পাইট করিয়া বলিয়াদে উচিত ছিল ভবিষাতে গেলেযোগ বার সম্ভাবনা।

रथन (व विषय क्षेत्रा मककना ক্তিহ্য, যদারা ভাহার প্রমাণ হই সন্তাৰনা থাকে, সে সমুদায় প্ৰ সাক্ষ্য হইতে লইবে, কিন্তু বিচারপর্য গাক্ষা লইলেই ভাষা প্রমাণ বলিয়া করিবেন না। এক ব্যক্তি ভূজীর ব্যবি ষে বিষয় বলিতে শুনিয়াছেন, অ লিখিতে দেখিয়াছেন, ভাহা র হইবেনা, কিন্তু যে ভ্ৰচে এটাই বিচার্ম হইবে, অর্থাৎ যথন প্লানির দ্স! উপস্তিত ≱ইবে, দে সময়ে এই : श्रामा प्राप्त गृथी इक्टर्य । अहे भारत केंद्र है अने अर्थ है। 25-४६ खर ছুই আইনে এ বিবয়ে বিশেষ বিধি এই ছুটা ধারা হওয়াতে আনেক অস अधार्माक्रक गाकः अधारा इडेटन

किमिनदश्य वर्णन, चा शह का नारम (भगा लिथि इ धाक्तित्व है या इ आहा हहेरव होहा नरह। अही द इस नाहे। वरनक क्रम अरमणीस स নেলওয়ে ও থালপ্রভৃতি সামানতঃ
শের প্রীর্জিসাধনের প্রদান উপায়।
কৃত নীতিশান্তজ্ঞের। নদীধীন
গুকে বাদের অযোগা বলিয়া নির্দেশ
য়া গিয়াছেন। থালনদীর প্রতিনিধা।
নাং যে থালটার প্রদান করিতেছি,
চইলে কেবল যে বালিজার স্থাবিদা
য়া দেশের উন্নতি দাখিত চইবে ভালা
র রুবিকার্যারও বিশক্ষা উপক্র
প্রি। স্থাসর্মণ জলনির্মানের পথ
ফাত্র জল দানের উপায় না থাকাতে
চরাক ও অনার্কি উভয়েতেই শ্লোর
ধী ঘটিয়া থাকে। পাল্ হটলে উভ
ই সদুপায় চইবে।

ওবকণ উভয়েরই কোপদৃষ্টি নিপ্তিত ভিনিবক্ষন ভত্ততা লোকদিগকে যার নাই কউ ভোগ করিছে হয়। কট গ বাভিরেকে সৌভাগেবে উদয় হয় দক্ষিণাঞ্চলের লোকেরা এত দিন যে ভোগ কার্যাছিলেন, ভাছার ফল প এককালে দিশুণ সৌভাগা লাভ লোন। এফ দিকে কুলিপা যাইবার ওয়ে অপর দিকে থাল হইল।

अभगरत 🔄 इंडी मरकालकातक

দক্ষিণাপ্তলের হেতি সময়ে সময়ে

নার্যা খার্ড করাতে রাজপুরুষেরা।
বির যোগা পাত্র হুইয়াছেন। অভি
নবন্ধন দক্ষিণাপ্রশের লোকেরা।
শার কট পাইছেছেন। এসময়ে
দিগের বৃষ্টনিবারণের উপায়
তির ব্যাস এ ছুটীই সেই সৈত্রপায়
তেন থাস এ ছুটীই সেই সৈত্রপায়
তেন থাস এ ছুটীই সেই সৈত্রপায়
তেন কেশাপর ব্যক্তিকিলে
হ অর্থনান আমানিগের অভিমত
ত অর্থনান আমানিগের অভিমত
ত আর্থনান আমানিগের অভিমত
ত আর্থনান আমানিগের আভিমত
ত আর্থনান আমানিগের সাহাপ্রারক
তির কালের মহোপকারক
ত্যাপার সাধিত হুইয়া যায়। তবে

একটু বিশেষ বিবেচনা করা কর্মবা,
সক্তলের সময়ের নির্দিট মজুরী দিবার
নিয়ম না করিয়া যাহাতে লোকের সং
সার নির্মৃত হয়, এইরপ বিবেচনা
করিয়া মজুরী দেওয়া উচিত।

আমরা অনেক বার যে বিষয়ের প্রদ করা অবৈধ হইছেছে না। বারাসতে ও নদীয়া জিলায় যে কয়েকটা নদীর জ্যোত বলা হইয়া যাওয়াতে জলনির্গমের পথ বলা হইয়া গাওয়াতে জলনির্গমের পথ বলা হইয়া গিয়াছে, সেগুলি কাটিয়া ভাহার জ্যোত প্রবল করিয়া দেওয়া কর্তবা। তহো হইলে ঐ স্থানগুলি কেবল যে স্বাস্থ্যকর হইবে এরপে নয়, ভদ্বারা বাণিজ্য ও ক্ষিকার্যাদিরও স্বিশ্বেষ উন্নতি হইবার সম্ভাবনা।

বাৰুকেশংচজন সেন ও শাহাব অনুচরগণ

এবারও বাবু কেশবচন্দ্র দেনের অনু চরগণের বাবহারবিষয়ক প্রেরিভ পত্র ছারা দোমপ্রকাশের অনেক স্থান পরি-পুরিত চইয়াছে। অনুচরেরা কেশব বাবুর আপ্রয়ব্যতিরেকে মুক্তিলাভের উপায় নাই ভাবিয়া উাহাকে পূজা করিতে (পুজ্পচন্দনাদিছারা নর) আরেস্ত कतियार्डन, (मिथिश १०४) १ अर्करका বিশাষ্থ কাশ করিতেছেন। কিন্তু পুণি वी: इ. राक्क लि. अ.ची विलिया प्राप्त का व লবিত ও আদৃত হইতেছে, কুসংস্কার শুনাচিত হইয়া তাহার স্বরূপ নিরূপণ করিয়া দেখিলে বিসার জন্মবার অণুমাঞ কারণ থাকে না। প্রক্লভূধর্মের ভত্ত্ব গুহায় নিহিত হইয়াছে। যেগুলি বাস্তবিক ধৰ্ম নয় দেই গুলিই ধৰ্ম বলিয়া অসুঠিতি **इड्टिছে। একু** চ ধর্ম যদি **জগতে** প্রচ লিত হইত, সকল লোকেই একধৰ্মাৰ ল্মী বলিয়া পরিগণিত হইতেন, ক্থন धर्मा (अप इहेज ना। यमु (बात जमका

मानिनिवक्षन कशर्ड श्रक्त श्रम्ब হরত হইয়া উঠিয়াছে। কি খু ট কি মান, কি হিল্পু, কি নবরচিত ভাষ हेरात व्यवस्वत्रकात विषय यसि लाहमा कतिया (मर्थ, (मर्थिए । भा কভঃগুলি প্ৰণালী ও পদ্ধতিবদ্ধ সুষ্ঠানই ধর্ম বলিয়া আবৃত হইয় थृष्टियात्मता बटनन, वाहेबन श्रामानक হিল্পুরাবলেন বেদ শ্রমাণক এবং মানেরা বলেন কোরাণপ্রমাণ্ক : বাইবদে জলসংখ্যাদি মুসলমান च करहम, मि व्यवः हिम्छ्यदर्भ 🕏 নাদি কতকগুলি ক্রিয়াস্ঠানের আছে। সকলের সারস্থ্রহ কা যে আধুনিক ব্ৰাক্ষধৰ্ম বির হইয়াছে, তাহাজেও অনস্ত্রক আরুঃ नाप्ति ववर छेनामनाकाटल वक्ज বেত হইয়৷ নয়নমুদ্ৰণাদি কতকং ক্ৰিগান্তান প্ৰবৰ্ত্তিত হুইয়াছে।

মাকুষের যেমন ধর্মপ্রকৃতি আছে, মনি অবল ক্রিয়াস্তানপ্রর্তিও দৃষ্ট তেছে। ক্রিনাম্ভান: রভির প্রা নিবস্থান এক ঈশারের উপাসনা ষ তীয় ধর্মের প্রতিপাদ্য হইলেও ট মেঘছারা দিবাকরের ন্যায় উহাদ শমাজ্যুত্তীয়ারহিয়াছে : অভ্যাদ্রশ ক্রিয়াসুস্তানগুলির ৬.তি লোকের এ पृष्ठ**िक कश्चि**या शिवादह (य, छेहात र মাত্র অংশ, থাচরণ কইলেই লোকে স করে, অধর্মপর্শ হইল এবং ক্রিরাগুরি অসুঠান চইলেই মনে করে, ধর্ম রিখি ও পুণ্য উপাৰ্জ্জিত হইল। কাজে কা প্রকৃত ধম বে জনেরোপাদনা তাং दलक्षत रुदेश यात्र ; स्मित्क स्वाटः তাদৃশ দুক্তি থাকে না। পদ্ধতিবদ্ধ ক্রি সুঠান ধৰা বলিয়া আদৃত হওয়াতে ধ হে কভদূর অপকর্ষ হয়, ভাহ। রোম কাপলিক ধর্মছার৷ সপ্রমাণ হইয়ালে

প্রটেক্টান্ট্রিগের যে খুক্তর্ম, উত্তি

त्र तर च केथ्यः किन्न छेर्गाम्यत्र नीता बनानि व्यन्देश किन्नान्छीन पृष्ठे इद्र। **अटिका केशनित अनुकान करतन** बिना कार्यनिटकता छेर्डापिशटक स्था र्श्विक (वाश्व क्ट्रम ।

বোষ হয়, এখন পাঠকদণ বুঝিতে গারিলেন, কোন পদার্থ ঋগতে ধর্ম বলিয়া আদুত হইয়াছে। এক ঈশ **८इद उभागन। ममुनाव ५८र्चात अ**डि शाम, इरेटलंड क कांत्रर्ग (य মভটেদ হইয়াছে, ভাচাও বোধ হয় পাঠ क्षन वृक्टिक नीहिटनन। कियामुक्तीन ও জিন্নামুঠান নিধামক প্রেম্ভ এ সমু দারই মনুবাকশ্বিত। মনুবাকুত विनिवाद धर्मविवास ७७ (धर हहेवा छेडि রাছে। একের ক্তৃত অনুসানপদ্ধতীতে অপরে শ্রদ্ধা করে না। সুতরাং সকলে একপথাৰলহী হইতেছে না। কিন্তু প্ৰক্লুত धर्म (य व्यक्तिक क्षेत्रहत उनामना, . ভাগতে মতকৈণ নাই।

अथन পाठकश्व विद्युष्टना क्रिका (वश्वन (कर्णव वर्षेत्र क**उ**रक्श⁵न **अ**बूहद्र (य তাঁগার পূকা করিবেন, আর কভকগুল যে তাহাতে বিপ্ৰতিপত্তি করিবেন ভাষা चाण्टार्य त विषय कि ना १ किन्त्रे कुछ न পদ্ধতি হইতেই মনুষ্যের পূকা ও উপধ্যের স্ফ ইংরাছে। ক্রিরাস্থানপদ্ধতিতে मञ्दरात अन्दर अम न इस्तन कतिहा कृतन (य, किञ्चित्रधिक व्यवज्ञानम्भन्न दः क्तित পুলা দূবিত ৰলিয়াবোধ হয় না। অন্য শন্য অনুষ্ঠানের সহিত এ অনুষ্ঠানটাও वाप्ट रहेश है:हे।

मयां वर्ष इहेश श्रेष्ट्रां भागा করিতে গেলেই অসুষ্ঠানের ও অসুষ্ঠান হ**ই:তে মহুবাপূজা ও** উপধৰ্মের স্থা**ই** इहेटब, यमि अञ्चल इहेल, छाउ किञ्चटल জগতে ঈশবোপাদন৷ প্রবৃত্তিত হইতে এবং ঈশ্রোপাসনা প্রবর্তিত না হ্ইলে কিরপে বা নাজিকভাপ্রাত্মভাব নিবারণ **इहेरव, अक्ट**न बहे दश्च छेशानिह কইতে পারে। ইহার উত্তর এট, ধর্ম নীতির নায়ে বালাবিধি ধর্মের আলো চনা নাহইলে ভাহা হৃদয়ে বদ্ধ মূল হয় না। বন্ধ মূৰ না হংলেও ভাষাতে দৃঢ়ত র मः इः वटमन । पृष्ठत या इः ना वा या

लिहे कार्या कारण धर्मवक्षम अप स्हेश यात्र। व्यक्तवत् कर्खनाः, नागाकाटनः यसन बानहरूता बिक्रान्द्र च्याप्तम कटर, त्मरे সময় অব্ধি বিখ্যা প্রবৃঞ্চনাদি পরিভাগে উপদেশের নার **উপ**র বিবয়ক উপদেশ (मध्या कर्डवा । क्षेत्रंत व्यामानित्त्रत क्षि ও পালন কর্তা। পাপ কর্ম করিলে ভিনি शत्र कारण काशत वर्श विश्राम कतिरवम, बहेक्कल डेल्ट्सम माधाहरणा करमः केषःत्रत প্রতি क्रिंद्रक দৃচ ভক্তি জ্মিতে থাকিবে এবং भाभकरपात अपूर्वरित का व अवादा क्षित्रा डेठिटर । अध्यक्षक नाश्वात्र डेन प्राप्त विन्द्र मुननमान ७ व के वर्षावनदी काशबर देवमछा ७ मानछि इडेबाब সম্ভাবনা নাই। এক্লপ কোন ধর্মাবলয়ী নাই य जिनि क्षेत्रंतरक शक्तिवर्छ। ও পাপের **मञ्जाका ना वर्णन।** जरव अक कथा चारह, त्रह (क्ष्ट चार्शित क्रिट्रिंग. वालाटकत्र क्रेश्वरतत्र। विषय तुर्वित्व टक्न १ এবং কোন একথানি ধর্মপুস্তক অবল श्चित ना इहेटलई दा किन्नकाद्य ठाहाएँड **छ। हाबिश्वत मः कात्र कश्चित् १ हे**हात छेख রে ব ৫ বা এই, ঈশারের বিষয় বুঝা বাল क ও तृद्ध नकरनत्रहे नगान याँ नात एक वक्षी भेगार्थ प्रमानकार वृता गांव না, মাজুর বে উাছার স্বরূপ নিরূপণ ও ভাঁছার বিষয় বুঝিবার চেটা পান নেটা ভাঁহার অহমারের কর্ম। আমরা বে ভাঁহার স্বরূপ বুঝিতে ভালতেই তাঁহার মহত্ব প্রকাশ পাই **उट्ट । भागता यमि उँ। हाटक का**निएड পারিভাম ভাহা চইলে সময় বিশেষে উাহার প্রতি অভক্তি ক্ষিত। ভাঁহার প্রতি ভক্তি করা এবং পাপকার্যে। সুণা कत्र, वालाविनि व्यामानिरशत अञ्चान कहिएक इन्द्रेश यथन व्यवस्त नाहर ভখনই তাঁহার উপাসনা করিব, ভাহাজে (मण क'ल रिट्वहना ७ अक्ज मन्द्र के क्डेबात প্রয়োজন নাই। উছেরে সহিমা ও স্কিকৌশংজ্ঞানার্থ কোন এম : ব্দবলম্বনের আবিশ্যকতা নাই। ক্রমতের প্রভাক পদার্থই দেই এন্ত । ভাষা দেখি য়াই নিয়ন্ত কাল তংহার এতি, ভব্তি শিক্ষা করিব।

(नाहे काकिन ও खाहात कानात

P. 24.1 चटनक डाकर्त्रका प्रथानगर्यु श्र (मर्गमा, **चान्दिक श्रेय किलिक्का** (मर्ग, चार ক্যে ৰিকট হইতে কৌশলে অভিরিভ প্রসালয় যথাসমধ্যে পত্র না পাওয়াবে ব্দৰেকে ক্ষতিপ্ৰস্ত হইয়া থাকেন। নোগে ও সমচেরেপত্রসম্প দকেরা পোঠ আহি সের প্রতি উলিখিতপ্রকার **দো**বারোণ कद्रिया महत्राहद स आर्ट्स अक्ट्रिय र्वादकन, आमहा आ का तम आदिकार का **ए हिना। यामानित्रांत्र यादक्षण अहे** विमा मामूटल अवंदा अन्दाःश्व मामूट (यमतल পত প্রেরিড হর, পেটে আফি ভালার মাসুল প্রায়ণের যে নিয়ম করিয়াছেন সেটা অভ্যান অন্যায় **হ**ইয়াছে ৷ এ নিয়ম बाहा भटतत व्यभनाटच भटतत मथ कह হইতেছে। এক ব্যক্তি মাসুল না দিয় চিঠি পাঠাইল, খন্য ব্যক্তির দণ্ড হইল আমা হিতাৰ মাসুল লইবার কোট যুক্তিই দেখিতে পাইতেছি না। ছগুসম চারপত্তের নাায় অগ্রে টিকিট মেওচা না ২ইলে চিঠি ডাকম্বা লখা হইবে নাএই নিয়েম ঃউক অথবা যদি ডিটি হিতাশ মাসুল লওর रहेरव मा । य विमानः मूहर পত্রহণ ববে, ভাষার কিছুমাত্র ৩০ রধে নাই। যাহারা মাসুল না দিয়া পত প্রেরণ করে, ভাচ দিগেরও ইচ্ছাক্সনিত এক বাটী হয় না। অনেক স্থ:নে টিকিট পাওয়া যায় না. চিটি না পাঠাইত ও কাৰ্যাক্ষতি হয়। অংগতা। ভাহা 1 বিনা মাসুলে পত্ৰ পঠোইয়া থাকে। একপ স্লোকি প্রপ্রধীতরে বিভাগ মাডুল গ্ৰহণৰূপ দওবিধান বিধেয় হয় ? যাহার্য পৰ্যাঞ্জাপ মাসুলানা দিয়া প্রহেণ্ডৰ করে, সেটাও ড:হ: দরো: অনিচ্ছ:সমুং হয়। ত:হারা পতের ওজন বুরিতে পারে না।পত্ৰ ওজন কৰিয়াবে প্ৰতেন্ত্ৰ করেন এ সুর্বাস চলের নাই। ড.কঘ্র ঞাৰপে পত এছে। ক্রুটি আনুচিত। শাহ (मःहर्व ३ छेक. उहरत् । अभवःहर्व अभवः দও হওগাই তি প্ৰাত আনাৰ্য ভাহা প্রক্রার সেই দত বিশ্ববর্গ গুলী হয়। অভএব এই নিঃমটার সংশেধ

ক বা অভিশন্ন উচিত।

विविधमः वीम ।

२4.9 कार्जिक (मामनान।

৮৫७ व्यक्ति श्राथमण्डः २२ माईन (वहेल (बाला ब्रु) अकट्य ७३३३ माहेन क्हेब्राइट । क ১১ ही :कांग्लामी आएडम · हेर्ड :किटमव ছু•্≱৯০৭ খানি কল. °২৭০০ খান हिं नकर खरद काक सामि मानगा है । প্ৰবৃষ্টে ট ৫.৬০৯ মাইল বেলওয়ে কৰি থাজনো দেয়াছেন, এখনও ১৬৬৬ মাইল कार्ड । **क्रिकेल द्वर्शस्य क**्षियात व नावर्ग्यको ४३ (कांकि हे:का कुःनाःख १ (बन : इंड न माप्ता १७.४१,००, ०० है कि १८७ अवर १६ दलानि बाग्न कता प्रेग्नाद्र । ा ७०. - ३ . २० - • - हे। कः कि १ ८ इतः व्यास o. • • , • • • दे! का **चंड** लिया नि मेर्ट केंग्र बराहते हे कि विकास अधिक विकास ब्राप, इंटलर्ख ४०,२२५ ७ क्वांद्रकवर्ष ভালী গৃহীত হুইয়াছে। যাত টাকা সংগ্ हिम्राह्क, काश्य महा। कन्, सक्तेशक-নিম্র ইংলড়ে ৩০ কোটি ও ভারত s क (काक्ति का का विश्वास क्रेस का अल्ब्स ন্ব্ৰ ১৮৬৭ অস প্ৰায় বেইন হড়েছে तान ८, ००० था न छाड क निर्ाकिन्ड हर क :क्याबिका नरलन. मर्क छन २०,३३,७० होता न, इहेरल मधुशाम (तहेल ७१म £ अ ७

র ভিন রেই <u>শ</u> ৭ য়ে কাম্প: নির নিয় ক स्टेब्राइ । মূন ধন সং হী

5.5 .4 4. 6 36 55 25 58 25 25 25 68 26.85 68 26.85 A . A . K .

r.186 je 457

म्कल (व्येन-स्ट्यूट व्यट्टकः) क देश वसी म ভয়ের মূল ধল আম্বিক। ভিন্ন ভিন अरम्ब यभ्यत (चाला क्रेयार्ड खाइर - जः तक्ष्यं से स . वेन ५ ट्र ই ভার'ন ৮৭৪ নাজ্র'ল ১০৫৫ বোষাই ও

পুৰ্কৰ'ভালা ১১৪ গ্ৰেট সাদৱৰ ১২৮ মাডলা २b aa' पार्याना छ वर्षिमथ्छ त्रहेमछ्रम् ४२ माईटल लंकर र क्टाउटक ।

रवन ५८व इन्द्रा ऋवधि विस्तृत (माटकव कीवि कानिकार स्टेटक्टप्रा शवर्यम्बद्धेय व्यक्तिय नाष्ट्रका अध्यक्त कन्यताबीय मध्यता । मुमाय রেলওয়েতে ৩৯ ১৯৯ জন কর্মচারী আছেন। ইয়াদিনের ৩৬ •৪৮ জন এডমেশীয় ৩ ৩•৫১ লন ইউরোপীয় ও ফিরিলে। কিয়া উচেতর গুরুত্র কার্য, স্তার ইউরোপীয়দিগের উপর आर्ड . नक्डंडांमक अ २क्क्कमा<u>ज</u>्ञे हें छेट्राणीय अक्षेत्री अश्मितरा, व्र विषय अहे, भाक्तेत्रश्मक निरुगः य পरिम'त्व हिमश्रमान हेरलत्स श्रान'हरान हरू এখানে সেরূপ इष्ट्र मा। खन्डि অরুকালে আমাদি ात्र (तल अट्रमधूरका ऐस कि व्हेटकटा

গ্রুপ্রেণ্ট বশ্বমানের রাজার সম্মানার্গ ভো পের বাবস্থা করিবার বিষয়ে অসম্মতি প্রদর্শন कार्यशास्त्रम । याका यकि चार्क्स्यत केलकार्यस्थ मी:किछ प्रदेश लाटकत हिन्दु जाकर्यन स्विट्डन তাহা হইলে উংগাদে এমত ক্ষাত্ত পাইছে । १६ का इंड

পত ১৬ ই কার্ড়িক শুক্রবার ভূপালের বেগম প্রাণভাগি ক ব্যাছেন। সেকজা বেগম बक्जन क्षषान (हा गत्र स[ि]लाक किलन, (य नार बीएक अभिद्रकात्वय विक्रीय कार्यात्रम सम्बोदार প্ৰজ্ভ নিৰ্ভিত্ন ভিনিত ভাষাতে নিৰ্দিশ হইয়াছিলেন। **উচ্চার অন্তীনে জুপালের অজু**ত श्रुका अंद्रेष वहसाहित। उँ:हात जिल्हानन अक्षी कमाति खाला इन्टेंट्डिट्ड।

(वाधभूत कडिना बाबक्टे स्टेब्राइक छव **१३८७ विश्वत लाटक श्वांबाख्य मनायन क**विया চন, তথাপি টাগায় চার সের গমবিক্রীত **०हेर७८५ । एवं इन`क ७ इन्हों मा इ**ल्यार७ বশুর শহু প্র'শতগাগ করিডেছে। রাজার অশু मकत सक्ष्या है (अदिक क्षेत्राह्य । कन भारत्या काव श्रेषाद्या । काखिन्य प्रत्यंत्र विवत्र द्रोस्या ा कि सब्देशी के जिल्ला स्वाक

माञ्चारक्षत (इ.स.१५६ .स.१७ स. कमिर्छ तकः ই, এস. ফর্মস সংহেব ভারতব্যীয় ব্রেক্ষণক न खातु नक्ता वहे १८६म । स्वर्तन न १८६व अक स्वय উপযুক্তম জলাজী সিবিলিয়ান্।

म ऋारकत देशकूरम श्राहरे श्रवन वाणा **इहेर्डिड्, उज्ञितकान माखिता ब्याहाक स्ट्रे**ड কুলে আবোধীর আন্ধ্রার্থ প্রতিবারে ৪-রাকা করিয়া ভাড়া চাহিতেছে 🚜

এবার পালমপুরের মেলা ছই সপ্তার পর্যন্ত बर्गकर्व । त्रत दिहास हिन्तुन जे त्रवह स्वर्शक्त है वाकिरवन ।

প্ৰলিক ওণিনিয়ন ৰলেন, চহার রাজা অকারণ উট্টের প্রথম স্ত্রীকে বাটী কইছে বহি-ক্ত করিয়া দিয়া জাহার বাহতীয় সম্পত্তি वारक आश्व कतार्फ मीशत्र शिका शवर्रामर-हेत विकट्डे कक्षियां क विश्वद्वाम ।

देखियाम इक शास्त्र वर्णन, शवर्थाय हेन् ण्युरवातायुगारतः (**इ**ष्टे निर्द्धकोति व्यक्तिकम् /

बंद्रमा ०-७, तिक्का ३३৯ नकात २८७ मिली ६० वि.स ३४१२ मन नर्शक कांद्रस्वर्र्ध स दतिष्ठारङ्गः

> ইংলণ্ডের ধারতীয় রেলগুরে কে ত্যাক খাইবার নি:মত্ত পৃথক শক্ট ক वाका शहेश: (इत ।

> २७ अ कार्किक मन्त्रवाह । . बंक क्या अन्यक्तिक शृह्य निम्नी धाकात **कहिरकन विक्री**क हहेग्राटः ।

> প্রান্তসিম্বর গিস্তক বেহারের ২,৩০০ >36.94 07.04 কাশীর ১,৭০০ 100.17 - 50'0

> भीत व वेडिट्साभीस (तक्किरमट्डिस নাষ্ঠর কাপ্তেন লগ ৭২০১ টাকা ভছরূপ ব নামরিক বিচারলেক্সের ভাজগালুনারে উ .সনাদল হইতে বহিন্ত ক রয়া ছইবংসর क्ष कहा रहेर्द । डाँहारक कावल १२०) क छ तुर्व भिष्ठ इदेरवः । अधान चाहे কা,প্রন কলিঙহামের নারুন। হয়।

> লক্ষেটিটেন্স, অসুমান করেন, কান গদার উপরে যে রেইলওয়ে সেতু ২ই डाहा श्राप्त कहेरण प्रहे वरमत मानिद्य ।

> গত ভিন বংশরে মধ্ভারভবর্ষে ১৬ <िरा वाच, २७७१ में स्ट्या वाच, ১৪५ मन्क. १८२ ही (सक्किया छ ১२৯५ ही भारत करा बहेबाद्या अहे कालमरशा ११४ মানুধ ৰম; প্ৰাৰ্থ ও ১৮৭৪ জন সং শ্বে হত স্ট্রাভেন। প্রায় সমান সমান।

> विनीश्वास्त्रके बलन, উख्त পশ্চিমাং नकारव विश्वत साम श्राप्त धावा व इहेर करप्रक वाल्क मिलीएक वृक्त इत्रेपाट्य । प क्षांठे कामानाएवत करू वातिष्ठेत काटि मारहर डेड्डिंग्ट्राय विकट्ड- मक्न्यमा हात क्षांत भावेषाद्वतः।

উক্ত পত্ৰ বলেন, দিলীব্যাক্ষ দেন **গনিসভ সর ডোনালত মাকলিয়ডের** ্য নালীশ করেন, ভাছার মধ্যে সর ওড ডের ১৫০০০ টাকার দাবি ভাগে কর प्राट्ड मावित व्यवनिष्ठे १८ मत विष्ट्य বপতি এপব্যস্ত কেশন আলকা দেন নাই।

(म व्हेन हे हाड़े। हैं स्नायक अक सम प्रा देशित वालक कुछ, एक हर्ग इहेएक ५०० আনিচে বলেন। এই টাকা অন সিলে লেগ অমন্ত মন্বায় করিয়া কৃত্যুকে বলিলেন होका कम इहेरल्ड्इ। त्म वर्तक श्रा আপনার নির্ফোষ্টা সপ্রমাণ করিবার পায় কিন্তু উত্তৰভাৰ সৈনিকের ভাগ 🗰 १४ डिराइ 🤏 ई 🕒 🗧 ५ ५ ५ ५ अटेडिय निकर्णे हिनाव ति**ट्यारफ तिन्हें** रमन, हिनाव विक स्टेबाटकः। एमस्नाटक টাকাই পাওনা ধাকে না। তথাপি क वनिर्मान, बामक (माय चौकान किन्न । त्रवर्षिम् मारह्य वनिरत्तम, अक्रुण व्यवस्थः ादी ब्याव स्थाव चिकात करहर कावन का कड़िन्ना (माय चौकाद कदान इन्नः दानक रेब्राट्ड । श्रुलिय रेन्टप्लेंडेड माष्ट्र विद्वादहर র সম্পুরে লেপ্টনন্ট বংলকটীকে ভিন্নার क्रियाहित्यन। त्युष्टेनके अक्ष्यन हेडे র, ক্তরং মাজিক্টেট এ দোষের কোন 🐃 ন করিলেন না। এই সকল ব।কৈর ই লোকের ক্রমশঃ ইংরাজ চরিত্রের । অভক্তি ভাষতেছে।

सारमित्रिकात अक राजिक अक हास्कृत अक क्रियाद्भिक क्रांक्ष्य प्रश्ने श्राह्म क्रियाद्वा ही র বলিবার ক্লান। ভাছার মধ্যেদশ আগবৃত্ত। s ठानक **मक्टित मर्**ग्ड बारक। काथ ও वृक्तिए कहें ना भाष्त्र अपन नकते स्ट्रेस চ উপকার হইবে।

क्ष्मनाहेडे कानवटत कारन कतियः ट्रांस, श्रव আমীর সিয়ার আলিকে টাকাও অস্ত সাহাব্য করিতে সক্ষত হইরাছেন।

'ভিওয়ারে অভিশর অরক্ত ইইয়াছে। ছ সিক্ষুর অস্তর্গত হার্দ্রাবাদ **হই**তে শৃগ্ যাই তেছেন। আনেকে বাসস্থান ভাগ टिक्न ।

ভলিনিউৰ বৰেন, মাক্ৰাজেৰ উপকুলে বাজ্য হওয়াতে পেনিনস্থার কোম্পা মইল কাহাল ভিভিতে পারিতে**চে** না। शिमिरंगत कान कानका नाहे. उदय आ আসিতে বিলয় হইবে ৷

উক্ত পত্র জ্ববরে প্রবণ করিয়াছেন জ্বাস্থ অবধি রেবেশিউবোড উঠিরা গিরা বক হুসারে প্রলিক ওয়ার্কের ন্যায় রাজ্ঞখ পের এক জান পুথক কেন্দ্রেটারি ছইবেন। রে মাদে ইডেন সাহেব আসিতেছেন ভিনি ঘৰ করিলে প্রধান সেকেটারী ও ভাস্পিয়য় রোঞ্বস°ক্রান্ত সেক্ষেটারি ইইবেন। ক্ষতি দেক্রটারি বেলি সাহেবকে স্থান**ান্ত**র <mark>ঘাই</mark> ইবে। রেবেশিউ বোডের আসমকাল इक रहेब्राइक । अक्टर- हेर्ग व्हेटफ व्यूर

कवालि केशरक भूमिरव (४७३) एक । देशं परगत अकि विस्तव विरश्मा कतिरवन

हिन्द्रहिष्केषिकी शक्त बर्दान करव्रक क्रिय बावर अवास्त्र खनाएँ है। विनक्षन इक्ति इहेग्रा निविनियान विनाय महेग्रा हेरनए आहर्ष ا فالاستحد

২৭ এ কার্ডিক বুধব'র।

গफ त्विवात अक क्रम स्प्राह्मात स्कित्ना-नाम अक सम महास्टानत निक्टि शिक्षा वटन দেবেক্সনাথ যোষনামক এক ব্যক্তি ৮০০০ টাকার কোম্পানির কাগল বন্ধক রাখিরা ৩০০০ विका कर्क्क महेरवन। अधिक क्रुम निवाद *(माफ* (मधारेवार्ड मशस्त्र निरस्त এक सन সরকারের रत्य ७००० है।का त्यात्रण करिट्यम । त्यात्रस বাৰুর সহিত সাক্ষাৎ না হওরাতে অ্রাচার সরকাবকে বলিল যদি তুমি প্রেমারা খেল, ছিঙ্গ টাকা পাইতে পারিবে। হতভাগ্য সরকার ভারতে সমাত হওরাতে এক রাত্রিতে ¢à·· के का र'त्रित्र । खाहाटक स्माश क्या हेग्रा (मनियम कथान हाथा हम्राः भन्न नियमः পে পুনর্মার লোভে পড়ির। অবশিষ্ট ১ - • होका हाट्य । अनुप्राटहाटबद्धा अभवीत्रक्ष 'डांशटक ছाटफ नाहे। ১० है। वास्तिव:माज ভাষাদিগের এক বাজি নোটগুলি করেছি আফিনে ভালাইডে গেলঃ কিন্তু মংগ্লন ইভি পুর্দে সংবাদ দেওরাতে সে ধৃত হইল। সাতঞ্জন युर्ज भूमिरन कार्षिक स्टेवारङ, श्रथम ह्वाया कान्। পি বৃক্ষায়িত[্]অ'ছে । মৃত্তক্রীড়ার অভিশয় প্রছার ব্রাহ্ট। প্রথা অনুস্থান ও ওকা দণ্ড বিধান জাবশ্যক :

বুদায়ার ও সিরাজের মধ্যে ঐ পারস্য টেলি ত্রাধ পুরস্থার ছিল হইয়াছে। বন আরবগণ **এই काम क**त्रिएक (छ।

১৮ ই নবেশ্র গবর্ণর জেনরল কলিকাভায় 🕽 উপনীত হইবেন:

लिप्रसिप्रत राज्य सिकाम मालादकर्यन ১৽.৽৽৽ টাকা ভরিমানা করিয়াছেন বলিয়া র গবর্ণমেক্টের একটা বিভাগমার হইবে ৷ : ব জনরব ইংলিসমানে একালিত হয়, তাহা অমূলক i

देश्मा छत्र अधान अधान नगरत मन्त्र प्रक्रिश गरचा क्रमणः दृष्टि इहेटकटकः गुलून आह ১০০০ মর্ম্মণ পরিবার আন্তোচ মর্ম্মণের) বস্তু বিবাহ করিয়া খাকে। খেসকল ইংরাজ মর্ম্মণ হইতেছে, ভংগাল প্রায় আমেরিকার অন্তর্গত ইউটানগরে বাস করিভেছে। এই बश्रद्वति मर्च्यक्तिर्शत द्वानात्त्व । मर्च्यकार्म स्क्रम वर्षाचा छहे वहेट छट । एटव क्छक्ख नि क्या । मः काम्य क्या कर्यवर्ग क्यियमं। सृच्छित्र वर्णाट क्षत्र मात्रा य'हरवः त्याय कत्रि शवर्गत्यके अहे क्षात्र अक हिनार्श स्टेप्र'(इः

अमंदर ৯৪ अन वण्डामणीय (हेरात व উত্তর পশ্চিমাঞ্চল ও পঞাবকে ধরিতে হই বিদায়ের মূচন নিয়ম হওয়াতে অনেকে বি लंदेंटजरहन । अहे चात्र अक्षि व्यवस्थात हात है िछ रहेन।

शवर्वत (कानतम प्याच्या मित्रारङ्ग, हेरम (অক্রেলিয়ার স্বরেণ মুলা ১০টোকা স্ব अरम्भ अर्जन व्हेर्त । कर्षम्बरहरू थ किरव । शवर्रायन्त्रे निरक्ष अहे मात्र महेरवः

ভারতব্যীর গ্রন্থেন্ট সিদ্ধান্ত করিয়া কোন সিবিলিয়ান বিদার লইয়া বলি সর্ব कार्याः भरतास्य अख्यानमन कतिर्द्ध वार्षिक তार। हरेल विमारप्रत कावनिष्टे छात्र इस मा मर्पः आद्यानम कविरम भाईदिम ।

गवर्गस्य के ब्याव अध्यक्ष कवियादस्य, वह কাজ করিয়া বাঁহারা পেকার কম, ভাঁহারা ৰ্মার সরকারী কাব্য করেলে বেডন ও পে উভর পাইবেন। পীড়া নবন্ধন বাহারা দে नर्बार्हन, डाँश्वांतरगत भरक अ निवय বে ন: ।

২৮ এ কার্ত্তিক বৃহস্পত্তিবার :

) मा कटलेखा महारमद हाचात्र मृङ् ग्राटक् । शक बहन मर्भन कतिवास निः 😎 অপলে বাইর: পী-ড়ড বইরাছিলেন। ৬৪। वयःक्रम स्ट्रेग्लाइम, हेराब मर्पर फिंच ३৮ तामच कतिवादिरमन। तामा देरब्राधी, व अकृष्टि **कामक का**वा सानिष्डन ! विक्र श्राक्ति हो हो विराम्य यह किल । छी हो है (শ্বাম দেশের ব বিজ্ঞার সবিশের ঐত্যুদ্ধ য়াছে। ভারতবধ ভিন্ন আরু কোন দেলে वालिका काहास माहे। हेडे (ब्राभी ब्रमिटनब्र ग्रेहा द विद्यास मधान हो हम अवश्या हा एक 🗪 चाक बेंस्ट्रेस श्रिप्त डॉब्स्स बाक्यामीटक बाज र व्यवनात्र करवन, किनि नर्नामा (म छ्रष्टी क्वि जिण्लि मृख नव कत (वोविक महाद्यव विवदः) इक्षेत्र भुक्षक निविद्याद्यात, उपना भारत क ব্যক্তার সদাশস্তা ও মধ্যের বিষয় জানা য 41631

বেংৰাইয়ের কাথিছাল একত ক্রি निधिक विन्धानरम्बद्ध स केकि। वाइन कहा ভাষা প্রভাপনি করা ব্টয়াছে। এটা বুদ্ধির ব

ক্ষেত্ৰনাথ মিত্ৰনামক এক ভব স্ব হাত সংক্ষন এক বেল**ার বাটীতে সি**য়া খ बात्रवानटक श्रव्हात्र क्त्राटक खाँहात् अक (मग्राप स्वेगाटकः। अधिकारम नव आनि भव (वनतमाम प्रवाभारत डिकाट व्हेन्ना সম্কেক্তে আপ্নরে কর্ত্তি কর্ম বুকি इंडिरवार्थ बालान 6िक्थनकरक (कार्डे s श्राप्तंत्र कतिएड (मध मा, अ**थारम मा**फा **ऊ।कुर्दिय क्र**ीखर्दिन **इ**हेम्र१८५ ।

াবাজ হোলকর শদেরে শুলক র ভিড করি 🕽

alar নওবৰিচ মিয়ানওয়ালা পঞ্চাৰ বংকে ব ছিলেন। ইন অনুয়াচ্বি ও জাল করাজে সাভে বৎসর ভারাবাসের আদেশ হই

स्राध्यत है किमार्कित २५विक ३७१**५** साज्ञारहरू अस्ति। बहुतार्थः।

পোমী শ্লিবার বলদেশীর ব্যবস্থাপক 'ऋधिदश्यम **क्**हेटव -

মী ব্রুষ্ঠ পুরুকার্যেরে (প্রবিদক ওয়ার্কের) লেটকোটিটাকাৰয়ে 🗫 বিবাৰ আমাজা ङ । श्रीकार १ महाच्या १९४० । अवश्व क्रिके स्वरूप कांभक (भर्भा माडेंग्डर्ड । এई खर्ड किसी ২,১৪৯০,০০০ টাক: সৈনিক ব'বিকে বায় ইবে:২:কণ্টি খালপ্রভুতি কুবিকার্যেং ১২° ,ক জনা খন⊹াৰৰংগুল(ভিড **হ**ইকে লীফুভন আজল হটবে∘ ৭বাব বেংগ≹ 🖚 টাকা অন্ধক পাইলেন। ভেপ:পি বোহা अर्वान्यक्रमार्थान्तकतः 'अ'र्ह्मय कर्वन শের নিঃমন্ত ভারতবর্ধের আব সকল স্থান 14 1

ত্র প.শংমাঞ্ল ও পঞ্চেব শুস্কমিবার कामा साहे। अव'वत मानात्राता प्र.क्रेफ न र**क्षम म**्ति (**काद व्य**धिकात काल**ि** (कासम さくぎょりゅし

1. 包括電路 本館 本日 化二 िन'नकेन केलनगरत्य (यह अभिनासिका) व्यक्ति ५ । प्रदेश हिनाम कांब्र १ एकता । प्रदेश विद्या (भारोप तर किस्कि किस हरू भिर्म तरहास হালটেগন 'নাজ *া* বাকংটে করেন নার (ভান পরে: করিলে চুল ৰ মেউনেসিপলেটিক কাম্প্রালী: न'ड वेष्ठ । में ठ'ना एकः त्यानः छुत्रत्याक्तरः क , ভিনি সংবাদপত্রে লোখয়াছেন, আন্তরণ

ক পদ্যুক্ত করা হইক। এবেবয়ে আংগীল

অংবজারী এক:১টয় ক'রয়াছেন। ইইলাক্ষেদনরগণ সভাপতির হতে আপীন অবংশর ভাব দিয়াছেন : এম্বলে ফুবিচার খ্ইবাং .य मणावसा जाश महत्त्व बुद्धा बाहेरज्ञ हा . अहे শত্যাসারের প্রতিবাদ করিয়া ডেলিনিউস বলি प्राटिम किङ्काल कामा अम्बद्धाल कार्यक বু জনান ও সভবিত্র করিবার চেষ্টা পাইয়া 🕞 । बड़े (हड़ी करूक भाग्त**ु रहेग्राह**ा **अक्ट्र** (यभक्त (लाइकर महिष्ड कामाहिर्शत कार्यहार क विटाउ कडेटाकटक, किंद्रांदा इंद्रताखानिद्वात महाध मर उ क्षेप्र (मार्क | क्षांशियित मस द्व अक्षकात বংবহার করা অংশিক জন,ার। ৯ ছ: খের বিষয় . १३ कि विलय्भ मिरिशत व्यासिकत् चाइ खोदेखवर्षी(धदा त्र¥ (मरकरल खाइका। এই 'ন'ম'⊛ সফ ব্র নব্যদলেব সহিত াঁছা:দ্ধের সভত বিবাদ **ब्हेटल्ड** । বংবছার না থাকিলে 'प्र**ेम**ें स নাধুত্ত থাকা ভার, কিন্ত অংধীন ব্যবহার জনেক কণ্ড চারীর চমুঃলুল। গ্রংমেট কি মিউনিসিপালি টির কার্যপোলীর অনুসন্ধানার্গ সাধীনরুছি ক্ষিপ্ৰ নিযুক্ষ কাংডে সাহাসী হইবেন ?

> खिनाक्षुरश्य वाका मन्द्रीरहत छल्क कमाहेग्रा ্ছনঃ প্ৰতি পাঁচমণি বস্তায় ৯ টাকা ছিল ए होका कतिशादक्रभ

> कुभारनव विमासित मृद्धाः कल्यारिक अव्वेट .অনরল ভারতব্যীয় গেকেটে শেকিস্থাচক (प्राप्ता क व्यूप्टूड्स ।

> (ফণ্ডালৰ ইভিয়ার লগুনত সংবাদদাভা तत्त्व. प्राप्तरहास मारकत मही क्हेरल कार्नित्तक ডिউक छ:ब्रङ्गीस मङ्गी इडेर्जन । आयामना स्मि नाष्ट्र शनिकाम्बदक श हे, श्रेष्ट्र क भनावाम मित्र । লাড কার্গেল ডেলফৌলির এক জন গোড়া, ক্ষ ডলহে) সর দশমাংশ ক্ষ্যাও ধারণ কংবন ন। । ত.ন পদত্ব হইলে পুনর্কার পররাজ্ঞা अवन छ कत्। अपनः अवः। गाउति आत्रिक व्हेट्यः।

৩• এ কাজিক শানবার।

বঙ্গনেশের পুলিষের ইনজ্পেটির জেনর 🐉 সংখ্যাদক হটাবেন : वाग प्रकेशिमान करित कर अने किया है। दार्व अपने विभाग सहया है स्वाटक समन कर्ताटक । কালজেন সংক্ৰেৰে এই যে যেলকল , শুও কাৰ ইভিয়া বলোন, **পুলিষের বথাধ উদ**ভি ৰংবাংবাৰ কটাৰ নাজাংগ না ব'হয়'ৰ ভাল 'চা'হ'লে চ'কাৰ কমিশনৰ **স্মানন সাহেব আথবা** ন্পেক্রের ভূত্র মাজিকেকেট মনরে। অবধা মল ন সংহেৰকে এই পদে নিযুক্ত কৰা উচ্চত। अ:को कडेरलहें श्रक्त ।

> ক্রেক দিবস কাল কলিক্ভার নিয় জেকি এই অনরব ভুলিয়াছে, খিদরপুরের সেডুর निकार्षे नरक्ष्या क्ष्रेष्ठरक् । अहे निविध प्रकाल भार कात तक से काम किया बाम मा। अहे महकारी श्रुकिय स्विति देखने ति किम ह

লেণির ইউরোপীয় সৌরা**ত্ম্য ভারত করি**য় हेरावा अवशिव काष्ट्रिया महेदाः मः १४ আঘাত করে। ভারাতেই এই ভরু । 4.C2.1

গবণ্টেণ্ট বিক্লাপন 1 वऋरमभीय (लब्देनन्देशवर्गदंत्र আদেশাসুসারী

নিয়োগ

২২ এ অক্টোবর। ভূঙীয়ুজোণর স্ব ষ্টাট সংজ্ঞান জনক্ষন পাল সাভিতাল ণায় গোবীজে লীকার ডেপুটী সুপারংহ

২৯ এ অংক্টাবর। যত দিন বাবুতির গুপুবিদায় লইয়া কলুপঞ্জি থাকিবেন দিন ব'বুছরিরাম দাস ছবডের অভগত, াদ, হর প্রান্ত নিধি মুগেদক হইবেন।

৩ বানবেদ্ব । ভূতীয় (আর্ণিব স্ব ষ্টাণ্ট সৰ্জ্ঞান জ্ঞানতীচনণ মুৰোপাধণায় (গঞ্ উপ বিভাগের চিকিৎদার ও ভারতা। চি:কংশালয়ের ভার পাইবেন।

যত দিন বাবু ভাগবতীচবল মুখে! উপনীত নাহন, ডত দিন তৃতীয় জেলি আনাস্টাকীসক্ষি হর্নাথ রায় সিবাল টি:কংসার ও শান্তব্য চিকিৎস'লয়ের ভাষ বেন।

८ ठी सर्वषद्र। स्वात, अक, ता.व्याप्त বেদ্যা শক্ষা সভার স্থ 1:८लक्ष:वज \$\$\\44 |

৫ ইনবেশ্ব। নিমূলিখিত ভ*দলে* ছমকরে দাভব্য চিকিৎসালয়ের সভার क्टर्*नव:---*-

মির সাহদত আলে। वीवु मध्दशा धनाम (घाषा

क कार्यानकतम् उच्च ।

प्रकात महकारी काँगगनत ऐक :

ভৃতীয় শ্রেণর স্ব আমানিস্থানী সাক্ষর শ্বর প্রালভ কুচবিছাবের চিকিৎসাব পাইনেন :

ড়ভীয় (মাণির স্ব আমে সিটাণ্ট সংকর্ नाम माम ७४ - भावनाव अंदर्ग हे हत নাডিব, ভিবিৎসালয়ের ভারে পাইডিন 🦠

৬ ই নরেশ্ব। আমার প্র সংক্রের পুরিয়া জন মিউনি দপ ল কমিদনৰ ০ইবেল

করদমহলের স্থানত কিঞ্চেত্র প

ाम क्रुलब्रिक्टिखरकेंद्र क्रमण। लाईरवम । खन्नभूमि विकारभव विकासम्बन्धरस्य देव র 🐼, বেলেট সাংহ্ব এম, এ, ভূডীয় তে উন্নীত হইবেন।

মুল্থিত ভদ্রলোকেরা ষ্টেট সেক্টোবি ধন্দলের শেকাবিভাগের চতুর্ব আেণিভে ह **२०व्राटक ल•हा हि.चंड** कार्यक्रांका 1

। अविनिष्ठे, श्रीदृत्वे नाट्य हाक कार्या , লেখ্রিজ সাহেব কুঞ্মগরকালেজ। া, এস, মাজেলণ সংক্ষেব বেবেনিউবোডের নিষ সেক্ষেটারি চইবেন :

তু মনরো সংহেব রেবেনিউ বোডের **প্রতি** अवृतिष्ठत (मरक्रिकेट इन्ट्रिन ।

a, स्था, च्यात (यनःख अनार हरू मिना स्थलुरतत নিধি সিবিল ও সেসিয়ন জাজ হইবেন।

এচ, এল, হারিসন পা**েব ব€্**ষ'নে প্র**থ**ম ণর প্রতিনিধি মাজিতেট ও কাণেটের 4A (

যত নিন্ধো, এস, আংবমউড 'সাংে•ব মফ থা কাবেন ভাত দিন কটকের শিবিৰে ৪ অবেদর ২২ অনুইনের ১৯ ধারাপুৰ:রী ষ্ব বিচাব করিবার ভার কটকের প্রভিনিধি है ने माजिएके हैं है, कार्कडेड मार्टरवत रहें য়া গেল।

যতনিন বাবু ল্জীনাথ বড়ুয়া বিনায় লইয়া পঞ্জি থাকিবেই ভক্ত।দন মৌলবী আহমদ পী শৈবসাগরের প্রতিনিধি মু**পেক হইবেন**। ষ্ড দিন বাবু রাজারাজেশ্ব ভট্টার্য সর दी कार्रशालन का सामा खरत शांकरवन, ७७ । ৰ'বুবামদয়াল হোষ ভাষুমও হারববের

ख[्]भ,भ सूरक्षक इंडेर्सन । বোৰু কলেইলংল মুদ্ধাপাধ্যায় বি, এল, 🏻 ग्रेंद्रित अक्षत्र हे मार्कन्तित आकान न प्राप्तम

८४म . ৯ ই নবেশ্ব । ভবলিউ, এফ, মিয়াস সাহেব

বিদ্যাশিকা সভার मण्डा हक **वना**रल व रवन ।

যশোণরের ভেপুটা মাজিটেট ও ছেপুটী रिल्केट भोल दी ज्याकातल इक अधिव इमानस হেয়ির ষঠ আফলিডেড নিগুজন হইবেন।

निम्नलिथिक 'छडाल' (कहा भूतीत विनाः निका

ভার সভা ২ইবেন'—

চৌধুরী কাশীনাথ দাস। বাবু রাণিকাপ্রদান মুখে।প'ধ্রায়। । क्यांक को सदी व

🗚 নক্ষরিপোর দাস।

 इ नदवषत । महकाबी शास्त्रिके छ कारमः केत (क, क, इनकिक माटहर চুয়াভাকা উপবি-ভাগের ভার পাইয়া মাজিকেট ও ডেপুটী কালে উরেব ক্ষতাচালন করিবেন ৷ ডিনি আরও দিতীয় জোণর প্রতিনিধি জাইউ মাজিকেটের **भम्य वाकित्वन।**

আমাদিশের এলাছাবাদক শংবাদ माञा विधियार्छनः---

>। अधारम कास्त्रि कानि धर्म्मारलाहमात शाह ঠাত হৈখিয়া আমরা অভাত ভানদিত হইল!ম, এখানকার চকের রাস্তারধারে প্রায়প্রভার প্রাস্ত काल अञ्चलात प्रमय अभिष्ठक भागतिया वाहरवन शासना करवन, अभित्क भूत्रनगरनवा कावान অন্য দিকে হিন্দু পণ্ডিছেরা হিন্দুলাস্ত্রগোষণা भट्राम, नकल फोटमहे लाटकर अख सम्बाह्य ্য এক এক দিন-রাম্মায় যাড মাড করা কঠিন চইয়া উঠে। এডছির এখানে ছুইট ব্রাহ্মসমাজ প্রতিষ্ঠিত হট্রাছে।

২। এখানকার ছটি ব্রাক্ষমনজ্জের মধে। ভারতবর্ষীর সোধাসমাজটির উপর জীবুক বাবু ्कनेब्रह्म (प्रम महानर्ष्ट्रत वित्नव यप चार् দেখিতে পাওয়া যায়ঃ কেশৰ বাৰু আপন শিষদেলসমভিব্যাহাবে সিমল। শ'হাভ হইজে প্রভ্যাগ্রমন করিয়া এখানকার ভারভব্যীয় লাখ্য স্মাঞ্জের স্ভাগেশকে লইয়া এক দিবস প্রাতঃ काल इस चंकिया वहेट दा जिल्ला चरेका भर्म क अ: क्यां ९७व करवन धर कें! श्री में भरत नामा श्री के क्रिक्टरम् (एस । सिष्क्रमणम्म अवस्थाद्व उक्त्यन् । शक्कि (मा मार्था) व विषय् विस्ति इंडर्न (मा बाबुद क्रिरमनश्रनाली क्रामार श्रामाना, लाई कारताह्या. महिष्ट्रेस छ (थान कहारता प्रकार প্রজুতি উত্যাধটে কিলা করিক লে উংস্ব अर्ज्य नगर नकत्न ए**७** स्थापन । ३ मा (कन्द বাৰুকে দাষ্ট্ৰাঞ্চ প্ৰশিক্ষাক কৰা ৮ কালাৰ চৰণ ধরিরা উক্তঃশ্বরে রোদন করার মর্মা বুঝিতে না পারিয়া আমরা বড় ছংবিত। চইয়াছি। त्रक्तान्त महान्या यमि जाशनकात अञ्चरतार्थ কেশৰ বাৰু আমাদিগকে ইকার মন্ম ৰুকাইয়া (बन, कांश इहेटल जाप) य शांत्रिक इहे।

৩ ঃ ষেক্লপ প্রত্যাংসর উপলক্ষে ব'লালা (प्रावत (काकमकल कार्याम कर्याम कतिहा थातक, फक्रांश अद्भारतक (माक्रमकल दामलीला द्विभन्दक मामाध्यकात कात्याम कतित्रा थाटक। शक्षमीत सिम ह्हेटल कातक हरेवा विकास विन र्हेगाम

মীর দিনপর্যাক্ত রামণীলার আক্তরত্বর হয়। দং মীর দিবস সন্ধাব প্রাক্ষালে রুপক্ষেত্রের এ मिरक जानन मनवनममिक्ताम्हात द्वीम नच ष्यनः मिटक देशनः शाशक्षश्रविद्याद्याद्य द्वादव छे স্থিত হন । তৎপরে উত্তর দলে ছোরস ां व क्षा वाम (ख कान वास्त्र भारका) वा লাভ করিয়া সীভার উদ্ধারপূর্দক মহা আড়খা गरह श्रञ्जाभमन कतित्वम अवन काशव নির্মাত বাবৰ রৰে পরাস্কৃত হইয়া রন্তবে আন স্বাজির সৃহিত ভাষাপাৎ হইলেন। এই স্ব দেবিয়া ত্রেভায়ুগের ইভিচাস স্মাণপথার श्रेष्ठा मत्न करूनात **डे**ल्य हम्र। (मलाया লোকেবও হাতি ঘোড়ার এত ভিড় হয় डाशा मध्या कहा अवि कर्तिन।

৪। পুর্কাবিধি দেয়ালির সময় (শ্রামাপুর সময়) এদেশে দীপদনে ও আছুয়াখেলার ব শুম হইয়া থাকে। এমন কে আমরা এখানে। फनी ७ अप्यायमत এই इटे क्विम बाउडा इर् এরণ জুয়া খেলার ধুম দেখিয়াছি যে থেত ভেড়েও লোকের কলরবে রাস্তাচনা ত **হইড, কিয় এবংগর সেরূপ কেবি ন**

तः । करत्रक निवंश शक्त इहेल असार्व अ বড় আশ্চৰ, ব্যাপার ঘটিয়াছিল। এক ভামা प्रदेशातमञ्ज्ञकारि मक्षानत्क महत्त्व भाव हा একটি বানৰে উঠাইয়া লইয়া গিয়া এক খে। চালে ৷ উপৰ বালকটির সহিত খেলা ক্রি (इल. এমন সময় के वालरकत **मा**फा (स क्रिक वर्ष (वामन क्यिष्ठा क्रेप्टिक वानव इष्ट्रा यात्र । 'कर्पात अन्तामः लाक आत्रिष्ट्रा किंदिक ठाल बहेराह बाबाहेब्रा लग्ना

७ । के इंद भारकण भारतात (वक्रमत ह म्ह्रीयश्(उ) अवन्यत्यकं दिल्हर्य **अ**हि ইন্দে∤টাব ভিন মাধের আমবকাশ লাও। গুন্নক্র সিংল্যাক এক বংকি উক্স

ণা ক্রেক্দিবসাব্য মহারাঞ্জি त्राकाञ्चत अवादन वादमा वाकेरमूव मिनानरम् श्रुष्ठ कविरुष्ठद्वा । अ भिवासमू में महाव

৮। अशाहा व्वट्ड व्हिन्स्ट्रित अन বিচারপত্তি এলাক্বাদে আসিয়াচেন काम (इहेटल अथारम विभावकारीर लब्बन व्यात्रक रहेगांतक । व्यासदी शहरकारहेत् প্রফুলি দেখিয়া কার্ ও বিচারাগন

আমাদিগের পোয়ালিয়রত্ম 🐠 বাদ লিখিয়াছেন।

৷ ভারমানের শেষ সপ্তারে এবানকার ক্টির কথা লি সয়াছিলমে এবং ডলিবকণ কর কাভোগও বাস্ত করিয়াটি।কাথেন পাড়বামাত্র একজ্ঞাল ছভিজের লকণ পোয়, ভাবে সৌভাগ্রেক্স ঐনাগের मञ्चारक अकलम्बा दृष्टिक्षप्रसङ्ख्या সম্পূৰ্ণ ধৰণসমূহেৰ পাভিড না কইয়া এক ्रभक्त का अकरमञ्जूषात केरलब हरू-ন্ অন্তুৰ্ণি (দ্ব: ধ:য় নাট। যথন এবঃ অস্কাৰ মহাধা হইতে আবিয়া হয়, মহাবাকের অংশক প্রাব্রেসানী ভাগে s क्रिन्ता कहेगुः किला। मध्यताल अके प्रण्यान s ইট্য়া ছয় স'লের করম্মণ **স্থা**ক ি এক (স্বেণ্প্র প্রকাশ করেন এবং চরের নিরাভাষ (বাংচদের জন) সাধারে।র : कर्त्रम अवत ग्रंभ(सर .जार्ट्य व:ब्राट्ट क्रक्स शा\$क्रम कविर्**ड शहतः এ**ই मनावादिन কুপখননাদি কাষ, আবি😮 কটবাৰ আব্য়ো हे(७८७ । मध्यारक्षतः **१३ -**गामनाभ**ञ** ह मन्त्राप्तराहे । अका बाह्य करेंग्राहक अवर (अवन्त्रान्हे **यह बाक्टक मन: नाम** क्राहरून କ୍ୟା ଓ ସଂଶ୍ୟ କସ୍ଥର ଜଣ୍ୟା (ନଲ୍_ନୟ इ.स्टब्स्क अ.स. **अ.स.स. अ.**स्टब्स अ.स.स.स.स.

चे'रुस घात ४ कृ स'हाच, क्केग्राटकं। २ :े# मार्भव भन, काशक धालमा यात्रसी। মণ্ডের কজী ও বল্ড জ্বান,জ্ববে প্রেরিড ৯ : গে:বুমপ্রভূত প্রভে অসম্ভব মহাবা। বিদ্র লোক্ষের। গরপ কট্ট ইছডেটে ভাইট । किकामिक के अर्थ अर्थ में स्वाप्त का स्व টব প্রসংগ্রে সংখ্যান (প্রায়ক কাষ্ট্র) পাই-अके विभाः को भव अवका वक् (अःb नौयः. ्श(कार्ड श्राम् । ठकाशांच कार्या व्यवधाः थ कर्नन

। ରାଜ'ର ଅଟେ ମୁଫ'ର ପୁର୍ବଳ ବମାନ ⊅ଞ୍ୟୁଞ ल व्यवस्थानम् । अधार्यस्य । क्षृत्रस्थान्त्रे ভিলেন লেখা ১ কানপুটার নকটার নানঃ ৰ্ষ্য হৈছে লাভিন্ন কেন্দ্ৰ সংগ্ৰহ সংক্ৰ ্লেখিট্ড স্থাট্ডন - স্থানিক্ষি প্ৰান 🛊 ବିଂହ୍ୟେକୀୟ ବ୍ୟୟ ନେ ଅଟୀ କ୍ରିୟେନ **ब्रिट्ट** इं

৩। মহারাজ, রাজে।র জীর্জির জন্য আর अभिने सं स्र कार्रात कल्लना कांत्रफट्टन, व्यर्गे । খাল খন্ন করিবার জন্য ইঞ্লিয়ারের নিক্ট একটানক্ষা ও আনুমানিক ব্যেরভালিক: हाविद्वादान । এই काश्यों कतिरम कावी इकि-কের আৰক্ষা যাইবে ও প্রজাদের সূবসমূক্ষি द्र. % इ.इ.८४ काहात म**्मन् नाहे: अञ्चल** भ**रा**ताक अक्षिम शांशांत्र कार्यः **उक्ष स्थायम कर**त्व নার। এখন উট্যার এইসকল কার্মা দেখিয়া সক েট প্ৰথী হইডেছেন : **রাজ**বানী**তে বিদ**্যা b56.त छ विशे कर्तिताई छान **रहा**

8 : এখানে বাঙ্গালী বাবুদের বে কালীবাড়ী অংছে, পুজার ভিন্দিন **ঐ স্থানে ধু**মধামে वःत्रवा ऋ(रशःष काक्ष्माष क्षिप्राट्ड्स । এक पिन নঙকাদের নাচ ও অত্রভঃ কোন বিখ্যাত গায়-কেব গান হইয়াছেল, আহারাদিরও মক্ষ আয়ো ভ্ৰক্ষ নাই।

a । विकास म**्यो**त निम्म (**याश्राक अरमर**ण ান্দ্রের ৯ করে) মহারাজের রাজধানীতে মহাস্মারে:তে সৈন। দিলের পরিদর্শন (রিবিউ) হর্ম। পিয়াটে । মহারাজের সৈন।দশ ও মুবার इ. देनी इहेट्ड दश्यारकारम्य कात्रकारम्मा अकता ## মুচ বিবিশ কৌশল ও ক্রীড়া করিয়াছিল। বিজয়ু দশ্মীর দিন পশ্চিমাঞ্লের অনেক স্থানে यकानमार्थाक करेन्द्रा थाएक ।

৬। অঃস্টাট এ শনিয়ার বাবু ক্ষেত্রনাথ इ**त्द्वालाक्षात्र अंक (मर्ट्यूबर ३३८७ ४०० हे**क्स ্বভ্ৰে প্ৰথম .জানীডে উল্লভি পাইয়াছেন : হান ঝাঁচিব বাস্তা নিশ্মাণবিষ**্থে বিশে**ব পুখনাভি পাইয়াছেন। উৎধান্ত হুইলে এই কৰ্মেব জন্য একজিকিউটিব ইঞ্নিয়র হইয়া বাইতেন।

৭। বাবু নধীনচন্দ্র চক্রবন্তীর অনুপঞ্জিতে এও ডঃ সভাসকলের অনেক ছুর্বস্থা হইয়াছে। नर्वे न ४ दु अकान इहेट्ड वहलि इहेब्रा व्यानः ज ब्राह्मत्त्व. এहेक्क्षण ख्रमञ्जूब खुना याहि एक (हा ইছাতে আনেকে ছুঃখ প্রক'ল করিছেছেন। কিছ নবীন বাবু শীয়া এখানে আনসিবেন, এমন শ্র চালে কিনি লিখিয়াছেন।

৮ : আমারামালের মধ্য এখানে ক একটী ভব নৈক তার । চইয়াছে। তারাধ্যে নিম্লিখিত ব্যনটো হাড় ভয়ানক।

এক দিন প্রকাশা বাজাবের মধ্যে শ্রাদির মনেৰ প্ৰাল পাড়িক এক বিভে কইয়া বাজিযাপন किन्द्रक प्रता । क्षेत्रहरूर अन्तर कारतम् अलाह एम । (मन्यकार कारनारकत् मन महेर्फ मुन्। १६व

क्रिके त्रकार क्षा क्षा के क्षा व्यानक (माक अकड इष्ट्र) अंतिमध्यके (केंडे २। 8 क्षम शार्फः ब्रामरक **प्रक**्ष হাজতে রাখেন। কিছু নানা জলুসন্ধানে এ হত্যাকারীর সন্ধান না হওয়াতে গাড়োর गटक झांक्या (मुख्या इहेश्वर्ड । बहेनाजी श्र कारने भू लायब मन्त्रांच कारन स्वारकत हय, अर्था कि कुड वर्डभा छेतिल ना। आ অগভ: ও ভগানক স্থানে (যাবিচঞ্গ ব शुक्तिय ठाई, अविषय करनकरात (भागश **७ अमामा कालटल (लचा क्हेब्राइड्। अवर्त** এ বিশরে মনোবে:গী হইলেই হয়। ন'ধ।। ও ড.কাইভের দৌরাক্মের কথা শুনা মধ্যের মূল্য হাই ভাষার বোধ হয়,

 त कानिष्टोके नार्कात्वत सन, प्र क्षिनवर्णत अरक्षके कर्णल भीक मारहरवत যে দরখান্ত করা কইয়াছেল। ভালেমের राम्प्रशिक्षत हेन्युग्रहेन (क्र সাতের লিংখয়াছেন যে, শুদ্ধ ছাউনি,ড ' अपक इ.ज्योजेशिक स्थाहक, (कर्मां मु ए.प् शास्त्र खाश्य अवि मन्द्री सन्दर्ध भार एर्व इंश्वाक ऋष्करत्व कारीस्म सम्म ४० নেটিৰ ডাপ্টৰ আছে, আছে এক জন নেটিৰ ড'জের দেওয়া মাইডে পারে। 😐 শেষ কি হয় বলৈতে পুরি না - আংমাদের: ডাক্তন্তের উপর বিধাস ও শ্রন্থ নাই।

১০। এখানে শীত কমুভূত বইতেছে ; পরিবংকির নিষেক ক্ষেত্র স্বান্তর্ভ আছুবারি **७८६, ज्यारिन मिहेन्रूप ह्हेराहर्छ।**

থেরিত

মান্যবর জীয়ুক্ত সোমপ্রকাশসক্ষ মহাশঃ সমীপের।

অসংক্রায় ছই বংসর অভীত হইল, মু একটা ব্ৰাহ্মসময়েল স্থাপিত হ্ইয়াছে: সমাজতী জীয়ক কেশবচন্দ্ৰ সেন মহাশ্যের ক্রমশং উল্ভিয়েপানে পদাপণ ক'রতে অংশি অংগ্রেমনে করিডাম, ভারতভূমে দিনে একটা সুসন্তান প্রস্ব করিয় ছেন হারা মহাত্ম রমেমেহিন রার মহালারের विष्ठ भव्य *का*बुखदर्य वर्ता **छ** ५३(व । ३^००)द করেলাভ করাজে সে মৃত হয় 🐼 হজার স্বারপ্রস্থাত পশুবং ব্যবহার একেবংরে धर्मा अकः श्रकालक रहेर्व अ शेन्यन उक्कात मकान्भन 'अ हडाञ्च दक्ष वहेग्रा **র বন্ধণালের অপস্কৃত স্বাধীনভারত্তক** र्षेत्र कारेका सूची कावटर । किन्न कि प्रश्तवत । यथम प्यान्य काँकात स्थि। अनुमान न्य कति, ख्य न डांश्रीतनत अधिकारण जनव फ्**बरत (क्**नब करत्न (प्राचिटक ना**र्**। (चान कहाकान नेकामित वार्म नमास्य भावेश्र ब्रष्ठ हन्न, यथन देवक्षय फाउर इहे জন লোক লইয়া একভার:সহিত গীডা करैंबन, यथन दीहाबा क्रिक्टरम्बनीय वास्ति मर्द्धा निम्ना नगत्रकीखन कतिएछ र २र्गछ, २न, আৰু আমার উজ আশাক্ষণমাত্র ও হাংয়ে शाम मा। कि काफर्यः। वेश्वत्वद्व निकरे क्षा করিবার জ্ঞান্ড বাহ্যাভ্রব ও শ্রাদ্ধ্য যে কি,জাবশ।কভা হইয়াঙে ডাহ, জামি না। र्डेक अधानकात श्रित आका जाण्ड्रर्गरक গ্রাস। করি যে পুর্নে কলি শভাস্থ 🗀 বুভলাব সমাজকে কি এই আড়েধর জন। উপহাস रहेड मा ? उरद (कम डाँहाता (महे धर एड ণে এড আদির করিডেডেন টুনা ভপনকান অকাছিল, একাণে ভাষা খুলিয়া গিয়াছে য়া ভাল লাগিভেছে, কেনই বাধীমান দেবে থে ঠ'কুর মহাধায়ের সমাজ্ঞ কইডেড বিভিন্ন । व्हिनकरका भारत इत्तर विकास करिया 1কাডায় একটা ভারতব্যীয় প্রকাদমাজ

अञ्चरप्राप्त करहर ? स क'र्य∖ (कम । द्वेषुट्रम्बकान्स्यात निक्र क्टेस्ट कार्यः জু এছণ কংলিয়ামনকে নিকুই কবেন ≥ কেন াদিগকে চৰণভাবে নিপ্ডিড দেখিয়া সায়ণ रत मा अप्रकाशकान थाएकम ? "शेल दश्चन ে এগুলি কি পাম পিডার অভিপ্রেভ কার্য ২ (વ/ મન ' આવે બર્સિન હવા/ નન (ચ. નિ.જી. મેજી વ∖ ঃ জংপ্রিজীবর্লসাদে অংনক ৩০ পাই sa. ভাষাকেবল উটোর মঙ্গল অভিপ্রায় নজনং - কিন্তু প্রশাস লইবার জনং নতে : গুড় বিনয় দেখা পিয়া,ড সুকাপনার ত সকলকে ৮'স খড য়াছিলেন ও অনেককৰ ভূমিতে পজিয়া লের চৰণধূলি লইবারও বাসনা কংকে করি ছিলেন। এখন লেবিষয় কেখায় গেল? ধনার শিশঃগর যুভদিন আপেনাকে অরভার 🖯 য় আহান করিবে এবং চরণগুলি লেংন করিচে sদিন আনুষ্য অসুপন্র উ্ভেড বিনয়∢ক

ান কৰিবার চেউ। করিভেছেন ?

কেশৰ ৰাৰুলিফ,দিকের আপোনার চৰণণাল

निका भीतवहासिक साम, चीकांत्र कांत्र मार्थक, कामात क ठाकुतित कामाव माहे । यथाना

একান্ত বৰ্গ্দ **कामाश**रीय

बर्षिष्ठ । शक चार्यत (भागक्षकार्य अंक्ष्यका এচারক **और ब**ावधरहरूक (शाचामी 😙 🍇 ुक्क যত্নাথ চক্রবর্তীপ্রভূত আক্ষার্ভ যে পঞ্জ ক **छि७ इहेब्राटक अवट एउमबर्क मण्यामकीय छटछ** वांश किছू लिया इहेग्राहङ, छाश्रा माठे कब्रिक्ष উত্তরস্থলে আ মঃক্ছুলি।ৰতে বাগং হ≇লাম, **षश्चार क**तिहा अम.मध्यकारम् । शाहिकवरशंह (भारत कतिरम । इत्था मा क कहा ।

কোৰ কোন এ:হ্না অধ্যাস্পৰ জীয়ুক্ত কেশব हक्क अन महानरभन्न लाकि खक्तित প्रदा कार्छ। প্রদর্শন করিয়া ভাষাকে ''প্রভােষ্ট পরিব্রান্ত, ''ওপাণীরগতি» প্রভৃতে শব্দে সংখাধন করিভেছেন এ কথা সভ্। উলোরা যে কেন £क्रश करवन, छ।घ्यरक्**र्या**शि गुर्किश्रमनेन ধাবিচার করিতে চাহে না। আননার এইমাঞ कळात्रा, উक महाया अक्रम वावशत हाटहर कता, देश उँ।शाद अञ्चल्यामनीय कि ना, েড ন ইংচেড সভাই কি বিরক্ত, আন্ম ধত দুব লানে তাঁহার পক্ষমধন কবিতে প্রুত্বইলাম যুখন মুক্টেরে এ বিষয়ে মহা আনাদেশলেন ১য় यश्रेत भू 🐃 । ज 🐃 गमा (अप हैं श) ल हे सा अ 'क्स (wa भट्तर अ**क्ट्रक्ल इ**स्, (शहे श्वश् सह। यू1 (कल वह यु সেন সিমলা হইতে মুকেব জাগমন কবিলেন : সকল বিষয় ভাঙার কর্ণপ্রেচর কটল। তিনি : - ই কার্ত্তিক রবিব'বের প্রাতে মুক্তেরশম'কে **छेशात्रमात्र श्व अक्टलम** दिवस्य केलरमम मिवात्र इटल अक्षेत्र **अस्तिय** देखनुरश कः इटलम । अस्ति वाहर ममासम्भास्य (त. केल इन्छ. च :कहा व ७ हुत. শুনিয়াছি মুক্তকটো বলৈতে পাৰ্বি ডিন একুল : रावश्त्र हाट्ट्स मा । वनः हेटाटल किसि विवक्तः । বজনুভার মধেং ছই ভিন ফানে বলিয়াডেন ' व्यामि (छ।भाक्तिशदक स्थमकल छेशद्रम्य सिग्नः श्राकि, छम्मूराधी कार्यः कर्त्सह अस्मान क्ष क সংগ্রন্থ ক্রিক বাকুত জ্ঞান্ত। এক। বাক্রা ১৮, ব বাতেরের সম্মান প্রকাশ করিয়া কেন আমার নিষ্ঠবাধন কর 🕆 আংমিএ সম্মান চার্টিনা, क्याचि हेशार्फ ल क्रिक्ट इंडे : क्या में क्रशर्फ क्रक् इ**हेर्ड का**णि साहै, स्थार्डिय :शाक्तिर्धत हरून সেবা করিতে আলিয়াছি, আমাকে ভোষরা শেই ভাগে করিয়া প্রার শৈলবিহাবেই প্রার

त्त्रहे शास्त्रहे ७ हाकृति क्**टि**र्च। » रू.० কথাতে কি বোধ হয়? যদি গোখামী মহ সে দিন মুক্তের সমাজে উপস্থিত[্]থাট্রি ভাৰা হইলে বোধ কৰি ডিনি জিলার প **উপসং**কারকারে ख्रामानमा सर्गमद्वतः व চাহিতে দুনা। অভঃপর কামার বিনীত ব धार्यना बहे याहाता खनानम मश्मप्राक व्यव वटल चीकाव कतिएएएइस डिंग्ड्सिश्टक কারব জিল্লাস। কারতে পারেন। কিন্তু যায় लहेत्रा अनकम शामस्यात जिलि मण्युर्न 'नटम्हाब । विना कावटन डीहाटक (कह' ऋ কহিলে আমাদের সহা হয় না। আপনি এক निचित्रार्ष्ट्रमयथम डाम्हनभारम अमान्य আরম্ভ হয়, তখনই জানিয়াছি কেশৰ বাসু ভার হইবার বাসনায় বার হইয়াভেন। নেব প্রবর্গী কিছু মধুৰ, ইয়াতে শীক্স চিক্স मन करन, ध्येष्ट्रांन कि ध्रुन्तम अन्तर अञ्चल সকলে গাইডে কি বুঝিতে পাবেন না : কী कि हात्रा कि छप्त:क खं! त्वांक तकत्वहें मर्ड भारतम । এই छन्। मतम की संदनत গীত প্রথাত হয় এবং সেই প্রশংর কলে भुष्ण यावश्व कया एवं। हेश्व (काम खाटन বাবুর কাৰভার হুইব'ব বাগ্রভাপ্রকাশ : ए इ. १ वह छिलाएक व्यालीन छेक बहाद '' अवहाड अध्यक्तात भे क्षकुछ वाहक। विक्रम ब्राह्मका वर्षमाल भारतीत्र केंद्रिय मृष्ट विद्रभुग क्रार्थ का का वाम प्राप्त माहा माहन प डा बाहर (संबंध का भाग में ने ने तो है 💯 🗸 🐯 🧿 🤁 प्रव्याच्या कर कर है । इस कर कर आहे। उ अ:भारतास्य वालकात्रः भारतिबद्धात्रस्य स्ट्रमः বাবুৰ ২০ তি ্ব সংক্ষাৰ এই ধাছে, ভাটা সূত্ৰ ्रक्त का अता क्रान्डाची दस्ता

> 5 A 4 1 16 A } हैं। कुदरूरमा इस **छ**ष्टे! ょうみ・ めか

बंद संघ । स्थानिएक पाई, कलिकाका अ स्वाक्ष्यक्रक क्रमाह्य, अञ्जूष अक्षाप्री स अनुर्वेत (अमेर्न्स वर्ग धाराम क्षायाम हो ्षतः देवलयाम् क्रियाशाद्यमः । काल देव ধানী ধেন পেখাস্থাকৰ বলিয়া বাংগা क्टल भाग कि **श** छे देव भा•िक में ख्वरल व (स গ্ৰহারেবা কে'ন অংপজ্জিতে বাজবানী কার্ব্যে নিযুক্ত কর। তে'মরা যদি আ্মাণেক ভুক্ত। কি.টাইয়া দ্বে ভারা আনিত্ত পাবা যায় विद्या अहन मा कत, क्या मि क्यामाकृत्व भावेतः । त्याप वृत्र अ अद्भारत्य कामक्य औषाई । ভাষী হার। হঞ্ভবনসম আছোলবার মণেঃ; ্ খদের টাটির খায়ু দেবন করিছে আকেনঃ सर्नाई।

এই অঞ্লের ভূতপূর্ম লেক্টনেট গ্রণীর যুক্ত অনুরেবল ডুম্ও ১: হেব যে সাচ বংগর न माम्बकात्र वार्य काव्याहित्सम् ज्यादि। হাকে ৬ মাস বালও রাজণ নীমণে থা কেতে था याध्र माई रे वरभएब्रु व्याप्टेम एमत थ्यानक ল পকাতে বংগ করিতেন।

শুনা ধাইতেন্তে, এ প্রদেশের বর্ত্তমান লেপ্ট ট গৰণর জীমুক্ত সার উইলম মীয়ার সাচেব মন্ত সাংহ্রের নামে ভোগাজিলামী নহেন ু কৈ ভাষার প্রমাণ ভ কিছুই দুখিয়েভ পাওয় मा । इ.स. ७ कार्यः छात्रः व्यवस्थितं **प**र्याः পবিলয়েই মাইনীডালের পাহাড়ে যাত্রা য়!ছেন :

সম্পাদক মহানয় যেটি এপ্রদেশের শাসন भिरंधे वे वेदमर्थिय किया कांग कोल अर्थाए গ্ই নিশিক্ত হইল, কেৰে কি নিমিত্ত অন্বৰ २ ६ लक्क होका दाश कर्त्यः अलाहायारम अर ট হউস্ এব° অ:র আনর সরকারি প্র \$3 ₹\$?@?\$:

भदर्ग मण्ड शतकारल का युवर प्रवृत छिल्ला प्रक्रि চ্বরেন, চাপ্রাসি গ্রাভূতই মার, যায় এক বর্ণজ্ঞক জোগাতিলায়কেও বাঞ্চত ভেনে≱ ≉য়, ভাংচা এক বার চফুচ উন্থিলন য়া দেখেন না : প্রধানের অসুকরণ স্কৃতিই । थारिक। स्व•क्रेरचंड गवर्गरत्त्र (वर्षार⊬) थ ান প্রধান কম্মচারীবাড় ভংগ্রাবড়ী ৪ খাকেন, ভক্ষন সর্কারী গনাগা*ন* see(ভিৰংসৰ শেক্ত অপৰায়ুক্য ভাগ লৈ বিক্ষরামিত চহতে হয়:

ত বংগর বোকিল্থক, মেন্ট আলেন,

ান কারণ ৷ সভ্যবটে ঐ ঋতু আমাদেশের জীয়রাঞো কিন্দ্রকার শাসন হইভেছে ভাহা য়ে ছঃধী লোকের প্রক্ষে অন্তঃস্ত ক্লেশকর । দশন কারবার মানস করিয়াছেন। সেচী ভাঁহার कर्करा कर्म वटके किन्छ (य क्याइक्ट्रेड कहिया याह েচেন ভাষ্তে প্রজাদিলের এসময়ে কষ্টের ংলিলের প্রেণ ঐ করু সুখকর হয় ও জাই | লাঘ্য না হছয়া বর্গরাদ্ধর স্ক্রাবনা। লিবিংমধ্যে बाद्यानक तनावद है। इन्ही, ५००।५६० अन्य २००,२६० वलम, ७००।४०० डिके, ७ खन्न देनमा সামপ্ত এবং ডিন্চারি হাজার লোক থাকে क्षातामान राष्ट्र अञ्चाता अर्थान व्यक्ता अर्था करे পাইতেছে, ভথায় আবার লেপ্টন্ট গ্রণর সো ५ न लहेग्रा स्थाय अक अभिकाल पाकिर्यन সম্প্রানক মহালয় ! এইক্লপ আন্তেম্বর করিয় : াবপদাপর স্থানে যাওয়াকি এক জন স্থাবড नामनक्षात्र मभू ६७ कारी। बहेरकर इ

फिलप्रशाबकारम शोधव मारश्रवः निक এই প্রার্থন। যে, একংশে রাজধানীতে উত্তঃ রামবালী প্রস্তাত হইল, আনার গেন পালাড়ে থাকিয়া অন্থক ধনাগার খালি না করেন এব ও ঠিকপী,ড়ড স্থানত লৈ যদি দে∶থবা भानत्र शाहक, जाहा इहेरल (यन व्यानक पुष्प भार कः देश भाषाम्।

> ক্স,চিং মোহাদাবাদ বাসিনঃ

মুরসিদাবাদের অস্তঃপাডী কিয়াগঞ্জ, ব'লু **চর, মহিম'পুরপ্রভূতি আহানে আমতিলয় জ্বর চই**য় कर्तरक कल्ले भारे (कि.स.) ख्रात्त अह प क्षाप्त র্ভাব কথন দৃশ্ভিরোচর হয় নাই। অধিকতঃ चार्करभत रियम अहे (य. अक्रभ द्वारम वक्षी क्रेडम (ठाकरमानव्य नाई। अथारन व्यक्तक धन বান লোক আছেন, জাঁছারা কেবল মত্ত মলোর এবং উত্তম আমাজরণসংগ্রাহেই বংস্থ কিছু একটা ভাল ভাতেরখানা করিবণং काशत (हर्ष्टें अनः हे। जी (जाः

ত স্থানে অনার্টিংইটু এখনি ছ'লিক্লে। সংশ্যাগত আঘাত ও আনেশের বনাং নিভির করিয়াছিলান । কিন্তুপুলার পধ ভ বিক্রীত ইইতেছে লোকেব মান পৰ নাই ! বেষয় ত আপনাকে জানাইয়াছি, কিছু ১০ এ প্রায় ১ মাসের অধিক কাল রুইটি না হওয় ইয়াছে। রবিশসং যে উত্তমক্রণ ক্ষতে ভাসে ভঞ্জ একটা বন্ধা হইয়া দেশকে পুনর : বিনেরে অভাত তেবাঘাত হইতেতে। ইহার মা েলকণ দেখা দাইতেছে না। প্রাথিত করিয়াতে। গতে ছই বারের নস্তাবনিও । চকুর্দ্দিগ হইতে হাহাকার রখ উটিয়াতে। ধ ।বিংব মড়াব উপয় খাড়াব হা ' কোথায় ' মাঞ ছিল, এ বারে আর ভাহার কিছুই নাই 🕴 ও চাউলেব দর দিন দিন বংড়িভেছে। লে মণ্ট ছ'জি পাছিভ'ব ৮শন কর্ম' একাু জিশ্ল প্ৰ,জ্ঞ মাঠে জল দীছাইয়া রকিয়াছে । পুনরায় ছজিকাশকা করিভেছেন। গ্রণ্ডে উপায় অবলধন করিবেন, না মাহ'ে এজাগে নের গানা ইক্ষু ভুক্ত কাপাস ইক্তনদি এই বেলা সাবধান হওয়া ও উপায়বিধান । আবে কইর্জি ধ্য় ভারার উদ্দেশ্যে হই ুসমুদায়ই এই ইইয়া গিয়াছে। তারি তাবকারি উচিত। আমাদের ফোলার কালেইদের এখ াসংবাদ পাত্যা বাইটোছে মার উইলম কিছুই পাওয়া যায় না। কলিকাতা অঞ্চলের গামামিভেছে না। সাহের বৈধাবহার পান্তবাগ করিয়া নায়ে এ দেশে প্রভাই ভরি ভরকানি ও অন্যান্ত 📗 পরিশেষে সাভিশয় ছংখের সৃহিত প্র

अरवाद बाब्बात वरम सा। मान द्रवि श्रकृति ষ্ট বারে ২।৩ কোন অন্তরে একটা এক বলিয়া খাকে। লোককে ভৈল লবণ ও ছ আবশ্যক দ্রব্যাদি ৭৮ দিনের পরিমাণে বি রাখিতে হয়। 📣 ছরবস্থার সমধ্যে সে সকল স্থানে এবং সকল বারে বলে না ! .কান স্থানে বসে দতাহার দ্রব∮াদি দে দেখিতে কে কোন্দিলে যে লইয়া যায়, ইয়ত। থাকে না। ধান ও পাওয়া ছক য়াকে: অধিকতর আকেপের বিষয় এ দেশের এত **হববস্থতেও আ**মাদিগের রার भगरक अञ्चल्दात शकातकात काम অবশ্বন করিতে দেখিতেছিনা। প্রথম পর আহাবাদ ও বন্যাপীড়িওদিলের সাহায্য ধান্য ও চাউল আসিয়াছিল, ভাছা ভিন্ন বি ও তৃতীর বন্যাতে আর কিছুই আইদে ভাহাও সব ডিবিঞানের নিকটবভী স্থানসং বিভরিত ংইয়াছিল দুর্বতী স্থানে হয় আন্তা একপ সাহাযে।র কোন কভিএায় বু পংরি নাঃ কাঁথি অঞ্চল যদিও বন্ধায় ছিল, তথাপি সে দিগে আবাদ হইয়াছে। অসংশী, বরজপুর, ভুক্তগমুসা, স্থরামু গলামুঠাএন্ত কেনকল প্রগণায় কেলে ष्टल श्राट्स करियाहिल. उथ:यू এकही নাই। মাঠসমুদয় পুল্যাকার হইরা হৃতিয় অপিবাসী দগের আধকাংশ গৃহ প্তিত इत्रकृति अक (भव वर्षाहरू । (मारक এक काल कि चाडेग्रा स चौडिया चाकित्व, प কাৰ উপায় ৰেখিচেছি না। খালনা, প্ৰি প্রতিপালন ও আগামী চালের বায় যে (निर्कार रहेरव, लाइक छारा छावियाहे क ০ইয়াছে। কাথিব ডেপুলী কালেইরের বকল পরগণার প্রতি বিশেষ দৃষ্টিপাত । करें

উল্থিত প্রস্থাসকলে আব্দেন্ ুষ্টেড আমারাজ্মন্ত্রের পানেরে র

ট্রে সাহেব ডেপুসী কমিসময়ের পরে প্র 🕏 **२रेब्रा जात्राम अक्षात वार्टाउट्टम**। केश्रिब চ্**সকলেরই প্রার্থনীয়** ; কিন্তু ভারার ন্যায় **चकाळत नः। प्रतान् मृह्यकाच महासमा** (वाथ इत्र कामता कात नाहेंव मा

।मः शाधिकमुद्र ६ हे कार्श्हिक २१ ६ ।

कुली मारेन्।

ष्ट्रांम् जवर्गसम्बे माण्डला त्रम्थरपूत्र এकार्या

s কুলীল ইন হইবার প্রস্তাব **এ**ছে করিয়া । এ এদেশবাসিগণ এই সংবাদ আবস । कि नर्राष्ट्र काश्नामिक श्हेरकर्र, काहा ীভারাপ্রকাশ করা যয়না।কেচকেছ **ठरक, अंख सिर्**नतः **পর দক্ষিণ দেশে**র रिशांत केम्ब रहेम । क्ट्र क्ट्र कहिएक्ट्र, শ্বর আনাদিগের প্রাণ্রকার আন্রেএক েউপ্যাটন করিয়া দিলেন, আরও (ক্ই প্রকাশ করিভেছে যে, এভাবৎকালপর্যান্ত া রেল হয়ে কোম্পানি যে ক্ষতি সহ্যকরিয়া লাছেন, এই বারেই ভা**হাব নিঃস**লেহ হইবে। ইভিপুর্কে আমবা ২। ৩ বার প্রস্তার আহা হইবার সংবাদ আবণ করিয়া য়ে আনন্দিত হইয়াছিলাম, ভালার পর कार्यराष्ट्रधान मा इडब्राएड (म कामम अखः হইতে দুরীভূতহয়। কিন্তু গত ৮ ই কের সোমপ্রকাশে 🕸 কার্য্য আরম্ভ ইইবার গ হইভেছে দেখিয়া পুনরায় আমানিগের कदर्ग दङ्ग प्यानसम्ब मध्यति क्हेन । ৰ অসংনর। বিনীক ভাবে গবৰ্মেণ্টকে এই াধ করিভৈছি যে, যাহাতে ট্রেসমগুলি ানের সন্মিকটে হয়, সে বিধয়ে যত্রবান এবং অভি সম্ভৱ উক্তা কার্য্য কার্য্য কার্য্য

এবংসর দেৰভার অভ্যাচার জেলা ২৪ ার দক্ষিণ প্রদেশের শঙ্গের 'এলকণ অনিষ্ট' 😝 के कार्या कांत्रक हहेरन कीन होन क्षक: রিখ্য করিয়া দিনাডিল করিডে সক্ষ अत्र अदर्गस्य क्षेत्र नाः . शस्य विद्रमध् সাহায্য করিবার আবেশ্যক হইবে নাঃ

পर्याख रक्षरम्भ विद्या, मकाठा । उमन्द्र क्षात्रक्षत्रक्त काना काना श्राम्हणत केंगरत

ভিছি ৰে, আমাদের পরম বন্ধু মধানা _। প্রাধানা রাখিয়া আসিভেছেন যেখানে এক अन राजानी आड़न, हतई सारवह छेब्रांछ, अहे चारमहे मामा क्रिक क्रावहात अहि । किन्न भागता प्रशासक ब्हेटकहि, वाकाली विराध मकन कार्रवात अवनी मींबा चारह, तम भीवा (कहरे चार्क क्षाम कार्वरक नमर्थ इंहरक एइन मा: कामानिश्तत चित्र.खर अह कर्यु क**लि भ**नाने 🐭 याहेट्ख्ट्ह र ব্রথমতঃ এক ব্যক্তি বছ পার্ম্রম করিয়া বিশ্ব-विद्रालाल के जिला के जैदेशन । एरलात निष् নাবে একটা বিদ্যালয়, তৎপত্নে একটা রাক্ষাসমাক স্থাপিত করিলেন। অনস্তর একটা সাংহত সভা इ**हेल। (मचारन मर**भः मद्यः धःक्रभाठे ७ छर्क বিভৰ্ক হয় ৷ কেই কেই রাজনীতিসংক্রাম্ভ ছই একটা বিষয়ের ভর্ক করেন : কিন্তু উন্নতির এই त्मय मीमा। कशिकाष्टा व्यवधि लाटहात्र**पर्या**ख (य थान्य यक्ष वाशानी ब्याह्म, नक्षात्रहे छेत्रकित এই পরা কাঠা। বিদ্যালয় ভাগে কবিবামাত্র व्यथायुर्जित त्वय रहेता। अकालकि, एउलुक्ति पाक्ति টেট, কেরাণীগিরি অথবা অন্য কোন কাজ शहेवामाञ्ज विलाग च्यानिया **छ हिं**ल। दवला च्याहे ोत श्राक्त निष्ठा कक स्त्र ना । डेख्य का हत्र. উত্তম পরিচ্ছদ সটকায় ভমাক খাওয়া ও খোস शह कता এই ज्ञान में क्षा । इंडिरशरण विमा লয় ড্যাগের পর যেপ্রকার যাথার্থ শিক্ষা হয়. वाकाली पिरंशत खाहा नाहे, बढ़र व्यक्तरक याहा विम्हानरम् भिका कर्त्रम, भरमातिक कार्र्स श्रद्धान रहेशा खारा क्रमणः स्कालामाधरक छेरनर्ग कतिया निट्ड शास्त्रम् । (काम विष्युत खामापिर्वत क्षत्राह মনোধোগ হয় না, কোন বিষয় আংমধা আংশ-নারা অসুসন্ধান করিয়া স্থির কবি না ৷ সামাট গের শিক্ষা পরের পারপ্রমেণ উপরে নির্ভন্ন करता कान डेभयुक श्रष्टकात य'श वर्तन. কোন দেশমান্য ব্যক্তি যাহা করেন, ভাগাই व्यामानिर्गत बाहर ७ अञ्चरमानभी प्रहर्म : वामतः বে জনরবের উপরে এন্ড বিশ্বাস করি, জাহার (কান বাজ্যনী চল পারেন বিভাগ অভার আ कात्रवहे अहे। 'यनि याहा दलिटलन, व्यावद्वा ु त्य .स्ट्रा शहन कर, .सह किर्याहे व्याविद्वा ভাষা বিশ্বাস করিলাম, কথা কভ দূর সভা, ভাষা। এবেশ্র স্বাহনাগাল লা অধ্যবসায়ের আ আভোবিক আলক্ষেত্রকান আমর: অপুস্কান নির্ধন আনবা একটা নির্ভার হা সীমার कतिया विद्वकादण भादि माः এই विश्वति हैं। प्रश्विमाः অভাবতঃ সভ্যপ্তির হইরাও কার্য্তঃ জনেবঃ িকিও ভারতবংশৰ অন, জনং স্থানের সোধে বিদেশীর্মাদ্রের নিকটে মিথ্যাবাদী বলিয়া পরি প্রমশঃ অ'মাদিগের অংশকা প্রেষ্ঠতা প্রম চিত হইতেছি। আমর। অভাবত কীক্রুছি । করিতেছেন। অমানিগের প্রাচীন কালের বাজালীদিলের অংশকা আইন কোন জাতিই কার, রাজসুমার ও বীরগণ আপন আপন শিক্ষা করিছে পারেন না তথাপি এই আল্গা সামে প্রের এই ব্রেশ। विरक्षम व्यामात्रमिद्राह विठातलांख्यम कोल्याति । लाकनिए । कार्यकर्मन ७ केंग्सिम्स्य याम्य

নির্ভর করে। অলায়ানে দলীনের সাক্ষর যাথার্থ, স্থির করা হায় : উত্তর পক্ষের সামি শপথপূর্যক অস্পন নিগ্রাথিবার 🖊 পায়ত বাজালী বিচারপাত সভাগেত্য ব বুকভে পারেননা। প্রভরাব অনেক গ অবিচার করেন। এই সাভাবিক আলেস্যামির আমরা এপধ্যত্ত একটা প্রকৃত সূত্র স প্রস্থকার দেখিতে পাইতেছি না। যেসকল প্র থিতে পরিশ্রম ও অবিচল বিবেচনাপঞ্জি চ कतिएक रस, कामता अनकत्वत मात्र यात्रिः नाष्ट्रक, शक्ष, व्यञ्चतानश्चकृष्टि व्यामानितात श अष्ट २३८७८६ । भक्त कारकहे जामापि গাধত্ব প্রকাশ পাইতেছে। জামরা কোন রণ হিতকর কার্য্য করিবার সময়ে বথার্থ অপেকা শত গুণ আড়গর করি। আমনা করিলামুদীঘ দীঘ বজুতাহইল, দাতং विषया वक्तान भागांत्रांनरतत नतत प्रहे श काल इ'श्री डिल्डिन पिटलन कि हा বহিতে স্বাক্ষরের বেলাই কারা হাটী। ই কারণ কি ? আম্রা কি স্বভাবতঃ কুপণ ভাবি ভাহা নয়। আমাদিগের আলসং প্রবল ও বু প্রগাচতা নাই, ইহাই আমাদিলের যাবং অংনপের মূল। আনামরা এক ঘটিকাকালের লইয়া এক জন ছঃখীর উপকার করিছে। भा: वेडेरबारल.भाननील .लारकब्रा चहरक म e नीडिक लाककिशक प्रमान करहेन। या कष्ट (प्रविद्धः भारतित दः च यक कामा यदिः । ঞাতিতে ভাষঃ হয় না ৷ জামরঃ নিকটস্থ বেশীর বোগ দর্শন করিছে পারি না 🗸 🏖 🕏 यथाल कारनत समाध इंडिटना नीसलन व्यामानि अर्ल्यको अञ्चलको ने स्थान । म ভুডায় নেপলিবন স্পদ্ধের জীবনর্থ লেবিবার স্থায়ে অচংক বিবির ও ल्लास विश्वशः व्या**हेटन**न 华马州不改

অপেকা দেওয়ানী মকদ্ন। ভাল করিতে অমণ করিতেন। কত দূর হইতে ক্ষিণ भारत्व । (मक्कामी मक्कामा मलीरनत केश्वत शिवा काश्वरात्व । ताकक्मात्रश्य स्थापित ার স্থায়ানি নালে করিছেন, ভাষারা রাজান ত ও যুদ্ধ 🕟 । করিছে সাইছেন। কর্ণ বিভার বি 🦠 ব্যায়, 🖚 কট্টসাইক্ট্ডা ক প্রিসাম া 'ছল , এই ধীকা এক কালে ल इ रुष्ट्र महि : के द्व ल ऋगाक्षण ও মহারুচের অল(র্লিপ ষ্ডিয়ার্ড এবং এইসকল স্থানে গৰি অসম যাঁচাৰে যতিগতি হইয়াছেন উচ্চ র কুলা লোক বঙ্গাদলে দে খবার ংষ। নাই র ভাউসালির নার লোক য**ল**নেকে-भागेष्ट्रीके मार्कनभिर्भक्ष भागः कि अन s ভাছেন্ড জামাদিধের প্রাচীন কালের প্রভৃতির অনুসক্ষানবিষ্ধ্য বোদ হয় প্রালাচ ভাউদ জিকে বাজেন্দ্রশাল মির ক্রেপেক: ন বলিজে হইবে। রামচত্র শার্ত্তী ও রাখে ভিওয়াবৈ স্কভ রাধানাথ বিকলার অথবা ीनाथ ,ण्रस्य प्राटक कुलना कहा नाक्षाञ्च গ্রনা। দনকর বাওপ্রভৃতির ভুল্য লোক हर उक्तामा अध्यास्य अध्यास्य अस्य । ব দেখণ আম'দিলেব এই স্পাই বিদ্যান্ত লে, বাহ, উল্লাভ ও আনভ্তর ভল আনু বিষয় উত্তৰ পাৰ্ডনাঞ্চলৰ মাল্পপ্ৰ কাজি विकाश करें देव ना । वाकाली मा विक ऋते. 1A ক'টে : কল ভিশ্বজনিগৰ বুল , धार्च ५% और बहत, (कह वड़ ५५ व १६४२ करिएक भवन बंदान मुद्रोहालक 'वाभता सकते इंगाव्हर (ht/afa : 'ब्राभना । मानरामधाकुर रव अभा की रकाद कर्दराङ के.

থালিগড়েম্বসভা চামে করিয়া করেক

ইউরে'পে শিক্ষ, ও নম্য করিতে পাঠাত

प । विश्वता (प) तसरे(ल ए अप्छक्तात्र स्था ।

বেটোট আন্মানেধের ট্রুড ডানী জাটোর.

आहे उपरायक कामक काक कवि

া মানৰ। সকলা ব্ৰয়ে পাৰেৰ সুধা

本 C p :本東 宝竹点 出谷(円 - SAIP 1. 円 .

तरियादक सामत स्थाप्त विवास भारत,

र्वे कहार संग . च ^{८०१} छन्य १६७६ व लक्षा विचलकः कःली क्रुक हर्ष्की साम्र वीमो लम के दिन के दिन हम्म अकुछ रङ्गत । ১२०४ को विक **व्हेट्छ ७५ क**ि द्वार (तर्रातः क्षेत्रः । १८५ व्यामना इष्टः क्षित्रः 💌 🤻 मधुस्त्रसम्बाधः বেলসংক্রিপার নাও পার জামালি ১০৭৫ অব্যেহায়ণ হট্তে ৭৬ কাজিক ১৬ । একালিত হয়।

্গাং বছন ন আছে হরা প্রস্তা ওরাণা করা উচিকে। " 🥕 মধুরালাল রায় ্কাল বাকারটের কাজ হয় নাত কিছে আন্দর্শত ১৮৬৮ নবেছর হইতে ৬৯ অস্টোরর জেব একমান বংশীয়গৰ **ভাবেন স্ক্স**াধায়:ন্র त्र^{ा (च}्डेरङ् भना कांत्रप्रा**वक ही**९कात क न्ट्रङ প: ব ও ৬৬ যশ: **ইইবে। দেশের মলল আ**পেক অপেনাৰ ন'ন ৰাভাইবার চেষ্টা এট রোলোৰ মুল : ইতার পরিবর্তে **পেশের উন্নতি প্র**ধার ২ংদেশ, জন্ম করা উচিত। যশ: इहेन जालक, काठन हेर्यक कीवानत हिन्तका জ্ঞান ক্রা উ:১৬ নছে। আমরা স্ক্রা যদের १०६१ कतः क्षयमः ७ द्वीत्वादकत्र चलादः একপ্রকার। বে বাজি র-ম'গত প্রতিলাকের পশ্চ'তে লংগেন, স্ত্রীলোক প্রায় গাহাকে ভাগে করেন, যশেরও ঐ ভাব। হ্চাস দুষ্ঠাও বাহ্বালী দ্লের মধে। ভূরি ভূরি আছে। বাংধ্যে অনেকেণ নাম আছে ৷ কিন্তু ভিড পেথিলে গুলানাকরা যায় এমত ব্যক্তি আমাদি গের ''বড় লোকলেগের" মধ্যে কত কর্ আছেন। আড়ধরপ্রিয়ভার ভারট প্রসংধ। মান্দেরে ও কথাই নাই। **অ**ভএর হস্প অংমরা ইউরোপীরদিধার অধ্যবসার, অক্লান্ত পরি প্রম, প্রগাচ মনোধোগ, ও অবাংগপরতা শিক্ষা न। कंत्र विरम्पिक वर्षमामः काश्वासिकारक छ। रुख र तित अनः अनः कृ'(मह निकर्षे मञ्जक अवनः क है एक शहरत । बार्डी विक वटल आश्रदा निकृत्ते. धक वृश्वित धार्यामा वृश्यिताहरू, त्मेरीव कि कि প্ৰতিভেক্তে ভাষা কামরা বলিকাম : একংগ্ৰ প্রামাদের এর কি অবস্থা ঘটিরে, আমরা ভারত नस्यत्र भुताच भनार्य करेग्रा श्वाकित कि जा छ। ध ক্ষামাদিয়ের অপানার উপর নির্ভর করিভেচে অংশৰ' পুনৰ্ধার ব**লিডেছি বুখা আড়হ**র, যে দে धकारत नाम नहेवात : हष्ट्री, अ आनगर आमानि ্গৰ প্ৰধান শক্ত ।

---:--म्या व्याखि।

্েব অভিক নিজা টুত্র প্ৰিচমাঞ্চলে জীয়ুপুৰাৰুসমানক রায় জামালপুর কেং সোমপ্রকাশে বিজ্ঞাপন দিয়ে ই ব জার্জালগের জাবানের আবাব কোন : ১৮৮৮ আলোবর ক্ইতে ৬৯ মার্চ . » " ল'পদল'রঞ্জন মুখ্যোপাধ্যায় বীর্ভুন ৩৮ আনো ভারার পর ৮১ আনো দিতে চইটে নে কি অভানতঃ নিক্টাই অংমরাত সাম শর্মালসাদ মুখেপেধ্যার উপাবীর মগত । যিনি অব্যক্ষ কাল বিজ্ঞাপন দিবার ইক্ষাক লানা ১৮টা কবিলো আমের। স্থা ১২৭৫ আন্তায়ণ ইইডে ৭৬ কংগ্রাচ বিন্ত বিন্ত বিন্ত প্রিয়ার স্থানির বিদ্যালয়ে তহতে। अव्यान क्षेत्र भारत भारतीय कारणत n n कुम्श्रामानास (शास भाषेक भारत) 3. 1 ---বজান্ত্রের স্থার, কয় নাই - এ প্রেম্পের - এন, এইচ, এল, বিভিন্তাকের - ১০ - ক্রেমার করি করে করে স্থানির স্থিত পু

--:•:--

সোমপ্রকাশসংক্রান্ত করেকটা বিশেষ নিয়ম।

অবিদ মূল ও ডাক্মাস্ল না পাইতে বলে সোমপ্রকাশ প্রেরণ করা ছার না।

ইহার অধিম মূল্য বার্ষিক ১০ টাকা मानुर्मिक ell• होकाः स्थम्पटन खाकः গমেত বাৰ্ষিক ১৩, যাণ্যাসিক ৭ এবং ই াসক ৩৮ ৷ ভিন মাসের ফুনে করিম এছণ করা যায় না। ছণ্ডি, বরাতি চিটি, জড়র, নোট ও ষ্টাম্প টিকিট, ইছাব জা য:হাতে ব'ংহার স্থাবিধা হয়, তিনি সেই 🕏 ধারা মূল্য প্রেরণ করিবেন।

गोहाता है।व्यक्तिक भाग्रहित्व, ह গেন এক অথবা আমাধ আনার অংধিক মু e तभीरभव क्रिकिट (श्वतन मा करतन।

ষ্থন বিনি মফখল ইটডে সোম্প্রক মূল প'ঠাইবেন, ভাষা যেন রেজিটুরি ক গ্রীযুক্ত ভারকানাপ বিল্যাভূষণের নামে প্ हेबा (मन :

याँ शिक्तिरभव भूता मिवात समग्र अञ्चीक । कामिर्व, अक मामधुरको छ।हामिश्यक लिचित्रा कानाम शहरा, कान अखीक । গেলেও এক বার চিটি লেখা ২ই:ন, ভারার একমাসকাল প্রভীক্ষা কবিয়া কাগ্রক বছ যাট্রে। শেষ বারের পাত্র বেল্লারিং প্র रकेट्य ।

মাতলা রেলভয়ের সোণাপুর টেসনের চ ঘরে চিঠি আইলে আমরা শীতা পাইৰ

যাকারা মাস্কুল না দিয়া পত্রাদি প্রেরণ त्वन, पार्वान्तिशत अह श्रुवानि अहन विहिद्द नाः

৭ ্চবিলে ভাঁহাকে প্রথম ভিন বার প্রভিণ্ণজ্ঞি

বছনে বুর মতিলা রেলভয়ের সোণাপুর স্টেসনের দ্যি ১১ চালড়েশোভার জীয়ুক ভারকানাথ বিদ নদৌলে ভূষণের বাটীতে প্রসিদোমবার প্রাত্তকো

मियशका

১১ শ ভাগ

२ मश्या ।

' प्रवक्तनां प्रक्रितिक्ताय पार्थिवः सरस्रतो श्रुतिमक्ती न कीयतां

যাসিক মূল (১ এক অগ্রিম বার্ষিক ১০ হল) অগ্রিম বাশ্যাসিক ৫॥ সাড়ে পাঁচ টাকা।

সন ১২৭৫। ৯ ই অগ্রহারণ ১৮৬৮। ২৩ এ নবেশ্বর

্ মক্ষরে মান্ত্রসমেত অবিষ বা যাণ্যাসিক ৭, ও ক্রৈমাসিক ৩৬৭

বিজ্ঞাপন।

সাধারণকৈ জ্ঞাত করা বাইতেছে বে, সংস্কৃত ম'লবিদামিনিত্র নাটক গ্রন্থ প্রাকৃত ভাষার চীকাসম্বলিত বল'করে কলিকাটা প্রাকৃত্যন্ত্রে মুদ্রিত করিতে আরম্ভ করিয়াছি, বোধ হয় মূল্য ১॥ - নির্ছারিত হইবে। অভএব ইহাতে আর কেহ হত্তার্পন করিন না।

পার্বিয়া ঘাটা) ২১ এ কার্দ্ধিক | জীশকানন মুখোপাধ্যায় ও ব ১২৭৫

বাল্নীকি রামায়ণ।

দ্বিতীয়খণ্ড।

करे भुजक कृषीय करिय नवम मर्गपर्या छ विशेष मध्या नागताकर त्रामास्ट कर मिका छ वाकाल। कर्वा त्रिय महिक कारा स्रकाल वर्ष भूमिक हरेया विकतिक हरेट करिया है हरेट मारह-चत्र कीर्य छ नारा मिका करिया करिया करिया करिया मिका करिया क

আহিন ১২৭৫ বিজ্ঞান্ত জীংংশচন্ত্ৰ ভট্টাচাৰ্য্য ব্ৰাক্ষান্যাক

--:0;--

ভাত্রবৃত্তি পরীকার্থিগণের পাঠোপথোগী শুক্তরমূলক মানসাক্ষ মুদ্রিত হইতেছে। হাবজা জেলার জ্লাসমূহের ভেপুটি ইনস্পেটর জীবুক্ত প্রত মাধ্যমন্ত্র তর্কাসভাত্ত মহাপ্রের নিক্ট এক পত্রসহ ঐ পুল্থকের পাণ্ডুলিপি প্রেরণ করাতে তিনি এই উত্তর দেন, " এরপ একথানি প্রয়ের বিলক্ষণ অসভাব ছিল, আপনি তাণা দূর করিয়াছেন। প্রত্যেক বালালা ক্লে ছাত্র হৃত্যির জেণির ত কথাই নাই, জন্যান্য উচ্চ জেণিগুলিতেও ঐ গ্রন্থ নির্দিত হয়, ইহা আমার আগত্রিক ইক্ছা। ছগনি নর্ন্যাল ক্লের যোগ্যবর অহাক জিগুল্ড বাসু রক্ষনোহন মলিক মহাশরতে আপনাব মানস'ল আমি দেখিতে দি, তিনি লিখিয়াসেন যে কাণীপ্রসম ব'বুর মানসাল্ভের অধিকাংশ দেখিয়াছি এবং মূক্তকঠে কহিতেছি যে গ্রন্থকানের উদ্দেশ্য সকল হইয়াছে ক্লেডঃ বালালা ক্লসমূহের প্রের গ্রন্থানি বন্ধ কালের হইয়াছে এবং ক্লেডিয়াছে এবং ক্লেডিয়াছে একটা অভাব পূবণ করিয়াছে। "

क्रिकालीक्षत्रत्र श्रामानायः ।

ঠনঠনিয়া সংস্ত পুস্কালয়ে ও পটোল ভালার বাড়ুর্ব্য আগায় কোম্পানির দোকাকে মংগ্রনীত ও মংগ্রচারিত নিয়লিখিত পুস্ক ওলি বিক্রের ইউডেছে:—

| প্ৰণীত | 3.31 | |
|---------------------|------|--------------|
| এণিস্ইতিহাস | ٤ | <u></u> የተቀነ |
| ্রোমই ভিহাস | ٥ | Š. |
| ভূদণসার ব্যাকরণ | ì | জানা |
| নীভিদার (১ ম ভাগ) | »} | œ |
| নীভিসার (২ মু ভাগ) | d | ,ėt |
| शहर्षिक । | | |
| मूमह्वाध वर्षाकत्रन | Ή, | .કે |
| জী বাৰকামাণ শ্ৰমা | | |

পুরাণ প্রকাশ ।

বিষ্ণুর্বাণ । অত্যাদ ও টীকা সমেত এতে ব হত ৮০ পূর্বা (অগ্রিমস্লা । । विभि धर्गाणिमायी रहेरवन जिलि । वासर्वेद्वेद्वेदि ७८। अस् खरान करि वाद्व खर्थवा कलिकांचा मर्द्य विश् खीयुक स्थारमाहन ज्यांनस्थातत नार् वर्णत हेन्द्रा जिल्ला मूना भागेहिरवन। ना भाहेरन विरम्भ विक्यू भूदान भागे निश्चम नाई हेजि।

বিক্র-ব্লার্থ

শব্দকরক্ষে অভিধান। সর রাজা কাস্ত দেব বাহাছরের ক্তু। উত্তমকণে দিয়া সূত্দ বঁধান, মূল্য ২৫০ টাকা।

<u>জি মানন্দচক্রবেদান্তবাগী</u>

বিক্রয়ার্থ।

গারভেন রীচ ২৪ নং বালী ওদামন। ১৯ নংক্ষোড়া বাগান।

উপরি উক্ত বাগান ও বাটা যাঁহ! করিতে অথবা লইতে ইকা করেন, নিঃ রিত ব্যক্তির নিকট জানাইবেন :

> शिरत छोड्डम् अवस्य धनडे अवस्य

विविध संदर्शांति विकास**र्थ** ।

C 78 5 1

ইংৰ'লী ৰাজনা পুস্তৰ কাগল কল। বিধ এবানি পাওৱা যায় এবং পুস্তৰ /- এক আনাৰ হিবাবে কমিধন দি। ব টাকার পুশুক শইলে /ান জানার বি

বিদ্যাস্থকর মাটক কৃষ্ণকুমারী নাটক প্রথাবতী নাটক শিষ্ঠা নাটক ীৰভপথিনী নাটক চ্ৰিলাস নাটক হাতি:বক নাটক **७८**२ नांदे∜ नकी नाष्ट्रेक मापिनी नारिक 10 প্রভা নাটক ۷ प्रमार्खी माउक স্থিত সং নাটক 5क वन बाहेक শুখল নাটক 11. শ্বাস্থিক নিবর্ত্ত ন^{াট্}ক লকৌছক নাকট ドツ লাবভী নাটক 7 8 স্মকুমারী নাটক ۷ देवद्याभ नाडेक ş दविवाह आधेक : • ও স্থাধি নাটক থী নাটক ÷ নিবাছ নাটক ને" ન∶છે જ भकत! (विश्वमहोत्र **न**ंद्रेक रश्य ब्राह्मात्र हेलाल ।स सारक নাটক ব**হুবিবাই না**খন ~ হুটী নাংক লবলী মা⊋ক JI. রবণী নটেক 18134 1146737193 4134 ংগ্ৰহ নাটক नानशांत्र वाजित वर्धवर्ष्ट्र महिल লাদার নাটক 14 বোপরিব্যোধনা নাটক 'गायातात्रक्षय या ∫क i. 4" at 6 a हि अविति नहाता मध्य ह किङ्ग बुलि २०७५ 11.1 <u>ቀ</u>ባ ብ ኃጥ কী দ'ডাপচয়দ রায় नश्रम (१८३५७) ।

বিনা স্বাক্ষর কারীর প্রতি দ বার জানা যান ইতি মধ্যে কেই স্বাক্ষর করিতে চাহেন, সোম প্রকাশ যন্ত্রালয়ে নাম ও ঠিকান। লিখিরা পাঠা ইবেন।

২১ কাৰ্ডিক

শ°হাত মেখদুত।

मिलाथक क मधीर नी नामक छेरक है जिता भवः छेरेन मन मारहर वहक छेरता भी अमार स् वान भवः वान (जिता) मामक स्मात १३ सार्थ भूना १॥ है। का किला का मकल नाता है। विरक्ष भाषा भाषा माता

নদিয়ার নদী।

সন ১৮৬৮ সালের ৯ ই নবেশ্ব মাস হইতে ১৪ ই নবেশ্ব প্রাপ্ত ভাগীরত্বী নদীর স্পৃতিম ভ জ্ঞানের সাপ্তাহিক রিপোট /

नर्भकर्मा छ छात স্থানের নাম 4 & C4 মহানার সহিত প্রান্দীর জ্যোগেরভাত মঙ: নায় ٠ د उथा स्ट्रेस्ड खर्जनुत ऽद∦ म;केल **म**(ध, অ'লপুর হইতে বহনমপুর ৪৬ মাইলের মধ্যে ₹ नव्यमञ्ज स्टट्ड कःट्डेन्स ar मा**र्टनंत म**र्पर ર क'रहे। इंदेर'ड स्टीग्र ८ के भाइत भट्टा

সন ১৮৬৮ সালের নবেশ্বর ১৭ই বংরু পুর গ্রহণটের জলের মাপ।

ফুট ইঞি ১ ১০ হরুপুর) শ্রীযুক্ত সি ই, উইক ৭ ই নবেশ্ব) এক:জ্ঞাকি উন্দির ইঞ্জিনিয়র ১৮৬৮ :) বহুব্দপুর দ্বিক্সিন।

প্রত্যা করে । প্রত্যা করে করে করা এলাহারার ও লাকের করে করে আফিলে কলিকান্তা লাকের করে করে আফিলে কলিকান্তা চলেবাড়ের নোট ভালাইয়া টাকা দিবার আনেল করে করিকান্তা চলেবাড়ের নোট ভালাইয়া টাকা দিবার আনেল করিকান্তা চল্রবাড়ের নোট ভালাই আফিলে কলিকান্তা চল্রবাড়ের নোট খে পরিমানে ঝাকিরে কেই পারিমানে টাকার নোট সেই আফিলে ভালান হয়। গালান করিব প্রত্যা করে বাইবে। সম্প্রতি বে এলভাইস পার্মাড়ে

ভদুষ্টেও কলিকাডা আফিদের ক্ষাখরচ দৃষ্ একাল যে লয় লিখিত আফিদে নিয়লিখি: প্রমাণ টাকার কলিকাডা চক্রাড়ে নেটে আছে:

এল ংবাদ আফিসে ১১,৯২১৪
লাহোব আফিসে ১৪,৪৭,২৪ কলিকাভা আফিসে নিম্নলিখিত টাকার
প্রিনাশ নোট আছে।
নিকালাদ চক্রবাড়ের নোট ২১০,২৪০

्रांकोन ठक्कबाटकृत स्वाहे ॰ लान वात्रकित कक्टण्डक्क ः विद्याहे ः लकार्था ऽ8 मटक्बत

চং. ধরু আফি সএই-কমিননৰ অফ ব পার কৰেন্দি বি পার্টিমন্ট ইন চ জ এক শেচ্ছা বি পার্টিনেন্ট

সোমপ্রকাশ।

৯ हे कडाइ। प्रश्न त्या मधाहा।

আমরা " বীরভূম " এই শীর্ষ নাক্ষিত পঞ্জানির প্রতি রাজপুরুষদিগের
দৃষ্টিক্ষেপের স্বিশেষ অনুরোধ করিভেছি। উহাতে ঐ স্থানের হুটী অনিষ্ট বিসর বর্ণিত হইরাছে। রাজপুরুষদিগের
দৃষ্টিপাতে ভাষ্যে প্রতীকার সন্তাবনা
আচে।

धवादतत इडेरताणीत गमाहादत मुके इहेल, कामाधिरशय कावी शवपंत स्कृत রল লাভ মেয় ইংলও হইতে বিলায় লইয়া শানিবার মন্যে যে বক্তা করেন, ভাগতে এরণ অভিপ্রাধ্ প্রধাশ করি-য়াছেন, তিনি প্রলেখার আভ্যার না कतिया योशाट काक इस, तिहर विषदा বিশেষরূপে অব্ভিচ্ ক্টবেন। তাঁহার विषया देश्हाकी नगानात गर्ज मन्नीन. (कद्रां य कि क्रोह कार के दिशांट इन, এতদ্বারা ভাষার বৈপরী চাই সপ্রমাণ **१३८७८६ । वक्रःमर**णतः नवयूवकः अख्याराः (व्रज्ञ नावि आमानिर्धित व्यक्तिप्रवाद व्याष्ट्रवित इहेबाट्टन। डाइावा नीय! कात तिर्पार्छ । मिनि हे जिथियाई हिन निर्का कि करतन। याँ होता कार्यात अयुत দর্শন না করিয়া সেই রিপোর্টু পার্চ

করেন, ভাঁহারা চমৎক্ত হন। ভাঁহারা মনে করেন, কভই কাজ ও কতই দেশের छेन्नि इंडेट डिल्ड ; किंड याँ वाता कर्ट्य न चायुत्र प्रभाग कट्डम, डीवीश वकान হন। লাভ মেঃ বদি এই বাহা আড়ববে **উट्टिक्स्यान इहेश कार्यामण्यान्य बाधा-**মনা হন, তালা চইলে তিনি যে এক জন मात्रवान् कार्यापक लाक, हेश हे मध्यमान ছইবে। এখন সহিচ বিপ্রছের সময় নয়। এখন এইক্লপ কাজের লোকই আমাদি लात आर्थनीय। व्यामानित्यत (नर्मत कलां विकत्न को याँ। धर्यन छ पारनक व्यव-শিক্ট আছে। শুনাগর্ভ রিপোর্ট লিখি-বার ক্মতাছারা তংপরিপুরণ স্থা-বিত নয়। কোন**্প্রেদশে কোন**্ বিষয়ের অসক্তি আছে, কোন বিষয়ে विम्झला चारक, क स्टब्स्स स्नाटक কোন বিগয়ের নিমিত খিদামান আছেন, ইহারা কোন্ প্রাগনা পুরিত না इ९शांट कको घनुष्ठ क्तिरङ्ख्न, এ শুলির স্বিশেষ অসুধন্ধান করিয়া যিনি क्षेत्रकरलत शकीकात कतिएक शाहित. বেন, তিনিই এক্ষণকার যোগ্য গ্রণর (कनदल: अथन लाज क्राहेब, अहारदन হেন্টিংস, লাড ডেলচাটসিএভ্ডির महुभ लाटक कार्याप्तरधंत श्रद्धांकन নাই। তবে আমাদিগের এক সম্পেই আছে, পাছে তিনি স্বাধীনভাবে কাৰ্য্য ক্রিভে গিয়া ভারতবর্ষায়দিগের বিধ্রোষী আবেধি অনুষ্ঠান করিয়া ইউলোগীরদি গের মনোরঞ্চন প্রস্তু হন। হাবতীয় किञ्चिर कार्याक्षित हम्रद्रिः, किन्नु मक्षा व्यवर्थ मण्याक्तिक इय ना।

भटर्न्स्सर हेत्र कहें। हे कर

আমরা সচরাচর দেখিতে পাই, अञ्चरह्वातरके उ मर्यानश्रव श्र

র্থমেক্টের ভিন্ন ভিন্ন বিভাগের কার্যোর নিমিত্ত কণ্ট্ৰাক্টের বিজ্ঞাপন দেওয়া म्हेश शारक। প्रविक्ष अर्थक अर्थम রিএট বিভাগে অধিকতর বিজ্ঞাপন (मश्रहा इह। (लाटक **काट्**बन, (स्वारिक দর্বাপেক। অংশ দর দেন ও উত্তম রপে কাজ করিবার প্রতিজ্ঞা করেন, जिनिहे कर्ने कि शांश हन, कि ह हे हात ভূলাভ্ৰম আনার নাই। বিজ্ঞাপন দেওয়া হয় সভা; অনেকে আবেদন কদেন ভাহাও मछा, विश्व १८७१क विखार्या कर्यक व्यन करिया कर्ने कियात व्याटहन, डीशाता ভিন্ন আবে কেছ কণ্টাইট পান না। কমি দরিএট কৈডাগে আলু অথবা অন্য प्रतात कले छ । ज्या इरेटन. यथन এই বিজ্ঞাপন দেওলা হল, তাকার পুর্বের পূর্বতন কণ্ট্রাক্টবার সহস্রে সহস্র টাকায় **(महे (महे छ्रवा क्या क्ट**डन। खाकात व्यर्थ कि ? उँ। हाता व्यात्नन,---फनकः তাহাই হয়,---বিজ্ঞাপন হডক, আর मक्ट्य लाटक प्यार्थमन कक्रन, डाँशमि গের কব্যুক্ত কিছুতেই হাডগাড়া কইবে ना। याँकाता शृष्ट्रतात कारनन, उनेका मिश्रातक तुवाहिश विलियात व्यावनाकिका नाइ। श्वर्रायन्ते अल्ला मूट्या उडम प्रता পাইবেন কি না, এই অভিপ্রায়ে বিজ্ঞা পুন হয় নাঃ বিভাগীর মহামতিগণকে ণিনি পূজা করিতে পারেন, তিনিই কল্টাক্ট পান। নিয়মিত কল্টাক্টলারেরা কোন্দেৰভার কিয়প পূজ, করিতে ক্য়, ভাষা জানেন। তীহাদিগের রুচ কোন বিষয় টেটবেকেটারির গোচর করিয়া কাজট দুবিত চক্ষে দুট হর না। স্কান্য সাগুতাকপুকে আর্ভ হইয়া আ ক্ষিতে হইবে, এ নিয়ম থাতিলে যেমন ; ধারণে স্চরাচর দেখিতে প্রন্তক জন । ধারতীয় অকার্য করিছেছেন। এ রাস্তার কলাক্ত লট্য়া প্রতিবহনর ইউরোগীয়ের দওনাই; সুভবাং স দেৰের আমা ইট কেন এবং সম্পূর্ণ নিউচ্যে স্কার্যাধন করিতেছেন নংক্রার নাক্রিয়া ভাবে ভাবে ধানন লিক ওয়ার্ক ও কমিদ্রি এটোর এট করিষা কেবল ছুই চারি কাছি পোয়া ; কর্মচারিগণের প্রায় শাহকরা : ফেলিয়া দেন : কিন্তু ইঞিনিয়ংগণ প্রতি । যে চোর, ভাষা বলা বাভলা বহুসর কণ্টাক্টকারের হার্ষেরে প্রশংসা ইক্রো প্রধাননিগের অসুস্ত

क्रिका दिर्शिष्ठं क्रिका थारकम । श (मण्डे हेशाएड हे मझ्छे इन। महत्र টাৰোষায়; রাস্তা হাট জন্ম হ দ্ৰবাদিৰ ভ কথাই নাই। কেৱল দল চোৱের উদর পূর্ণ হয় মাঞা ৷ सिदम कर्ने छि पियात करमक परिकार পুর্বের এক বিজ্ঞাপন দেওয়া হইয়াছি वाहिरतत कले छिमातरक मिनात यह इन्हा थाकित कि क श्रकात वहें छ

এই অনিট নিধারণ করা উচি কন্ট্রাক্টের কাজ যে ভাল হয় না, স मकत्मश्रीकात करतन, व्यथह कर् নাদিয়াকোন কাজৰ করান হয এক্ষণকার কন্ট্রাক্ট প্রবালীকে লু অপর নাম ধলিলে হয়। ইঞ্জিনিয়রটি কেরাণীরা প্রান্ত বড় মাতুর হইতে। कले हिनाइटक अथमण्ड विकारगढ নের পূজা করিতে হয়, তথপৰে খ ঞ্জির, ভংপারে কেরাণীদিশের। এই भाउरहा आह ह॰ छोका डेट्टकाह উৎস্ট क्या विदेशकेटल विदेशक मक्रात्य हो है। हेश्य काल काल বার সম্ভাবনা কি ? স্থানীয় প্রধান ব্ধন টাকা ল্ইয়াছেন, তথ্ন 🕏 काटकार निका कहा माधारत वसा (य**न्हें** छारवन, इंडेरड़ा भी य बहरन ह अ मक्कतिज इन ; किन्नु कार्र्या कार ভাষুতাও সক্রিক্তা লক্ষিত হ বিশেষ হঃ ইঞ্জিনিয়রদলের অধিক। উপরে লোকের অণুমাত্র বিশ্বাস এইमक्त वाक्ति अस्मनीयम्हित्यत াত্র। চুরি না করিলেও চলে না।

ামরা অনেক ওভরনিয়রের মুখে প্রবণ

রিয়াছি, যথার্থ চিনাব দিলে ভালা

ন্যাল লয়। অন্তর্গ হল ২ টাকার

গ্রেল ৫ টাকা করিয়া চুরির অংশ লও,

চেহ দুর হন, এই ব্যাত দাড়াইয়াছে।

বিয়েক জন ভদু ক্ষাচারী ইছা করিতে

ন পারিয়া গদ চ্যার করিয়াছেন।

-- 303---

िक्षां भूषे दिवत आक्रिकार का ।

ভাষের পাত্রারে প্রতিপর করি-वर्षक, कारमध्यतंत्र अनुसम्बर्धन কণ্ডালি কিশ্বসান ধৰ্ম বলিয়া আছু ১ छ मित्र हरेशा थार्कः जाशाउँ क्तराह क्षण १५,८७४ हहेगा(६। जिल्हान कामधील प्रतिकाल कहा। अकतान केव বেৰ কারেগিন স্থা কলিয়া আদুও ৯৪(ল এক বিনাছি তীয় ধৰা জগতে প্ৰব (७ ५ ६६ ७ म) . च (यत्। अक्लर्क्ड এ ६ বহুৰে এই লেখিটো পাই হাম ৷ কিয়ার 攻(武) (宋 年間に毎年 車名別でる) (神代明(日 অনুষ্ঠার স্থাত স্থাবল भीत अक्लाडे (गोश्स अ ममयू गर्भरः गडा क वास्त्रक मा जडेमाज नव, जारवा ৰ্জ এব সহত্ অন্ধ বাটিতেছে। জিলার अल्लाक्षतीय क्षत्रको इत्रशास्त अर्थनी * ५ : ५क्तन अप ४ इस्रा १९ ७ तस्**छ । अश्राह्य**ी क्षांत्रकार न ्याक अपूक्कमान नी । डीहाडी

মনে করেন, স্বস্থমিশাস্তোক কতন্ত্রি ক্রিনাসুঠান করিতে পারিলেই ধর্মরকা করা হইল ; ভাহার পর মিথ্যা শ্রেক্টনা প্রদ্রেগমনাদি যা কর কিছুতেই ক্ষতি নাই। উঃহারা ধর্মনীতিকে ধর্মের অঙ্গ বলিয়া বিৰেচনা করেন না। এই নিমিত্ত জগতে মিপ্যা প্রবঞ্চনাদির এত প্রাচ্-ভাব দেখিতে পাওয়া যায়। এরপ ६७॥ व्या≖हार्थात विवस नर्हा व्यवस्त्ररक বস্তু জ্ঞান করিয়া তাহাতে দৃচ ভক্তিমান **इड्डे**ल वखुर्ड ब्हेक्कल व्यनाम्त **इड्**डा थात्क। कड़े कांबर्वाहे स्व श्राम् व्यक्तिः मः था कि । प्रश्रीति विधि व्याद्य, तम् थार्न हे निया श्रयक्तिमित नमस्कि প্রাস্ত্রি দৃষ্টিগোচর হয়। সেই সেই ধৰ্মাৰ্শ্বীর নিকটে ধ্বানীভিষ্টিভ উপদেশপত্নগুলি একান্ত অনাদরোপইত क्डब्रा अविवाद**छ।** ८म छेलात छे**शर**सम এপান করিয়া খৃষ্ট দেবত্লাভ করিয়া পিয়াছেন, যে উপদেশগুৰে সৃষ্টধৰ্মবিল ষ্টাৰা আবাপনাদিগকৈ এত গৌরবাদিত कान करतन, feन्द्वनर्ग उरमपृत्र वातक गहार्ग डेलामण आहर , किन्द्र दिन्द्र मिर्गत कियानुकानवास्त्रमा अव सीर्घाणीन প্রাধীনতা ও মুর্খ চার প্রাচ্ভাবনিবস্থন দেওলি একান্ত হইয়া আছে। আনেরা পাঠ্কগণের দশ্নাথ ভাহার কয়েকটা এছলে উদ্ধৃত করিয়া দিতেছি : দ্ৰ পাশ: প্ৰতি পাপঃ সাহ

সাধু রেব সদা ভবেং।
সাধু রেব সদা ভবেং।
আত্মিব হতঃ পাপো

য: পাপং কর্তু মিচ্ছতি। ১।
অনিট্কারীর প্রতি অনিট্কারী

হইবে না, নিয়ত কাল সাধু ভারাপর
ধানিবে। যে পাপাত্মা অন্যের অনিট করিবার ইচ্ছা করে, সে আপানিই হত

"তে গাধবঃ স্ক্রান ক্রৈরিয়ং ভূষিতা চ ভূঃ। অপকারিষু ভূতেষু
থে ভবসুপেকারিণঃ। ২।
থেদকল বাজি অপকারকারী
প্রাণির উপকার করে, তাহারাই স্কেন্সঃ
সাগু, ভাঁহাদিগের কর্ত্ব পৃথিবী ভূষিতঃ
হইয়াছেন।

উপকানিষু যঃ দাধু ৰ'দ তদা কি কোগুণঃ। অপকানিযু যঃ দাধুঃ দ দাধুঃ দক্তিকচাতে।

ষে বাজি উপকারকারী বাজ্তির প্রতি সাধু ভাষাপত্র ধন, তাঁধার গুণ কি ? যে ব জি অপকারকারী বাজিতে সাধু ভা বাপত্র, পরিতেবা তাঁধাকে সাধু বলিয়া নির্দ্ধে করিয়া থাকেন।

> ছঃবিং চারণাই ভূতেভো-প্রুরোগজরাদিভিঃ ভূতঃ বে ছিঃখমপর মঘ্ণোদাভুম্বজি।

প্রাণিককর স্তুরেরার ও কর্ণি হোতুক স্বভাবত ই হুংবাগ্রন্ত কর্ণা আছে নিঠ্ব কলনা ভাষালিগকে আন - হুল্ দেওনা ভাচিত নয়

অবেচিঃ সক্তেত্তেষ্
সংখ্যান: সভামাজনিং।
সংক্রিপ্রজন্ম ক্ষান্তিস্তব্দ স্থানিংন

কোন প্রাণিক স্থানিষ্ট্রেন্টানাকর সদা নম্থেক, সভানিষ্ঠা, সরসভা, যাব ভীষ উন্দির্ভয়, ক্ষান এঞ্জি স্থ সাধন।

বিষয়েশি তি যে দোষান্
ন বলার কলাচন।
ক্রীজন্তি জুলাংশৈচা
তে নরা; স্বর্গগামিনঃ।
যেসকল বাজি শাক্রেও দোষরতে
না, গুলই কেবল ক্রিন করেন, ভাঁছাঃ
স্বর্গামী হন।

ষে পরেষাং জিরং দৃষ্ঠ্। ন তপজি বিসংসরাঃ। প্রক্রান্টাভিনন্দন্তি
ত নরাঃ স্থানিনাই।
ব্যক্ত বাক্তি পরের সম্পাতি দর্শনা
তাপিত না হন, প্রামূত ন্থানা
ত আনন্দিত হইয়া তাহাতে অভি
করেন, তাহারা স্থাগানী হন।
আক্রোন্ডং স্তাব্দ্র

বাকোশন্তং স্তবস্থা চুলাং পশ্যন্তি যে নরাঃ। গান্তাআনোকিতাআন স্তেনরাঃ স্বর্গামিনঃ।

ষণকল মধুষা শুরকারী ও নিন্দা উভয়কেই তুল্যরূপে দর্শন করেন, শাস্থাতা ও জিতাতা মানবগণ শেমী হন।

পরৈঃ পরিষ্চীতং ষং তৃণমপটেথীগতং। নন্মাপি ন হিংসন্থি তেনরাঃ স্বর্গগামিনঃ।

যেদকল বাজিক প্রপরিস্থীত কেন্দ্রতাত মনে মনে হিংসা ননা, ভাষারাত্মগিগামী খন। কর্মণামনদাবাচা

নোপ চাপয়তে প্রং। স্ক্রি। শুদ্ধভাবোষ: সুষ্ঠি জিলিবং নর:।

1 1

যে ব্যক্তিক কাৰ্য বাকাও মনে আংনাকে পত না করেন এবং সর্বভোজাবে ভাষাপত্ম হন তিনি অংগি গমন

ভিন্ন ভিন্ন ধর্মাবলধীরা ধর্মাবোধে উফলক ক্রিয়াসুস্ঠানে রভ না হইরা উপরিলিখিত উপদেশগুলির অনু কার্যোর আচরণে যতুবান্ ও দুট ভা হইতেন, সংসার অর্থন্য স্থান্য হইত সন্দেহ'নাই। যে যেধর্মাবলা যে ঈশার প্রতিমাপুকা দেখিতে

बन ना, (म**हे क्षेत्र** (महे (महे धर्माव

র বিক্স ক্রিয়াস্ভানে বে ক্রিপে

ष्यपूरभावन करतन, ष्यामदा छाहा वृत्तिर छ श्राति ना

> मक्यता कोजनाती जानागड शक्तिया गांड कि ?

मक्त्रत को समाती आमान एउत नह হাচর যেরপ বিচার দেখিতে পাওয়া যায় ভাহাতে আমরা অলভে বিনা কিছু-মাত্র লাভ দেখিতে পাই না। ঐসকল व्यक्तिहरू शाह्य मचित्र इस मा, व्यवित के व्यानाम छ छाना वाकार छ भवनं रमणे ও প্রজা উভয়েরই বিলক্ষণ ক্ষতি হই-তেছে। প্রণ্মেণ্টের ক্ষতি এই, মাজি-(हेह, व्यानिकोन्ड मानिक्हें है, नाहेन्ड मासिएकु हे ७ एड शूही मानिएकु है निर्वत বেতন ও ইহাঁদিগের প্রত্যেকর আম লার বেতন ও খন্য ব্যবে গ্রেণ্মেণ্টের অশ্প অৰ্থ ভক্ষীভূত হইতেছে না। প্ৰকার অনিহা এই, ভাঁহার৷ অন্যকর্ত্রক পীড়েত হইলে ক্রোথাদির বশীভূত ফটয়া নায়.র্থ चालाजटक यान, किन्दु रित्यारन नहार হওয়া দুরে থাকুক, জাঁখাদি:গর কেবল व्यर्थ उत्रमश्रमछ अयर श्रहाना खि कर्छ হয়। একটা অভি সামান্য মারিপিটের यकम्मात्र (कह म्यक्टल्ला ६० छ।का बाह्र না করিয়া পার পান না। পেষে অঠি।-जिक इहेश व्यक्तिश विश्वतक्तं निक्टि লক্ষিত ও ধিক্ত হন।

क्षिणाती मकसमात नाया विष्ठात (तृत्त हेरेवात व्यक्तिक क्षिण व्यक्तिक क्षिणा व्यक्तिक क्षिणात नाक्षित (तृत्त व्यक्षित व्यक्तिक क्षिणात नाक्षित व्यक्त करता। किन्न प्रमानीत व्यक्त करता। किन्न प्रमानीत व्यक्त विद्यान किन्न प्रमानीत विद्यान किन्न मिना किन्न मिना किना क्षिणात करेवात महावना (कर नाया विना क्ष्माता करेवात महावना (कर नाया विना क्षमाता करवाना कृष्ट मान्नी (कर क्ष्माता क्षमाता क्षमाता क्षमाता क्षमाता करवाना वृत्ति विद्याना माना क्षमाता व्यक्ति यादा क्षमाता क्षमाता क्षमाता व्यक्ति यादा क्षमाता क्षमाता

া গালে অনায়ানে **আদালতে লই**য়া **যাই** भा:तन। **कानून माक्तित्रका नि**र कि ति यह काया विषात हत, जम्बूर ক্তিগার্থ, হইতেছে না। আমরা এব উদাহরণ দিভেছি, এতদ্বারা আমাদি बारकात छाएलचा लाठिकनिर्वत क्रमग्र **रुरे८४ । (म्यम्ख, यस्क्रम्ख, फिप्ट, फ**ि প্রভৃতি ৪:৫ জন বৈজেয়ের (১১ বাটীম্ প্রবিষ্ট হইয়া ভাষাকে প্রহাব করি উহারা যথন প্রহার করে, তৎকা रमधारन रक्डे छिल ना । रेमरजा था বেদনায় চীৎকার করিয়া উঠিলে यना यना (लाक वार्तनाम्यवर्ग उप গিয়াউপজিড হইল। ভাহারা য বৈত্রেরের বাটীর মধ্যে যায়, ভ দেখিল, দেবদতপ্ৰভৃতি ' প্ৰা করিয়া নিমৃত ইইতেছে। পশ্চাৎ সম আদাণতে অভিযোগ করিল এবং সকল বাজি দেবদতাদিকে ভাষার বা মধ্যে দেখিরাভিল, ভাষাদিগকে সা মানিল। সাক্ষীয়া আদালতে বি যাপার্থ কলা বলিল। পশাৰ প্রতিবাদী দেবদতাদি কতকগুলি সা দাকাইয়, নিয়া এই প্রমাণ করিল তংহাৰ৷ সৈত্ৰেয়ের বাটাতে থায় : . बद: डाकाटक द्वाकात करत नाहे। विष्ठ প্রিভাহাতেই বিস্থান করিয়া সৈ য়ের এহার্থনা অহাত্য করিলেন। ইহা (क्दल (ग_अदिहाइक्रल **अ**निके इ এরণ নয়, দেবদভাদের \$ 100° धालाव (मध्या इहेन।

প্ৰভাগী কিঞ্চিং ৰায় ক্রিলেই ভাষা

দিতীয়, কোন্সাকী সভা ক তেতে, আর কোন্সাকী মিধা। ব তেতে, সকল বিচারপতি সে স্কা (বুঝিতে পারেন না, বুঝিতে পারিকে পরিশ্রম স্বীকার করিয়; বুঝিবার চে

..) सामकलक छ । वर्ष 'वर्ष के क

না। অধিকাংশ বিচাঃপতিই আই বিরুদ্ধে নঃ হয় এইরূপে কাঞ্চ করিয়া : ৷ যে সকল সাকীর নিধ্যা সংক্র া ব্যবসায়, ভাষারা অভাষ্রপে ्राप्ति, ११ किन व्याप्ति व्याप्ति क्या ना । মুংহারিপের দে অভাগে নর, কথন লড়েড যায় না, ভয়প্রমালালিpন ভাহাদিগের বাকোল**্ ∻ব,ডিক্ম ঘটে।মাঁচরো অংল**স ৰ **অসুক্ষ**দশী বিচারপতি, ভাঁহার: क ठ मिळा रामी नाकी पिटशह बाका াও সভবেদী অশিকিত সাক্ষীর 'মিথঃ। ভরান করিয়া **থাবেন** ; া। যথাৰ্থ বিচার হয় না। ভূতীয়, আইনের ভয় বিচারপতির। '(सु:प गर्स क्डेलिंड व्याहेनलेख्य **अ:य अटनक समस्य नः।या विहास** (क लाइडम ना। (वांश कड़, यांकाड़ পেক, ভাষার সাক্ষিগণের প্র-ার বারেটা আংশিক বিরোধ ঘটিল 📢

তে শক্ত কইলেন না : ও ভাষার বিচার করিবার স্থার 1.50

ধারার পাক নিখা, ভালার সাকি

গ্র অটুনক হেউল না বিচার∵ভি

বুকৈতে পারিলেন, কিন্তু পাছে

5**3**1 54

াছে এবং গ্রন্নেটের বায় ও প্রকার রিপোর্ট করিবেন, ভদসুশারে কাজ

नशक्तनः,पराद्य ः≛१६।त

व्यर्गाम, मनव्याम उ कछ इहे (७८६, অথচ উচার অনুক্রণ ফললাভ হইতেছে না, তথন ফৌজদারী আদালতের त्लान कड़ाई विरश्त इंडेटडरह । **आ**नालड লোপের কথা পুলিয়া অনেকে চম্কিয়া क्ष्किर्यन मर्य्यक् गाई। व्यानरक ভাবিবেন আমরা অরাজক কাও প্রস্ত হইবার প্রামর্শ দিতেছি। गाहात (य इंज्ला भ डाई कतिर्द, ध्व लिया हुक्र ल**रक शीफ़न क**हिर्**त, प्रश**् তহ্মবেরা দিবাভাগেই অনোর দ্রবা অপ हरूप करिएव, लम्भटिया भवत्वीत मञीव নংশ করিবে, ইচার বিচার ও প্রজীকার इहेटव ना। श्रीलट्यत छे ६ कर्षम: धन करिया উহার উপরে প্রজীকারভার সমর্পণ করি लाई क मक्षा मृत इंडेटन। क्थ्न की शांकि घडेना इहेल भूलिय घडेना ऋत्त छेशिक्ट हर्मा व्यष्ट्रमञ्चान ও तिर्धार्धे करतन, মাজিটেটের আদালতে ভাহার বিচার व्य । श्रुलिटनव वट्ड अञ्चनकान ७ विहास উভয়ভার সমপিত কইলে কেবল যে कार्यालाच्य ३३८५ अज्ञल नश, अक्सन দায়ী হইলে কার্যাও সুন্দররূপ সম্পর हरेवात मञ्जावना । इत्य कट्यक में बिटन्य াড ≱ন, এই শক্ষায় মুপুপে বিচা : निश्च छ विश्वान कदिएक इटेरव। योज मात्री मश्काम स्व (कान घटना कड़क, চজুর্থ, পুরের পুলির সাজিক্ষেট্টদি । পুলিষ্কে ঘটনাস্থলে গিয়া ভাহার অসুস অধীনেছিল: দক্তিকরাদি দবি জানকালে প্রতিবেশী সচ্চিত্র লোক দিপকে আহ্বান করিয়া কিন্তাদ। করি াদিগের উপরেই ভিলা, সুভরাং ভেত্তাবৈ এম্বলে এরপ একটা আইন রে। এ বিসয়ে দায়ী ভিলেন। পুলিষ কৈবিতে হইবে যে, পুলিষকর্মচারী যথার্থ ছু হও গঙে এখন গরে ভাঁহার। লাগী বাদীও সচ্চরিত্র জানিয়ায়ীহাকে আহ্বান টিহাও বিচারকার্যে: শৈথিলাও : করিবেন, ভাঁচাকে ভংকণাং ভথায় সাব্যাসাতে জ্ঞানির একটি কারণ : উপস্থিত হইতে হইবে। যিনি সে বিষয়ে উল্পেক্ষ্য করিবেন, তাঁহাকে দওনীয় स्थान । इन्हें विश्व अधिकार के **इन्ट्रिक इन्ट्रिया अक्रम केन्ट्रिक अक्रक** য়ত আ: ৩৬ছে, ফৌঞ্দারী আদা, ব্ভাস্থ নিঃসন্দেহ প্রকাশ হইয়া পড়িবে। ধন্মাধেকরণের বিভাহনাক্রপ এইরপে অসুস্কানের পর ভিনি যে

रहेर्द। यान (कर डाहाटड विश পজি করেন, উপরিপদক্পুলিষ চারীর নিকটে তাহার আপীল হয় a शकारत का**क** इंदेश (क्वल মিপা দাক্ষের প্রাহ্ভার চাদ ন্যায় বিচার হইবে এরপ নয়, গ্র ল্টের ব্যয়লাঘৰ ও অব্বী প্রভার্থ বিলক্ষণ সুধিমা হইরা উটিবে। शूलिय कर्माहाः रेखिला स्र मण्डदिखा । আবশ্যক। পূর্কো পুলিষ কর্মচা নির্ভয়ে উৎকোচ আহণ করিয়া ৫ कार्य इरम कहिएकन, क्रश्न आह (म ६ই।রে সভাবন। নাই। এখন ক ष्यरमक शहिब ई इंदेश एइ। अथन १ क्यहादीया उट्टकाहबाहन का প্রামের লোকেরা প্রায় মৌনাব হটয়া পাকেন না। এ উপায় অবল इ**३८ल (क्**रल स्य शूलिद्वर म•्८× ষ্ট্ৰে এরপ নয়, একণে মাজিটে মিখনাদাকিবাকোনিউর করিয়া অ বিচার করিয়া যে অষ্থ। **বিচা**র Cecen, ভाश्य नियात्व, कार्याव ও বায়লায়বপ্র ভাল কণ্ডলি বি नाच इहेरव ।

बद्दागण्ड ।

ममस्यक अराजनीय (वार्थ क थानि करे छात्नरे मृद्धि ३ आह ₽**\$**@| |

भारे अवर्षे श्रा व्यव्यक्ति चार् এই একটা গটোন প্রবাদ ৰ করেক বংসর হগল, কুঞ্নন্র, ব প্রভূতি বালালার অত্যংক্ত স্থান यथन मः क्वांमक कत्व उरुमध इतेश बास চিরপ্রসিদ্ধ অব:ডুকর মুরশীন পীয়ার প্রাছ্টাব কিছুই ছিল না ৰ इहेर्व, सूछता हेरा (निशा भूटर्स) ङ वाका नर्बा मारे स्थामार्यंत मत्न कः छ, बदरमत बद्धान (महे आहीन कात्मत শি বিদ হইরা উঠিয়াছে। পত

পূর্ব্ব অত্তা নিবাদী ও প্রবাদীদিণের

নাই। অরাক্রান্তদিলের মধ্যে যাছাদের এবানকার বারিকে পাঁচ কেলেপানি ইউরো-

र लोक अखि बड़ाई ছिল वोशारमञ्जू खन्न ज्ञू ज्ञू निकटकन्नाई भनाईर छ भारतन नाई।

ইহারা একুড দীনহীন। আমৰজেট্র এৰপ কুষক এ দেখে অল্পাত দৃষ্ট

ক চিকিৎসার অভাবে যে কত মায়া ছয়াছে তাহার সংখ্যানাই। ৰহরমপুরের উনমেণ্টটি উৎকৃষ্ঠ সাস্থাকর স্থান বলিয়া সভ্ত আন্তে: কিন্তু ঐ সময়ে ইউরোপীয় স পাডালে (রোগী রাখিবার **স্থান ছিল** । ক্রেক জন সৈনিক মারাও পড়িয়ালি রোপীয় বিশেষতঃ সৈনিকদিগের পীড় লে গ্ৰণ্মেন্টের যেকপ যত্নাদি হইয়াথাকে হা হইতে ক্ৰটি হয় নাই। এক জন স্বাস্থ্যা কারী হেল**খ অফিদ্র**ু**জাগন্করিলেন** াগেল তিনি এখানকার বিল খালীঞ্ছতি পিয়া গেলেন , ঐ গুলি পূর্ণ করিয়া ঋকুত েপ্রণালী করিষারও নাকি প্রস্তাব হইল প্রস্থারত নেক দিন পুর্বের হইরছিল। কিং জ যে কি দাঁড়াইল ভাগার কিছুই আমরা পতে পারিলাম <u>৷ ঐ অংরের এছি</u>র্ভাব ভূকমিটেনাক'মদেই আহার এক রোগ ক্ষর রোগ ওলাউঠা দেখা দিয়াছে। ইকার ভাবে ৰাগড়া বছরমপুৰ কা হি সোরা জাব এড়ে ভ্ৰমসকলে একেবারে ছল ল পড়িয়া গিরাছে: আমরা এখানকার প্র ণীনিব;সানহি ভ্তরাং আংমানের পরিচিড ৰাসাদিলের মধ্যেই যাহার পীড়া হইতেছে মরা ভালারই সংবাদ পাই ; নিবাসীদিলেং ধার অধিক পাই না। যপন আনাদের প্রবা নিগের মধ্যেই এত পীড়া ♦ এত ≄াণ ন হইতেছে ভগন নিবাসী দগের ইহাদের ধিকাংশই সামান্যাবস্ত যে কিৰুপ কাও হৈছে ভাষা ব'লয়। উঠিছে পারি না। **ই পীডার উপস্থিতি**ছে বহরসপূর্ট্রিং ল আন্তঃ ঠা অনুধ্যুণ চইতে (এন স্পু র জন্য বঞ্জ হইয়াছে। বহর পার কালে-র ছাত্র সকর (যাহাদের অন্ধক শেট দেশআছু) অসভিভাৰক,দিগের জ নিজ দেশে ধ্রেরিত হইয়াছে ; কালেজে

ত্র নাই বলিলেই হয়। কেবল যাঙারা আগা

তেছে। দেশীর দৈন্যের। স্থানান্তরে শ্রেরিড হয় কিনাতাহা এখন স্থির বলাবায় না भूर्या डे डेक रहेब्राइ हे डेटहा भी ब्रामर शत পীড়া হওয়াতে গ্ৰণ্মেট সাৰ্থান ক্ইয়া (ছन , किन्क तम्मीग्रमिटगत कहे शीछ। छांदा দের কর্থগোচর হইয়াছে কিনা তাহা বনি তে পারা যায় লা। অভএৰ আমানের এই পত্ৰ লিখিব:র উদ্দেশ্য এই যে, এই বিষয় গ্রণমেন্টের গোচর হয় এবং অতি সৃত্তুং ইহার ভোন প্রতীকার চেষ্ঠা করা হয়। व्यामादनत विद्युष्टनात्र शकात हवा अवादत वर्ष দৃষিত হইয়াছে: অমন্যান্য বংগরে ফাস্ক নে বেৰূপ আলে কমিয়া যাইত এবার ইতি मध्यारे , महेकल क महारह, जाशास्ट्रे आयात সৰ্বনাই শ্ব আফিড ৰইডেছে অভএব व्यामादमञ्ज विद्युष्ठन य शक्तात (मानान) कत्रिया জলত্যোত কিছু প্রল করিয়া দেওয়া হয় হাতে শ্ৰক্ষেপ এক ৰাবে নিৰিক্ষ হয় এবং চেরিটেবেল ডিকেণ্সেরিস ক্রেকার ছুই জন নেটিব ডাকের কিয়নি নের জন্য নিযুক্ত করিয়া দেওয়া হয়; তাঁহারা ১মনাপমনাস मर्थ (लाकिनिश्मत वामा उ शिश दिवस कामः न मिश्रुक्तिक हिक्दिमा करत्न। आमारमत निष्ठाख आर्थना धहे एक भवनंत्रम है नर्काटल এই তিন উপায় অবলখন করিয়া পরে বাহা কিছু অন্য উপায় থাকে, ভদ্বিষ্য়ে। অসুসকান

(नियीश क्रियक न्द्रशत अभ्यक्षा । व: विकाद मध्य जना का का निकास का न उपके उक्करमधार डिकाश हो देवन देवन ह क स्मित क्रमक निरंशन (शक्ष अन्यः, ভাগতে প্রি**লিখিত** সাকেটীর অর্থ**ন্** গভ হয় না: অকুধাবন করিয়ে দেখিলে স্ভ কেই এডীরমান হউবে, চারিপকার ব্যব সংগ্রিমধ্যে কুষিজীবীরাই জাধিকতর ভূদিশা বিশ্ববিদ্যালয় পর্যাকার্থ এক্ত হট্ পল। এখানকার কুষক নাগের বেরূপ ছব ছে তাহার। এবং গ্রণমেন্টের বেভন বস্থা, বেশি করি একপ ভাবে কুজাপি নাই। ব্যাহাত হয়, বুড় ছুল্প ও লভাবে বিষ্ঠ

कट्ट्रन :

क्रयरकत्र क्रितिभूभ এक वा छ्टेथानि ছু: (थर कथ) कि वंशव मक्लकोर नकल চালে थড़ ও নাই । অনেক কুষক**ই অর্থ** বা অনুষ্ঠান দিনাভিপাত করিয়া ধ অনেকের একভিন্ন থিভীয় পরিধা न है। अधिक कि, अयदनदक्त (शंकानशी) জলগাত্র পর্যান্তও নাই। শান্তকারেরা ব যাহার৷ পরিভানী, ভাহার৷ কথন কট না, কিন্তু কুষকদিপের অবস্থাদশনি ক **উक्ত बा**रकात गांशी थी दक्का दश्र मा कुन অভিশয় <u>অনেপরারণ</u> ক্লেশসহন্দীট নির্বাহ ; কিন্ত উহাদেরই অধিকতব ! দেখিতে পাওয়া যায়। অনেকেই বই পারপ্রম দেখিয়া পাকিবেন। উহায়া এ লের প্রচণ্ড রে)ড্রে দগ্ধ হইয়া এবং **বর্ষ**ণ মুখলধার রুষ্টিতে ভিজিয়া প্রাত্তকাল । সন্ধ্যাপর্য্যন্ত কেত্রের কার্য্য করিয়া ধ ভারাদের কষ্ট দেখিলে বোধ করি পা জ্ববীভূত হয়। যদি কেঞ্কুমকদিনের স্থার কারণভিজ্ঞান্ত খন, ভাগার উত্তর रिवय विश्वयन। अवर अभीनात ও मश অন্যোচারট ভার ধারণ , ইছার এলে বিবৰণ নিয়ে বিশেষ ক্রিয়া লিখিড হ

अनम । देवच विष्यमा । अयोगकार कार्या रेप्टरास रेपरन मण्णु-करण कर .। देशव व्यष्ट्रण वन, १९३१ व শস্তাভির কিছু আশা থাকে, প্র হইলে একবারে হতাশ কটতে তয়: রুষ্টিও অনারুষ্টিগ্রুডি দৈব বাাঘাত গ্রার প্রতিবংগ্র হানি গাকে। এডলিবক্সন ক্রমকেরাও अक्ट इस । कामाना ध्याना (मर्ट्स क्र র্ব্যের যেকপ ফুশুজালা আছে, এপানে সেইৰপ অশুখলায় কুষিকাৰ্য নিৰ্মা: ভাৰা হটলে প্ৰভিৰৎসর এচুৰ পরিমা देश्यम इंहेए) शास्त्र ७ (म्राय ্ৰকণ উৰ্ব্যৱভাগতি, উৰ্গতেয়ে প দিত । জমীদার। এখানকার জনীদা র) যে কিকপ দরাশীল ও প্রজাবংসল হার বর্ণনার অব্যাক্ত অংবশ্কতা নাই। ठे**कश्रम अकरात** । ८५८भग द्वाराक फिटणत

र। क्रुक्तिभिदक शीड़म अञ्चलकारिभदक শা এন্ত ক্রিবার জন্ম হৈবে করি জনী রর, জগতে : বা গ্রহণ করিয়াছেন। ই হারা প্রকার সক্ষােশ্যক। ক্লুমকেরা পরিপ্রাম টো বাহা কিছু উপাৰ্জন কৰে, অমীদার গর উদর পূণ করিতেতেই প্রায় সম্ভ শ্বিড বয়: প্রথমতঃ বাংস্ক্রিক কর ছ। তৎপরে পিতৃম,ভূঞান্ধ পুত্র কন্যা পরিবরাদির উপলক্ষ কি বা অন্য কোন করিয়া এ য়ে প্রতিবংসর নিরীত ক্রমক গর নিক্ট কইডে কিছু কিছু লইয়া वनः मध्या भएषा क्रमीनार्वोटः शमन कता ছ**ারুদকদিগের নিকট হ**ইতে ম**জ**র १ कि छ संख्या ३ स. अध्योनातीत मध्या বন্ধন বা জন্য কোন কার্য্য করিলে

দিগের নিকট কইতে বায়ের অভিরিক্ত য়ে করিয়া লন: বাবুদের পারিষদ্বসের ন্বোন আগায় অথবা শ্রুগত ব্যক্তি 'একার দায়ে বা ভাডকার্ম উপস্থিত ৰ কিছুকিছুদান কৰি ! থাকেন , কিন্তু তি ক্ষ্মীদারিটে বয়তি দেন। গোমস্তা, क्रिश्टन श्रीफुन कडिया आनाम क्ट्रतः त्क उकार यक्षारक्षत्र सदेहरहरूमः ন্দ্র হার বিজ এক বংগর ধাজনা লক্ষ হয়, তাহা হৈছিল অমলি ওলক तिया वरमम । ७॥वः ख्रान्तः २)(४ **७**०

। নহে ; জমীনারেশ ইচ্ছার উল্র নি**ভ**ু কেহ বংগরে উকায় চারি আন । मा अर्थना भर्षेषु सकेशा शीरकमा রাপনি বাজনা নিজে বিলয় করে, হইলে তুদ্দশার ভাববি থাকে না

त्दर्भात्रश्राच्यानाम क्या व्यनाशस्त्र नगारी⊲ ८ ४४न ७ धशीत कात्रनः

5 ও যদি অনিয়েনাহয় পরে পের পেয়ালা ক্রিক্রিন : পেরদোরা উহান্ধিসের

চইটে কেই চাবি আলো কেছ বা

कारेकाना कतिया बहेबा थारक। अक्टिन বাকী থাছন: ও নিরিখপ্রভৃতির নাঙ্শি শাছে। গ্রায় ছই তিন বংসর অস্তর ক্রমীর কার্দ্ধি কর হয়। ক্রয়কেরা বদি দিতে অপশাতকয় অমনিমিরিখের নালিস ওকু করিয়া ব্দেন: এই করবুদ্ধির উপলগে জনীদার ও ক্লয়কে প্রার দাকা হেকাম ইয়া গাকে উভয় পকের ছই একটা হত আহত হইতেও দেখা যার। এইকপ বিবিধ व्यक्ताति क्रुवत्कता अस्वतात अर्द्धवास হইয়াপড়ে; অংনকে নেশ ছ্:ড়িয়া অন্য দেশে গিয়া বাদ করে। এই ড জনীনারের ষত্যাচার, এত্তিম উহাদিগের আমলা বগের অভ্যান্তার আছে। ইহারাও হিসাব আনা, পার্মাণাঞ্জু ভ বাব করিয়া বংসরের মধ্যে •িন চারি বার ক্রমকলিপের নিকট হইতেকি ছুকিছুলইয়া থাকে কুৰকের যদি দিকে অক্ষ বা অসমত হয়, ভাগ হইলে খাজনার টাকা হইজে কর্ত্তন করিয়া

ভূতীয়। মহাজন। ক্ষকদিপের কাছারই প্রার মূল ধন নাই। ভাষারা প্রতিবংসর मराजनिमालत निक्ठे बहेट छेकि। कर्क লইয়া খাজন ও আবাদপ্রভূতির বায় নির্বাচ क तुझा शांका भारत भागा विकास कतिहा ম জেনের ঋণ পরিশোধ করে। ম**হাজ**নদি গের নিকট ধানাও কআছি পাওয়া যায় ইহাকে বাড়ী ধলে বাড়ীর নিয়ম এই, কুষক নিগের ঘরের ধানা ফ্রাইলে মহাজন मिर्लाय निकडे बकेटक थाना अहेबा बारक। পরে ফুল্ম ধানা হইলে প্রেভ্রাপনি করে মহাজে রে ভ্রম্ম এপ কেছ শলী প্রতি পাঁচ কেই বা আটে পালি করিয়া ধান্য লন। ক্লয-কেরাধান্য দিছে অবস হইলে ৰাজার দে: খানোর মূল্য কির করিয়া যত টাক খার্য্য হয়, সেই টাকার পত লিখিয়া লন।টাকা 'কর্মল লইবর বিবিধ রীতি ভাছে। খত किषिया लेखा हैते, यर्ग दोशाणि अस्य वा জনীবস্কক রাশাহয় এবং কিক্তীও চোটা দেওয়া হয়। থতের এই। ইহার হৃদের 🖘 🦻 মাত্র শিহরতা নাই। মহাজনেরা ইচ্ছা

মত স্থাল ইয়া থাবেন। সাধারণ ভঃখা থার এক

.দড়বাছই পল্লার হিসাবে লেখা क्डि मिथिक धक्की बत्मावस शांक ব্যেলাবস্তের অনুসারে কেই প্রাথি টাকার তিন কেছ বা চারি পরসাপর্য্য नदेश भारकन।

চোটার নিয়মটা ৰঙ সহজ না। নের যত ইজ্য ততাই হুদ লইয়া থা কেহ মানে টাকার এক, কেহ ছুই, কেছ কেহৰাজানি আনা, কেহৰা আরও গ द्यम् अध्य कर्टन ।

কিন্তী। ইহার নিয়ম কিছু অধি

পীডাকারী ইয়া এক প্রকার নীলের দ প্রেষ কুক্মে আছে শোষ বাছ कान **रा**ङि यनि धक छोता कि ভাহার নামে খাড়ার এক ইকো খরচ হি এক মাদের অভিনি অনুসূত্ই আনা আনা এক প্রসা এবং তাপিদদারের প্রদামেটি দশ প্রদাকর্তন করিয়াং वर्गिर्ड गाएड (छत्र कान) अनान कत्: विनियं छ है। का लग धाइका नियम १ করাহই। থাকে। স্লস্মত উক্ত এক মাস কয়েক দিবসের মধ্যে পরি করিতে সয়, কিন্তু নি, পিড সময়মধ্যে শোধন কালে কিন্তী খেলাপী ভন্ধ ভাহার নামে কিটীখরচ লেখা হয় : রৌপ্রাদি ছবা ও ভূমিব।কের নিয়ম স্থান্ত্রের মালে টাকার একপর্যা, রৌধ নেড় পয়না, পিত্রল ও ফাঁসার চুই প করিয়া হাদ দিটে হর। ভূমিবন্দকে থতের নিয়ম প্রায় এক প্রকার। কৃষ্ট একংগে টাকা প্রায় কর্জ্জলয় ন। ক ভাষাদের নিজ লমীও নাই ও স্বৰ্ণ রৌপ্যা সামগ্রি প্রাট্। ক্ষকেরা যাহা। उभाक्कन करत, कमोनात **ও महाकन**नि। পুঞাতে সমুদ্য শেষ হইয়া যায়। পুরে উলিখিত এইয়াছে যে, ক্ষকেরা শনীবি করিয়া মহাজনের ঋণ পরিশোধ কং কিন্তু বৈৰ্য্যাভ বশতঃ যদি শ্ৰা না 🌣 তাহা কইলে কৃষকদিগের ছ্রবস্থার প नोमा थाटक ना। महाकरनता उँशानिः थिति। सामादेश कमिनातिमध्यत गात्र शी

ও প্রহার করেন। পেয়াদা নিযুক্ত করি

। ज्यवत्नेटर वनम शक् विविद्या ह.न ७ वास करतन। स्विश वहे, महास्रातता শ বড়ভাল বাদেন না৷ বলে, কলে, লৈ টাকা আদায় করেন। কেহ কেহ দদিপের নিকট হইতে হাহার জোভ এর করিয়া জনীলার সংসার হইতে न नाट थातिक कतिहा नहेब्रा हेहा क ছাড় তেরৰ । কৃষকেরাজনীদার ও মের্নকট জ্জীতদাশের নায়ে থাকে। ূ নাধারণের কল্যাণবর্জক ও জীবন ্- ভাহাদের পঞ্জিম স্তুত কুষিকাত *ত*ক্ষণ ও ব্যবহার করির। আমরা জীবন ও হুব স্বন্ধুন্দে কাল যাগন করিতেছি। ভাহাদের প্রতি একপ অভ্যাচার ও দিগকে উদুশ ছুৰ্দ্দশ,গ্ৰন্থ কথা কি মান 3,44ई 2

বিধার করি, ভাহাতে আমাকেনানা ও ননেক গৃৎস্থের বাটীতে যাইডে আমি ক্লযক, জমালার ও মহাজনদিলের ও জলীলারের কাছারিতে€যান্যা । কৃষকনিমের পরিজনগার ছর্দশা যক্দিগের ূপ্রতি জ্মীদার ও জাঁহার রিগণ এবং ম**হাজ,নরা বেক্**প চার করেন, ভাহাও স্বচক্ষে দেখিয়া এট হতভূগা নিরীহ্ ষ্কদিগের ্কি চি, কালই এক "প থাকি,ৰ ? কি ভাষার উন্নতি হইবে না স্প্রাবান মটি কি ইহাদের প্রতিক্রণাবলোকন নে নঃ ৷ গ্ৰাংমেট উহাদিগকে বিদ্যা कृतिक कावेदात क्या वित्यम केन्द्रशांगी

য়ামি এক জন পলাঁহামনিবাণী এবং

ক্ষাবটে; কিন্তু ক্ষকদিগের বেকপ ন হাবস্থা, ভাহাতে যে উহা.1 আপন भिगत्क का नार्कन कड़ाईटड मेर्फ स्प्र, মতেই একপ বিবেচনাহ। না। যাহারা ৰজ্ঞের দিমিও সদাই লালারিত ও া ক্ষীলাব ও মহাজনের অহঃ হ অত্যা দক্ষ হইতেছে, ভাহায়৷ সম্ভানদিগকে

भौत इहेबाट्डन । हेरा डाँगाटान

গবে শিকাদান করিবে। অত্যে তাহা **মেল বজের সম⊋ল ক**়ন, অমনীনার ও

मराजनिंदगत चलाहात रहेत्व मुक करून । লাড কর্ণওয়ালিস ক্সীদারদিগকে বে স্তম্ভ দিরা সিঃাছেন, েই সত্ত ক্লুবকলিগকে अनान कतित्रा छारामिशरक चारीन ककून। এবং ভাহার। বাহাতে অল ফুলে মহাক্রন দিগের নিকট হইতে টাকা কর্জ্ম পার এমত উপায় করন, তাহা হইলে যদি প্রণ্মেন্টের मनौत्रथ कथक्षिर अकत इत्र । क्रूबकमिश्तर निका मिवात कना (व छेशांत्र व्यवज्ञ कति **उट्टिंग डाहाटड क्वल क्वक मिर्गत हुर्फ्र भा** ও রেশ ব্রন্ধি কর। হইতেতে। কারণ জমীয়ার পত্রনার, ইজেরদার ও লাখেরাজদার ভোগারা আপন মর হইতে কবন নির্দারিত कর দিবেন না ; क्रूबक्मिशक्क श्रीकृत कরिया आप व कतिरवन। भतिरमस्य वक्षवा अहे रेहा দিগকে শিকা দিবার জন্য হতন কোন প্রকার উপায় করিবার **আবশাক**তা নাই। কুষ্কদিপের মধ্যে বাহাদের অবস্থ। কিছু ভাল, তাহারা আপন অবস্থাযুদারে নিক निक **मछान्दिशक छ** ३ महालेखन शाठेला লায় ও গৰণমেক্টের সাহাব ক্লাড ৰজ ও हे द्विकी विमागदा निकार्य (क्षेत्रव कित्र) থাকে। উহাদিশের অবস্থার উপতি হইলে উহারা ভাষা করিতে পারিবে সংক্ষাই 🕫 ভৰদীয় নিতা স্ত WATE. २ वे मत्वव^त ৰশম্ব। 7000

विविधमध्याम ।

२ तो का अस्ति (मामनातः)

আমারাগভাৰ হোটালির খ'লের এ াংশ गिक्तिः हहेएक त्य चाल हहवात कथः लि चया किलान, সংবাদনা जात लाएव का शएक का वालान सम क्षेतार्ड । जे चालचनम काचा कर আরম্ভ হইতেত্বে না। আ পাডাতঃ কাওরা গুরুব । गाउँक कारक काउँक

का मन्त्र काशिकारण काम स्टेट्ड क्याद्रिय धाङ्कीवगरवात **भाहेटछछि। हेरा भा**टक मर्ग-मा देव खादव मा यु क्षेत्रा मा काय, अहे नाया कारह । ऋ'रन ऋ'रन शवर्गरमः हेत छेषतालय इहेटल माहास। (संवश्व) कहेटलट्ड, कि.स. ठार् পর্য্যাপ্ত নছে ৷

সম্প্ৰতি মাজালের প্ৰধানতম বিচাৰালয়ের तित्रहास अक क्षत्र अख्यानीय केकील अक

वः कित १ क्या वर्षेत्र कतिए का हेरमा। ष्टेरतता अहे विलित्ता व्यानिष्ठ करतमः छेकी আদিম বিভাগে উপস্থিত হইয়া বক্তৰতা ক পারেন না কিন্তু বিচারপতি সর্ব আভাম বি ষ্টোন এই স্থাপ স্ত্র স্থানার ক্রিয়াছেন। ष्ट्रेविनाटक मक्द्रस है। का विद्रा केंद्रिएक भ मा । काशान्तित्व बार्भका अख्यामीश केर प्रतात साता अधिक क:अ इ≷वात अ मध चारकः कलिकान्तात्र श्रमामन्त्रमः विष्ठात्रासर এই উদার দৃষ্টাজের অসুসরণ কর্তব্য।

মাস্রোকের উপকূরে অন্যাপি वाका व्हेटकट्या कताणी (व्हेश काहा व ही. में शतक नाम। हेट इ इ मुख्य बारताही छ महेट क्रमभ्य इहेब्रा भि खहांत्र अभन

অ'বছরানামক যে ব্যক্তি ১৮৫৭ ' দলীকে কাপ্তেন ভগলাসকে বধ কবিয়াছি বলিয় খুত হইয়াছেন, উচ্চাকে সেলিয়নে গ করা চইয়াছে।

मकवताहे व्याप कतियाद्या, ना व्यवित्र (भर्त्रायात भर्य । अर्थ । अर्थ । अर्थ । **डाश्व कृषिणविमान कार्यः व्यव क्रे**ग्रा ল'ছোর অবন্ধি রাউল পতিপর্যান্ত শীল্ল রেল काशक एकेट्य ।

नशारवत (चाकान्द्रमत श्रीम श्रेट्ड রামানংহের একলে কয়েক শতমাত্র আছে। বাঁধার কন্যার ছণ্টরিক্রভানি डें।इंड डेलर्ड लाएकड अर्ड अलिया दाविष्टेब्रांकरशत्र धारा घरन्यता कराम

ণ্∉লে বিষয় ভাঙার এক দৃষ্ঠ√ছে পা

श्रद्धात्क । श्रष्ट मध्ययात्र हार्यासायम अस

६ देखालोश (म देखा अपनाल १७ को वि कार्डक्रम कर्रम .घ । एवं भ पुरर्क गानि ल्यात्व (भागाम अक स्थान कन्यातः ही किर्दे के:क्'र्क (केन अलनाइम (क्रीअमा)त (विभि অপ্নক্ষাক্ষ্য ইচাণ্ড প্রিম রক্ষা পা ा र 🎬 अञ्च हो को । यो । यह है । मार्ट के हि 🎬 रा ্থ, দেউ লয় আহিনের আনহার না লহলে বি আৰু নিজ্ভিপান না। তথাপি সৰ বা 'বকক প্রধানভ্যা "'বচার'লয়ের উকীল্লির

पक्षात्वत्र मगः अक कार्य महे वहेश । (न शांव अब ज्ञांच त्रभ मध्य श्वारं व जामः व्याप ः अशाहरू । अनः इष्टिमियकान अविनारभाष्ट्र वीर वर्णन कहा क्हेल ना । भार कृष्या" , शिकानिष्ठत शक्षाका करें कि मिली अप्राम विश्वत (म আংসিংক্তেছে। শৃস্য অগ্নিমূল্য স্থান গড়েছ (২) विक्रीक ब्रह्में प्रदर्भ ।

আলেম বিভাগে উপস্থিত চইতে টি

লেপ্টনাণ্ট ক্ষার, টি,বার্চনামক মিরাং

ন আফিসর বিশুর ঋণ করেয়া তংশ অসমণ হইয়া আআহতাা করিয়াছেন ছি।, সুরাপান ও বেশাসিকি যুবক ফিগোর স্থানাপের হেডু হইয়াছে। থিমেট পঞ্চাবে একশকার অংগক। টেসন্য রাখিবার মানস করিয়াছেন। টীপরিভাজে শিবির পুনকার সৈন্ধার

রিক **১ই**কেন্ড।

দ মেরি কাপেন্টর বোধাইরে উপনীত।

কোন উভার সহিত একটা বালিকা আপি

নাইনি মিদ কাপেন্টিবেব পালিত কন্যা।

ইয়ের অনেক সঙ্গান্তবুলোক মাজেনল

কোরা উছির অভার্থনা করেন। কয়েক

কাজিলীও এই সঙ্গে আদিয়াছেন। জীল ল বিদ্যালয়সম্বাক স্টেট দেকেটারি মিদ কা রকে সম্পূর্ণ কমতা দিয়াছেন। তিনি আপ আমেদাবাদে গমন করিবেন। মিদ্যাপে ঘদি অবস্থা বুলিয়া চলিতে পারেন ভাচা অনেক বাজ হইতে পারে।

০ র মাগ্রিরণ মঙ্গর র ।
বৈধ্য করিছে টেলিগ্রাম আসিয়াকে, কমিস
সম্প্র বোধাই বাবেছর ভূকপুনা; অধ্যক
য়াজেন, ব্যাক্ষেণ সন্দাল ১৮৮ লক্ষ্য টাকা
হেইয়াছে। কিন্তু কভ জন ইংক্তে বড়মাল্য
ক্রিণ কড নিগ্র ইংবাজ ইংলডে বিয়া
বী কবিডেছেন গ ভাষ্য কনিসনের কলুস
করা বভার্য

জ্ভাবিক ব্ৰণ ক্ষণটনামক এক জন চোর ইউনো সৈ বেববৈও ধারসমের নাণে চানা পুস্তকে স্বাক্তর কবিয়া চানা আনা। ভেছিল। সিমসন কোপোনির অংশী লোভ সাহেব এ বাজিকে পৃত্ত করিয়া যো নিয়াছেন এক জন মুসলমান এ ব্যক্তিন গ্রীছিল মাজিকেটিট রবাটিক সাহেব টাই বিরের হয় মাস ও মুসলমানের ছই মাস কাং রে মানেশ নিয়াছেন। এবাজিকে ভালো রাবে সেনিয়ানে দেওয়া কর্মন ছিল।

পথান বংকের প্রকারের হুরাচুরিকে
করের সক্ষাশ হইল। সিলিয়ান বলেন এব
পার্দী বলিক আগ্রাস্থ ইইয়া বিষপানে
ক্রিড়া কবিদ রেন। আর এক জন মধ্যক্ষ বে কটু বলে সংগ্রাস্থ এক জন মধ্যক্ষ ক্রেড়া কবিদ রেন। আর এক জন মধ্যক্ষ বে কটু বলে সংগ্রাহিকে না পারিয়া গল ক্রেদন ক বলাল চেটা পান। বলক্ষেকলের বে সকল কুছাচুবি হয়। অধিক্তর আহক্ষে

ে ব্যয় এই কশ্মচারী ওাড়রেইর মনোনীত। কর্মার সম্যোসাধ্যান হত্যা হয় মা।

ক লকাভার ক্রফিনিগের ইন্তি নয়র ক্লার্ক ব কলিকাভায় প্রজ্যাগমন করিয়াছেন। সাক্ষাবিভাগের ডেনের পরীকার পুর্নের উত্তর বিভাগে ডেনুগ হইবার আজ্ঞা ইইয়াছেন। অভ এব প্রার্ক সাহেব আর ভিন বংসর কলিকাভায় না কিন্তু ডি.ম এভ দিন মিউনিসি পালিটির বেভন বাইয়া ইংলভে কি করিলেন, ভি.হা নাম সীরা জানিতে চান।

ाव विराय स्थितिया (जून क्रियाय मानग क्रियाद्य । भाक्ताद्रिय मिछिनिशिशाहि প्रः श्रमानी क्रियात विश्वित अर्थ्य अर्थ्य मिछिन विकृष्टि १२ ५०,००० होका कर्ष्य हिश्लाद्यम । माक्या १९५० हेन नगरक सम्प्राप्य पृक्षिमान प्रथा गाहेर्ड्य ।

সম্প্রতি পেসোয়াবে ছবী অনিকাশু হই:
নিয়াকে প্রথম সমিতে ছবী জীলোক ও সত্তব
আনী হাজার টাকার দ্রবা নষ্ট হইয়াছে
স্তীয়নীতে ৮০ মন বারুদ জ্বলিয়া নিয়াছে,
একনি জীলোক প্রানভ্যান করিয়াছে এবং
প্রায় এক লক্ষ্টাকার সম্প্রি নষ্ট হইয়াছে।
৪ ঠা অগ্রহায়ন বুধবার।

গাঞ্চামে পুনর্কার ছ উক্ষ হইবার সস্তাবন.

ইয়াছে। অনার কিনিবজন সর্কাপ্রকার শসংই নষ্ট

ইয়াছে। এবার যখন সর্কাপ্র অন্তর্কণ্ঠ তথন

গবর্ণর জেনরল দববার না করিয়া অনায়ে করিল
বাজেন। এতক্ষেশীয় রাজ্পণ তাহা ইইলে
এই বালয়া ভয় করিতেন যে, এত কর্মেব

নময়ৰ ব্ৰিটিশ স্বৰ্ধেটি কোন ভয় করেন না।
্ডেলিনিউস অধ্যাত চ্ইয়াছেন, ভারতব্ৰীয়
গ্ৰণ্মেন্ট লব্দের মাস্থল সর্ক্তা একবিধ করি
বার প্রস্থাব কার্যাছেন। এটা অভিশয় আবেশ্যা

केल पद्ध खन्य करिया करिया विखन करिए का जानामी कर विलया करिया करिए या, क्षित्रक्षिए का करेश कलिका छ त सम्बद्ध कार्य का करिया । अन्यक्षित करिया अर्थ अपा कर्म कर्य । अन्यक्षित अर्थि । वित्र स्थान करिया। क्षित्रक्षित जार्थि । थाक दिस्त स्थान करिया। क्षित्रक्षित जार्थि ।

ফিরোজসাই এফণে ক'বুলে আ

আমীর সিয়ারজালি খা উ'হ'কে বালার

ছর্গে বাসস্থান দিয়াছেন। ভারতবর্ষীয় বিয়ে
নিজ ব্যয়েও আমীবের নিকটে পাইতের
সোয়াজের আখুন্দ যুদ্ধ সর্জা কবিভের

কিন্তু ব্রিটিশ স্বর্থ মেন্ট ভাঁহার বিরুদ্ধাচর
করিলে ভিনি গোল্যোগ করিবেন না।

বোধাইয়ের পারসীরা মেইন সাহেবের। বিবাহের বিলের প্রতিবাদ করিভেছেন।

লিয়ালকোটের এক জন অর্থনার এব স্থের নিকটে ৩০০ মহম্মদ শাহী মুদা রাখির। ১০০০ চলিত টাকা কর্ম্ম করে ! সময়ে সে প্রত্যাগমন করাতে মহাত্ত আ খাল্যা খুলিয়া দে খালেন, সকল টাকাই দে ধুর্ব অর্থনার ধৃত হইয়াছে। পুলিব তাহার হইতে১১৬০ টী মেকী টাকা বাহির যাছেন। কলিকাভায়ত জনেক মেকি গুলুত হয়।

আমৌর সিয়ারআ লি শার ই রুপ্র।ত য়ারে আসিয়াছিল। আবহল রংমন অরসের হওয়াতে তিনি গ্রণর জেনে সহিত সাক্ষাং করিতে আসিতে পারিসেন

৫ ই অগ্রহায়ণ বৃহস্পতিবার।

ভারতর্থীয় ব্রেক্সাপক সভায় থেপি আইকের সংশোধনার্থ যে পাণ্ডুলেখ্য বি পিত হয়, ভাহা আপাততঃ স্থাতি রহিল। লেখ্যখানি আইন ক্ষিদ্নর্দিগের দ ইংলণ্ডে প্রেরিত হইয়াছে।

এ বার মধ্যভারতবর্ষে উত্তম তুলা জন্মি জন্য জন্য বংসর অপেকা এবার এক মাস জনরাবতীর বাজারে তুলা প্রেরিড হই। এধানকার তুলার আঁসে আরও উত্তম না আন্মেরকার সহিত প্রভাষোগিতা সং নাই।

विदेखिनार्थ भूनतीत युकात्रक हरे। जानियवानीता मच्चिकि এक युर्क देश्वाक नत्नत ज्यानक क्षांक कतियारक। डेलि याना इहेशा बीरक जाहाहे स्ट्रेस्टरक। इंडिक ब्यान भन्नाक्षय इंडेक, व्यानिय वृश् वेदी छात्र कांद्र छ स्टेटव । इक्टिवालीय ভাজাজনা জাতির অবস্থান বড় সহিতে 3 41 1

বোৰাইয়ের মিউনিসিপাটির খাডাঞ্চি যুদ্ वाल १०,००० होका एहजून कांब्र कति া উচ্চার বিরুদ্ধে কে) জনারিতে নালীশ য়াছেন চকিন্ত নালীৰের পূর্বের যুদ্ধর ায়ন করিয়াকেন। বোধাইয়ের ক্ষেসিদিসেয় ९मा कता कारमाव । अवाटन हालट्डन स्वरक किंकू वना काहार**० म**७ **रम नाहे**। তঃ ভূতঃদিগোর ক্ষতি কর এপানকার মিউ পোলিটিব অভিনত নহে।কলিকাভার निमित्तात अक सम अस्तिमान রসিয়ার কুলিগণনার বর্তিক্রম করিয়া পদ हर[े] किन्न किन्नुहिस शदा कादात्र कर्मा

জানামী দোমবার প্রধানক্তম বিচারালয়ের পেলিয়ন বলিতেছে। বোগ হয়, বিচারপাতি ার আংসনএছণ করিবেন: এবার আংৰেক इंद **ज्ञानदोर्**यत् सकस्त्रः। चार्**ड** !

भक्त करलात (भरसर्वे । लक्ष्रेमान्ते भवर्वे अक्र শং**ব**ের সাওভাল প্রগণার **অভ্**যতি বগঞ্জ ও বড়হাটে দু,ডক্রীড়া নিষেধক ন আনুত্র ক্রিয়াছেন।

াত কল্পর ভান লরেন্স কলিকাডায় আনাগ

ণ্ব রিচাড *টেপেল বেলাইল্লে প্রম* করি না তক্ৰড়া রাজাআনংক্রাস্ত বিষয় দেশন 🗦 হোর অভিপ্রেক্ত।

মিদ কাপে-চব এদেশের ভেল প্রশাসীর লোগাবোপ কবাতে ভারতবর্ষীয় গুর**র্থমেন্ট** চসমধনার একদীয় রিপোট প্রস্তুত করি ह्न। এই ७ (वाल, ज्यामान्टिशर मात्रम লীর কেবল কাশভের উপরে নির্ভর। আনট वा भिन्ना दिर्भः हिन निविद्य भः दिर्भ के का অভ্যন্তরদর্শনের আবশকেতঃ (গাল । : 16 4

ৰুপ্ত অব ইপ্রিয়া বলেন, ভারতবর্ষ **৪ অন্**ধিক পরিষাণে বিলাভী বস্তাও চা ভ মৰ আমিয়াডে বাইডে না পাৰে এই শেকে কবি হার্থমেন্ট শতকর। ২৫ টাকা চ করিয়াছেন। রূশীবার অধিকৃত আলিয়ায় ল কলসপ্রেরণের সমগ্র কাসিয়াছে।

मामत्। ब्याक्नामिक स्ट्रीया क्षकाम क्रिडिजिङ्ग, न्त्र (मो क्रेड श्रास्त्र कारण क्री लाक निर्माय বার পভন্ত স্থান করিভেছেন। দেওয়ানী দিদিদেরও থাকিবার স্থ'ন অভন্ত হইবে:

अवात भागारम बर्बर्ट हा- अ शानः असि (नाक ममदवक रहेशकिरमम। अहे शास शाटकः। व्यवसागदतः हा काल स्व नाहे

माजभुत्र कावकाद्रवत निकृत विविद्याहरूम, मध् ভারতবর্ষে ছর্ভিক্ষের কোন আশক্ষা নাই। সকলের প্রার্থনা ত ভাহাই : কিন্তু আমাদিনের আৰা যে পরিপূর্ণ হয় বোধ হয় না।

পঞ্চাত্রের লেপ্টনান্ট গবর্ণর আন্যোপি দীমার নিকটে আছেন। সিয়ারআলি বা .भरताम् एवं व्यातिरक्त अथन छ (भ त्रकावन) আছে। অবহুল রহুমনের সংখ্যে যুক্ত শেষ না श्रदेश हेरा व्हेटल्टक ना। जावकृत ब्रह्मन (स জয়ী হন বোধ হইডেছে না ভিনি যে স্থান পব্রিভাগে করিয়া আসিতেছেন, তথাকার (माटक्त्र), विद्यारी स्टेट्फ्ट्र , दीवात देननामन्त वक प्राप्त । क्षेत्र भट्ट ।

्र ७ हे अबहात्रन श्राक्तवातः।

(नक्छा दिवास्त्र क्ना नाकिश्म दिश्म कृषा**रक्त गिरशमरम कार्**बाह्न कविदारसम् ।

काबुम हरेएछ मश्वाम कानियाद्य, मकाव ावहरावहरमन थाः कृषिकारमत विकाहनान्ति করির। বামিরান উপত্যকার আসিরাভেন। তথার সিরারকালি খার বেসকল সৈন্য ভিল ভাষারা ভরে পদারন করিরাছে। কড়কওলি र्गम्मादत्रक्र मदल कृतिहादछ । क्राप्त काबुरल काम। উটিং'র অভিথেতে। সিয়ারআলি ধাঁ জাপন পুত্র আকুর আলি ও সন্দার ইসমাইল খারেক वाशिशाह्मत मिट्रा (श्ववन कतिशाहक्रम। किन्त रेमनाभग (बण्न ना भारकाटक क्षमक्ष स्वेदारक। এক্লপ ক্ষমক্তি কাবুলের অনেক সন্ধার গোপনে कार्यक्र ब्रम्मरम् नार्थित कविरक्रक्रमा (वाध रतं तिवारकाति थ। कार्टन कथिक काल वानिएक नेविस्तन मा।

৭ ই অএহায়ৰ শনিবার।

मारहारवद विचराङ शिखक ताश्रात्रक माञ्ची যাবভীর সংস্কৃত এর সংগ্রহ করিবাব ভার পাই य'राज्य । भवर्षत सम्बद्ध अहे कार्रहात विशिष्ट वार्षिक २४.०० हैकि। दिनात मानम कतिया (कम । छ्हेडेलि (हेक्कि मारकटवा यरच अहे सहर कार्यः स्हेटफट्ट ।

আর এক জন এডদেনীয় বারিষ্টর বোদা हेटबर श्रथानकम विठाडामात्र श्रदम कडिया

(गर**्षेत्र भारम (य इत्र मान**्भन इत्र, र ভারতে মধ্যভারভবর্ষে ১৮ চী মেলা চইছাছিল -हेराब मर्या मन्त्रमा विकारण ४४ ही रुग्न। मनी (भक्ता है। नात (बनाएक अभिक अन्तिक ३८०००

हाकाष्ट्र अवः विक्रोफ रहा। भागः भागः गर्फ e - • • (माक व्हेत्राहिन्)

मिश्रमिथिक शूरमाः अवर्गस्ट हेत् । বিক্ৰীত হইভেছে ৷

९ हे। कांद्र शिक्स 38# · 1 3 8 * (*I* 38 Ry 1 3 ^৯ প্ৰ'লক ওয়াৰ্ক 3 - 2 4 1 3 3.2 13. 2 (#12 ク(事) a 115 2201-122

ইউরোপীয় সমাচার। गरान ६ हे नरवषद्र । व्यक्तिशात ताला । बहातकाह कार्यताहक कहिन्नाट्स्स । ब्रास्था (দেশের অভ।ভারীৰ অবস্থার বিষয় লইয়া ব করিরাছেন। ডিনি উৎকর্ষ সাধ্যের আর্থ कश्चित्रा विनिद्रारहम विरुव्धीन अवर्गरमस्य সাঁহত হাঁহায় সম্পূৰ্ণ সন্তাৰ আছে। ভিনি त्मत्र विश्वरवत्र विषयम् अञ्चरमामन कतिशार्यन

भाष्ठकताः अधिके मार्टश्वरक अधिवृदद्र। नः चारीनका अनाम क्या स्ट्रेग्राट्ड।

< या स्थापन अक्षान विषय किनि व्हेब्राइब कार्शन देखन कतियात मगरब व भारकत बिलिशाद्रम, कातकरायत कविवा ভিব বিষয়ে কোন বলোবত্ত করা হয় নাই। (कहे के प्रत्मत क्षांक क्षमत्वारयाणी प्रचा ভিন আহও বলিলেন, প্ৰদৰীয়া ভ আই লেব যুদ্ধই ইউরোপীয় রাজগণের ছেবর দি बाब क्षश्राम केंद्रिया।

भिष्ठिकेशक क्राया. 8 है। महत्वहरूव । य बाम फालिश्राह, डाहाएड काम याहेए में° Б७ ध्रांश्यूपन नि छेडे युर्व छ। सि**छे**ड श्चरहरू जालमान्दिशय भरक्ष श्राक्तिष् में ए कश्राहत्राहता ।

७ इ मरवयतः व हे मरवष्ट्रत कक होति भिट्टिवृत्र्क क्वेटल ज्यागियाट्य । देशटल अ कर्य, २४ है। श्राप्तरण्य (लाहकत (मर्मा গ্রান্টের সভাপতি কইবার বিষয়ে ২০৬ ট भाइभन मार्क्स्य क्यूकृत्म मेव क्याम्त्मव । मक श्रेषारकः। मीहण्डास्थितः नरलतः २५ श्रुवित्रं स्थानकाषु श्रुद्धन कविष्रुरहरू । १ भाषात्वाकृतिक्षेत्र भरवति प्राप्त विम (भक्षा किस कर्रान्य हुई कर्रन क्षिक व हैश किश्राद्धः।

१ हे सर्वद्य । कृतिकवर्षत्र वार्थत् निभिन्न है। हैनम 'बद है जिम्रा हेश्लंट उद श्राह मरगनिष्ठकादौनिरगद निकट स आट ক্ষেন্ত ভিষয়ে অংশকার টার্যন পত্রে দীৰ প্ৰস্তাৰ কাছে। সম্প্ৰতি লাভ সালি गारकष्टरंद्र रगस्य वस्तृत्व। कविद्राहिन. অসুকরণ কবিরা টাইমস ভারতবদে চাসের নিমিত্ত প্রতী পাইবার প্রস্তাত टहन। शुरू 🥶 ा 🕏 हिमान नर्गटकार्वे मद्रदक्षी 🛷 ्रसंख्य विद्याद्रक्रम । १००० আং মোজা ধকের মধেং আহাক্রমণ করিছে পরাক্ষিত ও দুরীকৃত বইয়াছে।

ই নবেশ্ব। সর স্টাদোড নর্পকেটে ভারত খালকটা কোম্পানির উৎকলব্যিত খাল আলয় করিবার নিমিত্ত বদেশবিজ্ঞ করিয়া করিবাব ক্ষমতা পাইবেন।

ইন্ডিয়ান আসোসিয়েসনের এক কভিনন্দ প্রভুৱের দিবার সময়ে ল'ড মের বলিয়া ভাৰতবৰ্ষের সর্বস্থানে ক্লাফন্বেৰ উন্নতিব প্র খাল কর[ে] অবভিশয় আনাবশ্লে। তিনি एकम, इंतरक व्यक्तामी व्यवस्थ कर গারভবর্ষেও ভাহা সহজে করা বাইডে বেঃ একংশ ভারতবর্ধের শংসনকার্য ত যে প্রকার নিস্তর পত্র লেখালেখি চইয়। , ভৎপ্ৰতি লাভ নেয়ু দোষাব্বাপ কবিয়া াছেন, পত্ৰ লেখার পরিবর্তে কাল কল য়ু অংভিপ্রেড ১ইয়াছে। ডিনি স্থাবন্ধ বলি न, कानीय कर्णातात्रीवित्यतः सुरम्रामभनवादः। एड द्वेलकात इस्न, (महे द्वेटपाटन नामम करि ল্ন; প্ৰতি বিভাগে পূথক প্ৰণালী কং**া** 1 7

স্নাপ্তি প্রিয় স্পেনীয় স্নোদ:লব মা^{খ্}ল প্ৰধান অংশ(আচ হইয়াছেন: ভিনি হ:ব বৈনিককৈ সাধারণ সভাসমূহে বাংতি ধ করিয়াছেন।

हरू पूर्णता की हमादवलः भावितम के पशीस 打革司。

गवनत्वने विकालन । **बक्रामभी**स (लब्देनव्देशवर्गहेस অাদেশ(রুসারী নিয়েশগ ।

: व सन्त्यक्षतः **हिं, स्म**, त्रि, श्लाष्ट्रियक ব্যর্গরগণার স্ক্রারী মাজিচটেট ও লইর ১ইয়া: তেটিয়া হোণির আংশীন মাজি हित कराका श स कहें दिन ।

নিয়নিংখক ব্যক্ষরারাচির সংভব**ংচিকি**ৎ पन्न कालाकेन.इ.अक्टाव अस्ट(क्ट्रे,वन (. अर्बेड के कर्मन . स. . का. . क. रहा ।

.s. (ष्टेमरकार्य मारहर । क्ष'तु ज्वांबर्ड. किंड भारहर। বাবুলিরিশচন্দ্র মিক্স। মু जिन्न नको सम्बन्ध न को छ ।

ঞে, কেলি সাহেব কলিকান্তার মেডিকাল कारमरकत हिकिएमां मरत्रत थाखी विकारभव हाक्षेत्र मार्क्डन स्टेट्रास ।

১১ ই নৱেশ্বর: দেবগড়ের মুক্তেফ বাবু শীঙ লচন্দ্র মুখোপাধ্যয়ের আপাততঃ যে ক্ষানা আচে, ডরির ভাগলপুরের মিরলিখিত স্থানের বেলওয়ের কভ লাইনের মকক্ষা নিস্পত্তি

- (১) ভুর্গগভের মুক্তেদের সীমার মধ্য श्विष्ठ भद्रश्रमा हकाहे, शिद्धिर्या, अम्मनदायाः ও সালিয়াবাদ।
- (২) মুক্তের মুক্তেকের দীমার মধ্যক্তিত পরগণা পর্মাতপঃড়া।
- (১) ভাগনপুরে মুক্তেকের সীমার মধ্যক্তিত

ক্সবাজের ভেপুটা বাজিটেট ও ভেপুটা कारमञ्जू अ, क्वारवन मारहर अम्बद्ध व्यक्तित ণ আইন অনুসারে মকস্মা করিবার ক্ষত। भाहेर्यम ।

হত দিন মৌলবী গোলাম মকলুম বিদায় লইয়া অনুপঞ্জি ধাকিবেন, ডাড দিন বাবু সুৰ্ব, কাজ চৌধুরী নওগার প্রতিনিধি মুসেফ र्हे (वस ।

) २ के सरवस्त्र । फावशिष्ठे, वि. **अल** प्रश्^भ নাংহের দার্জিলিডের প্রতিনিধি সহকারী কমি-সনর হট্যামাজিটেট ও ডেপুসি কলেইবের ক্ষতা প্রাপ্ত চইবেন। আর খত দিন ভবলিউ, বি, ডি, মটন সংক্ষে মদখলে থাকেন, ডড দিন ভিনি ভত্রতা ছোট আলালভের প্রভিনিধি क्रम हहेरवन १

 কে, টুইভি সাহেব কৃষ্ণসংরের এক জন মিউনিসিপাল কমিদন ও মিউনিসিপালিটি । দুখায়ের প্রতিনিদি ডেপুটী কমিদনর ইইবে সহকারী সভাপ তি হটাবেন।

নাগাপুৰের কাবদ মহলের থাকাবন্তি কাবেং : निवुक्त कारहन जिनि । यह प्रिन .इछि नागपुरत থাকিবেন ওও দিন নিঞ্পদ্ধভ'বে ভক্তভ কমিসমধের সংকারী হইবেন।

নিমুলি খত বংক্তিরা ত্রিপুরার বিদ্যাশিক। সভার সভা হইবেন ৷

 उर्दशिक्ठे, कटक्रन मार्ट्स्य । ভৰলিউ, ডে'ৰ স'ংহৰ।

वाबु (बार्डिमीरबाइन वर्धन।

काङ्गारकृत महकाती कश्मिममत छ, खि, अ माक्टेहें लक्षम कूलितकरकत कमडा शाहरव কিন্তু ডিনি ডাব্ৰড়া প্ৰতিনিধি কমিসনৰ (ভবলিউ, এডগার সাহেবর অধীনত सं **এहे क्या**डा क्षार्श्व हहेर्दन ।

फर्वानके, व्हमाम भार व लाहेना, भन्ना माश्वरम् ३४०० व्यक्ति व व्यक्ति (छशुनै कारमहेरदर क्षमण शहरदन।

১৪ हे सरवच्छ । यक्त मिस वाबू श्रामक् সর্বাধিকারী বিদায় লইয়া অনুপঞ্ছিত থাকি ভত দিন পঞ্জি ছারকানাথ - বিদ্যাৎ সংস্কৃত কালেকের প্রতিনিধি আবাৰ

১৬ টন(বঙ্গর। ডাক্সের জেন, কেন, মণি এস, বি, কাছাড়ের প্রভিমিধি সিবিল আসি সাৰ্জন চইবেন।

वायु देशानः महत्रञ्जलाल दञ्च वर्षमानः ﴿ লির প্রতিনিধি বিশেষ স্ব রেজিষ্টার ইইবে

১৭ ই নবেম্বর। নিমুত্তর শাসনকার্যের লিখিত কর্ম্মগ্রিসণ ষষ্ঠ হইতে পঞ্ম শ্রেট द्वितील बहेरवन ।

(मीलवी मस्त्रमः।

বাৰু সীভাকান্ত মুৰোপাগয়ে ৷

* TELEPRET (74)

গ্ৰহ্ম ক্ষেন্যলের সক্ষতিক্রমে লেপ গৰৰ্ব বাৰু ঈশ্বচন্দ্ৰ খেলকৈ বলটে ব্যবস্থাপক সভার অন।তর সভাপদে বি कविशाहक ।

यक फिन (लक्टेन के कर्तन (स. अ.म. १९ বিদায় লইয়া অসুপঞ্জিও থাকিবেন, তথ सम्डेमके कर्दन है, ब. ब्राइनांवे हांवे व (इत श्राफिनिधि कमिमनद स्हेर्दन।

(मक्टेमके कर्रक दाखेशाहित अर्च कारम अवनिष्ठे. छ अ, (बरक्टे जारहर १

(m, फवलिके, अफ्ताव शांदर्व प লেপ্টন্ট এম, টি, সেল (বিনি ক্ষণে ছোট : আেশির প্রতিনিধি ডেপুসী কমিসনর হইতে

> আমাদিগের আছুলিয়াস্ত সং দাতা লিখিয়াছেন।

) । अवर्रक है **जा**ड़िकालि मिल्लेब माध्यार्थ भव लेक खन्नार्क जिला है स्मर्क বৃষ্টি করিভেছেন > কিন্তু উৎস্ব ধর্ম স্থানে সমান হয় না। সভাতি নদীয়া এতৎসংক্রাক্ত অনেক কার্য্য কার্ত্ত হইয়াছে। আদালত মুধ্যী স্থাপিত হওয়া বিধেয়। শান্তি स्पर हेत (११) हत्र कता कर्छ वा।

(मामधकामभाठेकवार्गत व्यानाक व्यवश्रक कार्ट्डन य, कलिकांडा इहेटक कांद्रक इहेब्रा একটী মুনিস্তীর্গ রাজপর্য বারাস্ত, লাঙাল, इ'न!घाँ, डेना, कुक्षनशर, त्ववश्रम, कालिश्रम, नाचुनिसाक्षकृष्ठि द्यामनमूद्भः मधः हिद्रा *(क्रमा वर्त्रभभुद्रत्व काशिमवास्मात्रभर्यास्यः, शमन* कविष्ठादः । ये ब्राज्ञभवनित्क महताहत् ,त्नादक '' কোম্পানির রাস্ত। শ করিয়াধাকে। ঐ রাস্তঃস भाकाम अ स्टब्स्ट एक के किनवात इहेम्राटक. खाश वर्षनाकीछ । छेशत शास्त्र शास्त्र म[ा]स्का करर का'रम¦क मेख वृहर वृहर शूल व का(ह) भए । भार करेवा बर्बबनुबनवान्त करे मीबाव भरतः वरमध्यमि भूग श्रञ्ज स्टेड्राइ । कुक নগর ও মায়াকেলে। মধ্বেস্তা এক স্থানে जानर्दाम के कथक वरनंद्र बहेल, खाल बुद्धक अक्सी সেকু নিশ্মান করিয়াছেন) **ওন্ধারা পশ্মিকদিগো**র कारमक कष्ट्रेमिवादन इध्धाद्य वर्षे , कि श्वनी द्वारियाञ्चनक स**्ट**ा श्वास्तिदश्यत देहात সংকাৰ কৰিলে হয়, ভাষাতে বিলক্ষণ খ্যয় হট্যা থাকে । ট্ডার নিমিত এ প্রদেশ তালবুক भूग इहेल । य: श इन्हें के, स्वामा निरंत्र मर्फ बहे भुन्नि भाका कहा श्रद्धाविदेख**ों** शवर्गस्थल्डेब करा छ कर्रता । कक्षक दिन प्रहेन व्यापि कार्ताः शन(क अ त द द छेलव विशे शमन कवियाहि लाम। प्रतिनाम, छेहा द्वारन द्वारन छप्र इके-য়াছে। ভাষার উপর দিয়া পাজিপ্রভৃতি চলিতে পারে না) পথিবলিগকেও জড়ি সাব ধানে গমনাগমন করিতে হয়। এটা পাকা হইলে আরু এ উপদ্রব থাকে না।

২। দোমগুকালে শান্তিপুর কইতে ছোট काशका 😝 भूगरमिक काशका उन्नावादि फेटिया बाह्यात अन्तर सहसारा प्रदेशानि পত कान इहेब्राट्ड, कविस्टब आमानित्तत आह किष्टु बना बाह्यमध् प्रशासन हेशएक या मण প্রকাশ করিয়াছেন, ভাষাই সম্পূর্ণ অনুযোদ নীয়। শান্তিপুর অপেকা রাণাঘাট আজি কালি जरकाश्रद्ध क्षतिशांत कृति व्हेन्नाटहा अधारत 🚶

 अथारन 8। ६ अपन है किनियुक्त आरियुए इन। शवं भुद्वत गुज्ज श्वित्व व्या आपनिक कदियार इन, र्वस्थित हेशास्त्र मान यात्र (यक्कण वाक्ष हहे- दे छाहा काल कार्यात महाराष्ट्र महिला आधिक ভেছে, তাহার অন্ত্রপ কর্মানে । এক্রপ জন- লোকের বাস বংলছাই কি ভখার আলালভ আছতি যে কএকটী থাল কাটান হইবে, কিছে খাকিবে? তিনি লিখিতেছেন যে যদি এখানকার ভাষাও যে করে আরম্ভ চইবে, ভারাই বিচাবালয়ম্বর রাণাঘাটে উঠিয়া যায়, ভাষা বলিতে পারেন। আমানিগের এতৎ সংক্রান্ত হইলে তথায় সম্ভাতস্বরের প্রান্নভাবি অধিক अक्षी रख्ने व, क'रह, अहे कावनाय छाहा भवर्ग इहेरवः हेशव महिष्ठ काहालएखंब कि मध्यव आहि? याम मास्तिकेटवेद काङ्गातिहे देविया शाना, स्थानशक्तित नहें स्टेट्ड वित्रप्ताद । सुख्ताद अ पूरे कामानाक शाकांक्र कन कि ? (करन शवर्गम (न्हेत श्रृक्षिष श्राकिश्याई केश्मिश्याद्र मर्वावाइः) पूर्न हहेर**क भारत। कात श्रक्ती विषय**्क ऋत्म याक क्या क्रांक्ष कर्क्या ज्ञानामध्ये मनक्रिविक्य श्रुक्त मिरावे अधिक विख्य अवर भरनक जा ভম্র রাম আছে। ভাঁছাদিগের কোন ব্যক্তিকে मकसमा देशनाक भाषिशुरत देशविक स्टेएड **६३८ल कीर्यवाजांत मनाव भारतव गरेएक स्य** । करहेत् अविषय शक्ति । अविषय शक বারের পত্তিকার স্থাবৰ্ণকীর এক মহাপয় বিস্তা ব্রিভ ক্ষিত্রা বলিয়াছেন : উপদংহারকালে আমর্থ পুনঃ পুনঃ গ্রেণ্ডেউকে অসুরোধ করি .जिक्क, बाकारक विकातामध कृषि वानाबाटी स्त्र, ডাহা করেন।

৩। গড় বাছের পত্রিকায় বনপ্রাম মহকুমা १६८७ (स. १४ सन काकाहेक (मरतकात रहेग्रा कुक्षमग्रद व्यानियाद्य (तथा रहेप्राह्मि । क.अक লন হইল ভাষার দেখনে বিটার হইয়া গিয়াছে । ১১ करमत मर्था ১ करमत १ हाति वरमत काव वान अभद्र⁽).• अस अवतार्शक भाहेब्राहरू ।

৪ ৷ সম্প্রতি আমুলিয়া ভাক মরে প্রতি দিন এত পঞ্জ আসিতেছে বে, এক জান লোক बाबा छेहार यन्त्रेस कविट्ड क्टॅरन कुमाखारहर ्मार्कता, सिद्धविष मध्यापा भाव भावरक भारतन मा। इस काशप्तिसद भक्त व्यक्तिके वजिएक इहेर्ट । व्यामद्रा कशक्यात अ विषय (मामक्ष कारन व क्या करा পतिकास धकान करिया है बक्करन शिथिएकड़ि, शवर्गरमाडे स्वत्रभ न्याभावत्वक इहेवा छेडात चारमहरू प्रदामि मर्थन कतिहारक्ष्म. (महेन्न् हें होते निश्चित अक अन चल्छ रतका নিযুক্ত করিয়া আধিদের অন্তাব দূর কয়ন।

e i এ প্রদেশের গগের গতিক বড়ম্প -हा**डेन क क्रमनेहे प्र**मीला इंदेर ठ८७। देश्यक्तिक शास्त्रज्ञ लक्ष्य काल नरहां भवर्ग्यके उन्हानी বন্ধ করুন, নতুব। দেশের কর্ষ্টের সীমা থাকিবে

व्यामानिर्भन स्मिनीश्रम् नः नाजा विविद्याद्य ।

महाभग ! शांत इहें मान इहेंग अन मा इंड कृष्टकत्र। धारमञ्ज आणाञ्च अक अकात्र वि श्रेष्ठाट्य अवर मिन मिन मरमात्र गुमावृद्धि ठडुर्फिक स्टेट**७ इक्किंगका ७ श**राकार উर्विदाह्म । वर्षाट्य निम्नश्चरम्मम स श विश्वाहित, भावात भनादृष्टिनिवसन नगर ভরের মধ্বর যে পুনরার উপাস্থত হইবে ব नभूम्य लक्ष्म (सथा याव्टक्ट्रा क्वे (बना धान ना इहेरन भाग व्यक्तिवादी इहेब्रा छेडिएर

२ । त्रवर्गमन् इत्हाकी विमानद्वत क्र ত্তীয় শিক্ষক ৰাৰু শ্যামাচয়ণ দাব চাই হইতে পরিবর্ত্তিত হইয়া পুনরায় এখা ষিতীয় শিক্ষক পদে নিযুক্ত হইয়াছেন। ইনি। বিধান তেমনি সকরিক্র ও নয় এখন আনম স্থার প্রান্ত ক্ষেত্র জানিবে।

 । क्षानकात्र भूमिष्य कित्यङ, क्षि টান সাফাল সস্পেও ইভালি নানা চলিতেতে। ছত্তের দমন শিষ্টের পালন হা क्षरचत्र विषयः भागाः । 리 6기 :

৪ ৷ আনাদিলের সদর আমিন বাবুদ্ধ भावनी करण **श**धवाहेरकरङ विश्व न कारात अवसी कार्यासर्वास सामदा स्वत्र श्रेट **9**119

१। अभारत उमक्षात खाउँ था .०४) साईएउट्ड । ताक्षश्रुक्तविद्धान अधिकट्स .गःभ कता केंडिक, महुवा (कथन विदेवि লেটির ১৪ে স্পাফ্র জারিমানাত কিছুই

(মাদনীপুর ১বং অক্তায়ণ }

व्यामानित्य कात्रहां हिन् मर्व माञा लिथिशास्तः---

कें खमरणा विकासभुति कृति वृहर कृति ্গণাছে। ডাহার একটা জীনগর ষ্টেশ্রের। क्षमाहेश कामांगवाशी अक क्षत्र जा। वाशिएक रुवेबाटक । अरे हू ब्रेटक काला चना সোৰা ৰূপার অবস্থারপ্রভাকৃতি প্রার ১ চাঞ্চার টাকার প্রব্য অপজ্ঞ হৈইয়াছে। ব वासनाही थानात व्यक्तगंड हैनाइसक र (कान वळवावनाजी सराज्यानत श्रुट्ट रहेन्न বংাদিতের প্রায় ৫। ৬ হ'জার টাকা **অপস্**ত াছে৷ উভয়চ্বিবই স্থানীয় পুলিষ মনো সহকারে ভাতুসকান করিছেছেন > কিন্ত পর্যন্তে কিছু করিতে পারেন নাই -ষ'আক চৌহাটীযে অনেকসংখ্য বাজিক এক হইয়া করিয়াছে, তাহা স্পষ্ট লক্ষিত উক্ত মুহাজ্ঞানের দোকান গুঙ্র পশ্চাৎ অসম্প্রিক আহান ব্যাপিয়া ক্তক অবস্থল ে, ভথায় লোকের বড় যাভায়াত নাই। जिएक हुई व्या. खर्भर भिन क्षार्ट पृष्टे , जो सम्मालव गापा अभग अवनी श्रमण्ड া হইয়াছে বেন ভাঙা দিয়া অনেক লোক लियन कतिशाहि । अध्यक्षिताहे सञ्चान क्ष्र, চীর্য্য অব্যাপত্র লোককর্ত্তুক অ**সুষ্ঠি**ত হয় । বোধ হয় বিক্রমপুংকা দলবছ দক্র্যদেগের हेहा रहेशा थाकिता माहा रूडिक, श्रांत्रम যোগপুৰ্দক অধুসকান করিলে ছুরাআনুর: हेटक शाहित्य मा। া গান্ড ১১ ট টেবের সোমপ্রকালে মদাবী

হকুমাৰ নিকটবড়ী কুলপদীনামক স্থানের তার বিষয় যে প্রকাশিক হয়, আনবগজি . ববিশঃশেষ একজন পুলিগ্ইনস্পেষ্টৰ আধিন মাদে উক্ত দক্তভোসংলিপ্ত ছবা मुख रहेम्रा विष्ठाताभीता भीत आहि। क्रांडामण्यार्क (क्रमांत कर्ड्यकिर्धात (य धारा व्हेप्राहित, ज्यामता विश्व सकरून व्यव হইয়া ড'হা এখনে গ্ৰহাশ করৈছেছি। বরিশালের ডিটিটে সুপরিটেডাট व व्यक्तमान कर्यनाय, हेशाम्ब्रु(छ) नम्, চিরিড মহাজানের সহিড কোন ব্যক্তির চাৰ'কাতে সে নৌক'লুঠন পুৰ্বক টাকা! सामि महेश शियारहः अख्यात हाताई छ। महा अर्थ अस्तित्याभ गमित्यान स्दर्भास्ट ख:का क्केटल खन्त्रवासी **खन्नकान** कता চপারে। এই জাভপ্রায়সহ তিনি ইনস্পে গ্ৰহণ সাহেবের স্মীপে এক বিপাট म । इम्हालाहेव (क्रम्थ मर्गामय ग्रह কোন আদেশ না করিয়: ভারাভেই এক প্রকার নির্পত্ত থাকেন। কভিপয় দিন ভেলার করুলকের স্মীপে এই খালয়া न काइरम ध (गामधक:१० कामा भारतारीभुगत्ततः । नक्टि वास्त्रावक्षके स्वाकः । स्बेद्वारः - अङ्क्षेत्र गतिरुगम मर्गार्याण , প্রসকান কার : ভাকাইডগণ্ডে ধুড করা : सत्र प्रवचा ृत्यवः।» एकक्क्यूप्राद्व सदिम्बा **ञ्चल**िहरू हे जारहरू

करतन । इनराक्ष्य वाबुक स्थापत कोलामगर কারে ছরাক্সাদিগদে ধৃত করিয়াছেন।

৩। কোন বিশ্বস্ত লোকের মুখে শুনিলাম, ব'ইন কোলালিয়াৰ নিকটয় পথা'তে ঘূৰ্ব হ'লে একখানা নৌকাডুবিয়া ৩ তিন জান লোকের मृद्वा रहेम्राट्यः (अटम्ब विवयं मटक्य माहे।

আমাদিগের সগরাছ সংবাদদাভা লিখিয়াছেন:---

৩০ এ অক্টোবর সক্ষরে সময় মগরার সলি रिक अक वरा**र्क मूलरवननात्र यञ्चनाय वक्की** दृहक উषक्रमधः वा मानवलीला नवत्र कृतिशास्त्र ।

২। এখানকার রাজাদকলের সংস্কার ও মজুরদিগকে খাটাইবার নিমিত্ত এক জন অভি রিজ্ঞ ইংরাজ ডেপুসী মাজিটেট ও ডেপুচী কালে लेत प्याभित्राट्डन ।

৩। কার্ত্তিক মাদ শেব হইল, এপ্রয়ত বিশ্রমাজে রেকীন হওয়াতে ডেকা জনীর গান, সকলের বিদেধ জ্ঞানষ্ট ,ঘটিভেছে।

ह । यमि देखिमात्या व्यात त्याम देवत श्रांखन क्षक ना इस. जारा इटेटन नष्टीय मेट्टे शास्त्र । মধ্যে ছই কি ভিন আনা দপল ২ইবে, नकरण अहेन्नल अञ्चल्यान कतिरख्डाना ।

e हे नरवचढ़

প্রেরিত।

মান্যবর 🗃 যুক্ত দোম প্রকাশ সম্পাদক মহাশর সমীপের। ধীরভূম।

মহাশর াছর্ভিক উপস্থিত হইলে চারি দিকে হল পুৰ পাড়য়। যায় ? কিছ কি উপায় অবল ধন করিলে, ভাষা পুনঃ উপস্থিত হইভে না পারে পুর্না বইতে ভংপ্রতি কাথাকেও যরবান দেখাষ্যুনা। এ বংসর কোন **স্থো**বা কভি वृक्ति। नवक्षम यात्र भव नाई (काटकत्र :क्रम स्हेष्ट. গ্যিয়াছে, আবার কোন কলে বা বৃক্তি অল ব্ই-য়াছে। ফলে সম্পি ধারতে গেলে এ বংস্র ফানল প্রচারক্তিপ ক্রোনাই। একুড ছার্ভিক না ♦উক. চাউলের ছল্বাপ\তা¦নবগন সাধার-न ७: **भन्न** रहे (स. म.२व:या हहे(व, फोर्स : २३ ক্ষণ প্রভারমান হচ্চেচ্ছে। নিয় ভূমেতে জল নিগমনের পথ হস্ত ও উক্ত স্থানে। কুপ্রনন कः तथा । भटल, अहं क्ष्यंत्रियातक या। शाह्य (व পুনঃ সংযটিও চয়না, এ কথা সাহস করিয়া अक क्रम हता लोहेबरक निर्मासिक विना गाईएक १९८५। जामा (य अहे अक्षार्थत के क्रम **गाईएक का एक्स**रम् का क्रम श्रूष

व्यवजातना क हमाम छ। इ: त छ। हमा

वीत्रकृष थाएन । नग्ना (व नगे छ न थारक, उ:शास्त्र मध्य मधुद्राकी व्य বেগৰতী। যে যে স্থান হিয়া ইং। বহুমান वर्षा कारण भारत २६८०, ७७२ म्। त्न व्यक्तिष्टे नापन करत्र ना। बाना समुद्रबद्धतः র্গত খড়ন, ছান্তয়ং, উলানপুরপ্রভৃতি র धात मिन्ना वस् काल स्ट्रेंटि अंकर्ज वाध कट्यक दर्भत अडीख हहेन. छाहा छ अग्राह्म । (मरे व्यवस्य वर्ष **७७** वामवामीत्वत क्रान्त अक्रान्य তেছে , বন্য আইলে চারে দিকে অলভি: কেছুই দেখা যায় না। আন্ধ্ৰাসীরা কর थारन थारन वीक्षित्र बारक वरके ; किन्न (मह शृक्क न अक वादत धतामाधी क्यू, य কসলের ক্ষতি হইয়া ধার। আর ভাহার। বৎসর হা অবর যোজনর করিয়াবে ভার। ই রাত্রে অভাকভিয়াণে বন্ধ আইলে য **হালে হয় না. ভাহারই বা নিশচয় কি?** তাহ'রা কি শোচনীয় ধ্বায়ার পঞ্রিছে कारा.मगरक रखानवमान वर्द्धन अम কেংই নাই? শুনিলাম, অধিবাসীরা উপায় করিয়া দিবার অন্য স্থানীয় বিচা बहासश्चरमत्र मधीरभ श्वतः श्वतः सः दियनः ভিল। কিন্তু ছঃখের বিষয়, ভাষা উ:হাদের नात्मत (याता) विषय कहेता छिक्के माहे। उ कार्यमनश्रीक विक्रमाद मरना कर्यन नाई। अधन अविष्युत वर्शस्य व कान इटेया किंकू छिलाय काव्या (५७४) इस् वामारतव क्कांख धार्यमा।

২।বীরভূমের জলে বায়ু আ ফুংকর ব ্ব প্রসিদ্ধি আছে, আজি কালি ভারার স चत्र (मच) यःहे(छएछ। क्रांसक्शंत व নানা পীড়ার আকর কল ছইয়াছে বলিলে করি, অবড়াজিক হয়না। রাইপুর, কুকল প্র এ:মে যুকুৎ রে:গের বিল্ফণ এছিড:ব बाग्रा श्रुत्री व्यामात्मत्र करे त्रश्कःत कि যাহার। পান্দোধে আপনাদের শ্র নবীষ্য কবিয়া ভূলেন কেবল উচ্ছারাই পীড়ায় অভিভূত ধন। কিন্তু এখন-ভ .म:चरङ्कि (य कक्षत्रश्रद्ध निश्वत्रगत्र अ श्रेष्ठ भूक महा। अधिकाशन ऋत्वह वान এই পীজে বহরেছে। আবাব দেখুন, কাং १६८७ विश्वतिष्य कि अस्तिक श्रीति अस्य क (तर हे **ख्र कोड** कीयन हैं भारत करि ट - (मिथा) (वाभ स्ट्रेडिट्र, î Be: ^{গুন্}ক আহি। এমন একখানি পুৰু দে

রোগের কঠোর বন্ধণা ভোগ নাকরি-📭 । অন্যক্ষানের কথা বলিতে পারি না, বন-'व्यावारप' ३६ मिन मर्पर सुनाधिक ১०० (लाटकत मृह्य स्हेब्राटक। अ**हे** स्टाइ *(*व क्रांट्न श्रीण क्षत्र व्हेटल्ड हा ना, अ कथा एक हारह ? अमन करमात्र, हेरा अशिर्फामक वटि कि ना, त्रवः आवमाक रहेबाटक। পীড়ার এখনবিস্থার জন্মণ মাত্রে দেখা होड़। এই সময়ে **८इए#१**१ এডিবিহিए ग हेरात टारकारमत मधुका मन्माप्तन कता াৰীধ ভালিয়া গেলে বেগ নিৰারণ করা চ্ছসাধ্য হয় না।

ঠা কাভিকের সোমপ্রকালে কোন পোষ্ট আফিসের প্রতিকূলে বাহা লিখিড ছিল, তৎপ্ৰতিবাদে এক জন পাঠক সে যে বাকা বায় করিয়াছেন, ভাহা অনধিকার বলিয়া প্রতীয়মাম হইল। ডিনি পুঝার্পুঝ । (मिथ्रिक मिथ्रिक कार्या कार्या के अपन লেখানাই, যে সেই শারা পোষ্ট আহি कर्माहातीत सावनिवस्त विवस्तान कुतीचि হ (ব্যায়িং পত্র লিখিয়া আর বৃদ্ধি কর্ণ) ন হইয়'ডে। বাহাব প্রতি দেই ভাকববের ভাব অংপিত ভাঙে, ডিনি যে কিরুণ । লোক ডাং। বিলক্ষণ জ্ঞানি। ডিনি র পরন আরু। উঠাহার সঙ্গ ধার্মিক অনমারিক अब 'प्रथा यात्रा ज्याचि न्थ्रेटे: छवा क कड़ित विश्वत क्षांत्रा नेह्वय विश्वत

নাই। তবে আংমিও প্রতিবাদকারী পাঠক

বভর্ক * করিয়া দিভেছি জিনি যেন ভবি

কোন বিষয় ভাল করিয়া বুঝিয়া এতি

धारे हे इंदेश । ষয়ঃরী আনার रता ती खुर १ अका जिंक

১২ ই নবেশ্ব রহস্পতিবার মৌলবী আনব थिक नाटहर महानमाटताटह चकी ब्रक्नाव हेर कार्यः मन्भन्न कतिशास्त्रमः। लक्ष्यो उ ধার্নবাৰ এবং অন্যানা বিভার সম্ভান্ত निमक्षिक स्ट्राहित्वन। अहे छेननरक नंद्र क्ल वाहेरबुद्र नाष्ट्र काम; कामर कारमक র হয়। ভাষতেও দশক্রতেবর নিকট व विमयन द्वर्गाष्ट्रियः ह इवेद्राट्ड। বিক এই মহাত্ম। ক্লখ্যাতির যোগ্যপাতা। মত ধাৰ্মিক দয়ালু ও পর্হিটভবী লোক র নয়নগোচর হইয়া থাকে। শুনিলাম , भोनवी माटस्य धेनकल काई।मण्लाम

नार्थ विश्वत कांत्र कविग्राह्म । स्वाधिक विश्व সহজ্ঞ টাকা হইবে।

গত ১৪ ই শনিবার, বছবাজারের বাবু গ্রাম-শীলের লেমনিবাসী সুপ্রসিত্ত বারু যাদবচ্সর দত কার্তিক পুলার উপ**নকে প্রায় সাত** আট महत्व होका वाय कविशा व्यवनाटकीवक विकीर्न कत्रिम् 'हिन अवर विश्वत इंडिरवाशीय अ समीध নিষ্ট্রিত স্ভাক ব্রিক অব্ভ ব্রার্থিকিয়া কবিয়া নেত্রের চরিভার্যভা কৌডুকদৰ্শনাৰ্থ সমাগত ন্ন করিয়াছেন। বিজ্যু অপেরিচিড ব্যক্তিও নিম্প্রিডবং স্মাল্ড **ংইয়াভিলেন। বছ**সংখ্যে অভিথিও প্রম পরিকোষ লাভ করিয়াভেন। বলিভে ¦কি যাদব বাবু এক জন উদার্বেডা সং প্রকৃতির লোক ও নীনৰৎসল। যাহা হউক, উক্ত ধনাচ্য মহাত্মার। **५:किट्ड ८**कन . समृद्रम **पुर्जिकाम्बद्ध** र গইতেছে। ছর্ত্তিকপীড়িত দেশের করুণ ক্রিকন स्ति উक्त महासू महाद्या / मत कर्नकूर्त्त कि स्ति है श्रेटिक मा ? रेशी श्री भरन क्रिल इकि কাগ্নিকাণ হইতে পারে না? অবশ্ট হইতে পারে ৷ অভেএৰ আম'র সাসুমর প্রাপনা এই যে হাঁহারা ,ভিক্তীভিত দেখে কুপাকটাক এব বার নিকেপ করেন, তাহ' হইলে মঞাপকার नाधिक इहेरव ।

・そ 京1 英雄可葉り म कि हिट्डोला ' ১২৭০ সাল **3**.:---

মহাশ্র : রেল ওয়েবাবু ন:মটা কি ভয়ানক ! বাৰুদের বাৰহার দেখিলে ভয় क्हेसा संबद्धा कव्याप कार्याच कार्याः, पूर्वा ঘুণার অংকী ভূত হর্মাও মনে মান লইয়া শলা য়ন কাব। আমানি বাবুদের চাতত বিশেষকাপে। এবগত আছি কারণ আম * * हेरातः अञ्चल इट्टान मा (कम ? निकक (महल করেন, ভাজাৰপণি ভাষার অনুক নে প্রবৃত্ত ধ্রু :

ইश्वित्यत्र विरम्थकः (हे.मज्ञात्यत्र वायुर्वे इफ्बात मीमा नाई। शूरक देशानरणत यामा निक (वजनइ चि इहेज, भारत वा भिंग इस अवर अकटन प्रदेवरमेरेबल किছू रहा मा, खबालि बाबु (मञ् लाइकीर (मर्थ .क ?

वातुरमत हिन्द्रवन्दर्भाषद्गत व इति छेलाग्न । व्याट्ड, काहा कावलयन कतिहल । कारनक छिन কার হইতে পারে: এই বিভাগে অধিকাংখ नवा मध्यप्रदेशहरास (लाकः। (योजनकादनः (र. महन নানাপ্রকার কুপ্রবৃত্তর সঞ্চার ধরু, ভাচা সক

खांशास्त्र व्यवकाम नाई (व दांगी शमन পরিবারের সৃষ্টি জামোদ শ্রোদ ক अञ्चतार পরিবার নাই মনে করিয়া সর্মন। কুৰ।বৃহার কারতে প্রহুত হন।

देशीमिटभन्न वर्भात २५ मिनमाञ्ज কাশ পাইবার নিয়ম আছো কেচ বে তাহাত প্রাপ্ত হন না। অভ এব ্ল মর বিভাগের কর্তুপক্ষকে স্থিনর জ্ঞানুরোধ एक छ, । यन देशी पिरुगत अदकान क्रम अ! াদন করিয়া দেন ৷

২। অপর উপায়দীর বেলওয়ে কো সর্ংক,কছা করিয়াও করিতে পাবেন সন্ত্ৰীক বাস করিলে যে চল্লিক্ত সংশোধন ভবিষয়ে বড় সংশয় নাই। কর্ত্তপক সপ্র নাস করিবার বাবসা করিয়'ছেন ও প . विनटक क**र्या इ** एन लहेश याहेबात काटल १ <u>्रेश्चेत्रान कवित्रा भारकन । किञ्च स्थर</u>पत् এই (ব ঐ পাস এখন আন্মনকালে •ইয়া **থ**াকে , ভাগার পর আর কেওয়া য প্রভাগে অল্লেডনং ছেই পরিবার জা ाक्ष्म करत्रम्याः। विरम्य के शारम् क श्ववा क्षान्य आस्तिवात था नाहै। क ना इहेटन एक वा डी हासिट्यत प्रतिका अन्द ग्टब ७ (कहे का श्रिकाटबब ब्रक्स ग्रह्म न `छेलम॰कातकः(क वक्षवा अहे (व Eibia वदलक्ष्म कारमः डिशाम्स्यत् भारमत् स्म Bime innagen genten beite বৈহার জানধুন ও ভাষাবা চরিত্রসংগ্

হুইড়ে পারে . ক্ষ চিব সেমেপ্রকার 5 2 £ 25 184 भ.१४४१। こひとと

मधानम्, मधा । कालकालाम् वराष्ट्राम् दलक्षम ४४६ व्हः ७८६ । अहे विस्तृति (রুর উপকারিত। আছে ভার্ত্রিক্র জন্ম বুঝতে পানিয়াছেন। কিছু অনেকে (मार्य भ**र्ड** विम्नात कामर व वशत कविट्रक कैं। शही है केरिक धक्त्री खाइमान कर करिया (क्ट्रॅंन : अप्रता निर्मय खानि, कलिन কোন সঞ্জে বাৰুর আলেয়ে কএক দিন काटल এই का सामान्यात सनमान क्या আন ভবলম্ভ অংশিক্তি লেকে ব कांत्रम् वाबुभिद्धात महानारकाम कहत्व । याम মত রেজভূমি ধারটোক ইয়া বছসংখালেদ अबरण अहे कार्या हहे छे. ए हा हहें हैं ক্ষোট্ডর ছইও না। কিন্তু পুতুর নাচওয়া लाहे चीकात कतिता बादकना। এटक क गुरा, पक धनावृक्त ऋ'रन विहा शकान कताद्व োরব ইইভেছে। এইরপ হইডে থাকিলে থামদ্বারা উপকার না ইইছা অপকার ঘটিথে বং অনেকের চল্ফে ইই। বুল বুল লড়াই প্রভূ বং নায়ে একটি ভামালার জিনিস বলিয়া গে ইইবেলৈ প্রকৃত ভয় লোকের আর ইইডি ইভি থাকিবে না।

উপদংখারকালে বাবুদিগকে কহিছেছি যে, হোদিগের যদি ব্যায়ামনিদ্যায় টিংসাং দিবার হা হয়, ভাষা হইলে ভাষার এনেক পথ আছে, নায়াসে ভাষা অবলয়ন কবিছে পারেন। কিন্তু বিশেষ ভবস্থাল নিক্ষা বভয়াটো ছেলেকে সাহ্ দিয়া ব্যায়ামবিদ্যাব অপকর্ষসাধন

কলিকাডা তথা অগ্ৰেকায়ন। তথ্য

笺;---

श्वर्रत स्थन व्यामारम् त बारम काक्षत हिल এজান ংইতে পাঁচ ক্রোশ দূবস্থিত সোণা া গ্রামের ভাক্ষর হইতে মহাশ্রের পাত্রক ধু হইতাম, তখন উহা বৃহস্পতিবারে পাই ে কিন্তু এ স্থানে ডাক্ষৰ ইণ্ডাতে কবিবার ः। সোমবালের পুরের উরোপার না। অন্যানং দিও পুর্মে এ সংযে পৌছিত বে ভোছার খিওৰ সুময় অভিবাহিত হয় েএ স্থান হইটে অন্যান্য স্থানে পৌহিতেও প সময় लाइस । 'य'भकोः न (नाकेई अ फोक র সাহায় এছেণ নাকরিয়া সোণামুখী অথকঃ দুঅধবা কোভলপুরের ডাক্যরের দারা দি প্রেরণ ও এছেন করেন। আর্মিয়ে ভাক াকবাকছিলাম, ইলা এমণ্ণে বিষ্ণুপুৰের । विलिश्च। किम्बिष्टे १६८७८६ 🗦 किश्च यम्।(प घारसन 'को कच्छात्र म क्रिक (गः) ॥ क्रेसा **८%** র ভাবেঘরের শংখা হয়, ভাষা হইলে উক্ত বিধাৰ সুৰ্বীক্ষণ হয় এবং ভাহা স্কলে সুৰ্ব্ রও আধিক লাভ ভইটে পারে। কারণ ন ও ইংরে নিকটৰ ীি কৃষ্ণনগড়নামক श्वक वानरकापक्षेत्री (माक आह्ब, । প्রाक्ति को व आ छ इड्टल क्रमानः র ছব্যাদির মূল্য অন্সাভ **হইবার জন**; পর 🖭 ারেরেগ প্রবেগ করিতে পারেন। **EXITED**

क्रिभाइस्त बना यः कृष्

নিভাস্ত বশ্যদ জীবসুরাম হাজুরা

নিদায় অভিভূত আছেন।এড গোলখোগেও নিদ্রভিন্ন হইভেচে না। এমন মুম ও বাবু কখন কেহ প্রায় দৃকিপোচর করেন নাই। কোপায় কড **मं उ मं छ क्षका छ। का छ अम्लाह्न इहेन्रा या इए छ ए** কিছুরই খবর হয় না। কভকওলি নিয়ম করাই मात्र, कार्या किছूहे श्रेटिए मा। (य कान खुल रुक्तेक, श्रद्धांचका भद्रीकार्थितन **अख**कः निश्चांशक একবংসরক:ল পাঠনা করিলে স্থানের কর্তারা ভাহাদিগকে পরীক্ষার্থ প্রেরণ করিছে পারি (बन ना विनिशास निव्रम आहि, छोहा थाका আনার নাথাকা উভয়ই তুল্য। ইহার কারণ কি ? বেসকল পরীক্ষার্থী নির্মাচনী পরীক্ষায় অংনি ৰ্মাচিত হইয়া থাকে, ভাহারা প্রায় কেহই বাকি পাকে না। সকলেই কোন না কোন একটা আনু লের उद विश्वा परिवृद्ध निम्ना विश्व विल्डा नरम्ब पत्नी কার দিন উপস্থিত হয়। কোন কোন সংূলে কো• क्रास्त्र श्रादिनका (अधिकिह्न कि मा मान्नर) किन्न ভথা হইডে ২০০২৫ তীর ভূমে প্রায় আগমন করে না: যে যে জুল ২ইডে উজ্ঞাল ভলির সম্পাদন হয় ও রং **ছ লের বছদ**শী কর্তুপক্ষের ক্ষাধর ও ছাত্র লওয়াই কার্য্য, ভাহারা ছাত্রগণের বোগ্ডা অধোগ্ডা দেখিয়া প্রেরণ করেন না সুভরাং প্রতিবংগর অনেকেই অসুতীর্ণ হটয়। थाटक । राथम अमर, विश्व विष्णालरभुत निभूमवहि র্ভ কার্য হইতে চলিল, তথন রেজিটারের গাচ নপ্রা ভিন্ন আর কি বলা যাইতে পারে ? আগ্রাণব পাকিলে এপ্রকার ঘটনা হইত না। যাহা হউক রোঞ্জীর আমার কথার সভ্তের বিনধ্নে তালু থিধানা করিয়া ভূমা *७, इ.* नजा न करून, निष्ठप्र क्यानिएड भातिरवन ।

১২৭৫ | একান্ধ বশস্ত্রশাস ৫ ই অগ্রহায়ণ | শাক্ষান্টোলা। --:--

मृला क्षांत्रि ।

जीवुक बांदू अवस्थानान प्रक्रवर्डी रशक् ১০)৫ কাভিক হইতে পৌৰ ৯৯ ছারকানাথ বন্দেরাপাধ্যায় কুঞ্চীগোপালপুর १२९२ काओक्रीसन सकेटल ५% का व्हेंक শ করিনারায়ণ রায় वाङ्डेन्द्रत साः ৯ ৯মনে: হব মুখোপাণ ার १२९५ को ईंग ब्हेर्फ रेहज़ 4 H . » ৽ ভামুন্তচমুদ্র গুরু বান্ত্রীপাড়া। :৮৬৮ নবেশ্ব হইতে ১৯ লামুয়াবি Ok. • ° শ্মাধ্যসূত্ৰসিভাজ बाली की हा≷यामा विधिश्करस्यः শের কটারী

- শ্রামাচরণ জীমানী, শিশুলয়া
- ৯ ৯ কেশবচন্দ্র হোধ ছাপরা

-:-:-

নোমপ্রকাশসংক্রান্ত করেকটা বিশেষ নিয়ম।

অবিষ মূল্য ও ডাক্ষাস্থল না পাইলে : খলে সোমপ্রকাশ প্রেরণ করা বায় না।

ইংর অগ্রিম মূল্য বার্ষিক ১০ টাকা ব ধাণ্যাসিক ৫॥০ টাকা; মফখলে ভাকমা সমেত বার্ষিক ১৩, ধাণ্যাসিক ৭ এবং ক্রৈ সিক ৩৬০। তিন মাসের স্থানে অগ্রিম হ এহণ করা ধার না। ছণ্ডি, বরাভি চিঠি, ম অভার, নোট ও স্থান্স টিকিট, ইহার জন্য ধাহাতে ধাঁহার স্থাবিধা হয়, ভিমি সেই উপ্ ঘারা মূল্য প্রেরণ করিবেন।

বাঁহার। ষ্টাম্পটিকিট পাঠাইবেন, ভার যেন এক অথবা আধি জানার জাধিক মুলে ও রসীদের টিকিট প্রেরণ না করেন।

যখন যিনি মফলল হইতে সোমপ্রকারে মূল্য পাঠাইবেন, ভাহা যেন রেজিপ্তরি করি শ্রীযুক্ত ধারকানাথ বিদ্যাভূষণের নামে পাঠ ইয়া দেন।

वीशिक्षणात भूमा विवास ममन व्यक्ती छ इहे व्यक्तित, अक मामशूर्य छोशिक्षिक कि निविधा खानान साहेर्द, कान व्यक्ती छ इहे जारनात अक वात किठि लाचा इहेर्द, छोशात व अकमामकान अक्तीका कतिन्ना कामन वस कः गंहरत । त्यव वारतत शक्त स्वन्नाति शाहि। इहेर्द ।

মাতলা রেলওয়ের সোণাপুর ষ্টেসনের ভা দরে চিঠি আইলে আমরা শীত্র পাইব।

गौशंद्रा भाइएल ना निम्ना शङ्गानि क्षित्र करि त्वन, डांशानिश्वाद त्यहे शङ्गानि अहल कर गोहेर्य ना।

কেই সোমপ্রকাশে বিজ্ঞাপন দিতে ইন্ধ্ থিনি ভাঁহাকে প্রথম ভিন বার প্রতিপংক্তি । আনা ভাহার পর /> আনা দিতে হইবে থিনি প্রথিক কাল বিজ্ঞাপন দিবার ইন্ধা করি-বন, শাহার সহিত শ্বতম্ব বন্দোবস্ত হইবে।

ক্রে এই পত্র কলিকাতার দক্ষিণ পুসং

মাতলা বেলগুয়ের সোণাপুর প্রেসনের দক্ষিণ

চাল্ডিপোড্রে ত্রীযুক্ত ধারকানাথ বিদরভূষণের বাটীতে প্রতিসোমবার প্রাভঃকালে
প্রকাশিত হয়।

(माश्का

53 年 書刊;

ं प्रवक्तनां प्रक्रति इताय पार्थिवः सरस्वतो त्रुतिमङ्तीन इीयतां।

াসিক মূল্য ১ এক অগ্রিম বাধিক ১০ দশ । সন ১২৭৫। ১৬ **ই অগ্রহা**য়ণ। ১৮৬৮। ৩০ এ নবেশ্বর বিশ্বাসিক ৭, ও জৈমাসিক ০৭০

বিজ্ঞাপন। " হিন্দ নহিল। নাটক। " (যোড়াদাঁকো অভিনয় সভা হইতে পুর-

ক্ষার প্রাপ্ত।)

डेक नागरक किन्द्र महिलाशरनत इत्रवन्त्री বিত ১ইয়াছে। ঠনঠনে করণ জ্যোলিস জীউ - ७ नर म^{े स}्ड महित्र शुक्कानहरू श्रीखेता । ্লা ১ এক টাকা।

জ্ঞীবিপিনমে! হন গেন গ্রস্ত।

कलिक' एएप व्यक्तिक (काफ भौतिक) द्वारी প্রি: গোরের ফীটের মধ্যে মুক্ত রাধানাথ কুপ্তের কেব আমাৰ করিলা ১∕১৮√ বিহাতুম বিঞ ।। वंकरका को इस्कि के उपन मनकाती सम्बास। কিল্ড বেরজেড, পশিচ্য শাস্তিরাম সিংছেব 🗄 tहे⊲¤ः र हैं। (तप्र क द:विष्ठ प्र* लाग्र) शूर्प तास ল'চন ''ংগুর পুর্জারনী। কেন্তুগণ পাছপরে। । আলপুরের : •৪ নং বালীতে জীয়জন ব'বু বিজ াস ব্ৰেন্পাল্ডায়ের নিকটে অসুসন্ধান করিলে : ^{ছানিতে} পাবিবেন।

🕮 देवकुर्धनाथ अक्ष । (एट्ड इहेर्द । ক'লক।'ড়া 39 7-4 G সাং গালিসকর 1 · E SIETE

সাধারণকে জ্ঞাত করা হাইডেছে (য, স°স্কুত াল ৰিকাখিমিকে নাটক আছে প্ৰাকৃত ভাষায় টকাসমূলিত বঙ্গান্ধরে কলিকাভা প্রাকৃত্যায়ে। ्या - निकांतिक इक्ट्रा अडबर हेर्डिक कात ' ৰেছ হস্তাপত কহিবেন না।

পাৰুরিয়া ষ্টা)

শিত হইবে মূল্য সাক্ষর কারীয় প্রতি ॥ - এবং ্ দূর করিয়াছেন। প্রত্যেক বাজাল। আছু বে বিনা আক্ষাক কাটীর প্রতি দ বার কানা যদি | के कि मर्ट्या (कर क्षांकत कतिराज क्रांट्यन, स्नाम क्षकाम बद्धानरस्माम ७ ठिकाना निचित्रा भारे। हेरदन ।

২১ কাৰ্জিক } জীৰ

ৰাল্নীকি রামায়ণ।

ছিতীয়খণ্ড ৷

এই পুস্তক ভৃতীয় ভাবদি নবম দৰ্গপৰ্শংস্ক ভিডীয় সংখ্যা নাগরাক্তর রাম*্প্রভে*র চীকা ও ৰাজালা অনুষাদের সভিত কাবাপ্রকাশ বঙ্গে मुक्तिक क्षेत्रा विकतिक ब्हेर्डर्ड . हेरा क मार्ट ৰবু জীৰ্ম ও নাগোলী ভটেব চীকাও লংকিলেয়ে উদ্ভ করা হইভেছে ও ইয়া প্রশি সংখ্যায় 🧽 শর্মা অংথাং৮ - পুর্ছা করিয়ামুদ্রি - ও সচ রিজ হইংক : মূলা॥ - আমানা। ম'হারা আচেন .প্রণীকুক কইটেড চাকেন, উংহার৷ স্থামার নামে কলিকাড়া এলো সমাজে পত্র লিখিবেন : বি: শীয় আহ্দদিগকে 🗸 - এক আমা ভাকমান্তঃ

4;##74;&

চাত্ররুত্তি প্রীক্ষার্থিগাংক পাঠে ,যাও.. ুদ্রিত করিতে সার্ভ করিয়াছি, বোধ ইয় মূল[ে] প্রভল্পরমূলক মান্সাক্ষ মুদ্রিক ম্টানেরে । ১০১৮। কেলার জ্লসমূহের (ভগুটি ইনজেন্ড) শীহুত ্প প্রিড মাধ্রচন্দ্র জর্ক/সন্ধ্রিড - মধ্যেট্র : ১৯৫৮ এক প্রসহ ঐ পুরুকের পাওুলিপি ধেরণ क्राटि कि ने बहे छेड़ब्र (मन, " अक्रम वेर्मान

नि प्तानिष्ठित विनाम भीज मूक्तिक रहेता शका। आस्त्र विनमन स्वनकार हिन, जानि বৃত্তির প্রেশির ড কথাই নাই, জন্যান ্সনিগুলিতেও ঐ এং শিক্ত ২য় व्यामात्र काखनिक देव्हा। इत्रामि नर्वातम নাগাবর অধ্যক্ষ জীয়ন্ত বাবু এক মলিক মহাশয়কে আংশনার মানস্ক प्रकारिक पि. किंग निविद्याद्वम (य कार्न বংৰুর মানবাক্ষের অধৈকাণল দেখিয়াছি मुक्ककर्छ क.स्टिंड स्य शहर ८२६ है . अक्क क्षेत्राटक र कम एः वाक्राला । यह स्व भारक अध्यानि वक् कार्यक स्टेस्'(S कक्क दिनास्त्र अन्ती कामाव स्टब्स करियार 🗟 काली अमद्र प्राव्यामध्यासः

> केमके मेग्रा मण्डल खु खु का नाम जा १ फोक्ट बाक् द्ये। खालातः (कोक्ट) सन् (स মংশ্ৰীত ও মংপ্ৰচাৱিত নিম্নলিখিত পূজ্ বক্ষ হয় হয়ে

| ८ की ख | 3:40 |
|--------------------------|------|
| লী স্টাডিছাস | 2 |
| , RTRS 88"H | : |
| ምዛቂዎችን ሩኒችልላ | 1 |
| নংশভিষার (১ ম ভার) | Ł |
| নীভিনার (> য় ভাগ : | IJ |
| e 5" (4" 8 1 | |
| कुक्तुवाध करोकदरः | • |
| 4 | |

P. 4.24 414 41

. ', o _c ---

পুরাণ প্রকাশ । विक्षः भूतः।

खबूबाद ७ हैं।कः महमः शहराक ৮ - श्रेहा । प्रशिमम्बा) १०।

₹

যিনি এছণাভিলামী হইবেন ভিনি মূজাপুর মহর্প্টেটীট ৩৪।১ নং ভবনে কার্প্রকাশ **प्रकारतः कलिकारा मध्य-्य विमालिस्य** যুক্ত অংগলোহন ভক্লেক্ষাবেল নামে মুভ ওর ইমছাকরিম মূলা পাঠাইলেন। করিম भाइरेल विरम्हम विक्युत्रान भाकाहेबात াম নাই ই ডি।

বিভ-য়াব ⊨

শব্দক্ষত্রন অভিধান দ্র রাজা রাধা-স্ত দেব বাহাছুরের ক্লান্ড উত্তমকপে শোণা । এডন বুঁধিন, মূল্য ২**৫০ টাক**)।

अवानन्द्रप्रद्यमाख्यानीम ।

বিক্ররার্থ।

গাবড়েন রীচ ২৪ নং বাটা ওলামস্ক ১৯ ক° (জ্বান্তা বাগান :

উপৰি উক্ত ৰালান ও বাদী ৰাজালা কর एउ क्यथ्या लहेएक हेक्का करनम, मिम्र व्याक ব্যক্তিৰ নিৰ্বাট জ্ঞানাইয়েল

> গিলেও'র ্ সার্বো-খনট এবং কোং

--:0:0:-

विविध प्रवासि विकासर्थ 公費51

ইংরাজীব জালাপুখক কালল কলল নানা দ্ৰব্যক্তি পাওয়া ধায় এবং পুৰুকালতে এক আমার হিস্তের কমিদন দি 🔻 অধিক ति शुक्तक सकेत्र २०० सामान विश्वापुत्र

াহুক্ত বাবু কালী প্রসর সিংক মতে দয়প্রতীত ১৮ শার মধাভারত ১৭ বর ০ ভারের উত্ম ● 4 1 1 E

ভিন করেমা কেলিয়া অধ্য উপৰ কলা-

হাল্মদের জীবনচনিত ইতম র'জ ড্র ক্ষাকুৰ্থাত্ত আট'ন কৰি ওয়াল্ডেডেই

ीर तक या ऋतिकान • मुक्त तोह **चेरकृष्टे** कार्या ٠ د

ार्थ मनिय *म*ः वसी 2 11 মৰ ভৱাঞ্জী

হন,থ ছেং∜কুড সংগীতমনে;র্খন

इ.स.म. इ.स.च कं चरत मानका नाम वास

বাস বসামূভ **সংস্কৃত ও প**দঃ গীতগোবিন্দ অস্থানৰ গোলামী প্ৰণীত মূল ও মছুনাথ ন্যায়পঞ্চান্নকুত গদ্য কৌভুক করলিশী ইংরাজি কেমেপ্টরি হইছে বিবিধ আঞ্চর্যজনক বিদ্যাদর্শন হয় ঞাতমূর্ত্তি সাহত ১২৭৬ সালের ফুল পঞ্জিকা॥ जे शक नश्चिका

ছুৰ্গাম্লুল পদ্য ٤ ক্ষলভারিণী স্টীক চন্ডী মূল ও অনুবাদ সহিত চরিতমঞ্জী ইহ'ডে মিউটানির विवष्ट বিশেষরূপে বর্ণিত হইয়াছে ١. ইংরাজি ১৮৬৯ সালের এটালেঃ কি 200 কুমারীকুমার পদ্য আদিরস্প্রধান কাব্য ১ ব্যের মোহিনী শক্তি গণেশচক্র শশ্মার প্রনীত ব'লগা এটলাগ উত্তৰ বিধবাবিবাহ নাটক ৩ বার মুদ্রিত ١ কাগমে উত্তম অকরে মুদ্রিত ۵ কামিনীকুমার রসরত্বাকরাতর্গত নায়ক নায়িকাঘটিত ক্লুৱস কাৰ্য

মৰিকুগুনা কাৰ্য প্যানীমোহন বলেয়াপা-্ৰেয়প্ৰণীত হৰ্গেশনন্দিনীর মত লেখা ঐবগসিজ্ব সংয়ী ٠Ħ۶ ভূচিত্ৰাবলি ৩২খানি বালালা RITM স্হিত

8# -স্টীক চৈত্ৰভাৱতিয়তাগ্ৰন্থ कानियमी नाष्ट्रक आहमनश्युक्त २ थरः **ይ**ፓጥቢ खेबास्त्रत शहर

क्छिपरमण दिक्क मन्द्री मन्त्रकी छ কলিকাতা কোড়া-শ্রী ল'ভাপচক্র রায় সাকো ৬৪ নং नभन (बरक्षका)

यम १४४४ मार्टनत मरवब्द भारमद ४४ ४३८७ ২১ এ নবেশ্বর পর্যন্তে ভাগীরতী নদীর সর্কাক্ষ ভ কলের সাপ্তাহিক

বিলোট /

८७ माहेटलत मद्ध

সর্কমতি জল স্থানের नाम क हैं क মহানার সভিতে প্রান্দীর জ্যোকেরয়ান ষ্ঠানার ١. তথা চইতে জলিপুর) भा भा बेल महस्र ₹ অলিপুর কইতে বহরমপুর

₹

ৰহ্বমপুৰ ধইতে কাটোৱা e • माहेटलत मर्पा कालाम इंट्र नमीम १७ माहेल मार्था मन ১৮৬৮ मोलाब २८ सरवस्त পুর গঞ্জাটের ফলের মাপ।

> कृष्टे . গক্ষের উপর

) जीवृक्त ति है, छेरेक्न } अकाराकि छेस्टिव हेस्कि: वरसम्बद्ध छिविकास।

নোৰপ্ৰকাশ।

১৬ ই অংগ্রহায়ণ সোমবার। अङ्घलनीय (प्रमानम् ।

७७८कभीय रेमनामिर्शत भि অন্তরিষয় লইয়া ইংলও ও ভার উভয় ছলেই ভৰ্ক বিভৰ্ক হইভে रेमनाम्यमः काम्र প্রধান সংবাদ 'আব্রমিও নেবি গেজেটে স আবা করিয়া বলিয়াছেন, ভারতবর্ষীয় দৈ भटक इंडेटबाशीय टेननामिरगत **अ**ट নিক্লট অস্ত্র জেদান করা ভঃখের বি যে ছলে উভয়বিধ সৈন্য একতা করিবে, তথায় এতদে দীয় দৈন্যগণ ও শিকাৰ নিকুট গ্ৰনিৰক্ষন অধিক মাণে হত হইবে সন্দেহ নাই। উক্ত এ कथा श्रोकात कतिशाद्यन , किन्छ वि मत क्या लाइतरम्बत माउदक द्वरमा মতের ন্যায় অবিচার্যা জ্ঞান করিয়া য়াছেন, মূল নিয়ম ধরিয়া ধেরপ 🧸 व्यवका विद्वाहना क्षित्र मिलाही मिन সাইজর রাইফল দেওয়া উচিত হয় ভারতবর্ষেও অনেকের এই মত। शहा এতদেশীরদিগকে প্রকাশ্যরপে **ও** শাস করিয়া কার্যা করা সর জান ব

কোৰ অভিনত। কোন শাসনকর্তা ছ

ভরবীয়দিগকে এপ্রকার অপুনান ক

নাই: বিজ্ঞোহের সময়ে তিনি আন্

कांच कतिशाहित्वन, षाठ वन उँ।

অন্তভ; কানা উচিত ছিল, যে ন্ৰ

शांतरण नार्यां ना कतिरल दक्वल :

রিক আইনে, এনফিলড রাইফলে ও

কমেক সহজ্ঞ ইউরোপীর দৈনো ভারত **বর্ষ রক্ষাকরিতে সমর্থ হইত** না।রাজার প্রতি প্রজাদিগের আন্তরিক ভক্তি থাকা একাস্ত আৰেশ্যক; িস্তু?াজ: पि अक्षापिरभात शांक व्यविश्वाम करतन, তাংগ হইলে ভক্তির উদয় হয় না। আবিদিনিয়ার যুদ্ধের সময়ে শীকেরা স্পটাক্ষরে আপনাদিগের অস্ত্রের নিক্ন ষ্টভাবিষয়ের অভিযোগ করিয়া উৎকৃষ্ট অস্ত্র প্রার্থনা করিয়াছিল; কিন্তু তাহাদি গের প্রার্থনাপরিপূর্ণকরা হয় নাই। এ অৱস্থায় এদকল লোকে যে অকণ্ট প্রভুর্গক্তশালী ইইবে, এ আশাক্রা विष्युना मटमन नाई।

ভারতবর্গীয় দৈনাদিপকে নিক্উ অস্ত্রদিধার কারণ কিণু এই কারণ বোধ হয়, তাহারা বিদ্রোহী **হইলে ইউ** (दाशीश रेमिनरकता छाशिकारक व्यनाः য়াদে দমল করিতে পারি**বে। যদি এ**ই কারণ হয়, তাহা হইলে ত দিপাহীয়া कलेक्य्याता इंडेल। व्यर्थनात्र क्रिया अ ⊧•টি চর¦লিবার প্রয়ো**জন কি** ? ভাহাদি∙ गरक हा ंः ं कि छे: मणाई वा मिक्क इहे ভেছে ?

বৰ্ত্তম

ান্দুক লইয়া তাহারা কোন

ইউরোপী *টেনন্*দলের **সম্**থে অন্সর **হটতে পা**ে না। দীতানাপ্রভৃতি স্থানের **বন্গণ ও আফগানদিগের তোড়া** নার ও ক্ষিপ্লালেরও দিপাহীর ত্রৌণবেদ অপেকা প্রাধান্য আছে। এসকল শক্তর যুদ্ধ করিতে শক্ত হয় না। তবে কি ভাহাদিগকে কেবল এতদেশীয় রাজ অবস্থার সাণনাদিগের ব্যবসায়ের প্রতি [।] ইউরোপীর স্থাফিসরগণ উচ্চস্বরে ভংই।

विकात किटवन मा १ 'टेमनाभन विश्ः भाउनत चाकमन स्रेटड चेरमभ तका करत विन-য়াই তাহাদিলের ব্যবসায়ের এত গৌরব किन्छ व्यामानिरशंत्र वर्षमान अवर्गरमर्णेत রাজনীতি এমনি চমংকার বে, বৈন্যগণ यरमभौत्रमिरशत त्रकाक्ष्ठी मा इहेश ভয়ের কারণ ও ঘুণার পাত্র হইতেছে। **माचारमोत्रवद्यान टेगनिटक**त भ**र्९ छन। ऋरमभी**श्रमित्तन क्यक्ल हे अञ् রাগ ও গৌরবধাভ তাহাদিগের পুরস্কার। वेर्जियोम गवर्गस्यन्ते क्वित्रल स्य कात्रक्रविशेष रेमनामिनाक बहे खन ७ वहे शूतकात **२३८७ विध= ७** कतिर्डिट्डन अक्रुप नग्न, অশিনারাও স্নেহ ও ভতির অভাকন হইতেছেন।

ताकवनवटका अटमणीय टेमनानन গলপ্র**হত্তরে।** যাহাদিগের र्**रेट शक्त क काम** रहेल ना, कारामिट्रात নিমিত্ত এত টাকাব্যয় করা বিধেয় ছয় ना ; मत्र व्यन लट्ड का " रेमिनिटकः विक्रू " ·বলিরা**গর্ক করেন**় কিন্তু তাহা কি সকল रेमरनात मद्यक रहेर ७ छ १ मिश्री हि গের স্বাস্থ্য, ৰাদস্থানপ্রভৃতির নিমিত তিনি কি করিয়াছেন ? বর্ত্তমান প্রণালীর व्यक्षीरन (य अपञ्चलता ৫० व्यन मिशा है) পীড়ায় প্রাণভ্যাগ করে না, ইহাই षाण्टर्या । यूटकत ७ कथा हे ना हे, । '' এक कर निविज्ञित " देश निम्मारन विधि-য়াছেন, হাজারার যুদ্ধে অন্য অন্য হাব তীর রেজিমেণ্টে যত লোক হত হর ২০ও ২৪ গণিত পঞ্চাৰীদলে তত দহিত্ত তাহার। তুলা প্রতিযোগী হইয়া দৈনিক হত হইয়াছে। শীকগণ কি ইহার কারণ বুঝিতে পারিতেছেন না ? ভাহাদিগের অপেকা বন্দিগের বন্তুক গণ ও অংদেশীয়দিগের ভয়প্রদর্শনাথ ভাল।ভারতবর্ষে উত্তম বন্দুক্ত আছে . বাথা হইয়াছে ? ভারতব্বীয়েরা এ অব [†] কিন্তু প্ৰণ্মেন্ট তাহাদিগকে ভাহা দেন স্থায় কি ভাবিবেন 🏿 বৃদ্ধিমান ও স্থাদেশ 🖟 নাই, এটা বুকায়া, ভাঁহারা সনে 🐠 ন হিতৈয়ী দৈনিকও আফিদরগণ কি এই কি ভাবিতেছেন ৭ এদেশীয় দেনকেরের

ভর রাইফলের ব্রন্য চীৎকার কা

আমাদিগের বর্তমান গবর্ণ উলিখিত দূষিত রাজনীতিতে যে মহন্তর অনিষ্ট ফল উৎপন্ন হইবার ৰনা আছে, এ স্থলে তত্নেখ ব আবশ্যক হইতেছে। নিম্মুকুলে ভা ষের নিমিত কুশীয়াবদহিত ইংগ যুদ্ধ ঘটনা হইবার সম্পূর্ণ আ আছে। ইহার উদ্যোগলকণ ও ল एरेट७८ इ। পেদোয়ার অবধি व পর্যান্ত স্থানে স্থানে হুর্গ হইটো পঞ্চাৰে অধিকতর দৈন্য যাইটে আমাদিলের গ্রন্মেটের উপরে शानि(शत मण्यूर्ग विश्वाम नाई । আলীই থাকুন, আর আবছল র চ্টন, ভারতব্যীয় গ্রন্মেণ্টের স্থা মিত্রভাগ কেছই আদরবান ছইবেন আফগানদিগের রুষীয়ার পক্ষ অং করিবারই সম্ধিক সম্ভাবনা। ভার লুংও একটা দামান্য লোভনীয় প নহে। ভারতব্যায় গ্রণ্মেণ্ট যুদি খিত ব্যবহারভারা এ দেশীয়দি অডঃশক্র করিয়া রাথেন, রুশী व्याक्तिमर्ग अहुछ इहेरल क्वा ७ ইউরোপীর দৈন্য কি <u>ঐ</u> উভর শ ারাজায়ে সমর্গ হইবে ? রুশি ভাভার ও ধোখারীয়দিগদে ইউরে প্রণালী অভুসারে রণশিক। দিয়ে ্ৰ প্ৰধানীতে শিক্ষিত হইলে তা রের জার কর্ষ্টেশাধ্য হইবে সন্দেহ াহারা আবার যথন আফগান গৃহিত মিলিও চইয়া রুশীয়দিগের স ভাৰতব্যে প্ৰৰেশ করিবে, ভশ্বন ख्यतीय शवर्षामध्येत या कि विश्वः ছিত চ্ইবে, এই সমণে ভালা এব

উপসং भारकार्य आमामिरशह व এই, গ্ৰণ্মেণ্ট উলিখিত দুহিত :

বিবেচনা করিয়া দেখা উল্ভেন্

গরিভাগে করুন; যাহাতে এদে ধৈনা ও প্র**জাগণ অ**নুবক্ত **হ**ন া করুন; দৈনাদিগকে উচ্চতন শিক্ষা ৎক্রট অসু প্রদান করন। আমাদি युवकश्व (मनाम्ट्स अट्वम क्रिबांब উৎস্ক ক্টরাভেন, ভাঁচাদিগের বৈঞ্চি পরিপুণ করিয়া প্রজাদিগকে मक कतः গৰণ্ডের উত্তর শ্রা কর্ত্তব্য। उक अधः (कान्कारकान्) देशौता । (कान धानके कित्र ७ शास्त्र ना, ঘকার বিপদ্কালেও উপকার ত পারেন না। ইংরাজ জাতি দশ পরিভাগে করিলে ইহাঁরা তে আয়েরকার্থ অন্যের শ্বর্ণপন্ন ন, তাহা করা গ্রন্মেন্টের একান্ত 1

হৈন্দ্ৰ লাভির স্থাপ্র মের করাপারের 4:3 9 mg 44 3:4 y 7 (3.1 : প্ৰিয়ার এক জন প্রধান পদস্থ

সুলোচ একলা বস্দলোর এক र्क विकास क्रियाहितन, त्यान्टिशक स्वरम्य विवाह चा**ट**छ १ १ किन कात करायंत्र विमास মনভিত্ত যে এ দেখের অভিপ্রা गरनदतीहिंड स्य विवाह **जाहा**। অবগ্রন্থেন। ঐরণ অনভিজ্ঞ त। मटन कट्तन, जार हर्निराहर তিকে আপনাদিগের সমকক জ্ঞান রিয়া দানীৰ ন্যায় বিবেচনা করেন দেই দাদীর মত হীনাবস্থার রাখি । অভ্ত চানিবস্থান এপ্রকার ভ্রমাত্মক ার হওয়। বিকায়ের বিবয় নহে। দিগের এইপ্রকার সংস্কার **আছে** দ্ভে প্রাণীন সৌক্ডলিয়ারা फि.शत रे⊐म**ভ**ञ्जन **ह≷दि म**टक्कह किन्छ् का डीव छी पूतन्यत शतन्त्र গুরি শংস্পরের যে কি উনার ভাব

ও ব্যবহার ছিল, এজদ্বারা তাহা সুস্প ্মিত্র নাই, মহারাজ ! পীড়িছ বা केंद्राप अजीवमान स्ट्रेरव ।

न कुः टक्त मरा कूरक मा নাম্বাতে স্নাতি সুব্ৰতা। ভিষ্ঠভুয়ন্তিষ্ঠমানেচ শেতে চ শয়িতে ময়ি।

পতি ভার্যার নিধনশঙ্কা করিয়া কহিতেছেন, আমি ভোজন না করিলে जिनि (कांकन करतन ना, जानना कतिरल স্থান করেন না, আমি উপিত হইলে উপিত হন এবং আমামি শরন করিলে मध्य क्ट्रबंग :

> হুটে ভুৰতি সাহ্নতী হ্রপ্রিকে নয়ি ছংথিতা। क हे जू भीनवमना क्टु एक ह धिशवानिनी।

आक्ति इन्छे इहेटल इन्छे इन, इःशिख रहेटल इ: थि उ इन, व्यामि कुछ रहेटल ভাঁচার বদন সান হয় এবং অনুদা হইলে প্রিয়বকৈ। ভারা আমার সাস্থাকরেন।

পতিব্ৰতা পতিপ্ৰাণ পতুঃ প্রিয়চিতে রভা। यमा रेज्डामृशी खार्या। म धगाः शूक्रदशकृति।

পতির চা পতি প্রাণা পতির প্রিয় ভিত কার্যের তা, যাহার ভার্যা এপ্রকার मिहे शूक्रवहे भृषिकीएक धना।

রক্ষুলে হি দয়িতা যাৰ ডিক্ডিড ভদ্গৃহং প্রাসাদোহপি ভয়া হীনঃ কান্তাবাকুতিরিয়তে।

ষের ক্ষুলে দয়িতা থাকে সেই গৃহ, আবর আমাদও যদি দয়িতাহীন ≱યું. তাহা কঃ য়'ঃতুল্য 🕫 য়া উঠে।

नान्डि छ।यंगमरमारकुः নাস্থিত ভাগান্সমঃ সুহ্বং। নান্তি ভার্যা সমোরাজন নর**ন্যার্ক্ত**ন্য **ভেষজ**ং॥ ভাষ্যাতুল্য স্থান নাই, ভাষ্যাতুল্য **कार्य₁क्ट्रा ॐवध ना**है।

ন গাস্ত্ৰীত্যভিভাষ্যেত ষদাভিতা নতুষ্তি। তুষ্টে ভর্তার নারীণাং ভূটাঃ হ্যঃ দর্মদেবতা : ।

এক আক্ষাণের গুছে একদা অভিথি আনিয়া উপস্থিত হন। ধ ণের গৃহে জাঁচার এবং জাঁচার স্ত্রী ও এই ডিনের উপযুক্ত শক্তুমাত্র সংগ্ ছিল; অন্য কিছু ছিল না। আহ্মণ নার ভাগ অতিথিকে প্রদান করিং অভিপির ভাহাতে উদর পূর্ণ হইল ভাহ্মণ অভিশয় থিলমেন হইলে ভাহা দেখিয়া ভাদাণী বলিলেন,

किः विरुद्धार्शन धर्मछ विकासारमञ्जू अल्यू स् জুষ্টার্থ মতি থের সা মস্কারোহপি প্রদীয়ভাং।

হে ধর্জ ৷ শক্ গুছে থারি भार्थान विषय इतेट उट्टन (कन ? অভিবের প্রীত্থি আমার ভাগও প্র कंक्रम ।

ত্রাহ্মণ উত্তর করিলেন:— व्यनि कोडेल इझानार মূগাদীনাঞ্শোভনে। शिशांवकतक (भागतक) **उ**देत्वर रक्षु गर्शम ।

হে অ্নরি ! ক্রীকীটপ্রজ ও ম দিরও জ্রীরক্ণীর ও পোৰণীর অতএব তেমার এরপ বলা বোগা (उट्ह ना।

बर्चकामार्थ नार्यनानि শুশাবা কুলসম্বতিঃ। मारद्र**ष्ट्रीनः अर्गण** পিভূ গামাত্মনস্তথা।

ধৰ্ম অৰ্থ কাম শুক্ৰায়। ও বংশ এবং জাপনার ও পিতৃলোকের স্ব জ্ঞীর অধীন।

नाज्य अर्ज ज्यानातीर न कर्लाजीर श्रीयगर। মহা 🕾 ক্লেশমাপ্লো,ড নরকৃথণ সুসচ্ছিত। যে বাজিক জ্বীর হৃতি দয়া নাকরে ্তংহার ভরণ পোষণ না করে, দে . ক্লেশ প্রাপ্ত হয় এবং নরকে গমন ত্ৰাশ্বণী কহিলেনঃ----সহধর্মচরৈ৷ ধাতা স্কৌ ভাৰ্যনপতী দ্বিস্থ। ভকাষহতি ধর্মে মাং ন বাহাং কর্ত্মহানি।

বিধাতা ভার্ষা ও পতিকে সহধর্মচর লা স্থান করিয়াছেন। সংচএব াকে মহুং ধর্মের বহিভু 5 করা আবাপ डेठिक इंश्डिष्ट ना। পতিনায়নঃ পরোধশাঃ পভিরেৰ্ছি দৈবতং।

পতিরেব পরেবিকু; পতিরের পরা গতিঃ

পতিজ্ঞীর পরম ধশবরূপ, পতি **চত্বরূপ, পতিই প্রেষ্ঠ বর্জু, পতিই**

াপতি। ৰ্ম্মৰ্থ ক কাম্প

শং স্বৰ্গতিমেৰচ। পতেগ প্রদরে স্ত্রী দক

মতং প্রাপ্রে,ত্যসংশয়ং।

ণতি প্ৰসর্থাকিলে জ্রীধন্ম কর্থ ও স্বর্গ এ সমুদার নিঃ শংশর আপে । ভক্তিও আনেরাদি নাই।

মেণামন্ধাবাচা । জীপ্তিমসূত্রতা। হৈহৈৰ মহাভাগা 🕙 । দেবৈরপি পূজ্যতে।

সতীত্বেরও সবিশেষ পরিচয় পাওয়া উভম শস্য ক্রিবার স্থাবন। : या हेट छट्ट। कटल भीत त्रमणीयन गृहक दश রত থাকেন বলিয়া অনেকে ভাবেন এ (मटमात शुक्राटयता नातीमिशाटक मामीत ক**র্ত্তব্য কাব্যেই নিয়োজিত ক**রিয়া রা**খিয়াছেন। অভএব ভাঁ**ছাদিগের অব স্থাও অতি হীন; কিন্তু যদি অনুধাৰন করিয়া দেখা যায়, প্রতীয়মান হইবে, এতদ্বারাও ভারতব্যীর জ্রী ও পুরুবের গমকক ভাবের স্বিশেষ পরিচয় হই তেছে। পুরুষেরা অর্থোপার্জনকার্ষ্যে ব্যাপ্ত থাকেন এবং জীগণ তাহার রক্ষণাবেক্ষণ ও গৃহকর্মাসক্ষাদ্রনের ভার গ্রহণ করেন। ভারতব্যীয় রমণীদি গকে যে রস্থাদি কার্যা নির্কাই করিতে হয়, অর্থের অসমতি ও জাতিভেদ তাহার প্রধান কারণ। হিন্দুজ।তি मका जीरप्रत मकरनत इरस्ड अन्न धहन मृत्त थाकूक, श्वर्ट्यागीत मकत्वत भाक कता ज्ञां अवा अक्त करत्रन मा ; क्रुडहार জীদিগের উপরে ঐ ভার শমর্পিত ২ই-शाटह ।

আমরা উপরে ভারতবর্ষীর জীপুরু বের যে সুখমর অবস্থার বর্ণন করিলাম, অধুনা স্রাপান ও লাম্পট্যাদি দোবের প্ৰাছভাৰ হওয়াতে উচার বহু ব্যক্তিক্ৰম ঘটিয়াছে।যে যে পুরুষের অংন্য মতি হইয়াছে, তাহাদিগের জ্রীদিগেরও তাহা দিগের উপবে উপরিলিখিত শ্লোকবর্ণিত

শ্সের ক্রস্থা।

শেষপর্যান্তের শন্যের যে অবস্থার্তাত গোলায় অধিক শ্লা সঞ্জিত নাই;

ব জী কর্মান ও বাকে। পতির পানাম। কামরূপে আভিচ্ছিতে রাছে, অর্জেক আমন হইবার সন্তাব অমুরক্ত হন, ইহ লোকে থাকিভেই ও কীটে শদের মত অনিষ্ট করি দুমকারও ঐ অবস্থা গুলায় লোভ ারাও তাঁহার পূজা করেন। ্যাছে মনে করা হইয়াছিল, তত হয় আমন হইতে পারে। কমিদারে অর তেদ্বারা ভারতব্যীর জীগণের নাই। নঙ্গী, ক্বায়াও জয়ন্তিয়া **প্র**তে ক্রেন, যদি রবিশ্যাভাল হয়, ু

मधःविध भागः स्ट्रेटव । सम्मानिश्वतः । নাগরের শদ্যের অনস্থা উত্তম।

ভাগলপুর। কালেক্টর অ करतन, आंढे जाना अविधि वात পর্যান্ত লাশা ক্ষামিতে পারে। ক্ষি বলেন, দক্ষিণাংশের অবফা অতি ख्यात्र खेर्बनः था व्यक्तिक मना इ (अर्थु) माकिट्डे हे ७। १ कानांत प षश्मान करतन ना, धनाहिकिनि অর্কেক চারা নক্ত হইয়াছে। আ विविधान विद्यात इहेब्राट्ट। युप ভাদ্র মাদের শ্লা না ক্য়, ভভ विटलव कछ इरवात मञ्जावना। हैरि ইফি ইইলেরবিশাস বঁচিতেপ অদাপে ক্ষকদিলের প্রকৃত কং नारे; किन्न खाः। जीवीमिटशत वि <u>किंग २३८७ व्यात ॥ इस्तार्छ। १</u> उ व्यभीनात्रिमिश्र क वला हरेग्राटक, इ **स्ट्रेवामाज (यन उ**हराता मन्ताम । किमिननत विलिशास्त्रम, आमकीवीवि क्ष (मध्या व्यावभाक ह्हेग्राट्ड।-

মুক্ষের। আউদ ধান্য ভাল হইয় वामन চারি वामःः अधिक इ≷्द व्यनावृष्टिनिवस्तन इविभानः नके रहेट এখনও ছেভিকি হয় নাই; কিন্তু সা मान आविभाक रुहेर्व ।

পূর্বিরা। আমন ভাল ছইবে, ে উফ ভূমিতে হয় ः 🗟। রবিশ অবস্থ উৎকৃত। শবের মূল্যসংবি

সাঁও হাল প্রস্থা। রা**জ্ম**। আমন ভাল হইল ন:। রাইট না ছওয় রেবেণিউ বোড সম্প্রতিক অক্টোবরের রবিশ্যা অম্পান্ত জান্মাচ্ছে লো প্রকাশ করিয়াছেন তাহা এই:-- ইইয়াছে। দেবগড়। সাওদ উত্তম पश्चिमार मदाखिरहरक आह मकल विक् कर्षे इंडेर्स मा। हिन्सिमा खाल हेरल क्डे मामभरत क्या मिर्क । महिल्लान काथात कर्पात निर्मित्र व, क्याममत कड़े कथा। व्यक्तिमा । क्याभात कड़े कथा। व्यक्तिमा क्याभावता मात्र खादा कहिला (मक्ति किल्ला किरियम मा. मर्हर क्रिकारीया ब्राम्स किरियम। क्यामी क्याम कहेला। आहेम क्यामी क्यामन कहेला क्यापा न जीला, किल्लाहीक ना इंडेरल हाति । मक्ति कहेर्य। द्रियमा कहेर्छ क्ष इहेत्राक, किन्नु कि भार्तिमारन (य हाहात खिल्ला महि।

ীরভূম। আটে অনো অন্ধি বার প্রস্থিদায় ইটেপানে ছুর্ভুক্সের হানাই। হোনান। অটি আনা অন্ধি বার

क्षानामा च ज्याना सार्व । क्षाना क्षान्छ शाहरा क्रमंदकता इक्रम स्मितिमा मिर इट्या

ভূগলী।দশ আনা শন্য কটকে । লোকে ভূডিকের আক্ষাকরেন

হারছে:, উওন শ্যা **কলি**বারে (না) অন্যর্ভিনিশ্যন কুণকের: (যাংগ্য করে দ্যা

মাননীপুন, খনাবাণ্টনিবলান শাসা ইচিচ্চেঃ গ্রান্তন ও ব্লুফান্তুম বাহ সংক্রাজান উড়ন কর্যাতে। মহল ও পশ্চিম বিভাগে ছড়িক () তমোল্কের বড় মন্দ অবস্থা লৈতে বার আনা শাস, হইছে () ডিসিও ইকুর অভিশয় স্বব্দা। নীপুনে বংকিপিছ রবিশাসা যাহা মনার্টিনিবলান ভাহাও বপন করা হি।

উপ্রামঃ বেপ্রকার শাস্য হইবে, কে. করা গিয়াছিল, অনার্কিট নিব ক্ষন তাহা হইল না। সিকি শাস্ত নই হইয়াছে পৰ্বতে অফল ও উচ্চ ছানে কিছুই হইল না। আর একটী বিশ্ব এই, অনেকগুলি জাহাজ চাউল লইতে আসি তেছে।

ছোট নাগপুর। লোহারডণা।
মধ্যবিধ শ্লালাভের সন্তাবনা। পালা
মাউয়ে আমন ও রবি শ্লা নটপ্রার
হইগছে। গড়ে ছই আনা অবধি চারি
আনা শ্লা হইবে। শ্লোর মূলা দিন
দিন রিদ্ধি হইডেছে। গয়ার অনেক
বাপারী যাহা কিছু চাউল ছিল ক্রম
করিয়া লইয়া ষাইভেছে। ডেপুটি কমি
মনর চাউল রপ্রানী বন্ধ করিবার প্রস্তাব
করিয়াছেল; কিন্তু কমিসনর ও বোড
হিহাতে সম্মত নহেন।

নানভূম। নধ্যবিধ শাস্ত্রাভির সভাবনা। শাসের মুশার্জি হয় নাই। শিংহভূমেরও ঐপ্রকার অবস্থা; কিন্তু স্থানে স্থানে টাকায় আট সের চাউল বিক্রীত হইতেছে। হালারিবাগ ও বাড়প দেবার অবস্থা ভাল; কিন্তু শাস্থার মূলা অতিশায় র্থি হইতেছে।

কটকবিজাগ। বালেশর। সুবর্ণরেখার উত্তরপর্যান্ত আমন ছয় আনা পরিমাণে চুইতে পারে। তথা হইতে বস্তানদীপর্যান্ত চুই আন: এবং সদর বিভাগের অনাত্র দুশ আন। হইবার সম্ভাবনা।

পুরী। শদ্যের অবজ্ঞা সক্ষ। কানে ভানে মুল্য দিয়াও পাৰয়া বাইতেছে না। চাউলের মূল্য প্রভাৰ রুদ্ধি হইতে গ্রাথনিকের গোলার ৩,৯৭,৫৪৭ চাউল আছে। রেবেণিউ বোর্ড এ রুদ্রির ফুঃখে কাতর হন না ব ইচার মূল্যরুদ্ধি করিবার আফ্রা ছেন।

কাছাড়। ফরিদপুর ও ময়মনা উত্তম শস্য হইবার স্থাবনা। প্ বিভাগে অধিকাংশ শস্য নহা হইয় গড়ে তিন আনা পাওয়াও কঠিন ব গঞ্জের অবস্থা অন্য অন্ বংসরের নতে।

রা**জ্**ধানীবিভাগ: ২৪ পর मिक्तिराष्ट्रभात भागा अक्कारण नश्हे ब्राट्ड प्रतिक्रिमिश्य कर्य (प्रविश हरेट কমিদনরকে আজঃ দেওয়া হইয়াছে : পক্ষে তিনি এক এক রিপোর্ট এ করেন। সভিক্ষীরায় শাস্কতক हरेशारह। विभिर्हा है व वाक्र हे भूरत আনাশন্ হইবে। বারাকপুরে আনা মাত্ৰ পাওয়া যাইবে ৷ ৰারাস ভায়মণ্ড হাবৰতে বিলে ধানা জানিয় कियु ডाঙ্গাভূনির শাস্য নাট হইয়াছে। বিভাগের অবস্থা তাল নছে। মুসে উত্তম শ্रम किम्बाटक। नमीयाटक ভাল ংইয়াছে; কিন্তু রবিশাস্য না। রাজনাহীর অবস্থাভাল। পা वार ष्याना इंदर्य। मालन्ट्इत उ ভাগে নহৈ।

উপরে শ্সোর কাবছা সে ব বিশিত হইল, তাহাতে কোনরপো বোধ হইতেছে না যে, এ বার লো সফলে চালবে। এখন যাদ রপ্তানী করা না হর, ছার্ভিক্সেশ সহা কা হইবে সন্দেহ নাই। বিপদকালে শা

কলিকাত। মিউনিসিপালি ।

'দদে মিলে করি ক। জ;

জিনি নাহি লাজ। "আ্যাদিগের ।

निष्मिकन अहे श्रवापवादकाः সাধনের একদেব করি ছেন ৷ पि**रशंत-जश्कात वहे, मण करन क**र-অভি গছিত কাম করিলেও লজ্জা । মি**উ**নিসিপাল ক্ষিসন্রেরারাজ , বার্ডা ও রাজ্যসংক্রাড় ইতন নিয়মের **স্থটি** করি**তেছেন**। বোদা-ি মিউনিসিপা লটি বাণিছোর উপরে কবিার চেকী পাইয়া ভাগতবর্ব 🛧 য়াহিত করিয়াছেন। মফস্বলের মিউনি ,লিটিনমূহের সহিত ভ কাহার া হয় না। সেখানে বেশন অভ্যাচার কাচ ও চুরির প্রান্তর্ভাব কাচ্চেরও নি বিশৃষ্থলা । কিন্তু কলিকাভার प्रद्राकरशक विष्टत পृथिवोत आपर्ण চহেৰ। ইউরোপীর ও এ**তদে**শীয ক্ষংখ্যা করিয়া ক্ষষ্টিস নিয়েকিত यिष नाथि इत, छ हा इहेटल २० अन দশীর আবার এক জান ইউরোপীয় নিয়নে নিয়ে। জিত করা কর্পব্য। কিন্তু নিয়েগ দুরে ধ কুক, উভয়জাতীয় সের সংখ্যাও সমান নছে। সভ:পতি পুনার ইচ্ছানুসারে কাজ করেন। কে আরে কর দিরা উঠিতে পারেন । ধে বাটীর দশ টাকাভঃড়াহয়না, ার ভ∷ড়া ২০ টাকা ধরাহয়।নাম আংপীল অনহে; কিন্তু এক শত **क्ट्रिक्ट मर्था छूटे क**रन इंक्ट्र करम कि পলেছ। এই অনিষ্টনিবারণার্থ বায় ক্ষপর্প উপায় অবলম্ব করিবার চ কিছুই করিজে চইডেছে না

ALE 1

সদিগোর হতে সভাপতির কাজ করা कर्खवा, किस कावां छः अधिरभन्ना वन नाटव বের **আজা রেজিউরী করিতে**ছেন নাতা। এই **ভ অবস্থা। জন্তীসদিগে**র গত অধি-বেশনবিৰসে বে এক প্ৰস্তাব হইয়াছে, ত। হা সর্বা**পেকা অধিকত**র বিস্থাকর। এक **क्रम कर्दीन शखा**व करत्रन, श्रास्कृतः मिछ,निनिभागिष्ठित निरंगत क्र क्रिके वाकात क्या अथम कर्षता कर्या अहे मूल নিয়ম বির করিয়া উক্ত সহস্রতি বলেন, धर्यकतात्र वाकादत नकतात्र शर्म ह्या ; বাজারটী সমলায় পঞ্জি ও বিশ্বাল; অতএব আর একটা বাঞ্চর করা উচিত। প্রস্তাবিত ৰাজার ইউরে:শীর্দিগের নিমিত क्ट्रेट्व ; कि**ड** এড फ्लिम्हे प्रमिन्न है हो का निष्ड हरेदा। मञाश्रीक ७ कर्यक सन **ইউরোপীর অফীস আগ্রা**চসহকারে এই **প্रक**्षत्त्र निविष्यं चनुत्र प्रस्त व दत्रसः **भोड:शाक्राय अव**स्मिनी । ও অবশিকী অন্তীবেরালজ্ঞিত হইলা এই পক্পাত পূর্ণ প্রস্তাবের প্রস্তি যোরতর জ্পত্তি করাতে ইহা অপোতত: অগ্রাহ্য হইয়াছে অংমরা "আপংতত: " শব্দটি এব্যাগ ক্রিলাম, ভাহার কারণ এই সভ:পতি যাহা মনে করেন, ভাহাই হয় ; ভবিষাতে এক সভার প্রণ্মেণ্টের ধামাধরা জ্ঞিস দিগকে আহ্বান করিয়া হগ সাহেব যে স্বীয় অভীষ্ট পিদ্ধ করিবেন, ভঃহা স্পষ্টই বোধ হইডেছে।

কিলজ্জাকর বাবহার ! ধর্মতলার নাই। প্রধান মহাপুরুবদিগের প্রিয় বাঞ্চার এক জন এতকেলীয়ের ব্লিয়াট এরা মিউনিসিপ।লিটিকে একচেটিয়া বিভ গোলবোগা। ইহার অবস্থাসংক্রান্ য়াছেন। তাঁহাদিগকে ছাড়'ন হইতে । যে কথা বলা হয়, তঃহা অমূলক । যদি র না। কেই পূর্ণ বেতন পাইতেছেন. 'এক জন ইউরেপীয় কোনক্রমে ইছা হয়গত করিতে পারেন, ভাচা চইলে ার ব্রহ্মদৈভ্যের চুল গোজা করা আর মিউনিসিপাল বাছারের এলোজন ন হইয়াছে। লোকের ও ওধের সীমা । হয় না। শক সাহেব কিছু দিন ক্রনাগত াকথায় কথায় নালীশ ও করিমানা নকক্ষা করিয়া বারু হীরালাল শালকে আইন অনুসংকে অভি ব্যতিবাস্ত করিয়াছিলেন। তাঁহার এই মাইল পথে আরোহী ও বাণিক্য

অভিপ্রায় ছিল যে, ছীরালাল বাজার ভাগে করেন, কিন্তু তাঁচার ८६ देश मकल इस नाइक ध्यक्त व বাজার করিয়া পুরাতন বাজার ভ: দেওয়া হল সংকেবের চেফী চইয়া ব্যক্তিবিশেবের প্রতি এপ্রকার ব্য অপেকালজ্ঞার বিবয় আর কি আ ब्खाकः इत्र मारहव ७ करतक कन हे পীয় ক্রফিসের ব্যবহার দেখিয়া আ গোর লক্ষ্যা হইকেছে, ইহারাই আ **खातक ,बींब्रमिरभन्न व्यामर्भ इड्र**फ हा

कू ब्रहाइन।

মাতলা রেলওয়ের একাংশ হ कृष्णिलाइननारम य ततलारा ह দংকম্পা হইয়াছে, এখনও ভাহার পরিমাণাদি কার্যা শেষ হয় নাই। ব রীরা পরিমাণাদি করিতেছেন, অ এসময়ে ভাঁছাদিগকে পুন: পুন: দা করা আমাদি:পর কর্তব্যা আমরা ্দিগকে পুনরায় অনুরোধ কয়িত ভাঁছারা যেন আন্মের নিক্ট ছিল্লা नहेशायान। हेश्टाट यमि किथि? ৰাস্ন্য হয়, ভাহা খীকার করা উ! পরিণামে লাভ হইবে। যদি বল থে ষ্টেদন করা হউক আম্বাদীরা থানে পিরা আংকোছণ করি এ বাক্য যুক্তিসহ নছে। একটা উদ क्षण्यांन क्रिटिंग **हे होत क्ष्मां**त्र छ। মাণ হইবে। সোণাপুরে এখন (क्षेत्रन कारह। गांलहक्ष, गाहिनशत, হরপুর প্রভৃতি ৫।১ মাইল দু: গ্রামের লোকের: অন্যাগতি নাই ব अभन तमानाभूतः भिन्ना तन्ना बादबाह्न करतम ; किन्छ यपि मा প্রামে একটা টেসন হয়, 🔄 লের যাব ভীয় লোক এ ফেসনে স **र्व अ अ**बरहार्व कित्रदन छेरार

(ब्रण ७ एवं का का इंदर का १

যে উপাৰ্জন হয়, ভাহা কি লাভকর নিঃ প**ক্ষান্তরে অধান্তলে** ২।**৩**টী উদন নাক্রিয়া যদি দোণপুর ও রাম বপর এই দুর্বভী ভৌদন হয়, মালয়ঞ্জ-প্রভৃতি প্রামের লোকেরা ভরনও দোণা বে পাড়িতে উঠিবেন, ভাগা হইলে কি দৈ ৫। ও মাইল পথের লাভ ক্ষতি হইল গ্রামনগর ভভংগামের নিক্**টবভ**ি চেছ। এলমের নিকট দিয়া রাভ্যা না প্রে অংমরাধে ক্তির প্নাকরিলাম চাচা হটৰে সম্ভেচ্নাট।

আমাদিদের এই ৫-তাবটা লেখা মাও হইলে আমর। শুনিলাম, কুণিপ াইন এক্ৰে ভূগিত এহিল। আপাতভঃ জিয়া হইতে থাল কাটা আরম্ভ হইবে। াঠকগণ **এই প্রস্তাব** পাঠ করিয়া **আ**মা ন্যুকে অব্যৰ্ভিড ম:ন কবিতে পারেন; क्यु विद्रमेष विद्वहर्मा क्षिया (मर्थिएन বৰ্মেক্টের অব্যাহ্ছাই আমাদিলের ৰে,ছিডজের কারণ বলিয়া প্রাজীয়মান ₹**८**4 ;

मश्यः क **अध्य**त केशा ।

मर सम नादरामा व्यक्तितकारन ার একটা মহ্২ ধার্য, সম্পাদিত হুইল। ভদ্যারা কেবল যে ভাঁচার নাম স্মর ति हर्दर अक्षण नव्न, जात छव्दर्भर विमा শামুখ দংকৃ 5 এমেওালিও কিছুদান য়ীহংল। শমেরাবে নিনিত ইহার সঙ্গ করিয়াছি, নিম্নোজ্ভ এডুকেশন গজেটের প্রস্তাবটা পাঠ করিলেই রিস্ফুটরপে ভাহাপাঠকপণের হৃদ म ३५८४।

ভার হববার প্রথমে ট খাচীন সংক্ত হিডোর ভূর; আবিকার ও রক্ষাবিধান ब्द्र्य यह ब्रान करेग्राट्ड्न व्याटकाट ब्रह्म अधिक वर ध्रमान शर्_र डे वाषाद्धाः श्रवरंत्र रक्रनरत ার সমীপে এই **আবে**দন করেন যে, এতদে ীয় রাক্তিদের ুক্তকালতে । এবং ইউবো

পের কোন কোন স্থানে বেসকল সংস্কৃত গ্রন্থ বিন্যমান আছে, দেই সমুবার সংগ্রহ করিয়া মুদ্রিত e আচারিত করা হয়। ঐ আবেদনপত্রের বিষয়ে সত জানিবার নিমিত গ্ৰণ্য ক্লেব্ৰের ব্যবস্থাপনবিভাগের সহ কারী সেকেটারি হোয়াইট্লি ছৌতু সাহে বের প্রতি অর্পণ করার তিনি বলেন, এ কার্য্য क्वन दे b द्वारशहे न खायकनक , रशे नाधिक হইতে পারিত, একণে এ চেঠা কাল শাপে দ : যাগা হউক্ ভারতবর্ষীয় গ্রথমে ের অসুমোদনাসুস রে তিনি এ বিষয়ে মত দিরাছেন এবং :হাম সেফেটরি পত্রখারা সমস্ত স্থানীয় গ্ৰণ্মেণ্টকে জানাইয়াছেন বে. দশীর রাজাদিগের প্রকালয়ে বড একার অনুদ্রিত সংক্ত প্রাক্ত আছে, দেগুলি দেবন.গ**্ৰ অক্ষরে আটপেজি** থাকারে মুড়িত হউবে এবং বালালার বাবু রাজেন্ডলাল মিত্র, মান্ত্রাক্তের বর্ণেল সাহেব मनवा (बाबाहेरवर जाकत बक्तारतत नाव এক জন উ যুক্ত সম্পাদকের ছারা মুড়াক্তৰ কার্য্য সমাধা হইবে। প্রত্যেক পা স্তক্ষের ৫০ কাপি করিয়া ভার ভবর্ষীর গ্রন্মেন্টের হোম ভিপাটমেন্টে প্রদান করিতে **হইবে। অবশি**ষ্ট নৰ্গাৎ ১৫ কাপি (ছুই শত্তো আধিক मुक्ति कतिवात आवशास माहै। नाधाताना বিক্ৰীত হইবে, অথবা স্থানীর গ্রুণ্মেন্ট্রা भागनकर्जाता উপयुक्त विव्यव्हना कतिरम अन्य প্রকারেও বাবহার করিতে পারিবেন।

वात् अ निर्फाण कहा इहेब्राइइ (य. कडक গুলি উপযুক্ত কুডবিদ্য লোক দুস্তক্ষকল বাছিয়া এবং পর ক্ষা করিয়া জানিবার নিমিন্ত এবং সূতন পুখক **অসুসন্ধান করি** বার নিমি**ভ এচতি বংগর সমস্তাৎ এে**রিড इहेरबन: **डीहा**द्री ख ख ऋाम गमन कर्त्र रवन, कश्रोत काञाद्यात खमरनत फेटम्बना লোককে বুঝাইয়া দিবেন। পুস্তকের অধি-कात्री मुका हाश्रित. डीब्रांक न्याया मृत्या দিয়াপুত্তক ক্রেকরিডে হইবে। অসণকা बीबा डाँशासिब च च च हानी। भवर्गस्य ३३ নিকট রিপোর্ট প্রদান করিবেন। ঐসকল রিপোট ছোম ডিপাট মেন্টে গ্রণর জেন রেলের নিকট প্রেরিড ছইবে। ভারতবর্ধ / চিকিৎশালরের ২;১১,৯০০ টাকা গ্রন্থ

এব ইংলও উভয় স্থানের স্নিক্তিয়া এই ভার প্রাপ্ত হইবেন ৷ ইউরোপে নিযুগ ব্যক্তিরা ভারতবর্ষের ঠেট নেকেংরিখা এবং এ দেশে নিযুক্ত ব্যক্তিরা আপনাদে স্থানীর গ্রণ্মেন্টখারা গ্রণ্র ফেনরেন্ড পত্রাদি লিখিবেন।

পুত্তকাদি ক্রেকরিতে হইলে বা অন ৰূপে পাইতে হইলে বে স্থানে উহাত করাবা অনাক্ষপে প্রোগ হওয়া ঘাইয়ে ভতৎ স্থানীর গ্রণ্মেট বা শাসনকর্তারা ভবিষয়ে বিবেচনা করিবেন, গবর্ণর কেটে वन हैन (क) जिल विरयहना करवन, हेउँ दर পীর্দিগের ধেদকল পাস্তক অধিকতর আনি মত অৰ্থাৎ বেদ, বেদাস এবং তাহাদে টাকা, টিশ্পনী, ব্যাকরণ, অভিযান, স্থি ও দেশন এই দকল প্রস্থ ই অধিক প্রয়োজ নীয় বিৰেচিত হইবে। নিৰ্বাচিত পুস্ত সমূহের মুখ্রাজন এক্ষণকার দেবনাগর অক্ষ প**्रिणीकरण ममाथा इहिर्द**ा शवर्गस्मन একদৰ্থ বাংগরিক ২৪০০০ ীকা বার মঞ্ করিয়াছেন। ইহা বেরপ ও। তর কার্য্য ভাহাতে আমাদের বোধে আরও-কিছু বেণ रहेरन कार्न हत्।

চ**্**লিনীর চ্কিংস'লয়।

আমরা উক্ত চিকিৎসালয়ের ১৮৬ ৰুকের হিপোর্ট। প্রাপ্ত হইয়াছি বিস্তর ই রোপীয় ও এডকেশীয় ভদ্র লোক ১৭৯ মধ্দে এই চিকিৎসালয় স্থাপন করেন এতদেশী দরিদ্র পাড়িত লোকদিগে: দাহাব্যার্থ ইয়া স্থাপিত হয়; কিন্তু ক্রমশ भवर्गरमणे माहाया कडाटक मकत ट्यांगिः क्षारक माहाया भाहेरकट्डन । ১৮৬৫ **७** ১৮৬५ अटम हि ९मानटबत्र बाटबार (यांगी वर्ष ना शाकाटक मर्द्यमाशाब्दनः निकटणे नाहाया आर्थना कता हता छ। उ सुनादत ७८.२ होका है। बेट्ठे। मरबर সরে ৫৬,১৯৩। ১৫ টাকা আহায় হয় **७मट्या ४৮,१२৯ ०३० होका बाह्र इ**हेह ব্যাক্ষে ৭৪৬৪ টাকা জনা হইয়াছে 'কাপৰ আহৈ। পর গ্রাটা, চিৎপু

পাৰ্কটি টে এক একটা শাধা আছে। ১৮৬৭ অব্দে চাঁদনির চিকিৎ সা ১৩২০ খন রোগী ছিল এবং বাহির ত ১,৭০৭৬৫ জন রোপী আদির। eeসা করাইয়া যায়। যাছারা ঐ চিকিৎ | r ছিল ভাহাদিসের গড়ে ১<u>৬</u>.৭৪ , র স্ভু: হইরাছে। পুর্ব্বংশরে ২৪০১ রে স্ভু হ্ইরাছিল। বাহিরের ীর মধ্যে ১,৭০,৩৭৬ অসন আহেরা াভ করিয়াছেন। **এতদ্**রা চিকিৎ ায়ও চিকিৎ নকদিগের বিশেষ ৩৪ণ াশ পাইতেছে। ডাক্তর বেলির যশ ত্ৰ বিস্তুত হইয়াছে। কোন চিকিৎ া সর্বসাধারণের এড প্রিয় হইতে রেন নাই। দরিন্দ্রিরের এর প শুদ্ধা-র অংকিজ্পালোক সৃষ্ট হন। চাঁদ किक्टिमकशन काल्लाक्कात्रम्हात রে নির্ভন না করিয়া আপনারা নকল क्र कतिका पारकन। इंश्वेर 🔄 विकिय পয়ের পুৰ্যাতির প্রধান কারণ। ll চিকিৎদালয় সমুহের কার্য:"বিবরণও (শেষ আইডিকর) চাদনির চিকিৎ-नग्रदांता एतिस्पिरिशंब भविरुणेय छेल র হইতেছে। অতথৰ ইহার উন্নতি পাদকলের যতুও সাহায**়দান করা** শ্য কৰ্ত্তৰ্য 1

विविधमः वास ।

১ ই অএহারণ সোমবার।
গত শনিবার পিপল্স্ বাজে বনাম টমাস
বর মকদ্দার নিজপতি করিবার সমরে হোট
লালভের প্রধান জল কেগন সাহেব আজেপ
রাহেন হে, জল হওরা অবধি তিনি এই
ক্ষার ন্যার অন্য কোন মকদ্দার এত বিশ্
তা দর্শন করেন নাই, এক জন বুবক আট
জলত নিব্রন নিয়নের সীমা অভিক্রম
লোবের হয় নাঃ কিন্তু এক জন আইনভা
পতিত বারিষ্টর চীংকার করিয়া এক জন
বুলি বিচারপভিতে নির্প্ত করিবার বে তেই।
বিভাগ আজিশ্য স্বণীয়। ইংরাজ বারিষ্টর

ত আটবির ক্লার্কনিগের আন। উচিত ১০।১৫ প্রেসাহে

তারে এক কালে বিকার ব রবার অব সক্ষালের তেন্দের

উকীলন্দিকে দেওর। উচিত। এই সক্ষালার এ পর্বার
অধীর পক্ষে আটক্ ল্ভ ক্লার্ক আছকিন ও করির।
প্রভাগীর পক্ষে বারিষ্ঠর আকসন ছিলেন। মফ্ল বংসংমা
তংসনালী ভাষানিগেরও ষ্ট্রাছে। ভবে সক্ষা পারে।
লের উকীল ও সক্ষে আনালভকৈ সাধারণের কারি
তংসনা করা ক্ষেয়ান সাহেবের উচিত হর নাই। রোপীর

কলিকাতাত্ব আর্মেনী বিদ্যালয়ের প্রধান
শিক্ষক কাষ্টকার সাহৈব ছাত্রদিগতে আর্মেনী
ভাষার কথোপকখন করিছে নিষেধ করেন।
এক দিন ভোজন কালে করেকটি ছাত্র মাতৃভা
যার কথা কহাতে কাষ্টকার ভাহাদিগকে
আডাজিক প্রহার করিয়াছিলেন। পুলিবে
নালিশ হওয়াতে ৩০ টাকা জরিমানা
হইয়াছে। শাসন বটে।

क्रिकाणां इहा आनामा अवस्म श्रृं मिनाम आहि। इहाता (क्रथम ख्रृं कृतिया क्रिका क्

मनः जात्रवर्ष क्र तामणुख्नात्र आत्रकष्टे पिन पिन वृष्ट स्टेख्ट । प्रतिम लादिन विश्वत क्र तिन्ति कर्ता जात्र स्टेग्नाट । जाल्याटन विश्वत क्र तिन्ति स्मन्त्रदात वर्षमान क्रमण्डे कर्नल मिछ द्वाका प्रतिक शृक्षकार्य। जात्रक क्रिया (माक्तिगरक कर्म्म पिछ श्रद्धि पिछ्डिन। क्षान क्रान स्टल जात्रमान कर्ता स्टेट्ट । जनः जानः वर्णन क्रमण जात्रमान करा । कर्णन मिछ क्रवात हम् सन माख लाक महेना ज्यमन क्रिएड्म ।

ভা দর্শন করেন নাই, এক জন বুবক আট গড় গোমবারে লেপ্টনন্ট গাবর্ণর মেজর জাজত নিব্দন নিমনের সীনা অভিক্রম হোবেপ্টেন্ড গলে লইয়া কানিও বন্দর দোবের হয় না । কিন্তু এক জন আইনজ্ঞ দর্শন করিছে গিয়া কয়েকটী মুডন বল্লা করি । পর্বমেনেটর জব্য বোঝাই প্রিজ বিচারপভিকে নির্ভ করিবার বে চেষ্ঠা চারি বানি আহাজ কানিও অসিভেছে । পোট ব্যক্ত আহিছার কানিক কোন্দানির চাউলের ক্লা দেখিয়া বি, ভাহা আভিনের মুখণীয় । ইংরাজ বারিষ্টর কানিক কোন্দানির চাউলের ক্লা দেখিয়া

প্রেসাহের সন্তেষ্ট ক্ইরাছেন। ইহাতে বোধ ক্ ভেছে গবর্ণমেন্ট কানিও ত্যাগ করিছেছেন ম এ পরিক্ত করেক জন জ্রাচোরে অর্থ অপক্ করিয়া কেবল জনিষ্ট করিয়াছে। গবর্ণয়ে বংগ ও উপযুক্ত লোকের হল্তে ভার দিলে কলে বংগংসাধ্যে কানিতের স্বিশেষ উন্নতি ক্ই

সম্রতি একটা মাজানী জীলোক তার উপপতির সহিত বিবাদ করিয়া প্রায় দে টাক লডেনম পান করিয়া প্রাণ্ডবাল করি ছে। করণার বখন অসুসন্ধান করেন, তখন প্র আশ্চর্যা বৃত্তান্ত প্রকাশিত চইয়াছে। মার্থা ও লনামক এক জন ইংরাজ আফিসরের হ বোডল কইটে কভ ভাগা মাজানী জীলো লাডনম পান করে। বিবি ওরেল প্রভাহ পোয়া লাডমম খাইয়াবাকেন। বে দিবস হ নম না পান সে দিন এক ভরি অহিটে খান!!! বালবাজারের ''দল্' এতথ প্র সিক্রিয়া উঠিবেন।

) • हे अधहात्वन मक्तवाह

সম্প্রতি লাহোর পেসোয়ার, দেরা ইন্ম বা ও বাবালপুরে ভূমকন্দা হেইয়া বারলপুরে প্রায় অর্জনিনিট কন্প ছিল।

कृष्णनगरव खना छेठे। इत्रहारक भवनी तक सन परिवृद्धिक गव ज्यागिष्टीकी गार्क्क क्षिण संस्थात ज्याका निवादकन। गर्काक व १६८७८७।

লাইদেল গ্রহণ না করাতে ক বাজের নামে পুলিষে নালীল হয়। প্রভাগ গের বিরুদ্ধে প্রমাণ দিতে বলাতে মিউনিরি লক্ষালারী বেথি সাহের মলেন, জাঁহার প্রমাণ নাই, ইহাতে অবৈভনিক মাজিকের দ কম সাহের এপ্রকার মিথান নালীলাকরিয়া বিজ্ঞর মকদ্যো থারিজ করিয়াছেন। প্রান্তির আধান্তন স্থানিক করিয়াছেন। প্রিল করিয়াছেন। ধ্রিজ করিয়াছেন। ধ্রিজ করিয়াছেন। ধ্রিজ করিয়াছেন। ্ডেছেন !

নিজামের রাজ্যের প্রধান মোলবীর পদচু-র রুদ্ধান্ত বালালোর কেবালড়ে প্রকাশিত ছোছে। এক রাণীর এক নকদন্মায় রাণী । नवीरक अक लक हे का छे ९ रकाह (मन। হার বিপক্ষ ছই লক টাকা দিয়া অবয়লাত রেনারাণী মন্ত্রি নিকটে আনপীল করিলে মুসক্ষান হইল। ইহাতে প্ৰকাশ পাইল একটী ারবার অধাবার মঙ্গে নেটে ও মোহর কাখিছা পরে মোবকালিয়া মৌলবীর নিকটে ছইলক का (प्रस्ता करेंग्राहिता स्थाना चुनिया (प्रचा লে, বেরুপ দেওয়া হইয়াছিল মোরুকা ও নোট ভুতি:সই ভাবে আংছে। মৌলবী বলিলেন, য়ধ্যে টাকা ছিল ভাষা ভিনি জানিভেন না বল মোরকরাবলিয়া আছেশ করিয়াছিলেন। লোর অংশ বলিলেন, যখন ভীষ্কে নিজ্প।তির পীল নাই, ভখন মোরৰা এছনও জনারে : নিল্বীর ছই বংসর মেয়াদ হইয়াছে। কার ই জন মৌলবী পদচুতে হইয়াছেন। এই মকজ য়ে যে ছই অন মুগলমান উকীল ছিলেন তাহঃ গকে হারদ্রাবাদ হইতে বাহজুত করা হই ice। केरकाठमाशिक्षत्र याथाध्य स्थ स्थ া বলিয়াই উচাদিলের ঐ ক্লপ কৃতিৰ নিবাৰণ केटकटक न। " गटकीव विकास हालाटकाइस

ভাহি শুচিন র:। "

ান্দিরোর একটা আন্ত গাইড অব্যধ্তার ষ্ঠাপত প্রদর্শন করিয়াছেন। কক্ষট ষ্টেপ নর এক অনে পই-টমান বিনা অনুমতিতে শ দিবস অসুপ,স্থাত বাকাডে পদচু,ভ য়ু।১২ ই নবেশ্বর বেলা১০ ষ্ট্রকার সময়ে াবভীয় পই-টমান বলিল, পদচুতে বাজিকে ুনরায় কথা না ছিলে ভাষারা কথা কথা rরিবেনা। তখন ১৪ খানি শকট পুপে ছিল. ধার মদেরে প্রান আব্রেছ্ট্র প্রচর স্থেসন াইব ও তৎস্থানীয় বাণিজ্যাগ্যক ভাগারা কি भाव क.ब्रटकट्ड फोशंबिशटक बुक्षाइँटनम् । फार्शः ! বাইবার কন্য বেলহয়ে আইন পঠি করিলেন ছথাপি ভা**লরা শাস্ত হইল না**ায়কত শকট আ দক্তে লাগিল। বিপদ উপস্থিত, তখন 🏞 কবেন ষ্ট্ৰসন্মান্ত্ৰ ও বালিকাংখ্যক্ষপ্ৰকৃতি উচ্চতৰ কৰ্ম চারীরা পইন্ট ধার্যা আবেফীনিগের প্রাণরকা করিলেন। অপ্রাধীদগকে ক্রকানের সেসি क्राहर्व (एक्स) क्षेत्राहरू देश मिर्पद कर रेख विधास क्या कर्ख वर ।

भूमाक्यवकादनव (व'दाहे (वल शहर अहे के

বিবিমাকসুগাল ও খানগান নীল গবিডে

রন । মিউনিসিপাল কর্মচারীরা বন্ধ প্রশংসা ় হত হইয়াছেন । হন্ডাকারী।দগকে ধৃত ক্রিবার क्रमा मा अरुकेते २०० ते का शुक्रवाद्वतः (वावना কবিয়াছেন : ছটা এডছেশীয় ন্ত্ৰীলোক ও একটা নিতঃর হড়াধরিবার নিমিত 🐠 (পঞ্চাশ) টাকাদিবার বিজ্ঞাপন হইয়াছে। মাস্রাজের পুলিব কমিসনৱের দ্বং লইয়া এক অন চৌকি দার পলায়ন কয়াতে ভাষাকে মুভ করিবার নিমিক্ত ১০০ (এক শত টাকা) দিবার বিজ্ঞা शन रुहेश्राद्ध । ब्रहेसन हेफ्टताशीय खीरगारकत कीयन उकामगनरवृत्र किस्किर प्रकार नमान। भहे प्रदा किन कन कक्**रमनीरवृद्ध कीदन कर**णका अधिक भूमाराम ।!।

ইতিয়ান প্রজিক ওপিনিয়র এবেশ করি शांद्रम, व्यक्तिम चाँ। क्रमी द्रमिटशत व्यक्तीत्म कर्म्म স্বীকার করিয়াছেন। ডিনি ক্লীব্রনিগের বেডন ভোগী এক দল আফগান লৈনের অধ্যক হইয়া कामूनभीत निर्म श्रतिक स्हेबार्डन। त्रिबारका লিব পুত্ৰ আকুব খাও সেনাপতি ইকাইল খা সরস্বভিতে উপনীত হইরাছেন : ভাষার: रेमन्द्रिशस्य हाति यारम्य (बज्य मिम्रास्ट्रन । সিয়ার আলির অর্থের অপ্রভুল হওয়াতে জভা চার করিয়া টাকা লইভে**ছেন**।

কলিকাভার ছোট লাদালভের মোজারেরা जाहरणज करमान स्ट्रेड खबारि। छ नाहेब्राटइन किन्न व राक्तिभित्राक (इष्टिमानागट वाहेटक দেওৱা উচিত নহে।

हीत्त्रा अकारन हेडिटब्राम । जारमहिकात फाक्ट्रेन्ट्र क्षाता श्रहत **ए उद्दाग मक्टिए** कति ্ডছে। এই নিমিত্র চীনস্থিত বিসন্ধিরা ভাচে विका अ इंस्ट्रिवारणत वावस्य द्वाला माखवः শ্বৰূপ জানাইয়া দেক টাকার ১০০০ স্থান্স বিক্রন্ন করিভেছেন। যে সকল চীন শিশু ম.ডা শিভার কর্ত্তক পরিভাক্ত হয়, ভাষাদিশের রক্ষাং £ रोका विनिश्चािखॐ **रहेरव**।

গভকলঃ নীচজাভীয় এক জন ইউ রাপীয় तक सावित्कत २ ठोका का किया म छत्र! एक इन्न মানের নিমিত কারাকত হইয়াছে। উত্তরোভাগ ইহাদিগের উপদ্রব বাড়িছেছে।

১১ **६ काळाड्डिन युधवा**त ।

উদরপুরের রাজা শলের শুল্ক উঠাইর। দিয়া ছড়িকপীড়িত লোকদিগোর সাহাব_াবি পুর্ত্তকার্যা করিবার আহল। দিরাছেন। আনমাদি (शब अवर्शसम्हे (करत काश्राष्ट्र दिएगाई निधिया त अष्टे इहेरवन मा कि ?

अन्त्रक्षेत्र श्वर्थाम् आका निवादक अन ৬৯ অব্দের ১ল। জাপুয়ারি অবধি বেসমস্ত পত্র माध् होका छ त्नाहे चालित्व, फाहा व्यवभा

রেজিষ্টরি কারতে হইবে। রেজিষ্টরি না করিলে আর চারি আন। দও হইবে।

मक्च नारे हे अञ्चयान करत्रन, आधारी मार्क মানের মধ্যে দিলীর রেলওয়ে কৃষিরামাপর্যয় भू स्ट्रा

আসংমের সীমার পুনকার খৌবজ্যা আর্থ •ইয়াছে। মণিপুথীয় ও খোরমাজাতির প্রস্পা বিবাদ হওয়াতে ভাহারা পরক্ষারের প্রামসমূহ বুঠ করেভেছে।

करहरू सन पांतर 6 शहन वानी अक (क्रें-ম্পানি করিয়া চারেখানি বাম্পায় জাহাজ জঁহ করিয়াছেন: উচ্চারা ভারতবর্ষ হইতে বসোর ও বোগনাদপর্যন্ত এইনকল আহাজ বাণিজ্ঞা প্রেরণ করিবেন। আমাদিলের ব্লিকগণ আনে लि अक्षी राखन कला कि कि जार मार्गी रहेता

श्रमशास्त्र अक सम क्षुष्ठम (क्षेत्रहरू (मृत (F निशाद्दन। इतिकृष मशत्राज की शूर्या अ পদীগ্রামের শিক্ষক ছিলেন। ডিনি পুর: 🕫 माग्र छेल्रम्बर्थ भिक्षा करतमः किहू मिन इहे তিনি আপন্যকে ঈশ্বের প্রেরিড বলিঃ বোৰণা করিয়াজী পুতা ভ্যাল করিয়াছেন र्तितृक्ष श्रथमण्डः पामिनात्राष्ट्रन्यायक अकल देवकारवत्र भिना किलान । डीक्ट्रिक शक्त खेलार अक काल वा। मध्यन (य व्यव) व्यव) देवक्या ভাহার মত এংব করিয়া চলতে আবলা দেন অনতিভিলয়ে হরিকুঞ্চ ওরুর বিরুদ্ধে ধর্মবোৰ করিয়া নিজের মত বিশুভ বলিতে লাগিলেন टेरक्य प्रम कें। शत्र किष्ट्रे कतिएक शाहित्सन मा ভাহাার একণে অনেক শিষ্য হইরাছে। হরিকু আপন ধর্মদেখেলার্থ স্থানে স্থানে প্রমন করিবা বাসন। করিয়াছেন। একবার কলিকাভার আ বেন কি ? ভাষা হইলে " মহারাজ জী " व प्रयास श्रेष्ट्र " अक्वांत्र स्कृष्टि (स्था चार्र ।

সম্প্রতি আরাকানের উপকূলে ঝড় হই विच्छ्य । च्छि-कंद्रबाद्ध ।

লা তপুর হ**ই**তে রাণা**যাটে আ**দালতও देविहा ज्यानमा

प्यामद्रा अद्वासीय लाकनिश्रक अक विषय्य मर বোগী ২ইতে অসুরোধ করেডেছি। কলিকাড ছোটআদালতের এলাকা বৃদ্ধি করিবার বি শীক্ত বিবেচিক্ত হইৰে ৷ মেইন সাংক্ৰ ২০০০ ট প্র্যান্ত ক্ষমন্তার্ডি কবিবার প্রস্তাব করিয়াছে ইউরোপীয় ৰণিকগণেরও এই মতঃ এলা বৃদ্ধি হটক, কিন্তু আপীন প্রথ' হউক। এড খীয় মকক্ষাসকলের বেরূপে নিস্পতি হয় স্ वीहातः (मधिवादस्य देश्यात्रे आदिनः, अ (मके कारणहरू काशरण काल स्विटन गर्डहें भारकन

करवादा। काकरत कारणाहार त ताकात कार्यात अधिवान क शाहिन। ठाका कामर मित्रिन कार्यात (रिक्टिड क्षेत्राहिन) श्रथमा स्वामा कता शिक्षाहिन होने काला भून कत्रान ना

) २ हे अध्यह युव हुस्**न्न** खरात ।

(वंश्वाहेर्य अकश्यकात मुख्न सूम्राहृति কা সমত্ৰ:লিমামক এক পুস্তক द्धिष्टियाद्य । বিক্রেভাব বাসিতে মেনকা বাই নামে একসী জীবোক আসিরাবলিল, 'ভূমে একটা জীলো ককে :নকা করিবে ? এনে সম্মত ছওয়াডে মেনকা ভাষাকে যমুনা বাই মামে এক জী লোকের বাসিতে লইয়া গেল। সেই রাজিতে भिका इंडेल । (यमका चंडेकालियक्स**प ८० है।क**। शहिता शुक्षक वटमाना सम्मही स्त्री भादेश আপন আজীয়নিগের নিকট হইতে ২৫০ টাকার অংশক্ষার চাটিয়া আনিয়া ভাষ্টেক স্থিকিড করিয়া ৰাদীকে লইয়াগেল। কিন্তু কি ভাগ। দোষ! তিন ঘটকার পর মব বিবাহিত। মুৰ্ভী कालकार्यमस्य भनावन कतिन। कार्मकारन श्यकाम लाइल यभूग अवनी (वनाः । इंशामिट्यत नारम अलिएन नालीय क्रेग्राइकः। यमूना ज्याद किङ्ग पन दिलस क वटन (भड़ेन गारहरव्य आहेन অনুসংবে অলক্ষাবপ্রলিকে স্তীধন করিছা सहरत थः दङ ।

মণ্ড্। মণ্ডের কারগত আওয়াব ও গলুরের কয়েক জন ভূতপূর্দা বিদ্রোলী ঠাকুর অনেশে গুড়াগমন করিয়া আপেন আপন আয়ুমীব বলপুত্র অধিকার করিয়াছেন। ইয়াদিগকৈ হমন কবিয়াব উপায় ইইডেছে।

ষোণপ্রের রাজা প্রজানিধার কট নিব রুবার্থ গুজুরাই হইডে শ্রা আন্মান করে। ক্রেন। কিন্তু এপর্যান্ত শ্রেমার গুলুক রুথিত কােন নাই। যোগপুর জালোয়ার ও গুলুগুটের নাায় হুডেডার, রাজা ভালতবহে কার নাই।

अध्योशा क र्शांश स यक इवंद्राहक, उत्रक्षा बाधा । मार्थ । वयन कि को हेमत गांशी के वर्ण जा ववेट हों के तो बिएक हेमते बार्य ने नेशी के एए मह विकार में में करते । हैमा शिक्षांत करी इस मा । शायवाम के कि स्विति के लिक्सोन किशा के अमान को व्हाहिए जन । हैमता है के त क्षांक स्वीत महस्रकाम ना कर्यन, जोश क्षांत जान्य कहाति (शांत मूच मर्काय (मर्थ) स्थिन (कर्ण)

दामकुक्तमामक कक धन्त कि काल स्माण क कर्यक्रशांन काल क्षान्याल करिया जारवार कर्यक्रशांन काल क्षान्याल करिया जारवार जारवार

e - টাকা জারিমানা হইয়াছে। চারস্স্ ন ফউ কোম্পানি গ্রেপ্টের জন্মতি না লইয়া এই মেফাল ভরিয়াছিলেন : জাহাদিগের কি হইবে?

वानिकविक्षम् अम्। नि हिन्छ ।

जन प्राचा वर्षाः वर्

कारकारणत विकासित करा। अध्यापा नेपिन वर्ष अवस्था करिताहरूम। आयापा वर्ष अवस्था करिताहरूम। आयापा वर्ष अवस्था करिताहरूम। आयापा वर्ष अवस्था अवस्था

মাজ্রাজের শাসনকর্তা লাড নেপিয়র জন প্রণালীর উন্নতিসাধনার্থ স্বিশেষ বৃদ্ধ বান হইয়াছেন। ডিনি কেবল রিপোটে ভুষ্ট নন, কাজ চান। আমাদিগের ডাক্তর লিঞ্জে মাজ্রাজেব জেলসমূহের উন্নতিসাধনার্থ প্রেরণ করিলে কি ভাল হয় না?

দ্বাব রাজার নিজ জীর সহিত বিবাদের
পক্ত কারণ প্রকাশিত হটয়াছে। রাণী ছপ্চ
বত্র হওয়াতে রাজা ভাগেকে নিজ বাটী হটছে
বহিন্দুত করিয়া। পরীগ্রামন্তিত এক বাসিতে
প্রেণণ করেম। গাঁহার অলক্ষার গ্রহণ করা হয়
নাই। রাণী পিতার নিকটে যৌতুক পান নাই।
আত হব ভাঁহার ভূমিসকল বাজেআপু করি
বাব কথা নিজা। বাজা গ্রহণেন্টকে বলিছাকেন
প্রস্কান করিলে রাণীরই দোল প্রকাশিত
হবৈ। তিনি মথেষ্ট রুডি দিতে সম্যত আহেন।
বিশ্ব অল্লী প্রতিক আর গ্রহণ করিবেন না। এ
বিষয়ে গ্রহণিক আর গ্রহণ করিবেন না। এ
বিষয়ে গ্রহণিক ভূরিকে করিবেন না। এ
বিষয়ে গ্রহণিক করিবেন লাভ শত
বেল্যা রাখেন, ভাহার ফল এই মথ্যে বিবাহিত।
জী পেষে পর পুরুষকে গ্রহণ করেন।

১৮৫৭ অন্তে শোষাপুরের রাজা বিদ্রোধী হর্মা দণ্ডের তথ্যে আত্মহত্যা করেন। বিদ্রোহ্ শান্তির পর গাবর্গনেন্ট হারদ্রাবাদের নিজামকে শোরাপুর পুরস্কার দেন। সম্প্রতি এক জন ধৃতি আক্রিয়া আপনাকে শোরাপুষের রাজা বলিয়া প্রিচয় দিয়া উক্ত রাজা প্রতাপন করিতে বলে, হারদ্রাবাদের রেসিচেন্ট অনুসন্ধান করিয়া ইহার ধুর্তিরা ভাষিতে পারিয়াছেন। দান্ধিনা তেরে এই প্রভাপত দিকে অমনি সক্তর্ক করিয়া চাভিয়া দেওয়া ইইয়াছে। ১৩ ই জন্মহারণ শুক্রবার।

সাপ্তাহিক সংবাদপত্র বলেন, '' বাবু প্রিল্প নাথ ঘোষ আসিষ্টান্ত সার্জন হইয়া ইংলগু হইতে প্রভাগেমন করিয়াছেন। ডিনি রেজুণে কর্মাপ্রাপ্ত হইয়াছেন।

ইংলিস্মান এক টেলিপ্রাম প্রাইম্বাছেন।
এজনারা স্থানা ষাইডেছে, সর্ফার আবছল
বহুমন খা বামিয়ানের নিকটে এক ঘারতর মুক্ত
সম্পূর্ণরূপে পরাজিত ইইয়াছেন। সিয়ার আলির
স্বাপতিগণ ভাঁহার পশ্চাৎ ধারমান হইডেছেন। আজিম প্রার সহিত সিয়ার আলির
বৃদ্ধান্তপরিতে আবছুলরহ্মন চুপ করিয়াছি
লম; আর কিঞ্ছিং বিলব কিংলে জিনি ক্রম্থ
লাভ করিতে পারিজেন। কিন্ত বাহার মাডাকে
অপ্রান ক্রাতে ভিনি শীত কালেই যুভার্থ জ্বর
সর হন। আমাদিগের গ্রেপ্টের কর্ত্রর কর্ত্র

সিয়ারয়ালি খা এক প্রকার পারস্থের অধীনতা স্থাকার করিয়াছেন। ছিবাটের নিকটক পারসং গৈনাগাণ উপনগরের শাসনকর্তার নিকটে রসন লইভেছে। শাসন কর্তা সম্প্রতি অনিক্ষা প্রকাশ করাতে আমীর ভাঁছাকে বলিয়াছেন, পারসীক সেনাগাত ধানা চাছিবেন, তানা দিতে নইবে। সম্বনের খা পারসের অধীনতা স্থাকার কারয়া কর লিভেছেন।

्म शु क्षव हे शिवा वर्णन, ७०१ अन हो जे वाह इर्यंत विश्वविद्यालर्भन अर्थानका भड़ी का निरक्रांकन। शंक वर्भन अर्थका ३०० को क अधिक इहेग्राह्म । ३० अन अम, अ भड़ी का नर्यन। वि. अर्णन निश्चि ७ अन आर्थमन कर्वियार्थन।

के भद्र अधूर्यनि करदन, '३२ है काङ्ग्यानि साफ श्रम कनिकाछात्र द्वेनभी छ व्हेरनन।

উক্ত পত্র জ্ঞাবৰ কবিয়াছেন, মেইন সাংহ্র আর এক বংগর ভারতবধে ধাকিবেন। কেন আর কর্তৃ পাইবেন?

हेरलाख अवस्थान कर्तिक साहेबात निवास ্য ভাত্রের্ভিনী পর ক্ষাহার। প্রাণ্য, সেই পরীক্ষা আগামী ৬ ই ৭ ই ৮ ই জালুয়ারি প্রেসিডেলি कारसर्क्य कासाविष्ठ व्हेर्य। इहंबानि वक्क स প্রাথ বিস্থা স্থাক্ষ, একখানি ইংলও ও ভাব কৰ্মের ছবিভাগ ও ভূগোলসংক্রাপ্ত এবং : ানাগক বিভাগে ও ভক্তশাশ্রণৰকে চইবে : প্রক্রেক প্রীক্ষাপীকে বয়ংক্রম ও সচ্চ ইত্রভাব প্রমান্পত্রভিদ্ন চিকিৎসকের, এই স্টিকিকেট मिटा कहरत (या, किनि के किर्त्तारश्य वाश वाशु गर-कांवमा अथामून कांवर्ड भारत्वन । भरीकार क्षकामरअञ्चर्त स्टाइक भवीकार्थीक ३० हे।कः की निकाशाद्यांत किंद्र-हैदरा निकटि (क्र-१० করিতে হইবে। আর কিছু দিন পরে পরীকার্ क्षित्र कर्त्त काल इन्हें । अक्षार्भ कर्त्तर छाहा श्हेत्स भर्दीकाची श्हेर्ड भारित्डन।

প্রধানতম বিচারালয় যাবজীয় অধঃক জাং ও মুক্ষেণনিগের নিকটে কয়েকখানি করিছা আইন পুস্তক, সাক্ষেত্র আইন ও ১৮৬২ অং অবধির নজির পুস্তক প্রেবণ কবিবার মান্য করিয়াছেন : এই অভিনয় কতিবা।

১৪ ই অগ্রহায়ণ শ্নিবার। मिले^र रारफरहे निश्वित व्हेग्राट्ड ১० हे मरा এक क्रम मनफाशी हे हेट्यां भी स्र (शासमाः अ মার এক কন ইউরোপীয় পেলোয়র ১১ডে কৈ গমন কৰে। ভাঙাবা ভক্ত লোকেব বেশে ড্য ডাক্বাঙ্গালায় গমন ক'বয়া সুৱাপ'ন-फि नीहकार्या करता रेजकारन इहे स्थान াকরিতে গিয়াতকে সংক্রিতক জান আমাকি র ভারভব্যীয় ভূডাকে অকারণ ব্দ করি ছা পেলোয়ারের ক:মসন্বের **সন্**তে**থ এই** চুষ্ট হভাগকারীকে সে স্থানে দেওয়া **হই** ছ। দৈনিকের বিভার সামন্ত্রিক বিচারা**লয়ে** ব। এই হড়ানিবকুন আটেকের লোকের। শেয় বিষ্ণু ভইয়াছেন ৷ ইউয়োপীয়দিগকে লেব আপোলভের অধী**নত করিতে য**ভ । হউবে, ভেতেই পাপুরন্ধি হইবে দেশ ক্রমণঃ রক্র ইউবোপীয়ধার। প্রিপুরিত ইইভেছে। থামর' কাহলাদিত হইয়া প্রকাশ কবিডেছি, ' টনসন স'হেব বল্লেণীয় ধবেক্স!পক সভায় িল অপুণ করিয়া আমলাদ্যকে বদলী ণার এওভাব করিয়াছেন। মা দেওয়ানী আশোলতের হজে দিবার র কি হইল ?

পেবংশীয় জীয়ুজ্জ চক্রনাথ চৌগুরীর সাংভ শিপদ বক্ষোপাধারের বিধ্বা ভাগিনেয়ী ধনী দেবীর রাজানতে বিবাধ হইবে। মুলিখিত মূলো গ্রথমেটের কাগজ ভাষইডেডে।

গদংবাতি ৮ টার সময় বরাহ্নগর্নিবাসী

কোর সিরু। ৯৪ : ৯৪ d -শ কোণ ৯৫ : ৯৪ d -শ কোণ ৯৫ : ৯৪ d -শ প্রবাদক গুরু কি ১ - ৪৮ । ১ - ৫ ৯ কোণ ১ - ৮৮ । ১ - ৯ ৯ কোণ ১১ - ৮৮ - ১১ ০

বিজ্ঞাপন।

हेक्ष्ट्रे खिशान (तल अर्थ)

করলার কনী কৈ।

ন্ড ৯ অংশের ১ লা জংগ্রাবি অন্বরি হয় ল এই কোপোনির পায়ুব্যা কয়লার লন। আগামী ডিগের্ব মাসের ৭ই সাম-ই প্রহর্পর্যাস্থ্য নিয়ুআস্ক্রকারী উচ্চর গ্রহণ করিবেন।

र्चन्न कवित्न .हेन्छ्ट्यू क्रम्म भाउम्। भारत्यः

অব এজেনি গুয়া বলহয়ে নিউদ ক্ষেয়ার

48.46 65.4

८२ द्व

সিসিল উটিফেক

বোড অব একে ন

-:.:--

ইউরোপীয় সমাচার।

न्धन ४४ हे नर्बद्ध । जान महामङ्ग् क हरेर । जातन भिन्न हेश्न छ हरेर छ छात्र ४ वर्ष याज्य कतित्रारहन । कना ज्यविष रवाद्यारे वराक कमिनन कार्य जात्र कितित्रारहन । कार्यार्थ वात्र भविष्य कार्या क्रिक त्राचिर्यम । जोन्यम फिर्जे है विराय हिमाब रहिर्य ।

স্পেনের জীলোকেরা প্রতিনিধি মনোনীত করিবার সন্ত্রেমত দিবার ক্ষমতা পাইরাছেন। স্পেনের সাহায্যকাবী সৈন্যগণকে কিউবাদীপে প্রেরণ করা হইয়াছে।

১২ই নবেলর । সূত্র মহাস্ভার স্ভ-মনোনীত করিবার পর্রানা বাহির হইরাচে ১০ইডিসের্বরের সধ্যে কার্য্য শেব হইবে।

সর রাউত্তেল পামার অকসফোডের প্রতি নিধি হইবাব চেটা ভ্রাণ কবিয়াছেন।

সম্প্রতি অফ ন্যার রাজা যে বজুতা করিয়া ছেন, মণিটেউর পত্র ভাহার প্রশংসা করিয়া-ছেন : লাভ মেছে: ভোজের দিবস ভিসরেলি সাহেব যে বজুতা করেন এবং লাভ স্থানলি মধ্যস্থায় লাজিশকার যে প্রস্তাব করিয়াছেন ভাগরও সুখ্যাতি করা চইয়াছে।

আলাবাদাঘটিত বিবাদের নিক্ষান্তির নিমিত্ত ইংলগুও অংশেরকা অঙ্গীকারপত্তে আক্ষণ কর্মাতেন। উত্তর আভির ক্রেক্লেন ক্ষিদ নর ও এক জন বিদেশীয় রাজা মধ্যস্থ ইউবেন।

১০ ই নবেশর। আলাবামাঘটিত বিবাদের নিম্পান্তির নিমিত; প্রানিষ্ঠার রাজা মধ্যস্থ হইয়। ছেন।

সানজ্যান জাগাস্থটিত বিবাহের নিজ্প ত্ব জন। সুইটজয়লতের সভাপতি স্থাত ইইয়াছেন।

এরপ জনজাতি সব উইলি: স মান্স্থিলত ক্রেথনের পের পরিবর্তে আয়ারলতের প্রধান সেন্দ্র পতি হইবেন। বোধ হয়, বিশপ টেট ফাল্টার-বরির আক্রিশপ স্থবেন। মাগদালার লাত নেপিয়র ভাগতবর্ষে যাত্রা করিয়াছেন। তিনি আপাততঃ ক্লোবেশে আছেন। সেনাপতি কেরা রের মৃত্যু হটনাছে।

১৪ই নবেশব। কানাডার সুভন গবর্ণর জেন রল সর জন ইয়ঙ ব'ব চিছের নাইট আও ক্রস হইয়াছেন।

গতকলা অবধি বোধাই ব্যাক্ষ কমিসনরের পুনর্বার আধাবেশন হইছেছে। গবর্ণমেন্টের পঞ্চ ডিরেইবদিনের জবানবন্দী লগুরা হয়। গুলিরা বিলয়াকেন, অগক্ষে কবল নিজ প্রাতিভাবে। টাকা কর্ম্ফ দিভেচেন, ভাষা উভাবা জানিভেন না। এ বিষয়ে জন্মক বাহাদিগের অনুমতি লইয়া কাজ করেন নাই।

সেনাপতি প্রিম এক সরকুলারদার। প্রকাশ করিয়াছেন, মাদায়াছে সাহাযাকেরী দৈন। প্রকাশকা উলোর আভ্রমত নহে। স্পেনের যাবভীয়ালল এক ঘোষণা করিয়া বলিয়াছেন, বাজাব দারা শাসন করা অভিনয় কন্তব্য হই য়াছে। গীতপ্রভাতকারী রসিনির মৃত্যু হই য়াছে। ১ ৬ই নবেশর। বিশ্ব টেচ কান্টা আক্ৰিশপ হইয়াছেন।

প্রতিনিধি বাত্তেন ঘটিত মকদ্মার। জন করাশী সংবাদপত্তের সম্পাদকের দং রাছে।

গলইন্ সংবাদপত্তে মিথা। বড়যন্ত্রের বাদ প্রচার হইয়াছিল বলিয়া সম্পাদকের ইয়াছে।

বিহুবিয়স পর্ণতে ভয়ানক অন্নত্ত হইভেছে:

২৪ এনবৈশ্ব : এপর্যান্ত সহাসভার প্রতিনিধি মনোনীত হইয়াছেন, গাঁহাদি অধিকাংশ লিবরল দলজুক্ত। ২৮০ জন লি ৪১৫৬ জন কন্সার্থেটির সভা হইয়াও

২৩ এ নবেশ্ব। এপর্যত্ত হও প্রতি মনোনীত কইয়াছেন ভাকাতে দেখা যাইটা ৩০ জন লিব্যল ও ১৮০ জন কন্দার্থ সভা হইয়াছেন।

২১ এ নবেশ্বর শনিবার জারল ও কাউ।
মেয় ব্রিণ্ডিসিতে জাহাজাবোহণ করিরাছে
মাঞ্চেষ্টরে বেসকল কেনিয়ানের মৃত্যুদণ্ড
ভাহাদিগোর স্মারণার্থ গান্ত কল্য হাইছ প্ আনেক কেনিয়ান সমবেত হইয়াছিল।

সাজ্প্রীন সাংহ্বকে পরাজ্য করিয়া । জানীস জেনরল ইও লিস এডিনবরা বিশ্ববিদ যেব চাজেলর হইয়াছেন। রাইট জানরে জেম স্মনব্রিক উজ্জ বিশ্ববিদ্যালয়ের রেব হুইয়াছেন।

মাসগোর বিশ্ববিদ্যালয়ের থেইরের প্র নিমিত লো সাহেব ও লাড় স্টানলি প্রাথী ক উভয়ের দিগে সমান মত হওয়াতে চালো ডিউক অব মন্টোজ নিজের অভিরিক্ত স লাড স্টানলির শক্ষে দিয়া উ,হ'কে রেইর ক ইয়াছেন।

বিণ্**মেণ্ট বিজ্ঞাপন ৷** সদেশীয় লেপ্টনন্টগবর্ণরের আদেশাসুসারী

निरशांग ।

ণ ই নবেছর। মৌলবী গোলাম জালানী মুক্তেক ইটবেন। মৌলবী গোলাম জালা অনুপস্থানকালে বাবু ত্রজানত আরার াণ মুক্তেক ইটবেন।

नवी अवस्त मिलन कालनात मुरलक रहे

ই মবেরর। হাজারিব'লের অভিরিক্ত ী কমিসনর সি. এ, এস, বেডফোড মানভূমে বদলী হইয়া মাজিটোঁও কালেইরের ক্ষমতা পাইবেন।

ও - ৬ এ আগণ্ডের গেজেটের আফা করিয়া আদেশ হইতেহে যে সার্জন জে, গনালড কটকের প্রতিনিধি সিবিল,সার্জন

এ নবেশ্বর। ২৪ প্রকাণার প্রজিনিধি সহ পুলিষ স্থপরিকেইগুলেট এফ, প্রেবস সাংহ্র চবদলী হইবেন।

1

্ ই, মাকলিল সাহেব হারকাতে দিভীয় বজাইনট মাজিকেট ও ডেপুটিকালেইর

ভাদন বাবুনবীনচজ্য ঘোষ বিদায় লইয়া স্থিত থাকৈবেন, তত দিন মেহেরপুরের বাবু গণেশচজ্য চীধুরী কৃষ্ণনগরের নিধি মুজেক হইবেন।

নমুলিখিত ভদ্রলোকেরা গৌধাটির বিদ্যা সভার সভ্য হইবেন।

লেপটনাণ্ট এছ ডি, বটার। বাবুকেসচক্র

• এ নবেশ্বর । বাবু অমূলচেক্ত মলিক নাগ থ অন্তর্গত লোহারতগার ডেপুটী নালিকেট । পুটী কালেক্টর হইয়া বিতীয় জোণির অধীন উটের ক্ষমতা পাইবেন।

১ এ নবেরর। হত দিন বীরভূষের মাজি মদকলে ভ্রমণ করিবেন, তত দিন ভেপুটি টেটে ও ভেপুটী কালেক্টর বাবু উমাচরণ গোপাধ্যায় ১৮৫৪ জ্বজের ১০ অ'ইনের ১ সুসারে সাক্ষাৎসম্বন্ধে নালীশ গ্রহণ করিভে হিইবেন।

জ, এস. টি, হারিস সাহেব বীরভূমে প্রথম বর প্রতিনিধি মাজিকেট ও কালেটর হই

ভবলিউ, ই, ওয়াত গাহের বর্তমানের প্রতি নিধি আইন্ট মাজিকেট ও ভেপুটী কালেটর হইবেন।

खि, त्क, अरत्रवेशेत नारश्य वर्षमारमत मध् कांद्री मास्त्रिके अकारलकेत इंद्रा मास्त्रिके अस्त्रिके कारलकेरवर कम्का भावरित्र

सङ मिन भोनवी आवश्न शानिक विनात नहेत्रा अञ्चलिक अं तत्त्वत्त, उठ मिन वात्र वक्षण्य हज्जवर्ती हाकात अक्षणंठ महास्त्रत श्रीक निधि मुस्तक हहेर्यन

২৩ এ নবেম্বর তৃতীয় প্রেণির সম আসি ষ্টাণ্ট সার্জন প্রিয়নাথ বসু বিশেষ কার্য্যে নদী ম্বাতে প্রেরিড হইবেন।

টি, এফ, বিগনলড সাহেব ২৬ এ অক্টোবর বকার্যে প্রভাগেনন করিয়াছেন। ঐ দিবস অবপি ভিনি বালেখারের প্রথম ভেনির প্রভি নিধি মাজি: উট ও কালেটর হইয়াছেন।

জ, পি, মাকডলেন সাহেব হাজারিবাগের সহকারী মাজিকেট ও কালেটর হইয়া বর্ছি উপবিভাগের ভার পাইয়া প্রথম জেনির জনীন মাজিকেট ও ভেপুটী কালেটারের ক্ষমতা পাই বেন। ভিনি আরও প্রধানতম বিচারালয় ও সেনিয়নে অপনি করিবাব মকক্ষমার প্রথম বিচার করিতে পারিবেন।

সংকারী মাজিটেট ও কালেইর টি, ই, কর থেড সাহেব মেহেরপুর উপবিভাগের ভার পাইয়া মাজিটেট ও ডেপুটা কালেইবের ক্ষমত। পাইবেন। ভিনি আরও প্রধানতম বিচারালয় ও সেসিয়নে অর্পণ করিবার মকক্ষার প্রথম বিচার করিতে পারিবেন।

महकाती माक्षिकि छ कारलहेत का. अ. श्विका मारूव माखता উপবিভাগের ভার পাইয়া म कि.कि.ट छ एडवृती कालहेर्द्र क्रम्छ। भारेराम्।

সহকারী মাজিটেট ও কালেক্টর এক. এচ,
মাকলমিন সাহেব চুয়াডাঙ্গা উপবিভাগের ভার
পাইয়া প্রথম প্রেণির অধীন মাজিটেট ও ডেপুটা
কালেইরের ক্ষমতা পাইবেন। তিনি আরুও
প্রধানতম বিচারালয়ে ও সেসিয়নে অর্পণ করি
বার মকক্ষমার গ্রম্ম বিচার করিতে পারিবেন।

नशीवात कारे के माकि छोड़े छ (छश्रेते कारत हेत खा, पूरे छि मारहर ४৮४३ करकत ४ कारत छ ५७२ करकत ७ कार्यन सकक्तात काशीन ताहर कतिएक शांतिरका।

দারজিলিঙের ডেপুটী কমিসনর মেজর ভব লিউ, বি, ডি, মটন নিজের কার্য্যভিন্ন অধক্ষ বিচারপতির কার্য্য করিবেন।

গোরালপাড়ার প্রতিনিধি তেপুটাকমিদ টি, স্মিধ সাহেব নিজের কার্যন্তির প্রতিনি অধস্থ সঞ্জের কার্যন্তির বিধিন।

পশ্চিম ছয়ারের প্রতিনিধি তেপুটি কমিস ভবলিউ, ও, বেকেট সাহেব নিজের কার্যারি প্রতিনিধি অধস্ক চত্তের কার্য্য করিবেন।

২৪ এ নবেশ্বর। রাজসাধির ডেপুটী মা টেট ও ডেপুটী কালেইর মুজি দরিরুদ্দিন ব মান মেদিনী পুরে বদলী হইয়া মাজিক্টেটের কা পাইবেন।

পালামাউয়ের তেপুটী মাঞ্চিষ্টেও ও ডে কালেটর মৌলধী ফইজুলা রাজসাহীতে বং হট্যা মাজিকেটের কমতা পাইবেন।

যেদনীপুরের প্রতিনিধি ডেপুটি মাজি। ও ডেপুটী কালেটর বাবু জন্মদাপ্রবাদ । নিয়তর দাসন কার্যের ষঠ গ্রেণিডে নি ষ্টলেন।

ষ্ড দিন বাবু কালিখাস দন্ত বিশেষ ক অনুপস্থিত থাকিবেন, ডাত দিন বাবু কালী পুতু কটকের প্রতিনিধি ডেপুটি মাজিট্রে ডেপুসী কালেইর হইয়া খিতীয় জেণিয় জ মাজেট্রেটের ক্ষমতা পাইবেন।

সংকারী আপথিকারী সি. হাট সাহেব ন বৃদ্ধিত ৪ নং থাকবস্তের কর্মচারীদিগের চি বার ক্ষার পাইবেন।

জি, কে, ওয়েবস্তর সাহেব লোহারড প্রথম জেণির সহকারী কমিসমর হইয়া মা ক্টেট ও ডেপুটি কালেউরের ক্ষমতা পাইবে

প্রেরিত।

মান্যবর প্রীযুক্ত গোমপ্রকাশসভা মগাশয় সমীপেয়।

সহাশর ! প্রাচীন পালী আমসমূহের ই জির্
অন্তব্দানে প্রস্তুত হলৈ, প্রাতীমান হয়
এমিট ঘতই প্রাচীন দশার উপস্থিত হ
থাকে, ক্রমে রুগে বিবিধ কারণে ভারার
বায়ু ছ্যিত হয় এবং সেই দোব এক স্থানবার্থ্য হইয়া ঘোরভর পোচনীয় অবস্থ পাদন করে। এই রূপে এক বার ধে আম হ
সাত্র স্থা অন্তব্ধি ভ্রম ভারার বিরাম হ
সাত্র স্থা অন্তব্ধি ভ্রম, ভ্রিরাসীরা
পরিভাগে করিলে, আর কথনই ভারাভেঃ
গমন করিছে সম্মত হয় না। ভখন প্রামটি
শুনা বন্ময় ছইয়া উঠে। এই রূপে বছসং
গ্রাম হির্ম ভির্ম ও বিনাই ছইয়াছে।

আমাদের নিধাস ভূমি ইঠাপুর একটা এ প্রিরাম, স্ত্রাং কালপ্রভাবে বে ইং জ্রী বিষ্ঠ হইবে ইহা আফর্ষ্যে বিষয় কালে ইফা কি অভ্যন্তরীক কি াচীন কালের উত্তম উত্তম দেবালয় বস্তীর্ণ জলাশয়প্রভৃতি ইয়ার পুরাকা-**দীভাগে**র পরিচয় প্রদান কবিতেছে। হায় : কালের কি ুলাক্ষ্য পরিবর্তন ! যেরমা হর্মানমূহের শিঙ্কানপুলো দশক অভাকরণ আকর্ষণ করিয়াছে, কাল ব ভাহার ভিনাব্যা উপস্থিত হওয়াতে যিক!জনক মূ*হি* হইয়াছে। **যেসকল** য়ে বমণীয় শৌভাসপাদমের ও বছ িলালীৰ প্ৰাৰ্থকার এক**মাত্র প্ৰা**ৰ্থ উল্লাভিল, শেষকল ভাৰ ব্ৰহ্মনস্থাকীৰ্ণ গ্ৰপুৰি ভিলাং একাণে ভাষা জানশুৰা বর হট্র: বন; জালন্তেব

ত ১০৬৮ সালের মহাসংরিই (এ আহঞ ারিভয় প্রথমে এই এাম হইতেই উন্ত আমাদের জন্মভূমির উজ্জন্প জীলংশের ত্রে এখান কারণ। সেই ঘোরভর ছুঘট মেয় ইচার প্রায় ভৃতীয়া ব লোক অনকালে বলে কবলৈত হয় : এ৮ ্শাচনীয় অথব থামাদিপের দয়ালু গবর্গে উব ইহার প্রতি দৃষ্টি পতিতে হয়, প্রামক অপকৃত পুষ ুলির পক্ষোদ্ধার *ও* প্রামের ভাভাস্থরে কয়টী প্যঃবল্লী প্রস্তুত ซ์ม-14 ার জনং উদেশগ হয়, আর এরপ প্রস্থাব ছিল, কভক্ণজি রাস্থাণ গ্ংসমুভ হইবে⊹ ারে একজন ७७: नग्रात **अ**धारन য়াযে যেরাভা ও ারণীভলি পরি **হটবে, ভাহার** প্রিম ন, নর শুল করিয়া न श्राप्तांन करतनः 🗸 - २० श्रास्त्रां विक নকাহাৰ হীলাকবিং छन्छ उन्धाम ার একজন কম্মচাবী ৽গানে আপিয়া लारकत्र निक्रे इहेर्ड श्वरह छ। न हेर्न করিয়া চলিয়া যান। এরপে প্রার ছই 📗 অভীত হইল। তৎপরে একটা পুষ্ধরিণী ্তন: ১ইতে ২ইডেই অভ্যস্ত বৃশ্চিহও ভাহার ক'য়া সেইপর্যান্ত শেষ হইল: য়ঃপ্রণালী খনন করিবাব কথা ছিল, কিছু ৰ ছুইটী ক্ৰফিংকাপে খাও ছুইয়াই ায়ুকে ক্ষিত্রাকে» ইডানি বাকের ১: সম্পাদন করিয়াই সকল প্রস্তাবের हेल। अकरन काह तक[्]न विश्वपुत न¦**न**्

কার শোভাতেই ভূগোভিত ছিল। খদ্যা আভিকত্তি ক ল্যাপন করি**ভেছেন। সম্পাদ**ক মহালয় । আমর। বড় আলা করিয়াছিলাম, জামা িদের লয়'জুগবর্গমেটের কুপায় আনতঃপর আনামরা আস্কু,স্থার্থ প্রথী হইবং কেন্তু রাজকীয় কার্যকোরক मिर्भित (**भारवहे बल्**न, अथवा आयामिर्भित्र हुद দৃষ্টবশত্ই বলুন, ভাষাতে ৰঞ্জি হইলাম, ইয়া कि मामान्। जारकरशद्र । वस्त्र । मध्यकि 🗟 युक वायु महिमहत्त भाल महरावय अहे महकूमाध (বনগ্রামে) জাগমন করাতে আমাদের চির সঞ্চিত আশা বলবতী হইয়াছে। ভরসাকরি ডিনি উাহার অসামন্য দয়াওংশের বশবতী হইয়া ভাহা সফল করিবেন। এক্সণে ভাঁহার নিকট দবিনয়ে প্রার্থনা এই যে, উক্ত সংগৃহীত অপধারা হ'টক, অথবা আরে কিছু চ'লে সংগ্রহ কবিয়াই ছউক, অথবা যাহাতে পুরা প্রস্তাবিত বিষয়গুলি স্থাসম্পন্ন হয়, ভাষিষ্যয়ে যয়বান হইয়া এই হুৰ্ফশাপর তামবাসী বাজিক বর্গের আছারকার ুউপায় করিয়া আপনার মহাত্মা এই নামের সার্থকত। সম্পাদন করুন।

অবশেষে ইছাও বভাব; যে, এই প্রামবাসী জীগুক্ত দীননাথ মুখেণপাধ্যায় ও জীগুক্ত মদন ्माहन हट्योशाधात्र मट्डाक्य्रध्य अधान केट्लाशी হইয়াকি**ভুচাদা সং**এহ করিয়া কভকণ্ডলি রাস্তা সংস্থার করিভেডেন। এইস্কপ দেশহিত কর কার্যে। প্রব্রত হওয়াতে যে ভাঁহাদিশের সদা শয়কাপ্রকাশিত হইয়াছে এবং ভজ্জনা যে উট্টার্ অসংখ্য ধনাবাদের পাত্র হুইয়াছেন. ভাহার সদেহ নাই।

জ্রিতারাপ্রসন্ন বন্দ্যোপাধ্যা? ১৯ এ কার্ডিক 🕽

মহালয় ! গোঝামী ছুর্গাপুরে প্রতিবংসরই वामयाजा উপলক্ষে এकी बृहर (मना इहेग्रा थारक, अ सार्व ६ इडियार्क । यमारक मृत प्रमा হইতে অনেক বাণিজ্যব্যবস্থী আসিয়া থাকে এবং বিলক্ষণ লাভ ক্রিয়া প্রতিগমন करता এই ममर्द्र अथारन कल लाक स्म ममा গভ হয় ভাষালৈখিয়া শেষ করা থায় না। প্রায় এক মাস কিখা ভড়ভাগিককাল এইরূপ থাকিয়া পরিশেষে মেলাটীর ভঙ্গ হয়।

মেলার দক্ষিণ দিকে আনন্দ বাজারনামক একটা বাজার বলে। এখানে নানাপ্রকার নাহণ পুনরায় থে ইইটে ভাগারাও কোন 🖟 ক্রসিভ আনোদ হেমোদ হইয়া থাকে। সজ্ঞার ্রে। বিংলতে পাইটেডি না। এ বংসরও বির অনেক ভদ্রসন্তানকেও এখানে দেখিতে ন অহব বেংগের বিলক্ষ্য হা, ভি:ব লক্ষিতে। পাওয়া যায়। ইহারা দিনের্বেলার চুপ করিয়া। ছে। অনুনেকে স্পরিবারে পাঁক্ত হইয়া | ধাকেন, রাজি স্মাগত **হইলেই** পেচকের স**লে**

गद्ध व्याभिया (मधा (मन। मदन करतन উাহাদিগকে দেখিতে পাইল না ; কি স্কু क्विन म नटक हाक श्रेष्ठ स्ट्रेश मी हाझ, विरवस्ता करश्त्र ना ।

প্রতিবংগরই জুয়া খেলার বিলক্ষ क्षेत्रा थाएक श्रीलास्य द्वराचेत मिन व्याद मिलात मित्न अक बात बाल्द सहैताहै। ८ शक्तः हे इत्रेसा साम्रा महाभग्नाः काम्हर्स्यः न এই, ৰখন মাজিকেট কিংবা উপরিতন পুলিবকশ্বচারী আনাদেন ওখন আবে উহা দেখিতে পাওয়া যায় না।

এ বার মাজিটেট সাহেব মেলা পা काशियाहित्समा हिन मील সঙ্গে বড় আংসেন না।

গোসামী ছগাপুর

माल्यानक महाभन्ना करम् क वित्र कहेन, ক'বেঁঃ'পলকে ওসমানপুৰে আসিয়া চাড়প্পাবের গ্রামগুলির ছববস্থার কর্মাং অতাত ছঃখিত ইইলাম। কুঞ্পুর, ভ ও অং জ্বইল প্রভুতি ক্ষুদ্র স্থার চার মহিষণাড়ীয়া ও কৃষণপুানামক বৃহৎ इनी विल फाएइ। और इहे विस्तृत स्थल व সাবে পচিয়া অবভাস্ত পুতিসংখ্ ব্যাপক অনুরের প্রাপ্তর্ভাব হয় ভাষাতে ব भनो अक कारन छेरमम इहेर⁵रहा क এসমুলায়ের প্রতি দৃশ্চিপাত করিয়াও করিয়ে না। আন্বিকভার ছঃখের বিষয় এই, গ্রামের দার মধ্পর্দিপের হইতে ইছার সম্পায় পারে. ৷কল্প পরস্পর অটনক;হেতু ভাহ (उट्डामा । वश्रासं: भव अमुनाग्न विरागतः । বন্ধ জল কোন কৌশলক্রনে বাহির ব অনেক উর্লরণ ভূমি বাহির হইয়া ভারী কাশক্ষার নিবাংগ হইতে পারে, আ मामात शायना এह, व्यामाहिरशत हिटेड्यी (मन्द्रे व्हिट्टभी काञ्चलितात आहाया व এবিষয়ের সম্পাদনে যত্ত্বান হন।

5296 FT FT জীরজনীকাস্ত নৈ ऽला अध्यक्षिक } ওদ মান

সবিনয় নিবেদন।

ইতিয়ান মিরার ৰপ্পাদক আম'দের 🗟 বি भिष्राभवाम स्थायना करतम, खिष्यस २० ४ কের সোমগুড়ালে বে পত্র প্রকাশিত হট্যা ভছন্তরে উক্ত সম্পাদক পুনর্কার লিখিয়া বেমিরাতে ডিনি আমাদের আপ্রতির

দেন নাই : ডিনি ড জিবিংগ্ৰী দিলের বিরুদ্ধে লিখিয়ারে∍ন আর্থাৎ হাহণর প্রস্তাবটী সাধারণ প্ৰস্তাৰ : কোন বিশেষ ঘটনা বা ৰ জিকে লক্ষ্য स्त्रिका शिथा **रक्त नाहे। এই উक्त स**्तिका ৰাষরা ১মৎকুত হইলাম। ভাঁহার প্রস্তাবের উপসংহাৰকালে সম্পাদক যত দূব হুইতে পারে পঠাভিগানে বর্জনান গোলঘোগের हेरलथ क्रियार्डन । कि.मे वित्रयार्डन, ^{१९} अ**क्**र পার ভাব্দের বরাপার লইয়া আমাদের কোন কোন বন্ধু আপস্থি উপাপন করিয়াছেন। ১, । করে। আল্লোস্ট ব্রুকে? ভক্তির ব্য়পারওলি । কি? পাত্ত, '' বিশ্বাদের অক্সডা, বিবরবৃত্তি ৪ ভীর-গনিবয়ন এই বিষেম্ভাব সঞ্ারিত ।**≩त्राह्इ।** " এই বিবেষভাব কা**হাকে লক**। চরিয়া বলা হইয়াছে? অপিচ ^কে জাঁহারা বিনয় ম্মতা ও অভাসমর্পণের ভারতে উনাসীন্য এবং ∌ঞ্জির ক্রিয়াসকলকে কুসংকার ও পৌভালি pur বলিয়া প্রচার করিতেছেন: * ঐসমক্ত ভ ভিচর চিহন কি? কোন্কোন্কার্যেক ঐ वेतव समुका ७ जिल्हि हिरू बना व्हेटजट्ड ूं अदर দা∌ারা উহাকে অবপারং পে প্রচার করিডেছে ? মরার সম্পাদক আমাদের এই কল্পেকটা ,প্রথেব ট্রস্তর দিবেন। এসমস্তরে কি ভিনি সাধারণ धकाव बरलस ? फरव कामना व्यक्तम स्हेनाम। **बड़े श्रष्टा (बर (मधक ्र⁄-भर रायु फोर्गांत गरमारू**

।।ই। ডিনি বলুন, আমাদেব দহিত ভাষার পশ্চি মাঞ্চল ভৰ্ক বিভৰ্ক আপত্তিও প্ৰতিবাদেন বে ডৎবহরে ডিনি এই প্রস্তাব লিখিয়াছেন ক্রাণ্ডিনি আমাদের কোন্পত্রের উত্তর বিশ্বাহেন তাহা, আমরা কিছুট বলি নাই, আমরা কবল ৰলিয়াছি যে, আমাদের আপত্তির,উত্তর দওয়াহইয়ারে । কাড এব আনামরা ক্লিকচাস ান, তিনি আমাদিগকৈ ও আমাদের মতাব লেখীদিগকে লক্ষ্য করিয়া উপসংহারস্থলে আমা দরকুত আপভির কথা উলেখ করিয়াছেন · 주 귀1 ?

কেশৰ বাৰুর সৰকে ভাঁহার শিষ্ণালণ যেরূপ ্বেহার ক'রয়'ছেন, ভাহা সকলেই স্বীকার করি ডেচেন। ইঞ্রান মিরারসম্পাদকও ভার্ট দ্বীকার করিতে সাহসীহন নাই। বাহা হউক মামরা কেশৰ ৰাবুকে ভৰুন; অপবাধী ছরি নাই। কিন্তু এডৎসম্বন্ধে জাঁহায় মত কি শাৰরা ভানি না, জিনি আমাদিগকে ভাছা ভাষ্ঠ বিঞা সলেন নাই - সেই জন্য আমরা ভছিবছে দনভিজ্ঞ এই কথাই যলিয়াছি। এলাহাবাদে

উট্টার সহিত আমালের যে ভক্বিভক্ইয়

काराफ किनि बर्नाम कामारमत्र श्रापत के दत দেব।

व । बाक्सरम् वर्षमान (भागरवाश । अ जाह त्रान बाक्सनगारकत व्यक्तिष्ट श्रेएउ हि, व्यापनि নিবারণ করুল ৷

উ। व्यतिष्टे स्ट्रेफ्ट इकि ना, काहा व्यक्ति क्रानि । याश हरेटन कान्यानमाटकत रहे हम्, ज्यानि ভাষ্ট করিব : সে বিষয়ে ভোমাদের পরামর্শ শুনিব না।

থা। আপনি রাক্ষাদের এই ব্যবহারগুলি নিবারণ করুন না কেন ?

উ। আমি কোন বিষয় স্পষ্ট নিবারণ কবি ना, हेश्ख कतिब ना ।

প্র। এই কার্যন্তলি পৌন্তলিকডা কি না ?

উ। ভোষরা এড কাল আমার সলে ছিলে. তথাশি এপ্রশ্ন করিভেছ। পৌতলিকডা কি ভোষাবের জানা উচিত।

প্র। আপনি কি আপনাকে পরিজ্ঞাতা মনে करतम ?

🕏 । ज्याबादक कथन विनटक श्वनिग्राह ?

श्रा जानमात्र निरंदाता जानमारक " (वारे मान में बहलन, अधिबारम जाननात मक कि?

🕏। আমি বডদিন জীবিত থাকিব, তডদিন এবিবরে উত্তর দিব না। ডাডদিন এবিবয় লইয়া। (बाल्टबान स्ट्टिं।

 श्वापनारक भव्रत्मक विजया भुष्क विवा বলি কেছ আপনার পূজা করে, আপনি নিবারণ করিবেন না?

উ। আমার গায়ে বিহা দিলে আৰি বেমন नवात्रन कति ना, भूक्त निरंत्र अस्य अति व **41** I

म्यार किमि अहे कामकी कथा विल्लम **टाकार्या एकि अदश्यास्त्र मधानय। छ। के**त्र মপব্যবহার করিলে কুসংস্কার ও পৌত্রলিকভা aर**ः व्यारम् त्रः व्यापक्षात्रम् ।** कविरम् एकः क। ८ নাজিকভা হয়। ত্রাকা উভয়ের সামজ্প। রক্ষা कत्रियन ।

व्यापता अ कथा कथन हे विल ना (म, (कथ्न वांबू जाननारक मुक्तिनाका स्थान करवन , किन्न বোধ হর ভাঁহার অন্তরে অন্তবে এরপ বিশ্বাস प्पाटक रह, फिलि अक अन " (बाउँ बहान " डाँकांब्र नियान हेश पुक्रकार्ध बामन अवर डीहाव কথার ভাব ভগীতে ইন প্রকাশ পায়। প্রাক্ষেবা ভাঁহার সমকে বেরূপ ব্বেহার করেন, ভাহা ভিনি व्यनाम् मान करत्न कि ना, जन्मध्रक्षन । यसन क्लान बाक्स काराह अमकरन विज्विक इरेहा कान मिन अन्नभ क्या वित्र थाकि,

ক্ৰন্যৰ প্ৰাৰ্থনা করেন, ডিনি আচৰ मधायमान चाकिया और वाश्वित मछ एक रुख ज्ञानन करतन। देशत कर्य कि. कामता পারি না এবং ইহাতে অনুমোধনের श्रकाम भारत । कामहा डॉहराटक के प ব্রাহ্মকে একটা প্রতিনমস্কার করিতে (বা मिथ नाइ। कमन वातू वसून न्माट्टे छेख न। अवर भक्षांखदा अहेन्नम व्यवहात करत्रन माधार्य इंश्वे मिश्वाख कतिएक वांशा व किनि केनकल कार्यः व्यक्तसाहन करतनः त्त्रतं अक कम श्राध्यत्रक विश्वाद्वम्, वला जनतम, स व्हू क्लिव वाबु मुक्ताद (इन, ''कामारक कृटकात नतात्र (स्थ, शक् (मिथि का। क किनव वाबू काशनादक e বলিয়া ভূজ্য বলাতে ভাষার বিনয় প্রকাশ ब्रोटक माण्ड माई हे किन्छ जालगारक का विविद्या (यायन) करत्र मा। यात्रा २६क, वायुव अहे कथा। बलाएछ किছू अमन क्षमा (७८६ ना रंग, जि.न छेळ कार्य, प्रकास जा मन करतन न।। हेराधावा अहेमाज क्षमान পারে যে, ডিনি আপনাকে প্রভু বলেন কিন্তু কেশৰ বাৰু ভাঁহার চরণাবলুভিড शर्पत अधिक (स्त्राप चर्चशत करत्न, र কথিত হইয়াছে; ভাৰার মীমাংসা কি য ভিনি আপন'কে ক্ষাবলেন, আবর শিশ্যদিগের মশুকে দক্ষিণ হস্ত স্থাপন ব ইংার মীমাংশা কি? আমানের প্র ০1: একবাৰ "উচ্চ হৰে » আমাদিগকে श्रमान करून, आमहा आवन कति ।

শ্ৰীণহ্নাথ চক্ৰতী व्यवादायन २१००

अध्यक्त करणत दर्ख्याम (भाज यारण कार् .ক'শব বাৰুকে .দাখী মনে করিয়া নানাঃ मा.मःलय कतिराज्यहर । व्यक्ति मानव .কশব বাবুর সংসর্গে ছিলাম, আমার है।हार्ककथन कन्यायणाथ भवनिरक्षण क দর্শন করে নাই। বস্তুতঃ ভাঁহার মত সাবু চিন্তু লোক ক্লুছল ভ। কভিপয় ব্রাক্ষেব क्रिक वावदात्रणना जैहितक (कामी कता वि युक्त मञ्जूषात कर्डवा नरह । कामि अल'क्। ভাঁহাকে জিলোপা করিয়াছিলাম যে, মহুণ व्यापनि छ इस्लंडारणकः व्यापनादक पति

मर्न करतन ना? जाशास्त्र म जिल्ला छ छ ह रहेता के छत्र कथिएलन (ब, भारत कथात्र আমাকে লায়ী করিতেছ কেন? আমি মিক ভিরক্ষার কর। ঐশ্বভিদ্ন মসুষেরে হইয়াবাইবে। তবে কথা এই যে, যাহা করা বিত্রাতৃত্ব নাই। ডিনি আরও বলিলেন যে, ওক্টলৈ ব্রাহ্ম ক্রক্তির অন্পর্যকার করিয়া ोडनिक स्ट्रेडएस्य अदर कडक्छांत वाका ত্যের অপেববেহার করিয়া নাক্তিক চইভেচিন। अभिन्नी खिक्कि स्थाप्य এवर भाक्तिसम्बद्ध ণীয়াপরে অংশি বলল'ম বে, এই লোল াগে মহাশয়ের কোন দেখে দেখিতেছি না, ব যাঁগালা আপন্তেৰ পরিক্রাভা বলেন ভাছা াকে ক্ষষ্ট নিষেদ করা কর্জব্য।

যাঁহারদিগের কাষে কেশব হারু বিন। ে সগতে কল ক্ষিত হইডেছেম, গ্রাহাদিগকে নক অনুনয় বিনয় করিলাম। কিছতেই েদিগের উদ্যাভস হইলানা। কাব্দেষে বাদপত্রহার। সাধারণের (গাচর কার্লাম্) িয়া কেশাৰ বাৰুর দৌষ্টোষ্ণা কবি নাই। ান উক্ত কার্যে। নিধের করিছে ক্রেছে रहाथ करिष्ठाक्षिः। भारतः अरूनर्कः क्रम्पर त सर्भव कथा भा कासिया डिडि'(कड़े असी ধেন উক্তৰ কালাদিলের প্রতিক্ষার বছেবং, किट्या व्यक्तिक व्यवहाटर रगम रकम्ब কলঞ্জিত ন। খন : কেশব বাবুর প্রতি রোভ জিকরিতেকেন না, কিছ সুসীক भाषाक कर्बरकरहन्।

যাহার কেশৰ যাবুকে কটুজি কারতেড়েন क्तित्व अन्यादन कांद्रशा आधि अहे। नर्टम्स ভেছি, উ'হ'বা কেশৰ বাবুর মুমের ভাৰ ভেনা ইইয়া খেন উচ্চের নিশ্মণ চরিত্র रहाश्चा कर्यं :

📾 दिस्त्रहरू मार्च हो।

.. : • :---

ড় ভংকি'পুৰ *লামে* **भ**ंकध्य द्वाश्चाय । পाष्ट्रेम द्वेद महत्वत (१ व्हाल के करवन, নকার স্থাবস্থাত পত্রিকার ভাষার প্রভিষাদ ত গত ৬: দু মাধে আমতার (পাইম: ই.র প্রতি উকার পুনরস্থাস্থলের আংদেশ हैं भि दिलक्षय निऽक्षमण्डात्रककार्द्व हैकाद्र : কান কবিষা ওখানে কাক্ষর ভাপানের জ্ঞান্ত বার্লে**ও পেটেম**ন্টার **জেন**্ ন'কেব মাক'লয় ও 'বৰছে উদাসীন বছি-ে সঞ্জাল ইছতে কালার বিশেষ পোর বিষয় ৬৮ .ঘ .এড(রুশ স্করণ করেও: ्रीकार्यात्रः महान्याकाराज्यः साम ग अथापन कडेला आभात अस्म आस्का 🗩 नेहरम, अष्टपूर रिक्टर अध्याम विकास

হইবে তাহ। শীতা করা হইলেই ভাল হয়।

এ বাবে বে ভয়ানক বন্যা চ্ইয়াছিল ভাহ'ডে अधारमञ् धाय ममन्त्र थान,रक्षा इ छेरमञ रहेन्ना शिवारका यात्रा व्यवनिष्ठे किन काराङ अनावृक्ति नेवक्षन १६ क १६ वा भागा वृक्ति ना रुष्याटक क्वरण थानारे शाल अक्रम नर्ग, कुषक গণর্ববন্দ ও লডালস্লের আশাও পরি ভ্যাগ করিয়ারে। এই সমস্ত দর্শন করিয়া ক'হার क्राय अपन हे छात छेन्य ना रहा, (य अर्डिक পুনরায় ভীষণ মৃতি প্ররিগ্রহ করিয়া অবিলয়েই জাগমন করিবে ?

क्षांत्र क्रक मक्षंह शंख इहेत. अधारम अक्री আলচর্য ভটনা হইয়া গিয়াছে। থানা আনভার अञ्चर्गक मा इक्रार्ट्स प्रामामक आस्मित शास्त्र একটী ৩:৪ মাসবয়ক্ষা কন্যা শ্রান ও'কে ! उज्जा होकिनात अहे वालिकाजीक कीविछ ুদ্ধিয়া উহাকে খানায় লইয়া গিয়া এক নীচ জাতীর জীর নিকটে রাখিয়া দিয়াছল। পালন कडी व डिर्गारण कमारक अल्यान भवाह भग्ना ক্ষাইয়া নিমিত ছিল, পর দিবস প্রাতে জ্ঞাল ্রত হইয়া দেখিল বালিকা শ্যায় নাই। এই ব্যাপার থানার ক্তেকনট্রেব্রের গোচর ছঙ য়াতে ডিনি বঙ্গ জালিয়া চৌকিলার এঐ খীকে পুত করিলে উহারা কহিল যে ভাহারা কনার অদশনের বিশ্ব বিস্পৃতি অবগত নছে। भारत छिक्रानिकारक थानाव लाकेवा वालवारक -চনজ্পেটির মহাশায়ের নিকটে এঞ্চার করিল ्य कर्रातकातिव इठीए मुद्धा मध्यादक के बादबाहे ড্রারা ভারার মৃত্ক। সংকার করিয়াছে। हैनटब्ल हैंस महाबास है हाराव के छात्र रहे हा अकृति माजिएकेएवे मिकवे (धवन कविश्वादस्त । विष्ठ'एव क हत भरत काशनकाव भार्ककवर्णत आहत् কবিব নিবেদন ইভি।

গড় ভবানীপুর) ক্সা হিৎ 中部 1 年 日 中 3246 FIM अभवकातिकः ।

মুলা প্রাপ্তি।

জীয়ক বাৰু কালীপ্ৰসন্ন মুখেশ্যমায় কান্দী ১२१६ का विक श्हेरछ १४ व्यानिम विश्वितिकाल वरक्यालाधाः ॥ ঝ : স अम् केन नारवस्त कंडराज ७० क्राञ्चसाति ্ত৸ " অভিক্রেণ মজ মদার भी भनी १५ ४५ मर् बद्द कहें एक ७० करहें। बद و ز ৯ বছকুৰ চৌধ বী

১২१६ चाबिन इंग्रेड १७ छात्र

- * व्याख्याय वस्मानीयाष्ट्र ১२१६ व्यवशायन स्ट्रेट १७ देवमाध
- » বছনাথ দে সিঞ্লিয়া
- * नयौनाताम्बहस्य हाहरचाना
- ° বভীক্রমোহন ঠাকুর পাধুরিয়ায (मरमावाष्ट्रम मूर्यालायात्र निम् ममध्या हेरदाओं पुन

(माम धका भग र का श कर सकी

विटमेश नित्रम।

অতিৰ মূল ও ডাক্মান্ত্ৰ না পাই খলে সোমপ্রকাশ প্রেরণ করা বার না।

ইংার অতিমে মূল্য বার্ষিক ১০ টাকা ৰাণ্যাসিক ১৮০ টাকাঃ মফখলে ভাৰ गरमञ्ज वार्श्विक ১७, बान्। मिकः १ अवर ^१ নিক ৩৭ । ভিন মাদের মুদেন জ্ঞান গছণ করা বার না। ছণ্ডি, বরাভি চিটি, अर्ड त. (नावें छ हो ल्ल क्विकें, हेराव क গারাজে বাঁহার ক্রবিধা হয়, ভিনি সেই ধারা মূল্য প্রেরণ করিবেন।

बाहाता हाल्लाकिक गाठाइटवन, र ংখন এক কাধ্ব) আবাধ আমার অংথিক : ও রসীদের টেকিট প্রেরণ না করেন।

यश्च विभि मक्षणल क्ट्रेंड लाम्ब मृतः भाकाहरवन, खाहा (यन । तकिहेति । <u>जि</u>युक बानकामाथ विकास्त्रकर्वय मारम

যাঁহাদিগের মূল্য দিবার সময় অভীত वागिट्व, अनगामधुरुतं दावः विभटक লিখিয়া জান্ন যাইবে, কাল আন্তীত भारतक अक तात कि**डि** लिया हहेरव, छाहा একমাস্কাল প্রাতীক্ষা করিয়। কাগলে বন্ধ माकेट्व। स्मय बारमस शक्क (बहादिए क कड़े (व ।

মাতলা রেল্ডয়ের সোণাপুর ষ্টেসনেব পরে চিটি আইলে আমর। শীজ পাইব।

गौराता भाष्ट्र पा निया भाषानि । अत्व .चन, देश्विक्षाक्षरणत (सह श्राह्मीक अहन याहेर्त मा

কেন সৌমপ্রাত্ত বিজ্ঞাপন দিতে : করিলে ভাঁহাকে প্রথম ভিন বার প্রতিপংছি কানা ভাষার পর ৴১০ আনা দিভে চই: াৰনি অধিক কাল বিজ্ঞাপন 'দিনাৰ ইয়াৰ .वन, केश्व गाँ**६ ५ च छ्य वास्त**िव**छ व्हेर**्ट.

🐼 এট প্র কলিকাভার দক্ষি মাতলা বেল ওয়ের সোণাপুর টেস্মেই এ চালভিপোডায় জীযুক্ত ধারকানাথ বি ভূষণের ৰাটীতে প্রভিসোমবার প্রভি:ক @कालिक १३ ।

(मियशक)

1) # Win

B मर्चा ;

॰ प्रवक्तनां प्रक्रतिविद्याय पार्थियः सरस्ततो अतिमदती न दीयतां।"

নক মুল্য ১ এক অঞ্জিম বাৰ্ষিক ১০ নৰ । ইন বাৰ্যাসিক ৫৪ সাড়ে পাঁচ টাকা। সন ১২৭৫। ২৩এ অঞ্চাৱৰ। ১৮৬৮। ৭ ভিসেহর বাৰ্যাসিক ৭, ও জৈমাসিক ৬৬০

বিজ্ঞাপন। " शिन्म यशिना नाहेक (খোড়াসাঁকো খড়িনয় নভা হইতে পুর-कांत्र वार्ष ।)

३७ नार्टेटक हिन्दू महिनागरनव इत्रवस्थ ত হইরাছে। ঠনঠনে করণওরালিস নিট্র नर गर**क**्छ राज्यतः शृक्षकानास्त्र शास्त्रसः । किर्षि कक्त ८

🕮 विभिन्न दाहन राम श्रम ।

লিকাতার **অন্তর্গত লোড়ার**াকোর বারা বোবের জীর্চের সধ্যে মৃত্ত রাধানাথ কুণ্ডের আমার খরিদা ১/১৮/ বিষা ভূমি বিক্র चारह। हो समि छेखन मतकाती नर्मामा, । গলির রাস্তা, পশ্চিম শান্তিরাম সিংহের ণ ৰাটী (বসভ ৰাটীৰ সংলগ) পূৰ্ম রাম 🕆 ন রায়ের পুরুরিণী। ক্রেড্গণ গড়পার**্** (রের ১০৪ নং বাসীতে জীয়তক বারু বিঞা ক্ষ্যোপাধ্যায়ের নিকটে অসুসন্ধান করিলে তে পারিবেন।

লিকাডা 🙈 रेवक्श्रेनाथ ७% সাৎ হালিসংর · P WASTAN

ৰাল্মীকি রামারণ।

विजीवयतः।

হুপুত্তক ভূতীয় অবৰি নৰৰ সৰ্গপ্ৰাভ । সংখ্যা নাগরাক্ষরে রামাত্রকের সিকা ও া অভ্যাদের সহিত কাব্যপ্রকাশ ব্দ্রে स्रेज्ञा विकत्रिक स्रेटकट्ट । रेशंटक गाटर-

वंत-कीर्य क नारशाकी करहेत्र मिकाक क्रमविरमाय । काम्ह ब्रहेकीरे ७३।३-वर करान कावा केवृष्ठ क्या स्ट्रेट्ट्रंट्र व देश क्षेत्रि मेरव्याद्र ३० विद्या व्यवस्थाः क्रिकाचा मरब्द् व विस् मदमा वर्षार ৮. म की कतिका कृष्टिक कथा क्षेत्रक वर्गाकार कर्गामकारतत नार त्रिक स्टेटर ! मुक्त # - कामा । माहाता आह्य वटकत देखा कविम मूना शाकीहरदन । खानी**णुक्त हरेटक हाट्डम, काहाता आधात मादम**ेना शाहेदन विदश्य विकालुदाव शाहे কলিকাভা রাজ্য সমাজে পত্র লিভিবেন। বিজে নিয়স নাই ইভি। শীর বাহদদিগদে 🗸 এক আনা ভাক্ষাপ্তল मिएक स्ट्रेटन ।

ঠনঠনিরা সংস্কৃত পুতকালরে ও পটোল कामात्र बाक् दर्श जामात्र कान्यानित्र क्षाकादक মংশ্ৰীত ও মংশ্ৰচান্নিত নিম্নলিখিত পুত্তকভলি विक्रम स्ट्रेटिक्ट्स---

| ধৰীত | मूग | • |
|-------------------|---------|------------|
| এীসইভিহাস | 3 | টাক |
| (রানইভিহাস | ۲ | Š |
| ভূবৰসার ব্যাকরণ | 1 | আন |
| শীভিবার (১ ম ভাগ) | J | à |
| নীভিসার (২ র ভাগ) | J | à |
| প্রচারিত। | | |
| मूफ्रवाध बराकद्रन | h | 3 |
| ঞী মারৰ | গ্ৰাখ গ | 1ৰ্ম |

পুরাণ প্রকাশ।

विक् भूत्रान।

অসুবাদ ও টীকা নমেত এত্যেক খণ্ড ৮- भृष्ठी (व्यक्तिप्रमुगा) १० । १ विनि बर्गाणिगारी स्टेरिय जिनि मुजानूत

विकासर्थ।

্ৰিপারডেন রীচ ২৪ নং বাদী ঋদায়সূহ ১৯ নংলোড়া বাগান :

উপরি উজ বাগান ও বাটা মাঁহার क्तिएक व्यथन। नदेएक हेन्छ। करत्रन, नित्र ब्रिफ शक्तित्र निकृष्टे कानाइट्ट्स ।

> গিলেপারস্ আরুরো थनह अपर का

--:::::--

विविध खबामि विकाशर्थ প্রস্ত ।

देश्याची र'नाता भूएक काश्रव कत्र বিধ-মৰ্থাদি পাওয়া খায় এবং পুস্কা 🖊 । এক আনার হিসাবে ক্ষিস্ন দি। प টাকার পুঞ্জক লইলে 🖊 ১০ আনার হি পাইবেন।

ब्रीबुक्त बाबू काली श्रमन मिश्स मरहानव्रः গদ্য ১৮ পর্ম মহাভারত ১৭ খণ্ড ৩ ভাগে, সংযত করা

লঙন কারমা কোপিয়া অখাৎ **উ**ষং ^{স্থা} ननि

बश्चारतत्र कीवनहत्रिक डेक्स दक्षि হয়তাকুরগুভুডি প্রাচীন ক্বিওয়া

বিরক সংস্কাবিধান

স্থাবার উৎকৃষ্ট কাব্য

কা সন্দির্দারিনী

নাথ ভাষকুত সংগীতননোরক্ষন

নাথ ভাষকুত সংগীতননোরক্ষন

নাম কাব্য কাব্য কবের করেকানাথ রায়

সবহ মুখ্য সংগ্রুত প্রপার

সবহ মুখ্য সংগ্রুত প্রপার

তিগাবিন্দ ভাষ্টের গোলামী প্রবীত মূল

নাথ নারেলকাননার গালা

স্কুক ভব স্বী ইল্বাজি কেমেষ্টরি হইটে

সাক্ষেত্রিনাক বিদ্যা দর্শন হয়

গুর্ব হত প্রভাগ বিদ্যা দর্শন হয়

গুর্ব হার্কার বিদ্যা হার্কার হার

বিকু গুলা কাবং পর ীমোগন বংশা পোন নীত হুগোলন নিদনীৰ মত পোধা ১ বৰ্গসন্ধু লহরী সাং চিল্লাবলৈ তুহুখানি বাসালা মনাপ ইয়াব

न सर्वी ना है क

এবং

।

যাহরণ পদঃ

তপ্দেশ হিকাশেরী সংস্থীত ১

কাডো:জাড়া- বিজিডাপচল রায়

চা হর নত বিজেতাণ

আইনসংগ্ৰহ ২ থক

ে সেমিপ্রকিশি।

বং ২০ এ অগ্রায়ণ সোমবার।

ক্ষীবাব এ প্রাণ

ক্ষীবাব এ প্রাণ

ক্ষীবাব এ প্রাণ

ক্ষামী বন্দোবস্থই প্রজার উন্নতিক্ষমাত্র উপার। সদাশ্য ও

ুক্ষাত্র উপায়। সদাশয় ও ালী লোক্ষাত্রে এ বিষয়ে

' যজুবান্হন, বহুকালাৰ্থি আম্রাএই (एकी निहेटकि । ति पिन कक कन शंग-मीय अभीकात आमानिरशत अाध at ·বিষয়ের প্রদক্ষ তুলিয়া এই অভি**গা**য় প্রকাশ করিলেন, আমরা যে প্রস্তাব করিতেছি, ভাহা যদি সুসাধ্য হয়, ভিনি উহার অনুমোদন ও সম্পাদনবিষ্যে একান্ত যত্নান্ ছইবেন। ডিনি স্পাটা-করে কহিলেন, " এমন পাম্য কে আছে, যদি কয়েক ব্যক্তিমধ্রের অপকার হটয়া লক্ষ লক্ষ লোকের উপকার হয়, তাহাতে माहाबाहान ना करता १ १ कई क्या विशा তিনি এই অপত্তি করিলেন, আমনা **श्रकात महिन्छ** अक्षिकी वरमनेवर 🥹 स्व প্রস্তাব করিজেচি, সংহাতে ক্ষমীদাণের সংখ্যার্ভিল কবিব া চেটা পাওয়া হই-(ठाइ कहेगाओं (वास कत, वासन वाक জন প্রকাএক শ্তবিঘাভূমির জোড করিতেছে, ভাহার সহিত ছায়ী বন্দো বস্তহ≷ল, নে আবার সেই ভূমি **অ**ধিক করে ধরাইল, ভাহাতে প্রথম ব্যক্তি জমীদারস্থানীয় হইল এইমাতা; আমিরা य काडाहात्रनियात्र ७ क्रुपकगरनेत 'ইপ্ৰতিদাধন চেটা পাইতেছি, তাহা मकत इंदेश मा । उँ। हात अहे वाका व्यवन করিয়া আমেরা উচিহার সংশ্যুচেছ্দ-বিধান চেঠা পাইগাম; কিন্তু কত দূর কুতকার্যা হটলাম, ধলিতে পারিনা। (बाध इय, चार्यास्त क्रम्यकम्पत करे প্রকার সংশরতিমিরে আছেল হইয়া আছে।এই হেডু আছি আময়া এই প্রস্তাবের অবভারণায় প্রবৃত্ত হইয়াছি।

প্রজার প্রতি অত্যাচারনিবারণ ও
তাহার উন্নতিলাত ইহাই আমাদিগের
কৃত চিরস্থারী বন্দোবস্ত প্রতাবের
উদ্দেশ্য। যেরূপ বন্দোবস্ত করিলে সেই
অতীট সিদ্ধাহর, তাহা করাই কর্ত্ব্য।
এরূপে কর, ওরূপে করিও না, এ কথা
বলা আমাদিগের অভিত্রেত নহে। যদি

मटनार्थास्तवाश अवः स्मीनाः গ্রবর্ণমেন্টের প্রাপ্য ধরিয়া ভূমির ব বের সহিত মিলাইয়া লাভগণনা যার এবং দেই লাভ গণনাভূগারে বিঘায় নির্দ্দিষ্ট হারে স্থায়িরূপ খাব ব্ৰেস্থা করা হয়, তাহা হইলেই স সমুদায় আপত্তির খণ্ডন হইতে প প্রতিবিষায় ছায়িরপে নির্দিষ্ট ব নার ব্যবস্থা থাকিলে যিনি হা ধরান, কিছুতেই তাহার হাস র্ছি বার সভাবনা নাই; আংর আংমেরা অভ্যাচারনিবারণ ও উন্নতির আৰু করিতেছি, ভাষাও সুদিদ্ধ হুইয়া উ আমাকে এতাবন্ধত্রে কর দিতে হ ইহার অধিক দিঙে ক্ইবে না, বুনিতে পারিলে কোন্প্রজা স্থি ভূমির উন্নতিদাধনচেটায় যুদ্ न। इहेर्द १ एवं एवं क्यो न दिवत न वित्रकारी बरमावल इहेशाह, भवनी যেমন ভাঁহাদিগের নিকটে মাজনপ্র এছণ কৰেন না, প্রকার সহিত খ वरमाव छ ब्हेरल अभीमार द्रदां छ । লইতে পারিবেন না।

পূর্বে কালে ভারতবর্ষে হিল্পু জ রই আধিপতা ছিল। হিল্পু রাজগ সময়ে ভূমিতে রাজা ও প্রজা এ রের স্বল্পস্থা বিবেচনা করিলে ল বোধ হয়, ভূমিতে রাজা ও প্রজা ও রের ভিন্ন ভানোর স্বত্ব ছিল না। প্র যের ভিন্ন ভানোর স্বত্ব ছিল না। প্র নামে এক স্বত্বস্থা হোণী ছিল না। প্র প্রজার নিকট হইতে ভূমির উৎ্দ দাদশ অন্তম ভারা স্বত্ত ভাগ করিতেন, শাজ্বাস্থারে ইহার ভ গ্রহণ করিতে পারিতেন না। যদি হইল, জমীনারেরা এখন যেমন ক্ষি করলোভে এক প্রজার হস্ত হইতে

ছাড়। देश क्रिकीय क्रमाटक प्रन.

দেরূপ হুইজু না, দেটী স্পাইই বুকা

ह। अहे नित्रमदाता ग्रूम्मके अर्जीक्रमान তহে, ভূমিতে এজার স্থায়ী স্বত थाका ताकाटक नित्रमिष्ठ कर्त्र मान । निकृतिकामराष्ट्रिकः म अने कृति **কাল ভোগ করিতে পারিত। মুরুতৈ** াদির দাদৰ অভুন ও বঠ ভাগ **१त रव वाक्ष्या जीटक, त्रिकी जीजात** क्र महा विकासात कृत क्षेत्र ার এই মীমাং দাকরিয়াছেন, ভূমির र्व ७ जनकर्ष अवर कर्यगाणि क्रांजन ৰ ও গৌরব বিবেজনা করিয়া বভ क्तिज्ञहर्गिकण्यां कत्रा इहेश्राट्ट। আমরা যে বাকাণ্ডলি কহিলাম, া প্ৰমাণ নিয়ে উদ্ধৃত হইল। । বা কলেন যুদ্ধেত রাজা কর্ত্তা চ. কর্মণাং। **७षाटबका नृ**टर्शाहाटके কপ্রেথ সভতং করান্। राहाटक ब्राक्ता काटबक्तनाहित काटब्रिबं क्रुयामिळावृत्व दास्त्रिका क्रुवामि ति कल **काकी इन, रन** देखरी बाका ু গতত করকম্পানা করিবেন। वाल्लाल्लामस्यामः ।रिक्तारकादरमयष्ट्रमाः । **ৰাম্পাদেশাত্ৰহীত**ৰ্যো । क्रिज़ाकास्किः काः। বসন ক্রেকাকা বংগ ও জমর অংশ রক্ত কীর ও মধু পান করে, ণেইরূপ মূলজেল্না क्षिश्वाभवादनदम াজ্ঞা পশুক্রিবারো: 🛚 ান্যনাম্ভমোভাগঃ र्छाषाम्य वर्षाः **জা মূল হইডে** উংপদ্ন পশুহির পঞ্চাশৎ ভাগ এবং ভূমির উৎক্ষ য ও কর্বালিক্রেশের লাঘ্র ब[्]विटब्रुम्भ कतिशा श्रीटनात प्राप्ती

त्रामा त्रामातमा ७ करे गर्जनार्थ गरिक गामार नवस्य कांग्री बरम य आमर्गाल, विश्मालीम, भएलमा, महस्त्र कंद्र कर्षका । खिलिमें अनवर्गम প্তিপ্তি ওফিতৃপুরুষ নিয়েশিত রাশার নিকটে যে রাশা এছণ ব कतिटलन, केंग्स्ता कठा व लगाई निर्देश-चित्र रहेर्जुन, समीपात्रक्रीय पर्वज শ্রেনীর রোক ছিলেন না। ইহারও প্রমণ केस क स्ट्राक्टर ।

वानि त्रामधारमञ्जानि ्र अकारः आयदानिष्टः। श्रद्धभारमञ्जूनातीन ू अधिकखानाबाद्य गर्।

व्यामनामीता वार्षिक कत्रित्र ता बाहुक. शकिमिन य अब शान काकामि श्रमान করিত, প্রামাধিপতি আপনার জীবি কার্য ভাষা এইণ করিছেন। শতে শাদির বুজির ঐরপ ভিন্ন বিশ্ব বাবছা ছিল ৷

মসু এইরপ আমপজিগুড়িতর নিয়োগ ও उँ। शामित्रत द्रुणि विश्वासवादका कहिला रमद्व विश्वितारक्त ।

त्रारकारि त्रकाधिकुठाः ्र श्रमामाम् । भेठाः । कुकारक्षि आर्यन (अंटकाइटक्रिमा: शकाः। 'থে হেতু বাহারা রাজার রক্ষাধিক্লড

হয়, ভাহার৷ প্রায়ই প্রস্প্রহণশীল ও वक्षक इन्न, व्यक्त व काश्रामिर्गत इंडेरक রাজানিত, প্রজারকা করিবেন।

উপরে ধেরূপ প্রদর্শিত হইল, ভদারা স্পান্ত প্রতীয়মান হইতেছে, দাকাংদ মধ্যে একার সহিত রাকার চিরস্থায়ী स्ट्रेट बाबिक कर अहन किट्रियन। विकार करा उठिछ। किन्न विकार का चात्र अर्थन (मज्जन स्ट्रेशत मुखाबना नारे। भव नेटमले अख्छा अभिनात्तिरभत সহিত ছারী বস্দোবত করিয়া প্রতিজ্ঞা भारम येष्ट्रकार्ट्स । এथन थ्यंक श्वर् त्या, केत उराइन ने माधात्रक नग्र। এशास भमीनांतरक भाषा दाचिता श्रकात महिल স্থায়ী বন্দোবস্ত করিতে চইরে। ভবে य यं चारन क्यीनारतत महिल कांबी अथवा यह जाग अवन कतिरवन। वरमावस्त नाई, उत्तर सात् अकात

¥टें**डन, श्रेट त्रांकात त्नरे त्रांटका** व्य े**ष्ट्रक किल, अवर्गस्माटक उ** स्थ्या विद्या । जामना भूटकरे गः कतिशाधि, क्रिकु ताचीत ताटकातः প্রস্থার ভূমিতে চির শ্বন্থ ছিল।

मध्यविनिष्माम (केवेल)।

े इहे बर्मरतत अधिक काल कात्रक वर्षीत भवर्ग स्मन्ते. अवनी छ। বিষয়ে সর্বাধারণের সভগ্রহণার্থী साहित्यन। ১৮৯৫ व्यक्तित ১० व्य हिन्दू, मुनलमान ७ (कोइ जिन्न म শ্রেণির লোকের উত্তরাধিকার ও রিনিয়োগপত্রভৃতির ব্রেছা হয় | ইংলতে সম্পতিবিদ্ধানাদির निव्रम चार्छ, এই चाहरन जात्रक्रवर्ष देश्त्रामपिश्वक छोश्त घटनक्छित्र मुक कता स्हेशारह। अहे आहेरनत (রাধিকারের) যে অংশটাতে विनिर्मागामि वावचा जारक, सारे গুলি ভারতব্বী রদিকে: বিষয়ে প্রচ करा डेविक कि.स. अवर्गमण জানিবার অভিলামী হন। তথ্ন ১ অক্রের ১০ আইন নৃতন প্রচলিত হ हिल ; এই स्कू नक्तनाक्षात्रात नव <ि त अध्यात छेल्डमान करडन न লাভ কাণ্বোরণের মত ক্লিড করাতে ভিনি তংকালে উহা স্থ রাখিতে বলেন। তথপরে গ্রণ্মেন্ট जिस कानीय भवनंत्रमणे, क्रिमनह, वि পতি এবং কয়েক জন এনে भी स (लाटकत माठ किन्द्रांगा कटलन। हेइ शांत्र नक्टन्डे बिनशाटकन, हेः ताक्रि माप्रविनित्याभिविष्या (यमकन वि প্রতিপালন করিচে হয়, ভারত্র

मि**ग८क अपर्धी न ए क**ड़। छेति छ ।

এখানে বস্কালাবধি মুসলমানদিংগর বিনিয়োগৰাৰ স্থা প্ৰচলিত আছে। কিন্তু র অবাৰহিত পুরের বাচানক দায়বিনি করাই অনেকের মত্তাস। বাজধানীর টস্ত লোকেরাই কেবল লি**খিত দায়** रायां अवस्थित वार्याच्या विकास व ংসংক্ৰান্ত ৰিংশেষ ব্যৱহার ও ৰিংশেষ মনাই বটে কিছ শান্বিনিয়োগ য় নিষেপও নাই। বরং দ্যুভাগ যে অভিপ্ৰায় প্ৰকাশ করিয়া গিয়া , তাহাতে দায়বিনিয়োগ হিল্ফু কারদিগের অসুমোদিত ইহাই প্রতী : হয়। দায়ভাগদার বলেন, পিতা ধ্রত ধন যাহাকে যাহাদিয়া যাই তাহা সিদ্ধা হইবে। লানের বিষয়ে ভাঁহার ইচ্ছাক্ত বিনিয়োগ শিদ্ধ অন, বিষয়ে না**হইবে কে্ন** ? আংন্য র বিনিয়োগ করিবার নিষেধও । দেক্ষতা না পাকিলে পিতার ক্তেখনের বাথট বিনিয়োগে যে ভাষুৰী এভুত। আছে, ভাহার াত করে। দায়বিনিযোগবিষ 1 নানাপ্রকার মিখ্যা মকদম।ও ষ্ণাদিও ঘটিল অংকে। অভ্নৰ : ৫ अटबर ১० काहेत्न ब्राइनिन्द्या क्लेड नियमक्ति गाहारक हिन्दु अ মান সাধারণো প্রচলিত হয়, ভাক क्खेंबा। कृटब क्लान क्लान बिह्दह । अपिरिश्रत व्यथातमञ्ज कार्याप প্রবার বৈলক্ষণ হওয়া উচিত। र रहेटल পূर्वकात मात्रविनिद्याश र इन्ट्रें, क नियम्बी कटल नी प्रतिदश्य করাড্ডিভ নকে; **উভয় দেখের** ♦নিয়ম ভিনবিধ। অংশর চির ।त मिनिङ (के।न मान वा वटमावस्क ল ইংলডে ভাষা অগ্রাফা হয়, व्यावास्तित गगारकत राशकात া, ভাহাতে চির কালের নিমিত্ত বস্ত করিবার ক্ষমতা (F 3 %!

উচিত। দার্থিনিয়োগ্রিবরের সাক্ষা এইণ অভিতির যে নিরম করা ইইয়াছে, ভাষা আমাদিগের সম্পূর্ণ অনুমোদনীর ইইতেছে।

জাবাদগোর যুগকগা, বর ব য়িংমচর্কা

पामता वात्यात वितारकहि, बाहा আড়মর আমাদিপের নব সুরকগণের এक जिस्ट (क्रांत इरेश्राट्टा **क्रेका** करता আমৰা এপ্ৰয়ন্ত কাহাতে কাৰতের উপকার হয়, এরূপ কোন কার্য্যসম্পাদনে ममर्थ इहेनाम् न!। व्यामाहित्यत निर्व्वत উপকার হয়, এরপ কার্যান্ত আমাদিগের माता व्यापार माधिक इंडेटक्टा मर्भाक अभाश्माकातीत ममागमवाजित्रदक নৰ যুৱকপ্প কোন কাৰ্মই উৎসাহসহ কারে করিতে সমর্থ হন না। যে সাহস उ व्यक्षतभाष्ठित शूर्वकात इंडेर्जाशी য়েরা আমেরিকার বন পরিক্ত করিয়া वमामिर्गत रुख हरेर्ड व्याचात्रका करतन, (य मार्क्त ও व्यथ विश्वाय छन्। काशास्त्र अवमाज कीविल इंडेटबाशीय নাৰিক নিৰ্জান দীপে শাপদগণৰেন্টিভ **ब्रह्मां अप्याद्यका मण्योपन क**रहन, म्हिन ७ काशनात आमानित्रत इत्र, এটা মানরা কারমোনবাকো প্রার্থনা ক্রিয়া আদিভেছি। এই নিমিত ধ্ধন আমাদিগের কতকগুলি যুবক এখন बाह्य महर्कात चात्र कटतन, खरकाटन আমেরা অভিনয় আহিলাদিত ছ≷য়াছি-লাম। শারীরিক বল মানদিক তেজ্বি ভার অধান কেজু। বায়ামের আবাপ্রয় धारव वाणिताक भारीतिक वललाख ছঘট। অভৰব আমাদিগের যুবকগণ थक् छ উপায় ই **व्यव**ण्डन क्रिशिक्टिलन। কিন্তু আমরা ছু:খিত হইতেছি, পূর্বা ঞ্লের আমের নায় জাটি বিস্থিবামান कीषे व्यादम कतिहार्षः। य चाज्यतिहा त्रका व्यामानिरात्र शत्रम व्यक्त, वस्तारम् ं कारा सक्छार्यभ स्रेशार्ष्ट्र।

बुवक्शन भावीतिक रणवृद्धिक्रिक्षेत्र বস্ত্ৰান না হইয়া কৌশল শ্রিকার এ मिंदिणय मटनाटयांत्री स्हेशांद्रस्त, কতর আংকেপের বিষয় এই, নৃত্য গী ন্যায় বজ্মাসুবদিগের বাটাকে ব্যায় ·· अजिनशं ११ व हरेटक्ट्या अव '' षक्तितः '' मक्ति अदक्षांभ कतिन কারণ ইহা এক প্রকার ভাষাদা দাঁ তেছে। যাত্ৰা, পাঁচালি ও নাটকা स्टलत नारत बार्गिट्यत्थ स्व इहेब्र न् अभीजकाती सन हहेटक व स्मरण কি অনিটোৎপত্তি হইতেছে ভাষা রও অবিদিত নাই। এ দেশের গ মাত্রেই থায় গেঁজেল ও মাতাল; কীরাকভদুর সকরিউল ভাছার পা मिवात अटाशकान नाई। वाशिमव मत्लक क्रेमकन करणत व्याविकाव शहि। भानवासिका चना দেখে শিক্ষাঙ্গ বলিয়া পরিগ হয়; কিন্তু এ দেখে এটি অনি कारण कहेगा छेट्ठे। दश्हिता शान শিংখিতে যার, ভার্গে প্রারই মা দেৰী হয় বলিয়া পিউছ। মাতা সম্ভা गटक के विषय निर्वाहक (बन ना। व : मिकाउ यन जान वाटन त्र नहां हु क ভেরি কবিশ্ হইল ; ইকার পর ছঃতেরর : আরেকি আছে? অভেএব আমের ভাবে युवक्तिशतक मञ्ज क्रिट्ड ভাঁহার৷ সক্তান করিয়াছেন; (मावधान इरेटवन, कलिका छात्र ज्यानाः परनात नाथ · । यक् मानूरवत र मन । করিবার নিমিত্ত ইহাকে যেন এ তামাসার বিষয় করিয়া না জুলে शूर्ख काटन द्वाम । श्रीटम मक मान ণের সমুখে ব্যায়ামচর্চ। হইভ ; f कांकात महिक वाल्कि विद्यारमत वाणि ब्राधायहरू शिक्षणीत्मत जुलमा इरे 📆 दत्र ना। भागता भूनदात कहिए छ मुक्तिका वन माननामित्रत निक

कविकाम नाम क्विक्किमान, ामश्चित्र, माप**क्टमेरी वसी** बनारकंत्र मारपत्र कात्रव मा करत्रम क्रियंत्रक तिमटक आहे अक्टी मेर्नहामन ठिছ। क्वम कार्के किए होते में नि न श्रामक्त अव्विभित्र ामिलका माम स्म मा । अथादिहास्य कार्याह्म, मृशवाधाक्षाक लिका कवा क्ष व्यादमहरू । युक्टक्डा तिमाम् ले (अनिभिष्ठ बकाड अधिनारी हरेग्रा-। अई डेकामा व्यक्तिय अमर्ग । अवर्गरमञ्जे काचित्र कारणत मर्था रात्तातय पूर्व कतिरवन नेटक नारे। ह क्रभीव अथेवा कहाभी काबादनव ব তলবার হতে গ্রায়মান ইইবার व पूर्व्याक अकाव मार्गिक कार्याः का कहा अकान्द्र कर्द्रहो।

शवर्रामके अवर खडा वयन । ক্ৰুদ সাহেৰ আৰিসিনিয়ার অমণ स्वाद्या विचित्रीर्हन, डेक व्यटमात গামারা এক কর্বে মাকড়ি দেয়। ात करनं अक्षिमाज माक्ष्कि, थारक, ার বিষয়ে আৰিশিনীয়দিপের সংকার রাজিকালে ভাষায়া হ্যাবাঘ হইয়া ক। এই নিষিত সকলে ধানসামাদি অভিশয় ভয় করে। ধানদ্মিরি।ও tिमरभाव चार्थमाथमार्थ (लाकर**क**े । कर्मन कतिया व्यर्थ डे भाषक्रन करते । छ विखंड क्हेसार्ट्स।

व्यक्तिक क्षित्रा बाटक। जिप्रिन भवर्गहम-केट्स देख बन कतिरात केट्स्ट्रम करे है।का मर्ज्यो का । भटन र लाट र प्रवासायो ইইবার অভিপ্রায়ে গোরাড়ের আর্থের निक्टें जिस्त कहित्र। चाटक। मट्या मट्या क्रांचि मिनवीता भवर्गरमध्केत विक्रम्स ৰুক্ত জীক্ষিকা নামা ভাবে জমণ করিয়া क्षंडकृत । देशसिटमत यक्ष्यक्रकातिकात धीक्षि कि अवर किटमरे वा देशना प्रमादन बारकार्ककाशांत अनुसंभान हरे **ट्टर**ा भवनेंद्रमके कानीत कर्यातातिकान क पूजिराक माउक वहार विवादार्थन। समत्र अदेशभ, स्वम् छश्वि स्रोतवी नत्र, शास्त्र स्थाति हुई अक सन जास्त्र । विद्यार्थायमा कतिर्छह्म। (शामरम ष्म्यकान स्रेटफट्ट ; नक्ल विषय नश्वास পত्रित शाहत इड्या मद्याविक न्यः কিছ আমরা এপর্যান্ত যত দূর জানিতে পারিয়াছি, ভাহাতে এইমাত্র বলিভে शात्रा याद्र, भवर्गरम**े** किथिए छेषिध क्षेत्रार्ट्य ।

चामता উष्ट्रात कान कात्र विश्व তেছি না। ওহাবিরা গণনায় অতি অংশ মাত্র। ভাষাদিপের অধ্যবসায়ও ভদ্রপ। क्ष्मिक कर विकास का विकास का क्ष क्तित्रा किছू किছू छाता সংগ্রহ করিয়া षारमान कतिराज्य अहमातः। विन्धूनि त्त्रं कथारे नारे। यूनलमात्न्या रेहापि-भटक धर्मार्थ यूट्य अवर्खिक करिवात य ভবর্ষে এই প্রকার একমাকড়িবি, চেন্টা পাইতেছেন, ভাষা বিফল। তবে বৃদ্ধি হইডেছে। পুলিষ শাস্তির কতকতালি ভ্যাবাঘ হইলাছে। আলোকাবাদের পঞ্জির নায় ছই এক প্রধান সাধন। পুলিব না হইলে ৫ কে ইহাদিলকে ভয় করেন না; কিন্ধু আনে ওহাবিদি পর অর্থ লইয়া ঘোষণা ক্রিছাবনার সভাবনানাই। আনংগ্ াদিগের প্রণ্মেণ্ট ইহাদিপের করিতে পারেন কিন্তু ভাষাতে ফিল্ছুর পুলিষও উৎকৃষ্টাব্দ নকে ব महत्त विकात कचिवात महावम। े। मः माधन এकान्त चावनाक व्हेत्रः সীভানার যুদ্ধের পর নৌলবী ভদ্ সুসলমাননাতেই ওহারি ক্রাড়ে, কিন্ত এখন বেএকার সভক্র প আৰু আলীপ্ৰস্তি কয়েক অন ওচাৰি, সুণা কলেন। মুদলমানজাতির অি 😿 😇 বৃত্ত ফেলিদালী আলালতের ব পান। এই মকদমায় প্রকাশ হয়, শের দহিত ওহাবিদিগের আহার 💮 শভে, এরপ থাকিতে অন্তর কা বাজালা, পাটনা ও পঞ্চাবের ক্রি হার নাই। অতএব সুনগমানোটেজের 🗒 ইন্দি চইবার সভাবনা নাই। উদ ণ ওহাৰির। নিয়মিভয়পে ক্র প্রতি নদেহ করা খনারে। ≎হাৰিদিপের একটোনসাদন কর্বা। সে এ

कि कमका जारह १ मात्रवरम् नक्षत्रक प्रदेश: जारहः 👊 🖚 निवारकृत चार्य मार्ट्स कैश्वात सम्बंध कि १ वह बादि नदत्तक बदन कार्यान कार्यात (इम । यादा रुडेक, यथम क्रांवि क्षेत्रि नेत्यर कविताद्य, कथन ७ त्मन क्षांक मुक्ति तांचा अक्ष**्त्र** , भवर्गदयके दिश्यकात आज्यत का ten, witte existing was व्याशाना (मध्या व्हेट्ड्ड्ड । व्याश्य कात्रकवरी त काश्राम्द्रभव दक्षम नर काटनन ना। श्रवन्टमके विद्वहना काम ना कहिंदल देशका चावित्रिति स्याराच स्राम अक्रिट्य। ध्यकामा रेशिश्वत औंद्र डेल्का कहारे क -:01-

मनवद्गत रकोकमादी चानासरखन -স্পাক্তা কর্ত্তর ।

े भामरा मर्था गर्था मकवन (मात्री जामालाक विकास का (मिथिट भारे, डोश:इ क्राटी बद्धाल देख्या हत्र मा (य. मास्कर क्षिमाही जामानक जात मीथ व्यविष्युश्च शास्त्र । छेश अविष्या शव *चित्र वक्त व्यर्थ वादत व्यव*न व्यवन व्यथन ब्रह्म करा इदेर ७ ८६। व দেখিতে পাইতেছি, দিন দিন লে क्लिमांदी आशामरकत श्रीक भन

्र, वस्त वह श्राप्तत उपानन मित्री इक्षत छ छत्रक्टल कहि. পুলিষ কমিসনর ও ডিব্রিট ্পরিকেতেওেকের ছলে বোদা हु है अ वांशा एड पूछि मानिट के है ক নিয়োজিত করা এবং ভাল मिश्रिश शूलियंत्र अना अना क्य tal क्छ ह। छेड्रीब्टल्ब (व क्लॉन ८५७३। ६७७, छाराटक मामानि আপুতি নাই; আমরা ভাল কাজ সুবিচার চাই এবং আত্মরকা : এখন বেমন **বড় খর দেখি**য়া নাবে ডেপুটা মাজিটে ট নিয়ো করা হয়, ভধন হেন দেরপে না হয়। হের সমরেই ঘর দেখা আংৰশাক কাক্ষের সময়ে ভাষা দেখিবার জন নাই। যিনি উপযুক্ত হইবেন, কেই ভতংপদে নিয়েক্তিভ করা । পুলিষে উৎকৃষ্ট লোক নিয়োগ উ**रात (सायगःर**भाषन ७ উ**क**र्यत , इंटल (य उनकात नाच १३८४, া করেক দিন হইল, ডাহার পর্যা रा कतियाहि। भूतिय क्षीठातीता ছলে পিয়া আবরাদের অনু-করিলে **পুশ্ম** বিচার কটবার मञ्जादना। जाल लाटक यनि ভের ও সফরিজ লোক লইয়া দান ও অপারাধের বিচার করেন थालीत्त्र कावका ७ (स अनु कातीत (नाय ध्यकाम्य इंदेर), পদ্চুতি, পদাবনতি প্রভৃতি নিয়ম হয়, ভাষা হইলে সুক্ষ नः इडेटर किन १

कांत्रर्ग अध्यक्ष: १४त व्यवकात्रमा देवारक, काला अहे--- लावीक व्यक्ति ১) ক**ভকণ্ডলি** উৰি: চুবী করিল। র্ঘ ড.হা বাজারে নীত হইল। পুলি । नामक्री कक्किक रहा । क्ष बंडमांग्री Ĭ.

বের লেতেক ধরিয়া চোরিত ভ্রথসহ উর্হের অরণার্থ ক্ষ কলা ছোট क्षात्रक अनावत सम्बल सामालटक **छन**्न क**र रहा हरे**ताहित। নীত করিল। ষেসকল বাজ্জি সাক্ষা দিল, ত:হাদিলের ৰাক্য ছারা অপরাধির দোষ नव्यमः १ इहेल । किन्द्र कि स्थान्हर्या! বিচার কালে ভুট সরস্বর্টা আসিয়া বিচারপত্তির কল্পে অধিষ্ঠিত হইলেন। সমুষ্য ওলট পালট ইইয়াগোর ! চেরের সহস্ত লিখিত এক খানি চিঠ ছিল। ছুটী টাকা পক্ষান্ হইয়া উটড়াইয়ালইয়া গেল। মকদনা ডিস্মস ছইল ; চোর महामादण्टन भृट् €.फा:श्रमन क्रिल। य जामालट अहे अकात विजात

হয়, সে আলালত গ্ৰথা কি উচিত ?

ा हिष्यू हर्देशम् अञ्चरक हार चार्माप्तित (एएमत अवनीम लाक-छालि कर्मकर्म भागाप्तिशतक शति-खात क्रिया याहेट ड एक्न । व अहर क्न **अ**क এक्ष्री कतिया कृष्यनशता इहे (अट्टन। কলিকাভার ছোট আলালতের ভূতীর জল বাবু হ্রচন্ত হোষ বৃহস্পতিবার রাজি ১০ টার সময় প্রাণভ্যাগ করিয়া ছেন। তিনি প্রখমে মুক্তেক হন। তং-পরে নানা কাজ করিয়া কলিকাডায় দি চীর মাজিটেটুট ও ভংপরে ছোট আবা शर्छत अञ्च करेत्राष्ट्रियम्। मकल विश (यह नज के कांकात सूर्य, कि खना याहेक। कि इंडेरहालीय कि अरमणीत मकरमह ভাঁছার সদ্বিচারে সন্তুট হইভেন। अभर्यासः डांशाव हतिज्ञातात्र आधानि দ্হিত অমায়িক ব্যবহার, শিকীচার, অতিধিদৎকারপ্রভৃতি ওাঁচার কয়েকটা বিশেষ শুণ ছিল। ডিনি এমনি লোক-তিয়ে ছিলেন, শস্ত্রাথ পণ্ডিতের স্তুরে পর ভাঁহার উপরে অনেকের দৃষ্টি নিপ-ভিত হইয়াছিল। এএকার লোকের ত্তু দাতিশর শোচনীর দলেহ নাই।

काइडवर्ष्ड स्वत क उड्डा

कांत्रकदर्दि (काटनत मार्थ मरुग कांश्व इत, क्षम् लांच क्तिया भन्नीत स्त्रांमाकिक উঠে। बहे (नामक्षन वार्गात ए পার না, ভাষার কারণ কি ? স্থানীর ক্রচারীরা প্রস্পাবের গোপন করিয়া রাখেন। এচে नयाहात्रभट्ड डेश क्षकांम इहेटन र्गरमन्छे छेका आहा कटब्रम जा। মেণ্ট ভাবেন " এতদেশীর স म् शटक्र कथा विश्वामट्यामा नट्स् । **জেলর অতি উপযুক্ত লোক**; रुरेटक अञ्चल कांक रुरेटक शादत ना या हा इंडेक, अवर्गायक विद्वार्ष का वठ अभेश्या खेवन कक्रम, कर्याहारि ও हेन(म्लाक्टेर स्थानव्रत सुस द्वास उ बिक (प्रश्रेष वा वक्क व्यावकान ह অদাপি জেলের মধ্যে ভয়ক্সর পং व्यक्ताहात कहेगा च एक । खातक बटर এবং ইউরোপীয়েরা উচার অধিকার অস্থান করেন, এই বলিয়া যে কিছু দে लाता मिक्कानिकेम अक्षानि देशत मर्वाम भाजा। हिमि बेर्लम, कर **কেলে** মেপর কয়েণী না পাছাতে অ ভাকের মটন করেক আনে মুদ্সমান পাইখানা পরিকার করিতে বলে এক ব্যক্তি অসম্মত হওয়াতে স ভাষার পুঠে ২৫ বেড মারিয়া সপ্তাহ এক নিৰ্মান ক্ষুদ্ৰ সৃহে ৰক্ষা ক हार्थम । भूनकात के काम कहि ৰলাতে দে পুনৰ্বার অস্বীকার করি আবার ২৫ বেড ও এক সপ্তার্নির কারাবাদ হইল । ভূতীর বার আ

করাও ভূতীয় বার অস্বীকার করা হা

मित्रा इकात खेखतकटल कि পুলিষ কমিসনর ও ডিব্রিক্ট ্পরিকেটেণ্ডেকের ছলে বোগা ্ট ও বোগা ডেপুটি মালিট্টেট ক নিয়োজিত করা এবং ভাল (मिहा शूमिट्यंत खना खना कर्य tत्र क्छे ह। छेड् क्रिट्श्त (व क्लॉन দেওয়া হউক, তাহাতে আমাদি আপ্তিনাই; আমরা ভাল কাল সুবিচার চাই এবং আত্মরকা । এখন ধেমন বজু **ছর দেখি**য়া নাবে ডেপুটা মালিটে ট নিয়ো করা হয়, তথন হেন বেরুপ না হয়। হের সমরেই খর দেখা আংৰশকে কাক্ষের সময়ে তাহা দেখিবার জন নাই। যিনি উপযুক্ত হইৰেন, কেই ভত্তংপদে নিয়েক্তিত করা । পুলিষে উৎকৃষ্ট লোক নিয়োগ উद्दात (कांचनः ८ मांचन ७ ॐक्ट्रात । इंडरन र्य डेलकात लाक रुहेर्द, া ক্ষেক দিন হইল, ডাহার পর্যা নাকরিয়াছি। পুলিব কর্মচারীর। **ছলে গি**য়া অধ্রাদের অসু-করিলে **পুক্ষ** বিচার কটবার সম্ভাৰনা। ভাল লোকে যদি र कत अनकति अन्याक लहेश हान ও अभारताद्वर विष्ठात कटतन धालीत्मत्र वावका ७ (य अपू কারীর বোষ থেকাশ ছইতে, পদ্চতি, পদাবনভিঞ্জিভি निश्च इह, उन्हां इहेटल कुक्स नः इडेटर क्वन १ কারণে এ প্রস্তাবের কাবভারণা ইয়াছে, ভাষা এই--- ছারীত আদি ১) ক**ভকণ্ড**লি ডাব: চুণী করিল ৰ্য ভ.হা বাজারে নীত হইল। পুলি ; नामक्षणि कक्षिक रहा। क्ष पंत्रमान

.इ. वसन वहे श्राप्ततः देखानन

বের লেতেক ধরিষা চোরিত ভ্রবাসহ তাঁহার আরণার্থ শ্রন্থ কলা ছোট कातरक अनावत भक्षत्व आमानरक **छेल**्री नक वक्क व्हेत्राहित। নীত করিল। যেসকল বাজিক সাক্ষা দিল, ভ:হাদিলের ৰাক্য ছারা অপরাধির দোষ मध्यमः १ इहेल । विद्ध कि प्यान्तर्गः! বিচার কালে ভুট সরস্বতী আসিয়া বিচারপত্তির কল্কে অধি**তি**ত ছ**ইলে**ন্। সমুখার ওলট পালট ইইয়াগের ! চেরের স্বহস্ত লিখিত এক খানি চিঠ ছিল। ছুটী টাকা পক্ৰানু হইয়া উটড়াইয়ালইয়া গেল। মকদন। ডিস্মস ছইল ; চোর महामादकरम भूर₹ ८.७ा:शमम कतिल। যে আদালতে এই প্রকার বিচার হয়, সে আদালত প্রথা কি উচিত ?

वाबु कवहायः .घाटवव मृकः ।

चार्याप्तित्रत्र (एएणत् अवनीत्र लाक-প্রালি অনমে অনমে আমাদিগকে পরি-खान कतिया यारेट डट्डन । दश्राम **अ**क अक्की कतिया क्रमण्डाता इहें उद्यक्ति। কলিকাভার ছোট আলালতের ভূতীয় অজ ৰাৰু হ্রচন্ত্র হোষ বৃহস্পতিবার রাজি ১০ টার দমর প্রাণভাগে করিয়া ছেন। ডিনি প্রখমে মুদ্রেক ইন। তং-পরে নানা কাল করিয়া কলিকাডায় ষি চীর মাজিতেটুট ও ভংগরে ছেটে আবা शर्छत सम्ब स्हेशिছिल्स्। मकल विश য়েই এত চ ভাঁচার সুধ্যাতি শুনা যাইত। कि इंडेरड़ा लीश कि अरमनीत मकरमह **डीहात मन्बिष्टा**त मनुष्टे ब्हेट्डन । अभर्यासः उांशांव हतिज्ञाताव आमानि (अत व्यक्तिका इत नाई। मक्तित महिष व्यमाधिक बावशात, निकोहात. অভিধিনৎকারপ্রভৃতি ভাঁলার কয়েকটী বিশেষ গুণ ছিল। ডিনি এমনি লোক-ত্রির ছিলেন, শস্ত্রাথ পরিভের স্তুরে পর ভাঁহার উপরে অনেকের দুক্তি নিপ-ভিত হইয়াছিল। এএকার লোকের ত্তু সাভিশর শোচনীর সনেহ নাই।

काइयबर्वद्र (सन क उज्रहा

चात्रचन्दर्व (च्यानत मार्थ गरम कांश्व इह, छष्णाड क्रिट्स भंडीत (त्रामाभिक উঠে। 4 हे (माम हर्यन वार्गात ए পায়না, তাহার কারণ কি ? স্থানীর ক্র্চারীরা প্রস্পাবের পোপন করিয়া রাখেন। এচে नयाहात्र भट्ड छेहा क्षकां म इहेटन ৰ্থমেণ্ট উহা আছে করেল না। মেণ্ট ভাবেন " এতদেশীর স मर्गात्वत कथा विभागत्यामा नत्म । **জেলর অতি উপযুক্ত লোক**; **रहेटक अङ्गण कांक व्हेटक शा**रत ना याहा इडेक, अवर्गामक विद्यालि एक वंड अर्थाश्या खंदन कद्भन, कर्महा ও ইনস্পেষ্টৰ জেনরল গুপ্তারভাস্ত ও শিত দেখিলা মত ই আলোভদনয়ন চ অনাপি জে:লর মধো ভরকরে পা व्यक्ताहात करेश च ८३ । खातक ४८३ <u>जबर इक्षेत्राभीत्यता क्रेकार अधिकार</u> ष्यञ्चीन करत्रन, এই बिलिया (व किছু (भ পার। দিক্সনিউপ একখানি ইংর नर्वाप भाजा। हिमि बंद्रनम्, कर **ब्ब**रन (मध्य करवनी ना थाकार उच ভাকের মটন করেক কান মুদলমান পাইখানা পরিকার করিতে বলে এক ব্যক্তি অসমত হওয়াতে স ভাষার পুঠে ২৫ বেড মারিয়া मश्राह এक निर्मान कृप्त श्रुट्ट बचा क রাবেদ। পুনর্কার ঐ কাম করি ৰলাতে দে পুনৰ্বার অস্বীকার করি আবার ১৫ বেড ও এক সপ্তার নিয কারাবাদ হইল । ভূতীর বার সা

कता ও कृषीत यात स्वीकात कता क्

नकात्र २६ (वटकत्र, अवर स्कलाशा विभिट्ट विकास शास्त्र स्थान क्रिया क्षित्र भारतः विक्री स्वातः अञ्चलिक ल। विका माथा हैका उर्नटर कारात BC के बें भेटत क्लिमिक्किमि अने काला ग। वरे वाकि (वर्डन मञ्जूना, क्षे 🛊

্ৰেমাভে শীৰ্ও রোপাক্রাভ হইয়া t ta स्हेबा शिष्यादम्। कि निर्कु-। कि निक्तिया । योशंत नामाना াধশক্তি আহে যে ৰ্যক্তিও এমন ক করে না। ভারতবর্ষেত কাড্যভি-ন প্ৰবল; বৈধানে জাভিডেদ নাই, খানে প্ৰেয়ত অভিমান আছে। ध कत, अक अन चल देश्हां क (कान तिर्देश कटत्रम व्हेत्राट्यन, स्थाटनात কে তাঁহাকে মেখরের কাল করিতে ণলেন, তিনি কি ভাষা করিবেন ? र्गायन कि देशांदक हिंद्ध न्राम्य न करतम १ स्थितित का अपूर्णभाग েল ভাষার জাতিনাশ হয়, এ কথা ष्याभाषिरभन्न मध्य नवर्गरमध्य विद्व বোপাও আংখ্ছইৰে নাগুৰর জন ভাএই (জলভাধাজের কি দঙ্বি कटतम कामता कमर्जनाची इहेश কিংকরিয়ারহিলাম । তিনি নিশ্চয় न(बन, बहेशकार गर्त्विक ଓ छेक्क गति इहेट उहे अटनक अमटत **अ**टनक म केशिक्षिक इत्र ।

विक्**याञ्च**रीयः

শামরা পূর্বে পূর্বে গরে একিপর াছিলাম, মহুষাপ্রশীত কতকওলি বিশেষের অসুষ্ঠানই জগতে ধর্ম । भाग्न हरेशास्त्र। 🛎 अक धर्माटलम मुक्के इन्टेटन्डट्स अवर । জন ধৰ্মনীতিবজান লাখ ভ্টয়ালি এবং এইড ধর্ম বে অভিতীয়

উশ্বরের উপাসনা ও তাঁহার প্রতি ভক্তি শ্ৰদ্ধা তাহাৰ বহু ব্যতিক্ৰম ঘটিলাছে। আমরা দেখিলাম, কোন কোন সমাচার প্রবস্থাধক আমাদিধের অভিপ্রায় नमाम समग्रमम कतिएक शासन माहे। ভাষার ধর্মনীভির বিষয় যে প্রোণ कातामि । बटर्बक्र विवत दव क्रेम्बेटर्शां नामना क डेक्टबर कटकर कतिया डेक्यटकई धर्म मः कांच कियाम्छीन विषया निर्मित्र করিয়াছেন। এ উভায়ের মহৎ অন্তর। পরেশকার আমাদিলের কর্তব্য ; ক্রি অসক্তিও অন্য অন্য কারণে বলি আমেরা, उद मण्यांकटन चर्चक रहे, आंगरा भागी रहेव ना । **शक्कां ऋट**ह यहि क्रे**बं**टद्रां शामना ना कति, भागी कहेता अधनीकिवियदम রও কতকণ্ডলি এরপ আছে, ভাহার अक्तर्य अवदा अन्यक्षाहत्वरण भागी **र्टेटफ क्या व्याग**ता मनि ८०) श्रीका :কার্য্যেরত চই, অথবা সতা বাক্যের অনাধাচরণ করি, পাণী ও দওনীয় रहेर । अध्यक्ति क्रियाञ्चीत्व शक्तिः वार कहा जामानिकात जाजिए अक नट्या बनगरकात्र, मञ्जूषात्र वालास्थार्ग করিয়া মুক্তিলাডের চেতা, মন্ধ্পুকা ও বৃক্ জ্লেদি ক্রিয়াস্তনই আমাদি পের বিদিক। ঐসকল অলুভান অনি (क्षेत्र मून । फेरा स्वेटक रे उश्यक्ष आह कु क इड्राट्ड। उड़ा इड्रेट्ड अगटक धना ভেদ হইয়া লাভিটেবর এভৃতি এক ভূ श्राष्ट्र । योहाता (कनावहन्द्र उक्तानस्वरू, याहाता थ्छेटक, जात याहात ताम् 🤕 ক্ষকে মৃত্তির দোপান ও ঈশ্রাবতার ब्रिया विद्वाचना करतन, छेश्यम् मय्यक উাহাদিগের পরস্পারের যে কি **এ**ডেন মাছে, আমরা তাহা বুঝিতে পারি না। যে ঈশহেরর যাবভীয় কার্য্যে প্রম क्षार्था शक्षिक स्ट्राइटङ, वाक्षिविद्रमार्यत्र षाञ्चत शरूवाकिटेडरक मुख्यिना क*रहेर्द

निञान्त अञ्चलारहत कः একত हरेडा डेलानमा सक्क প্ৰীতিগাভ হর না, যদি কা नर्कात बादक, खाहाछ वि पर्याष्ट्रविक मरमहनाहै। ধায় কাও বিশাল ও থাশত শক্ত বিধান যে তাঁহার रहेटव, काश कान कटमहे महा উহিার উপাদনার ভার, জ কাল, পাত্র ইকার কোল নির: তাঁহার অন্ত ভাউর বিষয় পূর্য कतिया यथन छाटराम्य स्ट्रेंट्र उँहित भाग्राधना कतिएक इट्ट्र कटन अवज इहेडा केश्वरत्र ह कतिरम करमात्र क्या गाँदात আন্দ অসুভ্ৰনিমিত একতা উ क्तिएक हान कक्रन, खाहाटक च नारे। किंद्ध या हाता गाँठ करन रहेश कैशामना ना कहिटन केशामन एत मा अहे काकात विद्युष्टनः कटन्न (यमकन दाष्टि क्रेशकात्र हेश र्मभक ना इन, काश्वामित्यत म छ ह উদাত হন, ভাঁহাদিলের তুলা ভাগ নাই। দওকরপ্রদর্শনভারা অংগ मठी, पामान्द्रक मान्नु बन्द पादा शाचिक काधदाव (हम्होत फुना ' আর নাই

एएम १७३.

६ १७४/.६ इ.स. ५४१वि কাশীর স্লাজার সভা প্রিব. ভ নিবাসী 🚉 ুরু তলেচরণ প্রায়া मक्त्यम गरी ... एम . हेई दिए कि 机排水 化原子的 化 部本 医肝 到 本島市 বাঁহার। পণ্পকালে ন্যান্যা<u>ট</u>র ৰিষ্ট গুলি জ'নিবার বাসন। : ৰং-मिट्रीह शटक अर्थ कि केशकाइ निका

'२ । टाहर'''' के महिल 🔻 📲 📆 मा, किनि स अहे विश्वान कतिर्दिन, अहि। सिक छेक मूर्यी ह 角 🕆 S. 26 চরতে আদোপান্ত জীবন
বর্গিত হইয়া থাকে, এছ
প্রস্তুতা করেন নাই।
ন সংস্কৃত করিদিগের রীতি
রিয়া ইছার প্রশান করিয়া
কেতার এসিক রাজা রাধাযে প্রকার সকরেন ও ধার্মিক
বং ভাছার বিয়োগে হিল্ছধর্মের
হইগাছে, এই সকল নানা ছলে
ইয়াছে। প্রস্কার ইহাতে আপ
বিশ্ব শক্তির বিলক্ষণ পরিচয় দিয়া

। এইচ, টি কোলব্রক সাহেব

দায়ভাগের ইংরাজী অনু
হাই কোর্টের ইংরাজী অনু
হাই কোর্টের ইংরাজী অনু
শচন্দ্র ভালাকার পরিলিভের

এখানি মুদ্রিত ও প্রচারিত করিয়া

আইন বাবসায়ী ইংরাজীজ্ঞ ব্যক্তি
র পক্ষে এখানি বিশেষ উপকরিক

। এখানি অভিউৎকৃষ্ট কাগজে

অকরে সুন্দুর্কণে মুদ্রত হই-

B। हिन्छू महिना नांग्रेका 🕮 विलिस ন দেশগুগুপ্রণীত। ইহা হিল্ফু भारतत्र वर्जभान ही नावश्राक्षालक বিল। ইহার সম্পাটী এই। কুপুর গোরাম রারনামক এক গৃহভের াার ও বদস্তুমার নামক ছুইটা সুমতি ও গোলাপী নামী ছটী क्ना क्रिन। क्षमञ्जूमात्र शुक्कः ার দিতীয় দারপরিপ্রত্ করেন (सभी त व्यवास्तादत व्यव्यास्त्र) কুমারের বিবাহ হয়। নটবর বলেনা ोर्डमा **य**र প্ৰতিবেশা এক জন 🚗 जामार्थंत मरनात्रथनात्री अक्डी উটি। কন্যার অশীতি ব্যাধিক বৈ ট বরপাত্তের সহিত বিবাহো-^{এ थर}ेन नेत्र घटत अवर दनसङ्गाटतत्र ।

1543.

छीत उटकारम्भन डेश्लटक कारात मया জীগণের নির্লজ্ঞ ব্যবহার; প্রসন্ত্রা-রের জীয়বের পরস্পর সাপড়াব্যবহার ও কোন্দল; প্রসন্নকুমারের দ্বিতীয় জ্রী শশীমুখীর শ্বঞ্জ ননান্দ্রিসের সহিত ছ্কাবহার; বসমকুমারের জীর অংশ বয়সে গর্ভধারণ ও ভূমিষ্ঠ হইবামাত্র महारमद मृत्रुः , शर्क ও महारमियात्रा ञ्चीमित्रात व्यमुखे ও স্বামিদমালম্পণনা , হর নাপতিনীর নিকট শশিমুখী ও নিস্তারিণীর স্বামি বশীকরণ ঔষধগ্রহণ: স্বামিত্রখে বঞ্চিত ছইয়া কামিনীনালী একটা প্রতিবেশী কুলীনকন্যার গৃহ-कांश ७ मांगाशिक वर्षान वर् তথার তৎস্বামিন্নাপম; প্রসন্নতুমারের প্রথম জ্রীর গর্ভকাত শিশু সন্থানের भीका देशनायाः जीमित्रत द्यादाता ডান ঝাড়ান ; হর নাপতিনীর দাহায়ে क्रभावारमत क्रिका विश्वा क्रां शाका পীর গৃহত্যাগ; প্রসন্ন মারে: পুরের মৃত্যুও তৎজ্ঞীর গণদেশে ক্রপ্রদান এবং এই উপলক্ষে প্রদল্পকারের সঞ্জীক वक्रगावारम मानिष्यु देवेत काहाती भमन-প্ৰভৃতি বৰ্ণনায় গ্ৰন্থ শেষ হইয়াটে थानि (व फेरकरण व्यनी व इहेग्राट्स, द्धांभक्त करेशारक। देशाएक आ ए জীলোকদিনের অবভাসুচক ব

। সীতার বনবাস। শ্রীযুক্ত র।সবিহারী মুখোশাধার বাশালা পদ্যে ইহার
প্রনারন করিয়াছেন। পদ্যগুলি মন্দ হয়
নাই। চাকাসুলভয়ন্তে মুদ্রিত ও প্রচারিত
ইইয়াছে।

वापि प्रमावकारा वर्गिक इन्हेरारह।

৬। নীতি পুলাঞ্জা । এখানি স্কুষ্ণ লোহারাম শিরোরত্ব প্রণীত, বিজীয়বার সংক্ত। ইহাতে কতকগুলি নীতিবিষয় পদ্যে রচিত হইয়াছে। পদাগুলি কিবুপ হইয়াছে, ভাহা পাঠকগণ শ্রংই প্রীকা केंद्रम् । ज्यामद्रो करत्रकृषि कृत्वि। वि केंद्र्य कदिशा निलाम ।

গৌজান্ত্ৰ-৷ এक्क्षांकि छङ्गग्रह, अक्क्षांकि क्रम ध क्रर्थ करन मरह अन्य काव, च ने क्रांच मान यक, भव्यभा अक्रमण गर्दक्र मा स्य (अम काव, अक भटक प्रमुख्य . अक्रकाटक मटने व (महेळ्य मट्हान्द्रश्रद्र) এই হেডু নিরস্তর, এফডার পরস্পার, रद, भव এई छाद्य महन হলে ভার বিপরীত সবে ভাবে বিপ কুরীভি বলিয়া, লোকে যোগ गरशंबरव क्षित्र काव, अप्रिवक कृषका वकाव-विक्रम वांग माह्य। বজনে শত্রুতা ধার, অগরে মিত্রতা ক্ধনই নহে সম্ভাবিত 🥫 अहै कथा मध्य करव, नाहि जान-वारत न ষ্টুর্ণা করে অপরে নিশ্চিত। (मान्टरत अक्टर्स्स, ना वन्त्र अव्यक्त व्यद्भागत क्षत्र : म कन, मञ्जूषाच गारि कात्र, त्महे लेख मत्रःकः (अहमूरा) रथः १५७१। कारे कारीशन यक, यान बस अक्सार, স্বস্থুৰ নিবাসে ভ্ৰায় > ভাষার বিরল ভাবে, এ ভারত দীন : कारङ माज निकीरवद्र क्षायः ষ্ড মাতৃভূমি-ক্লুড, ২ইলে সেভিভেত্ৰ (भरमात केंग्ब्स क्यू मूच, দৌ ভাগ_াশ শির করে, ক্লেশভয়েংগাণি शक्रेन्थात शाह व**ह**ञ्च

विविधमः वाम ।

১ ক ই অগ্রহায়ণ গোষধার।

অব্য বিশ্ববিদ্যালয়ের প্রবেশিকা ও
পরীক্ষা আর্ড হইয়াড়ে।

श्रम सम्बद्धि सम्भूतित वाकारि भाग अने सम स्कारत कर्माताले कहाँ कर्माता प्र कताएक सामात तांवर अन्न सम्मान करा ह निम्नमविक्षित करन्दमंत्र प्रभावे अहै। कामाय स्वारिक कर्मात्र हरेगा।

क्षणीरङ्ग होकान्न २ (गत्र ज्ञान विज्ञीत .फर्फ !

शक्षां अवर्गमित श्राणि अक भाष्ण नियादिन। श्राणीत श्राणा इदेर ताथी त्य स्टाक निन स्रोतिक श्राम, त्य निम कांशात (यात्राकित्रम् शक्षात्र, अक नियात नियम कार्छ। त्य कटब्रक दिवर कतिया कार्यात कतान देहात्र केरणा। कि मृद्ध सामित्य (गार्क्य गर्दसरे स्वक्षेत्र । (स्वत्य सिम्नमिक योगः क स्वत्याम स्वास्त्र । (श्रामा रेशाएक राष्ट्रक स्वत्य श्राम् का । ताहत स्वत्राधीतः सामे स्वत्य स्वास्त्र स्वाह्य । श्राम करता किस श्रामिक अभिनियम स्वत्यम्, । श्राम गर्द्ध क्षां स्वर्ध मियाएस्स् करे स्वत्रि

निष्मवर्ष्ट्रिक कन्पनातीमित्रत स्विनात छ রপরতার আনর এক দৃষ্টাত পাওয়া বিষ্ণালয় ठककिरनद कार्दन थाकिए**ड शार**क किस्ती দক এক জান সীমাস্থিত সন্দার লেপ্টন্**ট** এর वक अक स्वस (छ शुंजै कमिनसहरू प्रमुख्याद्वीयः। রা বিয়াছিলেন। সেখানে জাঁইার প্রতি থাছিত স্ক্রান প্রদর্শন করা হয় 🖯 লেপ্টন্ড क्रमाच क्रिया क्ष्मिया क्रमा क्रिया ात्र वलिटक्टइन, *(ल*ल्डेनन्डे ८४ न्ल्स्ट्रीकिशास्त्र निकात्र कविद्राहित्समः मध्यात्र यनि 💆 होराक উয়া দেন, ড়াহা হইলে তিনি ভাঁহার বিরুদ্ধে ান-কাজ করিবেন্না। প্রধান বিচারাল্যে वेयरद्वत वयन कञ्चनकान एत्र, रमण्डेनाण्डे (बा गटतत्र अक्ष नाम्भीत्र व्यवस्थित् ना इ.स. अ.हे-क्रम कारांटक व्यानामक रहेटक मुक्क क्रिया য়া গিয়াছেন। এপৰ্যান্ত কোন ছড়াক্ত আক্ষা माहे । याशश्रुक, रेमिक विवादंगीकत क्षा व्यक्तिय प्रभीय त्याथ व्हेरक्रकः। विक्रि ব্যাভিলেন, এডদেশীরদিগের সহিত যে

मश्यम वद्गमाभक किलाकाकात छाक्यतित अन भ्यामा दिख्यिक श्रेत श्रेत हिंदि स्मिर्ट कताएक छाहात श्रीह दश्यत मित्राम हरे हा छाटकत भ्यामात्रा चिख्यम प्रकारित हिंदि च्यानक हिंद्या, प्रचार के खिटलाकिनियात कि निष्ठमिक माञ्चल बाकिलाक खिल्याका श्रेता कविद्या लग्ना (दिख्यक्ति श्रेत हरेला निम्ना किलाका हाहा हरेग्राहरू।

৪ হর, ভার্য কল করিলে দেখি নাই।

নমনাসংক বলিয়া কুষাউটেন খে বাজিকে ক বংসর জেলে রাখা হয়, ভাষার জাপীল ভি আগরার প্রধানতম বিচারালরে বিভি হয়নাছে। এ বাজি বে নমুনসিংহ নহে, প্রকৃতি নমুনসিংহ নহে, প্রকৃতি নমুনসিংহ হয়া। প্রকৃতি নমুনসিংহ ভীশাভারিত হয়া। ভ্রাণ করিয়াছে, ভাষার শাস্ত প্রমাণ হয়া। ভ্যাপি কুষাউলের ভেপুট ক্ষিসনর বা রামণে ভাষাকে ছাড়েন মাই এবং বি কুক্সন ভাষার দ্ধবিধান করিয়াছি। প্রকৃতি এই মক্ষ্মা সিবিলিয়ান কল

ग'र बरबर जिक्ट इंग्न : फिल अ वर्डिंग्टर

নিরপরাধ জানিতে পারিয়া যুক্ত করিবার মানস করিয়াজিলেন । কিন্ত দীজ বছলী হও রাতে পারেন নাই। কর্মেল রামসে আসিব। মাত্র উহার পরিবর্ত হইলা বেলা। ক্ষত্রেক জন আমলার চক্রান্তে এই ব্যক্তি এক কৃষ্ট পাইল। প্রধানতম বিচারাজার জালীল নিভগতি করিবার সময়ে সৈনিক বিচারপতিকিলের প্রক্রিকার মোনারেণ করিয়াজেন। এইসকল লোক ক্ষেত্রল সেনারতা বাবিলেই ভাল হয়।

গত শনিবার তুতন বিবাহের বিলের
আপতি বস্তন করিবার সময়ে মেইন সাহেব
বলিয়াছেন, আমানিগের প্রজানবদে আমর।
বাধীনতা নিতে চাইং কিছে তাহারা সেই উপ
কার বুরিতে না পারিয়া কেবল কুতর্ক করিব।
ধর্ম ও দেখাচার ধরিয়া গোলবোগ বরিতে
কোন 'আমানিগের প্রজানব" একথা গব
গমেন্টের এক জন এই প্রথম বলিলেন। মেইন
সাহেব বে স্বাধীনতা নিতে চান, জগদীধর
আমাদিগকে তাহা হইতে রক্ষা কর্মন।

আনরেবল আসলি ।ইডেন সাহেব কলিকা ভার উপনীত হইরা সীয় কার্যস্তার এহণ করি রাছেন। ভাশ্পিরের সাহেব অভিরিক্ত সেকেটা রি ও ই রাট বেলি সাহেব মক্তালের এক অন আজ হইভেছেন। এরপ জনজভি ইডেন সাহেব শীত্র ভারতবর্ধীর গ্রহ্ণনেটের এক অন সেক্টোরি হইবেন।

कामता अवन कतिनाम काक्यतमपूर्व अक अस महकाती किरतकेत (क्षमतन इटेरवन) अन (यह रकाम अरहासम रहना शहरकर हो।

বাদ্দের প্রলিকপ্রাক্রিভাগের প্রধান আকাউণ্ট আফিসে ডোমন খানামক এক বাজি ৩০ বংসর ছয়মাস জালারের কাজ করাতে গর্পর জেনরল ভারাবে দয়া ভারিয়া মাসিক ০ টাকা পেন্সন দিবার অন্থ্রোধ করেন। সর জন লয়েল আরও প্রভাব করিয়া ছিলেন, দল টাকার নীচের যত ভূত্য লাছে ০৫ বংশর কাজ করিয়া শারীরিক অসামর্থানিবজন পদ ভ্যাগ করিলে ভারাদিগকে মাসিক ৪ টাকা পেন্সন কৈওয়া কর্ত্রা। সর স্থান্ডোড নার্থ কোট উভয় প্রভাবে সম্মত হইয়াছেন।

পিশ্বনিষ্ণ আবন করিয়াছেন, বারাকপুরের কান্টোনমেন্ট মাজিটেট মেজর বরণ ধারভালার রাজার সম্পান্তির ভাষাবধায়ক কইবেন। এটা একপ্রকার শুভ সংবাদ। ভাষা কইলে বারাক পুরের সীমান্তিত লোকেরা ক্ষ্বিচার প্রাপ্ত কম। এবাজি দেশীর ভাষা জানেন না । আইনেও कशिकाकात ज्ञास इक्षा खीरमाकरक अक वय कतिया खाशत खार यो इक्षा खाशत खार्म यो इक्षा खारक इक स्थार व

ভেলিনিউস অবগত
ক্রাজার বিভাগের
ইউনান সাহেব অসু
বিভাগের অধ্যক
নিউস যথার্থ থলিরাছে
মধ্যে বে করেকটা হভ্যা
ধরা পড়িল না। ইনি সু
অসুস্থানের সমস্রে করে
এমন অসুপযুক্ত লোকরে
বিভাগের প্রধান করা ব

गृहै. ज, मिछिन नी जि श्रधानकम विहाताना हिन मीनामकाती स्म हेरोड जात अक जाका कनिकाकात नर्माक्षण जि हेरेसन

অমৃতৰাজ্যর পত্রিকা ब्बद्ध रूटेएक एक । ब्युद्ध (व कामारम्य श्रार्क विश्वांम व्यामारपद (म क्यमें) शिश्व **पश्चिमाद्य । इ**कात केला याञ्च ना । गवर्नद्रमन्त्रे कि व জন নেটিৰ ভাজনার, জা ইয়া দিছে পারেন। কিন্তু क्रेनारेमल मारमना, जा ৩ ৰংগর হুইল, যে ভয় এবার কার জ্বর, ভাহা गफ कासन देवजा मार्ग अ লার বিষ্ণার লোক মরিয়া वारक व अमरन क्षत्र क चरतत्र अरममनदर्भ कि . इंक्रिकाम वर्तन,

तमारण यमक्म कारेन्न व्यापि क्रम विक्रम कति। तम्बारक्षणम्मा भवर्त स्रेम्गरकः ज्यापि मञ्जाप विविधामी भीकातियामीत स्रेमा ३० र नरवस्त मस् क्षित्रम्म व्यक्षः भाजी मार्थे विद्या विकामा नहीं वि

আৰ্কসমাথ প্ৰায়ুণ্ড জান ফাবোদে আসিয়া বাদীর ৪৩০০। আনা মুল্যের पूर्याक काज़िया सहेग्रा 13 मर हेमरू**ल है** ३ **७ हे**न द्वाभाषाम ७४८७ विमुख হওয়ার সভাবনা নাই। ° ায়ণ মঙ্গলবার।

বরুত্তাক্ত প্রকাশক হই বুক্দ পড়িয়া গিয়াছে: থককালে রাস্তার উপরে · 選引押 配丁押刀には 年記 अ भाग (वाष्ट्रे विमर्छ इहे **इन्ड इहेबार्ड (य, अर्थ हला** मुत्र व्हिन स्ट्रेश्नाट्ड काशाटक **দুকুটে ইয়াছে দেখা যাই** तक कांछि रहेप्राट्डा अहे ননামক এক জ্ঞান ইংরাজ করিয়াও আহাজ হইডে কে ভীরে আনম্বন করিয়া

ক যে ব্যক্তিকরে সি আফি गिकाव (बाहे अहेब्र) (श्रमाता ৰ, গভাকলা বিচারপতি ম পরি**অ**নের সহিত **ছ**ই : ্**ন। এবাজির পুর্মসচর** मधुम्थः इहेन्नारङः अरङः চার ভাংগাকে প্রসুলির দিয়া সর :আন্দে থাকিতে **হ**ইৰে ৷ हाकरवड़ ३৮ **मान** कड़िश्री

रक्षत्र करका विश्वत काळ জন অংতিরিক*ড জালা (প্রা*র্ণ ₹5

व्याप्त अन्य सम्भ क्रिक धक मृष्टेरस्थ श्रद्भ कि द्वियु নামক এক ব্যক্তি আনুপ পরিচয় দিয়া রেস্প হইডে রিয়া শি**লাপুরে পলায়**ন সে নাম পরিবর্ক করিয়া বসস্তান এবং ব্লেপ্রবের এক

राताबह्या वरमहानाशाच्च कमित्रविको विका গের কর্ণেল ওয়ালটনের নাম জাল করিয়া ৭ * * • টাক: চুরি করাডে ভাহার ছই বংসর भिन्नाम व्हेश्राटकः ।

কলবিদ্যাধক কাছাভের এক জন চা কর এক জন কুলিকে প্রহার করাডে ভাহার মৃত্যু হয়। জুরি সামান্য আঘাতের অপ রাধে দোষী বলাতে বিচারপতি ফিয়ার এক বংসর মাত্র নিয়াদ দিয়াছেন। ভথাপি কসাই টোলার জুবির কডক উন্ধৃতি হইয়াছে বলিতে रहेरवं विना मटल अवशहित (भम नाहे।

वाषाहरमञ्ज अधानकम विहातानरमूत कक সর জ্বোদেক আর্বি ড্পদ্ত্যাগ করিতেছেন। এমত জনজাতি, সর বার্গেস পিককও শীত্র পদত। গ করিবেন। ভাষা হইলে সর্প্রালট্র মর্গাপ কলিকাভার ও বিচারপতি ফিয়ার উত্তর পশ্চিমাঞ্লের প্রধানতম বিচারালয়ের প্রধান বিচারপতি হইবেন।

হৃৎস্পরিবার বেলা ৪ ঘটিকার সময়ে গবর্ণর জেনরলের বাটীতে দরবার ছইবে :

शक्षः दिवत कष्टे मिस मिस दृष्टि इहेट्छ : छ । छ निः রারপুর হিষারপ্রভৃতি কোনে কেবল ছড়িক নং পীড়াও হইরাছে। গুরগাতে ছার্ভিক্সী क किर्गात (य नो काया (म क्या क्रेटकिन कार्या ভাবে ভাহ। বন্ধ হইয়াছে। শৃসং অগ্নিমূল্য ।

৮৪ গণিত ইউরোপীর রেজিমেন্টের শার্ক্তন (भक्त क्रार्क उर्वलियात हिन्द्रभानिकान कानभुद्रतः विद्यारी (सोनाधमादमत कियाजावनिष्टे तर প্রদান করিয়াছেন । জৌলাপ্রসাদ আভিত্তে ব্ৰাহ্মণ ছিলেন। ১৮৫৭ অব্দে তিনি নান। সাহে त्व व्यक्षीत्म अक स्मन विश्विष्ठित्रात स्ट्रेग्नाहित्समः কানপুরের হত্যাকাতে লিপ্ত থাকাতে ১৮৬০ करक डीशंत काँभी कहेग्राहिल। अहे गुरुएन्ड् ভাক্তব ক্লার্কের হক্তে কিপ্রকারে গেল ? আমরা ভাবিয়াছিলাম, মৃত ব্যক্তির প্রতি অংশমান কর कर्णल नीरनत भरकरे शिवादा ।

মহারাজ হোলকার বলিক ও ক্ষিদ্র এজেন্ট উপাধিতে ৰোমাইয়ের আদালতে এক ব্যক্তিয় নামে নালীল করিয়া ১২০৭৮ টাকার ডিঞ্ পাইরাছেন। মহারাজ প্রকাশ্যরূপে বাণিজ। র বিস্তব সম্পত্তি আছে। করেন ও টাকা ধাব দেন। তাঁহার মঞ্জুমাসকল होका कर्क कविश्व एक। प्रतिना आमामामा छ इस सम्माख कविता किलि [निश्त: इ.स. अ.चः क्लि. खुद्रा ं फिक्कोकाति कतिया होका कानाम करत्न । किन्न া করিয়'ছেন সন্দেদ নাই। ভাঁদার বিরক্তে ডিক্রীজারি করিছে বেলেট ংখ্য কার্ক র ক কইবে। বিজ্ঞার অত্বাদর্শন করা হয়। হোল্কার কুলি

মান্লোক তাহার বর্তমান মন্ত্রীও এ: উপযুক্ত লোক। কিন্তু বে কাজ করিতে ভাহা অভিশয় লক্ষাকর:

১৮ ই अधारायन वृथवातः। ও বৎসর অংবধি কলিকাডার বে**া**ড় था छः काटन ना स्हेद्रा देवकाटन स्हेटन

অদ্যকার গেভেটে একটা উত্তম আজা শিক হইয়াছে। যেসকল স্থানে সিবিল স অংছেন, ভত্তং স্থানের জেল ভাঁহার ক **হইবে। মাজিক্টেরো আলম জালন ७८**न वर्णकमाञ स्ट्रेट्ट्वा मासिट्डेट्र र्ट्य अफ काम (व, (ब्राह्म अवस्था মাত্র হইয়া উঠিয়াছে। মুবসিদাবাদ 🍎 চ निवित्त मार्क्कमिरियत रूट्य अञ्चल कार्य থাকাতে তাঁহার। জেলের ভার পাইডেছেন আলিপুর, গ্রেনিডেনি, হাজারিবার দিখার জেলে পুর্বাবধি সিবিল সার্জন ঘ গংয়ক আছেন। এই অভিরিক্ত কার্য।ভার ग्राट्ड निवित्त नाईक मित्राटक करवानित निव বৰ্জিত বেডন দেওয়া হইবে। অৰ্থাৎ ৫০০ मित्र व्यभिक इहेट्स १६० हे।कार ७०० प ৫০০ পর্যান্ত ১০০ টাকা > ১৫০ জাব্যা भर्य। ख १ ६ में का अवर ३ ६० करप्रे हिन्न कम इ বাঞ্চিলে, বেডনও কমিবে, বাজিবে। সব ষ্টাণ্ট সাক্ষনেরা এদেশীয় বলিয়া ভে ভার পাইবেন না। এ দেশীয় ও ইউবে বলিয়া কাৰ্যা দিবার রীতি কবে অভা १ हेर्ड

কলিকাভার আনাদেবিও ব্যক্তি এ শ ১ • • • के कि माज अभियादक। (लाटक शर প্টের সেবিও র্যাক্ষেট টাকা দিতে চান। এব "আনা ব্যাক্ষ উঠাইয়। দেওয়া কছেব 1 3353

में प्रशिक्ष अवात माञ्चारक अभन कि গিয়া একটী মহৎ আৰি,জুয়া,করিয়াছে তাকোরের রাজার পুস্তকালয়ে বিস্তর সংগ্র ও কামিল পুস্তক_্কাহে। পুরাণ, ন্যায়, শাস্ত্র, আনুর্ফোদ্যটিক অনেক পুঞ্জক র'হয়া म इ नारक्व अनकरतात अक छा जिका क क्त । शुक्रकामदत्तत चात्रवाशीता शुनः मूत्रा यमा পुरूकमकन निष्ठ श्रेष्ठ आह माञ्चाक श्रवनंहमर्ग्डेत अविष्ट्य महनाह्या भी र **本管制**1

· গত বৎসবের নার এবার 🖈 সালমপু .मनात्र नाना रम्भ रहेरफ विश्वक अभिक आर्थि । ইহার হাটকর্জা কর্পেল ফরসিথের ক্ষর্ (পঞ্চারী অভিধানে '' আজা ' গুলুমু করেক কর সর্জার ঐ সময়ে উপস্থিত । কিন্তু যত লোক আসিয়াহেন, সেন্ প্রথাসকল ক্রীত বিক্রীত হইতেছে রা । রা দরব'র, মেলাপ্রভূতি আভ্রমের

নিছিত বিটিশ ছুত সভাতি আজা নিয়া

বেসকল বিজাতীয় হীন বিটিশ প্রজা

বিটেশ গৰ্গমেণ্টের আজার লইতে

টাহাদিগকে চীনের বস্ত ভাগা করিতে

বিজে জাতি প্রকাশ পার। এটা এই

বিজ জাতি প্রকাশ পার। এটা এই

বিজে করিয়াছেন। ভির্লাতীয় ও

বিবলম্বীর প্রশার সমাগম হইলে প্রায়ই

अनमक्षम वावश्य स्ट्रिश शास्त्र । इ.स.च. ७ मानमानाच नाउ मिनेदात १४ साशास्त्र कात्रव्यस्य व्यक्तिमन क्रि न

हार**ेत (नामस्यात जाकि** ≉**हेबार** हा टेमह

ক সকলে পরিভাগে করিয়াছে। সৈদ ও
। কুরকীর অনুসরেরা কুজন ইনামের
ভা শীকার করিয়াছেন । ইমাম টেগদ
ন উপযুক্ত লোক এবং লোকে ভাংায়
ন কুষী হইডেছেন। কর্মেল শেলির নির্মু নবস্থা এই বাজিত সহিজা রিটিশ
মন্টের বিবাদ হইডে হইডে গিয়াছে।

১৯ এ অগ্রহায়ণ ব্রস্পতিবার।

ার্ট মের ক্রাক্টবের অভিনয় মন্ত্রক।
র নিজের হ'ল ও বিভার গরুও লালল
াভারতবর্গে জালিবার সমর ভিনি এ
বিক্রের ক্রিরাহেন । ক্ষিকার্যান্ত্রক কর্মা ক্রডে ভারতবর্ধের সাবিশেষ উপ

একণে নিয়ম আছে, সিবিসিয়ানের। ২৫ বংগর কাল করিলে বাংগরিক ৬০০০ টাছা শেষান পান। বোধাইরের কণ্ডকর্তন সিবিসি রাম সুক্তন পোদন ও বিদারের নিয়মে ও এই পোদনে সম্ভূতী না ক্ষরা ৮০০০ টাকা পোদন প্রার্থনিক বিভেক্তের । সমুদাধ রাজাল ভাগ করিয়া দিলে ভাল হয় না ?

The property of the party of th

আমরা প্রথম করিলাম, ভারতবর্ধের নিমিন্ত পুনর্কার পূথক রণভরি মল হইবে। এই সঙ্গে পুশক দেনাদলও করা করবা।

🚽 नरीन ७ रेकंशानमाधक व्य प्रदेशन अर्फ क्लिन पृष्टियान मरनारमाहिनी नाम्नी अरुपें खन्ता क कर्मावनविद्याल वस करत, शक कर्मा खाश क्षिर्णव (काम मध्यमान इहेग्राट्ड । हेराका हुई करमहे फलनवरेक । मधीम (यन्त्रातीरंक वर्शहत्र कॅब्रिशक्ति। नरत खाहाय महिक देवनारंमत জালিনীর বিবাহের সহয় হয়, মনোংমারিনী ভাষাতে খোরতর আপতি করাতে ছই কনে ভাষ্টে এক দড়ি গলার দিয়া বধ করিরা এক निक्कृटकत्र मेटवं दाविदा यात्र । (वन्यानी यजूना নাম্বী বেশ্যার বাচীতে থাকিও। হও/কারীরা चेत्रे क्रम कतिया बाह्याय ममस्य काशास्त्र वरम, মবোমোহিনী ভাষার মানীর বাটীভে গিয়াছে। যত কৰ প্রভাগমন না করে ভাগর एक्षी (मस्टिया में बूड्रे फिल मियन श्रम खबानि महनारमाहिनी क्षाप्राधमन का कहात्रक प्रदूता ভাহার গ্রহুর ছাত্রে নিয়া দেখিল, পোলিড ও क्रम वाहित इहेट ७८ - श्रुमिर्य मन्त्राम (मन हा(क हेन(क्लेड्रेड विष्ठ दात काजिया श्राटन कतिया (मधिमन, खीलाक्षीय मुठ (मह बक्षी নিশ্বকের মধেরেরাখা হয়, দেইটা স্ফীত ছওয়াতে ভালার পশ্চাতের কবজা ভালিয়া ভালা উঠি शार्ष । चरंत्र प्रदे (ब्लाफ्) क्यू ज व व व ने ने ना जि 'ईक्कः देश परिवा **प्रभूतकानं र**वाः भरवः नवी (नव वाक्रमरथा किन्यानि क्ष**मक**्ष क शरूरत हार्वि ৰছিছ ড হয়। বিচারপতি মাক্বি দয়ার কোন क्षेत्रिन मन्त्रम ना कश्चिष्ठा कामीत काक्का निवादकतः इमिट्रच्योहेन विटक्षत्र हिट्टीस अहे स्वाचारा ४७

t. a wastige et Traig :

পাইল। সুপরিক্টেওেট ইউরান শিক্ষা ক্রন।

स्थान हे जिस्तान मध्य भूक मरवामनाका वर्णन, माण्डीन मार्ट्स मुद्धी महेरण खाइक भारत्य कात्रकवरीं मार्ट्स मुद्धी महेरन । खाहे केमार्ट्स मार्ट्स मोडिंग कार्ट्स (मोक्षा मा बंगारक स्टेर्स । ब्राइक माण्डीमान, मानि मबति संगितम, क्र बाहेक मार्ट्स क्रिय कात्रक

বর্বের শেকেটারি হইবার উপযুক্ত লোখ তে প্রায় দেখা যায় ন। 👺

शिक् विरेखियिनी वर्णम, 'स्विटिक (अयारम खनाकेठात विनक्षण दृष्टि व्हे श्रोटक (कारक लाक महिटकटक । अयर खनाकेठात विक्'तिक ममग्र माहे। अ

उक पता यरमन, '' कीन गत्र किंगतन काम अने में का काशकात्री हात कर का गरम्म रेश मानभर युक्त स्ट्रेशिए । कर्त्र कारमक स्टम हृति कतात्र कथा चीकात भा स्टाप्तंत्र महन यहनास्टतंत्र कक्षक हो। क युक्त वाक्तिया विहातानहत्त्व (श्रीतिक स्टेप्त

२३ अ अध्यास्य मनियतः।

(मनाशिष्ठ आन्ते आध्यतिकांत म्

इदेरम (मथा याईएक्ट्इः। जिना प

मछ कीशत अञ्चल्ला इदेश हर्ने । विना प

(क्यम निक्छा । किमान्य इदेश हर्ने ।

क्यान पृष्ठी । जामानिरगत कनान्य

नात्र (मनाशिष्ठ आन्ते निक्य कम्यो ।

निमिष्ठ क्यम चरण्यी प्रतिभारक क्यांनी

मश्यापन करतन नाई अवर किमि

(याक्षा नाहे जाना क्यांना श्रीहत ।

(किमिष्टिम रहान, क्ष्रेष्ठिम क स्त्रकांत

ए जिसिकेन राजन, स्वेतिन व कर्यो।
इरमाखन नाम हिनावधनानी कराएक
व्यापन क्ष लाख ह्वेमाएक, जांका व
वीम गवर्गमके बानीम गवर्गमक्ति वामियान मिस्रिक लिखिम्राह्मन । कि वि स्वा वाकेक, जामहा छ स्विष्टिनि

निष्ठ निष्ठ वर्तन, छेखं शिक्ष्मक्रियं नक्ष्म विवादानम् छेक श्राप्त (व्यक्ति म न के छेत्रेरेयं अश्राय कार्यम् कार्यम् । नवेत मार्गान वर्तनम्, अहेनकम् क अधिक काम्म मार्गः। (व्यक्ति कामान्य । (नार्कत अक कविकाम (य लक्षायं क वेत्रित क्रम्म कर्माम (य लक्षायं क वेत्रित क्रम्म कर्माम (य लक्षायं क वेत्रित क्रम्म कर्माम (य लक्षायं क वेत्रित क्रम्म क्रम्म (प्रविधान) नार्य वाकारक कर्मक महस्य मिन्नावामी नार्य तामा क्राम हहेरकर्म।

নিয়ালখিত যুগো গ্ৰণ্মেটের বিক্রীত চইতেছে।

৪ টাকার সিকা। ৪ * কোং

) 3.4 ا را8 ش

5-84

4774.

e * भवनिक्**त्रा**क

* Cate 5-341

উরোপীয় সমাচার।

🕩 हे नद्वस्त्र । अञ्चलम्/পर्वः 🗷 २८৯ নিধি মনোনীত হইলাছেন, ইং দিংগর ১ আনে লিব্রল ও ৬৮ অন কনসার **এक क्षम क्ममात्र (विधि मार्क्डरहरू** (व्हेब्राट्डन । लिख्न, अंतिरका, यह ও বাৰডীয় সূত্ৰ প্ৰতিনিধিয় নগৱে লের সভা হইয়াছেন। সর র্থাট পিল নরিবুল ওয়ার টামওয়ার্থের প্রক্রি ৰানীত হইয়াছেন : লো সাহেৰ বিনা ত লভন বিশ্ববিদ্যালয়ের প্রতিনিধি ন মাডপ্টোন তিবটিইচের প্রজিমিধি ন। রিজরমলিগ ও বিশ্ববিদ্যালয়ের काशन (यमकम लाकदक क्षकिनिधि র চেষ্টা পাইয়াছিলেন, ঊাহারা সকলেই रहेब्राट्डन । लिख् कम्टनत विभन (हेट्डेट

ब न(वहतः भाष्ठः कन्। भार्यः स्थः सम বটিব ও ১২৯ সন লিডরল সভঃ মনো Festi

रयुक्त इड्डिया हरा।

ল, সের রাজকুমার সঞ্জীক পারিসে উপ द्राटकन । जना अध्यक्षात्स मामनानाद ন পিয়ন্ত্র जिथितिएक काशकाद्यास्य न :

এ নবেষর। এপর্যন্তে ৩২৪ জন লিবরুক सन कममाइटव्यक्ति विकिमिष महना ब्राट्डन ।

দালার লাভ নেশিরর আলেকজবি পনীত হইয়াছেন :

াৰামা ঘটিত কমিদৰ ওয়ালিওটনে

ন কয়া হইবে।

। নবেলর এপ**র্ব।ওড়ে ৩৮**• জনে লিবরুল ¦ জন কন্দারবৈটিৰ প্রতিনিধি মনো য়াছেন। শেও সাংক্ষে উইক্সের প্রতি ার'ইয়াছেন ৷ ল'ড আংশারলিডিননের ষি হইবার চে**টায় কুভকার্য হন নাই** ; বিভালক ভেমবিগলিয়ারে প্রাক্তিত म । व्यक्त, कारत्रश्चिम, व्यक्तिताहेहे मारह्य ার্বিশিয়রের প্রতিনিংধ হট্রেন।

রাজির গেঞেটে আকবিশপ টেউও ীবারমেটের নিয়োগ প্রকাশিত হই

া পর্যাত চ্ইতে একটী মহৎ অগ্রাংপাতে 🕯

৩০ জ নবেশ্র। বোশাই ব্যাক্ত কমিগনের কাৰ্য, ৪ ঠ। ডিবেছর শুক্রবারপর্য্য স্থাতি श्हेग्राट्य । यूवाविमन मार्ट्यत व्यवानवन्ती जिन দিবস হয়। সেৰাপতি স্টানলি সেৰাপতি त्थानात्वत्र भारत शक्तिम विकारशत देगन। साम स्हेग्नाद्भन । शिका चार अरवान् न नहीं क कारणन **ংগেনে উপস্থিত হইয়াছেন** । মা**ড**রিডের কডক ভলি লোক সাধারণতন্ত্র স্থাপনের জন্য মত প্রকাশ করিয়াছেন। পাঁচখানি ফরাশী সংবাদ শর বাত্তেনের বিষয় প্রকাশ করা**তে সম্পাদ**ক দিগের মেয়াদ ও করিমানা ইইয়াছে। একখানি क्यांनी वाच्नीय साशस स्थापन मध দিয়া গমন কবিয়াছে।

্রাঞ্জুমার চারল্স্জমেণিরার মহাস্ভা খুলিবার সময়ে বলিয়াছেন, নিরুপেকভাব অব লম্বন করিয়া কার্যা করা ভাঁহার পাসনের প্রধান कर्द्धवा कर्ष रहेब्राह्म । मञ्जिवर्ग भएछात्र करि ब्राट्डन ।

—:.:– গবণমেণ্ট বিজ্ঞাপন ৷ ब ऋरमभी इ (कल्प्टेन के शवर्गद इ · **चाटममाञ्जा**ही निट्यात्र ।

২০ এ নবেশ্বর। ভবলিউ, ফিভিন্নান সাছেব क्रमें कि यह कार्यों मास्मिएक है व कारल है व हहे बा विक्रीय (अर्थित व्ययीन मानिस्क्रिकित समय) পাইবেন :

२८ अ महत्रवृत्त नियुक्तिचिष्ठ कर्म्बहातीत्। নিজ নিজ পদগুৰে আপন আপন জেলার .कटलंब क्लंक एड्टबर । यटमाञ्च, छननी, त्यांव नी পुत, वाचरशळ, मन्नमनजिएक, भूनी हा, चाहा মিগবের পালাকে ভারতব্যীর স্থার বাদ, বর্তমান, দিনাঅপুর, ত্রিছত, সাহরব, গয়া, বাকুড়া, রাজসাহী নদীয়া, জিপুরা, कदिन्श्व, त्रणशुत्र, औरष्ठे, करेक, मूरणते, जात लश्व, इडेग्राम, बीवड्डम, इप्लब्दन, बलग्रा र्गाल, बारमधंत्र, भारता, वक्षक्रा, हावका, ও পুরীর মা ক্রিটেইগণ। লোগারডগা, কাছাড় ছরও, মান্ডুম, সিংহভুম, কামরুপ, রোভাল भाक् , अक्षीनुह, नखगाँ **ख मा**त्रक्षिनिष्ठित् .ভপুট কমিদনরগণ্য দেবগড়ের সহকারী কমি

२६ अ नरवषतः। मुद्रतिशावाद्यतः मास्त्रिके a कारणहेत अरु शक्ति गार्ट्य क्ष्यम, (आवित धिकिनिधि मान्याक्रिके **क कार्य है**त वहाँ वन ।

२७ अ मध्यक्ता यक दिन छवनिक, सर्वाके, **छानि नार्ट्य न्द्रकादी, कार्ट्यानगरक**्**षामाण**स्त

श्रीक्ट्रिन, उक्ष विव 4, अव, वाकविशव न কাছাড়ের প্রভিনিধি পুলিব সুপরিকে

यक किन बाबु टेक्ट्रबह्म इट्ड्रांभाषतक रि बरेश कश्चभक्ति बाकिरवन, कछ दिन ह ज़र्काती माखिएके ७ कार्जिके (का. त्य, व সৰ সাহেৰ আপনায় কাৰ্যভিন্ন ও: প্রজিনিধি রেলিউ।বের कार्या कति। মর্মনসিংছের ভেপুটি মাঞ্চিউও ে কালেউর বাবু চক্রমারার্থ সিংহ এম, এ कृष्य यमनी रहेता मासिएक्टरेंद्र क्रमडा

२१ मरवद्याः मि, ७, छेड्मक्किन ३ काभमश्रुत्वत्र महकाती मास्त्रिक्ट । का रहेत्रा विकीय (व्यनित व्यक्षीन मास्त्रिक्टिएत शाहेर्दन ।

हावकात विजीत (अर्बित कारोके माहि **७ (७ शृष्टिकारमध्य कि, हे, मोक्जिम म** (मिनिनेश्रात अध्य (खानित अधिनिधि । माब्दिके अ रहलू है कारन है व व्हेर्यन ।

भिन**र** छत्र हिकिश्ताकष्महःत्री अ तर है। हे कमिननद खाक्तद (क. १९२७) है कि व a জন্মন্তিয়া পর্যতে বিভাগ আনির প वाकिक्टिएंद्र क्ष्मण शक्ष १३(वम ।

बक्र विम वाबू देकत्वहरू वज्र विमान अञ्चनश्चिष बाकिर्यम, ७७ प्रिम यांतु प খোহন মন্ত্রমহার বিনাকপুরের অভগতি श्राक्ष श्राफिविषि पूर्णक श्रदेश्य !

२৮ अवस्वयत्र । हे, जुल्ल जास्वय क (त्र माण्डिके **च कारशक**ेत स्टेरबन ।

এস, সি, বেলি সাংহৰ পাটনার মারি a कारनकेत स्ट्रेट्स ।

এ, বি, পালার সাহেব মুক্লেরের মারি ल कारमञ्जू श्रेटना

ब्रानाब्रह्म त्र कारी मास्त्रिके अ वा ति. अठ, बोबन गारश्य हल्लाहरन वननी প্রথম প্রেণির ক্ষ্মীন মাজিটেট ও (काटलक्टब्रव कमका शहे,वन

ময়মন সংবেদ ডেপুটি মাফিটেট ও 🤇 কালেইর বাবু এক্ষনাথ সেন আভিয়া कारमञ्जाह लाईरवन ।

कांत्रक्षभूद्रत्र ए शुष्टि मान्यि कि है । कारलकेत बाबु अध्यक्ष मध्य प्रसम वन्ती इहता मास्त्रिक्टित कमणा नाहरवन কুলিরার ডেপুট মাজিটেট ও

कारमञ्जू है, अब, हाल मार्ट्य के तिम्मूर्य रहेशा मालिक्टिकेटल कमका शांख स्ट्र**ि**म নীয়ার সংকারী মাজিকৈট ও কালেইর বলিউ, গ্রিবান সাহেব কুন্তিয়া উপবিস্থা ভার পাইয়া মাজিকেট ও ডেপুটি ভালে ক্ষমতা প ইবেন। ডিনি আরও কুহিয়ার

ন শুক্ত বৰ্ণচাহী হুইবেন্। দ, বাবেট সাহৈৰ পদ ভাগে করাভে জি, এন পোগস্মাহের দ্বাকার মিউনি

জ, অন পোগর স্থেকের জাকার । ন বিটির সংকারী সভাপতি **ংইবেন**।

'বুমহেক্স নাথ বিদ্যোপাধ্যায় ছুমকার চিকিৎসালয় সভায় সভঃ হইবেন।

কি ক্ষুত্লাল লোহাৰডগার প্রতিনিধি ক্ষ্তবেন।

ল, বি, রবাট্স সাহেব আগ্নায় বিদ্যাশিক। সম্পাদক হটুবেন।

ত এ নবেষর । যত দিন কো, এ, হপকিষা ব উপস্থিত না হইছেছেন, তাত দিন ঘলে। ডেপুটি মাজিটেট ও ডেপুটি কালেইর প্রতাপচন্দ্র টট্টোপাধ্যের মাঞ্চর। উপবিভ ভার পাইবেন

নীলবীফরিদবক পুর্বিয়াব আনতর্গত আংজ্য মুসেফ হইবেন।

'বুগোকুলচাৰ গয়ার **অভগ**েড জাহানা ামুকোক হইবেন।

ত দিন মৌলবী মোলাজিম হোসেন বিদায় তল্পজ্তি থাকিবেন, ভভ দিন সেরাজ । মুক্তেক বাবু কলীপ্রসন্ন মুৰোপা ায় বি. এল, বোলালিয়ার প্রভিনিধি কুইট্রন:

ত নিন সৌলবী আবেক্স জন্মর বিদায় তল্পজ্ঞিক থাকিবেন, ভাত দিন মৌলবী ইন্দিন চক্টগ্রমের অজগ্ডি হাজলাব প্রতি মুদ্দেক হউবেন।

দ, আংগুলিন সাহেব কিছুদিনের জন। পুরের প্রতিনিধি জাইন্ট মাজিটেট ও কালেটর হইবেন।

ভ দিন ডবলৈউ, ৪. এ বেকেট সাহেব উপ না হন, ডভ দিন এফ গ্রান্ট সাহেব পশ্চি রে চড়ুর্থ শ্রেণীর প্রভিনিধি ভেপুটি কমি, ধাবিবেন।

লা ডিসেম্বর। ডাজ্জর স্থার, মাকলিয়ত বের চিকিৎসা কর্মচারী হইবেন। কিন্তু ন শংক্ষন এক, জে, আরল প্রস্যোগমন না ডাড দিন নদীয়ার প্রতিনিধি চিকিৎসা রী থাকিবেন।

ত দিন ডি, লেসি সাহেব বিদায় লইয়। স্থিত হাকিবেন, ডড দিন ডবলিউ, জার खिन नारस्य भूतीत श्राफिनिधि भूजिय स्मातित्ते खिन स्ट्रियन।

णामानिरशत और देव मध्याका विधियारम्य ।

এখানে এক দল কুমারী আছে। তাইার।
লক্ষ্যা পুলিবের সমক্ষেই কুয়া খেলিয়া খাকে।
কিন্তু কি জনঃ যে পুলিব ভাগানিগের প্রতি
ভূক্তিশন করেন মা, আমরা বুরিচে পারি
ভেছি না। আমরা অক্তঃ মাজিক্টেট সাহেব ও
পুলিবকে অক্তরোগ করিভেছি ভাগারা এই
দর্মবারকর ক্রীভার সহর নি বারণ করিরা মহৎ
উপকার সাধন করন।

কন্তরি, আগ্না, সিংহচাপক্ষ, পালালা, বনভাগপ্রকৃতি পরগণায় ওলাউঠার প্রাকৃতীব চ্ইরাছে। ঈশবের ইক্ষার এখান এখন পর্যন্ত এক প্রকার ভাল আছে।

এখানে মিউনিলিপাল কমিটি স্থাপনের প্রস্তাব হইরাছে। কমিটি যদি কেবল প্রজা-শীজন পূর্ম্মক কর গ্রহণ না করিয়া কাজ করেন ভবেই ভাল।

অক্তর নবাগত আইন্ট মাজিটেট কেবল বাহেব এ দেশের বিষয় ভাল জানেন না। বিশে বতঃ বাজলা ভাষা ভালরূপে না জানাতে করি-য়াদি, আসামী কিয়া সাজিগণের মনের ভাষ ফুল্ফর রূপে বৃষ্ধিতে পারেন না। অভএব আমরা নাজিটেট জীমুক্ত পিটার্স ন সাহেবকে অনুরোধ করিতেছি তিনি যেন আপাততঃ তাঁহার হস্তে রহৎ মোকজ্মার ভার অর্পণ না করেন। কেবল সাহেবের আর একটী দোব এই, ভিনি সাজিগ ধ্বক জানেক দিবস ক্লেপ দিয়া হ'কেন।

গত অভিবৃথিতৈই অনেক ধান্য গাছ পচিয়া গৈয়াছিল। আবার গতকার্ত্তিক নাসে বৃথিতি না হত্ত্বাতে নষ্টাবলিষ্ট ধাহা ছিল, ভাহারত অভিশয় ক্ষতি হইয়াছে। চাউলেয় দর দিন দিন র'ছ পাইতেছে। পুর্ফো বে চাউল ১০০১। দরে বিক্রায় হয়, ভাহা এক্ষণে ২০০। ২০০১ হইয়াছে। ক্রমে আবো অধিক সূল্য হইবার সম্ভাবনা।

গত সপ্তাহে ক্ষত্রতা ক্ষত্র আধারিদে একটা পুনের মকলমার বিচার হটয়া গিয়াছে। হত্যা কারী চারি ব্যক্তির থাবজ্জীবন কারাবাসের কানেশ হইয়াছে।

भागामी कना भाजका माहेनात खनानिय भागीका ग्रहीफ हरेरवा अवात अहे भागीका वृभनी भागी नश्या भरतक हरेबाइका नवातक करन, বাসবিহারী জ্ল, হাতক জুল এবং
স্বে জুনাধিক ৪ - চলিশ জন হইবে
অক্ত গেখবাট জুল হইতে প্রকেশি ক
বাবি সাত জন মনোনীত হইয়াহেল।
১৭৯ - শক
৮ই অগ্রহায়ণ

व्यामानिरभद्ग मभद्राक् मः वा

১। ভারমন্তবারবরের ডেপুটী মাজি ভেপুটি কালেকর শ্রীযুক্ত বাবু হেমচন্দ্র শর চতুর্থ শ্রেণীক ছিলেন, ভূতীয় উনীত হইয়াছেন। উপযুক্ত ব্যক্তির হইলেই আনফের হয়।

২ : বাকীপুরের সব ইনস্পেটর ক্রি নমাইচাদ চট্টোপাগায় মহালয় সু বকর্তব্য সম্পাদন করাতে উচ্চার দদ বতনত্তি হইয়াছে।

৩। ইভিনধ্যে সগরার মধ্যে ছই ব্য কনে মানবলীলা সময়ণ করিয়াছে।

ह। गण १० हे मह्यम्ब क्ष्यस्य १८ (प्रशृष्टि वायु मगताम काञ्चानी कदिह्यम। भाष्ट्रका मर्काम सक्या सामाम कविह्या। मञ्जा स्था।

>७ हे मरवस्य) ১৮৬৮ माल

আমরা মালিপোতা হইতে বি থিত সংবাদশুলি প্রাপ্ত হইয়াছি

मानिएभाछात मुनकगरनत गर्य असी है? बार विमानिय द्वःभिक इहेबार्ड। मान क्षतास छोहा २४ मिका कृतियाः नाहास क्षास कहेबार्ड।

शक ३७ है न द्वबन 'मवनि मालि भग्छी भाषा काकश्चम चूं लग्नादकः क कार्यात्र कात काजका ।वन्।व्यात्र त । अक्षरकत्र केत्रम कार्यक हरेत्रादक विश्व काक्षरतत्र कार्यः क्षृष्ठाक्रम्मद्रभ क्ष्मिएक इस्

मी जिस शाहरण करे जारम करें आजिया जिस्लाच जाहण करियाद । म जमय जाविश शाम काम्लमय स्थ्याट ज वस्त्रवाविश मी जकारन करें से जिस्ला (जर्म। मिन विस्तृति करें से करें। यादा।

कियुष्टिका अडीख स्टेन. (वलक्षी

वानकान कत्रियास्य

শর হইতেই এ প্রদেশে ছর্দান্ত ওলা বৈৰ্দ্ধান ক্ষুদ্ধ হৈছে। ক্ষেক্ষ ব্যক্তি এই 🗷 হইয়া মানবলীলা সংবরণ করি-ক এছ দাদৰ পীড়া, ভাষতে এখানে কের অভাব, ইহাতে কি বিশমর ফল क्र काविया (मधुन।

---:

াদিনের কোরহাটীছ সংবাদ-

বিয়াছেন: —

সম্প্রতি **জ্ঞীনগর পোষ্ট জাফি**সের लिमा टेक्स्यात, स्मानात्र 🕏 नात्रा-য়ো ঢাকার পৌছিবরে নিয়ম ক্ইরাছে गत रुहेटक श्रुलिका महेबा पाईकात গক ক্রৈনসারে অভিরিক্ত ছই জন পদা জ করিয়াছেন। আমরা বুঝিডে পারি এতভারা জীলগরের ভাক চাকায় कि क्ष्विश रहेन । अकुछ नमस्य লবিলয় হইবারই সভাবনা। আনমানি চনাঃ অভিনিক্ত ছুই জন পৰাভিকের করিয়া কর্ত্রণক সমত কাজ করেন মুরা জ্ঞানি ব-উন্সায়ীর আরেডানিবখন ডাক ঘরের পত্রাদি বিলি করিবার **इहेब्रा थारक। व्यक्त अवस्था निर्मा**क कर्जुनरकत्र ममीरण कर्झरताम कति, নিয়ুম রহিত করিয়া পূর্মবৎ ডাক গম निव्यक्ति इंडिक अवर अरे अर्डि করাত্মকে 🕮 লগবেষ পঞা বল্টন ন্যুক্ত করা হউক, ভাষা হইলেই প্রাদির শীতাপ্রাপ্তিবিষয়ে বিলক্ষণ 14

জের ভেপুট মাজিটেট বিমলাচরণ ন কোন কার্বে; আমরা আভিশয় াভ করিয়া থাকি। ভিনি সম্প্রতি নী হইতে মীরকাদিম পর্যাত একটী মানের প্রস্থার করিয়া চাদা সংগ্রহ ন। কতক টাকার জাতুমানিক ছিসাৰ शित कार्कक क्षांश्चिम् अवर्गायक থ্যিয়েছেন। জানীয় চালায় আছে ১২। াকা সংগ্ৰীত কইয়াছে ৷ জনসা করি, গ্ৰণ্ডেট বিষলা বাৰুৰ ৰাসনাপুষ্তে বেন ন : এই রাজ্যাটী নিশ্মিত হইলে নী **অঞ্**লের লোকের যে কন্ত উপকার

হোৰলা যয়ে না এই রাভায়

পের বছৰা সহা করিছে না পারির। বিদলা বাবুকে চির স্মরণীয় করিবে। ছংখের বিষয় এই যে, ভেপুটী বাবু বিক্রমপুরের পশ্চিমাং শের প্রতি বড় একটা *দৃ*ষ্টিপাত করেন না।

> ৩। বিশ্বস্ত লোকসুখে শুনিলাম, এবার বারুণী মেলার পুলিব কনষ্টাবল হইতে অভ্যস্ত व्यक्ताहात महेटक्ट्रह । हेशता व्यव्यक कान अक्टो इन क्रिया (लाक्टक यञ्जा विका हाति আনা আট আনা করিয়া বলপুর্মক লয়। পুলে বের উপরিভন কর্তুপক্ষ কোবায়? ভাঁহারা कि हेश (भरचन ना? श्विमात्र प्रभारकत ডেপুট মাজিটেট বাবু নাকি নিয়ত মেলায় থাকিয়া ভত্তাবধান করিতেছেন। ভিনি কি উলিখিত দৌরাজ্যের বিষয় শুনেন নাই फिडर् श्विष्टे इरेग्रा उचावधान ना कतिहन काळ रहता। मध्यप्राही कनहारम स्ट्रेफ ধাহাতে কোনরূপ অভ্যাচার না হইতে পারে ভৎপ্রতি বিমলা বাবুর সবিশেষ মনোযোগ (प्रविद्या केश्वर)।

8 । उक्तरमञ्ज्ञ अवकारण थान हाउँ ल प्रस्काः হইয়া উঠিতেছে। পুর্বেষ বে চাউল ৩০ দের টকোয় পাওয়া যাইড, এখন ভাষা ২৩ সেরের वर्षक भारता भात्र मा। अञ्च इञ्चित्कत्र शूर्र्सक এই সময়ে এই দরে ধান চাউল বিক্রীত হইত। এবারও যে ছড়িজের করাল প্রাস হইতে মুক **२७व्रा याष्ट्र, अमन गणावना मार्डे**।

 काठापिया (शाहे ज्यक्तित्व कार्या क्रम्पत् স্থা চলিভেছে। ইহা ভক্ত। ভেপুদী পোষ্ট মাষ্টারের অমকুশলভ। ও কার্টানিপুণভার কল गटमार मारे। क्षि कर्जुनक्षित्र अरे शाहिमाहै। রের প্রতি সুকৃষ্টি নাই ৷ ইনি আনতি আলু বেডন পাইয়া থাকেন তৎপ্রতি ইনম্পেটর পোষ্ট মাষ্টার মহাশয়েয় দৃক্তিক্ষেপ একান্ত কর্ত্তব্য ।

তমোলুকত্বংৰাদদাতা লিখিয়া ছেন:---

১। আমি আক্ষেপ সরকারে প্রকাশ করি ডেছি যে, এখানকার ইংরাজী বাললা বিদ্যা লয়ের ছাত্রগণের বাবহারোপযোগী মানচিত্র ,গালকপ্রস্থাতি কিছুই নাই। এই গুই বজা**ং** অভাবে শিক্ষাকার্য্যের যে কিরূপ ব্যাঘাত यस्तिया थाएक, छाहा व्यवाद्वाटन वामनामा बहेएछ লারে: ভরসা করি কমিটীর অধ্যক্ষ মহাশয়গণ ও র্নস্পেটির জীযুক্ত মাটিন মরোদর এই অ্ভাব चट्डन व्यथनग्रदन अविदेश मदनारवाजी स्ट्रेटने ।

(২) এখান্ডার ন্রাগত ডিঃ মেনি **अभियुक्त वाबू द्वामकू मात्र वद्य मशानम विम्हा** কিৎসালয় ও মিউ.নাসপালিটার উল্ভিন্ন जितिस्य यञ्चाम स्हेब्राट्स्म । श्रंष्ट २२ अ छै। हात्र बालगाटक अवजी मकात प्रशि र्य । जाराटलं नयूनात्र संयत 🗷 जनशामः চারি জন সভাভ লোকের সমাগম হইয়া বিদ্যালয়প্রভূতির উল্ভেলাধন সভার উল্লেখ্য। अञ्चरवञ्चरकाती इञ्जाना वि शरनत छेणत्र कि काहारमञ् छ उन्नुके मिन হইবার সময় উপস্থিত হইয়াছে,?

(७) अ:वर्त्रक अध्याप्त शास्त्रक ञ्चिषा क्या याहेरफर्ड मा। श्रथमणः वृष्टिनियम् न कृषिकार्यात्र व्यापाण । वीवश विनाम এবং (भयावकार७८ अनावृष्टि व्यतिष्टे। अधन भत्रस्यद्वत् निक्षे क्षार्थन বেন, পুনরার হভাবান্ত ব্যক্তিগণকে । प्रमम माউटकत व्यक्तित (प्रसिद्धाः मञ्जूष्टे ।

(৪) আমরা বছ দিন আব্ধি তে বিভাগের একজিকিউটিব ইঞ্চিনিয়ার সাং काङ्गाति उदयालूटक केठाहेव। क्यानियान রোধে চীৎকার করিয়া আসিতেছি। কিঃ कारहरू वा वांग कात करे वा खरन ! রাজপুরুষগণ নিজেই যথন ্বিলাসতি নিবস্থন রাজধানী জ্ঞান করিয়া বৈলবাস সময়ক্ষেপণ করিতে নিভাক্ত অভেলায়ী, काशता अधीतक कर्यकाती (मराज विका ভার বিহুছে কি কোন কথা বলিডে পা আমরা টীৎকার করিছে করিছেই ও ব বাহাছরের সাসনকালটী অভিবাহিত করি मिया बाक्षिक स्मेन्न मटहानटब्रह नाजन আমাদের মরোভীষ্ট সিম্ব হয় কি না ইবি

থ্রেরিত।

মান্যৰর জীযুক্ত দোমপ্রকালসভ

मशानव गमी(शवू।

মহাশয় ! পড় সপ্তাহের সোমপ্রকাশে বী শীৰ্ষকাব্ধিত পত্ৰধানি পাঠ কবিয়াছি: গ রক ধীরভূমির জল বায়ু এবং শীভার ভাব क्रण विधिशास्त्रतः **छ। अध्यक्ष**क नः (नव कार्म कार्म व्यवस्थान विशवन अर ইয়া উঠিয়াছে। উপযুক্ত চিকিৎসক নাংখা দিন দিন বে কড সমুখ্য মৃত্যুমুখে প্ডিড , ভাষার সংখ্যা কৈ করিবে। কিন্ত ইয়ায় भवर्गदक्षेत्र निक्वे (दासन क्या<u>ं द्वा।</u> त्मित्र त्व त्व व्यरम स्वत्त्र स्वत्त्र स्वरम সন্মন্ত্রা সেল, প্রশ্মেন্ট ভভংস্থানের डेशकात्र कविएड शाविष्ठार्ट्टन, स्थिति । গ্ৰৰ্থনেশ্টের ডিছবছিনী চেষ্টা প্ৰ্যালো कतित्व काराक हरेटक स्त्रा व्यामासिय পুরুষেরা অভাতঃ এইরপ বুঝিয়া লাইরা (व, तर्--- र च्याप्त गर्द्य गर्द्य काद्वत्र । यात्र रहेरलेख जाभाजकः दिनीय ब्राह्मत्वत्र জ্বতি হইবে না ভিত্তরাং ভাইার উল্লেখ ारनत ७७ शहत कन कि? वीशहिमें कांगारलंद क्वन कर्य नहेंचाहे प्रवक्त, াঐরেপ বীহারা আহান করিয়া খাকেন, দের নিকট আর কিছু উপকার প্রভ্যাশা ৰিভ্ৰনামাত্ৰ।

जिल्लाहरू मधुदाकी ननीत चारबंद विवरह

ৰলিয়াছেন, ভাগাভে হাঁহার আংশিক জ্ঞয অথবা হইডেও পারে, ডিনি অলুরোধ ছুহ্ইয়াউরূপ লিখিয়াছেন। ময়ুরাকী উভয় কুলে ৰভগুলি বাধ দৃষ্ট হয়, दर उञ्जरकानीय अपनी भावता निका श्रक्ता মঙ্গলার্প প্রস্তুত করিয়া বছকালার্থি নারাই ভ'হার রক্ষার উচিন'য়বিধান এবং कान योग खन्न इहेटल श्रुम निर्माण कान्निका ন এছাতিয়া ও শঙ্গর্প্রভৃতি কারের अंत्रण क्रमीमाद्रत कुछ अवर त्रिक्छ। वरत्र अञ्चर्तेत, यमहात्र स्थान 🏖 वाधिक माया अत्राप्त अभी भात गांठ वर्द काळ धक्रान्द्रिमत्र मरनात्रकार्य श्रुनतात्र मःमान्धा উহার নির্দাণকার্য সমাধা করিয়াছিলেম. ক্ষী এ বার ভাহাও আনে করিয়া (ফ:লি-। বাধটি বংখাডিভরূপে **প্রস্তুত** করিল্লা না . প্রজালবের যে স্ক্রাশ কইকে ভালার ংনাই ৷ কিন্তু উহার জনং রাজপুরুবদিগকে জনাকরার ফল কি ? আমৌণার যখন ঐ গ্রামের লাভ আত্মসাৎ করেন, তথন नाज्ञश्राद्भिरञ्ज मूलाधात 🗞 🖝 वोधारी निक প্রস্তুত করিয়া দিয়া আপনার প্রকাদি

ক্ষার, সি. এচ, এ, ড্যাল সাংহ্রের পত্ৰ প্ৰাপ্তি ও বক্ত ডা

दक्षी करूत ।

৭ অগ্রহায়ণ

२१४ माल

বৈ ভূম

রুন্জুল্ আটন্ স্থারে বর্তনান প্রতিনিধি

ক্স্যচিত্রচিত্রবজ্ঞ

खना - **ब्रि**ड्रक - रा<u>यु</u> य प्रकामाथ - तिरह खाएप-विकामियांनी ंत्यक्रतक ज्ञान नार्व्यक्षतिक अक्षामि श्रेष २७ अ मट्वम् ३ दृश्यां प्रमाद्य श्राक्ष स्टेबा बीजिशक्ताचः कतरन उक्षकीर्य ছাত্রগবের ক্ষাপ্রার্থ সি নয়ার সেকেও মাষ্টার இकुक बाबू आदमारन हक्कबर्शीत रूटल शक्र बानि ्त्रप्रश्न करत्रम्। किष्ठ जिल्लाम् । स्वाप्तान् । विवस्त केंक कार्या १ छ दक्रा भारत हरेगा উক ক্লের সিন্ধার থাড় মাটার 🖎 যুক্ত वाबू बेस्किम्स मुरचालावतारम् इटछ कर्लन कतिहम्म। विरम्पय्व ७ कार्यामण ओहिक बाबूब अञ्चयक प्रतारत क राजा अकति शामक गृरह याव ভীয় ছ'ত্ৰ সমবেত হইংগ উক্ত বাবু নিম্নলিখিত প্রকারে বক্তা কবিলেন। "এখানে সকল শিক্ষমহাশয় ও সাবতীয় ছাত্রগণ উপস্থিত कारहरू। ज्याकारभव कुरलव वर्षयान अफिनिधि ্লিক্পাল ৰাৰু মনেকান থ সিংহ মহালয় ভ্যাল গাংহ**বের নিক্ট হইডে অন্য (২৬ এ নৰেম্**এ বুঃক্প ভিবার) যে পত্রখানি পাইয়াছেন, ভাহার ম'ম জানাইবার নিমিত্ত তিনি নিতাভ অভি नावी व्हेब्राहित्नवः किन्नकार्यतास्त्रत्व वताशुक्र थाकारक निरम प्यममर्थ रहेश्वारहम। असम् আমি দেই পত্তের মর্ম্ম ভোমাদিগকে জানাই ডেকি। ^৯ এই বলিয়া পরোদ্যটেন করিয়া থান কাপড়ের উপরিস্থ ছবির নগন্ন এক খণ্ড কাগঞ **प्राद्धशनदिक (स्थावेश) कवित्रत्य. " (प्रथ এই (ध** আমার হজে কাগলখণ্ড দেখিতেছ , উহা কি অসু মান কর? যিনি বলিজে পারিখেন, ডিনি জিল सम्बद्धाः स्वर्षे स्वयं हर्ला (खालन मा कर्त्न । खारा : ७ नक्नरक्रे निङ्ग उपयोग (मर्गिया निर्वाह বলিলেন, যে মহাত্মার স্কুলে ভোমরা পাঠ করি (१३) तिहे मतामय विकास का करान भारहर तत অনেশ্প্রচলিত নোট্। ইহা দেই দেশভির অন্য কুত্রাপি প্রচলিত ছইবে না। সেই মহাদেশ भारमदिका अहे नारम भगांच अवर क्षेत्रश দেশ আধীনতা দেবীৰ আবোলমন্দির কথিত क्रेमा चाटकः। ज्यामादम्ब स्टब्स् ১० होकाव मुनंगरथा'त ताहे इब्र माइ। खनिएक भारे আগ্ৰী জালুয়ায়ারি মাস অব্ধি এখানে পাঁচ টাকার নোট প্রচলিত হইবে। কিন্তু আনার रुख्य अरे य लावियानि (मचिट्डम, देश्त भूमा পাঁচ আনা মাত্র। ইহা কেবল আংমেরিক। বাসীদিগের ছেবিধাব 'অসর। ভরাল সং€েব ব खन्छेश्व अह (नाष्ट्र क्रिक्स प्राप्तित क्रिक्स क्रिक्स अ (क्षत्रम कतिहारहम <u>बवर भट ज</u> बहे निधिहारहम

(व " प्याप्तात हिम्म इण्डयहण शतिअवी निक्कक ना, हैश बना व'छ्वामाङ्क':

महामारप्रता च च इः जननगर कूनरेन हैप ভ ় ঈশ্বরকুপায় আমি শারীরিক কুস্থ ক্তিয় মানসিক আফ্টেভাগীনটি। একটী আচুল বাগ জেয় করিবার নিমিত **हों क्षा प्रदेश के विद्याद्य के किल्ल** के किल्ल के চাদা সংগ্রহ করিতে করিতে বোগ হয় बत्र सुन्ति । काजिवाहिक स्टेरिया काजि का জাতুরারি মাধে কলিকাভার উপনীত अकृति वानि अन्य कतिय अवश औ वीनिएं है बाहिन कून, खाक्ष कान कार्यार कार्रेक मितिप्रविष्ठामञ्जल । वालिका विष्ठानञ्ज अर् क्ष यथन সামश्रात्र शांकर्ड (म्थित, बामारक मुम्भूर्व ऋष स्नामिरयम इंग्डि 🔭 वि कतिया (नथ, व्यामारनत मारहर (कमन नर्ता s विरमना श्रुतक । अभन मिन कि छे स्केटन, त्य किम छा न नाटक्टन नामा (দের হিটভবিভার্তি বলবতী হইয়া বি मृत्य थाकुक चर्तरचत जीवृद्धिनानमार्थः करूवक शक्तिरंख कामामिकरक कारमण क বখন ভোমরা হিতৈ বিভা বৃত্তির আনজ্ঞা भानन क द्वार अवर यथनं विटे क्वि छाडू छि क्षिक रहेन्रा कि चरमभ कि विरम्भ नकः व्यञ्च रहेरक (काश्रामिनाहक कहिर्द অকর্ত্তর বোধ তংগ্রহণাদন বান্ হইবে, ভখন ডোমরা ভ্যাল সাহেহেং भावतीय रहेरत। स्रात रखीमारान्य स्थला वि মহাশয়ের। এত যে ক্লেশ ও পরিভাষ ক ছেন, লে সমুখার সার্থক হইবে।

मा था विद्वीसा ०० च सद्दब्द

क्रकास्त्र रम

---; • {---

মহালয় বিজ দেশ সভংভারদিকে : (खर्छ, खड़के महे महत्र महत्र (व (न ক্ষাটি পরিবর্জিত হইতেতে, ভবিষয়ে জান সংশয় নাই, এখন যে চারি দিকে অভিন इलिङ इड्रेट्ड अवुष्ट इडेब्राट्ड, छाड् कारमञ्जूष्य कार्यः इहेटल्ट्रहः। ४४ याज्ञा अर्कानक व्याटक, काश क्रिक्त নিবন্ধন আনুর ডাদুশ আম'মোদপ্রদ ইয় ভৃত্তিকর হওয়া দূবে থাকুক, যেখানে হয় ভাহার বিদীখায় পদাপাণ করিতে ep না, এমন অবস্থায় য'elব। এই আ श्रथा श्रम्भाक कविएक केट्रांश अ अम्रा क्षाशांक्रशांक (स धकार्य क्रकेंक, फेरमा मधुरमञ्ज्ञ (बस्त्रा (अन्निक्तं निहरः य क्षांशास्त्र महत्ताभग्रका वा खेलार्या अकाम

গভ পুজার সময় ধনরারী আবাদ রাজসং রের দেওয়ান রামলাল বাবুর বাড়ীতে বে শেয়ন্তী নাটকের অভিনয় হয়, ভাহা স্থ্যাব্য গ্রুডরাপে অভিনীত হয় নাই, এইরূপ ব্যপূর্ণ পঞ্জ সেদিনকার সোমপ্রকাশে ড **হ**ইরাছে, দেখিলাম। **পঞ্**পেরক লিখিয়াছেন, আহার প্রতিবাদ করিবার ার ইক্ছাছিল না। কিন্তু আহার এর ডিড যে ভর কার্ব্যভার (সংবাদদান) অপিভ **ছ, ভাহার ক্ষতি হইতে পারে, এই** বিবে ৰ অগভাগ ভ**হিবন্নে প্ৰ**বৃত্ত *ংইনাম*। পত্ৰ क वरमन, '' देक नाष्ट्रिकड़ फ किछूहे । सथि-नाः ननवमप्रकीत भागा याजा स्ट्रेग्नाहिल "। কি আনাশ্ৰহ্য। বাহার। রাজ্যেক কিবা , ভাহায় ভিন্ন ভ সকলেই দেখিয়াছিলেন কখানি নাটকের অভিনয় হইডেছে। किना, याहाबा निफाफ (वाधनकिन्ना न कारारमद्रदे समरद्र काहा मक्टरवन इद्र কিছ আপনার <u>প্র</u>প্রেরক ড এক জন জাৰা শুৰা লোক, তিৰি যে যাত্ৰা ও নয়ের ভারতম্য করিতে পারেন নাই, ইহা ক্ষাতের বিবর নছে। এই নলদময় স্ত্রী নাউক অবিকল মাহাভার মেখনাদ বধ নাটকের ভ অবলহন করিয়া রচিত হইরাছিল। । গাঁৱে অভিনীত হইবে বা সচরা নাটকে যভগুলি গীত থাকে, ভাহার শা ইহাতে গানের ভাগ কিছু অধিক সরি 🏮 করিয়াদিয়া প্রীব্রামের অভিনয়োপ করিয়া দেওয়া হইরাছিল। ইহাতে নট নপৰ্যেহপ্ৰজ্জি সকলই ছিল। ডবে ন আপনার পত্রপ্রেরক এ অভিনয়কে रा " भाना याखा " वनित्रः উत्सर्थ कति-বুঝিতে পারিভেছি না। বোধ করি, দর এ অভিনয়ে সংজ্ঞাব আছে, তাঁহাদি অপ্রতিভ করাই ভাঁহরে মুখ্য উদ্দেশ্য। ংগরকালে- জাপনার পত্রপ্রেককে অসু করিতেছি যে, তিনিই একখানি '' শুদ্ধি দিন্, নতুবা সকল বিষয় প্রকাশ क्ति।

রীআবাদ বির্ভুন অঞ্চারণ অঞ্চারণ

জনেশনিবাসী হিন্দু পুরুষেরা পর লোক ইলে দায়ভাগের ব্যবস্থাসুসারে অনেক আংক্তির সম্ভী শর্তমান থাকিতেও চুর-

फत्र क्रूडियत्र। काहात्रमिटशत्र धटन र्गमधिकात्री सन वनित मात्रभारत यनचामीत छेखत्राधिकाती-मिश्रात्क औ अमधिकाती निक्रेशक्कीरमूत्र अवन भाषात्र सन्। वाधिक कहा स्टेबाएस, **कथा**नि মূল ধনীর দায়াদবর্গ, কচিৎ ঐ বিধান পালন ছরিয়া খাকেন। **ফ্**ডরাং শনীর মৃত্যুর সংক নলে তদীয় হতভাগ্য পরিবারগণকে অরাচ্ছা- \ দনের নিমিত যার পর নাই <u>নিরুপার হইতে হর।</u> এমন কি. অনেক স্থান ভাঁহানিগ্নকে ভারণ পোষণ ও অবস্থানাদির জন্য অন্যের গলঞ্চ পর্যান্ত হইডে হইয়া থাকে। নিরূপায় ব্যক্তিদি গের রাজহারে প্রার্থনা রুরা এক নাজ উপায় ; किन्द्र व्यामात्रिम्दिन् श्रमामञ्जय विष्टातान्त्र **শ**ক্তাভি পুত্রবধ্র ভরণ পোষণ **স্বভা**রের অবশংকর্ত্তর মন্ন বলিয়া সিদ্ধান্ত করাতে মুড ধনীর হতভাগ্য অন্ধিকারী পরিবারের সমস্ত লাশা ভরদা একেবারে ক্রি হইরা গিয়াছে। মহাশর : পুত্রবধুপ্রভৃতি জীপরিবারেরা যদি ধনস্বামীর নিকট বা ভদীয় বিবর হইতে ভরণ পোৰণ পাইতে বঞ্চিত হয়, ভবে ভাছায়া কি উপায়ে উদরার সংস্থান করিবে 🏞 বাহারা थकानः कृत्य (भरत कोतिक भागात्र वावहात **छन्छ**नः जनदालक्ष**छ इद्यः शहाता चळावणः** লক্ষাপরতল্পভানিবক্ষন গৃহ বহিপভা হইডে পারে না, বাহার। বালগাবধি অভঃপুরবাসিনী কামিনীগণের এবং একমাত্র পভির মুখভির (मर्च नाहे, ताहे कुलकामिनीता कि अकरन উদরারসংস্থানের **≖**ন্য পথে পথে ঘারে **হারে** ভ্ৰমণ বা ভূত্যবৃত্তি অৱলয়ৰ করিবে ? সম্পা पक महाभग्न ! विटवहमा कक्रम, श्रथामख्य विहा রালয়ের এ সিত্বাস্ত হিস্কুদিগের কুলধর্মের मळक शमधाता मर्फन कतिएक कि ना ?

কলিকাভা। ১৫ই অগ্রহারণ ১২৭৫। ক্রীকৈলাসনাথ বস্থু।

म्नाद्यां थि।

জীযুক্ত বাবু উপানচক্ত রায় **के**नीनावान ১২৭৫ অগ্ৰহায়ণ হটতে ৭৬ কাৰ্ত্তিভ ^৯ কিন্তুসিংহ রায় রঙ্গপুর ১৮७৮ फिरमबत हर्हेएक ५৯ नरवबन ১৩ ৯ রসিকলাল রায় ननशंही **১२१ ६ शीव स्टेट**ङ **कं**ंकन 94. ক্ৰেশজীট ^স হরিবোহন রায়. -८ क्छोर ४१ काउड्ड १६ हाइस्ट ३१६८ আসাবের রাজা 🗥 গৌ হাটী ১२१६ भग्रहाम् व व्हेरफ १७ कार्किक 📑 ५० अ के बाहत्र व हात्राणावात्र हात्राण
 अ के बाहत्र व हात्राण के बाहत्र के अवत्र व के बाहत्र के अवत्र के अवत्र व के बाहत्र के अवत्र क

--:-:

সোমপ্রকাপসংক্রান্ত করেকটা বিশেষ নিয়ম।

অনিম মলতে লাল্ডাল্ড লাইলে। বলে সোমগুকাল প্রেরণ করা বার না।

ইংার অঞ্জিন মুলা বার্থিক ১০ টাকা বাণ্যাসিক ৫৪০ টাকা সক্ষলে ভাকম সমেত বার্থিক ১৩, বাণ্যাসিক ৭ এবং তৈ কিক ৩৮০। তিন মাসের স্থানে অঞ্জিম এহণ করা বার না। ছণ্ডি, বরাতি চিটি, ব্রাতি চিটি, ব্রাতি চিটি, ব্রাতি বিটি, ব্রাতি বার্থিক প্রান্তিক বার্থিক ক্রিবেন। ধারা মূল্য থেরণ করিবেন।

বাঁহার। ষ্টাম্পটিকিট পাঠাইবেন, গাঁ বেন এক অথবা আধ আনার অধিক মুট ও রসীদের টিকিট ঞ্জেরণ না করেন।

वधन विनि मक्यन रहेट लामक्षका पूना शार्तिहरून, खारा विन (त्रक्षिट्टीत का क्षीतृक बात्रकानाथ विन्। क्ष्य त्र नाम शा रेव्रा मिम।

वंशिक्षित मृत्य क्रिया नमत्र क्रिके स् वानित्व, अक्षानभूत्य डाशिक्षित निवित्रा क्रांनान वाहेर्दा, क्रांना क्रिके स् (गरमञ्ज अक वांत्र क्रिके क्रिया स्हेर्दा, क्रांशित अक्षानकाम अजीका क्रिया क्रांगिस वक्ष स् वाहेर्दा। त्वित्र वार्त्यत श्रीत स्वाहित शाहिर्दा।

মাতলা রেলওয়ের লোণাপুর স্টেসনের ভ বরে চিটি আইলে আমরা শীত্র পাইব।

यौराजा माञ्चन ना निजा शक्यानि त्थात्रन व त्वन, डांशनिरगत्र त्यदे शक्यानि अद्व व वादेखना।

কেই সোৰপ্ৰকাশে বিজ্ঞাপন দিছে ই করিলে জাঁহাকে প্ৰথম তিন বার প্রতিপংক্তি আনা ভাহার পর /১০ আনা দিছে হইবে বিনি অধিক কাল বিজ্ঞাপন দিবার ইক্ষা কা বেন, ভাহার সহিত বতত্র বন্দোবস্ত হইবে।

এট এই পত্র কলিকাভার দক্ষিণ পু মাতলা রেলওয়ের লোণাপুর প্রেসনের দ্বি চালড়িপোভার জীয়ুক্ত ছারকানাথ বিদ ভূষণের বাসিতে প্রতিসোধবার প্রাভঃকা প্রকাশিত হয়।

(मयशक)

১ ল ভাগ।

8 मण्याग ।

" प्रवत्तरां प्रक्रति दिताय पार्थियः सरस्रतो अतिमहती न हीयतां।"

গসিক মূলঃ ১ এক অগ্রিম বার্ষিক ১০ দশ হ**রিম বা**ণ্যালিক ধ**। সাড়ে পাঁচটাকা**।

मन ১২৭৫। ७० व्यवस्ति । ১৮৬৮। ১৪ ডিসেশ্র

বাণাসিক ৭, ও তৈমাসিক ৩৮

বিজ্ঞাপন। " হিন্দ মহিলা নাটক " (স্বোড়াদাঁকো অভিনয়

मञा स्हेटल পूत्र.

স্থার প্রাপ্ত।)

উক্ত নাটকে হিন্দু মহিলাগণের হববস্থা বিত ছইয়াছে: ঠনঠনে করন ওয়ালিস কীট ৰঙ নং সংস্কৃত যুদ্ধের পুজ্ঞকালয়ে প্রাপ্তব; ; ল। ১ এক টাকা।

ত্রীবি:পিনমোরন দেন গুপ্ত।

केस के जिल्लान (तल अरहा)

বড় দিনের ছুটির সমল্লের টিকিট।

 क्षाता मर्काभागतक व्यवश्रक कता है (जर्ड, स. .समकन क्रिक्स क्हेर उर्वमान দেশৰ মানের ২১ এ ভারিখে ব। ভৎপরে সকল রিটরণ টিকিট বাহির হট্টো ভ'রা আংগামী জাতুয়ারি মাদের ৪ *১*৮ মিব'র পর্যঃস্থ প্রভাগেনন সাধিত হইবে।

ष्ट्रेड खग्ना दल ७८ग्र इन्डोक्टिमी (ऋग्नाद

সিসিল ক্টিমেন্সন

भिकाछः ३५७५ }

とうりゅう 打き

সংস্ত কলেজ

বোচ অব এক্টেপ

সিক্রাসিডের বিলাপ মুদ্রিত হইয়া প্রকাশিত 🖰 লড়ে। পুত্তকের কলেবর ৮ পেজী ফরমার। क्रद्रभा ज्वशील २५२ श्रुशी। मृत्या ५० अस्ति: চাব আবেশকে হয়, ঠনঠনিয়া সংস্কৃত ধল্লের : কালয়ে অথবা পটোলভাঞ্চ বাড়ুরেন প্রায়র : कात पुरुकामास व्यवस्थान कात्रहरू (राम । हैं ह

ঞীশিবনাথ ভটাচাৰ্য

কলিকাভার অন্তর্গত আেড়ার কৈর বারা বিশ্বতীত ও মংপ্রচারিত নিম্লিখিত পুস্তক শদী ঘোষের জীটের মধ্যে মৃত রাধানাথ কুতের দরণ আমার ধরিলা ১/১৮১ বিভা ভূমি বিক্র वार्थ भारत्र। होशक्ति छेखत मतकाती नक्तामा, দক্ষিণ গলিরাভা, পশ্চিম শাস্তিরাম সিংক্রে थितिन। वाजी (तन् उवाजी । नः नग) भूतं बाम 'লোচন রায়ের পুক্রিণী। ক্রেভুগণ গড়পার মৃজ্পপুরেব ১০৪ নং বাচীতে জীয়ুক্ত বাবু বিশ্র मात्र वर्त्व्याभाषाद्यव निकटो कक्षुत्रकान कतिहास জানিতে পারিবেন।

और वक्री नाथ छ छ সাং হালিসহব

वाल्गीकि हामायन। षिखीयबरा

এই পুস্তক ভৃতীয় অবধি নৰম সৰ্গপৰ্য স্ক विकीत मध्यत माधवाकात वामाञ्चरक विका छः বাঙ্গালঃ অনুবাদের সহিত কংব্যপ্রকাশ যন্ত্রে মুদ্রিত ইইয়া বিভারিত ইইডেছে। ইহাতে মাছে ব্য ভীষ্ট ভাগেলাজী ভটের দীকার স্থলবিধেয়ে 🚶 উদ্ভাত করা এইভেছে 🐯 ইচা প্রতি সংখ্যায় ১০ 🖔 কর্মাজধান্ত পৃথা করিয়ামুদ্রিত ও এচা পতেব ইছে। জলিম মূল্য পাঠাই রেয়। তা রিও 'ইবে গুলা। আনা। বাহারা আহক না পাইলে বিদেশে বিদ্পুরাণ পাঠাই প্রাণীভুক্ত ১২ তে চাছেন, জীহারা আনমার নংমে। নিয়ম নাই ই'ত। কলিকাডা ভা**ক্ষা সমাজে পত্র লিখিবেন**। বিদে শীয় আহকদিগকৈ 🗸 এক আনা ভাকনান্তৰ क्षिएक इहेर्य।

জা শ্বন **ब्रोह्महक्क ७**६१६१६र १

र्रमर्फिनम्। मध्यकृष्ठ शुक्रकानसम् ७ भस्तिन া ডানার বাড়ুর্ব্যে আদার কোম্পানির দোকানে : বিক্র হইতেছে ---

প্রণীত भूना **ঐ°সই**ভিহাস . د . (রামই ভহাস ئى জ ভূমগ্সার ব্যাকরণ নীতিবার (১ ম ভাগ) নীভিসার (২ য় ভাগ) क्षप्र:दिखः। मुक्तानात दहाकद्रव ঐদারকামাণ শ্রা

পুরাণ প্রকাশ।

रिक्षु श्रुत्रागः।

অমুবাদও টীকা সমেত প্রত্যেক

৮ • श्रेष्ठाः व्यञ्जिम् ना)। • ।

গিনি এইণাভিলাষী চইবেন ভিনি মুঞা कामर इष्टेकीने ७४। ३ न॰ जनता कः वृक्ष्य गख ज्ञाना किनाम मध्य जिल्ला **बियुक कार्याह्म क्रिक्सरिय मध्य**

বিক্রার্থ :

शादरक्षम दी हे २८ मेर वाली खनाभग्रह १७ महत्याका राजाम ।

উপরি উক্ত বাগান ও বালী মালেরা র कतिएक व्यथन। अहेरक हेक्का करतन, मिन्न का রিভ ব্যক্তিব নিকট জানাইবেন

> शिरलक्षावः कात्र्रवा-থনট এবং কোং

বিবিধ জব্যাদি বিজ্ঞার্থ

রোজীব জালা পুতক কার্যজ কলম নামা ব্যাদি পাওয়া দায় এবং পৃত্তকাদতে কে আনাৰ হিমাৰে কমিধন দি । অধিক र शुक्रक सहरत 🗸 🗢 🐃 नाव हिमारब বন ।

ক্তি বারুক:লীলগ্র সিংহ মহোদয়প্রণীত ৮ পদা মাং ভি'রড ১৭ খন্ডে ও **ভাগে উন্তম** सन्दे ।

ভুন জারমা কোপিয়া অববাধ ঐবধ কল্লা-

েল্ড দের জীবনচনিত উত্তম স্বঞ্জিত ১ রচাকুরপ্রভুভি প্রাচীন কবি **রয়ালা দি**গের

ही **त्रक प:क्**रिक'म ৽য়্প্রব'ছ উৎকৃষ্ট কাব, ়

াহ্য সমিদ দায়িনী মথ ভর্লেণী

হুন**াথ (বাধকুত স**ংগীতনকোরজন সুনামজ্জুকার্ড করিবর ঘারকানাথ রায়

াসরমামূভ সংস্ত ও পদ

ভিলোবিক জয়দেব গোৰামী এণীত মূল नाथ नाम्भकारमकुर धना 510

١

H

8 H .

চীতুক তর্মস্থী ইংবাজি কেন্টেটবি হট**ে**

অ:শ্রহাজনক বিদ্যাদশন চয় 20/ भू 🤡 म 🖲 ७ : २९७ मा (सत् क्स श्राक्षक) ॥

जे अक शक्ति।

গাঁহকুল পদঃ ۲ নলডারিনী

সীক চঞী মুল ও জনুগাদ স হৈছে। æ वर्षभक्षकी हैश्यक भिष्ठी नत বিষয়

ধরতে বৰিত হুহয়াছে ٦, য়াজিল ১৮৬৯ সালের এট্রেল কৌ ১৮৮

রীকুমার পদ্য আদিবস্থান কাব্য ১

বের যোগিনী শক্তি . १९७**६ छ। अ**न्य क्षेत्र के **व्यक्ति ।** अन्य के अप

জ ৪ উত্তম সংগতে মুদ্রত Ċ ধবাৰিবাছ নাটক

विभीकृषात রসরত্ব'করান্তর্গ ড নার ক ाष्ठिक हुन्य का क h٠ ৰিকুন্তল। কাৰে প্যানীমেছিন বন্দ্যোপা-

লীত ছর্গেলন ক্ষীর মত লেখা

গণ:স**স্কুল**≎রী ≥ # + চত্ৰবেল ভ্ৰথানি ৰাকালা মাাপ

সতীক চৈত্ৰ,চারভামুক্রাস্থ কাদ্ধিনী নাটক আইনসংযুক্ত ২ খণ্ড

医牙作鱼 উষাহরণ পদঃ

iec छा शहन विक्यु मन्द्रीत प्रश्रही छ <u>জী প্রভাপচজ্ঞারার</u> কলিকাতা ক্লোড়া-

সাকে। ৬৪ নং नगर (तरक्राः।

নদির।র নদী।

मन ১৮७৮ भारत्य नरवत्रत भारमत २२ **३३ए**ड ৩০ এ নবেশ্বর পর্যান্ত ভাগীরথী নদীর দৰ্কবিমতি জলেব সাপ্তাহিক विद्वापि ।

> সর্বাকমতি জল স্থানের ন:ম कोई हैं পদানদীর সহিত ভাগীর্থির মহানার যোগের স্থান ₹• মহানায় ١. তথা হুইতে জঞ্জিপুর ১৩॥ মাউল মধ্যে ₹ कक्षिलुत ६३८७ वहत्रमञ्ज ৪৬ মাইলের মধ্যে ₹ বছরমপুর হইতে কাটোয়ে৷ ৫ - माहेरलंत मर्पर ₹ কাটোয়া হইতে নদীয়া ৪৬ মাইল মধেং

সন ১৮৬৮ সালের ৩ ডিসেশ্র বছরম পুর গল্পাটের জালের মাপ। ফুট

গালের উপর) ब्रीयुक्त नि हे, ऐहेक दइद्रा भू । ১ ৫টেন্বর) वहतमश्रव फिविकामा 1 44 4;

সোগপ্রকাশ।

७ - এ अञ्चर्भाष्ट्र (मास्याह ।

আমরা গভবারে ব্যায়ামচর্কাবিষ য়ক যে প্রস্তাবটী লিখিয়াছিলাম, এক জন পত্রপ্রেরক ভাহার প্রতিবাদ করিয়া আমাদিগেয় নিকটে একথানি পত্ত প্রেরণ করিয়াছেন, ভাছা যথাভানে প্রকটিত হইল। আমরা পর্বোনি দেখিয়া जुके इहेलाम। शख्टक्षत्रक बटलन, करशंक कन क्यना बालक दाशाम निका कतिशा অভিনয় করিয়া বেড়াইতেছে; কিন্ত

व्यक्षिकांश्रानत अ इच्छा त्रिक नाहे। कारम लाकरे याहाटक वंशार्थ है হয়, এইরপে ব্যায়াম শিকা ক ছেন।

আমের। ব্যায়ামচর্চ্চাশীল কন্তক ব্যক্তির ব্যবহাররভান্ত ভাবণ ব সাধারণো যে অসুযোগ করিয়াছি তাহাতে আমাদিগের দোয হই गटमह नाहे; किन्छ आभावा नवशूवकः র্থা আড়ম্বরপূর্ণ বেসমস্ত কার্য: क्तिर ङ्कि, जाहोट छ क्रमनः वा গের হৃদ্যে এই সংক্ষার বজ্মুল তেছে य, डाँशमिर्गत रहेर उ গের দেখের এীর্দ্ধি হইবার সঞ্ नाई। (यमकल कार्याः भातीतिक উৎসাহ ও অধ্যবসায়ের প্রয়োজন, দিগের নৰ যুবকেরা তাহার কেছ ন কল্পানাশক্তিমান অলম লোকের সমস্ত কার্যো পট হন, এ দেশের যুবকেরা ভত্তৎকার্যেই পট্ডা প্র করিতেছেন। আমাদিগের পূর্ব সাংসারিক বিষয়ের উ **न**'श्रत डेमानीन হইুয়া বে ধর্ম লইয়া কালফেপ করিয়া ঢেন, নৰ যুৰকেরাও ভা**হা** ল কলোভিপাত করিতেছেন। ঐ বিং इंश्वापिरशत दिन दिन एव द्राप्ति इंडेर কিন্তু অন্য কোন শ্রেরকর বিবয়ে इक्ति नारे। बालिकावी धरेश कार করিয়ানানা দেশ ভ্রমণ করিতে পাঠকগণ এরপ কয় দল দেখা পারেন গুদলবদ্ধ হইয়া বস্তা ও ক এভ্তির কল করিয়াছেন, বজা এপ্রকার কভগুলি নব যুবক আং পলীঞামে গিয়া কৃষিকার্যেরে উ निर्ट्हिन এवर श्वरः क्रिकार्यात

ষ্ঠান করিতেছেন, এরপ দলব্দ্ধ কর

নবস্বক আছেন ? এটা আমাণি

(नर्नात कन वास्त्रहरनाय। भागता

शटकार कार इंटिंड नातिव ना । याहाट ड গালগণ্প আছে, আমোদ আছে, পরিশ্রেম নাই, এইরূপ কার্য্য করিয়াই व्यामत्रा काल काहि। हेव. (वाध इस, विधि এই নিমিতই আমাদিগকে স্থি করি রাছেন। গালগণ্প ও আমোদ ভাল বালি ও পরিশ্রম করিতে পারি না विलिशाहे " इत्ख्याति " व्यामानित्रात অধিক ভাল লাগে এবং যে ব্যক্তি ধর্মের নাম করিয়া আমোদ প্রমোদের উপায় করিয়া দিতে পারেন, তিনি ঈশ্বারুগৃ হীত অথৰা অবভাৱ বলিয়া আদৃত হইয়া থাকেন, ভাঁহার মতই শীঘ্র প্রচলিত इरा। ८ हे मून इहेट उप (मर्ट्स कर्डा उका কিশোরীভজকপ্রভৃতি অসংখ্য দলের স্থাট হইয়াছে। আমরা উপরে আমাদিগের পূর্বাপুরুষদিগের সহিত নৰ যুৰকগণের যে সাদৃশ্য দিলাম, সেটা অনুচিত হইল। ভাঁহাদিরের ক্লেশ-সহিষ্ণুতা ও বিষয়**বিশেষে ভাম** ও অধ্যবসায়শীলত। ছিল এবং উঁহোদিগের যাবতীয় কার্য্য নিরম্বন্ধ ছিল। ভাঁহার। অনেক বিষয়ে অনেক ক্ষমতাও কেথা-देश शिक्षां हिन। डीहाता अवही असुड সংক্তভাষা প্রস্তুত করিয়া গিয়াছেন। दाक्तर्वत उठनारकोभाग प्रिथिए क ন:চমংক্ত হন ় নাটকাদির ভাষা লালিতা ও শশ্যারচনার চাতুয়া দেখিলে কাহার জ্বর বিস্থরদে আলুভ না হয় ? দর্শাস্তাঞ্লিও তাঁছাদিগের অনামান্ বৃদ্ধিমতা, ক্ষমতা ও চিত্তা-শীলভার পরিচয় প্রদান করিতেছে। व्यामानिरगत नव गुवरकता कि हेशत একটা বিষয়েও ক্ষমতা প্রকাশ করিতে পারিষাছেন ? আড়েরর ও গালগণ্পাই ইহাদিকোর মহত্তিছু এবং যথেকাচা রিভাই ইহাঁদিগের উম্ভিন্ন পরা কাঠা। পাঠকগণ বিরক্ত হইবেন ন:। আমাদি (अत नव युवकमरण (कइहे छेरमाहामि

গুণদশার নাই, এ কথা বলা আমাদি গের অভিথেত নহে। আমরা যথন যে বিষয়ের পর্যালোচনা করি, অধি কাংশের দোষ গুণ ধরিয়া ভাহাতে মতামত প্রকাশ করিয়া থাকি।

নজিপরিবর্ত ও ভারতবর্ষ।

্ডিণ**ে**রলি সাহেব ইংলংওশ্রীর মক্তি পদ পরিভাগে করিয়াছেন এবং প্লাড ভৌন সাহেৰ প্ৰধান মন্ত্ৰী হইয়াছেন_। हेश्लर्धः मनामिलि विलक्षः । श्वन, जाहात সহিত আমাদিগের কোনপ্রকার স্বার্থসম্বন্ধ নাই; কিন্তু এত্যেক মন্ত্রিদল পরিবর্তের শহিত ভারতবধীয় দেকেটারির পরি বর্ত্ত হওয়াতে কার্যাতঃ আমাদিগকে সুখ হবের ভাগী হইতে হয়। উইলিয়ম প্লাড ভৌন সাহেব মহাশভার এক জান অগ-कांत्रकत्र शां त्राक्य विवर्ध विभि इंडेरहा-পের মধ্যেনা ছউন, ইংলতে অদ্বিটার কিন্তুযে মহেচ্ছতা, প্রাশস্তচিন্ততা, স্থির প্রতিজ্ঞত। ও গতীরপ্রকৃতিতানিবন্ধন পিট, পামর্ক্তন, ফানলী এভূতি বিখ্যাত হইয়াছেন, প্লাডফোন দাহেব ভল্লিমিড খাতিলাভ করিতে পারেননাই। বিষয় বিশেষে উম্হার পরম প্রাবীণা প্রদর্শন मामर्था व्याष्ट वर्षे ; किन्छ मर्खाङीन দক্ষতা নাই। গ্লাডফৌন সাছেব কোপন সভাব ; তিনি নিজ মতকে অখঞ্নীয় জ্ঞান করেন ; ভাঁহার দলস কোন ব্যক্তি ভাঁহার অমতে কার্যা ক**িতে পা**রেন ना। जिनि भकत्नत अधनी वर्तेनः किछ (करूरे डीहाटक भागुतिक डाल वाटमन না। তিনি আমেরিকার দখিল বিভাগে क्वी छमान अवाजीत तक्य विषया यदवर নাহায্য করিয়াছিলেন; ভাহার সংস্কার এই, যাহাদিশের গায়ের চর্ম শুরু নয়, ভজনাতীয় লোকেরা নির্ফ এবং তাহা सिशटक को उन्ताम कतिया ाथा अट्टेबर নয়। ভারতবর্ষের প্রতি তাঁহার স্বেচ্ছটি

নাই। তিনি কখন ভারতবর্ষের উপ্রকার করেন নাই। ভারতব্য मारमञ्ज्ञामात्र थाकिहा देश्यरखत नाधन कक्रन, कई डीहात्र नः ভিনিই প্রথমে এ দেশের রাজ্য रे**्ल ७** अति जिल्ल कोट्या वास क পথ প্রদর্শন করেন। ভাঁছার পর মুগারে লাভ পামরফন চীনের ব্যয়, পার**ন্**গের দূতের **ব্যয়েপ্রস্**ডি দিগের নিকট হইতে গ্রহণ ক প্লাডটোন সাচ্চের ইংলতের বি প্রশংসা লইবার নিমিত ভার্থ নামে ইংলওভিত কয়েক দহজ ট বেতন লিখিবরৈ প্রথা প্রবর্ত্তিত ব ভারতবর্ষের প্রতি উদার ব্যবহার এবং ভারতবর্ষের শাসনকার্যোর প্রশস্ত নেত্রে দৃষ্টি পাত করা প অভ্যাদ নয়। যাঁহার সভার ও জ এইরপ,ডিনি প্রধান মন্ত্রী হই ভারতবর্ষের বিষয় যথন ভাঁহার 🛭 প্রেনীত চইবে, তথন ভার্য कलान श्रास्थि इहेटन, जामानिटन এরপ বোধ হয় না। তবে উণ বর্ণিত বিক্রমাদিত্যের দিংখান ব্যক্তির স্বভাবপরিবর্তের ন্যায় টোন সাহেবের যদি সভাবপরি হর বলা যায় না।

প্লাডেকান সাহেব প্রধান মার রাছেন, শুনিয়া আমাদিগের চিত্তে অসম্ভোব ক্ষারাছে, ত্রাইট ভারতব্যীয় সেকেটারি হুইয় শুনিয়া ভেমনি আনন্দ ক্ষায়ার সোমবার টোলগ্রাম আইনে, জন সাহেব ভারতব্যীয় সেকেটারি ছেন। এই মহাত্মা সেকেটারি হুইন ভবর্ষের শাসন প্রধানীর পারিবর্ত্ত ক্রিল, বাণিক্যের ভার ব্রাইট সাহ হুন্তে দিয়া প্লাডটোন সানেব

অব আর্গিলকে ভারতবদীর সেক্টোরি করিয়াছেন। এনংবাদ আনাদিগকে অধিক তর বিষাদিত করিতেছে লাড আর্গিল ভারতবর্ষের বিষয় বাতক জানেন বটে ; কিন্তু ভারতবর্ষের প্রতি ভাঁহার উদার দৃষ্টি নাই। তিনি লাড ডেলছাউদির অবলম্বিত রাজনীতির অনুমোদক; আত্মন্তরিদলের এক জন প্রধান ছাত্র। ভিনিয়ে প্রশস্ত নেত্রে সকল বিষয়ের বিবেচনা করিতে পারিবেন, এরপ বোধ হয় না। এখানে আমরা সিবিল সর্বিস , (अगामल 8 मामन कार्यात द्वात डेल्यां हे নের নিনিত চীথকার করিতেছি। বুাইট গাহের অথবা লাড ঊনেলির সদৃশ মহা भुख्य लाक छिप्रे भएक होति इंदेश अहे চন্টার অসুমোদন করিছেন; কিন্তুলাড গার্মিল এমকলের ০ছতিবজাকত৷কয়াই শ্রেয়কার রাজ্মনীতি ভরান করিবেন। মামর! দিব্য চক্ষে দেখিতে পাইতেছি, াস্ত্রিল পরিবর্ত্ত হওয়াতে আয়ারলতে চ্ছা হউক, আমাদিলের অনিফ ইইবার ৰলকণ সম্ভাৰন। কলতঃ যত দিন ভেটোন গ'়েব প্রধান মন্ত্রী ও লাভ ার্গিল চারভবরীয় দেজেটারি িক্রেন, ভত দিন আমাদিণের উর্গ্ত तं उदका थाकित मत्मह नाई। देश्ल র দল্পদলির সহিত আমেদিংগর সনপ্রণালীর এংকোর সম্পর্ক থাকা াস্কর নহে। এই কুপ্রবা রহিত করি। চেষ্টা পাওয়া উচিত কি না, ता मक्तमाधातरगत व्यख्य बहे धक्ष স্থত করিলাম।

ষ্টাম্প আইনের ভূতন পার্লেখা। ক্রেল সাহেব বাবস্থাপক সভায় আইনের যে মূচন পাণ্ডুলেখা তে করিয়াছেন, তাহা আমরা যাগপুৰ্বক পাঠ করিয়া দেখিলাম,

বর্ত্তমান গ্রব্দেক্টের রাজস্বদংক্রান্ত রাজনীতির পরিবর্ত হয় নাই। কোন প্রকারে রাজ্য রুদ্ধি করাই মুখ্য উদ্দেশ্য হইয়াছে। এ দেশের পূর্ববতন ভূপতিগণ পুजের বিবাহ, कन्यांत विवाह, कन्यांत অম্প্রাশন বলিয়া টাকা লইভেন, আমা मिर्गत त्राक्ष शुक्र रवता चा देन ও विচारतत नाम कतिया (गई होका सहर छ एवत। কফেন নাহেব গঠা করিয়া বলিয়াছেন. তাঁহার প্রস্তাবিত পাঞুলেখে৷ ফান্সের মূল্য কমান হইয়াছে; কিন্তু-যদি অসুধাৰন করিয়া দেখা যায়, এগর্কের কারণ লক্ষিত হয় না। 'কেবল খাত, কবলা, পাট্টা, করুলজি, একরার ও বাণিজ্যানংক্রায় বিষয় লইয়াই প্রস্তাবিত পাঞ্লেখ্যটী হইয়াছে। ১৫০০০ টাকার নীচের খতের উাম্প ক্যান হুইয়াছে সভা; কিন্তু ভাহার উপরের থতের ফ্টাম্প অবস্থত রুদ্ধি कता रहेशारह। करकान मारहत बरनन, অপ্পায়ুল্যের থত ও কবলাই এ দেশে অধিক ; কিন্তু যদি মূল্য ধরিয়া বিবেচনা করা যায় অধিক টাকার পৃত ও কবলা হইতেই ফাম্পের মূল্য অধিক পরিমাণে সং গৃহীত হয়। কোন্ব্যক্তি ২০০ খানি ৩১ টাকার কবলাকে এক লক্ষ টাকার कवीलांत मनान ज्ञान क्रिंत्र्दन १ राथारन চারি টাকা ছিল, দেখানে ভিন টাকা हहेशाएए। अ मिटक रायम किছू छेशकात হইয়াছে, ও দিলে তেমন অপকার হই রাছে। আটি আনার নীচের কাগ**জে ধত** ও ক্ৰলা হ্ইবে না। ক্ৰলার मयुरक লাভ; কিন্তু থতের সম্বেদ্ধ ক্ষতি৷ কজেল পাছেব ভান করিয়াছেন যেন নিম্ন শ্রেণির উপকারার্থ গবর্ণমেন্ট রাজস্ব ত্যাগ করিতেছেন ; কিন্তু তাঁহার জানা উচিত ছিল, বৰ্ধাকাল পড়িবামাত সংজ্ঞ সহস্র ক্লক ১০।২০। ৩০ টাকা করিয়া अन करता वाक्ता पूर्व्य इवे व्याना 🗷

চারি আনার কাজ পাইত, ভাহাদিশ आंक्रे आना पिटङ इहेटव । आवात्र व বৎসরের অধিক কালের পাটা ও ব লতি হইলে ভাহাকে কবলার ন্যায় জ্ঞ করিয়া তদমুদারে ফ্রীম্প দিতে হইতে এক বিঘা ত্রেকোভেরের কর atf8 ২ টাকা। কৃষক পাঁচ বংসরের মিয় করিয়া পাউ। লইল। একণে তাহার বি বায় হইবে, তাহা এক বার বিবেচ করিয়া দেখা হউক,

পাট্টার ফ্টাম্প কর্পতির ঐ রেজিউরি ফী মোকার সনাক্ত করিবেন তাঁহার ফী ۶ द्रिक्षिकेटत्रत्र व्यामनागगटक পাথেয় (ছই দিবদের) মোট 8#a

10

l) o

10

পাঁচ ৰ্থদরের কর দশ টাকামাত্র কিন্তু ৪॥১ টাকা আইনের क नार যাইতেছে।

উল্লিখিত পাঞ্লেখ্য প্রস্তারীয অবিবিচাকারিভার আর একটা পরিচয় भाउन याहे(छट्ड। अक्ट्र Black ফাম্পে লিখিত দলীলের মুল্যের ২০ তাণ দণ্ড দিলে প্ৰয়াপ্ত ২য় किन प्राकृत्ल (या किनाजी न क्रिनः নের ব্যবস্থাকর। হইতেছে। ইস্ছাকরিয়া (केह এ का जिसहाक (तस सा। स्ट्रीएक) লিখিৰার কারণ কি? দলীল পাকা **হইবে বলিয়াত ? কোন্ব্টিল অথ্**ব্যয় করিয়া কাঁচা দলীল করিবেন ? নিভাস্ত অবস্থাবৈঞ্চা অথবা প্রান্তিনা হইলে কেহ অপপ মূল্যের ফাম্পে লেখাপড়া क्टबन मा। क्टक्न मार्ट्य धक अकाब মাথার দিব্য দিয়া বিচারপতিদিগকে বলিতেছেন, এরপ হলে দলীলপ্রদাতঃ-मिश्रादक रफोक्रमातीहरू व्यर्शन कतिएक इडेर्य। अञ्चारम अञ्चलका क कर्य

-क्लि विषद्यत উলেধ कता अ व्यनक्र छ **१३८७८६ न**।। वर्फन मास्ट्रिय (य **सम्ब**द्ध শাইন করিয়া দরিত্রদিগকে আদালভ ংইতে বহিকৃত করিয়াছেন, দেই আগাই নর সংশোধন করিয়ানালীশের রহুম দ্মান কর্ত্র। অজ্ঞ কাড়িয়া লইরা ও এজাদিগকে নিস্তেজ করিয়া শান্তিরকা দরা এবং ভাতাদিগকে বধ করিয়া विष्याङ्गिराहण कता स्वज्ञाल, ब्रष्ट्रमहिन्न রিয়ামকদন। ক্মানও সেইপ্রকার। উপদং হারকালে দম্পতিঘটিত কর-ার রস্মর্ভির একটা সুলনিয়মঘটিত াপত্তি উপস্থিত হইতেছে। সম্পত্তির গা বাড়ি:ডছে। ১০০ টাকার ভূমি ০০ টাকায় বিক্ৰীত হইতেছে।১টাকার ানে ত ৪ টাকা লওয়া হইল। আৰার হনের হার রুদ্ধি কেন ? ইহাকে কি ক বিষয়ে ছ্≷ুকার কর লওয়া বলে

১০ আইন ঘটিত মক দন। ও বঞ্চ **मिनीय भवर्गरान्ड**ा এ দেশের কালেক্টর ও ডেপুটা কালে

বরা ১০ আইনসংক্রাক্ত মকদ্মায়

াস অপটু। ভাঁহাদিগের হইতে অভি অবিচার হয়, ইহাতে বিরক্ত হইয়। तिर्ग এই मकन सकन्त्रमा (मुख्यांनी ালতের শিক্ষিত বিচারপতিদিগের দিবার নিমিতব্যুদিন অব্ধি কার করিতেছেন। আট বংগর রাজস্বশংক্রান্ত কর্মচারীদিগকে ক। করিয়া দেখা গেল এই সময়ের উাহারা লোকের . 51 তে পারিলেন না। আমাদিগের ণ**িজজ ও**কমিদনরগণ, উকীল বস্থাপক্ষণ, জ্মীদার ও প্রজাগণ क्टि **कर्वारका स्विशांनी जाना**लाटङ কোত মকদমাল ইয়াযাইবার অসু-; ও প্রার্থনা করিতেছেন। লেপ্টন্ট

গবর্ণর অন্তং মফলতে গিয়া জমীদারদি। ভালারা গবর্ণমেটের নিকটে এই গকে জিভাগে করিয়া অবগত হন, এত ২ করুন বে, বিচার কার্যোর জন্য ব मयक अवंदन त्य कथा किहर उद्दर्भ निर्मात अव मनदक श्रुपक निर्म তাহার মূল আহে। এক জান বহুদশী উপযুক্ত ভূতপূর্ক লল এতংসংক্রাম্ত এक পাछ त्वथा श्रञ्ज करतन। उम-সন সাহেব নদীয়াতে ছিলেন। নদীয়া জেলাতেই অসংখ্য কর্মটিত জটিল মক क्या इत। उभनन मार्ट्य निर्वत कृत्यान ৰ্শন ৰলে জানিতে পারেন, কালেন্টর ও ডেপটি কালেক্টর হইতে এ বিষয়ে সাধা রণ্যে স্বিচার হর না। লাভের মধ্যে এই इब, १५ डाँहोता भागनकार्या वशाविधि মনোনিবেশ করিতে পারেন না। এ সমস্ত পর্ব্যালোচনা করিলে স্পটই প্রতী য়মান হয়, পূৰ্কোক্ত পাণ্ড লেখ্য বিধিবদ্ধ করিবার আর আপত্তি নাই। অধিক কি, অনেকে অসুফান করিয়াছিলেন, ১লা নবেশ্বর অবধি দেওয়ানী আদালতে কঃ সংক্ৰান্ত মকদ্দমা নিজ্পাদিত হইবে; কিন্তু হঠাৎ গ্রে সাহেবের মন্ত পরিবর্ত্ত হইয়াছে। অনিষ্টতরুচ্ছেদনার্থ কুঠার উত্তোলিত হইয়াছিল, সহসা আঘাতকা রীর হক্তরেজ হইয়াগেল। ইহার কারণ কি?ইহার যুক্তিদমিভা, নাায়সিভা ও রাজনীতিসভত কোন কারণই প্রভঃক হইতেছেনা। আমরা শুনিতে পাই-ডেছি, অতি দামানা কারণে উলিখিত বিলঃটীর সম্পাদনে বিল জন্মিয়াছে। ইইবার সম্ভাবনা আছে কি না, প্র কত গুলি নিবিলিয়ান এই আগতি করি মেণ্ট স্বয়ংই কেন ভাগে একবার বিং য়াছেন, ১০ আইনঘটিত, মকদ্মা দেও, চনা করিয়া দেখুন না। ভাঁহাদিগে য়ানী আদালতে পেলে উচ্চার। বিচার ইইতে কোন বিচারই ভাল হয় না কার্যা শিক্ষা করিতে পারিবেন না। এ উভয় পক্ষেই আপীল করেন। ছা আপত্তি অকিঞ্ছিৎকর। এক জনের মকদ্মার ত অব্ধি নাই। জ্ঞের স্ক্রিকাশ ক্ইয়া আর এক জনের শিক্ষা এখানতম বিচরোলর বিরক্ত চন হউ হ, এটা নিভান্ত যুক্তিবিক্তর বাকা। সরকারী অর্থ নট চয়; বিচারপতিনি

করাহয়। **অদ্য সহকারী** মাজি কলা থাক বস্তির ভত্তাব্যায়ক, প व्यक्टिकरनत महकाती, शरत कार ও বিচারপতি, আবার কিছুদিন রেবেলিউ বোড বা বঙ্গদেশীয় গাণ ণ্টের জানিয়র শেকেটারি, পুন मामिट्डें हे, ब्यावात मामिट होति, छ এक्कारण (खनात कथा, याँ इसि এই রূপে দর্ককার্য্যে শিক্ষিত করি চেন্টাকরা হয়, তাঁহাদিগের অসনে যে কোন কাজের হন না, গবর্ণ এটী জানিয়াও জ্বানিতেও পারেন তাঁহাদিগের অনেকে বিচার কাষা कारनन ना ; डाँकांकिश्तत अपूर्विश क् ভাঁহারা অনায়াদে বিচারকার্য ক্ অপস্ত হইয়া শাসনকাবে; গ করিবেন; কিন্তু দেশের মঙ্গরার্থ 🕏 मिर्गत **इन्ड व्यक्तिकोत्तना**त्रको करि গেলেই ভাঁছারা চীংকার করিবেন, দামান্য আশ্চর্যোর বিষয় ন গ্রণ্মেণ্টের এরূপ স্বার্থপর লোচ কথা শ্ৰেণ করা উচিত কি না ৃষ্টি এক বার বিচারকার্যা আবার বার শা কাষ্য এইরূপে নানা কাষ্য করিয়া বেড্ ভাঁহাদিগের হইতে বিচারকার্য্য ভ ইহার অপেক। অন্যায় আর কি গের সময় রুগা বারিত হয়; অ্থী এ ১ হইতে পারে ? বিভাগীয় কর্মচারিপণু থীদিগের সময়ও অর্থ নাশের ত কংক যদি বিচারকার্যা শিখিতে এতই ইচ্ছুক, নাই। মকদ্যাত্রিয় অধ্ব লোকদিগেরই

কেবল এ অবস্থা প্রার্থনীয়, কারণ একবার এ আদালত আবার ও আদালত কয়েক বার এইক্স করাইতে পারিলেই ভূর্মিল শক্ত শানিত হইয়া আইদে।

खेशमः श्रंतकारत जागरा ध्या मार श् बरक न्या को कर व करिए हि. ५० चाई-त्वत मकक्ता यकि कि श्वामी विश्वाताल-श्वत श्रंत कि श्वा ना श्वा, चानिया स्विधा माधात्विव चनिक्ष क्वा श्हेर्य।

সূত্ৰ পুস্ত**ক**।

১। विপদই সম্পাদের মূল। 🕮 যুক্ত বাবু কিশোরীমোহন মুখোপাধ্যায় এই নাটক খানির জ্পান করিয়াছেন। লোকে যত বিপদগ্রস্ত হউন না কেন, পরিণামে ভাছার সৌভ:গালাভের সম্ভাবনা থাকে, ইহ। প্রতিপন্ন করাই এই গ্রন্থের উদ্দেশ্য। নীলগদর পত্তি এলগদেনপতিরে আক্রমণ করাতে বিদরের রাজপুত্র মনোহর তাঁহার সংখ্যার্থ গমন করিয়া এলগন্দেলপতির সহিত নালগদরপতিকর্ত্ব পরাজিত ও বনী ভূত হন। নীলনগদরপতি স্বহত্তে এনগন্দ্রপতির মন্তক্তেদ্নপূর্বক মনেং হরকে বন্দা করিয়া উমারপুরে আপনার করেরের কনিষ্ঠ ভাতার নিকট প্রেরণ করেন। পথে যাইতে যাইতে মনোহরের তাবপোত জলমল হয়। মনোধর নদী তর্কে ভাসিতে ভাসিতে অজ্ঞানাবস্থায় ভীরে সমুক্তীর্হন। তথার ভাহরে বান প্রস্থ ধর্মাবলয়ী পি ভূব্য ভাহারে দেখিতে প:ইয়া তাঁহার মুক্তাপনোদনপূর্বক ভাহারে আপনার অভিমে অনিয়ন করেন; কিন্তু আপনার পরিচয় এদান করেন না। একদা মনোহতরর পিতৃবা ত হার নিমিতা কলাহরণ করিছে গিয়া অংর আতামে এতাাগত না হইয়া সেনা-नी नगमत প ভिटत **न**ृह्दद**म** আক্র মণ করিছে গমন করেন। মনোছর পাদ চারে সমস্ত রাতি তাঁহার জীবনদাতার

অয়েৰণ করিয়া পরিশেষে বন উক্তীর্ণ হইগাচিনুরের রাজার রাজধানীতে সমু পস্থিত হন। তথায় যোগিন ও মোহিন নামক ভূই ব্যক্তির সাহায্যে বিভূরের রাজায় সহিত তাঁহার পরিচয় ও রাজবা টীতে অবস্থিত হয়। ঐ ছুই ব্যক্তি বিছ বের রাজপুতের সহচর। উহারা ঘোরতর मामकरमवी द्राक्रभुज অভিপানদূষিত ছিলেন বলিয়া উহাদের প্রতি **অত্যন্ত রেছেকরিছেন এবং উ**হা দের অন্যতর মোহিনকে জাপনার ভগিনী প্রদান করিবার মানদে স্বীয় পিতারে অন্ রোধ করিয়া ভাঁহার মত করেন। কিন্ত রাজমহিধী উহার স্বভাব অবগত হইয়া উহারে ভনয়া প্রদান করিছে কোন মতেই সকাত হন ন।। রাজা মহিবীর অনুরোধে উহাতে নির্ম্ভ হইয়া ন্বাগত মনোহরকে কন্যাপ্রদানে কুতসংকল্প চন : রাজপুত্র উহা অধ্পত হইয়া আপে নার সহচররয়কে উহা ভ্রাপিত করাতে তঁহোরা মলেংহরের হতা। সম্পাদনে প্ররোচিত করে। মনোহর ঐ বিষয় অসব গত হইয়ার জনীযে:গে শ্যা পরিছাগে পূর্বক নীলগদরহাজো পলাংন করেন लवः (मः क्रिंग रेणवक्च विशाकवणदः काँहात শ্বায় শ্রান থাকে: রাজপুত্র মনোহর বোধে মোহিনকৈ হতা করিয়া যোগিন দ্বারা অন্তঃপুরোদ্যানে প্রেরণ চিনুরপভি জ বৃত্ত স্ক স্বগত হইয়া স্বীর পুত্র ও যোগিনকে নির্ন্নাসিত করেন। পরিশেষে মনে: ছর নিলগদরপতিরে পরাক্ষ করিয়। স্বীয় পিতৃব্বোর পরিচয় প্রপ্র হট্ডা পুনরায় চিনুতর **আগমনপু** কাক পিতৃৰোর **অনুমতিক্রমে** রা**জ** কন্যার পাণিএইণ পূর্বক পিতৃব্যের সহিত স্বীর রাজধানীতে প্রতিগমন করেন। গ্রন্থ থানির অ'দ্যোপাত পাঠ করিয়া দেখা গেল রচনা মনদ হয় নাই

जन मर्ह्याचन ।

काशहोत्रत वांत्र ०० क सह, समझटस > वां (इहेत्र) करश्रक कृति ७० क काशहोत्रत कृहेत्रोटह

विविधनः वाम । 🦈

२० अ व्यवसीयन स्थामवात् ।

ম আলাজ গৰ মেণ্টের জ্যোতি রিণ সাংখ্য আর একটী ফুডন এই আবিক্ত চেন। এটি অভিশয় ক্ষুদ্রা রহং ছরবীক্ষণ ফুন্দর রূপে লক্ষিত হয় না।

সিন্ধু নিউস করাচির জেলের অধ্যক্ষ
মটনের বিচক্ষণভার আরু এক দুষ্ঠান্ত বিবিহালেন । ডাজ্কর যে মুসলমান ব প্রভিন্তভাচার করেন, ভাহার বিষয় পত্রে প্রকাশিত হওয়াতে ডেপুটী জে সংবাদদাত আনে করিয়া কর্মে ক্রিড হ হেন । রবিবারেও ক্রেদি দগকে প্রকান হয়। সিন্ধু নিউস গ্রবর্ণমেন্টকে প্রভাগিরের বিষয় অনুস্থান করিছে হেন।

উপনগরের মিউনিসিপালিটির প্রথ বেশনদিবসে মৌগরী আবছল লাভদ । করেন, আর ও কিছু দিন দরিদ্র লোক। চৌকিদারি কথ ১ইডে মুক্ত করা উচিত পুলিব সুপরিটেন্ডান্ট কাল্পেন বার্চ । আর হরবল্পানাই কভিপুরণ হইয়াছে । আর হরবল্পানাই । আভারব মিউনিসিপা আর ক্ষান্ত করা উচিত নতে। আদায়ের ক্ষানাই কলেস্বর্গন চতুর জৈনা, সং লিখিবার নামত ২০ টাক। বেতনে চা অভিরিক্ত কেরাকী নিযুক্ত করিবার মান্ত

इ.इ.स

লালটাদ জুগী ও নবীনচন্দ্র কিও ।
জন্মানে সেলিয়নে অপিতি হয় কিও
জন্ম ডাজের লিখা উক্সকেই উন্মন্ত ব ইহাদিগের বিচার স্থানিত রহিল। সীয খোষনামক এক ব্যক্তি হত্যা কারিবার পায় : এ ব্যক্তিকেও বাজুল বলা হুইরাইছ

नक्षिक कृष्णवाशास्त्र विश्ववद्गीताची व লোক হত হয়, ভাহার হতঃকারিগণ খৃত রাছে। হরপুরীনামক এক ব্যক্তি দিরছরীর রবধর উপপতি ভিন। সেরচতত দেশধরীর ₹থাকিডা দিগ্রীর আায় ৩০০০ টাকা শীঃ শৌ অনেজ্ঞারাদি ব্রুফ র**িবরা কর্জ** छ। इत्र श्रुती मर्टबर मर्टबर एउटा व सिक्**टके बाय-**য় করিবৈ বলিয়া নক্ষ কিছু টাকা লইভ । গদিন ২০০ টাকা চাছিবা; স দিপ্ৰৱী ভাছাতে শেত হইয়া পূর্সাকার ঋণ পরিশোধ কবিয়া কে আচঃহার বালি ৯ইডেড খাইডেড বলে।হর रिश्टिक काहारक नर्नना वामक ''कृषि मिन कान्दिङ लाग्वर । 🕷 रूपात करप्रक त्र शूर्ट्स इरलु है टेरक्षव कें। हि, इद्रक ली ताब्र **রে ভূ**য়া নমেক তিন বঃভ্রিকে দিগ**য**্বীর তে আনয়ন করে। দিগখনী ভাগদিগকে সতে নিষেধ করে। হস্যার রাজ্রিতে হরপুরী র বার পুলয়া দেওয়াতে **পুর্ণোজন** ব্যক্তির र्वा १८८४ करत्। ५३७।४५ स्त्रीत्माकरक कुत इता वर्ष करता इत खुँशा व्यापन ड युन्टिशत (मास चिकात कविश्राह्म)।

আন্বয়ল রহমন খাঁব প্রালায়ের নিজিড় प्त च्यांशिशार्**क ' वाशिशार**ंक युर्**क ≳ा**या ••• देभना अभज्ज इट्ड्राइम ।

গও অ:্টা⊲র ম:শে কলিকাভার ট*়ক त ७,१५,७३३ हैं कि छ (वास्ट्रिक्रक, ७४८ মুদ্রিত ধ্রারে। নাজালের টাকশালের क कष्मण्डीरक हा इंडिया प्रस्तारक करहे। कः छ वक् इंडलः

 है। डिल्म्बर नदीच लाग्डवर्सन जिल्ले ধনাগাবে নিমুলিবিত টাকা অম। ছিল:---. कंडरबें में शर्भरमा हे ह ₹₽,₹₽, • ₹३ ٤,8 €, ٩۵, ٥٢ € करमञ्जेष 42,50,202 ইটিশ এক্ষের ত্র পশ্চিমাঞ্চলের 🤏 : 0018888 বে!ধঃবি **छ**'र १तु : 3.444063 ।। यः। ≹रग्न (, **3**) 4 64(4 4 野で母点 3 44 129ALL

\$ 5! **4**1 b, • 1, 38, 4 • 8 ভ ৰংসর এ সমধ্যে ১**-,--,১৮,৬**৭৮ টাবা এতি বংগর জনা টাকা কমিতেতে।

२३ और व्यक्तियन मध्यम्बाह्य । দুৰ টাইসস একচদেশের রাভার এানি

कार्त्रज्ञा अवस्त्रभ निर्मिटल । न ताका वेक्का पूर्तक काश्रामिरशत भटने १८ हेत महिन क्रुड সন্ধিতক করিভেছেন। 🦩 ন গোপনে বারুদ शाह्य २०,००० विन्यामः । प्र त्राहेकल सहेवा शिश्रा देशवासिशस्य भिका मिटल्डस्व अवर প্রকাশ্য রূপে বলিভেছেন, ভারানিগকে শীল बिक्तिं भवन्त्मर्न्हेत्र एक युक्त कहिएक स्ट्रिय। রাজা মিসনতিনিধার সাহায্য করেন এবং আপ नात करत्रकृषी भूजरक विभनति बार्कित स्थी न রাখিরাছেন। তথাপি .রজুবের সংবাদপত্র न त्वान, मञ्ज्ञा खानक कान । भागक का का निर्मात (এক্সদেশীয় পুরোহি দিগের) বিক্লয় কথ বলাকে কাঁহ'কে বধ করা 'ইয়াকে। বর্তীয়ান রাজ নেক্রোধ, ভাষা আমরা বিশ্বাস করিতে পারি; কিন্তুৰ।ধীন ব্ৰহ্ম ক্ষিক্ত করা কেন্দু গটাইয নের অভিবেড। অভ ব আমরা পুর্কোও দোষগুলির কথায় বিবাদ করিতে পায়িলাম

পুনার জেলের যে জয়াদার তত্ত্ত এক জন करब्रिक्ट ब्राजिस्वार्थ वाहिव कविश्वा सहित्र এক জন আয়ার প্রাণবধ করিবার (চট্টা পাত, उद्धात **७ करम्बल्द वावक्कीवन बीमान्छ** व वार्यः? माळा रहेव्र:८इ । ८७८लव क्षर्ती करवाहरू হাজিয়া দেওয়াতে ভা**চারও চুই বংসর মি**য়াদ र्हेशाह्य। त्वांबाहे शवर्गमके (स्ट्रान्त हैमान्का कर ংকে ভংগনা করিয়াছেন। গ্রেব্যাট ভাবেন এদেশীয় সংবাদ পত্রের কথা সভ্য নতে, এবং প্ৰকি কথায় ৰলেৰ ' প্ৰমাণ কাও । _কিক্যু প্রসাৰ, য় করিতে পারিলে জেলে বাস্যা সকল ক'ল হয়। আম্লারা উৎকোচ লন্ধেনা জানেন, কিন্তু কোন ব্যক্তি কোন আমলাংক म**ध** (मखब्राटक भारवन ?

বোৰাই গেজেটের এক জন পত্র প্রেরক बर्तन, क्यामी मनिष्ठिदेवतु नहात्र कात्रकवरीय भवर्गमाने अक्ष भाग मिल मूचकात कांत्रवन। ৩৪২৮৪৫৬ সটনকার সাহেবকৈ সম্পাদক করবার কথা ১৯২০৮৪ - । ইয়া বিশ্ব কাহার কর্তব্যক্তি সকল সময় অভিবাহিত হওয়াতে তিনি অসমত হট্যাড়েন ৩৯:৮৭৮ া ধব বিচাত টেম্পল ও সর উইলিয়ম মাজাফিলড় नम्भाषकका कतित्वमा मव विठाउ हिन्मत्स् িক এড অবসর আছে।

एक निष्ठिम अध्यक्ष कतिहा द्वार, कृतिहा त ছেট আললিটের **অল** বাবু,গংলসাল গোষ ∤ বাৰু চডচতাৰ যোগেৰ পদে নিৰ্জন চটাবেন। বাৰু লিয়াছিল ভাচ। হয় নাই। পূৰ্বে পূৰ্বে ৰংসা प्रशिक्षत्राम स्थाय काजिलास हे अयुक्त रिहादलकि । कुक्शक, किरवीति, कवछशूव, आहमानाव

উদরপুর ও টক্ষে ছর্তিক্ষবিশ্বন শ্লেয় বহিত চচ্চাছে আমরা ছঃৰিত হইল্মি, यः देशत त्राक्षा । नदक्ष श्रक्तानिद्यात भारत्या .> हो गांश्टाइट का. ना। <u>अकु</u>श्वानि मृश्य (লেন, তিনি প্রায় সমস্ত (দিন মাডাল भारकता अक्षेत्रक्तक क्रिका मररभाषरमः কোন উপায় নাই 🤈 🛒

२६ अ व्यवस्थित वृक्षात । में इसम क्य है (ब्रह्म) ब्राजन, अब केरिकार कारे ३ · • होका कहिया शाबा**रे** विश्व .য় গ**াচটা পুরস্থার দিবার ইফ্**টক্রিয়াটে আলাধাবাদের মাজিতেটেই সম্প্রতি এক ভ শাক। বিধাছেন। প্রয়াগদুভ বলেন পুজা :ক আমোদ কোন কার্ণেই এডদে গণ আলাহাৰাদের মধ্যে কোন ভারতব্যী ाकाहरू या भाग क त्रिक भाति स्थम मा। त श्राहरण रहेरन श्रुट्स बङ्गां क नहेरण र এক্ষণে রাজ্যায় দূবে থাকুক সন্ধারি পর बिह्लव देवडेकथानावुछ (झानक बाळाडे छ .वस मा। शिष्ठ मध्रव बाजित्केट्रहेद कार्र्यहर स्मान कात्रमा वालम्राट्स, स्वचारम हेडेर्डा लिट्स के काम स्मर्थः स्मार्ट क्यू के किए के গৰ ভাৰতব্যীয় যত্তভিত লইয়া গান করিতে পারিবেন ন।। ভারত:ইবিভ ইং দিগের হাদর জাতিবৈর ও কুদংকার্থারা পারপুরিক এটা ভাষার অনভেব দৃষ্ঠাত। অন ভারতবয়াঁরের প্রতেবাসী এক জন- ইং इंड्रलई डीहारक हालक कालश्राक्ष তা কয়া খোলতে নচেং ঐ স্থান ভ্যাগ কৰি

দলন্দার ৰাজুলালয়ে ৰাজুলের সংখ্যা অ ¢ভ্রাতে আলীপুরে একটা অভিরিক্ত शक्त कदिवाव चाका स्टेग्नाइ ।

ংইবেঃ যেমন মাজিকেট ভেমনি সাহাধ্য

नः तामभाजाः अवर्गाम् छेद्रस् कि सह मण्डः

भूमाश्रुद्धतः अविषयः सम्बद्धाः अवस्थाः ए जुन्। ভারভবর্গর (বল গুরু (ইস্নের সুহয ষ্টেদনমাইরকে অপ্যান ক্রাডে ঊা≱ার होता अविश्वास क्ष्टपुर्व अहम अहार अञ्चलको इ दिनमामकेर विदेशक अ'इस इ विवाह कर्यन ।

भाषत प्र: थड रहेग्नः शकास कतिहरू हानाया है जैनिक्टरम के के मन्या हारिका শ্ন্য ল'ব্যু ছে। পূর্বে গ্রেপ্রক'র অনুমান ক अगमात्त्र सभीता विकास निवा (व न-अरहारक ता कतिइत के छन्न म'दर्ब यक हुत मुक्ति । छालकः তুওুঁ হুইউ, এবার সন্মিধা অভি সংগান⊢ ৹ই । आसा अस्य भागात ७ कथाई नाहे। ২**৬এ খ্রাহ র**ণ রুহস্পতি বার ৷ রদার ওইকুমার মকায় প্রেরণ করিবার ভ হীরকণচিত বে চন্দ্র তপ প্রস্তুত করি লেশ, ভাহা এেরিড হইল না। রাজায় র অসমতি হওয়াতে ভাগা বিক্রীত । ইহার মূল্য ২৫ লক্টাকা; বানি ল আবারও অধিক হইবে ৷কেইই আবও তপ**ুর করিতে সম**িনা হওয়াভে খণ্ড খণ্ড করিয়াবিক্রন্ন করা হইবে। স্কল রাজা রাজসিংহাদনের অবমাননা ার নিমিত্ট জন্মগ্রহণ করিরাছেন 🖟 জুর্দিনে অন্নকট হওরাতে মধ্যভারত ও উত্তরপশ্চিমাঞ্জর সেলা সংখ্যা **দরিয়। স্থানাস্তরিত করা হইভেছে**⊹ সম্প্রতিভার পশ্চিমাঞ্লের প্রিষ াহাবাদের নিকটে এক জন ঠককে। ধৃত शाटक्रम । •व वार्ष्ट्रिक देवज्ञाभीत-द्वरम •धाञ्च জন লোককে বিষপান ক্য়াইয়া ভাহাদি সর্বাব অপশ্রণ করিয়াছিল ৷ ইছার বস্ত্র াধুতুরার বীজা বাহির হওয়াতে ঠক ন সে প্রত্যহ **ঐ বীজ ভ**ক্ষণ করে। সে লর সম্মুখে ধুভুবভিগণকরিয়া অনচে হইয়া রহিল , বিস্ত শরিশেষে এ বাঞি লে দো**ষ স্বীকা**র ক**িয়াছে**:এই ঠক গ্রহালে ইউরোপীয়দিগকে

গ্ৰথা সহিষ। ও জান্য জ্ঞান, হ বশ্ব্যপূৰ্ণ

বাহরাজের এক জনে মাজিটেইট প্রস্তাব धार्ट्स, (प्रथम वर्शक रूड स्ट्रे वन हो**र**.-রে হত্যাকারীদিমকে বৃত কবিবার নিমিত ্ৰহ্ঋিলাঞাক এক বংল মধ্যে খ'নায় । रहेट्व। माल्याक्ष भवर्गरमण्डे अहे श्रञ्जाव , कड्रिश्चार्ट्य । *(जकारम इं*क्रेट्सारण अःस्राव , হজ্ঞাকারী আনস্বাসাত্র হও ব্যক্তিস হাড়ের শে:পিত বহিগতি হুইড। মাজে।জ (मटकेंद्र (महे माकाद मार्ट्स का कि ? है**एँ** रीय्रविद्यात मृख्यावर अधकार्य अक्रूक, कि इ ভি মুসলমানের মৃত্তবেংর সংকরে কবিতে দলে ধৰ্মো প্ৰতি হস্তক্ষেপণ করা হইবে। প্রাংবর সীমান্তিত কডকভার বন্য পুর-

বার কাণ্ডে লিগু ছিল।

क्षांत्र त्माराच्या काव्यक्ष काववाद्या है कि शूर्ति যাহ'রা "বিনীভভাবে সজি প্রার্থনা "করি- 🖟 মুাছিল ভাহাদিনের মধ্যে একটি ভাভি এবি বয়ে প্রাধান্য প্রহর্ণন করিভেছে। ভারতবর্ষ ভ্যাগের পূর্কে শাভিস্থাপন করাসর জ্বলারে পের আডপ্রেড ছিল 🖟 সুতরাৎ বন্যদিগকৈ **षश्रक क**तिया शंक्रशायन। कताहरू ध्हेया हिन । फोरांत्र फन এইऋपेर स्ट्रेट ।

মহারাজ জল বাহাছুর শীল্প কলিকাভায় कालिएवन। यव काम लाहाएक ग्रामिक निकार विकास লক্ষাও লাড় মেয়ের সহিত আলোপ করা अञ्च दोश्हरत्व हिटकमा । मत्रक्रम अद्वास स्म क्ष वार्ष्ट्रक कार्ष्य वान्टिक,व अक्टब्रिश काश कर हेए अरातन, खाश हहेरल यक खाल হয়। রশ্বীর সিংহের সভিত জল বাহাছুরের হ্মেক সৌসংদৃশ্য আছে।

महादाख (हामकाव शवर्गमान्डेत निकार करा क्षी स्थान क्षमा कर्त्रहा लहेशाट्यन। ताका वालिकः উত্তম বুঝোন । শাসনভার অকার্যপ্তে দিয়া :कवन वावशीध करिएन कि छात्र रुग्न ना ?

সম্রেডি প্রধান বিচারপতি নিচ্পত্তি করিয়া (ध्रम, सथन ग्रंग (विक्रिकें) त (काम स्त्रीन (विक्रि টুরীকৃতিতে অস্থতে হটবেন, ওখন দাহাত व्याकात्र विक्र**्**क (हॉक्टें त क्वान्य वर्षा एक ह निकटी व्याणील का काउँद्रा अब कारम (मञ्जूष) আনালতে নালীৰ চলিবে না। ৰিৱোবেট नातिक! स्थार्थ । अव 'वार्थ्य शिक्टकत देशां ने खरू अक अक निम्लांखि सर्मन कविद्रा आयवा विकास : ब्रोड)ईड़ ह*ह*ा

গত শুক্রবার সর রিষ্টাড টেম্পল কলিকা साथ क्षक्राशमन कार्याद्वन । अमान (मनाप াউও উপাত্ম ধ্রীয়াকেন। সর হিচাড টেম্প लद स्मरनार्थ नाजभुद्र अक पत्रवात व्हेम्राहिल।

२१ अ अव्यक्त ग्रंत एक्ट्रेक्न रहेत

विकार के विश्वतिक श्रुट्स स्नारण व्यवक्रम न्भन रहेश थारक, खारा मान्य ह्रेट्डाइ। व. इननामक अक अन स्वामी श्राप्तिमि ১१८১ च्ह्यत (भागरगार्थ १७ व्या (मारक मञ्जाहेर्य এই হড়ার কারণ বলিয়া লাবেন: সম্প্রি क्षक्रका लाक अक होना क्षिया विद्यान अक्टी न्यूद्रभार्व क्षत्र कृद्धिकात मात्रम करियारहरू। बाह्दत हेश कात्रवार्थ छड हरेटन, किन्छ करन अष्यात्र (मारकत मनंक विद्यारि छेरमा.एक श्रुवार्ट अथ स्टेट अथिक स्ट्रेसा व क्या इक्रास्का है भिरापत व्यक्ति श्राप्त करहरू व्याचार श्राप्त रन । किनि स्मी युक्त मा थानि तरणाश्यद्भा तल्यांतक लाकर्क छेट्छ किया निश्चित पार्वस्थादक विश्व तर व

क्षिक क्रिया मध भारतात्वन; प्रशाम । (याश वाहरफर्ड मा । त्रमाहे मिक्क सूचे शत मानारमाह्म, विश्वतम हरें। शार्वतम कि **खन्न मन्त्र** विश्वास कतिर्देश क्रिक्केट्रिशील व्यक्तिवादी। स्टेश्ना(इ. (वाद. स्ट्रेडिट)। त्रा (करण क्ष्यंत्र कर्मन्यात्रा (TETE रहरी ना गारेशा (र कात्रान में सूप चिटिए ভাষার অপ্রকান করিয়া ভাষার উন্নান পাওয়াই কর্ডব্য।

ष्ट्रित क्यांकिषि देशमाल गवर्गा वनिकतिरगत्र काश्चिममञूह ज्वानात्री हर व्यवित्र विशास भए। खें वेच बाकिएव।

जना किन । प्रथम इ**हेग.** श्रामकम वि नरष्ठत ज्यापिय विकास्य अक्की सक्त्यमा रहेर व्यवीत नाम मर्क्षकता (मनी र 200) थी त अवाम । मर्के मक्ता दामहत्त्व (बाबात्मद वधू। व्यवस्थात क'फ़िता नहेशा राहिः । কৃত করা হয় এই কাৰণ প্রদর্শন করিয়ান হইরাছে। অবীর পক্ষে বারিষ্টর পিকাভ e উरम्मध्य रक्षाभाषात्रः शक्रशीत বারিষ্ট্র উভক ও অংশন বুরিয়াচেনা গ্র (कड़ मकसमा वलिया। मारख मारहर ७ वार् नक्क वरम्मानायात्र विना कर्वतक्रन म কারতেকেন। আনালতে প্রভার বিশ্বর वारिष्ठ ६ व । सम्बन्धा चानः विरात व পক ও ভূতিখুল ছেণুটী মাজিটেট বার্ हिन्द्रा दी नाटल ब्रेड से इस्त । अने में हिन्द्र त बेककमा कृत्य वाःत्रहे८५३ **१**५६१८७ ∙ आखात मः(६)४) क्वाट्ड कान**्क का**न्नह र्टेयः १६ मा किया काप्तरा व्यान्हरशिव कार्य (भाषद अहि सा ।

माञ्चा (क भद्र बर्मन, 🔧 ब्रिहाफ व माद्रम् अक्षे अप (अ'स् १ ३)२ वरमह वस्तः লাভে প্রাৰ্ট (বিল কর্মাছে 🔥

काभग्ना का नमाम, मञ्जाक शाकिनुदर আলার একটা গুর মধ্যিয়াত্র, তাং मञ्जूष इप्तार्थित को विश्व नाही

राम अ व्यवश्चन मानवात्र ।

श्रामा है वाक का समन हेश्लाटक त राक्तित्र माध्या मध्या दश्म, कें! हा विराहत অভুড ৯ ভুত বিষয়সকল একাশিত হুই कुछशूर्य (मटक्टों ब्रि (ब्रह्म व्राप्त मार्क्स अप দৰ ভাঁহাকে সমুং উপাস্থত হইতে বলিয়া ন। এন, ভি, বার্চ স: হেব এক জন সিহিনি । • भवर्गस्मरणंड फिरडक्टेंड क्रिना इनि व चीकात काइष्ट्राट्स, बाह्यत हाकाम न उक्त कतिया आव हावि नक हाका ना ৰন!! এইসক ন ব্যক্তি কাৰার ভারতব্যীয় भेत्र कात्रस्थातः व्यापनं स्ट्रेटक कानः। युक्कातः ণকার ভারতবর্ষশ্ভি ইংর¦#গণের ধর্ম– **७ जातक**ांनकुष्ठे **२३वाद**ः।

रक्षण निष्ठेत शवर्गस्य केने १८ हेन कात क्षेत्रारेत्रण अञ्चारह्य । ৮ हे फिर्ट्सबर कांगका मिष्टित कार्डिछान्डे २०० कीनं रेजनिकरक ৰেও লইয়া বাঠৰার নিমিক আংগ্**লে**ভাড়া । ३ हे । ७ १ मध्य विकाशनकि अक्राटिक कर्षे क्षकात्मक रहा १३३ ई क्रिन्स्ट इत्र । इर्टे श्रद्धतंत्र शरू कन्द्रोटकेत चात्र चार्यकर (इहेटर ना। এই कथा वना रह, मन्त्रुर्व हुई . अत्र भः एड (एडव्रा स्ट्रेस मा) अवर्ग्यको এই সকল বিজ্ঞাপনের কর্ম বোদে সমর্থ ১ विश्व क्षांत्र सम्बद्धः सम्बद्धः स्टब्स्या বিষ্ণেত্র কাগজ আধিক পরিষাণে বিজ্ঞীত **८८६ मा । बाक्ष शंख मश्चादर क्षूत्रवृक्षि क**ब्रि লেন । পর্ব আবার প্রদ্বাভাইরাছেন্। मञ्ज्ञानांशक मृत्या श्वर्गमाहेत कालक । ब्राक्राइक ह

'করে সিকা 3: 1 38 J . 1 33. ⁶ (ቸነኛ 284 : 281. ^৯ পৰ্:লকওয়াৰ্ক 3.8417.4 A (神代 3-9413-6 ৯ (কাং 7774 - 1775

इंडेटबाशीय मगाहात।

यात्रात्रके छ हेब्रार्कनाष्ट्राद्वत्र পৰগ্ৰ । বাইভিত্তে কুত্কার্য হইরাছেন।

गनानाइ नाउंदिनित्रत क्रुबळ गःल स्म्ब 1 5934

भव स्टें(क टॅनिबाय चानिवादः, वारमङ्-কডকওলি লোক একনায়ক শাদনপ্রশালী করিবার অভিপ্রায়ে সম্বেভ হ্র, কিছ **पण्डा**त्मित्र एम खारापिशत्क हतीकुछ एक्। भवन्द्रमन्त्रे सार जीव शिक्केटक वास , बाहाटक लानियान मा एवं, छाहाता চষ্টা পান 🗯

२ ता फिरन्डतो आवम (वय द नाउँ (मनि इत गढ कना स्थाप किरताम कार्गाम चारता হণ করিরা ভারতবর্ষে বাজা করিয়াছেন।]

विवि ভিসরেলিকে বাইকোঁষ্টেস বোক্ষসিল **উ**णाधि (मञ्जा स्हेत्राद्यः।

ওঁরা ডিসেম্বর। ডিসরেলি নাহেব ও জন্য অন্ত মন্ত্রী এক সরকুলারধারা সক্ষকে আনাই बार्ट्सन खाँगाता विरवहनी कतिता समित्रार्ट्सन, नवकान क्यार क्छ्या।

भाष्ट्रीन गार्च्य ध्रधान मञ्जी स्ट्रियन गकरन | এই कश्चमःन कतिरुक्ति।

अभर्यः ७৮8 कम निवतन **७** २१२ कम कनगात्रवाष्ट्रित अखिनिधि महनानीक स्ट्रेग्नाहरून ।

मधन १ है। फिरमबत्र। फिमदिन मार्ट्स्वर कल्लातारम बाक्की माख्टहीन मारहरतक कास्तान করিয়া মন্তিদল নিযুক্ত করিবার আলাকা দিয়া (FF 1

গভ কলা ৰোধাই ব্যাক্ষকবিসন পুনর্মার ব্রিয়াছেন, সভাপতি সর চার্লস আক্সন ১০ ই ডিলেশ্বর বৃহস্পাতিবার কার্যা শেষ করি

(वाध रुष्न, क्षधान विष्ठाद्रभक्ति गत्र कारणक सक्षाव (कावत्र माज ठाएनमत् स्ट्रेट्स ।

স্থাতন মন্ত্ৰিদল নিযুক্ত করিবার অভিপ্রায়ে भाउटहास नाटस्य व्यात्रम कानविम, व्यावन क्रारिक्षम, ८ कार्फ अरब्स मार्ट्स्व महिल শ্রামর্শ করিছেরেন :

সম্প্রতি পারিদে যে গোলধোগ হয়, ভাহাতে ম টমাট পিরজার ৬২ জনকে ধৃত করা হই 8175 :

e हे फिरमबतः क्षमत्व फ्रिजाइक, जुदरक्रव ব্রিদের সভিক্ত বিবাদার্ভ কট্রাডে। এই জনরব পত। কি না ভাৱাৰ বিশেষ প্ৰমাৰ আবেখাক।

निष्ठेरेयुक् रहेटक हिल्लाम आमित्रहरू, लि बनाई नारहर बिलग्राहबत, क्षानिवार ब्रास्कारक । उस सह । গুন এলা ডিসেম্ব । কনসার্বেটিবদল মধ্যে নাক্রিয়া এক কমিসনমার আলা नाम। एछिक विषरहत मीमारता कता केविक ।

७ हे फिरमबद्र। व्यम्।कांत्र श्राप्तः कारमव व्यव আর্বব বলেন, ডিউক অব আবুনিল ভারতব বীর সেক্তেটারি হইবেল স্থির হইগ্নছে। জন। अहिने गाटस्य (वांक व्यव हो **र**€त्र अशुव्य स्ट्रेट्यन । আরল গ্রাণবিল উপনিচ লের সেকেটারি, ডিকে ष्टेर क्लिक मारहर बाह्यत्रमर खत्र अरङ्गेती, नाक क्रम चत्राके विकारभव :मरक्रकोति स्ट्रेस्स । গত কলেরে টেকিগ্রাম অসুপাবে অন্য অন্য निरम्भाभ इहेरव।

গবণমেন্ট বিজ্ঞাপন। व भटनभीत त्वभीनकीत्रवर्गदत्र व चारमणाञ्चनादी নিরোগ।

২ রা ডিবেশর। ৬ ই নবেশর অংক **छवनिष्ठे, भारत्रे नार्ट्स्वत अञ्च**नका **पर्वाच उर्वनिष्ठ, वि. निविध-द्रोन** ष्टाको कारमस्मत अक सम अफिनाय आ रहे(वम :

ওরা ডিসেবর। বাবু কৈলাসচজ্র ১৮৩७ व्यक्ति क कार्रेन कर्नार्व বিভাগে ডেগুটা কালেটরের ক্ষতা পাই

द्यद्वद्वर्थ अ, छवनिष्ठ, छिक्रेक, शाना **हां भरतम इहेर्यम**।

রেবরেও এক, এম. এক: এক, মাছ फि, फि. मात्रकिनिएक्ट हाश्यानम स्**टे**र्टन (इवरवश्व प्रवतिष्ठे, वि, एखिस हाकाइ

(लग रहेर्वम । नियानां च क कप्यामितियम ज्ञासकानीत (प्र লীক। দিবার ধেচক্রব:फুট্টবে, ভাটার निधि (**७** शृष्टि ऋणावटक्**काके स्ट्**रिवमः---

श्यम (आंगत पर कार्ग्यहोन्हे नार्कत बह्य (चाव .

क्षत्र (अनित रव आतिष्ठाके मार्कन ন'ধ ব্ৰহ্ম :

अथम (आनित मन मानिष्टी के मार्कन र स्त्र (मृत्यः

নিম্নিখিত কর্মচার্গণ কলিকাত উপনগার গোবীজে জিকা দিবার চক্রান थः कांगंध स्थानित्वेदकले व्हेदनमः---

ৰিভীয় আহাণৰ সৰ আন্দেট্টান্ট স कःशियाम वक्तः

विजीत स्विभित्र नव व्यक्तिके के नाक्षक

প্রথম (আন্বরুসর আন্স্টাত সাক্রি 🕏 মুখোপাধ্যার মুবসিদাবাদের অক্তর্গত বহা বেব দাওবং চিকেৎসালয়ের ভার পাইবেন

8 है। डिट्रबर्ग । अब्दिलाय उक्त लाट গোলালপাড়ার দাভব্য চিকিৎযালয় চালাই পভার সভঃ হইবেন। বাবু পুর্ণানক বয়ু (अ, अ, क्रइंड गार्ट्या वातु भवासाहन त्त्र**वटत्रक क्षेत्र**ाञ्चन कांबू तावकृष्ण मट्हणत हे व কুমার দত্ত ও সাধুরাম দ স।

কঃমক্লপের সহকারী কমিবনর এ, कारबन भारहर बक्दलिं। देलिव छारमञ न'इरवन।

हेन हे (क. वहनाइ ज्यानारमय कम्पनन अन्न काली स्ट्रेटनन :

্ষারকামাথ মি**ত্র মাদারণখের** প্রাত ক্ষেক হইবেন।

অভুলচক্র বহু পুরীর প্রতিনিধি মুদেক

দ **আবছ্দহোদেন ত্রিছতের প্রভগত** ারির প্রতিনিধি মুকোফ হইবেন।

, এস, বীভন সাহেব কলিকাভার উপ একজন ডিনিসিপাল কমিসনর হইবেন। , এম, লুইদ সাহেব যদোহরের প্রতি

। विदिश्कासम्बद्धाः इहेरवम् ।

, সি. মেরিডেন সাংহ্ব পদত্যাগ ক্রাডে চ, এ ব্রাহ্মন সাংহ্য প্রেসিডেক্সিকালেক্রের

विकासाभक इटेटवन ।

পটনট প্রথব অনবেবল আস্থা ইডেন্কে সংস্থোর বংবস্থাপক সভার একএন সভা ছেন।

वंशके, भि, एडविन नाटक्व समनीभूटक्व ज्ञुभविद्विरखन्ड क्षेट्रकाः।

ক, আংডাম্স্ সাহের নওগার পুলিয কেতিওকট হইবেন।

ব্লিউ, জে, কিলবি সাংহৰ ক্রিছডের ক্রিক্টেড্র

রী পুলিষ সুপরিটেডেণ্ট গ্রহবন। মুলিখিত ভদ্রলোকেরা ক্রিহুডের বিস্থা

সভার সভা হইবেন।

হ্লর, ডবলিউ, ই মাশ্র।

, नावर्डे मारहर ।

দ বিলাভ আলি খাঁ।

दु इतालिक बटमहालामाम्।

ই ভিনেধন: বশোংরের প্রতিনিধি মাজিকেট ও ডেপুটি কালেটর বারু প্রসরসংকার পাওড শীশচন্ত বিদ্যারদ্বের কৃতিকালপথ্য বাগের কাট উপধি বুড়ার পাইবেন।

लिखे, हे. अग्राड भारत्व वर्षमारस्य मिछे

্লিটির সহকারী সভাপত্ত হটবেন।

ই ডিসেম্বর। বাবু গোরদাস বসাথ খুলন। ভারের ভার পাইয়া যশোহরে মাজি

क्षका थाल इहेर्दन

্ষ চক্রবাঞ্জের সরবেয়র জে এচ ও ১৮২২ অংশের ৭ আইন ও ১৮২৫ অংশের ১৪ অসুসারে শেপুর ও কুচবিহারে কালে ক্ষমতা পাই,বন।

লক্ষেত্র, এ, এরালেন সাহের নদীয়ার রী মাজিকেট ও কালেকর কইয়া বিভীয় অধীন মাজিকেটোর ক্ষমতা পাইবেন। বজ দিন বাবু অভয়কুমার দত্ত বিদায় লইয়া অনুপঞ্জি থাকিবেন, তভদিন মৌলবী নসিক ক্ষেন চাকা, বহর ও নারায়ণগঞ্জের ছোট আদা লভের প্রতিনিধি অফ হইবেন।

শৌলবী নসিক্ষিনের অনুপরিভিকাতে বারুমহেজনাথ বসু চাকার প্রভিনিধি প্রথম অধঃস্কার ইইবেন।

বাবুমহেজনাথ বসুর অসুপস্থান কালে। বাবু বৈক্ষণচরণ দাস চাকার প্রাতনিধি অতিরিক্ত অধঃস্থাকা হইবেন।

ভূ তীয় চক্রবাড়ের জরিপের ডেপুলী কালে-ক্রীর বাবু সাডকড়ি রায় রাজসাহী বিভাগে বললী হইয়া ১৮২২ অব্দের গ'আইন ও ১৮৩০ অব্দের ৯ আইন অনুসারে রাজসালী ও রাজ ধানীবিভাগের কালেক্ররের ক্ষমভ; পাইবেন।

াবাবু হীরাল'ল মুখোপাধ্যায় ভৃতীয় চক্র বাড়ের জরিপের ডেপুটি কালেটর চইবেন।

ভবলিউ, এফ. মিয়াস সাহেব কিছু দিনের নিমিত্ত বাধরগঞ্ছে ছিতীয় প্রেণির প্রিভি নিমি মাজিটেট ও কালেইর হইবেন। কামরূপের সহকারী পুলিষ সুপরিন্টেণ্ডেন্ট্ জি, এচ, ফ্রেন্স সাহেব বস্তভাতে বদলী হইবেন।

ই, এম, মোদলী সাংহৰ পুণীয়ার সহকারী নাজিটেট ও কালেক্টব হইয়া কুঞ্চনঞ্চ উপরি ভাগের ভার পাইয়া মাজিটেট ও ডেপুটি কালে ক্টরের ক্ষতা পাইবেন।

আমাদিপের বীরস্থাক সংযাদ দাতা লিখিয়াছেন:—

এ দিকে এ বার সুচারুক্তপে ফ্রন্স অব্যান ই।

চালাভূমির কথা দূরে থাকুক, নিমু ভূমিতে প্রতি
বৎসর বে হাবে ধানা অলিয়া থাকে, ভালার
অর্জেকও পাওয়া লকর। এখন এখানে চাউল
প্রতি টাকায় কাঁচি॥৫ সের বিক্রীত হইডেছে।
অনানা আহারীয় জব;ও অগ্রিমূল্য হইয়াছে
চারিদিকে আলক্ষা পড়িয়াছে যে ৭৬ সাল ভ
সমীপরতাঁ, এ মনজবেও বা ভূজিক্লাই
দেশকে ভ্রমান্ত্র করিয়া ভূলো।

र। विश्व विश्वति अञ्चली हहेग्र' शांक खरत्व अरकाश अनिष्ण मा हहेरण हहेरणहे बन्धानी जावादम विञ्किकात स्वभ क्ष्मा निन्नाद्य। ०! ३ मिन मर्थ। जन्नान १।७ अन अजान्न हहेग्राद्य। क्षेत्र वन्द्रम् लाल्लान अक्ष्म अन्तान हहेग्राद्य। क्षेत्र वन्द्रम् लाल्लान अक्ष्म अन्तान हाँ दिन।!!

পে দিন দংশা বিভাগের বাদ্ধাক।

মাইনার ছাত্তর পরীক্ষা গৃহীত হইরাছে, প্রথ মধ্যবিধ ছিল। কিন্দু কেমন একটা ক্থা গ লাম। এ পরীক্ষাড়েও না কি সংক্রামক (প্রস্তুরি) ধ্রিয়াছে।

३। श्रीमनाम, कार्डाझा व्यक्षरम (भावे मेकारामध्यभाश्रेष्ठममदिवरम् श्रामवाम ग्राहिरमम विद्या ख्याकात जिः (मिल क्रानिकामाम वायू श्रीम व्यक्तिकान् मान्य क्रियायू ग्रवन्तम् हरेटक यम्। यास्य (हम।

১। রাইপুরের শাখা ভাকষরদী স্থারী
রাছে। কিন্ত এপর্বান্ত সীলপ্রভৃতি ভাকা
নাসবাব আনিয়া পেনিছে নাই। এই অভা
শীল্ল পরিপুরিত হয় :এই আমাদের
পক্ষীর মহাশায়ের নিকট একান্ত প্রার্থনা।

৬। সিউজি বল বদ্যালয়টী অতি উত্ত চলিডেছে। প্রতি বংসরেই ১০৬ জন ছার পাইয়া থ'কে। কুডবিদ্য সম্পাদকের কার্য্যার পাড়লে জুল যে স্কারুল্পে চ থাকে, ভাষার এই একটা প্রমাণ।

প। বনগারী আবাদ ক্লে প্রেশিকা কার নি জি? পুস্তকসকল অধ্যাপিত এই কলনা ধইতেছে। কুল্টীর প্রতি এখা মহারাজের এক্লপ কুপাদ্ভি আছে, তঃ বে এ বল্লনা কার্য্যে পরিণ্ড হইবে ভাহার নাই।

আমাজিলের মধরাত সংবাদদ লিখিয়াছেন:---

০০ এ মবেষরের সোমপ্রকাশে শালি
নবাসী জীয়ুজ বাবু যহনাথ চক্রবন্তী মহান
প্রেরিড পরের মধ্যে জীয়ুজ বাবু কেশবচন্ত্র
মহালয় যে কএকটী প্রশের উত্তর প্রধান
য়াচেন ভাষা দেন্থ্যা আমরা ম্পপরো
বস্ময়াখিত হইলাম। আমরা কেশব ব
বরলহালর থলিয়া জানি, ভাষাতে ভিনি হ
মেমিও এরপ চক্রাজে প্রস্তালর উত্তর
হেন ভাষার ভাব কিছু বুলিতে পারিলাম
ভাষাতে উট্লের বিদ্যা ও বুজির কৌন্
আর কিছুই আমালের বোধসমা হইভেলে
এরপ চক্রাজে উত্তরগুলি না দিয়া বাদ
সরলভাবে দিভেন ভাষা হইলে বোধ হয়
কের কেশব বাবুর উপরে বিশ্রীত ভাবের
হইবার সভাবন। ছিল না।

निमन्न रहेवा मानवलीला महदन कविद्राद्धाः ত্তম আন্তপ চাউল মগরার হাটে আ• টাকা মণ বিব্ৰুণ্ণ হইভেছে।

বামাদিবের কোরহাটীস্থ সংবাদ-

লিখিয়াছেনঃ ---

াসোধারক আমের রাস্তাপরিকরুণ, খাস ও বিদ্যালয়ের উন্নতিসহক্ষে ইতিপূর্বে মুন ৯০র ডিপুটী মাজিয়েউটে বাবু বিমলাচরণ ার্থ মহাশ্যের যতে উক্ত গ্রামস্থ ক্তিপয় প্রধান ব্যক্তি একত্রিভ হইয়া এক করেন। ভাহাত্তে মীরকাদিমের খাল সংক্ষ প্রস্থাব উপস্থিত হইয়া তৎসম্পকে ভর্ক হু হৈলে পর ভাহার আবশ্যক্তা বিধেচিত নবং ওৰজন্য কডিপয় ব্যক্তি চাদা এদানে ারপুরক স্বাক্ষর করিয়াছেন। শুনিলাম দ্ধিক ৭০০ সাত শত স্বাক্তর হইরাছে। পর রাস্তা পরিকারের বিষয় উল্লেখ হটলে মডিক্রমে সোণারকের ডিনটী রাস্তা অবল্য ুত হওয়া উচিত বলিয়া স্থিরীকৃত হয়। গ্ৰে সোণাঃ#নিবাসী কোন সভাভত্ৰভা লয়দী কিপ্ৰকারে রক্ষিত ও উন্নত হইতে , ডবিষয়ক প্রস্তাব উপস্থিত করেন। কিন্তু দপের বিষয় এই যে ভংপ্রতি কে**ই**ই কটা মনোধোগ করিলেন না। কারণ কি ? লয়স্বারাই দেশের প্রকৃত উর্ভিসাধিত অভএব ভাগার রক্ষণ ও উন্নতিবিধানে । করা নিভা**স্ত অন**ায় ।

ংখ্যয়েশে অবগত ংইলাম কোন চুরি মক াঝাসমাধুভকরণপক্ষে ভীরতা প্রকাশ ভ, নারায়ণগঞ্জ প্রেশনের (১৮ কনস্টাবল ,ত হইয়াছেন। বর্ষান পুলিশের স্কল কাছে। ছলচরিত্রকা, অবভয়াচারিতা, (১) ছো, ভীরুত: যে গুনের অছেৰণ করা ভাগাই এখানকার পু:লংশ **স্থলড**া

किकारमस्यात अकस्य वृद्धि विक्रमभुद्धि । ন ও আবাধুনিক ইতিহাস সংগ্রহ করিয়াটেন, নপুর অভিবিস্তীর্ণ ও প্রসিদ্ধ স্থান। অভএব ইতিহাস জানিতে সকলেরই ইক্ষা জ্ঞাতি । इंडःशूर्ट्स क्ष्इ हैशत श्रमग्रम श्रव्ह 達। विरव्हना कतिर्छ श्रात्म अन्नी विक्रमभूत বিগণের পক্ষে সাধারণ অভাব ছিল না। জি সেই অভাবের পুরুব দেখিয়া অনেকেই

।। हिच्छ इड्रेट्ड भारत्म । अथन स्थानी बरत्र

s ২ রা ডিলেম্বর বামনারামে একগ বালক : সমীপে প্রার্থনা প্রশেষ্ঠা ইতিহাস মুদ্রিত করিয়া | কোননতে ক্তিপ্রস্থ না হন।

व्यामानिरभन्न कालनाच् मर्वाननाठा লিখিয়াছেন।

এধানকার মিউনিসিপাল চৌকিদারিই ভুতন वास्मावस्य इंदेशास्त्र, अवह जकत्मई चौकाव कतिराज्यहम त्य श्रुक्तमा काक व्हेरज्य मा। शूटर्स करे बाटमत ह्या फ्रानरे (होकिमाद्वत কাজে নিযুক্ত ছিল, কিন্ত ভূতপূর্ব ভিত্তিট ञ्चनित्रिक्टिखके एकिम नारहत कोमरल देश-দেগকে পদচুতে করিয়া কভকওলি হিন্দুস্থানী লোককে এইসকল পদে নিযুক্ত করিয়া যান। किन्न हेरारवत बाताल खेखम काल श्रेरकर हा कानिया वर्षमान किकिन्ट स्थानित एउन्हे छेरे-ষরলি সাহেব আদেশ করিয়াছেন, যে কামার কুমার গোয়ালাপ্রভৃতি ভাল জাতিসকল अ कारकत क्षार्थमा कत्रित भा**रे**टक भातित। विदिक्ता कित्रिया सिथिता हैने अध्य विश्वक् প্রণালী অবলয়ন করা হইয়াছে ভাষা কোন মতেই বোধ হয় মা: কারণ চুরাড় জাতির षात्रा अ कारकत (यमन इश्विधा २३८व, व्यवहांनः সুধবিলাসী লোকের ছায়া সেরূপ হওয়া সভা বিভ নহে। চৌর্যভেয়নিবারণ করাই কাজচীর প্রিধান উদ্দেশ্য। ঘোরতর অক্ষকারাচ্ছল নিশীথ नमरत्र श्रञ्जामिरशत्र द्वारत चारत जन्म कता, चार्ड নোপনীয় স্থানসকল অবস্থসকান করিয়া দেখা সাহসপুর্বাক দক্ষাগণের সম্মুখীন হওয়া চুয়াড় আভির ধারাই সভাবিত। প্রথবিলাদী ব্যক্তি ष्ठा এ সকল আশাকর। বিভ্রনামার। বরুৎ এ काळ्मस्टक ह्या ए काञ्जित अत्मक वीत्राकृत विषय खनः तिहारहा वित्नवकः देशनिवरक अ कारक नियुक्त क्राजिएल हेराता (न्ट्लत क्रमा) मह भः भकरन्त्र : मिखं स्ट्रेटक भावित्व ना। भूरत्त (य এक अक महल এक এक (5) किए। (इत (खन्य) था, केफ, त्र ध्रथा छेठा हेन्ना मिन्ना श्रक्ता निर्वा আরও অঞ্বিধা করা ইইরালে। ভার্তি এই এক বিশেষ উপক্ষার বোধ করা হইত: যে মহলে চুরি চইতে সেই মহলের চৌকিলার চোর ধুত क्रिवात भएक यप्रवान इहेक। क्रिया याहाएक ভাহার সীমামধ্যে কোন অভ্যাচার না হয় সে সর্বাণ সেইমত यह করিও। এক্সে চুরি হইলে को किमाविमिशंक किंहू है बेलिवात विवय माहे। ভাহার কেবল শোভার জন্য আছে মাত্র ! সাহেবদিপের অভিনাধ ধে কলিকাভার প্রবা

শোভা বৃদ্ধি করেন : কিন্তু এরূপ স্থানে সম্ভব কি না দেখা উচিত। চোৰ্যভেয় নি रुट्रेंच चित्राहे होकिनाद्रत श्रथा श्रय করা হইয়াডেছ । যদিও আমনানা আনু काळ इ हारनत्र बाता निर्माणिक कहेर किन्त श्रमान डिस्मनः श्रकामिरशत विच রকাকরাহয়। যদি কাফটী শেভার জ क्**डेन, उट्ट नाइमी अ मरन** लाकिनिग्रस जकल भरत नियुक्त कहा व्यक्तिकः। विरः স্থানীয় কোন বিষয়ের মূতন বস্পোবস্ত তথাকার প্রজাদিগের মত প্রয়া উ व्याप्रता स्थानियाहि, नकरमहे ::वनिया थारव शृद्धि एक किमादित श्रामा किन प উज्म ও श्रकामिरणत अविधासनक বর্ত্তমান পুলিষ ইনিস্পেটর বাবু রামরেণু ৫ এ सनः (हर्ष्ट्र) कतियाहित्नन, किन्छ व निर्धात याहा मक खाहा (क व्यनाया करता

সম্প্রতি বস্ত্রমানের সিবিল সার্জন স मारश्य छ फिक्कि इप्पतित्वेर छे । সাহের এখানে আসিয়া আপন আপন পরিদর্শন করিয়া ভুষ্ট হইয়া গিরাং সীকারেও বিলক্ষণ আমোদিত চইয়া গিয়া দাতবা চিকিৎসালয়টা দেখিয়া বিশেষ হইবার করেণ এই যে, রাজ্ঞা পাহাছর থাকিবার ক্ষমা দশ্চী গুল প্রস্তুত করিয়া .इन । इंशए**ड वित्नय छेलकात व्हे**एकर

কামরা দেখিতেটি, প্রাণনাথ বাবুর ক্ৰমেই উন্নত হইভেছে। কএকটী উপযুক্ত क अभियुक्त इंडेब्राट्डम । अक्टन अस्मित यक्षवान् इहेटलई विटलय काळ इहेटवा

এত দিনের পর এখানে একটা রী বালিকাবিদ্যালয় স্থাপিত ইইয়াছে। রভান্ত জন্মে লিখিব।

প্রেরিত।

মান্যবর 🖼 যুক্ত দোম প্রকাশ দক্ত

महानव ममीरशब् । ৰ্যায়াম চৰ্চা।

गर्भाषय २०० व्यवश्वार्थत् (मामनक कगरनत बाह्मायहर्का अहे नीर्वक पि একটি প্রস্তাব লিখিয়াছেন, তৎপাঠে আমাদিশের হর্ষ ও বিবাদ টেভয় উ **रहेना छेळ विषय्यछिख (यत्रक्रम** উল্লেখ করিয়া প্রজিবাদ করিয়াট্ছন, नम्र 'महीबारम नीज अवश्विक कतिहा बारमत् निकास समूलक नरह अवर उरमहरू শ প্রদান করিয়াছেন, ভাহাও নব্যুবক **পক্ষে একান্ত অসুসর্গীর। বিষাদের বিষয়** াপনার **প্রভাব পাঠে ১৯র**প বোধ হয় যেসমস্ত ব্ধেক ব্যয়োমচর্চা করিতে ভাঁহাদিগের সকলেই মিলিড হট্য়া বড় দি**লের বাসীতে অভিন**য় করিয়া থাকেন। (ध ज्यामान्दिशतहे अहेशकात नश्कात ছে এরূপ নতে, বোধ কার সোমপ্রকাশ মাত্রের এইরূপ হৃঠ্যা বাকিবে। অবভএব मिर्गित अहे क्षकात व्यम्नक सम मृती করিবার অভিদাধে নিম্লিখিড বিবর থিতে বাগ্য হটলাম।

ংকালে বালকগণকে ব্যায়ামনিক্ষা দিতে কেরা হয়, ভৎকালে কোন বিশেষ নিয়ম য় নাই, সুত্রাৎ যে কেছ নিবিতে আসিয়া ভারতেই উজে বিদ্যাশিক। দেওয়া হয়। দিন পরে প্রকাশ হইল ভারার মধ্যে কভক এরপ বালক আছে যে, ভাহারা বর্ণয়াম ারা শারীরিক উৎকর্যসাধনে ভত সবর কেবল উহাছারা ভাহারা নৃত্যাদিতে বিলেষ 🛚 ও পটু হইবে, ইহাই ভাহাদিগের প্রধান (। অসমস্তর যথন বর্তমান আংকের জ্ঞান্তু-पोत्र रहेटड कलिकां डांद्र खारन ख'रन डेव्ह विष्ठानम् रहेन्रा विष्यय विषय निवस লাগিল সেই সময়ে ঐসকল বালক টেড ছইল এবং ভাচার কভকগুলি একত্র একটি দলবন্ধ করিয়া আপনারা নর্ত্তক খ্যাত হইল এবং আমোদপ্রিয় ধ্মিলোক । বালীতে অভিনয় করিতে ভাবন্ত কবিল । छ ए इंगिर्गत श्रवमाविध औ अखिशाप्र ভাহাতে আবার বাড় মানুষ মহাশয়দি-প্রশংসা। ইকাজে ভাকাদিগের আরো হ ৯ইর।উঠিল । এইরূপ (দ.বিয়া ব্যায়াম সভার সভাপতি ও সভং মহাশ্রের। সমু-বিদ্যালয়ের বালকগণকে সাবধান করি লেন এবং কয়েকজ্ঞ বালকের প্রতি দি**গের সন্দেচ** হ্রয়াতে ভারাদিগকে লয় হইছে বহিষ্ড করিলেন এবং বিদ্য ে এরপ কঠিন নিয়ম প্রবর্তিত করি শ হদি কোন বালক আংডিনয়কার্য্যে म्ब जाकारक विकासित स्थात । लाख्या 💐 এবং ভাষার বিশেষ দুশুবিধান হট্বে ৷ উক আমাদের বক্তবা এই যে ভরব্ধি "য়ের জ্বাব একটি বালক জ্বন্তিনয় কার্য্যে

কি বেং যে অসমংখ্যাক প্ৰথম

क्करण्यारमाहक यूथ धर्नामिटशत व्यारमामकनक रहेश्राट्ड ।

আপনি নব যুবকগণকে (আ:ড়মরপ্রিয় এবং কার্য; দকলকে আড়ধবস্থরপ নির্দ্দেশ করিয়াথাকেন। অন্তএব পাছে জাপনি এই সাধারণ মঞ্জকর কার্য্যকেও আড়ম্বর বোনে জনে পভিত হইয়া থাকেন ভাহার নিবা व्रवस्थान कामि काहा अहे श्रक्तांवनी निर्वितः माहम कतिलाम, खञ्चाह कतिया श्वासनारन बाधिक कतिरदन।

<u>জী</u> ঘঃ---

मण्यामक बड़ामद्वा आमामिट्राव अहे इड ভাগ্য ফরিদপুরের ভয়ানক অলকষ্টের বিষয় विधिष्ट निथिष्ठ (मधनी क्यू रहेष्ठ नातिन, किन इः (४३ विषय अहे हेशद (कान डिभाग्न स्हेल ना ।

গভ আৰিন মাস হইতে এখানকার ধাল সমতোয় হওয়াতে ভাহার স্রোভোবিহীন বন্ধ वाल (करहे वहदहात करतम मा। अधन नकरल অব্রভঃ জলাসমূহের জলই ব্রহার করিয়া शास्त्रम्। कि अध्या माना एक काल शक इहेल. উহারও অল নিডাপ্ত কটু ও ক্যায় হইয়া পীজে। পাদক হইয়াছে। অননোপায় হইয়। উक्ष कल दावसात कताएक **এ**च!रन **ख**वरता, शंद বিলক্ষণ প্রায়ন্তাব হইয়াছে। অনুসকান করিলে প্ৰতি বাসাতেই ২i৪ জন **জ্ব** রোগাক্রা**ন্ত** বাজি দেখিতে পাওয়া যাইবে। গ্ৰৰ্থমূণ্ট মনোযোগী না হইলে আম্রা ত ইহার কোন উপায়ু দেখিতে পাইনা। হয় খালগুলির পক্ষোদ্ধার করিয়া .च्या ख्या न करून, ज्यथश **कल क**ष्ट्रे निवाहर एवं জন্য কোন উপায় করিয়া দিন।

এবংসর অব্রভ্য গবর্ণমেন্ট বিদ্যালয় হইতে ৫ জন ছাত্র প্রবেশিকা পরী ায় প্রেরিড হইয়া ८६न ⊦लेखत कलन गयरलहे 'कुछकार्यः इस्टेन।

আমরা গুনিয়া ছঃধিত হইলাম উক্ত বিদ্যা लएम्र क्षरान निक्रक महानम् ज्ञान्त अवर्गसन्हे विद्याल वृहें। तक स्मायाची त अवर्ग स्म के क्षु रहा त নায় ছিভীয় লেগীভুক করিষার জন্য কমিটীতে প্রস্বার করিবেন। যথার ক্ইলে নিভার্জ ছংকের

আলিমী ১ লাজানুয়ারি হইতে আমাদি গোর এখানকার বার্ষিক কুষিপ্রদুশনী মেলা আর্ভ **হটবে। আমরা অধ্যক্ষণকে বিনয়ের সহিত** निर्यमन कति, कृषिश्रमन्त्री स्मनारक क्वन ^{। ट}र्कन्दन क्षरिष्टे इत्र कार्द्राहे **क्ष्म⊕ क्**षकित्रक स्वार्था क्किन स्वार्थन करित्राः

ञ्ग्धनक्रां योशांष छात्रात्रहे भूतकृषः मर्प्राकारत काहारक मृष्टि तासिद्वम । व मिट्र त नाम निया अर्थश्यु नाट्य **७ वायू**नि স্ফীভোদর পূর্ব করা নিভান্ত অসকভা। সাংক্রে ও বাবুলিগের উলর পূর্ব করা হয় : इहेटल हेरांत कृषिश्चमर्गनी ध्मला नाम ना সাংহ্য কি বাবুপ্রদর্শনী মেলা নাম দেং সঙ্গত হয়।

আজিকালি এখানে অকাদিগের নি শোচনীয় অবস্থা উপস্থিত হইয়াছে। কাহ সমাজে আসিতে দেখা যায় না। কেবল জন আক্ষাদ'রা গ্যাজের কার্য নির্মাহিত থ'কে।

हिन्द्रत्रभेष्टे अधीनकात्र काहिम मर्फ । उ খুষ্ট ও ব্রাহ্ম প্রভৃতি কয়েকটি ধর্ম প্রচলি স্থাহে। সম্প্রতি আর একটি নৰ ধর্মের আর্ হইয়াছে। ইহার নাম " ওরু সভঃ হরি ব এই নডটি নেশের পকে মহানিষ্ঠকর হইঃ ইহার বিশেষ বিবরণ নিমে লিখিত হটল। গৰ পাঠ করিয়া দেখুন, এটি দেশের ইই অনিষ্ঠসাধক ভাষা সহজেই বুঝিতে পারি এড দিন এটি গোপনভাবে ছিল 🗸 একণে : हेश श्रद्धां के व्यवस्था है। श्राप्त के वर्ण व **क्रिक्टि अहाँनिक क्रेग्नाह्य । हेरात के**रि অভি ক্রমর ও অভুত। স্থানাগরের সং हालिमहत्र बारमञ्जलिक व अवर को हरू। भ উত্তর ঘোষপাড়া নামে একটা গ্রাম জ देख बार्मानवाती त्राममदन्द्वाय देव বিভ মন্তটির কাবিকার করেন। তিনি উৎকট শীড়ায় পীড়িত হন। বছদিব বছবিধ চিকিৎসা ও নানাপ্রকার উপায় করে **কিছুতেই** রোগশান্তি **হ**ইল্না। পরি यश्चन। जनहर इटेटन अक निवन छ। भीत्रथी জীবনবিস্থান করিতে উদ্ভেছন : এম্ভ ফ रेन्यवानी इहेन (फामान सनमय इहेन्रा शाः ভ্যাপের প্রয়োজন নাই। ভূমি অংশুইঃ কার বাকো এবং ভাজিসহকারে "গুরুসত বল শ্বলিয়া জপ্করিও, ভাহা হইলেই इहेट प्रक्र बहेर्द । फिनि धहे कथा स्थानिय मञ्जूष्टे हिएक शृह्द द्वाकाश्रमन कतिहा प বিছা পরিভ্যারপুর্দ্ধক উজ্ঞ দৈববাক। এপ ব व्यक्षतिवनप्रदेशहे कार्याभारताक कर्यन । দেখিয়া অস্ত'ন্য নিকটবতী আমনিবা প্রতিবাদী কম ব্যক্তিরা প্রতিদিন তাঁহার বি বাগত হই:ত লাগিলেন এবং কুডাঞ্লি

্টেউটাইটে সমূৰে দতায়মান ইইয়া আনজিকা अवश्वरत कंष्ठत व्यारतारभाष्ट्र कात्र विक्रमाना ह (यायम महानारयत स्वाक किছू রিভেন। র না। উপর্পেরি বঞাছ দিবস তই ভগ ইক্লপ ক ৣ ৬ দৈবাৎ এক দিবস ভাষার যোগ Bজ চ্টল চাহিয়া দেখেন, সমূধে কএক জান লাক দ সুখান র্ছিয়াছে। উট্টেদিগকে জিজাসা কৰিলেন কেন বাপু! ভোমরা এরপে আমার সনীপে দ্ওায়মান রহিয়াছ। ভাঁহার। এইরপ ংলঅনাসিড হওয়াতে আংশনাদিগকে চরিতাথ জ্ঞান করিলেন এবং গদ্পদ্পরে বলিতে লাগিলেন আমরা আপনকার আহো গ্যের কারণ জানিতে নিভাতঃই অভিলাষী হই য়াছি। একংণে হলি অনুগ্রহপূর্কক বলেন ভাহা হইলে প্রমোপকৃত হই। ভিনি গর্জিডখরে বলিলেন আমি '' গুরু সভ্য হরি বোল ৯ বলিয়া রোগ হঃতে মুক্ত খ্টয়াছি, তেংমারাও বল অবশাই আবেরগ্রালাভ করিবে। উহোরা এই বাক্য শিবো ধার্য্য ও অনোঘ বিবেচনা করিয়া ভাগাই করিছে লাগিলেন। সময়ভাবে বা বিশ্বাসকলে কাহার কাহার আনোগাও ছইল। এইকাপে ক্রানাই এই মতটি চারি দিলে ব্যাপ্ত ইইয়াছে। এখন প্রায় প্রতিপ্রদেশে ও নগরে এই ধর্মালোক প্রবেশ করিয়াছে। এদেশীয় অধিকাংশ অশি কিড পুরুষ ও জী এই ধর্মভূপণে ভূষিত হট গুট্দন। এখন স্থানে স্থানে এক এক আড্ডা ে গড়ে পাওরা যায়।

ংন গোৰ পাড়ার আনড্ডা। উক্ত রামশরণ গেণের বংশপকস্পরা উক্ত ধর্ম প্রতিপালন কা৴্য আসিতেছেন। প্রতিবংগর লোলযাজার স্মঃ এখানে মহাসমারোহপূর্বক একটি করিয়া ्मन्। इहेग्रा थाएक। अहे भगरप्र अहे स्थारन अहे ধৰ্মাক্ৰান্ত নানাজাতীয় স্ত্ৰী ও পুৰুষ নানা দিগ দেশ হইতে আদিয়া একক্রমিলিত হন। হাতী খোড়া গাড়ি পালকীপ্রস্থৃতিতে মেলাস্থানট পরিপুরিত হয় এবং বিবিধ মনোচর ও উপ: দের প্রব্য সামগ্রীর দোকান বদে। লোকের कालाइटल आम পরিপূর্ণ इंडेझा यासः आस्म দের পরিদীম। পাকে না। নানাজাতীয় জীপুরুষ একরে শ্রুন ও একতা ভোজন করে। ঘোষ রংশীয়দিগের জায়ের সীমা নাই। বিবিধ উপা দেয় ও প্ৰান্ত সামগ্ৰীতে গৃহ পরিপূর্ণ হইয়া যায়। টাকা রাখিবাব স্থান থাকে না। ছংখের কথা কি বলিব ! কত্ৰত ব্ৰাহ্মণ ও শূদ্ৰণ ঘোষ ৰংশীয় ব্যক্তিগৰকে অৰ্পপ্ৰদানপূৰ্মক প্ৰণাম कर्वन व डांशाम्ब भनवृति मसीटन लिभन व लिय मस्मध्यकात अञ्जाष निक रहेट भारत हहेट इत, डांश्मिश्क जरनक अञ्चन

(महन करतन। विनर्भता हामान क्यांशिक দিগকে বেরূপ সমান ও উপঢৌকনাদি প্রদান করিতেন, প্রদেশীয় আড্ডার কর্তারা ঘোষ বংশঞ্জিলকে সেইক্লপ প্রভিবংশর সম্মানচিত্র यज्ञल किছू किছू कह पिया थारकना

विजीव श्राप्तमञ्ज्ञाणका । हेशरमव ज्यानाव ব্যবহার কিছু অধিক বিস্ময়কর। ভোম, হাড়ী, বান্দী যে কোনজাভীয় হউক না কেন কেহ না (कह के कांडडांद्र कर्डा इहेंद्रा राप्त । इहारक শুরু বলে। লোকে পর কালের নিস্তারকর্ম্ভা দীক্ষাগুরু মণেকা ইংাকে অধিক ভব্তি করিয়া থাকে। ইহাদের আধিপতেরে সীমা নাই। ইহাদের গৃহে কোন সামগ্রীরই অভাব দেখা যায় না। ইছাদের সেবকের। কোন প্রকার সুখাদ্য সামগ্রী পাইলে আপনারা ভক্ষণ না কংয়া এমন কি প্ৰাণসম পুত্ৰ কন্যাণিগকে বঞ্চিত করিয়া কর্ত্তার নিকট উপতে কন দেয়। আংধিক কি ধন, প্ৰাণ, যৌবন, মান এবং কুলশীল সকলই একেবারে প্রভুর হত্তে সমর্পণ করিয়। বদোকভ শতরোকাণ ও শুদ্রে উহাদিগকে প্রধাম করেন এবং উহিছে ভক্ষণ ও চরণরেণু भकीरच (लाभन ७ (लाइन कर्त्रन । (कानश्रकांत শীড়া হইলে শুরুপুজামনন করা হয়। প্রতি শুক্রবার র**জনীতে** গুরুর বাদীতে একটি করিয়া অবধিবেশন হয়। এই দিবস এই দলাক্রণত জীপু কুষেরা একতা মিলিভ হন এবং আমোদ প্রমো নাদি করেন। যে স্থলে এত জীপুক্ষের সমাগম সেখাটন যে কিরূপ ব্যবহার হয়, পাঠকগণ সহজেই বুঝিয়া লউন। যিনি এই দলভুক্ত হইতে अञ्चलायी इस, जाहात्क अहे निवन अकृत मंत्रीरल গ্রাপনার অবভিপ্রায় জ্ঞানাইতে কল এবং গুরুর গম্বার ভক্ষণ করিতে হয়। গম্বার ভক্ষণের কারণ এই, ভাঁহার মনে বিকার ঝাছে কি না গুক্তাহার পরীকা করেন। যিনি উচ করিতে অংকম হন, ভাঁহ'কে দলে লওয়াহয়না। সোমা দের দেশের লোকের কি জ্বম! কোন কালে কে আরোগ্যলাভ করিয়াছে দেখিয়া, সেই ভক্তিতে भीत खाकीरम्ब निक्टिंड मार्गित मर्रम् इहेग्रा থাকেন । উচিয়া কছার নিকট নিজ নিজ অভি লাধ ব্যক্ত করেন। কর্জ্য গার্কিড এবং সাহস্কার বাকো ভাষার প্রভুত্তির দেন। এই দলের ব্যবহার এরপ জঘনা যে, ভাছার ধর্ণনা করিতেও লক্ষা। इया हेहारनत मरण्ड क्वीरखन এবং क्वांखिरचन नाइ। जन्मासनीय कक्षिकारण विश्वः क्षी छ লম্পট পুরুষ এই দলক্তিত হন। এখানে সক্কার্গ্রেশ্ব বাবু বিনা দোষে সুগতে

এই प्रमुख्य इंहरन विभिन्न देवभवायञ्जनी করিতে হয় না। গুরু কল্পভরুয় ন্যায় সর্ক স্কাম সিদ্ধিকন্তা। এখানে সকল ফলই স্থপ্ৰা अनवाश्यक्ट अवस्तिनात्र नाहे साना वि अकर्ण अर्मरमञ्जूषात्र आहेत्र आहेत्र व আমিবে। ত্রাহ্মণপ্রভৃতি নানা বর্ণের (উক্ত রক্তনীতে একতা ভোজন করেন গান বাদ্য করেন। নারীরা পুরুষের অংক পুরুষের। জ্রীর আহমে শয়ন করে। জ্রী পরস্পর পরস্পরের গান্তে চলিয়া পড়েন। তেই লজ্জা বোধ হয় না। এই রূপে প্রায় এজনী অভিবাহিত করিয়া কল্পড়ক গুরুকে পাতপুকাক নিজ নিজ স্থানে প্রস্থান ব থাকে। পাপমতি ছষ্টপ্ৰকৃতি পুরুষ ও কাষ व्यवस्थ विषया ও व्यविकारम क्रीमकनः। श्चना जार्थ এই श्रमी क्रांख इंद्र, ইराहा शृ পাপে পরিপূর্ণ ও সমাজকে কলক্ষিত করি धर्फानाथन देशास्त्र छेत्मन्या नत्ह, हेस्सिय हो করাই প্রধান উদ্দেশ্য। সম্পাদক মহাশয় ! কৈ ভয়ানক অৰম্বতেই পণ্ডিভ হ্ইয়াছে : অধস্থার উন্নতি ও জীবৃদ্ধির কারণ! সেই বিৰম গোলযোগ ঘটিয়াছে। লোকে বি লিড বিশুদ্ধ হিন্দু ধর্মের প্রতি বিলক্ষণ ১ইয়া আসিতেছে। যাঁহারা শিক্ষিত হই ভাঁহারা অন্ধর্মের আশ্রয় লইভেছেন। যাঁহারা অশিক্ষিত উাহারা এই দলাক্রান্ত अत्र । श्राम्बर (श्रीलाखांश इल्ड्रांटिक मिरा) প্রকার কুকর্মের জ্বোভ প্রবল হুইভেয়ে ভয় নাথাকিলে কুক্ৰে কলাচ ভয় হয় ন ভবদীয় ভারিধ ২৯ এ নবেধর) সন ১৮৬৮ সাল জনাই।

কিছুদিন অভীত হইল মহাশয়ের সোমপ্রকাশে মছনার চক্রবন্তী ও বি গোপামিএড়াত বাকরকারী পত্র পাঠ করিয়া অভ্যক্ত বিশ্মিত হইং কি ৪ ১৬ ই অগ্রহায়ণের সোমপ্রকাশে বাবু কেশববাবুর পক্ষ হইয়াযে স্বীয় স্থিত চিত্ততার বিশেষ পরিচয় প্রদান ছেন, ভদ্দর্শনে অধিকতর বিশায়াপন্ন ইনি কি দেই বিজয় বাবু ? বোধ করি বেন। ভাগা ইইলে কি একু মুখ হইতে কখন নিৰ্গত হয় ? 'কি 🔖 আবোর বং न्भेड्डाक्ट्र निधिन्नाट्डन स्थ" या नाः व्यवस्थितः अश्वोत्तभञ्जवातः। नाषा গোচর করিলাম : " তখন ইনি সেই বাবুনা হট্য়া যান না। বাবু এপ্রকার কেন এবং ভাহাতে ভীতটবা হই ারণ কি ? ইছাতে কি ভাঁছার গৌরবের इहेरफर्ड मा ? शुर्ता मावसान इहेरल खात কথাই সহং করিতে হইত না। তিনি লিখিয়াছেন ''জ:মরা কেশব বাবুর ষোষণা করি না। " দোষঘোষণা कोहोरक वर्ताः अञ्चानरक প্রদান না কর। ধলি অসন্যায় হয়, গামীকে সূপথন।দেখান হদি অংশম ক্ষৰ বাবুৱ কি অধৰ্ম স্পৰ্শ হইডেছে গ্রণ বিজয় বাবু প্রাকৃতি বলেন '' কোন ভাঁহার পদাবনত হইলে ডিনি ভাঁহাকে ণ করেন না": নিবারণ করা কি কেশব অবশ্যকর্ত্রনে নহে? বিজ্ঞায় বাবুকে এ लिशिएक कि क्यू द्वाभ कविशाहित्न ? তিনি মিররসক্ষাদকের ভাড়না আর ছিতে পারিলেন না, অথবা কেশববা<u>রু</u>ঃ ারণ করিয়া ভীত হইলেন। এই জনাই क्वामीकिंगरक लाएक अड घुन। किंद्रा ওঁটোৱা আপনাবাই ঘূনার ভাজন হই-। জামার এই কয়েক পংক্তি দেখিয়া, হলী ক্রোধাক হইয়া, করে করাল কর হ্ণপুর্বাক বদ্ধপরিকর হইয়া সমর সাগরে ণ করিবেন, অংনিও সামান্য তুণ দি লইয়াজনাআরুরকার ক্রেটী করিবনাঃ মি এফলে, যছবাবুকে ধনবোদ না দিয়া ইতে পারিলাম না। তিনি একবার যাহা ছুন অনঃ ডাহাই বলিয়া অপক্সমৰ্থন रहम। (वाध कांत्र, डीहा निरंग्त ध्रुट्छन हु; (महे अन्हें के (ग्रामाहें और, व्यन)रिमाह কৰবধ বুর অংশ্রেয় লইয়াছেন। আমি। াবুর ভজ্জ নহি এবং উংহাকে ছণও করি ৰ অন্যায় দেখিলৈ সক্লকেই বলিডে ই মাক্র।

াম, কিছুতেই ভাঁহালিগের উদ্যম ভল

সংহারক'লে, কেশবাবুর পদানত মহা, ' গর নিকটে, আমার জিজভাষা এই, যদি हडेत्सई क्षेत्राञ्च ग्रहीफ इस 3 डीहाइ মুসারে ভনীয় ভজাগৰ ঈশারণমীপে ৷ পারেন, ভাইং হইলে জগমিখ্যাত সম্বস্তা

সমস্ত সক্ষরিত্র ব্যক্তির উপাসনাই ধর্ম হইত। বিন। বিনি.ইউন, সেখক বিষম অমে ব व्यामानिरशत हित्रक्षम हिन्द्रधर्मा कि व्यापताथ इहेब्राट्समा ক্রিয়াছে ?

ইং টেলিগ্রাফ আফিস) मानाश्रुव ह है। नरवस्त **ভা**যো:

মহাশয় ! গত ২৭ এ কার্ত্তিক এখানে একটী ভয়ানক ভাকাইভি হইয়া গিয়াছে । জিলা **হাওড়ার অন্তর্গত** রাউভড়া **এ**:মনিবাসী বৈকুঠনাৰ হাজরাসজ্পতি কিঞ্ছিৎ অর্থ উপা र्वक्रम कतिया एवम। थम एक्टलक्ट लाएकत छेखन বাসস্থানাদি নিশ্মাণ করিবার অবভিলাব হয়। এ ব্যক্তির সেই ইচ্ছা বলবভী হওয়াতে ইট গড়াইবার ব্যয় নির্দ্ধালাপ নগদ ৫০০ টাক্ট বার্টীতে পাঠায়। দক্ষরা ইহার সকান পাইয়া ঐ द्वारखहे नकरन व्यागमनशूर्तक উङ्द नर्तत्र লইয়া গিয়াছে। ইহারা টাকা ও অংশক্ষারে হাজার টাকা আত্মসাৎ করিয়াছে। পিডল ও ক দিবিপাত্র গুলিডে হস্তকেপ করে নাই বুঠন কালে ছরর্ডেরা এত বাটুল নিক্ষেপ;করিয়াছিল যে প্রতিবেশীদিগের কেই বাসীর বাহির হইতে পারেন নাই: ঔেসন আমভার সব ইনস্পেটর ত্রীপুক্ত বাবু উমেশচন্দ্র চক্রবন্তীমহাশয় আংগ মন করিয়া ভাকাইভ ধরিধার জন্য অভ্যন্ত ধুম ধাম ধরিতেছেন। পাছে " বহুবারত্তে ক্যু ক্রিয়া " হইয়া পড়ে এই আমার শক্ষা।

এकर्न ब (नर्भत्र श्राष्ट्र शकन शांत्ररे चक रुक्तारक तक्षनीरगार्ग प्रमुश्तर व गमनागमरनत বিলক্ষণ সুবিধা ইইয়াছে। অভেত্রৰ পুলিদের कर्जुभक मरशानग्रशालत निक्षे आमात शार्थना এই যে, উ হারা আপন আপন অধীনস্থ কর্মচারী দিগকে গাচ্নিদ্রায় আর অভিভূত থাকিতে নাদেনা পরে দৌড়াদৌড়ি করা আপেক: পূর্বে সভর্ক হর য়া বিধেয় সন্দেহ নাই। রাউতভা) खिला शब्द কস্টেৎ জম্বকারিনঃ। **২ অবহ**ায়ণ

হিল্পেটি ঘট ও সাবিত্রীচরিত।

ኔየየረ

৯ ই নবেধবের পেটি রটে সাথিত্রীচরিতের সমালোচন লেখিয়া আমরা চমৎকুত হইলাম ৷ সাবিক্রী পাঠ করিয়া জাসাদের বেরুণ সংস্কার অবিয়াছে এবং সোমপ্রকাশ ও এডুকেশন গেজেটে বেরূপ মক প্রকাশিত ২ইয়াছে, :পটি নিস্ও পি.শরে: মলুষ্গেণকৈ হস্ত য়টে ভাহার বিপরীত দশন করিলান। বোধ স্থারের নিক্য প্রেরণ করিন্তে পারিত্তেন। করি, বিজ্ঞ সম্পাদক নিজে ঐ প্রস্তাবটী লেখেন দি সক্ষরিতা হইলেই ২য় । ভাষা ক্ইলে । নাই । অন্য কাহাকেও ভাহার ভার দিয়া থাকি ।

পেট্রিয়ট আমানের বেশের অভি সম্বাদপত্র। উাহার মত ও বাক্য অং আদরণীয়। পেটিয়টে সাবিত্রীচরিতের (माहन (म**ं**चरा) कार्नरकत व्यक्ति स পারে। আমারা সেই জ্রম নিরাকরণার্থ (ধ'রণ করিলাম।

गमारमाध्नकाती निधिशारहन, "८ ণিক ভাব যেরূপ থাকুক না কেন, ৩৪ এक ध्वन त्राष्ट्रांटक (शहेटक द्रांबर अ क রাজা বলিয়া বর্ণন অভিনিকৃতী হইয়া অামবা সাবিত্রীর ৩৫ পুঠা পাঠ করিলাম, বৰ্ণন দেখিতে পাইলাম না। আদ্যন্ত প্ৰি কে'ন স্থানেই ভাদুশ লেখা দৃষ্ঠ হইল না করি পেটি রটে মুদ্রাক্ষনের ভুল হহয়াছে पृथाना इहेब्रा 8 पृथा इ**हेर्**दा 8 पृथीर লিখিত লেখাটী দেখিয়া সমালেচন অপের ভূল করিয়াছেন।

'' অরণতি নরপতি, আর, রাজরাণী কিরপে তোমায় ছাজি ধরেন পরানী

৪ পৃষ্ঠায়

পাঁচ বংগণের বালকেও ইহার অর্থ বু পারে কিন্ত বিভৱ সমালোচনকারী বুঝিতে পারেন নাই। ভিনি অশ্বপতি रघाउटकत ताका दुविग्नाटइन । हेश्ट बहे, उ ৰাছাল। ভাষায় যেরূপ বুংংপতিও পৌ: ইতিরুতে কেরূপ জ্ঞান, ভাহার পরিচন্ন প য:ইডেছে। বাঙ্গালা পুস্তকের উপর লোকের সমালোচন কভ দুর সক্ত ও ন ভাহা সকলেই বুর্কতে পারিভেরেন।

नगारताहरकाती निश्चित्रारहन, " পুঠায়ছই পংক্তিতে সাবিক্সীর বর্ণন দরিদ্র ৯ ইটী ভাঁহার জুল। পাঠকগণ দৰ্শন করুন :

"মববিকসিতা বালা দিব্যকাজিমব উজলৈ চৌদিক ক্লপে, চলে মৃছগতি ক্সপের চটায়, খেন আকাশ নন্দিনী চম্কিলাধরাতল চপলা কামিনী। অভুল দৌদর্য: মাঝে: কিন্তু দেখ আর ক্সির্নৃষ্টি, ধীরক্তাব অস্তি চমৎকার। ध्यं न १८ म युव की कुशा इक्ष्म न सन, **চপল च ভাবে আর, यङ क**रिशन : कि 🛢 भ नवीमा वाला लाटल व भ 🍳 5 ধীরভাবে স্থিংনেত্রে করে বিমে। হত। পবিব্ৰভাষাখারূপ এ ংক ললন। নাহিক হগতে আর করিতে তুলনা

ব পৰিব্ৰক্তা দেবী পৌরকোরাহল राउ ना भावि, ज्योंक बाब वनक्रा। " । কি পর্যাপ্ত নহে? কডকগুলি ফল त्र:मून्न, निया अत्र अज्यासत वर्गन ना कि मात्रिका वर्षिक इस मा? धारकात কার্য়া ভাহা ভাগে ক্রিয়াছেন। সাবি াহ। সৌন্দর্য্যের চিত্র করা উঁহোর উদ্দেশ্য মন প্রা, প্রস্তা, পাডিজভা, ধ্র-ফুডি সন্তাণ সকল বর্ণন করাই ভাঁহ'র অভিপ্রেক্ত। তিনি ভাষ্টা সাবিদ্রীটারভের নে প্রুপর চিত্রিত কয়িয়াছেন। नारल हमकारी लिथिबार्डन ''कवि खाया ববিশ্য অভ্যন্ত অনুকরণকারী। মিষ্টর **হল দ'ত উচ্চাকে বিকৃত করিয়া ফেলিয়া** ৯ এ কথা অভি মগ্রাহা। কাজি কালি | বিশুদ্ধীভিতে বালাল। পদ্য লিখিত एक, मा.वजीहिंद्राख्य **कारत कारत मि**र অবলাশ্বত হইয়াছে ; কিন্তু গ্রন্থকার কাহা চাষাৰ অংশুকরণ করেন নাই। মাইকেলের विजीहित्राज्य कामार्क करमक करूत । কলী ভাষা ছুৱাই ও কক'ৰ, সাবিত্ৰীচরি ভাষাসরল ও মধুর ৷ বাবি**ত্রীচ**রিভকার, মুখে চক্রের বা প**্রে**র ৰা, নেত্রে মৃগনয়নের উপমাপ্রভৃতি যে res (ज्ञिक विषिट्र जन साधातक सम्भक्ति का दक्त র জনে কাচারও ভাব অপহরণ করেন । সাংব্রীচারভানৰ নৰ ভাবে পরিপূর্ণ। ভে এত কৃত্ৰ ভাবে আছে যে, সমুদায় क क.वटल बाव अक यानि अक्ष क्य । निष्म ात कर्यक्री गरी 5 रहेन : ''चुरला साथाई र ७ गरा मितीनभक्षती অভিকোমলাজা, মন চামর-কিয়ারী, সুরাণত সুধীতল ধরিয়াচামর, क (द*क्षर्भ वै*ंक्षर⊛ऽङ् (म!८३ मित्रऋड । » ৬ পুৰা অনৈকে শিরীৰ কুম্রমাক কোমন বস্তুর শ। দিয়া থাকেন। কিন্তু চানৱস্থকণ বৰ্ণন পুতন। ধিনি শিরীধমঞ্জী দশন করিয়া। ন, তিনি ইহাজে চমংকুত হইবেন। ''ना कटन क्रव (क्टव (नाम अनिरमतन, क्रविभी (हरिहत यथः आलाक रेज्यान, নানজে পুলকে বাংহ বাংহিত আচল। ১ এ ভাব আরে কোখার নাই আলোক।

খিলে মোট্ড হইয়া কলা ধরিয়া স্থির থাকে,

। সর্পের প্রতঃকীভুত্ত প্রকৃতি। বিনি ভূতা-

জের এই অভাব **জাত**, জাছেন, ডিনি এতং नार्छ अतिकृत स्ट्रेटन । " সুপদ্ধ সুরুস ক্রডরে অবনত, দেখ দুই চারি দিকে ভরু লভা কত. পথিকের ক্ষুধা স্লাভি হরিবার তবে, প্রকৃতির সদাক্র'র যেন থরে থরে। " न એફ! শেলকুমে ছেরিলা বনে জুনীলবরণ (इंश-भू मिन्या छेठि, इंक्टिइ श्राम ह (चम क्रमञ्जूष्यम, गांधव ग्रह्त. क्टिंडि भूनः পথে मिल मील मनदर्द्धः १ व से উ দত **হীরকভাতি শত শত ভার**া, যেন দেবগৰ অংগ মেলি নেত্ৰডাৱা ' निविधिष्ट अवस्थित भव व्याहत्वन. ·· क्रुनेत काक'रन शूर्व मनी शतकारन , পুৰৰ্ণ কলস যেন নীল ভালে ভাসে। " २३ श्रृष्ट्री ''ভাভিল চন্দ্ৰবিক্ষু সাধিত্ৰী কপাৰে উक्तरत-इक्षना यथा मृगणिताकारत। » ०८ अक्रा " वैश्विता कवती यून भीत (कनप्रतन) বেৰ মেঘ ঘৰীভূত পশ্চিম আকাশে 🗥 3 - 2 961 " पूर्विभाषी काटन वश्रू ति । नामा कि कतः স্থলি ছাকোলে যেন প্ৰবাল প্ৰব্। » 778 241 '' ধুবজন করে সলা বিনয় ভক্তি, সভীত্র গুভার পূর্ণ সাবিত্রীবদন না পারে চেরিডে, যথা মধাক্ত তাবন। " 5:5 36:

বুঝেতে, কতেক দুরে করিল গমন।
১৫৩ পূথী
সম লোচনকারী কি এ গুলিকে ভূতন বাদ
করেন্না? বন্ধ স্থাদ কল প্রকৃতির সদারত
করেপ, গ্মশিখা জলস্তভের ন্যায়, নক্তপুঞ্জ দেবগণের নেক্রভারালারশ ইভ্যাদি ভাবগুলি

··____ভেমুগভীর নিদায়.

वाष्ट्रित अन्त विका नगृह क्रमुभिष्ठ.

আরেড পিঞ্র দুবে করিলে চালিড,

সে পিঞ্বৰাসী শুক নারে কদ'চন

সমালোচনকারী বলেন,-- 'এডকার ছলেনর মনোহারিত্রশালি,ন অভ্যন্ত অপারগ ও জাবার মধ্যতা সংধ্যে তীয়ার অভ্যন্ত অক্ষতা

জাছে। " " ছই একটা ভাল হইলেও সাধা গতঃ ছব্দের গ্রন্থ বিফল হইয়াছে। "

এ কথা নিভান্ত অগ্রাহা। সাবিদ্রীচরিত ভাষা বেশ্বপ প্রাঞ্জল ও মগুর এবং হন্দ বের স্থাবন্ধ ও মনোহর, বালালা পালা প্রস্তে এই ভাষা ও হন্দ অতি অল দুক্তিগোঁচর হা উপরে যে কবিভাগুলি প্রদর্শিত হইরা। ভাষাতেই পঠিকবর্গ, বৃন্ধিতে পারিতেন। ব লোচনকারীর সম্বায় সাবিদ্রী হইতে অন্ত এক পংক্তিও কর্মণ ভাষার ও কদ্যা হত উদাহরণ দেখান উচিত।

তিনি লিখিয়াছেন,—'' এই প্রস্থে ক গুণের যথোপযুক্ত কংশ আছে, ইহা না, বি যেমন অন্যায় হয়, সেইস্কপ গ্রন্থকারের ক ভাহার উচ্চাভিলাধের অনুস্তপ হইয়াছে এ ব বলিলে চাটুকারিভা হইবে। ম এ কথা অবিশ্বাস্যা আমরা মনো

পূর্বাক আদ্যক্ত পাঠ করিয়াছি ৷ সাবিক্রীচরি

विषयुष्ठी यथन छे:क्रुष्टे. अञ्चलाद्वेद कमा

ভাইরে উপযোগা ইইয়াছে। পতিছ পভিষেত্র ও বর্মজাবই সাবিক্রীচরিত কাল জীবনস্থাপ বিষ্কার ভাইরে উপদেশ মনোইরক্রপে প্রেছব সর্ল স্থানে প্রদান করি হন। সংক্রীচরিত প্রসাদগুলে ও প্রীলি নব নব ভাবে পরিপূর্ণ। প্রথম ইইভেই জামিয়া গিয়াছে। পাঠকালে উভরোত্তর হাভিলয় জায়ে এবং পাঠকের ননে অভূ বান্দের সঞ্চার ইয়া যি ম জাদ্যোপাস্ত স

केन्न कराडा कि नशास नरहर बर्गका बाद कि अंधन कराडा श्रकान व इंदर, खारा बारता द्विएक भावित्क्रक नशासाहरकारी भावत निधियारहरू

क व्यवन ।

ে প্রস্থারের কল্পনাল কি কিয়া নাটকী অথবা ভাষায় উত্তম অধিকার নাই। " গাবিত্রীচারিত পুরাতন গল ব'লা

हेश्य ह अप्रकादित (काम क्या हा आकारित नाई अप्रकाद । श्वारम प्राप्त (स. पान उ का कि कि कुछम वर्गम म अप्राप्त क बाधारिकारक स्पृत्र के व का नासू शह भ्राप्त म, काश्य कहे का हात क्या मार्थिक की सु कर्गन दिनक प्रतिहत्त भा अस्र निष्

মহাভারতে বর্ণিত আছে— সাধিত্রী কিক রূপলাবশ্যনালিনী হইতেও কোন ভাহার পাণিগ্রহণ করিতে অঞ্চর হয় বিভাবসক্ত নহে। এ জন্ম বিজীচরিত ভোছার পরিবর্ত্ত করিয়া এক্সপ বর্ণন করি ছন্যে সাবিকী আগেন অনুরূপ বলিয়া ানীত না হও্য়াতে অন্য কাংকে পাত্রে कद्रिएउ ठान केहे।

পুর্ব্ধ উপাখ্যানে আছে--সাবিত্রী মনে সভাবামকে বরণ করিয়া, সভামণ্ডে ার নিকট নিজমুখে আপন মনোগত ভাব কারেন, কিন্তু ভাষা কন্যাজ্ঞানোচিত াশীলকার বিকন্ধ **সুতরাং অস্মান্তাবিক**। নমিত সাহিত্রীচারতে ভার। পরিবর্তিত ছে। সাবিত্রী খীয় স্থীর দ্বারা শিতার চলাপন অভিলায় জানাইয়াছেন, এরূপ তে হইয়াছে।

ংভারতে বণিত আছে—মদরাজা ছহিতা ত্রীকে তপোবনে লইয়া গিয়া সভবোনকে দান করিয়া আদেন ঃ কিছে ভাছা সাধার হিশ্বপ্র বিবোধী এবং ভাহাতে ভ বর্ণনের অবসর নাই। এ কারণ সার্বি রভলেথক ভাহার জন্যে করিয়াছেন, ।। भर्क मञ्जूरत कन्यां क्लांत व्यालर् নে করা হইয়াছে। উচ্চতে হিলুরীভি েও পরিণয়উভেমরপে বর্ণিত হইয়াছে। াবিত্রী যেরপে ভাতিবাদ করিয়া যমের ভা ও বরলাভ করিয়াছিলেন, ভাহা সম ত ও বভাবসভত নতে। এ জন: গ্রন্থকার लि के अन हाडिया भियारहम अवर भरत ানের স্বাধানভালে সংক্ষেপে ভাছার করিয়াছেন। উহাতে পুনর-জনদোষও ত হইয়;ছে⊹

র্কিত ত্টয়াছে। অসম রাজন ৮।মংসেন ক্ষুপুরের সহসা চক লাভ করিলেন প্রেসভ্যোমের সল রভাত ও পুরেবধ্ ীয়মের নিকট স্বাস্থ্যের নেত্রলাভ বর করেন। ছেন, শুনিয়া অভীৰ বিশো**ত হ**ইলেন: নে পুনরায় শালুবাজ্ঞাভিত বরের ৷৷ বলিতে বলিতে দুত আংগিয়া উপনীত , ±ৰং একথানি পত্ৰ প্ৰদান করিল। পত্ৰ , জ্ঞান। গেল একুডিবর্গালালু সিংহাসন নিমিত সংস্থপেনকৈ আহ্বান করি

हेश्रोटक श्राप्त भएत रम ए उर्धावरमञ्

প্রমণগাঁহ উপাথানাংশ কতি চমংকার

পারচয়, চতুর্থ মর্মে বিবাহার পুরের বিদায় **७ পুরপ্রবেশ, পঞ্চ সরে সাবিত্রীর স্বস্থরালয়ে** त्रमन ଓ श्रकारी, यर्ड मर्ग विलाश, मक्षम मर्ग অপ্রক্ষন ইউটাদি অনেক মূডন বর্ণন করা **¢ইয়!ছে। ঐ বর্ণনগুলি অতি মনোছ্র।**

গ্রন্থকার কেবল আব্যায়িকার স্থাল অংশ অপরিবার্ত্ত রাবেয়াছেন। তত্তির আদ্যোপাস্ত পরিবর্তিত করিয়া সাবিক্রীচরিতকে প্রকৃতির জন্মত ও সেছিবাবিত করিয়াছেন।

अञ्चलोत्र मर्ना स्थारन अञ्चलक व्यक्तिनित्रात ভাষা, ওবস্থা ও সভাব রক্ষা করিয়া বর্ণন করিয়াছেন।কোন ভলে ভাহার বৈপরীভয় ংয় নাই। ইহার ভূরি উদারণ দিতে পারিভাম ; क्वन क्षञ्च विश्वभृत्यम् कांख इहेनाम। **अहे मकलकाता कि अञ्कारद्रत कल्ल**ा শক্তির ও নাটকীয় গুণের বিশেষ পরিচয় প্রদ শিত হয় নাই ?

এছকারের ভাষায় উত্তম অধিকার নাই। এ কথায় আমরা হাস্যসম্বরণ করিছে পারি लाम न।। अञ्चल ते वाक्रमः छाल कारनन कि ना পুকোঞ কবিভাঙলিভেই ভাষা প্রমাণীকৃত इडेब्राइड ।

आत स करवक्षी लाग लिखिक इडेवार्ड, ভাহাতৈ বাকবেয়ে করা নিশ্প্রেয়ঞ্জন।

नगालाहरकाती कातक (माबाद्वांश क्रि য়াছেন : কিন্তু তিনি উদাহর এপ্রদর্শন করিয়া ভাঁহার বাক্য সঞ্মাণ করেন নাই। উ:হার নিকট প্রার্থনা, হয় ডিনি উদাহরণ দেখাইয়া ভাঁহার মত সম্পন করেন, না হয় আমাপনার क्षम चीक:व क्ट्रन ।

অনেক সময় পেট্রিটে বাদলা পুস্তকের উপর অবধা উভিচ দেখিতে প্রাওয়া যায়। (भिष्ठे मन्भामरकद कर्छन अक्ट्रे विस्कृत) ক্ষিয়াবাজালা পুল্ডকের নোয় শুন বিচার

২- এ কলেচায়ণ। এক জন পাঠক !

मुना शांखि।

জীযুক্ত বাবুদীননাথ ভট্ট চাৰ্য; আলাহাবাদ ৩৮ » উराम**ः ज म छ**ल FF 51 ১-৭৫ জ্ঞাহায়ণ বইডে ৭৬ কংডিক 300 € ৰিত্ৰীচ্ছিতে "ক্ষুনক গুড়ন ধৰ্ম সংযোগ » "কেদার্মাথ্য দত্ত যিষুট ভিতীয় সংক্ৰিলে সভাৰ বেৰ বৰমালং " » ললিভামোচন রায় **ह क जी भी** ভূতীকু সঙ্গে লাবিটাৰ দুল্লভাৰ চন্দ্ৰ অঞ্চায়ণ হইতে ৭৬ কার্তিক

n n ভারিনীপ্রসাদ খোষ প্রেরা १८७५ मेर्वरत स्ट्रेड 🖏 कर्डे वत् बी कि पूजि शासामा हारतम उन्नुव

(माम ध्रेकानमः कान करत्रकृति বিশেষ নিরম।

অবিম মূল্য ও ডাক্মাস্ল না পাইলে : বলে সোমপ্রকাশ প্রেরণ করা যায় না। ।

ইংর অংগ্রিম মূল্য বার্ষিক ১০ টাকা ও वान्।भिक सा॰ होदाः प्रकथत्व ভाक्या সমেত বাৰ্ষিক ১৩, ষাণ্যাসিক ৭ এবং ক্রৈ সিক ৩৬॰। ভিন মাসের ফুরনে অধিম : গ্রহণ করা যায় না। ছব্ডি, ব্রাতি চি**টি**, স মডর, নোট ও স্থাম্প টিকিট, ইহার আংন ষাহাতে কাঁহার হৃষিধা হয়, ভিনি সেই উ ধারামূল্য প্রেরণ করিবেন।

ষাঁহার। স্থাম্পটিকিট পাঠাইবেন, ধ। যেন এক অথ্যা আমাধ আমার অধিক মূলে इतीरमत हिंकि हे (क्षत्र मा करत्वा)

ৰখন বিনি মফকল হইতে সোমপ্ৰকা মূল্য পাঠাইবেন, ভাষা যেন রেজিপ্তরি করি গ্রী মৃক্ত দারকানাথ বিদ্যাভূষণের নামে পা देश (पम ।

ৰ**াহাদিলের মূল্য দিবার সময় অং**ভীত ক্র वांत्रित, এकमानशूटर्स डीशक्तिशतक वि निचिम्रा खानान साहेर्द, काल का**डी**फ हा গেলেও এক বার চিঠি লেখা হইবে, তাহার একমাসকাল প্রতীক্ষা করিয়া কাগজ বন্ধ ব ধাইবে। শেষ দারের পত্র বেয়ারিং পাঠ श्हेरव ।

মাতলা রেলওয়ের দোণাপুর ষ্টেশনের ড বরে চিঠি আইলে আমরা শীল পাইব।

যাঁহারা মাহেল না দিয়া প্রাদি প্রেরণ ক বেন, ভাঁহালিগের সেই পর্ঞাদি এইণ ক শাইৰে না:

কেছ সোমপ্রকানে বিজ্ঞাপন দিভে ইছ চরিলে ভাঁহাকে প্রথম ডিন বার প্রতিপংক্তি খানা ভাহার পর 🖊 ১০ আনা দিতে হটবে বিনি অধিক কাল বিজ্ঞাপন 'দিবার ইক্ষ। করি :वस, कैश्रंत मञ्जि चल्छ वत्सावक इहेर्द ।

🍑 🐗 পত্র কলিকান্তার দক্ষিণ পুল माण्डला तिम एरवर लागानुत एटेमरनत मान ১ ৭৫ অগ্রহায়ণ ইইতে ৭৬ কাজিক ১০ চাক্সড়িপোডায় প্রীযুক্ত হারকানার বিদ্য ু ভূবণের বাটীতে প্রতিষোমবার প্রাক্তকো

(मायशका

১১ শ ভাগ।

७ मरभा।

· प्रवक्तनां प्रक्रतिस्तिय पार्थिवः सरस्वता श्रातमस्ती न सीयतां।"

সক মূল্য ১ এক অবিদ বাৰ্বিক ১০ দশ 🖦 ধাণ্যাসিক ৫॥ সাজ্যে পাঁচ টাকা।

मन ১२१६। ৮ रे (भीष। ১৮७৮। २১७ जिटमैं इत

বিজ্ঞাপন।

ইদানীস্তন কতগুলি অসং লোক ক বঁলাল র বশবতী হইয়া অনেরে সরলো প্রক **गरक्षत्वकार्याः श्रृष्ठ इहेग्रार्**कतः। 🕬 श्राह्य रेष्ड व्यागना कतिहा व्याप्तः व वह राष्ट्राम ত এড়ের কোন কংশ একট এর পানট রা দেখানি নিজের "ফুড়েন» লিয়া বিকবেন এবং ভাহাদের খৌভাগাল্পভঃ 5 **এর** বিজের স্ক্লিবিশে;াস্মনের হয় : টুক এম্বরজে এই শোচন : ব্যাপার কাষ্ট 375 I

দাধারণ্যে এই একটী প্রায় আছে ুত গ্রন্থে বঃজ্ঞিবিশেষের খামিকভা নাই রাং যে সেমনে করিলে ছ: পতে পারেন চ ৰত পূলি নংগ্ৰহ্ক রিয়ার হত পরিআনম চষ্টাকরিয়াকোন প্রাচীন গ্রন্থ প্রস্থের াধার করা হউক না, বেং মান করিলে ন সেখানি ছাপিতে পারেন পোকের ছকে দিবার মত কিছু পাংবর্ড করে**ন**। বৈসিটীতে সংকৃত প্ৰবেশ ঃইয়া অবসি ভিলন্তবর বাছল্য দেখ যাওভেছে। সংস্ত পুতকে কটডলার বাতেশ एउ ह नन्।

রিয় আমমার প্রকাশিত বেলীসংহার নাট প্রতি এরণ সত্যাচার না ঘটে, এই ত্ত বিজ্ঞাপন দিক্তেছি যে জীযুক্ত জগ্মো কলেকারকুত চীকা বহু বেলীসংহার थानि রেজিপ্টাবি করান গেল, य'न কেহ কোরের অসুমতি নালিইয়া টালার কর্তুক ও বেণীসংহার নাটকের পাঠ বা চীকা আপনএতে নিবেশিত করেন ভাষা কাপিরাইট আইন অস্ত্রসারে কাংর নাবে न कवा माहेटवा

कांका र्वत्रहरू ह **जीरक**शासमाञ्च यत्स्रा-৭ শগ্ৰহায়ণ) পাধ্যায়

অক্রাস ও থল্পময়ের মধ্যে সংক্রত **छाराय श्रात्रणाभकात स्टाय कई ऋष्टिशास्त्र** मुक्रावाय वहाकरान्त्र व्यक्ति श्राह्मानीय व्यन्त, ভাষার সংস্কৃত বলখ্যা ও বালালা ভাষায় ভাহার ভাৎপর্য। জীয়ুজন পাঞ্চল লোহারাম শিরোরম্বর্তুক সংগৃহীত হেয়া বাজালা व्यक्तत्त्र क्षकाञ्चिष स्ट्रेब्राट्डः भाठार्थित्रत्वत्र ञ्चित्रांत व्यनः ञ्रज्ञनकम भराहेशः (पञ्चा इहे য়াছে, প্রান্থনারে পদসাধনের রীতি প্রদর্শন করা হইয়াছে। মূল: ১ এক টাকা মাত্র। কলিকান্ডা সংস্কৃত যন্ত্ৰের পুল্তকালয়ে বিষ্ণয়ার্থ প্ৰস্তুত আছে।

২৭ এ অপ্রহারণ) 5 3.9 C

শ্রীচন্ত্রীচরণ চট্টোপাধ্যায়

एकाপুর মেডিকেল হল।

১। এডদ্বারা আহাদিশের ঔষধক্রয়কারক, সুহন, দংকারী, ও সর্বাসাধানধকে জ্ঞাত করা राइए७८७ (य. विखीय देवशानिक इंटलके সম্বন্ধে অর্থবেশেড '' স্থারতার ক্ষোসীয়া, ওয়ার উইক, ব্রিটিস প্রীন্স " ধারা দশ সহত্র টাকা ধুলোর উষধ পূর্দা প্রাপ্ত ২ওয়া গিয়াছে। এত্তির সম্প্রতি জামরা বিলাভ है मन १४७४ मार्लर (भव रेजमानिक हेर छ के সহকে ' বিটিশ ফলাগ, কিং আব্ধর, ও বাকেস » নামক অৰ্বপোত এয়দার। ৮০ বাক ইউরোপীয় উষধ প্রাপ্ত হইয়াছি। এই সম্প্ত উপধ জ্বানাধিক সাত সহত্র টাকা মুলো ক্রয় कदा ६३ सार्ट्स

२। ज्यातामी वर्षत्र श्रथम देवमानिक हेटलके উপলক্ষে চিকিৎসোপযোগী ঋত ও ঔষণ হাছে, ভাষ্ডে লান উত্তমরূপ পরিকার চই প্রস্তুত্তকরণের ও উষধবিক্রায়করণের নানাবিধ চাউল প্রক্রাত হইবে। ধান্য হইতে । উ

ইৎ সন ১৮৬৯ সালের ফেব্রুয়ারি মাসে বি হইতে পৌছিবে।

৩। আমরা অধিক পরিমাণে ও উভয়ূরূপে ঔষধ বিক্রন্ন করিয়া থাকি।

৪। এই সমস্ত দেব্যাদির আসেল বিং চালান ও অন্যান্য দলীল কেই দেখিতে ই इहेटल, व्यामः हे की दि ७६ मर्थाक श्रमान ধালয়ে জীযুক্ বাবু গোপীনাথ দের নিকট সভাবাজার ভীটে ৫৫ সংখ্যক ভবনে अवशालरमञ्ज भगरनकात्र क्वीयुक्त वायु नका পাল হালদারের নিকট দেখিতে পাট ইভি।

কলিকাড়া ৫ ই ডিনেগর ইং সন ১৮৬৮

বদ্যোপাধ্যায় এবং (

ইউইতিয়ান রেলওয়ে।

বড়দিনের ট্রেণ।

দ্র্সাধারণকে অবগত এভদ্বারা गाहेट उट्ह य, आशामी वफ मिटन द्विर ন}ায় আরোই ৺.গর ট্রেণ চলিবে।

ৰোড অব এে নস (डनशाडिनी 'ातु) क जिकारा ¢ र जित्म

সিসিল ক্টিফেন্সন বোড় স্ব এজে

(প!र्षे का:- इ ला । इन उच्चेर वि রিক্লানে বন এও ডক কোন্সানি - বিমিটেড। "

উজ্জ কোলেনির রাইসমিলনামক চ লের কল মাতলা পোটে সম্প্রতি প্রস্তুত হ সাম্জী ও স্কল ও বিৰিধ ভৈৰ জান্দি প্ৰস্তুত করিবার নিয়লিখিত মূল্য গাই: ইল লকাড়ো

アモロ

मनकहा मुला। र्भ हा छेल वकात है विल हा देश। কেই পার্থান विल हा देश) কালানিন কেটি এন্ত ডিমেরর े . कालान अर्छ है .

ं कक हिलालीरनव मरशेषध । ছালে অংশ ও ইাপানি কলে চমংকায মাবোগা হইতেছে। কিন্তু একটি ঔষৰ ১৬%:তে পুর্ম প্রকাশিত আর আ: র এতাদুশ **উপকার হইতে**ছে না। এই পুনরায় বি**জ্ঞাপন যাড় দিন না** দেওয় sত দি**ন অংশ ও ই:পানী** কামেৰ উষণ গার আরে রোগের ঔষধ কেই যেন না । অর্শ রোগের আনাজীত শুভ ফর েঅনেক অনেক আরোগ্য সমাচার অমীদার জীয়ক বাবু জনাগ মহাশয়ের পঞ্জানি স্কাসা-द निष्ठिष श्रकान कहा यहिएउटहा ণ উক্ত রোগ**ধ্যের ঔষণ য**াহার প্রো-বে ছই টাকা আটে আনা পাঠাইলে

ত পারি**বেন**। **ब्रिटियहर्मित्स्यान्स्यान्यः** मध्त प्राप्ताला प्रशास নকলপত্র .

नगीलुः । नर्यस्य ३५ ७०

ঞাপনাকে কুভজেভা উপণর

भाग के लिए।

श्रम

'इदलम् सिन**र**---2:42

ाइ, अनुग्रश्तिक क्या कर . . . অপ্রে:গে আন্ম -ধরপ ধাতনা ·, \$1 ः ঐ यञ्जना निम निम त्यक्रण दृष्टि £7 -াকে আমি জীবনের প্রতি - 7 ি ব্যাছিলাম, জীবার্কুপায় মহাশ µছুণ্⊬ অংপনাব প্রেরিভ ঔষধদেবন জ দাক্ৰ বন্ধা ইইজে মুক্ত ইই 👁 🕝 যে জামার উপকার করিয়াছেন, अ:ः व **कोवरन** शांवरमाध कविरङ ন :কবল প্রীডিপুপ উপহার দিতেছি F ? 4

য়ে বাপহার জন্মভূমি কোপায়? আপনি া ে 🖋 দিন অংবভিতি করিভেছেন? र्रः √ (तम } **अञ्चरश्**की**क नि**थि(वन । 🦾 ার উষধ ঐ সন্ন্যাসী কোথায় ন ৷ বাংকে কিছু উপহারশ্বরূপ দেওরা

পারে কি না ? আমার অর্শরোগ আরে:গ্য দেখিয়া মেদিনীপুরের সকল সম্প্রদা ্য়র মধ্যে হৃত্তুত্ব পড়িয়াছে।

> অসুগত বন্ধ ४: बीमबीमा सामा

" হিন্দ মহিলা নাটক <u>"</u> (কোড়াসাঁকো অভিনয় **নভা হইতে পুর**-

কার প্রাপ্ত।)

উक्क ना**ष्ट्रक हिन्छू महिला**∜्लंत ছत्रवर्षा বৰিত হইয়াছে: ঠনঠনে ক্রমওয়ালিস স্ট্রীট ১৭৬ নং সংক্তে যন্তে: পুস্তকালয়ে প্রাপ্তব্য ; মুল্য ১ এক টাকা।

জীবিলিনমোহন সেন গুলা।

সির্বাদিতের বিলাপ মুদ্রিত চইয়া প্রকাশিত इत्राह्म । भूज्यक्व करणवत्र ৮ . भक्षी कत्रमात्र ১৪ ফবমা অব্ধাৎ ২১২ পৃষ্ঠা। মূল ে দ আনা ধাঁহার আবশ্যক হয়, ঠনঠানথা সংস্কৃত ধল্লের পুস্কালয়ে অধবা পটোলডাক, গাড়ুখে৷ ব্রামর এও কোব পুস্ফাল্যে অপুস্থান কারসেই পাইবেন ই'ড।

১२९४ मान 🗐 ৰঙনাথ ভট্টাচাৰ্য, ១៛៦ ១៧១៦ វែង সংকৃত কলেল)

ঠনঠনিয়া সংক্তি পুস্তকলেনে ও পটোল ভাকার বাজু থেঁং ভাদার কোম্পানির দেকেনে মংপ্রনীত ও মংপ্রচারিত নিম্লিখিত পুলুক ওলি বৈক্রম ১ইডেচে --

> શને હ স্প্র এ সইতিহাস ১ টাকা <u>3</u> (রামই তহাস ভূষণসার ব্যাকরণ वाना ঠ নীতিপার (১ ম ভাগ) Ì নীভিদার (২ র ভাগ) श्रहद्विक । मुफरवीय वर्राकतन ঞ্জাবসানাৰ শশা --:0:---

विविध प्रवासि विकाशर्थ

প্রস্তুত।

हेरताओं बालाना भूतक रुभन कलम नामा । अकर्ज

विध प्रवरामि भाउरा बाद्र अवर भुळका 🖊 এক জানার হিসাবে কমিসন দি। আ টাকার পুস্তক লইলে 🖊 ১০ আনার হিন পাইবেন।

ঞীযুক্ত বাবুকালী প্রসন্ন সিংহ মধোদয়ৎ গদ্য ১৮ পর্মা মহাভারত ১৭ খণ্ড ৩ ভাগে সংযক্ত ফরা

লণ্ডন ফারমা কোপেয়া অর্থাৎ এবধ ব বলি

मरुष्मारमञ्जीवनहाँ के छे छ प्रश्निक হরুঠাকুরপ্রভুতি প্রাচন কবিওয়ালাদি গীতসংগ্ৰহ

শারী রক আন্তঃবিধান ध॰ ब्रथका ह देशकुष्टे कावा আহঃ স্থিদ দায়িনী প্রথম ভর্লিণী

'যছন'থ ঘোষকৃত সংগীতমনোরঞ্জন : নয়নামজ জুকাবঃ কৰিবর ধারকানাথ প্ৰণীত

রাসরসামৃত সংক্তেও পদ গীত গোবিক জয়দেব গোলামি প্রণীত ও যতুনাথ ন্যায়পঞ্চননকুত গদ্য

কৌভুক ভর্মিণী ইংরাঞ্চি কেমেষ্টরি হ বিবিধ আশ্চর্য,জনক বিদ্যাদর্শন হয় প্রতিমূর্ত্তি সহিত ১২৭৬ সালের ফুল পঞ্জিব ঐ াফ পঞ্জিকা

ष्ट्रशीयक्त भागा কমগত টেরণী

স্টীক চতী মূল ও অসুবাদ সহিত চরিতমঞ্রী ইহাতে দিউটানির বি विद्यमञ्जूषा वर्तिष इहेगाइ

ইংরাজি ১৮ ১৯ সালের এটালের কী কুমারীকুমার পদং আম্দিরসপ্রধান কাব্য অপ্রের মোহিনী শান্ত

গণেশচন্দ্ৰ শৰ্মকৃত ৰাজনা এইলাস ই কাগলে এ উত্তম লকরে মুদ্রত

বিধবাৰিবাহ নাটক

কামিনীকুমার রসর্থাকরাত্তর্গত ব নামিকাঘটিত সুধ্য কাৰ্ড :

মণিকুগুলাকার্য প্রাণীমোহন বন্দে धाप्रश्रभीक प्रश्निम्मिनीत मेळ लिया अवधनिक नर्ही

ভূচিত্ৰাৰলৈ ৩২খানি ৰাজালা সহিত

স্টীক হৈছন্যহরিতাসূত্রস্থ कात्रिनी नाष्ट्रेक आहेनज्युक २

£)

2

₹ :

ফুট

. 5.

পুরাণ একাশ। বিষ্ণুরাণ।

শস্বাদ ও টীকা সমেত প্রত্যেক পণ্ড
৮০ পূর্তা পাত্রিমমূল্য) হ০।
নি গ্রহণাতিলাধী হইবেন ভিনি মূলাপুর
হৈছিলীট ৩৪।১ নং ভ্রমে কার্থেকাশ
জ্পরা কলিকাতা সংস্কৃত বিদ্যালয়ে
চ জগলোহন ভ্রকালস্থারের নামে যত
র ইন্ছা অগ্রিম মূল্য পাঠাইবেম। অগ্রিম
গাইলে বিদেশে বিষ্ণপুরাণ পাঠাইবার
নাই ইতি।

বিক্ৰয়াৰ্থ।

গার্ডেন রীচ ২৪ নং বাটী ওলায়সহ ১৯ নংক্ষোড়া যাগান। উপরি উজ্ঞাবালান ও বাটী বাঁলায়া কয় ও অথবা লইতে ইক্ষা করেন, নিয় সাক্ষ

ও আছব। লংগত হক্ষা করেন, ালগ্র ব ব্যক্তির নিকট জানাইবেন।

> গিলেগুরিস্থারবো-থমট এবং কোং

লেগ্ৰুব নিবাসী জীয়ুক্ক বৈকুষ্ঠনাথ গুপ্ত কভাৱ অন্তৰ্গত ক্ষোডাস্ট্ৰকো বারাশ্সী য় জীটের মধ্যে মৃত রাধানাথ কুপ্তের ভূমি গুছার থারিলা বলিয়া উহা বিজ্ঞাপ পেজে জেভ্রণণকে অন্তান করিভেছেন একজাবা সকলকে জ্ঞাত কবিভেছি যে, ভূমি জাঁহার থারিলা নহে এবং কেহ বেন প্রানা করেন:

গ্ৰহা বাগান পোষ

🛍 চন্দ্রকেথর 🥞 🥴

---- ? O ^{*}----

লিকাতার অন্তর্গত জোড়ানাকোর বারা । ঘাষের জীটের মধ্যে মৃত রাধানাথ কুত্তের। আমার ব্যালা ১/১৬৯/ বিঘা ছু ম বিঞা ঘাছে। চৌহছি উত্তর সরকারী নর্দানা, গলি রাস্তা, পশ্চিম শাক্তিরাম সিংহের বালী (বৃদ্ধে বৃদ্ধির সংলগ্ন) পূর্ম রান। (माइम तारम्य श्रूकावनी। (म्रजून में कुनाव म्माश्रुरम्य ১०३ वर नामिएक क्रियुक्त बाकू विका मान बरमानाम। रियन विकास क्रम्यकान क्रिया सामिएक नामिएकन

क्षंत्रकाखा जन ३०१६ ३० हे-चारायून জ্ঞীবৈকুঠৰাথ গুপ্ত সাংহালিসহয়

সভকার্থ হিজ্ঞাপন।

· ৩ · এ অগ্রহায়ণের সোমপ্রকাশে হালিসহর নিবাসী বাবু টেককুঠনাথ গুপ্ত ভাচার ব্যৱদা **লোড়াসাকে:** বারালসী ঘোষের **ভ্রীটে**র মধ্যে মৃত রাধানাথ কুত্তের দলণ ১/১৮১/ বিঘা ভূমি বিক্রয়ার্থ বিজ্ঞাপন দিয়াছেন > কিন্তু ভিনি ঐ ভূমি বিক্রয়ার্থ বিগত ১২৭৪ সালেব ২১ এ মাঘ সোমবার ভারিবে বাবু প্রারিমোছন বন্দ্যোপা गारमत योकारवनाय होन्न कागरक तीखिमङ বারনাপত্র লিখিয়া দিয়া গ্ৰৰ্নেন্ট ८ भारत के किर्ति ००१ किन किन किन টাকা একুনে এক শত এক টাকা বায়না লইয়া (इन, अकरन कामोद **डेकी**(लंद वाक्रीएड कव'ला প্রভৃতি কাগল পতা উচ্চার স্বাক্ষরার সমস্ত একত রদিয়াছে৷ কিন্তু এভাবতঃ উজ গুপ্ত মহঃ नम् के मकन काशक शब्द चाक्त मा कहिया बाबु প्राजित्याक्त बाल्याभाषात्रत हाता আনার নিকট সর্বার শারীরিক অনুস্তাদি বিবস্তুক ভাৰ কহিয়া কালৰালে কংড আমাৰ সহিত লিখিত পঠিত ও বায়না কুত বিষয়ের বিক্রেয়ার্থ পুনর্বার সাধারণে বিক্রাপন দিয়া ছেন গ ক্লডরাং আমি এই বিজ্ঞাপন ছারা সাধা त्रवरक गडर्क कत्रिएडिइ (य (यन (कह छेक्क विवयं उत्तर ना करतम । वानु रेक्कुईनाथ ७४ ही छ মত কৰালা আক্ষর করিবা উক্ত বিষয় বিজেয় না করিলে আমারে হগতা উছোর নামে আদা লভে নালীশ করিয়া বিক্রয় সাব্যস্ত করিয়া नहें (इ. इ.हेर्स्) কলিক:ডা জীবলাই∌"লে সিংহ সুৰ ১২৭৫

न्हार नहीं।

১ লাপৌৰ)

मन ३৮७৮ मार केंकिरमब्ब मारमब १ ३३६ — गीत्र थी महीत मक ० मिटिकेश्वरमध माखा ३५ (तर्थाहै।

ক্লানের নাম সক্ষক্ষতি জ্ঞাল ফুট ইঞ্চি মহানার উপর প্রধানদীয়ে হিন্দু भशमात्र ७२१ स्टेट्ड *क विश्रूत* १८०६ माचेल मध्यः । १८०१ स्टेट्ड रस्यमभूद १७ माटेटलड मध्यः

বহরসপুর হইতে কাটোরা ৫- মাইলের মধ্যে কাটোয়া হইতে নদীয়া

८७ महिल ब्राप्त

সন ১৮৬৮ সালের ১০ ডিসেম্বর ুপুর গঞ্চাটের জলের মাপ।

গক্তের উপর

বছরমপুব ১ • ডি সেখর ১৮৬৮। ্রীগুজ্জ সি. ই, উইন একজিকিউটিব ইঞ্চিরি বহরমপুর ডিবিজন।

সোমপ্রকাশ।

৮ ই পৌৰ সোমবার। সৰক্ষন লংকল ও ভাঁহার ভারত-ধর্ষপরিত্যাগ।

সর জন লরেন্সের লাসনকাল

হইয়া আসিল; তিনি ভারতবর্ষ গ
ভাগে করিয়া চলিলেন। তিনি বি
অভাবের লোক, তিনি ভারতবর্ষ বি
লাসন করিলেন এবং ভারতবর্ষের
কি উপকার করিলেন, এ সময়ে এভ
গণনা করা একান্ত আবশ্যক হইতে

সর জন লয়েকা অভিশয় থাবি
থার্মিক বাজির সভাবাদিতা স্বক
নিষ্ঠা ও সাধুতাপ্রভৃতি বেসকল
থাকে, ইহাঁতে সে সমুদায় লক্ষিত
তবে একটা দোষ এই, ধর্মবিষয়ে ই
কিছু গোঁড়ামী আছে। গোঁড়
থাকিলে অনোর প্রতি অসুচিত অবি
প্রভৃতি বে যে দোষ থাকে ইহাঁ
ভাষা অদৃষ্ট নয়। এ দেশীয়েরা খু
মাবলম্বী নন বলিয়া ইনি এ দেশী
গকে সমুচিত বিশ্বাস বহিঃ
না। এত্রিবন্ধন বাবতীয় কার্য্যে ভাঁ

পাতশুন্য ব্যবহার দৃষ্টিগোচর হয় । কেবল এতাবমাজে নয়; এদেশীয় ার উপরে বিশ্বাস ছিল নাবলিয়া ধর অধিকারকালে অসমভরপ ক ব্যয় রুদ্ধি চইরাছে। এ **ছলে ইহাও** बा त्य करमणीरयया जिल्लाभावनत्री, এব পাছে ইহাঁরা বিজোহাসুরাগী উাহার এই আশেখা ও এডলিবলান শাস ছিল বটে; কিন্তু ডিনি ইহঁ। প্রতি অপ্রদ্ধা করিতেন না। তিনি মেধ্যে ইহাঁদের সংস্থলাভেরও **অংডির বিদে**বোমূলনের চেষ্টা তেন। তিনি কলিকাতার বিশপের আছুত ্ব্জিদিগকে প্রত্লোমন । সমাদর করিয়াছেন। ধর্মবিষয়ে র কিঞ্চিৎ আত্যন্তিকতা আছে বটে; ভিনি ধর্মাকাও অন্য ধর্মবিছেবী । ডিনি স্বয়ং উপস্থিত হইয়া আলে ার উৎসাহ্বর্জন করিয়াছেন। সর ল ৰীডন হিন্দুদিগের গন্ধাবাত্রাহীতি **ড করিবার চেউা পান, তিনি** ৈতে সমাতি≌দান করেন নাই। অভ্যাচারনিবারণবিষয়ে সর জন स्भात मिंदिर्ण व ३ व्हा ७ (हके। हिल। ইক্ছানিবক্ষন ভিনি সমাচারপত্রের বর্দ্ধি কৃতিয়াছিলেন। সমাচার কাছার কোনপ্রকার সভাগে বি

ভার স্বিশেষ ইক্টা ও চেন্টা ছিল।
ইক্টানিবজন ভিনি স্মাচারপত্রের
বর্দ্ধি ক্রিয়াছিলেন। স্মাচার
কাহার কোনপ্রকার সভাচার
বর্দ্ধি ক্রিয়াছিলেন। স্মাচার
কাহার কোনপ্রকার সভাচার
বর্পার হইলে ভিনি ভহক্ষণাহ
র প্রভার হর্মান ক্রিয়া দিবার
ভ সম্ঘিক বস্ত্রান্ত্র, জাইলাই
র মূল। কিন্তু স্থেবর বিষয় এই,
র যেরপ ইক্টা ছিল, কার্যা সেরপা
হই। বোর হর, ভাহার দৃল্পাভি
ও প্রাব্যারণ ভক্ত প্রবল নয়।
বিশ্বারা বাহাতে উন্নভিলাভে

্ন, ভিনি ভাষার উপায়াদেয়ণে

ীন ছিলেন না। ক্ষকদিগের বিদ্যা

শিকাৰ্ডাহার যত্ত ভূমিতে ভাহা দিগের স্বস্পাদনচেম্ভাদারাই তাহা সপ্রমাণ হইতেছে। কিন্তু জাঁহার বুদ্ধির ণবিশেষ ভীক্ষতা নাই বলিয়া ভিনি अक्रुष्ठ डेलारमन डेस्डावरन ममर्थ इन नाहे; স্থাত্রাং এ বিষয়েও ক্লভকার্যা হইভে পারেন নাই ৷ অন্য অন্য শ্রেণির উন্নতি লাভ হয়, এটাও তাঁহার মনোগত ছিল, কিন্তু সজাতীয়েরা ও স্বদেশীয়েরা পাছে वित्रक्त इन, बहे नकांत्र अ महात्र कीं পুসম্পন্ন করিয়া ভূলিভে পারেন নাই। তিনি এ বেশে সিবিল সর্বিদ পরীকা গ্রহণপ্রথ। প্রবৃত্তিত করিবার চেটায় সাহদী না হইয়া ছাত্রহজিব্যবস্থাপন দ্বারা মেই অভীট আংশিক শম্পন্ন করিয়াছেন।

দর জন লাকে শাসনপ্রাণালী সম্পর্কে
কিছু নৃতন করিতে পারেন নাই।
ইউরোপীয়েরা পূর্বে পূর্বে অধিকারের
নায় ইহার অধিকারেও মক্ষণ
আদাণতের অগমা হইয়া আছেন।
পূলিষও কাজ্মিত উৎকর্ষলাভ করিতে
পারেন নাই। অন্য অন্য বিষয়েও বিশেষ
উন্নতি দৃতিপোচর হয় না। কেবল বিচার
কার্যাসহফো একটা উন্নতির কাজ
হইয়াছে। মুক্ষেফদিপের আদালতগুলি
অভিশার নিকৃষ্ট অবস্থায় ছিল। উহাদি
গের বেতনর্দ্ধি করিয়া উহার কিঞ্ছিৎ
উন্নতিসম্পাদন করা হইয়াছে।

সর জন লারেন্স অবিশ্রাদিতরপে প্রভার অনুরাগভাজন হইতে পারেন নাই। তাঁহাকে অভিনন্দন দিবার বিষয়ে সম্প্রতি যে মতা মুক্ত হইরাছে, তদ্ধারাই ভাহা প্রভার নাম স্ক্তিছে। তাঁহার বিষয়ে কভঞ্জলি লোকের যে, সংক্ষার জন্মি রাছে, নিমে যে প্রধানি প্রচারিত হই. ভেছে, তদ্ধারাই পাঠকরণ ভাহা ক্ষর ক্ম করিতে পারিবেন।

" नत्रक्रन वरत्रज भागाना शक्य क्रिलन,

ক্রমে উরতিলাভ করিরাছেন; স ধারণে কি ভাঁহাকে পদত্যাপকালে <u>'</u> নক্ষনপতা দিবেক**িনা** > ? আমাণি "পরম বন্ধু ৯ ফে_ও ভাব ইভিরা বলিরা করুণখরে রোদন আরস্ত ক ছেন। ভিনি ব্ৰক্ষমাজ ও বিষ্মরিটি এই মাধার দিরা দিতেছেন, সর জন য নিমলায় থাকাতে বণিকদিগের ৰদি ক্তিহ্ইয়াথাকে, এ সময়ে ভাহাও বি হইয়া অদেশের গৌরবরকার্য এ বিষয়ে হৰয়া উচিত। ভারতবর্ষীয় সভা ও বঙ্গ অন্য অন্য লোককে ফেণ্ড গ্রাহ্য ব না, ভাঁহারা অভিনক্ষৰ দিবেৰ না তিনি স্থির করিয়াছেন। ভবে এই কথা রাছেন, যদি উত্তর শশ্চিলাঞ্চল ও পঞ্চ লোকে বৃদ্দেশের ও সাধারণ স উপরে প্রভুত্ব করিতে পারিজেন ভাহ। " জান লরেন সাহেবের " নিমিত্ত কুত্র প্রকাশ করিভেন।

জ্ঞে বে ভিকা চাহিতেছেন, অতি বংসামান্য। স্বরণার্থ অতি দার প্রাক্তরের প্রতিমূর্ত্তি নর পর পর প্রতাম কাগজে লিবিয়া সকলে বল যে সর লবেক সাধারণের উপকার করিয়া এই সামান্য ভিকাদানে বণিকগণ ভাষ্ট রাজ দোকানদারেরা অসম্মত, মিসনা ক্রজক নাভিত্তেনে না। ভারতবর্ষীর ও বলদেশের ও কণ ই নাই। বলতে সিবিলিয়ানগণও অন্তল্যর হইতেনে ন কারণ কি হল্প গুরু অমুরোধ কি প্রেরণ কি হল্প গুরু অমুরোধ কি প্রেরণ কি প্রিরণ কি প্রেরণ কি প্রেরণ

সর জন লারেল বে উপায়ে বিল ব জাতার পরিবর্তে পঞ্চাবের প্রশান ক নর পদে অধিকঢ় হন ভাহা বিং বি জন নাই। হেনরি লারেল ঝাষি লোক ছিলেন; ধর্ম ভাঁহার একগারে লখনীর ছিল। জন লারেল ডেলহোলির প্রমান করিয়া চালিডেন। পঞ্চাবের বন্দোবস্ত – বাহার শুনে সন্দার ও শীর্ বিদ্রোহকালে গ্রণ্মেন্টের হইয়া অসু ধ্

করেন – হেবরি লরেকের ছারা ২ইয়া

চতুর্দিবে হাহাকার কেলার পর া, নগরের পর নগর, এদেখো পর শে বিজোহীদিণের হস্তগত হটতেছিল , । প্রত্যেক এক জন প্রাভন 🧓 উপ দেনাপতি অথবা দেওয়নী কর্মচারীর রে সংবাদ আসিতেছিল, তখন করেক িব্রিটিশ সৈন্য দিলীর সম্মুখে শিবির পন করে **এবং শীকদিগের সা**হায্যে াহী রাজধানী অধিকার করিয়ালয় দেই িসৈনিকগণ চেনরি লবেন্সের শিক্ষিত। লসন এড য়াডে স্. হডমন গভৃতি গাণ হেনরি লরেক্সের ছাত্রে! যথন এইখন ছাছ গারভাহর ডখন সর জন লাজে ার ৩৪.জুর্কিতে পারেন নাই।রবর্ট গমরি মিয়¦ন ম্ারের বিজোহশাভি নে, এত মিবারণের পর এধান কমিস সংবাদ পান। পেসেয়ার অঞ্লের স্ভৈ সিডনি কটন ও নিকল্সন হইতে হয়। াৰ ঐপনয়ে কহওলি উপযুক্ত কৰ্মচারী লন ভাঁহারাই বিজ্লোহশান্তি করেন। ানর জন লরেন্সের এইপর্যাস্ত প্রশংসা । **বাই** ত পারে যে, ডিনি ভীগোদের পরা িল্পাহ্যকরেন নাই। তিনি নিজের ধ্যর মধ্যে বারখার সেনাপতি আফানকে কাশানে ও রসদে সন্মুখন্ত, প্রামধকল করিতেকরিতে দিলী আমান্মণ করিতে ।জনা করেন। ভাঁহার পরামশেরি দর্ণ ক্রিলে সপাটু অবধি দিলী 😮 সাবাংগো বিজোহ ইইড। সনা র পঞ্চাযের সহিত সত্তব থাকিত দৈন্যান হতবল হটয়া শক্রণল ভেদ য়া চতুৰ্বাংশ পরিমাণ পলায়ন কলিয়া 👅 , म : ७ न महत्या .य विष्ट्रा .१३ ७ सन्द् তেপারেন নাই তাগা ইহাডেই নতা ছ**ইভেছে** ৃথেব্পে ও যে বারণে হ*ীক*, रिक्त समस्य त्य यन व्य, ८ के वटन सत् লবেকালাড এলগিনের মৃচার পর র আংশেরল হন তথন অংশলায় যুক **ভছিৰ, ইংলভের লোকের। ভাবিতে** ন মধ্য অংগিয়ার লোকে অন্তধারী

|সিকুর নিকটে আসিয়াছেন | ভার 🎖

য়রা এই হুখোগে অস্ত ধারণ করিতে

পারেন এমত বিপদের সমায় ' পঞ্চাবের ইইলাভ কর নাই ভাহার অধীনস্থ রক্কর্ডা ৯ ভিল্পার কোন ব্যক্তি শাসন कार्यात डेशयूक नरहन। अनस्तत्र भत्र क्रम লরেক্সকে গ্রার জেনরল পদে প্রতিষ্ঠিত শিক্ষকেরের প্রস্তাবে কেবল কর করা হয় এই পাঁচ বংসরের মধ্যে তিনি কি করিয়াছেন ? সাধারণের হিতকর কোন মহৎ কাৰ্য্য ভাঁহাৰারা হইয়াছে ? ভাঁহা হইতেরেলওয়ের ভৃতীয় শ্রেণির আবরোহী দিগের স্বিধা হইয়াছে একথা অবশ্য স্বাকার করিতে ছইবে, কিন্তু এটাকেও ভিনি সম্পূর্ণ .1 পাওয়াইতে পারেন নাই, বিশেষতঃ ভাঁহার আমাজনাসত্ত্তে রেলওয়ের প্রান্ম ও ষিতীয় **খ্রে:শিভিন্ন জন্য শকটে আলো**ক দেও | হর না। তি:নি খৃষ্টির ধর্মের যে সাহায্য করিয়াছেন, তিনি নৈনিক ব্যয় যে বুদ্ধি করিয়াছেন ভন্নিমিত্ত ভারতবর্ষীয় দিগের ক্লুভজ্ঞ হইবার কোন কা..৭ নাই। তঁ:হাব শাসমকালমধ্যে তিনি একটি সংকাৰ্য্য করিবার চেষ্ঠ পান;কিস্ত যগাসময়ে মন্ত্রী দিগের তাড়নায় তাহা হইন্ডে বিরত হন। তিনি ক্লযকদিগের খথার্থ বন্ধু; এব : যাহাত্তে তাহাদিশে: উনতি হয় এটা ভাঁহার আনস্ত রিক ইছে; কিন্ত তিনি যে চেপ্তা পাইয়াছেন তাহাতে কুষ্কগণ মিথা৷ অ শা পাইয়াছে মাত্র। ইহাতে বরং জমীবার্দিগের সহিত তাহাদিশের মনোভঙ্গ ওতাহাদিশের কট বুদ্ধিই হইয়াছে। সিবিলিসার্কিসের ছার বিজ্ঞত্তৰূপে উদ্যাটিত না করিবার কারণ সর জান লারেকা। স্বর্ণমেন্ট নিজ ব্যয়ে যে कस्त्रक स्थन এদে∗ীয়কে ইংলদে প্রেরণ করি তেছেন তলিমিত্ত আমরাসর ষ্টাফোড নর্থ কাটের নিকটে ঋণী হুয়াছি। সর হন সিমলবিংসে ব্যয় করিলেন ভাষা এ লরেক্ষের রাজ্যপ্রণালী প্রশংসনীয় নয়। চকু উপ্লেন করি: দেখিলেন ব্যয়সুদ্ধি করিয়া শেষে যে যে একারে কর : কোন গ্রহর জেনংজের স্ময়ে সেকেটা আবাদায় করা ভাঁহার রাজনীতি। ভাঁহার খিত এবজুয় কান নাটি; অবচ সর জন। সময়ে যে করেকটা কর করা হউয়াছে, ৮৫ বংসর ভারতবর্ষে কটিটোলন !! ভাহার সমুদার ক্ষরকারী কর। মিউনি,সপাল ্পের ও বঙ্গনেশীয় নিবিলিয়ানদিপের প্রণালী স্থাপিত হইয়াছে; কিন্তু লোকে তিঁটোর শেভাব তাই। কাইবার আ অভাচরেপীজিত হইয়া প্রভাহ চীংকার নাই চাটুকার ফুড়ে পঞ্চার ও হন্তু করিতেছে, তথাপি তিনি এডদযটিত আত্যা দিশের ক্লাজতার উপরে চিত্র করি প চার নিবারণ করিছে সাহসী হইে ,ব না। কিও কটলভের ছভিক্ষকালে যে ব্যক্তি विमाणिकाविष्टतः छाँद। इट्टेंड विशेष भावकरिएमः शक्त कछित्र। ए। श्रीकारक

চারীরা ভাঁহার চক্ষে ধূলি দি ৷ ১৮৬৪ ব ১০ ই कासूबातित मखना वा िकतिशेष लाक:क ठ**ोन सहस**्छि। द्रल छत्त्र, ३ খালপ্রভূতি বিষয়ে ডিনি কি করিয় তাহা আমরা জানিতে পারি নাই দিকে ১১ কোটি টাকা বারিকে ব্যয় এব রুণীয়ার ভয়ে পেদোয়ার পর্যান্ত ভূমির মধ্য দিয়া রেলওয়ে হইতেছে, এ ভারতবর্ষের উদ্যোদতুল্য পুর্বান একটীউভ্নরাকাপশাল হেইল না। (कुनरमहनार्थ यान काषा (इ. करहा তাহা ঈশ্র কানেন। গ্রণ্মেন্ট ব পাঁচকোণ ব্রবন্তী একটা আর্দ্র নৰা আছে; অল টাকায় ইহার স করিলে ২০ এক লোকের উপকার হয়, s-न लट्डम ःक स्टन **देखि**नियुद्ध (করিয়াও ইংরে এক বার পরিদর্শন লেন না। আমাদিগের বিচারার বিচারপ্রণালি সর্কন লরেক্সের धात धारतम ना । विस्मरयत मरधा कहे, ষ্টাম্প আইন করিয়াদরিক্রেদিগকে ভ আপন সত্ঃকায় অসমর্থ করিয়ালে भव अने वरमञ्ज **लाउं एउवरशोभ**व বিভাধারণ করেন, এ কথা অনেকে ব কিন্ত আমর উহোতে উহার বিপরীত হার দেখিতেছি। এ দিকে ভিনি সর য ক্যারকে এক সামান্য টেলিছ कना छ०भनः कतिस्त्रन । छतिस्क নি ও আংশন সেকেটারিগণ কভ গণ বু ঝিতে পারিয়া ভাহারা যে - কার হৈইয়াছিণ, পঞ্চাবিগণ বিংশতিব্ধ সর জনলরেশের নিকটে সেই⊻কার ঃ হইবেন। বলপুর্সাক শাসন কর। সর রেন্সের রাজনীতি ভারত**ব্য রদিপকে** শাসনকর্ত্ব এও অবিশ্বাস করেন নাই। াধারণ বিপদকালে তিনি কোন কাক ভ সমগৃহন নাই, তা**হার এমাণ** ১৮ মদের তুর্ভিক । <mark>তাহার বিশেষ প্রশং</mark> বিষয় এই তিনি সং ও দত্যবাদী, যে । ভাঁহার যে সংস্কার আছে, ভত্তিরজে কাজ করেন নাই। কিন্তু তাঁহার র দোষশুন্য নয় বলিয় তাঁহা হইতে वेटमटम असिटे घाँगेशटहा छिनि ষ্পদহইতে উচ্চডম পদ পাইয়া **অধ্যবসায়ভারা লোকে**র বত দূর চহ**তৈ পা**ৰে, তিনি তাহার দৃষ্টান্ত, নিজের ইয়ডিভিল হাহার কার্যামধ্যে কিছুদেখাযায় ৰ:: পঞাবী কৰ্মচারী মন্টের বেডনভোগীপাদরীও ইউরো বৈন্যগণব্যতীত আর কেহই ওঁহার কুভজ্ঞ ইইবেন ন : হেনরি লরেন্সের গ্রধর জেনরলের পদ ছিল। সপাহীর উ:সার প্রাণভ্যাণ লাড এলগিনের ও অংগার **যুক্ষটিত কালনিক ভ**য় 😘 😘 क्रम वाद्यम भागनकर्छ। इ देशा-र 🖟 धनन कातरन स्नारक उँ। टारक (ननग**ीन उँ९ञ्चक नट्टन**)

হইতে অসমর্থ-করে, ভাহার ভাব

ন্ধীভয় ও ভাষার এবধ। ব ব'র অন্য অন্য বৎসর অপেকা র গাধকা ছইয়াছে। জারতবর্ষের ক স্থান ছইতে আমরা জ্বর, ওলাপ্রভৃতিব সংবাদ পাইতেছি। যে স্থান অতিশয় জনার্কি ছইয়াছে, র ইহার নধাে বসদ্ভের প্রাভৃতিবি ইংগি বিত দুর সাধা গ্রণ্থেন বিশ্লিতেছেন। ওলাউঠার সংবাদ বিশ্লিতেছেন। ওলাউঠার সংবাদ

লইয়া ভথার গমন করিতেছেন।

मानिक्टि हो मृज्य मार्थिति दिनाव थानान कति**एउएइन। वक्तरा**नात याद-তীয় দিবিল ও সব আংসিফাণ্ট সার্জ্জন এবং পুলিষ কর্মচারী হিনাব করিতেছেন। পূর্ব্ব পূর্ব্ব বংশরে গবর্ণমেন্টের যেপ্রকার উদাদীন্য লক্ষিত' হইত, এবার তাহা নাই। তথাপি অসংখ্য লোকের সূত্য হইতেছে। কয়েকটী বিভাগ ক্রমশঃ লোকশ্ন্য হইতেছে। জন্ম অপেকা মৃত্যুর সংখ্যা অধিক হইলেই এই অবস্থা ঘটিয়া থাকে৷ লোকসংখ্যা করা আমাদিলের প্রবর্ণমেক্টের অভ্যাদ नग्न ज्यामाक्टिशत (स्थीत ट्रांटकतां ह এবিষয়ে পাহায় করেন না, ভাহা **হ্টলে প্রতিবং** দর কত লোক ক্মিতেছে তাহা জানিতে পারা যাইত এবং ভার ভবর্ষের লোকসংখ্যা দিন দিন যে কমি ভেছে, ভাহার নিশ্চয় হইভ।

ইহার প্রতিবিধান করা কর্ত্রা; কিন্তু দেই এতিবিধানের উপায় কি, অত্যে অনুসন্ধান করা উচিত। এ বিষয়ে প্রবর্ণমেশ্টের মুখাপেক্ষা করিয়া থাকা বিধেয় হয় না। ভাঁহার। মধে: মধে সাহায্যদান করিতে পার্টেন এইমাত্র; কিন্তু এই সাহায়ে তাদৃশ ফল হয় না। যে বংক্তির শার্র পারায় পরিপুরিত হট্য়ার হিয়াছে, মধ্যে মধ্যে পটি দিলে ভাহার কি উপকার হইবে ? শ্রীরের মধা হইতে পারাবাছির করিয়া মূল শোধন না করিলে শারীর আহারোগ্য লাভ করিছে পারে না। আমাদিগের বাসপ্রণালীই রোধের নিদান। সভাতা মুলক কতকণ্ডলি নূতনপ্রকার অভযাস হুইয়া উঠে। চিকিৎদক্মাত্রেই বলিবেন অসভ: জাতীয় জীলোকেরা প্রস্বকালে কোন যন্ত্রণ ভোগ করে না। ময়দানে कांक क्रिएड(इ. এमन नम्रह क्षम् (यमना इरेल, ভाराता श्वष्टरम अमर क्तिल ; किन्द्र (यथारन मभाव्य मुख्य रहे

য়াছেন, বেখানে প্রকৃতির উপর বি করিলে চলেন। এই হেতুসভাছ मर्थाहे अधिक छन्न क्षम क्ष्में मृक्षे অন্য অন্য পীড়ার বিষয়েও এই নি यमकल काइटन धमका बााटध्त f করিতে পারে না, ভাহাতে সভা বাদীকে নিঃসংখ্য রুমু হইতে হয় আমাদিগের বাদস্থানপ্রণালী প্র এইপ্রকার ছিল; কিন্তু ভগ্ৰ লোকের এত পীড়া হইত না বে এ কথা অনেকে জিজ্জাদাকরেন। এ তরে আমরা বলিভেছি, তদান লোকদিগের অভ্যাস, পরিতাম, চি ভৃতির সহিত এখনকার লোকের (বিবয়ের বহু অস্তর ক্ইয়াছে। অপপ পরিশ্রমে আহার চলিত। এ মধে ছই ভিন জান রীভিমত কাজ ভেন। এক জন চাকুরি করিলে অসন ব্সিয়া আহার করিতেন। এ त्म मक्टलंब शिव्यक्तं इहेब्राट्ट। দকলকেই পরিশ্রম করি:ত হইবে मक्ट्लड़ हे व्यक्तिक छिन्न हर्देशास्त्र ৰৎসর অভিজনম হইতে না হইতে किम प्रामिश (सथा (सश, शूट्स उ ছিল না। এমত অবস্থায় যেসকল ক পুর্বের লোকের প্রীড়া হইত না, এ **শেগুলি পীড়ার কা**রণ হইয়া উঠিয় একণে আর পুর্কের ন্যায় বাদ রাখিলে চলিডে পারে না। ব চতুদ্দিকে ঝোপ; খিড়কীর পুকুর পূৰ্ণ; পশ্চিম দিলে বাঁশা; মলমুক্তভা निर्फिष्ठ छान नाइ, म्हाल हीवि পরিকৃতও হয় রা; বাটীর গৃহস वाश करवण करिएक भारत ना ; के विशास्त रमसारत मयुना ; आरमह যদি কেছ আপেনার ভূমিতে শ্ব কারখানা করে, ভথাপি আমরা ভা বাঙ্নি**পাড়ি ক**রিতে পারি না। এই कातरगरे जामानिर्गत (मर्ग ५० १ চছে। যথন আমাদিগের অভাস প্ৰার হইতেছে, তথন যে আমা इ (भइे (मकोटलंड चार्काडकोड লী পরিবর্ত্ত কর। আবেশ্যক হইয়াছে, आमता अशर्याच द्विष्टकिना। त्न श्रीष्ठ। इहेटल्ट्रह (मईश्रानकात कताई '' शवर्गस्यक्ते 🕞 यथ सिर्ह्यन বলিয়া চীৎকার করিতেছেন। গব-ট মমে মনে বিরক্ত হন, কিন্তুকি ন লোকলজ্জাভয়ে সাহায্য দেন। ডেটুটেরা সর্কাদা বিভাগের পীড়ার বিত্তত হন, চিকিৎসকদিপের স ফেলিবার অবসর থাকে না। এটা শার শোচনীয় অবস্থা। এ অবস্থা গ্ৰণ্মেণ্ট সহতৰ দান করিলেও াদর হইবে না; একুত উপায় আমা ার হত্তেই রহিয়াছে। আমেরা যদি নোদিগের বাসস্থানের প্রতি দৃষ্টি কেরি, এত অনিষ্ট হয়না। রুত-মাত্রেরই এই দৃষ্টাম্ব এদর্শন করা য়ে। ভাবে গাণ্নেণ্টকে একটা কাজ তে হুইবে। আংমাদিগের মিউনিদি নটিনিকুট অবস্থার আহে। এটী নের দোষ নহে, মিউনিসিপা র সভামনোনীত করিবার দোবেই তছে ৷ মিউ নিদিপালিটিসমূহে কেবল ক্লেন করিয়াভানীয় ''বড়লোকণ কন; কিন্তু বীৰ্ষাদকতাও বুদ্ধিমন্তার ত ভার্দিগের অপ্প লোকের ক থাকে। মিউনিদিপালিটির মধ্যে বিদ্য ও স্বাধীন লোকদিগকে প্রবেশ তে দেওয়া কর্ত্বা। এক কালে না , ঋষতঃ অর্দ্ধে সভ,কে লোকে নীত করনে, এই নিয়ম করা উচিত নিসিপালিটির আয়ি ব্যয়ের সম্পূর্ণ চা ভাঁচাদিপের হস্তে দেওয়াকর্ত্ব্য। निमिशांग होका इहेटड व्यव्यक्ट: ৰৎসরপর্যান্ত পুলিষের বায় লওয়া ভ নছে। পুলিবের বেভনে সকল

টাকা উড়িয়া যায়। স্বাচ্ছারক্ষার উপ গোগী কোন কাজ হয় না। এক্ষণে পুলি ষের বেতন বলিয়া যে টাকা লইয়া লাভ জ্ঞান করা হইতেছে, উষধ ও চিকিৎসকের বেতনে ভাহা নিঃশেষিত হইতেছে, লাভের মধ্যে লোকের কন্ট ও অনিন্ট হইতেছে মাত্র। এইপ্রকার সর্বতি মিউসিপালিটি করিয়া গ্রামের জঙ্গলপরিকার, পচা পুক্ষরিণীর পক্ষো ভার আথবা পরিপুরণ এবং বাসন্থা নের প্রণানীপরিবর্তনপ্রভৃতির নিয়ম করিলে কয়েক বৎসরের মধ্যে দেশের অবভার পরিবর্তি হইতে পারিবে; লোকেও স্থাতন্ত্র্য অবলম্বন করিতে শিক্ষা করিবেন।

ভারতবর্দের হিক্সা আফিসরগণ। ১৮৫१ व्यक्त विष्माश्योगा इउ য়াতে বিস্তর আফিশব নিক্মা ≢ইয়া পজিরাছেন, তৎপরে কোম্পানির ইড दाभी इ रेमना भन आब की ज समानटन ब মহিত একজিত হইলে আরও কতকগুলি ক্মহারাহন। ইহাঁদিগের অধিকাং-भारत रमनामरण र मार्था थाकिशा रेमनि-কের কাজ করা অভ্যাদ ছিল; ভাঁহারা ত্তিখণ বেভন পাইলেও কোনক্রমে দৈনিক শিবির জ্যাগ করিতে চাহিতেন না। কিন্তু ইংলওীয় দৈনিক কর্ত্তপক কোম্পানির আফিদরদিগের ুউপরে নির্দার কারতে বিস্তর আংকি সরকে তিঃশকুব অবস্থাপর হইতে হয়। সর চারলস দভ কতক গুলিকে পদ ত্যাপ করান: অবশিষ্ঠ গুলির নিমিত্ত क्षीकटकात श्रञ्ज इया गाँकातः कीक कारत अविके इहेटलन, कॅरिकाटा वावनारत দৈনিক; চিলকাল পারেড ও যুদ্ধভিন্ন व्यात किছू हे कारमन मा, किन्नु जोगा छात् (मञ्ज्ञानी कार्या नियुक्त इरेबात प्राप्त भाडेरनन। कोकरकारत (**४७न**्जशिक,

ভদপুসারে অনেক দৈনিক পুলিষ কা (कक ८क इवा विकासकार्या नियुक्त इंडेटा ঐসকল কার্ষ্যে উহাঁর। অভ্যক্ত নং क्ष्रकार शरम शरम उद्गामिरभन वा গ্যভার পরিচয় হইতে লাগিল। প ন্দ, বাচ', বাউইপ্ৰভৃতি কয়েব ৰাতিয়েটক কোন লেপ্টনাণ্ট ক পুলিষ পুপরি**তেওাত হই**য়া কি করি পারিয়াছন ৭ ইহারা ছাজিয়া যান ব रहान कां ज ना मिटल'ख'नश ! किछ्, (म ख कार्या इंगीनिरशत अभाग नाई सूख উহা ভাল লাগে না ৷ এতএব উই যে অযোগ্যতা প্রদর্শন কবিং ভাহা ৰিচিতা কি ? অন্যাপি অ আফিসর কোন কাজ করিভেছেন অথচ সম্পূৰ্ণ বেতনুলইতেছেন (নাম্বর্গত অদেশসমূহে এক পুর্ याहा इडेक ; अञ्चलात वज्ञटन किन माज काल्डानरमन्छ मास्किरके हे चार নিয়মৰ কি ভূতি প্ৰদেশেই ঐ মহা দিগের প্রাত্তাব। ছজতা লো क्रमण्ड आधारा पर्धत मामग ७ वि প্রণালীর উপরে ঘৃণাপ্রকাশ করি ছেন। পঞ্জাবে একটা প্রধান বিচার ও তথায় শিকিত বিচারপতির শিকিত ব্যবহারাজীব গমন কর (शालर्थां १ वर्ग, अशारक। अहमतक क গ্ৰণ্মেণ্টকেও অগ্ৰচ্য ক্ৰমশঃ সি য়ানালগকে নিয়মবহিত্তি এদেং ছের বিচারকর্ত্ত। করিতে হইতেছে। ব कारक निकदा निरंशतनगर्भ इरेड श्वार्ष्ट्र व्यानक त्राक्ष कीय आफिनते छ (वः (मार्फ कोक्रकार्त अर्वम उँ। इंकियर ७ पृत য়াছেন। र्धा इत्य আফিস্ইদি**স**কৈ **⊸**40€ দল নিক্ষা লোক দেখিতে প যায়। ইহাদিপের কোন কাজ আ'্ৰ ইণীরা আপন 2147 भुक्षके नरहम। १४०रियके हेर्पि সঞাহ্ভরান করিখেডছেন। করঞাদী ারাও বিরক্ত হইয়া বলিভেছেন নিক্মা গনিকলিপ্তকে সম্পূর্ণ বেডন দিয়া াখিবার ফল কি ?

আমরা ভদ্মিভ গ্রণ্যেণ্টকে অসুরোধ

दिएअहि बहेमकल आकिमदरक किकिय কঞ্চিহ পুরক্ষার দিয়াপদ ভা**াগ করিয়া** भवान सहयात अहाँ के पिन। **भवां खि भू**व ात काख इहेरल व्यस्तिक अभाज इ**हेर**वन । টাফ্লোর রাখিবার কো**ন প্রয়োজ**ন াই : কতকণ্ডলি আফিসংকে দেওৱানী াখোর নিমিত প্রস্তুত করা এই দল धिः। डेरक्षाः, किन्छ এ উদ্দেশ্য निश्चि ইতেছেনা। পূর্কে ভীফকোর ছিল া; কিন্তু ভাৰাৰ জ্বন মালক্ষ, আলেক পোর বার্স, অর্থর কনলি, এলডেড াটপ্লার হেনরি লয়েকস প্রভৃতি কার্য্য ফ উপযুক্ত লোক দৃট হইয়াছেন। हेनकल वाख्यित विश्माश्म खनविभिष्ठे क कान व्याकिमत कि अक्टिश मृद्धे इस ? হ**ংলকভকণ্ডলি স**রকারী টাকা নকট ইতেছে এইমাতা। দৈনিকগণ শিবি-। त वाहिरत ना व्याइरमन इहाई 21र्थ 1 1

विविधमः वाम ।

५ ला । शोष (मामवाद्र)।

कामता २५ ने या काक्नानि उट्टेन है, शर्वत्र নব্ৰের নিজ সেকেটারি 🐠, ছি, গভন হৰ মহীপ্ৰৱে ক মসনৰ পৰাপ্তাপ্ত হইয়াছেন ষ্টাচার ও বিষয় গড়ন সাংখ্যের স্বাভাবসিদ্

अक्रम समाज्य कि भवन्ति मुद्धावस দ্লের ভাষ্ট্রালগ্রিকন্ত ৩০০০ টাক্স বেভানে ঃ আনে চিহ্নিত কাম>ারী নিযুক্ত হইতেছেন । কণ্মতাৰীকে 1996 415145 রিলে ব্যয়সংক্ষেণে এ কার্যা সম্প্র ২ইতে ta i

ক্রমী জির নারে সংমাজিক বিদরেও ইংলও মেরিকার (শৃস্করণ কবিতেত্তন। এই নির্ম यहराट्ड कदम ।वस्त्रिक्षंत्रक्रम् अमरम अज লটার নিমিত্ত স্ত্রীলোকের: পরীকা দিতে भा तरवन । कि सि सि विश्वविद्यागडा अहे श्रीमा श्रह मिल इंडेब्राइइ।

वायु तामक्रकाकत कम्न अभ. अ. (वादाई (यूत्र अनक्षिमरहे।म कारमरक्षत्र मश्कु अवस्त भक्त इहेग्राटइन। शूटर्फ अक **सन** इंडिट्या भीव अहे कार्य, कहिएलन । हेर्डेड्रॉलेंच्रिनगरक এদেনে সংস্কৃতের অধ্যাপক করা একপ্রকার বিচ ं इस् ।

যিনি আজি অবধি কলিকাডার ইডেন वाश न (प्रचिट्ड शाहेटबन । हां इंटिक कव प्रिट इहेट्य। इंडिट्राणीय व्यक्षितामीता डेक्यमहीर ब.एब्र्लर्यानी अर्थ श्रमान ना कशास्त्र जुनिय ক্ষিসনর ক্রসংগ্রাহের মানস্ক্রিয়াছেন।

২৪ পরগণার খিডীয় অংখঃস্কলত বাবু কুল लाल व्याभाषां वृंकिलकान्ता (इंडिकालाल (७ त हफुर्य काक इहेबा(इन। ইहा(७ नक्ता) আংকাদিত হইবেন। এখন খদি ২৪ পর্গণাং উপৰ্ক্ত সদৰ আম'ন ৰ'ৰু শ্বামধন মুখোপাধ্য মৃংক কুঞ্চবাৰুব পদে নিযুক্ত করা হয়. ভাষ: •देरल ७८**५**द शुद्रकात व्या

रेनर ही हिन्दान सक्दि अक्टी ब्रहर भूत धर्भाः त 'ब अव भूकत् (রুরু ক'রুখানা আছে থাকে এবং শুক্রের ভৈলপ্রভৃতি প্রস্তুত্ত हेहात्र प्रशंक्त कारमत (लाटकत व्यक्तिम ह कहे **१**इम्राट्ड। (क्वल कड्टे नम्र, श्रीड़ां छ ३३८७८छ। कर्त्रक वरमध्यावर अहं भःदन अमार्डिश विद्रास করিভেড়েন। এ ব'র বিশুর লোকে প্রাণ্ডাাগ क अर ७ ८ इन । अहे का तथाना अपवित्र दक्ष वक्ष **ው**ላነ **ው**ቋጓና ፣

মছারাজ রণবীর দিংই হাজানার গভ যুদ্ধে भवर्गरमद्भीव स्व मध्यासः करतम, अःसमिछ अह ভনলৱেশ খণজে এক পত্র লি গয়া ভাঁইটেক ধন্বার প্রদান করিয়াছেন। সব জনে লারেক। পরিচয় দিয়াভিল। পুলিষ অপুসন্ধান করি: र्वतिवाद्यतः, यथन अ वाज वाज गवर्गभिके नाक्ष्यः। वृद्धः प्रतिक लिक्षाः वटक व्यर्थन कतिशाद्यतः। श्रार्थमा करवन, फाइबात तालः हेरलएक्स्वीव প্রতি অপুর্তি প্রদর্শন করিয়াছেন : মিত্র রাজ गर्भत खेरमाहरक्त कतिरम खाहाविरशत अनु রাগ দুভ বন্ধুল হয়।

भ निवाद्यत ভात खबनी इ शिट आर्ट पृष्टे वहेल निश्रम शवर्रमान्डेड **अञ्चर**ताथ:सुमारत ভाরত। थेश भवन्यके कमरबाद कारमक्षरक कलिकान्तात्र विश्वविद्यालय स्टेटन याउद्य क्रियाद्वन । जिर रत्य कि भूथक तिब्विम्याम् इहेर्द ?

(इंडेब्रॉइंब्रॉक) म्र अपन मर स्वाद मह সংকাৎ করিবার মি মন্ত কলিকাভার আসি

नत्वचत मार्गित (भर्च ১०,8०,৮৯,२३ होकात भवर् :यटक्त (याहे सहतिक हिन । स 受得悪イ も,つつ,・・,・・も ぶおり、 つつ,も , もと ট,কার অবমুন্দিত রৌশ্য, ১,৪৭,৫০৫ টাক श्र्र्भ खर्च, अवर ३. १२, ৮०,०७১ हो क গবর্ণমেটের কাগজ ছিল।

পিয়নিরর বলেন, নর উইলির্ম মিরুত अष्ट्रवाद्वा कःइडवरीय (दलक्षा काम्ला বাবতীয় ট্রেসনে বেঞ্চ চখবার মান্স ক য়াছেন। অরোহীদেনের পকে এটা ভূত্ব र्वेट्स मृहस्म बाहे।

আমবা ডেলিনিউদ পাঠ করিয়া ছঃখি रहेनाम क्रमामित स्तारक्षत छेलवुक (मराक्र**ा** ভেকসন সংহেৰ পীড়ানিবছন কাবলছে ভার वर्ष छ। श क. १८७८ १ न

ম শ শ ছব আমাৰিণ হইতে কটারনামক है दाव्य फर्कातन कड़क्रण कड़िया भनाइन कर् টাটার বিষয় উত্থাপন করিয়া ভেলিনিট वर्तान, द व्यतावृत्ता कान का उत् अक (००) महरू भमाद्भक्ष माहरूव छावछवट्यं अछत्वस করিয়াছেন, ভিনি সার্ভার বিষয়ে ব'হা ব ্লাছলেন ভাগ স্মাৰণ ক্রিয়া জাতিপ্রস্পাস सन्दाकका सा**क्षा कामा** भट्ठाव . 'के खा*नुर*ात দেশের সংবাদপক্সম্পাদকনিগ্রেক এ ক .बाभ कहिदात श्रद्धां छन म है। ई९वाओं महत् পত्र वित्मस्यः । स्थ अप्रव हे ख्यारकाव .ब्रह्मय कड़िया क्यू रवान कवा है इस।

मक्यान्द्र अरु सम समीमात मील दा করিতে কাষ্টা ১০ ০০০ টাকা প্রচন্ত হল हार्विकास अपूर्णाहत उँ इ'ट्रक ४००० है। र्द्ध हो हे सुर ने स्वा के के किए प्राय करना अस कार्य নাপনাকে পাতিয়ালার রাজাব পুত্র বলি २ ता (भो**य मक्त्र**ात ।

कात्रकवरीय गवर्गमाने निम्निविक हिति वाम शहेशार्डन।

(भरतीयात ३० हे फिरमधव। काबून इहेर ০ রা ভিনেম্বরপর্যক্তের সংখ্যাদ পার शिवारक । अभवेशक वृक्ष क्यू न है । शिवाय का यो अक शतियादाकिछ निविद्ध थाकिका विव করিয়া শত্রুসংহার করিবার চেটায় আছেন ভদ করিয়া কাবুলে ঘাইবার চেষ্টা পাইতে কিন্ত ভাঁহাদিগের করের কোন সম্ভাবনা विश्वत रेनमः निज्ञात्रकालित मध्य व्यक्ति । (व!बाइरलएअ) शुनर्तात वामिश्रारमत এক রুত্তান্ত প্রকাশ করিয়াছেন; কিছু মটের সংবাদেই অধিক বিশ্বাস হয় : গরানপুর বিভাগে চারি মাসের মধে 🏻 • গরু প্রাণভাগে করিয়াছে। এত মড়কে কি, ইহার অনুসন্ধান করিবার নিমিন্ত নে কর্মদারী প্রেক্ত হইয়:(১ন। ত র্হস্পতিবর ধাপার টো**লছ**রের ভিক্**টী অন্**লগর হ'ত **্ইয়াছে। এটি**র ১৩ ফুট ৯ ই ঞি ও পরিধি ১৭ ই ঞি। ৮৬৭৷৬৮ ুজকে মধ্ভারভৰর্বে স্থাক ৭,৮১,৯৬১ টাকা পাওয়া সিয়াছে। रमत कारभक्का **ब व त म**खकता २० होका लाक (२४) साई(७) ह লীতে বসজের প্রায়ন্ত্রি হইয়াছে:

শ্ৰাও আলবছল⊹রহমন ৰা অংমীকের

ত রা পৌষ বুধবার। টিলর রাজন এক বংগরের নিমিত শ্লের গিত করিয়াছেন, আগেরা হটতে শস্য আয়াঃ 🛊 নমিত ব্যিক্দিগকে টাকা দেওয়। হইয়াছে, রে স্থানে স্থানে স্পনাথ দিলের সংখ্যার ∾ख १≷४°ः । भवशकायुक्तिग्राक कन्द्र ানিমিত সংখ্যেশের হিতক্র এরণ কতক কাৰ্য্য অংক্ত হুইৰে। হাহাদিলের শ্স্য ালে নষ্ট ংইয়াছে, ভারাদিগকে কর দিভে भा · याशानिद्वात व्यादिश्यक कांख हहेग्राद्व রা লৈ থলাকরিয়া দিবেনঃ রাজার কর্ম াৰ এঞ্লে সাধুতাপুৰ্ক্ত কাল কাৰলে

। इंहेर्ड ७ এই धकांत भरवान आः प्रशाह्यः

ধান ক্ষিসনরের অভ্যোধে নাগপুর नावाप, देवजून छ महत्रभूदा अकृति चान। क्हें(७८५) (लाहकत क्ष्ट्रे भारेब्रा व्यानिरङ इस विलया छ। शिक्ष'ल इहेल। য়া । মধ্চিরেভববের ঐীর্ভির ∮আন্ব ণ নাই।

ই ডিলেশ্বর লাড খেয় বোৰাইয়ে নামিবেন र इत्रप्राट्ड खद्राङा शवर्गस**्ट का**हारक কবিবার নিমিত্ত বধারীতি আবেদন কর न। नाउ (मध्र ७९९) त मोन्सास्य (शिव्री ্রেপিয়বের সহিভ্তিক্টমাস ভৌচেত্র रुभियम अधियाष्ट्रिक क्षिर्यम् ।

সম্প্ৰতি আদিষ, বিভাগে বিচারপতি দৰ্মা। (হন। নবাব এই মাদের পেৰে,ছটা পুত্র সং বের নিকটে একটী ওরুতর সকলমা **হইয়া** ব্যাহারে বোষাই গিয়া আহালে আরোচণ গয়াছে। প্রায় তিন বংসর ব্ইল, দেবনারায়ণ। বেন। কর্ণেল লেয়াড ভারার সংখ্ত (याय नामक चल्राह्य अक सन धनी (नाक इरे विश्वा की ब्राचित्रा विना छेरेल आन ভ্যান করেন। ভাঁধার বড় জীর ভাতা রাইলো-रन (**धाष ଓ जनगळनांन চट्डो**भाषतायुनांमक अक ব্যক্ত এক জাল উইল একড করিয়া আপ मात्रा व्यक्ति रम এवर अहे कथा श्राह्म कतिया रहन মজিগণের জাসন্মতিতে কেন কোন কাজ করি-(वन ना। साह्वी व्यक्तिक किरात कथा न। व्यनि-.বন, ভাষাকে মাদিক ১৫ টাকামাত্র ভারণ (भावनार्थ (मञ्जूष इकेट्य । (मयमान्नाज्य काफा ও আতুম্পুত্র ছিলেম, ভাঁহাদিগের নাম করা হয় নাই ৷ বেণীমাধব গোমামী দেবনারা ब्रालब कक, डांशब अज्ञात कर केरेनचाता রাধাবাজারের একখানি বালী দেওয়া হয়। এবং গোতালী নিজে উইলের সাকী इन वाहे (बारन अ काइनाक्षत्रात २९ शहरानात एक :नकरहे ১৮७ कर**स्त्र २**१ काहेन क्रम्भारः (मयनातायर नव कार्य खो विश्वमान अ कनिने। **खो** ক্ষেত্র মণির নামে সাটিফিকেট বর ভারার भा अवधि **पारा**ता वृतिरक सातक करः कर्यक्र महत्य है। का मुरमात अक वाही विकार করিয়া ভাতারা কেন্দ্রমণিকে কছ করিয়া বল পূর্দ্ধক কবালাতে আক্ষর করাইয়া লয়। বিধুং দি জ্রাতার সাহায়্য করেন : ডিন মাস পর্য্যস্ত ক্ষেত্র মনিকে রুদ্ধ রাখা হইয়ারিল। পরে তিনি মুক্ত इहेश **श्रमान्डम विधा**रामस्य नालीन करत्नः এই নালীৰ আয়েজ হইয়াকে এমত সময়ে রাই মোহন ও কম্বা প্রসাদ ক্ষেত্রমণির উকীল বাবু রমানাথ লাহার নিকটে গিয়া বলিল, উভয় পকে वृक्त इहेब्राइड, व्यक्त बन क्या होशाडिशांद्र श्रद्धास्त्रम नाहै। काह'वा काहेनीं व वास भर्यास দিয়া ছল; কিন্তু প্রতা প্রকাশ পাওয়াতে সকদম हिल्दिक नाजितः हैश्किर्शत वृक्तिः मण्यूर्व রূপে প্রকাশ পাইয়াছে। বিচারপতি মন্মাণ নিদ্ধান্ত করিয়াছেন উইল ঞাল ও তদপুদারী দান অসিভাং ধেৰাটী বিক্ৰীত হয় ভাগাও অসিভা বলিয়া প্রতিপর হইয়াছে। রাইমে।ধুন, আর দাপ্রসাদ ও বেশীগাগর গোলামীকে কৌজদা বিতে অপৰ করিবার আংজা হইয়াড়ে ৷ এপ্রকার धुर्खिमित्तव कठिन मध इस्या प्यावभाक।

८७ नि विक्रिय वर्णन भूतिमातः रत्नव नदाव ইংলও দর্শনার্থ গ্রেবিনেটের অলুমতি পাইরা তাসহকারে ব্যাক্ষের কার্য্য সম্পাদন

করিবেন।

উক্ত পত্ৰ বলেন নাগা ও কুকি নিগের স গণকে শিক্ষিত করিবার নি.মন্ত কয়েক্সী দ विद्राणम् व्यापदनत्र कास्का श्हेत्राद्वः अजि कत्रमा । विद्याणिका व्यक्तित्व काशाम শাত্ৰভাৰ করিবার দিঙীয় উপায় নাই।

व्यमप्रकात भारकारण मृष्टे स्हेम, अभिन ও হুগলিতে গাড়ী পালকীর ভাড়ার ঘ थहलिख स्ट्रेवात जाका स्टेब्राट्ट । उता ब्राति अविधि नितिष हेरैरव। मिडेनिनि রাস্তা সমূহের স্থপরবাইকর গাড়ী এড 'রেজিউার বইবেন।

বলদেশীয় ব্যস্থাপক সম্ভার ১৮৬৮ ব ৬ আইন (বিভাগীয় নগবের স্থানীয় কর .মুর আইন) আগোমী চলা এপ্রেল এচলিত হইবে। মাকিটেটগণকৈ প্র দলের নামালেরণ করিছে বলা হইয়াছে। বালেশ্বরে আটটা মুডন রাস্তা করিবার নি স্থানক্র করিবার খোষণা কইয়াছে। এ इःकंट्रकत्र नमस्त्र इङ्बार्ड (वाग इङ्डिस् . नाकमित्रक कर्म मिया तका करा शवर्गः মাভপ্রেড। আমরা আফ্রাণিড ইইলা नारहर निरम मध्ये कार्डन, अवर कर्म मगरक यरबाहित करन जावधान व्हेरफ व **(更平)**

৪ ঠা পৌষ বৃহস্পতিবার।

অংগামী ১৮ ই ভার্য়ার, প্রেসিং কালেকে গলকাইই ছাত্রবান্তর পরীকা হ পাঁচৰৎসরের নিমন্ত বার্ষিক নিয়নে ১০০০ क विद्राष्ट्री इक्षेत्र वृद्धि (म ख्या वर्द्धा व পরীকার্ষিগণ পাথেয় পর্মণ ষ্টেটসেকে 'नकर?' ১ · > • ठाका भ'हेर्यन । यांशाका ह fing pingere einiblen, Gieten গমমার্থ ঐ প্রকার সহত্র টাক। (৮ওয়া । विश्वक इंडिटबानीय किस यावडीय चात्रप এই ছাত্রবৃত্তি পাইতে পারিবেন। অর্থাৎ অব্থবামাভার সংখ্য এক ভান ভাবভ र्हेरल क्हेर्य :

ডিক্সন সাহৈত্ব ভারতবর্ষ ভাগে ব গবৰ্বৰ জেনবল ভাঁছাকে ধন্যবাদ দিয়া এ লিখিয়াছেন। ডিকসন সাংহ্ব যে প্রকার ছন এবং উট্টার প্রাম্পে গ্রাণ্টের বে §পকাব **হয়, ভাহা স্থীকার করা হ**ইয়াছে।

রাজ কুমার গোলাম মংমদ মহী কুবের উপ দারার্থ ১,৩৫,০০০ টাকা প্রদান করেয়াটেন। হার উপক্ষ হইডে ১০০ চুসলমনে, ৫০ জনন ্কীয়ান ও ২়∙ জান এ;কাণকে সাহায় করা है(व। मशैक्षाद्वतं क्षित्रमत् कहे हिनात अहि ইয়াছেন'। এই দানশীলতা প্রশংসনীয়। কিছ । প্রকার ধর্মভেদের কোন প্রয়োজন ছিল না। : অবুমার । ক বিশুদ্ধ আংকাণ্দিলের অংশে**ক**। ্ষ্ঠানাদগকে অধিক স্নেষ্ করেন ?

সত্ৰতে একবানি বিটিশ জাহাজ জনময় ওয়াতে পণ্ডিচরির শাসনকর্তা নাৰিকদিলের (শেষ সাহায্য করিয়াছিলেন।। মেদেকারিস গম্পানি বিনা ব্যয়ে ইহাদিগকে কলিকাভার লন্ত্ৰ করেন, এবং ভারতধ্যীয় গ্রুগ্মেন্ট য় দিতে চাহাতে উাহারা ভাহা লইতে অস তহন। গবৰ্মেণ্ট ভলিমিত ফ্রাশী শাসন তাও মেদেজারিস কোম্পানির নিকটে কুড ত' প্রকাশ করিয়াছেন।

রামপুরের নবাব খীয় রাজ্যের মধ্যে মাদক । विक्रय कदिए अनिर्वय कविद्यारहर । श्रकाव डाकारकी बाद्धाकिरभव अध्यकात (नरमस कता व्या वटने किन्न मनः कारण अभित्यथ करणा ায়ী হয় না, প্রভুতে বির্তিদকারক হয়।

৫ ই পৌষ শুক্রবার।

(वाश्राहे (तल अरप्रव (य कार्म किलमिरशव শের মধ্য দিয়া গিয়াছে, তথায় ভিলের: দা দৌক্ষীকা কৰে। অনেকবার ভাহার। हे अइल्जर्ड कविवात : हर्डी माइन्ना इन । गए • हे.≹ अस्ति व्रव वर्णन मर्म्हा द्रमिर्गत व्यञ्ज চ পাইয়া ভাহারা এই সকল উপদ্রৰ করে। এৰ ডিনি কাপনার আলফলাবহ এক রেফিল-সিপাহী চাহিয়াছেন। আনামরাবিক্ষয়াপর ाम, (वाबाई भवन्द्रभक्ते अहे श्रद्धाद्वत **का**लू দন করিয়াছেন । যত**ই লৌরাত্ম্য হউক** না একজন উঞ্দোলিত রে**ল্ডার** কর্মচারির টেসন্যাধ্যক্তা দেওয়া অভিশয় অন্যায়। মান্দালাইতে ব্রিটিশ পলিটিকাল এতে: অধীনে একটা আলালভ ও জেল ১ই-ছ। একাদেশে ই॰লভেশ্বীর কোন প্র**জা** রাধ করিলে ভবাগ ভাগরে বিঁচার হইবে। ইংশতে ক্রয়বিক্রয়ের একটা সূত্র প্রথা ক্তিক হইয়াছে। এক স চেকে মাটন।মক এক াশাত্র প্রকাশিক হইকেছে। জাল মূলো

ভন্নৰে ৰিজ্ঞাপন প্ৰকাশত হয়। বিজ্ঞাপন কারির। ডাদ্ধারা এক জাবে।র বিনিময়ে অন্পর স্ত্রবা ক্রের করেন।কেছ বলেন জ্ঞার একটা कूकृत प्यारह खरणतिवरक प्यामि अवनी प्याम व চাই ইভালি। এটী মদদ নর। কিছ আনালি (भद्र वामकः स्टेटकट्ट क्याइटिंगाद कारनक नीलाटमत नराम्न अवर प्रश्राहे मात रहेरव ।

স্পেক্টেটরে লিখিত হইরাছে ইংলভীর भवर्गमण्डे असम्बोध रेमनामित्रक आहे छत्र सूर् থাকুক এন ফলড রাইকলও দিবেন না। কিন্তু এদেশে র ইকল যুক্ত কামান, কার্ক্তির প্রভৃতি श्राप्त हरेरव । समीमात्त्रत, काझादिए श्राप्त अञ्चारक ज्यानव्रम क्या व्हेब्राटकः। '' क्याना धः क বলিয়া জ্মীৰারের সমস্থা চিৎকার করিছে (इन। यथार्थ भारता बहें, अदर शका हाका আনিয়াছে। তথাপি मिट्य দাও বার্থার বলাতে প্রভা বলিল সহজে ভ নহে। কাড়িয়ালইতে পার ভলও। গবর্ণ মেণ্টের সহিত প্রজার এরপে ব্যবহার যেন না इयु ।

৬ ই পৌদ শনিবার।

টাকার বাজার ক্রমশঃ ক্রপান্তর প্রাপ্ত 🕫 তেছে। গবর্ণমেন্টের কাগভের মূল্য কমিতেছে अपर वास छूम ও वीष्टीत शुनर्वात तुंक कांक्र ग्राट्डन :

শালমাল গেভেটে ফ্লীয় রাজী মৃত ছিতীয় ক'থ'রণের এক পত্র প্রকাশিত হইয়াছে। এই পতা রাজনী মীয় পুতা(আনতঃপর স্মাটু) পাশকে লিখেন। তিনি বলেন প্রজাদিগতে ৰুছিমান ও ভকু শক্তিমান করা উচিত নহে ध्यानिशाव कर्डवा कर्म <u>क</u>्षे ३३(७८६ ভাছারা কেবল চুণ করিয়া থাকিবে। একটা যুদ্ধ অপেকা এক জন উপযুক্ত লেখকের লেখ নীতে অধিক ক্ষতি করে। যে লেখক রাজানী ভিজ্ঞ হইবাব চেষ্টা পাইবেন #ভাহাকেই সাইবি র রাতে প্রেরণ করেবে। রুশীয় গ্রণ্মেট এক প্রামশ বিক্ষুত ংন নাই। তত্তেও স্ক্রিখান লেখক আলেকজভার হাজেনকে নির্মাসিত করিয়াছেন। ভারত বর্ষের হাদ কেই রুশীয় গ্রন মেক্টের প্রতি অনুবাগ বান হইয়াখাকেন, অভি নিবেশ পুর্কাক ভাগার এই পত্রখানি পাঠ কর্ণ **कर्ड**4) ।

কাপলিকবিশপ दे**क्ट**म्हम्स গ্ৰণ্মেন্ট বালীর গোশন হার নিয়া প্রবেশ করিবার অন্স मिकि लाहेबारहर। अधि अवधी महर कुलक्रा।

উত্তর পশ্চিম:ক্ষণের ছর্ত্তিক্ণীভিত লোক

कित्यत मःशयार्थ मत छहिलके विद्वात म त्र । इ. विकट्डे हैं। बाब अच्छात के ब्रह्माट्ड (वना नर्त्तनाभातरमः वस्त्र विकृत (१७३) र এবার কোম দেশ অক্তলে থাকিবেন,

নিয়লিখিত মূলেঃ भवर्गर हेन विक्री ७ ३३(७८६)

৪ টাকার সিক। D . 4 . 1 কোৎ

2.44 1 প্র লক্ত্রার্ক 2 - 5 | - 1 2 ৯ (কাং

1006 **(**₹1₹ [33. 4132

रेडेंदराशीय मगाठात ।

ণ ই ভিদেশর। জুরক্ত গ্রহণিটে এ বাজাকে এক প্রহার। স্পৃষ্টাভিধানে ও देशाद्रम, फिल्म यनि उक्तीरवेत नाजिः नाइयाना कतिवात विवास काके कात उ ভূদান নাকরেন, ভাগাকইলে অংবিল্ছে সাহত জুলতানের মিত্রভার ও দুখ শংযোগ রচিত হইবে: সাধাবণভ্য প্র কাড়িছে অন্তর্ধারণ করিয়া রাস্তায় লিংক্তিল। সৈন,গৰ ভাগাদিগকে ছি**র** कविशादह ।

আবিনিনিয়ার চুট্য ধেনকল বৈন্দ্রিয়াট বাজজী ভাহদিগকে এক এক নেডাল দি वाका निवादका।

গ্ৰণ্মেন্ট বিক্তাপন্। व भटन भी य त्लाश्चीन केशव वटत त .আদেশানু দারী

निद्योश।

৩ য়া ডিসেম্বর—ফো, বারলো সাহেব : তেব সহকারী মাজিলেক্টিট ও কালেক্টর হ विजीव स्थानित व्यक्षीन मासिस्क्रिकित क পাইবেন :

৮ ই ডिসেশ্ব-माश्वाव'ल्वित व्यवस्त्रकः ফর গষ্ঠাফ শৃষ্ঠীয়ানদিকের বিবাংকর সা কট দিতে পী:রবেন।

৯ই ডিদেশ্র: ৩বা ডিদেশ্ব 🖦 লেপ টনত ভৰলিউ, হেণ্কিলন পুরুলিয়ার (त. **व्ह**ोत क्षेत्राट्य ।

নিয়লিখিত ব্যক্তিরা ১৮৫৮ অংকের আইনের ২ ধারাজুবারে কটকের বাজুলাল भर्षक इट्टेंट्रस ।

फबलिक, ब्राइट मारकत।

वांकु तक्षमान वरम्माभाषाम् । বাবু কালীচরণ চট্টোপাধ্যার পশ্চিম मार्नव अकर्गा दिक्ष शूरवत भूरणक स्ट्रेट ্বাবু কৃঞ্চক্স চৌধরী চট্টগ্রামের অস্তর্গত নিয়াডের মুক্তেফ হইবেন।

১০ ই ডিদেশ্বর---রেবেরেও জে, এস, ।াতিদ এম, এ০ দমদমার প্রতিনেশি চাপলেন ইবেন।

বাবুকালীশস্কর রায় ফরিদপুর ও **ভূষণার** চাট আনোলভের অকাহইবেন।

মোলবী আনোয়ার আলি জিত্তের অধক ক্ষুষ্ট্বেন : কিন্তু যক দিন বাবু গিরিশচজ্র সাধ সরকারী কার্বে, পলক্ষে স্থানাক্তর থাকেন, হত দিন পাটনার ছোট আদালতের প্রতিনিধি হুও হইবেন।

अस, एवलि**डे, इहिनान मारहत প**ाहेगाड व्यव**स्था** स्टेट्सन।

১২ ই ডিদেশ্ব— লি এক, ওয়াসলি সাতেব শাটনার কমিসনরের বিশেষ সহকারী হইবেন:

্ঞ, ওকিনিলি সাহেব পাটনার প্রতিনিধি গাইন্ট মালিটেট ও ডেপুটি কালেক্টর হইবেন।

মেদিনীপুদের ডেপুটি মাজিকেট ও ডেপুটি

ে - উরুবার রামকুমার ব**ঞ্** ২৪ প্রগণায় দেলী হট্যা মাজি**তেটটের ক্ষমভা পাইবেন**।

ধারু কুঞ্জনাল । বন্দ্যোপাধ্যায় কলিকাভার ১০ট আদালতের অন্যতর জ্ঞাহট্রেন।

ই, আই, শ্টলওয়ার্থ সাংখ্যে গয়ার বিদ্যা শক্ষা সভার এক জন সভাঃ ইইবেন।

্রেবেরেণ্ড জে, ত্রি প্রজ্ন সংক্রেব পৃষ্টীয়ান সংগ্রুবিবাছ ও বিবাহেণ্ড সাট্যক্ষেট দিছে। গালেবেন।

८८ हे शिक्ष सम्बद्ध--- : अन्तिने के क्विनिते, हैं, ह्या ने इंडिया हिंदा स्थित ने अन्ति के किया है। इंट्यन :

লেপ্টন-উকর্বেল সি. টুরিয়া (যিনি এক্ষণে। বিদায় লট্য়া আছেন) ভাগলপুরের পুলিষ সুপরিভেট্ডেন্ট হইবেন।

े यछ निम (ल क्टेम के कर्निल गि, विद्या विश्वास्त्र । भड़ेद्रा क्यञ्चलिक्क योकिरदम उठ निम जि स्विक जारक्व कालन भूरविव कुलिय उप्तिने किरखके स्ट्रेरिया।

হাক্ষারিবাদের সহকারী পুলিষ স্থারিক্টে-ওন্ট আর. এফ, এচ, পিউ সাংহের নানভূমে ধুনলী হইবেন। যত দিন বাবু জগবভীচরণ মুখোপাধ্যায় উপস্থিত না হন তত দিন বওড়ার সব আসিষ্টান্ট সার্জন বাবু হরনাথ রায় সেরাজগঞ্জ উপবিভা গের চিকিৎসা ও তত্ত্বতা দাতব্য চিকিৎসালয়ের ভার পাইবেন

বস্ত দিন এচ, সি. কনলি সাহেব বিদার লইয়া অসুপস্থিত বাকিবেন, ডক্ত দিন ডাজের জি, এফ, হফ বগুড়ার প্রতিনিধি দেওয়ানী চিকিৎসা কর্মচারী হইবেন।

हि. এচ, এচ, स्पर्धे मार्ट्य (मिनि शुर्देत मह काती भाक्तिके अ कार्ट्यके इहेग्रा माहिरके छ एडशूकी कार्ट्यकेरतत कम्छा शाहरूतन।

১৫ ই ডিসেম্বর—ব কুজার স্থকারী মাজিকেট ও কালেটর আর, এম, ওয়ালার সাহেব

যশোহরে বদলী হইরা এথম জেনির অধীন
মাজিট্টেউ ও ডেপুটি কালেটরের ক্ষমতা পাই
বেন।

সি. ডি. সি উইন্টর সাহেব বারুড়ার সহ কারী মাজিটেট ও কালেটর হইয়া ছিডীয় গ্রেণির অধীন মাজিটেটের ক্ষমতা পাইবেন।

ডবলিউ, এচ, পেল স্হেৰ চাকার সহকারী মালিটেউ ও কালে টঃ ইইয়া বিভীয় ছোলির অধীন মালিটেউটের ক্মতা পাইবেন।

মৌলবী মজিজদিন জাহমদ জীহটের অস্ত গতিরসূলগঞ্জে মুজেক হইবেন।

বারু কাশীনাথ দাস চট্টগ্রামের অন্তর্গত সমগ্রীপের মুজেক হটবেন।

বাৰু যাদৰচন্দ্ৰ জ্গলীৰ অংশত উলুবে ভিয়াৰ মুক্তেক হইবেন।

বাবু উপেজ্রচন্দ্র মরিক স্থানীর অন্তর্গত শালিকার মুদ্দেফ হইবেন।

১ লা জাসুলারি অবধি পাটনার মাজিক্টেট মিঠাপুরের জেলদশক ক্টবেন।

আমাদিগের গোয়ালিয়রক সংবাদ দাতা লিখিয়াছেনঃ—

গোয়ালিয়ার অঞ্চলে ছর্ভিন্দের লক্ষণগুলি
ক্রমে ক্রমে আবির্ভিত হইডেছে। ভিক্সকের
সংখা যে কভ রন্ধি হইয়াছে, ভাহা বলা যায়
না, অনেক গৃহস্থের পরিবারও হাবে হারে মৃষ্টি
ভিকা করিভেছে। কোন কোন জীলোক চীরবাস
পরিধান করিয়া ক্ষম্ম ক্রম ২। ১ টী সন্তান
ক্রোছে করিয়া পথে পথে ক্রমণ করিভেছে।
ভাহাদের শুজ মুখ ও ল্লান কান্ধি দেখিলে হ্রমর
বিদীর্শ হয়। এখানে পরলিক ওয়ার্কে ইভর
লোকেরা কাজ পায় বটে ; কিয় ভয় লোকেরা

ভ আর কুলী মন্তুরের ম্যায় বাটিতে পারেন ন গোধুম ৮ ৷ ৯ সের টাকার বিক্রের হইতেরে চাউলপ্রভৃতি শন্তে ঐ হিসাবে কনিভেয়ে এখনও এক আদ পদলা বৃষ্টি इट्टा किছু छेन কার হইড : কিছ ভারার ত আরু সভাবনা नारें अथन मिन मिन भीटिंग शाहकी व लिक **इहेट उट्टा घान ना इल्डाट्ड (११ म**हियानि কষ্টের আর পরিসীম: নাই। এখানে ব্রিটি গ্রণ্মেটের ধেসকল সাম্রিক অবা, হস্তী বলদ আছে, ভাছাদের ঘাদ, ভূবপ্রভূ बारताकरनत कना भवर्गमने वक् काविक हो য়াছেন। আবা, এটোয়া, কানপুরপ্রকৃতি কু ংইতে যাসপ্ৰকৃতি সংগৃহীত হইভেছে। আ कालि এक में कारचंद्र काना मार्टि शाह्र अक भा টাকা পর্তিভেছে। মহারাজ স্বীর রাজদ্বের সক স্থানে যাসপ্রস্কৃতির বিক্রয় ও রপ্তানি বন্ধ ক ब्राट्डन । हैरहास गवर्गमण कात क्रम कतिर পান না, মহারাজ আপনার অপুপ্রকৃতির জ সংগ্রহ করিভেছেন।

পুর্নেই লিখিরাছি বর্তমান ছার্ডানের জার্যার কর আলায় ক্ষণিত করিয়া ও প্রবাহি শুলক এইণ রহিত করিয়া এক খোষণাপ প্রকাশ করেন : কিছ এখন শুনিভেছি, মহার জের কর্মচারীদের অনেকে উক্ত খোষণা বিপরীত আচরণ করিয়া স্থানে ভানে অভ্যাচ করিছে। মহারাজের সকল বিষয়ে উত্ত বন্দাবত ও উপযুক্ত কর্মচারী না থাকালে অনেক বিষয়ে ইহান ছনাম হইভেছে।

২। পলিটিকেল একেন্ট কর্মেল ভেছি

সাহের ইংলাও হইতে প্রভাগিমন করিয়াছে अवर कर्नम भावश्राद मार्ट्स्व विकड रहेट স্কীপ্ত কার্যভার এছণ করিয়াছেন। সাওয় দাংহের এায় সকলের সহিত সভাব প্রকা कतिराजन, जीहात भगत्न मकरलहे हःशिख हो য়াছেন। শুনিলাম, কর্ণেল ডেলি সাহেংব महिन्छ मधातार्यात वस्त्र महाव नाई। कर्नन मा য়াব পাৰেবের সহিত ইহার সম্প্রীতি হইয়াছিল महातास प्रकारशक्षि कक्षात यान नाहे, कर् ভেলি **সাকেবের আগমনবার্জা** अवन करि লকে। হইতেই প্রভাষ্ত্র করিয়াছেন। বে কেচ ব্লেন, সাওয়ার সাহেব উট্লের অঞ্প ভিতে রাজকার্য। চালাইভেছিলেন, এং उँ। हात भगत्म अ विषया किছू निमृश्चना एहेर পারে. এ জন্য আসিয়াছেন, বন্দোৰস্ত করি व्यावात गाहेरवन ।

বিদীর্ণ হয়। এখানে প্রলিক ওয়ার্কে ইজর । ৩। মধ্যভারত বর্ধের পর্বর জেনর লোকের। কাজ পায় বটে ; কিয়ু ভদ্র লোকের। এজেন্ট ফর্লে মীড সাহেব বাংক্রিক প্র এখানে আসিয়াছেন। মহারাজ এক দিন ছাউনীতে ইং ার সহিত সাক্ষাৎ করিতে া**ছিলেন।সম্মা**ন বিজ্ঞাপক ২১ ভোপ ারামীড সাংহ্বকর্ক মধারাজ আন্ড ছरवन। अभिनाम, १।० मिन क्हेल, াহের নিজের কোন বিশেষ কার্য্যাপ মিরাটে গিয়াছেন, এখানে শীতা প্রভ্যাব রিবেন। ছর্ভিকের জন্য মীত সাংহ্বের (कान कर्षाताती ও अन्याना महत्त्र चारमन काल्डेनरमन्त्रे माखिरक्केड व्यामाहिनर्क হেন যে তিনি প্রত্যাগমন করিলে ভোমা ভায়,এক দিন আনিৰ, যদি আংশন ভবে কিরূপ লোক আমারা

। जिर्गाष्ट्रयात स्थनरत्न (हश्वरतन

া সম্প্রতি মেজর কোনরল হইয়:ছেন, শীতা স্থানান্তরিত হইবেন। ইহঁরে গমনে কার সকলেই ছঃখিত হইবেন। যে মহা দক্ষিয়ানানা কারণে ইংরাজনের প্রতি क्रिलन, এই हिंबबर्टनन मार्ट्स्वत छेना র সামাজিকভাশ্তৰে বৃশীভূত হইয়। ধখন 📭 🗲 🕏 ভিনীতে জাসিতেন। জ'মাদের ন্যায় ; লোকও ধীহার নিকট সমাদর পাইড। । এই সময় टेमनानिरमञ्ज वहाञ्चामध्रकीत সুসময়: প্রভূবে ধরন সৈনিক পুরুষের বায়ে।মক্তের রববালের সহিত वाश्रामकार्यः करतः (छालभ्यम् अञ्जीत ও **অধ্যের হে** বার্বে চতুত্তিক আলোভিড ধন কাহারও আনার অবসুদয়নিদ্রার অভি তৈ **ইকাহ**র নাঃ এই সময়ে ভাষণ ও লনা কি **সুখ**প্ৰদ !!

াথালপ্রভৃতির মডিবোধ যে পীড়ার প্রধান কারণ, ডাহার প্রমাণ পাওয়া ামুবার নদীর জাল শুক্ষ না হয় এই জনং त्म **এक वांध श्राञ्चल कदा इ**हेश्राह য়াতে এখানে এরপ অহ্যাদি পীড়া চই ষ, বঙ্গদেশের এপিডেমিক প্রপীক্তিত कल इंडाइ अयकक व्हेंधःइ दलिटन छ

ামাদিগের 🗐 হট্ট চ দংবাদদাভা atcen 1

गरन इ केरकत आनक्षा इहेरल्ट्इ। वर्शत क्रि वृक्ति उहे कारनक थाना शिष्ठ्या । माना इंग्ला । या रा ছিল, কার্ডিকের অনার্ফিতে ভাষাও অর্থ নই **१**हेशा(इ। **अक्ट**न व्यानात अक्ट्रानात की **धार्यम कविद्या मधुनाध थाना नष्ट छ कृषक**्षिणात्क निताम कतिए एक, बाक्ट त्वत्र मूना उक्तम वृद्धि পাইতেছে: এখনই ২॥• আড়াই টাকার সুংনে মধ্যমপ্রকার চাউলের মণ পাওয়া যায় না: তৈলের সের॥• আটে আনা হট্যাছে। একণে ওলাউঠা আবার ভয়ক্ষর রূপ ধারণ করিয়াছে : **∌াডক, লক্ষণঐী, আগমা, অস্তরী,** সে!ণা উতা, আডুয়াযান, সিংহ চাপড়, পাগলাপ্রভৃতি এ ভেলার প্রায় সমুদায় পরগণান্তেই এ রোগের व्यक्तां अध्याहकां व रहेशा हि। असन बाम नाहे (यथारन अलाडिटी नाहे, अथारमं (प्रथा निद्वाटकः।

व्यामान्तित श्राजितिष भूतिष जि केहे স্পরিকেটেণ্ডন্ট গুড সাহেব এ বার পরীক্ষায় উত্তীর্ণ হইয়াছেন। অনাতর ডেপুটি মাজিটেট ९ एक की कारल है द स्थाल की स्वत्व कार्ल के ৰ: সকল বিষয়ে, বাৰু বিজয়মাধৰ মুৰোপা क्षाम काइरन अवर क्यानिष्टे के मास्त्रिके विस्त तारक्व काषात श्रदीकात अञ्चल व इहेतारहन।

৩। কাছক নবনিযুক্ত সদর থানার পুলিদ ইনশেষ্ট্র ঈশান বাবু এখানে আহায়ত হট্যা (४म : है न अक क्रम कार्यामक अरचकार्यत

২১ এ অবহায়ণ

シミタル 列部

আমাদিগের আফুলিয়াক সংবাদ

माजा निथियाट इनः ---

আমাদিগের নদীয়া জিলার স্থবিচারক কার্য্ भक्त शक्तां ६देखवी मास्त्रिक्षेत्रे जीवृक्त अह. द्रवस ং ভালের গতি বন্ধ ইইয়াছে। এবার ব্যা ় সংখেষ মফ্রল ভামণোপলকে রাণাঘাটের স্ব ়াড়াবফ্রনে করেক দিবস অবস্থিতি করিয়াছি (लन। य्य ए উरफ्र-वाशाधनार्थ বিচারপাভগ্র বংসরের মধ্যে কয়েকমাস মফ প্ল প্রটোন প্রেরিড হন, বেল সাচেই এখানে প্রায় তৎস্মুদয়গুলি প্রতিপালন করিয়া গিয়া ভেন : রাণাঘাট সব ভিবিজ্ঞানের নিকটস্থ যে ক্ষেক্থানি প্রসিদ্ধ গ্রাম আছে, ইনি ভাষ্ कावत्त्राक्त कतिशाहित्तन। दानायारे, छेन'अवर भाकिशुरतत विकेनीनिभानिष्ठी अदश माख्या । জীহত্তের অবস্থা বড় মন্দ্র আমাদিলের চিকিৎসালয়সকল অচকে দর্শন বরিয়া উহা

দিগের উপ্লতির নিমিত্ত বছতের হিতকর বি নীমাৎশা করিয়া আমবাসীদিগের প্রশ **६६या**ट्डन সারজন জীযুক্ত ম্যাকলিয়ন্ত সাহেব কএক ভাষার সংখ্য কালাভেপতে করেন। গ रु नियः। मा ७ भ त्र व्यक्ता पठ रहेनाम (स. ঘাটের গ্ৰহ্মেণ্ট সাহায্যকৃত ইংরাজী শারুর গুরু প্রস্তুত করিবার নিমিত বেলা ভক্ত মিউনী,সপাল ফণ্ড হইতে ৩০০ নিজ হইতে ৫০ সর্বাসমেত ৩৫০ টাকা क त्रहार्द्धन । व्याञ्चलक्षा वकः वन्त्रानरम् द्रात श তাঁহার বিলক্ষণ অনুরাগ দৃষ্ট হইল। यःशास्त्र क्रेन्न.क रुष्ट्र किष्यरम् कॅःहात वि যর আনহো কএক দিবস ভিনি অন্তং এ আসিয়া অত্তয়ে অভিনৰ স্কুলগৃহ দশন : तिम्नाटकन এवर ইहात मर्जामा "उक्षावधाना রাণাখাটের ডিপুটী মাজিকেটট বারুকে বি করিয়া বলিয়াছেন। আমারা আরে একটী (र उक्त विव**रप्रत मिश्विष्ठ উ**क्त भर्त्। प्रस्त । এकास वाधिक इहेलाम । है कि हार्ता दा रहेटक **क मुलसात म**सानामी मुन्दकीन दा দীর বিষয় সোমপ্রকাশে প্রকাশ করা হইয়া এভদিনপবে উহার গাঁত হইবার উপায় सारका खेलि च व माखिटकेडे अपरश्य के ता চীর সৌক্ষ, ও উহাতে অব্যক্ষণ *লে* भमनाभमन (मश्रिया हिरात मरकात अ हिरा করিবার বিধয়ে রাণাঘাটনিবাসী জীযুক্ত क्षीरभाषाम भागरहो पुति महा∗ारक व्यञ्ज करामः रश्मित्रा द्वाची ब्हेलाम स्व अक्ष জ্ঞীগোণাল বাবুর অংন্ড মত হয় নাই। পৈতৃক রাস্তালী পাকা করিবার সমুদয় श्राहर व्यवस्थ व्यवस्थ व्यवस्थ विश्व त्रमर्थन कर्षिष्ठाटक्त । अक्टन (वास क्या

हेश्त्र कार्यादक स्ट्रेट्र । २। व्याधिकानि अक्षरमस्य व्यानात छ । कालयन्त्र डेलार्डिश खर्विष्टे स्ट्रेग्नारक । इति करमदक जे मिहाऋन বোরে আঞ্জেছ हहेया জের করাল দক্তে পতিত ইইয়াছেন। কা (भत लाख:वयम् भवनंदमके अहे द्वारमञ्जी कि. (क) २ छे व्यव श्रामान कराना। এই मसत्र नि जातक निर्मात कारीनक करतक अने नवः है। के সারজনকে মধ্যতে পাঠ। ইলে ভাল। ত। আনরা শুনিয়া ছঃবিত হইলঃ

আভুলিয়ার নিকটভ হবিবপুর সাহায ইংরাজি বিল্যালয়সী বাহাতে উঠিয়া বায়, য (केंद्रे क्रीपुक : वन मार्ट्य अक्रश व्याष्ट्र व ছেন ভিনি বলেন, হবিবপুর রাণাঘাট**্** s শাংক্তপুরের **অধিক দুরস্থ নহে** ৮ **অ**ভেএব 🕴 **५४ कारन विम्हानम शक्तिरमहे छैहा**त লভে লারে, তবে ইছার নিমিত্ত অভয় । বশ্ক

मञ्चाष अधावरण वना वता**र ७ वार्**खत । स्थानम् । कतिकाका इहेर्ड करमंक सम স্থ ইউরোপীর ভন্ন লোক শিকারে জাগি া ভাৰলাৰ, ভাঁহাদিসের সহিউ জুর্দ প্র**ভৃতি অনেক আছে। আছ্**লিয়ার স্থ্বিবপুর ও বেলগড়ের মধ্যে ভাগা াশবির হইয়াছে ৷ বাহ্যাভ্যর সার ন য়দি কিছু কাজ কবিতে পারেন, তবেই র বিষয়।

। চাউল ত দিন দিন ছুর্মাল্য হইতেভে: **ংজাপাডভ: ৮∙ সিকার ওজনে ২**∶∙, , ২॥• টাকা করিয়ামণ বিক্রেয় চ্ইডেডের । আমরা ভানিয়া আহলাদিত এছ্লান. শীপাড়া থানার অভর্গত মুড়াগাছাব এমী वीयुक्त बांबु अवशक्तवा भूरवाशावहात्र महान्य শের উন্নতির নিমিন্ত গ্রবংমকেট্র ানকট পোট পাঠাইয়াছিলেন, আমাদিগের বজ র শেপটনাকট সবর্ণর জীয়াজন ধ্যে সাহেব ব সম্পূর্ণ অপুমোদন করিয়াছেন। ঞ্চলৎ এक अपन श्रकुष्ठ (मण इंटेफ सी, जकल क्रांटमंत्र राज मह'न छ. ५८ शब खाँहात खन्ने अप कार्यः । क्रदर्ज

থেরিত।

-10;-

ন্যৰর 🖲 যুক্ত দোম প্রকাশ দশ্দক

নহাশর সমীপের। धानहतानक की है।

কাশর ক্রেন সমাচার পত্রে যে সমস্ত

াৰ অবগভত্তয়া যাইডেচে, ভাহাতে ভি: উপদক্ষি হইবে যে, এবার ভারভবর্ষের ন স্থানেই স্থচারকাপে শুসা করে নাছ। ণ পশ্চিমাঞ্লে অনার্টি (অসময়ে কোন म ऋ'त्न) दृष्टि ও आरम्, ऋतर्गत्त्रशात दा क्षात প্লাবন, বঙ্গদেশের দক্ষিণভাগে অভি গঠী, নাংবীপ্রস্থৃতি স্থানে প্রবম্ভঃ অভিত্ 🕆 ও ৰ অভ্যন্ত কৰি আনাম এড়ডি পূৰ্বভোগে জরিবার অবস্থৃতিশা, এইपक्ल घटना াই বিলক্ষন **প্রভীয়মান ইইবে বে, ভার**ত ांत अवर्ष मनन गारे।

রাজপাহীর উভর পূর্কাংশুও বঃড়ার

দেশ। ম সৃত্তিকা ও বর্ষার ওবে, একানে আমন্ প্রবৃত্ত হয়। (৩) এবং পরে যখন গানের ম धाना चित्र असम कामा (काम अना अस्त ना যমারা এপ্রদেশের লাকের জীবিকার অভ मार्गिक रहेटल भारत । किन्न महामन नामवे পাডার কুপায় কাহারই অভাব থাকে না 🗠 क्रुडितार (करल अक कामन शामांत वरनहै, अधारमध्येत लाटक महाक्रुचचक्करक कालां छ পাত করিয়া থাকেন। ভাছাদের দানপজিত वक्रम्मात मर्थः व्यक्षां मर्ह। अक्षरम्भ अभेज श्रष्ट्र थाना कारचार्य, अथान इहेर काल কাডা, ফরাসভাঙ্গা, কালনাপ্রভৃতি স্থানে काधिकारम कुछ ए तसानि श्रेषा थाएक। यसन উৎকলের ছর্ভিকে (প্রায় সকল স্থানেই) ২০৫ সের করিয়া চাউল বিক্রের হইয়াছিল : ভখনও এখানে ৫।৬ পদরী দরে চাউল পাওয়া গিরাছে। গত বর্ষে অভ্যন্ত বর্ষা ও ঝড় হও ब्राएफ, भाग **काल इब्र माहे। ख**थाशि २२:२8 পসরীদরে ধান বিক্রয় হইরাছিল। এবার লৈংটের শেষ অবধি ক্রমাগত ১৪:১৫ দিবলের व्यान्त्रशिक्षक वर्षत्न, हारमत व्यापनक विश्व घटि । পরে জাল্ল বর্ষায় ধানে র ভাতৃক জীর্দ্ধি না হইয়া শেষে একরূপ ফলিয়াছিল ৷ ভাহাতে লোকের কোন কণ্টের সম্ভাবনা ছিলনা। কিন্ত शक्षां कि व्यक्तिरुपंत विषयः!! कि कुक्ति।हे নির্দার ও সর্বাভাগবিনাশক শীধকর্মক কীট व्यानिया क्रुवकाम्बर व्याना फरमा मकनई अक বারে উচ্ছিন্ন করিল 🗯

এই ছুষ্ঠ की है (माचिएक माधिया वर्ग, आय आ का हे अल ली मीचं, (किश्विष् अधिक) अक य(वास्त क न, मच्छक क्रकावर्ग अप्रस्त करा [ममछ | শরীর অসভতে কোমল। ইহারা কেবল পানং भीरबद मिक्का मकन काष्ट्रिया (महा अधिव রৌলুও লিলিব প্তনে সময়, ই্হার। বিচালীর भीटि शिवा कुछनाकारत निधाम करतः भीव काहा चित्र, हेशारमंत्र थाना किया व्यनताना अटवत সহিত কোন সংক্রব নাই। কীটের প্রাণ অভয়েত্ত ক্ষণভঙ্গুর।কাবণ অভি বংসামানা আঘাডে त्रख्यीवन रहा

क्षथमञ्चः धारमात्र मर्था अक्सूत्र प्रकरः

मामन मन्त्रिम शारक " कड़ (३) अ वस्त्रक्ष (२) अमार्थ करमा कथन के निर्माणना और कर ख्युल शुक्रे इंहेल, ख्यम अर्वाध अथन **शर्**र কাটিতে পুরাব্যুখ হয় নাই 🥬 দে প্রায় मान त्राच रहेता। कृषका पत्र पामा कर्डन छ म ेमर्पर होत्रो कतिएड आहा क ऋग मात्र शखा ভংপরে ভাইারা চাস ও বপনকার্থে আবা প্রথম ভাগ অভিবাহিত করে। মাধ ও কা निम्न हानमंकरता कर्षण अ राभन करियात क এই যে, বর্ষার জল নির্ভানেই অংগ্রে সা स्त्र । अ गमरत्र कृषिकार्राः कररश्मा कतिरम् करमत कथमहे मर्जन इस नाः क्रुडतार कृषकर्भत्र मकरल मिलिछ इहेग्रा, धानः कूछा নেবুক্ত বাকে, ভবে জাগানী বংগরের कार्य किन्नर्भ मन्भाषिक इंहरव ? व्यक्त अव বাহল্য করিয়াও বর্জমান ধান্য আরহণ জাগামী ৰূৰ্যের কুষিকার্য্য সমাপন কৰি উপায় নাই। ইচার চারিটী কারণ আন্তেছ। मकः अञ्चल्यात्रं लाकमर्यतः भक्तवं व्य । कडू अधिक इस नाडे (य. उम्बाताई अधिक आम डेक धाना मकत रखन रहारा। व्रष्ठ: य:शावा व्यनहान। व्यान स्टेरफ धानर क ধান্য লইবার প্রভ্যাশায় আসিতে, ভাহায়া ধ इक्नि। (मधिया छाहार्ट क्रांत्रक हेहेब्रा कुछीब्रकः क्रवकरभन्नः अभावनदे मकन बर्मन **०डूर्यखः -कृषिकार्यात्र अक्रहे** श्रेषान म গরুর রক্ষার কান্য ধান্যবিহীন বিচালী काष्ट्रिक रहेरत । काहार क दू का महा सर नशाम मध्य व्यावनश्यः । कात्रन् स्ट्राह्म नाष्ट् তে কুলে হয় নাই : অ ১ এব ্উ কে ্ধানং नकरत्त्र यथन (क)न नक्षणनात् हुर्दिश याः ভথন উহার আংধিকাশে ন দেবায় নং হইয়া মন্ত হটতে: শ্ব, িমের ফল অংকি নয়নগোচর ধহুলাছে : বাজাবে সামান্য স १ क भनती स्टब्स्किय व्हेशास्त्र अक्षर অবস্থাপেরে বিকলে ভীষণাকার করিবে, ভাষা প্রজানের ব্রিটিস গবং

> मामश्रकारम किनियमत्रवास स कृति নিদিনিত হয়গড়ে, ভাষা প্রসিদ্ধ ধনির क्य न!। (मर्ट्यू में निर्माय कीट बक्क्यान স্থুতরাং ভাষাদিগকে কিরুপে গুড়াচৰ निरादेश करो ए।**इंट**'ड शाद्य ? (य नमय औ ভাহারা মন্ত্রেরে নয়নগোচের হয়, ভাহার

ा अभावह

3

म क्तप्र

করিতে পারেন।

(३) अधारमा आत कि कार्य। इहेरव '

⁽⁾⁾ अञ्चारम काउन्तर वर्षा क्या अहे व्हारमत्त्रहे ित्यय छोद निभा इहेल ।

⁽२) क्या फामा शिल्य (बारमान नाइ করিয়া রোপণ করা হয়। কী ইসকল এখানেও প্রস্তাবিভরণে বছতর অনিষ্ট গোপন করি श्राट्ड ।

হিত পরেই উহার। বহুসংখ্যক ও বহুস্থানব্যাপী য়াউঠে। উহাদিগকে দেখিয়া বোধকয় **ন উৎারা আকাশ হইডে প্রবল ব**ারিধারার র ভূপতিত হইরাছে। বর্ষা অধিক হয় বলিয়া মিতে স্থানকল্পে ২৷১ **হস্ত পরিমিত বিচালী** ভ্রা থাকে। ভূমিকধ্যমন্ন ভাষা দথ রিয়া ফেলাইবার রীতি এপ্রদেশে বস্ত্কালা ধ প্রচলিত আছে : অতএব উহা ভবিষঃতের ট নিবারণের উপায় বলিয়া এছণ করা তে পারে না। অবদেবে পাঠকগণ! একবার ছদিশাপর কুষকের প্রতি দৃ**তিপাত ক**রুন। (র) কি ভারাপ**র হইয়াছে** ? व्यनभीति, मृज्यस्य वाश्विद्राचि, यपि সম্মুখে, বধ্য়ে পুত্রে, শাত্রব ছর্মডি। তঃতে জননীর মন, ৰথা অক্ষতা ষ্টে হয়, বিবাদে আকুল। সেই মত. क्रबीवलः भार्ट्य (हत्रि, निर्माय, नाभक কীট, শীষচাত ভূপতিত ধান্য, করি হাহাকার, কান্দিভেছে, হইয়া আকুল, দিবানিশি, অন্য কর্মান্ডাজি এক মনে। জেলার[জসাহী।) 🕮 হরকুমার সরকার १ अहा के मिल्ल

, कृष्णनभंत आजानमारक्त्र 1941

प्रतिषय निरंत्रमन्त्रिक्र---ক্ষণনগর রাক্ষসমাজগৃহ পুনঃসংকৃত হই ছ। উহাজসুনি সাজে, চারি শত টাকা 🖭) ভিরুসম্পরুত্তির না। প্রারুমংসা ইহার কার্য্য আর্ভ হৃইয়াছে 🕫 কিন্তু অর্থা थ्यपुष्क अभव्यक्ष अवस्था द्वित्र माः শুং**লেশের নিমিত্ত প্রায় হই শত** টাক: । স্বাক্ষরিত হইরাচে এবং ভ্যাপ্তে এক শ্ভ 'ট'ক' সংগ্**হীত** হইয়া সমা**জ**সংস্করণে দত্ত ছে। আংমবা ভারতব্যীয় কভিপ্র প্রধান । তাক্ষসমাজ ও জীযুক্ত বাবু সভেঃক্রাথ প্রভৃতিকভিপর মহাত্মার নিকট ভিক। । স্থানবিশেষ হইতে উপক্ষত হইয়াছি। । আপনার সঙ্গরর পাঠকবর্গের নিকট

र्री जिका कतिएउड़ि स्र, अभन कि कशक्ति

চদান পুর্কক আমাদের এই জঃধের সময়ে

ना जिलाये महाभारतमा क्रक्रमशतक श्राम् ।

व दु द्राम इस नाहिकी महान्द्राव निकड़े।

হা করিয়া বাধিত করন।

र्लक्ष सं १३ ३३ व :

£काख वनस्र ক ওপর ক্রাক্স कुक्तभाव ।

: ৪০০ বাৰু কেশবচন্তৰ দোন ৩০ জাহার প্রতিবাদকারিগণ।

কেশৰ বাৰুকে কইয়া সংবাদপত্তে যোৱতর আন্দোলন চলিভেছে। এত দিন আমরা নিস্তর ভাবে দশন করিলাম। ইহার তথ্য জানিবার নিমিত আমাদিগের একান্ত ঔৎসূক্য ছিল এবং যতদুৰ জানিতে পারিলাম ভাকা সাধারণের গোচর করা আবশ্যক বোধ হইতেছে। রুখা (शिलिस्सिशं कहा विकास e काशुक्रस्वत कार्यः। য'হাতে সভা, পবিজ্ঞাত শান্তির রাজ্য বৈস্তানিত হয় ভাহার উপায় চিস্তা করাই সাধ্ मिर्गत कर्डवः। श्रथस ব্রাহ্মধর্ম প্রচারক জীয়ুক্ত বাবু বিজয়কৃষ্ণ গোম্বামী ও ভাঁহার সঞ্চী ছুই এক জন কেশ্ব বাবুর প্রতি গুটিকত ব্রাক্ষের পৌত লকপ্ৰায় ভক্তি দেখিয়া সংবাদপত্ত্রের সহায়ভাছারা ভাহার অপনোদনের চেষ্ঠা পান। ভাঁগাদলের অভিপায় যে শুভ ভাগা কেনা স্বীকার করিবেন ? অনেক অনেক ধর্মপ্রচারক প্রাবভার বলিয়াপুজিত হইয়াছেন। কেশ্ব বারু অসাধারণ ধর্মনিভাষারা লোকদিগের মন যেরূপ আকর্ষণ করেন, ভাহাতে ভাঁশার প্রভিত্ত সেই সংশয় উপস্থিত হইতে পারে। যাহা হউক, বিজয় বাবুর শেষ পত্রশ্বরা স্পষ্ট প্রভীয় মান হইজেছে যে, কেশৰ বাৰু নিজে কোন मार्थ मार्थी नरहन, जाहात्र नियाशरनत अवधा व्यवहार्डे क्यूट्यारभव कावन । अकटन जश्वान পতা যোৰণাথারা কি ফল লয় ক্র্য়াছে ভাক এক বার অনুধাবন করিয়া দেখা যাউক। কেশব বাৰু সাধারণের নিক্ষা ও উপহাসের আংক্সন হইয়াভেন: বাঁহার। বোধবান অথবা কেশ্ব বাবুর সহিত বিশেষরূপে পরিচিত ঊাহার: स्रनश्चवानदाता हालिक इस मा ३ किन्छ बाह्यमणी, धर्मक् नयुभू मा, (को कुकॅश्चिय वः खिलान व्यारमान श्रासारमत अक्षी श्रकाश्व विषय श्रीहेश्राह्म । এমন কি অনেক সংবাদপত্রসম্পাদকও নাদিগের আভাবিক উদার্য্য ও গাড়ীবা পরি छ। भ कतिया এই मलেत मध्या श्राविष्ट व्हेशः (इन । मधानवा ! वेड्रोनियात अल (त्यवहनः (रेक्ट्र यक्षि माधातरवत मरन खाख मध्य व मशाव হয় অথবাকোম নিজলক ব্যক্তিব য**্**শাহানি হয় ইহার: কি ভলিমিত ঈশবের নিদ্য আপুপ नामिश्रातक साम्री भरम करद्रम मा १ व्यापना (कभाव याबुद (मार्योरम्यायरवद शब् डांशांब महिक बादर বার সাক্ষাং ও ক্রোপক্ষন করিরা দেখিলাম,

ডিনি পুর্কেষের পদরল ছিলেন এখনও সেই

ক্রা হুরে খাকুক, ডিমি আপনাকে ছুব भाभी विश्वश चौकांत्र करत्न अवर ख ও অন্যের জন। ঈশ্বরভিত্র অন্য কেহ্ মুর্নি माहे, मुक्ककर७ वाक्क कवित्रा थारकम বাৰুৱা সংবাদপত্ৰের সাহাধে; যে বাণ (দিগের মতে) দোষী ব্যক্তিদিগের উপর করিবার মানস করিয়াছিলেন, ভাছা ব এक अपन निर्फाषी नाधुठा कित छै भव । रहेबार्ड । इंशायाता जाहारमत चारीन প্ৰকাশ পাইয়াছে ; কিন্তু প্ৰগাঢ় বিজ্ঞ কারে কার্য্য না করাতে ভাঁহায়া আনেক ব व्यक्तिरचेत्र कांद्रव २३ ब्राट्डन । विकास द আনামরা ক্রেশ ভয়তকুতি ও পণ্নতা বলিয়া জানি, ভাষাতে ভাঁধার শেষ প্র প্রকাশিত না **ইট্লে আমাদি**গের⁹ মন সন্দেহে আকুলিভ খাকিড। ডিনি যে এব উন্দেশে অন্য এক বিপরীত করিয়া ফে ছেন, ভা**হা বুলিতে পারিয়াছেন। সাধা** विर्वहनः कडिएक शास्त्रम (य, अ नमस्य (বাবু প্রকাশে: কেন জ্ঞাপনার নির্দেটিত মাণ করুন মা? একখা বলিবাব কাহার कात कारङ २ फिलियंचन नायी नरश्न, ५ নিৰ্ফোযিতা সংখ্যাৰ করিবার জান্য ব नरहन। फिनिसिटक त्रुथा निकार एवं 🐯 ভেন না এমত নহে; কিন্তু জিনি সাং**সা** लाटकड नाम्य लाटकत क्षमरमारमारस निम्माक्टस यक्ति नीसमान ना स्हेसा का আপনি ঠিক থাকিছা কাৰ্য্যবার্য আপনার **हत्र मिट्ड बास्किन, मैंब्राइड निक्डे खिनि** রাধী হইবেন না। প্রতিবাদকারিপণ উ ≦সম্ভে সাধারধের মনে যে কুসংস্কার আং ভেছেন, ভাহার নিবারণ করা ভাহাদিলে

বিশেষ কর্ত্তম্য। এই ছলে সাধারণ আহ্মগণের প্রতিত निर्गत निर्वत्न (य, ७६ व्यक्त व्याप्त काल व्यक्त ভার কলে। ভাঁহারা কোন প্রকারে ধেন। (मह व्यवमानमा करतमः हेराबाता अक हि পৌতলিকভাতি কুসংস্কার ও অন্য দি ্রিচৰ বুদ্ধি, অংকার ও অনুদারতা উৎ र्हेट अंदित । दान्मधर्म विज्ञान खान अवार ভার ধর্ম্ম, ইহাতে সেইক্সপ প্রীতি ও উনার য থাকা আবশ্যক। মূল মাজ ও বিশ্বাংসে বাং नांगातर्गत मेका शाकित्व । कि ख क्र. ह छ अप विरवहमात्र मामानः विषयः भद्रन्भरत्व भर्ष करेनका वृष्टे वहत्क शास्त्रः हेरा चीकातः করিয়া বাঁহারা অন্য আভানিসংকে স্কৰিয রূপ আছেন এবং আপনাতে ঈশার্ডের আরোপ আপনাদিগের মতক্ করিবার চেষ্টা পাইবে ার জনে পজিবেন এবং অসিছ্মনোর্থ वेश कोशांत मरमह शहे।

> कः अर्थः भाखिनभैत्रक् । ----

শাভেপুবও ভাছার প্রধান : জভাব ৷

শাস্তিপুরে জন্যাপি প্রায় ৬০.০০০ লে: বিসাত আছে চাকা ব্যতীত বঙ্গদেশের ন মকবল নগরে এত লোকের বাস নাই। সৰকো শাভিপুর অবিখ্যাত নহে। পূর্বে এিখানে সংক্তের বিলক্ষণ চর্চাছিল। নে নদীয়ার ভুলঃ পণ্ডিড ছিলেন কিন্ত ণে এ সমুদায়ের পরিবর্ফ হইয়াছে। শাস্তি বিদ্যাসুশীলন জন্ন। যাহা কিঞ্চিৎ হই জ তাহা কিছুই নহে ব**লিলে হ**র। বিদ্যা াব্যতীত চরিত্রের নিশ্মলত। হয় না। ঃপুরে প্রচীন সভ্যভা আছে; কিন্তু যে ীতিসংক্রাক্ত লোক কৃষ্ণচক্রের সময়ে ছিল াপিও ভাহার্হিয়াছে। বরং ভদানীস্কন জ্জাতার উপরে ইদানীস্তন কালের বাহা তা,তর্গধে হ্রা প্রধান আগসন প্রাপ্ত চ্ছে । এরিবক্স সমাজের কবস্থা আরেও লীড়াইয়াছে। এই ছরবস্বা দূর করা কর্তব্য। স শান্তিপুরের একুড উন্নত হয়, কিনে ভঃ ধর্মনীভি ঘটিত কল**ক** যায়, **ই**হা

।मा २३८७८इ ।

াংঘাট উপবিভাগের সৌভাগ্য প্রভাবে | বাষশধ্র সেন তথাকার ভার পাইয়াছেন, ড, বেখুন ও এফ, জে. মৌ এট শিক্ষা বিভা কর্তাচিলেন, সে সময়ে রামণক্ষর সেন লালেকের সর্মাঞ্চান ছাত্র বলিয়া খ্যাতি কবিয়াছেলেন। ভাহার পব ভিনি কয়েক র বিশেষ ক্রখ্যাতির সহিত শিক্ষকত। । ইংার পুরস্কারসক্রণ ভাষাকে ডেপুটি ক্টেটের পদ দেওয়া হইরাছে এবং একণে শেষত প্রধান প্রেণির উপযুক্ত কর্মচারী ন, তিনি তাহার **মধ্যে পরিগণিত**। জিযাহা ৰলেন তৎপ্ৰতিবিশেষমনো দেওয়া কর্ত্তব্য। উপৰিভাগের ভার পাইবা ডিনি ভাহার অভাব €লি জানিতে পারি নঃ জিনি সম্প্রতি প্রস্তাব করিয়াছেন, পুরে একটা জেলা স্কুকরা কর্বর। কুক্ষনগর কালেজ প্রথমতঃ স্থাপিত হয়, অনেকে ভাৰা শান্তিপুরে করিতে বলিয়া

ल। क्वल जन्त मर्क्मा कृष्णनगरत १७

ब्राट्ड अरे क्टिक्ना गाविक रव नार्दे । भाकिशूरत আপাডভঃ চারিটা বিদ্যালয় আছে; ইংার মলে সর্বাহ্যম ৪০০ মাত্র ছাত্র অধ্যয়ন করি েছে। **अवर्गरमन्त्रे हेशत मर्ग्या इतिएक** जाशाचा अटिक्स । किन्न व्यामना इः विक स्ट्रेमाम এक्सी বিদ্যালয়ও ভালরপে চালিভেছে না। রাম मक्त वाबु बरलम, शवर्गरमर हैत विम्रानक स्ट्रेस [≭]ःज्ञभन ख्थात्रहे भमन कतिर्व। **इ**जिर्द्रम् स् वक्त रहेरव फाशास्त्रहे बाब्रमिकीर रहेरफ পারিবে। বস্তুড: লোকসংখ্যা ও ধনের বিষয় ः १ दवहना कंत्रिटन अ व्यञ्ज्ञाः न मिथ्या इहेटल्ट्स् माः ইনস্পেটর উড়ো সাহেব এই প্রস্তাবের অঞ্ মাদন করিয়াছেন। জামরা ভরসা করি ভিরে हेत्र आरोहेकिकान छ राजरमनीय शर्रायमें अह সদস্থানের কোন ব্যাহাত করিবেন মা। শান্তি পুর সারে মহকুমা নহে সভাগ কিছে যদি লোক শংখ্যা ও ভাঁহাদিগের অভাব বিবেচনায় বিদ**ে** লয় স্থাপন করা কর্জব্য হয় তাহা হইলে শান্তি, পুরে একটী প্রথম প্রেণির জেলাকুল করা কর্ত্তব্য হইভেছে। ইহা না পাকাতে আমাদিগের aकेही श्रधान क्षत्रभएएत निश्चमन ७ वहान्द्रभन ছুশ্চরিতার্ভিয়াছেন। যদি আন্তিরিওক ব্যয়ক্রা গবর্ণমেক্টের নিভাক্ত অনভিত্রেও হয় ভাহ। হইলে ছগলির ব্রাঞ্জ্লকে শাজিপুরে লইয়া या अग्रा कर्खवा । इति कारमरस्य आर्थि है अवसी শার্খা বিদ্যালয় রাখিবার কোন প্রয়েজন

ক্রীবিঃ

मविसय निद्यहर्ना

মহাশয় : ভগলির চ চুস্পাধস্থিত প্রীক্রামে এবংসর আল্বালি খোমের বড় প্রার্ভাব হই-য়াছে। প্রতেতক গুলে প্রায় ছই একটা পী.জুড লোক পাওয়া যায় । দরিদ্র লোকেরা যোর পর নাই কষ্ট পাইডেংলা একে এব্যাদি সুর্মাল্য ভাষ্তে জাখার 🖖 বংসর রোগের সেবা, लाक आद अध्य छ हिकिश्म क्विव वर्षे प्रमा উঠিতে পারে নাঃ এথানে একটিও দাতব্য চিকিৎসালয় নাই ৷ যদিও মহক্ষণ মুলিনের व्यञ्चाह ७ मिन विक्ति का ना करने क्षानिएक अक्री দাভবাটিকিৎসালয় অধিককাল আবৰি ছিল এক্ৰে ভাষা চুচ্ছায় উঠিয়া নিয়াছে। ভাক্তর সাংক্রদের খাতিবার প্রবিধা হয় খলিয়া বোধ হয় চিকিৎসলেদণী এইরপ স্থানাভারিত হই

ভাহা সিশ্ব হইবার ব্যাঘাত জ্ঞানির।ছে। হ পাৰবভী স্থানসকলের দরিত লোকেরা মূলে। চিকেংকেও হইবে এই ভারার অভিন কিছাদেসকল লোক ছই ভিন∽ কোশ পয়া চিকংসা ও এখন লাভ করিতে না। চুচ্জার ভাদ্ধ লোক অলে. প্রভরাং भन्न महान्न **ख्यान् माख्या हिःकरमान**रमञ् জনও ভাদুৰ নর। এদিকে সংক্রামক স ारण (बारक सञ्जनां**बाल इ**हेर? एक र ख প্রাণভ্যাগন্ত করিভেছে। অধিকাংশ লো হীন, ঔষধ ক্রয় করিতে বা চেকংগকের नद्रा উठिएक भारत ना। अक्री नाक्ष्यं। সালয় ছিল, ভাহাও বছ্দুরে নীত এঅবস্থায় গ্রন্মেন্টের স্থায়তা অভিশন্ন শাক হইয়া **উঠিভেছে** ৷ জগলি, ৰোলি, বে সাহগাঞ্চ, বাঁশবেজিয়া, দ্বানন্পুর, মে ত্রেবেণীপ্রভৃতি আম রোগের যন্ত্রণায় হইয়াছে। আংরও কড কুদ্র কুদ্র আন্ম আমি ভাছাদের নাম করিলাম নাা,এগ वारमत बाना कि अवकी माख्या विकिश कक्षरः भै। 5 इस मारम्ब स्वयः क्या श्वर्गर উচিত বোধ হয় না? প্রজাদিগের বিচ महिष्ट अकम अञ्चलित्यत हर्कना (म निक्ति वाका श्रष्टाप्रमन अवर्गमिक व नत्रः। जैंशितन्त्र एतः १ अविवास्त्रत्र अञ्च ক্ষিয়া উপায়বিধান করা উচ্চতঃ আ शकाव, स्थानव निकटि धकी हि.कः এবং ত্রিবেণীর নিকট জার একটা চিকিৎ স্থাপিত হয় : মুই জন নেটিব ডাক্রার ও বি अवय रहेटनहें कार्या निकाह ६हेटवा अवर्गट काय भूमा इट्टा मा । (कन्न अञ्चादम्य श्रम

२० स्टब्स्ट) জনেক জ্গলি নিৰ 16 H 46 46

সংখিত ইইবে।

কুষকগণ ! ভোমরা কার্মনোবাকে, প্র করিয়া এবং মহাজনের নিকট ঋণজাতে रहेश। वाश किছू खेलाईचन कर, कनकारस দল উদাসীন লোক ভোমাদিগের সেই প মের ফল কাজিয়া লয় ৷ তোমর! তাহার 😘 ভাগ (খোস।) মাত্র পাইয়া, সাভিশয় সম্ভাপ অন্নভব করিয়া থাক! ভোমারট अहे वर्खमान निर्माङ्ग इः ब्रामि पृत की स्रमः व्यानक्ष्ये नापानवीक (हर्ष्ट्र) क बार्ट । किन्न महत्त्रपत कृतिरनंत (व काकियात । हिन । किन्न वाहात हिंदी है जिसता करा সেই প্রধান রাজপুরুষ ভোমাদিলের এট इश्य मुत्र कतिएक व्यम्गांश क्ष्टोवान वन **স্থুত**রাৎ **অনে**গর চেষ্টায় কি হইতে পাবে ? এত দিনে আমরা ভোষাদিগকে এক শুভ म मिएडहि, वाभ कार क्षत्रभी यत अर्ड भिन ভোমাদিগের সমস্ভ ছঃখ দুর কারবেন। ৰকগণ ! ভোমাদিগের প্রখনমূলে, বাঁহার ত্রি মহত্ত্বের অধীন, সেই প্রধান রাজপুরুষ ্ব ২,তাতে ভারতরাকোর আসিতেছেন,) স্বয়ং এক জন চ, তিনি কুষকের ব**ল্ধ হইবেন সন্দেহ নাই** । ার্যের বিলাবে পরি**শ্রম ও যে পরিমাণে** গুয়, ভোষাদৈগের বযু ভার**ডবর্ষে**র ভেনরল ভাহ[†] সকলই গৰ্ণ্র নেঃ ডিনি আংপন কুষি ব্যবসায় পরিভাগে াএবংজ্তেল বারিরাশি লক্ষন করিয়া ারদিগের ছংখ দুব করিবার জন্য র ভারতবর্ষে আসিতেকেন। তোমরা ালের সঞ্চিত ছঃখ দুর করিয়। সেই ভারত রে সুতন প্রভুমহামতিলাড থের মহোদ আগমনুপ্রতীক। 🕶 র, ডিনি ভারতবর্ষে इত হইয়া ভোমাদিগের মনোছঃখ দূর **यन** !

ানে আহোহণ করিতে সক্ষ হইতে

লিকা ভা ২৭৫ সাল ৪ অব্ধহায়ণ

🖺 देकनामन'थ वञ्च ।

---:0;---

য়ঃপ্রণালীসকল অপরিকার থাকিলে র যেসকল অনিষ্ট ঘটিবার সভাবনা হে ভাহার কিছুরই অন্ডাব নাই। সভঃ বর্ষাকারল অভিবৃষ্টি নবদ্ধন সাধারণ্যে **৮ অনিষ্ট হইয়াছে, কিছে প**্রমাণ ধরিছে **पष्ट्रः श्रवाशी मकत्व**व অপরিক তত ন অল অনিষ্ঠ হয় নাই: যদ্পি পং ামস্ত পরিভৃত থাকে, "পয়ঃপ্রণালীসকল মত সংকৃত হয় ''এটোম ও পানা পুষ্ঠরিণীগুলির পক্ষোক্ষার ও পরিকার করা তাহা হইলে কেনজনিত হৰ্গৰ ও হৰ্গ-প্র মারীভয় সমুদ্ধে সামান্য উপকার অনিষ্ট নিবারণ্যানা 41.1 এইসকল ন একটি সাহাসয়লনী সভা অভিটিড ८७। ' मञ' श्रथ€ः अवर्ग**रम•हे** त्रा**न्हा**त ৰ পয়ঃপ্ৰশালীভাল পে:রাট মৃত্তিকায় ।1 ষাইডেচে দেখিয়া সেইগুলি পরিকার। विस्ता वादाकश्रुतित काकेन्द्रमके भाकि-র নিকটি আবেদন করেন : মাজিক্টেট ভক্ল

मञ्जिलान कांब्रिका कार्यः व्यात्रक्ष स्था, अमन সময়ে এক জম সভাত ক্ষতাপর গোল্ম मट्डांभद्र विक्र**टक क्⇔ानमान ट्डे**मा कार्यःंशः श्रुष्टि । क्षेत्र का किर्मा का किर्मा कि ঠেট সাহেব বয়ং আসিয়া ভার্যার জাপাত খণ্ডন করিরা যান। মাজিটেট সাহেব গমন कतिरमन, श्रेनकीय कार्यशिक्ष इहेम, श्रेनकीय लाचामी महानग्न विश्व खन्नाहरू लागिरलन अवादक व्हित कतिशादकन, माम्बदकेटे मार्ट्स উপস্থিত না থাকিলে তিনি কোনক্রমেই সভাকে পদ্মপ্রশালীটির সংস্কার করিতে দিবেন না। জীয়ক— ভ্রমীদার মহাশয়ও ঊাহার পক সম্থন করিতেছেন। ইহাতে জাঁহা দ্র্গের य कि का मर्ड स्ट्रेटिड क्या कि विवारक स्ट्रे-বার সভাবনা আছে ভাহা ভাঁহার৷ ভির অপ-রেব বুকিবার ক্ষমভানাই। এ দিকে গবল্মে প্টের " অয়াটার পা**ইণ ৯ (পলত। হ**ট্ডেড কলি কাডাপ্নেক্ত) ধারা, যে প্রধানীর অসুসর্গ করিয়াপুর্নে আমের কোন কোন অংশের জলসকল নিৰ্মাত করা **হইত, ভাছা বন্ধ হই**য়াছে ক্লভরং একটী ফুডন প্রণালী করিয়া গলা वा चार्टन मर्ज मश्यांत कतिया मा निर्व গ্রামের সেইসকল অবংশের জাল বাহির হই বার আবে উপায় নাই। এই সূতন প্রণালটা কর্ত্তন করিবার সময়ও কাহার কাহারও আপত্তি করিবাৰ সম্ভাবনা আছে 🗜 ইহাতে ভাঁহাদি-পের আপাডভঃ কিঞ্ছিৎ পরিমানে ক্ষতি হইবার সম্ভাবন।, কিন্তু পরিণামে জাঁহারা যে কডপরি মাণে ভাষার পূবণসক্ষপ পুরকার পাইবেন, काश वित्वहमा कतिरलई हिलएक भौतिरव। অপর পুরাতন প্রণালী গুলির সংস্কার সহকে কাগারও অকারণ আপত্তি করা নিভান্ত অবি বেকডা ও শোণিজেঞ্চার কর্ম্য সম্পেহ নাই : যাহা , হউক একণে খাহাতে এই শুভ कार्य होते क्रूप्टांक क्राप्ति न स्वास रहा , अधिकार हा जा कि <u>টেট সাংহৰ একটু মনোযোগ করিয়া সভার</u> बाह्यकुला क्षित्र (म्ह्नाब म्ह्नाशकात करा ह्या । ডিনি অন্নং উপস্থিত হইয়াই হউক অধ্ব। করিলে তাঁছাকে প্রথম জিন বার প্রাতপং পুলিৰ প্ৰহ্রী নিয়োঞ্জিত করিয়াই হউক পয়: প্রধালী গুলির সংস্কার না করাইলে আমের 🔻 বিশেষ ক্ষতি হইবার সন্তাবনা : ১० हे फिरमबत्र) এক স্ত বশ্ধন।

मृताधीखि ।

কলিকাভা

১৮৬৮ সাল

जीयुक वाबु रेवकूर्धमार्थ सब বংলেশ্বর ১২৭৫ পৌষ **হইতে ৭৬ অগ্ৰহায়ণ**

2a):---

- » बर्ट्नहन्त्र बङ्ग कनिकाखाः
- *** ভূবনমোহন বহু সীভাপুর**
- शहमहस्य इक्ष्यखीं का नी भूत দক্ষিৰ পূৰ্ব্য বিভাৱে জুল ইন্তেপ্টাঃ

নোমপ্রকাশসংক্রান্ত করেক বী विद्रभव निव्रम।

ৰবিষ মূল্য ও ডাক্মাছুল না পাইলে বলে সোমপ্রকাশ প্রেরণ করা বার না

देशत अधिम भूना वार्षिक ১० हाका ৰ াসিক ell• টাকা মকখনে ডাক গমেত বাৰ্ষিক ১৩, যাণ্যাসিক ৭ এবং ব ূলক ৩**৬ - । ডিন মাদের সূ**দ্রে ভাত্রিম এহণ করা বাস্ত্র না। ছণ্ডি, বরাতি চিটি, অভার, নোট ও ষ্টাম্পাটিকিট, ইহার ভ যাহাতে বাঁহার ক্লবিধা হয়, ডিনি সেই बाता भूमा श्रात्यत्र कतिर्वन ।

योशाता होम्लिकिक शाहीहरवन, प যেন এক অংথবা আনাধ আনার অংগিক उत्तरी एक विकिष्ट (श्रेष्ट्र) मा करत्यः।

বখন বিনি সক্ত্ৰল ক্ইডে সোস্প্ৰ मुला भाठाहरूवन, छाहा स्वन (दक्षिकेति : জীয়ুক্ত ৰাব্নকানাথ বিদ্যাভূবণের নামে ≷क्षा (प्रमा

যাহাদিকের মূল্য দিবার সম্ভূতাটাড चामित्व, **अक्यामश्रुत्स** होशक्तिग**र**व লিখিয়া জানান বাইবে, কাল অভীত গেলেও এক বার চিটি লেখা হইবে, ভাহ একমাৰকাল প্ৰাক্তীক্ষা করিয়া কাগলে বং যাইবে। শেষ বারের পঞ্জ বেয়ারিং **३**हेरव ।

মাতলা রেলভয়ের শোণাপুর ে গনের যরে চি**ঠি আইলে আমরা দীত্র পা**ংর।

শাঁহারা মাহুল না দিয়া পত্রাহি প্রার বেন, ভাছাদিলের সেই প্রাদি এহং याहरत ना।

কেং সোমপ্রকাশে বিজ্ঞাপন বিভে याना छोरोत **१५ /**১- **याना** क्रिटि ₹ ধিনি অধিক কাল বিকাপন দিবার ইক্ষা .वन, **डीहोत्र महिष्ठ चण्ड सुम्मावस्त्र हहे**।

🗱 এই পত্র কলিকান্তার দক্তি মাতলা রেশওয়ের সোণাপুর ষ্টেসনের চাকড়িগোভার 💐 ভারকানাথ ভূষনের বাটীতে প্রক্রিসাম্বার প্রাপ্ত बक्षानिक रहा।

(मायशका

১১ 🖛 ভাগ!

r 75431

प्रवस्तां प्रकृतिविताय पार्थिवः सरस्तो अतिमदती न दीयता

কে মূল্য ১ এক অভিনি বাধিক ১০ দশ 👌 যে ধাণ্যাসিক ৫॥ সাড়ে পাঁচ টাকা। 🖇 मन ১२१६। २२ व (भीव। ১५-३३। हो बाह्यक्ति

यक्त्रतम् श्राह्मग्रद्भक स्रविष् भागानिक १, ७ देवसानिक प

বিজ্ঞাপন।

হরিনাভি ইং ন° বিদ্যালয়ে ১৮% ক্রের বিকা পরীকাণী দিগের পাঠনার্থ একটী বী করা হইবে। ইংহারা উহাতে প্রবিষ্ঠ বা অধ্যানের বাসনা করেন, জীহারা ১৫ ই স্থারির মধ্যে প্রধান বিক্রের নিকটে মাদি অবগত হটবেন।

ডিবেম্বর

জীবারকামাপ শর্কা ' হরিনাভি বিদ্যালয়ের অধ্যক্ষ।

,জাপুর মেডিকেল হল।

১। এড আরা আমাদিসের ঔষধক্রের কারক, দ, সহকারী, ও সর্বসাধারণকৈ জ্ঞাত করা ভেছে যে, দ্বিভীয় জৈমাসিক ইপ্রেক্ট দ্ব জ্বর্গবশোভ '' স্টারজব স্থোসীয়া, ওয়ার ক, গ্রিটিস প্রীন্ স " ধারা দল সহজ্র টাকা গ্রে ঔষধ পূর্ব্ব প্রাপ্ত হওয়া দিয়াছে। দ্বি সম্প্রতি জ্ঞামরা বিলাভ হইডে সম ১৮৬৮ সালের শেষ জৈমাসিক ইপ্রেক্ট দ্ব নামক অর্থবপোভত্রেয়ধারা ৮০ বালা রাণীয় ঔষধ প্রাপ্ত হইয়াছি। এই সমস্ত ভ্রেনিধিক সাভ সহক্র টাকা মুলো ক্রেয়

২। আগোমী বর্ষের প্রথম ত্রৈমাসিক ইত্তেন্ট লক্ষে চিকিৎসোপধোগী ক্ষন্ত ও ঔষধ ভক্তরপের ও ঔষধ'বক্ষয়করণের নানাবিধ গ্রী ও সক্ষা ও বিবিধ ভৈষক্ষাদি গন ১৮৬৯ সালের ফেক্সয়ারি মাসে বিলাভ ভে পৌছিবে।

৩। আমরা অংথিক পরিমাণে ও খুচরা বুরুণে ইয়ণ বিক্রায় করয়াখাকি।

। এই সমস্ত ख्रशामित जामन विभाषि । । न ७ जनाना मनीन त्यक स्थित्व हेक्कूक

श्रेटन, जामशह को दि ०६ मरश्रेक श्रथान अव धामद्र अपूष्ट बाबू (माणीनाथ (मह निकंछ किया मणावामात्र के दि ६६ मरश्रेक खब्दन खाक अवधामद्रश्र महाद्रसम्बद्ध खिटुक वाबू नम्मद्रभा-शाम श्रमाद्रश्र निकंड (मिथिक शाहेदन श्रेष्ठ ।

কলিকাডা

वरमहाशाधात्र अवश्यातः इ.स. १४७५

-10101-

যৌবনোদ্যান। ও জন্যান্য কৰিতাৰলী।

জীরাজকুক মুখোপাগার এম, এ, বি, এল বির্চিত। মুলা। ১০ চয় জানা। ১৭৬ নং কর্পভয়ালিস জীট সংস্ত পুস্তকালয়ে পাত্রা ধার।

ब्रीडाक्ष्यकर्मास्यास्य । ----र•ः---

ইনানীস্তন নতগুলি অসং লোক অথলাল সারি বশবতী হন্যা অনেরে অর্লোপপূর্ণক গ্রন্থসরণকার্যে প্রবৃত্ত হইয়াহেন। তাঁহারা বিহিত অমনা করিয়া অনেরে বহু আয়ান সম্ভূত গ্রন্থের লোন কংশ একটু ওলটপালট করিয়া সেখানি নজের "সংস্করণ" বলিয়া প্রহার করেন এবং ভাহাদের সৌভাগ্যবশন্তঃ হর ভ এরাপ গ্রন্থের ক্লাবিশেষে সমাদর হয়। সংস্কৃত গ্রন্থস্থারে এই শোচনীয় ব্যাপার পাই হইভেছে।

সাধারণে এই একটা সংস্থার আছে সংস্কৃত রাছে বাজিবলৈধের আমিকভা নাই করেছে বাজিবলৈধের আমিকভা নাই করেছের। গেনে মনে করিলে ছাপিতে পারেন। আর বভ পুথি সংগ্রহ করিয়া গুয়ত পরিজ্ঞান ও চেষ্টা করিয়া কোন প্রাচীন সংস্কৃত গ্রেষ্টা নাইছাছার করা ইউক্মা, কেই মনে করিলে।

অধনি গেখানি চাপতে পারেনুগোর ধাল দিবার মত কছু পরিবর্ত ইউনিবলিটাতে সংস্কৃত প্রবেশ হইঃ এরণ উপত্রবের বাহুল্য দেবা বা ক্রমে সংস্কৃত পুস্তকে বটতলার লাগিতে চলিল।

পরত্ব আমার প্রকাশিত বেশীসং ক্ষের প্রতি এরপ অভ্যাচার না হ নমত্ত বিজ্ঞাপন দিডেছি যে প্রীযুক্ত হন তর্কালক্ষারকৃত দীকা সহ বে নাটক থানি রেজন্তারি করান গোল, ব তর্কালক্ষারের অক্সমত না লইয়া তাঁত সংস্কৃত বেশীসংহার নাটকের পাঠ লইয়া আপ্নরত্বে নিবেশিত করে হইলে কাপিরাইট আইন অক্সারে গাঁ নালিস করা বাইবে।

কলিকভি ঠনঠনে) জীকেদারনাথ ২৭ এ অগ্রহায়ণ সাধ্যায় প্রব

---1 . 1---

মজিলপুর নিবাসী জীবুক্ত বারু
চক্তবন্তী মহান্তে (ভাঁহার করি
আমাকে ভাঁহার স্থাবন অস্থাবন বাবন্ত ভির রক্ষণাবেশানের ভারাপন করি
আমার অভাতে ও অমতে উক্ত সম্পূর্ণ কেই ক্রয় বা বন্ধক গ্রহণ করিবেন না।
মজিলপুর
১০ই পৌষ
জীগোপান্চক্র চক্র

৮ ই ও ৯ ই মাঘ, ইংরাজী ২০ এ জাসুরারি বুগ ও রহস্পতিবার স্থান বিদ্যালয়ের প্রধেশিকা পরীকা হটবে শত বিষয় সকলে পরীক্ষা এচণ করা ক্রতিল্যান ও হস্তাক্ষর।

ভাষা ও বংকের । শাসী পশিত। **बुक्कानारा । क**िनकाका नुर्वाम विश्वा বক্রমার্থ একত আছে মুল্য 📦 মাজ 🖯 **क्षित्रक**किरमात्र वरम्दाशायदात्र ।

----:0;----

4ए मात्रा भर्माभार गरक काछ करा याहे-, যে আন্ত ছই প্রহরের সময় রামশরণ ীনামক খানসামা চারলস নেকিউর বরের ৪ নখড়ের গৌল্ভ হানটীং বিপীটায় একটি, মূল্য ৭ - ০ লভ টাকা ও গলায় ার চেইন ১ ছাড়া ১০॥ জ.র মূল্য ৩০০ লভ চুরি করিয়া পলায়ন করিয়াছে, যে বাজি ই বস্তু আমাকে বাহির করিয়া দিতে বেন ভাহাকে ১০০ টাকা পারিতোবিক

ন করিব। বয়স ১৭। ১৮ বংগর, বর্ণ কাল, বাবরি সম্পুরে দিকে ছাটা, অবস্থা দীখাকার. হা কি**হি**ংগদীয়, সমুখের ছইটী দাঁভ উচ্চ, দেখিতে হাত্রী নয়, শরীর কুশ, ধ অংঞলে বাড়ী।

াকা জুমরাইল } ৩ ই পোষ ২৭৫। মাল

<u>এ</u>ী অনুরচ**জা**রায়

निषयात नहीं।

সম ১৮৬৮ সালের ডিসেবর মানের ১৫ ই ছইচে ১১এ প্রাক্ত ভাগীর্থী নদীর দর্মকমতি জলের সাপ্তাহিক রিপোট /

স্থানের নাম স্ক্রিমণ্ডি জল ফুট ইছি মহামার উপর প্রানদীতে 7 8 হছানায় ъ তথ ংক্তে জাজিপুর ১ on भावेल भारतः জ্ঞানিপুর ১ইডে বছরমপুর

৪৬ মাইলের মব্রে दह्दमभूद क्ट्रेट्ड कार्टिया ৫ - भाहेरलत मर्पः ર কাটোয়া হইতে নদীয়া

८७ माहेश माप् সন ১৮৬৮ সালের ২৮ ডিগেধর বছরম

क है

ভোঘাটের ক্লের মাপ । গচ্ছের উপর

৯. **जीपुक ति है, ऐहे** इ একজিকিউটিব ইঞ্জিনিয়র **উ** সে বর) বহরমপুর ডিবিজন।

লোমপ্রকাশ। ং । শ্ৰ পৌৰ সোমবার।

अवात स्त्रिमाचि हेर गर विमानिया 8 मि साज अदिशाका भहीकातानार्थ গ্ৰন করিয়াছিলেন, তাহার মধ্যে 🧿 ী छेडीर्ग स्टेशास्त्र ।

> -}0;-----निकाविकागः।

শিকাবিভাগছ আগা গোড়া সমস্ত लारकरे अरे बनिया चारकश क्रिया पारकन रा, धारे विखाशच कर्यामत्रीमिरभत প্রতি বিচার নাই, সর্বাধ্যক্ষ ডিরেক্টর मारहरवत्र मरनारवान माहे अवर नवर्गम ক্টের বিলক্ষণ ভাক্ষীলা আছে। ভাঁহারা ঐরণ আকেপের কারণপ্রদর্শনার্থ करहम रव, ६ वदमत हरेल रेर्गिमरभत গ্রেড (অর্থাৎ পদানুদারে বার্ষিক নিয়মে বেতনর্দ্ধি) হইবার প্রস্তাব হইয়াছে। ওরূপ বেতনর্দ্ধির তাৎপর্য্য এই যে, এই বিভাগত কর্মচারীদিপের আয় অপেকাক্সত অপ্প: ইহাঁদের উপরি लाख नाहे; व्यथि हेहाँ मिश्राटक है ने नास মধ্যে নর্বপ্রকার ভদ্রতা রক্ষা করিয়া চলিতে হয় এবং সময় ক্রমণই যেরূপ হইয়া উঠিতেছে তাহাতে অপ্প আয়ে এবং বরাবর একবিধ আয়ে ভদ্র লোকে আর মান সভাম রক্ষা করিয়া সংসার চালাইতে পারেন না; স্তরাং অধিক আয়ের জন্য উহিদিগকে বিভ্রন্ত হইয়া বেড়াইতে হয়; কাজে কাজেই অসম্ভোগ ও কর্ত্তব্য কর্মের প্রতি তিদাদীন্য হয়। ভাছা না হইয়া কর্মচারীরা সম্ভটিতিত কার্য্য নির্বাহ করেন এবং ভাল ভাল लाकमकल এই विভাগে স্থায়ী इहेगा গ্রেডস্টির থাকিতে পারেন ইহাই উদ্দেশ্য। গ্রেড इहेल ; কিন্তু কাহাদের হইল ৷ যাঁহারা পাঁচ শত টাকার অধিক বেভন পান, তাঁহাদের ! পাঁচ

বৰ্দ্ধিত বেজন পাইয়া এ ডিপাৰ্ট कांत्री रहेता थाटकन, देश का मधार्थनीय नरह , किंद्र विशेष छ চনা করা উচিত বে, যাহারা, গ (अ वा जनविक) भाग, जाव आग्रहे चार्यमाक बाह्र निकार श्रेह भारे किছू मा किছू नक्षत्र पार्टक ; उ व्यातक व्यक्ति शहरत के मक्त्रक व्याप्र्या हरेटन। किन्ह गाँहाता বেডন পান, তাঁহাদের অন্নবন্ত্রন ও পরিবারপ্রতিপালনেই মুর उँ। होता किছू अधिक शाहेरल उँ। ह ঐ ক্ষেত্র ক্তক নিবারণ হইয়া রতা হইতে পারে। অতএব এ ছে বিবেচ্য যে, কোন পক্ষের বেডন করা সর্বাত্যে কর্তব্য ? বর্জিত পাইলে যাহারা অধিক জমা ব পারিবেন ভাঁহাদের গুনা যাঁহার বস্ত্রসংগ্রাহের জান্য অস্থ্রিও লাব ভাঁহাদের গু

ও কথা ত্যাগ করিয়া আবার मार्ट्यक्रिश्त (अड इहेवात शत, শ্রেণীস্থ দেশীয় শিক্ষকেরা আপ इक्ष बानाहेश केत्रल कान आ ৰার ক্ষন্য ডিরেক্টর সাহেবের चार्दमन करतन এवर " चान বিষয়ে বিবেচনা করা যাইতেছে গ ভাবে উক্ত সাহেৰের নিকট হইতে প্ৰাপ্ত হন; কিন্তু আৰ্থিছ ৪ বংসর হইল, অন্যাপি দেই বিচে কোন ফলই লফিত হইল না টে জরি পোঠ আফিসপ্রভৃতি গ আফিনস্থ কেরাণীদিগের পর্যাস্ত इ**रे**श (शन, मख्येडि व्यामानट লাদিগেরও গ্রেড কইন্তে চলি হতভাগা দেশীয় শিক্ষকেরা ভাকাইয়া রহিলেন। ইহাঁর: পাপে অসিয়া শিক্ষাবিভাগে ' শতের অধিক বেতনভোগীরা ক্রমদাঃ ক্রিয়াছেন, তাহা জগ্দীখর

178 1 ভাগ ভারতবর্ষের ইতিহাস। **बीवृक्त वह, देए**। বাজালার মধ্যবিভাগের স্বসমূহের ইনশ্রের মী-২১ এ জালুয়ারি সুহস্পজিবার । न**र्पाम वि**म्हानस्य श्राद्य**ार्थो**मि**रत्रक्र** মারক হইবে। পশ্চালি**খিড বিষ**্কে ছীত হইবে। সম্প্রতি ৪।৫টি ৪ ভি খালি হইবার স**ভাবনা আছে।** সাহিত্য ও ব্যাক্রণ 11 नम्बिक खग्नारम् भर्गः अ ার ইভি**হাস**। লের চারিভাগের স্ল স্ল বিষয়ের ক পরীক্ষা আরম্ভি ও ব্যাখা;) বাঙ্গালার মধ্যবিভাগের সিডের বিলাপ মুদ্রিত হইয়া প্রকাশিত পুত্তকের কলেবর ৮ পেঞ্জী করমার वर्थार २১२ *जु*र्का। मूला ५० आसा বেশকে হয়, ঠনঠনিয়া সংস্কৃত বচ্ছের व्रष्णस्वा भएके काळाव्या माकूर्या अध्य **श्रुक्तकारम अञ्चयकान क**ंद्रस्थ हे इंडि। জীলিবনাথ ভট্টাচাৰ্য, हा सु**न** কলেজ য়োসংস্ভ পুস্কাল্যে ও পটোল ष्ट्र(४) जामात कान्नामित **(माका**र्य ও মংপ্রচার্ভ নিমুল্থত পুজুক্তলি প্রণীত हुना **ইভিহা**স 61751 蚕 মইতিহাস भगात यहाकत्व আনা

2

ð

ঐঘারকানাথ লক্ষা

ত্ৰার (১ ম ভাগ)

≱শার (২ র ভাগে)

---;0;---

প্রচারিত !

वाध वर्धकरन

विवय अवासि विकाशर्थ

প্ৰকৃত।

देश्याकी वाकामा भूष्टक काश्रक्ष कनम नामा विषयसामि भाउता यात्र अवश भूष्टकामिए ४० अक जानात्र दिगादव कमिमन मि । जांधक गेकात्र भूष्टक नदेश्य ४३० जानात्र हिमास्य भादेरमा

জীবুক্ত বাবু কালী প্রসন্ন সিংহ মহোদয়প্রণীত গ্রদ্য ১৮ পর্ক্ষ মহাকারত ১৭ খণ্ড ৩ তাগে উত্তয সংযত ফরা ৩০

নংগ্ৰহম। কোপিয়া অৰ্থাৎ উষধ কল্পা-বলি ২॥•

মহম্মদের জীবনচরিত উত্তম রঞ্জিত ১ হরঠাকুরপ্রত্তি প্রাচীন ক্বিওয়ালাদিশের গীতসংগ্রহ

শারীরিক স্বাস্থ্যবধান ১ প্রশন্মপ্রবাহ উৎকৃষ্ঠ কাব্য ১ • আহঃ সন্থিদ দাগ্রিনী ১ঃ

প্রথম ভর্জিনী ১

বছনাথ ঘোষকৃত সংগীতমনোরঞ্ন ২ নরনামজন্তুকার্ কবিষ্মারকানাথ রায় প্রীক

রাসরসামৃত সংস্কৃত ও পদ্য ॥
গীতগোবিক জারদেব গোঁলামি প্রণীত মূল
ও ষছনাথ নায়পঞ্চানমকৃত গদ্য ১০০
কৌতুক তরসিণী ইংরাজি কেমেপ্ররি হইতে

বিবিধ আশ্চর্যাঞ্জনক বিদ্যাদশন হয় ১৯ প্রতিমৃতি সহিত ১২৭৬ সালের ফুল পঞ্জিক।॥

ঐ হাফ পঞ্জি ।• হুগমিক্ল পদ্য

ক্ষলতারিণী ॥ সঙীক হতী মূল ও অস্থাদ সহিত ৫

হরিভসঞ্জী ইহাতে মিউটীনির বিষয় বিশেষরূপে বর্ণত হইয়াছে ১৮০

ইংরাজি ১৮৬৯ সালের এট্রেসের কী ১॥১/ কুমারীকুমার পদ্য জ্যাদিরস্প্রধান কাব্য ১

সংগ্ৰহ ৰোহিনী শক্তি ।/ গৰেশচক্ৰ শৰ্মাকৃত ৰাজনা এটলাস উত্তম

গণেশচক্র শশ্মকৃত বাকলা এইলাস উত্তম কাগজে ও উত্তম অফরে মুদ্রিত ভ

বিধবাৰিবাছ নাটক ১ কামিনীকুমার রসরত্বাকরাস্তর্গত নায়ক

নামিকাঘটিত সুরস কাব্য ৬০

মণিকুগুলা কাৰ্য প্যারীমোহন বন্দ্যোপা-ধ্যায়প্রণীত হুর্গেশনন্দিনীর মত লেখা ১

उवधिक्य नर्दी श्री

ভুটিপ্ৰাৰলি ভংখানি ৰাজালা সহিত

স্ক্রীক হৈতন্য চরিতামূত গ্রহ কান্ত্রিনী নাটক আইনসংযুক্ত ২ একত্রে

উধাহরণ পদ্য

হিভোপদেশ বিষ্ণুশন্মার সংগৃহীত কলিকাতা লোড়া- বিশ্বতাপচন্ত্র সাঁকো ৩৪ নং নগদ বিক্রে

পুরাণ প্রকাশ।

विक्थू श्रुजान ।

অস্থ্যানও টীকা সমেত প্রত্যেক ৮-পৃষ্ঠা (অগ্রিমমূল্য)॥•।

বিনি এইণভিলাধী ইইবেন ভিনি মৃত্
আমহরষ্ট্রীট ৩৪।১ নং ভবনে কারপ্রে
যন্ত্রে অথবা কলিকাতা সংস্কৃত বিদ্যা শ্রীযুক্ত জগুলোহন ভকালকারের নামে ধত্রেইক্টা অগ্রিম মূল্য পাঠাইবেন। অ না পাইলে বিদেশে বিঞ্পুরাণ পাঠাই নিয়ম নাই ইভি।

ৰিক্ৰন্নাৰ্থ।

----:

গায়ভেন রীচংগ নং বাটা ভগামসহ

তীঃ কংজোড়া বাগান।

উপরি উক্ত বাগান ও বালী যাঁহারা করিতে অধ্যা লইতে ইচ্চা করেন, নিয় রিও ব্যক্তির নিকট জানাইবেন।

> গিলেওারস্**আর**বো থনট এবং কো

হালিসহব নিবাসী জীয়ুক্ত বৈকৃষ্ঠনাথ কলিকাতার অন্তর্গত ক্লোডাসাঁকো বার ঘোষের জীটের সধ্যে মৃক্ত রাধানাথ কু দক্ষণ ভূমি গুলার থারদা বলিয়া উহা বিজ্ঞ সংবাদপত্রে ক্রেভ্রণতক অক্সান করিছে আমি এজনারা সকলকে আত করিভেছি উক্ত ভূমি ভাঁহার থারদা নহে এবং কেই উহা ক্রের না করেন।

কলিকাভা চোরবাগান ৪ঠা পে]ৰ ১২৭৫

এচিফ্র সেখর কুন্ত**ু**

মংপ্রণীত কবিতাকুরুমাঞ্লি সং

विভাগের কয়েক अपन सम्बीध कर्य ব্রেডের অন্তভূতি হইয়াছেন , किंद्व हेशांट जानतानत कर्यहा । অধিকতর বিষয় হইয়াছেন। এই দ তাঁহাদের শক্ষাতীয় ভ্রাতৃগণের ত দৰ্শনজনিত ঈৰ্ষ্যাব্যতঃ নহে; ন হতাশতা বশতঃ। তাঁহারা ভাবি हंन रय, यथान डेक्ड डेक्ड कटशक व्यन নরীকে (যাঁহালা এ বিষয়ের **জ**ন্য শক্ষীয়দিগের নিকট ছুকথা বলিতে াতেন, মোর করিতে পারিতেন, ান,াযাতার বিচার করিতে পারি , সমবেত হইয়া ইংলতে প্রাস্ত मन कतिहा अकरो। शांतराश তে পারিভেন ভাঁহাদিগকে) কিছু দিয়া মুখবজা করা হইল, তথ্ন াপরকে কিছুনা দেওয়াই কর্তৃপ. ळक्ठ डेएममा। मर्था अक बात छेत सारहतक्ष्ठ मिक्सकसिरक्षत র নিয়মাবলীর এক ফর্দ কোন সংবাদপত্তে প্রকাশিত হইয়াছিল। তে যেরপ সংখ্প পরিমাণে কৃদ্ধিং লিপিত হর তদ্দানে সাধারণোই য়াৰ জিলিয়াছিল; কিন্তু এখন রা ভাবিতেছেন যে ভাষাও খদি তথালি এনাই মামা অপেকা কালা ভাল সমায়ে ভাল ছিল; কিছ ্সর মতীত হইল সে কথারও কোন উচ্চবাচ্য লাই। ফলতঃ যথন দিকে সকল বিভাগত সকল কথা ই এেড হইয়া গেল বা হইতে চলিল কয়েক জন ছুৰ্ভাগা দেশীয় শিক্ষ হাতে বঞ্চি রহিলেন, তথন া অবশাই এই অসুমান করিতে ব বে. ভাছাদিবের ডিপার্টমে**ন্টে**র । क्ष मः टब्टबत व विनदा मुटनाट्यां श ম্থব: উচ্চার কথা গ্রণ্মেটে হয় নাংকিন্তু এই উভয় অসুমা शदम्ब शदक ममान् द्वानकत्।

উপরি উক্তরূপ অবিচারসংক্রান্ত (रुजुरारित डैं। होता चात्रल कट्रन ख, अक्टन विश्वविद्यालस्त्र नित्रमाञ्जादत ममल कारमध्य मश्कृष्ठ मारखन स्था পনা হইতেছে: কিন্তু সংস্কৃতের অধ্য প্রকলিগের প্রতি গ্রণ্মেণ্টের সমুচিত थाचा नाहै। প্রেসিডেন্সি কালেজে अटकमत ७ व्यामिकोन्छे अटकमटत ममुस्रोटत ১০ জন ইংরাজ ও বাজালি আছেন। ভাঁচারা বার্ষিক বৃদ্ধিত বেতনের নিয়মা মুদারে দক্লেই ৫ শতের অধিক কেছ কেই ১২ ৷ ১৩ শ টাকা পর্যান্ত বেতন পাইয়াথাকেন ; কিন্তু ঐ কালেজে দংক্ তের প্রফেদর ও আদিষ্টাণ্ট প্রফেদর যে চুই জন আছেন তাঁহারা কক পান ? এই কয় বৎ দরের মধ্যে সেই ৩ শ ও ২ শ টাক:ভিন্ন এক কপদাকও ভাঁহাদের র্দ্ধি হয় নাই। কেন ? ভাঁহারাও ভ প্রফেদর। যখন অনঃ বে কেছ (বাজা-লীপর্যান্ত আনিকান্ট প্রফেদর হইয়াও ভন্ম:ধা প্রবেশ করিলেই গ্রেডের অন্তর্ভূ ত হইডেছেন ভধন ভাঁহারা না হন কেন ? ওধানকার সংকৃত প্রফেদর কৃষ্ণকমল ভট্টাচার্য বি. এ, কি এত অযোগ্য লোক যে তাছাকে এেডের অন্তর্ভ ক্ষিতে পারা যায় না ? অথবা এছলে যোগাাবোগাভার বিচারের প্রয়োজন কি পূ যথান ভাঁহাদিগকে প্রফেশরের পদ দেওয়া হইয়াছে, তথ্য উচ্হারা যে সেই দেই পদের সমুচিত যেগাি ইছা অবশাই স্বীকার করিয়া লইতে হইবে। মদি ভাঁছারা অধোগ্য হন, তবে ভাঁহা দিগতে অমন পদ দেওয়া হইল কেন ? **बञ्चमारा भाष्ट्र अञ्चलारा (बाज्यना** নিয়ম হওয়াই মায়িসজত। অভএব যথন ইংরাজী প্রফেদরমাত্রেই ৫ শত 🤹 বার্ষিক নিয়মে বর্দ্ধিত বেতন পাইতে লাগিলেন, তথন সংক্ত প্ৰফেদরের। कि व्यथताथ कतिशाष्ट्रन त्व, उँग्राह्म

ঐ নিয়মের অন্তত্ত হইতে বা হইবেন ? ইহাতে কি সংক্তাখা দিগের প্রতি গ্রণ্মেন্টের অনাস্থা হয় না ?

ভাঁহালা আরও কছেন যে, থে ডেন্সি কালেকের সংক্তাখাপ গের প্রতি গবর্ণমেন্টের অবিচা বিষয় উপরিভাগে যাকা যাকা উলিট रहेल, भक्षलक काल्यमभूट्हत र ভাষ্যাপকেরাযে কেবল ঐমাত্র চার অञ्चर करबन এक्रथ नरह, उँ प्तत आरता किছू (वभी आरह। मधु মফ্ৰল কালেকে এক এক জনঃ সংক্ত প্রফেশর আছেন, তাঁহাদিং '' উঠান কাঁইট অব্ধি চঞীপাঠ প্ৰ্য্য অর্থাথ ফাফ ইয়ার ক্লাশ হইতে যে ইংার ক্লাশ পর্যান্ত চারিটাক্লাশে অধ্যাপনা করিতে হয়, ভদ্তিন ছ দিগের লিখিত রাশি রাশি কা শংকোধন করা আছে। তাঁহা পদের পূর্বে • আদিটাত " একটা উপপদ দেওলা ইইলাছে; চি উহার অর্থ ভাঁগারা রুঝিতে পারেন : বধন একটা বই প্রফেনরের পদ ন তথন তাঁহারা কাহার আদিটানী যদি এমন ভাবা যায় যে ভাঁছারা এখ यात्रिकोन्टे अटकमदतत शरप निर् হইয়াছেন , কিন্তু দন্য় হইলে ভাঁছা উপা আর এক এক জন প্রফেনর নিং हहेरवम, जोहा हहेरल ब्यावात कहे अ উप्थिङ इस (य, (म ममग्न कर्द इंडेर् यथन मकल (अनी एउ हे मः ऋ एउत्रीक পনা इंड एक एक, यथन अकि वर्ष है कि উঠিতেছে হ্ইয়ঃ উচ্চতর g দেই কোদ ভাঁহাদিগুকেই পড়াই

দেওয়া হইতেছে, তথ্ন আর কি হই

कानारेश (एउश

অন্বতঃ

यति

তাঁ হ

উচি

শ্ৰুভ

८म मगन्न रहेटव, हेरा

कानिएक शाहितन,

গকে

क्तिएक शारतम। यमि अमन कहा यात य ছাজनःथात चडाछ त्रिका इहेटन ঐ পদের স্ফ হইবে না, তাহাও যুক্তির সহিত দাঁড়াইতে পারে না। ᢏ । अहेत्रात्र म्लाकें कतिया (मथ, कर्क् शक्ति मत्न मत्न अकति निर्द्धादिक छाउ नः था चार्ह, मकवन कारनरक यङ दिन দে সংখ্যা পূর্ণ না হইতেছে, ত**ত** দিন কোৰ যত উচ্চ ইউক, কাৰ্য্য বস্ত কঠিন হউক, পরিশ্রম যত ক্লেশকর হউক, व्यागियोग्डे मः क्उ टाक्म तम्भित তাহা করিতেই হইবে। কিন্তু ঐ সংখ্য পূর্ণ হইলে ভাঁহাদের উপর আনর এক জনন প্রফেদর আংদিয়াবদিবেন।ইহাকি যুক্তি मक्ष १ के मन्था भूग इंदेश डीहारमज এক জন আদিটাণী নিযুক্ত হইবেন ইচ্ই যুক্তিসক্ষত। যুক্তি এবং সকল স্থানের দক্ল ডিপার্টমেন্টের আচরিত ব্যবহার দিয়াদেথিলে কেহই দ্বিতীয়টা ভিন্ন প্ৰথমটীকে সজত বলিতে পারিকেন ন।। গার ছাত্রসংখার ভানাভিরেকে ভিনিগের লিখিত কাগ**জ**সংশোধনের ⊅ছু কু≀নাভিরেক হয় এই মাত্র ; নচেৎ াঠনাবিষয়ে মূলোভিরেক অধিক নাই। ০ টাছাত্রকে পড়াইবার জন্য শিক্ষ-কে যেরণ পৰিতাম ক্রিতে হইবে টী ছাত্ৰকে পড়াইতেও ভদপেক। ठाउकमध्यम क्रिट्ड इ≷र्वना। रू **कार निकटक**त्र शरक व्यवस्थि एति াণীতে শংক্ত শাহিতোর অধ্যাপনা াযে কিরপে কঠিন কর্ম ভাধাযাঁ হার: ক্ৰজানাক্ৰিয়াছেন, ভাহাদের হৃদ্র र हरेवात नटह। किन्छ यकत्रन লেজে যে কলেক জন সংক্তান্যাপক ब्राट्डन, **इंडॉ**टन्ड श्राप्त मक्लट्ड्ड ড়। গাড়ীর ছোড়া বলিলে বলা যায়। াদিগকে যত টানাও ভতই টানি

অধীন হয়, ভাঁহারা ভদর্থ চেন্টাও

(रन किছूटकरे ना रशिएक कार्मन ना डीशता एवं कह शार्तिन, मूद्ध ब्रक्त क्रिक्न महोत्रमाठ कट्डन खळाना (व कन मान कि १ ३६० सहस्य होका। सम् अंड होका किছू कम द्वीका सत्त ; जारव कथा रहेरण्ड बहे स्वत्थिनिए का कार्यक इरे जन व्यथानाहरू विकास निकास करतन, सक्ष्यरंगत्र हेर्डामिश्राक अकाकी অবিকল লেই কার্যা নির্বাহ করিতে र्य, चर्षा छ्याकात अभिकाली क्षर्यम রেরও ফে কেন্ডন, ইহারা ভাষাও পান ना (कन ? इंचरत्रिक व्यक्तित्रतित्रत সময়ে প্রেসিডেজির প্রকেরর ও মফ-স্বলের প্রক্ষেণর বলিয়া বেতনের তার-**७मा इस ना, ७८व मः इ.७ शास्त्रत** দিগের বেলায়ই হয় কেন্? অভএব উঁহোরা অস্মান করেন যে, হর্তৃপকী। রেরা যেরাপ মুখে বলেন্যদি অন্তরে দেই রপ সংক্তের প্রতি আখে। করিতেন এবং যদি ডিকেক্টর সাহেব এইসকল বিষয়ের কথনও অনুধাবন করিভেন, চেন্টা করিভেন ভাগা ইইলে ক্লাপি এরপ বৈষমা থাকিতে বা হইতে পারিত না।

সংস্তেগৰণ্মেক্টের জনাস্থাবিষ য়ক এমাণপ্রদর্শনার্থ ভারার আরও বলেন যে, ইঙ্গরে আ কালেজে যিনি যিনি প্রফেদর বা আদিফাল্ট প্রফেদররুণে নিযুক্ত হইয়াছেন, তিনিই গ্রেডের অনু. ভূত হইয়াছেন ; কিন্তু সংস্ত কালে- কুলের থাড মাটার বাবু চত্তি (सत क्रिशान वातू ध्रमस्क्यात मर्दा विकाश शाहरक करेत हाईकृतनत (र ধিকারীও আনদাপি আেডের আয়ুভূত মান্তারি পদ দেওখা হইল এবং এং হটলেন না !! বিদ্যাদাগরের পর কার ইন্সরেজি বিদঃবিং অভুংকু मः ऋ उ कारणदम् त त्यिक इ जिल्ला इहे बाझाली त्य करत्रक सन आह्मन, थि। য়াছে প্রদান বাবু ভাহার মূল। যে প্রদান বারুর বিদাা, যক্ন ও হাড়ভাঙ্গা পরি खरगरे मरक्ष कारनरमत हारजता बन, ब, बि, ब, ଓ बम, ब, नहीं का इक्ट-

कार्या इटेटल्ट्स, त्महे क्षमन वांबू কালেকের ক্রিকিপাল-পড়িয়া লেন ৷ ত্রেড ইইল না !! অণ্ডাপ্র (क्र का निष्ठाल शहरकमत्तिहर्गते e हरेल । हेश कि अकुरकमान जिला है। লজ্জার বিষয়নহে ? সংকৃত কা महौमाहाभौधाम (य कर्मक सन তকেদর আছেন জাহারা এরপ অ লোক যে, ভাঁহাদের অনুভার त्मरे शह शूर्व कहा कठिल हरेता ; ইহাও কি আকেপের বিষয় নং তাদুশ অসাধারণ অধ্যাপক মহাশ একটি গ্ৰণ্মেন্ট প্ৰধান কালেকে য়াও যাৰজ্জীবন প্ৰায় একরণে ৰেড व्यक्तिवाहन क्रिटलन !!

পুর্কোলিথিভরূপ অবিচার্বি প্রমাণ প্রদর্শনারে ভাষারা ইয়াও থাকেন যে, এছুকেশন জিপাড মেটে প্রাপ্তি বা প্রোন্নতিবিষয়ে এগণ্ণে কোন বিচার নাই : যাঁহার আহুরে: অধিক ভোর, তাঁহারই थादक। विना। त्रि मीर्घशाववि প্রভূত অহুোরে নিকট দু हेट छ भारत सा। हेशह क्षासानार्थ अ ৰাক্য বায় করিতে হইবে না, এই এ माञ मुखीफ मिटलई शर्या। ध इहेटब সম্থিক বিদ্যাকুদ্ধিসম্পান বহুল শিক্ত বার বনমালী মিত্র ও নবীন माम প্রভৃতি প্রার্থী থাকিতেও हে डी होटल व मध्या है अक अन श्रामीक विनि व्यवस्थि २२१२ ३ ४२ मा काल भा (सक्षे कृटन (इस मास्ति : · · · कानाच क्रिया कामिर र र (अ া, ধার্ষিকতা ও ভদ্রতায় বঙ্গভূমির বেলস্ক্রপ দেই প্রাচীন শিক্ষক বাজনারায়ণ বস্তুকে উপরি বর্ণিত হেড মান্টার চণ্ডীবারুর অধীনে মান্টার করিয়া দেওয়া হইহাছে !!!

---:0:---

সিবিলসার্জিস প্রীশা।

गिहारा **अटलभीश**निगटक कांडा-নপরবশ বেথিয়া উপ্রাস করেন, ারা ইহাঁদিগকে জাতিভেদৰশৰজী া উচ্চপদগানের অবোগ্য বিবে-করেন, ভাঁহারা এক বার ইংলওছ ন রাজপুরুষ্দিগের সিবিল্সবিহিস কাৰিষয়ক অভিমানটীর চন। করুন। বিবেচনা করিলেই তে পারিবেন, অভিমান পরিভাগে কেমন কঠিন কর্ম। এ দেশে দিবিল ৰ প্রীকাএথা প্রবৃত্তিত হয়, এ দেশের যাবভীর লোকের ধ্বাঞ্চিত। অক্তঃ সমাচারপক্ত **एटन्ड्रा क निधिष्ठ व्यक्ते शहर ही** २ করিতেছেন, ভারতব্যীয় সভাপ্র उक्ष विषयः अक्षामीन मरहन। किन्ह वृथा व्यक्तिमार्ग हाक्यभुक्षप्रमिन्तक অভিভূত করিয়া রাপিয়াছে যে, রা উলিখিত বিসহয়র উপরোগিতা বিশ্যক্তা হৃদয়ক্ষম করিতে পারি.

ন না। সে অভিনান এই, ভারতযদি সিবিলগার্কিন পরীক্ষপ্রথা
ইত করা হয়, অধিকসংখা ভারত
সিবিলিয়ানপদে অধির চ ইইকেন,
প্রীয়দিপকে ভাঁহাদিপের অধীন
চলিতে হইবে। ইউরোপীয়ের।
নেশীয় ও কেতৃজাতীর, আর ভার
যেরা বিজিতা বিজিত কাতীয় হইরা
হাতীয়ের উপরিপদহ হইবেন,
নানাফা কেতৃজাতীয়ের এটা সহা
। এ অভিনান দে অভি অকিঞিহ
ইহা অভিনান দে অভি অকিঞিহ

(वाधनमा इहेवात न है। विभि (य शरमत स्वान हेदन, जिन्हें तह शम शाह दन, जिन्हें तह शम शाह दन, जाहात जाजि ७ वर्ग विद्यान हैं। नेटह, हेहां दे विश्व मृत्यान जामा कि मामता करणाह में दारा करणाह में दार करणाह में दारा करणाह म

কলিকাভার ভারতবর্ষীয় সভা ভার. তবর্ষে সিবিলসার্কিন পরীক্ষার আবিশ্য কতাঞ্জিপাদন ক্রিয়া যে আংবেদন করেন, ক্টেটসেক্টোরি ভাষার যে উত্তর निराट्डन, ভाहाई आजि आमामिटनद এ প্রারম্ভের কারণ। উত্তরপত্তের স্থ্য তাৎপর্য: এই, '৽ দিবিল্লদার্কিদের পদ-গুলি এর শ লোকের হস্তে সমর্পণ করা আবিশার, বাঁহারদিপের ছারা রাজ্যের युक्तिन इहेश आकामाधात्रात्व ममधिक केशकात्र मार्भवात मध्यवना। योशका ইংলপ্তে যাইয়া লেখা পড়া লিখেন এবং সেধানকার উংক্ট রীতে নীতি এবং রাজকার্যপ্রাণালী হচকে দেখেন ভাঁহাদিগের মধ্যেই ক্রপ্রকার কার্যাক্ষম লোক অধিক হ্ইবার সম্ভাবনা। অভএব ইংলগুভিন্ন অন্তরে প্রীক্ষাগ্রহণের নিরম করা বিধেয় নছে। "

শ ইংলওভির অন্ত প্রীক্ষাগ্রহ
নের নিরম করা বিধের নকে। ল এই
বাক্ষের সমর্থনার্য বিজে প্রদর্শিত হইরাছে
নে, যাঁহারা ইংলওে যাইরা লেখা পড়া লিখেন এবং ভত্রতা রীতি নীতি ও রাজকার্যপ্রশালী স্বচক্ষে দর্শন করেন, ভাহোরা সমন্ধিক কার্যক্ষম এবং ভাহা-লিগের দ্বারা প্রকাসাধারণের সমন্বিক উপকার দর্শিবার সন্থাবনা। এই যুক্তি সারবভীও অথ্ঞানীয় কিনা, অগ্রেবিবে চনা করা আবশাক। যাঁহারা নিরিল নার্কিন পরীক্ষার্থী হইরা ইংলওে গিয়া লেখা পড়া শিখিবেন, ভাঁহাদিগের ভ্রার কির্মণ শিক্ষা হইবে ? ভাঁহারা

ख्यात्र भिन्ना दक्वल निवित्र नार्किन कार्य निर्मिष्ठे अष्ट्रक्षात्र अशहन বেন এইমাতা। যে অধ্যয়নখনে ৰাজ ও কাৰ্যক্ষতা জলিবার সে रुव, उँशिक्तित्व त्य भिका अदे ध सहेटव । काश यमि सहेन कटव, ८ मिविलमार्कित्मत निर्फिष्ठ शुक्रक পড়িবার নিমিত্ত দেখানে যা धर्माकन कि ? अथारन विशा আমরা দেখালি শিখিতে পারি, পুরুবদিশের ভাহাতে কিছুমাত্র नाहै। हेश्ल ए अत्र ही जिनी जिल व প্রণালী দর্শনের বিষয়ে বক্তব্য দেওলি এ দে**শের অপেকাউৎকৃ**ট त्रा मरमाह नाइ जम्मान छे दक्ष লাভের যে সম্ভাবনা ভাছাও আ নহে; কিন্ত যাঁহারা ঐতালি দশনি রাছেন, ভাহারা অতাক ও অসা क्रमाञ्चामण्यम् इडेग्रा व्याहित्सन व उँ। गामिरभव कथा मृत्व थाकृक, याँ। আজন্ম হাল ঐগুলি দর্শন করিয়াল काँदानिरगद्ध श्राम श्राम श्रमाम চর। পকাণ্টের যাঁচ্রোকধন ইং मर्भन करतन माडे, डैंग्डामिरशत व्यटन मितिरमात कायामका छ। मुक्के इहेटक्ट्रह अज्ञाल कड्ल, डाठा इस्टल वह नि করা সজত হয়, কংমাদকতা হওয়া : भाषां , उक्षातक् (ब्याटक्टमर व्याक्षणाः যাঁহাদিগের চিত্তে দেই ক্ষতার ভ আছে উহোৱা যেদেশে লেখা শিক্ষা করুন, সেই দেখেই ভাঁচাটি (गई कमडा कचिर्य। डीहानिर्शत ওের রীতিনীতি গ্রভ;ভ: দে**খা** হ**ই**(না এম্ন নয়। উহিরো স্বচকে ৫ তেছেৰ নাবটে, কিন্তু প্ৰত্ত সম शर्कातिएक को हा मर्कनः मर्भन क ছেন। গ্রন্থাদিতে পাঠ করিয়া যদি অন্য দেশের রীতিনীতিপ্রভৃতিজ্ঞা না পারিতাম, ভাছা হইলে ইবি

ার জীপুত্র বৃধু হরেদাস দত ও জীপুত্র বৃদ্ধি क्षा विक्रमाञ्जायन मन्द्र अध्यक्ष अधियुक्त वस्त्रांनी ৰদ্যাসাগ্ৰ, শাক্ষিডীচরণ বিদ্যাবাচম্পতি, भेषामाय विकादक, प्रामरणाला । वक्तालकार (दिश्वहर्षाः नाष्ट्रवृष्ट्, श्वास्थ्रद्वाय च्हाहार्यः কুত অনেকর:শাণ পাওড ও তথ গোক মুপ, ৯৬ । ছলেন। গভ মাদেক সভায় বে জ্ঞাবভাল ধাৰ্থ হয়, প্ৰথমতঃ ভাহার স্মা माठना क्षेत्र । (मरणत्र क्षिक्त कार्यः) चरनक शिषाद त्य छैरमाइ अ यत्र क्यारह, काहा कें।हा গের একতা সমাগমধারাই বিলক্ষণ প্রাওপর ইতেছে। নাজলপুর বজাবদ্যালয়ের গৃহনির্মা ধ প্রধান জ্বমীদার জীযুক্ত বাবু গোপালনাস

ত মহাশ্যের নিকট প্রার্থনা করা হয়, ভাগতে নি স্থুর সে বিষয় সম্পন্ন করিবার আনাধাস য়াছেন। একটা সংস্কৃত চতুক্পাঠীসংস্থাপন মিও বিদ্যাসাগ্য মংশিয় স্থান দিতে সম্মত চেন এবং আংশুডে!য ভট্টাচার্য্য মহাশর क्षन क्रुर्योकः व्यक्षां भक्तर श्रद्ध व्यव् র্যাতেন। জায়নগর ও বহড় (বদারশয়র্যের মলন্ত্ৰ্য উপ্ৰেদ্যালয়ন্ত্ৰের অংক্টো ক তরুরোধ করা যায়; জায়নগর আহুলোর পাদক এ প্ৰজ্ঞাব **ত্**নিয়া **অভিনয় আননিদ**ত য়াব্যার ভাবে সাধারবের ম**ললার্থ যা**হা

হাড বোধ এইবে, ভারাতে উঁহার অংনা মত

বেনা বলগাছেন। ব**ং**ছ বিদ্যালয়ের

গ্রেক খেরূপ বৈজ্ঞ ও উদারাশয়, ভারাতে

.র .২৮৫টত জংমরা এইরূপ সম্ভারের

'भ्राक्त्रा

বিংবে লুভেন প্রভাবের হণে; গুটী প্রধান ব ভে: সাদকের লোকান ভুলিয়া নিযার নিমিত মেটের নিকট হোর্বন, করং। দেশীয় ভয় দিকোর আংকার বহিত আভাবেদনপার মাঞি বি নিকট প্রেরিড ইইবে স্থির ইইল। যে টী অমঞ্চলের করেল বলিয়া দেশের অধি । (साक प्रमुखांत कतिरुम, नवर्गसके | ছবোৰে যে ভাছার প্র∜ভ,বগান কবিবেন ফরণবোধ হয়না: মদও ওলির প্রায় এপ্রদেশের অন্শেষ অনিষ্ট ২ইডেছে : ক্রীয়ভঃ গ**ঞ্**র মধ্যে মধ্যে পাকা রাস্তা ग केत्रो। विधाकोटम १८३३ व हाट्डे (यजाभ हरू, जाहार्ड निक्रेड्ड वांगवानी अन्दर्भः हर कष्ट व्हेम थारकः कोकीमात्री हारङ्गद টাকা আছে। জরিদাস বাবু ভাহা হইভে ার্য্য দম্পন্ন করিবার নিমিত্ত মাজিট্টেটের

श्चार्यमा कविद्वम ।

व्यागामी (शोष मध्दम व्हिट्डविनी मुखाद अक्षे विद्यार गड़ा रहेरव । हेराटड शूर्क अला वर्फ विवयनकरमत मीमारमा कतिहरू स्ट्रेट अवर দেশের বর্ণমান শুভাস্থানসকলের কার্যনিব রণ হইবে । দেশহিজেবিসাহী সকল মহাত্মা এই সভার সমবেও হন আনাদিলের একাভ প্রার্থনা ।

মজিলপুর ১০ ই পৌৰ ∫

महामहा मधकरप्रहे अहे क्रशास्त्र शांक অধিক লোক সং ও বিনীত হয়। এই জন্যেই অংমার্দিগের পুরাতন ব্যবস্থাপক স্মাঞ্রাভি চালিশী ও প্রতিকুল। কামিনীগণের বিবাসন রূপ দত্বিধান করিয়া পিরাছেনঃ পুরাণ প্রসিদ্ধা অনকরাজছ্ছিত। ঐ দওভোগের নিমিত্ই মহামূনি বালীকির তপোবনে বিস জিত হইয়াছিলেন। কিন্তু বর্তমান সময়ে अ (मर्टन व) छिनातिनीत स्कान मन्छ नाई "विनिवा ভাষারদিলের স্থির সির্জ জাতের। পুরাতন रावक प्रनीति निव नम किया आधानिक दासानिष् :मेव'वरल अन्।ताल मध्यितान. हेरात अन्। कत কি ছই দেখিতে পাওয়াধায়না। বস্তুত: দগু বলি নামক গ্রন্থে ব।ভিচারিণীর প্রভকুলে। কে'ন দওনিয়োগট করা হয় নাই : কেবল সামাজিক এই ক্ষনা নিয়ম নেখিতে পাওয়া যায় যে পরিবারের সধ্যে কোন জীলো.ক नाजिहान्द्रमांच क्षक'न इहेरल कर्जुशक खंड (भाभार पारे कुलकलकानीएक छर्जन। का গুরুজন প্রকার করিয়া থ'কেন, অথবা চুর্জন বিচ্ছামেলানামক একটি উৎসব কইয়া লিয় নীয় ্লোধনেগ সম্বৰ করিছে অল্জ হইয়া এপ্রস্তি ভালার রস্তান্ত প্রকাশ হইছেছে জারনিরভার আংশবিনাশ করিয়া নিজুই কারণকি ইজ কার্য যদি কে'ন বি উপারে ঐ হত্যাকাও পোপন করিবাব চেষ্টা ব্যক্তিব নারে সপেল হইত, ভ.হা হইলে পাইর' থাকেন। ইহার প্রথম দপ্ত--- (ভংসনা ু ठाणु একাল করিবার আবিশ্যক্তা ভিল্ নাঃ वा अक्षेत्र । क्षात्र देवतिनीता अङ्गिकः कट्यं चथन छहा आमात्र व्याप इहे, इ इके ্ধ. গোবসংস্গঞ্জিত কুখ বিধাতা অতি ভ্ৰম ভালালনেচনত লাল ক্ষা কাৰ্য্য ক গোলান উপভে'গ কৰিতে বলিয়াছেন। শেষ। চইটা আছেন সম্পেহ্নাই। তহ্যাত প্ৰ नख-(প्रानित्र) यमि श्रकाम म्यु-द्राक्टदारु প্ৰমণ হয়, হত্যাকারী ধাবক্সীবন দ্বীপান্তর (८) विक हम, किया शिविधारमव मधिक वसकात কান:বড়ন্দ থাকেন। ইহা দেখিয়া ব্যক্তিচারি-नीता बरे मिका करत स्य बः छिडात स्थि नग्न, বল ৬ চারিণীর লওদাত (ধাই সম্পূর্দোলী ব-লিয়া গুরু দ**ও ভোগ কবেন।**

मन्भारक महास्य : ममाद्वात अहे (माह-শীয় প্রস্থাতে ব্যক্তিচার দেশে ক্রমণঃ স্কল

आत्य ७ मकम शतिवादत श्रविष्टे हेहेवा পাববার কল ক্ষত করিয়া ভুলিভেছে পরিমানে জী। শক্ষার উপায় করাই इक्ट কর্ত্তশক্ষের ভীক্ষর্ভিতে আপন পা সভাব পরীকাই করন, কিছ বীজি ওলডর মতের ব্যবস্থানা হইলোএই নাশক ব্যক্তিচার দোষ উপশ্ম হওয়ার माहे । महाभन्न ! शतको इत्राम शुक्रायत मध **स्ट्रेटन, क्यांत शतश्रुक्रयश**म्हन । निर्देश वैविनिया पूष्टिनाक कतिर्देश মের এই অবাস্তর স্থেদের কারণ আমেরা পারি না : উপদংহ:রকালে नमान्द्रक जन्द्राध করিভেগি ব্যক্তিচারিশীর গুরুতর দওদানের জন্য छेडादन कड़न। किन्छ जामानिरशत अ. क्टिमरन ना करतन (व, जामता विधवानि विश्वक, आमता एक वाकिहातिनीत भाषस्यत्र निभिष्ठ श्रश्याव कतिएकहिः চার শ্রেণত নিধাবণের নি**মিন্ত প্রস্তা**ব छिहि। विश्वादिवाह नर्सक श्राहतिक কামরা জগদীবারকে শত শভ সহত্র বার ধন্বাল প্রদান করিব গ্রায়েন্ডরে য किष्ट्र निथिएक हेम्ह् क विक्तामः

কলিকাত। ১-৭৫ সাল ১ ই পেষ বশস্থ **ब्रिक्ता** बनाथ

-:0;--মহাশ্র ! গতে ১২৭৪ সালের চৈত্র ম शरकाष्ट्रिक **महा का इ**धर क लिकाक।

হিত আংক্তোষদেৰ মহাশ্যের উদ্যা

আর একটি বিলেশ উপকার এর উলা ছ বাধারণে কানিতে পারিবেন সাউ হারা যে

দান করিয়াছেন, ভেজারা দেখেব মদল ও কার সাধিত ইইরাছে। ইহা জানিতে পারি উলোৱা আবো উপোলাধিত হল্যা পুনস্থার अ**श्रमकाकतः क**िर्मःतः माः विकास

ধ্টতে পারেন, কিন্তু উৎস্থবিষ্ঠুণ প্রথ ন। করিলে বিপরীত ঘটনা হইবার সম্ভাব্য আশ্চরের বিষয় এই, গড বারেব বিষ

श्रकाल ना कब्रियाहे शुनकांद जानाभी रे সাংশের মেশার জন্য চাঁদাবিহি আক্ষর করাইং ত বাহির করা হইয়াছে। এই কি নব গণের সার্থতা ও বিজ্ঞতার একটি জ্বল নহে? পৌষ} একান্ত বশহদ এ

भिद्र ! एक सिलान, त्यतिस अध्यादः। त्राहर প্রফে একটা আক্রান্ট্রা ছে। বাজারে এক জন মৎন্য বিজেয় করি ৰ। ভাল্য জ্ঞী ভাল্যে পাৰ্থে প্ৰায় ধ । 🤏 পয়সা পূৰ্ণ একটী থলিয়া সক্ষ্ত াউপরে রাখিয়াবসিয়াছিল: আংকাঅংক ইয়াড়ে এমন সময়ে এক আচন আমাসিয়া <u>ঐ পর্যাপূর্ব থলিয়াটী লইয়া প্রস্থার</u> চন্ত্রীলোকট ধর ধর বলিয়া চীৎকা*া* s ক.রতে ভাগের পশ্চাৎ পশ্চাৎ ধাবমান চোর একট বেশ্যার বাটীমধ্যে প্রবেশ । স্ত্রীলোকটীও প্রবেশ করিবরে উদ্যোগ ১ সেই বালজনা ও **ভাগার বা**ংব । व्यक्तिप्राप्ताकारक दानीमर्पर धरवण চনিধেশ করিয়াবলিল, চোর অসা দিকে ৰ প্ৰিয়াছে। একানে আইদে নাই। কেট কি ৰয়ে, কোন করিয়া অলপ্রের ধ্যে প্রবেশ করিকে পারে না। স্থান্তরা চ ফিরিয়া আসিতে ইইলাকি আক্ষয় সময়ে শত শত লোকের সম্থে এবং त करर्नत कार्य अहे कार्या वर्षेषा एतल । ল সাতেংগেরা বাজারে য রয়াকি কংবন ১ নিজ্ঞান্ত ভোট লোক নহেন। পায়ে জ্তা (भोक्तिमा अलाहेबात अभग এकचानि জিয়াসিয়াছে। অসুমান হয় অঞ্জে গুলিদোর বা বেশাস্ক্র ব্যক্তর স্বায়াই । হইয়া ধাকেবে। পুলিষ একটুমিনো-दिल्ल ≩ प्रतिराक्त भारतम अध्यक्ष के क्रुका ারা অহসেক।নের ঋনেক সুবিধা ≢ইডে

ইতিপুর্নেই ঐ রূপ আব একটা ঘটন।
গিয়াছে। এক জন গোপানী সভাও।
তেকতভাল বস্ত্র গৌত করিয়া গাজি
ন প্রান্তী বাঁসেগাছ ও জনতে এরপ
্রান্তী বাঁসেগাছ ও জনতে এরপ
্রান্তী দিও বেলা গাকিছে জন্মকার
বিষ্ণা হয়। নগা পিয়া স্বান্তি প্রান্তী ছোট
হল ক্রন ব্যান্ত এক জন জাসিয়া
ইত্তিত কাল ছোল ব্যাক লইয়া টানা

টানি আরম্ভ করিল। চীৎকার করাতে চতুর্দ্ধিক হইন্ডে লোক আসেয়া পড়াতে কাজেই তাহাকে শলাইতে হইল। সম্পাদক মহালয়। নামপুরের গলে যে একটা গুলীর আড্ডা মাহে এগুলি ভাহার দল। যেখানে গুলির প্রাহর্ভায় সেই খানেই এই রূপ চৌর্যাদির বিষয় গুলিতে পাওয়া যার। যাহা হট্যক পুলিবের একটু সন্তর্ক হওরা উচিত।

৩ ৷ সম্প্ৰতি এ স্থানে একটা শ্বাল কিও **१हेग्रा शाग्न १४:३७ व्यनटक ५९मन क**ित्रप्राटकः শুসাল ও কুরুর কিন্তু হইয়া দংখন কারলে হাইভূফোবিয়া হইয়া প্রায়ই মৃত্যু হয়। বোগ व्या स्थापन स्थल अध्यान प्रशासक है वह शाहक उन्हें। দের মৃত্যু নেশ্চয়। শুনিলাম কয়েক জন পড়িয়া লক্ষড়াম্'তে শুগালটীর জীবনসংহার করি গাছে। গাজীপুর প্রামটী এরপ কল্পপূর্ণ ও গ্রার এক শৃগাল থাকে যে, সহ্যার সময় পে**বিবে বোধ হয় যে এটী শুগাল**প্রধান ছোন। নধ্যে মধ্যে ছই এক ধর মাত্রে মহুদেরে বস্তি আছে। এফানের শুগালগুলি নিকটস্থ গলাব संवभारम एक व क: तथा अवर प्रमुखा मह्या(म এরপে সাহসী ও মাংস লোলুপ স্ইয়াতে যে কুকু त्रक **क्या** कड़ी मृत्य शाक्क, प्रभूष, निकाउँ **म∷फ़ाই**श्रा शांकित्वङ कि**हुमा**ज कील इद्र ना এবং চকু মুদ্রিত করিয়া কিঞ্ছিৎকাল শ্রান था करन ७।≱ात शाद्ध **स्ट्रेट** माटन उक्कन প্রিডে সঞ্চিত ছয়না। পুর্কে এই শীতকংলে অনেক বাংহ্রে জা**নাদের অঞ্**লে শ্রাল শীকার করিডে কাংসতেন। তথন এতে শ্বা দৌরাক্স দিল না। একতে ভাঁহারা थ।हेर्यन ना, आध्यक व्यवस्थितं इहेस्टाः । গত ব্ৰে একটা নেকজিয়াবাদ আনিয়াবল এবংসরও একটী আসিয়া উপদ্রব আরম্ভ ক.শ য়াছে। বেংধ হয় আলামী বৰ্ষ অবসি জেটেে সঙ্গে জানিতে পারে: যাহা হউক, যে গেন शकाद्व अ **क्रांतित समाग कर्डन करा व्यास्त्र**ातः ২৪ এ ডি7েস্বর)

मृगा धार्षि ।

কস্যাচিৎ পাঠকস্য

ভিনিত্ত বাবু কামাখাচেরণ মুখোপানায় রঙ্গুত ১০৭ পোষ হইতে ৭৬ জৈচি । ক্রি এই ১০৯ হর্ডবেশ শুরু ময়মনসিছে ১০ মাজলা রেলওত ১০৯ বৈলাসচন্দ্র দেব বড়বাজার । চাল্ডিগোভার ১০৯ বারকানাথ, মিত্র কলিকাভা । । ভূষণের বালিগে ১০৯ বিশ্বনিচ্ছা ব্যোগাধ্যায় কলিকাভা ১০ থকালিভ হয়।

শ্বিশিমাৰকাৰ ভাতুতী কলিকাৰ শ্বিশিস্থ্য বলেৱাগ্যধ্যয় পিতি

সোরপ্রকাশসংক্রান্ত করেক্টি বিশেষ নিয়ম।

শাব্দ মূল্য ও ভাকনাপ্রল না পাইটে থলে সোমপ্রকাশ প্রেরণ করা যায় না। ইংর জ্ঞান মূল্য বার্ষিক ১০ টাকা বাল্যাসিক ৫॥০ টাকা সক্ষালে তাক সমেত বার্ষিক ১৩, বাল্যাসিক ৭ এবং সিক ৩৮০। তিন মাসের প্রুনে জ্ঞান গ্রহণ করা যায় না। ছণ্ডি, বরাতি চিঠি, জ্ঞান, নোট ও স্থান্দ টিকিট, ইহার ভ্ যাহাতে ফাহার স্থাবিধা হর, তিনি সেচ দাবা মূল্য প্রেরণ ক্রিনেন।

ষাঁহার। স্থাম্পটি।কট পাঠাইবেন, র যেন এক অথবা আদি আনার অধিক : ওরসীদের টিকিট প্রেরণ না করেন।

যথন ধিনি মফখল কট্ডে সোমগ্র মূল্য পাঠাইবেন, জাহা খেন বেজিট্র শ্রীযুক্ত ছারকানাথ বৈন্যাভূগনের নামে গ ইয়া দেন।

बंशिक्तित भूला निवास ममग्न अपने क व्यक्तित, अक्यामणूर्ण छोशिक्तित निविश्वा खानान यांकेत, काल आठीफ भारत्व अक वात किति लाथा इहेत्न, खाश अक्यामकान अखीक्त कविश्वा कांगळ व्य गहित्य। लाम वाद्यत नाज व्यक्तित ।

মাতলা রেলওয়ের দোগাপুর ষ্টেসনের গরে চিঠি আইলে আমর। শীত্র পাইব।

योक्षता माञ्चल ना किला शक्तापि स्थातः .वन, शिक्षापिटशत स्मिहे शक्तापि जन्म याहेटव ना।

াহতে না ।
কেন্দ্র সোমপ্রকাশে বিজ্ঞাপন দিছে
বিবেশ ভাঁহাকে প্রথম তিন বার প্রতিপ্রতি
নানা ভাহার পর /১০ জানা দিতে হুই
বিনি জাগিক কাল বিজ্ঞাপন দিবার ইছে। বন, ভাঁহার সহিত সভান্ত হুইবে

 शार्धिक कम रहेछ ? आमानिशदक धो विन कालात त्रजाख्यात निष्ठां ह अस रहेता थाकिट हहेछ।

উপরে যেরাপ অদর্শিত হইল, ওদ্বারা ভেট সেকেটারির প্রদর্শিত যুক্তিভয়দেহ বিকলাক আপভিযাত বলিয়া প্ৰতীয়মান হইতেছে দদেহ নাই **স্ভোতীয়ের। সভাবতই বিজিত্**দি-গকে আপনাদিগের সমকক দেখিতে অনিকছু প্রতরাং উট্চারা অভি অকিঞ্চিৎকর রুম আপ্তি করিয়া বিজিতেদিগকে নিরস্ত করিয়া রাখিবার চেন্টা পান। অতি প্রাচীনকালের কথা থাকুক, যে রোম সমুদায় রাজ্যের অপেকাসমধিক সভাতাসপাল ইইরা ছিলেন, বিজিতদিগের প্রতি মাঁহার व्यापिकाक देवात वावहात मुख्य हरेड, সেই রোমই আপেনার প্রাধান্যক্রিধ-স্তহইয়া যাবভীয় কার্ব্যের অনুষ্ঠান করিতে পারিতেন না। বিস্তর হস্তা-র্ঘা করিয়া প্রিবিয়দিপকে ক**ন্স**ল এ ভৃতি পদ লাভ করিতে হইয়াছিল। এম, লিৰিয়েদ ডুদদ ইটালিকানদিগকে োমের নাগরিকস্বত্রপ্রদানে অধ্যবসাহ-হওয়াতে হত হন। ৰ † ন থব ভৌটদেকেটারি আমাদিগের প্রার্থনা পূরণবিষয়ে যে বিমুখ হইবেন, ভাহা নাশ্চর্যোর বিষয় নতে। অনোর কথা ক, এই ইংলও ধেদিন আমেরিকার । श्रीन जानारन मक्ट ज मम् छ इन नाई। ত্তর আমেরিকা কোন ক্রমে দক্ষিণ ামেরিকার স্বাধীনতা দান করিতে ারিলেন না। ইহার কারণ কেবল विश्वानात्रकः। व्यापनामिट्यतः श्रीका ন্য অভিমান প্রিত্যাগ করা সহজ , একথা আমিরা স্বীকার করি; কিন্তু ব্দুকুষদিপের বিবেচনা কর। কর্ত্তব্য সময়ে বে পরিবর্ত আবশাক ভাহা া উচিত। তাহার বিপরীত ব্যবহার

काती वहेंटल व्यक्ति है। जाम मनत वहिन्छ वहेंदात व्यक्ति व य उरम्म वत्र, बीज खाहात व्यक्ति व्यक्ति विक ह दाशान कातन

जैनश्री का का निर्मा के निर्मा के निर्मा का जिल्ला का निर्मा का निर्मा का निर्मा का निर्मा का निर्मा का निर्मा के निर्मा का निर्मा के निर्मा का निर्म का निर्मा का निर्मा का निर्मा का निर्म का नि

--:0?--

নিমুক্তর বিচারশক্তিনিয়োগ।

अंशरण यमि अखका अविक्रिक विका-রপতিদিগের যোগ্যতাদি বিষয়ের **অসু**-मकान कहा योष्ठ, अधिकारम डेभेयुक लाक मृक इंडर्यन गरमह नाहे। প्रा-তন মুক্ষেফদিগের অংশকা একশকার বিশ্ববিদ্যালয়ের পরীক্ষোম্ভীর্ ছাত্রগণ বহুগুৰে উৎকৃষ্ট। এফাৰে বিশ্ববিদ্যালয়ের পরীক্ষোক্তীর্বাক্তিদিগকে যে এই পদ প্রদান করিবার নিয়ম করা হইয়াছে, এটা ভাষারই ফল। কিন্ত 'ছঃখের বিষয় वह, वह अपृष्क्क नियममध्या हेरात व्यवक्षक अक्षेत्र (नाम श्वविष्ठे इहेशाद्य) বে যে ৰিষ্য় হইতে আনাদিগের ইউ লাভ হয়, যথোচিত সতক্তাসহকারে তাহার বিশুদ্ধতা রকা করিতে না পারিলে তাহা ইইতে সচরাচর অনিট হইয়া থাকে। প্রস্তাবিত ছলে যে অপ কার হইতেছে, তাহা এই:---

मुख्यां क सम्पत्क विश्वविद्यालय हेरेएक

: মুচ্চেফপদে অভিডিড হ हेर्गित्भव वतःकम अक्षाः नक नार्वे अपना कथा कि शहर काती, मेमनश्रक्तित अवस्था व्यक्ति मार्ट, छाराउ रेर्डाता म विष्ठात्रामदम् विशिशः देशामिशदः শিক্ষা করিতে হয় ; প্রতরাং ইং ছই তিন বহু সর প্রাস্ত আন একান্ত অধীন হইয়া থাকিতে হয় नाता देशें मिरभन ज्यां कि करत কিন্ত দে প্ৰাতির একটা নিগু আছে। দেখৰ্থ এই বে বিং অতিশয় নিৰ্কোধ ও অযোগ্য; ধু চারিগণ যাহা করেন, প্রায় ভাহ বিচারপভির এই অযোগ্যতা কোন কোন ছানে দেখিতে যায় এক এক জন আমলা বিচার বেত্তনের অপেকা অধিক উ कतिया थाटकना मकल काटक ह व्यक्तशीमगरक छेटरकां मिरक भूटनकिं एशत क्षेत्रकाहिक ह উহোরা অনেক জটিল মকদমাব ছেন , কিন্তু এ অবস্থায় সুবিচারে দুর সভাবনা তাহা সকলেই বু পারেন। বেখানে আমলার প্রভূব थारन मझल नाडे, वींगे मर्सवाहि ৰ†ক্য

এই অনিউনিবারণ অবশা ক
অতএব আমরা প্রভাব ক
কিবল অনুবোধপরতার হইরা বি
পতি নিরোগ করা যেন আর না
শাহারা অন্তঃ ভিন বংসরপ
ওকালভি না করিবেন, ভাঁহাদির
মুক্ষেফি পদ প্রদান করা বিধের র
পূর্বের এই নিরম ছিল। তথ্য মুক্ষেয়ে
৩০০ টাকার উপরের মকদমা করি
পারিতেন না। ৩০০ অবধি ২০০০ ট
প্রান্তের মকদমা এক জন বহুদ্দা র

্য তাহা কেন না হইবে, আমিরা ত পারিভেছি না। পুর্কে व्यामानक (क्लांब जनमिर्भर পেরাম শিক্রিয়া মুক্তেফ নিযুক্ত তন'; প্রধানতম বিচারালয়ের াদে ক্ষমতা নাই;লেপটন্ট প্ৰ-**২ত্তে** নিয়োগভার এছণ করিয়া ইহাতে অধিকদংখা অনুপযুক্ত নিয়োগেরই সমধিক সভাবনা ছ ; कि छ गथन मिट्न विहान कथा धरः ऋविष्ठारतत छेशरत ণ রবর্নেটের কীর্ত্তি ও অস্তিত্ ' করিতেছে, তখন প্রণ্মেণ্টের नि इहेश को छ करा कर्छवा। अव-যদি প্ৰথানতম বিচারালয় ও র জজনিগের মত লন, তাহা জানিতে পারিবেন, বিচারপতি **র পূর্বের ওকালভি** করা একান্ত धक। **इंश्लार७ क**्रे निश्चम थाकार७ া বিচারপতিগণ স্বিশেষ থগাতি ক্রিয়াছেন।

.नद्र निकट्टे इंडेंड। ७४न मुर्फ्नक ।

বেতনও ক্ষমতা রৃদ্ধি হইয়াছে;

এতদেশীর রাজ্যসমূহের এক্ত উর্ভির উপায় কে ? ররতব্যীর প্রণ্ডেন্ট যোধপুত্রর কে এক বৎসরের সময় গিলা বলি ন, এই সময় মধো ঘটিদ ভিনি স্বীয় উত্তনৰূপে শাসিত্না করেন, ভাছা ভিঃহাকে টক্ষের ভূতপূর্ব নবাবের তে পদার্পণ করিবার নিমিত্ত প্রস্তুত চহুইবে। যোধপুরের রাজা যে স্থ্য অকর্মণা ও অভ্যাচারপরায়ণ র সন্দেহ নাই। তঁ.হার অনেকগুলি **লংছেন , ইহঁ**⊹দিগকে ৫১চুর **অর্থ** মর নিমিত রাজানা:র ও সুবিচারে ঞ্লি, দিয়া অনেকের সম্পত্তি

জন মন্ত্রীর হতে রহিয়াছে; রাজা অধি কাংশ সময় নর্ডকী ও ভাঁড়দিগের: সহ্বাসে অভিবাহিত করেন। এই ছুর্জি কের সময়ে জয়পুরাধিপ তিপ্রভৃতি অনেকে অনেক সহকর্ম করিতেছেন ; কিন্তু বোধ পুরে রাজা কিছুই করিতেছেন না বলি লেই হয়। এই কফের সময়েও জোধপুরে কর আদায়ের ক্রটি নাই। শাসনদোবে বে রাজস্বের হুাস হয়, যেংখপুর ই্≢া স্পষ্টক্রপে সহমাণ করিতেছে। রাজায়,দিয়ধার্থ উপযুক্ত ও দেশহি চৈষী হইছেন ভাছা হইলে এইসকল অনিষ্ট কখনই হইত না। ছুর্ভিক্সনিবারণ মনুষ্যের সাধ্যাহত্ত নয় বটে; কিছে উপ যুক্ত শাসনকর্তা হইলে ছুর্ডিক্ষসময়ে লোকের কথ্ট অনেকাংশে ক্মিতে পারে ৷

ধোধপুরের রাজার এইপকার অনেক माय मृ**उ इट्रेट्ड्इ वर्ष्ट**; किन्नु अह একটা প্রশ্ন হইতেছে যে, এতদেশীয় হাজ উপযুক্ত হইলেও প্রস্থাগণের যথার্থ মজল হইবার সম্ভাবনা আনছে কি না ? আমরা অনেক বার বলিয়াছি, প্রজা দিগের বিজে: ছের ভঃই সুশাসনের अवान कात्रण। सन्हल (परमात जाकाजाई) প্রজাদিগের জীবন ও সম্পত্তির উপরে অসীমক্ষতা প্রদর্শন করিতে চাংহন; কিন্তু এ জ্যাদিগের আপস্তি ও পরিণামে বিদ্রোচের ভাৱে ভ*ংহাদের সে অভিলায সম্পূর্ব হয় না। শাসনকর্তার বিরুদ্ধে বিজ্ঞোহ করা প্রজাদিলের স্থাভাবিক ও আবশ্যক স্বস্থ । ঐ স্ত্রানুত্রপ কার্যাখারা আমেরিকা, ত্রীস, ই টালী ও স্পেনের স্বাধীনতালাভ হইয়াছে। ইংলত্তেও এই সত্ম পরিচালিত হইয়াছিল। **अथ म हाद्रलटमद्र मखकटष्ट्रमन ७ विटो**य জেমসকে দূর করাই ইংলত্তের স্বাধীন তার প্রকৃত কারণ। কিন্তু এতদেশীর द्राज्यामभूतह्त क्षाजारावद ये यह नाहे। হরণ, করিয়াছেন। শাসনকায়া 🏻 এক 🍐 खिषिन गवर्ग**मणे ब्राह्मामि**एगत निःहान

নের স্থায়িত্বের প্রতিভূম্বরণ রহিয়াত मुख्ताः काहारणत विस्मारहत्र खग्न म আবার ব্রিটিশ রেসিডেণ্ট সর্ব বি হস্তক্ষেপণ করাতে তাঁহারা অন দেশের অসীমক্ষমতাশালী শাসম मिरशेव नाम वाक्कारमा **७ म**रनार নহেন। এ দিগে প্র**জ**্গণ যদিও বিধ ক্রিতে অসমর্থ; তথাপি রাজার বি সমুচিত বশাভাব প্রদর্শন করেন মধ্য ভারতবর্ধের একেণ্ট কর্ণেল গত রিপে,টে লিখিয়াছেন, "রা যেপ্রকার ব্রিটিশ গবর্ণমেণ্টের অ ঠাকুর ও জমীদারগণ সেপ্রকার র ক্ষতাধীন নহেন। "জমীদারগণ একটা ক্ষুদ্র রাদ্র্য; ইহু,দের সকলেরই গুলিকরিয়া দৈন্য আছে; স কেহই করপ্রদান করেন না৷ বে আংইন মানেন না, রাজারা যে উ ক্রিতে চাহেন, জমীদারগণ তাহার বন্ধ করেন। এইপ্রকার শোধ অবহা সরাপেকা যে:ধপুরেই ভ দুকী হয় এবং বোধ হয়, ইহাই রা উদ:দীনোর গ্রেপনে কারণ। এ আমাদিলের গ্রণ্ডমণ্টের বিবেচনা কর্ত্তা যে, ওঁ হারা 📇 জাদিগকে যে স করিতেছেন ত হা সর্ব সাধারণের উয় না অনিটের কারণ হইতেছে : স্বাধ না থাকাতে রাজারা কর্তুব্যে উদ রহি::: ছেন; ও দিকে প্রজাগণ শাস ণালীর উল্তিবিষয়ে হতাশাস রাজার প্রতি যথোচিত সন্মানপ্রদ হভাদর হ্ইয়াছেন; সুত্রংং রাজ্য দস্যরুত্তি, অবিচার, মূর্পতা ও কুদংখ दिलक्ष श्राष्ट्र्जाव इहेटल्टइ। এই অনিষ্টনিবারণের উপায়

রাজা,দিগকে কেবল সৎ পরামশ ক্ষান্ত থাকিবার সময় অনুতীত হইয় इत नवर्गरमन्छे अक कारण ताकारि वाधीनका अधान कक्षन , नटहरू काम कस्त्र । अहे छे छत्त्र स्ट्या অপেকা শেষ । কারণ এক কালে সম্পূর্ণ স্বাধীনতা म कतिरल ताकरान पूर्व कारलेते কেবল যুদ্ধ বিতাহভারা পরস্পার ম্পারের রাজ্যহরণের চেফী করি তাহাতে রাজোর অনিষ্ট হইবারই সন্তাবনা। অতএব তাহা না করিয়া দিগের কার্যের উপরে বিশেষক্ষে ক্ষপ করাই গবর্ণমেন্টের কর্ত্তব্য। বা চিরকালের নিমিক্ত একপ বাব क्रविटंड विलिट्डिंছि ना। श्वर्गरमणे াততঃ রাজাদিগকে বর্তমান মুর্ব

শ্চরিত্র মন্ত্রী বিচারপতি ও কর গাহকদিগের পরিবর্তে ফুডবিদ্য চারী,দগকে নিযুক্ত করিবার অনু কেক্সন, কলিকাতা, অংগরা বোষাই ধাক্রাচের বিস্তর কৃতবিদা প্রাপ্ত হওয়া

বে। তঁহারা ম,জিবেঃভৃতি কাথোঁ ক্তি হইলে রাজ্যের স্বিশেষ উন্নতি ভের সম্ভাবনা। মধ্যে মধ্যে ছুই এক ইউরেপীয় সিবিলিয়ানকেও কিছু

নর নিমিত প্রেরণ করা হউক। এত শীয় রাজগণ কেবল আড়ারের জন্য দকল সৈন্য রাখিয়া পাকেন, তাহাদি 🏻 ক ছ:ড়াইয়া দিয়া বিদ**ালয় স্থাপিত** ११ इंडेक। এইসকল काक इटेटल

জারাক্রমশংক্তবিদাও সংস্কৃত্রি বজ্ঞানে সমধ হইবেন; প্রজাপণেরও

भाइतृक्षि इडेरव। यथेन मूर्विहात ও ধ্রিকা কর্ত্তব্য বলিয়া সকলের বোধ ग्रिट्द, उथन द्विजिटफणे निगरक नामाना

রামশ্রিনবাতীত অনাকোন বিষয়ে ন্তঃপনি করিতে নিষেধ করা হইবে।

বুটিশ গ্রহণ্মেণ্ট রাজাদিগকে যে ডিশ

ুর অবস্থায় রাধিয়,ছেন, তাহাতে এই

াণালীই অবলয়ন করা বিধেয় হইতেছে।

নির্বাসিতের বিলাপ। এখানি শদ্য মর প্রস্থ। কলিকাতা সংক্ত কালেকের অন্তর হাত্র প্রযুক্ত শিবনার ভট্টাচার্য हेरात तहना कतियारक्ती लामधकान পাঠকগণ ক্রেকারের ক্রিড্রশঙ্কির महिक भविष्ठिक कार्ट्स मनद्र मनद्र (मामध्यकारमा में भग्राक्षीन अठातिक रहेताहिल। अङ्ग्रंब खेरांब विषद्य आभा मिरात कि अधिक वला आवमाक इरे তেছে না। এইমাত্র বলৈকেই পর্যাপ্ত হইবেঁ, পাঠকগণকে উহা পাঠ করিয়া রুখা সময়ক্ষেপ হটল বলিয়া আক্ষেপ করিছে इहेरव ना ।

২। কাব্যপ্রকাশিকা পঞ্স খড়। ইহ:তেও সংকৃত শকুন্তলা ও কুমার সম্ভব চলিতেছে। ক্রমে ক্রমে ইহার ল,ক্ষত হইতেছে ৷

৩। চৈত্রমেলার দিঙীয় সমুৎ সরিক (১৭৮৯ শকের) বিবরণ। ইহাতে উব্ত মেলার উদ্দেশ্য ও এছৎ সংক্রাস্ত অন্যান্য বৃত্তান্ত বণিত হইয়াছে, মেলাস্থলে যেসকল বাদলাও সংকৃত কবিতাপঠিত হয় এবং যে বব্তৃতা করা হয়, তাহাও উক্ত হইয়াছে। দেশীয় লোকেরা প্রস্পার সদ্ধাবসম্পন ইন, এবং অনোর মুখাপেকীনা হইয়া স্বদে-শের কল্যাণকর কার্য্যসম্পাদনে সমর্থ इन, इहाइ जे भागात अधान फेरफमा। মেলার অধ্যক্ষেরা এটাকে কৌতুককর ৰ্যাপার করিয়ানা ভুলিয়া যদর্থ ইহার मुर्कि इहेमारह, याप हेहारक एवमाधाना প্রোণী করিয়া তুলিতে পারেন, তাহা इट्टेल अविधि महरकार्या मन्नामिक इट्डा छैठित्व मरमञ्जाहे। जामापिरनेत अक জন পত্রপ্রেক গৃতবৎসরের এতৎসংক্রাপ্ত আয়বায়বৃদ্ধান্ত দেখিতে না পাইয়া আক্ষেপ করিয়াছিলেন, আমরা তাঁহার কৌভুহলবিনোদনার্থ আর ও ব্যরসমষ্টি

উদ্ত করিয়া দিলাম। সাহায্যলক ১৪৩७, এবং বার ১৪⁸২১/১০ টাকা

৪! চিতাবৈশৈদ কাবা। ব निवानी अधुक वार् नेगानहत्त्व वनू ত্রাক্ষর বাদন। পদ্যে ইহার প্রণয়ন ছেন। **যথেক্টারী যু**বকদিগের ব ্রণন করিয়া ভাঁহাদিগকে তিরক अञ्चलकामान है हेरात छ एमणा। **উ**न्मिया निक् स्टेशास्ट् ।

विविधमः वामः।

১৫ ই পৌৰ সোমবার :

সিটনকার সাহেব পররাক্রবিভাগের गै।वि. २३ वा अवनी छेखम काळ कदिए ইডিপুর্মে সেজেইরে আফিসের এব সংবাদপত্রের সম্পাদকদিগের দর্শনার্থ যোগ্য প্রসকল রাখা হইত। সিট্মকা नाकारमध्य मञ्जानकनिश्वतः मर्राम করিতেছেন। সেক্টোরি কি **এতদে**শী বাদপত্ত্বের সম্পাদকদিগকে কোন বিচ সংবাদ এেরণ করা প্রা⊾শসিদ্ধ হরান

विश्वविद्यालयां त्रत अस्य ल (त्रक्तिक व প্রদান করিবার প্রস্তাব পরিস্থার্য করি গত মধলধার লাভবিশপের বাদীয়ে মজলিস হইয়াছিল। গ্ৰন্ত জেনবুল, (গৰণীর এবং বিস্তব ইউরোপীয়াও এ ভদ্নোক তথায় উপস্থিত হুইয়াছিলে

ডাক্র ভাউণাজি বে'বাইয়ের শা ছেন! টাইম্সুতবে ইভিয়াবলেন অপেকা অধিক সন্থান্ত লোককে : কর। সভাবিত নর। যাহাসর সাইমর ল্ডুকরিলেন, ভাছাসর বাটল ফ্রিয়া লোকেও করিতে সাহসী হন নাই।ক जेक्षकोत निर्धात १३८७ **এখন**ও **म**र আছে : সর বার্ণেস পিকক থাকিতে

লাভ মেয়ের সঞ্জ বোলাইয়ে গ্রুয়াতে মাগদালার লাভ নেশিয় চিত সংমান হয় নাই। সকলেই মুখ জেনরলের প্রতি সম্মানপ্রদর্শন 🔻 কিন্তু থিওডোৱের জায়কারীকে অধ্ স্মরণ করিয়াছিলেন। লাভ নেপিয় পের সকল স্থানে সমান পাইয়াছেন শাক্ষের। উাহাকে যথোচিতরীপ সমাদর তেওঁহাদিগের একএকার অভুডভাডা

ভারতব্যীয় টাইমস বলেন, থাকবজ্ঞি নর নিমিত্ব প্রধান কমিসমরের আর এক কারী নিমুক্ত করিবার আঞা হইয়াছে। বতন ৮০০ টাকা হইবে। সর রিচাড ও নিয়ম বহির্ভ প্রদেশসমূহের কর্মচা র নিমিত ব্যস্ত হইলেন। পঞ্চাবের আকাউন্টান্ট জেন্বল আর, টেল্র ক কলিকাতার মনিঅভর আফিসের করা হইয়াছে।

চনের বোধাই হইতে পুনায় গমন করি। নাড নেয় বোধাইয়ের জিজি ভাই য়ে ও বালিকাবিদ্যালয় দর্শন করে।

বাই গেজেট কাবুল হইতে সংবাদ পাই
আবছল রহমন খা কাবুল জাক্রমণার্থ
টেসনা আনয়ন করাতে সিয়ার আলি
রাট ও ঘোরিয়ানক্তি লাসনকর্তারা
ন অধিকায় করিয়াছেন। ছুর্কিস্থানের
া আবছল রহমনের উপরে বিরক্ত হও
কোনসহকারে আমীরের প্রভুত্ব জীকার
ছ। আবছল রহমনের জনেক সৈন;
র দলে আসিয়াছে। সন্ধার বিপত্ন হইয়া
র্বনা করিয়াছিলেন; কিন্তু সিয়ার
১ ত হন নাই। হয় শীপ্র য়ুল্ব করিয়া
১ ত হন নাই। হয় শীপ্র য়ুল্ব করিয়া
১ বিহও প্রায়নভিত্র জাবছল রহমনের
৪র নাই।

জম খার সময়ের কাবুলের শাসনকর্তা সমস্থিন খা সিফুডে, পলায়ন করিয়া ট্রাকে সেখানে বাসস্থান দেওয়া লক্ষের পলায়িত স্ফার্দিগকে কেটে রাখা উচিত নহে।

াই ব্যক্তির ভূতপূর্দা সেকেটারি ব্লেষ্টার জ্বানবদি গুলীত হুইয়াছে। সর চার নের প্রায় থাবতীয় প্রদার উত্তরদান ভনি. হুয় প্রেমচাদ রায়চাদের দোষ চেং স্মরণ নাই বলেন। পরিশেষে সর আফ্রন বিরক্ত হুইয়া বলিলেন, '' ভূমি আফ্রন বিরক্ত হুইয়া বলিলেন, 'ভূমি আফ্রন বিরক্ত হুইয়া বলিলেন, 'বুমি আফ্রন বিরক্ত হুইয়া বলিলেন, '' ভূমি আফ্রন বিরক্ত হুইয়া বলিলেন, '' ভূমি

পুর্বর ডিরেক্টর বলিয়াচেন, সুেয়ার

ম্ধ্যক্রি**রে প্রাম**শ ন লেইয়া ব্রক্তি

বিনা ব**ক্ষ**কে টাকা কৰ্ল্ভ দিভেন।

अक ममरत्र (श्रमहाद द्रायहोद २६००० होको माज कर्क दिए बर्धम । किन्छ (बन्नोन मार्ट्य नै।ह न के होको विद्योहितम । अहे श्रकारत द्रारक्षेत्र अन्न कृषि हहेग्रार्ट् ।

ইতিয়ান ডেলিনিউন বলেন, সম্প্রতি কডল লৈ লোক স্থান্ত কালি কালি আৰু আৰু আন (ইউরোপীয়) নহকারী আহাদিদের লাইনেল দেখিতে চান। দেখাইতে বিলম্ম হওয়াতে সহকারী এক জনকে প্রহার করিলেন। ইহাতে কাঠ রিয়ারা রাগামিত হইয়া দলবভ হওয়াতে সহকারী আপনার ব্যুক্তমারা চারি জনকে আহত করিরাজেন। এপ্রকার ঘটনা বিরল নহে, এড এব আমাদিগের মুক্তন কিছুই বলিবার প্রয়োজন রাখে না। গ্রহ্মকেট স্থান্ত করি লোট কামিও কোপোনিকে দিরা অভিনয় অন্যায় করিয়া ছেন। কোপানিক দিরা অভিনয় অন্যায় করিয়া ছেন। কোপানি অপরিমিত কর লওয়াতে লোকের স্বিশেষ কষ্ট হইয়াছে।

হিন্দুপেটিয়ট আকেপ করিয়াছেন যে, করেক ধান বাদালী ভারতব্যীয় স্থার পান ভাঁহানি গের মধ্যে চারি জনের মৃত্যু হইয়াছে। কিন্তু এ বার এত স্থার বিভরিত হইল, ভারাধ্যে এক ধান বাদালির নামও নাই। পালাবী শাসনক ভারা বাদালিনিগকে ভাল বাসেন বলিয়া ইং। করেন নাই।

চাকাপ্রকাশ বলেন, 'পাঠকবর্গ অব
গত থাকিতে পারেন, চাকার ভূতপুর্ম জেলর
রিছিক সাহেব অনা কোন শান্তি প্রাপ্ত না হইয়া
বাঁকুড়ায় পরিবর্তিত হইয়াছিলেন। কিন্তু
রিজিক যে কারণে হউক চাকার নায়া পরিত্যাগ
করিতে না পারিয়া জেল ইনস্পেলর সাহেবের
নিকটে এই বলিয়া আবেদন করেন যে, আমি
চাকার পূর্ম কর্মনা পাইলে আর কাল করিতে
অভিলামী শাক্ষিত সাহেব তাঁহার কর্মা
ভ্যাগের প্রার্থনা শাক্ষিত সাহেব তাঁহার কর্মা
ভ্যাগের প্রার্থনা শাক্ষিত সাহেব তাঁহার কর্মা
ভ্যাগের প্রার্থনা শাক্ষিত ক্রেবারে ক্রিয়া
ভাষালার পূর্ম গোলনা
বলিয়া ভাহাদিগকে একবারে ক্রিয়া
ভারতিয়া শ এড্ছারা কি ক্রেলের
পরিচয় হইতেছে না ?

'ধামরাইনিবাসী তিন জন স্থাপর একদা গ্রামান্তর হইতে স্থালয়ে আসিতেছিল, হঠাৎ একটা সামান্য সুধা বায়ুতে এক বাজি তৎক গাৎ অপর ছই জন তৎপর দিবস প্রাণভ্যাগ করি রাছে! ১

हिन्क्**हिटे**किंगि वटनन, " शार्टकशन!

क्षांकेटिएव क्षत्राधात्म मुद्राहे कथा वक् सार । ज्यामदा जान्ति अकार श्रष्ट्र प्रदात আর'প্ন করি। এক জান আং লের শিক্ষক व्याटकालनात्क विनाध बह्न कविधा वास्त्री एक हिर्मिन, छीहात नरम अकार्ट हुन्स मान अक मिन रहरहत्र थार्क मक्तांत्र भन्न (भोका ইয়া নিমিড ছিলেম। রাক্সি বধন বিভীয় उथन आधाउ रहेग्रा (मर्थन डाँश्रास्त्र कीर्छिमामा (शक्षा) महीत मधाक्रात ডিকীনৌকার৮ অসম দহসুর হারা আ हरेब्राइड वृ**ष**े **लाक** हे हुरू।निरंत्रत অনেক অসুনয় করাতে দক্ষাগণ তাহাটি কোন পীড়ানা দিয়া জিনিস পত্রে প্রায় में का तोका इंटेप्ड बहन करता अक सन বুদ্ধ লোকটিকে বলিল, মহালয়! গ ভাগবোনদিগের সর্ববাশ করিয়াই প্রতিং eইভেছি। আপনি বৃদ্ধ, আমাদিগকে মসু (वन मा। (वाध कति काशनाता नामिन क कत्नमं, खाहाराख व्यामारमञ्जू खन्न माहे। य (मत्र वाक्री कारता এक भिवन मृद्र तक्ष অভেএব পাথেয় বাবত আপনাদিগকে আনাদিতেছি ইহাছারা আবশ্যক করিয়া বাড়ী যাইবেন, আবার এই বনাও त्राम निया भी क निवातन कतिरवन, वित्र গণ্ডা প্রসা ও বনাত খানা বৃদ্ধের হতে मञ्जातन अञ्चास कविद्याद्य । मञ्जानिराज्य हरा (करन कहा (अोख: रगाउर + हिक् नर !! ১৬ ই পৌষ মঙ্গলবার। .

মধ্যভারত কর্ষে থাদে দ্রব্যু গুলাহ ও ভব্রভঃ ১০০ টাকার নীচের কর্মচারী। শতকরা ২৫ টাকা করিয়া বেতনে বাড় দিবার আন্তর্ভ ইয়াছে।

ভারতবর্ধীর গবর্ধমন্ত ১২ ই ভিদেশর
স্থের কাবুলের সংবাদ পাইয়াছেন। বি
আলি খাঁ গিজনির দশক্রোল মুববঙী নে
ভাষার পতিভ হওয়াতে দৈন্যাল অঞ্জনর হ
নারভেছে না। সন্ধার আবহুলরহন খ
আজিম খাঁও নিকটবন্ধী গ্রামে আহেন,
দিগের অনেক দৈনা দলভাগ করিয়া
এবার সিয়ারআলি যথাখ বুদ্দিশভা ও ক্
প্রকাশ করিয়াকেন।

ভয়াকারনামক বে ব্যক্তি ব্রহ্মণেশের র প্রতি অভ্যাচার, করিবার কোষারোপ ক রেজুণ টাইমসে পত্র লিথিয়াছিল, সে আ কান নহে, আছিতে কর্মণীয়। যাতাল क्रिक स्थारक काशास्त्र (करम (मध्या स्रीमा विकारितान त्राकारक अक्षांस अस् া শপথ ক্রাইবার বে কথা এরাকার াইল, তাই। সভ্য নহে। এয়াকার রাজার চারে মান্দলাই ভাগে করে নাইঃ গে দ্শীর এক ব্যক্তির নিকটে কভক্তিকি सहित्रा अक : इक (स्यू) किन्छ (य वनिरंकर । চেক দিয়াছিল, ডিনি টাক্ৰ দেন নাই। र्वत **कर्**त्र अश्वाकःत (त्रम्राम शर्मात्रम : আইসে। খেবকল ইউরোপীয় আবিয় त बाक्षानिरागत व्यक्षीरन कर्मा ठाइन करते. দিলের প্রতি অভ্যাচারের কথা সংক্র कड़ा छै हेड नरहा চের রজোর মঞী খাবাহাছর সংহেরুদিন

🐞 গম্ম করিটেডটেন। কচসংক্রোক্ত কোন **इ**रलखीत कर्डुशक्कत आहत कत्रियाः কিনি গমন কার্বেন :

(সকল পচ্চরপ্রস্থাতি পশু এবং লাবু ৮ অন্যরে অসমাপি মাসোয়াটে আছে হ দায় তপায় নীলামে বিক্রয় কাড়খার s বেৰে'ই **হটজে এক জন অ**; ক্সব গ্ৰহ ভ**ুড়ন: আ**নবিলিনীয়গলের কৈ এড ভংগ

অপ্তিবাজালেরে এক জন মুসল্যান क ১२ वरमत वस्ता आव्यान करि নঃ প্রংগির যুজেব দশ বংসর পুঞ্ র ভার হয়। ডিঃন হয়ুকরে জনলি ও টিপুস্ত , बत्र के ये। क्षेत्र के तिहा **(इ.स.) । उत्पादन** sস্কার্ব সর্জান লারেকাপ্যালা স্কল াকেনরল উচ্চাব কবিন কালে এদেনে সন এক শভ বয় প্রাভ কাহার জ্ঞান হিংশতি ধৰী ভেনি নিভায়ে শিক্ষণ · 87474 (

বয়-শির বলেন দার জিলিতে কাস্রোগের व ळाड्डंब ६डेबार्ड ।

(ক্ষোটাইমস বলেন, ২৪ এ ডিসেয়ার কান ে∌টী আড্ভার পর **হ**ইখানৈ ম**ুকু**গাড়ীতে পুৰ্বাকা লাগিয়াছে। একখানি শকট वात कार्याक कार्य कार्य कर याजि তেও এই গুলু টনা হইবু'ছে। কি ক্ষতি হ্6-ভাষা এপথ স্ত কানা যাছ নাই।

মার, বি, চাপমান সাচেৰ ভারতচঃশীয় মেন্ডের রাজ্যসংক্রাস্ত সেপ্রেটারি হও চলকল সংবাদপত্র বিস্ময়প্রকাশ করি इन : हेट्डन म!रहबटक अहे श्रम (नश्रा তে ছিলঃ কিন্তু বোধ হয় সর জন শরেক নখটিও বিবাদ বিশ্যুত হন নাই।

(डिनिसिडेन समद्राय ब्यादन कतिहारहम, (हेरे (गरक्निक्ति वेशनरक इवे क्यांके केशन कर्का कवि त्वम : त्वाम स्य, अरे काका केन्द्रमहमार्थ चाट्नव निमिश्व कर्क कहा इन्ट्रेस्ट्रिक विके कर वार्शन मञ्जूषि विनयाद्यन, अध्यक्ष कार्यः कतिएक (बारेन कर्क करा कर्का कर्का कर्क वर्षेत्व विषया (हें हेटन स्कारेश कि अवस्त्रक आह ভারতবর্ষে ছভিজ্ঞারণ করিবেল না ।

উজ পত্ৰ অবগত হইয়াছেন, লাভ নেছ নাজাকে না গিয়া রাজপুতনা ও উত্তর পশ্চি ाक्षण स्टेष्टा ३२ वे ब्यासुताति चौत्र कार्यः अवन् । क्रेडिरवन । प्रक्षिक्लीं फुक लाक्तिरशत व्यवश्र বচকে দর্শন করা উলোর অভিথেত। লাভমেয় बिक छेल्य काम कतिएकहरू, पहरक हर्यन दिन वेक महत्त्व किने वेश्वत्र अव ংরিলে ছর্জিক্ষনিবারণের প্রকৃত উপায় অবলম্বন করিতে পারিবেন।

সম্প্ৰতি এক জন বেশ্য ভাষাৰ উপপ্তিয় ।ত্র অন্ধিকারপ্রবেশ 😮 🖚ভির নালীশ চরাতে মাজিটেট রবাটীস সাহেৰ ভাহ। बद्धाका कांत्रशा कांत्रशाहरूक, ' खेलनांक छ खेल भद्रीयक्षेत्र विवादन श्रुशिरयम् इन्हरक्षण स्वा ধন্যায়। আমি দেখিতেছি, বেখানে কোন वन्तात्रश्क्रास्त्र भानीन इष्त्र, श्रुलिय क्रवाध्र (यन > छा भन क ब्रमुर्ट छन । अपना कना स्वस्टा यसन श्रीलट्यत प्र'काय. यथार्थ श्राट्या क्या स्त्र, फशात পুলিষ এমত আগ্রহ প্রদর্শন করেন নার্গ বশ্যমহলে কি শান্তিরকার এরোজন নাই?

১৭ ই পৌঘ বুধনার।

প্রাধের কেল্সযুদ্ধে জীলেকেনিভাগের ने बिख এक अक खन खी (नाक एख: वदा व नीत्क भिवलक कहा इहेग्राट्छ।

বোষাইয়ে এমন জানতহাত মালদালাই নাউনৈশিয়র তিন মাসের মধ্যে ইংল্ডে এতিলম্ম করিবেন।

ক'উন্টেস মেয় লেভি ফিটজারলভের সহিত নর আমনেট জিলিভাইয়ের বালীতে গমন করির।ছিলেন। কতকণ্ঠল এত্রন্দেশীয় ভয় লোক ভথায় ভাঁহাকে সংমাননা কলেন। লেডি মেয় অভঃপর জিজিভাই লাভবঃ বিল্পের্ব छ। अर्जि प्रति प्रशेषको अरुव कांत्रशा **मश्र**ष्टे हहेशा 'ছলেন। বিদয়ে লাইবাৰ সময়ে ভিনি কয়েকজন अ≱र्ष्यभेत्र , अम्रलारकत कञ्चमक्ति कतिया . इटलन । अ. (पटणव प्यानक मशुभ । आणिव विवि अवङ काल कतिरल नमाक्ष्मा छ रून।

ভাইন সহার মকলমার প্রিবি কৌলিলে भागीम रुउन्नाट्ड निविधिन्नान किंग्रेस (भाष्ट्रिक / এই जायीकारत्न

नारस्य भ्रम्बर्गरम्हेन्द्र याच्या खबित्र अंतिरख शमन कतिरखर्कन किছ मिन क्रेन, कास्त्र मो अ ब्राह्म, श्रमकीय नामक कर्त्रा বার নিমিষ্ট প্রেলিডেলি জেলের वागकविष्णांत्र कहा कर्ववा । अहे बाट्ड रमण्डेमके भवनंत्र मक्ष्यरमञ् क्टान बानकविष्ठांगं कशिवाह **व्य** CET!

लवनिक **अ**लिनियम बरतम, मून ক্ষেত্ৰপথ্যন্ত ৰাস্পীয় আহাতে বিনা বার নিমিত জিন জন ইউরোপীয় क्षित्राहिन। भक्षीद्वेत अधान भाग अदनत इस भाग कत्रिक्षा (मन्नाम निर कावुनीय बशक्त मेरशब महिक পের বিবাদ হওয়াটেড গোমবার ছই ৷ त्राक्षा क्रेड्राहिता e. सन् प् अरकारक्त । इस्ते का कार्य । द हुन्। । ब्राह

আসিয়াটিক সোপাইটির প্র क्षित्र भूतमात अष्ट, स्थ, दावि नार বনদংক্রাস্ত একটা প্রবন্ধ পঠিক युक्तबम कर्षिक ও लाकपूर्व कि দিভের সময়ে সমুদ্রের ভীরে ﴿ यट्रा प्राथमित अभाग नगर छ काउँ छ ১৬৮ • कार्य अक अवन वांका ह ুট উচ্চ-সমুদ্র ওরজ আলিয়া प्रशास कई लक्ष (मार्कित शान **स** অবলিষ্ট লোকেরা উপর অঞ্ कविद्रा 'ब' हेरमन । खर्भारत्र ১१०१ ৰ্ষার বাজ্যা হওয়াতে অনেক অনিং इक्षात्र केलदा मग छ लड़े गिष्ठा (वर बाउराहात इंडब्राएड क्रुमाद्रवन उ হীন হটরাছে। আনবাদ করিতে ' नाजी मन्द्रित समित्र के समित्र महित हरे।

महीसुर्व विकाशिकांत्र क्रमणः ৰ্ভাৰ হওয়াজে ভারতব্যীয় গ্ৰ4ং স্থের সংখ্যাকৃত্বি করিবার আংকা গ্ৰহার মূডৰ শিক্ষক কর্বেল হে ংইরাছেন। ভূতপুর্বা রাজার পা এহ্দিগকে পেকাম ও কডককে भिया विभाग (मध्यो कर्षेत्र'रङ ।

क्रम ब'हेरे मार्ट्यक छाउँ उर्व টারির পদদিতে চাহা হইয়া তিনি ভাহা এছণ করেন নাই ! কারণসর্প

श्रमानीएक नामिक रम्न किनि किन करत्रन मा। अवस्य व्यवस्था ब्रह्म कतिहम मश्कारका विलक्ष র। এটিট সাহেব ভারতধর্মের मर्भन कतिएक हारहन खाहा अक **অসম্ভৱ : অন্তএৰ ডিনি সে**ংকটারি मा क्छेक कषक छेम्राङ । नम्ह वृद्

গর এখান সেনাপ্তির সাভা বিবি क १० वरम्य वस्त्र आविकास

অন্যদিৰসে পুলিধ ক্ষিসনৰ হগ es জন ইউরোপীর পুলিম কর্মচা हाल मित्राहिटन्य।

দাং⊛ে পুনর্কার বিজোহ ,**হইরাছে** । দ্বিদ্ৰ অখ্যত উপনিৰেশ আক্ৰমণ s. হ্লন লোককো বধ করিয়া**ছে** মুঝল আলেনাদিলের ধাংস আল ছে, ভাহাদিশের ভূম কাড়িয়। कि फार्ग कहिएल छोल स्य मा ? ভ**নেরর নী**ভার¦মণুর ২ইতে নীভ। কড লাইনে রেইলওয়ে শৃক্ট গ্রন ছিল। সংবিচাড টেম্পল লিওনাড .थारहेक मारह्व मकाउँ हिलाम। প্রয়িতা শক্টখানি গ্মন করিয়া

৮ ই পৌষ বৃহস্প ভিবরে ।

পাধা চালাইবারানিমিড লেপ্ট .a क्षी भार्डे के सहस्रार्ट्स । बह দিবসাবধি ২ইভেছে ৷

ছার্ভক্পীড়িড্ডদিলের সাহায্যাথ ্ছারা ১,০০,৬০৬ জন লোককে ((सञ्जा क्रेट्ड(इ.) व्यथीय व्यक्त) ক্ষন লোকে সাধাষ্য পাইডেছে : ^{52र}ेंडररर स्माटक अवजी , शुक्क तेवी रिहें। कहेनकन कार्या आध्रयाय ोक अब **क**'नरउरहा

ধশু ও মিরাটে পো সহিব চুরির ংশ্লাতে পুলিষের ডেপুটি ইন**েশই**র **क्टे**बके कर्नन एक्टिय इसमाप्त ধরিতে নিমুক্ত থাকিবার আঞ্চা

সম্প্রিয়া লোকপুচাললে সাত্রিগণ অভিনয় ভাড়না করে। সরকুলর রোভার আনেক গাড়ী। চলে: ছভাগ্যক্রম মুডের বাটর সমুব দিয়া গমন করিলে গাড়োরানগণ গালী সহা করিয়া থাকে। সে দিবস এক দল লোকের সহিত শুরুখানিবের দাঙ্গা ষ্ট্রেড ষ্ট্রেড রহিয়া গিয়াছে দুভের বাজির সম্পু**থে নেপানীয় সাঞ্জীব পরি** वर्ख प्रशत्र क्वींत प्रक्षी व्यथ । श्रृतिय शक्ती রাখা করেবা কোর ওএখাগণ মদ্পান করিয়া वाखाः वृश्द वृश्द (काशानि नहेश अभन करता। আলে পার্ণ করিয়া মগর জমণ করা নিযিক হট ভেছে। মুরসিদাবাদের নবাবের শরীররক্ষ मिनाटक क्लबात काल करिएक इहेरा किला

হিন্দুহীতৈ হিনী বলেন, অক্সড্য থেচারামের দেউ রীর রমাই চাদ বেহারা ১৬ ই ডিদেশর ভাহার পুত্র অধলক্ষার সাজত চোরিত হইয়াছে বলিয়া এकाशत करत। के এव दिन इहेल आशीवरस्थानाधी এক আয়ার সহিত বাবুব বাজারের বাস্তায় ক वासकत्क श्राप्त इहशाहक : व्यामीवृद्धम्हा कक म .৭বের সম্ভাবেত্তিজ-ধানীর কার্য্যে নিযুক্ত হুইবার ান্য প্রার্থনা করে। জ্ঞাসাত্রের স্তন্যপরীক্ষা করিয় ভাগার পুত্র দেখিতে চাছেন, আমীরল্লেড়ার পুত্র এখানে না থাকার, রামাইচারের জীকে বলিয়া ठोहात न किल्हेगः क्षिश्हेट क ठिलिहा*हि*ल আজকালকার অবলা স্বলাদিগের ম্পে:ও धर्छका (वज्रम अर्ड मा**ई**)

উল্লেখ্য বলেন, '' গত ১৮ ই ডিগে ধর রাজে মুলফন্ত ১৯০ টেসনের অধীন গল:নগ্র হাট খোলাব নিকট নদীতে বিক্রমপুরের ভবা কৈর নিৰাসীনক্ষার জ্বী প্রভৃতি ওড় বৰে সামীকণ নৌকা লাগাইয়া নিম্রিড ছিল, ৬ জন ভাকাইত নে:কাবরসী কাটিয়া অনেক দুরে विद्वा कोका **१३८७ ১১०**√ जानाव मान जल+ রণ করিয়াছে :

উক্ত ভারিখে সেই স্থাল বিক্রমপুর মাইজ পাড়ার পূর্ণচক্র সাহার নৌকা হইতে ডাবাইড গ্রব জিনিস অপহরণ করিয়াছে। ভদ্রতা এই বে কাহাকেও প্রাণে (আঘাত করে নাই. পুলিষ অনুসন্ধান করিভেছেন ৷

১৯ এ পৌৰ শুক্রবার।

ুদুত যে বাসীতে অংক্রন, ভালায় লিশুও লিক্ষ্মপ্রভৃতি আছেন, তাঁহাদিগকে রেজিনেটের কর্ণে কাকেলের সহিত

दिनः कारत माधात्रन कालात स्ट्रेटफ अवद वि काळा ३ ७ साटक कालदा ও मुद्धदित कामार (येत व्यथ्यकान के अकात ' चन्न हारहन) র্বর জেনরল এই '' যুক্তিসিত্ব ভাবেদন क्रियारक्रमः। कामत्रा कालीवार्षेत रालहा গকে অন্থরোধ করিডেছি, কালীবাদীতে সকল অনাথ লোক অৱ পায় ভাহাদিগের সাধারণ ভাগুার ইইডে উষধ প্রার্থনা কা নজির উদ্ভম রহিয়াছে।

আমাদিগের ভূতপুর্ন রাজখনংক্রান্ত মাসি সাহেব মহাসভায় অবৈশ করিবার চে 'सङ्घार्थ इहेब्राट्स्स । क'त्यल नार्ट्य প নাই। ভারতব্যীর গ্রেণ্মেন্টের অভ্রে সে गेति उद्मारेनि मारस्य अवर सर्व्ह विविति ও ইউটইক সাহেব কুজকার্য্য হইস্বছেন। টিবিলিয়ানের নিমিত ভারতব্বের সং আহ্বাদিত ইইবেন।

বিখ্যাত ফরাশী বারিষ্টর মন্তর বেরি मृङ्गः स्टेशारकः दे:ने ১१৯० ज्यानः स्वा কঃরয়ঃছলেন স্থত্তর প্রথম ১৯পরি অস্টোদশ বুই, দশ্য চারল্য ৷ বুই যি এবং ভৃতীয় নেপলিয়নের রাজার দশন য়াছেন বেরিয়ুর হওজাসনাদ্রের প্রধান কারী ফ্লিন। ১৮১৫ অব্দে।ক্ষনি প্রণিদ্ধ স মাশলনের সমধন কবিয়।ছিলেন। ভূতীয় প্লিয়ন যখন জুই ফিলিপের সমায় বিচুৰ ক হা সেয়া ধুজ হুদ, তখন বেরিয়রের হ'রা ব স্মধন হয়। তথাপি বেবিয়ায় নেপ্লিয়ান বং ব্বাবর বিপ্রভাত করিয়াছেন ইউরে নাৰভীয় বাৰিষ্টর অংশেক। ইহার বজনুভা ভিলা বেমত সুতার সেইপ্রকার মহাব ও মনোহয় অংক ভগীছিল। বে রয়ারের বাণিষ্টর ছিলেন স্উট্টার পুত্রও এক জন ষ্টর। তিন পুরুষই বজ্ভাশকিট বিধাত :

মাস্ত্রাজ রেলওরে কোম্পানি দেড় রে ছুই পদুসা ভাড়া করিয়া ক য়া≗খান শক্ট করিভেছেন। এগুলি আমাদিদেব জেশির শকটের ন্যায় আক্রাদিত, কিয় মধ্যে আসন নাই ৷

কুর্গের ভূতপুর্ব রোলার কন্যা গে विट्डाविया बेश्नटक्ष्मीत शाया कना छ সিম্লার কাথলিক অনাখালয়ে যেসকল পাত্রী ছিলেন। মাজেকের ৩৮ গণিত সি विटक्नातिवास विवाद स्ट्रेग्नाइन । किन्न अ ाटर **डाँशांत क्रथ रग्न मारे। जिति अक्**री া প্রস্থ করিয়া প্রাণন্ড্যার করেন। সম্প্রতি न कारबन रुठा २ जन्मा देशहारहम । हेराह উ সম্পত্তি আছে এবং নিজে বুদ্ধিমান ग्रांख विष्रांख हित्तन। १०३३ देशात व्यस्-ন করিতে পারিতেছেন না।

विलयात्र वन्मरत्रेत्र व्यथाकः कळ्छलि क्रमस्त्र हारिया **भाठारेबाट्डनः ज्ञान्ताबाटन ज्यस**रे তর আছে। তথায় বিস্তর জাত্র হয়। কিন্ত নই আটিমাত্রসার। তথার উত্তম কাফি **७ भारत**ः ७.त्रक्रवरीष्ट्र अवर्गरमञ्जे माट्यास मरपरभात कृषिनमाकारक वीक श्रातन তে বলিঃ।ছেন। এডেন ২ইতে কভণ্ডলি ও আন্দামানে প্রেরিড হইডেছে। बन स्टब्स्क क्रुब्टब हाचित्रा क्षडांत्र ালে ফিরোজ আহাজ এগুলিকে আন क बिट्र ।

গোয়ালয়কের এক জন ওঝা সর্পের বিষ রণের প্রকৃত উষধ প্রকাশ করিয়াছে। সেনা সাউয়াসের সন্থােও ব্যক্তি একটা শাককে ভাল করে। কয়েকেটা কুকুর ও মুখ **। এই উব্ধ দিয়া সপ্রায়ানংশন ক্রাই**য়া হর্মাছে । ভাছাদিগের মৃত্যুক্র নাই। त्कन गर्भ विना **अपर्ययम क**मा अक्टक ন করিয়াজে তথন তাহাদিগের মৃদুচ্ছই া সেনাপ ত সাউয়াস` এবিলয় ডাক্তর কে লাখয়। পাঠাইয়াছেন। হংলার পরীক্ষা **অ'বেশ**ংক। মাগামী বাৰ মকৰলের দেওয়ানী আলালভ

্ত ২ দিখস বক্ষ স্থির হই গ্রেছ। জেকুমার জাজিমভার কণ্পরিশোপাথ ১० ज्ञक होका : प्रश्री इहेराइरइ : हेश শ্র অন্যায় ৷ পদ্মতে রাজকুমারলবের উটিত, বার্যার এপ্রকার নির্মূদি হাজনি গ । নিমিত টাকা দিতে হইলে সর্মাধারণে দিমের উপরে জ্রমশঃ বির্জ্ঞ ই হইবেন। ।পীয় পদ্হতে রাজবংশীয়গণ পুলায়াজ। একে প্রসা পান না, এটি আনভিস্কা

नर्तरः ६ १० किंदन दक्ष शांकरता इर्शार

ভর ধেন সমরণ প্রকে। **ा करन**ात (जर**क**रि श्रथम खेलां ६ **८ ८**८३ পরীকার কল প্রকাশিত হইরাছে। সর্বা ৯৭ জন এম. এ, এবং ৮৯৩ জন প্রে । পরীক্ষায় উত্তীর্ণ হইয়াছে। এল, এ, ায় এখন জেনিজে ১২ জান, দিডীয় <u>ज्ञिक्त अपने के जीय (अव्यक्तिरक २०८ अपने </u>

এবং প্রদেশ্য পরীকার প্রথম লেনিভে ১৪৬ कन, विजीय व्यक्तिक ३७३ सन छ ज्कीय (अनिट्रफ ७) ७ अव क्षेत्रकार स्टेब्राट्स्न। श्रद्धिका चंद्रीकात स्थ्यात मर्काटनका स्थानका चारम विन ७९१एत (हम्रात ७ ७९१एत हिन्स्क म गाफारेपाटक । क्लिंड भद्रीकार्थी हे हरिक कुछार्थ हारजङ्ग महत्रा कत्रिहम श्राचम जामन हिन्दु क ७ विकीय जानन (स्ट्यांस हेक त्नव वहेटकट्ट) আমরা ছংখিত হইলাম, জেনেরল আনেই विमानिया अधिकत्रश्थाक अकुछार्थ हाज एसा याहेटकट्ट ।

२ • अ (शीय मनिवात।

व्यामता व्याक्ताविक स्टेगाम, विवक मुख्यमा য়ের উপযুক্ত ও জনংহিতেষী সেকেটারি উড শাহেব কলিকাভায় প্রভাগেমন করিয়াছেন। উড সাহেব ৰজু সময়ে আসিরাছেন। বর্তমান ছভিক্ষের সময়ে ভাঁহার ন্যায় লোকের **ছা**রা বিশেষ উপকার হইবে। প্রতিনিধি সেক্টোরি এ, वि, त्सकत्वेन मारहद शक सरफ़द मघरव व्य श्वकात कार्ये। करत्रन, फाहाएक नकामाधातरन ভাঁহার নিকটে অবশ্যই কুডজ্ঞ হইবেন।

তো সাহেব ছব্জিকসম্বন্ধে প্ৰথম ভ্ৰমে পতিত হইয়াছেন। বণিকসম্প্রদায় পত্র লিখেন যখন অনেক স্থানে বিশেষতঃ কাঁশীপ্রভৃতি স্থানে ছডিক, তখন ভাঁহারা সাধারণ চাঁদা এচণ क्रिएड श्रद्धांड कार्ट्सन। स्मर्केनान्डे भवर्षत्र अहे পত্র গবর্ণর জেনরলের মিকটে প্রেরণ করিয়া বলিয়াচেন, বেহারপ্রকৃতি স্থানে বিশেষ কঠ ংইয়াছে আরও হইবার সম্ভাবন। বস্দেশের শ্রতি না দেখিয়া চালা করা জন্তু চিত্ত। আপাততঃ সাধারণ কার্যারা কর্মাদিলে মুখেষ্ট হইবে। **রো** সাহেব নিভাক্ত স্বার্থপরভাপ্রকাশ করিরা ্চন, গত ঝড় ও ছর্জিঞ্চের সময়ে কি উত্তর পশ্চি माध्यल रहेट उक्तरम्टम मारुथि जाहेरुम माहे? সর্বাধারণ এখন চালাদিতে ইক্কুক। আৰুঃ পর বাণিজ্ঞাসংক্রান্ত কণ্ঠবা অর্থকুল্ফ হইলে होना केंग कात रहेटव । विराद्य नामिटव विनाम **शिक्षित्र क्षा क्षा** এখন উত্তর সাহায় প্রেরণ করিতে না দেওয়া অভিশন্ন অন্যায়।

সম্প্রতি পঞ্জাবেব স্থানে স্থানে ভূমিকল্প र अप्राटक এकनि वित्नव छिलकात इहेग्राटङ् । পৃথিবীর উপরিভাগের করেক আঞ্লী নীচের সমুদার মৃত্তিকা ভূমিকম্পধারা কলেলৈকে ২ই ब्राट्ड। क्रुबनाव्य कला वा कल्ल बादा छेत्रि भारक, कांचा त्वांच क्हेरकरका এहे श्रकारत পরমেশ্ব অনিষ্টের সহিত ইষ্টদাধন করেন। ন্দ্য ভারভবর্ষের ফদলের অবভা হত

त्याप स्वेग्नाहिन, ७७ वम्र मर রাছে। কিন্তু কলিকাভার দোকানদ मर्या हाकेन कत्रिमुक्त कत्रिमार नट्यमुम् भवर्रायन्त्रकः व्यष्ट्रम् মব্যের মুলা: ও শংক্রর রপ্তানির এক ভালিকা একানিত করেন।

गेर्नेमन व्यवहास्त्रिम वटनम ७०. লাভ মেলু মাজােলে যাত্রা করিয়াছে পীভিত স্থান তবে স্ফল্পে দর্শন কর

व्यामका श्रमकीत्र शवर्गरमन्द्रेरक व्या ডেছি নেপালীয় হডের বাটার क्रिक सम श्रीमः क्षान्त्रीरक र কল্য আমরা পুনর্কার স্কল্ফ দেখিল প্রহরিগণ রাস্তার লোককে ভাড়াড তেছে। গুরখাগর গোঁরেবর ক লকা यात्मना कम शोबात मद्र । अक्ष रम की आवंभीय।

নিয়লিখিভ মুলে; श्चर्यम्यः বিক্ৰীত হুইতেছে।

ও টাকার সিক্ষা

2811

5 oil •

8 4 (**4**te भविक्ष्यार्क 300.1

e n (41) 91本) a 11b

7.41. 77500

গবণুমেণ্ট বিজ্ঞাপন वक्रमाशिय (लश्चेनक्षेत्रवर्ग्टर

व्यादमगङ्गाडी निद्याभ ।

५ हे डित्महत । (मन्द्रेमान्डे ডেবিস জলপাইশুড়ির পুলিষ সুপ্র रुरेट्वन :

निम्नलिचित्र अम्रतनारकता व्रथकाः বিদ্যাশিকাসভার সভা হইবেন,

বাৰু অটেজভনারায়ণ সিংহ।

- " मरहस्यमाश वरमहानामहास ।
- ৯ সারদা প্রসাদ ঘোষ।
- ^৯ দিননাথ রায়;
- ³ जीमख नान (मः
- ০ বিশেষর চক্রবর্তী।
- ^৯ এই নাথ নতু। ^ত মীর সাহদাদ আলি : .

ক্রটারি হইবেন।

ডিদেৰর। ছগদীতে সাটি'ফিকেট কারে আলায় ক্ইন্ডেকে, ভাকার অন্ত ns. এল, হারিসন সাহেবকে নিযুক্ত ৮ हे ডिमেश्त्र डॉशिक व विशेष

মাছিল, ভাহা এজনারা রহি**ত হইল**। ডিসের্য। রেবরেও উইলির্ম,

ট্লফিল কলিকাতার এক জন বিৰা টার হইবেন।

সাহাবাদের মাজেটেট মকবল দর্শন ত দিন ভব্ৰত্য প্ৰতিনিধি জাইণ্ট ও ভেপুটি কালেইর সি, সি, ক্টিবেস ৫৯ অব্দের ১০ ও ১৮৬২ অব্দের ৬ হুসারে মকক্ষার আবাপীল ভাবৰ রিবেন।

। ডেপুটী মাজিক্টেট ও ডেপুটী কালে জ্বদেশর বন্দ্যোপাধ্যার তথায় মাজি তো পাইবেন।

বলিউ, ভবলিউ, এলিস সাংহৰ যশো নন ডেপুটি মাজিক্টেট ও ডেপুট কালে শ্বিতীয় শ্রেণির অধীন মাজিকেটের हेट्यम ।

ওক-প্রসাদ সেন মালদহের সাধারণ সভার অনাভর সভা হইবেন।

ামিনীকুমার মুখোপাধ্যায় ব্রিসালের

विष्यंव भवद्विक्किक्षेत्र श्रुटियन :

নেবারু কুঞ্কিশোর ঘোষ বিদায় পস্থিত থাকিবেন, ডড দিন গ্ৰহণ্মে छिकीन वांबु स्थानानक भूरवानाः

निधि श्रमान डेकील एरे(बन। s সুকুল চত্ৰৰ মুখোপাধ্যায় গ্ৰ**ণ্**মে নিধি কনিও উকীল হইবেন।

ন এস, লব সাহেব বিদায় লইয়। : থাকিবেন, ভডদিন **এ,** ডব**লিউ** হ্ব এম, এ বঙ্গদেশীয় লিকাকার্য্যের

।ণির প্রতিনিধিশক্ষপ থাকিবেন।

वन सद मार्टिय विषास लाहेसा भवन ন, সেই দিবসাবাধ পুর্কোতিক নিয়োগ বে ৷

ণ ডিসেম্বর। ফরিদপুরের স্থেপুটি মাজি পুটি কালেউর বাবু ভগবানচন্দ্র বস্থ े हहेश्रा माध्यक्रिकेक कथला

१ नहस्र हर्छा भाषात्र वि. बन,

गरकात्री कमिनसत निक भवकरण सम्मनिश्टर वननी रहेता माखिटके छित्र कमक। পাইবেন।

> मूजि छातिक छेला किहू मिरमत निमित्र कूठ विशाद बाक्यरेखन श्रक्तिमि कर्फानी सरे

यक मिन बाबू काली धनत मृत्यां भाषात्र नत कादी कार्द्याभगरक कानाकरत्र वाकिरवन, उठ डाँशत नाथा नरहा अस्त्रवर जिनि দিন বাৰু বারকানাথ ভটাচার্য বি, এল, রাজ সাহীর অন্তর্গত সিরাজগঞ্জের প্রতিনিধি মুলেক , করেন। **एक्ट**ब्बन ।

ভে, ক্রফোড সাহেব রাজসাহীর সহকারী মাজিটেট ও কালেইর হইয়া বিভীয় জেণির व्यवीन मास्त्रिटकेटकेत क्रमका शाहरवन।

यखिम ति, अस. मत्ते तत्र नारस्य विशास লইয়া অনুপত্তি থাকিবেন, ডম্ড দিন সি, টি, वक्षां जारूव वर्षभारतत्र शक्तिथि कमिनवत इहेर्रुन ।

২৯ এ ডিসেবর। কুমারবালির ডেপুদী মাজি টেট ও ডেপুটি কালেটর বাবু নবীনকৃষ্ণ সর কার কিছু দিনের নিমিত স্বর্মহ্কুমা পাব্নার बक्ली रुट्रेटवम ।

পাবনার ভেপুটী মাঞ্চিষ্টেট ও ভেপুটি কালে টর বারু সঞ্চীবচন্দ্র চটোপাধ্যায় কিছুদিনের নিমিত কুমারখালি উপবিভাগের ভার পাই বেন। তিনি সেসিয়নে অপন করিবার মকদনোর প্রথম বিচার করিতে পারিবেন।

है, अब, ख़िल मार्ट्य कविष्मुखंद विरम्ब দৰ রেজিজ্ঞার চইবেন।

বাবুরামগোপাল চাকি এল, এল, শিব সাগারের প্রতিনিধি মুপেক হইবেন।

ৰভদিন ভাক্তর টি, পি, রাইট বিদার লইরা অনুপক্ষিত থা কিবেন তওদিন ডাজ্ঞার এন, বি, বেলি ভাগলপুরের প্রতিনিধি দিবিল সার্জন ०३८वम ।

ইউরোপীয় সমাচার।

২০ এ ডিসেম্বর। পোপ এক বজ্ঞা বিবাদমীমাংসা করিতে সম্প্রভাইয়াছেন। ছার। স্পেনের ধশাসম্প্রদায়ের অবস্থার নিমিত বলিয়াছেন, অন্য কোন এর উভিত ক वारक्ष अकान कतिहारहर ।

যেদকল এীক ভুরক্ষ হইতে ধুরীভূত হই । এই সভার উদ্দেশ্যে রুলীয় গ্রেণ্মেন্ট म्नारहम, डाहामिरभत्र वार्यतकाथ हेश्मछ स्वाम : कानरक विमन्नारहम, बीकमिशरक कुतकः ও অফিরা অসম্মত কইয়াছেন।

্ডপুটি মাজিটেটও ডেপুটি করিবার এবং করপ্রদানসক্তি অসুণারে প্রতিছুপ্রদান করেন ভবে ভিনি এ ব श्रुष्ठिनिषि मरनानीरछत् कमणातः পत्रिरार्क वास्त्र कृतिर्फ भारतन, नरहर कान मरणहे

খাৰীৰ মতপ্ৰকাশক্ষতা দিবার অঞ্চী क्षिष्ठाट्य ।

किलमा कात्रकवरीत (मह्यकातित भन कत्री रम्न मारे, आहेरे गाउरव छाहात कामन রাছেন ভিনি ভারভবর্তের শাসনপ্রণা जञ्चरमानन करतम मा। छात्रात्र मररायम स অবস্থায় শাসনভার শঙ্কা অন্যায়

২৪ এ ডিসেবর 🕒 ইউরোপীর প্রবর্ণ সমূহ দুউসভাষারা বিবাদক্ষশনের যে এ করেন, ডুরম্ব সবর্ণমেন্ট ভাহাত্তে অসন্মন্ত য়াচেন

২৬ এ ডিসেবর। এীস ও ডুরক্কের বি इक्ज टावाजा एक में क्रियात (हर्ट) खन रहेरछ इ । मुत्रीकृष्ठ खीक निगरक ऋरमनिव সমন করিতে দেওয়া হইতেছে। এীক মং চারিকোটি টাকা কর্জ করিবার সম্পূর্ণ অং मियाटक्र ।

বিজ্ঞাপনধারা প্রকাশ করা হইয়াছে, ম পূর্ব্বে ষ্টেটনেক্ষেটারি ভারতবর্ষের উপরে প্রেরণ করিতে কান্ত হইবেন না।

২৪ এ ডিসেম্বের এক টেলিএ:ম নিউ হইতে আসিয়াছে। ইহাতে প্রকাশ করিছে मिक्क विकारभन्न विष्यास्ह (वनकल व्राक्तिः ছিলেন ভাঁহাদিগকৈ সভাপতি জনসন স इत्तर क्या कतिया श्रीक्र पद श्राम व **(更年)**

১৬ই ফুব্রেয়ারি মহাসভার অধি। হইবে। গিফাড সাহেব প্রধান বিচারপরি য়াছেন। জেম্দ্ সাহেব ভাঁহার পদে বি क्ट्रेट्रम् ।

৩১ এ ডিসেম্বর। তুরক গ্রন্মেন্ট্র न्छ, क् कि ७ व्यक्तिया व्यक्तिया व ছেন, সন্ধিঞ্জাবে যে পাঁচটা বিষয়ের वला रहेब्राह्, छाहा लहेब्राहे छर्क स्हरव। ুড়িকির হওয়াতে প্রণতান দূতসভ ভাঁহার দুক চলিয়া আসিবেন।

়বহিদ্ভ করিবার আবজা আনপাডডঃ সাড়প্টোন সাহের আনেক ব্যরসংকেপ ্করা কর্তব্য । কিন্তু প্রশাসন বলেন, তীস

55 শ ভাগ: .

4 X**[1]

" प्रवक्तनां अञ्जातिष्विताय पार्थिवः अस्ति श्रातिमश्रती न श्रीयतां।"

মাসিক মুক্য ১ এক অগ্রিম বাহিক ১০ দশ অবিষ বাৰ্যাসিক গা সাড়ে পাঁচ টাকা

र्ने नन >२१६। ১६ हे (शीव : ১৮७৮) २৮० जिटमदत

মণস্থাল মান্ত্ৰসমেত অধিম কৰিব

विकाशन।

ইদানীক্তন কভগুলি অস্থ লোক অংথগৈ ল সার বশবতী হচ্চা আহনেরে অস্থলোপভূৰক अ**उगरकत्वकार्तः श्रव्य इड्यार्ट्न**ः कें'३१३१ বিহিত অনেনা করিয়া আনোত **হয়ত আ**খোগ জ্ভ **এছেন কোন কংশ এক** ঠু ওল্ট*ে* চ ারয়া সেখানি নি**জের "সংকরেণ" হ**ংক্র াাকণেন এবং ভাছাদের সৌভাগ্যবশ य ए अञ्चल कारस्य क्लिविट्निट्य समान्य क्य ° জুড এরমধ্যে এই শোচনীয় ব্যাপার স্পৃত্

সাধারণে এই একটা সংস্কার আছে 'স্ভ গ্রেছ ব।জিবিশেষের আমিকভা নাই তেরা^ও যে সামনে করিলে ছালিতে পারেন। াব মত পঁথি সংগ্ৰহ কৰিয়াও ঘত পৰিজন্ম েট্টোক'বয়াকোন প্রাচীন সংস্কুত **এছে**ব क्षिति कहा क्षेत्रका. (कह माम कांब्रुक মনি দেখানি চাপিডে পাঝেন, লোকের চজে शिक्षितात **मछ किछू প**ातेवर्छ करदन। টুনিবটি**টীডে সংফুড এংবেশ হ**টরা অংবদি ब्रुभ छेल्प्टरवह **राष्ट्र**ा १२४१ गःहेर्ट्डर् মে সংস্ত পুত্তকে বটতলার রাভাস (MEE 5 'A. 1)

প্রস্থান্থার প্রকাশেত বেলীনংহার নাট র প্রতি একপ অভ্যাচার না হটে, এই মও বিজ্ঞাপন দিক্ষেদ্ধি যে জীয়ুক্ত কামকো জনালম্বাংক্ত দীকা সহ (বদীসংকার क श्रीम द्वारिक्षेत्र कहान (श्रम, यन (क्र 'नक्षारतः र स्मिकि मा नहेश **छ।** मार कर्छ्क ধুত বেণীসংখার নাটকের পাঠ বা জিকা । बालग्राहर निर्दाश्य करान एक। ল কাপিয়াইট আইন অনুসাবে কৃষ্টি নামে

रेचेरेजियान (तलक्षा ।

वक मिरमत कुछित नमरब्रत छिक्छि। अष्यात! नर्मनाशात्रनटक व्यवशक करा याकेटफट्ड (य. (यमकन अट्डेम्स क्हेटफ वर्डमास प्राप्तव गारमत २५ ७ छात्रिस य। ७९मर्ट া সকল রিটরণ টিকিট বাহির হইবে ভৰারা আগামী **কঃপ্**রারি মাদের ৪ ঠা .স'মবার পর্যান্ত প্রভাগেমন সাধিত হট্রে। সিসিল ভিফেন্সন বাড অব এডে জি हाखदा (समक्रिय व्याप्त प्रदेशका ৫ই ভিসেম্বর।

মজিলপুর নিবাদ জীয়ক্ত বাৰু সীভানাথ চক্রবন্তী মধাশয় (উল্লার কলিখ পুত্র) আমাকে ভাঁহার স্থাবর অস্থাবর ধাবতীয় সংগ ্তর রক্ষণারেক্ষণের ভারাপাণ করিয়াছেন। মামার ক্ষেত্রতে ও অম্ভ উক্ত সম্পত্তির কিছ (कर क्षत्र वा वक्षक अर्ग क्षित्वन ना।

३०३ (भोग रे औरभाशासक्य क्अन्वडी

⊬हें ७३ हें श्रांच हें ९१ भी २° म छ २४ ज জাল্পারি বুষ ও বৃহস্পতি: ভূগলি ন্মাল विम्हालरस्त अरवांनका वर्त क इक्ट्रा विश्वांकः विष्ठ विषय **मकरन** भवीका धहन कता सहिद्य :

> আপত বিখন ও ংস্থাপ হ। छोषा ४३ वहाकत्व ।

পটীলৰিভা

ভূরতার।

১ ম জীগ ছোৱতবহে : ইতিহাস।

আগামী ২১ এ জাজুয়ারি বৃহত্পতিব क्लिकाका मधान विम्हानत्त्र श्रादमांचाँ भिरः প্রীক্ষা আরক্ষ হট্বে। পশ্চালিখিত বিষ্ পরীকা গৃহীত হইবে। সক্রমতি ৪।৫ চী हे। कात दक्षि थानि स्ट्रेबात मुखायमा प्याट्स । সাহিত্য ও ব্যাকরণ বাক পা प्रमायक खबारन भर्गः। সঙ্গ বাকালার ইতিহাস।

ভূগোলের চারিভাগের সূল স্থ বিষয়ে পরিচয় ।

वाहनिक भदीका कातृत्वि अवतास्ता।) वास्त्रानात्रभग्रविकारभव 12 8 12 12 4 C স্থাসমূহের ইনস্পেটর

মুক্ষবোপসার ৷

पद्याप्राप्त ७ यद्यमभाष्ट्रतः मध्यः १८४ छ। ভাষায় প্রবেশাধিকার জ্বামে এই অভিপ্রায়ে मूक्ताथ वर्षकत्रवात अधि श्रामाननीय प्रश्न, ভারার সংস্কৃত বরাধরে ও বালালা ভাবাস ভাষার ডাংপর্য, জীয়ুক্ত পণ্ডিড লোধারাম শিবোরস্বক্তক সংগ্রহীত ক্রয়া বাজলো অন্ধরে প্রকাশিত ক্টরুছে। পাঠাথিগণের क्ष्रांबनात क्षेत्र राज्यस्थल संभाईका (४६४) 🗱 রাছে, ফুব্রাপ্রবাবে পদসাধনের স্থীতি অপর্বন कड़ी रहेश्रारक्षा पूजार ५ अक जैतिको प्राख्या **হলিকান্তা** সাংস্কৃত্য ব্যৱহান প্রস্থানার বিজ্ঞান প্ৰকাশ কাৰ্ম ক

二介 遇 椭圆刺草鱼

ম্মাপুর সোডকেল হল। ১। এডস্থারা আমাদিগের উন্দর্জ্ स्कन, महकादी, अ मुर्वामाधादयाक छः

তেকে যে, ছিতীয় ত্রেমাসিক ইত্তেক কে পাবপোড '' স্থানজন স্কোন'রা, ওয়ার ক. কিন প্রতিন সাল ছারা দল সহত্র টাকা কে ধন পূর্বা প্রাপ্ত হত্তে ক সম্প্রতি জামরা নেলাত হত্তে দল ৮৮ সালের শেষ ত্রেমাসিক ইত্তেক কিন্দি ফলাগ, কিং আর্থর, ও কামক জান্বপোড্রেয়ধারা ৮৩ বালা র'শীর উদ্ধ প্রাপ্ত হইয়াছি। এই মুম্ল ভানাশিক সাত সহস্র টাকা মুলো কেন

া আগামী বর্ষের প্রথম ত্রৈমালিক ইন্ডেন্ট াজ চিকিৎসোপযোগী কান্ত ও উষ্ধা ভকরণের ও ঔষধবিক্রেয়করণের নামানিক টা ও সক্ষা ও বিনিধ ভেক্তনাম ক চল্ডির।

ক প্রান্তির ক্রেন্সারি মানে বিলাভ

ে জনের আমধিক পরিমাণে ও খুচ্ছ। রূপে উব্ধ বিক্রয়েকরিয়াঝাকি।

ं अध्यम् अवस्थित जानन विनास्ति । अध्यम् । स्नीत किर्माण विनासि । स्नीत किर्माण विनासि । स्नीत किर्माण अध्यम अध्यम अध्यम अध्यम । स्नीत किर्माण विनासि । स्नीत किर्माण विनासि । स्नीति ।

ডিসেশ্ব ন ১৮৬৮ ব্যুক্টোপ্রিটার এবং কোন

अक हिनानीत्वत भट्टीयन :

(C) অৰ্শ ও ই'পানি কৰে মেংকার राह्नाचा भ्रेटकहरू । (व इ ऊक्ट्रे अधव ২০য়াতে পূর্ব প্রকাশিত আন আর श्वास्त्र द्वेभकात श्रीहरू सा । अहे ন্তঃয়'বছতংগন যত দিন না দেওয়া জ নিন জ্বৰ্ণ ও ই পানি কাৰেও ঔষণ াৰ্ভাব রোকেদে উষণ কেই ধেন না । परम तरकात अस्य के के के के किया ত্রিক করেক আরোগ্য সমাচার बनबीकुर्य -শ্ৰীপুৰু বাৰু क्षाची न द াগ সহাধ্যের প্রস্থানি স্কাদা-र्शन डार्च अकान कता याङ्गा डाङ्गा ह दिशिक्षात देवन वीक्षेत्र आहा ।

क्षत्र कर होका कांके कामा माठाहरून भारतिक भारतिका

> ত্রী হেমচন্দ্রবন্দ্য পাধ্যার। সহর আহ্বালা পঞ্চার নকলপত্র।

মেদিনীপুঃ চনবেশ্ব ১৮৬৮ শব্ম বস্থাবেশ্ব।

शानवय विरुव्हम शिक्षः—

মহান্য ! আপনাব গ্রেছ ম কোথায় ? আপনি সংখ্ অধানাতে কড় কিন ক্রান্ত করিছেছেন ? কি কার্য করেন ? আগুরুহপুর্য ফ লিখিবেন। বলে বে সন্ত্রানীর ও বে ল সন্ত্রানী কোথায়। ও আছেন ? উল্লিক কিছু উপহার্থন্ত্রপ লেওয়া। বাইন্ডে পাবে কি না ? আমার অশ্রোগ গীত আরোগ দেখিয়া মেদ্যীপুরের সকল সম্প্রদা

> কছুগত ব্যু বং ইটনবীন≽জনাল

শিবাংশিকের বিলাপ মৃত্তিত চইয়া প্রকাশিক চইয়াটো: পুল্ডকের কলেবর ৮ পেজী ফ্রমান ১৪ শব্মা অর্থান ১১২ পুঞ্চ, মুলা দান আনা শাহার আরশকে হয়, ইন্টনিয়া সংস্কৃত ব্যন্তর পুল্ডকালয়ে অর্বা প্রৌলডাঙ্গা বাসুয়ো রাহ্ব এও কোর পুল্ডকালয়ে অনুস্কান কারলেই পাইবেন ইডি।

১২৭৫ সাল ২৫এ অগ্রহায়ণ সংক্ষাত কলেলু: } জীশিবনাথ ভট্টাচার্য,

--:0:--

ঠনঠনিয়া সংস্কৃত পুস্তকালয়ে ও গটোল ডামার বাজ্ধাঁ আদার কোম্পানির দোকানে মংপ্রণীত ও মংপ্রচারিত নিম্নিখিত পুস্তকগুলি বিক্রা হইতেছে:— প্রশিষ্ট স্থান্য
বিসেইভিহাস
রোমই ভহাস
ভ্রমকার ব্যাকরণ
নীভিসার (১ ম ভাগ)
নীভিসার (২ য় ভাগ)
প্রচারিভ।
মুক্ষবোধ ব্যাকরণ
বীজারকানাপ শ্রম

---:0:---

ৰিবিধ জব্যাদি বিক্ৰয়াৰ্থ শ্ৰস্ত ।

ইংরাজী ব'লালা পুলক কাগজ কলম না বিধ দ্রবানি পাওয়া ধার এবং পুস্তকারি / এক আনার হিসাবে কমিসন নি ৷ আলি টাকার পুস্তক লইলে / ১ আনার হিসা পাইবেন ৷

জীয়ুক্ত বাবু কালী প্রসন্ধ সিংহ মহোদয় হন গদং ১৮ পকা মহাভারত ১৭ খণ্ড ০ ভাগে উ সংযক্ত ফলা

শশুন ফার্মাকো প্র^{তি} আন্ধাৎ ঔষধ ক*ই* বলে

महभारभद्र श्रीवनहर्षिक छिख्य द एक ५ १केट हैं। श्रीकृष्ट खाडीन कर्नि स्थाना हिट भीजन १ ५० भारी दक्ष, इस्तिभान

ध-प्रश्चनः हेरक्टेकातः ध-प्रश्चनः हेरक्टेकातः चारः भंतनसास्मी

এথম ভর:জ্বী বছন ধ্যে হড় স

বছন,য যে যে হৈত সংগীত মনের জন ২ ন মুনামিজ সুকারে কাববর অপকান খার শিক

রাশংসামূত সংস্কৃত ও পদা ॥
গীতগোরিক জায়দের গোস্থানি প্রবীত মূ
ও যতনাথ নাত্রপঞ্জাননমুখ্য সদা
াত্রিক তরাপনী উপনাল কেমেটার হৃত্য

বিবিধ আ:শ্রুষ্ট্রেনক বিদ্যাদর্শন হয় ১৯/ প্রতিমৃত্তি স:হত ১২৭৬ সংশোর কুল পঞ্জিক) ॥

এই ইংশ প্রিকা

34

ত্রগামক্স পদ্য
ক্ষণভাৱিনী

সভীক চণ্ডী মুল ও অনুযাদ সংখ্য ৫

চরিভ্যঞ্জী ইংচেড মিউটানির বিষয়

বিশেষরূপে বর্ণিত হট্যাছে ১ -ইংরাজি ১৮ ৮৯ সালের এই ালেব কী ১॥% तीकुमात अनः कान्तित्र**मक्षयान कारा** ১ প্লব্ন কেনী শক্তি ণশচন্দ্ৰ শশ্মকৃত ৰ'ক্ষণা এটলাস উত্তম r ৪ উত্তম **অপ্**রে মুদ্রি**ড** ধ্বাৰিবাহ নাটক শ**সরত্বাকরাত্তর্গত্ত** মিনীকুমাব নায়ক াঘটিও সুত্রস কাব্য h. নিকুণ্ডল। কাষ্য প্যারীমোহন বন্দ্যোপা-ণীত হুর্গেশন/ন্দনীর মত লেখা ধেসিভুল লহরী 211 + ৩২খানি ৰ'লালা চিত্ৰাবলি মদাপ 811. ীক হৈডনাচরিতামৃতগ্রন্থ 2 । हिंद्दी बाहेक **व्याहेन प्रश्**षे ষাৰ্য়ণ পদ্য ভোপদেশ বিষ্ণুশন্মার সংগ্রীত **এ প্রতাপচন্দ্র রায়** -ার্ডাও) ভোকা-

পুরাণ প্রকাশ ! বিষ্ণুপুরাণ।

का ७३ वर

নগদ বিজেওা।

গ্ৰুবাদও টীকা সমেড প্ৰভ্যেক খণ্ড ৮. পৃষ্ঠা: অপ্রিমমূল্য 🕍 🕫 । निवाइनाजिनायी इडेटरन जिनि गृष्टापुर व्रष्टेकीं ७८।১ নং ভবনে কাব।একাশ অথবা কলিকাতা সংসক্ত বিদ্যালয়ে ভগৰোহন ওকালকাবের নামে যত

ইন্ছাক্তিম মূল পাঠাইবেন। ক্তিম **াইলে বিদেশে বিষ্ণ**পুরাণ পাঠাইবার ৰাই ই.ড।

বিক্রয়ার্থ।

াবডেন রীচাংগ নং ধাটা গুলামসহ

১৯ ক' জাড়া বাগান। হুপুরি উক্ত বংগান ও বাটী মালবাকক চ আংখ্যা লটকে ইণ্ডা করেন, নিয় সাক

্রিক্র নিকট জানাইবেন।

शिरकश्चात्रम् व्यात्रातः-থমট এবং কোং

গ্ৰার অংক্সতি কোডাসীকো বারাণসী র 🕏 টের মধ্যে মূভ রাধ'নাথ কুত্তেব 🖯

দ্যাৰ ভূমি ভাষার খরিদা বলিয়া উহা বিক্রেয়ার্থ मर्यामणाम व्यक्तिकाश्याम स्थान स्विष्टाहरे व्यामि अञ्चाता नकत्व खांड कतिएडाइ य উজ্জ ভূমি উল্ছার ধরিদা নহে এবং কেই যেন छेहा उक्तय ना करतन । কলিকাডা 角 हस्र (भवत कुल् চোরবাগান ৪ঠা পোৰ ኔጓባ৫

সভকাৰ্য বিজ্ঞাপন।

৩০ এ অপ্তহায়ণের সোমপ্রকাশে হালিসহর নিবাসী বাবু কৈছুঠনাথ ৩৪ ভাষার খরিদা জ্যেজাসাকো বারাণদী ঘোষের জীটের মধ্যে মৃত রাধানাথ কুণ্ডের দঙ্গণ ১/১৮/ বিঘা ভূমি বিক্রয়ার্থ বিজ্ঞাপন দিল্লাছেন : কিন্তু ডিনি ঐ ভূমি বিশ্রুয়ার্থ বিগত ১২৭৪ সালের ২১ এ মাঘ সোমবার বাবু প্রারিমোহন . বফেরাপা গ্যায়ের মোকাবেলায় স্টাম্প কাগজে রীভিমত বায়নাপত্র লিখিয়া দিয়া গবর্ণমেন্ট নোট ১১৪৯) नः अक किला ५०० होका खनगर ১ টাকা একুনে এক শভ এক টাকা বায়না লইয়া हिन, अकरन कामार छिकीरमञ्ज कालिएक कव'ला প্রভৃতি কাগজ পত্র ভাঁছার আক্ষরার্থ সমস্ত প্রস্তুত র্ডিয়াড়েঃ কিন্তু এ পথ্যস্ত উক্ত গুপ্ত মধ্য मह के मकन काशक शब चाकत ना कतिया বাবু প্রারিমোতন বন্দ্রোপাধ্যায়ের ছারা ভাষার নিকট সর্বাদা শারীরিক **অন্ত**্রভাদি ⁽ বিষয়ক ভাৰ কবিয়া কালব্যাল কংড আমার স্থিত লিখিত প্রিতিও বায়না কৃত বিষয়েব विक्रश्रार्थ भूनकीत नागातरण विक्रापन निया ছেন : সুভরাং আমি এই বিজ্ঞাপন খ'রা সাধা রণকে সভর্ক করিভেছি যে যেন কেই উক্ত विषय उत्य न। करवन । वाबु रेबकूर्श्वनाथ खश्च दीखि মত কবালা আঞ্চর করিয়া উত্তক বিষয় বিক্রায় না করিলে আমারে হগত্য উচ্চাৰ নামে আদা লভে নালীশ করিয়া বিক্রয় সাব, প্ত করিয়া : লটডে কইবে।

কলিকাত:) জীবলাইট দ সিণ্ট उला भीह

মংগ্ৰীত কবিভাকুসুমাজলৈ সংস্তু याञ्चर शुक्तकालाय । छ कश्मिकाका नर्याल (तहा লিস্কর নিবাসী উয়ুক্ত বৈকুঠনাথ ওপ্ত | লয়ে বিক্রাণ এক্ত আছে মূলা লীমাত্র : ञ्जिककिरमात बरमहाशामहाय ।

নদিয়ার নদী।

সম ১৮৬৮ সালের ডিসেম্র ভারিত ৮ হইতে ১৪ই শর্ষ্য ভাগীর্থী নদীর সর্বাক্ষতি ভালের নাব্যাহিক রিপোট্ট ।

সর্ক্ষ কম ডি स्रोटनद নাম **₩**\$ মহানার উপর প্রান্দীতে 7 8 মহানায় एका रहेएक कालिश्व ১०॥ माडेल मर्थः ۵ অলিপুর হইতে বহরমপুর ৪৬ মাইলের মধ্যে . ૨ বহুরমপুর হইতে কার্টোয়া

ર

ফুট

8 क बाहेल महत्र সন ১৮৬৮ সালের ১৭ ডিসেম্বর পুর গঞ্জাটের জলের মাপ।

গক্তের উপর

भाहेरलत मर्था

कारहाया इ≹राख नमीया

) জীয়ক সি ই, উইক একজিবি উটিব ইঞ্চি বহরমপুর ডিবিজন। वश्वर श्व ১৭ ডিটেগ্রর

সোমপ্রকাশ।

১৫ ই পৌৰ সোমবার। खीरमारका मान्याबहन।

এখানকার ব্যবস্থাপক সন্ধার শোখিত ফৌজনারি আইনের প লেখা ইংলগুছিত আইন কমিদন গের নিকট প্রেরিড হইয়াছে। ভ मिर्गत कि कार्रेस कार्रेस क অংশে সংশোধন যে একান্ত আব তালা সাধারণ্যে স্বীরু চ হ্ইরাছে। আমরা একটা মহুং লুনিষ্টের উল প্রবৃত হইলাম। অনু: পুরবাদী জী। क्तिश्रांक मांकी वित्रः प्रकानी क लएड लहेशा या ७३। इः ना , किन्छु ८ দারি আদালতে ইহার বিপরীত ব मुक्के इहा या तम व क्लिटक ओ আনয়ন করা হয়। পুর

১৩৫ ধারার অন্তর্গত াবতীর মকা

द्धीरनाकिनियदक ३८८ शहासूमारत व

নয়ন করিতে পাল্নেন। লাভ কণ্ওয়া স **ন্ত্ৰীলোক সান্দীদিগকে** আদালতে প্তি**ভ হইবার যন্ত্র**ণা চইতে মুক্ত রয়া একটা প্রচলিত দেশাচারের কটে মস্তক অবনত করিয়া গিয়াছেন। লোকদিগকে আদাহতে লইয়া গেলে स्मीरयना मन्न कछे शाहरवन, अह মন্তই পুরেহাকে বিধি করা **হয়। যখ**ন ব্ৰরকা উল্লেশ্য হইল, তথ্ন কি क्टक को कर्नात व प्रथमी जाना विनिहां अध्यक्ति कहा इंडेटडट्ट ? वहर য়ানী আদালতে সমান আছে। এদে য়রা ফেকেনারি আদালভকে স্বা ন ; ই হারা ভাষায় দীড়ালে অপে-হয় ভৱান করেন। কয়েক ৰংসরাবধি ব্যাদিগের সব্পদেন্ট ও ব্যবস্থাপক্ষণ চিরন্তন সংকারের বিরুদ্ধ কাজ য়া আমিতেছেন। বিচারণতিস ও তাঁহাদিগের ৰাতাস লাগিয়াছে। দিন চইল, প্রধানতম বিচারালয় য়ে করিয়াছেন, দেনার ডিক্রীতে भुववामिनी औरनाकमिशर कता याहेरव। अस्मरभत खीरलारकरा

গল অন্তঃপুরমধ্যে বাস করিয়া আংসি ন। আজিও সামাজিকেরা ইহাঁ র পরাধীনভানিগড় ভয়া করিয়া ষাই: অভতৰ ই হালা যে ইউলোপাঁ,য় দিগের নায় অভ্যান ধর্ম গ্রনা দি কাৰ্য সম্পাদন করিবেন ভাষা ৰত নহে। এতল্লিবস্থান স্থানে স্থানে চার **হট্ডেছে। আমাদি**গের াক ধাতুর লোক আছেন, ভাগ

ই অবগত আছেন। এক জনকে

নে করিবার নিমিত্ত কোন পুলিষ

যায় উভার জীর নয়ে করি**লে**

াকম্চালী ১০,১৫ টাকা পাইয়া

ारम छेन्न छोरणाकरक थामाय

ন করেনা আমরা এপ্রকার ছুট

একটা দৃষ্টান্ত দর্শনও করিয়াছি; কেবল লাইবেল আইনের অনুরোধে ব্যক্তি বিশেষের নাম করিতে সমর্থ হইলাম ন। যত দিন সমাজ স্ত্রীলোকদিশকে অধি কতর স্বাধীনতা প্রদান না করিতেছেন: যত দিন আমাদিগের কৌজদারি আদা লতের কার্যাপ্রণালী সংশোধন না ছই-তেছে; যত দিন যথাৰ্থ ভদ্ৰ লোক পুলিষে প্রবেশ না করিতেছেন, তত্তদিন আদালত ' अपूर्विष्य अभन स्ट्रेफ खीरलाक नाकी দিগকে অবঃবৃহতি দেওয়া উচিত। যিনি खीरमारु माकी मानित्वन, डाँश्टिक क्रि সমদারা পরীকা করাইবার ব্যয় দিতে बाधिक कता कर्छवा । क्षकामिरशत অবস্থাও সমাজসংক্রান্ত ব্যবহার বিবে वना कतिया वावकाद्यानयन कताहे विरश्त ।

> --:0:---विश्वविमाशिक्षत्र नहीं कर छ পথীক্ষার কাল।

विश्वविद्यानम अक्तर्य व स्टामंड একটা अधान **गम**ा **चन स्रे**हाटक এবং তাঁহার হজে দেশদাধারণের ৪ বাজি विश्निरमत मिलाश क्र इंडीशा अस्मक নিভার করিতেছে। দেশের সাসনকর্তা দিলের বিজ্ঞাত ও ন্যায়প্রভার কিঞি याज क्रोडी रहेटल (समन वर्ष्ट्र लाटकर भगकत इत्र, विश्वविद्यालात्त्रत व्यथाकः. গণের বিবেচনা ও অবধানতার দোমেও ভদসুরূপ অংশুভ ফল উৎপন্ন ছ্ইভে ারে। এই নিমিত সাধারণের ভাব, গৌরবর্দ্ধি হয়, তজ্ঞনা তাঁহাদি অভাব ও অবস্থার প্রতি বিশেষ দৃষ্টি त्राधिष्ठः इंग्लिटभन्न कोया कता विट्यम् ।

আমাদিগের বিশ্ববিদ্যালয়ের প্রী क्किनिर्द्याहनिर्दिष्टश व्यक्तिक व्यनवशः-নতা দৃষ্ট হয়। বিশ্বিদ্যালয় যেপ্রকার সাধারণ ছাত্রগণের হিতার্থ, ইহার পরী-ক্ষকগণের ভত্তপথোগীকভকগুলি লক্ষণ বিশিষ্ট হওয়া আবিশাক ৷ পরীক্ষকের

তেমৰি পক্পাতশ্নাতা একটা ভ ৰশ্যক শুণ বলিয়া ৰিবেচনা করা ক यनि ছাতाগণের वशार्व छट्नत विष् छ भोजू मादत भूतकात मान ना इत, क्टेटन भन्नीका बार्शियत्र अट কি 🤈 পরীকারারা শিকার উন্নতির ৰনাই ৰাকি ? এক্ৰে যে প্ৰাণা বিশ্ববিদ্যালয়ের পরীকা,হইতেছে, निर्द्भाष विवज्ञा (वाश्व एव ना। विव विट्रणट्यत्र भिक्षकित्रत्रत्र छेशदत्रहे শরীকার ভার অপিতি হইয়া থা इहाटक व्यानक शक्तशांक हत्। মতঃশিক্ষকগণ আপেন আপেন গণের সহিত অপরাপর ছাত্রের প করেন। বেখানে আজীয় e পর **ৰেখানে স্বিচার করা যে কভ** দূর : কাৰ্যা, ভাষা সকলেই বুৰিভে পাচ ক্রটদের ন্যায় দুড়চিত বিচারক কয় ₹**ইতে পা**হরন ? আত্মীয়ের প্রতি প**ক্ষ** বাসন: এক প্রাথল যে, যাঁহারা ন্যায় র্গের অনুমাত্র ভ্রংশকে পরম অধ্য করেন, ভাঁহায়াও ভামাজ হইয়া আংক করিয়া কেলেন। মাহাদিগের তত

ক্তিবিভঃ পরীক্তদিগতে বিচা ভিন্ন শিক্ষকের কার্য্য করিতে হয়। রণসমকে স্থীয় ছাত্রগণের বে উপ मन चकः वाद्य इहेर्द म्हम् वि र्छ(हात) (यमकल विवर्त्तत পর্ क्तिरवन, स्म्हेमकल विषय बिर तर्श निका ना निम्रा निवस्त थाकि श्राद्रिन ना। **भाउ तद न्ला**के ना इके গোপনভাবে প্রীক্ষিত্র বিষয়স লের যে ইঙ্গিত করা হয়, তাহা ৰাহল। এরপ হইলে পরীক্ষ শিক रियमन नर्थाविक विन्ता थोका कार्यकाक, विराध अ क्षेत्र विकास काल

সংকার নাই, ভাঁহাদিগের তক্ত

ন† ≷া

नार्याकार्थितियस स्टान रेखत व स्कन ना इंडर्टर ? হৃতীয়তঃ ছাত্রগণের উদার শিক্ষা ।। অনেকে পরীক্ষক শিক্ষকদি-আপনাধিগের দৌভাগ্যের বিখাতা য়ো উ।হাদিগের শিকাধীন ছইবার ভ ধাৰমান হন। উচিয়া যে বে টুকু শিকা দেন, যে কয়েকটী ৰলেন এবং বে ভাৰ প্ৰকাশ ন যতুপুৰ্বেক ভাহাই স্থৃতিতে ধারণ তে পারিলে ছাত্রগণ পুরুষার্থ বোধ न। यपि व्यनायातमं कार्यामिष्टि इय, আবে আহাস স্থীকার করিতে চায়**ৃ** विमानदानीर्य व्यत्नक हाटज व्य ণাসূরপ ফল উপলক্ষেয় না, এই ার অনুদার ও অনায়াসসিজ, শিক্ষাই চার কারণ। আমেরা অনেক বার ধরাছি পরীক্কছিগের কতগুলি য় প্রশ্নহারা পরীক্ষাকার্য্য সম্পন্ন হয়; হুগণ সেইগুলির উত্তর ক**ঠস্**ছ করি-ভেন্যজুৰান্**হন; সকল বিষ**য়ে

নতাজনিত যে দোষগুলির উলেখ
রলাম, একটু যত্ব করিলেই তালার
নাকরণ হইতে পারে। বিশ্ববিদ্যা
রর অধ্যক্ষেরা শিক্ষকপরীক্ষকের
নারহিত করুন্। শিক্ষকমাতেই পরী
হ হইতে পারেন না, এরপ বলা
মাদিগের তাৎপর্যা নহে। যিনি যে
যারের শিক্ষা দেন, তিনি সে বিষয়ের
ক্রিক না হন ইহাই আমাদিগের
ক্রোব ইহাতে পরীক্ষকের অভাব
বে, এ আশস্কা করা রথা। প্রবেশিকা
বিশার নিমিত প্রেদিডেন্সী কালেজের
ধ্যাপকদিগকে মনোনীত করিলো
হার আপজির কারণ থাকে না!
ন্যান্য কলেজের যদি এমত অধ্যাপক

পতি লাভ কংগ্ৰেডত প্ৰান্বান

আমরা পরীক্কনির্বাচনবিষয়ে অন

711

াওল যার বে তাঁহারা পরীকিতব্য विषयत निकासीन करतन ना, केंस्सितां उ পরীক্ষক হইতে পাদেন। অন্যান্য পরীকা বিষয়েও এইর প নিয়ম অবলয়ন করা পরীক্ষকের অভাবপূরণের আর এক উপায় আছে। আমানিগের শিকাৰিভাগের প্রধান কর্মচারীরা কি এ বিষয়ের সহায়তা করিতে পারেন ना ? डाँशमिटशत्र मत्था विमार्गभातम শীর অভাব নাই। মদে করিলে এ নিমিত বে উচ্চারা সময় পাইতে পারেন না ইহাও বোধ হর না। ডিরেক্টর ও ইন্ ক্ষেক্তর মহাশরেরা এ কার্যভোর **এ**ছৰ করিলে বিদ্যাধ্যাপনের মধার্থ ভত্তাব ধান হয় এবং কোন বিষয়ে কাহারও আপেতি হইতে পারে না। যদি পরীক কের সংখ্যা আরও অধিক আবিশ্যক হয় , ডিগ্রীপরীকার নিমির প্রণ্মে ক্টের অন্যান্য বিভাগত বিদ্যাবিশারদ व्याचात्रीवित्रकित आक्तान कता याहेरङ পারে। ডিগ্রীপরীকার্থীর সংখ্যা অধিক নছে অনেকে গৌরবের কার্য্য বলিয়াও ইচাতে দগর ও উৎসাহদান করিতে পারেন।

বিশ্ববিদ্যালয়ের পরীকার সময় যে

এ দেশের অবস্থোচিত হয় নাই, ইহা
আমরা অনেক বার বলিয়াছি, এখনও
বলিতেছি। শীতকালে পরীকার নিরম
হওরাতে যাবতীয় বিদ্যালয়ের বার্ষিক
বন্দোবস্ত এই সময়ে কাতি হয়,
স্তরাং এই সময়ে ছাত্রগণকে অধিক
অবকাশদান আবশ্যক হইয়া পড়ে।
এ দেশে শীতকাল অধিক গরিপ্রম
করিবার কাল, সে সময়ে এদে শীয়দিন
গোর কিঞ্মিত্রতি সময় নই হইলে
অনেক কার্যাক্রতি হয়। বিশেষতঃ এ
দেশীয়েরা স্থাবতঃ শ্রমকাত্র, তাহাদিগকে কোন প্রকারে পরিশ্রমী করিয়া
ভুলিতে পারিলে একটা মহুৎ হিত্যাধন

इस । अञ्जल ऋटल भी छकाटल सीवीवन मिटन जोशंस्टिशंत **जनम अङ्ग**ि আরও অধিকতর প্রভার দেওরা ই এই নিমিত ছাত্ৰদিপের "শীতাৰক व्यामाप्रिटभेत व्यन्ताप्त विषया (वांच व चामाहिटशङ मटङ खीटबाद बाद পৰীকাকাৰ্য শেষ হইয়া ছাত্ৰেয়া প্ৰ বকাশ কিছু অখিক পাইলে ডড স হয় নাঃ এখন যেক্লপ নিয়ম চলিতে ভাহাতে প্রীয়কালে বিদ্যালয় বয করিলে চলে না। শীতকালে অং कारकात नमग्र अवशा शक स्टेशा य পরীকাকালের নিয়ম পরিবর্তন ব নামান্য কাৰ্য। বটে, কিন্তু ইহাতে यरथेके। এक এक ছাজের वरमदत्र এক মান কাজের সময় বাড়িলে ভা সম্যটি ধরিয়া বিবেচনা করিলে বি শ্বিত হইতে হয়। সাধারণের এ ও লাভ বিশ্ববিদ্যালয়ের অধ্যক্ষ **बिर्विन्नार्या**गाल

--:6:--

বারু কেশবচন্দ্র সেন, উ;হার অন্তর পত্রপ্রেরকগণ। ,

বাবু কেশ্বচন্দ্র সেন ও ভাঁহার চরগণের ব্যবসারবিষয়ক বিস্তর দোমপ্রকাশে প্রকাশিত হইয় আবো আনেকগুলি দীঘঁপত্ত আ গের হক্তে রহিয়াছে। এক বিষয় অধিকতর আন্দোলন করা আ**মা**ণি ব্যবহারাসুগত নচে।বিশেষতঃ বাবু ও ভাঁহার অনুচরগণ বাং ব্যবহার করিতেছেন। এতহ স্তার্ व्यवीनिम्हात विद्वांग क्षायवात म সম্ভাবন্য। অভাবে প্রশ্রেরক নিকটে আমাদিগের সাসুনয় আ এই, তাঁহারা উপস্থিত বিষয়ে আ প্রেরণ নাক্রেন, যেগুলি আমা হস্তে আছে, ভাষা ও প্রকাশিত मा, इहाएड (कह क्त मा हन।

ৰাৰুকেশৰচক্ৰ নেন ও ভাঁহার অহ न छोन्त्र (नर्गा अफ़ा कार्निन া অভিমান করেন। অ'মাদিগেরও দিন ঐ সংকার ছিল। কি**ন্ত** ভাঁছা-র কার্যা দেখিয়া এখন বিপরীত জন্মিতেছে। মাসুবের চরণ লহন এটা কি কাতবিদেৱে ^হ লভ্ডাক্র বাপোর **নছে** ? **রুভ** র এত নীচ কার্য্যে **প্রকৃতি অনে**, র**্মতের ইহা জানিভাম না**। ব বারুও ভাঁহার **অসুচরগণ বিদ**ার निना कतिवात निमिष्ठ कि दिमा া করিয়াছেন ? **বারু বিজায়রুফ** ামী অংপনাব প্রেরিড শেষ পত্রে য়াছেন, কেশৰ বাবুর ি বিনি অকার্যোধা অসুচিত কার্যো यानन कटबन, डिजी य्युक्तियो नन, র। এই মূতন শুনিলাম । এক বাজিল ए डेमाज क्हेब्रार्ट्स, काल अपक পেখানে আছেন, তিনি চেটা লৈ হননোদাতকৈ নিৰারণ করিতে তেন; কিন্ধ ভিনি ভাহা করিলেন তিনি কি প্রভারোয়ভাগী হইবেন

নাম্যা কেশব বাবুকে সরলজ্বয় কোনা কিছা বাবু যদনাথ কোনা কিছা বাবু যদনাথ জী ভাঁহার অথম থে প্রাপ্ত করেন জিনি ভাঁহার মেলজ্বয়ভার দেন তে ভাঁহার সরলজ্বয়ভার লেশ র লিক চহানা। যে রাজনীতিজ্ঞা লিক বিগ্রহ চিন্তা করিয়া পরি হইয়াছেন, ভাঁহার সুথ কইতেও প্রকার জাটন ও কুটিল উক্তর হয়ন।;

বারু কেশবচন্দ্র কোন অলোক নাজনে যে জাঁহার অস্চরের। ইত হট্যা উহিরে চরণরেণুলেংন মঞ্বং ভাহাকে অবভার বলিয়া কারেন, আম্রা ভাহা র্বিডে

PF-1

পারিভেছি না। তিনি সকরিত ও ধার্মিক, ষ্ম উচ্চার এই গুণ উহার অসু চরগণের মোহের কারণ হয়, তাহার ভুল্য বিস্ময়কর বিষয় আর নাই। মাসুবের ষেরূপ হওয়া উচিত, তিনি ভাহাই ইই-য়াছেন। ভাহাতে অলোকসামান্যভার অণুমাত্র সম্পুক নাই, এরূপ সফরিত্র ও ধার্মিক লোক সহত্র সহত্র দৃষ্ট হইয়া थात्कन। त्य प्रत्भ ७ त्य ममत्त्र शास्त्रिक সফরিজ লোক দর্শন হরহ, সেই (मर्म ७ मिरे कारल यमि किमर तातू প্রাত্নভূতি হইতেন, তাহা হইলেও ভাঁহার প্রতি কথঞিং চরণরেণুলেহন প্রতি বিধায়িনী ভক্তির উদয় হইড, কিন্তু এ সে দেশ নয়, সে কালও নয়। যদি বল ভাঁহার উৎকৃষ্ট বক্তৃতাশক্তি আছে. প্রাচীন কালের ডিমক্রিনসও সিধি রোর কথা দূরে থাকুক, ইরামীস্থন কালের বর্ক ও ধেরিডান প্রভৃতির কথা দুরে ধাকুক, তিনি কি বক্তাপজিতে ডাক্তর ড:ফর অপেক। উৎকৃষ্ট **ভাঁ**টার বল্ডাশজিতে কি ডাজর ডফের অপেক। অধিক উর্জ্ঞাবলতা আছে ? ভাঁহার ধর্মাসুবাগ কি ডাক্তর ভকের অপেকা প্রবল ্কয় জন লোকে ডাক্তর ড.ফার চরণরেলু শেহন করি-ভেছেন, আর কর জন লোকেই বা ভাঁহাকে ভাবভারনধ্যে প্রনাকরিয়া ভাঁহার চৰণাৰনত হইতেছেন ? কেশ্ব वातूव এक विषया किशिश्यां के विष्णेत क्रमञा आहि विनिया यमि ऊँ। हाटक দেৰবৎ পুজা করা এবং ভাঁচার চরণ-রেপুলেছন করা সংগত হয়, বাবভীয় বিষয়ে যিনি অ্লামান্য ক্ষমতার পরি-**চর দিয়া গিয়াছেন, উভিচিক কি ক্রা** উচিত ? প্রধানতম ইতিহাদবের। নেবুর জুলিয়দ শীকারের বিদয় যেরপ লিখিয়া পিয়াছেন, কেশব বাবুর অসু চরেরা ভাহা একবার মন দিয়া ভাব ৭

ভাঁহার (সীজারের) নানা ৫ ত্বণ ছিল।তিনি অনুপম অধ্যবস कारत ७ व्यवनीमाक्तरम मरनादण्डि শুলির কার্যো বিনিযোগ করিতে তেন। ভাঁহার অলোকসামান্য স্প্রদিদ্ধ। তাঁহার অদামান্য উপ বুদ্ধি ছিল। ভাঁচার নিজের খ অধিক এবং অদৃষ্ঠ তাঁহার প্রতি मञ्ज, उँ। हात श्रेष्ट मरकात हिला। अव হ্মন উাহার এই দুড়তর বিখাস তিনি যেবিষয়ে হস্তক্ষেপ করি তাহাতেই কুভকার্য্য হইতে পারিত এইহেতু ভিনি যে সমস্ত কাৰ্য্য দল করিতেন, ভাহার অধিকাংশে পা ও অভ্যাসলকণ লক্ষিত হইত ভাঁহার বক্তা ও ভাষারচনার তদানীস্থন কোন সম্প্রদায়ের অনু নহে। ভাঁহার নৈদর্গিক যে আ ছিল, এ দকলই ভাহার উদ্মেবঃ তাঁহার বুদ্ধি অতিশয় তীক্ষ तर्भन विख्वानीमि विष्टप्र उँ শ্বিশেষ বুৎপত্তিছিল। 🛊 🛊 🌞 লিখন বিষয়ে তিনি অসামান্ত প্রা লাভ করিয়াছিলেন**় স্শিকিত** ধ দিগের ন্যায় তাঁহার কথোপ ক্ষমতাছিল, তাঁহার কোন প্রকার ভৃষর ছিল না। তিনি ভ ক্ট বক্তাশকিণপার ছি 🛊 🛎 🛊 ভূঁহেরে সংথানী: শাপনা হইতেই হয়,ভি্নি কখন যুদ্ধবিদ্যা শিকা করেন : এত জিল তিনি অমায়িক ও সরলং ছिলেন। তিনি কণকাল আলসে (করিতে পারিতেন না। এইরূপ 🧯 বিস্তর গুণুবর্ণিত হইয়াছে। অধিব এইমাত্র বলিলেই পর্যাপ্ত হইবে, ভिन्नि এक्ना (द्राम्नश्रद्धत अकादि कतिशाहिरलन अवः नाना रहम अ পদু তাঁহার বাহুবলে বিভিত্ র অধীনতা স্বীকার করিয়াছিল। বে ব্যক্তির এত গুৰু ও ক্ষতা ছিল, াকেরাকি ভাঁহাকে দেবৰৎ আবারা করিয়াছিলেন? রোমকেরা কি ভাঁহার মিশিরনির্মাণ অথবা পৃকাৰিধি বিত করিয়াছিলেন ? তাঁহাকে গার মধ্যে পাণনা করিয়া ঊাছার পুরা দূরে থাকুক, ভিনি " সম্রাট " এই থি লইবার আকাজকী হওয়াতে াকেরা ভাঁহার আপোবধ করে।

মূতন পুস্তক।

আমরা কৃতজ্ঞতাসহকারে স্বীকার ভেছি নিম্লিখিত পুস্তকগুলি াদিগের হস্তগত হইয়াছে।

১। যৌৰনোদ্যান ও অন্যান্য কৰি-লী। এখানি ঐীযুক্ত বারুরাজক্ষ পিখ্যায়কর্ত্তক পদ্যে বিরচিত। তে যৌৰনোদ্যান; ৰস্মতী ও বাল মুপপ্রস্তি কয়েকটা বিষয় সন্নি াত হইয়াছে। সফরিতা যুবকগণ পে যৌৰনস্থাভ কাম ছ্রাকাভকা াভাদি দারা আনকান্ত হইয়াও সীয় বিনিদ্ধ সুবৃদ্ধি প্রভাবে ভাহা হইতে **९ মুখ হই**য়ু। সৎকর্মে ক্লভসংকণ্প গাহা ইহাতে রূপকচ্ছলে বর্ণিত হই-

ৰশক্তির পরিচয় প্রদান করিয়া-।**বস্মতী**ও বালকের মু**ধ**ঞ্ভি রও ইহা অপেকা কবিত নানতা हत्र ना। এইখানি । এছে ; কিন্তু ভাঁহার কবিতাওলির

। এম্কার ইহাতে আপনার বিলক্ষণ

ভঙ্গী দেখিলে ভাঁহাকে নৃতন এছ বলিয়া বোধ হয় না।

ধৰি স্বাবলয়িত পদ্ধতি পরিত্যাগ क्षाक्ष मिर्टनत्र मरक्षाई এक

ा व ७१४ च्या इकात इहेटवेंन ।

२। इर्सारमब नाहेक। 🗟 युक्त विरातिनान वटनग्राभाग हेरात

এবেতা। কিভোম উপাধিধারী এক ইহা মুদ্রিত ও প্রচারিত করিয়া व्यन वनद 🔆 📆 एवड इंडी जाक्यकीय লমী পুত্র হিলেন। তাঁহারা আকা হইয়াও শিতার সুর্গোৎসবে ব্যাঘাত করেন नाइ। हर् तमनामक अक सन सर् শিশিত ্ৰ উক্ত ভাষাণেয় ক্লিন্ত পুত্রের নহচর ছিল। নে তোবামোদ वटन के जामार्वत ममल भतिवारतत বিশেষত ক্রিষ্ঠ পুরের একার অনুরাগ जाकन कर भेना क्यन छे शांविशाती Aक क्य अपू ত পুতিত সাক্ষতে।মের मणां भिष्य के विन क्रियन मारमञ् সভাবদে প্ৰতিশয় **হইয়া সকলো তাহারে ভৎ সনা করিভেন** এবং তাহা হইতে যে পরিণামে বিশেষ অনিষ্ট ঘটিবার সম্ভাৰনা তাহা স্ক্রিনা নাৰ্কভোমকে কহিতেন। চন্দনদান ইহাতে আপনার ভাবী অনিট আশক। করিয়া विमा क्यांक को बाग वाम अक कति বার চেণ্টা পায়; কিন্তু পরিণামে তাহার নে চাতুরী প্রকাশ হইয়া পড়ে। এছ-कात बहे विषयणी महेता अञ्चानि अञ्च করিয়াছেন। ইহার আদেগপান্ত পাঠ क्तिया (नथा (नन, ठन्मनमारमत ठाकुरी প্রকাশভিন্ন অন্যকোন স্থানেই রচনা ठाजूर्यः मृष्टे हहेल ना,

ও।বিলাপলহরী। 🖹 যুক্ত বারু বলাইচাঁদ দেন ইহার প্রণেত।। ইহাতে এক ৰণিকের পুত্তশোকে ক্রন্দন ও এক জন বস্ত্ক ভাহার সামূনা মিতাকরে বৰ্ণিত হইয়াছে। কৰিতাভালি মক হয় নাই। কলিকাতা হিন্দু প্রেদে এই পুস্ত ক্ধানি মুদ্রিত হইরাছে। গ্রন্থকার ইহা বিনামুল্যে বিভরণ করিতেছেন। ইহার অৰয়ৰ নিতান্ত কুদ্ৰ; আবার কিছু বৃহৎ **ब्हेरल जाल इंडे** छ।

৪। রামার্যা গ্রন্থ। এখানি সংকৃত গ্ৰন্থ। 🕮 💯 ৮ মহাকবি মুদ্দাল ভট্ট ইহার প্রণেতা। সম্প্রতি শ্রীযুক্ত বারু ক্রিক্তর

ইহাতে আর্যাক্তে রামের মা বর্ণিত হইরাছে। গ্রন্থকার অভ শত সংখ্যক প্লোক্ষারা গ্রন্থানি कतिवादस्य। कविष्ठाश्रीम मन्द्रमा

. विविधमध्वामः।

৮ ই পৌৰ সোমবার।

मुख्यां कि क्लारिमनाम् कि कम हा-व क्षम कूलिएके खलालु श्रहात कतिया वस क ভাহার যে দও হইয়াছে, ততুপলক্ষে লেগ গবর্ণর চাক্ষেত্রের অধ্যক্ষ ডাজ্ঞর ডেবিড এই বলিয়া ভংসনা করিয়াছেন, ধর্ম ও मा रक्षेक कन्याञ्चरतारयक मञ्जूदिनरगत्र বর করাউচে**ভ। ভাজ্জর ভেবিভসন**াকল এত্যাচারের সংবাদ পাইয়াও ভান্নৰ .हष्ट्री भाग गारे। कर्जुभक्त इंख्रेरबाशीब ঃশননীভির উপরে নিভর নাকরিয়াজনপর अभिक्षित्राम् भात्रकः कक्रमः
।

कि किन रहेल, मारवादत खलाकिश्व ট ব ধ্রগ্রাতে কুমার চক্রমাধ্রায় ও দ্রান্তা।চাক্ৎসক ও ঐবধ্যার। পীত্ত .वटमव मादायः कात्रबार्धमः।

সিটনকার সাহেব কলিকাডার বিং नर्धित वार्केन हार्कानात ह्हेरखर्ह्म : ल्ट्सम हाटमल्द > विचित्रिशाल्ट्सद्र मा षात्रो है!र्ज्जनत्र क काञ्चनमान श्रहान व থন্য শিষ্টনকার সা**হেব চেট**া পা**ই**ডে এটা নিভাক্ত বাড়াবাড়ী। সর জন লরেক লাল্যের কোন সভায় একটা ব্<u>ধ</u> करत्रन नार ।

বাবু চক্রবোচন চট্টোপাখ্যায় বন্ধ ব্ৰেস্থাপক সভার কানটের সভঃ হইয় কুমার হরেন্দ্র কুঞ্চের ছুই বংগর পারপু য়াতে ভি:ম পদভাগে করিলেন: মুগ (मर्गद्र मर्ग्रा अक का रक का कहा च अवर्थस्य के स्वयं कभीशहरिष्ठा श्र त्र**ात्कहे सहर**क्षर्कन > ष्थलन स्थानित स्थान নিধি অংশের কি সময় হয় নাই ?

নেপাল হইতে এক অসম দুত কলিব আবিয়াছেন। হনি মুঃাপুরের মৃত क्षित्र ऐन्।रिन न्यारङ्गः। साप्र (मरम्रः) সাক্ষাৎ করিয়া দুর্ভ প্রতিগমন করিবেন :

तिनान भवनेरमके **कारक**श्रीय शतना **ৰু ওক্ত**লি আইনের অপুৰাদ করিয়া ব । রাজের প্রচলিত করিয়াছেন। এটা প্রশং ইবরু কিন্তু সেকেলে পণ্ডিড ও কাঞ্চি .হল্ডে বিচারের ভার থাকিলে কোন বাজ मा ।है अञ्चलक्षेत्र हाकशन कलिकाका. (वा র মান্ত্রাক্সের বিশ্বিদ্যালয়ের পরীক্ষোতী কে কৰ্মচায়ী মনোনীত কৰেন না কেন? ৰ হেন বি ভৱাও ইংলও হইতে প্রভাগমন दहन।

প্রতি নাগাগণ মণিপুণের সীমার নিকটে हात कतार्ड भवनेत **्यन्तरल इ. अरक हे** রে হ'ইবার আন্দেশ পাইয়াছেন। মণিপু ে আপনাদিলের সীন্দেকল গড়বছ করিয়া করে ভিনি এই চেষ্টা পাইকেনা এই ছ গ্ৰণ্য **ভো**ৰসুল ক**ডকণ্ডলি ভল্**বা সন্মত হুইয়াড়েন।

কার্য্যের নিমিত গুজারনী ও, কুপ করিবার भवन्तिक अब इस्टम होका कर्क भिन्न न । पद्धारित अहे अया करब्रकवरभव देखिय চলা এবার স্ওয়াতে গ্রেপ্র ল পুনকার এপ্রকার কর্ম্ম দিবার আছে: ছন বেসকল স্থানে ছভিক হ≷য়াছে, गर्दे छाट्स अक्षकांत्र माध्यः कांत्रत्स (लाक na উপকার कान कहिएत्न i

হ গণিত ম*ালালী রেকিন*মেক্টের ক.দেরণ নামক গ্রহ জন আনাঞ্সর আসকটের ক্রডে: न भक्तिक व्हेसांकित्वन । हेट । द्वा लेनाएः া সর্কান সোলয়োগ করাতে ভারতবধীয় मण्डे ज्ञाधःतन राट्य हेर्राविशास्क ଓ ଅେଶ୍ର ବଂଗ୍ରହାଲେ । (ଅବନ୍ଧିକା ଓ (ଅ. अध्यारक अध्यक्त सम्भाक व्याहित्सन।

। শ্যেক যত ভাঃভবৰ ত্যাগ করেন ভতই

वि अक्ष विद्याखी नाम कामानिरगढ रदम कर्त्व**र७८७** । त्म:७८०ोऽङ्व बााङ ইংগতে বিশুর গোক হাডগরাম ও হত য়। মার**কুইস অব হেকিঙ্স**্স<u>ক</u>পতি aक ® ∤। इत्र व्यक्ष्मिंग कविद्राट्या । किश्र कृत्थिक श्हेनाय, अहै_बनकन मृष्टेरिख नाउक 1 अवात किका कात्र करनक युवक (साइ । বাঞ্জির টিকেট ক্রম্ম করিডেছেন। সুত্ত

বা অবগতে হুইলাম, চাকাব দিজীয় ল বাৰু মাক্জানাথ বসু ২৪ পরগণার ब्रुष्ट क्या इंदेव्राट्डन ।

७ कथन है अल्ला ने है।

্রহুল ব সয়াছেন সবলকায় লোক । দিয়ের প্রতি সমান বন্ধ করেন, এটি ভাগার প্রতি করিবার আঞা দিয়াছেন। ইবি

দিগকৈ প্রতিপালন করিবার নিমিন্ত জন্মপুষ্কের वाका (थाकामरमत छीरत अक्षी भीध कतियान আক্রাদিয়াছেন; অংগলার এক ক্রম বণিক निकायारम् विश्वकः स्नाकदकः चन्न निर्करक्ते। लारशादत अक सन एम ताक अधकात कांत्ररि ্ছন। ছর্ডিকের সময়ে ভারতব্যীরগণ অভা वर्षः (व काळावं (प्रम. कार्षः अवात्रक हुरूरवः) **खात्रकद्दींव्र गवर्गरमन्त्रे कि कतिरवन**े व्यामत्रः विभएकि । यसन ७। त्रज्ञेरर्षित व्यक्षिकार्यम इंडिक एथन ठाउँटमत त्रुशामी वस करा 4**6**41 :

৯ ই পোষ মন্দ্রবার।

ছড়িক্সিবক্স উত্তরপশ্চিমাঞ্চলে বেসকল শিল্য অনাথ হইতেছে **মাজিটেটারা** ভাষাদি-शतक भित्रमातिक्रियत व्याचीरम त्राचिर उट्टम প্রত্যেক শিশুর নিমিত্ত সরকারী ধনাগাং इट्टेंड इटे हे।को कविया एउटा **१**टेंदि । स्मायत भवर्गरमन्द्रिक मञ्जर्क कतिरञ्जिक, बाहा छै९करक •हेश्र†:इ डाहा खेदत अभिका**क्ष्रता** कहें ता व्यान-क्या देविता मकरन वनित्वन, अहे सूर्यातः श्वर्यक्र अकाशर्वत काखिनाम कतिर्ख्राचन

ष्याभद्री फाइला पिछ इत्रेलाभ, अवर्गत (कार्निय-লের নায়ে এখান সেনাপতি এক জান এতাদে শীর আফিসংকে আপনার এক জন এডিকঙ विलिया नियुक्त कतियार्द्यम । ইहारक ১৫ - है।क ्यक्त (मञ्जूष इहेर्द। असे लारकत नाहर (दल्प क्रेंट्स ख:स क्रेंड।

প্রধানতম বিচারালয় স্থির করিয়াছেন, বি এল উপর্গিধ প্রাপ্ত ও প্রথমকোণর ক্ষটি द्वेकील जिल्ला कात्र काहारक मूरकारक शरक নিযুক্ত করিবেন না। আনটেবিগণও এই পদ পাইতে শাহিবেন।

পঞ্চাৰ, উত্তর পশিচ্যাঞ্চল ও মধ্য ভারেড वर्षत कुरम कुरम इष्टि व्हेर छ ए । वर्षण किल्क व्यू बाहे। ख्याः भे अर्क्डाइवस्त्र **भरमा**त्र भूमः कडक कियाहरू।

অ'মরা আহলাদিত হট্যা প্রকাশ করিতেছি

चात्र क्वा विश्व क्षेत्र के व्या का कि शादकर. ১०० हाकात मीटहत अवर्गसाल्डे कर्षाहादिशन छ स्टिक्कि कर्म्हारीभित्मत्र निवमाञ्चनात्र वरनत्र এক মাস বিদায় পাইতে পারিবেন। কিন্তু এ श्रकात विलाश सहता भवन्याने क्यांच कार्जित्रक वाम कदिर्वन ना। व्यावनाक स्ट्रेल विनाय প্রাপ্ত কথাচারীকে এক জান প্রতিনিধি দিতে कि अ विद्रोलित श्राम्मभव क्रिक्सिए भव । क्रेट्टा मन स्वत्य मक्त प्राणित विश्वासी

गृष्टी है। ज्यामना मिटगंस विवर्देश (व किहें (मर्मिन ना अमे वक्ष कार्याप्त इंट्राइट

अकरन करकाक क्षित्रमात्रि बाह রবেনিউ একেউকে ফীবরূপ ২৬ টাকা বৎসর দিতে হয়। মুজেফদের উক্তীলগাব সদর, আমীনের উকীল গ্রাব ১৫ টাকা 😗 **डेकीनगन २७ डोका मिया जकत जा**ब याहेएक भारतमः किन्न स्मान्काविकारक পেক্ষা অধিক দিজে হয়। এ নিমিতা আ नर्त्ता भारक्षण करत्व। अहे कारकरभद्र कांत्रन काटक, अवर कांत्रता कृतका कर्त्र (मके बहे कान) प्रति पूत्र कति द्वा ।

ডেলিনিউস অবগভ হইয়াছেন, লাড कसूरतारथ नत्र क्या सरद्रम साञ्चाशित ভাৰতবৰ্ষ ভ্যান করিবেন। সুভন গ্ৰণ্য রলরাজনীভিখিকার নিমিত্ত এই আ করিয়াছেন। লাভ মেয়ুও সর কান লবেক (युत्र हे हारफ (१) देव ध्यकान इहरफर्छ।

উक्त পতा ४८ मन, लाइहात मिनन क)२० **डेक्क १ डी इस्क्रहाख इंट्र**ड्डा মেণ্ট ইয়াৰ অৰ্জেক প্ৰদান করিবেন। **উ** মণি আচর অফিলের ফটারনামক বে

চারী ভহবিল ভছরপ করিয়া প্লায়ন তিনি মাজে;কে ধৃত হইয়াছেন । ফটার : . भाव (काम्ला! तर का हाटक हेरटा ६ করিভোচ্চলের।

रेकलाल ও नवीन नामक (य प्रदेखन यू श्ख्रा करत शख कला खाशकिरशत काँभी तिशाह्य । मृक् काल पर्यक्ष काहादा जाप शतक भिटक्रांच विलियाहित । काशांता वटल (म:हिमी खेबकाम खानकांश करत, उ কেবল গে'লুবে'গের ভারে ভারে সি মধ্যে বাবিয়াছিল :

সম্প্রত ব্রিক্টেলার এক কোটোলে ह बहु र एक दोश्रम व स्थान व हे में र स्थान है व ভাগার অসুস্কান ক २८७ গমন করেন ! त्म्भक्केत्र क*ञ्च*नकारमञ्ज शहिबद्ध (४) स्वापान छ मा १८४० सन ক্রিয়া a. . हाक हेर्ट्या हाक्साहिटलन। अ इश आह्रवहक सामाहेबाइफ मार्टित १६ क्रारियामा कतिहा डिंग्शिक श्रम्पूरिक कर बार्ट्छ। (को क्रमांब्रिएक व्यर्भन कवा केंद्रिक (व'ब'ई विच्'वहर्गनदत्तः १०**३ स**न

निकाशवीकाशींत मर्पा २९५ सन कृष **इहेम्!** १इन्।

১০ ই পৌৰ ৰুগৰ** अञ्चल सम्बन्धि तत है।क्लिंड ल आर्थानी शहरेद निकटि अवती सामी ান সেতু করা উচিত কি না এনিষিত্ত व विशिद्धाः मा । अप (भागस्थान न) के तिश्री eten क्षिष्ट व्याधक वाह कावूरा अक्षी श्राद्री করাই উচিত।

विवाद नाफ स्मप्त, (न अरमञ्जू এवर मान्ना नाषः (निभिन्नत (बाबाहरण हिमसीक स्ट्रेडी । (बाबाहेरप्रत (लारकः) मन्त्रारमत्र महिष्ठ

ष्टिश**रक श्र**ं, स्थायम क वृद्घारङ्ग । **्लिममान करलन, अल्लिडीन मार्ट्स**

য় লইলে রাজধানীবিভাগের ক্ষিস্বর ।ান সাংহৰ ভ'রভবীয় গ্র∻থেটের রাজ্ঞ 😻 (मर्ड्ड) दे रहेर्वन। हाथमान मार्ट्ड নৈ আছেন সেই খ'নেই ভালা ইডেন ग्टक **श्राक्ति**वि कहा कर्छन्। **रस्ट**म्मीय .भर•ेंद्र *(गर्*क्टोर्डि **२३८०३ दाक्याय**क

भ द्राचिटक स्त्र। ভ বাৰু অসলাথ শঙ্গা শেঠের পুর বাৰু

क छन्ना र अक भर्त छेलनुटक (वासाहेट्यू व গেপীয় স্বাহ্যকে নিমন্ত্রণ করিয়াছিলেন, বাবে অসমেক ভাল ও জ্ঞীলোক ভবার इंड इन । (वाषाई गाडियान **हेशाय** ংহইয়া বলিয়াছেন, হিন্দুপর্ক উপলক্ষে করিলে খৃতীয় ধর্ম বরুত্ব কালে হয়। এ । কথা এখানকার আহনেক মহমতি বলেন, বিচারপ ভি কিয়'র এক বার নদীয়াব রাজা ভ গিয়াবিলকণ গালি খাইয়াছলেন। ৰ্দ্ম কি এমনি ভঙ্গপ্ৰবণ যে, হিন্দুর বাটীতে প্রহণে উংসর হয়?

তাত উ∷র পণিচন;কালের এখানতম |लट्युत व:तिष्ठेत निष्ठिवेन भार्टन विहास निकारे आदिवास करत्त्व, आनाश्वादारमञ् জ্ঞান্ত একটীমকক্ষাত্রবৰ্ষে স্ময়ে জেলাধ क व्याक्तिन, এ अवश्व प्र डाहात (निके । মকেলের স্থাবিচারের আশা নাই। অভ রনৈ মকক৸:টী ≲পানতম রিচারলেয়ে ন করিবার প্রাপনিশ করেন। বিচারালয় চেন, এই আবেদন আহে করিলে একটী **পथ श्रदर्विड कड़ा इहेट्य। मकद्मम**!ड

্মশ হইবামাত্র উকীল বিচারপঞ্জির विवास कतिया अध्यकात जादिवस्य केदि এই বিধেচনায় ভাঁচার। নিউটন সাহেংবর

। অপ্রাহ্ করিয়াছেন।

🐲 स महद्रम रमके स्मिवियद्वद विमानिद्वद ভাষিকপ্রদানের সমধ্যে উপস্থিত থাকাতে চোত্ৰগৰ ভাহাকে এক অভিনন্দন প্ৰদান ছেন। সেক্ট ক্লেৰিয়বের বিন্যুলয় কাপ रटभद्र व्यथीनऋ।

एक्ति विदेशात अक सन गढाबाहक बर्गन. शक वृदियांत्र मार्ट्स्शास्त्र निकटी अक्यानि वान्त्रीत मक्ते चानिएडिंग, अवन नवस्त्र अक्ती रखी कमचानिक अभन रखी वाध कतिहा ब्रोशांचिक स्टेब्रा युक्ष कतिएक शमन करत्। स्श्वी শুগুৰারা কল ধরিৰার চেষ্ঠা করিবামাত্র লঙ ভাগে ছিন্ন হইরা পতিত হইল। কলবানি ভারার উপর দিয়া যাওয়াতে কন্তক অংশে ভগ रत । प्रदेशामि जापत मकते अक काटन हुन दह ब्राट्ड। जानक बाचाक शांख इडेब्राट्ड। ब्याट्स होनिरात्र किছु ७ इब्र माहे ?

मनिপুরের রাজ্যার আবারোধী এইরীদিগের নিষিত্ত ভারতব্যার গ্রেপ্রেট ২০০০ ভলবার धनान कतिहास्त्रन ।

কৰোলি ও কালকার মধ্যে বর্থাবিচ্ড **१रेग्राट्ड। व्यापाकरः व्यापक (लाक मनीगर्ड** ररेट पर्व थाल इन्याद्भन ।

এক জন করালী মনিটিউর পত্রে ভারতব ্ষর বাণিজ্যের বিষয়ে এক বিপোট প্রকাশ क्रिब्राट्डम । देशधाला कामा यः ३८७८५, जात खर्क्त भू । हत्रेमाञ्च कताली वाशिका हरू **खा**रह টনি বলেন, ভারতবর্ষে ইউরোপীয় উপনিবেশ ংইবার ছটী ৰিম্ন। প্রথমতঃ জ্ঞাল বায়ু এবং দ্বিটী য়কঃ ভূারভব্বীয়গণ যেপ্রকার বিদ্যাশিক করিতেকেন, ভাগতে ইউরোপীর্দিগকে বিশয় ুইতে হইবে ৷ রুশীয়দিগের অংগভঃ রাঞ্নী **क्टब विषय कात करार्थ कारमरक बुलिसारक न**ा स्त्रामीमन्छ व्यतीसङ्कान्डिक (मांक्रफ करा वेशरम्ब कावन ज्ञान करवन । हेश्नर छ व निकर् आभामिर्गदक्ठ कुछ छ १९३१ छे ५ छ. हेश ধার। সকলেই ভালা বুঝিতে সমর্থ হইবেন।

वदनाद श्रहेकुमाद अयन ज्ञानक प्रजिटकार निमास कालन दक्षित रहेर्ड कान दिल्ला महा ब्रुशनी বস্ধাকরিয়াছেন। ভ∷রতবর্ধের বাহিবে যাইবার পক্ষে এ নিয়ম কৰা উচিত ছিল গ কিয় দেশে: অন অন্য ক্লেকে সাহাধ্য না করা অভিশয় নিষ্বতঃ ভারতবধীয় গ্রাবিনেন্ট র্রদায় শ্বঃ আনদানী যদি বন্ধ কাইডেন ভাষা ছইলেকি 1 6 30

১১ ই পৌষ বৃহস্পতিবার।

ডবলিউ, ডবলিউ, হ্টার সাহেব স্থাম্প ও (क्षेत्रमतित क्षुपविरान्धेर छ के क्षेत्रारहम । अकारक পরিশ্রম কলে, কাডএব ২ণ্টার সাহেব বেকড কমিসনের অনেক সাখ্যা করিতে পারিবেন।

ष्यामता इःचिष्ठ वहनाम, अवर्गमण्डेत श्रथान উগীল বাৰু কৃষ্ণকিংশার ঘোষ পীড়ানিবন্ধৰ

प्रहे मारमत विमान महेर्ड वाधिक कहेन **२७७। मिनाळाशुद्र ও मानमहिन क** बारमं छुडम भिद्धनिनिभाग (वश्रास्मीयः প্রস্থার ১৮৬৮ অব্দের ৬.) আইন ৫ रहेंब्रोट्ड। जना जना श्राटनत मासिट कियननत्रिक्तित्र मामस्थादन क्रिकात्र **भारेगारक्य** ।

चानामी :> हे अं > र हे स्वज्यवाति (म भिरमत नदीका इंडरबा १६ ई ७ ५७ ई লেপিয় এবং ২২ এ ও ২০ এ ঘিডীয় (কালতির শরীকা ক্ইবে :

डाक्टर बालाग न भवर्गमहित्य का (इम, a वरमत मात्रक्षिनिष्ड निरक्काना ম্বি**শেষ উন্নতি হইয়াছে**।

महाभट्टन छ दि कारनत योग कोट्ड বাজাংশ প্রাক্ষাণের প্রতি ভক্তি করেন। স ञ्चन ब्राक्षांत्र व्य छात्रक मग्राह्म आकारनता ्यक ও मक्ताहत्व कडियाडिट्सम्।

গজার যান প্রবমান সেডু হয় ভাহার: কাহার কি আপত্তি আছে, দেডুক্ষিসন आभिरक क्रान्सिएकम्। यशिक । आश्रारकार् मरभत् कार्भाञ्च इहेर्द ।

মির হাজিনামক যে ব্যক্তি ১৮৫৭ कारस्य जनागरक मिलीएक वर करत, ए मृङ्कारका व्हेतारका म गारक्षत जगनामरक वर कर्द्र, उश्रम ফ'শৌ কইবে। আনানাভরসাকরি, মির। প্ৰে ১৮ং৭ অক্ষ্টিভ সমুদায় বিষয় .इंड इट्टेंग अक युग (भल, उथानि कि ষ্ঠিৰ স্পৃহ। যায় না ?

(वाबाइएवर कक्षानि मन्दानभक्त व छहेकुमारवत विकरण সংবাদপত्र वाहा हि ॰ य कर्दन वात डाँग्शास्त्र काहात किছू हे सा (हम मा । अ कारकाम वाकारक (हार <u>।</u> র্থা। যাহ। হউক ভইকুমারের শাসান্ত उ (तरिएए: केत हिंद्र व ४ अञ्चलकान कित সময় আমসিয়াছে।

আম্বছল রহমন খা বেপ্রকার পর হইয়াছেন বলিয়া সংবাদ আইলে ভাঃ নতে: ভিনি ও সিয়ার খালি খা পুনর্দা श्रञ्ज क्रेट उट्टन । कार्यक्र ब्रह्म स्मान्य আজিন থা আসিয়াছেন , কিছে সিয়া वल कार्थिक अन्तर का वज्ञान क्षेत्र अ(शक्षा आञ्चतकात (हडे:हे शह রুশিরের। বোখারার রাজাকে ভুমারুখ या मिर्डिष् । किंश कथात्र अक र

थाकिरवमः केंद्रात इरल क्षेपीम क्रमण् rcব। রুশীয়_্লবর্ণমেন্টের সম্মতি ভিয় র মুখ্রুদেও স্থিতে সমর্গ ইইবেন না। ঃ সর্বপ্রকারে বোধারাকে ভারতব কোন এডদেশীর রাজ্যের ন্যায় বইডে

দার কডওলি লোককে সি, এস, স্পাই थि १५ ७ मा इहेबाइइ । हेशत मर्था ज्यामत्री চুটের রাজা, পণ্ডিডমানফুল, কর্পেল , ন্যাৰ গোলাম হোদেন থাও মাৰ্শিমান বের নাম দেখিতেছি।

পায়নামক যে বৰ্ণিক চীৰের মধ্য দিয়া হিমা ার হইরা ভারতবর্ধে আাসবার চেটা পাই লেন, চীন শাসনকভাদিগের প্রতিবন্ধকতা ন ডিনি ডিক্ডপ্যুক্ত আসিয়া সাভা ধত্যাগমন করিতে বাধিত হইরাছেন।

দ্যাব্ধি ঃ ঠা জানুয়ারি পর্যন্ত প্রধানতম **ালয়ের আ**দিম বিভাগ বন্ধ বাকিবে: ণ বিভাগে চারিদিনমাত্র ছুটি হইয়াছে। বিষয়ে উভয় বিভাগের একতা করা ৰণিকসক্ষদায়েৰ অন্ত্ৰোধে গ্ৰৰ্থ ন রা আবাসুয়ারি শনিবারও বফ দিবার

দিরাহেন। ালিক ওপিনিয়নে লিখিড হইয়াছে, অহা মিসরিএট কন্টাইর বাবুরজ্লাল দরিজ कर्मा मिवात स्मरा २४००० हाका वास থানেছারের কুলছত্ত পুকরিণীর সংস্কার ছেন। সির্বাহিতাগ অবন্দুন্য হই-मराद्रमात ও हो। कमात्रक्ति वामगमुद्र । कि (नेप) यादाना। इंड-व्राइट्स (क्यान দল আনমূন করিয়া প্রাণবারণ করে। গালে অসংধা হ্রণ ছিলঃ প্রাণ ৷ কলের অভাবে স্থানান্তর প্রায়ন । ১১१७ ७ ১२१७ व्यक्त कुला इहेरव

১২ ই পৌধ শুক্রবার : আফিদেৰ এ. সি, ফষ্টারকে পুলিবে হইয়াছে। মাজিক্টেট রবাটন সাহেব ত অসমত হইরাছেন। ইউরোপীয় र्धमार्क्यना कर्ता यख इहेर्द ७ छहे ा स्टेंद्र ।

म बरमन, बाताकशुरत्त कुछशुर्का গ'লিটেট মেজর বোরণ ছারভা ৰক্ষমাত্ৰ ইইয়াছেন : বাজার शास्त्र निभिन्न श्रदर्गभने अक ११८४ व व द्वारक्षः न कः तर्राहरूनः

ইংলভের বিচারপাত্রনৰ সম্প্রতি সিম্বাস্ত করিয়াছেন, মহাসভাল তর্কের সমলে বভি वाङ्किविद्यास्यत् इतिहास्त्र श्रिष्ठ (मायाद्वाभ कर्त्र) হয় এবং সেই ব্লিপোট অবিকল কোন সংখাদ भट्डिव मन्नाहक श्रकाम करद्रन, खाहा इहेरन नाहेरवरनत नानीम इहेरव ना ।

क्वम छात्रखवर्ष नरह, हेश्मरखत्र मिक्रीमिनि भागिष्ठितम्दर्**छ চুরির বিলক্ষণ সুবিধা আ**ছে। লাক্ষেশিয়ারের অন্তর্গত সাউপপোটের বিউনি নিশা লিটির আকাউণ্টাণ্ট টি, বি, হডকিখন এক লক্ষ টাক। ভত্বিল ভছরপ করিয়া বিচারালয়ে আৰাত্মদোৰ স্বীকার করিয়াছেন। উটাহার বারি ষ্ট্র বলেন, খাডাগকল যথাবীতি রাখ: ছইড না। এমত অবস্থায় অংশরাধী লোভ স্থরণ করিতে না পারিয়া এই কাজা করিয়াছে। এই সকল কারণে সে:সিয়নে তাহার ১৬ মাস মেয়াদ रहेगाट्ड ।

বজদেশীয় গ্ৰণ্মেণ্ট বিভাগীয় মাঞ্ (छेप्रेनिश**्क कानाहेब्राट्डन ১৮१**४ **फार्क** लाक সংখ^{্য} করা **হইবে। ইভিমধ্যে উট্**যারী এ জ্ঞাত र्रेया थाकून । शवर्षमण्डे यनि अक मामानः डेभाग्न व्यवसम्बद्धन काहा शहरत श्राक्तिकान লোকসংখ্যা হয়: এক যোধণাথারা বলুন, लाकमश्यात উष्ट्रमा अहे, यनि भुकु क्रिक श्व ७ भवर्गस्य छित्रवातरत्व छिट्टा (मिर्वित) कान अकात कत्रशां भारत है। হইবে না ৷ প্রত্যেক চৌকিদার আপন আপন মহলার লোক ও বাসির সংখ্যা করিয়া খানায় দিক। এই প্রকাব থানা হইতে বিভাগীয় মাজি **ॐ** छित निकटे अवर एथा। २३८७ गवर्गस्ट हेत নিকটে অনায়াদে হিসাব হাইতে পারে। চৌকি দারদিগকে পদ্যুতির ভর্মদর্শন করিলেই ভাহারা যথাপ সংখ্যা করিবে : আলে বংয় ও नमरम् अहे महर छेटाम्बा नाधिक इहेटक शाहत ; ১০ ই পৌৰ শ্নিবার :

 भारमनावारनत विनिद्धता छथा ३३८७ वीत आम পर्यः एक अक्षी (त्रम: ७८५ - कवितात निःमञ्ज গ্রণ্ডেব নিকটে আবেদন করিয়াছেন। এই রেলওয়ে বোষাই রেলওয়ের সহিত মিলিভ **क्ट्रेट । द**िक्शन ब्रह्मन, (स्ट्राइट क्यांकि होकः : রাস্তা করিবার নিমিত্ত আবশাক, ভাঙা ভাঁছারা ; বলেন লাড মেয়কে পুনরাহ্বান করিয়া লা होता कतिया मिएक श्राप्तक कारहन। अकर्ण मानिमवित्रक अवर्गत (स्थानक क्रिया है) হজিক হওয়াতে আল বেডনে বিশুর মহর বলিরাধে জনজাতি হয় ভারা অনুস্ক।

সুৰোগ পরিজ্ঞান না করেন।

ৰানীৰ উপবিভাগের ভারপ্রাপ্ত माजिएके वांबु:जामन्द्रमास्य मञ्जूषतात म निया थि विधासित कोकगर्या अवर विमानम हिक्शिनानम्बक्तिं क्या করিরা রিপোট করিতেছেন। বেধানে (সাধারণের হিভকরকার্য্যের নিমিত্ত मिटिक हम, ज्यानमः वांबू (मञ्चरम ज्यानीय स्टेटफ नाश्या निवात काळा निवादस्य। স্থানে জামীলারেরা আগণন আপন বার (यमकन अकटाणिया दाशियाकितन, फार् क्दा रहेब्राट्ड । याराजा कम वीत्रेशका दा कारा महात मध स्टेटकर । अहे कर्मा । শরগণার ভেপুটী মাজিকেটদিগের মধে প্রধান এবং বারাসত উপবিভাগ ই राष्ट्र थारक मकानहें अहे क्षार्यना कतिराक्त बक्तारमात कडकछनि ख्याराहात अक

अवित जास्तानक स्टेश बकान कति

धाका महेशा ১७० **धाका मिर्द विभा**री लाक्टक ठेकाने एक हिना होका नहेवात : इंशतः मः जिमिर्गत निकटि अक अक हिंकि এই বলিয়া লিখাইয়া লইড যে, ভাঁহারা শত টাকা দিলেন, কিন্তু যদি কিছু না পান লভে নালীৰ করিতে পারিবেন না। কর্তৃ ইহাদিগকে এক্ষাদেশ ভাগে করিবার আ লিয়াএই ভ্রাচুরি বস্তা করিয়াছেন। আল দরিদ্র লোক শভস্কাত্র ক্রয়াচে ৷ এইং खुप्राष्ट्रित भक्तिभा रहा, किश्व लारकत कि ख ভখাপি এককালে **বড়ম**াছুৰ 'इইবার আ याष्ट्र मान

নিম্লিখিত মূল্যে গ্ৰণ্মেন্টের কা বিক্রীত কইডেরে। ও টাকার সিক। 27441 8 ³ (3) **৯२**% । ৯

৫ 🏲 প্রলেকওয়ার্ক 7 - 51 - 1 7 - 51 n (Tie 2 . 64 . 13 .

グラン の 7778- 1777

ইউরোপীয় সমাচার।

১१ हे फिरमबता अम्हकात मर्निक (भ

পাওয়া ষাইতে, অভএব প্রব্যেন্ট যেন এই | ভুরক্ষের সহিত জীবের বৃদ্ধ নিবার্নার্য ই রোপীর স্বর্থসমূহ হেটা পাইতেছেন।

১ 🛎 फ़िरमस्त्र । শ्भन स्टेटफ (भव स्व र कार्तिद्वाहरू काशास्त्रं क्षांन स्ट्रे মিউনিসিপাল সভ্য মনোনীত হইতে क्हेश:८६० (कान (शान (शान माहै।

রস্ক 🗷 এীসের পরস্পরেয় ভাব সমান ছে। অবদ্যকার প্রাক্তঃকালের মনিটিউর , ইউরোপীয় গ্রব্মেন্টসমূত উক্ত দেশ 🚶 পুনর্কার বন্ধুভাব হয়, এই চেষ্টা করি

rরাশী রণভবি অধ্যক্ষের **অনু**রোধে शदर्गरमःहे माहेदा यमस्त व्यवस्ताध क्रांश

1541 **प्रांनग्रा ७ ना**वस्थिया रहेट की किमिनटक ত করাসভাবিত নয় বলাক্ইয়াছে।

গুর ুডিদেশ্র। গড়কলা াম নিউইয়ক হুইতে আসিয়াছে। টারি মকলক বলিয়াছেন আনমেরিকার ७,४०,००,००० छनात्र कक्क स्हेत्रारह । প্রস্তাব করিয়াছেন, ১৮৭১ আবদ অস্বধি মণ্টের খতের পার্থকে নগদ টাকা । হ্হবে। এই দেন। পরিশোধ করিবার 夏 ৫・,・・,・・,・・・ 五町河 本晦 平約 । ১৮५० काइस्त ३ ता काङ्गातित शह कर्क इंट्रेंच 'कर्पविवर्क াচ্ইবেনা। কংর একে বৃৎসবের পব গ্রন্নেডের ঋণের পরিবর্ডে নেটি াচ্টৰে ∖ভিনি আনর ∉ বংলন ক আভিসকল त श्रमताद मृत्रधनावक कहा स्ट्रेटल अन もからし

श्रद्धीक्ष **मध्यक्षक मण्यूर्वक्र** मियुक्त (54)

ন ই ভিনেষর। নিমুলিখিত ব্যক্তিগ**ল** গভুক্ত কইয়'ডেন বাইট জনেরেবল যুচ্চ কাচওয়েল সুন্ধসংক্রাক্ত মন্ত্রী এবং ও আরাটন সাংহ্র অওর সেক্রেটার ८६म ।

লম্স্, স্টান্স ফিল্ড সাংহৰ এেজায়ুরির व अच्छ रहेक्षा (इंग)

।। के एक मार्क्त कांद्र कर्त्वत व्यक्त (गर.सः ≱ইছাছেন।

। हर्न इरगरनम मार्ट्स यहाके विकारमञ् ব্যেক্টোবি হইয়াছেন :

টেট অনরেবল উইলিখন মনসিদ উপনি-

র অবতরসেকেটারি ইইয়াডেন। एड करा, महामञ्जा चुलिब्राट्ड । द्वारेटे कान(द লন, এবিলিন, ডেনিসন পুনর্কার সভা বলিয়া মনোনীত হইয়াছেন।

> ६ इ जिरमबन मनगरात तास्त्रीत बक्तुका পঠিত হইৰে ৷

त्नारनत हिनियास याक करत काजिएकत नाथावन उद्धविद्य मन्दर २७ वा कि मिश्राक नमा হিত করিবার নিমিত্ত ৪৮ ঘটিকার সময় দেওয়া হইরাছে। বিলোভ্গণ আত্যসম্পূণ করিতে

এইনা পর্রতে আর এক প্রবল জন্ম্য ৎপাত ब्हेब्राट्ड ।

গত কল্যের নিউইয়র্কের টেলিরামে প্রকাশ | করে মহাসভা সভাপতি জনসনের বজুতা भार्ष्ठ अञ्चरमापन करत्रन नाहे।

১১ ই ভিলেম্বৰ। মণিঙপোই বলেন, পিকি নত্ব দুত সরু কুথকোড অব লক্ষ রাজকুমার কঙ্কে বলিয়াছেন, মিসনরি ঘটিত বিবাদ ভঞ নের ভার রণভরির অধ্যক্ষ কেপেলের হস্তে याद्य ।

১৪ ই ডিলেহর। স্পেন হইতে শেষে যে টোলবাম আসিয়াছে ভাষাতে জানা শাইভেছে काञ्चित्र विद्यार्थियन देशमानिरमत रूट्छ আত্মসমর্পণ করিয়াছে।

মুক্তন মল্লিদলৈ নিমুলিখিত বাজিল্পণ नयुक्त ठ्रेषारहन।

क्रदेष्ट्रीय महित्र लिकामरकाञ्च (मह्युहेर्गित. অটওয়ে সংখেন পরবাকী বিভাগের অপ্তর দেকে টারিঃ লাভ নগত্রক যুদ্ধ বিভাগের আবওৰ .সক্রেটারি, শালিফিরা সাহেব বাশিজের অন্তর .সংক্রেটারি, আপের ওয়েলেসলি পিল সাহেব দ্বিদ্র আইন বিভ্'গের অওর সেজেটাবি এবং সর কোলমান ও লয়কেন জ্ঞা আড্বোকেট **१हेगा**८७म ।

র্দের মৃত্রেংবার প্রক:শিত হুইয়াছে।

লাভষ্টানলি রাস্ম সাংহ্রকে লিখিয়া ভিলেন আ বিসিমিয়াডে রন্ধাবস্থায় দে কণ্ঠ হয়. ভঃহার কভিপুরণ্যরূপ গ্রণ্থেট ভাঁহাকে ৫০,০০০ টাকা এবং ভারুর ব্লাক্ষ ও লেপট नले शिएडारक २०,००० होका कतिया श्रमाम क दिए बन १

১৫ ই ডিদেশর। অন্য রাজ্ঞীর বজুভাপঠিও **হইয়াছে।বঞ্ভাতে কেবল এইমাত প্রকাশ** করে পুর্বাতন মন্ত্রিগণ পদস্থাগ করাতে ভূতন मधी नियुक्त कता इहेगाएइ अवर व्यक्तिमि মনোনীত হইলে বক্ষের পর মহাসভার কার্য্য রক্ত ছইবে :

क्रिक्षीभनवरम इरम्खान एर श्रन्तात करतन,

कीक प्रकारक शंकतानम्नार्थ अक्रवानि ক্ষর্ভাঞ্জিনোপালে প্রেরিড **হই**রাছে। তু ष्ट्र अर्थम ज्यान कत्रिशास्त्र ।

ভाরভবর্ধের রণক্ষেরের , কামান স অবস্থার অনুসন্ধানার্থ ডিউক অব বে এক কমিসন নিযুক্ত করিয়াছেন।

५१ वे छिरमदत्र । कम्ह्रीन्द्रियाणान **(मर्य स्व नरवानं क्यांत्रिहारह, छाहारक** করে কডগুলি লৌহাইড ছুরক্ক জাহাল नित्र (धितिक स्हेन्नाह्म ।

হাউস ভাব কমণা ১৯ এ কেঞ্চয়া शक्ति कर नाउन ১३ है (केंक्स्यांत्रि স্থািত থাকিবে।

গবণমেন্ট বিজ্ঞাপন। वक्रासभीत क्लिकेनकेशवर्गदंत्र অাদেশাসুদারী

निद्याग ।

६ हे एड एमरव। अ., जी, माक निम् विक्रीय (व्यनित मास्मिटके हैं के कारल है व ८वन ।

५७ हे फिरमधत! चर्लाहरतत श्र बाहे हे माकिएकेने छ एड पूनी कारवाले त কুইন সাহেৰ ১৮৫৯ আনকোর ১০ ও অকের ৬ আইন অনুসারে আপীল করিতে পারিধেন।

ষত দিন ডাওচর আরে, মাকলিয়ত স कार्यनाथनएक स्थानास्त्र शकिरनन, उ **फास्क्रत हि. भि. क्षिभीन धर्मा ०८तत हि**। कश्चनाती इहेरवन ।

১৭ ইডিসেম্বর: ভাগলপুরের সিটি সেসিয়ন জন্স এচ, আরু, মাডক্স নজ পদত্রে সাভিতাল পরগণার ডেপ্ সনর হইবেন।'

কলিকাভার প্রভিনিধি মাঞিটে মিলার সাংহ্ব সম্পূর্ণরূপে নিযুক্ত হইলে এচ. সি, বি, সি, বেবাৰ সাহেৰ ভাগৰ প্রতিনিধি লাইন্ট মাজিকেট ও ডেপুটা है। स्टेर्यन ।

गरकात्री बाक्षित्छें ७ कारमहेत है, সন সাহেব জলীপুর উপবিভাগের ভারে मुवनिनावारन माख्यित्येष्ठे ७ (छश्रुनी कार ক্ষতা পাইবেন :

এ, ডবলিউ, কদারাট সাহেব স बीत्यत यवर्गमणे काश अवाहा कृतिसाह्या । शहसनात शक कम महकाती क्रियनत ড় উপবিভাগের ভার এবং মাজিক্টেট ও मैकारमञ्चेतत्र क्रमणा भाइरवन । किनि ३ ३ ५ ८ ४ व्यक्ति ३ ५ व्यक्ति व्यक्ति र মার বিচার করিজে ও দণ্ড দিজে পারি-

ল, সি, এম, স্মিপ সাহেব পূণীয়ার ডেপুটী 🚵ট ও ভেপুটি কালেটর ফইয়া প্রথম র অধীন মাজিটের ক্রমতা পাইবেন। লিখিত ভদ্র লোকেরা তমোলুকের দাতব্য পোলয় চালাইবার সভার সভা হইবেনঃ---াৰু অফুভলাল মুখোপাণ্ডায়।

অব্যাহরণ রক্ষিত।

ামর্রপের সহকারী কমিসনর পি, টি সিকসায়া ও অন্নতিয়া পর্যতে বদলী

নমুলিখিত কর্মচারিগণ ১৮০৩ আব্দের াইন অসুসারে ফরিদপুর, ময়মনসিংহ. । ও চাকার ডেপুট কালেইরের ক্ষমত। 14 1

শংশের চভুর্গ চক্রবাজের রেবেণিউ মুর **লেপ্টন**ন্ট ডবলিউ, স্কে, স্টুরা^টা বুকারী রেবেণিউ সরবেয়র লেপ্টনন্ট এম, कांग्रान ।

प्रतिখिত महकाती भूतिय स्थादिकोट एक খেম আেনিজে উল্লীড হইবেন ,

बुक्क वि, द्राष्ट्रे मः दश्य।

এ, এচ, জেমস সাহেব।

নি, পি, ক্রাউচ সংহেব।

- ই ডিসেবর : বাবু মহেজ্ঞাণ ব**হু** ১৪

। विश्वीय व्यथक कका कोर्यन।

দ, রাইট সাহেব চাকার অভিরিক্ত অসঃস্থ **ইবেন ঃ কিন্তু** যত দিন মৌলবী নাজিক : संस्थान महकादी कार्यतभारक कामास्तर । ওত দিন উকে জেলার প্রতিনিধি প্রথম

कक इहेर्यन ।

গলপুরের অংগংক্ত জল বাবু নংগাত্য প্ৰথম প্ৰেণিতে উন্নীত হইবেন।

দ্বী আ বছল মজিদ চতুর শ্রেণির ক্ষধঃস্থ

ইর। দিনাজপুরস্থিত হইবেন।

प्रतिश्विष्ठ स्वार्टिशास्त्र किर्मे अवर्षे अवर्षे

भक्तः इहेर्यम ।

ষুদ্ধ ভবলিউ, বাইট স'কেব।

ৰু বৈদ্যনাথ পণ্ডিভ।

রুবিখনাথ চৌধুরী।

📵ন এল. জে, এচ. তো বারাকপুরি, হইবেন। ম**মেন্ট** মাজিটেট ও ছোট জালালভের -

वाव क्टलरमास्य क्रह्मिशाशां वस्ट्रेस्नीय

खण रहेग्रा २३ श्वरानाव माजिएकेएहेन कम्या

ব্যবস্থাপক সভার অন্যতর সভ্য হইবেন।

অংবাধ্যার রাজার বাটীস্থিত গবর্ণর জেনর मात्र श्रांखिनिशि अर्जन्ते कारश्चन खर्गानिक, अन, রাগুল রাজ্মবাচীর মধ্যক্তিত অপর ধের বিচার করিবার নিমিত্ত ২৪ পরগণার মাঞ্টিটের ক্ষভা পাইবেন।

खर्वान्छे, **खर्वन्छे, रुन्हो**त मारहर होन्न छ ষ্টেসনরির প্রতিনিধি সুপরিকেটতেও ইইবেন।

यक निव नि, फि, फिरक्यन नारहर विमाश লইয়া অসুপস্থিত থাকিবেন, ওত দিন ডবলিউ, এম, সুটার সাহেব প্রজিনিধি প্রেসিডেলি ডিবিটি রেজিষ্টার হইবেন।

মেজর এচ পি, ডবলিউ, উইঞ্ দানজিলিও नगरतत अक स्नम मिस्निनिभाग कमिननद इहे-

ছরলের সহকারী কমিসমর লেপ্টমন্ট ভব লিউ, ই, রুথারফোড আসামে প্রথম খ্রেণির অধীন মাজিকেটের ক্ষমতা পাইবেন:

যত দিন বাবু রামছল ভি দাস বিদায় লইয়া অসুপস্থিত থাকিবেন, ডত দিন বাবু রাজেক্রকু মার বস্থাকার অভাগতি মকসুদপুরের এতি बिधि मूरक्षक इटेरवन।

১৯ এ ডিদেশ্র। যাত দিন মৌলবী আননোয়ার আলি উপস্থিত না হন, তত দিন বাবু মধুবানাথ গুপ্ত পাটনার ছোট আলালভের প্রতিনিধি অঙ্গ ७ व्यापः य व्याव वहेर्यन ।

এফ, ভব निष्ठे, वि, शिष्टेमें म!रहव 🕮 हरहें। সহকারী মাজিটেট ও কালেটর হইবেন গ্রিস্ত আলাডড: ডব্ৰুড় প্ৰতিনিধি আইউ মাজিক্টেট ও ডেপুটি কা**লে**ইর **হই**বেন।

ই. জে, বাটন সাত্ত্ব ২৪ পরগণার সহকারী ুমাজিকেট ও কালেটা হইয়া আপাততঃ প্রতি ডে এটি বি, মাক্লওয়েল সাহেব হাজারি . নিধি জাইন্ট মাজিকেট ও ডেপুটী কালেইন হই(বন ⊹

এচ. এস. বিভন সংক্ৰেব ২৪ প্রগণ্য স্ক্ काही माध्यित्रिष्ठे ए कार्ल हेत इहेश काश उष्टः প্রতিমিধি জাইন্ট মাজিয়েট ও ডেপুচী কালেটন इट्टें दम ।

মাজিকেট ও কালেটার হইয়া আপাতত: প্রতি গৈডিস সাহেব পুরীতে বিভীয় প্রেণির প্রতি নিধি জাইন্ট মাজিটেট ও ডেপুটি কালেক টর

ভৰলিউ, এফ, মিয়াস সাহেৰ বাখরগঞ্জের

महकाती मास्मि कि अ कारमञ्जू शहेबा एकः श्रांकनिथि काहेके माकिएके छ কালেটর হইবেন। ডিনি দ্বিতীয় জেনির निधिकाई के माकिर्दे हैं ଓ एउनू है। का व्हेरदन ।

ডবলিউ, ই. ওয়াড সাহেব কিছু নৈমিত বৰ্জমানে ছিভীয় আেণিয় প্ৰণি मध्यिक्ति । कारन हेत स्ट्रेयन ।

* ২১ এ ডিলেখর। ই, ড্যতা সাহেব এক্লে বিৰায় লইয়া আন্চেন পুরীর মানি अकारमञ्जू अवश्विक श्रमण्डल क्यान्य ফুপারিন্টেরেণ্ডর সহকারী হইবেন।

 . िं, मानिन नारस्य क्तिक्नुरवतः :क्रेंग्रे अ কালেক্টর হইবেন।

টি, নশ্মাণ সংহেব রাজসাহীর সং मास्टिकेट ७ कारमहेत्र हहेन्ना व्यापाउँ उ নিধি আংইণ্ড মাজিটেট ওডেপুটী কা इड्डिम ।

ডবলিউ, এচ, বার্ণার সাহেব র'জগ महकाती माखिएकेंग्रे ও कारनहें। हरेग्रा টেট ও ডেপুটি কালেইরের ক্ষমতা পাই ডিনি আলাডড: ছিডীয় গ্রেণির প্রতি काइ के बाब्दिक अ ए अभी कारनहेत इह

वायू शूर्वक्रम बाग्न थि.न अक्रटन विनाम আছেন মরমনসি°হের অন্তর্গত নেত্র भूरकार कहेरवस । खाँकात अञ्चलकारकारक ষারকানাথ মিজ্র প্রতিনিধি মুকোক হইবে

বাৰু মধুরানাথ বহু মর্মনসিংছের আ मनावगरक्षत्र मुरमक स्ट्रेरवन ।

यक जिन (सा, वि, अमार्गन नारश्व वि লইয়া অসুপক্তিত থাকিবেন, তত দিন এ ফকন সাহেব পুৰীয়ার প্রতিনিধি মাজিট কালে উর হইবেন।

বাজসাধীর সহকারী পুলিষ স্থপরিনে दम ः ३३१दन ।

২ এ ডি**সেব**র । যত দিন সৈদ্ধ ্রাগেন সরকারী কার্য্যোপলকে স্থা বাণিবেন ভভ দিন মৌলখী হোসেন গন্নার প্রতিনিধি বিশেষ সব রেজিফীয়ে ১ই २ छ फिन है, एम छ नाटन्व विकास

আবার, পাচ সাত্রের বাধরগঞ্জের সহকারী আছু াত্ত থাকিবেন, তত দিন জে माखिएके हे कारमहेत अवर निस्न भा স্পরিটেওেটের সং क्रमग्रहान्द्र

र्हेर्वन ।

---> प्रत्यक्षण गार्थस्य गुद्राद स्वाक्तःसाद र्के मिक्टिके ७ एज्यू है कारशक्त स्टेटवन। যত দিন বাৰু অভয়চজ দাস বিদায় লইয়া অসুপস্থিত থাকিবেন ওত দিন বাবু রামকুমার ৰস্কু ঢাকোর কমিগনরের নিজ সহকারী হইবেন। ৰাকুড়ার ডেপুটী মাজিটেট ও ডেপুটী কালেটঃ মৌলবী আশান আহমদ তথায় মাজি (केटवेद कमण शहरवन।

আমাদিদের গাজিপুরছ সংবাদ-मांका निश्चित्राट्य ।

গাজিপুরের নিকটবভী দৈয়দপুর গ্রামে ৰতগুলি চোর এক জৰ গৃহত্বের বাটীতে চুরি করিতে বায়। কিন্তু চোরেরা ভাহাদিগের কার্ব্যের ভাত্রপাত কবিছে করিভেই গুর্খামী দাত্রৎ হইয়াউঠে এবং দস্তঃগণকে ধরিবার চেষ্টায় পশ্চাৎ ধাৰমান হয়। ইহাতে চোৱের रश्रा अक काम निक्रिय श्रेणायम ना करिया ग्रेड्-ংকে আব্রেমণ করে। গৃহস্ত আবে কোন উপায় া দেখিয়া আংশারকার নিশিক চোবকে লাঠি ারা প্রহার কবে, ভাহাতে চোর পঞ্চর প্রাপ্ত য়।পুলিষকর্তুক হত ও হয়। এখানে আনীত ইয়াছে। বিচার হইতেছে। পূর্দে এইরূপ এক াংকের এক জন চোরতে ভলি করিয়া মাতে, কেতে শুনিয়া 🕏 সাহেব ৰক্লিস পায়। এ বার ाँहैव, स्मचा बाल्डेक कि इयु ।

अहे बार्य जात अक प्रष्टे छुड़े छन अश्विकत्क ছুৱা আওয়াইয়া ভারাদিলের সার্য্য আপ্ররণ র। ইনিও সেশনে আপতি হইলুটেন।

अवारत अधन भर्ग, छ द्वित (क) न सकत কত হইতেছে না। দ্রাগদির মূল্য দিন দিন ह हरें (७८६। जुन भारत अथारन हे काग्र দের চাউল বিক্রীত হইয়াছে : কিছু আছি ল ৮ সের পাওয়া ভার।

আমরাকাঁদি হইতে নিয়লিখিত চারতালি প্রাপ্ত হ্ইয়াছি।

এ বংসর এ স্থানে বর্ষানা হওয়াতে কুষ 1 নিভাক্ত হভাঝান হইয়াচে। অনেকে লাম পরিভাগে করিয়া স্থানাভারে বিষয় করিয়া প্রতিশালন ২ইবার চেপ্তার গমন ডেছে। এবং সামগ্রী অংগিমূল্য হইয়া উঠি টাকাকরিয়ামণ বিক্রে হইয়াছে। াক জোরে চাউল ৮ পের ও গম ১২ সের : ক আছে ভাৰাভিনিই কানেন। অনুভঃ

त्राक्षश्रात्वता अवर व्यात्मक क्षार्मातक होत्। कतिया अंक कामरका कतियादक्रमा काश्रीटक गवर्नमञ्ज जानक माश्या ध्वराम कतिवाद्यम । উক্ত অরক্ষেত্রে প্রায় ২০০ লোক আহার করি ভেছে। ভারাদিগকৈ পরিধেয় বজ্ঞানিও দেওয়া रहेटण्डा याहाता कम्ब क्रिक्रिक नक्ष्म छाहा निभारक दादमात अञ्चलारत काँच (मञ्जू १३ (उंट्रा

অন্য ৩।৪ দিবস গত ক্ইল, এখানে কিংকিং বৃষ্টি হওয়াতে গমও ছোলাপ্রভৃতির অনেক উপকার হইয়াছে। এ বংসর রৃক্টিনা হওয়াতে মদী ও পুকরিশীপ্রভৃতির জল শুক্ रुखब्राटक मरना काफाक स्रुवांक स्ट्रेब्राटक्। বাজারে উত্তম রোহিত মংস্যত তিন প্রসা সের পাওয়া বার।

ष्यां गामी रक् निस्मत कृष्टिएक ष्यांमानिर्गत কমিসমর এবং ডেপুটী কমিসমর সাহেত্ব বাহা ছरद्रता लक्ष्मीरद्र शयम क्षिर्वम।

व्यानिम्दिशंत मश्राम् मः वामनाका লিখিয়াছেন:---

व्यक्ति कालि (रक्त भूलिय वेनटम्भ्वेतनर्गत বথেষ্ট বেভনর্দ্ধি চইয়াছে। প্রথম প্রেনীর ২৫০ ্বজীর অেণীর ২০০, তৃভীয় অংশীর ১৫০ এবং চতুপ মেনীর ১০০ টকো। ইহাতে অনুনক देश<u>गुक्त</u> राक्ति श्री **॥** इहेर्दात विस्कृत प्रकारका बाद्धः। हेशतं भएषः यथनं कानः (आर्वीट्ड कर्णः थालि रुप्त, कर्छिभक यनि छेभयुक्त वः कि निद्व চনাকরিয়ানিয়াভোগীর কোন বংখ্রিংকে সেই পদ্সী প্রদান কবেন, ভাগে হইলে টারালিগের উৎসাহের আগর একটা কারণ হর , কিন্তু ভাঁহার: छांका करतम मा, छाँकाता यांकारक केन्द्रा जाकारक में भागी विद्रा थारकन, इंड्राइड यथार्थ है अयुक्त ব্যক্তির উৎসাহ ভাষ ও মনোবেদ্না উপ-শ্বিত হয়।

২৪ প্রগণার মাজিকেটেট ও কালেট্র জীয়ুক্ত স্মিথ সাহেব গভ ১১ই ১২ই ডিসেয়র ছই विका मगवात शाकिया काङ्गांत कवित्राट्या

গভার্কশপতিবাব মগরার হাটে ফুতন উত্তৰ আতপ চাউল আ/ ও সিদ্ধ চাউল ২॥•

৯ ই ডিদেশ্র বনস্থারিরা প্রামে এক ব্যক্তি य स्टेटफ्ट । এ वर्भत अन्तर्वे बटतत् यस्म निर्मार्गस्य मानवनीमा प्रवत् कतियादम् ।

প্রেরিভ।

मामावत विवृक्त मामध्यकाण मसमाप्त ममीरमञ्

> বাইটছর বাসিগণের অধ্যবসা उं উৎসাহ।

वाकालिमिटशञ्ज छेरनाइ छ व्यथान काम जमान चाटक ना, भटन भटन हर প্রভাকীভূত হইতেছে। ইহারা কো श्रृष्ठ स्टेरन श्रथमण्डः वास्त्राकृष्ट्र **হইয়া থাকেন** ৷ কিন্তু শেষে সমুদায়**ই** ৷ বঃর্থ হইয়া যায়। রোগুউপঞ্জ হই छेरनम्थाम स्रेटक्ट्रा नानाविध क विवत्रम्हावरम्कू चरमनीय्रभव ऋष छ **ংইডেছেন⇒ দেশের অভ্যন্তরী**ণ উৎক ফ্রে শিবিল হইয়া ধাইতেছে ; স্বরেশ এমনই অধ্যবসায় ও উৎসাধ যে, ইহার প্রতিবিধান না করিয়া নিরুৎসাইটিং बारहर के इन्दिन जानाक्यरनात्र মাজ্ধর করিতে ক্রেটী করা ধ্ইতেতে ন

सः हे हे एवं अक्जे व्यवक्ति हु**ह** २ **शही वा** পঞ্চানদীর সলিকটবন্তী পুর্মতীরে 🗷 সালা শাখা বেলওরের ভাবী টেসন নদের অপর পারে অবস্থিত। ইহাং স খ্যক বিশিষ্ট ভয়লোকের বাস, কভিপয় কুভবিদঃ ও সংক্≆াব সক্ষয় न्छे रन। कि खाइः दिश्व विषय् এই (स, प् মাতৃভূমির উল্ভিসাধনে ভালুশ ক্রান দেশের আভাত্তরিক শবস্থা অভিনয় শো हेशएड जाइक्क लि श्रमान असाव मृष्टे हा শীয়গণ যদি যামশীল হট্য়া ভংগ্ৰিভি মনোধোগী হন, ভাষা হইলে সহজেই এ উৎকৃষ্টাবস্থ হইতে পারে। কিন্তু পরিভাপের বিষয় ! ভাঁহারা এ একবারে উদাসীন হইয়া র্থিয়াছেন। হ मानिक्षे घरतत कथा थुनिया वर्तन मा, অ:মাদিগকৈ নিভান্ত নিরুপায় হইয়া ব व्हेट्डिड़ा कि कवि, क्षत्रका नाई : शांहार নাই : উৎসাহদাতা নাই : সুভরাং অন্ত स्हेन्ना म्हान्त **अ याम्नी**न्नशास्त्र ख्रीवृद्धितः। সরাদপত্তের শর্ণ লইলাম। পাঠকগুণ !

मिर्शत अहे युष्टे जा मार्किमा कहिरवन। প্রতিবংসরেই এই সময়ে বাইট যুরে (अभिक खात्रत विलक्ष्म अपूर्कात क्हेग्रा थ প্রত্যেক বাড়ীতেই এ৫ দী করিয়া রুঃ भूतिश्वी वाहा बानगर्था अत्नक्**ति** अन

, . পুকরিনী আছে। তৎসমুদ দের জল 🗷 ও পানা ইত্যাদিয়ারা এরপ দুবিভ ह्यार्ड् (य, डाहारक अकशकांव व्स ও অভুড়িক হয়না। অনেকেট আবার , ব্যবহার,কবিয়া খ'কেন। ইহাতে পীডা বার অনেভাবনা কি ? মল পরিভাগে ারের উৎকৃষ্ট বন্দোবস্ত না থাকাতে ক বাড়ীর পশ্চাভাগে রাশীকৃত মল অমা ধাকে; এড শ্লিবক্ষ বায়ু বিলক্ষণ ছুবিড পীড়েংং পাদন করে : গ্রাম মধ্যে জল্পা বিল্কণ প্রাচুষ্য দৃষ্ট হয়, ইহাতে যথা-ভুৰ্য কিয়ণ প্ৰবিষ্ঠ ও বিশুদ্ধ বায়ু সঞ্চা ইতে পারে না। একবার সোমগুকাশে পুর্কারণীপ্রভৃতির পঙ্কোদ্ধার বিষয়ে লোকদিগকে অমুরোধ করা হইয়াছিল, ভাহাতে কিছুই ফলোদর হয় নাই। বিরুৎসাহ না হইরা আমবাসীদিগকে না করিতে প্রবৃত হইলাম। আবর্জনা র পরিকারবিষয়েও অদেশীয়দিগের । অবংৰস্থিতত। প্ৰকাশ পাইয়াথাকে, বাড়ীর পার্ভাগেই সমুদায় ময়লা াল করিয়া থাকেন : সুভরাং ময়লাজ ব্যাক্ত বায়ুতে প্রাম্থামি নির্প্তর পরি কে এই সমস্ত কারণ্যশভট বাইট इट्टार्मित विलक्ष्य श्राष्ट्रकीय । महास्यः ! র হদি নিঃখ চংসাদিগের আবোসস্থান ভাহা হইলে আনামরা দাহাদিগের মুখা

হইয়ারোদন করিডাম না। কিন্তু ব্ধন শিষ্ট কুডবিদ্য গোকেব বাদধান ভাহীদিলের এইরূপ অবন্বস্থিততা कार्टिक क्रम कहें एक दश । कडकाश क्रमम्हे प्रतिकृति । स्वतिकास बहेश ষ্ট পাইডেছি, পরিবারবর্গ আর্ডনাদ **अभिरक क्रा**मंत्र विश्वनाञ्चित ₽₹, দাড়য়েরে বারেংয়ারি পূজার অসুধান , কিন্তু অমেও গ্রামের প্রকৃত খাত্য অবস্থার উল্লেখন করিতে কেছই যমবান ন না: ঊনবিংশ শভাকীতে কৃত্বিদ্য মধ্যে; এরপে ঘটনাকয়টী সঞ্টিভ ইই २ इस्टम्ब कथा कि विकास खाइन धाइ

স্ম এবার শীক্তাবকাশসময়ে দেশে

ভক্তিভাকান জনক জননীও সেংকিৰ

বগণের সম্পন্ত নিজ প্রথ লাভ করিছে

ম ন। সাইট্যরবাসিগণ ংক্ষার কভে

ভঃম্ন ংইরূপ মেত্নিছায় অংভিভূত

📲 🕏 भा डेहन ह

व्याममत्था ज्ञातकञ्जिकां कां ज्ञाच्या ज्ञातक, কিছে ভাষার একটারও আবস্থা উৎক্রপ্ত নয়। অনেকে উলিখিত পথগুলির হুই পাখে মল মুক্র পরিতলেগ করিয়া খাকেন, স্থভরাং বাইবার नमध नानिका विख दृष्ठ कृतिय। वाहर्ष्ठ इत्र । বর্ষাকালে শথগুলির নিভাক্ত শোচনীয় ক্ষরস্থ ঘটিরা উঠে, একে ও মলমূত্রজনিত হুর্গঞ্জ ভাৰতে আবার এরপ পদ্ধিল হইয়া থাকে যে व्यत्न क नामज्ञानिक इहेन्ना देखा शक्तमस्या পডিড হইয়া পাকেন : কি বিভ্ৰনা ! প্ৰামে অন্য বিধ রাস্তা না থাকাতে সমুলায়কে ঐ নরকডুল্য **স্থান দিয়াই গমনাগমন করিতে হয়**।

পাঠকবর্গ প্রামবাসিগণের আশ্রেষ্ট চিত্ত রুতি দর্শন করুন। ই হারা হটি অনবলয়নপুর্বাক কৰ্দিমাকত হইয়াঐ জাঘনা আয়ান দিয়াই গমনা গমন করিবেন, ভথাপি সকলে উৎস'হাছিত হইয়ারাস্তাগুলির ভালরূপে সংস্কার করিবেন না।। কি আন্চর্য;।।।

প্রামমধ্যে অনেকগুলি ভোষা আছে। বর্ষাকালে উক্ত ডোবাগুলি জ্বণপূর্ণ হইয়া গমনাগম্বের বিস্তর অনুস্বিধা সঞ্চল করে। विरम्बङः निक्रेष्ट् सम्मत्नि शक्तांम मर्त्राम উ২াতে পভিত হ্ৰয়াতে উক্ত অল দূষিত কইয়া মেলিরিয়া উৎপাদন করে। গ্রামবাসিগণ यक्ति महत्र हे हे हो भरता भरता लग्नः श्रनाली कतिहा উক্ত ডোবাগুলি পরিপুরিত করিয়া দেন, ভাহা **२हे(ल म्हान्य कड मक्ट २व्र**।

যাইটঘরে একটা সাহাষ্ক্তে ইংরালী বঞ্চ विम्यालय ज्याद्भः किश्व तम्बीयमिटगत छेरमाइ ও অধ্যবসায় গুণে ইহার বিলোপদশা উপস্থিত। স্বালর সম্পাদক স্বরং বৈষ্মিক কার্য্যে বংস্ত ক্লভরাং ঋুলের দিলে মনোযোগ দিতে পারেন না৷ স্বুলে ছাত্ৰ নাই : অৰ্থ নাই : উৎসাহলাতা नाहे , मन्यानक ও निक्किमिशात क्खेराशतात्र ণতা নাই , বস্ততঃ ক্ষুল এক প্রকার নাই বলিলে বলাযায় । প্রায় অর্দ্ধবৎসরকাল বিদায়েই পর্য্যবসিত হয়। আমরা আমাগ্রহসহকারে কর্তৃ পক্ষকে অনুবোধ করিতেছি, ভাঁহারা হয় সচেষ্ট रुहेश्रा ऋ नजी उँ ९क् छे विश्व कक्रम, मस সাহাय लाम ধরর করিয়াউ ৎসর করিয়াকেত্ন। স্বাবিয়া ও রূপ ছেলেখেল। করিবার .এস্থেজন নাই। षाइटेशद्र अकृषि बाइटेशहरिङ मिनी मुखा

ও বালিকাবিদ্যালয় স্থাপিত হইয়াছিল ৷ কিন্তু

बाइटेच्द्र वानिशर्भव छुक्त व्यक्षावनाम ७ छेरनाह

(बदन এक्यानि अप इहेन्रा छैर्छ, प वाङ्गाण्डस कविक निचिद्ध भारिनाम **উপকার জ্ঞান করিলে ভবিষাতে আর** विषय निथिया सानाइव।

ষাইট্ঘর্বানিগণ ! উৎস'হায়িত পুর্বোলিখিত বিষয়ত্তির প্রোদ্ধার স ষরবান হও। ইহাতে খণেশের ভুর্সী 🤅 क्टेट्न । बाहें हे चत्र व्याभारतत (४४) हे हात्र ও অবনতির সহিত আমাদিগের উন্নতি ও তির বিশেষ বৈকটঃ সম্বন্ধ আছে। আমর नटार्ट रहेशा हेहात खेतिकिनाधम मा कति. **९३८ल (मर्भित यजन (काथात्र ? काशुक्रा**यः नकन विषया व्यवस्त्र प्रशास्त्र हहेश কি শৃষ্ঠতাও অবিমূবকোবিভার কার্য্য ৰাইট্ঘুর বাসিগণ : ভোষরা নিজের অং अ अन्धावनाग्रामास्य स्वत्रभ क्रम अ ही হইতেছ, ইহাতে কি ভোষাদের কিছু মা क्य पृष्ठ हरेए उद्दर्भा ? यनि वल आस्त्र ও ময়তা ইড্যাদি পরিকার করিভে व्यर्थत धारमाक्रम, विष्मयकः प्रतिप्रामा মেথরপ্রভাত র বংশ্ব নির্দাহ করিতে অক্ষম এব কি প্রকাবে আমের পক্ষেন্দার হইবে ? স্তবে বক্তৰা এই, ভোমরা প্রতিবংসর স্থ मदि ए जनापूर्य क्षक बाद्धा नामश्रद्धां छ छ। বত টাকা ব্যয় কর, অবস্তুতঃ তাহার জ এই শুভ কর্মের নিসিত্ত দান করে। ক্ষ ইন্দ্রির সুখ সম্ভোগার্থ যাত্রাদিতে অর্থব্য করিয়া সেইটাকা এই মঞ্লকার্ষে দান কি মন্ত্রিতার কার্যান্তে ? এক্সপ করিলে বামে কভ মঙ্গল ০ইৰে ? এতহ্যতীত সৰ্কা (नव निकर्ड किছ कि होना कवा रुखेक, नकल होका स्थमा स्वतिष्ठा किছू मृत्यन হউক এবং সেই মূলধন রক্ষার ভার কোন कुनन किञ्चकचात १८७४ मध्य रहेक। र मातिएक (य नेका दाम कर्ता इम्र, खाहा हि समा कता बंधेक। अदेशकल होकार्ड हे হইবে। ধদি কিছু অন্টন হয়, ভাছা হুইবে মেন্টের নিকট প্রার্থনা করা হউক। প্রজা গৰগমেণ্ট কৰ্মই সাজ্যাদানে বন্ধমুক্তি হ না।রাস্তাঞ্*লি* পাকা করা **ইউক ও** ড উভয়পাম্বে মলপ্রকেপ রহিত করাইয়া পানি যথানিষ্মে পরিষ্ণার করা হউক। **इहेटल भर्ता:क्'न मक्त इहेट्द**ा

--: •:---

মাজলপুৰ্ফিতৈবিনী সভার भागिक व्यक्षित्रणनः।

शक्त हे व्यवसायन तरियात व्यवसार পৰ্জমীলার হর্মোহন দ্ভ বাবুর উলা বৈঠকখানায় মজিলপুর্ছিটভবিশী সভার হুণে প্ৰতিবিলয়েই তাহা উৎসন্ন হুইয়া গিয়াছে। ঘাইটঘরের সমুদার বিষয় লিখিতে হায়ণমাসিক অধিবেশন হয়। এই সভার **ि**गटनम् क्रुपन क्रुप्त निरमात चनसारक ग्रहाँके निष्ट्रवा विकट्डे जानमात्र मनम क्षत्रोम ব্লাচ্ছেৰ।

पुत्रक अवर्गमण्डे इंडिट्सानीक अवर्गमण्डेलम् विन्दार्ट्स, यमि श्राप्त में होते कंत्राहर्टिक করিরা সন্ধি হয় ভবে ভাঁহারা ছুভস্**ভা** । विवासमीमारमा कतिएक श्रेषक कार्ट्स। সর রিচাড মেইনের, সৃত্যুসংবাদ প্রকাশিত I \$31

লগুন ১৮ই ডিদেশর। ভুরক্ষের সঞ্জি সর বিবাদের উল্লেখ করিয়া মণিটিউন্ন পত্র বনা করিভেছেন, ইউরোপীয় গবর্ণমেন্ট একবাকা হইয়া এই বিবাদঘটিত অনি अञ्च अभिष्याहरू के विद्या

তুর্ক যুদ্ধভাহাজ্ঞল ;সিরাজ্ভে ইলসিস াজ আক্রমণ ও অবরোধ করিয়াছে। ধাবতীয় ত্রীককে ডুরক্ক ভ্যান করিছে বলা াছে গ্ৰাহারা গমন না করিবে, ভাষা क्रुक्क श्रेष्ठा विविधा भ नना कता व्हेर्रि । । लावारल हे भारकु छि भूकि बारवे परि াইবিভাগের এক মহুর ফ্রেড় স্বার াগের মন্ত্রী ₹ইয়াছেন।

ত এ ডি**লেম্র।** সর সাইমর ফিট**লা**রল্ড অবই ভিরার এক জন আভিরিত্ত নাইট ও কথাপ্তার হইয়াছেন।

গতকণ্ডলিলোকলাড আর্গিলের সহিত Fic कतिएक भनन कहत्त्व। **डीहा**निएअथ নক্ষনের প্রভুতেরক্ষরণ তিনি বলিয়া-लाङ (फ़नरशेनिवनिया गान, कलरनहनार ার ব্যায় সরকারী রাজক হইতে না দিয়া করিয়া নির্বাহ করা উচিত, ভাহারও সেই

 দিবসের মধ্যে অীক্ষদিগকে ভুরস্ক ভ্যাগ **७ स्ट्रे**व :

আমাদিগের ঐহিউছ দংবাদদাতা

--::----:--

थेक्षाट्डन १

अव कम (नारकता (य भवर्गराम के क्यू निव आर्वनम कतियार्थम, रवाध इस मीखरे প্রতিষ্ঠিত হইবে। কর্তৃপক্ষ পুর্দের অত্রত্য ই **হাউদ প্ৰ**ৰ্থমেণ্ট বিদ্যালয়ের জ্ন্য নীত করিয়াছিলেন ; কিন্তু ভাত্রত্ব ভাত্র বেই গুড়ের অসুপরুক্তভা বর্ণন করিয়া पूर्व विভাগের कृत हैन ट्लिकेंड की युक्त

क्ष्यक्त निविद्या नाठाइयादक्त, सामाटक कात विश्वविद्युक रहेगा का **ब्रीश्टेंड भीक्ष गवर्गरमन्त्रे विम्रामय स्**रिम्स स्त्र फोरारे नकारब कड़ा कर्जना ने किन्द्र कार्नना बिरमत कर आर्थना (काम शरतत कार्यमा) **डोहेरतकेत मारहंबरक काराहेत्र। छप्रमूब**कि मार्जन वार्यनात्र शकीका कतिरम करमक গোণ হইবার সভাবনা আছে ৷ অভএব আমার विरवहमात्र कानमाहितात श्रृक्तश्रेषक श्रेट्र শক্ষত হওয়া উচিত। বিদ্যালয় প্রতি ঠিক ইইলে जान गृह भाखता गाइटिक शातिता । ° हेश्रेटक অত্রস্থ ভালে।কেরা সমত হইয়াছেন।

গভ কল্য আহেডা নিস্ন স্কুলের বার্ষিক भरीका त्मस **२३**वाटक। छङ्गलटक खना श्राटक अक्ली मका इहेग्रा काशामी कमा कदबि ১১ मिर (मत स्थार क्या विक व्हेशाहा:

১০ ই পৌৰ 329¢

প্রেরিত।

মান্যৰর প্রীযুক্ত লোম প্রকাশ সম্পাদক মহাশর সমীপেয়।

মহাশ্র ৷ প্রবোগ্য ডিপুটি মাজিটেট বাবু গৌরদাস বসাক মহালয় খুলিনা উপবিভাগের ভার প্রাপ্ত ইইয়াড়েন শুনিয়া আমরা ভাঁহাকে किছ कानाहर् छ हे छ क हहेग्रा जालनात रमन मानः (मामध्यः स्थत का अत्र नहेनाम, क्यून्त्रं পূর্দাক আমাদিগের এই প্রস্তাবটি পত্রক করিয়া বাধিত করিবেন।

গৌরবাবু! আপনি খুলনায় চলিলেন, এই সমাদটি শুনিয়া অবধি আন্তরিক যে অসীম আনন্দ অনুভব করিতেছি, ভাহা দেখনীমুখে আকর্ষণ করা মাদৃশ ফরের সাধ্যতীত ৷ আপ নার বাগহাট উপবিভাগের স্থায়ী কীতিই, আমা निरमद अहे जानत्मा की शत्त्र अक्यां का देश। আপনি আমাদিলের খুলনায় গির। ঐরপ কীর্ত্তিকন্ত গ্রন্তত করিবেন কিনা, তাহা ভবি यागरक दिशारकः किन्र आमानिरशत मन्त्र्र्व ভর্সা এই যে, আপনার যে সাধুপ্রকৃতিতে বাগহাটবিভাগের মহুযোরা আপনার নিক্ট **চির কালের জন্য अशी स्टेश अस्त्राह्म, आय** রাও ভাহার কোনপ্রকার শুভ ফললাভে বঞ্জিত হইব না। গৌর বাবু। একণে জগদীধর ।, क्रांक नारहरतक आत अक्जी जान ग्रह निमीश नर्ना छः कत्र अहे शार्थना कति य, त कना जझरताथ करतन। ज्ञार्क मारश्य व्यापनि थूननाय स्पृतीयकानवात्री उ मध्य

थकान कत्रिया क्रमनगर्स

चुनवाविकारभव मर्द गाँदव देनशंहीनायक अक्ष क्ष वे वा स्थव शुकाकारमञ्जू चाननि स्माक्यूट्य व्यवगर **র্ভিড কালের করাল কর**ক্ষা त्म प्रचमकृषि किन्नू है नाई শোকা ও সমূদ্িতে পরিপুণ श्रीन ख्यानक समग्रीन বাসবোগ্য হইয়া রতিয়াছে शृत्क विन्डाटनाठमा वर्चाट व्यादयान व्यद्यादन काला 🛶 🗢

অধুনা দেই স্থানে লোকে-কুৎসা বিবাদ বিসহাদ এবং দ্রোহ ভা ইভ্যা ष्मगर कञ्चर्शस्त्रत्र द्वाता 'स्वकीवनव জীবন অকর্মণ্য হইরা বাই ট্রে । পৌ অধিক কি কহিব গ্যেক্ত আড়া कीवत्त मञ्चानारम अनकक्त, त्यनकन আৰমিবাসিগণকে যংগদে মাজি क्तिएक रुष्ट, टेनरोजिनिवानी सञ्च्यानि সমস্ত অভাবই রহিয়াছে 🖟 এফাৰে ন্ট चैत्रधमारम टेनझांने बार द केशत. অমুকুল দৃষ্টি পড়িড হয় ভবেই রক্ষ कक्षकारमञ्ज्ञ भर्षः व्यात्रश्रातः अक्रवारः ষ্ট্রা ষাইৰে। আমরা এবিষ্টের জন ক্রমে আপুনাকে আরো কিছু লিখি লাবী রহিলাম। সম্মানপূর্দকে নিবেদ

२७ जा १८ (अस.) १० जा १८ (अस.) **্রিটকলাস**

এই इशास (कत्रिमश्रुद्ध) 🗈) ना काञ्च्याति व्यवधि (ए कास श्रातमीन প্ৰক্ষে একটা সামান্য ে হিইয়া খ্ রও জালুয়ারি মাদের প্র मेवम इंडर कार्रात अञ्चलाम स्हेदन। ছুপলকে कार्या रहेगा थाएक, महा ए ষরে ভাহা रुरेटल्डर । अरे (मनाजी १ वि । व्हान्त्री रु निन श्रुक्तारह हेरबाओं ख अस्मरमात न ভৃত্তি প্রদর্শিত হইবে এবং অপ্রাফ্রেন কৌতুককর ক্রীড়া হইবে: দ্বিতীয় দিন

উৎকৃष्ट कनामि अमर्गिक बहेबा, मा র্যের দৌড় হইবে : ৩ রা জান্নুরারি বলিয়া মেলার কোন কার্য্যই চ্ইবে না পূর্ক দিনের ন্যার ব্যবসায়ী দিলের কিং

हिन्दि। इड्र्स मिन्द्रम क्षथमकः अ

প্রীক হট্য়া বলবান বিবিদপ্রকার জীড়া ।। পঞ্চম দিবলৈ কাপা धरमीनाच्य वालकशास्त्र ৰ প্রীক্ষা করাত্ইখে: अप्रकोष्ठ वनवाम कृषि গো, মাইৰ ও ছগ্ৰবতী हरेदा अहे मिर्म क्रमि भी प्रस्कारत अ कर्मा का त ्रिक अभिनेत्री केन्द्र स्ट्रिया **धन्मिंड** छेश्कृष्टे सवस्ममू া পারিভোবিক প্রদান .. अक्षे विक्रीका रहेश (यलात

কাৰ্যো**ষেশ্ভ অ**ৰ্থ বায়িত হহৰে বিকাংশর জমীদার, ভালুকদার ও (माख्यात्र हरामग्रदमनत निकडे ५३८७ া সংগ্রহ :রা ধ্রয়াছে, প্রণ্মেন্টও विमान अंत्रशास्त्र। अहे कार्सात পা**ণীবার্ভ**গব'নচত্র বসু। ইহারই र अ विषदन्ने अर्थनाम कतिया थाएकम, ব বিষয় এই যে, উক্ত বাবু এবার রি**ত্যার কু**রিয়া ময়মন্হিংহে যাই कारनरक केन्द्रभाग कतिरहर*ङ्ग* (य, र (भारत उरे (मनात कार्याती अक हर्त, कि ह आगत विस्कृत कहि **म छ**र्भाषात्रीधङ्काल भ**रहान्यतिर**शत् ছালাই কাৰ্যটো সমাচিত হইভেছে: স্বত রালকীয় কোন কার্যকোরক টাদোল করিলেই ইটী স্বায়ী হইতে

ৰ করা হয়।

অংমাদিগের মেলার অংথিনায়কগ বিন্ধে ব্যক্ষ এই পারিভোষিক জীবে 📆 ৪ কিছিল চক'রে নিরপেক চাত করে 📆 🗠 লে করা হয় ৷ আন্যান্য য় এব 🎉 যেন জামধ্য সংখ্যালপুরে পাক্র 🔏 ১০কের ভাস্ত দশন করিয়া

 বীয়াতে এ বংশব এ এদেশে লন্য যদিও কোন কোন ভালে বুনন করা হইয়াছিল, জালের ' सष्टे हरेता या**हेटलट्ड**। जानस ম ন'টা একৰে হাজারে ৮০ ব 📭 াণ্ড সের চাউল প্রতি हर्के(¹⁴र्ह । (२११कांत्र सम्बास्कि एक रिर्मिष कामिष्ठ आनका माहि। क्षिक शक्ति मिर्टमंत्र मृथ्याम अभिन्ना अन् वह 1 630 P

কার্মপুর 鱼带剂 > 9 €. ડેર (બોવ / পাঠকস্য

उक् मिंडी शहीका।

गल्लावक महालड्डा डेक (अनीत अकानडी প্রীকার **কাল আগত প্রার** ৷ যেদকল মনুষ্ অহনিশ আইনশিকাজনিত পরিশ্রেম শ্রীরের শোণিত শুক করিয়াছেন, অকীয় সাহায্য ভংপৰ সম্পূৰ্ণ সহায়হীন এক্লপ আন্তৰক লোক এই পরीकाश्यमानाकाश्यो इहेम्राट्डन, इंश्ताकी ভাষানভিজ মুনদেক আদালভের উকীলেরাও (যাহাদের ওকালতী পরীকার সক্তে সঙ্গে অদৃষ্ঠ পরীক্ষা হইবে) এই পরীক্ষাতে উপস্থিত হুই বেনা উকীলেরা নিজ অনুষ্ঠ ও পরিভাষের ভাগ ভিন্ন অন্যাংশ এইণ ও ভোগ করেন না বরং ইহাদের ছারা প্রজাপুঞ্জের উপকার সাধিত ও সাজ বৃক্তি হয়। এই মাত্র নর, উচিচাদিগের হইতে ইংলভেশ্বীর ধনাগাবেরও যথেষ্ঠ সাহায়, क्ट्रेया थाएक। अवस्थि भुक्ताकाङ्क् किर्णात भूती कांद्र श्रमत्रह्मा । के केवर्तभज्ञवर्गमकारम किञ्चिर করুবছালয় হওয়া উচিত। একনকার পরীক। अनामी व्य**डायः** कठिन। (मञ्जानी, द्विनिष्ठे, ফৌজনঃরীএই ডিন সংক্রাস্ত তিন প্রস্থ প্রয় रम ७ अट्डाक विषया ४२ ही कतिया अस ब्हेग्रा খাকে। এক এক দিবদে এক এক বিষয়ের পরী**ফ**:গ্রুগই বিধেয়। অপর, কোন্ দিবদে :কান বিষয়ের পরীকা ১ইবে পুর্ফো ভাছার নির্বয় ও প্রচার করা বিভিসিদ্ধা উচ্চ ১৮৫৬ অদের প্রচারিত বিদি সম্মত। 🗟 আইনে পরীক্ষাকারকীর স্বিধার্থি কোন্কোন্পুস্ক **হইতে প্রশ হইবে ভালা নিজ**ারিত করিয়া দিবার নিয়ম আছেঃ স্থস্তবাং কোন দিবদে কোন বিষয়ের পরীকা হইবে পুরো ভাষা প্রকাশ করিয়া দেওয়াসেই বিধানের অভ্যো দিত হইবে। এইগুলি বিবেচনা করিয়া পরী ক্ষক মতোদয়েরাক ষ্টাকরিলে ছভাল প্রীকা প^ৰর কোল জনে মা।

কসংচিৎ বাকরগঞ্জবাসিন:।

मृना भाषि।

🕮 যুক্ত বাৰু রঘুমণি বিখাস। नाहेगा ১৮৬৯ ভাস্থার হইতে ডিসেংর 70 " द्राचीलक्**ष्ट** द्राय लाचित्री ١.

नैवडीनम् ब्लब्सः महेबलानक কলিকান্তা নশ্বাস-ক্ষু ল मानिर्भाषा सन 7 ১৮৬० आह्यताति हरेटक किरमवत 'ৰৌল্ধীমংশাল রুসিল খা

১৮७৯ व्यक्तियांत स्ट्रेटक फिर्मचत

সোমপ্রকাশনংক্রান্ত কয়েকটা বিশেষ নিয়ম।

অবিষ মূল্যও ডাক্ষাস্থলন। পাইলে पर्म भाष्यकाम ध्यत्र कर्वा गांत्र ना ।

ইহার অধিক মৃল্য বার্ষিক ১০ টাকা বাণ্যাসিক ৫॥০ টাকা সকস্বলে ভাকা मरमञ्जार्थिक ১७, साल्यामिक १ अवर रे সিক ৩৮ । ডিন মাসের স্থানে অপ্রিম গ্রহণ করা যায় না। ছণ্ডি, বরাতি চিঠি, অন্তর, নোট ও স্থাম্প টিকিট, ইকার আন याहाएक को हात अधिका हम्न. खिनि महे है ধারা মূল্য প্রেরণ করিবেন।

यांशात्र। हाम्लिमिक भाषाहर्यन, स (ধন এক অংথ্য আংধ আনার অধিক মূ अ वृत्रीत्मव विकिष्ट श्चिवन मा करतमा

यथन विनि भक्षत्रल इहेर्ड स्मामक्षक মূল্য পাঠাইবেন, ভাঙা যেন রেজিষ্টরি ক গ্রীনুক্ত মারকানাথ বিদ্যাভূষণের নামে প্ ইয়া দেন।

योशिमिरशत मूला मिनात नमम अठीक र व्यातिरत, अक्यात्रशृहर्त **डीहा** किश्रदक লিখিয়া জানান যাইবে, কাল অভীত ह গেলেও এক বার চিটি লেখা হটবে, ভাহার একমাসকাল প্রতীকা করিয়া কাগজ বন্ধ যাইবে। শেষ বারের পত্র বেয়ারিং পা क्ट्रेंट्र :

মাতলা রেজভায়ের সোণাপুর স্টেপনের ড घटत किंठि व्यक्ति कामता भी खेलाहेव।

যাঁচারা মাজুল না দিলা প্রাদি প্রেরণ য বেন, ভারাদিগের সেই প্রাদি এছণ ব याष्ट्रीय ना ।

कि शामक्षकाटम विकाशन मिट्ड है করিলে ভাঁকাকে প্রথম ভিন বার প্রতিপংক্তি আনা ভাষার পর /১০ আনা দিতে কইবে যিনি অধিক কাল বিজ্ঞাপন দিবার ইচ্ছাক (तम, दीश्त मिक याज्य वरम्मावास १३८८।

এট এট পত্র কলিকাভার দক্ষিণ পূ মতিলা রেলওয়ের দোণাপুর ষ্টেশমের দলে मानिष्टाणां क्रियुक्त भावकानांच विका कृषत्वत्र वाष्ट्राक शक्तितामकात शाकाकात् প্রকাশিত হয় :

भियशका

1 PER 1

" प्रवस्ता प्रक्रतिविद्याय पार्थिवः सरस्वतो श्रीतम्बती न श्रीयता ।"

ক মূল্য ১ এক অগ্রিম বাধিক,১০ দশ । মে যাণ্যাসিক ধা সাড়ে পাচ টাকা ,

मन ১২৭৫। २৯ व (भीष । ১৮७৯। ১১ই ब्राइत्रांति

् संस्पारम सङ्ग्रहरू सान्तानिक १, 120 M

পৃথু সক

きまがれ

S(1)117

元子时代百

• विद्या

4:54.2:

বিজ্ঞাপন।

সর্পাদাতপ্রতীকার অর্থাৎ সর্পবিষ্কাশক গ্রেণী ক্রম্বাসহিত সংগ্রীত হ**ইয়া স্থা**দ্র ক্রমেরে মুদ্রিত হইয়াছে। মূল্য তিনু-আনা

মেদিনীপুর গ্রগ্মেন্ট) বাজালাবিদ্যালয়। • এ ডিনেম্বর ১৮৬৮)

<u>জীহনর্মাথ দাস</u>

ধ্রিনাভি ইং সং বিদ্যালন্তর ১৮৬৯ অব্দের শিক্ষ পরীক্ষাধী দেশের পাঠনার্থ একটী বিকরা ছইবে। ইংহারা উহাতে প্রবিষ্ট বিজ্ঞার্যনের বাসনা করেন, জাঁহারা ১৫ ই রারির মধ্যে প্রধান শিক্ষকের নিকটে মাদি অবগত হইবেন।

ডিসেশ্ব

45

জীভারকানাথ শর্মা হরিনাভি বিদ্যালয়ের অধ্যক্ষ

ণীত চিত্তিবিনোদ কাব্য ১ ম খণ্ড। অভি লড় অমিরাক্ষরে রূপকক্ষলে ইহাতে ভবর্ষের বর্ত্তমানাবস্থা বণিত হইয়াছে। এফ বং মহাশয়েরা বর্জমান বড়বাজাবে অধ্য শাহার পুস্কালয়ে ভক্ত ক্রিল পাইবেন। জীইশান্তক্ত বস্থু।

চিকিংসাপ্রকরণ এবং চিকেংসাত্র অধাৎ প্রিন্সিপ্লস্ এবং প্রাকটি সংখ্য মেডিসিনের

থেন খণ্ড ৮ পেজি ফরমার ১৬৮ পূর্ণ বিদা, জীয়ুজ্জ বাবু পঙ্গাপ্রসাদ মুখোপা বি, এ, এম, বি, কর্কুক সংগ্রীত ক্ইয়া শিত হইয়াছে।

থম খণ্ডের ব্ৰিড বিষয় (১) সাধারণ

নিদানত (২) অন্তর্গুবেক্ট পীড়াসমূহ। (৩) গৈহিক পীড়াসমূহ (৪) আরু মন্তর্কের পীড়াসমূহ।

মূল্য ১০ টাকা, ভাকমাসুলসহিত ১০॥ কলিকাতা লালবাজার হিন্দু হস্টেল ২১৩ মং বাসীতে জীপক বাসু গুরুদাস চট্টোপাধ্যায়ের নিকট পাওয়া সংইবে।

---;0;---

ৰাল্মীকি রামায়ণ ভৃতীয় **খণ্ড**

এই পুস্তক প্রথমাবধি প্রকাশ হইতেছে।
ইহাতে নাগরাক্ষরে মূল ও টাকা এবং সর্পাশেষে
বাঙ্গলা অপ্রাদ আছে। যাহার আবলকে
হইবে, ডিনি কলিকাডা রাক্ষ্যমান্তে আমার নামে পত্র লিখিবেন। প্রভাকে খণ্ডের (দশ্ কর্মার) মূলা॥• আমা। বিদেশীয় গ্রাহক দিগকে /• আনা ম'স্থল দিডে হইবে।

কলিকাড়া বাহ্মসমাজ

🖹 হেমচন্দ্র ভট্টাচার্য্য।

ম জাপুর মেডিকেল হল।

১। এড দারা আমাদিগের উব্ধন্তরকারক,
হহদ, সংকারী ও সর্ধ্যাধারণকে জ্যান্ত করা
থাইডেছে যে, দ্বিভীয় দ্রৈমাদিক ইণ্ডেন্ট
সম্বান্ধ অনিপোড '' ঠার এব স্নোদীয়া, ওরার
উইক, রিটিল প্রীন্দ স' ধারা দশ সংজ্ঞা টাকা
ধূল্যের উষণ পূর্বা প্রাপ্ত হওয়া গিয়াছে।
এড দ্বির সম্প্রতি আমরা বিলাভ হইছে
ইং সন ১৮৬৮ সালের শেষ ক্রেমাদিক ইণ্ডেন্ট
সম্বন্ধে '' রিটিল ফলারা, কং আর্ বর্, ও
ব্যাকস ১ নামক অন্বিপোড ব্রেম্বারা ৮৩ বাদ্ধ
ইউরোপীয় উষণ প্রাপ্ত হইরাছি। এই সমস্ত
ইব্যাক্টিন মানিক সাত্র ইবাছি। এই সমস্ত
ইব্যাক্টিন মানিক সাত্র সহত্র টাকা মুল্যে ক্রেয়
করা হইয়াছে।

হ। আগামী বর্ণের প্রথম ব্রেমান উপ্রক্রেক চিকিৎসোপযোগী করে। প্রক্রেকরণের ও উষধবিক্রমকরণের গ্রেমানী ও সকলা ও বিবিধ দৈ ইং সম ১৮৬৯ সালের ফেক্রমারি মাসে হইতে পৌছিবে।

ত। আমরা অধিক পরিষাণে ও উভয়রাগে ইবন বিক্রম কর্মা থাকি । এই সমস্ত দ্ব্যালির আসল চালান ও অন্যান্য দলীস কৈই দেখিতে ইলৈ, আমহান্ত ক্রীটে ৩৫ সংখ্যক প্রথ ধালয়ে জীযুক্ত বু গোপীরাথ দের নির্দিশ্য স্থাবাজ্ঞার এটি ৫৫ সংখ্যক ভ্রা ইবধালয়ের মানেক্সর ক্রিয়ক্ত বাবু ব পাল হালদারের নিকট দেখিতে ইতি।

কলিকাতা

৫ ই ডিসেম্বর

ইং সন ১৮৩৮

বন্ধ্যোপাধ্যার এ

-- 10101---

ষৌবনোদ্যান।

ও অন্যান্য কবিভাবলী।

জীবাজরুক মুখোপাধ্যায় কয়, এ, বির্চিত। মূল্যা ১৮ ছয় আনুষ্ঠা ১৮ কর্ম আনুষ্ঠা করি সংস্কৃত পুত্তকালয়ে বায়।

@}বাজ**র্ফ**রু,খা পাদা।য়

हेनानी हम कर शिन कानर लोक श्रीत वस्त हों हैने का का त चार का वस्त हैं के स्वार के स

िर्दिनस्य नयान्त्र रघः **3**1 শাচনীয় ব্যাপার স্পষ্ট ক লৈক ~ বু, আ≱া :কসী সংস্কার আছে 4 6 শ্যের স্বামিক্তা নাই \$ 14.3 রলে ছাপিতে পারেব। 3:5 · করিয়াও কত পরি**অ**স 可不 গ্রাচীন সংস্কৃত এছের 4.8 1. (कह मान कतिरम भारवन्द्र-(कार्क्व हरफ

্র দ ্ভু পরিবর্ত কবেন। সিটাতে সংখ্ত প্রবেশ হইয়া অবধি উপদ্বের হাজ্ল্য দেখা বাইতেছে। সংস্কৃত পৃত্তকে ব্টতলার বাতঃস চলিল।

ন্ত আমাৰ প্ৰকাশিক বেনী দংহার নাট তি এরপ অভ্যাচার না ঘটে, এই বিজ্ঞাপন দিক্তিতি যে শ্রীযুক্ত জগামো কালকারকত চীকাসহ বেনী সংহার নি রেজইনি করান গেল, যদি কেহ দারের অসুমত ন' লইয়া ভাঁচার কর্তৃক বেনী সংহার নাটকের পাঠ বা টাক অংপন রাছে নিবেশিক ক্বেন ভাহা কাপিরাইট জ্বাইন অসুসারে বাহার নামে

ভাঠনঠনে প্রক্রের প্রকাশক অএহায়ণ প্রধায় প্রকাশক

লপুর নিবাদী জীগুজ বারু সীভানাথ নহ'শার (উছোর কনিষ্ঠ পুত্র) ভৌগার ভাবর অস্থাবর যাবভীয় সংপ কাগাবেক্ষানের ভাবাপান করিয়াছেন। অজ্ঞাতে ও অসাও উক্ত সংপ্রির কিছু র বা বন্ধক গ্রহণ করিবেন না।

पूर (भोष) बीर्शाभागवस रक्षे

---; = }---

নামী ২১ এ জানুরারে রুজ্পতিবার তানন্মাল বিদ্যালয়ে প্রবেশার্থাদিগোর আর্ল হইবে। পশালিখিত বিষ্য় গুরীত হইবে। সম্প্রতি ৪:৫টী ন কৃতি থালি হইবার সম্ভাবন। আছে। লা সাহিত্য ও ব্যাকরণ দশ্মিক ভগ্পে প্রতি

नाव है देशीय ।

ভূপোলের চারিভাগের ভূল স্ল বিবরের পরিচয়।

বাচনিক পরীক্ষা আরুজি ও ব্যাখ্যা কলিকাভা) বালালার মধ্যবিভারের ১৯ এ ডিলেবর ১৮ ৮৮ স্বাস্থ্রের ইনস্পেটর

নির্মানিতের বিলাপ মুক্তিও ইয়া প্রকাশিত ইয়াছে। পুত্তকের কলেবর ৮ পেজী করমাধ ১৪ করমা অর্থাৎ ২১২ পূর্তা। মূল্য ৬০ আনা বাহার আবশ্যক হয়, ঠনঠনিয়া সংস্কৃত যন্ত্রের পুস্কালয়ে অথবা পটোলভালা বাসুর্যো ব্রাহর এও কোর পুস্কালয়ে অনুসন্ধান করিলেই পাইবেন ইতি।

১২৭০ দাল ২৫এ অগ্ৰহায়ণ সংস্কৃত কলেজ -

ঠনঠনিয়া সংস্কৃত পুস্তকালয়ে ও পটোল ভাঙ্গার বাড়ুর্যোলায় কোপানির লোকানে মংপ্রণীত ও মংপ্রচারত নিয়ালখত পুস্তক্তনি বিক্রা ইইডেছে:—-

প্রণীত
আীসইতিহাস
নিরামইতিহাস
রামইতিহাস
ভূষণসার ব্যাকরণ
নীতিসার (১ ম ভাগ)
নীতিসার (২ র ভাগ)
ভূষণবিত।
মুক্ষবোধ ব্যাকরণ
ভূষণবাধ ব্যাকরণ
ভূষণবাধ ব্যাকরণ
ভূষণবাধ ব্যাকরণ
ভূষণবাধ ব্যাকরণ
ভূষণবাধ ব্যাকরণ

বৰিধ দ্ৰব্যাদি বিক্ৰয়াৰ্থ প্ৰস্তুত।

ইংরাজী বাসালা পুত্রক কাগজ কলম নানা বিষয়বাদি পাওয়া যায় এবং পুস্তকাদিতে /- এক আনার হিসাবে কনিসন দি : অধিক টাকার পুত্রক লইলে /১ - আনার হিসাবে পাইবেন।

শ্রীপুরু বারু কালী প্রসন্ন সিংহ মহোদয়প্রণীত গদ্য ১৮ পর্ম মহাভারত ১৭ খণ্ড ০ ভাগে উত্তম সংব্রু ফরা ৩০

লঙ্ন ফারমাকোপিয়া অংপাং-উবধ কলো-লি ২॥•

মহম্মদের জীবনচরিত উত্তম রঞ্জিত ১ হরুতাকু বশৃভূতি প্রাচীন কবি হয়ালাদিলের গীতৃবংগ্রহ পারীরিক বাস্থাবধান
ধান্তবাহ উৎকৃষ্ট কাব্য
আন্ধান্তবিদ নারিনী
প্রথম ভর্কিনী
বহুনার ঘোষকৃত সংগীতমনোরঞ্জন
লয়লামজ্ম কাব্য কবিবর বারকানা
প্রশীত

রাসরসামৃত সংস্কৃত ও পদ্য গীতগোবিন্দ জয়দেব গোমামিপ্রণী ও যছনাথ ন্যায়পঞ্চানসকৃত গদ্য কৌতুক তর্জিণী ইংরাজি কেমেস্টরি

বিবিধ আশহর্জনক বিদ্যাদশন হর প্রতিমুর্ভি সহিত ১২৭৩ সালের ফুল পঞ্জি এই হাফ পঞ্জিকা

ছ্র্গামজন পদ্য কমলতারিণী স্টীক চণ্ডী মুগ ও অসুবাদ সহিত চরিত্তমঞ্চরী ইয়াতে মিউটীনির বিশেষরূপে বর্ণত হইরাছে

ইংরাজি ১৮৬৯ সালের এট্রান্সের কী কুমারীকুমার পদ্য আদিরসঞ্চান কাব অপ্রের গোহিনী শক্তি

গৰেশচন্তৰ শৰ্মাকৃত ৰাঞ্চলা এটলাস কাগজে ও উত্তম অফৱে মুক্তিত

বিধ্বাবিবাহ নাটক

কামিনীকুমার রসরভাকরাভগতি নাল্লিকাঘটিত হ্রুরস কাব্য

মণিকুগুলা কাবং প্যারীমোহন বন্দে গ্যুম্মলীত ছর্গেশনুন্দনীর মত লেখা

ভ্রমধনি**জ্ব ল**হরী

ভুচিত্রাবলি ৬২খানি বলৈল। সহিত

স্টীক টেডন,চরিতামূত্রস্থ কাদ্ধিনী নাটক আইনসংযুক্ত ২ একত্রে

উষাধ্রণ পদ

হিভোপদেশ বিষণুশর্মার সংগৃহীত কলিকাতা ভোড়া- ্ জীপ্রতাপচত সাঁকো ৬৪ নং সাদ বিরে

পুরাণ প্রকাশ। বিষ্ণুপুরাণ।

অসুবাদও টীকা সমেত প্রত্যেক
৮ পৃষ্ঠা (অগ্রিমমূল্য)॥ ।
যিনি প্রহণাতিলাধী হইবেন তিনি মূ

वह उद्देशीक ७३।३ वर करता करवाशकाम द्ध व्यवदा क्रिकाला मरब्ह् उ विमानकात्र ৰুক্ত জগ**নোহন ভকালক**'বের ন'মে' যাত গুর ইক্ষা আরিম মুদ্য পাঠাইবেন। অনিম পাইলে বিদেশে বিষ্ণপুরাণ পাঠাইবার রম বাই ইভি।

' বিজনয়াৰ্থ।

সারভেন রীচ্ৎএ নং বাটা ওলামস্ছ ঁ ১৯ নংক্ৰোকা ৰাগান।

উপরি উক্ত বাগান ও বাটা ঘুঁটাবা কর हर उपयो नहेर उन्हा करतन, निम्न याक ত ব্যক্তির নিকট জানাইবেন।

> গিলেগুৰিন্ আন্বো-थमडे ' कदर एकार

হালিসহর মিবাসী জীয়ুক্ত বৈকুঠমাথ গুপ্ত লকাতার অন্তর্গত কোডাসীকোবারাণসী াবের ক্রীটের মধ্যে মৃত রাখানাথ কুতের ৰ 🗫 মি হাঁহার খরিদা বলিয়া উহা বিজ্ঞবাপ বাদপত্রে ক্রেডুগলকে ক্সছেনে করিডেংছন मि अञ्चलको नकनत्क व्यवस्य कविर्द्धाः स्थ জ ডুম উ: হার ধরিদা নহে এবং 🚧 চ্যেন । उन्य ना करवन ।

!তাক্দ রুকাগ্র া পোষ

🗐 চন্দ্রেশ খর বুও

নদিয়ার নদী।

मन ३५ ७৮ मार्ट्स फिर्म्स घार्यत २२ अ इंडेटल ७১ म ११ एक का भी वर्षी নদীর শক্ষকমতি গবের

সংখ্যাহিক হো, টি।

न स्कार ह अल 孝:て43

इं शि মহানার উপর পদানে দুংতি মহানায় তথা ২ইতে জাজিপুৰ

ऽशामादेल भः भः

জঙ্গিপুর ১ইডে বছরমপুর ৪৬ মাইলের মণে

বহ্বমপুৰ কইতে লাটে:র'

६० माहेरलत मर्पा

কাটোয়া হইতে নদীয়া

AN MIEN MET

্সন ১৮৬৯ সালের ৪ঠা দ প্রনারি বছরম भूते शक्तेचारहर कारनात बाल।

গকের উপর

র্মপুর ঠা জাইয়ার } একাজকিউদিব ইজিনিয়া ১৮। বহঃমপুর ডিবিজন।

👿 न हज्जा दिश्य मारवस्य दक् ব্ৰাহ্মসমাজ :

আগামী ১১ই মাঘ শনিবার ভীনচত্তারিংশ नारदरनविक व्यक्तनभाष्य इंट्रेंद ।

১লা মাথ অবধি ১০ ই মাখ পর্যন্ত বুগৰার প্রতিদিবস ব্রাহ্মসমাঞ-গুড়ে সন্ধা ভিষ न घन्डात नमरत जाकाश्य बारहत नार्ठ छ नत्रभा इहेट्य ।

১১ই মাধ শনিবার প্রাতঃকালে ৮ ঘণীর नगर्य बःकानभाव-शर्व ५२९ नोश्रकारन ৭ ঘটার সময়ে জীযুক্ত প্রধান কাচার্য মহাশ (स्व ख्वान बरक्का भागमः ३३ रव ।

प्यापि उपकारमास्य) की घारकर नाथ ठेउदा कलिकाका : १३० 耳四((京帝)

মহাকৰি জী হালিদাস প্ৰণীত সংস্ত কুমাৰ সম্ভাব মলিনাথের চীকার সাহত মুখ্রিত হইয়াছে, এবং মাল্লনাপের দীকার যেসকল ছক্ত পদের বাংখ্যা উপেঞ্চিত ছইয়াছে, তাহা, পাঠকবরোব স্থার নিমিন্ত, পত্রের শেষে অভিরিক্ত স্টীকা ज्ञारण श्रमण्ड इहेब्र:१६०: शन छ शास्त्र अथ अस्ति-হারা শরক্ষার সিজত থাকিলে অনায়ালে অব বোদের বাংঘাত হয়, এ তনং চীকার্ড পদ সক লের স'ল বিশ্রেষ করা চইয়াছে। পুস্তকের কিয় দিশৰ মুন্ত্ৰিত ক্টালে ক্ষতিপয় প্ৰাস্থিক। পাককে (मिथिएक (में खन्ना) इहेम्राक्रिया, क्रिंकाता (मिथिमा नहस्राय श्रम्मन करिसार्डन ६४% (भीभक्षकार्य **উडमक्राण नरन्धक व्हेशार्क व**लिया, खाक्तुत धन्दर्भ कर्ग बहेस्टर :

এই পুজ্জক গ্রিবে আহাবশংক ভইন্ব ডিলি সংস্কৃত করে অঞ্পেদান করিলে অথকা অব্যাহ নিকটপত্র লিখিলে প ইড়ে পারিধেন ইঞ্র भूता २ इड् को को ।

ক. পকান্তঃ **ब्रीस्म ज्ञारु रूप भूग्या ला**वतम् । সংস্ভ যগ্ৰ १० ७ (भाग

সোমপ্রকাশ। ২৯ এ পৌৰ সোমবার। ন্বাগভ দিবি লয়ান্গণ।

সম্প্রতি ৩৯ জন প্রীংকাতী शिवाम काव उर्द याश्रमन कविव कीं होता (वं त्य विमाश्तरत व्यक्षात्र बाट्डन, व्य श्रुक्तकात अ मधान का सर्टाइन अवर ३५७७ छ ३५७१ उँदिश मिनिन मर्सिमंत्र अध्य প্রীকার যে সংখ্যা ও পুরস্কার রাছেন ভাষা কলিকাভ শিত হইয়াছে।

আমরা অতিশয় অধিকাংশ সিবিলিয় नामाना विनाहरस र् (इन । इंड्रॉनिट्गत्र मट এবং ৬ ব্দ বি, এ। डेलाधिशाती मुळे हहेट কাহারও কোন বি উপাধি নাই এবং সা व्यक्षायन क्षित्राट्डन বনিয়া লেখা পড়া বি क्षभग्यन मिविल मिया व्यावभ कतिवाः অধিকসংখ্যক বিশ্ব भेड़ीका विशे **अ (मेर**े

ক্রমণঃ এ অবস্থার পরিবও ২২. একণে অপ্পই ক্লতবিদ্য লোক অ क्तिएउएइन। इंश्रंब क्रांब्र निर्दे আসংনকে বলেন, ভারতক্ষ্র গি সর্বিদের ভাদুশ বেভন না থ ইংলতের উপযুক্ত লোকের। ক অাদিতে চান না , কিছু আমিরাএ প্রকৃত কারণ বলিয়া বীকার স**্** পরীকার নিয়মই উপযুক্ত লোকে: মন প্রতিরোধক ইইয়াছে। ধে ধনবান ও নিজে পজ্ডি, তিনি আপন সন্তানকৈ অৰ্দ্ধান্তিত कान कार्या अत्वल क्रिंड उ ত হন না। বধন ভারতবর্ধীয়েরাই
ধবিদ্যালয়ের উপাধিপ্রাপ্তির পূর্বের
টানদিগকে কেনে ব্যবশায় ভাবলম্বন
রতে দিতেছেন না, তথন ইংলপ্তের
কোরা ভিছিপারীত কাজ করিবেন, ইহা
নিক্রমই সন্থাবিত বলিয়া বোধগম্য
না। শাসন ও বিচারকার্যো প্রতিষ্ঠা
ভ করিবার ইফ্য থাকিলে প্রের্থথার্থ
ভবিদ্য হইতে হয়। গৃহে বিসিয়া পাঠ
ল যে ক্রভাদ্য হওয়া যায় না, ভাহা

ক্তু প্রথমতঃ গ্রা প্ৰবাদীপুৰ্ব ক শিকা ় বিংশতিশুণ অধিক **হয়, যাঁহা**রা ভুক্ত-হা বলিতে পারেন। রিলেও তথাপি যে र थाएक, हेहा व्यास র স্থাকার করিতে কে, নৃতন সিবিলিয়ান পূৰ্ণ শিকা হয়না, व त्मर्भ व्यामिश्रा এত হতঃ ও বিজ্ঞানাসু ारक ना। अहमकल বিংনে অর্দ্ধশিকিত রিভেছেন। ঘাঁহাদি াছে, ভাঁহারা কথন

াছে, তাহার। কথন
এবস্থান্থিবিদ্যালয় তাগে করিয়া
ভবনের দিবিল দাবিদে আদিতে
নগ্রী হইবেন না। এ অবস্থায়
ক্থনিগন্তান কয়েক শত টাকা
ভিন্য লোভে এখানে আদিবেন ?
ভ অপ্প মলিয়া উপযুক্ত লোকে
দিভিছেন নৃথ্ এ কথা অমূলক; যে
চাই শিক্ষা ভাগে করিয়া আদিতে
ভাগার ক্তিপ্রণ করে এমন
চন পৃথিবীর কোন দেশের গাণ্মেন্ট
ভ পারেন না।

নিধিল সর্বিদ কমিশনরগণ কি সম্ভাবিত নয়। অতএব যে ভারতব্যীয়ি বিদ্যালয়ের কুতবিদ্য ছাত্রদিগকে নিবিলিয়ান হইতে চাহিবেন উচ্চাকে

আদিতে নিবেধ করিয়াছেন ় ডাহা नटर ; किन्नु कार्र्या जाराहे चित्राहि। स्य वहाम अशीका ब्रिट इस, खन्नाका বিশ্বিদ্যালয়ের উচ্চতম সন্মান লওয়া সকলের পক্ষে সহজ হয় না। এই ৩৯ कर्मत मर्था এक क्रमत ३৯ ४९मत वरः ক্রম। ১৭ বৎসরের সময়ে ইহঁাকে পরীকাদিতে হইয়াছে। ৩ জনের २०; ৯ करिनत २५; २५ करिनत २२; ४ জনের ২৩ বর্ষ বয়ঃক্রম **इ**डेब्राट्ड । একণে পরীকা দিবার আন্তঃ তিন বংশর পূর্বে নির্দায়িত পুত্তকসকল পাঠ করিতে আরম্ভ করিতে হয়। এই ৩৯ জান গড়েড় ২১ বংসর ৮ মাসে খোষ পরীকা দিরাছেন। প্রথম পরীকার সময়ে সাড়ে উনিশ বহুসর বয়ঃক্রম ছিল। সকলকেই গড়ে ১৭ ৰৎসরের সময়ে বিদ্যালয়ের অধ্যয়ন ভাগে করিতে হইয়াছিল: ১৭ বংশেরের মধ্যে কত জান কুত্ৰিদা হইয়া বিশ্ববিদ্যালয়ের উচ্চত্তম উপাধি লইতে সমর্থ হন ? ফাঁহারা পাদরী, সামান্য দোকানদার, মুচি ও গোপাপ্রভৃতির সন্তান, ভাঁছারাই কেবল প্রথমত ৪০০ টাকার লোভে বিশ্ববিদ্যা লয় ত্যাগ করিতে পারেন। দিবিল দক্রিণ কমিদনরগণ ২২ বৎসরের উপ রের পরীকার্থী গ্রহণ করিবেন না কুত্ৰসক্ৰপ হইয়াছেন; স্ত্ৰাং আমা দিপের বিচার ও দেশশাসনের ভার কতকণ্ডলি অন্ধশিক্ষিত নীচ প্রেণির ইংরাজের হস্তে পতিত হইতেছে। ২১ বৎদরের পুকের্ব ভারতব্যীয় বিশ্ব বিদ্যালয়সমূহে বি, এ, উপাধি পাইবার যো নাই। যাঁহারা এম, এ, হইতে চাছেল डांशान्त्रत डेलाबि नरेट (शतन बत्रन যায়।বি. এ, ছইয়াও এক বৎসরের মধ্যে পরীকার নিমিক প্রস্তুত হওয়া সম্ভাবিত নয়। অতএব যে ভারতব্যীর

অল. এ পরীক্ষা হিংলতে যা

হইবে। পকান্তরে এ দেশের উকী

সচরাচর বি. এ, অনেকে এম, এ

বি, এল, উপাধি লইয়া থাকেন।

অন্য বিভাগেও ক্রমশ: বহুজ্ঞা বার্ত্তি

প্রবেশ করিভেছেন। অভএব

কালপরে দৃত হইবে উকীল, আমর

কর্মচারীরা ক্রভবিদ্যা, কেবল শাসন

ও বিচারপভিত্যণ অর্জিশিক্ষিত। সি

সর্বিদের বর্জমান পরীক্ষাপ্রণালী

আর কি হইতে পারে ?

আমরা তল্লিমিক বলিতেছি বৎসরকে ম্যুনসংখ্য ब ब्रह्म् का উচিত।২৭ বৎদরে দিবিলিয়া কার্যারম্ভ ২ি বিন, ভাছাতে বরং ব কার হইৰে শাংশ্রেক্হীন বালক ম ট্টেদিগের অপেকা ইহারা আ কাজ করিতে পারিবেন। ক্লভা লোক আদিবেন। ভারতবর্ষের গি मर्किरम थारवण कता हेरलएक व्या লাডবিংশীরও স্লাম্যর বিষয় ভ क्टबन, क्विन काकार्ल शाहिमभाश्चिकी কেছই আদিতে চান না। উচ্চ শ্রেণির ইংরাজেরা যত আদেন, ত মঙ্গলের বিষয়। দিবিল স্কিন ক্মিন গণ এক্ণে ভাঁছাদিগ্রের দ্বারে ক রোপণ করিয়াছেন। বাহাতে ভার দীলেয়া অধিক সংখ্যায় সিবিলিয়ান হন, কমিদনরগণ এই অভিপ্রায় বি করিতে গিয়া ইংলত্তের কতগুলি (লোককে বৎসর বৎসর প্রেরণ করি ছেন। ভাগতবয়ীয় প্ৰৰ্থমেণ্টের षनिष्ठे निवादशार्थ म:চ্টিড इ কৰ্ত্তব্য হইতেছে।

> সর **জালেকজ গু**র গ্রাণ্ট ও শিক্ষাক যে;।

ৰোষাইয়ের শেকাবিভাগের ভূ পূর্বেডিশেক্টর বর আলেকজগার এ হঠত শোৰ

, भारतक देशिय निकार के अपन शास बहा इंडी श्रञ्जाव कितारहन। श्रयम् ভৰৰের প্রতি প্রেমিডেন্সিডে যত ারাজ্য আনায় হইবে তাহার শত কিয়দংশ ভত্তৎ ছানের শিকাংছেছু করা হয় বিভীয়, শিকাবিভাগের তের কর্মচারীদিপকে চিক্লিত কর্মচা ন্যায় বেভন, বিদায় ও পে**জা**ন রাহয়।অংকিশয় হ্ঃকোর বিষয়-এই এই সময়ে সর छोटकाछ वर्धकां हे **ণতের দলাদলির অসুরোধে পদভাগা** ।লেন। তিনি ভারত*ৰ*ৰ্মের শিকাবি-পের প্রতি বিশেষ মনোধোগী হইতে লন। ইংলতে অধ্যয়ন করিবার নিমিত্ত রুৱতি ভাপন, নি**জ হইতে বিশ্**বি লয়ের ছাত্রদিগকে পুরক্ষারদানঞ্জ ত কার্যারা সর ফাকোডের নর্থকো র বিদ্যাশিকার 22,তির অঞ্রাগ্যের চয় প্রাপ্ত হওয়া যায়। **লাড ভা**গিল হার অসুসরণ করিবেন কি নাুবলা । ना। गांश रेडेक**, नत्र चाटनकक**शांत ্ণীর প্রস্তাব অনাময়িক নছে। অত এ বিষয়ের আন্দোলন করা উচিত **उ**ट्ट । গৰৰ্ণমেণ্ট এক্ষণে বিদ্যাশিক্ষার

মন্ত অনেক টাকা প্রদান করিতেছেন।
গাপি দেশের যত অভাব তদস্থারে
শিক্ষা হইতেছে না, তাহা তাঁহার।
পনারাই স্বীকার করিংগছেন। নিম
গির বিদ্যাশিকার নিমিত্ত অপ্র্যান্ত
হইয়াছে ? সর জন লবেন্দ্র শিক্ষা
রর প্রস্তাবমাত্র করিয়া আর কিছুই
রলেন না। তিনি জমীদারদিগের
ক্রাতারনিকেপ করিবার মান্স করি
ছিলেন, তাহাতে ক্রাকদিগের বরং
নিষ্টেরই স্বিশেষ সন্তাবনা ছিল।
স্থ ক্রাকেরা বিদ্যালয়ের দিমিত্ব আপা

वक्त क्योर्थना कट्रत । भवर्गत क्यानवन मार ममस्कारत हेरा कड़िटल भाषाहर मछ।छ। उ सक्दलत महिङ महकाही उपकर्श्वत রুদ্ধি হইড়; কিন্তু তিনি অমীনার ও নিজ মন্ত্রীদিশের আপতিনিবজন এই · 🖰 का कुरारम् ममर्थ स्ट्रेस्सम् ना । (क्वल (के कि नाट्डव क्षकिर्तात यथार्थ व्यवका दुनिएक পातिशादहनः, किन्न ग्वर्गस्मान्छे। মধ্যে আবার কেছই তাঁহার মতের অভু ्यानन करतम मा। क्रुश्क निर्मात महिष्ठ চিরস্থায়ী ৰন্দোৰস্ত করিবার সময় সমু পাছিত হইরাছে; কিন্তু গ্রণ্মেঞ্টের এই कार्यशक्षांद्रन मार्म रहेवात व्यन्ताणि विषय चाष्ट्र। এতাবৎকাল লোকদিগতে গ্রবর্ণ,মন্ট ছব্ডিক্স উপলক্ষে স্বীকার করি क्षाट्टन, व्यक्षापिशटक विश्वप्रकाटन व्याहात क्रिया प्रचल क्रिया वाच्यात व्यवसाहरू देवा। আহারপ্রদান্তারা এজাদিগের শারীর রক্ষা রেমন অ্বশ্য কর্ত্তবা, শিক্ষাদানদারা তাহাদিগকে সভা করাও কি তক্রপ নছে ? শরীর অপেকা কি গন নিরুটি ? व्यक्षिक इड्रेटन ,ett#72.211 वलत्राक्षि एम ; अहे निमित्त इर्डिक कारल व्याह्यत (क्खन्ना हहेन्ना व्याटकः; প্রকাগণের সভ্যতার্দ্ধি হইলে কি র†জার অধিকভর বলর্দ্ধি হয় নাণ্ এই বিষয় বিশেষরূপে পর্যালোচনা করিয়া **দেটিখল প্রথম**তঃ বিদ্যাদানের ভার গ্রাথমেক্টের উপরেই প্রিড হই তেছে। অভ এব আমর। দর আলেক জ প্রার গ্রাণ্টের প্রথম প্রস্তাবের অসুমো मन कतिया विविद्धिहि, य अरमर्ग स्थला রাজস্ব, দেই প্রদেশে তদ্পুরূপ বিদ্যালয় স্থাপিত করা আবিশাক হইতেছে।

নটেরই স্বিশেষ সন্তাবনা ছিল। দ্বিতীয় প্রস্তাব্বিষ্টে আমাদিগের স্থ ক্ষকের। বিদ্যালয়ের দিমিন্ত আপ বক্তব্য এই যে, শিক্ষাবিভাগের উচ্চতর বাই কর দিতে প্রস্তুত আছে, ভালারা কর্মচারিগণ পর্যাপ্ত বেভন পাইভেছেন, বার প্রিবৃত্তে কেম্বল চির্জায়ী বন্দো, অভ্নৰ আম্রা ভাঁহাদের বৈভনত্তি

প্ৰস্কৃতিতে অসুমো না। এদেখীয় শিশ क्बार शवर्टमट्डा व (मः म व्यक्षिकारः वीं 🤄 , देश शिरभन् আছার নিহিত রবি দারাই অপামর সা कारणस्य व्यविके न हेर्डाण शिक्टक লইতে পারেন না निञ्चकत्र व्याक्तकार व्यक्ति (কার্যান্তর প্রাপ্তির শিক্ষাৰিভাগে প্ৰ মেন্ট অদ্যাপি এটা কেন ? অসম্ভট ব কি প্ৰকৃত কাজ হ আমাদিগের মত গের ৰে তন রজি কর বিদ্যা**লয় সংস্থাপি** ক্লুষকদিগের সহিত করিয়া শিক্ষাকর प्रिन होक्टब्र किः कार्या निरश्चिष ষত দিন নিম্ন কোণি ভঙ দিন (मा इंदेर ना ।

উত্তর পশ্চিত ইত্তর পশ্চিত হাত ছাতিশো: আগিতেছে। দি ভাগি কাক্ষ্মা: আমে জমীবার আমে জমীবার আর গোক নাই এপ্রকার কট হয় প্রকৃত ছাতিক আমরা আহলা। কার্তিক মানে রা

শের অনেক ছ

विद्वान कहिर्द আৰহা নাই ৷ n ই, সম্প্রতি প**ঞ্চা** র র্ক্তি হওয়াতে দা পাইবে। কিন্ত বিভাগের কটের ল্বংপুর, আক্ষমির যাবভীয় দরিজ র উপর নির্ভর **৫৫ व्यटक**त मृक्षीच इहेश्राट्डन। এवाह यणप्रस कहा हह রণী, কূপ ও রাস্তা রহিলখতের রেল क्ष इंडेटवा डोक क्रमतत्त्रत्य अटक्ली प:बिर**ेट उन्ट**ेड এই कर्छित ममर्

एइन। कक्षे आहर रक्ष भवन्त्र**ार्**छे ३ দাৰা করিয়াএক : ও একটা খাল এই রাস্তায় আবাল १६८७८६ । याहात्रा क्षिश्रक देम्हार्व न उन्ना इहेट च्ट्राइ দরের গোমহিয ক্রিয়া আছাব 14ল রাস্তাপ্রভৃতি িবসতে **অভিস্**য় খারে ছর্ভিকপী ভত্ৰভ; পোলি क १ देश के इंट क অভিসায করিয়া গ[্]শ মুলো বিজীত क्डेर ड माना **यानि** कर्यहादिशय (कान ছেন না। ভারত্ব

विविशास्त्रम, इंडिंट्यात ममत्त्र पत्रिखनि গকে রক্ষা করা গ্রপ্নেক্টের কর্ত্তব্য কর্ম। যত টাকা লাগে যেন ব্যয় করা হয়। मर्जिमाश्वाहर्त होंगा (एन क्वालाई, मरहर গবর্ণনেত আবশক্ষেত ব্যয় করিবেন। স্থানীয় গ্ৰণ্মেল্টকে এ বিষয়ে সস্পূৰ্ণ স্বাধীনতা প্রদান করা হইয়াছে। যে বাজি দাহায় চাহিবেন, তিনিই পাই বেন; ইহার মধ্যে ষধার্থ সঙ্গতিপন্ন লোক থাকিলেও তাঁহার প্রার্থনা অগ্রাহা করা হইবে না। মালুযের যতদূর সাধ্য গ্রব্দেন্ট ভাহা করিতেছেন, আম্রা এ নিমিত গ্রণ্মেণ্টের নিক্ট নিভাস্ত ক্লভজ্ঞ হইলাম। গ্ৰণ্মেণ্ট কেবল আংপ নার দীমার মধোই সাহায্য দিয়া নিরস্ত नट्रन, हेटकत नवावटक माहायाच्या अकलक होकः क होका ऋर कर्जा मिश्रोटकन। উদয়পুরের রাজাকেও মাদিক ৫০০০ টাকা দেওয়া হইতেছে। আগামী জুলাই মাণপর্য, সাহাব্য দেওয়া इडेट्व ।

গবর্ণমেন্ট ঘথা দাখ্য কাজ করিছে ছেন, এসময়ে সর্কাসাধারণে যেন নিরস্ত হইরানা থাকেন। আমরা শুনিয়া ছুংখিত হইলাম, উত্তৰ পশ্চিমাঞ্লের भनी लाहकता। माश्यामाहन छानुभा उर्भवग्रह्न। यथेन अवर्गरमन्छे अ छ ८० छे। কবিজেভন, ভথন আমরা সাহাধ্য না করিলে মাতৃভূমির অহতি অকৃতজ্ঞ। প্রকাশ করা হইবে।

करे इन्डाविन (लेथा (मेर क्रेट्स का महा অবেগত হইলাম, গত দোমবার ভারত বধীয় বাৰস্থাপক সভাৱ কাৰ্য্য সম্পন্ন इंड्रेट्स मत क्या कार्यका मक्कां मिश्रीक আর কিঞ্ছিংকাল বিলম্ব করিবার অসু (वाथ क्रिया विनिष्टान, चलिख बावचानक किर्तात मर्था करतकः स्मा भागनकार्याः লিপ্ত নছেন, তথাপি তাঁছারা মনে কর্মন डेर्!लश्चम निष्ठ? देव एवन डाँशांनिशदक लोनननमुद्धा **এक्टी** विष्**रम এडएमलीस প্রতিনিধি** स

क्षिष्ठित्रज्ञ शियुक्त कता हहेल इर्डि निवातर्वत स्य स्थ छेनात व्यवनद्यन व হইয়াছে, ভাহার বর্ণনা করিয়া, এ সম कि क्छेंबा छिष्दिस शवर्गव क्येंब नकरणत मञ व्यव्यामा कतिरणन। चि विलिट्निम, विक्रम्सभात विशिक्षमण्ड्यम **धाना क**ब्रिट**क व्यञ्ज**ठ **कार्**ह्म। जि নিজে স্থানীয় গ্ৰণ্মেণ্ট ও ক্মচারী शदक विनिशादहन, यसि ३ क्ठक है। অসুপযুক্ত পাত্রে পতিত হয়, তথা ষেন ভাঁহারা সাহায্যদানে কুপণ্ডা করেন। স্থানীয় কর্মচারিগণ শ্রা করিবার আজ্ঞা পাইয়াছেন; বি পাছে ভাঁহার: দ্রব্যের মূগ্য অধিক করি তুলেন ভাঁহার এই ভাবনা হইতেত কিছু ক্ষণ তকের পর সকলে এই ব কটা বিষয় ছির করিলেনঃ---ভিতর প্র মাঞ্লের রেধেণিউ বোড ও মধ্য ভা वर्षंत्र भवर्ग स्मार्थ प्रवास मकर् मात्र स्थ मुश कानिया (शरकरिषे क्षकांभ करि थाजून। त्यमकश खारन इंडिक इहेग ভত্ততা মিউনিশিপারিটি সমূহ ঋে উপরে কর সংগ্রাহ করিছে পারিং না|ঢাঁদাদং এছে করা হউক ; ি माधारन रुष्टः कहित्रत व्यट्याक्यन ना व्यामदा मत क्रम लातरच्या निकाछि কার্যের নিমিত নিতাম ক্রতজ্ঞ 🔻 ভেছি। লোকে যত পাবেন সাহায্য কৰি থাকুন; কিন্তু গ্ৰণ্মেণ্ট ইতর বিধ न। करिया महिर्गि अधिकान क्यून । क्रम लाइका इंश्लाट अभाग क्रिट कार्य (मर्थिश (গেলেন (मर्भंत क्लांकिनि প্রতিনিধিগণের পরামর্শ গ্রহণ করি কত উপকার দর্শে। অতএব স্বদে প্রতিগমন করিয়া ভিনি এতদেশীঃ **अदक अदर्शत (क्यानिहास)** कि প্রবেশ করিতে দিবার প্রস্তাব করি काहा कथन है जा शाहा हहेरव ना। ता स्टब्ह व्यन्तका क्षत्रीय क्षत्रीय निमाधक উপাক্ষার লাভের সভাবনা। আস্থা व्यापनीविषयाक भूनक्रीत ৰলিতে হ, 47753 ८क्ट् \$ 40 B दर्शन শা করেন। ঘাঁহার মাসিক ৩০ টাবং षात्र, किनिक ठिको क्तिल षश्रकः अभ ব্যক্তির এক লপ্তাহের চাউলের মূল দিতে পারেন। সাধারণ বিপদকালে 'ছরচি**ভে** শাগনকর্ত্ত।দিপের মহি ত এক্ষত হইয়া য্পাসাধ্য চেড়া ক্রিয়া বিপত্নার করিতে পারিলেই যথার্থ সাভিসাধারণ মহত্ত ও পৌরব হয়। পুথিৰীর যাবতীয় প্রধান দেশের ইভি হাস নিরস্তর ইহার লাক্ষ্য এছান করি ভেছে। ভারতবর্ষীয়পণ যে এই মহত্ত गांटकते (लाक करतन न!, व्यामासिटशंद अ विशास नाहै।

> ক্ষ্যবাভার প'ত্রকাসংক্রান্ত মক্ষ্মী।

অস্ত্রবাচ্চারপত্তে একটা প্রস্তাব

লিখিত হয়। যশোহরের অন্যতর ডেপুটি নাজি যেটুট রাইট সাহেব তাহা নিজ মানিস্চক বলিয়াকে**। জনারিতে** নালীশ রেন। মাজিষ্টেট ও লাইন্ট মাজিষ্টে টর উপরে **প্রভঃর্থিগণ সম্পেহ প্রকাশ** রাতে মকদমাটা সেনিয়ন জজের नक्टि क्≷ब्राट्ट। এই मक्कमा कल किन র্ঘ্য হয়।যেমন হোরতর আংকেমণ ণ**ই-প্রকার দৃ**ত্তর সমর্থনও হইলাছিল। াষী ভির করিয়া বারুরাজ কৃষ্ণ মিজের ক ব্ৎসর মেরাদ ও ১০০০ টাকা জারি নো এবং সম্পাদকের ছয় মাস মেয়াদ ৩০০ টাকা জরিমানা করিয়াছেন। अहे सक्तिमा ७ विष्ठात्र नद्श कर्यः টী গুরুতর কথা উন্থিত হইতেছে। ংবাদপত্তের স্বাধীনতা আছে সভ্য . छे ; किन्ह भिन्ने वाशीनका नावशास्त भाकता कर्वरा। विष्यशकाण उ

वाजिन्विर्वासम् विका कहित्स मध्याम शटकत चार्थीनका अविक इहेशा यात्र। विचारन माधारेन विकाध का किविर महिन हति खरमात्र काकामा मा कति एवं संब, *वि*हे थारनहे रक्षम डेश कहा कर्डवा ; किछ न चटन अपिएक इरेटव त्व. माधात त्पत्र उपकार्ताचे याहा प्यावनातः, छर-(श्रक्षां क्षश्रिक्छंत्र (माट्याटन्यायन इहेन কি নাণু অংহতবাজার পড়িকার যে डाइँडे गाट्डट्यत मद्राक्ष व्यवहात काळ করা হইয়াছে, ভাষা আমাদিগকে ছু:খ नरकारत श्रीकात कतिएक हरेएक्ट्र मर्बोष्ट्रां मार्थात्रद्वा সাধী নতাও শান্তির প্রধান রক্ষক, যেখানে অভ্যাচার দেইধানেই সংবাদপত্তের সম্পা **एक्टक निर्ভेट्स व्यक्तियोग क**द्रिट उड्डेटव ; किश्व स्वचारन क्वन वास्कि विरम्धस চরিতেশেষ বা কুবাবহার লইরা কর্ণা সেবানে পূর্বে আদালতের সালায্য লওয়া কর্ত্তব্য । রাইট সাহেব যদি স্থা र्थ**इ मन्म कांक क**ित्रा शाटकम, फारू। হইলে ভাষা পুর্কে বিচারালয়ের গোচর করাই উচিত ছিল। আমাদিলের মধ্যে चारमञ्जू । विषया जम व्याह्य । याहा बाजिबिटमय ७ ममाटम र करा कर्डवा काश अवर्धमार्कीत कारका निरमार्ग कता অভিশয় অন্যায়। অভএব রাইট সাহে বের বিরুদ্ধে প্রস্তাব লেখা যে অনুচিত হ≷য়াছিল, এটা অপক্পাতী ব⊹তিনা ্রেই স্বীকার করিবেন। পশাস্থরে রাইট নাত্র সমুচিত গাড়ীর্ঘানহকারে মকদ-माजि हालाइटक शाद्यम माहि। उँहिन প্ৰতিযে ঈৰ্ষ্যাপূৰ্কক প্ৰস্তাৰ কেখা হয়, এটা আমেরা বিশাস্করিনা; কারণ নংবাদপজের এপ্রকার वाक्ति विदर्भ-ষের প্রতি শক্তভা থাকা অসম্ভব। এস. कन ऋत्म देवज्ञनिर्याकिन्दक छेटमनाः করা অভিশয় অকুচিত। যথন চরিত্র लह्या कथा इहरण्डाइ, उथन जाहात निक

লক্ষ নপ্ৰমাণ **উटक मा गाविष** দারি বিচারাল नारामरक देश काल क्रेका वर তৰ্থন আৰুৱা বি বলিতে পারি না **ञ्चा के ८५१४ इ**ग्न ८ গের আজি অভুব প্রথমতঃ অপরা শ্রমের সহিত মে व्यामनात्रा, এ व्य र्य ना, बिनदा পুৰ্ব্ব আজা সংয लाहर्यरनद्र मक्ष বিশেষতঃ যথম পত্রের স্বাধীনতা ভৰ্ন এসকল ম तानरत्र एक्साई है রপতিগণ লাইবে পারেন না। প্রত্য দ্ৰা এধানভ্ৰ করিবার নিমিজ্ঞ ছিলেন, কিন্তু আ এই যে, প্ৰশ্বানতঃ व्याहा क्टबन माहे व्यक्त अह

সম্পাদক ও রাজ।
অভিশার জ্বিতি
প্রথাবিটা লেখা অ
নাই, কিন্তু ভাঁছার
ছেন ও ষেপ্রকার
ছেন, ভাছা উল্ল

ভাম দিলের আমাদিলের শিং

থাকে না। আমর। বসায় ও উৎসাহস

পরিত্যাগ করয়া डदममूहारत्र अक्वारत বিদ্যা∴য়ে পাঠকালে **পृष्डकमपूर** (स्वाभ হ ও পরীকাশ্ময়ে का स्वयंभ देमभूग ामन आश्र देहे छार। 🔖। ज्यम आमानि-क (प्रक, देखिक) म स 😎 সমুদায় িবয়ে> নি ক্রিতে পারিব। র ,বৰর বে, বিদ্যালয় রে এইবিট হইলে স,,প শিক্ষাসুরাগ

ক্ষ্যা। বিদ্যাল ধরের ভি. তক্ষাপন সংসারে প্রবিষ্ট · क्रियाः भारकः। পাত কর, ইহার **१३८व**ः विति कथन Çान नाहे. ख√छ ভ্যাপ না ক্রিয়া বেচনশিভি আভ বংহােপা্ধ্যায় বলিয়া , আমানুকিক পরী চ দুপ বিখ্যাত হই দান ভারবি বংগ। विना रत्रत्र भिका

9 মন্তু পরাশর**প্রভ**ি চান্ক কো শিকালাভ र्डा श्चकीय कृत्या পরিপুণ অপুর্বা কাৰা রভত্ত ভূতির প্রণেন हरेबाटक्न । এ ভারাদ্বই , সংসারে व्य विष्ठे ৰ পরিটাস ना আম্চার ব্যবহার রী**ি** । कर्त्र १ ८व वक्क ভাষাই প্রকৃত শিকা: **रब्रु अस्म अस्म विभा**

পক্তি অবলখন করি তাহা হইলে অনা রাদেই বিশেষকপ অভিজ্ঞতা লাভ করিতে পারিসন্সেহ নাই। এক্সেব দেখা আবশাক কি প্রকারে উক্তপ্রকার বহদশিতা লাভ করা হাইতে পারে। সংসারে থাকিরা স্থা দপতের সাহাধ্যে বেংপ ভূরোদর্শন অসিয়া থাকে সেকপ আবার কোন বিষয়ে জন্মে না। অভএৰ মনোযোগসহারে স্থানপত পাঠ করা **ভাবশাক। কিন্তু একণে অনেকেই** ইংরাজ,তিরে হইয়া দেশীয় সাদপত এতি বীভশ্ৰদ্ধ হইতেছেন। ইহাতে উ. কারের সঙ্গে সঙ্গে বিলক্ষণ অপকারও সজ্জতিত হইতেছে। বিদেশীরদিশের আচার নীতি ও বহল পরিমাণে ফুডন সমাদ আসা বেকপ উপকারের বিষয়, স্বদেশীয়গণের আচার ব্যবহার না জানা ডতোধিক অপ ্কারের বিষয় বলিতে ছইবে: অং মাদিগের আচার ব্যবকার দেশীয় স্থাদপত্তে বড পাওয়: ষাইবে ভত কখনই ই রাজী সম্বাদ পতে গংসা ৰাইৰে ন'। অভএৰ নৰো <u>থোগদহকারে বাজ্লা সংক্ষিত্র পাঠ</u> ক্রিয়া আমেদিংগর আচার ব্যবহারবিবয়ে অভিতৰ লাভ করা দৰ্কাগ্রে কর্ত্ব্য।

শিকংবিষয় আমাদিণের আবর একটা অভাব প্রকাশ পাইয়া থাকে: আমরা কাব্য নাটক প্রস্তুতি লাজের যত আলোচনা করিয়া গাকি পুরার্ভ গ্রুড়াস্ত ব্যবহারতক বজনপ্রসূতি প্রয়েজনীয় শাস্তের তত ফালে চন; করিনা। এ বে দেশীয় ভাষার ষত কাৰ্য ও ন কৈ গ্ৰীত কটতেছে, ভত কি বুৰায়ুকালি শাজের **প্ৰবয়ন হই**তেছে <u>ই</u> × আব্দারের আ লাচনায় আমাদিলের ষেপ্রকার ষত্রশীল হওয়া উচিত, প্রারুত্ত প্রভৃতি শাস্ত্রের অসুশীলনবিষয়েও সেই প্রকার বস্ত্রান হওয়া বিধেয়।

विनामदत्र अधात्रनमनदर् आमापिरभत একটা বিশেষ ক্রেটি হইয়া থাকে: আমরা সম্বংস রর এবার সমুরি সমীট আনচাচ ভ বুথাকাৰ্যো অভিৰাহিত করিয়া পরীকা সময়ে অসুচিত পরিভাষ করিতে অরু: হইয়া वाकि। इत क अडिवियमम भी फिक सहैता मः कतिया छितिथेछ । गतीका निष्ट शांति मा, सम् महीते छक्ष एव

াতে দীখকাল দই ভাগ করিয়া থাকি। এ প্রকার পাঠে ভাদুশ ফলোদর হয় না। **ইহাং** পঠিত বিষয়ে বিশেষ ব্যুৎপত্তিশাক করিব পারা বার না, কেবল ° ভোভাপাধীয় ন্যার ব্যাখ্যাগুলি কঠন্থ করা হয় ৷ জাম বলি সচেষ্ট হইয়া সম্প্রয়কাল নির্মিত্ত পরিআমপুর্বাক পাঠ্য বিশরগুলিতে বু পতি লাভ করি, তাহা হইলে অনেকা (হকল এতি হওরা বার সন্দেহ নাই।

क्षकरण कामता निकावियस स्वक्ष क বস্থিততা প্রকাশ করিতেছি, পরিণালে এ দার। বিস্তর অনিষ্ট সঞ্ঘটিত হইতে পারে পঠদশার নির্মিত পরিকাম করিরা আ শ্যক বিষয়ে বিশেষ ব্যুৎপজিলাভ ক কর্ত্তব্য। তৎপরে বিদ্যালয় পরিভাগে 🖚 য়াও পাঠে বিরত না হইয়া জ্ঞানগভূতি मधूर अधावमधूर्यक वक्षमणिका गांक कृति সংসারের উপযুক্ত হওয়া উচিছে 🕫

আমাদিলের এই আস্তাবটী পাঠকরি चरनदक मरन कतिएक शास्त्रम स्व, विमान लिकाना कतिया भरगादत श्रीकृत्रीहे र দশিতা লা পুর্বক শিক্ষিত হওয়া বাই পারে; কিন্তু ভারা নহে। পুর্বেই উল্লি क देशारक त्य, निकाला खाइत विकास अधिद শিকার ভিভিছা ন্যক্প, স্তরাং ইং অবলম্ন নাকরিলে প্রকৃত শিকালাভ ব যাইতে,পারে না। বিশেষতঃ প্রথম প্র আবিশ্যক বিষয় শিক্ষা করিতে বিশেষ উ সাহ ও অধাৰ্ষ্য আব চক করে; বৈ लाइ अन्ति कि लिया अधीयन करितल व উৎসাহ ও অধ্যবসায়ের সঞ্চার ছইতে প घटत विभिन्न अकाकी अधावन कतिएल राम হওয়া সম্ভাবিত নতে। বিদ্যালরের শি नित्राची चक्या इंग्राटंड शर्मनिर्म्भाः রুট্ **টচ্চতর শিক্ষামন্দিরে উপ**ন **इहेट्ड इहेटव** : अंड व गर्स ट्या विमान महनारवाशनहरगादत भिक्ता ৰি.শ্ৰ কৰ্ত্ব্য।

् विविधनः वास ।

২২ এ পৌশ সোমবার 🕻

ं अभिता काक्शानिक स्ट्रा श्रकाण कतिए

পরগণার সময় আমিন বারু ভাগমখন মুখো ার হুগালর ছোট আদালতের প্রতিনিধি হইয়াটোন আপাতভঃ ডিন মালের মুক্ত ইনি সমন করিতেছেন। ইনি যেপ্রকার क, इंश्वादक और भटन व्यथवा छहात क्रुमा न উक्र भरि कान्नी कविन्ना विरम हेर्होत রে ধবার্থ পুরস্কার হয়।

গবর্ণমেকট আলফরা দিয়াছেন, আংন্য আংনং লয় পরীকা দিয়া পুরস্কার লইবার পুর্কের ড্যক ৰঙ্গলীয় সিৰিলিয়ানকে সন্নাত্ৰে বল টংকল ভাষার এবং উত্তরপ শচনাঞ্লের বলিয়ানদিগকে সন্নাথে হিন্দুসানী ও পারস্য र प्रभवीका निरक्ष हरेर र। याशका भवीका ার নি.মক ছট মাস বিদায় পাইবেন, ভাঁছা গর সেই সময় বার্কোল বলিয়া পারগণিভ त। आकारी के ध्य एहेब्राट्ड । हेशटक निवि ানগণ সর্বাত্তে অংপন আংপন প্রেসিডেকির । শিক্ষা করিতে পারিবেন।

शक्कत्र क्यांक्रित नद्भ हा छ चान्। खादनिय मुक्तित आवष्टम ब्रुथम भी व भिक्षाना हुई छ। ধারাদে প্রাফোমন করিয়াকেন। সিয়ার লৈর সাহিত সাক্ষা করা উল্লেখ্য স্বাভারেত হও ত আন্তিম খা ও হার লৈ বিব ভাগে করিয় क हालग्रा (भद्रारङ्ग । भिष्ठात व्यालि निक ংডে অং.নজু হওয়াজে আংবিছ্ল রংমন श्रीन च्याक्रमन कांत्रवात (हर्षेत्र च्यारहरन। । 5 % को बुध्य अप निर्मित स्रोहे के लिया है आहे । a अ.अ.स. महत्र तुक्त इहेश्वरहाः हेश**रा**ख कार अध्यम लक्षां कड रहेवाट्डन । युक्त श्रोतिहरण ह वतः भवन्भातं ५ :कोर्न्स पृद्धः व्यक्तिः :

मांबिक्ष हत का। यन २६ जिल्ला स्म s, হারা মায়, ভাগ হ**ইলে ছি**তীয় ও ভাতীয় নকল লইতে ২ইলে সমান বাটা দিলে ৰে এপণায় বিভ'য় ও ভূভীয় বারের মত কেছুই দিতে হইডন । ষ্টীয় বাংর ፍ দ ও ড ভীর বাবে মন্তর্গ শে ব'টো করা : ৰেঃ : গ্ৰৰ্থমেটের পোষ্ট আনফিলে পঞ্জারুয়[া] বৈ, ভাহ্ব দ্ওখ্রুপ म समाधातवदक ष्ट्रभ व^{*}।हे। विद्रष्ठ रुहेर्त्व : स्ट्रम्य विरुग्न वर्ष्टे !! রিবাস টলস্ম স্থাহেব রাজধানীবিভাগের ভৰিটি কামসনর হইরাচেন क (केडे तम जारूव निमान রিলেগ াক্ষর (अ. मनरत्रा मः (६व कृष्णमधार्वत माक्तिरके) 1 573

माञ्चारकत (भावीरकत्

विन कार्या अका कार्यक्र कार्या अवस्था व्हेयामाञ्ज भन्छ। **अट्यून विश्वया श्रिकाविकार** ग्रह व्यव्यक्त अक्कत मार्डि शिकांमात्रमिट्यत्र निकटि अक अक अक्षांत्र महेरफट्टम (व, क्षांश्रांत्र) करत्रक वरगत कतिया कार्यः कतिरयम । शैकाशावतन अस (बक्रम शाम बनिश्राहे कर्य करान करत्न।

মাজাব্দের অনেক স্থানে খ্যাঘ্রে উৎপাত হওয়াতে কুৰকগণ পলায়ন করিয়াছে। ভত্তত গবর্ণমেন্ট ভরিমিত প্রত্যেক ব্যাহ্রবংর পুর-कार्यक्रथ ३० होका क्रिक्ड हाविद्वादक्य। वर्षमास भन लाकमिश्रक निरुद्ध क्याएड अहमकल अनिष्ठे ष्टेन। स्ट्रेट्डिट्ड ।

বোৰাইবের বণিক্ সম্প্রদায় ও এতদেশীয় সভালাড মেরুকে অভিনক্ষ প্রদান করি-ब्राइन । लाख भ्य देश अहरनव नमस्य विल য়াছেন, ডিনি সামান্য ক্ষলোকবরূপ ইছা লইলেন হত দিন তিনি গ্ৰণ্ড ক্লেন্ডলের পদ গ্ৰহণ না ক্ষ্যেন, ভড়মিন উহোকে সামান্ত ভদ্র লোকের না'র জ্ঞান करतम । लाख भाव व्याचाहरस्त विश्व विमालरस्रे हैं যুগ স্থাপিত করিয়া মান্দ্রাল হ'বে; করেয়া

কামীরের রাঞ্জীয় পুত্রকে শাসম শিখা ইবার নিমিয়ে এক কৌ স্থ উঃ 'তক ভাহ'র অংখ।ক্ষ করিয়াছেন । করেক জন উপযুক্ত কর্মচারী রাজকুমারের স্থায়তা कतिर्वन। अहे (को जिल य'हा कतिर्वन, फांच क्र. क् किरण इ. कार्य मिकटने अक्की म ज आशील मजिल्लाक (धन वृजिहा स्रोतिष्ठ समुक्ति कहा स्यः

২০ এ পৌৰ মহলবার

গত শ্নিবার রাণীগঞ্জে নটনের কুপন্দের প্ৰীক্ষা হইয়াছিল। প্ৰথমের নলচীর ভিন্নস্ক্র राजुकाशांत्रपूर्व इत्रवाट कन देहि नाहै। এই নলহার৷ জাবিসিনিয়াচেড অসংনক উপ কার হইয়াছিল :

রাজপুতনাগুভুতি স্থানের ছুরিকানিবার ণার্থ ভারতব্যীয় গ্রেগ্মেট বেসকল উপায় व्यवस्था कित्राहरूम, गत है। काछ नर्यका है ভাচার সম্পূর্ণ অসুযোদন করিয়া এক পত্র निधियाद्वा । अहे श्रात निधिष्ठ इहेब्राइक व इक्तिक ममरम भाग्या भाग्या विमाय माहायः দিশেন ভাহাতে ভাঁহার জমত হইবে না এমভ विशव कार्य वर्षद्यरकेत केशद्र शक्तिशालरमतः। ভার পতিক হয়, ইহা খীকার করা হইয়াছে (मः लंब (यमक व्यवस्था गवर्गमने अविनाब हिक

(नर्धकात्र ३ व्यामाञ्चार' हेत्र मासक 이프 위투 비 ፣ मार्सामञ

প্ৰয়ন্ত বিশেষ क्रिन । किल्हं व তেছি, এবার এত পীড়া হ'

সম্প্রতি তিন জন:লোকার করিয়া মুলভান হইতে কেডিভে ব ভাছাতে বিনা ভাড়ার বাইবার চেট্রা পঞ **डाहामिश्वत्र (र ५७ स्ट्रेग्नाइ) भवनिक** नियम छार एकं अमल्डे स्ट्रेंग कारक्षन वि অভ্যচারকারী ও অবিচারক বলিয়া निवादक्त । इंडिद्याभीरस्त्र मश्च भक्षांदी न প্রের চকুঃখুল ক্টকে স্ফেক্ নাইঃ नर्क्त नाथातर्थ कार्त्सन विष्टतन्त्र प्राप्टर করিবেন

भारकं केल बहारक्रव नारस्वनिश्ह अक अन बातवाहमत्र व्यह्मक है।की हृति याः कात प्रहे असम बाववासरक मध्याक करता কোন প্রকারে ভার্টেরগের সোম স্থাম্ বার সভাবনা হা ঝাকাতে সে টাকার (উगाउ रहेश একটি भा∓रल दिवनदात्र ভারবানদিগকে গুরুত্র আন্যাত করিয়া হতা করিয়াছে: চেতিলাইলিলের স্পু ab क'क कररः किड (कहरे खाहारक করিছে সংহসী হর নাই। পরিশেষে কয়ে इन्डिट्ब[ा] भी स्न क∙ ८ हे बन क्यामाट **क क्या**मात्र ক্ষেত্ৰ মাধ্য ৰাজিক গণ চিকিৎস ক্ষণছে, কিন্তু **'ड**ोहोसिटशब्र कीवनः व्हेसार्ड :

२ এ পৌৰ ৰুধবার।

(के.काळाटका किट्यक्केश स्मानंत्रक कटर्नक লনের প্রস্থাত্র ভারতব্রীয় লখ काका निष्ठाः । कांश्रुक्त स्व म ्वेशिकाम थ्यार्ड स्ट्रेंग प्रमणि कथात এक डेक्का भिरत इट्टा आहे।यह आवृति নির্ম হইয়াছে এবং এওঞ্

ভ'রতর্থী: মাত ভার বুলি: ान करतमः

उद्य । किन्छ

क मधावर्षी

क मधावर्षी

क मधावर्षी

क मधावर्षी

विकासमान

विक

बदन कार्ड, मूनमिरनद्र द्रिक রিটন সাহেব গ্রথমেকের নিক্টে কিচ জ্ঞ টাকা পাইবার মিমিজ আদালত বছ বলিয়াছিলেন, যাত দিন টাফা না পাইবেন ন কাজ করিবেন না। फिलि আরও এগান রে কর্ণেল ফি.চর সহিত্ত অকারণ বিবাদ ছিলেন। এই বিষয় ভারতব্যীয় গবর্ণ গোচর হওয়াডে সর জান লয়েস বলি , বিচারপতি ফ্রয়া এপ্রকার ব্বেচার ছোর পর নাই আংকার। এখান ক্ষিসন ব্যয়ে গ্ৰণৰ জ্বেনৱল ৰলিবাছেন, কৰিটন ভাহাকে রুধা অপমান করিয়াছেন কারী কর্মচারীদিংগর স্মানরকা করা कातकवरीय अद्भटमर्केट प्रवश्यक्रिया। চারপ্তি এটপ্রকার অংলগার ব্যবহার করি ঠাঁহাকে সমূচিত দশু দেওয়া ইইবে : লিশমান ত্রিহুত হইতে সংবাদ পাইয়'-নীলকর্দিগের শহিত কুষক দণের পুনর্কাং হুইবার উপক্রম হুইভেয়ে। নীলকরেরা ভ করিয়াছেন ৰটো কিন্তু ভাষাও পর্যাও লিয়া কুষকগৰ অস্ত্রত র্নিয়াছে নীল (मरनकाविष्टिशत कार्यात थां उ वृश्विन।

ল বিবাদ সামনা হইবে।

(মবার গ্রেপ্র জেনবল কডকগুলি এনে

চন্ত্র লোককৈ সমাদরপূর্মণ এইব করিয়া

বা উত্তরপশ্চিমাঞ্চল হউ,তি কডকগুলি

আফিসবগন উপস্থিত হিলেন। সমলেই

নীয় আফিসরদিগের বস্তু ও সা-রিক ভাব

আফোলিত হইয়াছিলে। মৃত সর জন

গর নিকটে বিদায় লইও উপচৌকন প্রদান

। লাড েরেব সহিত সাক্ষাৎ করিয়

আলেনে গ্রম করিবেন।

কুষ্মিসমাজের গড় প্রিধেশনদিবসে এবারু হ্বচন্ত ছোবের মৃত্যুর নিমিন্ত প্রচক একটী মন্তব্য লিপিন্স করিয়াছেন । ১৫ এ পোন বৃহস্প ভ্ৰার ।

সন্তর্গোগর্থপার্থার খণ্ডে আমেরিকান বলিট জর্জ পিবড়ি দ্বিদ্রদিধ্যের রাহাধ্যার আর পদান ক//গুড়েন। পিবড়ি

वाशयक्षाय आहे शहरूमा शिविष्ठि रूम श्रीष्ठवरमञ् म खारमहिकाञ्च क्विन स्थारमञ् स्वाप्ट स्थाप स्वाप्ट स्थाप्ट स्वाप्ट स्थाप्ट

ভাইটোর অপেকাও অপকদান করিতেছেন। विकारमञ्जाकात केन्द्रारम मर्स्वारकृष्ट्रे शक्ष उ भक्ती मरश्रही क कता। किन्छ व्यानहा प्रश्चिक ্ইলাম পত ছই বংস্থের মধ্যে কতকণ্ডলি উভম ্ত প্রাণভাগে কার্রাছে। চারিটা সিংহ ও **जिम्मी बृह्दशास এवर क्छक्छनि छेलुब ७** ছক্ষাপ: পক্ষী নষ্ট হইরাছে। রাজ্ঞা এপ্র-ছে ইহাদিগের পবিবর্তে দুজন ক্রে আময়ন করেন নাই। রাজার উদ্ধান বৃহ্মদেশের একটা মনোচ্য क्षाच : हेहात (मोन्पर्यः क्रिया व्यक्तिभग्न क्रश्रद्धत হইবে। রাজা সূত্র ক্ষত্ত পাইলে ক্রেয় করিবরে हेक्डा अभाग कविद्राद्य । किन्छ (क्वन हेक्ट्र ह कि श्रेटिव । यह कि तहा ब्यानब्रन के ब्राप्ड श्रेट्व । রাজার বাসীতে এডকগুলি অভিশয় আশ্চর্য ও নান। বর্ণের উত্তম মারবল চীৰ হইছে আরি 1 421E

২৬ এ পৌষ শুক্রবার।

ভারতবর্ষীর গবর্ণমেন্ট লেপ্টনান্ট গবর্ণর দেগের মারে প্রধান কমিসনবদিগকেও অচি ক্লেড কর্মচানী ও পেয়াদা এড়ভিকে পে দন দিবার ক্ষমতা দিয়াছেন। উাছারা কেবল ছয় মাসাজে পেন্দ ভারতিন। বিশেষ এক ভালিক। প্রেরণ করিবেন। প্রভাকে বিষয়ে ভারতব্রীয় গবর্ণমেন্টের মত লইতে বিলম্ভ গুরুতে এই আজ্ঞা হইয়াছে।

সোমবার বাবু হরচজ্রাধারের সারণার্থ টাউন
হালে এক সভা হয়। বিচারপতি নর্মাণ সভা
পতির আসনগ্রহণ করিয়াছিলেন। প্রায় হট
শত ইউরোপীয় ও এড্জেশীয় ভয়লোক উপ
স্থিত হিলেন। ইউরোপীয়নিলের মধ্যে ইডেন
ফগান, গভান, সিটনকার প্রভৃতি সাহেবরা
ছলেন। সাধারণ চাঁদারারা হরচজ্রাখারেশ
একটা সম্পূর্ণ চি ত্রত প্রতিমূর্ত্তি করা সকলেশ
শত হইয়াছে। উল্ভ ইইলে সেই টাকা প্রদেশী
পাডবা সভার হত্তে দেওয়া হইবে। হরচজ্রাঘায়
বর্ধার্থ স্থানের পাত্র ছিলেন। কিনি বড়সমাজে
মিজিড ইইছেন না। তথাপি সর্ক্রায়ারণ
ভারার ভন্ততা ও দক্ষতা জানিয়া মৃত্যুর প্র

भः हेन। युक्ति किन श्राह्म स्वाप्तक्त व्यक्ति भट इन्द्रेस । इड्रेस्ट्रहः

মালোকের বাজুলালয়ের বাজুলদিশারে বংসারের কুডন দিবসে ভোজা দেওয়া ইইরা ছল।

২৭ পৌষ শনিবার :

ষির্হাজিনামক যে বাজি ক'প্রেন তগল
সকে বিদ্রেণ্ডকালে বধ করিয়াছিল বলিয়া
কালীকাঠে প্রাণ্ডগোগ কবিয়াছে, ডাহার মৃত্তা
সময়ে এক জন ইউরোপীয় ভদ্রলোকে মৃদ্ধা
গিয়াছিলেন। ইহাতে মফললাইট কোধাছিল
হইয়া বলিয়াহেন, এসকল লোকের ফ'লী
দেখিতে যাওয়া অভিনয় অন্যায়। অবল্যা
এক জন ভারতব্যীয়েব মৃত্যুদর্শনে হংখিও
হওয়া/ইউরোপীয়েব পক্ষে অভিশয় নিলার
বিশয়। ভারতব্য অসিতে ইইলে আর প্রায়

ইউরোপীয় সমাচার।

লপ্তন ৩০ এ ভিসেন্ত। ভুরক্ষ ও এ বিবাদক্ষনার্থ ২য়া ভাসুদ্ধারি পারিচ সভা হইবে। গেসেলিডে আর ৫০.০০০ সৈনং রাখিবার আঞা হইয়াছে।

ক্ষিউবা দীপে অনেক সাহাব্যকারী শে বৈসন্য প্রেরিড হইডেছে।

৩১ এ ডিসেশ্বর : তুরস্ক ও এীদের । ভজন হইবার সম্ভাবনা হইডেছে।

ব্রিটের বিজ্ঞানীরা ইন সিস বাস্পীয় ভ অর্থণ করিয়াছে। ভারারা ইর্কে জলময় নাই : কেবল সাইরাডে আটক করিয়া। য়াছিল।

১ল। আসুয়ার ১৮৬৯। গবর্ণমেণ্ট সরিক রাজবের ছিদাব প্রকাশ করিয়া গভবর্ষে সর্বাস্তব্দ ৭১,৮৬০৬, ৭৭০ টাক। হইরাছে। শুক্তর, স্থাম্প ও ভাবঘরে অপেকা ৬৪,৪০,০০০ টাকা কম গকিছে স ধ্বত্তি ও কোটি টাকা ও বাজে আবায় ৬৭.১১,৬১০ টাকা অধিক আয়ু হইরাছে

অদ্য মাডরিড হইছে যে টে.লগ্রাম য়াছে, ভাহাতে জানা যাইছেচে, মালা বিজ্ঞাহের সভাবনা হওয়াতে সেনাপাত লারোস ভথার সামরিক আইন প্রচাব । চেনা ৭৮০ অস্ত্রধারী বিল্লোহী গড়ব অ'আরকা করিতে গ্রন্থত হইতেছে।

হৰ জানুয়ারি। শেপন হইতে শেষ যে গ্রাম আসিয়াছে ভন্মারা জানা ৰাইভেছে, পতি কাধেলারোস মালাগার বিস্নোহী। পরাজিত করিয়া পুনর্কার লাভিস্থাপন ব ছেব।

ওবারেও গারণী কোম্পানির নামে ন ইইবে।

কাল্ডেন লাবলে মন্তিয়ার আপাত্র রিচাড মেইনের প্রজিনিধি হইয়াছেন প্রাণ্টিনেপোল হইছে গছে কল্যের এক এটো আনা বাইডেছে, দুজসভায় প্রতি প্রেরণনিমিত্ত গভকল স্থানাকে আ গরা হইয়াছে। লোকে বলিডেছেন, ফুয়াল বৃত্ত হইয়া এই সভায় বাইবেন। দুছে: প্রথম অধিবেশন কবে হইবে ভাষা অ

গত কলা সন্তাই নেপলিয়ন টুলি বাটাতে একটা বজাত। ক্ষিয়াছেন। বা কালে তিনি বলিয়াছেন, একলে ইউটে র কাণে পরস্পারের সাহত সৌহার্ম নিমিত্ত যে চেই পাইয়া থাকেন, ভাগা অ স্থাকর। এই ইক্ষা থাকিলে যাবতীয় প্রায়েরও মীমাংসা ইটাত পারে। সমান্ করিয়াছিল, ১৮৬৮ অকের নায় অকে শান্তি ক্ষায় থাকিবে। সভা ভ

৪ ঠা জালুয়ারি । ৯ ই পারিদে প্রভা হইবে স্থির হইয়াছে। রিল ক্লেপ্তেন ও ডিউক অব বকিঙহাম ডির মুসবিষয়ে একনত হইয়াছেন।

গবৰ্ণ মেণ্ট বিজ্ঞাপন।

বলদেশীয় লেপ্টনন্টগ্রণরের আদেশাসুদারী

निट्योग ।

• এ ডিসেম্বস ১৮৬৮। যে দিবস জি: কৈলিল সাহেব সীয় কার্য ভ'র এইণ কিন, দেই দিন অব্ধি ডিনি মেদ্মীপুরের নিসিপালিটির সহকারী সভাপতি হই

াপ্তেন এচ. ভবলিউ গার্বট্ আরে, ই নের এক জন মিউনিসিপাল কমিণর ইুইই

ভকীরা উপবিভাগের অন্তর্গত প্রীপুণ সম্প্রতিষ্ঠ লাভবা চিকিৎসালয় স্থাপিত কে, নিম্নিখিত ভয় লোকেরা সেই চিকিৎ চালাইবার নিমিত্ত সভাবদ্ধ স্ট্রেন। ব্যায়ুক্ত বাবু যোগেজ্যচন্দ্র (যাষ)

- ৯ লে'পীনাথ কর।
- 2 (可にな野を野 万点をはく!
- » क्रिकांडतम तात्र ।
- » জ্বগ্ৰীশচন্দ্ৰ সৰকার ৷

তিদিন এচ বালকোর সাহেব বিশার লইয়া প্রিড শাক্ষেন, ভত দিন জি. এ, পিপর ব চ্ছুটা ও চট্টগ্রমের প্রতিনিধি অভি-অঞ্চ ইইবেন '

প্, নোলান সাহেৰ ফরিদপুরের সর রেজি ুঃইবেনা

তে দিন বাবু চন্দ্রকিশোর রামুবিদায় লইয়া পঞ্জিত সাকিবেন ভাত দিন বাবু বরদা প্রসন্ন বি. এল চট্টগামের অফর্যত হাঠহাঞাবির

নিধি মুক্তান চইবেন। যত দিন মৌলবী সমাউদ্দিন বিদায় লইয়া পঞ্চিত্ৰ থাকিবেন, তত দিন বাবু জ্ঞাত্ৰলু গুপাগায়িব, এল, ধীর্ভূমের অতুর্গত আন

, खर्रालंडे. मत्नामि मारहत ब्राव्यमारी विचा

প্রজিনিধি কমিসনর হই বন। বাবু গুরুপ্রস্থান সেন মালদহের দাতব্য

চংসালয়ের সভাব অন্যতর সভা ইইবেন। ৪ ঠা জাজুয়ারি ১৮৬৯। নিম্নলিখিত ভয় কেরা যদোহরের বিদ্যালিক। সভার

ह र्हेर्यम ह

এ, আনলি সাহেব। বাবু নবীনচজ্ঞাসেন বি এ।

» प्रक्रियांश्रमात्र बक्ष वि, अग !

টি, বি, দেন সাংহ্ব রেবেণিউ শেডে র প্রতিনিধি সেক্টোরী হইবেন।

আর, এল, মাজনস্ সাহেব রেবেনিউ বোডের প্রজিনিধি কনিষ্ঠ সেক্ষেটারি বইবেন।

কটকের ডেপুটি মাজিটেট ও ডেপুট কালে

ইর বাবু চক্রনেধর বন্দ্রোপাধ্যার কেন্দরা
পাড়া উপবিভাগের ভার পাইলা কটকে ১৮৬৮
অক্টের ৯ বুআইনজন্ত্রগারে কালেইরের ক্ষমতা
পাইবেন।

জে, এস, আরমইড সাহের কটকের প্রতি নিধি জাইন্ট মাজিটেট ও ডেপুটি কালেটর হইসেন।

টি, এম, কার্সউভসাহের দিভীয় শ্রেণির প্রতিনিধি জাইন্ট মাজিটেট ও ডেপুটি কালে-কুর হইবেন। ডিনি আরও কটকের কমিসন-রের বিশেষ সহকারী হইবেন।

य पित्र छवलिछे, छवलिछे इन्हों नाइन्द इटिताल इहेट्ड विनाझाटल कांत्र हर्ने श्राप्तः। गमम किन्नाट्म, तमहे पित्रगावित किन्ना वीत्रक्र भित्र महकाती माकिटिके अ कारणहेत इहेटवन। विश्व आलाक्षः होन्ल अ हिममित्र श्राप्त नेति कुलितिकेटले इहेटवन।

চতুর্থ চক্রবাড়ের বেবিণিট সর্বেরর শেপট নতি ভবলিউ, জে. স্ট্রেরটি ১৮৩০ জানের ১ মাইনজনুসারে ২৪ পরগণার ভেপুটি ফালে উরের ক্ষরতা পাইবেন।

র কালুরারি: এ, জার, টমসন সাংক্র বাজধানী বিভাগের প্রতিনিধি কমিসনর ক্টবেন:

ग्छ निम अक, कात्र, करक्रम मारहर महकाही वार्या। भनरक कामा भन्य था किरदम, छछ निम अह. त्यम मारहर श्रीकिमिध निभाग हिरमधू। सद हहेरदम।

ভে, মন্ত্রে বাছের নদীয়াতে প্রথম শ্রেণির প্রতিনিধি মাজিকেট ও কালেইর হইবেন।

হত দিন বাবু পঞ্চনন বন্দোপাধ্যায় বিদায় লইয়া অসুপস্থিত থাকিবেন ডত দিন বাবু ল্যানধন মুখোপাধ্যায় জ্পলী জীবামপুর ও চুড়ার দিবিরের ছোই আদালতের প্রতিনিধি জাল হইবেন।

প্ৰলিক্ত্মাৰ্ক ডিপাটনেন্ট

৩ - এডিনেশ্র ১৮৬৮। চফুর্প (এণির কির বিষয় সন্দেহ নাই।

अक्षांकिष्टेष्टिय है श्रिमियूद होते, अ, स्थानि मारहर १४४४४ व्यक्ति ३० है जिर रेक्कारन जिल्ला विकास कांद्र आहम क स्थान

ষ্ণানির এফ, এম, এবারেন: সাঁহের বি
লইয়া অনুপক্তিত থাকিবেন, তত
বিতীয় লোনির একনিকিউটিব ইঞ্জি
জি, ডবলিউ, বিবিয়ান সাহেব (বিনি স
ইউরোপ হইতে পীড়া নিবন্ধন বিদা
প্রতাগন্দন করিয়াহেন) হুগলী নদী বিভ হুতিনিধি একনিকিউটিব ইঞ্জিনিয়ার হই ব

ं ६ के। ब्राइयाति ১৮%। विजीया (गरकाती देकिनियत वादु मरश्मितक वक्क् मिरनेत्र क्षमा (गमारे देनरिकेशभान रिक्रमि विकास दमनी श्रेस्मा।

কাকিনিয়া হইতে এক জন লি

) तक्ष्मिर्ति (यस) ता कास्याति व्यातक इहेशाका अहे (यसाय विस्तृत्र व्या, (भा, मध्य छेडे श्रक्षि विक्रमार्थ प्राह्म (यस मश्रक्ष काम थाकिर्द। कार्यः (यस इहेरम, किवदन महामर्म्य नर्भरक कामाहर कहेन्। वहिमा

২। এখানকার থিডীয় ভুমাধিকার কৈলাসগঞ্জন বায় চৌধুরী গত ৫ ই প্রভাগেদময়ে প্রাণ্ডাগি করিয়াছেন। ব বারু অল্লায়সেই যেরূপ সক্যানের আধার উঠিয়াছিলেন, ইন কিছুদিন জীবিত প্রাক্তিনীয় ও রুপুরবাসী প্রনগণের উন্নতিসভাবনা ছিল। নিদারণ কাল ব প্রকালেই প্রাস্ক্রিয়া আমানের সে উন্নতিসভাবনা হল। নিদারণ কাল ব প্রকালেই প্রাস্ক্রিয়া আমানের সে উন্নতিক করিল।

ा करमक निम १६ मा अध्यमारी वि পাঠ শালাসমূহের ইনশ্লেটর বারু কা মুখোশাধানে ও কাকিনীয়ার বর্তমান ব বারু মহিমারজন রাম চৌধুরী অঞ্জা ও বালিকা জুলে উপাস্ত হইয়া পরী করিয়া সজোধলাভ করিয়াছেন। মহি রাম চৌধুরী ইতিমধ্যেই ছই দিবল শালি লয়ে উপস্থিত হইয়া ছাজীলত কিছু কিছু পুরস্কারবিভারণ করি। দার্ঘিগের এরপ বিদ্যাস্থাগ স ছে। গত বংগর এই কলে হইতে তিন হাত্র প্রবেশিকা পরীকার উত্তীর্ণ হইয়াছে, রও রুখপুর ছুল হইতে পাঁচ অব ছাত্র দ পরীকাধী হইরা কৃঞ্নগর কালেকে গমন ।ছেন। রজপুর ছুল্ধখন জ্মীলারদিকের ন ছিল, তখন দিন দিন অবন্তিই দৃষ্টি प्रकृत, अक्टन अवर्गसम्बद्ध क**वाव**धारन প্ৰধান শিক্ষক জীযুক্ত বাবু চক্ষমাথ ভট্টা র ব্যুত্র সমধিক উন্নতিলাক্ত করিভেচে। । এই গ্রাম মধ্যে একটী সূকরের কারখানা रव्रक**ही भहाभुक्तिनी श्राकार**ङ खास्यर 🛊 অনিষ্ঠ সাধিত হইডেছে। সর্কলা 🗄 র্ভুড জলাশয় ওলির বাস্পরাশিও সূক व**न भूटज इ. इ. इ. इ. इ. व्यामक न मूनाम (ल**ाटक इ জন্মিয়া থাকে। আমরা কাকিনীয়ার ভূম্য রী মহাশয়ের নিকটে সাত্রনয়ে প্রার্থনা বে সত্তে ঐ সকল অসুবিধা দূর করিয়া

া রঙ্গপুর আচুলের দিনাদন উর্ভে লাক্ত :

--:--:

আলুমাদিপের কোরহাটিস্থ সংবাদ-

ধার বংসরাধিক কাল অংভীভ হুইল, কভি

ग्रामीनिकारक चाष्ट्रास्ट्रस्य सूची करून ।

গ লিখিয়াছেনঃ---

हिटेक्टमी व्यक्तित समाजिलाम को हालिया । শুভকরীনাথী একটি সভা প্রভিষ্ঠিত ছে। নিরাঞ্জয় मविज्ञानिरंशव की विका, ।শিক্ষা ও চিকিৎসাপ্রভৃতি বিষয়ে সাহাব্য এবং প্রয়েঞ্নাসুগারে পথ, ঘাট, পুক প্রকৃতির সংস্কারও পরিকার করা 🐯 🕏 াউদ্দেশ্য উদ্দেশ্য যেরপে মছৎ, সভাচী য়াল্লিনী হইল। ভদসুরূপ কার্য।সাধন করিতে টেল ইচাছারা দেলের সমধিক মঞ্চল হইবার ৰনা। উঞ্কামনিবাসী ৰাৰু ভারকানাথ ্এই সভা স্থাপনের প্রধান উল্যোগী (জার সময় ইহার বাবিক অধিবেশন অভি াংহসধ্কারে হইরা সিয়াছে: শুভকরীর निष्मारित्रहरक व्याता ব্যক্ষ ও অন্যান্য বিস্থারিভরূপে লিঃবঙ্কে অংমাদিরের ণার:≷ল ⊹

र। মংশয় । আনম্রাপি, সি, এস ধানীত ১ শালের বাঞ্জা এনটেবুল কোনের ভয় আংশের ঋথপুস্তক পাঠ দাতা সিখিয়াছেন। প্রীভিলাভ করিলাম - অন্যাস্য -

नमान, विद्यसः, । वृद्यस्न, विक्षास्यमः स्वार् गमल कठिंन वारकात बराचा, जर्कुक बहन, हे। खहात्र कुरशालान हहेर खनाना श्रमान के इंग्ल, প্রভৃতির লক্ষণ বিশদরূপে সন্ধিৰেশিক হইরাছে। কঠিন কঠিন অংশ ৬ বাক্য সমূহের অর্থ করি ात कारण अधरम फोहारमत गाधातन कर्य এবং ভংপরে ভত্তংক্ষলে কি অর্থ ও ভাব প্রকা শত হইতেছে, প্রবেভা ভৎসমুদার বুঝাইয়া দিতে বিলক্ষণ প্রয়াস পাইয়াছেন, তথিষয়ে কৃত 🗄 कार्याख रहेब्रास्ट्रन, विमस्ड रहेर्द ।

षामद्रा जात्मक मैकाकाद्राक (प्रचिट्ड शाहे, ভাঁহারাকেবল পুস্তকস্থিত বাঙ্গলার মাত্র অংথ ধাতু,ও সমাস ঘাহাতে বালকগণের কঠক হয় ভাগরই চেষ্টা করেন গ বিদ্যাশিক্ষার প্রকৃত উদেশের প্রতি বড় একটা লক্ষ্রাখেন নাঃ সুভরাং ভাষাদের অবলয়িত উক্ষবিধ উপায় ধারা যে ছাত্রদিগের প্রকৃত প্রস্তাবে কিছুই উপকার হয় না ভাগা অবশ,ই স্বীকার করিতে হটবে | কিন্তু অনামরা যে অসপপুল্ডকের বিষয় বলিভেছি, ভাষ্ সে অভিশায়ে লিখিভ হয় নাই। এখানি প্রণেডাব পরিআমশীলভাও অসুসন্ধিৎসার বিলক্ষণ সাক্ষ্য প্রদান করিছেছে वाशास्त्र विश्वविद्यालस्या अस्विनका भद्रीकार्थी দিগের উত্যরূপ শিকা ও অলোয়াদে জ্ঞান সাভ হয়, প্রস্থকার তদ্বিয়িণী চেষ্টার ফ্রটি করেন নাই। এই অর্থপুস্তক ঢাকা সুগভয়ের মুদ্রিত চইয়াছে।

ইভিপুর্নের আমরাকীচাদিয়া পেটে আফি स्यव **जि**श्री (भ!ष्टे शाष्ट्रेय वातु लाल(शाइन वह ব্যাল মহাশয়ের অমকুশলভা ও কাব্যনিপুণভার বিষয় সোমপ্রকাশে প্রকাশ করিয়াছিলাম। শুনিয়া আজনাদিত হটলাম, কর্তুপক্ষ উভাব বেভন ১০ টাকা রুদ্ধি করিয়া দিয়াছেন। গুলে: পুৰস্কাৰ না হটলে কি হয়?

গত গপ্তাহে অত্তত্ত ইংরাজী বিদ্যালয়ে বার্ষিক পরীক্ষাংশ্য হৃছয়া গিয়াছে। এ বাব बर विम्हालय रहेराज प्रहे अन छाउँ छाउँ बहु जिन् পরীকাঞালনে করিয়াজেন অবসদীকর করন देशका जिल्हा कु क कार्या इंडिस।

---°0;---

আমাদিধের তমোলুকছ সংবাদ-

মত ইছা আংশিক কলোপায়ক। যে, এখানকার ইংরাজি বিদ্যালয়ের প্রকৃতিশা। ক্রিনি এ বিষ্য়ে মুক্তছন্ত, সুতরাং সভ भ'कु, भ'वर्थ, कव्तिक, हुद वाहा, । नार्थ भुत्र महावाम निवामिनी क्षिम क्टिकविनी महतात्र पूर्व इहेबात विटन्य मकावना।

🕮 মতী রাণী অর্থমন্ত্রী এক কালীন .৫০ ও জীয়ুজন বর্জমানাধিপতি ২৫ টাকা লান ब्रोट्डन । मश्त्राक श्रीशहत अधानकात । हिकिश्नाम्द्रम्य निमिश्व अक काशीन ६० मान कतियारहरन । कांश मरशत अहे নিমিত আম্বাচিয়দিন বাধে রহিলাম।

२। किन्नम्बर्धन, स्विभीश्रुरत्तत ষ্ঠার প্রীযুক্ত রেনল্ডস্সাহের মধালয় লুকের অবস্থা দর্শনার্থ আগমন করিয়াভিং व्यक्तिक शक्षा डाँशांत्र भनावम् छ व्हेशा अ (देत करदेद विवास किक्किप **क्रमूक्**ण বস্ত করিতে প্রাথনা করিয়াছিল। কিঃ এখনও ড কিছুই শুনিকে পাইলাম না। कति नाट्डव मट्डामग्र श्रक्कामिटशत टेन्ट्डि জনিত বিপুল ক্ষতির দিকে দৃষ্টি রাখিয়া मनग्र इट्ट्रिन ।

৩। কালেইর মহোদর এখানকার ই विम्हालरम् कञ्जितम् त्यानीतं त्रज्ञीका शहर বিশেষ সম্ভই হইয়া গিয়াছেন।

৪। এ বংসর এখানকার বল বিদ একটা ছাত্র ছাত্রর্গত পরীক্ষণতে উত্তী ब्राट्ड : कि ऋ दृष्टि श्राञ्च रहा माहे। हे विन्हाज्ञ (युव निष्क (वाथ इत निम्न हरिके व ≢ইয়াছে উপযুগপরি তিন বংসর≹ বালক প্ৰবেশিকা পরীক্ষ'তে উত্তীৰ্ণ পারে নাই।

क्षा अञ्चलकार्षेत्र खटेख्या উচ্চমুল্যে বিঞীত ∙ইতেহে। পরে । দাড়ায় বলা যায় না।

আমাদিগের কালনান্থ সংবাদণ লিখিয়াছেনঃ---

विद्यास कामस्मित विषय एग, अचा मकार সমাজ্ঞালী ক্রমেই উল্লন্ড হইতেছে; যথন मत हेश्त वरः क्रम हहेट छ जिल, उथन आ ইহার পতন হইবার সম্ভাবন: লেখি না। এ একসী উপাসনাগৃহ এম্বত করিবার উ হইভেছে। বৰ্জমানাধিপতিব নিকট স श्राप्रमा कराष्ट्र छिनि २६ ठीका मान करंद्रय अन्। मा भन्न व्यक्तियन व विस्तर व कतिरक्रका गोशना नाम् अनीकृष ছেন উট্টারা মুদ্রাপ্রদান করিয়া এই কাৰ্য্য সম্পন্ন করুন। শুনিতেছি, কলিং कार्ति तीकामबादकते श्रमान वाहार्यः महा

১। আহলাদের সহিত প্রকাশ করিতেছি বিকট সভাগৰ সাহায় প্রার্থনা করি

এখানকার জীব্ধারার মাঠের সাঁকোর प्र वाहा भूटक लामसकाटन लिया इहेबाहिल, प्रज रहेनाम (वक्षम अवर्गमने हहेर७ वर्ष नत अक्षिकिक्रेपेर हेक्नियाद्व निक्र हना अञ्ज कानिमाद्य : कहे बादा मारकानी তে হউরে ডাইরি সলেহ নাই। এখানকার বন অজল ও পুছরিণীপ্রভৃতি

ভার থাকাভেই বোধ হয় এবার পীড়ার ুশ প্রাছ্ডাব দেখা যাইভেছে না। যদিও किं। ७ वमख (शांक कह कह बाकाय ওছেন, কিন্তু কাছারই জীবন বিনষ্ট কই इ मा । ने इंद्र अ (मर्म्यद्र श्रस्कि, अहेन्न्रश श्रमध

कन हेह। कामारभद्र अकाल आर्थना।

পুলিষ্ইনজ্পেটর বাবুরামরেণু ঘোষ পয়ের মুধে শুনা গেল এবার এক।ফালে রিক মাত্র শ্ব, আনিয়াছে। অনেক কুবকও ব্যক্ত কাবয়া থাকে। এরপ স্থলে এ দেশ ভ্যাহাতে রভানি না হয়, ভাহা করাই র। চাউলের দর এমন সময়ে খেরূপ থাকে,

ার ভারা অংপেক। বেসি। ক্রমে আনুও রুছ তছে। এখন ভালচাউল থাকে। আন हाङ्चल २,°।२ √ त्रक (म भा उसा याम ना

য়ে চ দিন হইল এখানকার মিশনরি স্কুলেঃ কর্মধের প্রীক্ষা হইট্ন গ্রিয়'ছে। অবধারিত

স রেবরেও মেগদলেন সাংহের উপাঞ্জ ভনা পারায় ডেপুটা মাজিকেট জীয়ুক্ত

কানাথ দে বাহাছর বালকগণের পরীকা ২ , কি ৪ সে। দেন পুরক্ষার:বডরণ হইল মা। সাল হ্যপুন। চইয়া প্রতিগমন করেন । 🚉

সাচ্ছৰ আমাৰিয়া ৰাকলকাৰকে পুৰকাৰ ে ছেপুসি বাবু একটী মেডেল দিয়াছেন। লামর। ডেপুটী বাবুর কার্য।এখণালী দর্শন লাউ.হার:বধয়ে কিছুনা লিখিয়া কোন

काल वाकिएड शाहिलाम मा (५ था वाहे ্ষে, এই বিচারপতি মহাশয়ের সকল বিষ विष्यमृष्टिकारका वास्य वन अक्रम ना , ভ জ্ঞান্য বিশেষ চেষ্টা করিতেছেন। রাস্তঃ

ডিতেও বেস যত্র আন্তেই। প্রজাগণের মুখ নর জন; (চণ্টা করিয়া থাকেন: ইনি । विरवहमाथूर्तक लाइरमण हाक्र धार्यः

प्राह्मन, (य ভाষ্যতে একটাও আপিল स्ম काश्वर कर्त्रत सुर्भका इत्र मार्टः दर्कमारमञ्

ঠেট হেরিশন সাহেব তক্সনা বিশেষ ভুষ্ঠ हेहारक পত्र लिथियारहम (य, हेर्शेत कार्यः)

দী নিভান্ত শ্রীভিকর। নিকটস্থ কোন এামে 🕯 त नदान अनितन देनि उथाय यहिया नष्ट्र जाकमूलि बिवुक वांतू लक्ष्य मेख बहु। न्युद्ध

भाव कवित्रा चारकमः खारमत कवका, व्हारमव चाचा अध्यात करणामि मर्गम करा विका **পঞ্চিतिশের यে**मन कर्छदा छाड़ा ইনি काँद्रश थादकन हरेगे सामन अनाकी अनश्मनीय। अक्रेन विष्ठाव्रपछि अवाह्य मीधकामः व्यवस्था करतम, हेरा आम्र मकत् लाएकहे आर्थमा कविहा খাকেন।

जामांगिरगत्र जाञ्चिकाच् अर्राप्त-দাতা লিখিয়াছেনঃ— 🕙

১। মহাশয় । সম্প্রতি স্থাবাঘাটের ভিপুটী मास्त्रिके महाभएपुत्र निकृष्ट এकी हमश्कात मकन्त्रमात्र विहात व्हेशा शिश्वाह्य । विवत्र । अहे क्ष्मिक क्रिन अलीख रहेन, बानाचारहेत जाकचरत शक्तिम श्रद्धम स्ट्रेट अक्षे वाकि **का**त्र, यथन **डाक्यू जि वायू औ विवयमध्य (संधा পड़ा कर्**यन ভৎকালে ভত্তভা আবগারির দারগা মহাশয় ঐ স্থানে উপস্থিত ছিলেন। পোষ্ঠ মাইর বারু পুলিকাটী ভারি ও নর্ম দেবিরা সহসা আংশ্চ র্ব্যাশিক হইলেন এবং তৎক্ষণাৎ জাবের ছারা জানিতে পারিদেন যে, উহাতে আফিন রহি রাছে। জাকিন এরপ করিয়া ভাকে আসা রাজনিয়মবিরুশ জানিরা ইডব্ডড ্ববেচনা করিভেছেন, এমত সময় জাবগারির দারণা মহাশয় কৌতুহলাক্রাজ্য হইয়া ঐ মাল ্গরেপ্তার করিলেন। ভাক্ষর হইতে দাবগা বাৰুকে একানী মালুনা দিয়। যাহাব নামে ঐ দ্রব্ আসিয়াছিল, মূলি বাবুডাহার আলায়ে পত্রবাহকের জারা পাঠাইয়া দেন, দারগা মধাশয়ও উচার পশ্চাৎ পশ্চাৎ গমন করেন। শুনিলাম নামা অক্ত ব্যক্তি (বোগ হয় পুরের জানিতে পারিয়া) ঐ মাল ও পত্রেরাংণে অস প্রতি প্রদান করিয়াভিলেন কিন্তু দারগা মহাশয় ঐ ব্যক্তিকে দ্রবাসমেত কৌজনারিতে অর্পন কবেন:ডিপুটী বাৰু বাহার নিকট হইতে এই বালি আসিয়াছিল, ভাষাকে এখানে আনাইয়া মক্দ্মার এই বিচার ক:িলেন বে, যে ব্যক্তি कडुक हेश (था विक स्हेबार्ड ७:स्र २०० अवर যাহার নামে আংসিরাছে ভাছার ২৫০ স্কুস্মেড ৫০ - ठाका छे अन्न भटक व्यक्तिमाना इहेल, अदर के हाका कावशाबित माद्रशा अवर इबक्याहक श्रुक्षात्रचन्नाश (नवत्र) रहेश, अभ्यासमात कि

ক্লপ বিচার হইয়াছে পাঠকগণ সহজে অসুভ্ৰ

कतिएक भारत्य। क्यामानिरभव मरक जे किन्न

मानाव कियमर्थ उठाउँ प्रस्तातः कार्याप्रक

দেওয়া উচিত ছিল, কারণ তিনিই ইহারে अञ्चनकाम क्रियाहित्सम । अहे मक्रनमार रम् व्याभित रहेर्त, विहादम (य रम्र वि জ্ঞানী করিবনাঃ

्श ज्ञानाचारकेत्र मिक्रेन्टे 🕬 👫 निजेत अकरन किहूरे व्हेरकट्ट मा । मेर्न 🟋 त कि अमानि शाका इड्ड मा। आयन छ निमिष्ठ कर्ज है। प्रशास कि भूगे माजिएके त्रामण्डत (मन महामग्रुटक ज्ञाहरता करि ভিনি খেন ইহাতে উদাদী <mark>কাৰ্ড-ইয়া</mark> ব कार्य। छलि इस्मत्रद्वारम 🥫 अवृद्धं मण्डी **७विष्ट्य यश्रवान हत । है**श्रुव निमित्त आंबु कामा निरगत (न धनीधातन कहिएक ना रह **ः। है** छिथुर्क काङ्गिया बार्यत

পরিকারের নিমিত্ত অব্রভ্য হিভৈষিণী হইতে যে রিপোট রাণাঘাটের ডিঃ মার্ বাবুর সমীশে পাঠান হট্যাছিল এডদিবস ভাহার হুজুম মালিয়াছে। ভিপুটী বাবু দারা প্রায়ে নোটীশ কারি করিয়া ১ সং मर्थ। त्रमुल्य क्लान शहिकात कवित्रा विशी কামরা এবিষ্ধের নিমিত্র উল্লিখিত হি মংহাদয়ের নিকট একান্ত অনুসূহীত হইলা

শুনিয়া আশ্চর্যা হিড চ্ইলাম, যে গা अक्टि पण्डि देशीमा जीहजा छीत्र तमनी द . हेत अन वर्ष का दात्र वा वा कर कर कर है. কর্বান্তরণ বিজ্ঞা করিতে লিয়া ধরা পাড়া धहे तमनी पूर्व में मनारतत (काम अक 😻 বিদ গৃহস্থের জালিয়ে কর্মা করিছে; তথা এই দ্রব্য গুলি আয়িসাৎ করিয়া বিজ্ঞায় ব खिलाक रहेशांक्रित। श्वांसलाम जो चर्न ষুরাঐ আবাজ্বলগুলি নির্দিত হয়। যে .চনিতে পাবিয়া গ ছখ্চরিন্তা কামিনীকে । পমর্পণ করিয়াছে। পুলিষ ইহার ভরতে । क्रभ नियुक्त रहेहाउइन । '

 श्वास्त्य जनाउँ। अकथकाव् রণ হইয়াছে। প্রকাপেকা রোগীর সংখ্যা कक्का (करणे क्यांनास्टर्स २। ४ छीत् । পাওয়া বাইজেছে। য:চা হউক এই আ প্ৰজানাশক পীড়া নিঃশেষিত হইলেই ম বিষয় হয় ৷

७। व्यक्तियाहिट उसिनी मखात् वस প্রতি সম্পান্টুকর বিনীওভাবে নিবেদ ষে, ভাঁহাং∮ সংস্থাসহাটাকা প্রায় রয়াসভার উৎসাহ বর্জন করেন একটী विर्मेश्वस हिस्तक के विवस्त्रव निश्चित अकाख व्यात्रनाक स्टेब्राइइ। **उ**लन०३

বাংনাকপুর ও ভারকটন্থ আমসমূহের হোদর। দিগকে আনাইভেছি বে সংপ্রাভি বারুক। যাখ্যাপ্রসাদ মুখোপাধ্যার মহা বারাকপুরের এজেন্ট পদে নিযুক্ত করা হাইনি ভত্র ডা রেলওরে ষ্টেশনের হেড চার্ক পদে প্রতিষ্ঠিত আছেন। অভএব বা আমাদিগের সভার আফুকুলপ্রেদানে প্রধান করিয়াছেন ভাঁহারা অপ্রাহ পুরাক দহিত্তে উক্ত বাবুর হন্তে টাকা দিয়া

<u>প্রে</u>রিত।

য়বর **উন্মুক্ত সোমপ্রকাশন**সাদক মহাশয় নমীপেয়।

ত্ব সাংবৎসরিক পরিভোষিক বিভরণ
সমাহিত হটয়া গিয়াছে। বিদ্যালয়টি
সামান্য পাঠ শালার ন্যায় সম্পাদক
খব মুখোপখোর মহালয়ের বাটীডে
ভুবনমোহন ভেওয়ারি মহালয় বছবরে ও
যে এক বংসর কালের মধ্যে উহার
ব উয়তি করেন। তংপরে প্রাভাহিক
খব জ্লাবধারক জীয়ুজ্ প্রভাপ্তজ্ঞ চল্লে ও
খব মলিক উভয়ে জ্লাক ও সম্পাদকের
ভায় প্রাপ্ত হয়া সাভিশয় উৎসাহস্য-

বিভীয় বংসরে পারশালাটর আরো

ह **डेब्र**िक करत्रम । एड९९८व (क'म कात्र्य উলিখিড ব্যক্তিগণ অংখ পদ ভ্যাস फ क्ष्माफ़ान रिका निवाती जिञ्चक समादाम **জীবুক্ত মণিমাধ্য মূখোপাধ্যায় ও** গোষ্ঠবিহারী মলিক অগ্রাক্ষ, সম্পাদক ও রী সক্ষণদকের কার্য; এছণ করিয়া এপ পুচাক্ত্রণে উহার কংখ্যসমধ্যে করিয়: ভেচেন। উহারা পাঠকালাটির অনেক জ্বভাব দূর করিয়াছেন এবং বিদ্যা ক্রাইবার প্রধানীসকল এরপ স্থানর প্রবঃক্তি করিয়াছেন যে, একবে পাঠশা: কুএকটি বিদ্যালয় বলিয়া গণনা করিলে ह इब ने । अकृत्वद अत्मक मुख्य साहित গুৰুৰে উত্তৰ নিদ্যালয় ভালাৰে বিভাৰ শিক্ষক নিযুক্তকরিয়া বালকগণ্ডিক সংস্ ' আগেগুন করাইতেন, উচিহার' ^{এই ক}ৰে

রদধালয়টিকে স্লিক্টে পাইলা আপন

मखानिम्भरक अहे चारनहे भाठाहेग्रा

शास्त्रमा अर्थातम प्रमुख्य ७० । १० सम्बद्धाः व्यक्तिरमहे कप्रवरमीय। श्राप्तांक वानकृतक व्यवद्यारक्टार ॥ । । । व्याना कतिहा (वर्षमे **भिएक हम्र अवश्करम्रकार्धे इ:श्री वालक दिन!** বেতনেও পাঠ করিয়া খাকে। ছই জন শিক কের মধ্যে এক জন পণ্ডিড অনুসাৎসংস্ভক্ত অপরটি নর্মাল ভূলের ছাত্র। বিদ্যাল য়টি পাঁচ আমৰিতে বিজ্ঞা, প্ৰথম এখনির বাল দিগের ইতিহাস ও আক্ষবিদ্যাদিতে ব্যুৎপত্তি इ**रेग्राट्ड अवर व्यक्षक महा**मञ्जू ও मिक्कप्रि গকে ধেরূপ বছবান দেবিতে পাওয়া ষায় ভাষাতে বিলক্ষণ বোধ ষ্ট্ভেছে যে, আগামী বংসরে প্রথম জেলির ছাত্রেরা বঙ্গলা ছাত্র वृद्धित पत्रीकानात्म मधर्य इहेरत। मण्यानक মহাশয়ের সর্বাদঃ শারীরিক অফুছভাচেতু কার্যোঘাত হইবার আনশ্বার গভ আনাবণ মাসাবধি জীযুক্ত উপেক্রনাথ মলিককে দিঙীয় সহকারী সম্পাদকপদে নিযুক্ত করা হইয়াতে এবং ভিনি বিশেষ যদের সহিত বিদ্যালয়ের ভত্তাবধানে সর্বাদা ঝ্রা পাকেন, পারিভে:যিক विष्ठत्रव डेललएक निक्षेत्र व्यानक खप्रस्ताक উপস্থিত ছিলেন এবং জীযুক্ত বনমালী সেন মহ'শয় সভাপতির আসন এইণ করিয়া বহুকে বালকণিগকে পাহিতে।বিক বিভর্গ করেন,। ३२१६ २२ (भोष

মহাশয়! কভকগুলি সহ্নয় বজ্জির প্রৈভূত যদে যে হলভাষার এরপ জীর্ভি হইয়াছে ৰোধ হয় ভাছা কাহরই অবিণিত নাই। ঐ সদা শয়েরানানাভাষর এছ অভ্রাদ এবং সীয় বুদ্ধির চলিনাহারা বছতর পুঞ্জক श्रकाम कश्रिष्ठा वश्रीव्रमिरशत **এ**वश বঙ্গভাষার অনেক অভাব পরিপুরণ করিয়া-ছেন। এমন কি, উ:ছারা যদি এরপ ধর না করি বাজাল;কে কথনই ज्ञामाञ्चरमा । धनमा कथा याहेल मा । इशाहनत मर्था (कम (कर এরপে কডওলি পুস্তকপ্রচারে নিযুক্ত হইড়াছেন বাহাসক্পর হওয়া বহুকালসাংশেক ঃ কিউ ''मञ्चा क्षीयम कनकाती এবং सरस्रभाव হিত যখন বভটুকু পার। যায়, ভাছাই সম্পন্ন করা ভাল ^ত এই মহৎ বাংকার বশবন্তী হইয়া, ইচারা আবলছিত বিষয়ের যখন য'ত টুকু পারি ভেচেন, ভাষাই জনসমাজে এচার করিতে ছেন। ইহাতে ক্রেমেই যে, স্মাজের অংনেক क्रिकाम माधिल व्हेटव, लाहाटक स्नाम मुहस्मह

এই প্রস্তাবের যথার্থতাপ্রতিপাদ
টেলিমেকস এবং হুডোম সেঁচার নারা।

চইডে পারে। ঐ গ্রন্থ রচয়িভারা পরে হুই
ভাগ কেন এবর প্রচার করুন নাঃ ভাহাতে
রই আপত্তি নাইঃ কিন্তু ভাঁহারা প্রথম বারে
ভলি প্রস্তের যে অংশ একাশিত করেন পর
প্রচারের সময়ে ভভগলি গ্রন্থের নেই
পরিভাগে করিয়ঃ প্রচারিত করিলেই
হয়। এই বিষয়ে উদ্ধে মহামাভির। দুর্দি
করেন ইহাই আমাদিগের একার অভিলা
করেন ইহাই আমাদিগের একার অভিলা
করেন ইহাই আমাদিগের একার অভিলা
কর্মার রাজসাহী
১৮ ই পৌর
১২৭৫

সম্পাদক মহালয় ' আমরা সামান্য স্ত্রান : আমেরা আস্স্রার দরিম ও বি বিদ্যালোক বির্হিত। আমরা ছঠাগ অ।মাদিগের রাজপ্রতিনিধির রাজভবন গ্রব্যেক্ট ছাউদের উত্তরাংশে ৭ ৮ মাত্র অংস্তরে অব্স্থিত হইয়াও বোধ হয় কোন নৃশংস জ্বয় অন্নয় চারী পূর্মতন মান শাগনকারী অপেকা ভয়ানক নিঙুর ধিকাঃভুক্ত হইয়া অংশ্রেসঞ্চন করিয়া ভিপাত করিডেভি। সম্পাদক মহাশয়, কি যে (কাল) কৃত্রিম লেখাপড়ার ি আমাদিগের রাজ্ঞী যটিন পরিশ্রমসভিত ভার প্রেরণ দশুবিধান করিয়াছেন ছ্রুছ ব্যাপার অব্রহঃ আন দিগেব প্রবর্তিত ইউতেছে।। অধ্যয় সামান্য व्यामारमञ्ज्ञकावका महान्द्रात पृत्रमी न व्यवस्थित नरहः आखिका कामारत्व थानः খ্ইয়া বাড়ী সুট ফেসাৎ হইয়া গেল: Ś

वाशक्षा विश्व क्षेत्र विद्यात करता अक्ष हुना राजि जानि जामात्रदाम वादम मिन्। राज्य राज्य शायक प्रदेश । व्यक्ति श्रीविकाय मन सानिहारक । मासि चितिनान किटि-रानि अरेबार्टकः कर्वक्रनरस्य काबानिर्दशन वानि बरे मूम का क्षेत्र) हाका स्ट्रेड स्ट्रेन ।।। न्नावक वशानका सामक्री कीन दीन जाबाद्यक an fried fann i Eria fe Cottilen हि जामहा निकास इन्दी जानाइएमंत्र जर्द महि, माक्यम मार्डे, अवमान नारे, करवे स्मिद्धिक ৰ মুখানুর অক্ষাত্র ভরুসামূল। জাল্সি এ गरायम्द्रमञ्ज्ञ श्राष्ट्र कृषा कृतिया वनि नग्रद्र नग्रद्र नथनी थातन कटतन, छाश स्ट्रिक्ट आधारितक किक् देशाह रहेटक माटह । जानसाह हेब्रान गामता नद्रनानमा रहेनामा जामादमञ्ज्ञ अहे व्याम श्वत्रभाव व्यवश्य कामिश्वः कामाम्बद्धः महीनष्ट । देशव नाम वाक्रुश्यवलुकः भूम विक्रिता রলওয়ের বেলবরিয়া টেলনের নিজ উত্তর गार्षः व्यावता यूच, कथिक क्षांत्रं कि निश्चितः ারান্তরে সময়ে সময়ে মহালগুকৈ সমস্ত আছে मरस सामादेव ७ माकार कड़िया अकरन आंग ার অপ্রথ্যাবের উপর নির্ভন্ন করিয়া 🤇 শীন্তকা--লর বেলা) আমর। মাঠের দিকে চলিলাম্। वान् रम्बलूद) खीशकिश्व मधन, महस्मनीभ १६ हे शीम) साथ, मबीमहस्म मधन, खुछ भाष भाग, खीशम मधन ३२१६) फुछनाथ (माम मी र

म्ना, अहे विषय लहेडा कालि कालि (स्क्रम गानर्याभ स्टेरफरह, ताथ कति धना काम वय महेशा छाष्ट्रम स्टेटक्टर सा। कह क्रुक् লেন, আপাষর সাধারণকে দিভি করা नेफोल कावमाक । (कर कर बदलन, कार्रा रह⁵ कात्रन बर्खमान कारण कात्रक्रवर्शक (बन्नश विका कारारक के का अभाग (क्षानिक स्भारकता ব্দ্যাধ্যস্ত্র করিয়া সাম্ম জ্বাড়ীয় ব্যবসায় পরি ांग कराएक है जीवरनामारमूत निविष्ठ व्यक्ति র কট পাইডেছেন। ইহার উপরে আবার नम्रद्राव्यनिष्यः ह्याकतिभद्रक निक्रिष्ठ क्रिया চুক্রার **ডিন উক্ত শ্রেণিদ্যত্ব লোক্দিরের** ম্বরণ করিয়া স্বাস্থ্য জাতীয় ব্রস্থেসকল Pविकार्गक्षक्रिक श्रीकाम करतः खाश स्ट्रेटन দশের ঘোরতর অনিষ্ঠ কইবে। ভারারা আরও राममं (त, विमा) निका केंद्रिका अञ्चासात 'स्वा क्टिः क्रुचण्यत्वा स्रदमः। प्राप्तका निम्नद्रश्रानिक मादकता विकारमाकमण्यम स्ट्रेट कार्ट्स्वर

---308----

সর্গাধারণকে শিক্ষাপ্রদান করা উচিত

वका केरेरन प्रयाणिनाय वाबिट्य । सुवहार क्षत्र क्रिकि जात (व गान्स वक्टक क्रिक्स देखांके ब्राटनंत कारण द्योदम खादनं बादनंत states sects plants will many र्वेटन हैना नियान एव ना । प्रत्योगामान अवादे feriffents aufa Grant, int at min et (म्रांच वक्ष्य वहेशादक, त्रचामकात क्यादका (म अवन अनिरमन, देश रक जाकरवात वितन माकिट्र ७७ मिन विमाधिकात शक्र मन Sieffereng Bergen wiffel ferig nem allele ace a leist minigate feffe क्या अकाष भावभाक वित्रशा शाहकत, छीहाति প্রকাশকে ভির ভির সভারইয়াকে। জাবার। यक्ति विम्हानिकाविष्ट्य अक्षेत्रक वृहेबाटकन बर्ड के किन्त किन्नन , हांबाकी अवस्थान कहिरत विकिट्य सर्वनाथावर्थक विकासिका स्त्र काश चित्र कतिएक शारतम नाहे। त्कर तकर बरानम, गवर्गाया के गारावामामध्याली यमात्राम का লিভ থাকাতে লোকে খেক্ছাপুৰ্মক বিদ্যালোচ मात्र यंत्रवीन स्टेक्स्टिक अवर ऐका स्रोता अ स्मरन श्रुकारणका व्यक्ति शत्रियात् विकारणहरूमात् বৃক্তি মুইবাছে । অভএব বেই প্রবাদী কেই উত্তর রূপ সংখ্যার করিলে ক্রমশঃ ভাষ্মারাই অভিন विक कम नाक इट्टा देशके अवस्थिता डाँशता पश्चिमाकारमत यमभूतक भिकामान श्रनानीत श्रक्तिका करिया करून त्व. त प्राप्त रमधकाम ও फाजमाबाता अक विश्मण्डि वर्गटर याश स्रेडाटक, बक्दमरन शुरकांक श्रामीरक १३ अकामन प्रशास छाहा व्यापना उप्रश्ने व्यथिक क्लाम क्षेत्राट्य । व्यापात एक एक বলেন, যে ভারতবর্ষে বিদ্যালিকাবিষয়ে विश्वन अञ्चरमाहिका काहारक वर्तकान शनानीव উপর এক কালে নির্ভন্ন করিলে খতে বংসরেও উত্তৰ্মশা প্ৰচলিত হওয়া ছঃসাধ্য ে ভাঁহা मिर्गद्व मर्फ रलपूर्वक भिकामानश्चनाती व्यवन

यम कराई खायः। छाँहाता अस्थ अक्षि करिन नि यम अविश्व करिए हाट्न स्य यमि कान निम खानीय वाक्षि जाशनात महानगनरक जागप्रन करिए ना भागात, जांहा हहेरण छाहारक प्रश्व नीय हहेरण हहेरन। क्ष्म हहेरण छाहारक प्रश्व नीय हहेरण हहेरन। क्ष्म हहेरण छाहारक प्रश्व स्व निम्नरक्षनीय स्थानकिमारक निका मिनात स्व निम्नरक्षनीय स्थानकिमारक निका मिनात स्व निम्नरक्षनीय स्थानकिमारक निका मिनात स्व निम्नरक्षन का स्व क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म हिंदा स्व निम्नरक्ष कर्म ना क्ष्म क्ष

क्या रहा जामन अख्यक (स्थिक्टि व क्षितित्र क्षिकनिरशक वास्तर वासारस्य वि প্রকাভাল, ভাষারা আপনার সভান विकाशकाष्ठ कतादेवात निविद्ध अविद्याद य स्वेदी बारक । योहां स्क्रेक, दल्लूक्क भिन सर्वाची प्रमिश्र राष्ट्राच्छ यापीन प्राप्त विक्रंक, क्यांनि व्य स्मरम विमाविष्ठ ला अपानिया प्रष्टे वस, त्यचाद्व जेन्नण व्यवस्था कृताह व्यवस्थारम कुल्लिम्बल रक्ष । किन्न काटकरशत विषय और (व् वे बेक्का मण नियाद्यमः, कांबान्। केंक वि वाद्वत्र ,निमिक किहूरे चित्र कतिएक नारे। त्म बाह्र काथा स्ट्रेड स्ट्रेंस अवर करक निष्ण स्टेटर, जाहात विकृष्ट मी A পर्वास कता रेप्र मारे । तासभूक्ष्यविद्या नमुनाय राष्ट्र क्योंने। द्रमिरगद्र क्रांक ल्प्डिक উচিত এবং ডজন; তাহারা প্রস্তাব করি বে, ভূমিবংক্রাক্ত করের উপর পদ্ধকরা शकः **कंत्रहर्षि क**तिहरू निमाध नाम निर्मार । व्यक्ति असं नियंत्र रहेन, क्यान अध्यक्तभीन व्यक्ति वेलिय्र'रहम् द्य वक्रतरम मिन्रर লোকদিগকৈ শিক্ষিত করিব'র হন। যে ৬-টাকা বাংদারক ৰায় জ্বাবল্ক ভালার अन् नक्ष है।का सभीमात्रम्तित्तात छ २२ नक त्राक्षातं करम निरमण क्या विरश्र । जि রূপ কল্পনা করাজে রাজা ও ক্ষমীদার উত্ত धनश्मात जासकारहर्दम् मत्मह नाहे। क्या व्हेटब्रेट के कि के प्र भक्त केंद्र (मध जरम (काश) इंदेर्ड निरंबन ? ताब খীয় কোক - ২ইডে **9**49 0 गन कि छाँशाविष्टिशत म[्]माण धन वहेटछ मिटबन ? पनि फाए, इस, फटब की 😘 विम्बर्धः श्रेष्ठावकारी महानव्रक कामह পত ধন্যবাদ প্রদান করি : কিন্তু বস্তুতঃ হইবার নহে। যিনি বাছা বজুন ও যুঙ करूम, व्यवस्थित समान्य का बहे तिहे श्रीम গৃহহীন নিমুখ্রেনিস্থ ২৩জাগ্যনিগ্রের স্বস্থ निकिश स्टेर्ड डाइन्ड बाव किकियाद माहे। व्यक्त व मन्तिर्द्धा सहस्राभरयाती व (यस नद्रभाव निर्कातन कतिया भक्तिगुन्त्र (अनिक लाकनिर्वत निकानानिव्हर ३३ कड़ा विरमञ्ज

২৪ এ পৌৰ} ১২৭৫

সহাশয়! আপনকার ১৬ ই অঞ্চ গোমপ্রকাশে হিন্দু জাতির জী পুরুবের তি প্রস্পারের ভাব ও ব্যবহায়বিবল্পক টা লোক পাঠ করিয়া যার পর নাই দিত হইলাম। লোক**তাল জী**পুরুষের সন্ত্রক আকপট প্রশাস এবং আহারক ভ্যাদির বিলক্ষণ পরিচয় দিয়াছে। পুর্ক হিন্দু আলভির মধ্যে যে ঐরপ বিভায় প্রশাস ছিল, ভাষিধায় অণুমাত্র সংক্ষে আর আাপনি উপসংগারকালে বলি-ंधी इमानीखन काटन स्वालान ও नांन्य দাবের প্রায়ভাব হওয়াতে উপরিউজ ্বভূবভিক্ৰম ষ্টিয়াছে; ইহাও क्रि। किश्व महाभग्न कि विरवहना करतन ধানে সুৱাপান ও লাম্পটান্তি ঘোষ নাই, ন্ত্রীপুরুষের অরক্তিরম প্রবর ও সরলভা আন্তে ? আনার জী পুরুষ উভয়ের চরিক্র ইইলেই কি বিমল প্রণয় হয়? ালি ভাষা নহে: উভয়ের ধর্মগুরু ভ ত্তি ও অভাব ইত্যাদির সম্পূর্ণ না ইউক ংশে একতা না হইলে এবং পরম্পারের বুস্পারের প্রথম হইডেই স্নেই করিবার । জনাইলে কখনই যথাৰ্প প্ৰণয় হয় না। বোর সমাজের বর্তনান অবস্থার সহিত ক্ষেবস্থায় তুলনাকরিছে গেলে অনে-প্রতির লক্ষিত হয়। পুরবেশলে জীজা-বুরুষের ন্যায় সুশিক্ষা প্রাপ্ত চইডেন এবং গের অনেকাংশে ঝাধীনতা ছিল > বিশে তৎকালে বিবাহবিষয়ে পিডা মাডার আংথিপতাছিল না। যেমন অসূচ পুরুষ প্ৰ ম্ৰোম্ভ ক্লপ্তণসম্পন্ন পাত্ৰী গুন করিয়া মনোনীত করিভেন, সেইরূপ কামনীগণও আগাপন ইচ্ছামত পতি তে করিতেন এবং **পর্ম্পারের মন** পর-ভালুবজ ইংলে, পিডামাতাৰা আবােয়ীয় (সাহায়ের পরিবয়কার্য**েসস্পর হইও**। পনি প্রাপ ৬৩° আমী ও সংখ**র্মণী শব্দের** _ে ুল্ভাতাহাদিকের বিল**ক্ষণ ক্র্যুক্ষ** (কেট্নট্: একলে উভয়ের **প্রকৃত** না **৯ই**বে কেন? অধুনা উপরিউজে য়ুরুবিশরীত ভাব দেখা বাইতেছে। खिक्र <mark>मिर्फा विका</mark> धान्नई गाहे. विवादक्त ত কথাই নাই। পিডা মাতার হতে কন,: শাবিষা**হ ভার সম্পূর্ণ নিপতিভে র**হিয়াছে। এক অনীতিব্বীয় পাত্রের সহিত বংলিকা কনগার পরিবয়সংক্ষ স্থির েছ্ন জবং পা**তে সহংশ্যসূত্রলিয়া** ক কুভার্থ জ্ঞান করিতেছেন। কেছবা

वयः ए। ज्ञानश्चनमाना कमात्रं महिक अक्षी শিতার বিবাহ দিয়া নিজ কুলের গৌরবহাত করিতেছেন। কোন কোন বিদ্যাবান সভারত পুর্পসম্পন্ন যুব। সামাজিক রীভান্তরেহে কুৎসিতানিভাৰারমণীর পাণিঞাংশ করিছে वाधः इड्टिफ्ट्न । इम्र क कान वानक यम नर কারে বিদ্যাধ্যয়ন করিছেছেন গ্রয়ঃক্রম পরিণ্ড रहेल ' मत्नव म' के ही सिविद्रा दिवार कहि (यम कल्लमा कश्चित्रा ताचित्राट्टमं । ও मिटकोनस्न। ভাঁহার পিতা বিবাহের সময় স্থির করিলেন: বালক সম্পূৰ্ণ অনিচ্ছানত্ত্বেও পিতার অহুরোধ लक्षम कदिएक পादिलाम मा, दिएलंब वादशहाः পুদারে এবং সাভাবিক লক্ষাবৰতঃ ভাবী জী বয়ঃক্রম আফুতি এবং লেখা পড়াপ্রভূতির বিষয় কাহাকেও কিছু জিজ্ঞাসা করিতে পাদ্ধি লেন মা ৷ মনে ভাবিলেন, পিডা কখন মন্দ পাত্রীর সহিত বিবাহ দিবেন না। পারে শুভ দৃষ্টির সময়ে যেগন বৈত্রেভাসহক'রে প্রণারি প্রতি দৃক্তিপাত করিলেন, অম.ন এক কদাকরি ভীষণ মুর্ত্তি কাঁহার নরমপথে পণ্ডিত হইল। পাত্রের হৃৎ কম্প হইতে লাগিল এবং বাসর গৃহকে বমালয় বিবেচনা হইতে লাগিল। সম্পা দক মহাশয় ৷ আমাদিগের হিন্দু জাতির মধ্যে এই ऋप विवाहरै विख्य व्हेट्ट्स्, अमन कि, পুরা কার্লের ন্যায় আর একটা বিবাহ ক্রিয়াও সম্পন্ন হইডে দেখা যায় নাঃ স্থুতরাং এক্রে বাধার্থ দাম্পত্ত; প্রবয় অভি বিরল। এডছারা অংমার একপ বলা ইইডেছে না বে, অবধুনাহিন্দুজাতির মধে জ্রী পুরুষের পবিজ্ঞা প্রবস্থ সরলভা না**ই। ফলভঃ আ**মাদিশের বভনান বিবাহবিধি যে অনেক সচরিত্র व्यक्तिरक ७ व्यस्तक स्मीमा त्रमनीतक देहकारनत প্ৰমঞ্খদায়ুক দাম্পতাপ্ৰণয় হইতে ৰঞ্চিত করিতেভে এবং সমুদ্**দ জীবন ফ্লেশময় ক**রি তেছে, তাহাতে অনুমা**ত্র সন্দেহ নাই**। কস্যাচিৎ মেদিনীপুর পাঠক্স্য ১৮ ই পৌষ मृलाञासि ।

শ্রীযুক্তবারু দীননাথ বজুয়া ভেলপুর ১৮৬৯ জাল্বারি হইতে জ্ন শ শ শহেক্সনাথ বস্তু

৯ " মহেক্সনাথ বস্তু বড় ১৮৬৯ জালুয়ারি হইকে ডিনেবর ১০ ৯ " বজনাথ রায় জ্বালপুর

ক ব্রক্ষার সরকার রামপুরবোয়ালিয়া

১৮৬৮ ডিলেম্বর ইইডে ৬৯ মে 🦈

े के आसूत्राति रहेटक फिरमबन के टेक्नामहस्त्रात्त संस्कृता के मन्त्रिक्त मार्च राष्ट्रपाना

> त्मामश्रकामगः काम क्रायक्षेत्र विद्याप निवस ।

অবিম মুল্য ও ডাকমাসুল দা পাইলে থলে গোমপ্রকাশ প্রেরণ করা বার না।
ইংরে অবিম মূল্য বার্ত্তিক ১০ চাকা বাণ্যারিক ৫॥০ টাকা মফখলে ভাকা সমেও বার্ত্তিক ১৩, বাণ্যার্থিক ৭ এবং ই গেক ৩৮০। তিন মাসের স্থানে অবিম এইণ করা বার না। ছঙি, বরাতি চিঠি, অড র, নোট ও ষ্টাম্প টিকিট, ইছার অব্যাহ্য করিবেন।
বারা মূল্য প্রেরণ করিবেন।

বাঁহার। স্থাস্পটিকিট পাঠাইবেন, ব যেন এক অথবা আধ আনার অধিক হ ওরগীদের টিকিট প্রেরণ না করেন।

ষ্থন যিনি মদত্বল হইতে সোমপ্র মূল্য পাঠাইবেন, ভাছা যেন রেজিইরি ব জীযুক্ত ছারকানাথ বিদ্যাভূষণের নামে ব ইয়া দেন।

যাহাদিনের মূল্য দিবার সমন্ন অতীত আদিবে, একমাসপুর্দের তাহাদিগকে লিখিয়া আনান বাইবে, কাল অতীত গেলেও এক বার চিঠি লেখা হইবে, তাহা একমাসকাল প্রতীক্ষা করিয়া কালজ বহ যাইবে। শেষ বারের পত্র বেয়ারিং ব

মার্ডলা রেলওয়ের সোণাপুর ষ্টেসনের হরে চিঠি আইলে আমরা শীগ্র পাইব।

যাঁহারা মাতৃল না দিয়া প্রাদি প্রের বেন, তাঁহাদিগের সেই প্রোদি এইব যাইবে না।

কেই সোমপ্রকাশে বিজ্ঞাপন দিজে
করিলে জাঁহাকে প্রথম তিন বার প্রতিপং
আনা তাহার পর /> আনা দিতে হ
বিনি অধিক কাল বিজ্ঞাপন দিবার ইচ্ছা
বেন, তাহার সহিত্য শত্র বলেশবত হইট

প্রতি এই শাস্ত্র কলিকান্তার নিকিব মাতলা রেলগুরের লোগাপুর প্রেলনের চাল্ডিশোভায় জীবুজ নারকানাথ ভূবপের বারীতে প্রতিশোষ্বার প্রাত প্রকাশিত হয়।

व्यायक्री

১ শ ভাগ।

७ । अटब्सा

" प्रवस्तरां प्रकृति इताय पार्थिवः सरस्तती अतिमदती न दीयतां।"

ক মূল্য ১ এক অগ্রিম বাধিক ১০ দশ ম বাণ্যাসিক ৫॥ সাড়ে পাঁচ টাকা।

मन ১২१८। ७ हे मांच। ১৮७৯। ১৮ই कांच्याति

মক্ষলে মাসুসসমেক অতিম বার্থি যাণ্যাসিক ৭, ও বৈত্রমাসিক ৩৭০

বিজ্ঞাপন।

ইউইভিয়ান রেলওয়ে। খান্য শস্য, আটা ও মন্ননার ভাড়া কমাইবার বিষয়।

নাগামী ১৩ই জালুয়ারি এবং ভদবধি
প্রান্ধ, আটা ও ময়দা অসুন একমন যভ
।উক, ভাহার বিশেষ জাজা প্রভি মাইলে
ক্রমণে এক পাইদ্রের জাইমাংশ হইবে।
ভাগলপুরের নিয়ের কোন ষ্টেশন হইভে
লপুরে বা ভর্মে হউক, অথবা ভাগলপুর
হির উর্জভনস্থ কোন ষ্টেশন হইভে অদি
ভির্মে হউক এবং দিলীও জন্মপুরে
প্রসার বে গমনাগমন হউক ভাহাভেও
নিয়ম খাটিবে।

নিপুর্গেরহিশ্তকরানা,ছয়, এই নিয়ম মাম্পর্যায়তে চলিবে।

ভ অব এঞেলি

ইণ্ডিয়া রেল ওরে

ইণ্ডিয়া রেল ওরে

ইণ্ডিয়া রেল ওরে

ইণ্ডিয়া রেল ওরে

ইন্ডাডি ১৮৬৮

বিভিন্নির ।

निश्रप्रत ह जित नकत नहेवात, है कि। ह वा जना कारन पाई वात, ज्यारी कहिल्छ वा जना कार्य कहिल्छ कार्य मिन है कार्य कार कार्य कार कार्य कार कार्य कार कार्य कार कार्य कार्य

া ঘাইবেক 🛚

জীপ্রসরকুমার দাস দেব একেন্ট মনিঅভার আগিস কলিকাভা--- स्तिमाण हैर नर विमानिय १४७० जानित श्रामिका भरीकाथी। मर्गम भाठमार्थ अकी (अभी क्या स्ट्रेंटन। पांस्ता छैसाल श्रामिक स्ट्रेंडा ज्या ग्रामिका करून, छास्त्रा ४६ दे जास्यातित मर्था श्रामि भिक्का निक्रि मिश्रमाणि ज्यान स्ट्रेंटन।

৩০ ডিসেম্বর ১৮৬৮ - জীঘারকানাথ শর্ম। ইরিনাভি বিদ্যালয়ের অধ্যক্ষ।

--: •:--

মংপ্রণীত চিত্তবিনাদ কাব্য ১ স খণ্ড । অভি
সুলালত অমিক্রাক্ষরে রূপকস্থলে ইহাতে
ভারতবর্ষের বর্তমানাবস্থা বর্ণিত হুইরাছে, এছ পেচ্ছুক মহাপরেরা বর্তমান বড়বালারে অধ্র লাল পাহার পুস্তকালয়ে তন্ত্ব করিলে পাইবেন।
ব্রী ইপানচন্দ্র বস্থা

চি.কংসাঞ্চকরণ এবং চিকিৎসাভত্ত্ অধাং

প্রিন্সিপ্রস্এবং প্রাকটেসি, জার মেডিসিনের

स्थम च छ । (शिख्य भदमात १७५ पृष्टी छेडम बीमा, क्यामुक चातू शकास्त्रमाम मूर्याशा माप्त्र वि, ब, बम, फि, कर्क्क नश्त्रशेष्ठ इहेग्रा स्कामण इहेग्राह ।

প্রথম খড়ের বর্ণিক বিষয় (১) সাধারণ নিগানতক (২) অক্তরংসেকা পীড়াসমূহ। (৩) দৈহিক পীড়াসমূহ (৪) লাল্যন্দের পীড়াসমূহ।

মূল্য ১০ টাকা, ভাকমাস্থলসহিত ১০॥-কলিকাতা লালবাকার হিন্দু কষ্টেল ২১০ নং বাসীতে জীয়ুক্ত বায়ু গুরুদাস চট্টোপার্যায়ের নিকট পাওয়া যাইবে।

--- 0: --

বাল্মীকি রামারণ ভূতীর **খণ্ড**

अहे शृष्ट्रक क्षश्याविध क्षकान व्हेट्ड व्हेट्ड नागताकरंत मून अधिका अवर नर्ना वाक्रमा अध्वाम आह्य। मांशात जार व्हेट्ड, किनि क्षिकाका क्षाक्रमारण ज नार्थ शक्र किथिट्डन। क्षरकाक थट्डित क्षश्यात) भूमा॥ - जाना। विरम्भीत व क्षित्रक / जाना म स्था निर्क व्हेट्डा।

ক্রিকাডা ব্রাহ্মনমাঞ

জ্ৰী, হেমচক্ৰ কট্টাচাৰ্য

মৃজাপুর মেডিকেল হল

১। এত খারা আমানিদের ঐবধক্রমধ স্থান, সংকারী ও সর্বাসাধারণকে আড় বাইছেছে যে, দিনীয় ক্রেমাসিক ইা সম্বাস্থা আর্থিবপোড " স্থার অব ক্ষোসীয়া, ব উইক, প্রিটিস প্রীন্ধ সাল বারা দল সহজ্ঞা গুলোর ঔবধ পূর্ব্ব প্রাপ্ত হওরা গিয় এত জিন সম্প্রতি আমরা বিলাত ইং সন ১৮৬৮ সালের লেন ক্রেমাসিক ই সম্বাস্থা বিলিক ক্ষান্ধ, কিং আব্ধির ব্যাক্ষর নামক অর্থিবপোড ক্রেম্বারা ৮৩ ইউরোপীয় ঔবধ প্রাপ্ত মহ্মাছি। এই ঔবর মুনোনিক সাত সহ্প্রতি হাক মুলো করা হইয়াছে।

২। জাগানী বধের প্রথম জৈমাসিক ই উপলক্ষে চিকিল্সোগ্রেগানী করে ও প্রস্তুত্বরণের ও উষ্পনিক্য়ক্য়ণের নাম সামানী ও ১৯৯৮ ও বিবিধ উত্থ ইং স্মান্ত ভালের ক্ষেত্রয়ার মাসে বি হইতে পৌছিবে।

ত। আমরা অধিক পরিষাণে ও । উভয়ক্তাশ উবদ বিক্রাকরয় থাকি। । এই সমস্ত ভাব্যাদির আসল বিলাতি ও অন্যান্য দলীল কেং দেখিতে ইচ্ছুক , जायहार्ट की दें एट मरश्रक स्थान वेष. 🗃 বুজ বাৰু গোপীনাথ গের নিকট কিয়। ाक्षात्र क्रीटिं ee मर्थाक **क्रवटन ताक** लर्युद्र महारम्बद्र क्यियुक्त वांबू मन्मरभी-रामगारवत निक्ठे प्रथिए शाहरवन

रवीवदनाम्यान !

ও অন্যান্য কৰিতাবলী।

্রা**জকুক মুখো**পাধ্যায় এম, এ, বি, এল फा मृता।√• इत्र ज्यानाः ১१७ नर ব্লালিস জীট সংস্কৃত পুষ্ণকালয়ে পাওয়া

अहा अकृष्णभूरणी शांधा है।

ৰ্মানিছের বিলাপ মুহিত ংইয়া প্রকাশিত ছে। পুস্তকের কলেবর ৮ পেঞ্চী করমার রম। অর্থাৎ ২১২ পুঠা। মূল্য ৮০ আনানা ৰ আবশ্যক হয়, ঠনঠনিয়া সংস্কৃত ৰজের লৈয়ে অথবা পটোলভাল। বাসুর্বে। প্রাদর कात <u>भ</u>ुक्तकालस्त्र अञ्चलकान कात्रस्त्रहे क्त इंचि ।

৫ সাল

क्रियमाथ अहे। हार्च,

ঠিনিয়া সংস্কৃত পুত্তকানরৈ ও পটোন व वाक् र्या जामाव क्यांग्यानित व्याकार्य ণিড ও সংপ্রচারত বিশ্বলিখত পুত্তক্তলি । स्ट्रेटिट इं:--

| बनी फ | बूगर | |
|---------------------|------|------|
| ত্রীসইভিহা স | ۲, | BITT |
| (রামইভিহাস | ۷ | É |
| ভূধৰসংব ব্যাকরণ | 1 | জানা |
| নীভিদার (১ ম ভাগ) | ال | 3 |
| নীজিদার (২ য় ভাগ) | d | 3 |
| প্রচারিত। | | |
| মুক্ষবোধ বাক্রণ | 'n | À |
| | | |

---;•<u>;</u>----

জীখারকানাণ শর্মা

वर्षिय खबामि विकासर्थ

दास्त्र ।

रेश्वाकी रामाम। भूएक का नक्ष कन्न माना विश्व प्रदर्शित भा छत्र। बाद्र अवद भुक्षेकातिएक ৴৽ .৭.ক জানার 'হসাবে ক**নিসন দি** । **অ**ধিক টাকার প্রস্তুক লইলে 🖊 ১০ আনার হিসাবে भाइं(रन :

জীয়ক বাবু কালী প্রসন্ধ বিংই মধোদয়প্রণীত গদ্য ১৮ পর্ক মহাভারত ১৭ খণ্ড ৩ ভাগে উত্তর

লওন ফারমা কোপিয়া অর্থাৎ ঔবধ কলা-व नि

बर्ष्यानत की बन्दातिक केलब प्रशिक्ष ३ रक्षठाकुश्यक्षि बाहीम क्षिक्षामानिरगत গীতসংগ্ৰহ

শারীরিক শাস্থ্যবধান **८० इ.८ वांक छेरमूहे कामा**ः व्याद्ध नवित्र माहिनी थयम खर्जावनी

ৰছনাথ বোৰকৃত সংগীতম্মোরঞ্ম ২ न त्रलामक क्रुकांचा कविवय बायकामांच हात्र

बनोड রাসরসামৃত সংক্ত ও পদ্য

গীতগোবিদ্দ অস্তরের গোখামিএণীত মূল ও বছুমাপ নারেপঞ্চাননকুত গল্য कोजूक छत्रनिनी देश्यांक क्राम्टेंदि स्ट्रेप

विविध काण्डर्यास्य स्था प्रश्नी स्था প্রতিমূর্ত্তি সহিত ১২৭৬ সালের কুল পঞ্জিকা II ঐ হাম পঞ্জিকা

पूर्शामकत शहर ক্ষলভারিণী সচীক চতী মূল ও অসুবাদ সহিত इत्छिम**क**शी हेर'इ' मि**ं**डीनित विरम्भक्षरण वर्गक श्हेग्राट्ड ইংরাজি ১৮৬৯ সালের এট্রান্সের কী √ااد

কুষারীকুষার পদ্য আদিরস্থধান কাব্য ১ বঙ্গের হোহিনী শক্তি গৰেশচন্ত্ৰ শৰ্মফুড ব'ললা এটলান উত্তম

कानाम ८ द्रेष्टम व्यक्टत मूजिए विधवाविवाह नाष्ट्रेक ٥ কামিনীকুমার ্রসরত্বাকরাত্তর্গাড নার ক

नाष्ट्रिकाचिष्ठ ज्ञूत्रन कांचा ŋ. मनिक्थनी कावा नात्रीत्मारम बल्काना-धात्रश्रामिक इर्शनमन्त्रीत मंख स्मा अवधनिक् नरही

ર∦•ી

ভূচিত্ৰাৰলি ত্ৰাৰি বালালা সৃহিত

महीक देवसमाविद्याम्ख्या ्रकानविनी नाष्ट्रेक चार्यम् ।

উবাহরণ পদ্য

হিডোপদেশ বিষ্ণু শর্মার সংগ্রীত কলিকাড়া ক্লোড়া-Barbiers. वशक विद्व

পুরাণ প্রকাশ। विक् भूत्रोव्।

অসুবাদও টীকা সংঘত আভোৰ ৮- भू के (अधिममुक्ता) हर :

विनि बह्याजिनावी स्ट्रेटवन किमि मृ चामर प्रदेशिक ७३।३ मर अवेदम काया वरह जनका कशिकाका मश्कर विव क्रियुक्त समरमाध्य धर्मानकारवव नारा थर छत्र हेन्द्रा व्यक्तिय मुख्य नाडी हेरदन । मा भारेता वितरन विक भुद्राव नार्थ मित्रम बाहे हैं छ।

विकामार्थ ।

---: • : - - -

शांतरणन त्रीष्ठ २३ मर वामि अनाममह उठे नर(कांका राजाम।

উপত্নি উজ ৰাগান ও ৰাটা বাঁহা क्रिट कथन। व**हेट देका क्र**तम, निश রিত ব্যক্তির নিক**ট আনাইনেন**।

> जिएमकामन् व्याप्तरम थमा अवर त्य

উনচত্মারিংশ সাংবৎসঞ্জিক ব্ৰাহ্মনমাজ :

অংশংমী ১১ই মাঘ শনিবার উদচত্ত সাংবৎসবিক ভাষাসমাজ ইইবে।

১লা মাঘ অবধি ১০ ই মাঘ পৰ্যায় : ব্ৰাহ্মসমাজ-গৃছে প্ৰতিদিবস ৭ ঘণ্টার সময়ে আক্ষাধর্ম প্রাছের পাঠ ও इहेर्द ।

১) हे बाब निवाद शाखःकारन ৮ बाक्सभगकाम-१८६ अवर मात्र १ वन्हेंद्र नमरह क्षेत्रुक श्रवान काहाई। त्त्रत्र क्वरन ब्रह्माभागमा स्टेरव।

) क्षेत्रिक्यमाथ कारि वास्तरमञ् ক্ষিক্তি ১৭৯٠ الحلا াকৰি 🖫 কালিবাস প্ৰণীত সংখ্য ভ ভূমার र्वजनारचन्न शिकात म एक मुक्तिक व्यक्तिरङ जिनारबङ्ग शिकां अ स्वयन अक्रर शहनत केलिकिक स्टेब्राइड, फारा, माठेकरार्शव র নিষিত্ব, পরের শেষে আত।রজ্ঞ দীকা वन्छ रहेत्राद्र । अन छ अत्वत्र वर्ष अवि-রেম্পর বি সভ ধাকলে অনায়াসে অধ वर्गचाक क्यं, अ समर जिकान क नाम मक कि वि'अस मेना स्ट्रेस्टिश श्रुखात्कत किय चिष्ठ हरेटन कछिनद्र अनिङ्ग अभिङ्ग अक्षानकरक क (मश्रम) वर्तेम्राहिल, खाँहादा (मृत्यम् ব প্রবর্ণন করিয়াছেন এবং সোমপ্রকাশে हर्ष परसम्ब हरेयारक विश्वा, फाक्स् ा कवा बहेबाटक ।

ইপুত্তক বাঁহার আনবশ্যক হইবে জিলি ত্ৰতে জনুস্**ৰান করিলে অগশ জা**শা পত্র লিখিলে পঃইতে পারিবেন। ইংক 夏克 計事!!

ছ্যানের সহিত প্রকাশ করিভেছি, প্রেসি ক:লেকের সংভূত শাল্তের কুৰিক অধ্য । এই পুস্তক ज्यानना मिर्गत हाज्य रार्ग विनिम्ना मरनानी ७ कित्र इंट्रहन । अक्टरण ইয়াণে একতি পরিগৃহীত হইলে আমি কল জ্ঞান করিব।

লকান্তা अ उ यह कि कि जारम क्र भूरथा भागा मा এ পৌষ

---:0:---

निषयात नहीं।

मन ১৮% वर्गात्मत साञ्चर्यात माहनत ১লা হইতে ৭ই প্রাক্ত ভাগীর্থী নদীর দর্কাকমতি জলের

সাপ্তাহিক রিপোটা

महिक्या । छत হ†নের নাম क है कि

. 8

মহানার সহিত পদ্মানদীর

(যাগের স্থান

মহানার তথা কইতে জলিপুর

५७॥ माडेल मर्यः জলিপুর হইডে বহরমপুর

৪৬ মাইলের মধ্যে

वहत्रभूत श्हेरक कार्टे तः

: - মাইলের মধে

কাটোয়া হইতে নদীয়া **७ माहेश मर्**धः

भूत प्रवासित करतत्र मान्।

্ গভের উপর 8 4 কুট

বছরমপুর ১১ই শাস্ত্রারি } একজিকিউটির ইঞ্জিনির্ব ১৮৬৯। বহরসপুর ডিবিজন।

विद्यालन ।

২৪ শরগণার অক্তঃপ্রাক্তী কোলালিয়ায় যে गंदर्गस्य नाहायाञ्चल यामामा भारतमाना क्रिन. खारा खेळिया रतिनाकि देश-तश विन्हानग्रवाही. मट्या चानित्राट्ड। याँकांश च च नखानामिटक তথার শভাইবার বাসনা করেন, উচ্চারা ইং সং विष्यानद्वय अधान मिक्क्ट्र निक्ट के किल्किक रहेरल नियमापि कारगठ रहेरक शाहिरवन। नमूचारम 8 हाति (अपनी केत्रा स्टेब्राट्ड: श्रथः শ্ৰেণীর 📭 আটে আনা : বিতীয় শ্ৰেণীর 🔒 🗸 হয় আনাঃভূজীয় ও চডুর্ব জেনীর 😘 চানি আন। ছাত্রদেয় বেতন স্থির করা এবং ভতাব भानामित উত্তমরূপ ববেস্থা করা হইয়াছে।

🕰 মারকানাথ শর্মা ३२१६ म् न 🕽 ৪ঠা মাঘ 🕽 **第4/章]**

সোমপ্রকাশ।

७ इ माच (मामवात । ভারতবর্ধের ফেল

ब्लाटक यमांनद्र विन्या व्याप्त कर সংক্ষার আছে। এপ্রকার সংক্ষার হই-বার তিনটী কারণ লক্ষিত হয়। প্রথম, क्टिन कि इश, बन्दीमिर्शत्र व्यवका किन्न श. काशमिर्गत व्याशातामि ७ बाहेबीत बिश्रम किथाकात, उद्यावधातकामि कर्म চারীরা ভাষাদিগের প্রতি কিরুপ বাব हात करतन, जाभारत्य केव्हा कतिरलहे কেলে গিয়া এনকল দেখিতে পান না! উাঁহারা কারামুক্ত ব্যক্তিদিপের মুখে अनिवा मध्नामत्था कात्रांशादवत बक्ती ভাব কপেদা করিয়া লন; সুভরাং সে ভাব বিশুদ্ধ হয় না। কপ্রাশক্তি আম ভালা ভরাবহ করিয়া ভুলে: দিতীয়, তত্ত্বাবধায়কাদি কর্মচারীদিপের অধিকাংশ উপরি লাভের অহেদণে

यम ১৮७३ मालार ३३ साम्बाति वस्त्रमः स्थात । এटक छ अवर्गरमके वस्त्रीविश्वर ৰে আফারাদি দেন, ডাহা পর্যাপ্ত ন ভাষতে আৰার আর্থপর কর্মচারী **काशत कश्मध्यस्वट्टकोग्न हिम्ब** ना। केशनिरशत (करण पर्कनरण माञ्च (कांच सञ्ज, छेश्रंद्रा : अविटव्हक, श इः बान क्रिक, निर्मेश । शदर्ग मेर वर्न দিধের খাটনীর অতি নিষ্ঠ্ব নিং कत्रिश्च विश्वादस्य । कर्महात्रिश्च यनि वन क्रित्रत अक्ति विद्वहना कतिया थांगे।हे थन, खाहा स्ट्रेटल ख करम्बिक्रियां कर्षे चारमक वाचन इस ; किन्दु कर्मागति पिट দে বিবেচনা নাই। ভৃতীয়, জেলের नित्रमश्रील আছে, তाहा वस्टमावहर्य काकात कथिकाश्मकाता वस्तीमिट দোৰসংশোধনের চেন্টা না ₹≷ @ toutemak চে ভাহাদিগের इड्डा बाटक।

আমরাইতিমধ্যে কলিকাতা (2) एड चिन एक वर्ष मार्गत रक्त पन করিরা আদিয়াছি। সেই দর্শনফল অ भाक्षकात्वत्र नहनममारक छेशनीक इ (ALE !

প্রথম, বাদগৃহ। পুর্বের বাদগৃহও বেপ্রকার আর্ডি বাযুস্ফার্হীন আ কারময় ছিল, এক্পে দে প্রকার নাই चात्रक मः भाषन स्हेत्राट्य। चार्ज व मूत्र कतिवात निमिष्ठ स्मरक ७ (स्या) মৃতন টাইল বশান, রঙ দেওয়া ও বে করা হইয়াছে। বায়ুর প্থনাগমন আলোকপ্রবেশের উপার করাও হ ग्नार्ट् । किन्छ **এ च**्राणं **এখনও অ**रन ন্যুনতা আছে। প্রেসিডেলি কো ক্ষেক্টী ঘর অধ্যকারময় দৃষ্ট হইল। বা অবেশার্থ কৃত্তু সানালা ব্যান হইয়াং बट्डे ; किन्छ পाम्ब्रिं क्यांनना ना श्राकार গৃহের সংক্রমে বারু গমনানগমন ক না। এ বিষয়ে বর্জমান জেলের উৎ লক্ষিত হইল ৷ তথায় চতুর্দিকেই জনে াছে; গৃহশুলিও অস্থারময় নয়। প্রনিডেকির কোলে আর একটী মহাপ ারক দোব দুউ হইল। এই হিম প্রধান াল, এ সময়ে গৃহে কপাট বহর করিয়া (पिक्टलंड कको दिश्व इसः कि स (कि.नि.) ডিলি **লেলের জনেক সূহের লো**হময় েনলাও দরকার কপাট নাই; হিমে ংয়েদিদিধের যার পর নাই কৈউ হয়। কমাত্র কম্বলই শীভনিবারণের সম্ব। ष्टिशेश, शक्तिकृत। शुक्रद्यत এक ক জ্বাভিয়াও এক এক জ্বামা। ইহাতে ণ্ডিও প্রীয়া উভয়কালেই কয়েদিদি গর कक्के इस् । এদেশীয় বন্দীরা উহাতে ভাতর নয়; সুতরাং গ্রীয়াকালে উচার ারিধানে ক্লেশ জ্ঞা, শীতকালে উহাতে ীতনিবারণ হয় নাঃ বর্ত্তমানের কয়েক इन करहनी व्यागानिकोत सगरक वाळा ংরিল, ভাখারা শীতে সাভিশয় কট ায়। তাহারাবলিল পুর্কেনে গুভি চাদ্রের বংক্ষাবস্তুছিল, ভাষাই ভাষা

The same of the second section of the section of th

ড়ঙীয়, আহার। বর্দ্ধমান অতি স্বাস্থ্য নর স্থান। কলিকাডা ও ওলিকটবডী ৪(নের লে(কের আপেকা দেখনিকার অধিক। তথাকার लारकत्र क्या नारक महशहत कर भार हाउँदिन ड: ७ थोडेया **थारकः किन्द (**मशास्त हत्यांमिमिश्रतक व्याण्डकारण ८ इंडोक भवः रेवकारम ७ छ्टेकि हा देरमङ अञ् গংইতে দেওয়া হয়। উহাতে উহাদিদের থক্ষাশনসংক্র হুইলা থাকে। ভক্তা কর্ম সংবীশে কহিংখন, উহারা কুধার স্থালায় লময়ে সময়ে মাটি ও **সু**র্কিঞ্ছিডি ठफन करता थापा <u>ख</u>रा पितात এই ব্যবস্থা আছে, চাউল, ডাইল, তরকারি এব•্সপ্তা:হর মধে এক দিন **হিল্**ছলি গ্কেম্থ্য পুষ্পমান্দিগকে মাংস দেওয়াহর: মংশে দিবরে ব্রেক্টী कडू वाष्ट्रावाणि इहेमार्छ। हिन्छ ।

तरशत भरक जान।

मूनलमान नाशाहरना म**्रमात वार्यका** €€ লেই যথেষ্ট হইল। মাংদে অভিরিক্ত वात्र भारता 🔄 वादत्र करप्रमिक्तित्रक ভাল চাউল, ভাল ডাইল ও ভাল তর कार्ति मिटल करशिमिटशत चारच्छात्र शक्त मरशालकात समिटिक लारत। উहामिशदक वि ममल ख्रुवा (मञ्जा ह्य, দেখিলাম, ভাষার স্বাস্থ্যের পক্ষে অসুকুল নহে ৷ প্রেদি ভেজিন কেলে বে চাউল দেখা গেল তাহানিতায় অপকুষ্ট; তাহা ভকণ करिटल व्याष्ट्राञ्च इंडेबात ममधिक मखा বনা। বর্দ্ধানের ক্ষেলের চাউল ভাল। ভাল বলিভেছি বলিয়া পাঠকগণ এরপ বিৰেচনা করিবেন না যে, তথার উৎকৃষ্ট আবাজীয় সরু চাউল দেওয়া হয়। আন্মরা करप्रमिनिश्वतक डेश्क्रके काडीय मझ চাউল দিৰার অনুরোধ করিতেছিনা। व्यामानित्रात्र मत्त्र डेशानिश्रत्क स्माप्तेः চাউল দেওয়াই কর্বা। কিন্তু যে চাউল স্বাস্থ্যের পক্ষে অপকারক, তেমন চাউল দেওয়া উচিত নয়। বর্জনান জেলের চাউল মোটা বটে , কিন্তু ইহা স্বাস্থ্যের পক্ষে অমুকুল; পকাদ্তরে প্রেমিডে, জিন জেলের চাউল অভিশয় অপকারক। বর্দ্ধানের জেলের চাউল যেমন ভাল, তরকারি তেমনি জঘনা। উহার ভক্ষণ রারা গীড়াকে আহ্বান করা হয়। বর্দ্ধমান কেনের মধের বেশুন প্রভৃতি ভরকারি উৎপর *১ইডেডে কিন্তু* নয়ে**দিদিগকে** এমনি ভরকারি কেওয়া হুইয়াছে যে (भाषां स्वापि (७७ ७) इ. इ. क. क. व. व. व. व. व. ভাষার শরীরে নথ প্রবিষ্ট হয় না। टाहा क्रणात्व अमाह दहांश करणा। शार्ष উত্তম বেণ্ডন ফ্লিয়া রহিয়াছে; কিছ क्ट्यमिनिशटक रा किन कपना खुबा (म अय़। क्य़ ? (क (मग्न ? अ के **ज़** भे उन्का मिय़) কেহলাভ করে কি না ? আমরা ভাছার নিশ্র করিছে পারিলাম না; গ্রগুরুমণ্ট ভাষ্যে মিণ্য় করিবেন।

श्व वर्गरमके १३८ करन वर्काटमा नरवानी থান্ধ: দ্রব্য দিবার বিধি আছে, म् कड জেলের সকল কয়েদী ভাষাও সম্পূর্ণ প্রাপ্ত হর না। চটকমাংদের শাজভাগের নাায় ভাৰার ভাগ হয়। যেসকল ব্যক্তি কারা मुक रहेग्रा व्यक्तिहाट्ह, कारामिटशब व्यट কের মুখে আমরা এই কথা শুনিয়াছি একটা স্ত্রীলোক রসাপাগলার জেল আমরা উহাকে জিজ্ঞানা করিলাম বর্জমান ও রদাপাপলা ইহার মধে কোৰ ভাবে আহারাদির **শক্**ন্দত আছে। জ্রীলোকটা উত্তর করিল, রস পাগলার জেলের কর্মচারীরা ভাছাদি भात थाना खन्यानित व्यथ्म श्रष्ट्य कति छ. वर्ष्वगात्न खाद्य करत ना। शक्ताबुद्ध वर्क्षमादनत कान कान काम काम कामित्व কিজনাৰ করাপেল, তথায় আনজাচার अ डेश्रकांत्र अहगामि ख्यां अवर्गाहरू আছে কি না ? ওঁাহারা উত্তর করিলেন, ৰৰ্দ্তমান জেলবের অধীনে অভাচারাদি क्य ना कियु हेहाँद श्रृद्धिश क स्मनद्दर ममत्त्र माना शकात (शाल शांभ कहें। পিয়াছে। জেলে অভ্যাচার ও উৎকোচ গ্রাহণাদি যে চলে, এ চদ্বারা কি তাহ तृ:बर:ड भारा गाहेर डरड ना ? उट्ट ब खाल क्षणांव ३ ४ हा विक्रिन । आमानट इ व्यामनाता डेश्ट बाह अहम करतम, एक म জালেন গুকিস্ত কল জালে তাহা এলমাণ ক্রিয়া দিতে শক্ত হ্ন ?

চতুর্থ, থাটনী। ইকার নির্দারিত সময় ও ইবার প্রকার মুক্তি এবং এলে লার কোকের অভাব ও অভাবের নিতান্ত বিরুদ্ধ। যাঁহারা এতংসংক্রাণ নিয়ম করিয়াছেন, তাঁহারা যে মনুস অভাবের অভিজ্ঞা, কোনকামে এর বিষে হয় না। প্রভাত হইলেই বন্দীদি পের খাটনী আরম্ভ কয়; অপরাছু টার শময়ে উহার শেষ হয়; মধ্যে কেব

त्रार्थ अन वन्त्री विकास एकश रहा । লে এরপ লোহমর ধাতৃর লোক ইনাইবে, শারাদিন শরিশ্রম করিতে র পূ**লামটী আবার কেমন ভা**হাও বার পাঠকগণ অবগত হউন। 'বর্জ নর কর্মচারীরাও লিলেন, যাহারা বন্দী **हरेबा क्यान आहेरम, फारामिश्रटक** মে বানি গাছে দেওয়া হয়, ভাহাকে স্তুদিন ঘানি পাছ ফিরাইডে ইয়। ন পাঠকগণ বিবেচনা করিয়া দেখুন, पारिरात्र (पर्भव क्यांटकत अज्ञेश ≥খন সা≅ায়ভ কি না? হাহারা পরিশ্রমী, ভাহারাও সারাদিন

ধ্যে এপ্রকার ক্লেশকর কর্ম করিতে

কারাগারে যত অন্যায় ও অভ্যাচার

বণিত প্রকার খাটনীই দে সমুদা

হয় না।

যুল।যাহাদিগের কিছু কজতি ছ, ভাহার৷ উৎকোচ দিয়া থাটনীর হ্ইটে পরিত্রাণ পাইবার চেষ্টা , আর যাহাদিগের সঙ্গতি না থাকে ারা এক দিন প্রাণপণে স্থানি গাছ লয়াপ্র দিন অবিষ্**ত্র হইয়া পড়ে**। হুইভাকরিভেছে কম্চাগীরা এই করিয়া ভাষার উপর পীড়ন আরম্ভ ন , একে ড জেলে বন্দীদিরের অর্কা ব্যবস্থা, অসমর্থ বন্দীর ভাহারও ার কতক কর্ত্রন হয়, ইহার উপরে র আভরণ আছে। জেল কর্মচারীর।

তপর কদীপাইলে সৃধুতুলা হাউ 🏻 প্রায় ১৫ দিন কাল তাহার সহিত রেবন্দোবস্ত ও তাহার বাটীডে পতাদি লেখান হয়। জেল ब्र इंश्रांक ब्राइड बार्य। वर्ण। क्रि वनाइमा अञ्चलकान कहिटन गृह छ ल अक्षेत्र इंडब्र इंबर इंबर गा ানের জেলভাকার মাক্টেল নাহেব हे कामानिश्वतं व्यक्तां कहितन, ব জিল তাঁহাকে উৎকোচদানের অনেকের অনাময়িক ছতুরে কারণ বন্দীদিগকে আহার দিবার যো

कथा कश्तिशिका। आमिता एव दिन (थानिएडफिन (क्रम (क्षिट ड राहे, म দিন জেলর তথায় উপাত্ত ছিলেন না। আনামরা আহার কারণ জিজানা क्द्राटक खांक्नद्र निक् दिल्लन, क्लान्त्र क सन अक्षक छैट्टकांच्याव्ट्यंत्र (ठक्टा भाइप्राह्मि, काशांक भूगिय विद्या 🗮 ब्राइ, भिष्य अन्तर भूनिय विद्यारहरू।

উলিখিত অসমত থাটনীর বাব্ছা क्तिवा दा चार्डाहोत ७ चनात्र वाबहा রের মূল এরপে নর, বন্দীদিধের পীড়া इ.७ ध्वर्यान काइन । शांठकशन ध्वक्रांत्र কেলের অন্তবন্তী চিকিৎদালয়ে আমা দিপের সহিত আগমন করুন, রোগী ও ডাক্তরকে জিজানা করুন, কি পীড়া অধিক ? ভাঁছারা বলিবেন, উদরাময় রোপঞ্জ হইয়া অনেকে ঐ স্থানের আশ্রের এইণ করে। যাহার। সাধাতীত পরিতাম করে এবং উদরপুরিয়া আর না পায়, ভাহাদিগের যে ঐ পীড়া **কইবে, তাহা আশ্চর্যোর বিষয় নহে।** अभारत डेजिथि ड मिन्छ लित मः भारत

ও প্রতীকারের উপায় চিন্তন আবশ্যক। মাসুৰ কেনাথ লোভাদির বশীভূতহ≷য়⊨ কুকর্মে প্রবন্ধ হয়। ভাহার হল্পারভিনিব জ্বন সমাজের নানা অনিউ ঘটনা হইয়া वारकः यमि म्ख्यानमाता स्रम् लाकमिर्भत चामः अत्रुखित निवात्। করানাহয়, লোকভিডি ছুরছ হইয়া প্রাতঃকালে ও বৈকালে ব্রেস্ট केटर्र । अपे रहेजू मधनान कावभाका । शहिता ঐ गमात काहाकिशदक ষাহাতে দোষী ব্যক্তিয় দোৰসংশোধন নীতির উপদেশ দেওয়া এবং (ও অপর দোদীর উৎসাহতক হয়, এই পড়া শিখনে উচিত। এখন কেথা উरम्मा कतिशाहे मण्यानश्चन कर्तवाः । भिथाहेनात व नावस्था कर्शा हहेश কিন্তু যাহাতে দোষী ব্যক্তির প্রাণনাল। দেটা বিভ্রনামাত্র। দারাদিন গো সম্ভাবনা হয়, এরপ সঞ্জিধান উচিত গাদির ন্যায় থাটিয়া কাংগ্রই পাঠে হয় না : জেলে খাটনীর ও আহার দিবার | জল্মিবার সম্ভাবনা পাকে না ; সহু ব যে ব্যবস্থা আছে, ভাষা বন্দীদিগের আবণ নিভান্ত কটু ছইয়া উঠে। এ

क्रेश छटे। बन्दीता लाक्य বিরুদ্ধ ব্যবস্থার করিয়াছে বলিয়া গবৰ্ণমেন্টের বৈরনির্ম্যান্তনার্থী হওয়া ভচিত পুণাঠকগণ এড अक्रेश अञ्चलान क्षिट्र मा (य, अ **(क्टल निक्या दिनक्षा था**किया चाः कालरक्ष कक्रक, भागता वहें अ করিতেছি। যাহাতে তাহাদিগের ব অভ্যান থাকে, কুকর্মগ্রহন্তি নং বৃ ও ছবিত বোষ मः माधिक इव এवः **क्रम** ना रश, व्यथक श्वर्गरमा के क्रम আয় হয়, এইরূপ করিয়া থাটনী ব করাই উচিত। দে বাবস্থা এই:---वन्दीता ३० हो व्यवधि ६ हो।

কর্ম করিবে। বাহার যেমন ক্ষমতা,

विद्विष्ठना कतिया कर्य (मध्या इर् এक कर्ष्य এक अनटक मात्राहिन নারাখিরামধ্যে মধ্যে কম পা করিয়া দিতে হইরে । যে ব্যক্তি ও কালে ঘানি গাছ ঘুরাইবে, তা বৈকালে চট ও শতরঞ্পভ্তি রু ए इस कर्जवा। अहेक्रटम श्रीह नीत व ক্রিলে বন্দীরা সোৎসাহচিত্তে প্ৰায়ন্ত হ**ইবে সম্পেহ নাই।** তা প্রবিমেন্টের এক্প্রার অপেকার লাভ হইবার সন্তাবনা ৷ কেবল এট নয়, তাহাদিগের নিজেরও একটা ম কারলাভ সন্তাবনা আছে তা ছে, ভাষারও পরিবর্ত করা একান্স বশকে;ভালাদিগকে উদর পুরিয়া হার দেওয়া অবশা কর্ত্তব্য। আমরা বের জেনের যে অন্যায় ব্রেছার ও हार्काद्रत विवस्त्रत উस्मिथ कतिशाहि, র্বার্ণের একমাজে উপায় ভাল কেরদার। দৃঢ়তর তত্ত্বাবধান। ঘাঁহাদি र नहाहासूशक प्रश्ना, कर्डब्हा कर्डवाटवांब. रिक्तन। ও धनाप्ताक्ष्यित घुन। घाटक, দুশ পরী**কিত**চরিত্র সু শিক্তি ক্তমিগ্রে মনোনীত করিয়া অসুস্কা নর পদে নিয়েক্তিত কর। কর্ত্রা। ধরা পুরামুপুর অসুণস্কান করিলে हरे व्यक्ताहात कतिएक मारुशी हरेएक

यनि त्कह अञ्जल तर्हन, अधन छेन কোল থাটনীর নিয়ম ও আছেমিশন ার ব্যবস্থা আছে, তথাপি **অনেকে**র সংশোধন হয় না, ভাষারা পুনঃ পুনঃ म करिया कांब्रामाद्य मिया क्व एव, ভাষারা যদি আমাদিনের প্রস্তাবা न प्रऋष्माः अस्तित अस्ति हो हेत्र, कमर्था लाहक काताबाहम यह হুইবে। ইকার উত্তরে আমাদিপের ব্য এই, ষেরপ লোক অপ্সাত্র : क्तिरगत्र फिन कुटल (कर् गारे, बाला ল কারা প্রবিফট্ট্য়া পিঞ্চববস্থ র ন্যায় স্বাধীনতা সুখের অরমজ্ঞ ছে, ভারাই ঐরপ করে। কিন্তু रिश्वतिकात्रविक्षक क्षेत्रा अक श्वारन e ইয়াধাকা **কি নামান্য ভোগ** ? मिट्रांत पार्टिक धक्रें श्रीहरू, ারা বাটীর কর্তা; ভাহাদিগের ভালির ভূরণ পোষণ ভালাদিগের র্জনের উপরেই নির্ভর করে। शिष्यंन कांद्राभारत ऋष हरेल, দালে ভাহাদিপের জ্রীপুরোদি অন্নের

क नानातिक इहेश (बड़ाहरक

लागिल, फाहाता कि मा छे लार्क्डन कतिता , रहेता आहर । अध्य कि कि हित्र तत्र म भवर्गरम्केटक मिर्ड मानिन! अहै। कि । विजीय क्लांड स्मानियम। अहे इ নামান্য কাউর বিষয় ?

७ भारताहरू दिल वक्त बार करे, भारती भिन्छे यमि यथार्थ**ई कट्यमिमिटशत कना**र्ग কান হইয়া পাকেন, আমারা খাটনীঞা-জ্তির যে মৃতন ব্যবস্থা করিবার প্রস্তাব করিলাম, তদপুরূপ কার্যা করুন, অভীকী कार्छ समर्थ इहेर्यम ।

> विधादभक्ति कियात छ स्मामामिद्राव বংবস্থা ও বিচারালয় •

বিচারপতি ফিয়ার বিশেষ চিদ্রা ना कतिया कशन (कान विषयः श्वाणि थाय वाक्त करतम मो। **घठ£व** कि সমাজ, কি দাহিতা, কি বিজ্ঞান, কি আইন যে বিষয়ে বিচারপতি যখন কোন অভিপ্রার প্রকাশ কবেন, তাহা স্ক্রা ধারণের মনোনিধেশপুর্বক ভাবণ ও জির্চিত ক্ইয়া ভাছার পর্যালোচনা করা কর্তব্যা সমাজিক বিজ্ঞানসভার शह वार्षिक व्यक्षित्व नेन निवटन विहाह প্তিকিয়ার এ দেশের আইন, আদা লত, জেল, পুলিষ ও ভূমির বনের বৈস্ত বিষয়ে একটী উত্তম বক্তা করিয়া ছেন: জেলের বিষয়ে আমাদিগের যে বক্তব্য, ভাষা পাঠকগণ প্রস্তাবাদ্তরে नर्जन कहिरवन, प्याभाभी बारत वक्तवा শেল দেখিতে পাইবেন। পুলিষ কাংশাই ও সুখো সুখী ২ইডে চায় ও ভূমির বন্দোবত্তের বিষয়ে আমিরা অনেক বার যে মত প্রকাশ করিয়াছি, বিচারপতি কিয়ার দেইপ্রকার মত ব্যক্ত করিয়াছেন। আতএব ভদ্বিয়ো বাক্যব্যয় করা পুনক্তিশাত হইবে আবাইন আবোলভ ও বিচারের বিসয়ে किनि ध अजिथात थकान कतितारहन, অন্য তাহাই **আলোচনী**য় হইতেছে।

> পৃথিবীর মধ্যে তিনখানিমাত্র आहेन मर अह अह मकरनत्र व्यक्ति हन .

এই থম কেনির অন্তর্গত। আইন আন তৃতীয় শ্ৰেণীর অন্তর্গত বলিয়া প ণিত হ**ই**য়া পাকো। আপার এব ক সং এই ইহাদি**গে**র অংশকা বড় বি নর। সেখানি ভারতবর্ষের দওবি জ্ঞাকিয়ম, নেপ্লিয়ন ও আক্ৰৱ ক জন অভিশয় উপযুক্ত লোকের পর লইয়া আইনসংগ্রহ কারয়াছি ইংলতে ব্যবহারাজীবের অপ্রাতুল : কোক, মানস্ফিলজ এলেনৰ্রা, ডেন, লিও হর উপ্রস্তি ইদানী কুন व्याठीनकादल इत्या स्था वात्रहा अधी প্রতিযোগতি।প্রদর্শনে স কিন্তু মহাসভায় আত্তৰার গোল হয় বলিয়া বিশুদ্ধ যুক্তির অসুস আ डेन जन्म পরিমাণে দৃষ্ট হয়। 🕏 বিচারালয়ের নিষ্পত্তি অবলয়ন করি रेश्लटकत यां ब जीव विष्यानात्त्र व চয়; কিন্তু এ দকল এত অধিক, আ ও পরস্পার বিরুদ্ধ মে, বস্তুকাল হাং ना कहित्स विदल्ल इन्ड इन्देश हैं । स ব্যবহারাজীবভিন্ন কেহ ইংল্ড আহিন্সমূহের জুল মহতে প্রছণ ক माल कन ना। विकारणी कि कियांत्र का कांत्रक्रदर्ध क (भागतिग्ध माहे। क কার ব্যবস্থাপকগণের মন স্বার্থ ও म्लिश्रक्षित शाह्कीववाल विक्र দূবিত নয়। কিন্তু এখানকার আইনং দরল ও প্রণালীবজ নয়। বিচারণ ফিয়ার ইছার একটা কারণের উ ক্রিয়াছেন। জিনি বলেন, এ দে। क्षान आहेन श्रीय आहेन मनंतिमर्शन निक्षे इरेट 2.अठ इ আৰ্টিনে। এখনিকার ব্যবস্থান ভাহার কোন মূল নিয়মের পরি করিতে সম্পূর্ন্না। আছেন কমি গ্ৰ অভিশয় প্ৰস্তুত লোক বুটো ভ উাহার৷ আ দেখের অবুস্থা জ ग्रंद **व्यदशंख नट्टन , उँ। श**्रितंत्र नित्र अल्लो; काटल काटलहे छ। शाम त 🚁 ७ व्याहेनगरून गर्नाकळूकत हरा । উহিবা আপুনার। আপুনাদিগের **রকা ও অবোগ্যতার** বিষয় স্বীকার ররা গ্রন্মেন্টকে এই প্রামর্শ দিয়া-ৰ কৌজপারী কাষ্যবিধি ভারতব্বীয় कालक मकाट वह श्रव ह स्या विका ডিড কিয়ার যে দোষের ওলেখা করি ছেন, ইহাই যে কেবল সকল গোল পের কারণ ভাহা নয়। ভিনি নিজে কার করেন, নেপলিয়ন অব্ধ্বা আনক ার নাায় এক আচন অংশাধারণ বুদ্ধি **'র লোক অধ্যক্ষতা না করিলে** च्छा **मर्थाङ् स्त्र** ना । (शांक्षरयारश य কাক হয় না ভাছার সক্ষেত্নাই; দ্ধ কেবল নিজনিনেও হয়না।যে সকল কে জাফিনিয়ন, নেপ্লিয়ন ও আকৰ । मार्गपा क्टबन, जिल्ला टक्वल काताकीय नटकन, डाँकाता तकिनीक লৰ এবং সকলে আপিন আপেন সম লোক্দিগকে উত্তমরূপে জানিভেন তেবৰ্যের ব্যবস্থাপকগণ সে ধাতুর ক নহেন। সভাৰটে একণে **ক**য়েক এতদেশীয় সভা ব্যবস্থাপক সভায় বশ ক্রিয়াছেন; কিন্তু উচ্চারা এরূপ (य उँ हि नियात निकटी दरद्भत्र अव का । मञ्जाबिक २८३। हे लट्ट (य मकन म च्या हेन हहेशां ८ छ, इश्लेम व्यव के प्रका চার প্রস্তি। ভাগতবর্ষের **ইউরে**চ কাৰত্বাপকপণ প্ৰায় র্ভাসি্বিলি । ভাঁছারা যথার্থ ব্যবহারাজীব ও मी जिल्ला नरहन । हेश्ल ७ इन्डेट ज এक अपन व्यक्तिमः को ख का है-, ভাঁহাদিগের সকলে প্রথম শ্রেণির ১নছেন। সর বার্ণের পিকক ও া নাহেৰ গে ছই জন উপযুক্ত লোক ्रास्टिशत अक समय तासनी

क्थि मरहम ; त्राममीजिस मा इहरमा যথাৰ্থ বাৰস্থাপক হওয়া যায় না। **डॉ**शर्स व्यक्ति व अस्तान किंडूहे काटनन ना। अञ्चलात काटकत हाता কাজ হওয়া সম্ভাবিত নয়। কতপ্তলি इक कुम का शर्विणा कि निविणियान, এক জন পক্ষপাতদূবিত "ইংল্ডীয় ৰাব श्राकीत, इसे अपने ना बावश्राकीत ना बावकाशक विविक , धवः करशक्षम কেবল পদে ২ড় ভারতবর্ষীয় সদার इंड्रांब। कि विहात शिष्ठ कियादिक केटम्म भाधन कहिएल भारतम १ अनकन लाक रहेटड मर्था मर्था कर्तु के चारेस्तर नारा ভয়ানক ব্যবস্থা ইইবারই সম্ভাবনা। অত এর ইহাঁদিলের দমনকর্তা স্বরূপ ইংলতে ক্ষেক্জন ক্মিশনর পাকেন, এটি প্রার্থ नीय। क्रिमनद्रभग विषयविद्रमध्य ज्या পতিত হন, একথা আমরা অসীকার कति मा। यथारम सम्बन्धम राहरवत्र नाम् ধ্যৰজ্বাপক সৰ্কে সৰ্কা সেখানে বহু অনুধ घरिंदात नमश्रिक मधावना । कनकथा अहे যতদিন ভারতবর্ষের যথাপ বুজিমান लाकमिश्रक अञ्चल कहा मा हरेरव. उठ दिन बाबकाक्षनसन विवर्ध व शानरमार्ग इहेरव डाइ! निवात नीय नरह। म प्रस्थ ইংলতের টেম্পলের ন্যায় আইনশিক্ষার স্থান করা আনাবশাক। প্রতিনিধি প্রণালী কিয়দংশে বিজ্ঞারিত করিয়া মধ্যম ट्यानित काधिकमश्चाक लाकरक मामन নিযুক্ত করা ও ব্যবস্থাপ্রনকার্য্যে कर्त्वता । अध्या धनकल क्रेटल भन्नार ইংল্ডের আইন কমিদনগ্রিগের হস্ত হ**ইতে মুন্তি**লাভপ্রস্তাব শোভা পাইবে। 'ভাহার থাকিতেআর কিছু নাহউক, ^ইংশতে পৰ্ম পাতপূৰ্ণ মাইন প্ৰস্তাৰ আহা হইবে ना । इर्ज औद्योगितात अहे श्रीता (य पिन लुश्र इहेर्टन, रमहे मिन अवधि हेरहास র†**ক্তে**রই ক্ষার ড **क्ट्रेंद** ।

व्यामास्टिम्ब विषात्रान्द्यत বিচারপতি ফিয়ার যে কথা বলি काशहे माधानटनेत्र मक । अक्रनकार (कता क्रितात क्रमान्द्रशत क्रटर्लेका (উপযুক্ত কিয়ার সাহেব তাহা সুং न्दीकात कतिया बालग्राट्स, कवा उ অক্সিপের আপীল আমালত উ मिशा अंक कारल क्षशानजम विका আপৌল করিবার নিয়ম করাই কিন্তুষত দিন সিবিল দৰ্কিস থা **ভতদিন তাহা হইতেছে না।** পার ना शोक्रन वक्त मार्ट्स्वत मनुष्य খার কিছু কাল বিরক্ত করিবেন नारे। य ऋत्म अक्रम अनिये निर এক উপায় আছে। খাদমাপীল (य अक्षेत्रे क्ष**रक्षत भारह, काहा** করিয়া দর্বস্থলেই ঘটনাও আইন गश्रद्धा क्षश्रामकम विष्ठां त्रांकर क করিতে দেওয়া কর্তব্য। এধানত রালয়ের বিচারপতিগণ চেন্টা ব এটা অনায়াদে করিছে পারেন।

> কুষকেংস হিড চিংস্থায়ী বন্দোক বজের সোপান।

জন (ইুচি সাহৈৎসম্প্রতিভ'র বাবস্থাপক সভার এক মকেপেকার নের পাঞ্লেখা উপস্থিত করিয়া উত্তরপশ্চিমাঞ্চলের এক জন কুদক য রের অনুমতিনা লইয়াটিকা ফমি অবীদাব তঃ করে; প্ৰৰ ভূমি হইছে বছিদ্ভ ক দেন। এ বিষয়ে নাজীশ ও অংপী য়াতে প্রধানতম বিচারালয়তে প বর্ত্তমান আইনের অনুসারে জনী कारमात अञ्चरमाधन कतिएक हरे কিছ বিচারালয় থলেন, জল বিন্য উৎপদ্ম হয় না, সেই ফলের নিমি খনন করিলে এজা ভূমিচাত আংইন অভিশয় অসমত। ট্রেচি

বস্থান্তাৰ করিয়াছেন, উলিখিত র কৃপ ধনন করিলা প্রজাভূমিচাত না। জামীদার যদি প্রজাকে ছাড়া পেন, ড'লা হট্লে সে যে উল্লেড ৰ ক্ষাতে ভাহার **ক্তিপুর**ণ क स्हेरव । अहे विषय लाहेशा वाव চসভাগতক বিতক হয়। কজেল ৰপ্ৰভূত জমীদারের স্বত্বে হানি ব লিয়া প্রতিবাদ করেন। কিন্তু সর নরেল বলিয়াছেন, তাঁহার শাসন াম,দ এই এক্ত'ৰ বিধিবৰ হইত, **হইলে জিনি অংপনাকে গৌরবা-**জ্ঞান করতেন : তঁ.ছার অংনুরোধে खुरलयः है। जित्लक्वे कमिष्टिव इटख পিত হইয়াছে।

মামরা প্রকার সহিত চিরস্থাী বি**স্তের যে** ঐস্তোব করিয়া **অ**নসি **, এটা ভঃছার প্রথম সে,পান স**দেক ৷ কি**স্ত** এস্তাবকর্ত্ত: এক্লুড পাথে র্বণ করিতে পারেন নাই। জনীদার কাজিয়া লইবেন বলিয়া এছো খনন করিছে পারে না, ব্যবস্থা এ**জাকে এই ক্**মতা দিলা কাতি দিকেছেন। বোধ কর, এজন মূব বিনিয়েকিত করিলামর ভূমিকে করিয়া **তুলিল, জমীদার কর** হৃদ্ধি লন; ১২০কা অসমত হইয়াভূমি করিল। এতাবিত পাঞ্লেখাটা বন্ধ হইলো সে আপতি পুরণ প্রাঞ্ । কিন্তুসে সে কা. উপুরণ কিন্তুপ २ अभीकात कि न**श्रंक पिर्**डन ह ্্যক্তিম থথার্থ মুল্য স্থির করিটবন ৪ ানী অংশলেজকে ইছার মীনাংসা ख इड्रेट्द : इड्रेड्ड *(कवल* सकफ्र-२०४॥ दृक्षि हहेर**् भरमह म**हें।

क्षेत्रिवाद गार्थ योग माहेन कहा कर्ववा

চার্চইলে ক্তিপুরণের মকক্ষা

করা[্]আবাৰশাক হ্র**. কিন্ত** একটা

न्द्राप्ती वटम्मावस्ववास्टित्तटः स्टब्स्य अस्ता स्थान स् ৫ তীয় মান স্প হট নাই। বনা হইতেছে, ব্যবস্থাপকগণ ক্রমশঃ এজার সহিত চিরস্থায়ী ব**ন্দোধন্তে**র অভিমুখে धावमान इके एक हम ; किंख अक कारल 2.क्रू अटथ अमार्भव क्रिक्ट मार्गः हरे তেছেন না। যথন আনিট প্ৰতাক হই তেছে, তথ্নসাহস সহক;রে যথার্থ উপায় व्यवस्थान कहा कि जितिक सरहर अभीना द्वता अमस्रके इटेटवन शवर्गतमण कि धह শক্ষা করিতেছেন > গার্গমেণ্ট মনি জনীকার निशतक **উर**शका क दशमाका २ मध्यक প্রজাব সহিত স্থায়ী বদেশবন্ধ করেন, ত;হা হইলেই ভাঁহাদিবোর অসত্তেবের প্রকৃত করেণ ঘটে, আর যদি তাঁহাদিগকে य्य वर्जी द्वाथिश कटदन, तम व्यमदश्रारमद সম্ভাবনাকি ৷ যদি কেহনা বুকায়া আস ष्ठाव क्रकाम करत्रन, बुबारक भातिरलहे काहा प्रमुख स्ट्रेटन । याला क्ष्मिक, द्वितिनाद्यव अভिশा সদনুষ্ঠানে করিয়াছেন, আমরা ভঁহাকে অহুরোধ করিতেছি। তিনি क्वल छेड्ड शिक्ताक्षरलड क्रवक्षिरशंद নিমিত্ত আইন করিবার চেম্টানা করিয়া ভারতব্ধের সমুদায় রুণের নিমিত্ত कतिवात (छक्षी) कंत्रका । यक्ति शवर्गरमा लेह এক কালে কুন দিগের সচিত স্থায়া बर्मि'वल कतिराज धाकास्त्रहे माहम मा हर् অংপ ভতঃ এই আইন করা উচিত যে. বে ভূমিতে কৃপ, উদানে বাটী, কারখানা এভূতি করা জইবে ক**খনই ভা**ছার क । इश्वि कता व्हेटव न!। क्रूबटकद्वा प्रष्ठ রাচর সামানা কুটীরে বাস করে। বাছা দিগের সমতি আছে, ভারারাও 9 C4 উঠিश यहिएक इहेरव, यह अक्रांग काल घत्र कटत्र म्। कत्र कृष्क्तित्र खत्र मधाना खत्र नरह ; ७३ निभिन्न कुर्यक्षण (कान भकात ফ্রতর উল্ভির কাছো যত্রবান দুকী হয় ना। यत्र सम्बन्धाः स्टब्स्ट्राह्म स्थानम्बन्धाः लङ्ग

माज इंदेल। किमि क्रुव म्लिर्शत यथ वक् , इटलब वटहे ; कि के यथ नगरम ना ও অধাবসায় অস্পনি কহিছে নাপায় नाधन कतिएक श्रीतिसन ना । नामनकर्षा क्रयकमिश्रदक अभीमात মহাজনের হস্ত হইতে রক্ষা করিছে প বেন, তিনি স্বৰ্ণময় প্ৰতিমুৰ্ত্তিলাৰে (य:शा भाज इहरदन मटमाइ नःहै।

> नद सन नर्दरकार अभागार्थ (PIRETE)

কতগুলি সিবিলিয়ান ও দৈনি পুরুষ গত লেমেবার টৌনহালে সর লরেশের সমানার্থ এক ভোচ্চ দিয়াছে সর উইলিয়ম মানস্কিল্ড অধ্যয করিয়া উঁহোর প্রসংশাস্ত্রক একটা দ वर्ष्ट्रका वर्तन । तत् कम लरङ्का ध्यः खरमानकारल जाशनात्र माननमहत्स्र कश्मी कथा बरलन, काहात आरमकश উৰাষ আহেণ ভূষিত। তিন আক **ভানের বিধনে যে র**ংজন**িত আন্**রঃ করিয়াছিলেন, ভাহতে যুক্তনা राहे। अजि हें इन्न भीतद्वः विवत मा नारे; किछ र जहां उ 🛬 हिटनत सूट ব্ধনে<mark>ইবে সমর্গন করিয়াছেন, সেটা ঞ</mark> कत्र नरह। मत्र कत् लर्ज्ञ कुर्जिकर नेवात्रवार्थ (व जिला ज्याः वर करि ছেন, ভাষতে ভারতব্ধী ঃদিপের क्रुडक्रड:तरम जास इटेट । भरमाह स এটি। उर्देशन यथे। ये आधात विषय । ১ ष्या काँहात (स १ मानाक इत, मिल नव वर्व हैं मन्द्रेशमहित्य कृतिक वाम मिश्री किन निविद्यहमात काळ शारक्त । लीकशिक्षत्र विषद्य स्व आग्न काम क्रियार्ड्स, (ज़ीं) चरि क्रम्भीता अ तम्भीविष्ट्यत म अन्दर अवस्थान क ततात विवदम अदम निश्रद क (व श्रद्धां स्वादक्रम, न

त अभाग स्टब्स निर्मित शिवास रिक्रा २५०९ माइम छ। तक्वितिस्त्री यो में क तत्म देश्लाम रिम्माशन रिम्मालका कतिरक शाहित्यमा, এই श्रीकात कतारक नत कम सरतरमत न महिमा श्रकाम हहेगारक, ध्रक्तभ मग्न, रूष स्थानक देश्लारकत विस्कृत मिक्सा व।

— তে;— ভূতৰ পুস্তুক ও প ব্ৰকা।

নি বিদ্যাসাগরক উপক্রমনিকার কি অসুবাদ। প্রেসিডে জিকালে জের বার্ কি বিদ্যাপাধ্যায় এই অসুবাদ করি না এখানি ছিতী থবার সংস্কৃত, র মূলের অবিরোধে অনেক সূত্রনা পরিবেশিত হইরাছে; স্থানে স্থানে কিছু পরিবর্জ করা হইরাছে। এত ও হারা ইহার অব্যব পুর্বাপেকা কেড্ওণ রুদ্ধি হইরাছে। এত ও হারা ইহার অব্যব পুর্বাপেকা কেড্ওণ রুদ্ধি হইরাছে। এক্তেও রুদ্ধি হুলাকের নাম অধিক কি কালিকার ও বিশেষ উপাদ্ধির । ফলতঃ এখানি সংস্কৃতেও প্রিরার একটা স্ক্রের উপাদ্ধি করিরার একটা স্ক্রের উপাদ্ধি

লালা বিদ্যালয়ের অনাজর শিক্ষক

ন বাবু হৃদ্যনাথ দাস ইহার সঙ্কলন

হিচান ইহাতে কতগুলি পরীক্ষিত

পরাক্ষিত সপবিধনাশক ঔষধ

ত হইয়াছে। চিকিৎসক দগের

নর পরীক্ষা করিয়া দেখা উচিত।

বা লম্পটদমন। ইহাতে গ্রন্থ

র নাম নাই। গ্রন্থ দার একতারা

টদনন হইবে, মনে করিয়া একত্

ন করিয়াছেন: কিন্তু আমাদিগের

হুট্ভছে, বৈপরীতা অটিবারই

পাইতা বুলি হুইবারই) সমধিক

। সপ্যি:তঐতীকার। মেদিনী

て 夏り

बना ।

৪। হিত শিক্ষা তৃতীয় তাগা এ
ধানি কলিকাতা নর্মাল কুলের প্রধান
শিক্ষক প্রীযুক্ত বাবু গোপালছন্ত বন্দ্যা
পাধ্যায় প্রণীত। নানা হিতকর বিবয়
লইয়া এখানি রচিত ইইয়াছে। ব্যাকর
পের সন্ধিপ্রকরণও ইহার অন্তর্ণিবিতী
দৃষ্ট ইইল। এবাবস্থাটী আমাদিগের
বিবেচনায় উৎক্ষি বলিয়া বোধ হইল
না।

৫। রিকেলেকর । এখানি ইংরাজী
নাপ্তাহিক পত্রিকা। আলাহাবাদে প্রকা
শিক্ত হইতে আরম্ভ হইয়াছে। তুই এক
নংখ্যা দেখিয়া সম:চার পত্রের বিবয়ে
মতামত প্রকাশ করা বিধেয় হয় না।
ইহার বিতীয় সংখ্যায় একটা অশুভলক্ষণ
লক্ষিক হইল। ইউইপ্রিয়া রেলওয়ের
টেলিগ্রাকের সুপরিকেতেওঁ প্রানির
অভিযোগের তয় প্রদর্শন করিয়াছেন।

্ৰিবিশ্বসংখাদ। ২৯ এ পৌৰ গোষবার।

सामताव विज्ञन्। लिकाः। सम्प्रक कात्रमाहेत गार्व मध्य कि अक मृत्र क्रिकेट के कित्रमध्यः। एक वि अखित अवर कक्कित महना अ मध्यारकम आख इरेग्नाइन । क्रिकेट क्रियां। क्रिकेट के कि विद्यां कर्माहिन । क्रिकेट क्रियां। क्रिकेट के कि विश्वार करा क्रिकेट क्रियां। इरेप्कर । कात्रमाहेल मार्व सङ्गान करत्न क्रिकेट क्रिकेट क्रिकेट क्रियां क्रिकेट क्रियां क्रिकेट क्रिकेट क्रिकेट क्रिकेट क्रिकेट क्रियां क्रियां क्रियां क्रियां क्रियां क्रियां क्रियां क्रिकेट क्रियां क्

कः निर्माति वर्षान विकानत्त्र हहे सम होत वर्ष सम्मानिक करण श्रेष्ट्र करात्त्र हुइ सम भवर्ष महिलाक विक्रम् कर्म द्वित विश्वाद साम्या निर्माणिया का स्थान हुई वर्षण पर्व स्थान

দিল্লী অঞ্চলে অনার্থিনিবল্পন প্রায়

১০.০০০ গোমহিষ প্রাণ্ড্যাগ করিয়াছে। জুই
না চইলে আরও ভয়ানক কাও হইবে। এক
কল্যি অস চারি জানায় বিক্রীত হইতেছে।

३४ ४९ १७४ मटम शकार्यत दिमाल्यत निभित्त १९,०४,६९४ होकः वृद्ध इरेग्नाटम् । हेशत भएषा १.०३२७४ होका मतकाती तासम्य इरेट्ड अवर १०,०३२५४ होका मरग्रीक मूल धन इरेट्ड २६विक हरेम्नाटम् । व्यष्ट्रस्य विकारभय व्यक्तीक व्यक्तिय भाव मारस्य क्षेत्रसम्बद्ध केररकार शहन व कारम्य कटिम भवित्रसम्बद्ध महिक किम व स्मान ७ ३ - • क्षेत्रक स्वित्रमाम स्टेबार्ट

वेटका वेक्षेट्राणीय करतम शुरक्तम पृष्ट मान्य व राज्य कि दर्गाणिय व्हेटक व स्मान कर का मान्य का मान्य

किरतास साहास स्थातात है स्वयाप्त न करतम स्थानामी ३३ अ साझ्डाति शि छ । सितं त्यहेम साहारस अ राम्भ स्टान कतिर

अनी क्लाबि व्यक्त संशिता हैनि नश्यान (धार्तन स्वित्यन, छौशिशिक बारकात क्रिक्ट स्टेंटन । संशिता हिल्लि व्यक्ति क्रिक्ट स्टेंटन । संशिता हिल्लि भाक्त छोष्ट्र हिल्लिश्वाद्य साहेटन । है। भूषक छोष्ट्र स्टेंटन । है। भूषक छोष्ट्र स्टेंटन इतिम चन्न । अक्षे भूषक छोष्ट्र स्टेंटन इतिम चन्न । अक्षे भूषक छोष्ट्र स्टेंटन इतिम चन्न । अक्षे भूषक होत्ति निकटि (धार्तन कर्ता स्टेंटन । अ महित्र स्वति महिल्ले । स्टेंटन विकटि । अ महित्र स्वति महिल्ले । अन्न स्वति । अन्न स्टेंटन । अन्न स्टेंट

मत साम मार्क्ष का व अकी बहर है
कितिसमा अना अध्यम अवस्थि हा कित कितिसमा अना अध्यम अवस्थि हा कित कितिहास अन्य इहे भग्ना निमा व्यक्त (भवित्व कर जाना अवर कक्ष किता व्यक्त (भवित्व कर जाना अवर कक्ष किता हा भवित्व कर जाना अवर कक्ष किता हा भवित्व कर जाना अवस्थ का हा स्थान भवित्व कर का मार्कित भवित (का नवन क्ष जाना मार्क्ष मार्कित भवित (का नवन क्ष भवित्व हरे भग्ना, अक किता व का जाना निश्व हरे भग्ना, अक किता व का जाना निश्व हरे भग्ना, अक किता व का जाना निश्व हरे भग्ना कर्म क्षिता अक जाना निश्व हरे भग्ना कर्म क्षिता अक्ष जाना निश्व हरे भग्ना कर्म क्षिता आहम भीवित्व कर्माम, अवित्व क्षेत्र क्षिता का वित्व क्षेत्र क्ष

गन्निति कानून इहेट प्रश्वाम शहित्र भावस्म वहमन मण्यू जिल्ल शहित स्वत्र स्वत्र भावनाथं भावस्म । भावनीय स्वतिष्ठ शिक्षां स्वानित्र गिका विद्वा माहायः स्वतिष्ठ हिम्म स्वानित्र गावात्म प्रकृष्ट्राहः। अस्य सन क्रमीस् सायात्म स्वतिष्ठाहः। अस्य सन क्रमीस् सायात्म स्वतिष्ठाहः। अस्य सन क्रमीस् सायात्म स्वतिष्ठाहः। अस्य सन क्रमीस् सायात्म सामान्य स्वतिम, मिस्स स्वतिस्व स्वतिस्व सनीम्मित्रात्म स्वतिस्व स्वतिस्व स्वतिस्व स्वतिस्व अस्य सम क्रमीस् स्वातिस्व स्वतिस्व स्वतिस्व विद्वारात्म विद्वारात्म स्वतिस्व स्वतिस

हेत्र जिला प्रचित्रा छाहादक कार्यान्यक कार्य ।दिश्व। कैशित विक्रटक सिशीम केत्रिवात ত্ত আখুন্দ এক খোৰণা করিয়াছেন।

एको अह मामाविभिन्नत कारमञ्ज कलिकाछ। इ

वेनरामासूद अक्षर्गक स्हेब्राटकः র অন লরেল পদত্যাগকালে নিয়লিখিত

দলিপকে উপাধি প্রদান করি**রাছেন**। নিন জেলার অভগতি ক্রালি পরগণায় চৌধুরী নাসংহ শাসনকার্বেরে সহায়ত।ও বিদ্যার াৰ দানের বিনিজ বার্বাহাছর উপাধি পাই শ মেডিকা**ল কালেঞ্জের স**ব আসিষ্ঠাণ্ট

নি মাৰুরামনারায়≁লাস রায় বাহাছর ও **ৰী ভামিল ব**াৰা বাহঃছর উপাধি পাই

াঞ্চাব প্রবর্গনেটের প্রশ্না**হ্**সারে ভারতবর্ষীয় ৰেক বিভান্ত কার্য়াছেন, যখন কোন কণ সহর বংকুষা হইতে পাঁচ মাইলের অধিক ৰৰ করিবেন, তথন ডিনি পাথেয় পাইডে ৰেন। এপর্যন্ত ১০ মাইলের ভিভৰে बाह्य (मध्यमा व्हेष्ठ ना, क्री किङ्क कार्यक कार्य हेस ।

फक्ना(दम: १।३६ मम्(प्र फ्लिप्र म्म्य व्हेब्राङ्गि । शूर्व व्हेट्ड शिष्ठम मिर्देश ী, ইই মিনিট পর্যন্ত দোলায়মান হয় : া**ড়∵অ**ড়ালিকা সকল পাততঞায় হইয়া **ছু**ৰিকম্পের স্বায়ে দু1(রভ কাষানেব র ন্যায় একটাশক হয়। পৃথিবীর ফং বৈত হইয়াছিল এবং সংস্পৃত্ত লখ্য তীরে উপিত ইয়। ভূ:মকম্পের পর পুক करन आयु कर्बचारिका भगाय उत्तरमाना ছিল।

। मक्क रेम्स प्याविजिमियात युर्फ शस्त ভাষাদিশকে এক একটী মেডাল দেওয়া

লিক:ভার বিশপ, আর্ক উকল এবং ৩২ বেশ্যেটের বেভনভোগী পাদরী সর জান লে এক অভিন্দুন প্রদান করিয়াছেন कन तालश्रक्तकत है है दिल्ली है अक्सानि मन्त्र किर्वस ।

१६८म अर्नभनि साब्दि एकेशाएकः अक চ্ছক বিশ্ল নর ইঞার। চারিয়াছেন। সিং ।- থাকিকরে *সম্পূর্ণ* স্তাবনা। প্রাচীন ইকাতে এত অনু পাওয়া ধাইত যে * শুৰ্ব का " श्रदानवाका व्हेंब्राट) ।

एक बाचुण । महात था नरक विक्रिण अव , अधान कामगण्य, केवत्रमाणका का मशादात লেপ্টনাণ্ট গ্ৰহ্ৰ এবং কাটানুগ্ৰান্থ্য হেসি (क्रके मद्र कान नारवरकात्र निकट**े** 'वेशाय नाहेद्र्ड | আসিয়াছেন :

> আমরা ইউরোপীয় টেলিঝাম দর্শন করিয়া অভিনয় ছঃখিত হইলাম সর ছারবাট এড ওয়াডস প্রাণ্ডগাগ করিয়াছেন। সর ছাগ্রাট এডওয়াডেস সর ছেনরি লয়েজেব এক জন ছাত্র iscen . अक्षांत डीहात विकास खादनक विवास ক্ৰী আছেন: ডিনি পঞাৰী কৰ্মচাইপভাৰ क्रमञ्ज्ञ सर्वञ्छ। हात्र कतिएकम वर्षे । किञ्च क्रा निश्च শুনিয়া কখন অবিচার করেম নাই : বিলেচের সমল্পের হারবার এডওয়ান্তস শীক্ষিগকে বিশ্বস্থ রাঞ্চিবার নিমিত্ত অল্ল চেষ্টা করেন নাই : भवक्षां क्रिया हेश्मर छ। क्रिका क्रिका ভারতবর্ধের কল্যাণ ও ভারতবর্ধীয় দিগের রাজ নীজিদংক্রান্ত উমতির নিমিত্ত চেষ্টা পাইজেন সিবিল সার্কিসের ভার উদ্ঘটিত করিবার নিজেত ভিনি বিশেষ যত্র করিয়াছিলেন। ভিনি নিজ্ঞুক সর হেনরি লরেনের জীবনচরিত লিখিতেছি লেম : আমাদিগের আশক্ষা হইক্তেছে এই গ্রন্থানি হর ড শেব করিতে পারেম নাই।

মান্তশন্তের প্রেসিডেন্সি কালেন্সের সংস্কৃত অবলপ্র পিককোড স'তেব সংস্কৃত এছ সক লের সংগ্রহ করিবার ভার পাইখ়াছেন : চলিড ভাৰার যেসকল এছ সাহিত্যও ইতিহাস श्रदक्त हार्डा कभी हा, फिलि (शतकासहस्र अर्थह করিবেন।

বস্তানীয় ব্যুক্ত অংশীনিগকে শতকরা ৮ টাকা ল'ভ প্রদান করিয়াছেন। টাকার বাজার সক্ষা হওয়াতে এক টাকা সুদ ও বাঁটা কমিয়া গিয়াছে :

उिलिमिकेन वर्णम, अवर्गमिक वाशमामिर्गर विद्यालय प्रमृहत्क (क्षांनिवक्त कदिया आञ्चकृतः মাজ দিবার মানস করিরাছেন। প্রতেওক বিদ্যা লগ্নের নিমিত্ত একসীবাৎসন্থিকদান নির্দ্ধারিত করা হইবে ভাগার অংথিক যভ টাকা বায়ে হইবে काश कानीत (लाकमिनार्क मिरफ स्टेरन। स्य श्राप्त हैका क्रेट्र का. (प्रशासकांत्र विकाशाया উत्रिम्ना बाहेर्य। अनाध्य अध्य कविरम समा নক অনিষ্ট হইবে।

फेक्कश्रक कादल बरमन, जानमामारन करसमित সংখ্যা অধিক হওয়াতে তথায় যাবলহীবন দ্বীপাস্তরিত লোকদিগকে ভিন্ন আর কাহাকে (श्रद्भ कहा बहरव मा। (वृज्ञात बम्मरवत स्नाह । क्षांतक्ष्यमः अस्यःमः ७ अक्तःमस्यतः (विकान्ते अभन व्यविधि विक्रिय वस्कृतः अधानः

क मनमद्दत अधीन मा व्यक्तिहाः र यशीय अवनेद्रमुख्येक अधीनक व्हेद्रवन । किन्न ंडनि के! श्रेष्ठ <u>मुङ्गम्ब प्रिट्यम्</u>, फेबन श्रेषान সমরের অ**পুথতি লইতে হইবে**।

शकारवत लाक्षेत्राके अवर्थत प्रकृतका मःकशिष्ठ मह सम सार्टिश्व मिकारे वि লইবার নিমিত জাগমন করিয়াছেন।

১২ ই কাছুরারি মঞ্লবার আরেল্যেয় ব रहिं भवर्षत्र स्थानवृह्णव कार्य, ऋाव अहर .चमः मत्र स्थम मदर्भ ४७ इ.साङ्गाति अ ভাগে ক্রিয়াডেন।

शक क्ला होनेश्रात वक्तरामंत नाम বিজ্ঞানসভার সাধ্বসাত্তক অধিবেশন হট্য বেচারপতি ফিয়ার সভাপতির আনসন করিয়া বক্ত ভা করিয়াছিলেন। সভার বি পুথক গৃহ না থাকান্তে ডেলছোসি ইনব্টিটিব अकि शिरश्व सिमिल आर्यनम क्रमा हो সামর। ছঃখিত হইলাম, সভার সভা সংখ্য स्टेएउट्ड मा।

৩॰ এ পৌৰ মঞ্চলহার।

প্রধানতম বিচারালয়ের জাটনী বাবু नाथ वक्ष अक महक्तालत नारम विल क बन्दाय है। का जावशार्य क्षषानाहात्रम य कें। ছমু মারের নমিত্ত স্থাত করিয়াছেন হিন্দুপোটিয়টের একজন পত্র

वरम् ममहाष्टि नी बाद्रम प्रमात अक सम रवाणीय वर्षाशंवी अब साम स्ट्रेस्ट उ ৰিত্ৰছ তুলিয়া লইয়া গিয়াছে। গ্ৰ'মস্থ লো: নিবারণ করিতে জাসাতে এই ছবুত ব श्रमभान करत, जाशास्त्र कांशाता नित्रस श्र বাধিত হন। রেইলওয়ের এতদ্দেশীর কর্মা शन शास्त्रक बालस, केशांख खाँदांत क्ष क्ट्रेट्ड शाहत, किन्हु ' काम काहा आहर -না * উত্তর দেওরা ১ইয়াছো এই ব্যক্ত শীল্ল লভে গমন কৰেবে। এবং বিএইটা আন লইয়া ব ইবার সানস করিয়াছে। এ ব্যতি অবিলয়ে যুক্ত করিবঃ কৌকদারিতে অর্পণ কর্তব্য । মিমু ত্রেণিব ইউরোপীয়গণই অ च्चलाहोत् करत् । क्या अक्षणरमञ् क्यांनी*ना* কোন কমতা নাই : এধানতম বিচারালয়ে क्युमा । क्रुप्टद्वार केहाता मिर्फ्टा यदिन्छ।

বাবুহরচত্রে ঘোষ বাহাচতের ক্ষরণার্থ সভা क्ष खाक्ष अल्लाक्करक वर्षमारवद दा কৰ্মচানী বাবু ভারকমাথ সেন লে বরাছেন, ब्राक्ष इद्रक्राप्त रक्षावरक विरूप्त जन्मान कहिए এবং ঊ। हात्र स्मारशार्थ हिंद्र कहिए छ हरेल सार मित्रम । द्राष्ट्रा क्रममाः चर्नरमद धाः**क क**र्द क्षा भि: बाउए ६३ । खाँहाउँ आना कर्खरः (१ इंश्वासमित्रान मन्याम करिटन करेल रूप्त चरमनीय मिर्गत क्षिय शाख ना स्टेरफ शाहि त्रकत कांक हे वृक्षा क्षेत्र । किसि अधन छ छ कतिरम शूर्त किमनकता मररणायन कवि পারেন ।

ጥርኛ!

मान कि स्वाहि स सम्मन वृद्धे, कृति कि स्वाहित ।
कि समित में में स्वाहित कि कि स्वाहित ।
कि सित के में सित कि कि स्वाहित ।
कि सित के से सित कि कि स्वाहित ।
कि से के दिवा की सित कि सित कि स्वाहित में सित कि सित कि स्वाहित ।
कि सित कि

निकाविकारण थाका इःस्थेत नामाखत

াত্র, ভাহার আর এক দৃষ্টান্ত পাওয়া গিরাছে
কিন কানাড়ায় কয়েক কন নিয়তব শিক্ষক
নিরায়ের জন্য জন্য বিভাগে প্রবেশ করাতে
ভ্রোজ গ্রুপ্রিক আজা নিরাছেন, বিভাগীর
নিনিনিরে জন্মভিতিয় কের জন্য বিভাগে
বেশ করিছে পারিবেন না। চ্যুদ্দশ পূইয়ের
নায়ে একজন ফরাদী আন্ফিসর জনেক নিন
কন, '' ভাত ! ভাপনার সহিত ভিনটি কৃপ।
কিন পেতন নচেৎ বিনায়। 'বাজা, বলিলেন ভোমার সহিত চারিদী কথা আদে, দুইয়ের
বিটিয়াতে ।

ত্রাচার করে ভাষ্করে ছ্ণাপ্রকাশ করিয়া
ও হোলডাগ সভা ভারতবর্ণীর গবর্ণনেকে এক পত্র লি ব্যাহেন। গবর্ণর জেনরল
টিডে সভার প্রকাশ করিয়া বলিয়াহেন
ভাতে এপ্রকার অভাচার না হয়, সভার
বস্তর সেই চেষ্ঠা পাওয়া কর্তবা। নিমুল্লেণির
বিরাপীয় অধ্যক্ষ থাকিছে ভাষা হইবে না।
ক্রেরা এভদ্দেশীয় কর্মচ রীনিগকে
ঘাধ্যক কর্তের না কেন সভাবা হইলে এই
ল অভাচার হইভে পারে না।

চা-কর কলখিন এক জন কুলির উপরে যে

মাজোরারে সক্রতি একজন বন্ধিবীর।
ক্রাণ নারী সংস্তা হওয়াতে তত্রতা রাজা
গর উদ্যোগীদিগের কঠিন পরিজ্ঞানের সহিত
ত বংসর মেরাদ দিয়াছেন। ইহাতে সজ্যোধ
কাশ করিরা গবর্ণর জোনরল বলিয়াছেন,
ধান উদ্যোগিভির আর সকলের মেরাদ
মাইশে ভাল হয়।

ऽ ना माच बूदवात । इतिदारात क्रुन्त ना शिक्षा रहे- রাছে। কাছাড়ের, অন্তর্গত সিল্চর হইতে টেলিপ্রাম আসিয়াছে, বিস্তর গৃহ পাতত হইরাছে। তত্ততা বাজারদী ভুগতে মগ্ন হই বাছে।।

देनम आजिम्बिम थाँ त शुक्र देनम भविकृतिम निकार्णाद्यत काल्क्मात्रमञ्जात म्लामक किलम जिन आलाञ्छः निकारम बनान्छि कृतिएछ हम । मर्थ्याणिहेसम बर्गनः (य हाज्यक शवर्ष सन्दे मरमानीछ कृतिहा हेश्नर्ण स्थित कृतिर्यम, वन्नरम्भीय शवर्गमण्डे भित्रम निमास रमहे हाज्य विनिया सरमानीछ कृतियारहन । जिन यछिमम निविम मार्सिटम्ब भवीका मियात निमिछ हेश्नर्ण व्यक्षत्रम कृतिर्यम, कृष्णिम जाहारक मानिक ७०० होका स्वत्रम, कृष्णिम जाहारक मानिक ७०० होका स्वत्रम, कृष्णिम जाहारक मानिक ७०० होका स्वत्रम हहेरा । वन्नरम्भ कि जात स्वास हिस्सम मा अर्थाया। हहेर्छ निकारमण हाज निव्यम स्वता अर्थाया।

কাপ্তেম হাদিয়ত আলি প্রধান দেনাপতিব এতক্ষেণীয় এডিকণ্ড হইয়াছেন।

গবর্ণমেন্ট্ অবগত কইয়াছেন কচের রাজাব কতকতলি প্রজা আফ্রিকা ক্টেডে দাস ক্রের করিয়া আনম্ব কােঃ গবর্গনেন্ট ভামিতি ভ এতঃ স্বেলিডেন্টের আরা রাজাকে আনাইয়াছেন দদি এই ছুলিভ ব্যেসায় বন্ধ না করেন, ভালা ক্টলে ভারাদিগকৈ অগতঃ ক্তকেল করিছে ক্টবেঃ

২ রামাধ রুফপ্তিবার।

गण कमा ताहे जिस्तात्वन । तहा जि. तिथ । श्री मा ति जात्र जात्व । या प्रति जात्र जात्र वार्य । या जात्र जात्र वार्य । या जात्र वार्य । या जात्र वार्य । या जात्र वार्य । या जात्र वार्य वार्य वार्य वार्य । या जात्र वार्य वार वार्य वार्य

गद्र जन नदर्भ (में भागीय हिएक व इहेगा

गरिक नाकार कतिएक वानिवाहित। व्यक्तानिक इहेगाम, मृदकत वामिटक भूति। निमुक्त कता इहेगारह।

কুমার হরেজকুক ও মুক্তি আমীর গোপনীয় বার দিয়া গ্রন্ত জেনগুলৈর ব এবেশ করিবার করু পাইবেন।

० हो व.च श्रुक्तशत्र ।

व्यामता माउद्यास अर्थिनम्म पर्यन क इःचित्र बहेलाम, ভावाहवसीं व अवर्गमन्ते (म लक है।का शासकूमान व्यक्तिमधान करा अ করিয়'ছেন ভাষা উলোর পেন্সন ষ্ট্রে বার্ क्षक क्षक क्षेत्र के के के किया के किया है। धकान कतिष्ठारङ्गः आक्रिमञ्जात १० वः वशःक्रम रहेशा (इ. अवर कें हात्र भवीत छ. जी এ অবস্থার রুড়িকমান ভাল নড়ে: কিন্তু জ मरागत्र श्राप्ट । ज वाकक्यांत्र गणा कि वि ভাঁহাথ ক্ৰুৱস্ত হইলে ভবিষ,তে কোনপ্ৰ माहायः अवस्थान का । लिप्तिम अवस्थाने अवि যে দয়া প্রকাশ করিয়াছেন কোন দেশের স্থা পদ্যুত্তদিমের প্রতি এনত ব্যবহার করেন না ভূতীয়'নেপলিয়ন আলম্বল বংশীর্দিলের গে भीय समिमाति छलि भर्याच काफिया सहसारह कर्याको जार्गरतत मण्याहक कारश्रम

ক্ষোধা আগদের সম্পাদক কাপ্তেম
পি, মুরের মৃত্যু হইয়াছে। ইন অনেকর
সংবাদপত্রের সম্পাদকতা করিয়া বিলক্ষণ ক
ভাত করিয়াছিলেন। কাপ্তেন মুরের অভ্যন্ত নির্মান ছিল। কিন্তু অভানতঃ তাহার বি
কিন্তু অধিক ছিল। তারিবলান সর্মানাই ক
পতিত হইতেন। উনরীরোগে তাহার হ

ইভির'ন মিলার পত্র একংশ সাধা। ইণ। . ৪ঠা মাখ শ্ৰিবার ।

इरक्मन शिक्षा दिलन, ' क्रीशुक्त वांबू 15ट्स शाय वि, अ, तम्मीव श्रामण्ड কাসমস্ভের একটা বৃহৎ অম প্রকাশিত রা দিরাছেন। অধিনী নক্ষেত্রর যোগভারার फं अर्थात मरकमन स्ट्रेस्ट वर्षत आवुष्ट ঐ দিনের নাম মহাবিহুব শেষ সংক্রান্তির अकरन रव किरन की मश्काखि धना यात्र. ইংরাজী ১০ ই এপ্রিল। কিছে ক্রান্তিপা জন অধিনী নক্ষের যোগভারার সহিত त मरक्रमण-**- व्यर्थार** मन व्ययसारण अक्तरः শ এ**প্রিলে ঘটিডেছে। সু**তরাং প্রচলিত কাছুসারে সাত দিন পূর্মে আমাদিগের त्रांत्रक रहेरळ एक । हेर त्रांकी २५ म्म अधिरत देवणाच धत्रित्म के खडमद मन्दर्गातम् इत्र । अ শমৃতৰাজ্ঞার পত্রিকা বলেন, ''দিগাপাতি কুমার অমধনাথ রায় রামপুর বোরালিয়া ত দিগাপাতিয়াপর্যাত রাজ্য **এস্ত**ু াৰ্ব ১৩ হাজার টাকা দান করিয়াছেন: আরও কাহার জিলাভ ছভিক্ষণীভিত দিসের সাহায্যার্থে ৩৫-টাকা দিয়াছেন াডব্যের জন্য লে: গ্রেণ্র উচ্চিকে ধন, मेन्नोट्डन। "

ইউরোপীয় সনাচার।

বি ৬ ই জাল্লারি। কাবালেটি হইটে লিএমাম আংসিয়াছে, ওদ্ধারা জ্ঞানা যাই , সুলভান পারিসভিত ভুরক দৃত্কে াক ভারা সাভিধায় ভাপন করিজে হইয়াছেন , ক লিমিভ ৯ ই আছেয়া∫র দুড हेटव ।

এন ৬ ট জালুয়ারি। মাড্রিড হইতে চে মি আসিয়াছে ভদারা কানা ধাইভেছে িকাডিজ ও মালাগাতে বে উপদ্ব হা ভূতপুর্গর জীর অঞ্চরগণ করি . এই ভাবে আপাতভः গবর্ণমেন্ট এক ক কিয়াছেন। ইটালীতে আন্যাপি াগ রহিয়া**ছে, সে-াপতি ক**ভোন পেনের ভার পাইয়:ছেন**ঃ**

যে দুঃস্থা ক্ট্যাড়ে, अञ कहताह लक्ष्य मणा सहित्यहा ষ্টাফোড নগবেটে ইডসন বে কোন্ধা-রি মনোনীত ২চয়ারেন :

ণ্টিররগণ ভূরতঃ গ্রবদেশ্টের নিকটে আত্ম नमर्गन कर्त्रप्राट्डन । इस्त्राचान इहेचानि लोश ইড **জা**ণাজ অন্য করিয়াছেন।

আয়ারলতে কতকগুলি কুবিসংক্রাত অত্যাচার ও গোলযোগ হইয়াছে।

ভুরক্ষ ও এীসসংক্রণন্ত মুন্তসভার অধিবে শন কলা নিশ্চিত হইৰে।

৯ हे बाधुवावि। छात्र खर्वाद (क्षेप्रेटन दक् টারি মৃক্ত সর হারবাটি এড ওয়াভাসের নিমিত্ত প্রশংসাস্থাক এক মন্তব্য লিখিয়া ভাঁহার স্মর ণার্থ একটা শুল্ক করিবার মানস করিয়াছেন।

টা উলা উদের গবর্ণমে কের উকী লের প্রতি ফরাশী সভাট এই বলিয়া দোষারোপ করেন, উকীল সংবাদপত্তের দিকে অন্যায়ক্সপে পক্ পাভ করিয়া কার্য করিয়াছেন। এই নিমিড **डेकीन अन्छ। १० कतिशाद्दन । कालिहेन्टि**शर ষড়ষদ্র ও সংধারণভন্তপ্রিপ্লদিরোর সংখ্য স্পেনে রৃদ্ধি হইডেছে।

১১ **ই ভারু**রারি। ফরাদী আরে হঃ ^{८९}क्रांख हिनाव क्षनान **क**री इठेब्राट्डा ३५७५ অংশ হিসাবের অন্তিরিক্ত ৩,৪০,০০.০০ ক্।স্ক অধিক ,আয়ু ইইয়াছে। ১৮৭ - আহে ১, ৭৩,৬৽, ৽৽, ৽৽৽ ফ াক্ষ আয় ও ১৬,৫, ৽৽, • • • • वाम्र स्ट्रेंटिंग, खित कता स्ट्रेमार्ड রিপেটে বল। হইয়াছে, সাজিরকার সাগ বণ পৌতাগা বৃদ্ধি : ফ্টবে এটা সকলের সংস্কার হইরাভে। সমাট নেপোলিয়ন সাধারণ মছলাপ যে চেষ্টা পাইরাছেন ভারারও উল্লেখ করা रहेशाटक ।

ফোরেল হইতে যে টেলিগ্রাম আসিয়াছে ভাষতে প্রকাশ করে ইটালীর সমুদায় গোল যোগের শাস্তি ছইয়াচে। সেনাপতি সর চারলস ্সার চেলসিয়া হস্পিটালের লেপ্টনন্ট গবর্ণর ं कहेब्राट्डम ।

১২ ই জাত্ময়ারি। এটার ও তুরক্তের বিবাদ ভল্লার্থ যে মৃত্যভা হইয়াছে, নিক্টি মুক্ সৰ অংশনান্তের মক্তৰ, জানাইয়া সেই সভাকে এক পত্র লিখিয়াকেন। জীদের দুক ভাইষাবি। বরক্ষ ও এইদের বিবাদ তুরক দুভেব সঙ্ভ সমান স্থান পাইবেন না। वाहरको के छ। ७ कार्डन मृद्धानेश्वान **अकामिक क्वे**ग्राह्य ।

लबाके द्वानक वरनम, किरहेत विकास গণ আপাপাডভঃ যে গ্ৰণ্মেন্ট নিযুক্ত ক্রিয়া ভারুরারি। অদ্কোর এবংক হেরাল্ড ছিল, ভাগার সভাগণ অনেক মুদ্ধের পর আংকা পিটোপল স্ব পুত্র ও এটিছত বল- সমপ্র করিয়াছেন। চারি জন হত হইয়াছেন।

সকলের কারজ পত্র ভুরক্ত কর্তুপক্ষের । रहेब्राइम् ।

ইউরে।পীর গবর্ণমেন্টসমূহ ভুরক্ষ সহিত এটক সুতের সমান সম্মান विकटक स्य मीमाश्मा कहिमाटकन, औ मञ्जू ब्राटक्य कविकास श्रीक्र वान कर्त्रम किनि हिनियोक दाता अरथका स्ट्रेंटिक के চাৰিয়া পাঠাইয়াছেন। সুভগণ গ্ৰীস ও ভু र् उटक विनिजाहरून, येख निन् म **स**त्र फर्क ভভ দিন ভাঁছার৷ ধেন কোন গোলখে कर्द्रम ।

গবর্ণ মেন্ট বিজ্ঞাপন।

বঙ্গদেশীয় লেপ্টনন্টগ্নৰ্গৱের वारमभानुमात्री

निद्यांश।

৬ ই আছুয়ারি। নিমলি খিড সংকারী কুপরই**ন্টেগু**ণ্টদিশের **উন্নী**তি গ্রাহ্ করা বিতীয় হইতে প্রধন স্ফেন্ডিড ,

জে, বি, গোড সাহেব।

खि, खि, केशि।

ডবলিউ, আর. গ্রিণ।

ত্তীর হইতে 'ষ্তীর আণিতে।

है, अम, लाफेश्राम नात्कव !

डाकत (छ, जिन् भन्रकांने कताटक अ. लिके ककरवन नारश्व क्रमहात विनादि म**ভाর म**खः ₹ईदिन।

৮ইজ সুয়ারি জে, ভ্ইটমোর সং বর্মনসিংছে ৷ সহকারী মাজিটেউট ও কাতে **হ**ইয়া খিডীয় শ্রেণির জ্বীন মাজিটে ক্ষতা পাইবেন।

य जिल्ला थ, क्या वादक विकास नार्ट्य विकास न हेश्लाइ था.कर्यम, एडिमिन (स्ट, अम, (स সাংহ্র ঢাকার প্রভানধি সিবিল ও সেনি छछ इहेर्दन।

পুল্ম ইনজ্পেট্র জে, ট্যাস সাহেব ১৮: करकत् ७) अ कर्डीतित काविष २৮ अ स्व পर्याच भारकि:लाउन श्रांत्य स्थातहर हेटार কার্যার পাইয়াছিলেন।

৯ हे व्यास्त्राति। त्य. अम, व्यः नाटस्य ह এ, প্রেসিডে ক কালেকের সিবিল ই কান্ত্রি বিভাগের আনধ্যাপক হইয়া ভূভার জোগ एमी ठ १ हेरनम । 4

३) हे खोश्या ते : कार्यन में, हे कार्य

ংক্তবের প্রভিনিধি ভেপুটি ক্লিগনর न हे, खि, विविद्धित अन्यन व्यक्तित । इंट्रम्ब ४ थाता हुना दी क्या का शाहरदम । s अ जिरमस्य क्षत्रि बाबू महामण सूर्या व नियमाश्रद्ध (एउड़ामी हिक्स्मा की स्टेबाटक्स।

তলিৰ এল, আৰু, টটেনহাম সাহেহ লেইয়া অন্ত্ৰাস্থিত থাকিবেৰ, ভড়াদিন कि, अत, अरहनम मारश्य शायकात्र क्षेत्रि मा:किएकेहे ७ एडलुनि करत्वकेतं **४**हेरबन । > ই জাপুরারি। বাবু অংথিকচেরণ রায় ी मालक्ष्ट्रत्य (दक्षिकीत स्टेप्स्य) তদিন ভাত্তর এ, ফে,ুমিঙ বিদায় লইয়া স্থিত থাকিবেন, ওডদিন ডাউচর থেন, हेडे भूवनिश्वादम्य अखिनिधि निवित्त ন চইবেন / ডিনি জারও নিজাপদ্ভণে চ্চুলিপ্রেরণ্বিভাগের অসংক্ষ ইইবেন। প্ৰবিক্তমূৰ্ক বিভাগ।

ই জাসুয়ারি। মিডীয় প্রেণির স্থানীয় বী ই 😰 নয়র জে, আমার, কে, উইলিম ार्ट्य विक्रियात्मत कामीय त्राच्या स्टेटक া বিভাগে বদলী হই বেন

নমুলিখিত ভাদ্র লোকেরা ষ্টেট সেক্টোরির क्रिक क विद्या बक्ष (भटन है कि भिष्ठत व्हेश पश्चारक्ष्म ।

স, সি, আনড্লী-চতুর্প শ্রেণির একঞি । ই জানিয়া।

বেলিউ, :ছ হিথচতুর্থ ফেলির একজিব । ই अक्र समुद

জ, সি.লেড'র প্রথম আংনির স্থকারী मध्य ।

as, এস, ধাইডিডস <mark>প্রথম শ্রেণীর সহকা</mark>রী ন্তুর :

বেলিউ, আসি এটন-ছিডীয় জেলির ঐ nta. 15. 1514 Œ. ২ই জাসুয়ারি:চুর্থ ফোণির একজিনক हिक्जियत (क, बम, लक्ष्मा(६व प्रकृतिकी **ड 🖹 🕫 इ**वि छ 'रश' वननी इहेरवन ।

উদ্ধৃ ত।

এখানকার বাসনসন্পর্কে े देवस्थिक मञ्जा

'ফুলেদেশবাসী সিপফ্রড্মায়ক কোন দ সংখ্যাত ভারতবংশর সক্ষ্রে পরিজ্মণ

वर्षक अधिविधि (क्ष्मुक अभित्रक वर्षेन विक्री निया अक सन परमनीय श्रधान तासमधीत । तासकार्यक आश्री वर्षक हिन क्षिक्ष विश्वकीय निष्याभनी क्षत्राम कतिहारकन, রিম্ম সেই বিজ্ঞাপনীর সারাংশ সঞ্চলিত **হইল**।

निश्मीक मार्ट्य यस्त्र, देश्हाकाधिकृष ক্তারভবর্থ দেল ফালে সামাল্য আর্থক্ষা চয় সাত क्षम प्राथिक दूर्व। अहे तमम विश्मीक त्यापि মস্লুব্যের নিবাসভূমি ৷ ইংরাজেরা এই স্থাদে मित्र व्यक्तित्रमाच कवित्रा अकृत अकृत्यां स क्या प्रश्वित्रहारवर लाएक क्यांकलि विश्वा क्यममाञ्च जिन्हिकीशहिल्दश्रिक स्ट्रेबारे .मोश्वच् , छाड़ि ३ शर्छ वह अवर कृषिश्रममंत्री সংস্থাপনাদি সংধারণ হিতকর কার্থেরে অসুষ্ঠানে व्यानुष्ठ इहेन्ना चाह्मन। अक्टन खात्रखबर्यत देवटक्ष्मिक वानिएकः २० (काछि हे।कान्न वर्ग এবং রৌপ্য ষ্ডীন্ড ৩০ কোটি টাকার দ্রব্য ও রপ্তানীর পরিমাণ ২৭০ কোটি টাকার স্লব্য ভারতবর্ষে প্রভিবংসর অপুনে ৪ঃ কোটি গব্দ বিলাতী ধান বিক্ৰীত হইর: থাকে। অর্থাৎ এড থান বিক্রীত হয় যে, তথারা সমস্য ভূম গুল উপদুলির বিংশতিবার পরিবেটিত ছইতে भारत् ।

ভারভবর্ষে যে রেল ওয়েদমত প্রত্তে হইয়া देविशाह, काशाह के कार्क वेदन जिहारका शवर्रमन्त्र केनमञ्च टीकाह निमिक यग्नर बाबी रहेश कारहत विविद्यारे स्त्रमन्द्रस সমুদার প্রস্তুত চ্ইভেছে। প্রব্যেন্ট সম্প্রতি कुलाचनमकार्यः मह्मार्याभी स्हेशा उरकार्यः २ (काष्टि है। का व अधिक बाब अधिक मनक করিয়ারেন। সমস্ত ভারতবর্ষে গ্রেপ্টের त्रवर्गान्त्रेत म'हादाधाख स्टब्स्ट व्यथ्या 🖒 शक्षांत्र विमाग्नाम् व्याद्यः। अने समाप्त विमाग नर्य-अञ्चान ७ लक्ष रमभीय वालक विन्ताशयन ক:রতেছে :

পিন্ত ভারভবর্বে ইংরাঞ্জনিগের যে কোন क्रांग्रें हे लक्ष्मिक इस मा, अभक्त महिन कि तक्षवर्र्यत क्षत वाच हेरताकामिट्रात नहा स्त्र ना । उद्याना উাহ্তরা ওখানে উপনিবেশ সংস্থাপন করিছে भारतम ना। य है श्वाम कातक बर्व यान् . উংহার একমাত্র উদ্দেশ্য শীল্ল শীল্প বড়মানুষ , ভক্রাবেশে থাকুন, ভারা হইলে ক্রমণ इक्षेत्रा चरम्या कितिया भारेरम्य । क्रुक्तार कात्र । उरर्दित श्राफि डैं।कामिर्गत खाएम मम्हा करमा पश्चित गत सम्मक्टिन्त निमिन्त ना कात्र अक्षेत्र (भाष अहे (य, हेश्त्राटक्यता দেশীয় লোকদিগের সংজ্ঞাব কাল বাসেন না। উটোরা সভরাভার অভেতে সাইক্ষার এবং গর্কিত ব্যবহার করেন। ভক্ষার বেপরিমানে 'रमगोत्र लारकहा लाचा भाषा निका कतित्र। व्याकित्यत्र कार्यः अकट्न स्वत्र

हेरदाक्षपिरशत्र महिष खाश्रामिरशत्र श्रीप এবং বৈরভাব উপস্থিত **হইডেছে।** " এ গেডেই।

व्यानता मानिट्रशास्त्र इरेटक बिक नमाठात्रक्षान आहे स्हेता ১। नष १र्छ। कास्त्राद्वि भवर्गरमन्द्रे न मामिरभाषा है वार विमागरवर পরীক্ষাকার্য্য সমাছিত ছইরা গিরাত কেরা পরীক্ষিত বিষয়ে বেরুপ প श्रदर्भन कतिहारह, ভाश श्रीजिश्रह रहेटन । भत्रीकावमाटन विद्यालय दिवन ব্ৰুপ স্ট্রাভিল। ছাত্রেরা বিখ্যামাতে অভিনৰ উৎসাহসহকারে অধ্যানকা श्हेब्राटंक। जाशामी जीनक्षमी नर्सार विष्ठाभरवृतं कावकारभत कावहविष्य (बाध इम्र भहीरका छीन वालटकता य भूतक क स्टेर्व।

২ । নিরভিশয় আহলানস্কাচ कडिएक कि एवं कशिकाला विभिन्न श्रुर পাতী ভূকৈলাদের রাজপরিবার্য कुमात नाज्यकार्याचाल वाहाहत को नहरू अक्कानीय ६० हेक्स साम करि ख्यादा वित्रशंभाष्ट्रपत व्यावभाक व .বাগী অনেকগুলি ছবেরে যথেষ্ঠ সা शाद्ध। अकावका मालिएशाङ। केन्द्र कुषात बार प्रदेश निकरे या बद्धी वन भारम वक् हस्ति। कामहा कश्मी লাখনা করি, এক্লপ মহান্ত্রের লো की वी बहेशा (करण व सक्ष म वर्षका कर्र बर ७। मञ्चलि बद्यारम कर्रार अन

भावक कारिया यरशहराजान्ति छेशन क्षित्राक्रिन । कार्न क्षात्री (प्रमु जाहा क्यांत्र क्यांक स्त्रः व्याप्त ४ क हरेंग, नवनात मार्टे (नित रूफ क्रेग्राट खण्डलव बाहुन खाडूब्र, खाजाइफ व्या উদুৰ অভাচর নিভাপ্ত বিশ্বয়ক্ত नटर। समीत्र नाष्ट्रिक्यक्तका **भा**तक गर्काकीन क्रीवृद्धि श्रदेखा (मार्किन चार খোষণাপত্ৰ প্ৰচায়িত ক্ইয়াটি দেখানি কি মরীচবিদীন বপু (40 !!

৪। আনুভা অভিনৰ সং

'एक रेक्षत कातिएवत विवस्त निःमिक्सन **পারা যার** : া শাভিপুরের ক্ষুদ্র সকক্ষার বিচারা শাগামী ১৯ এ আছুরারে রাণাঘাটে উঠিয়া ा. এরণ আবেশ আসিয়াছে। মুদোফ ৰভটী আপাততঃ শান্তিপুরেই থাকিল न्द्रशत्र विषय् अहे, ब्रवहात्राजीवनिश्रदक इत भवनीरक भवार्थन कतिरक हहेता।

। विष्ठांत्रामय्क्षमित्र अक्षत्र गन्निद्वमहे 🕶 युक्तित प्रज्ञुरभानिक । **এখাৰে দিন দিন গোচো**রের বি**লক্ষ**ণ ৰ্ভাৰ লক্ষিত হইতেছে। সচৱাচৰ এমনও थांदक, व व श्रहायत शक हित्रे याथ, ারের পর অনুসন্ধান করিয়া দিব 1 উচার নিকট হইতে বিলক্ষণ ছটাকা

অব্য তিনি গরু পান মা। মক্র নয় কিশুদ্ধ সহমরণ ^হ। পুলিধের কার্য্যকারিছা ই সমান। কেবল '' বাকেংতে পর্কং কার্য্যে ভিলাকারু"। াহবীৰপুৰে একটাপো**ষ্ঠ আ**বিদ সংস্থা

চেষ্ট1 ३३ ডেছে শুনিরা যার পর নাই দিও ইইলাম ৷ কিওঃ কুভার্যতালাভের একথা খেন বেল সাহেবের কর্ণগোচৰ না 🎟ন্য হবীরপুরবাসীর। সন্তর্ক থাকিবেন। । ८० हे काङ्गाति खशदार≛ अधारन মিনিট কালের মধ্যে বারত্রেয় ভূমিকম্প

त्रिवाटकः। अखानम् कन्नान व्यन्ते पूर्वाः। ংশীৰ }

ামদিগের আসুলিয়াত সংবাদ-লিখিয়াছেন:—

শমিয়া আশোকরিয়াছিলমে যে, এ দেৰে মাফিদের সংখ্যা রুদ্ধি হইলে প্রাদি স আশা ফলবভী হইডেছে না। সুসভ অনভিজ্ঞ কর্মচারিগণই ইহার প্রধান সময়ে সময়ে ইহারা পতাদি এরপ (क्षेत्रभ करतम १४, फ!इं!एड व्यक्तिरकत्

शकाम शाह रदमहाव व शक्ति महस्वादह अवादन আসিড : কিন্তু এক্ষণে বৃহস্পতিবারভিত্র भा छत्र। या**रेएएहिं ना, रे**रोत्र कांद्रन कि? (न निवन, मानिर्भाषा स्ट्रेंटिक अक्बानि देवसादिर পত্ৰ আহুনিয়া ডাক্ষরে আসিয়াছিল। পত্রধানির উপর অস্থান ৫। ৭ টী মোহর দেখিয় र्हा दांध रहेन व वह क्ष नज्ञ वान कारफ বর্বের প্রাক্ত ভাগ হইছে আসিয়াছে। মালি शिका अथान **रहेटक है नाहेटनत** अनिक सटेंह । সেখান ংইডে নিয়মিভক্লৈ পত্ৰ পাইডে হইলে ৪ ঘণ্টার মধ্যে পাইবার স্ভাবনা ৮ কিন্তু পঞ थानि भाष्टिश्व रहेए अर्फे मिरक ना खानिय' श्चिष्य छ। **अ**ञ्चात अवन करत, छथा इहेर्ड কলিকাভাপ্রভৃতি অনেক প্রসিদ্ধ প্রসিদ্ধ নগর পর্যটেন করিয়া পরিশেষে ৪। ৫ দিন পরে এখানে উপস্থিত হইয়াছিল। বাহা হউক, এরপ করিয়া পত্রাদি আসিলে খর খর পোষ্ট আফিমের প্ররোজন কি? শান্তিপুরের ডেপুসী পোষ্ঠমাষ্ঠার বাবু বোধ হয় উক্ত পত্রখানি জমৰ भेडः अञ्चल स्टन (धार्व कहियाकित्नमः स्वामरः खब्रमा कति (भाष्ट्रेमाष्ट्रीत दावू खिवारक माव

२। शक्र ३৮ ७৮ मार्टम सम् सम् स् अटर লিকাপটকারফর কলিকাভা গেকেটে প্রকা निक रहेब्राइ । क्रुक्मनशत कारमरक्त अन, अ. পরীক্ষার ফল গত বর্ধের ন্যায় হয় নাই। প্রবে **लिकाम এक श्राकात जमानहे हहेत्र एक। कृष्ट** नशत करनारक २७ काम इंटिज़त मर्था जन्ज भगिकाम मर्मास्थक ३६ व्यन, श्राद निका भनीकाय ०) करनद मरधर १७ कम देखीर्व स्हेम्राट्स ।

धान वहेरबन ।

৩। এবংসরও সুজাগাছা ইংরাজি বছ বিদ্যালয় হইছে মাইনর ছাত্রহুন্তি কেছ প্রাপ্ত হন নাই। ৭ ক্ষের মধ্যে ভিন আংন ভৃতীয় শ্রেণীতে উত্তীর্ণ ক্রয়াছেন। ছঃখের বিষয় এই কুল স্থাপনাৰ্ধি এপ্যাস্ত একট চাত্ত চাত্ৰ সময়ে হস্তগত হইবেঃ কিন্তু ছন্ডাগ্য বৃদ্ধি এহণে সমৰ্থ হইল না। মুক্তাগছায় অংনেক कलि अस अअभीनात्त्र वात्र आहि, अधारम স্বৰ্থমেণ্ট যেরুণ ডাফ সংক্রাপ্ত নিয়ুম প্রতিবংসর বিদ্যালয়ের এক্লপ ঘটন: নিডাপ্ত দিরাছেন, তাহার অনুরূপ কর্মহর না : শোচনীয় । বিদনালয়টীর পক্ষোভার করা অব্ধ্যক মহাশল্পির একাস্ত কর্ত্তব্য।

চাতানিয় ক্রতী হটলাম যে, 'নাকালী-পাড়া থানার অন্তর্গত " সোণাডাঞ্চার জনীদার শেষ অংনিষ্ট ০য়। এখানে ভবদীয় বাবু ছেরেজানাথ রায় ন্যায়ণরভার সহিত াশ প্রভৃতি প্রায় ৫ . ৭ খানি সংবাদ ভিজাপালন করিতেছেব। ইহার অপরিসীম াইলে, কিন্তু অধিকাংশ ২ ৩ দিবস যুদ্ধে এখানে একটা ইংরাজি বিদ্যালয় ও ভাক মালিগের ১স্তগত ১ইতেছে। সোম । ধর সংস্থাপিত হইরাছে। প্রসার হিত্যাখনে

वर्षि अभाष अञ्चलका इत्हेन समन क शाममनद्याः उक्त व्हिन्दी महश्मम श्यान हडोक्ष्मम । अञ्चल समीमाद्यत (स्टब्रेड क्ट्रिक क्ट्रिक्ड विवय जल्लाह भारत । एक श्लात्कत मानत्रकार्य वाय **पर्वाच चीकाइ क**ड़िएउन डेलेग्ड।

e । त्रानायामे अविकितिकारमञ्जू मरश्र क्षित्रा श्राटम अक्टब केमज्ञाद समा इन्न কুবদেরা একপ্রকার ও বিবরে হডাখাঃ ब्राट्ड । अवर्गस्य केत छेतिक (व. याहाटक উপদ্ৰৰ না খাকে ভাষার উপান্ন করেন।

প্রেরিত। 🐪

মান্যবর প্রযুক্ত নোমপ্রকাশগভা महाभन्न ममी(शवु।

स्रामी अक्षरमङ्ग इस्टिक्ट विवद आशः ইতিপূৰ্বে লিখিয়াছি এবং মহাপয়ও আন্ত कत्मक प्रश्वाम **शत्क काफ स्ट्रेट**एएम । अ अञ्चारन खिकुरकड़ मरचा। (व कछ वृद्धि हहेर काहा बना याग्ने मा। आवता अकटन ((क्र क्षेट्र मात विशिष्ठ भारत मा। अ ज्ञहरवजनरकाभी क्षत्रात्रीमिरशत स्थ क्ष्टे खेशिक्क इहेग्राह्म, ए বৰ্ণনাডীড। আপনকার গড 78 পত্ৰে পাঠ কৰিয়া অৰগড় হইলাম যে, ভাৰভবৰ্ষে ৰাল্যান্ত ছৰ্মুক্তা হওৱাতে ভৱ ১ • • हाकात मीरहत कथाहात्री हरतत मछ २६ ठाका कतिका (वक्त बाष्ट्राह्मा मितात प रहेशारकः। जामता अ अक जारनमन शब्द जाः গের ডেপুটী ক্ষিদ্দর সংক্রে বাহাছরকে দি জন্য প্রস্তাত করিছাছি। জাজি কালি এখান जहांक्ट अपि ४०० (माक अट) र का कतिएक हा अञ्चान कति के कियात इर्वि व्यापका अधानकात प्रक्रिक शाव्यत हो উঠিল। ৰাজ্ঞারে জব্যাদির মূল্য দিন দিন যু स्टेट्डट्ड । अक्टन ठाउँन १॥• छः सम ४• ८ विक्रम स्ट्रेट्ट ह

व्याप्ति व्याक्तानिक रहेशा अवस्ति श्राक्त जरह আপনাকে ও আপনার পাঠককর্গকে জ্ঞাড ব ডেছি বে, বৰ্তমান মাঘ কটডে এখানে বৃদ্দেৰ বাৰুয়া এক**ন্সী রিভিং ক্লব** করিয়াছেন। এক্ষণে ভ व्यक्षक कहा दिन्द्रा व्यक्षिक नुष्टकामि नर्द कता रहेटकटक मा अवर व्यक्तिक मूटनाव भरता भद्राविक मक्ता ३३८७८६ नः। मनका **जा**भकर 🌣 बामि हेर्द्राची मरवामण्य मामहिवाद (क्षत्रन करा व्हेश्वरहा अक्टन कर्नावरतत য় এটা ছাত্রী হইলে অভিশয় প্রয়েশ্য - বি**গ**য় 4

১৯এ পৌ্ৰেয় সোমপ্ৰকাশে একটা পরি-ৰ লিখিত হইপ্লাকে বে, স্বিক্তার ছাত্তির न व्येटक स्ट्रेल यून इन्छित नव्यूना वीष्टी ष्ट्रा *७क्टि कुष्टम* क्षथा स्हेद्राह्ड् अवर নি বলিয়াছেন, এই নিয়ুষ্টি অভ্যস্ত অস-। श्रथमञ्जः जानमादक काछ कतिरष्ठहि (य) প্ৰেখাট আদে অভিনৰ নহে। ষণিজভার नेऽत्रवः कामनाविधि ।**एखित सक्त महरू** ল, মূল ছতির মত স্থান বাঁটা এছণ ক্রা পোছে। এক্ষে যে ভূতন নিয়ম হইল ভিষ্তির করিয়া, এই পত্রের সহিত রড হইতেচে, আছুর্য করিয়া সৌম্প্র-**ণ প্রকাশ করিলে জাপনার পাঠক বর্গের** फ क्ट्रेंट ।

মাপনি উক্তি ক্রিরাছেন বে, ভাক্ষরের াৰধানভাত জন্য অৰ্থাসাধারণের নিঞ্ছ কর। क् श्रकारत व्यविराम । क्या श्रीशमका क्वन फाकरवारण मात्र वाच अवक मरह, ।**न फरिकारन नक्न छ्**खंत्र मत्र**राउँ**ह ধারা প্রজীয়নান ংইডেছে বে, অনেকণ্ডলি ৷ অপহাত হয়, কডকঞ্জি বা দ্ৰলি কায়ের গত হইখার শর হারাইয়া ৰায় 🛊 কডক । वा डारक श्रिक श्रहेवांत्र श्रुटर्क (क्र'क्का) া জাপনি এই আপিলের অরিবেচনা য় যে অভিযোগ করিয়াছেন, ভাহা অমূলক প্রধাণ করিবার নিমিত্ত বংকিঞ্ছিৎ কিখি ্গামপ্রকাশে প্রকাশ করিয়া বাধিড (दम ।

বা ৰাঘ) 💐 এসমতুমার দাস কেব

শারিজোবিক দান।

--:•;--

২স'হলান ,স্থ∤জোছ'জির জানাংনা, কারণের একটা এধান কারণ বলিয়া প্রতীমান হয়। मरबन्न ल्याक स्य विषया स्य शक्तिवारन 🐯 ९ প্রাপ্ত হয়, সেইসময়ের লোকের সেই রে ওদ্মুরণ উল্লেক্টের দৃষ্ট ব্ট্রা क। आहीत (ब्राम्क्लिट्रगत बीत्रव्यविव्ह রিশীন উৎসাহ দান না থাকিলে যোগ হয় ারাজ্য বীর ভুষির অঞ্পেষ উদাহরণখ্য ছা স্ভিহিত হটুত না। আগ্দুত্ও

এলেবের এড়ডি রাজা ও রাজীগুরুর অগ রিবিক উৎসাহ না পাইলে বোধ, হয়, শিল্প, ও বালিকা ইৎসভের অসামান্য গৌরবৃত্তনি করিত নঃ। আমরা যে ভারতবর্ষকে আছুল্য ভারতের नक्ट्सन काखान विजया आया कवित्रो बाकि. বিজ্ঞাবিদ্যপ্রভূতি গুনুগায়ী মহাত্মাদিলের অসীষ্ উৎসাহদানই ভাহার এখান কারণ বলিতে হইবে: ফুলড: উৎসাহ না পাইলে নানবস্ত্রের কোনপ্রকার রুজিই বে বলবড়ী ्यु था. अ विष्ठप्रम व्यविक **के**शासूत्रन *(१७* द्वा राष्ट्रशाखाः । यख्यकात **७**९तार्गान्**श्र**ा चारम, विन्धविषयम छैरताम मामने गर्कारणका বঙ্গকর। আষাদিসের দেশের বর্তমান সময়ের উম্বান্ত বেরুপ আমাদের উপর নির্ভর করিকেছে, ভবিবংভের উন্ভিত্ত সেইল্লপ দেশের বালক গবের উপর নির্ভর ক্ষরে ; অঞ্চএব দেশের ভবি ব্যুৎ উন্নতির আশা করিছে গেলে যে বিদ্যা मरपूर बामकार्थय भरू भरू छेरमास्वर्कन कता व्यवना कर्डवा, हेश राम हरेखवी शतिनात्र हेनी वाक्तिबाराहरे चीकात कतिरवम। बरेन्नण উৎসাহ वर्षन छेभटरम 🤕 भातिरछाविकामिमान রূপ নানা উপায়ে হইছে পারে। ভরংগ নির্ভ কাল বাক্যমারা বালকগণের উৎসাহ বর্জন করা বেল্লণ লিক্ষগাবের অবশ্য কর্ডব্য সেইরূপ बद्धा बद्धा भुष्ठकाणि भातिरकाषिक शामधाता **डेरमाध्यद्वतः क्द**रा क्द्र। भारिएणायिक বলিব্রা অভিনামান্য মুদ্যের একখানি পুত্তক দিলে বালকের মনে বেরুণ अशुर्त देश्याह प्रत्मन्न देशक रुत्र, स्वाथ रुत्र अक লক্ষ সুষ্ঠ মুদ্রা দিলেও ভাষ্যর সেরপ অনি स्त्री अहेन्द्रभ छेश्याह स्त्री ज स्त्री के स्त्री के स् ৰ্মচনীয় वास रहे পথে ধাহি . 👈 . বালকরণও ভারাদিগের এই দৃষ্টাভেব ভসুসরণ 本にすり

(शाविकश्वं विमागरप्रम शाहित्काविक शानके जान; जामानित्त्रत करे शाखाद्यत मून : **এই विषयानको अध्ययः यश्किकित वाहरेहाहि** পুজার নিষিত্র সংগৃহীত হ'লার খনে স্থাপিত 🕴 र्ष्ट । मट्या वीश्राद्यत्र मुक्ष क्रास्त्रितः वित्रालयुक्तितः (স্থারিবের আলা করা বার কার্যকালে জাঁহাদের चात्रक चिथिनश्च रक्षारक विमानप्रमेश विरमानमक्षा परिवाकिन। भरत केक खारमत् । कामा मिरगत मक्न कर्वना यनिक कामता सबीमात बरम्महिरेख्यो अधुक्क वावू महामाञ्जन | कतिएख ना भावि, ख्यांनि खाहा सानिट्य विश्वान बहीभटरात अक्षा वद अ इक्षावनद्यात । नायन कतिएक नायामक क्रिके कतिरमञ् বিল্যালয়টী পুনরার উর্ভির পথে ক্ষাল্রসর হই। কললাক হয়। ইন্ছা ও চেটা বা কিলে স

(क्ट्र । भूजीटमका अक्टन देशक हाजा वृष्टि रहेक्षार्य अवर अ वर्गत अवने वामा नत्र शास्त्रशिष्ट भत्रीकात्र केवी व व्हेत्राटक क्ति यशतमारशास्त्र हेर्'व . शाहिरकार्वि कार्वः नन्नव स्टेब्रा निद्राटकः। नराकारनः महत्त्र वार्थिक विषयन कथिए व्हेटन भाग वानु परस्य वानकशनरक भादिरखाविक करवन। भाविरकायिक भूखक शनि फैरकूई नर्वश्रमान भाविष्डाविक २० होका । अक्षी (वीर) वह अखान हिन ग्रेमस्थिक (मन्न विवन्न **এই (ए प्यश्विमारण बालक्ट्रे** शा বিক লাভ করিয়াছে: পারিতোবিকদান পন ংইলে 🕮 ছক্ত বাবু পর শুরাম বিখা ৰাৰু কালীকুমার বিশাস বিদ্যালয়ের পর অবস্থা বর্ণনপূর্বাক এক একটা বজ্ঞা **উভয়ের বক্তৃ ভাই সকলের হুদর্**ঞাহিনী ছিল। পর শুরাম বাবু বিদ্যালয়টীর স্থাপ कात्रमत्नाबारका हेवात सक्तरहरीक व রহিয়াছেন। বলিডে কি, ইহাঁদ্র অঞ্পট : **पतिकार मा धार्कित जामता दिवानहरी** यान छेवछि कमाङ नवन्दरभाष्ट्र क्रिएक काय मा ।

৮ আছুবারি

মজিলপুরহিউবিদী সভার পৌৰ মাসিক অধি

गच ১७ है (भीव मनतवात व्यन्ताहरू मञ्जात अधिरवनन इतः अभीतात अधुक व লাস ক্ষেত্র অস্ত্রপাঁক ডিডে জমীলার 🙈 চুব 🖁 🖫 নিরায়ণ হক সভাপতির কার্য, স क्टबन । म्हाबुट्ड क्षेत्रकः श्रक्त महाब्र विषय पर्विष हरेन अवर भूर्मनिक्षांतिष्ठ । नकत कर्ष वृद्ध कार्टी। शतिन्य व्हेबारह फरमञ्जामरमञ्ज श्रास्त्रियक्तक वा कि कि, व्यारमाध्य स्ट्रेम । व्यामानिरमङ्ग (नर्भत (न হঠাৎ উৎসাহিত ও হঠাৎ নিরাশ সন্ট कैं। इंदि विद्वष्टनी क्टब्रम ना (व. विश्व (कान कार्य; मल्लाइ इप्र ना, मकन कार्य)है गारणक अवर क्यांशक यत्र *क उ*ष्ट्रीत

য়ও সংঘটিত ক্ট্রা থাকে: বিশেষতঃ ৰ জ্ঞানতে, স্মাজেৰ ফ্রেশ জাৰ্জা, ভেপ্টেজন একত হইয়াকোন সংবিধ খালোচনা কবিলেও আপনার এবং নৈৰ মন সংঘুভ:বাপল হইছে শাৱে, ইছাও াতের বিষয় নয়। সভার ফল হাতে হাতে াইলে থালার, ইহার আবশ্যক্তা বুরোন না, ব বেন এই গ্ড ভাৎপর্য, বিকাতন। হন। াব'রে একটা বিশেষ প্রস্তাব (বঙ্গবিদ্যালয়ে ভাষিক দান) সইয়াই সভার কার্যালেখ ্বস্থিবসাবধি এই বিদ্যালয়ের প্রতি ্য লোকদিলের দৃষ্টি নাই, ইহাতে ইহা দিন হীন 🗐 হর্যা যাইতেছে। ইহার শিক স্তুপণ্ডিত এবং পরিশ্রমী এবং বংসর া ইহা হটতেই ২০ ৩ টী হাত্র পরীকোতীর্ণ ্রেছন, কিন্তু ভাষাতে কি হইবে? সাধারণতঃ ণীনিরুৎসাহ ভাব সংখারিত হইয়াছে। নিরাকরণার্থ পারিভোষিকদানই একটী ষ উৎসাহকর কার্য। দেশের প্রায় সকল ন্যখাসাধ কিছি¤ং লাভাব্য খীকার ক¦ং कार्यः धनाम्नादम मण्यम स्कृत्क भारतः. দোভৰং সংগ্ৰহ হইকে আলগামী মাসে পারি विक्रमान रहेरन व्हित रहेन।

∙ এ পৌষ ২৭৩

সম্পাদিক।

চাশর। আমাদিগের দেখে সাধারণে। ভির প্রাধান না থাকাতে যে কভপ্রকার সানিত হটটেছে ভাহীপানন করা কাহা , ধনায়ত নংধ। যে ধর্মনীতি লোকের · छ (भोरत तक्दानद अक्साज किमाय, स्य ं ७३ का एवं इंडेस्स (४८० साक्रेविध्रय তে হটরা সিং**হবিজ্ঞান্ত** নরপতিকেও এই কৰে, যাধ**ামনী**।তার আহেকুল্যে।ভি অস্থেত শুভ ফলপ্রদায়িনী বিদ্যাত e∛ুড়াহ;ড়ঙৰ° যে পশ্মনীতি মান২জনতির ৯ সৌজালন জ্বারের উবস্বরূপত ভাষা ভারার শান কোন সোনর লোকদের शहाल्य प्राकात को _{प्र}टच्छ इ**डेग्राट**ङ । काम वधादाल (६२ चामनाभ म किंद**, मल्छ:**०० धानक मा निर्मा च लिहिल के आई (कि क्या হোৰাজ বানভাগের নিকট্রে পুজা र्न, ए.न्य अंत्रिक्त कहा आधार গ্যানহৈ। সভা গুলাণ প্রাচ্থিয়া দিবার ।

কাহারও সকানাশ করিতে দেখিলে চৎকার না করিয়া ক্ষান্ত থাকিতে পারা যায় বা। আনি अज्ञाल विलाखिकिया (य हेशाता प्रकार) है के **ध्रिटाइ लाकः किन्न प्रश्लमक्षाम क**तिन्न। দেখিলে চতুর্থাংশও ভাল পাওয়া ছক্তর হইবে এই দলের কোন কোন মহাত্মা ধনলোভ সধ্রণ किंद्रिक ना शाहिला ज्यामान्टिक निथ हहेटल সমন বাইস্থাহার জারির রসিদপ্রস্কৃতি কাগজ (যাহ'তে প্রায় বিচারকর্তার স্বাক্ষর থাকে না) বাহির করিয়া লইয়া অবভিশায়ামুরূপ ভূতন व्यात अक्थानि लाचित्रा (सन्। बाहात व(रत्न अहे, ভয়ানক কাৰ্য্য সম্পাদিত হয়, জাঁহার বিলক্ষণ উপকার হয় সন্দে∌ নাই। একংণে কোন পঞ্ আদালতে কোন কাগজ অপরিবর্জিত রাখিতে **ইল্ছা** করিলে ভাছাকে ঐ কাগজের জাবেড: শকল (ইহাতে বিচারকের আকর ও মুদ্র) অক্সিড থাকে) লইডে হয়। সম্প্রতি এক ব্যক্তি ..हे উপায় अवलहर मा **कतार**क छाहात *कत* धार्थ रुरेब्राटक्स । सरा**णकः, जा**सामिट्यतः (मटणेट् নিয়স্থ ধর্মাধিকরবগুলির পক্ষোদ্ধারে ক্রুপক্ষ শার কভ দিন অনবহিত ধঃকিবেন? যদি धाठीन अञ्चलाध्र मा स्टेटन कार्यः ना हटन, खटन এরপে কভেওলি নিয়ম সংস্থাপন করুন যে ইংরা আপনাদিপের সভাবসিদ্ধ বিদ্যা একাশ করিতে নাপাটেন আমাতভঃ নথির কাগজ পরিব র্ত্তনের নিবারণ বিষয়ে কোন উপায় উদ্ভাবন নিতাক্ত আবশ্যক হইড়া উঠিয়াছে। বে কোন काशक कामानएक नाविस इदें ८. खाहा एक বিচাবদের আক্ষর ও সুমা আনক্ষত করিবার ন্যুম করিলে ভার পরিবভ্রের স্ভাবনা थाकिटव मा (১) मिटवशम हेकि।

১৪ हे. शोस } क्यांहिर ১२१० स्थानकातिनः

मृना वा खि:

জীয়ক বারু রুঞ্চলাল চৌশুরী মালদর ১৮৬৯ জ'লুয়ারি হইতে ডিলেখ্য ১৩

- » রাজাকুমার মুখোপাধাায় ত্রিজ্ভ ৭
- » বাজা গোপীলাল পাড়ে পালোড় ১৩
- ° । গেংলোকচন্দ্ৰ সেম দিনাকপুৰ ১৩
- " কুঞ্জিৰোর নেউলি বাগৰাজার ধ্য
 - " ঠাকুরদাস সেন কলুটোলা ell
- ন্য নহে। সহাজ সংগ্ৰাপ্ত কাৰিয়া দিবার । (১) সম্প্রতি জেলা হিবিড়ার । এক ব য উৎকোচ একৰ কৰা হালবাহাত আমা ডিড়েপুটি মহাশয়েরা ঐক্তপে কার্য্য করিলে সাধা । ম্বিক জানিই হয় না বিভাগ্যায় ধ্বের বিশেষ উপাধ্য হয়।

" अत्रक्ष प्रथानामाम्य उत्रनाष्

. * হুৰ্গামোহন দাস ধরিসাল

» অ'রকানাব ঘোষ গোধিনারঞ —:•:—

সোমপ্রকাশসংক্রান্ত করেকটা বিশেষ নিয়ম।

অবিমে মূল্য ও ডাক্সাস্থল না পাইতে বলে সোমপ্রকাশ ধেরণ করা যার না।

ইংর অগ্রিম মূল্য বাধিক ১০ টাকা বাল্যাসিক ৫॥০ টাকা গ এফখলে ভাক সমেত বার্ধিক ১৩, বাল্যাসিক ৭ এবং ব সিক ৩৮০। তিন মাসের স্থানে অগ্রিম গ্রহণ করা বায় না। ছণ্ডি, বরাতি চিঠি, অভার, নোট ও ষ্টাম্প টিকিট, ইহার অ বাহাতে বাঁহার স্থাবিধা হয়, তিনি সেই বারা মূল্য প্রেরণ করিবেন।

যাঁহার। স্থাস্পটিকিট পাঠাইবেন, র বেন এক অথবং আধ জানার অধিক : ও রদীদের টিকিট প্রেরণ না করেন।

यथन यिनि सकत्वन इहेट्ड मामश्री मूना भागहर्वन, छाहा यन दिख्छित व श्रीयुक्त बातकानाथ विम्हाकृष्ट्यत् नार्यः हेन्ना (मन)

योशिक्तित मृत्य क्रियात ममग्न क्रियात व्यक्तित, अकमामभूट्य होशिक्तित विश्वित्र क्रियान माहेत्, काल व्यक्तिक भ्यान अक बात हिति लिथा हहेत्व, फाला अकमामकाल श्राफ्तीका कवित्रा काशस वस्र बाहेत्य। स्थ्य बार्यत पद्ध त्यातिश क्रिया।

মাতলা রেলওয়ের সোণাপুর ঔসনেব গরে চিঠি আইলে আমধা শাঁম পাইব।

বাঁহারা মাস্ত্র না দিয়া প্রাদি প্রের বেন, ভাহানিগের সেই প্রাদি এছণ বাইবে না।

কেং সোমপ্রকাশে বিজ্ঞাপন নিজে করিলে তাঁহাকে প্রথম তিন বার প্রতিপং শানা তাহার পর /১০ আনা নিতে হই থিনি অধিক কাল বিজ্ঞাপন দিবার ইক্ষাঃ বেম, তাহার সহিত প্রত্ত্ত বন্দোবস্ত হইবে

কট এই পত্র কলিকাকার দক্ষিণ মাজনা রেলওয়ের সোণাপুর স্টেসনের দ চালভিগোভার জীয়ুক মারকানাথ বি ভূমণের রাজীতে প্রতিনোমবার প্রাভঃব প্রকাশিত হয়।

(मायका

১১ শ ভাগ।

३३ मरस्या ।

" प्रवक्ता प्रक्रितिष्टिताय पार्थिवः सरस्वती स्रितमस्ती न शियतां

ধক মূল্য ১ এক অভিনে বাদিক ১০ দুৰ্ 🕽 अब योशानिक सामाएक नाह जाता।

সন ১২৭৫। ১৩ই মাঘ। ১৮৬৯।২৫এ জানুয়ারি

यगप्ता माञ्चनरमञ व्यक्तिम वार्वि सान, जिक नं, छ देखगानिक ०५०

বিভাগন ।

छिता शिरमस संस्थित । कार्य, ही भारतिकालि, श्रह्मक, अवट के भारम भित्र जेयन श्रास्त्र इरेशाएक, यो कांत्र श्रास्त्र न .व २॥ • छे:का भाठे:हेटल शाहेट**वन** ।

অধালা)

ब्रिट्यन्स वस्मताश्वराह्य

পতের চুধক আবোগা পমাচ'র। भ। ज्यानमात्र श्रद्धातिक मरशेष्ट्रपत्र विषय् स्कार्तः ह्ना आफान करमक सिन स्ट्रेट खेरगारमस्कात्र , - উদ্দেশ্য কার্য্যকারিতার বি**ষয় অন্তর্গর**ামে**ন্ড**ু লান। ক্রেনে এতরগরস্থ আনেক হততাগা। গীর গ্রাকটিন কঠিন রোগ হইতে আমাশ্চর্য জ্বলাক্ত স্ফাৰ্শন কৰিয়া এবং আহবণ করিয়া ন প্রীত হইয়াছি: ভরুষা করি অনেক পর্ব রৈ এবং পুরম। হর্মা উভয় স্থান হইকে মধা মুব মন্দ্রকামনার প্রাথনা অন্তরীকে মিলিড য়া উর্দ্ধে গমন করিভেছে।

কলিকাড! হাটখোলা)

ব.শ্রীমহেশচন্দ্র অধিকারী

্বয়। এক জন ভালপোক ই:ধার কয়েক জন চুঃ জন্য উধ্ব আনিয়াছিলেন, যে **যে লোকে**র शारहम। এकनी जांगी धरमश्कारम भाष ত্বৰ হুইয়াছিল।

घू भैं (क्षम)

হরিনাভি ইং সংবিদ্যালয়ে ১৮৬৯ অব্দের বেশিকা পরীকাধী,দিগের পাঠনার্থ একটী ষ্ণী করা হইয়াছে। ধাঁহারা উহাতে প্রবিষ্ট 踘 অধ্যতনের বাসনা করেন, ভারারা

श्वतान विकारतात निकारी मिश्रमानि व्यवतात इहेर्दन ।

৩০ ডিসেম্বর

জীয়ারকানাথ শব্দা

মংপ্রণীত চিত্তবিনোদ কাব্য ১ ম খণ্ড ৷ অভি সুললিত অমিক্রাক্তরে ক্লপক্ষলে ইহাতে ভারতবর্ষের বর্জনানাবস্থা বর্ণিত হইয়াছে: এই ণেচ্ক মহাশ্রের বর্জনান বড়বালারে **অ**ধ্র লাল শাহার পুস্তকালয়ে তব্ত করিলে পাইবেন। 🗐 देश: बह्य वस्तु ।

চিকিৎসাঞ্চরণ এবং চিকিৎসাডর অগাং

প্রিন্সিপ্সাস্ এবং প্রাকটি সর অব মেডিসিমের

श्रथम थए ৮ (परित क्रमात १७৮ पृष्टी উত্তম वीमा, जीयुक वांतु शकाश्रमाम मूर्याना म्हाभ वि, এ, এম, ভি, কর্তুক সংগ্রীত इहेग्रा প্রকাশিত হইয়াছে।

প্রথম থাড়ের বর্ণিত বিষয় (১) সাধারণ নিদানভত্ত (২) আত্তরুৎসেক্য পীড়াসমূহ! ন্য আনিয়াছিলেন, বাহারা সকলেই অরোগ (৬) দৈহিক পীড়াসমূহ (৪) সায়ুমওলের পীড়াসমূহ ৷

> মুল্য ১০:টাকা, ভাকমাসুলসহিত ১০৪০ কলিকান্তা লালবাজার হিন্দু হস্টেল ২১০ নং বাসীতে জীযুক্ত বাবু গুরুদাস চট্টোপাধ্যায়ের নিকট পাওরা যাইবে।

ৰাল্মীকি রামায়ণ : তৃতীয় খণ্ড

এই পুজক প্রথমাব্ধি প্রকাশ হইজেছে। বিহলে, আমহাপ্রতীটে ৩৫ সংখ্যক প্র

इंशास्त्र नाभवाकरत मूल अ हैका अवर मर्स বাছলা অপুবাদ আছে। যাঁহার জা इहेर्द, फिनि कलिकाफा खाकागमारक प নামে পত্র লিখিবেন। প্রত্যেক খণ্ডের क अभाद) भृता॥ । जाना। विस्नीप्त र पिशरक / · जाना म छूल मिएक स्टेर्ट ।

कनिकार; } বাজাগমাত

द्वीर्मञ्च छहे!हार्

নূজাপুর মেডিকেল হল

১। এভদ্যারা আমাদিগের ঔষধক্রয়ব মুদ্ধর, সংকারী ও সর্কাধারণকে জ্ঞাড় ৰাইভেন্তে যে, দ্বিভীয় জৈমানিক. ই সম্বন্ধে অংবপোড " স্থার অব জোদীয়া, উইক, ব্রিটিস প্রীন্স শ লারা দশ সহত্র মুল্যের উষ্ধ পুর্বর প্রাপ্ত হওয়া গিয় এতভির সম্প্রতি আমরা বিলাত -इर प्रस्थान भारत विषय दिख्या जिल है भश्यक " विधिम कलाज, किर जात्यह বাংকস ৯ নামক অৰ্থপৈতি **অনু**মারা ৮৩ इंक्ट्रे(बाभीव उपम श्राप्त इंद्रेग्नाहि। এहे ব্ৰহম জুলাধিক সাত সহত্ৰ টাকা মুল্যে করা #ইয়াছে।

২ জালালী বর্ধের প্রথম ক্রেমাসিক ই উপলব্দে চিকিৎবোপযোগী মন্ত ও প্রস্তুতকরণের ও উত্তর বক্রমকরণের না সামনী ও সকল ও বিবিধ ভৈষ ইং সন ১৮৬৯ সালের ফেব্রুয়ারি মাসে বি ছইতে পৌছিবে।

৩। আহামরা আম্মিক পরিয়াবে ও উক্তয়রূপে - উদধ্বিক্রফ করয়: থ:কি।

 अहे गमल जनामित कामल ि চালান ও অন্যান দেনীল কেই দেখিতে াযুক্ত বারু গোপীনাথ দের মিকট কিছা। ার জীটে ৫৫ সংখ্যক ভবনে ত্রাঞ্ য়র ম্যানেজর জীযুক্ত বারু নন্দগো-লিনারের মিকট ধেখিতে পাইবেন

'ড! ডদেশ্বর ন ১৮৬৮

বন্দ্যোপাধ্যায় এবং কোং

दरीवदनाम्यान ।

ও অন্যান্য কৰিতাবলী।

জেকুক মুখোপাধ্যায় এম. এ, বি, এল্ ো মূল্যান্ত ছয় আনা। ১৭৬ নং লিম জীট সংস্কৃত পুস্ধকলয়ে পাওয়া

बीवाक्रक्षपुरश्राभाकाष्ट्रा

রিনিতের বিলাপ মুদ্রিত চইয়া প্রকাশিত প্রত্তকের কলেবর ৮ পেছী করমার মা অর্থার ২১২ পূঞা। মূল্য ৮০ আনা আবশ্যক হয়, ঠনঠনিয়া সংস্কৃত ধর্মের বয়ে অথবা পটোলভাকা বাভূর্মিন প্রানর াব পুল্ফকালয়ে অনুসন্ধান করিলেই ন ইতি।

ং দাল অগ্রহায়ণ ভ কলেজ

জীশিবনাথ ভট্টাচায,

--- 603--

ঠনিয়া সংস্কৃত পুস্তকালয়ে ও পটোল বাজ্যোরাদার কোম্পানির দোকানে তিও মংপ্রচায়ত নিয়লিখত পুস্তকওলি টেডেছে:---

| ₹₹ ₹ ₹₹₩ | | |
|--------------------|--------|----------------|
| প্রণীস্ত | भुला | |
| ঐ!সইভিহ!স | ۵ | हे 1 के |
| (রামইতিহাস | ۷ | Ŕ |
| ভূষণসংর ব্রাকরণ | 1 | জান |
| নীভেদার (১ ম ভাগ) | e) | à |
| নীডিসার (২ য়ুভাগ) | J | É |
| 4151 (4.3) | | |
| भुक्रकाथ वहाकत्व | 4 | \$ |
| ঐাধারক | ানাপ : | শৰ্মা |
| :0% | | |
| afan watte face: | n+oF | |

ববিধ জব্যাদি বিজ্ঞাৰ্থ

প্রস্তুত।

'द्राक्षी र माना भूरक काग्रज कलम माना अकटन

विश्व प्रदानि भाउता यात्र अवर शुक्कानिए / अक कामात्र हिमार्ट किमन मि । अधिक होकात भुक्क महेल /) व्यामात हिमार्ट्ट भावेरमा

জীবুক্ত বাবু কালী প্রসন্ধ সিং**হ মংগদন্মপ্রনী**ত গদ্য ১৮ পর্ম মহাভারত ১৭ খণ্ড ৩ ভাগে উত্তম সংযত ক**া**

লগুন ফারমা কোপিয়া **অর্থা**ও **ও**যধ কলা-বলি ২॥•

মহন্দদের জীবনচবিত উত্তম্বঞ্চি ১

হরুঠাকুরপ্রভৃতি প্রাচীন কবি হয়ালাদিগের
গীতবংগ্রহ

শারীরিক স্বাস্থাবধান

প্রথাই উৎকৃত কাব্য

১

আহঃ সম্বিদ লায়িনী ১॥ প্রথম ভর্জিণী ১ বছুমাথ মোযকুত সংগীতমনোরঞ্জন ২

লয়লামজন্ম কাষ্য কবিবর হারকানাথ রায় প্রণীত ১ রাস্যুশানূত সংস্কৃত ও পদ্য ॥

গীতগোতিক জয়দেব গোলামিপ্রণীত মূল। ও ধরনাথ ন্যায়পঞ্চাননকৃত গদ্য ১। কৌতুক ভর্গিবী ইংরাজি কেন্সেষ্ট্রি হইছে

বিবিধ আক্ষরিকেক বিদ্যাদশন হয় ১৮ প্রতিমুক্তি সহিত ১২৭৬ সালের ফুল পঞ্জিক। ॥

জী হাক পাঞ্জিক। ।•

চর্গামঙ্গল পদ্য ১

কমলত:বিশী ॥

স্থাক চঞ্জী মূল ও অনুবাদ সঞ্জি ৫

চরিভ্যঞ্জী ইহাকে মিউটীনির বিষয়

বিশেষরূপে বর্ণত হইয়াছে ১:• ইংরাজি ১৮৬৯ সালের এটাছেমা কী ১॥১/ কুমারীভূমার পদ্য আদিরসপ্রধান কাব্য ১

শ্বরের মোহিনী শক্তি ।/ গণেশচন্দ্র শর্মারত ব'লনা এটলান উত্তম কাগজে র উত্তম অক্রেমুন্তিত ৩

বিধবাবিবাহ নাটক ১ কামিনীকুমার রসরস্বাকরান্তর্গত নায়ক নায়িকাঘটিত সুরস কাব্য ৮০

মণিকুওলা কাষ্য প্যারীমোহন বন্দ্যোপা-ধ্যায়প্রণীত ছর্গেশনন্দিনীর মৃত লেখা ১

শুচিত্রাবলি ৩২থানি বালাল। মাণে স্কিড্

স্তীক চৈডনাচরিতামৃত এছ ৭ কাদ্যিনী নাটক আইনসংখ্যক ২ খণ্ড खेवास्त्रन शरा

হিভোপদেশ বিষ্মুশন্মার সংগৃহীত ১ কলিকাতা জোড়া- ু জীপ্রতাপচক্র র

সাঁকো ৬,৪ নং

নগদ বিক্তে

পুরাণ প্রকাশ। কিষ্ণুপুরাণ।

অকুবাদও টীকা সমেত এইত্যেক খ ৮০পৃষ্ঠা (অগ্রিমমূল্য) ॥ ।

্ যিনি গ্রহণাভিলাধী হইবেন তিনি মৃত্যা আমহরষ্টাটী ১৪।১ নং ভবনে কাথপ্রেক যন্ত্রে অথবা কলিকাতা সংস্কৃত বিদ্যান শ্রীযুক্ত জগন্মোহন তকালকারের নামে ধণ্ডের ইচ্ছা অগ্রিম মূল্য পাঠাইবেন। অগ্র না পাইলে বিদেশে বিষ্ণপুরাণ পাঠাই নিয়ম বাই ইভি।

বিক্ৰয়াৰ্থ।

---:•:---

পারতেন রীচ ২৪ নং বাটা গুলানস্ছ ১৯ নংজোজা বাগান।

উপরি উক্ত বাগান ও বাটী যাঁহার। করিছে অথবা লইডে ইন্ডা করেন, নিয় প রিত ব্যক্তির নিকট জানাইবেন।

> নিকেও রেস্আনারবে:-থনং এবং কোণ --- ২০ঃ-----

মহাকবি প্রীকালিদাস প্রণীত সংস্কৃত কু
সন্তব মালনাথের দিকার স হত মুদ্রিত হইর
প্রবং মালনাথের দিকার বেসকল ছরহ পা
বাখ্যা উপেক্ষিত হইর'ছে, তাহা, পাঠকবর
ক্রেণার নিমিন্ত, পত্রের শেবে অভিরিক্ত ট রূপে প্রণার হইরাছে। পদ ও পদের অর্থ স
হারা পরক্ষার মিলত থাকিলে জনায়াসে বোধের ব্যাহাত হয়, এ জনা টিকাণ্ড পদ লের সন্ধি বিশ্লেব করা হইয়াছে। পুত্তকের দংশ মুদ্রিও হইলে কভিপর প্রসিদ্ধ অব্যাপর দেখিছে দেওরা হইয়াছিল, ভালারা দেশি সম্ভোহ প্রদর্শন করিয়াছেন এবং সোম্প্রক্ষ উত্তমরূপে সংশুদ্ধ হইরাছে ব্লিয়া, ভা প্রশংসা করা হইয়াছে।

এই পুস্তক বাঁহার আবশ্যক হুইবে বি সংস্কৃত বজে অনুসন্ধান করিলে অথবা জা নিকট পত্র লিখিলে পাইতে পারিবেন। ই মূল্য ২ ছই টাকা।

आक्षारमञ्ज्ञ महिल श्रकान कृतिरुक्षि, (

ति कारमास्त्र मरक्ष भारम् इतिक प्रश्ना ति कर्ष भूष्णक भारमास्त्रिक क्षाम्बर्धात तिमा मरमासीक क्षिमारक्षेत्र । कक्ष्म क्षेत्ररण भूष्ण पत्रिपृशिक क्रेटम क्षाम मरम काम क्षित्र । क्षिकाका परम क्षाम क्षित्र । क्षिकाका परम क्ष्म क्षाम क्षित्र । क्षिकाका परम क्षम क्षम क्षित्र ।

বিজ্ঞাপন।

তি পরগণার অভাপাতী কোলালিয়ায় বে মেন্ট সাহায়,কৃত বালালা পাঠশালা ছিলা টিটিয়া হরিনাভি ইং সং বিদ্যালয়বালীর আসিয়াছে। বাহারা আলা, সন্তানাদিকে র পড়াইবার বাসনা করেন, তাহারা ইং সং লিয়ের প্রধান শিক্ষকের নিকটে উপস্থিত স নিয়মালি অবগত হইতে পারিবেন। ক্রে ৪ চারি জোনী করা হইরাছে: প্রথম বি ॥ আই আনা গ ছিজীয় জোনীর ।

আনা গ ভূতীয় ও চতুর্ব জোনীর ।

ভাত্রদেয় বেতন জির ক: এবং জন্মান দির উত্তমরূপ ব্যবস্থা করা হইরাছে।

৭৫ সাল) জীয়ারকানাথ শন্ধা

মাওলা রেলওয়ের যদেবপুর ষ্টেসনের ভ দূরবন্তী চাকুরিয়া সাহাযাকুত ইং বাং লেয়ের প্রধান শিক্ষকের পদ পূন্য জাছে। ন ৩৫ টাকা।

ামাঘ 🕽

क्षित्रःस⊹स्य ताझा व्यव्यक्षमा

व्यक्ष का

নোগপ্ৰকাশ।

১০ই মাঘ লোমবার।
এতদেশীর সৈনাদগের জন্তা।
সর জন লারেন্স পদত্যাগের কির্মিদ
কৈ টেট সেকেটারিকে লিখিয়া
হিন, সিপাহীদিগকে এনফিলভ ও
টোর রাইফল দেওয়া কর্ডবা। ইতি
বিবোহাইরের ৩১টী সেনাদলের
৮ রেজিমেন্টে এনফিলভ, লাকা
ও জেক্রের হুনলা রাইফল দেওয়া
হিন, সান্দ্রাকে জানালি হর নাই;
দেশের ত ক্থাইক নাই। সর জন

गर्ममा अदम भीत्रमिन्दक स्वक्षकात अवि খাৰ ক্রিতেন, ভাষাতে তাঁহার এই वाखाव धानश्मनीय नरमह माहे : किन्न चामहा किछाना केतिएकहि, नाइछत्र ना मिस्त्र कार्न कि ? जमान आहा नाहरकह कि अरम भीता देशमानन देशमा मनादक দুণীভুত করিছে পারে ? ব্রিটিশ নাত্রা (कात अखित (करण कि मिना शिक्टमत क्ट निर्कतं क्षिट्डट्स् ? मत सन कट्रका त्र स्विम क्षाचकारम चमुर्थ चौकात क्तियांट्सन, अट्रमनीय नर्तनाथावर्त मार्थामा कडिएम स्थनहे ३৮०१ व्यक्त विद्याश्मां हि इहेड मा। दिः मेडि (काणि लाक मुख्याप्टिक इहेटल कि २०,००० रेडेट्रायीत देनना तालातकात मधर्ष इडेक १ जिपिन माजाका नहीत ७ मछन्दलत केनदत शामिक स्तानाहै। কোন রাজ্যই শরীর ও অস্ত্রের উপর নির্ভর করিয়া ছায়ী হয় না এটা বেন व्यामानिकात व्यागनक क्रिक्टिशन गात्र बादक। आवानिरशत त्यटणत शक्तान इरे এक शूक्रद्वत महश्च जनमार्थ ७ काउता काकी सरेका शरकन। वाकि विरम्भ दवत **छेगदत माधातद्वत यूथ इःच** निर्छत क्ट्र । इब क अक कम डेशबुक मृश्कित পত্য হইবামাত্র ভাঁহার সন্তানগণ হইতে ভরানক অনিষ্ট হয়। পক্ষান্তরে ত্রিটিশ সাস নপ্রশালীর উৎকর্ম ও স্বরাহতি বাতি বিশেবের উপর নির্ভর করে না। উন্নতি रेरात जनाकत्व। कातकवर्षीरवता करि विशयन बारनमा এই माओका त्रका আমাদিলের একান্ত আবশ্যক। যতই साय थाकूक मा, **छा**द्र छववीयाता जितिभ জাতিকে পৃথিবীর মধ্যে ভদ্র ও নাার श्रीकृष दिनाता काटमन। हेर सट्छत মহামুভৰ ব্যক্তিরা স্বন্ধাতিশক্পাতী नट्टन, की करमरमंत्र अधिकाः स्था जरकाता (यनकन हेर्बाक खांबडवर्ष

थाकिशा भागामिरगत क्षेत्रि भा करतन, डॉक्स्निक्ट व्याचात है : ना আমাদিগের স্ত্রকার্থ বহ रम । देशांत कांत्रण करे, दमधार चनाव दशी बाजन, जिनि अक मत हरेगा शांदक्त । जितिभ का रैनमर्गिक छम्र । उ जेमार्था अन्हे কোর প্রধান ক্রম্বরূপ হইয় शहर विकासन करे खनति विश पाकित्व, एक पिन निशादीन थाक्क, गाँव कक क्रणीय टेन निकृत कृत्म भारेटन अदः तमहे নিপাদী ও ইউরোপীর উভর 🕏 विद्यारी रा, उपाणि शामाका কাতির হয়পরিভাউ হইবে না। अक्वोता क्रेश माश्याकतिहरू य तथा बानाज्यत नट्ट, जार मदमद विद्यार्थाता रुक्सान इ বখন ত্রিটিশা লাভির ভট্রতা ও গুণের উপরে নাধারণের ভরি मूत्र, कथन ८७ परियोग (कम १ कहिटल इहेटन छाशामिशक উৎকৃষ্ট অন্ত ও উচ্চতম শিক্ষা (**डेब्डिंग विमाध भिक्त निर्देश व** रह, **एटब अमूफ रिम्मा द्वाचा** र विकन्दकां भी देशिक्षित्र हिल व्यविषान क्रिएन छाहाता कि व्यक्तांद्रम अञ्चलकि अन्तर्भनः পারে পূর্ণ আমি ভাল বারির না অংকে আমাকে ভাল বা এটা লাভ ডেলহোলির ভ गः ऋदि हिन । इडेटरा शीशविद्याः দিপাকীদিগকে জাইছের রাই উত্য শিকা দাও, বিপদ্ধানে / हेश व्यक्तिरछेत रहेरद ना। यमि ममान ज्ञान इहेर्ट्या विश्वकान म করিতে সমর্থ হইত, তাহ **क**श शताकत दावदा ३३७ नः ;

এত গৌরব থাকিত না। रेमनाचन अक्टल नीह শ্ৰেণ মনোনীত হইতেছে। এটা ৰ नम लग।

ডকেলীরনিধার (বদ**াসু**লী-লনের প্রতিবসক্তা ১

कर लाइका शक्छारशंक मगरा একটা হরপনেয় অনিষ্টের বীক वद्या (भटनन। अटलनी(ध्रह्मा ८य শকাও সভাতা প্ৰাপ্ত হন, এটা পভিপ্রেড নছে। তিনি জমীদার শ্ৰির প্রতি অনুক্ল ছিলেন हिंगार्ट्स्क इंडिस मः ऋाज গ্যবানদিগের অন্মুকুল মত दबन, मत ब्यन करतरभ्यत (म मः कात्र मारे। खारेषे मार्ट्य ो नमाकहिरे ठ्योता नमाटकत নী ও দরিদ্র উভয়ের মধ্যে

নিয়াদির। উভয়ের সঙ্গতিও তুন্যতাসম্পাদনে বনুবান। डेक व्यानिहरू निहन व्यानहरू निमिन्त ध्वयां ग्रांन न रहन। निम চতৰ শ্ৰেণির স্বত্ধান, এই গর চেন্টা, কিন্তু ধর অসন লংগ ়াও সংক্ষার ইহার বিপারীত। न करहर, ७ (मरभंत डेक्ट डेंग লোকদিগকে নিম্ন শ্রেণির সদৃশ র করিয়া ভুলিতে পারিলেই

র্ঘ ভিটিশ সাম্রাজ্যের স্থায়িতা ভলেণির সোকের সামান্যরণ .क. जाकारमय *नाक्ष ७ प्*रश्

প্রাছটক, ভাঁছারা কোন-্রাফদিপের সমকক্টোলাভে চন, নিম শ্রেণির কিঞ্মিতা

म इंडेक अहेगाड, मत क्रम हारत হার এইপ্রকার। ভিনি ক্রবক

াংসহীন ও সামনিক্ষাত্র শিক্ষিত হৈছে। ত্রিক হইবে। ত্রিক্ত গ্রন্থেতিসমূহ

থাকিবে, তত দিন তাঁহার বন্ধুতা थाकित्व। ভाরতবর্ষীয়েরা শীকদিলের নায় চিরকাল শিশুভূল্য थारकन, इंशहे अत यन वारतरकात व्यक्ति মত। এই জনা ডিনি শাসনের পাঁচ বৎসর কেবল নিয়মবহিত্তি প্রবালী সাধারণে প্রচলিত করিবার চেক্টা পাইয়া শাধারণের অপির হ্ইয়া এ দেশ তাাগ क्तिरश्चन । इंश्त्रांकी निका अ मिरमंत শভাতাও শাহ্মর্দ্ধির অংথান কারণ: किन्द्र याशास्त्र अहे लिका क्रिया यात्र, भत कन नद्रास्मत कहे तको। कहे উদেশোভিনি এ দেশীয় ভাষায় বিশ্ব विकामित्र कतिवात (ठकी शाह्याहित्सन। এই উদ্দেশ্যের বশবর্তী ইইয়াই তিনি যাইবার সময়ে নিম্লিখিড অন্যায় কাজটা করিয়া গিয়াছেনঃ—

a शर्य च शर्यामा लेह विकास समा মুহের যাবভীয় ব্যয় গ্রন্থেন্ট সাক্ষাহ শ্বকে করিয়া আদিতেছেন। সর জন লরেকা ভির করিয়াছন, ভূমির কর হইতে যেসকল বিদ্যালয় স্থাপিত হ≹-য়াছে, ভদ্তির বাবভীয় বিদ্যালয়কে শোণিৰজা করিয়া গ্ৰণ্ডেম্<mark>টের দেয় টাকার</mark> পরিমাণ নিজারিত করিতে হইবে। এই প্রায় প্রেণিক্স হটলে পর যদি আন্তি রিকু ব্য়ে হয়, ভাগ ছাত্রদেয় বেভন 👁 व्यना व्यना मानवाता निकारिक इंदेरव। विनाक्तरात कारी कर्यकाशीमरभन विस्त মাত্র প্রথমেন্ট প্রদান করিবেন; অভি तिष्क कास कानीय मूल धन **व्हेटक क**तिटक **হইবে। প্রতিব**ংগর বি**দ্যালয়ের বা**র ক্রিয়া গ্রণ্থেনটের দেয় টাকা অপেকা यक्ति व्यक्षिक वः स इस, छोडा इहेटल द्वासी द **ोका हरेट** माथात्र धनांशास्त्र (मह काका (अत्व कतिएक स्टेट्ड) हाजरमञ् কুছিলেন সভা_ত কিন্তু যত দিন বৈতনপ্ৰভৃতি প্ৰণ্মেক্টের ধনাগারে

हेरात छेलात कर्जुच कतित्वन । त्य वि লয়ের স্থানীয় আয় অপশ ২ইবে, ত गवर्गरमण्डे शक्छ होका समान श्राहि কি না তাহা উক্ত গৰণ্মেন্ট গমূহ বি कदिरवन। राज्यानकात कारक अन्। বিষয়ে সাহায্য না করিবেন, তত্ত্ত্য বি লয়ের লোপ হইবে। উত্তরপশ্চিমা পঞ্চাৰ, মধাকারতব্রপ্রভৃতি স্ব विमानिकार्थ कत कता इहेताटह, छ এ নিয়ম খাটিবে না।

के लिथि**ठ पांख्**तात कात्र व डेटा विषयों किया करिता आक्रांत क किन्द्र करलंद विवस हिन्द्र। कदिएन अव थिन। यान इटेटक इत्। नत्र अपन व शारहन, श्रीठिवर्गत यथन विश्वविद রের ছাত্রসংখ্যা রুদ্ধি ছইতেছে, ত वज्रास्त्रभ विमार्भक्षां स्विद्याय व হইয়াছে। এখন গৰ্ণমেণ্ট কি প্লিং সা क्तिताई बद्दानकात लाटक आंश्र গের শিকাকার্য আপনারা কা বুলিছে পাটিবেন। প্রস্তাবিত বি बाह्य दांश मश्यकरशदक मण्युन मञ्ज व्याटक्ष किन्द्र व डेटक्स्टमात अनुतान लाटकत्र मञाबना नाहा छेन्छ वा প্রচলিত হইয়াখনি তদসুসূপ কার্য্য আমর) স্পটাক্রে কহিতে পারি, এ শীয়দিকের উচ্চ শিক্ষার পথে ব (क्ल क्या **इडेट**र । लक्षमाइन्स वि লয়ে উদার শিকা হওয়াদূরে থা मकल ऋारन भागाना निकाध यून রূপে দম্পন্ন হইতেছে না : অভএব আশা ছ্রাশা সম্ভেল নাই। এ মনে य पूर्व इइद्र न। (१ निएए जिन को ও মিদনরি বিদ্যালয় উভ্যের অ্সুর করিলেই সুস্পাট প্রাতীয়মান হই (बारक दक्षण करे कथा विवादन क्रम महरूप भिकारत क्रिएड राष्ट्रभाक्ष इन्, रम्≩ রাগে ।

ज्यानकात्र वर्षन्यात

विसारगा

देशांत्र लक्षां कहित्र। विश्वोदहरू। नटहर क्रिकटक्के अर्थ कि ? कारात अर्थ "ভোমরা শিক্ষাকর দিকে চাহিতেছ अक्षत्र **भवन्द्रमण्डे आ**न्न विन्हां नद्य ৰাশ্ব বিৰেল না। হয় টাকা দাও নচেৎ मामिर्भत्र विमानित्र वक्त रहेक । " s: মধ্যম ভোণির শিক্ষি মূকে প্রকারে আঘাত করা ছইল। লোকে আজ্ঞার আর ১ই একটা অন্ত উক্তে । উলেখ করিবেম, যে মিদনরিগণ শের জেসুট হইবার অভিনাষী হই न, उँशिमिटगत मुख ममुनाम विना

ার ভার উাহাদিগের হত্তে দেওয়া । কিন্তু দেখিতে পাওয়া যাইতেছে हाजजुला ट्मन्छ विकासितात নরি বিদ্যালয় হইটে ছাত্র বাহির বা।পুস্তক কমাইয়া, মিদনরি পরী করিয়া, আপনাদের মতে সিভিফে চালাইয়াও মিগনরিরা প্রেসিডেন্সি শ্জের অর্জেক ফণ্ড প্রদর্শন করিতে ह्हेटलम मा। उत्ताता का वम पांड ীয়ের। অলম ও বায়কুঠ। গবর্ণমেণ্ট টদাদীন হন, তাহা **হইলে প্রেসিডেলি** ল**জ** এভৃতির অধোণতি **হইবে**া ালয় উঠিয়া যায় দেখিলেই লোকে দিণের হস্তে শিকাভার সমর্পণ বন। কয়েক বৎসরাধ্ধি মিসনরিপণ

নীতিভের অবল্যিত বক্রণপে সঞ্চ

চ্রিয়াশিকাৰিবরে হস্তাপণি করি

(हक्षे शहर उर्छन। मत सन नरहस्त

র জেনরল হওয়াতে তাহাঁদিগের নেই

র**থ পূ**র্ণ হইবার আশা **অলি**য়াছিল।

कथा এই इहेट उट्ह, मिनन दिनिट गत

শিকাভার দিডে ভারতবর্ষ সমত

বন কি না গ পঞাব হইতে পারেন;

निभ इंडेटक शारतमः, किछ वक्रानिम

াই ও মা<u>জ</u>েজে কখন সমত হইৰেন

উপ'সংখারে আমরা পুনরায় কহি-

ফুৰ্ডিয়ান আফলা এচলিড হইলে

मार्गा कड: अरमरमा विवय अभिके स्ट्रेंट मदल्य मारे। ४० काणि हाना तालह्यत मत्था ब क दर्काछि देशका मिकाकादयः नाश कि वर्ष नाश सहरकत्म १ निकान-यत्य लीटक वाक्ष्या व्यवस्य करत्रम, भागि वार्यनीय , क्यि चावर शक्ती उ मर्काष्ठ वाशीनका नाक ना इहेट उद्ह ভাৰৎ এ স্বাভস্তা স্বলম্ব সম্ভাবিত मद्र ।

ভারতবর্তের জেল।

ब्लंटन चार्चनी ७ पारावमारमत (य নিষ্ঠ্য ব্যবস্থা আছে, ভাষা যেমন বন্দী-निर्वत उर्देशक्तांनश्रहिष उरहिष्ठ করিয়া দেয়, জেলরক্ষক ও তাঁহার সহ का ति विख्यात्र य वावका आर्ह, তাশাও তেমনি তাঁলাদিগের উৎকোচ অহণ এরভি উদ্দীপিত করিয়া তুলে। (अन्द्रक्त ১०० वा १४ छाका (वंडन পান এবং উচ্চার সহকারী ২০ টাকা পहिंद्रा थाटकन। अफरन क्षश्चिकार्म ভলে ইউরোপীয় জেলরকক ইইরাছেন। একশত টাকা বেতনভোগী ইউরোপী য়ের এবং কুড়ি টাকা বেতনভোগী अर्दिनीरमत छेटरकांत्र अवन्तराम अवन्त করাকেমন কঠিন, তাহা বহুজ্ঞ বাজিক **मिर्गित व्यविभिन्छ नेट्। (क्लब्रक्क** কমিদল পাইবেন, এই যে নিয়মটী আছে, ভাহাও অভ্যাচারের অন্যতর व्यथान कात्रण। धार्र मकल भूल ६३८७३ কারারারে অসুগ্রহ ও নিগ্রছের ভৃত্তি হই-য়াছে। কতকণ্ডলিবন্দী অনুগ্রহভাতন হইবে। আমরা বর্জমানকেই হয়, তাহাদিগকে অধিক আম ক্রিতে হয় না, আর বাহারা ভাহা না হয়, ভাহা দিশের কটের পরিসীমা থাকে না। ভার আছে। যাহাতে অধিক এণ্ডলি বাস্তবিক ঘটনা। ভাল লোকের : করেদিদিগকে তেম্ন কাজ দে নিয়োগৰাভিরেকে এসকল সংশোধনসম্ভাবনা নাই।ভাল লোকের নিয়োগ অধিক্ধায়নাপেয়া। এ বায়। হান লইয়া একটা কা

(काष् इरेटक चारेटम ? अकटन (নিয়ম আছে, তাহাতে অধি **ब्लाटन अवर्गरगरित लाख ६७**:

पाकृत, अत्नक का कि स्ता। क्ट्रांम्ब्रा " (प्रकृष्ठान्त्रा " (मग्न, हेहाटि नांच विना **अनां**च সভাৰনা নাই। তথাপি,যে লাগ **जाशात करब्रक्की विरागत कात**्र व्ययम, मकल (कटल थाठोहेबात नारे। विशेष, अञ्चार्याद्याद्या বিধি খাটে না। তৃতীর, যাহাতে रहेवात्र मञ्जावना, घटनक क्लाल নীর ব্রেছাও উপায় নাই। গ স্থানে স্থানে কাপড়ের, কার हा डेल ± कृष्टि नाडकनक स्त्र क्रून। क्षार्डाक क्लान क्क क्षित्र ना त्रांचित्रा अक अकी স্থানে এক একটা কেল প বাছুট ভিন্তীকল করিয়া অন क्षिनात करब्रिमिश्रक त्महे छाट शन कति एक इटेरव। य कटन यर আৰশকে, ভাহাদিগকে ভাহাতে इट्टर । अनः अनः वन्नी दात्रा अन लाक्तित कार्या कड़ाहेश लख्या এরপ করিলে কলে যেমন এক কিছু অধিক বায় হইবে, তেমন স্থানে জেলনিমাণ ও ভাহার জেলরক্ষ ও তাহার সহকার **ডोक्टरित बाह्य अथा अभा**हि ছইবেনা। ইহাতে এক দি मःराक्त्रभ, व्यथन निरक विकाक कट्य अहन कतिहाम। अश्रीत व्यक्षिक कार्यभी नाहे; कि का ममूर দোষের : তেছে না , সুতরাং গ্রণ্মে

स्रेटफाइ। किछ तथारन र

এবং ভ্রদী মোদনীপুরপ্রভিতি র কেল উঠাইয়া দিয়া ততাতা मिग्रक के स्टारन चानधन कहिया টোইয়া লওয়া হয়, তাহা হইলে ক্টো ঐ ঐ স্থলের কোলের বায় ষাইবে, কলে ত্রিগুণ চতুপ্র क्हेरव. करमस्त्राउ **ভिन्न ভिन्न** কর্মচারীদি:গর অভ্যাচারের তে পরিতাণ পাইবে। আ **बहे शांक इहेरिक, विश्वारम क**ल সেখানে ভাগ লোক অং, ক , সন্দেহ নাই। তিনি বন্দীদিগের বুৰিয়ো শকলকেই নিয়মিত সময় তুরারপে খটেটিয়া লাইবেন। সুস্হীত, কেহ বা নিগ্লীত হই বন্দীদিগের প্রতিনিজুব বাব-া যেমন, অনুপ্রচকরাও তেমনি । অনুগ্রহ করিলে ভাষার। প্রস্রা थारक। यमकन व कि शुनः इर्रशास्त्र कृष्क क्षेत्रांत (कर्ण) शाह्र, অসুমান করি জনুগৃহ,তের े छ। शामिरशत मर्थ अदिक।

भाग श्रञ्ज (१८००) (अटलब अप्रिनीत ও সমা এবং আহাবদ্যিকটের রবে করিয়াছি ভদসুরূপ কাষ কান্ত আবেশাক : এগুলি অভিশ্য গেও, মভা কালের ও মভা গবর্ণ-(वाशा मध्य क्रियमिनिशास्य ग्रीन জন প্ৰিলাম করান হয় এবং ন দেওয়া হা, ভাষারা ভার ালামারে আসিবে না, এ যুক্তি লাচিত নতে; ইহা কোন জনমেই ाही इह मा। य निकक तन्द्रन अधिकानमाता मार्जन [m m 1 -পান, ভিনি বিফলপ্রবার হন है। अवन्द्रमदेष्टेंब धरे छे किना 5 (य, बन्दीनिश्चत होहज

ধেন হছক, ভাছারা করো

গারে অলিম্যে কলিকেপণ না করিয়া क्याठे उ प्रतिक्षामणील इडेक बदर कक একটীব্যব্ধায় শিকা করিয়া জীবিকা মতর্নর পথ পরিজ্ত ক্রক্। কিন্তু এখন যে ধ্রবস্থা আছে, ওদ্ধারা हेहात (कान উल्लब्ध मिश्व इहेबातहे महाबना नाहे। धारम, हतिखनः ट्रांध. নের প্রথম ও প্রধান উপায় যে সমুপ দেশপ্রবণ ভাহাদিগের ভাহা ঘটে ন; ভাহা ভাবণ করিবার ভাহাদি-পের অব্দরও নাই। ইদয়াস্ত থাটিয়া শ্রীরে অবসাদ জম্মে; উৎসাহ না थादिस्त कान का जान नार्भ ना। দ্বিতীয়, অভঃও অসম্বত থাটনী হইলে था हिनौत था कि खड़ा बड़, विष्मुत करमा। সুতরাং কোনপ্রকার খাটনী শিখি ধার নিমিত প্রত্তি ও উৎধাছ হয় না : ভূ গীর, অনেকে অন্তাধিক প্রাম ও অর্থাশনদোয়ে পীড়িত ও ভল্লেই हरेग्रा १८६६ : जारनरकत् धार्म विदश्चां वि स्हेश यात । टेबर्ग निर्वाचना श्रीत नतात निर्वट न বাবহার কর্ম আমেটিদগের গ্রণ্মেণ্টর भ्रमुन क्यें नहा । २० छे। व्यवति ॥ छे। প্য স্থাটোইবার সময় করাই উচিত। প্রাভঃকার অব্ধি বেলাচ টা প্রাভ डेशरम अमारना sat a होत मन: आहारमार्गर वादणा कता कर्तता । यान विका वाकिमिश्राक डेशरमभटकत शरः नियां कि उ करा हत्, जात डी शहा, दुकर, किंटिन के भारत अभाज अ आपिनाइ সহয়ে কি কি অনিউ হয়, তাহা বুকা ইয়া এবং তাহার উদাহরণতলে সেই শ্রোত। বন্দীদিগের 3 আন্না আনা, কুকর্মশীল ব্যক্তিদিধের ক্ষেত্র বিষয় বৰ্ন করিয়া উপদেশ বাক্যগুলি ভাষ্ मिर्शत क्रमशक्तम क्रिया मिन, क्रान्टकत क्त स **अनद रहेश डे**र्ड भरम् ह मारे ।

वं सम्बोध द्वास्थारमद्र कर्डनः। 🐇 **এডলেশীর রাজগবের বদি** রা**জ্**যে শাসন**প্র**ণাসীর উৎকর্ম त्नत बामना बाटक, डाँचाबिटशत व কলিকাতা, বোষাইও মান্দ্রাকের विमा ७ डेशयुक्त लाक्तिभटक कार्यः निरम्नाष्ट्रिक करत्रन। खिवास् রাজা এই রাজনীতি অবলয়ন কঃ এদেশীয়রাজগণের আদেশস্থল। ছেন। জয়পুরের রাজাও এই নীতি मन कतिशार्ह्म। (त्रुशात ताकाः व অবঃশ্বন উদাবীন নহেন। সম্প্রতি ব রের রাজ্যও এই পথের পথিক হ (इन। क्रुटिन) दाख्टिता भागनक নিয়েজিত হইলে যে রাজ্যের স্বি উল্লিড হইৰে, ভাগাৰলা বাহুল্যা কুৰ দিশেরও মঙ্গলের দোপান হইবে। ত্রি शदर्गरमध्ये वसीत उठका तालन সংক্রান্ত স্বলাভের মনেরের পুর্ব দংকানয়। গ্ৰণ্মেন্ট ভৃতীয় নেৎ (नक्रमात्र (क्वन वारकाई **८**८ (मधारेश आगिट ठ.इन , क्टिंग ভাষা কাথে, প্রিণ্ড ক্রিটে সম্ব লেন না।শিকা ও গভাতার্দ্ধির স উচ্চ আংশারেও র্খিল হয়। আমাদি এ আশোপুর্ণ হইবার উপায় ন अकरन भ्रत्रिराधित अधीरम स्माद्धका কের অভিমতনতে। তাইনা কারণ উজ বেতনের উচ্চ পদ্ভলি,জারতবর গৰে দেওয়া হয় না, ত্ৰিটিশগৰণ্টে अशीरन साधीनहाइल कार्या कतियात মাত্র উপায় এক ওকালতী আংছে; **(सम एक भारक छे**कीन इ**हेर**छ (हरल्या । देदात मरश्हे **के** कीरणत ज বিলক্ষণ রিভি হইয়াছে। দেশের সাধনার্থ আপনার ক্ষমতা বিনিয়ো করিয়া চিরসার-ীয় হইবার উপায় ুনাই ৷ ত্রিটিশ সামাজের অধীনে ত ি দিলের কাছার জীবন্চ্রিভ লি न जम ७ एड्। छन्न व्यक्ति निधि विषय नांच्या यात्र मा। बक स्ट्रिक क्रमा, व्यथन विद्याही एउना, देहा ভারভবর্ষীরের পক্ষে চির্মার্ণীয় ার তৃতীয় উপার নাই।আমা विश्वद्रश्चाः भागमकार्द्यः एक *र*नाक য়া যায় না, এক্থা বলিলে উপারকে. । कता इता। मुक्क कोटल मर्का (मर्टन) हे ক্তি লোক দুউ হন। উপযুক্ত नकर्ता यनि उँ। र: निर्मात व्यक्त स्वारम তি হন, পাইতে পালেন। লাভা ,উক্তর শাসনক:তেডিনিৰুকে হ্ন, बनवडी हहे. रेल्हा ক্ৰম শ : হ। এতদেশীর রাজপণ আনাহাচেন চবিতার্থ করিতে পাবেন। ইহাতে क्तिरात यमः, श्रक्षांभरनत मकत रू শীরদিশের গৌরবর্ত্তি চইবে। আর একটা বিশেষ উপকার হইবে এডদ্ধে রাক্ষগণের ভাবলিয়াত উদারতর ীতি দর্শন করিয়া ত্রিটিশ গ্রণ্মেন্ট লক্ষায় পড়িয়া তদসুদর ৭চেটা তে হইবে। এতদেশীয় রাজ্পণ াৰাদিপের সেনাদলে উক্তম রাইফল হার করাতে ধর জনলতেকোর সদৃশ क्षं, हेड ब्लार्क्ड मिला हो मिश्र क ফলড রাইফল দিবার এস্তাব করি न। भवर्गरमण्डे काम विवटह ८८५ রাজগণের অবপেকানিক্ট হইয়া কৰেন ইহা সভাবিত নছে। এদেশীয় विशाणिभटक ताक काट्या नियुक्त कति অপর লাভ এট, ইহারা দেখের কের ভাবন্থা বুবিয়া যেরূপ কাজ তে পারিৰেন বিদেশীয়েয়া যতই ্তেক হউন,ন∤ কেন, কথনই সেরপ टक भारतिर्वन ना। अरमभीश तास्त्रश्नी কাল আমাপন আমাপন রাজা; ভোগ ন, এটা সর্বসাধারণের বাঞ্জনীয় ; क्रमानन वाजिएत्र का मानात थ

विमानिभदक भागमकार्द्या निरमाणिक করাই পুলাসন হইবার একমাত্র উপার।

> ভারত্ব ব্র পুরাতন ও সূত্র क्षाचेत्र (अभ्यत्मात्म । 💛

----:0:---

সাপ্তাহিক সংবাদপত্র সর জন চারে-ज्या भागश्याद स्वतं क्रांत्व निर्देश য়াছেন " ভূতপূর্ব শাসন্কর্জারা অনে-क्टे **अधारमञ्ज्ञ मरक्षमा** विद्नारयंत्र जुकि विन के बिहा शिशाहिन, किछ हैनि (गर्ज क्रम सरहस्त) काम संदेश राज्य | की करतम नाहे। " अकर भारत अवनी हित्सन अवाषयोका स्रामा দিলের অভিপথে আৰ্ছ হইল, " বিনি मकलरक मख्ये कहियात (हसी शान, তিনি কাহাকেই সম্ভট করিতে পারেন না।" তুড়াগা**কেনে সর জন** লেরেন্স এই প্রবাদ বাকোর একটা মুতন উদাহরণ क्टेड़ा शास्त्रन । मत काम लाइका कामर शव ণ্র ক্লোরল ছিলেন না, কিন্তু তিনি প্রায় কাহারই অক্পট্অনুরাগ ও কৃতজভাত ভাজন হইতে পারিলেন না, এটা সামান্য कृश्यंत कथा नगा आमता आस्तात कथा ধর্তবা করি না৷ বাজিক বা সম্প্রদায় विर्मादव क्मग्र द्वाशास्त्रवामि (मारव कन्न-বিত ও বিচলিত হইতে পারে; কিস্ক তিনি যাহাদিগদে পালন করিতে আসি রাছিলেন এবং স্থাচাদিগের হিতচে 1 कतिशाहिएलम् काँहानियोत क्रन्दा यूःशः বেষাদির প্রসর মন্ত্র'বনা নাই। তথাপি ত:হ রা যে ভাঁচার প্রতি অনুরক্ত হইলেন না ; এটা পরমাশ্চযোর বিষয়। ইহা সহ খাসন কর্জাদিগের পক্ষে নিতাম ক্লেশকর। **इट्टल्ड ग९ भागनकर्छ**! ং জা প্রীত মাত্রেই আয়োকে চরিঙার্য ভরান করিয়া থাকেন। কথের ভূই শিধারালা ভূমান্তের নিকটে উপস্থিত ছইলে রাজা জিজ্ঞানা ্করিলেন, অপেনাদিগের তপ্সা। নির্দ্ধির উংকার জড়ি নীত হওরা সম্ভাবিত নয়। এদেশীয় কৃত সম্প্র ইইতেছে তঃ উচ্চারা উত্তে

क.हेरनन, भाशनि र्रकः। ধর্ম ক্রিয়ার বিত্য স্থার বিত্য এडे देशो चुनिश द्राक्षा मत्ने मर লাগিলেন, আজি আমার রাজ্য তে:ভাবে দার্থক হইল ৷ ওজার লাভ বে কি ঐতিকর পদার্থ, স কর্তা ভিন্ন অন্যের ভাষা অ बद्र।

व्यक्ताता उँ। इति शमन र रिल (म ६ অভিনন্ধন দিলেন না। তাঁহা অনুষ্ণ ব্যবহারের কারণ্কি : কি অক্সা ; অকুচজাচ;ই কি গে অপরিণামদশীর: অক্তজ্ঞত: विलाशिक्षिण कविरुट्टिस ; वि ধাবন করিয়া দেখিলে এ ভ দেবেরেপে ন্যায়ানুগত বলিয়া মান হয় না। আমাদিণের যেগুলি প্রাকৃত কারণ বলিয়া উ ভেছে, ভাছা একৈকক্ৰনে প শিত হইতেছে ৷

সর জন লরেপের অবলম্বি প্রণালী এবং ঠাছার সংকার .দ:বই ≄ধান কারণ। তি,নি দিগের অক্তরিম মিত্র ও অকপট ৪ জারে ভাঁচার কোন কাযে**া** পরিচয় পান নাই; বরং ছুর্ডিফ তাহ'র বিপরীত প্রমাণই **डिनि डूर्डिककारल निम्निश्च** লার বসিধা কহিলেন, এ দি কাও হইতে লাগিল। এ जिनि यथार्थ आकाहिटेडियी লেপ্টন্ত গ প্র ও রে উপরে নিডর করিয়া 🧗 পারিছেন না। ফলত. উট্টোর সদশ্রণের পাই দ্বিতীয়, তিনি গ

্চচেষ্টা পান, তাহাতেও তাঁহার হিতৈবিতার পরিচয় হয় নাই। ারা কর ভাল বাদেন না ; কিন্তু ইহঁটিদগের ককে সেই করভার ক্রিয়া হিত্সাধনটেকী পাইয়া । ইহাতে এতাণ ভুকীনা হইয়া ত হার উপরে রুষ্ট রুন ; সুতরাং কুত উপকাৰ চেটা ভাছা অসূত জ্ঞান না হইয়া বিংজুলা ।। ८१ (ग काक छ.ल ४:८म ।), गिष হিংকে এই কথা বলে. ভুম যদি কাজ কর, আমি তেমার উপ ারিব, তাহাতে কি**সেসমত হ**য়: महे छेलक:इंटक केलकात छान তাঁহার নিকট কৃতজ্ঞ হয় ? সর রে**জা** হদি গ্রণ্মেণ্ট হ্ই**তে** অধিক নুকুলোর অসীকার করিয়া ওজা p অবশিষ্ট অর্ধদানাথ এ.**বর্তি**ত ার চেষ্টা: পাইছেন, ভাহা হইলে া জাঁহার সদ,শঃথা বুঝিতে পা? ।বং ভূঁহার এস্তবে সশত হই 1 দ্র চেন্ড: পাইতেন সম্ফেচ ন.ই। भव, ल्लाटक (। वन वाटका कुटला নে। সর জনুল রেজ এ কর্মী হিড রন সেগুলি হায় বাবোট হ্র : তিনি হলি দেশ সংধার র কে,ন মহথ কারে)র অনু পারি⊑ের, ভাষা **इ**देह∺ স্থ্ক রাথ বাজ্মনা হই

<u>ا</u> څ पर्विष्ट्र येकास्क्रिका কে নিডার নিধিক। ছুনাৰূপে দৰ্শন করা [ब्रह्म १ あげる धर्म केंक,सिक्ष्यप् কখন ৭ জাহিয় হইটেড के का बि त्रं छे ५८ प पनीयपित्रत्र डेलद

ার বিদ্যাশিক্ষাপ্রভৃতি যে উছোর বিশাস ছিল না। ভুলি বিশ আমাকে বিশাস না কর, আমি যে ट्यामाटक विचाम कतित, हैशे चछ दवत অনুমোদিত নহে। এই কারণে তিনি এ জার বিশাসভাজন হইয়া ঘাইতে পারেন নাই। किनि रा करणमीतिमनर्क दिवान कति-তেন না, সাপ্তাহিক সংবাদ পত্ৰই তাহ র প্রমাণ করিয়া দিয়াছের। উক্ত পত্র লিখি য়াছেন " ইনি (সর জনকারেকা) আপনি वरत्नन. यथन अरमर्म वद्यमर्थाक शीकी म रेम ापन इट्टिंग, ज्येन व स्मरण শা,স্থ বিরজেমান বাকিবে।" এতাহারা कि म्लाके क्षत्रांग इहेटक्ट्र ना या, दिनि थृक्षेधभावनश्ची किन्छू ७ सूत्रलमःसमिनदकः বিশ্বাস করিতেন না? সাপ্তাহিক পত भित्र विक्रितिक कर्यसःस्थित, सर्वे क्रम सट्डका মিসন্বি ভক্ত ছিলেন, অত্থব একংশে উচার লিখন বিশাসনীয় ও আন দ্বণীয সন্দেহ নাই

> পঞ্ম উপধ্যাবিমোছিত ৰাজিল গের অসমেন্টার একটা কারণ এই, ভাষার बरल्ब. महक्रम सरहक्ष कि कलक्षा ক্রাস্থ। ভূঁহার অংশমন কলোব্ধি লোক এ क क्टिंग सिमिख मुख्दित सम जिलसूलि ह रेष्ट्र विश्वन हरेश शन । यदकत मामन ক:লে ছুই বার ডু∫ডফচ ও ছুই বার ৩১ৰ ল কড় এৰপ কেহ কথন দেখেন নাই। **ठ**,हात अगम समर ७ दघ: मरन व्यक्ति भूत्रं जूरुम्ला वह ।। भिला । वेवारक श्वा म পতিত চট্টা এবং কোন কোন স্থান ভূগ'ৰ্ড মগ্ন চইয়া লোকের বিস্তর ক্ষতি हहेशास्त्र देववधे हैमात देवदत मानूरवत প্রভুত্ব নাই, উপধর্মবিমোহিতেরা ভাষা বুবোনা। যাহারে আগেমনে এসকল অস चन इत, ख:इँ.८क व्यवक्यक्तकः'**स** विद्व চনা করিয়া তঃহঁ,র প্রতি অসমুবক্ত হয়। बक्टे, मत स्मा महत्त्रम यक्र छ लि क्षा कात

> অপ্রিয় কাল্ল ক,র্য়াছেন, তাহার সহিত

প্রিয় কাত গুলির ন্নোভিরেক বিবেচনা

क्तिल क्रिय काम्स्ति क्रिक हेरेग

के के । मुख्तार माई अधित करियात मर्था

(महे कित्रकार्याक्षात्रक क्रम था जून त्व अक्षातर्ग छाहात कटलाभशाति (बार्ध नमर्थ रहा।

এইসকল विषय विरवहना करि चामामिर्गत न्यस्य दाश व्हरक्राहर त्रकल क्षकात जत कर सरदारचत क बन् ाश करण नाहे. डाहादा अकिना मा विशा खेळम कामरे कतितादस्य । कॅं, हाद्रा मिएकन, क्वन ए कें हानि কাম্পেনিক ব্যবহার প্রকাশ হইত এ ন্য, তাঁচা দিগের আসারতারও পরি हरेड। এडव्ह ताः छैं:हाता य बरूप বুকিয়াছেন ভাছার এমাণ হইয়া আর এই এক ইফ্টলাক হইয়াছে, ব গ্রণ্র জেম্রলদিগের মধ্যে যাঁট **একার অনুব**াগকে লাখনীয় ব জ্ঞান করিবেন, ভাঁচারা অকপট্র একার ছিত্রাধনচেকী করিবেন সেই চেন্টানৌ থিক না করিয়া ক প্রারিপ্র করবার প্রস্কৃত উপারের প बद्ध यञ्जवान इहेरतुन ।

.**८.ख**′वर्षी क्रास्य क्रस्य मीर्थ इ উ ঠিল। একাণে সংক্ষেপে মূভন প क्षमद्रत्मद्र विषद्त किছू विलाश क्षा केश्वनः हात्र कर्ग विस्थयं इंडेस्क्ट्रहः । व (इ.स.)त् चाधमस्य एकस्ट इस्प[्] হর্রাছেন্। সকলের মনেই আশা शारक, कें हा स्टेटल आभाषित्तत्र दि ইফীলাত হইবে। অত্ৰৰ আমেদি প্রার্থনীয় এই, ভিনি কেবল সিমলায় ও দরবারে সরকারী আর্থের আর্থের ক श्रामाम अवस्थितम् ना वर्षम् । ३३ हु 5 अक्रांत इह्नांत्रथ पूर्व इय, हे कामानिद्यंत्र अकाक व अर् है।

ছুডিফ নিক্ষস্ত্ৰপ সমুধে উপ এই সময়ে ডিনি আত্মগুণের পা শিষা প্রক্লার প্রীক্তিল:তের চেইটা কর এ বার উ:হাটেক জোমরা কেবল ও विषय देवचारेश महा निवस रहेल.स পুতীকা করিয়া বহিলাম 1

> े द्विविश्वने वाष्ट्र । . ७ ई मध्य (मध्यवाद ।

मानेश्र ७ ए दिए छे ए दिए हैं कारन है ক্রমণ শুক্ষ ব্রয়াতে লোকে অভিনয় श्रिवराया अल्पि मम सर्वा तिवादिन । इत्यादिन।

त महिन्द भूम ति में तिमानात न दिन के दिन कि ति विश्व कि ति विष्व कि ति विष्व कि ति विष्व कि ति विष्व कि ति विष्व

पास विष्ठ त्र पिछ आक्षा नियास्त (कास विश्व कार्य स्व वित्र कतिस्व कार्य होश्य कार्यक बाद स्वम खंडा हरेला क्षित्र स्व नियम कार्यक विस्त । द्राधान श्र दक्ष कर कार्य कार्य स्व

वर्गरमञ्जे ৮ • • • होका व एवं काफ केलि একটী স্মারণার্থ চিক্ত স্থাপন করিবায় মানস १८ इन । जिक्कि जात शित्रणाय हेश स्टेटव 🗠 এস্থিতের নাম ভার স্বর্ধীর দিবেগর শতকর ্মের ক্ষাণ নাই। উচ্চার নিকটে "ভারত কান বিগয়ে ঋণী নতেন। আন্মরা ভাবিয়া ম লভি এলভিমাক যে ২০০০ টাকা क : म अथा वहेबाट हैं कि वहें विकास के महिल । (स्पारक प्रदर्भान किङ्क कडान ना कडान (य-हे निट्ड क/इटनम अक्षया यक अग्र I क्ष प्रश्ना इंडेक, के कि। आजा किए भेतर सामेटन । ন্পাণীয় দুভ স্মিতার স্ক্রের্থসাস ভ रत् ता छ (भरमूझ महिष्ठ मा कार के.**तर** छ डेप्टिंगिकन अमान कहिन्द्राहिन । शर्वन लिए चित्रां छ शहान क त्रे केंगा। नाफ । লপ্লীর বৈন্দ্রিমানিধের ফুশিকার প্রশংস

कित्तन।
क्षातित श्रान कान का का उन्होंन नीन
त्थ भारत श्रान कान है। का तिखदन कान्धीद न त कि कान नन्धित्ती क्षेत्रात्नम। तिश्रा हेशीति कान एड काक्कान कि त्राक्तिन त मूर्थाभाषताम के नकाकात विश्रावनः कि कार्यक्रिम के किश्रावनः कि कार्यक्रिम के किश्रावनः क्रिम कार्यक्रिम के तिश्रावनः क्रिम कार्यक्रिम के तिश्रावनः क्रिम कार्यक्रिम के तिश्रावनः

कालिक भूगोकागयरक हिन्दर मुन्दरे अपन कालिक हरेग्राहर । स्वर्यक्त किटी अपन कालिक हरेग्राहर । स्वर्यक्त किटी अपन कालिक हरेग्राकी कार्यम निर्देश कि कार्यम भवीको किए । हरेरव । हरेशिक कार्यम भवीको किए । हरेरव । हरेशिक कार्यम क्षेत्रिय कार्यक कि सिर्द्यम कार्यक कार्

জীরামপুরের নিকটে সম্প্রতি কডকও ল হড়া হইয়া গায়াছে। বে প্রকার পুজিব, ভাহতিত লোকের প্রাণ ও সম্পত্তি যে আছে ভাহতি আশ্বর্ধ।

शिष्ठ विकास मार्का समाहित स्वार्थित विकास स्वार्थित विकास स्वार्थित विकास स्वार्थित स्वार्य स्वार्थित स्वार्य स्वार्य स्वार्य स्वार्य स्वार्य स्वार्य स्वार्य स्वार्य स्वार्य स

े केक गट्य मृद्धे इहेन, निर्मात मास्ट्रिय महिन्द्र भाष्ट्र । क्षामता स्थामताह्य अभक्तात विजय इहे प्राट्ट । क्षामता स्थामताह्य क्षामक मिस् कार्यक्ष हेरात स्थामता स्थामताह्य

् १ हे अधि भन्नवात ।

শ্নিবারের ভারতবর্ধীর গেজেটে নিয়ু লিখিত বিজ্ঞাপন্ত জি প্রকাশিত ক্ট্রান্ডে।

পুর্ল সভাহের গেভেটের আছে। রহিত করিয়া চৌধ্রী লক্ষণসিংহকে 'রাজাণ উপাধি দেওয়া হইরাজে কোলাহারাদের অজ গতি ময়রাগড়ের ভহসিলদার ও ডেপুরী মাজি উট মিরমদত আলি ''খা রাহাছর দ হইয়া কিন। পালার মহালাল নরপতি সিংহ 'লাইলা । উপাধি পাইয়াছেন।

ग्र कम नर्परणा रेग में क रार्टको है कर्न न गार्डेमर हिम देशक कु इर्ड कि किला माम कि हम कि उन प्रांत कि किला के किस का कार्टक कि कम कि कि दिन । कर्नन विम कि कम कार्य कि कारकर्मा निव ग्रांत कि किर्म । किस कारकर्मा विस्त मह कम न्द्रक रहे। एक कार मुक्का न निवा (ग्रांतम मा)।

भ तवात जात् स्वीत स्वाधित होत्या विका जिल्हा मान क्यारम अभि नाशिका विक्रि क्या कारम क्यान्य स्कृति । श्रीय मन मक्य हैकित ज्ञा महे इत्याद । श्रीय प्रीति स्वाधित का क्या महे इत्याद । श्रीय विकास स्वाधित का क्या महे वात प्रमुख्य स्वाधित स्वाधित का प्रभाव क्या प्रमुख्य का स्वीका का स्वीका का प्रभाव क्या क्या का कि का का स्वीका का

माविकः म्ह्या नास्ट्या क्या क भारेषाहरू । कानहरू क्षस्यान क्ष्रा स्कृतिक शिक्ष्या अहे स्थापना स्टेश

বে দিবস লাড মেছু কলিকাডার ু त्र मिन हो में भारत यादह व्यक्तिया . ভিল। ভবলিউ উইলস্ম নামক विखंद्रभव अन अब श्रमान (कदानी प ছিলেন। জাঁহাকে সরিশ্না ঘাইতে বল ভাগেতু ভিনি সরিয়া হাইভে না পা জন পুলিষ কৰ্মচারী জাঁহাকে ভূ.মি করিয়া প্রহার করে। ডিনি পুলিষ धर्ती निश्चत्र नाम (य नाकांच करत ট্রেট রবাটিস সাহেব ভাষা অঞ্ছা করি ছেল, যে ব্যক্তিক জ্বনজ্ঞার মধ্যে থাবে দশ ক্রের স্থিত কতক অভে কার হ रहा ऐक्नम्य मारस्य त्य मानीन একটা বালিকাভিয় এমত নালীৰ कविद्रक भः दृत्य साः हेश्यासः हृहेयाः রণ নালীপ করা কাড়খয় লক্তাকর সাহেব আস্ত্র্য্য বিচার ক্রিয়:৫৯ন। একতা দণ্ড'য়ম'ন হটলেই পুলিষ 🖏 शाहित्यम, **फ**ेशाह माओश इ**≷**त्य আদালভ এমত বিচার করেন ভ व्यक्तिक वश्रास्त्र काहेन बहुन केहिर्य

खुरकरलत अखर्णक विद्याधाः त्राक्षा कामीत्रवी मरस्या वास्त्रव गाव भूमास এक लक्ष के कि त कार्यक व लारकत माश्रामा कराएक खाँगारक स्वत्रा १३ म हिंगा क्ष्रिया अक्ष महत्रात करिया कि स्वरा

চট্ডাম ও চাকার ছটী হাতিখাদ।
ভাষে বায় করেন সৈনি
নিযুক্ত হইবেন। অনোনায় নিয়মান্ত ,শর্কার্থপোনী প্রচলিত করিবার স্থাতে।

ই উয়ান পাচলিক ও পিনিয়ন গ কের এক কৌতুকাবক উপহরণ প্রা ছেন। এক জন সাম্পী লাবান সময়ে বলে '' সাম্প এই দেখিয়া। এই শুনিয়াছি। " মালিটেট সময়ে বলেন, '' এই সামু প্রকৃত ইয়াকে এাদালতে আনয়ন না অভিশয় অন্যায় করিয়াকেন ইয় হওয়াতে সেসিয়ন জন্ম নাজি লোন '' স'মু ' অর্থে '' আন্ম নিজে যাহা দেখিয়াছিল ও ব

্কিটেট যখন আহো দেন, তথন হার জম জানিতে পারিয়াছিলেন; া প্রভুবভুভয়ানক বলিয়া সাহস অমের কথা বলিতে পারেন নাই। লোকের উপরে দেশের বিচারপ্রণালী त्रिक्षः। इशास्त्र स्व स्वाटक घुनः। রিবেন, ভাষা আশ্চর্যের বিষয় ক ? ৰ্ণল ফিডের **শাসনকালের সাহ**ৎস্রিক শ্নিক্রিয়াসর জান লারেকা আহলাদ রিয়াছেন। ব্রহ্মদেশে ভূমি বিস্তর কুষকের। **প্রায়** লিখিত পাটালয় না। মকর্রিপাট্টা লইডে জনসভে। স্ব ল প্রধান ক্ষিদ্নর্কে বলিয়াছেন. ভাষারা আপনাদিগের প্রকৃত সার্থ ই চেষ্ঠা পানঃ কিঞ্ছিং সভাতা প্ৰবেশ ল ভাহারা ভূমির নহানে বুরিতে

त्रा (त्रमक्षात्र कारक श्रेटकार अक কোম্পানী এই ভার পাইরাছেন। । धरमञ्जू माछकता ৮ होका क्राप्तत सामीन া , জাপাতভঃ টিধারাণ অব্ধি রাই कि अटब इंट्या भट्ट बटमावा अस्त ইবার সংসাধনা। हिंग्जान स्ट्रेट ইয়াবুদায়ার পর্যাক্ত রেল এয়ে বইলে ও ভারতবধের বাণিজ্যের অনেক A I

লের টেলিগ্রাফসকল 血性日本は (क्यम: रज्ञत व्यक्षीसङ स्हेश्रार्ड । करर्नज नीख जिल्हरण शमन कतिरवन। जिल्ह-র্ত্তবর্ষ হইতে পূথক র'খাই জন্যায় : রে। এসিক জুরাচোর। এক জনচীন বেশিসীর কাংগতে করেক শত মণ अक्ष्य करता _।करल मिश्रा (मर्गा (गन আহলি হয়না। প্রীক্ষাহাবা একাশ हे अनुवादक त अच्छादा नाम तक निवा ণয়া বিশ্বন্থ করিস্নাছে। বিক্রেন্ডা জয়: १वट्ट छार्ड छन्। इंक इंक इंक ;**5** ≀

वारक्भ कतिशाद्य, (भ विकानिष इटल क्ष्मावदम (**वश्वद्वा व्यक्ति**वर हि। अभव वान कार्क कारित ন। এটা চির্ভান সংকার ছিল। গ্রহ্মেটের সামান্দাত্র লাভ त कार्थ अन्त प्रस्मा स्ट्रेटन्ट नाम भाकानि कविटक व्यात्रक

गञ्चांक २७ शनिक शकारी शमाफिक दिस्ती মেট আগরা চইতে জবালায় বাইভেছিল: ভাহাদিগের মিমিত একখানি বিলেব শক্ট অলেন প্রেরিত হয়। মিগাট **স্টাজে এক দল** ইউ রোপীয় দৈনা প্রেরণ করা আবিশকে হওরাচে ভারতঃ টেগনমাটর শীক্ষিণকে নামিয়া হাইতে बर्जम, किञ्च खोशकिकात कर्वन कार्श করাতে শকট ছাজিয়া দেম। কিন্তু মোঞঃফঃ मगरत छेनभी छ इहेरन किसीत वानिकाशाक धक कि लियास कि हिया भक्ति क्वांचिक कि विकास । कन्यामि इंडिट्राणीय रेपमानिस्मय निमित्न हिन्स ान । भीकलियारक शांत्र २८ यहिका (शांधाः स्वत मध्यत कल्ले भारेटण स्या कारकरभव कारन नाइ, इडेट्टा भी अन्टिनत द्वारिष्ठा लहेश कथा स्ट्रेश याव डोम छात्रक वर्षी (यन छारगाई अहेब्रेल हरेक्का था कि ।

আগ.মী জুলাইমালে মধ্যভারত কর্মের श्रभाव क्षित्रवह क्षक्र नार्यल जारहर श्रष्ठांत মন করিবেন। মধাসভায় প্রবেশ কটিতে পারিকে ভিনি এ দেশে আবে আসিভেন না।

মহীস্থারের লে'কেয়া ভত্ততেরে জারা শিক্ষক कर्दन क्रिक्टिक श्रक का क्रियंक्य श्रीमा क्रिया (इन । कर्रन निकक इत्रवाटक तकटनाई कांक्रा मिक इहेत्र'रहर । काकिनम्म श्रम काता वर्तन्, व में छ दाकारक महे छत अकार्यन कतिवाब आका बहेबारेक, एथा थ जानिताद मन उन्न अभरमन्द्रशिहाहः दोका कुछवित्रः इहेरल আপতি চলিবে না বলিয়া কর্ণের ক্রেসের জাগ মন এত সুখের ইইয়াছে! লাভ ভেলইউসি> नाटम गाँशामिटशत ठटकत साल भट्ड कें हाता मधून ए बरुवर्धी हाता लिक्किन भवर्गरमहरू বাজনীতি সংক্রান্ত সভ,নিষ্ঠার উপরে কিব্লপ यः व्यवस्थान स्ट्रेशास्त्र ।

সম্প্রতি সিধনকার সাহেব ইডেন উল্লানে ভ্রমণ করিতে যান : কিন্তু ভাঁহার টিকট ুনুল ক্রিডেইবার সম্ভাবনা। भाकार**७ भू** तथ शहरी डाहारक हा छिया करें नाहे: क्ल नाटक्व विश्वाबका विश्वादकनं, न्यार्थनां मेरल (करू केन्स्रम श्रह्यूच कर्न्द्रिक भाविरकम मा। উদ্যান সাধারণ সম্পতি : অভএব এই প্রতিবন্ধ কভানিবন্ধন প্রধানভ্য বিচারালয়ে নালীশ श्रदेश ।

্হুৰুপুদ্ধি, ইবঞ্চৰ ভাঁতি হয়, ভূঁয়া ওংবকালী तात्रमाधक (य प्राति व्यक्ति कृक्यवातारमञ् एकः। कार्ट्य मिश्च बाकारक त्यतिव्रदन व्यार्थिक स्था, काश्तिरभेद्र विहात स्टेब्राट्ड। इतकाणी बार्अत क्रियन अभारत ना वाकारण काबारक मुक्त करा। व्यारताहितकाल अक व्यक्तिकान क्रिया

क्ट्रेश्नाटक। ज्यात्र किम कारमत कामी हरे। विषात्र कि माक्यारमन काका निरात नमरव ब्राह्मस, खास्यितात क्षांच प्रदासकाम कति। (काम कावन बाहे। के किल मलगरमार बाहे। ৮ हे बाच बुत्रवात ।

আমাদিগের পুডন শ্বর্গর জেনবল্ড ব कार्यः ममना अर्थाएक वाम कविवात याममः রাছেন : সাংক্রামিক রোগের শীলা, উপশ্য

🐞 লিকাভার জান্টিসদিলের ইঞিনিয়র 🔅 শাহেৰ পুন দার পীড়ানিবন্ধন ইংলতে যা ছেন। অভিসগণ ইংলগু হইতে আর এক है कि सम्बद्ध कार्रम कहियात मञ्चल कहियातह क्रार्क म'रब्दवह विथत'ङ (छ न ऋ'रन ऋ'रन श्रेषाटक । क्रार्क नाटक्टरत मटक नटक ८५ গমন হটলে কি ভাল হয় না?

छेहेनमन अटहर १०० मार्ट्स्ट नः स्म नालीम करदम, माखिएकेंग्रे त्वाहेंम खाद्य क क्ताटक है केटबा नीटबटा का किन्यू विद्रक्त व (इस । विश्वत (लाक श्राव्हाइ टेम्सिक मा পত্রে রাকা প্রকাশ করিতেছেন প্রধানতম রাসরে আপীন করিবার নিমিত্ত সকলে । করিভেছেন : রবাটস সাহেব যে অন্যায় বি कत्तिमाद्वम 'डाटार'ङ दाश हहेए छ भ'र्य। हे পীয়েখা এই উপলক্ষে একটা সম্প্ৰেশ করুন ৷ রবট সাচেত্র হুগ সাচ্ছেরের নামে না না লওরাতে উ:হাদিগের বেমন মণ্মা (वनमा स्ट्रेमारक, मकन्द्रत्व मास्त्रिक्टिनेदा রোপীয়দিগের নামে নালীশ না লওয়াতে শর লোকের সেই প্রকার মন্মাজেক পীড়া नत्मक निकलनमा करके वे के दिवा शीवन मारमत्री में जें वाहा करतम मा।

क्षांबृक्किनिरेश्वत्र (कारत ७००० हाका একটী প্রিকটির দুইল হইতেছে। দ লিভুট উত্তৰকটি প: এয়া ভার › সত এব ই

बाउक्ता मन का नाइका पनि ভাগ कविशास्त्र । मां अप अप উচ্চতর কর্মচারী ভূতপুর্ব গবর্ণর রলের সন্মানার্থ উছিলে ক্ছিত কাছাক शमन कतिहाकिरलन । हेशह श्रुल मिनन (अब्रु अक देवक्रिक, क्षेत्राटक मत क्षत्र कर স্কৃত অনেক এতদেশীয় ভদ্ৰোক স ग्रंडाङ कानिद्राहित्न।

কলিকাভার মুদলমানসভা সর জন ল अक का अनम्म क्षानान करिवार्डन। (तन क्य करदेश भिरम छोड़ा अहन ना कदिया **्नरक्ष में ब्रह्म का अभारताम ध्यावन क**ित 4 1

৯ট¦ক একথানি ই°রাজী সংবাদপত্র প্রকা ্ষ্টুতে আংকুত **হট্**য়াছে ৷ ব্ৰহ্মান্ত এক দেশীয় ভাষর সংবাদপত বাহির হট ः की अकुष देशन्ति हिंदू।

মি!স জোকা সাহেব মাজ্রালের ছোট আদ[্] व 🕏 २ क र्षत्र ! भन 🛪 विद्यादङ्ग । क द्वित छान ভন আনলাকে দুংকৰা হইরাছে 🗓 আনং া মক্ষণ ভাগেলতে কি এক বার ছোভা बढक अर्फ ≷दल काल हम्र न' १०

য়েটেহল সাতেব বজদেশীয় বংবস্থাপক ল*েভ* র পদত্যের করি**ং†;ছন**। উচির (य कार्व ज्ञान ज्ञारह, जाहारक कीहान র ভার গ্রহণ বরাই অন্যায় চইয়াছিল। াসাম, কাড়াড় ও মণিপুতি ভুমিক স্পানিভ

হতিশ্যকণি ইইয়াছে । নও১,°,র কেল

। ब्रह्हेग्रास्कः कराव्यव मध्यस्य भृत्यवी छ ল্পেল্যায় ২০ ফুট উচ্ছ হইরাছিল। মান হুচা পুথিবী সদীত হওয়াড়েড নীলব**্** া, অপালিমত হালা ও ধ্য ৰ ৰ্গত হয় হেলিবাটীপুথ্বীর ২**০ ফ**ুট **নীচে ম**ং ভোচ চলামুরালিটে নিব**তর কুমিক**ক ননীর জল গ্রায় এক স্টিক প্রায়ে উদ্ **ৰ্ট্যাভিয়। মনিপুরে কেবল ছটা বাট**

হিংৱে এবাঃ শ্সং ভাল হুইল না। বস্তে ब्रास्त्र के हुन्य कई अवद्या । 🗐 हुन् उ 🚓 খার্থিক ধান।ও হয় নাই। মী এডাল ও টের কভাল বান্য ক্রাছে। গ্রাডে নিমাতা হইয়াছে। এই বেলা রবিশস (5 है। भाउदा कर्ड **रा**

कार्ट्र व्यासक क्रांट्र समीकीत क्रम

对方代字:

কৰে সমুসায়ে ভারতবংশর ৩০ টা **না**পী*ন* मा श्रिःव को नाम व्यादकः इनात साथः ल किति गृत चन्न लहेद्रा (यथ:८न कथा, । (३:भ किया:८७न । न्द्रभव वाष्ट्रिक काटलवः (मथःदन छा।

के हे माथ है न्न्न क्वारा

कात्रकरवींत्र शवर्गरमन्त्रे काका निश्नारकन, প্রভাক প্রেসিডেলিডে হ'ল সিবিলিয়ান আছেন, ভাঁহাদিগের শভকরা ২০ জনের অবি करक अक कारन देश्यर छ या हेरड (मध्या इहेरव না : সমুখায় বঙ্গদেশে একৰে ২৪৬ জন সিধি लियांन प्याध्य, देशीनरशत्र मध्या 85 सम वित्राप्त्र भाहेबारस्य । विशादब्र स्थादबस्य स्थाका के हो के टक्रमत्रसम्बद्धाः संबर्धसम्बद्धाः किक्ट्र লৈরণ করিতে ছইবে। পীকা ও বিশেষ কারণ भा करल निरुष्पः छिदिका विश्व स अवाः क्षेत्रः

ভাক্তর টনিয়র গ্ৰণীর জেনরলের চিকিৎ नक रहेसारहम । इति श्रीमखरणिय मर्क विकिप नी करत्य।

- मन्द्रवात (कानत्रानेत श्राचाश्चरादत श्रवन (मन्त्रे प्याच्या क्रिय रहम, शूहकार्यःविकारमञ्जूष हात्री केटलत साम कविटलव कर्षाहा 📑 क्टलतं छ । এতদেশীয় ভাষায় পরীকা দিভে হইবে

भनकारशत किङ्क्ति शूटर्स गढ़ अस अरवन ষ্টেট সেক্টোরির নিকটে এক পত্র লিবিয়: প্ৰস্তাৰ করেন মাজ্ঞান্ধ ও বোৰাইত্রের শাসন क्छोजिरमञ्ज्यात रक्षरण्टलक रमण्डेमाण्डे भर्नरकः এकটी মঞ্জিসভা । करा कर्चवः । रङ्ग्राम्भातस व्हारक को छात्र इस इस इस कर कर कर कर कर कर

রেবেন্ট্রিট খোড উঠিয়া বাংতেছে ব'লছ ্য জনর্ব উল্লিয়ালয়, ডাছা অবস্লক। যদি বঙ্ .भर्म अक क्षेत्र पूर्वक अञावास शवर्वत्र इत, छारा ঃইলে ব্যাক্ত উঠিয়া নিয়া রাজ্য বভাগের 🖛 क्रमाणक्ष (प्रदेशको) विक्टर्यम । क्रिक्ट व्यक्ति ও আমলরে সংখ্যা কমিনে না।

তিন দিন বিচাকেং পাং গত কলা এ. সি क्षेट्रदेत सरुक्षात (नव श्रेधार्ट्छ । **व्यु त** के शहर দোষী বলাতে বিহারপতি মাকক স**নি উ**ংচাৰ ব্টিন প্রিল্লামের লৈ হৈছে চারিবংস্ব মিয়ান . ह्यू: १ क्वा : a है इंड छ । भार विन्तु: ख च्या का कि न्हें । हें क्ष्ट्रेश्व नाट्ट्ट्यू श्रुजा। कलिक कांग्न अक्षी हेरे বজ্বেশ হইতে হ্যাভিটে। একলি আম বিপৌয়াবেশ্য'র সঞ্জেপড়িয়া ইলব বিভার দেন। ঘটিত। এত আপলৈ হওরা অবশং হয়।ভটিমত এই বাভি ভংবিল ভালিল। न , कि ख 'का के कि का अभान कम विष्ठा है । अहे । ষ্ণকল অভুত বিচ্যু হইটেচে, ভাষাতে বিষ্ণুমা উপলংক বিচারপতি মাক্ষাসন সাকী র কার ভাত বিশ্বাস নাই : উইল, বিশাং । লিচি সংহেবের সাকে,র প্রতি বিশেষ দোষ:

(ग नकल क्'रन सालकष्टे व्हेदारक, प्रथान র করিছে সমর্থ নহেন। রাধাকায়ে অধেকটা করিয়া মটিনের কুশনক প্রেরিছ কইরে। গলের লেপ্টন্ট জাভান বি'ব ই' **डिहेलन**्कांख विधात देशात अवधि स्था कात्रक्षात्रक वास्त्र निमल व्यानक नल देशल अन खीरलाकरण वास्त्रिकारिकी करि ্ বৃট্ডে আগ্রেডে।

विभादनात व्हतामञ्चरणम्, मार्थारकः नव-रिमाने काश्चिरमञ्ज्ञ क्षयान छ अक स्तर প্ৰতি শনিৰায় এতাদেশীৰ কৰ্মচারী थृष्णित्र ४८ प्रित्र विवरत् छे भरमण (मन। प्रकम वरमव क्रिमाहक (क्यांनीहा ब সংহত সাক্ষাৎ করিতের প্রমন করেন। কিং डेंगरणरेन छ तक स्कीताम इस माहे गारहर द्वाभ कतिया यानेरलन, योह जानार উপদেশ নিক্ষ্য হয় তাহা কইলে ডিনি তঙ্গর মুগজেন্ব করিবেন। সর জন লয়েক (शहन्य भाव (कन ?

কাবুল হটতে সংবাদ আলিয়াতে : भारक्त तर्मत्वत महिङ निवादकालित व रम, जाराटक कारहम दश्यन मन्त्रीकार अण्ड **रहे**संद⊊सः। त्रियात आस्ति चीत अक्रिय की जन्मारशका अध्यद्धेरशूनः स করিয়াছেন অভিনয় খী রণ্ডুলে বদ हर्न । क्योरहरू दुरुयन कट्युरुक्त मञ्जूष প্রধারন করেডে ছলেন, কিন্তু ভিনিও পছিয়াছেন :

এই যুদ্ধ শেষ হওয়াছে অভিনয় কুবিদ চারি ঝংসর প্রয়ুক্ত হওয়াতে আফগান এত कर्ष्ट क्षेत्राटक । य. क्ष्मासिट्यंत्र श्रद नम्रात व्यान्यक एक श्रंब (अवन क द्र्र काबुटन खारी कांकाहेबात द्वाका नाहे ।

(नाम.हे नाम्य करणी मेगरक अन्त क টাক। লাভ প্রদান করিয়াছেন। মাস্টোজ निष्कत्री १८ है। का मान्य हरे श्रीहरू।

कार्य लग्ने व अवश्वात कालाका व मा न्य केंपर काकाच कविद्याद्यमा आहम क लाहा चितात महारा भाइकाह कहिया निर बटे १म् : अष्ट,∺ ३ दहारमग्रद्ध अवसी खी कडे खेशास चा दिश्यालाख करियात्ता । ফয়ার ইহার পরীক্ষা কবিরেন।

भक्त कर अस्टर**म्ट**न क्षांत्र कर्यंत्र स भमानाट्य १,३६,२२,इ०० होकी माज दमा होत्। का **७ भाग्र क** भागार 👂 🖊

लाला मञ्जाप ४२ वस्मत উन्हरः ्लयु प्रदर्ग स्माति छ कील किर्मान । করাতে সর উই লিখ্ন মিরর জাহার -পুৰস্কারস্বাপ উল্লেখ্য একটা কর্মের के वद्यादक्ष ।

ડ્ર**્વ ગ**લિજી ≩ેં&ેટ્ડાર્બ°થ્ર દિ ভাঁহার স্বাদীর বাসিতে রা ব্রিকাটো

ŀ

হারাদের সহকারী মাজিকেট ভাঁহাকে।
নে অপুণ করিয়াচেন।

প্রথিত পঞ্চার ও রাজপুতনার স্থানে স্থানে বেরাতে শসেরে কতক মকল বইয়াছে। ইলিম মির্ব বিভাগীয় কর্তৃপক্ষকে বলি , অনাহারে কেই প্রাণভাগি করিলে ভাঁহা দারী ইইডে ইইবে। এই বারে ঠেকে ইইরাজে।

ারসেরে রাজা ইংলত্তের স্বর্গমেন্টের। ট কয়েক জন আফিসর ওরণভ্রির অধ্যক্ষ

১০ ই মাঘ শুক্রবার ৷

কল্য বলিক সমাজ লাভ্যেয়কে এক অভি প্রদান করিয়াছেন। গবর্ণর জ্ঞেনরল প্রভ্যু দানকালে বলিয়াছেন, ইংলগুপ্যুপ্ত সম্বন্ধে টেলিগ্রাফ, ভারভ্রুবের রেলপ্তয়ে শ্রমকার্যেরে নিমিন্ত যাত টাকা বায় ক্ষে ভালা ভিনি করিবার মানস করিয়া ইইর বজ্ভা ভ অমৃভ্রুধারা বর্ষণ করিছো কি বর্ষণ করে, এখনও আমরা স্থির পারি নাই। তবে ইইর ভদ্রভা আধ্ক লাইভেছে। মেইন সাহেব আমাদিগের ব্র্মীয় প্রজ্ঞাগণ বলিয়া থাকেন, কিন্তু

রনিয়র বলেন, ভারতবর্ধীর গবর্ণনের তেকর্মচারীদিগের বিদায়ের যে নিয়্না করেন, সর স্থাকোডনগকোট ভারা ফিরা পাঠাইয়া দিয়াছেন। ভূতপুর্ম ষ্টেট টারি বলিয়াছেন, বিদায়ের নিয়মগুলি য়ে উদারভাবাপর হইয়াছে। কিন্তু ভারত গবর্ণফেন্ট কোন পরিবত করিছে চান বিলিয়ানদিগের বিদায়ের নিয়ম সকল গত স্থাবিধার হইল, অচিক্লিডদিগেরও া হইবে কেন ভারার কোন কারণ দেখা

পত্র অবগত হইয়াছেন, রাজা দিনকর

য়ওয়ার মন্ত্রিত্ব হৈছে চুডে করা হই

হার কার্যদকল লোকের এত অপ্রীতি

বিদ্রোহ হইবার উপক্রম হইয়াছিল।

নমিত কলিকাতায় আসিতে আসিতে

গতিসমন করিয়াছেন। তিনি বন্দেল

অন সিংবলিয়ানকৈ চাহিয়াছেন।

রওয়ার আডেন। রেওয়াতে দিন

কাজা করিয়াছেন, তৎসংক্রাতে

হালিত ব্যা ক্রিয়া

সম্প্রতি ইংলণ্ডে হই জন শীক পুলিষে নীত
হয়। এক জনের বয়াক্রম १ • ও ভাহার পুরের
২৫ বংসর। ইহাদিগের উপার্ক্রমের কোন
উপার ছিল না এবং রাজিভে মাঠে ও রাজার
শর্মকরিয়া থাকিও। পুলিষে ইহারা বলিল,
এক জন ইংরাজ ভাহাদিগকে লইয়া যান;
কিন্তু ইংলণ্ডে গিয়া ছাজাইরা দেওরাতে
ভাহারা অসক্তিনিবল্পন যেখানে সেখানে
থাকিতে বাধিত হয়। মাজিট্রেট ইহাদিগকে
বিদেশীয় অনাথালয়ে প্রেরণ করিয়াছেন। মধ্যে
মধ্যে এপ্রকার পোচনীয় অবস্থা ঘটিরা থাকে।
যেবকল ইংরাজ ভারতব্যীর ভূতঃ লইয়া
ইংলণ্ডে যান, ধর্মতঃ ভাইদিগকে এইসকল
লোককে ভারতবর্ষে জাসিবার পাথেয় দেওয়া
কর্ত্বরা।

বেংৰাইরের প্রধানতম বিচারালয় সি্জান্ত করিয়াছেন, জাহাজের অধ্যক্ষণ নাবিকদিগকে বোহাইয়ে ছাড়াইতে পারিবেন নং। নাবিকেরা পদত্যাগ করিতে সম্মত অ্বকিলেও সেপ্দ ভাগে আহ্য নহে। এটা অভিশন্ন যুক্তিসিদ্ধ মীমাৎসা। ইচাছারা লোফারের সংখ্যা অনেক কমিবে।

সিলং হইতে এক খাজি লিখিয়াছেন, ''গড কল্য (১১ ই জ্লান্ত্র্যারি) সক্ষ্যার পুর্বের এখানে ख्यानक च्रूबकम्ल ब्हेब्रा शिक्षार्ड। विना 8 ঘটা ৫০ মিনিটের সময় মেঘগর্জানের নার मक स्टेत्रा कल्ला ब्यातख स्त्र । चत्र सूत्रातक कृष्टि তাবৎ ছলিতে লাগিল, ফ্রেমে ক্রমে ৩ বার কম্প इहेब्राइल। (भव कम्ल ६ महें। ৮ मि.नहहेब भवत इत्र । अपुष्ठ कानरतम माद्राम भारक्व মূতন বাঙ্গালা প্রস্তুত করিতেছিলেন, ভাষার চিম্ন ভালিয়া গিয়াছে। জীযুক্ত লপ্টনন্ট কর্ণেল বিভার এখামকার ডেপুটি কমিদনব। ভাঁহার বা**লালা দিলভের ম**ধ্যে উৎকৃষ্ট। উ:হার বালালাবও চিমনি ভালিয়া গিয়াচে ও দয়াল চিড খাইয়াছে। এখানকার কমিদরিএট আফিনং মেজর মন্ট্রিউরের উত্তম বাঙ্গালা আছে। এ ৰাজালারও স্থানে স্থানে চিত বাইয়াছে ও চুণ থালি বসিরা গিরাছে। ১

১১ ই মাঘ শনিবার।

खरा नवषुवक बाक्त निर्मात नाब रमितिक मछ।

उ उपानना कहरत। बाक्ममन मश्कीर्यन करिएछ

करिएक स्टूबन वर्षाम निर्मात श्रीर्यन छ छाह। छ९

नर्मा करिएन। इहे शहरत्वं नमस्य अक बाद छ

नक्षात्र नमस्य खाद अक बाद छिमानना कहरत।

दाखि २ चिकाद नमस्य (की बेहासन वर्ष्ट्र) छ

ইংরাজীভে রাজ গীত হইবে। এই বজুং কারণ কি? বাজালী হইরা ইংরাজীতে করিবার কারণ ত আমধা বুঝিতে লাম না।

আন্তাহাম ফিলটনামক ভারতব্যীর এ বেলওয়ে কর্মচারী জীন'থ বিদ্যাসনাম: অন মজুরকে প্রহার করাতে ভাহার মৃত্যু বিচারকালে পীড়িড প্লীহার আপত্তি হইরাছিল। জুরি সামান্য প্রহারের নিমিড বলাতে বিচারপতি মাক্ষাসন ইয়াই ছয় মেয়াদ দিয়াছেন। ভারতব্যক্তিত ইংরা অপক্ষপাতিতা ও দ্যার বড় দৃষ্ঠান্ত প্র

লগুন হইছে সংবাদ আসিয়াছে, টেট টারি পঞ্চাবের ক্রকসংক্রাক্ত আইন ব করিয়াছেন। সরু ক্রম লয়েকের এ অনুষ্ঠ বিফল হইল।

লক্ষে এর ইউবোপীর সৈন্যান দলবদ্ধ দক্ষরে জ করিডেছে। সম্প্রতি এবটা র পীর জীপোককে শকট হইতে নামাইয়া অলক্ষার মোচন করিয়া লইয়াছে। রাজ মণনউলোলার অশ্ব ও শকট ছুইবার চুটি য়াছে। ইউরোপীয়েরা মফবলের আলা অধীন নতে। প্রধানতম বিচারালয়ের প্রধান করে। তাহাদিগের হত্যার অপরা "সামান প্রহাবের" অভিমত প্রকাশ ব ইণাডে পাপের যদি প্রশ্রের না হইবে, আর কিসে হইবে?

্নিম্লিখিত মূলে গ্ৰণ্মেটের । বিক্রীত হইতেছে। এটাকার মিকা ১৪৮ । ১

---:0;---

ইউরোপীয় খমাচার।

লগুন ১৫ ই জামুয়ারি : আরল অব গুন ও রেবডি জন সাংহ্ব লাভ সান লর আলাবামাঘটিও বিবাদের নীমাংসার্থ উ পত্রে আক্ষর করিয়াছেন্।

টাইমন বলেন, ডুনক্তের সূহিত এীদের হওয়াতে প্রিক ক্ষর ওয়েল্য এথেলে ব পারিলেন না।

ত্রে জিলের শেষ সংবাদে প্রকাশ করে।
নীয়দিনের সহিত ত্রে জালীয়দিনের স এক ঘোরতর যুদ্ধ হটয়। সমুবায় পাবানীয় নষ্ট হইয়াছে। ২০০ অন্তর কইয়া । পলাস্থন করিয়াছেন। প্রিক্স অব ওয়ে ভাঁহার জী কোপেনহেগেন হইতে যাত্রা য়াছেন। विन ३५ वे काल्याति । असा क्रमणीत विधियणम स्रेष्ट्राटकः (यत्रकल शवर्गटमटन्द्रेय িসন্ন ছেন, উ:হারা আহা করিলে পরপুত্ত একবাকা इहेना जालगानिरात मेखदा ক জানাইবেন। ছডগণ স্থির করিয়া 🖫 ন. ান যে প'াচদী প্রস্তাব করিয়াছের ভাষার ভাতিসাধারণ নির্ম ও যুক্তিস্কত। शक्षात्वत्र कर्त्वत्र श्राह्माक्षम नाहे, काद्रव এবিষয় নিয় নিত বিচারালয়ের হজে অর্পণ ডছেন। গ্ৰহণ বিষয়দী প্ৰথম তিন প্ৰস্থা অক্তৰ্গতমাত্ৰ। গ্ৰণ্ডেউসমূহ শ্ৰীসকে বন ডিনি যেন জাতি সাধারণ আইন্জ্র कार्यः करतमः। जीम वर्षः अहे श्रकारक হন. ভাগ হইলে ফুলভান নিজেয়ি একাৰ कित्राहेश लहेदरका.

প্রা১৭ ই আলেখ্য়ারিঃ পার্দের কুষ্টীর ে এবটা ধর্মসম্প্রদায় হইয়াছে। টিহারণ कुतक वृक्त (महे म्रान्त निका इत्रप्तारक চান ∛াহ'কে পদছু∖ত করিয়াছেন :

৭ ই জামুয়ারি--- সুভগণ স্থির করিয়াছেন ফুর + ৩০ ম প্রস্তাব ও এথম ডিনে প্রস্ত**ং**বের গভি হইয়াছে। চতুর্ব এক্সাব্ বিচারালয়ে ণ করা হইবে ৷ এীস যদি দুড সভার প্রস্তাব ।इर करवन, खाड़ा इडेटन डीइएड बन्धूर्वक ভ করিবার বিষয়ে ইংলপ্ত আংগতির করি

পর ১৮ ই জানুয়ারি। তুল্ডান দুত সভার ভি একো কৰিয়া নিজেৰ স্তকে সন্ধিপত্তে দ্য করিবার নি মন্ত টেলিকাম কাইয়াছেন। शवर्गाय हेमधूर व्यव कविद्याद्यम, और यान সভার প্রস্থাৰ অলুকা করেন, ভাষা হইলে লয়া সম্পুর্ণরূপে নিরপেক থাকিবেন।

ফি সামৰ ওয়েল্স ও উচ্ছার জ্ঞী বারলিনে नीड ≉हेश्लार⊊न ।

ওয়াশি এটন ১৯ এ জাতুরা বি | কালাবানার বয়ে এব্ং বিদেশীয়পণ আন্মেবিকার কাস রলে উট্টোদিপকে আনমেরিক'বাসী বলিয়া দিবার বিষয়ে ইংলভের সঞ্জি যে স্থি য়োছে, সভাপতি জনসন ভাহা মহাসভার कटडे व्यर्भन कविद्यादङ्गः :

গবৰ্ণ ৰেণ্ট বিজ্ঞাপন। **- द ऋरम भी**य *(लश्चेन* के भव नंदर इ व्यादमभा मुना ही

निद्द्रांश ।

১७ हे का सुप्राति। यक मिन अम, वि, तह-

ক্ষেত্ৰ সাহেৰ বিদায় সইয়া অসুপঞ্জি থাকি (भेद कक्षित त्या, अम. लान्धिन मारहद स्मानत क्षें कि मिंदि अनिय क्रमति (से एस के स्टेरका

यक मिन वायु टेनक वहत्व मान जहकात्री कार्याखरत थाकिरवम, फाउमिन बांबु हारसञ्जू मात्र रहु जाकात श्रक्तिथि मनद्रभूटमण रहेरवन्।।

(यहित्र कर्तन कह, इनक्षिण मन्त्रीकात कर्णन कतिएसन त्यहे हिन्दमावधि स्वर्णेमके कर्तन **उद मेर्ड, जाशञ्च जानारमङ् शक्तिमि कमिनन**त

य उम्रित (मण्डेन के कर्बन व्यागञ्ज कार्य) करत थ!किट्रस्म फल विम (मण्डेमन्डे कर्यन এह. এস, विवाद क्यांत्र'रम्ब श्रीकिनिधि दिवाद्रत्रव श्रीप्र कश्चिमनव रहेर्चन ।

नि, हि, कर्दनि गारश्य किश्वमित्नत निमिल ক্সায়া ও ক্সান্তিয়া পর্দ্ধতের প্রতিনিধি ডেপুট ক্মিস্মর হুইয়া সিবিল আন্তের ক্ষড়া পাইবেন ৷ তিনি চতুর্থ প্রেণির প্রতিনিধি ছেপুটি কমিদনর इ≹्ट्रम ।

পালিটির সহকারী সভাপতি হইবেন।

যাত দিন মৌলবী ভানিজাদিন বিদার লাইয়া कञ्चलिक्षक थाकिरवम, काहिम वाबू निवगहन , কাল ভাগলপুরের অভগতি তেখর র প্রতিনিধি भूरकाण इंदेरवम ।

্ষ্য এ ডিলেছবের টবলাল ক্রম্প আরে, টি. जिएव**ट्टीय मार्क्य किङ्कित्सय अस्ता सागीश्य** উপবিভাবের ভার পাইবেন। তিনি বাকু कृतिक महिलाकित्वेद कथकातानम क्षित्वमा

यक प्रिम कि, कि, मतिश शहरत कार्याक्रत थाकित्वन, ७७ किस कि. .. निभाव म १६व यरंगाश्टवत প্রতিনিধি কর্তিরিক্ত ছক্ত ইইবেন। ७ हे आधूर्ताहित (तरकट के केंद्र त होती अ हरें গ্রামের প্রতিনিধি অভিরিৎক জল কইবার যে বিজ্ঞাপন হয়, ভাষা এত আবারু রুহিত হইল।

বৰ্ষানের অভগ্ত ভাইভির মুখ্য বাবু মনন গোপাল সোম এগম তেতিতে উন্ত ২ই (33)

सनीक्षीत काल भीज दसता वि आध्यत सूर्वक ক্ষুত্রিলাস মুধোপাধনার বিভীয় জেলিডে देशीक रहेरवन ।

ব'বু আতুলচন্দ্ৰ ছোৰ দিনাত পুৰে ভৃতীয় প্রেভির মুখেনজ, হইবেন। কিন্তু বক্ত দিন বারু। :মাহ্নলাল পাড়ে উপনীত ন। হন তত দিন , পুরীর প্রতিনিধি মূকেফ থাকিবেন।

वक निम वाबू अकूनाव्या (चाव कार्यः। छट्टा इहेट्टम।

थाकित्वन, ७७ मिन बाबू छमोहद्वर मुख शुरुव श्रक्तिथि मुर्जिक इहेरवन । 🗦

यक किम बाबू नेशायमन मूर्याणायांक ভবে থাকিবেন, ভজ দিন বাবু মাধ্ৰচক্ৰ ২র পরগণার অস্তর্গ ত শালিপুরের, মুর

यां इ इस्ट अन्य एक र क्योरमंत्र कार्कर्ग मात मूरक्य इहेरवन ।

कृति उत्तम बाश्यमं वर्षशास्त्र वामनाजःत मूल्नक श्रेत्व ।

১৪ ই জান্তুলারি। চম্পার্থের সহক। (क्रेंड e (एश्वी) कारमहेत्र मि. अह, নাংহৰ প্ৰধানতম বিচারালয় ও দেসিয় कविवाद सकम्मात्र क्षथम विवाद कतिए

৯ ই জালুয়ারি আব্ধি এ, সি, ম गार्ट्य क्रिक्ट इत शांखिन य आहे हैं ও ডেপুট কালে ইর হইবেন '

১৫ ই জালুয়ার। নিম্না বড় স (क. अकिमिम मार्क्द भाष्ट्रमात्र मिस्टिमिम किट्रकत विमाणिका मञ्जात भाष्ट्र ভবলিউ, ফিভিয়ান নাহেবল वोबु खन्नरकारून ब्रोक्रः

> 🎍 रे मानाच भागाकः। ভে, আংগ্ৰাস্ৰ সা (भोष्ठताल कारमरक्षत्र व्यवश्चन र

१३:दम् ।

বভ দিন মৌলবী মহম্মদ নামুদ বিং क्रमूर्णकृष्ठ थःकिएवन, ७७ हिन व খদাদ চট্টেপাধারে ত্রিপুরার অন্তর্গ - शहबत्र क्षांकसिधि मूल्यक स्टेरवन् ।

৭ ই জামুম্বারি ভবলি উ मा:इद क्षेट्रकत माञ्चित छ 🕆 कार्यः काव अरू, क्रियारस्म। वै ডিনি এখ্য আমেণির প্রাক্তনিধ হ कारमञ्जूत हरेट्वच ।

্য দিব্দ এ, টি, মাক লন্দ্ রের মাজিটেট ও কালেটরের ভ प्राट्टम, तिहे निवित्राविध मालिए इहेर्यन ।

(श्र नियम कार्य थि श्र दे, क्षक व्यक्तिस्थ माजिएको छ उ ুসই দিবসাব্ধি ডিনি প্রথঃ माजिएके हे उन्तारन है द स्है। ১৬ ই জাসুয়ার। ডাক্স দিনের নিমিত ঢাকার প্র

বুটি সাহেব ভারতব্বীয় রেলএয়ের ক্ড ात त्रियूमाञ्जा, देवसानाथ, वशास्त्र<u>श</u>्र अन्तरीमनुद्रत्व बाज्कात्र मध्य दश्यक्त s বাবভীর মকদ্মার বিচার করিবার ক্ষতা त्मा व विशेषिकार्शक अवश्व क्रमन লার ও বাব্দীর রেলইল বঙ্গে ঘটিত মক ার বিচারত প্রাধার হতে দেওয়া গেল। हानीशस्त्र बहुकाही आक्रिकेट एक, जात. नके नार्क्व (शाविक्यश्रुद्वत माक्रिटकेटके ার মধ্যে জেলওয়ে ঘটত বাবতীয় মকদ বিচার করিবার ক্ষতা পাইলেন। আমকারার স্ব আসিষ্টাত ক্ষিস্নর এ , কেজার সাহেব কার্মভার। জামভার। ময় এন আৰু ভার মধ্যে কড লাইন ঘটিত

ক্ষীর দক্ষম। করিবার ভার পাইলেন। · এ আছুরারি। লেপ্টন্ট ভর্লিউ, স্মুম্বন চতুৰ আেণিডে নিযুক্ত হইয়৷ ভর ,ভেপুটি ক্ষিসনর ছইবেন। শার্ক সাহেব হুগলির প্রতিনিধি ট ও ডেপুটি কালেটর হইবেন। বিমলি সাংহ্র চুগলীর মাতি . त एकेश मास्मिरके छ । एक प्रीः কমড়া পাইবেন।

क्रिक्रित शांक्यूत्र मःवानगण ITEA!

--::--

वे कानि अधारमान इकिक्सिकेट वांक हायार्थ प्राप्तक खारन कीमा देर-प्याम्ट्रात्र माजिएकेने नारम्ब अस् এখানে একটা সক্ষা করিয়াছিলেন। १**३८२३ असूरबार्य करनकश्चा**र धर्नी হত হইতে ংইয়াছিলং কিন্তু সক্ষাই कुछ ३२६ डाकाइ धार्मक छेठा **डेट्याणीय (काञ्चाहेत इंहेटल का**य इट्डाइ । अक्षरम्यते वक्षाञ्च নাচপ্ৰভৃতিতে ব্যয় করিতে किन्न अनव विवास किन्न मिएन চবল খাডের এড়ান বিবেচনা ছ ছঃ ধের বিষয়।

> ীক্ষা লওয়া হইয়াছিল। রাবেন। াবার ৯০ ছিল : ইয়ার !

प्रवर्गा महकाती कमिनमद अ, छवनि छ, मर्था क्विन ३५ कर हरताओं कावारक निर्देश नकरण किन्द्र एक भत्रीका निवादकन । असे हिन्द्र करत्र भरीकरकता अवात अत्र ना शामारेत्र निर्देश निरम नतीकाथी निगरक रमधारेश्वा निशाहित्यमः কিছ শুনিতেচি পরীকা স্থামে কিছু গোলবোগ হইয়াছিল ৷

> ৬ : বে দিন এখানকার প্রথমেন্টসংক্রাভ ছটা বএল চুরি গিয়াছে। পুরিব. এ পর্যান্ত কর সন্ধানই কারতেছেন।

৪। এছানে এখন পর্যন্ত বৃক্তির কোন লক্ষণ स्था बाहरफट्ट मा। हाछेल छोकांत्र ৯ मत এরং পম ১ । সের। এখানে আর্ও এক বংসর অক্টোর ডিউটি অর্থাৎ এবানে যে যে নস্য আম দানী হইবে ভাহার উপর কর লওয়া হক্তে না।

---!o!---

্মামরা ফরিদপুর হইতে নিম্নলিখিত नर्वामखिलि व्याख क्हेत्राहि।

३। ३ ला काञ्च्यादिएक कामानिद्वात अधान কার কুমিপ্রদর্শনী মেলা ক্ষার্ড হইয়া, গভ বৃং ~পতিবার শেষ **হইয়াছে। বেঁ**লার ধুম খাম ও वार्धाक्षरतत अधि रह मारे। जिल्ह्यातनिर्धान. দরবারগৃহসভলা, যোজ্দৌড়, মাছুবের দৌড় কুন্তি এবং বাজি পোড়ান হইল্লাছিল। যাত र्फेर, अ्थित विषय अहे शक्क क्षक्षित्रक এ বার অপেকাফুড সভোষজনকল্পে পারি 'ভাষিক দেওরা হইরাছে। এ বার আমরা আম: দিগের ডেপুটি মাজিটেট জীযুক্ত বাবু চক্রমোর্ল রার মহাশরকে যথোচিত উদ্লোগ উৎসাহ ও পরিপ্রমদহকারে মেলার প্রায় যারভীয় কার্য; দাপাদন করিছে দেখিয়া সম্ধিক সম্ভোষলাভ করিয়াভি। ভগৰান বাবুর **অসুপ**স্থিতিতে আগামী বংগর ডিনি এইরপ আনগৃহকারে कार्वः करतम, हेश जामाहिरशत अकाल आर्थ-नीग्र ।

২। আমাদিলের ছোট আদা**লতের জল** বাবু কাদীকিক্সর রায় মহাশয় একানে সমাগত **इहेब्रा कारनक** शुक्रन कामला नियुक्त कतिए ছেন। আমরা কালীবিক্ষর রায় মহাশয়কে অস্থুরোধ করি, নিরপেক্ষভাবে যথাযোগা कार्यः क्या या किशन एक स्वयं किमि मिष्टक करत्व াতী পরীক্ষার এখ চুরি ধেখল প্রশংসাপত্তের উপরে নির্ভর না করিয়া হানে পরীকা না **ইইয়** লৈছোৰ চরি**ছতার প্রতিও বেন একটু ছ**টি:

रहे प्राटक । क मनवटक जानामिट्राव जटमके ल निविद्या भारत।

ह । शक द्विय त्र व्यात ह चिकात नम्म अवादन क्रिक्न रहेश शिशादह ।

आमामिश्वित लात्रानियत् मर्याम-দাতা লিখিয়াছেন।

े । शक दे हें दशीन आक्राकारण अप्यान श्रीव प्रदेवनीकोन वर्षष्ठे दृष्टि द्वेष्टारङ् । हेरारण A अक्टनंत्र विटमंत्र केनकात स्ट्रेग्नाटक् अर्थि ক্ষের আরে বড়জাশকানাই গ্লস্যাদির মূল্যও व्यटनक कमियार इन् क्यरकता (अन्त कर्यन क्रिट्ड জারত করিয়াচে 🖟 কেরে পুৰ্বে ধেশকৰ मना यथन करा इहेब्राह्मिन, छाइ:ब शक्क विरम्य উপকার স্ইয়াছে। এই সময়ে আরও কিছু হুছি रहेरल नक्न कामका हुत स्टेरफ शारतः अन না হওয়াতে লোকের জ্বালি পীড়া হইলা (य क्षेष्ट १६८७ किनः अकृत्व कात्र काहा नाइः এখন আৰু প্ৰায় লোকের পীড়াই নাই বলি-(PG PE)

২। আমাদের প্রিয় বয়ু বাবু নবীনচত্র চক্রবন্তী মহালয় অবকাশায়েত পুনরায় গড় ১৩ট फिटनवत्र अचारन व्यानिष्ठाः हृद्देन । सर्वारमार र्रमानी अ द:कामा मादामामम्कादः সভার উদ্ভিদাধনে বিশেষ যায় করিভেছেন। अञ्जी निवित्त (ष्टेमन नरह) अवजी न्यान्ते नरमण्डे। केष्प्रशास्त्रांत मृत्या (कवल ६३) । वकाम (डिनाईरम्हे) कारह, 주 국가 तिको ও किमिनियाति। **३**६१८७ २०। २० ७ । १० । १० । बहेन्न स्वाद्यक्रमा कर्माः রীই অধিক। আমাদের যেরকল বদীয় ভাত। विम्हानरङ्ग वरमामानः পङ्ग्रि करवाशाक्रद्रकः অসুসরণ কহিয়াছেন এবং অদেশে ও উত্তর পশ্চিমের কোন স্থানে কর্ম প্রাপ্ত হন নাই উ: হারাই এখানে আসিয়াছেন। বিদ্যালয়ে অধিক না পড়িলে ও অল্প বয়সে অর্থোপার্জ্জ (बत्र हेम्हा इहेटल कारकत गण काणा ७ मरम উद्धा क्रेटल भारत खामा विमाणन (वाधगमा रह। कामि अचारम अक दरमह स्टेम चानि-हा ह, गक्न विषय किर्मयक्रिए अधिनाम, कि स बाहारक महायारकत केवलि वस, अञ्चल ষর এখানকার কাহারও দেখিলাম না। কেবল इरे भर क निष्काल हरेंगे देशकी कश কহিতে শিশিৰেই ক্ৰিনৈকৈ আপনাকে কুতাৰ্থ छ। शब्दिक छ छ । मारत्र निविष्ठ कक्ष । कान करत्न। अवस्था हिन विश्वत विश्वत so र माच see ।। जन इन्डामि ग्रामानः विवेदग्रहे प्यटनटकः त्र केटमाना रक्षक्रिक्षाट्य । क्यामि (व अक মুষ্য, ঈশ্ব আমার উপর যে নানা গুরু ার দিয়া রাখিয়াছেন, আজীবন যাহার প্রাণগত यद कतिएक स्ट्रीय, এসকল কাছা স্তার বিষয় নহে, এখানকার কলে শিক্তিত भीत विलिश नरह, आगारनत वाकाली দিনের মধ্যে যাঁহারা বিশেষরূপে শিক্ষিত, দের সংগ্রে এইকুপ ভাব, তবে যিনি यु 🥦 व्यथ्यकाञ्चनहरू दिन्द्राविषय न्द्रविषदम् किष्ट्र छे ९ कर्ष लाफ कतिएछ ৰভিনি" বন গায় শিয়াল রাজা^চ চাহেন। ভিনি বাবু কেশবচজ্র সেনের অবভার বলিয়া লেমুকের পূজা এছণ ত অভিনাৰ কৰেন। এই সকল রাত্নিরা বাঙ্গালীদিলের প্রকৃত অভুদের । ২তাশ হইতে হইয়াছে। পুর্কে কাম'দের যুব:ফরা আখামীয় সঞ্জনের ভিরস্কারে রিলিলের শ্রণাগত হইতে ফাইড, এখন হের প্রসংকে পকিমাঞ্:ল পলাইয়া । এ अक्टलंड मर्पर अरमक दोकाली (तथः । ७८५८ ७ व्यास्था । काल काल्या अथारन वा अभिप्रार्क, व्यावास भाषासम्बद्ध अक्त्री

দি পাইডেছে। অভএব, যাধ্য় (লখা । ७८४८७ (मन ६)(५:३ अ.गिशास्त्र, अध्यम् । করিয়া ভাগাদের আর কভারুর হইবার করা ধার তেবে আমি যে অন্যার স্থানের লীগৰ অপেখা এবান্কার বাজালীদের ! র স্থাতি করিয়া আনিয়ার, ভাগের । प्रोटिका এ अध्यक्ष्यात (कान ऋरामिय লীদের অংগ্রেক ভাষাকের ধ্যপান g ত**াগ করিয়াছেন** : কোন স্থানের লীর। জন্তভঃ ইংরাজী কথা ও ইংরাজী তে শিবিবের জন্য সভারি স্থাপন কবেন। ভ ভারণটে এখানকরে বাঞালীয়া প্রশংস । নবীন বাবুর ন্যায় এখানে ছই একটী भगुक्त वाकाली आहरून, इंशीएनत यात्रा वनम्हा वाकालीमिहणत विहल्य नाम १३-। शारन शारन यहि अकते प्रदेती वालानी व করেন ভাহা হইলে মে কাল হইতে । नवीन बाबूव मृष्टीरख অংমি ভঃহা । हि। अस्थारन स्थमकत काकानी व्यार्डन, রা যে কারণেই আফুন, যেন কেবল র বিহার ও অধোপার্কন প্রভৃতি জাবনের

ন্য কাৰ্য্যেই পরিভুপ্ত হইয়। না থাকেন।

কৌ, সাধারণগম্য স্থান্নতে; কাজেই

এখানে জীরাণ পলাভকের সংখ্যা দিন

৩। কলিকাভায় র্ভু দিনে (ষরপ সমারেছি ও আড়েশ্বর দেখিতে পাওয়া যায় अर्थे देगाँनक श्रुक्षभितिद्विक खङ्गमश्चाक हैरब्राक्टनत मर्था जातूम स्वियात म्हा ৰনা নাই। তবে সেইদিন প্রাভঃকাল रहेट नक्षान्य सम्बद्ध हो नार्ख (मधा (भन्न (काम काम देशामेश्वा मामाधिध দ্রবাজাতপুর্ব উপচৌকন কমিস্রিএট সাহে टरक निरंक्टर, कन्द्रे क्वित्रभग এक्विनियात र **७ कर्जनप्राद्रिकारक विविध द्वेशहारत देनरव**मः मिट्ड्इ इंड्रानि मिथिया व्यामता व्यटनकार्य ঃকুর সার্থকারাধন করিয়াছি। এরণ উপচৌ কন বা পুজনার অবভিন্নায় কি ? আনাবাও বড়দিনের উৎস্ব সভোগে সম্পূর্ণরূপে নিয়াশ **१**हे न**। हे, प्कानिष्ठा के कामग**ित एकमारतन कर्पक ব্রাণ্ডার সাহেব উচ্চার অধীন কর্মচায়িদিগকে ৫ - होका निशाहित्समा छ। हाटड কার সমস্ত বাবু গোয়ালিয়র সংবের নিঞ্ট अधी अवनी मत्नाश्त छेन्। (न १**ই**शा विविध **উ**लहाइत आहारानि करिक्रः শক্ষার পর আর্থার মুরার ছাউনীর একটা একাশ্য স্থানে নউকী দলের নৃত্যু দশন क्षिप्रार्थन । अदे छैरमदर्क्षत्व व क्षांनी छ हिन्द्र आनि क्षि ১৫.১७ अन मार्ट्स **के**पहिन्छ . इटल्. व । মধ্যে মধ্যে, হা, প্রবালস্ক, ড তাহা-मंत्रदक्ष राजिदक्ष्य करा इड्डाइन । (काम काम নাংহৰ মাভাল হট্য়া পাড়ধাছেলেন। যাহা **ংউক, বড়: দনের এ এক সুতন ব্যাপ:র** ও पुरुमध्यकात्र कारमानः । आमि काङिन्छ भन्ने ४ **बड़ोन्द्रित आस्मिन स्थात क**्रिस्टाई, এवे आभाद भद्यः अक्षे । वस्य काङ्। इह्ना

৪। গত ৮ ই জানুয়ারি মেকর জেনারেল ১চধরলেন সাহেতের বাড়ীতে একটা বহা সমা-রোহ হইয়া লিয়াছে। এখানকার প্রায় ইডর নিমন্ত্রিত ভূইয়া-ভ্র সকল্ই সপরিহারে किरलना जाशवानित प्यारशास्त्रम. মল্লয় জ হইয়া ব্যাস্থাম চলটা का (कावशकी धन्द्र हि . বিবিসপ্রকার আন্দোদকর অসুপান হইয়াভিল মহারাজের পোষ্পুত্র সভাসদ্ও অনুগড লোক সমভিব্যাহারে অংসিয়াছিলেন। সেদিন के कारन लाकाः वः व्हेश्राक्टितः महानश्च कहे উৎস্বতী বড়লিন উপসক্ষে কি অন্য কোন কারণে ভাষা বলিতে পারি রা।

৫। এখানে পব্লিক ওয়ার্কেঃজনুনক ওভরসিয়ার, সব ওভারসিয়ার এক।ট্র-

নীন্দ্রপ্রতি কর্মচারী জমিয়াছেন বিরে বিষয় এই, এক জন ২০:২৫ বেজন ধারী সব ওজরসিয়ার এক মাসের গাড়ী, ঘোড়াপ্রভৃতি আসবাবের সহিত বাহায়বী করিভেছেন যে, অধিক বেজন কর্মচারী ভাষা দেখিয়া অবাক হন ত গদেহ নাই। অরপ্র অনেক ভদ্র ভদ্র স এইসকল অভ্যাচায় মেখিয়া এই ডিপাট্রে প্রতি মুণা প্রকাল ক্রেন, কিন্তু ও চারকে আইন মত ধরা কাহায়ও সাধ্য ন গ্রানে একগুল খরচে পাঁচ গুণের অব

ভ। মহাশর । এই একবংশর কাল বে লয়রের যেশকল বিষয় পাঠকবর্গকে ইবার ভাষার প্রায় অনেক আনাইয়াছি, একান ভাষাদের প্রায় অনেক বিষয়ে পা গইয়াছে । বোধ হয় একান হইতে আর স াঠাইভে গারিব না মানুষে কর্মান্তের গু বেড়ায় আমিও সেই কর্মান হইতে অ য ইতেছি । বোধ হয় লুকন স্থান হইতে অ কুতন লুকন বিষয় লিখিব।

রক্পুর হইতে এক ব্যক্তি বি হাছেন।

১ রঙ্গপুরের উত্তর প্রদেশসমূচ ইড **ওচবিহ:রের জ্বীনছিল: গত ক্রেক** ⊅**ইল, ই**ংরাজ গ্ৰ**ণ্মেটের অ**গিকুঠ **ই**ড वर्षक अवस्था भारता कथा कथा कथा व যোপানে আংরোংশ করিছেছে: এ দেয়ে লোক ছাত্তি জল কোন স্থান ভাত माञ्चल दृष्टिरभाष्ट्र ब्यामा। विन्द्र खारित वाकावरली अनादम ध्ययाम । इक्सपुद्वत द्राप्तरण यण प्रश्नुष, ज्याहक **कराट**ला **मू**ण আট জানা, ডাঞ বংশী চারি কানা, আমা পায় হারি আনো ১ইবে। মককালে বিভার देशको एक्पारक्त्र व दश्चात क त्रक्षा अस्वान ধ্বতে এবং স্কৃতি ভূ ডেডে পরিয়া ড পার্গনিত গহতেছে প্রন্তান জ্লাভিরা कार्याद्वा कीवन शहब कार्येश शहक। দেশে যেমন কামার, কুমার, ভিলি, পুথক পুথক ছাড়িতে ভিন্ন ভিন্ন কৰ্মা এখানে তেমন নাই , মুখাল্যান ও রং याहादा (य कार्य) कशिएक शाहब कार्य बादमाध्रमादाई कीदिया निर्माट कर (नर्भव महिलाभद अकाउ भारती।

ীয় এবং গ্রকাষ্ট্র সমুদায় নির্দাহ ায়ে সময়ে কুষকাৰঃ বিষয়েও সামায়ে িসাংখ্যা করিয়া থাকে। স্ত্রীলোকের ই এড়াদেরনীয় পুক্ষেরা অনেক প্রগভেগে विशाहकः। काहाना (हराज क्रामिक्षेत क গ্রা, আহার করিয়া কাজ্যাপন করে। গধন্ন সমুখ্য উভ্যালয় প্রিবান ও বস্তু আহ'র করে ন' এক এক কৌশীন করিয়া দিনাভিপাও ধরে। যাধারা রাজ ৰং ৯ চনৰ কালাৱিলে যায়, **ভারাদিগে** ৰ একলানি ভাল হাত কাপড় থাকে। বে এসকল (ক)ককে কে**ওয়ানিয়া কলে।** নিয়ারং বাউড়ে নংখাকি**লে ফকির ও** 🌯 ং এক মুঠি তেওুলা পার না। এ দেশের ন্ধের পরিভারত ক্ষম্য । আসনাগণ বংলে একখানি ওল বজাবুক ৰীপা করিয়া ্লিংক। এ সময়ে জ্লাদিলকে দোকাপড়। ছে বলে। দোক।পড়'র অর্থ ধৌবন প্রাপ্ত কটিতে ও বক্ষাস্থলে উভয় স্থ'নেই কাপড় া হৰ, ভৰ্জনা দোকাপড়া বলিয়া থাকে। ংক মংদের অভয়ে প্রিয়া একটা া পেড়াইয়া অনুনক অল থাইতে পাৰে : শের বিবাহপদ্ধতি একপ্রকাং ভাল্ট यात्र वालाविदार आह बाहे (माकावड़ा লৈ ভবেকেই বিবাহ দিতে স্থাত হয়না । ণ্ডিল সমুৰায় ভাতিরই বিধ্যাদিগকে ার পাতি বাং করার গ্রীভ আনতে, ভয়েলেন ডাএড়∵ড পাণ অভি অভাহটয়া থাকে শের প্রান্তিংপর ছবে। ভাষাক, কে.ছি। , বিশ্নত ছালু, ইফুও কোন কোন ভারে যায়: ১ খনেশের বংশিঞা; ছান হাউরা 'शहा. ाहिमात, कालीशक, काकीशिवा. পাকা এই ক্ষেকস্তানে এক একটা কেই । एथा हे अस्टामभी**य उर्**शन सहामन् য়ানাজ্যর তোরিও **২ট্যা থাকে।** এ কে-ভালাবংক অন্তান্ বেচুৰ কোচাভিত্ন क्दरस्।

। রক্তপুর্বেশার অভিনত শেষ হয় নাই।

প্রতিষ্ঠা লাই বিভ কর্লান, যে উদ্দেশের

সংস্থাপত হয়, এফানে ভাষার বিপারীত

কারজ ক্র্যাচে । রক্তরের বিচারক ত

র মহাশয়দিরের নিক্টে মেলাভান এক

দের স্থান ষ্ট্রা উঠিয়ালে ।

अ वरमब सम्भूत भर्तरमा छ छ एसत स बाज अन्द्राम भरीकाय छ छीतं हहे-अक्ट हाज श्रीकाथी हहेग्रा भगम করে তথ্যে। এক জনের মৃত্যু হইয়াকে। আই দিই চারি জনই পাস হইরাছে। গত বংসব রুপপুরের তার মহাশয়েরা যে, রুপপুর অংশের প্রধান শিক্ষক বাবু চন্দ্রনাথ ভট্টাচার্যকে সুবর্ণ ঘটিকাসহ অভিনক্ষনপত্র দিয়াছিলেন, এবং সর ভাষার স্থানল কলিল।

ধা গভ বদ এ পৌষ রবিবার অপরার বেলা গা ঘটকার সময়ে এখানে ভূমিকম্প হইয়া গেলাছে। এই কম্পন প্রায় অর্জ ঘটা কাল পর্যান্ত ভিল। আমরা জ্ঞানাবধি একার্য প্রকল ভূমিকম্প দেখি নাই, মৃতিকা এবং গ্রাদি অভান্ত কা পিতে আরম্ভ করিয়াছিল। মহামানকল ভীত হইয়া গ্রাভান্তর হইতে অলনে বহিগত হয়। ঐকালমধ্যে ছইবার এমন প্রধল বেগে কম্প হয় যে, আমরাই গ্রহে থাকিতে সাহদী হই নাই। অনেকেই এই কম্প দর্শনে বিশায়াপর হইয়াছেন।

২৯ ৩৪ (পীষ) ১২৭৫ স:ল }

প্রেরিত।

মান্যবর ঐীযুক্ত সোমপ্রকাশসম্পাদক মহাশয় সমীপেয়ু।

কুভছতে। স্বীকার।

মহাশয়ণ অংমনা সাভিশয় কৃতজ্ঞিত বিশীকাৰ করিছেছি যে, জীল জীমুক্ত বর্জমানানি পতি মহারাজ অমুগ্রহপুরংসর আমানিধার বিদ্যালয়ে আশাভিরিজ্ঞ দান করিয়া আমানি পকে চরিজার্থ করিয়াছেন। ভরসা করি, অপরা পর মহাত্মারাও এইয়প উৎসাহদানবিষয়ে মহারাজের অনুকরণ করিয়া দেশের উপকার সাধন করিবেন।

জগদীশ্বর করন, বেন অল্লকালমণে;ই কুডজ্জতা স্থীকার করিয়া আমরা আপনার সুক্রচারিত পত্রিকার জ্ঞুসুর্ণ করিছে সম্প হই।

भाजातिकृती ५० हे छ स्वाति } श्रीहेक्कनाथ बस्मालाशास्ताः ५७ % -१५% -

মূল্যপ্রাপ্তি।

জীযুক্ত বাবু প্রসরকুষার ঘোষাল চোটখও ১৮৬৯ জালুয়ারি হইতে মার্চ ৩৭০

- ৯ শদীনবস্তু ভট্টাচার্য্য মানবাজার ৭
- " "মূ"ল ডছডর আংলী আংগীপুর ধ∥∙
- » "বাজীবলোচন রায় বহরমপুর ১৩
 » "বিশিনবিহারি মুখোশাধ্যায় দারজিলিং

১৮৬৯ জালুয়ারি হইতে জ্ব

भागध्यकानमः काम करमक्री विरुगंत नियम।

অগ্রিম মূল্য ও ডাক্**মাস্থ্য না পাই**রে অলে সোমপ্রকাশ প্রেরণ করা যায় না।

ইবার অগ্রিম মূল্য বার্ষিক ১০ টাকা বাল্যাসিক ধান টাকা । মকথালে ভাক সমেত বার্ষিক ১৩ খাল্যাসিক ৭ এবং সিক ৩৮০ জিন মানের স্থানে অগ্রিম গ্রহণ করা যায় না। হুন্তি, বরাতি চিটি, অর্থ করা যায় না। হুন্তি, বরাতি চিটি, অর্থ র, নোট ও স্থান্থ টিকিট, ইহার জ যাহাতে যাহার স্থাবিধা হর, ভিনি সেই ঘারা মূল্য প্রেরণ করিবেন।

ষাঁহার। স্থাস্পটিকিট পাঠ্টেবেন, ব বেন এক অথবা আন আনোর অধিক ও রসীদের টিকিট প্রেরণ না করেন।

ধখন বিনি মকস্বল চইতে সোনপ্র মূল্য পাঠাইবেন, তাহা যেন রেজিন্তার শ্রীসুক্ত মারকানাথ বিদ্যাকুষণের নামে, ইয়া দেন।

कांग्रिमिश्वद मृता निवाद मगग्न का छोड़ कांग्रित, अक्यामपुर्ण है। यो निगर्य विधिया जानान यो है ति, का ले का छोड़ भारत 9 अक बाद हि हि स्वर्था ४३ देव, छोड़ अक्यामकाल श्राक्तीका कविद्या का भारत वर्थ या है देव । स्थित वा स्वर्थ प्राद्य स्वर्था दिश

মাতলা রেলওয়ের সোণাপুর প্রেসনের দরে চিঠি আইলে আমরা শীল পাইব।

বাঁহারা মাকুল না দিয়া প্রাদি জের বেন, ভাহাদিগের সেই প্রাদি গ্রহণ বাইবে না।

কেন্দ্র সেমিপ্রকাশে বিজ্ঞাপন নিতে
করিলে ভাঁচাকে প্রথম তিন বার প্রতিপং
আনা ভাহার পর /১০ আনা নিতে হা
বিনি অধিক কাল বিজ্ঞাপন দিবার ইক্ষা
বন, ভাহার সহিত শুভুগ্র বলোবস্ত হইবে

ধ্রত এই পত্র কলিকাভার দক্ষিণ মাতলা রেলওয়ের সোণাপুর ষ্টেসনের চালড়িপোভার জীয়ুক্ত ভারকানাথ বি ভূষণের বালিতে প্রতিসোমবার প্রাতঃ প্রকাশিত হয়।

मियशक

। राध्या

· प्रवक्तनां प्रक्रतिहिताय पार्थिवः सम्खतोः क्रीतिकहती न हायतां। "

নিক মূল্য ১ এক অগ্রিম বার্ষিক ১০ দশ

नन ১२१६। २०व माच। ১৮৬৯। ১লা ফেব্ৰয়ারি

মান্ত্ৰসমেত অগ্ৰিম বং ষাপ্রাসিক ৭, ও ত্রৈমাসিক ৩৮ -

ি বিজ্ঞাপন। इटर्गारमव नाठक।

কলিকাতা সংস্কৃত যন্তের পুস্তকালয়ে নিশালকুলে জীকালীপ্রসর বিদ্যারকের কালন। মে.ডকেল হলে প্রাপ্ত। া। শুকাট আংনা।

क्रिकीयांत्रम छहे।हार्यः **मश्क्ष्य कारमञ्ज**

ইরিনাভি ইং সংবিদ্যালয়ে ১৮৬৯ আবেদ। বলিকা পরীকাধীদিলের পাঠনার্প একটী नी बता बहेबाडि। धाँकाता छेशास अविहे য়া ভাগ্যানের বাসনা করেন, ভাঁহারা নে শিক্ষকের নিকটে নিয়ম্দি আস্বগভ 1 55

ডিদেশুর ישל יי

ভীধারকানাথ শক্ষা

९ श्रे भोज हिन्दु विद्वान कावा । स्र श्रेन्छ । व्यक्ति লিড অমিব্রাক্রে শ্লেপক্ছলে ই্ছাতে তিবৰ্ষের বৰ্জমানাবভা বৰ্ণিত হইয়াজে: এছ क महानासूत्रा रक्षणांन वक्षवाकारत अवत শ শাহার পুস্তকালয়ে তত্ত্ব করিলে পাইবেন : **खीशेमानध्यः रञ्**

---::---

চিকিৎসাপ্রকরণ এংং চিকিৎসাত্ত ख्यशंद

প্রিন্নি প্রবং প্রাকটে স, আব মেডিসিনের

ংখ্য খণ্ড ৮ পেজি ফরমার ৭৬৮ পৃথি বিদা, জীয়ক বাৰু গলাপ্ৰসাদ মুখোগ: वि, এ, अम, फि, कर्कृक मश्यूशीफ व्हेग्रा শিত হইয়াছে।

গ্রথম খণ্ডের বর্ধিত বিবয় (১) সাধারণ নিদাৰত ব (২) অক্তরণসেকা পীড়াসমূহ। (৩) দৈহিক পীড়াসমূহ (৪) আয়ুমণ্ডলের পীকাসমূহ :

মূল্য ১০ টাকা, ভাকমাসুলস্থিত ১০%০ কলিকাতা লালৰ:জ্বার হিন্দু হটেল ২১০ নং ! বাসীতে জীযুক্ত বাৰু গুৰুদাস চট্টোপাধ্যয়ের নিকট পাওয়া যাইবে।

--- 303---

बान्धीकि दामाइन তৃতীয় খণ্ড

अक्षेत्रक शक्ष्माविध श्रकाम इहेरएए । हेर:एक नाभवाक्र एवं मूल छ भिका अवर नर्कारणस ব'জলা অনুবাদ আহে। বাহার আংবল,ক হইবে, ডিনি কলিকাডা আক্ষণমাজে আমার নামে পত্র লিখিবেন। প্রভ্যেক থক্তের (দশ ফরমরে) মূলায় । আমনা। বিদেশীর আহক मिशक / • जाना म स्न निएक इंडेर्व।

কলিকান্ডা ১ ভাকাসমাজ ১

औररूमहङ्ग छ हो। हार्यः ।

মূজ।পুর মেডিকেল হল।

১ ৷ এত দারা আনালিলের উষ্ণক্রকারক, क्षकर, महकाती ও मर्त्तमाधात्रगत्क व्या **বাইতেজে যে, দ্বিভীয় ত্রৈমাদিক ইণ্ডেণ্ট** সম্বন্ধে অর্থপোড়ে '' স্থার অব'ক্ষোসীয়া, ওয়ার উইক, ব্রিটিব প্রশ্র শ 'ছারাদশ সক্তর টাকা মুল্যের ঐবদ পূর্ব প্রাপ্ত ইওরা গিয়াছে। সম্প্রতি আমরা হিলাভ हे९ मन ১৮৬৮ সালের শেষ তৈর্মাসিক ইংওঊ সম্বেল '' তিটিশ ফলাগ, কিং আব্পর্, ও ব্যাক্স » নামক অৰ্থপোডত্ৰয়ছার। ৮৩ বাল্ল रेक्ट्रेजाशीय देवस क्षांत्र क्रेब्राइ । अहे प्रकल्य

अवस कुलाधिक माच्छ मध्या है।का पूर्वा क्त्रा स्ट्रेग्राइ ।

২। আগানী বর্ষের প্রথম ক্রৈমাসিক। উপলক্ষে চিকিৎসোপযোগী ऋत ও প্রস্তুত্তকরণের ও ঔষণ্বিক্রয়ুকরণের সা সামগ্ৰী ও সকলে ও বিবিধ উচৰ ইং সম ১৮৫৯ সালের ক্ষেত্রয়ারি মানে বি হইতে পৌছিবে।

 कामता कृष्यिक भहिमार्ग छ । के ब्यूक्रान लेवर विक्रम करमा शांकि।

৪ ব এই কমন্ত ভাব্যাদির আস্ল বিং मान'न ও अन्यान (मलीत त्कर (प्रशिष्ठ हे क्हेल, कामशह की हो ७१ मध्याक समान ধালয়ে জীয়ুক্ত ৰ'বু গোপীনাথ দের নিকট সভাবাজার জীটে ৫৫ সংখ্যক ভবনে विष्वानस्थत महारम्बद की युक्त वांचु सम्मह পলে হালদারের নিকট দেখিতে পাই ইভি।

ক লিকাভা **৫ ট ডিলেম্বর**

विक्तिशिधात्रं अवः

নির্দ্ধাসিতের বিলাপ মুদ্রিত ২ইয়া প্রকা ০ইয়াছে। পুত্রকের কলেধর ৮। পেল্লী ফ ১৪ क्**त्रमा क्**यां २ २ ५० श्रृष्टी । मूलर ४० अ বাঁহার আবশ্যক হয়, ঠনঠনিয়া সংক্রন্ত য भुंखकानरम् अथवा भरोगन डाङ्गा व कूर्यः अ এও কোর পুসকালয়ে অনুস্ধান কারা পাইবেন ইণ্ডি।

১২৭৫ সাল そもり 海田島 ほうき সংস্ত কলেজ

ঞীশিবমাথ ভ'

ঠনঠনিয়াসংস্কৃত পুত্তকালত

| * | | | |
|--------------------------------------|-----------|-----------------|--|
| 396 | | | |
| ীত ও মং বত নিমূলিখ | ত পুষ | ত্তক গুলি | |
| ৽ইতেছে: | - | | |
| e , 3 | भूका | | |
| ঐ¹সই ভিহ াস | > | ፅተ ሞነ | |
| (রামইভিহাস | ۲ | ক্র | |
| ক্ষেপ্সার ব্যাকরণ | 1 | আনা | |
| নীভিদার (১ ম ভাগ) | ل | ঐ | |
| নীভিদার (২ য় ভাগ) | ن | Ð. | |
| क्षक्षात्रिक । | | | |
| দ্রুদ্ধবোধ ব্যাকরণ | ч | € | |
| ত্ৰী দ্বারকানার শন্মা | | | |
| | | | |
| ৰবিধ জব্যাদি বিক্ৰয়াৰ্থ | | | |
| প্রস্তুত। | | | |
| ংরাজীব জালাপুতকে কাগজ কলম নানা | | | |
| বাটিদ পাত্রা যার এবং | જુ રહ્યું | ८) व ाक | |
| _{এক অ} 'নার হিসাবে কমিস | न कि | ভাগক | |
| त्र शुस्त्रक स रे टन 🖊 ১० प्र | a ia | (হ্সাবে | |
| 3 H (| | | |
| ক্ষে বাবুকালী প্ৰসন্ধি হ | Restr | য়হণীত | |
| ৮ পর্ম হহাভারত ১৭ বহ | ७ इ | গে উত্য | |
| 5 4 \$1 _e | | ٠. | |
| ওন কারমা কোপিয়া অর্থ | ং উদ | শ ক হা¦− | |
| | | s∦۶ | |
| र्रात्रे स्टेस्ट्रानीय स्वयूक्त | ম ব´৪০ | 3 7 | |

হ্**ন্যদের জীবনচ**িত উত্যব*ি*জ্ঞ রুসাকুবপ্রভূতি প্রচিন ক্বওয়ালাদিণের ९झङ् াবীরিক স্বাস্থ্যবধান ৽য়প্রবাহ উৎকুষ্ঠ ক∶বা াখ্য সঞ্জিদ দায়িনী

খ্য তর্জিণী চন,থ ছোষকুত সংগীতম্নে∵জন ২ র্লামজ্ঞুকাব্য কবিবর হারকানাথ রায়

:স্বসামূভ সংস্কৃত ওপদং ভিগেবিক জয়দেব গোসামিএশীত মূল

নাথ নায়েপঞানন্ত সদ্ ক্ষ্যুক ভর্জিকী ইংবংজি কেমেইরি **হইতে** কাশ্চৰ্য্যক্ষক বিদ্যাদশন হয় সুর্ভিস্থিত :২৭৬ সংসের ফুল পঞ্জিক।॥

١ ্কুল পদ্য lì -ড(রিণী

ঐ হাক পঞ্জিবা

্ত গুটী মুল ও অনুবাদ সহিত

মিউসীনির **ह**श्रह বিষয়

हरदाष्ट्रि १४ ४० मार्लंद अन्तरमा की अम् কুমারীকুমার পদ্য আদিরসঞ্জান কাব্য ১ খণ্ডের মোহিনী শক্তি গণেশচন্দ্র শর্মাকৃত ব'কলা এটলাস উত্তম कागद्ध तं छेडम बक्दत पूर्विष ্ট্ৰিখবাবিবাহ নাটক কাৰিন কুমার রসরত্বাকরাস্তর্গ ড নাল্লিকাষ্ট্ৰত সুৱস কাৰ্য মৰিকুগুলা কাৰা প্যারীমোহন বন্দে,।পা-ধ্য'য়প্রণীত ছর্গেশন ক্রিনীর মত লেখা **উষণসিফুলঃরী २∥** • ভূচিত্রাবলি ৩২খানি বাঙ্গালা মাাপ 8 II ° দটীক ভৈতনভেরিভামূত এত্ ٩ কাদ্যিকী নাটক আইনসংযুক্ত ২ খণ্ড 2क्ट्रब ₹ উষাহ্রণ পদ্য হিভোপদেশ বিষ্ণু শন্দীর সংগৃহীত কলিকাতা জোড়া-জীপ্রতাপচক্র রায়

পুরাণ প্রকাশ।

নগদ বিক্রেভা

विक्षु श्रुतान ।

সাকো ৬৪ নং

অমুবাদও টাকা সমেত প্রত্যেক খ্ড ৮০ পৃষ্ঠা: জাগ্রিসমূল্য) ॥ ० ।

বিনি এছণাভিলাধী হইবেন তিনি মৃতাপুর ক্ষাম্প্রস্থানীট ৩৪-১ নং ভবনে কার্প্রেকাশ बहुद्ध व्यथवः। कलिकासः मञ्चद्रुष्ठ दिस्रालस्य ब्रियुक्त कशरवाक्त उनालकारतत मारम यक পতের ইছে। মলিম মূল্য প'ঠাইবেন। অনিচ भा **लाहेरल विस्मरल** विकाश्वतान लाहे ह्वाह নিয়ম ৰাই ইভি ৷

বিকেলার ।

সংব্ৰেন্থী চৰ্গন্ত বাটা প্ৰসামস্থ

१५ वर्ष्ट्राप्ट वाजान ।

উপরি উপ্কবিধান ও বাটী ঘাহারা ক্রয় कर्तिए अथवा लहेर्ड हेम्हा करत्न, निम्न याक রিত ব্যক্তির নিকট জানাইবেন।

> গিলেণ্ডারস্ আরবো-থনট এবং কোং

মহাকবি জীকালিদাস প্রণীত সংস্কৃত কুমার সজ্ব মলিনাথের টীকার সহিত মুদ্রিত হইয়াছে এবং মাল্লনাথের চীকার বেসকল ছক্কছ পদের नामा नेत्रक्तिक इक्क्षाद्य. खोश, शाहेकवर्त्तव

क्रुविधात निमिष्ठ, भढ़ात (भट्ट अखिदिक **ऋ(भ क्षमञ इहेत्। एकः भम छ भएनत व्यर्थ**ः बाब्रा शतक्ष्मव मिल्ड श्राकित्न व्यवाद्यात्त्र বোধের ব্যাঘাত হয়, এ জন্য চীকাণ্ড পা लिइ मिस्र विक्षिय कहा ब्हेश्याद्व । शुक्राका मरम मूमिक **इहेरन क**िलन श मिन व्यवस्थ मिथिट पारका रहेशाहिल, डाँकाता (प সস্তোষ প্রদর্শন করিয়াছেন এবং সোমপ্র উত্যরূপে সংশুভ হইয়াছে বলিয়া, ভ थनश्मा कता **ब्हेग्राट**ा

এই পুস্তক যাঁহাৰ আৰশ্যক হইবে স°স-্ভেষ্ডা জেপুসেক্¹ন করিলে ভাগাও ভ निक्रे पञ्च लिथित प. हेर्ड पातिर्दन । भूना २ इहे होका।

আহ্বাদের সহিত প্রকাশ করিতেছি, (ভেন্দী ক'লেজের সংস্কৃত শাল্লের স্থাবি**জ্ঞ**া প্ৰকাৰ এই পুস্তক আপ্ৰাদিকের ছাত্ৰ পাঠ । चलिया महनानी ७ कतियाद्या । ইয়া এইরূপে সর্বাত্ত পরিচ্ছীত হইলে শ্রম সকল আভান করিব।

> कलिक!ख। ि औरक्षब्धा द्व भूरणाल ^২৯ এ পৌষ

বিজ্ঞাপন।

২৪ প্রচন্ত্র অন্তঃপ্তেট কোলালিয়া গ্ৰহণ্যতি সাহায়কুত বঞ্চোলা পাঠৰালা ভাহাউটিয়া হরনাভি ইং সং বিদ্যালয়া নধ্যে আসিয়াছে। ধালাবা আলো সভানা তথ্যে পড়াইবার বাসনা করেন, ভাছারা ই ्बन्नालस्थत् अभाग**्निक्टकत्र निकट**े हे॰ इडेट्स भिग्नमानि जानगढ इडेट्ड अ'ति নমুদায়ে ৪ চারি শ্রেমী করা কটয়াছে : .ळानीत्॥ व्याटेकामा गांव श्रीष्ट स्थानीत ছয় জানা ভ্তীয় ও চতুর্ব জাণীর 😘 कामा इ.ड.(मश (रचन दिन का अर.) श्रामाहित के इसक्रम वादया असा १६मा८६ জ্রী হ'রকানাথ শর্মা 750 @ ৪ ঠা ম:ঘ অধ্যক্ষ।

মংপ্রনীত কবিভাকুসমাঞ্জলি সংস্কৃত পুস্তকালয়ে ও কলিকাতা নশ্মাল বিদ বিক্রমার্থ এক্ত আচে মুল্লার আনামা क्रीकृष्टियात यस्माशासास

-----<u>203</u>---

वाकाना प्रकारणा।

रहक्यानि प्रकार अहेनान हर्ष्ट श्राप्त ।

८०२ यानि माण प्राप्त । উएमकाण मान्य ।

मान्य नद्ग जानाहर्षि । नश्क्रु । यद्भव ।

मान्य । स्मान प्रमान छ भोना ।

रा। साम्मिरिभन्न भूखकानरम्न भाउन ।

रा। होका।

श्रीनकमन (चाव'न।

निष्यात निष्या

मम ১৮७० मार्टित खानुवाति बाह्मत ৮३ हरेर्ड ১८३ १४(ण छानी देवी समीस मर्काकमण्डि छरमद

সাপ্তাহিক রিপোর্ট । সর্মকথতি অন च्चारमञ् नाम कुछ इंदि পদ্মার সহিত ভাগীর্থীর মহানার 7 8 (বাংগের স্থান মহাৰা ব एथा स्ट्रेस्ट खिन्नपुत ১৩॥ মাটল মধ্যে জনিপুৰ হইতে বহরসপুর ৪৬ মাইলের মধ্যে বহুত্মপুর হইতে কাটো ছা Ł ৫০ মাইলের মধ্যে कारिं। इंग्रेड विशेष ৪৬ ম'ইলের মধ্যে সন ১৮৬৯ সালের ১৪ জাতুরারি বছরঃ গজস্বটের জ্বের মাপ।

ফুট ইঞি ৬ ১ ১ ১ ১ এই ক্লিক কি ডিট্র ইঞ্জিনিয়র ১৯: ডিবিজন। নদীয়া রিবার

সোনপ্ৰকাশ।

২০এ ম'ঘ সোমবার।
উত্তর পূর্ণ দীমার বনাগণের দৌরাআন।
আর একটা কুদু যুদ্ধ হইবার উপম হইয়াছে। পঞ্জাব ও আদামের
মা আমাদিণের গবর্গমেন্টের হুফ ত্রণ
রপ হইয়াছে, ভাহা হইতে সর্বাদা
বিতি নির্গত হইভেছে; ভাহা শুক্

है, बत्नाता लोताचा कताटक भवर्ग-

(मनी देवना द्यातन कतिएक दाविक हरे-তেছেন। কিন্তু আমাদিগের মনে এই সংশায় উপস্থিত হয়, বাহারা এত इक्तः, क्थन करश्रक क्षत्रभावितिशाहीह नम्बीन रहेशा युक्त करिटक शमर्थ रह मा. ভাহাদিলের এপ্রধার সাধ্য কিরুপে হয়। वनामिटभन मस्डियुक स्टेटनरे जारामिः श्वित शृह्माह ও आम लुठेकता इत, ব্রিটিশ দেনার। ভারাদিপকে শুগাল कुकुदब्र बाब ज्यार वश्य कर्ता यपि शत्रचनुर्धमहे बमामिश्यत मोत्राचा कति वात शक्त उदस्भा इंग, जाहा इहेटन उ क्षांशक्तिशत्र बफ् काटकत्र कात्र विटक না, গ্ৰণ্মেন্ট এত দও দেন; ভাহাদি গের এত কতি হয় যে, লাভ ও কতির ভূলনা করিলে ক্ষডির ভাগ অধিক হট্য়া পড়ে। তথাপি ভাষারা প্রতিবং সর দৌরাত্ম্য করে, দণ্ড ও পায়, ইহার कांत्र कि ? ज्यामाणित्र व व र कांत्र বোধ হয়, স্থানীয় কর্মচারীরা ভারাদি গের সহিত ব্যবহার করিতে জানেন না। প্রায় বিংশতি বৎসর কাল পঞ্চাবের দেনার৷ ব্যাদিশের সহিত যুদ্ধ করিয়া चानिएउट्ड; किंड क्ल अक्तुशरे रहे তেছে। বন্যেরা লুঠ আমে দাহ করিয়া ও কতকণ্ডলি ে.াকও পশুকে ধৃত করিয়া লইয়া যায়। ত্রিটিশ দৈন্যগণ তং পরে ভাহাদিগের পর্বতে প্রবেশ করে ভাহাদিলের যাহা কিছু সঞ্চিত থাকে সমুদায় উৎসম হয় ; প্রাণিহত্যার ত কথাই 'নাই। বলোরা দও পাইয়া পরিখেবে ক্ষমা প্রার্থনা করে এবং সেনাপতি আপনার খোদাদিগের সাহদের প্রশংসা করিয়া প্রত্যাগমন করেন। কিছুদিন শাক্তিস্থাপন **इत्र किन्छ प्राप्त किरमेत मरश यावात रा** (महे इहेग्रा माज्या देननाटकातने उ গুরুত্তর দ্ওবিধানের বিলক্ষণ পরীক্ষা इहेल; किंद्र डाशांटड कान कांक इहेल

লা। একবে এক প্রনিষ্টের কা ভারবারণের উপায় অসুসজান আবশাক। নিয়মবহিত্তি এদেশে চারগিণের অবিস্থাকারিতা ও যে ইহার অন্যতর কারণ, ব

পাঠকগণ পুৰ্কে অবগত .ঘটিঃ কুকিরা দৌরাত্ম্য করাতে তাহা समनार्थ टेनना त्थात्र कता स्टेशांस দে রাজ্যের অক্ত কারণ হই करहाक अनलमी मात्र रखी ध নিমিত্ত ক্তক্তুলি হস্তীও भेक (नाकटक ध्येतन कर्त्रम । লুশাহী জাতির দেশে গিয়া অং করে। আলি আহমদ নামক এক এ বিষয়ে প্রাধান্য লাভ করিয়া म् अक्षे प्रमृति क्वीरनारकत বলপ্রকাশ করে, তাহাতে क्ष हरेहा करत्रक जनरक दश নিকটছ এক আম লুঠ করে। করেকজন পুলিষ প্রহংী উপস্থিত লুশাহিরা ছই জনকে আহত পলায়ন করিল।

আলি আহ্মান ও তদলস্থ লে वनामित्रात कटका नमूनात सारहेका বেন তাহা আশ্চর্যোর বিষয় নতে बारकरभन्न वियय अहे. जानीम রীরা নিগ্র কারণের আবিকরণে নহেন। তাঁহারা প্রকৃত কারণের স্থান না করিয়া লেপ্টনত প্রবর্ত রোধ করিয়াছেন, ত্রিটিশ প্রকা উপরে অভাচার হইয়াছে; . ইংলতেশ্বরীর রা**জ**্গীমা**মধ্যে** ক্রিয়াছে; অত্তব তাহা **म ७ विश्वान** আৰশ্যক। সংস্কার আছে, নিয়মবহিত্ त्रनं वन्यक्तिर्देश स्वयन अ পারেন, পৃথিবীর মধ্যে আ

ারন না। এই হেডুগবর্ণমেন্ট ভাল ग्किष्ट्रे किस्कांना कर≾न ना। रेनना বামাত্র ভাহা দেওয়া হয়। গ্রণ্মে শালি স্থাপন চেষ্টা পাওয়া উচিত , কিন্তু প্রকৃত কারণের অনুসন্ধান করিয়া যুদ্ধে শেষ্ত ছওয়া বিধেয় হয় ধন্যেরা অতি সামান্য শক্ত। তাহারা ন **দমুথ যুদ্ধ ক**রে না। যাহারা করেক পুলিষপ্রহরী দেখিয়াও প্রায়ন , তাহাদিপের সচিত যুদ্ধের কি য়াজন আছে ০ কম্চারীরা প্রথমতঃ াচার করেন। নিয়মিত আদানতে वा भवर्गमान्देह निकारि अखिरयांश য়া ভাষার প্রভীকার করিতে হয়, রা ভাহা জানে না; তাহারা প্রভাব কৈকে দেশের শাধনকত। জ্ঞান করে জনপুলিষ প্রহরীর ক্লন্ত কাজাও রো প্রণ্মেণ্টের কাজ বলিয়া বিবে করে। আর অভিযোগ করিলেই বা ব্যক্তি তাহাদিগের হইয়া সাক্ষ্য ন ? কে বা তাহাদিগের পক্ষমর্থন

🖫 ইচ্ছানত প্রতিধিধান সে বরিবে विकिन गरह। लूमाहिता मनवम्ब কোন স্থান আক্রনাগ্র ভয়ঞ্চদর্শন তিছেনা।প্রতিত্তে মেকতঞ্জি

বে ? স্বিচারেরও স্ভাবনা নাই

অবস্থায় তাহায় আপনায়৷ আপনা

ল প্রহলী ও বৈধনিক আছে, তাহার। দিধের দয়নে সমর্গ। আভএব যুদ্ধে প্রস্তুল: কইয়া কালার

। এ घटेन। इड्साइड, **अट्या लिल्टे**नके া অনুস্থানি করা উচিত।

> के भिवाद से के उद्देश्य টুকের ব্যোক্তর র

কুত্ৰিলোৱা স্থিক ার ।किर विकासमञ्जा त 'ছেন না, সভার ও সভাপ-হোর কারণ নহে। সভার

আ'লোচনাহয়। বিচারপতিত কিয়ার অসংমান্য ক্ষতবিশ্বর জন শন গোল্ডস্মিথের বিষয়ে বলিয়াছিলেন, তিনি যে বিষয়ে হস্তাপনি করিয়াছেন, তাহাই অলক্ত হইয়াছে। বিচারপতি কিয়ারের বিহয়েও সেইরপে বলিলে अकृत्कि इस ना। कि विषाद श्वाकी, कि (क्टनत ख्यावशाम, कि **अभी**ताति वटमा বস্ত, কি বাহিডা, কি বিজ্ঞান, যে বিষয়ে তিনি যাহা বলেন, তাহাই সজত ও লোকের চমংকারিভার কারণ হয়।

বিচারপতি কিয়ার সামাজিক বিজ্ঞানসভা গভ অধিবেশনদিৰদে একটা শুকুতর বিষয়ের উত্থাপন করিয়া हिटलन। आर्थानित्रत क्रिमीनात्रश्रान्ड প্রকৃত পদ কি ? তাঁহাদিগের কি কি কর্ত্রা কর্মাণু ভাঁহারা তাহা সম্পন্ন করিতে পারিতেছেন কি নাণু সম্পন্ন করিতেতে চন নায়দি এরপে হয়, ভাচাং কারণ কি পুমুদলমানদিলোর সময়ে জামী সংসান্ত করসং আহকমাত ছিলেন। যুদলমান রাজের বংশপরম্প রায় কোন পদের অধিকারী হওয়া সুঘট ছিল না। এই দেজু বি্চারপতি ফিয়ার তাঁহাদিগকে প্রকৃত অধিকারী জ্ঞান करदन मा। लाफ कर्ग अवालिम इरलट्खर नाश क (मध्य कर मण कुमाधिकाती করিবার মান্স করিয়া ১৭৯৩ অক্রের ১ আইন করেন ; কিন্ধ তিনি যে যে উপ কার প্রভাশা করিরাছিলেন, জ্মীদা রেরা ভাষা পরিপূর্ণ করিতে পারেন নাই। জনীৰাৱেরা আপন আপন জনী দারীতে অবস্থিতি করিয়া সর্দার ক্লুবক रहेता क्रुतिकार्र्यात উन्नजिमाधन कतिर्वन, লাড কণ্ওয়ালিদের এইটা অভিপ্রেত ছিল। ইংলভীয় জনীদারের। বেপ্রকার জমীদাহিতে বাদ করিয়া বিস্তর অর্থ বাল করিয়া ভূমির উল্ভিসাধন করেন,

The first in the second অভি মহোপকারক বিষয়ধকলের আমাদিগের অমীদারেরা ভাষা না। কি নিমিত এই খোচনীয় আ হইয়াছে ? অণালীগত কোন দোৱে হইতেছে পৃথিচার শতি ফিয়ার ব ભા**લનો, મ**રભા**લનો, હ્ર**ભાલનો, ત জমাপ্রভৃতি এই অনিটের কা আমাদিগের জমীদারদিগের কেবল लहेड़ा कथा; कि श्रकांटत (महे हे আদিল ভাঁহারা ভাহার বিবেচনা ক না। দেই টাকার কিয়দংশ যে উৎপ कारिनी कृषित डे०क्सनाधनार्थ ए উচিত তাহা উাহারা জানেন না, কর আদায় হয়, জমীনার তাহা দেখি পণলইয়া পত্নী দেন। পত্নী আবার ক্রবকদিগের শোণিত শে করিয়ানিজের কিঞ্চিথ লাভ রা দরপতনী দেন। এই **প্র**কার শেব স ক্লকের ক্ষেত্র পতিত হয়। মধ্যে ক গুলি লোক থাকেন, তাঁহারা উপ ভোগ করেন মাত্র। কিন্তু উপস্বরভো ছইতে হইলে কতগুলি কৰ্ত্বা কে অনুঠান আবেশাক হয়, ভাঁহায়া ত श्रीकार कटरन माः এটা একটা ম অনি ফীন'ক চনাই। লাড কণ্ওয়া এ অনিষ্ট প্রতিকারের উপার কার গিয়াছিলেন, কিন্তু ভাঁহার প্রাধি রীরা ১৮১৯ অ: দর ৮ আইন করি দেশের এই অসঙ্গল করিয়াছেন। কে **डाँश**क्तिशत (मान (मध्यां अवताः তৎকালে দেখের যেপ্রকার অবস্থা ছি তাহাতে তাঁহাদিগদে ঘগত্যা ঐ আ করিতে হয়। ১৮১৯ অব্দের ৮ আইনে হেতুবাদ পাঠ করিলে স্পাই প্রতীয়ম रह, ভারতব্যীয় গ্রণ্মেন্ট একপ্রকা অনিচ্ছাতেই এই আইনটা করেন। ব मार्गद ताकः अञ्चलामाः क्यीपात कः দারি পত্নী क्षित्राहिः लगः। व्यद्गर বিস্তর টাকা দিয়া পতনী লন। পত

অঞাহ্য করিলে উাধ্যদ্ধের ক্ষৃতি য

लिता b **भारेन विश्विष** इहेन्नाहिल। देश्लाद्धित व्यभीनात्रमिरशत महिङ দে**শের ভূমাধিকারিগণের ভুলনা** কংগ নোয়। উ**ভ**য়-স্থলে একরাণ বন্দোবস্ত **रेटर:७ जामानिटशंत क**मीनाटतता जाल मि**रिशत कर्छ**या कर्या मण्यामन कतिरङ ারিবেন এরপ বোধ হয় না। অভ্যাচার রিয়া লাভ করিবার স্থেনাগনত্ত্ব **দ্বল ধর্মভা**য়ে লোক তাহা হইতে রত্ত হয়, পূ'থবীর এক্লপ অবস্থা বে খন ছিল বা হইবে, তাহা আমাদিলের বিগমাহয়না। কোন রা**জা** স্বেচ্ছা-ঠকি আপেনার ক্ষমতা দীমাবদ্ধ করি ছেন ৭ এক গকার ইউরোপীয় গ্রণ-টিশ টল বে অভাচারে বিমুখ দৃঠ , সাধারণ মুত ও প্রজাদিগের অস-াবই তাহার প্রধান কারণ। ইংলভীঃ ীদারগণের ধর্মনীতি আমাদিগের ীদাংদিগের অপেক্ষ উংক্লাই, ভাষা ময়া অস্বীকার কার না; কিন্তু জাঁহা৴: ভূনির উন্নতিদাধনে অধিকভর মৃত্রু াহন, ধর্মনীভি ভাহার 👁 ধান উত্তে নহে। ইংল্ডের ক্রক্কেরা সাহ্সী নকৈ ক্লডবিদা এবং। সকলেই আপন পন স্বস্ব রু,কডে পারে। আরম্পীল ক্রদিগের ইংলওে ক্রসিকার্যভিন্ন বকা অর্জ্জনের অনেক উপায় আছে। বেছায় জামীৰার যথেখছ ব্যবহাৰ চেনমথ ≆ননা। আবরও একটা गय कात्रण प्याटि। **कृषकामर**श्रह কে মহাসভার সভা মনোনীত করি বিষয়ে মত প্ৰদান কৰিছে গাৱে:

. The same of the

স্ত্থাকাতে জনীদারকে প্রজার পুরতি কবিতে হয়। ই লতে সাধা । 5 এখবল আন্ডে। এক জন জনীবার ি ৰিধৰা জীলোককে মেছুয়া রে যাইয়াজীবিকা অর্জনের উপ দিয়া যেমন উঁাহার পৈতৃক তালো ভূমিগুলি হরণ করিয়াছিলেন,

हे १ लट्ड अञ्चकात अक्की घडेना इहेटल मकरम अकर का इहेश समीमारी १ वालीत हेच्यू प्रमादन करण्य । 🗷 (पर्मा माधारव মাচ ভত প্রবল নাই। এ সেলের ফুর ८कडा भारती न्टब स्य **अभी**मात कार्यान मिगदर छत्र कतिर्दन ; य स्मर्म महामछ। माई य क्रयक निर्मात माज्य निर्मित তাহাদিগের ছন্দাসুর্ত্তি করিতে হইবে। নিপীজিকেরা যদি অত্যাচারকারীর চেটার ততিবৃহ্ধকত। করিতে পারে, তাহা হইলেই অভ্যাতার বস্ম হয়; সামা দিগের ক্ষকেরা কি দে প্রতিবক্ষকতা করিতে পারে ? কেন পারে না ? যদি কেহজমীদারের মতে নত না দেয়, তाश रहेटन करमक्ति कहत्र्याह व्यक्ति (यार्ग डोबाव चक्काम बहेश गांग्र। তাহারাদরিজ মুখ'; আলোলত, আইন ও আমলারা জমীদারের পক্ষ। কুষক দিধের বিদ্যাশিকানা হইলে সাহ্স কমিৰে না; অভ্যাচারও যাইৰে না। বর্ত্তমান অবহার বিভাগিকার বায় অপ্পার্করকে বছন করিতে পারে। চির ক্ষায়ী বন্দোবস্ত না হইলে ভাহালিগের শীঘ্র সঙ্গতি হইবার উপায় নাই।

প্রবংশনের বেকনজোগী পুরেক্তিক-দিলের বিষয়ে ভারতব্যীধুদিবের **ማቒ**4ና ቅዥ |

শ্লাড**েটোন পাহেত্বের ম**ত নয় যে. षाशाहलरक ब्याटिकोके भूरहाहिङ थोटकन। इर्लट्फन त्लाटकरा अक्वांका **इ**हेशा थ दिव्दस **डॉहांस म**शक्त करिंग তেছেন। আয়ারলত্তের অধিকাংশ লোক কাথলিক। কাথলিকদিগের প্রদত কর লইরা প্রোটেন্টান্ট পুরে:ছি: তর বেজনদান অন্যায়, ইংল্ডের এ বোধ হইয়াছে। নৃতন মহাসভার অধিবেশন इडेटनाई क विचारत्रत्र कर्क कात्रत्य इडेटव। अत कन कटडेटकात मक कडेटा, क्यट

য়াছেন, ভাহাতে স্পন্ত বোধ্ৰৎ भाउरकान मारहरवत शकाव হইবো আয়ারলতীয়দিগের অ कार्थानक दर्देन; किन्छ उँ।हा तीन। এक शृष्टीममञ्जूषादात हो। **সম্প্রনাহের পুরোহিতকে দে**ওয় শ্ন্যায় কাৰ্যা বলিয়া বিবেচি তেছে, তখন ভারবর্ষের বি ধর্মাবলম্বীনিগের প্রদন্ত অর্থম . धर्यावलको भूटका, इछन्तिशहरू व লন করা যে কতদুর অন্যায় ভাগ ब्राटमहे वादशमा हहेटक शादा। ৰৰ্বে অধিক পরিমাণে হিন্দু ও त्वत्र वमिष्ठ। हेर्हे बिर्गत् धर्मात ष छेष्टर्भेत कानश्रकात मा নাই। অভএব ইহাদিগের ধান্য रहेटल वर्धिक ३० लक छाका পুরোচিতদিগকে দেওরা কি বিধে তেছে ?

भाष्ट्रकान माट्डव श्वीबनकार মভ একাশ করেন বে, শাগনক ধৰ্মঘোগকেৰও কাৰ্য্য করিতে হ ৰে সময়ে তিনি আয়া**রলতে**ল ও छोन्छे धर्मनञ्जानाद्यतः जनकः व ছিলেন; কিন্তু তিনি তথ্নও ব हिर्मन, मण्यूर्ग जिल्लास्थारमधी द বর্ষীয়দিগের টাকার বৃষ্টীয় পুরে প্ৰতিপালন অন্চিত। । के की व পুরে দিগের নিমিত ব্যয় অনমশঃ অধিক পড়িতেছে। লাভ হালিকার প্রতি स्वताटक जाटहाटन धक कम १ 'ৰিশ'শ নিয়ো**লিত** হন নাই; তং नद्र कन गरदरमात किकोत छ हि दिन শুনা যাই কেছে, ১৮৭০ অফ অৰ্থি मिंटम चात्र अक सम चाकां उक्त करत्रक क्रम नामित्र निर्माक्ति हर्द ইংলতের লোকেরা যেথকার সভা কেলায় যেমন এক এক জন মালিয়ে मत्नानी छ कतिवाह मेछ धाकांचे ।कति । चाट्यन, त्मरेशकात बक बक कन ।

41 1

য়পরতাছিল বাঃ ভিনি আমা থি খাতান পুরোহিতদিগকে छो। हिटलन : किन्दु जैशिह ভ আমাদিগের বে কি উপকার ্তনি জাচা এক বারও বিবেচনা · मारे। आंभनः आश्रमानिर्गत হতের বেভন প্রদান করি। 💐 रहता ३ क्रेक्स व्यानमामिरण ३ शूरहा বেভন আপনায়া প্রদান করুল। া আমাদিগকৈ সকলে বলিয়া ক্ষে, আমারা প্রব্যেক্টের মুখা না করিয়া কোন কাজ করিতে না: কিন্তু উচিত্রা ধ্র্মস্থস্কে যে মিতা স্বাজানুগ অৰলম্বন না করিতে ভাষা আমরা বুঝি:ত পারি-

ামালিলের একটা কর্ত্তব্য কর্ম । এই সময়ে মহাসভার নিকটে शिर्वपन कड़ा उंठिफ **क्रेंटक्ट्**। ভা যখন আংশেকতের বিষয়ে সুবি दिएक छेन क इंग्राह्म, उन्न দ্বের প্রার্থনা অগ্রাহ্য করিবেন, বে: ब इस ना। অথাতা করিলে ভার অব্যব্ভিত্তৰ নায়ে কাজ हिट्ट अवर केडेटब्राटलंड समुमाब ह छिङ्गिलिशस्य छेशस्य करिस्वनः क ५६ लाक छाका बाग्न मार्थाना कार ৫০ লক্টাকার নিমিত লাইদেল

চটবংছে। ডেবল অর্থ বলিয়া নয়, ন লংগ্রেপ্র মিদনরিদিপের প্রতি সভাজ ছিল। সেই হেতু তিনি ीप विभागित सिममेडिक्टिशेड **१८छ** া কুরপাতে করিয়া গিয়াছেন। ইড ্য সৈন্দিগের পরিভাক্ত মন্ত্র । ভারতব্দীন **সিপা**ধীদিলকে त इष्. (महेशकात नामनम्बद्या **ল নংকা**র ও এগা ইংলতে পরি ঃ হম. আমাদিগের প্রণ্মেণ্ট ভার্

। নিরোজিত হন। সর অস লরে । গ্রহণ করেন। মিস্নরিদিগের হস্ত হইতে শিক্ষাভার গ্রহণকরা ইউরোপে অধি কাংশ লোকের মত। বিদ্যালয়ে কোন विट्यान भटक्ति लिका मा इह अपि व्यक्ति য়াতেও জীকত চইয়াছে; কিন্তু আমা দিগেব প্ৰণ্যেণ্ট কতগুলি গোঁড়ামিদ महित इत्यु स्टब्स्य भिक्तिकार्याह खाह সমর্পণ করিয়া আপনাদিপের কর্ত্তব্য কর্ম मन्त्रीपन करा इहेल, ভाবিয়া নিশ্চিত্র চুট্রার **উপজ্ন করিতেছেন** : বিশ্ববিদ**া** লয়ের মহাসভার অধিকাংশ সভাসিস निति (किन १ मिननितिता यांका माम करहन. विश्वविद्यालयमञ्जूष जो बाहे कहिए अध्या এটাকি সভানচে 🤊

> खेलमः हाडकारल चांश्राहितशत बक्तवा এই ইউলোপে যে বিষয় দুখিত বলিয়া পরিত্যক্ত ইতিছে, তাহা আমাদিগের (मर=। वक्तभूण इंडेरल व्यामानिरशत (मर=।? লোকেরা সমুফ হন কি না ? এই বিপদ ঘ্টিবার পূর্বের কি কোন উপায় অবলয়ন কর। উচিত নতে ় অভএন আধ্বয় ভাব ভবস্থি সভাকে অনুরোধ করিভেচি. উচোবা একটী মাধারণ মভা করিয়া পাलिहिरिनके मकात अक आरवनन প্রেরণ করুন। এক্সে-ইং লডের লোকেঃ ননের যে ভাব, ভাহাতে এ আবেদন ध्याहा इटेट्य कल्ल १ दोन इस मा।

হাসন্ধুত্র ও পরিকা।

১। কণ্পলভিবা। এখানি পাফিং गाबिका। भरतिक छ.मा क्ट्रिक्ट हेनकिरि**ड** শনের পণ্ডিত 🕮 মুক্ত রামদর্বেশ্ব বিদ্যা चुयन हेहात ≘नप्तन कतिराख्टा हन। हेहात छुই এक সংখ্যা দেখিয়া বোধ হইতেছে, मन्नामदकत यकि व्यथावनात्र নাহয়, ত হাহইলে এখানি ক্ৰমে উন্তি পথে পদার্থন করিবে। আমরা পাঠকগ গণের দেশনার্থ ইহার একটী প্রস্তাব স্থার উদ্ত করিয়া দিলাম।

২। সপত্নীশক্ত নটিক। এটি बरन रमाहिनी बारम जिनाकश्रुरतत । রমণী ইয়ার রচনা করিয়'ডেন। সপ হইতে গৈ যে অনিষ্ট হয়, তাহার ব করিল বহুবিব ছের নিশ্বা করাই अष्ट अनगरनत छेरमन्त्रः । जीरलारकत्र स विलिशहे य किছू खिनश्मा करा गाउँ কিন্তু উচাতে বাস্তবিক জ্রশংসার যে कि छूटे पृष्ठे इदेल ना।

৩। নীতিমালা। বালক দিরোর নী भिटक भएग हो। कहाँगै विषय भएका **अ**र চ্টার ছে। তাকার জীযুক্ত বারু দারকার বন্দ্যে পাধ্যায় ইহার রচনা করিয়াছে:

৪। শিশুবঞ্জন। এখানি 📆যুক্ত চ চট্টোপ ধ্যায়প্রণীত। ইত বলেক ও বালিকাগণের শিক্ষিত্রা ব কটা বিয় সন্নিবেশিত ছইয়া রচনা প্রাঞ্জল ও বান্ধালার রীতি বি इडेश ८७ ।

६। मर्भ घटा। हिनि स्मा। क বাল র মাজে এব হিনী বল্লে যুদ্রি (तथ्रका नाम^{रिफा}ः स्टे। हेह মানা ডাতি সপের বিবরণ ও সপ্ থাজির চলিৎসংগণানী লিখিত াছে। এছকর্ডা উপক্র, ণকার ওনে লিধিয়েছে⊲, " আমেরা থকার স্পতিকিখ্যার বিধ্রণ (লিখিতেছি, উনা খবাৰ্ম বলিতে স হয় না ; কিন্তু ইয়া বলৈ ত পারি, चुन्न छटन क्यान क्यान चित्र श्री গুৰুর মধ্যে নিঃলিখিত স্পচিকিৎ একটী। " এ একে ি বিভ উষধ ও চি मध्यपालीय भद्रीका कतिया सभा छेति

ক কিবপুরাণ। কলিকাতা বে টোলার জীযুক্ত বারু বলাইচাদ (ড মুক্তারাম বিদ∄বাগীশ ক কিকপুব ধে অনুবাদ বরেন, তাহা অবলয়ন ক পদে; এখানির রচনা বরিয়াছেন। ছানে পদাঞলি মনোলর হইয়াছে।

৭।কুমার্সভ্র। ≜ীযুক্ত কেন

মুখে পাখ্যার মলিনাধরত টাকান এখান মুদ্রিত করিয়াছেন। ইহাতে ন অব্ধিসপ্তন সর্প্রতিভ জ**ে** হে। না**থ যে যে শক্ষের অর্থ ছ**ড়ি † লিখি হন, সেত্রমাহন সেওলির অর্থ করিয়া ছেন। গ্ৰন্থানি উত্সৰূপে প্রশো **इ**हेग्राइ ।

। কাৰপ্ৰেকা শিকা। এধানিও সংকৃত। ক্ত ব্রদাথসাদ মজুমদার থণ্ড থণ্ড যথে প্রস্থাবলি এচার করতেছেন. তঃহার পঞ্চম খণ্ড। ইহাতে টীকা ত শকুন্তলাও কুমারসন্তা,েবর কিয় প আহে। ক্রমশঃ ইচার উৎক্ষ **क इट्रेट उर्छ**।

रतल ७ एशत वरस प्याप्त नय, कर्मा ठा অনেক, তত্ত্বাবধায়ক ও পুলিষও ছন, কিন্তু যা হাতে রেলওয়ে কোম্পা ওনংশ্রনদিগের ক্তি না হয় ই তাহা করেন না, এটা সামান যও কোভের বিষয় নহে। নিয় ধত প্রধানি আমাদিরের অভিপ্রায় क्तिका सि**र्व। मत अपन शरतका** ওয়ের অভ্যাচাবনিবারণের অসু করিয়া পিয়াছেন, এখন লাভ মেয় ষয়ে দৃড প্ৰতিজ্ঞ চা এ দৰ্শন করুন। হাজন ইহার বালালা অংক যাহারা প্রকার ব্যবসার্থারা জীবিকা নির্দ্ধাহ এই সম্প্রায়ের লোক প্রায় তেলি ল, ভঙ্ডি, বেণে গুড়ত সামান্তলাকি। দৰ্গের বিদ্যাশিকা কতগুলি সামন্য হস্তাক্ষরপরিষ্কার এবং জমাধ্রচবোধ টি ৰপেষ্ট হইল। অতত্ত্ব রেলভয়েছার। র প্রতি যেদকস অবতাচার হটয়া , তাহা মহাশয়ের। বা বাহাঁদিগের ছারা 🧢 প্রতিকার হইতে পারে তাহাঁর।[†] তে পারেন না। রেলওরে হওয়ায় কত ামহাজন টেসনের নিডট গোলা করি । देशैनिरभत मदनगान द्रन्यश्यत তে পাঠান ও আনান হইয়া থাকে এবং

রে ওটে ভিন্ন দী প্রভৃতির প্রায় স্থ্রিধা নাই; ইনস্পেক্টর আসিয়া দেখিলেন, বাবু ছাত্রীং ব্যব য়ি রেজা∙য়েরে ভ্রিধার উপর ৾ঘুদ, ছাতে ঘৃত এবং সমুখে এক ক मण्युर्विची करिएड(इ.। कस्र द्रिल ९८३) वटन्नावटाउ देवीटन्स भाटल दूरहा ४-१ वर्ष-टिंश्ह्र । दिवाशकात स्वाताय द्य का. ड स्टेड्रा থাকে, ভাষার নিমিত নিত্য রেলভয়ে কোম্পানির ও ভাহাঁদের কর্মচারীদিংগব मारम अभागाया मा विभ क्रिट वस । যাহাতিগর সহিত কর্মদা কাঞ্চ, ভাষাদিগের সহিত বেরাদ করিয়া কাজ চলে না এবং কাজ ঠাইয়া দিতে হইলে কতকণ্ডলৈ টাকা যাগা লোকের নিকট পাওনাআছে তাহাকটি আবার বছব্যয়ে এ তালামঘর পদিঘরপ্রভৃতি গোলাবাটী প্রস্তুত হইরাছে তাহার চতুর্থাংশ মূল্যেও বিক্রঃ হওরা ভার এবং অন্যান্য মনেক ক্তি সহ্য করিতে হয়।

গত বংসর এখান চইতে তিন জন মহা জন কলিকাভায় যুক্ত পাঠান 1 এক জনের ৯ মট্কি এক জনের ২ মট্কি ঘূত ভাসিয়া যায় ৷ কলিকাতা হইতে সহাদপ্রাপ্তিনকৈ ८ छेमत्न कानान श्रेण । तुकिश्व'युक दिः। सन. আনিও হাবড়া হইতে · তা পাইয়াছি কএক মটকি মৃত ভালা তণায় পৌঁছিয়াছে; কিন্তু ইয়ার নিলিক রেলওয়ে কেম্পোন দায়ীনহেন নেহেতু ফ্ডিক;পাতে ঘৃত পাঠাইলে মহাজনের নিজের জখন ইুহা মহাশরেরাজ্ঞাত আংছেন। মহ;জ নরা এই বাক্য শুনিয়া আপন আপন গোলায় গেলেন কত নোকশান হইল তাহারি হিসাব করিতে লাগিখেন। কয়েক দিনপরে অবর এক জন মহাজন যুক্ত পাঠান। বৈকালে মহালনকে রসিদ দিয়াবিদায় করা হইল : গাড়ি ২ফা হইল, উভর পামের লেবেল দেওয়া হইল 🎺 নিয়া কাপ্ত হই : ১৯ এ নাজুয়ারি ক খালাসিকে ছবুম হইল, গাড়ি ঠিক কর্ রাত্রিতে গাড়ি যাইবেক। অর্জরাত্রে এক বন খালাশিসমভিব্যাহারে বুকিং বাবু গাড়ি খুলিয়ামট্কির ভিতর হইলে এরে অধ মণ ঘুত একটা কলসীতে বারি করিয়াছেন, এমত সময়ে কেলওয়ে পুলিষের চাপরাসী দেখিতে প ইয়া গেল নরিয়া উঠিল। ক্রে ক্লমেক লোক আগিয়া পৌছিল। তৎক্ষণাৎ পুলিন ইনস্পেক্তর সাহেবকে সম্বাদ হইব 🚶 মধ্যে গাড়িতে মলে আছে

রহিয়াছে। তথ্ন বথাবোগ্য তদার: वा अ थाना गरक हालान क्रिक्नत्। (মাৰেৰের বিচারে বাংক ২ বংশর ও ৬ মাস কারাবাস ইইল । এখানে व्याभारभव रशा रम अयुमकारम कान এ বাজ প্রেসনের আনেকেই জ্ঞাত মার পূর্বে মহাজনদিগের যে মট্কি স ঘুক নোক্ষান হইয়াছিল, কোহা পাড়ি ला जिहा वा देशवध्येमात्र मटकः, खावाञ মৃত বাহর করিয়া মট্কি আ দেওয়া হয়। ঐ দিবদ রেলওয়ে প্লিট চাপরাসীর সঞ্চিত 🖔জ বাবুর কারণে কথাস্তর হয়: একারণ গো হইয়া পড়িল৷ মহাজনের৷ ইহাতেই করিলেন আনের অভ্যাচার হইবে না। গত কাৰ্ত্তিক মাধ্যে এক ব্যক্তি এক ঘুত পাঠান।উহাার ২ খানি ভাজিয়া গিয়াে ইকা গাড়ির ज क्रिक कि देरहैमरन खावात खबरात য়াছে, বলৈতে পারি নাং শুনিয়ে **২৪ দিন মধ্যে এক গাড়িষ্ড য** দেখা চাই ইংলাতেই বা কি হয়, কিন্ত य उपूर काट थाति, काशीर भन ১२०°० যভ গৃত এখান হইতে কলিকাতা ' রাছি, তাহার কিছুমাত্র : লওয়েতে ুনে হয়নটামহাশয় ইখারকি কোন হইবে না ? আমরা আর কত কভি স রিব) সামান্য ক্ষতির বিষয় কত বর্ণনা ডাহা নিডা কর্ম, মহাশনের কাগজে इट्रेट्ट न) . ५.किंडि वर्डिम!न विषयात ? সহতে জাৰণ চালান হইয়াছে (<u>[</u>২ -রশিদ পাইয়া ঔেসনে আজ্ঞানা করা লেন লৰণ অ সিয়াছে, কিন্তু ওয়ে সে াই : এক্স প্রত্যহ প্রান্তে कब्रिक्रा थाकि, उद्देशमा साष्ट्रीत रे निया शास्त्रमः धना अहारः हिटार एक, **५ दे आ**हे दिन कर যাহা লাভ হইত ভাহার

উহইবে এইসকল ক্তি আনা क ब्रेंटिंड इंडेल , किन्ह (कीन के:ब्र(ब् গের এক দিন মাল লইতে বিলয় হেকণাৎ ও টাকা রোজ ধরিয়া লবণ ংঠেগন মাতীরের আন**হ তবে ম**হা হে: নায়ে ক্ষতি ক্রিক্র হয় তাহা ৰ্ধিকার প্রেসনমান্তারকে দে∙রা না 💡 এই পত্রথানির বিষয় ভালো য়ামাহাতে আমারা এইসকল ধরণা রিজাণ পাই, ভদ্বিয়ে মহাশয় অসূ **রা রেলওরে কোম্পা**নকে অন্তরার ইতি।

20

ই মাঘ --- :0:---

৫ সাল

विविधनः वःम ।

১০ই মাঘ পোনব'ল ' ধীয়ে প্ৰগ্ৰেষ্ট প্ৰাধেষ লেপ্টনট सक्ते कहें एक तक ओलाई ए लाईसा **୍ସ୍ୟୟ ଏହି ଅ**ଟେନ୍ଦ୍ର ସଂକ୍ର **छ्ट्रे भाष्ठ काळूडत** श्रहरी रही ६१८४ ভ। দূর স্থাত দুখার আমে উপস্ত টিশ প্ৰৰ্মেণ্ট্র নিবটে যাস্থান রিয়াচে**ছন। গ্র**পির কেন্দ্রল **ব**লিয়া ছন, সর্কারী সংয়ে ভোন প্লায়িক রে আলালেরদানে খবাত আছেন বিশ্ব মার নিকটে ধা কিতে ও কেনে ষড় ठ भारतदेश ना<u>ी</u> शक्षीत्रश्रम दशकी (কাডার ব'ম হান সেওর, কর্মির)। পার কাম ্েম এক ব্যক্তির মাত্র হিলা এটা ভাৰচাধ্য বিষয়াটে বে ইভিয়া 'ক'লেপ ক.- য়ুভেন সিজুব त दोंदङ(क्र¥भः कम्राटर्क (४)१८≉ एक मा लागेच्या स्मोनाम् अतः छात्र-হাত ভায়েওড়ের জন হৈছে ভাষ্ স এবং দেলভায় কোকালি **যথে**। রে এব াদি লহয় যান না সম্প্রতি भवनंद्रम् छन्। अकट्टे अञ्चर्याः १ 'द्रवधीय (दलक्ष्य काव) काँकादा उ खु'र्न (सनकल भन्। (ध्रुन) ८०क : हे मर्टन हाव याद्य : व्यक्ति িভয়ে কে:'পা'ন মনে:<u>বি'</u>গ

्रम अस्ट्रिकी स दिविकास

ଷ୍ଟିର୍ଟିଓ ଅଟେ ଅନ୍ତର୍ଶିକ ।

যাবতীয় মাজিটেটকে বলিয়াছেন, ইভার জিলনা, সেস্কুলার ক্ষিত হলরতে ভিট মকলমা হটলে ভাঁধারা পুলিবের হিপোটের ছাপিত করিয়াছেন। উপদে নিউর না করেয়া আপেনারা হবারীটে পান্দীর ভবানবানদ করিবেন। ক**মিসনর আ**রিও यावटीत ८०% कि क मनसद्भाव विवाहारहरू, विका বালয়েৰ আজোভিয় কোন বাজিকে যেন রজ ার' না হয়। এই **আছে'র কাবণ এই, স**ংখ্রতি এক বাজির মুক্র আমাজার পরও চারাকে ८ ४ २०म अन्धः करिट्छ **स्टेब्राइन ।** हेकाव স দেব এই িবয় উগ্লাকে বলিয়াছেন, ৪৮ াওর বাজবগণ, চেষ্টা না করিলে ভাষাকে জাইও কাড দিন : ছালে আংকিতে হুইও বুলা ा सुभा । सिम्राय क्ष्म ड क्ष्मरन्य कार्य, श्रनाली ভাষার আনুকি প্রমাণ আব-

১১ই ২/ঘ নগলব'ব ৷

গত হাজার বচাবশতি শিয়াবের বাটীতে भूभा का गांच द्वार माण्या है । कि निरुद्ध का क्षेत्र के स्वाहर के कि ए:उन्दर्भ को इन्हरून लीत दिवस्य अवसी প্রথমপাস করিয়াছিকেন। স্থোত্সণ ইহাতে আনদ্ধকাশ বেশেন। ভাস্কর মৌএট হাউএল সাংক্রের করেনটা মন্ত খন্তন করিয়া পুথার গৃহ প্রালীর ভার্নেটন করেন। জভঃপর সভঃ র দশক্রণ বিচারপজিব না**রটে আনভিত্যকীকা**র कांत्रालया विष्युपांच थियात स्नांक्ट्रक्र छ ঞা, এইবৰ পূব ক বব,র একুও উপায় অৰসধন कांद्रशाहरूमा

ম-'ছুংরর ভূতপুর রাজারে পরিবার ও জ*নু* व्यक्तिरक अवर्थि हे दा. क्ष्य 3, ea, e · & है :का द्र द्व निवास का क्यां प्रमाणक्रम ।

ভারত ২ খাঁয় গ্রান্স টের ভারের সেকেটারি ब, ६१७ कत अ१८६४ ्रम १**व** छ।८५१३ दिस्ट्र £क्वी दिर्गार्ड काइवात ভात शा**हे**श्राह्म । माङ्गार्थो अर्छ । भगरत्र भिक्षाविভारत्र कि भारत क्रष्टी व्हेटलाइ। स्वीमरङ्के किर्तात क्रद्रहा । इस এवर कार्षे (क्या न प्रति क्रिक्त द्वारहर, अञ्चित स्था छ त्रख्य, कदा रुग्नः

वांवु भाषाखादे म अवास हेरन छ इटेंड (वांबा হয়ে ১৬। গমন করিয়াছেন। ভাঁহার আগমনে **इक्टेड**ेखश्राम আসে:সিয়েস**েনর অননেক ক্ষ**ডি **६**हेट्व ।

চাকার প্রেটিত হইয়াছেন। বন্ধানের আর গেব চকে কিল্পে গুলা দিয়া কয়েশীরা প্র কোন শব্দ নাই।

वन्त्र क द्रश्लाह्म, ज्येश्टल मानादानत व्यमस्थाय । द्रात्र जाशात्र यक महिन्त्र भावश्ला याष्ट्र

कर्यायात्र क मनन त्र हे अर्थे हे के कि नार करें इस्थार हा ता बा बर्गन, रामकन पुरंशक

১৫ ই মাঘ বুববার।

নির র আংশি খার সংভ আবহুল রচঃ काकिम थात मध्य कि वि गृह्य रहे, कार् है। । अक मरवाम व्यानिवादक । व्यान था क्रूटर्ग ্রর ৮০০ মাত্র ইশ্ন, ধাকাড়েছ, আমাবছল ব ভাগ আধিকার করিছে গমন বরেনঃ আমানীর এই সংবাদ পাইবামাক্র সংবান উচ काञ्चमन काइएक सान । कार्यक्रम ब्रह्मदान देन উ≷िट पत्रख्ताम कांसा व्याभीट स्त्र জাসাতে মধ্য কে পলায়ন করিতে হয়ঃ জ খা। সংবালে প্লায়ন করিয়াছিলেন। ২৩% कारणारस्य स्वतं, ककरण मः छिता छ। प्रक क्रेश्राह्म ।क्षेत्र क्रांक्य की ल जातक्त ह यो (१३ भक्ष १८३ था.कि. ७ मि.स. इंश घरे।

৩.ত্রে লরার এক জন চিবিৎসক গালব বটোরির ছরা সপ্দট এক ব্যক্তকে क विद्वारक्षा । परभारत्व ३२ चार्किकालारः क्षांक्रमा ७ कारमा नेश्वा दश्वशत क्याटक म बारहान्। साञ्चारा

রের ভাড়াকথাতে ছর্ভিফপীড়িড त्रपृट्ध नरमात् यून क यश्राहरू।

লক্ষেটিটেশস নলেন, ডাইডে, সেনা मतं इटल कहती लियुक नात्र ८५ हेन्द्र १ भ्रष्ट्र, फिर्जित व्थाउ, '5 द दक्त ३३ स्रोर्ड ।

দিলীগ্রেকটে বুলন, কর্পেল কিটিও যে (त्र क्रांक्ष एक अहे क्ष्यू:दाव कर्द्रन (य, र् গাঁচ জান সন্দারকে লচ্যু: এক সভা ক रेक्ट्रान्ट्रशत रुट्ड मान्यकात व्यर्थन कट दाकः हेहार्ड भवाउ १६६१८३२। ताझाव भ ঠাকুৰ দলে ধে বিনাদ আইছে, ভাহাৰ মী हेनाग्न अवन्य मान्य अप्ताप्त अप्ताप्त है

हिन्द्र • टेडवीनी वटनन ' अफ ১१ क्षाञ्चभ्राविनिवाकाः श क्षात्र वात्रान स्व ছয় জন বনদীকশাক রতে করিতে নিবি े लनायन कतियारहा खना अन्, डेशदा हेर् আভাবিদ প্রজ্ম পরিধান করিয়াকরে অুশাহি আতির ছই জন সন্ধির গুড হইরা কাপড় তথার জাগা করিয়া সিয়াছে। এহের করিল, ভাবিয়াকেছ যেন বিশ্ময় একাশ মংব্রাজ হোলকর সম্প্রতি ভূমির যে বন্দো করেন। এখনেকার প্রহরীরা যে চক্ষুমান, কা প ভাৰ গতি কোন দিন জানি শাহার ওয়া-া ভেলের পুরুরবীপলায়নের রিপোট ক রয়া 1 ! *

'• कामानिट्रांव के मिननते न'ट्रेंब कुकिनि:शंव রাজাব রবজানঃ প্রনিস্হ Est ate ाक् बाहेर्ड एक । क्याक्शत का^नः विश्व ানরা শুনিভেক্তি পৌ..ায়্য নাকি অন্যেক মিত ধ্ইয়াছে। ,.

১७ हे माच ब्रह्म्भाष्टिवाव । জামরা আন্দের্ঘ্য হট্রা অবেপাড হইলাম, ভেৰ্কীয় গ্ৰণ্মেট সমুখায় কেলের ব্যুৱ বিধ করিবার মানস করিয়াছেন। একংগ্ াধনার প্রভিক্তেদি এতি যার্ধিক ৩৮ । वाप्र १.८५, (बार्ड्स ३००) हे:का लार्ता रिवर्ड अफ्रेंड किंदिक क्रिका विश्व अभि সৰ হিচাড টেপ্লেৰ বাৰ্ছান স্কল্পডাৰ চয়। তিনি কলে সনুশয় ভ'রভবৰে ধাণ রে মূল, এ ছবিশ ক রব'র চেঠী দেখুন। ादघाउँ दानशरुष्ठः १६च[े]नार क्षण्ठक विद्यान्त्रिक

াদ আংসিয়াছে। মধ্যণাৰ আনংহাইী প্ৰচী ৰ পুনা হইডে অসমেন করিয়া ভোরেঘাটের চনামিডেটিশ, এমত স্মায় শকটের গড়ি **र वृद्धि हुईल । हालक (टॉस अका**टा सुद्र ८७ समर्थ स्टेल ना । डिन्थाना कुडीयू, अक ন হিডীয়ুণ এক ধানি প্রথম 🖼 পিণুণ্ডট प लाजिया এककारल हु। इत्रेयाद्वा अध्य নুৱ শাংট **ইই:ড কেবল এফ ব্যক্তিল্**ফ 'ও ধইয়া রকল পাইয়াছেন। ভৃতীয় पर करिया अव्यक्त के बादबारी किलान । क्षतरक मुठ अवस्कात वाहित कः। इत्याद्धः। ।কের শরীর ভয়ানক আংগাভ পাইয় ছে। छन शहर्षेतादीत अहुहरतब्रमा १८वर ाउ भारत आहारीत की यम महे स्था मा**ह**े ्रिक लाइन्ड ।कः.।इस्रा अव्यक्तिष्ट सक्ष्रे खिल

চার সক্ষান কওয়া কর্ডিব।। সক্ৰভি এক জন পাঠান বলুতে আংসিয়া स्यन भीक रेप्रनिक्तक वर्ष करता भु**छ ह**ई भरत अ वांकि वर्ग, अक खन मारहवरक কর। ভাষার আনভারেও ছিল। সে এক

র্থর লেজনানে। তথায় ভূমিসমান হও

ভ চাৰক স্থগিত ক.ধ্যে পাহিল। এই

हैबाइ सुषा सुनकाब कड़ी कावमाक। हालक

গ্রুরী এই সময়ে প্রবাপন করিয়াছিল কি না,

কেনে খডেও পাইয়াছিলঃ কিন্তা ভাৰার ভৌভা হওয়াতে ও সাংহ্ৰের গাত্রে नक रख बाकारण .य काषाक कतिर व नाहनी 🧍

त्म क्रिक्टम महामीकरक वशकतिन। वहाउ भक्षारी लिक्ष **क** हेर्स माहै। ख्यां पि विक्रता हेरू ক মসনর এ ব্যক্তির ঘেষত বিচার অসনি ফাঁশী দির হেন। দণ্ডাক্ষা হইলে পর পাঠান একখা ন B'म ও ভরবাল চাছে। ভাষা হতে करेंद्रश वृक्

र्ष्न नारे। अक स्थान कामन्त्र वर्ष के त्याना रहता एक

किल। अधार्यना क्यन है ग्राहा इब्र न:है। পর্বলিক ওপিনিয়ম হলেন, লাছোরে একদল उरावि क्रमनः मल वृद्ध कहिएक:इ। नारशास उश्विष'का महत्र नरहा

कारण कतिएक श्रानकाश कहा छ। शह छेत्सना

(वार्ष्ट्र अपनीत स्वार्टित कार्ल्डित है:हाल পাছের বাবু বাইরামলি জিজি ভাইকে অপ্যান रुष्ट क कथा विनिधा हितन । अपनीति अ वाग्हाद বিদল নহে। এসী প্রদর্শনের একটী উপদর্গ হইয়া উटि प्राट्ड। साहा यंडेक, काश्यता काइलालिंड इडे লাম,ছোপ সাহেব আংশনার দোব বীকার क दिशाक्तभा अध्येभा क दिशाह्तमा व्यनः व्यनः ইংরাক্তের ইহা শিক্ষার বিষয় হওয়া কর্ত্র।

পুনার আরম্ভণত কজাডের মামলণার ব্রু प्राताप्त्रगत्नम् मः स्त्री ১৮७१ व्यक्तः (वः साहे (वन ওয়ে কোম্পানিকে বলেন, মৌলির সেডুটী ভগ প্রায় হইয়াছে। কোম্পানি ভাগতে মনোগোগী ना इन्द्रशास्त्र नावायनगरनमः तावादे गावन्यमहित আনাইলাভিনেন। তদসুবারে জনুস্ফান হত যুচ্চ হৰাণ্ট দেখা গেল বেড়ুটী ভালপায় 🕬 য়'ছে এবং কিছ দিন পবে ইগা ভালিয়া পড়ে। ভিনি যথাসময়ে সংবাদ না দিলে অনেকেং প্রাথনালের সম্ভাবনা ছিল। এই নিমির বে'ছ'ট त्रवर्धमञ्जे काँ। शिक वाल माद्रव केथ वि विश्व ১০০ট;কা মূলেরে এক জে:ড়া লাল প্রক্ষাং । হয় ছেন। এদকল পুরস্কার অভিশয় এী,ওকর ও উৎস'ইহর্জক।

क्षरमञ्जात वनक (वार्त्भव काइकांव ६३-युट्रहा कलिका हायु छ है। (एथा भियाट्रहा

গাও কলা বোর্ঘাটের রেলওয়েডে ভারানক इथ्डेंग इहेग्रा १५ करनद मृहुः रहेग्राट्ड । विस्हा ্ৰিত বিংরণ আইসে নাই।

কান্ডার নিমুক্তর বিদ্যালয়সপ্তর উপদেশ দিবাং बि. यह अवर्शिक अक सम भनार्थ विकाम व्यम्। পক নিযুক্ত করিছে মনস্থ করিয়ারেন। এট প्रशि अक काम कार प्रभी प्रत्य (मख्या वरे दि ।

১৭ हे बाघ शुक्रवाय

शक्षाद्वत (वाकामिरशत म'चा क्यमः क्य ভেছে। রাস্সিংহের কন্য অভিনয় ব্যভিচা ারণী ধইয়াছে, ভখাপি ভিনি ভাগকে करतम माहे। भूटर्स मियाशन डाँश्टक व বলিয়াজানিড গএক ব্যক্তি প্রীকাণ बख इति करत । इंडिन मियम मर्गाङ : क्रमुक्तकान कहिया वार्वेष्ट्रभावस इंडियाट डीशटक श्रेडांग कविश अक्षा प्रक ্ড অংশকের ভাজিন গিয়াছে। এং উর্ভিশীল বাংকা স্থামাদিগের नत्रांत श्रक्त कमजाविखात्तक (हर्षे (주지 ?

म ऋ। क भवर्गरमर छन्न कान्न रहारत भवर्गत রল ১২০০ টাকা বেডনে একজন বাটীনি कर्छ। (व्यामिटनेक्ने) नियुक्त कदिवान नि (क्टेवेटनटक्रकेश हेटक शक्त मिथिया (इस । कवि ভাব জল বৈছুক্লার্ক সাহেবের অসহ্য ২ই (व:४ इप्र भाषाक अवर्दामक गाम ८६ ४ डें। हार के अपीय करतम छाड़ा बहेरेल क्यांनि লের জল বারু ও পর্যাপ্ত কার্যা উ শ্বীর অপ্লুরোগ হইবে।

সিংক্ষানার চাস উত্তমরূপে ছঙ্যাতে ৰ্মেট ই পাণা কুৱানার চাস কবিতে মনত্ব .ভঙ্গেন , ডাকতর আগ্রাসন বলেন দার্জি ওদক্ষিণ্ণিকি:ম এই রুক্ষ ক্রেটে পারি ्टर्न (त क्रांत देशा काम क्रिता किला £ কম হওয়াতে এ দ্রেরে মূলা ক্রমণং বৃদ্ধি ः **८८**। कामर्गम्दशत भवर्गरमञ्जूष यमि मार्थः हे जब अङ मा कर्यन खाका दहे(ल हा, र কুন ইন ও বল্কে। বিষয়ে আন্সর্থ পুণ क्ष्यांन इंटेर्ड भाजा

কামরা ভাবণ করিয়া আমহসাদিত ইট মহারাল্ল :হালফার একটা ব্রের কল আনা ছেনাহিনি ক্তক্তল ইউবোপয় ত কেও অন্ময়ন ক'ংলেন। ক'লকাভার ওপা ভেটে এবলী সুদ্র কল হইয়াছে গ দিল্ল भक्त मामानः याज्य इटेस्टर्ड कामाहि अवर्षाम हे कवाश्वादम कट्यालिक्टिशन खाता व कल हाजाहेर ह भारत्यः आली भुरत्य (कार প্রকার কঃল গণির স্থাত্র হুইডেডে ডাংগাডে माम्नान (পপর অবগত ३ইয়াছেন, কলি । কল ইইলেওবে ঐপকার চলিবে, না ত কোন কারণ নাই |

> शायमान'रन अनाष्ट्रिय धाष्ट्र 🖟 न इहेट्ड এন গর্ডী অভিৰয় অপতিক্ত। । ৰবিব বং बनः (क न ऋाटन म क्रिटिहाई) हो धनन । अध ब्राञ्चानकाम श्रद्धत्र व्याप्त व्यष्ट बन १५वर वमान इम्र नः। निकारभव व्राक्ष्यानी करणकः পৰ ও গোল্পালিয়ুর বিংশতি ওাণ উত্তৰ :

ामा । अप्रविद्यादक्त "प्याप्तिक क्लिका। আবাসিয়া যথে ই দর্শন করিয়াছি। এই নগ क्षेत्र अवर लाक मिला या या या अ मर शाय स्मित्र (समकल काक कावन)क एडिस्स . म्ल्यूर्वस्य अधित्वण्याञ्च इत्ते स्रा 'वर्गत (कारनतम यनि कशहराशी निरशत ! , समाहेर छहारहम एक्षि इहेरल इस नारह বুনকার পঞ্জাবে প্রেরণ করিয়া ওয়াকোপ পুনহানয়ন বরুন! হগসাহের (আর্থির অভিয়ে ইইয়াছেন) কোন কাজা इट्डमा ंकिए (लाटक कत् ভाटा ममरा छ (इन।

এইকুমারের ভাতার কার'বোধের বিষয় াসংবাদপত্রে লিখিত চওয়াতে সর সাই ৰ্ট্ট ∉র্ণড ড;জের হউগ্রুকে প্রেরণ ক্রেন যে তে মনোধ্ররাও কছ অংচেন্ডাক্তর হটায়া पर्मन क.देश: दनिशाहन, अप्ती अवाय: মহে। বাটিটী প্রশাস্ত ও সংস্কাষকর। হর রাও কোন ীড়ার কথা বলিলেন না র প্রতিকুরংবঙ্রিকরাহয় নাবায়ুসেবনার । এক**টা নির্ভারিত দুম**ণে। জ্ঞান করিতে য়ে, কিছে সৰ্বদা এংরী থাকাতে ভিনি রোহণে ভ্রমণ করিতে অনিক্ষুক। ওইকুম **अक्षी** (हार कालिए इहेंग। क्ष खाडारक কারাজক রাখিয়াডেন আমরা ভারার ণ আপ:নিডেড চাহি।

্রেরাজ টাইমস আথেপ করিয়াছেন কার এফটী হত্যাও পুলিষে ধৃত করিছে া পি এ এই ফাভি 9574 41 ়, কিছে গ্ৰ-ংমিক কতক তলি অনু **ক দৈ**নিক ক**শ্ব**চারীকে **श्रुक्तिरय**ह विश्वित (काम काक इंडेट्ड निएउएडन मा। অপ্রতি মকবলের একজন জমীলার যে কুকু জ্বের নামে ৮০০০ টাকা ঠক:ইবার कार¥.क | ¹

(বিছুল রুহ্**চ**েবর শেষ সেনাদল পরা**ঞ্জি**ভ : দীকুত হইয়াছেন।

्रिकाचात्र क्रिकिमित्रित् क्रिक्सिम्स्यात् , मर्ट्यमाध्यक्ति क्रुमात स्ट. क्रिक्स क्रिक्सिम्स्यात् ১ - - व्यक्ति काद्रमाना कहिबादक्त । व्यक्तिता बामान वरतम, डाँशा श शबीकार्थ हेश करेंबर्ड ছেলেন। লাভের নিমিত নহে। জালা জালা মণ পর ক্ষার্থ হল্ডেছিল ? পর্য ভূলিরা গাছে উঠ:

> গভ কল্য গ্ৰহ্ম ক্লেব্যুলের বাসীভে দাবের হওয়াতে বিস্তান লে'কে গমন করিয়'ছিলেন गर स्थल अरहरकात मनग्र व्यक्तिका अस्तराहर বাছ: আংজ্যর ও নিয়ম আংধিক দৃষ্ঠ হয়। সর জন লয়েকা সকলকে সমভ রে গ্রহণ কবিভেন। কুঞ্ব:গানে যে তিন বাজিক হতা৷ কৰে, গভ কল্য প্রেসিডেন্সিডেনের নিকটে ভারাদিগের কাশী হ্ইর'লে। হত।কারিগণ কিছুম'ত্র ভয় ৩ চশন করে নাই!

> কচের রাজা শদের মাত্রল স্থগিত করি श्राटक्रम ।

> মেজর ইবাসবেল ফেণ্ড অব ইাগুয়ার বিরুদ্ধে লিখিয়া বলিয়াছেন এ সংবাদপত্রখানিকে গ্ৰগ্নেশ্টের মুখঃশাত্র জ্ঞান করাজনম এট সকলেই জ'নেন। তথাপি মেজর বেল বিলেন त्रत छन लाइका कानाम कात्रमा (काउरक সংক্রান্ত • ই কুর বাগজ পত্ৰ করিয়া ছলেন 1

১৮ ই মাঘ শনিবার

कें स्टिंड अक वाक्ति निर्वाहरून शहकता রাত্রি ৩ কি ৪ রিটার সময় মনোকারি বাজাবে এक थानि घ.त देववार अधि लावियाहिल, मधा সময় পাইলেই সাহায়। করিয়া প্রাকেন, প্রন দেব শুভাগমন করিয়া জামি দেবের সাহায়, कतित्वन এবং ভिनि श्राप्त २ व के कारण এत्क একে সমস্ত পর্নালা ভস্মীভূত করিলেন !! সহা न स्माप्त भरकीर्न ताल्डात इन्हें भारन जांच खिनिए ছে, প্রাণভয়ে কেইই সাহস করিয়া কপদ্ধক মুলে র দ্রব্র রক্ষা করিতে পারেন নাই। লঠন, পে খ করেন মাজিটেট রবাটন ভাষা অগ্রাহ টিরা ছাতা, জ্বা প্রভৃতিতে প্রায় ৩০০০ টাকা গ্রহেন। জামীনার প্রেমারায় হারিয়া মিথান । এবা দক্ত হইয়াছে। সৌকাগ্রেন্ম কোন, কোন শ করিয়াছিলেন। প্রেমারার অংতিশ্য নিকানীবিস্তর দ্রবলেইয়াবিক্রয়ার্থ স্থানাস্তরে টাব ইইয়াছে। ইহার নিমিত কটিন আইন। মেখায় গায়াছিল, নচেৎ জাবো বিলক্ষণ ক্ষতি

' সেরাজ্বগঞ্চ হইডে এক ব্যক্তি লিখি ছে, বিকলি কনিব সংনরাজ ধা আননী রাছেন। গতরাক্রি৯ টার সময়ে জক্রে গঞে স্মাপতি আসলন থার ধারা প্রাজিত বাপড়ের প্রীতে ভয়ানক ক্ষমাৎপাত হইরা शिवार्ष्ठ २०।७• घत स्था **स्था, कार्यरहत महा** য়েশীপুরের আঞ্চিলে: এদেশ অসুমতি পত্র । মুল্য দ্রের ভস্মসাৎ হইয়াছে। বছু লোক উপস্থি র মেইবার মদ এতাত করাতে শিয়াল ত হওয়াতে আর অধিক ক্তি হয় নাই। পুলিব

छेशांक्ष । इटलम । अधन वर्त्रत माहे या। ২।৩ বার এই রূপ ৰোচনীর কাপার ন। ঘ ख्यालि काण्डारीत विषय उद्दे (म, प्रका कर भाका पत्र शक्क करवन मा। कीता घरव ब ৫ - ॰ वा का वंक है।का वाह्य इह अवर अधिक व বেই ভাষা গ্ৰহা সেও ভাল তথা লি পাকা ব €स ना ।

গবৰ্ণ মেণ্ট বিজ্ঞাপন ৷ वज्रदमनीत (लश्चीनन्छेशवर्गदत्ततः व्यादनभाज्ञ गांत्री

निद्धांश ।

১৯ এ জালুরার। জনলীর সহকারী মা (कें ए का (नहें) उदान है, कह, विम न मार् विजीय (बा.नत श्रक्तिशिकाई के मालि कि (ए शुष्टि कार्ट हेन्न इ**हरकन**।

২**০ এ জালু**য়ারি। মওয়াখালির ছে: মাজিটেট ও ডেপুটি কালেটর বাবু গোকুল রায় টেএামে বদলী হইয়া প্রথম আর্থ অধীন মাাভতেটের ক্ষতা পাইলে।

(य : प्रत्य कः एक्ष्य हिं, बह, नि छेड्ड, कः ভার এপণি ক রয়াছেন, সেই দিবসাব্ধি চট্ট মের পর্বান্ত ভ্রন্থানের জ্ঞান্ত স্কুর সহক कभिष्ठत अ, बाट्डे मार्ट्य किछू मिर्नद सिर्ट উক্ত কঞ্পের তেপুটী কমিননরের কার্যাভ পাইয়াটেন। তিনি ১৮২২ অক্টের ৭ আইন ১৮২৫ অন্দের ৯ জাইন কন্সুদারে চট্টবামে ক केरद्रद क्या भारेरवन।

যশোহরের ডেপুটি মাজিটেট ও ডেপু कारणहेर व'तु उत्तरामध्या बङ्ग वर्षमारम वन रहेशा मा काळाडित कमरा अहारन।

বত দিন লেপ্টন ট এচ, এম, রাম্পে বি नहेश करूपाँइड थाकिरदम, उन्ह निम स्मर्कः এ, आह्न, छेश्लांकणन वश्रामान्य शुलिस हेना ষ্টর জেনরলের নিজ সহকারী হইবেন।

यह प्रमाशनको ने देवविकार कार्यान थ किरवर, ७७ मिन ७वलि छे; (ए, किन বাছের সাহরণের অভিনেধি পুলিষ স্থপরিং रखन्छे स्हेटवन !

যত দিন মেজর এফ, এন, মাইলস বিদ লইয়া তলুপদ্ভি থা ববেন, তভ দিন আ এচ. জি, আর্বিণ সাছেব মালদহের প্রতিনি পু निष अभिति । हिर्देश है ।

্ ২৪ পরগণার সংকারী পুলিষ স্থপরিকেতে

, এচ, अप्रज्ञेन नात्स्य मूर्यामनायाम यमनी दन ।

कडरकद महकादी शुक्तिय स्थादिर हेरछ है क्रम, । ब्रुक्तरहम नार्व्य दिस्ट व वन्नी । 34 1

২১ এ অপ্রেয়ার , যত দিন ডাভির জে, নি, नक दिलाग्न करेग्रा एसून छि उनकि स्वन, ১ মিন ভাঞ্জর জে, বি, জালেন বিহারের চ্বেনের একেন্টের প্রতিন্সি প্রধান সং दी हरें!दन।

পুর্নীপ্নার ছেপুটি মাজিটো ও ছেপুটি কালে বাবু বিহলেকে মুখোপাধাণ্য মানভূষে ली १६ हो। ६७ व अर्थात अर्थीन मास्टिए हैं বন :

যত দিন ব'বু গোবিক মেছেন ঘোষ বিদায় য়া ভসুপস্তি ধাবিবেন, তত দিন রাজ্পা ছেপুটা মা.জটেট ও দেখুটা কালে**ট**ৰ ভাষিনীচয়ৰ ফিব্ৰ ভ্ৰতঃ কমিসমায়ের ভ্ৰিণি নিজ সহকারী হট্ডেন।

২২ এ জ'লুয়রি। যত দিন ব'বুমণ্ডেদ্ম ৰ বিদায় লইয়া জামুপ স্থিত প'কিবেন, ভাডা বারু সানাবারণ বরকার চ্ট্রামের প্রতি େଇ ଓ ିବେ ଅଟେ ଅଟେ ইইংবে।

.ख. अम. क'द्रमहेख मार्ट्स क**ेर्क**द मारा द्यातिमधामञ्जूष मन्त्राप्तक इडेटवस ।

ভব শুটা, ১৯, হবেল সাংক্ষে চাকার প্রতি र जिन्दे से स्वाप्तिक अञ्चल्हरीयन ।

জে এন জুট্য সাহের সলার লাভেনিবি বি : ଓ .ମ ମହଳ ଅପ ୭୧୯୯୩ । ଓଡ଼ିଶ ଶ୍ର ଜଣ । नोक ना रन. एक किन कह, उन लंडे, जाटल ভার সংক্রে গ্রাব এডি.মাধ সি,বর ও भुद्र काल कहेर्नन ।

उत्तम १५, उर्जनके, ब्याहनके छात्र कार्यत র থাকেবেন, ওঠ চন কিছু ক'লের নিমিত াস, জীৱেকা সাহেৰ সাহাৰণদৈ দেউীয় নিয়ুপ্ত ভানিধি মাজিটেট ও কানেষ্ট্র হট : 11

জে, এয়াড সাহের কিছু দ্বের নিনিত্ত मार्टित ध'रुसित छ:हेडे मा.छट्टेंडे ख পুটি কালেজীর হইবেন ঃ

াত্রহুণ্ডের সহমারী মাজিক্টেট ও ক লেক্টর , এম, ব'রবর স'হেব ভেটিয় তেলির এড়েড পি জাইট মাজেটেট ও পেপুটী কালেইর ८वन ।

'अरडी उ (उश्वी कात्म हेत्र कार्यू कार्यो

इत्राध्य च कि क्रु कि नित्र विशिष्ठ क्र्यन्त वरमत ক্ষিদনকের সহকারী হর্মা রাজধানী বিভাগের: সকল ভেলা ও বাধরগঞ্জে মাজিক্টেরে কমত। भ:३८वमः

वाबु खगवजीहत्रव हिट्डीभाषात्र कतिकशुटःत विद्रास्य भव (तक्षिक्षीति इंदेरबम् ।

যত দিন মুজাম সেয়াডুলা বিদায় লইয়া অঞ্ পরিত থাকিবেন, ভত দিন বাবু ঠাকুরদাস মুবোশাধ্যর বঙ্ডার প্রতিনিধি মুখেনে ইই-

২৫ এ জানুরারি। ডেপুট মাভিট্টেট ও ডেপুট কালেইর ব'বু রাসবিধারী বস্থ বাকা উপবিভ গের ভার পাইয়া ভাগলপুরে মাজি। টেটের ক্ষতাচালন করিবেন:

বাকার ডেপুটিমাজিটেটও ডেপুটি কালে हैय (मोजवी का बहुत शकुत माहत्राण वस्ती हहेस. মাজিকৌটের ক্ষমত। চালন করিবেন।

সাহরবের ভেপুটি মাজিটেট ও তেপুটি कारमञ्जू हे, हे, किनाव मारहत । लाभाव प्रभाव বদলী এবং পালাম'উএ স্থিত হইয়া প্রথম প্রেণির অধীন মাজিকেটোর ক্ষমতা পাইবেন।

२५ अ छात्रुप्रदि । एउ पुष्टि मा विद्वे हैं छ চেপুটি কালেক্টৰ বাবু নৰীনকৃষ্ণ সংকাৰ, যিনি এক্ৰে বিদায় পাইয়া আছেন, পুন্সার কুমার थानि छेप रिकार्श निवृक्त स्ट्रेस्स ।

কুমারখালির ডেপুট মাফিকেটেড ডেপুটি গতে**কট**র বা**রু** সঞ্জীবচন্দ্র চট্টে পার্যায় সদর মহ पुषा शारमाञ्च यहकी इहेर्यसः

यड मिन हि, अध्यक्षक मार्ट्य विस्मय কার্থে নিযুক্ত থাজিবেন, ওঙা দিন ছে, মাঠাস সংক্র ছরকের এলেডিমিধি পুলিষ ভূপেরকৌ . अने स्हेटनम्

यक भिन्न कारश्चन क्षित्र वि. विस्ताव विकास গ্ৰহা ভলুপঞ্জি থাকেবেন, ভড নিন্ই, এ, पाइनम मारहर जिल्लाह छाए नवि शुक्षिय सूत्र हिर्देशक क्षेट्रम ।

স্ব আনিয়াটি সাজন্ম দয়ালবুক্ত লোক छ्भवीत अङ्गेष स्वादानभाइत ४। एवं हे. १.६७ मार्टस्य विकासन्त (प्रामी प्र চিকিৎসালয়ের ভার পাইরেম।

(मण्डेनके हें, 95, जिल अक सन गरकारी বেবেশিউ সর্বেপ্ন হইবেন।

डिछाउद महकाती माजिएकी छ कारनहीत ডি, এম, বীরবণ সাধেষ দীত্রমার উপাষ্টণ গের ভার পাইবেন : .

সীতাসারির ডেপুট মাজিটেট ও ডেপুটি কারী ইঞ্চান্ত্র জে রবিদান সাং ২০ এ অ'লুয়ারি। ২৪ প্রগণার জেপুট কালেইর এচ, ডেল্স সাহেব সদর মহকুমা বিভাগে প্রতিনাধ একজিকিউটার अस्ट वनली व्हेटव्स ।

প্রবিক ও: ১৩ ই জান্তুপারি লা ডিসেম্বর অব द्रिणन दर्द्रमञ्जूत स्ट्रेंड कारण यहनी स्ट्रेय एकंन स्थ्याः स्थान्त्र उपत्रीयः क्षे क्रेजीमार्ग ।

প্রথম মেশির পরীক্ষা ট, ডবলিউ, এচ, ঔপল ন বাবুবিপ্রদাপ মিক্স ভা কীয় হইডে স্থানী সুবিভাগে নিমুকিবিত একসিকিউটি

নিয়ন্ত্ৰণৰ পশ্চাল্লিখিত স্থানে : চতুর্ব আেনির একসিকিউটি मि, मि, काफलि माध्रव किनाफ के भिनियद्वय विचारम ।

চতুৰ শ্ৰেদির এক জবিষ্টিৰ ই লিউ সে, ভৰলিউ, হিথ সাংহ

এখন সেনির সহকারী ইঞ্জিনিয়র .अक्टाद मार्हन कडेक विভार्ता।

প্রথম কোণির সহক রী ইজি নয়ঃ बाहेरिक धन मार्टन बन्त्रक श्रुप विकास

षिक्तित । अर्थावड महत्त्व है का इंदाल है, आमिड्डेन शाहर कार्यनपुर এখন এর ণর সংকারী ই জানস্ব ্মাংন বয়ু ভাগলপুঃ ০০তে আসে 1 Mp.78:

১৫ ই জালুমারি। ধিনীর জেণি 水黄霉素 美数词有效 [57. 医4]新营, ব. টেব : ৮ ৬৮ **৬ টে**বির ৩১ এ **ড**েস**র**র अभाजी माने ।व अदिभव जारबारन करि

5 हुन (आ:194 अ.क**अ**.कड़ेक्कि ্ব কটে, তে, ভবজিউ, হিখ সংকে **अहमत २८ अ । उद्देशको अल्डा**ड द छोटल भूषण कहिन्न ८६म .

हरूथ (अ) नज कका कि के हिन अप्त १६ अने व्यक्तित १९ ई किटा प्रत त्रक्ष कित्रिक्षी दिन्त ।

এখন তেল গুরু সত্কারী ইভি নয়র बाईडियम मारहत ४० ४४ करमत ४१ अनदार≱ वातावशुव (व ७) रूप अधन क মণ্ডাৰনে বিভাগে গেখন - স

ब्देटनमः जि.म १४४४ वटमत १०

भाक महकाती है सिन्धत ্ৰ ভাগলপুৰ বিভাগে

সককারী ইঞ্জিনয়র জে, অন্বের ১২ই (ডিসেম্বর) দ বিভাগে গমন করিয়া-

াডের এখন খেলির স্থানীয় ,, এ, লায়ন সাচেব প্রভাগ ় পঃইয়ুাছেন। ার প্রীকার্থ ওবরসিয়র বাবু ৮५৮ व्यक्तित । ही फिटनबन ৰাসাম বিভাগে সিধাছেন। নিৰ প্ৰীকাণ সৰ ওবয়সিয়ার 4 ১ট্টোপাধায় সম্পুৰ্বরূপে নিযুক্ত

উরোপীয় সমাচার।

--:,:--

২২ এ জালুরারি। ডিউক অব লাবা সংবাদ প্রকাশিত হইয়াকে i

। **জান্তু**য়ারি । স্পেনের গ্ব∹্নেউ আহে **भिकेट** कि छैदा हो भिविद्या स्वीत दाइ। তে:ছেন।

ग्न! अवर अगार्टिश्वर्णात भवर्गरमञ्जे वांल গাঁহারা উত্তব জন্মণির সহিত আপনা-স্থাদ্ধ একতা করিবার কোন চেষ্টা 4 41 1

রৈ প্রতিঃকঃশের সংবাদপ্রসমূহ ! বপলিয়নের শান্তিস্থাচক হোর ও করাশী আভির প্রশংসাকরি

ভে হইডে যে শেষ টেলিআম আদি ার মর্ম এই, জাডিসাধারণ সভাঙ ানীত সভ্য'দংকর অধিকাংশ রাজা-ী : প্রণালীর অন্নাদন করেন।

ারেবেটিব সভাসর, এচ, ছেসি নয় আভিনিধি বলিয়া মনোনীত হইয়া-কস্ত উৎকোচনাংগ অপানাংগ মহা

s ৰহিছুত হুইলু:১৯ন ।

মিরালিটিব মেতেটারি বাকস্টার ভাবে এক সংক্রাব এচাব করি **ভরি বভা**গের গ্রাক অংশে মধ্যসাধ_্ ায় করিতে হইবে।

अत तार्व क त्याद्या : डॉशाता व्यथ,किमिश्र क मात्री करिवांत्र विश्विष्ठ हाकति कानालटक मालीम कतिवादकन ।

২০ এ জালুয়ারি। দুউসভা বংহা বলিয়ার্নেন क्रुगांजान खांश वाश क त्रवारहन।

মধাসভার অধিবেশন্দিবলৈ স্বাট নেপে লিয়ন বজুড়া করিয়া বলিয়াছেন, সেনদিল সংক্রাক্ত আইন অনুসংবে মহাসভা (1 'এব टेनमा श्रवाम कडिशाइम, जाहाएक (मटन) আর বোন তানিপ্রশক্ষা নাই। একংশ ফাল .য দে বিপদের সম্ধীন ২ইতে প'রেন। শান্তির সময়ে যতদূর আবেশাক, ভাগ বিবেচনা করিখে ক্রাকের সৈনঃ ও নাবিচদলকে বিবেচনা করিতে ১ইবে ৷ পূর্কাণেকা যোদাং সংখ্যা অধিক ময় বটো কিন্তু অন্তাসকল উৎকৃষ্ট, জন্তাগারত দৈনিকভাণ্ডার পরিপুর্ব নিছ মাডিরিজ বৈনাগণ সুশিক্ষিত সুদ্ধ আহাজ গুলি পুন-নিবিষ্ট এবং তুর্গগুলি উত্তয় ভাব-স্থাপর ১ইয়াতে। সয়টে বলিলেন ফালের ক্ষত। तकार्य देशकान्द्रस्य व्हेदकर्यभाषमः व्यादमाकः। ण्डिनि च्यात्र र जिल्लाम, विटण्मीश शवर्गप्रके সমূদের সংহত উহিংর সম্পূর্ণ সম্ভাব আছে। তুরস্ক ও জীলের বিবাদভঞ্জনপে মুভস্ভা হয এবং দুভগৰ সকল বিষয়ে একবাকা হইয়াচেন উপসংখ্যুকালে সমাই এই অভিনাম প্রকাশ করিয়াছেন যে, সর্বা দাধারণে বাঁহার বাজনীতি অনুমোদন করিবেন। ডিনি এক কালে সকল বিষয়ের পরিবর্জ ভাল কাসেন না গেবব্রেটে ধল ও প্রজার অনীনতা থাকে, এই তাঁথার

२১ এ काष्ट्रशांति। गत्तम बसूराम ,कतिहरू ছেন দুত্রসভা যাহা ক্রিয়াড়েন, ভাহাতে ভুরস औरमतः वर्शमनान्तिः इद्देशः

উত্তর অর্থনীর গবর্গমেন্ট্রাবেরিয়া 🗷 ওয়াট শর্সের রাজার সহিত এই ভাবে সন্ধি করিবার চষ্টার আছেন যে, উ'হাদিগের পর**স্প**রের প্রভা भग **প**श्रे**न्त्र**ाहत स्थानस्य श्रीहरू পাছিবেন ৷

গ্রিণউইচ ইংস্পাড়ালের অধ্যক্ষের পদে উঠিয়া গিয়াছে। প্রত্যেক বিভাবে পরি মিতরপে বংয় করিবার বিধি হট্বে ৷

রাজ্ঞী এক আংজা প্রচার করিয়া সির্ভার বেদিসকলে আংগোক দিয়ার নিয়ের করিয়াছেন अधिनीरम हिष्ट्रशालिष्टै धरे आक्रा श्रीडिमालस সম্মত হটয়াছেন।

পেরা ২৪ এ জাতুরারি । রণতেরীর আরম্ভ , হোবাট পাশামিয়া হইতেয়িছটে গমন করি গারণী কোম্পানির ব্যবসায় উঠা য়াছেন। গ্রিসের গান্তা অঞ্চীকার করিয়াছেন, 'इमिर्गत फ़ेश्टर अख्या रहेतारक, अक्षिम विकालालय आका मा एम उद्धानम हम । ऋारम व्यक्तिर व्यक्ति आमान आकामिरगत,

गिन वान्भीय काशक सम्मन्द्रकाश कतिहर सिनदस्त नामा ६-, - - देनमा सुन्छ। मिशः **म**्हासः कत्रिएवनः

स्बाह्य । ''ই ভিরান্মিরর ও লংফা নাছে ग'त क्रम महिक्स बाह्यक्रहा हो छ। প্রণালীও চরিক্ত লইয়া বিশ্বর ভক্ হইয়াডে কিন্তু বি.ম যেরূপ লিখুন ইবি মিলারসম্পাদক ভোছার চড়াভ করিয়ার বালালির মধ্যে ইনি যেরণে লবেল সাং সপক্ষ কোক, এরপ আহার কেছ নন। য লোকের সকল কর্মের অভিলোম্ন খুভিয়া র ভাষারা হঠার ভাবিতে পারে যে, উন্নয় बाक्सिमरक लाग्न बाहाइत्र किङ्क ख করায় ইতিয়ান হিরারসম্পাদক কুড व्यावस रहेशा अक्रम मखादलकी स्हेद्राट्डन वरना लाइक वाबाइत देशहमील जाका বংশংশরিক অংশবৈশন নেখিডে যান ও কোন সাক্ষাকে বাটাজে ভাবেন, এয়া বিমলায় ভাঁছার নিকট লইয়া বান। কিন্তু प र्थे किएकहि ব্রাহ্মদিগের অভিপ্রায় তাকোন যেরপ ধার্মিক ও সং ভাঁচাৰ কীখাদের বিশ্বাদের কোন বিপরীত কাই৷ (रम हेंश प्रकारमा (क्षेत्र मा। किशु⊬ हें .খর মিরারের প্রস্থাব পড়িলে একটা ভা य छेरा दाकालिय लाथा, ना देशता खतु 🤃 তিনি ধলেন যে ''লবৰ্গমেউ'' বলে " লিদিগকৈ যাইটেড দেওয়া উচিত নয়, সেখাৰে যে যে কাও হয়, ভাষা বালালি ক্সপ নীভিজ্ঞান, ভাহাদিগকে দেখিতে টে উচিত নয়। জন্তত্র এরপ স্থামে যে বা किशरक मरतम पारहर यहिएड (वन नाहे, ख হটয়াছে। এগালিটা কালান্য দেওয়া হট্ন हेरब्राक्षनिशतक मा, बालानि,प्रशतक ? अ प মিরার সম্পাদক ইংরালি কেন্ডার পড়িয়া ग्राह्म, ना अभक्षणि उप (मनाहेट वि ্চন ? আমরা বরাষর দেখিতেটি, ৫ ও ইতিয়ান মিনুরে বড় সম্প্রীতি, অথচ (বালালির এড শক্র -যে, ইংরাজ ও বাল': क्षां जिरेबाइत जिल्लाक क्षत्रिया व्यवसार উচ্চার প্রধান উদ্দেশ্য। ব'লালি হইরা লিকে এন্ড ঘুণা করে সেবাজি কি ! আলা কি এই ফল বে. খদেশের উপর ঘুলা জন্ম

एए। वामालिएत मेलिखान गाहे.

काशता खीरलाकनिश्रतक कि माश्रम श्रव

डेब्रॉडभीन **ब**्कारम्ब ।यटन्द्र व्यवना कंत्रि-∤ क्षान्त्रा नष्टकं रहेमा त्म धर्म मेबद्दर বাহাতে মন্তব্যু কোন আভিয় প্রতি चकः यहिरासद्र श्राक्ष चुना समाप्ता हेल् মুরার আমার ু ব্রাকাদিনের কাগজা নয়, ध्राब प्रतात का गद्धा । উद्य जिलील खारमाता अक्त नारे, अक्टन चीकीश्वान श्रेशाट्डन । । বাংছের কণ্টু।ই আবাইনের বিরুদ্ধে म, विश्वा कः मार्टमत शकुष्ठ धमावारमत । এই আইন নীলকরের। অংনক কাল के ब्रेग्ना ५৮० मारल विकि वस करत. **উरा १४७६ मार**ा दम इस । किन्न कर् দরেরা অদ্যাণি উধার মমতা ভ্যাপ করিছে ন নাই।

র নিমিত্ত ভেনি চেটা করেন বটে, কিছ ই জগনেন, উন্হার এ চেষ্টা আহাং শাব দ্দল ২ইয়া:ছ। ভাঁহার আন্দেশসত্ত্বেও ু তেখনীতে ভালোক দেওয়াহয় নাই . এ সম্বত্ত একটি আছেল। এচার করিয়াই হ্ন, ভাষার সে আমজা এডিপাসন কিনা, ভাঙাভিনি এক বার চকুনেলিয় ন নাই।

ার লারেসের এই এই কার্য গুলিস্থাকে

লেওয়ের ভূতীয় আেনীর আমারোকীদিলের

व कि राज्या जायात्मव छान्ति वड হলরহিল ডিডি্লার ছডি**লে বে এড** <u>क्षांनी कष्टे कहल, लाहका ठाडामूत्र ति</u> ্নহিতু দায়ী নন ? ডিনি সে সময় রের হর এরে যায়ভালি আংপ ।টি ফরি ভাষ্ট্তে কি বিস্তর লোকের জীবন রকা নে ৪ এ দেকে অরাভাবে লোক হ'হ'কান ३८५, ७ किटक (वस (वहनत म.मनकर्थः র হস্তে ২০ কোটি লোকের ভীংন মতে 'ছে, ডি.ম এডডলি আণীকে অস্টেই ভ নিংকেশ করিয়া কভকগুলি বিভিন্ন দিরের নিকট আপনার ঐশ্বরিও পদের ৰ বিস্তাৰ ক রুভে "উত্তৰহিয়া,ছন ! মন্তু ह शिकाष्ट [दक्डे (খ্লমাত্ত্রপ্র, সে কাহার ভঞ্জির পাত্র ইংতে পাং-সার জনের ধ্যসেইজে যদি গৌড়ামিনা. বে. ভাগে ভিনি খুষ্টগর্মের স'হ্যনর্থ এড সরকারি টাকা নষ্ট করিলেন কেন? এই েচ বংসর ভা চের ভাগ। ভাঁহাতে সম হয়, ডিনি এই কালমধ্যে কি হিতকর कदिद्रस्य २ (मरमद विष्ठांत्रक'र्गः किष्ट्र •ইয়াছে? পুলিষের সংস্কার হইয়াছে।

ना नित्त यभा रक्ष करतन ! छ नहें नी बिहा हिंद देना हिन्द मिक् चेंडकक्षि रिगनिक वास दक्षि कर्रमा जिनिहेना हे छ दाशींब देनन प्रनिद्यात इस्विवार्थ এগার কোটি টাকা বারিকে বায় করেন। ডিনিই ना लाटकत्र ही १का अचटवं । मञ्जीमांत्रभाग हो के उ नाहेरमञ्ज होण स्थालिक करत्न ! छिनिहेन। পরের মাথায় কাঁঠাল ভা করা উচ্চার অক্চর महहत्रम् निम्नावादमः कडक्कांस होका स्नत ফোললেন! কোন গ্ৰন্থ ফেন্ত্ল উভাব সেকে টারগণের এক কবীন ছেলেনা কোন গবর্গ क्षानद्वल **कादकवर्षीय्रमिशाक এक कावशाम क**ि ब्राट्डन ? (काम गवर्त्त्र (सम्बद्धन (भागारमाटनः এত বশ্য ছিলেন ? আমরা ধৃত দুর জানি, লাড कर्ब अम्राज्यम हरेट अर्थ श्रेष्ट याच भवर्षत (कार রল আর্নিয়াছেন, উট্ছ'দের কেইই প্রজার তুখ रक्त बड हेमभीन हिल्ला ना। अक है। न्य वाटि श्वात गर्ननाम रहेल।

विरम्बङः हेरद्राष्ट्र ७ वाङ्गानिएक मोकन উটোর শাসনপ্রণালীতে আবংশ ক্ষয়া আন্তান রাছে। " ক্যুত্বাজার পরিকা।

--- 303----ট্ৰজ্ঞ 'নিক বিবর্ণ।

'' সকলেরই জান। আছে যে, রঞ্জির অংপং .বান একটীমাত্র ছবঃ জাই। ছ'বা শ্রীরের রক্ষ १३८७ पार्टमा। काट्रम ज्यामा एवं महीत् इस्ट्रा অফি রক্ত, মাংসপেশী এসূতি সকল গড়র পোষণোপ্ৰোমীস মঞী আব.র কোন এগটা দুৱে নাই। কিন্তু ড জ্র হাগাল সাহেব বলেন যে मा.विद्याल छ इ.स्थ. माध्य मम अ वाष्ट्रव स्थानत्तः প্ৰেম্পী এবং পাওয়া যায়, কুন্তৰা কেবলমাত্ৰ नाबिर्कल काश्वकाताल श्रीयन्यादन १६८७

অনেকের জানে কাছেল্য, ভাক্তবেয়া আনু চিকিৎযার সময়ে এমন একপ্রকার কাংব 🎅 कें एड (सम, यां हाद आश्र अक्ष के तर है के दिहर োগী সর্গতোভাধে অতেতন এবং স্পান্থীন रहेता १८७ त्य **कार**कास काळ ह*ी* या आहे. কে।ন কটই ভাংগর অবসূত্র হয় না কিছ এ थाऽटकत (क्षा.तायव्य) वःवशत अर्थात अर्थातः विषामध्या महर । छैश द्वां किएक द्वां विष्ट स -कीत माज साम क्षेत्रा कार्ट्स এवर (कः श्रांक काथाल धारतब शामिल करेगारक । मध्यति छ। করে ভব্লিউ, বিচাড স্ব্নামাএক জন সংট্র প্রকাশ করিয়াছেন যে, ইথব নামক আর্কের ধারা শরীরের কেনে ভালে কির্থক্ষণ পাটিত क कतित्त (महे काम मन्पूर्वस्त्र समाक कहेग्रा ার ও দিকে ভিনিই না সিবিল যায় এবং তখন বিনাবল্লায় ঐ ভাগে করে

গেছেট।

" अञ्चलमा विकास के देशिन " বিভাগে অবেশ করিতে (स्डब्राना स्य (कन १

व्यक्तिकत्र सूर्यहे मार्या मार्या এहे मिल्ले

खना यात्र, अमन, कि व्यानक द्वासर्भुक्रायक र

থ কেন, একবার ছাউদ্ভাব কুস্ এই कथा छेठियाहिन त्य " इरदारवाता .ব এদেশ শাসন কয়িতেছেন, ভাহার উলে এই, ভারতবর্গীয়ের। কালে ভারতবর্গ শ;স रहेटन डीहानिश्वत्रहेहटख हेशत मात्रनछ। পণি করত ভাঁহারা এদেশ ভ্যাগ করিবেন, জেরা এখন কেবল নাবালকের সম্প**্**তি করিছেছেন মাত্র : " ক:লে নাবালকের বয়: रहेरव मरम्मर नाहे । कि इ न छ म् अि द প্রাপ্তর অনুকূল এমাণ কি? কেবল কথায় যদি প্রভোগ জ্মাইত, ভাই: বনা অরপানে কথার কথার কুষিত্তেরও শাস্তি হইন্ত এবং পিণালিভেরও শিপ: রুভি ২ইড। কুণা ভূঞার সময় কাল না .कर्म (म.ज (मचारे(ल ददः **क्रम:छ**'य কুণা ভূঞরও বৃদ্ধি ক্টুয়াব আমরা চিরকালই ঐ মরু মাধা ক্যা শারও দারেণ আকু ধত, শেপ: সত ও ত শ্বস্থা কাল্যাপন কার্শ্চাচ, সুস্তা; ই ठ हे ना, এখন (१ वल काछ bi वनः म ज्यास्त्र अर्ज्ञ क्रान्य क्षेत्र रहेरलहे कि हेरद्रारखड़ा क्याग्रारम काल्य ্লাভ প্রভাগ করিছে অসমর্থ ইইবেন। भा न्द्रशत निट्रहत्। य हरा क्यमहे न्छन् (व न। मन लग्न ई९४१८७त मुद्दा अक्टप्टमद्रक अक्षः करून आहा कि ना भट्सक् , वें नेशावना भाकित, काश रहेटल देखाल .দেশীয় বলিয়া অসকাংশ ঝুলে পঞ্স∶ত ा, এक्ष्मीशामद्भव केष्ट्रभव क्यांक्षर কোন আপত্তি উপাপিত হটত মা, 🚉 নায় এদেলে স্বল স্পিশ প্ৰীক্ষা ক কোন গোলোগোগ চলিত না এবং : धामरभव देशांसक विकाशकारवरम् तास्य গোর আন্তঃকর্ত্রে আকারেন কোন বর্গুরুই হইত ন ।

कामदा हैश कीकात कति वटते, हेर ইউরোপীয়েরা ভারতবর্গ স্বত ইউরোপীয় व्यरमक्त्र व्यागिरगत छडि निस्मय ও দর্শন করিয়া খাকেন, এখানে বাহারা i **ভবর্ষদেখীর ন্যায় ব্যবহার করিয়া গিয়'ছেন,** ্,ও আনবার ইংলতে গিয়া ভাবতব্যায় মিত্র হইয়াছেন এবং ইংলগুস্থ উচ্চ পদা ব্যাও ভারতব্যীর্দিগকে সমকক ভাবি কন। কিন্তু ভাহাবলিয়া কি ভাঁথারা ণর লোভ পরিত্যাগ করিতে পারি ? কর্ও নয়ন্দুগল**ই ইহার স্পষ্ট এমাণ** । ্ব,জি কৰে শুৰিয়াছেৰ, বা ইভিহাসা পাঠ করিয়াছেন. ক্ষেতৃজ্ঞাতি ক্ষমতা থাকি জভজাতিকে এপ্রকারে পরিভ্যাস ক্রিয়া २ अधिक कि**, यह छ हैरलखन्न हेरब्राटक**द्रा দের প্রতি এত অনুভূল ও আমাদিপের স সমব্যবহার করিয়া খাকেন, ভথালি ভাছার দিগের জান্য বিশেষ কি করিয়াছেন ? 🕉। ঘদি এদেশীয়নিগের আন্তরিক হিটেডবী न এবং ভবিষ,তে এদশীয়দিগের হত্তে বের্বের রাজতা সমর্পণ করিতে কুজনং इहेट उन, खाइ। इहेटल कथन है निविध ে প্রীকষ্টীকে ইংলপ্তের একচেটিয়া করি না এবং দৈনিক বিভাগটীকেও ইংরাজ । রক্ষোন্তর করিয়া রাখিতেন না। ডবে ভয়েংগের নায়কাল আনসিয়া উপস্থিত চাহা হইলে টহাও সম্ভবিতে পারে। আকা **দুম হইতে ফলে**!ংপতিও হইবে না, আরে দিলেরও কুধাশাভি **হইবে** না। ইংরা আর্থ-সৰ্ব-শূন্য হইয়াকিছু এ দেশ জয় নাই, ইঃলণ্ডের নান ও সম্পতিবৃদ্ধিই ভার ষয়ের প্রধান উদ্দেশ্য। নচেৎ এত দিনে পুৰ্ব লক্ষণ দেখা বাইত। এখন এদেশীয় রোজনীভিসংক্রান্ত বর প্রায় কিছু नाहे, এकथा वलाख (वाध हम्र व्यवहरू हम् কৈ, আমরা আফিসর হইতে পারিভেচি, ত্রত্ব পদ প্রাপ্ত ছইডেছি? আমাদের কি ় সামান্য মাজিটেটের পদত এতদেশীর ভোগো ঘটেনা। 'বিভালের ভাগের চ্ছেড়ার ., ন্যায় এক আখটি জজের পদই আমাদিগের রাজনীতিসংক্রাস্ত্র সত্তর ভুণ্টচার আনেংকি আমরা গবর্ণমেন্টের পীড়পীড়েকরিতেপারি না? এটি কি আনা গর আসকত প্রার্থনা ? এই জামাদের চি লরুকাণ। ভাবতবর্ঘ চিবকাল অনাদেরই **্ছিল** এবং ভারতবর্ষের রাজানী ক্রাস্ত**্ধাব**ভীগ বিষয়েই আমাদিপের केल, करा सूत्रलमान ताझरत व्यामानिरशत ट्युंड काट्नक किट्रामान दश, क कथा यथार्थ कि प्रथित प्रकाति अमिश्रिता

প্রধান দেনাপতিও হইতে লারিতেন, এবং श्रधान मिल्युभट्र इश्राट्य मण्यूर्व चय हिन । हेरताल तालाय छाशत कि कार्ट विख्या (यहि व्यामारकत हित्रकारमत चयू, काहा अवन कामार्क्षत्र इंख्रशंक मा इंद्र (कर ? कामश्रा करमाहे এ প্রার্থনা করিতে পারি, গবর্ণমেন্টেরও ইহা क्षत्रभाहे प्रवस्ता कर्वताः हेशात्र। वंत्रावद्र वनि য়াও আসিডে; হন, '' দিবেন' কিন্তু কাজে ভাহা দিতেছেন না। এইসকল প্রমাণ্ডারা কি স্পষ্ট অসুমিত হইতেছে না যে, এদেশীরদিগের হত্তে ভারতবর্ষণাসনের ভারার্পণ করিবার কথাটা কেবল প্রলোভনমাত্র ? সে প্রলোভন্টী আব-माक कि? यनिभाग अक, वाशिद्र कात रहा, ভবে দে ভাবে থাকি" ইংলঞ্জীরদিগের চির-কাল কষ্ট পাইবার জাবশ্যকতা ফি ? আর व्यामा मिन्न कहे वा এड इःच मिवान श्रास्त्र का । স্পাইই বলা ভাল, ভোষরা হাজার উপযুক্ত **ংইলেও** কথনই প্রাধীনতা-শৃথালমুক্ত হইটে পারিবে না, আরু আমবাও সাধ্য থাকিতে ইহার লোভদমরণ করিতে পারিব না : ভোমরা উচ্চ উক্ত পৰে এক বাৱে বঞ্চিত বাকিৰে এবং দৈনিক বিভাগেও প্রবেশ করিতে পারিবে না, আর আমরাও কমিন কালে ভোষাদিগকে দিতে পারিব না। ভাহা হইলে, জ সকল বিষয়ে ফুবি-পাহয়। আমরাও আনর জনর্পক চীৎকার করি না এবং গ্ৰণ্মেন্টকেও ব্যস্ত হইতে হয় নাঃ একেবারেই আমাদিগের মুখবন্ধ হইরাবার। আর যদি ভারতবর্ষের শাসমভারপ্রদানের কথা पूरव श'कू क अञ्चलक्षीत्र मिश्राटक व्यक्ष छः नकावि-বয়ে উপযুক্ত ও আবামারক।সমর্ক করিয়া ভুলিতে অভিপ্রায় পাকে, ভাষা হইলে ভারতব্যীয়দি-গের জন্য ইসনিক বিভাগের ছ'র উম্মোচন করিয়া দিউন্। ইহাতে আর বেন কণ্মাত্র বিবয় করানাহয়। কল্লভিকা।

व्यामानिरगत औरहेष्ट् मः वाननाकः निर्वितारहर ।

অক্রভা স্থানসমূদ্র । ৩ মাস যাবং ওলাউ ঠার প্রান্থ ইয়াছে। কিন্তু একণ পর্যন্তে নিংশেষিত হয় নাই। ইতিমধ্যে আবার বসভবোগের প্রভাবও মধ্যে মধ্যে লক্ষিত হই-ভেছে। রোগের এক্লপ প্রভাব আবো কিছু কাল স্থায়ী হইলে এ দেশের যে কি দলা হয়, বলা যায় না

২ ৷ অত্তে সেধ্যটি মিসন আং লের সাভ জন 🕆

हात श्रद्धानिका निमान कर्त्रमा क्रिका क्रिक

এখানে গত ২৮ এ পৌষ রবিবার পাঁ।
সময় ক্রিই বার এবং গত ১ লা মাষ
ত টার সময় একবার ভূমিকম্প অভিশয়
ও অনেকক্ষণ স্থায়ী হইয়াছিল এমন কি,
বয়স্থাণের প্রমুখাণ অবগত হইলাম, ব
বংগরের মধ্যে এক্সপ ভূমিকম্প হয় নাই।

ঙইমাষ ১২৭৫ সাল

-:0;--

প্রেরিত।

মান্যবর জীযুক্ত সোমপ্রকাশসক মহাশয় সমীপেয়।

इट्रम छ। तास्त्रभूक्ष निर्मात यह उ व्यन . नवस्त अ (मर्ट्य किन अंदिन आर्ट्स कार्ट्स নগরে বিদ্যালয় সংস্থাপিত হইতেছে ৷ বদ भवर्गमा है (मुक्रमा विश्वन अर्थवारसङ द न्तर्कत, खञ्चावभाष्त्रकानरभव व्यक्तः व আজৈ কালি বিদ্যালয়সমূহে যেরপ শৈক্ষা ভাষাতে বিদ্যাণি श्रक्षिक कार्रह, প্রকৃত উদেশ্য যে চরিক্রশোধন ও আত্মে পরিত্যাগ করিয়া অপর : পরিপোরণ ংইডেছে। প্রথমতঃ সাহায विन्धालयुत्रभूह श्रायहे कत्मारलनीयन्तिराव সমপিত : কভক্তলৈ বা মিসনরিদিগের मा छ। का भारतेत (मर्मात क्रुन समूरश्त म কেরা প্রায় অন,সাহায,স'পেঞ্চ, স্কুতরাং সমূহ যথা বিশানে সংগ্ৰীত না ছওয়াতে मिश्रादक माधादशमगढक जिल्लामी इहेट এবং ইংচতে बार्खिक छ छ। होता करन ভদ্বিয়ে দোষী। মিদনরি ম্যানেলর অধের অভাব নাই, ভতাব্লারণের। ষ্টিয়া ব অন্নেক খলে বিশৃথল। উ:ছাদের দোষে য়েরূপ অনিষ্ট ইইবার সং লিক্ষকগণ সকরেন্ত্র, সুনিক্তি ও সম্পর নাহইলে ডভোগিক অনিষ্ট ছইবা বনা ৷ শিক্ষকভাকার্যের নারে গুরুতর বির্ল ৷ ইংাতে অনস্ত আত্মার কাৰ্য্য করিতে হয়। পিতা মাতা যে সস্তান নয়নপথের অভেরাল করিছে সংকুটিছ রা হইলেও বাহাদিসের হৃকোদল মুখ রুষক জ্ঞাননীর মানস্পটে আহিছে থাকে। গ্রাণাধিক সম্ভানকে শিক্ষকের হস্তে সমর্পণ নিশ্চিত্ত ও বেম কোন ছর্লাই ভার ইইটে ইয়া থাকেন। ভাহাতে যদি শিক্ষকের: লালয়সমূহের কর্তৃপক্ষীয়েরা চরিক্রণোবে इन, खाँका वहारत वालकगर्वत हे हे रहत्र (কুঞ্ বরং সেইসকল সম্ভ'ন শিক্ষকগ । ভাবের অধিক অনুকরণের বশবভী হইয়া গব ধারণ করে এবং শুদ্ধ পিডা মাভার ংসরপ হয় না, প্রেদের কওঁকসরশ হইর। । এक्ष्मीय विष्णानग्रमञ्जानकमिरशत **धर्म् श्रद्धा द्रावर्**क्ष নাই ৷ কিন্তু যেসুকল গালিটক-ও⊪ভূমধ্যেছ স:%েরের কজঃবিনীর্ণ া, যাহারা স্কটলতের পর্মতলিশর হইতে 14 ২ইরা ভারতভূমির মঙ্গলসাধনের জন্য ণ করিয়াছেন, যাঁগের ভারতবর্ধে বাকিয়া চকেশ ও গলিভমাৎস **হইয়াছেন, য**়হা র স:হাফে, এ দেশে প্রথমে বিদ্যালোক र्व इड्डाइड, ब्यास्क्रिक 'नि ऊँ हा निरंत्रत्र मर्या কেই দেই মুখ্য উদ্দেশ গুলি কিন্তুভ হইয়া ন্য সংংসারিক সম্প্রদায়ের মধ্যে গণিও চেরে। উটা্লিয়ের হতে যেসকল কলে , ক্রমে ব্রুমে ভাছালের জনেকের শোচনীয় । लक्किङ स्केटङ(इ.। यैं। हामि (शत् (लाटकः व कता अक्षाज छे फूना डीशताह (य आवाह हिमार्कत आक्तुत्रक्रम व्हिक्स्विट्ट आधार পাপের প্রোভ প্রবাহিত করিতেছেন, ইহ नः चारकरभव विषय मरहः छ।हान्रित्र हम् (ইঙ্যুক্ত পরিমাণে অধিক। আনর উর্লিয়ার। प्रशृत(इन, व्यागादनत अज्ञाभ देवहानरः। ভাল ধটে ৷ কিছু উহা বিধেককে অভিক্রম ল বিষময় াল উৎপাদন করে। কিছ বুর্দে শুবিয়াভিলাম যে, মধ্য বিভাগের ইন টুর মহাশ্রের মিস্মরি ইক্সুলসমূছের माम्मर क्षेत्राक्ति। डीहात (म. माम्मः क ९ महरू। अक्टन व्यात्र छ। इत हे रिलेका ার সময় ন'ই।•িমসনরি মহাব্রেরা ধর্মাব আরুত বলিয়া যেন উাহাদিগকে অভাভ ায়পরয়ের মনে না করেন। অংবিলয়ে বয়া যিসনরৈ অনুলকৃলি দেখুন, ভাহার ह मूर्त कड अन्याय कार्रा छ। स्वीरक বন। বোধ হয়, ইনতৃস্প টার মহাশায়দিয়ের বিনিগের উপরে অনেক পরিমাণে বিশাস . এবং ভর্জনের হয় क कारत क সমরে সভা (इश्रुणि वाबुदा विश्वतावाशी ও द्रश्रा निका

বলিয়াতিরসভূত হইয়াছেন। কিছ ইন

(म्लिकेत महाचारप्रता (येन मह्यात कशूर्व महन । कतिया कार्या करतन, काहा क्वेटन नकल नरम-यूके काक्ष निदाकुक क्वेटन है का.म:त्रक (लचनी धातर विदाक कार्याक क्वेटन ।

गाराश्वत } अञ्चलक ऽ∉ इकाच } क्रिटेकः

আমাদিলের গবর্গমেনেটর প্রতি আফ্সান্দিগার যে ভাষ, ভাষা পশ্চালিখিত বিষয়টীতে
প্রকাশ করিবে। এক জন আফগান পীড়িত
ইয়া চালিনর চিকিৎসালয়ে গমন করে। তথার
ভাষাকে বেপ্রকার উষধ, শ্বা, বন্ধ ও আহার
কেপ্রয়া হয় ভাষাতে সেনিভাজ কৃতজ্ঞ হইয়া
আমাদিগের নিকটে এক দিন বলে, '' বাবু।
আমার দেশে অভি নিকট আত্মীয় ও এরপ
দ্যা করেন না। দ্যা ও দাত্রের বিষয়ে ইংরাজ
দিগের সহিত জন্য কোন জাভির তুলনা হয়
না। দেশ কেবল লোকের উপকারের নিমিত্ত
কলিকাভার কত আলয় আছে। আম্বা ভরি
মত্ত ইংরাজদিগকে ফ্রার্প ভাল বারি।
ইংরাজদিগের সহিত জামাদিগের ধর্মে
সলেনা বলিয়া ধে ভির ভার হয়।

" ভোষাদিগের আমীরকে আমাদিগের গবর্ণমেউপ্রতি মাধ্যে এক জক্ষ টাকা দিতে ছেনঃ ভেয়ের। ইংার কি উল্লেখ্য ক্রিকরি-রাচ ? "

'' ইংরাজ প্রধ্যেও কেবল রশীয়াকে রূরে রাখিবার নিট্যন্ত এই সাহ্যালিভেছেন। কিন্তু আমালিগের দেশগ্রহণের বিষয়ে উট্টে-দিলের কোন লোভ নাই।

শতৰে তোষরা এক জন ইংরাজ দুড়কে কাবুলে যাইতে দিয়ে এত অসমত কেন ? শ

" (केवल भएकि मिरल मा व ल.) ज्यासाहिरात स्मिलागण सर्वाम काकारक शृष्ट क तराव बर्लास । क

'ভাল, ভোমানিগ্রের দেশে চারে বংসর
পর্যান্ত গ্রহ যুদ্ধ ইইভেছে। যানি আমরা এক
দল সৈনা প্রেরণ করিয়া ভোমানিগের দেশে
শাস্তি স্থাপিত করি ভাষাতে আপতি কি
আছে? দ

"বাবু। সেটা কখন চইবে না। রূপীয়া স্থাক্রমণ না করিকে আমরা একটা ব্রিটিশ বৈনিককে বিনাযুদ্ধে কাবুলে প্রবেশ করিতে দিব না। ভোমাদিসের গ্রগমেণ্টও যে পুন ব্যার বৈন্য প্রেরণ করিবেন, ভারা আমাদিগের বোধ হয় না।

এ অঞ্চলের (বনপ্রাম ও সাডক্ষিরা 🕏 **कारशत्र कियमश्रमंत्र) नात्र प्रजाश**्यान व्यात पृक्षिरधाइत रहा ना। हेरा ननीहा 🤇 **পরগণার:कक्षिक्षण : यट्टाईंब** हुत्र वं এগানে কোমপ্রকাংই সদস্ভান দুই এমন কি আপনাদিলের জীবনরকার বাহা কাবশ্যক, ভাছার নিমিত্তও এ लाटकत यह माहे। (भावद्रक: भा अवस्त्रा ইহার চতুর্দিকে ১০ ক্রোলের মধ্যো व'काना विम्हानय नाई। मध्यक्ति करुव्रव आरम करव्रकति खरू सम्बद्धान शार्रमान्। य इ**रेग्नाइ। जारात्र अक्रिकिशक्त का**जात বৃষ্ট হয় নাঃ উক্ত ছই স্থানজিয় উপরে क्षारमत मर्था अक सम बाकाला देवना वि জন নেটিৰ ডাক্তর ইহার কিছুই নাই। হইলে কেবল উপবাসন্থারা চিকিৎসাং ব লয়। জন ছই হাতুড়ে নাশিত চিকিৎস শক্ষরে সার্ক্ষ সর্কা। গড়ত বংস্বের স भिक ख्रुत कामानिरंगत कर्युक्शांसि क्रिम সরপ্রায় হইর:CF। (उरल क्रेरेनाइर्य चारताधानाक कतित्राहरू फिल्स লাকই বিনা চিকিংসায় প্রাৰ্ড্যাগ व्यतः व्यतः द्वादन हिक्श्तिः थाकित्म ब्राध्यव काटक भवन्त्रमण्डेद कानाहेश अयन व b नरमुक कानाय, का धरानकार कारकता अधन व्यवस्था । . ७ ७ १ ८ न नाः भवन्यक्रिक व्यः नः श्चितार भव**र्वाम के इहे** ८७ (काम केंप्यान र्व ना। अर्गक्त क्राइत विष्टु व्यस .नाटकत्रद्रवाहे , उथन ब्राख्या घाटे व अञ्चल जान दका: ७ महा मुक्क तेन्।(मह ने ब्रश्चकु.छ दिवस्य छाडाकित्तत्व महिन्द्राचा व সঞ্জাবনা কি 🖓 মহালয় ! আহা দ্নের 4 🖯 .ला.किंग एवं केख श्रेती । व्यक्ति व्यक्तिः 事。 Pag 1 下京: Fi B B F 1 本公本: 直、1 中本色 ব্ধর লইরা মহ'লচের গরের আলাকেলিন বার মানস করিয়াছ। আমি সিংইয়া ব भारि, अस्परमञ्ज के कात्र अस्मित इदेदछ इदेदर नाः मान आमाभित्मत महा र्वास-हे अहे महिल्ल कालन (महमात्र कनारावक अक्ति अवर्श्यकेस् म अ अक्ति लाख्या 🏗 म'नव अभिन कर्रम, छाठा ३३८न अक्की প্রদেৰের মহান উপকার করা হয়।

আনাদিলের বনকাম উপবিভ প্রোগ্ডেপুসীমাজিকেট কডেপুসীকা ক্রীয়ুক্ত বাবু মহিনাচয়র পাল কডিগর । বিদ্যালয়স্থাপন প্রভৃতি দেশ হিতকর ভাঁহার বিলক্ষণ বহু আছে। ভাঁহার ভুল লোক সর্মানা দেখিতে পাওয়া যায় না। ভাঁহার নিকট বিনয়পুলাক প্রার্থনা এই ব্যন এ মুর্ভাগ্য স্থানটীর প্রতি এই ট্র

এ অব্ধঃলে ধান্য এ বার জাট জানা **ঃ.হ্য নাই। রবিশস্য প্রায় হয় নাই** ৽হ[া]চয়! কেবল **খেজুর গাছের উপর** कर्विया अञ्चादमत लादक श्रीविकामिकार ভিশ্রের মালগুলারি করিভে**ছে। কান্ত**ন ार्क्ष विस्था कष्टे इहेवात मुख्यावना नाहे। ুপরি কৈ হয় বলা যায় না। এক্সেন যোটা াঃ • টাকা মণ বিক্রীত হইতেছে ৷ ত্র⊶ এ পৌষ বেলা আহুমান ঃ ঘটি ষ্ট্ৰবানে ভয়ানক ভূমিকম্প ইট্ডা 🥪 🎚 প্রায় হাও মিনিট কম্প হইয়া ছল वर्त, राष्ट्री, दृष्णामि विलक्ष्य महिला চয়ছিল যে, আর কিয়ৎকণ নড়িলে বুজ । ভূমিসাৎ হয়। ইহাতে পুক্রিল্রাদর ভল ঐিরে ১∦∙ হাভ কি ২ হাড উঠির:ছিল। *জা*লকম্প ১ **ঘন্টার ও অ**ংধক কণ ছিল शाच) कमाहिए काळवा (स्व: मनः

-:.:-

नार्टकम् ।

'বুরু! অস্মেক দিন গভ হইল আন্মরা ्रामधकारम महक्रभूत्रविषयक এक्षी ন শ্রুজ্যের পাঠ করিয়াছিলাম। আমাদি ে∛পংপুতেরের হারাজীয় সভানের জান ^{१५} क्_{र अ}च्छ **सम्ब**ा कार्या अवर शहरू ক শিতৃদ্ধোধন করা **অপেকা** লভড়ার : ^{ভার} নার বুদ্ধিমান ব্যক্তিমা**ত্রেই বু**ঝিতে ৷ ^{হা}ই, দতুকদাতা, দতুক**গ্রহীতা এবং বর**ং সময়ে সময়ে আছেরিক বিষম বেদনা व कहिन्न भारक्षा अनुस्थिक मस्त्रामाक हता विश्वाभागामा व्यवस्थाएक विक्रम करा ত বড় শ্ধ;লহ্ল;য়র ,কার্য;ে ভার্গ কে না ভ পাৰে: ১ সম্ভানদাৰ। যখন ঐসকল मस्मामस्यः कार्यः तम करवनः ক পরস্থাই ^পরপুর্ররণে এব স্থতি করিতে ন, নিঃসংস্কেত্তমি ভ্ৰম নিগায়ণ *মুঃ*খ প্সহা করিডে গাবেন আবোৰ যিনি গ্ৰহণ কৰেন, ডিনে সধন পুতাৰে প্ৰভিদা **দতকের মুধ হইতে সুসং**পুর পিতৃসংখান আছ পান, তখনই উ:্চার মনে একটা অনি 😰 ভাব উপস্থিত १३॥ পুন: পুন: যাতন।

দিতে থাকে। সে কে ভাব ছর্ভাগ্যক্ষমে বিনি দত্তকের এইীতৃশিতা হইয়াছেন, জিনিই ভাষা সমাক অবগত আছেন। দতকের অবস্থা আরো ভয়স্কর। তিনি যখন কান।পল হন, আপন পিতৃপরিবর্তনের ক্রা লোকের মুখে শুনেন তখন কি তাঁহার মনে একদা লক্ষা ও ছংখের আৰিভাৰ হয় না ? মনে করুন, সেই হতভাগ দতকের কম্মনাভা ও এহীতু পতা একতা বসিয়া আছেন এবং দত্তকও তথায় উপস্থিত। এমত সময়ে কোৰ অপরিচিত বৃংক্তি দতকের পরিচয় চাহিয়াপিতার নাম জিজঙাস। করিলঃ তখন তিনি কি উত্তর দিতে পারেন? তথন জাঁহার মন লক্ষাও গুণাডে অ'কুলিড হয়, কঠ ও ভিছ্লা প্ৰক্ষ এবং জীবন একেবারে অসার ও অকন্মণ: ভারম এ বলিয়া প্রজীন্নমান হয়। ख्यन गर्नि **भी दिन, फट्ट का का का का का** श्री .গাপন করতে পারি**রে উাহার মনে** ভৃস্তি ত্রে। সমাজেও ভি:ন ঐক্লপ পদে পদে লজ্জা ও সাক্ষরতা প্রাপ্ত হন। ইহা অংপক। তাঁচার আর একটী ভয়ন্ধর অবস্থাও কখন কখন গটিয়া থাকে। দতকের এছীভার নিকট প্রজনেরা দত্ত ক্ষে অসিদ্ধ করিবার জন্য মক্ষম। কবিয়া কোন কোন স্থান উচ্চতম আলালভপ্রিয় আসিয়াও কুভকাষ্ট হইয়া থাকেন। এরপ স্থান ভকের কি শেচ-ীয় অবস্থা ঘটে !! '' টাভি কুল বৈঞ্চৰ কুল হারাইবার শুনাায় समाजात ও धारी जात यश्म श्रेट विष्ठा व **্টয়। মহা বিপদ্এন্ত হন !!! ভখন আবা**ব পিডার নাম জিজাসা করলে একেবারে হডাশ e किश्वक्रवाविष्ठ इहेशा चारकन !!! अ कि সামান্যবিপদ ও ছংবের বিষয়া সম্পাদক মহাশয় ! আমবা দত্তকবিষয়ক এডজপ অনেক অনেক শোচনীয় অবস্থা মধ্যে মধ্যে অবগভ হইয়া থাকি। অভএব আমাদিগের অসুরোধ এই যে, দত্তকগ্রহণপ্রথা **ৰাহাতে** রহিত হয়, হিন্দুসমাজ সর্লান্তঃকরণে ভাগার চেষ্টা করুন: ১৪ই ম!ঘ }

भूना थाखि।

প্রীয়ক বাবু জানানক বিক্র মূলতান
১৮৬৯ কেব্রুয়ারি ২ইতে :৭০ জানুয়ারি ১৩
১৮৬৯ কেব্রুয়ারি ২ইতে জ্লাই ৭
১৮৬৯ কেব্রুয়ারি হইতে জ্লাই ৭
৬ জ্রুগোপাল চক্রবর্তী ভায়নগুরারবর
১০৭৫ মাঘ হইতে চৈত্র

জীৰতী মাডজিনী নেবী শান্তিপুর ব -১০১-

সেংস্থাকাশসংক্রান্ত কয়েকটা বিশেষ নিয়ম।

অ এম মূগ্য ও ভাক্ষাস্থল না পাইলে বলে সোমপ্রকাশ প্রেরণ করা বায় না।

ইংবার অগ্রিম মূল্য বার্ষিক ১০ টাকা যাগ্রাসিক ৫॥০ টাফা গ মফথলে ডাক্য সমেড বার্ষিক ১৩, যাগ্রাসিক ৭ এবং ট সিক ৩৬০। তিন মাসের ভানে অগ্রিম গ্রহণ করা যায় না। ছণ্ডি, বরাভি চিঠি, অভার, নোট ও স্থাম্প টিকিট, ইহার আ যাহাতে যাহার স্থাবিধা হর, তিনি সেই ধারা মূল্য প্রেরণ করিবেন।

ষাঁহার। স্থাপ্সটিকিট পাঠাইবেন, ও যেন এক অথবং আধ আনার অধিক হ ও রসীদের টিকিট প্রেরণ না করেন।

যখন বিনি মকস্বল হইতে সোমপ্রব মূলপোঠাইবেন, ভাছা যেন রেজিষ্টরি ব জীযুক্ত হারকানাথ বিদ্যাভূষণের নামে গ ইয়া দেন।

মীংদিগের মূল্য দিবার সময় অভীত আসিবে, একমাসপুর্দো তাংগদিগকে লিখিয়া জানান বাইবে, কাল আভীত গেলেও এক বার চিটি লেখা হইবে, ভাষা একমাসকাল প্রভীক্ষা করিয়া কাগজ বয় বাইবে। লেখ মারের পত্র বেল্লারিং হ হইবে।

মাছলা রেলওয়ের দোণাপুর ষ্টেসনের বরে চিটি আইলে আমবা নীত্র পাইব।

যাঁহারা মাজুল না নিয়া প্রাদি প্রের বেন, তাহাদিগের সেই প্রাদি এহণ যাইবে না।

কেই সোমপ্রকাশে বিজ্ঞাপন দিছে
করিলে ভাঁহাকে প্রথম ভিন বার প্রতিপংগি
আনা ভাহার পর ১০ আনা দিছেই
বিনি অধিক কাল বিজ্ঞাপন দিবার ইকঃ
বেন, ভাহার সহিত অভ্যাবদোব ও ১ইবে

ক্ষে এই পত্র কলিকাতার দক্ষিণ মাতলা রেলওয়ের সোণাপুর স্টেসনের চালড়িশোভায় জীয়ুক্ত ধারকানাথ ভূধণের বাসীতে প্রতিসোমবার প্রাত প্রকাশিত হয়।

(मायशकां

३७ मध्यतः

ं प्रवक्तारां प्रक्रितिस्ताय पार्थिवः सरम्बतो अतिमस्ती में स्वासां।"

क मेरा ३ अक का जान वार्षिक ३ - ४ न ।। যাণ্ট্রিক লা সাড়ে পাচ টাকা।

मन ১२१८। २१ व साम । ১৮७৯। ৮ई क्लाउनशाति

ि मुक्दात बाछ्नगर । छ अधिम व या श्री निक १, अ टे अमानिक on

বিক্তাপন।

हन्द्रावकी महिक

🕲 নিমাইচাদ শীল বাউুক আছেপুলি নাট্য পুষুজনিয়াধ করচিক। বছরাজার ১,৭২ ष्ट्रे तामा हो ने प्राप्त का ना । अना अन है कि १४ केस ५० ।

কলিক'তার নিকটবড়ী মিই নি সিপাল্থাটি दिकाकिनव्यक्ता न**्या**का **काउँ(का**हना 'भ्रप्रदेश र व्यावेदन ४ ४ ५ ५ ५ ५ अस् छ ব মেউনিসিপাল বাসী ভাড়ে বিষয়ে অনুএ১ र्यको करत. ऋष्यामिशस्य स्थापन कार्यस्य (में स्था एक्टक स्व डेक्क शादार विशेष करूनारु উলেসিপাল কমিধনরগ্রুকে বাটী খানি ২ইবা ६ मर्वास भिराङ स्ट्रेंट वास उद्घ किस चार्कि क खरब श्रास्त के कि हो है। इस श्रास्त्र के स्व राम मि८७ व्हेर्सः कात् (स कादिर्थ श्रथम धान (मञ्जू) व्हेष्ठार्ड ान्हे कालिब व्हेर्ड कांद्रेस अञ्चलाहत यह हो का (त्राई (स्वत्रा रव पाइ भागमा कहा इतेरव ।

क लिकाफार विकित्र हो द्वारा । श्रका विक श्रेष्ठा । ંસ્ત્રુ ૧

इत्रीद्मव अप्रिका

कांशेक 🥦 २९४० छ या अब श्रुष्ट का अर्थ ∦∙ আঘট আমা:

अभीवानमा छड़ाडार्वान नः ४ क कारमञ्ज

हिनांचि हेर *तर विज्ञाना*द्य ১৮७**३ व्यक्**त শিকা পরীকাধীদিলের পাঠনার একটা

कर ब्रुब, दिश्हादा श्रेषान निकर्ण निकार निवस्तान अवगाउ श्हेरवर्ग ;

৩০ ডিনেম্বর ソトダト

জী হার**ক মাধ শর্ম**া

মংপ্রণীত চিত্তবিনোদ কাব্য ১ ম থপ্ত। আহতি সুললৈত অমিক্রাঞ্বে রূপকক্লৈ ইয়াতে भावज्ञवर्षत् वर्रामानकः वर्षि**ः** इदेशार्कः अञ् भिष्ट् क महामार्यक्षा रख्याः व क्वाळार्व क्यक শাল পাংলে পুস্তকালয়ে ভক্ত করিলে পাইধেন।

জ্ৰীঈশানচন্দ্ৰ বস্তু।

্ল চিকিৎসাপ্রকরণ এবং চিকিৎসাভাষ্ট

ক্রিপ্লস্ এবং প্রার্টিস, অব মেডিসিনের

এখন খণ্ড ৮ পেডিল করমার ৭৬৮ পৃথ্ উত্তম বাঁদা, ই্রিয়ক্ত বাবু গলাপ্রসাদ মুখোলা भाग বি. এ. এম, বি, কর্ত্তক সংগৃহীত হইয়া

প্রথম খণ্ডের বর্ণিত বিষয় (১) সাধারণ নিদানত আং (২) আছেলেণ্যুস্থ, সমূত -(০) দৈহিক পীজাসমূহ (৪) সাহুনওলে: - পীড়াবমূহ।

মূল 🕽 দ টাকা, ভাকমাস্থলস্থিত 👾 🕫 লীনশ্বলৈ স্থাল প্রিকাল চলন্ন বিদ্যাবহের কলিকা**তা লালবকোর হিন্দু হাইল** ২১০ নং ট ও কালনা মে.ডকেল ছলে প্রাপা। খাসতে জীযুক্ত তাবু গুরুদাস চট্টোপাধায়ের ইংসন ১৮৬১ সালের েক্সারি মাসে 💸 নিকট পাওয়া যাইবে। 🐣

বাল্মীকি রামায়ণ কৃতীয় ধণ্ড

क्रिका इदेशाह्य। वैश्वाता द्वेशांक श्राविष्टे देशांक नागताक्यत मूल क निका अवर मर्तात्मारण विकास कर विकास विकास

বংজলা অপুবাদ আহিছে। যাহার আ इहेरव, जिन कलिक 🖏 द्वाकाशभारस राद्य शंद्ध विचिद्यमः व्यक्तिक चर्छत धरमात) भूला॥ । जानाः विस्मिनीम দিগকে 🗸 • আনা ম'হংল দি'তে হইবে।

* ##171) ৈ কাদ্যাল ∤

डि:१६ अठक फड़ेंग्ड

ন জন্মন ৰেডিকেল হল ১। এড দ্বারা আমানিগের ঐবধক্রয় সুহন, সহকারী ও সক্ষাধার একে জ্ঞাত र:इएए८३ (य. विकीय टे द्वसमिक সম্বন্ধে জাবপোড " স্থার পর ক্রেসীয়া, উইক, बिहिन धे^भन्त्र " बात्रा नम महत्त्र মুলোর উষধ পুর্ব প্রাপ্ত হওয়া গি এডভির সম্প্রতি আমরা বিলাভ हेर मन १०५० मारलंद (भव देखमाभिक স্য়াক '' বিটিশ ফলাগ, কিং আনাব্ধ वः । रा » नः मकः व्यर्गदरभा ए अञ्चलका हा ৮७ क्लेर्जालां व अवश्व का छ क्षेत्राण्डि । अहे উ ব জুনোধিক সাত সহত্র টাকা মুল্যে করা ১ইয়াছে।

२ । अपंतानी वार्यत् शब्द देखभातिक हे डेनलक हिनिश्सानस्यंती अञ्च छ প্রস্তুতকরণের ও উষ্ধাৰ্টায়করণের মান সাম্থ্রী ও সকল ও বিবিধ কৈগ **२३८७ (श्रीक्टर**व ।

. ७। व्यःमदा कथिक श्रीयाह्न छ । क्रिक्ट इत्य अवस् विक्र कब्रुझः धाःकि।

ह : **এই मध्य प्रद**्धित क्यांत्रण विश कालान अध्यासामा प्रती कह (प्रशिटण हे अहे भुक्षक श्रमाविध श्रकान इहेरल्ड । इहेरण ण प्रवाह की हिन्द महस्रक श्रमान

্ব ফাঁটে এক সংখ্যক ভবনে রাঞ্চ ্য মন্ত্রেজনে জীয়ুক্ত বাবু নন্দ্রো-শেরের নেকট দেখিতে পাইবেন

া াহেরর } ১১৮৬৮ }

সাহিত্র বিলোপ মুদ্রিত হট্যা হাল শাই ভ : পুস্তকের কলেবর ৮ পানী ক মাধ লো অর্থাৎ ২ মুখ্ পূর্ম কলা কল কলেব ভাষেশ্যক হয় - উন্তিন্তা সাজ্যত বায়েহ লোৱে অধ্যা পানী সালাক বায়েবি পান কাহ পুস্ককার্যীন অনুসকলন কার্ত্রেই ন ইতি।

ধ্যাল ক্রিছায়ুণ ডেকেল্ডেক

क्षेत्र सरकारः इतिहासः

किसिया मध्याः १ १ वर्गान्तः । अभावितः । बाङ्ग्री १ वर्गानः । व ग्यानितः । स्वाकारम् विक अभ्यक्षात्वे । स्वतंत्राकं शुक्रकेश्वरं इड्राइट्डान

প্রশীষ্ট বিশাস রোমইডিছ শিল রোমইডিছ শিল ভূমণসার বি^{নি শিল} নীতিসার (নি শিলাস) নীতিসার (নি শিলাস) প্রচারিকার

মুক্তবাধ ব্যা^{কতি ।} উন্নাতন কলা । - তিন্দানক কলা । - তেওঁ—

বিবিধ দুক্টিদ বিক্রান প্রায়ত।

াজী স্কালা চুলাক ক'গ্রু কলম হ'ল । এবাদ প্রভাগ গোল এবং পুস্কা দর্ভ । এব নাম্যার চিপ্ট্র কমিস্মানে , আন্ধান :

्याः स्टब्स्यात् नात्रे कार्याः स्टब्स्य प्रश्लेष्ट स्टब्स्याः व्यक्ति स्टब्स्य विश्वेष । स्टब्स्य प्रश्लेष । स्टब्स्य ।

। छन का ोना लाला के वा विशासका विशासका

श्याप्रति भी बन्धारिक विकास १०००

रक्राकृत्वज्ञ आहीन कविश्वाना निस्त्रत গীতসংগ্ৰহ मानी(बन याष्ट्रं वर्गाम ١ अन्यक्षत्र **डेल्क्ट कारा** ۶. ः । 🚓 সश्चिम नाःभूभी 7 8 ક્ષન ભા**ત્રં ક**ની যহন থ যোধকুত সংগীতমনোরজন ২ লায়লামজ্জুকার; কবিবর ঘারকাম'থ রায় রাসর্যায়ত সংস্কৃত ও পদ H গীতগোবিকা অব্যানৰ গোলামিপ্রবীত মূলা ও বড়নথে স্থায়পঞ্চানসকুত গদ্য া হৈ ৮ ভরস্পিণী ইংরাজি কেনেট্র ইইনে 🤚 েবিৰ অপেচয়(জনক বিদ্যাদশন হয় ক্রতিয়ু ই ব হুত ১২৭৬ সংক্রের ফুল পঞ্জিক। ॥ ঐ হাফ প প্রকা হুৰ্গাহ# শ শ⊬ং ক্ষলত রিণী স্টীক চতীয়ুৰ ও অঞ্ধাদ সহিত চবিত্রলভী ইহ'ডে মিউসীনির বিষয় বিশেষরূপে বর্ণত ভ্টয়াছে ইংরাজি ১৮৬৯ সালের এটাকোর কী ১॥৯ ক্লাবীকুমার পদ আনি প্রথান করে: ১

ইংরাজি ১৮৩৯ সালের এট্ ামের কী ১০০
ক্লারীকুমার পদা আদি প্রথমন করে। ১
আগ্রের মোহিনী শক্তি
গালেশ্চন্দ শুন্নাত বাসলা এটলাস ইন্তর্গাল্যর লিখন করে। মুন্তর
বিনহাবিরাধন করে
কামেনীকুমার প্রবিশ্বাকর স্থালত নায় বিশ্বাকরি প্রবিশ্বাকর কারে
মাল্রিরাধি উত্তর্গন করে।
মাল্রিরাধি উত্তর্গন করে।
গাল্রিয়ালন ব্যক্তরা হলা
ভূতিরাবলি ত্রালি বাস্থালা মাল্রি

কান বনী নাটক আইনসংগ্ৰহ গ্ৰহ গোল উলাহগণ পদা ১ 'হাছোপদেশ নিফ্ শক্ষার সংগ্ৰীত ১ কালক কো তাও (জীপভাপচক্ষা রায়

可以即1 化分布化

नशन विद्युष्टाः ।

২৪ পর নগার জান্তঃপান্টে কোলালিয়ায় যে । গারগানেন্ট সাহাযাক্তে বাহ্বাসা পাঠশালা ছিল. গানা উঠিয়া হরিন।ভি ইং সং. বিদ্যালয়বাসীর সংক্রে অংসিয়াতে । যাহাবা প্রস্কৃতিনানিকে

তথায় পজ়াইবার বাসনা করেন, তালারা ই
বিদ্যালয়ের প্রধান শিক্ষকের নিকটে উপ
ইইলে নির্মাদি অবগত হইতে পারি
নমুদায়ে ৪ চারি প্রেণী করা ইইয়াছে।
প্রেণীর া আটি আলা গ্রিতীয় প্রেণীর
ছয় প্রানা গ্রুটীর ও চতুর প্রেণীর
আনা ছার্মের বেতন স্থিব করা হইয়াছে।
১২৭৫
৪ ঠা মায়
৪ ঠা মায়
স্বিদ্যালয় বিজ্ঞা করা ইইয়াছে।
৪ ঠা মায়
স্বিদ্যালয় বিজ্ঞা করা ইইয়াছে।

सरक्षकी व के काल क्षेत्रभाश्चाल निरुद्ध व श्रुष्ठकालाय ७ कलिकाचा सम्बद्ध निरुद्ध विक्रमार्थ श्रुष्ठ व्याप्त श्रुष्ट (√ व्यासम्बद्ध जीक्रककिर्णाव सरक्ष्यात्र स

পুতার প্রকাশ। বিষ্ণুপ্রার

অসুবাদও টীকা সমেত এতে;ক ৮০পুড়া অস্থামন্ল্য ১৮০।

सिनि धार्या । उत्तावी रहेर्यम । उत्ता मुल कामर दश्चिति । १२ १ मा । उत्ता कामर श्च साम स्थमा कालका हः भाष्ट्र किनाः की गुक्त क्षण्याह्म उत्तावका ११४ मार्थ सर्वा तेका राष्ट्रम स्था लागे हर्या । का राष्ट्र तेका राष्ट्रम स्था लागे हर्या । का राष्ट्र तेका स्था स्था लागे हर्या । का

विक्राभा

সংব্যন বিচ্ছন স্টাভুগায়স্থ ১৯ নং গোল ব্যোগান ।

উপাৰ উক্তৰ গোন ও বাসী ঘাঁছোৱা গোৰাৰ অথকা অভীয়ে উভো কৰেন, নিয় ক ইফাৰা কোৱানি চাই সানাক্ষেন।

> গিলেও'রস্কার;⊓:-থনট এবং কোক ---ঃ৽ঃ৽ঃ ---

** # #1 말'5 ₹ (4위) 1

कर्ष्यक्षां विश्व विश्व के हे लाग प्रति के छा। हेश्य कर यो विश्व माणि व्याद्धः छे अभव नायामा क्ष्य कुष्ट (यानाहेति । मयक्ष्य मर् श्रीकार्यालयः विश्व व्याप्त क्ष्य के भवेलप् नाष्ट्राती कार्यम्भितात श्रीकानस्य भावस्य प्र

क्रिमीनकपन (पाय्ना

निवाद ननी। म ১৮७० मारमङ सामुद्राजि,बारमङ १६३ हरेटक २५ अ. ९४/७ फार्शी दर्भे ্ নদীর দর্বাকম্তি জনোর সাপ্তাহিক রিপোট। সর্বাক্ষতি কল ITAR নাম कु है क ত্নীর্থীত সংইত প্রান্দীর যোগের হান মহানার : তথা ২ইতে জনিপুর ১৬॥ মাটল মধ্যে অলপুর ২ইডে বহরমপুর ৪৬ মাইলের মধ্যে 2 बह्दमधुन स्ट्रीट कारिंग्रा Z ৫ - মাইপের মধ্যে कारते व इड्ड मनीया ৪৬ ম'ইলের মধ্যে সন ১৮৬৯ সালের ২৫ জাতুরারি বছরঃ (জেঘাটের জ'লের **ম**াপ ৷

নোমপ্রকাশা।

পুব এ সুয়ার বিষয়ের কিন্তু বিষয়ের ১ মনীয়া লোকাল বিবার

\$.\$

২৭এ মাঘ সোমবার।

সংবাদপত্র ও ভাগের মাসুল। ভারতবর্ষীয় গবর্ণমেন্ট পত্র ও টেলি ফের মাসুল কমাইয়া সাধারণের টীমহোপকার করিয়াছেন; কিন্তু विषया क्योसिंग उकती व्यक्ति पृथ्वे তেছে। দিন দিন সংবাদপত্র পাঠের হার্দ্ধি হইতেডে; কিন্তু সংবাদ তার ডোক মাসুল এত আধিক যে, ধকাংশ লোক বালের ভয়ে তৎপাঠে ধ্দর **ছইডে** পারেন না। ইংরাজনী নিক সমাচারপত্রপাঠ মফবলের ত্রে লোকের মধ্যে এক জনের ভাগো हे कि ना मरमह, अवह मःवामश्रद শের একটী ক্ষমতা হ≷য়াদীড়াই-

ছে। ইউরোপে সংবাদপত্রের মাত্রল

এ দেলের সংবাদপত্তের মাত্রল অপেকা अल्ला आटमतिकात अवन्द्रमन्छे माक्कार नटक, अवह अल्ला बाह्य उँविक्तित म्ब.स मद्राने भारति विभिन्न कार्य करत्व । विमानिद्रात मन्त्राम ना शतक्त्रादत्त्र महिङ विनदन কাগল বিনিমর করেন, আবৈদ্যিকার তাহার মাত্র নাই। ইংলতেও অনেক स्विधा आह्य। अवीति देश्हरखत অনেকে আরও মাতুল কমাইবার চেষ্টায় আছেন। ভারভবর্ষে ঐরপ চেকী পাওয়া নিতাৰ আৰ্শ্যক বিশাসরা আহ্লাদিত इंडेगाम, এ विश्वतंत कर्क चात्रक इंडे शांद्ध। এकर्ण य अक्टन स माजून আছে, ভাহার অর্জেক করা সাধার বের মত। এই ব্যবস্থা করিলে এতদে শীয় সংবাদপত্ৰসকলের স্বিশেষ উন্নতি হইবে সম্পেহ নাই। ইহাতে গ্ৰ न्ट्रिट छेत्र अनिष्ठे नाई। প्रिमार्ग অল্প ছউক, সংখ্যায় যদি আরে অধিক হয়, তাহা অলাভকর হয় না। সংবাদপত্র विकास এক্ষণে জ্ঞানলাডের প্রধান উপায় হইয়াছে।

গ্রন্মেন্ট ও মিসন্রিবিদ্যালয়।

বিদ্যার যত অধিকতর অসুশীলন **इहेर ७८६, ७७३** भिनन तिमिर्गत छेरमना সিদ্ধির ব্যাঘাত জন্মিতেছে ; তত্ই তাঁহাদিগের হৃদয়ে একটী ভ্রমাত্মক সংক্ষার বদ্ধসূল হইতেছে। তাঁহারা মনে করিতেছেন, যদি ভারতবর্ষের বাব তীয় বিদ্যালয় ভাঁহারা হস্তগত করিয়া नहेटक शाद्रिम, डाँहामिटनत इछेनिक्ति **१डे८७ भारित्य । मत कम नारत्रम उ**र्गहा দিগের ছন্দাসুবতী ছিলেন, ভিনি গমন সময়ে গ্ৰণ্মেক বিদ্যালয়গুলি শ্ৰেণি বদ্ধ করিবার ছল করিয়া যে একটী প্রস্তাব করিয়া গিয়াছেন, সেটী মিদনরি দিগের মনোরথসিদ্ধির অমুকুল হই ब्राट्य। मिननिवा बिला थाटकन, डाँका विगनिव विनालव क्टेट व्यट्न

र्गरम्ब दिकालम् वर्गका निक् कार्का मन्त्राह्मित स आभागा देशा अधिवारमें स्हित ভেছি। মিদনরি বিষয়েল ্ উপয ন্টান : শিশক আছেন সত্য: কি^হ £ (তাঁহাদিগের প্রধান উদ্দেশ্য डाहा, मद्भव निका श्रानी वर्धर्गरमः विमागिद्यत निकाधनालीत नेता व मनीत नम् , डेश व्यापका व्यानक नि मत्मह नाहे। भिचाळगाली नि विलग्ना उँ। हानिश्यत विन्तान 'छिन र्गरकेत विमानम व्यापका नर्सार निकुछ पृष्ठे रहेट छ । सिम्नल তালিকা তাহা সপ্রমাণ কারয়া দি : ५ ८ ७ । ८१ व्यविध ३५ ७१। অকপ্যান্ত নিমলিখিত ছালেগ্ৰ

निका क्षण, ब, बदर दि, न

क्शिट्बः---खना खना चित्रातिश

১৮৬৪ অন্দে ডাক্তর ডকের। পাঠ্য পুস্তক কমিয়া যায়। সেই किरगत विमालतमकल कलार्टम भव किन्दिक छाज अहीरकाछीर्ग इंडेट কেরিনার এন্পাঠের নিয়ম থাকিলে ইহা হটত না, তাহা নিস্লিখিত हरें एट ह विकेषि । স্থাম ব ৬৭ অফ অব্ধি ১৮৬৩ 260 र्गाष्ट्र १ कार भवर्ग**्यकी विमाधि**श ে ং ৭৬১ জনমাত্র আনো আনা ৯ : বইতে প্রবেশিকা প্রীক্ষা ा ... समरसत म**रशा भवर्गटमणे वि**नना ে ২৭৫ জন ও অন্য অন্য বিদ্যালয়ে ক্ষ এল**, এ, প্রণ্মেণ্টের ছাত্র**হিল্নের 5 জল বি**, এ, এবং অন্য বিদ**্রাল্যের শন ছাত্ৰমাত্ৰ বি. এ প্ৰীয়া : ाष्टि:हान । **भाठेकशन** कनदांड र्व. ≤ ः ক**ু ফল্টাদর্শন** করুন ;

2840

দেও লে: বিভু এটা লে মালা रामधानाः इत्राह्यः । शक्तिकान् । **ो भिमन**ि विकासम्बद्ध भागिकात মিশাইয়াদৰ্শন ব্রুন ৷

| 169.45 | 18845 | 100.45 | | 1484 | 169.45 | 18845 | si di |
|--------|-------|--------|----|------|--------|----------|-------------------|
| ช | S | ₽ | คม | 6 | Å, | N | প্ৰেলিডে সা |
| ~ | v | ., | | 6 | × | 6 | किंद्रमा द्वाप्तद |
| ٥ | ٥ | o | ï | 90 | 0 | ٥ | E 177 & |
| • | 0 | v. | | N | v | 6 | जे र त <u>्य</u> |
| • | , | 0 | | ò | • | ۰ | काशिहास मर |

গত বি. এ, পরীক্ষায় সর্বশুদ্ধ ৭৭ জন উতীর্হইয়াছেন। ইহার মধ্যে এক জন শিক্ষও দেও জেবিয়দের একটা ছাত্রভিন্ন প্রাথম প্রেণির ১৪ জনের मत्य ५२ वन नदर्गमणे हाज। এই ५२ জনেব মধ্যে ৰুজন প্ৰেমিজেনিৰ কালে জেব। ফ্রিড, জেনরল আদেখি, ডব-্যত টাল পোনিছেলি কালেজে নিটি उन ६४९ महीराया अधिक आएमत वास का. सामाह आह अर्जा अर्जा माहिता পূর্ণ কাথিজ্যাল কালেকের এক জন বেতনপ্রভৃতি কবতে সংগৃহীত ক জার: প্রথম শেনিতে উভীর্ক ছইতে াবো নাই। অধ্যাফী ৬৩ জানের। মাণ বাং প্রেনিডেপি কালেজ হইতে ২০ জন ; কৈ চল্ট ছটাতে আটি জন, জেন ় ব্যাপারের ইংকতে ও জন ; কর্মিড্রাল ে জন বৈষ্ণতি পত্ন কৰিয়াৰ্ণি; হইতে ৪ জনমাত্ৰ এবং বিশ্প কালেজ ন, একান প্রেমিটোলে কালে**জ না ইউতে ১ জন** উন্দীৰ্গ ইয়াজেন । ভবজন জ্ঞীরামপুর কালেক ভবানীপুরের লওন মুক্ৰাচা ভাহানিস্লিখিভ ভালি | **নিদ্ন**রিধিদাবিয়পুভ্**তি হ্ইডে এক** खन ७ जे जोर्ग इहेट ज नाहत नाहै। ণ গ্ৰণ্মেন্ট বিস্থালয়ের সহিত্ত ইহাতে কি প্রমাণ ইইতেছে 🤈 প্রেমি ডেন্স কালেজের সহিত্ফি চ্চ অথবা কংপিছাল মিদন কালেজের ভুলনা করা

कि जनकुछ नम्र । जात्म वास्त्र वास्त्र , ८३ ं एड चिन कारमध्य विज्ञत व्यर्थ वाह्र इ ুকি স্থানিমে যে তালিকাটা দেওয়া হ ্র ভেছে ভদারা দে আদ্ভি দুরীয় *३३*८व ।

> 6403344 E 4.3.5.3 (43°H ij

এডদ্বাল স্পাঠ গড়ীরদার হুইছের গ্ৰণ্থেণ্ট এই বিদ্যাল্যটার নিমিত্ত গ্ ७००० है कि वास कट्टन (१४) ह इन्ट्रेड महवाही सम्बद्धाद व्यक्ति : কোটি টাক। সার হয়, ভত্রত মর্ক্স প্রহ বিদ্যালয়ের নিমিকুএ ব্যয় কি আন্ मामाना नद्र १ मिननदिनिद्धत विकास কি অপোৰায় হয় পুকাৰিডাল মিং কালেজ দুটান্ত ভলে গৃহীত হ **८७८७। এই বিদ্যালয়ের অধ্যক্ষ ব**া সাকেব নিজে বেজনের য়েজিউরে স্ব: কং রেন না। কংয়ক জন অধ্যাপকে नारम ১००। ১৫० छे को कहिया (क হ্য : কিন্তু ইহাঁদিণের প্রত্যেকর 🕫 वाम देख परवद निकाल करमाना विनाम गार्ठ कविद्रक क्षेत्र इंडेग्राट्डम । कामार्टिय व व सारम स्कूल व्यक्षालम निकास थ এक्ट नाशाः तिङ्ग कम क्रिके छ।

……物趣 …

। व्यक्त को किमानी वेदिन समात्र के .. ্ল ছে। আপাতভঃ ভাছর ৮। ৬ শত া পুর্ত্ত প্রস্তিত প্রসংকার, জাব-মত্র।১ টী সেড় নিক্ৰাণ সাধারণের ধাজনক ছানে ২। ১ চী ফুটন রাস্তা এ । ং নির্গণের প্রশাস্ত প্রধানী প্রস্তুত ট (স্থুর হট্য়াড়ে এবং এডংকর্মাসম্পা त कहे निश्रम क्षित स्ट्रेग्नाइक (य. अक সর ওজনুসিরর স্পাদা তজাবধারণ रवन, वाःभञ्च छप्तः लारकवा नर्ताना पृक्तिः থাবেন এবং ও ভল সর্ক ক'বু মণে, মধে, क्रिया य इंट्रिया । এই मुक्त कार्य क्ष कालित भारत है जात्य हहेरन।

৩। রামের দক্ষিতাংশের জল ফুটাননীতে १ डिस्व'९(साजन वृत्स पांडल स्हेबा वॉट হয়, কিন্তু গ্ৰহমেন্ট রাস্তাদারা সুসীনদী ও প্রামের অন্যানঃ জ্ঞামদার্দিগের ছারা লংজালমের প্য কর্ ছঙ্য়াটে एड अधिवानी किटशद या इ. इ. पटनात स्य পর নাই হানি ২ইজেছে, ভাষার স্মৌক-গে রাস্তাতে একটারীটেমত সেতু প্রজ্ঞত ংমার নমিতা ও ৮ নার্যার বাবু এবং বিলেই . ১, ৯ ল গাংগতে নির্গত হয় তাহাঃ উপার ানাথ এশংকিত ডিপুটী কারু সদা জন্মুকুল ्द्रा.चट्टम । ८ ाना, डॅं(क्ट्टिन क्ट्रे व्याजह रव्'देव श्रीटक ।

৪। প্রসূসী নদী প্রমন করিয়া গ**রূর** সহিক श कहिया निर्म कृषि वाशिका अधारकार, কভদুঃ উবিচার ≻র, তাহা একে বার কাপন रभाषश्चकार्ग क्षकांग व्हेदाव्यस अवर জ্মদীর কিয়াদংশ পরিদশনপুরঃসর ইছ ন বরা যে অভতি কাবশ,ক ও উংহতে নক উপকার **হইবে, ভাষা মুক্তকঠে স্বীকা**র ৪য়াছেন ও সংগ্রন্তি ডিপুটীবারু ওভর সয়র বুও ইহা প্রদর্শন ক্রিয়া আয়ে দেখের s:বের সম্পূর্ণ ভল্মোদন করিয়াছেন এ**ব**্

अञ्चलकार्याम्यार्थ इतिहासम्बद्धाः त्याच्याचित्त हिन्द स्ववादक छित्रुकी बीचू प्रदूषक वित्यसंत्राण निवादका स्विक्ष भीकात कवि-রাছেন। আমরা কার্মনৈর্কিকে। প্রার্থনা कतिएकहि, फेक्स क्यान्यानि गांध्र त्रक् कृष्टि गांक পূৰ্মক কুৰি বাৰিজ্যানিত্ব দৰ্মানীৰ মন্ত্ৰদান্ত ভিঙ্ मिनाम छ । अवर स्मरतिशा पुरीकार नव अधीम উপায়বন্ধপ এই হিডকঃ জার্ছা সক্ষাদন করিয়া আমালিখের চিংকুডফাডাভালন इट्ट यम अही मा करवम ।

্বছকালবলপী মহামারীর প্রাছ হ'বে অধি कारम (लाक कामकविक स्वप्नारक वामने क्रमलपूर्व व्हेंब्राह्म ; श्राष्ट्रवरमव्हे क्रमलकर भारत अक अक अंति विकास मूचा शास शास्त्र अदर **उज्ञिनका नक्ट्रमुद्र विट्रम्य क्ष्ट्रेश इत्र**िकार कल किष्ट्रहे स्त्र को विक्र कियाता अन्तरमञ्ज्ञ है 'न क रहेक्का बत्तर दृष्टि रहा अहे निभिन्द अकरन अहे 'স্বুর হইয়াছে থে, জাললময় ভূমির্'অধিকারী'ঃ বয়ং অথবা প্রজাবিদীয়ারা ঐলুক্স ভূমিতে যঃহাতেভ আনবাদ হয় ভাহার উপায় কনিবেন । हक्तान सुन्मधिकः दिद्वहनाधः हरः ७ छ। ४ २५ সংখ্য নিমিত্ত নিক্র দিলেই এতিলারা আহাদ किरिष्ठ मध्यक कारहा अक्ट्रेश १३८ल हा অধিবাদী দলের কেবল অব্যুত্র সম্বর্জিভ १६८व शमा नाइ. १६७४ तः प्रशास विलयन नाज्ञ ३३१४ ।

७। এখানে একটা विकेष्ठितिनीमधान १४ পনাধ ডিপুটী বাবুধিকেষ যায় প্রকাশ করিয়া :ছন : এখানকার যাবতীয় সাণার**ন হিডক**া कार्यः अहे प्रज्ञात अभेरम प्राप्ता हत्र होहः पः सः সম্পূর্ণ**কাভ**ন্মত। এমের সীরো উল্লাহাভ প্রায়াপুরার কাষ্য করিয়া জ্বাপনালিরের হিন্দ সাধন করিতে প্রস্তুত হেটাচেন : বোধ করে व्यक्ताओं विदिवादत ই≽'त्रं धन्य व्यक्तिरस्य∙ इंड्राम्डा किल्ला कार्यामाविनी ६য় अ॰६: : মাপুনার গোচর করেব। 🕹

ৰ । ডিপুটী বাবুকে ,যরাপ গুণস'পন ুক্ত বেলসাহেবের স্থীপে এডন্থ আনানে বলিয়া আমরারবের কান্≱ছিল বচ্ছে ভাহাছ ও হইর জিল। গতে ডিনেম্বর মালে যখন : প্রত্যেক্ট্রত হইল। লোটেক ইথাকে যেরুণ ও নি এখানে শুক্তাগমন কার্দ্রান্ত্রিন, ওখন । ব্রামেমাণ্ড্র বলিভ, জ্বীকার একটীও আহে: রো ঐ ননী খ্ননের কথা পুনং পুনং উজ্পেন 'পেড বলিয়া বোধ ইইল'ন। শিক্ষতা, সদর্ভ রি। তৎপরে তিনি আন,সারিগকে সঞ্জে লইয়া স্থাডীর তাহস্ভতি বিসকল গুল থাকিলে मञ्चानात्मक्र यथार्थ (कोत्रताणः। इध देशादः ভাহার সকলই বিক্লাম আছে বিস্থেত ধৰ্ম জীৱতা, অমায়িক্তা 🕫 দীনস্থালুভার लक्षा मर्रवाहे खाँकात भूचम छ ता न किन्छ हसू। 🎾 রাম্দ্যাল হোষ ল ३৮ এ अ समाति १ (वप्रकाशनी वस्तिन) त्था

''अक्टमनीय नश्यामनाको अवधा नि स्टेबाटक र हेरा विश्वधानस्थानः नर्देस् । १० व्याप श्रित भवन्तिक छ विकास दिक्क इत क्या কোন বিষয়ের কলুগান্ধান কলিতে ক্সম্পূ জ আৰমিক কংইলে এই কথা বলিঃ 475年 यथम अध्यामभीक्ष प्रदेशक्ष अपूर्य 73 इंदेश भाषादेशिएक, यथन अल्लिनीए क्षरंज्ञ वात्रा हानि ह हहे खरहन, य भटकात भाक्षेटका मराच्या तृष्टि व्हेटका मरवामभटकात विक्रटांक तम दमामादवार ত'বা কড দূৰ সঞ্জ ও ভাৰার কারণ -क्ष्य निकास करा कर्डव र अवर (व देनाव व इंडेब्रा थाएक समारमणी वास्त्रकि 🧖, मश्रामा अकाष वार्यम का क यदमयीय्रनिशदक सिका किया छ।इस्तिद्रश काम कतिएड ठान, 🕏 शहा आधनात मण्ड ना बंबेरन अनिरहेदरै छिरलिख स्त्र ांरान এক্ষনে বাসনকর্তারা স্বাহস্পত্তের জনেক धवन करतम । रखाउः शेरकामभञ्जनभूह अवः . টঃ অসীম ক্ষতার এক ম আরু সীমার ছিয়া भगतास अध्यक्त मरवान (न्ट्रम क्रब्स स इन (लाइनाब सम्हान्छ रिक्ष अञ्चल सञ्च, जा हे छ तथा, दिख ४ इतेशा , शक्त । क्योमात तूर् (न सार्क रश्व क्षी न (ते॰ अखिकान स्**हे**रा · থম, সাংগদির দেশের দরের এরুপ কণ্ড /लांक अ_रारन, जीहार धार प्रश्नुत श्रद्ध कत्याक् त्राष्ट्र स्टान सः । अर्थे केलेल ্দ্রের ইণ্রে সংশদপাক্ত নিখিত দে অলুবন্ধ থের ভারে ধয়, কাহারে প্রায় 📽 भारक शहरा हिस्स्रण यम्ह्या मण्ये 44(3위 A)()

- minimum in it have no francisco and a commence of

ভাষা ংরের লেখনের জন্মানং 의(군짜의 24위 t ' 제3 제 5, 거론의 기존주 लक्ष लोग ' अप्यदा स्थात कथ सूर ने ती और অ'না' দা'লু জাতীন যুক্তে ই ডিয়াস সক্ৰ १९ का नकत शुरुक्ते ''नाम नाम " (ना युक्त महिलाएक । अक (लाक थाका महा मा, छान दक्षा छ त्यस्यता संव बाह्य ह हमा करहर माहे। ब्रेमालीयन कारनय हैं, র হয়াছে। **হ**তে ব'সমা সিদ্ধান্ত করিছে अप्रभाग महरूक म्यूनिटक वर्णन करिया । কৈর করিছে চ∱হি না। এই নিুড় इड्रेड (४ मुक्त)न मश्याम व्याव्हत 🤄 ওলির মধ্যে,∞অসুডানাথারুক. थ'टक । यभित এक **कान कर्मा**ठाती . ल्ह्याचर्या कर्दम, मारकार्या

লাংকার কলিয়া বর্ণিত হয় । সম্পাদকলিগকে গ্ৰেক সময়ে সংখ্যাললাও রৈ উপৰে নিউ-: চরিতে হয়। এড-এব মধ্যে মধ্যে থে অনুস্ক ९ दान अर्थ १९८७, उट शत्र विकित कि है कि सुकुछ ব্দুদ্ধের সংখ্যার পরি হ'ও কইয়াছে ৷ হঠ न क्षे जरामाध्य एष्ट्र, एकः ্ব ঞ্জভাগীর ভারে হইরাছে। কুড 2.7 प्रशास्त्र निर्म थान याम मा। इह , পর বিষ্ণাপে আহি**ও সভর্কতা** ১চ গমরা সং**ৰাদ/পারসমূহে**র বিষ্ঠে .सं.क भारत, **यह**े हुई म'न- ऋदूनक'न p কোন বিশ্বপুনা লেখা একচন भ**ु त काक्राम (क्≷मा मा**क्∣हेसाह ys र इच्छेन।निर्देखन क्रीस्टनःथ इध्र वा अक ६ ७ अवसी वन वा कि ५ इस्तर व कथा करनाम, कुल्बिट्स्ता ६ छ।म है अन्त करत्रम । मन्त्रामध्यक्रमान्धानरत्त्रा भुकाल **करण्ड कार्य**ाचान प्रदेश कर्विद्वार्यमा रोंडी खोरा कार्यम १ छीराहा हेरा व कार्यम ান কণ্মচা**ত্ৰী অথব**। প্ৰধানীৰ বিভা**ত্ত লি** শাল ব্ৰেণ্ট ভাষ্ট্ৰপঞ্জ কালেন ল জনস্থায় লোক য়মান ব√জিক মি গুৰণবালহাচারক নাম ्फ देव क **१३(वन क्यूट व**रम्हः (क ,क নী,ভর অনুধোটে নয়, ভার্যান্তরোগেও ्त्र फिटक अन्दर्भाग्न स्म । अस्ट तर्भ स्म भ< afr पूर्वाहा यालन, कांद्रविधारा हु हा करार रहत्या अटनमीक्षांभक्तः, विद्या ত ও কুসংকারবিশিষ্ট করা বিবেচ্চ বি.ক্ত હિ⊣ই অভিযোজ হয় না। *ক্ল*েড, আন্মন্ত श्वमहरूरित बलिएक शांत्र, कुर्बेद(४) त किश्नः च्छनिया किथा लिट्चन ह*े*। कित्तित श्रीवसम् **७३, काळ म**श्वर्यकार ः १८६म । कें। शामिरमात्रः स्माटमहे १६८ ।

ः ः दर्भोत्रः भण्यामभटकद्रः भण्यामकतः

विश्विद संदात **, इष्ट्रांश भावेटल** कार

ं देशका रहमन, इंटरबीच अस्यानमः द

. .ল. যত হয়, অনুস্ফ'ন ক্রিণ ভাহ: ২:

ে বাবিধাক কটাতেছে। অনুস্থাতন জ**্নেক**।

रुकान ११५ मा इक्ट इंट्रेस्स्या

ी प्रदेश-समाप्तकन साक्ष्मित है। इ.स. १९८१ व्यक्तिसाक्ष्मित है।

ি ভূমি পৰে সমুক্ৰিভালীয় কৰ্মচারী

मृना शाखि।

ঞীয়ুজ বারু হর্মদাস চৌপুর: মুক্তাগ্রা ১৩ ^{२ १} नदीन**ऽस्त करम**ां भाषात **श्व**कः ি প্রিক্র কারা সম্পূর্ণ হিলার হলিয়া প্রতঃ বিশ্ব হিলাবে ব্রেলাগারা**র সাভাগেতে** श अद्भृत क्यूनकान्द्रग्यः छित्त्रवः क ण देखारणा १००१ था कोमुकी विद्यास विद्याल । तम, देशांत्र मणिक चण्डा वर्तनाव छ क्टूर्त । চিপটেমেট

क वहनाथ दरमग्राभावाय सर्वास्त्राः

া রুবা আংকার বজাক রকার নিমিত্ত শি**শ সংক্রিয়ার যোধ বাড়ডাও**লি

n "ইশ্বিচন্দ্ৰ হ**ত** কোং বছৰ জোৱ

্ া বিক্রিলেন স্বর্গতির লিংখন ি টি কর্মজানে ভাল দিলেও ক্রিয়ক এল, লোরসাহের ক্রানগর

विकात अञ्चलकात कहत ? (अनाव बाकि कि াষীর দোৰ প্রকাশ করা দুরে রাখিয়া কোন াঞ্জ ইহা লিখিয়াছেন। কিনে জাঁধার দও कत्, अहे कार्या यहवान **रहेरल**म । (माराह अञ्चलकाम नाममाञ्च **१६०। पेंड्या अ**स्ट. पंट ाकरक स्थारमन काकाश श्रीकात करिएला.

्छानि**टन ७ अरम्भी स्त्रता '** कि छ।नि. ি ে ক্যোগে **পঞ্জিব " এই ভান্নে একু** ভাবের 🖓 সুনা। আ ভ্যাচার কারী পদস্থ অংছেন, সুনে isca विशक्तक अक्षेत्र मा अकड़े। (श्राम घर्ष লাভিতে পারেন, এই ভয়ে কেহ যতা লানিলের এলস্বহানা। প্রাবেব এক জান বেপুট कश्चित्रमय अक वाक्किएक मध्य (मन। 🍕 🔄 🥫 🤄 আ**ন্মান্ত অংশীল করিছে গমন করেন**। পাছে वश्र कथा धकान इष्न, अहे खर्य निवस्ति हिंचू ए দর্ম্মচারী 👸 হাকে কৌশল করিয়া প্রধান আদা

लए ४३१७ (अप्रांत करिया लहेबा यान। अर्थ कर्षप्रादीत कि इहल १ देउँरतानीरवरा जानक সময়ে প্রক্লাবুর দোষ গোপন করেন, এ কথা ,काम का केन अधीकार कविरक सारिश्वन है

থাসালাভসমূত কৈ এই বাবহাটোর এম ৭ কটি ্ডেছেনা ৪ একে জান ইউরোপীয় সরক'র' ভ্রুবিল ভ্রুর•" বরান, চারি বংশর মেয়াদ

१३८४) कान अंतरफ्रमीय स्वीत्मारकत **च**िष्ट गर्छ कक्षम, मिर्फाधी १६(तम, এक स्रम, अखरामी-

बुटक वर करूब, इंडिस्टार्लीझ खूब्दद्वरा डाँस्टरक সামান খাঘাতের সোধী বলগেন। এইরপ

ন্মোকার্তে এডাদেশীয় সংবদেপত্রসমূহের कथा श्राप्त श्रद्धांत के हे में हैं।

🗐 ব:--

্জ শ্লাখন্তলে মুখোপাধ্যায় হরিনাভি ৫॥ নিরিলে ওঁছোকে প্রথম ভিন বার প্রতিবং জৈ মহাসাজাভাগা প্রায়েল ব্রেছের কটক ১০ বিনি অধিক কাল বিজ্ঞাপন দিবার ইন্ছা ক

ত্রীযুক্ত আই, সি. গেছেস পুরী

भे महमारमारम महकात বিদ্যালয়

--:0:--

বোমপ্রকাশনংক্রান্ত করেকটা বিশেব নিরম।

আলে মুল্ভি ভাক্ষাস্থল ন। পাইলে বলৈ সোমপ্রকাশ প্রেরণ করা যায় না।

ইহার অভিয়ম মূল্য বার্ষিক ১০ টাকা ৰাণুাসিক ৫∦∙ টাকা∍ মফসলে ভাকঃ শ্ৰেড কাৰ্ডিক*১০, ৰাল্ডানিক ৭ এবং ট সিকা**৩**৸•।ভিন মানের সুংলে আন্তর্ম এহণ করা যায় মা। এতি, বরাতি চিঠি. অভর, নোট ও স্থাপে টিকিট, ইহাৰ আ যাহাতে য[়] হার সুবিধা হয়, ভিনি সেই बाता मूलः उधहन कहित्वम ।

ৰাঁহালা ষ্টাম্পটিকিট পাঠাইবেন, 💠 যেন এক অংথবা আলাধ আগনার আংধিক মূ ও রসীদের টিকিট (এর মা করেন।

ৰখন যিনি মফক্ল কটা চামগ্ৰক धुना भारे हेर्द्रम, छाङा त्यम तर्ता अक्षेत्र क **ब्रीयुक्त कावकामः च**ित्रताष्ट्रगटसद्व मार्ट्य ल हेब्रा (ध्रमः

ৰাই দিংগার মূল। নিবার সময় ক্টাণ্ড। व्यानिट्व, - अकमान्युः तः । हे.स्टाम्ब्यट्वः লিখিয়া জাননে ধাইবে, কাল আন্ট্রিড ১ **গেলেও এ**ক বার চিন্তি লেখা ১ইণুব, ভার্যর একমাসকাল প্রভীকা করিয়া কগেজ বড় বা**ইবে।** শেষ কারের পঞ্জ বেয়ারিং প্র हर्दे ।

মাজনা বেলভায়ৰ গোলাপুৰ ছেমনের গ ষরে চিঠি জ.টালে আনবা শীত্র পাইব।

যাঁখারাম প্রানালয়াপ্রাদি প্রেরণ (वम, क्षेत्रकारणात सम्हें भाजानि अक्ष र साहेर्य मा !

 জহ সোমপ্রকালে বিজ্ঞাপন দিছে ই ণ ৷ আনা ডাইার পর ৴১০ আনা দিতে হইতে

ণ 😅 এই পত্র কালকামার দাক্ত পূ २० **माञ्जा जिल्हास्त्रत** स्थानाभूत छिन्द्रन्त साम) • চালভিপোতার ত্রীগুক্ত মারকানাথ বিভ १ कृषर्वत वातिएक खारित्राम्याः लाक्ष्याः १० विकाभित हुन ।

का मध्या न्यहरन । मञ्जान द्वाम य रिक पार्शिक्टनन केन्द्रन देव व्यक्ताहान রিতেছেকু ভারতব্যার ও ইউরোপীয় চয়েই ভাহার এতিবাস উক্তম্বে করি ছেন। তথাপি মস্তিল্প অমগ্রহাচরণ हरक निवृत्व एरेएक्ट्स मा। अक सन ধাতে অন্তীয় জেলাপতি বলিলাছি न् नाकिनदात्रा नकल कास हरल, किस् जिस्सत উপরে বদাচলে না। ইছার ৰ্ব এই, বিদেশীয় শত্ৰু ও স্বরাষ্ট্রের দ্রোহদমনার্থ বল আবেশাক ; কিন্তু ণ্ডারা অভ্যন্তর্কাণন অভিশ্র অম नकत्र। व्यामना प्रश्चिक स्टेलाम, इर्ग ति मञ्जिगन स्कित्त वरणत छेल्ट्स सिर्छन রিয়াকার্যাকরিতে**ত ছেন। ভারত ব্**রীর া কোন বিষয়ে ছঃখিত হইবেন, কোন ষ্ট্রে ইং রাজ নামের কলক চইবে, াহা তাঁহার। এক বারও চিস্তা করেন । মল্রিগণ কেবল দ্বাদ্লির प्रंतरिक वाद्यमश्रद्भन क्रियाहेन! শংশ:লইতে**ছেন। যাহাতে জাতি**র नक रह, स्म माच कि यथार्थ नाच १ রতবর্থ **অপেক্ষা ইংলগু অনেক গু**ণে ী। আমাদিদের উপরে অভ্যাচার রয়া আপিনাদের করভাব লমুকরেন গুও ইংলওীয় সক্ৰসাধারেবের আংকি াত নহে। কেবল মন্ত্রিশ্বণ এই কেইশল

🔨 রাজপুরুষ্দিলের স্বস্তাতি

লেম্ব করিয়াছেন।

পক্ষপাতিকা।

वद्मरमणीरम्बा विषयविर्णास इंडेरवा গদিগের জুলা, অববা তাঁহাদিগের পকা অধিকতর ক্ষমতা এদর্শন তেছেন , কিন্তু তীহাদিশের অপেক। রুট পদলাভ দূরে খাকুক, তাঁহাদি ৰ তুলাপদত্বলাভেও সমৰ্থ হইতে না। এমন সুসভা, এমন গুণজা গ্ৰ मर्ग्छेत व्यथीरमञ्ज्ञ यि क्रेमूण विक्रमण

ব্যবহার হয় তদর্থ অবেকে বিশ্বয় একাশ कतिहा शादकन : किन्न के क्या का म्टिनेत मत्न मनुगाज विश्वासंहरभत चारि ভাব হয় না। জেত্লাতীয়ের। আনায়শই গर्काञ्च रहेश थाटकन। महेटरजू उत्तराहा প্রাণাত্তেও বিজিত্তর সহিত ব্রেক্র कारण ममक्षा छ। अनुमारित मधा इस मा। त्म ममदत्र जैकिशिएशत क्षमत्र इहेटक अनिर्वामि खन **च इहिंछ हहे** शो गात्रा এই হেডু বিজেগীসুবাজিক ধধন কোন দেশ জন করিতে যান, তক্তর লোকেরা উচ্চিকে বভ্তর সদাৰ भण्येत्र प्रणीन कडिटलंड सहरक डीहार শ্বীনতাসীকারে অসুরাগী হয় না। ভাঁদার অধীনতা স্বীকার করিলে ভিনি তাহাদিগকে অভীষ্ট বিষয় হইতে বঞ্চিত করিয়া রাখিবেন, তাহাদিগের মনে এই আভিক জমে। এ আশ্ল অসুলকও নছে ৷ ফলতঃ কেতৃগণ বিজি जिमिश्र कि यक्ति मसकक क्रेटक ना तनन, डांशटड बान्डई। नाहे। बान्डई। बहे শামাদিগের জেভ্জাতীয় রাজপুরুদেরা আমাদিগের যোগ্যভার অপলাপ করিয়া আপনাদিগের সাধুভাধ্যাপন চেন্টাপাইভেছেন, আমরা যে পদের यांका इहेग्रांहि, आमानिकादक সেপদনা দেওয়াহয়, সভা রাজগণ উচ্চিদিগকে অন্যায়ও ওংশের অনাদর काती विभिन्न निटर्मिन कतिरवन, उँ। हा मिर्गत **এই भका। এ**विषय वावहात्रहाता রাজপুরুষ্দিপের কেবল যে স্বজাতি পক্পাতিতাদোষ প্ৰদৰ হুইভেছে এরপ নয়, আমাদিপের উৎনাহভক হই তেছে, এ ব্যবহারে আমাদিগ্যে উন্নতি, পথে কণ্টকরোপণ করা হইতেছে সন্দেহ নাই। পাঠকগণ অভিনিবেশপূর্কক নিম্লিখিত প্রধানি এক বার পাঠ কক্লন |

श्वर्रमान्द्र का कि क्षान ভাহা অপনি ও বোধ হয় ভাপন পাঠকবগ ই আ দেশ। সমরে সমরে ও শাপনকার 💐 রাজি ও বাদাল महामद्वता अहे जिलाई मदले द दियत ग्रेम य राजार्क्तामन कतिहा বছৰার এই ডিপাটনেটের খভাবা किन्द्र (न कथा जना जामात रकता वह किलाहे न्या के जागारमक रमनीत চারী কতগুলি আছেন ও ইংরাজ ম क्रयनिर्भात जुलनात्र डांशास्त्र अवस् वि ইংটি আখার অদাকার বজবা। ম লড কেনি বাহাছরের যার ও অভুগ্রহে মুহা নগরিতে ১৮৫৭ খু ষ্টাব্দে নিভিল রিরারিং ক্**লেজ স্থাপিত হই**রা তাঁহ के मारहकाम करम जार्ग जार्ग कर সস্তান এপিনিয়ার কর্মার্যে পরীক্ষায় উ হুইরা রার্থকর্ম গ্রহণ ক্রিয়াছেন। ই হা অনেকেই বিজ্ঞাতীয় আভাদিগের অংগ কাৰ্য্যদক্ষণ দশ**িই**য়া তাসিতেছেন। বাভ हें इाटमा बाग्न नकत्ल हे हे दे द्वालिग्रामित অপেকা অধিক শারীরিক পরিশ্রম কা স্ভুজ্পতি কাৰ্য্য সমাধা, করিয়া থাবে भवर्गाय बनान जिला रमति त ও ইউরোপিয়ান বলিয়া ইতর বি দেখা যায়, এ ডিপার্টমেন্টে ভাহার গজাও ৰাই। বোধ হয়, আইন 2 নকৰ্ত্তা ঐ ইতর বিশেষ রাখিতেই ভূ পাকিবেন !!! রুড়কি টমাসন কলেজের দূরে থাকুক কলিকাতা কলে স হইতেই জন প্রীকোডীণ হইয়ারাজকর্ম এহণ রাছেন। প্রায় ১. বংসরের মধ্যে উ দের ৪ জন মাত্র ১০০ একশত টাকা হা আর্ঞ্ করি:। এত দিনে ৭০০ টাকা বেং প্রথম শ্রেণীর অধিষ্ঠান্ট অঞ্চিনিয়ার য়াছেল, ইহাঁদের সমকাজে যে স শহেবেরা কর্মারস্ত বিলাভি **क**[ि ছেন[া] ওঁহাদের অধিকা **শই** এব কি টিড ও স্থারিকেতেওেট একিন < **देशोट्यन । वाकाशिदात** ল ড পর্যান্ত। সম্পাদক মহাশর। ভূঃখের **ব** পৰ্জিক ওয়াৰ্কডিপাৰ্টমেন্টনামুক যে ৰজিতে কি, যে দোষ এক জন ইংরাজ

व विवाही रे भग रह मा, मह सार क्टिमर के कम वाका जित के लित প্রাকে। বিচার ১৫ত দুর ! এত কান বালালি একজিকি টিড রপ্রভৃতি বড় কর্ম পাইতেছেন না ্ কেহ ক ঐ **কর্মের** ইপযুক্ত হয়েন ्कि. शवर्ग्ट • के बिट्ड ठाट्यांन ना २ २ हा ৰ্জব ডেকি নি**উ**দপাঠে অবগত হই ম যে, লেপ্ট •ট গবর্ণর বাসালিদিগকে সংহ দিবার জন্য **ছ**ই ৯ন জাসি ট সেকেটারিয় পদ সৃষ্টি করিতে তে **হই**াছিলেন: কিছু দিন পূর্বে গ্রে াত্রই অগদীশ বাবুকে গ^{িল} সুপরিটেট ট করিয়াছিলেল। তবে চিনি কে জনা গ্যতামত্ত্বে বাস্থালিকৈ একজিকিউ afa নিয়ার - চাত প্রাণা পর্ম অপণি द्राट्ट ना ?

রতেতি। প্রথম প্রেণীর আশিষ্টাট সার্ক্তন

স্থানির বাব ভেলানাথ দাস হাশরকে

ক্রিকিউটিভ এঞ্জিনিয়ার কবির জন্য
রিক্তন এজিনিয়ার ক্রেলিটিং ও

স এঞ্জিনিয়ার ক্রেলি নিকলস্ সাতেব

বিস্তাতিন বার ভত্রেধি ক্রিলেন ত্রাপি

বৈ পারু জ হইতেছে ন । তিনি কি

বুজ নহেন মা, র জালি বলিয়া দোষ

বিছে। তিনি শাস্ত স্তরিক বিছাপ পরি

বীল ও বিশেষ ক্র্নিক্ত।

উলাহরণস্থলে এবটি বিষয় নিবেদন

ক্ষ্যাচিং একাপ্ত ক্ষণান ষ্পার্থ বাদিনঃ

জনমুধ (সহার আন্তির

क - छवसीय शन्धीमन ।

ভানীর সিয়ারভানি থাঁ। পেরোন তথ্ন ভ হুইয়া গ্রন্ধ জেনবল্কে গ্রাম করিয়াছেন, ভিনি লাছোর ক মধালার আগমন করিবেন ঐ ন ভাঁহার পহিচ লাভ মেয়ের সাখাহে ব। আর্বাংগে হিনাব প্রদান হুই অব্যবহিত প্রেইগ্রন্থ জেনর্প

দোস্ত মহম্মদ খাঁ লাভ কানিডের রাজত্বের প্রারম্ভকালে নিজে আসমন করিয়াছিলেন। তিনি যে কারণে পেসো ারে আগমন করেন, ভদপেকা গুর তর কারতে ভাঁহার পুতর ভারতবর্ষে আগ্রমন করিয়াছেন। ভধন আমী রকে আছেবান করিয়া পারসাও ভারত-বর্ষ এ উভ্রের মধ্যতলে রাখা হয়, এখন সিহাৰআলিকে কৃশীয়ার মধ্য**তলে রাথা** আবেশ্যক হটয়াছে; আমীরকে কি अकारत भवान करा ४३८व १ व्यटनरक এই প্রস্থাকি নিয়াছেন। কেছ কেছ ইহার মীমাং দাও করিছে,ছন। এক জন ভার ভ্ৰসীয় রাজা আলেকজন্তারের এশ্র ক্রমে বলিয়াছিলেন ও আপুনি আনাকে রাজ্বার করিবেন। " শিয়ার আলির বিষয়েও আমরা **শেই** প্রকার প্রামর্শ প্রদান করিতেছি।ভারত ব্যক্তিত ইংরাজগণ সকলে। এই গক करिया भारकम (य. जामानिश्वत जुला चार (कह गाहै। हेक्कारा क्रांश क्रांट्र व्यालनाहित्वत भइषु अपर्यन कर्तन (य, त्म वर्गक्तिक हेडीपर्शत आधाना उ व्यक्षीनकः श्रीकात कतिएक इत्र, किनि ভাঁচাদিগের গবিষ্ঠ ব্যবহারে অভিশয় অসম্ভুষ্ট হন। যেপানে প্রিয় সম্ভাষণ व्यावभाक, (मशाःन देश्रांता श्राप्त नाहि আছে। করিয়া পাকেন। এই নিমিত্ত আদিয়ার রাজগণ ভাঁহাদিশের প্রতি অকপটভাবসক্ষর নহেন। এই বিবয়টী

স্মূরণ করিয়া যেন আমীর দিয়ারজ সহিত ব্যবহার করা হয়। কেই কো **उट्हन, जाभी**तरक करे जलाशार করা উচিত যে, ভিনি আমাদিগের মেন্টের অসুমডিভিন্ন কোন বিচ রান্ধার সংখ্য দক্ষি বিগ্রাহ করিতে বেন না এবং ডিনি ইংলাও निकर्षे कह श्रमान कहिर्द्यन (कह হাজারার কিয়দংশ শিবির স্থাণ ইজারাক∈িয়ালইবার পরাম≖িটি ছেন : লাভ মেয় এইসকল অস্থ বাক: যেন প্রবন না করেন। সিয়ার ৰ্বা এট জন আফ্ৰান। আফ্ৰান মধ্যে তিনি অতিশয় আভিম্নী ব বিশাভ। ভিনি হিরাটে পলায়ন ব ছিলেন, ভথাপি আজিম খাঁর দ স্থিরি ক্রিডে সম্মত হন নাই। এ2 অভিমানীৰ দিকে আপনার হাতে গ কোনপ্রকার সভাপ:শে বদ্ধ করি চেষ্টা প্রাওয়া বিধের হয় না। তিনি পাশেবদ হইলেও যে আফ্রা ভাষার কার্যে: অনুমোদন কঃ ∡রূপ বোধ হয় না। উল্লারা অং তেজন্বী জাতি। তাঁহাদিগের মনে এই অভিযান আছে আনিলার (कवल व्याक्शानिक्शात निक्रेड है (कता श्वाकि इ स्मार्डन। এখन ভাঁহারা ইংরাজনিগকে পরাজিত ক পারেন না, ভাঁহাদিগের মনে ব বিশাস নাই। অতএব আমীর রাজের কোন অংশ পবিভাগে ক যান, অথবা কাশ্মীরাধিপতির পদর দ্রায়নান হন, ভাষা হইলে ভাঁহ শাহ সুজার নায় কউভোগ ক ছইবে। আফ্রগানেরা ব্রিটিশ গ্রণ্ডে সংহত মৈড়ীৰজ্বনে সমত আছে, উচ্চারা অধীন ভাষীকারে সম্মত ন কোন ত্রিটিশ দৈন্য ভাঁছাদিগের মক্তিব্যতিরেকে কার্লে প্রবেশ কৃ उ क्रम्पाटक क्षथम (क्यांनक क्रांक क्रिके क्रिके मसुद्र मि. अ.म., का हैकाक मार्ट्य स्त्री য়ারি আহব্যি ১৫ ই আগাসুরারি ছই এই लंक्य इक्ष्यार एवं श्राफिनिधि प्राप्तिके इकि निवादित करक कविद्योद्धन !

ভৌর শ্লেণির পরীকার্য সহক'রী ইস্ভিনিরর १डे. .as, माहेसिंडरभन भारत्य शाहिना রু:স্তাবিভাগে ক্মিড হইয়াছেন। ভিনি b: कटकत ১৯ a] ভिरूपता पूर्याटक के েখন করিয়'ড়েন :

- এ জাতুয়ারি। চুর্প তের্ভার একেলি টিব ইঞ্নিয়ৰ এ, এফ. ওয়াটসন সাহেব জালুয়ারি অপ**াছে বহর**মপুরবিভারেন लक्ष्मार्क्स ।

हुनं (अर्.नम् अक्किकिक्किकि हैकिसमूट নেসফিলভ সংকেব ১৯ এ ডিবেমর পুর্কাকে উক্ষ রাস্তার পি নীয় বিভাগের ভার কট **a** •

তুর্থ ভোগর একজিকউটির ইঞ্নিয়ার সি, আনডলি সাছেব ১ লা ক্লাভ্রয়াহি হে কলিকাভার গাণিকান ইফানিয়াবের লে কাগমন করিয়াভেন।

প্র 🖼 নর সহত। 🕄 ই জান য়র 🕏 🤠 , ক্রিমেটসন সাতের লাল্পেরের, বিভীয় ণ ≱ইতে এবিড দুক্স রংস্কার ভারে বদলি

চথম ডেলিব স্টকারী ইঞ্কয়ের বাবু নিংপ ভারতিষ্ঠ ন্দীরা হইতে চাকাবি त्र बन्धी क्षेत्रसः।

ৰ গায় কোৰৰ স্মীকৰ্ম ও জবসিয়ার **বা**ৰু জন্ত মাথ মুকেপোধনয় বিভুদিনের য়ি মত सरी व छ, श 🗦 🚉 ५ १०कुमात 😮 श्रुम রে খ'ল বৈ ভ'লে বস্তী ইংহ'তেন । জৈ ন हें अपञ्चलात श्रृतीहरू कालम कंपल्डाव ष क द्रध्र'र∌न ः

২০ এ জারেরারি। চরুন জেনির এক।জ টেব ই ঞ্লিয়য় এক, এম প্ৰেটেৰণ সংক্ৰেং है अञ्चावेश्वर्तास्क शक्तः सनीवेक्तारशयः : এড়ে ক বিষ্:(চুন :

व्यामानिरक्षत लार्हातक मः वामहाका খিয়াছেনঃ —

-শৌষ ম'লে যে এক প্ৰতা কুটি হইয়াছিল , ছের সমাদ্র নীকি অধিক। বিবাহিতে আছিল । এ,জনেল জাটি দেখিয়াচি।৮১০।

काशास्त्रहे (क्षेत्रक्रम अक्षेत्र महामाश्य (वर्णभावन ক্ষিয়াছে : মধ্যে মধ্যে বিলি বি: হ'ত নিবি িং বী नकरम ६ ज्यास अञ्चल व किल ज्यांत्र के क्या व क्या व (गायानियन क्षेट्ड च्या छ। देखेनरथा'य 8. क्षाम **१२ इहेरव ३ किछ এ**ई हुकू **१८५ (घ**। फ़ाइ **डाटक का निट्ड (शटन ०-।8 ॰ डोक) बाद स्त्र** । महातारकत त्य काइस जिस्दी काशायक अहे कल दाखाम (तमक्द्रक कदिवात मृदिश) भागा प्राटमहे कदिएक शास्त्रके किया करे म बाबन करणी इंश्व छात्र्य छेरताह (मधा साम्र नः। कर्दनः मालबाब मारहरवड़ कमार्गिहे इंडेक वा (व काम काइटन्ड रेडेंक इ.कि.क्ष्य करना अक्टा (चायनः भाव वास्ति इतेशाहिल अ देश्ताक्षात्र अध्यत करे किइ यान (मञ्जूष क्षेत्राहिन । कारनाक वरन :शायनाञ्चराष्ट्री यकु कार्त्तः इटेटल्ट्राक्ट ना । या*र*ा ₽केक, अन्ति द्वांखा होत्र सन्। अवही इसिनियाः অংশেক দিন হটতে নিয়োজিত আছে গ কিছ उवालि जानबार्भ (नव स्ट्रेड्ड न।।

আরোর পৌছিয়াই শুনিলায়, তথ্য ক্রা भक्ष वम्**ष्ट्रदा र**शद शाष्ट्र के 'व क्षेत्राहरू । शख किट-बत मार्य नाकि ६०० लाक जे द्वारशत कारह প एक रहेब्राट्ड। अहे ७८व मा श्राप्त म स स र १८७ भादिलाम् मः।

(त्रम् प्रदूष व्यथनकार्त्वनार्द्ध व्यक्ति अभन भृ चितीय महश्र खुळ गक् छ। कम्हल (श्रीचंद्रारङ्ग शुक्रतार अभारत काशव वर्गनांत श्राह्मक बाक्कावा एक. सम्बद्धाना ही व इसंब एक समाप्त (मर्थनग्रह) में जिल्ला कार्न कार्य (मरकरन्तर বাম বনুমার অপর পারবাড়ী এডমাফৌমা হাস: বংগও দর্শন মনোচর। আনাদের দেশীয় আভা . चट भर्म, यो हादा कां आश कां त्रिया अनुकल (अर्थम माहे, डॉश्रास्य मक्टबर्ड बक अक यार (सचा উक्रिक । **व्याधा क**केरक शांक्रियाव' . ष्टे १८म नाभित्राभ चात् এ की : ष्टेतरम याहेरल हे দিলি ৰাওয়া হটত গকিছ তথায় বসভাবে:গো লয়'নক প্রাকৃ'বে শুনিয়া ঐ স্কানে অধিকলাল[া] ভংগৰ দিবস এক ৰ'ৱে পঞ্চাৰ ৱেলপ্তৱে সহ কারে অহালায় পৌছিলাস : অহালায় ভিন দিন ভিলাম এখানে অঞ্ন দেভ্ৰাত বাজানী অব ংশতি করিভেল্নে। এখানকার বালালীদের নধেং অনেকেই ওলিও গাঁলার আল্ডেডাব সভা। আবার একটা অ'শ্চরের কথা শুনিলাম Pহাশর গোয়লিয়ুর চ∷ডিরা অব'ও'≥ ্য, এখানকার মান্য, বিজয় আবাখ্যাধারী ্রেসিটেড অনুট্রিটেড ছরিবরণ লাসংক্ষেত্র অনুনক বাজালী পরিবারের মধ্যে একটী ন করত অতীৰ প্র^তিলাভ করিলাম : বোধ - একটা বেশাং রাখিস্থাছেন : **প্র**ীর **অপেকা** বেশাং

नार्कि परेंग्स्य भेडिछ।ऋष्टारव क्रिन मारा फेरबराजी परेक्षा व्यानिकारका মুৰ ক্ৰিয়া কেয়, এই জনঃ জীৱা উ মন যোগাইয়াখাকে :৷ এটা বড় ফ मरह, देशरश्च मर्था कान धका ह দেবিলাম না: "

মংশাখয় আৰম্ভায় একটি বিষ

ষ ফুপর নাই সভটে হইলাম। ২ ৩ ব

कॅलिकाका मधील विन्हानश्चर के ছাত্র বাধু পরিবর্তনার্থ এবানে জা फरमात्री रहेवा, अक्की वक्षिणा क विद्रोद्धन, अहे विद्रागदत श्रीके र অধ্যয়ন করিতকছে। প্রথম (**জানী**বে कारा धाकुष्टिक विकास ब्रेक्टिंगनिए ভূগোল ইতিহাসপ্রভূতি ভাইটু বি পাঠং পুস্তক পাঠ করিছেছে। 🤫 वंश कारवात आकृष्ठिकं विकारन তত্ত্বের যেগকল কৌশলপূর্ব কটিন . জ্ঞান্য করিলার ভাত্তেরা ক্ষমায় কর্মপে উত্তর দিল। বৃস্ত্রের স্ইং মাজ্ভাৰা শিকার এত উৎসাহ দে वान्स इहेन, फाइंड विद्वन्त करू लाव (काम (काम क्यारेमद बाह्य सी) उट ह टाइव वाकाली कथा कहिटफ क इत्तत्वयुक्त्या कथावार्क प्रकलहे ८ इरल्ड मराञ्च, हेर्स वर्ष्ट्र लम्हाक्द्र। 🕈 श्रात्र, कांग्रा, लाहावशकृत्व धरम्दर्भ अञ्चलामानी कार्यम र्. व (मर्म्य अक्ही अक्**डी** शक्त हार्स (म बर्द्धकेट करेटे । है केद्रा व्यक्त्राहारम বঙ্গবিশ্যালয় প্রস্থান্তরপে নির্ব 1'(तम । हेहः (भव अतकः अ अज अनिष्य कादाभाक्ष भ छ उतिहरू ने विकासित्य माध्यक्ष करित्र इट्डी

ं कहाता कहें एक सुधियामा भर्य व्हेश्राटक । कालाओं क्रायक्राटन क मारम चुलिएव । जाना कहरता (कः ंदर्भनावरीं∢ मृत्यको व्यद्ध हुर न की चालिहर । अब इन्हें स्कीब (ः ६३८३८६, क्षात्राष्ट्री वर्ष समग्र अथ

प्रक:लवह बनावाल कता किं*रिं*ड व

य श्री काया कर्दर उप यह कदा विद्र

े मार्थास्य (लेंग्नेड्या (कवन

क्षिति । सङ्ग्राम क्ष्मिक । क्ष्मिक । क्षित्र । क्षित्र मार्ट्न इ**३८७ करनाक**त **যথ**ার্থ প্রিক্রভার পর।

মানিগের আহেলিয়াছে সংবাদ-

বিয়াছেন:—

দনের পরে আমাদিকের নদীয়া জিলার বিচারপণ্ডি এইচ, বেল সাতের স্থানা লেন। কয়েক সপ্তাহ অভীত হইল. ছেতপুর্দানা **কিটেট উ**য়ুক্ত মনরে; ণীয় পদা∰য়ুড় হইয়া বিচার∤সনে উপ .इन। **एक्किंट**हर यज्ञल छेरमाह अंतर्कारते शका उ समीतात তেপাৰীৰ ক্রিয়াজিলেন, সেট্রপে চরে'উন্ন ভ্রাছে । ইনি পুর্বের ্রারিষ্ঠার ছেলেন, তৎপরে ছোট

ভেজ চইয়া জননং ভেলার মাভি হৈ'র সহায় ভাসুণ নাই, কিন্তু খীয় खारमञ्डः अवर चकार्यः, क्रुम्ब्र्जन হে**ডু** গ্ৰণ্মেটের আইন উপ্নে ধারকের পদে নিযুক্ত হইরাছেন: नः नःहः, ইराट्ड अजिन भवर्गः गरः छ

ীপ**ঘরে অং**নক গুরুতর বিশয়ে রি**ডে হর**। ফলভঃ বেল সাহেন ন **অ** - _মচতুর ভাষতে এপদ ভাষ্টার জ **ই**ইরা**ডে**। আমাদিগের অভিনয

নেরো সাংহ্র কিরূপ, ফুরিচারক, প বিশেষরপ প্রকাশ হয় নাই। नगत कालाञ्चत कार्यश्चनानी जना

র অপেকা উৎকৃষ্টভাবে সকার কৰিকাভান্থ প্ৰেসিডেজি কলেভের চগংমাকরিলে অভ্য**ভিচ** হয় না।

প্রকাশে প্রকাশ করা হইয়ারিল

मश्रास्त्र कलिकाका (शरकार्ड) বি ধল প্রকাশিত হুইয়াছে : এবাং

ন ছাত্ৰ পরীক্ষাধী কইয়াছিলেন প্রথম খেনীতে ১ তন বিভীয়

ভূতীর শ্রেণীতে উত্তীর্ণ কইয়া ্কলেভো বি এ আেণী ংইয়া

ति अदिन है अक्रिश स्त्र नाहै।

क्षण (मधा यात्र मा । (कमर वाद्व छ। व्यक्तिकारण भटकाकात्र देहें ११६ । व्यवस्था नि क्षाहारकत सम्बन्धन अधानकात्। ग**ण वरमत हेक करनेट्रां**त विकासांभक माहेद गार बरवत अवरमा कशमास्त्र निक करनेरणव শোচনীয় ঘটনাসধলে অনেক ভাবনা ক'র রাছিলাম। কিন্তু তদীয় প্দে শ্রীয়ক্ত বাবু বীরে শ্রমিত এম এ মহাশ্য যেরপ যয় ও পরিভাষ সহকারে কার্যা করিয়াছিলেন ভাহাতে ভুতপুর্ন भिक्क २**६'न्ट्युट (भाक' काम्बार्ग मह**रन বীরেমার বারু গণিত নিকরে ६क इन्न विशक्ष शासनमी, हेनि इक्सिशक न'२मङ्ख्'रव भिकानाम करत्रम ।

> ১। হ'লবা নিরভিশর আহ্লাদসংকারে প্রকাশ করিডেছি যে, আফুলিয়া বল্পবিদ্যালয় ও পেণ্ট অ'পিনের গৃহ এডদিন পরে *ফুক্*ররূপ প্রস্তুত হইয়াছে: যে যে মহাশ্যের। ইহার নিমি**ভ সংহায**ংপ্ৰাম করিয়াছিলেন গ তাহীদি-গের নিকট আমর। অনুস্থীত হইল'ম।

৪। সংশ্রতি বার।কপুরের ধেধে ভদুইং াজ ও ব'ল'লী মহালয়েবা আনুকিয়াক হিতৈ যিণীসভার ভত্তত। এতেট ব'বু কামাখণ প্রসাদ মুখোপান্যায় মহাশ্যের হত্তে অভ লাভব্য প্রদান ক্রিয়াছিলেন, ভিটো স্মাঞ্চের অধ্নংগ্র'হকের স্মীপে প্রদত্ত ইইর'ছে।

का अवाय अरम्हम का देशन व शक्ति वड़ মক । শবং দি ভালকাপ উৎপর হয় নাই। কুব কেরা অভিশয় ভাবিত হইয়'ছে।

আমাদিগের তমোলুকছ সংবাদ-দাতা লিখিয়াছেন

) क्रिमिन स्टेन, अथानकात प्राप्ताकाः উঃ মাজিটেট জীয়ুক্ত বাবু যাদবচক্র যে,ৰ মফঃ यम প त्वारा वि. नर्ग ५ रहेम्राट्टन ।

২। গত २৮ এ পৌষরবিবার বেলাপ্রায় বেশিকাও এল এ পরীকার ক্ষুস অপরায় ৪ ঘটিকার পর এ প্রেশ্বীএবটী প্রবৃদ্ধ ছুকল্পন হইরা গিঙাছে। পুক্রিণীর বারিরালি न**ङ्क न** मारमानिष स्ट्राइन : এक्स কম্পন সহরাছর দেখা বার নাই।

৩। **এখানে ওলাউ**ঠার এত দিন কোন প্রায় कांबर किल ना। (कदन शुर्गकाम शकाम गाउनत প্রভাগত বঙ্গবাসিগ্র ইইডেই ইহার সঞার श्रीप्राटक । कथान (वाशास्त्र एक: माक्रिटकेने यात्रि भगरक मजनमाता श्राटक कविएड सम माहे। ্গাতিনসিপাল জীগুজা স্মিথ ডেপুটী ধাবুঃ এই কাৰ্যটি যে দেশের কভচুর

अर्थ अष्वतिमञ्जूष्टिकं धनावाम अमान क 💇 वर्

e । अवरमत अहै मशदम्भः चात्रक्रि त छात श्राम अचिक शहता मा कटिए हेत् म প্লেলিড 'হইয়াছে। ইং তে আনুমানিক आह : > • के कि । अहे हैं का (क कि के छ । अमाख वहेबाटका आहे मकत क'विचाता নকার বর্তম'ন শিঃ মার্কিটেট কারু যাদ্য .चाट्यत नामनकान्धी व्यंत्रीत हरेंसा थाः नत्मक् नाहे। क्षेत्रवृत्रक्षन, किमि की घी उद्भाग के अधि क्षेत्र। त्यादकत अहे ইতসাধনতাতে জীবনবাশন কলন।

আমাদিগের রজপুরত্ব সংবা माञा लिबिशारहन।

১। গত ১০ ইমাঘ আমাদিণের উ পুর্ম বিভাগের ক্লইনস্পেটর জীবুক্ত জি, .বলেট সাজের মহোদয় এবং রজগুর আঙুক ্হর ডিপুটা ইনক্ষেপ্টার জীলুফা বাবুহ রয়েগ সেন, উভয়ে কা কনীয়ায় উপস্থিত হা बहु है। वालक स्वामिका का लाजीका कार न अष्टे क्हेंग्रा 'श्वाहकता के निवन का किसे ইংর: জী স্কুলের বার্বক প্রীক্ষার পা.২৫ विक वेडवर्गक व्हेब्रप्टका कार्विमें १। स्वाधीत বাবু মহিমারঞ্জন রায়চৌধুনী মহাশ্র পুর वक्त पश्रक्त विक्रंत क्रियाट्स ।

मिट्न किकिए किकिए दारिक्षन इंड्या শ্দ্যের অনেক উপকার ২ইয়াছে, তথা এব সকলের মূল। সমভাবেই রুইয় ছে। বানে চাউল ক'াচা ওজনে উত্যয় কি আন ম োটা এক মৃণ্টভল টাকার আমাড়াই সে েবন ভিন সেরে অধিক নতু, লবণ 🗸 যুভ∕১, সের, দুইল হাড়।ত ছ্মাল্;, ড

২। গভ ভিন চায় দিবস হইল. এ

্ ৪: আমালিলের বর্তমান ভূম্পিকার জীযুক্ত বাবু মহিমারজ্ঞন রায় চৌধুবী মহাশ ব্ৰস্থতার আহিণ কঃর্য়া আবৃধি অত্যুদ্ধ আনস্ गाद्य मधुमात्र कांधा क्षणाङ ऋत्म निर्माह करि জেচেন। রার চৌধুধী মহা**লয় এই অল** বং :সই বেরপ বিশোরতি, ধর্মোরতি**এড়**ি नरकार्यः यत्रवान इत्रेष्ट्राट्डम, त्वान कति मद्दृत्वहे ·পত্নাম **উবস্ত** ক রচেবন সংক্ষ নাই ৷

नाती हेलानिक काम उक्रमा

व्यामानित्यंत कात्रहाष्ट्रीष्ट्र मर्वान-माठा निश्निर्ह्मः---

)। इनीयः नाष्टित्रः कनिरातः **स्**विष्ठात मान (यज्ञण आवमा)क, ठाएट (प्यान, आजधनम ं रेराइ निकिन्त भन,वान नजनकानक स्रेग्नाइ विवाद शांति सांत मुक्तान ्थ फोर्गत म॰ कद्रविष्णु र ः विवाद अकार्त CF : WINGT WINNING SENT, COIT E वन्ते रक्षारमीय शर्वस्थरनेत्र करणकः क्षेत्रामुक्ता असम्बद्ध किन्द्रमा कारहाहीत ও সম্পত্তির ভালিকা প্রধান, করিবায় क्षित्रारक्रम । त्माल्डेमन्डे शवर्षत्र (अ मिका া বোষ ইয়েব কমিগন প্রকাশ রূপে करिएयम, आप अब जाँगामध्यत दिएभाउँह েলাকের কথন অবিধান হট্টের না।

te die Bir & SF

খাকে ছয় লক্ষ টাকা দিয়াছেন लात महार व्यान इन्न के को स्व छन्। । जिसे ७००० कन्न शास बहेन्सहरून গ্ৰৰ্থমেট ভাঁহাৰ সৃষ্টি কোন সৃষ্টি কৰেন व**स्त्रकः कामानित्त्रत होका श्रेक्डि**वाद ভিনি সম্পূর্ণ জন্মলাভ কবিয়াছেন: স্ক্ডি পার্স।ও কৃষ্টিটে স্মান কাব e. लाए (अह निम्ना वाहेबात शूर्ण বর সহিত সাক্ষণ ক বিবার মানুস্ক রয়া-এই সমরে ভাঁটাকে বোন সাম্বারা कता छेठिछ। यनि छै'हाटक निष् ≥র নু:ারু মালিক এক কক টাকা দিলে [†] াহা চইলে সোৱাজের আধুজ ও সীমা-बन, पेश्टक स्थान व (श्रुत्स, क्षेट्रे के विजे न अयो ध्या . भव (रिगट हेन्न व्यान अरू को हा **মটিশ্য কওবা। পলাতক**্ষুকুসাই ট শ্বাসীমায় কলে পোলবেগাগ কয় নাই प्रदक्ष कहा करा कर्चना ४**३:७८३** । **३८**४. म् । अ. अ. अ. अ. अ. देश सकरके अर्थ-তুগর নেকটে বলি না দিয়া ভুক্তপুক शैक्षित्रक कथा कहा यश्च व प्राक्षती है। र्वात, म इतन्त्रीत, आक्रान्ट्समत, मधुना पुष छ व्यासमीत्त्र श्रष्ट्र इति व्हेषार्छ । त्व श्राप्त सकत प्राप्त कुक्ति क्केटल्डक াইয়া বেস্কুর টাকার শসং এয় করেন : । জন বিশ্বিদ্যালয়ের ৮ 🗷 ।

क्रहेर्यम् नः ।

अगालीत विश्वित आरक्षण कहारक छन्त । शक माक्षण क नकार्यक्रप्रदामनाज्ञत्रम् संस्कृत भारतम् कर्विद्योद्दश्य । (स.च. अभटन ्यीकात्र क्रियाद्वम, भवादी श्रनातीत कामच कीफ हरे प्राप्तः, अवर अहे नरक त्मरक्षां नका वीविश्वरक [बुनायु (मञ्जूष कर्जवा । यथन **(क श**्रमण कैंची बालस, कथन मित्रमहर्स्डिक श्रन मित्र मुक्र কাল উপস্থিত।

উক্ত পত্ৰ উক্তিশীল অংক্ষদিগতেক কম কথা किश्वा आर्थक का अक्तियात भागार्भ मित्राहरू । বৈভব্যীয় প্ৰবৃদ্ধ এপ্ৰভে সিহাৰ 🕴 .मधी इत्रक्षा व्यमञ्जय । व्याष्ट्रदर व्यामाहिएल-देव दिनों न क्यू मिरशत श्रदाम काम। सूखः नवारक के ईनरन्द्र अक्रमं क ल्यामा का निवाह लन. कि इ " भक्त श्रांतन हरेए बाक्स आति য়াছেন * বলিয়ং আজ্বন্ন হয়। খোল করভাক थाने एक ब्याइबर्स काथाय साहेट्स ?

> উক্ত পত্র বলেন, র'লা দিনকর্রাও সামান-প্র:মর্প দানব্যতীত বেঁওরার রাজার অধীনে क्षान विरुव्ध क्षेत्रहरू कट्टम नाहे। जिल् श्रम यह विविद्यादित्य अवर्त्य स्टेब क्रम्यार ना भारति मध्यक्त सहैर्यन ना। कछ,छ३६ भागमात्वरात्र शदर्वसम्बद्धाः अध्यक्षत्रात्व । अध्यक्षत्रात्व । अध्यक्षत्रात्व मर्ग डिलास। (म. बार्श क्षेत्र निस्कृत हो अ हात য়া**তে বছ ফৰ লই**তে প্ৰিলেন না_ং

২৫ এ যাঘ প্রির'ড়া

मालुक्त है किम रहतान, हाति सम है है। है ীয় সম্প্রতি মুসলমান ধর্ম ক্ষেত্র করিয়া ্রন। ভাঁচার। এদেশীর বন্ধ্র পরিবান করিয়া शके मञ्जीकतम च्यार्कन । द्वात्रक वहेर्त हेर्गावः मकाष्ट्र याकेत्वन । अध्यक्षाक्ष्रीके केनल वर्तनन, के विश्वा . भटनेत मार्य **म् श्री**य भन्न कता करेट न्हेन । লোগারের উদরপু এই প্রবাম গার্ম:

সম্প্রতিমান্তাকের এই छन অন্টর্নী এক । সংক্রোপড চইলাদ, সিকুর্ডও বৃক্তি আরেজিল দাখিল করেন ইণার ইণ্ডালী কেচ ছে। বেছ'রের স্থানে স্থানও জল ব্লিভেনাপাধাতে সব আড়েম বিটলটোন এফ কবিবার নিমিত এক বৌল্লানি ছে। পঞ্চ ে শ্রের মূলে এক কালে উভিতে ভাইসমা করিয়া বলিয়াছেন, ভবিষাছে। । इकेटल १ (त्रुप क्वेप्राप्त । अन्य स्वर्ध । अगल अध्यक्ष काथा धूर्व काट्यमन धांकिटक ৰুক্টি এইবে লা বলিয়া সহাদেশ্বর (সক্ষে 🖟 বেকিটোর ভাষা করেছে। করেন। কাট্টী এক

রু:🕏 নংখন মূল্য কম,ডেড "চন কংশ কাংগ 🐪 ্র:১ছংটের ছঘটনার জানুগ্ছানার্প নিম্বি व्यानकाल कृतिग्राह्म । प्रश्चित्र विषय विषय विश्व वृत्तिकाल कृतिमान करित्रहरून । व्याप्तिका · । के (सम्बद्धाः शाक्षेत्रा (गाम्बदाकः '्क्षे (क्षमदल এल, এ) । ४ ल नाइक्य लाखाः ≉हेष्टकः । ্ইল ইন্ডেড আৰশ্যই গোড়া মুগ্লয়ের, পড়িড হেবেনিউ ও গলিষ স্মস্নর এ, এফ, ^{বি}শ্লেষ্ট্রেড শ্রেষ_{্ট্র} টেলিএমে ভ .वलावित मार्डको (दलभाष्ट्रद कमनल**ी ।** सार्ट्ड खाइराड श्राकाम _{का.}इ. (१९८९) । ্ও শব ই ওয়া সতে ডি. সংকলে । শণ । । ই ঞুনিয়ব লেপটন টি কৰেন টেবের। পির বিপ্রেটি ব শণান বাংল হইয়া ছিল। যা

काम्यान्तर प्रशास कारश्रम स्वति । हेथि a, sains, ipis nicea net art 4 शतक मण्डानक। अकु स्नम अठामनीय লোককে কমিসমর করা উটিত ভিল∤ ক भग भगवेशूर्वक स्वरंभनी (वर्षः के বলিয়া স্থানীয় বা্যেস্প্ৰসভায় अर्थन करा बहेब्राटक व नहासनगर वृहे सन अस्मिने अधानिक्रिक रेन নর হন এবং রেলওরে কর্মচারিগণ ২ न यक शरमात्र देखन निवाहित्सन।

कावजन्दीव (दक्षक्रदा काम्मानि (अविव भक्रेश्शास , आरम्ब मिर्फ त्रक्ष सद्भा । क श्रृक्षवाकः नात (द्रव (mirelface at pin ette ger aff (लन ? वसरमभीक शवर्यस्थित कसन हें कि जिस्त अहे विसम् अवन्तिराक्षेत्र (করিয়া প্রতিক'র করের না এমি 🕶 려지(1점)

व**्क**ेष ह्रेस्ट्रहा 31./ : D ঃ টাকার সিকা Þ:1-15 2 * (李): 2.8 4 1 2 -1 € भ शवंसकडारकं

নিমুলিপিড মূলেঃ প্ৰেণ্মেটের ব

3. rat 1 3. r \$ (4) a 22:40 22:1 21 to

रेफ़्द्राणीय ध्नाहात ।

न ६२ ÷৯ का सम्बद्धादि। ∫ ३ সংক্ৰায়ে মন্ত্ৰী লোসাহৰ একটা বয় कांत्रप्राष्ट्रभा । कठाकुष्त्र कमाईवार्थः नि লচেংক বিষয়েশ পরি মত বংঘ করা ৄ≉ইবে

কু এক অবাধ বে'ছ'ইপ্র কু একিটী भाषमा हरा द दिस्तान शक्क अकाम

काइटकोन्डे सर्व वहासी बाउला करें. আছ কাল্পানির স্ভাপতিই এছণ ক **(∌** ਜੋ. ।

इंउद्राष्ट्रि मार्श्ट्यत पूर्क मान शक

ভাহার প্রতিবাদ কর্ম েন। গ্রণ্মেন মিক্ত আক্ষেপ করিয়াছেন ৷

পরা, ২৯ এ কা সুয়ার। এথেকা ইইডে যে ^{৽৽৽}∕র আসিয়াড়ে, ভাহাতে বোধ হইভেছে ্বিৰ্মেণ্ট পারিসের দুভসভায় কথা আবল क्रमीब मनावे धीमरक विकास करिया া ।, বফুডাবে প্রভুতের দান করা

्थन ०० अ का**ञ्**षात्रि। ख!**ए८कार** ५३ া প্রতিনিধি বিপলি সাহেব প্রতিনিধিত ড চু:ত ইইর'ডেন। কারলো ও আর नव क्षिकिं निविधारनव नारम स्व व्यार्थमन ভ'হা পরিভাক্ত **হইরাছে**।

उदार 'छ गार्नि काल्लामित अवाकिमित्र ্য নালীৰ হয়, ডংহা কোট আবে কুইস वानागरक महेवा वाख्या बहेबारह। ালোয়াবের রাজার সম্পত্তি বাজে আভিন

র প্রশীর মহাসত। সম্মতি দিয়াছেন। । উক্ত ওয়ালেকি দুডসভার মীমাংসাও ' तिश्लियुम्बर अक **शब्द स**हेश्रा **अर्था**कः তি হইয়াছেন। এীন দুতসভার কথা শুনি

এই **प्रशा**त क्रमणः वश्रम्ण इटेटण्डाङ्ग मीव्र भवर्षसम्हे अविषयः क्रीमटक महासम् CEA 1

পরা ৩১ এ 🗷 🗷 স্থারি। নিভয়াড সংকেষ রিকার ছুডকে উপদেশ দিরাহেন, ভুর-সহিত এীদের বত যিন বিবাদ থাকিবে, ৈ ডিনি উভয় গ্ৰ∢মেটের বার্ডাবাংক

F

গ্ৰৰ্ণ মেণ্ট বিজ্ঞাপন।

ब करमणीत व्यक्तिकेशवर्गहत्त्र

· मार्टिशास्त्र मात्री

' নিয়োগ।

ও অ অসুরারি। লেপ্টনান্ট ই, এচ, বিজ .1र्थ तरकाती (तरवर्शिके जनस्वयुद्ध हरू-

্ এ আহি সারি 🔻 মজর (জ. বরণ ছ'রভা থক আলে মিউ ঐ সপাল ক্ষিস্নর হয়

আব্বুটের ছোট লাগলতের জল বারু কিব্রুর রায় নিজের কমে। উপরে ভত্তত মাজিকেটের কা এ পাইবেন। 🗸 वस स्ट्रिन

२৮ এ छात्रुवार्ति । जि. अ. विश्वात जारस्य किङ्गित्वत निमिष्ठ भावेगात अखिनिधि श्रुणिय किमात मः दश्यदेक भागामाद्भेश सम्भी क ञ्चनत्रहेरने छः ने स्हेरवम । 🧬 😘

২৯ এ জান্তমারি: আড়ারিয়ার মুগোর মুলি করিদব্দ পুনীবার অর্ডগত পদ ওয়ার" भूरणक स्ट्रेटन्स ।

शक्य अप्राप्त अप्राप्त देशन कालि (२१८मन শাক্ষরিয়ার মুক্তাক হইবেন।

১১ছ ভাতুয়ারি অংশি অবাং যত দিন কার্টেন এ, ই, কারেল উপস্থিত না হন, ওড দিন বেপ্টনা-ট এচ. ফো, পিট শিবসাগবেহ ডেপুটী ক্ষিদ্নর ও আধঃস্থ জন্ম ক্ইবেন। ডিনি চতুর্গ শ্রেণিতে নিযুক্ত কইবেন।

নিযুল্থত কর্মচারিগণ ১৮৬১ আবেদ্র २.६ व्याहेटन व ४३२ थात्रा छुनाटत माख्यि होटे हे ক্ষমতার জুন কর্মচারী দিলের বিচার হইতে আপীল ভাবৰ করিছে পারিবেন।

বড়পেটার সহকারী কমিসমধ এ, সি. कार्यम मार्डिय ।

মজলদিহির অভিহিতে সহকাবী কমিস্কং লে : জ, এস ডাইবার্গ সংকের।

মঞ্লদিছির মুক্ষেক বাবু জিলকচল্ল ওপ্ত ছিতীয় আেশির অধীন মাজিটেটটের ক্ষমতা পাইবেন :

यक किम अक्ष, अव निष्ठे, (ख, दिक्क नाइ०३ বিদায় লইয়া অনুপঞ্জি থাকিবেন, ভড় দিন AB अम, विक्रंब मार्ट्स्ट २३ लक्ष्मानात् श्रांखिनिधि अधिरिक कारे के मार्किट के एक पुष्टि कारम हेत रहे(वन ।

फाछन्त है, ति, रिक्शि दिनि अक्सर विमान : মইয়া আছেন, ৰশে৷হরের সিবিল' আসিষ্ঠান্ট मार्फान स्ट्रेटरन ।

ডাক্তর সি. জে, জাকস্ম মেদনীপুরেং সিবিল সাৰ্জন হইবেন:

ডাক্তর ভার মাকলিয়ত ছাপরার দেওয়ানী क्रिकिश्ना दल्लाहाती स्ट्रेट्स ।

फाक्टब स्था, बि, कारणम (वहारवव कश्यक्त अरक्टरनेत्र था उ निधि थथान नहकाती रहेशा তথায় বাইবার নিমেত মেননীপুরের চিকিৎসার ভার সত আলিষ্টাত সংক্রম দীনবজু দভের इट्छ दिवात क्रमण शाहेबाटइन ।

৩০ এ জাপুরারি : স'হরণের ডেপুটি মাজি 🚵 🗷 তেপুসি কালেটার মৌলবী মংম্মদ লোহার ভগার বৰলী হইয়া ালামাউএ স্থিত হইয়া

(स्नुक्र मान्द्रिक एडन्क्री कारन है। ধ্ব বিজ্ঞাপন হয়, তাহা রহিত হইল।

ৰচ দিন এফ, উবলিউ, কে. বিজ বিদায় লইয়া অপুপঞ্জিত অ'কিংবন, ড ২৪ পরস্থার প্রজিনিধি ভাইট মাজি : ज्रश्रुष्टि कारमहेत है. (स. व्हिंस मारहर) करकत्र १० ७ १৮७२ करकत्र ७ काहेन तर मकसमात आमीम ध्वरन कड़िएड नाहिएतन

যভদিন ডাক্টর কে'লামাধ বসু (লইয়া ভসুপজ্জিত খুকিনেন, ডড়দিন স্ব প্রাক্তি বার্কিন কিলোরীমোহন সেন ক রের চিকিৎবার ভার পাইবেন।

s का त्याक्यादि। दाचेदशस्यद करि उन्ते मंक्टिकें । उन्हें कारमहेत সি, হামিলটন সাহেব মুক্লেরে,বদলী विशेष (कानित कार्योग माक्करकेटन्त क भःইद्या ।

জিহুতের সহকারী মাজিটেট ও কার্ .জ. বারলো সাহেব লাছরণে বপলী विक्रोप्त (अल्बिस अलीन शां**क्ष्यक्र**ेट) इ. च भाइंट्यम ।

ত্রিপুরার সহকারী মাজিকেট ও কার্ এ, ভবলিউ, ককেণ সাহেব সভয়াখা বদলী হইয়া প্রথম ছোন্র অধীন মাজি ও ডেপুটি কালেইরের ক্ষমতা পাইবেন।

ৰ ও য়'বালি ৯ ডেপুটি মালি ভৌট 🗢 😗 কালেটৰ মৌ দৰী মহম্মদ কামিল জিপুৱায় इहेश्रा माखित्केत्रेत्र कम्छा नाहेत्वन ।

২রা কেব্রুয়ারি। যড দিন কাপ্তেন টি, লৈউইন বিদায় লইয়া অসুপস্থিত থাকি ভভ্নিন মেডর ভে, এম, প্রেছাম চট্টগ্র পর্মন্ত অঞ্চলের প্রথম প্রেশির প্রতিনিধি গে কমিসনর হইবেন। তিনি পুলিষ স্থপরইকৌ मास्टिके ७ कारमहेरात क्रमण शाहेरक

रङमिन এ∌, এ আর, আলেকই সাঙ্হের दिलास लहेसा खळुल छ । विरयन क्रिय क्रवांशके, अम.क्रम् मू मारहत हिंहे ह अफिलिये निवित्त छ (नित्रत कम ३३८ জিনি জারও জে, ডি. ওয়'ড স'কেবের হইতে জড়িরিক কলের কার্যভার ১৮১ ক (ৰন +

भश्तिक २ द्राक्त वि**स्थात** ।

२६ अ १/४८चत्र च्याच्याचात्रा नास्यरभत् : १५ हे सम्भूताति । छात्रक्ष्यवीत् वर्गस्याः

· 河水區 出京 (東京大東京 中央下50 本名) বেশ্বটোর বলিকগণ ভারতঃ বিশ্ব ২০১ নিমিন্ত সর্বাহ্য ৬ ৬১.৯০০ টা কা এদ : াছেন। ইহার উপসত্ত বার্ষিক ৪ নত পাওয়া হায় ৷

া ু'ং কুষ চ ও ভ'লুকলারে বিবাদ আবিজ ছে।এটি ঃটব'রট ক্থা। কুবকলিংগ্র करक मधली क्षत्र (मृङ्या इंडेग्राइड, किन्नू করারেরা করে করেন্ড ভেপারেন চয় ক্ষক্তিগের সভিভ চিত वरमावच्छ कविहा अक कारल संभीनारवत **६३८७** तका कव. स्टब्स् कास खुल स সম্পূর্ণরূপে ভাঁহানগোর ক্রীভদাস করিয়া ः म्पूर्वासीमः इष्टल समीमारवदा प्रयुक्त वद्याच्याचाराहरू करःचमा। व्यर्के चावीसाहः ভগুৰিক শ্বা

बद्दि अस्तरलात् .च कास्त्र कृते भद्दिकः । लहेट ए क्टेटन, ए (हां এक क्रम 'का' न'मैं)। পুহইয়ােহ≽না অংশবটী আংজিয়ুকিনে খীড় ু স্থিকু জ্নাংক দে**ত্যা কইয়া**ছে

ভারত ব্যক্তির সভা জাতন সংক্তরেশ বহি y #: 1 सरगुरक अ.का निरंभद्र का समस्याद अङ्गास्टर

कसलाहुक त्य भाव कि रिग्रोटिस, खाँकी কঃশিত হ*ংমাহে ।* প**র্ধান ব'বুবেশবচ**ক্ত न के प्रकृतिक (ज्ञाची इंग्रं) महस्त्रम संहरूम শা দিয়াছেন রাজাবি গছের বিল শীয়া বিধি इंद्रेट्टा (केख्य कामना कार्यशक क्ट्रेसाम. ট সেক্ষেটা ও এক প্রশ্বংধা ভারতস্থীয় (ব্যুষ্টকে বলিয়াক্ষম, এক্সপ শুক্তর বিষয় क्षेत्र तर्वरमर छेत्र मण्डमा विधिवणः ৰা অসুচিত। সাধানৰ মত মেইন সাহেটেই লোব বিক্লে হই ভেছে । অন্ত এব নির্পেক हेश्रा कांद्र काइटल कि क्या हहेटन, खाह. |साथ**६/७८३| अ.क्या**रंग भवस्य सहस्रकारक किनगणन शामान के देशाहिन, है। शापा प्रस्नाह

গভ বুহুজেভিব'র ভাতত ৰণীয় সভা লাড় 胡真似体 电影电影照片 经时间 一个清楚就要开: 电闸。 मनः काञ्चनस्मनकार्वीतः (मधकात्रः रिट्यम রাজনীতি ভবলম্ম কর্য়া অভিন্দান কলেন ভংরত ব্রীয় সভা সেঞ্প করেন ন'টঃ সংজন ÷্ংকা(যমন প্রথম অভিনক্ষন পাইয়া অংক্রে: ध्य ध्यम्भीन कतियाकित्यम, लाउ भ्यस (यक्कण

ক্রয়াকি ডাঙা প্রাশতিক রিলেন ১

ह(दन ना≷।

भक्षांव दिन्द्रता भाव अक सन इट्टेर्डा शाल क ववात न न व विश्व क भी म क्या है है। ए स्वित खड़ सभा के हिया न क

16 1-116 3 4 4 4 4 WELL . 91.0 नक्षण दिश कृत्य के के कि स्तु हात कात करें । संक्रिक १३ ०० न १० में में से से से मेरे में के हैं है. ERI AE EIR # 4CE #8944 18 5 / 614. 4. あることを (日本)では ナツックタル [ed] (...) な・ कर्ण के कार्य के दिस्स के रहित के स्थान १ कब्रोहर्ड हार किथि। देव रहेवा बिल

कुछत्रभाग्याकात्मत्र साध्य मसीज अहर भारि शार्य दृष्टि इहेश्रार्≽। (यशकल खुभिरङ दीहर नभम नदा ब्हेब्राइमा छाहात आहे असह क्रुतियः হর্ল বৃত্তি হওরাতে পুক'রণী ও কুপসকরে क्रम इहेद्राटः । अभिक क्ष्माटम्ब विवय अहे अह নানে বংশাই ভূণ ছত্য়াকে গোমহিশের এক ·타 어(현취 (

हे। इसम व्या है दिया बरलन, मन्द्रार दे सूटन कुल्फान कांग्रम्य कर। डात्र कराएक (नारक ভাঁগার উপরে বিরস্ক গ্রয়াডেন ডানপুর্ন স্ত্রন उस राम मंलाभका मु २००० रामसा मार्थाः क.देश मकाहे व्याक्रमरवय (bहास व्याद्धन : म सम प्रतर्भात (मध्य'मन। ८८) इन करवन की কৰেল পেলির ইছো। এই নিমিতা ডিনি মূটন পুলভানের চরিত্র কাপুর দাব। কলক্ষিত করিবার চেড়ায়ে আছেন । মস্কটের বিষয়ে (बानएक के एवं वास्त्रमी कि व्यवस्था करिक्राइन । **७.३। अभरमनीय नर**हा

পুরাটের নিকটস্থ গনকাব্রামের এক ব্যক্তির कनारक छाइटन बाहेग्रास्त्र चित्रमा (म. अवर আর করেক বৃজিক এক ব্রিড ইউয়া এক া বুরা ন্ত্ৰীলোককে ডাইন স্থিয় কবিয়া ভাষাকে ভ্রা मक श्रव करहा । **₹७**%(%) ा । हाटक क्षांन विर्धां शह्य । शहर देखक मार्म अहे का छ इस कि स खाम ह ला (कहा है) (पांभान ক রয়ভিলেন। গুত হওয়াতে **প্র**াদের সেস ुद्ध क्षेत्र हैं की पर्यात अप कर्म । म. १६५५म এবং অব শৃষ্ট দিলের পাঁচে ধংসৰ করিয়া বেরাল िभार्ष्ट्रम । अध्यक्षण विकासालम है के विराध क(श्रील मधाक, करियाद्वन ।

अच्छ । एटप्रवृह प्रारम् क किया हुन है। क्यार्ट ी ्रकःक्षा शिका । च कास्टेश्स क. • ১०७১ টাকা লুড়িভ এর। মত্রণেকের টাবিশাল বজ

রোহিলখণ্ড অব্ধি লকৌপ্র্যুক্ত একটা এতি টাকার।> সের করিবা তি

. **७८**₹1 क्षित्रव भाग ममनवान ।

কলিকাতার নিকইবর্ডী লোঁখা খাল পূর্ব ক্রিয়া ভাষার কর্মণ করিবা; চ মুত্ৰ কেল্ডোৰি ইইয়াছেন 🖟 াছি क्षश्रम अश्रक्षण मण्डल थाकि গুল্প এক শত টাকা মুল্যের ত বাহির করা ছইবে। আপাততঃ প্ৰক্ৰি অংশে ১০ টাকা দিতে ছই. ¹। क्षधान (बाए शकाणी क्मन कार्व

বোখাইয়ের ছোটআদালতের ব প্ৰতিমিধি চতুৰ্থ জজ বালা মলেশ বি, এ, বি, এল বারিপ্টর হইবার দিয়া উত্তীৰ্ হইয়াছেন। বিচার বি চারলস সাজে कि, বারিষ্টর ফার গস টকুটটি মাইর ৹ক্ল নাচেব পরীক্ব ভারতবর্ষে থাকিয়া পরীকা দিয়া ? र अया (बाबाईरयत धाँद व्यथम मृहीर ক্রিছোন কালেছের সহকারী সা প্র মহাদেবগোবিন রামাদ এই দিবার কলনা করিয়াছেন। অধি বিষয় এই, বোষাইটোর ইংরাজী : সমূহ এট হতন প্রগার ভত্মোদন ছেন। এ বিষয়ে নাক্ষ্যক ও সেখাই, অপেকা প্রধান: অথচ ভথায় পণ্ডিত, যা কানাথ মিক্সপ্ৰভ্ৰির জনও উপজুক ব্যবহারাজীব নাই দেশীয় বিচারপতির পদ প্রাপ্ত ব বর্ণেস পিকক থাকিতে বৃদ্দেশে এ

এটা প্রার্থনীয়: ভারত্বর্ষীয়**্**স করিলে কুতকার্য্য ইউতে পারেন বর্জমানের মহারাজ দীলির চিত্র এক মৃত সিংহ দিয়াছেন ৷ এটা कार्या मटम्बड माहे।

বার যো নাই ৷ যেসকল ভারতব্যী

হইকে বারিপ্তর হইয়া আসিতেন

নিগকেও ৰনিজ্ভ করিতে পারিঞ্

বিচারপতি : ড়েন না : ভারতক

লের নায় একটা আইন অধায়নের

प्रकृष्णाइति बटलन, व्याद्यात्रा

ক্র হৈন। বাসাম বর ।২ সেই; ৯ চ া । অথচ রাজা শাঁমোর ভাক ত্তি । বিনিষ্টি আজিমিরে কণেল উড়ে তিস্কাৎ করিতে **গমন কবি**

প্রি বানফুল পেশ্বন লওরাতে পঞ্চাব মেন্ত্ৰ অমুবাদক পণ্ডিত মহীপাল तेना है अवनंद्रत मित्र**्ति श्हेग्नार्ছन** । खाउँ कि अन नियमविक्ट है **डेउँदाशीय** চারী সরকারী ভ**গ্রাল ভছ্তপ করিবার** রাধে পুত হইয়াছেৰ। ইহার নাম পোল ম : ইন দিলির ছেল আদালতের অধান

প্ৰলক ওপিটিয়ন কলেন কাৰেটাৱে? নক সৰলকায় ধূৰ্ত ছুৰ্ভক্ৰিবারণী ন্কটে সাহ্যে পাইয়া আলম্যে विष्ठाङ् । मदलकाव्रिकणाङ्गः ীয়া আহার দেওরা সমু ছত। এই ्रिम्प्थ । द्वारभाषाद्वतः द्वानद्वतः क ना (कन ह

াটের ছুণ টনার বিজাবিত বুড়ান্ত ি পুরুত্তে হাল জী মৃত দেহ বাহিত .10ছ । আরও কডওলো ভয়া শ্রুটাও त मत्रा कारक काना बाब नाहै। ५ कि হল ২ং ভের **আ**থাত প্রাপ্ত ইয়াছেন। ্রে কর্মতারীদিখের সক্ষানের বিয় प्रीय उष्टर नाथा र उष्टाना जात्तावीनि मार्थान कति । इन ।

राज्ये १३ योकात देशमानिभटक तन िक् दिन पाछ देश का की सामित का वर्ग रसनी না করাতে এই আজে! কইয়াছে, বলিয়া : ১% কইল বোগ ভূইভেছে। অব টা স্থাতে দে সংবাৰ প্ৰক'শি চ ডুলিনি গ্ৰহ ভাষা অমূলক পলিরাছেন। ্থমত কোন জাৰ্থনা করেন নাই। ইংগণ্ডের কতকণ্ডলি लाक धरे মোজ করিয়াছিলেন।

२ अ अ अ व व व व व व व व ত এক ক্ষিণ্ড নিছুক্ত করিছেছেন, । বংগবার শ্রু না।

ठानक अ अक्ती बांगगात. तिहास विचित्र পড़ार इ न कर्म द व्याक्ष्म के इंग्रीक इस् । किन्ह ्वम ५८४ (का ल्यानिक स्वास्त्र) स्वारङ, श्रांष्ठ करन 🛭 दाश है। बाक्टर, भक्षे महिरात मनदा राहे वा तुका ८ इटल्ड छेपटा **१क्लूब क्या इ**इटन। विटम वकः वर्व कार्य अक्का खिट्य यथन अपनेना स्थ नः, इस्टेटकेवन भि नर्त रहत्। नेशाविक नरर, · 直接實際計 第四日 → (41日)章 (43 · 对4年) ইটরেপীর সমাজ ও সংখ্যাসপত্রসমূহ বল্ল , मेर भरतरमा है इन्हें दानीय माल क देश्या है गरेबाजगाँच घटणका धार्यामः अमान कर्म (इस काहा क्छेह. क मनसंसद्ध दशत **अस्** श्ल क्त क कि बर्फ भाउड़ो संदे करा की अक्षे माङ्ग्रमत्य, भ वर्णायङ इहेदा द्वेदिन ।

शवर्रभके व्यवसायात क्षत्रमञ्जल .इ.सि.श्राम क**ार्ड डि.स. विस्तारहरू. /क्**छ प्रव इं ७ हा मध्य क य शहनन, प्यासाधा के छातून न'त अ क्रमकरिट्धर मध्यः विवास आवस के ब्राह्म अव॰ काइछ (शामरवारशत मञ्चावना 6'हा मण्लू वंब्रटम द्वैषाशूलकः निश्च तप्रतेख अव म्या थलियाहरूम ।

উ:खुबु भ्रिका क्ष्मुल । त्लुल्ब्रेका **डे अवर्ष**त मः वि विद्वारक्षक किन्द्रेश के काम **करन**हें शाह जनक রানে এছ: বৃদ্ধি ওয়ারে প্রফুত ছার্কিক বছবাং शकारका मार्च। महमात्र अस्मम क्रुप्तिमा

वप्रमास्य वाक्षांक मनम् कारू है कि वि .শাৰ এবৰে রখের সময়ে পুরীতে সমন করেয় ছেলেন। সোমপ্রকাশে 🐧 ব সাগারত পত্র भार्र कतिशा अवर्द्धके डैं।इंटक विः स्व अञ्च श्वास के द्वेद के देश वास मानदा ना का कि कि क लाम, श्रञ्जाहरू वाहा विलिश्चाकित्वम्, प्राप्तकः (केश 3:8) चड़ाक समेत करियादका: म्य ङ किट्सुल शह¢व याओींस्थात विवश्य ह त्त्र दशक्त कतिरम्ग अनः कृष्ण । निर्ण । विन कित्रमुर्गक्रम्म, छ।क्। अछ पिरमः शह विध

शक्तिक आध्यत देहिएत, वालम है ५ क्षानभर्गातः (व दिलास्टा कविवाद शास्त्राव इत াদে বিষয়ের টেট সেক্টোবি কোন চুড়ান্ত সিদ্ধান্ত कर्तन माहे। भेष बहे मीमारण इंहरन अवः शृति व ऋ नाव (इल ६१५ (क) म्याबि अहे के व ্ভার এছণ করিবেন। জুরিভর্বের মস্লাধ এই ्त्रम ७ एवं कता पर (वर्ष) का विश्व करें हुए ব্যাটের স্ঘটনার অপুসক্ষানাথ বেংশাই :সমলাবাস নব্যন্তত বিশ্বালা ও এত টাবা

२० अ व इंड्ना क वात्र

भा तहानी नाक्त कमिक्शम व मुहन उठाइकातन व उद्दित हिक्दिन कि निमित्र कातकशार्व कात्रशार Seigi Ben @ mafcaced aigi ce स्टेब्राट्डम । किव्स्थिक्षण इंकेट्स्ट्राट्स व क्षात्म कद्यम्भानं क्षित्रां कामिश्राहरनः কাল ভারতবর্থে থাকিয়া চিকৎসালয় ভাষার ছিসাবিএক ও দশন করা ভাষাদি গভিপ্রেড। এখনকর এক জন উপ্রুদ্ इक्ष्मी काकरमक उनकटक्कीय मन प्रधान न. क्लिंबरक डिं! हो प्रदेशन महत्त्व. श्री कहा कर्ख ভারত ব্যার কবিংঘট ভাজা দিয়া

,কান কম্মচারী অনেকস্কল পদের প্রতি चा करम त्य भरमह दिकक्ष (वर्षके, फ अधिक (वटन शाहरवन नाः हेश्याता अ बर्श सह । स्वाःत्रक इट्ट्रा । का ब्राव्य विशेष अ কর্ত্তানগোর আনাত্রত লোকগণ , উক্ত नीयक्षत्रकाक्षी कष्मश्रीकरणत्र अल्लामा अ .बड्म.लाइट्ड गातिद्दम ना । अलगः ४ अक गरकाती मा कटिन श्रीक लोग कार्के माल e शांक मांच मा. अ किंदे स्ट्रेया अक स्था मा अहि मार्किकिंग कार्यका स्थक त्

লাড নিশিরর মৃত্যুক্তর প্রধান মুনিদ िनिकालन मध्य स्वद्र श्रम्य व द्रश्य इ.स. (१वश (मा कातु सन्। कक्या) यहत्त्रस वाधी । नाज भवगासा हेत कार्यानम् कमा 📽 मांक्राप्त अने के द्वार पर युर्ण। या ीक था करन छेत्रकाइक वर्शन ।

কর্মেল মরণ তেওয়ার র'জার মন্ত্রী হয়স্থায়ে इसि कटर्नेस ब्रिटफ ८ क्ट्रीय निष्क म जनवा क्≱ार **प्**रामर्थन न है। खाउँ अञ्चा

मध्यां उत्त रिपृष्ट्य तथ्या विहादन क्षप्राटल्य न इक लंगामव'काट्यत कार्यसूनन ্শন কবিয়া সংখ্যবিগাভ করিয়াছেন। বি पाँछ अन्त्रात कडू शकात **स**हाम । भुजकात विष्यत्र प्रश्माष्ठ ७ व्ह (मि.चेह्री द्वांका) व्यक्तिक मर्ख्याचनाञ्च कतियादिश्यम् ।

। यात्र वाद्रीत इक्षुरेमासिवक्त (तावाहे: লোকের বিশেষ চঞ্লিক হুইরাছেন। পুনাং कार्रदेश बर्दनत्, चक त्नाक मन्द्रिशाहन बहि रबल बरेंब्र क्लाम्लानि (चायना कविशारक्रमें, क्ला उन्ने विश्वान कराम माई। करम चक्रियात कर्दरण्डाम, (ब्रम्हरवृत चाना क्षकांक का इक (माकामगढक शका भीन कहिर অজীকার করিয়া শৃহাদিগের সন্পত্তি আত্মস मर्थाय ७०० होका निक बाग लएए।

क होका मिनन कुछ हहें उठ (मुख्या इत्र बटि किन्न हहाँ ता ममूनाय ममत मिना।
कार्या विनिध्याक्षित करतन। कक व कि कार्या विनिध्याक्षित करतन। कक व कि कार्या विनिध्याक्षित करतन। कक व कि कार्या विनिध्याक्षित करतन। किन्न शित्र कार्या क्ष्म के आर्थ्य मिना विन्या शित्र शिष्ठ हहें के शास्त्र ना। क्ष्म के श्री वि वात्र श्री हिला (श्री मिटि का का का विव्या क्ष्म क्ष्म का ना।

वैगक्षक्षेत्रः .

ভারতবর্বের আয়ে বয়ের হিনাব প্রদানের সময় নিক্টবর্তী হইয়া আংসিল। এবার মূতন কর করা হটবে ? কি विक्रम चारक, भिहे ज्ञम याकिएद १ कहे প্রেল ইয়া আন্দোলন হইতেছে। ফ্রেও ঘৰ ইতিয়াইনকম টাক্স স্থাপন 'প্ৰস্তাৰ রিয়াছেন। আমাদিধের রাজস্ব সংক্রাস্থ মন্ত্রীসর রিচার্ড টেপ্সল দে দিবস ণিক সমাজের ভোজের সময়ে ইউরো ীয়দিগকে ৰলিয়াভেন, ভিনি উইল্পন । १८०८वत्र मास्य (कवन स्थानमीसमिरशत ভোত্সারেই কার্য, করিবেন। সর রচাড টেম্পল এডদেশীয়দিগের মভ া আহা করেন না, তালার কারণ আছে, চনি যে সম্প্রদায়ভুক্ত, সে সম্প্রদায়ের জ্ছা এই যে ভারতবর্ষ চিরকাল মুখ ইয়া থাকুক, ভাঁহাঃ। অত্ত্তা লোক গকে শিশুর ন্যায় বলপুর্বক শাসন রন।কিন্ত ইংস্ট্র ইহার সক্র পরীতঃ লক্তি ইইতেছে। লো হেব স্পাঠীভিয়ানে কহিয়াছেন ভিনি ল বরস্থাপন নাকরিয়া ক্ষেপ ও মিভবায়িত। অবলম্ন করিয়া জ:েরর লয়ুতা স্**লস**দেন করিবেন। ৰশের যেক্লণ অংৰস্থা ভাহা বিবেচনা বলে একণে যেকর আবছে তাহাই हाइडेब्राट्ड। मत व्यन व्यटतका य য়ক বংসর শাসন করেন, ভাহাতে न कत्रकात्रहिक इहेगारहा श्राची

ताकनी जिल्ला ताक यविष् महन्ता। वारात्र कि कहिता दा दन अकादत उरमर् अह डाटा निरंश दा बनी डि. हिंदू बड রিব্রান শাধারণের অভিনয় অসম্ভার किराद्ध। व्यामामित्नत हा स्थानर ক্রান্ত মন্ত্রী চতুরভাও পরিতামণছকারে यभिकार्यः कट्डन, अवनाद्याटम अप्तक विकादभन वात मश्टक प कहिया कन्नजान লমু করিয়া তুলিতে পারেন। প্রলিক ওয়ার্ক ও কমিশরিএট বিভাগে অনুসূত্ वर्षकात्र इत्र। अनाबाटम अहे वात्र कनिएड পারে। ইংলওীয় রাজস্ব নংক্রণত মৃত্রী रैमनिक राम्न कमाहिएक हम। मत तिहाउ টেম্পলও চেন্টা করিলে ঐরপ করিডে 416371

छेरेलमन माटहर এक कन दिशा उ शक्यविद हिल्लन भरमह नाहे। तिसु তিনি ভারতবর্ষে আদিয়াযে হুটীকর श्रापन वटरन, डाहा माधारत्व অনযোষকর হইয়াছিল। ইউরোপীয়েরা নাধারণ্যে ভাঁহার চেন্তার অসুমাঞ্চ कटरन नाई। व्यक्षिकार्ण इंडरहाशीय ইনক্ষ টাক্সের প্রতিবাদ করিয়াছিলেন। লাইদেকা টাকা হইলে ত ভাঁহারা পাধারণ্যে চিৎকার করেন। মর রিচাড টে**ম্পল ই**হা দেখিয়াবদি *শ*তর্ক নাহন, ভাছা হইলে ভাঁহার বৃদ্ধির व्यभारमात कारण थाकिए। हेनकम টাস এদেশের লোকের পক্ষে অভিশয় অন্তের্ধকর: ইউরোপীয় সমাক্ষের প্রশংসা যদি শাসন কার্যোর পুরস্কারের পরা কাঠা হয়, ইউরোপীয় সমাজের मकरलंद बिकरहेख स्म श्रम्भःमा लाख हरू-তেছেনা। সে দেশ শাসন করিতে হইবে, ডাএডা লোকেরা মন্ত ই হ্ন এই উদ্দেশ্য রাখিয়া কাজ করাই প্রকৃত রাজ নীতিজ্ঞের কর্ম।

र्वा । इ.स्ट. हे ।

मुन्त तम घटेशका जाहपदट অতিপর সুবভ। আত্রহতার 🕼 ब्रेड हे, आह अमार के बन्न कहिन कि म्खेर, या त्य वास्ति मदन का অংকার বিষদং আছে ক্রিডে 🥞 वेडेटबालीस बनासम्बद्ध शिख्राका কল খাতুক ও উদ্ভিক্ত বিষ আ করিয়াহেন, দেশুলি চিকিৎনক্রে कालज वाडिएबटक हेर बांकी खेवा ভিনপাওয়া যার না; কিছু কাঠ পুত্রা, আহিফেন, হরিতালপ্র विष्णुं कि रव रम स्माकारन विकाने क এতলিবস্থান সকলে; হতা ও নানা ই লোচনীয় কাও ঘটিয়া থাকে। স্চঃ নভাতার হ'বেব দাহত আত্মহতা 🛱 র ^{হর। এদেশের বিস্তর লোকে আহি} েঁডল মিশ্রিত করিয়া ভক্ষণ করিয়া ড,াগ করে। উত্তরপশ্চিমাঞ্চলে (। चाडा व्यानक मामाकांक कना मूद য়াছে। ধৃতুরা সংক্রে পাওয়া যায়<mark>া</mark>। क्षेक्षित अभाग ७ वटमाण প্রধান প্রধান নগরে বেশ্যাদি ধু জুরা খাওয়াইয়া অচেতন ক্রিয়া গ দিপের অংশকার অংশছরণ করে: কাশীতে এক দল মেথর অহছে ; ইং অখশালার নিকটে গিয়া /এক প্র ফুদ্র গুলি অধের সন্মুখে কেপণ ফা 4**३ डेस्डिंड** विष चाहाई कहिवा অশের মৃত্যু হয়। সত প্রাকে ন্রু বাহিতের লইয়া যাইতে হাইলে মেথত প্রতি **অতের চারি টাকা**, পাইয়া গুলে कहे नामाना नाटखर निहिन्द खहे। আ'বা এমত মূল্যবান জীব নক কৰে সক্ষতি মন্ন্যন্দিং হের মাজি টেটুট গ র্থমেন্ট্রেক জ্ঞানাইয়াছেল এক নল স্থ क है विश्व थी कुश है। विखन क्या न करिएए(छ। এक कन मुगलान वश তाहारितात महहत। वे वाकि शह का

হা । মুচিরা প্রতি পরুতে
ইবি ৪ টাকা দের; ভাহাদিপের
ট । বিব আমাদিগের দেশে

ত ত্ব পরিমানে যে পাওয়া যায়,
রে দুডাওস্বরপ এই বলিলে হয়,
নাংহের হ্রাজারা এক জন গুল
এন শত গরু বিনট করিয়াছে!
না বিনট কাতে অনেক বিষ
াচ দন্দেই নাই। আমাদিগের
বে অবাধে দশ লক্ষ্ণ গরু মারিবাব
পাওয়া যায়। আমাদিপের দেশের
নাংহি মহাবি বিষ
াণ্ড মার্বাব

ার লে করিয়া লিয়া বিষ খাওয়'-

এই অনিট নিবারণার্থ এইরপ থাইন করা কর্ত্বণ, যে সে বাক্তি থাইন করা কর্ত্বণ, যে সে বাক্তি থাইন করিতে পারিবেন না। একণে লার কাঠ বিষ কুটিলা ও হরিভাল প্রার্থ কিবল বিদ বিক্তি প্রার্থি কেবল বিদ বিক্তি ভারিকিংশকের ব্যবস্থাপত বাভি ভারা বিক্তি হইবে না। গাজার সেরপ হল, সেই প্রকার অসম্ভি না লইয়া কেই ধুজুরার চারা কণিতে বিন না। এই নিয়মকাল করা ভারাজারে এক বাক্তিকে নিক্তি

প্ৰংহারে আমাদিগের বক্তব।

শ্রেক। অভিকেন বিক্রের একটা বিসীমা করা অভিনয় কর্তবা। রাস্বচক্ষে দেখিলাছি একটা ছাদশ ফুক বালক ক্রেডি লাভার সহিত দেকরিয়া অভিকেনের ছারা গ্রাণ করিয়াছে। এ বস্তু এত সভত ইলে এই ইভাগ্য শিশুর কথন লি ত্তুর ইভানা গ্রন্মেন্টের সার

एं के व्यक्तिक विकास करा इहेटव

এই প্রকার ব্রেখ্য করা অভিশয়

कात्र छव्यीय भवर्ग्टमट्लेक व्यक्तिका इकान्द्र और नज रेनवदानीय नाम निकास इर्ट्साथ क्रेश डेडिशाटक। काटना टेलव बाबीएड एक का है कहिएड नाहिएडन मा, (त्रण्यकिमिश्तत वाँशात (यत्ताण पार्था) स्रताधिमी देखा, जिनि छेगाँउ रमदेवन অর্থ করিয়া দিতেন। ভারতবর্ষীয় গ্রুণ মেন্টের আয়ব্যয় বিষয়েও আমরা দেই প্রকার অস্ত্র কইয়া আড়ি, রাজস্থবিৎ মস্ত্রীয় ধন যাহা বুঝাইয়া দেন, আমেরা बाहाहे द्विता पाकि। " नार्म मुनिर्मा মতংন ভিলং চ বিনি য়খন নুতন আই দেন, তিনিই তথন কিছু কুতন করেন। এক জন আসিয়া বলিলেন, আয়ে অপেক বায় এত অধিক হইয়া পজিয়াছে যে इनकम हो इस ना कतिहरू तकः হওয়াভার। আনার এইক জনন আন্দিয়া ইহার বিপাংীত কহিলেন। ভিনি গণন: कतिता व्याह्या किटलन, चांत्र वात्र शाः नमान, चाउ वा इनक्य छाट्या कार्याकर নাই। তৃতীয় বাজি আসিয়া করিলেন আনার্টের বড় বৈলক্ষণ লক্ষিত হট বুৰুহে না, কাত∡ৰ ইনকম টাকা না कतिया लाहर्भभ छाञ्च करिस्ल हे हलिद्द. এই প্রকার রানা মুনির নানা মত দেখিয়া আয়েরাকি স্থির করিব ৫ সমাপা ভ ড: কি এই ভির হইডেছে নায়ে আন্য चार भक्ता वहत क्षिक काथवा बात कर भक्ता আশায় আংধিক অন্থৰা উচ্ছয় সমান বাজায विष्मितिरिशत (कहरे क्यानिर्भ रेशत নিৰ্ল ক্রিতে পারেন্ন, ব্লি ব্ধন সূতন আইদেন, তিনিই একটা সূতন মত করিয়া যান।

আয় ব্যরসম্বাদ্ধ ভারতবর্ণীয় গ্রণ মেন্টের একটা অন্ত ভাব দুফ हरे-তেছে। আয় বারের সম্ভাবিধানের মুখা উপায় যে বার সংকেপ, সে দ্ধিক ভারাদিগের দৃষ্টি নাই। জনিবজ্ঞিক करण वाद्यकारमञ्जूष : क्रमण: हिन्द च्टिस् । अक अक महाश्रुक्तरवतः जारक, बाक्ष बाक्ष हाक्ष वह २३क, प कमहिंदांत्र चांदणाक्छ। नाहे, याह নেই বার চলিয়া বাদ, তদস্রণ আ मद्भवत कहाँ कर्जवा। क्रमर्थ अन्द डेशांव अवगदन क्रिट्ड काराङ कविरथम् नरहा करन्दकत মতাৰলম্নহেতৃ জুয়াচুরি, কাল ও ও রণা, ভহাবল ভছুক্লাভ এভ্ডি ष्टिश थादक। উक्त मङाङ्गतत्र १८३ व विट्लाटमत यक्षम माना । साथ च्छिटा ख्यन भवर्गरमात्केत स्य चिति ना, प मञ्जादिक नट्ट। भवर्गरमात्तेत्र क्षा फून त्माय चिंटि उटह। कटत कटत श्र वः डिवास्ट इहेगा পড़िशारह। स्मर त्राकाता कार्यत्राक्षिटक यञ्जन। वि निमिन्छ नाना यद्भात छिष्ठावन कति। বর্তম ন রাজু পুরুবের 🖟 ভমনি নিডা क्टबंब डेस्डाइन क्रिएडएइन। अधि क्टिंग होहब्रज आचा उन्हार नाटन । त्राका बहेश शकारक अहरत देविय विर्धत नहा शहरानंत व्याज्यिति রাজা এই শক্তের প্রকৃতিরঞ্জ এই कार्थ करियाएकनः (य ताकाः बक्षनकाती नदध्य, उँ:शहक ब्राज्या यात्र मा। वृश्य सः एकर श्रद्ध साहे नग्न. 🐯 हात व्यागख्याय वाकिए 🕏 करवात क्ष्मात ऋत्या निर्मा व প্রকাপীত্ন করা রাখোজিক नटकः वा व्यक्त च्यात्र वात्र हिंशावस সময় আপিয়াছি, সুতনবিধ কর ব কৃপেনা হইটেডছে। এই নিসিত ভ এই अखाटनत व्यवज्ञातना कतिनाम

विविधनः वास

२ - अ वाच त्र मदाते।

[্] বজ্পের অচিহ্নিত বিচারণ ডি ন্যায় ব্যেষ্ট্রের বিচারণ ডিনিপের বেড

(मार्थकोको

18 ' नर्चड़ाः:

ं प्रवक्तमां प्रक्रितिहिताय पार्थिवः सरस्यती अतिमहती न हायतां।"

মূল্য ১ এক কালিম বাৰিক ১০ দশ ষাশ্যাসিক ।। সাড়ে পাঁচ টাকা।

नन ১২१८। ६३ का हुन। ১৮७৯। ১৫३ क्ट्याति

বিজ্ঞাপন।

চক্ৰাৰতী নাটক।

विश्वाइकोन् भीत कर्जुक व्याष्ट्रपुलि माहि ছুজ-ডিনয়ার্ধ বির্চিত। বছবাজার ১৭২ ানহোপ যন্ত্ৰে প্ৰাপ।ে মূল্য এক টাকা ,ॐं ५ ।

লিকাতার নিকটবড়ী মিউনিসিপালখালি মালিকগণ যাহারা বালালা কাউলেলের দ্পালের ২ আমাটনের ১ ধারার মার্মি মিউনিসিপাল বাসী ভাড়া বিবয়ে অনুগ্রহ া করে, ভাহাদিগকে স্মারণ করিয়া দেওয়া ভচে যে উভে **ণারার বিধান অমুদারে** নিসিপাল কমিসময়গণকৈ বাটী খালি হইবা **সংবাদ দিতে इंडेटवा यमि दक्षः मिन चानि उत्र श्राफाक कावादित श्रव श्रव है के** দ দিতে হইবে। আরু যে ভারিখে প্রথম দ দেওয়া হইয়াছে সেই ভারিশ হইডে াইন অনুসারে যত টাকা রেহাই দেওয়া ব ভাহাগণনাকরা হইবে।

ন পুর) কলিকাভার নিকটবভী সান ক্রেয় ারি সকলের ফিউনিসিপাল কনি ১ সনরগণের চেয়ারম্যান

इर्गाथ्यव नावेक।

লিকাডা সংস্কৃত যন্ত্রের পুস্তকলেয়ে নিম্মাল স্থাল জীকালীপ্রসর বিদ্যারছের ও কালনা মেডিকেল হলে প্রাপ্য। • আটে আনা।

রনাজি ইং সংবিদ্যালয়ে ১৮৬৯ অংকের

हर्देश व्यथः प्रत्यंत्र दोगना कर वन, छाँहोत्रो প্রধান শিক্ষকের নিকটে নির্মানি অবগত इट्टेंबन ।

৩০ ডিসেম্বর <u>ን ሥ</u>ላታ

শ্ৰীদ্বারকানাপ শর্মা

মংপ্রণীত চিত্তবিনোদ কাব্য ১ ম খণ্ড । অতি সুদলিত অমিক্রাক্ষরে রূপকক্লে ইহাতে ভারতব**র্ষের বর্জ**মানাবস্থা বর্ণিত হইয়াডে এছ পেক্টক মহাশয়েরা বর্জমান বড়ধাকারে অবর লাল শাহার পুস্তকালয়ে তত্ত্ব করিলে পাইবেন। **अभिमानहस्य दङ्ग**ः

---:

চিকিৎসাপ্রকরণ এবং চিকিৎসাতত্ত্ অৰ্থাৎ মিন্সিপ্লস্ এবং প্রাকটি স, অব মেডিসিনের

श्राम चल ৮ (পरित्र क्षेत्रमात १७৮ पृथी উত্তম বাঁদা, জীযুক্ত বাবু গলাপ্রসাদ মুর্থাপা भाग वि, अ, अम, वि, कर्जुक भश्युरी छ इहेग्रा প্রকাশিত হইয়াছে।

প্রথম খণ্ডের বর্ণিড বিষয়(১) সাধারণ নি**দানভভ্ (২) অভ**রুৎদেকা পীড়াসমূচ। (৩) দৈহিক পীড়াসমূহ (৪) রার্মগুলের পীভাসমূহ।

মূল্য ১০ টাকা, ডাকম:ফুলদহিত ১০॥০ কলিকাতো লালবাজার হিন্দু হস্টেল ২১০ নং বাসীতে 🕮 যুক্ত বাবু গুরুদাস চট্টোপাধ্যায়ের নিকট পাওয়া যাইবে।

বাল্মীকি রামায়ণ তৃতীয় খণ্ড

नका भरीकाथीक्षिरणत भाठनार्थ अवेषी 👙 अहे शुक्षक अध्याविध अकान इंडेस्टरहा इंडेस्त, आमहार्क्ट छीटि ०४ मध्याक अध्य ্ৰক্ষা হইয়াছে গ্ৰীহায়া উহাতে প্ৰষ্ঠি ইহাতে নাগৱাক্ষরে মূল ও চীকা এবং সর্কাশেষে গালয়ে জীয়ুক্ত ৰাষু গোণীনাথ দেৱ নিকা

वाजना अध्याम आह्या माहात वा रहेरा, किन क्लिकाका आक्रममारम নামে পরে লিখিবেন। প্রত্যেক্ত থাওের कदमात) मूना ॥ - ज्यामा । विस्नी । मिगरक / • जाना माञ्चल मिएक स्टेरन ।

कनिकाका) वाकानगळ }

द्धीरश्वाक्य खड़ाह

মৃজাপুর মেডিকেল হং ১। এডভারা আমাদিলের ঔষধক্র ञ्चन, महकाती । मर्जामाधात्र वर्ष বাইভেচে যে, দ্বিভীয় ক্রৈমাসিব সম্বন্ধে অর্থবপোড '' প্রার অব্ কোসী' উইক, বিটিস প্রীন্স শ্রারণী 🔍 मूरलात खेवध शूर्वा शाक्ष स्वया शि এডভিন্ন সম্প্রতি আমরা বিলাভ हे९ यम अन्धन मारले व लाव रेख्या निक् नवरम " बिधिन कनान, किश कांत्र व ব্যাক্স এনামক অৰ্থপোভত্তরভার। ৮% इंडेर्ज्ञानीव वेषध श्राप्त इहेग्राहि । अहे উবধ সুনোধিক সাত সহজ্ঞ ীকা পুল্যে করা হইরাছে:

২। আলগামী বর্ধের প্রথম ক্রেমা **উ**लनक्ष्म हिकिश्याभयाती अह প্রস্তুত্তকরণের ৩ ঔষধবিক্রয়করণের ১. সামগ্রী ও সকলা ও বিবিধ হৈছ ইং সন ১৮৬৯ সালের ফেক্রছারি মাসে বি হইতে পৌছিবে।

ও। আমরা অধিক পরিমাণে ও উভয়রূপে ঔবধ বিক্রয় করয়: থাকি।

৪। এই সমস্ত দ্রবাহির জাসল বি চলিংন ও অন্যান্য দলীল কেই দেখিতে <u>'</u> कीटि ६६ मध्यान छ्टरम खाक सारमञ्ज जीवृष्ट वातू मन्मरणा-रत मिकड प्रशिष्ट शाहरम राज्याशासास अवर कार

তের বিলাপ মুদ্রত হইয়া প্রকাশিত
পুস্তকের কলেবর ৮ পেজী ফরমার
কা অর্থাং ২১২ পৃষ্ঠা। মূলা ৮০ আনা
ব্যাবশকে হয়। ঠনঠনিয়া সংস্কৃত যন্তের
লয়ে অব্বাপটোলভাকা বাজুর্গা ব্রাহর
কাং পুস্কেলার অনুস্কান কারলেই
নি ইতি।

েসাল অগ্রহায়ণ ত কলেজ

ঐীশিবনাথ ভট়াচার্য,

हिनम्। मश्क्र्ि शुक्षकालाम् ७ भागान वाङ्द्रीः आकृष्यः काष्ट्रशानम् । १ ७ मश्क्षकात्वः निम्नोशयः शुक्षकश्रीतः १८७८६ः —े

প্রবীত নির্দ্ধ শইতিহাসে ১ টাকা শইতিহাসে ১ টাকা শসার ক্লিড্রের শসার কলিড্রের শসার কলিড্রের শতিধার (১ ম ভাগা) টা ইলিড্রের (১ ম ভাগা) টা ইলিড্র (১ ম ভাগা) টা ইলিড্রের (১ ম ভাগা) টা ইলিড্রের

জীধারকারার শৃক্ষা

. ?0;---

বিবিধ দ্ব্যাদি বিক্রয়া**র্য** প্রস্তুত।

विकासी श्रीक वाशक कलम माना विश्वता यात्र अपन श्रीक्षकां मिट्छ जानात कियादि कश्रिमा हि । खाधिक जिल्ला केशिया ८५० क्षानात हिमादि

কুঞ্ ঔষধাৰলী খট⊹ক! তীৰ অনহমেজি শীন গঞা

দ ভাজের প্রণীত ১০ জ ডে স্টীক ২৪০ জ দুস্টীক ২৪০ জ বংহার স্টীক ২৪০ জ

নিদান সচীক ত্ৰীমভঙাগবত সচীক à ৩২ OTHE. ١. ভট্টিকাৰ্য জন্মদল ও মলিনা-থের টীকা সহিত ৩২ সংস্ত ডেক্নারী উইল্সন मारश्वकु उ জীযুক্ত বাবু কালীপ্রসন্ন সিংহ মহে। नरवत स्वीड शहा ३৮ वर्क महा छ। तफ হাক্ত সম্পূৰ্ণ ঐ 🐞 ঐ বিহাটপর্ম के १ के छित्मता शर्मा Ġ के ৮ के की बान मं Ś ঐ ৯ ঐ ছোণপর্ম Š ঐ ১০ ঐ কর্ণসর্ম à ₹ के १५ जे महा अर्ज ځ ঐ ১২ ঐ সেভিক পর্ম ঐ ঐ ১৩ ঐ ক্লীপর্কা Š ঐ ১৪ ঐ শ∶রিপেররি রাজাধ≖র Ť ঐ ১৫ ঐ মে কাধৰ্ম à ঐ ১৬ ঐ ভমুৰাশ্ৰম পৰ্মা ঐ ঐ ১৭ ঐ ৰেয় পাচ দর্দ্ধ چ বিচাব ভরজিনী অগ'ণ বেলায়ে দর্শ-নাত্তৰ্গত বিচাব ও মীনংখ্যা বছল প্ৰমাণ সহিত Ē অফ.তেদপ্ৰ জ অষ্টাবিশ্পতি ওম্বস্তাতি ٠5₹ এটোৰ সংহিছা> • পড়েস মপুৰ্ব ২৫ আজ্বভন্ত বিবেক ভাষ্ স্ঠিত উত্তর নৈষণ নাবায়ণী টাকাস্ঠিত ડર **ચ**રછ স**જ્**જુર્ન দিছান্ত কৌমনী সম্পূৰ্ণ É 35 ঐ পোস ধর جي दिर्दकत्रभावती ,दशक्षत्रम्यस्य মত ও বিচয় कर्ण्याक्षम कलाक' छ दिवस जिन्हा छ २ দায়ভাগ কুলত্রক সৈংহেবকুত ইং-

০৪ পরগণার আছে:পাতী কোনালিয়ায় যে গ্রহ্মেন্ট সাহাযাকৃত বাক্সালা পাঠিশালা ছিল, ভাষা উঠিয়া হরিনাভি ইং সং বিদ্যালয়বাচীর মধ্যে আদিয়াছে। ঘাহারা আন সঞ্জানাদিকে

জীপ্রতাপচন্দ্রায়

নগদ বিক্রেডা

রাজী ভরক্ষা

কলিকান্তা কোড়া--

मीरका ५३ मर

মংপ্রণীত ক বতঃকুসমাঞ্জাল লাজে পুত্তকালয়ে ও কলিকাতা নদ্ধ লাজে বিক্রেয়ার প্রস্তুত আছে মূল ক্ষ্মান ব্যক্তি

পুরাণ এক, ক্র বিষ্ণুপুরা

অস্বাদও টীকা সমে । ৮০পৃষ্ঠা (অগ্রিমমূল্য)।

यिकि आश्गाणिनावी इहेरवत छ ।

वागण हेने हैं ए ७३ ४ तर खरान क
वर्ष ख्या किन्द्रांश महस्तु हैं ।

तो गुल क्रियाहन कर्तानकारवत नार् वर्ष हैं की अभिम मुग भागिहरवन। ११ मा भागित विरम्भ विक्श भूतान भागिह

বিক্লার্থ।

গারেছেন রীচ্ছল বালী ভাল মস্ত্ ১৯ নংজোড়া বাগাল !

উপরি উক্ত ব'গান ও বাটী মাঁচার। : কবিছে অথবা লইছে ইক্সা করেন, নিছু প্ রিত ব্যক্তির নিশ্র জানাইবেন।

> গিলেঞ্রস্ভারবো-থনট এবং কোং

-- 00000

বাঞ্চালা ভূচিক্রারলী।

करव्रक्थानि अकिनव अवेताम मृद्धि शक्ष ह हेमाट ०२ मानि माणि प्राट्टा छेल्मन्द्र नामान क्रम्बुक मामाहेति, मृत्यु ७ वर्ष पुलकानस्य. नक्षान क्र्रात ७ भवेत्रकार वाक्रमी आक्षिमित्रात पुलकानस्य भाल्या योष्

की नी नक्षन (या गृत्)

4 446 4 25.05 T

क्षिक्षा यामश्रीरक वकारिक हा व्यवादयद्वत विका क्लान । अञ्चयक्रमिक देवत्रविर्याख्यात्रत्र त लाहरनमा किमिकाशिक महर्यान त निभिन्न अभिनेतां उनदेश (शासन। त्र भीमांभिनी जाहारक त्रका कति-भाषन जिल्लानिवट्ट किश्र शाह हरेका ক্ষমভিব্যাহারে উহার অথেকণ उ चाइ छ कहित्सम। घरनक करखेत মালতীকে দেখিতে পাইলেন পরে । मन्य जिल्लास्य जेका द्वार विदाद व्हेग । य अर्थ सिथिता चिमनत हरेंत्राहर, নি সংক্ত মালতীমাধৰ অবলয়ন য়া লিখিত ছইয়াছে। কিন্তু লেখক ণ দিক সমন্ত্র করিয়া আংশনার गरेनपूरा शामकोने कहिए**ड भा**रत्न । व्यामानित्वत काठीन काटनत গণ ঘরে বসিয়া ভূগোল বর্ণনা তেন। এটা দোষ সন্দেহ নাই; কিন্ধ নাৰ প্ৰাচীন কালের বলিয়া মার্কিচ বিকে; কিন্তু এখনকার এদোব মার্জ নহে; ীপর্বত মধ্যভারতবর্ষন্থিত। ভারতবর্ষে মুদ্ধে অধিকসংখ্যক नाई। बचन उठवात करत्रक छिमाज ान मन्त्र कारह। मध्य **कात्रक**वर्ष প উক্ত একটিঃ পৰ্কত নাই যে, । হইতে সমুদ্র দৃষ্টিগোচর হয়। কিন্তু इम् 🗃 পর্কতে বনিয়া বন্ধুকে সাম্ভনা 📜 বার নিমিত বলিতেছেন, " দেখ ান হইছে কত সমুদ্ৰ, কক নদ, কত क्ष सम्रत (मर्था गहिएक्टक् ! " ন্নদ, কোন্মদী ও কোন সমুদ্ৰ नि इडेटक (पथा यात्र ? कांड डेक কে হইলেও কি ভণা ৰে সমুদ্ৰ অথবাৰজ্বেশীয় অথাত

গ্রন্থের নায়ক মাধ্য; কিন্তু তাঁ। অভিনয় শ্রীভিকর হয় নাই।

ন করা সভাবিত হয়।

क्ष्मार वाद्य काकमन करिता माथन र रेक । रेक । रेक रेक कावाह काद्य ? विशा व की खीलाकरक मण के कामम कार्या (वर्षा काम का किया वक्षी जी र लाकरक अकि इंट्रेड्ड ए र्माचरक विल्लान विशे निकास काल्यरमान काम। रकान क्षमांत्र कंशन माहकरक वज्ञान काल्यम किया वर्षा करतन नाहे।

মকরদ্বের অভিনঃটী অভিলয় ম:না হর হইয়াছে। তাঁহার অভিনয়ে, চতুরতা, তীক্ষবৃদ্ধিতা, সমাংয়তা ও অকপট মিত্রাসুৰার প্রকাশ পাইয়াছে। অহোরবভের পুজা মস্ত্রপাঠ, **উদে**ः† श কপালকুগুলার বলিদানের ३ देशार्फ विलया जि**ळा**ना এ**श**िन অভি সুক্র হইয়াছিল। মাধ্ব বর্থন मालकीत के द्वातमाधन करिएनन छर्चन ভাঁচার মনোরথ বিফল ও বোগণিতির ব্যাঘাত হইল ছেখিয়া ভাঁৰার প্রশাদ কোধ পালীনা দিয়া দুঢ় এবভিজ্ঞ। সহকারে কটিবস্থান, অব্যাকুলভাবে মাধ बटक अष्ट्रभाषाच कत्रिवात উत्माना, নয়নর ক্রিমা ও অভ্তলি অভি চনৎকার হইরাছিল। मञ्जीत व्यक्तिरवंश ७ ज्यादात केलरत নির্ভর করিয়া শোকসহরণ অগ্রীতিকর হয় নাই। মালভীয় অভিনয় উত্তম হই রাছে: কামক্কীর প্রভূৎপর্মতিভ প্রশাস্ত সাহস ও চতু जीवन इस 🐷 রভা অভিশর আননিদ্ত করিয়াছিল। বিচাহ আল মেঘাড়ৰ্ব **ट्राञ्च** । सम প্রপাত প্রভৃতিও বার পর নাট প্রীতি कत्र इहेशांड्स अधीनकात अक्षा বাদ্য আমরা আর 🗄 नवारमात मार् কোথারও প্রবণ করি নাই।

-:০:-নুডন পুস্তক : চিকিৎসা প্রকরণ ও চিকিৎসাডস্থ ----खियुक्त वाबू शका श्रवाद । अम, वि, माना हेर्त्राणी 🤺 क्रेट क बाकाला कार्यात করিরাছেন। বাছালা ভাষ ব্ৰাস্থ্য বিস্মাণ অসমতি क्कांता अकार एम खरात पूर शृत्व इहेग्राट्ड । अडदर्गा পরম প্রাতিলাভ করিলা রচনা এক্লপ আঞ্জ ভ্ইয়াছে (नाधकारण श्राप क्रांग ऋरण थाटक ना। मर्अव्यात भारति भटकत मक्रममिष्याः मिर्दिश्य একটা উৎকৃষ্ট বীতি অৰ্গন্ধন ব (इन। जात्नक ऋरण वाजना जांदा वानिक इरहाकी मर्थ्या अवर अकृत्त ७ हेरताची अकृत्त हैः म प्रका बावकात कता हरेताएक । अ

াৰ হইয়াছে, নিম্নোদ্ভ

द ता शाठकशर्यत इत्यक्तम स्ट्रेट

" মেলেরিয়ার উৎপত্তিবিবংয় ইই সং কেহ কেহ আনুষান করেন বে, বিশ্বলিভ প্রার্থ ইইটেড ইকং উদ্ভে হয়। কেছ কে বে, অনুপ জল'ছু মর মৃতিকা হইতে ই ক্লপে নিৰ্মান্ত হুইয়া আকে। বিগলেড **१३८७ (य मिटल 'ब्राइ के के एक, कारा** चित्र कात्रनवभागः आस्तरक विचान থ:কেন : প্রায় সকল মেলেরিয়াযুক্ত শলোবপত্তির সময়ে আঞ্জের 🕽 শস্থ লহবার পর উহার অবশিস্তাংশ ভূমিতে লের জলে বিগলিত হইলেইনসকল 💘 क्षाकत करेशा किर्देश कि विकासीराम त्रकल काम श्रीका**ञ्चनक मरहः** कि**ष्ठ व** ,বংশন ডঃ,উহার শেষভাগে অলছ'র। উ বগ'লত হওয়াতে সচরাচর উহা অ **२**हेम्। बाटकः समस्तरम् भानः कासिंधः भव क्रिहाब क्यविम्हारम क्रुमिए**ङ वि**गः का बन ए मार्किक मार्ग करारहार প্ৰায় ভাষ আইক। কোন কোন : প্রস্তুত করিবার পর উহার অন্ন कविवाद क्रमा दक्षमिनमाविध स्थूलीर लेश विश्वतिष्ठ इडील एक्तिक्रवेदर প্রঃ পুরঃ মেলেরিয়াজনিও অব্য

কথন সমুদ্রোপার অববাধানে বাস বাম এবং কলাবিরাম ফ্রাবারা চ্যেলা বিয়াকেন কিন পরে সুসলান কবিলে আহাজ্যাবের নাকনে স্তান সকলা এক প্রিলা-ব্যালস্থি সুস্থানিকে গ্রম করি করে করেবের উন্ত ক্রে কইয়া

ুৰুশ্ম'ভিতা এইরপে স্থান বলিয়া अं ४ न न तेश । ज्याप्त. जुम व्याप्त निय १ प्र कुन्न डे किक्स अकारन अधिपूर्व । यन् িচ্ছল প্ৰাথই নেলেৱিয়ার প্রায় प्पा कि'श् श्रेरित **अहे नक्षरक**्षित करिकरः ভে: ব্টকে প্রায় ৯০ জেলি ভূবে যে গ্ৰুদ্ধৰন আছে, য'লাৰ বুক্ৰাখ' ান, জল্পানে স্বরণ ন্দীর জলে বিগ্ है(ए८), फलि.त: (य निम्नु रङ्ग्लिख हू , ल! क লৈর্দা মেলেবিয়াজনিত জ্বল ১৯৮৮ अप्रकारिक १ शाह्र भूष्तीह न ई द्रास्ट গ্ৰদীৰ মুধাম ডি.বিজুডি এবং এজং দি চকুছ ভাষায় ,নেলেবির'ব প্রভাব ক'ব ক शाहाः खादखनानं शकः सरी, हीस নীল এবং পীত নদ, অনুসংকার যাড় 'अइ. व्यापन अवर अहरूमा इकाय का हर ९ ७ तिमा का हेका छिपन पड़े छ। आहे

্পদ্যপ্রী: শ্রীযুক বিষ্ণুরাম বিধার-প্রীত ইহাতে বংলক ও বিদ্যোগ শিংকালধ্যগৌক্ষেক্টী ব্যয় প্রে: ১০ গৃহীত হইয়াছে। লিমাদ হয় নাই।

ধ্ম, বাজের প্রমাবস্র উভিজ্ঞ

স্থাট টকে ইন এক প্রশাটি নেমি বিবাৰং

নর স্থাত ডাইবর লগার সংগোগ

औ स्थाम स्थापातन हरेता छुट्टे । a

স্কিন্ মেলেবিয়াজানিক আহব চটান

গীত্যকো। তত্ত্বিয়ক সঙ্গীত ধানিও বিষ্ঠান চটোপোধায়

"ব্বিদ্যং বাদ। ৭এম গ্ৰেম্ববে।

'ম(লাটিভতুক সরেও মতু। পার

মার ভারতবারীর প্রধান ক্ষিস্নরের জন্ত রোধে ভারতবারীর গ্রাথনাট ক্রেটা পুস্ত চা লয় বারিবার নিমিত্ত টাকা লিয়াছেন। কিন্ত ক এক ট কা স্থানীয় চালা কটাড লিডে হইবে। পুস্কলেয় উঠিলা গেলে গ্রাথনিটেন পুস্তব প্রত্যাপন করতে হইবে। এ অনুধানটা সাধারতে গ্রাথ উচিত।

विश्रात रेन हैमनाम आलि थी। जलार अन्नी विद्यानम् । अलि का निर्देश में का एक्त महन्द्र । अल्लुख्य स्मीनात द्राक रामनाम (हार्जी हेनात निर्मात प्रके मान स्मान कर है.का होना निरास प्रके कान किश्राद्रमा आन्छ कर हान है. 1 निर्देश हाहिश्राह्म । आलिए इस अहेशकात अक्टे महा क्ष्माट्रम ।

মাই ই বার কার লিলার আনালাকের সীমান মধ্যে শংসাব কর এক কালো ডাঠাইয়। দেন য়াডে গাল্যেট শালাকে ও জীকান উভিয়ানি কারি দলকে রাজা উপাবি দিয় হেন।

भक्षात नगर्गाव भूग प्रमा शिक्ष में प्र कारी भाष्ट्र है । कुछ भूगा प्रकारी ता प्रका अक्षात्म वस्त । शत्मम स्कारती का प्रका कार के के वा का फार के प्रमा श्रीपार के मार्थ कार के क्षा प्रकार कार्य श्रीप के श्रीप्र भारति के भी करा के स्वा स्कृति स्वाप्त के वास के स्वाप्त करा के स्वा

রাজ্যবনিভাগের টমাস পি চ সংক্রের প্রথম প্রেণ কর্মতে খিব র প্রেণ্ডে জনীত করিয়া রক্ষাদেশে বদলী করা হইয়াছে বিধানত গুলিওবনি হাংগের প্রথম প্রেনিকে উন্নীত হইরা জেন টেমাস বিভি সাধের সংস্থাত ফাইবরের মন্দ্রমায় যেপ্রকার জাবানব্দিন দেন, ভাহতে উচ্চাস এই দপ্ত হইলা।

উত্র পাক্ষাঞ্চলর ফুডর পোন্চনাট্র জেনলায়ত দিনউপনীত নাহন ডড দিন এক জন এডদেশীয় ইন্তেশটর প্রতিনিধিয়ারপ विश्वका क्षेत्र का उपनाव क्षेत्र के सकात कि इ अक क्षेत्र का उपनाव क्षेत्र के सकात कण्ण्यंकरण भिवास अध्यस्य क्ष्रिक क्षिक वि

्र ल (को इस व जी स्रॉट्स कि का करहत । शहित त्राधित कर कहें न :

বে'ষাই : গজেট বলেন, সম্প্রতি যে ছ্য গ্রীয়া ছিল উ এংকান বে'ষ ই গেলওৱে কো ন বেবিয়াট 'লয়া বাজেটেড আর লকট চা বেন না এমত জনবন উঠিয়াতে ই লয়ুক্ত চারী রাধা ব্যাগ উপায়া

স্থাতি একটা নক্ষা উপলক্ষে থো বের প্রান্ধন ডিট্টালয়ের বিচারপতি ই প্রকৃত্তি সন্ধানক উদ্বাহী দেৱা ও প্রতিদেশ বিশ্ব করিয়া বিল্যুণ্ডল, এ চল্ডেন্ড ইন্টা ডিল ক্ষ্টিম্পা ক ইয়া দ্বং জ্যাত্ব ক প্রাহেন। ধ্যাত প্রকৃতি

নিছা । গালেট বিসার প্রকাশ করিয়া বার কিন্তু ভাগ বিভিত্তবোর সাধ্যমারি আলের বোধাল কচাতে ভাগে কভাগুল কাট্র বিশ্বের করা করা এই আলের জ্বর বাংশাংস্থাতে সংগ্রাহ দ্রিপ্রস্থিত কাট্র করা কভেক্তাল তারের উদ্যাপুর হইব। ক

কপুরছলার মন্ত্রিণ আজ্ঞা দিয়াত্তর

৫৯ আন্দের্জন নান কল্ডেসনারী সেইউড়
পীরজীলোককো বিবাহ করেন, জাহা আন্দ্র গজার পালে কনি ওছাম সাহেব ও মিস হজে। গজে ভন স হেব মবাজ ছিলেন। মিস হলে ও উটোর ছই সম্বানের ভবন প্রেরাথ রা কিন্ধির র জ প্রদান করিবেন। এই বিবা আভ্জেক্তন চইয়াভেল।

्षामको भद्राख्यक वृक्षि प्रतिनाम, जात्छ र अवन्द्रमञ्ज व्याख्या क्षिप्रहरून, मधा चात्रकतर (यंत्रकम कृष्ण अवन्द्रम्द हेत् व्याख्य किट्ड तेश कर मिक्सरेंग केतिए छ हम । मिडे-সিপাল সভাপতির' নিকটে আপীল তেছে; কিন্তু তিনিও তালা গ্ৰাক ब्रेटफट्स ना। सिडेनिनिभाल नरमा-ड **अटम भी समिर** भंत या चा दिशा कहे शारह. ছার হুটা প্রধান কারণ আছে। প্রথম চাদিসের উপরে করনির্দ্ধারণের ভার পিতি ইয়, ভাঁহাৰা প্ৰায় যপেক ব্যৰ ৰ কৰেন। দ্বিতীঃ, যে কর সংগৃহীত , তাহার অধিকাংশ ইতক্তো ক্ষিপ্ত হইয়া থাকে। মিউনিসিপাল দাবস্থের প্রকৃত উদ্দেশ্য যে গ্রা**ম** াদের পরিকারণকার্যা, ভাষার প্রায় ছুট হয় না।

আমানি:গর রাজপুরুবেরা পলী আ া পুলিষের উৎকর্ষণাধনবিসয়ে উলা । नटक्त, राष्ट्रकारीत साम्प्रेन के शवर्तत কমিট নিযুক্ত করিয়াছেন। আমের। ষ্ধে পত্ৰানি প্ৰকাশ করিলাম্ हा व्याधिकारत कृष्टिया वि. ५७.७६ मः পুলিষের উৎকর্ষণাধন এক: ध ৰশকে ; কিন্তু ভা**হার উপায় কি** পু ীত্রামে কলিকাতাপ্রভৃতির নায় বায়সাধা পুলিবপ্রণালী প্রবর্তিত য়ারকার সত্পার বিধান হইবার বেনা নাই। গ্রগ্মেন্ট পুলিয়ের ণক্ত আহি অধিক বাল দিৰেন না প করিচাছেন, পলা আমবাদীনি-ও এরপ অবস্থানয় যে, ভাহারা ক বঃর দান কৰে। আপাত্তঃ ভত্তা নর স্ব্যবস্থা, প্রামের ব্রিষ্ঠ লোক क्रमाडी कड़ा खबर बम्रबाटहर्मान विरम्बद्धारा मानन कहा कर्छवा। বের লোকেরা যদি পর্যায়ক্রমে व्यास्य निशा ब्रिसिकाटन जानक्राल वशाम करङ खबर मञ्जूषा **छ**।

भारकता क्रांकां अध्यक्तन करवन, 🖨 नक्ल च हेना बितल व्हेशा छ है। अभन भूतिय कच्छाक्रीमिट्राव छन्ত । बाना में 1 বেনিংম ছাড়ে আনেদ হুলে ভাগে कटलाश्वाती स्त्रे ना। अदनक स्टलत পুলিষ কর্মচারী দিগতে বিলক্ষণ অলস দেখিতে পাওয়া যায়। আমের প্রধান लाकनिशटक मोशी कृतिश यमि अहेक्श নিয়ম করিয়া দেওয়া হয় যে, ভাঁচারা পুলিন কর্মচারীনিধের আলন্য ও কর্মে डेर्लका सिथिटिंग हिर्लार्धे कहिर्वन, यक्ति ना कटतम अद् (होया कि घटना **স্থলে চোরাদির অনুস্থরান করিয়া**না পেন, দওনীয় হইবেন, তাহা হইলে भारतक कांक इहेरव।

তিন চারি মাস পুর্দের জনাইয়ে জর ও ব ঠারোনের অসভিশর প্রাত্তিবি চংয়ছিল : অস্থান ভিন শত লোগ কলেকবলে নিণ্ডি : হই ছে সম্প্রতিকটিশুগাল কিন্তু ইয়া প্রায়দশবার হন লোককে দংশন করি য়াছে, ভাহারা সকলেই এখনত শীবিত আছে। পশ্চা কি হয় বলা ায় না কএকটী বন্যব্রাংকন্মিয়া অভিশয় উপজ্ব করি েছে; কেত্রের শদাসকল বি ষ্ট করিতেছে। ক্ষকের বিষম ব্যাতব্যস্ত হইয়াছে। ক্ঞ কটি লোককে ভাক্রমণ করিতে ইদাভ হইয়াছিল ৷ কিন্তু তা ার৷ সকলেই পলায়ন করাতে কাহাকেও আঘাত করিতে পারে নাই। এখানে ধেষপ ভত্র ও ধনিলোকের বাস, ভাঁছারা যদি সকলেই বিশেষ মনো যোগাহইয়। গ্রামের ভঙ্গল কর্ত্তন এব পচা ও পুরাতেন ুক্ষরিণ নকলের কারপ্রস্থ ভিকরেন, ভাষা হইলে মারীভয় मृशील ও वना बहाशानि किछूत्र आहुआव इडेटड পाद्र ना। कामार ८२८ नत स्वारकत निक्षे अमक्त आर्थना क.. १ दूश। मग्राधान গ্ৰন্থে উপমীপে প্ৰাৰ্থ 1 এই, ভাঁহারা জনাই গ্রামের প্রতি একবার ক্রপাবলোকন করিয়া অবিলয়ে এখানে মিউনিসিপালিট প্রথা প্রবর্ত্তিক করেয়া জনাইৰ দী দিগের সকল कि चछना इहेटल आद्रिक्त अध्या कहे विवह कक्रन

plant is 1 'र्शिद्दन्त । 制 可 मोहोशन मू H 463 1 निक देव हो ্ সামূত भानामा हुः **MR** * ইতি হয়ে। हरे कम भा स्वर्भ **स्टा**न, नगम ७ ज्याकी विद्वन । वे का देशवा**ष्ट्रिक, काश**ान ! धारवम किन्न छ क्रकाही অমনি বাট্যাল্রে থেওঁতে সেই আজে_নে—ু **এই मन्दि ठ**, ना বাহির হই^হ,⊲†হির ∉ धातन क.त्रम क्रिक्तिनी সে জিজাস[ু] ৰিশুছ ল ইয়া এখা কিন্তাসিত করিতে আৰু ^{খন}। 😻 यदत व लाटो कोटत । शाहेक ख रहे, भारत প্রহার কর্টদিগের ছন তা বসংবৈ কেন বলাতে ছুব 'লোক''' সাংঘাতিক ^{কিল}ু , अहात कड़ि_{ग्र}न्यकीत इस अश्वत के (P के | अंका का দে জীরাম গেংগুন হয় না হ ইয়াছে। (শ ক'রারংকার আন ৰারা জন্য কিখে পুনীানি মিস্ত গুকে প্ৰহেশ্য প্ৰস্তাৰ কৰিয়ালে करितल (मर्कक वन हा निव চিনিতে পাৰ্লন ধাৰিবেৰন। জিনি

टामात र एक्ट भ क्षिश्री थाना अर

তাহার হতঃ পারিবেন। তিনি

সেও আলা ভ্রেমির্ক্লপণ করি

দশ্ন করা ।ও তাঁচার প্রাব। অ

(बक्ल इत्र न क्यू (अध्या कतिए

गरक विश्व क्द्रेटन छेन्द्र बर्द्र

হয় : কি ছ্মাথা

(इन । क रन कारन fi

क्ट्रंड कारि

মহাশ্যের चामाहित গ কেহই 🌣 অধিক ব হরিল না। * 1 **3** 3 * ্দহারুতি ≉स्त्री सक া**ে** মহাশয়ের ্ঠিবে। সর্ধ্ বিভর্ পুনঃ**শা**পনের _{বি}র তক কৈ**ত এজ**দেশ্যেরই বা কমিদনরগণ ৬৮% ছিলেন

> **অংব বা** ই। প্লিব 👣 👣 🕏 🗗 🗷 কেপ তি ধাৰণ বংশার यनीत । ह छीन्यात র **সিংব**ন ং^{সিয়া} জলা লোকে 😘 দিগকে १द्रम । अस्त् वातृव तीः **य**द ্তিক করে ু**কোন্ব**ং ভালিলেব

चर**त्रम** श्रहान्टिशत इहा होशा नहीं करीन्द्रण्य देत sa su? या को लट् ातूत राजाः লে ভানে চিকিৎস টাটা চটা ৮ গ্র নিমি**ত মিউনি** ^{শ্রীরানপুরে} ी कड़िश सिर्दन। विक क्रमटक ণ্ডেনট:ক বিস্তেক ₹ দস্বার शक्तिराज्य एककाता (সইটি ুব, নিংহাগে তি হার _{নে}লামতে : ः भ धीना याकेत_{ः अञ्च}तकतः हुमः । च्यापता क्ञीत्यत् ३ ज् সি, ধারেকাক যাখোল ১৮৮ প্রেছ ব কিংকিক গালো ক'কু (সি.এ. ব্য **তে যাতি, গণ গ**মন কলে তব্যকি

कर **दे** ८७ र जिल्ला है कर है जिल्ला

महेर्दन । शास्त्राप्ति ^{वा हे} लोहे .

|काल्लीक्षेपाके दिल्लीकरण

10

यथेन किन्द्रामः क्रिजाम (य किएमत र्गान হটতেছে, তাহারা অননি আমাদিগকে কটু বাক্যকহিতে লাগিল। ইহাতেই আমরা লোক জানিছে পারিয়াছি; ইনস্পেঠীর বাৰু এখনও ১ (মে বশিষ্) আংকেন। গাড় কল হুগলি ও উটা মপুরের স্থপরিকৌ **েওন্ট সাজে**বছয় আঞ্যাছিলেন ভাঁহার। টুশ্ল মহাক্রোধাখিত ইইয়া বাৰুদিগের र्डाम् १७५० এবং উচ্চাদিলের শংখ্যায় ও দিপটানের নিজা: কএক জনা গাটক ও ছারবানকে উপজেভ সা কৃষ্টি ছুঃখী । কলিনে আনদেশ কলিয়া **গিয়াছেন। এই** প व्यामानि। तक निश्रम माश्रम मार्ग मार्ग मार्थ वाष्ट्रिक यहन কার 🕏 শাই চেটা। কি লয়। ভয় এই পাছে ব বারত্তে জবু ক্রিয়া হয়: শতপাৰক মহাশয় ১৫শা কিছু দিবস ড ক'ই তি এক প্রকার মিবারণ জ্উয়া গিয়াভিল একতে পুনরায় টহার পাছভা বের করেও কি 🤉 বোধ করি ঠকি উঠিয়া যাওয়; ও পুলিবের হাতন বোরস্থ হওয়াই হৈছার কারণ। এখন প্রায় সক্ষরিই সিঁধ িও ডাকটেনি হইটেছে। তবে পুলিষ সাধা রং পণ্গারের কেবল গলগুরুমান্ত ৷ প্রেকা বং লুগ্র্ণনে উদ্দীপে স্পেন্য এলাপুনা : এই, তিনি পুলিদের অতি একবার দৃষ্টিপাকে करिय डिकाद स्वायमध्यभाषन करिया किन। কার সাহার উপর হাধারণের ধন, প্রাণ জ[্]• সকলট নিউর করে, ভা**হা**র ভূঠশা এ পাংকা কি উচ- হয**় উপনং**না ক লে । বভাষা এই জিলা সপ্তরের মাহিছেটিও ডিস ট্রিভাত গ্রিটোডেট নালানয়থয় এ বিষয়ে **বিশেষ সংল,গোর ভিন্ন** সের মলোগোগোভল সম্পূর্ণ ধেবর ওচ্ছ এই **এবং ধার মতাম্ভ চটটেড**; বি ও ৮৩ পার এমত বিবেচনা হয় মা। কিছ । ভাগদিগকে বলপুর্বেক কেখা প এমত স্বিধাসত্ব ৰ ৮ ৮৬ গেল বৃহ লং কয় । শিংগাল কছক, এ গ্ৰাডাৰ এ প্ 8 यटबाश्रयूक मान्त्रिका शाह, शाह, वेहेली (कह कटलन नाहे। स्था (कवल ব্য আংক্ষেপ ও ছঃখের বিষয়:

১ঃ ই ে একয়ারি) **题:** ... ショカね

रङ्ग्सर्कत् भागको ती उद्गयक ⊛ ভূজির বিদর'শিকা। বতপ্রার বোল আছে, ভাষার মুদ্রিত হ্র্য়া পুস্তকাশেরে প্রচা া অনুষ্ণি শান্ত সংগ্ৰাৱ হোল অধিকতর শোচনীয় ;

কারণ, ইহাতে মানুষকে জ্ঞানশ্ন্যক ফেলে।পীজ্ড অপভায় মাতুৰ स শূন্ত হইলে যথন অধিকতর শো পাত্ৰ হয়, ভথন সুস্থ অবস্থায় ধাৰ ভ্রানশূন, ভাহাদিগকে দেখিয়া স্থ নে অভান্তিক শোকসঞ্চার হইবে. ষ্ট্য সংশার নাই। বজন্দশের আংমর্জ ও কুনকেরা মেই প্রকৃতিত্ব জ্ঞান কীয়। মাজুৰ কেন হতে হইয়াছে, **জ**ি মাপুদের কি কি করিছে হয়, তাঃ তালার কিছুই কানে না। যে উ দারা ভাহাদিগের সেদকল বি অভিজ হইবাৰ সম্ভাৰনা আছে উপায় ভাগদি,গর হস্তগত ক দেওয়ায়ে একান্ত আৰ্শাক, নহ ব্যক্তিমাত্রেই ভাষাস্বীকার করিবে নে উপায় লেখা পড়াজভান। আচনজ ও ক্লেধকের।লেখা পড়া শিক্ষাকর এ বিসয়ে এখার কাছার বিপ্রতিপ नाहे, दक्वल डेकार अकार अव्यक्त **७२माध्रता "टार्रजी अर्थाग्रमत विव** मङ्क्रा ५३८ इ.इ.। (१५ कहिर्ड) डाहारा कुल्यहान्यत পাঠশা যে শিক: পাইতেছে, ভাৰাই পৰ্য কেই ভাইনেও সন্ধৃতী নহেল। ভাগাগ বিষ্ঠেও ঐপানর মহতের ক क्टेटिंड । ८०६ क€िट डाइन, शिक কারণ উচ্চা। হউক, কেছ ভাষোত্ত আমত ক্রিতেত रत्तवरत्तक लालविकाती (म मुदाहित এই ভূডীয় পর। অবলয়ন করিয়ার f s নি এই উলেশে ১৮৬৮ অকে 1 f যুব মাদে বেপুন সোদাইটীতে ও श्राविधात करत्व। डेका अ হইগাছে। ঐ পুস্তক্থানিই আ ও ভাষধা হয় তৎস ত সমোধান e शह्म कर्डना। व्यामाहित्यत मास्टि विभवाद वृत अहेम स्म विवास प्रविद्यम মনে। যাগ আটো ডি.ন সঞ্জ ত তজ भी : हेर १ भी द्रका किम भी वे, छ त्य अन जी निकारण अन्याथ करियोरिकन, के हीरक्ट िर्नम्स महिष्य भावता सहिष्टा জ্যায়া অপর একটা রাজানিকী বেব । कब्रिटनेकि, उन्हरमा कवि, क्टिउभी माख्डि ধাৰু ভংগতি সনোৱেষাগলস্থানে জাটি বন নাঃ এই স্থান চইড়েড ভিকুলেখ**া**র হাট ्य अन्तेत्र सः विकासान व रहा उन्हातः , अ बेश द्वा निकडेंद हो निस्भाषाक .सारकह (१५ व्हेश्री प्रार्कः १५६.त भग्रापु अदेन्यकः কে ধাত য়াতের প্রেক্ট অসুবধা 8 है है के महाराज्य प्रश्ने का अप रक श्रेटम के शाहा (य अ वेटमच केलकार ক্রিবে ভারার সক্তেই নাট: অপ্রতা ন আচে, বাৰুক জকুম ব দত মহাশয় এই নিশ্মণেবিষয়ে কভিতায় ককি বহি न । जि.स. এकनी जामानिश्चित्र सक्ते कथ अ बंब्रहसन, १ यहि भवर्षकाने प्राक्षिया ন কলেন, ভাণা রুচার আননি স্থানীয় स्तर राष्ट्रके हैं, है। श्रास्थात राष्ट्रके व्याष्ट्र भागात धडाला पर्वाच्छ । विष्टु विष् al Bibliogen 中部 1852 中部区 · . चयम काटक क्रमीद्र के स्थाप आरम्बद्ध ব, সাধৰ্মেট সেই প্রেমানে সংগ্র ন করেন। রাজসুমার বারুর প্রিণায়ে হয়, ভেন খাব শক টাকার কেনছে এক র মনেরের সীক্ষয় আছেছে। আন নি म प्रताकासभारक हो।शाक्षातारम के १६,७७ ন, ও হ, ইংলে, নিশ্চয় বলিংক পাৰি, हरू आप काप्रमास काफा भाग्य है है कहेता**र** । यमा । इंदर्श केला, जनगरन है। याजा हुए হাস্প্রান্ক বলে এই বাড বাল বাল र्भ श्राप्त व व्हेर्ड ला (हा. ५६) 🗀 🐪 💆 🕫 : হু লোকের উপ্রারাপ এম : . ১ শ্র র জন্য আমানের হিপুর্ব । এক উল্লোগ ब्रिटल्ट्डन, एक्टन १.४ (२७३ ४ ही सम्बद्ध শ্বিদ্য হয়, তৎপ্রতি উ'হ'র মনেব্যাগ ধানও অংশ, কইবাং আন্তঃ আনুন্তি

८५ धार्यमा ७ अञ्चातात्र किंद्राज्ञेष्ठ, कामान

(त क कार्यक्षम**्यम् व्य**वस्थाः इति । त्रीयः विकास

् २ । कांखनक मिरम शक्ष व्हेंस, मुक्लीशाक्षर डिश्वी मासिएके विमना व तु. वक्टरव मून रगण इत्रहास वानु अवर डिशुने देसदाल हेन प्लेट 4 16 d ব'বু এই মহাবাত্তর জন্তে চং ইংরাজী কুলে ত: স ধাছিলেন। ডিপুলী মাজিটেট বাবু ইংৱেঞ্ ভিশাউষেক্টের ছাত্রগণের পরীক্ষান্ত্রপূর্ব ক विक्रीय (अतीव प्रदेश काजात श्राप व मित्रन বলিয়াচেন। মুনদেক বাবু বাজাণা বিভাগেও प्राक्र**शरनत भरीका क**ंद्रश्लाहित्सन। किनि श िष्ठभाष्ठित हा इस कि का करक शुक्र का किटर म निवा कनीकात करिया विदाहन । विमना वात्व क्षांत्रभव इकेटव, विलिश्चा এই विल्लान्यसः শক্ষ ও ছাত্রণ যত দূব প্রভাগে কার্ডা ছলেন, ছঃখের বিষয় যে ভিনি ডত দূর উৎসাহ পুৰাৰ ক্রিয়াহান লাই। তানিলাম, ডিনি নাকি পুনরায় এক দিন এই বিদ্যালয়দর্শনে আর্গি ्वनः डिल विक्रः भीश्र ब्राह्मकर्ष्याः विभारत्व सम्ब গময় অধীনত্ত হোনের বিদ্যালয়ত লির এইরূপ পরিদর্শন নিভাস্ত কর্ত্তর ও একাজু ব'্রনীয়

৩। প্রায়ু পক্ষাবিককাল হটাব, নবাবগঞ্ .केल्टमद्र अपीन शालि**मंश्**तराणी करहरू कर अप्रवादशादो (लाक उत्रक: अध्येशाती अन त्राकार्मत् वाधीरण बाजिएमार्ग विभी कालिया ১০০০ বেড জাকার সে নার্গার ৮২৮ গ্র ध्यन करता पुलिस कथाऽ। दिवन केल्डि ्रार्थनशहक नुष्ठ कार्या भाषातीको (४२० ক্ষান কথার ভার'। স্বাধানাম সংস্থারাপ वा शत कहात्व छा: बार बार केंद्र व अपने काहाता .सत्र व्यादश्य इक्षेत्रादङ ।

প্রেরিভি।

মানবের শ্রীযুক্ত লোমপ্রকশেসপাদক मनामग्रमग्रियः !

আম্বা শুনিয়া আহ্বাদিও কট্রাম, স্চ-१६ श्री केरिनेट्रिकेट खाराजा हा छ इट्टिनिह 网络红色 海布引 美马布装 中门边。四页图 美華報行 ন বলিকার্থে যোম কিন্তাগোল আছে, ্রিভ একটা ছাত্রাবাস 1931 Y (39 C) ১৪ এই তাঁহার বাসন। তে বিষয়টি কাষে। পালিত হইলে ছাত্র ও শিক্ষালিয়ের গে কড । हुत फेलकात इहेर्न काश दला सङ्गा। । আমের স্প্রিকঃক নে প্রেশিমাকরি যেন হয়েও भाइत्रास्ट्यत सङ्गण्युर्वेद्धराल भक्त वस् । स्मा उँ:हात यह नगल ६०४१ मड **अ**त्मारभण लिका रकारभद्र फिल्क्ट्रेंस घरशम्य अ विष ह

₹\$!

शान्द्रणसंसङ्ख्या **व्याद्रितः हेरः** मुस्लाम स्टेर नरह । (১) किति अ वयरम छेमानी न इहेमा था (रम, अमन (बाध इस मा। (काट्टेटन इ क्षेत्रक हिन्द्र मा शांकित्म कनिकालात (शांद्रहेट निभिन्न दिनि कि चौध के किटक है इहै उक मारि ⊮ारन मध्यक इंदरकन १ कि.सि.सक्ते गई कवि ग्र4रम्बेटक अञ्चादाम कविटन कुछकारी। इ হইবাৰ সম্পূৰ্ণ সভাৰনাঃ কামাদের দেব লেকের এখনত এমন ভাবত এমন আ en নাই, যে গার্ডিমেটের বিনাধকে ভাঁও यार केर्ड्य, क्टार्ट्स अकार्य अभारती केर्डिट किट्यम । शवर्षभा हेव खबक्ता, र जेनाइन না বাংকলে দেশায় লোকের যা কি এনেত এবড়ার এল শিক্ষাত হট্ড :কখনই না এ দেশের সেই অবস্থাকদরাপি দেখোন থাটি মত্রাণ্ড দিন ইছালা মানুন্নমত সাং ভক্ত দিন ই্ছাদিলের প্রাক্ত অনুপ্র দৃষ্টি ব गर्भाम, देव निष्ठा छ केईना इहेग्राइ । याह न ९न्।दिक प्रताल दात**्किह्र के** क्वान **मा, छा** श्रक्षतीन वासकप्रदृ**र्श्वर्यभग म**हि खालाउ গাসুটু ক'ল্য়া আহিছিভারকেট্রেই ও ব'ল: ৰ করা হইয়াছে, তেলনি ভাইায়া বিং গালিয়াও যাং তে সেইরপে কো ও যা 11.4 克 9 g. per [12] 安 神典() (#1 কৰাট ভাষাৰ এই ৬ উপায় এটামায়ে সে din mitte, ift i Englige herbig क्रीकृत्य, एउका आहत मानाना वर्षेत्र आह · 老红春节 · 本物: 《夏尔· · · · · · · · · · · · · কাভে, কোটেক্স'ভ ৮ বে:য় মধাশুণ্দামর ्टम, १९१३ हुएक अहुण्ड मार्च । पुत्रे १०० भारतक शक्ष 💯 📆 अन्तर्क अन्तर्रहरू क्षेत्रही, संगीकः ए प्राप्तः अवस्तानि ALMER SERVER OF THE PERSON THE प्रकार के केंद्र के जिल्ला है। या किला किला की स्थापन किला की स्थापन की किला किला की स्थापन की स्थापन की स्थाप বাব্য এক সংখ্যা তাব জানীকো

ক স্তুত্ৰ পাত্ৰন : কিংক্ৰেটোৱ ক্ষেত্ৰ এ

ाष्ट्रां के छेल कर्या । व्हेंक्री किया

भागाति श्रूपाण्यम् मा ४०६ल आम रहत (भ

अभिनेत्रः भारत्य हा योगमन्त्रः । स्र

भीतमः कामद्रा इकास इवे, अवस्थि इवस्य

ጭውት ይርላነቱ (ኦርጎ) ነገር የብ ፣ የተቋ ዓን

¹⁵⁾西西斯 机气 机结片 作识器 प्रदेश स्थान हरू मार्गा कर अपनिष् क्तिकेंद्र सहित्य में एउट विकास अ शकाल काइन्दर्भ र है का ।

াদিলের অব্যরপ্রান্ত হত।শ হইলে নাথ ঠাকুর মহ শর্কে নম্ভার ও ধন্বাদ

--; , ;---

বিনয় নিবেদন মিদং -- -

ত ১১ ই মাণের ভারতব্দীয় রাংকাদমা ার সেরিক সভা ও উপাসনাবিধয়ে অদে সামপ্রকংশের বিবিধসংবাদস্তত্তে লিখিড p. ''বংসালী কইয়া টৌমহালে **ই**ংরা রকাদংগীত ও বজচ্ভাক রবার কারণ লোৱ কাভ পারি ন।। *

গপ্ন যে ধেয়ে মধ্যে বলেন, 'বাজালী ার ইংাএতে ২০০৮ তাও পুস্তকালি প্রকাশ কেবলনা ও খ্যাভেলাভ উদ্দেশ্যাত্র ১ स्य स्व का गनाइ । कुरुक्षुत्र (य चीकाइ ন, বহুজা,রা**সাধ্য তিগতের স**হপ্রধান देशस आहत्र कराहे असूर्यात कर्डवर। জ্ঞান ও শইব্য প্রেরিড ইইয়াই মহাআয় চেন্দ্র ক্ষেত্র ক্ষেত্র কোকের নিমিত্র रिकेटिंबन **এবং क्यानी अन्न अ**शास्त्र (नकः জীতে গ্তেপ্ৰবয়ক বজুভ। ও এক ও ক.রঃ (ছলেন।

पॅक्क×ए कमव वाबू (ठोनशाःस वाखः ডেন, 'বেছ কেছ যে জনুমান করেন, নন্দ্ৰে ব্লবাসিগণ এ'ক্ষণমহেণাপান ন করিয়াপ্টীয় ধণ্মে উপনীত হহবেন, स्टार**्डाटः इटान ७ ४५६ ऐस**ी(१७ অংশ: ২ এক সময়েপুথিবীর সমস্ত মনুধ্য ংতি ও এক পরিবারের ন্যায় মন্তান সংক হটয়া প**রম পবিতা তালে**গণম অংবলৠন

रचाहारी आभारामी द्वीयुक्त मारशस्त्राच महानद्व पूर्व कास्त्र करियाहितन ालमन पूर्त मिक व्हेटक छ। एक व्हेश িন্দ্ৰী বিভাগে আক্সন করে, সভা লাসালাজ ভারতার রামী মার্মার কার্মার ইইতে ी केहेरा, जुल्लिमी म्या यस छ इवेट्स 📍 अहे खात अधकः वर्षार र प्रवर्ते स्टेश दार्म देवहाकी एक सक्ता ७ और টেন, ভাগ স্পত্নী ধ্ৰাৰ পাইছেছে। है छन छ कमला धाना(एके हैं। इस अवस्था জান এটো নগরে ও স্বামাজ প্রতিষ্ঠিত

প্ত, মতন পশহম কিব (ভাপার্যধীয় ষাজ। উৎস্পত্ৰত্ত্ত্ত্ত্ত্ৰ সংগ্ৰহ রাম রার ও প্রধান জা, 🕆 জানুজ্ঞা ,দরেক্র

। তপার ছঃখসংগরে নিমল ১ইব সংশ্ৰুষ প্রদান করিয়া বলি**রাছিলেন, ''আ**দি রা**ল্যা**মনজ হুইতে এই ভারতব্যীয় ব্রাকাসমাল শ্রোভোরতে বহিৰ্গত হইয়াছে, এই জ্বোভ যেন এই স্থানে নিরুদ্ধ নাথাকিয়া সমস্ত দেশ প্রাবিভ করে : এই ধর্মানিদরের ভিত্তি হুও ইউকসকল থেমন পরস্পর সংযুক্ত গাকিয়া রুহং জ্ঞাকার ধরিন করিয়াছে, রোক্রগণ দেইরূপ একহাদয় ইইয়া 🛎। হাদিলের মহৎ উচ্ছেশ্য সংসাধন করুন "।

উপস্ংহারভারে জাগনা এই, যাহাতে আফি এনব, আক্রময়জ পুর্করিং পরস্পর এক ভাব অবলয়ন ক বয়া সামাজিক ও আব্যা ব্যিক উল্লেখ্য যায়বান হন, ভবিষয়ে शहासरयव विरुक्षित छ असरभी । जारभी अध्या লিত হউক :

কলিক!'ড') একাস্ত অনুগত १० हम म 🗐 ঐারাম পালিত

আমরা ভারেক প্রভাষে স্থার্তের উপকার:४ अवया^भन छे*ः*क्ष्ठे (५५शांनी कार्यः বেধান এও সংএক করিয়া কভিপয় মছ ত্মার এদত্ত অর্থদ'হায়ে উহার প্রথম ও 'শ্বতীয় ভ'গ মুদ্র:স্থান করিয়াছি, অবশিষ্ঠাংশ মুদ্রাস্কানের ব্যয় নিসাহাপত কুত্রিদ্য সমবান विभागः महण्यम् भटाव मार्थ्यः अञ्च वदः জ্বারখাক :

আমরা ভ্রিয়াটি ময়খন সংগ মুকালাছা নিবাসী ভূম্যাধিকারী সান্যানর জীয়জ্ঞ বাবু সূহ কান্ত, আচান্ত্র মহাশ্র অভীব বদানবের এবং সংগ্রেশের উপকারসম্পাদনে জগ্রসর : আমরা ভাঁহার সেই গুণবন্ধার প্রতি নির্ভন্ন করিয়া সাস্ত্র নামে প্রার্থনা করিলে ছি যে, ভি নি অনুরহপূর্ব प्रविधानी कार्य विभा**रनव अवनिष्ठीश्य मूछा**क নাৰ্থ অংম: দগকে ১০০০ টাকা প্ৰদান কবিয়া একটী কীডিভাল ভাপন ককন। উচার প্রদত্ত অর্থানি হাথে। এই উৎকৃত্তী এত্থানি প্রচারিত ষ্ট্য়া সর্বা া ে ও উপক্ত হউক, ও ভাঁহাকে জ্ঞালা ধুম্বাদ প্রদান ক্রক: এব্রিণুম্চং कार्या मण्यानम करा कुण्याना भगवातान्य निश्रस कर्डवा कन्त्र विजिशा है सुराकाश्व अकार्य महान ুমুর সম⁸েপ আনমরা এই প্রাপনা করিলাম। খনি আমাদের প্রাথম পূর্ব করা প্রথকান্ত বাবুর অভিপ্রেড ইয় ভাহং হইলে ডিনি উ!হার এবা कात्र .माञ्जादवत निक्र होका शाठीहेश्री कलि वाटः (ङाङ्गि:एकः बाक्तममारक व्योगारभत निकृष्ट भारत निः बर्टन हे व्यवसा छेश श्रास्त्र পারিব।

> ঞ্জীরামচন্দ্র ডে গ্রন্থসম্প গ্রীলোটারাম পর্যা

মহাশয় 'প্রায় ডুই মান জাঙীত হইল, নসীয়ার কালেইর জীয়ুক্ত বেল সাহেব মা এक कर्न भित्त मा अक्रिक्स इस वस् छ। त काशमन करिया जिल्ला। महामासीत कार গত মহ বৃতি নিবস্থন আস্থ্য ও শ্ৰেন্ত কিং मार्टन हा नि ध्हेबारफ अवर कि छेपान ख कदिता खंदसरा छेश व्यवना≉ छ ३३ छ স্মাগত ভলু মহাশ্র্দিগের স্থিত ই নানা বিষয়ের কথোপকথ্য এবং অংব খীকার পূর্বাক ।কল অবস্থা প্রস্তাক এই স্থিব করিয়া গিয়'ছেন ধে, রাণ্যা ডিবিভানের ডিপুটী মাজিটেট একলন াসমূর্য় কথানে জান্ম্যা, বাস্তা প্রস্তুত জলনক শঞ্চতর পুর্বিংক উপায় कश्चिम याहेर्यम अवर जिल अञ्चलन · अनाकें हे। हिंदी का का कि निर्माद अर्थ वार्थ के कि (त:८भन देशन मद्रदक्षे (अद्रद বেন। অনভার ভিনিকুঞ্নগরে গ্রন ক व्यवस्थाल कार्यः श्राद्यन्य कांद्रशानि অক্সভা নেটিৰ ভাক্তৰ জীগুক্ত অধিকাচয় ও ষত্ৰাথ চড়ে:পাধনায় বিশেব প স্বীকার পূর্কক ভাঁহার (কাল্টেইরের) (अयमधात्रा व्यवनक त्वाजीतक व्याप्तवाजा (व ছেন। এ কি মত উল্লারা সকলেই দীন একুড ভাশীকাদেভাতন स्डेय्'र्ड्स নাই। আরু কালেউর মতে দয় এখানে অং कारण भूभाधक वर्ताकाश्यक भूषाव प्र ষ'বা (যরুপ প ৮৬ ই ব বিরাভিক্তন এবং রবের কিতক, বাংবা ভারার ধেরণে স বেশ দৃশ্চি ও উপস্থার আছে, ত সংক্ষম স উট্টার নিকট চেইকুড্ডেডের পারে বন্ধু

২৫ এ জালুমারি **সুবো**গ্য ডিঃ মাঃ 🕄 বাবু রাম্বরুরে সেন জীয়ুক্ত বাবু ছার্ব সরকার নামক এক জন ও ভর্মিয়ুর্দ্ধ এ व्यानिहा डि. हुक्त नातु मदर्माबन । यास छ প্রদার ঘোষণাভূতি অনেকভাচ লোকণ ব্যাহারে এএট্যের উক্লাক্টন প্রভিম্প ইটার প্রকৃত অবস্থা ১ ত.ক করিয়া कार्यामण्यामस्य कृत्य লিংখত কিডকর र्हेश्डिम १

)। अश्रास मिडेनिशिशन bis কর। কর্তুপদের অভিপ্রেড , কেন্ত এরপ গ

क्षेत्र माच मण्डाद द्वा

সম্প্রতি একজন ছিল্ড রাজিগালে কালী-ংটের সকিংরে গমন ক⊲র। আনাপ্ন প্রাঞ্জ हरेस कर्त । धार्कःकार व काकारक अक्टन **मृ**ष् र्वाचम्रा विकित्मालस्य । ७२० कर्डना ख्याम् ার স্থানতি বিলয়ের সাতৃত হটসুগুছে। এ বংক্তি . त्याथा इ. ८७ 'वांनग्राटक अवर किमिश्रिख ই গঠিত পাপে ক্রিত্রে প্রেমিক হয় নাই। দিলীগে**ভেট ব**্ৰেম, সম্প্ৰতি **কয়েক**সী ভাক। फ रङ्ग्राहक महाताच (श्लेकत यात्र **अ**ञ्चत न क ३८७ भगन कविद्यार्ट्स हैस्मारत्य মগ্ৰ একটা ক'ছন ম'লবে প্ৰস্তুত ক'ৰ্য়াছেন छा। ±ाङ्सलम्ब कः (ल देश्वकाल **के इ**स्त धी (अध्यक्त सर्वम् ।

मालद्रव किन मानुभगात्र जुक्ति नः इत्रमादक ल**र्फ क** क्ला क्लेब्र्यहर

সলাট ভূতীয় নেপালয়ন পুথিখাঁৰ জার अ उत्कार क जनारकत । केलार गरक काल ती. प्रशेषा १०७ व वर शहरमा शहरून अहि ब्ह्हार्ड त्य, अक अल्लाह है का अश्रु গুলাই হচ্বে: ইদ্নীয়ন কণ্ল েচ'ও বেইছিড কাবজোঃ প্ৰেছে ≗টী জা⊃ে 啊"有明(存)

ক: ম অংবস্বগণ সৰ ধন লংকোকে আ 🥃 र 'प्रकात (य ५६ मान कान्ना जिल्ला इंडेग्नाहरू ার নিক্রের কঙকভালে পারিপেণ্ডাবির,ভীভ .कहं या कत् कह्युन संदि।

ণাত বিষয়ের এব হাজালাগে ভিসাবে এছব ल्कारीतः । उच्चेच अञ्चलम्हेर्ककाः প্রাধ্ন ক স্থান্থের (

र विजय वर्षक, स्म किसम वर्षक मान लक १ कड़ाइ लाक्षीत्व शहराधमन र्ग निवंश डालुक्ताव्यम डीक्ट्रक खर 'लेश.ब क्रिक्स हें " क्रुक क्रिक्स

नःतर्भ अध्याः । अत्यक्तिस्य अन्तर्भ । अस्ति । বেশকৰ জাকে প্ৰয়েও চন তালুকদাৱের ভে সঞ্জোষপ্রকাশ করিয়াছেন। উচা বিষ্মাণিত ক্রনাব নিম্ভ উচিংবা ूर्व में छ। के तर्मन । कि. कुक्त रहेशे के मनः েনীর নেক⁷র ভৌ"রেভবিদা" জালীলার त भारतीराज अकाश्या कांद्र करून (सर)

उँ शता व मा एक इस , उँहा र साव हा निया किए मा । निया (व्यापित हेर् দিশের সহিত যে নিয়ম হয় টেচি সাহে ভাষা পোপন করিয়া করসংক্র'ভ বিল विधितक्क करितर्राष्ट्रम । এकश धकाना क्राप्ट्री दलः **চটডেচে এবিষয়গ্ৎক্রতে যাবভীয় কাগত** अकान कहा कहेंगा। कि नाइटर अधकाह ने हा मग्रण शकाम कराम नाहे, एक्टा आमा मिर्श विशेषक विश्वाम कारक ।

গতকলাক পৰিত দিপাইদিলো ডাক্ত-किष्ठे अंतर क अवसी सुव की इंडेरवा भी बादक सहस वदाष्ट्रेत मार्टक्टन व निकाम माली न वर्णन, विवि মলারমালী চৌরজীব এক হোটাবব্লিনীর সহিত্পুলিজ যুবজীর খালা ডবেবে মূলং লইয়া বিবাদ হওয়াতে বিবি মলার ভাঁহার হতাহটতে একটা বাক ও কার নিছুদেব का जिल्ला लड़ेगा जाती नियाद्वा ₹; †\$ না কেৰে '' (লাকিল জ্ঞাতি ট ভায় প্ৰদৰ্শন क हिंदु বলাকবিজে ব'ললেনা এপ্রকার রক্ষ আছা-क्छ सिम इतिहर ।

ং ৯ । মায় কুধবার।

কলাকাৰদি ক'লকাভাৱ জেম'লত বৃদ্ধী হই তেছে শীত জাতকে ইট্রোপীরের ব**ি** ्डरङ[ा], लस्ट्रार क्रांश मं^{केल} शहिष्क'रङ र**छ**छः এপকাৰ শীভ ,য়ালস বাঞ্চির কাংয়া রাখাড় किंदी कड़ार्ड ।

क्रम्टरम्बर भट्टर भाजिमः छ। भाजामाण्डिः ছ ভিজেন সভাবনাঃ লোকারছলার চেপুট क मन्तर कार्छन स्व दिए है क देशाएक setica मण इय सक्ति किन्नु कर्मानकार विल्ह्य .লাকে গো মহিল চলাইয়া ভাষাৰ ছকাত पुरस्त रातम् भ करत। या अङ्गे कृतः शांकाः । ह স্কল পশুৰ প্ৰাণ্ঠ নি উট্বেন্ত প্লেম্ট বের এতি প্রয়োক ছেক অনেক রেয়া ভাতে अपूर्ण । हेहाता शुक्रशक के अपूर्ण प्राप्त । क तथा भारकन अध्याहन आहे १००० हुए १४ .as. श्रांक द्वार्म कक कक क्रमीवाय कार्यन ইচ্বে জাপন সাপন আমে পাকেন মাবে হচ বংকি অসংকাৰে প্ৰাৰ্ভনাৰ কল্যাড়ে কিছা নীতকাকে আয়ুখ ৰাজ্যুখনায় ৰাজনাৰ तक्रमानीय अन्तर्भक्ति अवस्था क्रिक्ट स्टब्स्ट स्टब्स्ट स्टब्स्ट स्टब्स्ट स्टब्स्ट स्टब्स्ट स्टब्स्ट स्टब्स्ट स ্বান উপায় এছন কা, ন নাই। মৌ য়া যথেই। কারুপন্ত ব লয়া লড় ন িল ব ১৮০৮ ছটলার সভাবনা আকাতে লোকের ভাত উর্বেগ[°] অসমন্ত্রিদপুর লানায় আইড়ত বলোঃ নাট: শ্ৰম, এখনও পাচুর আংক্রে |

(छ:न मेड्रिन अक स्ना अद्धारतक रहना कि श्राम कि एक का छिल्ल अन्य मा এক জন ইউবোপীয়ের জৌৰ ভিচারিশী হইছা, বলেন, যাঙ্গলেচ বাজাবভন্ধশাসনের भनाइन कतारक जो काइक शूरार्थात दिव इ छिभाइना के काराज्यत स्वर्शकात्रक ক্রিয়াট্ছের। একজন পাদরী উট্ডেড এই থেল।

थिति के नर्शव (यश्य:र ভাগতে বিবাসভংগৰ আইন্টী বিশ্বর জড়ই জালা ক্রিশ্র बर्द्धकेष मृत्तिष्ठारस्था বিসর ইউরোপীয় এ ফিরিজিং ংগো প্রাপ না প্রচলন করিছেছেন

4

थर

è

ţ

केक शब्द बटलन, म'6 मादगद । द्व জেনেবল সিমলায় গমন ক্রিবেনা ে সংসের পুরের ধিয়ার আলি খারি সভিত क्डेट्स्इड नाफ स्मयं कि को निहास ভ'ৰ দিয়াগমন কৰিবেন ৪ না, স্ব হা: কাবল্যে খান্সমার (বছল ক্ষাইয়) व'रम वा विक में:हलक होका करन ्कः कर्नन ब छेव्राभं (म खानियुद्ध । स

कथा विकित्तिहरूमचा, त्र का व्यक्तिक स्टिस का भाग का शमन क विश्व दक्षम । का छ। क्षांत छम्म मुर्दिकः क्रिका आहि क काहाज मुक्तामिकात्व कांद्र अधारत मा व लहारहा, अंति हे इत व्यक्तांच का धन'त अस्त . कि ।सन्दर्भ क की छड़न न! ठ वेष:ान शुनारात अवीका क्ट्रोप

निष्ट्रिक्त थ । सः । सामा निष्ठा । इ तक चेत्री क्षेत्र काल्यालया व লাপী- এপনি হঞ্জালত ইট্টা বিস্তব र्भारक सह कदिशाह्य ।

অবিনিয়িয়ার যুচ্ছেঃ নম্চ্য थकाविकस्यक्षक्षक्षस्थः स्टब्स्स्य स्थान ছৰয়াকে এক টাকায় ় • ় > টাকিইটিভ 双方面:"艾斯"并为 的数 金矿 的甲(Co) 克斯 (

ला जे अपाधाल । **१५८७ छ।** १**३ स्**मृत राजन कड़ीहर पात्र है । क्यांनी । स्टूरांच (प्रपूर् अक्षांका कर्णाहरू अवनेत्र । अक्षरकर्**क**ि ं स. १ वस (केनेट्सटक्ट) रंट काछा १ प्ति, के क्षिप करशेल (प्रशासनक श् প্রাকি ও কারণের **র্ভাবার**ক প্রের্থন্স (ব্রু ান জিলার করা হয়। গবরর জেলাক তথ भाकेश्वरक्षत । इन्हें तु मार्ट्स्ट्र हे एक । व 는 (mgfmgr 가(하다 ** 9월 ** . 다양() : 1

Although a way and a second sine

1 / 21 5 ب ، ٠ ٠ ٠ ٠ ٠ 5 m 💰 ं क्षा त । ज 10 mg 2 4. アラー 茅町印 ा, १८८५ **५ विका** 1.54 ° . \$ \$ * • • , 🗼 ू हेर ७७३३ । दृष्टि শন আহাপ্র গ্রে काँ शि. तस्य उर्दे, - शूर्डक:र्य.च'ता नरनगाप्त उत्तर्भ कविष्टक, मध्याम ज्याम

हिशास्त्र । इत्यादित प्राप्त । स्व वृद्धि स्व के द्वेद्धः इति भूष्ट्यातः । इत्यादकः स्वाह्यः स्ववेद्धः इति श्रेष्ट्रेस्य नाविकः अक्ष्यं स्वाद के प्रक्रियः विष्टिक्षः । स्वाद्येष्ट्ये प्राप्त इति श्रेष्ट्रेस्य विष्टिक्षः । स्वाद्येष्ट्रेष्ट्रेस्य

্যনীয় কশ্চারী সহিশেব ধরণ

र विश्वकारल काम क्रीइट्डर्डन।

য় ধনিপাৰ আমাপনাদিলের চিরস্তন

विष्युक्त ना व्हेब्रा दिष्युत (माकटक

कोऽराउरक्रम । (वश्वाकेरम्ब विकूरत्र

একট্নিমিক্ত ১০,০০০ টাকা কৰ্মজ

ति हमा । अस्य पति का स्वाह के खीन । अस्य असे असे कि स्वाह स्वाह स्वर्यात असे असे कि कि महिल्ला । स्वर्यात असे अम्बर्धिक का सिक् । कि कि कि स्मान का स्वर्णिक का सिक् प्राम्मात स्वर्गाणि विस्त्र के त्रामा कि ना १

রে একটা ধর্ম বিশ্ব: লগ্ন স্থাপিত বর্ত তুড়ান্ত্রের ক্ষেত্র ও নেব্রেও নট হং ক্ষেত্রের কাজ করিয়ালেন। নট সংকের ক্ষেত্রের কাজ করিয়া বান্ধক ১০,০০০ ক্রেন। এখানে ডিনি কবল সাধ্যে अवन विश्व करण अवक स्वाहित आति हार्टित ।
अवि ए जिलारा करण अवक स्वीत नार्टित ।
अवि ए जिलारा के अवक स्वाहित वर्टित स्विक स्वाहित स्वाहित

नारकर कूणात भारत्य क निकालाम काश्रम कतिशारक्रम। हे.स ही स्मय कर्माणा विशिष्टशक्त श्रीख यक्तका स्वयम जिलाज भारत्य वहां के भारत्य माहे। क्रयांत कूणांत भारत्य हिमानम् वहरूष इंडिमार्स्य मर्ग अभस कार्यन।

्याबाहरहत छ। कृत छ हे समय क तिकः छ। ह आश्रिक्षण । क्रिक्त स्वति अहे भ्रम बङ्ग्रित मक्राल हे ममान्द्र अहन क्रिक्त ।

अक क्रम मूमलयाम (क शक्य हे श्रिशास्त्र सिश्चित्राहरूम, श्वर्गमिन यर्थाहित मरमार्थाश अम मा विल्ला मूमलयारमद्री हिन्द्रामर्थाः लग्डारक পण्डिक हहेश्ची त्रव्हित्रहरूम । मूमलयाम मर्भाव वृक्ष मधाम मरमार माहे । किन्द्र स्थान्त्री बालराम क्ष्याम हश्चारक किन्द्र कहिरक शाहि (क्षरूम मा

श्चिम् विरिक्तिको स्टालन, काका क्रेटिक इट्टेकिस हा काम्लानित किरतकेत प्रत्य-कामक किर्माद्यम, दीशामत वाशान विरम्ध १०११व काक्यम कृतिहा । १ स्थान कृतिहरू इ.ज. किर्मादको स्थानक प्रदेश कृति करियादको स्थानक प्रतियादको स्थानक किर्मा करियादको स्थानक क्ष्मिक श्वाम किर्मा (प्रथाय १ स्थान स्थानक क्ष्मिक लाख्या करिया नाहै।

এলিজাবেণ কাদ কাজেন হাডিকের নামে যেনালীল বহে, গড় কল্য ফোগান সাহৈছ

wiel : lapig at at 3. . . it bi mig im ... ्डमः सम्म क्षित्राहरून, शक्ष्यक्रिः विश के हिलाकर्त अष्ठ तेना करिया का আন্নাবলপুর্কক উচার সভীত নাশ मा क्या, काश्रेट दे ... जाकाम म अधिक शरह । अ वा 🕮 ं च्यार तक्तिकान. 契 क (मर्भव (क)क्षेत्रं वि क्षोत्रं नर्छत व्य महरू कि इ विकि तेन ने ने ने कि जो विका विका কার কভিড ভাষা বইলে ফেলান স काङ्गदक विभाव एको सनाविदक निराजन । ु शक्ष विश्व (लाक क्यांग्रह्मोइरमन बिली के इ ब्री लाइकब विशेष है है। क अध्याहात व्याटम त्रकान कारखनरक प हाका के हरू महर । आहमांत्रकात कथ दतः हे हर, अ व, किएन अप क न्यूप्रा जा काम्र । २४.साथ (क्षत्रम करदम । मःकी। যাইব র যে পারেবর হয়, ভাষা সরকারী ধন ९६(७ क्षानान कहां कविता। अहे इस्या ववीदक, पुनावशः काशास्त्रः थाः वशः । (य व्यक्त ह व के द्रश्राह्म, कार्यक छार्गेव **न छ २५३: ॐ 5** 5 1

मान्य ७ लाई नाइ समय ६ इ है जित जिन नाइने । विद्यार निम्म नाइने । विद्यार ने क्ष्म नाइने के देश हैं के दिखा है । को दिखन छना देश हैं के दिखा है । को दिखन छना देश हैं विकास ने के प्राप्त ने के देश हैं के देश के देश है के देश हैं के देश है के देश हैं के देश है के देश हैं के देश है

कामनाम छ त्रश्वांमत अरुक्त मः
भाष भवनं भिक्ष धक कामगमान गुक्क कालतः
कामगम भन्नग्रीधादर्शत मङ हार्द्ध दृष्टम ।
छ तत मूच रिक्षा मा काल्या स्मरण कालप वाथ विद्युमा काला कालप कालप गरमल मारू स्ट्रेटन ?

ভেলামউন বলেন শোটকানিও বে নের চাউলের কলের হ'ব। প্রভাই সংগ্র লাভ ংইভেছে। এটা অ তল্য ক্রাথের স কোল্পানি কি কার্ছের একচেটিরা ভাগে বেন না ? এড রিবজন কার্ছ এড ছামি বু লোকে নির্ভার কোল্পানির নিনালের এ করিভেছেন এংখনি হইটে শেষ টোলারামে এক'শ করে মহুদ্র জাইনিধের অধ্যানবিধে এটো এক দল ভাতন মন্ত্রী হইয়াছেন।

মার্কুইস আহা আব্লেসের মূরুরে সংবাদ একাশিও কটয়াড়ে।

ণ ই কেন্দ্রণারি ভাগিপের এক টেনিরাম নিউইয়ক চইণেড আলিয়াচে ইচাতে প্রকাশ কংগ, ইংগ্রুও আগমন্তিকার মনোত্রসভালনার্থ যে সন্ধি চইণ্ডাড়ে, সেনাপতি রাজি ভাই র প্রকি বন্ধকার করিভাগেন।

পের। ব ই কেক্সাবি। ভই কেক্সারি ভারিশে এক টেলিকাম এথেন ইইভে আর্থি সূত্র ভাইতে প্রকাশ করে ফুডন মন্ত্রিগণ শুলুর ভাই মধ্যাকৈ সুখারে শুপথ করিছাছেন মুখুর ভাই মধ্যাকি বভাগের ও মুখুর ভিলা উর্থিন স্বাধী বিভাগের মন্ত্রী ইইয়াছেল। আল্লেমী ১০ই কেক্সারি বুবোর স্পানের মহাস্ ভার প্রথম উন্থোলসভা ইইবার কথা আন্ত

क्षेत्रकार विशेषक है विशेषक है के स्थान है स्था है स्थान है

্ল, লড় দী বৈষ্ণা (বাজাই আ হাজাহালী সাকলি) কিব্ৰুল বিভিন্ন ব্যক্তি আ হাজাহালী সাকলি। কিব্ৰুল বিভিন্ন কুক্তি আন্দির্গার্গ।

अन्य स्ट अकेट १८६३ । अन्य स्ट अकेट १८६३ ।

--:::---

আনাদিলের শ্রীষ্ট্র সংবাদকাতা তিথিয়াছেন।

अञ्च (मश्या क्ष्म स्ट्रिक स्य छ्टे स्व इत्य श्रादिक भीकाष इंटीवं स्ट्रेश्वाइस लिया इत्या स्ट्रिक्ट स्ट्रेश्वाइस होता क्ष्म स्ट्रेश्वाइस्ट्रे

ভার মাইন র ক্লোরসিপ পরীকা এবান কর য়াভিল ভ্রাণে ংজনহার কুড়ি চাও হই ১৯১৮

প্রকার এ কাল্ডারি বুরোর অন্তার রেখ বাই মিসন ক্লের বিদেনখ্যাহিনী সভার হেয়ে। দশ সংবাধসরিক অধিবেশন কইয়া লিয়াতে।

কারাড়ের নিকট শীঘই একটা শুদ্র যুক্ত
হইবার সন্তাবনা নেখা যাইতেরে। শুনিতে
পাই, কজিপরাকুকী আনিয়া চাবালিচার কয়েক
জন কুলীপ্রভূতিকে কালীয়া যাওয়াতে প্রক্
নেকীপ্রই যুক্তিনি করিছেছেন। এতছপলকে
বেগার ও নৌকাধ্রার জান্তি ধুমধাম পজিয়ালিটো কিছা লোকে পার্যমানে বেগারে
শাইতেরে না। ইহার কারে অনুস্থান কর্
উচিত। আমরা কাহার কাহার নিকট জিজ্ঞাদা
করিয়া জানিয়ালি, ভ হালা পরিপ্রামর প্রকৃত
মুলা ও ভালকুপ খালুপার না এ জনাই এক্সপ্র

उत्तर एक युक्त स्थाद्यत ह्याः छ। वति छ। दः त तः वान स्वभास्यात्व । छन्तः अधादम अक्ति हो स अस्य भाषीम अर्जा देख इदेशाहा । श्वित्तर तः में के व्याणीमी जिल्लाही स्ट्रेटन ।

कामान्यका कामपन नार्श छ इनस्मित्रे रङ्गदल रकात गार्ह्त अवार्य आभाउ १३४ रहन। जात इस हेशीतः छे ७८.३ भाषारङ्ग गुल्ल भाग कतर्यनः कामा मर्भर नव महुक पूल्रिय डिक्ट्रिड स्परिस्टिट्डिड पाउ मार्ह्वद भाउ करा छवारन कामिशारङ्ग

গত ১২ ইমিঘ সাক্রত ুর কা নাজের টার-দং সিক জানিকাশ্ন কটারা সামুদ্ধ ।

क्षीहर्ष्ट्र मनर्गर है स्ट्राइन व वर्ग मन्त्रिक है। यह स्ट्राइन हिन्द्र स्ट्राइन है। यह स्ट्राइन स्ट्राइन है। यह स्ट्राइन स्ट्र स्ट्राइन स्ट्राइन स्ट्राइन स्ट्राइन स्ट्राइन स्ट्राइन स्ट्राइन

এখানে (হাজ্পেট্ডের ক্ষিত্র বন করি। আংশ্রে কট্রাতের এই উপল্পে করেও দিবি শিল্পান্তির ও মুসল্মান ক্ষিতির সংগ্রহণ দ্ব সংস্কৃত্যক টাক। ক্রিটিইট্রা থাড়েছ।

) 3 9 4

ে হৈছ থেকিছ

মান্যের জীযুক্ত লোমপ্রকাশসম্পারক মহাশয় সমীপেয়ু।

মহাশ্য়: মিউন স্থাল ক মস্মর নিগ্রের

পৌরাজ্যে ও জবিচারে শিংপুর ও ইয়া वर्षी अन्तामः आन्यत्र अ कहा अनामः इहेश द्विशः ८५। अ सहार्क्षक्र**म्याः वर्षाः वि**हारस् কার্য, সম্পাদিত ংইতেছে শাঁএই क्षित्रा श्रक्षा निर्मात श्रक्ति यह हुई क वेडात कहिएक हम्र काश है कहिएस कारका बाममहर भक्षावकी कथा किन। एकानी क्रम शब्द घाटे (य ध्वका, এখন অংবিকল "ঠিক সেইপ্রকারেই র পারবর্কের মধ্যে এই দৃষ্ট হইডেকে ्लारकरा प्रदेश नाम कविष्ठ, अध्य कहें न।। युम्फ कत् किट्ड इर्ड, अथन अट-व्यवहात् । कथक प्रत्य इहेल अकडा रि আংসেশর জন্তার বারীসমূহের ট পুর রণ করিছে আসিরাছিলেন। তি নি যেক্সণ इक छ न। प्रभव प्रभा के हात प्रहे अकरि क हेर्स्थ कविरुष्ट युविर्ड भावित्वता अक्षी ্ল'অছা বলিংলন, " কয় সুঠারি ^ক উত্তর क्षेत्रांत * व्यान्त भ त्रव व लत्सनः ১० ना निक अपना । कुठा दिन अवसा किञ्चल व বালীরই বা কেমন জবস্থা, কিন্তুপ প্রায়ের সাস্থাপিত, যেপানকার রাস্তা ঘাটই বা 🖟 5 पर्राप्ति । दश्रुशः (कक्षृण्याः तिरुट्ट रूपः पर् भए। **छ च घ**(चतु (,०५ हातु । .क्षितम् ७:३१० कर न न दिक कामाल के इक बाही 医胡香叶 小型溶剂 "我觉得。" ላ፤ ያቀዋ″5 ቭ″ኞ ፣ ክ ፫. ጵ डिमिश्र नात ग्रा 쿠'의 의기 전시·귀' 35년··

किए हिन्दिन १० जाएँ समाक प्रतिमा । अ

भूत का'रम एतथ: ८ छत विकास स्त्रा **'इंद्र करना अक खन म'रिश्व छ** ্ল ক্ষিপ্নর ছিলেন ও ওএলস ান থ কেন। এই চেয়ারমান স'ে বেচনা ও বিচারশাজিক ইন ভদ ় করিয়াছেল। ইনি ভারশাট ়ে। অপেকা বিহান ও সমধিক , ्हेटनम । व्यादिनमृत्य **म** ८६५ वा**नित क ८५** व इन्हें हुई अक्टिक्श हुई अक्टिक्श कि ब्राह्म । हेराब अता हेशनर्ग किंदूई কোলা বিষয়ে এমন সুপত্তিক বে. এক পাত इहेंग कि ना कामनि जारवान সমুদ্র মধ্ম গ্রহ করিলেন, এবং উলিং াধ (সক্ষতাধে কি দলিল কি কোন াপর কছু ৯ই অপেকার:বেন না। বলমটি ন মাত্র (রিজেবটেড) বলিয়া সকল স্ত গুলিই অলম্ভ করিছে লাগিলেন, देशका अक्षित्रं विषय अख्युत व হত ভাবেদন কারী প্রজার অভিশয় রোদ-অবচর ! প্রকাগণ অধিক আর্ত নাদব: কমাইবার মুজিএদর্শন করিলে "চাপ বলিয়াভয় দেখান। বাজালি কয়ি বাবুটি নিভাক্ত অবিচার হইতেছে -দেখিয়া ় রূপকে ছই এক কথা বলিয়া িন দেখিলেন উলোকে কেবল াকবিয়াছে মাত্র ও কথা শুনি া,করিয়া রহিলেন। দড়িয়াল াক সাহেবটি ক্রমাগত অবি 13. शेटनवा सम्भाषक गरीमरा ! 7 ণ করিলেই অসপনি সাখ 211 বেন যে"কভদুর অবিচার গুঁচল। করতের একজন ভার সন্থান একটি সিংইতে৯ টাকা মাসিক ভাড়া পাইয়া শেম। উট্থার ১৬ টাকার ছিলাবে টাক্ল দিজে खर्द। अहे कमापु सियादवा**र्य प्रमुखास** লে 🖟 হেব ভনীয় দরখাপ্ত প্রাঠ করিয়াই

अं. कृति (काम अंशिटान करह कि मा

ডিভ ৡাহিলেন। অসমি ১ টাকা মুলৈরে

किश्रेरहें ही एिश्रुक्तक लिविड कक्षिपके

হিইন্। সংক্ষেত্তকো লেলিয়াও কোন কথা

লিয়ের্ভিজাপিত রিখেটেড্ড লিখিকেন

uবিচার ! ' নহাশর ! একপ বংধহাবকে উৎ

মা**ও ভো**র মানসার হিল মার কি বলা

র পারে টু ইং % কি কেনে প্রতিবিধানো-

बहे ? बहासक्षि .लब्डेन हे लदनेन ७ भन्नेत

কাজপয় আবিচেক ব্রচারকর্ক কৃত্ত আবি हात विश्वा कि हुल कविश्वा धाकिर्दन ? डाहाता কি ইহার ভদক্ত করিবার নিমিত্ত উল্লেড্ট (वन मा ?

শিবপুর **बल्बन 🗐 भ, ह, य,** २८ अवाघ ১२१६

महालंध ! आहे. केट्र के होटक के प्रमाण्डत আদেসা ব্রীক ববু কনোইলাল ঘোষাল महामात्र हाल्यन हरवत राज्यात्री । नरशत मारम माह क्टिके हें अप मन्त्रा अकति खालिका खाँचारित्रम् একটি চাপড়াসীকে সঞ্জত এ স্থানে প্রেরণ कांद्रश्रा इट्लन: (यनकल कामान; राज्यि निक्र अर्थ मामन शिर्धा शत्र्यांक अक्ष्यकात्र स्थाकथ াঞ্চৰ ভাবেই দিনাভিপাত করিয়া আসিতেছে, ক্ষেত্র ভালকামধ্যে ভক্তিবে নাম लगाक प्रजात गाउ कहिया कियाहित्सन, ফুডরাং টার্টার সর উপরেও মোটসভারি কর। হইয়'ছে। আইন অপুসংগে ধ হলেগের বাৎ রি ১ या रहे । में के किया था खर्डा विक, (कर्ट कार्गाम्द्रात केलदबरे कत सब्द नहां इहेंद्र। যেদকর ব্যক্তিকে ভিনি নোটিন দিয়াছেন, ভাগদিগের মধ্যে অনেকগুলি জামার প্রতিবাস এবং সকলেই আগার এক দেশবাসী। তাহা ৮ .সর আয়েরনিটিট সংখ্যা আমি অবগত থ কি আবনা থাকি ৷ কিছে একপ্ৰকার নি চুঙু वनः याहेटज भारत (य, काहानिरंगत याहा काय পরা ফুটলারে, ভাষাদিলের অনেকেরই ভাষাত बर्द्धक अध्य कहेरत मा । कुरवार कम (स ভাছাদিগ্যে কর দিতে হইবে, কিছুই বুঝিতে भावि मा। माउ। 'डाहाता हेम्ह। कतिहा मकालई আপীল করিতে পারিবেঃ কিন্ত আবার এই নিয়ম দে, আদীর করিবার পূর্কে ভারাদিগকে দের কর জনা করিতে হইবে। আমার প্রথমে জিজান্তান, এই, যেন ভাছারা আবাদী, কবিয়া নিজু কি প**ংটাতে পারে** : কিন্তু জনারণ কেন काशमिगरक इसा कहे । व्यर्थवारत विक्रिन्त कहा হয় ? অপের ইছার প্রমাণ কি যে, ভাছার। আশীল করিয়াই নিজ্তি পাইবে ? ভাংবা श्रीय नकरताहे मूच. अझिआप निवानी आहात ভের ঝঞ্চাট ভাহারা সহজে ঘাড় পাতিয়া লইভে माय मा अवर नकत्म महेत्क कारम ना गाँ ভাহানিলের অপেরও ভেমন সক্ষণভা নাই যে যোক্তার ছব। নিজ ক'র্যাসাধন করিতে পারে। नकरम काम (किशां चानासरकं शमना ন্দ্ৰবাহাটুর এজাপু:ের প্রতি এইরপ বিষ্ণাক করিতে পারে না। এমন স্থাল যে

जाभीन कार्रज्ञ, दिश्वन बहरक केन्द्रोर्न हा देश व्यवस्थान सम्बद्ध हुनानामा है। व श्यन (ताक्षक्त बहे शालत्रहत (विचार याक्षित्वत व्याप्त (कार्नक्रालक्ष्ट ००० हे।का इ ना, कार्शानमदण्ड माने करको कत निरुद्ध ब्राइकः कहे करन व्यामात्र व्यानाक कृत्र व (य. श्रांत कालात्कत होक निकालिक इहे) ब्राटक अवर प्यद्भातक छंग्ला विद्यादक राज्य काञ्च কভঙলি মুখন কোকের নামে নোটিশ ব व्हेंग्राइक । याहा इंडेक, यथन कंडक के लि वर्रा अध्यतन भी क्रम पदा करिंद्र के इंद्राटन, ए যে গার কভক ড লিকে সহা করিতে ভ্রবে अक्रियं कथन हे बहा बाहेर्ड भारत मा। प व्यारमम्ब भए नद्वरक किकामा कति, दानिम यप्तर উপস্থিত हरेया विस्मयकारण ७४% त পরে কি কর নির্দারণ কর। তাঁচার পকে ক ন্তে ? তিনি যে ধব:ধ্রুপে কউব্যুদাধন করিয়ালোকের পীড়নো করেব হইরা खार'त क्रमा मार्थी (के ? छ त्या के दे प्रशासूत বিষ্ণেট এবিবয়ের প্রস্তুত তথা সুগল্ধান ধ উপ] ক উপায় অবলধনপুর্বক সামান, জছ ৰা বি প্রিয় অসহার দীন প্রকাবরের উপর আহ हात्र निवासरणत स्थवावका कतिरवन ।

ह! लगहर জী টুমানাণ ড⊗া: ২৩ ম'স্ **১** ነል፦ ጣጥ ነ

১। মহাশায় কিন্তারী আবিংদের কি बृहः वय्षादीतक्षनादम এकसामि क्रमणन कार क्रांनकात्र बाज्यभरसाट्डर वाट्स अहे ; आर्थि স্থাপিত হয়। সেখানে প্রতিবংসর পৌষম अक्षेत्र स्वता सहेवा शास्त्र । क्षेत्र होत्रव मध्य ন্তিকে এই মেপার কার্যি আর্জ ইইবা সপ্তাহ কাল বংপিয়া চলগ্র থাকে। ন कामीत लाएकत । माधम इटेग्रा शासका । বিক্রেয় কিছু জাল হয় না। গুনিলাম, এব মেলার ভাবী ধম হটয় ভেল। বিশ্লীদংশ্র च्रमुक्कण (इस) कलकः दिल्प्सीब्र प्रदा अक्टन अमासामलक गरहा अ (मनानि सारि করিয়া কেওয়ায় এ প্রদেশের লেণকেয় যে ভা कृषिता इहेब्राट्ड, जाराय महस्मार नाहै। ২ ৷ এখন বালিক'বিদ্যালয়ও নানা হ'

अक्षिक इहेर ७ हरू । (महेनम क विकास ह কার্যান উপযুক্ত শিক্ষান্ত্রীর হতে অপি बहेटल त्य कांक क्षांक्र क्रांक्रकरण हरने, काहांत्र महन নাই। কিছে বর্তমান অবস্থার এরপ কা. ভ্রম

शाहित्व ना विश्वज्ञतक खन्नात्मतमात्र नागा [∿] विद्वहमा कता छेहि छ नट्ट । आक्तारनदा পৌরুষশালী। যে রাজা ত্রিটিশ গ্রণ म्बद्धित श्रामाथला इहेशा श्राकिट्यम, आक शास्त्रिया कथन डाँहात अधीम डाञ्चीकारत मन्त्र इहेरव ना। अक्रथ ऋल कामीहरक বিপাকে ফেলিয়া ভাঁহারে কোন বিষয়ে वहनवस्त कता विद्धम्म. नम् । जाहा कतिए छ रिश्टल भवन्त्रिन्छ (य छेलकात कहिएक ছেন, ভাষা উপকার বলিয়া পরিগণিত क्टेरन ना। जाहात महिन्द रेमजी क्टेरल ऋत∙ इ চিনি রুশীল**েক** हरेए अधित हे जाही त প্রতিবন্ধক उ:ए॰र्व ४१अ इडेरबन । त्मां भिक সাধ্যাদান অভিমানী বাজির প্রীতি কর হয় না। ত্রিটিশ গ্রণ্**নেণ্টের নিঃসার্থ** कडेशा माहाना मान कड़ाई कर्खना। डाहा চটলেই তাঁহারা আপনাদিগের মহিমানু রুপ গৌরবভালন হইবেন।

विविधगर्वाम ।

াই গ কান্ত্র সোমশার।

हे नर्द्ध स्थमास भवनामन्द्रमञ्ज (सङ्क माप्रदेश अवश्वीतक अकटकारीय বির'টের १८८९ अस्टिनाम कडिएफएइन । कट्सक अन नव শ্ৰক ও ক্ষিতিয়া কান্য কেই এ একে বেৰ কাই .स.४८ कर्यस्य सन्हे ।

व्यासायात्म विष्टुत श्रीभाष्ट्रतिक कर्म्यान হত্য়াতে গ্ৰণ্মেন্ট আহলা দেয়াছেন, (যসকল अश्वासीत भीभाक्ष्यवादमत्र आक्का द्हेद्द, खाहा নিগকে নাগপুনের প্রধান প্রেলে প্রেরণ কর: रहेरव। य'रक्कें वन बीशास्त्र विक रहेरल जाना भारम गाइरव ।

প্ৰৰ্থ জেনৱল সিমলা যাইবার পুন্দি পেলো য়ারে অনীর দিয়ারজালির সৃহিত সাক্ষাৎ করি (वन। भवर्वेव स्थानदलाक छेपाछोकन भिवादे নিমিত আমীর কতকগুলি অংশ বস্তাও মেওয়া শ `এই করিয়াছেন। আন্জিম খাঁও আনবস্থারহ धन चौ छोड़करर्म कानाएक दीकामिरशब कार्ध कार्य व्यञ्च कातूटन भगन कतिवारकम। मध्य दरा छाद्रफवर्स खानिया वड़ क्रूबी नरकन। ৰ: চইত'ৰ কথাৰলি ভাঁইটো ভারতব্যীয় গ্ৰণ

নেটের বৃত্তিভোগ করেন, ভারা হইলে ভারাদ-গালে ক,শীর পশিচাম ঘাইতে দেওয়া উচিত 1036

আমানর। অসংক্রাদিভ ইই-রাম, কোসম্টেই ष्ठ्यवेनात् अञ्चनकानार्थस्य क्षिणम इदेशास्त्रम खेबार्का (वाषाहरसन्न शक्तिकारक) लागा काहे गाम खिरक वाश्य करा इडेग्राटड । (वामाहे अवर्रमाहे সাগারণ মত আবেণ করিয়া অভিনয় প্রশংসমীয় कार्य। कतियारहरना कामाहिरात वर्कमान (लफ्टेनके भवर्त्त अञ्चल कार्य). काल वाटमन ना ।

সম্প্রতি এক মকজনা উপলক্ষে সমু জ্বোদেশ আৰ্থিড বলয়াভেন ডিনিদশ বংগ্র বোলাই থের প্রধানতম বিচারালারের কলে জাড়েন। কিন্তু দিখেব আছার ব্যবহার এতে বিস্তা বৈত প্ৰাৰ্থ যে তিনি এই দীম কাল্যসেঃ ভাছার কিঞ্থমাত্র আবরণত ক্ট্রাভেন। শ্ৰেক মহানাত ছই নবদ এ দেশে খালিয়া। সর্পজ্ঞ জ্লা

দিলীর বিধনাত কবি নবাব জাসাত্রা থারে १७ वरमत बरहरम अकु (इहेब्राइड । हेनि छिई G शादमीरफ मरनाइत कानः कहिबाहिस्सम।

আমরা হিস্তু পেটিয়টে দেখিয়া ছঃখিত হইলাম হারদরবিংদের নিজাদের মৃত্যু হইয়াতে। ভুতন নিজাম অপ্রাপ্তব্যের বলিয়া আপা ভাষ্ট জাটিশ কর্মচারীরা শাসনকার্য্য করি ्यन् ।

মালাকের এক প্রমন্ত্রণটিত লোক এক क्रम ग्रम्ब खेलाकरक राजा। विद्या छाहात শরীর পরীক্ষিত করাইয়া বেশবার ভালিকার নাম লিখাট্রা দের। এ বিষয়ে নালীশ হও রাতে এই ছুডাআর ১০০ টাকা জরিমান: না দিলে इनेमान त्यवारमत आका इनेवारह। লোকের কপা শুনিয়া কাজ কথা অন্যান্ত শ্রীরপ্রীক্ষার আইন অনুসারে কাজ কড়িকাং সময় অভিশয় সভক হওয়া অংবল,ক।

२ अविश्वास्त्र मक्ष्मित्रः

लिए हेट्यून फाकरा जन कारन करता के विकास अधिक কইরাছে। পোট্যান্তার জেনবুলের জার্নির ইউমান গ্রেণ্য জেড যাবভীয় কাগজ পত্র মন্ত ক্ষরতে । বর্ম এবং বিষে জইতেছে। ক্রণে ইউবোপীয় পত্তওলি নঔ হয় নাই : সঞ্চ 🗇 একটা ভাকষর শীল্প কারত হইবো ইকাস নিশিস্ত স্থালক টাকা কয়ে করিবার ভাতুমতি ুক্তিটেটেন। সংখ্ इहेग्राटम । कांग्रंड **कात्रकरियोग्रामित्यत कार्यक्राम** प्रक्रित माध्यान स्ट्राटन छान वार्यना

अष्ठ, ाञ्चल नार्टन कलिकाछात्र अहिन्नि "कामत" कहारान क গের প্রতি নাধ সভাপাছেনহয় ভা

রেলভয়ে ষ্টেশনের : ঘাটে স্নান বন্ধ করিবার १८३व शकादेश दक्ष कर **ह**ेश्रेनीत वर्धकरी सिलान कत म'र्व स्थापन कर्त्रहा ग'त हर्षुं भागार्यं स्थला হরতে হে। স্ত্রীরেরাকদিরের खोरनाकरक नियुक्त कदा । (मनीय १ मः शुक्रभारत्य याह भ अरकर घाटलेत मरकारहर (भव करक कर करा ती लगाल मरकाल मा कहा।

भावतारकः अवज्ञे आहः क्रमाहिताचक अक सा कु केटन । भारतास अध्यक्ति है ऋ।त किस्'रहरः ।

ক্ষেত্রি কইডে মুলভান : वान व्याख्या हेई आहे। একেন (সন!গাড আ: भभन कदिर्यम । ८३ .उन षष्ट्रभूत हीतृ । स्टे:र

निश्वविद्याः नहस्रव मिरि অংগামী সুধ অংবলি : विवास काळांडः माडकतः **३६८त । 'आ**त्र चात्र तिसट র হিলা।

अव**ने** विद्वा शक्त

জিলিভের মিউনিদিশ্য क्षानां के विश्वाद्रिय । मः হিম্মধান্টের মিটুন্ট এক্ষেত্র করিকে পারেম 용 (4) 1년 1월 전 전 및 기계기 및 당시 ATT : WYS AG ेत्र के अध्यक्ष द्वाराष्ट्र इंटेड्डिंड मार्डिंग छात्र 经主诉法律 医多种毒性

55 @ 21 % 21 %;

टिव्र**म बाह्याकी क**ंद्रक **ৠঀয়ড় ক**রিয়াকেন । । इत्याप्त दक्षामीस क्षेत्र ७ अध्यम्भः स (T. 5 e)

क दा कि जुनाश को जान ! पार्ट्या कित्नन । **जु**नात युष्ट अधासकान कुलाव প্রব্যে ভালেল এই 4 5

अन **च**!त डवर्षी(प्रत्रक्री नि বাল ড 'ঝুখন ৬ শিবে। **बहे मर्वाम्बी भार्रक**कि ।। क्वति अप विष्ठाताल ८ वर ारन, चार्टशहल कविरुड ক এই 'ঝুলন " কৌ ত

ধরে একজনে ইউরোপীয় বভাৰণ করাতে দিলীর । বিনাপরিজ্ঞামে একবং প্ৰবিক ওপিনিয়ন ক্ষম,

বুল ংইডে সংবাদ পাই ্ব ভূকিস্তানের শাস্ত্র शर्भ कार्यकात्र कार्यस ার্ছ্যন খাকে অনুস্থান । शमन कर्बन नाई । किए श्वाद्रम्म । अहे कात्रन तर्ड भारत्व ।

^{इक्}र्लाक् 47व । য় অভীত হ্রয়'তে ^{राष्ट्}न व'ङ्ग्डा(काल्य ाठ (केश व्ये,क्;उप्त∓ ·15日 : 图1年(医界耳 तत् । तत्वध्यासः अर् क्षित्र नहीं न खेंबर । ার ধ সকল পূর্ক ः । **द**्धाः अस्य . - . - কোক নিশ্বন छ अन् (क्ष्रु इक्टेर्ड বংয় কটাৰে : ৩০% । কু. মুট মঞ্ন হইল । ही महकाती है।का , টাকালুঠ ক'র্য: বচ:রালয় ভাছাদি ংসের আহম্মান দিয়

त्रकल व्यन्ततारमञ्जूषि **व्**देशास्त्र ।

২০ **এ ফান্তন শুক্রব**রি।

वक्रप्रभीश अवर्गमण निष्य मालीन कराइड काडरवारके (अनवस विश्रह्मात अहाकावरक धाङ्गि विद्वारण्या । এ विषय्य काण्य अज्ञ क्षका चिक स्हेग्नाटक। शवर्गरमः हे नालीन करारण কি দোৰ ভাগা আমৰা বুকাতে পারিলাম না याका केटिक अञ्चाक:तरक इतः छुत्रा (मध्यार्ड श्रधानकम रिकाशानस्मत्र हेशःत लास्कत कात्र । **अव्यक्ति २६४।८३।**

লিগাল হিমেষ্'কার একটা উত্তম প্রস্তাব করিয়াছেন । গ্রথমেটের এগান ও কনিও किनीलाक २०० होको माख (व इस । मध्य इस । (क्रमात त्रवर्ग्यके खेकीनत्रव २० हेक्का माज পাইরাপাকেন। লিসাল রিমেগ্লের প্রান केनीरमद ३०००, कमिर्ट्य ४०० अन्य स्थलाव के की समिर शत्र अहे भविषार । विकार किया अध्य বেংশ করিয়াছেন। ভারতব্যীয় গ্রেণ্মেন্ট স্টেট সেক্টোরির সম্বতিপ্রাধী হট্যাড়েন। স্বৰ্মেট্টের স্লিস্টির ২০০০ টাকা পান ওখন এই বেডন হু 👣 প্রস্তাব অসক্ত হয় নাই।

২৪ এ ফ'জন শানবার ' मिडेडिकाएउव विद्यांग्यांस इवेशाएं। আন্দিম্নিবা,সগ্ৰস্থাত এক যুগৌ প্রাজিত হটখা প্রায় নিঃশেষিত ইইয়াছে। একণ হটবার कथाई खारका

ম সুলায়েলৰ এক জান কিবিছি বৰ্ণচাৰী ৮০.০০০ টাকা ভত্বিল ভালিয়া পলায়ন করি यु:८६२ ।

মান্ত্রাকের অংক:রফকের অংর ছই আচন কর্ম্ম চারীর নামে নালীশ কইয়াকে। ইতারা অসনায় কবিয়া একটি জীলোকের শরীর পরীক্ষা করিছে। গমন করিয়াছিলেন। গালীবের ,ময়ুম এক নাদ আংগে সংখাদ না নালীশ অগ্রাড, হইয়াড়ে :

(কাছাটে সম্প্ৰিড ভাডোচার ≱য়। ভেলিবজন ৪০০ দৈনা এক পল্লী লাখে প্ছিয়া ভাষা লুঠ **८ हफ क**रिवृत्त। कछक्छिल (कार्कित शान्तर्दे কবিয়াকে : ছই জন সিপাহী হত ৩১ জন আছেত ०१ प्राट्ड । এই श्रकार्त्य कि देवत्रविश्वास्त्र कता **३** ইয়ে এপ্রারীতে ফোন কাল হয় না, কেবল कर्षकञ्चन पञ्चात । भारत व्यक्तक निर्द्धाची (लाक ন পী ভত হট্যা গ্রন্থমেশ্টের শক্ত হয়।

ম.শমান দায়ের ভারতব্যীয় স্থার পাইটা ्रम । अञ्चय ल फ आर्शितत स्थापि कति ।

(इस । मीड खाफीत रेमसामर अर्थ अर्थ अर्थ अर्थ विम काश विकास सरका किसि कर का किसि का (इन, वर्षमान (हेर त्याक्षणा व त्यांका कार्य)। व्याहेटम्स अवर मकटमह (चंद्य शमस कट्ड्रस) छिनि नकल विवस् शहिआस कहिया चटक मर्भन करवन, ज्यषक क्षितित में तामर्ग काओहा करतन না। ডি:ন আন্ডলয় দৃচপ্ৰতিজ্ঞালোক।

ইউরোপীয় সমাচার।

नेश्वन २६ अ (क्क्ब्रावि । क्लिट्नित (मध সংবাদে প্রকাশ করে, মহাসভার ১৮০ জনের माजि ७ ७२ करमञ्ज ज्यमाज ज्याभाव छः मान्स कर्डुं भक्त धनावाम मित्रा रमनाश्री उन्हा नारक म*जिल्हा* नियुक्त करेत्रफ वना इह मार्ड ।

निरुद्युटर्कत दिनिशास्य क्षकान कर्य, बहा ষত। অৰ্মুদ্ৰারা ৷ সরকারী ঋণ পরিশোধ निवात्रभानमः क.त्रश्लाद्भा।

২৬ এ কেব্ৰয়ারি : ১৮৬3 অব্দের কমিসন বে मञ शकाम करतम, कम्यूनाटव ऋगेनार छाति সাধারণ শিক্ষাপ্রণালী স্থাপন করিবার নিমিস্ত नाउँकार्शिन गठ कमा लाउन मात्र शरीस् এক বিল অপেণ করিয়াছেন।

शक्त बाद्धिरक मा है: दिना है नर्भर कार्य है। প্রসামুসারে (ভারতবর্ষীয় অপ্রর সেক্টোড্রি आक्षेत्रक नारहत विनिद्यारहर, मच्छा जिल्ला करहा কটী ছাত্রত্তি ভারত্বর্তৃ কুরা হ্ট্য়াছে, ভারার বিষয় অদ্যাপি বিৰেচিত হইতেছে।

होकबुत मार्ट्रवंत श्रमाभूम'रव जान्ड फ्र नार्ट्य बोलभ्रार्ट्स, हेर्स्क्षत्र सवार्थतः विषय्य य छ কাগল পত্ৰ কাছে, তাহা মহাসভাঃ অপণ করা इहेरका मि, एरम् हेटयार्थ, फिलक मार्टर्सक প্রয়ে উত্তর্গরাপ ডিনিলের ও বলিলেন, সম শাধার**ও ভারভবর্দের রাজ**ধানী লটয়া ভর্ক कांब्राफर्ट्स विश्व अ विषय अकरण (कान विद्यव्या १६८७८६ मा

किकेशव (भव मरनाइन श्रकान करत, उज्जड निर्माटक्व नाणि इक्टिक्ट । . म्भारनव मध्य राष धकाल क.स (मनाशिष्ठ (मनार्शन मामनकाई अञ्चल ऋद्विष्ठा अक सम्मारिट उसी वर्क्नु छ। कृद्धि

২৮ এ ক্ষেক্তরার। বণড রিসংক্রাপ্ত বারের क्षांनका श्रकां, लेख इडेग्राट्ड १ देशत ३,३७, • ७, ८৯ • क्रिका चेरधुन्दरक्रम कहा इहेस्राटङ ।

वार्यात्रहानाटण कडक्छनि मात्रिप्रानिष्ठे विद्वाह कदिवाद (क्ष्ट्री शाय, किन्न काशदा प्रकृष्णार्थ एडेम्।एइ। कालिएडेश क्रिम किम स्ट्रे बारक निषातर्भ कमात व्यास्त्रा क्रिक रहे WILE ...

क्ति लाइ वावकीय नव व्यक्ति है। के व्य अ अर्फणीय हिक्टिमारकस শ্ব প্রিপ্রম পূর্বেক কাজ করিয়া া সৰ আসিষ্টাণী সংকর্জনদিগের ্বারু অলুদাচরণ কাফ্সিরি 😻 গুর অধীনস্এতদেশীর চিকিৎস্ ् ठेरकूड़बांग नक्टलंड शामा अक्षमान कतिहा भवन्त्रमणे इहेटज ाष काथ कहेग्राह्म।

ইনস্পেক্টর জেনরল ডাক্টর গ্রিপ ক্ষেপ করিয়াছেন, অনেক চিকিৎসা র নিকটে পচা পুক্ষরিণীপ্রস্থৃতি নতে হতুরে সংখ্যা অধিক হয়। किनके अवर्गत कहें व्यनिकेनिवाहरणंत জাদিয়াছেন, কিন্তু কিলে এই অনি র নিৰারণ হইবেণু এটি কেবল কৎসালয়ের নিক্টবর্তী ডোবা পরি করিয়া ছইবার নছে। ভত্ত হয়ানের তিসকাদন আবেশ্যক। এনিমিত নাদিণের মি ইনিদিপালিটিনমূতে? g অধিকতর টাকা দেওয়া ক**র্ত্ত**র : মিন্ট পুলিষের নিমিন মিউনিসি ৰ টাক্সের অধিকাংশ বায় করাতে ষ্পাৰ্থ কাজ নিদিপালিটি শমূত एक भारतम मा।

বারু নারায়ণদীন ভেডয়ারি त डाँकार विश्वकत्तव ।

আমেরা শুনিয়া ছ;খিড চইলাম, ক অসম কুলোকে চক্ক করিয়া পুলিষ স্পক্তির বারু নারায়ণদীন ভেক্তয়ারির াতে লাগিয়া উাহাকে ব্যতিকাস্ত য়া তুলিয়াছে। ভাহাদিদের অভি চ এই, ভিনি টালিগঞে না থাকেন। াহইলেই তাহারা খক্তে মাপনা ার অভীতীশাধন করে। ভিনিদে

করিতে পারে না। তিনি উৎকোচ গ্রাহী । দোব হইয়া উঠিয়াছে। তি मन, भाष्ठका कें। जादक श्वरूटण व्यक्तिकात যোলাই। তাঁথাকে স্থান্ত কলাই ভাগার। প্রেরঃ ফল্প বিবেচনা করিয়াছে। प्रभावटक प्रश्नेवीन प्रष्टु इ, मण प्रदान व्यक कतिशा यम माताश्रामीन वासूरक व्यानक করিয়া ভূলে ভাষতে বিব্যয় নাই। কিন্ত इ:रथा विषय এই या. এक व्यन श्वकर्तवा পরায়ণ নিলেভি কার্যদক পুলিব কর্মচারী विना भागतार्थ भागक रहेराजन । नाराया দীন ধারুবও ছানিফখাঁর জুল্য উপ যুক্ত লোক পুলিষ কর্মচারীদিপের মধে व्यन्त्री बारहन। इंश्वामित्त्रत व्यन्तरमावा बरे नर्रामा आमामित्रत आण्डिशाहर हरूबा थाटकः, कथन व्यापता हेर्गेनियात ছুনীম শুনি নাই। আমরা শুনিলাম, নারাহণদীন বাসুং নামে সম্প্রতি এইরূপ बक्डी महत्त्रमा इहेशा शिशाट्ड (त. डिनि aक वाक्कित .≥० चेतिक काञ्जित सहिता ছেন।বিপক্ষেরা যে তাঁহ;র পশ্চাতে लाशिवार्ट्स, এफम्बाबाई मिटी निःमस्मिक्ष রূপে স্থ্যমাণ হইভেছে। আমরানারা इंग्लीनटक यङ सूत्र स्थानि, को हाटक म्लाका ক্ষরে কহিতে পারি, তাঁহা হুইতে এরূপ কাৰ্য্য সম্পন্ন ছইবার কোন ক্রমে সন্তা বনা নাই। ভাঁহার ধর্মজ্ঞান অপশা যদি এপ্রকার সম্ভাবনা করা যায়, তথাপি এরপ সম্ভাবনা করা হায় না বে, ভিনি এমন অধিক্র্যকারী ও নির্হোগ ছে চোয়াড়ের কর্ত্তর কার্য্য সম্পাদন করিয়া চির কালের অভিজ্ঞিত বশে জলাঞ্জি দিবেন। তিনি টালিগঞে থাকাতে আমর। পারত, গানা করেন। আমাদিলের নিঃশঙ্ক আছি। ভাঁহার প্রতাপে দসু ভক্ষরাদি স**ল**্চিত হইয়া আছে।

গৰ্গমেন্টের অন্তব্যদক। मः एक शक्षित्रका लिथक मिटलंड अक्छी ন পাকাতে ভাহার৷ আভিল্যিত 🗽 শংস্কীর গুণ; কিন্তু বাজালা স্মাচার াচার ও অন্ধার কার্য্য সম্পাদন পত্তের অনুবাদকের সেটা শুণু না হইয়া

করিতে গিয়া অভি আব গুলিও পরিভ,ার ফ্রেন। অনায় হয় তাহার প্রমাণ (कत्रप्रकाषः अख्यावस्थः हिनाम, (अनि:ड स क्टल যে চাউল ও বর্জমান জেলে ১ দেওরা হয়**, (যাহা আমির**া^রি দেখিনা আদিয়াছি) তাহা অতি 🖛 ভাষাতে পীড়া জমো। ব্রমান 🗯 ভরকারি এমনি কদর্যা পাকা ও যে, গোমহিষেও ভাহা ধাইতে গ নাঃ অবচ কেলের মধ্যে উত্তম তর करम, शार्ष्ट करेश ताव्यारक । (যে উৎকোচপ্রাহণ ও অভাবার তাহার প্রমাণার্থ আমরা 🥍 हिलाम, आमता त्य मिन याहे, त्यं १ লোগিডে: ভালের এক বাজি উ_ং গ্রহণাপরাধে পুলিষে গ্রেরিভ হয় ব€মানের কেল ডাক্তর আমা चटा विशालन, डीडाटक এक वार्टि ধ্যেচ দিতে চাহিয়াছিল, তিনি -আছেণ কেংখন নাই ; অপের, ঐ 🚎 একটা জ্রীলোক (ঐ জ্রীলোক 📉 পাগলার জেল চইতে তথায় 🚉 🦡 আমাদিগের প্রশাস্বারে কহিল, भागनात (काल काशमिशद ta দ্রবাদেওয়া ছইত, কম্চারীরা ভা অংশ প্রহণ করিত।

उपभर हातकारण व्यामामि_{रभन}ः রোধ এই, অপুৰাদক আবশাক বিষয় मःकाद शकावमश्वा व वाहरा व खन वावमार विदेश शक्ति उन्त য়া∵ছ |

ভারতেবনীয় গ্ৰন্থ - জনর্প :

কেমন লোকের ভারত চর্ঘার (कानदल इडग छे, ठ'ठ, ठी _{इर्न} कर्ड्य

ুলায়ের বিবেচনার্থ অ.জি এপ্র वना कहा इहेटहरह ना, ভা ভববে গণর ছেন . ় আবশ্যক কি না, বচারার্থ এই প্রস্তাব ভারতা যখন ভাঃতব্যের শাসনভার কাম্পানির হত্তে ছিল, তথ্ন ্ববের গ্রণর জেনেরল পদ এক ক্ত गुक हिला हशन अर्थ रम के रक म्ला প্তিনিধি এক **হন স্ক**শিব্জিমন্ स् भूरूव ना शाकिरल (कारकरम চনা। বিশেষতঃ তথন যুদ্ধ বিঞ স:তিশ্র প্রাছ্ডাব ছিল। তখন ুরু⊊:বরা ≖.কেগণে পরিংেকিত ন। সে সময়ে ডিরেক্টর সভার অনু লইয়া যাবতীয় কাথাসম্পা-ংগাইতে ন্য। এখনকার ন্যায় তথ্ন ্তে প্রহণেরও সুবিধাছিব না ্গবর্ণর জেনরলকে মনেক সন্মে ूंशी इहें। **अट्यक क**श्या कड़िट इ किएक कारक है मार्च छ शरप मवि ক্ষাতাসনল্পক জন প্রধান _{কর}্**জাবস্থ**ান এক**ংস্থ অংবশাক হ**ইয়া क्ति। कि**ड** अथन (ममसून द्वाहरे 🤫 ছিইয়াছে। এখন শাসন্ধাণালীর _{বস}্ত:ন অনা 2 কার হ**ই**য়াছে। এখন ন সংক্ষমস্থা ইংলডেশ্রীর भक्त इंडेनाट्स । क्यम हे॰लट्स्**य**ी तिहरू है जिसम्बद्धा अक स्वतः করিয়া দিল চেন। এখন প্রণ্র ালের বাুকি কম। গি.।ছে। এপন ারণীর কেনরলের পূরীবং কামতা र्डं(करक ८ चे चे देश राज्य है। इस ় ান হইটা চলিতে হয়। ্ নাইডেডে কেউটেলেকেউারি ্বণ্র কেনবলকুত আন জড়া ় ৷ জান্য প্রকার ব্যবস্থা ্ত গ্র যখন প্রপ্র পেন

, বং স্থীনত নাই এবং

তাঁদার তাদৃশ উপযোগিতা নাই, তথ্ন আর মধ্য ছলে এক জন বহুবেতনভুক কর্মচারী রাখিয়া ভারতব্ধের অর্থধংস करा (क्वे) खनावभाक कके क्वर्याक्ष बाग्र कर्द्रा "फिक्टिक स्य । भवर्गत (कामग्रदक्त दि इन व्यक्त इन्हिट्ड कि दल तम वर्ग दर्श € ७ লাকাটাকা ব্যাহ্য এৰপ নয়, তিনি যদি किছू चंबरचंत्रालि इन, अराक है। हा कलाब अभित्म ७०१ वस्य भन्न करालदः स्थ দরবার ও সিমলাবাসহিয়তহেভু অবন র্থক কর্তকগুলি টাকা নয়্ট করিয়া গেলেন। গ্রপ্র জেনজলের পদ রহিত ভুইলে কাষ্য চলিবার বাংঘা ১সম্ভাবনা নাই। এখন ভারতব্ধের প্রায়ে সকলে এচেদদেই গবর্ণর ও লেপ্টান্ট গবর্ণর হইয়ছেন। লেপ্টনকী স্বৰ্ণরদিধের পূৰ্ণ ফ্যমন্তা थमान क्रिलिक हिल्दा (स्टेंहे সেকেট রি একাণে গবর্ণর জেনরলস্থানীয হইরাছেন। উক্ত প্রণ্রের। তাঁহার নিক্ট দাধী চইয়াস কাৎসয় আর জার সহিত লিপি পড় করিবেন সহ্ব বিগ্রাহেরভার এধান দেনাপতির ক্ষান্ত্র কিন্তাইউ চ। ্য জ্বলে বধনু যুদ উপস্থিত, হইবে ভত্রভঃ গ্রণর তাহার অ্মাভ্তা করি বেন। এখনও গবর্গ কেনর কের। মাসুর क गा करतम अङ्गाक। विद्रमंत्र विद्रम्थ গ্রব্দরের উপরে বিভশ্ব বিশেষ কায়ের ভর সমর্পিত হইবে সন্দেহ নাই। পুর: োক্ত মেধিহানভূহ-এবি নক্ষতে বৠ ≢ই.া রাশিচ**জ যেয়ন পরিভ্রম**ণ করিছেছে. উলিখিত্থকরে ব্যবস্থা **ছইলে প্ৰণ্**ৱেয়াও তেম্মনি সেকে টারির মৃতানুগত হইয়া স অংকর্ডা त्रम्भा प्रत्य अवर्थ **क्ट्रायम** । अयु वादव्याय এই আর এক লাভ হটবে, ভিন্ন ভিন £ ८५८भद्र शदर्गद्र पिरशत य स्नु **टारल्ट**भद অয়েব্যায়ের সম্ভাবিধানে স্থিত্পর বস্তু करित । এত लक किल्वाहिकात आमिएकएइन, अमन समस्य - नश्रत वाकृति इहेश छ हिट्या विकृताहिक हैं के इंदर्र बहिन। माध्य डीहान मा ह

আয় ব্যাহরর সম্ভাবিধানের মুখ্য উ व छ्रेभाव व्यवनविक करेतन करत প্রজাকে বিব্রত করিয়া ভারাদিগের शक्रमक क्रेटक हरेटव मा (अपन १ **७ विष्ठातामि कारम**् मिन्दिन वाः कता धकान का माक हहेरा छे हैरिय এ সমতো গ্রণ্য জেনরলের পদ উ দিরা উ.হার বেতন বাঁচাইতে পারিত

नकल विष्टत चरनक चानूकुला इड्रेट मालक्षेत्राधा नाहेट म्य व्यक्तियः। গত ২৫এ মাখ শনিবার রাটি শামরা পাধুরিয়াঘাটায় নালভ धर नाष्ट्रकत् व्यक्तिय प्रभाग करि গিয়াছিলাম। নাটকের গালা এট বিদর্ভনগরের মন্ত্রিপুত্র মাধব নিজ মকংক্ষের স্থিত পদ্মাবাতী ন উপস্থিত হটয়। তর্তা মন্ত্রীর याशकीरक पर्यात करतन अवर उँ তি আগসকে হন। মালতীরও व्यक्तराधमस्ति इत। न्यकत्तन्त्रः তীর সংচলী মদঃশ্বিকার প্রতি, অনু इडेट अस्य साहिक निर्मात शह মিলনের চেফ্টাচইটেড্ছে, এমন স অভারেখনী নামত এচ করে বােগী দিদ্ধির উদেশে মালভীকে **বলি** দি নিমির এক আশানে লইয়া গো: মাধৰ ভাষা উপাছত হট্মা বোগ वभ कविता उँ। होत देखा वनाधन करिए রা**জার এই চেট্**ছিল যে মন্দ্রি ভাতানক্নের সহিত মালতীব বি হয়; কিন্তু পরিব্রালকা কামক

(कोणंटन त्न (ठछ) भक्त इहेल ।

উदाब्रे कोमहन क्मरम् खोर

বাৰরগুতে প্রেরিড হইলেন। বেই

ম্ল্রভিক। পাতি লাভু করিলেন। ম

नक्ष्रिकाट्क लडेशा श्रेलायन क

चतुमि नेक्टलाय महानिधि मारम अकेथा न ংসুভ অভিধান সঞ্জনন করিছে আনক্ষেক্র कि हैश भी ह चर्छ मण्यूर्न स्टेर्ट, मर्छा ह यम एख श्रकातिक व्हेषार । श्रर का गाउन লং ২ ছই ট'কা। এছেণেফ ু ১ হ শ রের: ংপুত खंब शुक्रकालास कथना प्रश्लुष कारलाइक 'ম'র নিকটে ভ*রু*সক ন করিলে পাইতে পারি A 1

• 🗟 ভারামাগ পর্মা : **> ૧ ୯ সা**ল) লা ফাত্র কলিকাতা সংস্কৃত কালেজ

बिन्दार्ड नहीं।

সন : ৮৬৯ সালের কেক্স্যারি মানের ऽतः इटेट७ १६ ९र्शन्त्र छ।श्रीत्रथी চটার লক্ষরতাতি ভালের সাপ্তা হক বিশোট :

স্তুক্ত ভাল **अ**'रवद कुं ई.स

ভাগীবর্থীর সভিত প্রান্দীর যেতেগা 3. 설 ह हासा है ভগ কইতে জ কপুর े भा भा हे*ल भा*रत च अध्य दहा छ। सम्बद्ध ह ८७ माञ्चलक महत्त ર सन्दर्भ व ३३ एक कार्ट होता ৫০ লঃ**ং জের সরে**র ₹ কাটোয়া হহতে নৰীয়া ৪৬ ম'ইলের মধ্যে

१ भक्ष्यारहेत् करनत् माल । ئ تې \$ 30 राज्य) है। युक्त नि. के, छेर्ड्स अकृत्यि ८ .सक्तप्रादि । के एकित के कि क्यून के क्यून ७२ ।) .काक का द्वांच है जिसमें ।

मन ১৮७**৯ मार्ज्य ४०३ स**म्बर्धात **४३**३३

(भागयकार्या < इंक्श्इडिंग (काश्चराहा ।

নারিকেল ডাঙ্গার অপর পাবে এ:টি গাইখানা আছে। এখানে প্রভাহ প্রায় ০ পরুহতাহয় ক্ষাইরাভান পরি ত কবে না; ভন্নিমিস্ত এপ্রকার প্রগন্ধ হির্হয় যে, অর্জি কোশ পরিধির श लादकत वाम कता कठिन इहेब्राट्स। উপনগরের মিউনিদিপালটি কি এপ্রকার মাধারণের অনিক্টর বিষয়ে হস্তার্পণ करिङ भाइती इस मा १ क्यादकत स्व अकार करे, छाहाट्ड (अथ्डेनले अवर्ग রের এ বিষ্য়ে হস্তার্পন করা কর্ত্য।

আমরা কলিকাভার পুলিষ কমিদ बर्दक काबूदराध कहिए छछि, यनि छेलनश-রের শাস্থিরকায় কার্য্য গুরুতর জ্ঞান करतन, जाहा हहेल अथानकात श्रीलरवत ভার কন্টাবুলরি কর্মচারীদিগের হস্তে দিবার প্রস্তাব করুল। পড়পারগ্রান কলিকাতা নগরের ৪০ হস্ত দূরস্থিত; কিন্তু मिर्नेत (विलोध **अथो**रन इंडा इंडेरल इ এক জন পাছারাওয়ালা পাইবার যে: নাই। সর্কাসিদ হইতেছে। পুলিয সময়ে অদুশা হন। উপনগরে যথেট শং থাক প্রহরী নাই। রাজিতে পাহারা ওয়ালা ভুগতি পদার্থ। উপনগরের উপর মসুদা ও ঈশ্বের কোপ পড়িয়াছে।

धक कर यूवक देश्हाक नाविक ভাহার কাপ্তেনকে বধ করাতে মালা জের প্রধানতম বিচারালয় তাহুংর ফাঁশীর আংজনে। জুরি ও বিচারপতি লঘুদণ্ডের কোন কারণ পান नाइ। किन्छ माञ्चाष माहेल এवाज्यिक ক্ষম: করাইবার নিমিক্ত চেক্তায় আছেন। অযুতঃ তাহার জেলে: মধ্যে ফাঁশী इस, डीइर्रेड क्षेत्र अध्यक्ष विकास है। कि द्वामिस कर्मिक कर कि कि कि মান্ত্ৰাজ গেইল বংখন, কভঙলি এডজে भौरम्ब मस्यार्थ काल अपन इंडेट्राणी ११३ । ফাঁশী হওয়াৰড় ছঃখেব বিসয়। খামবাও বলিতেছি ছঃখের বিষয় সন্দেহ কি ? । সাহ ছিল। তিনি এ বিষয়ে ইস্তাপনি ইউরোপীয়েরা শাপ কর্ম করিতে জানেন, 🖯 ভারতবর্ষামেরা এটা আজিও টের পান নাই। কোন ইউবোপীয়ের মৃত্যু হইলেও । নিমিন্ত গ্রান্ড গ্রানে মালিক ১০০০ ভাঁহাকে গোপনে গ্রাভিকালে গোর দেওয়া কর্ত্তরা ইউরোপীয়ের। অন্য লিপতিনিক্সন আগতেত, গাঁচ।

অন্য লোকের ন্যায় পীড়ায় করেন, অসভ্য ভারতবরীয় সংস্কার হইলে বিজেবি হই আছে ! বাস্তবিক দোৰ তেই ড ইউরোপীয়দিপে এত 🕮 র্দ্ধি ২ইতেছে।

---:0;---

हिन्दान विकास । গার্বমেন্ট একটা সবিশেষ প্রাণ ও প্রশংসনীর সদস্তান করিয়ালে এ দেশের স্ত্রীলোকদিগের শিকাং সমস্ত বিশ্ব আছে, উপযুক্ত শিক', অভাব তথ্যপ্ত প্রধান। মিদ, স্থা ভারতবর্ষে অংশিয়া এই অভাবের कर्रवार्थ मित्रामन यञ्जव हो इत्। चनिकार्म <u>स्</u>रोधिकाशस्त्रह मि কার্যা প্রভিভিদিপের ছালা স্মু হইতেতে। দেখানে অস্তঃপুর মিস**ন**্তি দেখাৰে খুড়ীৱান শিক্ষিত্ৰী মিক্টে ইহাতে সম্পূর্ণ ফললাভের সম্ভা থাকাতে মিদ কার্পেন্টর কয়েকটা মাল বিদ্যালয় স্থাপন করিবার 🎒 क्दब्र । भव भिमित्र नं। छन् धार्वि প্রধান প্রধান লোকের মত কিন্দ করেন; তাহাতে বল মতামত ও আব্দিন্তি হয়: মর জন লরে**জন 🟋** ফতের আপত্তি করিয়া বলেন, यानि माद्याया करतन, जादा क्हरन छ ধৰ্মীয় গ্ৰণ্থেন্ট সাহায়৷ ক্রিতে পা রলের অনুগ্রহের উপরে নির্ভির নাক ंटल्ल**८७** शयन कटरम । विका**िका**रि সর্তীকোড নর্থকোটের অভিশয় লেন। কলিকাতা, বোষাই ও সানু এক একটা নমাল বিদ্যালয় করি निश्चत आख्यः • हेन_ा गाँगा जात्मतः

াকরিয়া দেশিধার নিমিত ায় হইভেছে। কলিকাভার ালয়ে এই কাথা আরম্ভ করি ভ্ইয়াছে। এ বিষয় লাইয়া র হইবে ভাগে আশ্চর্যোর ্কিন্ত আমাদিগের জ্রীলোক 1 উচ্চতর শিকা দেওয়া উচিত নাই। তবে া হয়ে মতভেদ कड़े इंडेएएटड, दिन्छ निक्रिकी ভ করিবার সময় আমাসিয়াছে কি অংশারা ইহার আন্দোলনপ্রারস্ত া**ই** কহিয়াছি **দে শময় উপনীত**, _{নে,।} অসুডঃ ইহার প**ৌকা করা** ্ গ্ৰণ্মেণ্ট দেই প্লীকামাত্ৰ ব্ছেন। একণে আমাদিপের জীলো দাধারণ্যে শিক্ষা পাইতেছেন না, ক্ষা পাইতেছেন ভাষাও সামান্য ভাঁহারা ফুটীর কাজ শিক্ষা ও ানি সাম্ন পুস্কমাত পাঠ (कान जीटनाक अवर्शाय यदार्थ রহন নাই : সাহিত ও ইতিহাস । চর্করাখান, এমত এক জান 🛣 es এপর্য ভারতবর্ষে দর্শন দেন ্রভবিদ্য পুরুবমাত্রেই এই হু,খ ও করিভেছেন। যেমন স্থীবিদা 🖔 🗝 ে গেইপ্রফার নিজের কুচ হট**াখ্ডর সুরি সহবাস করা**ও র। অংশ-দিধের ত্রীবোকেরা মহাল तुतिका प्रशाह ना मिटन **आ**श्ररा ি মৃহভুগতেও শুমুধ হইব না। গামরস্থানী লগান সন্ত্রীনা হইবে মহানভার টেচে আনিব্নাণ ই**লি সাচে** এপম বার বজাত া **অকৃতাৰ্**ও লডিলত হইলে বিধি র**লি এই প**র করিড়াছিলেন। এই tকের দেই এচিজ্যাও ভরিবস্থন হৈছাক্তন্য ভিদরেশির এত মংও **क्रेइटिइ। जा**मानिरात छोटनाक

মনা কারবার চে্টা পাওয়া ডচিত নছে ? রথা এ**তিবন্ধক্তাচ**রণ করা কি উচিত ? यथन अर्थे नम्भूष्ठीत्नत्र , व्याहस्य कहित्व ভথাই এই প্রকার প্রতিবন্ধকত। হইবে।

এ মলে আমরা অভিশয় সতক ইইয়া **কাজ করিবার অসুবেধে ক**িতেছি। মিদ কার্পেন্টর শিক্ষয়ত্রীদৈগকে বিদ্যা লয়ের মধ্যে রাখিবার যে প্রস্তাব করি রাছেন, তাহা আপাত্তঃ তাগে করা कर्डशा (य नकन औरनोक नवान विका দয়ে আদিবেন, ভালাদিগকে আর্ড **मक्टि व्यानहत् कहा कर्डवा। विमाधित**ह (य म পুরুষ দর্শ । যাইতে পারিবেন मा। (य ममल अोटनाक मधान विका लास मिकार्थ यानित्वन, उंद्यानिताह লোভ ও উৎণাই জন্মে এরপে অর্থনানের ব্যবস্থাকরা কর্ত্তব্য

えばないて付うをしてる。 1万 本名別の別 እ<u>ጅ</u>ጀመረ ነው እስ **ውር**ጫጃ रिस्टाई ।

গত नुभवादतत कलिका छ। श्रास्कर्ते বন্ধনেশের দাতব্য চিকিৎসালয়সমূচের ১৮৬१ बर्जित हिर्लार्षे ध्वकानिक इहे. য়াছে। পুরের সাঝাদিক রিপোর্ট প্রকাশ करियात निश्म हिल; किन्दु वार्विक রিপে†টের নিয়ম হওলতে আনজ্জ विवास इहेट ७ एछ । ১৮ ७१ व्यक्तित (मेरिय সক্ষেত্র ১৩৫টা চিকিৎসালয় ছিল। ১৮১১ অকে ১০৩ টা থাকে। ফলভঃ ১৮৬৭ অ.ক ৩২ টা নৃতন চিকিৎসালয় इरे. १.६। देशात गर्या ५२ जी कभीनात अध्यन অন্য লোকের দাহায়ে এবং ২০ টীবিনা চাঁদার কেবল বা জিবিশেষের বদান্যভায় हिल्ला हिं। भवन्या के देव के स्था अ हिक्टिमटकत (वक्त निशा पीटकन। ৩ ৩৫.১৪৯ জন রোগী চিকিৎশার্থ আগমন করিয়াছিলেন। গড় ধরিয়া প্রভাই ৪২২৬ জনের চিকিৎদা হয়। কি বিকি জিস্তেলির সূদ্র তিজ তিকিৎনালয়ে ১৭০,৫৪ জন রোগী ছোনে আর বজ্জধিক হ্র নাই। ছুই

वाक्छ। ১৮১५ मस्य इर्डिकरि পীড়া অধিক হওয়াতে ১৯,৭৫৫ **ब्ह्रेशाहित ; किन्तु १५७१ व्या**क व রের বোগীই অধিক। চিকিৎসা বোগীর মধ্যে ৩,০৮৬ জনের ভ माठ करा ১৮ ०३ व्यानद राष्ट्रा हरेड পূর্বে বহুনা ১৯৪২ জনের সভ্য য়াছিল। এটা প্রীতিকর সন্দেহ চিকিংসালয়সমুছের ৪,৫৬,৬৬ মূলধন ৩,৩৬২২৭ ভি টোকা আছ ২,৫২,৯৮১।১/১৭॥ টাক! বায় ছইয়া ২৪৬∥√১০ টাকাজনা ছিল∣ ০০ গীর আহারার্থ দেড় আনানাত্র হইয়াছে।

এতে দেশীয় অনেক জমীলার চি শালায়ের নিমিত শাহায়া করিয়া পা এক্ৰেপ্ৰায় সকল জ্বনির এ বি যত্বান্ ইটতেছেন, এটা অভিশয় সু বিষয়। সকল জেলা অপেকা যুক্ এত্রিণয়ক যত্ত অধিক পরিমাণে হইতেছে : কিন্তু পোকসংখ্যা ধরিয়া वि:वहनः कहा नात, इष्ट्राभीविष দান আমাদিধের অপেগা অধিক। कटरमनोरहरा ७१,५६५: ४:४ । मान केरिहाट्डन, श्यागुरत हेडेर्त দৈলে: দান ২২,৩১৯):৫ টাকা (ङएक्। इंडेट्साथी. ४३१ (१४४० ध দান কৰেন, ভাঁচাদিগের স্বার্থসমূস ভাঁহালিজের অপেকা কামানি অভ্যত্তারি গুণ কথিক দান ২

क्रिनाक शूब, मालन ह, वर्क मान, वा ও লুগলীতে দংজনম দ অব হইয়াছি ঘশোহর, ২৪ পরগণা, কৃষ্টিয়া, মু ब्राज्य नाही, मालपर, उँ२क्ल उ छा **७** जडेठा इस । करमक्ती विचारण इड्राधिन। अगाउँठा वदावत आह मा ब्रहिशांद्र , किन्नु ১৮ ७१ वाल व

(माश्का

1:10 96

ं प्रवक्तनां प्रक्रिति स्ताय पार्थिवः सम्खतो अतिमहती न सायतां। "

৯ মূল। ১ এক অর্থিম বংশিক ১০ দশ e শাৰ্যাপিক ব্যাসাড়ে পাঁচ টাকা।

मन ১२१६। .२ हे कां**ख**न। ১৮७৯। २२ (क अग्राति

মকক্ষে মাজুলসমেত অধিম হ বিব

বিজ্ঞাপন। ভারতবর্ষের বিবরণ।

ঞ্মবংর মুছিত। এবাবে স্থানে স্থানে বঃব । ষ্টেবে ভাষা গণনা করা হইবে। ক বিষয়ের পরিবর্জন কর চইয়াছে এবং লং (দেশের নদী, পরিত, উৎপন্ন, বাণিকা: लामभूतकत विवदन मनिष्यत लिथिक व्हे া কলিকাভা সংস্কৃত যন্তেৰ পুস্তকালয়ে पुक्त बहुरभाभाग हा हो भाषां हा किए बद्ध वर ।

- ত্রীৰ শিভূবণ শৰ্মা।

ए उदावकी माहेक।

নিমাইটাদশীল কর্তৃক আভেপুলি নাটা র অমভিনয়ার্থ বির্চিত। ব্রবাঞ্চার ১৭২ हानरकाल यद्ध कालहा मूला कक छाका। মাকুল 🗸 ।

इरगोरमय नाउँक।

নিকাডা সংস্ত যন্ত্রের পুরাকালয়ে নিমাল কালে উল্লালীপ্রসর বিদ্যারমের ও কালনা মেডকেল হলে প্রাপ্ত ।• আমট আমনা।

লিক'ভার নিকটকড়ী নেউ ন'সপ্লেখালি मालिक मन बाकाचा बाकाला करहेरकार्जन नारकात २ आवादिकत ४ भावात सम्बंध মইনিদিপাল ৰাজী ভাকা বিষয়ে অন্তল্ড : । करत. फार्काकिशरक साजन क त्रहा (संस्कृत হছে যে **উক্ত** ধারার বিধান ক্র<u>ঞ্</u>সালে , निर्मात कविष्ठवर्गा कि वालि केवा

एत् धरकाक कान्ना है। एत्त श्रथ एक्ट

সংবাদ দিতে হইবে। আরু যে ভারিখে প্রথম সংবাদ দেওয়া ইইয়াছে সেই ভারিশ হইডে ओ जाहेन अञ्चनारत यक गांका (तहाई (Fegi

আলি পুর) কলিকভোর মিকটবারী স্থান ১ ফেব্রুয়ারি সকলের মিউনিসিপাল কমি ১৮৬৯ সমরগণের চেয়ারমধন

रुद्रिमाणि हेर यह विमानिएम ১৮५५ जारमञ প্রবেশিক। পরীক্ষাধীদিলের পাঠনাগ একটা त्वा क्रेग्राइ । वाकाता देवारक श्रांतक्षे ब्हेंब्रा अवस्त्रहासब क्षिमा कर्युन, छ।हात्रा श्रधान व्यक्तरात जिल्हा विद्यमानि कारतात इंदेर ।

৩ - ডিসেম্বর

ことめた

শ্রীদ্বারকানাথ নর্মা। ইরিনাভি বিদ্যালয়ের

मरक्षरीख हिन्द्रविद्यान कावा । म ४७ । ऋखि সুললিত অমিক্রাকরে রূপকদ্বলে ইহাতে ভারতবর্ধের বর্ত্তমানাবস্থা বর্ণিত হট্যাড়ে এচ (नेक्क क महानारस्त्रा वर्षमाम दःइवाङार्व कारत লাল শাহার পুস্তকালয়ে তন্ত্র করিলে পাইবেন।

औं इंगानहत्त्व वसू

--:0:--

বাল্মীকি রামায়ণ ভূতীয় খণ্ড

करे भुष्यक क्षयमध्यक्षि श्रकाम इंटेस्टर्ड डेकाराड नामक्रा**फ**र्य मूल ६ क्रीका अव॰ नक्टनरम राम्पला व्यञ्जान व्याह्याः पं∶हात व्याल्लीक হটবে, ডিনি কলিকাত; এখ্যান্মালে আগব নামে পত্ৰ লিখিবেন ৷ লাক্ত্ৰে আন্তেপ ৷ দৰ ফরমার) মূলং⊪∙ আলানাং বিংশীয় এল⊅ক পিথাকৈ / • আনা মাস্তব দিত্তে হইছে।

কলিকানা 🛊 ত্রাক্ষ্ণমাঞ

মৃজাপুর মেডিকেল হল।

)। এড माध्या आमानिशत अवध्यक्त करा মুহদ সংকারী ও সর্বাধারণকে আড বাইভেছে যে, দ্বিতীয় ক্রেমাসিক ইং সম্বন্ধে অন্বৰ্ণোডে ' ষ্টার অব কোসীরা, চু উইক, ব্রিটেস এইন্স শ দারাদশ সহজ্ঞ মুল্যের উষণ পুর্বা প্রাপ্ত হওয়া গিয়া এতভির সভ্পতি আমরা বিলাভ হ हेर मन १४ ४४ मा नाइलाइ स्मय देखामानिक है। গ্ৰহাক্ষ ভাষ্টেশ ফলাগ, কিং কাৰ্থর ব্যাক্স ১ নাম ১ - অর্বপোডভায়ম্বারা ৮৩ -ইউরোপীয়ে ই রথ প্রাপ্ত হইয়াছি। এই স উল্প স্থানাধিক। মাত সহজ্ঞ টাকা মুল্যে কর। কইয়াছে ।

२ । व्यक्तिः वास्त्रहार अभागिकःहेर উপলক্ষে চি্তুপ্রেলিক্ষ্ণে) 🕶 🗷 🤏 🧯 প্রস্তুত্তকরণের ও উদদ্বিক্রয়করণের নাম' সাম্জী ও সকলা ও বিবিধ ভৈষা हैर नन १७७० नारमञ्जासक सम्बद्धां के मार्ग विह **र्हेट्ड** :भौकिट्द।

 कामडी कथिक शतिमार्ग छ पुं উভয়রংপ े∤वर्गः दक्षः श्रांकः।

৪। এই সময়ত দ্রবাগ্রিক আসেল জিল । भारतास ७ कामा¦सा प्रतीत का कि (श्रीक्षा है। इक्टल, ज भश है कि इह ०६ मृश्योक श्रक्षांहरू ধালয়ে জীয়ক ৰ বু পেন্টানাৰ দেৱ সকল (ধ म । व स्वास केंद्रेटके तत म भारक छन्। 🖟 केषवासरमञ्जू वेद्यारमञ्जूष है, एक्क वर्षकु सरस्य পাল কালনাথের নিকট দেখিতে গাটা

व के छित्रकाः । इ.स. १०१० । इ.स. १०१०

मामाप्टिमंत्र **अध्यक्षीर**स्त्र ज्वातानात्र इत्

रबर्दत्र का निवासि । अपरिम ≝म्बी्री ७ इतक,मरभत्र भिकासारमञ শ্বশাকভাঞ্জিপাদন করিয়া ভাহা परभेत्र गिमार्थ क्छछेलि विम्हालग्र দাৰশ্যক ও কি উপায়ে তাহার ব্যয় গংখান **ষ্টবে, ই**হার বিচার ক**িয়া**-ছন। তিনি অসুমান করেন, বাজালা र्दम ८०००००० लाह्यत व्यक्ति, য়তি ১০০০ লোকের নিমিত্ত এক কিটী বিদ্যালয় আহাবশাক। এ নিয়মে ০০০০ বিদ্যালয় করা করবা। প্রভাক ।দ্যালরের মালিক ব্যয় ১০ টাকার नारव अजिरम ८৮ शक छोका हत्र, স্ত্রবিধানের বায় ৩ লক্ষ্, ৮০ টা নর্মাল লেও লক, ৮০ টা প্রাইমরী ইক্লে **তলক এবং গৃ**চশংক্ষারাদির মিক্ত ৩ লক সমুদায়ে ৬০ লক কাৰায়। তিনি ১৯০ লক্টাকার रवत स्व कर्म मिशाह्बन, खाहा এहें°— नवरनत्र छेलदत्र हे।ज २२ लक चरीनारतत्र मिक्ट्रे ٨ भवर्दमन्ड રે હો कृतिः की ٨ মোট (तरदर्भ नानविष्ति । प्रसम्बोदी विक्तित विकाशिकार्क वाटवत रव াৰ করিয়াছেন, ভাগা করিয়া ভদ্র वजीके कतनाज इहेबात मञ्जादना ছ কি না, এ বিষয়ের বিবেচনা করি-व्यक्ति सिकारम्बर कर्क मिन्नाः उरमः अर माधावक कि ना अवः যে রীতিতে উহাদিগের শিকাদান করিয়াছেন, সেটা আদরণীর ও इनीय्न कि ना, किएटवहना कर्जुवा। वटलन, मक्टाटक हे विमहानदम भिना

षाह्म क्तिएक एहेटव, या विमानिया मा वर्षेट्द, त्म खनीत व्हेट्द। भिकाताः नदक बन शहराका कतिवात कछावची क्लमभून इत्स विन्छ्याङ स्मामूङ्गान कुला स्रेशाटक । क्षरकत्तिशटक वृत्ति वल-पूर्वक विद्याणिकाकार्या প্ৰতিভ कत्रा अवर छाहानिरशत निक्छे स्ट्रेट्ड वनपूर्वक कृति छ की आमात्र करा इत, তাহাদিগের শিক্ষার প্রতি বিদেষ ক্ষিবে। প্রসিয়ার ন্যায় বলপুর্বক বিদ্যা দানস্থান ব্লদেশ নয়। এখানে লিকা कार्वा वज्ञावत अधिक्क इटेशा व्यामिशाहरू। व्यर्थवात्र कतिया विकालिका कता अ **দেশের অভ্যক্ত নছে। অধ্যা**পকেরা ছাত্রদিগের আংকারবার দিরা চির কাল व्यशायन।कार्या मुलामन कर्तिहा व्यामि রাছেন। এ দেশ চিরপরাধীনতঃশৃশ্বলে वक्त रहेशा व्यानिशाटक, व्यञ्ज्यव अटलमीश मिगरक वनभूसक मिकामानकार्याः প্রবর্তিত করা অসমত হইতেছে না, त्त्रदिदत्त । जानिकाती अहे या यूक्ति श्राम कतिहारहन, अप्रे निजाय अर्क किर्कतः। এरमणीविष्ठित तासनीछि সংক্রান্ত চিরপরাধীনতাই ছিল : কিন্তু শিক্ষাসমূজে কোন কালে নে অধীনতা ছিল না। বিলেষতঃ এদেশীরেরা একংখ এক সাধীনতাশ্রিয় কাতির খা<u>লা</u>য়-দ্হায়ায় অবস্থিতি করিতেছেন। ইহাদি भरक जन्म नकन विश्वतः स्रोभीन छ।-রসজ্জ করা উচিত্ত; কিন্তু রেবরেও লালবিহারী বে অংক্তাৰ করিভেছেন, ভাষাতে ইহাদিলের যে বিষয়ে চিংকা লের স্বাভস্তা ছিল, ভাষাও বিলুপ্ত क्रेट छ हिना ।

कित्रशाहिन, मिछी ज्ञानति । शाहित कित्रशाहिन, ज्ञाहित कित्रशाहिन, ज्ञाहित कित्रशाहिन कित

इष्कि एकेटव । यमकन सरवात के পর্জন্য দেবের অনুগ্রহালেকী তাহা মহাঘা**ঁও সুগভ**ুইয়, দ্বি व्यव हा। नमत्त्र नमत्त्र महापर् चना क्छेट्डाभ कहिट्ड इय ; य उद्दरात्र छेद शक्तिवरस रेक्ट । কুগা অপেকণীয় নয়, ভাহাত व्यनामा प्रदेश नादा इयांना है। নিভান্ত কন্তকর হইবে সন্দেহন এ নিমিত জমীদারদিগের নিকট হ कत्रधार्ग रच विरश्य नय, व्यास्त्रा व বার ভাষা প্রতিপন্ন করিয়াছি, উা य चर्ज मित्वन, कामा श्राकातात्रत क क्षयकित्रात्र निक्षे इदेर उड्डे आहा । व नहेरवन। व्यक्तिकार्या यात्र जैक्शिन निक्षे इङ्केट्ड मूडन मूडन क्राद्धहन হয়, তাঁহাদিগের সহিত বে ছালী ব ৰস্ত করা হইয়াছে, জাহার আয় थादक नः।

उद्द कि ज्यमकोदी । अ क्रुवकान्द निकात काम छेलाइ केता रहेटव न देशत ७७३मानप्रतम व्यामानि वक्तवा नहें, बन्दी माने क्षांत्र केत দে উপায় **শুক**টে বিদ্যালয় তাহার অধীনত পাঠখালাও লি। এত (क्रवल आमकीकी व क्षत्रक पिट्रात नि मानकाटमा विष्णमञ्जाल विविध्याचि कता इंडेक । इंडाइड वाइड , कहें विभिन्ने छेलकारणांक क्हेर्य। अस बेमक्ल भावेगालात एक त्यानी মধ্যম জোণীর বাল কেরাও অংশ্যান ক ्डरह , किश्व वित्र विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व गान, श्राक्तिमान १६८व. शाक्रेमालाखा ৰার। ঐ ঐ আেন্টার উচ্চ শিক্ষার প্রা क्षक्षा क्षिएं एक्। त्म व्यक्तिवक्षक অভিক্রান্ত ভট্তে এবং যে গুরুপাঠ

| 55% | , | , | |
|---|---------------------|--------------------------|----------------------|
| fant som - | | | |
| লিয়া-সুংস্কৃত পুজুত্ব আন | | | |
| ও মৎপ্রচার | | | |
| हरकरहः | 1-141-114 | 1) Jan | |
| લગોહ | | भूजाः भूजाः | |
| "সইডিহাস | | | 141 |
| রামইভিহাস | | ز د ز | * |
| ষ্ণদার ব্যক্ত | র প | 11 4 | 197 |
| তিযার (১ | ম ভাগে) | 1 | Ø. |
| ভিনার (২ য | ال ا | 1.0 | W 15 |
| এচারিও। | | . ب ^م ار د | |
| फरवाथ व्याकः | | 4 | |
| | ক্ৰিয়া নৰ | নাগ শণ | 41 |
| | -1 | | 65 |
| ম শক্ষের ক্লিখন সং | 5 | V- | |
| অভিধান স জ্ মাপাচ লগত | | • | |
| হা প [া] চ খং ও ০ এচাডিত এ | क्रमाहर । स्थापन | P (4) | 11 W.S. |
| ও প্রচারিত হ ই টাকা। এহ | Color Tree | 4 18 51 5 | ६ क्षास्त्र बर£ास |
| पुरुकामरम् प | rest se | क्राफ का | Cent of |
| ৰকটে অনুসম | न कवित | ্ব প্রাইত্ত | প:রি |
| | , :} | | |
| সাল } | 3 317 | ু'খ শৰ্ম | i, |
| সাল } ভেন } ক্য | हरू संकास | সুত্ত ক | ু ক্র |
| | 0: | | |
| | . ; | | |
| विविध स्वा | मान्य विकास | , † 4 | |
| Œ | अक्ष∃ा है | | |
| | - | ्र कह, ब | #:#· |
| া তী ব'ল াল। নদি পাওয়া | माम् कतः | পুৰুষ | F:3 |
| অবানার হিস্ | र्म क्षित्र | n iv | 34 1 1 |
| 9 ४० सहस्म | 130 | कात : | \$?" [K |
| (; | ** | | |
| क्रक छेषभ र न | |) | ট!ক. |
| क्षीत व्यवस्य | | t | |
| 'स ए¦क्डिड ध | ৰীভ ি | 3. | . vær |
| きまだむ | | >#• | |
| হ স∛ক | · / | 4. | . de |
| 'ମ 'ଚ' ବ ମଣି' ଅ | ł | , s#. | ٩ |
| F. | | | 5 |
| | | 8 | ďi A |
| ভা গৰত সহী | * (| 8 -5२ | £ |
| ভাগ্রভ সরী শুক্ত | } | .54 .54 | |
| ন ন্থাক ভোগেৰত স্থা শৈক টুকাদ, জন্মগ ভীকা স্ভিত | } | - 52 - 32 41- | ₫ 3 |
| ভাগেবড সজী শুক্ত | ଟେ ଓ ସଂଶ୍ | .54 .54 | £ |

| প্ৰীয়ক বাবু কালীপ্ৰসন্ন সিংহ ম | | , |
|--|--------------------|-----------------|
| मरवर्ष सनीच वहा ३५ गर्स महाप | IJŹŒ | ` |
| ১৭ 🕶 সম্পূৰ্ণ | •• | . ₫ |
| वे के विश्वितिमर्भ | • | ₽. |
| के न के छित्रांशनम | 9 | * |
| के ৮ के डी बाप म | 9 | À |
| के के छे ८ सा व भर्या | ৩ | Š |
| के ३० के वर्गभर्ता | ₹` | à. |
| के 🗤 ध्वे मना भर्म | * | À |
| উ ১২ এই সৌ প্রক পর্ম | 7 | \$ |
| ত্র ১৩ ই স্কী পর্দ্ধ | 7 8 | £, |
| ঐ ১৪ ঐ শান্তিপর্ম রাজ্ঞগর্ম | • | æ |
| ओ ऽ त ओ (म क् ष र्भा | ৩ | À |
| ঐ ১৬ ঐ ভমুদাদন পর্ম | 9 | Þ |
| এই ১৭ এই শেষ পাচ পর্বা | Ġ | Ś |
| বিচার ভরজিনী অবহিং বেলার ল | 4- | - |
| নাত্তৰ্গত বিচার ও মীমাংসা বচ | न | |
| শ্ৰমাণ সহিত | ۷ | À |
| আঞ্জি দৰ্পণ | , | Ś |
| অষ্ট:বিংশতি তথ্যস্তি | ৩২ | Ď |
| প্রাচীন সংহিতা ২০ খন্তে সম্পূ র্ণ | 24 | à |
| অ'শুভস্ব বিবেক ভাষ্য সহিত | .9 | ঐ |
| क्टेन्द्रवृदेशसभ साथायती जिका महि | ত | |
| ১২ খতে সম্পূৰ্ণ | 52 | à |
| সিছাত কৌমনী সম্পূৰ্ণ | 3 5 | . ≱ |
| ঐ (শেষ च€ | • | Z. |
| रिहरकः प्रावली (वना सम्मद्भितः - | | |
| মূহ ও বিচ্য | 4 K | Ò |
| কণ্মক্ষেত্ৰ কৰ্ম্মক' গুলিক্সে কিছাল | , 2 | đ |
| माञ्चान कुल्लक नारश्यकृष्ठ हेर | | |
| ব জী ভং≢য় | 2 • | ě |
| कलिकाडा (छाड़ा- ् जीश्रहा | 455 | ৰা [,] |
| স্থিক: ৬৪ মণ মণ্ড | (87.8 4 | 3 ! |
| - 201 | 444 | |
| 218:41 Tisatan | | |

नकाला कुकेसावली।

कर्यक्रशांस अभिनय अनेलाम् मृष्ट्रे शिख्यक इंश्टिष्ठ ७० था स सामि खोडिश के किश्रकार वाधास है क्रिक्ट के मार्गिक मृद्या अपन्य पर्यान शृक्षकाम्बर्ध सम्बद्धि मुक्त अपनिष्ठा मार्ग क क्रिकी बामके निर्मेश शृक्षकाम्बर्ध माञ्जा यात्र स्वा अस्ति सामके निर्मेश शृक्षकाम्बर्ध माञ्जा यात्र स्वा अस्ति सामके निर्मेश

अभीनकमन (घ'व'न)

-4.3-3-

২৪ শরণণার অক্তঃপাতী কোনালিয়ার বে গ্রন্থেক সাধ্যারত বংশালা পাঠশালা ছিল ভাষা উঠিয়া ধ্রন:ভি ইং সং বিদ্যালয়বাটা মধ্যে আগিয়াছে। বাহারা আল সভারা কথার পড়াইবার বাসনা করেন, তাহারা ব বিদ্যালয়ের প্রধান শিক্ষকের নিকটে উপ ইইলৈ নির্মানি অবগভ হইতে পারি সমুলারে ৪ চারি প্রেনী করা হইরাছে: প্রেনীর ॥ আই আনা গিডীর গ্রেণীর ছর আনা গ্রুটার ও চতুর্ব প্রেনীর । আনা ছাত্রদের বেতন ভিব করা এবং গ্রানারির উভ্যারণ ব্রেমা করা হইরাছে। ১২৭৫ ক্রিমানার শ্রামান করা হইরাছে। ৪ ঠা নাম্ম

পুরাণ প্রকাশ। বিষ্পুরাণ।

অসুবাদও টীকা সমেত প্রত্যেক ৮০ পৃষ্ঠা অগ্রিমমূল্য 🔐

विनि वाह्या जिला में कहेर वन कि नि में का मुक्त के कि जिला में कर करान का वाल बद्ध कथा। कि कि का मुख्य कि विन की मुक्त कार माहून कर्का सक्ष रतत नारम बद्ध ते के का कि विम् मुद्दा भारे मा भारेक विरम्भ विका भूतान भारे निष्ठम नाई के कि।

বি, জন য়ার্থ।

মারতের রীচ বর নং বাদী গুলামস্কু ১৯ নহকোজা কার্যন।

উপরি উজ্জ বাগান ও বাটী যাঁহার করতে অথসা লটতে ইক্সা করেন, নিয় বিভ বাজির নিকট জানাইবেন:

> ্গিলেও তেন্কারণে ভুনত এবং লো

সোনপ্ৰকাশ।

১२ हे क स्न त्मायवाद ।

গতবারে শিবপুরের এক জন থেরক লিখিয়াছিলেন, এবারেও বি য়াছেন, ভত্রতা নিউনিসিপালিটি শর অবিচার করিভেছেন। যিনি বাটীর যে ভাড়া পাই'তছেন, ভাচার প্রমান প্রদর্শন করিতে কিন্তু আন্দেশর ভাষা প্রায়ত করিছে মে শ্রেণীর উচ্চঃকার শিক্ষালা के इः का विकास्य । त्य हेळ्या अपर्यटम गावटल ज्ञारमहे पूर्व करिया অংরেক গুরুপাঠশালার অজ . : क अ अन्यक्ति विनिध्य निमि**ख** a. 3 প্রিক্সিড করা **হউক এবং** (১৬) হারা সক্ষে হয়**, ভাহাদিগে**র জুলির ভাষী **বদোৰভঃ করিয়া** ्राह्य । मञ्जूष **१३८० ७२.स्**का গ্ৰহালা **সভই শিকাকাৰ্যে** : ১^৯বে। উ**হাদিগের শিক্ষার বায়** ে ভাৰপ্ৰছৰ গ্ৰহ্মতেই যে অৰুশ্ ্ প্ৰাৰ্ণেখক ভাষা স্কারেরপে েল করিচাছেন। ভ**লিমিত ভিনি** নিগের আক টি ধন্যবাদের পাত্র ছেন। বঙ্গোলাল যে আয়ে হ্ইটেডডে. मोनिटशत निकार्थ स्म व ; इ रन अश দ্ধে, ভাষা কোনরূপে ভাষার অনু ন্ত। আংজিও গ্রপ্নেক্টের আনেক : व्यव**्मिके व्याटह**। ८८म मी श्रमिशटक শিখান উচিত কি না, এই প্রশ্নের e সার পর যথন **গব**ৰ্নেণ্**ট বঙ্গদেশে** ্বিদ্যালায়ৰু দারু উপৰাটন কৰি ভগন কি টাকা কোপায় পাওয়া া. এই পানা উথাপিত হুইয়াছিল 🤈 থেন কেন এ প্ৰান্ত ডিপ ড ছই তেছে? র অন্টন **হই**েল পরে**বাক্ষ** করদারা প্রিপুরিত ইইয়া আম্বিবে। অপ কর এদেশীরদিধের একাস্ত 7

छेल बादान **क**ा रहारन বয় করা উচ্চিত্র

নে∵লিংনের অবংপ'ভনের পর **ইংল** একখানি প্র কেড্রিক করিয়ালাড দ্বিয়ার এক প্রতিমুদ্ধি প্রাকাশিত ন। লাভ কাৰেলরিয়ার কোরভার (साद्याना सम्बं ७ १८मामात क्षिः (क!नदानि व्योभग्नः, (कान)

थानि क्रणीया, कानशानि व्यक्तिया वर्षाहतः दिशाव हेक्ट्रक्टब्रद्व क्रविकार्यः मण्या कतिया लहेट्ड एइन । कामलिया हामा कितिर व। कताभी अवर्गमिक कृति ल ও নমকার করিভেছেন: এটী কাসল ' যাইবার শ্বন্ত পাইলেন। ভেনমার্ক আ রিয়ার নছে, ইংরাজ জাভির চিত্রপট। পরের জন্য আপনার অনিষ্ট আর কোন রীকে প্রদান করিয়া কিঞ্ছিং পণ প্রা **জ**াতি এত বংলে নাই। ওয়াট:লুর : যুদ্ধের পর ইংলও ইউরোপের ক্রী হন: তিনি না থাকিলে কথনই নেপলিয়নের পতন হইত না , কিন্তু সহতা সহতা দৈনা ও নোটি কোটি টাকানত করিয়া ইংলও ৃ करहाक दीयाञ्च मायाना डेलनिटन म महेश मसुक्ते इहेरलन : लाज करां ने उ अनी য়ার হইল। পুরে প্রত্যমন করিয়া ব্রন বুল দেখিলেন, ছয় শত কোটি টাকা अन इहेबाटहा अन्यनीत छेगात हेर लाए छेट বড়ই প্রেম, অবরণীর রভ বার বিপদ स्हेशारक, 'ठाठ बात हेर ल'ख टेनमा 'छ **छा**का দিয়া সাহায় করিয়াছেন ; কিন্তু আপ নার কাজ ২ইবামাত্র জ্বাণীর রাজাকু-মারগণ ইংলপ্তকে অপুমান করিয়াছেন। ভথাপি कला यन कामी रेमनाशन वात लिटन १८वन कतिहा ताहैन नमीकिड প্রদেশটি এছণ করে, পরশ্ব ইংলও निः ८ भक्त हो बनो जि श्रम स्वारा मलन करिया যুদ্ধযোষণা করিবেন। কিন্তু লগুন ज्यामां इहेरलंड बक अपन अर्थानीत इ:थ2.काम करत्र म कि ना मरणह. कार्कि निगरक ज्ञेड मान क्रिया क्छे দেওরাতে ইংলও ছাখিত হইয়া ২০ কোটি টাকাবয়ে করিয়া ভালাদিগের স্বাধীনতা সম্পাদেন করিলেন। অকাণি এপ্রতিবৎসর লক্ষ লক্ষ টাকা বায় कितिया हे एन ए। उर्को उमागञ्जनियां वर्ग किति তেছেন। এটি প্রশংসার বিষয় সন্দেহ নাই।ফরাশী আবাদকরগণ আফি ক। হইতে কুলি বলিয়া কীত দাস লইয়া যাইভেন। ইংলও বলিলেন, ও কাজ করিও না। তবে লোকের আবিশাক হয় ভ আমার ভারতব্রীয় পুত্রগণ ভোমা

রাজ কুনারী ইংলতের উত্তরাহি कतित्वन। अमुजाम अन तून धर्म इह লোক নাহন। অমনি ডেনমাকীয় নিবেশে ভারতবর্ষের কুলি প্রের व्यास्त्रा सिलान; किन्छ देश्लाखत ভদ্রতা বিষমর ফল উৎপাদন করিতে

हेश्तिभगातित भातिमञ्च मर দাতা বঙ্গেন, সক্ষতি মামেরিকার স এ ংখানি কুদ নৌকাতে চারি জান ব ত্ববীর কুলি **লফিড হ**য়। এক ফরাশী কাণ্ডেন ভাছাদিগকে দেবি नान । निकटि शिहा कार्यन (मधिर देशामिर्गत नकरलत गलरमण हि নিকের জাহাজ তুলিয়া কারণ জিল कतारक हेहाता दिनल, छेशनिर्वर वार्वास्त कर्षे महा कतिए व ना ला ভাষারা প্রাম্ম করিছের। স পড়িয়া আহার বিঃশেষিত হওয় ठाहाडा सभ मिन व्यनभन थाएक। ব্যক্তি কুষা महा করিতে না পা **কলে পড়িয়া প্রাণভাগে ক**রিয়াগি ভাষারাও অধৈষ্ঠ **হ**ইষা আত্মচ নিমিক্ত গণদেশে ছুরিকা দেয়। ব্যক্তিকরেক ঘটিকার পর প্রাণ্য করে। এক ব্যক্তি আরোগালাভ ক ফ্রাক্টের গমন করিয়াছে। ভাষাকে क (मरम ८ शत्र कता कड़ेर्य। हेल শের অবোদে ভয়ক্ষর কন্ট। যেমন প্রম, ধেইপ্রকার সন্ত্রণ:। আবাদক সর্কজ্ঞ সমান। প্রহার ভাঁহাদিরের অব। উপনি**ৰেশ হইতে** যে সকল প্রভ্যাপমন করে, ভাহাদিগের স তাহার ভয়স্কর বর্ণনা করিয়া থাকে কিছু পুথ মরিদলে আচে। কিন্তু

(ब्रहा, शांशांना, (वाहबन, निर्हा

भारमन गरिक किस मांग की बादादादा जा का **स क्**रिश्नार्थन ।

कमन प्रमान विशेष कतिरमन विश ठ সাক্ষ্যে करेनका कथिरतहे य क्य-रक पूर्विक निया श्राह्मिन, हैश्रीत फूर्वि फूर्वि । न श्राप्त इंडता वाद्यः कि इ. अहे महाञ्चा नाको त्र आदक्तात्र देवनमा अस्थिया समूर खनात्रक লেন। এক্সপ ধর্ম্ম শ্রীন্ত ন্যায়পরারণ বিচার : এপ্রদেশে না আংকিলে বছতর অনেধ **उ। जबादि नर्गपाँडे कठिन (घ) क्रमाही मंक**् উপস্থিত হয়। ছেপুট বাবু অনুনক মিখ্য ीव एक प्रिवाटक्या देशक विकड़ विका দুমা ই বাপুন করিছে কাহারও সাহস হয় এরুপ স'মান; স'মান<u>;</u> মকক্ষাও এপ্রকার क्राप्त विहास कतिया चारकमा अञ्चाहम नहार विद्वावर्णाच प्रमानः ध्याकारम्य राज्य गरमन् ः काम्नि अकृतिस विक्शुपुद्ध शिक्षा 👯 🕏 রুকার্য্য দেখির। অপরিদীম অসমদ লাভ क्षा व्यानिवाहि । विहादश्त नवत सार्गापि চেইয়া আনত সূত্ভাবে বিহার কাৰ্ডানবাা≉ या थारकन्।

ভেপুটি ৰাৰু যে সময় কেকো আনসিয়া উপ s इन. (त्र त्रश्रम् **६ ८०३ त्रश्रम् २८६**, फुथन १ ৮ हे।, कामतामः कार्यः प्रदेशास्य क्रिक्कन কতেনা পারাতে স্ব দেখিতে পার্বেন ভরিৰভ্ন কামে কাড্ডে কুল ইট্য়াছি। দ্করি ভেপুটি বারু আমার এই ক্ষেভি নিবা कतिहुतमः व्याप्ति शूटका खाँशात व्याप्तियात । म भारे जिल्ला करमाई श्राप्टक्ष्मात कृत येगी म। यरकारण आमि विष्कृतुत्र शम्म क.द्रग्री-াম, সেই সময় উচ্ছের নিকট,লেপে র বিশ্য ग्राह्त प्रविद्धात विभन्न व्यवभाष सङ्गाहरूम ন ভাগ ক্ষরণার্য লিখিয়া লইলেন এবং েন, গ'হাডে সভ্ধ প্≉সংকাং হয় কামি । কৰিয়া দিব। জগদীখারব নিকট প্রাপন। ामताशास्त्र था किया <u>४६क्र</u>ण (मरम्ब **क्री**र्ड्स ন কটিছে থ'কুন':

क्र क्युक्ताति): क्याना न क्युकार व्यक्तशास्त्री · (क.एक) भागाञ्चय क्या ल वि . . > **डि:म**ाप्ट्रस नकाः

---:0:---

नकल ७९ चोकिटन तकात काश्विद आगाहक वरेंद्रक भारत अब् प्रशिष्ठ अवस्थि वक्क कर्या स्वा रहेत् । करशद्व बाहाटक च क् क्रुक्किक अवर বাহাতে সামলিক ও সামাজিক উন্নতি সাহিত্ रग्न फासारे (व, मकाकानामा क्रांका काहा विन सक्रटण वृहक्क कहा वहेन । पानकह प्रकाद कार्यः कारकन्यम महाभी ७ १३ हम शत्र मुखा एक *क्ट्रेस*्फर्नरत २७ क माट्य मञ्ज्ञ क्रिकीय व्यक्तियान इंग्रं। व्याच्या अमामश्रक्ष के की हे श्रविष्टे क्षेत्रा कक्षातारभावित्रवास्त्रहे साकारक त्र*का*-দীকে,নত্ত করিছে না পারে ভদ্যটিত একটা বজুডা এবং সভার অবশ্য প্রতিপাল্য কডি-পয় নিয়ম ও সভাগ্যের কর্মতার বিষয় সংক্ষিত রূপে শঠিত হইল। অনভার সাধারণ ভিতকর किर्मिष्ठ विश्वयन्त किश्यांश खु मित्रां भक्ष ভাবে ধর্মহঃ প্রতিপালন পক্ষে সাধ্যমত চেইট कदिर्वन विश्वा किर्फिट्ट बाब्किशन श्रीष्टिका **शूर्वक निमम्न भएक याकद्व क**दिस्मन : भक्तार এ'মের রাজ্যতালি যাহাতে রীতিমত গুলুক रुष बोर्टिड कोर्नाह स्व अल मध्यान श्री कृष्ट थ'दक ब'इ।इ'ड विम्हान प्रतित क्षेत्रींड इस् अव .य (य विषद्भन्न महिष्ठ मशास्त्रज्ञ विद्रमय भव्य অতে যাহার 'অভ্যাচারতা নিব্ধান স্থাতের অবন্তির সভাবনা আছে ভত্ততাত দৃষ্টি द्वाचा अवर काश कार्य, भव्नाक कांत्रवाह मण्युर्ग (हड्डी) क्ष्म्युर्वे व्यामाध्यः मञ्जात कःर्यः ३ भी या वालवा जिल्लाहरू १६वाटक व्यक्त भक्टल .यक्कण व्यक्तवनाञ्च लाक्का **१**ईल लेख्द्रध्यमाना-थान क्रेक्: (स्थापनाञ्च) व्ह औं इन्न ७ इं। १६८० .ବଳ୍ୟ କ୍ଟ ଅ:(୭୯ ମଞ୍ଚଳ)।

नतीयः (क्रमाद क्रुक्षप्रभ भावित्रकेः केप्रस Com मारक्ष अवर दानाच टिंग .फ्यूने मान .केंग्र अध्यक्त बायमका (अन ३११ मझ अध्यक्त विकेश |क्षेत्रकरक्ष प्रोत्रक्षण के क्षेत्री |**४ क्रथ** अञ्चल क्षेत्रके के 💠 রয়:।ছলের উহা পূ ,র্ম একাশ কর। ইইরাচে সংখ্রান্ত পরস্পরায় শু ৮ জেছে যে, উজ্জাঞ্চলার वर्षभाग मः। कर्केट क्रीबुक्त मन्द्रश माद्रश्च महरू नम्र अभिवनी विदर्भय काल्य शाम्नामान काल्या य म अंतक्षत (म.८४) छ्रेनकात माविष्ठ १६८० श्रमण विद्यव्या कट्वम ख्रांदा क्ट्रिंस केंद्रांत श्रद्धत्त भएक छित्रे विद्वसञ्ज्ञाह्य सञ्च कविह्यन । পপোদক মহাপয় । এই বস্তু জাগেলীতে বে : উক্ত সাচ্ছেব শ্ৰেছির সাক্ষয় বেরূপ সুখ্যাতি : नै १६८७ विनी मान्ना मह्यालामक कथा । मामक्षा लाक कविशाहिन, जीशांत माधादन विद्यमाधन শ প্রকাশ করিয়াছিলাম, ৮ ই মাঘ রবিবার ভিংপরত। যেরপ বলবভী বলিয়া লোক পর ার প্রথম ক্ষাম্বেশন হইয়াছল। এথমতঃ জপ্রায় আলভ হইয়াভে এবং প্রতী ন্দী খনন অধীলভূজিনানে ভূনের বেসাপ মক रके व्यक्तनाम । केरनाम अ यम्क्रकृति हम कितिया कशीत्वादी तक्ष्ण मारमा मृष्य गालिका विकास कृत है, अनारम परमाण असीत्

केंद्रभाषा अकृष्टित्र विरूप्य क्रेनकार्य শরিভ রূপে সাধিত হইবে বলিয়া ব यष्ट्र विदान आहर, छ:हाटड अक নিশ্চয়ৰ লড়ে পায়ি যে, ইনি, ইহার व्यक्टमानमीय बनिया विट्रकमा कर्त्रहरू কীৰ মন্দোল ভির নিদাসমূত সুটা নং क्रम अहे विकलतं क्र'बंद्र मण्यास्य कृतिश्वा मिर्फ्य मधाराम शर्वर्यम् छ अस्य कर्भन गनाक्ष्म अन्यान करून हैशा छा: बकास आर्थनीय

). बीदायण्यान (घायां 7 - 25 ১০ ই কেব্ৰুৱারি সংসংবড়জাগ্ৰী

विमयुर्भक मिरवहन्यिहर---সম্পাদক মহাশয় ! আপ্নার গত সং त्रामधकारन त्रांशाय'रहेत त्रश्वानगण। १ रवन नारहरवर छ वेहारतत *य*ा श्रमक्ता र ছেন, ডাহা কৈচলুর সভা আনকা ভালা **ব** ইক্সাকরি না।বেধি হয়সংবাদদাতা व'हाइट्टब क्रजन: म हहे(वस, सकुवा ८वल त्वत अक कश्रदा (१२०१ वन शहर् .কমন ছেবিচারক মেকেরপুরের মেক गारकरवत मकक्षमात्र ଓ कृष्णनगरदात्री उ वाबू लालात्माक्त (बार्यक्र प्रक्रिंड छतः गार्ट्रवर यक्षम स छ। हा अधक'न नाई मार्ट्य अद्येषकम्बः कृतित विष्टांत करिष्ट व्यव्याप्त सहिर्देश है

マペ 毎. 優当) **●** 34 4 4 4 4 2446 **व**ीषः ध्रःः े

মধালয়ারাধান ট হু:খাসংভেগুলী .क्रीते क्रिया क्रिके वर्षे विकास अस्त अस्त अस्त अस्त अस्त त्व भीतार व.कर्णक क्षेत्रार्कता **अक्ष**ाल ·माञ्च व ःश्व : इद्धाः य ,य कः छ क सुट्ड प्रमासका बाबू .२.७ ल भवा कहर नहें भार **৺্লেন সভ সোমবদেনীর :সমেহ**র .शावत्रकाञ्च केन क्षा अन्तर्भाव अन्तर १६४ ८० । सम्बद्धात व.स. चे स अर्थ नाम् সমস্থ আনম পরিদশ্ম করম: গভ সে पूर्वाङ्गकारम ला खिलुर्च च भवन क वहा इस सक्तां इसकेशम भूष्या की आकारण का मन् भ्वाही आकान उप्भूते बादुव प्राप्त भ 'श्रक्ष क्षेत्राटक : 'क्रॉन एक्श्रेस अवक्रान स .वहःत्रवः।द्रेशः अल्याननः कःतः। र

'ও হইতেচে। প্রতিদিন পুসাক্ত একাদশ मभरत छिमि विष्ठां गरम छेशविष्ठे स्टेब्रा লপ্ৰ্যান্ত বিপূল পরিজ্ঞমন্ত্রারে মঞ্ व एम अस कविया विकास करिएक्टब्स, लाग्न करमरकरे डाहारक পরিজ্ঞয়मील क्रिकरहे गांधु काम अनाम कति ए**उट्ट**म । ামশক্ষর বাবু প্রকৃতি সাধু বাদের পাত্র ্ ঠাং।র বিচরপ্রণাদী বেরূপ বিশুদ্ভাবা বংবহাবনাৰ্গ ও ধৰ্মনীতি ভক্ষণ বিশুদ্ধ পরিপূর্ব দেখিয়া আমরা সাতিশয় সঙ্গু ট : উটোর রাজাকারী বিষয়ে পরিপ্রম, ক্ষুরাগ দেখিরা বোধ ছইতেছে যে. খীয় অধীন (কৌজনারী আমনাঃ) ারীর **উপরে কোন কর্মের** সি**র্ভর করে**ন প্রেসমুদয় বিষয় শহংক্র তল করিয়া । लहेश कास्त्र कविशा चारकमा आयास्त्रा বৈবুর আগসনসভাদ ক্রিয়া প্রফুল ভাঁহার সহিত সাক্ষাৎ করণাভিপ্রায়ে ংপে গমন করিয়াছিলাম, ভাষাতে জিনি নে আমাদিগকৈ সাদর স্কাথণে এছণ ড আমারাঘার পণ নাই আমাজনানিত ৩৪ 5 ইইয়াছি। ভিমি আমাদিগকে দেখিব रव रमनक्षिकका स्व स्व विवर्षक आहार खाहाटक खाँहात समाहिटेक विका विस्तार া পরিণামদশিত। এবং মহাস্কু ভব্তা ওবের

ন পৰিচয় হট্য়াকে। আমরা উচ্চাব া অসায়িক ডা নীতি হৈছে৷ ভয়ভাপ্ৰভূতি ে গুণেও অভয়েখ্য প্রীত ও বাধিত হুইয়া দ প্রদান করিভেড়ি। শান্তিপুরে একটী চিকিৎসালয়ও একটী গ্ৰন্মেটটে বিদলেম্যের স্থাপনার্থ ভাঁচার ঐকান্তিক ९ वद (मधिया धात्र मकत्वह छैहार्ड াদ্ম করিয়া**ছেন। এ**তথ্যতীত এখানে উৎকৃষ্ট জ্ঞলাশয় অংথবা বড়বাঞ্চের সন্ম খাল খনন এক জান স্করিক্ত সাব আয়াস গ্ৰেড়ন অংনয়ন ও এক জন (মিউনিসিপা বারে) ডেপুটী মালিটেটটও লিউনিলি মভাব এতিনিধি। সভঃপতি (নয়ে।জন চইতেউনাধণ, স্বানে প্রেরিড ইইবে। कारमहरू हैं। इंदिन श्रमन्द्रमन्द्रेस कामा কলুরোধ কবিয়াছেন। ভা**লত্তে ভিনি** ধ্বস্ভিত্ত ত্রুমে⊹ন করিয়া ক্রিচুারে#া ক্তে:বিভ বিষয়ে বিশেষ স্কুপ নামেটোটো ডিনি গ্ৰথিক ক্ৰেম্ম জাৰিলয় জাৰকা ায়ে জনাট্রেন এখনিকার পুলিয়ের

धनाली प्रश्तिथम ७ प्रदेशराक्तहें≉

रहेड कमरहेदन शाहरदंग (चुनरहा वर्गहा क

तात्र अवाश्विक शार्थना व्यामनी विश्व करि ভাঁহারা উহা ভেগুটা বাযুকে অবশ্যই। পরিক্ষাভা। क्तिर्वम । रक्षा ३: व्यक्त छ । भूमिय मव हर्रास्थ्य । हेंद्र ७ (१७ कमाहेवल माना कातरन व्यापादकत्रे **আক্রে**পের কারণ ২**টয়' উঠিয়াছেন** ৷ রামশক্ষর**ি** বাবুও পুলিষের বর্ডমান কার্য প্রণালী দেখিয়া अम्बर्ध इहेम्राट्डन :

ऐलनश्हातकाटन वक्षका अहे त्व. हेविशूर्त्क অং মরা ডেপুটী বাসুর যে সকল সদ্ভবাষণী আরণ करियाकिलाम, अकरन खरममख चहरक श्रेखा क করিয়া চক্ষকর্বের বিবাদ ভক্ষন করিলান। আমরা কারমনোবাকো পরম পিতা পরমেশ্বর সন্ধিধানে পার্থনা করিচভড়ি এইতা রামশক্ষর বাবুদীঘ क्षी वी ६३ प्रश्चिक काल जान चाटर श्वाकिया द्वारि চার বিভরণ ও দেশের কিভরত প্রতিপালন क्षिय नाधादन नम'रब्बर यरना जाखन ও कर्डुन (भन्न प्यक्काकन इंडेन।

এখানকার ছোটখাণালত গত ভালুয়ারি मारम जानाचारक छित्रिया विद्याहर असन् এত্রত্য অধিকাংশ বিষয়ী লোক মকক্ষয় করিতে অসমত ধ্রীয়াছেন। অস্ত্র টাকার মক দ্ম' প্রায় সকলেই স্থ গিড করির'ছেন। অধিক বায় ও পরিআম এবং কটুই ভাছর এখান করেন। বস্তুতঃ রাণাঘাটে উক্ত অন্যালভটী देविया राउदारक मःचित्रातत नाम क्रमाना (प्रमञ्ज्ञ श्री प्रमञ्ज विषयी लाक बाद शत नाहे कष्टे भारे एक इन । के कीन साफका दाना वानात अकार्यकृति वाद्य हिनामना अधिरात्रहरूम। বাসস্থানের অপ্রভাত। ও খাদ্য প্রব্যাদির ছ্র্ম त्राक्ता सिनक्षत अर्थे अक्त विश्वरुगत अरु। वसीय कष्टे देश के करेबार हा दानामाहे प्रेट के के आनामञ्जूषात्र माखिलुद्ध देशिया आहरत. ট্রটে প্রায় সমস্ত ব্যক্তির **অভিবেত** : এবিষয়ে অনুমতি প্রত্যাশায় গৰবঁদুমকেটৰ এক ধানি - क्रुनीर्घ कार्यनम পর প্রস্তুত ইইয়াছে। সাক 'याইবে না। हरे डांबाएक :यक्क क्षूमार्थ य य नामचाक्क ক সভেতের । প্রভাগিত নাম সংখ্যা স্বাক্ষরিত গরিকো তেঁ,হাকে প্রথম তিন বরে প্রান্ত প্র

মূল্য প্রাপ্তি।

উন্যুক্ত বাবু বিহারীলাল শীল মুরসিদাবাদ ৭

" ऐ(मनध्यः घटश्रीलाश्कृष्ण नष्मीनताई १

a द्राक्षताद्राप्त मान क्षिक्त (द्रानको न

मधामा स्थाप जामहक्रीय की व्यक्त সভপুর 💮 का मात्र वन, माहिन विनिश्त সোমপ্রকাশসংক্রাম্ব কয়েকট िप्रचे विद्याप निवस।

অগ্রিম মূল্, ও ডাক্সাঞ্ল না পাইটে বলৈ গোমপ্রকাশ প্রেরণ করা কার না।।

हेरात अधिम मुना अधिक ১० होका वान्तात्रिक सा॰ डोका । प्रकथान काव मरमञ्ज वार्षिक ५०, सान्। जिक १ अवर সিক ৩৬ । ভিন মাসের সূত্রে অংগ্রিম এহণ করা যায় না। ছবি, বরাভি চিঠি, **षड्य, (नांवे अ द्दार्क्नी**हिंकिंगे, हेहांत ब যাহাতে যাঁহার ক্লেখা হয়, ভিনি সেই षात्रा मृणः (क्षत्र कतिर्देश ।

यं हाता ष्टाल्पिकिक शाक्षीहरवन, प ্ৰন এক অংথবা আগা**ধ আ**নার অংধিক उत्रमीरमञ्जेषिके श्रियं मा कालना

यशन विनि स्कल्पन स्हेर्ड मामश्र मृत्र भागाईदर्ग, जाहा (यन द्वकिक्टेंबि और के बातकामान्न विवशक्षियत्वत्र नाम हेया (मन्त्र)

ৰ' হিদিপের মূল্য দিবার সময় অভীত व्यागित्व, এक्यानभूटर्स हाशाहित्रत्व লখিয়া জানান যাইবে, কাল জাতীত গেলেও এক বার চিটি লেখা কইবে, ভাক একমাসকাল প্রতীক্ষা করিয়া কাগজ বং याहेरव । त्यव वारतत शक्क विश्वातिः **१**हेर्च ।

মাতল। রেলওরের সোণাপুর ষ্টেসনের বরে চিঠি আইলে আমর। শীব্র পাই).।

ৰ'হোর। মান্তুল না দিয়া প্রাদি প্রের কারাদিগের সেই প্রাদি এইণ . યેગ,

क्ष भागक्षकार्य विकाशन निष्ठ কাৰা ভাৰেৰে পদ্ 🖊 ১০ আৰা চেটেছ ।यान अधिक काल (व कालन किनात इका। .वन, कांकांत्र मांकक घाटत बटनगावाच स्केटन

🚛 এই পত্র কলিকাকার দাকণ भाक्ता (द्रमञ्जूष्य मागापुत (४,म्यून) চালভিংশাভার জীযুক্ত ধারকানাথ । কুমনের বাটীতে প্রভিদোমবার প্রাতঃ Beifen B

म्ब विश्वास महेसा हैकेरबार्ट्स बाकिरवन, उक नाकान है, माथु मात्रिक्तिएक अञ्जिति वेश गार्श्वन इस्टेबन ।

ভূকীয় জেণির সব আসিষ্টান্ট সার্জন কালী ন্ন মিত্র কিছুদিনের নিমিত ছাপবার দাডবঁঃ চৎসালয়ের ভার পাইবেন।

েই কেব্রুয়ারি। যত দিন ডাজের জে, এক. , ৩ বুট্ড বিদায় এইয়া ত সুপঞ্চিত থাকি , ও তে দিন ভাতন্ত্র এচ, সি. স্ট'কুফ চাকার हिमिष निवित का नही है नार्कन रहेटवन । প্রলিক ওয়াক বিভাগ। ছিডীয়া জেপির চনিধি সুপরিন্টেণ্ডেন্ট ও ই ঞ্নিয়র টি, এস, জাক স:হেব মেচ্ছর ভবলিউ, এস, টেলরের পক্ষানকালে র'ক্লধানী চক্রবাড়ের প্রাক্ত क्रुभांदर है रेख है है अप ने ब्रद्ध इंड्रेटन । फिनि াদক্রয়ার পূবংছে আরি কার্ডার এইণ धु∵(इन ।

্রীকে:ভীৰ চ'ত বাবু উমকোজ যোষ য়াহিচারে পরীকাধ ডুটীর জেশির নিয়র হইবেন।

ইউরোপীর সমাচার।

ভুল্লিডটন:১০ট ফেফুরারি। মহ'সভা বপ্রবালীর পরিবর্ত কৈরিয়া কাফ্রিগকে নিধি মনোনীত করিবার ক্ষতা দিবার াট করিয়াকেন।

গুল ১১ ই কেব্ৰুৱারি : স্পেন **ইটাড শেষ্ট** গ্রামে প্রকাশ করে, বরগদের শাসনকর্ত্রার । অনুবভানার সংময়িক বিচারালয় ख क्**डेग्र। এक न**िकार सृह्यस्ट्रस्**य का** का ছে: গ্ৰগ্মেন্ট এই আছেলার পরিবর্জ েণাবছকীবন কারাবাদের আবাকরা দিয়া

ভিন ভরির প্রতিনিধি নিয়ম'**র** শতে মনো इडेग्रार्डन । हे हेन अंधिक :कार्डिट्रोक्टिनिधि র বিকর্মাবেশন পরত ফেন ইইয়াছে। মর কমসাংক্রেটর প্রভেমিণ বেল সাংগ্রের भरताल श्रवा भिक क्षेत्रा है।

হ একাশ করে, ম**স্তু**র জাইমিস মঞি⊲র্গ জ ক রয়'ছেন, ও।ছ:র। খীয় খীয় পদ এছণ ত সাধারণ যোষণা হইরাছে।

রাশী সীমায় কভঙলি কানিই গুড CE I

২ ই কেব্ৰুৱারি। মুভস্কা যে প্রস্থাব

कविका किरमन, काचबरत्र कीम (य मन्यांक क्रिया-ছেব, ভাৰা লইয়া গভ গোমবার কাউণ্ট ওয়া **গেকি এথেল ভ**্যাগ করিয়াছেন।

ক্ষমেণিয়ার ভাতিসাধারণ সভা অকারণ शवर्षम्बद्धेत अधिवद्यक्षका क्याटि छन स्ट्रे-

कामाका बहेटक मरवान कामिहाटक, कि আদিমাকলির হতঃকারী ভইপানের ফালী र्रेष्ठाट्ड ।

ल्यान रहेटल हिनिजारम धकान करत, म्हा शृक्षक अधिद्वनम् आत्रक स्ट्रेसाट्स ।

নেৰাপতি সেরাণো প্রার্ভিক বঞ্ডায় विश्वतः (इम, क्याणाखंकः शवर्गमाने (श्रीव्रवशह-ক[া]রে কার্য্য করিভেছেন। তিনি অন্স্রোধ করিতেছেন, পরিমিত ব্যয় এবং নানাবিভা গের প্রয়োজন বিবেচনা করিয়া এদেশের উৎকর্ষ भारत कहा कर्खवा

গত কল্য ফিশ মঙ্গার বামীতে মন্ত্রীদিগকে महामयाद्वादर अक्षी (काक्ष (मध्यू) रुईप्राटक। মাডটোন সাংক্র বজ্তা করিয়া বলিয়াছেন, वाष्ट्रावनरक्षत्र कार्यक्षां के मध्यनाम छेर्रान মঞ্জীনগের স্থির কলন। তিনি দীয় এবিবলে भवतःन २३८वमः।

ডেলি নিউস বলেন, কমিসাই এট বিভাগের .ধনকল কর্মচারী জাবিসিনিয়ার যুদ্ধে উপস্থিত ভেলেন, উংহাদিগকে পুরস্কার প্রদান করা कर्खवा ।

ঁইংল⊙ীয় সংবাদপতাসমূহ পুনকার মধ্য वारिवाद करणा लहेबा कारमानन कदिएक-

ের: ১০ই ফেব্রুলরি। এখানে সংবাদ আনসিয়াভে যে ১১ ই ফেজেয়ারি স্ক⊓র সময় কুরাদ পাশা নিস নগরে প্রাণ্ড(াগ করিয়া .इ.म.। डॅंग्स्टात मृजु,निवज्ञन मक्टल विट्लंब আংশেশ করিয়াছেন, কিন্তু ভুগজ ভোগ করা 'এজেন্ট এক জন ইংরাজ ভুছ বলভাক। বি অব্ধ ভিনি উজ দেখের রাজনীভির উপরে মলই ক্মতা চালন করিভেন। ফ্রাদ পাশার मृ इ इ इ ब्राट्ड व्याली भागा अवान दे जी दात ক:বেঁরে সভিত প্রর:ঐতিভাগের মন্ত্রীর কাঞ ১ ই ফেব্রুগারি। এদের ১ইডে খেরে টেলি । করিবেন। কুংকে অরাই বিভাগের পদ সুত্র হ'কি হইয়াছে। মল্লিসভার আংধাক মিথুদ भामा (वार्शनीटन यननी एक्ट्राटकन। (क्याव নীল ভাঁহার পদে প্রভিত্তি হইর। ছন।

स्यान नामाद मृष्ट (पर फुत्र कानियात নিমিত সুলভান নিদ্নগরে একখানি জাহাল (धार्व करिय'त काका विदाहित।

व्यामापिरभव नार्शतकः माज। निश्वितारहनः--

১) माचमारमत त्मर्य **स्ट्रेन**, फ्थानि अम्याभि भीटलत विमक्तन शाहकीय न ভেচ্ছ। এখানে, এখন বেরূপ স্থীত वकरण रशेषमः(मन तार सप्र अस्त না। এই সময়ে দিবাভাগ প্রায় মেবাল্ मर्था मर्था अक अक विष्यू वा त्र व वर्ष । इ

এবার উত্তরপশ্চিম মধ্য ভারতবর্ষ ব প্রভূতি সর্বভৌট খাল্য এর্ড ছয়ুল্য হইয় এবানে এখন ৫ টাকা চাউলের মণ, ৫ টাকায় ৮১ পর। তবে পঞ্চাব রেল अनारम अ शत्रवेरमने हकु फिर्क थाल थनन ভেছেন বলিল। দীন দরিদ্র লোকে যথ্য উপাৰ্ক্তন ক্ষিতে পারি:ডছে। ইহাতে ছ वक् महावन्। नाहे, काब भवर्गमा : कामनामि अञ्चानित समा (दलक्रप्रद কমাইয়া বড় উপকার করিয়াছেন।

२। कर्ष्यंक निन श्रेत ब्राह्म भिनमति জের পারিডোবিক বিভরণ উপলক্ষে সভা হইয়াছিল। ভাষাতে লেপ্টনান্ট ম্যাকলির্ভ বাংহের সম্ভাপতির আসম প किता चिन्द्रामदत्त्र व्यथ्यक्तितात छ : क्टिन्त्र है दिनाइदर्धन कट्टून । क्यार्टन्टन : বোঃ হয় এই ছানে আমার এই লেব উপ नीयरे आमि कार्य। एकता रुद्देश व्यवनत

अहे करनरकत संवीतन अवनी तक्रमी नदेश वानिकातिकात्वत आहा स्वति व्यक्तक शदर्शमाने कालक व्यवका अहे । म 平(司司 香)司 1

ও। সম্প্রতি পঞ্চি রেগওয়ের আসি বাভকভাপ্রভৃতি অপরাধে অপ্রাধী ইইয়া १६ वरमद्वित स्वाकाताकः इत्याद्वतः লাম এবানকার বিচারপতিরা অলাভীর भारक अका नरहत, हें हानिरशत हाटड है? সপরাধী কখনই অবংক্তি প্রাপ্ত কয়েন না ह। अथारम प्रक्री **स**ेमन्द्रांस विस्ताल । अका বালিকা বিদ্যালয় আছে ! ভাষ্যতে প্রায় ১ ०৫॰ **শভ हाउँ। भ**षःत्रन कतिरङ्ह । भूगः ছাত্রীরা পুথক বিদ্যালয়ে পড়ে। ভারাদের উদ্ভোগাং আর পঞাবী চাত্রীরা হিন अक्रमूथी कथा करावन करता अहेनकता चना अवर्रमण्डे रहेरक क्षाप्त व • • , हाका श्राप्त वृहेशा शंटकः श्रामीश होता र चार्ड, जाशं व नियुश्यक्रत्थ आमाय राष्ट्रारम्य अक्त्री वर्ष्णेय खण्डा वायु सर्वीस **ाशभग्न अञ्चलक दिल्हालरप्रत हैय** ्लम सद्भाषि ।

গভ রবিবংরে করভা রাজাসমালে क्ष्में अध्यादी अस्ति के किल्लामा বিন্দ্রের রায় **জাত ভুলারয়াণে হিন্**টী য় বজুডা ও সমাজের কার্ছি সংসাধন लामलाम, এই नवीम वांचु माधावन विख ্যে ও পরোপকার করিছে, বিশেষ খড়

· शक्ष वीता विषता नका कतिएक एक নক বিষয়ে ভাল হইতেছে গ কৈন্ত আহায় त स दी। ७ नी जित्रिक्स आ कि अ आरमक ুরহিয়াছে। আনাম বখন গোয়ালিয়ের ভথাকার লোকের আচার বিংবলারের लिथ, उथन इंडड्र**लाक्षिर**शर्वे **ह्वीरलाक** াবিবল্ল হইয়া নদীতে স্থান করিছে । বিরক্ত হট্য়ছিলমে।এখানে যেরূপ চল্লি, ভারাতে গোয়ালিয়বের **জ**ীলেকের। ৬বে **ভাল। এখানে খালের মধ্যে**। প্রকাশ (थर धारत ग्रहत्वर खोलारकता कान्यु । অসু ১ড চিত্রে সার্রসমকে বিবর্ত্ত। র ভীরে রাখিয়া স্থান**িদ ক্রিটেভছে**। মট জীলোকের জন্য পুথক ঘাট করিয়া ছন > কিজাবিভুলেট এই কুৎসিত বংবহা লেমেদন করিতে পারেন নাই।

--- :0:---

नः---

কোরহাটীভ সংবাদদাতা লিখি

মৰ:ব'ৰুৰুমক আংশ-জেমৰ । সংক্ৰিডি আংমা ঃ মুনশীস**্থের** ভিৰু**টী মাজিটেট** বারু '5বণ ভটু∣5াক, স্চ∶শ্র ম্ক্রাশ পর্ভ ংহিলাড এইয়াছেনা উংহার এই সাব ভ্রমণে অধী প্রস্তানীর সম্বিক কট ছে। ডিনি কোন দিন কোন স্থানে। ী করেন, পুর্বো .কঃ জানিতে পারে না। # ऊंश्वि व्याख्कांत्र **२**त्र, *ाई* पार्निके টির উঃরুদ⊹ডালিড ৹ইয়া থাকে⊹ আমা পাকেন: বলিয়া অবী এড়েগী ।ম্লাকে যে কড কই ও জস্থু বধ: সহ 5 ছয় ভাণ বলা যায়, না: প্রকা

र्गत्र अक्टलराक्टलके अवर्गमाने केणांव

ভাগীর শাভিরক্ষকদিগের মদখনজমণপুর্কক विष्ठात्रकार्यः मण्यामस्यत्र मित्रम श्रविष्ठि कतिया ছেন [†] কিন্তু ভাহাতে যদি ভাহাদের সম্ধিক क नष्टे ७ कष्टे ०म् , 'ठाहा इट्रेंग अवश्विध निम्नुरुष न অব্যিপ্রের আবেশ কড় কি? গুমিডে পাই, ডিপুটী বাবুর অভিনাদিত স্থানে যথাসময়ে কোন আম লাব উপস্থিত/হইতে কি ঋিং ক্রাটি হইলে ভিনি জার।তারিরজিপ্রকাশ করিয়া থাকেন। আমর। দেখিয়া আগিতেছি, কোন কোন নিষ্পত্তি শুননিব অংবধানিত দিন হয়নাঃ ফুভরাং আংখ^ই প্রতাপী ও সাকীকে প্রভাহ ক্রিন্ডিকভাবে কাচারীতে উপস্থিত থাকিছে হয়। একংশেও खाशिक्षितक **अल कष्टे महा कतिएक स्त्र मा**। এইরপ নানাবিধ কষ্টজানিত আনকেপের বিষয় कः मता शाप्रहे वयी शाखायी नाकी उपायना क्हेर्ड १९: निया व्यागिर्डां । व्याग कामदा ডিপুটী ব'বুকে আর কোন বিষয় না বলিয়া কেবল এইমাত্র প্রার্থনা ও অনুরোধ করিভেছি (स. क्यांत्र (यन क्यांमानिशहक लाहकत कर्ट । स. খিতে ও ওছজনিত আক্ষেপ শুনিতে না হয়। গত ২৮এ পৌষ ররিবার এ অঞ্জেও এক

প্রকার মশদ ভূমিক পপ হয় নাই। ইহার স্থিতি श्चरनजापरकारत श्राप्त हरू मिनिने किन। श्वरि লাম, ইছাতে কালীপাড়ার বাবুদিগের ছটা मामान काष्टिया शिक्षाट्या छिश्रत अत बुधवात छ এक्ष अध्य कि कि ए क्ष्म कि के ब्राह्मिन। याहा **१डेक काञ्चाफ्टफ़्कि श्वाद्य कल्य ३३४। ७**४ ক্ষনীয় লোকদিগকে যারণ ক্তিত্রস্ত করি-ধাছে, ভ'হার সহিত তুলনা করিতে গেলে आभाषितरक निकास भोकाताताम चलिएए [।] नग्नशरनव अक्रम यम नीय की वी स्ट्रलाई का

জীনগর প্রেশনের অধীন পাউল্লিয়া আম নবাদী অবসংখারের বাড়ীতে গভ মঞ্চনবাব চুবি ⊅ইয়া প্রায় ২৫০ শ ৩ টাকা **মুল্রের সোণ**া রূপার অলক্ষারাদে অসপস্থাত **হট্যাছে। আ**জি কালে বিজ্মপুৰে চুবিয়াৰলক্ষণ রুক্তি সৃষ্ট হয় ्ड(इ: 'अ:प्रता शाहर डिकावस (ठो**टर्व**)इ সংখ্যা শুনিয়া পাতি। ও দিন উয়াছি এামে আর একটা ক্ষুদ্র সংগ্রহয় ছে ৷

প্ৰে হি । মান্যবর জীযুক্ত নোমপ্রকাশসম্পাদক

गर्छ २३ महस्त्र एक्त्रवाद मधुवाभुत, (क्वेकी গুরুর ও নিশ্চভগুরের স্বৰ্ণমেণ্ট সর্কেল कारा="ल"क्राव्य यानक ख वा.ँनकात्रश्रह

महानम् नमी(भव्।

পারিভোবিকবিভর্ব সক্ষর্পর করিয়া অতিশর আদন্দিত হইরাছি। সভাস্থলে मियानी जी पुरू रायु मरहत्त्रमाथ यह म সভাপতির ভার এইবপূর্মক সুচারুদ্ধণে কাৰ্য ক্লেসন্সাকরিয়া উক্ত পাঠাশালার গ भिक्तकश्च **।** प्रभिक्त बहानवृत्तवादक श्वर **्षाय श्रमान कविद्यादलन । श्राठानाना** व विशहक भुष्ठकानि श्रमः न कविता स्टब्रे शक्षिक कता इहेब्राटक अवर राशिकार् পুল্ডক, বাক স, ফিছো, পুত্র লিবাপ্রভৃতি গ प्रवाणि श्रमान कविया व जाशामिनाकि কণ সন্তুষ্ট উৎসংহারিত করা হর্যাছে, कात भरम्म माहे। अभ्यत्क रत छहे अक्की का उक्त कार्या है हा बारन है ने बाह रह আমাদিগের কিঞ্ছিং ক্লেশ স্বীকার করিছে য়াছিল, কিন্তু পারিকোরিকসন্দর্শনে ভাষ ভুক্ত হায়া অভ্যকরণে অভীব আনক্ষের क्षेत्राह । से द्वारम क्ष्या मारक व वर्गक করা, অপেরাপর লোকের ভাগই আন ष्यक्रक रेक भावेमामाङ्क्षत्र श्रदान f 角 গুক্ত ব'বু গোপালচন্দ্ৰ মিন্ত্ৰ মহাশ্যু প রবাম খীক'র করিয়া অ.ত অঞ্জ দিনের তথাকার ইন্তর লোকদিগকে বিদ্যা যেরূপ উৎস'হাস্থিত করিয়াহেন, ভাহাতে বে একুড ধন।বাদের পাতাভাহা আনার্ন বলা বাস্ত্রমোর।

📾 पुरुष दावू देवसूर्धनाच शिश्क, 🗟 पुरुष (ইমচন্দ্র সংক্রিয় সহক্রিয়ালা কর এ स्र जन्म सम्र मृष्ट्र व्हेश । द्वेश ८ व्हास के छ्र भान माउ इत्रा यात्र अवर छात्रा इहेंद्र স্থান যে বিদয়ার বিষক কোডেডেড বি পারশোভিত হইবে, ভারার আরু সন্দের वर्षाकार्ण यालकात्मप भाक्रभानाम भ মনে মতাজ ক্লেশ খীকার করিতে হয় : াক প্ৰায় অধিকাৰ ৰালক উত্তল সমার কার্ফ কুসম্পরকরিতে সম্পূর্ণ অসমা थारक अरङ ६व कार्भाः मरशत काङ्करताथ अड अ कार्यक समाव महासम्_लक विवास वि কুপাদৃষ্টি কবিয়া য'হ ভে সাধারণের প্লেশ इस এবং अक्षेत्रकी उंड व्यवस्थानी इत. विषद्य विद्यान्तर्भ वष्याम रुखेन।

- ব্রীয'ছপে

গত ১ লা জান্ত্রান্তি জনতে গ্রান্থে ও শাংগ কুত ইংরাজি বিদ্যালয়ের সাধ্যা ক পাড়িতো ক'বৈতর্ণকার্ব(অন্তি সমারে হে সম্পন্ন হট্যা व्र'र्ड । এই উপলকে विस्तित्व (य मञ्ज া, ভাছাতে অনেক ভাল লে'কের স্নাগ্য হই ভিল। প্রথবে প্রধান 'শকক প্রীয়ুক্ত বাবু विमार्डण अवेकियं, श्लामम् अवे विमारमहास्व ১৯ স্থার ই:ভরুত্ত পঠে করিলেন। জংপরে রকাববিভাবে হটলে প্রথম পণ্ডিড আনিষ্ক कुछ निहारिकात हाझीलानसम् अक्षयम् अक्ष ভিগ্রতিক হৈ বা করিয়া বালকগণের উৎসাৎ র্নক রেপেন। অবংশাদে স্টকারী সভাপ ক ংশ্য শিক্ষক মহ'লস্গণের পরিস্লাচের ভয়*ী* শংসাকরিয়াকুত আহোর পরিচয়ঝরপে উটো গকে ধন,বাদপ্ৰদানপুৰিক সভাভত কৰি ন: বিভরিত পুত্রক গুলির মুল্লাে সম্পি কুনো ৪০ টাকো ইছবে। গাড় বংসার যে বালক গান হটতে মানোর কালরস্প পরীক্ষয় ু শুরু কুটুয়াজিল, তে'ক ে ৫ একটী বুলৈ কুল কোল UR 553178 1 এ বার মাইনার কলারসিপ পর করি এগান

ইতে চ∷িচী বলেক প্রীকলাথী হইয়া গমন ংগু:১৯৮। ভন্নাথ্য — একলীমাক্র কুডকাই চ্চেপ্তেন নাই। প্রীক্ষেট্রি ছাত্রগণে ব, ১ক জান কৃতি পাইয়াছে ৷ সুই বংস্ক পূৰ্ণ গুলাত এই বেদ্যালয়েটী স্থাপিত হট্যাতে :তএব এডারুশ কাড হো সময়ের মুগে এড টু त 3 अ ना की 3 महत्त्व नाई। (म ने न इ उड़े लला ४ रमा नयमपुरुष्य (५%के हेमान्याकेर জুঞ্জ প্তিত সাধবচতা তুকীসন্তু সহাশ্য थ नकात (रम.1ना्ष) का ⊈णः टक पत्र भाः বিয়া নিশেষ সাজাধ প্রকাশ করিয়া সিরা-চন। বিদ্যালয়ের সম্প্রিক সহ শ্রু (যঞ্প যরু: उन्हरूत्रकरोट्ट कोस्ट के द्वेष्ठ'८इन, उड्ड दे र इ आहेत्र . ट्रंडिरक्ष इंड्रीन मण्डूरं अक्षावनाः अवस्य र्का का अध्यक्ष अध्यक्ष द्वार स्थार देवता विकास स्थाप থ∖ম≺ায় বপ্র নংই ছংখিছে ছইর ∌িজাম -हेर्द्रक्टे करकात्रत करूरा। कार्याम्यान अकः हिटेख्यी अवर्गम है मिक्क प्रकृतस्थान के ही দ্র প্রিন্তঃম। পুরস্কা অরণ কৈছু কিছুর 👣 🥫 এখানকার বিদ্যালয়ের শিক্ষকদের যেকপ

স‡ধী ≰ওঃ¦, ইঞ্র ,

विष्णानदर्भ श्रेटशासनीय शुक्रक, मान्डिज, ষ্ট্রী হড়াত না থাকংতে অধ্যাপনার আন্তর্ভ क्षक्रदिशा व्हेटफर्ड । स्ट मन: न अ समा विम्हाल-থের স্পেশ্দক মহালয় মধ্বিভারের বিদ্যালয় নমুছের পরিমর্শক জীযুক্ত এচ উচ্ছের সাধিত मर्ट्डामर्ट्डन निकेष्ठे ज्याद्यम्य कतिशुर्द्धनः जामा मिट्रंप्रदेख **উक्ड महत्त्वाद निक**े **म सुनम् अर्थ**नी ७३ (८, ७) मिं जो कारवन्त्रपञ्च खाका काजना ভাত্রস্থ মানবলণকে অধীন কুডফাডাপালে **不管 孝奈平 !**

जान्त्रामक प्रकासम्बद्धाः अवस्थितः प्रत्यमकत्तरः আপ্রাক্তে জ্ঞান ক্রডেছি যে, এখানে ডাকঘর ত্বাপনের বিষয়ে আন র কোন উচ্চ ব'চ। গুলিছে 어!를 뭐니

} গড়জবানীপুর গড়ভবংনীপুর নিব:সিনঃ २८ म गांच ५२१६

(लाध्याप्रकृष्ण'न्य का निका সভার ভৃতীর অধিবেশন।

प्रच्याप्त महाब्यू ! ३२ हे म'च् विदिव्ह हे छ বভাব ভুজীর অধিতেশন মহাসমারোছে ১ইয়া গ্রাছে: ফু.নাধেক ২০০ সভাসভার সমাদীন signipres ভ্ৰাণে মুখীগভেব (ছণুটী হা ড টোবিমল বাবু ডেগুটি ইনম্পেটর বৈকুঠ ताबु अ पूजी भएक इ मव डिविक स्मत क 'ख्या । व्या মলা, বিঞ্চপুরস্থ কভিপ্র সিদ্যালয়ের নিক্ষক हाज अवर काशीत धनिभन्धक्ति कार्यक উপস্থিত হিলেন। সভাগ সময় উপস্থ .রক্ষে সভাগণ বিষ্লা ববুকে সভাপতির "কে ধাৰ কাষেন। বিষয়া বাৰু উপৰ পালে शहासिक क्षेत्रा लगायास मञ्जूत कार्यत भ करिए । स्टब्स । स्टब्स्मार्ट ४ म इ.स. त्रशहक भ हिन्छ,। शक्तु छ- इत्र २ ३ हुण्ड द्वा कार्यः। লীপাঠ, তয় বচনাপ ঠা বুপ সোক্তর টংরেলীবজাও বজাবদারেরর তিনটী পুরাতন प्रकृति निकारकत सन अकृत कोइट्रास स्थानिष्ठ निकारक सुरुक्षाद्रमास रक्षा दक्ष्या । ७० विहा स्थानिक स्थानिक स्थान স্কোল বালিবাহিদ্যালয়ের পাত্ত হয়াশ যে লাচ্চ্যার হ'ব ভান বক্তব্যাদ্ধ দর্গর অনুস্থাধ গ্রহণে, ইনি ভারও কিছু দেন ¦ সুকে পুরস্থারণ মন ৭ ম পুল লাপুলনিক নানিং প্র পাই্লাছেন) শতেরকর ময়ে নহাত্য ক্র'ছ'ত কময়। ভারতে, বিদ্যালয় টাবে চিকৎস লয়ের পুনঃ প্রত্যা ক পুনিকাত বন্ধ আনুগর বিভার প্রতিকা হচ্ছে প্রতিক পাল বাবু দরের সালাবকে নিথীকার এই সকল । চইছ পুর ভাষাত), একটি কি ছুটি ট কা ক क द्वा इ भव अ अ इ इ इ इ इ इ

বেছন প্রধান করিলে ইছার অবশ্যই হারী হল। বাবুও ছেপুটি ইনপেগুটার বৈকুঠা আবুকে, ধন্য গ্রন স্থাপুনর প্রটি গাবে না দেন এ दाम मा विद्या (काम श्रकार है काफ श्राकिएक । (कारल मार्ल काम कहे कि विश्वाह বেক্তম নিকিষ্ট আছে, তাহাতে উপযুক্ত শিক্ষা পারিলাম না। ইইাদের প্রয়োডিশয়ে এই ক্ষিয়া হসিয়া হসিয়া বাবেশন এই 🖯 বিজ্ঞাপুৰের নির্ভিশ্য সঙ্গীসালিত হউডেড়ো, দিছোর হট্যা যাব ৷ বাহা ইট্রা

अ इ:ल विमना राजू विटनवधना वानाई । विस्तरभन्ने "हिफ्नाञ्चर्यानकमा ७ व्यक्ति कहे 😿 वः प्रयोगात करिए एइस । ज्ञेश्वत झेमूल গণের মঙ্গগবিধান করুন।

ऽ२१क्ट

--- 202---महासम् । तक्राभो पूर्व हेम्रा मिस्रा व्य'र गर्दी मगर्क यान यहनम, ''छत्र कि १ जे भाष्ट्रके कारणहरू किताहरू कार्क्स कीरत है পারিবে, " কাণ্ড নিম্র ক্রিক্রা উছা ধরি गाहेत्सई पहित्य मा निष्ठा छै। मिश्रा लग्न, अ विद्यास्थित विकाद इत्र, के काहावर्खी ক্ৰ ক্রিয়া গলা টি প্রা' ভেয়কি ভোষারি मनन कष्टे कामता कार्राका करिक भा अथा विषय अके कार्ट शाकु किया (कर् क्क्रण कदिरमञ्ज (यशकात्र विहाद इस, प कालि क मा मिर्लन हैरता कि शवर्रामा के छ वस्य कविकल विक्रमण कार्यः इहेटच इक्षाः। अ'त्र भक्त दिवरश्रहे तान्। थे विक्रि রত করিয়া রাখিয় ছেনা ক্র কেন্রিপ্ন हेर प**िट वाइटलई डेहा छा** निया लहेटव ভমাউ হরই মন্ত্রণ ভগ করিতে কলুর : ना। इंक: भिरुत्तव अन्ति किष्टुर छहे नाहे। प (मि शहर, मजन कार्य है विकास्त्र शंक बहेट्ड রই ডিন বংসবহ্≢ল হথন এথম চৌৰি गेरमद अदिवार्छ माउँ मिश्राल हे मा जिल করিছে আসিয়া এক জন জ্যুদেশর শি ও ইংল পার্বভী আননান মুমায়ত প্র . शक्री साहर १५ का उपस्था का इस है है কংক্ৰিজুৱিশ ক'ংটেড ল' গলেন, ভখন ই নৰৰ্থায়েক্ট '' ভিয় কৈ, জ,পীল ক এলেই স 1८कर ह्यू १७ ४ वटात । " त लक्षा के ला हि क 🛊 .कर्ष यक्षण १०५० व्हेंस. ठर्गाइड ⊑िर्द के हैं। के≱र अंत्र में है वॉडले **मी** । कि 明 法副事 多数存储 出作的 布顿 多类样子 ্লাগিলের নারাজালৈ ক্মধনৰ ব'ৰুৱা উপস্থারকালে তেনুটা মাজিপ্টেট নিম্না জাড়সভূ, পাচেত্রণা স্চেবে বিশ্পে शिक्षित्र चक्रिशाहि (विश्वधाद्ध होक विश हे**डित** । **७४म क** हेर लात्ररम**्**छेत हेद म, खोबात पत स्मारत हारू पातरमा हेत হটল (কি%) র তো ঘটে নব:বি मङ्गल (इन ए:१:हे कार्ड) शका খাইয়াওটার দিতে লাগিল। ভারার

ificia sala Ena viela ul, at aja ंड नजर भियम इहेन, अब स्वत छाहा বিলাভি গোরা আদেষর আদিয়া পুর্ক্তার দেই প্ৰয়াৰে বঞ্জি আদেস্মাণ্টের উপর ভাবার লাহন কবিয়া **কাহারও দ্বিপ্রণ ভাহার বা** उद्यक्त के क्रावाहार हो स्थापन विकास करें कारण महाहे । इस्ताहर के क्रावाहार के क्रावाहर कारण महाहे क अध्याता कि इंडे दुरसम्मा, **दाकालिया पुत्राहेग्रा** ात बुरकार मा, शा**बुकिएक शास्त्रम ना। वाका** লেদিগের সদর বা**টার অবস্থা দেখিয়াই অন্দ**র্ম**হ** .. ४८७: य वेजाभ कावका छ। हा क्रियं कहिया समा कि शहरक अवस्मिनीय मिरान वानित मनुबहादे ্থ চিকন চাকন ও ভিতরে যে কিছুই নতে, हेका विश्वत छिएब'महे माहे। अन्द्रत देवकेक-'থ না দে, ধরাই বাজীর সমুদায় কুঠারির এক দংখ নিক্র ফেলেন। কেই যুজ্ক করিলে রসিক সাহেই [‡] ইংরাজিতের সক্তঃ করিয়া উপাস করে:-😔 টাক্ল বাড়ান। এইরূপে তিনি ত ঘটার উপ য হাইকটা কেলিয়াধান। প্রজারা আংশা বায়ু िइंडिकतिवात सम्। भत्रचान्तु करिया (करन অপ্যানিত হইয়া আসিয়াছেন : এবাং শিবপুরের দর্থাত শুনানির দিবসে যে সাহেবটি চেয়ারমান থাকেন, ভিনি কোন कथाना एक नियाहे मकल नव्यास्त्रित अर्देश (रिक्टिहेंड) अहे तथा लिखिया कलक्किए कृति छ लालिस्सम्। এইরাপ দেখিয়া অনেকেই ভ বিচারের আরে প্রভাগণানা করিয়া নিজ মিজ ব;টীতে প্রভাগমন করিলেন। যাঁলার। ক্রুপক্তিত, ভাঁহাদের দরখাল্ড ত ঝড়াঝড় (दिरकरहें छ) क्रेट जागिन। छ्रे अन ক্ষম সাহদের উপর ভর করিয়া যুক্তি কাঃ সভাকি না, প্রজাদিণের প্রতি অবিচার হট বাচাপ্রাসি নিকাল দেও বলিয়া ভক্তন গছনি করেন। বাঙ্গালিরা সহজেই ভীত, কি জানি পাঁচে মারিয়া (ফলে. এই লেখে কপ্রান স্থা) ! क्ट्रम । स्थमिएक पाई, धड़े प्र'हरती मा क इपर है कि। ভাব কাছারির অন্যাত্র মাজিকৌট। হ'দি এইক'ব

भिक्ति मा रहे(श a अर्मरणव कात (अह माहे। যাহাহউক, বাজালি ক্লিস্নর বাবুরা বধন मिटन (य डें। हामिट शत कथा आहा इहेर छ क्रमा, काइ'ता (क्रम देतिहा चा मानम मा १ ভাঁইটিগকে দাঞ্চিগোপাল করিয়া অবিচাধ क्ट्रेट नाशिन, (मःचित्रा डाँश्राहा **मासूव ३३**ग्रा কেমন করিয়া ভাষাতে আকর করিতে লাগি কেন ৷ হায়! যাকঃ বক্ছুমি! ভোমার সভানে রাই ভীক ও কাপুরুষ হইয়া ভোষার ধর্মনাশ ক विष्ठ नाशिन । यह ११ छेक निवास विष्ठांत सह য়াছে, জীরাণ বিচার কি গাবর্ণমেক্টের ক্ষতিমত ? বোধ হয় কথনট নহে ৷ বোধ হয়, উপবের সংক্ বেরা এবানকার প্রজারা যে এত দুৰ প্রণী স্কৃত रुक्टेरफर्फ, हेराव विश्व विश्वर्ष ३ क्यार्टनम मा। পলিতে গলতেরাস্তায় রাস্তায় অংমুক দিন कामुक अप्तित नद्रवाद्यत क्षामा म बहे (वृ वित्यः लागिम (नड्या इहेल), अक छन (हाल घाएए করিয়া " যাহার যাহা অ'পত্তি আছে সে তাহা প্রতিবাদীর প্রতি এক আনা মুলেরে স্টাক্ত भागरः भिन्ने समान काङ्गीवरण मासिल करिकः ত্থায় অয়ং ব প্রতিনিদিদ্বার। উপস্থিত হউ । । এই नवावनियाक्षा कि इक्षा यहेन । स्टि त्मस कारम **कहेन्रभ** विष्ठात स्ट्रेरन छ।इ গ্রীলে এরপ ভার[্]ষিক নিবার কি ভারেশ।কভা किल १ कड़ेक्स कड़ाइड कि हैक। अकाम शाहे .ডছে না বে, কলগুলা ষ্টাম্প বিক্রার বরাই উলাই थमान **উल्फ्ल** भारत ? हेश कि शकःम इटेएएए मा (य. मकन कार्य.हे विहाद्रभूर्यक इहेर छट्ड विनव जाशह विकृषे विष्ठ'त कदिव साह शतर्व মেট রক্ষাদণ্ড স্বালেরই অবলম্মীয় করিয়া ছেন : অথচ পরিতে য:ইলেই উহা টানিয়া লই বেন ? ছে টিপরিতন কর্তুপ ক মহোদয়গণ! উৎপী তৃত্ত প্রজাদিগের প্রতি এক ব'র কুপা বট:ক্ষক্তন ডে মচাম্ছ্ম লেপটনন্ট গ্ৰৰ্থ ও গবর্ব জেনেরল বাহাদুর! এই সমস্ত ঘটনা লেট সাহেব চফু রাজাটয়া উটিছ ভারে ডেছেকিনা, এক বার ভদত্ত করন। আমাদি (চুপ্কর) বলিয়া গমক দৈন, কাহার বেলীয় গের নিকট হইতে যাহা লইকেন ভাছাই দিব : কিছে এইপ বৈন্তু কিভে পারি যে, আমরা যাহা দিতে কি ভাষা আমাদিগের বাটিব ব্রস্থ আ। वा (यक्कण भाव व्हेटल भारत रुहे मख्हे निर्क्षि

জীবুক্ত বাৰু রতনলাল ঘোষ নায়ৰ হাছৰ সহ नीजनात्मत्र शाहरण महत्यम वर्णान जातिश हित्यन । देशम महाम कहितः क दुर्गः अधिनिति ও বিল্যে'ৎস' হী স্থাবোন্য বিচারপর্তি সব ডি ভাবে অভি **অলু দেবিতে** পাওয়া যায়। ব मक्ष्या (करममाज क्लीक्र नाही ७ कारमह মকদ্ৰমা নিশ্পতি ক সমূপ্ট নিজ কৰ্ত্তৰা কঃ मण्य किछ इहेस कः 'िव्दन्तमा कट स सा कि त्म अश्रार्थित हैं. कि इस कि (म अर्ने भाषाकाराभन्न इस, (म विवास मर्रामा धइत क १८३२।

. বোডলপুর থানার আনতঃপাতী টেনাদীঃ নামক প্রায়েণ্ড লাভাগ,কুড বলোলা বিশ্বলয়ে সম্পাদক জীয়ুক্ত ব'বু রাম্পন মগুলের সম্প্র भइटिशांक श्रांश्वि क्हेब्राटकः छ। का डेक विष्यासरम्ब कारिमाम् डेक्की इंडेएडकिस ডেপুটী বারুমকজনে আমসিয়া উ≛া≉ার মু**ড়** घष्टिका स्थानिया आवाष्ट्रस्य इत्य शतकान कतिहरू शवः भारक रेकात विद्यारण विशासारम्य अन নতি হয় এই আৰম্ভায় টেলানীৰীও তংগে খ वेडी आंभ्यत कम कम (लोकामगान एकाहे। ওংহ'র উত্তম বস্পোবস্ত করিয়া দিয়াক্রেন বতন ব'ৰুর এইক্লণ যথে বিদ্যালয় পুলবং চ (एटइ. रहर श्वर्मारभका कथिक देवीक इहेरी মজাবনা। ইবুচ কোল, কোভলপুর, বিশু পুর হকু ও অনেক এ'মের বিদ্যালয় দর্শন কবিয়া ছিলেন। যহাতে জনিকার্ভ বিদ্যালয়সমূতে नार्थ। क्रुष्ठातकाल भण्यां इत्र अविवास है। नविद्यस महमारवाची। जिक्कामहात महा অভ্যক্ত হল বহার করেন। ইইার প্রকৃতি কবি নয় ও নিরহক্ষার । ইহার সহিত সক্ষাব্রে যে বি পৰ্যাত আনিকচিনীয় শ্রীভি লাভ হয়, ভাত नि:चेत्रा (स्व कांत्र्र्ड भारि मा).

সম্প্রতি মঞ্জারকে ইচার একটা কুরিচারের সংবাদ দিতে জিল্যত পৌষ মাদে জাকলাণী মুদলমানী লেগোত্রাসের দীননাথ মণ্ডলের থালা ব'টী পুক্তিনীর ঘাট হইতে চুরি করিয়া লইয়া বংটাডেছিল, নক্ষ বাদনীনামক এক ব্যক্তি .व्याप्ट पारेश काशास्त्र प्रशास्त्रक, भारत ্চাকীদার আনসিয়া ভাছতে পুলি য দেয় ৷ পুলি त्यत (इक्र के बहेर्दन फनाइक क त्रश्ना दिल्लाहे नित्म मकक्षमाद विम[्]माकिशत्वर करेनकाडा বুশ্ডঃ ডেপুটি বাবুর সংক্ষেত্ হত্য ডিল হাঁর বিচারশন্তি হয়, তাহা হইলে ও গ্রন্মেন্চ : ১৭ ই কেব্রুয়ার বিচারশন্তি হয়, তাহা হইলে ও গ্রন্মেন্চ : ১৭ ই কেব্রুয়ার বিচারশন্তি হয়ে বিচারভাব নিয়াছেন : ২৭ ই কেব্রুয়ার বিভাগ কিয়াছেন বিচারভাব নিয়াছেন : ১৭ ই কেব্রুয়ার বিভাগ বিদ্যালয় বিভাগ বিদ্যালয় বিভাগ বিদ্যালয় বিভাগ কিয়াছেন বিভাগ ব এতৃতি ভান যৰীলয়। বিলেষতঃ करानी क्रमंत्रिट्यटम क्यक्रिमंत्र क्के ए॥। व्यामाहिद्शत भवर्गस्यके वार्षभव शाक क्टिग्रं व्यक्त विद्यार्थि कर्मन फट्डन, कृतिहा द्रायं कारह बदर कात के ना क्ति क्तिया श्राप्ताम श्राप्ताम करतः ; কিন্তু যাহারা প্রভাগমন করে ভাহা-क्रिंग्टक विकास कतिल वर्षार्थ इंडाइ भाना गारा। मङ्कं कथा बनिएक कि ? व्यामादिकात शवर्गमणे श्रीकेवरमत विना मूटला आश्रमाहिद्यात क्ट्यक भर**छ ८ कार्क पिका**त वर?स । ভারতবর্ষে অপরিমিত লোক নাই; आमापि अत शुर्क कार्या विकार शत कर्या हा িপ্র, কাফিকর ও চাক্রগণ মঞ্তের নিনিত্ত চিহ্নার করেন। যে কর্ম জারত বর্ষে আছে, ডাহার উপযুক্ত প্রমন্তীবী লোক ভারতবয়ে नाहे; किन्न প্রব্নেন্ট পরের নিমিত আপনাদিশের প্রজা ও স্বার্থক। ক্ষিত্তিছেন। ব্রিও সংগ্রাহক वित्मत नाडित्मम अञ्चि इहेशार्ह, ভৰাপি অধিবাংশ কুলি পরিণাম সুবিতেনা পারিয়া উপনিবেলে যায় **७: १, मि: शत कटछेत हेत्रका शटक ना**। লভকরা ২৫ জন আর স্বদেশে প্রভা প্রন্করেকিনা সম্পেচঃ উপনিবেশে कृतिह शहन देखा कहा कर्छशा (य एए. में कृति त्महे (मा) श्री का कि व द्वारा १९४१) উটিত। যে যে উপনিবেশে অধিদ मः श्रांक डेलनिद्यंभकाती भमन कर'म না, ভাষাতে এই প্রকাশ পার ঐ ঐ कारन बान पूर्वकत नरहा

---- ;;----

ভাক্তর ছেবি চল্মিখ ও द्धार्थः अर्कत्रे ।

বৃদ্ধার স্বাস্থ্য কমিশনর ভাসের '

ভীর্থ স্থানের যে ে দেংখের উল্লেখ করি ब्रोहिनाम डोक्ड न्या (न नमूर्गा व्यक्तांक कतिशाह्म । शाखानिकात मुखें हो, भू देश वामानवरणह कचना हो, मेंब्री, उ शाकाम्हर्यात कन्द्राठा **এগুলির ভিনি অভি উত্তর্জপ বর্ণনা** कहिशाद्यमं । जाकात जिल्लाह तिर्पार्टित .a क ही महद सान a ह, हहात महदा तान (इव ध्वकांभ मारे।

भूगे ममुम उद्धे व्हि । এथारन মিউান্দিপা লৈটি নাই। কিন্তু বর্তমান भाषिर द्वेषे द्ववान मारस्य यङ मूत्र मञ्जय कारण्य अर्थि कृष्टिक्त करिया **पार्**कन কিন্তু শত শত বৎ নর ধরিয়া যে স্থানে যে মল দক্ষিত ইইয়াছে ভাষা পরিক্ত করা অজীর অশালাবাৰ অপেকাও কঠিন এবং হয়কিউলিন অপেকাক্ষত পন্ন লোকের কাজ। নগরের নর্দামাণ্ডলি পরিক্তনহে, সকল গুলির্টালও সমান नारे, এই निमिछ छाटन छाटन खन खाहे कारेश थारक। मर्ख छक्त ५,७५० वार्षी আছে। ছায়ী বানিদিগের সংখ্যা २०००। ७०,००० वहेरव । पूर्व्स भूर्स्व প্রতিবহনর গড়ে এক লক ধারী এখানে मस्दिच इ्हेर्डन । ১৮৪৯ व्यक्ति ১,৫১,००० এৰং ১৮২৩ অকে ২২৫,০০০ ধানী ইয়া কিন্তু এক্ষণে লোকের ভক্তি ক্রমশ্র কমি (उ.ह। गड वर्मत भएड़ (oooo मां बी গমন করিয়াছিলেন। ুকিন্তু যে নগর ೨००० (कार्कर वानमगाशास पर्याक्ष नर, भिषीतन कोहार किंडिड ८ कि «०,००० भगन करिट्न कड कछे इह ७१६! महर्ष्य प्यञ्च कहा गहिए भारत। পুরীর প্রত্যেক লোকের ভাড়াটারা ঘর আছে। এইদকল গৃতে জীপুরুদ ভেদ ানাকরিয়া বিস্তর লোককে বাসভাম (मिं अहा हरा। (इवर्ष मार्ट्य ब्रह्मन, ভেবিড, বি. স্মিথ পুরীর বিষয়ে একটা যাহার। আনোহপূর্ণ ভূতীয় প্রেণির উত্তম রিপোর্ট করিয়াছেন। আমর। এই বিলওয়ে শক্ট দর্শন করিয়াছেন, ভাঁহরো লৈ টাকা

वामचौरनत्र व्यवश्चा बुलिए क्विम महीहित धरत अम কণ পাৰে ভক্ত কণ লোক इंशाटक चाका ७ क्या भाषीका मधा ७ ममइ. ४ र्वि **क क्षेत्र। यात्र । उपायन** ३ अक्षेत्र क्षेत्र अर सन अक करनत्र अला छठा वहें भारत्वे करब्रक वर्शक उन्ह এস্তা করিচেছিল। ৷ रेक्। वाजिशन मिरे था। করেন। এগুলি প্রিক্ষ**়** ণ জ শ ত বংসারের नश्रद्ध कर्यक्रि दृहर 🤌 কিন্তু একটিরও জল পুরীতে জগলাবের स्ह, का । नक्दल कार পাওাও রাজার অ ह्यू। कथना **भाषां जा**ः ভৰকারীপ্রভৃতি যা: ^হহাতে পীড়া না আডি বহনর শত শ व्यानकाम में कविद्व

१र्**भ मदस्य** করা অভিশয় বাসু ধর্মনীতির উহনস श्रकात की वनद्रभ कर्खशा प्राक्टक छत श्रीष श्रक्त(त ইচাধ অধীনে খাণিকাণ্ট নাজ দে মন্দিরে প্রে পরীকা করিছে বাটীগুলির প্ৰস্থাৰ করিয়া माना स्र, हेर ८ छ लित्र राष्ट्र अनक्त कहिए

রিতে হইলে গ্রণ্মেন্ট শ্নিকরেন: পুরী এমত বে ভবঃ হইতে এত টাকা **ब**न करण्या वाद्यिकद्वत श्रस्थात कतिशाहित्यमः ীয় গ্ৰণ্ডমন্ট, বিভাগীয় बदः वातू अवव्यक्तक मूर**व**ि ধৰ মিত্ৰপ্ৰভূতি ইচাৰ প্ৰভি कित स्थित्य अहे मा ; গের মতে যাত্রীবিদের পায়বিধানার্থ কর আঙ্গ ह। श्रद्धाः करणे (का.ज यपि अ व्यक्तिश्वास्तिकः र्श्चित रहा, फोरा वहें(करे ्र। त्नारक विनावट छे भः स्व नाहे। क्षांबाख्दत बाध्याम्पृद्धक ब्याधक िंड महाहेट्य थार्साइ অধিক i কে৷ বহুতাৰ ক্ৰ ভাষাতে অনুযোগ ने शाखीश के वाद हा पिट छहे वा तक . र मण्डार्थ भएपह सम्रहेरव : जीका 'নপালিটি পুৰক এ টাকার নিমিত্ত ा विद्या कर मा। र्थ अनकल को ज व ग्रना मिट्रम भ के कहे वाः ।র প্রস্তাব করি নিকটে অস্ততঃ 4: গে স্থান

किया **अज**ग्रिक

ं १ ४ उड़ का इं

विमः भिकार्थे विकि?

श्राह्म भाषा करत्रक सन निर्दाति छ যাত্রীর **অধিক সজে লইডে পা**রিবে না। व चान हहेटल बाजी महेश नाहेटन. ত ज छ। मालिट ड्रेट हे व किट है का शमन कारण भारतायकतारक विशाद मिट्ड হইবে। যদি পীড়ার চত্য হয় ভাহার যুক্তিনিদ্ধ কারণ এলপনি क्रांशक ত ইবে। আমেরা গ্রপ্মেন্ট:ক অসুরোধ করিতেছি, জাঁহারা অধিগতে বাবছাপক भक्षात्र अक्षेत्र व्यर्भन कट्डन । हेहाट उ ধ:শ্র ভাপরে হস্ত:শ্রণের কোন সভা वना नाहे।

Se to 1 50 47.404 (31.47 (48)

मामता कुडअव डानक्काटर मीकाव कहिट उच्चित्र अपनीत श्वन्द्र मान्य मिक्छे क्हेराठ ১৮৬१ ७৮ **व्या**क्तर विकासिकालि এবখানি রিপোর্ট প্রাপ্ত **ছ**ইয়াছি i গোবীকে টাকা দিবার নিনিত বক্ষদেশে हर्गांदे । **ब**ाहरेक क्रांक व विशेष हां उद्धा कर का का का का उद्धा प्रशासक का रहन । 4ह उद्धावश्यकशिक्षा असी, स करहा क অসন করিয়া টা + দোর রাঝা হয়। সমু मात्र वक्रामणात्म ठक्ताराष्ट्र विकरण करिया এক জন সাধারণ তত্ত্বেধায়কের অধী मक् कहाई भवर्गत्मा कि हे म्हा । की यह पिन ना इट्रेड्ड्डिइ उड पिन निवित्त नार्फ्डन मिश्रातक छोकामाव्यमित्शव छेल्टल कर्जु इ कहिटाङ करेटव । जिकामात्रमिट्यान व्यधिकात्म शुर्ख सम्भीत क्रिकामानः কেচ কেছ গোৰীকে টাকা দিবার ছুল श्रीतश्रादमास्त्रत वीक व बनात कतिशः थाटकन । इस्तिरभव चार्नरकत कार्याव दिद्र**लार्डे विश्वानद्याना नदह। योहा**ता বিবেন, ভত্তত : ঘথালীতি শিকা পাইয়াছেন, এমত नकल (लाक्टक किकासात्र ना कहिरल गर्क टाटाक म्थार्थकाक स्टेट्स मा।

১৮৬१। ७৮ व्यक्त विश्वनिश्वितः किना नकेरतः। याक वाकित जिका एरेशरिनः--

| कालकाखात विकटिरहों (क्रमानबार) | 1.5 A | 7 18 318 MAR 41 5 94"5 1 | A.b. 25 file mybie | न्याः विकारतः ह क्रम्स । व्यवित्र कर्मम्ब मिन्नावा । व्यवित्र भागा | 4 13 |
|-----------------------------------|---------|--------------------------|--------------------|--|-------------|
| | | 1.183 | *** | 3 24.338 | (a) |
| , | | *** | 22.665 | * * * * * * * | 7 4 3 |
| ** *** | .* • | *** | 454 | 9 2 3 3 | 其子亦称: 为李兴 |

अहे सहरतज्ञ महरर ५७३५ **क**ा পুনর্কার টাকা দিত্তে হয়। কলিকা अ उद्मिक्ते । खिंद्रिका समूद्रक दलाद দৰ্কাপেকা বুদ্ধিমান ও সভা চওৱা পেবৌজে টাংর তা বুঝিলাছে ङाङ्कर ठ′वजनर्क सबादान ; **डे**†काः कमशोनक नव व्यानिकोली नः व्यक्तिन गाञ्च व्यक्षिकाः भ जिलात कत इहेशाः व्यन व्यनः व्रु'(न ९ श्रु वे हेर्नु ७ ८ याहेटल्ड : किन्द्र :लाकम॰ चाः विद्व किंदिश विकासारवंद मध्येत प्यानक त्रहिहारह। चात्र वर्डमान तिर्लार्छ এইপকল তীক দাবের মিমিত ভা विश्वामत्याना क्रेट्फाइ मा। विकार রকাকরিবার নিমিত্ত ভাতেব চার (इन्हें। भारे (इट्ड्रम । 4) में करा व्यक्ति আগ্রেশ্যক ৷ আস্মিরা আন্তর্জিত লাম্কতকভাল কাচেৰ নলের নি श्ववंदमले होका सिट'ड गर्म ड क्रेब्राट क्रिकात्र व्यारंख क करा कर ভাষা গার্পমেন্ট স্থাকার করিয়াত এটি বভ किस सी इरेट हाइ, जार दिन छ पाइ नाहै। किन्छ मञ्जात विद्युष्टना करा ৰ্বা, যে আৰক্ষয় ইউবোপ ও আনমে কার অধিক কর আদার হয়, ভারত র তাহা হয় নাই। মৃতন কর ভাপন বৰার সময়ে দেখা কর্তব্য, তদ্ধারা क्षेत्ररणक्र कि उपकात एवर १ एवं करत्र निममयताल डेलकात ना इम्न, तम कत নিষ্টের মূল, ভাষাতে কেবল দেশের ক্ষেক্রে এইমাত্র। সর রিচার্ড পেল এই নিয়ম ধরিয়া **কাজ** করিলে য়তে পারি*বেন*, একণে আবার মূভন ধ করের প্রয়োজন নাই। এতদেশীয় দেশ্রণির উপরে কর করা কর্ত্তব্য বলি তিনি যদি স্বার্থপর ও ভারতবর্ষ দীলোকদিলের কথা শুনিয়া কাজ নে, **ভা**হা হ**ইলে অন্যায়** করা হইবে। <u>শ</u> ন ব্যয়**নংকেপ ও অ**পব্যয়নিবারণ রে স্বিশেষ চেফাবান হউন। ইহার নক পথ আছে। দেনাদলের প্রাক্ষত ন্দ ভার নিমিন্ধ ব্যয় দিতে কেছ কাতর ন ; কিন্তু ভাহাদিগের বিলাদি িয়ভা তার্থ করিবার নিমিক্ত কেহু সম্মত । অপব্যানিবারণের শত শত কান ছ। পুৰ্কাৰ্যবিভাগ তমধ্যে একটা न। अधि চোরের নাভিত্ল। সর ড টেপাল চভুর ও পরিশ্রমী। যং **দ**ং পরিভাম করিলেই এবিজাগের ব্ব হইভে পারে। ক্মিদ্রিএট शिष्ठि सम्म नयः। रिमना मिरशतः वर्षः, দিগের খাদ্প্রভৃতিতে বিস্তর শিকে ব্যয় হয়। আমিরা একটা ষ্ট দিতেছি, প্রতিব্হসর ইউরোপীয় দিগের নিমিক্ত মুক্তন লেপ করা প্রতি লেপের নিমিত্ত দৈনিক বিভাগ ১২ টাকামূল; লন। বংস এতালি নীলামে চতুর্থাংশ মুলোঃ ভ হয়; কিন্তুপর বৎসর গবর্ণমেন্ট ার ঐ লেপ সম্পূর্ণ মূলো জনয়

गक्षानं क्रिटन मत्र त्रिष्ठाख (हेन्श्रन जात्र द ष्यानक डेमाएडम भारतिम। हेरलाउड ৰায় ৰলিয়া যে পাঁচ কোটি টাকা লঙ্গা হয়, ভদ্মিবর্টীও সর রিচাডের বিবেচনীয় व्हेट-कट्य। जाभागिरशत ऋस्त्र प्रक्रव्ह कत ভার নিকেশ করিয়া কোন বাব করিয়া ইংলতের এক প্রদা এছণ করাও উচিত नव । यथन शृथिकीत मर्दाध्यमान दास्ती जि জ্ঞান ৰায়সংক্ষেপ ক্রিতেছেন, তথ্ন व्यामितित होवय मध्या मञ्जी (कन जारामिट्रात मृद्धीटमृत व्यक्तभाभी इहेट्दन না, আমিয়া ভাছার কোন কারণ प्रिचिट्डिक ना। विधि व्यामानिट शह प्रदेश অভিশয় আবশ্যক হইয়াছে। কয়েকটা বিভাগে যে আভান্তিক অপব্যয় হইয়া षाटक डाश मर्कमांशीहरन क्वाटका স্বীকার করিতেছেন। ইংলতে এমন অবস্থায় যে মন্ত্রী এ দোষের সংশোধন क्रिएकन ना, उँशिक्त इस्मियम् अमुक থাকিতে হইত না। সর রিচাড টেম্পল বুদ্দিমান ; দিমলায় না গিয়া রাজধানীতে पाकिता क वात कहे डेटफमा माधन कटतन ष्मामिरिशत अहे ष्मञ्जूरत्रीय ।

--!.;--

১৮৬১/৪৮ অন্দের শিক্ষাসংক্রাপ্ত রিপোট

े अश्रीक कार्य विकास कि विशेष वाश्रिक हहें। हिंदू शे कि कार्य के कि कार्य के

প্রতি লেপের নিমিন্ত দৈনিক বন্ধান ১৮৬৮ অব্দের ৩১ এ মার্চ সমুদায় টুরার মধ্যে ১০,৮২,৬৯৮ টাকা ছার্ বন্ধান ১২ টাকা মুল্য লন। বংল বন্ধান করিয়াছের ত্রু কর্মান করিয়াছেন। পুর্বে বংলার প্রতি লেপ সম্পূর্ণ মুল্যে করিয়াছেন। পুর্বে বংলার প্রতি লেপ সম্পূর্ণ মুল্যে করে অপেকা ৫০৩ টি বিদ্যালয় ও ২৩,৬৯২ অবদ মার প্রদান করিয়াছেন। পুর্বে বংলার প্রতি লেপ সম্পূর্ণ মুল্যে করে অপেকা ৫০৩ টি বিদ্যালয় ও ২৩,৬৯২ অপেকা ২৪৩,১৮৯ টাকা অধিক ব্রাছে। কর্ম্ব ভিনার দুফান্ত। অনু অনু ছানা অধিক ব্রাছে। কর্ম্ব ভিনার দুফান্ত। অনু

লয়ের সংখ্যা শতকরা ১৭ ৩ मः था। भोखस्ता ১৯ सन हास् ডিংই**ট**রের নায় আমরাও এটি ঘথার্থ[দাভিশয় শ্রীভিকা विमाग्नास्य शिक्ष भवन्तिर्वे কার সং অব নাই, ভালার বিষয় ভাল काना योग्न नाहै। दिन काना याग्न ডিরেক্টা ভাষার প্রীতিকর কারণ र्णन कर तन नाहै। हेन स्माछित छ ए **ইনস্পে:**ক্টরের। মনে করিলে इटछा शः थादक ना। यह मृत साना शिः তাহাটত ২, ৯৬টা বিদ্যালয় ও ২১২ ফুন ছাত্র লক্ষিত ভুইতে (क्षेत्रिमः स्वात म **बक्र** परि**ले** ब ছাত্রের সংখ্যার তুলনা করিলে খ मिनाःक ध्वनाधे (भाकत्रहराति श्वी कति। ७ इहेर्स त्म, প্রয়োজনার 'বিদ,শিকা হইতেছে না। ডিৱে निम्नं अधित विमा भिकात विस्ता (मछ थिकान करतन नाहे, किन्न गर्क धार एवं कि क्लामा करिएक शास्त्र य बिट् शत क्रिकात छेशदत स्टब्स्त शाह মঙ্গ নিৰ্দেষ্ট করিতেছে, তাহাদিত নিশিত কি হইতেছে ? বজনেশের ১৬৬৭৪.•১৬ টাকা রাজ্যের হ হ্≩তে শতকরা ১.∙২ টাকা বিৰ किंगार्थ वाशिष्ठ इहेशीर ह रिक स hicha इहेटड व्यक्षिकारमा त्राक्षण हैति ≇^{-র}, তাহার। ইহার এক প্রসারও শি क्षेत्र कि वश्च ना। हेवा कि वख्व कित नह উलिधिक यार्थ नमुमाह विकार ং १,8২,১২৪ টাকা ব্যয় পড়িয়াছে ইহার মধ্যে ১০,৮২,৬৯৮ টাকা ছা

,৫.७ टोका डिग्रिग्टिश न अवर्ग 89,७৮७ होका मिटड हरे -৬৭ অংকে প্রতেকে, ছাত্রের ্ৰা টাকা বায় পড়ো, a বার , हे। का वाय इड्याट्ड । शुट्की क ৯,৪২৬ টাকার মধ্যে ডি:রে**ই**রের চদের নিমিক্ত ৪৩,৭৩৫ টোকা 😉 পক্টরদিগের নিমিত্ত ২,গৃঁ০৯,৮১৮ वात करेतारका अरे छोली। वाम কেবল শিকার নিমিভ 🕻 ১৪,১৩ টাকা মাত্ৰ বায় হইয়াছে বিলিচ্ভ । এই বারের মধ্যে মেডিকা ল'কালে वाध क्षाजिया नित्त वक्राम्टमात्र अक्रू ার বায় ১২ লক্ষ টাকার অবস্থিক হয় কারণ মেডিকাল কালেজে ব্যেদকল প্রীক্ষিত হইয়া বহিস্তি হন্, বঙ্গ ভिन्न **य**ना यना अप्तर*७ उँगहारा ২নকরপে প্রেরিভ €ন। ∉ই ১২ हेक्तित मध्या नर्द्धनायाहरून एकदम ন স্বরূপ ৬,০১,৫৩৬ টাকা ৩:দান াছেন। গ্ৰণ্ডম**েও**র নিয়মিভ দান ाउ परनक विमानशा अहे हैं। का ना इउप्राटड व्यक्षिकोः भेँ ने का काल াইয়াছে। লোকে যে বিদ্যালি পু_{ৰার} क अञ्चेदानी इडेब्राइडन, अर्दुहरू.

ণ ভাহার আগুর কোন্প্রমণে জ্যুব ? আইনত্রেণিসমূকের নিম্মিত व-प्रकृष, ভাছার সক্ষণন ছইয়া १००० 'অ'খিক আনুহুইয়াছে। ডিয়া ভিনু नटक १६८ कर डेल्ट्रम टार्व करि (८খন। বজালেখের ১২৫৯ জান হার্ডি িহিকাপরীকাছলে উপহিত হন্ निर्धात स्था ७०५ कन उन्होर्ग हहै। हम। এই ১৯৫৮ अपरनेत माना श्राप्त दिन्नानप्र इंडेट ७०८ खन, माहास[्] विन्धालय हरेट इ. २ १ जन या दोन ालाव इंटेट 5% खन এবং শিক্ষক इन्हेरफ ८ कास काहित्यन । ७५५ क्रम 🖟 । श्रीकाशीद मत्या ३५९ अन देखी

र्ग इन । भवर्गस्यके काटकटकत ५५७, नाहा क्र ठ काटलटब्बन ८० ७ वाशीन विमानदात ২ জন উতীৰ্ণ হন। আবার দুই জন শিক্ষক ছिल्ला । ३৯৫ अन वि, এর, মধ্যে ৯২ कन छेखीर्व इदेशार्म् । इक्रांतिर शत मरश ৫৯ জন প্ৰশ্মেক্টের ছাত্র, ২৩ জন দাহা शङ्गाष्ठ कोटलकाम्यूह इक्टा खाहेरमन। হুগনীকালেজের এক জন ভূতপুর্বছাত্র এবং ৯ জান শিক্ষক উত্তীৰ্ণ ইইয়াছেন। ১৩ আলে এম, এ হন। ইহালিগের মধ্যে প্রেদিডেক্সি কালেক্সের ৮ জন, দংক্ত कारमास्वत ५ वन, रूननी कारमास्वत ५ क्षन अवर क्षीठठ कारलटकत २ क्षन। अहे कालिकात बाता म्लाके धामान हरेएकहरू, ৰম্পূৰ্ণ প্ৰতিযোগিতাৰত্বেও গ্ৰ**ৰ্**মে ल्छे विमानटस्त्र हाद्धिश्व, विटम्बर्छः ट्रिमिट का काटनटकत इच्छित्रन श्रीका श्रद्भनं कि≲र छर्हन।

মূতন পুস্ক ।

--:0:--

১। শব্দস্তোমমহানিধি। धर्भान নংক্ত অভিধান। কলিকাতা গ্ৰণ্মেন্ট ন্ত্র ত পাঠশালার ব্যাকরণাথ্যাপক মহা মহোপাধ্যার উ্যুক্ত ভারানাপতক্ষাচ স্পতি ইহার মঙ্কলন করিয়াছেন। ইনি য়ে রুহং অভিযানপ্রণ:নের ভারগ্রহণ करिहार्ष्ट्रन, এ मिथानि नहा अथानिख নিতাৰ কুদ্ৰহয় নাই। ইছা ঋণু ঋণু প্রচারিত হইতে আরম্ভ হই, চেছ্ ইহাতে কাৰ্যাদিপ্ৰসিদ্ধ শক্ষকল গণ তৃতীয় বঙ্। শ্ৰীযুক্ত হেমচক্ষ इल क नरह। এथानि मः क छ वादमाही मिर्**शत शरक मिर्श्य डेल्का** है য়াছে। বঁংহারা শব্দের ব্যুৎপতিহর্ম নোৎকুৰ, থাতদ্বারা তাঁহালিপের কৌতু ৰল চুরি ভার্ম হইবে।

কৃত অভিধান। ইহাকে নানাধকোষ পঞ্স কর্ম পর্যাত মলিনা बरल। एका कारलर जत मन्कृर छत व्यक्षां होका ७ (इक्ट खड़ोर्डा वाक्ष्र का

পক 🖎 বুক গোমনাথ মুখোপা मर्माधन क्रिका এथानि मुसि এচারিত করিয়াছেন: আজি ব नःकृटकत स्वधनात्र क्रमा भारत য়াছে, ভাহাতে কংক্ত অভিন ষ্ট ৰহুল এচার হয়, ভাতই সঞ বিষয়ৰ বিশেষতঃ সংক্ত কাৰ অন্তের অধিকাংশ লেব দ্বারা পরিপু क्षांत्रीक ऋटन नानार्थ (कांट्यत मा এইণ একান্ত আবৃশ্যক হয়।

৩। ভট্টিকাব্য। কলিকাতা সং বিদ্যালয়ের পুত্তকাধ্যক জীযুক্ত জগত তকালয়ার জয়মজলও ভরতময়ি টীকাদমেত মুদ্রিত ও প্রচারিত ক আরম্ভ করিয়াছেন। এখানি প্রথম ভ কাঁকার পদক্ষেদ করিয়া সাজে विश्वषाता कर्जुनम ক্রিয়াপদ विश्मव विक्कि, वहन, कातक, म अकृष्टि अमर्भन कृतिशार्ष्टन। स्व খানি আমাদিগের হক্তে প্রতিক্ রাছে, ভাহার আক্ষর, কাপজ ও প্ৰভৃতি সমুদায়ই উৎকৃষ্ট দৃষ্ট হইল

৪।পুরাণপ্রকাশ ভৃতীয় ও থ ও। ইহাতে মূল বিষ্ণুরাণ, স্বামিক্ত টীকাও বাঙ্গলা অসুবাদ বেশিত হইয়াছে, জীযুক্ত জগত তক'লিয়ার থাও বাও জামে ইহা এ করিতেছের।

 মহ্রি বাল্টীকি অংগীত চাৰ্যা রাম্পুলকুত টাকা ও বা অসুবাদ সহিত ইহা এচার ক <u>ছেন।</u>

७। विविध शुक्रक शका দশম খণ্ড। ইহাতে মহাকৰি ! ২।মেদিনী। এখানি প্রাচীন সং মুল স্থোক ভূভীয় সর্গ ব নি বলিয়াছেন হথান কোন ছামে বিষয় প্রাক্তি বলিয়াছেন হথান কোন ছামে বিষয় প্রাক্তি হৈছের প্রাক্তি হৈছের প্রাক্তি দেন, এই নিমিত্র কজুক লৈ অমণকারী টাকাদারকে রাখা কিবা। অধিকতর বেতন না দিলে ব্যুক্ত টাকাদার পাওয়া ভার। বালালা রাণির ছাত্র ও উপযুক্ত কলা ইতার গাকে এই পদে নিযুক্ত করা কর্ত্তবা। দকল ভানে পোকে এই টাকার গুণ কিরাছেন, তথার টাকা দিবার নিমিত্ত ক্রাছেন, তথার টাকা দিবার নিমিত্ত ক্রাছেন করা কর্ত্ববা। কাদারকে দক্ষিণ কেওয়া আমাদিপের ক্রাণ্ডিন করা ক্রেবা। কাদারকে দক্ষিণ কেওয়া আমাদিপের ক্রাণ ক্রেবা। ক্রাণারকে দক্ষিণ কেওয়া আমাদিপের ক্রাণ ক্রেবা। ক্রাণারকে দক্ষিণ কেওয়া আমাদিপের ক্রাণ ক্রেবা। কর্ত্বা ক্রেবা বিষয় নহছ। এই টাকার প্রাক্তি বাহা ব্যুক্ত লোকে পাওয়া ঘাইবে।

--: •:--

विविधमः वःम ।

< हे भ स्त्र (म स्वाह :

्राक्ष स्थापि सार्य कार्याथा कार्याक किक क्षित कार्यप्रदेश ३,२३, ७०० वर्ष स्था (ति ७ १३४१ वर्ष ध्व द कार्याथा स्था किया (द के कार्य कार्यक्षा कार्याक कार्याक

斯·奎·戊學 (: 4 英 1年,) 司 (27 本 4 年 1 年 1 年 1 টার গজ বংসর প্র≉মে-উক্তে ফা∵ টয়াভি ান কেলবোলি ও ওজন্মাখনিকালে চীনের मानद कर्फिश 🤫 🖖 🕽 हा। अन्ने कर्फिन दियाना भावित्तर केंद्रके के कर्मा प्रवाह करेंद्र अक्षा अक • ल्डेसा हेल कर्नत अल्डान करन्स, ब**हे छु**र्याक বিভাগেন করিয়া এদেশে হীনের বাসন স্বাভ করাক ভ্রা: ডেন ড ব্লিমিড কি প্রিং ষ্টন স্থায়েল'দ লিয়াৰে প্ৰীক্ষাৰ্য গ্ৰেষ্ট্ৰ কৰিছে। লন। ডঃরজবরীধুগব[ু]লেট ড জুলু তুল্ভ गढ्क दिर्भाष्ट्रे कान्द्रेष्ठ येताहरू विकास स्वेत्रस् (स. এश्नर्यं शिक्त वाशुक्तः श्रद्धां क्या संके । **उध्य अनाहत देश क्षेत्रक क**ेंद्रवात छेपमा ब ८७ (१ क्ष. मांडर्क खाक: हर्त । जारण नगीय भवन्रम्के इंश्लर्ट्य काम কেরে শরের প্রাক্তাকরিছে সাহসী ন নংই। আছে এৰ এই প্ৰস্তাৰ প্রিক।আন ছই 'ह्मि अस्पट्णका क्षम क्षात्र माहे: अहम्यून . । । वास्त्र के के कि का कि का कि का कि का कि ता गर्गाटक हेर!त कर्कारन कथ श्हेश यात्र। । उद्भने । प्रशास्त्रे वानम वाप्तात्र कविष्ठ

.इन स्नज्यासमारक है। नाहरत करा टेक्कन इस मा अधारत है। शक्क करात राष्ट्र करा नाइक अकी निवाहिक रेष्ट्र।

वीव मामाकाहे तथा क्रम व्यवनार्थ हिन्न व्यानमार्थ (वाषाहे में व्यानमानीन हहेएकहा। व्यानमार्थ होना (वश्या जकरमा कर्तवा: मामा कार्य निर्मात (हर्ष्ट्रीय मध्यमा क्रमित्राहिन। हर्ष्ट्रे दे खरान व्याप्त व्याप्त व्याप व्याप्त क्रम क्रिया प्रमान

সাভকীরা উপ বিভাগে গুলাউঠার প্রা, র্ডার হওয়াতে এক জন এনফেনীর চিকিৎসক তথার প্রেরিড কইয়াছেন। শীড়া এড অধিক হট ডেছে , শব আসি । সার্গ্রন একাকী গোলী দেয়া উঠিতে । না

महत्त्वत्र मा व वी छ हेनम.हेन ६ अधा मण्डालय से व महत्त्वा महिन्न (गरमातार व्याप्त के व्याप्त हैं कि कि महिन्न के व्याप्त के विद्या के व

निर्देशक व्यक्ति किश्तार अभाव कृष्ट्र পরিবাবের সকলের আয় সমস্টি করিয়া এতার ব উপরে সাই কিকেট টারু বইবে :

আমহা কেলুপেটিয়াট দশন ক নয়। আগতা দিত হইলাম নিয়ক্তৰ শৈক্ষক দিগতে প্রনিক্ষ করিবার নেমিত ভাততবধীর গাবগ্যেন্ট সংয় ভ প্রকাশ করণতে তেন্টেইর এক কমিটি নিযুক্ত ক্ষিত্রনা

७ हे सःश्चिम अक्षतवातु ।

্ এবার ক টণীপিরীকার্থ ছল্ল জন আটিকল ক্লাক উপস্থিত হন: ইইছদিগুল্প সংগ্র তিন

सन् किसीर्व स्वेद्वारक्रमः। এक सन के स्वर्थिति प्रदेशम्य अकरमनीवः।

का मार्ट्य विक्र ६ के सम्बद्ध मार्गिम करतम, ब्रीफिसफ एड्डिस के हरव मी. अफ क्या (अक्षाम मा क्षेत्र मार्ग्य कात्रन क्षत्रमा मार्ग्य कात्रिकेरात कर्म स्वरंग करिया.

ित्त्रात विकारकत, साक्षिटके का देन मछ क विद्यारकत आने अव श्राधानकम विका फ विश्वार का र्यंत कविरक्ष भाविरकत मा । म ज नारक मन्यारत क किश्वार्य मावि किश्मान का विकालामस्य मानीन कविरक्ष

खान है काका वर्ष हरेगाए, के में पुनिस (वन विश्व कि विकास वानका स्वा तर्व अध्य के व्यवस्थ के व्यवस्थ के किए अस्त्री में वानकारक (वान विकास किया के क्या क्या का स्व किया किया किया क्या क्या का मू किया वान क्या क्या का मानवाकार्य क्या किया का क्या का के एक बान में क्या विकास का क्या का क्या किया किया किया का क्या का क्या किया किया किया का क्या का कार कि क्या किया का का क्या का

 বা করিয়া বরং আবর করিয়া ও কি।
বিছুকোন স্থানে করা উচিত, এ নি
সক্রেটারি মাশমান সাহেবের মাত
ক্রেটারি মাশমান সাহেব করাব্দেশী গ
বলিয়াছেন গ কিছে ক্রেটাণ
শ'পুরে করা উচি, বলিয়া

कः प्रशाहित वर्णन, वर्णाम्यतं क्रिक क म त्र म माहित मिलीएण छिलिए हहे था उका न मर्शत श्रमान खाइका शाहितारे ह मिली, कानी, हाका, जांचना ख बाके न एक शाहिता मुख्यानी मिर्डिंग हिंदि विख्या मिलान किल्ह्यानी मिर्डिंग निमान मिलाए हैं। या, कि मां भारत्यना हे होत खिलाए में या, कि मां भारत्यना है होते खिलाए में वार करता खहारिकान होते खिलाए में ह भारत ना, मका खनाहिते कहें मां श्रमान ने एकन । अवन्यान स्थित खिलाहित हैं

সভাতার সহায়তা করে, লোকে ভাহারাই অনু মেগন করিয়া থাকেন। ব্যক্তিক অথবা বংশ विक्षायन श्राक्ति आह ब्रह्मद्राता क्रमार्थ आह नाहे। त हैन गर्नद्व है आया विरात्त वर्डमान व्यवसाय भवन् अरमास्त्रीयः। अरमरनवयः मः कः मरमव कमता भाग, खादा इंड्रेस खिक्रिन शवर्गाम प्रेरक शुः इतिक कदरमः वार्शितद्यक्रमात्र भागम প্রবাসীর সহায়তা ও প্রতিবন্ধ করা হয়। অভএৰ আমেৰা কেবল ৰাগাছৰৰ কৰি নাই বলি আময়া ৰলিভাম '' ব্ৰিটৰ গ্ৰৰ্ণমেণ্টেৰ ম'রা काम छेलकादबढ़ धालामा मध्ये । এই शवर्गप्रके (मरभात भक्त । चरमणेश्वत । कालनाता (शा॰ C ৰভুপ্রিকস্কউন। সুবোল পাইবামত্র স্থিত नाज्ञकर्छः क्रिश्टक जाभवा पृत्र कृतियः। अहे शवर्ष মেট অংশকা কুলীয়াৰ অধীনতা অথা দেকেলে ধর্গির হাতাম প্রামি^নর " ভাহা **হইলে** याभ बद्ध (फलिमिजेन मुक्केट ब्हेट हम ।

৮ ই কাস্কন রুক্সপতিবার।

কলিকভার অভিস্থানির সভাপতি হগ গাহেব চন্ন মাদেব বিদায়ের নিমিত আবেদন করিয়াছেন। তিনি প্রভাগমন করিয়া দশ দিবস বোষাইয়ে থাকিয়া ওত্রতা মিউনিসি পাল বন্দোবস্তের দর্শন করিবেন। হগ সাহেবের অবকাশের বিষয় বিবেচনার্থ জাগামী ও রা মার্ক্ত ভারিসদিগের একটা বিশেষ সভা হইবে।

शवर्षमध्ये आखा नियाहन नामविक रिष्ठा वानस्यत्र आखाल्यास्यास्य समक्य आक्षियत् अप-इष्ड रहेर्यन, अथवा यारातः नामविक विष्ठाश नाम मधाल्याम रहेवात् अत अम्बद्धाः कविर्वयः देशिवा हेर्नास्य यारेष्य अस्ति अस्ति अस्ति आस्ति सम्बद्धा रहेर्यः अरे नियमणि किष्टू मिन च भए।

মান্তা ক্রিয়ার ক্রের অবংক করে নিলি গার বাব বার নিমার একপ্রকার টুলের হান্তি করিয়ারেন। এটার একসমাত্র পদ আছে। চতুর্দ্ধিকে সমান ওক্তু না লিলে টুল পহিছে হয়। ইংর উদ্দেশ। এই কাল করেছে করেছে যদি কোম করেদি নিমিত হয়, ভাগা হইলে তংগলাও জুইলে পতিত হইবে। এটা একটা বুজা লক্ষণ বলে। আন্ত এক কাল করিলে হয়। প্রভাক করে। ক্রিয়ার করে চুল ছ দের কভির সালে লভি নিয়া বজন করা উচিত। নিদ্রা হইলেই টান পভিবে। আলাদিগের কোলসমূহের ভাগা ভাল।

à हे कालका **अक्**रांत ।

इश्लाट अविश्वाला अपन जी लाक जी लाक जिला के विश्वाला कि लाज शिवाला कि लाज शिवाला कि लाज शिवाला कि लाज कि ला

(इस अप्रदेशका शिक्षा वृद्धिः व्हेट्फरहः।

माबिशुर्वम् द्वार्ते ज्ञानामण त्रान्था रेडिहा ज्ञानम् वस्याय উপविकाश अहे ज्ञानस्य मरण्ड ज्ञानस्य इस्ट्रेड्डा विहारमण्ड मरण त्रानामा ७ १६ मिरम स्मानगरं (वह क्षित्वा)

ना छ दिक्किन कात्रक विद्यान कति व नवर्ग विकास भारता क कार्य मुक्त कर्या निवाहितन। केंग्रांच भीटका मुक्त कर्या रुक्तिकन वर्द्यव (माण क्ष्म्चक्रक्ष कर्या भूक्षणक्रिन मौनारम विक्रीत हैक्स् का काक्सामित हरेगीय, (हेन्द्रिक्ट) विकास क्ष्मित्र

এ বার মাজ্রাজ বিশ্ব বিদ্যালয়ে ৩২৩ প্রবেশিকা পরীক্ষার উজীর্ব হটয়াতেন। ইং গের মধ্যে ৪১ জন মাজ্র প্রথম , জানিখে ইং চন।

১০ ই ফ'ল্ভন শনিবার।

वाव (कामानःश हक्ष केळान्नाका वाव (कामानःश हक्ष केळान्नाका कांत्रवाद कांत्रव

-::-

গবণ মেন্ট বিজ্ঞাপন। বসলেশীয় লেপ্টনন্টগবৰ্ণের আদেশাসুদারী নিয়োগ।

১০ ই কেব্ৰেছা য়। যত দিন বাবু মধু খোৰ বিদায় শইয়া অনুপ শ্বত থাকিবেন, দিন বাবু কালীপ্ৰসাদ দত্ত চটাগ্ৰামের প্ৰথি অভিপ্ৰিক অধস্থ জন্ম হইবেন। বাবু গল সরকায় উচ্চ পদে নিযুক্ত হইবেন ব ২২ এ জালুয়াহিতে যে আকা হয়, এডজারা ইনিড হইল।

७७ हे रक्ष्मप्र[†]ति। यक मिन फास्कर

कार्या होतियात काम खेलाच समा मान 💼 भिक्क क्षांब्रे भाउदा गांव मा। यहिर eiন প্রকারে পাওয়া গেল, তিনি যে ন্করণে দক, ইয়া স্পর্রত্থে স্লিড ।। স্থতীকার্যভিক্স আর কিছুভেই যে রে ভাতৃদা অংথিকার নাই, ভাহা অংগৌৰে म शहेग्रा याष्ट्र। अञ्चल ऋत्वा मिक्किका ান কন্তমুর কার্যকোমী হয়, তাহ' আনিমিই চরা কবিয়া লউন। এখন বালিকাবিক্যা-याक्षाताः ब्राजीऋदेशः व्यवस्थानः कतिरुष्ट नेया नाटक, जाहाद्वा स्व व्यक्षिक वज्रक नटह. था दला वास्त्रः माञ्ज । अभन कि, फाराएनव ৫ १३८७ ৯.১० वर्मरतत अधिक स्ट्रेरन माः রা সাধান্য বালান। পুস্তক ও প্রচীকার্য। ভিন্ন যে মোজা বোনা কারপেটের জুতা **७ क्रम्थक् ७ इस**र्कार्यः शर्ड स्ट्रैंड मा, हेश ज्लाहे। खिथारमं, बना साहरफ ে খাবার দেখুন, বে খেনীর লোক ইইভে দ্ব: পাওয়া লিয়া থাকে, উচ্চারা অধি पह विश्वपीत्रतलियो । आस्त्र व्याव ऋष्टन ের প্রভিডিত হইতেছে, ভারা নিটাত

দাপাততঃ কালিকারিদ্যালয়ে প্রথমজ্ঞা পণ্ডিভনিয়োগের ব্যবস্থা করা হউক। স্কুমারম্ভি কোমস্বভাষা বালিকা মনোভাব পরীক্ষা করিয়া ক্ষিয়া লিকা

विन्तामञ्ज स्ट्रेट्ड य भर्षास छेलवुक

কা না বাছির চইয়া আইলেন, সে

क व्यासारम्य शक्षांवजी कार्या भदिनक

ट, अर्भकाकुछ किছू काम काङ्ग **रह**।

স্থামরায়ে প্রস্তার করিতে বাইতেছি,

२२१६) अञ्चलका अञ्चल विश्वति । अञ्चल

মহাশ্রাপড ১২ ই মাঘ রবিবার বেলী৪ ঘটিকার সময় এপ্রদেশে যুখন ছু মিকম্প উপস্থিত रहेशाहित, फथन बागुड़ा जीत जीवुला महाद्राक मात्र मि.चिक्षप्र भिश्ह वाहाइर्द्रत मम इत्राहारत उनीय मनाम्खरण केनिविष्टे हिलाम । व्यक्त ভদ্দানে উক্ত মহারাজ স্বীয় পারিবছুর্গের সংক্ত छिब्बरम्न किथ्मिर कृर्थाभक्शन करतन। १८ জীমমার্রোক একদা নিক্ষানে অগ্রে উপবিষ্ট हर्देश के क जू भिकरण्यत दिवस द्विता कतिएए করিতে ছিন্দি ভাষায় ভাষ্যয়ে একটা উৎকৃত্ত कृतिहा भारियमनिगरक 3571 শ্বণ করার। ভারাতে ভাঁহার। ভাঁহার শব্দবি-ন্যাস কবিভাশ বিক এবং উৎকৃষ্ট ভাব অরলো কন করিয়া ধ্ৰোচিত সাজোৰ প্রকাশ এবং श्चन्त्रमा कवित्तन । शुरुव मकत्त । 🗃 प्रहावः 🗠 🌣 অনুরোধ করিলেন, যে উক্ত করি চাটি সর্লসা ধারত্ত্র গোচনার্প কোন সন্থাদপত্তে প্রকাশ করা হয়: ফুডরাং ডিলি ডাহার্ড সামতি श्रमाम करत्म । कि श्र (काम कात्रनवनकः अः)'वर কাল ভাগ কোন স্থানে ধ্রেরিত হয় নাই। व्यथ्ना 🏂 हं स् व्याध्याञ्चलार अवस्ता छे 🤝 उठ নাটি মহাশ্রের সুরিধানে প্রেরণ করিলাম : আপ নার ফুরিখবাক্ত পজ্জিকায় ইহ'কে কিঞ্ছিং স্থান लाम कतिरल आभवा अञीव वाधिक এव' छेल-कुछ इष्टेव । कविकाष्टी अहे:---

ছে লরেল সাছেব মহেছেয়, ভুমি পুর্ব রীভি

हेश अक अभाव छेन छेत्र मुस्रीकेट एक এবং ভ**দীয় জ**ভিতারে হয় হয় বাক।। वेशात्त्र ज्ञानकानकात्र नितित्तन्ति । करा व्हे ज्यानि हेश्द्र नाहाराहें मा (कान लच्छा । हेशदेश गण सर्थाम मा जन गर्थ। भर् मर्युत भतिहय वित्रक्षण भ' छोत्रा शःहट्टाइ । सः डाहार न गनधन वीत्रं छ उ महरे ना अवच्या सारत छनीत छ वाञ्चतात कथन है क ना, य (क्कू देनि अर्थ प्रभाना दाकितः । वारामान्यस्मरमञ्जूषा हिन्ति । अहे अस्टि सक् वाक्र मृत् मिथियां। मिश्ह नाहा हत, दर शत काहे हैंनि (कवले नक क्या १ ल मार्थ बदल कडान्स व्यापिश अहमा छ बबर मन कदिशादक अति देश कि छिमडी महाबार्ग ः है। दिशा कालन ७ व डिवर्गीय करवस्थाल ह क्रम अन्तर्भारक यनव भित्रभारधमः। व्यक्त বিধ নহ'আবে অভিল'দ সংবাদপ্তে হাচার कथनड्रे मा क बले ड, भारत ना।

৮ ইংফরেয়ারি } উইংকেলারনাথ শশ্মীণঃ ১৮৬৯ - } প্রকারি সম্পাদক্ষ্য ভিছি বে, প্রেসৈডেনি কালেঞের স্থানংসিভ এই জীয়ুক্তবাৰু আননদরাম বছুয়া বি, এ ভ**ভূর্ক সবর্ণর জেনরল স্ত**ুজন লরেল। মরোদয় পিত ইংলড়ে অংগংখনাধ চন্দ্রীকার প্রীর্ণ হটয় গাভ ২ র_{ে ন}ফ্রেক্য়ারিব মে**ইলে** लाइ स्टा क्रिया इस । व्यानम्याम इहे দর্কাল হিদ্রুংক্টেরে অবস্থান কারেনা চরাং উটোৰ স্বাহত তামাদিলের বিশেষ (ভালবিয়াছল কোন্:! উহিবে এই কৃত িভাদশানে থে কিপ্র√জালনিকত হইয়া\$ ' २- मेर्ड महरू । कामकार्याम **काउमान गरल,** লভাব ৪ খণধান ছাত্রে। ভিনি **এক বংস** তিন্দী পরীকা (বি, এ, ইংলতে অধ্যয় ছাত্রবৃত্তিব পরীক্ষা এব° গিল আনাইষ্ট) ডেন। ওলংগ, প্রথম ভুর্জীতে বিশেষ প্রতি भइकार्य कुछ कार्य छ। अमर्भन कर्तिगारश्रम । টাংফর অদ্যাপি প্রকংশ **হয় নাই। ঈশর** াকায়মনোক্রোক্তে এবনাকরি যে, এটা উজেরপ কুডক স্তেন্ত ল'ভ ক্রন। ংনিকরম অন্তিতরংবয়স । ডিনি 🎫 ।বয়দেই সংস্কৃত, ধ্'রাজী লাউন াড় চ অভিক্রতা লাভ করাতে সকলেই উচিব क्यांकी इहेशकिंदलना मना विकासक শ্বেরে পরিদশক <u>জীয়ুক্ত এই</u>চ, উ<u>ল্</u> এ, মহাশয় উট্ছালে সংশে করিয়া লইয়া ত প্রস্তুত হইয়াছিলেন গ কিন্তু বিনার ভিয়'তে খীয় ধর্মপ্তীর সভিত বিশেষ कारत कानमहामस्का देश्लस्य स्थान **८**६न । নেকর।ম আংসান দেশগাসী ৷ ভিনি চাবি

মহাশরা নিড:ভ আনুজ্বিসংকারে জানা

हाल कलिक उर्ध अवस्थित पूर्मक अहेन्नल ও মণ্ডিপ হিলাভ করিয়া একণে ইংলতে ংলেনঃজলবীরবভ**িহাব সাধুই**ছে: াককন : স্বলাভুঃকাবে প্রার্থনা করি নিই'লকুও বিকৌ প্রতিপ্তিলাভ क्षुष्ठ नहीरत श्राफारणान्यसम् ५कः न्याप्तरमह विक्स करूम ।

মরা আনেকরামের নিচ হেন্ডিব্র স**ভার** নি বিশায়সমরে। এগ বকার বিভালে। **য় ও। প্রদ**শন ক বিয়া ত

মঞ্জানিগতি হয় জানাৰ

(हेलवामी किंबुक कार्य राज्यीका ४५० ধাত বিদায়সুডক কবি:এ উপ্টোক উপ र्वा इंटल वं —

৺ **এ**শি তপুসন্ উ টোর ১১ হু আনন্দ : এড সিনে সফল ডেমার

रामगः । हान्दन कर्तन मिश्री क्रशीय कर्मात, हेरमञ्च स्थल मिक्टिक स्थलन ; श्रमनिष्क बरक मना मरकाय विभन। মনের আনক্ষে আজি ধরিয়া হুতান : উদ্ধিকরে ভব মাম করিব রে গান। নীলি**মারফিড পথ** বিশাল সাগব। ভরি**বাও মনকুথে অভ**ন্ন জন্তর। ৰজের কমশা সজে ওচে মতিনান। **योद्यम क्रिका स्ट**ग्न श्रृतिहाः सिन्धास । **সহ**বয় **অ'ভূগনে সস্তে**'ব বিভার। यां अञ्चल श्रमग्रा व्यामी किल कति। शृवाद्यम रक्षमधी (क्षांत कामना। মনের সহিত এই করি রে কামনা। সমানে কিরিয়া আসি হে ৩৭নিধান। রাখিও আমেরে বঙ্গে ধঃড়ও সকান ; সৌভাগের ভোমার মন ওচে গুলম্য। জ্ঞানন জলধিতলৈ ভাগিছে হ্ৰয়। হোক হাউ বল পুনঃ হেরিয়া (ভাগায়) मा ७ स्ट्रांस एक कानमर ''विनास, विनास » ঞীতিভাবে গুণাধার ! লও রে বিদায় কর (র মঞ্চলবাতো রেখ রে জনমায় কোনার সরল মন ; ভুলনা কখন (১) আন্ত্রমবাদীবে এই স্লেহেব ভ:জ্ঞান : নাকি কিছু কিবা আর দিব উপহার, কি আছে ত্রেধের ধন স্থানাগা ভোমার। প্রতিকাণে আন্তি এই করিছ আমুন কবিভাকু জুমমালা। বাসনা এখন দে! লাব েড 'মার গালে হৃষিত অংকরে। জাশা করি প্রিয় চিহ্ন রাখিবে জাদরে তুমি ত আনন্দ নাম: গুণের নিধান। যতনে রাখিবে এরে বাড়াবে সক্ষান। সরল অভরে দিয়ু ঐতিময় হার। পর গলে হোক মন প্রবন্ধ আমার। ^১ হিন্দুহছেল } বশৰদ ৮ শেকুয় ফি } ১৮৬৯ ই জাগুডোই চটোপ: ্যু

भृना था थि।

জীযুক্ত বাবু হরিশচজ্র হৌধুরী ধাক্ত লিয়াতদ " স্লৰ্য(কান্ত আচাৰ্যমেকুলাগাছ। ১৩ " (शालानहत्त्र मञ्जिक ही त्वराकात् । ^চ আস্তব্যের চট্টোপ:গরার हिन्द्र इर्ष्ट्रेन œ H " यनमाली शक्षापा गांच निम्निया ell चानवहस्त्र भिज्ञ ठनकेनियाः

.) হিন্দুহঙেল।

, रुक्त भवनिक माहेर्द्धां व े वर्षमान शतकात कि। क ल -300-

(मामध्यकानमः कान करहाकी विद्रम्य निवस्

অভিনেম্স:ও ডাকনাস্লনা পাই: বলে সোমপ্রকাশ প্রেরণ করা যায় না।

हेशत काञ्चिम मूला वार्षिक ১० है।का यान्त्रातिक क्षा॰ छोकान मक्ष्यत्व छात् गरमञ्चार्थिक ১৩, बान्यामिक १ अदर সিক্তদণাভিন মাসের স্থানে অভিনয এাহণ করা যায় না। ছক্তি. বরাতি চিঠি, अ ७ त. (नांगे अ क्षेत्रभ्य हिंकिंगे, इंश्त क বাহাতে বঁহার কুবিধা হয়, ভিনি সেই দারা মুক্ত প্রেরণ করিবেন।

ষ্টারা স্থাপটিকিট পাঠাইবেন, ধ যেন এক অংথবা আলাধ আমানার অংধিক : ও রসীদের **টিকিট থের**ণ না করেন।

. ৰখন যিনি মঞ্জল হইতে সোমপ্র মূলং পাঠ:ইবেন, ভাছা যেন রেজিটুরি ২ <u>जी</u>गुक बाह्रकामाथ विकास्त्रपटनद नाटम ० हेब्रा(प्रमा

ধী হাদিলের মূল্য দিবার সময় কভৌভ আসিৰে, একমাসপুৰ্কে के विश्वति शहक লিখিয়া জানান বাইবে, কাল জাতীত : গেলেও এক বার চিঠি লেখা ইইবে, ভারা একনাস্কাল প্রভীকা করিয়: কাগজ বছ যাইবে। শেষ কারের পত্র বেয়ারিং প্ হইবে।

মাতলা রেলওয়ের সোণাপুর ষ্টেসনের যরে চিঠি আইলে আমরা শীগ্র পাইব।

যাঁহারা মাস্তল না দিয়া প্রাদি প্রেরণ বেন, উচ্চাদিগের সেই প্রাদি এছণ याहेदव ना।

কেই সোমপ্ৰকাশে বিজ্ঞাপন নিতে ই করিলে ভাঁহাকে প্রথম জিন বার প্রতিপংক্তি শানা ভাষার পর ৴১০ আনা নিচে ইইটে মিনি অধিক কাল বিজ্ঞাপন দিবার ইছে। ক ্বন, ভাঁহার সঞ্চিত অভন্ত বন্দোগস্ত ১ইবে ৷

🖝 এই পত্র কলিকাজার ১ক্কিন্-পু মাতলা রেলওয়ের সোণাপুর প্রেমনের দার চালড়িপোডার প্রীযুক্ত ধারকানাথ বিদ কুবণের বালীতে প্রভিসোমবার প্রাতঃকা প্রকাশিত হয় ৷

(माश्का

। শ ভাগ।

14 79 45.

प्यक्तनां प्रकृतिहिताय पार्थिवः सरस्ततो अतिमहती न होयतां।

ক মূল্য ১ এক অংশ্রিম বাৰিক ১০ দশ মি খাণ্যাসিক ৫॥ সাড়ে পাঁচ টাকা।

नन १२१८। 🚵 अ काखन। ১৮७৯। > ना मार्क

বিজ্ঞাপন।

ইংরাজী টীচার জন্য নিমুলিখিড টীকা রির হেপারিটেও অংথবিং আছে।বধায়াকলি ष्ठ । भाइर्यमः ॥

উত্তর ডিবিল্লান।

🕮 ্যক্ত বাবু ভূবনগোছন মিত্র

সব এসিক্টেন্ট সার হন मार ३ सर (इ.शबक् एक र खि । মধ্যতিবিজ্ঞান ৷

🏖 बुक्त बाबू कालिमात्र रङ्ग

সব এগিছেন্ট সারজন সাং নিমুখানস:মার পলি— দক্ষিণ ভেবিজান।

জীয়ক বৰুক শচিকাদ দত্ত

স্ব এসিটে ট সার্জন সংচাউলপদীবোড ভবানীপুর। (च वंतरकत वंक्ष् इहेरक वीक्ष लहेश्रा शिका अया याहिरवक, खाशास्क यरकिश्विर (**म**श्या

সইবালবটিকে যদি গাড়ি করিয়া আনানা । थरक, फार्श रहरल अहे इमार्ट । असा

(क (म ट्यूरी का) दर्भ, के क्हें एक भारत्र ।

शिकामात्रशरवता यकनीय ह हिट्ट शास्त्रित কিন্তুয়াদ কেই খেলচাপুলক দেন ভাহা

তে নিধেধ ন'ই॥

অনেক অধ্যেগ্য লোক ভারার; ভাষায় যে, লাজী দীকার আননিবে ভাতাবা কণ্ম করে. न मार्थात्वरक छ। उ कहा या है (छ८६ (य, ः स्वत्र भारत मिका लडेबात व्याद्ध मिकालात त महिक्किक (त्थितं क्राहित्वन ।

ि हेर अफ्र अफ्रेस् इ'त्राम् इरवाकी लेकात श्रवान ख्यादगायक। **ই**জি ভারিখ ২২এ ক্লেক্টারী

かか みずみ

কাব্য প্ৰকাশ।

আমা "কাৰ্প্ৰকাশ ৯ নামক সাময়িক শ্রহার প্রবৃত্ত চইয়াছি। ইছাব প্রক্রেক খণ্ড ৫ ফরমা অংগাও ৪০ পুঠা। কলনা আংচে বে, ইহাতে ক্রমশঃ সংকৃত ছম্পাুপ্র কাব্য मकन श्रकाम करा य है रव। मश्यहुष्ट विम्राल-য়ের অবংক তীর্ক বাবু প্রসরকুমাব সর্লাধ- l কারি মহাশয়ের অনুমত্যাস্থাবে সংস্ত বিদ্যালয়ক ছাত্রগণের অংশংগুনার্প প্রথমতঃ ষ্টীক ক্ষয়িকাব্য আরম্ভ করিলাম। ইচাকে বালকগণের ক্রুবিধার নিমিত্ত সাঞ্চেতিক হিচ্চ ছ'রাপদ বিভাব, সজি বিশ্বেষ, বিভাকে, বচন, পুরুষ, কারক, সমাস. কালপ্রভৃতি প্রদর্শিত **ইইভেছে। ইহাছার: বোধ হয়, যে** ব্যক্তির কিছুম:তারুংপত্তি আনাচে, সেব্যজিত অনাচ য়ানে অপ্রতিত লোক কাখ্যা ক**্তি**ত সুস্থ इइट्या

> কারপ্রেক কোর মূলে বে নিয়ম : **छे**९कृष्टे काशरस्य स्थाः तथ काशरस्य

> > মুদ্রিভ भूमिङ

উপ ফুড ক্রেডার ଅନ୍ତ ଅନ୍ତୋ**ନ ଏ**ଓ निव्रक्षिक वाश्तकत्) প্রতি প্রয়েক খণ্ড।

यिन कात्रश्रकाम अह्नाजिलाधी इडेटवन. ভিনিকলিকাভা সংস্কৃত বিদ্যালয়ে অথবা মুজাপুর কাব্যপ্রকাশ যন্তে আমার নিকট অধিয়ম মূল্য ও পত্র পাঠাইবেন।

🖺 লগলোহন ভর্নালকার। পুরাণ প্রকাশ।

বিষ্ণুরাণ চতুর্য খণ্ড প্রকাশ কর্য চে अंह्क्शरनत शिंख शास्त्रक्ष आहे थाना

জীভাষোহন তৰ্কান্তমার।

{ সক্ষানে মাজুলসমেত জাঞাম বা যাণ্যসিক ৭, ও ইয়ামানিক ০৮:

ভারতবর্ধের বিবরণ।

अक्षमयात्र मूक्तिक । अवादत क्षादन क्षादन হারিক বিষয়ের পরিবর্জন করা হইয়াছে वाकामा (मर्याय समी, शर्माक, छेश्लंब, व ও জেলাসমূহের বিবরণ সবিভার লিখিড রংছে। কলিকাভা সংকৃত বদ্তের পুত্তর व 😂 कि बहरनाथान हाहीथांवेरांव (कार वा छवा ।

अन्य क्षेत्र के अन्य क्षेत्र के अन्य क्षेत्र के अन्य किन्न क्षेत्र के अन्य किन्न के अन्य किन्न के अन्य किन्न के अन्य किन्न किन्न के अन्य किन्न किन्न

চক্ৰাৰতী নাটক।

জৌনিমাইটাদশীল কর্তৃক আন্তপুলি শালায় অভিনয়ার্থ বির্চিত। বছবালার নং স্থানহোপ যন্তে প্রাপ্য: মুক্র এক ए। क्रमाञ्चल ्र ∙।

—;∘ઃ—

ছগোৎসৰ নাটক

ক'লকাভা সংস্ত যন্তেৰ পুস্ত ধগ্নী নশ্মাল স্থূলে আকালীপ্রসর বিদ্য dia निकड ए कालमा एक एक श मुला । ॰ काटे जाता।

> रुद्रिमार्कि हेर जल विकासिट्य १५७% श्चरविका भन्नीकाशीविष्टगत मार्कनार्थ क्या क्या इरेब्राट्ड। शहावा हेश्हरू स्हेन्ना व्यक्षात्रस्य दश्या कर्यस्य, अधान निकरणत निकरि मिह्नानि प रहें दिन।

৩০ ডিসেম্বর

জীছাবকানাথ -ইরিনাভি বিদ্যা

৬৮

মংগ্ৰীত চিভুবিনোদ কাৰ্য ১ ম খণ্ড হুল লড णशिद्धांकरत ज्ञापक्करम

-:0:

ষ্ট্ৰেৰ বজ্ঞানবৈত্য বলিত হ্ইয়াচেন্তা মহাশ্যেরা ভিনান বছবাজাবে আগধ ভিত্র পুস্তকালয়ে তত্ত্ত কবিলে পাইকেন **बी**हेन्द्रन**ऽक रहा** ।

বালীকি রামায়ণ 'ভৃতীয় **খণ্ড**।

--:0:--

্ট ুলুক এখনাবধি প্রকাশ হইভেক্তে ुष माधवाष्ट्राय भूम छ हीका अवश्चानित्रेत া গল্লাদ আছে। যাঁহার আলবশাৰ ্ৰ কেন বলিকাতা ব্ৰাহ্মসমাজে আমাঃ র পর লিখিবেন। প্রশেষ **খণ্ডের** (দিন रात पुलाशा व्यामा विक्रम**ीय क**ो**स्त** ा स्थाना माञ्चल निरुष्ठ इंडेर्टन ।

औरहमध्य खड़ी नार्व। 4.567.41.1

এনরনিয়াস**ংস্ভ পুস্তকালয়ে ওপটোল** ভালার যাদ্ধের আদার কোম্পানির দোকানে নংল্ৰীত ও মংশ্ৰচাৱিত নিম্লিখিত পুস্তক গুটি र्क्षप्र २वेऽकऽइः----

> প্রক্রিড মুল্র এীসইডিহাস 14515 2 (রামইতিহাস Š ভূষণসার ব্যাকরণ জ:ন: নীভিষার (১ ম ভাগ) ũ নীভিদার (২ য়) estis 3 भुक्रवाध वहाकद्रव ঞ্জীবারকানাপ শর্মা 🦜

আমি শক্ষেত্রমধ্যনিধিনামে একখানি ুষ্ত অভিধান সঙ্কলন করিছে আরম্ভ করি ां ∌ देश भी कि चर्छ मण्लूर्य ह≷र्य, मण्ल्ये कि এখন ২ও ১৮চারিত হইয়াছে: **এতে∖ক ব**ে্**ও**র ্রের পুঝকালয়ে অথবা সংস্ত **কালেনে** থানার নিকটে **অনু**সঞ্চান করিলে পা**ইতে পারি**

--:::---

🕮 ভারাম'ল কর্মা э र • ६ माल) কলিকভো সংস্কৃত কৰেও 12 PIST

বিবিধ দ্ৰব্যাদি বিক্ৰয়াৰ্থ প্রস্তুত।

:ब्राब्दे **बाना**ना भूत्रक कांश्रम करम नानः ।

मण्ड छ। बहाद

24

विश्व क्षत्रामि भाउता शाम अवर शुक्रका मि 🖊 । এक व्यानात हिनारित कमिनन मि । व्यथिर होकात भुक्षक सहस्म 🖊 ५० व्यानात (स्थार) পাইবেন।

৪ টাকা शानकृष्ण उपधावनी প্রাক্টীর অব্যেড়িশীর গসা-ડે હે প্রসাদ ডাক্তর প্রণীত :11· 3€ মেঘদুত সচীক কুনার স্ট্রীক ÷ 11 • æ বেণীসংহার সচীক 5 H . à ৰিখাৰ সচীক 8 🕮 মভাগ্রত স্টীক à ৩২ ۶. 五本区 ভট্টিকার্ জয়মঙ্গল ও মলিনা-থের চীকা স্থিত È \$ উইলিয়ম্স সংস্ত ডিক্লানি શ્લાપથ ફરલ 'ઇર્લ' બાલ ગર**ઝ**ાદ ઘન য়ার উইলিয়াম সংটেইকুড আয়ুক্ত বাবু কালাপ্রসন্ধান হৈ মতে मरबद अभी ठ भन्। ১৮ भना मश् कात्र'ड ১৭ ৰও সম্পূৰ্ণ धे 🐞 धे विद्राह्मिक् ঠ अरे १ और के स्मागण नर्म É ঐ ৮ ঐ জীপাপর্যা ঠ के व द्वानन्त्र ঐ ১০ ঐ কর্ণসর্ম ٨ 2 के १३ ले बना अर्घ Ě २ উ ১২ ঐ দৌংওক পর্ম à ঐ ১৩ এ গ্রীপর্কা À 2 # ঐ ১৪ 🗈 লাভিপর্বালদর্ম Ē क्षे ५५ की (म! कश्री À ঐ ১৬ ঐ অসুৰাসন পৰ্মা Ù <u>ē</u>, ঐ ১৭ উ শেষ পাচ পর্ক বিচার জগঞ্জী অবাৎ বেলাক্ত দর্শ-নান্তর্গত নিচার ও মীনাংসা বছল প্রমাণ া শত 35 WY 1 ই **জষ্ট**াবিংশতি **তথ্য**তি ৽৽ঽ প্রাচীন সংখ্যি ২০ খতে সম্পূর্ণ ২৫ আত্মতত্ত্ব বিবেক ভাষ্য সহিত উত্তর বৈষধ নারায়ণী চীকা সহিত **> વારજ મ**જ્જુર્વ সিদ্ধান্ত কৌহুদী সম্পূৰ্ণ à ٦٣ ঐ (भग ≉∙० दिरवकत्रवावनी रवशाश्वमर्भभव

কৰ্মাজন কৰ্মকাও ক্ৰিয় ক্ৰিছাত -क्षेत्रकात कृत्वक नाटक्क् केंद्र-রাজী ভরক্ষা ক্ষিকাড়া ক্ষোড়া-স্তিকা ক্ষম

বাদালা ভূচিত্রাবনী।

zes far

करद्रक्थां निष्मचित्रय अवेनाम पृष्टि ह ইহাজে ৩২ থানি ম্যাপ আছে। টেং वाधान। अ मदुक (माम:हक्ति, मश्कुछ भुष्डकामस्य. नर्माम मृत्त **७** भरहे ৰাড় 👣 গ্ৰাদশদিলের পুস্তকালয়ে পাওং मृत्र । होका।

क्षिनीनकश्रम (धारामा --- 10101 ---

২৪ পরনশার অংকঃপাতী কোলালি গ্ৰণ্মেন্ট সাহাৰ,কুত বালালা পাঠশাল खाँदा केंद्रिया कंत्रवास्त्रि इंट प्रद विकास बर्पाका त्रिय दिशा र्या होती । स्टब्स प्रस्ता ङभाग्न পङ्ग्हेबात दाम्या कट्त्रम, केश्हादः विभागताहरू संयोग । मक्ता कर विकास के **ब्हेंटल नियमाणि अवश्यक क्हेंटल ला**हि निर्मादस ८ हाति (अपनी कहा क्केश्राहर জেপীর ৮০ আনট আমানাং ভিতীয় ভোগীব ছয় আনান ভৃতীয় ও চুর্ব আলণীর ↔ আনা ছাত্রদেয় বেতন স্থিপ করা এবং ধানাদির উত্তযক্সপ বংবক্সাকরা ১ই৪:১৬) ঐীধ্যেকানাথ শুম্ **३२१** क

পুরাণ প্রকাশ। বিষ্ণু পুরাণ

अप्रदा

অমুবাদও টাকা সমেত আছে;ক ৮ - প্রা (জনমিম্লা) ॥ ৽ :

৪ ঠা মাঘ 🕽

যিনি একণাডিলাধী কইবেন ভিনি মু আমান্রপ্রতীট ৩৪ ১ নং ভবনে ক'বং বয়ে অথবা কলিকাত। সংস্কৃতি বিদ ক্রিযুক্ত জগ্মেছন ভর্কালক্ষারের ন'মে ধ্রের ইক্ষা অন্তিম মূল্য পাঠাইবেন। भा भाकेरल विरमस्य विकृश्वतात अठि निष्ठम नाहे हैं छि !

বিক্তরার্থ।

পারভেন রীচংঃ নংবালী ওদানস্ ३० नश्काका मानाम । উপরিউভে বালান এ বাটা হাঁছার

The state of the s

The second secon

प मञ्जिदिभिष हेरेग्राटकः। 🖎 बुक्त নাথ দত ইহার প্রকাপকর্তা। । काणीमू कि बरवका 'अथानिक ভ এছ। প্রমহংস পরিতালক সুরেশ্বাচার্যবিরচিত। ইহাতেও ণা অসুবাধ আছে।

া ধাতীশিকা, দিতীয় ভাগ।

r বাৰু যতুনাথ মুখোপাধ্যায় ই**চা**র

কেরিয়াছেন। অংশবকালে ব্যতি न घटिटन बाह्यक कि छेलारम अनव তে হয়, কথোপকথন রীভিছে प्ति डेनरमम अवर वाधक व्यवनात्र ংগাপ্রভৃতি করেকটি উপকারক इहाटच मिन्नदिभिष हरेशांटहः। ta ध**द्ध**ारत त्य व्**रूग उ**नकातक র সম্ভাবনা, দেকধা ৰগা ৰাভ্ন্য ৷ ার প্রস্থানিকে সহজ করিবার ত কৰোপকথনের রীতি অবলয়ন (इन, **कांशत छत्यमानिक्छ ह**हे-, किन्द्र व तीजि जामानिश्वत जम् ত হইতেছে না। এরীতি অবলম্ব ड व्यटनक व्यनांदभाक् दांसा श्रद्धांश ত ছইয়াছে । ইহাতে অকারণ র অধ্যাব রজিনুহইয়াছে। সজেটিস প্লটোর প্রণালী এখন আর नारममा। ब द्रीं छ পরিভাগ । महस्रपाता किचित्न व्यानक প হইত।

১।চওকে শিক নাটক। এখানি **দে**শীখরক্লুত नः इंड हश्रदको - बांडेटकत्र अञ्चर्याच । अञ्चर्याटकत रर्वेत नाम अञ्चर्यामरका मञ्जूर লক্ষিত হইল। তিনি যে কিছু मिद्रियमं क्रियाट्स, काहा इत्या **स्रेत्राटस** ।

। नक्षी कम बती। अधियुक्त अक्रिकः। বেন ভাও ইহার রচনা করিয়া-

ছেন। উপার বিষয় লইয়া গীভওলি রচিত হইরাছে।

. ১১ । बुडम शक्षिका । त्कांका (कांग्ना নির যত্তে মুদ্রিত। জীযুক্ত বারু গনিক লাল ঠাকুরের ৰজে এখানি মুদ্রিত ও थाठातिक स्रेशाट्य। रेशाटक नामाध्यकात बावका, एक मिनापि निर्नत, हेको न्ये व्यक्ति, मारेटमम होज्ञज्जि विविध अटहास নোপ্যোগী বিষয় সন্নিবেশিত হইয়াছে। ইহার বর্ণাদিশুদ্ধিদর্শন সবিশেষ প্রীতি-कब्र इहेल।

১২।নারীশিকা এথ**ব**মও **বিভী**য় ভাগ। ৰামাবোধিনী পত্ৰিকায় ধেসকল বিষয় প্রচারিত হয়, ভাষা হইতে সংগ্রহ করিয়াউহামুদ্রিক ও প্রচারিত হই-ग्राट्स ।

-----धारा ।

কলিকাভার জিক্ষকগৰ :

কলিক'ডার মধ্যে কডকগুলি নান লেণির অ্যাচোর আছে। লোককে ঠকাইয়া আপন আপন উনর পুরণ করা ইহারিগের উष्मिना, चाउ शव देशमिरभद्र वर्गना कतिरक्ष रवाथ रत्न, भाठकवर्ग अनुष्ठ हरेरदम ना ভিন স্থানের লোক বিদেশীরগণ ও তরলমতি মুবকেরা ইহাতে সতর্ক হইতে পার ন। আমরা অদ্য নিম্নতম শ্রেনির জুয়াচোর ভিকু क्तिरंगत वर्गना कतिरङ श्रावृक्त इहेन:म। देशक मध्या देवकव, देवकवी, क्रक्ति, সম্যাসী ও সাধকদিগকে গৰা করিতে হইবে। ও জীর্ণতানিবজন জিক্ষাকরে; কিন্তু অধি করিয়া যাহা পায় তাহাতে খাঁজার ব্যর কাংশ ভিকুক সবলকায় ভালৰ লোক: সর্ব্য পূর্ববালালা হইতে অনেকে ফ্কির প্রকার ভিক্তকর মধ্যে বৈক্ষরগণ অধিক গোরাচীদের নাম করে। ইংলা ছুরাচার। ইহাদিগের আংলে উদর পূর্ণ হয় না আনেকে এইখানতম বিচারালয়ে আ কেহ কেহ বাজারের ভোলা পার; কিন্ত করিতে আইসে। মাই∷টর প্রসাব সংপরিশ্রম কি কেহ**ই জা**নে না। ইহালি করিরাভিকাকরিরা ইহার আহার ' গের অধিকাংশ উপনগরে বাদ করে। বস্ততঃ স্ম্যাদীদিগের অভোগ বাবাজিনিগের উপদগরের একটা স্থানই ইহাদিশের ছার: বেই নেশা, গেই আলস্য, সেই ইত্যির

करत । देवकर्वीविदशत शाद्य अनक यरबष्टे जिल्ला कारहा ताबि कूरे সন্মে কেহ 'গহনা বন্ধক দিয়াঃ वर्क कतिएक हाहिरम ब्यानक देवक रहेट्ड निकाम रहेश बाब मा। **অব্ধি ছুই** এহরপাস্ত ভিকা করিতে করিতে ছবোগ পাইলে চুরী বাটী প্রভাগমন আহার ও অপরাক্র निका, नक्तात नमस्य गाँकात धून व মদ্যপাৰ গ্ৰীত ও পশুৰৎ ব্যবহার টুহা দৈলিক ক;ব্য। ইহাদিখের শতকর ১০ এক বানি মুদ্রিত প্তক পঠি ক প্রির নাঃ ভিকা চাহিবামার না ''বাবাজিত অভিশাপ দিয়| খাং বৈক্ষৰীকৃতি প্ৰাভঃকালে জিক্ষা বৈক্ষৰপূৰ গৃহত্বের ৰাহির বাটীর গ विमन भेतिलांग करत ना, देवस्वीनिः ঐ আচাৰ। ইহারা এক বিষয়ে ৰড় বি चारमक गृहत्यः कमा उद्यी कहे । म ধর্মাবলবিদিশের "প্রাম্পে গৃছ ভ্যাগ রা থাকেন। লম্পট পুরুষের। ইহা निक्टें निहास इत ना शहाद ही (बीवन ও लावना माहे, तम अनाकाशांक हेक्का मित्रा नाम्भट के समञ्जूष्टि कटुत ! क সক্ষারপর হথন বাবাঞ্জর সীয মেনের নেবার কপোতবেত হইয়া " ভ জের ুসহিত হরিনাম করেন, বৈহ ভখন মৎস্য ও তর্কারির পর্সা উপ করিতে থাকে।

क किरत्ता मुननमान । कात्रवानाम ক: শ থাকে ৷ ইহারাও অলগ: কার লোক . ৰথ প্দারিজভা বাটীতে ও মসজিদে আহার পার ; পরিপূর্ব। বাটীতে ইহার। দিবা বস্তা পরিধান ইহাদিগের মধ্যে হনেকে ঔষধ্য

পর সম্যাদী মহাশ্রদিগ**েক জিজাদা** न । भाग्रकिषिश्यात्र मध्यां छुडे आधिन শ্ৰেণি কলিক ভাষাসী। বৈষ্ণৰ বাৰা ন্যায় ই**হাদিশের চরিত**িঅপ্র≎ট : া নোকান ও পুহত্তের বাটীতে ইলার ষ্ণা গুৱ কার্ত্তন কি স্থি। বেক্সার 🖓 🖙 ইসকল কে মঙ্গা মধ্যে ছুই একটী বালিকাক টেয়, ১°; ব**ী এভূতি স্থানে বিক্র**া করিয়া ক আনুর একপ্রকার গায়ক বর্দ্ধনি, ও পা হ**ইতে আইনে। বৈশাৰ,** কাৰ্তিক াৰ নঃদে ইহারা আভিঃকালে গে∀েন্যু তাল আখৰা ডুক ডুকি লইয়া পান কৰে৷ রাসকলেই সঙ্গতিপন ব্যক্তি; সকলেনট ও আনের স হলে আছে: জমীৰাবের ও লাক্ল2াভূতির বার পোষাটবার তেইহারা ভিকাকরে। রাজধানীতে র: ভিকাব্যতীত কথন বা শুচি ভাজে : নে ফ্রার হয় সেখানে অনাহূচ আলার য়া বেড়ায়। এদলে বড় অংথিক সোর কিন্তু আবালতে ধাঁহাদিগের মিখ্যা াদিবার নিমিত্ত লোকের প্রয়োজন হয়, तः विष्टे ह्यात मिठा हे कर्ता करण दान कारण কান করিয়া এই শকল পোণীযন্ত্রণা कि स्थिर मिश्र' अञ्चलीय कहिए। अहे শাগৰ কথন কথা কাটেন না আর ল ভিস্ক একানশী স্কৃতি পর্বাদি সকারেপর **সভা ব্রাহ্মণকে কিঞি**ৎ বৈকুটে হ'টৰে " ব'লিয়া, **বেড়ায় কি**স্ক েগর মধ্যে শবেকে জারী **রাহ্মণ। গুলির** ्गर इ.राज्यका च ५०३६ क**्ष . देवाता कास** কিন্তুরাসাম এক গাড়া শোচা, আর্থচ केहे मकल दा कर इस इस्तव आज स्टत् न

নার কতকত লি ভিক্তক আছে 🕒 🚉 হাই 🥍 के बहारक अध्यात एवं में (क्राफ्ट) , ইংকিমের মধ্যে ব্যক্তল লকেও **প্ৰিগাঁইট কা**টা এব [ধকলেট অল্য: গাঁরে বস্ত্র জলভার কৈ চুক্তির সংখ্য हा छारू। এইভিন বছৰ গুলি কালক 🐔 বৈভায়। ইহার: চীলে বাজার

কে বাবা ঠকাইয়া লয়। রাতিতে লালনীয়ীপ্রভূতি স্থানে চুরির পশা খু'নয় বেড়ায়: শিধ দেওয়া শিক্ষাকরিবার পূর্কো হার শতক্রা ৩০ টীরু সংবাদ গাঁইট কাটা ব্যবসায় শি**ক্ষা করে। ই**হারা नात्छ. एवान्ता । अकटित मटक मटक (मोड़िया যায় ৷ হয় পায় মা নচেৎ প্রহার না দিলে ইহাশ ছা.ড়**না যেসকল বাবা**≆ি খালের ধারে সভ্যার পর ছরিনাম করেন, এই শিশু গুলি ভঁহোদিগের**ই সন্তান**। এতদাতিরিক্ত জার এক দল ভিজুক ভাছে। মাতা অথবা পিংার আৰু, কন্যার বিবাহ, পুতের উপ নয়নের ছল করিয়া আনেক টাবা আলায়ধা. করে বর্জনান অঞ্জের কেং কেছ পুরুর ব্য, চালাইবার নিমিত্র 'দামো রের বন্যায় ্টী ঘর নকলট্ গিয়াছে ৯ এই ভান করিয়া ভিকা করে। আহর ক কণ্ডলৈ বিলাখী জুয়াচুরি শিবিয়া বিদ্যালয় ও রাঙা ক*িব বলিয়া চ*ীলাসংগ্রহ করে। বার**ই**য়া রির চাঁদা একণে অনেক কমিয়াছে; তথাপি ं स अक्ष्रतात क इक्छांबा स्वाक् ा हियातित नारम काशन काशन टेटन नरत्न म व्हान করিয়ালয়, শুলেখোর ও মাতাল নিতাস্ত অস্কৃতিগন হটলে চুরিও ফ্রার পর অব্দ ২ইবার ক্যানবাভিচেকে আরে এক উপায় অবলংম করে। ৪.জা.১.ম হইতে সূত্র ষীহাল কলিকালায় আসি ছেন, ভাঁহার ইহাদিগের ভারাব্ধিত হন। ''মহাশয় অংশার মাতার মৃত্যু ২ইয়াছে সংকাধ্য ক্রিতে পারিতেছিল। ১ ব.টয়, ভি**কা করে**। ুমীটাটের সময় আনসিয়াছে, আনে উপার নাপ কিলে এই উপায় অবলয়িত হয়। কার এক দল ভিক্≱েকে বি'ুভ হওয়; উচিত নয়।ইনারা বিষণুপুর হইতে ভগর বিক্রকরিতে আইসে এক কলে কলি ও শীতলা অংপর ককো উদরেব বোচকা পাকে: বস্তুও বিক্রীত হউতেছে, আহারের চা মও জুটিভেছে। স্বৰ্ণ ৰণিক ও ভশুবায় দিগো পাচক উৎ**কৃত্তের** ব্রাহ্মণনিংকে : 'ন ,ভ ঃওয়া ইচিত **নহে**। র**জ**ন করিয়া জন্মিল এত্যাগ্ন না কবিয়া এই

মহামতিরা দল ৰাড়ী বেড়াইরা যান। এই গ্রকার বাবসায়ী ভিকুক্সদিগের জনা লোক বিব্ৰু হইয়াছেন। অনেকে

এই নিমিত বথা দিরিজে ও ত কমদি সাহায্য কাতে সক্ষ্টিত হন। আহিনে ভিকা নিষেধ ; কিন্তু চে ব্যতীয় এ আমাইন অসুমারে পুলিষ কাজ করিতে পারেন না। এই লোককে ভিকা দেওয়া আর পাপের দেওয়া সমান ৷

विविधमः वाम ।

-:::--

১२ हे क छन (भामनाता)

२९ ९ म:(पत् ।मामध्यकारम भवर्गः रमन्ति विन्तालय्य छार्व पूर्व पूर्व व কাথিড়াল কালেজে এক জনও বি.এ, ÷াই বলিয়া যে লেখা হইয়াছে, সেটা জনৰ হইয়াজে :১৮১৮ অংক প্রথমতঃ ঐ বিদ্য व এ (आ.मि हसू। अभ्यावदार दुत्र है हा दिकास है

আমারিসিনিয়ার যুক্তো নিমিত ভার গাতকোটিটাকা প্রদান করেন। ইংলপ্ত কোটি শোপ দিয়াছেন। আনেরাশি ভিনাল বাক আছে এওলি ভক্তিগ কামান ব व'ङ'(प्रत्मन भाषि (प्रदेश की रुप्रा

উভিরপশ্চমাঞ্চলে এচুর রুটি চওয় उक्र इत किया के भारतीय मंत्रीमाना तमहक व वाम निधा र शधारक्षम, हीमात आत आह्म माहे। नव छेड़े लग्न मिह्न अहे जिलानक যেঞাক র চটু:ভা, দুবদ শিতা⊛ আংমশীল প্ৰদেশন কৰ্মাংজন, ডাল্লিমিড উচ্চুক স্ तर्गः यम्। धार श्रमान कहा कर्खनाः (नः। कारका कि श्राक्त । ए हिंग र प्रक्रिय श्रीय . हेत श्रकान कहा कड़ादाः

शर्रात्मा उड़न उमाल এकविष किन्नि নিমিত যে ক্ষিপ্ন চন উক্লেদিগের বিলে চ ংখ্য ভাৰত ব্যীয় প্ৰথমেণ্ট মৃত্ঞাক करियारका करतल हिंहत मक कुछ ह श'र≽ाका'रकारच সভः (क्रद्रच क्रु:ची २७ श्राहित केल्या एक अक्षार अगान अ अर्हित

म द्वान का के कि को ने का अपने बरम १ (मध् यासिया मुक्त इत्यार् ७ कामग्र इस छ। कर्य জন নরালু ইউরে:পীয় ভদ্রেকে তাং কোন সভ্যাজানের উপায় করিবার নিমি भारत इहेशार्कम । अव, किं अक्ट भार मृद कहेर् পাবে। কিন্তু এইদকল দয়ালু লোককে আন অপ্রোধ করতেছি, ইছারো অপ্রাচ করি ংকিদকে অজেলিয়া অথবা আমেরিকাট

(म (हस्री अवश्मनीत माम्बर কিন্তু সে চেন্টা আজ্বরমান্ত না कटनार्थामिनी स्य अजि उनकटनत । कटलारमाम कडिएक श्राटन काहाड য় উপায় **অ**বলয়ন আহিশ্যক। সে য় কি ? উদ্যোগকারী আমাদিণের वाकादशरणत (मणि काना कर्खवा। দিৰ্দে একমাজে পুরাণপাঠ ও ত বাদলাদলি করিয়া হিন্দুধর্ম রকা বন, হদি এরপ ভাৰিয়া থাকেন, র তুলা বিজ্যনা আনর নাই। ইচা র্চার উপায়, রক্ষার উপায় নয়। কাল পাত্র বিবেচনা করিয়া রক্ষার য় অবলম্ম ক্রিভে হইবে। কাল প্রকার চইয়াছে। যে সময়ে दिन्छ র স্ফি হয়, ভাহার সহিত বর্জমান র তারতম্য করিলে যুগান্তর উপ-বলিয়া বোধ হয়। যে এক ইংরাজী া ভিন্তুসমাজনেধো এবেশ করি-, ভাষা মহাবিপাৰ উপস্থিত করিয়া য়াছে।এখন অধিকাংশ লোকের গুণ বিবেচনা করিয়া কার্যা করি ইচ্ছাও ক্ষমতা অংশিয়াছে। পূর্ব লোকেরা যে কথা বলিয়া গিয়া-, বহুদোষদূবিত হইলেও ভাহাই াম্বন করিয়া চলিতে হইবে, এখনকার এখানকার কর দেমত নয়। কর স্বাধীনরূপ কার্যাকরিবার ইচ্ছা রাছে। হিন্দুগর্ম অতি প্রাচীন ণর ধর্ম। তথান হিন্তুসমাজা রকা্থ লি আবশাক, ধর্মসংস্থাপকেরা तिई विश्वान किर्शाहित्सन । उर्थन গুলিতে দ্বিশেষ উপকার দর্শিয়া । এখন কালের বন্ত পরিবর্তী হই-় এখন সেই সেই নিয়মের আংখি **ন উপকারক ন। ছইয়ে অপকাবক** উঠিয়াছে: যে জ্ৰোক প্ৰৰণৰে:গ াহিত হইতে আরম্ভ হইয়াছে, ইহার

প পমন করিতে গেলে কেবল যে

অরুতার ছইতে ছইবে এরপ নয়, শীজ অবসর হই। পড়েতে চইবে। ত্রোতের অনুকুল গমনই বিধেয়। অত এব উলিখিত সভাছাপনকারীরা বদি হিন্দুসমাজের গোচনীয় দশা দর্শন করিয়া বাস্তবিক বিদামাল হইয়া থাকেন এবং হিন্দু নাম রক্ষার অকপট চেটা জ্বায়া থাকে. তাহার হিন্দু ধর্মের সংক্ষার করিয়া ইহাকে বর্জ্বান গময়ের উপথোশী ক্রিয়া তুলুন। বে যে দোষগুলি মারজ্বক রূপে উন্নতির প্রতিব্যাক্তা করিতেছে. তাহার সংশোধনে ষত্বান হউন।

যদি বলেন, হিন্দুধর্মের কথন পরি
বর্ত হর নাই, ইহার পরিবর্ত করিতে
গেলেই ইহার উচ্ছেদ হইবে, ভাহা
বলিতে পারেন না। হিন্দু ধর্মের পূর্কা
পর ইতির্ত্ত আলোচনা করুন, বহু পরি
বর্ত লক্ষিত হইবে। প্রথম বৈদের স্থিটি
হয়। জ্ঞানকাও ও কর্মাকাও, বেদের
এই ফুটা প্রধান ভেদ আছে। এ উভয়ের
এক উৎপ্রতিকাল নয়। বেদের পর মন্ত্র্
প্রতি স্থৃতির স্থিটি হয়। হিন্দুধর্মের
কেবল এইমাত্র পরিবর্ত হইয়াছিল, এরুপ
নয়। পূর্কে চাতুর্বপ্র বিবাহ ও সমুক্রবাত্রা
স্বীকারপ্রভৃতির নিয়ম ছিল, কলির
প্রথমে কতকগুলি পণ্ডিত একতা হইয়া
লেওলেরহিত (১ করিয়া যান। যদি এরুপ

হার না যে হিল্পুগর্মের সংস্থা যাইতে পারে না। অতএব সভাজাপনের উদ্যোগকারীদিগে তাহারা সময়ে সময়ে কতগুলি লোককৈ সভাজালে আহ্বান কি পরিবর্ত করা আ ভাহার পরামর্গ করিয়া সেই সেই বর্ত্ত করান এবং আপনারা তদ আচরণ করান। বিজ্ঞান প্রেম্বার করে প্রিম্থীত হয়।

हिन्दूनमार का नः कात । उ রূপ পরিবর্ত্ত না করিলে হিন্দুর যে দীঘ কাল অসুৎসম থাকিবে তাহা নিঃস্কিম্মরপে বোধগম্য ভেছে। উংশি স্ত্ৰপাত হইয়াছে मस्रामारमञ्ज समिकारम हिन्द्र व मर्था व्यानक्छिलि छेन्नछित मुत्रि প্রতিবজাক দর্শন করিয়া এ সম পরিত্যানে অসুরাগী হইয়াছেন। তা ≷হার অংগাংশ-ছল। যাঁহার। আ প্রবিষ্ট খুইতেছেন, তাঁহারা যদি নং হিন্দু সমঃজ পাইতেন, বোধ হয় পরিভ্যাগ করিভেন না। দেখিত্ত প যাইতেছে, ঘাঁহার। ইংরাজীতে কুর হ্ইতেছেন, ভাঁহারাই বর্ত্তমান হিন জের প্রতি বীতরাগ হইতেছেন। পুরাণপঠপ্রণালী প্রবর্তন ও লির ভয়প্রদর্শনি বারা ভাঁহাদি সমাজের প্রতি অসুরক্ত করিয়া সহজ ৩ সভাবিভ নয়। তাহাতে অধিক তর অনিষ্ট ঘটিরা উঠিবে। য मलामिनिकार्या अत्य एईएवन, मिर्शा कुडिका महारनताई नि

⁽১) मीमकानः तक्काव्यं शावनक क्रम्स्टाः ।

एवद्वन क्रुट्डार्शिक्ष म्हन्यां श्रमीवृद्धः ॥

क्रमानामम्बर्गानाः विवादम् विक्रांकिछः ।

क्रमानामम्बर्गानाः विवादम् विक्रांकिछः ।

वानश्रक्षानाः ।

वानश्रक्षानाः भारतक्षम् विद्यानाः विविद्यम् छः ।

व्रक्ष्याभावः भारतक्षम् विश्वानाः मदनाञ्चिनः ॥

श्रम्भावः भारतव्य प्रदेशः भर्माक्षमः ॥

स्टिश्रम्भावः भारतव्य प्रदेशः भर्माक्षमः ॥

स्टिश्रम्भावः भर्माकः भ्रम्भावः भविष्ठः ।

श्रम्भावः मान्याभावकः निर्वाकिमितिनाः ॥

स्वाक्षः । अव्यक्षः श्रम्भावः भर्माकः ।

वाक्षानाः भ्रम्भावः भर्माकः ।

वाक्षानाः भ्रम्भावः भर्माकः ।

वाक्षानाः भर्ममः भर्माकः ।

कृष् व्रव्यवः वृक्षाः ।

कृष् व्रव्यवः वृक्षाः ।

कृष् व्रव्यवः वृक्षाः ।

कृष् व्रव्यवः वृक्षाः ।

कृष् व्रव्यवः ।

कृष् व्रव्यवः वृक्षाः ।

এডানি লোকত প্রবিং কলেরাদৌ ২ নিবাছিত নি কর্মানি ব্রক্সেরি সময়ুক্তাপি সাধ্নাং প্রমানং বে

বিভাইবেন সংক্ৰেছ নাই। দলপ সংস্থানকে ইংরাজী শিথিতে মূপ করিয়া রাখিবেন, ইহা চনহে।

-308

বিশ বিদ্যালয়ের ইনাক্তাদিলের পারিভেন্দিক লান।

তে ২৭ এ ফেক্সেয়ারি শনিবার কলি

ার বিশ্ববিদ্যালয়ের প্রীক্ষোভীণ

मिश्राक व्याप्तार्थीच्या मही. হ। বেলা৪ টা বাজি বামতে গ্ৰহ নাল আগিমন ক্রেন, গ্রামভার সভা ি বিশ্ববিদ্যালয় সংক্রাডঃ ব্রপ্রিপান त्रा उँशिक्षा क ममाद्रिष्टि होनेश्व कुन्नामन करिएन अवश् महास मध्य াক প্রজুপোনদারা উটার্বার সমাননা রি**লেন। বিভাব এডকেশ**ীর ও ইউরো য়ি জীলোক সভার আগগন করিয়া চলেন। পা≲িতোষিক ⊄েদক্ত ছ≷লে র বাইস চাজেন্লর সিটনকার সাজের १८कटल विश्वविकासिटस्त वार्श्विक द्वाराय र्गन करिहा विलिल्सन, अञ्चलक भीत अभी রপাঞ্ডেরা শিক্ষার নিমিত্র বিস্তুং াক দিতেছেন, এটা অভিশঃ, আনন্দের বেশ্য। তিনি সূত্রাৰু প্রন্নব্যার ঠাকু रह नामहे अथानकः উट्लिश कतिद्रलम्। জামৰা হুঃখিত হইলাম, এ বাব अवेर्होड मारक्रवंड वक्का संबार्याना उ छ। प्रक इह नाई। डिनि विश्वविकाल ্টেৰ বৃত্তিস চাক্ৰেস্প্র, আমত্র বৃত্তি কার ভাষাম্ভিক বিহণ পরিভ**াগ করি**য়া ,काम काच विना ह 일거장 ক বয়া বল উচিত ডিল विश्व विमाल े, ल्लारक रव इष्टांत्र व्यक्ति स्नावनहराश াং কেত্র সঞ্জ, প্রাণী ोप्रकृति किरम अन्यस्त इस, কুল কাইয়া ভীলের ব্যক্তিয়া ছিল , শিক্ত ভারা লা কারিয়া

ভিনি সর জন লরেন্সের প্রশংসা করিয়া অধিকাংশা সময় অভিথাছিত করেন। সর জন লরেন্সের নিকটে শিক্ষাবিভাগ ঋণী নহে। অভএব প্রোভ্বর্গ যে উাহার কুট এই এশং সাগান ক্লেশকর জ্ঞান করি বেন, ভাগং আশ্চর্যার বিশয় নহে। সিটন কার সাহেব বঙ্গদেশী নিবিলিয়ানদিশের

ত হোছেন সন্দেহনাই, অন্যথা তিনি ইহাতে এতদেশীয়দিগের কেবল ওবাসতি ও বিচারকার্যাে সম্ভট থাকি বার অভিপায় একাশ করিতেন না। বজু ডাটা দীয়া ও উজ্জন্মল হইয়াছিল; কিন্তু শূন্যগভি।

বাইন চাকোলবের পর লাভ মের
এনটা বলুতা করিয়া ছাত্রদিগের উৎসাহবর্ত্তা করিয়া ছাত্রদিগের উৎসাহবর্ত্তা করেয়া আনার উল্লেখ্য বক্তা
মথ্যে একটা আনাসনবাকা তাবণ করিয়া
পরম প্রীতিলাভ করিলাম। তিনি স্পাটা
করে বলিংচাছেন, বিদ্যাশিকানিব্রান
যদি ইংলণ্ডের সাম্রাক্তা অহুমেত হর,
তথাপি তিনি শিকাকার্য অহুমেত হর,
বেন না। আমাদিগের সমাবেশ পাকিলে
আমরা এই বাক্য স্থাক্তরে লিখিয়া
দি হান।

ভার একটা অন্যায়।

ভাষেণা হঃখিত হইলাম, এ বাব

ইংলণ্ডীন মান্ত্ৰিগের আর একটা বি

লাই হাল সাহেবের বক্তৃতা কথাযোগ্য

লাই সত হল নাই। তিনি বিশ্ববিদ্যাল

লব বাই স চালেলগের, আচএব উচ্চার

লগানির হিলাগেলগার, আচএব উচ্চার

লগানির কালেলগার, আচলার কালেলগার

লগানির কালেলগার কালেলগ

। आफार्सात विषय नरह। तक ना हेशास्त्र আছেলাদিত হয় ? কিন্তু কেবল হতভাগা ভারতবর্ষীরের ইহাতে চর্ষের কারণ নাই। ইংলভের দৈনিক ও রণতরিসংক্রাস্থ **बाग्रमः ८८ भक्त वर्ष व्यामः निर्**गत करन ভারকেপণ করা।ভারতথ্যের সহিত हेर्नारश्वत स्मामन अकिञ्च कहिवात জ্বালায় আমরা অদ্যাপি জ্বলিতেছি। জাঃ চাৰ্ণীয় গৰ্ণমেন্ট এই নিমিত কয়ে চ খানি পুথক রণভারি করিবার এস্তাব করেন। মাজুবর্গ ইহাতে স্মতি দেন নাই ; কিন্তু বলিয়াছেন, তাঁহারা যেমন ট্রন; ভঃড়, দেন, সেইপ্রকার রণ্ডরিও ভাড়াদিবেন। কে,ও অব ইতিয়া বলেন, বেইমাত্র জাহাকগুলি ভারত্ব বের দীমার (ভাবত দাগরে) আদিবে দেই অব্ধি এগুলি ভারতব্যীয় গ্রণ্মে কৌ আজ্জাধীন ও গ্ৰহণীয়েকীকে বেতন ভাড়া এড়ডি পিতে চইবে। সচর क्यंहातीतिहात्र । রণ**ড**রির বেতন দেওয়া হয় ভদপেকা অধিব বেভ্র লাগিবে। আ্মার বেধি ক্রি **हा≷लङार्ग माट्ड्य ३०७**िमः ऋषि दा श्र**्रकर**लात रम अक्षांत करियोर्डन, जन भारत हेड़ा इंडेएडरहा अधि हेन्स औ কংশ্রনাতাদিরের প্রেম্মতিশ্য সুথে विषय इहेल भटक ह गाई, किंदु स्य किंद নে ভারতব্যেরই ইইল। যেসক काइ क शुर्विद्यात बना बना बराम ब শ্লাচইবে. দেশুলিকেও ভারতবংশ স্কুক্রে নিকেপ করা হইবে। বে কার প্রাভুক্তিক হওয়া উচিত। তঃ রণ্ডবিব অধ্যক্ত থাবা চদদীনত আ সরগ্রের হইবে না। উচ্চার। ভারতবর্গী भव रियर्णी विकर्त मात्री बक्षण जीव ক্রিবেন না। বেমন অভিতিক দৈনি ও অক্ষণ্য কানান প্ৰভৃতি ভাতত্বৰ ্দওয়া হয়, কতকভালে জীৰ্ণ জাহা দিয়াও সেইপ্রকার আমাদিগের ক ভাব থ'কা কঠবা। এই বজুর ছুঁচ ও স্থায়ী এই আমার নিডাভ বাসন।।

विकेशिकारकं स्थापका श्रीवाषा दि विर्ध् हा इर्डेग्नरह, फविनका काति विरमय हाथिए, हा हि। अरे इष्टेमा कात मा रहा. अभिक्षित प्रमिद्धालय म र्थिके खण्डाहा लाइक्या विस्तर एक विकास कार्यका कार्यका कार्यका म, स्थापांत अभाव हुए विद्यान स्थाप्त ।

বংগরের বৃায়ের বে ভালিক। আংশমারি -ব নিকটে দেওয়া হইবে, ভাহাতে ব্যুদ্ধ কেশ প্রদর্শন করিবে।

আয়ারলভের অবস্থা এরপ স্টয়াছে যে বংসর আর হেবিয়স কার্পস আইন স্থানিত বিজে স্টবে নং, অফার এবত বিশাস ডিঃ ৯

कु डो हाटन हो औ, विनिद्यादहम, बिक्रेनिमिलान নহ'ৰভাৰ বভং মনোনীত কলিবার সময়ে বেৰ দ বাবহার হয় ভাগিবয়ের **ক্ষুদ্রদান** করা ক रा. सिप्टेनियाम करत्रत्र अञ्चलकात स्ट्रेट्स । ए। निका द्वा अपे अपे निवास आहेरनत छे९क । । भूत कार कामा इंडानर छुत्र भक्तिशकाक वरमाः खत्र विषद्ध भोज विद्युष्टना स्थातक स्ट्रेट्स <u>।</u> अ বল্লে বে আংইন আনব্দকে ভাহাতে মহাস র অসমেক সুকর ও পরিভাষ লাগিবে 🕫 " व्याय अ दिश्वात वा.८४, अहे कुल्डाह वद्र विद्वहमात्र नामस्य स्थालनाज्ञाः सावजीत ध्यति इयादर्य श्रीक मरणस्यात विद्वा भित्र शकुष्ठ हें क्रिक लक्त कर्तिता, काव्य कति । ন। সকলের প্রতি সুমান বিচার করিবার াম অংশসাম করিয়া আপ্রারা স্ক্লের ভা সাধন করিবেন।

এতখারা কায়ারলণ্ডের লোকের একড়াব এবং উহিলা কাইন ও গবর্ণনেটের প্রতি খাচিত অহা করিয়া পূর্মতন বিরোধ বিক্ষৃত এই কামার কভিলাব। ১ বজ্তার স্মরে এতবর্ষের কোন উল্লেখ করা ইয় নাই।

न छन ४४ है क्विन्न होति। सार्फ क्विन्न इनिरमत हाँडेल कनमात्रवर्षिय स्टन्त क्व इ.सहर क्विन्न हिन्द

শৈষ ভর্মের নিমিত স্তসভার অন্য পুন র অধিবেশন হইবে।

বেল জন্মর গ্রেণ্ডের জন্তুরোধে ক্সেড্র সেকা লকসেধর্মের রেল এছের প্রক্রান্ত করি ভার কোন করালী ক্যোপানির হজে না ার বিধি করাচেত করালী সংবাদপ্রসমূহ ক্রোধ প্রকাশ করিয়া মহাস্কাকে এই আইন

ভ করিতে বলিভেছেন।

स्त्रामी गवर्ग्यन्त अक महसूनात्रशांत्रा स्नाना देवारहम, माधात्रन अधकामा (मस्न कदिवात विवयत मध्यकि विमकत सूत्रावहात श्रामाण इदेवारह. जाहा वस कहा डाँशांतिरात हैस्या।

निडेदेवर्र १४ हे क्षित्रवाति। जामितिकातं महामजाते त्य किमिने विद्यानीय अवर्गय किम्यूट्व महिल महत्व्य विद्यानां कर्त्रम देश्यां अक्षित्र विद्यानां कर्त्रम देश्यां अक्षित्र विद्यानां कर्त्रम देश्यां महिला विद्यां महिला विद्यां महिला विद्यां महिला विद्यां किमिने विद्यां किमिने

न्यम १३ अ (कक्षत्राति। प्रत्नकात शक्ता त्वत्र विषयः स्रोत त्व केखत निष्ठारका मध्य काश श्रद्ध केत्रिक विनिष्ठ (इस. १ वृत्र क्षत्र महिक्सी रमन् विवासन (भव स्ट्रेन)

কুত সভার কার্যা শেষ চওয়াতে সভা ওজ চইয়াছে রণজরির আধ্যক্ষ হনপ্রন স্ট্রাট অল বেডনে বিশেউইচ চিকিৎসালরের আধ্যক্ষ চইয়াছেন।

রাজ্ঞীর বজ_্ডার প্রত্যুত্তর সক্ষণ মধ্যেত। অভিনক্ষন নিয়াছেন।

া ক্ষেট সাহেবের প্রশ্নের প্রস্তুত্তের লো সাহেব বলিলেন, ভারতববীর গবর্ণনেও টেলি প্রামে বলিয়াছেন, আবিসিনিয়ার মুদ্ধের নিমিত্ত উহারা ৭ কোটি টাকা বাস্ত্র করেন, ইহার মধ্যে ৪ কোটি খোধ দেওয়া হইরাছে।

বেশক্তিরশের মহাসভার কমিটি লকদেছ গের রেশুরুরে বিশ প্রাত্ত করিবার অন্তরোধ করির'ছেন।

ভবলিউ, এচ, শিষ সাহেব ওয়েষ্ট মিনষ্টরের সিম্ব প্রতিনিধি বলিয়া শীকুত ক্টরাছেন।

वीत्मत बाष्ट्रास्त्र शाहेश हेक मामत महिल वीत्मत महार भूनःश्वाशतन स्वायमा कतिला मूख महा क्या क्या स्ट्रेसाइडी। कूत्रक व वीम कीशितित क्या क्या किलाइक क्या क्या किलाइडन विलिश महा का हांशितित क्या वाम मिलाइडन । वीत्मत बाका मूख्मछात्र श्वासि मन्या स्ट्रेसाइडन विलिश सभीत महारे विलिशास्त्रीत बाका करकत निकटी स्व श्वास महिलाइडन ।

त्माथिक वामरकात देवनिक (मरक्रिकेति क्राकित्मत भगकात्म कतिबाद त्य श्रक्षात करतन, काश बाह्य हम नाहे।

২০ এ কেজয়ারি। রাজকুমার লিওরা লুড়ের কঠিন গীড়া হইয়াছে। তদ্ধিবিত্ত রাজী মহাসভার এড়েস এহণ স্থলিত। তেন।

মার্চেউস্ ফোম্পানির অধাক্ষ চাইল কৌজদারি সোসয়নে অপন করা হইর

পারিস হইতে শেষ সংবাদে প্রক করালী সংবাদপত্রসমূহে বেলজির্মের বুজ করিবার কথা প্রকাশ করিতেছেন। তেল বেলজি সংবাদপত্র বলেন, বেলবি আধীন শাসনপ্রকালীই করাশীদিনের বেলবি

পেরা ২২ এ ফেব্রুরারি। খেবিনা হর দুতসভার প্রভাবে। সক্ষত হওয়াতে দেশের সহিত ভুরজের বছুভাব পুনরার শ্রীস এই সক্ষতি দেওায়াতে ভাঁহার বির সকল সক্ষা হইতেছিল, স্থলভান ভাছা ব

> গবণ মেন্ট বিজ্ঞাপন । বঙ্গদেশীয় লেন্টনন্টগবর্ণরের আদেশাসুসারী নিয়োগ্ন।

১ ই কেব্রুপারি। ডেপুট স্বাজিত ডেপুট কালেইর বাবু জগবানচক্র বস্থু নিনের নিমিত্র বর্তমানের কমিস্মরের প্রতি নিক্র সহকারী হইবেন।

১৬ ই ফেব্রুয়ারি। রেবেরেও এফ, মাজুচেলি দার্জিলিড়ের সাধারণ বিদ্যা সভার সভ্য হইবেন।

১৭ ই ফেব্রুয়ারি। যত দিন ভর্তিই মণি সাহেব উপস্থিত না হন, তত দিন ১১ ই ফেব্রুয়ারির অপরাস্থ অবধি এ বি, সি. রেবাণ সাহেব ভাগলপুরের প্রতি মাজিটেট ও ডেপুসি কালেক্টর হইবেন।

अन् हे एक्ष्याति । हर्ने शास्यतः श्री काहे हे माक्षिकः । अपन के कारमहेन उपनिष्ठे, कात्र, कार्के ने माह्य अन्थ्यः अन्य अन्य कार्यक्षः । कार्यक्षः व्यवस्थाते । भात्र कार्योग व्यवस्थितः भात्रियमः

২০ এ কেব্ৰয়াই। যত দিন জি, ট সংহেৰ বিদায় লইয়া অনুপঞ্জি থানি ভক্ত দিন ভেপুটী মাজিটেট ও ভেপুট কা বানু হ্রকালী মুখোপাদ্যায় ভ্রুক উপবিধ ভার পাইয়া প্রথম গ্রেণীর ক্ষীন মাজিট ক্ষমকা চাজন ক্রিবেন।

২২ এ কেব্রুয়ারি। সি. জেন টোণ বমত সাহেবের অনুপস্থানকালে কলি। প্রতিনিধি সহকারী কালেটর হইবেন। বিচার ও রাজনীতিসংক্রাক্ত বিভাগ।

† ই ফেব্রুয়ারি। যত দিন তবলিউ, জার,

াহেব বিদার লইয়া জনুশক্ষিত থাকি
ত দিন এ, সুেয়ার সাহেব লোহারতগার

বি পুলিব স্পরিকেতেন্ট ইইবেন।

বলি সাহেব সি, বি, বলদেশের ব্যবস্থা
ভার জনাত্র সভা ইইবেন।

তে দিন বাৰু রাধান মাহন গোস্থামী বিদায় । অনুপঞ্জ থাকিবেন, ডক্ত দিন বাৰু শক্ত নাগ এম এ, ও বি.' এল, গোয়ালপাড়ার নিধি মুক্তেক হইবেন।

েই ফেব্রয়ারি। সাধ্য আসিটাও সার্জন ধরনাথ রায় ১৯ এ নিবেয়র আংগি ২ রা রারি প্রায়েষ বস্তুজার দেওয়ানি চিকিৎসার। পাইয়াছিলেন।

জি, এচ, কে আং সাহের বগুড়ার দাতবং বিসালরসভার অবন্তর সভঃ হইবেন। ১৯ এ ফেব্রুয়ারি। যাত দিন আংশিস্টাট

ন জে, জে, মণ্টিথ সর্কারী কার্ষে।পলকে স্তব,থাকিবেন, ভাত দিন জাগিষ্টাণ্ট সার্জন ও, ডানিএল শিলচবের প্রতিনিধি দেও চিকিৎসক হইবেন।

লাছাড়ের সংকারী কমিসনঃ কিছু দিনের ভাশিলচরের জেলের ভার পাইবেন :

ে একেকেয়ারি। ভাকরে এ. কে, রিভ দিনের নিমিত শিলভের প্রতিনিধি সিবিল নি হটবেন।

ষ দিবস ভৰলিউ, করেনি সংক্রের কংগ্রেছার গ করিয়াছেন, সেই দিবসংব্য এ, লিবিএন বৈ বসপুরের প্রতিনিধি সিবিল ও সেলিয়ন ইউসেন।

তে দিন সি, এস. বেলাই স'চেব বিলায় : অসুস্বিত আকিবেন, তাত দিন জে, ডি. ড সাহেব রাজসাহীর প্রতিনিধি সিংবিল বিশ্ব জ্ঞাহটবেন:

भ (क्ष्याति । यात्र निम , लश्वेमके कात्र, विदेश शिक्ष भारति विदाय होता कार्य । कार्य । कार्य । कार्य । कार्य । कार्य विदाय कार्य । कार्य विद्या कार्य । कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य । कार्य क

ভি দিন বারু ও াগ রায় বিদায় ভি**লহপত্তি থ**ার ভত দিন বারু গদা ভিনৰয়াখালিখ গ[া] পুল্ফ ভূপরি ওকী হইবেন।

কেলিউ, এস ওয়েলন সংক্রেও নিনিজনত বজা**জাজাক হ**ইকেন। নিকলির মুজেক কারু ভগাবানচ**তর** বেন মর্মনসিংহের প্রতিনিধি মুজেক **হটবেন**।

-808-

আমানিগের মগরাস্থ সংবাদদাত। লিখিয়াছেন।

১। মুংসিরাবাদ জেলার জন্তগত মুবসিদ।
বাদ, বালুচর, আজিমগঞ্জ ও বহরমপুর নগরে
জুয়াখেলা নিবারক জাইন ১ লা ফেক্রয়ারি
হিটতে প্রচলিত হইবার আদেশ হইয়াছে।
কিন্তু বঙ্গদেশে জুয়াখেলার জতাত প্রান্তভিব
এখানে উক্ত আইন প্রচলিত হইলে তাল হয়

২। মদস্প পুলিষের ব'র্জককোলীন পেকন কণ্ডের সন ১৮৯৮ সালের এপ্রেল মাস অবধি সেপ্টেরর মাসপর্যত্ত আর ব্যায়ের বাণ্টাসক হিসাব প্রকাশিত হইয়াছে, ভাহাতে আয় ৪,৩৬,৩৫৪(৪০বার ১.৪০৮/১০ বাদে উদ্ভ ৪,৩৪৯৫০॥৬ টাকা আনা গোল।

পূর্বে কাওরাপুকুম হইতে মধারা পর্যান্ত বাল কাটিবার কথা শুনা গিয়াছিল, সংপ্রতি কাওরাপুকুর হইতে ভাষা আরম হইয়াছে।

৪ : গানা প্রলভানপুরে এক জন সব ইন ইনজ্পেটার ছিলেন। কিছু দিন হইল ওপায় আর এক জন আভিরিক্ত সব ইনস্পেটার আসিরা ছেন। শুনিলাম, ঐ থানা ভঃলিয়া আর একটা দুভন থানা সিমুল বেছিয়াতে হইবে। এটি হওয়া আবশাক, কারণ ইহার এলেকা সমুদ্র পর্যান্ত।

৬। স'প্রতি রুক্টি **হওয়াতে ধানেরে পক্তে** কৈঞিং উপকাব দর্শিয়াছে।

৭। মগরার সন্ধিত মর্গাদারামে একটা বালকের বঙ্গে অগি লাগিয়া জীবন নত হট য়াছে।

৮। পদ্মপুর্বিরা প্রামে বৌড়াকাইভির
বিষয় যাচা ২ রা মবেস্থবের সোমপ্রকাশে প্রকাশ
করা গিয়াছে, ভাচার আসামীরা সেসিয়ন
আদালভ চইতে জুবির বিচারে অব্যাহতি
লাভ করিয়াছে। আজি কালি জুরি বাবুদের
আসামি ছাড়া রোগ জুলিয়াছে।

৯। ভাষমগুরারবরের ডেপুটী মাজিটেট ও কালেটার জীয়ুক্ত বাবু কেমচন্দ্র কর মহাশয় এক মাসের বিদার গ্রহণ করিয়াছেন। এপর্যন্ত ভাঁচার হানে জন্য কেহ জাসিয়া উপস্থিত হননাই।

১ - । একবে এখানকার সূই এক এামে এলাউঠা আসিয়া দর্শন দিয়ে আবস্তু করি- ১১। এখানকার গ্র^{ব্}ষে ট র আ। স কার্যা এক্ষণে সমাপ্ত হ**ই**র'ছে।

১২। মগৰার হাটে সরু সিদ্ধ চাউটো ২০ আনা, লবন টাকাল্প সাজ সেব ছই কার্ছ ডিন মন দশ সের, তৈল নর পোলা হইভেচে। কেবল মংস্য ও তরকারী সর্দ্ধ সুক্ত আছে।

> মগরা ২০ এ কেব্রুর/রি } ১৮৩১

আমাদিনের কোরহাটিছ সং দাত। লিখিয়াছেন।

লোক্টল, ভিরুজখাগড় ভি এম এই স্থানের মধ্য দিয়া বে একটা বাস্তা উ बूट्य हिलाया शिक्षाटक, खन्दाता जन्दीय ह শীয় অসংখ্য লোক গমনগেমন ক'রয়া গ কিন্ত ছঃখের বিশয় এই যে, সংপ্রতি ভার लारकद्र हमाहम अप्यक्ति कर्षित इहेग्र प्राट्ठा.च्यामका व्याटनक मिन यातः खे श्रुव्हिंगात्म काछ प्रविकाल कार्यक्री খানা দেখিয়া আংসিতেটি। ছুর্গল্পে নিকট দিয়া গমন গমন করা বড়ই ক এডফারা কি গমনশীল পথাতী লোক খাজ্যেৰ ব্যাহাত হয় না? এই আন্তৰা করিবার জান্য আমর। কাহার নিকট ব शकु ७ भरक क्षाचीय श्रृतिस्वत्हें हैहा कर्डवा। किन्त कामानित्यव जीनगरव्य কর্মচারিগণখারা ইয়া কোন মতেই : নর টিহারা প্রায় সকলেই এই রাজ্য গভারাত করিয়া পাকেন, তথাপি যে প্রতি উচ্চাদিগের দৃষ্টি পতিত হয় না, আশ্চর্কের বিষয় ৷ পরপেরা শুনিজে **এই आमरिटेड वनी कामरक**ोडिनिनेका পভার সভ,গণ ১০ম নিয়মানুসারে (জনাসুদাৰে সভা প্ৰামেৰ আছে বিধানাধ कीय नाश्या धारण कविट्यम) मूनभी ভিপুটী মাজিটেট বাবুর সমীপে এভন্থ दिर्शिष्ठे श्वरंग कतिर्देग । खत्मा कृति । বাবু রাজ্ঞার পাম হই তে পায়খানা কয়টী ইয়াদিবার আবেদন গ্রাহ্য করিয়া সভা मस्मात्रथ भूर्य कतिरवन ।

এই স্থানে একটা পোষ্ঠ আফিলের প্র নবিষয়ে আমরা আনেক দিন যাবং স পত্রে লিখিয়া আসিতেছিঃ কিছ ক কেন বে ডংগ্রুডি মনোযোগ দেন না, ব পারি না। আজি কালি এতদক্ষণম্ব বে -----

আমাদিগের পাবনার অন্তঃপাতি ভারেজাত সংবাদদাতা লিখিয়াছেন:—

১। এবার আমাদিলের ভারেকা ইংরাজী স্ল হইতে প্রায় ৮।**৯ জন ছাত্রহ**তি পরী**ম্**ল-নিতে গিয়াছিল। শুনিতে পাই এক জন ছাত্র মাত্র উত্তীৰ্ণ ইয়াছেন। এই বিদ্যালয় হইতে অন্যান্য বংগর ৪।১ জন প্রীক্ষায় উত্তীর্ণ হই তেন। এ বাব কুলের অবস্থার ভূমকা। মহ শয় : এই স্বাদী ইতঃপুষে পাবনার মদক্ষক স্থ -अनुसम्प्रदेश सर्पर उद्योशे हिल. (क्या काउन তেলি অন্যায় কারণে স্কুলটা ক্রে ছুরবস্থান্তি ⊉ইরা পড়িয়াছে। এখন এংমের অধিকাংশ দাত্তব্য প্রদাভারা দাতবং দিভেক্ট বোধ य दिन। (मर्ट्यकोदी व के कि क, किनि क तन्य ±:ভি ৰিশেষ মনোধোগ বিধান করেন। নতুবা অনুলটীর ভবিতব্য বড় মশদ। ভাঁহার বিশেষ বিবেচনা করা উচিত যে, যে ক্লের ছাত্রের দৈনিক উপস্থিতির সংখ্যা ৮০।৯০ ছিল, সেই ক্লে এখন ১২।১৫। ২০ জন ছাত্রের করিক উপস্থিত হয় না।

২। আজি কালি গুলমানা বলবিদ।লয়েব অবস্থা উত্তম। এখন এই বিদ্যালয়টী ভালরূপ চলিভেছে। শিক্ষক মহাশ্রেরা বিশেব মনো যোগের সহিত কার্য্য করিয়া পাকেন, ছাত্র সংখ্যা ৪০ জনের কম নয়। বার্ষিক পরীক্ষা হইয়া গিরাছে। মহাশ্রা এ বিদ্যালয়টী ছংখী সরিস্তসভানদিগের বিদ্যাভ্যাদের স্থান, ইংছে এক আনা এই আনার অধিক বেতন

मिया य पर्क कमन काज करू कमन नाहै।

आभाव विरम्प कार्यना करे, मिर्क्काति मरा

मध्र यम विम्रामस्य विष्ठानस्य विकास करिया।

ना करतन।

ত। মহাশয় ! আমাদের বাসপ্রামে আজি কালি বড় ভক্তবের ভয় ১ইয়াছে !

৪। মহালয়া পাবনা জেলায় এ বার
বড় ভাস ও পাল। খেলার ধুন। কি জেলার
প্রধান স্থান, কি মল্পলস্থ পাড়াগাঁ যে স্থানে
যাইবেন প্রায় সেই স্থানেই কি স্থানিজভ কি
ভালাজভ, সবলেই এই ক্রীড়ার অন্ত্রোগে
লেখাপড়া সব ছাড়িরাছেন। যাহারা স্থানীয়
লোকের আদর্শ, ভাহারাও দিন রাজি আমাদে
উল্লেখ্যায়। মহালয়! এভলিবন্ধন এদেশের
অল্লেভি হইভেছে না। আমরা প্রধান প্রধান
ব্যক্তিদিগকে বিশেষরপে অন্তরোগ করিভেডি,
বে ভাঁহারা এই বাসনে ব্যা সময় নই না
করিয়া জীবনের সার্থক কার্যো লিপ্ত হউন।

মহাশয় ! কয়েক দিন হইল ভারেলার নিকট বার্ত্তী মথুরানামক স্থানে করেকজন সাহেথ আসিয়াছেন ৷ মফললে সাহেব আসিলে যে যে কষ্ট ক্ষম ভাষা সকলই হইভেছে। এখন গ্রেণ্টের নিকট প্রার্থনা এই, সত্তর ইহারা স্থান ভাগে করুন।

আবাদিগের রঙ্গপুর কাকিনীয়াপ্ত সংবাদদাতা লিখিয়াছেনঃ---

আমরা ছঃখিত হইয়। প্রকাশ করিছেছি,
গত ১৬ই মাঘ রাত্রি এক প্রহরের সময়ে
ঘোড়ামারাপ্রভৃতি স্থানে শিলার্থিও প্রবল ঝাটকা হইয়া ঐ ঐ স্থানের বিস্তর ক্ষণ্ডি হইয়া গিয়াছে: শিলাবর্ধণে ঐসকল স্থানের ভামাক প্রায় ভৃতীয়াংশ নষ্ট হইয়াছে। প্রবল বাড়ায় ঘোড়ামারার নিক্টবন্তী ব্রিজ্যোভার ঘাটে প্রায় ১০। ১৪ খান মহাজনের নৌকা জলমগ্র হইয়াছে।

২। শুনিয়া হংগিত হইলাম, গত ২৩ মাষ অপরাই জিন ঘাটকাব সময়ে রজপুরেয় সদর স্থানে অমি লাগিয়া আন্নকগুলি উকীল ও মোজগারের বাসা দক হইয়া গিয়াছে। এই অগ্রহণাতে অভ্রা অধিবাসীদিগের অনেক কভি হইবে সন্দেহ্নাই।

৩। ক্ষেক দিন গত হইল, কাকিনীয়া ও তুৰভাগুৰে গবৰ্ণমেণ্ট সাহায্যকৃত বিদ্যালয় ভয়ের বার্ষিক পরীকা নির্মাহিত হইয়া গিয়াছে।

পরীকাক্সের মাষ্টর বাবু চক্রম ভন্ন লোক উপ

৪ : গত ২৪মহাশ্যের যথে
এই দিবস রজপু
মহাশয়ও বোগ উপস্থিত ছিলে
হজিলোডপ্রভূগি অঞ্জাগণ্য হইয়া
কারলাক করি

का श्वित्रा वालिकावित्राव मानिक शाः विवाद स्थाः देशस्थानेत वातु देशस्य निकारे स्थित स्थानाद्व स्थानाद्व

৬ । গ্রায়
একটা ধর্মসভা
মারজন রায়
এবং স্মাজের
সম্মত আছেন
অব্রভ্য মানবং
লাভ হটবে সং

৭। ছুবড
মাংন রায় এ
মহংকার্য করি
ছেন। ডিনি
জীবনরকারে
বাছেন।

মান্যব্য়

বা পড় : লাম, যে ৪ঠা জা নামক দে পেটর ভ: সংক্রেণ ভুক্তভা ঐ প্রেণ খ্লাম এবং দেখি সাংক্রের অসুবাদ प्रभाव क्रियाद्या, মতে। সকলত লই ব বাস্তবিক্ই বাস তে পারিয়া একে a বিষয়ের সভ্যাস । অস্বর প্রমাণের **ম্ব। লেপ্টনস্ট গব**র্ণর করি যে, ডিনি এক ষ্বার গত ৪ ঠ। ' ' শিকাধিভাগ " অপুৰাদ কর'ইয়া **म**्ट्र छहेक न ः कविद्यारङ्ग अवर ব্ৰিভ্যাগ ক্ষ্মিয়া ালের ভিন্সিপাল क्षेत्र इहेश्राधिक, থত হয় নাই। e एक महिम्द्रशत् হইতেচে মল ক্তি ভেদপেকা রূপ সেম্প্র সিংছ রুবক্সন र कोटलटळाड একটুমাত্র 'ফশ্র'দ্রার

হ্র লিখিয়া

শংক বিষয়

영 가장시구

(작1司*表*7.4)

ভাৰাই য: দ

श्चर या छिन

র সংক্রি

টে ভিনথানি পতা উহা ডিনি অসুবাদ কবিয়া কর্তৃপক্ষের পোচর করিতে সাহসী হইবেন কিনা? যাহা ছউক আমবা উচা দেখিবাৰ জান্য সত্ঞানস্থান উইকলি রিপে:টের প্রতি প্রতীক্ষা করিয়া রহিলাম। এক জন পাঠক।

> মকদ্দশার কে জনারী বিলি প্চাপত হওয়া **অবধি অনেক কুলে** সেখন অনোলতে অনেক মকক্ষণ জুরির ছারা বিচার চঠ্য। আসিতেতে। আবার সেই জুরিদের হতে এমত অদীম কমতা দেওয়া হট্যাছে যে, ঊ হারা धरेगानवरमा करकत अधिधारप्रत विभन्नोफ নিস্পৃত্তিকরিডে পারেন এবং ভাষার উপর কেবল অ:ইনদাউড প্রধানভম বিচারালয়ে অনাপীল হয়, যে আচাই মের *(হা*ডুবালে নিষ্পত্তি সেসন আদালতে জন্তের ছারাই হইয়া থ'কে। সূত্রং জুরির নিস্পত্তির উপর আবার জাণীল নাই : জুরির এইরূপ অসীম ক্ষড। थाकार७३ ३ डेक, किया जु.त निर्माहरनत पार्यह হউক, আমবা দেখিতে পাই, অনেক স্থলে জুরির विष्ठादत करनक निर्दर्भावी वास्ति मेख शाहेबा থাকে, জাবার স্থলবিলেধে আন্নেক দোষী ব্ৰেক নিৰ্দেষ বলিয়া মুক্তিলাভ করে। এরপ য্টনার প্রকৃত কারণ অমুশকান করিছে গেলে कृतिनिक्षाहरू तत् (सायहे हेशव श्राम कावन বলিয়া স্থিব সিদ্ধান্ত হয়। আমারা সেই সেকেলে পুরাণপাপী মোজনার ও অমেকিক অসমীদার ও প্রামশ্বর্গিপ্রভৃতিকে অংনেক শ্ময় জুবির অবাসনে বসিত্ত দেখিয়াছি । সহাশ্রু । য°িহারা মতুষ্ প্রকৃতির প্রীক্ষ চইয়া বিচারাসনে वरभन, ऊँ।हात्रस्त्र मृत्रममी ও शक् छिए र उत्र অভিশ্ব আবশ্যক। কিন্তু একণকার জুরিগণের মধ্য ভেমন লোক প্রায়**ই পাওয়া হার** না। উ:হারা, চয় অন জিজাত:লৈবে ঘটনার প্রকৃত প্রস্তাবের মন্ম বুঝিতে পারেন লা, না হয় সাধাসুরেতে পক্ষপাতপরায়ন হন স্করাং এমত স্থান স্থিসাররকার উপায় বার্ট থাকে। মহালয় ' 24 € অধ্যের উপরে যাহা লিখিলাম, ইহা আমাসি हेम् ८५. পোর কলেনাসভাত নয় কিছে বছ দিন ধরিয়া ा या अन অবুরির বিচার দেখিয়া আমরা এই অভিক্রডা म् १८३व লাভ কবিয়াছি। অংডএব আনের। আছুরিনি র্মাচন 医多点 তাল কারী রাজপুর্বদিগকে অনুরোধ করি যে, বে স্বলে জুলিব বিচায় একেবারে চ্ছাত হয় রবং সেই বিচারের উপর আনেক লেংকের শারীরেক সুখ ছুংখ এমন কি জীবনপর্যাত ্ গুল্পুর নির্ভাগ করিডেচে, এমত স্থলে তাঁহারা

ষেন বথার্থ ক্লাডবিহ্ন নিঃস্বার্থ ধন্দ্রপরায়ণ লোক (विश्वा अपूर्ति मस्मानीक करत्रन। अपूर्तिक स्मार्थ कार्याक्षरभव नाः त्रभव भवन्य एक्ट्रेट इस्विवाद व উপর সাধারণের অব্ঞাক্ষানা হয়।

ろくりも ガライ **डि:टिक्ना**ण्यः च रङ् ।

মচ'শয়! ২৭ এ মাডের সোমপ্রকাশের ২০৭ পুঠার ভূডীয় স্তম হইডে "🕮 বিং" বাক্ষরিত মে পত্রধানি লিখিত হইয়াছে, তছুপ काःक निम्ननिथिष्ठ यक्तवा ऐशाँक् ३ ६६न, अकाम क दिया वाधिक कहिरवन ।

পত্রপ্রেক অভি প্রধান বিষয় লক্ষ্য করিয়া অমত প্রকাশ করিয়াছেন গ্রিছ ২।১ টী প্রয়ো क्रमीय कैंथा वरलम माहे। शवर्रपण्डे (मनीय भश्यामभरञ्जर कथा खिनिएडएइन, खेबाब भरता যোগাই স্থাদসকলের জন: সাতের জনুবাদক নিযুক্ত করিয়াছেন এবং ভাষাতে উপকার 🕬 েছে, সকলই স ভ্যান বিস্তাবীলালা কাগভের এই অভুনেয়োমুখ গোরৰ অভ্যেত হইবার এবং উছাকয় জন বাঙ্গালীয় আপুসিভিও ছ'ব বলিয়া পরিচিত হইবার উপক্রম হইয়াছে এবং व्यक्तिश्य, काश्रक्षकः कहे এই व्यञ्जिष्ट मृत्य द নিহিত আছে, বিশেষক্লপে ভাগার উল্লেখ कर्दन माहे। (क्वम कर्युक सम् जनवानभाष्ठीद উপর কিঞ্ছিৎ দোখারোপ করিয়াই নির্ভ হই-द्वाट्डन ।

প্রপ্রেক উ জন্মণ অনিষ্ঠের ছটা কাবন নিক্তেৰ করিয়াছেন। ১ ম কেনে কেনে সংবাদ দাভার সংবাদ মৈথা। এবং অভিবৰ্ণন দেছেৰ मृश्चित्तः २ व्र वाक्षां ना काशरू ज निश्चित्र विषर्भव অস্তুসকাদের ভার যেসকল কর্ম্মচারীর উপর আপিত হয়, ভাহাদিগের আলস্যও উদাস্।। এ छूजिह किंक कथा, हेहाटल अधिक वर्कना नाहे। किन्त किन्नामा स्ट्रेंटक भारत त्य, अ ऋटन मन्थान स्क महाभरवृत्रा कि अण्लूर्व निरम्हाव ? छे। हारा च च काजरक्षत्र (जीत्रवत्रकः । अ केटक्रमानाधमाना বিষয়ে দুচ্প্রতিকা থাকিলে কি এরপ ক্ষমিষ্টের সম্ভাৰনা আংছে ? কাগ্লের উর্ভি আনুর্ভি गण्यक्तिक, (गर्भक, भर्द्भिमाञ), প্রধ্রেরকথ-ভৃতি সকলের উপংই নির্ভন্ন করেঃ কিয় व्यावात जेनकरमत छेरकवाशकर्य अवसाज राष्ट्री দকের উপরই নির্ভর করিয়া থাকে। তিনি यहि के मक्टलब निकीष्ठान का खना इन, ताथ र्ष, छेहिचिक्त्रण व्यक्तिहेत स्थान नवायना

খাকে না অংশ কড়ী হলবাহী বিপশ্ব নামী হইলে INS ৎবতীর অংপর:ধ 🖘 ? হাঙ্গালা কাগতের গীরবছানির কারও শানক কারণ আছে। ध्यारसः मण्लोककत्रारमत् मर्डत् करेयुर्गः अवर खास् सारकत्कात्रम भारते छेशमीयः अहे इहिनी প্রধান। আংম্যা কোন কোন সম্পুনককে আছে দিনের মধে। একট বিষয়ে ভিল ভিল সভ छकः मक्दरकः सम्बद्धाः है। वेंदशद्धाः **है**। क्रि क:अल अर्फ कं १६७ भ:दिस बदर कट स. कें:बादा वाष्ट्र जा का गाँउ है (के हूं भारक मा विजिधा हेक्।रेक् क्षण..कं य इंदे। व्,रेक्ष : च क्षरेश इंदे। भिलाए इस्रायः यभित्र नामः ना का का कत्र (माध অং', চুড ব'লি কং হ'র উহংকে য়ুহ ওংজ্ঞীক করিয়া থাকেন, বর্জনান বাজালা কুলার ভাত কুল্ছিট্রে,বস্মনী হতে। চকুল্লনে সংক্রি দুকী নাথাকিলেও কেনে বিশ্রু ধথ যথ নিধ-ংভ হয় না। ফরে এই স প.রক (১) শাসিক हि⊭आक्रो सरपुत्र इन, प्रत क्र'ल इडेग्र' य यू।

যদিক কোডেৰ কৰেবর হস হয়, সম্পাদ ্বৰ আহায় ক সন্ধায় যায়, বংকি বিশেশ্যর বিরাগ ভাজন হইতে হয়, তবু আহকের জাসজোন च्या देशमुक्त दिसर्गः का**ड**ार कार्याना कार्य ্যাজনীয় বিষয়ত্বা কাগজ পুরিত করা জন্ম ভিত্র প্রভিক্তির হনভাতি জন।, সমরে সমরে িও সম্পাদকের সেখনী হইডেও আনেক আপ্র ুখাজনীয় কথা নিগত হইতে দেখা যায়: সংবাদগরের অংশীনভারূপ সৌভাগং যাগ क् अपरम्भ व अप्ताल वा अकात्रा अपारतम् अःह कालालीता है इन्ट कार छ। छ। छ। छ। छ इते ग्रु'-ছেন। অন্ত এব যাহাতে উক্ত আপীনভারণ हिरुक्त इत्यर्हत कथ्यस्य विश्व सा अञ्चली अरुक्षकमार्क्षक्षे (अ विषयः **म**्नार्यः भी इन्द्री के हके।

म[्]र्द (केस स'झ'ङ (स'श्राहकत स्राप्ताः म'स्रश কাৰে প্ৰধান কোমক উল্লেক স্ট্ৰাণী ৷ এট হুল। বিশেষ করিয়া ধলিতেছি। উটোর লোন 《不言 アマンコアロア) 全 、流(数数条件 数1页字 田田 कड़ारिक ८ मध्य है के नृष्टे कर । खाल, कह

() । ह 😮 २०व्यत्तर्थकः छ लक्ष्र्यद्भवद्भवः । क्ष्म्रहः, अने (सन्धः (क्ष्म्यः भवः) যদি ভাষৰ বাল বাল প্রেবণ করেন, সংস্থানক सङ्ख्युत प्रमेश्वर (क्ष्रू) किहित्य भारतन मा । कल्ला-দক্ষ মাস এক বাৰ একপ্ৰকাৰ মাত প্ৰকাশ কৰিছা পশ্চাংক,পনার আভি বুকিছে পাড়িয়াবি কংক মত একাৰ করেন, ভাষ্য দোবের না ধ্ইগা কৰে ≱हेरदा ना

ভেনে অভঃপর ভারাদেশকে ।বলেব ভঃ আপু ল ধ্বার সংবাদদাত কে সভক ক্রিয়া দিবেন !

-306.

প্রর টাকা বেভনচেগী এক বাকালা স্কুলের পণ্ডিভের জ্ঞাত্তপোষ্ একটা কন্যা ক্রেছে করিয়া ছ টা শেশুস্থানের সঞ্জি (बना हातिहात मयत गृह्याकान डेमांक्छ ।

लिख्या (मर्गामस्य) ७ (लाङ्गाइस्की ! এই রক্ষ টুকু গেলে বড় শ'ড করবে যে, কে शास (मृत्वा ? .कम छुड़े आभारमंत्र भारत्र व हान ? (मध्य कर्ड (क:s निनि ?

মাজা। (সবিহাদে) শুর ক'বিব নে वावा ! এই शुकूता, वरम । (नथ (निक (करह क्टिस इक्स बटल (कमन करूना १८४८) । कारण ग्रामकः ल हर्न्च डिन

(m. . भा ! ताटमहत्त्व कितात तक्यम शहर कामा, भारत कामा, तांका छार हो, म'हांब है ल হাজাৰ শীভ হে'ক না কেন, একটও শী**ং** लाइलामा। आसारम्य सम् १८३ वृक्य किट्र দিশু, ভবে পায়, মাডায়, গায় কোথাত কার भीए मार्ग मा।

ক্রিষ্ঠ। (শুনিয়াউজ লগে) মা! আমার भ'रवन कामा श्राप्ता कृष्टा त्रिय का बर्स ((রাদন ও ধুলায় পডন ।)

मा। (शरनामस्म) बर्ध नावः इराइन ! छर् আনার কোঁদেশনা, ভাংকা বিকো আহুকান শোদাৰ পালামাজার রাভাজাতো অবে শাক্রে ছিলে मिहुक वनहरा ।

ভেন্ঠ। (অবঞ্চলপ্রাক্ত পরিছা) ম**া**' অন্মার লানেওে অমনি আতে বলিস। এগা **ণল বিগাবল বি**

মাংখী ৰলবোটৰ অংগে কে षाञ्चक, इङ्ग्रासङ्ग्रहसाई सार्वे वार्रे वार्रे । এडे मबर्ड अन्त क्टेर्फ प्रद्याः पश्चि-্ডের উপ স্ব ভঃ

লাং রেইনীকে রেদের কহিছাত হ

प्र (प्रदेश्तात) अर्थ के इंग्लंड के आसाब মাডা হাফে লাব মুণ্ড হাফে ' এরেছে ' ভাসুই

প কেনলি হয়েছে? ছেলে ধুলায় শড়ে কালে চ:কন্স এই বাবা হুছেশে এই। অংমন আনেক্ষাক্রিয় প্রধান জীব ইপুস্ক भ रक्षां प्रश्च के भिष्ठ किया यांची कहे। खड़रताः /कथ इट्युवा कि व्ययम भ साम्र<u>ा</u>ष्ट्रक क^रेटल ? ा च:4ः छतेः

হু: জাগে আমার উনোব মত পালান

রাঙা আছুডে। রাঙা দোস্ট এনে দেএ फारव केहेरवा e e । दिल्लाचा केक: परत्र (बाहर

গু। ঐ নাও, আমি সাদকরে বলি বে, । हाकती (हरण माल। अहें सम्म काल। भनत है। আনার কি চলে। শত্রের মুখে চাই দিয়ে (इत्स अक्ती (कः(सर्थः, बुर्षः। भारः हुभ अंक स्थल, व्यक्ति अक स्थल, अक के कि हाई व কে খেতে কুলোয় বা পতে কুলোয়। মেয়ে ত পেট অংরে ছব না খেতে পেয়ে য্যান দ মাচী হইরে গেচে। বেদ্ধ শাশুড়ি ঠাকু বার ব্রেডোর প্রসাটা আস্টা দান কল্ডে চা ভাল মক্ষ দ্যেষ্ট্ৰী খেতে ইক্ষে কবেন , গে ট টানি, প্রবায়ওকু বৈশ্ব না বিভেও পারি টে এই মাধ মালে: भी उ ছেলেও লি অমনি দক नाकात बोर्ड होही काव । छात का। (बा বার ন: পরেও পায় না া রে.জ রকালে ছে মাপড় পরে পাঠশালে বেটে ক্রিছে। वामात क अभिने हैं अक वृद्ध (माना क म रक्ष केंद्रेटला स**ाम हे छ ५**००० वरमञ् চাকরী ক্ষেত্র, টক আচ আমার এক প্রগঃও ব' না। ও চাকরী ছেড়ে দাও, ওচে এই। অংব আংমারের খড়েছিল, কলিব মল খু

भ : २३ ६:ती: किं व लेव, अभन नका:संत গৌধের চাকরী কৈ হতে আবারে? এট কাল্ভনের পরিকায় এছকেশ্ব কেল স্পানক মহাশ্য লৈখেচন 6, 47 য়াৰ মুক্তু নির পূদ অপেক্ষা কীর্বের আল প্ৰেয়া ব্ৰোক ব'লিকাগ্ৰাক (শিক্ষা দিং ৰীয় ভাৰী মণ্ডেৰ : নীজ রোপ_{ি স}ু ঞানড়াভু:ডেড 'ড' বংগ্য **ት** 8 টি.চড ঃ জানিস লং কাগলয় ভূম (तत् संभय्ने अधनकात् हा DI HIT स्थान के स्था के प्रकार के प्रकार कर के েত্রেল (জনে পানব, বা কিছুপাট) क्या, तका सक्षाद्रश्यासम्बद्धाः व अर्थाः राभ; प्रदेष का. प्रश्चाकी दक्ष के यून मनव सम्दर्भनाम (प्रदेशक भाग्य) र के महास्तर কিছু আমাভপ্রণ করিয় 🥫 ল ভাষ্টাজনের পারে । গ্রেপারত ভাগ (京明 作"共"时"黄"。1000 (月)2至11 下海。 સામાં∂ાયું જે છેલાં : ત લક્ઝાક¦⊁ নিধ পার্কার এই 🗆 🖂 🛪 হা তাপোর প্রতীম প্রস্তাব লিখিল স্কল্ডেক স্তান ভেন : লেলে নিজক সিলেশ ভেননতুৰি ডনিবলেন, '' শিক্স দিনের বেতন্তু ছি।্য.৩ (এই বলিয়া গৃহ মধ্যে প্রস্থান।) ইলে বাৰুগিরি বাজিবে -বাৰুগিরি বাজিলে গুরুতর কাজ ভারর পে সম্পর হইবে না ১ নলি হাৰী আদেপেটা খেৱে ছেড়া কাপড় দলাই কৰে পরে এ কাজে কত্তে হয়। এ গৌর वत कः छः !!! कः मरमा ७ धर्माई हेहातू अक्साज · 李清 | A

চা ভাল, যিন লিখেছেন, ভিনি কি কাজ : a ?

প ৷ শিক্ষাবিভাগের এক রক্ম কঠা ल्हे । सु

😏। তিনি ক্ত মাইনে পান ?

প। বোধকরি এখন মানিক হয় পড়; া :বভন পান।

(मः कातमपूर्तिक) इं छे-छ।! ন ভবে লিখতে পারেন। ভাল এক বারেট ভার দ্র মাইনে হয়েচে ?

প। না, প্রথমে ভিনি এক সংমান স্কল द इक्त विग 5: सग होका मात्रिक (अटल्डन) । ইই শ, তিন শ, করে এগন ঐ বেডন পান। । ভাল, ভাঁদের ন্যায় ভোষাদের মাইনে বেংজ্লনা বেন? আরে ডিনিবে এড ামাইনে পান ভাঁর কি বাবুলিরি নাই? ণ: তিনি বড়লোক, ইংরাজী বিদ্যা কানেন ভার কভ সুখাতি, ভারে মাইনে বার ভাবনা কি: আনার বারুণিরির বিষয় व काञ्चित्र', :वाश्वरुष्ठ मा शाकरुष्ठ भारु । ং এক থা আনমি কানি না। ভি:নিই কালের ্লীক, নিজ বু'জবলেই, মাইখন বাড়িয়ে । ১০০ চার যার এড টাক। মাইনে हिन्देश (माजद साटक स्मान्त बाह्रिजी) চাক ই সাজী আট্পৌরে প্রেন। বাবুভ েল লাগায় দেন। চাকবে ভেল মাধায়ে **6**8 2003 (481

তু, নাক ডাতে ছঃখিত হও । া ব'লাই' তা হবোকেন ৈ ভগমান । যত দিয়েটেন, তাঁরা এখন এক্স: ভাঠ करूम । हेर्द कि मा (छ न्द्र, ह . १८५० **म क्कि** श्रम्म क कि भ द्राम (राष्ट्रप्त । ক ভোষাদের মাগ .হলে খেডে পার না . ित्र ।

(হাক ও কথায় আমানের ক'ল ন ই ় ভুমি পাধেয়ে।কাপড়ছাড়, ৬৭৮ কে 14:

! ইং দিই, ডুমি এখন আর ছেলেপিড :

नाक्छा अक्शकांत्र श्राष्ट्रियम कांत्रशास्त्र । नात्र विदय (चरका ना, उरम्ब निरम्भ घरत्व मर्पा 《夏秋.野》) **ৰু স**ংচিৎ वःषःमा भिक्तकमः।

करान गोरहरवड़ की शासक क न अकृष्ट कार्टेबक मिक महिन्न विश्वता লয়েৰ পারিভোষিক বিকরণ।

डे ति चे उ गवर्गस्य है नाहास्त्रक करान न'र . वत अटेबक सिक महिला विम्हासाहम २००० (कट्ट য়ারি শনিবারে পারিশোধিক বিভরিভ ≥ইয়াকে **इ.स्ट्रिल क्ट्रब्राल** 🤞 किकिक शत उरे हुई প্রকার পারিভো: যক বিভরণ হয়। যদারা মান্সক উল্ভিসাধিত হয় ত'হাই ইঔেল क्रमाल शहर अधि । अधि र भुज्यक । शहर माही विक পুষ্টিবিধায়ক ভাহাই কিজিকালে, তর্থাৎ সুখাদ; प्रवाः कि कि नाम हरे शकात, चार्कादक छ কুতিম । অ'ভাবিক অবশিং ফল মূল । কুতিম অর্থাৎ ময়বার লোকানের ক্রমিষ্ট সাম্মী। পারিভোষিক বিভরণদিবদে মিদ নাইট, বেটি भाग मार्वित, बार्शिक ऋ त्वत अभिदिरिक्ट शिक्ट এবং ইউসফুল আনট্য স্থেলর প্রতিনিধি প্রিলি পল বাৰু ভারক নাথ সিংহ ও প্রধান সংস্কৃত শিক্ষক বাৰু জ্বংগোপাল সরকারপ্রভৃতি জানেকে উপস্থিত ছিলেন। শাখারিটোলা

একাস্ত বল্বদ २२ अ शक्क्याति এক ଅନ দুৰ্শক 1259

ষ্ণাপ্রাপ্তি।

बियुष्क तामयान्य कन्न कड़ेक 7.0 ° বি′*ন বিংার: ২০টা চাইা হুডি ^৯ ছ'রকানাথ মল্লিক পটোলড'ক। " कुछ रिका ही रहा है। मिश्रक ١. a পূৰ্ণচক্ৰ রায় যশো**হর** ১০ » নীলগোপাল মণ্ডল **বাওয়ালী** ১৩ স্থা কুমার রায় চৌধুরী বারুইপুর ৫॥ 🍍 ১ সিকলাল রায় নলহ টী वामद्महीहम स्टब्स्स्लाभागात्र कामी ५७ » কালীচরণরায় চৌপীড়া ভ্যান্ত্ৰিন আহমদ গৌহাটী তদ মংশাদী হামেদ লাভপুর ১৩ ভ রতব্বীয় সূকা ١.

বাসভার ক্ষা রাখ্রগঞ

সোমপ্রকাশসংক্রান্ত কয়েক ৰিশেষ নিয়ম।

অগ্রিম মূল; ও ডাকমাস্থল না পাইট বলে সোমপ্রকাশ প্রেরণ করা যার না :

ইংার অভিনেম মূল্য বাধিক ১০ টাকা ৰাণাুৰ্সিক elle টাকাট মফখলে ভাৰ গ্ৰেড কাৰ্কি ১৩, ধাৰ্মাসিক ৭ এবং ালক ৩৮ াডিন মালের সুংনে আবিয় এছণ করা যায় না। ছন্তি, বরাতি চিটি, অমডির, নোট ও ইাম্প টিকিট, ইহার খ বাহাতে বঁাহার স্থাবিধা হয়, তিনি সেই ধারা মূলং প্রেরণ করিবেন।

में। हाता हो च्या है। कि वार्त के वार्त के वार्त के যেন এক অংথবা আমাধ আমার আংশিক : ও রসীদের টিকিট (প্ররণ ন) করেন।

যখন যিনি মফবল ২ইডে সোমপ্র মুল্য পাঠাইবেন, ভাষা ধেন রেজিটার औरुक पातकामाथ विवासक्षरवद नाम हेम्रा (लगा

ৰ' (ধ্রদিমের মূল্য দিবার সময় অভৌত আসিবে, একমাসপুর্বের **डीहा** किशरक লিখিয়া জানান বাইবে, কাল জাতীও । भारति ७ अक वात्र कि**हि (तथा हहे**(दे, क्हाहा একমাসকাল প্রভীক্ষা করিয়া কাগজ বন্ধ যাইবে। প্ৰ কারের পত্র কেয়ারিং প্ इट्टेंद ।

মাতলা রেলওয়ের সোণাপুর ষ্টেসনের পরে চিটি আইলে জামর। শীল পাইব।

যাঁহার মাজুল নাদিয়াপ্রাদি প্রেরণ বেন, ভাগদিগের সেই প্রাদি এংশ य:३८४ नाः

কেং সোমপ্রকাশে বিজ্ঞাপন দিতে ই গরিলে ও হাকে প্রথম ভিন বার প্রতি পংক্তি আনা ভারার পর ৴১০ আনে৷ গিতে হইট খিনি অনিক কলে বিজ্ঞাপন দিবার ইক্ষাক (वन, डीहात म^{िक्}ट च क्ष वटमावस्य हहेटवा

👪 এই পত্র কলিকান্তার দক্ষিণ 🤋 মাডলা রেলওয়ের সোণাপুর ষ্টে,সনের দ্যি চালভিংগোতার জীয়ুক্ত খারকানাধ বিদ ভূখণের বালীতে প্রভূমোমনার প্রাভাকা প্ৰকাশিক হয়।

প্রেনিত।

यानावा जियुक त्माम श्रकाम मणापक মহাশয় সমীপের।

शक्त न सुर शास्त्र भारति । न स र प्राप्त मिन भावहा क् प्रक्षाल वानिवर्षत दहेंद्र ८३ । एक्पाइस এক দিবস্কি (ছং বঃড) সেহ বিলক্ষ্কীপই ইকি इत्याद्भितः। कुष्रकता " स्म वर्षं भारत्य स्मय, नगरीकात्र पुनः (१ म. ० अहे शरी र ऋत्र कोइया कात '' कियाखन सबस्टरतन के जानम আশিক্ষাক ইড়েছেনা। (ব দিবস বাভাগ ইয়, পেই দেন কুমারপুরনামক কামের নিকট এক ন, কে কাড় এবং কৃষ্টিডে কাবসর 🗱 🕸 🗈 ল तिमक्षेत्र क देशाटक।

कार्द्राह्मात स्ट्रांशा (एतु है मानिएक्रेडे. কালেটর এবং স্থার জিটার আমিড্র বাবুকালি नाम मञ्जूषि, अ. वि. अ.व. साम्यःन क्षांडी ক বিভে বহিগত চইয়াচেন। ইহার মধ্য কর্ম ৮%. मरव्य ङाव अवर विद्नारमाही कामना ৯ পক (দ'বতে পাইনা। এই মককার ভাষণ সময়ে ইন যে কেবল মকক্ষাব রায় লিখিয়াই ल होरा, माल्यालन का। इंडेल अक्रूल छाट्यम, ৬(३) নয়, ইড, বসরে পু লাষের কর্মা, পরিদর্শন, ं यहा को है। है। (हाकानशाद्यं वाहे**यां**त्र পরীক্ষা এবং পাশ্ববর্টী এ:সঞ্জিব রাস্তা ঘাট জনারকপ্রভুত্ত সমস্ত কার্যাট্ট পরং করিয়া थारकम । देश हो अमार्थ क्या प्रमाह शारमह পতনোত্ম ও বিদর্গের পুরুষজ্ঞী বন্ত চর্ট্যাছে। জ্ঞানীক্রস্থীপে প্রান্ত্রা ইনি এই স্থানে দীঘ काल काक्षी बहुद्रा जन्मत विक्रमानम कहिएड

মহাৰয় ! '' ক'লেস। কুলীলা গ'ত। '' এক'' हेश्राकी ना कर्यनति मध्यम मानुषके नहा। अक्ट हे वाकीएड इहे हा विषे भागामान লিপিয়া রাখা অধ্নাতন সভাতার অভ হইয়া উঠিয়াছে ক্লডঃ টারাজী শিখিয়া কল কি क्रेरलाइ ? अंगकार्य युर्त्य (मांचरक शास्त्र) বায় বে প্রস্বাপান, আহ্বাভিমান, দেশহিতিইবী হলিয়াপরিচয় দিয়া পাপতরক্তে দেশকে নিম ক্লম পৰ চট্চার ফল ৷ ''মিখা কৰা বলিব : কিন্তু কেচ ভাষার প্রতিবাদ কবিতে পাইবে নংশ এই একটা সংস্কৃত্ৰ জ্বলিয়া গিয়াছে। সংবাদী ইংবাজী বিদ্যাল্যটী ব্যাল্যটাৰ নাম জনাই টে, নিং জ্বা। পত্রে লেখা চাট (কাবণ বিদ্যাপ্রকাশ করি বিধেকরি, আপনারা অনেকেট ইছ'র নাম ভেট চছবে) অব্যুগ লিখিবার বিষয়ণনাই : শুনিয়া পাকিবেন কেন নং এক সময়ে ইঞ্র

कात्राम विकास " कि कात छाई! अर्थां उट क्टेंटच्ट इयू ! a अहे काव्रान हे बदा सम अच्छ पूना হইয়া উঠিতেছেন। এই কেতুই প্রতীর্মান क्टेर ७८५ (व '्कालमा कृष्टिनः भाष म अ कथानाः একাড় সেতা।

অনুনদীত ১২ই কামে ওল 🕽 🖺कारमञ्जा भगे भवानी । ን **የ** የ ¢

महाभाव ! (वस्य क्रक्शानत लात्कत कि 'लाक इहेटक जूनताब एवं अ.हे हिन সৌভাগা । যে আসেদরটি বিবপুরে আদেশ করিতে আসিয়াছিলেন, ডিনি বেলুড় অঞ্চলত আনেস করেন। তথার ঘাঁহাদিগের বাটীঃ উপ অন্যায় হাতের কর নির্কারিত হইয়াছিল উচ্চাব: বিচাবের অন; মিউনিসিপাল চেয়ারমানেন तिकड कारवनम कतिता खाँक मिरशत मोखाना क्रम विठाइमिवटन हावड़ाइ काछातित स्ट्रायांशः ম'জেটেট টটনহাস সাহেৰ চেয়াবমান হন ও বাবু গৈবিশচ্তদ খোষ, বাবু কেলব্ৰাথ ভট্টাচাৰ্য্য ও বাৰু কৃষ্ণচন্দ্ৰ বায় (ডেপুটি মাজিকেট) এই কএ ন ভন ফুবে গাকুত বিশ্বংকি কমিসনর হইয়া ভিলেন। শুনিলাম হত্তভা বাজিনিগের পঞ্চ ব্থার্য সুবিচাব হইয়াছে। ছর্তৃষ্টক্রমে আমাদি eरिशत आकरतत विष्ठातिकत्म हिम्सम मारहर (हम्रावमान हिल्ला हा। क्यामानिरहात विरवहना **इयु.स. উक्क मर्ट्सन्यश**न यनि व्यामानिर श_{ित} লর্খ্যা,প্তৰ বিচারার্থ আসীন হইতেন, তাহ∙ इंडेटल आभामिरशब आरफर भव विषय श्रीकिंख না। যাগ হউক আমারাসকলে উক্ত মাজিল টেট সাচেবের নিকট পুনসিচানের আপনায় आहतमन कतिय मक्क कतियाकि । (एथा याउँके। रमम्म * বপুর শ, চ, মপ্রভায় ২৫ দেৱৰয়ারি

অনাই ক্রামে গ্রন্মেন্ট সাংগ্রুড একটা ইংরাজী 🛊 একটী বঙ্গ এই ডিবিধ বিদ্যালয় आयार्क। পार्फकशन व्यक्त हेर्दाओं विन्धानक्षेत्रिद বিতরণ পাঠ কজন। বল বিদ্যালগুটীর বিষয়, সম য়াসুদারে অংশনাদিগকে অবগত করাইব। সুতরাং মিখ্যা একটা যাহা ইক্ষা লিখিয়া পাঠ। ধশংগোরত পুপিবীর নানা স্থান পণিব্যাপ্ত' করি हेलाम । आर्थान अखिराम अखिरामम, शुक्कात । माछिल । किछ अकरण (महे स्मोदास्थ्य । अस्मक প্রপ গালাগালি খাইলেন। ব্যুবাছ্য জিজাসা হু সে হইয়া আসিয়াছে। জামানিগের দেনের

্লাকের অংগ্রেসায় ও উৎসাহ চি 'शारक मा । क्रमांडे छाहात । `ঋটেরে । ভ**ংস্ফেবিন্ড'লয়**টীর ं स्त्राच्यों व कडेग्राच्या ^कन्द्र इत्हा क्षाप्त या विशेष अवर्ग हमन्द्रे माशास्त्रकः भर्व, क्षथान विलिया श्रांत्रशनिक इहेड। .বাধ করি সর্বাপেজ্য নৈকুট হইগুছে। . লম্ক্রীর বর্জমান অবস্থা দেখিলে নন এ का भार-इः धनागरि विमाग रहेन्ना साम्रा उ यनकी हम्न, अमा छ छा छ।। मा, कर्ना यात কারণ উচ্চানের যদি সেই ইক্ছ'ই থ' জাহা হইলে এরপ ছরবস্থ হ ব। ঘটিবে এক্রে মহালয়ের জগমান প্রিকায় বিষর কিছু লিখিলে সৌজাগ্যক্রমে য ন মেক্টের নয়নপথে নিপ্ডিড হয় এবং यान श्रुनद्र'ग्र हेरात आंख क्रभान के करा क्रेटन हेरात विद्यान क्रिनांड क्रेट्ट मृहस् এই ভরসায় ইংরে বেশগুলি, খড়ে অল্ ধারণ করিলমে। গ্রামন্থ ক তিপয় ভাত ও ব্যক্তির মত্তে ও উৎসাহে বিশেষতঃ মৃত বেধুন মাহেবের পরোপ কারিডা এবং হিতৈধিভাগুণে ইংরাজী ১৮৫ - অং नश्री श्रांत्रिक हम् । कनकः भूर्याक यटहानग्रहे हेहात स्टिक्टा । इहात हा বড় বল্প নহে, অসুন ভিন শৃত ইংইৰে माजिक वश्यक कांधक इहेब्रा शास्त्र । কেরাণী, মালী এবং ধ্রেবানাদির বে ভিডে মাদে জুনাধিক চারি শভ व.मृश्युत्सि शतर्थरम•्डे माभिक ब টাক। প্রদান করিছেন, একণে সূত্র প্রসারে আবায়ের ভূতীয়াণ্ডোর এক আং করেন : ইংাডে ্বদালেয়ের বিশেষ স ब्राह्ड, इंडाव कर्ड्ड अन्त आर्येत करि লোদের হস্তে সমপতি আচে ৷ ইয়ার भुन्ताहरू के कर्युष्ट ह्यून (यह व आर्ड्डन (भत्रहे भाराष्ट्रभारत विकासनास्त्रव कार्यः চইয়া সাকে। ক্রটার ব'ং আছেরর वच्छ हर्णक कन्त्रा भार्रकान महम পালেন (ধ. ইংগাড়ে বাল্ক:দিরের অংবি শক্ষা হইভেছে : কিন্তু আপনারা ^হ বাব ইহার আভেরদর্শন করেন, ভাঙ্ সহজে আপনানিবের সেই এমের হইতে পারে । হ'র কেবল আছ कार्यः किছूरे अंबरण शास्त्रा याष्ट्र

কথা বলিভে কিইহাতে বালকগে

. २.¹¹-७५¹¹. ८५औस¹रूप 1:1、25 (下版:有355 网络海南 ১০৬**৯ জ**ন্মেল লংগ্ৰা কি**জ্ঞান** ्रता का का इस्तार अध्यक्ष प्रतास । व्याकारमक शक्तां क्रीहर ः १५.२७ (शरव **ः प्रृष्ठ**शर (श्रु**क** र ् ५५ प्रतासी । जीवादक महर ्रभाग काल करूम, (स्वाहे छाउ 🖯 কড় ভেজাকচার\স্কা **ভূ**মিগুলাছ উন্নালন্তে ধেলাকৈ স্কল চল্চা \$\$P. (1) 中国 "我"第一个。"一点人" 14 **第**点大声:"这一个一个一个 : 4, 5 # 2, 6 4 . War 多5 - 住在 x 1 - 至7377 至 1966 五 1 3, 作 \$ \$4.5 m कर्म प्रक्रिया क्षेत्र क्षेत्र व्यवस्थ

的复数形式人 無效 医海绵 医肾 化 [세점 86][평안 하면 가운 나무리 는 그건 요. भटक कें। हात्र कि क्रूबाउद यम् 🚧 दे 🗸 💆 । ना। (वाध करि, छिमि व्यामख जेक পদাপণ করেন না এড রবজন अयुष्णकात्रीहरू । उत्तर्भाष्ट्रा हेक्ट्री পুরুভাগমন করিয়া থাকেন। রীজি প্রিআমের সহিছে প্রায় কেইই বাল का (मेम मा । केल दिश्व व । काश रन द क्षा (मधिर्म विश्व कर्ष्य) द्वितर्गत গ্লা চয়, বোধ করি জানেকেই ইছা ८६न । अड এव अल्लोबक मङ्भारस्त য়ে। শিক্ষকদিগের ই কার্যে, **লৈখিল**।

मग्रदशन । डेश्निए व मर्गः केशबुक्ती জুহিবিগ লোক দ'খতে পাওয়া . प्राप्त काञ्चलकृतकृतकृतः भरशास्त्रके काशिकः । (क्षेत्रप्रशत्कारक (का कार्र्स्ड क्रुक्क करत ७०%। मङ्खे कुणाप्तर **ব্রিধ লেভ্নতারা স**্বেস উল্লু । व्यक्टरव धाकुक, व्यक्ति भारत भारत क्रेक्का शास्त्र । हेकार्ल नस्य रूपान न পৃতিত , कि ह देशिक (मध्यत्र) हि वृष्ट्य (काम वर्ष कहिरले छीहा अ इब्रुडा : (अय कर्ष अहे, कें|सा- |

कि स्व १९८ म् । १९५५ ? १ वर्ड मण्या का नक वित्ता अप्राक्त का विश्व कि क्वान की शरीका, सकाल कि का विद्{दिन्द्र किसके देशान् दिशाहर् के चन्द्र में न का । স্থাপ্ত হ'ব কালে বা কিছে। বা বা স্থাপ্ত হৈছে। क्षेत्र क्षेत्र कर्मा स्त्रीत् । त्र १५८ १५५४ व्यक्त स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स 概像機の (もか) ・ いく こっち (水) (土間) (間) (機能) অংশ : প্রিল না ১৮ ৮০**া বিরা জ্যাল্যার করিয়া**: estable se surreil ショナート はずる出価機 杯 2歳倉 前座 、そ へん しょえいは 海は焼け 対象(を) 1、150° 安阳 智祥等 "被号的现 自由"。 《李皇》: 《西西安 沙野 编页 (水) 我聊回,为你"。 化二二甲酸 翻译 黑色小帽形 4、隐谓:16 · 治新之。 [[[1] · 明] · [1] · [1] · [1] · [1] · [1] 经货币支付 计二角电子计 电电台 海绵 经订货 was the professional and the contract of the c 化 "那话,你们会一点多个好好。" \$ to 14 野门新原 医网络肾 化甲基酚 医甲基酚 医甲基氏 网络红色 ·《李明传》 (5.4) 本 (本) ৪ জিলাক মিলাক সভাৰ প্ৰতিক্ৰী কৰিছে কৰিছে প্ৰতিক্ৰী কৰিছে বিভাগৰ বিভাগৰ বিভাগৰ বিভাগৰ বিভাগৰ বিভাগৰ বিভাগৰ বিভাগৰ 女子:"是明春年,一年年,然后,此外史。" 化碳烷 网络螺钉 人类类的 人名西西 医水水黄 网络绿斑 医二角红线 经外部股份 我们的事情的一个两个人们的多样的一个原则 中心知识 TOP BIBITER A PART MIN TO TO THE TOP AND A क्षांबाता कि डांबारम्ब करूर, क्षां करें अने स æ ভিজন করিয়াছেন? একংৰে উট্: ×া-স ,ন # ট হাথন। এই, উছে রা ফুলটীর প্রতি বিং≁ ৮ मट्नारथाओं क्हेग्र। हेकांत्र श्रुटर्ऋत नाम् हेर्द्ध का अमा खेलाय का बन्ना किया का बनाई वा সিন্দের ভবিষাৎ ভ্রুখের পথ পরিকার করিয়া क्रिक्टिन। क्षेत्रपत्रकारम श्रकातक्षम अवर्गपानी সমীপে এ খন। এই, ১য় টাহার ইহার ফুর্বীশ্বভার অয়ুং এচণ কৰুন, নভুৰা আমে ইইভৈ হুশি क्रिके, जुलक (काक निर्माहन कतिया डें।शास्त्र প্রার্ড কর্জুজ ভার দিয়া থেদ।কিঃদীয় 🕸 ইছিলা 보라 (폭⁷리

২১ এ কেব্রুয়ারি भिष्ठांख दल्बर ক্ষরক জনাইবাসী

म्हानस ! व्यक्ति कालि कात्रक दर्द् भन्ने ी लहेशा नः नाशकात लानर्याण हिन्द्रिक हिरेट ह मधा माहेटक्ट । कि विश्वासमान्द्रक महिक्द किमिल्लावात दक्षि माक कट्डम

काम विश्वन परेमा इस। मुख्यकि विश्वीप । व ङ्काराष्ट्री प्रतिकारण (भवेतल (श्रुरा, प्रांत क्षित क्षताएक अहीकाधिकावी नामि क्षणाङ्क करे अहि एरहम् । के अहीकाव 的对于中心为例,双对图象 有比对表 (明日(四日) म[्]स, इस् २८० लहें स्वादीका **यश**ामायः **अ**हि 神经症 的图片 经发现的现代分 经申请 夏斯 मकः हेल विवास महिका मा १७४१ छ। 重复飞剑的 计连合同信件 二二 智 (批选商)()等 心情。 क्रम भिद्यांत्रक न्याः हिन्सः विद्यालय शहर 美事进工 化加氢甲烷甲烷 温泉 一种神 医维格 कर्नेरार्वितः । १ नेद्रश्चित्र संस्कृति स्टब्स् (१८७८) **स्ट** িছা উন্নাল ক্রমার সংখ্যাল সংখ্যা করে _ব 李曜日 一衛日 小田村 1年時 東新田 田村 · . () 프로젝트 의미 14.1년 (국) - (씨 - 프니트웨 中国全国政府(一任"中下"的通知的全国公司、市场等。 医克尔氏性心脏性 化激化工作 化二酚 电流电话性性反应 机铁铁管 化化对邻环 有面部 电接出线 ži. 有部分,中部"的"和企业,参加的"大利性"的基础的企业。 উপীন্দিরতার ক্রেমা,মান্দ্রপ্রক্ষা ব্রেমা, চাল্টি হার **電「映解!」 "別か (事)**

17 和 野(v) 電子 } *চৰ*িজ বশ্ব 32.44 阿拉克斯特里

#11# (4.5. N S) 21 20 20 20 20 সঞ্জন ক্ষেত্ৰপথানি ভাষ্টেই সংখ্য হ さこと 御事ります ۶ą ; **E**\$164 84" 8418 1 . 1 (MA) 4180401 আমেরিকার অভি 可算 有亿河 (ধ্সব केंद्रिक श्रेपाट्य अक अक वरमद्ये हेरेसर कार्य स्त्र मारे। देश्यासांत्रदेशस्य महस्रात्रं कार्यः (क्रांट्सिक महाय जनमें अध्यक्षिकमार ब्राह्मिका करेंट कान कारकत रह ना महिल्लास्थात याथीन श्रान (यमम क्षमन: भक् रहेशारेड, नर्करम्सन सहरा रखन्ना के:इंड : स्वयाहम अहे. निव्नश्रक्तिक्रम र रम्बारम्हे हेरबारकाता वर्षार्थ जीवृद्धित अरि नर्का कर्तम । सनीयां विश्व ১৮৫७ वर संगोध रहा, सा**रे** शुष्टमकात अस्ति हा रूड काडे बुद्धम नाफिनियात अधि विक्रण कतिहा विनय क्रिक्स, केळ बाटका देश्सर कत नाह चारी श्रामेशी करवक वरमञ्ज्ञारा हेरेब्राइ कि

2#

श्रात करून। अखरमानीय हारत्या क्रम छहात्र करते भिका भारता क्षिकीय द्रेर्दा। वाकी हृत्रिक विमाकी भिवा कथा अस्मान्य (याहांइरक कर मातिया भिवा कथा अस्मान्य (याहांइरक कर मातिया भिवा कथा अस्मान्य (याक्रम इक्षेर्द्राभीय अस्मान्य (याक्रम इक्षेर्द्राभीय अस्मान्य (याक्रम इक्षेर्द्राभीय अस्मान्य (याक्रम इक्षेर्द्राभीय अस्मान्य (याक्रम क्षेर्द्राभीय अस्मान्य (याक्रम क्षेर्द्राम क्षेर्द्राभीय अस्मान्य (याक्रम क्षेर्द्र्राम व्याप्त क्षेर्द्र्राभीय अस्मान्य (याक्रम क्षेर्द्र्राम व्याप्त क्षेर्द्र्राभीय अस्मान्य (याक्रम क्षेर्द्र्राम क्षेर्द्र्राभीय अस्मान्य (याक्रम क्षेर्द्र्राम क्षेर्द्राम क्षेर्द्र्राम क्षेर्ट्र्राम क्षेर्ट्र्य

सभी नात वायू इति साइन ठिक्त साम मु विकारित । अहे विकास दिनाम मुर्गिक विकारित । अहे विकास दिना ते केरमार निष्ठ भी नात योग स्थार्थ है विकास केरमार निष्ठ दिन, कर्व भवन स्थान विकास दिना के केरमार किया हन। कि कि रेकिस ना । विकास केरमा विकास का वान हरेक हिला ना।

বিশপ কালেজ উঠিথা ঘটেডেছে। এরামে পৃষ্ট ছাত্র নাই এবং ইছা রাখিবারও প্রয়ো ন নাই।বিদ্যাল্থের যে মূল্ধন আংহে জন্মারা নে বৃষ্টীরান বিদ্যালয়ের সাধাব্য হইবে। মরা বলিতেছি, উধার ফণ্ড লব্রেল জনাধা হুর নিমিত্ত দেওয়া কর্মধা

মকৰলে অফিন অব দি পিদ নিয়োগের বিল

শব্দ বিধিবজ্ব হইয়াছে। এই দেশীয়দিগকৈ
পদ হইতে বহিক্ত করা কি ইচ'র উদ্দেশঃ প

শক্ষে কলিকাভায় বাস্পীয় আলোকের
মন দী প্রি নাই। অফিনগণ ইহার অসুসন্ধা
ই এক কনিটি নিয়ুক্ত কবিয়াছেন। কমিটি
রোগ আভ্রন্ত মাত্র। গাসকোস্পানিকে
ট উতিত, সমুদায় বাস্তায় সমান আলো
, এমত প্রমানে বাস্পানিকে এই ভার

বিধান কোন কোম্পানিকে এই ভার

তি শুক্রবার লেপ্টনান্ট গ্রবর মাইন সাহেব সূর রিচাড টেম্পল্পঞ্জি বারুষজীক্ষে হন ঠাকুরের বাদীকে নাটকাজিনয় দর্শন বয়া বিশেব সজেবলাভ করিয়াছেন। এত শীয় সংগীতসম্ভে জনেকের যে কুসংস্কার ভাষা এবার গিয়াছে।

अस्य एकेट्र ।

(वजारत १४७: जार्ष १० जार्म सहसिष्ठ स्टेब्राट्ड। एजाए। अटल्पनीत स्टेब्रानगन अट्ट जार्टनंत्र ज्योन स्टेवन ना।

मनिमायव (नमनामक स्य वाक्ति छ तिक होत वाक्यक ठेका है तात स्व स्थापित स्थापित हरेगा मुक्त रम्न, त्य मुख्यकि (मफेलिया स्टेगात स्थाप्तमम कियाकिन। छाहात नाम कितिया स्थाप अप वाक्ति वाक्तिक ठेका हेम्न। गोका मन्न मनिमायव अहे कथा (मफेलिया स्थापा भएक वर्षा किन्न विष्ठातिक स्थापा स्थापा स्थाप किन्न छाहारक हो वर्षात स्थापात्वार्थत स्थाप किन्ना छाहारक हो वर्षात स्थापात्वार्थत

२० अ सोख्न नजनवात् ।

আমরা আফাদিত হইলাম, ভারতব্যীয় भवर्गरम के व्हिन्न कतिहारहम, वाली कतिवात बिमिख देशिक व्यक्तिमत्तिभएक (व होका कर्क (मञ्जा रहेरव काश अक कारन (मञ्जा रहेरव না। বটি **প্রভাত ভরিছে আ**রভ করিবার জন िश्रक्त कुडीवारम, .कार्कक हरेटन कात একাংশ এবং শেব হট্টো অবলিষ্ঠাংশ দেওয়া क्ट्रेटर । तत्र साम नारंत्रचा रेत्रसिक्षिरशत्र सिक्ट्री বাহৰা লইতে গিল্লা দেশ সুঠাইল্লা দিতে বসিয়া किटलम् । मभूमाञ्च छाका सहेचा (कर् भनायम कहि त्न वा (धमातीह शत्रिक कि शहेक ? गिका प्रक রাই পরামর্শসিত্ধ নর। দেওর'নী কর্মচারিলনের হল্ডে দেশের শান্তিও সুধ নির্ভর করিভেছে, কিন্ত কোন কর্ম্মচারী বাটীর নিমিন্ত টাকা চাহেন ना । मत सन लरतम जात कि ह्काल शाकित रेन निकलिए शत्र कमा भूटळात विवाद व वरह छ সাধারণ ধনাগার হইতে দিবার কথা বলি ছেন।

মাজানের বিশ্ববিদ্যালয়ের বি এ পরীকার কাগজ চুরি বাওয়াতে তত্তত্ত্য শিকা বিভাগের ভিরেইর পরীকার্থিনিগকে "ভয় লোক শ্বলিরা সংবাধন করিছে ঘৃণা প্রকশ্ম করিয়া পরী ছেন।পুলিবের ছারা বাটা বেটিত করিয়া পরী জার্থিনিগের ভলালী লওয়া হয়়। এই প্রকার লছজাকর ব্যবহারের এই প্রকৃত দও। মাজাজাজার ব্যবহারের করিয়ার পরীকার ব্যবহারের করিয়ার ব্যবহার করিয়ার ব্যবহার করিয়ার ব্যবহার করিয়ার করিয়ার বিভাগ উচিত ননে। প্রবর্ণমেন্টের কর্মান্ত্রী হইলে ভদ্বের প্রকৃতি করা করিয়া।

১৪ ই क ज्ञास्त्र बुधवात ।

ভদ্রলোকের বাদীর নিকটে বেশ্যালয় থাকা কত জনিষ্টের বিষয় ভাষার আর এক দৃষ্টান্ত পাওয়া গিয়াছে। পাতুরিয়া ঘাটাজে শীরালাল

ক্ষণপুর ক্ষণিকেল বলেন, সম্প্রতি দার হইতে রেলওয়ে শকট বাইবার সমরে তিন শকট কোন নদে ছিল্ল হইরা পতিতে হইয় শেতাগ্যক্ষে কাহার প্রাণনাশের স পাওয়া বার নাই। কে.ন্ ব্যক্তি ইহার বি

সমাজিক বিশা নসজা স্থির করিয়া সমুদায় বলদেশে: ৩৬টা বালিকাবিদ্যালা ৭৬৩৩টা ছাত্রী হে। গড়ে প্রস্তাহ ৫ জন উপস্থিত । এইসকল বিদ্যাহ নিমিত্ত ২৬৯ জন গুড় ও ১৬২ জন লিক আছেন। ছাত্রী শিক্ষবিত্রীদিগের জারি বিদ্যালয়সমূহের ,ধাক্ষদিগের নাম প্র

किनिकी वर्णन, किनिम्द इश कार्य काकाव निमारित वर्णन मिलिक यो वस का इन । এই घाष्ट्री (तलश्रद (क्षेत्र क्षेत्र कि बदर श्राप्त में अंड (लाक अवार्ति व्यस्त । अकना नाकीन स्ट्रेफ्ट । इश मा (वेद काद्यानाकिकि)

^{১৫ ই}ফান্তন রহস্পতিবার।

এ, মণি সাংহৰ বঙ্গলীয় ব্যবস্থা সভার এক জন সভ্য ইইয়াছেন।

वस्तानीय गवर्गान , आका नियाहिन नकत समाप्त , इंट्रेस शक्त निए इस. अन्तर दे याकित्व, खाराज आसा स्ट्रेंट आस इस्कृष्टे के महाद इस्कृष्टे मीत स्ट्रेंटन । य नागित देखन बाखान गड़ाह्या आजित्य भारत এই के प्रत्मा खाळाडी स्ट्रेसाइक ।

এবার ১% জন চাত্র আনের পরীকা। চেন। ডিন শুন এম এ উপাধি প্র'প্র হা ছেন।

(इंडिनार शुरुवत किम्मनत कर्णन इंडिन है। कांडे भर्मिएक अक्डी वार्तिक मिला कर्डिन मूर्ट्त निमिख ১٠٠٠ টाका दाय कति া দিয়াছেন ৷ ভোটদিগের সৃহিত क' कहा अहै (मनात्र ऐएएमा।

मिर्गत मणाणां कर्ग मारहद इयुमा । स शाहेका हेर लट्ड याहेट उट्टम । यह . » शवर्गामके अवशिकात कतिशास्त्रम, जिल्ल ভ্যাগমন করিলে উজ্জ পদ পুনর্কার প্রাপ্ত हरवन । *(लफ्*टेनॉन्डे भवर्नद्वत्रः वसामस्कात व्यक्तः है। इस नारहर अक्तानमकारन स्य प्रियन এছ ত্যাগ করিবেন সেই দিবস অব্ধে সম্পূর্ণ उन भारेरवन। क्रार्क मारहरवत्र नहाम देश्नर छ 'ইয়া স**ম্পূৰ্ণ বেডন দিবা**র ক্ষতি কি ছিল ? देखियान पर्वालक खाँभनियम वर्तनम, ১२ ह জেয়ারি রাজি **ছই**টার সময়ে ১২।১০ জন লবাই কোহাট কেওল পৰ্বতভল ক্ৰিক গঁলবেশ করিয়াএক জন পুলিষ প্রক্রীকে করিয়া অবশিষ্টগুলিকে বন্দীভূত করিয়:

त्र अवश् वृक्षिः वृक्षेत्र हिन्। লিম প্রহরীরা দ্ৰত ছিল। এমত সময়ে ব া এক সোপান । मिःभस्य इर्गमर्थः श्रदन ग्टतः वन्मीर्म त्र मर्पर अक्र अन धर्ती भना করিয়া জাসি ছে। পুনর্কার একটা কুদ্র য रहेन (क्या ডেডে। হাজারার সন্ধির প্রপ্রকার হইবে **হ। সকলেই অনুযান ক**রিয়াটি লন।

ঘোর অধয়

দায়ন করিয়াছে : র্গ্

ित्रत वरनम छेड्ड _{मन्दिम}् करनत कारक ্ বিচারালয়ের নিকটে আবে ্, হর ভাষ্দিগকে পুনস্কার দলী ि श्रेत्र क्या महार खिक्क है वि कीत कि " দিয়া হউক। বছকাল স্প্রধি ভাঁহার। এইরির দী পাইতেন, এই ^{ক্রার্} এফণে হাদিলের **হস্তাত্তর হইরাছে। বল**দেশের ত্বে অক্লিগের নগায় ইহাদি^{লের} বেতন

১৬ ই কান্তন শুক্রবার-त्रकेश्य दृष्टि व्यवसारक शकाव था ३ मानूष्टम त নেক বণিককে কভিএত হ**ইছে** হ**ইয়:ছে।** নে/ক ছডিজের সভাবনা করির। উচ্চ্যুলে। । তেওঁ ছাই আনে অংখ্যাহন্ত ; করিরাতে ^না बना उक्तितिता महः अन्तितत्त सर्वेटहे अहे

াই উচিত্ত।

प्रस्थिक क्ला कर्न, सूर्क तथा सि हर्न व्यक्त स्थाध ৰে: গৰার বনে কো অংশ'ণ না করাতে ¦ চন্ত গুণক **ভাহ**ালগেৰ একটা লুঠগু^ৰ ছগ এনে ইংরেরাছিল

क्तार्फ लाक्षेत्राके भवर्गत हाला छ , क्विन क्वि श्रह्मचत्र नेशीरफ फाकाईफि कात वात रेकाना ७ कि जे शकात नरह ?

> ডেলি:নউস অবগত হিরাছেন, আগামী **৬ ই মাঠ শনিবার সর িচ**াড টেম্পল আমায় यारमञ्जूष्टिया व श्राम के दिएयन ।

১৭ ই ফ'ছেন শনিবার।

১७ इ काइन एक्जनात रहनाब्यात नामिका বিদ্যালয়ের পারিভোষিকবিভয়ণ ₹**\$**}1 গিরাছে। আমরা রিপোর্ট পঠ করিয়া ইহার रेबं उपन्यान भारत की ए नाफ कहिलाम। ধ্বম খ্রেণীর পাঠ্য পুস্তকও লই ইহার উন্নতির প্রথম পরিচায়ক। এই জ্রেণীতে ধর্মনী।ও। भनार्थात्रमाः, देखिहान, **७ एक ८ए**कि गठिए ংইডেছে। রিপোটলেখক প্রতিপোষক অন রেবল এল, এস জাকুন সাহেব ও শিক্ষক পতিত মোহনলাল বিদ্যাবাগীপ ও ক্কিরচাদ ছে: বের স্বিশেষ প্রশংসা করিয়াছেন। আমরা মোহনলাল বিদ্যাবাগীশকে বিশেষরূপ জানে বালিকালিগের শিক্ষাদানবিষয়ে তাঁহার সবিশেষ নৈপুণ্য আছে।

अपूर्यम्म (गर्का वर्णम्, मुख्यक्ति वामाना গ্ৰণ্মেট এইল্লপ অভিপ্ৰায় প্ৰকাশ কৰিয়াছেন स्थान विकास क्षेत्र क्षित्र क्षित्र क्षित्र क्ष्मिकाछा ভূমিসম্পত্তি থাকিলে ডিনি সেই ভূমির ৫০০ টাকার অন্ধিক বাকী খাঞ্চনার নিমিক্ত আপনি যে ছোট আলোলডের অধিকার ভুক্ত সেই ছোট আদালতে নালিশ করিতে পারিবেন।

ভারতব্দীর প্র4(মেন্ট ক্রেক্টা নাগা आफ्रिश श्रिजि अफिक्शिशक मासूस्कित अक বংসরের জনঃ থাকিতে অপুমতি দিয়াছেন।

হোম এবং লেজিসলেটির বিভারের পদ্ধপর সংজ্ঞাব বর্ত্তমান ক্ষেত্রমারি মাসের ১০ টুই অবধি বিক্ষ হইয়াছে। লেজিগলেটিৰ ডিপাটমেউ এডাবং হোম আফিলের শ্বামরণ ছিল, এক্ষণে পৃথক হইল এবং উক্ত বিভাগের প্রধান কর্মচারী ব্যবস্থাপ্রবার্থ গবর্ধর জেনরেলের क्लिमान अध्यक्ति हैनावि श्राप्त श्रेसन। "

আছুয়ারির শেষে সমুদার ভারতবর্ষে ১০,২০ প্তরু শসং অংশ করিয়াভিবেন। শর্^{সার} মূল্য । ২০,২৫০ টাকার নোট প্রচলিক ছিল। ইংার श्रांचक्रवक्रम ४,१४,७१,३७४ काशक होका, ১,३৮,७३৮ है कि त व्यम् द्विष्ठ है (तो पर र 🖥১,३৮,১ ७७ डेक्कांत वर्ष मुद्रा अवर ७,३३,५७,२२৮ ठाकात गर्वरमटलेत काशक किन।

> (हेलि**अ'र**गत मून। क्यांटि गरवारम् त गर्था। के करिक्तिक शहर विक स्ट्रेटिक । : १४४ व्यक्ति कामूब्रिटिक

৮, ৭৮১ টি সংবাদ প্রোরত হয়। গড় 🐞 : १६ ४१ ७ । की व्हेन्नाटक । स्वतः क बाम বিষয়ে রেইলভয়ে কোম্পানি সমূহ য धकात **कान वरकावछ कतिर**ख्यारतन स्हरम बकुछ श्रुर्स भन्नम स्त्र ।

ভারতব্ধী র রেলভয়ে কোম্পানির আ শণ্ট আমেরিকার প্রণালী ভসুসারে হয় काहा अस्मान केमयुक्त नरह विनिधा भनि श्टेट्ड । केल्र न भिन्माक्षम व्यापका रह একবার বংবছার করিয়া পরে পরিভ্যাগ ব কি ভাল হইত মা?

-:0:-

ইউরোপীর সমাচার।

२६ वे स्टब्स्याति । **बा**क्टतिक क्**ट्रे**ख श्राप्त धकान करत, किकेवात्र शवर्षद्व (व স্পেন হইতে সাহাষ্ট্রারী সৈন্ড চাছিল্লা বিদ্রে: হীরা হাবানার নিকটে আছে। সাধারণ সভা সেনাপতি রিবেরোকে সভ মনোনীত করিয়াছেন।

रात्यावादत्व हाका e दिशित है। मण्यक्ति वाटक व्यक्तिया विम श्रानियात महा मांक मिरशत बाजा विधियक व्हेतारक ।

कां के विजयार्क अक शक्क छ। कड़िया রাজনীতির সমর্থন করিয়াছেন। ডিনি ব ছেন, করানী সংবাদপঞ্জসমূহ মিখ্যা ব তুলিরা লোককে ভীত করিভেছেন। অবস্থায় উভয় স্পাতির কর্ত্তব্য বে, এং **ইইয়া সঞ্জি স্থাপিত করেন। কারণ ই** শীয় গ্ৰৰ্ণৰেউসমূহ শান্তির প্ৰাৰ্থনা কৰি (養年)

টাইম্য পত্ৰ এক প্ৰস্তাব প্ৰকাশিত ব বলিব্রাছেন মধ্য আসিয়ার গোলোধোপ বি বের একমাত্র উপায় রহিয়াছে, রুশীয়ার স বজুভাবে ইহার নীমাংসা করা কর্মত ।

क्षानिक्षेत्र स्ट्रेफ होनिक्ष'रय धकान দেনাপতি প্রাণ্ট সভাপতি হইয়াছেন, স মিডব্যয়িতা ও ব্যয়সংক্ষেপ করিয়া শাস তাঁগার রাজনী ডি হইবে।

পেরা ১৬ ই ফেব্রুয়ারি।

বুসিদ একেন্দি পায়াউবিভাগের মর্ য়াতে লাভিক এফেন্দি ভুরত্বের রাজ্য मञ्जी रहेब्राट्डन ।

ঞীন মৃত্যকার প্রস্ত 'বের ভুক্তি: मियारक्षम । द्रांका सुकार्य (यमकन ছিলেন ভাকা বন্ধ করিয়াছেন :

षारमञ्जिको ७ ইरम्ख क्रिक्तप्रदेश राज कत्र रहा, अहे फ्रिक्टरमं भारति ११ के १७ ०० ० भा**रे छि। देशमध्य**त सङ्ख्य বিতে অথবা কইতে ইকা করেন, নিয় খাক বৈত ব্যক্তির নিকট জানাইবেন। সিলেগুরে আর্থান

সিলেপ্ডার ্ আরবো-খনট এবং কোং

সোমপ্রকাশ।

:৯ এ ফাস্কন সোমবার।

বালালা সমাচারপত্তের অনুবাদক
ছানান্তরে দর্শন করিবেন, তিনি সোমপ্রকাশপ্রচারিত প্রস্তাবস্তালির আবিশক্তি অংশ পরিজ্ঞাগ করিয়া অনুবাদ
করাতে কেবল আমরা নহি, পত্রপ্রেরকরাও অসম্ভূট ছইতেছেন। তিনি যদি
করপ অনুবাদ করেন, এডদর্থ গবর্ণমেকরি অর্থ বায় বার্থ হইরা ঘাইবে। অভ
কর আমরা অনুবাদক মহোদহকে অনুরাধ করিতেছি, তিনি সোমপ্রকাশের
প্রের্ব পাঠ করিয়া অক্তিব্য সম্পাদন
করেন। আমরা জানি বিফল বাগাড়েশ্বর
করা বামরা জানি বিফল বাগাড়শ্বর
করা ব্যান্ত করা হয় না।

কলিকাতা পটোলডাঙ্গার গোলদীঘী । স্কাৰ্ডেশ্য হইয়াছে। আন্সরা যথান দিবি, দেখিতে পাই, লোকে **দেই** অসময় **জল** তুলিয়া লইয়া বাই⋅ **হছে। কলিকান্তার স্বা**হ্যরক্ষক কো-ায় ? পক্ষিল জালপানে কি পীড়া জন্মে ুইহাতে কি অনির উদীপন হয় 🤉 ৰজ্ঞানাকরিবার ইজ্ছা হইল,বিক্লিল **ংস্যের ক্ষণিক ভ্রাণ ও উদর পুরি**য়া কিল জলপান ইচার অন্তের কোন্টা হৈছার সমধিক ৰিছাতক ? এ দীঘী-কৈ জলপূর্ণ করা হইল না কেন ? মাদিগের এ প্রশ্ব ধ্রতভাগাত। ইছার ক জান সামী আনছেন, ইছাকে জলপূৰ্ণ া আবিশাক ও উচিত হইলে তিনি तिट्डन मटम्पर नारे। मीर्थिकाठी जन

শ্না হওয়াতে লোকের আভাত্তিক কট

হইয়াছে, তাঁহারা সভত কট প্রকাশ
করিতেছেন একথা জানানও অনায়।
দীর্সিকামানীর চক্ষ্ কর্ণ আছে, তিনি
দেকট দেখিতে ও শুনিতে পাইতেছেন, তথাপি যে প্রতীকার করিছে।
ভিনি যদি চক্ষ্ কর্ণমুদ্রিত করিয়া থাকেন,
তাঁহার যদি পরস্থারে ছাংখ বাধ না হয়,
তাঁহারে বিরক্ত করাও বিধের হয় না।
খাছারক্ষকেরই কর্ডবা তিনি সমাচার,
পত্রে বিজ্ঞাপন দিয়া এবং দীর্ঘিকা
ঘারে লোক নিয়োজিত করিয়া উহার
জল ব্যবহার নিবারণ করিয়া দিয়া শ্বকভিবা সম্পাদন করেন।

অল্লব্যকে সর্কান্ত নোট প্রচলন।

একণে ভারতবর্ষের সমুদার ভানে কল্প ব্যয়ে যেখানে দেখানে নোট ভাঙ্গান থার না। ইহার উপায়বিধানের চেটা হইতে**ছে। এক ব্যক্তি** সেই উপায় क्षमर्भन कतिशा अक्षानि भूखक मृज्ञिङ ও প্রচারিত করিয়াছেন। লেখক পিয়-নিয়র সংবাদপত্তে প্রথমতঃ আপনার মত একাশ করিয়াছিলেন। করেভিদ কমিদন এ বিষয়ে কোন সং যুক্তি প্রদানে সমর্থ হন নাই। সর উইলিয়ম মান্দ্ফিলডও দর রিচার্ টেপাল বলেন, রেলওয়েও বাণিকার্দ্ধি হইলেই এ উপায় হইয়া উঠিবে। ভাষা যত দিন না চইতেছে, তত দিন বর্ত্তমান চক্রবাড় গুলি রহিত করা সম্ভাবিত হইতেছে ना । दल्ल कः करत्रिका किमिग्रतत्र दिएगाः টে যে কোন নৃতন উপায় উদ্ভাবিত হইয়া এদার্শিত হয় নাই, তাহা আমরা লেখকের সহিত স্বীকার করিতেছি। সে থক যে উপায় উদ্ভাবন করিয়াছেন, দেটীও সঙ্গত হইতেছে না। তিনি বুলেন, প্রত্যেক বিভাগীয় কমিস্নরের অধীনৈ নোট

काकारेबात धक जकरी हक्या! উচিত। শেষকল নোট কেব मिरे विकास हिनात । काहा हा गारेट इरेल महे तहे विकारी त्नां वे वहेट इहेटव !!! यमि **अ** वणीत विश्व विटवहना कतिहा (पर्या স্পাট প্রাণীরমান হটবে, এটা বে প্ৰণ্মে:ইর मर्खमाशाहर न ग्र অনিষ্ট ও ক্লেশকর হইবে। বোধু কর. त्रक्षानीविज्ञाल पन म টাকার গোট লইলেন। হাবড়া বং নের কািসনরের অধীনত। তথায় মানবিভাগের ভিন্ন অন্য নোট বেনা। অভএৰ পৃথিক ১০,০০০ টोको महश्चा वर्ष्क्रमात्म त्नोहे उत्तर : লেন। রাজমহলে ভাঁহাকে আ (नाष्ठे केत कतिएक ह≷ल। १२ घरिः मर्था निलीएक मध्य सक्त के कि ना १ हैटल पक सन विभिक्तक (मंडेलिय़) इहे হয়। আমাদিগের লেখকের মতে ব कतिएक इन्ट्रेश अहे छोका मुर्भ निर् मिली याहेरक शांतिल ना। <u>अ</u>कारक অনিট নয়, ইহাতে জালের ও তহ তছরপ হইবার বিলক্ষণ প্রাত্ত **रहेर** । दालिएकात त्रिकान **रहे**गा উহার হাস হইবে। নিমে নে উপা নিৰ্দেশিত হ্ইতেছে, তাহা যদি লব্ভিছয়, সংক্রেনোট এচলিভ बाई **च**रनक ऋविधा इंडेरड शारद्र । ७ বি'্ডাগে বৎসর বৎসর কড টা নোট প্রচলিত হয়, ভাহার এক চি ক্রিয়া তৎপরিমাণে স্থানীয় ধনাগ টাকারাখা উচিত। পাচ টাকা र्ष्मद्र भाष्टि इंडेक । विक्रि ১००० টा বুনাট ভাঙ্গাইতে আসিবেন, বি विनाहारम २००। ३०० छ। कात्र काइट अर्थाहर्यन : वाकारत छ हैना

লৈইতে অসমত ১ইবেন না।চজন্য

भर्था। किছू इष्टि कतिए **ब्हे**रव

রভব্যের নিমিত্ত কেবিধ নোট বৈশ্যক। এক্ষণে মেন ছে.সি রদে নোটভেদ আছে, সেরপ ্ঠিত নহে। **স্থাবিদে**বের ादा जक वाकि जक साम दे क ठोकात (नांठे खात्राहेट खातित লেক্টর দিতে পারিবেন না, এটী পিতি মুখে বলিতে বেল কাজে চমন **ঘটে না। এক ব্যক্তি মো**রদা रमत कोटनक्रिति इंडेटक ৫०१ क नजन का लहेला कि कब्रिट्यन १ च धेक नशन 'का वा वका काटन व्यावक का कल कारम शतियात प्रशिक्ष मान ठाका व्यक्त ब्रुट्टात स्मित्र हो निवास के कि 'লৰে ৷ এ ব্যবসাহ ৈ ে ক্ৰমে স্থানে ेरिन मोथी काजिल १८८७ योजिन्स । । ांश क्रिया बांबेटी अने यूडिया की प **শিবে**।

- ভারভবর্ষের জাটা ১৮ জানটা কলে ১ পটা অসর্ভারতের শহরণ ১৮

बक्शांन हे: हो स्ट्रां **।रमन, हेरमधी**स धार के प्रकारक है नि**मुख न्छन** प्रशास १९८७ इता स्थान अस्त समा निय रेट्रमाः छेभट्याली, 🤚 🛒 🖰 চালা প্ৰিয়ে হণ কৰ্মিয় নাম কৰে। কৰা কৰা কৰে শাস্থালিক বিবাহিত হৈ প্ৰতিষ্ঠা मेक्ष । हा इस राज परित्य मेर प्राची आहे -के बश्चायरेटम किएक । स्वास्टिकी (रहक ६० कार्याचीय के केटर 🧐 दूरवर्ता) **াসে নামান ও কর্তন্ধ নন্ধ) জা**ভি⊋ি । টাকার আলভুকর: গীরেডেলে ভারাতে 🖹 ক আমাদিধের বিছু কিছু দিতে হয় ১০ ংলত্তের মন্ত্রিগণের ইনানীয়ন ধর্ম তির বিষয় বিবেচনা করিয়া দেখিলে তীয়মান হইবে, আমাদিগের এ দ্রবকাশ হইতেছে ন। এ

ক্ৰা থাকুক, একণে আমাদিগের शवर्गायत्केत्र निकटके व्यामानित्यत्र गवि. সয় ব্যক্তব্য এই, উচ্চারা সাহস করিয়া इंश्ल और भवर्ग सम्बद्ध वलून, इंश्ल ७ मध्य নিজের মত ক্রির করুন, পশ্চাৎ আমা-দিগের আবশাক ছইলে উলউইচ অন্তা গার হইতে কামান লওয়া যাইবে। মফ্রিবগ ভারতব্বের যে প্রবার বন্ধু, ভাহাতে এই বেলা প্রতিবাদ না করিলে ভাঁছারা কতক গুলি অকর্মণাও ফাটাকামানও ভেঁডো ত্তলবার দিয়া অবশিষ্ট তিন কোটি ঋণ পরিশোধ করিবেন।

₹्पर७भनी सि पिन भ्राष्टरकोन गरिह

আমাদিগের রাজসসংক্রান্ত মন্ত্রীর কর্ত্তব্য কর্ম।

(यह कथा **महिन्नाई विनिन्नाह्यन, अ ४२**मह ্ৰহাসভার নিকটে আয় ব্যৱের যে তা िक। एउस इरेटव, जाहाटक बायमः टक्क াকিত হাবে। প্লাডটোন সাহেব বায় वटाएल एतिशा कड़कात लघू कतिर्दन, এই আশা জন্মিবাডেই ইংলওের লোকে উৰিবকৈ প্ৰায় একবাকো প্ৰধান ্রী মনোনীত করিয়াছেন। স্তাট অপ্রথমের ফরালী **প্রতিনিধিদিগের** 👙 🔆 প্রসংকেপের উলেখ করিয়া-্ৰিট্ৰ বিষয় সংক্ৰেডক অংশে বায় সংক্ৰে ্ড। স্পেনের বিপ্লবকারী ত্র বিভাষ্ট বিভাষ্ট বিভাগ্ন কিন্তু । প্রতিভাষ্ট কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু কিন্তু পরিমিতরপে আবশাক বার নির্বাৎ कत्रा अवाग्रमः एक श कता भागनकार्यत ভাগনা। দেনাপতি আণ্ট সভাপতি মনোনীত হইয়া বলিয়াছেন, পরিমিত বায়ে রাজকার্যানিকাছ করাই ভাঁহার এগান কর্ত্র হইবে। পরিমিত বায়চেটা সর্বত इहेट ए ए । अनावभाक वास बक्त करा शित মিত ব্যয়ের নামান্তর মাতে। আটিমিত বায় ও কুপণতা উভয়ই নিশ্দনীয়। অ'মাদি

গের রাজকের বৃত্তমান আবছা अक्टन कामाहिटभन्न मदन अहे व डेमब स्ट्रेटडंटस, व्यक्तिवरमञ ব্যয়ের হিশাব শ্রমানের তিন পূর্ব অব্ধি করিয়া আমাদিনের এই চিডা হয়, পাছে এ বার নৃত্য निट्ड एम। व्यामवास्त्रकान्त्र হইলে শ্রোতৃগণ যেমন গবর্ণর জেন বাটী হইতে বহিৰ্গমন করেন, लारक विकास करतन, अ रहान টাক্স হয় নাই ত ? গবর্ণমেক্টের ষিত রাজায়ণংকলায়, নীতির লোকের ভক্তি নাই, তাহার এই প্ৰমাণ i

এই অবিখাস দূর করা ক ভারতবর্ষের রাজাম প্রতিবংসর हरेट ७ हि । चार्मानिर १३ व क्रु १ व क রাজস্ববিদ মন্ত্রীরপ্রয়োজন যে, উ নকল দিকে দৃষ্টি থাকে। তিনি लख्डाना कतिया विखाशविद्यास्यत বায় বন্ধ করিতে পারেন; কাহার (तांश तका ना करतन अवर प গ্রথমেণ্টের ব্যয়ের প্রতি ভাঁছার कृष्टि थार्क। এইक्रथ এक स्वन इडेटनइ गर्थिक इडेन। श्रेस्टर क করিকে পারেন এবং শ্রুতিকটু রাশিকে বজ্তাশক্তির ৩ণে क्रिया श्वनाहेटल शाहरन, अमन व প্রয়েজন নাই। অভ্নুত্ আমারি बक्तवा मत तिहार्फ (हेन्न) व यनि व কাজ করিতে চান, ভাছা হইলে এ ভাঁহার একটা কুনংক্ষার পারিব কবা কর্ত্তব্য। এডদেশীয়েয়াযে ব এতি অনম্ভোদ প্রকাশ করি (सहे कहहे ऋाभन कहा कर्ख्या, অনেক ইউরোপীয়ের মত। দর রি **हिम्मेटनत् क् विषया मावशान**ः উচিত। অন্য অন্য দেশের ১০ছ প ক্রিলে ভারতবর্ষীয়েরা অপপ কর

(माश्का

३३ में कांगा

19 798 1

ं प्रवत्तनां प्रकृति इताय पार्थिवः सरस्वतो श्रुतिमदती न हायतां। "

ৰুক মূলতে এট অন্তিম বাৰ্ষিক ১০ দশ । সনা ১২৭৫। ২৬ এ কাজেন। ১৮৬৯। ৮ ই মাৰ্চচ বিশ্বাসিক ৭ ও ই ব্যাসিক ৩০০

বিজ্ঞাপন।

कानीमू'क विस्वक।

পরমহংস পরিত্রাঞ্চক 🕏 মান স্কুরেখান্চার্য চিত ব:কল। অপুবাদ স্থিতে দিন্ত্ৰু খোষ াশত মূল।।• আনা। পটে লড; হা কালে টাটে ১১ নং জিল, সি, ঘোষ পুস্তকালয়ে क्षां मः ध

> बिरगादिका उस स्थाय विद्यान्छ।।

ইংরাজীও বাজলাপুতকে ও কাগজ কলম ানির দোকান নিয়লিখিত স্থানে স্থাপিত হই চঃমক্বলের আংডারের সহিতে মণি আংডর রিডাপ^ট, মহাজনি ভণ্ডি পাইলে সদ্ধ च भृत्ता अधात व्याक्षांम कर्न **स**हिट्यक । োরা স্টাম্প পাঠাইবেন প্রত্যেক মুদায় বেশী আনা প্রেরণ ক্রিবেন।

পি, এম, মিব্র কোং চীনেবাজার ২৬ নং কেনিং ইক্রীট

চবিত হয় ী ৷

দ্বাং ভারতবদের সংক্ষিপ্ত **ইতিহাস দ্বি**শী যুদ্ত ধইতেছে, স্বং পুনংপ্রচারিত ं अव≛दत्तः मुदलस्य **व्य**िद्दशद्य **क.**≘म्ही वयश मातिरव अड वहेता। श्रीपुक डेटक् भाष्ट्रद रुष्ट्रमा एक स्टाइटल म् लिद ন সুক্তাক্ত ও লাড এ•কি িদের শাসন বিব िस ह इडेग्राटक अंदर क्षयम चाहत (स हुई अकः र (कामहर्तित सामन समस्य प्रतिकाश स . क क्षेत्र: छत्त, अवादत : मक्क्लिंड छेश्: क নিত করিল'ম। জাধকস্ক এব বৈ উকাতে মূলাও পরে পাঠাইবেন। উপক্রমণিকাও বেঃকাত হইল। সুভ্র:॰ ভৌগ্ৰ'র মুঞ্জ চরিত্মজ্রী পাঠে ইংরং ভারতবংশ আগমন অব্ধি লাভ কানিছের

রাজ শ্সনের শেষ পর্যান্ত সমুদার ⊱ভাতেই অব আংক্সণের প্রতি প্রতেঃকথণ্ড আটে ব পত হওয়া য ইতে পারিবে :

কাৰ্য প্ৰকাশ

থাম: 1 কাব্যঞ্কাশ ৯ নামক সাম্ভ্রিক পত্রপ্রচারে প্রবৃত্ত হইয়াছি। ইহার প্রত্যেক। च छ द क्षत्रभा कर्षा १ हर मुक्ता । क्षत्रभा कार्य (य. हेशांट क समा अश्युक इन्नाना कारा नकन श्रकाम करा य है वि । त्रश्यहु छ विम्हान-श्रिव व्यथाक जीवुक वांदू श्रामकुमात नर्नाधि-কারি মহাশয়ের অভ্যক্তঃভ্রাহর সংভ্ত विक्रा नम् इ । जगरनम् व्यामनार्थं श्रामकः श्रास्त्राः স্চীক ভাষ্টিকাব্য আরম্ভ করিলাম। ইহাতে বালকগণের স্থাবিধার নিমিত্ত সাক্ষেতিক চিষ্ণ ष'द्र। शम विरम्भव, मिक्क विरम्भव, विकक्ति, वहन. পুরুষ, কারক, সমাস, কাল্পভৃতি প্রদর্শিত स्टेटफ्टा हेश हाता (वाथ **इष्न, (य** वास्क्रित কিছুম:ত্র বুংংপত্তি আনাচে, সে বংজিও অনা রাদে অগঠিত লোক ব্যাখ্যা করিতে সম্থ रुरेटन !

> কারপ্রেকাশের মূলের নিয়ম। **डेरङ्**ष्टे काशरख मसाविध काशरख

উপন্থিত ক্রেডার

প্ৰতি প্ৰডে/ক ধন্ত

নিয়মিত গ্রাণকের

প্ৰতি প্ৰয়েক ৰঙ

a) t

विन काराधकान शहनाचितानी हहें,दन, ভিনিকলিকাভা সংস্ত বিলালয়ে অথবা মৃত্যপুর কার, একাশ যাত্র জামার নিকট জালিম

> ত্রীজগলোহন ভাষা লক্ষার। शुद्रांग सकाम्।

क्षित्वाहन कर्क शक्कः व

ভারতবর্ষের বিবরণ ,

शक्षमवात्र मूक्तिक । अवादत **काटन का**टन कांत्रिक विवर्ष्ट्रस शतिवर्षन कता व्हेष्टाटक वाच्याना (मटमात्र समी, शक्तक, छेरशन, द ও জেলাসমূহের বিবরণ সবিভার লিখিত র'ছে। কলিকাতা সংক্ত যদ্ভের পুস্তক अध्यक्त यह देशालान हट है। लाय अध्य कार

৮ हे काइइन

औम निष्ट्रवन भ**र्या**।

398

~(°0 °.

इरगीएनव गाउँक

কলিকাভ। সংস্ত যয়ের পুরাঃ ভগলী নশ্ম লে স্কুলে ঐকালীপ্রসয় বিদ্যা निकर्षे । कालना (माएएकल रहन 🕊 মূলা। তাটি আনা।

মুদ্রিত মুদ্রিত নাম কাব্য ম খণ্ড : ১১৫ সুবলিত অমিক্রাক্ষরে স্কপক্ষলে ই खात्रख्यास्य वर्षमानावद्या वर्षिक इहेर १ J. (विष्कृ मक्तिरायहा स्क्रीमान वहस्कारत नाम भवित शुक्रकोनात छन् करित १ ह 潮水河 电多

ৰাম্মী িক রামারণ তৃ ভীয় খণ্ড।

এই পুজাক এখনা ,দি প্ৰকাশ স্ট্ৰু টিক'টিভ নাগরাক্ষতে মুল্ভ টিকা 🖅 স্ক विक्तृश्वराव प्रदेश चंद्र अवस्थि इहेग्र एकः। वाक्षणः। अभूवान व शहरू । शंव अः ি এ কলিকাতা ত্রাহ্মণমাতে আমার পত্র ∮লিখিবেন। প্রভ্যেক খণ্ডের (দশ র }ৣৠুলা#∙ আনাঃ বিদেশীর আহেক र 🎏 चाना म'छल भिएउ इनेरव । প্রদাস্থ **ब्रिट्यहम् एउः अ**र्था।

ab विद्याः त्रश्यकुष्ठः अन्द्रकामस्य **७ भरिना**म র বাড় হো: ভ্রাদার কোপোনির **লোকা**নে ীত ও মংগ্রহারিত বিয়লি**খিত পুস্তক্ত গুলি**

स्ट्रेट्डरङः---

લની હ . भूना 🗗 महे 🤁 हा म <u>ያ</u>ተፉነ রোমইভিয়াস ১ Ś ভূষণ্স'র ব্যাকরণ নীডিগাব (১ ম ভার) 👌 🚽 নীভিসার (২ য়) e biig 3 i मुक्ताय व तक्त

🗷 ভারকা/লাপ লব্দ।

-:-:--থামি শক্তেলমম্ছানিধিনান্ম একলানি ও অভিধান সঞ্জনন করিছে) আছেল করি ऐश भी विषय मन्त्रुर्व हहेद्द, मञ्चिष्टि एक सहाविक रहेशादा । सर्व उत्क बहुकु ছই টাকা। এছৰেক্ষু মহ কুট্যবাসংগুড पुष्ठकानाः अथवा मश्यु ए काताः । নিকটে অসুসম্ভান করিলে গাওঁতে পারি

ধ সাল) - 🔊 ভারান ব 🕶 কাল্ডন বিকাভা সংস্কৃতি কালেজ

विविध खेवाामि विकाही श्री প্রস্তুত।

বাজী বজালা পুত্রক কাগজ (কলম নানা ব্যাদিপাওয়া যায় এবং গুপ্তকাদতে শ কানার ছিসাবে কলিগ্নালী, ভাষক ্ ব্যামার হিলাচের বি

্ৰু ন প্ৰসা-

8 B141

নিদান স্চী⊅ 8 এই মছাগবত স্টীক 40 ١. 五本品 **छ डिकाव अवयम्म ३ व्हाना**-ধের দীকা সাইজ **9**2 উ≷লিয়ম্স সংস্ক ডিকুনাবি প্রথম ইংবাজী পরে গণস্ভ মনি য়ার উইলিয়াম সংটে×কুড ৫০ , ঐ এীয়ক্ষ বাবু কালীপ্রসম্ম সিংহ মহো দয়ের প্রবীত গদং ১৮ পর্ম মহাভারত ১৭ খণ্ড সম্পূৰ্ণ ঐ 🐞 ঐ বিৰাটপৰ্দ্দ के व खे हित्सांशवर्ता 🗗 ৮ 🗷 ভীৰাপৰ্দ ঐ ১ ঐ দোণপর্দ্ধ के १० के क्वर्न ą के १५ के मना भर्त ą ঐ ১০ কে সেপ্রিক পর্ম ۲ ঐ ১৬ ঐ দ্বী পর্ক 2 1 নি ১৪ ঐ শান্তিপদ্ম রাজ্ঞগর্ম क्टें १५ लें (म.कस्पी ٥ 🗗 : 👁 ঐ জন্মুৰণস্ম পৰ্দ্য à ঐ ১৭ ঐ শেষ পাচ পর্সা বিচাব তর্জালী অর্পাৎ বেদান্ত দর্শ-নাত্তরতি বিচার 🗷 শীমাংদা বছদ প্ৰমাণ সৃষ্টিত क्षा उस्प्र جی অষ্টাবিংশন্তি তত্ত্বক্ষণ্ডি ७२ প্রাচীন সংহিতা ২০ খণ্ডে সম্পূর্ণ ২৫ অ'আডজু বিবেক ভাষ্য সহিত্ত à के दूर देनवथ माताध्वी शिका महिल ১২ খতে সম্পূৰ্ 5 ₹ সিদ্ধ'ল কৌনুদীসম্পূৰ্ণ 34 र्ध (बंध संख বিদেক স্থাবলী বেলাস্তদ্পনের . मार ५७ दिह ४ কৰ্মাজন কৰ্ম চ'ও বিষয় সিদ্ধ'ত ২ 🗟 🖹

दाक्ष मा इतिकावनी।

্বার মারপাতার 👸

नगम विद्वाः

র জৌড জমা

কলিকাতা ভোড়া-

সাকো ৩৪ নং

১॥ বি বিয়কখানি অভিনৱ এটলাৰ দৃষ্টে প্ৰস্তুত।
১॥ বি ইয়াতে ২২ খানি ম্যাপ আছে। উভ্যান্তপ ২॥ 🖟 🗗 ় বাধান। কুলবুক সোগাইটি, সংস্কৃত বজেব

भुक्तकातरा. मर्चाम कृतम ७ भरता बाड़ यं। डामर्भान्त्रत्र शुक्तकामात्र ना दश मृत्रं ३५ हे। का ।

श्चिमीतकमन शायाम।

-:0:-

পুরাণ প্রকাশ। বিষ্ণুপুরাণ।

অনুষাদও টীকা সমেত প্রত্যেক ৮ · পृष्ठी (अधिममूका ' l · ।

विभि धारनासिनाधी श्रेट्य जिम म व्यासहरहेकीने ७३।३ तथ स्वत्त कावार याद्ध व्यवका कतिकाला मः क्रु छ विन **की पुष्ट समारमाहत फर्का नक्षार**वव संध्य গতের ইন্ছা অন্তিম মূল্য পাঠাইবেন। ना गाहेल बिरम्प विक्शुतान गार्र নিয়ম বাই ই তি।

विकाशर्थ।

পারডেন গ্রীচংগ নংবাস অবাষস্থ ১৯ নংকোন্ধা বারান।

केनिति केक रामान खवान याशा করিতে অথবা লইডে ইচ্ছা করেন, নিয়ু রত ব্যক্তির নিকট জানাইবেন।

> গিলেগুরেম্আরবে পুনট এবং কো

--:0:--

১৮१ · मारलह हे श्रामी अहाम (र নানে ধেনে প্ৰকোষৰ প্ৰণীত। মুল ১॥•

श्रेष्ठ कार्ड। शहात अर्शहरू ভিন আংমার নিকট অথ্বাস্কুলবুক সোখ পুস্তকাগারে ভব্ত কাবলে পাইবেন।

১১ নংক শেকটী) পট্লড়াতা

সোমপ্রকাশ।

২৬ এ দান্ত্র সোমবার। ভ:.ভবৰীয় সনাতন বশারকণী সভা।

কতক্তুলি হিন্দু ড্রিয়মাণ হিন্দু রকার উদ্দেশে উক্ত নাম দিয়া এ ধর্মভা স্থাপন করিতেছেন। যিনি ধর্মাবলমী, তিনি যদি তাহার বি দুখা দুখন করিয়া তাহার রকার (

गदन दम्के दिक्का थन। ब ऋ मणीय (लश्चेन के शवर्गत्त्र `আদেশাহুসারী निद्शांश ।

রাজ্ঞ ও সংধারণ বিভাগ।

২০ এ ফেক্স্যারে। দেবগড়ের সহকারী কমি भनद अ, अर्थल है, कमात्र हे मारहर खात्र खर्यों प्र বেলওয়ের কড লাভ্নের নেমিত ভূমি কইবার पश्यका भाकेदवस ।

২৮ এ ক্ষেত্রারিঃ এচ, এম, বিভন পারেব द≈(०••ो'श प्रदर्गसाः केंद्र आंख्रा**नश्य व्य**⊕क (अटक्ट) ह श्हेट्यम ।

> ৫ এ কেরমারি। জরিপের ডেপুটিকালে টুর্বারু হীবালাল মুখোপাধনায় নিয়মিক कार्याद केपाद हाकात (छश्कि मा किर्केट इहेसा প্রথম প্রোণর অসমি মালেক্টেটের ক্ষমতা भाडें तम ।

নদীয়ার সহকারী মজিটেট ও কালেইব এ১. লটম'ন জনসম সাহের ২৪ পরগুলায় বদলী ≥ই৸ প্রথম শ্রেণর অধীন নাঞিটেট ও ডেপুটি কালেট(বর ক্ষতা পাইবেন। তিনি প্রধানতম বিচারালয় অথবা সেসিয়তে অবলৈ করিবার এক পদনার প্রথম বিচার করিছে পারিবেন।

০৬ এ ফেক্সগ্লার। এল, বি, বি, কিওস'ছেব य अ किन विकास महिला हे छे तार्थ शाकि द्वन, ভঙ দিন ভবলিউ, এচ, ক্রিমলি সংক্ষে রাজ সাহির দেয়াড়া জাবিশের প্রতিনিধি স্থাপার ८-६८-४-६ इंटरमा छिल्ल हास्त्रयांनी विकास कारते हैं इस के असमीट माला के हैं के उपनी कर्राङ्केरवय कमाजा हालम कतिरसम्।

२० ६ : तक्ष्मप्राद्धिः व द् डिमाप्तन शहकालाः ধার বাবাসকের সংধারণ বিস্যালকাসভার भाक्षा इंदेरबन्।

. फ्युके भावितको व : ५युके कारमञ्जय व वृ यानकामाथ व कारहे। मा डिलाव छ। ताव छ। त भारतीत्वस (

ভেপুটি মাজেরেট ও ভেপুটি কালেটর বারু <u>|</u> কালীকাদাস দত্ত বি এল কাল্যা উপবিভাগের "গ্র প'ইনেন।

 রা মাট। আসামের সংকারী কমিস সম্পূর্ণরপে নিছক ইইবেন। নব লেপটনত এল, লইস হাজারিবালে বদ্লী ৽ইয়া মাজিটেট ও কালেইরের ক্ষতা পাই মেদনীপুরের অভগত কণ্টাইরের মুগেল বাবু (24]

:ডপ্টি মাজিটেট ও .ডপ্ট কাং≁েইর বাবু ৄ থারবানাথ সেন কিছু দিনের জন্য ভ্গলীতে। নিসিপাল ক্ষিদ্নর হট্যবন।

क्षिण रहेत्र। श्रथम ८०वा नत्र काशीन मा कारकेट्टेत कमका शाहरवस ।

> ab, এल, फाल्लिधुन বঙ্গদেশীয় গ্রব্যেক্টের সেঞ্টোরি। বিচার ও রাজনী ত

> > সংক্রান্ত বিভাগ।

২২ এ কেজগারি ামিন্সলিখিত ভাচ লোকেং। কাছজাপ ভার লাভবা চিকিংস্লয় मञ्ज क्रेट्यम ।

বাৰু মহিমচ<u>কৰে</u> রায়।

- मट्हेट्टनाथ श्रीप्र।
- ध्यत्रकृताद (तन ।
- क महाशाहरन (म ;
- " ठेक्त्रहत्र भूरशामानात् ।
- გ ঠাকুরদাস সুধোপাধ্যার।
- » পূর্য কুমার সেন 1

বর একক্রার। জীংটের **স্কর্গ**ত মবিগ গঞ্জের প্রতিনিধি মুখোক মৌলবী আজাহার কিন ভূতীয় অভিতে সম্পূর্ণরূপে নিযুক্ত চইলেন:

লেপটনাণ্ট উই::ভ্রম, রেবিটন, বাট কলি কাভার এক জন শ স্তিঃক্ষক জটিস হইবেন।

নিয়লিখিত ভদ্র লোকেরা বৈদদেশ বিচার ও উৎকলের মধ্যে শান্তিরকণ জবিস হইবেন। লেপ্টনত উইলিয়ন বেরিটন বাট।

अन, क्ट्रोत, कार्यन मार्ट्य।

इडेहेंब, এडमन्द्रशंन, क्लिन्त्।

যভদিন বাৰু ভগৰানচত্ৰ সেন সরকারী कार्या। भन्दक अभाष्ट्राय थाकिर्यन, एक जिन বাবু সারদাপ্রসাদ চট্টোপাধাার ময়মনসিংহের অত্যতি নিকলির প্রতিনিধি মূলেফ চইবেন :

পাবনার প্রতিনিধি মুক্তেফ মৌলবী আলি আকাদ সম্পূৰ্ণকপে নিযুক্ত হইবেন।

বাৰু ব্ৰহ্মাংন দক্ত দিনাজপুৰেৰ অভগ্ৰ বীর গঞ্জের মুক্ষেফ হইবেন , কিন্তু আংশ:তেওঃ বাকিপুরের প্রাভনিধি অধস্ক জ্বন্ধ থাকিবেন :

ভাগলপুৰেৰ জন্তৰ্গত মধুপুৰের প্রতিনিটা भूरकार भोनती सकतन साहित मन्त्रुनं क्राप्त सिः एक क्ट्रैंदन ।

পুর্ণিয়ার জন্তর্গত কৃষ্ণগঞ্জের প্রতিনিধি मूरभन वाबू मारनमध्या ताम कृतीम व्यक्तिएक

বাৰু ভৈরৰচন্দ্ৰ মিত্রেৰ মৃত্যু চল্লয়তে রামায়ান লাল ভিত্তীয় শ্রেণিতে উরত চইবেন।

নিম্লিখিত ভত্তলাকেরা স্বানাঘণ্টেব মিউ

राषु खळनाथ शानरहो पुरी।

- " রাভড়াকেশ্বর পালচৌধুরী।
- वटळळात्राभागः भाग्रहोधुरी
 - ' যছনাৰ মুখোপাধ্যায়।

যভ¶দিম ভাক্তর দি, জে, ১ লইয়া ইউরোপে খাংকিবেন, ভত দি , : **म. त्या. मन्दिश (मननी श्रुरत**त क्षांकिनी है। व्यामिष्टीके म किन इडेटवन।

सिप्रीम चंड ভन्नताहरूदा सम्माहे দাতব্য চিকেৎশালয়প্তার সভাক্ইটের

এক, তে, কৈবে ওয়াকার সাচ্চ্ব वांदु क्रिमनः व वरम्मानायाः ग्रा

- » :वारशङ्ख (वर द्रश्चित्र)।
 - মুলির হিম বৃদ্

ৰাৰু চন্দ্ৰকাস্ক গেন :

" कीरवचत र्ठ कुछ।

ডাওগর কে, মাকলিয়ন সভ'র স্ ৰইবেন। ডেপুটি ক মসনর নিজ পদগুলে रहेर्दन ।

২৭ এ ফেব্ৰয়ানি কাপ্তেন কিউ. ডি. রঙ্গপুরের পুলিয় স্থানিক্টেণ্ডেন্ড্ইবেন :

ভারতংধীর রেল-চয়ের যে অবংশ্সী দেশীয় লেপ্টনত গবর্ণরের সীমার মধ্যে त्न व्हेन के अह, अम, जामरम **ए**टा हो ज পুলিয় ইনস্পেক্টর জেনরল ক্টবেন।

লেপটনত এ, আংর, উইলকিজন পু हेन**र**भ्युक्टेंब (छनब्र्ल्ड निक्क महकोते १हेट

कारखन एव'नड़े, अन, निर्वाहे भा পুলিৰ সুপরিকেটেও টাংইবেন।

এচ, এম, রেলিগাতের মূর সদাবাদের স্থারিনেটেওটি ইইবেন কিন্তু আয়া ২৪ পরগণ'র প্রাভিনিধি **সুপরিন্টে**ওেন (44 (

ময়ননলিশতের স্কুকারী পুল্য 😎 . छ छ अ. मि. वाष्ट्रे भारकत हाकाम वस्त्री

शक्षाक प्रश्कादी शुंलिस ळूल बटकेंट खर्व**लिके, वाहिलस्मिम मारह**र (लाहावस्त्राह १६८वम ।

নদীয়ার সহকারী পুলিষ স্থপার্টে কে, জিল, ব্য়ণসং(ছর ২৭ প্রগ্রায় **१३**८८म

(हीरब्रम्), अवेल, क्टब्बल मारविच के ले এক জন শালিবক্ষক জক্তিস হইবেন।

১ লামাা: বারু খাবক নার মিজারঃ অন্তৰ্গত ভোটমাবিতে 'তৃতীয়,"গ্ৰেশির ছটবেন। ডিনি যজ দিল উপল[্]ড ন_{িত}

উনিসিশাল কনিসমর ≢ইবেন। अ. के.च्या

चक्ररमभो सुश्रदर्भः हेब स्मर्टक्ष्में चित्र

আমাদিটোর ক'লনাম্ভ সংবাদ ছে। লিখিল ছেন।

অনুস্থাই অবসভ আন্ধেন, উত্তরায়ণ সংক্রাণু हर्षे पालयाच्च विलक्षण का**मका व्हेमाथारक**ा ্ৰেষ্ড সুসল্মানের সংগ্রা এক অব্ধিক হয় ে সেহিবস্ব"ভার চলা ভার ≉ইয়া উঠে। ্ধকসংখা, ধৰ্মস্মাগ্রেষ কাবৰ এই, অভি प्रकाल कर म अशास (कि) शिरात भी भी বভুলিমী) জাছে কিলাডে আনন কৰাই যবন গ্রেট্ডেন্ট নিটি জনি বংগও বছ ংক্তন। ইচার উৎপার্থ বিষয়ে আনেকে ুনক ব্যাক ইয়া ঘাট্ৰমণ কিন্তু সেবকল (খান বরা ম'ইডে প'রেনা। এই দীঘীও ংর নিকটবড়ীভগ মসজিদ ও কলিনার পূর্ক াশ্চম সীমায় পিবের আগ্নো দেখিয়া বোধ ্ যুবনর ডের একাপিও সময়ে এখানে নে ঐশ্বর্গালী মুদলমান অবস্থান করিতেন। ্ল ডিনিট বুজরুক হইয়া মজালিশ সাচেৰ ম পর্ব করিয়া থাকিকেন। এই মজলিস চেন্দ্র ভাস্কানটো এখানকার প্রসিদ্ধ স্থান। খানে চুট্টী ভানবশিস্ত মস্কিদ আমদ্যণি বঠ ন বাংহলতে যাত্ত উহাব উপবিভাগ রুক্ ভার সমাজ্যে চল্যাড়ে কিন্তু ভেলাধান্তিভ य'तृ शकः (लपः) ((न)ध इष्ठ हें) तु छेरपाठः ব্য) আনুষ্ঠ, অস্থানক বিজয় সুস্থাক্ষাত মুস্প নও ভাষা পাঠ করেছে। পাবেন না। উচ্চে ল্ম, ইঙা বছ পুলামন প্রবালী: এই ময় হ কের রাজার (১৯০১ দ) দী ও বর্টি দী প্রাপ্ ার সীমা ১ইয়াছে ভাষার 🕽 ন মানাকাশনও च मरहा अहे अकर चला अला गाई (१८७

কালীমোহন রাধু প্রতিনিধি। যে কালনা বছ পুরাতন অমেও পুর্কে এ আই মুদলমানের সম্পূর্ণ অধিকারছিল। যবনের ্, ভালতেগশ সংদেব মোজাফ: একাগিপজ্ঞাকার বিষয়ে জার এক প্রমাণ ভন হৈউনিসিপাল বমিস্নর এই যে, এখানকার গোভামীদিলের বাটী (যাহা এক্ষণে দেব'লগ্নে পূৰ্ণ হইয়াকে ভাষাকে) তখন ''খানাবাড়ি" বলৈও। ঐ বাটী আবাঞ্চা--নাব আছি নিক । ক্রেমে একাৰে সকলই পরি-বস্ত হটয়া লিয়াছে।

এখনকার ফুডন স্থাপিড ট্রেনিং স্কটী कृत्य हे ब्रुट इहे (फाइ) वाल (कर मश्चेर) ५०० ১ইয়াছে বেহ কেছমনে করেন স্পতী আরেত। ামশনবি জানের প্রভিযোগী। বিকেচনা করিয়া ্সহিতে ভাষা ভাষমারে । মিশন্রি,জন্তের অব স্থার সৃষ্টিত লম। ক্রিডে গেলে এক্র অনেক ১০৯:ডে পজিয়া থ'কে ৷ তবে অনেক ন কং ন. এরপে অংশ থাবিংকেও পৃথক বিদ্য नर्षे व स्ट्रांकिन कि है। श्रीष्ठीक्रम अहे। अभि इंडेट्ड किंग्या युक्त क्षांत्र अस अहिटलन्छ হাধক হাৰ্ড হুল কুল বালকদিলেৰ প্ৰনা अक्षान प्रदेश एकः विशेषात्ति सर्थाः हेखे क्रिया ±ईर्1 प्रोट्का माळाड्य राज्यका **मर्थ**ः ্নতাতে জুনে নতে যে ছইটী বিদ্যালয় চলিতে पारत ना । कछ कारम हुई (काश्राप्त स एटाछा-भिक विमानिय व. रशांद्र । शुक्रवार अ विभागन যুটী যে মিশ্নবি অনুলের 🖚 ভিক:রক. নয়, ভাহা আমরাবিশাস করিয়া থাকি। আমরা এইরপ মনে বা প্রাথনাও করিনা (ব, ঐ উর্ভি নীল বিদ্যালয়টীয় কিছুমার ক্ষতি হউক। উহাব দ্বার এ লামের উপকার হইয়াচে স্ফের নাই ; যাল এই ফুডন বিল্যালয়সীমিশ : নরি বিদ্যালয়ের কোন ক্ষতিকারক নঙে প্ৰমাণ হছতেছে, ভবে একণে ইহাতে গ্ৰণ্ম ্লী কিছু সাহায়া কৰা একাজ আবিশাক। वास्त्रभुक्षत्रमा श्रद्धारमाभागा कविर्द्ध, हेहात স্তাবের সংযুক্ত সংযুক্ত এবং প্রাক্ষারে । স্থায়িত্বের পরেক বিশ্বাস নাই। আমর। ত্রনি (কথিয়া আমর। যার পর নাই আজ্লাদিত সুবের খিলান, পালারে উপরে খোলাই কার্য, লাম, বর্তমান মাজিটেট ওয়াত সাহেব লাম। গোয়ালিয়ারের ৩৮ ক্রোশ দক্ষিণে সিং ,খালে স্কলের সমন্ত রুইয়া আনুক্ষ। ইহার । এ জনা সংনাধ্যালী কইয়া স্কুল ইনপেইর ।১ হৈছে হেম্প জাব এক প্রমাণ পাওয়া সংক্রেকে লিখিয়াছেন। ভালা কাথ্যে পরিণ্ড । हार्थ, এवार्स क्राक्ट खोल १४% (द काराव हे क्हें हुन्द समझन । পाइर्माय व्यासका ∫ এই विमार्ग লয়স্থাপয়িডাকে প্রামর্শ দি, ভিনে ইহার क्षमः अक्रों कि किंदी विषक्त करूम। कं क्रेडीह ভন্তিমত কোন কাৰ্য, নিয়হিন। হয়। আনুতা প্রাপ্তিকে ভারার সভাপতি করা / রত্র বিভেশ্যর যুদ্ধে একাশ 1953 ্তৰ ১তকর করে। কগন ই প্রশুষ্থ সক্ষণে চলিতে भारत में ।

क्षांत साम्राहाकेन २/. क्रम शांव যায় না ; ভাল । টাকা। কলাই ১৮ প্র দাভাইয়াছে। শাভিপুর চাকদহ রানালাট উলাপ্রস্থাত স্থানের ব্যবসায়ীরা এখান হই। গোলভালুও চাউনপ্রভৃতি লইয়া যাওয়া ফবং দির মূলেরে ভাতৃশ ফুবিধা হয়না। য হউক এবার শদ্যের মূল্য নিভাপ্ত অন্ত্রীভিং

এধানকার গলা নদীর নিভাস্ত শেষদ উপস্থিত দেখা যাইকেছে। জাটার সময় शাঁর পার হওয়া যাইতেতে !! গলার হাসেতে এ নকার ব∖বসায়ের সম্পূর্ণ ক্তি হইবে ।

व्यामाणित्रत (शांशांनिशत्र प्रश्ता দাতা লিখিয়াছেন।

জনাধ্যে এখানে ভিন্নার রুটি হয় शियारिकः शाया वारत (ग कृष्टि हरा, ख्यादा कु कार्यात भरक कारनक अविभा इहेग्रास्क । त কৈ, অনাবৃষ্টিনিবজন খেসকল ভূমি একৰ अकर्षाः। इरेग्ना १।७७ ।इन, এकर्न छ। व्यधिकाश्यहेकविष्ठ इहेम्रः अद्गरीय्य दर्श উঠিতেছে। শেষ ছুইবারের বর্ষণ ক্রতি সামন भी उकारन अधारम (य उद्यानक ओबा उद्यू হটয়াছিল ভদ্বো ভাষার কিছু দ্বাস হইয়ায়ে শদ্যের মূল্য যে পরিমাণে কমিয়াতে, ভাত্য ছডিক্ষপীড়িডদিগের বিশেষ কট দুব হয় না इहे जिन मानशुर्वा (य हाडेल हाकार 🖊 🕻 বিক্রীত মইয়াছে একলে ভালা /ও সেব করি ल**ब्रेट**ड इड्रेट्डर्ड । व्यनः'मः प्रतःत व्यवस्थः ३ এইরূপ। ইভিষ্ধ্যে আর হুই এক পদ अल ऋप - के हहे ल माधातर वह के अर मिवात्व इंहर्र मस्मृह मःह ।

এই ছাডিকের বৈন্যে মহারাজা দিবি পশ্চাং লবিড কার্ম,টার খ্রে৷ উচ্চাব আ সমূচের মহোপকার করিবার চেষ্টা পাইতেছে নামে মহারাজের একটা রাজা আছে ৷ ভথাব লোক ছার্ভিকে কট পাইভেছে। বিপর প্র फिश्तक कान अकारत माहाया पिया **উ**र्णाद विश्व इकेट उक्त करतम, अहे व्यक्तिशास म রাজা সিজিয়া সিপরীতে একটী মহং সং নশ্মানের আদেশ ক্ষিতেছেন। এথানর भावितिकत अरक्षके क्षीपुक करना ए সংক্রের হল্তে ভাহার আবশাক ব্যয় আগ চইদুংছে। বোধ হয়, আগামী মার্চ মাণে ক অ'ল্প হট্রে । ইংডে অনেক ছর্ভিকপীরি লোক কর্ম করিয়া জীবিকানিকাত করি

रक्षा काञ्चन श्रुक्तकान्त्र ।

Court with the second

त्वाचारेटप्रत मामम नव क्रिकाशी करेता। ভারত বর্ষীয় গবর্ণ,মার ছেবাবধারকের ৮০০ क्रीका (बडन निर्दाहित क विश्वादश्य)

त्रवर्गत्व है काला मिन्ना हत, .यनकन त्रव काती भूमिय सुमहिटकेटखुट हेत यू ही भग नाहे, উট্টেলিগকৈ মাজিক ২০০ টাকা জনৰ পোৰ দার্থ নেওয়া হট্রে, এটা অচিক্লিড সংকারী দ্রোর পক্ষে হটটেডে, এবং ইউরে পীয় কর্ম্ম্য রিগণই এই ফুৰিণা ভোগাকরিবেন।

कलिकाकात थान कुछस कड़िया काणे इहे (७८६। बाल्किक्ट्या अवधि व'लियाचारे। नर्गाष्ठ হাঁধক্রিয়া জাল সিঞ্ন করা ভুইরাছে। कि श्रमान निरंशत (वाथ श्रेटक्टर, चान काणे। ভাল হটভেচে না। ধালের যে-যে স্থান ধলিয়া ষ'য় তথায় ইট দিয়া বীধ বরিবার নিমিত্র खेळ सुभारच हेरहेत् **खुभ कः। हहेस**रङ् । **हेकि** वि ब्रुक्तान्त हुःक किञ्चकात (वाः इब्रेन्स य ब्र न्ना[ः] किञ्च व्यामहा अधिकात् ज्ञिल्ल **३८३ नर्मना**मः ମ୍" (ଖଳୀ ।

অগ্রোর পেরেটে ভালিপ্রর স্থেব্রের বঙ্গ দেশীর প্রবর্মেটের রাজাম ও সাধারণ বিভা (अत् रमाळ्डेशित कृता कृष्टेश्वारकः। क्रूर्डिम मारश्व বিচার ও রাজনীভিবিভাগের সেকেটারী হই श्चार्डम । वि. এচ. ल्ल गार्डच भुमभू विक स्हेश संक्रियानी, बाह्यपुत्रत कश्चित्रत्त । इद्याद्यन । स्य বেহল সাহেৰ ছডিককালে স্বাস্থিন বীড (नत भारुष्) कारका ३० लक्ष (ल'करक **পृ**धिये ए। त कराइंश इन्डेन मधा कत्रहा डेश्करमह অধিক উপকার করিয়াছের ভিনি ভক্তভ ক্ষিপনর ভূইয়াছেন। ইডেন সংটে্ব জ্লনতা कारणब ५५%। (नधुन)

চট্ট্রামের অঞ্গত ক্রবাভার উপত্র ভাগে প্রেমারা ধোনা নিবার্গের আমাইন এছা লিভ ইইয়াছে: এটী সংধার্তের না কুরা হয় : (ক্ন '

ত রাফ্: ভ্রন শ নিরার ।

একটীউ বিভাগ বলেয়া পরিস্ণত হট্ড। সুভ্ৰাভ ভারভব্যীয় প্ৰ4্মেট ইংাকে পুথক विकाश कदिया छुड्डिन । होक मार्ट्य्य मण्यूर्व সেক্রেটারী করেয়াছেন। কিন্তু সর্বস্থারণ ज्ञित्त्वत्व ना (य, ईश धादा व्यवस्थानक नकाह খ্ৰীনভার রুজ ১ইল। সব জন লরেশ মত আ্হণের সময়ে আমাদিলের বংবক্ষণক গণকে

वित्राचन, नाक त्यन्न (नित्र वृष्ट कर्दिरक्षक्रम । वर्षमान मिल्लामुनादव जनम विवदत्रत क्रिकेशन भागनकार्यः राही भवर्रायदेखेन स्टाह्म है हमा। उँहारा विरवहमा मा कजिरम काम विम वाव ত্বংপক সভায় অপিত হইবে না যোনীর সবর্ণ (मन्द्रममूह (यत्रकल कार्ट्रमंत्र श्रास्त्र क्रियम कोश खताक विकारनात त्यादको देव बाता कति (बम । यथम (स विक'रशत विवस्य व वक्षः स्टेरव. ভখন ভাষার সেক্ষেটারি ফৌলিবের ভর্কের সময়ে উপস্থিত ধাকিৰেন।

১৮৬৮ অন্তর্ব ২ রা ফার্চের বিজ্ঞাপন সক লের বোধগমনে: হওয়াজে ওকালভির পরী-ক্ষুগণ বিজ্ঞাপন দিয়াছেন যেসকল বিভীয় ্ঞাণীর উহীল ১৮৬৩ অন্দের পুর্মে ওকালতি क्रिटिक्कार्मन्, डाँश्राह (क्वन : आगामी भने ক্ষায় বাখালাতে উত্তর লিখিতে পারিবেন। পাটনা, ভাগলপুর, মুরুসিলাবার, বর্দ্ধান, ২৪ थवनना, काका, कड़ेश्राम, कड़ेक छ (ती शाहित्ज भर्तीका इक्टेर । এই ऋष्ठी साक्षात्र कर किर्ति कि क्ष वर्ष ? बाहाता है देताओं कार्मस कें। हारा ट कि अहे यह भाइद्वान ?

গবৰ্ণ মেণ্ট বিজ্ঞাপন। वज्ञरमभीय क्लिफीनव्येशवर्त्त्रत व्यादमभा मुनाही

*****:•:--

निट्याभ् ।

২ রা ক্ষেত্রারি। ড. পে, ক্ষেণ্টন বলো श्टर्त क्रक खन (अके मिन्नाल के स्नात स्कृट्यम । ह है। स्क्रेड्डा, ता हाकात मश्कादी भूलव প্রপায়নেটা ডাট এ, এম, মাক্রিগর সাচেব 📭 🧸 জালুরাবি কাবধি কিছু দিনের নিমিত্ত জীলতে वरणी ६६वू ८३म ।

নিমুল,খন্ত কর্ম্মড রৈগা; ১৮৬৮ সংক্রেই ५७ षादे(बेब ५० ४:ब्रा चक्क्षारत ४८म)कः ক্ষতা পাইবেন:---

ছরছের সহকারী কাইসুমর লেপ্ট্রনট ভব-এপথ,তা ব্যব্তাবিভাগ পুরুষ্ট্রিভাগের লিউ, ই. রুপ্রেকোডে ইংজারিবালের অবভাগিত वद्रश्ति महकावी क.भयमद्र अ, नि, माक्फ स्नल माट्ड्य ।

> कुठविश्रद्ध कशिवनरत्त्व निष्ट प्रश्काती বাবু।দননাথ মুখে!প ধৃ। য় জল পাইওড়িডে।

> লোহারত গার ৪ তার ধ সহকারী ক্ষিপ্রর कि, (क, खायबद्वीय मादक्व।

পালামটেএর ডেপুট মাজিটেট ও ডেপুট ্বিদ্যালয়ের ছাত্রের নাায় হজেতভালন ক্রিডে ্কালেটা মৌল্বী মংগ্রাল লোগ্রে ভল তে:

नचीशूरवत चांछा। क नश्काती (स्तु, अस्तु, कोट्युक न्त्राट्युव)

গোৰিক পুরের অভিহিক্ত সহক এচ, ভব लक्के, स्थानिक नार्व्य म মানভূমের অভিত্তিক সংগ

म, এ, এन. (वंडरकांड मारहर ! মানভূমের ডেপুটি মাজিরো গালেক্টর বাকু চক্রমারায়ণ সিংস

৫ ই ফেব্রুর। ছিগলীর *ব* টেট ও ডেপুটি কালেক্টর বাবু:রঃ भाषतीय वाद १६म६व्य करतर क्यम्भिकारम शत्वव डेलविकारमत्र कातकाक्ष श्हेत्रा .क्रेस्टित कम्यका शाहरतम ।

কটকের ডেপুটী মাজিক্টেট ও ডেপুটি हेत्र वाकू तक्रणांन करमा। भाषांच हा वन्नी इहेब्रः माजिएकेर्डे । समाना नाहेर्या বেদিবস জি, গ্রেকাম সাহেব ভ কবিয়াছেন, সেই দিববাৰ ধ ভি, আরি ব বাংকের কিছু দিবের নিম্ভুচ্কার ্প্রাল্ব প্রাক্তনি ধ্যা, জারেটিট 🔏 🔻 :इं'दन ।

৬ ই কেব্ৰুয়'ছি: ফড দিন বাৰু ম ,घाषाल वितास लईस्र **कस्**तांक्रक **अ**र् क तिन वातु द्वात्यकामातासम (मन भूत) . बत्र १८७. माथ माडि. सरके हे क्रू स्ट्रेट्रन <u>।</u>

ষ হ দির রাবু জনরজন প'ল উপনী ০ন, ওড় দিন ভূতীয় জোপৰ সৰ আ শ¥ন ধ্রনাপ রায় সাঁওডাল প .মারীভে টাকরে আডেনের ভ্রা e\$7.44 |

। बर्मन कार्यः 'बर्क (७१) नै मा ७ (६९) हे कार्लकेंद्र या दू लगरमाध्या द्वार उवर्षेष्ठ थाल छ अन्तर्भठक काल्या नेत्र बारमधन काम अधुनीत कृति उन्हा के क्षतः विशुक्त स्ट्रिन

। हे(केक्)। व युड किन ±>, 'रेंक এন সংক্রে বেদায় লট্য ভতুজিত প্^{ডি} ७७ । । त ई. डि. लक्क्केफ मार्टन होत्र প্রাক্তনাধ সিবিল্ভ সেনিয়ান ভঞা চাবি

as, वि. फ्रिममून भारत्व सूरक्र वृद्ध 'निश्व छाड्डि शांक्ट्किंट स उद**्**ष्ट्रिके ६३(वन ।

এ, সি, ্কেট স্তের মুজেরের স माजिएके इहेशा माजिएकरेएक समावा বেনাডিনি আংপাডডে: ২০৫৪ 🛎 विद्धिते (७०६ व:(०.हे। ३६८वन । । महकाती मा.का (कें) छ का (करू है का) । मार्ट्य मालिएकेरहेव कमाना

> हेलिम शहर र सम्बद्धि खाँकि सिंध हर छ है इक्टरून !

र गश्कारी श्रुलिय **छ** शहि**र छे** छ के कदा .भट्टा ...

ांहे न:्हर न क्षी **३३७७ मध्यन**

্টাংকৈচি সংক্ৰে ভাগলপুর হইতে

় ভগন সংগ্ৰ কটক ইছাতে ভাগলপুরে। এব, জ:ডন সংহেব জগলী হইডে লগী:

এচ, ভেমস সংক্রে মর্মন্দিংই চইতে ^{িবে}

ে ভি, টমাৰ সাহেৰ শিৰসাগর হইতে 🏻

, এল, ভাশিপয়র সংক্রে বক্সদেশের দেশীর রাজ্যার ও সংধারণ বিভাগের সেকে: हेर्दन ।

रिवरत कामनी, इरिजन रक्तान्यीय भवन । বিচার ও রাজনী ভবিভাগের গেকে **≩**टवन

এচ শক্ষাতের, ব'ন একারে বিদায় আছেন, রাজধানী বিভাগের ক্ষণনের

व ଓ कर्म मर्टनत् **क्वानशासक स्ट्रिम** । हेर्ह्यम् । तः लि. अवस्थितं भारत्य यदनाष्ट्रतः सन्तः । 3-4 (

'জিন্মেরিস সাজেব বা**ধরগভের জল**

. 🌯 लियाह अपहर राष्ट्राश्चरत 🖼 🐯 – व्य ब्रोहरूम ।

🖰 (कक्क्सांड कार्यात प्रसंद निर्द्याशकाली :

। প্রতিনি (তুলুকী কমিসন্স চইট্রন। 📑 স্থাতে । s দিন লেকার এলতাম পার কৈরে থাকি

ভि.स कलिकाका ७ २८ भूतनगत मास्क्रिकेटरेत ক্ষতা পাইবেন।

লেপ্টনত বাট প্রেসিডেজ কেল ও ৰাতুলা मटप्रत मर्भक श्रेट्यम ।

যত দিন বাৰু মণ্ডেগন বলেটাপাধাৰে विमाग्न महेश काञ्चल दिश्व वात्कर्यम, ७७ मिन বাবু উমেশচন্দ্র হন্দেরপার য়ৈ চাকার অন্তর্গত नानाम्रगर्भत् श्रास्त्रिम् भूत्मा स्टेट्सम्।

যভ দিন ব'ৰু বৈলোক নোপ মি≛ে বি⊤ায় লইয়া অস্ত্রপত্মিত থাকিবেন, তভ নিম বাবু রাখা 🔻 লচজর বকুরালস্কীর অব্তর্গত বেলমানার: প্রতিনিধি মুক্ষেক হইবেন।

যভ দন ব'বু ভানপ্রসাদ :সুন বিলায় লইয়া ৾ ক্ষুপঞ্জি খাকিবেন, ওত দিন বাবু মৃতংগো भाल मिलक भालन्द्द आ छिनिधि भूरकाक अहे-

যত দিন বাৰুরাময়লভি দাস বিদায় লাইয়া হসুপ,স্বত থাকিবেন। তাত নিনাৰ বুলি ব'লচকু हर्षु'प्राप्ता काकात कावर्ष इ सक्का प्राप्ता প্রতিন্ধি মুখেনক ছইবেন।

ভবলিউ, জে. মণ সংটেৰ ভাগলপুরে श्रथम । ऋषित अधिनिधि भाष्क्र को उन्हारत छैत ३३८ न ।

भवतिक छशके (वक्र भ)

ए खीश (अल्ब म •काती इक्कि सिम्न अक, है, রবাটসন মাহের প্রথম রাজ্ঞানী বিভাগ চট্টে সরকুলার খাল বিভাগে কিছু দিনের নিমিত্ত बहली कहें एन ।

হুম্ম তেত্তির স্থানীয় ওভর্মিয়ার বারু ই. রেবনশা সংকের উৎকল বিভাগের : উর্মশচ্ছে মিছা নদীয়া কইটেড ভাগলপুরে বদলী

'ঘতীয় খেনির সহকার ইঞ্জিনয়র জে. া বিশু অ'পাডাডঃ পাটনার কমিসনর এক, মাঞ্জায়েল সাহেৰ আসাম বিভাগে স্ভিড

ইউরোপীয় মনচার।

माधन हरे। विकास वि व्याधातमधीस विभा शाहक, चुड्डिक समाधिवाम अव्यवस्थात वि , नग्रन छथाय काली धर्मन । करिकात त चाहत छ द्रमाना व्यवहीत्न छन्नी छ अहेब छिए भन करियाकिटनन, शनर्गरमन्त्रे एका व्यवस्थातः, विकास सार्वेश छत्रानिकटकाटकत् यथाय িকরেয়াছেন। কর্ণেল হেওগেন পুলিষ ক্ষেত্ৰত 'মনি হ লগ্ধা ছীকুত হটয়াছেন। প্রধান ই ফেকুমানে: শিবসাগারের প্রতিনিধি চইয়াছেন **ভুইল অবধি বোষ্টেপ্রতি** টোল পুতে স্তর্ভি সর চা**র্ল্য টিবিলিয়ানে**ব (ক্ষিষ্ট্রস্কাপন এটা, কারেল দিকীয়া একে করিবাব কোপোনির **অংশ বি ভরিত হট**ুটি(লিয়ান সাধেবের ?) বিরুদ্ধে এক বং

তে দিন লাপটনক চুৰ্জাই, কে বাট কলি কাৰে গাওকলং ১২০০ কাৰাশী বৈন্য ১৮০০ ∤ নাই। জি'ন ভালমিয়া কোৰকোৱা ডিউ পুলিটের তেপুট । ম্সন্ত হইবেন। দেলীয় যোজাকে পরালয় কলিছাতে। করালী নিকটে দেবে ভীকার করিয়াছেন। ,

্ধৈন্যেণ বিদ্ৰে ই.দমের পশচরাবিত হইয়া शक करमहत् अक (हें मधाम (नक्त. नहें

क्ट्रेंट का नवाइ । केंद्र के सकान करते হইতে কাস্পীর সমুদ্র পথ স্ত বেল ওয়ে ক ভাব একটা লোপনীয় লোপানিকে নিমিতু সমাট আহল দিয়াছেন।

(भेत्रः ६३ क्ष्म्बशादि । क्रिक कर **६**८म গাৰত দ্বী আলেকজভিয়াতে উপনীয়

গ্রিসের মন্ত্রিবর্গ পদত্যার করিয়াছেন। कि.तम्र'एक काद्र गुन्न भ्रेमार्ड

পপ্তন ৫ই শেক্সারি। কেলিকেব ভ ष्मकनरकरप्रव इं.जिल्लिक (नोकाद (थलिए इ बलिय़'एइन। २००० मार्फ এई क्टेंद्र ।

अभाविक्रवेन मारकत्वत्र अधिनिधिक ন্ত্ৰিৰ চটয়াকে।

এথেক হইছে টেলিগ্ৰাম অংশিয়াছে, এ লুতন মন্ত্ৰিণ পুত্ৰসভাৰ প্ৰস্তুৰ প্ৰাহ্য

৬ই ফেব্রয়ারি। পারিস হুইড়েট টের্ন का नहारक, मारकुरन क्रिप्र्किशास्त्रक सुद्

জায়ারলভেষ বিশ্বগান এক ছে'ৰণা য বিষয়ী লোকদিলের প্রুম'র্ণ ও স b! इत्रःहङः।

সর অর্ণর গিলেসকে ভবলিনের প্রতি क्कें एक कृत्य कहा क्रेब्राटक । किल्म मार्ट्स ষ্ট্রবির প্রতিনিধির করে।ইয়াচেন।

র ক্ষরীর পরীর কারুছ ছওয়াতে মহাসভা খুলিতে পাঃরবেন না

(भेरा १६ (कक्यांति । अर्थका अन्त মাজবৰ্গ নিযুক্ত হল নাই। মুক্তন মজিবৰ্গ माज प्रकार करियाद्वन । मुक्ताकात e आंक्ष कवा क्रेट्र कि मा देशन छेल्त है নমিত এীসকে আবে আচে দিন সময় .

४के (के क्रियोशित: हे १ गर्स्य अर्थित अर्थ করতে তিনি পদস্যাগ করিয়ত্ত্ব कार्माक्तर्या व्हेटक . नव मरवाटम श्रकान भाष्ठात्रीय गाउव उँव्हाटक हैं। कविट्रक कर्ण्य निकृष्क वाश्वित विद्यम् कामहे यहिष्या कः श्रुणिय क्षश्रकत्मत कर्षदा मत्यः मत्यः विभावसम्बद्ध अक्षान क्षेत्र क्षान्यः न

ভৰ্ণসূত্ৰ শিলাৰভী নদীয় জল সেডু অভিক্ৰম ারা বাধ ভার করিয়া বেরণ লোকের স্নিষ্ঠ ারাছে, ভাছা ভাষেকেরই বিনিত আছে। :কেয়কট নিবারণার্য ডেপু**রি মাজিটেট**ট ু ঈরবৃচন্দ্র মিক্স প্রায় এক মংস্কাল ঘটোল ছু ও বানা গ্রামে জমণ করিয়া দরিল লোকের থ্টুসংখ্যা; করিয়াছিলেন। এক্ষৰে আখাস শটট′জনীয়র বারু **ষ**হনাথ শীল সহ'শয় ব্যুদ্ভন ওভার্দীয়রপ্রভূতি ব্যুপ্রক ुभः इद्दर्शविवास विद्यात सामारय। भी दह (इन। कामश्राद्धन चःहार्मन मर्डन हैक रन्ह টুকনি মিডিড পৃহ্টী ভাষ হই য়া অনো পি প ডিড हेम्राट्ड, वालकत्ररवद निकात वित्वस काछि তেছে, সূতন গৃং প্রস্তুত করিবার স্থান্য : হ:কেও উদ্যোগী দেখিতেছি हिद्दिन क्ट्रिक छाउदनांक स्नाद्ध्य, छक्त्र १४६ ৽৽ ছুটল'ভ টাকা হইলে (য স'মান; একটা क्षानगुर्व शक्ष ३ इत्र, छ। द्वरत् कार्यरत् নে: য'গ দেখি না। শুনিভেছি আহানাবা দর ডেপুটী মাজিতেটট তথ্য বিদ্যালয়গৃহ िचत्रः कारमक कारकल कित्रवार्ट्यम । देखिमस्यः ানাসংগ্রহ করিয়া বিদ্যালয় গৃহ**টা এস্ত** ড

গতবংশর ঘটালে ইংহাজী নিলালয়

হাপন হইবে বলিয়া এক সভা হয় এবং বিদ্যালয়

নয় গৃহ প্রস্তুত করিবার জন্য চাদা হয়। ওয়াট

পন কোলপানির ঘাটালয় প্রধান কর্মচারী

ক্রীযুক্ত টরণ বুল সাহেব মহালয়ের যথেষ্ট টাকা

দিবার কথা আছে এবং প্রীযুক্ত ঈশ্বচম্রবিদ্যালয়

নাগর মহালয় ৫০০ পাঁচলত টাকা আক্রর করি

হাছেন, আপান্ডতা ৩০০ ভিন শত টাকা দিয়া

ঠেন, অপরাপর ভদ্রলাকেও কিছু কিছু সাহায়।
করিয়াছেন। তথাপি অদ্যাপি বিদ্যালয় গৃহ
প্রস্তুত ইবার কোন উদ্যোগ দেখি না কেন?
আর কেই বা মেনেক্সর ইইয়াছেন ভাষাও

আনা যায় না।

চবাইয়া দিবেন। ভাষা হইলে সকলে শীর্ম

থ:জামিত হন।

ই তমগ্যে ঘাটাল থানার অভঃপাতী উদয়।
গঞ্জনিবাদী দীতারাম উপাধায়ের বাটাতে
ভাকাইতি হয়। য়ে রাত্রিতে ভাকাইতি হয় দে
রাত্রিতে ঘাটাল খানায় জমাদার ও কনস্তাবল
প্রকৃতি উদরগ্রে উপস্থিত ছিলেন।

महान्य न्य विष्टाः

सहान्य । (व कारः

तह वात्र वादः (ना

तर्षां, जाडांत संदह त,

धनाती हें जाकि विष्टाः दृषाः

धर्म तन्य दे किछ। मजूना जमकिकः

ग्रेस्स तन्यी छोडाः। मजूना जमकिकः

ग्रेस्स तन्यी छोडाः। कोण्ड्लाकाण

हरेगा मर्खार्यः महिष्ठ धनामकात मरनाम

मकत न। পर्ण्ड भारतन। अहे कनः मरनाम

भरत यक प्र (मर्थः यहरूकत विषय जस जस

করিয়া ক্রমে লিখিছে চেষ্টা করিব।

১। ল'বেগর কলিকাভার প্রার সাত ল'ত ।
ক্রোল পূবে অবস্থিত, ভারতবর্ধের উত্তর পশ্চিম
কোণে শ্বিত। লাছোর ভারতবর্ধের মধ্যে
একটী প্রধান ও পুরাতন নগব। এখানে ধে
সকল পুরাতন অট্টালিকা, মুসলমান ও হিল্প
বাজাদের কাঁজি অল্যাপি বিদ্যান রহিয়াছে
হাহাতে ইহা যে কিরুপ সমৃদ্দিশার নগর ছিল
াহা বলা যায় না। এক্ষণে ব্দিও ভাল্প সমৃদ্দি
নাই; কিন্তু পঞ্চাব গ্রেপ্টের রাজধানী
বলিয়া ইহার ঐপর্যের অল্পতা নাই।

নগরের চতুর্দিক ব্যাপিয়া প্রায় এক ক্রোশ উচ্চ প্রাচীরে পরিবেক্টিড আছে। মগ রের গভায়াত করিবার বারটী অভি প্রকাশ্ত ও উচ্চ ডোরৰ (ফটক) আছে। এই সহবে অসুন এক লক্ষ্য লোক অবস্থিতি করিতেছে। সংরের ভিডেরের গলিসকল এরণ সংক^মর্ণ যে রই ডিন ক্ষম লোকের পার্দ্মাপাখি যাইতে কট ইয়. গলির ছই ধারের আটোলিকাসকল প্রায় क्रिक्रम हाब्रिक्रम देका क्रिकारम क्रार्ट्सनका শৃথ্যলাখন ও ব্যবস্থিত নচে। যদিও এখানে भिष्ठेनिमिलानिनेत दिस्मय बरम्माव**स्थ कार**क, उथाणि पश्चः श्रवाकीरङ ७ पश्चरपा इशंक मध्र व्यावस्थ्रमात्रकतः नात्रावस्थरक व्यारमानिक করিতে থাকে। এই নগরটার কাশীর সহিত व्यक्तक विषयः प्रोमान्तः कार्यः काङ्गीलकः नकरलत्र माह्मिशः 👁 अलिनकरलत्र मध्कीर्वछ। 🙉 🕫 কাশীর ন্যায় ৷ ছঃখের বিষয় এই যে, যে স্থানে দিনের বেলা অক্কাব, মিউনিসিপালিসী রাত্রি कारलंश (मधारम क्यांस्मा (हम मा। हेशएए हाजि कारम शमनाशमहमत (युज्ज १ क्ट्रे व्य फार्टा जना याम ना । नश्रत्थाठीरवत नाहिरत्ये देहात छ्छ क्तिक भवन्यक्ति चेक महनाइत छन्।न व्याद्ध । এই উদ্যানের মধ্য দিরা তেবাঙী নদী इंदेर्फ चाल निर्माख इंदेश लवाहिन हरताएक **উन्धानस्** वृक्तमकन व्यायमाक्तमक व्यन् भाहेश

্ এক একটী র

ভ লট্টালিকা, খালে ঘা
আটালকা, খালে ঘা
আটাকালৈ ও সার্হকালে এই
কবা যে কিল্লপ প্রথমনক ভালা :
না। ভাষি ভানেক ভানক নগাং

কিন্ত এক্লপ মনোহর উদ্যানপরিতে
কথন নমুদ ও আবণগোচর হয় নাং
দেউ উদ্যানের পারিপাটা ও সুস্থা-

ধনাৰ্থ বিশেষ মনেযোগী।

নগরের উত্তর পশ্চিম কোণে প্রস্তুত कारहा इर्जनी कांकि ऐक अर्थन आर्थ পরিবেন্ডিড।ইহা মুসলমান সমাটদিগের বু ভংপরে মহারাজ্য রণজ্ঞিৎ সিং জ্ঞান ক मन : এখন ইংরাজদের পভাকা ইহার আ তরে উডডীয়খান হইডেছে। হায়! কা के शक्ति ! किहूहे क्षित नरह। बाहारनत कहें কীর্ত্তি ভাষাথা কি এক দিনের ভরে মনে बाहिन (य, हेरा फाशरम्ब वरभावनित वि হইতে এক ভি**রজাতীর** রাজা কাড়িয়া ল**ই** এই पूर्वमार्था मूनलग्रानिष्ठित कारतक म রাজপ্রাদাদ, দর্পণগ্র, সেনানিবেশপ্র রহিয়াছে, মহারাজ রণজিং বিং মুদলমা গের অনেক মসিদ ও গ্রহ নষ্ট করিয়া আরু মনোমত দেনাামধেশপ্রভৃতি নিশ্নাণ याक्रित्तन। क्रांकी व्यक्ति भरनारत व्यास्ति नि হইয়াছে। সম্মুখে রাবী নদীও বিজ্ঞী^র ক্ষেত্র, পক্ষাতে নগর।

রণজিৎ সিংধের সমাধিমন্দির, বাং কের সমাধিমন্দিরপ্রভৃতি আরও ও গুলি দেখিবার যোগ্য স্থান আছে। র সিংধের সমাধি অভি মনোহর। কার থাচন্ত প্রাচীর, ছানপ্রভৃতি বিবিধ প্রস্তারে রঞ্জিত, একটী শুকের চুড়া স্বর্ণমনি বাল্পবিক লাহোরটা দেখিলে মনোমধ্যে কিরূপ অভূতপূক্ষ ভাবের আরিস্থাব হয়, যে না দেখিয়াছে, সে হলিতে ভূারে না।

লাহোর বর্ণনা জান্য এই পর্যান্ত ধা জন্যান্য বিষয় ক্রেমে ক্রমে লিখিতে । এক্ষণে কয়েকটী সূতন সংবাদ দিতেছি।

১। গত ২০ এ ও ২৪ এ এখানে কৃষ্টি ১ইয়াছে। লোকে কহিডেছে যে

बंद के हें दि काटक व न। जामदा अस्पि अस्पालक अस्पिका अस्पालक अस्पिका अस्पालक अस्पालका अस्पालक अस्पालका

অব্ভাবত 🤜

দগের প্রদাশন ব'বু নবীনটপ্র রর বছে ও উদ্যোগে এখানে একটী ব হইবার আয়োজন হইভেছে। শকুজলনোটক হিন্দীভাবার অমু কেন। পণ্ডিত মনফুল ও করেক জন বালালী জাত। ইহ'তে যোগ দিয়া-

নন : এখানে বাইনাচ, কুংসিত পান ও ধন যেরপ প্রচলিত, ভাহাতে নাটকাভিনয়রপ বিশুদ্ধ ম'মোদের পথ প্রদর্শন করিয়া দিতে । গারিলে বোগ হয় অবশ্যই উপকার ইইবে।

ত। হোলির কুংসিত আমোদ এ অঞ্চলের স্তিই প্রায় সমান। প্রকাশ্য রাজ্পথে পুরুষ একত হইয়া কুংসিত গীত ও নৃত্য রেণ্চক্র করিয়া ব্রুষংক্ত লোক মদ্যপান বে।

8। এখানে সাধারণ উন্ন ভবিধা নীনামী একটা সভা আছে। ইহাতে বাঙ্গালী পঞ্চাৰী উভয়েই সভ্যমেণীভূক। **হিভাগংক্রাভা, বৈজ্ঞানিক ও সা**খাজিক ভূতি সাধারণ হিতকর বিষয়সকল আংলো ः रुग्नः कि**ख**ः नभीत्र **लाकर**स्त्र (कान अञ्**र्श**ास ষ প্রধম বেরূপ উৎসাহ ও উদাম থাকে দিনপরে ভারাদের সে উৎসাহামি প্রায় ! गर्हेट अस्था यात्र ग्रेस्ट्राट्स अस्टिस अस्ट्रेस **१** । যাইডেছে। লাফোর এত বড় স্থান, এগানে ক:ভাব বেথুন সভার নাায় একটা বৃহৎসভ: া ট চিড , কেন্তু ছু: খের বিবল্প এই ্য, উৎ হুৰ অংট জন সভাও পাৰের: চক্র;

আমাদিগের কালনাক্ত সংবাদদাত। ধ্যাচেনঃ---

ভপুলী মাজিকেট বাবু হাবকামাপ্র বাহা অসমদের নানান্তবিক চল্ডা সকলেওট টিয়ক হইয়ানে জামবা জানিকাম, উত্তম কর্তির কর্ম সম্পন্ন কবিলে সে বিচার বিদ্যালয়ে স্থানে খাকেতে পাবেন। ব বাহাছর ভ একাশ য়য় ও পার্মানেব কর্ত্তব্য কর্ম সম্পন্ন করিভেছিলেন, যে

া অয়ত্ব দেখিতে পাই मा । विषयकः वालिकाविमालप्रशी क इंड्रीब्रहे यह द्वालिक रहेब्राइ अवर देनि विद्याय हारे। कार्धा विम्हानस्य जनः ह हो छ। व होका नश्का করিয়াছেন, অবিলয়ে গৃহ আরম্ভ করিবার মানস করিয়াছিলেন : গ্রামের উপকারের অংশ, বন জলল প্রিক্ষ'র করা ইভেছিলেন ৮ ট্রেনিং বিদ্যা লয়তী যাহাতে উল্লুভ কয় ভজ্জন। একাত যুদ্ধান হটয়াছিলেন। সম্প্রতি ইনি মফস্বল স্থানসকল প্রিদশন করিয়া প্রজাদিপের স্থ্রিধার জন্য কোখায় কি কি করা উচিত ভাষা লিখিয়া অ'নিয়াছিলেন। ত্রায় পরিবটের কথা গুনি লেন।ইনিজাটমাসকলে নিয়ত পরিভাষ ও জনণকবিয়াএ স্থানের অভাব্সকল বেরপ অবগত হটয়াছিলেন এবং সেইসমস্ত আনভাব রুবীকরণ কনিজে ধেরূপ দুচপ্রতি জ্ঞ হইয়াছিলেন অন্য বিচারপরি হটলে এসকল কাল এড শীক্স হওয়াসভাবিত নহে।ক'রণ যেমন কেন উল युक्त (नाक चाइएन ना, এश्वरमत्त्र अ कानानः স্থানের অবস্থাও অভাব জানিতেই ভাঁহার অপিক সময়নত চয়, কিছে দে বাহাছর সেই সম য়ের মধেং সেইসকল আভাব (माहम कतिहा স্থানের 📆 রুদ্ধিশাধন করিতে পারিভেন। আনমর। মৃত্তকঠে স্বীকার করিভেছি যে, জীয়্জ্জ বাবু কালিকাদাস দত্তও যথাৰ্থ উপযুক্ত বিচারপতি नरमार गाउँ, किन्छ धरे भतिवर्छने विकृतिन विलाद क्हेरल हे नकी जीन सकल क्या हिन य খানে যাইবেন, সেইখানেই শুক্তামুখান করিবেন সভ্যাক্ত এখানে যেসকল দেশহিতক্র কংখ্যের সংকল্প করিয়াছেন ভাছা সম্পন্ন করিয়া यान, हेहाहे आमारण्य शार्थनीय । यनि विष्ठातानि উত্তम **रहेट**कट्ड, ऋ'नीय कारनक विवस्यव

বিশেষ উন্নতি চইতেছে, মককলপরিদর্শনের

ववार्थकत इडेएफ्टइ, स्टर्व अन्ड भीख इंडीएक

স্থানাজ্বরিও করিবার কি কারণ, ভাং৷ আন্যায়

কিছু বলিতে পারি না: কিছে একখা বলিতে

পারি, যে প্রার প্রামের সমস্ত লোকেই একম;

क्षश्ची नरहतः कानक कारन कामना अहे कानहान्

প্ৰিক্তের কথে:প্ৰথম শুনিতে পাইভেছি।

ইনি য চির্কালট এই স্থানে খাকুন যদিও

अमन कत्रकृष्ठ शार्थन। आमारतन्त्र नाई । किर्य

क्रिक्ती एकक्त कार्यः (विशासन हर्देती

विरंत्रकः) न्यानित कतित्रा कानोकतिक हा कार्यारमत श्रार्थना।

আমরা অত্যন্ত আক্লাদের সহিত করিতেছি বে, জীবুক্ত ভেপুসী বাবুর জ ক্রমে বর্জমানাধিপতি জীল জীবুক্ত মা চক্র বাহার্ত্তর অজ্যতা বালিকা বিদ্যালয়ে হাজার টাকা দান করিয়াছেন।

এথানকার নিকটবন্তী অনেক ছানে
চুরির সংবাদ শুনিতে পাইডেডি। করের
চুরির সংবাদ শুনিতে পাইডেডি। করের
চুরির সংবাদ শুনিব ইনশেপার বি শ্রীবৃত্ত
রামরেণ, বোষ মহাশর ইছার ভদারক ক
কেন। কল কি হয়, পরে জানাইব। যাতা
এইসকল অভাটোর মুন্তিমান হইয়া আ
সকে বার চক্রশেখর রারকে স্মরণ করিছে
য়াদের। বাশুবিক উভার স্মরে চক্রাদেন।
ছইয়াছিল, এখন সেপ্রকার কিছুই নাই। র
পুলিষের কাজ বে আড়বংপুর্ন ভারা সক্র
শীকাব করিয়া খাকেন, ফুন্তন পুলিষ চুই
কে হইবে, লোক ভ ফুন্তন নয়? যাতা হা
বিশ্ব ভার করিছে এ সংবাদ পার্ব

ইবার মধ্যেই এখ'নে এত রৌদ্রেব উত্ত বইয়াছে, যে ভাবাতে বিশেষ ক্লেশ হই থাকে। মধ্যে ওলাউঠার প্রাকৃত্তিব হইয়াছিল কি**উ** মৃত্যুর সংখ্যা অগ্ন। মধ্যে বৃষ্টি হওয়ায় ঐ পীড়া অনেক কমিয়া গিয়াছে।

--:0:---

প্রেরিত।

মান্যবর জীবুক্ত সোমপ্রকাশসম্পাদক মহাশয় সমীপেরু

গত ২৬ এ ক্ষেত্রারি শুক্রবার বেলা ৪ টাব সমর বছবাজার গবর্ণমেন্ট সাহায্যকৃত বাঙ্গালা পাঠশালার পারিভোষিকদানক'র। সম্পর হইরাছে। সমরেবল জন্তিদ্ প্রিযুক্ত ভারকা-নাথ মিক্র সভাপতির আসন গ্রহণ করিয়া সহতে বালকগণকে পারিভোষিক প্রদান করেন। বে ৫ পাঁচটী বালার বালালা জবৈত্রনিক ছাত্রবৃত্তি পরীক্ষার উত্তীর্ণ হইরা গবর্ণমেন্ট বিদ্যালয়ে বিনা বেতনে পজিবার জন্মতি পাই, রাছে; ভাহাদিগকে রৌপ্য পদক ও জন্যান; প্রেণীর বালক্ষিগকে পুস্তক্ প্রদান করা হয়; नामस्त्रक्रिकि ७०% नर जनत्त काराध्यकाम बद्धा जनता क्रिकाणा गरम् छ विद्यानद्वा क्रिक जनत्त्रास्य छक्तानकारत्त्र नार्य यछ बर्चत्र हेक्ना जिल्लाम् सूना शांशहरतन। जिल्लाम् वा शाहरत विरत्ति विक्शूत्राय शांशहरतत्र महास बाहे हेकि।

বোষাই হইতে আমদানী।

মিডাক্ষরা ৩ অধ্যায় সম্পূর্ণ
পরাশর সংহিছা।

স্টাক বিষ্ণুপুরাণ
বাভুমক্ষরী
গাঁত গোবিন্দ ও রাধাবিলোদ কাব্য
স্টাক, অয়দেব কৃত
বিদ্যমুখ্য ওন স্টাক
কলিকাভা
১নঠনে
১২৬ নং

हेक्डेलियान द्रम्बद्धा

এপ্রেলমানে ট্রেণ গমনাগমনের পরিবর্তন।
এক্ষণে কেবল শনিবার আপরাক্ষ ২ টা ৩৮
নিটে (কলিবাভার সময় অপরায় ৩টা ১০
নিট) যে গাড়ী পাগুরা পর্যন্ত বায় ভাষা !
ভিমান পর্যন্ত যাইবে।

এক্ষেপে কেবল সোমবার প্রাজ্ঞাল ৭টা ১ মিনটে যে গাড়ী পাঞ্রা ছইতে ছাজে, াগ প্রাজ্ঞাল ৬ টার সমর (কলিকাভার মর ৬টা ৬২ মিনিট) বর্জমান হইতে ভিবে। পাঞ্রা হইতে ছাজিবার সময় রেপ.আচে সেইক্লপ থাকিবে।

বোড অব এফেনি নিনিন জিকেনন ইটাইণ্ডিয়া রেলওয়ে ডেলহান্টেনী জোয়ার / কলিকান্ডা ১৮৬৯ বোড অব এজেনি ১ই মার্চি।

---! . !---

চরিত মঞ্চরী।

অর্থাৎ ভারতবর্ধের সংক্ষিপ্ত ইভিহাস।
নর্দ্ধিত হইয়াছে। এবারে ইহাতে কএকটা
ভন বিষয় সন্ধিরেশিত হইল। প্রীযুক্ত উড্যো
হোদয়ের অভ্যারিক্রমে লভ ওয়েলেসলির
বিন রভাত ও লভ হেটিংসের শাসন বিবরণ
থিত হইয়াছে। এবং প্রথমনারে যে ছই এক
ন গর্ধের ক্রেনেরলের সময়েয় যে ঘটনাগুলি
বিভাক হইরাছিল, এবারে সেগুলিও উহাতে
বিশিক করিলাম। অধিকত উহাতে একটা

उन्दर्भानमा (वाकिक इरेन। एकतार अहे भूग्ये किक इतिक्रमक ते भार्ठ हर्एतकामत कात्रव वर्ष वानमम करि नाक्कानिएकत त्राकामान मित्र स्था भर्षक नभूमात द्वाक व्यापनाक्रमक वर्षक हर्द्या वाहरक भावित्व। व्यात हेराएक विकेतित ह्वाक निक्त दर्शक हरेतारह। नर्क वर्षक भूक्कानाम क (व्यापनारका कर मर कार्यम वीमुक श्रकानाम वाह्यत निक्रि शाना।

अकोगी धनत तार !

বিক্রয়ার্থ।

গারভেন রীচ ২৪ নং বালি ওলামস্ছ ১৯ নংজোড়া বাগান।

উপরি উক্ত বাগান ও বাসী বাঁহারা ক্রয় করিতে অথবা লইতে ইচ্ছা করেন, নিমু স্বাক্ষ রিত ব্যক্তির নিকট জানাইবেন।

> গিলেগুরেস্ আরবো-থনট এবং কোং

-308-

১৮৭ - দালের ইংরাজী এ ট্রান্স কোদের মানে কোন প্রকেদর প্রণীত। মূল্য ১॥।

যাহার এরোজন হইবে, তিনি আ দায় নিকট অথবা জুলবুক দোগাইটার পুসুকাগারে তত্ত্বরিলে পাইবেন।

१८ नः कः (लक्की) । अववनाश्चनान मञ्जूषनाव भटोग्डामा

-:0:-

निष्ठात नमी।

সন ১৮ ৩৯ সালের ফেব্রেয়ারি মাসের
২২ হইতে ৫ই মার্চ পর্যন্ত ভাগীরথী
নদীর সর্সাকমভি জনের
সাপ্তাহিক রিপোট।
স্থানের নাম সর্সাকমভি জন

नाखारिक । इर्लाह ।

चात्र नाम नर्जाकमिक जन

पृष्ठे देशिः

काशी प्रवीत निरुष्ठ नक्षानित स्वारशः

चान ३ ॰

महाना प्रवास के भ

क्षा हरेरक किनुत ।

कानिनुत हरेरक वहत्रमनुत ।

क्षा महेरन प्रवास ।

क्षा महिका प्रवास ।

क्षा

कारिशेष्ठा व्हेर्ड व्यक्ति १७ माहेरनद मरक्ष नम ১৮७० नारनद १ हेर् भूत जनवारित व्यक्ति मान।

শন ১৮৩৯ সালের ৪ ঠা মাচ ভারেতে গজ ঘাটের জলের মাপ।

那

বহরমপুর) জীয়ক্ত সি. ই. উইক ্ ৮ মাজ) কিউটিব ইঞ্চিনিয়র মনী। ১৮৩১) লোকাল রিবার ডিবিঞ্চ

সোনপ্রকাশ।

ও রা চৈত্র সোমবার। শদোর অবস্থা।

भक तूथवादन त (भाषाक काल) রির অর্ত্তাংশপর্যন্ত নানা স্থানে শন্যের অবস্থায়ভান্ত একাশিত ঃ রাছে। কেন্দারাপাড়া বিভাগে র হওয়াতে আমন ধান্য ও রবিশ্নে चरनक डेलकात मर्मिश्राटकः संबा मुला नमान ७ गटबंड भना चाटाई। ई थनन कार्र्स ४,००० लारक कर्न न बारक। केंद्रक इकि क्हेबारक। ३ क्टिकाति वर्षा एउन भूती व मः वास आ চাউদ ॥২ দের বিক্রীত হইতেছে কর্মের অভাব নাই। বালেশ্বরে চাও ।। (मह व्यवधि ५२ (मह नर्याष्ठ) वि पन इकि स्रेप्नाटक। प्रवर्गद्रवात कीत भना अक्कारन नके इंडब्रांट्ड नृर्क्षका यात्रा नाराया (नवता स्टेटक्ट्रा

ভাষলপুর বিভাগ। মধুপুরে সাম
নারপ রক্তি ও রবিশস্য ধৎসামান্য ক্
য়াছে। ভাগলপুর ও বাঁকা উপবিভাগে
সমুদার শস্য কক হইরাছে। মুজেরে
ক্যেকটা পরগণার কিছুই হয় নাই
রবিশস্য হয় আনা হইতে পারে
ইন্ডিতে কিঞ্ছিৎ উপকার হইরাছে
পূর্ণীয়ার অবস্থা ভাল। রাজমহলে শ্র

দ্ভ অন্যাপি ছডিকলকণ তছেন। সাঁওতালপরণ অনিউশসা আছে। দুমকার নহে।

বভাগ। বিহারে রুক্টি হয়
ও পুকরিণীসকল শুক্ত হও

ত অভিশয় জলকট হইয়াছে।
তের অন্নকট অনাপি হয় নাই,
কালেক্টর আশকা করেন, এক
র মধ্যে রুক্টি না হইলে ছুর্ভিক্ষ
। শুনোর মূল্য অভান্ত রুদ্ধি হয়
নাহরেণরও এই অবস্থা। চল্পা
। ড কট নাই, কিন্ত দক্ষিণ পূর্বে
াগে অভান্ত কট হওয়াতে অনেকে
রের কাল করিভেছে। ব্রিন্তরে
হা পূর্ববং। রুক্টি হয় নাই। হাজারি
ল অর্দ্ধিক শন্য হইয়াছে। মানভূমের
শহতঃ পালামাউরের অভিশয় হুর
হইয়াছে।

् १४४**० अट्र**क्त ४० अ हेट्ड त १८५४ सम्ब

সিলেক্ট কমিটি বঙ্গদেশীয় ব্যবস্থা-

मङाङ्ग ১৮৫৯ অব্দের ১০ "प्याहेन শাধনাৰ্যে পাঙুলেখা উপস্থিত য়াছেন, ভাহা দর্লাঙ্গস্নদর হয় । पृत्यं कारणक्रेतिमरगत निकटि ल मकक्सार निष्यति कहेड, (५३ अभागात उन्हात विहात इस्ट्रें। লে মকক্ষার বিচারের সময়ে মত উচীলবাতিবেকে আরে কেছ ক্তের করিতে এরিরেন না। এটা রণের মতঃ অতথ্য এ প্রস্তাধীয় শয় সক্ষত হয়ঃকৈছে।ইম্বাডে ডেপুটি कुरतता व्यवद्यं इंडेट्ड १८८८ । টি কালেইঃমাত্রেই অনুপযুক্ত **। पाप**कता दलि ना। 'डे.कालिएशत কাহেৰ: এত সময় অভিবংহিড र्ड इत (व, देशयुक्त त्राक हरेत्स अ

তাঁহারা বধোচিত পরিশ্রম করিয়া মকক্ষার নিজ্পতি করিবার সময় পান না। উাঁহাদিগের অথিকাংশের যথা-बीजि व्याहेन भिका नाहे अमि व्योदात করিতে হইবে। মোক্তার্দিগকে বহি ষ্ঠ কর। হইয়াছে; ইহাও সামান্য উপ করিক নহে। ইংগ্রাভাবেক মকক্ষার প্রকৃত অবস্থার বহু বিপর্যায় করিয়া। ফেলেন; সুচরাং অনেক ছলে **रथार्थ** বিচারের ব্যাঘাত অংশ। নিলেক্ট কমিটি ১৮৫৯ অকের ৮ আইনের বিধি অসু-নারে মকদ্দমাগুলি করিবার যে প্রস্তাব করিয়াছেন, ভাহাও অভিশয় সঙ্গত হইয়াছে, কিন্তু উলিখিত পাণ্ডুলেখের কারতে একটা অনায় চেফা দৃষ্ট হইল। ১৮৫৯ অব্দের ১০ আইন ক্লবকদিনের সনক্ষ বলিয়া পরিগণিত চ্ইয়াছে।ইহার অন্তৰ্গত স্ব গুলি বল্দেশ, বিহার উৎ-কল ও কাশীর ক্রকদিগকে দেওয়া হয়; কিন্তু নিংক্ত কমিটি পাতু লেখ্যে কেবল চিরস্থারী বন্দোবস্তত্তক মহলসকলের একার উলেধ করিয়াছেন। উৎকলে ध बट्झांबल्ड नाहे, छाहा विश्वा कि প্রদত স্বত্ব হরণ করা হইবে ০ এখানতম বিচারলিয় রাজাকুমার রায় বনাম আংানা বিবির মকদনায় ভিরকরেন, জামী मारतत चाद वारक व्याख श्रे (ला अध्यक्तात স্বত্লোপ হইবে না। সদরলতের সাপ্তা कि हिंदिएगाई बाएक ১) दल्लात्मात शका গণ ২০ বৎ দধের এক হারের দ্রাখিলা প্রদর্শন করিলে কিপরীত প্রমাণাভাবে বর্দ্ধিত কর হইতে নক্ষা পাইবেন। छे२-करनात अकामिशरक अ श्वाह (का मा দেওয়া হইবে ? ভারতব্যীয় ব্যবস্থাপক গভ: ১০ অংইনছারা যেদকল স্বত্ত প্রদান

(১) ১৮৩৫ তকাঃ জাইন ঘটিভ নিজাতি ৭- পৃথাঃ

ভাহার অন্থা করিতে সমর্থ নহেন **।**

करिशाटकन, बङ्गामभीस बावकाशक मछ।

चामता चामक यात्र वित्रहासि, चटन धालांशन देशांतक, छरान, शुक्रा প্রতিক্রিরাছেন, তথায় কোন ক করর্ভি করা উচিত নহে। সাম रडेक, चात्र हात्री वटमावस १डेक, विद्वान कहा छेडिख नहरू। ১৮३ অব্দের ১১ আইনের ৩৭ ধারার ২ কি পুতাধানত ম বিচারালয় এই ধা क्रित महिन्छ ১० चाहेटनत समझत कटः नाहै। कहत्रित छत्र श्रीकाटक क्रुवकः ক্ষনতাগত্ত্বেও উত্তম বাটা, উত্ উদ্যান এ জ্বত করে না। আ জ্বিও অনুনে পলীপ্রামে দৃষ্ট হয়, তিন ক্রোদোর মুগে अक्षे उर्छ श्रकतिनी ना**है।** वर्ष সময়ে বিলের জলে চলে। পুক্রি कतिरण अपनीमात अञ्च कत्रकृष्टि करत যে, কেহই রায় করিয়া তাহা খনন করি ইচ্ছুক হয় না। ৪ ধারায় সিলেক্ট কমি দথলী স্বভূতা ভূমির করর্দ্ধি প্ৰস্তাৰ করিয়াছেন। ১৮৬৫ আনে ১৪ জন বিচারপতি একবাকা হইয়াক র্দ্ধির যে নিজাতি করেন, তাহা আই বলিয়া প্ৰনা করা কর্ত্বা ৷ দ্ধান স্থ জন্মিধার ধারাটী বিশদ করিয় দেওয়াউচিত। বোধ কর এক "জন ১ ৰ্থন্তের মেয়াদে পাটা লইল ; ভাহা পর ছুই বংশর গোল, জানীদার জারী **काफ़ाकेटलन ना। अक्टल** यहि प्रथली স্থান দেওয়া হয়, তাহা স্পাট করিয়া ব্ল कर्जवा। देश नदेश मुद्धमा (भानामा

প্রধানতুম বিচারালয় নিজ্পতি করি য়াছেন, পাটার অতিরিক্ত ভূমি জারিপে বাহিন হইলে ভাহাতে একা অন্ধিকার প্রবেশদোষে দ্বিত বলিয়া পরিগণিত হইবে; পরগণার হারে কর লওয়া অথব প্রকাশক উক্ত অতিরিক্ত থও হইতে বহিদ্যুত করা জ্মীদারের স্বেক্ষাধীন। আইনেও ঐ ক্সার প্রকারান্তরে সাহায়া

ঘটিয়া থাকে।



31 W WIR F

" प्रवासनां प्रकृति दिसाय पार्थिवः 🤜

নক মূল্য ১ এক জান্তিম বাৰ্ষিক ১০ দৰ লম্ম বাৰ্যালিক ৫৪ সাজে পাঁচ টাকা।

नन ३२१६। ३०ई देव्य । ३४७३ । २२ व

বিজ্ঞাপন।

नर्त्तन: धडवटक क्यांक क्या याहेटकटक (य. णालक २० मार्ड छाविटच मनिवात (वना ১১ ত সময় যোকাম বৰ্জমান লামোলর ভিবিজ একজিকিউটৰ ইঞ্জিনিয়ৰ সাহেরেয় জাপীৰে राजःत्रम ७ मारमानत्र सरमत्र मधायकी बाक् मी विषार्केनामक चारमद्रमम ১৮५० नारमद अध्यम व्यविषय १५१ मारलय ०० मार्क छ এक वरमदाद नियस मास्त्रम ज्यामादाद त्रा श्रकाम। नीनास्य विनि कदा याहेदव । প্রত্যেক নীলাম ভাকনীয়া হাজিকে নীলাম াভের পুর্বের ১০০ খন্ড টাকা আমানত एक रहेरव अवश्याशामिरशत छाक व्याज्ञाहा ব, ভার্গদিগের আমানতী টাকা ফেরড वा याहेरव अवर केक भरवज्ञ मीमान फाक ব্যক্তির আমান্ডি টাকা ইতারার প্রথম বৈ পারমাণে ভাষিনী ঠাকা আলায় দিলে क (में बच्चा या है दि ।

है भिति के कि विषाद्यत्व स्थानित भरवान निष्ठ भ्राष्ट्र मार्टेश्वर मगीरण खाळ व्हेर्य । इंड. क्ष्यां के भावन मुडे, काळान स्थान, हे, अक्षां कि कि विषय । कि विस्था ।

कावनी वाहक

ছেবাজার ২৪৯ নং ইয়েনহে।প প্রেচস ড়েমুলা এক টাকা। ভাক মাধ্যল এক গ্রাম্য

वाक्याः इत्यक्तेष्यिक शहेकः। गञ्जीतः कौनाः अभाकाश्चिक विषयः ॥ काका वर्षाम् कृष्यः विक्रप्तारं शक्यः इ.सूनाः ४- जानावासः।

> अविविद्याः सूर्यानायः। हः। क्लिकाका वर्षाम् ॥ मः।

नव्यक्ति मिन्न मनवात्र (व हेर वार विकासन्न श्रीष्ठिक स्वेत्राष्ट्र, काश्य श्रीष्ट्र व्यक्ति क्रिक्ट श्रीष्ट्र में मानिक (त्रक्षत १० क्रिक्ट) श्रीष्ट्र श्रीष्ट्र विकास श्रीष्ट्र स्वाप्त क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट मानिक क्रिक्ट क्रिक क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक क्रिक क्रिक्ट क्रिक क्रिक क्रिक्ट क्रिक क्र क्रिक क्रिक क्रिक क्रिक क्रिक क्रिक क्रिक

कतिकाछ। कदनिवा होता

ৰাশীকৈ রামায়ৰ চতুৰ্থ থকা।

धरणाक ४७ ७ • कत्रमा ।

बहे भूक्षक मानवाक्षर मह । जीका अवर वाक्षण क्ष्यारम्य महिक कर : इंट्रेक्ट । श्रोकाक वरक्षयं मूना ॥ जोमा । होता मियु-मिक ब्राहक इंदेवाय हेक्को कर्यम, क्षाहांवा क्षाधां मारम क्षिकाका क्षांच्यातमारक पत्र निविद्यन विरम्भीय क्षाहक मिश्रक श्राह्म वर्ष्य क्ष्यि

ক লিকান্ধঃ) আদি প্ৰাক্ষণমান্ধ!

শানবজনতত্ত্ব ও ধাত্রী বিদ্যা দিতীয় খণ্ড।

नाधात्वत अधानियानि अहे दृष्ट अप्रधानित अधानिक अधिय यूना (क्षत्रमाद्ध ह होका छाएन हा॰ । निर्वित विदेश(३) आकाविक अन्य । (२) अधाक्षाविक अन्य (२) आवाक्षाविक अन्य (३) आवाक्षाविक अन्य (३) अधाक्षाविक अन्य (३) अधाक्षाविक अन्य (३) अधाक्षाविक अन्य (३) अधाविक अन्य (३) अधाविक अन्य (३) अधाविक अप्रधानित आद्ध वृद्धिक (७) मुद्ध अन्य (४) अध्य (४) अध्य अप्रधानिक अप्रधा

स्वाः हेकः काः हेव निकाः दह शा

পাওয়া যায়।

किरमा। कार्याः भवादः। भुष्णकः १६ नर छद्यतः जीवः भवा निकातः, भाषताः देश निकातः, भाषताः विकासाध्यम् काष्ट्राः भित्रमाध्यम् काष्ट्राः भित्रमाध्यम् काष्ट्राः

কানীমুজ বিবেক।

পরমহংগ পনিত্রাক্তক জীমান ছারেম্বর

বিরচিত বাললা অনুবাদ সহিত নিম্বর্জু
প্রকাশিত মূলা॥• আনা। পটোলভালা
ভিক্তিত ১১ নং জি, সি, ঘোষ পুত্রধা

ব্ৰীগোবিক্ষচন্দ্ৰ বে বিক্ৰেডা।

ইংরাজী ও বাসনা পুত্তক ও কাগজ ব ইডানির দোকান নিম্নির্বিড স্থানে স্থাপির রাছে: মক্ষরের অরডারের সহিত মনি অ ক্রেজরি ডিপট, মহাজনি" হুণ্ডি পাইলে পুলভ মূলের আঞ্চাম করা বাইরে বাহারা ষ্টাম্প পাঠাইবেন প্রভাব মুমার।

*

গানুত্র নিরকামাথ শ্র্মান

নিধিন'মে একখানি

ত ল ক্ষিত্র নিজন করিতে আরম্ভ করি

ত ল ক্ষিত্র নিজন করিতে আরম্ভ করি

প্রথম খণ্ড প্রচারিত কইয়াছে। প্রতেক খণ্ডের

মূল ব ছই টাকা। একনেচ্ছু মহ শয়েরা সংস্কৃত

যপ্তের পুত্তকালয়ে কথবা সংস্কৃত কালেলে
ভাষার নিকটে কর্মক্তন করিকে প্রতে পারি

বেন ।

্বৰ কোল) উটি ভারান'থ শব্দা ১লাকভিন কলেকাভাস°ক্ত কালেজ।

বিবিধ দ্রব্যাদি বিক্রয়ার্থ গ্রস্তুত।

ইংরাজী ব'জালা পুশুক কাগজ কণ্ডম নান।
বিধ দ্রবাদি পাওরা বায় এবং পুশুকা দিছে

/ এক আনার হিসাবে কমিসনাদ। অধিক
টাকার পুশুক লইলে / ১০ আনার হিসাবে
প্রতিন।

| 'ইবেন। প্রাণ্ড্রফ ্রি শাবলী | 8 5 | াকা |
|--|-------|-----|
| প্রাক দীব অবমোড়বিন রাখা- প্রসাদ ডাজের প্রণীত | ١. | ঐ |
| মেঘণুড সচীক | ٠#٠ | Ø |
| কুমার স্টীক | 5 H • | ঐ |
| ধেণীসং≇'রুসসীক | ٠į ٠ | Š |
| নিদার স্টীক | 8 | á |
| জীমভাগবত ্রুসীক | ७२ | À |
| Sa.a | ١. | Š |
| क हिकाबा क्यूयकत व बह्निया- | | |
| পের সীকা সহিত | 93 | Ì |
| উইলিয়ম্প সংস্কৃত ডিক্লনারি | | |
| প্রথম ইংরাজী প্রসংখ্তম | वि | |
| वात छेवे लक्षाय मार्ट्स्ट छ | ϥ | À |
| জীয়ক বাবু কালীপ্ৰসন্ধ সিংহ ম | दश | |
| नरगत अभी क अन्त अरू शकी हाई। | | |
| ∖૧ થ લ ત્ર—જી્ર્વ | | À |
| के ल क विकाहिनकी | 9 | à |
| के न के दे दिन्द्रांत नर्स | , s | à |
| के 🖟 वे डी अपन | | À |
| 1 | | |

के के दिशालन में

के १० जे कर्वर्श्व

के १५ जे नगा नह

बे ३२ जे मोखिक पर्या ঐ ঠত ঐ দ্রী পর্বা 711 ্র ১৪ ঐ শান্তিপর্বা রাজধর্ম थे ie के कि कश्मी के ३७ के क्यूनामन नर्मा এই ১৭ এই শেষ পাচ পর্মা বিচার ভর্জনী অধাৎ বেদার দশ-নাজ্বপত বিচার ও মীমাংসা বছল প্রমাণ সহিত অস্থাবিংশভি ভত্তঞ্জী શાહીન সংક્રિકારન્થ હાલ મચ્છાર્ય રહ অ'য়তত্ব ংবেক ভাশ্য সঞ্চিত উত্তর নৈধৰ নাবায়ণী, চীকা স.১ড **ડર થાલ્ક મચ્છા**ર્વ সিদান্ত কৌমুদী সম্পূৰ্ণ 36 के (नग्रह दिर्देकश्चावनी (वनास्त्रम्भावत ৮ প বিচার कका अन्य कन्द्रका छ विषय जिल्ला छ २ म ब्रुडाश कुलबक मार्व्यकुड हे९-র'ফी' खरक्रमा কলিকাতা (ঞাঞ্চা-নগদ বিস্ফো **ሃ** ፣ ጥነ ካሄ ਜየ

বাঙ্গণা ভূচিতোৰলী।

--- ; 0 ;---

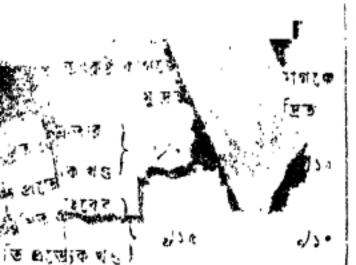
कर्यकथानि ककिन्य अवेलाम पृष्टि शक् हेहाएक वर थानि मान काटक। छेउम वाधान। कृतवृक (मामहिति में कर्क व पुलकाल्या, निर्माल कृटल ६ भटिन्स वाक्र गी सामविधियात पुलकाल्या भाउता र मृत्र अ। होका।

क्रीभीनकमल भाषान

পুরাণ প্রকাশ। বিষ্পুরাণ।

অকুবাদ ও টীক ক্ষেত প্রত্যেক ৮০ পূজা। অগ্রিমস্কা)॥•।

विश्व विष्य विश्व विष्य विश्व विष्य विष्य



ধিনি কাৰ্যপ্ৰকাশ একগাডিলাদী চইবেন, নিকালকাতা সংস্কৃতি বিদ্যালয়ে জ্বারা স্পুরকার-প্রকাশ যয়ে জ্বামার নিকট কীন্তিয় বিজ্ঞান প্রকাশ যায়ে জ্বামার নিকট কীন্তিয়

🟝 अगत्यास्य ७ कं ल्याः वः

----- ; 6 ;-----

पुरांत् शक्तास्

বিষ্ণুরাণ চতুর্ব খণ্ড প্রকাশ হর্যারে। কেগাণের প্রতি প্রত্যেকখণ্ড জাই জান।। জীলগ্রোহন তক্লকার।

-- : -: --

करतम, गाकाश्मद्राक्ष कार्यानरमत्र वर्षी क्षणाचीत्र गाँदण बरम्मत् देव मा। प्रजार कार्याक्ष करण मा। व कार्यभावि विषय कार्याक्ष करण मा। व कार्यभावि मृक्षिणिक वर्षा करण माम्रा कर्यन धान केवीरनत क्षण मृन्य स्थान नाहे। व्याप्तिमा स्वत्र स्थान क्षणा करणा व्याप्तिमा स्वत्र स्थान क्षणा व्याप्तिमा स्वत्र स्वत्र स्थान क्षणा व्याप्तिमा स्वत्र स्वत्य स्वत्र स्वत्य स्वत्र स्वत्य स्वत्र स्वत्य स्वत्र स्वत्य स्वत्य स्वत्य स्वत्य

আটনী মহাত্ব থাকাতে ক্তবন্তলি র্পা বায় হয় মাত্র; অনেকে ভলিমিত মকদ্মায় বালিউর নিয়োগ করেন না ও করিতে পারেন না। আর একটী বিশেষ অনিউ আছে। অনেক উপস্কুত বালিউর বলিয়াছেন, নাকাৎ সহজে মফ্ অলের কথা প্রাবণ করিলে মত কাজ হয়, আটনীছারা ভত হয় না। কলভঃ উনীলোরা করিবেন, এই প্রশোর মীমাং সার্থ প্রান বিচারপতি বে উপায় (আটনী ছারা মকদ্মা গ্রহণ) অবলম্বন করিয়া ভন, ভাছা বিশুদ্ধে নহে। এটা কেবল একটী ছলমাল বলিয়া প্রতিয়ানা হলতেছে।

----:0:----

व्याक्तशिक वास् '।

उठ्ठा व स्वम जर्द सा, तम स्वाम स्थान करेता व स्वम जर्द सा, तम स्वम स्थान तमाणि ज्ञीकत्म विवास हिलान, मन निष्ठा के क्षिण के क्ष्ण के क्षण के क्ष

ना**ण** ১৫,১৭,৫ त्मत हरे चर्ट कि चनाव महरू . ৰধি দেখিয়া আচি 🗀 🗀 নি আ वा चाञ्चिक वाकित्य जना दकान वि. কর্ম দিতে না পারিলে বনবিভাগে নিযুক্ত করা হয়। ভূমির রাজস ২০,৫৯, ৫৫,০০০ টাকা সংগ্রহের ব্যয় ২,১৯,৬৭. ৯০০৷ ইহাও যথন অধিক বলিয়া বোধ **হইতেছে, তথন বনরকার ব্যর যে নিতাস্থ** ष्मक्षक, अक्षी (क ना विनादन १. २६, ৯৩,৭০০ টাকা দান, পুনঃপ্রদান এবং রড়তি পড়তি বলিয়া লেখা আছে। ইহার অর্থ কি, তাহা আমরা রুকিতে পারিলাম না। এক লাইবেন্স টাকো ফেরড কেওয়াহয়; কিন্তু ভাছা এভ অধিক ছইতে পারে না। লবণের উপরে শুল্ফ করা হইয়াছে এবং বিদেশ र्देट जवन व्यामिट डटइ : व्यवेह ১৮,२७० ও••টাকা বায় ছইতেছে। ৩৭ বায় কি অধিক নয় ? আদালত ও পুলিবের ব্যয় ষেমন কমান হইয়াছে, তেমন পাদরি ও গিরকার ব্যয় রুদ্ধি করা হইয়াছে। রুবত রীর বিষয়ে এখানকার গবর্ণমেন্টের कथा विवर्तत क्रमाडा नारे यथार्थ ; किन्न अधिक मिन क्य नाई काईलंडन जाटका মহাসভার বলিয়াছেন, রবভরি ভাড়া मित्रा इरणकीश भवर्गमण १,७०,००० होका शहरवन । खरव ४५ ७०,४०० টাকার অর্থ কি ৪ মর রিচাড টেম্পল তেজস্বী বলিয়া অভিমান করেন, তিনি যদি বধার্ম ডেজালী হইতেন, ভাগা इंदेरल कविष्ट्य श्राष्ट्रियोग कविशा जात्रक বর্ষের নিমিত্ত পৃথক রণভরিদল রাখি वात अखाव कतिएक मरम्म नाहे। কাগ্রু, কলম ও মুদ্রান্তনের নিমিত ২২.

৭৭ ৯০০ টাকাও অধিক ,বোধ হইভেছে।

विकास अवस्थानक स्त्रा देश्लेशीय अवर्ग

ল হেইডে কগৈছ **टिंडे। भारेट**न व विवर. मः एक्स क्रेटिं शास्त्र मुख्रायक्त रहेटनहे भवर्गस्यर 🗀 कांच वरेटक शास्त्र । ति**र्गार्डे मु**क्तिक कतिवात 🌬 🤊 **অব ইণ্ডিয়া মুদ্রাযন্ত্রের স**ঞ্জি আহে, ভাৰা রহিত করা অভি **ইহাতে কয়েক সহজ্ঞ টাকা** ছণ্ড ন এতকেশীয় রাজা ও সন্দার হ. ঘ ৯১,২৭,৭০০ টাকা পেন্সন হয় । এ বিষয়ের বিস্তারি**ত**' श्रकांभ करा कर्जशा वारक নামে ৪১.৬০,০০০ টাকা লিখিত शरक। अ वादक श्रेड कि ? क्यांत्र কোটি টাকা সামান্য নহে ইহা গ্রবর্ত্ত জ্বেরল ও মন্ত্রিবর্ত্তর দিম কত টাকাৰ্যয় আছে ? সর বি **छिल्लेन कि द्वान वात्रमः एकः** शिहेश्वरहरू १ रिमनाम्बनशर्काः वर्षीय भवर्गरमन्त्र एक्टेटिमटक्टोबिब পরাধীন: কিন্তু প<লিকওয়ার্ক গের ব্যয় অনায়াদে কমিতে আমাদিলের দেশের পূর্বজন অং কারী ব্লেখণ অর্থাভাব হুইলেই श्राम (लाक्ष्मिक क्रम क्रिया क इंटर्डन । वर्खमान अवर्ग्टम**न्ड** ক্ষেন মা বটে, কিছু কথায়ু ক कत्रद्रश्चित्रयात्रस्य कत्रिशास्त्रमः स উহার সাত্ত ইহার বড় বৈলক্ষ यर्थक् वा किरिटलन : (मिथिटलन ছইয়াছে ; আবার একটি মূডন কর विभिद्धान । बाद्रमश्रामा १४८ (हच्छे। **म्हेल ना । हे** निर्**क**त

ইয়া গিয়াছে : ্ড গঞ্ এখান ∤ক সঞ্ভিসম্পন্ন,

, নহে। উক্তরতি ४ भारत चल मला मञ्जा । 🗷 इ ७० कन

.ক. হঠাৎ শ্রীযুক্তারাচীদ বন্দ্যোপাধ্যায় নঃমক এক জন প্রধান বাবসায়ীর দেকেনি আফ্রমণ করিল এবং উক্ত বন্দোপি ধ্যায়ের মধ্যম প্রাকে অভান্ত প্রধার করিয়া ভাষার নিকট ছউতে লোহার সিন্তুকের চাবি চাহিল , কি ৬ ভা াক্রমে ঐ ব্যক্তির নিকট চাৰি না থাকাটে দয়াগণ কুডালি ও অন্যান্য अञ्चल्याता भिन्द्यक छाष्ट्रिकोत स्वरतक ८०४: আরম্ভ করিল কিড়তেই কুড়কাল ইউডে পারিল ন; অবশেষে ৰাজিরে যে ৩ : ৩ শত টাক ছিল (অবিকাশ্ম প্রদা) ভাষা লইখা ই দোকানের পাশ্বিকী কথায় ২ টা দোকান লুঠ করিয়া স্কাস্টেড ৫োর ৭৮ শত ট†ফালটয়। পলায়ন করিল। দোকানে যেসকল দুব্যাদি ছিল, ভালাকিছুই লয় নাই (মহাশ্র উক্ত গাঞ্জে প্রায় ৯ : ১০ জন চৌদা দার আন্দে , কিডু সে কমণে ভাগার। কি**খ**া গ্ৰামস্থক বাঞ্ও স্থায় আইসে নাই এবং ভাহার পরেও চৌকীদারদিগকে উপ স্তিত চইতে দেখা ধার নাই: কেবল জনী भारतत এक अस वाका वि धातवान। यवाकि के जियम (मधान कात सभीताति क'ছातिएत ছিল্দফ্যা যথন প্লয়েন করে, ডখন ভাহাদের সমুখে উপজিত হইয়া এক।কী প্রায় আর্থি ঘনটাকাল ভাষাদিপকে আনট কাইয়াক্রনাগত বাহায়া বা পাইয়া পরি : শেষে আংহত হয়। দহার। কাবকাশ পাইয়া।

महालय ! वरन्ताशामादिवव स्विकाटन ক্ষিন্দ্ৰকৈ ১০০০ টাকার পয়সা ও ৭৫০০ টাকা নগন ছিল ; দহারা ভাঙ্গিতে পারিলে यरशरे लांच करिंग ; किन्त खांगाकरम किछूहे করিতে পারে ন,ই এব যে ব্যক্তির নিকট চাৰিছিল ্বশেদ পোধাবের জ্যেত ওল বে ছাশর গাড় ২৬ এ ক'কনে দেংমবাধ রজন বাজন সেই রাজেই কালনায় বাইবার েকেল। বর্জনানের কলেনার সভাপাতী ক্রনানে কার গম। করিয়াছিল। দ্ধার পলা

্দনঘাটনামক বা কাক্সিকে ক্রেমে লোক জুটিভে লাগিল এ ২:১ জান চৌকিদারও আসিয়া উপবি চইলাণানায় স বাদ গেলে পর দি প্রাতে জনানার ও কয়েক জন কনতে গদিয়াতদারক করিতে আনরত করি কালনায় রিপোর্ট করাতে ঐ ি বেলা ২। প্রহরের মনয় তথাকার ইন্স্পে বাবুজ্মাসিয়া উপস্থিত হইয়াছেন 🖟 ধুম ধাম করিয়া ভদারক করিতে ছেন , ক क्रन (मानरक्छ मस्त्रम् क्रिया ध्रा 평((동)

মহাশর ৷ ন¦দনঘ†ট এটী তুহৎ জ क्यांत्म व्यानक स्वारनत ल्यांक व्याक्तिम নানবিধ ব্যবসায় হটয়া প'কে ব ানেক সঞ্চিশ লীলোকও আন্তেন, ক আশ্চন্য । এবানে প এন নাই । প্রায় েকে দুরে ওলিষ টেমন: পুর্ফো এং , কটা ফাঁভি ছিল্ এখন ভাহাও উঠা দেওয়া হইয়াছে , কি পে বিবেচনা বি বুলিভেপার না আনাদেব দেশে ড ইতিপ্ৰায় সকলিট কইয়া থা ভগাপি এবিধ কি ১না একণ অস বলৈতে পারি ন।

e 3: .54 2176

म नगरा

कुडर शुक्रकः

১ : শালুনাথ প প্রতের জীবনচ ্রধার উপদেশ। বাসু দিনন্থ সংগ্র বহুরমপুরে এখানি পাঠ করিয়াছিলে শন্তুৰাথ এক জন কাশ্বীনীর এ'কা পুক্ত। তঁলের পিডা কলিকাটার আ সদর আদিলিতের পেকার হন। বি भक्षुत्राथरक **मु**णिका निशाहितः শস্ত্রাথ প্রথমত অভি সংমানা প চট্যা যেপ্রকার ক্রমশং উচ্চত্য लाङ करवन, कारा उक्तमकाल व হইয়াছে। তিনি অতিশয় ভেদ্রত ছিলেন্। তাঁহার অহসার ও আজেয় লেশ ছিল না; তিনি দ্যার স **इटलम। मानिक २००० है।क्**।

্ণাৰেত বলিয়া এ মাদিষিও প্রারিভি ্টৰণ ডাক;ইছপ্ৰান্ত ালার ও *আর্মার* **অর্জ**¦ ভাগাৰ গুলি - বিৰয়েৰ ারণ অপুদ্র আমাদিলের। লিব একান্ত শালিবিহিন্ত হই

ুনিষ দকু ত% শবির পীড়ন আপেনরে অসভাতার পরিচয়-টেংফুক নাহন। দকুতে তাকার দিও দেব সভাভাব ও শাবিতিয়হা করিল কভেনে আপেন্দিরের সম্পাদন কলিছেছে। আজি কালি দিবের একাদশ বুহম্পটি। যে পুলিষ কর্মচায়ী দক্ষ ভক্ষ শাদিৰ র উপদেব বরেন, ভাঁচার জন্মে क्षक क्रेटकरहर । बादु गाडार गोन बांति हेशार निमर्भन। हेलि भुविष्य रल **इरा**धेता **चऋर∺** पर्रकराइ ানা: এই নিমিত্ত প্রধান বাজপু াইহাঁকে পুলিষ হইতে দুগীভূত েব চেটার বা**ল হইয়াছেন।** যে

র বাণিনা: ১ গুণ্ডাস্চকারে কাজ তেপাড়েক বাজিক কোঁল ভাঁচারই বিশ্রি উপাত্তির প্রায়প্র করুল, আহরে सा वर्षहरणश वक्त, अकारफ ল টেট্টিছের পার চানী মামদেশ বেং আবেশনমান্ত্র গেষ্ড এইপ্ট ন করুকে, ভাষাটেষ্ড করিই নাই: न भारान व्हा आर्थन्

াৰফ্টাটী বাহিস্টী চিক্কৰ ও

क्षेत्रका क्षेत्रका क्षिण क्षेत्रका क्षेत्रका

দেনাপতি প্রাক্ত আমেরিকার সভ'পতির
পরে নিযুক্ত হইরাছেন। তিনি পূর্মতন মিত্র
বর্গকে ছাড়াইরা সুস্ম হন্ত্রী নিযুক্ত করিরাছেন।
কিওয়াত সাহেবের পদত্যাগটী ভাল চইরাছে।
তিনি পদত্য থাকিলে বোধ হর আলাবামাঘটিত
বিবাদ সহত্যে কাইত না।

२१ अ काल अम सम्मन्ति ।

গভক্স(একসচেম্পুছে নিমুলি বিভ টাকার সূহিফের বিক্রীত হইর'ছে:—

রিশ্বর প্রতিসিক্তকে মেটি রেছ'রের ২২০০ ১৯৭৬/১৮ ৬০২৮.২০০ ক্যুলীর ১৫৪৫ ১৩.১৯.৬৮/১৫.২০৩৯২৭৫

क्षाइग्नेवाद्यत्र नाइतिक क्षत्र क्षानाद्यत्र वादकीत्र क्षाइग्नेश्व क्ष्यतिक क्षत्रेत्र क्षाइग्नेश्व क्ष्यत्र क्ष्यत्र क्ष्यत्र क्षयः क्ष्यत्र क्ष्यत्र क्षयः क्ष्यत्र क्ष्यत्र क्षयः क्ष्यत्र क्ष्यत्र क्षयः क्ष्यत्र क्षयः क्ष्यत्र क्ष्यत्र क्षयः क्ष्यत्र क्ष्यत्र क्षयः क्ष्यत्र क्षयत् क्ष्यत्र क्ष्यत्य क्ष्यत्र क्ष्यत्र क्ष्यत्य क्ष्यत्र क्ष्यत्र क्ष्यत्र क्ष्यत्र क्ष्यत्र क्ष्यत्य क्ष्य

পঞ্চাবের লেপ্টমান্ট গবর্ণয় পেলোয়ারের
কর্মচারীদিনের নিকট হইতে তরা মার্চ নিম্ন
লিখিত সমাচার প্রাপ্ত হইরাছেন:— '' আন,
(২রা মার্চ) প্রাভ্তঃকালে আমরা খাইবার উপ্
ভাকার আমীরের সহিত সাঞ্চাৎ করিয়া
উল্লেখি হরিসিংহের রক্তে আনরন করিয়াছি।
জম্বন নিয়া যাইবার সময়ে এক্তঃ আরমই
কামান হইতে রাজকীর সমানের বোগা ভোগ
হয়। উল্লেখ্য নামিবার সময়েও ঐ প্রকার
হয়। উল্লেখ্য নামিবার সমানের বোগা ভোগ
হয়। উল্লেখ্য নামিবার সমানের বোগা ভোগ
হয়। উল্লেখ্য নামিবার সমানের বোগা ভোগ
হয়। উল্লেখ্য নামিবার সমানের আরম্বা
করিব। আমানিগের প্রভাগেমন্য আমীর
বিলেশ সম্ভেই হইয়াছেন। কাবুল সম্বন্ধে উল্লেখ্য
আব কোন ভাগনা নাই বোধ হইভেছে। শ

ডেলিনিউন ২লেন, মিন কাপেউর পীট্ডিড হওরতে শীজ ভারতবর্গ ডাগে ক্রিবার বাসন। ক্রিয়াছেন।

পঞ্চাবের অস্কর্মত বাঙ বিভাগে একটা ভ্না কর হত্যাকান্ত হইছাতে। ৫০ টাকা অসম্ভাবের লোভে এক জন ছরাত্মা ভাহার প্রতিবেশীর একটী অভিশব্ধ প্রদারী কন্যাকে বধ করে

ক্রিট্র ক্রিক্টিট্র ক্রিড্রেই হরটের তাই।র
কর্মনিক করিয়া অলক্ষার লইয়াহিল। তরতঃ
সংকারী পুলিব স্থারিকেওাল এই বাজিকে
বৃত্ত করিয়াছেন। দেওয়ালের মধ্যে গর্জের
ভিতরে হতভাগা বালিকারীর অলক্ষার ও হির
কর্ম পাওরা গিয়াছে। অপরাধী দোব খীকার
করিয়াছে। শিশুদিগের গারে অলক্ষার দিবার
কুপ্রথাসী করে ধান্তে? প্রতিবংসর কতই শিশু
পিতামাতার অভিযানেরে কারণ হত হইভেছে।
ইংলাও একটা গুরুতর মকদ্যা হইভেছে।

भित्र त्र वस सारम अक्षेत्र औरलाक अक काथलिक धर्मीमात्र मन रहेश्राकित्मन । मरमद्रा विवाह मा ক্ৰিছা শামান্ত আহার ও সামান্ত পরিক্ষণ मञ्जूष्टे बाकिया नेबाद्धत छेनामनास काम वाशम करत्व : किन्न कार्यस्त्र मान्यारेख कार्यानरभव देश्कव वाराजि.मिट्रांत्र मात्र मश्मात्र छहात्र कता হয়। মিস স্বিন যে ধর্ম্মানত্নে বান, ভথার বিবি ষ্টার নামে এক জম জীলোক ভজাবধারিনী डिरनन। एक्षावशक्तिकाता बाह्य मत्न करतन, ভাষা করিতে পারেন। এডারিবস্থন মিদ সবিনের উপ:র অভিশয় অভ্যাচার হয়। ভিনি সম্পূর্ণ আহার পাইতেম না, অভি জখনং মেবমাংস মত্র পাইতেন। যথেষ্ঠ বল্ল চিল্না, শীভ নিবারণ হয় এমত শ্যায় দেওয়া চইত না। ডিনি মাভাপিতাকে পত্র লিখিতে পারিতেন না। ভিনি যে পত্ৰ লিখিডেন, ডড়াবধান্থিনী ভাষা গোপন করিছেন। উচ্চিক মন্দ্রোক সপ্রমাণ করিবার নিমিত্ত স্থার বলপুর্কাক ভাঁহার আভাকে এক অপমানসূচক পত্র লিখাইয়াছিলেন। ভীছাকে চোরপ্র√জ বল। হয়; ∦মিস স্বিন ভরিমিত্ত ক্ষতিপুর্বের নালীশ করিয়াছেন। समारम शकुण्डित विक्र**क** छन्छ। इसं, रहसार महे নিশ্চয় পাপজ্যোত প্রবাহিত হয়।

२৮ এ कास्त्र तूषवात ।

হয়। উত্তিত নামিবার সময়েও ঐ প্রকার আমীর সিয়ারআলি খাঁ ভারতবর্ষে সমান্তে চইয়াছে। আগামী কলা আমরা শিবরে প্রবেশ হিনীত হওয়াতে আজিম খাঁ এ দেশে আর করিব। আমাদিগের প্রভাগেমনে অমীর আসিতেছেন না। তিনি হয় পার্সা নচেং বিশেষ সম্ভেষ্ট চইয়াছেন। কাবুল সহক্ষে উচ্চায় বোধারাতে গমন করিবেন।

> আধাশার দরকারে যাইবার নিমিন্ত তানেক সদীরে ও রাজা নিমন্ত্রিত সুইয়াছেন। এসকল দরবারে অনেকের অনেক মানের আয় নই হয়। এত দিনের পর বোধ কর, স্পনিংশানের প্রকৃত উপধ বাছেব চইল। ডাক্রের জন শই মাজাজাটাইমসে লিখিয়াছেন, যুত দুর সন্তব এতদ্বেশীর ওকাদিসের গাছড়া ও মন্ত্র পরীক্ষিত

कित्या अक्तिराज्य कुछक्। यह माहे । जाह्या

নিয়ার অধ্যাপীক ইলিছে।
নিয়া এ দেশের কেউটে ও
করিতে পারে না : কিছা হ'ই
সহিত লাইকর পটানা মিলিক
মধ্যে পিচকিরি করিয়া
ইটার : ভাজার পট বলির
বিধানা
নহে, রসায়নভার বিধানা
প্রমার সাংখাতিক কলি
অনেক পরীক্ষার পর ভালার ক্তকার্যা হই
সম্ভাবনা আছে।

উত্তর প ক্মাঞ্চলের প্রধানতম বিচার।
আলাহাবাদের ছোট আলালতের অভের ব
সুসারে ছির ক্রিয়াছেন, যেখানে ইর্নি
বির আছে, ভব্রভা কোন আফিসর নিবিধ
সীমার বাহিবে বাস করিলেও ছোট আল ভের অধীন নহেম। ইহালিগের নামে নাম করিভে হইলে কান্টোনমেনেটর ছোট আলাহ করিভে হইলে কান্টোনমেনেটর ছোট আলাহ

ষ্টেট সেক্টোরি আফ্রা দিয়াছেন, যে

७४।७३ वर्ष ३७,२१,७०० । ১৮৬৯।৭০ খ্রে ১৬, अविवाद बाय कड़ा इ**ह**रत । वर्षत कि उपकात कहरव ছিল। শিক্ষাকার্যের होका (पश्चः) कहेर्तः १८४ २०,85,2०० होका (मञ्जा ।! श विदरत (य वाष्ट्र कमान इस চরাজ্যম ক্রায় মন্ত্রীর প্রশংসার সংক্ষম হাই !

দংবিচাড টেপল ইনকন টাকা তাপন অভিশয় আবিশাক জানি করিয়া-हन किन्नु मर्द्धमायाहरम् अहे व्यावमा ग्डा श्रीकात करतम् मा। विभावे हेर्द्रा ব্যাদ্ধের চিত্তরঞ্জের নিমিত বুলি-. डेंकाता लाइएमस छोत्र अंड ध में होका विट्डिझ्लिन ; डेनकम ্ও দেই হারে চইতেছে। অভএব ंग्रिश्त चार्यप्रात कात्र गाहे। डिबि स दिवन इंडेरता श्रीकृष क्षमः वदाश्चा क्षान्य करिएक हिम এটী ভাঁহার সারণ ছিল না। ভারত क कि वटलन, डेब्रें विद्युष्टना करिया न राष्ट्र ना करतन, हाउनि अशान श्रुद्ध র পদলাভার বোগা পাঞালকেন। ाम मार्ड्ड वार्षिक Sooo डे(कार (वाडन न भीतिमार्क सहित्यक है। के कहे हु ङ करदन मन दिहाउँ (हेल्युल १०० की अर्थ (इंट आहर के देव कहें कहें) ংছন। ভূমি, ও গ্ৰণ মাণ্টৰ কাছাজ **引き まっゅう! 不!** 7 (517 ৫০০ টাকা বেভন 4 4 55

) · T 🛪

75.4 事人

P. 19 53

ৰ্যান্ত কঃ

क्र के क

a दिहाउ

7.54

전기**경: ১**000

এবৰ **শ**াল্ডির

? **ॅि** ३ द ?

Pi E Mil

বেওনভোগীনিগের

217311

'ह । दु:श्वित समस्य ५ देशका

চাৰে অপি কাল ওয়াঃ কটাৰে না

*দু*শ্বেশ সময়ের

बहे कथा विलिशाद्याः, किन्तु मर्द्रमाधाः द्रर्ग अहे विर्विष्ठना क्तिर्डर्ष्ट्रन (स. अटेंी ৪,ডিবংসর আফর্ছির **প্রবোধমাত্র** হ্ইয়াও বেলাণ্মেট অর্থের আনক্ষি দূব করিতেনা পারেন, ভাঁচাদিপের রাজস্বধ্রনার রাজনীতির উপর সোকের विशास थाका मञ्जाबिल सह। विरम्भेषकः मुद्र दिवार्क (केप्प्रांत काटनक्केंद्रस्थिटक যেপ্রকার ক্ষতা দিতেছেন ভাহাতে আভান্তিক আভাচার হইবে। লাইদেকা টাল্নরকো অভিশয় অভাচার প্রকা भिक ६३६१८छ। এक वाख्नि **८००** होका भूतक्षा लहेशा कादमाश काहरा कटतः ভাহার বার্থিক আয় ৫০০ টাকা ধরা হ্রতিছে এরগ**শত শত দৃউাস্থাতে**। যাহা হুটক, ইনকম টালেরপ ছেবা

বিষয়টী পরিতাকে হইলেও সর রিচাড় *छिन्ना* बाह्य वाह्य इन्हें श्री किन्द्र হয় নাই। করভার লঘুও আহিশাক বায় সংকেপ করিয়া যিনি সামাল্লা বায় পार्त्तन, मुम्मान क त्र उ ध्यार्थ ताक्यविय जाहे मारहत् विल शांद्रिन १ वलपाता भागन कतिवात ইচ্ছা হইপে রাজনীতি জ্ঞান প্রয়েকন নাই। এক জন আতি মূপ ও আভাচার কারীও ওরূপ শাসন করিতে পারে। "

20, 10 ac. ... ভূমির র জন্ম **बल्हरक्ष्म्, इंट्र** ংট'(ড কর ও স(s(H, ∫ ৯৯.৩১,٠٠٠ 42 8 5 45 45 0 1 1 श्चानकाशी ÷, +646, ¢ श्रीकारमध्याञ्चलका अस्ति । 4.7 **२१५ ३**५ • • • अस न म ほうらみみゃっ。 B 67707 22296... الخدد خ २, ১৯ ৮৯ · · • के। नम् ल ১ ১ জাদ ০ ০ ০ 5 484 টে লগ্ৰাফ अ.स.स् p & . & > , . . .

পুলিষ 4 2,0 विष्णः। भागका হু ৰ ₹७,১ অন্ন: জনং रेननः प्रश्न वार्क्षः अप्राप्त **पद** सिक्छ्यू र्क् 6 (মাট 83.08 . অভিতিক প্রলিক 334 : खंडार्क गरिया कसूत्रा न है প্রধান (মাট \$4,50 B भवर्गस्यको का 🐐 । 🚁 ₹**%**>3 স্থিতিস ফুডুকু দ'ন প্ৰঃপদ'ন ইউট্রি 24.34 ভূমির বাজস্ম ₹:5% বন जानकः ही აყე, সাক্ষাৎসংক্রান্ত করু শুন্দ स व व 334 অ:হ্লেন 19284 8:00 हे क्वार्स ড|কঘৰ 9.5 টেলিগ্ৰ দ 839•, सामिनीय क मझीआरमत्) म कमिनारक \$8,84 শ'সন >> 0. মানাল্ড 36 98 9 পুলিধ 20982 要 (京) 選 2900 विभाग्न अक्षा हे० タファシ গাব্দা 7 7 97 किंक्**रम**क्ज़∘ के शब ७ देश वर्ष > 2 9 9 বিদেশস্থ প্রত্ন ই সংক্রি 2 0 4 G রাজ্ঞানিয়ের পেক্সন بزوط حود ز वः(ध **⊘∂**000 পেশ্বন 933 50 (मन:हल নিধুমি ড পং ৩ং はらうてき কর্মচারীর বেডন

(বলওয়ের নি মন্ত্র)

विविषद्यंव कि ।

(दमक्दात करने हराव

অভিনিক্ত প্রলিক ওয়ার্ক

(सांहे

हेरलएक वरह

۰.

8 9

**

৯৬.

900

43

त, प्र

£36

...

727

3.58

815

3123

782.

9:3343

74564

0181

893227

e> bo とか;

गत तहांक (हेम्भारतत कांत्रकात वृक्षांक ও ব্যক্তাপক সভা ।

शक् तृक्षाखिवादत वावष्ट्रांशक সভায় স্ব রিচাড টেম্পলের প্রথম্ভ আয় ব্যয়বৃত্তান্ত শ্ৰীয়া তক বিভক হইয়া গিমাছে: শ্বিচাডের প্রদন্ত রভান্ত ও তাঁহার প্রস্তাবিত ইনক্ষটাক্স যে অনুমোদিত নয়, ভাংগ তদ্বী उन्हें मध्यमान इहेर ७८६। ब्राम नारहर बरमन, खनकन शृष्टिकार्द्या नाम नाहे, कर्ज्जना कतिशा महकाती हासाथ इ≷टङ ভাষার বায় করা কন্তব্য বটে ; কিন্তু গব র্থমেন্ট ষে ১১ কোটি টাকা থারিকে ব্যয় कदिराज्य । । । श्रीम प्रृष्टे जिन वर्षात क्टबन, 😘 👙 🚈 न कर्ण्य हरा कर्जना। बन्ड काविक रेक्टर के कारण बनागांत इहें क লইলে ব্রাপ্ত নাম্প্রাদ্যের প্রতি অভ্যাচার कदी हर्देश ।

া ১ কের থাকা উদ্ধৃত করিতে পেলে প্ৰস্তাৰবাজনা হইয়া উঠিবে , অত এব আনরাত, হা না করিয়া প্রধান গেনাপতি প্ৰভৃতি ছুই এক ৰাজিৰ বাকা মাত্রের উলেথে প্রেরত হইলাম। সর तिहां हो लान बाननात भूकाशिकादीत (মাদি বাচেবের) নিন্দা করিয়া আপন গোরবাদ্ধি করিবার চেন্টা পাওয়াতে সর উটলিয়ম মান্স্ফিলড ছ:খ প্রকাশ করিয়া বলিলেন, ভারতবর্ষের রাজ্য এক ণে যেরপে অবস্থায় আন্তে, এমন আর কথন ছিল না। এবিষয়ে ভারতব র্বের সহিত কোন দেশের তুলনা হয় না। তথাপি অকুলান কেন ? তথাপি কি নিমিত কর্জ হইতেছে? বারিকের निमिख क्ष्य करा उठिठ, हेश क्रमान्नदा তিন জন ফেট সেকেটারি বলিয়া গিয়া ছেন: কিন্তু অভিশয় আশ্চর্যোর বিষয়, একণে সেই রাজনীভির পরিবর্ত করিয়া ইহাকে নিয়মিত বায়ের মধ্যে ফেলিরা इथ। कत्रहिक्क कता इडेटडाइ : मह छेडेलि

स्य माम् म् स्मित् ड्रामः शद् वित्तान, প্রত অকুলান নাই, কেবল বুক্রার 🗸 সর রিচাড টেম্পলের প্রত্ अटम देश में एकाइटडट्ड। अमिटक कत्र 1 র্জি করা হইতেছে ; ওদিকে কর্জ করাও **হইতেছে, এটা অভিশয় আশ্চর্মোর** বিষয়। সর রিচাভ টেম্পল ইহার প্রভা ভারে বলিলেন, সর উইলিয়ম মানস্ফিল্ড গ্রপ্নেটের এক জন সভ্য অভএব ভাঁহার এসকল প্রশ্ন করা উচিত নতে। কিন্তু তিনি ভাঁহার প্রদর্মিত যুক্তির থওন করিয়া স্মতসংস্থাপনে সমর্থ ইইলেন

দর কেনরি জুরাও স্পাঠাভিধানে কংলেল, কোন্তালি নিয়মিত আর কোন্ভলি অনিয়মিত, পূর্কার্যো তাহা কেই রুঝিতে পারেন না। আমরা ছঃ থিত হইলাম, গ্ৰণৰ জেনৱল বলিলেন, বারিকের বায় রাজাত্ব হইতে দেওয়া व र्डबा। इर भर खन्न इर्गमकल कड्क करिया করাতে অনিফ হইয়াছে বলিয়া ভিনি এই कथा बरलन , किन्न कथा इंहरफर्छ, ছই বৎসরের মধ্যে আট কোটি টাক। বারিকের বায় করিলে কিরূপে অকুলান मूत रहेरव १ हेनकमहात्म कि वह छोका সংস্থীত হইৰে ? ইনকনটাকো এ টাকা **নং এহ করিতে গেলে কি প্রজাপী**ভ त्मत्र अकरणय स्ट्रेटब ना ? यथन अ**क छोका** টাজে উঠিবার সম্ভাবনানারহিল, তথ্য কতক কৰ্জেও কতক টাকু এরপ ন করিয়া সমুদায় কর্জে করিয়া,করাই জেহঃ। **ক্রেব্যায় সংক্রেপ করিয়া মদি ঋণ প**িং শোধ করা হয়, তাহা হইলে কার্য: চইল, অপচ প্রকাণীড়ন করিতে হইল না। अक्टी काङ्गारमत विषय करे. लाउ মেয় ইংলত্তের वादस्त বিস্তারিত তালিকা প্রকাশ করিবার ' চেণ্ডা পাই বেন " এই কথা বলিয়াছেন। যতুবান হইয়া এটা প্রকাশ করা একাত্ত আব माक। धाराम ना कत्राष्ट्र अरगरक षात्वयकात गरमहरूद्दन।

পাঠকগণ বিধেচনা করিক সভারও অসুমোদিত **হ**ই৷ সর উইলিয়ম মান্স্ফি বিখাণত রাজস্ববিং, সং **ष्ट्रा** प्रतिक ष्टः ८ × স্পান্টাক্ষরে বর্ত্তমান করত্ব করিয়াছেন। বাস্তবিক ইনক্ম ট প্রয়োজন নাই, বাস্তবিক অকুলান ভাঁহার বড় হইবার ইচ্ছা আছে; মুভন না করিলেও বড় ছওয়া থায় এডডিন ভাঁহার ইন্কম্টাক্স প্রস্ত অন্য কারণ লক্ষিত হয় নঃ

--:0:--भिकाशिखारगत शिलाहै। आपान्तित अङ्गः कांच या ৰজ্ব শেষ হয় নাই। এই হেছু হ य विषयः इस्टान्न क्रिट्ड इहेन

বিদ্যালয়ের নিয়ম আছে, ইউরো

অবের আসিয়াখতের কোন ৫

ভাষার পরীকা দেওরা অবশা ক

विश्विर्ण अहामभीः कात्र इर न নতুৰা পারদী 'হুৰা আর্বিতে প (मन ; किन्छ (भ[े]्काल कारलटका উপাধি नहें एउ ५३ तन ना विन ना क

করিতে হইলেও লাটিন জানা সাধ হয় আটিকিলান সাহেৰ ভলিমিত জন লাটিন অধ্যাপক নিয়োগের এ

হর না। গিল নাই-উ ছাত্রর ডি

कतिश्रांहित्सन : किन्नु मह **क**न् प्र এই বলিয়া ইছা অগ্লাচ্য ক্রিলেন যে

क्षिमीय हो उपरंतर यनि साहित कि অ'ডুরিক ইক্ষা পাকে, ভাঁচা::।

নাবা বেজনপ্রদান কর্মন। আটিনি সাহেৰ ইহার এই উদ্ধ্র দেন, হার নিয়মে কেরিজে সংক্ত অংশ

নিযুক্ত কৰা হইত, ভাছা হইলে (সংস্কৃত শিক্ষা করিছেন না। খাট

भारहरदात अनिर्मिष्ठ अ युक्ति । भारत

्वाम बुडम (वयम क्रवाहिड पदनेश्यक स्वर्ध डाइर्ड व्याह डाइर्डिक् डाव्हर व्याह डाइर्डिक् डाव्हर व्याह स्वर्ध स्वर्ध व्याह स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध व्याह यो ते स्वर्ध श्रीहरू

79 13 4 4 7 भ देशक १० ५ 1 14. Sec. 4 8 # P. F. T. . . , 3 % S. T. · 47 · 医脂类银多酮 tropies in भारत उनकार 3 1 1 1 1 1 1 1 1 1 2 2 3 Bran ্ট তুটা তুলাগুলার প্রায়েছ े. व रहा भारतीय किनिद्धाः T 1000 11. 海 (2) 多代於斯 ্ৰত ব্যৱসূত্ৰ কৰি কৰিছে জাড়ি

 কহতেছে। উত্তর পূর্ব্য বিভারের ইনজ্পো উবংপার্টার নাংক্রের হিলোট বিভ গ্রীতি হোলাহ। বাচ্ছেবের মুখোলায় বাচ্চ ক্রিকার লাভার মুখোলায় বাহ্ন ক্রিকার না

া কি ইন্সেইব্নিপের **অনেকেও** ত বিজ পরিস্থান করিয়াছেন**় কিন্ত** তা'কেব্যে বিজয় এই উচ্চানিপের হে তব্যি প্রিশ্রম ভারুশ বেভ্য নায়।

स्थान कारकारण विश्वतिमानित्र विश्वति आधारित्र वस्त्र अके. १ (११) के स्थान व्यापन क्रिक मा कहेता राका के स्थान व्यापन क्रिक आधिक क्या. १००१ १८-१० स्थानकार क्षांत्र क्षां अक्ष्य व्यापन क्षांत्र क्षांत्र क्षांत्र क्षांत्र व्यापन क्षांत्र क्षांत्र क्षांत्र क्षांत्रम भारति क्षांत्र क्षांत्र क्षांत्रम् स्थानम् भारति क्षांत्र, प्रमान क्षांत्रम् क्षांत्रम्म भारति क्षांत्र, प्रमान क्षांत्रम्म क्षांत्रम्म भारति क्षांत्रा, प्रमान क्षांत्रम्म क्षांत्रम्म भारति क्षांत्रा, प्रमान क्षांत्रम्म

विदिधना देश

>% 4.21 %4 Florid

高さる おりはから またい、まるまま ままましております。
 のはなる すったなー 一部できる お行わる おびある とうなる かったなる かった かられる ない できる からなる からなる からなる からなる からなる からなる からなる ない かられる ままる

本ではありました。日本で、出て知る。円書、本で、 この 見をできている の 、本に、知用で の 美質でかっ とう またでは、本 の 、ま 有で映りできて、 ものが からであり、 かけで、 からがら、 な 「本の 」をおけなりか をはがして書いました。 な 「本の 」をおけるか をはずして書いました。 な 「本の 」をおけるか なけれてあり、 な 「から」で、 な 「本の」である。 な こ 本にな と な でではる し こ 「本の」である。 な こ 本にな と な でではる し こ 「本の」である。

特別、事を言う、これできるを選択して、日本の 事 、所なされ、からのは言葉のもでは、「の年みなぎ」 からなるのであって、これできままが、「のは、」のはよると なるなるのである。

今年 1 日本、中、日本の選挙を表別と、明明の表示をは、明明の表示を表別と、明明を表別と、明明を表別と、明明の表別を表別と、明明の表別である。
 中、日本、中、一方の方の選挙を表別と、明明の表別である。

ार मात्रा १९ ५६५ क्षान छ दक्षणीत् १९ तकः अन्य कविष्य भागम कर् मः अछ १९ तक्ष्य १९११ महन्द्र १७,५६५ सम्ब अकृतः क्

महिना, इन्हेंन शहर व के भगजुर रिकार्स महिन श्रीक्रम करून शिक्षारण मुक्कार्सन महिन श्रीक्रम करून शिक्षारण मुक्कार्सन महिन शिक्षम करियार्ड स्था का कार्ट्स माना महिन सम्भिन महिनार्डम स्थान है स्थान महिन नो इक्स है

केति क्षिक्षकात श्रिक्त संकर्ष अवस्य व्यक्तित्व क्षित्रकाति । क्षेत्रकाति व्यक्ति अवस्य व्यक्तित्व क्षित्रकाति । क्षेत्रकाति अवस्य व्यक्तिति (समस्य स्टा , कि.स. वस्तानका) सर्वाम व्यक्तित्व स्थान स्थान क्षेत्रकाति क्षेत्रकाति । सर्वाम व्यक्तित्व । अपूर्वस्थिते क्षेत्रकाति

स्ट्रिल्ड्स म्हिस्सारक स्तिमारशामी पर्व रहेक स्ट्रिक्ट्रा स्ट्रिक्ट्रक स्ट्रिक स्ट्रिक स्ट्रिक स्ट्रिक स्ट्रिक स ३ ६ व्यवस्था व्यवस्था र १३८० व्यवस्था स्ट्रिक पर्वक्षाच ३ द्र शहरात स्ट्रिक क्रिक्ट्रक प्रकारिक स्ट्रिक्ट्रिक स्ट्रिक स्ट्रिक

ান্ত্ৰী লোকে নাল্লা, নাল্লালার এক ওল কাৰ কার্ডাকে ক্লাব লোক ত্র তর্ত্বা কার্ডাকে কার্ডাকে ক্লাব লোক তর । তর্ কার্ডাকে কার্ডাকে ক্লাব লোক তর । কার্ডাকে কার্ডাকে ক্লাব লোক কার্ডাক কার্ডাকে কার্ডাকে ক্লাবলার কার্ডাক কার্ডাকে কার্ডাকে কার্ডাক কার্ডাকে কার্ডাকে কার্ডাক কার্ডাকে কার্ডাক কার্ডাকে কার্ডাক কার্ডাকে কার্ডাক কার্তাক কার্ডাক কার্তাক কার্তাক

विश्व (पश्चित्रक साम्रमः प्रकारतः स्थानसः)। तार्वा कर्माप्र के कर्मारक प्रश्चित कर्मारक में स्थान विश्वति स्थान स्थानिक स्थान विश्वति क्षेत्र । विश्वति स्थानिक । भागीत स्थानिक क्षेत्र प्रमान स्थान विश्वति स्थानिक । भागीत स्थानिक क्षेत्र । भागीत स्थानिक । भागीतिक स्थानिक क्षितिक विश्वति । भागीतिक स्थानिक । भागीतिक स्थानिक । भागीतिक । विश्वतिक । स्थानिक स्थानिक ।

甲,可引克制, 州(农 海俗科 數 衛生海(新 安) माळा ल उत्तर क्षत्र भित्रम आध्येन आदि हुई अह 计多词数数 医淋巴腺性结 可相等 爱好的化学工程 ावंद के विद्राप्त का अहा। बहुतान, इक्ष्युद्ध के कहा है। है। होते अन्तर व्हेंत एवं है स्थाद एक लिए है र अ (सप्त, के होती किया एक विष्यु कार्यु मार्थ माह भ वित्र विश्व विश्व भविश्व के व्य है। प 等声整定等等 计维持记录 经货币的 化氯化矿 人名马 कांध्यत्वमः सामुक्तव वरवादित्व क्षेत्रत ठालग्रः १४६अम् अर्थः वयर्वर्षः छेड् । सम्बद्धः । स्ट्रान्सः कान्य क्षिकात अञ्चलक्षिम किल्लिम । द्वार का कर छन्। 工商 西非 单具 朝 布尔尔堡 拘损者,别害者 自己人 बाह्र कोश्रमस करिया डिलिएक स्ट्रीट अक ५० : माक कारमा हेर्गरेष ब्रह्मभाष स्था मा छ। ेत मिल्ले सामीन अस्पादक काकाइक नः-हेर्द अधिकाना छ २००० हैक्सिन कुल्लको

A MINER MINE MINICO WILLIAM TI WHAT THE PARTY OF THE PARTY

3 NIS 1 NS. CM. MAINE, CYCHCON ST. 1 431

Z AIS (SIEMSIA MICON BOWISHCAR व दिनाव जान कवित्राटका । हैश्रेटक के PRICE | MEGCES IN MERCEN wan e fendiff Best with war क्षेत्र मानम्कतिहारकन । अहे विक जावि करक मुचके व मरा महतारक करा म्हात क किर्द्ध **।**

न्यदिन व्यव कि अवादम अवास केरण हैं। MH. G an Blag weim estent min. a laurena feren autenaffalta: त्कत् **१क मुबर्धन क**तिशादश्रम् ।

न करित्र आराम विद्युक्ता कद्वन क्रिक्ट कटक কিয়া ভূচিল ৷

प्राशिकान में है मार्ड। विख्यार्टि निद्वार वित्रा मिलिया कार्याक्र अहे विविध भव करान क दिशादकत । दिनानिक वाली वाध कविद्योद्दास अ दिवदश्चन आहेम अदि क्षित्रा केंद्राटक अवस्थित दिश्यक क्या

विन के बाई। शक श्रीस्टिक करिनकान व कमका शिर्म विशिधात्वय, विरम्भक थानि काराहकत ३७ थानि क्रमान स्ट्रिय नमूटम ७३ चामित्र शक्तिकाई २५ चामि त्राची । ভারতবর্ষে ৭ খানির পরিবর্ত্তে 🤟 খানি रव। किमि कार्य विश्वास रव नक्न ल काइक महरम था किरद व प्रश्वित काईल वावर्यस्थिक वार्षिक १,००,००० केन्द्रा . इंट्रेंच ।

१८ल७ एरेटछ छ।त्रख्युर्व रहेका व्यवस्थित। । गाक्षार नदस्य अक्षी नयुक्तवाक्रीकृतः वाक किलात अक कालावि रहेगा शिक्ष शिक्ष क्षा कित्रहरू हुन । क्षात्र असि atte, aines is (ainit mint minta i दश्च सन व्यक्ति पुत्रक शर्वद्वके मध्दन क्ष कविद्रक वाहेब्राकित्वमः त्व किर्मान প হইরাছে।

• हे बाइन शृष्ट हा जिएक का के फल तारहर निम गर्रास्ट्रबङ्क आद्वेत अकुञ्जन प्रमण अन काकनावकारमञ्जूषा कामीत्रात काल्याता ारत गर सम्बद्धात्रक डाशाहक छ। मुक and the lates (中国 本質法 甲醇 利 WATER THE P A . . . 海洋 野球河 總書 年曜 仁 118 WETER A 18 1 क्षा मार्क । मार्किक्क

PERICE I PRINCE MINE IN THE विकास प्राप्त करता प्राप्त केंद्र क्रिकेट क्रिकेट क्रिकेट क्रिकेट शहेश हम । कार्य कहि साहि मनव कहि BICSA I TEA CONTINUE CIVIA MITH विवादक वीमारना अवीक्षण कविद्वतः छटन कि स (व कति क्रमांक क्रांस कडिरवन काशास्त्र कामण के अकाम मुक्कि प्रतिक कि त्वत । किति शक्त भागा भागा आहेर भारेर भारतिहरू कविर्वम । कार्य त्वति समान अतिहत्ताः 本で4年、 **本には、 1912年** 1812年 1813年 181 BELDIE BERTAL AL I REBIRE MA PROPIE : BE BUE : PAR BIRIS TECARAIS FA पर्वमूप्राचाक्र अवा के किया है आवादक वाक्य वयाजिक्रम कानाम वस करार दक्क कन्नमा ना करवम, किमि ता क्यों शहरका विमि वाइक विविद्याद्यमा अभारमहिष्यामः जैतादत द्वाद्यम au fautoffice ti. Maftatela, winm; bigfficus Gffatte Main wie, Bun one water man wer war wind die neiner geneite sie ber fere ces mirit matta at + mistale ain natu genaten, fant entereien c महमाबीक केंद्रिकात मकक्षकारणत विचटत हर मुक्त धरामकम एक वस श्रेपाटक । स्थानि तरामानन कत्रियाह अकात हरेशा के कीशत मण्ड तमे मरकात क्रिमाद काम करा काँग्राम क বেকী উত্তম মই রাচ্চে।

अक्षम 8 के मार्क। कनमात्रदर्शिव मर्वाम প্রতিষ্ক বার্ডীয়: সংবাদপর প্রতিষ্ঠান गोद्द्रदेश आहातमा कर अधितव्यक्तिम्मरकोष अकारमा अक्रुरमानन कतिवारक्षेत्र अविनिति अकाणिक म्हेबारक । केतांची (जरमरहेब संस्कृतका नाम्मिनीकाण अधिक्रिक विनाय शक्ति म्यून वे भनव शानकान कतिया CREAT 東京町 東京 | 東京 9,67, **・・・ 計事! क्रिक स्ट्रेटन । कर्मि मार्टि मार्टि मार्टि मार्टि मीक अदिवास बास मानीय कर १६८७ विवास (य विम अर्थन करत्म, काहा व्यवाहा ब्हेबाटक ।

् जित्रदेशी नारस्य यशिवारकत, ४৮ हे माठ चाञ्चाक्षमद्भुत शुक्रमञ्चामात्र दिहारेका मिवार বিল বিক্তীয় খার পঠিত হইবে ৷ ঐ সূময়ে ভাষা भक्षांत्रा क्रेनियात निषय क्रिके श्रेष्ट्रीय करि (रम । कंशल मक्षा काविनिविद्यात क्रिकेट मिनिक वात ७.७०,००,०० होका विद्य गामक इहेवा (BA.):

न्यत्र १६ माई। असम । गत्रानिक o क्षण करने प्रकार विद्या आत है। क्षण नहेश क्षण मकात स्वीतिक कर्क है

化聚糖 排作息 ila famel ACRICAN D · 《45日刊 衛佐 TEN3 4961 + ्न इक्षेत्र स्टा

明書 田村(日本 年(年) 打造事時 বিনিয়ার যুদ্ধের অপরিনিত कर्क महेंबारका ला मारहव वा (4 fenia penice mietem (441 4:80 वरीय अवद्द्यनेत्व अध्यक्ष चात्र १०० हाका सिंह छ हहरवा

महातका । कि निकितिनानिकित्युः स्त धन विकासादक यानामीक हम, काहात भारार अवने जिल्ले क्रिक्क हरे। क्रम माट्स समिशाटको लाभएन यक श मामि विकुक्त स्वेटकद्वा

्रिंग्स्मित (सर् मरवाद्य क्रिकान करा नावाइन शका अक कविद्व हिन्दुक्त कविद्वा व এতত করিবার আই অপ্ন করিয়া स्टेट्र । फिलि जाइ व विद्यान, विद्यानीय মেন্ট্রসূত্র সহিত উল্লেখ্ন সম্পূর্ণ মিত্র TITE !

🏎 ७६ मार्के। मञ्चत नीमार्गितन मृङ्गा

গ্ৰণ্ডেন্ট বিজ্ঞাপন্ ब्लद्रस्थीय क्लिक्टिनकेश्वर्गद्वत्र · मारमभाष्ट्रमाती निद्धांश ।

রাক্ত ও সাধারণ বিভাগ।

১৯ व स्कुल्याति । तक्ष्मारमत विरन्ध (क्किकों वर्ष व्कारशांशन कि इते বদলী হইয়া ভত্তত আভিরিক্ত সবরেলিই व्यक्तित्व कांद्र शाहरव्या

∉ ই মার্চ। এ, সি, বেট সাত্রৰ মুল

কোন কুত্ৰ বিষয় প্ৰবিশ্বিত প্ৰকিটিত বিষয় কৰিছে কুত্ৰ কোই হৈছে ভালতে কুত্ৰিল ইছা আছে, প্ৰকিটিন প্ৰায়েশ ইংফ্ পৰ্বিট হৰ কি প্ৰক্ৰ

C3 641 .

中日 隔光 (4) 必須はいておおかいと 地名 ·阿罗斯 野雪枫。 阿 人 建沙森 昂尔尔尔安(198**年)** 1985年(1985年) 1986年(1986年) 5 1 Ta . S. THOM: " TR. 10 " WITE. ा. अदस्य अद्योगं १०१३ माह्य व्यवस्थ 128 9 34 8 48: E 1812 40 . einfantiffe to minin न न्या किन्द्र विकास के मार्डिश है छ ा और एद्वय गए, वि:४केन ' की क्रिकेट को रूपा । जिस्हें | किन्नु ' अस्त 在 知识证 科事 P. 一种作为 BETTE 50分十二 五下2分 青镇性 40分 CATHOLOGRAPH BELLEVALLE र ५ १४ मध्येत्र । १ - ५ ५५ १ - १,१**७**% 年刊, 11年 17年4月日 B B 出軍時事 the transport of the state of t

日本のでは、100mmの 日本の क्षेट्रका केश्वर श्री विकारना हैमाल्यां केंद्र (शार्टेश्वर मारक्ष्यतः हिर्मार्टे बेक् क्षोणिका नरका नात् कृतन सर्थाणाः काम क्षेत्रका नक्ष्या भाषां अदमक काक्षा क्षेत्रका हा

ানত ইন্সেক্ট্রানগের অনেকেও ত তিক সহিত্য কলিবাছেন; কিন্তু াতিকলোর বিষয় এই উলোকিগের যে বিলিপ্টেশ্র বিষয় এই উলোকিগের যে বিলিপ্টিশ্রম, ভাতৃশ বেশুন নার।

मिन्न इतिकारण विश्वित्राम्य विश्वित्राम्य विश्वान विश्वेत विष्वेत विश्वेत विश्वेत विश्वेत विश्वेत विश्वेत विश्वेत विश्वेत विष

तिविद्या संभा

২৩ ১ ৮০%**২ ১৮.২**০২ -

ন্ধ কা পাং (বিংক্ষা ছাত্ৰ নিৰ বুদার নাক্তি আন পাল পাল নাম কালাবিক কা স্থানিক কাজিমিক আন্ত্ৰিক আন স্থান কালিক কাজিমিক কাজিমিক আন্ত্ৰিক আন স্থান কালিক প্ৰায় অনুবাৰ্থিক কামিক কামিক জন্ম

ात । १ वर्ष १ वर्ष १ वर्ष स्वर्धित विकास राष्ट्रीत १ वर्ष १ वर्ष स्वर्धित स्वर्धित । इत्वर्षित स्वर्धित । राष्ट्रीत १ वर्ष १ वर्ष १ वर्ष स्वर्धित स्वर्धित । राष्ट्रीत १ वर्ष १ वर्ष १ वर्ष स्वर्धित स्वर्धित । स्वर्ध १ वर्ष १ वर्ष स्वर्धित स्वर्धित स्वर्धित । राष्ट्रीत १ वर्ष स्वर्धित स्वर्धित ।

প্রার বাধান ন্ত্রিক ভেরিল সংস্কৃতির প্রার্থিক নাম কর্মিক কইলা আস্থানিস বাধান কর্মিক কর্মিক কইলো আন্তর্ বাধান ক্রিক করে দুর্থিক স

प्राप्त कर्म स्थान कार्य का कार्यक्षीत राज्य कर्म स्थान कार्य का है । अस्त राज्य कार्य कार्य १००० वास कार्या का स्त्रिक साम । कटन्ट्र खामानात स्त्रित सम्म कड्याहिट्यन्। सट्ट १०० सम् स्त्रिक साम। कटन्ट्र खामानात स्त्रुट्ट स्ट्रिक साम। कटन्ट्र खामानात स्त्रुट्ट

हिमानाम मुस्कित्याच्या स्वित्राहरू - १ वर्षा स्वत्राच सङ्घ स्वत्राच १६ ८० वर्ष ६५ व १ १ वर्षा स्वत्राच स्वत्राच वर्षा १५ वर्ष १५ वर्ष - १६ वर्षा स्वत्राच स्वत्राच स्वत्राच का वर्षे १६ निवासीक सङ्घालाच स्वत्राच का व्यवस्था स्वत्राच्या स्वत्राच का व्यवस्था स्वत्राच स्वत

स्कि प्रिकृति सालम, सक्षाप्ता छ। त स गाउन कार्यात के प्रदेशिक ए.२०० ज नकार के कर कर कुडीय क्षक नियुक्त पात्तर बक्षाव इंड्याइक । भारत्य क्षान्त्रम केन्द्र पात्त क सम कडाकार्यक्षीयाक । नाई स्मृत्या कार्यप्रादक किया में कार्यक्षीयाक । नाई संस्थितिक कार्यप्रादक कि स क्षित्र में कार्यक्षित । निर्देशीयान अगाउन क्षाइप्

斯河的 高級 价值 使得都 数恒重重额水 मिक्का ए जल क्रम किश्वम आहिन नाम क्रम स २८३ सम्हरू काष्ट्रकारोब जानम क्षताबद्धाः (अंत क होटक का, महा बरहान, क्षात्ता कार्यातः है। हार अवस्य क्षेत्र एक । स्थानित्य । अ उत्तर (बाब, कि.के.दा (काल क्रिकिट काल्ये के केटन मार ্প দিবল । সাম বেস্তার পরিমান কার্য 🙊 -有声整理作品 计编码 医对一种多种性性 人名英格兰人名 如此代表的 · 安治學者 大江北洋東京 李克斯 > 200 भारतिस्त असर असर्वटम्टासे**द्व स्मिक्ट**के जिल्लाचे कः। करियात अञ्चलकीय कार्रासम् । अपावः हर्षः प्रकृतिक मुक्ता के विश्व कराय के मिल है के मिल है कि कि · 4.5 を と 16年 本におり は 16年 日本 16年 17年 17年 च्या करत्या हेश्येष ब्रह्मभाष्ट वृद्ध । या छ ,प्र ्रेड मिकारी कासीय इस्त्राटण काष्ट्रांडर २०० 51रा अध्यामा **छ** २००० है|दान संस्तक a signes Sien Bieten Micht TI WITH THE BUILDING !

B NIS | NA. COL MAINE, CECACOS POP.

te l Raif eribersif mices astrigerein ENIA MYS SERICOR | BAILS SE तिका कर्य बहुद्देव १ ३ ५ - का का का का का sente mottes are mageta म नम । किमचामि एरा महास अपन ति मानम कतिपादकत । अहे खिन जानि कटक जुंबर बद्दे मह्ना महाना महाना দ্যের অভিত্রেভ

भद्भव भव कि महादम अकृत्य केट्र , रमना श्रम, ७ प्रन करिय ज्ञान कार्य त्र विश्वपद्भव विकास के केर्रान्यमिक्रीस्त्रः कंत्र राष्ट्र मध्यम कवित्रार्ट्स ।

कित्र क्षत्र कित्रकृति कर व করা ভাল।

मालिकान म व बाई। विश्व है नाद्व वित्रा मिलापुत कारपाता, अहे निविष्ठ পদ छात्र करियादकन। अमानकि समि ताथ कविष्टादृष्ट्य अ विषद्युष्टं स्माहेम नित्र त्रिया कें।बाटक शुनका है निवृक्त करा

वन के बाई। शक हा ब्रिट्ड हाईनकान व कवल दहीरेन विश्वादान, विद्वालक थानि काशास्त्रक ১० थालि क्रमान स्टेट्ट पूर्ण ७६ थानित भतिवर्ष २६ थानि होया । ভারতবর্ষে ৭ খানির পরিরভে ও খানি रि । किनि कातक विनिध्नम (व नक्न ল ভারত সমূহে থাকিবে তরিনিত ভারত कावर्द्यकेटक वार्षिक १३०%,००० केला ३ हेट्स ४

रम**७ हरेए**ड छात्रजन्म **रहेन्। मरक्र**मिन्ना সাকাৎ সহকে একটা সমুদ্রবার্কনিক त्र श्रेष्ठ श्रकाम कतियादस्य । कात्र असि ब्राह्मक, मामका अ (वाषाह न्यून क्रिट्न । क्षेत्र क्षेत्र अन्य क्षेत्र श्रीवर्ग्यन्ते मध्यस्य ास कविरोक्त वाहेब्राकिरम्म, स्व **बक्रे**रप्रमाह **स्टेजा**(ह।

• हे मार्डन शृष्ट आजिएक ब्रांक कर नाटहर भून नारक्रद्रक् अर्थेत अङ्ख्य प्रस्थ नम भाकनामकारमंत्र भागीरद्वत भन्नद्वा 'दर नव अस्त अस्तिक डीशहर क्रम सक 454 614 WAY LAN MIN AND

中学习制 1878 (中国 華東洋 華鮮 長村 त मानुद्रमा जापकी न at works Akt **福井 作出者 体育 14** () THE WEST ATE ! ET HIS ! MICHELL

BRICE | Englet W. Minger 1433 नियम प्रक क्या क्षेत्रक मध्य कार्य कार्य प्रविद्वनम श्रद्धा इन । श्रद्धा प्रक्रिक आहे जनन कहि कार्यक (किस के किस्ट्राइक्स) अधान अधान विवाहक मीमारना अक्षेत्रका स्विद्यन । एउन फिल्म एवं कति अक्षमाध्ये स्थान करिएका कार्गटक व्यवसाधि क्षेत्रभ कृष्टिमा प्रदेश कि त्व । फिनि कवन आग्रहे आहेन जाएगार्थ कतिराम । अपारक त्याम अमराय । मर्तकमा करतन, काश किलि कथन अवस्थित क व्यान च्छादाव कविद्वस्त्रा । सम्बाहीत्स्व गुलियार वर्ग्याबाहा क्या देखिया अवारण प्राप्त वयानिकृत जानाक क्यू अवर एक्य एक्सप नी करवन, किमि देन दहके। शहरवन । किमि कान्नल afanicea. micalemia Beica centera on fruit ice (4, maitute annu Offic Place Wast mit Wie Des wien किटम (कर मानिक महिदान है। । अपिनिक वरमानीक कक्षिक्त मक्तकारमत विवरत व गरानाथम कतियोत्र अकाय स्टेशास्य कीशत मरण (मनि केसम सहसारक)

म्बद्धम ८ है। मार्क । कनमान्यवस्थि मश्बाम প্রতিষ্ক বার্ডীয় সংবাদপর গাড়টোন मार्ट्यत्वतः स्वाकात्मर् ७४ . वर्षात्रप्रशास्त्रहरू स्वाक श्रकारका काम्यायाय कतियारका । आवितिस द्राप्त वृद्ध्येत नामनिनीहाश प्रविशिक्ष दिनाव विद्या क्षेत्र । करने नारकत अधिनिधि महमा वाक क्षित्रत वक क्षाणानि वर्षा नीक क्षित्रात्र वात्र वानीय कत वर्षा विवास (वं विन ऋर्णन क्रंटरन, फाहा जनाहा दरेग्राटक '

् विनोत्स्ति नारस्य विविद्यारस्य. ১৮ वे बार्ड व्याष्ट्राञ्चलर श्रुत अर्थान ज्ञाना म के के विद्या विवाह विम विकीश बात शक्रिक श्रेट्य । औ भूत्रदश काश वक्षारा क्षेत्रियात निविष्ण विक्रि क्षेत्र कत्रि (रत । क्षेत्रण प्रका जानिजितियात क्षेत्र विशिष्ठ आत्र ७,७०,००,०० हिका सिटक सम्बद्ध हहेत्र

क्या मध्य ११ मार्ड। श्रदाम (यहानचित्र मन्द्रा नरेशा करण मन्द्राह्म स्वर्थ कर्

In Inves ACRICAN D Cas main . नाटकिशिक् श

प्रकारिक पट्ट। शक्ता সিনিয়ার ব্রুবর অপরিমিত कर्क स्वेद्यादंक । त्या नाद्यत् वा ω**ρ**ω. (4 fenta ethics wieles chat ais **▶ 7 枚。 ※ ・・・ 引御! 可信度 更幸間に要 : ~ 口** वयोग्न प्रवर्शन्तिक अवस्त्र जात १००० केलि। बिद्रकं हरेटव ।

महातका । अ विकेति निनाति है नवु रह गर्व विक्रमाद्र मानानीक इस, काहात भारत असी जिल्ली कति विक्र हरे क्रम मारस्य विश्वाद्यम, (शानरम मण क कड़ी केलहर नक्छ छाश्य विद्वन्ताई वि मानक निवृक्त स्ट्रेटक्ट्रम

(क्लेट्सर अय मरवाद्व अवश्व कटा সুবিপুৰ হতা এক ক্ষিট্ট নিযুক্ত ক্ষিত্ৰ প্রস্তুত করিবার আনু অপণ করিয়া रांत्रविद्यक्र किलिआहम् अनेन करत, छेण्ड नीत बदाबका मुक्तिकारक । डाका वक्तुका चीव नवरत मुलिबारक्षम, विदा त्यानरवारम क्षेत्र अवानका वृत्त वह श्रेवादत । आर्थ वृत नरकाव हिनादि काम कवा छाहात र स्टेर्ट । किमि आह्न व निरमम, विरम्भीय (मक्त्रमू एवं नहिष्ठ डीष्ट्रांस मण्युर्व मिः WILE !

भरे आहे। मञ्जूत महेवाडिएनव मृत्रा अकाभिक श्रेतारक । करांभी (गरमरहेत পভি মন্ত্র ইপদও প্রাণ্ড্যার করিয়া

> গৰণ দেশ্ট বিজ্ঞাপন। बन्नास्त्रीत (मण्डेनकेशवर्दात्र **সাদেশাসুদারী** factive i

> > রাজ্য ও সাধারণ বিভাগ।

১৯ এ ক্ষেত্রারি: রক্ষানের বিশে রেক্সিকীর বাবু বৃত্যপোপাল দে চা বদলী হইরা উত্রভা আভিরিক্ত সবরেছি আবিদের ভার পাইবেন।

इ.स.६१ क. ति, (बड़े नार्ट्य प्रः)

-मकाब स्माद 48, Fe, 17 र प्रदेश हैं 44 1 ্ সাহেৰ ছগণ্ ু ডেপুটি কালে 🗠 ाष्ट्रमाद्य समनी शुद्रात शक्ति ।

এক্টেট ও ডেপুটি কালেইর

াবু দীমবকু সামালে স্থক্ইয়ের স্বরেজি ইয়া সদর মহকুমা বীর্ভুমে পাকিবেন। দিন টি, ই, রেবণশা সাংক্ষে অনুপ্রিভ বেন ওওলিন ই. ডবলি**উ. খলনি** সাহেব ন ক্রমের কার্য্য ব্যক্তীক উৎকলের প্রতি ऽभिन्नत् ७ कद्रनग**र्टलई क्यांक स्ट्रेटन** । , हे, लाक मारहर ब्राव्यमाहीत अधिनिधि নুর চট্টেন। উট্টার অসুপঞ্জি পর্যক্ত रावारक्त कारलक्षेत्र अहे, संक्षि मारस्य ন্বের কার্য্য ভার পাইবেন ট

ভাদিন এল, এস, আ্লেকজাগুর সাহেব লইয়া অনুগন্ধিত ধাকিবেন ভত দিন भा**र्क माद्रक महमममिल्ट्**हत **अखि**निधि के के कार्य है है है कि जा कि

ৰলিউ, এফ, মিয়াৰ সাহেব বাধর গজেব विधि साहित मासिक्टिक ए एउन्हें कारन-ट्यम ।

इ मार्छ। वक्षाप्रचीत्र गदर्गस्यत्केत्र व्यक्षीनक द्रोलिटशत यान्। शिक्त नदीका इस्र । (त्र व-वार प्रव अपून प्रव त्या दिन होति विकास करन ারীকা,সভার সভা হইবেন।

छ मिन लाल्डेमन्हें है, जिन, विनिष्डेस লইয়া অনুপশ্বিত থাকিবেন ভত দিন ্রেস (ক্ল, মানুক সিংক্ছুষ্কের চডুখ র ডেপুটি কমিসনর ও অধস্থ অঞ্চ হইবেন : নেছুমেন ডেপুটি কালেইব ১৮৩৮ অকেন ९ ১৮२२ जारक इं २२ ७ ১৮२६ जारकत के क्ष्युनाह्य कार्यक्रिया कमका पाकिर्यम उमिन (ज. अ. इलकिका नीएइन विसीध ভলুপৰিত গ্লিবেন তড়দিন বলো-

नक्कादी माजिएके हे के कार्यकेंद्र सार **ওয়ালার দ'ংহর মাজবা উপবিভাগে**ছ পাইরা প্রণ নাড্ম বিচাবালসূতি সোস্থানে

কুরিবাণ মকজনৰ প্রথম বচার কাডেড इवम ।

🕬 🛊 র ক্ীতিসংক্ষে বিভাগ। वा बाई । अ, (व नवात मार्ट्यक अन् ल्या बिट केंद्र के स्के

ार्डन बंग, क, क श्रद्यम, जिंदै वियंगाविषे करकाछ बादाकशृहत्त्र

.केरे ७ (हारे वाशानरकत कक रुरका माकिएक्रेटिय कमणा नीरेट्या ।

७ हे म'र्छ । के हैं काश्चाति क्वांति के जि मार्क्षण नारहर जिल्हाका व्यक्तिक के विधित (महक्रोति **७ मक्रः** भरत्भुद्धन े विकेमिनिभाग

কমিসনর দিগের সহকারী সভাপতি ইইয়াছেন।

৮ ই गार्চ। यक जिम काळात्र (थ. एक, कुका है विनाय महेया इंडिटबाट्य शाकित्वन खख किन ভবলিউ, উইলসন সাহেব সাহাবাদের চিকিৎসং कर्षाताली इहेरबन।

উইলসন সাহেত্বর অলুপস্থান কালে বাবু উদয়তীদ দত মানভূষের অত্যতি পুক্রিয়ার . शक्तिथि हिकिस्मा **कर्य**हात्री **इष्ट**यन ।

১२ वे रक्जवाति व्यवस्य अहरहे जनकात्री **लूलिय ग्रुलहिरलेट्डले अ, अम, माक्**लिमेन नाटर्य काष्ट्राट्य यहनी हेर्द्रशाट्य ।

প্রলিক ওয়ার্ক বিভাগ।

ठकुर्य (आणिक विकाशीय आका**कर के** बादु कालाहीम भूरबाशायती**त्र किञ्चित्रक्र हरेए**क क्षानी नहीं विकारण वहनी व्हेटवन !

এ, त्रकष्ट्रान नारस्य विक्रिमं बच्च स्टेटफ <कररर वननी हरेबा अथम (आगित क्रुणेत त्कार्कत स्रोटनम्।

বেলর ভবলিউ এস টেবরের অস্থপস্থান कारम श्रथम (अन्ति अक्रीमिक्रिके वेशिमियर विष्यान्यमञ्ज्ञा आखिषि सुनिश्चित्वर छ है वि नंप्रत स्ट्रेटिया। फिनि २১.८ आञ्चाति जन াছে কার্যভার একে করিয়াছেন।

ভূডীয় আেশির সহকারী ইজিনিয়র আনর क्ष्म, अक्षम् म् मारहद योद्याद्यत् अक्षितिक्ष এक कांक के दिव है कि न्यू क्षेट्रजन।

ড়ভীয় প্রেণির পরীক্ষালী ওবরসির্ন বাবু वश्तिमान बाजूममात्र आहराने त्रक्षान ऋहन स्युक्त कडेर्ड्स ।

मश्कानी है अनिवृत्त बाबु माधनहृत्य द्वान ব এ পৰীক্ষা দেওগাতে ভাঁহাকে, বি, সি, के लाथि (र स्ट्राइक्त।

व्यामानिद्वात मनताच् नः बाल्याका लि^{च्}थशार्ह्मः---

खाप्रमध्यात्रवरत्रत्रे राष्ट्रभूषी माञ्चिद्विके छ देखनुष्टि

Mit Aices an mittel Bam ald terten den क्रिक्क बाब प्राथानकान बुद्रका

> क्षेत्रकशात्रवात स्था नव देतर कियुक्त विस्ताय त्यायाम यानवराटी यसनी ब्राट्डन क्रिन अक्टन एकारडेव कार्या अ লাভ করিয়াছের।

> ৩। মধ্বারাটে নতাতি একটা মুডন जारिन मध्यालिक स्टेशांटक ।

> 8.1 २8 **भवतातात किंद्र**ीते स्थाविट के वार्ड माहक्ष्य आहा जारमन शरीख कति। श्रुजित्यत (**अध्युष्टि कविजन** व स्वेदार्ट्य । मक कारकात रकाक कहा वह देता।

का शामा क्रमणान शुरु त व्यक्ति शिक्ष মূৰ ইনুপেটির জীযুক্ত গুলনাস বাবু দ্য यश्रमी स्टेग्नारक्य। देशर्फ मिमूनर्विक (यं क्रुडन थाना स्ट्रेगांत स्था अना स्ट्रेग्ना ভাহা **অনীক** বোধ হয় ৷

.. ७। ब्यानगरत शक्ष्य क्षानवाजात जयर नंद्र प्रकास कक्र्यना विभन्नाहित। এ नियाहरतंत्र भारेन शहिलक क्या निकास **4**5€.i

१ । अना बार्क ब्राजिएक क्रिवारकान अक वाकि ७ करा क्यान्त्राक बाद्य बीरमाक मर्शन्त्रहास आन्छान कतिहारह

b । दरे, करे, पूरे विषय मसादि शत र विक स्टेशाहिक।

à :) मा अवसि । ई मर्ड श्रदाक गार भूजून हा वि अन ही. इहि बातक भी कांब मन्दन व्यक्तिश्राचीकात्र कतित्राटह ।

आमाहित्यत तम्पूत्रक स्वान निविद्यार्थमः--

हाक्रिक काविमात अवश्व कान्त्र भतीरक करहेक निन परेश, अक ना বাসতে জাকাইতি চইয়া প্ৰায় ৫০ ব ৬০ ব বাল অপজ্ঞত হয়। কোরণ বাউন্টি থেছ न अवुक वार् बम्ब्यात मोहिष के द GHEW TIER WEAR WERNICH MINTE बन क्राकां के व क किंदि देखना इ (अन् हार्डिक प्रकार के यू क देवर व क्षेत्र देव वनशिक्षा के विश्वासिक नामू मन Bie anderece Beifer etaileren, वाक्षेत्र सामान मा देनटेन्सके मा शाकारप नुवाह बाद जाणां कावशहकारत कार्या संबर्गामां क क्रिएड(इस क्रिक्ट्री करि, व শ্ৰি উন্নত পদ লাভ ক্ষিট্ৰেন

্ ক্ষতি নেউন্ট গ্ৰহণ্ড প্ৰক্ৰিয়াৰ প্ৰীয় সেজেটারি হটবাছেন। কাজেন এচ, লয়েল প্ৰীকাৰ ক্লিকাভার ক্যানিগের প্ৰশাহকেকেক ক্ষতিক।

১७ हे बाई। कांधकरणा गर्माती करिन्द किनने हे अने कि, लाटगाँठ किंदू विदेनत विक्र कराता ७ सम्बद्धता अर्फाट्ट वस्ती

বে দিবস টেনগম সাহেব কার্য ভার : অপ্র রিবেন, সেই দিবসাবধি জি, ই: মাক্সিন চেব গ্রড়াভে দ্বিটীয় শ্রেনির প্রভিনিধি ভিট্টেই ও ডেপুটী কাপেট্র হইবেন।

क्रांबक, अने, स्हिन मार्ट्य बामनाहीरफ यन प्रांतित श्रक्तिथि मास्मिरकेट क कार्यकेत हेर्यन

ভবলিউ, এচ. কেপ্তার্শন সাহেব বর্জমানে দতীয় প্রোণির প্রভিনিধি আইন্ট মাজেটেট ডেপুটি কালেইর হইবেন।

এচ. এল, ডান্পিয়র বছদেশীয় গ্রন্থেটের সেইকেটারি। চার ও রাজনীডিদংক্রাম্ভ বিভাগ।

১ ই মাট। মন্ত দিন মৌনবী মংশার সামুদ বিদায় লইরা অসুপস্থিত থাকিবেন, তত দিন প্রেমাণবচন্দ্র চক্রবারী জিপুবার অন্তর্গত নসির গেবের প্রতিনিধি মুন্সেক হইবেন।

বারু রক্ষণাল বলেরাপাধ্যার ছগলীও চুড়ার এক জন মিউনিসিপাল কমিগনর হৈবেন।

ষ্ঠ দিন এগ, এরাকোপ নাহেব সি. বি, বিদায় লইয়া অসুপঞ্জি থাকিবেন, ডজ দিন আর, বি. ক্রেন সাহেব হুগলী, বর্ষনান ও ২৪ পরগণার প্রজিনেধি অভিরিক্ত জ্ঞা ক্ষুব্রেন।

১১ই মার্চ। নিম্নাদিখিত ভন্ন লোকেরা শিক্ষার দক্ষির চিকিৎসালরের সভার সভ্য হৈনে।

(स, अम, सि, हिक गार्ड्स। ति, डि, क्रेडेडी गार्ड्स। यातु रहिस्त मृत्याणामाञ्च (नोमंदी कामान काश्चन। यात मित्र अम, स्था गार्ड्सन

वार मिसा अम, एक माट्य विशास महिया

অসুশাস্ত আকিছে কড়েল সাংহয় কলি নিবিৰভাগান কলিও বস্তু বিস্নু ভবনিও

लहेका संदेश कि बाकिरवन, क्षेत्र कि कि विकास निर्मा कि विकास निर्मा कि कि विकास कि कि विकास कि व

्म क्षेत्र हे फर्गल है, वि. वाई क्रिकाणात है भनगरत्त्व अक स्वत्र मिछेनिजिभाज क्रिक्नत्व क्षेर्यन

বত নিম বাবু রমেশচন্দ্র বস্থা বিনায় সইয়।
আনুপস্থিত থাকিবেন, ডড দিন বাবু জগবন্ধু
গলোপাধ্যায় বীরভূমের অন্তর্গত উপভার প্রতি
নিধি মুক্ষেক ইইবেন।

১৩ই মার্চ। রাধাঘাটের তেপুটা মাজি টেট ও ডেপুটা কালেটর বাবু রামশক্ষর সেন রাণাঘাট, বীরনগর ও কাচড়াপাড়ার দাভব্য চিকিৎস লয়ের অন্তম সভ্য হইবেন।

ধ্তকারী বিভাগের বিশেষ তেপুট ইন শেক্টর জেনরল জেমস্, হোরেগিয়, রেলি সাংখ্য নিজ কার্যের উপত্র কলিক্ষাভান্ত অভি রিজ্ঞ তেপুটি কমিসনর হইবেন। ভিনি আরও কলিকাভার এক জন কভিস হইবেন।

১७ हे बार्छ। यछ पिन ति, है, लाख नार्ट्य नवकाती कार्यशाननक श्वामाख्यत्र श्वाकिर्यन, ७७ निस এ, त्ल, खात र्यग्रिक नार्ट्य (यहनी भूरत्व श्राक्तिश्व निश्चित्र न तित्रम्स स्वक्त १३ (यम।

ষত দিন এ, জে, এলিয়া সাংগ্ৰ বিদায় লইয়া অসুপস্থিত থাকিবেন, তত দিন এল, আর টটেনহাম সাংখ্য দিনাঅপুরের প্রতি নিধি সিবিশ ও সেনিয়ন কল হইবেন।

১৩ মার্চ। পুরিষ্টিক্তাগের নিম্লিখিড প্রতিনিধি নিয়োগগুলি গ্রাহ্য করা গেল।

३५७५ जर्मत ३मा जागष्टे जनसि श्रम (जनित श्रक्तिसि एउनूने हैन क्लिसे (जन्ने स्वाप्त स्य

्ष्वनिष्ठे, भार शक्ष्य मार्ट्य ১৮৬৮ व्यक्तित २६ अ व्यक्तित्वत् भृष्ठी छ।

अ. वेट्छमः। विकासमासः सर्वेटमर्ग्डेत (मटक्रिकाति।

रक्षाकीय जमक स्वरं स्वरंग स्वरंग कर युव द्वांच छ । स्वरंग स्वरंग कर युव द्वांच छ । स्वरंग मार्च नमरंग कामा स्वरंग स्वरंग मार्ग मार्ग स्वरंग के कामा नित्र स्वरंग काम स्वरंग कामा स्वरंग स्वरंग कामा स्वरंग स्वरंग

** Sept ***

७ । ১৮१ ऽ मार्टन हेश्मरखत समम्बि (नर्था) श्रद्धन हहेर्द । कावज्यव हेश्मरखत प्र व्यक्तिक सम्म । काज्यव (महे मःस्म महास्मित काज्यक ममस्य धारायात (महास्मित काज्यक कावज्य धारायात (महास्मात काज्यक कावज्य कालजारङ ।

8। (लाकप्रश्या बार्ग कताव কল। গৃহকামীকীর পরিবারক সমস্ক'ক সংখ্যা ওবয়স ওবৃত্তি ও কত জান अ कड अपन क्षी काशाह ता कि अपत्रहा मकन कथा भूटर्स व्यवश्व मा स्ट्रेटन मा थरप्रामनीय जन्यानि त्याभाइटक शाहित्वः एक्स পেও প্রকাদের হিতি রীতি জ্ঞান না রাজা বৃদ্ধিক ব্যবস্থাকরণপূর্মক ভাষ यशाविधि तकनारयक्तन कतिएक काहून হন না। নিরূপিত সময়াভারে লোকসংখ্য করিলে দেশের কত দূর বৃদ্ধি ও কত দূর ব रत, हेश जमरत जमरत व्यवशंक रहेता व ণেশের সহিত খীয় রাজে≀র ভার**ভ**মা বু श्रकारमञ्ज्ञातिक सूच माक्नाका, अ केंद्र विभि व्यवसाधनसम् अ मर्मामानावरमञ् वार्थ विषया विनिर्फा **कार्यः मस्य हहे**टक (वन ।

कारता हिन्दा नामा छ। गरि वाकत्वत प्रथातित्वहमाग्र क्विकारी क हिन्दिक्ष्य, हेशे जाकत्वत व्यक्तिक्रिय स्थाना बाहेरक शहूत । काश क्वित्रक स्थानावार्य क्छानगापि सहूत अव

াকের। উট্টের্দি ঠি দিবেন। কট পারিভোবিক আহকদের টাকা প্রসা

নিকট জোর করিয়া পরসা লইছে চেষ্টা নেকট জোর করিয়া পরসা লইছে চেষ্টা নেক কিয়া কোনপ্রকারে ছঃখ ।দলে গুরুত্ব নিকট পুলীয় খানার জান।ইবেন কিয়া কালে ইর সাহেব থাকিলে ভারার নিকট গিয়া জানা ইবেন।

জাহানাবাদস্ত সংবাদদাত। লিখি য়াছেন।

জানানাবাদের ভেপুনী মাজিকেট ও কালে
ইর জীবুক্ত বাবু ঈর্বচন্ত মিত্র মহালয় কায়িক.
বাচিক ও মানাসক পরিজ্ঞাসহকারে যেরূপ
বিচার করিভেন্তেন ভালাভে এখানকার সকল
লোকেই ভাঁহার প্রতি সন্তই জাছেন, কেহই
ভাঁহার প্রতি বিরাগ বা অসজ্যো, প্রকাশ করেন
না। সম্প্রতি ভেপুনী মাজিকেট ঈশ্বর বাবুর
প্রতি বেসমন্ত এামের লাইসেল টারুল ধার্যাও
আনোরের ভার হয়, ভেপুনী বাবু সেইসমন্ত
আমের ভার হয়, লাকের সাহত পরামর্শ করিয়া
ভোকের অবস্থার প্রতি স্থিপাভ করিয়া আইন
অমুসারে যেরূপ কর ধার্যা ও আদার করিয়া
ভেন, ভাহাতে কেইই অসন্তই হন নাই।

এখানকার টাক্ল আলাম্বের ভার প্রাপ্ত আদে नक जीवुक बाबू तरमनहत्त्व भूरशां नाशांत्र महाबग्न গত বংগর জাহানাবাদ মহতুমায় সাধারণ लाक्तित क्षकि विक्रम व्यक्ताहात कतियाहित्सम्, 'डार्श महामरस्त तामक्षकारम श्रकाम स्ट्रेसार्ड **७.२९ आरममत ब्रह्म नायु क्वीमाम कर्म्यका ब्रह्म** া অন্যায়পুর্মক কাড়ীলার ও কনষ্টাবলছারা বছনপূর্সাক ক ড়ীদার ও কনস্টাবলদ্বার৷ ধড়ার গ্রাম চইতে গাটালে লইয়া যান, ভাছাও एशिव कारमधेत घरशामरयूत शाहत कता इह याहिन। उरकातन शराम कन्यंत्राजी महान्द्यता कारमनत तरमन राष्ट्रक मार्यभम कतिहा जिल्ल বা জাহানাবাদে ক্ষা কোন কোকের প্রতি আলারের ভার দিলে এ বংগর এরূপ ঘটিবার तक्षावना किन ना। गण व्यवस्थि मार्ग वार्म সর রমেশ কারু জংহা-াবাদ সহজুমার টাক্ল क्षंत्रकतिएक व्यामिया यक्षात्र श्राह्म श्राह्म कार्यक कर्ष्ट्र मन, क्रदकारम एम्स इटेक्सी मध्य সংগ্ৰ প্রীধুক্ত ঈশ্বচন্ত্র বিদ্যুদ্ধ গ্র মহাশিল্প परन डेलन्डिड डिस्निन । सम्बन्ध मक्टल **चार**म সর বাবুর উপদ্রবে ব্যাস্থ্র হইয়া উপায়াঞ্চর मा (मधित्र) विम्तानाभन्न ,महाम्द्रन मिकट् योग्न इंटर्बर क्या खाड क्याहरम डिनि मणः इंशापित क्ष्टैनिवात्रवस्याः क्रामनः পত্ৰ লিখিলেন। আদেশর বাবু ভবিষয়ে रवाश ना कदारिक विशामाशत महानेष्ठ মেটে রমেশ বাবুর সকলপ্রকার অভগ कथा (बाह्य कहिरम्ब । श्रक्षावरम्ब ५वा र्गरमण्डे अ विवरम्भत अञ्चलकामञ्चल वर्ष কালে জীর জীবুক্ত ২েরিসন সাহেব মহে कांश्मावान मरुक्रमान (धारन करतन । का হেরিসন সাহেষ ও বিদ্যাসাগর মহাশ্র ব मनमाकन्त्र। ও जनमामना हहेग्रा शाग्र ह काल प्रज्ञमगरकारत घाषाल, च्यात, भारे, त्रांधानगत, हट्सरकाना, तामकी वनमगञ्ज, वाली, (नखद्रामगञ्ज, सामाकृत, গরপ্রকৃতি ক্রামে ভদক্ত করিয়া গিয়া स्टिनन मारहरवत्र विरु**षार्हे** अवर्गरमञ्ज সর র্মেশ বাবুর বিরুদ্ধে কি ছুরুম দেন, জানিবার জন, জাহানাবাদমংকুম:স্থ একা উনুধ হইয়া র:হয়।ছেন। মহ কোন আংসেদরকে ৫০০ পাঁচ শত টাকা प्राप्त नाहेरभन मेक थार्व। क ब्रेटक खिला কি? জানানাবাদ মহ্কুমার বে যে ব্যক্তিয় পাঁচ শত টাক:র কম ভাছাদের ২০৩ अक्ज अक शिल होका जाताब स्टेब्स्ट ह এইদকল ব্যক্তির এক কারবার নয় : এক নয় এবং পরস্থার কোন সম্পর্ক নাই 🗥 व्यारतन द्वारक द्वीरनारकत्र श्राष्ट्र व्याप्ट व्याप्ट हात् व (पश्चित्राट्डन कि ? अथारन त्ररमनवाकु के ত্রামের অনেক ব্যক্তির বাটী:ভ বল श्रादन कविया खीलारकत नतीत 👁 अ দেখিয়া টাক্ল ধার্য করিয়াছেন।

লাইসেল টাক্ল ধার্যাও আদায় উ কয়েক, জন ফাড়ীদার প্রজ্ঞার প্রতি আ কার্য়া কিছু কিছু গ্রহণ করিয়াছে, ভাষা সন সাহেবের অনুসন্ধানসময়ে প্রকাশ গ্রাছে।

मासिएकेट, एडपूटी मासिएकेट, मून शक्ष मकल वाकीरमत वनति, जारह ; नावान मरुक्रमत का की नात्रशरणत कि रूथमा नारे ? अथानकात का की नाव मकल हा की मरमत जाराकात का की नाव का की मरमत जाराका वक्ष लाक का की नातरक अक आरम वक्ष्मान वा श्रित वर्णन विराध जानके चाँठेवात महावस।। श्रामुद्देश विराध का स्थारमत श्रामित का कुछ रूम विराध का स्थारमत स्थानम्हरू

মৃদ্ধে বর্ণনাপত্র ।

্ল, এই দেশীয় লোকে.

য়. ও যে বয়স প্রাপ্ত হইলে

গীড়া ও মৃদ্ধ হইরা থাকে, ও

া. য ত্র'নে অল মারু, এইসকল

াম পারে। ভাষা হইলে স্বাস্থ্য
ভাবলম্বন যজ্ঞ সাক্ষেপ সলোধপাদিত

ও নির্দেশ করা যাইছে পারে।
ক্রিডিনীডিপত্রে প্রডেক জনের বংশ
কৈ ও বংবসায় লিখিবার রীজি আছে।
কারে লোকপোনীর ও রুভিব অর্থাং কড়
বিহুটিনী, শিল্প বাবসায় কড়দুর চলি
কেই সমস্ত বিষয়ের অভি হিডেলনক
পাওয়া যাইছে পারে।

পেরত্বের ও অপরাধিজেনীর র্জিকি শ্রস ছেও সাধারণ লোকদের মণ্ডে কড দুব আনতি হয়, এবং কুলা অঞ্চপ্রভৃতি অক্ষম প্রকরে উপকারশাপ্রণে এয়োজন, এই বিশ্ব জানিবাব নিমি,তেও লোকসংখ্যা করা জাবশাক্ষা

। গণৰ্গতে বি কোটি শ্ৰেকাদের পক্ষে ভাষে সোধনে উৎস্কুক হইরা লোকসংখ্যা কাৰ্যে প্রবর্থ হইয়াছেন। অভ এব প্রজা সংস্থাত হইয়া সহকারী হইবেন এবং কর্তৃ বেশ পক্ষে অমুলক ভৌতির কিয়া অন্যবং বিলে এই কার্যে প্রতিমুখ না হন এই

া এই লোকসংখ্যাব্রাংশ সূত্র টাক্র কিষ্যটাক্রাঞ্জ করিবার ক্রমাও নাই। র কি ঘরেব কি জ্বনা কোন বিষয়ের টাক্র ধ্ব অভিপ্রায়ত নাই।

াইজ সংখ্যা গ্রহণ করিবাব জনো এবং
বেষয় জ্ঞান্ড হওয়া প্রয়োজন ভাহা এক
স্থেম প্রাধ হইবার নিমিন্তে গ্রহণ প্রত্যেব
কে এক একখনি কাগজ দেওয়া যাইবে
কি এক একখনি কাগজ দেওয়া যাইবে
কি কম গাকেন, মেন সই কাগকে ভাহা
ভেবেক নাম ন তুলী কি পুক্ষ ও ব্য়স
ভ ও রুলি কাগকা জানাইবেন। কে
রা পেখা পড়া কারতে গারেন, উংহার।
ক্রিকল কথা লিখিতে ইচ্ছুক হইলে

(वादाई खेटल जामहाभी । মিতাক্ষর এ জ্বীগ্যার সম্পূর্ণ প্রাশর সংহিতা। ণ**টীক বিষ্ণু পু**রাণ **াডুম**গরী 2 11 भी करणाविन्य अवाधाविस्मान कावा সীক, অনুদেব কৃত 2 (विषयपुर्वम् अन ज्ञीक ক্রিকাডা <u>}</u> **ब्रिटकमोत्रमाथ वटन्छ। अंभ्युः** ४२४ (न

চব্রিত মঞ্জী।

অধীৎ ভারভবর্ষের সংক্রিপ্ত ইভিহাস। र्ष छित्र रहेग्राहर अ चारत हेश्राफ क अकती व रिष्य न बार्य निष्ठ रहेता 🗐 एक फिल्हा দয়ের অনুষ্ঠিক্ষে লড্ডয়েলেস্লির নবুভাস্থ ও লভ কেটিংসের শাসনবিবরণ के बेह्र ए. १३१०४७७ १७६ वर ४३१४६६ रा গ্রধীয় জেনেবলের সময়ের যে ঘটনাগুলি জ্ঞাক হইয়াছিল, এবাবে দেওলিও উৎাতে ৰশিভ করিলাম। অধিক আৰু উহাতে একটী 🚁 মণিকা যোলিভ হইল। 👺 ভরাং এই ষুদ্রিত চরিতনগুরীশাঠে ইংরেজদের ভাবত আগমন অবধি লাভ কাানিভের রাজ্যশাস (শ্রপ্য স্তু সমুসার সৃত্তাতঃ আংবশ্বমত পাত হত্যা যাইতে পারিবে। আমার ইংতিড টিনির সভায়ত স্বিক্সর বর্ণিত হইয়াছে 🖟 **४, इ.स.सूत जुल्हकातास छ (माङ्!गारकः** নং হোকানে জীবুজ প্রভাপচন্দ্র রায়ের एके श्रापः। भूला 🕽 : •

बीकानी क्षत्रहाहा

বিক্ৰয়াৰ্থ।

----:•:---

গারভেন রীচ্বঃ নং বাদী ওাদামস্ছ ১৯ নং(জাড়া বাগান !

উপরি উজ্জেলাগান ও বালী ঘাঁহারা ক্রয় एक प्रथवा नहेएक हेक्का करतन, निम्न पाक ব্যক্তির নিকট জানাইবেন।

> গিলে ওার্স আর্বো-গনট এবং কোং

----:0:---

১৮৭ - সালের ইংরাজী এক্ট্রান কোসের ন কে'ন একেদৰ এণীড । মূল্য ১॥। माराज ८८ साजन ३३८०, जि.न जा नाना चान इहेट अखट अह

মার নিকট পুস্কাপারে ও १३ मर कारत ণটোৰভাৰা

ख्येपुक्त पहन थ भूरश्रीनीवरात्र अर्बे निका विजीश जात मूं जब हरेशा नर 📆 🦓 🕍 वाकृष्यः। तः मर्मा का॰ भुक्तकालास विक्रंस १३^४ ভেছে। উত্তম কাপড়ে বাধান মূল্য ১॥• টাকা। 😹 2 4 প্রথম ভাগ।

নদিয়।র নদী।

मन १७ ७৯ मारलव मार्फ मारमव ७ इहेर ड ১০ই মার্চ পর্যাস্ত ভাগীরখীনদীর দর্মাকমতি জানের দাপ্তা হিক ব্রিপোট 🗵

সর্মকমতি জল নাম স্থানের कुट हेकि ভাগীরথীর সহিত পদানদীর বোগের 7.4 মহ'নায় ख्या रहेर्ड खक्षिश्र ऽः॥ माहेल मानः জালিপুর হইতে বহরমপুর ८ ५ माइटलत मर्भा ₹ বহরমপুর হইতে কাটোরা ৫০ মাইলের মধে, ₹ কাটোয়া হইতে নদীয়া ৪৬ মাইলের মধ্যে

সন ১৮৬৯ সালের ১৫ ই মার্চ ভারিখে বছরমপুর গঙ্গাটের জলের মাপ।

इं.क

वहराभूत) जीएक ति. हे. छेहेक्न अक्ष कि दिलि के कि निषय मनी प्र 74 41.2) লোকাল বিবার ডিবিজন _। ことぶか

रमामधकान।

১০ই চৈত্র সোমবার। **अश्रुन शिक्तकतिरात (व**र्ड প্ৰাৰম্ভ প্ৰিড হুইয়াছে। শের প্রত্থেরকের। ডিরেক্টর সঞ্ এ বিষয়ে উত্তেজিত করিবার

िविद्योगे रहा आंगदा 🔻 বিত্ববাঁয় গ্ৰণ্মেন্ট ডিরেক্ট্র

বের গ্রন্তাবে অনুমোদন করিয়া নে বিদ্যালয়ে কোনরূপ বায় হয় ক্ কিরূপ শ্রেণীবিভাগ করা উচিত, 🗟 দকল অনুস্কান আরম্ভ করিয়াছে কেহ কেহ বৰ্ষিয়ম করিয়া বেট র্দ্ধির দীমানিদেশে ব্ঞা হ্ইরাছে সেটী আমাদিগের অসুমোদিত নাই যাহাতে শিক্ষকের পদগুলি ভা লোকের লোভনীয় হয়, দেইপ্রকা वरामावेख कड़ाई कर्खवा। भिक्क কার্যা অভি তাকুভর ৷ ঘাঁহারা অন বেতনভুক সামান্য ব্যক্তিদারা এই কা দম্পাদন করিবার চেন্টা পান, স্বানা গের মতে ভাঁহার। স্থিবকশা नट्टन। वानकिन्दिशत अध्यमाविधि य जान लारिकत निकटि निका इहेट তত্ই তাহাদিগের মঞ্ল হ্ইবে।

नमद्र समद्र क्षाम् कार्याः कद्रा स

शवर्ग**्म•ेमारज**त कर्छवा। हे*₹*?? নানা প্রকার উপকার আছে। ও মার্ড लिथि ११ अहे भीर्षक मिद्दा शवर्गमाने व **জানি পত্র প্রচার কার্ডাডেন, উচ্চা স** প্রিকাট করিয়া দিবে: আমর। স্থান্যত্র উদ্ধান করিয়া বিলাম म्बे वेश त्याक्तर्थः। क्रिएड: ह ^(के) 'ठ डें। सामरशत मर विना प्राप्त

শানাই। একার কলাপকাম 🕵 🌃 হইয়াই তাহারা এই 🗚 🛚

এতাৰটা বুঝি

3 भिरुष (य ক্ষোভাব কি . ছ ? মানসিক াহিড:প্রভৃতিতে ,গণ দক্ষতা প্রদর্শন

.ইন ৭০ট ; কিন্তু যাহাতে প্রসাঢ় বাপ হয়, যাহাতে প্রকৃতির অভ্য

এবেশ করিবার **ইচ্ছা জন্মে,** আমা দিগের দেই শিকার অতিশয় প্রয়োজন। विख्डान आमानिश्वत निकटि अभी नट्ह ; আমাদিধের শিংপশিকা নাইবলিলে হয়। অভএব সোদাইটার প্রস্তাবাসু গারে কাজ করা অতিখ্য় **অবিখ্যক হ**ই য়াছে। সংহত্ত ধিজ্ঞানশিক্ষার আরম্ভ করিয়া দেওয়া উচিত। বাঙ্গালা বিদাসহেও ইহার অসুশীলন আবিশাক। ট্ৰার অনুশীলন আরেছে হইলে কয়েক বংসরকা**ল অ**পপতিরমাত্র বিশ্ববিদ্যা লয়ের পরীকোভীর্ণ হইয়া ছাত্র বহির্গত চুট্ৰেন সন্দেহ নাই; কিন্তু তাহাতে ক্তিকি গুক্ৰমে বিজ্ঞান বিদের সংখ্যা রুদ্ধি হইবে। অনেকগুলি অর্দ্ধান্দিতের অপেকা অপেদংখাক শিক্ষিত ছাত্র मर्भन कि व्यार्थनीय नटहर अध्यक्तात শिका पिटल करतक वर्गतत मर्था আমাদিগের লিংগ্রের অভূতপূৰ্ব্ব উন্তি হইতে পাকিবে সম্ভেচ্নাই।

উकीन ७ राविष्टेव।

সক্তর্ত একটা মকক্ষায় উকীল প্রস্থাব অংগালা করিয়া, দে সময় বাবু অসুকুলচন্দ্র মুধোপাধায়ের সহিত े वातु मरनारमाह्य स्वार्थत কুতঃ করিবার অধিকার লইয়া ৰ হয়, ভদ্বার। আমাদিগের ্ম দূরীকৃত হইয়াছে। আনারা . ন, খুনি অধিকতর মাননীয় হন, ্শ্বে বক্তৃতা করিয়া থাকেন। র বক্তা সর্বশেষে হয়।

বেলিবাহেৰের অমতে নিছাত ব (इन, वाहि**केट**बड़ा **डेकीन**स्टिशंब ৰ**জ্**তা করিতে পারিকেন। ধ विচারপতি বলেন, वह्मभी देवी। বারিউবের পরামশীমাত্র থাকিবে শীমাং দাটী কেবল যে ্ছুক্তি क्रेबाट्ड अज्ञाभागवा, केकीलमिटभन के ভ কের কারণ হইয়াউল্লভির প্রতি হইতে চলিল। এ বিষয়ে কোন খ নাই।পূর্কেতন সদর আহাদালত छेत्रमिशतक ध्वाधाना তেন না, একণে প্রধানতম বিচা হওয়াতে যে অবস্থা **डेको न मिर**नक কাহাতে ষ্ট্রদিগের সমকক্ষভাব হওয়া উলি माभातरणा वातिकोटतता अक्षामक्रम वि রালয়ের অপেকা প্রধান নহেন । माटक्व श्रीकात कतिशाहिन, छेकी। ওয়েউ মিনিফীরের বারিক্টরক্লিগের কক্ষ বিলেষতঃ সম্পতিষ্টিত সক উপস্থিত হইলে স্ক্রমাধারণে বারি वर्षका डेकीलांबिशतक व्यक्ति मरना क्रत्रन। मकश्रम्बाल आह्रिन छेकी निम প্রাধান্য অব্যাহত রহিয়াছে। ফৌক মকদ্দমায় কেবল লোকে বারিষ্ট্রের অ অদেষণ করেন; ভাষার কারণ সনে অবিদিত নয়। প্রধান বিচারপতি ব্য वातिकट्रिता (एक्टकात आहिनी तिन বিবরণপত্র লইয়া এশ্রোভর ক উকীলের। দেরপ করেন না। আট শাক্তানং প্রহ করিয়া মকক্ষা **লাজ**া (मन। देकीलाता यमि वातिष्ठेतिम् সমান সমানপ্ৰাৰী হন, ভাচাহই

CF17

দাড়াইয়

শহিত

৫ধান বিচারপ্তির অভি∠ায় এ দ পিৰুক ও ফ্লিয়ার লাহেব বাহারা আটণী দারা মকদ্দ্মা এ

আটণী দারা মকদ্মা লইতে থাকু

যাঁছারা ইছা পারিবেন, ভাঁছাদিগ

वार्तिकेतिपरभन्न जुना ममान ७

क्षमान कता रहेरव ।

এধিক পরিক' ह कत इं€र्व, छ - এরূপ বিবেচনা না

विकास छ विश्वविक्रमालयः। রোগথতের অন্য অন্য প্রাদেশের লো ইংলতের শিশ্পীদিগের অপেক:

ক শ্ৰেষ্ঠ, ইহার কারণ কি ৭১৮৬৭ ক **তাহার অনুস্কান** হয়। ভা**হা**তে কা**ল পাইল. ফুান্স**প্ৰভৃতিঃ অভি বান্য **বিদ্যালয়েও** বিজ্ঞানের সম্ধিক : আছে। ভাংতবর্ধে প্রকৃত বিজ্ঞা অনুশীলন নাই ধলিলে হয়। কুড়কি नव्य ও মেডি∓াनकाल्यकमभूर ह य

্**মাছে এইমা**জ। বিশ্বিদ্যালয়ের কাংশ ক্ল ছবিদ্য ছাত্ৰকে একটা পুষ্প র্বন করিয়াত চাহার জগতি জিভভাষ: टल উर्द्धनहरू इहेश शादकन। आमि ক সোদাইটা বিজ্ঞানের এই শোচ-मणा मर्णन करिया श्रास्त्राच करिया-বন, বিদ্যালয় দমুহে যাহাতে বিজয়া ममधिक हर्ष्ट। इह, खाद्दा कहा कर्खवा।

ন্তু করিতে বলেন; কিন্তু আমরা । इ. इ.स. १८ वर्षा श्रेष क्षेत्र के वर्ष कार्य के कि

ারা প্রবেশিকালেণি কইতে ইহার

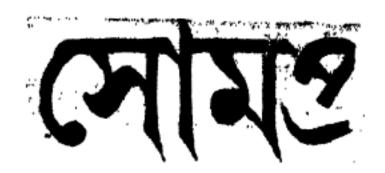
পি অহিদে নাই এইমাত্র উত্তর করিড়াছেন। শিংখিবার সম্ভ্র

চমৎकाর कथा। बात 🗷 🕕 : मग्न कथनहे इहेर्द नः। (कान

কালে প্ৰধান দেনাপতি . ন প্ৰেডিকাল কালেছে 👙

হইতেহে নাণু অন্য অন্য

ছাতেরা শিখিতে নাপা



॰ प्रवक्तनां प्रक्रिति इताय पार्थियः सरस्वता श्रातमहर्तः

মূল্য : এক অব্রিম বার্থিক ১০ দুল } যাল্যাসিক ব্যা সাজে পাঁচ সাকা ;

नम १२१४। ३१६ रिव्य । ३४७३ । २३० मार्क

বিজ্ঞাপন।

कारक कानान याहेरफर्ड, विकासाय ারেলতম্বের দোনাপুর ভাকদব হট্যা েলখা থাকাড়ে অনেক চিটি মাডলায় क्रिशक्षिक एम्. छाहार्ट आमा निर्गत পাইবার বিলয় এবং মাতলার ডেপুটি (श्रिहत्वक **क क क क क है। अक अब क** वि याँ इ'दा प्यामानिरगद्र निकर्ट পতा (श्वरन নি, উ.হার। ''কলিকাভার দক্ষিণ পুর্বা পুৰ ভাক্ষর হৃত্যা চ**াজ জিপোভা** ৯ এই লখিবেন। ''মাডলা রেল্ওয়ে' ইং। रांत्र श्राद्धां व्याग नाहे।

সে'মপ্রকাশ সম্পাদক।

--:0:--

ভৃতীয় ভাগ ঋত্মণঠ ৰয়াখ্যা ইংরাজী লা ভাষায় অনুবাদ সমেত 📾 শ্যামচরণ ाधात्र अनेक, मृता ১:•, अङ्गकाक्षकी রা কলিকাতা সংস্কৃতপ্রেসভিপঞ্জিট र'मुखं बाश्य अध (कार क्षाकारन ख পাল চট্টোপাখ্যায়ের প্রেসে ভজ্করিলে १म । 🏲

র্মাধরণকৈ জ্ঞাভ করা বাইভেছে যে, লের ২০ মার্চ ভারিতের শনিবার বেলা ১১ সময় মোকান বৰ্ছমান দামোদর ভিবিজ কজিকিউটিব ইঞ্চিনয়র সাহেবের আপীনে রায়ণ ও দামোণর নদের মধ্যকতী বাক্সী এথেল অবধি সন ১৮৭০ সালের ৩১ মার্চ । श्रकाभः मीलारम विलि कदा घाইरव । তে। क नैनाम काकनीया ठालिएक नीनः म दिख्य अव जाना माखन भिएठ २३ र । ভরপুর্বে ১০০ শত টাকা আমানত : ठ **स्टेटर अवर याशांनिटभन्न फाक अ**जारः े

হইবে, ভাগদিগের আমানতী টাকা কেরড (मञ्जूष वाहरत এवर छेक भरनद भीनाम फाक শীষা ব্যক্তির আমানতি টাকা ইজারার প্রথম क्छिन श्राद्यात कामिनी होका आवास किटन (कक्ष प्रश्वा वाहरता

উপরি উক্ত বিষয়ের অনাান্য সংবাদ নিয় পাক্ষরিত সাজেবের সমীপে প্রাপ্ত হইবে।

बहें 5, फवान के, शादन न हे, काश्वान व्यात, हे, এক অিক উটিব ই अনিয়র, দামোদর ডিবিজন।

-- 303--

काभिनी नावेक।

বছবাজার ২৪৯ নং স্থানহোপ প্রেস श्राभाग्रा अक होका। एक माधन अक অ'না মাত্র।

वानना हस्टकोशिक बाहिक।

সিমুলিয়া কাঁমারিপাড়াহিতৈবিষ্দ্রে ও কলিকাতা নৰ্মাল কালে বিভ্ৰাপ প্ৰস্তুত प्यारह, भूता 🕢 व्यानामाञ्जा

> <u>জ্রীনহার মুখোপাধ।ার।</u> কলিকাতা নৰ্মাল ছল। ------

বাল্মীকৈ রামায়ণ চতুর্থ খণ্ড।

প্রত্যেক খণ্ড ১ - ফরমা।

এই পুস্তক নাগরাক্ষরে মূল ও গীকা এবং वाक्षमा बहुवारस्य महिष्ठ श्रकानिष्ठ व्हर्तहरू । ইয়াটনামক খালের সন ১৮৬৯ সালের এতে জাক খতেব মূল।॥॰ আনং। যাঁহায়া নিয়-मिछ बाहक श्रेवात हैन्द्रा करतम, डाँहाना प्यामान এক বংগরের নিমিত মা**শুল আ**দায়ের [†] নামে কলিকাডা ব্র:**জ্বা**মাজে পত্র লিখিবেন : विद्यानीय बाह्कनियाक श्राप्तः क बाख अ.ज.-

क'लकाका भावि बाक्सनमास्य अधिदश्यकतः अधि हार्गः

{ संक्षात श्राङ्गातम् २ संगातिक १, ७ देवमा

मानवज्ञात्र ७ शह দিতীয় থও।

সাধারণের ক্রেয়োপযোগি এই ব নির নির্কারিত জাতাম মূল্য কেবলনাত ৪ **फारक हा॰ । मिथिट ब्रिवप्न(:) यः स्थाविक व** (২) অ্বাভাবিক প্রসবজেণিতে দীয়সূত্রী (दामक अभव, मश्कीर्व अभवानीय अभव, ্নের হস্তপ্রাদ্র আন্তেবহিক্তি, ধ্যক। অস্ত ক্রণিপ্রস্ব, ইভ্যাদি (৩) সক্ষয় গ্রেণীতে নাড়ের অত্রে বহিক্তি, অপা লোণিডপাড, জগবিদারণ, জরার উল পড়া ইত্যাদি। এসকল প্রস্বেধান্তী ও ভার কন্তবা (৪) হস্তকুত ও বান্তিক : ষ্টের বিবরণ (৫) স্থৃতিকাগারত্ব বিষ . ইন্ডারি, রোগ ও চিকিৎসা ৷ কোদিত ত ः हेण्डाविक संख्या भियार्ट । भूजक, कलि क:तनम कि रहेत्र ६६ मर खबरन खीवुष्क वः **हत्र महामानविष्यत्र निक्**टें, **अव्या** निक्ट मानदर भाउत्रा बाह्यकः।

শ্ৰীক্ষদাচয়ণ কান্তগি সিবিল মেডিকেল আপিদার

সম্প্রতিদক্ষিণ মগবার যে ইং বাং বি প্রতিষ্ঠিত চইয়াছে, তাহার প্রধান 🌬 প্রয়োজন ৷ মালক বেতন ৫০ টাকা ৷ 🗗 अन्ताभवनर् पात्तन्तभव वामात्र প্রেরণ করিয়েন।

কলিকা ভা कर्मका हा कहिन्द्रः (होनाः :

का नी मुक्ति विदनकः .

পরমহংগ পদিব্রাক্তক জীমান স্লবেশ্ব বিরচিত বাস্পা অনুবাদ সহিত দিনবসূ একা.শাত মুলায় • আনা : পটোলডালা

1 नशक्त इंखिशन। _ বারে ইহাতে কএকটী उ व्हेन । **जी पुरक फेरफ**्रा

্রেচান্ট্রের অনুস্মান্ড ক্রেমে লাড ওয়েলেসলির বা ১ ম গুড় বিজ্ঞান প্রতিমন্ত ক্তি তে তেওঁ হৈটিং সের শাসনবিবরণ लि:चक इहेश्रार्क अवर श्राचनगरत (य हुई अक क्रम भवन्त (अप्रमव्यानव समस्यव य स्रोमार्कन পরিতাক্ষ হইয়াছিল, এবারে সেগুলিও উহাতে ান্ধেশিত করিলাম। আবাধকতা উহাতে একটী डेशक्यांवका शास्त्रक इहेल। क्षूख्यार अहे পুঞ্ম দ্রিত চরিতমগুরীপাঠে ইংরেজদের ভারত ব্যে কাগমন অব্ধি লাভ কানিতের রাজনোস .নৰ শেষপৰ্য জ্ঞামুদায় বৃত্তান্ত আবশক্ষেত জনগভ ঃওয়া যাইডে পারিবে। আবে ইনাডে মউটিনের রুভাজে সবিজ্ঞাবণিত **হট্**য়াছে i সংস্কৃত যন্ত্রের পুস্তকালয়ে ও জোড়াসাকে। ৬৪ নং লোকানে জীযুক্ত প্রভাপচন্দ্র রায়েব নিকটে প্রপেন। भुवा । ० জীকালী প্রসন্ন রায়।

---: • : - - -

বিক্ৰয়াৰ্থ। গার্ডেন রীচ্বল নং বালী ওলামস্ছ ১৯ নংক্রোড়। বাগান।

উপরি উক্ত বাগান ও বাটী যাঁহারা করে করিছে অথবা লইতে ইকু। কুরেন, নিয় স্বাক ারত ব্যক্তির নিকট জানাইবেন*া*

> গিলেণ্ডারস্ আরবো-থ্নট এবং কোং

১৮৭ - সালের ইণরাজী এটাক কোনের মানে কোন গ্ৰেদ্ৰ প্ৰবীত : মূল(১) ৷ এয়েজন চইবে, ডিনি অং ামার নিকট ভাগবা অনুলবুক সোপাইটীয়া পুস্তকাগারে ভন্ত করিলে পাইবেন। ১১ নং কালেজ্ঞীট) **भर**ोन्छाङा

জীপুক সহনাথ মুখোপাধ্যায়প্রণীত গাতী শিকা হিডীয় ভাগ মুলিত হইয়া পটোলডালা न:इ.वं.। वाम्मं कार श्रुष्ठकानस्य विक्रय हरे ভেচে। উত্তম কাপড়ে বাধান মূল্য ১॥- টাকা। প্ৰথম ভাগ। (भदीद शामन मृत्रा

्रिशाप अल्वकात हेश्राक সমারার্ডা বার্ড হইরারে**১ এই** 🛚 ୍ୟ ନ୍ୟୁନ୍ନ ପ୍ରସ୍ଥ ହେ 🔀 🗷 🕏 ୩୬ ७क:अ१४ ७७ केवरले पिक्दिवन । क्षीत्रेगामध्यः वस्रः

ান্নয় সংস্ত পুস্কালয়ে ওপটোল ছাং ৰাখুয়েই তাদার কোম্পানির পোকারে ≁িড ও মংপ্রচারিড নিয়লিখেড গুস্তুক জলি ₽4 **₹₹.3(**5:---

| | ≙ गीउ | मुला | |
|---|--------------------|------------|----------|
| | <u>এ'বইভিহ্</u> বে | ۶ | Star |
| | ্রমেইতিহা স | ۲ | À |
| | ভূবণসার ব্যাকরণ | 1 • | আনা |
| • | নীতিগার (১ম ভাগ) | 2) | ঐ |
| | নীটেসার (২ য় ভাগ) | J | Ě |
| | এচারিও। | | |
| | | | <u>~</u> |

मुक्रावाय वहां कदश 🟝 द्वारका मान्य

আমি শ্কত্যোমমহানিধিনায়ে এবখানি পুড **অভিধান সঞ্লন ক'রতে** ভারেছ ক'র ≲ **উট্পোচ থাওে সম্পূ**ৰ্হইবে, সঞ্চাত ম হ'ও প্রচারিত কইছাছে। প্রতে,ক খণ্ডের ২ ছই টাকা। **এইবেদ্যু মহাশয়ে**র। ১ৼসুত ব পুস্কালয়ে অথবা সংস্কৃত কালেলে! ার নিকটে অনুসন্ধান করিলে পইতে পারি

্ জী ভারানাথ লক্ষা ি দ'ল ন[া] কলিকাভা স'স্ভ **কালেজ**।

८ म −१ कुहत्त्वावली ।

বংঘক খ'নি ব'ভনর এইল'ষ দুটেুই প্র%য় ভা ানত হালে মালে কাছে। উভ্**মকুণে** ান ক্লাবক (মাসাজ্যি সংক্তে সংগ্রে চেল্যে, নশালে স্বে ও প্রেলিয়াক, ার্য রাদর্শিরের প্রাস্থর পরের সান্ধরী ব স্ ・ながずし

📆 में कदान , घ'ब'ल ।

विविध खवानि विकशार्थ

图第3 1

ইংরাজীবজোলাপুতক কাগজ কলম ন বিষ দ্রব্যাদি পাওয়া যায় এবং পুস্তুকাদি 🖊 এক আমার হিসাবে কমিসন দি। আ টাকার পুস্তক লইলে 🖊 ১০ জানার হিস

| > | 71718 | |
|---|--------|------------|
| रेदवन (| | |
| ন্তি ক্রিডেন গীড়া শ্রীমটেড ভন দেবের রাগকর ক্রম | ٠. | টাব |
| শক্ষসাধন মুক্তাবলী অধাৰ | ংৰাপ | |
| (स्वीय संकटनार | > • | |
| বন্ধুবিশাস | 3 | ھ |
| সভীত্তিক্তাপ্ত কংব্য | ۵ | É |
| ভৰ্ণিন,গ | >#+ | F |
| भा टवारमव | ۲ | ঐ |
| ≪াৰ্ম:হাসুর | 3 (1 | è |
| ৰভেগ্ৰা | 31 | æ |
| প্রভাগধন্ত প্রথম | 71. | À |
| ঐ ছিডীয়খণ্ড | ٦. | Š |
| উত্তৰগীতা শটচফ্ৰিরপণ | | |
| धकः उ | 7 | Ġ |
| যোগৰা শই নককুমারকুছ | ſŧ | ক |
| क (नकी नाइक | 7 | À |
| চরিতমঞ্জী ভিতীয়বার | | |
| মুপ্তিভ | :10 | بي |
| ঞীবনৰ ভাস্ক | W. | 'A |
| পারিক্সাত হরণ | 11 * | à |
| मसन्दर्भाष्ट्र याजा | ' • | Š |
| গীভাবলীরাজা রামমোহন | ার'য়- | |
| શ્ર ને? જ | į • | Ì |
| म क्रम ≮हिट। | . n | Ē |
| লিখিডসংছিড; | 1. • | Š |
| শ;ভাতপুসংকেটা | 110 | Ē |
| ব াদসং (ইভা | h | 4 |
| আপস্তম সংক্রি | h | <i>.</i> % |
| যুক্তি চিন্তামণি | ķ, | ې |
| গুভুগ্ কীল্ল ং | ن | Ą |
| বিধৰাবস্থাসন। | 4: - | بي |
| की इक वशका वर | h * | ij |
| বিমাতা মনোরঞ্জন নাটক | 1 | Ř |

বিজ্ঞানটিক

স্ভাবদর্শন

ধৌত্ত শত্ত

वीदवा**क**।।वली

की हक्त्र मार्टिक

Ð

ঐ

£

14 3

43 () 68 ছে। (ক্ষাড়া-ু ু জীল হাপ্তরণ পার । ७३ मर् 🐪 नगम दिङ्काः 🖂

्रवीमहाद नमी।

১৮৬৯ সংলের মাঞ্চ মাদের ১৩ ইইটেড ৯এ ম.ড এন্ড ভাগীরধীনদীর, ন্দ্ৰ কাড ক্ৰেৰ **সংগ্ৰ**

, इस दिशाष्ट्री एउ

সার্গক্ষতি ভাল इद्दिक् गाम कुट हें

ভংগীরহীর সাহত প্রমানদীর যোগের 814

মহ"না গ্ **ভথ: ধ্যান জনিপুর** Self शहिल कर्यः

क्षकिलुन ६५४ ए ५६८ प्रश्नुह 8 **5** \$15,435 \$147

बष्ट्रप्रभुद २३८० मार्टिया

 माक्ष्यत्रे ग्रावः कारणेशः ६३८७ नहीशः

८७ म ६८% व गटन ৰ ১৮৬৯ সালের ২২ এ মার্চ তারিখে

পুর গজহাটের কলের মাপ। **\$**_8 क्र

ર

পুর } প্রীংজ্ঞাসি ই. উইক্লু একজি ৪৯৮ } কিউটো ইজিনিয়ার নদীয়া ि (नाकान दियात डिविसन । ۵

গোনপ্ৰকাশ।

३१ हे देवज स्थामवात्र ।"

রা**জ**পুড়েযের। দেখের কলাণিকর গি এরত ≢ই:েল এ.জারা যেংপ वाष्ट्रव शांकश्वास्त्रभारतात्र कर्छ्या. নাদিগের কর্ত্তন্মধ্যে প্রধানরতেপ ৷ করেন : ছুংখের বিষয় এই, সনেক ্ भूक्षवर क विव**र**त क्षेत्राभीना धानर्भन न। काननात (उल्ली माकिट्डें) ভারকানাথ দে কয়েকমানমাত্র নায় গিয়াছেন। এই স্বৰণ্য সময়ের তিনি ভথার রাস্তা 😮 বিদ্যালয়

ছইয়াছিলেন। তঃ

की होते के भट्ट यात अस्ति है अस्के ष्टेबार्ड्स। (श्रुक्षर ३ व्यक्तामा कहा हर्ड शाहक, छाइरिक दमकी करा इहेट्ब : ইলাতে ভব্তা লোকের। অভিশয় কুর क्रेगा आमर्गनरभर गिन्छ श्ला वि. भ তেছেন।

्रे 🛴 🕏 र के र ले का व्याहरण स्वाहरण

हैनकम लेखा भारत अधानी हिनदास

गड व्यादभाक इंडेक, या मा इंडक,

अजी मत विषा उ किया है ने दिया निर्माण **उत्**नत अकृती डेगास ४ देशाए । अकृति भार अ वक्रामावाभीमित्रत छ ात्त उँ। काः मण्डोर्न विष्युत्र आह्य। िर्धन सम्बे विष्युत চরিভার্থ করিবার স্থোর পাইনাছেন। উইল্সন সাচেব যথন ইন্কম্টাকা স্থাপিত করেন, তৎকালে তিনিকর मः अत्वत वात वादम छाञ्च शार्था कतिशा-ছিলেন: কিন্তু সর রিচার্ড টেপ্সল সক (मत (वनांत्र a वावका कहिरक्ट्य मा। বণিক্গণ কম্চারিপ্রভৃতির ব্যবাদ পাইবেন; किन्छ कशीमादिता পाইবেন না। ভারতবর্ষীর সভা এ বিষয়ে বে আবেদন করেন, ভাষার প্রাস্থান্তরে বলা হইলতে, বেনকল জনীকার আপন जारान अभीसाहित्क शाहरून, काँगानि हिंद, व्यना ८कान करिया रमक्षण द्या । भटक कत महद्धरकत्वात निट्ड द्यामा , অলুপস্তিত জনীদার দিখোর এ,ত দাং৷ ার। প্রজার - ছিত্রাধনকার্যাটিকে । প্রকাশের প্রচোলন নাই। মন নিচাড (छेल्नात का कभीनातित विवास किछूते জানেন না, নতুবা অজ্ঞতার ভান কলিলা (इन: आरमादेश्व शः अश्वेत हाति हाक প্ৰজা আছে : জমীলার একাকী কি এই চারি লক্ষের নিকটে কর সংগ্রহ করিতে পারেন ০ কোন্ দেশে কর্মচারিকাতি (तर्क **अभी**मातित कत नः शृशीङ हरेगा

ক বার অন্নালার श्रधान डाक्स शुक्रम, डाक्सा জেনে জনে তথার উদর मत्र क्षत्र वाद्यस्य व्यक्तिका स উহিল সমাণ যাঁচোৰা দৰে স্বর দর্শন করিয়াভিলেন, উ कारम क बारतह महवारहत व ११५५५ करिया अहेट छ शाहिए बन। ज्यामानि **বর্ডমান প্রণ্র জেনরল লাড**িয়ের का धांभक्ष दिलामी (लोक : विक বিষয়ক বাবে ইহার বন্ধমুটি চা না हैनि मानः এक पित्र माउनाव मर्भगार्थ अयन कहिलाहिटलेन। आ ৰেখিলান, ইংগার নিমিত অংশ ও শ রেলগাড়িতে চলিয়াছে। অন্য গৰণর বা লেপ্টন্ট গ্রণর এরপ কা নাই। ভথায় কিয়ৎক্ষণের নিনিত্র যা अब्ध भारते लहेशा वाहेबात आरशासन ना। दब्बभाष्ट्रि এक काटन महीत পর্যান্ত করে। ইহাতেই ল মেরের বিলাদিতা অসুমিত হইবে প্রকার বিলাদপ্রিয় লোক বে দরবা अधिनात्रक, जाङा त्य खण्या वारत म **बुरेटव, देश ८**हान कामिरे महाविक्त বিশেষভঃ জেটা বৰণ্ডেটো এ ও সমুখ্রিপ্রস্থান ই ও চ্চুবারের উল্ক যত আৰক সৰ্থ বায় হইবে, ভভই ই

व्यानहरू हेक्रत कलवर्गाद बटनन, महबाहरू कोटा महमार छ ह ণের আমুভতিক ব্যাহর: কিন্দু আ এकपा रीम ना। परिकार्य (**এটাকে ক্রে**জ্জনর ব্যপার (করিয়া ভাষাধা দেখিতে যান। ভ **সময়ে সম**রে গেলগৰজ্ভাহন, ভা

फेरफमा भि.च स्टेरव ।

্রভাগে করুন। ,রদিগকে আপনা 1 € : ৴গেব ১ বলা লউন এবং ঊাহা निगरक काईसा गडा कतिसा हारकाह হেডাহিত চিছা বল্ল। তালা হইলে কেবল যে উচ্চিদিপের মহিমাসুরূপ ফার্য্য হয় এরূপ নয়, রাজা: ও সরদারগণ খনপটভাবে ভাঁগেদিগের অনুরক্ত ও खं इरेडा छेठिएनन मरणह नाहे।

नल ० म'३ग हाई।

আমিশ হাজার বৃদ্ধিমান্হই, হাজার कार्य नक इडे, शकात विश्वेख अ शर्मिक 'हंडे, बावंद दल ७ माहमभण्यात ना हहेंद, ভাবৎ কেবল বে আমরা প্রতিষ্ঠালাভে অগন্ধ চিইৰ একণ ন্ৰ, স্বস্থ প্ৰাণ্ড धनः भिनाटच विशः ठ इड्व सटमस् साहे। কেবল ভদ্ৰায় কক্ষে হয় না, সেই সজে ভর ও ভব্তিমন্ত্রে একান্ত আবিশাক অংশ(দিংগ্ৰ রকেপুরুবেরা ভদুতা करिए। कामासिरशत यात्र कतिहारहरू, (वाव वह, क्वान दक्ति: এउ क्ट्रन मा। व्याभाषित्यद वृत्त ও माहम माहे, छोहाता আনিংদিগতে ভয় ও ভক্তি করেন না: সমর্থ চ্ছব এরপু নয়, আলু:ক্ষা ও সুতরং অংম, নিগের সমুদায় মনোল্ড । মানরকাংও শক্ত ≆ইব। এখন (धुन करहन हो।

কৃদ্ধি, বিদান, সভাতাদি ধাৰতীয় গুৰ वन अमाहरमहा किन्दर हे श्रीहास्त्र इस्ताः ে চনং চেট অধ্যানে। সভাতাদি ওব। গামধা মুটে উপহারের মুটি প্রভাগে অগত দিয়কে কি নিজ্ঞ করিয়া রা**খিতে : দান** করিতে পারি না। যে**প্র**ক্রে কারিলাভিল পু জামাদিলের রাজপুর কাল পড়িবাছে, মুক্তির বিনিমনে বেরাকি অমোদিধের অধেকা হিন্দুকা দান না করিলে চলে না । নোরংখা भीयकिश्वत्व भविषय छत्र ও ভক্তি করেন ডি। ট ট পুলিষ সুপরিটে ওবি না সমাজন যোরতর **অপ্যা করিলেন, জগদীশ** রার যদি তর্তা মিবিল মহাদেব উচ্চার বলপরীকার্য কিরাত নের প্রহারের প্রতিপ্রহাররূপ প্রত্ কপ ব্ৰেণ কৰিয়া উচোৱ নিক**টে উপ-**্দান কৰিছে পাৱিছেন, সি**ৰিল স**াৰ্ছ আমাদিদের ত্রিটিশ রাজপুরুরে। 'সাও হ্ইলেন। মুগ্যাবিবাদ উপল্যে ় কি উভ্য শিকালাভ হ্ইত না ়ু আ থারতর যুদ্ধ হইল। মহাদেব তাঁহার ওবে আমাদিধের তেজ্যিতা জ্যা

व्यमञ्ज इरोहन। छोटाएक अन परि **उद्दर्भ, महोद्वर कर्क्ड** स्वतः **क**रा मामाना श्लीकृत मर्भात र्येथकात र्य লাভ করিলেন, তপদ্যায় দেরপ এ হন নাই। ফলসঃ বীৰ্য্য ও সাহ্য লো নিকটে ধেরণে আদর্ণীয় হয়, ওণি সেরুপ হয় না।

আম্বা উন্নতি উন্নতি বলিয়া জ (कालाहल कहिएकहि , किछ (य छे ব্যতিয়েকে খন্য উন্নতি অব্বৰণিত আম্মর দে উন্নতির কোন চেকী। তেছিল। রাজপুরুষেরা দে উন্ন (छको कहिर्दन, a कामा कहिया व বিজ্যনাসমেহ নাই। রাজার বিদ্রোহশক। আছে, তথ্ন রাজ (ठकें) शहित्व हैहा (कामक्तरमहें বিভানকে। ইংরাজেরা ভ বিদে अष्म भूक्ष, आभागित्वत १८न भीत व রাও বিজেকিভারে প্রজারা নাহাতে বীৰ্যাহীন হইয়ানিরীই হয় এ চে क हिं करतन नाई।

বলৰীয়া সাহদসম্পন্ন ইইলে ৫ य यागता ताकचारत था उठिता इंडरवाणीय आगापितरक क्षाइत का আন:দিগকে নিতান্ত কাপ্রকবের ধর্মাধিকরণের শর্ণাপন্ন হইতে

4. TTE 8 TK.

. প্রেচা ম্লে. ७(র ভবরের · দেখিকত ক'বলা **ন**ভাটি करेटका. विकित द**ाका**न সভাঃ উপনীত হইলা বিনয়

ध्यमानामिलातः आध्यमानि অধ্নতার প্রিচ্ছ দান করিছেন, টনি:গর অভিমান চরিতাথ ≇ইভ। প্রকেপুরুষের। ধেই ভারতবর্ষে পেতা ও সমূটে পদ্ধী লাভ করি-न, প্রাচীন কেন্দ্র মনাট্রিগের স্বভা भाश क्रेशार्क्स। पटराज्य केंद्रा র অভিমান চরিভার্থ করিবার য়হইয়াছে ৷ রাজ্পণ বত ব.য়েও ত্ত হইয়াও প্রধান প্রকৃতিকো त पत्रवात्रऋट्स व्यागमन कटतनः। अमुकेदामीता दरलन, १५७ दिस्त्र দ, সার অওল বিষয় হউক, বংজি रिवत स्थापां कुछैवटल इहेश शास्क ।

হৰ′ষ্ঠ দ্রবার**ত** লি ইন্কম টাজ্ন-ানাগর ভোগাদুটের ফল। দরবারে 🖯 ंद ल्लाफ़ इहरा यठ अन्हेन इहेट्द, . ইইনকম টাক্সের শতকরা রুদ্ধি ি কেলে গুণু সংস্থাত , কেবল যে 🧎 ধ্বলে ভ্রিটিন্ অধিকারমাথা **ইনক্ম** সভি হটার, তারা নয়**, যেসক**ল । ३ मानार वडवर्ड जास्पन्धित्रह ধাংশক্রিয়ে এন্স্রান্তি নতু ব্যয় क्षां अवशास क्षेत्रकः विद्राहरता 'त**ंक**,बद्ध हेन्यच ५ ० म. काश्यः

खिंठ कहिएउ हहेरर। यनि मनवाति अध कहेता शाहरू. বিনিয়ের প্রতাপ ও সপত্তিপ্রশ্ব অংশকেশানাবল দর্শন করিয়া প্রীত ও কিন্তু সেই কেত্রিভারকার উপ্

পদুপ - সোক্ৰিছিড জন্মান্ত ট্ৰেছ

जारन क नाई। है अहे झुल बिनिए जिसा जानिया रिनिष्ठ हरेंग कर है कि शहर हरेंगा कर है कि शहर हरेंगा कर है कि शहर हरेंगा कर हिए कर हरेंगा कर है कि शहर है कि शहर

শের। অনেকেই রাজনারায়ণ বাবুর বিদ্যান্থা, বৈশ্বনি গাজীবন পদানিষ্ঠা, কট ভা, সদাশয়তা এবং জনারিকতা ওপের রজানেন। তিনি পদনিবন্ধন অনেকের ত পাঁড়য়াছিলেন বটে গ কিন্তু গুণেতে কর জনগা। আমরা জার অধিক কি বৈরেও জল আছেন। সভার কার্বনিবরণ ভিনন্দন মুদ্রিত হইতেছে। আরও চাঁদা

গদিনীপুর } ৮৬১ ৭ই মার্চ

কণ্যচিৎ দর্শক্ষ্য

---303---

জীল জীগুক বিজনগ্রামের মহা-রাজের অসামান্য বদানতে!।

角ল জীযুক্ত বিজ্ঞনগ্রামের মহার'কোর বিদ্যা গিতা, দেশহিকৈষিতা ও বদানভোর বিষয় করি মহাশয়ের ও মহাশয়ের অগেছিখ্যাত প্রকাশপাঠকবর্গের জ্ববিদিত নাই। সাধা ।বিদ্যাশিক। ও জ্ঞানোল্লভির বিষয়ে ল মহারা**জ অকাডরে দান ক্রিয়া থাকেন**্ ক ও বালিকাবিদ্যালয়, দংওব্য চিকিৎসা अबक्र अध्यक्ष जिल्हा सम् विस्तरम् केक महा श्राष्ट्रिवर्ष श्रष्ट्रवर्ण व्यापन प्रार्थ वात्र कवित्रा র সাথকভা সম্পাদন করিছেছেন। গভ য়েরি মাসের প্রারভেড উক্তমহারাজ কলি ায় আগমন করিয়া প্রায় ছই মাস কাল त्त्रश्वत बारम व्यवस्थान कतियाहिरलन । এই ম স্থাপিত গ্ৰগ্মেন্ট সাধ্যকুত বলবিল্যা র গৃহনিকাণাধ উজে মহারাজের নিকট कर व्याञ्चलता श्रामित क्यांटिक कानस्मत উ ৫০০ পঞ্চ লভ মুদ্রা এক কালে দান क्षा भिद्रारहर। अवस्थि करले किन छण्न-

প্র ব্রদান নহোগরগণ।
ভীবী করন, ভাগ হইলে
গ্রের সীমা থাকিবে না এবং আপামর সাধার
পের বিদ্যা ও আনোরভির পথ পরিভ্ত
হইতে।

बिक्तित्रपुर) अकाष्ट वन्त्रम १ इ टेड्ज } अविद्यम्बत्र मृत्याणाचात्र छ-३२१६ अविद्यम्बत्र मृत्याणाचात्र छ-

-:•:--

महाभवा शंड २ अ गार्थिव शिज्ञकाव कांग्रामिरभव कक्षात्वत (भावनीत करकात विवय লিখিবার সূত্রপাভ করিয়াছি : আদ্য আমাদি গের বিদ্যালিকার কটের বিষয় মহাশ্রের এবং গবর্ণমেটের গোচর করিভেডি সহাশর আমা দিলের এই মহৎ কট্টী সূর করিতে যায় করি (वन : श्रुर्फ्स निधिन्नाहि, এই ज्यान ननीमा छ ২৪ পর্গণার স্কিস্থল। এ অংঞ্লে ভয় लारकत्र वात्र व्यव । त्रक्त वारम व्यव लाक নাই; বেদকল এানে আছেন। ভাহাও অধিক नरहा ऋरम्ब मरशा अ व्यक्षाल अभावह व्यक्ति। এক এক **এটিম ৪। ৫ য**া হইতে ৭০।৮০ ঘর পর্য্যন্ত রাক্ষণের বাস আছে: আমাদিগের কায় বার চতুঃপার্মে ছই ক্রোশের মধ্যে গোগা, भिन्नेल, मूर्बन्युत, 'विष्कृ, 'शावता, 'शाविष्क পুর, চাস্ক্রিয়া. (এই আমে একটা প্রসিদ্ধাট ও বাজার কাছে) চন্দ্রপুর, গল্পা. কোটা, (बच्चाकी, बाक्किकी, बाजानाकः (अहे अ'रम একটী হাট, বাজগার ও কভকগুলি মল্লিক গুরু महामदम्ब बाग प्याटक, हेवाँवा अकरन खाका वह য়াছেন) দিঘা ও মণনপুৰ এই কয়েকখানি প্রামে ৪০০। ৫০০ শক্ত হর র'কাণ ও ৩০। ৩১ ঘর কায়ক্ষের বাস আন্তে। নবশার জাতিও নিভাক্ত কৃষ নছে। উক্ত গ্রামসমূহের মধ্যে यमिङ करत्रकथानि आरम जार्शकाकुछ प्रविक ভদ্র লোকের বাস আছে • কিন্তু তথায় বিদেন্ত সংহী ও ধনবান লোক না থাকাতে কোনপ্রকার সদস্থান হইবার সভাবনা নাই। যে যে প্রামে ২ । ১ যুরধনবান অংডেন, তথায় ভদ্লোক माहे अ (यथारन कमरलांक आएडन, एथाय धन বান নাই। বিশেষ এ অঞ্লের আরও দোষ এই যে. এখানে যে কয়েক জন কুভবিদ্য ক্ষমভাবান লোক আছেন (অভি জল্প) উট্টোড়া আপনা मिरशत जी शुकामि विस्तर वाश्यम हाकति করেন স্বাদেশের কোন ছিডচেন্টা করেন না। এইসকল কারণে কোন একুটী আংৰে বা নিকট ৰতী ২। ৩ খানি আংমে বিন্তেলয় কাপন হই -বার সভাবনা নাই: স্করাং গ্রন্থেটভিন্ন

স্থান এরে আছি) পুলনিয়ার इम्राट्माडेव वं वु की व्यक्तकार व সেটীও উঠাইয়া দিবার নিমিত্ত লিখিয়াছেন। ঘোর অক্ষার্থ व्यक्तिः जोशंख थी क मा। महास्यान भिक खात्रहे हेश्द क्षत्राम कात्रगर हे 🍇 🥫 श्रीवष्टे हरेया वह श्रानि महे क्रिया 🕡 🕏 পাঠশালার ছাত্রের হৃ বি ইইরাছে। আয नकरल जारताना का क विरुष्ठ भारत माहे মহাশয় আমাদিগের এই ছঃমনঃটী বিং क्रिलिम मा। अहे अधानक खात परेट (ध বালক পরিক্রাণ পাইয়াছে, ভারাদিগের রিক বল ভ গিয়াছে, কিঞ্ছিৎ মানসিক বন বার পথ ছিল, ভাষাও নষ্ট হইডে চা বস্থালয় বামাদিলের নিবিড় বন একটী ক্ষুদ্র পথ কক্টকমারা ক্ষম্ম করিবের **ज्रुटलय वाबु ! वक्क् महालदात कथा श्रामित्रा** দিগের অংক্সের যতিবরণ ক্ষুদ্র পাঠ উঠाইয়া দিবেন না। হার্মা কম হইয়াছে मिन **जारभक्ता करून : এ**ई भार्तनालांकी 🕏 शित् कामानित्यत यात भन्न माई कष्टे इ আশা ভরসা, উৎসাই, ষম্বপ্রভূতি সকল वाद्य बद्धे इहेदव ।

> ১২৭৫ সাল) কায়বা নিবাসিন: ৩০ ফ:জুন) পাঠকস্য

> > ---:--

প্রথানকার পোষ্ট সাপীসটা অভি
কায় আছে। তাহার যে পরিমাণে আয়া
তদমুরূপ উন্তি হওয়া উচিত , কিছু ব তাহার কিছুই দেখিতেছিনা। যাহার আয় প্রায় ৫০ টাকা, ভাহার একখান স্ গত্ত ও পত্র রাখিবার একটা সামান্য ব দেওয়া উচিত। ঐ ব্যন্তে এখানে এই পোষ্ট মাষ্টার ও হরকরা হইতে পারে। ভাহা হয় নাই।

এ স্থানে বাহিত্যস্বনদির আফর রপ্তানি করিতে কইলে, হই ভিন দিবদে পর্যন্ত শকট না চইলে চলে না। শকটো অধিক হওয়াতে এ স্থানের প্রেরিক ও স্থানের আনীত জ্বণাদি অপেকাফুড

. 117, ৫০ এর ধ্রম চলাল টিল ক'টাইবাৰ 'ৰ'লত 100 1 (SIL) R (स दि।दुक अर्थ हा अ**न्य कर्**ष्ट्राहरू ি স্বাৰ্থনীৰ গৈ **স্থানের আভি** , ल्लाम । उन्हर्न्त, अन्ती केपाध कल्लन, ে প্ৰসাধানৰ বৃহত্ত ভ্ইয়াছে ্গা:(বন্ধঞ

ক্ৰান্ত সংক্ষা কামরা প্রাচীন প্রধান धारे प्रात्तः । ताकः ६५०१० आमारमर ঞ্টিপ:প ¢ইয়'ড়েছ ডামরা ইংরাজনী साराज च 'कमानकारक व्यासारक कथा क_रे ६६४ . ६ । ७ (महा हर्याकी मार्कान বুকাতি গ'ংনা, এই জুর কবিয়া কত ক্তা ে লা ১০টেড েছ । এই তিওকার স্ক্ ক্ষা া বিষয়াপন করিতেছি। সং ্ফিংড্রেট্র এল বংগর বয়ঃক্রেল কট্রেট निर्देशक (१९भाम सङ्घाक २३८२ । अत्र ७३ নাক যে ৬৫ সালে (ই.ডিয়া গেকেটের ভায় কোনভিপাটমে ক্রণ ৭৯৪ নশ্রের ঠিলক'ৰ ক্টয়াছে, আমার এই বংসংবের াহ` সা⇒ালাও হইবে । সম্পাদক মহামার ! হলে ও আমাদের স্বিনাশ : আম্র कालिना, अञ्चल कविहा क्षि हिन् 'ন এব॰ বাস্ত'ৰক ভ'চা প্ৰ'ভেপ্' ভি'ভ । मा, काशनकात शक्तिया अकाम राद अंदल क्षत्रभाषित व्हें।

हे भाष्ट्र । । । अस्य भारतक श्रासीन अस्तु

१९११ । अभारतम केंद्रफंट्रान्स के हाराज्या हा गांच्यांटा .वेनाहेलाहुईंग . P. P. (4 / t. 32 .378) 44-24 Barker were har of the legits. Pist Parine Trace (A.C. et a. I Almobia were my some me to the transfer of त्राक्तिस्य खोद ४०.३ ०.५५ ६८ ३ र स**क्तर पुर कार्स्** हाईक सा वेश्य के एड ्ड म

· বাবু ভার্কনাথ প্রাম: 'লক শংকালয়ত জাকা দিয়া**ছেন ভা**কাতে पढ़ा शकुष्ठि स्टेशाटक। एक निमाम, स्क्रियामण वे · ভ মহারাজের নিকট সাহাধ্যার **অনা**বেদন প্রিকা প্রেরিড ইইবে।

৩ : গত ১লা আগে ই ইইতে চক দ্ঘীর সাহ্যে, প্রাপ্ত বিদ্যালয়ের পরিবত্তে সার্ল প্রসাদ।বদ্যালয় প্রাক্তিত কইয়াকে ৬ জন উপয়ুক শিক্ষক এবং ওঞান পঞ্জি ন*ুকু* ংক্রাছেন। বিল্লালয়নী এবং চাকংসালয়নি ম্লামান জী জে বিদ্যাস্থান্ত মহাশ্যের তাহ: ব্ধানে আছে : আলাদের ব্যান্তনায় বিদ্যাস গর স্থাপরকে সভাপতে ক'্রা এইটী তুর্নীত সভা কার্ল ভাল হট ছ:

8। আমানের প্র.ভবাসী আরমর ফরিকার हकार्ने धेन्द्र द्वारावाबुद्रमञ्ज अर्थकार्त्व भाजनाध्यमान बाहुव मृहः १८६१८७ छ।म দারীর ভারাবণানের ভার জীলাঞ্জাবার ক্রন্দারন 5 आ लाम सम्भारत केल कि होने रातु स्मार्टशका ber बार्ध्य केंगड मान्य करेंग्रिक होन कहा कानगर्भाहे अलादरालयः, महा, महिक्सा, অপক্ষপাতিতা, বিনয় এবং সংশেশংইত যভার প্রচিয় প্রেদান করিয়াচ্চেন, ডাং চুড় স্কল এফা ই क्षिण इहेब्र'८६ । अध्यय कुलाग इति ही ए डीवें स्हेटल हो होत् ११४० श काशक टलप खटनक सहहा**न** कांत्र माधिष कडेर्ड। जामानियान अक्षी कान् বেংগ এই, ২জন নেব ও স্বুবলিগকে গানা দেয়া উচ্চিত্র সৃহিত বস্তুত্র করিতে পার্টেল্ট এবং স্থাদ পার্ক'য় খাগে মধ্য চুট একটা শুভাগান কৰিয়া সুখ্যা ও প্ৰাপ্ত হটালেই প্ৰবৃত্ত ব'ড় লোক ১৬ব' ধাব, ১৯খে 'ভান বেন কথন পুক্তিক হল হল ৷

स्रोधान अस्त्राम का का वराव के क्रिका श्र নসাস[ি] উন্তুক ব'বু ছারকানাথ কিয়ের (ফুঠা इन्ध्रः १४३.८७. डिच्यू **लाकत कानक** सम्म[ं] माद्दित सा। 635119

(প্রাণে স্থী ন'ঃ) ১বঃ ইড্র সন্তর্গক

मृना आर्रिश ।

ः ५८क'सलात द्राप्त हकने धो A स्टेड्स्स विश्व (कडमाश्र व ীয়ে হইয়াছে, আনে ক'লক।ডাব; " শান্তাল মন্তাল মন্তাল । ১০ থাজনকালে প্ৰকাশিত হয়।

° শৰ্মমোহন শৰ্মা চাকাৃ **জীযুক্ত টি, ই, কঙ্গ**েড থেছেবপুর

সোমপ্রকাশসংক্রান্ত করেকটা বিশেষ নিয়ম।

অবিষ মূল্যও ডাক্মাসুল না পাইলে য প্রে সোমপ্রকাশ প্রেরণ করা যায় না।

ইংর অভিনেমূলাবাধিক ১০ টাকা এ व श्वामिक सा॰ होका । शक्यरम ভाक्या भट्रमण वा:सक ३७, मान्यामिक १ अद**९ दे**जा গ্রণ ৩০০ ৷ ডিন মাসের স্থানে ক্রিম মু ্তণ করা যার না। ভব্তি, ব্রাতি চিঠি, সং अपूत्र, माति अक्षेत्रण किकिते. हेर्दत व्यवस्थ यानाइक के जान क्रांचिमा इत. फिलि (महे केन धारा भूना (क्षत्रंत क त्रांचन ।

योहाता है क्यांतिकडे भाकाहरका. छ:०" ধেন এক জন্বা আয়ে আনোর আনধিক মূকে ও র্ফীদের টেকিট প্রেরণ না কবেন।

गणन विभि सकत्रम इकेट्ड (ग!मश्रकट्स र्जा भार्क हैरनम, काहा (यम (त्रक्तिकेशत कांत्र) डी मुक्त भारतभाषा विकास अर्थन्त्र साहम अर्थन्तः हेश्रा (मन्।

য**াহাদিগের মূল্য দিবার সময় অভাত ১ই**য় वानित्व, अक्यामभूटचा केश्विमभूक हिर्दि লিখিয়া জানান ধাইবে, কাল অভাভ ১৪৩ ,घटलाल अक वांत्र हितिं स्माथा बहेटव, कांकाव भार একমাসকাল প্রভাকা করিয়া কাগঞ বন্ধ ধরা লাইবে। শেষ বারের পত্র বেয়ারিং পাঠান 5हैं (ते ।

সোণাপুর কাকঘরে চিটি আইজে কামর। শীত পাইবা

म काजा माञ्चल का किया পातामि । श्रादन कवि ও িত্র ক্ষেত্র বিব'চ মহাস্মারে!তে সংগ্রাঃ ব্যন, কারাদিলের সেই প্রোদি এক্র ক্র।

> কেই সোমপ্রকাশে বিজ্ঞাপন দিয়েও ইক্ষা कतिहरू पहें। हाटक श्रथभ डिन वात श्राप्त श्रद्धक 🎣 কানা ভাহার পর ৴১০ জানা দিতে হইবে। थिनि विधिक कान विस्तापन मिवाब है का कबि-्त्रभः, केहित महिन्छ चाउन् वर्त्वस्ति व्हेरत।

২০ জ্ঞান ১২ পত্র কালকানোর দক্ষিণ পুনা সোধা " মাজনারায়ণ মালক পাতিলপাড়া ৭ পুর সেসনের দক্ষণ চাক্তিপোডার ঞীযুক্ত হার ০৮. কানাথ বিদ্যভূষণের বাটীতে প্রতিযোগবার

उ सन महतूम मार्ड छेगावि भारेदवन। র সিলিলা বীউবের একবানি চিত্রপট গ্ৰাচ্চ। এখানিকে বেলবিভিন্ন বাসীতে १्ट्रेट्स ।

।करुष पीलनमूद्र दिन्छतः त्याद्रपश्चिमा नम **१७३१८७ के के बैश्वक्र विद्याद स्मर**हरू कर्ज अभीमञ्च ब्हेब्राटक। अहे व्हाटक्री গোৰ দৌ চুকুল চটু এংমের অংশক জাহাজা কে প্রতিবৎসর ক্ষতি এস্ত কটটে রয় :

মানেরিকার একখানি পঞ্জানেক, দিধরি ভীবে একটা ফুড্জ বাহির হইয়াছে: পে; অংনেক আনগিবীয় এংভিষ্ঠ কাছে। ∞টী নদীর তেল দিয়া গমন ক.বিয়াছে*।* त प्रिकेस का एक हमरकात । देश एक अन्यास (उट , पूर्व कः ध्रिविकाम मुख्य (नःक গন । কোন কোন ইভিহাসবেতা বলেন. প্রচীয় বুণক্সণ আন্মেরিকার ধাইতেন ১ ७ हे देठ का द्रश्म भ किया व :

शहकता कलकाचा अदर्गमाचे मश्कुण लाक्षत्र वार्विक भारित जानिक विज्ञत्त्री अस्त्रा (१२२ एडेग्राट्ड (

व्यप्रकृष्टवाक्षाद्व পश्चिकः चटनम् । व्यक्तः कटप्रक म क्हेंस, स्ट्रांक्ट्र की युक्त अधिका ए ' লানলি সাহেত্ব কর্তুক ৫ জনম মুসল্মান স্বা श्यः ताळ्यविरक्षारी विश्वयः गुष्ठ रहेश्रारङ । * অসং গ্রেপর জেন্রল অস্থান্যে যাত্রা করি ভন। শনিবার ভিনি ওখায় উপস্থিত হইয়া মীর সিয়ার অলি অংকে এইণ করিবেন। এक साम प्रतामी विकास वर विलय्नाद्यस्त. ¤প্রধান নেশে স্তঃইয়ে আন্তঃপ**্রা**জীয় চটপ্রকৃতি অনায়ালে চালনে যাইতে পারে। নি পারিস, ট্রনএকুডি স্থানে আওপে क्ष कम हालाहेग्रा द्रक्त क त्यारहत । अथान র ই'ঞ্লিয়র গণ কি এই পরীক্ষা করিতে।

क (बुर⊛त काञ्च) हे ग॰वन ≗हे, का कि म & िक्_रण तक्ष्मन की वारक सहेवात किटेश '(इन) कि श्र राव ही बु के शहरका क्या हराहार क হো বাজুকাক ম ১ইছা পারসে; যাইবার ান্য করিয়াছেন। সম্প্রতি একটী ক্ষা যুদ্ধে একিম খার পুত্র করে লাভে করিয়া(ভন: हे युर्व ७४० (बुरलंड भागमकर्ता इक द्हेंग्रा **એ** (

কর্মচারী সম্ভাইকেল मचकरम्बन करा हरे উৎসন্ন করিলা

১লা এপ্ৰেল অৰ্থি কলিকাডার ছোট व्याप्तातारण क्षेत्रक्ष वश्वक्षण स्टेटन ।

১৪ ই চৈতা শুক্রবার :

ডেনিনিউস এদেশের क की है सनामी व विक्रटक अनुनर्तात अधिकाम कविवादकन। छैए क्षाइ मा मिर्म कान वर्षक कर्ना है भाग मा। करबुकस्य अधान कर्षाहा ी जिल्लाका व करता है कन्हें हिट्द क्रम का हाव कट्टन । अक क्रम छेल যুক্ত রাজখনত্রী হইলে প্রলিক এয়ার্ক ও কনিস दिर्देशकेत स्थापक मध्यक्षेत्र किथ्डिक भाविर्देशकाः न्य विकाप ' किन्न'न चर्मनी कृति शतक करें। हेट्ड हांट्ड्स मा ।

मध्यविकारमञ्ज्ञ विम्यामरश्रव शिवर्भक छेटछ' नारक्ष्य विकास लहेसा हेश्लर्स वाहरण्डरक्रन। अहे भन्न हातिम्य मारहवरक श्रमान कवा कर्छवा।

১৫ ইও ১৬ ই এপ্রেল পুনর্মার ওকালভি পরীক্ষা হইবে। যেসকল পরীক্ষাধীর বাচনিক ∞বীকষ্য ২০ নৰ্ব হটবাছে, ভাষাবাই কেবল . পরীক্ষা দিজে পারিবেন।

মানিকগঞ্জের অভেসতি ধানকোয়ার ভাগী লার ব'বুলিবীশচন্দ্রায় ও গোবিশনচন্দ্রায় িবিদারে উৎসাহ দেওয়াতে ডিরেটর এ বলদে भी में जवर्गमाने कार्शामिश्य स्माराम सामान कश्चित्राह्म ।

३६ हे रेडळ अभिवाह ।

हेरलाक्षत्र अध्यानि সংবাদপত বলেন. ्यनकत हे हे (ता श्रीष्ट्र खीरनाक खातक वर्ष यान. ভাঁহাদিলের শতকর। এক জন সভীত্ব রক্ষঃ कदिएक भारतम कि मा मरम्म ।

(क्छच्यत् हेर्छिम्। तरसम, अम्राहेनि नार्हः উৎকোচগ্ৰহণাপ্রাধে মধাসভা ইন্ডে বহিক্ড •ন নাই। ডিনি গ্ৰ⁴্মটের ভূড় বলিয়া श्रिकिमि इहेर्ड शाहित्सम् मा ।

अवर्गरमञ्जे कारका निपारकन, हिनुबरमीध রাঞ্জুমারদিছের কংহার মৃত্যু কাথবা পুত্র **२६८७ कि:इश**९ किस्थिर लाग (संख्या इ**हे**ट्या ক্ষামরা এই বায় দিশার কোন কারণ দেখিতেছি ना ।

আমীর সিয়ারকালি আসামন কবংতে আছেক স্থানসুন্ত ও ডেপুটি কমিগন্ত আপন চীনের বুবক সন্ত্রিকারী সক্রতি চপ্তঃ আপন কান জলগ করিয়া জ্বালাল ভাষাসা विद्या मुख्यात रेवताएक केंहात माखा करि । प्रतिएक तिवाहमा कृष्टि कालिन्द्र क्रमाह कृत वादर्गत्वत विकास व्यास्था किशाहरून। (य । এवः हेर्'एक मानावन कार्याकृति हत् ।

গবর্ণ মেণ্ট বিজ্ঞ বন্দদেশীয় লেপ্টনজন্ব 💥

> व्यादनभाज्ञ माही FACETS I

রাজ্য ও সাধারণ বিভাগ। ১৬ ই স निम्ननिषिष एप्रानास्का कर्रकत मा বিদ্যাশিকা সভার সভঃ হইবেন---

तःवु कानी पर मृत्यापाधः ह ।

- * বিচিত্রানন্দ হাস <u>৷</u>
- मिननाथ गतकातः ।
- * ह**ं**डीहर्त् बट्यांशिकां है।
- * হারকানাথ চক্রবন্তী।

खि, बह, स्मृक्ष मारक्व दक्त हात मा विम्हाभिका त्रकात तकः हरेद्रम ।

নিম্নিৰিত ভদ্ৰনোক্লেরা বালেখরের রণ বিদ্যালিকা সভার সভ্য হই েন্দ্ .क, as, हेमनम गार्**व**न (त्रवदवश्च वि, वि, न्त्रिश्च)

১৭ ই মার্চি । বাবু গোবিক্ষচজ্রে দং বিহারের ভূমির ব্যালাবক্তের নিমন্ত ভেপুটি ক:লেইর ইইবেন।

अपरे मार्छ। यङ्गिन छवान्छ সাহেব বিশেষ স্বকারী কার্যো इ:नाखत थःकिटनन एकाहेन अक, एवनि भिनेत्र न गारक्त कीहर है ि की हा (का निह निधि माछिएकेहे उत्तरिक हिर्देश

১৯৪ মার্ক। বাবু কালিদাস পালিও সংকারী কমিসমর হইয়া হাজারিবাংগ कार्रका व्यानिबार्डन) अन्यक्त व्यरक्तर 🔉 क्ष्म्रशास्त्र कारसङ्घेरवृत क्षमका भाष्ट्रदम

नि. फि. नि. क्टेन्डेव मार्ट्स्य र সংধারণ বিদ্যালিকা স্ভার এক জন চ

२२ अभक्ति। मात्रकिलिएक्ट महकः সনর ভবলিন্ট, বি, ওলভংগম সাহেব ট্র গেব অস্তৰ্গত ছম্পতে :স্ভ ক্ইবেন

वर्षाच्या कारक्षम वह, दहा शरास्ट्रास বেন ভতদিন টি. ডি, ইঞাস সাধেৰ আ দিগের বিচারলৈরের প্রতিনিধি ক্লক

(জ, ই, মিকল্য ক্ৰেল, জাৰ,

ণর প্রভিনিধি ডেগুটী

150

.০ কাপ্তেন পালন্স . :લ' અ≀ંજીવ ুপ্টনাণ্ট রামদে, এচ, এম, বেলি স'চেনু এবং মারপ্রেন নিবেটের বদলীর যে আনাজ্ঞা হয় ভাছ রহিত কবিয়া পশ্চালিধিত ব্যাদারত হট 3:51

२९ भवगताय शक्तिकि भूतिय क्रूल्टिहे ওাট এচ, ৭ম, বেলি সংকেৰ রঞ্জোটীৰ প্রতি निति भुत्तम अभावहर छे छोडे छहरतन । किले যুভ্দিন উপনীত নাধন সভ্দিন এচ, এন, श्री देश शाहरत है एक क'र्य, कड़िएउस ।

লেপীয়াটে এচ এম, ব্যুসে সংহ্রার लुलिय क्रुलियकेट्र एक । वे क्रेट्रिय वे कि क्रुलिय শশঃ বৃহুদেশের মধ্যিত ভাবতব্যী**ও** রেজ তয়ে অবংশের পুলিষের প্রাক্তনিধি সহকারী हैभएम्भुड़ित (स्थमतन म्हेट्रम ।

ই, আই, শ্র**লভরা**র মাত্রন ২৪ প্রগ্রার श्रुविय अर्थार जे १५ जे इंडरन्स ।

अठ, अग अटब्रमांत्रम प्रश्नांत श्रु लिय द्वाप्तरहे ्तर छन्ते हहेर्यम् ।

লেপ্টনান' ভবলিউ, বি, বই সিংক্ছুমের अभित छ"तहे, के छ' के बहे द्वार किया जाला ভতঃ প্ৰতিপাৱে এতিনিধি ছেপুটি ক্ৰিবন্ত इडेर्बन ।

फवलिके, कार्य प्रश्रुव वीरकृष्यद *शक्ति* िनिधि श्रीवर क्राप्त्रेट हे छ । हे इहेर स াণ্ডদিন উপনীত না হন, ডডিলিন জে, এস লাক্ষিণ সাক্ষের প্রতিনিধি। হার্করেন স

७ हेर्डन । र**ङ** प्रसीध अवग्रासकेंद्र (सराक्रकेरी).

প্ৰতিক ন্যাক বিভাগ

মিতি য়িংশ নিয় প্ৰসাধ টেকৰ বাৰুশি ৰচক্ত মল্লিক কিছনিংমৰ নি'নাত সংক্ৰেশ্ব হটাঙে এখেয

कारखन अस् है, दोनव कारा है, केंद्रियाण জভানিনার, আন্তাহনাৰ সংস্কৃতিই কইছে প্রেলগন্ধ কলে কাল কোলাল্য কাল্য লাভ্যন । নুন্তি সমটো এক প্রেল ইটোটিছে। প্র ই জ নিযুর হইর'ছেন।

ইজিনিয়র **বাবু** কেলারনাথ বেন প্রথম রাজা : করা হয় চে ाद लुलिएयह (१ लुड़ि इसर्गाहेन (क्रमहल) मानी विकास कटेरड शब्द वाल वेक्सरहाफ)

> क्ट्रिकेश रक्षाचित भरीकाथ अञ्चलकी देखिन । देश कथा कराक र রুসার্চালি, পেয়ারগাল ভাগলপুর **চটডে** | লভনাংত গালেরকাস্থিতি স্কা

> জি শীশ্ব জোনির স্থাপ্রবাইকার ৪, সি. সাংল 🗀 (এইছে। ন্ত্ৰসংক্ষেত্ৰ প্ৰায় কৰে। কৰিছে কইচেড ক্ৰিক্ড 🐪 আন্তাক্তি আছে ক'লেৱ কৰিছিছিল।

बन्दरभीत भवर्तदम्य हेन् सम्दक्षकार्ते । ------

ইউরোপার সনাচার।

অথম জোণর *সুপ*রবাইজর সি ভব

শিশাসৰ দিজীয় এতি টক্ক রেডে বিভাগে হ

भाष्ट्रेमात माथा ब्राप्ताचि अपूर्व नमनी १६८वः

ख्यान्य अत्य १३ व्याक्त । देवेदन दक्ष उश्चान व मार्टरन कार देशनिक (मरक् .नस्थां क वर्षा तेन व भरकार व किवादक

ছু চ্টুর শ(নেইক্স) হা ইল না ওয়ু শ্বর প্রে এক সেনাকভিত্ন কল (প্রক্রিভের सङ्ख्य हरीदस । चाएए। स भारत्य किंछ माद्रव्यत्ते ल इत्तर्स नर्माय (नर्नेन्द्रिक क्वेर्ट्र

মেনাপাড বিয়ের পারিছে একাশ #श्रदेव भा^र हेत्र है ७७% ते भारत में द्वरस्ति ।

하는데 > # # 4. 第 # 기를 열린 PC (제 .2 केट होते हैं।

১৮৬১ সংক্রে অটোবর ম সের বাজকীয় থাজ পুনংসকাশিত কটিয়া প্রধান দেনার ও ইস্মিক বেংক্টোরির প্রশার সমস্ক ক্ষ্ড: 'রণ কণা ইইয়াকে: এই আকে (इन १८२) अथरक को, सिम्ना, रिट्रांश छ छै। সেমিক সেতেকটারির ছারা হট্রে। est ্স্ন''(ডিভ'বিষয়ে সে**রে***' রির অংথীন হ যাগেরের ক্ষতি চাল্ম করিবেন :

銀パもであるもりが夏 単門事件 みつまげ ্বল চায়ান্ধল কভা জ্বাপাৰ বিধান ওঞ্জ .न क निन्न क त्रवाच कथा दश्यादक, छोट ्ष विषया: अने कवित्वन 'अकात मृत्र ' पत म है। करानी भरते (मन्हें) अने करिएसएम, १ काव के बेहा । 🖂 ७८४ र १ (तल १८४) - हार 水气 中引电话 医声音引起 "有时时,有时就好。

ক্ষুণলি চটন ১৬ই নাজে ৷ শামেনিকান গ ्राप्तक किन्द्रीत का भिष्या कात्रात करून, 一个种的"安全国界人"的第三人称形式者

and the telephone of a bit of the ୍ରାୟକ ସେବାର୍ଗ୍ରମଣ ଓ ମନ୍ତି ହେଛି । ଅବହଳ 📽

शर्मा ने इन में दिला देव नाम ली कहेर्यम । 💎 महत्त्व मार्थामाचे वहन में मार्थ मार्थामाच

व (सन, ज्ञान १ (यन अम्राम्य ११४५८मणे सन

MAY 2 3 3 44 1 ,ब. है। स्वद्भावे नि ।

7.

∞েঁং শংক' 📽 বিভাগে । ां छ। शक्ति । लाल्डेनारेडे कर्बट । ल भिष्टे । अभाग क**रेवा देखें दशारण** शाकित्वम, ন এক নাও করেল এ, এচ পাটানীন শর প্রতিন্দ পুলিষ ইনজেপ্টর জেনরক :

⇒ ইম'ড বেভ দিন ব'বুক লী প্ৰসাদ দেৱ রে থাকিবেন, ভভ দিন বারু ঈশালয়কু বাংলেখ্যের প্রভিনিধি মুকোণ কইবেন। :ইমাইচ।বাবুচজুদকিংশার বায় জিপু জ্বাত জগলাখনীয়ীর মুদেফ ধ**ই**বেন। রুকমরে:কাজ চরুবভী চটু**র'মের অবস্ত** डेम:¤:दित पूरशक हहेरवर :

এ মণ্ট : নিয়লিখিত ভেন্নলোকর। মুক্তে ভাৰঃ ডিকিংস'লয়ের সভার স্ভা ভাই ¹

, ডিড ট্ৰিন সংক্ৰে. লে, ডিলু

ুরাম । । । ।

(夕)起耳军

पट**चात्रहेळ गु**रुचालास्याद्य ।

्रीत्रद्रीमहत्त्व हर्ष्ट्रापादराष्ट्र दि. अस. सन्ते -তুর্ম চৰাভাজার প্রতিনিধি মুকোল

ও মাজে ব্রদিন এম, ভ্রতিটি, জে, : সালগানী বিভাগে দলী হত্যন : সংক্রেম বিশুলুল ইয়াজনতুশ স্থিত থাকি : लि जुलि**व अ**लि । ति । छे । देः दस

প্রকারী করেবার ১৯, পার্মন পঞ্চ ी कि इस्तर कि साल हो साहा कर्नल कि है। विकास कि निर्मी इक्सेन्स । পেথাকিশ্বর পড়িন প্রেমণ ইন (सम्बद्धाः १६/८०)

कि त्वकाव प्राप्ता दि पि अका हता ्ष्युष्ठी देशहरण वेत ,स्वास्टल रहेश्, काला सम् वर्षत्व शास्त्र में , ध्यानम् ।

चर्रालंक, हि, १९४म अक्षय अक्षर (तकारण दसनी दर्बार्डन

লেওয়ের বিষয়ে ভুষ্টিকর বক্ষেট ক্ষে নিধি সভার অলংশে 🦫 নাম্নারনত্তের বিস্তর নোকে একত্রিও

ष्ट्रवर्ग कदिश्वरहरू उ<u>ज</u>ङ, (४१८३**ह**ा हे য় উঠ:ইবার ক্ষমত। মহাস্ভার নাই। भारतात (मध मश्वारत वकाम कात्र, (वात्र দীয়নি একে পুৰধানখনে চনি,মত্ত কাডিজে

लिर्थात इस्, छाधा सःभरत्रहाः

র্য়াশিভটন ংইতে টোলগ্রাম আনিরাছে, · क आ हे देशका व्यक्ति वाभव केरिया

इक्छले वाइदेश सा‱ेत नि≉ि अंक •स कर्ष्याः काष्ट्रज्ञार् छतः दक्षार् देशे क ाय कें**र्राह्या (बड़ा (अन्छात) अप्ल**ेखनकल ड कति।।त श्रीयंगी के तप्रार्डन । श्रीपुर्दित विनिश्चाद्वन, चार्यादन, धत्र या शाहा सक्त াহাতে তাঁহার সম্পূর্ণ ইক্ষা। অপক্ষপাতী কানগড় ব্বস্তা ক্রয়া পোকেব লভার ভাকর। ভাঁছার একাজাবাসনা।

ध्रांत (कार्डन शक्ति ने ध काहेर छ ववाहेरि । নহাসভা হইতে বৃহিক্ত হইয়াছেন। াড আ: উ:মর সমস্তা ড নিগালে হত হই न . जा द्वारित कर्यक्री कृषिकच्ये इहे া সর জন লারেন লওনে উপনীত হইয়া . জ্বান্দ ও বেলজিয়মের বিবাদ ভঞ্চনার্থ उ मध्य इड्झएइन ।

া রাজিতে কর্ণেল মর্ধের এখা মুসাবে আণ্ট দা**ং** ব কম**স** বালীজে বলিয়াড়েন, কড়াই नक्षीतगरनव स्पन्नकन काम्भानित कागस , उन्हां वास्त्र काल कड़िक्स ग्राहा लाछ ६ई ह, काहा बुर्रकती देवना प्रशांक (प्रदेश) व न।। (हवाम माटहरवर क्षयामुनारव जान्हे न' १०वर लालन को भीत सुरहेत का प्रमू होता (मल्या इहेग्राट्ड ।

ভারতবর্ধের জলদেচক কোপো নিসংক্রান্ত कमिनिया आहा स्रेयाद्यः

মাগদালার লাভে বে'পয়রের বেভন্রঞ্চি **कमक**मिरध**व १८७ व**र्षात कता ५३व!८५ -त अद जाउदक अहे दिल अभन करा निवृत्र क्ष काम इत्याकितः

विश्वविभराम्यदेशत (मोकात बाह कलर हहेश) ।। (३) यात्म (काष्ट्र शुनसाद्ध अपश्री इहेशा

भानित्र (संव छिलिखारम श्रकाल करत, विरम्राह रार्थ रेमनः ध्यद्भिष्ठ रूखद्वारण स्मित्न छ काछि त मधाव्यिक (तमक दश्यादकः धारिकः

बिबिख घूना श्रकान केंद्र াত সেরানে. उँ इतिभएक धनावान श्रमाः, 🗸 त्रप्रार्ट्सा

১৮ हें गार्छ। **आ**श्चातन छत्र स्थाउन्होन्हे শ্মসম্প্রদায় না উঠিয়া বায়, এ বিষয়ে যে আবে | नम इहेशास्त्र, फाहारफ ৫० करनत छैभरत भिन्नत, त्रित प्रतिक रहे:व बिन्ना छा. ১০০০ ভেপুসী লেশ্টনত, মাজিটেট ও জমী দার অংকর করিয়াছেন।

আমরা গড়বৈতা হইতে নিম্লিখিত मःदोष्टिंग श्रीख इहेग्राहिः---

গ্রাতিকালে গ্রাহিকালে গ্রাহার চটিকে একটা অভ্যাশচর্য্য অবচ লোচনীয় ব্যাপার ষ্টিরা গিয়'ছে। ঐ চটির উত্তর দিলে গ্রেণ্মে মেণ্ট ট ক্ষরে! ভের পশ্চিম পার্ছের আহ্বানী নামে এক জন (২শা) লবণ ও ভাষাকের দেকান क देवे अभै विका निर्माह कदिए हिला। अक्रिन दाञ्चित 'रन रत रहें।< '' काहिन द्व काहिन (व * विलया ही एकाव कतिया छेठिक। निकटेख हो कि मात और अध्यावह आधिनामळावरन अध्याहिक छ চিত্তে চীংকারকারীর অনুসন্ধানার্থ অন্য এक्ली ह्योरनाकम् प्यारनाक लहेन्ना (य पानी হইতে চীংকারধরনি আংসিয়া ভোতার আবেণ বিবরে প্রতিধ্বনিত হইমাছিল গেই বাটীতে शमन कतितः वाहेशा प्रिथित काक्तामी (वर्णाः) ঘবের ভিতর মেজের উপরে মৃত্যবস্থায় পণ্ডিড আছে এবং মৃতার গলদেশে অস্তাঘাতের চিত্র হইতে অন্মান ক্ষির্ধারা বেগবভী হইয়া বছিয়া পড়িছেছে। শুনিলাম বেশ্যাসীর অনেক গুলি কলকার ছিল। সেই আনস্কার অপহরণ মানদে কোন ছবাত্মা লক্ষ্টবেশধারণ করিয়া এই জीयन भन्ना यहारहेशाइह । এই সংবাদ নিক ष्ट्रश्रुलास अक्षणम इक्रेनात भेत अविभिन'नः अकात क्यूनकाम व्हेटरहा अपूरवाहत वर्ष মান স্বাহনিক্ষেত্র বাবু মহেশচজামিত অনেক , ছিলেন, শুনিডে পাই ভাহারা স্বি গ্ৰৰ্থমাই উব ক ব্যুগ সুখ্যাভিভাজন ও অফাদের ধন্যোদের পাত্র ঃইয়া**ছেন, ইং!ডেই ভরসা ২য় যে, কুভাপ**বাধ ব্যক্তি পরা পঞ্চিতে পঞ্চিতে পারে।

२ : ११७ (क्क्या त भारतत (गर्य अञ्चल्या নিস্তিকাণীড়া আয়ের হটরা প্রায় প্রতিকাশে রবিবারের ইহাতে লোকসমাগ্র হয়। প্রতিদিন্থা সী মহুষ্টেক শমনস্থনে পাঠা; ইতেছে: এখানকার ডেপুটী ম' ফ্লিকেট জীযুক্ত বারু রতনলাল ঘোদ মহাশীয় ষ্ট্রার নিবারণার্থ । স্ত্রী পুরুষ সমবেত হয়। স্ত্রিকটে এক অসংনক ১৯৪৭ করিভেছেন। ইহার অংদেশপ্র নদির আছে। ওথার অসক যুক্ত হৈ

় ...তক দেখিয়া বর্তমান মাধের প্রারক্তে কয়েব ब्राटि त्य कारमा मृत क्रेब्राट्स । চাউল। ৬ দের বিক্রের হইতেছে।

৪। গড়গেতার সংহারজুত . হইতে এ বংসর ৭ টা ছাত্রে চ'ত্রস্তি পর প্রদানার্থ নিয়াছিল। সুখের বিষয় এই १ উন্তীৰ্ণ ইয়াছে। ইহা কেবল সভাপতি। বাবুর (ডেঃ ম::) অসাধারণ বিদেরাৎসাহি রূপ লভার সুধাময় ফল।

१। विष्पुत्रष्टेमन अनामां वी कुरहरकाल, एडलानारप्रतथकृष्टि वारम क्षेत्रंत्र श्राहर्कात इहेब्राह्य । अहे नमग्र ना हहेर्ड खेष४ छ এक स्टम (मंग्रीद छाड প্রেরণ করা নিভাপ্ত উচিত হইয়াছে।

৮। গভবেতার স্বভিন্নের ভার कर्मानाती करमक्रमात्र मक्क्याल अयन करि लन। তিনি अवनार्थ शिष्टा विन्तालय भनामि সাধারণের অনেক ছিডকর কার্য, र আংসিয়াছেন:

---: e :--- ·.

व्यागीनरभत अक्टिक मर्वाम লিখিয়াছেন।

শুনিলাম এখানকার নব প্রতিষ্ঠিত প্রাফ জাফিসদী চিরস্থায়ী হইরাছে। এই ব পুৰ্দাপ্তান হইতে মনারাধের টিলাব উপরিশ घटत छेत्रिया याहेटच । जी शह भूटार्य अव ভাষী গ্ৰণ্মেট ক লের জন্য মনোনীত

(म लुनाई छाछित विशक इहेन्ना দিলের মাজেওটট সাহের প্রভৃতি গম্ম

এখানে আভিও জুয়াখেলার : श्राञ्चांव ब्रहियाद्यः :

এখানে নাইওবপুরনামক স্থানের বান্দ্ৰী উপলক্ষে প্ৰভিৰৎসৰ একটা মেল থাকে। বারুণীর দিবসভিত্র চৈত্র মাসে নাম '' প্রেমতলার (মলা": এবা व्यात्रक वृहेश्वाहरू, এই (प्रताहक कर्ड्ड হয় মা : মেলাতে কেবল কভকওলি :

का छात्रि । कता बक्षा विरुद्ध _व াতে বাজনা হাতের

・1 3月 4 [司(男 65 7)]

क का । क्षेत्र इस अब्दूष्ट्रिन ने न्द्रा ८० अहा इसरकेल इडिया था के किटारा आलागर দৈলৈর নামধার্মণ কেশ্য গালিকর ওল লা: क्षित्रहरू **लाज्ञ**ालक क्षित्रहरू । क्षेत्रहरू करण १० कर्मपुष भी मः श्वादक सः । "वै १९४४: स्थर २०३००० । ००००, কংশন, ভিয়ন ক্ষ্টিভাব্তা করে ও ১৮৮৮৮ (श दल भ१व'दन (क'लहगाल आन्ध्र

প্রেটিত।

মান্ত্র প্রিত্ত নোম প্রকাশন পাদক মলাবার সমীপেয়।

राज्ञन'त'सूर व तत्र क्र. ७०

ৰ'ৰু ৰ'ছমাৰ'ৰুণ ক**লু ১৫ ৷** ১৩ বংস্ভ (মটিনীপুরের শিক্ষাকারেই নিগক প্রতিয়া জ'র ছট বংসং বে কাৰককাল কীছত ইংবাং কেন ৭ৰং আহেশন লাভ ক বড়ে না পাবিয়া মহাবি ভিনি শিক্ষা বিভাগে হটাতে অবসং এইনগুলেক .পকান লাইভেচ্চন। জি'ন খে কোবল শিকাবি ভাগে হটতে জাবজ মহটতেছেন বলিয়া অংশ: দের ক্ষোভ আছাল। নড়েল ভোঁলার মেদিনীপুর ভাগিই আমাদের অকে:ত প্রিভাগের বিষয় ত্তিনি এফারে এল্ডোবালে রভিয়াতেন। উভিত্ ছ কিনিৎসং রোগ কোনপ্রকারে উপ্শন চইতেছে ना। (मन्मिनेशुद्राव विनती, वृक्ति, समाजिक हेस्र हि. ৰংমি মতি যাহা কিছু হটয়াছে, সাধনট বাজনা বায়ণ বাৰুণ আহলীয় যায়সভাজ এবং ডিলিট ত হার মূল। এ আল্বন কের তিনিই একমান ভাগরিত। যে লক বিদ্যালয় ও আং মক বিদ্য পা**ট্যার** সিং বিভি একল কুলে এই জালাক এই কোন প্রায়িনী সভা ত ডিন্টিশ লোগ ডিনিড একসাত্র বিশ্ব চল চল (গুলুল্ড) - মিল্লাভ সে ইটোৰ **যে ম**হার বনিপুর্মা, ভানা বছ*লান* अविकित्रकथानाक अगाइन हैया न का ना क्र उत्तर हाज विक्रमेरनाट । असन इत्र १०७ कामः कलिशा ने अपुर्वयम् विश्वयत् करिहास्ट्रास्य । ক্ষেপ্ৰয়ে ভাষাৰ আনেকের ছাত্রবাক্ষান্ত ও ফোনের উকলিন লাজনা দেয়াছেন ৷ মেদ্নি'লু ্রব প্রতি ইছেব ভারতি হা তেই ভিল, ভঞ্জন। িচনি মন্ত্রে সমতে আপন উল্লেখ্য উপেক। o n'inigna i eier Giern Biterna aufn य स (महिमीलु:त) ऐतां छक्षान्न वः त्रिक इडे १११३ । अञ्चलका कात्रान दिस्मीकु । (य देशका) निकरे विद्रमध अती, ख एति आह महामह नाहै।

एक्का १६ है। कार्यक कार्यक्रम सम्बद्ध । अस्य नहस्य इ.क्का "b 夢 出来(み 体化) からける所。 (そうく 3 か 6更8 ১৪ ইম:15চর বংগর ভাপ্রার ৪৮ মটালের স্ম প্ৰস্থাপুস্তকালারে এক ব্লয় : (বৰ্ গ্যা । ধাৰিক ভিতৰ্ম কাৰু নৰ্মক্_ষ । এল যিভিংপদিয়ে জাসন **এ≢**ণ কৰ, গাংল প্তি ভাগান হ'চ চহাতী র**'জন**শৈয়েণ বরের এখাতে संभवत् र त केल्क्क अध्यय लीड्ड स्माकार्य • १८७ ७ अ.स.च्या सम्मक्तकार्त्तः। काञ्च युर्वित् ্ন ক্ষয়া প্ৰায় উল্কেই কলা ভালে আনি কাৰি .२२१ कम्बद्धद साबु क्रिनामाः छ। अस्ति है। <u>ब्रिक्</u>डि रा उपनित्रेक्तरक्षाराज्यसम्बद्धाः प्रराप्ताः व्यक्ति ক্ষেত্ৰ সাধালক কে: প্ৰায় ৰা**ঞ** र्वे । इन्तर **तुर करण २ जू**र ११ । १४ व **. सर्** ରୀନ ଗ୍ରନ୍ତ୍ର ଓ ବ୍ୟସ୍ଥିବ ନ ଓ । ୧୯. ସନ୍ତ ुक्ति, सन्द्रा नहीं हैन्स्, अन्तु है, अन्तु छट्नेय भन्दरभार रहेता अक्षेत्र विकृति । व स्था किंद्र ্ৰান । ইছার পার আ ভানতান পতা । প্তি কইলা। म अल्लीड भारकाषान करिका । यः समस्यविष्ट्य प्करलय गरामरु धर्ग कब्रिटलसः। उत्त्याञ्चक्रकः ার চৌধুনী বলিলেন বে, " জাভনক্ষধানি উচার ছাত্র ও কেবল মেটিনীপুটবাসীদিলের (मृष्यु: क्वेर्**रह अञ्चल कार्य (ल**व्यः क्वेयुर्ह्स, ভিরস্তানীয় যেদকল লোক এখানে স্ঠ্যান আ ছেন, উটোরাও উ≱'তে আফার করিতে পারেশ. এক প্ৰাৰে কিছু লেখা উভিছাই ইচাতে অনু-নেকে সংঘতি দান করিলেন। দেখোঁৰে ছাত্ত্ৰ পতির ক্ষান কেব নাবে বাবুলসাধর আচাই: विलिश्तिस्य, ''अक्रम अजिनमहान मामदिरम বাকাকবিতে পারেননা। যেকেটুক উধাতে अभिकारण्यत स्थित विश्विक क्षेत्राहरू। **छिन** ङ रात कुछिना **छ'**जिमित्रहरू शहरीरलहरून **** * * 《明·斯尔·尼斯·李维维 # 明明 · 期份的含 कार न , इन्ड्रांट सेन्ट्री फांक्स त. इत्ताका भ दक्के अक्षा भ ल भारति स्था গ'শ্যতঃ অভিনশনের প্রামান চনা,ত বাং মান্ন এবং অস্থানীকাৰ সভাৰ সাংগ্ ନ୍ତ୍ର ଓଡ଼ିଆ ନୁଖି । ମଣ୍ଡ ମଧ୍ୟ ଓ ଓ ব'ৰ মানুন'ল ২ জলত লেড প্ৰায়ে জলান নিহ'**শ** .র বিবলিনে এবি বিভারতার: ২০বৃচ্ছতা देशाः प्रदेशाः पात्रे भी है है कित की रहमदे सहर क्षेत्र वदर प्रश्निष्ठ भारति । याष्ट्रकार व्यक्ता । १८ १६ - म কিছু পুত্ৰ ও আদত্ৰ ধৰ্মানহৈ। আভ্ডা বাংলা এ কথাটা কথনই পরিস্তাগি কাড়িত আর না

উলোর এটি হাঁটোর ভজিক ও জালা মানে,

फिसि**हे हेहार ७ शाक्ष**त कहिरवम र सङ्का घरमात

. 4 9 635. লালা নিয়া দি**ন ভাই** 지 말이 가 쓰러 와이션 약하다. 되고하 ১০ন্ত[†]াল স্পার্কসূর্ণাক त ५ (१ (१) इंडिंग । देशपुरन ार्डित, ३५ व कि न निश्न घनरूक

, ১৯৫% প্রিনা। 7415 · 水。 5 · " 有 符 符 克 草 夏 萨, 斯 德 和 符 夏 经 ক ুল বিচার টির হক্ত **কট্**য়াটেছ । ট্রাক - ৬ ০০ মা ক স্থা আহম প্র . ৪ : ্র ইংচলিরিকে কইডেলা করিছে:

) , i · £:

जामानिश्वर बजुरवाधिनीय मःवी-প্ৰা লিখিলছেন।

🛮 अच्चिरभव देशके अपरभ काइस्टाइक में अपन ो प्रकाद रार्थिक व्याप्तर्यम्य क्षेत्र। भारकः धी য়ে প্রায় ইটে ১য়। এ জন। লোকের সভাগ निजाक्षे अञ्च वता रुहेग्रा शास्त्र । এ कावन র হৈত্র মালে ই সভার বার্ষিক অধিবেশ প্রস্থার চইডেডে:

গত স্থাহে ব্ৰহ্মপ্রায়ণ শ্রীমান কেশ্ব সন 🗝 কার **एकारमन क.द्रशास्त्रन**। त्र व्यक्तिमध्य क्र'काञ्च ब्राज्यानन क्रास्त्रक

দেশ ও আমনদলাভ করি;ডভেম। ° ७ ५३ ई (२० अण्डात शांबर करिक देखें) তে এমনারালের সা**হার বালীতে** চোল イイトストラインシント 男が多され みんままにな दर्भो र १७११ औ हुई **छ**णा १५ (७५) रुस ে 🚅 🕝 ূৰ্বলৈ লাল ওকুলাইম আলম্মন

কা ক্রিলোভাইন টো, প্রেছন)ৰ পরে ব্যবিধাও - "১৮৫০) এব ১৪ বংগ্রের , আহা হইলে ভালানের অভিভাবক ভাষ্টো যত সংস্কৃতি পাইতেন্তে ডাড ক্রিগের কইকর হইয়া উঠে। জলপাই ্বাজাের নিম্ন দিয়া আর একটা কুস্ত তিভার সহিত মিলিড হইরাছে। ইহার ' কলা "। কলার জল অভিশয় স্বাত্ত ী। এখানকার ঘাঁহারা ডিব্তার কিছু অবস্থিতি করেন তাঁহারা আর কুপের ব্যক্টার করিয়া থাকেন। এখানকরি कि शूर्व्या किया नी, अकाल अपनक रहे **্থামর**িশশ্ব কালে নেক্টার মুকুক হাম, একংণ ভাষা প্ৰত্যক ইইল : এখান লোকেরা পরিখেয় বসনে: বড় ধার । না। সকলেই এক 💵 কৌপীন পরিয়া হু। গমনাগমন করিয়া পাকে। পুর্কো হয়, ইহারা বস্ত কিকপ তাহা আনে) रड ना, ४कटन स्मान्त्र खिष्टिम भवर्गरमनी নস্পক্ষে অনুনক সভ্য লোক দশন রা উহানিগের মধ্যে অনেককে রীতিমত । পরিপান করিতে দেখা বাইতেছে। শের স্ত্রীলোকমাত্রেরই একটা চমৎ 'নৈদগিক গুল আছে; ইছাৰা কটিভে বক্ষে ভূই কানি অভ্যাবস্তা ধারণ করে মুখ হ: তে মস্তকপৰ্যান্ত খোলা থাকে। নাদিপের দেশের জ্রীলোকের মত ইহা কে পিঞ্রবজ হইয়া থাকিতে হয় না। শে পর্য হপেকা স্থালোকের প্রান্তাব কে। ইংগারা দৈনিক বাজার হাট করিয়া নে এবং সময়ে সময়ে ইছাদিপকে স্বামীর অন্য অন্য লোকের সহিত হলধারণগুর্বাক व कर्षन कतिएउ । एक्या यात्र । এদেশের ান উৎপন্ন শৰা ধান, কলাই, পাট, আল াক, সরিষা, ছোলা এখানে অহি ছুর্মুুুুু। া; চার ৪ ৫ টাক র কম মণ পা: রাষায় এবানকার কি ধনী, কি উপায়গীন দাবজ, লেই এক ৰূপ বেড়ার ঘর প্রস্তুত করিয়া াষাপ্ৰ বহর। এখানে অসংনক ইংৰাক্ত · उम्र त:क्ष्मे ७ धटकशीरहरा मन्यात প ্ৰাঃ:.ক এদেশে টাটী কহে ্ এস্ত: कः १८वत हर्ष्यात्ये स्टब्स्टात्र महार सं उत्पत्ना वान करतन । अरमरण यहात्रिहा

াল থড়গুলি চালের উপর সাজাইর

কার প্রেশস্ত বে ছ্রার পাড়ি নেওয়া

ब्राट्य । देश नाः नगुन्द्र : ५८न কার স্থানে কতকভা চাপাইয়া । মুডরাং একটু **অধিক বৃত্তি হইলে য**়ে মধ্যে জ্বোভ ধাৰাহিত হইডে থাকে ইটকনিশিত বাটা এ দেশে অতি বিরল , তাহার কারণ মাটার তেজ নাই এবং বালি আছে বলিয়া ইট জল্প এবং কতিকটে প্রস্তুর হাইরা থাকে। এথানকার কাছারি প্রভৃতি সমুদর খড়ের ঘর। ইটের মধ্যে মাাগাজিন জেল এবং অতেতা রাজার শিব মন্দিরপ্রভৃতি করেকটি কীর্তি আছে। এখান কার বাজার নিভাস্ত মাল নছে ৷ প্রায় সকল প্রয়োজনীর জবাই পাওয়া বার। সওদাগ রের কএকখানি দোকান আছে এবং ভাহারা क निकाल। इंडेप्ट नर्यामा अवग्रीम व्यानिया विकास किता शास्का वद्यापि कुर्यानाः শালক; ঠ এখানে অপর্য্যাপ্ত পাওম বায়।

বিবিধ সংবাদ।

১ • इ टेइज (मायरात्र।

वक्तवा रिषाप्तव अकाश्य सहैया कार्या कवितन (स कानिष्टे २४, " व्यक्षकामा इन्ड " है के डेक्क्यिकि মুধিষ্ঠিরবাক্য ঘাঁছারা পাঠ করিয়ালেন, উচ্চা রাই অবগত ইইরাছেন। কুষ গ্রিগের শিক্ষাকর প্রসঙ্গ লট্ডা অংমরা এই ভাবে কহিয়া ছলমে, কুতন কৰ ও সুতন বিকাশের করিয়াক্থা কছে शत का किया । स खल्टारे किंद मार्थनाला कात्रक ♦हेब्राइक ल य.इर्डि व.य. इडेर्डिक ख्लात्र) इंडेनिक इड्टिंड शाहित्यः लिकामधेन हेगाउ মধ্যেত একটা বাকাউ জুড প্রিয়ামহা অংকা: 🖯 লন কৰিয় তেল কিল লক্ষণে প্ৰিত এতাৰ দিয়ে কেলাকু দিন বা আমীরের ভাষাতা লেখক নিশ্চয় জানিবেন, গুলাটেনিও পাঠনা বিদ্রোটি এইয়া পোদায়ারে প্রায়ন কা লাগুলির বিষয়ে জামানিয়ের যে সংক্ষার ছাটি। তানীত ইইংকে ক্ষা করিয়াকেন। হাছে ভাইরে জনপা হয় না। ভান একে এপ্রলি ছওয়াতে গেট সেই আ'মে ভাল বিদ্যা লয় হইবার রিম জালায়াটে

সর জান লাবেল পাডেরাগ করিবার সময় পঞ্চোড রাম আমালতে এক জন এতকে শীর विहादशास्त्र (सर्गारशतः य श्राप्तान कविता यासः, স্র (আমানাড মাকলিয়াড এটা বলিয়া ওটোডেড अल्लाह कर्तिहारहर, (काम भीक श शर्यास উজ প্রের উপযুক্ত হন নাই । रक्षरान क्रहेर्ड এক জন বিচাৰপাত শ্ৰীয়া লোলে শীকাদাগর

。 マ袋 भाउनप्र कष्टे व्हेग्राः, कतिया क्यांनिलाम, खबाउ, वाबु क्षत्रक्रेड्य (घारवह निर (बाख्यांत्रशानत अहे " प्र ब्राइड । श्रम् क्रमात (माम अक घ्रद्री। **(सं** शक्तद्रशा পुलिय ह ভাহার কবিকাংশে অপেরাধী....র ৮ও ३१८५ । अध्यक्षः चाल्यिम् प्रथकत्।

গত শুক্রবার স্ব রিচার্ড (উম্প ব'টীতে একটা স্থাঞ্জিক মঞ্চলিস্ সিরাছে এদেশের অনেকে তথায় আছত হ ছিলেন। ভাঁহার। রাজখনংক্রাভা মন্ত্রীর ভায় সঞ্জোৰলাভ করিয়াছেন।

कामका कावशंख इहेगाम. मानुहार्कत िमत्तम्य करम मिश्रिक श्राम्बद्ध मि উত্তর লইয়া সম্ভূত না চইয়া বাচনিক প্র बार्ट पत मक्षत कित्राद्युम् । अ मिश्रमणि काराध हरेशा ज्ला

উ इत श[्]क्याक्षन ७ वन्तर्भव २० সংবাদপতের অধিকারী জাবেদ করিয দশ ভোলা পর্যন্তের সংবাদপত্রে ছুই পা অধিক মাস্থল লওয়া উচিত মহে: মাসুষ स्हें ल प्रश्वास्याख्य आहरू हांचा हरेवात्र वि मञ्जाबना चार्ड ।

विदारि करिसव उनार्डिश स्ट्रेफिटा আমাতিম খার পুজেবা আন্যাপি বিভি ভজ্ঞাৰুল আগকার করিয়া রহিয়াছেন। জাকুৰ আলি খাঁ ভগায় বাকাতে সিয়ার খার আশস্কানাই: বিখাডে ভাকৰর

ष्ट्रशालिका नारत्य विषाध महेवात र ं क न का छ। त अभिनिधित्राहम भद्रामण विद् रेशिता सम अउने क्षेत्रा है कानवृत् ह शकाय अ:र) करतम । आके मारकव आंध মসাধারণ বুদ্দিসম্পন্ন লোক বলিয়া কা তিনি ক'ছাবও কথায় অংগনাৰ মত করিতে চান না। উটে র ক্ষাব একটি গুণ অফিসেবা পাছে ভগুপান এই নিমত্ত विष्युवत वार्ष्ट्रव का लिका अक कारण मा **খও বও করিয়ানেন ক্রমনঃ ভারা**ন ক

শ্ৰায়ানে ভক্ষানে

· 1 7 1

গভ শানবার নবল আংদে্রিদ্যালারের পারিতে।বিক্ষিতিরণ কইয়াছে। সর (হনরি ৴ৼয়'ঌ। ভাহার। নহ ছিরাও সভাপতির অ সম এচন কবিয়াছিলেন।

বারিষ্টরদিগকে উকীলাদিগের क्षे भइस প্রাধান: দিয়া প্রধান বিচারপতি ভাচার কতক অনষ্ট অন্তেত্ত করিছেছেন। সর বার্নেদ পিরুচ ভারে:র ভারতিপয়ে অপ্তুল বাবুংক লি.খিয়া পাঠনে, ডি.নি (উকীল) यान हेक्का करतम, जिल्हा क्हेंग्ल फीड़ाएक ও फार्य इरे जिन अपन श्रवान केकी नटक वाति है द्वा अब দেওয়া হয়। অনুকুল ধারু ইংাডে অবসমতে চ্ট ग्र"रहर ।

হিন্দ্রপেটি রুও আলীগড় ইনষ্টিটিউট আর্থার क्लीन कलिया लिखियां इन्त, शवर्गरमा हेत्र सङ् विद्यानय चार्ड, डाहार अभूमाध्र छात्र उर्ध ০ - লক্ষ হিক্ত ও ১ - - - মুসলমান অংধংয়ন করিছেনে। ৩১০০০ বালক ও ৮০০০ रालिका भिष्ठनद्विष्टिगत निकटी भिक्तः भाहे-.ডেইে।

সাসিরাম ও গরাতে শিলাবৃত্তি হইয়া नरमात **कानक का**ख स्हेग्राह्य: कारमक समा मार्ट च पक्ता किल, बार के किता शिवारक।

গভ বৃহপ্পতিৰার জগদীর অন্তর্গত কাওয়া পাড়ার রাজকুমার দাসের বালীতে পায় ৩০ জন ডাকাইত পড়িয়া প্রায় ৬০০০ টাকার অন कात नरेवा भिवाह । निकटी कीड़ि व्याहः সংবাদও দেওয়া ধয়।কিন্তু ঘেমত খার। भाइक, श्रुलिय श्राक्षतिश्रम (शानः, शाहित स्वरुष अहित स'है। सिक्टेड् এक स्टूस स्टूस (म'दिव टन सम প: हेक मा ब्यू र्शक प्रकुश्वन (क क्या क ব্লিক কাৰ্সেভি অংশ জিৱ বৈখিটেয়ে । সনক্রিয়া এক জনকে হত ও আৰু এক জনকে , টিল অংনাপালারের বালকদিগকে ৫০০ টাক। হাচড় করে ৮০ ছেও ডাকাইজ্গল ভীত হয়। এক জন মুস্তমান প্রজার বাসী পুঠ করি লান করিয়'ছেন। ইতার জ্ঞালখনীপ ধালিব ভিষ্কত ধ*াকালে লাইয়া প্রাধুন করিয়াছে*। জপরাংশাস্থান স্বাধান লাপ্ত চন। ই ্তিক টাকা আয়ু কইবে, ভেক্সারা প্রতিবংশর শ্রাদ্রণ সূপ্রিক্তিকি খোলোট ভাগিয়া মপুরেব ছেপুটি মালিটেট আভেশয় যায় লেকসিপতেক হি**এটে প** ওয়ান কট্ৰেং সং উপস্থিত হল ব'ংস্ভার এক জন স্ক্লিব পূল কাবে সাফ সংগ্রহ কার্যাছিলেন কেছ ছালেক আংগলতের শ্রাম্বলে এই জে'জন এইয়ালে । এক পি স্থীকার কারয়ালে, আকাল অপরাবী দগকে নির্দেষে বলিয়ালেন । हेट्या डेंग्डप्ट्रेडे स्वाटमार्थ अडे प्रेथ्या क्षमान करो। विद्वास्थित कलक्षणि (ताक खाडात कार एक प्रेथ्य कर खन खुरहरूक किए) ५ कि ট্রুট্রে দান্সী ট-চ্চেন্স ভাবে হট্রাছে। । আন্তিম্পর্ কিছ ভারার কেনে আনে না ুচেন্টা পাভ্রাচে । তক টেন্ডেন ইন্ড রাভাবংসাং নামু লোপুন নিকামা ইউ : ১০ গণ নৈহাটী অঞ্জা হটতে আন সিয়াভিল, বিষয়া হট্যাচে : ভল ও কুত্ৰিল : ১০ ।শীরপুক্র এ বিজ্সাহায়, পটে সকলে ভল্নান করভেডেন। মৃত বাজিকে গকে জ্বরুনাকরাতে ভবিচার ব্যান্থ । । ইছালিগের প্রাণ্ড প্রাণ্ড বিষ্ণান্ত করি প্রাণ্ড নাটা প্রক্ষিণের পুর পেশ না হইলে জ্বিকে ভাজিল। দেওত

निम्रा नकरमाई कान करतः अपनेष प्रतापन काली गर्यस्य केत्र में अर्थस्य होड इंडाइन । डीइन्स कर्खराः

अवनी अधान दा छात छ छत्र शाच कृत কাম করিবার আছে। বিয়াছেন। যি केतिहरु दृद्ध के दिश्व मार्थि मालीन व्हेट **उत्रहा वाक्र,रक ह १५:९ छ। निट्ड** श :इन, इ वकाम ना काहरत शेष्ठाविकः इटेर

भरा छात्र खबर्स एक है। वा भ छ। त অরণ কালার হয়, ভত্তা প্রান ক ভাষ্য আৰ্ত্তক ছড়িকপী,ভ্তাদ্নের यत्तर्भ श्रप्तान क त्रियादञ्ज ।

बाइश्रुत्तत छ। कृत व दल है। इस अकृति यञ्ज कविशा अक्रमानि माखर्गरूक देश्याकी প্রকাশ করিবার মানস করিয়াছেন।

३२ हे देवल बुरवात् ।

প্রধানতন বিহারলৈয়ের আনেদিম বিভ দপ্তঃৰানা পুরাতন পোট আ⊹ফস বা উঠিয়া আনিয়াছো দেউ পাল বিকা थाकारक अर्थों अङ्ग्रीत है हैन हरतत भग्न अक्टू विश्व हर्हेखः ।

হাবড়ার নিকটত্ব বাওড়া লামে সং ভাকাইতি হইয়াছে। দক্ষ্ণ বৃত্তি পৰ্যত্ত হই। क्रममहे जुलि खत औदि 🖷

काताहरू ७ ७० मा का महर्गः पूर्व उप প্রকাশিত হইয়াছে। পৃথিনীর গভাদিরা ভ্ৰোভ বহিয়া থাকে , স্বাচে, স্বাচন কল गांत्र। कहे स्वत्य स्वय क्रें, क्यांन दिख्य व हरेल अधिक्रिय गरण अध्यव हरेश यात्र, त পত্ৰের অৰ্থেক উভিন ও অৰ্থেক প্ৰস্তুত চটা এমত অনেক ভলি দেখা গিয়াছে। জল এন্তরের পরমাধ্র অধিক পরিমাধে মি ধারাতে পত্রাদিতে সেওল লাগেয়া ত্রাকে প্রস্তুর করিয়া ভূলে :

পেয়াবাভার ভানীদার্দিলের চুই ফা के: हाकिर्भाष्ट्र शमका **छ कर्यक छन** लाहि চিত। আপুর মনোনীত করিবার ভার কং

ব্যিপের হল্ডে দেওয়া অন্যায় ্সর ওয়ান্টর মুসান আর্থকুট বের অনুমোদন করিয়াছেন ৷ বৰ্ষেট বলিয়াছেন এক ব্যক্তির ভার দেওয়া অপুটত। अक्टा हाक्टावर स्थापन व विकास हरें (प्र: के का का अपन का क किर्माद का दा कि हा

ইংগণীয় রাজবসংক্রাক্ত মন্ত্রীলোসাহের ভ্ৰেডি এট বক্তা করিয়া বলিয়াছেন ংগানার মতে সেই রাজাক্ষতরী হেখী বিনি নুভন কর স্থাপিত না‡করিয়া পুরাতন কর हेर्राहेश वन। * किन्छ अस्टिन त तालनी विका দ্রের মত বিপরীত। সূতন করের প্রয়োজন া হইলেও বিনি ব্যের্জি করিয়া করস্থাপ নর আবিশকেড। সপ্রমাণ করিতে পারেম, ভনিই বড়লোক।

বস্তার বাহে :

ভারতংগের একথানি সূতন ইতিহাস काम कर्। भरनंत्रहाहेत काल्डिका अहे ধুমিত কাপ্তেম আর, ডি. অসবর্ণ ইংলপ্তে _{मह}े**ळ भज** मश्बद्ध कतिएउट्डम ।

কলিকাভার পুলিয়ের অনুসন্ধানকারী ্ভাগ বৃদ্দেশীয় পুলিষের সঞ্জি একরিত। हेल**। (स**लि मार्टिय के छ एवर कर्मा ह्हेरलन । ।পরি•ে•ेट ७ हे छैन।दन्त्र हिल ?

লৈতেছিৰ ইউট্ৰেণি: ি ব কভাব আছে আচাৰ এদান কৰা কত্ৰা কাজ পাই বা বলিয়া :াগে পড়িয়া সংস্থাজের মিউনিসিপালিটি পণ্ডিচারির (এ**র হস্ত হট্ডে ল্টয়া জাজে**র হাও দে

প্রী আমাদিশের হস্তগত হয় নাই। এব ঘাঁহারা আমাদিলের দেশের তকাম ভ্ইয়াছেন, তাঁহাদিগছে ांक्रित्वत समूरताथ वहें, डॉहाता सद्धा ব্ৰয়ে মনোনিৰেশ ও ইহার উপায়া

ণে প্রায়স্ত হন। পুলিষ ও দৌজদ বি বিচাব। আমাদিগের পুলিষের তুলা অভা আবার নাই ; ইছাকে যত গালি সহা তে হয়, এমত অন্য কোন বিভাগীয় চারীকে সহা করিতে হয় না। পুলি সহিত তুলনা করিলে প্রলিকওয়াক চারীদিগকে বহু গুণে সুখী বলিতে । এ দিকে চোর ও দস্যপ্রভৃতি হুশ্চ নেবকের দহিত পুলিবের দপক্তাব্য দিকে সাধু লোকেরা পুলিষকে অক । অকান করিয়া ঘূণা করেন। দণ্ড লে অসপবাধীরা শক্ত হয়, ভাহারা চ্তি পাইলে দর্মাধারণে পুলি া বিপক্ষ হন। কোন দিকেই নিস্তার ই।পুলিষ আপনার এই শোচনীয় ভোর এই কারণ প্রদর্শন করেন, হাদিলের এচচুর কামতানাই। তাঁহারঃ ীভূত ৰাজিকে কোন কথা বলিতে রেন না। মাজি ঐেটেরা উচ্চিদিগের राष्ट्र च्या करदन अवर व्यक्तिक বিট্রেট ক্ষোগ পাইলে তাঁহাদিগকে ঃ দিতে ছাড়েন না। জাঁহারা পূর্বতন কাইতি ক্ষিণ্নরের কথার উলেখ त्रष्ठा 4८ लग्ञ. 22 थग ७० थग देन माहिज গকে ধরিয়া অমনি হাজতে রাখা ত অনেকের হয় সাস এক বৎ সর থান্ত বিচার হইত না। ইহাতে দস্যুরা

দণে পুলিব কাছাবে ২৭ ঘটিকার অধিক

থিতে পারেন না এবং কথায় কথায়

য়াছেন, তাহা আর প্রদান করা

উচিত নছে। এখ য়াছে, তাহা অসুং্ वाकित्त भूतिव यत्नक 📆 🛣 क्रुडकार्या **হইটেড পা**রেন ; কি**ন্ত পু**লিব ও বিচার धनानीएउ बक्जे महर बात चाह्य, তাহাতেই পুলিষের ক্তার্থতালাভের वाशिक कर्यार्क्ट । ज स्ट्रिंग निर्णाहित व्यरभक्ता लाटकत भागीतिक याथीन তাকে সামান্য জ্ঞান করা হয়। এক টাকার দেওয়ানী ডিফ্রী হইলে তাহার আপৌল হইয়াধাকে। কিন্তু এক মান মিয়াদ ও ৫০ টাকা জ্বিমানার আংশীল হর ন:। সম্পতিঘটিত মকদমাগুলি শিক্ষিত বিচারপতির দ্বারা সম্পাদিত **इडेटडटइ** ; किस्रु या यक्ती अन्तर्गत नकम মায় লোকের ধন মান ও প্রাণের উপরে আঘাত্রসম্ভাবনা আছে, ভাষার বিচার ভার কতকণ্ডলি আইনের অনভিজ্ঞ माजिए द्वेषे ७ एड शूषि माजिए द्वेर हे व वर्ड সমর্পিত রহিয়াছে। পক্ষান্তরে পুলিষ (यमक्ल मकम्मना निष्य कानान (मन, डोइटिंड व्यक्षितमध्योक लिटिक मध পাইলে পুলিবের সুখাতি হয়, সুতরাং পুলিষ যে সে প্রকারে দণ্ড দেওয়াইবার (हस्रो शहिशाशास्त्रन। **अ ऋ**त्त व्यत्नक निर्दर्भाट्यत (ग मध्य इत्र को इ: वला वो छ्ला। অপর, পুলিয়ে যে গুলি বি, সি,ও ডি তালিকাভুক্ত করিয়া দেন, তাহাতে দুঞ্নাহয় এই উচ্চাদিপের চেটা: এ ভালিকাতে ভাঁহারা যেমন দও দেও য়াইবার চেন্টা পান অন্য অন্য মকদ্মায় (महेश्रकात रेगर्थका धमर्मन कर्रन। এইদকল কারণে বথার্থ বিচার ছওয়া অতিশয় কঠিন হইয়া উঠিয়াছে। আনবা ত হইত , ভাকাইতিও কমিয়াছিল।; তান্নমিত প্রস্তাব করিভেছি, প্রতি ফৌজ দাঃী অংদাসতে এক এক অনে আইনজ্জ लिटमत मध इत्र। श्रुलिय श्रविष्ट । डेकील नियुक्त करा वर्डा। श्रुलिक ধক্ষাচার ও অধীম কমতার যে প্রাথী ইহার আছেল লট্ডা প্রমাণসংগ্রহ করি

বেন। উক্লি বিবেচনাসহকারে আইন

না থাকাতে व्यात्र काम इरेटकर इ. ना। 🎉 কতক প্ৰামাণ পাইয়াই অণু নেনিয়নে অপ্নৃক্রেন, তথাঃ মকদ্যাহর; শিক্তিব্রেছ উভঃপ্য সমর্থন করেন। তখন 🕏 নুতন প্রমাণ পাইবার **সম্ভাব**না বা ना। शृद्ध चाहेन विक्रम (य काम इ সায়, তথন আরে সংশোধনের थारक ना, कारक कारक है चरनक व যথাৰ্থ অপ্ৰাধী নিদ্ভি পাইয়া থা ফণতঃ প্রথম আদানতে পুনিষ প্রমাণ পর্যাপ্ত ভ্রান করেন, হ আইনে তাহা প্র্যাপ্ত বলিয়া বিবে ছ্য়না। কিন্তু প্রথম। ব্যিমদি এক উপযুক্ত লোকে রাজ্ঞীর পক হ**ই**য়া দ্দনা ত্রির করেন, ভাষা **হইলে** এ অনিষ্ট ঘটেনা। একণে শিকিত काडाकीरवत अलाव माहे, व्यक्टेंबर ए इन्ट्रम्भक्टेरद्रद्र श्वद्राहरू कदिया । ফে) জলারি আদলেতে এক এক উকীল নিয়োজিত করা অতিশয় শাক ছইতেছে।

ভা: চৰাইর শাং নলৰ লী

ইউরোপ হইতে এই সমাচার য়াছে যে, টেট মেক্রেটারি মম্প্রতি ভবর্ষের শাসনত গালী পরিবর্ত্ত বার নিমিন্ত এক বিল অপণি করিয় সৰ ফ্টাফোড নাৰ্থ কোট প্ৰণ্ৰ রলকে হেসমস্ত ক্ষমতা দিবার 🗷 कट्टन दर्जमान एके हे माटक है। वि আগ্রিল্ড ভাষা করিয়াচেন: व्कट्स्टर्ग अक कर मण्लून क्रमानान

ন ১২পন্ন হইৰে বা**ষাই ও মাজ্ঞা**

गर्क शवर्गत (स्ननद्रालत वात शर् मेत्र भिक्त रहेहा कार्या कहियात क्रमहा দিবার চেউায় আছেন। এই প্রস্তাব কাৰ্যো পাইণত হইলে ভবিকাতে ভারত वर्ष भववंत (कामहर्मत हार्याक्य इंडेटन না। ডা্হাতে ভা: ভবার্র রয়েস:তক্ষ রূপ মহান গুণার লাভ হইবে সন্দেহ गाई।

আমেবামতিৰত চুলিত হুইয়া আনজি একটা শোকজনত সম:চার পাঠকগণের গোচর করিছেছি। ২৭ প্রগণার অস্তঃ भाको हतियाणित वातू माधवहन्त मूरश পাধায় ১৩ ই তৈত্ৰ বৃহস্পতিবার রাজিয়ত .सक्छाल कविशाद्यम । देनि इदिनाचि গ্রানের অলকারস্ত্রপ ছিলেন। মাধা ং-ের হিজ্ফর যে কোন কার্য উপস্থিত **इंडेक. गांधव बातु मवर्शत अञ्चलत हरे** ८ वर । किंद्रांत हिन्द्रभाष्ठ कोन स्मान ছিল না । উ। হাব অনু; উরণ অভিশয় সরল এবং হিন্দুনাম ভাষার অ্কপট আছে৷ ছিল, ভাঁচার তুলা উভাম লোকে সচলা हर क्ल अव≑० कर्डन मा। महाधीत अहीशु-हर्नारम मा: हर्जन धान रक्षार्थ प्रकृत हुउ অত্যে মাজানেল মুপজিত কৰিতে ওলাত ≢ই/ল শজ্চুড় উ¦লাকে ব°লালেন, আমাং महुन कुन धाली कड अजिएक(इ कड মবিজেডেডে (কিন্তু হেচালার মাত জোক ग्राप्तिक क्षेत्र अन्त कराज्य वा व्यापार १३ वाबु माधवण्य मुर्थाःशीशाःदश्च विष्ट ঐক্লপ বলিডেভি । ফল ভঃ উচ্চার মৃত্যুতে চরিনাডির খেনেক কচিত ভ্রুল।

यः अर्थे अके ≱ा

১ । দমলপুরি । এখানি সংক্তঞ্জার। त्रवमित्रं कार्ट्स्कतः मः कुछ।शासकः বিয়ত রামগতি নাব্যত্ন হ'ড্বেডীয় महलालाचान इहेटछ मध्यम कतिया

मध्यकुष्ठ भरतः हेशात श्रीग्रम कर्तिराट्यम এমবানি অভি সরল সংস্তে লিখিড र्देशाट्य ।

২। ভূতীর ভাগঋতুপাঠবাধিন। वक्रकाता ७ हेश्ताकी धन्वासं के हेश्र छ সন্নিৰেশিত হইয়াছে।ব্যাখ্য ও উভয়বিধ व्यञ्चाम मकलक लिहे छे दक्कि कहे हार्टि । मानावाच क्ट्रेल खश्द्रत निक्टि अशहरनत अरशक्त स्ट्रेंट् ना।

ও। রাজনিয়ম ও বাবকাদং হিডা। ঞীযুক্ত বারু∵রামচক্র ভৌমিক ইহার धा पञ्चन क ति एक एक न । वृ कि एकोन ब एक के যে প্ৰাণী অবলয়ন করিয়া ব্ৰেক্ষা সংগ্রহ করেন, বারু রামচন্দ্র ভৌমিক সেই উপার আন্নয়ন করিয়াছেন। এট সংগ্রাহ डेकील उ बाहेन मका शीमाना शतः অভিশয় উপকারী ছইবে ৷ রেখ: ডক্তম **হইড়াছে, কিন্তু একটা অভাব দেখা** যাইতেছে প্রস্কার কেবল বিচারাল सह निक्कत धरिका मञ्जूषे थाएकन (कन ? आंब्राया ४ काम करा कर्ता। **ब**हे মডের অনুমোদনের নিমিত্ত বিচারা-গ্রের নিদ্ধান্তের উদ্দেশ করিলে এক थानि (कवल वाबहाताकीरवंत भएक नटक, माशाहर माठेटकर ७ ७ जीकह इंडेट्ड ।

৪। ছাত্রবাধ। হিন্দুস্কুলের আন।তর প্তিত 🖹 যুক্ত ছারকানাথ রায় ইচার রচনা কর্তা। পুত্তকথানি পদ্য ওগদে পরি পূৰ্ব ইকার মধ্যে বিস্তব নীতিগভ উপ দেশ আতে। ছারকানা**ও** রায় কুতন লেখক নচেন; ডিনিএক জন কৰি বিয়া বিখাত। পুরুক্ধানির নাম্ তালবোদ: কিন্তু পণ্ডি চদিনোরও এতং ^{५।८३} স্থে ধন কেপ **হইবে**।

> হোৱা।

অসূত্রর। পঞ্চার।

প্রত্যুত্ত লালেরের আরার ১০ ে শি সূ वष्ट : १ मादित माना हैन। अकी अहि ममुक्ति মশ্পন্ন প্রসিক নগর, বিপাশা ও রেবড়ী সিকু ননীর এই ছুই উপন্**নীর মধ্যবর্তী**। রামদাস নামক শিবনিগের চতুর্ব শুরু ১৫৮১ ঐঃসংকে এই কু∷ন অমৃত সরোবর ন;মে এক টীজল শের খনন করেন, সেই জন্য এই नगरतत नाम अवश्चमत इहेबाह्य। এहे সরোবরটা শিশদিগের আধান তীর্পস্থান।

রেতবযায় গ্রপ্নেক্টের भीत अवन्त्रमुख्येत मःश म क्षा टोका अख्याहा < , কিন্তু আমাদিলের **অসু** न, विलही छ घडेना इहेटव।

স্টেন্ট গ্ৰণ্ড যদি কোন বিষয়ে রাণ হন, ভারতব্রীয় প্রশ্মের্নট্র ভ. ব^{িলর} :়**ই আছোর পুনরুত্থাপ**ন েতে পারিবেন। ইছাতে গোল্যোগ ইবার বিলক্ষণ সম্ভাবনা আছে। ফলত: গ**প্টনাকী পা**বৰ্লের সহিতে ভারত্বনীয় বর্গমে**ন্টের এগু**কার সংক্রার রংখ্য চিত নতে। অত্ৰৰ লাভ আগিন যে িবীকাণ এরড় হইয়াছেন ভাহ: ভাগ য়া কর্ত্তর : ভিনিপথীকা করিতেরভেন : দক্ত এ পরীকার আমাদি:গর অন্যজল টবে । বঙ্গদেশে এক জন স্প্রুণ 'बक्कांश्रेम भागनकर्त्ता निर्देशकार अस्टिंश न। **विधा**कात कार्य-दास्त्रा हरे, एड হইতেতে ভাষতে বস্তুমান প্রবাধীতে **म रछा। मिन मिन कड़िन रहेर संए**ए अस्ति। भवेश व्यास्था वार्तासः वस भ गुडर अ मञ्जः। अशास्त्र यादः हेन्छः िक्ट स्थानाहै। सक्य किंद्र যেণ্টে: সভক হটণা চলিতে হয়

েবসলেশে এক ক্র শূর্ণ ক্ষ্তাপ্র लिया है। इस वर्ष कर करिया है। बार अपने अभवः कहा अंडिक। यह अञ्चित्रवृति ।

ह का वहाक्षा मुझ्लार कर्नुह .८९९ वे ४ इ.स.चीत सम्राह्म १७

. संভिष्ठ 'संसाग, इंट (इन्क्री, स्हे र्वतक क्षेत्र अन्य अन्य अन्य क्षेत्र अन्य विषय

1८ चन्न रङ्गानः

লাভ আংগলি লাগ একটাৰে झाव करियाद्ञन. ट्राइट्टू श्रीत মালের সংক্রান্তির সমর এই ছাতে। হইতেছে, চতুর্নির সমারোহে মেলা হয়। শুনিলাম ঐ সময়ে ংখ্য যাতীর স্মাগম কর এবং জহাই ,মহিষ্প্রভূতি কভ বিকের হয়। প্রায় শতাকী হইল মুসলমান সমাট শিখদি র উন্নতিতে কাডকোধ হ'রা এ সংবাবর রাইরা দিয়াছিল এবং হিস্তুধর্মের নিবিক নেক অত্যাচার করি ছিল; কিন্ত অব হে শিখের একডাবলখন করিয়া মুসল ন্িগকে পরাস্ত করিল এবং এই অমৃত बायरवद रेकादमायम कविन।

এই সরোবরটা দেড়শত ফুট ঃইবে -্তে আনক জল আছৈ, অসংখ্য লোকে ন করে, তথাপি ইহার বারি কভি মিন্মল খহছুরহিরাছে ভূনিলাম, পর্কাতনিঃসভ (त बहर व हेट्टि वन का दिन । এই वन রর চিক মধাত্তে বিষণুর সন্দির নির্মিত ইয়াছে।এই মন্দির্টীর ভিতর উপর ধিরদেশ এবং চতুর্দ্দিক স্বর্ণাত মণ্ডিত ৰং মধ্যে মধ্যে শেহত, পীত, লোহিত ভুতিৰিবিধ মূল্যবাম প্ৰেক্তর খচিত হই ছে। অলাশয়ের উপকুল হইতে মন্দিরে ইবার ১ন্য মনোহর প্রস্তরের সেতু নির্ন্মিত ইয়াছে। পৃষ্করিণীর চতুর্দ্ধিকে পর্যাটন করি রৈও ৰসিবার জান্য এইজ্বের টাইল বসান ইরাছে।যধন আনা শিখনিগের এই · পাঃদর্বার চ (এ অস্থেচলা লোকে ইহাকে 9কুৰরবার কহে) দেখিতে গমন করি, হার চতুদ্দিকের মনোহর ভাব দেখিয়া বোধ हिल, कवितिरशत वर्षड टेकलाम दा दिवकृष्ठे ামে প্রন করিভেছি। আগ্রার ডাজসংল চারতবর্ষ মধ্যে ≗কটী অংশচর্গ পদাধ বড়ে. কন্ত এই শুকুদরবারের গন্তীরতা, উপাদক দুপের প্রিত্র ভাবপ্রভৃতি দেখিকে মনো বাবা নানকের এ "ই

আছে৷ কান স্থ বিশ্বয় তানলয় গু

कृरिन अञ्च नाज्ञक्यांदी के किंदान नाम कि উপাসকের নয়ন মুক্তিত করিয়া উপবিॐ রহিয়াছে। দেতুর ছুইপাম্মে বোগী সন্মানী প্রভৃতি নিত্ত ভাবে উপবেশন করিয়া আছে। এসকল দেখিতে দেখিতে আমরা মন্দিরের অভ্যন্তরে প্রবেশ করিলাম। দেখি লাম সুহের মধাওলে ২ছমূলা আনানের উপর শুরু ন নকের রুহৎ গ্রন্থ স্থাপিত হই য়াছে ও অর্থ চিত বস্ত্রের ছারা উক্ত এ.স্ আছে দিত রহিয়াছে। উপরে মহামূল্য চত্রা তপ ; প্রাচীরে মনেহির কারুকার্যা ; বিবিধ রত্বভিত মনো র সোণার ফল, প্রস্তারের ইপর আংশচর্যা,কাণিত কার্যা: মণ্যে মধ্যে দর্শণ সংস্থিত হওয়াতে ঐসকলের প্রতিবিধ পতিত হাইয়া গৃহটা যেৱপ অনিৰ্বাচনীয় ভাব ধারণ করিয়াছে, ভাহাবলিতে পারি না। মহাশয়: এসকল বিষয় স্কৰ্মে না দেখিলে ভালকপে জ্যুদ্দ করিয়∖ দে ওয়া যার লা। দেখিলাম, এই গুছের ভিতরে উপরে ও চতুর্দ্ধিকে অগণ্য নর নারী উপ বেশন করিয়া রহিয়াছে। নবাগত যাজীর মন্দির প্রদক্ষিণ করিয়া ও / কিণাদি দিয়া যাই তেছে। এখের সমাপত স্থানটাপয়সাকড়ি ও খান্যে পরিপূর্ণ হইয়াছে। গৃহের এক পাখের বাদ্যসহকারে মনে;হর সজীত হট পারিলাম না, াচত করের মধুরতা 🤅 ভারেড্রি কি প তান লয় বিশুক্তাৰ শুন্ধা হ্লয় সামি ছিলেন: हरेग्रा (भणा। अभिकाम, अहे द्वारन आहे छहे প্রহর্ত্ত এইরপে উৎস্ব জইয়া গালে , মহারাজ র্ণজিং সিং ও অন (না) শ্র জামীর ৮ ধান হথেয় ্যক্স অনুনির্কাচনীয় ভাবের আবি লোকনিয়ের হইতে নালরের এক আরুছিল র্থি হর, তীকু। বোধ হয় ডাকমহলে হয় না। ক্ট্রিছে। কে প্রে এক অবর্ণাশি সামরা **ছুট ছিন ঐ সং**তন পির ছিলাম ; দেখা আস্চরের বিংচ রণজিং মিং যে কভ ই দিন্ট 🚅 ন উংসৰ লক্ষিত হইল 🍐 বড় সন্তাট িলেন বলা বার না; ডিনি যথাপ জারিতীর কুলে কোন স্থানে উচিচঃসরে - ০.৪৮(বের সিংহ - ছিলেন : কাশীর বিশেষ পঠিত হইতেতে বিরু সামারও রণজিত্যিক কর্তি হবর্ প্রাভূগার একমনে শুনিভেছে, কোনস্থানে মণ্ডিত হয় মহাময় ! কাশীর বিশেষরের म.म.रमत रमरमत कथकमिरणत गांत्र कथा मिमरह ७ पर्याचा छेरण हुत रही ; क्छा

প্রায় রাতি বিন পুলাশ্ব ষাপন করেন প্রত্যহ নাক কিছু কিছু পাঠ কটিয়া পা্ বর্বে চৈত্র্যা, রামচন্দ্র, নাম্ত্রিক সময়ে একটী একটী নহৎ ৌ করিয়া যে কি কাওই ক'রয়া ভাবিয়া চিক করা বায় না। আংশনার ব্রোর মধ্যে যদি কেছ শিখদিনের তে ব্যবহার ধর্ম নিয়ম এভৃতি কানিতে আমি সভাষ্ঠ চিক্তে অবকাশনকে আগ পত্রে এবাশ করিছে পারি। মহাশর। গ ের ইংরাজ বাহাত্রেরা কি কালীয়া বি:শৃস্বের সম্পির সকল দেব ার আ অবলীলাক্রমে উপানৎসহকারে करद्रम किन्छ এখানে निर्दाप्तराज क्रम ভয় করিয়াই হউক বা বিদ্রোহ্যটনা গ্ৰণ্য জেন্যুল বাহাছ্যুও জুড়া গ্ এখানে গমন করেন।

ভাগনার পাঠকবর্গের মধ্যে য এসকল অংথল দেখেন নাই, ভাঁহারা শানান্য পরিজ্ঞান ও ব্যয় করিয়া ভারত এইসকল কাত্তি এক এক বার দেখিছা ব্যতি আমরা গান বুলিতে ভাগ হইলে গানিতে পারেন যে এট હે ખ્યા,

> অনুত্ৰর নগংগীও প্তিরুহং ও বা ক)ব। স্বিংকল সংকীণ আটোলিক এটার ছিল্ল ও জেবল ও সেতি উক্ত छाल यात्रिक किनी किन्तु व्यक्ति কামীয় নগরাংমটি যেতপ জন্মা, এব সেত্র নহে, গুরুগোবিংক্র নামে টু পিংক ক্লাত এখানে একটা ছুদুচ্ ও 🖠 ত্বা আছে এখন এই ত্ৰাটাণ্ডে ৄ সৈ চুরহিয়াছে, নগর্টার চত্তিব 🥞 E 2 👸 ও উচ্চ স্থৃঢ় প্র†১ীর এব

्रमा वक्र वक् 8., াণ বিচারা হয় नमा साहद

পের হর।

অব্যান্য স্থানের নায় এখানেও উপ যুক্তু-সময়ে রৃষ্টিনা হ-য়াতে মলভার হই বার উপক্রম হইয়াছে। ভ্রিলাম ধ্যে কিছু রৃষ্টি হওয়াজে শলো মূলা পূর্বাপেকা অনেক কমিয়াছে: আমরা ১৩ই ১৫ই : মাৰ্চ এই ভিন দিন দেখিতেছি, জাকাশ বৰ্ষা ₹:লের বেশ গারণ ক বিয়া আহছে এবং মধ্যে महत्र। এक ±क अधवः दृष्टिं स्टेट**ः छ । ७**निक¦म এই বৃষ্টিতে এ অঞ্লে এবার বড় উপকার হইবে: এখন কেত্রেসকলের ভাব অত হৃদ্র : অংশংদের অঞ্লে ভাজে আ খন াসে ধান্যকেতের বেকপ মনোহর শোভা হয়

আবাজিও এখনে বিলক্ষণ শীত অসুত হইতেছে;বিংশ্যতঃ আজি কালি বাদলা হওয়াতে ও ৰায়ুপ্ৰাহত হওয়াতে আহারও শীতবোণ সইডেছে : বোধ হয়, তৈতা মাংসেই শে প্যায় শীত থাবিবে।

এখানে এই সময়ে গোধুম আনি শদ্য

কেত্রেরও সেইকপ শোভা হইয়াছে।

কাবুল কইটে আমীর সিয়ার আলো ষরা ১: ই মার্চ প্রাতঃকালে লাছোরে আ সিয়া পৌছিয়াছেন। তিনি লালোরে ারি দিন থাকিবেন। তাহার সম্মানার্থ লা থোৱে নহাধ্যাভোগ হইতেছে আভোষৰাতী ; লুডা গীডপ্রা**ড়**ডি গ্রণনেক্টের ব্যয়ে হট অচেত্ৰ আমাৰী 🖶 ৰোৱ আংকি ১ই দিন এখানে **ধাকিবেন** : क्यानि सन्दर्भ जानक नाम स्ट्रेटन এখান হইটে জ. লদ ' লুখিয়া প প্রভৃতি হইয়া ও অন্ধন্ধ বিধাৰক ভানেক আবোলার লাও বের বাগছে, বিস্থার করিখে যাইংন্ অভালাতে বড়গুম আনীর িরার আলের আগেমনসংক্রায় যে নিক্ষার নার। ই০ রাল্ডান্ডা মুরে এক তালিকা থাকাশিত হইয়াছে, ভাষাতে | ্নধিলান এটোক স্থানে এইক পা বিজ্ঞাপন : েওয়াহইরাছে বে, আন্মীবের ৠ অভূমৰ চার कन, अवीरन यत्र कार्य बाग्न कार्यनाक सहरव ! রাজসায়েশ বিনাসুম্ভিতে তাহা ব্যয় :

कतिएक भ तिर्देश मामीद्रेश मिकते आशीति मा (प्रभावत्म हाज्ञाद्य क्रम ?

भूता १ तो मण ।वाद्यत्र व्याल्डकान । বিশ্ব রক্ষমীতে সমস্ত রাত্রি কবিজ্ঞান্ত महिलाहा, अधमक अमनि # FICIE ৰে কাৰ্য়ে সাধ্য গুৰুত্ইতে বহিৰ্গত হয় : শনিবার জনাব সার দিল বুটি আছেড হইরাছে: ভারতে আবার এ বার नमस्त २वः इव मादे। विक क्रायक्तिन বাশিয়া হয় ভাহাতে হানি নাই বনং सभीर উপকার। अपनीत निवादकानीत এ অঞ্চল ওয়া গমনে ৰ্লিতে হাইবে।

মহালার ! বলদেলের : ভরপুর্ব ভূটার প্রধান দেশসমূহ কিৰূপ थवर कान चारन किकश रेमलमाला, त्वश ৰতী জ্বোত্ৰতী নিশ্ব নদীও মনোহর विलिन ध्वर दराशांत्रका र्भा खत्रमान्यक অশ্বপূর্ণ কান্নপ্রভৃতি ছুগীন হিংভৰ ारङ, ভাষা अ:मानिरशत मक्तिनर <u>स</u>न्द অনেক পাঠক অবগত নন। তাঁহার। এইদ শের অক্তে রাজপর্বপ্রস্থাতির বিষয় অবগত नन विश्वा अरम्य मानवदिवृद्धि अप्रेवी জ্ঞান করিয়া থাকেন এবং কখন এ স্থানে মাণিতে হইলে গমন অংপেকাও ক ট্রাধ করেন। জ ভএব এ দেশের কিঞ্ছিং বিবরণ সংক্ষেপে সেনিপ্রকাশে প্রকাশ করা এकाञ्च कर्डयाः जाना जूपेन बाकाधी**न जन** পাইপ্ড ট্র জিলার বিষয় কিঞিং বর্ণিত

জলপাই গুড়ি এক সি ফেলা বলিয়া পরি প্ৰত্ৰে ; বিশ্ব ৰেখিতে সামান্য প্লীপ্ৰাষ্ এখানে কমিসনর ডিপ্টা সমিস্নর আসে ইাট ক্ষিলা ডিপ্টি মাভি থ্রিক ডিটিক স্পাহিতে ডাউ পুলিষ পোই মাপিসপ্রভৃতি क इन्द्रिय एका शैक्ष भवन्त्रमत्त्वेत मिलियाति সংক্রান্ত রেজিমেট্ এবং কুচবিহারের ্রাসার সমও বিষয়ের হিসান্তি কাথিবার নিমত্ত একটা অভিট খ্লিস্ও একটা ছাপাখানা আছে।ভিতানদী 🤏 র নিয়ে धवाहित धवः छेशास्त्र (मोकामि शिमेमा গদৰ ক'ংয়াথাকে: ডিক্ড; অতি সামান্য न रहा देशाव Cव्या ७ क्यानके अवः वर्षाकारक्र

डेरनाथ **१रेट्ड**(इ.) একটা প্ৰাত্ৰ উল্যান সগ ল্যানি বিদ্যমান রহিয়াছে। সময়ের কএকটা সুহৎ ামছে। তথার ইংরাজ রাজকার্য ও বাসস্থান ছুই াহার কারের কুটিল গতি !!

য়ে ষর পঞ্চবের মধ্যে প্রেশীন বারিজ্ঞা এখান হইতে অচুর পরিমাণে ভুলা নাল লাহোরী ল্বণ ও কাথীয়ী নানা স্থানে রপ্তানি ছইটেছে। ভনি এখালে প্রায় সহতা ঘর শাস্বয়ন সাজাছু∣ সাতা ৷এক অন ব্ণিক প∷িলিশ ाना अत्मादन जानक प्रवाह ११३ । देश विकारम्भनार्षातं अवस्थितरस्व প্রা: এখান াস্ত্রত হয়। মণি ও ব্যবসায়ী এখানে অনেক মাছে **८३७ अधारक अञ्चल लिग हिन अ**हा मण्या इटेट ट्रह

এক্টাৰেরজল ব্যুলচেইয়ে অংশেফা া; ভূমিও বিলক্ষ উঠেরো: প্রংমে ট পিঞ্বৈ যেকপ খালখননের আয়েভেন হেন্তাহীতে ভবিষাতে এ অঞ্চল দ্য আরি আশিক্ষা থাকিৰে না

ধানে একটা মিদনরি ও একটা গ্রণ এই গুইটা অংশকাক্লান কিছু বড় বিৰা 🤃 धर्यादन ३० : ३२ जी बहे बाजाली £हे : , ३२ जि. छा ? , दक्क हहेग्रा চতিত পাৰেন, যিন্তুৰে বিষয়ে বজ বিলাম নাঃ - ংকে ভতালের কভাক **बद्धी**ाकि । किस्टिक्सिंग कि ব্রোপকার প্রস্তুতি কালে ও জালেক মাতে ৷

ে ক্ষণনর ছেপটি ক্রিসন্র

১ ল ভাগ

नं तहिताय पार्थिवः सम्खनी अतिमहती सं श्रायमां।

। মূল্য ১ এক অবিষ বাৰ্ষিক ১০ দশ । বাণ্যাসিক ৫॥ সাজে পাঁচ চাকা।

मन १२१६। २८० टेंग्ज । ३৮७৯। ६३ वट दान

্ষ্কপালে মাজুলগুলত আও মাণ্যাদিক ৭, ও জৈমাদিক ৩

বিজ্ঞাপন।

वर्षत्वतं व्याभागमास
नामी ० - এ टेठ व द्विदात महा। १॥ पाँठे
कात मगरत अवर
भव रर्षत्र वाष्ट्रमास्त्र भव रर्षत्र वाष्ट्रमास्त्र शामी १ मा दिशास मामगत अकुः व कात मगरत स्टेट्स । वाष्ट्रमास खिक, देख्य स्थामगरत कनिकाचा चानि वाष्ट्रमास साममन्त्रिक वाष्ट्रभागमास कतिर्वम ।

मृत्रकृष्क तारित्र मर्श्विष ।

रिक्शिन तिः त श्रेष्ठ याद्यांकरत्र मृत्यात ।

देवा अभिक करहे श्रेत्याव इत्र, आधि ।

ति गर्छ जे वाधित कक मर्शेव्य श्रीख ।

हि तवर उपाता अरम्प कतिल अमेछि ।

रिकृत वाधित कहे नाहे । अञ्जव याद्यांकि ।

स्ति स्वा कहे नाहे । अञ्जव याद्यांकि ।

स्ति स्वा करे नाहे । अञ्जव याद्यांकि ।

स्ति स्वा करे नाहे । अञ्जव याद्यांकि ।

स्ति स्वा करे नहे । अञ्जव याद्यांकि ।

स्ति स्वा करित्यांक करित्यांक ।

स्ति स्वा करित्यांक करित्यांक ।

स्ति स्व क्षित्यांक करित्यांक ।

स्ति स्व क्षित्यांक ।

জেলা মুবসিদাবাদের অধীন আজিম গল্প রায়ধনপত সিংহ বাহাছধের জনীদারি কাছারীর দেওয়ান শ্রীগঙ্গাদাস রায়।

বুক বলনাথ মুখোপাধারপ্রনীত ধাক্রী বিজীয় ভাগ মুদ্রত হইয়। পটোলভালা গারাদশকোং পুজকালয়ে বিক্রে হই । উত্তম কাপড়ে নাধান মুল্য ১॥• টাকা। ভাগ।
১ ট্র

সে'মপ্রকাশ সম্পাদক।

-:::-

ত্তীয় ভাগ শব্দতি ব্যাধ্য ইংরাজী ও বালনা ভাষায় অনুবাদ সমেত প্রীশ্যামাচনন সুখোপাধ্যায় প্রনীক, মুল্য ১০০, গ্রহণকায়কী ব্যক্তিরা কলিকাতা সংস্কৃতপ্রেসভিপজিট বাজুলি প্রাদস এও কোং দোকানে ও বছুগোপাল চট্টোপাধ্যায়ের প্রেসে ভক্তকরিলে পাইবেন। শ

नर्सनाध्वन दक्षां क्यां वाहेर उद्यु (य नम हार नव २० मार्ड जादिय भनिवाद (वला १) च जो द नव द्वां मार्ट क्यां मार्ट क्यां क्यां मार्ट क्यां क्यां

প্রত্যেক নীকাম ডাকনীয়া ব্যক্তিকে নীলাম আর্জের পূর্বে ১০০ শত টাকা আমানত করিতে হইবে এবং যাগদিগের ডাক আগ্রাহ্য হইবে, ভাহাদিগের আমানতী টাক্ষা ক্ষেরত দেওরা বাইবে এবং উচ্চ প্রের নীলাম ডাক নীয়া ব্যক্তির আমানতি টাকা ইলার:ব কিন্তীর পরিমাণে জামিনী টাকা আদাঃ কেরত দেওয়া যাইবে।

উপরি উজ বিষয়ের অনাম্য সংবাদ আক্ষরিত সংহেবের সমীপে প্রাপ্ত হইবে। এইচ, ভবলিউ, গার্নদ্ট, কাপ্তান আর একজিকিউটিব ইঞ্নিয়র, দাবে

--:0:--

काशिनी नाष्ट्रकः।

বছরাজার ২৪৯ নং ইটান**হোপ** প্রাপ্তা সুল: এক টাকা। ভাক **সাভাল** আরামাত্র।

বাঙ্গলা চণ্ডকৌশিক নাটক। সিমুলিয়া কাঁগানিগাড়াহিতিৰী যত্ত্ত কলিকাডা নৰ্মাণ স্কৃত্তে বিজ্ঞান প্ৰ আছে, মূল্যান্তি আনামাত্ত্ত্য

জীনবীনচন্দ্ৰ মুখোপাধ, ছি। কলিকাভা নন্দাল স্কুন।

—::--বাল্মীকি রামারণ চতুর্থ থক্ত।

প্রত্যেক খণ্ড ১০ ফরমা।

करे शृष्ठक मामताकरत मूल छ जीका व ंकता कर्वारमत महिल श्रकामित हरेरकर श्रेरकाक बरख व मूला ॥ - कामा मां मंत्राता वि मिल जोरक हरेगांत रेक करतन, केंगांग का मारम कलिकाका आकाममार मध्य कर लिखिएव विरम्भीय जांकक मिलाक श्रेरका बरक कर दिल जन जाना माल्यल भिर्क स्ट्रेरवा

कांत्रकाखा) बीद्रमध्य कड़ीहा

--:0:---

--::--

নি, গেৰ পুস্কালয়ে

উন্তল্পনিক্তক্ত হোৱা বিক্রেক্তা।

ि क राज्यकात कार्या प्रशास है हाए हैं। जा कार्यकात केर्या कार्यकात केर्या कार्यकात है हाए हैं। जा कार्यकात कार्यकात है हाए कार्यकात है कार्यकात का

্ঠি নিয়া সংস্কৃতি পুস্তকালয়ে ও পটোল এক্ষার ক্ষেত্র কোম্পানির দেকেনে ১০০০ - ও মংপ্রচারিত নিয়ালিলিত গুস্তক ওলি বৈক্যা ০০টিক্তেল

|) 25. 26. 80 mm | | |
|------------------------|--------|-----------------|
| প্ৰাৰ [ি] ক্ত | সূল্য | |
| র্নি প্রিকাস | > | bio |
| (রামই উছাস | 5 | À |
| ভূলন্মান কাকরণ | , • | আন |
| নী অসার (১ ম ভাগ) | J | S. |
| নীডিসার (২ য় ভাগ) | d | ŭ |
| ८ हा दिखे । | | |
| भुगात्वाम वहाकात | iq. | ক্র |
| ত্রী ধারক | iair : | भ न्द्र[|

ালি শ্বাস্থান্ত্রিধানে একথানি লালে এডান সম্লন করিছে আর্ড কার লালে এডালি লাভ সম্পূর্ণ কইবে, সংখ্যি লালে ও লালে ভ্রমারে লিক্টের বঙ্কের লালে ভারমার বিল্লিক করিবা ন্তর্ভ মান ভারমার বিল্লিক করিবা প্রভার করিবা লোক

२०१९ मार | ६.२१क्टर मध्या १८१ मध्या | १ जात का मध्या का उनका

रुक्त क्षा करूरावर्ती 🖰

কাস্কখানি আভনত চালান গাওঁ এখাছ। ইংগ্ৰেচ্ছৰ থান মাগে আহে। ইন্তৰ গ্ৰে বাধানা আহলকুক সোধাইটি। সংস্কৃত খালুব পুস্কালয়ে, নামাল স্কুলে ও প্ৰোল্ডায়ে,

বিজি বঁটা এলের দৈগের পুস্তকালরে গাঁওরা যায়। মূল্য ৪৪ টাকা।

क्षि^{भी}लकमल , घासः हा।

-:0:--

· চ**ंडक प्रक्र**ी।

অধাৎ ভাৰত বেষ্ট্ৰ স্থাক প্ৰ ই ভাগ্স পুনর্দ্ধিত হইগ্রেছ । এ বাবে রহাতে করকটা छुखन (त्यत्र महाराजक क्टेन की कुंक केऽक्। মত্যালয়ের অভ্যম তাক্ষে জাড় ও রেজেস জিল कीनमञ्चाक उनम् (विदिश्यतः भागमः १५५० लिचि**छ ३३**५९६५ जा. १ १,४१५६९० .स ५३ १८४ यम भवर्षत (कर्म-१८ल १ : बाग्रुल भ व्यक्ति छ स পরিভ্রেজ কইয়া ভল, এবারে মেড়েল ও উকালে ন্ধেশিও কার্ডমে। অসংক্ষা উচ্চতে একটা हेल क्षां, बका का खाँ खाल कड़ेला क्षा कुछ द'र कर পুনশ্ব দ্রিত চবিভন্ত নীগাটো ইন্থেলনের ভাষক वर्षे आध्यम अवस्य लाउ कः पन्तः व राष्ट्रान्यः मान নের শেষপথ আনু সমুদার সূত্রাক্ত কাবল করত व्यवशास र एक्का मा है। ज भारतात । कार है। इस মিউটি-বর রুড়াস্ত সহিচ্ছের হরিও ১ইলুস্ছ : प°%, त्याञ्चन भूषकालास । ७ (कः ङ्:पार्कः ৬৪ নং দোকানে জীয়ুক প্রভাপত জ রায়েব बिक्टडे हाल्।। ž4:7 • किकाली अमृत हाइ।

ৰিক্রার্থ।

পারে দেবীজন সংঘটি **গুলামস্থ** ১৯ ন বাছে বার্দ্ধ

हेप्ति ेस्रा चा खारो संहारा कर कड़िएड ६२ १ वटरावर्षा पर्मा, केंद्र स्थाप इंडरास्ट ६२ वट्टा स्थाप

> ে প্রের স্কারেলা-অন্নার ভ্রম কোট

বিবিধ এবচনি বিক্লার্থ এক্টেড ।

ইংরাকী ব লালা গুড়াক কাগ্রন্থ কল্ম নাম।
বিশ ছব্যাদি পাওরা ধার এবং পুত্রা দ্যে

/ এক জানার হিসাবে কমিসন দি। আধিক
চীকার পুত্রক লইলে / ১০ জানার হিসাবে
পাইবেন।

के वे भोक्षत्वता भीका को ने १८० मा १५८वत । ७० हाका हालक झक्त्रय सक्तरातम मुख्यावली अक्षाय जान १५वीह एक १४१४ । अ

| জুবলাস | . • 3 | |
|--|-------|----------------|
| ্ৰত জড়িত ভাত্ৰ ব্য | Š. | 3 |
| ভন্ত বদ, শ | >#• | 1 |
| मार् चारमव | ۲, | 9 |
| ক্ৰাছন হাস্ব্য | : 8 | الاراقد هد اله |
| ্ৰাভ <i>া</i> লা | 21 | ٥٠١ |
| क्षाच प्रथं छ अथ्य | 31. | 9/9 |
| ঐ विक्रीध्य छ | ١. | ود |
| উৰ্বলীত। মটং ক্ৰ নিৰূপৰ | | |
| ድ ጋ ያ · | , | Š |
| বোগৰাশংনক দুমারকুত | ¢ | ğ |
| कामकी गडक | ۵ | 9 |
| চরিত্মজ্রী ভেটীয়বার | | |
| मू एउ | 24. | 9 |
| क्षीवनद्र ३: अ | 4 • | 9 |
| পারকাভ এরণ | # . | Š |
| मुक्त-राष्ट्री संदर्भ | | S. |
| গীতাবলী ওচো রাম্যোহন | র'য়- | |
| ଥ ବି ଅ | " | Š |
| न क्षत्र (३०० व | h | Š |
| লিখিডসং হিতা | f • | Sec Sec |
| শভিন্তগ্ৰহ:#ভা | t of | |
| वः! त्रवरां १७। | Ŋ | Ì |
| জাপস্থ সংহিতা | h | Sec Sec Sec |
| বু [া] কে চাকু:মন্তি | fi • | 9 |
| ए डम्, र्ने"घुर | لع | Ğ |
| विषय:२% कृ श्च | 11 - | Ú |
| को इन वशकानर | н. | ė |
| বিশাভা দানা, জন, নাটক | Ŋ | Ga Gao feo |
| িন্দ্ৰ মাটক | Į • | (A) |
| % ভ. বিদৰ্শন | · J | 9 |
| বি ভিক প্তিক | j. | , (Br. |
| िनाकापती 🕝 | !• | · |
| कं इंद्रांत के दिल | h: | 9 |
| 7年分 大きた1 (本 * : : : : : : : : : : : : : : : : : : : | 17. | 5 |
| > | ស.ភ | • į÷ |
| াকে। ৬৪ মং ∫ লগ | ÷ বে: | ¥. |
| | | |

र्माणवात राजा ।

সম চল্ছত নালে, সাফ নামের ২০ ছটা ১৮৪ মার্চ পুর্যার ভাগীরথীনটার নর্পানেতি জালের সাধা

ছিক রিপোট*।* ফ্লানের নাম স্বয়িছ্যতি

জুট ভূগীরখীর সহিত্য প্রান্থীর বো ভান क रव रक्षांक क्षा काहारक तर अन क्षेत्रकि हिटलमें। काश्रंत नवामार्थ सुत्रा तिरम फिनि बाष्ट्रास्ट्र यमिरमम रमाक कतिहा छ इडर्श भागम क्या पाछि विसः विश्वत किति आक्षानगरकारत त्रक्षक स्ट्रेट्नमः। (समग्रत्मत अक्ष्यांश क्रियांट्डन १ ড কল। ডোবার মহানাতে প্রবল বাড়া।

কলৰ হইডে আগত আনিশাপ আহ'জ । ब्राष्ट्रहोड

ह कना व्यापन करहे । छात्रास्त्र बन विद्रुत व्यनम्ब इहेश्राह्य

টি সংবাদপত্ৰ বলেম, বেসকল কৰাখী ব ৬ - মাধের বিদার আপতীত কইরাছে দিগকে পুনর্সার শিবিহর আনিবার আক্রা ह। ७०,००० द्रेननऽदक होकाहेब्रा (स्वयूर .

--:0:--

গ্ৰণ্ডেশ্ট বিজ্ঞাপন্।

রঙ্গদেশীয় লেপ্টনন্টগরর্ণরের

चारमञ्जूनाही

निदयोग ।

ब्राज्य ଓ नाथात्र विकास । s अमार्ठ। ति. अक, माधाःथ नाटर्य शांष्ठे

हकात्री वास्त्रिके ও कारलकेत इहेन्रा (अभीत अवित माखिएको ७ एउ**न्छि** कारल

क्रमण शहरवस्य

০ এ নার্চ। নদীয়ার প্রক্রিনিধি মাজিক্টেট ও ≣त (क, मनदता नारण्य शक्षम (क्रांकिटक **र स्टेट्टनहै।**

७ ए। इ. अफिनिधि मास्त्रिके छ। काल्हेन উ, ওয়েবেল সাংহ্র এথম জেলিতে **१३**(वन ।

শ, এন, জিল, চিক সাছেব বাকুড়ার সাধা বিদ্যাশিকা সভার সভ্য ইইবেন।

डिनिस ही, नर्मान गाटक्द विकास लहेन्ना विक चाकिर्वम, फफनिम फवसिके,

गारहर त्राष्ट्रपाहित श्राप्तिशि छाईन्हे (के) ७ (**अश्**षे काल्डित **स्ट्रि**नः

क निम वादू बट्टब्ब्ब्र वटव्हानीयहान्न লইয়া অনুপঞ্জি থাকিবেন, ওও দিন মাজিকেট ও∞ডেপুটি কালেটর বারু ছোহন চটোপাধ্যায় নাটোর উপৰিভাগেড়

१ देश ध्रम (अ.स. वर्षेत्र माकिटकेट्ट्रेस

তকলা লাভ বেছের বাসতে ইষ্টার পর্বা ও সেনিয়নে সম্পূর্ণ করিবার মঞ্জনার প্রথম विकास करियात क्षत्रका शाहरवय है

वक मिन अह, मिक में मार्ट्स विवास महेशा कश्रीवृत्त वाकित्वन, एक विन कार्श्वक, हर कि छ (अ, निष्ठेन वक्ताराण्येत अफ्रिजिबि यन

१ मा अध्यम भावति मित्रकिश्चिक प्रकार लारकता अधिदिक महका । कश्रिमेश वह-

ति. खवनिष्ठ, छेहेन्स्र नास्य अध्य জ্বেণিতে।

বাবু কালীদাস পালিত হিতীয় জেণিতে। a. डवलिडे, कतातांहे, (क, वि. माफ श्रद्धन ও এচ, এচ. মেটকাফ সাহেব ভৃতীর লোনিতে। ভবলি है. এম, স্মিথ সাকেব চতুর্ব আংশিতে। এ, तार्ट् ७ (स, अस, बुमहाने नार्ट्य नकः (**લ્લ**ેલ્ટ્રકા

আহার, এচ, বেলিস'ছেব ষষ্ঠ আন্দিডে। ভগৰাস, কোৱাইট সাহেৰ সপ্তম জেৰিভে 1 মসলদিভিব অভিরিক্ত সহকারী ক্ষিদ্দর . एक. अन. फ किन्स नारहर कृतीय क्रांनिटक **উती उह्हें (वस**।

শিবসাগতের প্রতিনিধি অতিহিক্ত কমি সময় সি, জে, কাউই সাহেৰ সপ্তম গ্ৰেণিডে मण्युर्व ऋत्य सिवुक्त स्ट्रेट्स ।

১ লা এপ্রেল অবধি নিয়ক্তর শাসন কার্ব্যের भण्ठां जिथिक कर्या वादिश्य छेत्री छ ब्हेरबर ।

ध्यत्र (अविद्या

प्रि. ब. खंटमा माटह्य । **७वनिडे, ति, क्ट्रीन**।

विजीव (व्यन्तिकः) बाबु कालीश्रमम बाग्रहोधूरी। এফ, জে, আর, ওয়াকার সাহের। वां व मरहत्स्यां व रहा !

क्डीश (अनिरङ। বার প্রভাপনারায়ণ সিংহ। अन, नि. श्यांनेन नार्ट्य। ই. বি. গডফি 🍳 🕽 भोनवी आवद्य सक्तः। বংৰু ভগবানচতা বছু বৰ্মানত্ भोवदी प्रतिमस्ति ।

म्पूर्य (अनिएस)

बाबु श्र्वेष्ठक निर्द्वाशी।

- (शक्तहस्य द्राय ।
- (शांटनांकहळा तांग्र। ঃ কালী প্রসাধ সেয়।

विश्वकाष वाषु मीनमणि के द स्ट्रिय ।

इक्रेबाटमत्र शक्रिनिश ন্ধার বাবু নৃত্যসাল দে (ब्रक्तिंत ग्रेरवन।

বাৰু টলাৰ মংক্ৰেলাল বহু गम्भू र नव (तक्तिकोत्र व्हेटवन ।

वाब तामतक्षम ठामवस्त्री वीहकूरमह नाः विन्द्रीभिका मध्येत्र मध्य स्ट्रेट्स ।

अंह, अल. छोल्लियुत्र । বন্দালীয় গ্রথমেন্টের সেক্টোরী।

বিচার ও রাজনীতি সংক্রাঞ্চ বিভাগ।

১० हे मार्छ। ১৮७৮ फास्म्ब ১८ फार्स ১২ ধারাস্থনারে ডাজর বৈ, জে, পেইন ব কাতা ও উপনগরের বেশ্যা চিকিৎসাং व्यवाक रहेया हिकिश्याकार्यात बरमाव मार्थात्रम छन्दायशात्रक स्ट्रियन।

২৩ এ মাৰ্চ। যত দিন সৰ আয়ায় সাৰ্জন জনর্থৰ পাল উপনীত না হন, দিন তৃতীর থেণির সেব আংনিষ্ঠানী স গোপালচন্দ্র দে সাওডাল পরগণায় গো লীকার প্রতিরিধি ডেপুটি স্থুপরিক্টেঞ্চেই (44)

২৪ এ মার্চ ৷ মহিধানলের অক্তর্যক রং বাজারের দাভব্য চিকিৎসালয় চালা নিষিত নিয়লিখিত ভ্রলোকেরা স্ক্র (वस ।

द्रोद्या तथान धनाप गर्ग । वाबु यानवष्टम (वाबा

- ৯ কাভিচন্দ্ৰস্থ
- » নীলমৰি মুপ্তলা
- " রাধালোধিক বৃদ্ধু।

বত দিন ভাতকর সি. টি, ও, উড विषात्र महेशा आहा । ऋष धार्कि द्वन, कः (मिष्कित कारलाक्षेत्र हिकिश्मालायुव स्वि বাউদ সার্ক্তন ডাক্তর কে, এচ, জনপ্রোন নার কার্যেরে উপর প্রতিনিধি পুলিম : **ब्रहेट्यन** ।

२६ अ गार्छ। आत, वस्ताम मारश्व (ছগার প্রতিনি যি সহকারী পুলিৰ **সু**পারটো रहेरवन ।

मि. (ववन कारहर मुस्तरतत अस्तिविधि कात्री शुनिम प्रश्निति केटल हरेटन ।

शुनिरंदत निव्निविक श्रीकविका

REN I

श्क्रियः । ្តកំនុ 2% ១2% ១2% (50.

∘स. **०'भुम**ः

7 8,584 S

वर्गात हुन । सान्य ।

् यहे अटक्टर

N. S. A. S. A. S. S. S. A. S.

े असः युक्त सम्बद्धाः, (कृति म्राट्ड्र ्राप्त कार्यान खाउँ हिन्स **कार्याक**ांद्र ্ট ভার প্রাক্তার **মেডকাল ক**ালে েকংস গ্রেম সাজীবিভাগের একি । र^{ाच्}य श्रीक्षम ठड्रावम ।

নিয়নি এত সহকারী পুলিষ স্থপরিক্টেণ্ডেল্ড क रक्षणी कहा (भना।

. व : (15 मार्ट्य **क्रीहर्ड इहेर**क इंग-

বলৈউ, এন, এচ ফর্মে সংক্রে ভ্রনী ক মক্রেপ (

ল, স্টাটকোড সংক্রের কামরূপ ভ্রতে খুল

दानु काभवतानाथ काठार ठकनियीह চিকিৎস লয়ের ভার প্রিক্র

• এ म'र्চ। दि, दि, ष्टेक म'रश्व न छत्।

ह हिक्स्मा कर्पहादी स्टेस्स्स ।

B किन (लाफीन ही a, काह, हे हेन किनान েপ থাবিবেন ভত দিন এ, এচ, আংইক ংক্রেশের পুলিষ ইনিস্পেট্র জেনগ ্রিনিধ নিজ সভকারী চইবেন। উট্টার ह'न हातीन 'का. ऊ.इ. (कश्च अराह्स त क्षतिकि पूलिस स्वाहर के उ

\$150 i

ः सीव स्द∷रकोत स्थ∷कारेको

रिमासिट्स व : पर्द्वाभिष्ठ देखा स्टार्ट्स লৈপিয়গ্ডন 📖

ংহ'চ এখাবে ও প ভিট্যুক্ত একে ১

। इन : ० हे तम्ब मा**८०व व्यक्तः एक। यक** किस वर्तन भए मारहत चरतम हरे. े किनेटक १४४ १ १ मा १४ दिन एक निन एडली मार्ट द डाई हि (भू कहिर्देश अवर एडली मारहर ्रावित्तवाहरू कि देशः जा महल (क्रमात्रम ,हस् दलन मार्क्त चीत काम्य क्षमन के हर्सन।

अधानकात लियानक अधार्क उपादिस्म हेड ইসাব লইয়া বড় গোল্যোগ উপাস্ত 🗱 য়াছে এবং ভলিব্লন গ্ৰামেকেৰ যে অয়ধা मध्य कार्यक्ष एके छ। छ। छ। एवं स्थापाल \$ **65**7 < ()

এখানকাৰ পুত্ৰাই, এখান দিন ভাগে (ফ'ুল ডিবলন, যেডি ডিবিজন, এবং পোয়ালিয়ার চিবিজন) বিভক্ত প্রত্যুগ ভাগে এক এক জন এক জিকিইছিভ এঞ্চ য়'র এবং ছুই ডিন জন আনুসিই⊹ট এছে নং∷ু নিৰ্ভা কাছেন। উত্ত ভিন্তী ভংগের সংক্ গোয়া লয়ার ভিবেজনটা এধনে। প্রস্কু:॰ এই कि रेस कार्य, ७ व्यक्ति । इति:श्वाक्ति अहा हिंदल নৰ ৰাই। এক জন চতুৰ জোনীৰ এত ं भी अ अकाष्ट्रेक्षां है बाता छिडमकरण নিটাছিত ইইত, কথন কোন মারুগ্র হিসাব বাকীপজ্ডিন। গড় বংসং এ এল मार्थ संदेशकाद्रकन्त्रीय शृक्तिकार्यात कमरहेर ≓त दिल•प मर≉क (মাখনলাল वाव्दक) अथाम ३३:७ फिहाटके वर्गल जान्या ভংকাৰে প্ৰভাতীয় হই জন একটেডাভ मयुक्त कराम । एकारमा सिम एकी स्टब्स তিনি লয়েদ ২০০ বিকাপান আহাব যিনি ১৪০ अपीतास्त्रांच ४० है। का भागा ८७ सम् देशः দের যে ভিলম্পন্ত এক টাকা আটি আনে করুই श्रीतिक्षेत्र विक्रिके कार्य करण पार्व हिन महराती (करारी भाषत स्माप्तक आहुः छ।इः किक चण्डीकात सुभ न प्राप्त । सुक्य ह ৮০ টাকাণ ইইড এককো ভাষাকে ১০০ চাক্ত । अभिक्र राष्ट्र कहेराचर्छ कालाम तन्त्र अञ्चल ३ हेराखरूह না এই তন মাসেব হসাব এপহা,তাপ ভয়া कार्क, अकृत्य (बाक्रामः, स्केश्व १० रूउ ্কংহার দেশের প্রক্রিকভয়।কি ভেপু।উচ্চত্ত প্রধানক ন্র্রাট্র এন গ্রেম স্থিত लयप्रशाहित अहं त्राक्षिक नाम (७० शाकुण्येक्टीस व कि.स. अन्याक स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन ें° र'द छ। इस ६०० हेरकर्) इक्ट्रेड्डिइ र्रे ५६ मझ कि गाँ। रशार्थार दलासरकात वर्णा - अष्टाङ्क्षत् अर्थे अर्थे कुनाना स्^रहर्क आहत् (स्क्रोहें के देंदें के लिए एक तार तार विक्रासीट स्टाहर কর্মেল কেন্ট্র সাহর প্রত্যুক্ত নেহলে। সাম্প্রাম প্রথমে কল্পেকেন্ত্র কারীয় সোধেই পাঠ করিয় লাভা সং আরে **হাই** চল্লে লগেক। র্ভবর্ষীয় এক ন্য ১,জাট হইল। জন্তুপ ভইক্তেকে । কেবল যে গোয়ালয়াও প্রতিক জালান বাও্তেন। বি এন ক'ব্যু চননা ভবৰ সংক'লে পঢ়েল। চনাৰ জাচনৰ জিহাৰৰ লট্ডা ভোগালুয়োলে **উপ্সিত** ু

(बद्रम्मा बे क्षकाः । कर्तेन जित्रकर्मत पूर्व अवाक्षणात्तः छ ११३ वर्षा छ अधिक एक अवाक इंड्रेंट इस । किंस व स्मर्केत कछ छ।क। किन्सुड कविशाहिस ए विकिथ्म मार्ट्स्व च्याहरक स्वयम् विद्वार कि स भन्द्र कि अस कांश्र कांत्र के यनि कान अक्तामण्ड कर्माहाती उ महोश कर्या कटाएम खारा कहेटल ভেনি প্দছু ভ ইইয়া প ধৰাৰ পাইভেন স ভাবা ভীগে ৬২৮৩ প্লেৱিভ ≉ইতে 'विलिश्य म'ट्रिय स-हत्य ५ मिट्र्यम (य. मार्जी) वर्तर सरक कथन अञ्चलका । स्थापक का वा अ**न** 'क्ट्र स्टाटस्टर, स्था: _|

বিভ্নন্তল ন ্ন এপতী অভি শে নীয় মটনা ভট্যা ১৯০ ১ করি সংক্রা এক জন ((১৯৬৫° ১৬)-ে গুটোর গ্রু रामक वाहित्क वस्त्र २००० । एक क्रीप्त क खालमा कहें हो। परिकार कराय देश र अञ्चर क्या । जु ্তির এক রন্ধামতে। ভিন্ন আরু প্লিবার ল সভএৰ ঐ শাকাও না^{টা}ৰ **অ^{গি}ৰ্মোপ'**য় নিয গাৰ্ব প্ৰতি বিভাগ হইটে মান্যক বিছু চেত্ৰ

धरे मार्क अवादम शुन्तरात काखिलपु लिल इकि रहेड्डा शिद्वारक। त्वला मारक काविके সময় বৰ্ষৰ কারত কটয়ারতির প্রায় ৯ টা প্র. थारक। द्रक्तिद्र भव इंडेएड किन्द्रमा (स्थम ही) রাত্রিতেও ওদমুরূপ শীত বোধ কট্যোক এড রিবজন বস ও ও হর্ম বেট্রের পুর গারে ৮০ अ'त क्षेत्र'रङ । अथानकात स्नल नार् तकु ०.4 मर्ह । (वाल काष्ट्राष्ट्र शहित्रहीसभी सहस्रो सहन् গমল্লে মছৰ অমাৰ্শ ট্ৰেপানন কলো বক্ষা-भाराद्विष्ट । शहरत्वतः स्विन्तानः व व्यान्त स • से इड्डार्ड 'ड'ड1= मर्° इ.साई ,

(शरिका

मान। दत क्षेत्र क्षेत्र स्मानशाकां मान মহাশ্র সমীপেয়ু।

क्षत्रीविष्यं दशस्य 🕶 ।

किला मध्यम भिराहर्ष ठथीन आप जाला १०० িওয়াস সাংক্রের নিযুক্ত না কইয়া লেন । ১৮৪ চে এলা নতে, ফটো পাও তোডে ডিবিজা পরগ্রার জুলাবিকারী মুফেলাছালিবালী সান্ত (विशिष तक व्यक्तित वृष्ट कर्रण वाह । श्राह्मिक क्रिक्ट माहेश्वा तम व्यक्ति निकारि के होको हार्रिक व्यक्ति क्रिक्ट होको त्मल्याएक तम तमनावरक श्राह्मिक क्रिक्ट ना। क विश्वति स्वाह्मिक विश्वति स्वाह्मिक स्वाह्मिक स्वाहित्य भूमकूर्य कर्ता हहेग्राह्मि क्रिक्ट स्वाह्मिक स्वाह हिंदिन भूमिक श्राह्मिक स्वाह हिंदिन भूमिक श्राह ।

अने सन माजान इंडेर्सानीय मध्यां कार शूर दिल्ला (हेम्सन समन कार। मको स्थान भाकित (म काम श्रकात स्थात मध्य कार्य म किस इंडिंग्स माज कर माजान समस नाष्ट्रिक इंडिंग्स पाइर्स, (समस १३६० मिस्स महा मके हिला कर करेसाल। माहानक मन्। इंडिंग्स (मन्या करेस माजा नियम साह इंडिंग्स क्रिक कि मिस्स करे कराना माह (हेम्स इंडेर्स पाइन् स्थान महिला करेस (हेम्स इंडेर्स पाइन् स्थान माह सहिला साह (हेम्स इंडेर्स पाइन् स्थान माह सहिला साह

भारतिन किया मा लिया व खित हरें करिय भर्षा हरता खा खा कात्रकर्षात (महेन १ कार्ता हिन्दात गमनागम्दात वर्षान्य कर् सार्ट हिन्दीत (दलक्ष काष्णानिष्मूह भारत मका श्राप्त करिएटा । बारदाही हिट्छा, छात्र सार्थ खारा छ निष्ठात भारते हरेता। हेने भी हरेता खानित मना प्रिया (महेन गमनागमन द्वित खानक ममन वै।हिट्छा।

२॰ अ देश्ज दृहत्कियात ।

কলিকাতা বিশ্ববিদ্যালয়ের মধাসভা ১৮ ৭১ শক্ষের পরীক্ষাবে প্রস্তুক প্রকাশ করিয়া-:এন: অংমরাজাজোলিত হইলাম, সাহিত। छ है उहाँ न नगरक स्टब्स के ग्रेस । अक शास यात उक्त शास्त्र हित. खाहा भिया देशला धुत हे छ अप भार्त पुष्पक इहेशाइह । श्राधीन हे ए श्म अ 1" वि. अ. भन्नीक बीतियाक शक्स कान करमत दे उदान भार्र किटए इट्टेंच । साम छ बीटना के उक्तान लाठे मा कविदल के हेटलाटला ইবং-ীজন ইণ্ডিছপে বুঝা সহজ্ঞাহ্য না। মাস্ট্ৰ भारतर जारखनार्वत हेल्डिशम शक्तशास स लमपूर्व, अथा न शांत्रकताश कांत्र्यः अनांकमार्श्वास पूज अवन कतः अधिकात कर्डतः। खिक्रिन । माज (अति कांखकात महत्र 9 काक्वेलिएक शास्त्र) য'ইবে। আন্মো ছলখিত ক্ট্লাম বাজালা भुषक (महे (महकरन कार्य दक्षितः अवस्य ধার চলিত বাসালার সহিত রাজদুভলভুতিঃ व मानात हुलना इस ना।

। भवात याप यसग्रातिमान ख्यात्र अवही भुकर्िनी समम क विश्वा अवही महाहरश्रव मिनिस जित्री हिंदा हर्छ अक नक हिंदा हिंदा हिंदा हिंदा वर्षाम अहे है कि हिंदा जित्र मिलिशिक हिंदू हर्छ चिक्रिया महाहे हरेड है कि कार्य कि लग्न हरेटन, छान्न कि म क्वा मिलिशिक खान्न मिलि वर्ष हरेटन के निका । हे कि वर्ष हरेडा वर्ष हरेटन के निका । मांखर वर्षिक ३००० दे का बाद हरेटन अवर कार्य कि कि ३००० दे का बाद हरेटन अवर कार्य कि कि ३००० दे का बाद हरेटन अवर कार्य कि कि ३००० दे का बाद हरेटन अवर कार्य कि कि काल के हरन । लाहेमांन कि मनमर वर्ष कार्य कि हि वर्ष के हरन । लाहेमांन कि मनमर वर्ष कार्य कि ही कार्य के वर्ष कार्य के वर्ष कार्य के वर्ष कार्य के वर्ष कार्य कार कार्य कार कार्य कार कार्य कार कार्य कार कार्य कार्य

নিষ্দ্ৰ হৈ ত প্ৰশালীর অধীনে কন্ত মুখে বাস কৰা যায়, ভাহার আনে এক দুষ্ঠান্ত পান্তরা গিয়াছে। বাসিষ্ঠার আনাট্রন ও উকীল জাক্রন লাগে) এব কমিসনরের নিকটে একটা আপীলী মক্সমাস ভার্ক কবিছে গমন করেন। উভাবা আমালাকে যাইবামাত্র করি সাহেব বলিলেন ইফাকে অবিলয়ে মক্ষ্যাল গমন করিবার আজা হইয়াছে। করে প্রভাগমন করিবার আজা হইয়াছে। করে প্রভাগমন করিবার আজা হইয়াছে। করে প্রভাগমন করিবার ভালামন করিবার করা নাই বাবহারাজীবার প্রস্তুমুখ্থ ভাগমন করিবান। উভাব প্রভাগমন করিবান। উভাব প্রভাগমন করিবান জানাইসাহিলেন। উভাব বাক্ষে এটা বন্ধ ভামাসার কথা নয়। যিনি শাসন করেন, ভিরুত্ব ক্রিক ভামাসার কথা নয়। যিনি শাসন করেন, ভিরুত্ব, ভিরুত্ব আনাই আবার বিহারপ্রি এনি স্থানক নহে?

तिविश्वेदब्र छाष्ट्रव छिडेन्स्स कलिकास्य भागसन विद्याद्वन । छिनि भीय खासायत ध्यम करित्वन । अस्ट्रास्ट्रीय स्थाब छिडेन्स्स याद्वन्यक वस्त्र विद्यासम्बद्धाः

ক্ষণাবনি বেশনদিশের কেজিনি কার্যন্ত ইইবে । ডাক্তর একে পেইন শ্বাবধায়ক চর গ্রেল : উত্থার ক্ষণিনে ই ক্রন্যর আস্থিত সার্ক্ষন নিয়ক করা ইইলাকে। ক্র্যুল বেশন ভাষে কলিকাত। তথাল করিয়া। পলায়ন করি বাছে।

२४ अ. म. 5 जी ह्या १८ जू मित च्या करे हा है ।

आभारी आह्या १८ इंडेलाम, १७ (माने उपल इंगार का जिस का त्या के लिहा (इस. ११) १ (इस विद्यात गाँउ जिस बत्या वस्तु स्था का का का हरेता के कार अन्यापास सिमार के स्था के का किया स्था हिला छ। इस हरेगा में!

গত সোমবার জান, করেন সংগ্রেশ আর পার্ব ভারতব্যীয় স্ভাগ্রে ই 🐉 স্ভাতট

দেশের শাসমপ্রবাদী ছিলেন। বিচার হ বিষয়ে ভারতব্যীয়গণ নিকটে খণী।

ক্ষেত্ৰৰ ইণ্ডিয়া বলেন, ৪ টাকা কাগজের বলোবস্ত করিবার নিমি রিচাড টেপেল আগানী সপ্তাহে কলি প্রভাগনন করিবেন: রাজগানীতে প্রলিকওয়ার্ক বিভাগের প্রতি সৃষ্টিপাত কি ভাল হয় না ?

উক্ত পত্র বলেন, আগানী নীতকারে সাহেব পদভাগে করিবেন। তিনি আং কাল এদেনে অ'কেন, এই নিগিছে অ করা হইয়াভিল। কিন্তু অন্যাগেতে এ আইনের উপুরেশকের পর হইতেছে। সাহের তাই এগন নির্বেন। সেইন সা প্রভার বিষয়ে সভারর মন্ত্রাক ক্ষিতার বিষয়ে নিত্তি ক্ষিত্র মন্ত্রাক বিষয়ে সভারতির মন্ত্রাক বি

২১ এ চৈত্র শুক্তবার আগনীরদের প্রধেশিকা পরীক্ষায় বিত্রভিজ্ঞান পরীক্ষক নিযুক্ত হইয়াতে

ইংস্থানী সাহিত্য।

ভাজন ভগলিউ রবসন ।

জো কে, রমান্তম, সাহেন।

এইচ. ব্রুটিন সাহেব।

গৈতাগেও জান নেলার সাহেব

লৈক ও লাটিন।

ন ডালিটি লাগেরট সাহেব।

রভাগেও গে এল বস্টি সাহেব।

বভাগেও গে এল বস্টি সাহেব।

প্রিড হরিনাথ না স্কুছ।

গৈরি গোপালচন্দ্র ব্যেদ্যাপ্যার।

; t 1 'প্রারী 8 ES 1 ्व ।

, ই:ডিহাস ৷

∙ ;्कर।

मःह≢ ५ ।

ুকাড স্বঃ≉কুঃ

ুও ম:কিন।

ক বিদ্যা

≘ केंद्रे कुंग्कु प्राट्टव । এ ডবলিউ ক্রমট সংক্ষে। রেড'বেও যে পি আইন সাহেব : বভাবেও কে এন ম্যাকডোম্যালড : অংগানী বর্ধের বি এ ও এল এ পরীকায় লিখিড বংজিগণ পরীক্ষ নিযুক্ত হইরা

हे**ंद्राधी नाहि**खाः সি এইচ, টনি সাহেব। রেভারেও ভবলিউ সি চাইক সংহেব। जिक अ मार्टिन। এ ভবলিউ গণেরেট সংহেব ৷ .ब्र**क्टा**द्रश्च (र अत्र दम हे त्र'रुव আমার্থিও উচ্চ। अहेइ, वृलकम्यान म'रवन । সংখ্ত ও বাস লা (ब्रुक्टार्व्य क्य क्य ब्रुक्स्सिश्वात्र :

প্রিত মহেলচক্র নার গ্রা है कि समा রেভারেও ডাক্তর যে ওলেগরি সংক্ষের। हे. (लश्रीं क्राप्त गार्क्त গণিত ও প্রাকুতিক বিজ্ঞান।

.घ. क, बन डिन न'रहरे। এম, এইচ, এন, বিবি সংক্ষেৰ : प्रदेशीरिकानि ७ में र िकेन्स

্জ সি নেস'কণ্ড স'কেব 'বভারেও এব ডাইবন সাংকের ' खव:नेखें कि, देशतम्म मा: इव (तस: त्रध ई « क हे म () द

२२६ रेऽ छ लेशियात् ।

া এপ্রায়ে ৭৫০ জন বেশাবে (রাজ ল'ক্ল', , ইহ'র মধে, ৬১০ জ'নের প্রাম र मेर्डकोट″_{कर्न} हे १२मा ३ आस्त्रील ४००°९८० রণ সংক্রেণ্ডে বিভার থেশ

নাছে। বেলায়ের রেকিটার করিতে একবাই माल्डमञ्ज উৎকোচ চলিবে। वाश्व वानित अवा ্রত মার সেও কিছু ব্যুর করেয়া রাক্তি বাবন **इहेट्य । विनाशिकारक এक छ**ान हाथियाह াত দুর ?

আমীর সিয়ার আলালির সমানার্থ বৈদ্যাদ গের রুবকৌশল প্রদর্শন করা হয়: ভঞ্চনে मामीत विवद्ग'रङ्ग, खिडीन रेमन्डिंगर्यत 'अर्थकः काल टेमनर कांत्र माहे अवर युक्त करवादा न की (भक्ता व्यानमकात्रकः।

ইংলতে কাথলিক গ্ৰালয়ঘটিত যে মক क्या ६६८७ किल, फाटर के भिन्न दिन व ००० যুকার ভিজ্ঞ[ী] পাইয়াছেন⊹ বিংশভি নিংস नवं 🐨 এই মকদ্মা ३३४। इन ।

নিম্লিখিড মূলের প্রব্যেটের কংগল নক্ষীত চইতেলে।

ও টাকার সিকা かがん しゅう 201900 8 *** (क**1र ৭ প্রতিক্রয়ার্ক 7 . 4 ! 7 . 4 . 7 . 44 . 7 . 2 ?ነ**ক**ን ፈ · 775 - 775. . 7.7

ইউরোপীর সমাচার |

২৩ এ মার্চ। আবারলপ্তের, ধর্মসংখ্রেলায় শংক্রাপ্ত বিলের উপরে কল্য রাজিতে ক**ম**শ বানীতে পুনর্মার তর্কারত হট্যাচে।

সর বাউত্তেল পামার বলিয়াছেন, প্রেটে-গৃতি পুরোহিত্তলিপকে ছাড়াইয়া গিরকার ৰম্পত্তি ব**ংকেজাপ্ত** x मह नयुः **3**8₹ 1 किश्व मुकल मुक्का उप र स्था किया में से स्ट বছীভেরহিউ ৷ লোমাছেব এভছভাবে এব ণকু**তা** করিয়াছেন : অন্য গান্তিতে তর্কের লেখ

মালদালার লাভ (মপিয়ারেক বেজনর ছিব ইল বিধিবস্থ চট্টাড়ে । প্রেটেন্স মন্ত্রগণ লিচ্মেরিকার সেনেটের স্থারা বিধিবস্থ কর াম্মট কবিয়া কর্ম ভাগে কবিয়াছে। বছে ∖ অভিনিবিসভা ভাগ অগ্রাং করিয়াছেন। न्द नदाद स.प्रतिदृत चेश्मीक वृद्धाद न । ১৪ এ মার্চ গাত রাজিতে আব্যারলভের ধর্ম নত্রশায়ন আছে বিলেব উপরে পুনর্ফার ভর্স य अयानामान न शांक माहित दिहतः নককে বক্তাক বিহাতের। হাতি দাছের বলি । एउन १३ विच विधितम् इकेटल का अतिमार छ ? न्हेपुहेण्डर्ध्व अभिकृतिहरू हेर्दा प्रश्य াম সাতেৰ ৰজুভা করিয়া আন্প্রতমহকারে গলেব গ্ৰহাৰ কাইয়ে। বলিকোন, 🔃 যুদ্ধি ও विकारमण । विरागत मृत्य क्षेत्र करेन करणाहे १६किए । विशेष्ट व्हेरव ।

াধতীয়বার প্রিও ব্রুল। ১৯० कन इंहात कर्मामाध्य कर्ष मा अधिक वाम कर्वशास्त्रमः

শন্তন ২৪ এ মার্চ। সভে রাজিতে ধনসং श**िटन** करवेष्टेख करहेन्द्र कारश्व वर्तान स्थात . (क्लियान करप्रकि इशिक्या (मन्या श्टरीस টের অভিধ্যেত নহে।

গতকর, মন্ত্রিভার আবে।করে স্থায়ে স্ঞাট নেপলিয়ন এক বস্তুতা করিয়া বলিংব্রন, প্রজাগণ হথার্থ ও মুক্তিসক্ত प्रेरक्र(वं। (य केक्ट्रः कर्विद्यत, ख'क् । क्रब्रुखार्थ কৰ' আত্ৰপ্ত অবৈশ্ৰে (কৰল বিপ্লবসূচক .६ हो। भक्तत्वत्र :सवाद्यः कहा कर्द्यः ।

२० ६ मः है । . भारतम्ब त्यस हिल्जास्य প্ৰকাশ কৰে, ডিন কাজি বিদ্যোহসূচক বজা ভা করিয়া কাজতে গিয়াছেন। এমত আন্তেডি ংকলী ষ্ড্যর একে: শভ ইইয়াছে।

अभाउँ क्षत्र 🗯 अनुसा भारत्म हरेख আক্টিওয়ার্শ পর্যায় রেলভয়ে চালাইবার নিমিন্ড এक अञ्चीत .काण्याः न जारतम्य कतिहारध्य ।

नत *स*न्य स्टन्टक्सर : ' **शक्ष**ाद्वत साहर লবেল " উপাধি ২ইয়াছে :

পারসা অধাতের টেলিগ্রাফের যে ৭০ মাইল পরিমানে ভাব সমুদ্রে কেপণ করা হইয়া ছিল, ভাগরে পুনরুদ্ধার কইয়াছে।

স্পেনের মূভন শাসনপ্রবালীর পাঞ্ . नचा श्रकालिक इडेग्नाह्य। डेश्नात श्रमान ४१वा গুলিডে এই জিল ইইডেছে যে, এক ব্যক্তিৰে রাল্লা করিয়া সেনেট ও প্রতিনেধিসভা কবিল যাবভীয় লোককে প্রভানিধি মনে নীক কং বার ক্ষতা (দওয়া কইবা।

२৮ এ ग्रार्ड : ("ल्यान्ज (स्व म्" बाइन क्ष्याः करत मानारत अवसी कार्लेष्ट्रे (১) राष्ट्रमञ्ज सुर ∌ইয়াছে: সাধারণ স্ভাত্ত আবেও বিজে: পুচক বস্তা ইওরাতে পারিসে আর কয়ে क्रम भुष्ठ इहेर १६० । कडक्छ लि (लाक माक्रा कतिएक जारमन, मञ्चव मावः तन ३ छ। इ एक अ আত হটয়াছেন + সর্কাতী পরে নিযুক্ত থার্ বার জাইনের যে পরিবর্ধ কবিবাব বি

 अ म कि । प्रख्यन्त्र ो क्रांन गांद (क्रांश्र) दार्त्हे (कारकाद न्यावनाथ विष्युत (लाक अभरत इडेशुंडिएसन • कि **ड** कें'ड़ा निरंशत करेंट का तक

भश्याक स्कील दिएक प्रशासिक अके वाक्षित्केरे क्वेप्रार्वन

(১)ডনকরেশৰ ভূমপুরিরাজনীয় ,বস,র পিড়ব। 'র'লন। ডেনি ইসংহেল' भाष्ट्रक कारव ह निष्यस विदश्ली के हैशा : काल युक्त करिन्नारिक्टलमा अधिकात व्यक् मित्रक कान्छे यान। तर /

মহানার তথ্য হইতে জলিপুর ٠ > ১৩॥ মাইল মধ্যে জলিপুধ হইতে বহরমপুর ৪৬ মাইলের মধ্যে বহুরমপুর হইতে কাটোরা ৫ - माईटनत मर्भः काटोन्ना स्ट्रेट समीता

৪৬ মাইলের মধ্যে শন ১৮৬৯ সালের ২৯ এ মা**র্চ** ভারিখে মপুর গঞ্জয়টের জ্বলের মাপ।

\$ 83

তদ

জীয়ক সি ই, উইল একণি কিন্তুটিৰ ইঞ্জিনিয়ৰ নদীয়া ংমপুর NI J लाकाल विवास डिविछन । 13

হিসুপর্যবেলধী এছ ব্রহ্মণ যিনি সন ১৮৬৯

ল্র ১৫ মার্চ দোমবার সাঁইখিয়া ইতেসনে ভিষুণচনং রেলগড়ি হইতে পাডিড া হ'ভ হইর'ডে, ভাহার অধ্যয়বের বিবরণা াল ধান অন্তেতি । কুকাবৰ্ণ বয়ঃকুম কন্মান বংসর : স্ব:ভাতিক আকুণ্ডি। বসস্তের দাগ মাংকর উপ্রহই:ড কপাল প্রস্থে ক্ষেড । মাস্তক গোঁপে দাড়ি এবং ভুরু মুগুন করা। ভেহ্লফুলৰ ছয় যেঐ ব্যক্তিন লংগাৰে লাছাবাদ) ভীৰ্ব করিয়া প্রজ্যাপ্রমন কারজে ব। উহ'র অংকে একটী স্থাবৰ্ এবং একটী। রে অংশুরীয় প্রাপ্ত হওয়ালিয়াছে।

প্রক্রেন্ট বেল এ-য পুলীকেৰ এলি ইন্ট इस्ट्राज्ये हैं। इस्ट्रान्स ্ছবের আয়াফস भ . य २२**७ म**ांक

(সাক্ষরিভ) कि**डे**, डि, शामन कारक्षम आनि के जिल्लाम है। (क्राप्तिद्रान

कार किकिश्माउस्। .৯ র'বায় ভিন মপরস এও হা'কটিস ্ চলিন শুচীপত্র সর্বালয় ৮ পে,জ ফরমার পুঠা উত্য ব°াল সূন্য ১০ টাকা ভাকম: । সহিত্য ১০॥ - , জীগদাশ্রসাম মুখেশাধ্যম , বি, কর্তৃক সংগৃহীত। যাহার প্রয়েজন ব, কলিকাতা লুলে বাজার হিন্দুহস্টেল ২৮৮ ভবনে জ্রীগুরুষাই চট্টোপাধ্যায় মহাশয়ের ই ভব্ব করিলে পাইতে পারিবেন।

" रनामध्यकाल । 😲 २३ अ हेइज लामवाद्र ।

वार् अनम्कानात ठाकुत्वत उहिल्लत मकमभात्र (भव इहेश शिशाटक है बाबू अस्ताहन केंक्ट्रबंद करा ७ छहार नक्त

(भारत ठाक्टतत शताखत स्रेताटर। कारने स वायुष्क मकलमात ममुबाय वाय निटिड क्ट्रेद । ध्रधानक्रम विषातांनरत्र इत्रांनीयन छाव (मधिशा पामानिर्शत পুৰের এরপ অসুমান হয় নাই যে, এপ্র कांत्र विष्ठांत हरेता। त्वाथ रुत्र, व्यनद्वल ফিয়ার সাছেব বিচারপটির আসেনে উপবেশন এবং অভিবোকেট জেনরল কোই সাছের উইলের পক্ষমর্থন করা তেই এরপ ঘটিয়াছে। রাজা রাধাকান্ত দেবের উইল ও জয়কালীর মকদ্মার বিচার দর্শন করিয়া প্রধানতম বিচারা লব্বের উপরে আমাদিগের অনান্থা ক্ষাবাছে। জাবদশার আমার বিষয় আমি যাইছে৷ তাই করিতে পারি, আন্য কথা কি জলে ফেলিয়া দিলেও কেছ নিবারণ করিয়া রাখিতে পারেন না; কিন্তু স্ত্যুকালে সেই কিন্তু য়ের **আমি যথেক্ত** বিনিয়োগ করিলে সিদ্ধাহইবে না, ইহার তুল্য মন্তে দিলাম্ভ আর্কি আছে? হিল্পুশাস্ত্র কারেরা অত্তের যে লক্ষণ নির্দেশ করিয়া हिन, यनि यदिखेविनित्यां शक्त मछ। ना ধাকে, তাহা অসুপপর হয়: যিনি . যে বিষয় অভেজিন করেন, অংথকা সে বিষয়ের অধিকারী হন, ভাহা চির অসুথ সর থাকিয়া নিজ বংশের নামরকা हरा, व्हिन्सु माटजात है अहे हेक्छः। काहारत বিষয়ের রক্ণাবেকণ ভার সমপ্ণ किटिल व्यथका किन्धकात बावका किटिल विषय बच्चा इया विषयाधिकाती समन वृतिएड भारतन, घरना महाभ भारतन না। এরপ ভলে বিচারপতির নিজা हेम्हामक छेरेल व्यागिक्ष कहा "ए। इन्डमूड" । व बरमावरक क्लक्खिन होतः ह्यः।

।.... बान, (कान क **क्हेबांत मखाबना नाहे।** অপর, সদাশয় ব্যক্তি **७** छ छ। ० **३,** मभाकः জ্বোত প্রবল না হয়। ব্যা **इहेंटल हे नगोक छे** ६ नम्र हहे हैं। কিন্দ জরকালীর মকক্ষার নিজ, मर्भन कतिया **ज्या**छे (वाश इहेटफ) ব্যভিচারের প্রশ্রম দিয়া হিন্দু স জকে উৎনল্ল করাই আনুত্র প্রাথ তন বিচারালয়ের উল্লেখ্য।

> মাক্রাজের লাভ মেপিয়র ও विद्वितालद्यव छेलद्रवका

মাজাতের শাষনকর্তা লাভ'বে য়র বিশ্ববিদ্যালয়ে প**াঁচ জন উপদে** নিয়োগের প্রস্তাব করিষাছেন। প্র ব্যক্তি বাটীপ্রভৃতি প্রস্তুত করি ও কলের বিষয়ে, দিভীয় ব্যক্তি পদ ও রদায়ন বিদ্যার বিষয়ে, ভৃতীয় ব্য ইতিহাস ও সাহিত্যের বিষয়ে, চ ব্যক্তি জ্যোতিষ বিষয়ে এবং প উপদেশও শি আইনের বিদয়ে निरंबन। **এই मक्ल लाक्रक** डेक েতন দিয়া নাকাং**নম্বের ইংল্ও** হ ঘানয়ন করা ভাঁহার অভিমত। সা করির ছুই জন মন্ত্রী তাঁধার প্রস্তাং মূল যুক্তির অনুমোদন করিয়াছে किन्छ डेशामभाक्ति कर्डना कार्याह वि म**्रा**ड्डिके,≢हेशाइड्रं • क्रक कर ब्रह्मन, द প্রস্তুত করিবার উপদেশকের প্রয়েং নাই; আর এক জন দংস্ত অধ্যা निद्धार्थित अलाव करिहारहर। अ যার সা**ন্তালের ডিরেক্টা**রের জিজ্ঞানা করাতে হিনি বলিয়াল

. ব্যব ব ৫ ইউ:রাপ ও মামে প্রবালী আছে; কিন্তু ार्यात या अ अपूर्णि इहे ুৰ ভাষা হয় নাই। শিকা मिविट में व उन्ने कि मा क्ट्रेस विश्व ात छेल्टन व **३३८७ काम** इत 1। পाउँवन सार्क्य यहनन सिकाई _{ইন্তুলিগোর প্রেক ভাল**, ইউ**রো**লে** উপ} দশ্দিধার যে প্রশালী আছে, ভাষা उद्यक्त भीत मरभड़ क्रमह**ा**को हरेरव ना। ঠমনে অবস্থা বিবেচনা করিলে এবখা নেম্ভ হইতেছে না। আইনের ডপ ₹শ⊂এণীডেই ভাষার পরীকাইই-**5**ছে: অধ্যাপক ৰকিয়া বানমণ্ডা; 'ব্ৰেগৰ কিছুই অধ্ৰ করেন না। উচিই।

क्दल शूर्व नार्ठ कडिया नहीं कः एसन :

বাকি যাদ উচাদেশ প্রবণ না করিয়া

(तीका कि । 1ेर नियम इत, क्ला वाहेन

শ্লি শ্লাহয়।

श्रद्धार वेत के एक मा कि १ कर व क मन डे ৰশক ক্রিলে ইতিহাস, নাহিতা, বিজ্ঞা নর যে উচ্চতর শিক্ষা কইবে, যাবভীয় কোল্ডেড ছাত্রগণ তালার ফংলোগী হাবন। এফাণে প্রতিকালেকে প্রতিক বনুষ্ধে নিনিক্ত এক এক জন আধ্য (८कत व्यासंभव, दिश्वदिरागसम्बद्ध देशाक ह इंडेटल बहेनकत विमानितः त्र (अहे रग) ক্রের অন্তপ্তকর নিমিত न भाडाच (पन छात्र) भागिस वेचा। ८करण १९ मःद्रष्टर^{१९४} ऐटकरम्न मनि अहे*ऽ स*हात क्षा कहेला अल्हार, वेक्सा**फ व्यक्ति**के विका किलाक्षधायमा नाहे। साहाता लिए: YC**प (क्**रम्याज शहरूप करिशाहण्य, **हा बाजा (य** १७२० ७ अ**एमन** धन्य करिया शिक्ति काञ कडिएक, इटा (श्राम

নই স্থাৰিত নহে। তব্ধ ক্রিনিন্তি

নিয়ন আছে, তাহা অণ্লুপ্ত থাকিয়া যদি
লাভ নেশিয়রের প্রস্তানাসূরপ কার্যা
ইয় তাহাতে আপতি নাই।ববং তাহাতে
বিশেষ উপকারলাভন্তাবনা আছে।
কালেজে যে শিক্ষালাভ ইইবে, বিশ্ব
বিদ্যালয়ের ওপ্রেল্ডাকের নিকটে উপ্রেল্ডাকের নিকটে বিশ্বর্থের হলি এটা অভিপ্রেল্ডাকর নিকটের ক্রেল্ডাকের নিকটের ক্রেল্ডাকর নিকটের ক্রেল্ডাকের বিশ্বর্থিক করা আর্থাকে।

অ চাইত কর্মার ই পরের প্রক্রার मख्य है जात जवनी ब साम्राम्य था छ লিলাড়েন, নিল্লুতর শাসন ও অচিছিত विठातकार्याः (यमकल कर्म, हांही विश्वक अःट्रिन, ee वर्मत वर्ध्वक्रम स्टेटन उँ। হাল আরে পদস্থাকিতে পারিবেন ग। (य ऋटन (छउँटमटकाछ। वि विटम्ह আজ্ঞা দিবেল, দেহলে এ নিয়ম খাটিবে না ৷ এই নিমিত যাবতীয় কথঁচারীর বয়:জন ও কার্যকাল জানিবার নিমিত শ্রুত্র এক এক তালিকা 🕻 এবিড ইই-য়াছে। ১৮১০ অকের জালুয়ারি অবহি এडे निक्षमाञ्चलाहरू कार्यः **बाह्य ह**हें (४) অনেকে এনিমিত সুংখিত হয়াছেন ার্যাধলিভালের। ৩৫ বংস্টের অধির काल काळ करिंद्रांड शाहरत्वा । वार्षनार । मध्या सुमारत ज्यारा ५८ वद्भरत कार्य बाह्य करहर, ५० वदमरत्त्र मगरः डीव्यक्तिगरक अम्डाभ केट्टिंड है। অচিত্রিত কর্মচারিগণের প্রেক্ত এ নিয়ম ना कृता भूनतात , योक्षा विकास वटरन **डॉक्टफिरशद अधिक दश्राक्त क्हेंटश वेटर** काक आवर छात्र हत्। देश्म (अव आरम्य विष्ठाः शक्ति हु**छ** । **छाउन्त न**शिक्षाति ৯० বৎসর বংক্তমনকালেও আইনের কৃটিই ভর্কের মীনাং সাম সমর্থ- ইইরাছেন শ্রিবি কৌলোলের বর্ত্তমান জলাদেশঃ সকলেই রক্তা এদেশে ৬০ বংসরের মধ্যে কাহারই বুদ্ধিলাস হলাল প্রস্তুত ৪০ বংসরের পর অব্ধ ৬০ পর্যান্ত ৪০ বংসরের পর অব্ধ ৬০ পর্যান্ত রুদ্ধির পরিণামাধন্তা হলা অত প্রান্ত বংসরেপর্যান্ত সীমাকশ অন্তি শার কর্ত্তরা। বোধ হল্ল কর্মাচারিলঃ আবেদন ক্রিলে প্রপ্নিট ভালা প্রবং ক্রিভে পারেন।

> · अन्दरमभी स्टब्स के के दिशाणी स के अर्थिस स्टब्स ग्राम

এতদেশীর ইঞ্নিয়রগণের প্রতি নে অবিচার হইয়া থাকে, ভার। কাচ রও অধিদিত হাই। যাঁহারা আমানি গের ডল্লভির পাথে কণ্টাচ কেপেনে আ রাগী, ভাঁচার। বলিভেছেন, এডদেশী ষেণা উপযুক্ত হইলে সুপরি**উতেও** । वैश्विनियस्य डीवानियात छन्नि । নিমিত গ্রণ ম টকে অনুরোধ করিতেন শক বা করুন কোন কোন সুপরিতে . ७ के देखिन । त अरे अनुदाय कतिय ভিলেন; বিস্ত গ্ৰণ্মেন্ট ইছা আছ स्टबन महि। अष्टरस्थीत हेनिक्सिया किरम अञ्चयुक्त १ विश्वासका वरमञ र्राक्षितिवत वहेटल भक्तिमा शतिखाय क्रिट हर, कडरकभीरहता छाहा भारतम गा কিন্তু একপা সম্পূৰ্ণ অনুসক : যথাৰ প্রি**প্রম এডন্ডে-ী। কর্মচারীরাই করি**: পাকেন। মজুর সংগ্রহ, কটােন্ট্রগণে ধুৰ্ত্ত চানিবাৰণ, সকল বিষয় হচঃখ वर्षात क्रावेश कांक बाहरक नीत है जिल्ल রর**পণ হইডের ই** ইইলা পারেক। **ইউ**রে পীয়ের। হিমাব এস্তুত করিয়া কণীুটে (सम अवर मकल कांश्र इहेश्रा (भएन अर \$ **3**(319 बार कर्मन करिका आहे (समा ६६: **७ (यमक्ल हे** क्रिकांत षा३८मम क्षारमह अव महास्य मुख्यामार्थ क बक कालीन ३००० अम मध्य हाटा রুরু। কুরু । সুর্বলিক্ত বংৰু বে অংকাথ । ব্যক্ত বিপদাপর ব্যক্তর বিপছভারক, चकाछ्य, यरम्दर् : इटेंट्वी, मर्यामाधः डे नका विम्नाहरू स्वयंत्रक, ध्रमें उठा हादशाहमून अवस्थन ७ विषय वालिया शह्याभकावशकु क न**्का**र्व,जल्लाहरू क्षीत्रास्त्र उद्यासम् वः मधा ४३ म া, পাছার অভঃকরণ যে কক্ষণাঞ্চেশ পরি উলিংখত দ'নের হাণা ইং। বিলক্ষণ প্রতি । ভাহা ডিকা করিয়াও জানা যায় না। हिट्डिइ । सथन अक्रथानि छेरकुष्टे নাগ সূৰ্ধ কান্ত বাবু অহাত্তের ১০০০ এট টাকা একবাতে দান করিয়াতেন, তথন ৰত সদত্ৰপ্ৰভূতিতে যে 'ঠাঁহার আৰফ্টা বিভূষত বুঞিনার৷ ইং! অবশাই সিম্ব ও ত ১ইবে। :ঘতের সদওল্ম পর্জবয় লৈ অপকলানপূহা বলৰতী হয় না। भि प्रवंकि ख वाबू अवगर्य मध्य भूम<u>।</u> **८क श्रमान मा क ते** (कन, फार्ड) इंडेटन (मेख কাৰ্য্যনিবানের অংবলিষ্টাংশ ারাত্রনি স্মাপন করা কামার সাধ্য **হটত এবং প্রথম ও ছিডীয় খণ্ড মুদ্রাক্ত** ज्ञुक ज्ञान्य व अनेनाम क्विमाछि, त्रहे प्रवारक्षः घ'व। किष्ट्रे कम छाञ्च रहेकाम

। इ.च.चीनश्रत्वत निक**े का**ष्ट्रमद्रमावादकः না এই, সূৰ্ণ্য পাৰ বাবু দীগজীবী ক্টন চ मभर् ब्रह्मर्घ उँकात्र यात्र। यटन्टमतः विक १, माधातर्गत अवर सर्देश वेरभर्यत छिल ম×পালন ওপুরি রাজালা বিভাগের মুখ ল হউক গ সকলে উল্লেখ্য তাৰে বলীভুত । আলীবন যদাংকীতন ক্রক এবং ডিনে गकरतत अनवकाञ्चल रहेवा प्रशास्याजा TE 75277 1

ভূৰ্ণ কাজ বংৰুঃ ক্ষেণাই আনাময়ে সংগ্ৰীজ

(मान्ट्रान मामसूक व्यक्तन क्षर्यक्तिक

नबीरण कांब जितकारनत निमित्र कुछ

। शास्त्र २५ शांकशामः।

वित्याप श्रविवामाना विकाशविवानी क्रमी गर्या दरत नयोदल कि कि: निद्यन क दिया প্রবল্পের উপসংখ্যর করিভেছি।

डे ले.च ड. जमोभाद महानम्मीरगद ममीरग (र व्र किटवहम ७ है, केंक् द्रा ममस्य मगर्य

क्ष बाजू क्ष्मिका क का कार्या (को क्ष्मिद्द्य) अव। अक्ष बाजूब विकारवत का रेवंड में कारन । राश्चर्तक, कामान प्ररक्षक एक्षेत्रामी डिंकान यम अर्थ, माख वाबून नाम प्रदक्षि अच्छा: भाग आञ्च अञ्चलका, अक्षा अवेटन की सार्वाद ष'ता चालरावत्र कछ केत्रिक्ति। सन्त्रमारकः क्ष प्रमानक कार्यः 'मन्द्राम्म स्हेट्य, 'ए।श् व नहा भाव कानट्र मान्निमा अवर काहाता छ माभावनम्भैत्म बराखि शांडमांड माठ कदिया भन्भ क्रुको इक्टबम मराम्ह नाहे। (खाश विमानी मभी मात्र महाभारवृद्धा कि अववश्व महत्व कहत्व ना (य अहे स्तीवम उ धन क के क्राप्टकत । उँ। हाता (यांक निमक्त व्यक्त्रः अन्तिनामनित्र विष्यु श्रमञ्ज शांक्या मरकार्त्य, क्रिक्मा कर्रम,

ক'লক'তা

একাজ অপুণ্ড এীরামচক্র তে। মক। --- 2 = 5---

100

মহাশয় : অং মাদের এই প্রেরিড পত্ত থানিকে আপনার বিধ্যাত প্রৈক্পার্ছে স্থান मार्टन वाःभक्तं क त्रावन।

সাজের জেগতিঃ কিছুতেই আছর রাখিতে भारत सा। এक मिन आधारमत अहे आ मिन সভঃ ভারত্ভমিকে পৌতালিকভারপ তমো রাশিতে আংক্লকরিয়া রাখিয়াছল। কিন্ত এফ ে । (प्रहे जानानि, जानक, निर्दिकात, निरा ময়, নিরাকার, ক্ষ্যোভিশ্বয়, ভূমার সভ;খ্রুপ (आराण्डि: शका मिन मिन आहे छोत्रज्याताहरू সমুজ্জলিত করিতেছে (লোক ক্রমে বভই সভঃ পদবীতে অধিবোহন করিবেম, ততই পৌত লিকভারণ অমভাল ভিরোক্তি হইবে স্ফেহ নাই। দেই সোচাককাৰ দুর কার্বার জন্য अक्ष ४८चेत्र स्अभाष्ठ बहेत्रांटङ ।

. সপ্পাদক মহাশ্র বিগত ১৯ এ দাস্কুন महागमादताक्ष्य संक अधानकात न**हां स्नश्**त বাকা মটোদয়গৰ একটী বাকা মন্দির প্রতি ষ্ঠিত করিয়াছেন। ইহাতা ছই ভিন বংসর 'গ্রাক্ত কোন প্রাক্ষ আভারোর আনেয়েই উপাস ने निर्मात्र कविद्या का निर्छ दिलन । मुख्य छ একটা ইষ্টকনি संভ প্রনাস্ত সমাজাত প্র**স্ত** कविद्यारकम। ऐकि विस श्रष्ट्रारम वास्ता सरहात्र्य সকল আনাদি ক্রিয়া সমাপনপুরঃসর পবিক্র हरेया अथमकः भूमी छेनात्रका स्थापन समन ভখন কিঞিং কাল এখান कदिर्देशम । কার আংচার্গ্য **द्री**पुक्त ममिलम सम्महालाः ধ্যু সহাশ্যু भार्षे कतिरसम्। खरनारत खंचा जालाहा मन्मिलिक हेहेबा, कक्ष मन्त्रभन राज्यतानामात्र प्रहासन्न क्रिकारणी भ दमान रहेट कि. भर कारक रहेका आमूब गहम शिकात छेट्यान कबक्छा राष्ट्रक किरान कर ताथा मन्त्रि सामित सार्चि

ST. 2 4 এক জীগজীত म न्यात खारमण करिएक ंब्हेश क्षथम्बः प्याहार्यः (माक्यकमारक अवही कृतिह ार्ट्स डिएम्बा छ। मासकार ६ त्यम जिल्लेहे कामरत्रत्र जिल्ल ॐ मिद्राम । इंश नुवाहेन्रा भारते जान्यकानिकात विधिष्ठ चक्क a व्यान निर्माष्ट्र कर्ता क्रेड्साब्रिश। ख्थाय तानि ভগিনীদক্ষ আন্ধ্যা দেই আনাথের मरहरचत भनाव्यप्त बहन करिएलमः। (यहाः प्रदेशक्त नर्गा छ मनी इ 🗷 क्षार्यन । बात স্থাব মান্দ্রে কান্য পন করিয়া ৩৭পরে क्ष रहेन। ट्रेक्सरल (बना ब्याप्त के जात পুনরায় ত্রানীজাত:রা মেলিড হইয়া, স श्रंद श्राष्ट्रशमम कडिरनन ! श्राह्य किन् २६८**% ्र**कान जाका मरहामध् **काहर**नन रेवकार्द्री (सम्बद्धाबुश्कृष्टि शाम् स्वय क्रिक् १६ व्हेट्ड आगरनत । इत्रुहेरत . थान 气 भारतात्र म इंख मधा सर्गहरू मध्ये मातक रहेगा धाव ३ वन्त्रा की धन रहेडा, भरत की वृक्ष (कमत बाबू (बहिएके जार कविरमन । देवकारम छक्क महाकाह काह ভার এইণ করিলেন। ভিনি প্রথমভঃ স্বর্গ विक्र शार्थमा कतित्वत, खरशदा मृत्रुप লোকরন্দকে বিবিধপ্রকার ভিতগর্ভ 🕏 व्यान कर्नेटड माजिरनम । देशव भर्यः धक्री अक्षेत्र मञ्जाब हरू एक नामिन। भर वात् अवली शार्यमा कृतिरलमा ध অনুনে একশত লোকের সমাগম হইছা ওন্ধং প্রায় ৪ - জন ব্রাক্ষ মতাবলহী। इर्टाटनत विषयी, खाँशाताल आय मा লোক প্রক্রভাবে থাকিয়া,সভক্তি প্রা क्रम्मभाषि कार्य क्रिज़ा विश्वनिष्क्रमध्य প্রভাগেমন করিবেন।

छिन्नः इंटिक दिन वक्त दे दे নিধান ভাঁহ'র এক্লপ ভাক্তপরারণ ভ পুত্রসকলকে নির্কিছে বাশুন। গুলী वनः शाःताना क त्रत श्रष्टातात्र कार् বৰ্মন্থ নামবা আমন্ত এই এবৰ্টী ঃ नमीहिष अंगात कहिएक वाथा इहेलामा The same of the sa

41153 FF 李打

এর**:হনগর**

০ . দুও অব ই ভিয়া। গৰাৰ ফে ভাষৰ ইভিয়া বল্দে

নলকে অন্তৰ্মণ করিভেছে क नतः है का नेष्टिकतः स्त्रुति । छैर িংী ও অনুপযুক্ত এ কথা স্পষ্টাভিধানে ট্যাছে খণন দেখে অসৰ ইভিয়াকোন রহা হাত্র**ব এশ 🚈 অথবা নি**ল্প उचन ए इति अपनक बाहा जान (महा): कांत्र इंडेरन: अञ्च अव (य (मायही ত দেখা গিয়াছে, ভাষা সন্ধান্ত আছে এ ারার বিশ্বাস কবিবেম, উাহাদিগের মহা ৰে। কেওি ধে দলের পরিচায়ক, ভাছারা i শর প্রধান শুক্ত, বঙ্গুলেশে কোন উল্লেড ভাষা ভাষারা থীকার করেন না ৷ যাহা ভারত বধীয় জানেন না, উচ্চারা ভাষা করিয়া বলিয়া বেড়ান ব'লালী কংনীচা পরে ভারভবর্ষের সকল কানের (লাক এই মহামভিগণ বে দলেক আন্নাটা

সেই দলভুক্তা অংডএব ভাঁহার নিন্দা

হে। তথাপি ফেও যাহ। বলিয়াছেন যে

প্রদর্শন করিয়াছেন ডংপ্রতি এক কালে

াকরাউচিত নহে। মাদিলের বিচারপতিগণ যে প্রকার উষ্ট ত ও অংক ভাগতে জুরিএণালী অভি সেভিনীয়। যে অবস্থায় ইংলতে ইছ' ভাও স্থানিচারের প্রধান প্রভিত্ন হয়. বৈক্ষা এ দেশে প্রহিষ্যাকে। আমাসাদিবের ন জজনিধের বার ধানা আহম আল্টেন ।স্থান কভক্ত লি অংশক্ষপান্তী লোক। টী ঘারেন ওাণা ⊬াগনীয়, কিছু है। ब की ब्राम करेश करेश अल्लान किराका: स्टब्स्योकोष्टिक्षेत्रः अनुसर्वे । अनुसर्वे १८३३ । ে শুরুরদিগাক তিবাস্টে দিশার চেপ্রা १ (केक (केंग्रे. व कोंग्रे) अंश्वर कर्नम डाहा श्वीकात केते. १ अधिका निञ्ज 🔆 🚶 Cof (य (होय क्षेत्र १४०) क्युक्त के क्ष्युक्तक (स्त्रं **डीहात स्मा**र्गन के हैं। रहे स्थान नी छन

াধিকরি, সেইড জনবশভঃ বলিয়াছেন যে मबद्रा मक्टन अक्रवाकः। इहेश अहे वन की व ৰ কৰিব প্ৰি**ৰাদ ক**িলুগীছলেন - প্ৰবাৰীটী উত্য व्यामानिकात करिन्द्रेकान यश व अप अक्छ বিদালোকদিগাকে)জুরর বাংলি না। *জাল* আদং **লভের দশ জেনাল প**রিনের মধ্যস্থিত প্রোক্তি 'গে**র ম**ধ্য ছইতে অসুবৰ মানানীত কৰা কঞ্জা। নিয়ম্ভ এই : কিন্তু কাষ্ট্র সদর সহকুমার কাজাপুলি লোকামদার ও মুখ লোককো লাওব: প্রস্থাতে দুয়াল্লফ্রপ

> আহণ করা কেল : এখানকার জাবভালিকার মধ্যে জিপনগ্ৰেষ ভিন জোলা পৰিধিৰ বাহি ৷ বের এক জন ভ্রেন ১৯৯ - কিন্ বাধাসভে, হালি गडत, निवाधके, भारतक रिश्लक्ति खास्य काल्यप्र উপযুক্ত লেকে আছেন, পুৰিবীৰ অধ দিলে हेकाता छिरहकोड सम मा । २८ भवताना, कुक्सात्रव, । যুদ্ধের চাকাপ্রভৃতি ভাবে জ্ঞানিয়ার বর্গ বিচাৰ হয়, ভাহা জাজ দিগকে জিজাসা করিলে ট জানা বাইবে ভগলী ভারত ছাড়া জেলা। এখানকার ঘেমন পুলিয়, ভেমনি আদি শভ, (महेशकांव अर्देश अर्दित **कालिका** (मर्थित শতকরা পাঁচ ক্লম কুড বিদেরে নাম দেখা যাইবেনা: এমত কুলে যে অংবিচার ১ইবে ভার বিদেক কি: **জু**বি মনোনীত ক^{্ত} ভার কোন এতদেনীয় ডেপুটি ম'নিটেটট প্রদান করে, ভেলার যাবভীয় এমে ১ইডে াধ্যাপ কুডবিদ লোকদিগকৈ জুরুর কবা ভাষন (नचिटन वाहितमान जनकारबत महाग्र मकस्मा अ'त इहेर्द ना । अक्षार्थक मन (ल'क कहेर्द. ভাহার: অন্যায় কবিলে আবার আক্রেপ কর কেন কেমর। আমারোবলিডেছি বিচারশেষ নাত্টান জুরবদিগণে ভাজিয়। দেওয়া ভর্-ডিতে , যথানে জুরিপ্রণালী আছে পেশ বাংন । বিচাৰণমতি কলুবালিবার প্রধানী বয়াজাব (শংক ৷ গ্ৰণ্মন্ট এই কালে কর্ম, তাক ভাষে खाएकर्यंत कार्यक भारतस्य नाः खारेश्रीनाः লীগাত ব্যাকল স্থেৰ বাহিং হইতেছে ভরিমিত্র कारलकेंद्रभर मात्री । कहे अवानीम कन किछ हरू २ हेका है। भिरायत करता शक्त अख्निशाय । अहे নিহিস্টেহাবা প্ৰায় ভাল লোকিকে লান নাট श्ववं्यके कि डेइ: अवश्र आहर का ?

स्टान्य ! अवाद्य ১৮৬৮ **कार्य**त व'क्रमा हिन्दि । स्वाय वादुशन स्थार्थ धनवान । সুস্কান করেন ভাষাতে ক্রিএশালী ভাতস্থি প্রীকায় মেদিনীপুর গত্র্যেক উত্তম আহার বুঝেন। দান করি

মত প্রবাবে জীবুজ প ওত রমান্থি উর্ক্র अभाग विकास ० जी कि भाग श्रीहतन पूर साप्त विक्रीप्र मिकक ११ छि एक क्रम्प्रनाथ ভূতীয় শিক্ষ ৫ জীয়ুজ উনয়চান সং 8 र्य मिकंक e ब्लीपुक्त महरूने। आ दिन स्मार्थ ৫ ও জীণুক্ত প্রিয়নাথ হোষ ৬ ৯ শিক টাকা করিয়া পারিভোষিক প্রাপ্ত হইয়া জহাতৰ ভৰায় ত(হিলাদের বিষয় স্থেক্ত ন किन्त भारत का यक्तान्त्री क्रमाब्द्य सुन व्हेल्ट्ड खाल इंडेफ । निक्क त्रान कि**क** प পरित्न है जानस्मात विषय हरा।

अकरण स्मिनीश्वय वाकाला विकासिएक সংখ্যা রুদ্ধি ২ওয়াতে গৃহরুদ্ধিও আবশ্য ১ইয়াছে , স্থান্তরাং সম্পাদক ডেপুটি ইন্তে ख देग्डरलेखें बदर महसूत्र यहच खड़न के जिल প্রতি হইরাজে। ছাত্রনত বেতনের টাকা কেই মুনিক গৈলা প্রাপ্ত করের যায়ে ডিজি করের নেকটেও চাদা করা কর্মাছিল হউক, যত শীস্তাল্ডন গৃ**হ্টী প্রস্তাহ**য় গ ভাল। (मन्त्रिनीপुर र'काला । यन। । लाइक ए । नकक <u>क</u>ीयुक्त का-धन:थ नाम कृत कुर একটা সাংখাতিক প্রায়া আক্রাক্ত হইয়া টান অভি উপযুক্ত ভাল . ইহার এইরুপ ভিক পীড়াদশনে আমধা অভিনয় ছঃ क्ट्रेग्नाकि, श्रालंबा कांत्र ज्ञातनी गत भीता है। প্রস্থার বিদ্যালয়ে মহাশ্র ম্বানারে काला विकासमाम् इत्य (क्लिस्स्य हेम्ट्र ছিলেন, ইনি সেই স্ময়েই অভিন্য স্থাধ उक्त मुख्य (६९म) इंस्टब्ल्डिस्डाइ। अहे : नर्य भियुक्त क्षेत्रार्यस्य । साम्र ७३ वर्षम् । हैं में कहें विक्रांल (स कार्य) कहिया का श्री अभेति । के कहतार प्रमा

(4 hai 'ga) **ም**ያባን シャ の 記住 **≦**0:--

কাপ্তেন বাবু!

ীবাধু অনেক প্রকার আছে চিকু ব'বু, বাৰু, নৰাই বাৰুপ্ৰভৃতি। এগুলি অ'মাট कल प्रश्रु । इंट्ड कि । शत्रु । इंड्र इंट्र इंड বালকেও ন্যায় বস্তা ও অলক্ষারপ্রিধান, মান কেল গালেণ, বুগাও চিবকাল তাপ, এওলি ছকু বাৰুল চিছু। ফটেচা বাৰুর নাই, আমথচ বাকের ভেড়ি বুড়মার্ণী ব প্রতীত হয়। অভতৰ আমার বাল্বাবিদ্যালয় প্রথম হওয়াতে কর্তুপ্রেট্ট তৎপর। তবে দোষের মধ্যে এক ওঁরে ীয়া ও পারসোর উপরে তিনি স্প:ঊ ৰ্য প্ৰকাশ করিয়াছেন। তাং র क रेमजी कहा खिष्टिमं भवर्गस्म**्छे** इ াস্ত আবেশ্যক। জাঁহার সহিত দৈত্রী ব্দ্ধ চ্ইলে রুশীয়ার প্রদর নিরারণের পুর্ণ সভাবনা আছে। দরবার গুলি ক্ষয়ের একটী প্রধান হেতু। এই তুআ মরাই হার অসুরক্ত নহি; কিন্ত মরা মুক্তকঠে কহিতেছি, এ দরবারে বায় হইল, তাহা বিফল হইল মা। ার আংলির সহিত মৈতী হইলে রণামে একটা মহুৎ ইফ্ট ফল লাভের ্যাবনা আছে।

-:•:--

धासा

া বাইতেছে, এখানকার প্রধানতম বিচা व्यक्तकोनी प्रयोज भक्तमभाष्ट्र य निकास রেরাছেন, চাঁদা করিয়া ভ**বিরুদে** প্রিবিকৌ লে মাপীল হ'বে। এটা করা অভিশর অংব ক। কেবল আমানিগের উত্তরাধিক তির[ু] হুরোধে নহে, সমাজের ধর্মনীতি রকা মিত্ত আপীল করা অভিশয় উচিত। প্রধান ণ বিচারালয়ের বারিষ্টর বিচারপতিদিগের টো রোগ অংশিরাছে। ভাঁহারা ভাবেন দেশীরদিগের সামাজিক আচার ব্যবহারের ত আনাধা করিতে পারেন, **ভতই ভাল হয়**। **ক জন বিচারপতি অন্তঃপ্রস্ত্রীলো**ক : গকে দেওয়ানী ডিক্রীতে কেলে দিতে দ্যত হইরাছেন। আবার কডকগুলি ।ভাস্ত করিরাছেন, স্থামীর সম্পত্তির অধি ী হইরা বং:রাজে জ্রণ€ডাা করিলে চান দোষ নাই। চিন্তুশান্তকারের। পিও ন নি মাসুগারে ধন:বিকারবাবস্থা করিয়া ন। ব্যক্তিচারিণীর পিওদানে ভ্ষিকার ই। তাহার হত পতির পিওদানে সাফু গ প্ৰবুতি হইবারও সন্তাবনা নাই কোলীবে **অটা ড**:হার সন্দেহ নাই: মীর মৃত্যুর পর তাহার কন্যা হইয়াছে: গাপি বারিষ্টর ^{বি}চারপতিগ**ে এই জীলো** क नन्धित अधिकातिनी कतित्रारह्म।

वहे जा जायाता रित्तृत्रवाटकत व.व.७ माद्दे अवधानमा कड़ा रहेशाटह । अर्ड 🖘 🕏 খনবর্তী থাকিলে বেশ্যাবুন্তির আন্তান্তিক প্রশ্রর **ংই**বে সন্দেহ নাই 🕑

আমরা প্রধান বিচারপতিকে একটা কথা বলৈভেছি, হিন্দু জাইন ঘটিত মকলমা উপ িত হইলে এক জন সিবিলিয়ান ও এত দ্বেশীয় বিচারপতিকে সঙ্গে লওয়া অভিশয় আবশাক। বারিইরগণ দার ও সমাজ **एটि छ विवस्त्रत वथार्थ विচারে সমর্থ नहरू** । <u> ভাহারা সম্প্রতি যে করেকটা বিচার করিয়া</u> ছেন এদেশের পণ্ডিতমণ্ডলী তাহার এক টারও অসুমোদন করিতেছেন না

বিবিধ সংবাদ।

১१६ टेव्य (म'मव'द्र।

পোর্টকানিও কোম্পানির স্থান্তবন ইজারা ব:ইডেছে। এই ইজার'তে কোম্পানির এক লক্ষ টাকা অপ্যুহ্ন, কিন্তু গ্ৰহণ্মেন্ট ৯০০০ ग्रेकामाञ्च मान भाग। लाटकत्र काल्मिश करे **হওয়াতে** রেবেলিউ বোড ইকারা ছাড়াইবাং नरवान नियारहम । ইष्टांता (शरन निरिष्ट लारक वच्चम कदिया थै। हिर्देश

च्चारलाक्षारश्य हाका सीमत'नाड ठाक्ररत[्] काञ्च जात बाटक का श कति है हिटलन । है शत का: नार्थिक हर. ००० है। द्या : ठे क्या जबनी द्या स्टेर नक्टो प्याणील कराएड दाका साम्रजित हाछिए দতে বাধিত হইয়াছেন।

वंद्रानी वरतन, वहत्रभुद कारतरक्षत्र क्रसन्क शंख मारकावत व्यक्तवार्थ श्रभामाच्या विकादालय माका विश्वारहर, वार्ट हो भूक्तिया श्रवारी क्यू গারে জুনির : ভাত্রেরভির পরীকা দিয়াছিলের শাহারা আইন স্থানিতে এবেশ করিয়া এথম ক্ষেণ্য ওকালতির পরীকা দিতে পার্থেন अहि रे एक नाम इटेश्ट्र । एक निरुद्ध इंदि मेरणस को कमाहेरण कि अ'ल इस मा १ विश्व २ मानिटाह के खेशन द के दिया हिन, के की मा (का विह भकार्थितव मन है। का सिश्चाश्चादकन ।

নওয়াখালির সিবিল সাজ্ঞিন ভাকের ভূরাও ৰ'ৰুজগেদীৰন'ৰ বায়কে প্ৰহাত ও অস্প্ৰান कत'रल ऊँ.हात (कोक्टबाब्रिटक ७०० हे।का छ**ि** সামা হয়। মুলোক ক্ষতিপুরণ্যরূপ ৩০ টাকা फिक्की निशास्त्रमः। आगतः। आक्नानिक इहेलामः এই নির্কোব গোঁয়ারকে দেওয়ানী চিকিৎসকের আলি খাঁা মহাতিটন ও আয়ার লগ্নেস

হয়, প্রস্তুত করিবার যায় : কিছ ইঞ্জিনিয়ার গণ আ ক্ষ্যিও রাথেন; কিছু সাৎ হই রাজে । রেজুণে স. वाणीत कान स्ट्रेड्ड, अह ভাজিয়া পড়িল !!

চাকরে জে, এন, পোগস সূত্র व'तिष्ठेत्र इङ्ग्राट्यम ।

ভেলিবিউদ অবগভ কইয়াকেন, লেপ্টা अवर्धत शूर्यती। इ. इ. इ. इ. च. अ. इ. स्क्**रीय मह**। বক্তেটারির নিমিত ভারতব্যীর প্রথ্যে नक्टो श्रञ्जाद कतिष्ठाद्वनः भागन्ति ধ্র.মশ দিতে পারেন নিম্ভর শাসন বিভাগ হইডে এইপ্রকার ছুই ব্যক্তিকে দীত করা রে স'ছেবের অভিথেত।

थ्यम् ता इहेट विश्वतिथित है निश्चाम वादकः---

''২৭ এ মাঠচ শনিবার : গবর্ণর কেনরল :बला ७ हात मगर्ग छेलबी ह स्हेग्रारहम । नव मगादार के कारत अहन कवा रहा। (म ্ষ্ঠসম চইডে উ'বু প্রায় এক ফ্রেম্ম পথ হ ইংর উভয় প'ৰে সৈন্তগণ দণ্ডায়মান গ উত্তম বল্লে শোভিত সহচর্দিগের সৃত্তি র্বর কেনবল করেশর হন। পাড়িয়ালা (कार्छे। छ अपना अपना द्वाराखा,व देशनाता व अा উপস্থিত ছিল। ১৪এ অব্বি আনীর বি मानि अधारम डेप्य के तक्शिएक । अस्तुः গম্মুমহাগমারে চেলরবার করিয়া উ अहत कहा स्टेटन। विश्वत लाहक व्य গমন কবিয়াহেন। ভারতব্যীর রেলওয়ে छनि सिम्र माल्यमार्थे कहे चिकालात है #हें (काइ)। अहे सिशिष्ठ ख्रमनक दिवानाक বালি গাজিয়াবাদ বেলওয়ে সংক্রব वारणका कविर्क इंड(३८५ । अपनक भक्त**ेरक भक्ति। ध**काइक स्नादकत ह क्ष्ट्रे इक्ट्रेड । ह

২৮ এ মার্চে রবিবার । গজ কল্য সং ब्र[ा]ट १३ ते १ हम् । आभीद्रक (ब्रह्मकार्ट्ड করা হয় ভাকাতে ছেনি বিলেম সংখ্যান্ত किश्व रहता उँ। इंदिक बार्ग करि ह्य গবৰ্ব কেনৱল বলিয়াছেন, '' আমীড় বি स्थानिक स्थान

গেকংবাবিভাগের প্রধান ইনক্ষেট্র জেন গুলাংগা করিলে একাজে কোন ভাতন গুলাংগাক করা হইবে না। করিবা গুলাও নাই। এই সঙ্গে পুলিষ ইন্সেট্র গোলেবিশ্য দিলে কি ভালে হয় নাত্

५७ ई टेम्ब्स मन्त्रवात् ।

ইকুমার দেছলক্ষ টাকা বায় করিছ।
ইয়ের গড়ের মাঠে রাজের এক একার
ইয়ের গড়ের মাঠে রাজের এক একার
ইতি মুক্তি করিয়া দেয়াতেন এই কান্ত দ্বিদ বি ক্রিডে আন্তেখিক। কান্ত দ্বিদ বি ক্রিডেগ্রেশ করিয়া এই প্রতিদ্ করা ক্রিয়াতে, উচ্চ শ্রেমুক্তর লায়ে কি ্দলে উহার উক্ত্রতার আধ্যক্তর রাজ সক্ষেই নাই।

প্রতিপেণ্ড নগবে অগ্নিলাগিয়া গভদ বালী ও ৫২,০০০ টাকাব দেব। নাস্ট কর্ ক্রেল্ডেশ্ব অংক-ংশ বালী কর্চ ভব লগ্না ০.৩ মন্টি ব নাবে এই চুম্লীন ভো আবালভের মাক্লেণ্ড কান্ত ই হছ্যা গিয়াছে। জ্বি লোলাব দ ব নির্মাহভয়াছে ভ্রার অগ্নিত্ব স্থা হার ক্রেলেশ্বে স্লীক্স এইপ্রকাশ্বর

मना श्रीनियः हः विष्ठ क्ष्रेनामः, देवे हिष्ट् य अन्य होते क्ष्रे एक्ष्याः (क्षण्याः मास्ति वय अकि वर्गक्ति मिन्न नविद्याने देवे विश्वित्राद्याः । सिद्धिम नवान विद्याः विश्वित्राद्याः । सिद्धिम नवान विद्याः विश्वित्र मा नव्याः भागाः क्ष्रेयाः । विश्वित्र भागाः अक्ष्रियः । स्थापन ाइ १८७ अने छैठात (कडूना द्ध नाई ।

का क्रम थात शुद्धता पुरिष्ट्राम मिन मिन

अवन इन्द्रा का क्रम का जिल्हा मिन क्रम के के क्रम के के के क्रम के के के क्रम के के क्रम के के क्रम के के क्रम के के क्रम

कामित मर मृष्ठ कारण ८ ७ ८ १ शत में छ । वाश्वास्त्र मा द्वा । दिन ६० १ से दी छ । १० व विश्वास्त्र । ७० । से देवता । ते उन्हेर छ छ । १८० । भारती । ६० ०७ १ १ १ १ ६ १ ६ ६ ६ छ छ । १८० हो । विश्व का में विश्व स्वर्ष प्रदेश छ छ । १८० हो । विश्व का में विश्व स्वर्ष प्रदेश छ । १० विश्वा १८० हो । विश्व स्वर्ष हो है जिल्हा स्वर्ष हम्मा । १८० विश्वा १८० हो । श्री स्वर्ष स्वर्ष हो । १९० विश्व स्वर्ष हम्मा ।

আমরা শুনিয়া ছা খন হইবান ভারত্ব বিষ্কারশালকার প্রক্রন সহকারী সম্পানকের পদ এক জন ইউলোপীয়াক দেওয়া হইবে। ৩০০ টাক স্থায়াল উপদ্ব ইউলোপীয়া পাওয় বাইবেনা কন্তু এই বেখনে এই জন উপ ক্ষেত্র বিদ্বিধান পাওয়া যাইতে পাবে।

্ৰহণ লং কটটোত এই লিখিত টে লাভায় আন্ত বাছে ---

ने काफ जिया है। जार प्रतित किन्द्र वार्तीरत्त रहिष्ठ माणा । कार एक प्रमान करिए रिशान आणि भी है आक निर्धान एन स्वार पेन (है तम प्रिया राजरतम । नोग हि काल विहें मा प्रतित किया राजरतम । नोग हि काल विहें मा प्रतित कि वार्कीत रहा था किया । कम खाकाना (स प्रवर्त प्रतित काल क्षेत्र हिला । ह्या जिता का प्रांत स्वार काल क्षेत्र है के स्वार का प्रांत का स्वार काल क्षेत्र कुला हेता है। है। का महा खानिहा हिला।

त्रः शाद वर्षः स्टब्स्य स्थापक जिल्लास्ट्रिय है। साथ लोक का पास का निर्माण क

১৯ अ टेइज वृशवात।

्र हे देह व कक्षमान क्**रेंट्ड बक का कि लि**थिया

(इस. १ करें देशक काइ जाक मान त्र होता मान लिए या हेर्का वाक (तना के होता मान वित्र स्थान वर्ष भारत का श्रम कराएक वाकी कहेर्क का नगरनत २५ छ सहा भार २५ (छान कहेन। ५० मिन्छे (छेन्द्र व का खाता चाहेग्रा नम्म करत्म।

তহরমপুর ও ডেক্সিকটবর্তী পলী এ ম ওলাউঠার বিলেষ প্রায়েক্তার ইইয়াছে।

পোট কানিও কোন্দানের অধ্যানন্ত ব বছরি গ্রেণ্ডেটের নিকটে এই আবেন্দ্র ব ্রন উক্ত বন্দরকৈ অধীন বন্দ্রকান কা ভাই ইইলে ভবার অবেক আহণজ আহি কান্দানি প্রস্তাব করিয়াছেন কাহণেল লীগ জেটি আছে ভাইট কাহারা বিনা মা বাণ্ডেটের স্থান্ধি অপনি বরিবেন।

ाधुन भाषाभाष्ट्रीत गांछ जानित्यन वि नामा है कि वाल व नहार्यन, अवस्तान के नामा भाषा भाषा है हैं। भाषा और नामा व विश्वास के स्वास कर्म कर्म नोस गांचा अप्यासत स्वास कार्यक्र भेषा गांचा अप्यासत स्वास कार्यक्र भेषा गांचा अप्यासत स्वास कार्यक्र भेषा गांचा कि द्वासील जांक्यार अपने वस्ति के सम्मीय स्वास जांक्यार अपने भेषा व वस्ति हैं स्वास्ति ।

গ্রন্থার ঠ কুরের উইং ঘটিত মকদর শেষ কইর পিয়াছে, বিচারপাত ফিয়ার। চনা কবিয়া জাজা প্রকাশ করিবেন।

- কলিকাখার মধ্যে থমত প্রকাশার্রণে কোচালে ওমত আহ কুত্রাশি দেখা যায় ইহার মধ্যে ছোট আনালত সর্কপ্রধান ভ সম্প্রতিক্ষানায়ক, এই হয় ইউবো शक्तिशत विकानियम् । परिक मह महि कि डिग्हांना अने कारण किकिकेरि देशिनग्रत रहेगा पाटकन १२ शम इ एकेटन विध्यक्तिक खान्यान া আবদাক, ডাহা ইহীরা করিডে रतम मा। हेशत अक्षे शास्त्री का चाटए । देशिनियविकारक मर्दाषा वि অ্জ লোকের সহিত বাবহার করিতে

। दिन्नीय काशा ना जानित्य करे वाव रात त ना : प्रकृताः वामभीव्रमिट्यंत स्टब्स

লার কার্যভার পত্তিত হয়, ন্বাগত ক্ষিকিউটিৰ ইঞ্জিনিয়র স্বাক্ষর করিয়া

ণ্-সালন এইমাত্র। বাহা হউক, ঘাহাঁরা ल्थ क्षेट्र व्याष्ट्रियन, जीक्षांमिश्रद

🛊 উচ্চতর বেতন দেওয়া হয়, তাহাতে মানিগেৰ তত আপতি নাই; কিন্তু

होता अप्तरम थाकिता क्रफ्कि व्यथना क्षित्र कारण करें इंग्लंड

, উাহাদিলের মধ্যে তারতম্য কর। । दकन १ अक अपन मामाना रेमनिक

ক কালে ৫ থম তেলির ওড়রশিয়াব

্এক জন এডকেশীয় স্কৰ্নিয় পদ रेटक कार्यः चात्रक कटतमः। इडेटतानी

রা অতি অংশ কালমবো উল্ভিলাভ রেন, এতদেশীয়ের ভাগো তাহা হয়

। বিদা বৃদ্ধিতে যদি ভুগনা করা যায় **ठ८मभी**त महकाती **देखि**ीनवद्यत्र न हे छे

। भीष देननिक महकाती हे आप्रियतिहालि রৈ অংশেক। প্রধান বলিয়া প্রভীয়মান

। काक अरमभी शहर ठव्यक्षिक इंग्रः

স্ভ উন্নতির বেলা এই জন ভারতব্বীয় ক্ষিকিউটিক ইঞ্নিয়র হইতে পারেন

। ७ টि कि अविष्यंत नरह १ हे हेर्सा भी ह

क्षनियत स्टेटक व्यक्षिक व्यवक्षी ७ वर्ग

ए**न्छेत्र व्यक्षिक व्यक्ति इत्। इन्हाँ वि**रुगत

তন ভোগী লোক আছেন; ইহঁ দিগের भ्य कर्णे छि। लख्या स्त्र । अवर्गस्य: कीत

माञ्चादत वेर्षे १८केत विकाशन संवश

** 400 | FAR FAR 40 40 8: 平**1年** 기1日 1

भश्चित्रक श्री क विर् १ छ।

T# 134 1 " পশুদিবের প্রতি বরাপ্রকাশ कर्डवा क्या जदः डाशांड लाउड चार्ट । बहे भिट्यांनारम ज्ञानरा बक ধানি কুত্র পুস্তক পাইয়াছি। এই প্রব-क्षा अक अन रेक्टियानीत विधितादकन এবং পশানির প্রতি নিষ্ঠ বভানিবারণী गछ। त्वश्वरक श्रेतकार पिशास्त्र। ইহা ৰাজলা ও উদিতে অসুবাদিত হই যাছে ৷ আমরা অভিশয় আহ্বাদসভ कारत अहे श्रेशकथानि शार्ठ करिलाम। লেখক চলিত ধৰ্মনীতি অবলম্ব করিয়া তর্ক করিয়া গিয়াটেন। শশুদিপের প্রতি निकृतका व्यक्तिम्य वनात्र । देशस्तितात হইতে মানবমগুলীৰ অনেক উপকাৰ লয়। পীড়ার সময়ে ও আনক্ত পরি নিতান্ত নৃশংদের কার্য। ইহাতে ক্ষতিও वाहि। পশুগণ सूच वाहित व्यक्षिक কাল করিতে পারে। আহারের নিমিত (कान (कान क्षत्रुटक वह कर्डिटक इह: किन्द्र कांश्रीमश्रीक यांजना ना मिता वध कहा के हिन्छ। डेमर्ल्यूटर्ग्य निमित्र स्वाहा ध्यावभाक वस वर्षे ; किन्द्र वश कन्नर ध्यकातन कर्षे (मंद्रशा डेविड नट्ट। इंस्ल তের শীণারীরা থেঁচশিয়ালের মাংস **अक्ष करतम भाः ख्या**शि हेहारू ব্য করা হয় : জীলোকে ও পাদরিরাও भाग'रलत लाक लक्खेंन कहा रशोहरवह दियह छ्डान क्ट्रन। लिथक अहे छ्लीफ़ाटक निष्ठे त्रष्ठ। विकाश निर्माण कतिहारहर । (र পশুর মাংস ভোজা না, তাছাকে বধ নিভান্ত অসুচিতি ৷ রামচন্দ্রক বালী : य ७२ निना क्रिय़ाहिटलन् डाक्टिड 'स्परः खिल अर्ड निगरक कके (नह, ভারতব্রীয়দিশের এ বিষয়ে দহা স্থি কথ্য মহুরের প্রতিবরা প্রকাশ ক

विश्वकृत्व । जूनद् इव १ कृष्टित युद्ध ता. ब्रकांत्र संस्था। प्रकृति o votate atree कृष्टी स्माहन नहन्नहरू যেটা **স্থী হই**স ভাহার অহিং ⊹ ग्राहिरमन्। अक्रमः वर्षामध्ये 🛶 किछ এই अर्थताच अश्रक्त का क्षेत्रकात व्यर्गाएक नवस्ता : লেও ড চলে মাসুরের বেলার বে भाभ दिल्ला भित्रभिष्ठ इत, श বেলায়ত ভাহা পাপ ব্লিয়া প্ল र्हेर्न अरमह नाहै। जेश्वत स्व स्व की বেশকার বাভির নিয়ম করিয়া ছেন, ভাহার বাতিকাম করিলেও ! रहा (बाङ् सोष्ड कनाहा हैशा वर्षामा का कारणा मुक्के एत । 🐃 ल्थरका मण्युर् अनुरमायन क বলিডেছিবে জাতি পশানির क्षिट काल दारभन, डाँशक्रिक्स **ब्हेशायात्र। (त्रामाटकता यथन कि** ७ व्यालमारमार्य व्यालमामिर्वत ক্ষত। দীন হইভেছিলেন, দেই সং ানংহ, হস্তী, বাাড্রপ্রভৃতিকে প্র নিয়োজিত ক 21:4C8 यारभात क्तिएकन। अक्राल इत्हेर्त्रा मरक्षा त्लाने मकाका, विकान, वृद्धि । मकत बांधित बालका विक्रा । (१ যেরা রুষের সহিত যুদ্ধ আতিসাং चार्मो(कत मर्था क्रशन विका क कट्टन এই शकार मुनलमान हार ভূরবভারে সময়ে নিলী, মুরসিদ ∘ फ्°छ छात्म गर्दामा १**७३५ ह**ै

· 416 3 ,ল বাদেশ। লেখক ছন, পশুর প্রতি ন বে কোন ব্যক্তির ত পারেন। সকল _.ড নিষ্ঠ্রতার নিবেধ यानिकात स्टिम शूटर्क शया .সালয় ছিল। বিস্তু ভদ্ৰো कक्रम मा एकन, जामाहिरशत <u>শেণিরকৃষভ্তির এতি দয়াঞাদ</u> ক্রিতে জানে না। শকটে ঘোজিত ঃ অংশের কটদ×নি ⊱রিলে অভঃকরণ মুবিচলিত হয়। বোধ কর**, অ**খ্ বেলা নয় ঘটিকা অব্ধি প্ৰাচ ঘটিক: **ভক্রমাগভ আরো**€ী বহন করি । একে কুদ্ৰ জীব, তালতে আহার । তথাপি ভড়ে। চাই ; চলিতে । না, ক্ৰমাগত চাৰুক পড়িতেছে। পাভ়ির গাড়োয়ানেরা বেথে হয় পেকানিঠুর। ইহারা মানবজা महिक कि ध्येकांत वावशांत करत । मक्टल हे कार्त्यन । शक्त वार्ष्ट्व রায়ানেরাও নামানঃ নিয়নুব নহে। রাস্তায় পড়িয়া গিংাছে; ক্রমাগত পুঠেও শৃক্ষে আঘাত হইভেছে i র দিবস বোঝাব্চন করিয়া হত পেশুচলিতে পাবে না, কিফু

লয়ান প্রকার কবিছে। তাড়ে না।

া ধক্দা এই অভাচার দর্শন

e,রই যুদ্ধ চওবা (চিড) বাব

(ক শভা লহার নিমিত্তা,ইন করি

🕵। আমোরা রুজবিধ্য ওচেশীয়

🗯 **অসু**হোধ করিভেডি, পশ্চাদির

🌉 ব্ৰঃ নিবাৰণী প্ৰাঃ স্চ্চানী

• अन्यक्षिक्षिक काम में अप जि

ালহার **্রিল্যে**

क्रुक्रीवस्थ

. उदि । देशत

अशिकारा अहमकल

্ট প্রছরিছত্তে অশরাধীকে স্পর্ণ का मार्थंत कर्**डवां कर्या। मछ। (य** ণাব্দ ক্রিয়াছেন ও ক্রিভেছেন, তাহাতে সভা যে ধন্যবাদের গোগ্য এ কথা বলা বাহুলা, লেখকও থসাবাদের পাতে সম্মেহ নাই।

ভারার ৮০বর। গত ২৭ এ মার্চ শনিবার অমালার দরবার হইয়া গিণাছে ঐ দিবস উক্ত नगरत प्रवाहकरण श्वर्त क्याहन আমীর সিয়ার জালি থাঁর মহজনি। করিয়াছেন। গবণ্ধ জেনরলের সেকে होतिशन, अर्थान (मनाधाँक उत्तर-० रेमना, माधनालात लाफ व्यक्तित, পঞ্চাব ও উত্তর পশ্চিমাঞ্লের সেণ্ট नके अवर्गत, शाधीशाना, विकास, नावा প্রভৃতির রাজা এবং অন্য অন্য বিস্তর লোকে উপস্থিত ছিলেন। রু**ম্পাতিবা**র দিয়ার আলি খাঁ অহালাঃ উপ্ভিতহন, ভাঁহাকে হুই দিবস অংশকা করিতে হইরাছিল। গবর্র জেনরল মহাসমা রোচ্ছেনগরে প্রবেশ করিয়াছিলেন। ভাঁহার ও প্রধান মেনাপ্তির প্টমগুপ্ দেই প্ৰশস্ত পরিদৰ ভূমি ৰদননয়নগর **হট্টাউঠিয়াছিল। বেলা সাড্ডে** চারি ঘটি দার সময়ে আমীর উপস্থিত হন। টালার স্থিত পাত জান স্পার ও উছির বহৰণীয় পুত্র আবি**ছল। খ**া ভিলেন। अक्दरशर्वत गरश डेक्कित हर महस्त्रान थी। অধিকতর সম্মান প্রাপ্ত হল। ইনি দোস্ত মহমুদ খাঁল মন্ত্রী ছিলেন। আমীর আগমন করিবামাঞ গ্রপ্র জেনরল উারুব বাহিরে গিয়া ভাঁহাকে অভার্থনা कट्रक । शार्वत (क्रमकटलक निर्म्भागतमक भारत का शिहरक व्यामत (प्रकृता इन्द्री छित्र। ज्यमनश्रामि मुक्तिश्रम अवर्षत জোলংকের জুলা। সিহার আলি খাঁর । মেকের ক্ষরতা দুর্শন করিয়া ইচাঁচি 4য় ফুন অনুমান ৪৬ **বংশঃ : ডিনি ক ল**

काबः, का जिन्द्र भीर्माकात गर्हन ! है মুখজী দেখিলেই দৃচ্পতিজ্ঞা বলিয়া বোধ হয়। যথন ত্রিটিশ শাহ সুজার সহিত, প্রথম দাকাৎ ব **তখন উক্ত ৰূপতি ক্ছিলু**রত ভূতি : মপ্তিত হইয়াদৰ্শন দিয়াছিলেন। সিয়ার আংলি খাঁ সেক্ল করেন: ভিনি আংকি জংমক ভাল বাদেন ভাঁহার পরিক্ছদভারা বড়মানুধী শিত হয় নাই। রাজনীর নাম ব उँ। इति चाउर्ग तहा इहेटल च दिलालन, जांशादक (य अकारत मः করা হইল ভাহাতে ভিনি স্বি নস্থোৰ লাভ করিলেন।ভিনি আর त्त्रण**्ट**श पर्यान कटतन नाहे, अ তাঁহার বিশারপ্রকাশ অনুক্ত ভিনি ভিটিশ বেনাদল দর্শন ব সর্বাপেক। অধিকভর সভোব 🖒 कदियारहर । काहेल और अगसादा उँ মন অধিকভর আকৃতি ইয়। আবিষ কামান এবং এনফিল্ড ও স্নাইডর ফল দর্শন করিয়া তিনি ঞীত ছইয়া প্রপ্র জেনরল উচ্চাকে প্রায় এক विकार खरा छेपाटा**कन श**कान **क**र কিন্তু আমীর গ্রধার কেনরলের ও তলবারধানি অধিতর সম্ভোষ্পত্ এছণ করিয়াছিলেন। তিনি এওদে नर्फातकिशटक प्रभान कतिया विल **इंश्लिट्यत व्यक्तिय महस्रानात श** পাওয়া यात्र ना। वाक्षानिर्वत रेमनिक द्वात वस्त् औं शहिरणत এ प इंद्रश चरेनमर्शिक नग्न। शत निवम ব্যক্ষেনরশ আমীরের সহিত সা করিতে য়ান। সিয়ার আলি ধাঁ। তাঁ নিজের ভল্যারখানি প্রদান করিয়া যক দূর কানা গিয়াছে, তাহাতে **চইতেছে, সিয়ার আলি ব্রিটি**শ महिल रेमजीवसाम उर्ज्य रेवेंगा

🚩 (वा व्यक्तिव अक्रम (तमा इक्क्य कार्याः) ত 🔏 বিশ্ব করা 🐯 চিড হয় না 🗁 🗀

ाम भवनिष्ठशार्क जिमाहित र हे विश्वत मुख्य क्या व्यातक व्हेत्राह्य छन्। श्राय मन हासाबे लाह अहै विकारत कर्य कतिया मिनপাত করিভেটে। সংপ্রতি পূর্তক'থেরে ক্ষাপ্ৰানিৰখন কএক জন সৰ ওভাৱসিয়া (तत व्याट) के शहर कम क्यू। क्रम की करनक व्हेटक থগ্ৰীকো খ্ৰীৰ্ণ ছংক্ৰ আনিডে বিলৰ হইবে কলিয়া 'बड़ (এक् काक देखि है के बिद्राद (म**ं**क्टेशके সৰ ওভার সহাবের শ্পাৰ্ক সাছেৰ -ৰূপানে প্ৰীকা शरीकाज्ञहर्वत (यायमा करवन। পাঁর সংখ্যা ৯ আচন হইয়াছিল ভিনাবো ৩ अन के होने कहेबारहत। স্পার্ক मार्ध्य এডরলিছার জীযুক্ত বরে বছনাথ চৌধুনী মহাশয়কে পরীক্ষ मरम.मी.फ ছিলেন। যয়নাথ বাবু যে এক জন অংডি উপ হুওদ লোক ভ.হাবলা বাছল। উ:হার কুত কৌৰসপূৰ্ব প্ৰস্তুতি দেবিয়া অহনকে ভুয়সী ≁ শংসা ক:বয়াটেছন। পুনরার পরীকারাছণ त ब्राट वर्डरल (यन यष्ट्रमाध दोबुध मार्धेत शिक লাডদুন, বমভীর বাজনকে প্রীক্ষক নির্কা हत्र वृद्धः हेन्र ।

এবংসর এ প্রদেশের ক্ষিস্রিয়েট বিভাগে ফাসবপ্রের ন্যায় জ্লক্ল লালিয়াছে। क्षिमदिएके (अभवता छात्रक्षेत्रं भवन्ति दिन য়ঙন নিয়মের ৰশবন্তী হুইয়া অসমান্য অল বেডনভোগী কেরানী,দিলকে পদচুতে করিয়া इरक्ष'रम छेलबुक्क लाक निरम्नात कडिएक कासन क'त्रद्रादङ्गा उन्ह्यादा उप्रभूषि कम्र সর্রেটে (জনরল স্থেব উজ্জ বিভাগের म*्था। कमाद्रेर्ड व्यक्तिय कार्*स्ट्रह्म। **ह**िस ऽक्ताहर कार एक श्रमकु ख क ब्रिट्ड (छन , क इ। (कर्न ७'वछवर्गन अधिम मीमाम् (कम्नी এড়াও র ন) বদলি করৈছেছেন। এখানে ० व्हेन द करें प्रमा अकरात्व देशिया श्रम এবং এক জন ৬০ টাকাৰ কেবালী আবালায় বদলি হুইয়া বাওয়াতে উপারস্ব কেরানিপ্র १. १५, नम, इ.ध., दिन होका क ब्रधः वृद्धि शाईक्षा ছেনাক মণ্রিয়াই, পে:g কাফিস্ও প্র*লিক* | ওয়'র্নপ্রস্তুত বিজ্ঞানে কর্মচাবিগণের বেডন পুরের নানা স্থানে অস্মেবৰ ও সকৌশল আমু করিয়াছেন। কর্মা করি, ডিনি 🕫 ই সুসম জি চটতে লাগিল: কিন্তু শিক্ষাবিভাগের নিমু সকান করিয়া আর ক**য়েক জনকে লোপ্ত সহ**াঐ টাকাগুলি শাঠাইয়া অকীয় বদানভার সা আব⁸স্থ শক্ক দিবের ভালে। কি হট্ল ? সর ধুত কবিয়া মেক্লিকেটিটিছে প্রেরণ রুরেন। তথ**্নেষ পরিচয় দিবেন।** हत लहरुएकत माञाबलकी महाजागरनत भीषा शत कर्जुशाकत जाहरूमाञ्चलहर जे हिमरनत গ্রার সমুস্বণ করা উচিত। এখানকার পলি, প্রথম প্রেণীর হেড ক্র্ছীবল বাবু দলবন্ধ পাড়াতে ওল্উঠা রোগের প্রায়র্ভীই হওয়ায়ে

मन जानकन्त्रीय अधिकार्य मानवक्षांत (नक रत्रकाति रहेला क करणन अवर खाँगांत गरम कर्दन माल्यात मार्ट्स नियुक्त सहेता जामिएड ছেন আমামী ১ লা মার্চ ভেলি সাহেতের निक्र व्हेट कार्याकात्र सहन कतिर्वन। हेकि भूर्ति वयन छिनि मारहव मिनिताबारम वहनि रहेन्रा याम, फल्म माञ्चात मारहर डेंग्हान क्क करतमः (त्रहे तमरम्न अवस्था इक्षिक कात्रण इम्रः মহারাজ সিক্তিয়া কেবল সাওয়ার সাহেবের উদ্যোগে ও প্রবর্তনার তথকালে (গত আগষ্ঠ মাদে) কীয় রাজ্ঞানধ্যে শদ্যের শুক্ত রহিত क देश के उक्छ ति छैरकूडे चाहित श्रनस्म করেন। ডক্ষারা মহারাক্ষের প্রজামমুহের অনেক উপকার হইয়াছে 'সম্ভেছ নাই। স**ও**রার गारस्य व्यागिमः शूटर्मत मात्र छेरमानगरुकादत क दें। करवन अहे जामारमंत्र अकास हेन्हा । मरस्र अधारन वयस्य गार्थक किङ्क आहर्कीय स्टेश हिला কিয় ভাষার আবার কোন চিন্নই লক্ষিত হই-ভেঙ্গে না ।

---:0:---

व्यामानिकात (कारहातिक मःवास দাতা লিখিয়াছেন।

অহ্য আমর। জীনগর পুলিষের কার্য্যক্ষ ভার প্রশংসা না করিয়া ক্ষান্ত থাকিটে পারি लाम ना । द्यारा 816 मान यादर सरमाहत उपक লীয় কতকওলি হলবছ হোর কাসিয়া বিক্রম পুরে সমধিক উৎপাত করিভেছিল। এমন কি এই क्ष्रमात्र এउनकारत पृत्रित अफ आहर्काव কইয়াছিল যে, প্রায় প্রভাষ্ট আমরা চুরির সংবাধ শুনিরা ছংখিত হইডাম গ কিন্তু জীনগর পুলিশের কার্যকেশিলে ও সবিশেষ শাসনে এখন আর আয়াদিগকে জন্ধপ উৎপাত সহা করিছে ছইভেছে না। ইভঃ পুর্ফো সাহাবাদ नगत बारमत को कोमात मरणहरूरन छेलि विछ ্চারদিপের এক জনকে খুত করিয়া পুলিশে বিটেক্লে ও ছ্ই জন ঢ়াণানমাল কুলে র পাঠার। এই মুর্কু ও ইইতেই উকার অন্যান্য লাভ করিয়াতে দ। গত লৈ। ও মাদে মুক্তিয়ে সংচরগণের নাম ও বাসজানাদির রজাত পুলিষ । তে,পুটি মাজিকেট ও কালেটর জীযুক্ত ব व्यवश्य इस । एक्न खत ऐक क्ष्मिट्स व्यवश्यत | विश्वताकृत अधिकार महामस ऐक अहर ছেড ক্নইংবল মিঞা আপুন ওয়াছেল বিক্রম | উর্ভিত জন্য বৃণ্ণ টাকা প্রদানের জলীক কেল একেট উন্মুক্ত কর্ণেল ডেলি সাহেব অন্যানঃ সহচয়গণকে ধৃত করিবার উন্দেশে কয়েক ব্যক্তি প্রাণভাগে করিয়াছেন।

यानास्त्र व्यक्तन अम्बी कतिशा আনিয়াতেন। এখন এইস্কল চোট (अत स्विक्टिकार विकासपीन आरक्षे शक रहे के मांच जीवशत है कही क्ष्माहेन निर्वाती छीत्रक वसहस्राहे

য়ের বাটীতে চুরি কইয়া প্রায় ১৫০ 🖰 का अभि वाशका क रहेशादिक । भू निरम्

अ वरमत्र छा छा हरदानी विमानम একটা ছাত্র জ্বাত্রীয় বৃত্তির পরীক্ষা প্রদা য়াছিলেন ∤ সৈভিগ্যক্রমে কভকাই।ড क्रिबारक्रम् कि वृद्धिथा थ रुन माई।

डेप्ट:शृक्षेत्र कर्जुबक **ट**ेनशरवड च मः ऋत्वविश्वतिष्य मित्रान्य मत्नादवान कृतिह বলিয়া কানীরেব হয়। এখন ও ভাহার নাম र्खनिटक 🎒 🖹 मा। प्रामानिटलत हाकाई का मिरगत अवस्तारवागहे बहे तथ । उँ विश्वा (व য়ের বধান প্রস্তার ধবন ভাষা প্রায়ই ব পরিণত 📕 হয়ন), আন ন আমনি শেব হট্যাঃ এই चार्याचननविष्णे श्रादात्रहे कछ (मधिनाक्रिया बाहा इतेक, आमता जीवशहतत नाइनिट्टिंगत महीराथ शार्थना ও अस्ट्राधः र्कं र'वर्त्ती अदिवस्त विश्वय बस्तास्थाली रुखे चानभी मरक् क रहान छ। हानिरशत निक्र श সহিত্র অন্যান্য জ্ঞাক লোকের উপকার হ সভাক্ষা :

व्यामाहित्तत्र वज्रुत्वात्रीनक् मः व माफा विश्विताट्यत ।

ঠি। গত ব:লালা ছাত্রীয়ত্তির পরী। कामिषिरतत विद्वारयातिमी भवन्यके मार था छ हे देवा की वर्षी वन । लाइत ফল সাভি नद्रायकत् । व्हें हुए । এই विम्रानम् ; वहे ৬ কম ছাত্র বাল লারতিও এক কম ছাত্র : महि अवार्मिश श्रीतीका श्रमान करदमः मकर উত্তীৰ্হটয়াছে ক। ভিন্তান চাক। কালে

২ ৷ সম্প্ৰিক এই স্থানের অস্তর্গত লাভ্

'८ १ व म इंट डामां प्रशासकरमा निक ভাটপাড়ে নিবাসী ব্রাহ্মধর্মপঞ্চা भीतात्रभा अध्यक्षत्र रंग्ना अभिन्ती लु अ'दवार कार्या मुल्ला निष्क स्टे-इक्ट्रल कारमक अध्यक्ष वर्गी

्य क्राइन्द्र प्रश्चिक्तिविद्य कि, क्षिप्र का छलायी सर्वपुर्वाकत् यहत्र हमानित्र**्वास** ডিনালায়ী একটী সভা স্থাপিত্ত হইয়াছে। েবৰ আভালনান বয়াই সভ**়ীয় অনুকৃত** ा है। इस्पान्त्रका कार्या भागिते**क र अग्रा** 'द्धा

মহাশ্র মীরক্**নিমের খার লখনবার্থ** 'न कर का प्रथत कहें जी कर मा का स्टेस, চিদি সা⊴হ করা **ইইল চ কি^{টি}ছ**ু**ধান** (क'शंघ? व्यांत के दर्गका**टर्ग सम**न **हहे** 'ते ?

--- 203--

মামরা শাভিপুর 🎉তে নিয়ালিত ারতালি প্রাপ্ত ইইছিছে।

'কপুৰে একটা গাৰ্থমে ﴿ ইংরাজী বিদ্যা रकालात्वत करा यक देशका**र । द**ालाचा ছপুটি মাজি কেটিট পারুর' নশক্ষণ (সন্মহা विवद्य अभाव केटनार्की । आध्य मंबर् ইউাছার এই যাধু অ;ভিপারে সংয়ড ক্রন। প্রায় ২০ বংশর গাঁচ চইল জীয়াক क्षान्त्र अभागिक अकृति, क्रिल्य छोड £इ भरका शवर्राष्ट्र हैं के कारवर्षण ाक्रेटलन (ये, এ**वाटन कु**ख्नेनच काटलट्यात ক্ষা সংস্থাপিত হয়। ভয়স্তরে তগন <u>শেপুটি গৰণর সিংখিয়াছিলেন যে,</u> ধামশাসী লোকে একটা বাটা বিস্মাণ করিয়া ভা⊧া ⊅টলে রাঞ্জুল সংজুপিড । ছুটাগবেশতঃ তথন গামের লোকের राह्यात्थ लाहा भाग्यत्रहार साहि। मुख्यात्रि 😻 বাবুধের পুষ্কারে 🕆 ভইছাত্তন কাল্ওন লল্পতাৰ প্ৰবিশ্বস বামন্ত্ৰ कतिशाहित्सन । अन्दर्भ ऐत्यान, अहे रस्

8 है। मानः अन द्रविदाद हाका ताका । अखारव मकत्वई मचा इंदर्शन अवर जिस्ति । रामक आयु क वायु वामधनाम त्रम होका चौक्त कवित्मम । अकेरन नवर्गत्मक भन्न इटेरनटे এই शुक्र कार्यः मण्यतः स्त्र । आयता केंग्रेट्रब निक्षे शायना कति, बामनकत बाबू कुनरैज शक्तिया डाराज जायुकामना पूर्व करून। ক্রান্থার নার্পরভা, দয়া, ক্ষা, মূহভাপ্রভৃতি 🐲 যেমন বহু দিনের পর বিচারাদন পবিত্র ইইন, ভেমনি শান্তিপুর বাঞ্চিত ফলনাড कतिश्रा विश्वान डाँशांक कुछक्कश्राप्त आणी-র্কাদ করুক।

২। এখানে এীখোৰ বিলক্ষণ প্ৰাছ্টাৰ. कारात्र श्राममानक उनाच्ये। व्यागमन कांत्र-(4)2)

 । (कावीरक मिकार्यक्या अत्मरक छेनकांत्र **भाहेट उट्टन** ।

৪। অনুভারে:ডওভর শিয়াব বাবু লাণ नोध्यःहरू यहान्द्रपुत्र कार्यत्रफ्छ। (नर्वश्र) আমর। সম্ভই হইয়াছি।

dı अकडी अञ्चरभोन्न विश्वाद शर्छ-পাত कहेत्रा वर्ष (भानस्थान साहेर ७८६) ख्यानि विभवनिवार क्षात्र क रहेल सी।

ও। শান্তপুরে একটা দাওবা চিকিৎসালয় इछ्या निखाक अध्याजन । अविषया सन नक्-লয়ধা:•মকএবর রামশক্তর বারুনি•চক্ত না श्री (क्या

আমানিধের জীহউন্থ সংবাদদাতা লি থিয়াছেন।

অত্তরনভয়াশড়ক স্থের ২৬ জনের মধ্যে কেবল ২ জন ছাত্র মাইনার রুপ্তি প্রাপ্ত श्रेष्ट्राटक कार्तिया, जनाम हे कश्रुकी व इंडिनर्बर ক্ত এন কেবল এশ-সাপ্ত আপু ক্ইয়াড়ে, व्यवज्ञ इहर'त अभा हाका सुनी क नशूर्त विका (१३ % त हन १००० है त जा । क १ म कि ता क कहा श्रेशांकित । कश्रद्धात कामा निशाहक, मधुनाहक २० हिं अलाक छेड़ीर्न कंत्रताहकः। हेहा अफिनास नरक्षिकेन नरमह बाहै। बहुना नक्शानक জে এবাব আশা^{ং স্কা}ং চল্ড হয়। সংক্ষিত সের শিক্ষকগণকে ধনবাদ দেওয়া উচিও।

काम भिर्कत्र साम 🗟 युक्त अस (य कानर्श আমন্ত লোকনিগতে সংক্রান কল্পতা একটা সংখ্যে নীয় বিলাগ্রের পর এখানে পুনবাগত ङ २१८६म । इ.स. चाउ क्षणा **७ मे**विচाরक. প্রায়ত্ব কোলে একনি গছ নিশ্বণ কৰেবল কিন্তু কিন্তু জুলা জুলা জী**ংটে আর আ**সি পারেন, জবে গ্রন্থেট বিদ_{ালয় স্থাপ}্রাছেন কিনা সম্ভেচ ইইার বিচারে পরাজিত के कुछ अवर्गरम्हे कारवन्त्र करू। यास्र । अहे | ३ हेरलाख तक कामकुष्टे इस का । त्कावर्शस अका

केंद्र मण्डि केंद्रमं क नित्रक्षात्र, शकिविधि आ क मिविरशन मारश्य करश्रक विवन क्षेत्र क्षा रहेए अञ्चाम क्रियाट्स ।

अधारन सास्काती भतीका श्रीण रहेतारह ১১ व्यस भरीकाधीत मध्या सुरमाधिक ৮ - व উপাস্ত হইরা পরীকা দেন। তর্মধ্যে বাচনি পরীক্ষার ১৮ অব্যাত্ত উত্তীপ হ্রয়াছেন मण्णूर्व कम अयावर ब्यामा बाग्न नाहे।

के फिमर्था करशक विक्रम कहा कहा ह হওয়াতে ওলাউঠার প্রভাব **একর্ম**নার ভিত াহত হইয়াছে ; কিন্তু তগুলালি পুর্বেরি না মহাব্য রহিয়াড়েঃ পরত তৈলের মূল্য আংচ इंकि'लारेग्राइ:

करनक मिनन इहेत, नक्लात श्रीतिक सभी।

श्मिनवी ज्यांनी ज्याहत्वाम नारहरतत स्वभीमा व्यापमभूतिमाक शाहित बना स्वाह काण्या अ দল আসিয়া কয়েক বাজিকে হত এ ওত্রভা থানার এক জন হেড কনষ্ট नरक সাংঘাতিকরপে আহত করিয়া যা আমাাদমের ভুতপুর্ব সহকা डिडि**डे** पुलिय क्रुपब्रिटिखके थंड गार ডেপুটি ইনংম্পটর কেনরল বিকার সাংধ कारमञ्जू माखिरक्रेडे (क्यम मार्ट्य अवर जा हो के माखिरॐे किन्नरबन नारव्य काहानिश प्रभव कतिकात खरा अक प्रण देशनाम्ब छिताहा যাত্রা কার্য়াছেন। প্রথমোজ তিন ব্যক্তি গৈ महकारत खुनाहे निराम वामकान पर्याप्त याहर अवर व्य'निष्टी है शक्ति किए के नारहत सामात्र ন'মক স্থানে থাকিয়া উালালিগের আংগর (शांगाहेटवन । উপরি केळ बनीमात आली व ম্মদ দৈন্যুগমনের রাস্থ্য প্রস্তুত করাই मियारक्रम । चाचात्रचाटि कारतः ৮ सम (इन्हें ষ্টাবল ও ৮০ জন কমস্টাবল প্রেরিড ২টাডের रहना याच्च, खशाकात श्रुमिय करनक काव्य क श्रारक्रम। शृरकी या काकारक अक मन व वामिता (भोताबा कहिया तिम्राटक निभिन्न লাম, তমুমান হয় বে ডাইাশও অুসাই দ क्षक मन क्षेत्य। काशमित्या निकास, आव লের কমিসময় সিমসম সাংখ্য কাডাড়ের ডি: जुलिय **क्ष्मिति। के एक्षि मार** के ए बात नाट्य बंधन कित्याद्वन । स्थन योहः (मन्डे मार्कि এ विषयः मनिभुष्तत ताब्नाद नश्य हास्त्रिग्रहम ।

भियशका

১১ শ ভাগ :

১৮ नर्पा

· प्रवक्ततां प्रक्रति दिताय पार्थियः सरखतो अतिमदती न दायतां।

क शूना ১ এक व्यक्ति विकि ५ क्षेत्र । असे १२९६। अ हो हिन्छ। २৮७৯। ১৫ हे योर्फ विकास मास्निमात्र व्यक्ति व्यक्ति व

বিজ্ঞাপন।

।र्सनाभर निक कांच क्या वाहे छ ह्व (व. (मत २० मार्ठ छातिस्य मनियात (वस्र ১৯ त नगत्र (भाकाम वर्षमान मारमामद्र जिनिस भक*िकां* के डेकिंव के कि नियंत्र मारक्**रवयू जानी** रम ाताम अ मार्यायम नरमम बनायकी बाक् भी देवार्केनामक चारमद मन ১৮७० मारमद এপ্রেল অবধি সম ১৮৭+ সালের ৩১ মার্চ ष्ठ এक वरनदाव निर्मेख माश्वम ज्यामादाव त। श्रकामा भीनारम विनि कत्रा बाइटव । তেকে নীলাম ভাকনীয়া হাজিকে নীলাম ভেরপুর্কো ১০০ শভ টাকা আমানভ क हरेरव अवर वारामिष्ट्रमंत्र जाक व्यक्षांस , তাহাদিগের আমানতী টাকা ফেরড ।। यादेरत अवर केक शत्मन मीनायः जाक ব্যক্তির আমানতি টাকা ইজার্যে প্রথম 'त भः तबारन काबियी है। का कानांत्र मिरल ह (मन्त्रा याहे(वः

প্ৰিউক্ত বিষয়ের জনান্ত কংবাদ নিয় রত সাহেবের সমীপে প্রা**প্ত হইবে**। চ, ডবলিউ, গারনস্ট, কাপ্তান আর, ই, এক विकिष्ठिति देशितवृत्त, नारमानव

ডিবিখন।

ক:মিনী নাটক। **एवांब्यात २८० न**९ क्षेत्रनटहाल । মূল। এক টাকা। ভাক মাশুল এক যাত্র।

वाक्ता हरूको नक बाहेक াডা নৰ্মাণ ক্লে বিজয়াধ একড মূল্য : ৶৽ আনামাত্র ৷

> क्रीनरोक्त्य भूरबानावतात्र । কলিকাজা নৰ্মাল জ্ল।

শশ্ৰেষ্ট্ৰিক দক্ষিণ মগরায় যে ইং বাং বিদ্যালয় । ধ্যের বিবরণ (৫) প্রতিকাগারছ বি্য अपि शिक स्टेवारङ, काहात अधान निकरकत हिलानि, (तान 6 हिकिएना । क्लामिक व আইটিজন। মাসিক বেডৰ ৫০ টাকা। প্রাপিনন। ইড্যাদিও দেওয়া নিছাছে। পুস্তক, কলি अभरमाभज्ञमर जारवस्त्रभञ्ज जामात्र निकटि कारमञ्जू कि एउत्र ६६ मर छवरन जीवृक्त वा (धर्व कविट्रम ।

কলিকাডা क्ष्मिया होता

বালীকৈ রামায়ণ চতুর্ব

व्यक्तिक चंख ३ - कड्मा ।

এই পুস্তক নাগরাক্ষরে মূল ও সীকা এবং यायमा प्राप्ता प्रतिक शकानिक व्हेरल्ट्इ। शरकाक बरखन मूला १- जाना कि होता निम-মিত গ্রাহক হইবার ইক্: করেন, তাঁহারা আমার नास क्रिकां डा डाकां नगरस शब कि शिवन। विरानीय आश्क्षेत्रिशक श्राटाक बर्छ क्रि-तिक कर कामा मान्द्रम निएक इहेरत।

व्यक्ति बाक्सम्यः

শানৰক্ষ তত্ত্ত ও ধাত্ৰী বিদ্যা ৰিতীয় খণ্ড।

সাধারণের ক্রমোপবোগি এই রুহ্ৎ গ্রন্থা-নির নির্দারিক অপ্রিম মূল্য কেবলমাত্র ৪ টাকা. ডाকে 81· । मिथिक विवद्ध ()) या काविक क्षत्रव । (২) অখা ভাবিক প্ৰসৰজেদিতে দীমপুত্ৰী প্ৰসৰ. (तांशक श्रमत, मश्कीर्वक्रमहातीम श्रमत, महा भित्र रुख्न भाषित व्यद्ध विक्रिक् किं। वंश्वक स्थाप व মুলিয়া কাঁদারিপাড়াহিতৈ বিষয়ে ও কিছুডাপ্রণিপ্রদব, ইডাদি (৬) স্কাপ্রদব অেণীতে ৰাড়ের অঞ্জে বহিক্ত, অপরিমিত শোণিতপাত' জগবিদারণ, জয়ায়্উল্টিয়া भक्ष **इं**क्यांनि। जैनकन क्षत्रत्व शंजी ७ श्राप्तः फांद्र कर्चना (१) इन्डक्ड ७ गाँ क्षक माहाः

महालानविद्यत निक्टन, व्यथवा प विकर्षे मालमाइ भावता याहरवस् ।

> ঞ্জিল্লাচরণ কান্তলি সিবিল মেডিকেল জাপিদার

कानीपुष्कि विदवक।

भ्रमहत्म भरितालक क्रीमान सुरत्रचत विद्विष्ठिक संस्था अञ्चान महिक मिनव्यू একালিত মূল্য॥• আনা। পটোলভালা। জিকীটে ১১ ৰং জি, সি, ঘোষ পুস্তক প্রভন্ন বার।

> क्षिरभाविक्राह्य त বিক্ৰেন্দ্ৰ) ।

ইংরাজী ও বাজলা পুত্তক ও কাগজ ইড্যানির দোকান নিম্লিখিত স্থানে স্থাপি য়াছে: মঞ্জলের অরডারের সভিত মণি ব ত্রেজরি ভাপট, স্টাজনি ছব্রি পাইলে সুলভ মৃত্যা অভিযে করা যাইং যাহারা স্ত্রাম্প পাঠাইবেন প্রত্যেক মুদ্রায় 🖊 জানা প্রেরণ করিবেন।

পি, এন, মিক্স কোং চীনেযাজার ২৬ নং কেনিং নীট

কাৰ্য প্ৰকাশ।

কাব্যপ্রকাশ ১ নামক স্বাহ পত্রপ্রচানে **अदेख ६६**३१ है। ईश्रत छाउ **বও ৫ করমা অ**ধবি ৪০ পুঠা। কলনা আ যে, ইহাতে জনশং সংস্কৃত ছুম্প্ৰাপ্ত मकल क्षकान करा गईरवा मश्द्रुष विहा (प्रत व्यव)क जीपुक रातू श्रमतक्षात मर्ग

.রর অধুষভঃসুবারে সংস্ভ বিধার নিমিত্ত সাক্ষেত্তক চিক্ত বিক্রায় ইইডেছেঃ---व, मिक्क विरक्षय, विक्रः क्र, दहन. ষ্,কারক, সমাস, কলেগ্রভুতি প্রদর্শিত ्र हिहाहोता (दाध इस, (**घ वास्कित** ুম হ বুংপত্তিকাছে, সে বংক্তিও কানা∱ ন অনুঠিত সোক ব্যাখ্যা করিতে সমুর্ব

4) नःश्चिकाटचेत्र मृद्धमः त निभूमः । केंद्रके कांगरक मदाःयस कांगरक মুদ্রি ভ Z E 2

শুকু ক্রেডার ؛ لا ل ্য প্রেটিংক পঞ हिम्माल कार्यकर W. 466 ্তি প্ৰভাক খণ্ড।

. थि.स काबाक्षकान श्रह्ना जिलायी इट्टेंटन. ্ও পত্র প্রেইবেন।

।জগঝোহন ওকালস্কার -303--

পুরাধ প্রকাশ।

্রুহিচ্চুপুরাণ চতুর্থ খণ্ড প্রকাশ হইয়'ছে। াইকগণের হাতি প্রভোকখণ্ড আটে আনা। শ্ৰীক্সবোহন ভকালকার।

ভারতবর্ষের বিবরণ।

। १२०×१ द भू छित्र । अत्राहत खादन खादन दाव को पर दिनाइब्रुव भावितकाम कहा कडेब्राइड अ**व**ा र्ष - (मानार नर्ने, श्रम्क, म्हेरलझ, दार्विका) ou अन्तर्दरम् रहवन स्वयुद्ध (स.स.च हरे. ব্ছুকৈ কলিকাজাসাস্ভ হারেলপুস্তালায়ে S. 3

pr ¥ '0'4'

இரு்⊯ கை ந∗

अ १९४० के १६ के ब्रोसिंग करते । अ संख्र अ अ क्षुस्त,सम्ब । क्षांश्रह्णाकत्व । क्षेत्रममञ्जूतः । हेश्तर्प प्लान इन्हरम्यः । बर्द्धभागानस्यः प्रतिष्ठः ५५॥(१७) अङ (तक्के प्रस्थातिया प्रस्थान यहत्याचार्य स्थात **अर्ज मा**डाट शुक्रकालाय एक के काल ^{हरा}कारकी : 到24.42年 4巻・

ठेमठेनिया मध्य छ शुक्तकामस्य छ शहिला াত্রগণের অধ্যান্থ প্রথমতঃ ভালায় বাড়্থ্যে আদার কোল্পানির লোকানে বো আরম্ভ করিলাম। ইংকি মংজাণীত ও মংপ্রচারিত নিয়লিখিত পুত্তক গুলি

| &4.55 | সুল্য | İ |
|-------------------------|----------------|-------------|
| | ``` | 141E |
| ঐ°সইভি€াস (রামইভিহাস | ۷ | Se S |
| ভূষণসার ঝাকরণ | 1 | আনা |
| নীভিসার (১ ম ভাগ) | لع | 3 |
| নীভিষার (২ য়) ৶ | Ŷ | © ¹% |
| # \$1 4 % | | |
| मुक्तरवाश काकरन | b ₁ | \$ |

ত্রী বারকানাথ শন্মা

আমি শক্ষেয়েমধ্যনিধিনামে একথানি গংস্কৃত অভিধান সক্ষরন করিতে আরম্ভ করি ग्राह्म, देह। भी १६ या छ मण्लून इहेरन, मण्याहि ध्यंत्र थेख क्षाहित क्षेत्राहित । क्षाहित **व**र्खंड ংনি কলিকাক। সংস্কৃত বিশালয়ে অংথবা মূল, ২ছইটাকা গোহণেক_, মহ শয়েরা নংস্ক শাপুর কবেপ্তেক:শ যন্তে আমার নিকট জাতিম । যন্ত্রের পুস্তকালয়ে অথবা সংস্কৃত কালেজে ু ৯ মার নিকটে অনুসন্ধান করিবে পাইতে পারি (વર્ન

🚉 ভারানাথ শর্মা ,>৭৫স'ল) ুলা ফ'ল্কন / কলেক'ডে) সংক্ষুত কালেল।

বিবিধ ভ্ৰাাদি বিক্লয়াৰ্থ প্রস্তুত।

ইংরাজী ব'কালা পুতকে কাগল কলম নানা বৈধ দ্রবাদি পাওয় খার এবণ পুস্তুকাদিটে এক অংশার ভ্সাবে কলিসন দে অবিক क्रीकांत्र शुक्तक अस्ट्रेडिं ./ se 'व्यानांत दिना'त्त

| १८वनः | | |
|----------------------------------|------------|----|
| श'नकुकः दे सरावजी | 8 वे | 4 |
| প্রাক্টীৰ অবংশ ভূমিন গ্লা- | | |
| শ্ৰম্পুৰ প্ৰথম | 7 • | ٤ |
| মেন্দু ভ দ্বীক | 2 ji • | Ē |
| পুনরে স্থীক | s 11 • | Ē |
| ्र्यकेत्रश्≉ात् प्रशिक | ٠ ١١ د | Ď |
| ্ৰদ্ৰে স্থীক | 8 | Ē |
| <u>ভামরাগ্রত স্টীক</u> | φ₹. | ,À |
| 243 | ۶. | Š |
| छ. देकारा छग्नम्भ । व ब्रह्मिनाः | - | |
| ্থাই টীকা সাইভ | 92 | |
| डेडेलियम् म मध्युष डिक्रमः | 1 | |
| প্রথম ইংরাজী পরে সংখ্তম | . . | |
| CHANGE CHICAL LOS 1. S. | | |

য়ার উইলিয়াম সাংক্রেড

| A STREET OF THE PERSON NAMED IN COLUMN TWO IS NOT THE OWNER. | | |
|--|----------------------|------------|
| विवृक्ष वायु कामीक्षत्रप्र तिरु गर | ₹ 1 * | • |
| নরের প্রবীত গদ্য ১৮ পর্কা মহাব | চ;রড | |
| ১৭ , শশু সম্পূৰ্ণ | ٠. | Ø. |
| धे ७ वे विश्वाह्म | • | ঐ |
| वि १ वि छ एम्। गर्भा | 9 | Š |
| ঐ ৮ ঐ ভীমপর্ম | • | Š |
| ঐ ৯ ঐ ছোৰপৰ্ম | • | 3 |
| के ३० के वर्गमर्स | • | Š |
| के १५ के मना भर्म | ર | æ |
| ঐ ১২ ঐচ সৌরিক পরি | 2 | ঐ |
| ত্র ১৩ ই স্ত্রী পর্ম | 2 8 | Z |
| উ ১৪ ঐ শাভিপর্স রাজ্পর্ম | 9 | œ |
| ট্রাড়ক <u>ই হে ক্ষ</u> প র্মা | 9 | ð |
| বি ১৬ টা তলুদাসন পর্মা | • | Þ |
| ঐ ১৭ ঐ শেষ পাচ পর্ম | 19 | œ |
| বিচার কর করী অসাৎ বেলাক | **f_ | |
| ন:ভূগত বিচার ও মীনা° সা | दश् | |
| প্রমাণ সহিত | ٠ ، | Þ |
| আঞ্তিদপণ | 2 | ₹. |
| অষ্টাবিংশতি ভত্তঞাতি | .55 | • |
| প্রাচীন সংক্রিচা ২০ বড়ে সং | જ્યુર્વ ૨ ૯ | , i |
| আত্মত হৈ বিৰেক ভাষা সংক | | , <u>}</u> |
| উত্তর নৈদধ নাবায়নী চীকা | স⊹হত | |
| ১২ খন্ডে সম্পূর্ণ | ۶ ډ | , |
| সিন্ধান্ত কৌমুদী সম্পূৰ্ণ | 7 4 | - 3 |
| ঐ শেষ ৰঞ | • | , |
| विद्वकश्वावली विशास्त्रम्थः | শ ক | |
| মত ও বিচর | 3 | |
| কৰ্মাঞ্চন কৰ্মক'ণ্ড বিষয় সি | | |
| দ রভাগ কুল্ডক সংহেবকুট | | |
| ৰাজী ভংকম। কলিকাতা (জাড়া- 🔰 🗟 |) প্র <u>চ</u> াপ | |
| } | | • |
| সংক্রে ৬৪ নং) ন | જાન વિ | .4 |
| | 9 | |

त'ल'ना जुःहद्भावती।

कात्रक्थानि व्यक्तित कविनात पृष्टि शक्ष ই্ষান্ত ৩০ খালি ম্যাপ আছে। উভ্যা িবংশানা অনুলবুক সোসাইটি সাজন্ত য अञ्चलकारणः अविश्व सुरति ७ भरोरता बाक् मेर्रा आमवन्दिम्य श्रुष्टकास्ट्र ११ ३४। १ मूल २० हे।का।

🚉 सीलकशल (घषा) ल :

পুরাণ প্রকাশ। বিষ্ণুপুর ণ

অনুবাদ ও টাকা সমেও প্রত্যেক ৮ পৃষ্
। অবিমন্লা \ ॥ । । विभि अह्याकिनावी १६८४न, किसि मुख रम की ब न नर्ममा बाइटम अहे स्थाप मारकाय धकान कविश्वाहित्सन्। किश्व ईश्वाहकदा विश्वास हिम्राह्में, राष्ट्रा कालार्निक्त, बिक्टियशकृति ।। राष्ट्रीयम वृद्ध कतिहा आविकुछ कटःस, क्टिन बट इस्क विकास दिवे होता. छोड्। भारे बाउट्ड क्वरंगंड इस । विकास्त्र संगष्ट ब्राक्टनींड ংক্রাক্ত বিষয়েও এক ভাতির ভূরোন্দ্রন মণর জাভির সুবিধা করে। বেয়ত প্রতে;ক अद्धित्तिन। भिका कहा अंत्रष्ठव, तिहेशकात धरफाक काफित के भरशत मात्र मात्रमाह है: উড গোলধেপ আরম্ভ করিয়া প্রথম চারলদের तिष्ठ ताकात मञ्जक (इन्स, विक्री इ (क्रमन्द्रक ীকরণ, ছেবিয়দ কর্পদ সংইম বিধিবস্থপুষ্ঠি াক করা অসম্ভব। পরস্পারের উন্নতর অসুক াণ করাই যথ।প উপায় : আমেরিকানেরা ভাগ विद्वाटकन । कि इ हेर शटकता काँका मिर्मात रमहे विकि म निमा श्रीकात करिएक हार्ट्स मा। समा িত আট, শংশ্লাণপ্ৰস্কৃতি বধন কার্যার বি-দ্রাংী দক্ষিণ বিভাগীয়নিগকে পরাজিত করি ठ इंटलन, **छचन है** शिक्षान कार्य देनात वस्ता পত্রের কথ। অনুধ্য করিয়া ''কেবল মুখ ার তি " স্থির করেন, ; "ইয়াক্সির কথা সকলছ राष्ट्रव २ हेश्वाकांमर्शव अहे मुश्क त चार्ट् । নামবা ছঃখের সহিত বলিতেভি, এটা ইংরাজ । জিব নীচালয়ত ' ∤ঞুই নিয়িভ ≎ হোৱা সদা व करामी ७ जीव भारमविकासमित्रहरू क्यम করিতে কুড় বন্ধু শুরিলেন না गरमजिकानमिरगर नगत्र वाजामीमिरगत महिल বেহার করা কইভেচে। সমুদায় ভারতবর্য ১৮-रम्ब मण्ड हालिक स्मा (य मीकश्राक्त अकः দিল ভারতবর্ধের সার্প্রধান করিবার মানস রিয়াছেন, সেই শীকগণ শিশুবৎ বালালীদিগের त्रामर्ग इतिराक्षरञ्च । किन्तु व्यामानिरशत हेके গপীয় ব্যুক্তন ৰজনেশে সকলই অন্তঃর ও कनारे कथारे व्यवसाय प्रसिद्धाः व्यवस्थान বিধাৰ প্ৰীয় ভি হইভেছে, ভাৰা আঁহোৱা কার করিতে প্রস্তুত নহেন। ভাষারা কখন कृत्वीतिशहक मधकक इंडेटफ मिट्टन ना, अईडी কুড অভিপ্ৰায় • কিন্তু সেটা প্ৰকাশ না কৰিয়া ক্ৰপ ও অবিশ্বাসে কাজ করিবার মানস করিত্রা न । किं जम । हेरब्राक्षमिरशत विक्रारम् । कार्य का डाँशामिरशत व्यर्भका अष्ठ ध्यान स्हेमा ন বে একণে কামেরিকানগণ একপ্রকার शक्तित्वत केंगरत कांका कांनाहरक्ट्या की कानावामाचिक विवाहन कामाहिट्याव বত্বৰ কৃষ্ণ ইউরোপীয় বস্থুগৰ বিক্লপ করিনে

गारतम शक्क भागता छ। शामगर क विश्व कि चात्रक्षर्यत्र अन्य का अर्गास्य अह বিক্রুপের উদ্দেশ্য বুরোন। এই বিক্রুপে কল এই स्केटफटझ; **फान्न**फवर्यत (य (य श्राटक्शका म छ।फा विम्डानिकात वृद्धि व्हेरफ्र्डि, त्रहे त्रहे क्रांट्स्स लाटकत्र वक्रमात्मव भारत मधायमाम **रहेएक(इव। नक्षार्य भिकार्यक हरेक, एच**न দেখিতে পাইবে, শীকদিগকে প্রথক জ্ঞাতি বলিয়া रक्रमा । सन्द्र काम्य वाराव केर्ना केर केर्ना केर केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना केर्ना क করিবার যে উপার হইয়াতে, ভাষা বংগ হইবে। প্রত্যেক কুড বিদ্যাভারত ব্যক্তির সমুশায় ভারত বর্বের প্রতি দৃষ্টিপাত করেন। সাধারণ দেশ ও পাধারণ জাতি বলিয়া গাসী ক্রমণঃ বুদ্ধট स्टेटिक । (काम कुछ विद्या माल्याकी का (व'दा हेवाजी श्राप्तभीय जैवनं ब्राप्ति मा निज्यां ज्ञान राय'दमत ब्रिक्टिंत शर्ख श्राम अनाम (मार्कत केक खालिका **श्रकाश्यिख इत्रा अर्थ**त कर শাই অল্ল ভিল। ইহাতে প্রবিক প্রশিনিয়ন बरामन, अक मांक वर्षयर्था (व काफि अक कह সংখ্যক বড় লোক প্রদর্শন করিয়াছেন, বাঁচানি গেৰ প্ৰশৃৎসানাই। প্ৰলিক ও প্ৰিয়ন যাব कीत नका बीत नहां ह राजा भी नगरक खुना क विश निकतिशतक : श्रापाना श्रामान कतिहारहरन। कामता हः चित्र रहेगाम, हेलियान (छेनिनिक्रेन এই नीमाध्यका रहेटल मुक्त रहेटल शास्त्रम नारे; विक्रम कतिया यनियादस्म, यामानीतिरात तकता है के ला । अध्य छ इक्ति तमात आह्यत क्षक हम् अरमार नाहै। जामानित्यव (व जास्वव चारक, कतियक कामदा मर्कता क'रकन कति । ? व्यामामिर्भव नकशहे कामात अ कथा नि उत्ति अपूर्णका अभात अपनाहे विकासध-ভৃতিবিবয়ে এপৰ্বংক্ত কোন উভ'বনী শক্তি श्रमर्भन कविएड शांवि नाहे ; किन्त अ विवाह श्रमाह यह इट्टिंडर बदर बहे (हड़ी हु (स मीख क्म इट्रेंड, छाडाव गरमह माहे । किक আমরা এডসুর বলিতে পারি আমাদিরোর ভার ভবর্ষস্থিত ইউবোপীয় বস্তুগণও এ বিষয়ে कामाहिरशंत करभका काम श्रामा श्रामा করিতে পারিতেছেন না। এম'ড অবস্থায় প্র निक अभिनियन अ (अनिनिष्ठेरतत्र विक्रम क्रेर्सरा माज रहेए ७६ वर कामता क्याशाटम है। অগ্রাহ্য করিতে পারি। তবে উট্লোরা একটা ওক ভর কথা বলিয়াছেন, এক শত বর্ষে এত অল্লবড় আনন্দের বিষয় এই যে, বেসমস্ত ভয় হি লোক হইর'ছেন কেন্য সভা কথা শুনিতে চাত্য বিবেচনা করেন ্য বাইবেল পাঠনা একএ ত্রিটিশ গবর্ণমেন্ট আমাদিগোর, জীবনচ্রিত ধক্ষ ইক্সজালব্যাপার ইহাতে বালালি হৃত্রগণ क्तिवाद्या माहिका ও बाह्रेत काँकी क बांचा धर्मा वनवी इब्र, कांशितरात निमित्र (अनिट्रा

निरमञ्ज बर्यामा एकत्र कः वःटइन ? जनापरमञ मिड्डकार्यः द्यवद्याश्रमः मीखन कारमयश्रार्थ हरः मर्गद्र এই यर्नामः एकः व्यामित्रक अन्धकाः

ভিষত প্রাধান,লাভের ভিষ্ঠা করিছে ধ্ (मटन्त्र खेटिलाक भटनाइः अम्मकन दान विधि लोश्लाइकाम वृद्ध ताचा स्मा र व (मर्व काम कड़िम्रं विकाहरक भार এটी ऊँ:हानिरशत ना ं लोहनाइकात रहेत्रा च ८क २

SETE SEF २२ अ के क्षत

-22-

):\d:---

मश्मेष ।

৮ हे (स्क्षप्रातित मामधकारण " शा श्विनमृति विक्रान्त्र, अहे भिरतानाम कि भनि व अञ्चावत्र अकाम कतिबादहन, বোৰ হয় আপনি ভাষাতে কদকণ্ডলি জ शकः श्रद्धः त्र कविग्राटक्न । जानिन (स ৰ্মক আপনার পাঠকগণকৈ অমে পাভি त्वन अक्रम विर्माहनी कहाछ निखास सङ्ग অভএৰ সেইওলির প্রতিবাদ ও শোধন আপনি যে আহ্নাদের সহিত সোমপ্র এক পাৰে আমার পত্রধানি প্রকাশ ক जारात्र मरम्पर नाहे।

বিদ্যার যত অগিকতর অস্থীলন ংইং ভত্ত মিদনরিদিলের উদ্দেশ্যদিভির ব कविएडए, उटहे **ड**ीशक्तिरगत একটি অমাতাক সংক্ষার বন্ধুস হইতেতে : নার এই প্রথম বাক্য প্রমাণরভিত, এটি মত্যাত্র, পাঠকবর্গ বু ঝগ্রা লইতে পারি श्विरदा वाका श्रद्धांश कता आवम्हक रप्रमा विजीवणः साननि উक शकारि ভাবে লিখিয়াছেন ধ্য, কোন মিসন্ত্রি পার্বি शूर्तिक कविद्रारहर्म (य, अकरन (श्रारी कर्तात्वव व्यावनः कडा नःहै। व्यामद्राः कू পারিল:ম্নাএরপুদ্রক্ বাক্রেয়েস इंटेएफ इंट्रेशाएक । किन्तु मित्रवृद्धिमा क्नांशि अक्रेश किंखांबें नरह स क्षेत्रिर कारमरकत स्थानमा हन्। विभवति सम

्य. भनः छः वा क्रियार्गात निभिन्द अञ्जल कार्लक १२ मिस्रोम न्युक्तिशहरुत् । कारतक भारा डे हेख ।

। ऐकारा प्रभागिका श्राप्तका भुक्तकानि ক রয়া উঠিগ্রে পারে না। আপে.ন प्रत .य. ८८ तिरोष्ट्रभति **कारमरसङ् त्र**म्स (以84 有 不代方數 स्ट्रेंट क्ट्रेंट া কাৰে উজ কালেজ হইছে প্রেসি কংবেলের বিজ্ঞান্ত প্রীক্ষেতির সেখা অধিক)। **আপনিকি বিশ্ব**ভ ন^{্ন}, ময়ল। প্রস্তাত করিছে **হট্**লে **লগে**,র ক'টা প'কো আসারো আবাপনি ক**ছেন**, ३(ब्रिटिन्ट्रेस्ट्रे लना ६५% अपरह मा। मा ६६वाव कारन প্রায়েজন কালেট্ডার **বি.এ প্রীকো** লেকের ভালিকা ভিন বংসকে ২৬ হইডে म इन्हें भारत अपर । क् हर्क होने कि किया ा.लका ७ हेहेरङ २० भन्तक क्षेत्रास्थ ितिह्दहरी व तम हक मिदिनतालय । व्यक्ति নীর। ১৮৮৭ প্র_ান্ত জেনেরাল এসে ধ টিউসনোবিত পাঠেব জেলী টিকান: ৮৮৮ প্ৰতে কর্থিছাল মিধন কালেটে ট পাঠনাছিল না। হু ১রং২ ১৮৮৮ সালে। कारमञ्ज्ञ ६३८७ ছ' द्वभन् विक পरीका प्र প্উত্তীৰ হচতে পারে ? জাপনে পশচাৰ লিখিয়াছেন যে কাথিছুলল মিদ্ন জ ২ইতে কেবল ছাত্র গুটাল মাত্র উত্তীৰ ह। अञ्चल १९४४ / इंदेरेन इंदेरेन कार्यन লেতে ১৯৫েক যে এই এখন পরীকা त अति। छ . १ अभ ५.६७, व्यू माई। (म.४ [편'역(i+C)추신 판 및 5() (제작· '제국학(평-िल्का स्थाप करें वे वे वे हैं कि स्थाप कर कर कर के स्थाप कर कि अ देही कि को भीता है। उस की व के कि · \$\$\$17.5 4 15.5 4 10.1 4 45.4 ११ विश्वदिक्षा १९६४ । भयो काल अधिकार अधिकार स MIN. MINTER TE STANGER & M क्रिक्श क्षेत्र . . | विक्रिक्त स्थापन विक्

にゅ (内外) かっかっ 「お客しの 'さ

⊛ैं1 २,०४,≉त्र भरकाः अर्थकाः अर्थकाः २००

दिर्वय कल्थम (कम मा कि डिडिक मर्ट् एथानि (कामर्फ क कार्यक भराभागा न.है। उँ:इ'ता । ३३(७ ৯৯ मह्यर ४৯ सन वालक अल अ गती ক্ষার উক্তিৰ্ভিন্ন হট্য়াভে এবং ঐ ৯৯ মণে লোয় ৫ - আনুন্দ্র টিড আরু ওপাপুরালক চিল। মিধন্রিকালেজাদকল এইডে ১০ মধ্যে ৪১ বালক উজীর্ব ছইয়াছে। মিসমরি কালেজে क्षत्रमरसाक व्यापालक छ अनर्गभ हे हा अहरिङ श्रास्त्र वानक इहेरला अव्यक्तिको कारनास्त्रव जुला। না হইরা বরং আনক পা মানে প্রীকার উত্তীর্ণ व्हे८७८६ वृंश कि दिव्याश्व दह नाइ '!'

> তৃতীয়তঃ আপান বালন লেদিছেন স্কা (लटक कामिक वर्ग वर्ग स्था । काश्व करक वर्ग জাল উল্লিভ হয় ন'ই। যাহারণ ইহার বিপক্তে विनिष्ठी व्हाटक फाहाबा वर्ष्ट्स, व्यवश्रांबा, कार्याटकर ষ্ঠিত ভুলনা করিলে প্রাস্থেনসি কালেকে भवर्गरम्हत्र व्याष्ट्रास्त्रिक ग्रह्म हन्न । भवर्गरमहे অর্থাৎ কর্ম ভূগণ প্রেসিদেন দি কালেছে श्रात्कात हार्रजा निभिन्त २५ हे का मान कर्यन। গ্রবর্ণনে ট অথাৎ কর্মাভূগ্র কাথিভূগ্র **মসন** कारमहरू १८७३क हार अंत्र आगा ६ शक्यां 2F12 4644 1

> .काम व नेट्कत (कक्षाणित निक्य विषय **१६८७** मानिक २०० प्रके अंख होका प्याप्त हिला। त्म ভাষার প্রভুর নিকট হইতে মাসিক ২০ বিংশস্তি पूछा माञ्ज बाइन कांत्रका अमना काराज अक् জানিতে পারিলেন যে, ভাহাব কেরানির মাসিক ২০০ নিজ জায়ে আনংছে। তৎকাণাং কশম্যুক্ত করিয়া বলিলেন যে, ভোষার নিমিত্ত মংসিক ২২০ মুদ্রা বয়ে হয় তেঃম'কে বাখিবার ৰ্যন্ন আৰু দিয়া উঠিতে পারি ন : `

इंश्लार्ड कर्मिक कारलब्द धर्मा विष्ठे प्राप्तद्यान कर्कुक आलिक स्मा । छै। स्था छिएक है। लिक्ता मान বিষয়ে আংশনানের কবিয়ে কবিডে ভ জ্ঞান अकाम करत्न। भवर्गमा उँ।अन्तन्त कारूपः रहेश १७ २०२० में त्यात्र अन्न अभूतिकार्य । कवि**रागम अवर समाधकात्र काम हरूएक सि**र्फ कि को भवन कल्पल बु १९८८ । १८४२ (ग.) आहेरलन। आखण्ड शवर्गस्मरकेव कि स्ववेत्रण कहा। . ५ के त्मिल भक्त १३८६ 🔉 भट्ठा ८৮ चेहिन्छ **मग्न शामारक भट्नाव (काम माहे**, १७१०)

ৰুস্,চিৎ দেশ কিইড বিশঃ

मृला शांखि

শত এলাবায়ণ লাভ হছসাম কৃষ্ঠিবাড়ী ১৩। মাছেন্সা বেল ছেইছব সোণবদুর স্থেপনের

- ৯ শক্তীৰকৰে স্নেড়াইল
- क विश्वतिमान नरमा । भाषा स्थान । अस्ति ।

- " প্রতাপচন্দ্র বসুস্থা রাম্বাইছির व्यागः य
- २ व्यमायमध्य त्राप्त मू:मव

(मामश्रक्षाणमः काष्ठ करत्रकरी विटलंद नियम।

मां अग मृना ও ভাকমাসুল मा পाই। याल (मामशकाम (धारून करा शास मा।

ইহার অধিম মূল্য বার্ষিক ১০ টাকা सान्तातिक बन्ना होका । मसम्बद्धा छाक नरमञ्ज्ञातिक ३ ०, सान्यानिक १ अवर ने শিক ৩৮০ ভিন মাদের স্থানে অঞ্জিম बह्न कर्ता याच्च मा : छ: छ. वक्षांकि fs है. अड्र (तारे उष्टांम्य हिनिये, इंड्राय क ষাহাতে যাঁহার সুলিধা হর, ভিনি সেই ধারা মূল প্রেরণ করিবেন।

.बॅं.शता हे!व्यार्ककड माठीहरवन, प থেন এক অথবা আব আনার অংথিক अ तमीरमत विकिष्ठ (धार्म मा करतम।

यथन यिनि मकपन क्हें एक स्नामश मुना भागे।हेरवस, छाहा (यस द्वसिक्टेदि **क्षिपुक्त चात्रकामाथ विशः कृषरवद्र मारम** हेच्चा (धना

শাহাদিদের মূল্য দিনার সময় ঋতীত व्यानित्व, अकमानपूर्व **के** हा कि शहर লিখিয়া জানান বাইবে, কাল অভীভ গেলেও এক বার চিঠি লখা হটকে, ভাষ একস্কারকার প্রাক্তীক্ষা করিয়া কাগজ ব याहेर्त । त्नन कारत्र श्रुक्त त्वज्ञाति । **इंडे** दे ह

মাতলা বেলভয়ের সোণাপুর টেসনে গরে চিটি আইলে আমৰা নীয় পাইৰ।

योशदा माञ्चल ना दिशा शाखाति । अत ानन, अध्यानिहास सम्हे शक्कांनि अस् भ'हेट्द नाः

.त. : तामश्रकात्व विकासन हिट्ड করিলে উ হাকে প্রথম ভিন ধরে প্রতি 😘 에게 하현실 역 /) - 학대 (하다) । यान भागिक काल विकासन कियात देखा े .बस, फोबॉब भ.४% वान्य वर्तमानक ४५०

নী কৈবৰু এত ৬৪% চটোপাদা য় রাহগঞ্জ । 👪 এই প্রাক্তিব দক্ষিণ ণ চলাভিপোকার উল্লেখ ন প্রতিক্রমাথ গাল প্রতিক্রমাণ । কুন্তিনর বারীকে নাইকেন্দ্রমাণ প্রতি महानम् व्यानमात् स्वयं व्या रहेशात् व्यानमात् विभाग । व्यान में कार्यः विश्व अंग्रेष्ठ विभाग । व्यान वे कार्यः विश्व अंग्रेष्ठ विभाग महिष् गण्णामम कतितम्म (व. कार्याक व्याम यात्र भन्न मारे महणायमाच्य कतिशाम।

'' प्रशासि प्रकारकर योक् क्रप्रशींक प्रमुखा। क्षेत्रसम्बद्धाः स्मारक क्षाक्त ॥

जि वे अहे बाटकात खारलवा अवशक हहे सार्कम। क्षेत्रकाचात्र अन्योर्टम करा प्राप्त क्रायत रमध्यीयां पर नाइ। अक्राय कामि केस কার্ব্য পরিক্যাগ করিবা স্থানান্তরে গমন করিতে आवः श्रेदाष्टि। कृष्णकान्यकारतः चीकात्र कति তেটি যে, জীয়ুক্ত নাবু সারদাপ্রসন্ন রাম সম্পাদক अभिवृक्त वाबू कृष्णधनम वाम्र स खीवुका वाबू हाम A नत वास हेशोडा (मामव अप्र वीत्रक, भरवाशका রিব, গৌজনা ও কারুণাপ্রস্থৃতি গুণসমূৎের আ शांत चत्रण . के कु डिविम्ड विक्रमण महाचाता स्व हृद्य छेक बायक विम्हानस्मित कार्य। क्रेन्ट्रम्बर् সম্পন্ন হইভেছে। মৃতীয়তঃ, শিক্ষণণ উ:হাদের (तो सन्तर, त्रवस्था **७ स्त्रामास्मिन**ानि छनकनार्थ রশীভূত হইয়া এরপ পরিঅধ্যহকারে অধ্যাপনা কাৰ্ব্য সম্পন্ন কৰিভেচেন ৰে, ভাষা বিৰুদ্ধ করিভে लियनी जक्त रहेन अवर करने काहा शका भिष स्रेग्नाटक। प्यामि (व मियन औ विमार्गतात्रव প্রধান শিক্ষরে পদ পরিভাগে করিলাম, (লানি ন) কি অনজিগংহিত কারণ বশতঃ) अक अन निक्क केटेक:चट्ड दावन कड़िया উঠিলেন। আমার ভাঁহাদের সহিত এতাত্বল সৌ कृष्णिय मक्षात स्रेप्तांद्र हरे. कामात स्त्रसम्ब उँ। र दिन व अवन इः धामनिर्मित्रान्यान्त দ্রবিরল ধারার বাস্প্রারি পরিভাগে করিছে ল।গিল। কিন্তু কি আশ্বর্ধা যে সেই নমুননিক্রান্ত निनिध्यवाह अनमनिकीति जन्म इहेश वृद्ध किल्लाएन रेक्ट्रेंच करिया , नना आमि डीहा ি ভাৰতপদালে হৈ **এরপ বলীভুত হই** ३ ५ त ४ ४९**त एवा स्टेटफ प्यांशवन** कांब्र, बहान कंद्रिक नातिन। ७८३ मञ्दर्शत प्रकार प्रकारकः क्षेत्रीकिथिय दलिया गर्भ कविएक मधर्म কইল। একণে সভ্তর বন্ধুগণের নিকট আয়ার मकत्रन आर्थमा अहे (४, छाहाता यति (कर अहे विन्यानदम् कार्यः कतिर्दे श्रव् इत, छत्व বেন তিনি এডেড ছুলের চির্নিক্তি অপ वामिक्टिक मन स्टेटफ शक्कात्म सूत्र कतिया प्रम : अभिषात्वत विक्षे शार्यमा कति, (यम अकाष्ट्रम नक्त ननम्भन्न महासुन्नद्वत त्रीकाता

শাৰ্থী চিন্নপ্ৰাদি বাৰ্থন সম্ভক্ত ১২৭৩ ২৮ ক্ষেত্ৰন

eranis dirag i Principles parte . Sec

১। মহাশয় ! বু স্তান শিক্ষকদিগের ে উঠে। শুনিলাম, এন

২। শীত কালে ^{দট}ারপতিগণ যে মফখলে কাছারী করিয়া খাটোঁ: 'এটা বড় উত্তম ব'বস্থা। हेश मक्षात्मक का ए क्रानिया कार्राप्तदे य विष्ठात्रभष्ट्रिकाश्यक्षमात्र, अक मात्र केन्द्रनाथक रुष्ट्र काक्ष महरू, और व्यवस्थात सकल्यमवानिशन **प्राप्त श्रकांद्र कर्ल** । लाख कतिश्र शास्त्र । अथमेख मामी बामी दखाई चारमक क्षान व्यक्ता ब्रहिब्राट्ड । श्वानीव्र'/विচারপতিগণ এই অবসরে श्लाक्षण कतिरम[ः] (व त्रश्रीत व्यानकोराम পরিপুরিভ হয়, ভ হার সলে হ নাই। মকবলে मर्था मर्था कार्ग । काश्रावत लाक निर्वारक भाक्त यात्र । कि शक्तिप्रांक अध्यक श्राम (मर्भद्र <u>জীবৃদ্দিসংখনপা ' উপেক্ষমান দেখা যায়।</u> খাহারা এই) চারপ তলবের প্রবর্তনায় যে व्याप्तकांकुष्ठ कारकात लाक राजन अक्या गारग ७थन व्यामाञ्च अन व्यामारक हः मह याखना कितिहा बना वा ेड भारत । এই तभ मर छैरासमा नकः इत्न द्र' बंदा (व विठात्रशिक मक्यान বহিগত হয়ে: ভিনিই প্রকৃতরূপে বশোকালন स्टबन । च्यार[े]मकत्वनजन्दन द्व तात्र स्त्र कार्रा करल निक्तिश्व हम्र न।।

आमार्तित कारहे ज्ञा महसूमात एउ शुष्टि मासि कि कालिकामान योत अहे स्थानीमस्या भड़िन विक । विति स्थानिक दिनकी कु नित्रस्थात कथा नकरमहे विस्ता शास्त्रम । स्थिनाम, स्थित मक्यरन स्थानिका स्थाहिकका कार्यात ং*(জন এ: ক ভ ফু[™]বুর বাহিছ

शांद्रमः किन्त वामकविन...४ बिर्मिट्टे शुखकनकन ज्याशिक कि অসুযোদ্য করেন নাই। ডিনি বলেন व जाप्र मिक्र निष्ठ जारह, फारा किहू कतिरम वर्षमान अवश्राप्त अ शहराहर २ বার সম্ভাবনা অভি অল্প আছে। ডিনি প্রদর্শন করিয়াছেন, ভাষা যে সংগ कायदा ७ चीकात कत्रिः किन्न उँ। हार প্রায় অন্তর্মণ আয়ু বৃদ্ধির আপাডডঃ মে ব্রই নাই। অথ্য এ ক্লটী এক্লপ স্থান যে, ভাহার চতুঃপার্থিক স্থানের অধি छ मृन आवदाशम नाइन, (य डीशामित शनरक अ कुरमद्र क्रिक (क्षंनित निमिष्टे সকল অধ্যর্মের পর অন্তর প্রেরণ मुम्ब स्ट्राम । जाना न नगमन (न विहा फिहि, अ कुरमत काञ्चगन केंग्ड व्यानीत विवय (मारेनात इंचित पुष्ठ --(बड़ शव हादि किता भू मा बड़ा · ভাষাদের অভিভাষকদের জ উচ্চতর শিক্ষা প্টিবার নিমিত্ত ভাহাদের ভাগে । यछित्रा **ভ**ঠে এই বাষান্য লিক্^{ার} সফ্লেই ভা শেষ হট্য়া য়াত্ন ; স্মার এ শিক্ষ कती स्त्र. त्य (वेठात स्वात क করিলাম। এব ^{ৎসর} এ স্*ল*র माहेनद्र शहीक्षं व्र छेशक्षिछ हा कार्या हहेग्राटक वटने कि ख পারে নাই। 🗷 📆 🧿 ও । 🎖 ক্ষার জান্য প্রকৃষ্টিত ইইয়ালি পীড়াবলভঃ ০ ব্লীকাক र्म नाहै। का विशेष वरमद्वत । म रिवानीय । चाउँदा, देश ह हिथा। ব**ক্তের অন্ন**ের[া] বপর[্] প্ৰস্তাৰ করেন ^{, যে} -(बाना इक्षेत्र । त्व. **नमस्य वि**युग

रेश्त्रां जिल्हा · i করিয়াছিলেন ं दिनक कम लाक ্করিবার মানসে . স্তখত করিয়াছি , काशरक समा हह দর দক্তপত বাকি অসুণাস্থত থাকাতে ্ন আৰু একটা সভা

२३ग्र:८५ হার উপকাদি ুরানে

কমাল প্রী**তিভালন হইবেন ভালা মাটে কিছু** দেন গাংখন।

3 X14:41

এবাসিনঃ

-000-

वाक्रम भुतिहा भाषिति मृत्य । योशी इहेरम अवमाहे करे ज भादिता।

্ররাছেন। বৰ্গাকালে ঐ পথে: মঞ্ল। ্ষ্ট হয়, ভাইন বর্নাভীত। বাইনাছী। ! अवादन ('मकत बाहक : ওলিব প্রায় ক্রিক

> ^{জ্ব}ন্দ্ৰ-**দাৰ**েভ \$1.47

^{୨ନ} ଓ ଦ'ଶ ଖନ ^{्भध्र} टानाम्हाइडेड ^{বা:} শক্ষর সেন

'युद्राक्त कविष्ठा मिट्रका ना, **हेश** िंद्वेयोत्र कथा ६४ । १७ छ । या नियम समामञ्जू ^{্ষ্ট}ক ? আনত কালি জীযুক্ত বাৰু কোন কাৰ্যেলপদকে শান্তিপুরে উপস্থিত ও মহ পর প্রধান দেওয়ান। ডিকি ইইডে পারেন নাই। সুভরাং সভাও হয় নাই। াংকে 🖫 নংখন, তাঁহার স্কুলটীর প্রক্রি আমরা সেন মহাশায়াক বিনীতভাবে বলিভেছি, উহিত সময়ে আনু কোর কার থান, ডিনি গেন এ কার্ডর মনোধোলী হন। আমা টেংগ্রপ নিক্ষাভাজন হইবেন, ভেম্মি টিংগের স্থান। এই প্রার্থনা যে, প্রয় পিছা ট্রুবেন করিতে পারিলে ভিনিয়ে পরমেশ্বর সেন্নগ্রাকদীয়ায়ু করিয়া রাণা

'র নান এ কংকালে এবিলুপ্ত রনিল। আনিরা করেকণী জব**লায় জী**য়ু**কে বারু রাম** অনুনত। শঙ্কাব সেন মহাশয়কে এই অপুরোধ করিভোছ, अञ्चर्धारश्चिक भाष्ट्रभागत वानिकाविमानम् করেকটীর প্রাভ যারধান ছইয়া অবলাগণের শিক্ষার নিমিত এক এব ন শিক্ষাত্রী নিযুক্ত ্রেখিলাম, এক বাজিক ধিচক্র একটি ইয়া, এমত উপায়ক । বা দেন। তাহা ইইলে ন ও একটী পাথী লইয়া দোকানে অবলাগণের প্রতি কোন গুনিষ্ট ষ্ট্রীবার সভা ভিকা^{ু রিতে}ছে এবং অনুরোধ বনাধাকে না। বোধ হয় সেনমহাশয় মনো

গলিত। দিতে ছ দিকিত ত্রিগুক্ত বাবু বিজয়ক্ষ গোলামী মহাশ্র ষথাস্থানে পলিতা রাখিয়া সহর । পান্তিপুরে একটা ভাক্তরখানা করিয়াছেন। এই ্এবং অন্তি,বিল্পেই ভোপ ভাজরখানা হওয়াতে লাভিগুরবাসী দীন দিগের কভছর উপকার ২ইডেছে, ভাষা বলিতে 1त शत अहे काम्मोत सक्षक शतिना। माखिशुतनिवामी शक्तक उँ शति वस रक्ष हरेब्राट्ड विक्रांका (क्रिपुति । कीर्रिक किरिएएक्। त्याचन महामग्न यहानि । ते कल कहें एक व्यालाखकः अशास किङ्क्षिम शास्त्रम, पहा कहें स्न वड़

> २৮ कोल्सन 329¢

मृना थालि ।

ি 🍧 ্রিকয়েক দিন। জীয়ুক্ত বাবু রামরাম বন্দেরাপাধ য় বর্জমান ৩৮

- 🐣 फा बेनोइबन कर छेल् हारि 🛪 ١.
- ^শিশবচন্দ্ৰশীল চুচুড়া ১৩
- 🎍 जेबेदीनम पष्ड का मर्रमकावीक ১৩ ৯ বছনথে র'য় রামপুর হাট ٩
- ^ত রামধন শাসনল কাঁথি ১৩
- " অমৃতলাল বহু বছবাঞার 7.

১৩

* इक्षर्यस्य माम्रान

डोको नांधरहळ शिद्धि महाख তারকেশ্র জীযুজ জি, সি, মিজ বছবাজার

দোমপ্রকাশসংক্রান্ত করেকটা বিশেষ নিরম।

অবিদ মূল্য ও ডাক্ষাস্থল না পাইলে वरन भामधकाम (धारन करा यात्र मी।

हेरांत अञ्चिम भूमा वार्षिक ১० क्रीका বাণাসিক eko টাকা, মুদ্রলৈ ভাকম नरमञ्ज्ञार्थिक ३७, बान्यार्शिक १ अवर देव সিক ৩৮ াভিন মাসের স্থানে অগ্রিম এহণ করা বাম না। ছাওি, ব্রাভি চিটি, । অভর, নোট ও ষ্ঠাম্প টিকিট, ইহার অন যাহাতে বাঁহার জ্বেধা হয়, ভিনি সেই 🕏 দারা **মূল্য প্রেরণ** করিবেন।

माहात। ड्राम्पाहिकिक भाठाहरवन, सार ষেন এক অথ্যা আলাধ আলাধ অধিক মূচে ও तमी प्रवृक्तिक है (श्रुत्व ना करत्न।

ৰখন বিনি মঞ্জল হইতে সে:মপ্ৰকাং মূল্য পাঠাইবেন, ভাহা যেন রেঞিট্ররি ক্রি ঞীযুক্ত মারকানাথ বিদ্যাভূষণের নামে পা

व शिक्तिशत भूमा नियात नगत अकीफ की व्यक्तित्व, अक्यामधुटर्स डीश्रमिश्यक वि লিখিয়া জানান ধাইবে, কাল অভিনে 🕬 গেলেও এক বার চিটি লেখা হইছে, ভারার একদাসকাল প্রভীকা করিয়া কাগজ বদ দ वाहेरव । त्यय नारव्रद्र शक्त व्यष्टादिर शार्थ हरेदा ।

মাজনা রেলওছের শোনাপুর ষ্টেসনের তা ষরে চিঠি আইলে স্থানর। শীগ্র পাইব।

व शिक्षा माञ्चल ना मिन्ना भावामि ध्यात्न क त्वन, डीक्सिक्टिशत त्राहे श्रद्धानि अहन क याहित ना।

কেং বোমপ্রকাশে বিজ্ঞাপন দিছে ইন্ করিলে ভাঁহাকে প্রথম ডিন বার প্রতি পংক্তি আনা ভাহার পর 🖊 ১০ আনা দিভে হইবে विनि अधिक कान विकाशन मिवात हेन्द्र। करि বেন, তাঁহার সহিত শতক্র বয়ন্দাবস্ত হইবে।

এই এই পত্র কলিকাভার দক্ষিণ পুর মাতলা রেলওয়ের সোণাপুর ঔেসনের দক্ষি চালড়িপোভায় জীয়ুক্ত ধারকানাথ বিদ্যা ज्यारेनत वामिएड श्रीकरमामशास श्राप्ताकार शकाभिक हम्र

२। अ वरमत्र व्यामानिद्यत्र क ভন অনুষ্ঠাত্র মাইনার ক্লালিণ পরীক্ষায় खीर्न इंदेशी पूर्व वरतरत्रत्र समा हिल्लाक कत्रि रहा शब करहरू वर्तक सर्वक सर्वक गाकना क दलत कार्या खेलम बहुमारक । खेली न ाजभावत बहेशा क्रियुक्त बहुबक्तवादावन बक्रम प्य प्राप्त श्रेष्टी कट्रमार्थ, क्रियुक्त स्त्रमाश्र साहिष्ठि निकाका विভिद्यम् सहम्मास । अपूर्ण वाना विक् तार्थ (शार्थ निवास कारन साहेरबन ।

७। को उंदाव शर्मन्याव श्रष्ठ व्यथितनत्व প্রসূত্র কল্প আলালতের উকীল জীয়ক বার शांसदात्र देवटज्ञात्र अधियुक्तः व वृक्ष्मभ्यम् नत् कार विश्व, वि. अन, अवर धना'ना करप्रक ना छ উপস্থিত ছিলেন, সম্ভার কার্যপ্রধালীদর্শনে कुँ:इर्डान बर्डे व्हेस्र) शियाटक्स ।

>>18 有荷 २३ व संगधन

--- 30

প্রেরিত 🕽

্নারের স্তীযুক্ত নোমপ্রকালসম্পাদক

प्रश्नामंत्र नमीरलयू।

১ : সিউড়ির অনতি দূরে বশপুর নামে এক খানি সাহান। এমি আছে। অধিবানীরা বাধা त्रवकः शक्त नरहे। कृषिकार्वाहे जाहारदः अक माज कीवरमानाय। एक्यूमा अन्यस्य हिन् नियक्त क'रन क्रांटन रवस्य अक अक सन क्रींब की बीटक करलका कुछ नः शांख्यत स्टेट्ड (पर्या লিয়া থাকে, সেইরূপ যবপুরেও এক জন কলু £ इत्राचित्र किंद्व वाशोक क्रियाहिन। काश्राप्त क्रूच प्रम्हेरम जलदिवादत क्रांश्न क्रूच लिक्षे काल यालनी कविषय. ना अपर्वत प्रकृत व्यवस व्यामिका को हो इन नर्सिरास्कृत नायन करिन आ जिम करप्रक कार्कू जनमारं प्रम (ज्वच्छः ६ सन) मनवध व्हेशा खाहात शहर शहरान कड़िया हित । अन्यानि एटर क्यू मधीक निश्चिष किता। शहराहत (मृक्षः याम् , विश्वन बाह्यवाम शूटर्का मण्डित क्षितका पारक ता। वे मिन कन् देववाय आ**ल**न গুংৰার রুক্ত করিট্ডে বিশা্ড **ছই**য়াছিল। अर्थन कत्रिम । श्रृष्ट्रामी जाहारम्ब क्रम्लार्ज काम क्रिक श्रेष्ट्रा केंडिन । क्रथन मक्क्ष्म काशात श्रामारम प्रतिका श्राविमा कतिया विने । छात्रार नरकांत्र करता । छनिनाम प्रशेषि छोला

श्रानराष्ट्र श्रद्धान मा कार्यनात्र कांच व निकारिक जानमा भातिएव दक्षिका खबर्द (क्षेत्रमे क्षेत्रिम, मूजार्थ अक्षे क्लती ह कत्रिम। अक्रक्रिस १।৮

প্রকার রৌশ্যনিন্মিত অলঞ্চাদ্র, ্রেনর रुष्यक रहेता काशास्त्रक काशास्त्र काशीन भूगा পরিত্র হইল না। ভাহারা অংশর একবানি शर्र वार्वन कतिमा एथात बारमक विश्वा तमनी, इटेंक्रे निका नहेवा महान हिना। श्रास्त्र মাত্র ছড়াগ্য বিধবাকেও পুর্ববং আবস্থাপর করিল: ছুরিকা দিয়া ভাছার ভীবন রয় অপহরণ করিল। শিশু ছুইটা উটক: বরে ক্রন্সন করিতে করিতৈ গৃছের বাহিরে আসিল। ভারি কণ্টক হইল দেখিয়া ভাষ্টদেরও শির্পেছণন করিয়া কেলিল ।কিন্ত য উদ্দেশের ভারবা क्रवृत्त क्राइन क्रियाहिन, खाहा निक स्य নাই। শুনিলাম, ভাহারা এগতে কিচুমাত্র পায় नाहै। फबन मञ्चालन निक्तिया याच द्यारन প্রস্থান করে। এই রূপে ৫ জন মহাগাণীর প্রাণহানি হইল, দে গুছের যথাসকীৰ অপজ্ড হইল, অধ্য আমাদের মহামতি শুন্তিরক্ষক त्म ब्राट्ड किছुमाज (हेद नाहेन मा ! देश व्यक् दिन्धप्रकत दिवस माह। कि हमएकात कि শোচনীয় ব্যাপার 🖽 🏢

শুনিলাম মহা ধুম ধামে অপুনভান আরম্ভ ष्ट्रेग्नाहिल । किन्न कोटल किष्ट्र २५ भारे । शद्य थे वनमारम्मरभन्न **मर्था अक क्षम र्थ**िकालरम् মন্পান করিছে গিলা মত্তাহেতু হউক বা व्यवा कांत्र कांत्र शहे इंडेक, व्याञ्च शूर्विक मनस्र वार्शित व्यभन मान्नावनमारक श्रकान करवा ভাষাতে হাতিফালয়বামী কর্তুপক্ষমীপে **पृष्ठ कवित्रो महेग्रा यात्र । त्रशास्त्र (त्र व्य**क्शके श्रुभरत्र मकन कथा ४,७५ करतः। किन्र ७:हात गश्रद्धते किश्वमाङ चीकांत करत नाह । अध्यन ঐবিষয়ের শেষ মীমাংসা হয় মাই। পরে याहा रम्न व्यापनादक कानः हैवाद भागम दहिल।

২। এক জন বৃদ্ধা জীলোক এবটা ৮।৯ বংসর বয়স্থা বালিকার প্রাণ বধ করিয়াছে। গুনিলাম প্রীলোকটা উক্ত বালিকার ধাত্রীশুরূপ ছিল। क्रुखबार (बारतक्षी समावारम फाहाब अवनाशारक विक्रिकाणित शास्त्र अरमकश्चील समावाद हिना। **এই जनकात्रश्री अस्टलान्सा**य वायासहत नरेश याहेश अक रेक्ट्राक्ट्य वालिकाकीत शाव

क्रकटन मेर्गाव व्यव श्रक्षा ७ क्योतादः भ रमात्र व्याचान हरें। 🤻 किन्न २० अ বৃক্তিতে শীক্তাধিকাগ্রন্থক এপ্রদেশের 🕆 शक्र भारते यात्रा निश्चार्ट्य । औ सिन् निरुद्ध क्रिन। प्राप्तक शाकी मक्रमार्ड ''शंप्रेम নামক শিবের পূজা দিজে গিয়া পথে ঘার্টে পড়িয়াছে এরপ শীতে যে বরু মানুর আমরা আরু কথন শুনি নাই।

春台

२। अव्यक्ति अक्षिकल्य व्हेश्राहितः রিব্যাদির জল উচ্ছ্বিড হইয়া মৎস্যাদি केशिक्स वर्षप्राहिन। कारनरक हेश स স্থির করিসাছে।

৩। দেই বৰ্ষাবধি ইঞ্জিনিয়বের৷ হা

করিভেছেন কিন্তু এখনও ভাষার শেষ নাই। বধা ও পুনরাপ্তত, এ দিরো টাকার अ माका किছू भवर्गरमन्त्रे मिरवन ना । आः কেই **সমুদ্য** দিং অব:মরা ক'ত ব্যুম্ হইল, . 484 পার না: আমেব . 1 (.19 **ब्यू मा। (करलघाड्त प्रक्रिशः** বাঁধের অন্তঃন ৮ ১০ পরগণার রক্ষা হর কিছে: व्यवत्रभीत स्थितिहरिशत विक्र हरेएक টাকা আদায় হয়। জেলায় কালেটর সা तिक्र विश्वासह। श्रुतः श्रुतः व्याद्यत्वत कार्र

৪। আমাদের প্রামের দক্ষিণ পার্ট পং বা কতে স্থুবা পুৰ্দেষ এক জন নবাৰের कुछ किन। शाह्र २ वरमत्त्र व्यक्षिक हरें। গবর্ণনেটের রাজ্যজুক্ত হইয়াছে। ত ইহার মিয়াদি বন্দোবস্ত হইপ্লাছিল। য (महे भियान अ**क्षेत्र १**०४ ··· शृहतात्र वर मात्रक स्ट्रेब्राट्स । स्ट्रिय পুটী ক' বাৰু রামাক্ষয় চট্টোপগ া ভার र्देष्ट्राट्य । जामका व्या ই বেল কুৰকদিনের সহিত কু 🥇 ङ रहा।

: দগাটিত

देक अ পर्याच्य जाहात किहूहे सरमामग्र

इत्यक्तां कीत केंद्र

ď'n. । भट्य ५

ত ১ লামা**ক রক্তনীযোগে মও**ু, পাড়েড্ড অভিনয় নোচনীয় ব্যাপার ঘটিয়ালে ডাই থানাধ **অন্তৰ্গত কালাড়া এামে**র ৬ এক নদীতীরে কল্লেক জান বন্তারা গাঁঐ নিম অবস্থিতি করে। **অর্ছ** রাজি এক দল হস্তু উপস্থিত হইয়া ভাষাদিয়ের ৰ করিয়া ধ্বাসক্ষিত্বপ্ৰপূৰ্বণ করিয়া লইয়া অন্য প্ৰাতে একটা ক্ৰী, একটা বৃদ্ধ ও ছুটা ९३ SIE क्ष: नत्र मुख अस्टतः महिक अक्षी दर्शीश व्यार्क मञ्जान ७ अवधि मार्टिक क র শিলু মঞ্লার হাসপাভালে নীভ ছে। শিক্সীর বাঁচিবার সম্ভাবনা আছে। র স্বলেরই কেবল মৃত্তক দেশে আহাত াছে ৷ লে॰ ᠆᠆ ি ায় ইহাদিগকে কাল নিয় ্য়াহিল 🕫 মতুবং অপেৰাশ্যী, শে আঘাতচিই থাকিত। ইহারা যে সকলেই এক পরি

क्षी श्राप्तम मध्य कात्र वर्षत व्यक्षर्गक কপ্রকার অরাক্তক বলিলেও অভুর্নজে া তে শভ শোচনীয় ঘটনা এখানে তাহা লেখনীয়ারা ব্যক্ত করা 5 1 /3

ছিল, অহ প্রভা**লের লক্ষ**ণে তাহ। প্রভীয়

। ब्रुट्टाइड

स्टेट्य । ः

পেট দেখিলেই অক্টেছটেব, প্রায় ছই পুর্বের এখানে আর একটি হতা। হইয়া ।বাদাই হইডেডে। পুলিখে ভাহার

পু निरमञ् কার্যোর উপর কি ধান

बाल की भा कृतिहा बार रचन ও १३८म 🖒 ∵ात **मामा विश्वरय**्र

শ্ব বিব্ৰন্ত ক্ষম। । ग्रा ९ ४३

∌⊊নিশী∄ করা প

এপাত হয় নাই। ার পর্যান্ত একটী নাবের অব্য একজি জেবিদ সাহেব ভার ্ইতে জরিপ আর ায় তিন মাস 🚭 🦠 কোন কার্য্য আরম্ভ ∞র্ভর করিয়া ক্ষুণার্ভ াংকরে।কর্ম আনরস্ত ्ना (नर्म ११८७ व्यक्तिक ্ : আগিতেচে গ কিন্তু হস্তাশ <> \tag{2} দিকে চলিয়া যাইতেছে। এইন্ন 🕟 াীভিত লোক উদর পূর্ব बाना कि न. शादत ? यना शि गवर्ग रमन्त्रे এখন অবধি ইং.র কোন উপায় না করেন, দেখি (वन स अविनास अ शाहन नवावी आमालत ন্যার চোর ও হস্তাতে পরিপুরিত হইবে। আদ্য

हि, यथना जकरन

মণ্ডলা ওরা মার্ক ক্সাচিৎ পাঠক্স্য 72.79

যে শোচনীয় ব্যাপারটা বর্ণনা করা গেল, সেটা

যে ঐপমস্ত ছভিক্রিপীড়িত লোকের মধ্যে

কাহার ছার। নিম্পন্ন হয় নাই, ইহারই বা স্থিরতা

कि ?

মহাশয় ! এস্থান এখনি যেপ্রকার উষ্ণ বোধ इहेशार्ह, विरवहना कत्रि, देवभाच देखके माहार्ड তিহান ভার হইবে। যাঁহার। বছকালপুর্যুত্ত এস্থানে আছেন উছারা কহিতেছেন, যে অন্যানবেংদর এমন সময়ে এখানে দীতের বিলক্ষপ প্রাত্তরিব থ:কে। গভ ২৪ কেব্রুয়ারি বাজি ২০০ টার সময়ে মেঘাক্র হইয়া বিশ্ব বিক্যু রুক্টি হইয়াছিল; ভাছাতে কোন উপকার म्टर्न नारे दहर कटनक **अभकाद स्हेग्राट्ड** ।

সম্প্রতি এ প্রদেশের দোলধাত্রাদর্শন করিয়া काम्ध्यं। विक इहेग्राहि। जन्नावक महानयः। ছ। রাস্তায় রুস্তায় পরিক্রাণের চুহি। দো**লের কোন লক্ষণই দেখিতে পাইলাম না**। কেবল দেখিলাম গভ ২৪ এ বৃহস্পভিবার স্থাত্তি টিক্টল এটিমা গ্ৰণ্মেণ্ট ফাল ড পুনাফ ছেই প্ৰহর ৪ টার সময় ছোলে ছোনে রাশীকৃত কাঠালরণ করিয়া ভাগতে অগি श्रकाचा रहेरम গদান কবিতেছে। পরে Sig nobe nist ফুরাপান করিয়া निल क रहेग्रा এक कारल ख्रिया उद्योग वहेन्न ্লের প্রান্ত কুপার কালং, লোবর, ছাইপ্রভৃতি গাত্রে দিয়া প্রিক की क्षत्र'न कार्यः | किर्मात यात शत नाई हर्गां कि कतिरक्रहा कर ा जागत क्रकाल है लाएकत खीलारकता वाणित बाहित स्ट्रेंटन

जिल्लाम हर्मनात्र अक (भव स्त्र : विर मिरंगद्र माना कावरक्ता भवन्भरत्व वानीरप ছ্যাদিপান করিয়া দিবারাত্তি হোরি হায় राज विश्वा सहानटक ब्राच्छात्र ब्राच्छात्र করিয়া যার প্রনাই অস্ভ্যতা একাশ अरमभीय (काम माना काशत वागिरक क यस्ति शिक्षां विद्या निवासिका क्या स्तिती হইলে ভাহার আর অখ্যাতির শেষ খাং ২৮ এ ফেব্রুয়ারি রবিবার এক 😇 ২ বারা আলক্ষ্,রাপ মৃত্যু **ইরাছে:। সে রাজি** ১ টা পর্য্যন্ত এই হোরি উপনক্ষে সহরে ভাগ দেখিয়া चरत्र शिव्रा नवन कदिवाहिन, शार হইল বাক, সিম্ফুক, সকলি ভাগ এবং : কিছুই নাই, কেবল মৃত দেহমাত্র প রহিয়াছে। হতভাগ্য বেশ্যার স্বিশেষ প্রকার অস্ত্রাঘাত বা কোন প্রকার চিছু দে পাওয়া যায় নাই। লোকমুখে শুনিতে পা ভাৰার কিছুটাকা ছিল ও গহনাও ৪ টাকার ছিল। এখানে প্রায় সর্কান্ট এ ভয়ানক ষ্টনা হইয়াখাকে। কথন কোন চারের রীভিমত দশু ২ইতে দেখি এই ঝাশী গোয়ালিয়ার মহারাজের অধিং এখানে যে এक समार्थार्थ स्वाद्धन, र বিচার দেখিলে হতবুদ্ধি হইতে হয় ৷

কাশীংম:চ

महामग्ना थात्र अस्तरकत अक्रथ न थारक (ब, भवर्गसभे माहास्कुछ दिन्।। (व्यरीप बरड्ड स्ट्रानत) मण्यामक वि গণের সহিত যথোপযুক্ত ভল্ল ব্যবহার ব না এবং প্রাণ্য বেডনের স্বাক্ষর করাইয়া স (चक्रम (मन ना । **३३) (च कक्रमुद्र म**क्रमूलक আমি বলিতে পারি না। জামি এই ' বলিতে পারি বে, আমি গড় ভবানীপুর গ্র সাহায্যকৃত ইংরাজী বিদ্যাল্ট্র দেড় ব প্রধান শিক্ষকের কার্য্য করিয়াছি। ঐ বিদ্যা সম্পাদক জীবুজ্ঞ বাবু সারদাপ্রসন্নায়। कारन जामि डेक थनवारी महान्। डीहात विद्यानरत्त्र कार्या नियुक्त हरे হ্মামার বেভন ৩৫ টাফা নিরূপিত হয় ; ভাহ্তর আচি আপ্রদিনপরেই ঐ মহাত্মা আ शक्ति अवहे श्रेष्ट्री व्यापन क्रमकामश्कारत ४ (वर्डम दुक्ति केत्रिया (मन । अमन कि मर्थाः । **छति अधिराक्ष इहे किन मार**नद (वकन क क्षित्रार्ट्स । क्षित्र मिन भरत्र के किन विश कां जीर्व वामकशिरंशक मरथा अक्षेत्र वामक व्हेन्ना कर्यक्रक रमभीत्र कंशानिकात मुद्रम् चरमभीत नकात्र कारचे कड़ा विश्वत्त अविध লিখেন, ডফ্লেন্সেন একটা বিশেষ্পারি क क्षां अ इस । मुख्यां स्था मार मार्टिया काजिनीहंबेन बंदेण्या भाष्यात्र, बादु जिल्लाश াৰু জগৰজীটালৈ খোৰ, পতিত মহেশচক্ত হ. পাওত মধুসুন্ন বাচন্দ্রভিত্তি বিদ্যাসুবাগী মহোদয় উপস্থিত ফটয়া-ম। কিন্তু ভারেনপের হিন্তুর এই যে विভাগের কর্তৃপকীয়ুগণ (इनरायाहेड র্টারপ্রভৃতি) এ বিবয়ে উদাসীন নে করিয়া উপস্থিত হন নাই। পারিভো-দানের প্রশ্বভাপতি মহাশ্র দেশীয় শিক্ষা করিবার আবিশ্যক্তা ও ভাগার ।हेदियस अक दूरीय व्यक्ति करवन এই विल्डालरप्रत १०४म: 🕮 वृष्ट्र समा বৃত্রকু!ল কুরেন। বেলা আরেও টার স্কাতিই হয়। ঃজ্ঞার বিদ√লের)

N:5 15 45

र्यंक मिन तक इहेन कांद्र 5वर्षंद प्रवर्ष ।ল মংগদয়ের পত্নী 🕮 মতী লেডী মেয় বীপুর বালিকাবিদ্যালয় দশনার্থ আলেমন াছেলেন : বিদর্গলয়ের সেক্রেটরী ও মেরর পুর্মে আগম্মসংবাদ পাইয়াছিলেন াং উ'! হারা আনভার্যনার ক্রাটি করেন নাই ' পথ হটুডে অস্বয়েনগুছের আবিপ্র/জ্ঞ बनाज मिन्ना व्यावृक्त कहा इन्न अवर केन्द्र পুজ্প রুক্ষে ক্লুনোভিড হওয়াডে গৌন্দ পরিসীমাছিল না। ঐ দিবস বেলং দশ कात ममग्र विकासित्यत सिक्ट इंडेटड विक्रि র থানা পর্যান্ত রাজ্ঞমার্গের উভয় পার্বের ষা পরিক্ত করাইয়া বেলাছই এইর ঘটিকার সময় অংবধি লোক জড় এইভে क क्रेक्का क्रम्मः लाकात्रना प्रदेश किर्छ। क कि. करवक कान गांचकान अक्षानक श्रद्धी র কলরৰ খামটেয়া রাধেন। ভংপরে লপুরের 🛍 যুক্ত মাজি টেট সাহেব 🤕 নে মেৰ্বসমূহ উপ্নীত হইয়া লেডী র আহাপমন ग कहि**एक लाजिएनन**। রেক্ষণেই জীধুক্ত ধ্রেবণেও সি, ই, ডি,বর্গ ৰ মহোদয় উপস্থিত হ্ৰাপাৰে বেলা বাৰ্ছ বিটিকার সময় লেডী মেধ্যে প্রসক্ষিতা

ব্দীয়া ক্ষেত্ৰক চতুন্ধসংযোজি ছিড়া হন। উব্বিধ্ শ্ৰীমুক্ত লভ বিলগ সঃ ভাগনী ড

मिन मिन्सन जानिताहित्सम अवर फ. करप्रक सम विवि ज्यारनम । (मधी (मर्थ) विकश नरम्म वालिकाशर्यम् वाकःमा अवर हेरशकि भार्क अवन कतिया वर्भट्यामास्य मस्ट १६४। शियारहर : फिनि मुक्तकर्छ व।क्क कतिरमन या, ''বালিকাগণা ভোষরা আমার অকঃকর্ণ যদ্রপ আর্থরণ করিলে, ইছাতে আংমি ভোমা मिशरक कमाइ वि**ण्युष्ठ रहेव मा अवर** .एड मा দিগতে এটমাত্র বলি, বেন আমি পুনর্কার পাসিয়া অপেকাকুত সজেবসাগ্রে নিম্ম হই ভোমর কবাধে পরিপ্রম করিয়া সকল বিবয় भिचित्त थाक । याज्ञाकारम इंदिन विकरे. এখম প্রেণীর বালিকাগণ পালে এক একটা পুলোর ডে:ড়া হল্ডে করিয়া প্রেণীপূর্কক ल्ख' हम'न हरेला शह्त (लड़ी महत्रा यसन वंश র্মভ হল, তৎসময়ে বালিকাগণ ক্ষেব্যু উটোর হত্তে পুষ্প ভোড়া দিয়া সংবক্ষমা कविन। (मछी (यद्या वानिकामिरभव मिक्टी দন্মান প্ৰাপ্ত হুইয়া যে কত ছুব আহ্বাহিত হই লেন, ভাৰা উচ্চার ভাৰ ভল্লীতে অনেকেই क्षप्रक्रम कतिष्ठारङ्गा भट्ट फिनि श्रद्धाः করিলে প্রায় এক ঘন্টার পর রাজমার্গের লোক সমূহ ক্রমণ: নিঃখেষ ফইল এবং মেশ্রগণও : খ খ খাৰে প্ৰশ্বান করিলেন :

倉:---

শিকাবিভাগ:

উপরিলিখিত শীর্ষকের সহিত গত ৪ সং

আমুরারির সোমপ্রকাশে একটা জুদীঘ প্রস্তাব

একাশিত হইণাছিল, উহাতে অগন্তন লিক্ষনদিগের সমরিক বেভনরজ্ঞানিব নিরম না ১৪

রাতে যেরপ শিক্ষকদিগের সাধারণো অসম্ভোগ

মমংক্ষোত ও উদ্যোত্তকপ্রভৃতি জ্ঞারাছে, ভ্রি

বয় সবিস্তার ববিত ছিল। শিক্ষকদিগের জনা
সামপ্রকাশের সেইস্কশ বিলাপপ্রবাধ আত্র

চিত্ত হইয়াই হউক, অথবা কাক্ডালীয় মাায়েই

ইউক, উহার মালৈক্কালপরেই গ্রেগ্রেক জিব্রের ব্রিরার জন্য হস্তক্ষেপ

করিয়াছেন এবং ভিরেক্টর রাজ্ব বিরেচনা ও

ক্রের্কার নিম্নিত করেক জন্ম ইন্সেপ্টরকে

., , সুভরাং শিক্ষ্ হতাশ হইয়াই মিশ্চিত্ত ১ আশাকরা বয়েং ভারা স (शादक्ष कहे रंग्न, शवर्रम हे इक्षरक्षण कड़िया भिक्कारिश আশালভাকে পুনর্কার উচ্চীবি (চন : জন্ত এ কাবে ভাকা भ म ना रहेगा जयन रहा, शदनर६ कत्रा निष्ठां च कर्खतः। यमि छाना मा करतन श्रुवर्कात अधिकारिक कार्यमानव न। : উচি ভ। কারণ ভাষা করিয়া গরীব 🗐 গের আশাউল্লিক্ত করার এবং ভাগ कविशा ভाशक्तितरक व्यनर्थक क्रिन (अश | नेटबट हैत कि माफ & कि क्रूप जाएह ? क अञ्चरान इंटेंप्डर्ड, अदादा निक्कतिशद शुक्त वादवर महाय ज्याद निवास क्हेर्ड ना , किन्न हिला स्ट्रेट्डिंड (व, अर्थे किया करनार्थ नियुक्त कमिन्नीर (भवत योगात! यो महेम्राट्रान. डॉशिमिटशत य'वा कार्यः कृति कि मा? कांत्र फाँशांत्री नकत्म दे देख গ্রেছের অক্তর্ম্ভ । যেমন অংপনার উপ थाकित्न ग्रांग । अफ़िथित क्या वृताद्ध ৰায় ন', সেইরপ গ্রেডের **34**3 ব্যক্তির ভদনতর্শতগণের প্রয়োজন ও (कांक नम्क ও श्रृकक्ता चनग्रक्रम व भाविएक भाविष्यम मा, हेशहे व्यामाकत উনিত হর। " কাত্মবৎ সর্বাস্কৃতের বঃ প স্পব্ডিড: ৯ এরপ লোক নাই এমন নয় অভি বিবলঃ অভএব আমাদের বিয়ে (এটের অন্তর্ভী ২ ৷ ৪ জন বুলিমান বিদ্য বাজালী শিক্ষককেও কমিলীর মেখুর लहे (त छाल हरेड याहा बड़ेक, अक्ट টার মেশ্ব মত্থাদর দিগের উপর শিক্ষক অধবা শিক্ষাকাটোর ভাষী ক্রাইড निर्देश के बिर्देश के के बिर्देश के किया है कि जो জোণীবিভাগ ও কিরুপ বেডনর্ভিড়ি স্থির: शवर्गमाने विकाशमी अनाम कहिरदम, नार्थ नकरल छेश्क्रकनद्दन श्रेष्ठीका

গৃত ২০ এফালগুনের এড়ুকেয়ন গে এক স্থানে নিয়নিখিডরূপ প্রেনীবিং একটী প্রস্থাৰ প্রকাশিত চইয়াছে ৷ যথ:

त**्रिक्षाट्य**न

শিক্ষাবিভাগের ধাৰ্ লক্তি হই पत्र **महाभटत्र**त्रा যত সূত্র পরিমাণে

उर्वे मान्यास राज्य । मध्यम, अवर्गस्थले छाहाहे बास कतिरवन अवर जाहाराज्ये मण्डे स्ट्रेयन । किन्छ माधातरनत व्यमरकाष अथनक स्वमन कार्ट् ভখনও ভেমনি রতিয়া বাইবেঃ স্থভরাং আঞ র্বণী শক্তির অভাবে শিকাবিভাগের এখনও त्य प्रक्रिया अभिग्राहरू, ख्थन**७ छाहाई यासि**द्व ভাহার সন্দেহ নাই। উক্ত সম্পাদকই ভিন্ন ভিন্ন জেলীর সংখ্যা অলুকরিয়া রুভির হার অংধিক कतिरत भाषावर्वत मरकाव स्टेरव विनम्ना व কথা লিখিয়াভেন, ভাছাও ক্রচিকর হট ভেছে না। কারণ এই কথার অবর্থ আহাপা ভভঃ এই বোদ হয়, চুনা পুটী পৰ্যক্ত সক লকে লইয়া শ্রেণিবিভাগ করিভে গেলেই অনেক প্রেণী হইবে। অভেএব ভাহা না করিয়া আেশীক মকর ; অর্থাৎ বাঁহারা অধিক বেতন পান উ:হাদিগকে লইরাই আনী কর; রজিব হার বেশীকরিয়া দেওঃ এরপ হইলে উচ্চত্রেণীস্থদিগের বেতনর্ছি হওয়ার পর व्यवस्थानित श्रिक्ष विश्व विश्व स्था 🗢 स्थः 🖘 😎 অন্মিয়াছে ভদধস্তনদিগেরও কি ভাচাই চইবে না ? অভএব আমাদের বিবেচনায় '' কারু ছুধে চিনি, কারু শাকে বালি * হওয়া উচিত নছে। भटनत (योगाणां **७ श्रास्त्रीतृ**णा प्रस्नाद गर्ताकरमारे किছू किছू वृद्धित नित्रथ थाका छेडिछ. গ্ৰথমেন্টের আফিস সকলেও ঐরপ নিয়মই र्रेवाट्ड ।

329¢

यह'न प्र ! अ अरहरन व्यवाद्विधयुक्त भनामि । दिवात कश्रदान कान्नसार्यका, खाश मण्ड विरामयद्भाण मा स्वसार्य स्वतु मामळी व्यक्तिमञ्ज मनायां क्रेब्राटक अवर क्रेट्फटक । २० । २० । ७० विन, डीक्फिटबब्र व्यक्ष व्यक्त होका (वर्ष्टमरकाशीमिरभव करहेद अक (अव वाहेरव ना रुरेएएड : এখানকার ছেপুরী ক্ষিস্মর এবং একজিকউটিব ইজিনিয়ার আশিষ্কের কেরাণীরা করিলে ভাঁহাকে প্রথম ভিন বার প্রতি শংখি পীড়াডে 更多年来中 स्वेद्य। मञ्जू श्रवर्वद्यान्त्रेतं निक्षे अक् चार्यसम পর ধেরণ করিয়াছিলেন। ছর্ভগ্রেশভঃ প্রায় মাসাধককলে অভীত চইল, আল্যাপি ভাচার कान श्रकात प्रश्वास शांख इहेटसम ना

.११३ कन (अष्ट्रांस विस्त्रका वृष्टि । असिता वर्षण स्हेब्राहरू।

Œ,

3399 ₁

७ हा रेहड़) ঝানি

🍅 दा रेडख

র মূল বেডনের আছেকর জর নিয়মের ইংাদিগেরও মূল বেডনের অর্থেকের दृष्टि ११८७८६ ना। ७८व श्रष्टावरमध्य · ७ ১৫ • हे:क। (४७वक्षुकविरुधय शर्ष रहेरव अधिमा डैंग्गामित समा विस्थ न। (यदश्रू डीशांत्र क्रष्ठ श्रास्त्रासुः •• ७ ५६ • होका (जाती किर्तात (यक्कन 1 **44(4** / *, b*, b*, 5**, 61% বেশুন্ড দিলেরও সেইরুপ কলাক **व्यक्तक राष्ट्रि विस्तिय (सम्रम**िककू क.द्राष्ट्रः) वीकारण्य वाक्षरभव अवश्वमः क्षेत्राव , फाँशास्त्र मकत्वत स्रमाई विद्याप

হার অর্থ এই বে, যাহাদের আপাভড:

होका (वजन जाहरू, कार्गाहरू वार्षिक २°

হিদাবে কৃতি হইয়া ৫ ৰংদরে ৫০০ টাকা

, বাঁহাদের ৩০০ আছে উচ্চাদের ঐক্তেণ

ারি শিখিত প্রস্থাবদী অসম্ভ ক্ইয়াছে

ইভেছে না। কারণ উচ্চতেরণী স্থ দিলের

। (वजनहें हेशास्त्रव्यक्तिक **क्र**ा

এবা টিক্লিড ছই স্থলভিয় সর্বাহলেই

श्हेरव हेन्डामि।

। সংবাদপত্রের সম্পালক নিভাস্থ সূত্র वृष्टित कार्त कार्ता का अक शवर्गामा है मवाहा स्टेटन वांगकी (य मका कब्रि

1 4 **6** 45 1

मृताथावि ।

বাৰু শ্ৰেম্চ াদ রায় দানাপুর

- ^ত আনক্ষতে মুখোপাধ্যায় অঞ্
- উদ্পেচক্স দন্ত করিদপুর
 - হারকানাথ হোৰ গোৰিন্দগৰ
 - প্ৰসন্নাথ সাহা
 - ° लेमानहत्त्र बटमहाशाक्षाः গো†বন্দপুর

সোমপ্রকাশসংক্রান্ত করেকট विटमेश निवस्

অবিষ মূল্য ও ডাকমাস্থল না পাইটে परम (मामधकान (ध्रतन करा साम्रामा ।

ইহার অঞ্জিম মূল্য বার্ধিক ১০ টাকা বাণ্যাসিক ৫॥∙ টাকা⇒ মফখলে ভাব गरमञ्ज्ञ वर्धिक ১७, सान्। त्रिक १ अवर বিক ৩৮**া ভিন মাদের সুং**ৰে অঞিম গ্রহণ করা যায় না। ছণ্ডি, বরাভি চিটি, অডর, নোট ও স্তাম্প টিকিট, ইছার আ ৰাহাতে বাঁহার ফুবিধা হয়, ভিনি সেই ধারা মূল্য প্রেরণ করিবেন।

में हाता हो ल्ला हिन्दि लाठी है दिन. प ষেন এক অংথবা আনাধ আমানার আংধিক : उत्तरीरमन हिकिने (धन्न ना करना

यथन विनि सक्ष्यम स्हैएक लामश्र भूनः भाठाहेरवन, छाहा स्वन (त्रसिक्टेंद्रि र अप्रक्रमात्रकानाथ विन्दाकृष्टनत्र नाटम न देवा (स्मा

योशिक्तित्रत्र यूमा निवात मयद्र कडीफ ভাসিবে, একমাসপু*ৰ্মে* **डीहामिश**्क নিখিয়া জানান বাইবে, কাল অভীত গেলেও এক বার চিটি লেখা হইবে, ভাছা একমাসকাল প্রভীকা করিয়া কাগজ বন্ধ ৰাইৰে। শেষ বারের পত্র বেয়ারিং . প रहेरव ।

যাভলা রেল⊕রের সোণাপুর টেসনের ৰরে চিটি আইলে আমবা শীত্র পাইব।

ৰী হাল্লা মাক্তল না দিল্লা পঞ্জাদি প্ৰেৰণ

কেং নোৰপ্ৰকাৰে বিজ্ঞাপন দিতে ই भावा छाहात भद्र 🖊 ३० भावा मिटक वहेर विति अधिक कान विकाशन दिवान इन्हा क (बन, नाहात महिन्छ चन्छ बरमावन्त स्हेर

উঠি এই শত্র কলিকাদার দক্ষিণ গু মাজন। ছেল-ওয়ের সোণাপুর ষ্টেসনের দ্যি চালভিলোভার এণুক্ত ধারকানাধ বিচ **७वटनक वाजिद्ध अफिटमायवाउँ आफ**रका वक्रिके इर ।